





## भारक विकास

## कार्थाट

এরদেশস্থান্ত কোষাশেষশান্ত সকলিতাকারাদিবর্ণ ক্রমবিন্যন্ত শাদ ভল্লিস্থ নানাথ পর্য্যায় পুনাণ পুষোগ ধাতু তদনুবদ্ধাভিধেয় সহিত ভক্তম প্রাক্তিত বেদ বেদাস্থ প্রাণেতিহাস জ্যোতি স্তন্ত্রাখ্যান কার্যালিস্থার ছনদঃ পুভ্তি নাম লক্ষণোদাহরণ দুব্যন্তণ রোগনিদানৌষধ মৃত্যুক্তব্যবস্থাদি সংযুক্ত সর্বদর্শন

মতানুসারি সংস্কৃতাভিধানগুড়ঃ

ভৰ

## চতুৰ্থ কাণ্ডঃ

রাজ জীরাধাকান্ত বাহাদুরেণ বিরচিত:

১৭৬০ ষষ্ট্যধিক সপ্তরশশত শকাদে কলিকাতাথ্য নগরে শ্রীপ্রাণকৃষ্ণনাগেন মুদ্রান্ধিতঃ

जिनाः। मह वाजान ह्यू विश्वन हिंदि ने विश्वनः भविभी यह ह्यू विश्वनः। व्यान्तः। व्यान्त

कि नक्व । इज्यादः ॥ श्रः।

कि नक्व । इज्यादः ॥ श्रः।

कि नक्व । इज्यादे ॥ द्वानिः। यथा

द्वानिनामानि ह क्व । क्व कि नक्षः

हनाम ह। इजि क्व । विख्य । ।

किः भू भूका हार्य । इजि मिति ॥ ।

कि । इजि नि सद्दावनी ॥

পঞ্জণে পচেৎ। তজ্ঞক পুসূত্র ক্ষোঞ্চ॰ বিশদ• গুণ বন্মত•॥ ভক্ত• বহ্নিকর• পথ্য• তর্পণ• রোচন• লঘু। অধৌত মস্ত শীত গুৰ্ব-ৰুচ্য° কদপুদ॰॥ ইতি ভাবপুকা-শ:।। #।। হরযেনিবেদিতান্নস্য নি-छं । जकरा क्ल यथा। य विश्रा হুরযে দজ্ব। নিত্য মন্নঞ্চ ভুঞ্জতে । উছিষ্ট ভোজনাত্তেষা হরে দাস্য वालमदः ॥ 🕸 ॥ इद्राय व्यक्तु । छ-फक्रा (नार्या यथा। न मञ्जा इत्राय ভক্ত্যা ভূঞ্জতে চেন্ডমাদপি। পূরীব मम्भः वस्त्र जनः भृत नमः ভবেৎ ।। 🗱 ।। मृपुष्फषात्रञ्कक रेनरवम्ऽ ভোজনোৎসুক:। আনান্ন• হর্যে দত্ত্বা পাক ক্রা চ খাদতি॥ 🛊 ॥ ञन्नमानकनः यथा। ञन्नकः नर्बजी-বিভ্যঃ পুণ্যার্থ দাতু মর্হতি । দত্ত্বা বিশিষ্ট জীবিভ্যো বিশিষ্ট• ফল না-পুণাৎ ॥ অর্ভো দত্ত্বা মানুষেভ্যে লভতে ২প্টগুণ ফল•। ততো বি-শিষ্ট শূদেভা দত্ত্বা তদ্দিগুণ ফল ॥ म्लुानः रिमार्जािख्य उउमार्थ গুণ ফল । দত্ত্বার ক্রিয়েভেগ-शि रेवमाना विख्न खरवट्।। क প্রিয়াণা• শঠগুণ• বিপ্রেড্যা **ংম**• अमाय ह। विज्ञानाक भंजल्य भी-

জ্ঞত্তে ব্ৰাহ্মণে ফল•।। শান্তজ্ঞানা• শতগুণ ভক্তে বিপ্নে লভেজুর•। সচাম হরযে দত্তা ভুষ্কে ভক্ত্যা চ সাদর•া৷ বিষ্ণবে ভক্ত বিপ্রায় দত্ত্বা माजुक्त यटकन । उटकन नजरउ ্ৰ- ভক্ত ব্ৰাহ্মণভোজনে ৷৷ ভক্তে তু 😵 হরিস্থপ্তো হরে তুপ্তে চ দেবতাঃ ৷ ভবন্তি সিক্তাঃ শাখাক্ষ যথা মূল নিবেচনাৎ।। ইতি বুন্ধবৈবর্ত্তে একৃ क्रज्ञाथाए २) व्यथायः ॥ 🛊 ॥ ७७) अस्तिमारा भाभाग्यदः जकराराः 🕶 यथा। এकामनात मागठायाः भा-व्यक्ति। जगवयः। इाउदा समसा-भुः। ভवठा भाभभूक्ष ॥ व्यमभा **ण्रि** । जिश्वेष जववः भाभभूकवः। न इनिष्ठाि नमूर्खि तियानकारणी তিথি:।। ভদ্মাদশ ন ভোক্তব্য ক-দাচিদপি সত্তমৈঃ। আত্মনো হিত भिवृष्टिः नः शुर्थ हतिवामति॥ मः-সারে যানি পাপানি তান্যেবৈকাদ भी দিনে। জননাশ্রিত্য ভিষ্ঠন্তি পু· ७तीत्कक्षणङ्ख्या ॥ अर्बजा गर्ब-পাপানি নরকালিফ্তি ভবেৎ। ন ি 🕝 উবেমুণা• লুঞ্জতা• ছরিবাস-রে II মর্ত্যা ভক্তানি বাবপ্তি ভূঞ্**তে** পরিবাসরে। পুতিভঁকে বুন্ধহত্যা अभिन भा*जक वा*ख्या गर्यभाः। পাশ্রণ ভক্ত ত্যক্তব্য হল্পিবাসরে ৷ শোহান্দে ভূঞ্জতে রাপি তে জেয়াঃ পাপিনা বরাঃ ম ইচ্নি পারে র্কিয়া (यागनात्त्र २) व्यथ्रायः ॥ 🛊 ॥ वर्छ-नीयामः यथा। नाम्राट मृत्ना वि-(शुरुष• भाराष्ट्रा यि वान५% र न भूम (यानि॰ वुक्ठि यस कुष्ट्र क ना शिर ॥ यभागान्या विका कृत्य क् **দুস্যাম• বিগর্হিত•। জীবমে**র ভারহ-म्द्राम् अः चाहा जिह्नायरः ।। वा ण का जिय विभाग म मुना ह गुरी श ताः। यम् तास्त्राम् तर्म मृत्य अपना नि मान्यूयार ॥ बाबाव गर्नकाम्य তক্ষে। १म कककातिनः। গুণাম গ निकामकः य आमरिकव वड्डायर ।। छ-কোপদীবি রজক তম্বর গুলিনাণ তথা। গান্ধর্ব লোহকারামণ সূত্রন मः विवर्क्काय्या अनान हिळक्यों मः বাৰ্ছ যে: পতিত্ৰস্চ পৌনৰ্ভব ছা-ত্রিকয়ে। রভিশন্তন্য চৈব হি।। সু কার শৈল্য ব্যাধিতস্যাভূরস্য হ। विकिट् नकन्। दिवामः शुः म्ह ना। पा ভিক্ষ্য চ।। তেন নাতিক্লা রছ (एव**र्व)** निम्हकम् । (मानिकविन শ্চান্ন• শ্বপাকস্য বিশেষতঃ 🛚 তা-र्याजिलमारिकामः यनारकारमञ्ज र्गात । उटमहमा कर्षामा लेखा स्वाहिष्टरणिहिनः ॥ जलहुत्रक स-सामः मञ्जाकीतम् हिन हिन हिन महास्वामिन हिन मर्डाम्चम् हिन प्रशिक्ति हिन महिन हिन स्वाम प्रशिक्ति है। जीजम् किन्द्रम् श्रामक हिन्द्र हिन हिन्द्रम् श्रामक स्वाम हिन्द्रम् हिन स्वाम स्वाम हिन्द्रम् हिन स्वाम स्वाम स्वाम स्वाम स्वाम हिन्द्रम् हिन स्वाम स

ারিবিভার মেব দ ॥ পুর क्टिनः विल्लाचन छरेपव मिषियूनरङः ৷ অবজা চ্চাবধুত সরোষ বিমা-াণ্ড ৷ গুৱাবপি ন ভোক্তব্য ম-ম' সংকারবর্জিত।।। নুষ্ঠ হৈ ম-भिष्ठामा अर्थनस्य समृष्ठिक । त्या यम्। জেন হালে**ত স** তন্যাশ্মাতি কি**ল্**ষণ । ।। আভীর: স্বন্ত্রঞ্গোগা-ला मान नाभिछो। এতে मूर्म्यू (अञ्चादा यम्हाञ्चान• नित्वस्दद् ॥ भारती वस्तु मस्यकातः एक्जकंर्यक व व छ। अञ्जलहरू (डाङ्गाम स्कृ मझ १०० ब्रिशः ॥ इंडि क्लार्यः छेनः ति हारम ५७ जनतावः॥ इकः वि ७९ भन्नः। इंछि (इमहन्मुः া অৰু খ্ৰিভগব্ভক লক্ষণানি।

नियभूताल । तुङ कर्म ६० । अत्र ভোগ बचारि न रचि । रेगत इलि চ ক্ফস্য ভক্তা: সম্ভি তথা তথা ।। শ্ৰীভাগৰতে একাদশ স্বন্ধে। উত্ত-न ভক्তा यथा। क्वाचाक्वाचाण व 'रैव मा॰ यावान् यक्ताम्य याम्मः। ভন্নস্ত্যদেন ভাবেন তেমে ভক্ততম্ব भणाः ॥ भशुम ज्ङा यथा। ঈ श्रत्र তদধীনে বা বালিশেষু দ্বিৰ সূচ। পেন নৈত্রী ক্পোপেক্ষা যঃ করো-তি স মধ্যম:।। প্ৰাকৃত ভক্তো यथा । व्यक्षाया स्मय इत्राय भूजा॰ यः भू-षायश्खा न उद्धाः कृ हात्। मू म ভক্তঃ পুক্তঃ মৃতঃ॥ ইতি ঞ্ৰিছব্লি-ভক্তিবিদান:।। 🗱।। অপিচ। ভ-काना॰ वक्रा॰ दु र छकानुगुर का-ज्र । (ययाः म्यर्भन अन्मर्भाट अम् গুতো নরাধ্যথা হরি ভক্তিবিহীনা-क महारसात ज्युजाः। त्र भूम. मा त्रञा थ्र्डाः मठा क माधुनिमत्काः । भूनिष्ठ अर्घछीर्थानि (ययाः ज्ञाना-शिक्नाट । शिकाक भारत्वमा म्**ठा भा**रमारका मशी ॥ (य्या • म-দ্দর্শন• স্পর্শ•দেবা বাঞ্চন্ত ভারতে। नर्रियाः भवस्या नार्छ। विक्यानाः ।मागनः।। नश्यावानि जीर्थानि न (मवा म् हिर्नान्याः । 🗂 ह्याक्ताः

লেন বিফুভকঃ ক্ষণাদহো।। সৌভি क्वाह। यहानकी वहः भुद्रा नकी-কান্তক সমিজ:। নিগ্চ জৰু॰ কথি। क् म्वि (मुर्क्षाभवकत्म ॥ श्रीनाद्राय-ণ উবাচ। ভক্তানাং লক্ষণ লক্ষি গৃচ• শু.তি পুরাণবোঃ॥ পুণ্য স্বৰূপণ शाभग्न• **भूथम• ভ**ক্তি মুক্তিम•॥ मा-রভূত॰ গোপনীয় ন বক্তব্য খলে यू ह। अक्वजु विक्नात्वा यम् कर्त श्रुविभाऽकि ॥ विमान्न विम विमान्ता **ख** भविब वरिष्ठ हि । भूक्यागाः, শত॰ भृद्धं भृज॰ जब्बस भावणः ।। चर्गञ्च नद्रकञ्च वा मूक्ति नाद्यां जि छ८ क्रनाट। रेयः रेकन्ठिष्व वा इ.स লব্ধ যেষু চ জন্তুমু ৷৷ জীবনাকু ভান্তে চ পূতা যান্তি কালে হরেঃ পদ•। মক্ত-ক্তি যুক্তো মৎপূজা নিযুক্তো মুদুণা বি-जः॥ महुन न्नाचनीय्क मिविक्रेक्ट्म-স্তত । সগদ্ধ সাশু, নেত্ৰ: ৰাজ্মবি শুক্ত এব চা। ন বাঞ্জি স্থ মুজি जात्नाकप्राप्ति ठज्क्षेय । तुत्राद्ध मनतः षु वा उद्याका मम स्मवता। इन्द्रव्य मन्द्रक (हरदक्ष मूम्बंड॰। यर्गता-জ্যাদি ভোগঞ্চ স্বপ্নেচ নহি বাঞ্তি ॥ दुक्षा छानि विनम्मुडि (स्वा युक्ता-দয তথা। কল্যাণ ভক্তি যুক্তশ্চ ন জ্ঞক্তো ন পুণশ্যকি।। ভুনম্ভি ভার- 🖟

उ उड़ा बहा बहा मृहूळ । रिक्रि याष्टि मही • भूषा नव जीर्थ ममा ৰায়ণ।। ইতি বুন্ধবৈবৰ্ত্তে পুকৃতিখনে ৫ অধ্যায়ঃ।।ঞ্চা। অপিচ। রভিঃ কৃষ कथायाक यम्। नुभूवत्काम्भः व নে। নিমগ্ন- যসৈত্র স ভক্তঃ কঞ্জিতো। वूरिशा भू मनाता दिक कर्न कामारिक 🗐 হরে র পি । আত্মনা এনসা বালা স ভক্তঃ কথিতো বুধৈঃ 🖰 দলশন্তি 🔏 : **র**ভূতে**যু সর্ব**ণ ক্**ঞ্ময**ণ গণং । যুে জানাতি নহাজ্ঞানী স ভক্ষেত্ৰ বিশী-ংলাভণ• ॥ ইতি বৃদ্ধবৈবত্তে আকৃষ क्रमाथ(७) व्यथ्रायः । क्रमा वाग्रह জ্জা যথা। মজ্জা শৈব নিঃশ্র कर्यानम् लंकात्रकाः । 💀 🕾 🦇 🖘 ভক্তানা• স•হারে নিত্য দেহিলা• 🥫 ভক্তা নমানুগা নিত্যু সংখ্যাদী তৎপরাঃ। অহ তক্তারিকে নিত্র তেষাণ রক্ষণ হেতবে ৮ সংগ্র স্প্রান্তি वुकाए भूजविष्ठ भूनः भूनः । सद्य-ভক্তাঃ পুণশ্যন্তি নিঃলাল কেন্দ্ৰ নিরাল পদঃ 🗓 ইতি তাঁত্ৰৰ ৩ প্ৰাৰ্থ নাগৰ হরিভক নাহাম্য হ । বিভান হরিভাজনেং ্ভারে ভার্ত 📬 🕬 (यथाः भारतु प्रक्रमः, जम्रः भुजः वमुदाता । (७४।६ 🗠 । तिङ्गा रह हो -र्बः उद्भारतिर्वेषः । उदाक्षः

্মারেণ তীর্থপাস পুণল্যতি॥ আ विक्रमाध्य जमानाशाख्या गृहिष्टे त्सारमारः। सर्मनारः म्यामनाहित ব্ৰস্ত লাপাৎ পুমুচ্যতে॥ ভূমণে স 🧢 🗷 নাে যৎ পুণ্যং স্নানতাে ভবেৎ क्षिकाममा विश्वमा उद्भूगाः, मर्मः ্লাঃ ভ**ং ॥ ইতি তত্তি**ব ২**১ অধ্**যা स्।। ত্রিবিধ ভক্ত লক্ষণ যথা । ভ ङाना॰ बिविधानाक वक्र न मु-্বতা ভিতি। ত্ণশ্বগ্রারতো ভক্তো **्रभः** ए खा कीर्खिषु ॥ मत्ना नित्वणः ए ट्रिक्त अ•मात पूथ कात्रण•। का 🗇 🚉 । बर्शहाँख मालाकप्राप्ति চ-जुद्देगः ॥ रेनव निकान मुक्किक मूरा 🖅 ् जीश्चिष्ठः। ष्रायुख्यं मूर्णनाः ব্লুঞ্জরেডজি ভাবতঃ॥ শ্রীহেতু 👫 🖰 🐒 দেবাঃ সক্ষন্ন রহিতস্য চ । अविधिषः न वाक्ष्रि ए श्रीमारिक शिक्षिकः ॥ युक्कष् नमत्रवः वा मूत्रवः ন্থকারণ। বাঞ্জি নিশ্চলাণ ভক্তিণ মধীয়া মতুলামপি ॥ জ্রী পু॰ বিভে-🤭 📲 छ। व॰ नर्बजी (वयू ' जिम्रजा। ियाः निष्क्षयत्रागाक भूवद्वागाः व्-खर्गः कृ शिशामाहिकी: निष्ना• ा (नाहामिक त्रिभू । जुङ्गा स्वितिंगः माध्यभागरङ ह मिगवतः য় সাম ভক্তো ভ্রমো নন্দ্র শুখতা মান 🖠

ध्रानारिकः। 🕬। नामङः कर्यम् गृही পূর্ব প্রাক্তনতঃ শ্চি:॥করোতি সত-তক্ষিব পূর্বকর্ম নিক্ন্তন। ন করোত্য-পর• যত্নাৎ সঙ্কল্প রহিত্স্য চ ॥ नर्व क्षमा यटकिष्णिमार कर्डा ह কর্মণঃ। কর্মণা মনসা বাচা সভত॰ हिन्नस्य मि जि । । # । । न्। न ভক্ত ° ठ • ন্যুনঃ সচ প্যাক্তিকঃ শু.তৌ । যম॰ বা যমদূত বা স্বপ্সেন চ নপশ্যতি ॥ পুৰুষাণা সহসুঞ্চ প্রণ ভক্তঃ সমু ब्रात्र । भु मा मा ज मध्यम क जह जू र्शक भारूक। ११ ७ जन्म विविध छाउ क्षिडण जवाद्यमा । ইতি তবৈব ৮৪ অধ্যায়ঃ ॥ 🗱 ॥ কৃষ্ণভক্ত শরী-त्र जीर्थानीनि यथा। भृथिव्याः यानि छीर्थानि भुग्रानुरिंग ह बाइ वि। म-च्छकानाः भतीतिषु मिष्ठ भ्रिक् मन्डः ত ।। মন্ডক পাদর জসা সদ্যঃ পূতা বসুন্ধরা। স্দৃঃ প্তানি তীর্থানি সদ্য: প্ত॰ অগত্তথা ৷৷ মন্সম্ভোপা-मका विशा (य नम्हिश्वेरजाजिनः । गामिव निज्यः भ्यायस्य एव मर्भा-ণাধিকাঃ গ্রিবাঃ॥ তদুপস্পর্ম নাত্রে-ग श्रां वाय्क शावकः। कलार्म সহস্।ণি মুক্তকাঃ সন্তি ভূতলে ॥ একবর্ণা ভবিষ্যন্তি নাদ্যক্তেষ্ গতে-युर । उ एक भून।। भृथिती क्षिगुरा

ভক্তম

ভবিষ্যতি॥ ইতি বুন্ধবৈবৰ্ত্ত শ্ৰীকৃষ্ণ ाबाचा ७ २४ व्यथ्यायः ॥ 🗯 । शवक्त गाराजाः यथा। मः स्ठः কীৰ্ত্তিতা বাপি দৃষ্টঃ স্পৃষ্টা ৎপি বা পিয়ে। পুনাতি ভগবভক্ত শুচাণ্ডা-ला ९ ल यम्ह्या ॥ इं ि वाद्रार উপবিভাগে পুবোধিনীনাহাত্ম্য• ॥ 🗱 ॥ इति ভক্ত कर्खवरानि यथा । হ্বে শ্চরিত মীশস্য সর্বলোকেযু की र्बन । रेक्षरवृष्ठ कार्क्ष्य ज्लः क्र्याहरू विश्व ॥ हाजी माजा न्ह यट किक्टि बकीय॰ वस ठान्त्रयः। কৃঞ্ভক্তস্য গাৰ্হস্য নৰ্ব ক্ষে নি (यमनः।। ভক্তস্য लक्ष्णान्द्रतः यथा। প্রো সংজাত্যা ভক্ত্যা তনু মুৎপু-শকাঞ্জনঃ। বিভর্জ্যদৌকিক ভক্তো वरमञ्जञि नृज्याज ॥ श्रवमाननर যুক্তা হসৌ স্বচিন্নায়তি নন্দতি। ক্র-नत् अहु । ज जारवन गृतुं एमन भूनः भूनः ॥ অনুশীলগতি ভঙ্কেৎ গোবিন্দ ম<sup>ু</sup> नूरमाम् । उत्तरम्वः विकृतायाः ष्ट्रता॰ मूनि (माहिनी॰ II नर्बाख्यत ून्धा या ज्ञानिंग नगाउन । न **ज्वा**नी ভक्ष मर्बे ज्ञ मूश्डमः ॥ া ইতি পাদ্মোত্তরখণ্ডে ১০১ অধ্য-यः ॥ 🐯 ॥ ভক্ত ভ্যাগে দোৰো यथा । বুক্ষহত্যা শুরো ঘাঁতে৷ গোৰ্ধঃ জ্লী

विश्व चथा। जून (राजि मेरानाशः ज्ञ जागापूरा वृद्धः। ज्ञ छः ज्ञ अज्ञाञ्च अप्रेष्ठः ज्ञ ज्ञ अप्रेषः। प्रेष्ठः व्यक्त स्वाप्तः व्यक्तः। विश्व व्यक्ताः। विश्व व्यक्ताः।

ভক্তকর: পুণ ক্রিমধূপ:। যথা। বৃকধূপে ভক্তকরো গিরি: স্যাৎ সমগন্ধক:। ইতি শন্চন্দুকা।। ভক্তকারকে বি।।

ज्कनातः वि भावकः। छक् ममः

करताणि भाजि यः। छ भर्यायः।

गृरः २ छ रिनिकः २ छनः ४ ज्कारः

कातः ६ म्भकातः ५ म्भः १ जा
त्राणिकः १ यस्रवः ৮। ই छ हिम
वस्रुः ॥

ভক্ততা স্ত্রী ভক্তবং। ভক্তস্য জাৰ ইড্যেক্তি পুত্যবেন নিম্নন্ধ।। ভক্তত্র্য্য স্ত্রী ভোলনকালেবাদনীয় ত্র্য্য । তৎপর্য্যায়ঃ। নৃপনানং ২। ইতি ব্রিকাপ্তশেষঃ।।

ज्ञतात्रः गृ शक्तमम्क्राउर्गठ

माग्विकाः। यथा। ज्ञतानक

विद्धित खेर्य व उवाक् इः। मृजि
क्षि श्रि ज्ञाकामिक् ग्रामाः।

देखि मायक मनः गुरः॥

विद्रास का को श्रामानमः।

**ड**ङ्ग् थः श्रु ही व्यागुर्गः ।

ভাতেরমাড ইতি ভাষা। তৎপ-র্যায়:। মাসর: ১ জাচাম: ২ নিঃ-সাুব: ৩। ইতঃসর: ॥

ভক্তিঃ স্ত্রী বিভাগঃ॥ সেবা। ইতি मिक्रिनी।।'(गोनवृष्टिः।। जनी।। भु **दा।** इंडिट्स्म हम्दुः।। 🕸।। ভब ইरिड 🤉 न रेव बाजूः (नवायाः शतिकी खिंडः । ত্রুমাৎসেবা বৃধৈ: প্রোক্তা ভক্তি: नाधन जूमनी ॥ इंजि गाबरफ २०) व्यभ्रायः ॥ 🗱 ॥ व्यथ 🗐 म खक्ति ্লক্ষণ ভূতীৰে শ্ৰীকাপিলেয়ে। (प्रवानाः अनिकाना मानुभूविक कर्मगाः। नच् वरिकमनरमा वृद्धिः बाजाविकी जू वा।। अनिभिखा जा-গবতী ভক্তি:সিছে গ্রীয়সী। #1 অথ বিশেষ লক্ষণানি। জ্রীগৌত-,শ্লীযতক্ষে। দেবতাযাঞ্চ মঙ্কে চ ত-থা মন্ত্রপুদে শুরৌ। ভব্কি রষ্ট বি-थायम्। उम्। कृषः भुभी पछि॥ छ-फक बन वार मन्। भूडायाकान् त्यामनः। जूमना अईत्यमि**डाः छए**-र्थ मुख्य वर्जन ।। उटकशा भुवरन ताग छैमार्थ ठाक विकिया। छम्नू-মরণ নিভ্যুণ য তলালো পর্মীবভি।। ভক্তি রষ্ট বিধা ছেষা যিমান্ মেছে পি ব্রন্থ:ত। সম্বিং সত্যবাদী চকী-र्खिनान् म ভবেষর:।। मश्रमकाक् दी

अङ्गारि । भुवनः कीर्जनः विकाः मात्रा शामरम्यन । व्यहन वन्हनः हाजाः जना माञ्च निवहनः॥ इंडि পু-সার্পিতা বিষ্ণৌ ভক্তিশ্চে মব ল কণা। ক্রিয়তে ভগবত্যদ্ধা তন্মন্যে **१वीछ मूखमः भक्षा छ**देववः **श्रीनावर** यूथिकित मद्यारि । भुवनः कीर्जनकामः মারণ মহতা গতে: ৷ সেবেজ্যাবন-তি দাস্যু সখ্য মাত্ম নিবেদনং॥॥॥ পান্মে কার্ত্তিকমাহাত্ম্যে শ্রীযমধূমু-(कमः मञ्चारः । भूवगः कीखनः भूमा अर्वकर्षार्शनः मृद्धिः। अतिहर्या नमः कातः (भूमकाञ्चार्भगः रुद्धो ॥ 🛊 ॥ তত্রৈবোত্তরথণ্ডে লিব পার্বতী ল-ञ्चारमः। ज्यामप्रस्र देवस्थवः श्याकः 📲 চক্রাকণ হরে:। ধারণঞ্চোর্ছ পুঞা-ণা ভরজাণা পরিগৃহ:।। অর্চন জ্ঞাে খ্যান তলান ম্রণ তথা। কীর্ত্তন শুবণক্ষৈব বন্দন পাদ সেব-ন। তৎপাদোদক সেবা চ ভগিবে-দিত ভোজন•।। তদীযানাঞ্চ সংসে-বা দ্বাদশা বুত নিষ্ঠতা। তুলসী রো-भगः विष्णा (प्रव (एवम्) भार्किनः॥ ভক্তি: যোডশধা প্রোক্তা ভব্বন্ধ विमुक्ताय। इंजिहा। क्षा। किथा मर्ग-ন· ভগবন্মুৰ্ভে: স্পর্শন· ক্ষেত্রসেবন· । वाचुानः धूनामगाम निमान।माठ

ৰারণ:॥নৃত্য: ভগবদগ্রেচ তথা বী: शानि वारमशक्षनीनाम्। जिनयः वी ভাগৰত দেবন ৷৷ পদ্মাক্ষ নালাদি ষ্তিরেকাদশ্যাদি জাগরঃ। প্রাসা-म त्रहनाम्यन्यज्ञाञ्ज्यः नाजान्मातः ত: ৷৷ লিখিতা ভগৰ্জমা ভক্তানা **भ**क्रगानि ह। जानि द्धिवानि **म**र्वागि **ভক্তে বৈ ল**ক্ষণানি স্থাতে বুজে বানি গৌণানি মূখ্যানি চ বি:ব্ৰিভি: । বহির সান্তরকাণি পুনসিছ্দৌ চতা नि व्याटनाञ्च विविधा ভক্ত डंक ভাবাৰি ভেৰতঃ। মুক্তাকলাদি গ্ৰ-(इएड)। (छ्रगा स्विथित त्रन्।।(भू म ज्ञा ह निष्कायाः मर्खि १थीः (म বকাঃ শ্বৰণ। ভগবাণ শচাতিবশ্যঃ न्रालिथाउ १नाः मृतकाः॥॥॥ অथ (পুম ভক্তি লক্ষণ । नाम्रम्भ-ঞ্বাত্তে। অনন্য নমতা বিফৌ নম-তা পুন সক্তা। ভ্রক্তি রিত্যুচ্যুত जीया भुशासास्तर नावरितः।। (भुभ ভকেশ্চ নাহাত্ম্যু ভক্তে মাহাত্ম্যু তঃপর•। সিদ্ধমেব যতে। ভক্তে: ফ ল পৌমৰ নিশ্চিত।। চিহ্নানি পে-মসম্পত্তে হাছাণ্যা ভ্যন্তরাণিচ। কি-যম্ভ্যল্লিথিতা তস্যা মহিনৈব বি-विथारा ॥ ३ ॥ यथ (भुगमप्राज विद्रानि मेथमकाक जीनुकारमा

वीवानुभागता विभाग कथानि छ-गानजुनाम् रीवंग्रानि नीवाउनु जिः क् जानि । यमाजिइ।बाट भूका काम् गातंर (पुर्विक छेत्रायां ज्वाहर ॥ यमा शुरु शुरु देव कृष्टिक सन्द्राक्-न्ति ध्रायां वन्ति हार । गृष्ट्ः শ্বসন্বক্তি হরে জগৎপতে নারাষণে-ত্যাত্ম নতি গতিবৃপঃ॥ তদাংপ্রান্ মুক্ত সমস্ত বন্ধন স্বণ্ডাব জানান কৃ-**जाम**वाक् जिः। निष्यं क वीका सम्मार्थ। মহীয়সা ভক্তি পুযোগেল সমেত্য श्वाक्रज ॥ अ॥ वकामर । ज्यान यारमध्येताख्य । मृथ्न मृ जमानि त থাক্সাণে জন্মানি কর্মাণি 🤊 শানি-লোকে। গীতানি নানানি ভৰ্থকা नि गायन् विवादका विष्ठः रमङ्गः।। এব॰ বুত: ৰপুিয় নান কীড়া জক্ত নুরাপো জত চিত্ত উট্টো ইমত্যংগ द्यानि **(द्रोठि गायक्)** । नवस् ह তিলোক বাহাঃ॥#॥তবৈশ শ্রীপুরুদ্ধ বোগেশ্বরোভরে। মরন্তঃ আর্যন্তশ্চ মিথোহৌষ হর• হরি•। 📆 🚟 জাত্যা ভক্ত্যা বিভুত্যুৎপুলাক न् ॥ किक्रवा कृष्टि क्रमान्ति नन्ति वहन्ति श्लोककाः। নৃত্তন্তি গায়স্তানুশীলয়স্থ 🖫 ভবন্তি তৃষ্পী• পরনেত্য নিব্ তা:।। 🕸 🛚 🗐

ভগ ग्रुक्षव अवारह ह। कथः विनादा न्यार्थः मुक्छ। १६ छुत्रा विना। दिनानः मः भूतिक्षाः मुल्हार्छ्का विनागयः ্বা ন্নাৰ বৈতে যস্য চিত্ত রোদিত্য ीकु इस उ क्रिष्ट । विनक्त उग्नाः ম্ভিড্ডাড় স**চ মন্ড ক্রি যুক্তো ভূবন** পুৰাকি সংখাক ভক্তা**শক্তো** তু ভগবছর ব্লং । শর্ণগেত ভাবেন ृद्ध ली अपनामुख्य ।। ইতি হরি जिल्लिकारम ३३ विषामः ॥ 🗱 ॥ অণি । উত্তমা ভক্তে র্লক্ষণ যথা। 🕆 चारा जिलानि अ म्नार छान कर्या-क्षातात् कः । स्थानुकृत्यान स्थानुनि 🐃 🖯 एउमा ॥ उथा नावम्शक ात्व। मर्जाभावि विनिम्कि छ० अञ्चार निर्भात । स्वीतिग स्वीति-ভক্তৰচ্যতে ৷৷ শ্ৰীভাগৰ 🎮 ক্ষন্ধেচ। অহৈতুক্য ব্যব-া ভাৰুংপুৰুৰোন্তমেধু সালো ন্যু কাঠি নামীপ্য সাৰূপ্যৈকত্ব্ব-্যতা দীখ্ৰমান ন গৃহস্তি বিনা মৎ ্বৰ<sup>্</sup> গৰাঃ ৷ **সএব ভক্তি যোগাখ্য** धाराजिक प्रेमाइंड इंडि ॥ 🕬। मा े ज्या इकिंश यथा। द्वनदी पुजर्भिक्वचुजाक्ट अपूर्वा । नामुननस्वरमनाज्या श्रीकृष्णक्यनी े मा।का। उजाम्याः (क्रमम्ब्राह

नास भाभः उदीव मित्रा छि তে जिथा। मुख्यकुः यथा। मुखानि পুণিন সর জগতামনুরক্ততা। সদুণা मृथ निज्यामीन्याथ्याजानि मनीवि-ভিঃ।। নোক্লঘুতাক্ল্প। মনা (गव भुक्जायाः इत्रय जगवुन्छो। 'পুৰুষাথান্ত চন্বার স্ণায়ত্তে সমন্ত-७: ॥ अ। जूनका यथा। जाधनी-रिव द्रनामरेङ्ग द्रवाच्छा मूहिद्राप्ति । হরিণা চাখদেখেতি দ্বিধা সা স্যাৎ मृदूर्णा ॥ मान्द्रानन्द्रिश्वाचा ·यथा । तुक्तानत्मा ज्वातम्य ८८ শরাদ্ধ গুণাকৃতঃ। নৈতি ভক্তি সুখা स्मार्थः भवमान् ज्लामि ॥ 🕸 ॥ একৃষ্ণাকষণী যথা। কৃত্বা হরি (পু-মভাজ পূি্যবৰ্গ সমন্বিত । ভূক্তি ব-শীৰুরোতীতি শ্রীকৃষ্ণাকর্ষণী চ সা ॥ #॥ সা উত্তমাভক্তি দ্রিধা যথা। সা ভক্তি: সাধন ভাব: প্রেমা চেত্তি ত্রিধোদিতা। সাধন ভক্তি র্যথা। কৃতি সাধ্যা ভবেৎসাধ্য ভাবা সা সাধ্বাভিধা। নিত্য সিদ্ধ্য্য ভাব-স্য পাকট্য• হৃদি সাধ্যতা ॥ # ॥ ভাবভক্তি যথা। শুদ্ধসন্তু বিশেষা-ত্মাপুন স্যা্য•শু সাম্যভাক্। কচি-ভি শ্ভিন্ত নাস্ণ্যকৃদসৌ ভাব উচ্য-(उ॥ अ॥ (अम अकि यथा। मन)ध-

সৃণিত স্বাস্থো নমত্বাভিশ্যাকিত:
। ভাব: সএব সান্দ্ৰাত্মা বুধৈ: প্রেমা নিগদ্যতে ॥ ইতি ভক্তিরসাম্তসিন্ধৌ পূর্ববিভাগ: ॥

छिकिमान् वि छिक्दुकः। यथा। खनवान् भुखवान् श्रीभान् कीर्खिमान् **ভ**क्तिनान् ভবে**८। ঐहिक् পর**সৈ श्वर्ग नास नाथभमः तुरब्ध ॥ इंडि भाञ्चवी उखाद्यर्ग उन्न हाका वरेखन ব স্তোত্র•।। অপিচ। অন্যেপি যে विकर्मशः भूमाम्। नीव बाउयः। **ভ**क्तिनसः <u>भु</u>न् हु । स्व कात्वन स्व সম্বা:।।ইতিকৌর্মে ৪ অধ্যায়:।। **७**कियागः भू भद्राभयात् ज्ञनम-ম্বন্ধ:। যথা। ভক্তিযোগপুঞ্চাশায লোকস্যানুগৃহায চ। সন্ত্যাসাশ্ন मानि्डा क्ष रैंठ छन्। नान श्क्।। ইতি চৈতন্যভাগৰত।।। অপিচ। বাসুদেবে ভগবতি ভক্তিযোগঃ পু-याहिन । जनयंज्याम् रिवराग्रः क्कानक यह रेहजूकः ॥ इंडि 🏝 छ। गव्रायः ॥

ভক্তিরস: পু॰ ভক্তিরেবরস:। যথা
।বিভাবৈ রনুভাবৈশ্চ সাত্তিকৈ ঠ্যভিচারিভি:। স্বাদ্যত্ত্বণ হৃদি ভক্তাশা নানীভাশুবণাদিভি:। এষা কৃষ্ণ
রতি: স্থাবাভাবা ভক্তিরসো ভ

বেং ।। ইতি ভক্তি সামৃত সিদ্ধা।
ভক্তিলঃ পু সাধান কিং। খুখা।
পুভুভকা ভঙ্গিলা স্কানেষ জ লোংকটাঃ। ইতি শন্চা দুকা।
ভক্তিদাভরি বি।।

खग• द्री **खीं हिंद्र** । उट भवागियः। গোনি: ২। ইত্যময় 🕕 🐠 😼 **উপস্: ८ मात्रमं निर्**वाक्त । हेर्कि क्रा জনির্ঘণ্টঃ ॥ রভিপৃদ্ধ ৮ জর 📆 🔻 **স্বর** ৮ অবাচ্যদে 🐃 শুক্তিং ) • व्यर्भपः )) यत्र हुनः ३२ व्यर्भ-দেশ: ১০ পুক্তি: ১৪ পুর্রী ১৫ সং-১ नात्रगार्थः ३७ ७७ ३५ अवागात्रः ) अवत्रध्यः २० त्रक्ष्यः 👣 विस् ब्रह्म १२ क्वड २० लाइ २४। इैंडि भदत्रञ्जावनी । एक्त्र मार् गर् यथा। विखीनंक भागा । विख्य जग नक्षणः। जन्मा स्था । उत्तर्हरः गंजककः भग्नगक्तः मुल्याम् । কোনল সুবিস্তীর্ণ 🕆 🌞 😌 🔻 গোত্তনা: ৷৷ তদেবে খা চেট্ড व निम नजुष्क भा भा महन পর । ইত্যুক্ত কাম াধ্রকৈ ভগ त्रिष्ठ ठज्क्षेयः ॥ वि ११वं मृष्टः যোজ্য গভীরে ব শ ালক। ইতি त्रिञ्चित्रक्षत्री॥ 🗱 ॥ वीर्यः ॥ हेहा॥ क्वानः ॥ देवना मान्य की खिः॥

ाह्यजारः ॥ वैचर्यरः ॥ यजः ॥ यमः

्याकः॥ इजियमिनी॥ भू•ना॰ ং মুম্ব ম্ধ্যভাগঃ। ইতি রাজনি-ं है: ।। জी। यणः ।। সৌভাগ্য ।। ्रस्टः ॥ मूर्यः ॥ मञ्जूवित्मयः ॥ ः **त्ः । इंड**ऽत्नकार्थधृनिमक्षत्री. ॥ र्भकृतीनक्षवः। यथा। अक्षठा-द ष युकाण जारा जानि उपूर्वात তি জ্যোতিস্তত্ত্ব• ॥ मः भू॰ त्रविः। ইতি मिनि।। 🏂 वश्राय•। यथा। ज्जान देवत्रागऽ-ए र्यातो छग मञ्जी ठ् डाऋत । कें कि कर গ্ৰু পু• নক্ত্ৰসমূহঃ ৷৷ শীঘুগা-নিশা পুহাণা মল্লেন কালেন মন্দ-্মিনা পুহাণা মহতাকালেন পূর্বিত্যা পাতানা• পশ্চিমগত্যা क्रातेवर्ज्यनगियनप्राप्ति (त्रव्जाड न ক্ষাভোগকালঃ॥ বৃষ্টিবিকলাভি: ক্লা ৰম্ভিকলাভি ভাগ ক্লিংশডা ৈ রাশি দ্বাদশ রাশিভি ভঁগণঃ। यः ।। भीषुग सागुशाल्वन कार्वन ্হতাল্পগঃ। তেহান্ত পরিবর্তেন পেকি।তে ভগণঃমৃতঃ॥ বিকলানা ক।। ষষ্ট্রা তৎষষ্ট্রা ভাগ উচ্যতে।

ত প্রশাতা ভবেদুদৌ র্ভগণো দ্বাদ-

কৈব তে॥ যুগে স্থ্য ভঃ শুক্রাণা•

থ চতুষ্ক রদীণবাঃ ৪৩২০০০। স্জা-किं एक भी यानाः जननाः भ्रविगानिः না ।। ইন্দে। রসাগ্নি তিত্রীষু সগু ভ্ষর মার্গণা: ৫৭৭৫০০০৬। দসু ত্র্য 🕏 রসান্ধান্ধি লোচনানি স্বজ্ঞস্য তু ২২ ৯৬৮৩২। বুধশীঘুস্য শূন্য ভূ খাদ্ बाह्र नरगन्त्यः ७१२०१०७०। वृह-न्याः थ म्याकि (यम यहर य खरा ৩৬৪২২০।। সিত শীঘুস্য ষট্সপ্ত ব্ৰি यभाषि थ जूधवाः १०२२०१५। भारत .ভুজিক ষট্ পঞ্রস বেদ নিশাক-त्राः ७८७८७৮ ॥ हत्सुाइम्यान् मू-न्याश्व वमु मर्भार्गवा ६৮४२०० यूर्ण । বাম॰ পাতস্য সর্গান্নি যমাখি শি-थि मृत्रकाः २०२२०४। इंडि मूर्यानिः काउशक्षा अभिन। गुरानाः मत्नाः **ঢ়ানা•চলোঢ়ানা• গুহপাতানাঞ্জ-**গণান্শ্লোক ষষ্ট্েনাহ। অর্ক শৃক্ত বুধ-পর্য্যা বিধে রক্তি কোটি গুণিতা র-माक्षयः। ८०२००००० व जन्नव भनि জীব ভূভুবা• কীৰ্ত্তিতাক্ত গণকৈ ক লোচজাঃ॥ ।। থাত্র খাত্র পগণা-गतिन्त्व स्वाधताषु विषया ৫११৫० ৩০০০০ হিন্দুটেজঃ। বুলা সুলা শর নাগ লোচন ব্যাল ষ্ণ্ৰ য্নাশ্বিনো ज्**बः २२**৯५४४४८२२ ॥ २ ॥ मिक्रू मिक्त नवार लाइ यह बाह गर

अस्ति। ११२००५२५५३ हे अभीत জাঃ। পঞ্চ পঞ্চ যুগ ষ্টু লোচন দ্ব্য कि यए छ। भिजा ०५४२५४०० छ। त्वा र्या जाः ॥ ७॥ वि नन्त (वनाइ गजानि लाउन विभ्नरिणनाः १०२ २०४२ श्रे भीषु भर्यप्रशः। जू-क्रक् नम्ह वि नगाक वाग यह कृटा नत्यः সূर्याम् जमा भर्यायाः १६५०५ **१२२५ ॥ ८ ॥ था है। क**्षा ४५० **डे। क** शास्त्र मिथियिष्वभाक्ताया १४००० ५०५ षाक यमा २०२ ब्रमानुगः ००२ । শরেশ্বিভা ৮৫৫ জ্রাফ রসাঃ ৬৫৩ হসাগরাঃ ৪১ মু্ঃ পূর্বগত্যা তরণে মৃ দৃষ্টজাঃ ।। ৫ ॥ গজাঞ্চি ভর্গ ত্রিরদা-चिनः २०२०) ३७५ कर्नुमाचिनः २५१ ऋ वि भन्नाः ६२७ कन्छं वः ५०। बि नन्द नागा ४२० यूग ब्रञ्जात्रयत। **৫৮**८ निर्माकद्राष्ट्रश्चम भाउ भर्य যা:॥৬॥ ইতি সিদ্ধান্ত শিরোনণিঃ ॥ 🗱 ॥ गुरानाः भूर्वगनतन कल्न . व्यु अर्य)याः। उथा मत्नराहानाकः পায়ত্যা এতাবস্তঃ। পাতানা প-শ্চিমগত্যা এতাবন্তো ভবস্তি । অ ভোপপত্তি: সাতৃ তন্তাবাসশলে ন তৎ ফেত্ৰসংস্থানফুন শুক্তগো लितिव (भार्क् भ हार्ड नातान । गुरु नन्द्र भीषु भाजाः स स मार्गियू গছন্ত এতাবত: পর্য্যান্ কল্পে জ-র্মন্ত্রীত্যবাগন্ধ এর পুনাণ ভাইতি। ভাটীকা ।।

जगम्बः भु नत्रकत्राजने (रक्ष) देश्यः। সত্ পালোগতিযপ্রাধিক্ষা যথা **) পত্যত্যান্ত দা**বালাং কালেন ন वकः कमाए। ज्ञानखः महानीक् भनवन् भूगाणिन्।। ठजूरता जन-যানাস পুঞা স্তা ক ক্ষিতে: সুত: । আভগবানুবাচ। ভারাবতরণে रनित नज्ञकमा वशः भुजा । पुरेय প্রার্থিতো যমান্তেনাসৌ নিহতো नया ॥ शाल यावा १ १ मा महान॰ रित वृष्ठनारशः। शुरश्रुप्राज्य **প্**ভিষেক্যানি নপ্তার- ভগদত্তক• ॥ भृथिवता नातारतिन मञ्जिः কেশব স্তদা। ভগদত্ত• ভৌমসূত্ত• 🕆 পুথ্নোতিষ পুরোন্তনে ॥ ক্ষভি-ষিচ্য তদা ভূপা পুরমধ্যে ন্যবেশ य । ইতি কালিকাপুরাণে ৩১ व्यथायः॥

ভগদৈবত । की भूईक त्रुनी नक्ष व । यथा। उन्न वृङ्ग्माल इंग्रनक व । यथा। विगाथानन लायानि विक्वा छ-लोहिव छ । भूषा भोका समः म-(भी क्रम जाना कंटः क्रना ८ ॥ इंडि (क्रालिख व ।। च्गन्तः भ् जभानाम् तुनाता विष्णयः। जम् क्रा मार्। अन्म দ্যক্ষে কেত্ৰে পাৰ্যতঃ পিডকার্ডি क्ट। जिल्ली जगनहाता छियः ग ह भुकृतिस्था जत्य ॥ व्यक्ति भी ভাক্ত। পঞ্চৰিধঃ বাতিক পৈত্তি-ক শ্লৈষ্মিক নামিপাতিক শলাজ ভেरि:॥ **#**॥ ভগল্ব শব্স্য नि ক্তি মাহভৌজঃ। ভগ• পরিসম-স্তাদ্মে। গুদ বস্তী তথৈব চ। ভগব-म् (त्रयण्याज्यात्रयात्र जगन्तः॥ ভজন্ত নেনেতি ভগ । সহন । ভ জন্ত্যমিমিতি ভগ যোনি:। অত্র ভগশদেন দ্ব্যাপ কথ্যতে। ভ गवट त्यानि वट् ॥ अंश कृषी क পাল নিস্তোদ দাহ কণ্ডু ৰুজাদযঃ। ভবন্তি পূর্বক্পাণি ভবিষ্যতি ভগ-প্রে।।কটা কপালমত্র কটীফলক। া। #॥ বাতিক শতবোনক স জ ভगन्मत्र भार । क्यांग क्रिक त्रि কোপিতো ধনিল স্থপানদেশে পি-डकाः कात्राजि याः । উপ्ताक्रनाट भाक न्रेभिडि मारू गः क्वाक ভिमा-ৰুণ ফেন বাহিনী।। তব্ৰাগনো মূত্ৰ পুরীষ রেতসা বুণৈ রনেকৈ: শুক্ত यानकः वरहरामायनः व्यक्तिमाक गांद । वृरेग इत्नरेकः मूख्य मूरेथः। म-

उत्पनिक म्हानमी उनुमान ॥ 🛊 ॥ रिপত্তি ह मुश्रेगीय मध्यमार । भूका-পণৈ: পিত্ত মতিপুকোলিভ• করে৷-তির্ভা• পিডকা• গুদে পতা•। ত-দাশুপাকাহিন গৃতি বাহিনী ভগ न्त्रत्थाष्ट्रिनित्रायव दान्य। गाम পা নাছিম পৃতি বাহিনী । শীলুপা-का॰ উग्रा मूर्गन्न वाश्चिनीयः। जरा ज॰ ভगन्ततः উ<u>ष्ट्रे</u> भिद्धायतः উ<u>ष्ट</u>्रीव **मः** জ্ঞ• বদেৎ। উষ্ট্ৰগুবি সংজ্ঞঞ্চ। পি फका कालीन वक्र उत्पार्श्वभीवाकात-**ংব্রন।। #**।। শ্লৈঘ্যিক পরিদ্রাবি স•-क्छमाह। कञ्चाना घनजावी कठिता মন্দবেশনঃ। শ্বেতাবভাসঃ কফ্রঃ পরিসাবী ভগনরে: ৷৷ কঠিন: পিড कावञ्चायाः भित्रमावी नित्रञ्जरः मु-वन भीनः॥ 🕸 ॥ मामिभाठिक मधू-कावर्ड मण्डः नाह । वर्चर्ग क्डाः সাবাঃ পিডকা গোস্ত:নাপমাঃ। শ ष्कावर्ख वनाजी मध्कावर्खका नजः ।। वल्वर्गक्षा मावाः वल्लासा वर्गाः पि जि: পুতে क भर्द्या जा नार्ड मा-वमार्गः॥ #॥ मन्। ज मूत्रागं मः छः भार। क्रजान्नजिः भागुगजान्निदक्ति (उ र्राशकनाट मृतः क्मरश विनार्य) ত । পুসর্বতে মার্গ মনেকলা মুখে व रिन अमुबार्ग जगमतः वाम्य ॥

ক্ষতাৎ কণ্টকাদিন নথেন কণ্ডুয়না-দিনা বা হভিদ্যাতাং। গতিঃ সাবঃ। উন্মার্গ ভগনরে । এতস্য ক্মিক্ত भारेर्गः भूतीयानि निर्गमानुसार्ग नः **ट्या ॥ 🕸 ॥ क्ष्ट्रेगाथ्य मजाब्यकार् ।** ভগন্দরা:। তেম্বসাধ্য জ্রিদোষো-থঃ ফওজ চ বিশেষতঃ ।। বাত মূত্র भूत्रीयाणि मूकक क्मय खवा। जग-न्त्रा८ ज्वञ्च नामगन्ति जनाजूतः ।। 🛊 ।। अथ जगन्त्त्रम् हिकिट्मा। অথাস্য পিডকা মেব তথা যত্নাদু-भावति । भूकाम् मुक्त सकार्वि যথা পাক নগছতি।। #।। পুনর্বা **म्**ठा म्थी शिश्विका वररेतः क्ठः। লেপায় পিডকাবৃস্থে কল্প: শস্তো ভ गन्तरत् ॥ भयः भिष्टि खिनाति**हे म**् ধুকৈ: শীতলৈ: কৃতঃ। লেপে। ভগ-দরে শন্তঃ পৈত্তিকে বেদনাবতি ॥ चित्रिक्षे निष्यः ॥ 🕸 ॥ जूननायाण প্রপ্রাণি শুডুচী বিশ্বভেষত্রণ। সৈন্ধবণ ভক্র সংপিষ্ট দোপাছন্তি ভগন্দরণা সুমনা জাভি স্তম্যাঃ পঞ্ ॥ পিড-কানা মপ্ৰকানা অপতৰ্পণ পূৰ্বক । क्यं क्यंप्रविद्यकाष्ठः जिमानाः दुग व 🌣 🏗 या ॥ निषाक भीत निस्थ भूदाध्यहननहरेमः। शिक्षं मञ्जाक्षान

टेजनः जगम्रत्र इतः अहः । शुरतः ख्युल्:। जश्रहमनद्वाः कन्नवीत्रशः थानि। निभारित्वनः।। 🗯।। जिय লা পুর কৃষ্ণানা ি পঞ্চাইশক বো গিতা। শুটিকা শোল গুল্মাটুর্না ভ **गन्दत्रवजाः हि**ण न्यक्तां संदर्भ ख्युन्: ११ का। मा नवाधि कार्न শত্রসাধ্যে ভগন বিশ্বস্থা কিন্তু কৰ্ত্তব্যা শঙ্কশাঙ্ক ইন্ডি 🐃 🥡 यागः रेमथूनः यूकः मक्ष्यानः अकृत চ। বঢ় বুণেপি যড়েন বং 🧠 স্বর্ণ নরঃ।। ইতি ভাবপুরাকে প্রাক্রের धिकातः ॥ 🛊 ॥ ५ लिह । बहुन 🛶 **मनः लिश विद्वार**ः शिवहीयः । ब्र-क्याकापिकिः 🖈 अन्या नि **फकाः बर्राए ॥ ज**न्न नाहा कियक **স্বৰ্য্যাত্ৰ্যা পাক** নিৰ্দাণি অপত বাথ পত্ন বা জল্পেকাপা চাং ট্রিভং ॥ তদভাবে তু শৃক্ষভা নিদ• ब्रे-ক্তস্য মোক্ষণ । 👂 🗟 🕾 🐴 **ण्छी ७५०।: मश्**नवंताः - किञ्चा जू **পিডকারন্তে লেশঃ শক্তে**। ভাগভারে ॥ आगावश कि । (भारतः नदाव হা ক্রিয়েচ্যতে। 🚁 জুদ্রশা পাট न। कात विहासाशासिकः कमः। वि थाय नुगवट कार्याः यथा (मार्या यथा वल ।। मृ.श्र कें पुष्क मादी छि विकि

क्र जनस्ति। एम्। मर्व महीतः का नाडी इन्तार भुरवागताहै॥ #॥ তিলাভবা লোধু নরিষ্টপঞ্ নিশা ्ठा अष्ठ भौगात्रथ्मः। जगन्तरत ना क्ष्मिम नार्याण मृष्टेव्रा भाषन ता 🐃 १य॰ II 🦚 II भूता १ 🐯 घृष्टे॰ কিকলা রসেন বিডালকান্থি ত্থবা বিলেপনাৎ। চিরপুভূত ব্রণরোগ *দুঠ জগনবেং* নাশ মুপৈতি নুনণাঞ্চা। জন্তনা সভুজীত পুকারৈ ব্যঞ্জনা विश्वा **म्गाल गा॰म** वाञ्जन॰ थामा॰ ভাগবা শধ্ক মাণস ব্যঞ্জন খাদ্য 📆 🛚 बिक्छे बिक् गा मूख विख्याः ত । শটে। লটে। লাপপুলী মূল। ङ्बः **जूबराक छ ॥ जुन्नूक• शू**म्रत• कर दि**नावा द्रजनी घर**ा विख• াং লক্ষারৌ সৈশ্ববং গম্ভপিপ্রলী া ান্ত্যেতানি চূর্ণানি ভাবদ্দিগুণ ा (कालभुगाना॰ छिका॰ कः कराज्यधूना **नर् ॥ छगन्तवः याज** कार कर्यः जीर्गज्दामद्रः। नाजी *्रे* पुलनाह काक्षाचारात्मात्री कसीन् া সেহাজ্রবৃদ্ধি হৃদ্যেগ শ্লা• শ্লীপদ ে সগুৰি শতিকো হস্তি গুলুলু; अवस्य । श्रम् ।। श्रम् ।। श्रम् ।। श्रम् ।। श्रम् ক্ৰাৰ্থ শ্ল নিত্যপি পাঠঃ। সপ্ত दिश्वि रशुन्: ॥ । । विकारको

विवृद् भाष्टी मन् इयमात्रकी। সুধা বচা লাক্লিকা হরিতাল স্বৰ্ছলা। ॥ জ্যোতিমতীঞ্চ সংস্ত্য । रेजन रेवरम्या विभावस्य । अउह्य-मान्ति नाम रेजन मुक्क खनन्दरङ्ग . ॥ (नाध्वः রোপণरेक्षव সূবর্ণ করণः म्छ । विमानति उन ।। 🛊 ।। ज्ङ স্য দ্বিগুণেন শুদ্ধ বলিনা কন্যাপ-যোভি জ্যহ• পিষ্টা তামুময• সমস্ত তুলিত পাক বিধাযোপরি। শ্বে-प्रः याम यूगः जञ्म भिठेत्त क्षमूत्र-रिनः मश्रथा मार्चः उ८ शृहिरय८ छ-গন্দর হরে৷ গুঞ্জোন্মিডা স্যাদিতি ।। জমুজলৈ রিভার নিযুজলৈ রিভিচ भार्तः। ভगन्त्त्र इत्रा द्रमः ॥ 🐞 ॥ শুদ্ধসূত সম পদ্ধ মৃতনাগ সভূ व्यंकः। जीवकः रेमद्रवः जुन्। जिक কোষাতকীদুরৈ:॥ পিঞ্চা তল্লেপনা-षिष्ठि जक्रगाहः ज्ञगन्तद्रः। द्रमःका-नागिकामा २४ ७ किक म्यूरिक छ-वि८॥ काणाधि ब्रापु। त्रमः ॥ है 🕃 नात्रमीलिकायाः जगन्मत्र विकिथः माध्यायः ॥ 🕸 ॥ व्यनिष्ट । श्रृश्नुवृः विक्मा युक्तः भीवा नामार जगना द्भः। इंकि श्वाक्रां अन्त अन्यायः॥ ভগভক্ষকঃ পু॰ জণ্ডাশী।কোটনা ইকি ভাষা ৷ ইজি গ্ৰাভারতে

सानक्ष्यः। उन्गात्रं उक्रम नित्यत्था यथा। या वाक्तिवः भन्नि गुङ्कः ना-युष्ठि वा क्रिम तिन । स्ट्रामी यक्ष क्रमात्रः एक्। हान्मायम्ब्रेट्स् ॥ इति मार्कः अवभूतात् नमाहाता-स्रायः॥

ভগবতী দ্রী গৌরী ৷৷ পূজ্যা ইতি (मिनि ॥ अबुश्र जी। यथा। भा भार পাতু সরস্বতী ভগব গীনিঃশেষ জা ত্যাপহা।ইতিপৌরাণিকাঃ॥পঞ্চা । যথা। ভগবৃতি ভবলীলামৌলি-गाल उरामुः का मन् श्रामानः পাণিনো যে স্পৃশন্তি। ইতি শঙ্ক-রাচার্য্য ক্ত গঙ্গান্তোত্র।। 🗱।। ত স্যাঃ স্বৰূপ যথা। যথা নিত্যোহি ভগবান্ নিত্যা ভগবতী তথা। ৰ মায্যা ভিরোভূতা তত্ত্বশে প্রাকৃ क्वारा।। वा वृक्त उपगर्यायः मर्दः মিথ্যৈব কৃতিম । দুর্গা সত্য যুরপা দা পুকৃতি ভগবান্ যথা।। সিদ্ধৈ। श्वर्गानिक अर्द यम् । यखि यूर्ग মুগে। সিদ্ধ্যাদিকে ভগো ক্টেয়ন্তেন তগৰতী মৃতা॥ ইতি বুক্ষবৈবৰ্ত্ত পুরাণে পুকৃতিথণ্ডে ৫৪ অখ্যায়ঃ ।। 🛊।। অপিচ। সেব্যুক্তে যা সুরৈঃ নৰি ভাক্ষৈণ ভছতে যত:। ধাত ৰ্ছকৈতি সেবাধা ভগৰভাৰ সা

म्ञा।। ইভি দেবীপুরাণে ৪৫ আ-ধ্যাयः ॥ 🟶॥ তদ্যাঃ পুতিমাবিশে- " वन। भूडान कनवित्नाया यथा। वुष्कावाह । मृत् जन्तीः मूबाधाकः আরাধন বিধি পর । বঁথা সা ভো-विजा भूषं भक्षत्रारिनाः करवाञ्च जिः ॥ कर्य यरङ्घन (मृत्वन उथान् मिन পূজ্য। শস্ত্র পূজ্যতে দেবী নত্র **ग**किनगी• गुंजा• !! अक्रमा**ला** करता নিত্য তেনাদে বিবৃধায়রঃ। অছ रेनवगयी कियी चलागि मुत्रमख्य ॥ তেन तुकाद धारवह नया शास्त्र मृत्र्वं छ । इन्तुनी वगरी । (प्रवी । वि-यु तहराज जरा॥ वियुद्ध भूषि वा॰ एउन जन्हरेजकः मनाउनः । (पर्वीः হেনমৰী কান্তা ধনদো প্ৰয়ত স-मा ।। তেনাসৌ अनुस्मा स्मर्या अस्न-भा व भवः खवान् । विष्याम् व। भइ।-ज्यात्मा (तो भ्रा॰ (स्वी॰ मत्माह्रता॰।। বজন্তি বিধিবজ্ঞক্ত্যা তেন বিশ্বত্ব মা-পু যু: ৷ বায়ঃ পূজ্যতে ভক্ত্যা দেবী• পিত্ত**ল সম্ভ**বাং ৷৷ বাযুদ্ধ**ং তেন ত**্ৰ शुष्ठ ग्रानीभगाः रागवरः । वनवः काः ज़िकाः प्रवीः शृषयस्य विधानजः ॥ लाशु वरहा यहाजात्म वमृद्धः म् महाहयः। अश्विमी शार्थिवाः (हः वी शृष्ट्रयाखी विधान उक्षा (जन जार्-

चित्ने अपूर्वे मिन्य (पर् भेजानुर्छ) । স্থাটিকা॰ শোভনা॰ দেবী॰ বৰুণো ' २६वट मना। वदनवृश्ह मःगुरि তেन शक्ता निनिज्या (पर्वी नव-্মুণী পুণ্যা মণ্নি র্মজতি ভাবিতঃ। অণিত্ৰ পুষ্ণেৰা তেন তেনোৰাণ नगन्ति ।। जागुः (तयीः ननाका ब॰ ভক্ত্যা দেবো দিবাছরঃ। মহতে তত্ৰ সূস্থাপ্ত ভেন সূৰ্ব্যত্ব মূতন।। मूका रेनवभवी॰ स्तवी॰ स्माप्तः शृक **ब्**ट जना । छन जामा २भि ज স্পাণ্ডঃ সোনত্ব নভতোজ্বল।। পু-यानकम्यी॰ (म्वी॰ यक्तास्त्र अज्ञाना-चनाः। (তন নাগান্ত ভোগাচ্যাः **পু**वास्त्राउ পর• भर• ॥ क्कागनर-मी (पवी भ्षयस्मृतास्माः॥ दा ক্ষুসাশ্চ মহাত্মান স্তেন তে ২মিত বিক্ৰমাঃ॥ ৰপু সীসম্যী দেবী পা-শাসাঃ পূজ্যন্তি তা । তেন ক্ষ वलात्माः भुवासि भव्मः भवः॥ विद्याहिका मा (पवी गक्राय ध्य कामयः । (उन (जागवामार्शकाः शुवाडी खत्र मनिततः ॥ वज्रु लोशः भयी॰ प्रवी॰ यकत्त्र भाउद्रः मना । गाज्द भागा जाः गर्वाः भुंतिषि পর্মণ পদি ॥ এবং দেবা: সগন্ধ-রাঃ পিশাদোরণ রান্ধাঃ। পুর

यस्य मराकालः हिईकाः मुद्दनावि का॰ ॥ जथाजुर्माश (मरवम्ब्र यभी इ নি গরা•গতি•॥ শিবা• নণিন্দী• প্ৰা লভসে ননসেপ্লিডান্। কা मान् मूद्रवदास्यक कानिरेकः भूकि रिजः अमा ॥ ममानि गई ब्लाकानाः ভিত্তামণি র্যথা শিবা। ইত্যাদ্যে দে ব্যৰতারে দুৰ্যবিধি প্লামাহাত্ম্যে o ज्यायः ॥ 🕸 ॥ छटेन्। गृहमानः जा कन गया। दे यद है वाह। (पवा) প্ছন্ত गঃ শুক্র করাপয়তি শোভন । 'गरब्राभक्दरेश यूंक्रः मक्लाडार्गनाः विड॰ ॥ जिसन् यकी वृज्ञः एवः वि-তাৰ দৰ্পণানি চ। দত্ত্বা মুব্ৰজ বংশা-पि नि**उ**९ त्रशीठकानि हे ॥ प्रवी শাস্ত্রার বেক্তার পুজন ভবনে শুভ ৷ এবং প্রর্ত্তে যস্ত তস্য পুণ্যফল শূণু ।। দশ পূর্বাপরা॰ স্তাত আত্মন শৈচক বিংশতি। উজ্ত্য চ জন। পাপাদুদ্ধলোকে মন্থায়তে॥ গছতে ভাৰতী যত্ৰ প্রাপর্য গুজিতা। তত্র কল্লান্ডর॰ যাব ছু জা ভোগান ম भारतमान्।। भूमः कानाविहायाजः भृषिका (मुक्त्राहाबर । मञ्जा वी-হ্নোপেতঃ শাতঃ পুরপরিছ্যা ॥ भून (पेन्डा विजाजीना जन्जना। भिया जर्बर । क्ला मण्डली

निउप (पवी भाषार्थ भाइगः॥ नভতে भन्न সভাব তদ । जप्छ भिवजा व्राह्म । प्रवृक्ष यः मुक मर्मा ह्या निज्ञ भः॥ म ভविष्म नाम (मोध्य मर्ब मन्मा खि मन्युः। जमा गर्हि वा लाक मर्बकाम कन्युः एपाम प्रवृक्ष यः मुक (गाम प्रवान लाम प्रवृक्ष यः मुक (गाम प्रवान लाम प्रवृक्ष यः मुक (गाम प्रवान लाम प्रवान क्ष्म ग्रहि । हिज्ञाक निन्न छन्न । म मा स्वि । हिज्ञाक निन्न छन्न । म मा स्व विश्व । हिज्ञाक विन्न छन्न । म मा स्व विश्व । हिज्ञाक विन्न छन्न । म मा स्व विश्व । हिज्ञाक विन्न हिज्ञ । म मा स्व विश्व । हिज्ञाक विन्न हिज्ञ । म मा स्व विश्व । हिज्ञाक विन्न हिज्ञ । म स्व विश्व । हिज्ञाक विन्न हिज्ञ । म स्व विश्व । हिज्ञाक विन्न विश्व । मा स्व विश्व । हिज्ञाक विन्न विश्व । मा स्व विश्व । हिज्ञाक विन्न विश्व । स्व विष्ठ । हिज्ञाक विन्न विश्व । स्व विश्व । हिज्ञाक विन्न विन्न विष्ठ । हिज्ञाक विन्न विन

खगरान भू तृष्यः । इष्णामतः ॥

श्रीकृषः । यथा । जगरानिम छ।

त्राजीः भातरमा एक्स मिस्नकाः ।

रीक्षा त्रस्त मान्यकरणामनायाम्

गामिजः ॥ इष्णि श्रीकागराज २०

स्राक्ष २२ अधायः ॥ भ्राक्षा जि ।

इष्णि सिमी ॥ श्री क्षा क्षा जि ।

इष्णि सिमी ॥ श्री क्षा क्षा क्षा मान्य त्रभी हर्तमार्थः मृद्धा

गन्य न महम । जरम् छ द्या यञा न क्षा मान्य व्या न महम । जरम् छ यदा भिष्य हर्जि ।। यह विस्ता जः भन्न व्या । यह विस्ता क्षा विष्य हर्जि ।। यह विस्ता क्षा विष्य विष्य हर्जि ।। यह विस्ता विस्ता क्षा भन्न व्या विषय हर्जि ।। यह विषय विस्ता ।। यह विस्ता ।। यह विस्ता । यह विस्ता ।। यह विस्ता । यह

ব্যক্ত মন্ত্রর নচিন্ত্য নজ মুখ্যুছণ জা নিৰ্দ্দেশ্য নৰূপঞ্চ গোণি পাৰ্যন্ত সং যুত ।। বিভূ সর্বণক্ত নিজ্য । তা र्यानि भकात्रनः । ब्राम्यग्रहान्तुः यकः मर्द्रः छः देव ाम्।सि मनसः ॥ তদ্রুদ্ধা তৎপর• খা ্ তদ্ব্যেশ্ব বোল **ক্ষকান্ধ্রণা•। শুক্তি**র ক্যোদ্যাদ সংগ্রু **उद्यक्तिः भत्रमः ।** ११ त उत्पन्न 🔗 गवषाठाः सक्षाः भागास्त्राः **ठरका खगवहम र सम्मानाहरू** ज्यनः। এवः निगमि ार्गाः । अतः। তম্য তত্ত্তঃ। জ্ঞ 👙 👀 🕬 क्टारन अवगन्यर्थ । या त वाल्य গোচরস্যাপি তদৈ বসুষ্ণা বিজঃ পূজাযা• ভগবহৃদ্ধ 🐩 🐃 🚟 🔻 চারিক: ॥ শুদ্ধে সহালেন্ড 🕾 পরে বুন্ধণি বর্ত্ততে 💸 🐗 🤘 💠 ह्रमः সর্বকারণ কার 🔠 सः छ🕾 🕏 তথা ভৰ্ৱা ভকারে৷ 🔏 ভ্ৰমণী,ভিল্ তেনাগমবিতা সুষ্টা কাম্রার্থ কার্য मूति ॥ अश्वरीत्रा मः मुख्य विद्यान य**णजः भि्यः । छः**। देदद्वान्यः শৈচৰ ষ্মাণ ভগ ইতি নিয়া সভি যুত্র ভূতানি ভূতাজ্য খিলাঝে ন স্চ ভূতেম্বশেষেষ্ এলকাল কডে: হব্যয়ঃ II এব মেব 🛷 বাহো ভগ-বানিতি সভ্য ৷ প্ৰ ুক ত্তাং

বাস্থেস্য নান্যগঃ।। তত্ত্ৰ পূজ্য প্রদােকি পরিভাষা সমন্বিতঃ। শক্ষে ্য নোপচারেণ অন্যত্র হ্য \* । উৎপত্তি পুলयकिव সূত্র নাগতি•গতি•।বেত্তি বিদ্যা ম্বিদ খ ন বাচ্যে ভগবানিতি।। रहान विक रोमश्रयं। वीयं। राजाः সংশেষ জঃ। ভগবছদ বাচ্যানি বি-া ো র্গণাদিভিঃ ॥ ইতি বিষ্ণু-প্রচনত অংশে ৫ অধ্যয়ঃ।। 🗱।। া 🤃 পরমাত্মা চ ভগবান্বিম্ব-ा हरार्धनः। उन्हें क्यान् छाः নাল্ল পণ্যৈ হি জাযতে ৷৷ ভ-गवहानानयी जगवहामनिश्वाः। লগৰভাক্তি মাস্থায় বৎস ভাগৰতো ভ স্গবান্ ভূত ভব্যেশো ভূতা-👍 🤲 বা হব্যয়ঃ। ভাবেন ত ত ে 💢 ভব ভঙ্গকর• হরি• 🏿 ভজ-६ 🖘 ा বিভূ• ভগবন্ত• ভবেশর । ্ৰা ভাগৰতো ভুত্বা ভৰবন্ধাৎ ু লাভ্যসি॥ইত্যাদ্যে বহিপুদাণে रेबक्षव*े* ज्यार्यारण यनानुभागरना सः स्थाऽाः ॥ अ। अन्त्रहान्ह्ञा•क्तु- । ज्भोत्रयः पू॰ दिलीशद्राजभूः । जुज्जुन नर्दायाः कीविगाः नरा। युष्टी 🔧 जी ह भाखा ह खर्गदान् कः क्यानि । ।। इंडि वृक्तरेववर्खिक्क कामार्थः । २० व्यवग्रायः ॥

**७गान•** ही न्करहाकि । एका **ण नत्रम**छक् । ইতি करिय थतः ॥ जगना नहाम्यमा प्राप्त ভূষণ নিতি বুঙ্ং পাতিঃ ৷৷ ভগালী পু• শিবঃ। ইতি ত্রিনাণ্ড (भियः ॥

ভिणिनी खो महापद्गा । उट्भर्गायः । মুসা ২। ইত্যুমর: ।। ভগ॰ যত্ন: পিত্রাদিতো দুব্যদানে বিদ্যতে প্স্যা ইতি ইনি ভগিনী।ইতি তউীকা-থা॰ ভরতঃ।। স্ত্রীনাত্র•। যথা। প ন্নিগৃহা চ বাসান্ধী ভগিনী পুকৃতি নরী। ইতি শব্চন্দ্রিকা॥

ভिगिनीপिठिः भू॰ समृज्जी। उद भर्यप्रायः। वात्रुः इः २ जागः १। यथा । ভগিনীপতি রাবুক্তো ভাবে। বি-ঘানথাবুকঃ। ইতি নাট্যোক্তাবম-রঃ। অছে। ভগিন্যহে। ভান ন্যা वा॰ वष्ठ भाष्मना। शृक्षाम हैवा-পত্য সুভূদো হি•সিতা: সূতাঃ ॥ ইতি দ্বীভাগৰতে ১০ স্বন্ধে ও সা-धा अवस्थ

যেন গ্ৰহ্ম আৰীজা। বথা। অসল-क्षच जनमा श्रम्भागाम विप्रमः। তम् भूषा मिनीभस निनीना ह ভগীরথ: ৷৷ যেন ভাগীরণী পঙ্গা ভপং কুরানভাবিতা। ভগীরথস্য ভনবে সাভাগ ইতি বিশুভঃ ॥ ভাতি মালায় ১২ অধ্যায়ঃ ॥ ভগোর পুণ্) হেভগবন্ । ইতি মুধ্ব-ভগোর ব্য় বাধ্ব্যাকরণ সংক্ষিপ্ত সারশ্চ॥

ভগোলঃ পু॰ ভপঞ্জর॰।নক্ষত্রচক॰। यथा। इनानी • ज्लानमाइ। या-भ्याख्य किं जिब्द मृत्र विन-थ्यानाथात्र वृद्ध यूगनः थुन यश्चि व षः। यष्टेऽक भव मम मखन वख् তীয় নাড্যাস্থ্যক বিষুবদ্বলয় ত-(म्व।। यथा थरगारन कि जिह्न-याः ন্যোত্তরঞ্জ তদাকার মপর মাধার বৃত্ত দ্বয় প্রবয় প্রস্থা করে। তদুপরি व्यन अल् जीयः नम मख्नाकात्रः घटी यष्ट्रेऽ।ठाव्हिज• कार्यऽ• जमाजीवृज्ज• वियुव व्य म छ ।। 🗱।। इरानी ক্ৰান্তি বৃত্ত মাহ। ক্ৰান্তি বৃত্ত গৃহ। **স্ক**ণ বিধেষণ ভ্রমত্যত্র ভানুশ্চ ভা-র্ছে সভা ভানুতঃ।কাতিপাতঃ পু ভীপণ তথা পুনুটা ক্ষেপ পাতক ७८ ञ्चान कानाङ्करयट् ॥ व्यथानाः **ख८ शुमा**न भिव वृद्धः कृद्धा ७ ब भियातीन् शुक्त्यः घातमः ज्ञानस्या **२क**्राः । ত**ে** কান্তি বৃত্ত স•জ্ঞ• । ভিমান্ বৃত্তে রবি ভু নিতি তথা রবে

ভাৰ্দান্তরে ভূভা চ। তথা তত্র কান্তি পাতো মেষাদে বিলোম ভুমতি। তথা গুহাণা বিক্ষেপণাতাঃ প্-সুটা বিলোম ভুমন্তি। অতঃ কান্তি भाजामीनि ञ्चानानि उवाक्रानि॥ . 😸 ।। ইদানী কাভিবৃত্ত নিবেশ মাহ । ক্রান্তি পাতে চপাতাডে ষট্কান্তরে नाफिका वृद्ध नग्न विष्धापिषः। পাততঃপাক্ ত্ৰিভে সিদ্ধ ভাগৈ ক-দশ্বিকণে তৈক্ষ ভাগৈ বিভাগেপরে । ক্রান্তি পাত চিহ্নাৎ বড়ে হন্তরে <del>१</del>न्। তে চিয়ে नाডी বৃত্তেন সংসক্তে কৃত্ব। পাত চিহ্লাদ-পুত: ব্রিভে ২ন্তরে নাডী বৃত্তান্ডাগ চতুর্বি•শভ্যা উত্তরতো যথা ভব্তি । অপর ভাগে ত্রিভে হন্তরে দক্ষিণ ভশ্চ তৈ মার্গৈ র্যথা ভবতি তথা ব-शीयाए।! #॥ इनानी विमखनमाइ । নাডিকা মণ্ডলে ক্ৰান্তি বৃত্ত• यथा ক্রান্তি বৃত্তে তথা ক্ষেপ বৃত্ত ন্যমেৎ ৷কেপ বৃত্তম্ভ রাশ্যন্ধিত তত্ত্বচক্ষে-প পাতেषु जिङ्गानि क्र्याकवर । কান্তি ব্ভন্য বিফেপ বৃত্তস্য চ ক্ষে-পপাতে ম যড়েচ কৃত্বা যুক্তি ৷ ক্ষেপ পাতাপুতঃ পৃষ্ঠতদ্চ ভিত্তে ক্ষেপ ভारिनः ऋरेष्ठिः स्त्रीम्युवारम् मृतम् ।-শীঘুকর্ণেন ভক্তা জি ভন্ন্যা ওলাঃ সূঞ

भत्राकः अ जागा गुरु। गः सु होः । क्किन् नानि या। विषयाए भृथक् बन्द् छ ज्रमछीनम् भ्रागुराः॥ यमऽ श्लोकमा समग्मा वराथरानः। यथा কাম্ভি বৃত্ত পৃথক্ কৃত এব বিমণ্ড न मिन द्रान्। हर भृषक् भृषक् कृत्र। তত্ৰ মেষাদে ৰ্ব্যস্ত॰ সু ট ক্ষেপ পাত• मचार्गु हिङ्कः कार्य्यः। जय कान्डि বৃত্তস্য বিমণ্ডলস্য চ ক্ষেপপাত চি इराशः मन्त्राउ कृदा उमा८ वर्ष **২**স্তরে অন্যঞ্চ সম্পাত• কৃত্বা ক্ষেপ " পাতাপুত স্ত্রিভে ২ন্তরে ক্রান্তি বৃত্তা मुखाउः मृदिः (क्रमजारेगः भ्रज-শ্চ ব্রিভে হন্তরে তৈরেব ভাগৈ দক্ষি ণতঃ স্থির কৃত্বা বিমণ্ডল নিবেশ নীয়•। অথ পঠিতা যে বিক্ষেপ ভা-গা স্তে ভ্রিজ্যা গুণা: শীঘুকর্ণে ন ভক্তাঃ चु है। उद्धियाः ॥ ऋ॥ अथानुभा उः। যদি কর্ণাগ্রে এতাবদম্ভর• ভর্হি ত্রি-জ্যাগ্রে কিয়দিতি। যতো ভগোলে जिरेकारव वाजार्क्ष । **अव हन्द्रा ही** ना॰ यह विम खनानि कार्याति। स स विम अला गुरु। जुगयति ॥ 🗱 ॥ हेरा-নী॰ ক্রান্তি•বিক্ষেপঞ্চাহ। নাড়িকা মণ্ডলা তিৰ্য্যগ্ৰাপনঃ ক্ৰান্তি বৃত্তা-ৰবি: কান্তিবৃত্তা हुतः। (क्र প বৃত্তা-यि डियं(११४, ग्रुटी नाजिका वृज्ज

থেটান্তরালে ২পদ: 🖰 🕾 🖯 💎 **सुंहे गुरु छानः** ७४७ मधीद्छायः ত্তির্য্যগন্তর• সা ক্রান্তিঃ। অথ বিম-ওলে চ যদ্পুহ স্থান তস্য ক্রান্তি বৃত্তাৎ যতির্য্যান্তর স বিক্ষেপ:। অথ বিমণ্ডলস্থ গৃহস্য নাডী বৃত্তা ন-खिर्यागन्नतः मा मुहा कान्निः ॥ # ॥ ইদানী কান্তিপাত নাছ। বিষুবৎ ক্রান্তি বল্যযোঃ সংপাতঃ ক্রান্তি পাত: স্যাৎ। তন্ত্রগণা: সৌরোক্তা वृद्धा अयुज वय॰ करन्ना। अयन हन-न यमुक भक्षानारेम् भ भवाय । তৎ পক্ষে তভগণাঃ কল্পে গোষ্-र्जू नन्म (गा हन्मुाः )৯৯५५৯ ॥ उट সংজাত পাত ক্লিপ্তা থেটে ২পমঃ नाथाः। काष्ठि वनाखहत्र मूमयान्हत्र म्व वद्मांशाम उठः (क्रभाः॥ का-ন্ত্যর্থপাতঃ কান্তিপাত:। পাভো नाग मल्गाञः करगाः विषुष् कास्ति वनगरयाः। निङ् जरमा स्पंतानारवव সম্পাতঃ। কিন্তু তস্যাপি চলন মস্তি । বে অয়ন চলন ভাগাঃ পুসিদ্ধ। छ-; এব বিলোমগস্য কান্তি পাতস্য ভা-गाः। तिवारिः न् ४७ छावछागान्छ-রে কান্তিবৃত্তে বিষুবদ্ত তণা নিত্য-র্থঃ। নহি ক্রান্তিপাতো হস্তীতি বক্তু• ন শক্যতে। পুত্যকেণ তস্যোপণদ্ধ

पार र्षेत्रवांस श्कात मण् वकाः . তি লেখ কথা মুক্তরপ্তাদিভি নি পূন রপি নোজ ইতি চে**ং। তদা** यन्त्रवारेख र्ताभवातः। इमानीः वछ द्वार माम्मुटि बननहः। अउवर তস্য গতি রম্ভীত্যবগত । যদ্যেব भग्रम्भवाद्याभि मोत्रिमकारहाः ক্তত্বাদাগম প্রামাণ্যেন ভগণ পরি-श्राहिव कथ रेड त्निक: 1 मडाः । অত্র গণিতস্কদ্ধে উপপত্তিমানেবা गमः भुमानः। ७ ई मत्नाह भाउ जगना जागम भागान्।रेनव कथः তৈ ৰুক্তা ইতি ন বক্তব্য । যতো গু-श्राणाः सन्तरकवाजावश्रानानि भुज्यः क्किरेनरवाभन छ। उच्चारमा व मरन्ता ह স্থানানি যান্যের বিক্ষেপাভাব স্থা-নানি ভান্যে পাতছানানি কিন্ত ভেষা• গতি রস্তি নাস্তি বেতি সন্দি-শ্বংম তত্র মন্দোচ পাতানা গতি র खि। हम् भागताह भाजविष्ठानुनाः নেন সিদ্ধা। সাচ কিয়তী ভদুচ্যতে। रिय जंगरेन कथनिक सानानि जानि গণিতেনাগছন্তি। ত**ন্দ্রগণ সম্ভ**বা वार्षिकी रेपनिपती वा गाउँ एक्या । रेनवः। यम्होन। द्वाल जंगरेन खारनहव शानानि वागहिष्ठ। उना कउत्रम्। পড়েঃ প্রানাণ্য:। সত্য:। তর্হি সা

ম্পুতোপলন্ত্যনুসারিণী কালি গতি রস্বীকর্ত্তব্যা। যদা পুন মহতা কাকে न भरूरस्वर ভবिষ্ঠ ि ত । मिक्तिरहा तुक्क धर्या ही मा 🕫 🤻 মিণ এব উৎপৎস্যন্তে। তদু । বিষয় নুসারিণী গতি মুররী কৃত্য শাঙ্গা ণি ব্যাকরিষ্যন্তি। অতএবায় গাণি **७ ऋक्षा महामिजमिक्ट मृ**डेः अस অনাদ্যনম্ভে কালেপি থিজাৰু 🦠 যাতি। অতো ২স্য ক্রান্তি প্রভার ভগণা:কল্পে হযুত ত্রয়ণ তার 🦠 🧓 সিদ্ধান্তোকাঃ। তথা সুঞ্জান 🔭 দয়ন চলন মুক্তং সএব ক্রাছি প্রত্যু **उ (गाम बूर्नन्स (गा हन्मा** सिर क न्यु-**ম্ভে! অথচ তেবা যেবা ভগ**া অৰ্ফা । यहा (य २०मा निभूरेन क्ष्रः 🚃 তদা সএব ক্রান্তিপাত ইভাগের ত• বিলোমগ• ক্রান্তিপাত• 🐃 🤫 ক্ষিপ্য কান্তি: সাধ্যা ॥ 🗱 🦠 নী বিক্ষেপপাতানাহ। এন বিন্তল সংপাতাকেপ পাভার । हन्मुानीनाः व्यखाः (क्रश তে यों ब्राः ॥ मन्त्र सुरहे। ाव ः जिम खरन (स गुरहा जुम छ) । हान । পাতঃ। পাতেন যুক্তা গণিতা ভেন गना मुहीट (थहतुन: माता इसाट ।। পাতে २०वा मी पुकल किलान কৃত্বা,স্কুটান্তেন যুতা ছরো ২তঃ চন্দু- 🖰 न्। कक्का वलाय कि भाजः मु हो दिस्या র্মধ্যম পাত যুক্তাৎ॥তথা কান্তিবৃত্ত বিমণ্ডলযো: সম্পাত: কেপপাত:। ত গুছে পুক্ষিপ্য ক্ষেপঃ সাধ্যঃ। এতদুক্ত•ভবতি কান্তিপাতঃ পুসিদ্ধঃ । যথা ত॰ গুছে পুক্ষিপ্য ক্রান্তিঃ সা ধ্যত্ত এব ক্ষেপপাত গুছে পুক্ষিপ্য দেপ: সাধ্য ইত্যৰ্থ:। অথ বিকেপ भारता मनसमुर्छ यट भुक्तिभारत **७८ काরণ नाङ। नन्त**ञ्जू हो। पुतक् लुजिमखन इंडापि । यंजः भीषु भुविमख्यम मखन स्वीगव्या गुर्हा ভমতি তত্ত্র চ বৃত্তে পাতঃ ৷ হাতো গ ণিভাগতপাত• নন্দস্কুটে প্ৰুক্ষিপ্য ক্ষেপঃ সাধ্যতে। শেষ<sup>ে</sup> স্পষ্টার্থ ॥ 🗱 ॥ इनानी छ भूकत्या वित्मय মাহ। যে চাত্র পাত ভগণাঃ কথি-তা জ ভূগো তে শীঘ্কেন্দু ভগণৈ त्रिका यञः मूतः । अन्नाः मूथार्थ म्-দিতা কলকেন্দু যুক্তৌ পাতৌ তযোঃ পঠিত চক্র ভবৌ বিধেয়ে।। চলাদ্বি भाषाः किन कमु मिष्का करन्तु म পাতে দুচেরস্ত যোজ্যঃ। অত ক वाट भाउ युजाट का ज्याः मुधी ভি রাদৈঃ শর সিদ্ধি ৰুক্তা॥ मू-টোন শীঘ্রাছ মুতৌ স্কুটো তথোঃ

পাতৌ ভগোলে বুট এবপাত:। य-न् छ मूकरगाः भीखाः भांक यूछि॰ কেন্দু॰ কৃত্বা যো বিক্ষেপ আনীতঃ স শীঘোষ স্থান এব ভবিত্মষ্তি ন গুছ স্থানে। যতো গুছো ২ন্যত্র বর্ত্ত তে। অত ইদ মনুগপন্ন মিব পুতি-ভাতি। তথা বুজনিদ্ধান্ত ভাষ্যে। क्छ मृक्तरमाः भी याह आरन यावान् বিক্ষেপ স্তাবানেব বত্র তত্রস্প্রাপি গুহুস্য ভবভ্যত্রোপলব্ধিরেব বাসনা । নান্যৎ কারণ বক্তু শক্যত ইতি **চতুর্বেদে নাপ্যন**ধ্যবসাযো হ ত্র কৃ<del>তঃ</del> । অত্যেচ্যতে। যে ২এ জ্ঞ শুক্রযোঃ পাত ভগণাঃগঠিতা স্তে শীঘুকেন্দু ভগণৈ যুঁ তাঃ সম্ভ স্তদ্ভগণা ভবম্ভি। তथाह माधनीय निकाउह्छानली পঠিতা:৷ অতো হল্ল ভগণ ভবঃ পা তঃ স্বশীঘু কেন্দ্রেণ যুক্তঃ কার্য্যঃ। শীঘো-চাৰ্গুছে শোধিতে শীবুকেন্দু তিমা-ন্সপাতে কেপকেন্দু করণার্থ গুহঃ কেপ্যঃ ৷ অত স্তল্যশোধ্য কেপক-या नात्म क्टा भीखाइ পाउ याग এবাবশিষ্যত ইত্যুপপন । কিঞ্চ । मन्त मुद्दीनः भीद्राष्टः श्रुडिम्खः ल ठलकन्तु उरभाउ (कथु युष्) তে। এব কৃতে সতি ক্ষেপ কেন্দু मन्दक्राच नार्खादः न्यादः। उपश्री-

क् उ॰ । इंड द्राक सुत्र तानू भगा खः । व्याक्। मुन्तकन भाउ वास (भव॰ । याजा श्रुभा उ निषा हनातन्तुः মধ্যোন শীঘুাছ ভবতি। যন্তু ভ গোলে কান্তিভি তৎ কক্ষা বৃত্ত• তর यहिन ७व॰ তর सू हेगु इः। তৎ হুট পাত যোগে। হি বিকেপ কেন্দ্ৰ• অতঃ যু,ট পাতস্থানে সম্পাত ক্রা **তত জ্রিভে ২ন্ডরে রুটী কৃতিঃ পর**ন (काशारेणः भाषमुख्यत मिकारा ह विनामाः। তथा नारङ विमछल सु है গুহস্থানে বিক্ষেপঃ যুট বিক্ষেপেণ গণিতাগতে ন তল্যে৷ দৃশ্যতে নান্য (थठ)र्थः॥ 🗱 ॥ ইरानी • गुरुरगाल বিশেষ মাহ। গুহুস্য গোলে কথি- 🛚 তাপনওল পুকল্প কক্ষাবলয় য-থোদিত ৷ নিবধ্য শীঘু পুতিবৃত্ত ন-श्चिन् विमञ्जन जद्भ शिठेर जः नाताः **শৈ:**। নধ্যো**ংত্র পাত্তো**ুগু**সদা**• জ্ঞ ভূয়োঃ স্বশীষু কেন্দ্রেণ যুতৌ তু যো-জ্যাঃ।ভগোল এব তাবন্গুছ গোলঃ কল্প্য: তত্র বু.ট এর পাতঃ। অথ যদি **छम् अर्थ इरिगाला श्ला** निवस्रा छः **দা ত**ত্ৰ মথোক্ত বিষুবদ্বত ক্ৰান্তিবৃ-ত্তঞ্চ বজ্ব। কক্ষামণ্ডল॰ পুকল্প ত্র ছেদ্যকোক্ত বিধিনা শীঘু পুতিমণ্ড-লং বদ্ধা তত্ৰ পুতিনগুলে গণিতা-

গতপাত নেষাদে কিলান গৃণ্যি-ত্বা তত্ৰ চিছ্ল- কাৰ্য্য-। অথ ত্ৰিজ্যা-व्यामार्खास्यानाष्ट्र वामार्कः विम-ওলাখ্য ক্রা তত্রাপি নেষাদে ব্য-স্ত-পাতাগে চিহ্ন ক্রা পুতিন ওল বিমপ্তলযোঃ সম্পাত চিহ্নে পুথমং **সম্পাত•। ততে।** ভার্দ্ধান্তরে দ্বিতী• য় কৃত্বা পাতাদগুতঃ পৃষ্ঠতক ত্রি-ভে ২ন্তরে পরমবিক্ষেপাংশৈঃ পঠি-তৈঃ পুতিবৃত্তা দুভরে দক্ষিণে চ বি-মণ্ডলং ন্যাং। তত্র নন্দ মুটগত্যু পান্ননার্থিকো গুহে ভুনতি ৷ অতে ৷ भिषाप बन्ताम मन्त्यु हो। विम अ ल (नयः। न उब्रङ्ः भु उप्रख्नाट् যাবতান্তরেগ বিক্ষিপ্ত স্তাবান্ তৎ পুদেশে বিক্ষেপঃ। যতে। বৃত্ত সংগা-তন্থে গুহে বিক্ষেপাভাব: ত্রিভেইন্তরে পরমে। বিক্ষেপো নধ্যেংনুপাতেন। অতো বৃত্ত সম্পাতপু হয়ে। রন্তর • জে-য । তদন্তর পাতগৃহযোগে কৃতে ভবতি।পাত্স্য বিলোমগত্বাৎ।সং-यागः मताथः कन्दुः। यपि विक्रा তুল্যবা কেন্দু জ্যবা পরন শর স্তদা-ভীষ্টবা নয়া ক ইতি ফল পুতি নও-जित्रिचे चत्या छिर्यं प्रश्वतः न्या 🕻 । বিন্ওলস্থ গুহাদ্মধ্যা স্ত্ৰ ত-ज्यस्य गुराखन मह मीयु कर्नः।

यि ज्यभार कर्नाशु अजावान् वि-क्ल उस विज्ञाल्य कियानि वि তীয় তৈরাশিক। আদ্যে ত্রিজ্যা হ রে। দ্বিতীয়ে छन्छ। তথে। नीःশ कृতে किन्द्र क्रायाः शत्रम् भत्र खनायाः কর্ণো হরঃ ফল কক্ষা বৃত্ত সূত্রগো खिर्या गरुत मु हेम्ब इः ॥ 🕸 ॥ हेमाती নহোরাত ব্ভনাছ। ইপ্লিত কারি তুল্যে হন্তরে সর্ভা নাডিকাখ্যাদ-হোরাত্র বৃত্তাহ্বয• তত্র বদ্ধা। ঘটী नाक षष्ठ्राक्षयमम् विकस्यथि पूर **জীবা মতা। নাডীবত্তাদূত্তরতো দ** ক্ষিণতো বা সর্বতেই ক্রান্তি তুল্যান্ত রে যদৃত্ত নিবধাতে তদহোরাত্র বৃ ন্তে বৃত্তেন তিমান্ দিনে রবি ভুনিতীত্যথঃ। তদ্য বৃত্তস্য ব্যাসা-र्षः पुरुष्ठा ॥ 🗱 ॥ इपानी मन्तरपार । অথ কল্প্যা নেষাদ্যা অনুলোম জা-'স্তি পা তাঙ্কাৎ এষা নেষাদীনা॰ দু্যু-ব্লাত বৃত্তানি বঞ্জীযা**ে। নাডী**তৃত্তো ভয়তন্ত্ৰীণি ত্ৰীণি ক্ৰমোৎক্ৰমাত্তানি । কান্তি পাতাদারভ্য ত্রি•শৎ ত্রি•-শ্ভিভিহিগরন্যান্ মেষাধীন্ পু্ল্য তংগুেষ্ক কাছোৱাত বৃত্তানি বল্লী যাৎ।তানিচনাডী ৃব্তোভয়জন্তীণি ত্র্বাণি ভবন্তি। তান্যেব জন্মেৎ ক্রীম-🔊: नावनाः भाकन्य घार भन्नाभी नाक

। #। ইদানীমস্যোপসংহারঃ। এষ ভগোলঃ কথিতঃ থেচরগোলো হ্যমেব বিজ্ঞেয়ঃ। ইতি সির্দ্ধান্ত শিরোমণিঃ।।

ভশ্ তি পরাজিত। ইতি হেনচন্দুঃ।। মুটিত। চ্নিত। ভাঙ্গ।
'তি ভাষা। যথা। চিরকালোমি
ত জীর্ণ কীট নিমুম্বিত ধনুঃ। কি
চিত্র যদি রামেন ভশ্ ক্ষ্মিযকাস্থিকে।। ইতি ভঞ্জি:।।

ভগ্ন॰ ক্লী রোগবিশেষঃ। অথ ভগ্না-. ধি দার: । তত্র ভগুন্য ভেদমাহ। ভগ্ন-সমাসাদ্ধি বিধ হতাশ কাণ্ডে চ সন্ধাবপি তত্র সংস্কो। উৎপিষ্ট বিশ্লিষ্ট বিবর্ত্তি তানি তির্য্যগ্লভ• ক্লি-श्च नथक यस्या ॥ जन्नव जावार्थ ক্ত প্ত্যুয় স্তেন উণ্নু: ভঙ্গু: স চাত্র বিল্লেষে। ২ভিপ্ৰেডঃ। তেন ভগ্নন-<u> जाञ्चितिरन्नय ,नक्ति । मगामा</u> সংক্ষপাৎ। হুতাশ হে অগ্নিবেশ । যত শ্চরকে হগ্নিবেশস্য হৃতাশে-তি নামান্তর মুক্তণ কাণ্ডে সন্ধিপ-र्ग्या अन्यत्थ। यश्चिमाको घर्या ब्राखुः नहान ज्ञात । उब मस्त्री উৎপিষ্টানি ভেদিঃষট্পুকার•ভগ়• ভৰতি ৷ যল্ল বভাৰ্যত্বেন সন্ধিভগ্ন-जाराती विव**त्रगः। उद्धिशाहि गा**पि ।

व्युषः व्याद्यां छन्।। 🗱 ।। मिक्क छन्। म मामाना विक्रमार । भुमात्र शास्त्र ন বৰ্জনোশা কক্ স্পৰ্শ বিদ্বেশণ মেত-দুক্ত। সামান্যতঃ সন্ধিগতস্য লিঞ্ मूट शिष्ठे मासः ययपुः ममसाट।। वि শেষতো রাত্রি ভবা ৰুজশ্চ বিশ্লিষ্ট-কেতৌ চ ৰুজা চ নিভ্যা বৰ্ত্তন প तिवर्खन ।। अ।। उँ ८ भिष्ठेम। निक्ना इ । উৎপিষ্টসঙ্গে: উৎপিষ্টঃ দ্বাভ্যা মহিভ্যা॰ পিষ্ট: সন্ধি র্যস্য তস্য । সনন্তাৎ উভয় ভাগদ্বযোঃ। বিশ্লিপ্ত মাছ বিশ্লিপ্ট ইত্যাদি।ভৌ উভযতঃ শোথৌ। ৰুজা চ নিত্যু সদা ৰুজা ধিকা ভবতীত্বুৎেপিষ্টান্ডেদ:।। #॥ বিবর্ত্তিতর্য্যস্তাক্ষিপ্তাধোগতানা-হ। বিবর্ত্তিত পার্শ্বজ্জ শ্চ তীরু। স্তি-ৰ্য্যয়তে ভীবুৰুজো ভবন্তি। ক্ষিণ্ডেংভি म्ल॰ वियमक मक्र्याः कित्ध वृश्वा ৰুক্ বিঘটশ্চ সন্ধেঃ।। বিবর্ত্তিতে স-ন্ধাবনুক্তে। অস্থিদ্বযোপরিবর্তিতে পাশক্জ: সন্ধিছিতাছি থণ্ডদ্ব পা-র্ম্ববো ৰুজ: । তির্য্যগুতে সন্ধিপতে । একসিয়ালু **স**ক্ষিস্থান ত্যক্ত্বা তি गुप्ताल किएथ मक्ष्याः खेकमस्त्राः । এক্ষিয়স্থি পরস্যাস্থ্র উপরিগতে । সকথোঃ অতিশ্ল তত্র বিষম कना जिम सिकः कना विश्वानः। अशः-।

ক্ষিপ্তে সদ্ধিগতে এক মিম্বান্থ অধো-गाउ । कक् मास दिवहः विवहनक ।। 🗱 ।। কাওভগ্ন মাহ। ভগ্নঞ্চ কাঙে বহুধা পুযাতি বিশেষতো নাম্ভি রেব তুল্য । ভগ্ন কাণ্ডে কাণ্ড বিষ-य वरुश वरु जिः भुकारेतः भुगाजि। ·অত্র বহুবি**ধত্ব• দ্বাদশ বিধত্ব• বো**-ष्कवा । বহুবিধস্য কাণ্ডভগ্নস্য প্-থক্ লক্ষণ নোক্ত কিন্ত কাণ্ড না-মভি রেব তুল্যন্ত্র। কর্কটকাদি না-मानुक्त भाग नक्षा किन नामि রেব বোদ্ধব্য ।। 🕸 ।। তান্ পূর্কারা-নাহ। কাণ্ডে বৃতঃ কর্ক টকাশ্ব কণৌ বিচুর্ণিত পিটিত মস্কিলিত । কাণ্ডেষু ভণ্ন• হ্যতিপাতিভঞ্চ ম-জ্জাগত॰ বিসু টিডঞ্চ বক্র॰।। ছিম। দ্বিধা দ্বাদশধা চ কাণ্ডে। অ**ত: সন্ধি** ভগ্নানম্বর• কাওে কাওভগ্নে তদাহ। कर्क हेकः अञ्चिति भूष भूर्व का म-(४) (भागकः भाषाया त्रवनठः कर्कः ট তুল্য नभदार कर्क हैः। जायकर्गः व्ययकर्विष्ठिनाञ्चि निर्श्यामथकर्गः । বিচ্ণিত চ্ণিত মস্থি তह শব্দ স্প-ৰ্শান্ত্যা বোদ্ধব্য । পিচ্চিত নস্থিনি যক্রিত বহুশোথ। ছল্লিত বিশ্লি र्षे नग्रक् मुव । कार्ध्य ज्या कार्ध **७:११ वहानि कर्कंटेकारि गर्हरा**व

কাওভগ্ন• তথা পি ইয় কাওভগ্ন স•-ক্তাৰিশিষ্টা। মত্ৰ ভা; ভঙ্কঃ তুটিঃ তেন সৰ্বথা ত্ৰুদ্ধিত পৃথগ্ভূত দ্বচি স্থিত যৰ কাণ্ড তৎ কাণ্ডতঃ। অতিপাতিত অশেষেণ ছিত্বা পা-তিত মস্থি। নজ্যাগত॰ অস্থ্যবয বো ২স্থিনধ্যে পুৰিশ্য মজ্জান গত• ৷ বিশ্ন টিভ• স্তোকবিদীর্ণ• ব कः ज्ञानः जुङ्गी सङ्गी ज्ञः। हिन्नः দ্বিধা এক বিদীর্ণ সংলগ্ন অপর विनीयं। विधाज्ञः । बामभक्षा ह কাণ্ডে। কাণ্ডেচ ভগ্ন- দ্বাদশ্বেত্য न्यः। उष्टाक्यभ्यं कर्क हेकारि॥#॥ কাওভগুস্য সামান্য লক্ষণনাহ। সুরাঙ্গতা শোথ কলাতিবৃদ্ধি: স•-পীড্যবানে ভবতীহ শব্য। স্পর্ণা-সহ• স্থান্দন তোদ শ্ল• সর্বায়ব-্**স্থাস ন শর্মালাভঃ ॥ ভগ্ন্য কাণ্ডে**। थव विद्रासिष्ट ।। न्यामा मह नि **তि** काञ्चनाना दिष्मवर्गः स्थामतनः नाफीना॰ गृहान मृह्य मृह्यानय वाशा क्षां भागाना शीछ। भ विषिवंद्राम् भगनामना किषु ॥ 🗱 ॥ क्षेत्रायात्रभाष्ट्र । अन्नानिया , २ ना আবতো হল্তো বাতাআ্রস্য হ। छेतपूरेव वी जुडेना छग्। क्रह्म नि श्राचि । यनाज्यस्का द्वागश्राभिका

রে যুত্রক্তিস্যা লাভ্যান্ত স্যাত वाज्युक्राः। छेन्धुदिः कृजाधान নোহ মূত্র পুরীষ সঙ্গাদিভিঃ ॥ 🕸 ॥ गगानामार । जिन्न कशान कः ট্যান্ত সন্ধিয়ুক ভথা চ্যুত । জঘন প্রতিপিষ্টঞ্চ বজ্যেত্ত চ্বিত্সক:।। কপাল জানু নিভধাস গণ্ড ভালু শত্ন বন্ধুন শিরো হস্থীনি কপালানি তথা চ্যুত্র• তথা ফিপ্ত•। পুতিপিষ্ট• উৎ शिष्टे ।। कः।। भून तमादा मास्। व्यमः भिन्ने क्यानक बनाएं ह्रिंड-क्ष गट । ज्युः खर खरन स्ट्रं महन् মূর্দ্ধনি বজ্জদেং ॥ অসংশ্লিষ্ট কপা-লমিতি ভগনিশেবণ । স্তনে স্তনযো রন্তরে উরসি। মৃদ্ধনি চূডাজানে ॥ 🗱 ॥ जभद्र मभाभाषा मारु । मग्रक् मः क्ञि मश्रक्षि पूर्वशामाष्ट्रहे वक्तनाए। अ १ का जावानि यहारहि ক্রিবা॰ তচ বর্জ্যে<u>ৎ ।। সম্যক্ স</u>ংহি-ত নপি সম্যয়োজিত মপি অস্থি নু-র্ন্যাসাৎ দুঃস্থাপনাৎ সংন্যন্ত নিপ मृष्ठेरक्रनाथ मृत्रक्षमि मः कार्जा घडिषाञाहिना मक्ष्णनाट यिष्ट-ক্রিয়া পছেৎ বিকৃত ভবতি ভছর্জ-(१९ ॥ 🗱 ॥ अहिनिस्मासन उप विष्णेय मार । उक्षाशीन नम्रास्त जिरुद्ध नमकानि जू। कशाबानि

বি ভীজ্যতে সুটন্তি কচকানি চ।। ত ॥ क्याक्रीनि घानकर्गाक एए म्राकान লাস্থীন নম্যন্তে বকীভবন্তি। তেনা ত্র বক্রতা লক্ষণ ভঃ । নলকানি ন लामीन गांडीवट अत्रक्षांगुष्टि भ र्वानि जिरास अङ्ग्डितानुभूतिकाः षिशीर्यप्रसाम क्लामानिकान् निष्या॰ স গণ্ড তালু শত্ন শিরো ২স্থানি বি ভদ্যভেদ্ টভিক্চকানিদ্ভাঃ সু টভি ত্ৰটিষ্টি। অস্থানি তৰুণা নলক কপা ল ক্চক বলগ ভেনাৎ পঞ্চবিধানি। ভৰ ক্রকানি চেতি। চকারাদ্বা ন্যুলি ভুটন্তাতি বোদ্ধব্য । পাণ্যোঃ भाष्य गृष्ट वाका कठेत भाष्यू। পাদযোরপি চান্থীনি ব**ল**য়ানি বভা বিরে।। 🗱।। অথ তগ্নস্য চিকিৎসা । एक्ष व्याग मिक्किश मधुककाषु-পেষিত । শতথোত ঘ্তোমিশু ना लिशिक्षेक (लश्ने । तिशर शि প্তিক লবণৈ রশ্লীকা ফল রসাভ্যা ৰা। সদ্যোভিহাতজনিতা রাগক-का यग्थवः भुभागानि । मघ् उका छि স হার॰ লাকা গোধ্ন নজুবি । সদ্ধি ভণ্নে হস্কিসম্ভণ্ন গিবেৎ ফী-ति वा भूनः ॥ घ्टिन भिवि की রেণ বেত্যর্থ:। অস্থিস হার: হড সি হার ইতি লোকে॥ রসোন।

**মধ্ লাক্ষা**ল্য সিতা কল্ল: সম**্ৰত:** । ছিম ভিন্ন চ্যুত।স্থাঞ্চ সন্ধান ম-विज्ञान्डरव**् ॥ ब्राकाश्चिमः**ङ्द कन्न जायगन्ना ह्वी क् अ नागवना পুরশ্চ। সংভগ্ন মুক্তান্থি কছো নি-इन्। प्रकानि वर्ग। ए विल्लान-मानि॥ जिं में स्ट इति शा । वाकारिख्युवः ॥ 🕸 ॥ मा॰म॰ भा म तमः कीत मिर्य वः कला .. गजः। वृ•श्पकाः भानकः (मयः छ-গ্ৰায় জানতা ৷৷ লবণ কটুক কারণ मन् । रेमथ्न माज्यः। क्षम्मनः শুনঞ্চাপি ভগ্নঃ সেবেত ন কুচিৎ !! ইতি ভাবপুকাশে ভগ্নাবিকার:॥ ভগুপাদর্ক क्री পৃষরাখ্যনক্ষত্রষট-क । यथा। शून वं मृख द्राया । कृ खि-হোত্তঃকল্পুনী। পূৰ্বভাদু বিশাখা চ ষডেতে পুষরা: সৃতা:।। ভগ্ন-भामकं अंशागां विजीया वा-म्भी यरि। मध्यी ठाकं सन्ताः इ কাযতে কারতো ধুব•॥ ইতি ক্যো• जिख वृः॥

७गुशृष्टः भू॰ जम्म गः। ইতি विकाखः (भ्यः ॥ मृष्टिञ्जाकरुष्टः । यथा । छगुशृष्ट कृष्टि गीतः स्वतृष्टि श्राप्टा-मृथः। क्षत्रेन विश्वितः श्रुस्टः गुष्टन श्रित्राव्ययः। ইতিশুচीनकाकः ७ गुनिष्का ॥

ভগাত্বা পুণ চন্দুঃ। ইতিশব্দ চন্দুকা ভগাশঃ ত্রি হতাশঃ। দীর্ঘতৃফাভ স্বযুক্তঃ। যথা। অতিথি র্যস্য ভগা শো গৃহাৎ পুতি নিবর্ত্ত। সত মৈ দৃষ্ত দত্ত্বা পুণ্যমাদায় গছতি ।। ইত্যাহ্নিকতত্ত্বণ।।

ভগ্নী জ্বী ভগিনী। ইতি দিবপ কোৰ: ॥

ভঙ্কারী ক্রী দ শ:। ইতি ত্রিকাণ্ড-শেব:।।

ভদ্ধাঁ ত্রি ভঙ্কবর্তা। ভন্নধাতোঃ কর্ত্তরি ভূন্পুত্যযেন নিয়মঃ।।

ভक्रवात्रा जी रतिमा। इंडि नयः तन्नारणी।।

उक्तार्थः जि कितिः। ইতি हाता विशेषा

**ज्या** जी नृकःतिरमयः। उৎপर्यऽा-. **यः। गाज्जा**नी २। ইত্যनदः ॥ त **७**क्राया॰ ७क्र। का भीतिषु स्रनान থ্যাতা । ইতি সূভ্ত্যাদ্যঃ । ইতি ভরত: ॥এতস্যা: ফল কলাযপ. রিমাণ নিতি সর্বধ। ইতি সারসু-न्त्री॥ भगाध्यभग्या यथा। ज्ञा मात्रा मनाखाय। इति मूब्रेष्ठ **ब्रमुः।। ॐ।। वि**तृञा। उেউডी ইতি ভাষা। যথা। ত্রিভণ্ডীরেচনী ভঙ্গা কলিঙ্গা পরিপাকিনী। ইতি শদ্-व्यवित्रका ॥ अयुवित्रिकः । जाड् ইতি সিদ্ধি ইতিচ ভাষা। যথা। विद्याकऽविषया छङ्गा विषयमुत्रा-भन· जया। इंडिंচ भक्रिन्त्वा। चामा अनाः विक्या निष्कु पुष्ठेवाः॥

ख्यानः भु• म८मऽित्यायः। जात्रन इठि जाया। उ८भर्यऽायः। मीर्यकः व्यवः२। इठि भयमावा।।

ভঙ্গারী জ্রী দংশঃ।ইতি ত্রিকাণ্ড শেষঃ॥

ভঙ্গিঃ স্ত্রী বিছেদঃ॥কৌটিল্যভেদঃ
। ইত্যনরভরতৌ॥বিন্যাসঃ।ইতি

केलिकः। करझानः। ইত্যৰুণদত্তः।। ভক্ষঃ। ইত্যৰে।। ব্যাজः।। ह वानेजः। ইতি র ভদঃ।।

ভিন্নি প্র ভিদ্ধা বথা। অধরে ক মুল চাক দুশো স্তামূল রঙ্গিনা। প্রাণনাথ কিমেডত্তে বেশ বিন্যাস ভঙ্গিনা। ইভি কাব্যচন্দ্রিকা।। ভঙ্গী জী ভঙ্গিঃ। যথা। জানানি

नान मलमाकि वरहा विज्ञा । क्रीमंजः नयनयात्रि हाज्तीकः। ज्ञाजीत नन्तन मूथाष्ट्रक मकः मःमो वःभीत्रवा यहिन मा नवनीकरताः जि।। ইज्युक्तिः।।

ভকুরঃ ত্রি কটিলঃ। ইতিজটাখরঃ॥ ভকুরঃ পু॰ নদ্যাবস্কঃ। নদীর্বাক ইতি ভাষা। ইতি শব্দনালা॥

ভঙ্গুরা জী অতিবিষা।। প্রিযঙ্গুঃ। ইতিরাজনির্ঘণ্টঃ।।

स्त्रपु॰ क्ली स्वस्थात्मक्षे•। उद्भग्रीयः । स्वाक्षीन॰२। ইত্যমর स्त्रास्त्री।।

ভচক প্লী রাশিচক । যথা। ভুনাবর্ত্তা ভচকে প্রান্ধ প্রবোনাভৌ ব্যবস্থিত। আরাচকে ভিন্দু ভৌমৌ শুক জীব শনৈ চরাঃ।। রাহঃ কেতুরগ ভ্যান্ত নক্ষ লাণ্যথ রাশ্যং। যদা দি ভ্যান্ত অপ্তান্ধ বো ভূগোলকো ভবা ।, ছানা ভবেত্তদা রাজিঃ ন্যাচ ত

वित्रशक्तिनः। जूर्याः मर्। क्षताश्रा (शामक हायया ভবে ।। जानामा या ख्या (त्रव व्याक्र या (त्रव कात ण्ट। श्रामात्मा के बार्या के ৰাতঃ পূৰ্প শিচমৌ ৷৷ তত্ৰ পূণ্য ক লান্ডাগ: কৃতো রাহোস্ত বিফ্না। इंड्राप्त्र विज्ञात्र भगाज्य मा-माध्यायः ॥ 🗱 ॥ जथ ভচक ভुमन व्यवसा गारु। नित्रक्रातरण किछि মণ্ডলোপগৌ ধুবৌ নরঃ গশ্যতি मिकारिशाखाती जमानिजः (थ इन যন্ত্ৰৰৎ সদা ভুমক্তচক নিজ মস্ত-কোপরি।। উদ্গ্রিশ যাতি যথা যথা নর স্তথা তথা থানত মৃক্ষ ন खन•। উদগ্রুব• शमाऽ ि চোম उ• ক্ষিতে শুদন্তরে যোজনজাঃ পলা শকাঃ৷ধোতন ৰ-খ্যা ভা•শৈ৩৬• র্ত্তা সপরিধি হতা ৪৯৬৭ ভব-ब्रामाः। ज्तो ककायाः वा जाताः ভ্যোবোজনানিচ ব্যস্তণা ইতি সি-कारु निर्दामिन (गानाश्रायः ॥

ভন্ন এ ও ভাগসেববোঃ।ইতি
কবিকল্পদ্মঃ !! এ বিভন্নতি বিভা তে ব্ন ভাতা। ও অভাক্ষীৎ কৃষ্ণ সংখ্যাইতি দুর্গালাসঃ !! ভন্ন ক পাদে।ইতিকবিকল্পদ্মঃ !! ভন্ন কাৰে। বিভাগিনেইভিপুৰ্বি ा विशाहन मान । ই छि दूर्गामा गः॥ छ इ द जानि । ই छ कविकन्न या । हे क छ अपछि। जानि मी-खो। ই छि दूर्गामा गः॥ छ ने ज जानक्षी। स्मिनक्षी। जन्म ज जानक्षी। स्मिनक्षी।

জন দ্লী ভাগ: ॥ সেবা । ইতি ভদ্মতে ভাবে অনট্ পুত্যবেন নিজন-॥দারাস্তেবে ভদ্দন নহাবাঃ পুণ স্তেবে ভদ্দনকাষাঃ। ধননপি ভিন্ন নিজনার্থ নোচেনেত বা বিজ্ঞাইতি ঘোহনুদ্র: ॥

रव ैनह्रमः ॥

ভন্দ ে: ত্রি ন্যাগ্রং। ন্যাগাগত দুর্যানে:। ইত্যার: ॥ ভাগকর্ত্তা ॥বে । কর্ত্তা। ইতি ভর্নপাতো: ক র্ত্তরি শান পুত্যবেন নিয়ন্ত্র: ॥

ভারতঃ বি ভঞ্জনকরা। ভনক্তিয় ইত্য র্থ ভন্নধাতো: কর্ত্তরি ণক পু-ভারতন নিম্নমঃ।।

ভঞ্জন বৈ বর্ত্তমানতজ্ঞনাশ্বং। ইতি ভা তোঃ কর্ত্তরি শত্ পুত্যবেন

७ १ निरामा १ ५५। र छु॰ यक

ভবেদ্বস্য দম্ভভক্ষ জা ক বাত ক্তো ব্যাবি: স ভঞ্জনক সংক্তিত:।। ইতি সাধ্বকর:।।

ভঞ্জकः भू॰ (मवद्गलाष्ट्र्ड्डकः। তৎপर्यतायः। काहिमः २। ইতি विकाश्रणमः॥

ভঞ্জা জ্ঞা অন্নপূর্ণ। যথা। তীতিহা
ভযহজ্রী চ ভাবনাবশবর্ত্তিনী।
ভীনাঙ্গবাসিনী ভঞ্জা তিত্তিসংবি
তি বর্দ্ধিনী।।ইতি ক্রুষামলে সপ্তবিদ্যারহস্যং।।

ভট • ভ্তৌ। ইতি কৰিন লক্ষনঃ । তৃতি বিহু পোৰণ । কৰ্মনৃল্য মি-তি গোবিন্দভ উ:।। ভটতি ভ্ত্য • ৰামী। ইতি দুৰ্গাদাস:।।

ভট ন ভাষণে। ইতি কবিকল্পদ্ধনঃ।। ন ভটযতি। ভাষণ কথন । ইতি দুগাদাসঃ।।

चिः भू॰ (वाष्ट्रां। ইত্যনর: ॥ सिंह-चित्रः। ইতি হেনচন্দুः॥ वीतः॥ भागत्रविष्णयः। ইতি गिस्ति।॥ तक्षनीयतः। ইতি শব্দরভাবলী॥ वर्णनक्षत्रविष्णयः। यथा। वर्षात्रा-त्राच्छिता काट्या निक्रिश॰ वत्रवाक्-कः। ইতি পরাশ্বপদ্ধতিঃ॥

ভট। ত্রী ইন্দুবাফণী।রাথালশসা ইতি ভাষা।ইতি রত্নলামা॥ ভটিক ল্লী শ্লপন্না সাদি। কা বাব ইতি পারস্যভাষা। ইত্য-মরঃ।।

ভिषे: পृ॰ बाजिविष्मयः। ভাট ইতি ভাষা। তস্যো**ৎপত্তি র্যথা।** বৈ-मारायाः मृ मुवीर्यार्ग भ्रमातिका वः ज्वर । म ভ छ। वावम्क म मर्बः वा॰ खिलार्यकः॥ इति वुक्रदेव र्खि वृक्तथर७ ३० जन्त्रायः॥ जनि ह। कवियाह्मिनुकन्यायाः ज्राष्टे। জাতো হনুবাচক:। ইতি যুধিষ্ঠির পরশুরাম সংবাদে জাতিসক্ষর লক্ষণ ।। শিবিরান্তিকে রাজ্ঞা ত স্য বাসো দেয়ঃ। ৰথা। ব্ৰাহ্মণ क्रवियः दिनाऽः मह मः गगकः मूछ । छ छ र दिहाः भू ब्रकात छ। পয়েৎ শিবিরান্তিকে ॥ ইতি বৃক্ষ-বৈবত্তে শ্ৰীকৃষ্ণজন্মখণ্ডে ১০১ অ-भ्रायः ॥

ভটাচার্য্য: পু॰ তৃতাতভউনত॰ নী
না॰সাশাস্ত্র• উদ্ধনাচার্য্যনত• ন্যা
যশাস্ত্র• এতদুভ্য শাস্ত্রবেক্তা। এ
তদুভ্যনত• জানাতি যঃ ইত্যর্থে
চ্বেকাদিতি কারকাৎ কর্ত্তরি অ
ণিতা ফ পুত্যুয়েন নিয়মঃ॥
ভটারঃ ত্রি পুত্যুঃ। ইতি ত্রিকাপ্ত•

(लयः ॥

ভটারক: 'পু নাট্যোক্তারাজা। ইত্যমর: ॥ দেব: ॥ তপোধনং। ইতিমেদিনী॥ প্রে তি ইতি জ-টাবর:॥

ভউারকবার: পুণ রবিবার: বিথা । সথে সাযু নির্মিত পাশা উদদ্য ভউারকবারে কথনেতান্ দক্তি: স্পশানি। ইতি হিতোপদেশে ১ পরিছেদেকাক পুতি ভদ্মকবাক্যা।

ভিডিঃ প্ স্বনানখ্যাত রামকথাশুন মহাকান্য । ততু বল চীবান্তব্য শ্রীস্থানিস্নু ভউ মহাব্যহ্মণ নহাবৈযাকরণেন কৃত্ণ। ইতি জ্বননঙ্গলকৃতা তউাকা ॥ এতৎকাব্য
ভূত হরিণা কৃত মিতি ভরত মল্লিকেন লিখিতণ ॥

ভিডিনী স্ত্রী নাট্যোক্তৌ অক্তাভি-ষেকারাজপত্নী। ইত্যনরঃ॥ ব্রাহ্মণ ভার্য্য। ইতি সেদিনী॥

ভড ইড বাচি। ইতি কবিকল্পদ্ম:

।। পরিভাষণ ইতি গোবিদভেউ:

।। পরিহাস ইতি চতৃভূক: ।। ই
ভণ্ডতেড ভণ্ডতে শিল্পা লোক:।
ইতি দুর্গাদাস: ।।

ভক্ত ই ক শিবে। ইতি কগ্নজনঃ॥
শিব॰ কল্যাণক্রিয়া বেদেয়ের ।
পুতারণে পুনিদ্ধো ২য়ণ। ইক ভণ্ড

यि भुजातका मूकः धनमानाशिः काद्मगा रेकि पूर्वामानः॥

खंडः कु वर्गनेहत्रकािवित्नियः।

गृज्विति जीवत्र कन्यायाः काजः

गृज्विति लिंहे छीवत्र कन्यायाः कनयानीम यात्रान्। माझः मझः गाः

जतकः ভडः कालकः कन्मतः॥ ইতি

कुम्मिववर्ष्ट्रकृष्ण्डिश् अक्यायः॥

ভিডिनः भू॰ भिवकः॥ भूतः। ইত্য-गामिरकायः॥

ত্ব থা শদে। ইতি কবিকল্পদ্ধনঃ।। থা অবীভণৎ অবভাণৎ সচেহ ব্যক্তবাক্যং। শ্রীজনদেবকৃত হরি সেবং ভণতি পরন রমণীয়া। ইতি দুর্গাদাসঃ।।

ভণিত বি শব্দিত । কথিত । যথা। শ্রী জগদেব ভণিত নিদম ভূত • কেশব কেলি রহস্য । ইতি গীত-গোবিদ্য: ।।

ভণিতি: দ্রী বাক্যং। ইতি ভ্রিপু-যোগ: ত্রিকাগুশেষক।।

खणेकी जी वार्ताकी। ইত্যমর:॥ वृश्की। ইতিরব্নালা॥

७ के इंगः थू॰ (न्यानाकवृष्णः। ইতি রত্ননালা।। স্বচিৎ ভর্কোপি পাঠ:।।

ভও: পু॰ স্প্লীলভাষী। ভাঁড ইতি

ভাষা। ইতি সংক্ষিপ্তসাজাণাদি বৃক্তি:।। তৎপর্য্যায়:। চার্টুপট্রহ। ইতি ভ্রিপুযোগঃ।।

ভণ্ডক: পু: খঞ্জনপক্ষী ৷ ইতি জটা: ধর: ৷৷

ভণ্ডন• ক্লী কবচ•॥ যুদ্ধ•॥ **ধনী**• কারঃ। ইতি মেদিনী॥

ख्यानिनी जी गणिका। ইতি नदत्रशावनी॥

ভণ্ডিঃ জी वीहिः। ইতিহারাবলী।। ভৃণ্ডিকা জী নঞ্জিঃ। ইতি শক্ত রহাবলী।।

ভণ্ডির: পু• শিরীষবৃক্ষ:। যথা। ভণ্ডিলো ভণ্ডিরো নেমীতি ভরত-ধৃত বাচস্পতি:।।

ভণ্ডিল: পূ• শিরীষর্কা:।ইড্য-মর:॥

ভণ্ডিল: বি শুভ:।। দৃত:। ইত্যু ণাদিকোষ:।। শিলী। ইতি সংক্ষি-গুসারোণাদিবৃত্তি:।।

ভণ্ডी জी मिक्षिष्ठा। ইত্যমর:॥

শিরীষত্ক:। ইতি রাজনির্ঘণ্ট:॥
ভাণ্ডীতকী জী মুক্তিখা। ইতি ভার-

ভণ্ডীতকী স্ত্রী নঞ্জিষ্ঠা। ইতি ভাব-পুকাশঃ।।

ভণ্ডীরঃ পু: সম্ধিলক্ষুপ:।তণ্ড-লীযশাক:।। শিরীষ<sup>্</sup>ফ:।ইতি রাজনির্ঘটঃ।। ভণীর ল তিকা স্ত্রী মঞ্জিষ্ঠা। ইতি । রাত্র নয়টাঃ ॥

ভতীরী জী নজিধা। ইত্যনর:॥

४७ीनः भू• मिक्किश।**इंडि मद**-तन्नात्थी।।

ভঙ্ক: পৃণ নৎস্যবিশেষ: । ভাসর ইতি ভাষা। অস্য গুণা: । নধুরত্বং । শীতত্বং । বৃষ্যত্বং । শ্লেমকরত্বং। গুরুত্বং । বিষ্টায়িত্বং । রক্তাগিত্তহ্র ত্বঞাইতি ভাবপুকাশা: ।।

ভঙ্গ: পু॰ শ্যোনাক্ৰ্ল:। ইবি রল্লনানা।

ছদ ই ড হর্ষে।। প্রীভৌ:। শুছে। ইতি কবিকল্পন:।। ই ভন্দ্যতে। ড ভন্দতে পণ্ডিত: সদা। ইতি দুর্গাদাস:।। '

ভদ ই ক শুভে। ইতি কবিকল্পদনঃ
।। ইক ভন্দে ভি। শুভ কল্যাণকি
যা। ইতি দুর্গাদানঃ।।

ভদস্ত: পু॰ সৌগতাদিবৃদ্ধ:। ইতি ক্ষেত্ৰস্ক:।। নাবাদেবী সূত:।। সু॰ তেজ:।। পৃজিতে ত্রি। ইত্যাদি-কোব:।।

ভদাক: পু: ব্লী নঙ্গল:।ইত্যানি: কোষ:।।

छ्दुः क्री गक्ष्यः॥ यूष्टः॥ काक्ष्यः। इंडि भिनिशे॥ ভদু॰ স্লী জ্রী করণ নেশ্বরণ ইতি নেদিনী।। তত্ত্ব বিভিন্ন গুলু বিশ্বরণ পুল নিশ্বং অশুভদ । ইতিবেল বিশা ভদুঃ পুণ শিবং ।। বিভিন্ন বিশা বং । ইতি মেদিনী ভিন্ন বিশা ভগত বলদেবং । বামচন বিশ্বরণ বিশ্বং । ইতি হেমচন্দুঃ ।। মুর্ হাছ ইতি রাজনির্ঘণ্টঃ ।। সাধ্যমৌশি কানা পদ্ধতিবিশ্বের। যথা ! বি ফুর্ রাগং থিল দি প্রত ইনেদুর ভগুং পালো ভদুঃ কাদি স্বানি চার্য্যকারিকা ॥

**७**षुः वि (भूष्ठः ॥ याथः । हेर्न्टि (स्र

जरूक॰ ही जुनूउक• विकान माना॥मानाख्य ि रिजि विकान अम्मसः॥

जुनुकः श्रू॰ (स्वसाङ् । ইতি वीचा त्रज्ञावनी।।

ভদুকণ্ট: পু॰ গোক্ষুর:।ইডিঃজ নির্ঘণ্ট:॥

अनुकानी खी गर्न नित्त निकार केंद्र यही। इंडि मिनि ॥ उन्हार हेंद्र ने शिंड र्या । शिंड वें जिल्हा । मृतू जुन्म मार्न जन्न नी निकार मुन्न । शुमूर्ज्ञ नहाजाम महिल्यन

,नरेंदर जू। महिया जूद अवारमी निमा-या॰ निर्णिश्वर्वा ।। यग् भूमप्रण वीद्या- नाक्नी (शायमर्भनः। महामा-যা ভদুকালী ছিন্তা থল্পেন কাশার•॥ প্রণৌ তস্যুক্ত রক্তানি ব্যাদিতাস্যা-তিভীষণা। ততঃ প্রাত র্ভবযুতঃ স-দৈত্যে মহিষাসুর:॥ তামেব প্জ-यामाम मूहित्र नांनूग खरा। आता-विजा जना (नवी महिरयगा मुद्रिश देव ॥ शुारू ज्ञा जनुकानी जूरेनः या-ড়শভি যু তা । ততঃ প্রণম্য মহিকো ग्रामायां जगन्ययी ।। उवारहम व-চো ননুমূর্ত্তি ভক্তিযুতো হসুরঃ। ম श्यि उवाठ। (दिव थरन्न न शिप्र) শোণিতানি শিরোমনা দ্ব্যাভুক্তা-নি দৃষ্টানি ন্যা স্বপ্নে সুনিশ্চিত ॥ অবশ্যু তত্ত্বা কাৰ্য্য ম্বা জ্ঞাতণ পুমাণতঃ।এতজধির পান•নে ভরৈ-ক দেহি নে বর ।। বধ্য স্তবাহ না ত্রান্তি সংশ্বঃ পর্মেশ্বরি। নৃন্যুপি তত্ৰ নে। দু:খ নিযতি: কেন লড্ৰ্যুতে ম কিন্ত ত্থৈব সহিতঃ শম্ভু রারাধি-**७: भूता। मम भिका ममर्खन जाउ:** भणापर· ७७:॥ म्याम्यात्राक्षिकः मञ् भुष्ठा (मही खबावदाः। गद-खत्रवयः यावरान्त्रः ताका मूखने ।। चंक्छेक भया जुक मनूजाला न

विम्युः विविधायसम्बन्धाः मासा **२२: गिरा काजगाटा। मीगन्डिनी वि** নাশ তে করিষ্যতি ন সংশযঃ। পুরা মুনি তপস্যন্ত রৌদাশ নামচোত্ত-ন• II মুনেঃ কাত্যাযনাখ্যস্য শিব্য• হিমবদন্তিকে। দিব্য স্ত্রীরূপ মতুল क्षार कोज्का खना। नया म रामा হিতো বিপ্রোহত্যজন্ম স্তদা তথা:। न म्त्रा॰ जिंदि एउनाइ॰ मूनिना का-ত্যসূনুনা॥ জ্ঞাত্বা মাধাণ তদা শপ্তঃ শিষ্যার্থে ক্রোধ বহিনা। यसाजुरा মে শিষ্যো ২য় মোহিত স্তপস ক্যু छः ॥ क्ष खुगा जीकालन उउ द्या ন্ত্রী হনিষ্যতি । ইতি নাং শপ্তবান্ পূর্ব• মুনিঃ কাত্যায়নঃ পুরা 11 তস্য শাপস্য কালো প্র মাগত্য সমুপ-श्चिः। (मरवन्मुद्धः भया शुर्थः ज्**कः** ত্রিভুবন• সম•॥ কিঞ্চিলশোচ্য• ত-वासि वाक्नीयं हि यम्या। जमादाः रिव भुशः भा २ इ॰ भु। र्थाऽ॰ (भाषः कि यना-যা।। তদেহি দেবি দুর্গে ত্ব॰ ভ্য স্বভ্য॰ नस्मा नमः। औरम्यू उताह। श्रार्थनीया बादा य एउ उ॰ तृतृ द॰ महामुद्र । দাস্যামি তে বর পুর্ণিণ সংশবে। नाज विम्राउ॥ महिष উवाह। यक्क ভাগ নহ ভাভুনিছানি বৃৎ পুষা-**एक: । यथा याद्धव् अवर्ष्य श्राक्यः** 

२२ मा उथा सका। दूर भार मिया ने उद्यक्त वावर मुर्ग के प्रवाद में प्रवाद के प

ভদত

ष्णुज्ला मृद्धा द निरुद्धः भूता। विकीय मृद्धी ज ज्या ज्या क्ष्मकाला। मया रुद्धा मर्गाक्र भगाध्ना ज्या रुद्धा मर्गाक्र भगाध्ना ज्या रुद्धा मर्गाक्र भगाध्ना ज्या रुद्धा मर्गाक्र भगाध्या रुद्धा मर्गाक्र भगाध्या रुद्धा मर्गाक्ष प्राप्त रुद्धा मर्गाक्ष प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप

ভদুসম্ভঃ পু॰ পূর্ণসম্ভঃ। ইত্যমর:॥ ভদুগদ্ধিকা জী মুস্তক•। ইতি রত্ন-মালা॥

ভুদুক্ষরঃ ত্রি নস্থলকারকঃ। তৎপর্য্যায়ঃ। ক্ষেনকরঃ ২ ক্ষেনকারঃ
৩ ন দুক্ষরঃ ৪ শুভক্ষরঃ ৫ অরিষ্ঠতাতিঃ ৬ শিবভাতিঃ ৭ শক্ষরঃ ৮
। ইতি ভূরিপুযোগঃ।।

ভদুচ্ড: পৃ॰ লঙ্কাস্থায়ী। লঙ্কাসিজ ইতি ভাষা। ইতি শব্দ চাল্কা।। ভদুজঃ পৃ৽ ইন্দুষ্ব:। ইতি রাজনি-ঘণ্টঃ ।।

खु छवंगी खी स्तुकृत्यः । ইতি लाकन्यंगः॥

दाना मानि स्पानाः ॥ ज्यारिक्षेत्र , ज्युज्यनः क्री क्षूषीनान्ववर्यायः

र्भाउदर्यविष्णयः। यथा। माणावस्कः णिथि मधावन्धिं यखनु अमुजूतगः कथ वृश्याः। इकि किसाद्यणितामणी भागाधानः॥

प्रमुक्तिका की मडीव्क जिमः। जुन् मडी इंडि थाएजाः। उट भर्यायः। क्ष्मक्षार जियपुन्। ) क्रयायश्व पायर्जकी ६ क्रांकी ५ क्यास्ता १ । जम्मा छनाः। कृत्वा । उक्षवः। व्यवस्था क्षि मृत्व क्षामामा जुन्मामय नामिष्क । इंडि जाक निर्धन्तः।।

खुराक जी श्रु॰ (स्वमाक । ইত্য नत्र खद्राठो ॥ नत्रनकाष्ठ । ইতি द्रञ्जाना ॥

अनुमार्त्ता मिकः श्रृ ' खेषभगगित भाषः
। यथा। जुनाक अह रित्र प्रकृत वर्णा

त्मर्यकी वना जिवना र्ज्ञणन कहु

त्रा मिक्र विका जिवना र्ज्ञणन कहु

त्रा मिक्र विका क्षित्र का श्री विका ने स्वा विका ने स्वा विका ने स्व विका स्व विका ने स्व विका स्

हानिय'नागवना न्यामनागत्राता हलद्रा। नाहेना हाज्यख्छाह मूठी नावाग्रङ्किता। न्यानद्री हार्क मृनः छड्डी गिनिकाद्रिका ॥ शून-नवाह वाख्क मृग्यावर्खक कान्छ। लाज्युतः नद्रम्बक्ष सम्मृनः मः नाःनिकः ॥ जनह्यादिः नम्द्रियः ज्युताबीनिका गणः। इति नम् हिन्दुका ॥ आ। अञ्चार्थः हर्जुन्न पुराणि नश्राद्यान ॥

अम्नामा शृ काष्ट्रस्पेशकी। कार्ठः ' होकद्रा इंडि जाना। इंकिंद्रिकाख-(भवः॥

ভদুনামিকা জ্রী আযম্ভীবৃক্ষঃ। বহুলা ইতি ভাষা। ইতি রত্নমালা॥

ख्रुमिशिः शृ महामानितिणवः।
यथा। इन्पु उवाठ। विश्वानः त्रहि स्म
वुक्षन् मानग्राम् अशानितिशः। यथा
रमव विरम्पत्र विरक्षा ज्ञाननम् कात्रकः॥ वुक्षावाठ। श्रुगाः विश्वः
श्रुगाः वृर्शोगनाम् । व्युगामिश्वः
यन वर्य वा श्रुरवादान श्रुश्रामिश्वः
वर्षाः ॥ सर्वामर्थोष्ठ्रम् स्म
वर्षाः ॥ सर्वामर्थे स्म
वर्षे स्म
वर्षाः ॥ सर्वामर्थे स्म
वर्षे स्म
वरे स्म
व

তো পর্জেন ভদর্জতো বা স্ব শক্তিতঃ वर्गलितः भाउन । उम्बं माधान जू विख्णक्रा भवज्याम्न मत्था न छः र्य्যा८ ॥ তত্তামু ভাঙে কনক नि-(ध्य॰ नवज्र नीत्वाखम भन्नद्राग॰। সুমুক বৈদুর্য্য সবিষমক তদাজত॰ পাত্র মধ্যে মূথ স্যাৎ।। এবস্ত ত॰ **ভ**দুनिश्विः সুविद्यान् कृदागतन श्राव-त्राभयुक्त । **ज्रा**भाखात्र मर्भग हा নরাঢ্য সপাদুকোপানহ ছব যুক্ত ॥ ७ कामवाजाखम यूग्र यूक म म्भूकरमञ्ज वरित्र त्ररिथठ । जारि ভূ পঞ্চান্ত মাপ্য বিষ্ণু সংস্থাপ্য সংসার তরং সমর্চ্য।। তথেশ্বরং পা-বক নেব হুৱা আনত্রযেভদুনিধি তত छ। ত্রীথঞ্জ কপুর সমস্কুমেন शकाकतः नाम नियः भुनिया ॥ নন স্থাক্ষার যুত্ত পাত্রে তদুাজ (७ १९९)व मथाईरंग्छा । प्या मन-यानत निस्त यक विष्ठाश्रात्रास्त्रात्रग किमदारिम्:॥ गन्नर्व िवडाञ्जर मान (वरेन्द्र यू जि॰ वृज विश्विम र॰ नम एउ। मनल मःमाद्रकत्री द्वानव विष्ठाः नदानन्द्रयो ह्याचा ॥ मञ्ख कल्डाः निविः जनाधि र्हतिशित जुनिष নম স্তে। এবং সংপুদ্ধ্য বিধিনা ততো विनु मथाहरद् ॥ किंद्री विक्र नि-

कागुः क अना ज्वा ज्वा । यन কৃত্য হরি বদ্বৎপীত্যুদর ধর ততঃ ॥भृष्ठायमहूरुङ धताजा मत्त्रभावन छः ক্তিমান্। ভূদেবো হ'দি বিভো নিত্যুণ निज्ञानन्त भाषा रुद्धः।। रुद्र भ पूक् র• কৃষ্ণ কৃপাকর নমো ২স্ত তে। ভূ-रम्य जगवान् जर्भ जय जनकात्रश्वत्र । ভবভূতিকরো জিঞ্চো পুভবিঞো ন भा स उ। अवः न्बा कृति भाषा ত দ্বিল বুন্ধক্ষিণ।। ততো ভদু-निधि मन्त्राचारखनातन वाजव। अ शाखाहाद्रायनामि विभुनाम उर्थ ञ्चनः॥ यव দर्ভ जित्नः नार्षः गृहव সংপরিত্যজেশ। পিতৃ সম্ভারণার্থায निज्ञानन विवृष्त्रय ॥ अर्बासीन বিঘাতায় বিষ্ণো দান ময়া কৃত• তদনেন সরত্নেন ধাতুত্রয যুতেন 🗸 ॥ मह्मीनायुत्र युक्तिन मार्म भा क्व ह ॥ भागत्वन महत्वन हाई त्राभानत्इन ह ॥ जनानन्त निष त्न श्रीयजा॰ विकृ ती खतः। এवम् हार्य। उ मन्त्राष्ट्रिकाय स्तिन्तिशाराः গোপ্যেন বিধিনা দদ্যাদ্ধেন সংখ্যা न कीर्जाय । भुकीर्खिङ काहि 🦖 গাযুত ফল পুগোলিতে কল্পাণ नं जःक्यः ॥ इंडीय नख्डा नज् की र्खिय मूची निधान माध्य निश्चिक ्यसम् ॥ ७व॰ क्छ महास्रम् इः क्छ। ज्या छरभद्याः स्वामन्न कराहित् ॥ भ्यास्त्र विस्माः सर मवहरः छत् भिवाद्यकानन्तमरः मराश्वरः ॥ इ-छहारम् वङ्गिभूनातः जुनुनिधि मान नामाध्यारः ॥

छम्भा खी जाम्भा। भूर्वजाम्-भारताखत्रजाम्भान नक्ष्यः। इज्जा-मत्रोकायाः जायमूक्ष्यः॥

खनुभर्गा जी करेस्त्रजावृक्तः। ইতি শব্দালা।।

स्पृत्रभी जी गाञ्जाती। ইত্যমর:॥ পুলারিণী। ইতি জটাধর:॥

स्तृत्वनः शृ॰ वनतामः । ইতি শবः माना ॥

ভূদমল্লিকা জী গৰাক্ষী। ইতি শব্দ নালা॥

ভাবপুকাশ: ৷৷

जुनुष्ठकः भू॰ नागत्रमूखकः। ইত্য-

**जुन्**छ। खी जुनुमुखकः। ज< পर्यापः । वदाही २ अनु। ७ गृष्टिः ८ जुन् কাশী ৫ কশেকঃ ৬ ক্রোডেষ্টা প অকবিন্দাখ্যা ৮সুগদ্ধি: ৯ পুছিলা ১০ হিমা ১১ বল্যা ১২ রাজকশেকঃ २० करहाचा १८ मृखा २० व्यर्लामः ১৬ বারিদঃ ১৭ অস্ট্রোদঃ ১৮ মেঘঃ ১৯জীমূতঃ ২০ অবঃ২১ নীরদঃ ২২ जुन २० घनः २८ गाव्यः २**৫ १** অস্যা গুণাঃ। ক্ষায়ত্ত্ব•। তিক্তত্ত্ব•। শীতত্ত্ব । পাচনত্ত্ব । পিত্তজ্ব ক-ফ নাশিব। সংগাহিবঞ্চ। ইতি वाজनिर्घण्टः ॥ जिन्ह । मुखक न-खियाः मूछः जियु वादिष्तासकः। अक्विना क अध्याता ११तः कार्फकल्पकृतः॥ जुमूम् ७ छन्। **छ उथा नागतमृखकः। मूखः** कर्रू হিন গুাহি তিক্ত দীপন পাচন া কৰাৰ• কফ পিত্তাসূ তৃট্ জ্বা-कृष्टि ब्रुड्ट्। अन्भापतम् यद्धाउ॰ মুস্তক তৎ পুশস্যতে ।। ত্রাপি ·মুনিভি:প্রোক্ত·বর· নাগ্রগুত্তক•া ইতি ভাবপুকাশঃ॥

चित्रत्यः भूः धेत्रावण्डली। ইতি बिकाश्वःभयः॥

जुन्द क्ली (हर्नाक । इंजि ताज-निर्विष्टः ॥

ভদুৰতী স্ত্ৰী ভদুপণী । ইতি জটা-ধর: ।।

ज्युवर्या श्र॰ नवमज्ञिका। ইতি শব-हैनिषुका॥

जिन्न जी नजिश्विष्णयः। गक्का-मानिया इंजि जाया। जर्भग्रीयः १ मद्रेगा २ भुमाद्रेगी २ करेस्ट्रद्रा ८ द्राज्यना ६। इंज्यमद्रः ॥ व्यम्याः भर्यप्रायास्त्रः खनाक भुमादिनी क-द्रिपृष्टेवप्राः॥ ॥ वना । इंजि द्राज्ञनिर्वण्यः॥

जुरक्षिका जी गांभवक्षी। जनस् म्न इंडि जाया। इंडि तन्नाना।। जुरक्षी जी मिल्लका।। माध्वीनका । इंडि ताजनिर्यकः।। नकाविष्मयः । महनमानी इंडि शांभत्रमानी इंडिह जाया। ज्यार्थायः। मा ज्ञीकः २ ज्ञिमक्षा ० अक्षेपाहि का 8। इंडितज्ञमाना।।

जिन्नुय॰ क्री हम्पति । ইতিরত্ত্বনালা।।
जुल्लीः পু॰ हम्पति क्षाः। ইত্যমরং॥
जुप्ताम। धी शक्षा। ইতি শ্रम
माला॥

जुन जी जाज्ञा क्या। व्याननि ॥ डिथिट्सः। मा क्रुन्स्डीया म-थमी सामभी हा। भुजादिनी।। कर् कनः ॥ व्यन्ता । इंजि व्यक्ति ॥ জীবন্তী ॥ অপরাজিকা ॥ भীলী ॥ वना ॥ भनी ॥ वहा ॥ मखी ॥ इ-রিদু। । শেতদুর্বা।। কাশ্মরী।। সারিবাবিশেষঃ।।গৌঃ। ইতি রা-कनिर्धणेः ॥ काकापुष्ठतिका। ইতি রত্নালা ৷৷ গঙ্গায়া জি শ্রোভো ২ন্তৰ্গত শ্ৰোভো বিশেষ:। ভত্তু উ-ভরে স্কব্বী যগঙ্গা। ইতি পুরা-गः मद्भावा ह।। दूषमकिविषा यः। उद्भर्गायः। जात्रा २ महा-শু: ৩ ওকারা ৪ স্বাহা ৫ 🕮: ৬ ন্নারমা ৭ তারিণী ৮ জ্যা ৯ অন-স্তা ১০ শিবা ১১ লোকেম্বরাত্মজা )२ थमूत्रवामिनी २० विनातः ১& नीवमत्रवंजी २६ मञ्जिनी २५ महा-তার। ১৭ বসুধার। ১৮ ধননদে। ১৯ ত্ৰিলোচনা ২০ লোচনা ২১। ইতি ত্ৰিকাণ্ডশেষ: ॥ ছাযাগৰ্ত্তৰাতা স্यं, तन्ता। यथा। यनली ज् उउ खन्ता• बनगानात्र ভाक्रतः। **ग**रेन-म्ठतक जुनाक हायाया गणिजम्ऽ তিঃ॥ তথাচ তেজনা বিষণে স্তৃস্য-চক নবৰ্ত্তৰ্থ। তদপুতিহতে মূদ্ধে

द्धानराष्ठ हिकीर्यया ॥ उद्धिमिनी मू খতো ভদু। নিশুকৈব বিগৰ্হিত।।। इंडि वृद्धि भूदीरिंग रेववस्थान्की खंन॰ ॥ 🕸 ॥ ज्ञ्या । यथा । आवाष्त्र । সিভে পক্ষে দ্বিতীয়া পৃষ্য সংযুতা। ভস্যা॰ রথে সমারোপ্য রাম॰ মা॰ चमुया मह।। ইতি क्षात्म जगवद्यो कु ॥ 🛊 ॥ विश्विल्मा यथा । এका-मम्प्रा॰ ठजुर्थप्राञ्ज (मयार्ष्क मृज्ञश-कारक। अडेमी (भोर्गमारमहास भू-ৰ্বাৰ্চ্জে বিভি সম্ভব: ॥ কৃষ্ণ পক্ষে তৃ তীবাষা দশম্যাক পরার্জতঃ।। স-श्वजाक ठजुर्मन्ताः भ्वार्ष विश्वि ब्रीब्रिङा ॥ বিহায বিষ বৌদুাণি বি-विशेषात्र विश्वास्य विश्वास्य विश्वस्था विश्वस्य विश्वस्था विश्वस्था विश्वस्य विश्वस्था विश्वस्था विश्वस्था विश्वस्था विश्वस्था विश्वस्य विश्वस्य विश्वस्य विश्वस्य विश्वस्य विश्वस्य विश्वस्य विश्वस्य विश्यस्य विश्वस्य विश्यस्य विश्यस्य विश्यस्य विश्यस्य विश्यस्य विश्यस्य विश्यस्य विश्यस्य विश्वस्य म् । इ भू हि कार्याः क्यावरः॥॥॥ কর্মপুকাশে ভস্যা অঙ্গ বিশেষে। यथा। नाष्ट्रस भक्ष्यमन गलक स থৈকা বক্ষো দলৈক সহিতা নিয-ত চতসু:। নাভি: কটি: ষডথ পুছ ৰ তা চ তিসে। বিষ্টে ধ্রুবে নিগদিতো 🔫 বিভাগ এব:।। 🐅।। অঙ্গবিশে (य कार्य) धु॰ मामि कन थथा। मूर्थ কাষ্য ধৃংসো ভবতি মরণঞ্চার্থ গল-क धम्यानि वंकमाथ कछिउछि तु-षितिनयः। किन नीजीरमण विख्य नथ श्रह ह कगमुः मजीत जुनायाः भृषिणिक कनः मर्व म्नयः॥ ॥ मन् वम् मृनि जिथि यूग हन जित छन मःश्वाम् जिथिष् भूर्बान्याम्यः । जायाजि विश्वि त्रया भ्रष्ठ मृज्हा भूतस्मूजा॥ ठजूर्मम्याहिष् भूर्बा-गुराहि मृथः जवजीज्यः । ইडि ज्ञािज्यकः॥

जुहाकद्रा क्षी मूखन । ইতি ছেন-চন্দু: ॥

ভদাত্মত্র: পূ॰ খয়:।ইতি ত্রিকাও-শেষ:।।

अमात्रकः , श्रु॰ अक्षेत्रभक्षु पृत्वीभाष्ठ-र्गञ्चीभविष्मयः। ইতিশব্দ गाला॥ अमालभविका जी गन्नानी। ইতি শব্দ गाला॥

ख्मानी जी शक्कानी। इंडि मद-भाना॥

खुगवजी खी कर्कनम्बः। इंडि ब्राजनिव्देशः॥

ভদাপ শ্লী ভূবো নববৰ্ষান্তপত বৰ্ষবিশেষ: । ইতি ত্রিফাণ্ডশেষ: ।।
তদ্বিরণ যথা। নাল্যবতঃপূর্ষপাধ্রে পূর্বগণ্ডিকা একশ্কাদ্যোজন
সহসাণি নান ন্তত্র চ ভদাপা নাম
জনপদাঃ ভদুশালবনক্ষ তত্র ব্যবস্থিত কালালু ফোঃ পুরুষাঃ পেতাঃ পদ্মবর্ণিনঃ ত্রিষঃ জনুদ্বর্ণাঃ

দশ্বর্ষসহসাণি চ তেবামাযু স্তত্রচ शक्षमनभर्वजाः उप्यथा रेमन्वर्गः मानाथाका वज्रवयः विभागं नीन শ্চেতি ভদ্বিনিৰ্গতা স্তদম্ভঃ স্থিতা-নাং দেশানাং ভান্যেব নামানি ভেচ দেশা: এতাঃ নদীঃ পিবন্তি তত্ম্থা भीजा भूवाहिनी रुभवजी कारवंदी সুরসা শাখাবতী ইন্দুনদী অঙ্গার-বাহিনী হরিতোয়া সোমাবর্ত্তা শ তহুদা বনমালা বসুমতী হৃ•সা পর্ণা পঞ্গঙ্গ। ধনুমতী নণিবপু। সুবু काणा विवामिनी कृष्णजाया भू-ल्यामा नागवजी मिवा रेमवामिनी गिनिज्हों की द्वामा वक्षावजी विक् भरी महानरी हिंद्रगुऋक्षवाहा मू প্লাবতী বামোদা পতাকান্চেত্যেতা नहानमुः এতাশ্চ शङ्गाममाः की-ৰ্ত্তিতাঃ আজন্মান্ত পাপ নিনাশ-যন্তি ফুলুনন্য\*চ·কোটিশ স্তা\*চ নদী যে পিবন্তি তে দশবর্ষ সহস্।-যুধঃ কদ্যেমাভক্তা ইতি। ইতি বা-রাহে ভূবনকোষে ৰুদুগীতা ॥ ৡ॥ অপিচ। তথৈবেলার্ত মপরেণ भ्रवंग ह मान्य वस्त्रमाहना वानीन নিষধানতো দ্বিসহসু পপুথতু: কে-ज्ञान ज्रायरयाः त्रीमानः विषयाः छ। मन्द्राः (मक्मन्द्रः मूलार्षः

অমুদ ইত্যযুত যোজন বিস্তারোমা-रा भिद्रा कठू पिन्य सर्वे स्रुगित्य উপক্ধা: ৷ চতুর্ এতেয়ু চ্ত লঘ্ক-मय न्याया महावादः भामभ भूव-রাঃ পর্বত কেতব ইরাধিসংসু যো-জনোমাহা স্তাবদ্বিটপ বিতত্ত্বঃ শ্-- তথোজন পরিণাহাঃ। হুদা শ্চত্মা-तः शर्या मिधुक्त्रम मृष्ठेकलाः युपूश-म्मार्भिन उभारत्याना (यारेगम्बर्ग्यानि স্বাভাবিকানি ভরতর্যভ থারযন্তি। (मरवाम्यानानिक जविष्ठ कषात्रि न-न्तनः रिज्यव्रथः रिव्हाज्ञकः नर्बरणा ভদুমিতি ৷ যেম্বমর পরিবৃঢাঃ সহসু-व ननना ननाम यूथभउय छेभएहव-গণৈ ৰুপগীয়নান মহিমানঃ কিল বি-হরন্ডি। নন্দরোৎসঙ্গ একাদশশত যোজনোতুক দেবচ্তশিরসো গিরি मिथ्रञ्चानि कनान्। गृठकन्नानि নিপতন্তি। তেষা॰ বিশীৰ্য্য নানানা মতিনধুর সুরভি সুগন্ধি বহলাকণ व्रत्मारहनाकरणामा नाम नमी मन्तव গিরিশিথরামিপতত্তী প্রেণেলাব্-ত নুপপ্লাবয়তি ৷ যদুপজোষণান্ত-वानं । अन्ह्रवीगाः भूगु इनवध्ना न-ব্যবস্পৰ্শ সুগন্ধিবাতো দশবোজন সমন্থাদনুবাসয়তি ৷ এবং জম্ফলা-নাস্ত্যন্থ নিপাত বিশীর্ণানা মনস্থি

প্রায়াণা মিভকায়নিভানা রুরেন जप्नती नाभ नहीं भिक भनत्त्रभि-भशास्यु उ धाजनास्यनिज्ञ निशन ७३) मकिएनाजान यावि**ना**व्छ সুপণ্যানতি। তাবদূভযো রপিরো-श्रामा यां मृखिका उपुरेमनान् विश्रामा না বাযুক সংযোগ বিপাকেন স্দা-मद्रालाका छद्र १ . का चून म नाम जू বর্ণ ভবতি যদুহবাব বিবুধাদয়ঃ স হ যুবতিভি মুহিট কটক কটি স্ত্রা-দ্যাভরণ ৰূপেণ খলু ধারযন্তি। যস্ত মহাকদম: স্পার্শ পার্নিরুট স্তম্য कार्रेद्धा विनि.मृजाः शक्षाया-मश्रिताराः शक मधुवाताः मुशार्च निथंता भ जास्त्रा श्भातिगाचान भिनाव्छ मनूरमामयखिरया कुरभयुक्षा নানা মুখ নিৰ্বাসিতো বাযু: সম-खाद भाउरयाजन मन्यामयि । अव॰ ष्ट्रमूप निकारा। यः भाउत्राह्म। नाम वर्षे खना ऋक्षां नी ही नाः भागानि मशु य्ठ खडामान्। प्रत्र मग्रामनाज-त्रगारगः मर्व वर कामपूर्वानमाः समु मागाए भण्ड उम्बादाननाम् मृ शरगाइयसि गान्भजुयागानाः न कः मार्किपि भुषानाः विभीभणि क्रम (यन (मोर्गका अज्ञाननाम मृज्यानी छाक देववर्गाम नर्गामय छात्र बि-

শেষা ভবন্তি নাবজীবং সুথ নিম **जिम्मय भाव अबक् अ**बब अमृद्ध रिकक्ष जिक्रे मिमित भउक् क চক নিষ্ধ শিতিবাস কপিল শায় " रिवर्ग्य काक्षि रुप्तरं च नात का-वक्षत्र नीत्रमामस्या गित्रस्या स्माद्राः কর্ণিকাষা ইব কেশর ভূতা মূলদে-শে পরিত উপকৃথাঃ। জঠর দেঘ-कृति (नकः भृत्वंगृष्टामनायाङ्ग नर्म मूम्भागतो विमर्म भृथ्जू-ক্ষোভবতঃ এব নপরেণ পবন পা-तिभावो पिक्स्पन किलाग कत्रवी-রৌ প্রাগাযতৌ এব মুব্তরত দ্রিশৃ-ক্ষ নকরৌ অষ্টাভি রেতৈঃ পরিবৃ-তো ২শ্নিরিব পরিতশ্চ কান্তে কা-ঞ্ন গিরিঃ। নেরো মূজনি ভগবত ্যাত্মযোনে মন্ত্ৰিত উপকৃত্যা পু-রীমযুত যোজন সাহসূী সম চত্ রসু।• শাতকৌদ্রो• বদন্তি। তান-নুপরিতো লোকপালানামপ্রানাণ यथा निष्णः यथा क्रशः ज्द्रीय मात्न-न পুরে। २४: नूপतृश्वाः। ইতি 🗐 ভाগवতে ৫ कास जूदमाका वनगरन ३५ अथप्रयः ॥

ভদু।শ्यः शृ॰ চन्दर॰। ইতি শব-• চন্দ্রিক।।। ভদু।সন• লী নপাসন•। ইত্যারঃ॥ ভদুখর: পৃ কল্পানস্থান্য! যথা । উত্তিষ্ঠ কান্ত গছাব: कन्नगुगंग मू-শোভন•। তথাসার্জ• জগানাথ ক-স্মুগান বসুন্ধরে॥ ভদুেশ্বর নিমিত্ত॰ হি দুব্যঞ্চ কথিত শুভ ৷ নিত্যঞ্চ ভুঞ্জতে যত্ৰ পাত্ৰ দুব্য: সমন্দিত ৷৷৷ দৃষ্ট্রা ভদেশর দেব চক্রতীর্থ কল वाख्य । क्युग्रसाह्य ७१ वक-**डीर्थः वज्ञादा ॥ इंडि वाजा**र् মথুরামাহাত্ম্যে চক্রতীর্থপুক্রাবে৷ नानाब्रायः॥ #॥ निक्भाश्वर्थः मुगाताधि हिमानवर भार्थित. निविष्यः। यथा । जवार्थाय गुहि-याभि गहरी न् हिमयम्गृत्ह । य-শ্চেহ ক্দু নীহন্ত্যা মূন্ময শ্চেশরঃ কৃতঃ।। অসৌ ভদুেখরেতের ব খ্যা-তে লোকে ভবিষ্যতি। দেব দানৰ गक्षर्व। यक्क किन्गुक्रयात्रगाः ॥ भू-জিঘ্ৰান্তি সভত মানবাশ শুভে-প্রব:। ইতি বামনপুরাণে ৪৬ অ-ে ধ্যাযে উদা•পুতি শিববাক্য•॥ৠ॥ গঙ্গায়াঃ পশ্চিম্ভীরে গরিট্যাথ্য গ্রামস্যোত্তরে পাষাণম্য শিবলি-क्विलाया गुमिविल्यक ॥ च्द्रिना जी झ्रेनना। इं त्राज निर्घणेः ॥ च्यारनी जी वना !! नागवना ।

ইতি রাজনির্গটঃ গা

ভন্দিল প্লী শুভ াইভুগারি: কোবঃ দ কম্পঃ দুড়ঃ ইভি দ ক্ষিপ্তসারোগাহিক্তিঃ দ

ভদ্দঃ পৃ• ভারতব্বান্তর্গতকেশবিশেষ: ৷ যথা ৷ লক্ষা শুলার এবালি গুলোগা• ভদ্ধকে মৃতা: ৷
ইতি কাদ্ধে স্মার্থিকাখণ্ডে বকেখরমাহাজ্য নামাধ্যায়ঃ ৷৷

ভগঞ্জর॰ লী নক্ষত্রচক্রণ। ইতি সিক্ষান্তশিরোমণিঃ।।

ভগতি: পৃ চন্দু: । ইতি হেমচন্দু:।।
ভদ্তঃ পু ধুম: । ইতি ত্রিকাণ্ডশেষঃ
।। মক্ষিকা । ইতি শদ্মত্রাবলী ।।
ভদ্তমালিকা জ্রী ভঙ্কামী । ডাঁশ
ইতি ভাষা । ইতি ত্রিকাণ্ডশেষ: ।।
ভদ্তমালী জ্রী মক্ষিকা । ইতি ত্রিকাণ্ডশেষ: ।।

ভদ্রাসার: পু॰ মগধরাজবিশেষ:।, ভৎপর্য্যায়:। শ্রেণিক: ২। ইডিং হেমচন্দু:।।

ভয় নী বিভেত্যমাৎতৎ ৷ ইতি
ভরত: ৷৷ তস্য লক্ষণ যথা ৷ রৌ
দুশক্ত্যা তু মনিত চিত্ত বৈশ্লব্যদ 
ভয় ৷ ইতি সাহিত্যদর্গণে ৩ গ
দিছেদ: ৷৷ অপিচ ৷ রাগ বিষ্মায় 
বিনাশকৈ সমুপহিতে ত্রিবারণা

मानका माजाता मनामानमारिन-॥ ज्याजिखिमाः जु निर्मामकारेकः । প্ৰাছাৰ কিন্তু বৃত্তি বিশেষে। ভয-। इंडि छशर्ती आमा र व्यवप्रत्य मधु-अमन नेर्द्रके ही ।। व्यन्ता १ शतक श्वा নিষ্ট সম্ভাবনা ক্লমণা কথা ব্যাস্থাছি-ट्रिक ब्राम्नाधीनरहत्वतीत्र सत्रथः म-দ্রাবশক্তি। ইতি ২ বুগুৎ শক্তিৰাদে नामात्र च को हार्यक्ष ॥ ख्ट नार्य ॥ यः । দয়: १ काम: 🤉 ভীক্তি: ৪ ভী: ৫ नाबुनः ७। ইতগ্ৰহা। क्मानः १ ৰাধুন ভবঃ ৮ পুতিভব ম। ইতি अस्त्रज्ञावनी ॥ चाउकः २० चा-मका ३३ किया ३२। ইভি एरम ठम्मुः ॥ # ॥ व्यक्तिक ज्ञाय व्यक्ती-छवट इंडिन्ड यथा। जावस्वम् তেতব্য যাবভব মনাগত। উৎ-পদ্মে তু ভবে তীব্ৰে স্থাতব্য তৈ রভীতক্ৎ॥ ইতি গাকডে নীতি-नात ३७६ व्यव्यायः ॥ 🛊 ॥ व्युकः পুষ্ণ ।। বোরে তি। ইতিমেদিনী ।। রোগে পু॰। ইতি রাজনির্ঘণ্টঃ॥ ख्यक्त • बि ख्यक्रनक • । ख्र भर्या गरः । टेब्द्रवः २ मारूनः ७ जीवनः ४ ভীমা• ৫ ঘোর• ৬ ভীম• ৭ ভ্যান-क । भूजिल्य । इन्डामद्रः ॥ ख्यावहः २०१ इंडि (इमहन्तुः म पूर्वणकी। ইতি इ जिनियंकः॥

ইতি পুরাণ ॥ ভব্ৰুছঃ ৰি জীত্যাপ্ৰকাষিতঃ। छर भर्गामः। कान्सिनीकः २। इ-जाबकः ॥ छ्यमानिनी जी काग्रामानका।

· ইন্তি রাজনির্ঘণিটা। ভগনা<del>গ</del>কজীঠ स्वयं कि वारमगत्रक्तः। যথা। একতো ভয়ভীত্স্য প্রাণিনঃ প্রাণরক্ষণ ৷ নাতো গুরুতরো ধর্মঃ কশ্চিদন্যে হতিখেচর॥ ইভিবুহি-় পুরাণে শিবিরাজোপার্ধন শ**া** ভযভুষ: बि ভয়কক:। ইজিঞ্চা-ध्रतः ॥

ভयानकः शु॰ व्याष्ट्रः॥ज्ञाङ्यः॥ज्ञन विष्णयः। इंडि समिनी ॥ जजू मृ-ব্যারাদ্যষ্ট রসান্তর্গত ষধরস: । ত-म् वाक्न वथा। ज्यानका ज्य-शायि ভावः कानाधि रेपवडः । জী নীচপুকৃতিঃ কৃষ্ণোমত ভন্তু বি-णात्ररेमः ॥ यमामूर भम्राउ जीजि उपवाणयनः भञः। (हर्छ। (वाद्रञः রা শুস্য ভবেদুদ্বীপন পুনঃ ॥ অ নুভাবে। १ত্র বৈবর্ণ্য গদ্গদশ্বর ভা वनः। भूवय (यम दिशामाक कम्न रिक् (गुक्रगारयः ॥ जुख्या (दग न रमार न जान ग्रानि मीन जाः।

শকাপমার সংভান্তি মৃত্যাদ্যা
ব্যভিচারিণঃ।। উদাহরণ যথা।
নই- বর্ষবরৈ মনুষ্যগণনা ভাষাদ পাস্যত্রপাষন্তঃ কঞ্চি কঞ্চকস্য বিশতি ত্রাসাদ্য বামন ইত্যাদি
।:ইতিসাহিত্যদপর্ণে পরিছেদ।।
ভ্যানকঃ ত্রি ভ্যক্ষরঃ।ইত্যমরঃ।।
ভ্যাপহঃ পু॰ রাজা।ইতি ত্রিকাও-শেষঃ।।

ख्यावरः जि ज्यक्षतः। ইতি रश्मः हन्तुः॥

ভর: পূ• অতিশয:।ইত্যমর:॥ ভরণকর্ভরি ত্রি॥

ভরট: পু॰ अञ्चकात्रः। ইত্যুণাদি-• कायः॥

ভরণ ক্লী বেতবং।। ভৃতিঃ। ইতি নেদিনী ।। পোষণং। যথা। ভরণং পোষ্যবর্গস্য পুশস্তং স্বর্গসাধনং। নরকং পীডনে, চাস্য তম্মাদ্দত্ত্বন তংভরেশ। ইতি দাযভাগঃ।।

ভরণঃ পু॰ ভরণীনক্ষত্র•। ইতি শব্রত্বাবলী।।

ছরণী গ্রী ঘোষকলতা।ইতি নে দিনী। অখিন্যাদি সপ্তবিংশতিন-ক্ষত্রান্তর্গত দিতীয়নক্ষত্র । তথ-পর্য্যায়ঃ । স্মদৈবতা ২ । ইতি হেন্চলুঃ । সা তারকাত্রয়নিত

ত্রিকোণাক্তিঃ। তস্যা অধিষ্ঠাত্রী रस्वजा यमः । यथा । जात्रकाक्षेय মিতে ত্রিকোণকে মুখ্যগে দিবিষ-দধ্নো যমে। পক্তাফি গণিতাঃ वनीत्रजः नायकाकि जूब मः थाऽ-काः कवाः ॥ म॰ ०। ८८। ইতি कालिमामकृष्ठ द्राजिलग्नानः।। সাচ উনুগণান্তর্গতা। অধােমুখ-গণান্তৰ্গতা চ। বিদ্যাৰ্ঘ্য ভূমিখন-নে পুশস্তা। ইতি জ্যোতিস্তক্ত্ব ।। **७**व काठ कन । जनाभकी र्खि र्हि गक्शभवारमा नाना विरनारेमक वि-नीजकानः। कला विवामी हशनः थवः मार भाग भुगीता जत-ণীযুজাত:।। ইতি কোষ্ঠীপুদীপ:।। ভরণীভুঃ পু॰ রাহুগুই:। ইতি হেন-हन्द्रः ॥

ভরণীয়ঃ ত্রি ভরণযোগ্যঃ।পোষ্যঃ। ভূধাভোঃ কর্মণি অনীয় পুত্যয়েন নিম্নমঃ॥

ভরঞ্জ প্ স্থামী ॥ ভূপালঃ ॥ বৃষঃ ।
ইত্যুণাদিকোষঃ ॥ ভূঃ ॥ ক্মিঃ ।
ইতি স-ক্ষিপ্তসারোণাদিবৃত্তিঃ ॥
ভরগ্য ক্লী মূল্য । বেতন । ইত্যুমরঃ ॥

खेत्रगा औ (वजनः। ইত্যমরটীকা-॥
काः बामी॥
ভরণ্যাश्चाः जी পর্বপুশ্লী। রামদ্তী
ভিথ্যাতা। ইতি শন্চন্দ্রিকা।।

ভরণুঃ পু॰ শরণুঃ। মিত্রণ। ইতি শব্দমালা॥ অগ্নিঃ॥ চন্দুমাঃ।। ঈশবঃ। ইতি সংক্ষিপ্তসারোণাদি-বৃত্তিঃ॥

ভরতঃ পু॰ নাট্যশান্ত্রণামূনিবিশেষঃ । সতু অলকারাদি শান্তস্য স্ক कर्ला। निः ।। दानानुषः ।। (मोग्राधिः । ইতি নেদিনী।। শবরঃ।। ভস্তবা-यः। ইতি বিশ্বः॥ ক্ষেত্র•॥ ভরতা-जाजः। ইতি (इमहन्दुः॥ 🗱 ॥ मुग्र 🗷 রাজপুএভরতস্য পর্য্যায়ঃ।শাস্ক खल्यः २ (मोग्राज्ञः ० मर्बरमनः ८ াইতি ত্রিকাওশেষঃ॥ য ক্রয়জিশ শছত মখনেধ• কৃতবান্। **পঞ্**। দশ্ৰজসূৰ• এবমন্যান্ নানাবিধান্ যজ্ঞানকরো**ে। স**প্তবি**•শতি সহ** जुवद्भवात्वह्व वाका क्वरा-न्। जामहा भन्ता मि र्था। मुग्न-ন্তো মৃগযাও মাতঃ কগ্নাশুন্পদ गजः। ততা भीनाः अभुख्या ब एव छी॰ त्रमामित ॥ तिल्लाका सामा न्गृहर (प्रवागा निव क्रियः। वजाः म जा नुबुद्धाहार चेंद्रेः किं

भरिय वृज्यः ॥ जल्लभंग भुगुनियः मण নিবৃত্ত পরিশুনঃ। পপুছ কান সম্ভ-थः शुरुमम् मूक्या गिहा ।। का पु॰ क-मल्लाक् कम्याम इस्यक्त । কি-স্বিচ্নিক্তি ত্বত ভবত্যা নি-·র্জনে বনে ।। ব্যক্ত॰ রাজন্যতন্যা° বেশ্যাহণ ত্বাণ সুমধ্যমে ৷ নহি চেতঃ পৌরবাণা মধর্মে রমতে ক্রচিৎ ॥ **জ্রীশঙ্কন্তলো**বাচ ৷ বিশ্বামিত্রাত্মজৈ वाइ॰ ত্যক্তা मिनकया वरन । वटेम-. ভদ্জগবান্ করে। বীর কি॰করবান-खानाजा॰ श्रिविकाक गृशः তা মৰ্ছণঞ্চ নঃ। ভুজ্যতা॰ সন্তি নীবা-রা উষ্যতা• যদি রোচতে ॥ শ্রীদুম্ম-ন্ত উবাচ ৷ উপপন্ন মিদ• সুক্ৰ জাতা-যাঃ স্বশিকান্বয়ে 🏗 স্বয়ণ ছি বৃণুতে রাজ্ঞা• কন্যকা সদৃশা• বর•াওনিত্যু: क्ति यथा धर्म मुनायाम मञ्चलाः॥ গান্ধর্ব বিধিনারাজা দেশ কাল বি-क्षानिद्ध। व्ययाचित्रीर्यमा त्राज्ञिनं र्न-हिराा वीर्यामास्य ॥ त्या जृत्व स পুর• যাতঃ কালেনাস্ত সা সুত•। ক্যঃ স্বমারস্য বনে চক্রে সমুচিতাঃ ক্রিয়া: II বদ্ধা নৃগেন্দু• তরসা জীড়: তি**সা স বাল**কঃ।ত• দু**রত**্য বিক্রান্ত गानाय भुगानाख्या ॥ इति दः नाः শ সমূত ভতুরিতিক মাগন থাবদা

न छ ूरी हराजा छाएँ। भुवावनिनिन ভৌ মণ্ডুল নড্ছল লথে বা-গাল্যবর রণী। বাভাভনা পিতৃঃ शुट्यादान हा जिल्ला अव मः॥ छहत्र शूध पृथा । भारता श्वाः भारता । রেভোধাঃ পুলো নঘতি নরমেব যনঃ ক্ষণাতা। দ্বধান্য ধাতা গৰ্ভন্য স ভ্যান্ শঙ্কন্তনা ৷ গিত্যুপরতে সো ২পি চক্রবন্তী মহাযশাঃ। ম হিমা গীৰতে ত্যা হরে রুশ তবো **जू**वि ॥ हकः मिक्ष्ए ए ्गा श्रमः किर्य। २म् शाहरयाः । देखा नहाः ভিষেক্ষে সোহতিবিভোহবিরা ष्ट्रिनुः ॥ शक्ष शक्षाण जा लिया गीतः। ষা স্মুবাজিতিঃ। সামতেম• পুরো-ধাৰ ৰমুনা নন্চ পুড়া। সঞ্চ নপ্ততি सिर्वायाम् ववस शुरुषवत्। छत्र স্য হিদৌশ্মন্তের গ্রিং লাচী গুণে তিতঃ ।। नहमुः वक्षाणा विभिन् वृक्षिण ध বিভেজিরে। ত্র্যান্ত্রণ ছত্তা ভাষান্ বজুৰ বিমাপবর্পান্ ৪ নৌমুভির-**७**ऽधाद्माचा (एवाना एक नापत्ने । **ন্গান শুল্লকতঃ কৃষ্ণান্ ছিরণ্যেন প**ু बीव्ञान्॥ अहार कर्यान मकात , নিণুতানি চতুদ্দশ। তরতস্যমহৎ कर्धा नभूर्खि नाव रत स्थाः। देनवा भू-रैंव शाञ्चा हिवाए छा। बिनिन वथा

া কিরাত ভূমান্ যবনান্ট্রেল্ডান্ড-रा , वसाक्तर् । व्याका गृशीन कार्न् यहान् निविकतं इतिहास । धिष् भूता सुता (एट)म् (ए तर्रा)-का॰नि (चिष्ठित्र ॥ (स्वाज्जदा बमा॰ নীভাঃ প্রাণিভিঃপুন রাহরথা সর্বান্ कोगान् मृङ्ख्यु शुकाना • उत्र । सन भी ।। भा। जि नव भारती किंक टक म्पर्वद्रः। म मगुष्टि (वाकशावायः) रेमचर्ग्य मधितारे नियम ॥ চক্রপ্রান লিত॰ পুশেষ্যেত্যপররাম্ছ। ত-न्यारम्थ रेक्टर्डाः शङ्गा खिमुः यूज-मा जारा । उद्य अ। गाउरा ८ श्रामा-ুবাধা ইভীৱিতে। ইতি ছীভাগব-তে ৯ কড়ে ২০ অধ্যানঃ ৷৷ জ্ঞা। পাষ্ ख्तिवा<u> ैन्त</u>्र**ख ज**यख्रा• कन्राया• আত পতপুঞান্তর্যত জ্যেষ্ঠপুঞ: । यथा। जयह जमनान् अवं छप्तनः-च वर्ष कथाकि सम्बन्धानः श्रम् **र्निङ एक्कल** वारमा नम्नत्रेत र्रक् ভি রনুজ্ঞাতো গৃহনেধিনা পর্মাননু-निकामाणा करसा मिन्युर खाया मू-ভশবিধণ ক্যাস্থানাল নভিযুঞ্জনা-অগনে নাভালনানানা শতং জন यानामः। ययाः अन् प्रशासानी ज রতে৷ জ্যেষ্ঠঃ শেষ্ট্রণ সানিং লে নে ং বর্ষ ভারত হি হি ব্যুপারিশন্তি

খুন্টি ু<sub>ন্তি</sub> নৰতে ৫ ক্ষেপ্ত ভাৰ্যা-र्भा कार्य भाग हमू महा वया। भा क्रान रक्षणिक श्री: श्रुथाता नुक गः भ् उः । বুলৌদনাগ্ন স্তৎপুপ্রো ভ-ब्राटा नाम विनुद्धाः है जि माध्या ञश्चित•स्थानाम ८৮ अव्यागः ॥ ३ ॥ রাসানুত্র ভরতস্য জন্ম যথা। ভরতো নাম কৈফেব্যাণ জজ্ঞে সত্যপরাক্রনঃ । সাক্ষাদ্বিক্ষা कं उंडा गः गरेवः मः मूनिरा रहेगः ॥ जनान्गजः न ত্রুঃ। যথা। ভরতস্যাপি শত্রুয়ো वञ्चभावद्राज्ञा कि मः। शुर्भातः श्रियः তরে। নিত্যু তব্য চাসী ত্রথা প্রিয়ঃ ॥ म अन्यवृक्ष कन्त्राः भाखवीः शः तिशी ज्वान्। यथा। जाजा यवीयान् ধর্মাক্ত এব রাজ। স্শধ্রঃ। অস্য থ্যান্ত্রনো রাজন্ কপেণাপুতিন• - ভুবি ॥ मु जावयः नत्रामु । भन्। र्थः वत्र ধ্যানহে। ভনেব মৃক্তা জনকো ভরত-ক্ষাভ্যভাষত ॥ গৃহাণ পাণি না खत्राः शानिना त्रयनम्तन ॥ म न-न्तिगुरम ब्राइंड क्डवान्। यथा। नवद्भा कि। यात्री मृनिद्यमध्यः भू जुः । किन्तुगान स्वनक्षीतः स्रोम (न)। ভরত छना ॥ नवानवाजातः ष्ट्रबर्भातवाभा**म म हरा ।** 🖂 😅 भावन बुद्धः लान्का आः निरवन्यः

न्। ठठल छत्रकः दिनागि विदित्तः
रा भाष्ट्रकः । उपयोग खपा ताक्रिः
कात्र्यामाम मर्बरा ॥ इठि तामाः
यापदानकारण १४ । १२ मः
यापाः। यरापदाकारण २८ व्यक्षाः। यरापदाकारण २८ व्यक्षाः।
यक्षाः ॥ उम्र व्योभू यो ।
उत्र उम्राः व्याव्याक्षे वीत्रो उक्षः शहरः
व्य । माजूरान मूळ्छो पूष्टांग मूममाहित्ये॥ उत्र उक्षाग्राः कृद्याः
मूममाहित्ये॥ उत्र उक्षाग्राः कृद्याः
म्मार्त्रो मवनामुर्ग्यो । निरु छ १।
सर्व मुजान् व्य भूत्र वि छित्र प्राः ॥
इठि तानागरा छलाकारण १०१
व्यक्षाग्रः॥

ज्य उथ अ॰ क्ली जात उपयोष्ठ शं ज्य-भा तिकाथ अ॰ । यथा। अञ्चा तिक्छि विथा जा यभा भागा। भुकथा उठ । इस॰ अभा तिकाथ ७॰ ठजू वर्ग कल भुम॰ ।। यथा क् जावनीयक न व्यान्न भामि क्ल्यना । इस॰ ज्या ज्या अभा क् भुकल्लि ज॰ ।। इंडि का-स्मा अभा तिकाथ अञ्चलि ज्या विश्वा न ।।

ভরতপুণ্রকঃ পু॰ নটঃ।ইতিছেম-চন্টঃ।।

ভরতপুস্: স্ত্রী কেফট্টিই**তি শ**দ-রত্নাবলী॥

ভরতাগুলঃ পু প্রীরাসচন্দ্রঃ। যথা।

শ্বেতে স চিত্ত শ্বনে মম মীন কুৰ্ম হৈকালো হভবনূহরি বামন জামদ গ্ৰাঃ। যো ২ ভ্ৰভূব ভরতাগুজ কৃষ্ণ বুদ্ধঃ কল্পী সতাঞ্চ ভবিতা পুছরি-ब्राट श्रीन्।। ইতি বোপদেবः।। ভরথঃ পু॰ লোকপালঃ। ইত্যুণাদি-(कायः॥

ভরদাজ: উত্তথ্য পর্যাণ মমতাযাণ বৃহস্পা-তি বীর্য্যাজ্জাতঃ। তস্য জন্মবিবর ণ যথা। ততো ২স্য বিতথে পুঞ্ জন্মনি পুত্ৰাৰ্থিনে মৰুৎ সোম্যা-कित मीर्य जनमा शार्किशा खामृ হস্পতি বীৰ্য্যাদূত্থ্য পন্নী মমতা 🍴 সমূৎপরে। ভরদ্বাজাথ্যে নাম পু-धा मक्कि मंदः॥ यम्राशि नाम নিৰ্বচন শ্লোকঃ পঠ্যতে ৷ মুঢ়ে ভ রদাজ নিম• ভরদাজ• বৃহস্পতে। যাতৌ যদুজ্বা পিতরৌ ভরদ্বাজ স্ত তস্তুব খিতি ॥ ভরদ্বাদশ্চ তস্য विजल्प भू अबग्रिन नक फि में छ। বিতথ সংজ্ঞানবাপ॥ # 11 অন্য টীকা। বিভথে ব্যর্থে সতি। অতৈব নিতিহাসঃ। বৃহস্পতে রপুরস্যো-তথ্যস্য মন্তাৰ্যা পত্নী গব্ভিণ্যা-স, ১ তদ্যা বৃহস্পতি: কামাভি-**ভূতো वीर्याः वाम्बद्धः । उह गर्छः** ।

পুবিশন্ত ছেন স্থান স্কাট ড-यार भाषि भुशाद्रभानास के हैं। পতিত মপি অমোঘ বীৰ্ষ্যত্যা বৃ-হস্পতে ভরদান নান পুলো ২তং ৷ গৰ্ভস্ক বৃহস্পতিনা ভ্ৰমাদেবাপ-রাধাদক্ষো ভবেতি শপ্তো দীর্যতমা নামা ভবং। তত্ত্ৰ ভরদ্বাজ নাম নি-क्कि भन्न ख८ भिर्वा दिवानकाता १य माता परिवं शिठे : । १ मूर्ष ন্মতে দ্বাজ দ্বাভ্যা নাবাভ্যা জা-ত মিম॰ পু এ॰ ত্ব রক্ষ। এবং বৃ হস্পতিনোক্তেন মমতা তমাহ হে বৃহস্পতে দ্বাজ• দ্বাভ্যা• দ্বাভ নিম্ নেকাকিনী কিমিত্যহণ ভরিষ্যানি ৷ ত্বনিমণ ভরেতি পরস্পর মুক্ত্বা তণ পুণ্র ত্যক্তা যমাৎ পিতরৌ মমতা বৃহস্পতী ততো যাতৌ। ততো ভর-দ্বাজাথ্যে **•্য•। পাঠান্তরে এব•**় विवनगातो । यनुः था ८ यमि निक् দুঃখাৎ পিতরৌ যাতা বিভ্যর্থঃ 🗀 তদেব• তাভ্যা॰ ত্যক্তে। মকডিভূঁ-তঃ। নক্ৎ সোমাখ্যেন চ যাগে না-রাধিতৈ মৰ্কন্ডি স্তম্য বিত্তথে পুঞ জগ্নি সতি দত্তবাদ্বিতথ সংজা-ঞ্চাবাপ। ইতি বিষ্ণুপুরাণে ৪ (म >> ञ्रव्यायः ॥ श्राक्षा शक्कित्रिमयः । जाक्र इंकि जावा। जे भेर्गायः।

ভগ

वर्षान्ति । इज्जातः ॥ जतवातः

ভরদ্বাজক: পু॰ ব্যাঘ্রাটপক্ষী।ইতি শবর্রাবলী॥

ভরিণী জ্রী হরিদ্বর্ণ:। ইত্যুণাদি-কোষ:।।

ভরিতঃ ত্রি হরিদ্বর্ণঃ। ইত্যুগাদি-কোষঃ॥ পুষ্টঃ॥ ভারযুক্তঃ। ভরে। ২স্য জাত ইত্যর্থে ইত পুত্যুযেন নিয়ুমঃ॥

ভৰজঃ পৃ• ফুদুশৃগালঃ। ইভি**হেন**-চন্দুঃ ॥

ভক্টক ক্লী ভৃষ্টামিষ । ইতি হেন-চন্দু: ॥

ভর্গ: পৃ
শবং।ইতাসরং।। জ্যোতিঃ।ইতি সিদ্ধান্তকৌমুদ্যামুণাদিবৃত্তিঃ।। আদিত্যান্তর্গততেজঃ। যথা
। আদিত্যান্তর্গত বর্চো ভর্গাখ্য
তন্মুক্ষুভিঃ। জন্ম মৃত্যু বিনাশায
দুংখন্য ত্রিত্যন্য চা। ধ্যানেন পুক্ষো যশ্চ দুষ্টব্যঃ স্ব্যমণ্ডলে।
ইত্যাহিক্ত্তন্ত্বা। ভর্জনং। ইতি

ভৰ্হ

ভূজধাতো ভাবে অনট্ পুত্যযেন নিম্লম•।।

ভর্গ্য: পু• ভর্গ:।ইত্যমরটীকাযাণ ভরত রাযমূহটো।।

ভৰ্জন• ক্লী ভৃষ্টি:। ভাজা ইতি ভাষা । ইতি শব্মালা।।

ভর্ত্তব্য তি ভরণীয় । পোষণীয় ।
যথা। বৃদ্ধো চ মাতা পিতরৌ সাধ্বীভার্য্যা সূতঃ শিশুঃ। অপ্যকার্য্য শত কৃত্বা ভর্ত্তব্যা মনু রবুবী ।।
ইতি দাযভাগ টাকাধৃত বচন ।।

ভর্ত্তা পুণ অধিপতি:। তৎপর্য্যায়:।
অধিপাং ২ ঈশাং ৩ নেতা ৪ পরিবৃচঃ ৫ অধিভূং ৬ পতিঃ ৭ ইন্দুঃ ৮
স্বামী ৯ নাথঃ ১০ আর্য্যঃ ১১ পুভ্ঃ
১২ ঈশ্বরঃ ১৩ বিভূঃ ১৪ ঈশিতা
১৫ ইনঃ ১৬ নানকঃ ১৭ । ইতি
হেমচন্দুঃ।। ধাতরি পোষ্টরি চ ত্রি
। ইতি নেদিনী ।।

ভর্মী জী পতিঘাতিনী। ইতি মহাভারত ।।

ভর্তু দারকঃ পু• নাট্যোক্তৌ যুব-রাজঃ। ইত্যনরঃ॥

ভর্দারিকা জ্রী নাট্যোক্তৌরাজ-সূতা। ইত্যমরঃ।।

ভত্ইরি: পু॰ স্বনামথ্যাতঃ কাব্য-কত্রাজবিশেষ:। ইতি জটাধর: ।। সচ বিজ্ঞানিত্য রাজ্ঞানা।।
ভক্স কি জঞ্জ ভক্সনৈ। ইতি কবি
ফল্লফনঃ।। রেকবতঃ। দন্ত্যবর্গাদ্যোপধঃ। ভক্ষো ভক্সনিং। ভক্সনিং
অ্বপকারণী রিভ্যানরঃ।। ক জভক্সনি
বতে খলং রাজা। ঞ ভক্সবিতি
ভক্সবিতে। অথমান্মনেপদীত্যন্যে
। কদাচিৎ পর্বীয় পদার্থো জ্ঞাকা।
রঃ। ইতি দুর্গাদানঃ।।

ভদ্ধন

ক্রিনির প্রিল্পারগীঃ । ইত্যা

নরঃ॥ চৌরো প্রিল্পা বাত বিষ্যা

নি ইত্যাদ্যপকারাথ

ক্রিন্দা ও তৃথপ্রা ৪ গহা ৫ গহণ

নিজ্ম

পরীবাদঃ ১০ জন্পুন

গঃ ১২ অব্রঃ ১০ নির্দা

ক্রেশং ১৫ অপ
ক্রোশঃ ১৫ । ইতি শদ্রন্নাবনী ॥

ভন্ন প্রিকা খ্রী. নহানীলী। ইতি রাজনির্ঘণ্টঃ।।

ভর্ম নী স্বর্ণ-॥ ভৃতিঃ॥ নাভিঃ। ইতি দ্বিকাকোষঃ॥

र्ष्ये क्री विजनः। इंडि ह्महन्पृः॥ यर्गः॥ युख्रुतः। इंडिअन्नः॥ नािः । हैं ि नियः॥

रार्नेण तो जन्म । इंडि रहन-हन्दुः॥ उर्ज किया। इंडिट के स्थानः॥ त्राप्तानकः। उडिटी इंडिट्रिट्र मानः॥

चर्च किरम। ইতি कि सम्बद्धः ।।
 चर्च ि । व्यक्त के ।
 पूर्वामानः ।।

তল ও দানবধ নিজগণেষ্। ইতি
কবিকল্পকাশঃ ॥ ও ভলতে । ইতি
দুর্গাদানঃ ॥

ভन क ७ िक्शार। ইতি कवि क्रिक्सः ॥ क ७ लाज्याउ । ইতি मुर्गामाभः॥

ভলতা স্ত্রী রাজবলা। ইতি শব্দ রত্নাবলী।।

जनमनः शृ कान्यस्तु (मणीयन्तर-विष्णयः। यथा। कणान्जी कान्य-स्युत वज्वायानि भञ्जना। ज्ञाजि-मात्रा महामाधी मृन्त्री कमणा क ना।।कान्यस्तु नृत्राण्यक्ष जनम्ब केक्क्रमः। म जाः मःश्राण यात्रा-स्त्र यक्त्रस्त्र मञ्ज्वाण ।। ইতি द्र्वाविवर्त्त क्षिक्षक्ष्यथस्त्र १९ वर्षायः।।

ভল্ল ত দান বধ নিদ্ধপণেষু । ইতি
কেবিকল্পদনঃ ।। তা দ্বাস্থঃ । ড ভারতে । ইতি দুঝানাজ্ঞা । ভল্লঃ পু• ভল্ল গণ্ধাতী নিদ্ধা ভার পুরি শস্তভোগ ভারা। ইতি শ্রামা। ইতি দেনী শব-

ভল্লকঃ পু• ভদ্কঃ।ইতি দ্বিলপ-কোবঃ॥

ভারপুছী দ্রী গদেশকা।গোরক ততুলাইতি খ্যাতা।ইতি সদ চন্দ্রকা।

ভরাট ক্লী শশিধ্করাজপুর বিথা বিদ্যাগণৈঃপরিব্তঃকল্পি নারাযণঃ পুলুঃ । ভল্লাট নগর প্রাযাৎ থার প্রক্রিপ্রাহনঃ ৷ ইতি কল্পিরাণে ২২ অধ্যায়ঃ ৷৷

ভলাতঃ পু• ভলাতকবৃদঃ। ইতি রব্মালা॥

ভल्ला उकः थु॰ वृक् विरम्पः। (जना हेि जाया। उट शर्यायः। अक्कः तः २ जल्ला उः ० त्मार्थः ८ ह विहा-नामा ६ वी त उकः ७ तुनक्ट १ ज् नामा ६ वी त उकः ७ तुनक्ट १ ज् नामानः ৮। हेि त त्र माना।। जला-जली २ जायम्थी २० वी त वृक्षः १३ । हेउ प्रतः॥ निर्म् इनः १२ जनमः १४ जनलः १२ ज्ञिष्टः १२ (द्वार्ट वी जन्न १० श्रुष्यी जः २८ यन् वृक्षः २६ वी ज्ञान्य १ विह्न हे अविद्याः १ विषय विषयः।

उक्ष कृष क्क वार्टा पत्रा नाइ भिष्ट पूर्वाम नाणिद्यः॥ उर कन खनाः। कवायदः। तथुत्रदः। (कायः-पुः। क्षकार्खि भुग श्वामानार दिनम मृत कठेताधान कृषि नानिद्रक ॥ · তব্মক্ষণ্ডণাঃ। বিশেষে দাহ শদান ত্ব। পিত্তাপহত্ব। তর্পণত্ব। বা-তারোচক হারিত্ব•। দীপ্তিজনকত্ব•। পিত্ত নাশিত্ব। ইতি রাজনির্ঘটঃ ।। 🕸 ॥ অপিচ । ভল্লাতক विবু • প্রোক্ত নক্ষো হক্ষরো হয়িব:। তথৈবাগিযুখী ভল্লী বীরবৃক্ষশশো৷-ফহ্<।। ভল্লাতক ফল• •াক্ব• স্বাদু-शाक त्रनः लघु । क्यायः शाहनः স্নিগৰ তীক্ষোহাত ছেদি ভেদন ॥ লেখ্য বহিকর হন্তি কফ বাত जुरगामन । अक्षारमा गुइनी एला भाकानाइ जुद्ध किमीन् ॥ उन्नज्जा মধুরো ব্বেগা বৃ•ছণো বাত পিত্তহা । বৃত্তমাৰুষ্কর• স্বাদু পিত্তগ্ন• কেশ্য मगिक्ष ॥ जल्लाउकः कवारयायः শুক্রলো মধুরো লঘুঃ। বাত শ্লেমা-मद्रानाइ क्षांट्या शुक्री भनान्।। হন্তি গুলা জুর• চিত্র বঙ্গি মান্দ্য কৃ-নি বুণান্। ইতি ভাবপুকাশঃ।। 🕸 🛚 ।। অন্যন্ত। ভল্লাতক ফল• নিধ• ক্রি-नि मुनान नामनः। एउटे एर्ग्यक्र

গুাহি কৰায় নধুরঞ্ তথা। ভ লাতবৃত্ত নধুর কৰায় বাত কো-পন। ইতি রাজবল্লভঃ।।

ভলাতকী স্ত্রী ভলাতকবৃক্ষ:। ইত্য-নর:।।

ভলিকা জ্রী ভল্লাতকঃ। ইতি শব: চন্দুকা॥

ভল্লী বি ভল্লাতকঃ। ইতি শদ-রত্নাবলী॥

ज्ञाव का अर्थ । विकास ।

जदः श्रृ॰ जम्। भिदः। ইত্যমরः॥
ज व जनम्दिः। यथा। जदाय जन
मूर्वय नमः। ইতি পার্থিব শিবলি
क्रुश्जाপুযোগः॥ ক্ষেমः॥ সংসারঃ
।। সভা॥ পুাপ্তিঃ। ইতি মেদিনী॥

ভাষা। ইতি রাজনির্ঘণ্ট:।।

ভবক: भू: जामीर्विकः। इडिं ं मःकिथमातः॥

ভবষমরঃ পু॰ দাবানল: । ইঙি শব্দনালা।।

खर वि यूग्रपर्थं।। वर्खनानार्थं। इंडि भिर्मिनी।। अब जाम्प्रर्थं जा-शास्त्रा उंत्रक् भुकु (यन निष्ठमः । ज-म्य निष्ठ्यस्य क्ष्णः। ज्वान् ज्वर्जी खर ।। विजीयार्थं ज्वारताः मक् भुज (यन निष्ठमः। जम्य निष्ठ्यस्य क्षणः ज्वन् ज्वन्नी ज्वरः।। व्यक्तः ज्ञाः क्षी। इंडि ह (स्मिनी।।

ভবতী স্ত্রী বাণভেদ:। সতু বিবাক্তঃ
। ইতি শব্দরত্বাবলী ॥ দীপ্তিমতী
যথা। স্বর্গারোহণ বৈজয়ন্তি ভব তীণ ভাগীরথীণ পুর্যোব। ইতি বাল্ ল্মীকিকৃত গঙ্গান্তোত্রণ ॥

ख्यनाक ज्ञी (नयनाक्य्कः। इति ज्ञाकनिर्धण्डः॥

ভবদীয় ত্রি ভবতইদ । যুখ্য থা।

য়দ্ধা। যথা। শুক্তাতিদ্রে ভবদীয়
কীর্জি কণৌ চ তুপ্তৌ নচ চক্ষ্মী
মো। দ্বো বিবাদ পরিহুর্ নি হুন্
সমাগতো ২হ তব দশনায়।

ইত্যুক্তটি: ।।

ভবন লী গৃহং । ভাবঃ ! ইতি নেদিনী ॥ खेना निम् का इंडि जिल्लाई । इंडि मुख्य वादन्ता क्रा । क्रम ।

ख्यक्षः भू कावाखिरः। मजू वर्खमा नः। इज्रुगिरिकायः ॥ ख्यहप्मप्र भूषमा वर्ष्यप्रमाष्ठं कृष्णा २ भ्रयः ॥ ख्यक्षिः भू वर्खमानकावः। इज्रु-गारिकायः मः किश्वमाद्रागिरि-वृद्धिकः ॥

खरज्ञिः पू॰ किविति स्वाः। मिष्ठ खाजवाजमा शिख्यः। नाम्यी-भाषवापि नाष्टे कर्क्षा ह। उट्शर्याः यः। ज्यद्धाः २। इति किहायदः॥ मङ्गाप्तवमा अवर्याः अ

ভবক্<sup>ৰ</sup> দ্ৰী প্ৰেতপটহ:। ইতি ত্ৰিকাণ্ডশেষ:॥

क्वाञ्चका खी मनमारम्यी। ইতি भयगामा॥

ভবাদ্ক । তা যুদ্মৎসদৃশ:। ভবা-ভবাদৃশ: নিব দৃশ্যতে য ইতি ব্যৎ ভবাদৃক: পত্ত্যা ভবদুদ পূৰ্বক দৃশ

शास्त्रः त्राक्ता अवस्य सूक्क मृत्र शास्त्रः कर्यान करमन क्रिश् हेक् स्रक् भुज्रायम निष्ठमः । इंडि वर्णकत्रनः ॥

ज्यार जिए जियमा जार्या। मुन्ता।

हेर्डाभद्रः ॥ अटझान काद्र १ यथा । कृत्य ज्वा कर्यः म्याथार्गा ज्वाः मरमाद्रमागद्रः ॥ ज्वाः काम ख्याः
मृष्टि ज्वानी भद्रिकीर्ज्ञि ॥ हेर्डि
एची भूदार १६६ मध्यायः ॥

ভ্ৰানীগুৰু: পূ হিমাল্যপৰ্বত:। ইতি হেমচন্দু:॥

ভবাভীষ্ট: পু• শুলুলু:। ইতি রাজ-নির্ঘণ্ট:।।

ভবান্ধি: পূ॰ সংসারন্ধপসমুদুঃ।
থথা। ধ্যেয় সদা পরিভবন্ন মভীইদোহ তীর্থাস্পদ শিব বিরিঞ্চি
নুত শরণ্য । ভ্ত্যার্ভিহ পুণত
পাল ভবান্ধিপোত বন্দে মহাপুৰুষ তে চরণার্বিন্দ । ইতি শ্রী
ভাগবতে ১১ ক্ষরে ৫ অধ্যানঃ।।

ভবাষনা জী গঙ্গা ইতিশব্দর্ভা-বলী।।

ভবিক শ্লী মুস্ল ।। তদ্বতি ত্রি। ইত্যমরঃ॥

ভবিতঃ ত্রি অতীতোৎপত্তিকঃ। ভূতঃ।ইতি কটাধরঃ।।

खिरा क्रिका कि खिरा क्रिका । खिर । खिर । खिर । खिर क्रिका कर्मा । खिर । खिर क्रिका कर्म । खिर क्रिका क्रिका खिर क्रिका खिर क्रिका खिर क्रिका खिर क्रिका खिर क्रिका । खिरा कर खिर कर खिरा कर । खिरा कर खा कर खा कर खिरा कर खिरा कर खिरा कर खा कर खा कर खिरा कर खा कर खा कर खा कर खा कर

নহ পোচ্যে নায় রাজাপরাধ্য **छि । ভবি उ**वा गतिनव (यना ह॰ নিধন গড়ঃ॥ ইতিবহি পুরাণ ॥ তবিত্ব্যতা জ্রী ভাগ্য । ইতি জটা धवः ॥

ভবিতা ত্রি ভবনশীলঃ।ইভিভরতঃ ।। नाधु छव्नमीनः। ইতি मूक्रिः॥ তৎপর্য্যাगः। ভূফু: ২ ভবিষ্ণু: ১। क्टामदः ॥

ভবিনঃ পু॰ কাব্যকর্ত্তা।ইতি ত্রি-কাওলেयः॥

ভবিষঃ পু: যিজঃ।ইতি ত্রিকাও-শেষঃ॥ ভব্যঃ। ইতি সিদ্ধান্তকৌ-मुम्तामुगामिशास्त्र ॥

ভবিষ্ণুঃ ত্রি ভবিতা। ইত্যম্রঃ॥ ভবিষ্যঃ वि তবিষ্যৎকাল:। ইতি व्यक्तमुः ॥ भूतागविष्णस्य क्ली । যথা। চতুর্দশ ভবিষ্য স্যাত্তথা পঞ্শতানি চ ৷ ইতি প্রভাগবতে >२२ करक २० अव्यागः ॥

ভবিষ্য ত্রি কালবিশেষঃ ভিস্ত লক্ষণ । বর্ত্তমান প্রাগভাব পুতি-যোগিত্ব•। ইতি সারমঞ্জরী ॥ বর্ত্ত নানকা**লোন্তরকালীনোৎপ**ত্তিক ত্বণ ইতি শিরোমণিকৃত পদার্থটী-কা থগুন ।। তৎপর্য্যায়ঃ। অনাগ-छ २ यखन o भूमाजन 8 वक्का ( जिय o ब्रह्म । शिमामोको । इंजि

৫ বর্ত্তির মাণ্ড সাগুলে ৭ ভাবি ৮। ইতি রাজনির্ঘণী । অদুভিনে ভব্যে ডী দ্রভব্যে তী হৈতি সাপ্র-দাবিকঃ। মথা খোভবিতা বর্ষান্ত-রে ভবিষ্যতি। ইঙি দুর্গাদাসঃ॥ ভব্য॰ ক্লী ফলবিশেষঃ। চালতা ইতি ভাষা। তুৎপর্য্যায়ঃ। ভব•২ ভবিষ্য ৩ ভাবন ৪ বক্তুশোধন ৫ (नागकनः ५ शिह्निवीकः १। व्यमा खनाः। ब्राह्म । कर्षेत्रः। छ-ফত্তঞ্য। বালস্য তস্য গুণঃ। ৰাত কফাপছত্ব• ৷ পক্ষম্য তম্য গুণাঃ ৷ मधुत्राञ्च । किंकादिवः । भूम **म्बङ्ब ५**६७ । ইতি রাজনির্ঘণ্ট: ॥ व्यशिह। ভवाः यामू क्यागासः वृद्र भाग्रविष्माधनः । ज्यात शकः (मायप्नः एक गाहि विवाशहः ॥ ইতি রাজবল্লভ:।। #।। चहि । इंडि (मिनि ॥

ভব্য বি শুভ ।। সত্য ।। যোগ্য ।। ভাবি। ইতিমেদিনী শবর্রাবলীচ ভব্যः পু॰ कर्षात्र अन्वः। ইতি মেদি-नी ॥ तमाज्यम् शृ॰ ही। इंडि मक त्रवायनी ॥

ख्रा क्षे उमा। गहिनश्रदी। ইতি विदिनी ॥

किर्मुक्तः ॥ वृक्तः संक्रुत्राप्ति क- ।

ह क मुक्तः । ज्वा श्वा ज्वा ज्वा ज्वा ।

एता विश्व श्वा ज्वा ज्वा ज्वा ज्वा ।

एता विश्व श्वा ज्वा ज्वा ।

ह जिल्ला । विश्व श्वी ज्वा ।

ह जिल्ला । विश्व श्वी ज्वा ।

ह जिल्ला । व्या ज्वा ।

ह जिल्ला । व्या ज्वा ।

ह जिल्ला ।

ह जिला ।

ह जिल्ला ।

ह ज

ভষা জী স্বৰ্ণক্ষীরী। ইতি রত্ননালা।।
ভবী জী শুনী। ইতি শব্দরত্বাবলী।।
ভস র লি দুডৌ। ভঙ্গে । ইতি
কবিকল্পক্ষনঃ।। র বৈদিকঃ। লি
বভস্তি। ইতি দুর্গাদাসঃ।।

(इग्रहन्द्रः ॥

७म८ जी कार्षः॥ अथमाःमः॥ क्वनः। ইতি मिक्कास्टकोमून्यामू नामिवृज्ञिः॥

ভসং জী ভাক্ষরঃ॥ যোনিঃ। ইতি নেদিনী।। সাংসং ॥ কারগুবপক্ষী ॥ প্লবঃ। ইত্যুণাদিকোষঃ॥ কালঃ । ইতি কিলেগুশেষঃ॥

ভসনঃ পু॰ ভুমর:। ইতি ভ্রি-পুযোগঃ।।

ভদন্তঃ পু॰ কালঃ। ইতি ত্রিকাণ্ড শেষঃ॥

ভসিত প্লতিম। ইতি হেম্চন্দু:॥

ভস্চক: शृ• रेपविक्तः। ইতি শद्र-त्रद्रावनी।।

ভद्यका स्त्री हर्णभूरमिका। ইতি भफ्तज्ञावनी॥

ভন্তা প্রী অগ্নিদীপকচর্মনির্মিত্যক্ত . বিশেষ: । ভাথী ইতি যাঁতা ইতিচ ভাষা। তৎপর্য্যায: । চর্মপুসেবি কা২ । ইত্যমর: ।। চর্মপুসেবক: ৩ । ইতি ভরত: ।। ভন্তাক: ৪ ভন্তকা ৫ ভন্তী ৬ । ইতি শব্দরত্বাবলী ।। ভন্তিকা ৭ । ইতি ব্যাকরণ: ।।

ভজাকা জ্রী ভজা। ইতি শব্রগ্না-বলী।।

গাত্রেষু ভৃতিলেপ তদাকরেছে ! লেপশেষাণি ভুষানি সমাদায जना रुद्रः।। भगता श्रुमं**रि कानी** • বিস্থায় বিধি সমতে। ই**তি কালি** কাপুরাণে ৪১ অধ্যায়ঃ।। 🕸।। ভষা মৃক্ণ সপ্তবিধ্যানান্তর্গতাগ্রেয্যা: नः । यथा । আগেयः ভमना नानः বাযব্য গোরজঃ মৃত । ইতি যান-वः ॥ \* ॥ निवभूकायाः वनारि তদ্য ধারণ মাবশ্যক। যথা। বি ना जय जिशुर्खु विना कृमुक्किमा लया। প्रक्रिजा १भि महास्तरा म म्याखन्य कनभूनः ॥ इंड्याहिकः তত্ত্ব- ৷৷ ঋ৷৷ তেন কা স্বান্ধ্ৰ ৰ্যথা । अञ्चमा रम्भन्ति। यः का ना भू ধ্যতি ভন্মনা। অন্নৈ তানুক রৈ-ত্যঞ্চ পুনঃ পাকেন মৃত্যय॰ ॥ ইতি শুদ্ধিতত্ত্ব ।। 🗱 ।। অশ্মরীবিকার: । যথা। শর্করা সিকভানেছে। ভ-সাথের হন্মরী বৈক্ত। অন্ম-য্যাঃ শর্করাজ্ঞেষা তুল্য ব্যঞ্জন বে দনা। ইতি সুশুতে নিদানস্থানে यभावी निमान ॥

ভদাদ লী রোগভেদ:। ভদানীট ইতি খ্যাত:॥ বিডঙ্গ:॥ কলাধী তে । ইতি নেনিনী॥ ভদানস্য নি-দান সংস্থান্তি পূর্বক লক্ষণ মাহ ে ভঙ্গারে।

ा निवानि कका उत्तर्भिताता के निवास के निवास निवास करा उत्तर्भा करा उत्तर्भा करा उत्तर्भा करा अवस्था करा कि स्थार ।।

उत्पादिम का मण्डला रेज्यू लिक्लि रुप्ति करा रेज्यू लिक्लि रुप्ति महिंद्व महिंद्य महिंद्व महिंद्व महिंद्व महिंद्व महिंद महिंद महिंद्व महिंद महि

ভমকার: পু॰ রজক:।ইতি শব্দ-মালা।।

ভমগদা ত্রী রেণুকা। ইতি ভাব-পুকাশ:॥

ভমাগন্ধিকা স্ত্রী রেণুকাখ্যগন্ধুব্যু ৷ ইতি জটাধরঃ ৷৷

ভষাগন্ধিনী জ্রী রেণুকাখ্যগন্ধদুব্যুণ । ইত্যমর: ॥

ভমাগর্ভঃ পু• তিনিশব্দঃ। ইতি রাজনির্ঘণ্টঃ॥

ভমাগর্ভা জ্রী কপিলশিংশপা। ইত্য-মর: ৷৷ রেণুকা নাম গন্ধদুব্য ৷ ইতি জটাধর: ৷৷

ভষাত্ল জ্লী গুন্নকূট: ৷৷ পাংশ্বর্ষণ• ৷৷ হিন• ৷ ইতি মেদিনী ৷!

ভন্মরোহা জী म्यावृत्यः। ইতি

ब्राइनिर्धाः॥

स्मात्यकः रू त्रश्तः। इठि भप-

ভুষাস্থ্যঃ পু• কপ্র: ৷ ইতি ত্রিকা গুশেষ: ॥

ভক্ষ ঞ ভক্ষণে। ইতি কবিকর্মু-দ্রুনা: ।। ঞ ভক্ষতি ভক্ষতে। ইতি দুর্গাদাস: ।।

ভক্ষ ক ভক্ষে। ইতি কবিকল্লছম:॥ ক ভক্ষযতি। ইতি দুর্গাদাস:॥

ভক্ষক: ত্রি খাদক:। ভক্ষণপর:। তৎপর্য্যায:। হস্মর: ২ জন্মর: ১। ইত্যমর:।।

ভक्रोकः भू॰ कृषुशाक्त्रवः। ইতি ब्राक्रनिर्धन्तः॥

क्रिन् क्रिन् क्रिन् । ज्यान । ज्यान । ज्यान । निर्म् । निर्म् । निर्म् । यहन । ज्यान । यहन । यह

ইতি কর্মলোচন ॥

ভক্ষণীয় ত্রি ভক্ষ্যদুব্য ভক্ষণ যোগ্য ইতি ভক্ষ্যাতো: কর্মণ্য নীয় পুত্যয়েন নিম্নন্মণ ইতি ব্যাক-রণণ ৷৷

ভক্ষপত্রা জ্রী নাগবলী। ইতি **রাজ**-নির্ঘণ্টঃ ।।

ভিক্ষিত বি কৃতভক্ষণবস্থা তুৎ পর্য্যায়: 1 চর্ষিত ২ লিপ্ত ৩ পুত্য-বসিত ৪ গিলিত ৫ থাদিত ৬ প্লাত ৭ অভ্যবহৃত ৮ অম ১ জক্ষ ১০ গুৰু ১১ প্লস্ত ২ অশিত ১০ ভ্রু ১৪ । ইত্যমর: 11 জক্ষি-ত ১৫ । ইতি শদ্রত্বাবলী 11 ভক্ষ ৫ ক্রি ভক্ষিতব ৫ । ভক্ষণীয় ।

जम्म जातः वि शिष्ठे कविक्य की वी ॥
शिष्ठे कि लाति । इंडि ज्य जः ॥ उद शर्य प्रायः। जा शृक्तिः २ कान्स् विकः ठा इंडि अस्तः ॥ शृशिकः ॥ शृश्वि-क्वी ६ (आमका दिक्वि विक्वी ७। इंडि भन्द द्वाद की ॥ जक्राजकार की थानाथानामुद्र । । यथा । ভक्ष्या ভक्ष्यान्य तनकानि ব্ৰাহ্মণস্য বিশেষতঃ। অত্ৰ শিষ্টা यथा तुर् खथा कार्य्यविनिर्गः। हे ত্যেকাদশী তত্ত্বে শঙ্ক বচন•॥ 🕸॥ নারদ উবাচ। ভক্ষ্যুণ কিয়াপ্যভ্-ক্ষ্যঞ্চিত্রানা গৃহিণা পুভো। यञीनाः रेवक्यानाकः विथवा वृक्षः ্চারিণা•।। কি• কর্ত্তব্য নকর্ত্তব্য ন-ৰভাগ্য ভোগ্যনেব চ। সৰ্ব কথ্য সর্বজ্ঞ সর্বেশ সর্বকারণ।। শ্রীমছে-श्रव डेवाछ । कन्ध्डिशश्री विश्रम्ह নিরাহারী চির• মুনিঃ। কশ্চিৎ স भीतगाशती कनाशती ह कम्हन॥ ্ অন্নহারী যথা লোকে গৃহী চ গৃ-, हिनी यूजः । (स्या निहा ह या तुकान् ৰুচীনা বিবিধ। গতিঃ।। হবিষ্যা अ-व्याजना-शुभन्तः गृहिना-त्रमा । नाजायरगाहिष्ठ निष्ठ मनिरवम् । म-ভক্ষ্যক ।। অন্ন বিধা জল মৃত্র यिष्टिका जनित्तरनः। विज्ञृबः अर्ब পাপোক্ত মনঞ্চ হরিবাসরে ॥ ব্ৰাহ্মণ: কানতো হন্নঞ্ধ যো ভঙ্জে হরিবাসরে । তৈলোক্য জনিত পাপং সো ২গি ভুদ্ধে ন সংশযঃ॥ ৰ ভোক্তব্যু ন ভোক্তব্যু **ন ভো** क्जवप्रक नात्रमः। शृहि छि दुर्ग ऋरेग 🏻

तमने मं भारि इतितामता ॥ भई रेगरण मालक वृक्तिना छान मूर् वः। পুযাতি কালস্ত্রঞ্ ভূজ্ হরিবাসরে।। ক্রমিভিঃ শালমানৈ-শ্চ ভক্ষিত স্তত্র তিপ্ততি। বিমূত্র ভ कनः कृष्। याविम्मु। कडर्मना। क-चाष्ट्रमी हित्य ज्ञाननवनी हिवरम इ রে:। শিবরাত্রৌ চ য়ে। ভুঙ্কে সোপি দ্বিগুণ পাতকী। উপবাসাসমর্থ-শেচৎ ফল মূল জল পিবেৎ। নষ্টে শরীরে স ভবেদন্যথা চাত্ম ঘাতকঃ ॥ अक्म्जुर्ह्स इविष्ठान्नः विस्का देनीत्व म्र भिव ह। न ভবেৎ भुज्रवायी न চোপবাসফল লভেৎ ॥ একাদশ্য মনাহারী গৃহী বিপ্যাক্ষ ভারত। তেচ তিপ্তন্তি বৈষ্ণেপ্ত যাবদৈ বৃন্ধণো বয:॥ গৃহিণা॰ শৈব শাক্তানা মিদ মুক্তঞ্চ নারদ। বিশেষতো বৈষ্ণবানা• যতীনা বুক্ষচারিণা।।। নিত্য নৈবে-দ্য ভোজী চ ত্রীকৃষ্ণস্য চ বৈষ্ণবং। নিভ্য: শতোপবাসানা: জীবন্মুক্তো লভেৎ ফল•॥ বাঞ্চি তস্য স•স্প-र्मः তीर्थानि সর্ব দেবতা:। আলা-अ· मृर्भनेरिक्ष्य मर्ब भाभ भुगामनः ॥ षिचित्र नशः भृथुतः मृष्तः (मण वि-শেষকে। নাত্ত শন্ত বিপাণা। **७कृ** । विदिन्त । श्विकंका

यजीनीक विश्वता दुक्काविनार : जा-धूनक गण पुत्रम छरेष छ दस्रमी श्रुवः॥ जामृनः विश्वाञ्जीनाः यञीनाः बुक्ताविशाः। जनिवाक विर्भुमु शामा॰न नम्म॰ धुत्र॰ ॥ नर्खिषा॰ वाक्रानाक वाजकाः मृग् नातम । यमुक्क भागावाम ह इतिना हाङ्गिक ক্রমে॥ তামুপাত্রে পয়ঃ পান উদ্ভি ষ্ঠে ঘৃতভোজন । দুধা লবণসাৰ্দ্ধ সদ্যে গোমা•স ভক্ষণ ।। নারিকে-লোদক কাংস্যে তামুপাত্রে স্থিত নধু। ঐক্ষব তামুপাত্রস্থ সুরাত্ **ण्रः न जः ग**यः ॥ উत्थाय वामहरस्र ন যক্তোয় পিবতি দিলঃ৷ সুরাপীতী স বিজ্ঞেয়ঃ সর্বধর্ম বহিষ্কৃতঃ ॥ অ-নিবেদ্য• হরে রন্ন• ভক্ষ্যশেষঞ্চ নি-ত্যশ:। পীতশেষ জলব্ধৈব গোমা স সদৃশ মুনে ৷৷ বাতিক্সন ফলঞ্চৈব-গোমা•স• কাৰ্ত্তিকে মৃত•। মাঘে চ म्नकरिक्षव कनशी भगतन उथा ॥ খেতবর্ণঞ্চ তালঞ্চ মসুর নংস্য এ व ह। अर्द्धियाः त्राञ्चणानाकः ज्राज्यकः সর্বদেশতঃ ॥ মুৎস্যাশ্চ কানতো ভুক্তা চোপবাস ত্ত্ৰ্যুহ বসে এপু বশিষ্টে ভক্তঃ ক্রা শুক্তি মাপ্নোতি नुष्माः।। भुजिन्यम ह म्या । खकान्यनामनः। विशेषायाक वृ-

হতী ভোজকো ন মরেন্ধরিণা! অভ क्रांक भारतालक भाजु वृक्ति करा भार । ज्ञीयाया क्लूर्याक म्लक धन-नामकः ॥ कलक्षं कात्रगर्यक्त शकः म्या वित् ভक्षण । जिर्ग्रापानि .প্রাপযেত্ত ষষ্ঠ্যাঞ্চ নিঘ্বভক্ষণ ॥ রোগবৃদ্ধি করঞ্চিব সগুম্যা তাল ভক্ষণ ৷ নারিকেল ফল ভক্ষ্য নষ্ট मृतः वृष्तिनामनः ॥ जुषी नवमृताः (गामा अ मन्माक कलिया। . काम्मा उथा मिन्नी हाम्मा পুতিকা তথা।। ত্রযোদশ্যান্ত বার্তা-की जक्षप॰ পूध नामन॰। हजूर्यमा। नाव चक्क नहाभाभकतः भतः॥ পঞ্চশ্যা তথা মা স নভক্ষ্য গৃ-হিণা মুনে ৷ গৃহিণা প্রোক্ষিত भाष्त्र जक्ष्य भन्य मित्न मितन ॥ না সঞ্চ রক্তশাক্ত্ কা স্পাতেচ ভোজन । निविक्तः भगत रेहत क्या মা•সঞ্চ প্রোক্ষিত•॥ রাত্রৌ চ দধি ভক্ত भागन अक्तरणा फिल्ना तक-बना श्वीत्रामक शुःणकीना न छक्तर-क ॥ मृमाना याककानाक मृम्मा-দান্ন মেব চ। অভক্ষাণাঞ্চ বিপুর্যে यमः वृष्वीभाष्ठः ॥ वृक्षन् वाष्ट्र-विकासक गंगकानाम उक्तादः। यगुः मानी विकानाक ठिकिए मानातक-

স্য চ।। হস্তা চিত্রা হরে। তৈল মগু। . হৃঞ্চাপ্যভক্ষ্যক। মূলে মৃগে ভাদু श्राप भा•म॰ (गाना•म जूनाक• ॥ ्छि तुक्षरेवदार्ख वृक्षथए७ २१ व ध्रायः शान्यवर्षथए७ ३३ व्यव्यायक ११ 🗱 ।। नन्त उवाह । वर्गानाक हजूर्गाः ঞ্চ ভক্ষ্যাভক্ষ্যঞ্চ সাম্পুত। বিপা क॰ कर्यागरिक्षव मरीर्वया॰ भागिनाम-পি ৷৷ কথ্যস্ব মহাভাগ কারণানাঞ্চ काরণ। पुरत्ना १ना क्ष शृहानि নিতান্ত সন্তমীশ্বর।। শ্রীভগবানুবা-ह। ज्काजकार हर्गक वर्गानाक যথোচিত। বেদোক্ত• শুষতা• তাত जादशानः निकासय ॥ व्ययः शाख পয়: পান পব্য সিদ্ধান্ন নেব চ। ज्क्षां दिक भ्रयू ७७ नाति (काला र क ज्था।। कने मूलक यटकिकिन चक्रा भन ब्रव्वी । मधाम छक्ष भोवीत मजकाः तुक्ता मजः ॥ নারিকেলোদক কাংস্য তামুপাত্রে স্থিত মধু। গব্যঞ্চ তানু পাত্রস্থ সর্ব মদ্য হত বিনা।। তানুপাত্রে পয়: পান মুছিঙে ঘৃত ভোজন । मुक्ष म नवनिष्क्रव माम् । गामा म ভক্ষণ ৷৷ অভক্ষা মধুমিশুঞ্চ ঘৃত **टिनः ७७** ज्था। जान् कः ७७ मः-যুক্ত মভক্ষ্য শুতি সমত ৷ প্রতি

र्वमा अ

(मये डवर्ष्ट्रव नाव ह म्लकं उथा । विदर्भ के कियान महातमा (छी) জন তথা ৷৷ ভক্ষ্যঞ্জ রাত্রিশ্যে চ भूतः भाकः भित्रजारहर। भानीयः भागमः हूर्नः घ्ठः नवनं त्वव ह ॥ अ-खिक नवगरिक कीत छक उथा मेशू। रखाक्ष अ गृशी उक्ष मान्। ला-নাত্স ভক্ষণ ।। কপ্রি রোপ্য পা-ত্রস্থান ক্রান্ত ব্যাত । পরি বেশন কারী চেন্ডোক্তার• স্পৃশতে -यि ॥ अञ्चल्धः उन्ह्रकः मार्वया (नव अधाउ॰। नक्रमाना॰ शक्षकाना॰ महिषानाक शक्तिना ।। प्रश्नीना भू করাণাঞ্চ গদ্ধভানা বিশেষত: 1 नार्क्कात्राणाः मृगानानाः कक्रुताणाः व्राक्षयं ॥ वर्षामाना गिन निःशानाः ज्याकारः मारमः नृगाः मना। अलोकः বাঞ্চ নক্রাণা গোবিকানা তথৈব চ ॥ मञ्कानाः कक होनाः हक्ष्कानाक নিশ্চিত। গ্রাঞ্চমরীণাঞ্চ কলৌ মা॰স মভক্ষ্যক ।। হস্তিনা । হোট-কান। ११ नृगा मि व ह बक्ष मा । प भी-শ্চ নশকশ্চৈব নক্ষিকা চ পিগীলি-का । अवन्य क नियक्ताना लाक বেদে বুজেখন। বানরাণা ভল্লকা। नाः भवजानाः उरेथन् ।। निविद्धः म् नाजीना॰ गर्म जानाक मा॰ नकः।

**ल्कान्ड**् व्य उक्त । निमानाक मू आ पि वि घ्उ॰ ॥ তথা ৷৷ ধান্তকশ্দ তথা তক্ৰ বিপা-नाः व्यनीञ्च सम्भाग मुहिः गुवमकः जूर्नाका**भाजकाक मुख्य मुख्र। य ङक्र) मा**ष्ट्र करिक्षव महिं वाक द्राविष्टि ति ॥ भयूर् विजः बनकामः विभागाः मुखारमव ह। वर्गामाक हर्ज्वाकावी-

ল্য গোমা সাধিক মেব চ। অবी-রামঞ্বোভুড়ে বাহ্মণো জ্ঞান দুর্বলঃ ॥ भिञ् (नवाईन जन) निस्न मनूत व्वी । वाक्षणानाः रेवक्षवाना भन्न ক্ষ্যুণ মৎস্যমেব চ II ইতরেষা মভূ-ক্ষ্যঞ্প পঞ্পর্রসু নিশ্চিত । পিতৃ দেবাবশেষে চ ভক্ষ্য মাণসং ন দূ-

एउ॰ उँथा।। यट कि श्रिष्वस वा जाउ न

রানস্য চ ভক্ষণ ॥ তদমঞ্চ সুরাতু যিত ৷৷ পঞ্পর্যসূত্যাজ্যঞ্চ সর্বেষা মনু রবুবী । অস স্তঞ্জ লবণ তৈ লঞ্চাভক্ষ্য মেব চ।। ভক্ষ্য পবিত্র• मर्खिषा॰ वाञ्कात विज्ञ मःकृष्ठ॰ । একহন্তে ধৃত তোয মভক্য সর্ব সন্ত া৷ আবিল ক্নিযুক্তঞাপরি-भूषाञ्चनिर्माल । जाजका पुराक्षाना क रेवकवानाः विरमञ्जः ॥ अनिवि দ্যু হরে রেব যতীনা বুন্ধচারিণা । शिशी विका निर्मुउक मध् गवाः

ভক্ষ্যঞ্চ শুতৌ শুত্ত ৷ পক্ষিভক্ষ্য কীটভক্ষ্য শুদ্ধ পশ্বফলন্তথা ৷৷ কাকভক্ষ্য নভক্ষ্যঞ্চ সর্বেষাণ দুব্য নেব চ। ঘৃতপক্ তৈলপক্ মিষ্টা-म म् मु म ऋ उ ।। वा बक्र १ वा का-गानाक मृष्ड्रे॰ हिभी हैक । ज-র্বেষা মশুচীনাঞ্জলনন্ত পরিত্য-জেৎ।। অশৌচান্তাৎ পরদিনে শুদ্ধ মেব ন শ শ শ सः। বিপাকঃ কর্মণা-মেব দুষ্করঃ শু,তি সমাত ।। ভক্ষ্যা-ভক্ষ্যঞ্চ কথিত যথা জ্ঞান বুজে-শর।। ইতি বুন্ধবৈবর্ত্তে শ্রীকৃফজন্ম খণ্ডে ৮৫ অধ্যায়: ॥ 🕸 ॥ ভক্ষ্যা-ভক্ষ্যঞ্চ তে শিষ্য বেদিতব্যু তদ্-ন্তরে। করীরস্য বধঃ শস্তঃ ফলান্যৌ দুষরস্য চ।।সদ্যো ভক্ষী ভবেত্তেন অভক্যা পূতি বাসিকা। ন ভক্ষণী-য• বারাহ• মা•স• মৎস্যস্য সর্ব-भः ॥ অভक्रा ताक्री र्हाउ भी-ক্ষিতৈ হিঁ ন সংশযঃ॥ ইতি বারা-(र वाक्रण नीकाम्ब नामाधायः॥ जक्रानारः जी दाकानार्ः। ইতি রাজনিঘটঃ !!

ভা ল ষ দীখৌ। ইতিকবিকল্লন্ধমঃ॥ . न ভাতি। य ভা। ইতি দুর্গাদাস: ॥ ভা দ্রী পুভা। দীপ্তি:। ইত্যমরঃ।। ভাঃ পু॰ স্ব্যঃ। ইতি ত্রিকাওশেষঃ।!

**डाक्टेः भू॰ मट्माविष्णयः।** मधुत्रष्। मीजव्। व्याप्तः। स्न-মুকারিত্ব•। গুৰুত্বঞ। ইতি রাজ-বল্লভঃ ॥

**अक्टेः भू∙ भर्व**उख्नः। म**्म**ु-(छरः। ইতি मिरिनी।।

ভাকোষঃ পু॰ স্র্য্যঃ। ইতি ত্রিকাণ্ড-শেষঃ 11

ভাক্ত ত্রি পারিভাষিকণ গৌণণ नाक्मिनिकः। जिभवातिकः। यथा। नत्त्रव॰ शत्रक मध्यम गामि किय-মাণস্য কথ যাশ্মাসিকত্ব। ইতি 🛙 চেন্ডাক্ত । ইতি তিথ্যাদিতত্ত্ব ॥ ভক্তসম্বন্ধিনি চ ॥

ভাক্তিক: ত্রি অন্ননপোষ্য:। ভক্ত নমৈ দীয়তে। ইতি সিদ্ধান্তকৌমু-म्रामूर्गाम्युजिः॥

ভागः भू जम्मः। इंजामदः॥ **ৰূপ্যাৰ্চ্চকঃ।। ভাগ্য•।। একদেশঃ। ইতি শদ্**রত্নাবলী॥ রাশেক্তিশ-ভारिगक्डागः। यथा। विः माः मक স্তথা রাশে ভাগ ইত্যভিধীয়তে। ইতি তিথ্যাদিতত্ত্ব ধৃত বিষ্ণুধর্মো-खन्नवहन ॥

ভাগধেষ ক্লী ভাগ্য । ইত্যমর:।। ভাগধেষঃ পু॰ রাজকর:।ইত্যম্র:

।। प्रांगोलः। इक्ष्रबर्भावः ॥५ क्षी इंडि ভाষा। অস্য खगाः । ভাগবত द्वी अक्षेत्रमभूतागास्त्र भ्रष्टाभूद्रापविष्णयः। अ ६ (वर्ष) সক্ত দাদশক্ষ দাত্ৰিংশং বি-भेजाभाग ममनिवाद्यासम् मरम् শ্লোক সংখ্যাক ভগবন্মাহাত্ম্যব-र्गम भुषानका गृष्टः। यथाक मर माभूतारा भूतानमान भुखार । यजाधिक्छ। गायजी दर्गाए थर्म বিস্তর: । বৃত্রাসুর বধ্যেপেত ত-জ্ঞাগবত নিষ্যতে ৷৷ লিখিত্বা তচ্ या प्रमारक्तम मि श ममनिष् । (भीष्ठभन्। भागनामा म या-তি পরম পদ ॥ অপ্তাদশ সহ-जानि भूतान ७८ भुकी खिंछ । भू-রাণান্তরে চ। গুম্বোপ্তাদশ সাহসো षामणकक गियाजः। स्रगीत तुक्क-বিদ্যা যত্র বৃত্তবধ তথা ৷৷ গায্ত্র্যা **চ ममात्रमु खरेष ভाগবত** विदू রিতি। পদ্মপুরাণে চ অম্বরীষ পুতি গোতম বচন । অম্বরী য শুক পোক্ত নিত্য ভাগবত শ্ব। প-ঠম্ব মুখেনাপি যদীছ্সি ভবক্ষৰ মিতৃ। ইতি শ্রীভাগবত টীকাযাণ তি ধরষানী !! তত্র পুথমস্বন্ধে প-রীঞ্মারদ্যোক্তপাথ্যালা বি পুশাপাৎ পরিক্ষিত্স্য প্রুরৌপ-

(वभाः ! भुक ः वीक्षिष्ठ मदीस्फ ा विजीयकाका । यागवाद्रनाया ক্রান্তি:। নার 🕟 বাঃ সম্বাদঃ। অ-वजातानुगीजः। महनानिकरमण म्-ষ্টিক। ২। ভৃতীযক্ষদ্ধে। বিদুরোদ্ধ-वनवारः। ऋ व्रेमा ख्यायाः नवारः। भूतान म हिठा भुनः । महाभूक्ष স-স্থিতি:। প্রাক্তিক: সর্গ:।বৈক্-তিকা: মপ্ত সর্গা:। বুন্ধাও সমূতি: । विद्रार्षे भूकरवा८भिष्ठः। कालमऽ ভূল্ সূক্ষস্য গতিঃ। পাণ্ম সমৃক্তবঃ। व्यास जू व উष्का तथा। हित्रभाक वशः। উक् िर्ग्रगवाक् मर्गः। कपुन-र्गः। व्यक्तनात्रीनत्रम्। मर्गः। यउः सा यस्य मनुः जीगाः जाम्। भुक्जिः मः তর্নপা চ। কর্দম পুরাপতে র্থর্মপ-ত্মীনা সম্ভান:। ভগব**ে কপিলা**ব-তার:। কপিলেন দেবহুতি সম্বাদশ্চ ॥ 101 हजूर्थऋस्ता नव वुका ममृत्र ত্তি:। দক্ষযজ্জবিনাশন । প্রবচরিত। । भृत्थाः भागीनवर्श्यम हित्रजः। नात्रमा अशामका । हा शक्षमका स्वा প্রিযবুত চরিত। দ্বীপ সমুদাদুব-র্ষ নদুগপবর্ণনং। জ্যোতিশ্চক্রস্যু সং-স্থান ৷ প্রতাল নরক স্থিতিশ্চ ৷৫ ৷ विष्यस्त्र । एक्जिस । उर भूशीनाः रुप्रक्टिं । य**ा (५वा मूद नद्र ठि**र्य) द्वन

थगारयः। दाङ्केमा जन्म ह। छ। मधन काञ्च। मिछः भूधाया निधनः। भुङ्गाः দচরিতঞ্। ৭। অপ্টন কলে। নশ্বরা-नूष्ट्रिष्ठः। गरजन्तुः विस्माक्षरः। सर्वः खद्गाव**ादाः। इयमी**यानत्या **२व**-তারা:। জগৎপতে: কৌর্ম মাৎস্য नात्रिन्इ वामन क्लाल। क्लीद्राह भथन । (प्रवाभूत यूक्षि। ৮। नवम ऋक्षा व्राजवः भानूकी र्वनः। इन्वाञ्च **জন্ম তদ্ব: । সুদু**ऽम व: मः । ইলো-शार्थान । जादाशार्थान । **স্**र्यं वःभानूकथनः। भभारः न्ग (मोकनऽ चर्जाठि कञ्च ए थहे। इस मान्नाक् সৌভরি রামাণা চরিত। নিমে রহ পরিত্যাগঃ। জনকানা সম্ভবঃ। প-রশুরামজন্ম। ভূবে: নি:ক্ষেত্রীকরণ। য্যাতি নহুশ ভরত শান্তনু তৎ সুত यम्नाः वःभान् की र्डनक । २। मणम ऋस्त । ञीक्षमा वमुरमवग्रह जग्र । গোন্সলে তস্য বৃদ্ধি:। তস্য পূতনা भयःभानः। भक्तिहाहिनः। जृगाव-र्खिवधः। वक व< मरमा वधः। अमामूत वधः। थाजा व अभानावग्रनः। जाजामर (धन्कम) वधः। शुलम वधः । থোপালানা॰ দাবাগ্নেঃ পরিত্রাণ। कालीयम्भन । भशास् नेन्त्राक-१०। कन्यानाः वुज्वहर्या। यञ्जलञ्जीः

**ड्राः भुमामः ।** विश्वागामन्त्री ভি शावकताकात्र । भक् र কর্ক কৃষদ্য যজ্ঞাভিষেক: त्रा-ত্রিযু ক্রীভিঃ ক্রীডা। শহুচ্ডস 1थः । কেশিবধঃ। অক্রাগমন•। न-क्षागर्याम्या भृष्टानः। वृक्तः 71. विलाभः। मथुद्रात्नाकनः। गड मू-श्चिक ठान्त्र कः मानीनाः वशः। माः ती-পনে म् उ পুঞানयनः । উদ্ধব রা ভ্যা॰ সহ হরিণা যদুচক্রস্য বি कत्र १ । बत्रामक्ष ममानी ७ वन्टरम वधः। यवत्ननुम् मा चाजनः। द्रम ল্যা নিবেশন । পারিজাত হরণ ৰুন্মিণী হরণ । বাণেন সহ যুদ্ধ পাুগ্রোতিষপতি হত্বা কন্যানা त्रगः। रिक्रा भी खुक भाझ मस्रवक শয়র দ্বিবিদ পীঠ মূর পঞ্জনানা॰ মাহাত্ম্য বধশ্চ। বারাণস্যা দাহঃ । পাণ্ডবান্ নিমিন্তীক্ত্য ভূমে ভা রাবতরণঞ্ । ১०। একাদশক্ষমে বিপুশাপাপদেশেন মুজল সংহারঃ উদ্ধব সম্বাদঃ। উদ্ধবায আত্মবিদ্য कर्म विनिर्गय कथन । আजार्यागानु ভাবতো মর্ত্য পরিত্যাগক। ১১ । माम्भक्षता । यूग वक्ष ग वृज्धिः । क लो नृगामू शक्षतः। हर्ज् विश्व शुलयः। ত্রিবিধো**ৎপত্তি:। পরীক্ষিত দেহ**-

ত্যাগ:।ব্যাসকত্ ক শাখা প্র नः। भार्क (७१म) मटकथा। मूर्य বিন্যাসশ্চ। ১২। ইতিশ্রীভাগ >२ ऋस्त्र अनुक्रमिकाश्वायः॥ ভাগবতঃ ত্রি ভগবন্ডকঃ। ব लक्ष्णः। यथा। अर्द्धार्यान् अदिः ' জ্য নিত্যু ভগবদাশুয়ঃ। রত স্তা য সেবাষাণ স ভাগবত উচ্যতে ইতি পাদ্মোত্তরখণ্ডে ৯৯ অধ্যা ।। 🗱।। সচ यम मूरे छ छ।। अ । যে তু ভাগবতা লোকে তहिः ख८ भद्रायनाः। भू क्रयस्य जना १ कु ए ए ह जाबा: जुम्तजः॥ हे विक्सि भूतारा मृजान भुकि यम वह ॥ স্কান্দে শ্রীমার্কণ্ডেয় ভগীরথ: चारि । मनभीरनय मःयुक्तः निः বৈশ্বব বল্পভ•। নোপাসতে মুর্ছ পাল তে বৈ ভাগবতা নরা:।। পু ণাত্যযে ন চাশুস্তি দিন প্রাপ্যহা नंताः। अर्वेष्ठि कागतः तात्वी मा ভাগবতা হি তে 🛭 উপোষ্য দ্বাদ শী শুদ্ধা রাত্রৌ জাগরণান্তি। অল্লা• তু সাধ্যেশ্সস্ত স বৈ ভাগা রে। বর:।। ভক্তি র্ন বিচ্যুতা বেষ ন চ্যুতানি বুতানি চ। স্পুষ: ह পতি যেঁষা তেসু ভাগ্রতা নর

मूक्न्भकाः। भूष्य खाळ तागा (य সদা ভাগৰতা হি তে ৷৷ একাদশ ऋस्त । मर्बज्लकृ यः भामा छ गव ভাব শাত্মনঃ। ভূতানি ভগবত্যা অন্যেষ ভাগৰভোত্তনঃ॥ ন যস্য ৰপর ইতি,বিত্তেম্বাত্মনি বা ভিদা। সর্ব ভূত সমঃ শান্তঃ স বৈ ভাগে व्राज्यः॥ रहिर्याश्यद्भाख्यः। भृशिवाभी निषु सिप्तर्थान् या न एवं है न काङ्कि । विकामीया मिष् शमारन् न देव ভाগवराखनः॥ वृष्ट्रमाद्रशीरय শিবে চপরমেশানে বিফৌচ পর-भाषानि । अभवका। भुवर्त्वस्य उ दि ভাগবতোত্তনाः ॥ काल्त्। (ययाः ভাগবত শাস্ত্র সরা তিপ্ততি সমি ধৌ। প্ৰযন্তিচযে নিত্য তৈস্যু ভা গৰতা নরা:।৷ যেষা• ভাগবত• শা-**দ্র•** জীবিতাদধিক• ভবে**ে। মহ**ণভা-গবতাঃ শুেধা বিষ্ণুনা কথিতা নরাঃ । लिक् । ভाजनाहामन मर्ब यथा শক্ত্যা দদাতি यः। বিষ্ণু ভক্তস্য স তত স বৈ ভাগবত: মৃত:॥ গাৰু ক্রি। যেন সর্বাত্মনা বিষ্ণু ভক্ত্যা ভা (वा निविश्वा । विकादियु क्ञाना বামহাভাগবতো হি স: ॥ হৃহয়া-इति । जूनभीकाननः मृद्धाः य नमः क्ष्यिन नहाः। उर काष्ट्राह्म उक्ताः

যে তে বৈ ভাগবতোত্তমাঃ।। তুলসী शक्षमाष्ट्राय मखाय वर्षा जु या। उज्जून मृष्कुछ। रेगम्म उठ रेव ভागवः তোত্তমা: 11 মৎকথা শুবণে যেষা বর্ত্ততে সাভি্কী মতি:। তদক্রবি সুভক্তাশ্চ তে বৈ ভাগবতোত্তমাঃ॥ স্কান্দে। মৎকথা স্কৃতে যন্ত নৎ-कुषाक म्रावि ह। वृष्राज न्र क থাযাঞ্চল বৈ ভাগবভোত্তম: 11 বৃ-क्षांत्रहीरय । मन्यानमान्य मख्का गेखकान (लालुभाः। महान भूव-' ণাসকা স্তে বৈ ভাগবভোত্তনাঃ।। य श्खिननहिं नामानि श्दाः भृषि হর্ষিতাঃ।রোমাঞ্চিত শরীরাক্ত তে रिव ভাগবতোত্তমाः ॥ जानप्रवा मू-ं मयः मृष्ट्वा (य २ ज्जिननर जिल्मानवाः । হুরিনাম পরা যে চ তে বৈ ভাগব-**छा**खगाः ॥ स्नात्म । (य १६पस्रि मना विकु याख्या वत्रन इति । দেহিনঃ পুণ্যকর্মাণঃ সদা ভাগবতা हि (७ ॥ रैनाक । विकृत्कात भूजा-ন্যেব করোতি স্নেছ সংযুতঃ। পুতি-गाक इरत निजा भूतरांट भूगजा-ত্মবান্।। বিষ্ণুভক্তঃ স বিজ্ঞেয়ঃ ক-र्याग मनना शिद्धा । बाद्धायपश्राद्धा-নিত্য ভূপ ভাগবতো হি স: ॥ পা-ঘোত্তরখণ্ডে। তাগাদি গঞ্চ সংস্কা-

রী নবেজ্যা কর্মাকারকঃ। অর্থপঞ্চক বিদ্বিপ্রে মহাভাগবতো হি স: ॥ **এकार्डिन जमा विरक्षो यसार्प्सर्य ज**न রাষণাঃ। তমাদেকান্তিনঃ প্রেক্তা স্তড্যাগবত চেতস:।। একাদ**শস্ক্**ন্ধে । उद्घापा उद्घापाथ (व दिव मा॰ यावान् য°চামি বাদৃ**শঃ। ভন্ন**ন্তঃবে ন তে বৈ ভাগবতা মতাঃ॥ ন কাম कर्म वीद्यानाः युग्र (ठउनि मसुदः। वामूप्रदेवक निष्यः म देव जागवरजा खगः ॥ कात्नर । यम् । कृ ह्गऊम्। পি কেশবে ব্লমতে মন:। ন বিচ্যুতা চ ভক্তি বৈ স বৈ ভাগবতো নরঃ॥ আপদ্নতম্য যম্যেছ ভক্তি রব্যক্তি চারিণী। নান্যত্র রমতে চিন্ত • न বৈ ज्ञागवाजा नद्गा र दियार गर्भाद्र। বিসৃত্ততি হৃদয় ন যুস্য সাক্ষান্ধরি রবশাভিহিতোপ্যযৌঘনাশ:। পুণ শ রসন্যা ধ্তাব্লি.পদ্ম: স ভব্তি ভাগবত পুধান উক্তঃ।। নধ্যন মাহ তবৈব। ঈখরে তদধীনেষু বালিশে-यू दियट मूठ। (भुन रेम वी क्लाला ক্ষা যঃ করে।তি স মধ্যম:॥ কনিষ্ঠ छ दिवत । अर्हाया त्वत इत्रत्य भ्डा॰ यः শুৰ্ষে হতে। न তজ্ঞকেৰু চান্যে म ভकः পাৃक्उः मृउः ॥ ইতি 🍇 হরিভকিবিলাসে ১০ বিলাসঃ॥

তাগিক কি স্বৃদ্ধিকমুদাদি। মূদী
টাকা ইত্যদি ভাষা। যথান ভাগে
বৃদ্ধ্যদি রমিন্ ভাগত ভাগিক
শতং৷ ভাগ্য ভাগিক বিংশভিঃ।
ইতি সিদ্ধান্তকৌমুদী।।

ভागित्वः मृ जगिनीभूयः। उर . नर्गायः । चन्रीयः २ । इज्जानः ॥ स्थितः । इति अस्तक्षावनी ॥ क ह स्था ्रिमिलः । यथा। य-ব্বিক্পুলো ৬জ জুলিতা ভাগিনেযো 🗣 বিট্লতিঃ। এডি রেব হৃত य-ন্তু উদ্ধত খন মেন হি।। ইতি তি-· थ्रास्टिञ्डु• ।: क्षः॥ ञन्रावन्ग्र**ःगा**-ব্যত্ত্ব॰ যথা। পিতৃব্য গুৰু দৌহি-बान् छर्दः स्त्रीय भाजूनान्। भ्कः **एए करा भूखां छा।** वृ**षानाथा**छि थीन् व्ययः ॥ ইত্যপুত্রখনাধিকারে দাযভাগ:।। #।। ভাগিনেয দক্তক क्रनः मृमुरेमात नजु मिकानाः। यथा । मिहित्वा छागिरनयक म्रिस ক্রিযতে সূতঃ। ব্রাহ্মণাদি এযে না-खि जागित्नयः मुजः कृष्टि।। इंजि म उक्र निमुकाया भीनक वहन ॥ 🕏 ।। তরারণে মাতুলস্য পঞ্চিণ্য-(मार्ठ) यथा। शक्तिनी (पानिमञ् নে বান্ধবেষ ভবৈথন চ। ব্যেনি সম জ নাত্যসাথ পিত্যসূতি ভাগি ্নশেরু ॥ নাতুলমরণে ভাগিনেয়-ুস্যালি প্রফিণ্যশোচণা ইতিপুদ্ধি-ভত্তুণ ॥

त्रिंगित्वी जी खिनिताः जान्याः छागी ইতি,ভाষা। ভगिनी नदा क्राभगार्थ करा विकामीभ भु-ভ্যৰ নিষ্কন্না। ইতি ব্যাকরণণ।। 。 নগীরশী জী গল। ইত্যমর:॥ প্রবিয়াণ তস্যাধিতরাণ যথা। স্ত **উ**বাচ। ততে। ভগীন**থো রাজা ভ**-প্ৰায়ণ দু-চর**া নারা সভোষ্যা-**नाम डिमाकाड महिश्वत ॥ शावना যানুমত্বা ত জনাম বুজাণো হ স্থিক• । ত:তা ভগীরথ: পুাহ शका वुकान বিস্ভ্যতা ।। স ভটুবা বচ ভস্য जबान्। विवृथिनुयः। गङ्गाः शुङ्गा প্ৰামাস সা পতেছুক্ষণো হস্তি काट ॥ वागूना (भुगंत्रनानानि चा-কাশ পথ্য। নদী। বিখ্যাতাকাশ গঙ্গেতি ভত্ত সংসেবিতা গজৈ: ॥ विकाः भर मगायाजा ज्या विकृ अमीजि मा। भूकामाना मूरेतः मि रेक मू नि विम्यायद्वाद्ररेगः ॥ भूद्राः न्य मन्त्राधः जन्मारक्षनिम जू मा । তনাৎ পুপতিতা গলা শট্যোঃ मित्रति शहिला। धृरेख क्रोनेब **जिन्द्री** मञ्जून (वागनायया। मि

वाः वर्ष गाउः मागुः भूनद्रादाधिराजन रेव ॥ मूका जगीत्रायरेनव मणहस्ती विनिर्गम । को। कृषे। निर्मा जारक् भिता समाज्ञा ११म८ ॥ परिवः পরিবৃতা গঙ্গা হেমক্টঞ্ পর্যত। मन्दर्सक्य रेक्नामः हिमयङ्क श-ं**र्बज• ॥ जामायाही**• ज् द्वाशाय स-नीता नाम पानवः। शाईङ क्श মাহায বৰ্ষাণাস্ত শতৈ বিষাঃ ॥ ত-তে। ভগীরখো রাজা রাধ্যাসাস कोणिक । न जुड़े: भुरती यार्ग 'दाइनंड॰ जगीत्रथः ॥ जमाकशाग-মন্ত্ৰত যত্ৰ ৰাজ্য ভগীরথী। তেন नारगन उ॰ टेम्डा॰ अ॰विमार्या न अ-क्छः ॥ भड्या छा॰ नमाथाय मूर्ख-रिन/द्रावला गनः। महीजनः नमा-(शार जगावता गजाख्य-॥ जमान्त्रा यदेना विशा अञ्चामश्रः वदः। श्रा-वयन्त्री भरी शक्त करहा जानूम म-छ।गार ॥ जा मृद्दाय भाभी मा প্পি পুস্ত্যা স্পিতো মুনি: জহুনা मामिजा॰ मृद्धा गद्रा॰ जिभ्यगा॰ न-मी ।। मामाक खावयामाम कडू · जगीत्राथा मूनि । मूरमाठ कर्नत्राकुने शकाः न मिक्कान जाः। এउमा-काइ वी ज्ञा मुठा उन्। मृत खवा । उडः न। विविधान् (मणान् शर्वजा॰

क उथानुमान्।। मः श्लावः वादिना ज्या जगाम भूर्व **मा**गद्र । यव उ-**নোদক• ত**ঙ্গৌ তস্যাঃ পুণ্য মভ্দ্দ্ি জাঃ।। সুতীর্থ সর্ব মর্ত্যানা॰ তারণ॰ পাপ নাশন । ততঃ সম্পূর্যামাস সমু দু• সর্বতো দিশ•া৷ পুপন্ন সাগ-दिः गर्बः उठः भाठाम भाविनरः । मागद्राभा जाना खमाए मन्ध्रावर বারিণা ততঃ।। দেবৈঃ সংপ্রসা-नाशि खगाम दुक्ता। ९डिकः । जुग ত্তে সাগরাঃ স্বর্গণ বুন্ধণোপহতাক্ট य।। तकका एउ विनिधिश्चे। शकाया वुष्पना चर । ভবভি त्रनिर्भः स्ना কৰ্ত্তব্য ৰিম্ন নাশন ।। সূত উৰচি । এতদ্ব: কথিত সর্ব যথাবতরণ पियः । शकार्यिकक माहाजारः म्-यजा॰ भन्रत्वा यम् ॥ इंज्यास्य व-হি পুরাণে গলাবতরণ নামাধ্যায়ঃ ा 🗱 ।। जन्म मूर्या नामानि यथा। বরাহউবাচ। ধর্মস্ত দুবকপেণ বুন্ধণা নির্মিতঃ পুরা। যদৈ গঙ্গেতি বিখ্যা-ত। मृत् (खाव वम्कात ।। किरें मंग जर्रेनु स नूथा मूर्थाः जूविखराः। यानि नामानि मूथ्यानि जानि वंक्या-मार्क्कमार ॥ गङ्गा जागीतथी भूगा काइ है। मृत्निन्या । विक्शामाद्वन-क्रुक महन्त्राः भित्रिम जिम्हा। कित्रान ॥ श्रीनात्राय प्रेरी । भित

म्रावसम्भागाः । १०१०वत्ः मुया। मंड ब्राम्सम् थवना भराशा-**ज्वनाणिनी ॥ नहीयद्री जिश्र**णा रिक्क वी मूत्र मूलिया। वर्षा मुवी (ভाग-वर्जी विकारभाषानमातिनी ॥ कमा मासिः भुषामासिः भूगामा भू जिकाः , শিবা। মহানদী শতমুখী শুক্লা নক-র বাহিনী ॥ বুক্ষহত্তাৎ পরিজুষ্টা সৌম্যৰূপাতি**শো**ভনা । মুনিভিঃ পূজিত। সংৰ্द: সংৰ্ব দে বৈ ন্যস্কৃত। ा। महायळमयी क्वी मर्जामा मून-্ৰকারিণী। সর্বত্র দুর্লভা গঙ্গা ত্রিভি श्रारेन विर्णयणः॥ गनाबारत्र भुया-(ग ह शक्तानागद्रमक्त्म । इन खा-ত্ৰ ম্যা খ্যাত প্ৰমুক্ত ৰয্মুবা॥ यः भारे भार क्या ए कार ने में रेडि मूर्गिजिः। यद्भाभः त्योक्तं वार्षा कोगात वार्काक ह यह ॥ उद गर्ब॰ বিঙ্গৰ বাতি ভোষস্থ লবণ বথা। कीर्खि भी जि॰ भरानची मायू दारदाः ना महाजि ।। प्रपाठि काङ्ग्री उँधा সর্ব ভাবেন মাধবি। ইতি বারাছে कर्त्रभाभभूमभन गक्राख्यः ॥ 🟶 ॥ অপিচ। বুকোবাচ। শ্ৰোভ্ৰিছানি দেবেশ লক্ষীকান্ত জগৎপুভো। বি-का विक्शनी खाब भागम भूगी-

अमित ने मूथ जीक्षाक पुरवास বাণারাধান্ত দুব সংযুক্তাণ তাণ গলাণ भुगमामाइ॰ ॥ या उन्न मृष्टे ताती ह গোলোকে द्वाममञ्जल। महिशान শক্রস্য তা॰ গঙ্গা॰ প্রণমাম্যই॰॥ त्गारेन त्गानी जि त्राकीरेनः मुर्ड রাধা মহোৎসূরে। কার্ত্তিকী পূর্ণিনা काञा जा शक्री भुगमामार ॥ रकारि रवासन विज्ञीनी रिवर्धा मक्ष ন্ডনা ততঃ। সমাবৃতা যা গোলোক छा॰ गङ्गा॰ भूगमान । रिश्वक रगाजना या जाजा रेनर्ख्य हजूर्खना। नगाव्या या रिक्षे जा गका भु-नमाम्।इ॰ ॥ वि॰मनकः योजना यो ততো দৈর্ঘ্যে চতুর্গুরা : মার্তা বুক্ষা लाकः या जाः शक्षाः शुवदानाइः॥ वि॰मल्लक याजना या रेनर्छ। अक्षर 🕝 ণা ভতঃ। আবৃতা শিবলোক• যা তা• विकार भूगनाग्रहरा। लक्क याजन विखीर्गा दिए प्रिंग मध्यमा उठः। व्याक् তা ধ্রু লোক যা তা গঙ্গা পুণমা-ग्रहः ॥ लक्क (याज्ञन दिखीर्गा रिएर्घ) শতलग उठः। जाव् ठा हन्मुद्याकः या छा॰ शङ्गा॰ भुगमानाइ॰॥ यश्चि न रुनु द्वा क्रमा या रिवर्षा मण्डना उ o: । क्याव्छा स्वीत्वाकः या छाः शहा। श्रीमानाहः ॥ वक ताहन

বিস্তীৰ্ণা দৈছ্যে চ ষড্গুণা ততঃ 1 আৰ্তা সভ্য লোক যা তা গস্থা शुगमानाइः॥ मण लक्ष याजनाया দৈর্ঘ্যে পঞ্জণা ততঃ। আবৃতা যা ज्ञात्वाकः जाः गङ्गाः भुगमाम्। इ ।। সহসুযোজनायामा दिर्छ। ह-শগুণা ততঃ। আক্তা জনলোক যা তा॰ भन्ना॰ भुगमामाइ॰ ॥ मह्म र्याजनायामा रिष्ध्रं मध्यमा ७७: ়। আব্তা বাচ কৈলাস তা গঞ্চা **अन्याम्य १ ।। भ**ठत्याज्ञम विस्रीनी দৈর্ঘ্যে দশগুণা ভতঃ। মৃন্দাকিনী रामुरनारक जा॰ गन्ना॰ भुगमाम। **হ• ৷৷ পাতালে** যা ভোগবতী বি· স্তীৰ্ণা দশযোজনা তিতো দশগুণা रिरार्घ। जा॰ गङ्गा॰ भुगनाम।इ॰ ॥ ক্রোশৈক মাত্র বিস্তীর্ণা ততঃ ক্ষীণাচ ष्ठ्विट । किछो हालकनन्त्र। या তা পঞ্চা পুণনান্যহ ৷৷ সত্যে যা ক্ষীরবর্ণা চ ত্রেভাষা মিন্দু সন্মিভা। দ্বাপরে চন্দ্রনাভা চ তা গঙ্গা পু गमामारु !! कल भुं । करलो या **ठ** নান্যত্ৰ পৃথি ীতলে। স্বৰ্গে চ নিত্যু क्षीत्रां जा जार गका भुगमामाह ।।। যম্যাঃ পুভাব মতুল পুরাণে চ শুতৌ শুক্রণ যা পুণ্ডবা পাগহতী छाः गङ्गाः भुगमान्।इः ॥ यद्वाय

ক্ৰিকাম্পূৰ্ম: পাগিনাঞ্চ পিতানহ । वृज्ञक् ज्ञानिक शशः का हि छ-মাজিত দহেৎ।।ইত্যেক থিত বুক্ষন গমাপদ্যৈকবি শতিঃ ৷ স্তো-ত্রকপঞ্চ পরন পাপম্ব পুণ্যকার-ক ।। বিভ্যু যো ছি পঠেন্ডক্র্যা न·প্ङ। **४ मृ**(त्र शती । अश्रतिश ফল॰ নিত্যু লভতে নাত্ৰ সংশ্বঃ া৷ অপূত্ৰো লভতে পুঞ্ ভাৰ্য্যাহী নো লভেৎ প্রিযা॰। রোগাৎ পুমু-চ্যতে রোগী বন্ধো মুচ্যেত বন্ধনাৎ ।। অস্পষ্ঠ কীর্ত্তিঃ সুযশা মূর্থো ভব তি পণ্ডিতঃ। যঃ পঠেৎ প্রাতৰুত্থা-य गञ्च। (स्राज निष्ठः भूजः ॥ भूजः ভবেত্ত দুঃষপ্ন গঙ্গাস্থান ফল ল **७८।३७ भङ्गारक्षा**जः॥ नाद्रायन উবাচ। ভগীরথো ধনেন স্তোত্তেণ ख द्वा गक्ष भा तात्र । जगाम छा॰ गृशीदा ह यब नश्चाम्ह मागदाः॥ বৈষ্ঠ তে य्यू खुर्ग गङ्गायाः न्यूर्म বাযুনা। ভগীরথেন সানীতা তেন ভাগীরথী মৃতা॥ ইত্যেব• কথিত• সর্ব গঙ্গোপাখ্যান মৃত্তম । পুণ্য-দ বোক্ষদ সার কি ভূয় শো্র মিছসি॥ ইতি বুন্ধবৈবৰ্ত্তে পুকৃতি था अस्तिभाषाति ज्ञारायः॥ ভাগুরি: পু• মৃতিব্যাকরণকর্-

मृनिविष्णयः। उट्यानिशाणिकण् म्यानः २। इंडि किश्वाः।।

छागाः क्री शुक्तिम्याः॥

छट्यांगाः। देवः १ दिशः ७ छायायाः ६ नियाः ६ विधिः ७। इंछित्रवः॥ इंडि किश्वाः॥

छित्रवः॥ इंडि मस्तवावन्नी॥

याम्थे ०। इंडि मस्तवावन्नी॥

याम्थे ०। इंडि मस्तवावन्नी॥

याम्थे छुठ श्रवं दिहिक म्

छाण्डः कर्यः। इंडि मस्तामामञ्दः
॥ छाणिक वि। इंडि मस्तामामञ्दः
ग्री।। छाण्यागाथः।।

छानीनः वि छ्लाक्किः। उट्य
र्यागः। छाल्यः २। इंडिम्न स्न
हिन्द्री।।

ভারত ক পৃথক্কৃত্যা । ইতি কবিকল্পজনঃ। অবভাঙ্গৎ ধন ভা ত্বৰ্গঃ। ইতি দুর্গাদাসঃ।।

ভারন লী পাক । ইত্যনর: ॥

যোগ্য । ইতি মেদিনী ॥ শঃ সম্বাদযতে নিত্য যো প্তিবাদা ভি
তিক্ষতি। যাচ তপ্তোন তপতি দৃচ
কো প্রাণ ॥ আচক শ্রিনাণ । ইতি
বৈদ্যক শ্রেভাষা ।

ভাজিত 💷 পৃথ্যক্ত হিত্তি া ইতি ভাজবাডোঃ ক্যাণ জ পু ত্যান নিয়ন।। ভাগে দ্লী।।
ভাগী স্ত্ৰী ব্যঞ্জনবিশেষঃ। অন্যত্ৰ ভাজা। ইতি স্ত্ৰীত্য টীকাষা দুগা
দাসঃ।।

ভার্য বি ভাগার্হ। ভারনীয়। ইতি ভারবাতোঃ কর্মণি যু পুত্র। যেন নিয়ুলং॥

ভাটकः शृ ली वीतंत्रातार्थः। ख**णक** টাদিশত্যু প্ৰাজ ইতি ভাষা । इंडि इनागुंधः।। भ। जय गृहाित ভার্টিক। পর ভ্রো গহু ক্রা ভা-টবিদ্ধা বসেত্ত হঃ। স তদ্গৃহীদ্ধা নিৰ্গছে'ভূণ কাঙেই কানিকণাঙোমণ বিনা বসিত্বা তু পর ভূমাবনিছতঃ। নিৰ্গছ•ত্ত্ৰ কাষ্টানি ন গৃহীযাৎকথ• ঞ্ন।। কাতগ্ৰনঃ। গৃহবাপগ্ৰপ-ণাদীনি গৃছীত্বা ভাটকেন य:। স্বা-निता नार्शयव्यावखावष्ताश्रः न ভাটকণা বাপী পরকৃতা পুতিষ্ঠি-তেতি বিবক্ষিত। হস্ত্যশ্ব গো খ याभिता नार्भरयव्यावङावद्याभाः न ভाটकः ॥ वृष्कमनुः । या छाछे-যিত্ব। শক্ট॰ নীত্বা নান্ত্ৰ গছতি। ভाটे ,त बहुतामाला १ मा वन्छ-गाणि चार्वकः॥ मक्रे म्यत्नोका म त्रभू भेर्त्यस्यः । अन्त्रम् । वाहि তস্যাপি শক্টাদেঃ। ইতি বিবাদ চিন্তাম্পিঃ।।

ভাণঃ পু॰ নাটকাদিদশক্পকান্তৰ্গত ক্রপকবিশেষঃ। ইতি হেমচন্দুঃ।। ্তস্য লক্ষণাদি যথা। ভাগঃ স্যা-দ্বুর্ত্ত চরিতো নানাবস্থান্তরাভাকঃ। একান্ধ একএবাত্র নিগুণঃ পণ্ডিতো विष्टेः ॥ त्राक् शुकामाय (पनान्-ভূত গিতরেণ বা। সয়োধনোকি পুত্रकी **क**र्यप्रामाका**म** ভाषिटिः॥ **স্**ত্रयद्वीत मृक्षात्ती (मोर्य) (मोञा-গ্য বর্ণ নৈ:। তত্ত্তে বৃত্ত মুৎ পা-দ্য বৃত্তিঃ প্রাযেণ ভারতী ॥ মুখ निर्वाष्ट्रण मसी नामुडाकानि मनाः পি চ। অত্ৰাকাশ ভাষিত ৰূপ পর বচন মপি স্বথমেবানুবদম্ভর भुजू खाद अर्गाए। म्कात वीत्रतः সৌচ সৌভাগ্য শৌর্য্য বর্ণন্যা সূচ (यट। भाग गुरुनाट को निकानि বৃত্তি ভ্ৰতি। উদাহরণ লীলাম-পুকর: ॥ ইতি সাহিত্যদর্পণে ও পরিছেদ: 11

ভাও॰ ক্লী পাত্র•।। বণিঘ্লপন•।। ভ্যা।। অশ্বভ্যা। ইতি নেদিনী।। নদীক্লদ্বমধ্য•। ইতি হেনচন্দুঃ ।। ভওবৃত্তিঃ। ভাঁডামি ইতি ভাষা। ।ইত্যদ্বপালঃ।। ক্লা। অরাদ্ধ দৈ- विकः नष्टेः ভाश्वः मानाञ्च वाहकः।
नुष्टान विष्ठ् कृदेहव नुमाला विश्वः
नाः ভ्विः॥ ভाश्वः वाष्ट्रमन मानहिंद यि वाहक मात्र छः। माना ।
वाश्वः वाष्ट्र विवाक वाष्ट्र विवाक कृष्टाम् हिं
।। ইতি गिठाक वाषाः नावमः।।
वाश्वः नुः गर्क ভाश्व वृक्षः। ইতি ।
निकाल कृष्टा ।।
वाश्व हिंदु का ।।

भनः ॥ डाउन्हाः भू मर्भवित्मयः। उट भर्यायः। क्षेक्क्षिकन्तवः २। ইতি

ত্রিকাণ্ডশেষঃ॥

ভাগু। गृहिति में वः। छैं। जिल्ला । छि। जिल्ला । जिल्ला । जिल्ला ।

मस्तः २। इंडि नेपगाना ॥

खा खाती यु जा खाता शुकः। छाँ जा त्री हे जि जाता। यथा। क्षित्र ख् त्रितः कामी विन्ता थीं क्षिका त्रकः। जा खाती ह भूवामी ह मध मुखान् भूवा स्वरू । हे जि वृत्र हात्र भूती भः॥

ভাণ্ডি: পু॰ নাপিতস্যক্ষুরাদ্যাধার: । ভাঁডি ইতি ভাষ।। ইতি ভাণ্ডি বাহ শব্দ দর্শনাং॥

ভাণ্ডিবাহ: পু: नाशिज: । ইতি শদ্মালা।। ভাণ্ডিল: পু॰ নাপিতঃ। ইতি শব-মালা॥

ভাগীর: शृ विद्काः। ইতি करि।
ध्रः।। বুজনগুলান্তরে যোডশ বইवम गर्था দিতীয় বটবন। যথা।
'সংক্ষত বট মাদৌ তু ভাগীরাখ্য
वট দ্বং। ইতি নারায্ণভউ কৃত
বুজভক্তিবিকাস:।।

खालकृष्टेः कु॰ नाभिजः। ইতি कहे। । ভাত॰ क्षी পুভাত॰। ইতি শব্दान। भतः॥ ॥ मीलोक्षी ॥ তদতি তি ॥

> ভাতিঃ দ্বী শোডা। ইতি রাজ-নির্ঘণ্টঃ ।

ভাতুঃ পু• স্র্য্য: 1 ইতি ত্রিকাণ্ড-শেব: ॥ দীপ্ত: 1 ইতি স-ক্ষিপ্তসা-রোণাদিকৃত্তি: ॥

जापः श्र रिणाथा िषा हणा माना अर्गठ शक्य माना । जापुल ह नक्य युका (भोर्गमानी यिष्य मामा मः। जिल्ला प्राप्त । नज्माः २ (भोष्ठल हः । नज्माः । नज्माः । नज्माः । नज्माः । निः इत्र त्र त्र त्र क्षा मुक्त भुक्ति । क्ष्म प्राप्त । क्ष्म प्राप्

। तिभू भुमाथी विदिवा १७-॥ मर्चा भुभव छर्डा न छरवट नहामः॥ इंडि का हो गुरी थः ॥ 🗱॥ जब शाः भुजात नाइमः। जातो जिन्ह गर्ड किंद यमा (गीः मप्पूम्य । यद्गः खन्ना निर्फिटे॰ विषु मीरिन ने मः भयः মু ভত্ৰ শান্তি• পূৰক্ষ্যামি বেন সম্প<sup>5</sup> म्राउ म्ड । भुमूजाः उरक्रगाप्त छा॰ गा॰ विभाग मानाय ॥ जा **ছোম•** পুসৰী ত ঘৃতাকৈ রাজসর্ম পৈ:। আহুতীনা ঘৃতাক্তানা নযু-**७**° बुर्याख ठ: ॥ वृश्क्षि कि काय-र्मिनः। रमाभवामः भूवर्द्धन मन्त्रा-দ্বিশায় দক্ষিণ। মিতি। তথা। সি-स्त्रात्नी गरंड मृत्रु त्याः भुमृडि र्यमा ज्या । (भीष । मध्यी मृ তে हिरेब वाच छत्री छथा।। छनानि है ज्यर किष्टि उहारिश मासिक Diac। यम् वामि म्रिक्न उकि क्षा ब्रिजि मखनः॥ जुल्याह जिला-জ্যেন শতমষ্টো ভরাবিক। মৃত্যুঞ্জ य विशासन जूङ्गाह उथा गुउ-॥ 🗐 স্কেন ততঃ সাবাৎ শান্তিস্কেন-वा भूनः। मध्यताः विमीत्य वा यमा গৌ: কলতে তদা ॥ গ্রামে বাস্য গৃছে বাগি শান্তিক পূর্ববিদ্যোশ। प कन पा छित्र समुख्य प श्वाक भूग ॥

কালাভ্যন্তরে গোঃ পুসাব বিপুসম্পু मानक (गा भुमान भूईक मासिः का-র্য্যা ইতি বিশেষঃ। তদতিরিক্ত সি• रुष्ट ब्रावी लाः भुमत्व मान्ति मात्र॰ कर्डवंड॰ न लाः भूमानः। निर्वयनि-सूध्ठा छ्ञमागत्रगृष्टीय वहन जाञ भीगा॰मान्माद्रापिठि ॥ 🕸 ॥ ज्रथ ভाদুক্ত্য। তব জনাপ্টমী বুত পুমা-णिथिञ्ख् १न्मास्यः । भावन-পৌর্ণমাস্যনন্তরিক ভাদুক্ফাপ্টম্যাণ द्रावि मस्यः मूर्ज्ञाञ्चमी (द्राहिनीया-गक्ष क्ष क्ष नाज ठरेवरवा भवा-👺 । উভयरित हिन्दा भारति। জ্বস্তালভে তুরোহিণী যুক্তাইন্যা• । উভयमित्न द्वाहिनी यूजाक्षेती ना-ভে পরদিনে। রোছিণ্যলাভে তু निष्णीय अविक्रिन्यामञ्जग्राः। উভय-**मित्र निभीश अश्वतक उपमय**िक वा পরদিনে ইতি। তত্র পুযোগঃ। পূর্ব मित्न मः यमः विधाय छिम्ह्राम क्छ शुा छः त्रानामि त्राष्टा छः । ७ मूर्याः সোন ইতি পঠিত্বা। ওঁ তদিকোঃ পরমণ পদ নিত্যদি নজেণ নারা-यन मम्बा ७ उट मट इक्षाम् উদ্মুখো দত্হত তামুপাতে স্শ जिन बनान्यामाय खँ यम् जारम् गामि क्ष्य शक्त अध्या उत्थी

षागुकरगावः श्रीयमुकत्रवन्यां वि ফুলোকপাণ্ডিকাম: একিকু প্রীতি कारमा वा ञीक्क बषा हेमी वुजमरू করিষ্যে ইতি সংকল্পথে । समু। প-वाम दित शुाजः मध्यी जनाष्ट्रम्याः তিথাবিত্যত্র সপ্তম্যান্তিথাবারভা ইতি বক্তব্য । ততঃ সামগন্ত ওঁ (मरवा रवा मुविरनामा भूनी विवर्धाः निष्ठ छेवानिकक मूनवा भुगुक मा-मिमिरवा एमव अञ्चा ३७ भारेट 1 ७ वर्माय श्रम् वताय श्रम्भण्डाय थ-र्यमञ्जवाय शाविन्हाय नत्मा नमः। 🕏 ज्रुहार्ये । ५ वा मूप्तव म्मूप्ति मा गर्बनान भुगान्यः । उनवामः की विष्णानि कृषाष्ट्रेन्याः नजम्यूरः ॥ जरा कृषाही (पवी नज्यम् म রোহিণী । অর্চযিত্বোপবাসেন ভো-ক্ষ্যে ৭ছ মপরে ৭ছনি। এনসোমো-क्कारमा श्रीय याद्माविनर जिरयानि ল। তথে মুঞ্তু মাণ আহি পতিত। শোকসাগরে॥ আজন্ম মরণ যাব-प्रम्या पृष्ठ क्ष क्ष । उर भूगामय शाविन्त भुनीम भूकरवाख्य।। ইতি भारेट । उउ चाङ्कि ममान्यार्ष রাত্রে তত্তৎ পুতিমাসূ পটাদিষু বা আবাহন বিসৰ্জন সহিত শাল शास घटा भिक्षाल वा जावाइन

विनक्कन त्रिष्ठः भूकास्य. ब्रामः। गाकानि दावकः मूखः न-र्याक्त सन्भायिनः। श्रीवट्मवकः भूनीक् नीता ८ भव म व हिन्।। इंडि भाषा शक्क यागछ इंडि श्रहर। इनमानन ७ कृष्णाय नमः। ইত্যा भन म्बा अडट भारा अँ जी क्षाव नमः ७ यङ्गाय यङ्कभनाय यङ्कभः **७१४ यञ्च मञ्जर्वाय (गाविन्हाय नम्म)** নমঃ। ইত্যুদ্বার্য্য ইদমর্ঘ্যণভ শ্রীকৃষ্ণা-य नगः। ইर माहमनीयः ॐ 🗟 कृकाय নমঃ । ততো দধি মধু ঘৃতাত্মক মধু পर्क मानीय এव मधू भर्क 🗗 🗐 कृष्ण-य नमः। इर माठमनीय अञ्जीकृष्णाय नमः। लोकिक यक्षेऽधिक मञ्ज्य তোলক পরিমিতান্যুন জলমানীয उँ वागाय वाराभन्नाय वागभञ-त्य (यागमञ्जवाय (गाविन्ताय नत्मा नमः। हेर- त्रानीय बल- ७ बीक्छा य ननः। इष- वज्र-। इष्माज्रनः। वि गन्नः इन भूम वि थ्राः वि मीशः इम· रेनर्वम्। 'अँ विश्वाय वि. श्वित्रज्ञाय विश्वभाउएय विश्वमञ्जवाय (गाविन्हाय नरमा नमः। इंडारननरेन-বেদ্যুণ দদ্যাৎ স্বাপ্যয়ে । ততো নমো (एरेन) भिरेयनमः। इंडि मञ्जन भिय° भूकत्यटा उठः सग्र्वाक विधिनानि

িস্থাপ্ত ভিলাভ্যা । ওঁ ধ**র্মায** ॥ ধ্র্মেশ্বরায় ধ্র্মাপড়য়ে ধ্র্মাসম্ভবায .(गाविन्हाय नामा नमः साहा। इंड्र-ভেনাপ্টোভর**শত ম**ষ্টাবি**·শতি ম**ষ্টৌ বা জুহুযাৎ। ততো গুড মৃতেন বসো बादा॰ जिल्लो मम्हार । जला नाजी हिन जातरय । अ यो धानम इंडि बिधी भूजतगर । उत्ता जगवतः भी कृकमा नायकत्रशामश्राणन हुफाकः ब्राशिनयानाहार मंकातान् जाव-रय् । उठः भुगवामि नमा श्रुन छ उमाग ভिः भृ कारय । ७ (म्बरेक) नमः अव वजुरस्वाय यानासारेय न क्ताय (त्रा किरो) हिंखकारिय वलाकः বায় দক্ষায় গৰ্গায় চতুষ্দু থায় ইত্য নেন যথাশক্তি পঞ্চোপ্চারৈঃ পূজ যে । ততঃ শৱেন **হেশ পু**ল্ল চন্দ্ৰ बनान।। हाय ज्यो बामूनी भाउबि-द्या अँ कीरत्रामार्गत मः ज्ञ व्यवित्व नगुच्छव। गृहा भाषी । भाषा । स्वर्भ । स्वर হিণ্যা সহিতো মম ॥ ওঁ সোমায সোমেশ্বরায় সোমপত্তযে সোম স **স্ত**বাৰ গোবিব্দাৰ নমোনমঃ। ইত্য र्घाः प्रमार। उठः भुगाम मस्त्रो। उ জ্যোৎস্নাযাঃ পত্তবে তুভ্যু জ্যোতি याः পত्य नगः। नगरः (दाहिनी काड मूबावाम् नामा १ ऋछ।। नाज।

मेखन भीनाय नित्रात्रज्ञाय धृद्धंहैः। कना ভिर्दर्भगागाय नम महन्त्राय हात्रः বে।। উভচ্চ। অন্বণ বামন শৌরিণ रिवमर्थः भूक्रयाखनः। वाम्र्राप्तवः श्र-षीरकणः नाथवः मधुमूहनः॥ वताइः शुखदीकाकः नृजिः হ॰ দৈত্যসূদন । দামোদর পদ্মনাভ কেশব গৰ্ড थुजः॥ (गाविन्त महू ५७ । ५व मन ह न পরাজিত । অধোক্ষত জগদ্বীত यर्गञ्चि उष्टकातिन ।। जनामि निधन বিষ্ণু জিলোকেশ জিবিক্রম ৷ না-त्राय**ণ চতুর্বাহু• শ**দ্ধ চক্র গদাধর•॥ পীতাম্বরধরণ নিভ্যা বনমালা বি-ভূষিত । এবিৎসাঙ্ক জগৎসেতু ত্রীকৃষণ ত্রীধর হরি।। পুগদ্যে १३॰ मना (एव॰ मर्बकाम भामिष्वरय। इंडि खवः ॥ उठः भुगम्य । भुगमानि मन দেব॰ বাসুদেব॰ লগৎপতি॰। ত্রাহি-भा• नर्बरहरदण इंद्र न•नात्र नाग-त्रार ।। ७७: शुर्थर्यरार्खं बाहि ना॰ मह्माभन्न मुःथ माकार्गवाद्यता সর্বলোকেশ্বর জাহি পতিত মাণ ভৰাৰ্ণবে ৷৷ দেবকীনন্দন জ্ৰীশ হয়ে **স•সার** সাগরাৎ। ত্রাহিমা• সর্বদুঃ-খন্ন রোগ শোকার্ণবান্ধরে ॥ দুর্গতা• স্ত্রাগসে বিঞ্চোয়ে মারম্ভি সক্ৎ সক্ৎ াসো ২ছ দেবাতি দুৰু ত্ত জাহি না

मुःथ मानतार।। नुइताक निग्धिक হ• নাথাবিজ্ঞান সাগরে।তাহি সা• **(एवरएरवर्ण वृर्खा नात्न्राश्खि इक्ति-**हा।। इंडि भार्थस्य । यद्याता यह कोमादा वार्षक यह योवन । उर পুণ্ড বৃদ্ধি নাপ্নোকু পাপ হর হ मायुष्।। इंडियाम् । ज्ञान्जा गीज वाहिज खरेवः कालः नायः। शत्रहिः त्र भा जः द्वाचारिकः कृषा जगवसः विक्षः यथाविधि जःभ्का मूर्गाया-क भरहा भवः कार्यः। जला का क्षान (ভाक्रायः (उरच्छा मिक्रा) मम्राट मूर्यगीमि यटकिक्किमिक्टेक ম প্রীকৃষ্ণে মে প্রীযতা মিতি। 🕏 य ( पव । ( पवकी ( पवी व मूर पवा पकी । कन्ट। (जोनम) वृक्ताण करिन् जरेम वुकाजात नमः॥ मृ वुक्त वाम्राह्याय গে। ৰ্ৰাহ্মণ হিতাৰ চ। শান্তি রস্ত मिद्धां इंड्राहार्यः, विमर्द्धार्यः।। ক্তক্ত শেচাপবাস পর দিনে তিথি নক্ষ वस्या तवमारन भात्रग°। यहा जू म₹। নিশাযাঃ পূর্বমেকতরস্যাবসান ম-ন্যতর্ষ্য মহানিশাযাণ তদনভরণ বা তদৈকতরাবসানে পারণ । যদা ভু गशानिभागा मूज्य शिकिः उमा उँ সবান্তে পারণ: জ্য্যাৎ। তত্ত্র মন্তঃ। ওঁসর্বায় সর্বেশ্বরায় সর্বপ্রয়ে সর্ব 🛚

मञ्जयाय भाविनताय नामा नमः। পারণানন্তরন্ত সমাপন মত্রঃ। ওঁ ভূতায ভূতে**খরা**য ভূতপত্যে ভূত अञ्चवाय (गाविन्साय नत्मा नमः । केठारनन दुंख जमाभरयर ॥ 🛊 ॥ ভाদ শূল পঞ্মী মধিক্ত্য ভৰিষ্যো कुरत्र। उथा ভाদুপদে भागि পঞ্ म्राः भुक्षयान् उः। यञ्जानिश्र नाता ভক্ত। कृष्ववर्गाहि वर्ग किः। श्वास्त्रका भूरिच्चक मिर्ल र्ख्लुम् भाषरेमः। उम्र जुडि- जनायासि शमगा सक कार्यः । আ সপ্তমাৎ জলাক্তন্য ন ভব • স-र्भाजा जावर । उमार मर्ब भुगान्न नाभान् मः भूबत्यम्यः ॥ इयस्यवात्तः খ্য নাগপঞ্মীতি বাচস্পতি মিশাঃ । जालका नामाः करकारिकामयः मूर्क विभिजाः मुबा हा मुख्य शक्ती বিহিতেকি কোষ্য: মাৰু ৷৷ অথ হরে: পার্থপারিবর্ত্তন। তত্ত্র দ্বাদশ্যাণ স क्षि नमस्य नक्ष्यांगा मनस्रतः। जा **छा का मिउशक्षियु म**यनावर्खनाहिक विि वृक्षभूतागार्।। ভाषु भूक्न बार-माऽा॰ मुवन सथ्र युकाया॰ सक्का सम-যে দ্বাদশ্যা মৃক্ষাভাবে একাদশ্যা-দিবু পাদযোগে তদভাবেপি দ্বাদ-শ্যা॰ কেবলায়া॰ বা কৃতাহ্নিকঃ সা-य मन्त्राया प्रव मध्शुक्रः अवाम्

े द्वव कशनाथ शास्त्रयः वामणी उव। পার্খেন পরিবর্ত্তর সুথ স্বপি হি মা-भद्रा। इंडि भाक्षिनः भारेट । द्य সুপ্তে জগন্নাথ জগৎ সুপ্ত ভবেদিতি । পুরুদ্ধে ত্বি বুষ্যেত জগৎ সর্ব চ-बाह्य ।। इंड्रानन भृकाय ।। # ।। वाश मि शार्क ठजूर्या। वन्तुमर्भन পুৰ্যিশ্চিত্ত । সিংস্থাৰ্ক মধিক্তা व्काश्रवानः। नार्वाग्राना ९ जिम्ब स নিশাকর মরীচিষু। স্থিত শত্র্থ্যাম-म्रांभि मन्या नाभाउह मः॥ अउ कर्व्थाः हिन्दु अनामाधीका मानवः । शळेबाखियका वाकाः शुद्धारथा वानुप्रग्रयः॥ अजिमासा निष्रा প্রীবাদ বিষ্যীভূতঃ। সো হভিশা-🕬 । जाराशि सनुष्ठान् भरिष् । তক্ত পুৰুত্ব উদ্ভূথো বা জ্ল ज़िल, जलानप्रामाय ७ व्यामप्रजामि मि शर्क ठज्थी हन्तु पर्मन अन्। भा 🥦 क्कय कारमा शास्त्रयी वाका गरु॰ ৰ্ঠিষ্যে। ইতি সঙ্কল্পা ওঁ সি॰হঃ প্রদেন নবধীৎ সিংহো জামবতা হ उः। मूजनातक भारतानी छव रश्य শ্যমন্তকঃ॥ইতি বিষ্ণুপুরাণোক্ত খা-(वियो वाक) श्राटे ।। का। अथान छ **१७**॰। छञ गिष्टिन शृबी इ. ना छ छिष्टि-न दुंड । উভবुদিনে हिंद भवनित

यूग्पा८। वुजानुष्ठान विधिख शकाजी (छ्वयः ॥ # ॥ ञ्यथाशङ्गार्घ्य मानः । नुमागस जिथिजाङ १नुमासयः। সিংহস্থ রবি কর্ত্তব্যত্ত্বেন সৌর মা-नामतः । कन्याकं नःकाष्टि भूवीमन ত্র্যাভ্যন্তরে কৃত স্থানাদি কৃতা হিক खिल जम जनानामाय च उৎ मिन कुद्धार्य) उँ यामुज्याति नदी जिल-বিত সিদ্ধিকামো হগস্ত্য পূজন মহ• করিব্যে ইতি সহ্বল্য শাল্যামে জলে বা দক্ষিণা মুখ:। এতৎ পাদ্য° ভ অগন্ত্যায় নম:। সিত পুস্লাক্ষত युक्त बन भाइन गृशीय। हैरमर्घाः ওঁ কাশ পুষ্প পুতীকাশ অগ্নিমাৰত সম্ভব। মিত্রাবৰুণযোঃ পুত্র সম্ভ-(यादन नदमा २ ऋ उर्ड ॥ ७ व्या छ तात्र नमः। এव माठमनीय मानीय शक् नुष्र ध्र मीम निर्वादि । पिक मा । ওঁ আতাপি ভক্ষিতো বেন বাতা-পী চ মহাসুরঃ। সমুদুঃ শোবিতো (यन म भ १गख्रः भुमीमञ्रु॥ इंडि **পु।र्थायट्या इंडि क्**डाउख्नं ॥

जामुनामः भू जामुनामः। इज्यातः॥ जामुनामः जी भूवंजामुनानकावः॥ উত্তরভাদুনদানকাবः। তৎ পর্য্যायः । (भुष्ठिनमा २। इज्यातः॥

ভাদুমাভুরঃ প॰ সভীতন্ধঃ। সভাদ-

ইজি হেন্চনুঃ॥

তানঃ পু॰ সূর্য্যঃ।। কিরণঃ।। অর্ক বৃক্ষঃ ! ইত্যমরঃ ॥ পুভুঃ ॥ রাজা। ইতি ধরণিঃ॥ বৃত্তাইৎ পিতৃবিশে ষঃ। ইতি ছেনচন্দুঃ।।

ভানুঃ স্ত্রী ভানুমতী।ইতি শব্দরন্না वनी।।

**छा**न्कना **खी करनी। ই** छि करें। ध्वः ॥

ভানুমতী স্ত্রী বিক্রমাদিত্যরাজপত্নী । यथा । (५व छाताः भुजाएन जि ্স্বাণ্টে মে সরস্বন্তী। তেনাহ• নূপ জানামি ভানুমত্যা স্তিল যথা ।। ইতি বরক্চিঃ।।

खानुमान शृ भ्रांतः। ইতি भवतः । वनी॥ मीथिगूक वि॥

**छा**नूवातः श्रु॰ त्रविवातः। यथाः। व्यगावाना दाननी ह म·काडि॰ह বিশেষত:। এতা: পুশস্তা স্তিথয়ে। ভানুবার স্তথৈব চ।। অত্র স্থান জ পো হোনো দেবতানাঞ্চ প্জন। উপবাস স্তথা দান নেকৈক পা-বন শৃত ৷৷ ইতি তিথিতত্ত্বে সম্বৰ্জ नहनः॥

ভানেনিঃ পু॰ স্যাঃ।ইতি ত্রিকাও (क्षांयः।।

स्र जनस्य या मा ज्य व छातुना ज्यः। | जान ७ वित्र था ই जि क विक्य कपः ॥ উ ভানতে। ইতি দুর্গাদাসঃ॥ ভानः श्रु॰ (कारः॥ मूर्ग्यः॥ मीस्रिः। इंडि मिरिनी ॥ ভिणिनीशिउः। ইতি শব্দরত্বাবলী ॥ ভামকঃ পু• ভগিনীপতিঃ। ইতি , भद्रज्ञावनी ॥ ভাগা ন্ত্ৰিপ্নান্তী। ইতি শব-बङ्गावंनी॥ ভামিনী স্ত্রী কোপনান্ত্রী।ইত্যমরঃ ॥ স্ত্রীমাত্র । ইতি রাজনির্ঘণ্টঃ॥ ভামিনীবিলাসঃ পু• ভগন্নাথমিশুপ-ণ্ডিতরাজ কৃত কাব্যসূত্র বিশেষঃ। **उ**न्द्रास्य क्षाकायः। निगरस्य भूवः ত্তে নদ মলিন গণ্ডা: করটিন: করি-गुः काक्गु। म्मर मन्य भीनाः थ-লু মৃগাঃ। ইদানী • লোকে ২ মিন্ন নু-পন শিখানা পুন রয় নথানা পাণ্ডিভ্যে পুকটযতু কমিম্গপ: তিঃ :। তস্য পুষ্ণিকা। ইতি শ্রীন্থ পণ্ডিতরাজ জনমাথ বিরচিতে जामिनीविवारम भुग सविकः भूष-भा विकासः। मृक्ति वर्गन विजी (या विनाभः। किक्ष खनान्यर्गन তৃ হীয়ে। বিলাসক্ষ্যা

ভাগী ত্রি ক্রোবী।ইতি ভাগশবা

एखार्थ इन् পुडारम्य विज्ञमः॥

ভার ওঃ পৃণ উর্জ্বিন গ্রে**শ্রণজন** পর্বা ইতি প্রাণ্ণ

ভার ু ক্লা গুছভেদঃ । ইতি মে দিনী ৷ তত্তু ব্যাস পুণীত লক্ষপ্লো কাত্মক মহাভারত সংজ্ঞকৈতি-হাসঃ। তস্য শ্ৰুবণাদি ফল পথা। ভারত শৃণ্যামিত্য ভারত প-রিকীর্ত্তাহ। ভারত ভবনে যস্য তস্য হস্তগতো জয়ঃ ৷৷ যোগো শত• क्नक भृक्षभय मनाजि विश्वाय (यह বিদুষে সুবহুন্দ্রতায়।পুণ্যাঞ্চ ভারত কথা শৃণুযাচ নিত্য তুল্য ফল ভ ৰতি তস্য চ তস্য চৈব।। নবনীত• यथा मध्या विश्वनाः वाकारा यथा। ट्रमाना मूमिक्षः (मुर्छा लो बितिष्ठ **\***ठजुङ्गमा । यथजानी जिङ्गमाना তথা ভারত মৃচ্যতে।। यरेन्हनं मा वरवट माल वाकागान् भारमञ्जः । अक्षरा मनभान दि भिकृ स्त्रा

পতিষ্ঠতে।। ইতিহাস পুরাণাভ্যা॰ (वमः नमूभव् श्राय । विख्छ। न শু,তাছেদো নাম্য পুস্রিব্যতি ॥ कार्कः (वर मिनः विषान् भावयिदाः র্থ মশুতে। ভ্রুণহত্যা কৃতঞ্চাপি পা-প• জহ্যাদস•শ্য•॥ ইতি মহাভা-রত ।। 🗱 ।। তদ্ব ভ্রান্তো যথা। বুন্ধো-বা্চ। ভারত সংপুৰক্ষ্যামি ভারা-বভরণ ভূবঃ ৷ চক্রে কৃষ্ণে হ্যুখ্যমা-নঃ পাওবাদি নিমিত্ত হঃ ॥ বিষ্ণুনা ভারুজো বৃক্ষা বৃক্ষপুলোপতি রতিতঃ ণসোম স্ততো বৃধ স্তমাদূৰশ্যান্ত পু-রোরবাং॥তমাম স্তম্য পুঞা ২ভূ-দ্মবাতি ভরতঃ সকঃ। শান্তনু স্তস্য বংশে হভ্য়সাধাং শান্তনোঃ সূতঃ ॥ ভীমাঃ সর্বগুণৈ বুক্তো বুন্ধবৈবর্ত্ত পা-রশঃ। সাহনোঃ সত্যবত্যাঞ্ছ দ্বी-পুথো সংবভ্বভুঃ।। চিত্রাঙ্গদম্ভ গ-क्षर्वः भूधः চिত्रद्राया श्वधीय। य-त्या विविववीर्याः **२ ज्८** काणिता-জ সূতাপতি:।। বিচিত্রবীর্য্যে স্বর্যা-**उ व्यामाख**एकका १ ७ वर । ध्-তরাষ্ট্রে। হবিকাপুএ: পাণ্ডু রম্বালি-কাসুতঃ।। ভুজিষ্যাযান্ত বিদুরো গা-कार्यताः ध्वताष्ट्रवः। मूर्यतायन भुषाः নাস্ত শতসংখ্যা মহাব্লা:।। পা-खाः अन्याक मान्।क शक्रम्याः

পुयक्तित । यूकिष्ठिता जीगरमाना **२**कु (ना नञ्चल खथा।। महास्वक পঞ্চিতে মহাবল পরাক্রমাঃ। স্ব भाखवाया रिवंद्र रेनवायागामञ्बर ॥ मूर्य्राथ्यन वीर्त्रण भा खवाः ममून क्जाः। मथा बजुग्रह वीत्रास्य मुकाः जूषिया भनाः॥ **७७ उ** क ठकायाः वाक्षनमा निरवणान । विभूरवणा मृ হাত্মানো নিহত্য বকরাক্ষসং॥ততঃ भाक्षान विषय पुरेशन्तराख स्वयस्त । विद्धाय वीर्यं भूकाः जाः भाखवा উপযেমিরে॥ দ্রোণ ভীমাবমভ্যা চ **ध्**उत्राष्ट्रेः मगानग्र । व्यक्तं त्राक्ष्यः **७**डः शुक्षा इेन्सुशुख्य शूद्राख्या ॥ রাজস্থ তত শকু: সভা ক্রা বত বুতা:। অজ্বোদারবতগান্ত সূভদাণ श्राक्षवान् श्रियाः ॥ वामुएवम् छः গিনী भिक्र (দবকিনন্দন।। গাণ্ডী বং নাম তদ্দিব্যু জিযুলোকেযু বি-गु.उ । जक्षरान् गायका रेक्टर उथा **ভেদ্যঞ্দ:শन:।। স তেন ধনুষা বীরঃ** পাওবো জাতবেদসং। ক্ষ্ণ দ্বিতীয বীভৎসু ব্লন্তর্গয়ত বীর্য্যবান্।। নৃপা न् निविद्याय किया ब्रज्ञानतामाय देव म्कि । यूथिष्ठिताय मङ्ख् जाद्व नीः जिवित्त मुना ॥ यूथिश्रिदाशिष धर्मा-ত্মা ভ্রাতৃভিঃ পরিবারিতঃ। জিতো

*पूर्यिश्वरन देनव भाषापृ* ५७न **भामिना** ॥ कर्न मू:भामन मत्ज झिराउन मझ-নে মতে। অথ দ্বাদশ বর্ষাণি বনেতে-शू यंश्खभः ॥ म (धोम्रा क्लोभनी म-ठा। मूनिवृन्ता ভिস•व्काः । ययु वि-রাট নগর• গুপ্তরূপেণ স•স্থিতাঃ॥ वृर्वत्मकः महाभाद्धाः लागुहारि म-शानयन्। ততো खाठाः सकः दाहुः शुर्ववामाम् काम्कः ॥ शक्ष्यामा-·नर्कताकार वीता मूर्याधन न्शराना थवडः नक्षका युष्कक वंनानि-जाः ॥ यक्षिशिनि पिवाहिः मः প্তভি: পরিবারিতা: ৷ একাদশভি बण्डा एक रुभि मूर्य्याधनामयः ॥ ञानीष्युष्तः यर्गमार्नः (एवा मृद्र वरनाः পন-। ভীমঃ সেনাপতি রভুদাদৌ भीर्येश्वरन वर्ष्य ।। भाखवानाः नि-থগী চ তযো যু क॰ বভ্ব হ। শক্তা-শক্তৈ মহাঘোর দশরাত্র শরাশ-निः ॥ मिथ्रुकुन वारेग्फ जीमः শরশিতৈ শিতঃ৷ উত্তরাষণ নীক্ষ্যা-थ ब्राजा (करः भनावतः॥ উक्। धः र्यान् वर्न् वर्षाः सर्भियदा शिजून् वरुन। जानान जूशार नीता विम ल मुक किन्तिय ॥ छछ। पुराण ययो रयाकुः शृष्टेम् उत्मन वीर्यप्रवान्। मिनानि পঞ্চ ত্রুদ্ধ गाসীৎ পরন দাৰুণ।।।

য এতে পৃথিবীপালা হতা: পার্থান্ত্র 🍴 বাৰ্ত্ত। শোক নাসাদ্য পুত্ৰেণ দ্ৰো-लि शिश्वर्गभाश्च गए।। उठः कर्ता शरगे त्याक् मुक्तन महाजाना। हिन হ্মানহল্ম ক্ত াৰ্থান্ত সাগ-👣 ॥ निमगः मृर्ग ए ाहा छ छ जाः जाः भा न वीर्यप्रवात उड़ः भारत्या गर्यो **रमाञ्चः भग्नः होत्र श्रीमञी। दिनाः** ं **राष्ट्रिय** ऐक**्षाल**ा गारिश क्रू **लग मधि**न रिकः । मृर्यग्रावतनः १थ (वरणन गरा-मानाय वीर्यप्रवान् ॥ अख्यकावज देव জীন কালান্তক যনোপন । অথ ्**जीत्म**न वीर्द्रश शहया विनिन्नाि ७: াশ্বিশ্বপানা ততো দৌশিঃ সৃপ্ত সৈ 🏝 ততো নিশি। জঘান বাহুবীর্য্যেণ পিতু র্বধ মনুসারন্।। গৃষ্ট বুচনুণ ভাষা-नाथ पुरेशक्याः क वीर्यावान्। (दे) । **अन्तर्भः (व्राप्त्यानाया मन्यन्यानः** नि রিমানণি ।। ঐবীকাক্তেণ ত জিত্ব। ্ৰপাহাজুন উত্তম। যুধিষ্ঠির: সমা-ৰিখান্য জীজন লোক সন্ধুবা ॥ সা ঁত্বা সন্তর্গ্য দেবা শ্চ পিতৃন্থ পিতা-महान्। जायानिका २व जीतान ैत्राज्रोक्कराकरतासहर।। विक्रमीरज ্ ংখনেখেন বিধিবদ্দিশাবত। র। <sup>খু</sup>জ্যে পরিক্তিং স্থাপ্য যানবামা• বি নাশন । শুল্লা ত গৌষলে রাজা জ

छ। नाम महमुकः। विष्णाः सर्गः क গানাথ ভীনাদৈ ভা তৃতি যু ত:।। इंडि शाक्ए २०० व्यथायः ॥ 🗱 ॥ বর্ষভেদঃ। ইতি মেদিনী।। ততু জ-युषीभगः नववयान्तर्भं नवमवर्यः । তদ্বিরণ যথা। উত্তরণ যৎ সমু-पुत्र। हिमार्षु रैक्टव मिक्कन । वर्ष তভারত নাম ভারতী যত্র সম্ভতিঃ ।। নব যোজন সাহসে। বিস্তারোৎস্য মহামুনে। কর্মভূমি রিয় স্বর্গ মপ-वर्गक गहुजा।। मरहत्या मनयः नशः मुकिमान्क शर्वतः । विका-क পातिभावक मधाब सलभर्व-তাঃ ॥ অতঃ সংপ্রাশ্যতে মর্গো মৃ-कि ममार भ्यां हि । छिर्याक्ष मद्रक्षानि यास्त्रजः भूक्षा मूरम ॥ इंड: दर्गक आक्रम मध्यासम् গম্যতে। ন খল্বন্যত্র মর্ত্যানাং কর্ম-ভূনৌ বিধীয়তে।। ভারতস্যাস্য वर्षमा नव एका मिना मया इन्द्रशी-পঃ কশেৰ ক তাৰুপৰ্ণো গভস্তিমান্ ।। नागदीन उथा मोत्या गाइर्ड ন্তৃথ বাৰুণঃ। অযন্ত নবন ভেষা দ্বীপঃ সাগর সংবৃতঃ ৷৷ যোজনানা जरुगुस बीला २य मिक्ता खतार. । পুরে কিরাতা যস্যান্তে পশ্চিমে য বনাঃ স্থিতাঃ ॥ ব্ৰাহ্মণাঃ ক্ষ্তিশ্

रिवम्या मास्य मृमुम्य जागमः। ইजा युष्क विश्वज्ञारेन्। इर्डिवरङ्गा वाविष्ट-তাঃ ॥ শতজ ক্দুভাগাদ্যা হিম-বৎপাদনিঃসূতাঃ ৷ বেদ সৃতি মুখা कान्ताः भाविभावाक्तवा गून ॥ नर्माना जूब जाम्डाम्ड नरम्डा विकार वि-নিঃস্তা:। তাপী পযোফী নিবিষ্ক্র্যা भुग्रा अक मञ्जवाः ॥ भागवती ভीমরথী কৃষ্ণবেণ্যাদিকা उर्था। স হ্যপাদোন্ডব। নদ্য: মৃতা: পাপ ভ याপহাঃ ॥ ক্তমালা ভামুপণী পু-मूथा मनत्या ख्वाः। विमाना अवि-्ञवापता मरम्मु ख्वाः मृजाः ॥ अविज्वा जनार्गामाः मुकिन् भार मञ्जाः। जामाः नमूरभनरर्भ जञ्जाक जर्मुनः॥ जासिम दक भाक्षान मध्रादमाहरया हनाः। भूर्व *(म्*णाहिकारेक्टव कामक्र निवाजि-নঃ ৷৷ ওড়াঃ কলিকা মগধা দাকিণা ত্যাক্ষ ক্ৎসুক্র:। তথা ২ পরাভাঃ मोत्राष्ट्राः भूताजीता खवा वृताः ॥ गाक्का गानवा रेक्टव भाविभाव निवानिनः। (मोवीबाः रेमक्रवा क्राः भाषाः भाकल वात्रिनः ॥ सपु। ताना ख्याप्रधाः भादमीकाम्य ख्या। या-সাং পিবন্তি সলিলং বসন্তি সরিতাং यहा ॥ समीপতো মহাভাগ হৃষ্ট

পুষ্ট জনাস্বলাঃ৷চত্ত্বারি ভারতে বর্ষে যুগান্যৰ মহামূনে।। কৃত তেতা দ্বা-পর্ঞ কলি শ্চান্যত্র নক্চিৎ। তপ ন্তপ্যন্তি যত্তযো জুন্ততে চাত্র যজ্বিনঃ ॥ मानानि চাত मीयस्त्र भत्रत्वाकार्थ मान्त्राए। श्रक्ष र्यञ्जभूकारा ज-मृषील मानुकार्छ ॥ योद्ध यंद्ध न-তি বিষ্ঠু রন্য দ্বীপে যু চান্যথা। তত্তা-পি ভারত শুেষ্ঠ জমূদ্বীপে নহানু-নে।। যতো হি কর্মভূরেষা ততোন্যা ভোগভূময:। অত্র জন্ম সহসাণা। गर्रे मु त्रि गखन ॥ कना विद्या छ खन्त मान्याः भूगा मक्यार। गायनि रिवाः किन गीउकानि धन्तास एय छ। রতভূমি ভাগে। মগাপবর্গাম্পদ মা ৰ্গ ভূতে ভবন্তি ভ্য: পুৰুষা: সুরত্বাৎ ।। কর্মাণ্য সঙ্কল্পিত তৎ ফলানি সং-न्रम् दिक्षे भवनाज्यक्रि । व्यवा-প্যতা॰ কর্ম মহীমনন্তে তমিল্লান**ু** रयज्ञनाः भुयाति ॥ जानीम रेनज्य कृत्यः विनीत वर्गभुतः कर्या (पर वक्षः। श्राञ्गाम धन्।ः थन् ए मन् ষ্যায়ে ভারতে নেন্দ্রি বিপুছীনাঃ॥ नव वर्ष छ रिनरज्य जमूची श निषः भया । नक्षाकन विखात माक्षभार कथि उ॰ उत्।। जम्बी १० नगावृज् नक्ष्याकन विखतः। रेन् व्यव वन्या

কার: স্থিত: ক্ষারোদধি বহিঃ।। ইতি শ্রীবিষ্ণু পুরাণে ২ অংশ ৩ অধ্যাযঃ 11 # 11 व्यत्मिन् वर्षि कम्म कात्र १॰ ७९ नाकना ११ वर्गा मञ्जू उनः क्या জনেদ॰ ভারতে লভেৎ। করে।তি লফল জন্ম শুদ্ধা হরিকথামূত।।। व्यर्हन वन्रतः मञ्ज दलः रमवन वन व ह । स्रायन के जिन नामहून न्दन भीश्चिष्ठः॥ निर्वाहतः अभागामामा ব্ধা ভক্তি লক্ষণ ৷ করোতি সফল জন্ম ক্রৈতানি চ ভারতে।। 🟶 🛚 ।। অস্য পুণ্যস্থলত্ব• কর্মভূমিত্ব• পরি-নাণঞ্চ যথা। কর্মাণা॰ কলভোগশ্চ जार्खिषाः जूत्रजुनम् ति । रेनव अर्राग न পাতালে নান্য দ্বীপে শুতৌ শুত্ৰ• ॥ क्दा भूजाभूज कर्य भूगातकत्व ह ভারতে। অন্যত্র তৎকল ভুড়ে ক भी कर्यनिवन्ननार्।। श्यानयाना-न्मू प् भूगुरक्वक जात्रजः। (मुक्रः नव्यानाक मूनीनाक उनः इतः ॥ लक्। उब बच बोवी वाक्षिजा वि कुनायया। नाय करत्राजि विषयः বিহায সেবন হরে: ॥ ক্ত্রা তত্র नह १ भूगा अर्ग गहु भूगावान्। গৃহীত্বা স্বৰ্গকৰ্যাশ্চ চিব্ল স্বৰ্গে পু भाराज ॥ मर्ग मागहाज नाता वि-राय नानवी॰ जन्। इंजि वुक्तरेववर्ड " भूद्राति श्रीकृष कवार्था । ६२ व्यक्षात्यो ॥

ভারতঃ পুং নটঃ। ইতি জটাধ্রঃ॥ অগ্নিঃ॥ ইতি ত্রিকাণ্ডশেষঃ॥ ভর তস্যাপ্ত্যঞ্চ॥

ভারতবর্ষ ক্লী জঘুদ্বীপস্যনববর্ষান্ত-गं उवर्यविष्णयः। यथा। हिनाञ्जः मिक्किन वर्ष ভद्रजाय मानि शिखा। তমাচ ভারত বর্ষ তস্য নামা ম-হাত্মনঃ ৷৷ তস্য নবভাগা ব্থাগ ভারতস্যাস্য বর্ষস্য নবভেদানি-বোধনে। সমুদান্তরিতা জ্ঞেয়ান্তে खुगम् ।: भद्रम्भद्र ।। इन्द्रुवीभः क-সেকণ্চ তামুবর্ণো গভস্তিমান্।না-गद्यी न उथा (मोर्गि) गक्तर्बा वाक-ণ স্তথা ৷৷ অযন্ত নবম তেষা দি গঃ नागत म·वृज्धायाजनानाः महनुः रेव बीला २य-मिक्ला खताया। পূর্বে কিরাতা যস্যান্তে পশ্চিমে यवनाः मृजाः । वाक्षनाः कविंगा रिवनाः म्मा काष्ठः खिला विका। इका। युक् विश्वतारिनाः कर्याछः কৃত পাবনা:। তেবা সাম্ব্রহা-রশ্চ এভি: কর্মভি রিষ্যতে ৷৷ স্ব-गांभवर्ग भाषिक भूगाः भाभक वि उथा। गरहत्यु। गलयः मञ् ः म् किमान्क शर्वजः॥विकारक शाहि-

পাত্রত সপ্তৈবাত স্বলাচলাঃ। তে-॥ ষা সহসুশ দ্যান্যে ভ্রন্ন যে সমী शगाः॥ विखाताङ्गयरे त्रम्या वि शुला किञ्जानवः। कालाइनः न रेवजाङा मन्द्रता म्मू बाहनः॥ वा-**उन्नत्या दिवृ** उन्ह रेमनाकः सूत्रम खं থা। তুদ্পুছে। নামণিরি গোপুন: भार्षुद्राहणः ॥ भूझवीर्यं क्रयस्त्रि ह রেবতে। २ वृष এব চ। अयाग्रकः न लामन्नः कृष्टेरमनः कृतः मद्रः ॥ 🗐 পর্যত শ্চকোরশ্চ শতলো হন্যে হল্ন नवंजाः। देउ विभिन्ना जनमग दिहा कार्यताक जाननः ॥ रेजः भीवास जित्रहरी या छाः जनाद्विद्वाप म । अक्रा **मत्रव**ी मिक्क् कान्य छागा छ-খাপ গা ৷৷ ষমনা চ শতহুণ্চ বিতত্তৈ রাবতী সহ। গোমতী গুরুপাপা চ वाल्का रु म्यच्छीता विभागा (कवि का वह विभागागखकी उथा। को विकी हालजा विश्व क्षिक्ट शाह-বিঃপৃতা: 11 বেদ মৃতি বেঁত সিমী রা-ত্রিদ্বী সিন্ধু ব্লেষত। বেণা চ স্যক্রনা रिव्य नवानीता मही उथा।। भारा চর্মারতী লুপী বিদিশা বেজবত্যপি। সিপু। হাবন্তী চ ভথা পাদ্বিপাতাশু-याः मृजाः ॥ त्नाता महानम् टेन्हत नर्यरा जूतना किया। नन्ताकिनी प-

শার্ণ। চ চিত্রকটা তথাপগা।। চি ত্রোৎপলাথ তনসা করতোযা পি-শাচিকা। তথান্যা পিপ্ললা শো্ণী विभागा वक्षुमा नही।। महाक्का मुक्तिमञी मक्नी बिरिया कडूः। अक्राम भुज्ञा देव उथान्ता (वर्ग-वारिनी ॥ निन्ता भरवाकी निर्विक्तता जानी अ निर्वधारे की। विगा विजन्भी । চৈব শিদীবালী সমুদ্বতী ॥ তোবা हित सङ्ग्रिती हुर्गा हा छः निवा छ-था। विकाशाम भुज्ञा छ। नमः भूगः बनाः मुजाः।। त्यामायत्री जीमत्रथी ক্ফবর্ণা তথাপাগা। তুক্কভদ্না সুপু (बागा वाश्वाकार्वर्ग्याभगा॥ मश् পাদ বিনিষ্কান্তা ইনা তাঃ সরিদৃত্ত माः॥ क्ष्मान। जामुननी न्याजा-जुर्भवावजी। मंग्यापि अम्स्जा नरुः भीउकवा ख्रियाः ॥ निर्णान श्विं अन्तर्भ हे देकना जिम्बान्या । नाकृतिमी वन्नका गरम् भुन्वाः मृजाः।। अविका ह क्याती ह गम्ना मन्त्वामिनी। कृषा भवाषिनी हेठव শুক্তিনৎ পুত্ৰাঃ মৃষ্ঠাঃ ॥ সর্বাঃ भूगोः अन्नवजाः मर्वागकाः ममू मुगाः । विचम। गाउतः महाः महाः भाभ-হ্রাঃ মৃতাঃ ॥ অন্যাঃ সহসুশ ভেগ-काः कृ नुनरम्। विरक्षा छम्। शुन्दे

কালবহা: সন্তি সর্বকাল বহা ক্যা । यद् महाः इन्वाः इनहाक इखनाः कानि कानवाः ॥ अव्राप्त भूवि काक नगकाक वृक्तः नक्। नवा प्राथ अन्य हाः भाषामा श्री भूकी র্ত্তিয়:॥#॥ সহস্যচোত্তরে শৈন হ্ব लामावती नरी। मुख्या मलि 🎨 ञ्चायभ्य अनुपराजी मानाबमः ॥ 🖽 🙀 🖷 ন পুরণ রন্যুণ ভার্গবস্য মহা 🗟 🚓 । वाङ्गीका वाष्ट्रेषानान्छ व्याजीबाः কালতোষকাঃ ॥ অপরান্তাশ্চ শূ দুশ্চ পত্নবা শ্চর্মথণ্ডিকাঃ। গা-कात्र। यवनारेम्हव निक्क् स्मोवीत ममु-काः॥ भ उड्डरा निन्धान्त भात्रमा शात्रम् विकाः । माठेत्रा त्रक्षश्चकाः रिकक्या मण्यानिकाः ॥ क्वित्या-शनित्यभाग्ह रेवभाऽ म् मु अलानि ह। कारमाजा रत्रमरिण्ठव वर्षत्रा शक्राली-কিকাঃ।। নীচা শৈচব ভূষারাশ্চ প হব। বাহতোদরা:। আত্রেযা: স ভরদ্বালাঃ পুস্লাশ্চ দশেরকাঃ ॥ विष्णकाः म्नकातामः চ्विका जाङ्ग दिः नर्। जनशा कालिम मुक्क कि রাতানাঞ্জাত্য: ৷৷ তাম্স৷ হ্স मार्गाम्ह कान्यीता सक्ना स्था। ह् निका इंफुका रेक्डा डेनी माबी छरेथे व हा। 🛠 ।। এতে दिना इतिहास श्रा

। अञ्चराका মুদ্যকা অন্তর্গিরি বহির্গিরা: 11 তথা **श्चरक्र। वरक्रम भवना भववर्जिकाः।** व्यकाखद्राः भूविबवा ভार्गवाक्य ্মর্দ্ধকা: ।। প্রাগ্নেরাভিষাশ্চ মদাশ্চ विल्या खात्र्विथकाः। मदा मगर -গে দাঃ পাচ্যা জনপদাঃ মৃতাঃ ॥ 🕬 ्राभाव स्नभा मिक्रगाभय वाजिनः । পार्ख्याम्ह (क्वला टेम्हर हानाः **द**न्ता खेश्वर ह।। सञ्का मृ विकारेकव समाता वानवात्रिकाः। गरु । ता है। मारि विकाः किन्ति। रेक व नर्बनः ॥ चाजीद्राः भर्रेटवीका पार्वेद्राः भवताक्राक्षा भू विन्ता वि भारतालया रेवनर्जा मर्खेकः मरु॥ পৌরিকা দৌলিকা শৈচৰ অশ্মকা जित्रविकाः । ठितिकाः अउनाः श्का ऐफिना नालकातकाः॥ #॥ দাক্ষিণাত্যা স্ত্রিমে দেশা অপরাস্তা-विताथ (म । (मोर्भावकाः काणनमा मुझा छान्।यरिकः मरु।। कात्रकता (ना-হজহ্বা বানেযা রাজভদুকাঃ। তোস-लाः (कामना रेम्डव रेजभूता विकिमा ন্তথা।। তুষারা স্তয়রা শৈচব পাটবো निषदिः मह। भूजिन्हाण मूनी-लाक क्रमा खागरमः मह ।। उथा व्यक्तिनरेक्टव मरद हिन क्रवस्त्राः

। नामिकाथप्राम्ह (य हार्त्र) (य देव-वास्त्र नर्णनाः ॥ भाक्कहाः मभार्षः याः मर्खे मादस्रिः नह। कहीया क मुबाह्याक आवस्त्रा कार्ब् दिः मर्।। (उड्ड इश्वास क मृग् विक्र नि वाशिनः। मृल्जाक कक्षाक भ क्ला लाटकलाः मह।। উखम्र् দশাণাশ্চ ভোজাঃ কিন্ধিন্ধকৈঃ সহ । অনুপা স্তাণ্ডিকেরাশ্চা বীরহোত্রা-इवड्यः॥ এতে खनश्रनाः मर्स विकार शृष्ठ निवामिनः॥ व्यक्तादमान् भूवः ক্ষ্যামি পর্বতাশুবিণশ্চ যে।।
।। নি-र्शता र जगार्गाके स्था उत्रनाः थनाः। ब्रह्माः भावत्रगरिक्तव डेर्गा मर्वाः **मर्क्काः** ॥ जिगर्वा गान्या-रेम्प्रव किवाजा खामरेमः मह। कृज ত্রেতাদিক শ্চাত্র চতুর্গ ক্তো বিধিঃ ।। 🗱।। এতত্ত্ব ভারত • বর্ষ চতু: সম্স্থা-ন সংস্থিত। ।। দক্ষিণে পরতো হৃস্য প্রেণ চ মহোদধিঃ। হিমবানুভরে गाम् काम् कम् यथा खनः ॥ उत्र ভজারত বর্ষ সরবীজ দিজোত্তন । দেবত্ব মমরেশত্বং দেবত্বং মর্ত্য-**ा॰ उथा ।। मृत्र भश्यवत**हता (यानी स्वद महीमृभाः। स्रावद्रागकः म-दियामाठा वुसन् मू जामूरेजः॥ भू-गांड कर्याञ् व समाना लांकियू वि

म् एउ। एवानाम् विभूखं महेन-देवय मत्नाव्रथः ॥ जानि मानुष मा-श्रामा (प्रवृष्ट भूर्जाः किछो। মনুষ্যাঃ সকতে তত্ত্ব যম শক্য সুরা-मुद्धः ॥ सकर्मा निगंड गुरैनः सकर्म-क्र भाग मिकः। न किस्कि किया र्कम जूयलामाभुक् हिरेजः ॥ इजि শ্রীমার্কভেষ পুরাণে ভারতথণ্ডবর্ণন मागावायक ॥ 🗱। अभिष्ठ। जात-তে २९। मिन् वार्य मिति हुलाः मिडि-वहदः। मनाया महन नुद्रा रिमनांक স্ত্রিক্ট খাষভ: কুটক: কোঞ্চ সংহয়। प्तिविशित्र श्रीमृकः श्रीलाला तकः हो। गर्ह्स्तु। वाकिशादा विकाः मू-ক্রিনানৃক্ষ গিরিঃ পারিপারো দ্বোণ শ্চিত্রকূটো গোবর্দ্ধনো রৈবভকঃ ক-अरंजा नीत्वा शाकामूथ इन्मुकीवः কান্সিরি রিতি চান্যে শতসহসুশঃ रेमवा (उदा॰ निउच्च शुख्या नहान-म् । भारता जा निकास मान्य मान् পো ভারত্যঃ পুজানামভিরেব পুন-र्जी नागाजाना हालम्ण्नां ह हन्तुव-শ। তামুগণী অবটোদা কৃতমালা रेवशायमी कारवती (वदा शयश्रिनी শর্করাবর্ত্তা তুক্কভদা কৃষ্ণবেশা ভীম-तथी शामावती निर्विक्ता शरगकी **जाभी दावा मूत्रमा नर्मारा हर्मार**ी

আন্ধঃ শোণশ্চ নদৌ নহানদী বেদ-॥ মৃতি খবিলল্যা ত্রিসানা কৌশি की मनराकिनी यमूना नत्रवंजी मृभः দ্বতী গোমতী সরয় রোঘবতী ষষ্ঠব তী সপ্তবতী সুষোমা শতজ শচন্দু-ভাগা মৰুদ্ধা বিভস্তা অসিকী বি **শ্বতি ग्रानम्। अस्मास्य वर्ष** পুক্ৰৈ লব্ধ জন্মভিঃ শুক্ল লেম্বিত কৃষ্ণবর্ণেন স্বারন্ধেন কর্মণা-দিব্য মার্ নুষ নারক গতখো বস্ত্য আত্মন আ नुभूर्बारा गर्वारक्य गर्बवाः विधीय-ए । यथा वर्ष विदीन म मेनिमें का नि ভৰতি৷যো ইসৌভগৰতি সৰ্ব ভূতা-ज्ञिन जनाजा १निक्टक १निन गरम शतमाञ्चनि वानुरहरवं २नन्। निनिन्छ **ভ**क्ति रगाग लक्षरा। नानागि नि-निखा विम्रागृष्टि वन्नन द्वादम् यमा श्चिमशाश्चिष शृक्ष शुमकः। এउ (एव हि(एव। भाषात्रि। अव्हा बरेज्याः কিনকারি শোভন প্রসন্ধ্বাস্থি मूञ चय॰ रुद्रिः। रेग जन्म निक् नृषु গভারতাজিরে মুন্ধন সেবৌপবিক म्पृहा हि नः ॥ कि॰ मुम्रोत मं: कनु-ভি उপোदुरें ज माना मि ভि बी मू । इस न फ्लुना। नयव नाताया भारशकः **ज म्**जिः भूगूकाजिमायिद्धियादम वार । कन्नान्याः स्थान जनारः भून

র্ভবাৎ ক্ষণাযুষা ভারত ভ্রুযোবরঃ । ক্ষণেন মর্ত্যেন কৃত। ননস্বিনঃ স।-ন্যস্য সংযান্ত্যভদ্ধ পদ্ধ ইরে: ॥ न यबरिक्छे कथा मुधानना न माध-বো ভাগবতা স্তদা শুষাঃ৷ ন যত্র যজ্ঞে-শ মথা মহোৎসবাঃ সুরেশ লোকো-পিন বৈ সসেব্যতা ।। পুাপ্তান্জাতি खिन्द रय ह जल्दा न जिया मुवर কৰাপ সম্ভূতা । নচেত্ৰভেরন্ন পুন मृ जाया ज्या वत्नेका इव यान्डि वक्रन ।। देयः मुकाया वर्शिय ভागामा হবি নিৰ্ভাগ্ত মিষ্ট বিধি মজ্ৰ বস্তুতঃ । একঃ পৃথমামভিরাহতো মুদা গৃ-राजि भूर्गः यय गानियाः भुज्ः॥ म-ত্য দিশত্যর্থিত মর্থিতো নৃণা নৈ-वार्थामां यट भून वर्थि जा यजः। स्य বিধত্তে ভজতা ম্নিছতা মিছাপি-थान निज भार भज्ञव ।। यराज नः बर्ग मुथावः भविज विष्ठेम। मूकम। কৃতস্য শোভদ•। তেনাজনাভে স্-তি मङ्जयनः म्याद्यर्थ रुति र्य**र्ड**जः তা॰ শ॰ তনোতি॥ 🕮 শ্কউলচ। **अष्**त्रीलमाऽ दाजम् भषीलानाक्षीरेश-ক উপদিশন্তি সগরাতারৈ র বানে-ষণ ইনা॰ নহী• পরিতো নিখনজ্ঞি ৰূপকল্পিতান্। তদ্মথা স্বণপুস্থ कन्द्र चूक् आवर्डस्ना त्रमणका यनस

হ্রিণঃ পাঞ্জন্য: সি হলো লকে-তি। এব• ভব ভারতোত্তম হুছুদ্বी-প ব্ৰবিভাগো যথোপদেশ মূপব-র্ণিতঃ। ইতি শ্রীভাগবতে মহাপুরা ণে ৫ ক্ষন্ধে দ্বীপ বর্ষ বর্ণন নাম ১৯ व्यथ्यायः॥

ভারতী জী বচন ।। সরস্তী :!! शिकालिए: ॥ वृद्धिल्यः । देनि 🏳 - विद्यल्यः ॥ মেদিনী ॥ ব্রাহ্মী । ইতি রাজ ভারবি: প্রু কবিবি:শবঃ। স চ निर्घणेः ॥ अ ॥ मृक्रात को निकी वीख माद्वजात्रज्ञी भूनः। द्वरम রৌদু চ বীভৎসে বৃক্তি: সর্বত্র ভা রতী॥ ভারতী বৃত্তিন্ত সংস্ত পু।-(या वाग्राभारता नतामुयः। इंडि नाहि ठारर्भगमा ७ भित्रहरः॥ ভারদার° ক্লী অস্থি।ইতি হেম-हन्मः॥

ভারদ্বাজ: পু॰ (দুাণাচার্য্য:॥ अवि-**७४:।** ইতি মেদিনী ॥ অগন্ত্য-मूनिः। ইতি भदतद्वावनी ॥ सङ्गन-**गुरः।** ইতি गुर्यक्क उत्नुः॥ व्याद्या-**हेभकी** ॥ वृङ्खिङिभूयः । इंडि (र्गम्यः॥

ভারদানী জী বনকার্পাসী। ইতি मद्रवावनी॥

ভারयः পু• ভারদ্বাজপক্ষী।ভারই ইতি ভাষা। ইতি শব্চন্দ্রিকা॥

ভারণষ্টি: जी ভারবহনদণ্ডঃ।। বাঁক इें जिया। जर्भर्गायः। विरू-क्रिकार। ইত্যমর:॥ ভারব ক্লী ধনুর্ভণ: ৷ ইতি ত্রিকাঞ্জ-শেব: 11

লারবাহঃ পু॰ ভারিক:। ইত্যমর:॥ कात्रवाशी दी नीनी। इंडि ताब-

कित्राटाक्त्र्नीयनायकगृष्टकर्ला । **७८** भर्यग्रायः । मजमूङ्गः २। ইजि विकाखस्मयः॥ क्रमः गृहमः भूष-म भारका १४%। भियः स्वाम-विभन् भावनी भुकामृत्खि य-मगृह्ध (बिरजुः । जविर्ग लिकी वि-**पिछः नमायत्यो गृधि । अतः देव उदान** বনেচরঃ।৷

ভারবৃক্ষ: भू॰ काकीनामकगक्तपुर्वाः । ইতি भद्रामुका ॥

ভারহর: ) भुः ভারবাহক:। ইতি ভाরহার: १ नम्बङ्गावनी ॥

ভারিকঃ পু ভারবাহকঃ। ভারী ইতি খ্যাতঃ। তৎপর্য্যায়ঃ। ভার-वारः २। इज्जानतः ॥ जात्रहतः ०। ভারহার: ৪।ইতি শ্রর্রাবলী ॥

ভারি: পু• সি·হ: ৷ ইতি হেন·

ठन्पः ॥

कार्तिष्टः भू भक्तिदिष्णयः। उट भर्यप्रायः। भागमहर्देकः २ रेमानितः ৩ কণভক্ষকঃ ৪। ইতিরাজনির্ঘটঃ॥ ভারী পু ভারবাহক:। ইত্যমরটী-কাষা• রমানাথঃ।। ভারযুক্তে ত্রি।। ভারৌহী জ্রী ভারবাহিকা। ইতি मुक्षरवाध्वराकत्रनः ॥ ভার্গবঃ পু: পুরশুরামঃ॥ শুকা-हार्याः ॥ भन्नी ॥ गन्नः ॥ इंजिस्मिष्टि नी ॥ ভারতবর্ষমধ্যে भूकि। दिना-स्त्रजं ज (मन्दिर्भियः। यथा। व्रक्ताः खताः भुविक्या ভार्गवा छ्वयमर्प काः। इंड्रांि मार्क् ख्यश्रागः॥ ভার্গবপুষঃ পু॰ হীরক:। শুকাধি-় প্রাতৃ দেবতাকত্বাৎ॥

ভাৰ্গবী জী পাৰ্বতী। লক্ষীঃ।।
দূৰ্বা। ইতি মেদিনী।। নীলদূৰ্বা।।
ইতি শব্দর্গাবলী।। খেতদূর্বা।
ইতি রাজনির্ঘটঃ।।

ভাগী ত্রী বৃক্ষবিশেষঃ। বামনহাটি ইতি ভাষা। তৎপর্য্যয়ঃ।
গদ্মভশাখী ২ ফল্লী ০ অকারব
লারী ৪ বালাি ৫ বান্ধানয়িঃ ড বাভারিঃ ৭ ভ্কলা ৮ পদ্মা ৯ যাইঃ
১০ ভারকী ১১ বাভারিঃ ১২ কামজি২ ১০ সক্রপা ১৪ ভ্রনরেষ্টা ১৫
শক্ষমাভা ১৬ গ্রেস্যা গুণাঃ। ক

টুবৃ• । তিক্তবৃ• । উষ্ণবৃ• । কামশ্বাস শোফ বুণ ক্রিনি দাহ জ্বর
নাশিবৃঞ্চ। ইতি রাজনির্ঘণ্টঃ ॥ অন্যৎ ব্রাহ্মণযঞ্জিকা শব্দে দুষ্টব্য• ॥
ভার্দানী জ্রী ভারদ্বাধী। বনকার্পা• সী। ইতি শব্দরত্বাবলী॥

ভार्या जी (वहविधातिसाता विश्-न्चिक विवाहिछ। उৎপर्यशयः। পত্নী ২ পাণিগৃহীতী ৩ দ্বিতীয়া ৪ সহধ্যিণী ৫ জাযা ৬ দারা: ৭ স-, ধর্ম্মণী ৮ ধর্মচারিণী ৯ দার: ১০ कनव॰ ১১ कनवक॰ ১२। ইতি भदत्र द्वातनी ॥ अनुतः भुभ•ना यथा। मा ভार्यता या भिय॰ तुवाट. স পুণ্রো যন্ত জীবতি। স জীবতি গুণো যস্য ধর্মো যস্য স জীবতি।। গুণ ধর্ম বিছীনো যো নিয়ুল তস্য क्षीवन । मा जाग्रा या ग्रह मका मा ভार्या या शियहरा।। मा ভार्या যা পতিপাণা সা ভার্য্যা যা পতি-বুতা। নিত্যস্নাতা সৃগন্ধা চ নিত্য-क श्रियवारिनी ।। बङ्गजूक् यङ्गजा-বী চ সতত• মঙ্গলৈ যু তা। সতত• ধর্ম বহুলা সতত্ত্ব প্রতিপুষা।। मंडड॰ नियवद्धी ह मडड॰ अडू-কামিনী। পিতৃদেব ক্রিযায়কা সর্ব সৌভাগ্য বৰ্দ্ধিনী॥ যসেদুশী ভ-

विकार्या (सरविद्धा न म मानूबः । 🗱।। व्यम् । एता वा यथा। यम् । जार्या वि क्रभाकी कम्प्रजा कन हिंगुया। উख-রোত্রবাদা স্যাৎ সা জরা ন জরা জরা ॥ যস্য ভার্য্যাশ্রিতান্যক্র পর-বেশ্মাভিকাছ্মিণী। স্বক্রিয়া ত্যক্ত-**লজ্জাচ সাজরান** এরা **জ**র্গা বস ভার্য্যা গুণজ্ঞা চ ভ ্র সংগ্রামী शियाशिया॥ पृष्ठां जार्यं। मठ । नवः ज्जा (काखन नायका:। **ममरर्भ** ह **शृष्ट् वास्मा मृ**ञ्जूरद्भव न **সःশ**यः ॥ <sup>||</sup> व्यानि मृ भिवः जानीया यूष्क मृतः বনে শুচি। ভার্য্যাঞ্চ বিভবে ক্ষীণে मूर्जिक ह लिगा जिथि।। ইতি गाक **ए** नीजिमाद्र २०৮। २०৯ व्यथायः ॥ #॥ वृङ्ग्याञ्जिवाह । यम्। नाखि সতীভার্য্যা গৃহেষু প্রিযবাদিনী। অ রণ্য তেন গম্ভব্য যথা রণ্য তথা गृरः ॥ मूनीना मून्पत्री नाडा गठा যস্য গ্ছোদরা**ৎ। অরণ্য**ণ তেন গন্ত-ব্যু•যথা রণ্য•তথা গৃহ• ।৷ ভাবানুর-ক্তা বনিতা হতা যস্যত শত্রুণা। অর ণ্য তেন গন্তব্য যথা রণ্য তথা গৃহ ।। দৈবেনাপজ্তা যস্য পতিসাধ্যা পতিবুতা। অরণ্য তেন গন্তব্য ৰথা রণ্য• তথা গৃহ• ॥ যস্য মাতা গৃছে 🖔

नांखि ভार्या हाल्यियामिनी। यतः ণ্য তেন গম্ভব্য যথা রণ্য তথা গৃহ• ॥ त्रिया म्ना गह गह यन। भून जी धन বন্ধুভিঃ। অরণ্য তেন গন্তব্য বথা त्रगाः उथा गृहः ॥ जीर्याः मृना दन সমা: সভার্যান্চ গৃহা গৃহাঃ। গৃহি-িলিজ গুহু∘েলুকি• ন গৃহ্• গৃহ মচ্∫-एक !! अक्षां २६ श्री विस्तीनक देवता वान । जाल्लान जू मार्क विकास में विकित्ता करा करा करा न ী ৬না কৰি ভাৰত ভাৰত লাগাক হীনশ্চ যথা মনে(৷ হুতাশন: ৷ পুতা-कीता यथा ज्यंतः लग जाहिता यथा শশী৷৷ শক্তিহীনো যথা জীবো যথা-জ্মা চ তনু• বিনা। বিনাধার• খথা ধে-যো যথে**শ:পুক্তি** বিনা।।নচ শক্তো यथा यद्धः कनमा मिना। कर्षित ह कन राज् नामग्री मृन भिव ह ॥ विना चर्नः चर्नकारता यथा २ मकः बक्याि यथा २ मकः स्वा-লশ্চ মৃত্তিকাঞ্চ বিনা দ্বিজা: ii তথা গৃহী ন শক্ত চ সম্ভত• সৰ্ব কৰ্মণি। ভार्या म्लान्ड न्थान्ड ভार्या म्ला गृहा ख्या ॥ ভार्या मृतः मूथः नयः म्गृष्ट्यानाः गृष्ट् मना। लाया गृणः সদা হर्ष· ভार्या। মূলঞ नङ्गः ॥ ভाग्रा गृनक मः माता ভार्या गृन-ঞ্ সৌরত । য্রা রথ চ রথিনা

गृहिनाक उथा भृहः॥ नात्र थिस गः।
था (ठवा॰ गृहहाना॰ उथा शिया।
नर्ब तत्र भुधाना ह खीतज्ञः मृहमामशि॥ ना गृहीजा गृहहारेन(देजाह
कमला खरः। यथा कनः दिना भन्नः
भन्नः भावाः दिना यथा॥ उरिश्व ह
गृहः भन्न मृग्हिनाः गृहिनाः

श्राम वास्त्राचा । विकास व विकास विकास

भूतात्म वा वितः मृतः श्रुवाि यः ।
छीर्थः वा जभरम वाभि स्माक्षार्थः
व्यथि छुः ॥ न स्माक्ष सम्मा छवः
छि वर्ष्ममा श्रुवः । स्मिक्ष कम्मा छवः ।
हि वर्ष्मित्वा हे छुतः । स्मिक्ष कम्म थर्थः ।
हि वर्ष्मित्वर्र्छ श्रुवः । स्मिक्ष कम्म थर्थः ।
हि वर्ष्मित्वर्र्छ श्रुवः कम्म वा छवः ।
हि वर्ष्मित्वर्र्छ श्रुवः कम्म व्या । भमः
छा यः प्राः ॥ सः॥ वर्ष्ण्यार्थः ।
कम्म अस्म वा श्रुवः नात्र । भमः
प्राः । म्क्रम अस्म वा श्रुवः । मन्
भाष छात्र स्मान् । वर्ष्मातः भूमान्
यस्य त्रागारम्काः ভहि श्रुवः । मन्
भाष छात्र श्रीक्षि उन्ह जमा स्मोनः
गना छनः ॥ यस्यः थः का गर्छ श्रीनाः

साग्र माखागङ यथा। न उम्र म-मृभः मृःथः किक्षिपनऽ**क्षि वि**मऽउ ॥ দতী মৃত্যুতী জাযা যোনেবাৎ পু-क्वाधमः। अञ् चर्त्रम् भूष्मम् जुन्रा তস্য জায়তে ॥ ভার্য্যা স্যাত্মাব-मारवियो जाव काल विद्याधक। 🐣 ্যান্ত সঙ্গমে কিঞ্চিৎ বিহিত্ঞা-भिकारत्य ॥ বহুভার্য্যস্য ভার্য্যা-े नामनः। न किकि बि-দত্ত কর্ম শাক্তেণাপি যদীরিত ॥ েক্তার, া াতত ভার্য্যা বিধিবৎ নানে নাড**া:। তাসাণ তুষ্ট্যা তু** কল্যাণ মকল্যাণ মতো १न्या ॥ मक्षः है। ভार्याया ভर्जा ভर्जा ভार्या **उरिथर ह । यित्राम उर्द्भाव निष्ठा**॰ कन्तरान ७ ज देव धुन ।। यया विकक्तर-ए सामी (मोजाग) मन्नुखरा। **म** পত्नी नक्रन कर्दु: माम्यादिण्या छ-বান্তরে ॥ ইহাপি লোকে হবাচ্যত্ত্ব মধর্মঞাপি বিন্দৃতি। নচ পিতৃত্বল• স্বামি জল• তস্যাঃ পুমোদতে॥ বি-ক্ষমানে পত্যে যথ সপন্ত্যা বা পু-বৰ্ত্তে। অতীব দুয়• ভবতি তদক-न्तरान क्खरयाः ॥ इंडि कानिकाशु-ज्ञारा २० व्यथ्रायः ॥ 🐞 ॥ त्रकस्ता ভার্য্যা অত্যান্ধ্যা যথা। ন বিনোতী-

र (या पात्रान् त्रजमा कलूवीक्ठः ।

পুত্ত পৈত্র্যান্থতে লণ্ডে রেতসাঞ্চ পিবত্যসৌ ॥ যো জহাতি রজঃ কৃত্বা পিত্র্য স্ব॰ তেজসা নরঃ। সোশাতি ফলাপে (ব ধান দদ্যাদৃত্ পুনঃ।। या विज्विं न मखा वि वष्ट्रना॰ तज-গি ছি হ:। রেভঃ পিবতি তমগ্রে। পিতৃ:ভ্যা যো ২প্যপিওদ: 11 যো खहा जिहि निष्मं याः जार्यग्रीक्य तः জৰণ। । শুজিমান্ সংবৃতঃ কৃত্ত গ-र्द्धमा पूर्ति छ॰ वरम् ॥ इंडि वङ्गि भू-রাণ ৷৷ 🏶 ৷৷ তস্যা কাল বিশেষে गमन निरम्राथा यथा । न मिनाशि-जिय॰ गहिं कमाहि मिह्या शि ह। न পর্যসু ন সন্ধ্যাসু নাদ্যর্ভু চত্রাত্রিষু ॥ (नामक्रा॰ न निवाशहरू न नश-ৰ্ত্তাণ ন বুতস্থিতাণ। অভিগছেদ বি-षान् य उपायुक्षय (भव ह ॥ वक्ष्या 🕏 · মে পরি ভ্যান্ত্যা নবমে চ মৃতপু্রা। এकारण जीजननी जन्रस् श्रियदा-मिनी ।। न वर्कु २ जिगम वर्ष्या ८ भागिगारी जू (यायिजः। सर्यप्राहर পিডর স্তস্য পতন্তি রেতসো ভুঙ্ক:।। ভার্য্যাধীন সূথ পু সাণ ভার্য্যা ধী-নো ধনাগনঃ। ভার্য্যা ধীনা মথোৎ-পত্তি ভার্য্যা ধীনঃ সুখোদযঃ॥ यक ভार्या। गृरु छव ভार्या। धीन गृर् বংগং। ন গৃংহণ গৃহস্থ: স্যাৎ ভা-

र्याया कथाराज गृर्व। ।। ইতি পরাশর মৃতিঃ ॥ ভার্য্যাটঃ পু॰ অন্যার্থ স্বন্ত্রীদাতা। ইতি ত্রিকাওশেষ:॥ ভার্য্যাটক: পু॰ জ্রীজিত:॥ হরিণ-विष्णयः। इंडि मिमनी।। ভার্য্যাপতী পু॰ পতিপর্ব্যৌ। নিত্য षिवहनात्स १ महा। उट भर्गा-किन मण्या र बल्या । नागान-🔰 তাভাইত্যনর:।। ভार्यप्राकः भू॰ निवालिमः॥ मृशं-**ভिनः।। की** छवा পর ভার্য্যাযা॰ পু (बाट्याहकः। इंजि (मिनी ।। ভार्गात्कः भू भडसत्कः। इं उ রাজনির্ঘণ্টঃ ।। ভাল॰ ল্লী ক্ৰবোৰজ্ব ভাগঃ। ৰূপাল हेि जाया। जर्भर्यायः। नेनाहिः ২ অ**লিক**• ৩ গোধি ৪। ইতি রাজ-निर्घण्डः॥ (उतः। ইতি स्मिनी॥ ভालरर्भन ब्ली जिन्हृद्र । इंडि नद-ठिनिषुका ॥ ভाলদ্ক भू भारः । है जि हिम-क्तुः ॥ ভালান্ধঃ পু॰ করপত্র•॥ শাকভেই ।। রোহি জন্ৎ স্যঃ।। মহালক্ষণ-मन्त्राय क्षा । कहनः ॥ इतः ।

इंजि सिरिनी ॥ मुनाविविद्य थ ॥

**ानामाहनः भु॰ मितः।** इंडि छा-। लम्क्नद ममना ॥ ভালুকঃ ) भू• जल्लूकः। यथा। ভাল্ ভালুকঃ 🕽 কে়া ভালুকো ভল্লো ২ছভ-ল্পো পছো পপি ভল্লুকঃ। ইতি ভর-ভঙ্গত কোষান্তরণ।। ভাল্পকঃ ) পু• ভল্লা । ইত্যমরটী ভাল্লকঃ 🔊 কাথা 😇 রত: ॥ 🔪 🛁 छावः श्रु नात्रिशक्तितिषान् भैना , नमविकादः ॥ मखा ॥ यञावः ॥ विभागः ॥ तहा ॥ वाजा ॥ बस् । इंड्रमद्रः॥ किया।। नीन।॥ 🛮 পদার্থঃ ॥ বিভূতিঃ ॥ বৃধঃ ॥ জন্তঃ ॥ ब्रज्यापिः। इंजि यमिनी ॥ भी-রবিত: ।। অভিন্যান্তরণ । ইতি विका खम्मयः ॥ शाजुर्थः ॥ यानिः ॥ উপদেশः। ইতি ध्रत्रिः॥ স॰ मातः। इंड्रानकार्थकायः॥ 🗱॥ नवगृश्याः भयनापि द्वापभ (ठड्ठाः । यथा । भयनत्था भारतभाष्ठ (नव-शानिः श्काभनः। गमनः गमतिहा চ সভাষা• বসতি স্তথা ৷৷ আগ-মন ভোজনক নৃত্য নিপ্লাচ কৌ তুক। নিশু গুছাণা ভাবাখচ ছা-দশৈতে পুণীৰ্ত্তিতাঃ॥ 🛊 ॥ ভা-वानयनं करमा यथा। यमारमो वि-म् १९७ (पर्ने एउन ७ भारत गृत्य ८।

পুনর শেন সংপ্র্য স্বর্জণ তত্র নিয়ে: क्षर्य ।। का उर ७॰ उथा वग (भकी-কৃত্য সদা বুধৈ:। রবিণা ভাগহারে: ग लिय॰ कार्य्य निर्याज्ञरय ॥ **७**०-(भन नवमःथा। यक्तं गुरागाः अ-बन्भवः। उम्या। विनाया नन ত্রেয়ানি বৈষ্ণব॰ ভগদৈবত॰। পুষ্যা পৌঞ্চো যমঃ সর্পো জন্ম ভান্যকুতঃ कर्नार ॥ श्राका त्राणिः। यहां (मर्स পুছ স্তদা ১ একপ্রিত গুছ সংখ্যা; कः। যদা বৃষে গ্রহ স্তদা ২ দ্বিপুরি-তো गुर मन्थां कार्याः ॥ 🛊 ॥ জাযা সূত মৃত্যু তুক স্বগৃহ ত্রিকোণ স্থান স্থিত পাপ গুহাণা নিদ্যা শয-न ভावरयाः कलः। निमायाक यमा शाला बाया छात जुङ वरम् । यहि भाभः मूटेज ह (क्षे नामूरेज मह কদাচন ৷৷ যদি বা শতুগেহী স্যাছ্য-(न यि (विक्रिक्: । जना नादी अप॰ তন্য নাম্মে ভবতি নিশ্চিত।। শু **जा गूरेज वेंना मृक्षेः मूज गुरु ममृ**द्धि-তঃ। নারী চ মিুখতে তস্য পুথম। চ বিশেষতঃ !৷ সুত স্থানে স্থিতঃ পা-(भा निष्वायाः भदत्न भिवा । उत्र শুক্ত• ভবেত্তস্য নাত্র **কা**র্য্যা বিচারণ**ঃ** ॥ তু ানে স্বগৃহে বা ত্রিকোণে বা যদা ভবেৎ। অপত্যস্য তদা নাশে?

কাযতে নাত্ৰ সংশয:।। শুভগুহো यन। তত্ত্ব কুরো বা যদি বেক্ষিত:। छना भूथगाभजामा नामा जवि নিশ্চিত । মৃত্যু স্থানে স্থিত: পা-(भा निमुत्याः सयस भिवा। जराजा নো হপম্ভুঃ স্যাদ্যজতো হপর্ভে ৎপিবা॥ শুভ গুহো যদা তত্ত্ৰ মুক্ত স্থানে হলি সংস্থিতঃ। তদা চ নরণ তস্য মৃত্যুস্থানে বিশেষতঃ ॥ 🕬 🐃 शुरेह र्यमा मृष्टेः मूखा वा मजू वी क তঃ। তদা তস্য শিরশেংদা ভূনিনা পরিকীর্ভিড:॥ এব॰ ক্রমেণ 👯 🐔 वाः गुरुजात मृतृष्किन। । वनावन বিচারেণ জাযতে চ শুভাশুভ ।। জ্যোতির্বিং সু চ সর্বেষু পরিহারঃ ক্তোময়া। শয়নাদিক ভাবেষু জ্ঞা-छवुरक्षाभरमण्डः ॥ এकानरण वा **म्भगानाय वा क्यानाय वा यमि वा** বিলগ্নে। পাপেন যুক্তো ন শ্ভগুছ শ্চেত্তথাপি সিদ্ধি মহজী বদন্তি॥ #॥कृतः यथा। मन्ताः शिख म्नी **চ** জाय**ত भ**यत्न नद्गः। 🕽 । উপবেশে ज्विह्नी भागमवर्ग ख्या नतः ॥ २ ॥ নেত্র পাণৌ ভবেৎ ক্রো জলদো-्रवा ভবেষর:। ৩। পুণ্যবান্ शर्मिक रैक्टब धनवाक्ट शुकामान ॥ ।। १। ग গনে ট রবে জাতঃ কৃপণো ধনসংযুতঃ

। वर्ष्णावी कभी काथी ल्काहिखः निर्माण्य ।। देश जन्न (ज्ञाका नीषु गाभी नीर्याय म् भवल्ल जः । मृदः श्री भाग मृनील क गमत्म हा ज्या नदः ।। उस मन्याक द्वाद क्रीडः थला नाम मन्यो ज्या क्रिका

जार का दार्श इस्ताम सम्मान बोर्ड :

हारित क्रक्या धनानिनः। भिता तागी पष्टम्मी कायर गमत विर्धी ।। देश नानामि में शाकाधी मम्मिनी ह ज्यक्तः। गमतिह विर्धे कार्जा धनशिता ज्येखमा। छ। माजाह धाः पिक्रम्भय ताक्षाण्या ज्येष्ट सना।

श्री कार कि मूनिकिल ॥ ५० ॥ निपूर्याः मक्तामी महार क्रिल भान ।
क्षा निका मुन्यों महार क्रिल भान ।
क्षा निका मुन्यों महार क्रिल भान ।
क्षा निका मुन्यों महार क्रिल कारण विका महार क्रिल सिनी ॥ ५२ ॥ इंडि
हम्मु महा। श्री श्री विवाद कर कारण विका वह कर क्रिल मार्थ के महार क्रिल कारण निका ।
प्रेम क्षा क्रिल कार्य के निका क्षा कि विक्रित ।
क्षा कार्य विक्रा । २ ॥ निका ।
क्षा कारण रिका कार्य कर कर ।

श्रा । । ।। श्रुकामान करत जारां भनवान शिखाः मुधीः । नाती ह मि गर उम्र भूषमा ह वित्मवनः ।। ।।। ।। गमत ह यहा जानः भूवामी निन्ध मृश्यिनः । मतीति ह स्वतिष्ठां के श्रा मित्र ह स्वतिष्ठां । १।। श्रुवामी गन् स्वतिः स्वति । । ।। श्रुवामी गन् स्वतिः स्वति । । जावाण सहा जारा थान वित्ति वस्त्रमहाः । ध्ववाण्य महा वित्ता वस्त्रमहाः । ध्ववाण्य महा श्रिका वस्त्रमहाः । ध्ववाण्य स्वति ।। १।।

अमा। अक्रहामा ভবেদ্বাপি খঞ্জো खर्वा नानाथा ॥ १ ॥ **উ**भर्वर**म** ह या बाजः भुवामी बायल धुत्। व-विजा खन भी यूका लोत्रवर्ला सङ्ग শয়: 11 ২ 11 নেত্ৰপাণী চ যো জাতঃ भीननामि कजादिकः। ठक्रांतानी विरमयः महार भूधनामी खरवसुवः ॥ ৩॥ পুকাশনে ভবেজ্জাতো রাজ পাৰো ধনান্বিতঃ। নানা ধনেন স युक्ता काय उ (वम भात्रभः ॥ ८॥ গমনে যো নয়ো জাতঃ পুৰাসী নিত্য দু:খিত:। শরীরে ক্ষত নাপ্নোতি নি छ। मृगी जरबह नः ॥ ७॥ या बाजा भगतिहायाः नम्भाति मुद्धे विखदः। खीवत्या पृष्ठे जार्यप्रक कामूरका वञ् ভाষकः ॥ ७ ॥ में जायां के वूर्ध काः তো মূর্থো ভবতি পণ্ডিত:। ধনবান্ शार्षिकरेक्टव हिद्रखागी ভবেৰু সঃ ।। १ ।। জুর: খালে। হতমুর্খ: পাপ भीला ভবেষরः। वृथम्यागमान नि-ভ্যা কাযতে চ নরাধনঃ।। ৮॥ ভো-ब्रान ह खरवट मोथ्र धनहीता छ-(वन्नद्रः। भवस्वि भुवाभी ह भाष গাত্ৰ ব্যথান্বিভঃ ॥ ৯॥ যো জাতো न् ठ। विश्वायाः धनवान् शिखः कविः । উৎ माही ह महाकृष्ट्री जूनिक मूर्य मच्चु ॥ २०॥ (को व्या व यहा जा-

(ठा ভবেৎ मर्व किन्युरः । खर्माः द्वागी मक्रयुर्का व्यानम् मम्रकः ॥ २२ ॥ निष्युर्का व्यानम् मम्रकः मर्वः प्रदेशक भावजाः । नाना द्वम भवाः व्याजि द्वाग म्याक रमं क्रयः ॥ २२॥ इंजि वृध्मर् ॥ श्वा द्वाक विष्ये । श्वा द्वाक व्याक विष्ये । श्वा द्वाक व्याक विषये । श्वी व्याक व्याक व्याक व्याक विषये । श्वी व्याक व्याक

मिष्द् ॥ ३॥ छिर्भावतम् खाता बालाः वञ्जावी ह द्यागवान्। भण्याजी मः হ।শিল্পী শ্লীপদী রোগ সংযুক্তঃ।।২।। নেত্ৰ পাণৌ গুৱে৷ জাতঃ কাশরোগী थनी ভবেশ। क्षांजामि क्षत्रांग निजुक জাযতে নাত্র সংশয়: 11 ৩ 11 ওরোঃ शुकारण धनवान् विक खर्श्य कर्जा दिजः। म्हा बाजाह भागी ह नाम ষর্ণো ৰুজাহ্বিতঃ ॥ ৪ ॥ সর্পভীতো गृज्कणां जारुजी गमतासूर्थ। शद विख्न धनवान् भूमान् खवि वाक् भारते।। ७।। खरतान्व भगतिहायाः জাতো ভবতি মানবঃ৷ শ্লী ধনী পু वाजी हरणवा कर्णान जरभातः॥ ७॥ বক্তা দাতা চ ধনবান্ রাজ সেবারি-তো নরঃ। শুলরোগী ভবেমিত্য স-ভাশা বাক্পতৌ স্থিতে ॥ १॥ খা-र्थिक छीर्थविद्यानी धनी हागम्यत 🤒 तिः। भन्ननात्त्रयु मः लूक्ता जायः

নাত্ৰ সংশ্যঃ ॥ ৮॥ ভোজনে বহু সৌখ্যাট্যো মাংসলুদ্রো নহাসুর:। কামুকঃ পূি্যবাক্যক কাযতে নাত্ৰ अ॰मयः॥ २॥ नृज्यिल्यः भावे। वा-ग्री धनवान् माजिक खथा। महरिष्य-র্য্য সংযুক্তো জীবস্য চ ভবেমরঃ।।১০।। কৌতুকে চ গুরো র্জাতো ধনবান ধা चिकः अमा । नृष्ठार भारी गर् मत्रा ज्निखि-नृथमकुछ ॥ ४॥ ক্রিদাযাঞ্চিব যো জাত শচক্ষুরোগী ভবের সঃ।ক্পণো বহুভাষী চ দুঃখি े जि जुमल मही।।। ३२।। है जि **स्राः** ।।#।। শুক্রস্য শযনে জাতো লম্পটে। बङ्ভावकः : प्रस्तानी महाकाशी ৰীচো ভবতি নিত্যশ: ॥ ১॥ উপ-বেশে তথা জাতো বলবান্ দাস্তিকঃ जमा। निञ्र भुवाजी द्वागी ह जाय-তে নীচ সংস্থিতে ॥ ২ ॥ নেত্রপানৌ ভূগো দু ক্ষী রোগ শোক সমন্বিতঃ। धनशीता महात्राणी गानवः नामः সংশযঃ॥ ৩॥ ভূগোঃ পুকাশনে জা তো विम्रा धन मगन्जिः। माजा ह थार्थिक रेम्छव कीर्खिमान् कायरछ नदः ॥।। मक्ति गर्भान बाजः भारगृत्व ৰুজাবিতঃ। নিত্যেৎসাহী মহাশি-ন্নী ভবেক্তীথ গতৌ রতঃ ॥ ৫॥ গম-**(नरहो यहा जारा जु**ङ्गार्**मा जर**्म

জ্ব•। মাতা চ ম্বিতে তস্য শৈ-**শবে ব্যাধি সংযুতঃ** ॥ ৬॥ সভাযা-ঞ্ ভূগো র্জাতো রাজপাত্রো নহাধ-নী৷ স্বল শীলো মহাদক্ষঃ কেবলং শুল রোগবান্।। ৭।। ভূগো রাগমনে बां ा मृः थि । वह न मि । महन রোগী পুঞ্জোকী জাযতে চ নরাধ-মঃ।। ৮।। শুক্রস্য ভোজনে জাতো वनवान् माञ्चिकः नमा । महाधनी ভবেমিত্য বাণিজ্যেন বিশেষতঃ 11 🎝 ।। যৌ জাতো নৃত্যলিপ্পাযা• স বা-জ্ঞী জাযতে ধুর•। পাণ্ডিত্য• কবি-**७। हिन वर्ष्का हिन कित्न ।। यक्ति** চৈব ভবেদ্বীচে মূর্থে। ভবতি নিশ্চ-य । जुक्क झारन विरम्धिय त्राज्ञ शा-ত্রো নহাধনী।। কামুকো বহুকান্ত-क शत्राविष् श्रियः जना। नाम वर्ग खथा मानी याद्धिका वञ्चायकः ॥ ১০॥ শুক্রস্য কৌতুকে জাতো ধন-বান্সাত্ত্বিঃ সদা। মহাহৃষ্টো মহা वकुः कोजूकी ह ज्वद नमा। वरू-পুএ दलवक नाना मृथ ममदिउः। নীতে ভদ্বিপরীতঃ স্যাৎ দুঃখ শোক ममन्त्रिः ॥ ১১ ॥ निष्नायाक ज्ला ৰ্জাতো ভবেদ্বোগী স নিশ্চিত। নি ত্যক্লেশী মহাদুঃখী জাযতে নাৰ স্ भयः। जायायाक मुख्यात यि निर्म

कृश्गा अंतर । उहा नर्ब विनाणः भाषिकूना भित्रकी खिंछः ॥ >२ ॥ इंडि मूकमु।।#।। **म**यत्न ह मान जी-তো লম্পটো বহুভাবক:। গুহু স্থানে ভৰেদ্ৰোগী কোষ বৃদ্ধিক জাযতে 🏻 नगार मधाईरम हिन भगन्यः न নৈশ্বর:। তদানিত্য প্রাসী স্যাছ क्कृयी ज्यतह मः ॥ ५॥ উপবেশে 🧸 मा जाउः भीभनी मक मःगुजः। হীনো ভবেন্তস্যপীড়া ভবতি 🔭 **णः** ॥२॥ (नवशाली यहा कारका म র্থো ভবতি পণ্ডিতঃ। ধনবান্ ধামি क रेफ्द षि ভार्य्या वर्ड ভाষतः॥०॥ প্রকাশনে চ যো জাতো রাজপাত্তো ख्रतह मः। नाना ख्रान ख्रान् था-শ্বিকঃ পণ্ডিতঃ শুচিঃ।। মতান্তরে। জাগাস্থানে চলগ্নেচ প্রকাশনে বদা मनिः। उपा मदं विनामः महास्त्रा **छि धुःरत्रा** खरव**खु**वः ॥ ८ ॥ गम्तन ह यमा জাত: পাদমূলে ক্জান্বিত:। তীর্গেচ পতিনামিত্য পুত্র দারৈ 🖁 বিবজ্জিতঃ।। ৫।। যো জাতো গননে-ছাবা শ্লীপদী রোগ সংযুতঃ। দন্তা ঘাতী মহাক্রোধী কৃপণা পর নিন্দ কঃ ॥ ৬ ॥ সভাষাঞ্চ শনৌ জাতঃ शूध मात्र थरेन ग्रां छः। সत्रव ल छ छ विक् नाना इड़ जनहिङ ॥ १॥

व्यागमरम यस बार्जा महारकारी कनाविजः। मर्भाषि ज्यः मः पर्धाः ভ্ৰাতৃনাশী ভবেজুক ৷৷ ৮ ৷৷ ভোজ-न हेन्द्र एग जारा गन्ता शि**न्ह गरा**-अभि अभितागी उथा म्ली हकू রোগী ভরে: সমাধো**জাতো** ्रिक्षण पुरुष्टका ५०% । उस्म कीवार प्राप्त भाग भागे भाग ि लेक्ट्रा विस्तान के भूतियाः । प्रात्स एक के प्रशास का स्वास्त्र का के उह है 😘 . 🦒 ए निरामाण भटन জাতো খনবান পণ্ডিতঃ প্িঃ। চ क्रांताभी भिज्म् के विकासी। वह পুএকঃ ৷৷ বিশেষভক্ষ ধমাং ক र्थाङ् छ कराइन । यनि देनवाख्डरव-ন্নিদা নাশে। ভষতি নিশ্চিত ।। वे-र्यनात्ना धर्मनानः कृधार्खा मुःथि **७:** मना । निज्य भुवामी खागी ह कार्यानामः भारत भारत ।। अभिव (भः (इ यर्ड वा कार्नु वा यग्रह भूनः। তদা সর্ব বিচার্য্যঞ্চ বৈপরীভ্যেন **हिन्छन•।। जायायाक मृ** ज्ञात यहि নিদু। ভবেৎ প্র:। তদা সর্হণ গৃত विमाबिक्ना भित्रकी खिछ। ॥ २ ॥ इंडि नातः ॥ 🕸 ॥ नगति 🛭 वनः द्वारहा कंद्र यम्। प्रति भूनः। जम्।

ল্লেশ্যে নহাদু:থা জাযতে চান সা ল্য: II > II উপৰেশে চ যো জাত: भीभरी वाग में कुछः। वस्रानि নঁরেন্দুস্য পীজা ভবতি নিত্যশঃ ॥ २॥ त्वलाती यमा बाज क तानी **अत्य**्राः विश्वतिक मः इंग्डीटि विकासी, "इंडॉवकः॥ आ, প্রাশনে চালে বাঁটো ধন্তুন পাতু व्यक्तिभूमा । ५७। भूतानी करें महो महिका शर्चिक मुहिश 8 भवान केल श्राजातक मोन व्यवेशी ं नक्कराः । मधायध्याः स्ट्राज्यां स शिष्ट्रकः १ इनिन्द्रकः १ ६ । एश जाः (डा गमरनहायाः वर्ष्णुः महायनः । প্ৰিতো ভণবান্দাতা জাযতে চ महताखनः॥७॥ गाविषि यमा का তঃ কৃপন্যে ধন সংযুক্ত:। নানী গুণেন গুণবান ধার্মিকঃ পাণ্ডিতঃ শুটিঃ।। বা আগমনে চ যো জাতো লাপটো বহু-ভাবकः। जूर्बस् विमानः नेप्रधाना (क्रमण्ड कायर**छ** ॥ ৮ ॥ (ভाরনে ह नशमूरके। मन्ताविक कवाविजः। ক্পণঃ কলছাট্যন্ট দুঃথিতো নিত্য সেবকঃ॥৯॥যো জাতো মৃত্যুলিপ্লা-যা॰ খঞ্জে। ভৰতি নান্যথা। পুগ্ৰনা শো ভবেন্ত্রন্য জায়া নাশো ভবে জুন ৷৷ ১০ ৷৷ ক্রেককে চ বদা স্থাতো

खेंगः मेर्सिः ममेन्निजः। नीनी शतन धनवाम् द्राज्ञत्यवाम् उट् शतः॥ यिनि रिस्वान्डरवन्त्रमी बग्ही वा कर्माष्ट्रम । उना भई रिवनती छा कायर छ न में **गै**यः॥>३॥ यो जाउने ब्राह्म निर्मेयो॰ ুংখিতঃ সৰ্বত তথা। নানা স্থানে का वाभि धन भूध विविक्तिंगः॥ क्षा या**क मू**ञ्छात यहि निमा दि-খুড়ব**্র তদা সর্ব• বৈপরীত্য লভ**-ार अवदिजः॥ ५२॥ नाना नाजः 'সম্ভাক্ত ক্রিয়তে গুছ সংগ্রহ:। वनादन विहादिश युक्ता मक्षिखरयषु-थः ॥ ३७ गुरागाः भवनामि कामभ ভাব বিবেক: সমাপ্ত:।ইতি জাতরত্ন: काक्षेत्रमीशका । कक्षा वय उन्नामि দ্বাদশ ভাবাঃ। তে চ নর্মণাণ জন্ম-नगाविक बारण ञानानि। यथान नामर्थाः उन् कनार् नम्मार विकः **স্টুম•** ততো বিক্রান্তি• সহজ• তৃতী্য **ভবনে যোধ<del>ঞ্চ স</del>ঞ্চিন্ত**যেত। বন্ধু: বা ছ সুথালযানপি ততো ধী মন্ত্ৰ পুঞা ন্ততঃ ষষ্ঠে হথ ক্ষত বিবিয়ৌ মদ গৃহে কান দ্বিয় বতা চ।। রক্তাযু ম্ তযো **২**ষ্টমে গুৰুতপো ভাগ্যানি চিত্তম্ভ-ভো মানাজ্ঞাম্পদ কর্মণা দশম ভে अर्थाख्य निष्ठनः । भारतियावय চিন্তবেক্তব গৃহে কল্পেতৃ সঞ্জিব্যযৌ

সৌম্য স্বামি যুতীক্ষণৈ কপচ্য স্তে-वा॰ क्वि सुगुथा।। ইতি দ্বাদশ ভাব বিবেকঃ।। 🗯 ॥ অরাতি বুণবোঃ ষষ্ঠে हा द्वेरम ग्जुर ब कुरयाः। व रयम प्रकारम স্থানে বৈপরীত্যেন চিন্তন ।। অরা-ত্যাদি ভাবাপবাদঃ॥ #॥ অথ উ বাদি ছাদশ ভাবস্থ গুহু ফল।। লগ্নে সূর্য্যে १ किরোগী শশিনি বলমুতে। ৰূপবান্ বিত্তযুক্তো ভৌনে ব্যঙ্গ: সু বাণ্মী শশধর তন্যে সর্ব শাস্তার্থ বেক্তা। জীবে দাতা পবিত্র: সুকবি রথ গতে ভার্গবে মণ্ডলেশঃ শৌরৌ ক-ণ্ডুতি গাত্ৰ স্তমসি চ নিয়ত বঞ্চিতো ध्याशिनः॥ ।।। विख्तिकं रेচव রোগী সতত গদযুতো রাত্রিনাথে ধনাচ্যো ভৌনে বিত্যু পুৱাসী কৃষি সূত ধন-वान (मामभ्या भुधानः। कीरव नमी भुरमानी विवमित ज्खा मिर्निजः बीनिक्छः भोत्रो मीना १७नि ভ্য- ভমসি চ নিযত চৌ রিকা বিভ भीवी ॥ २॥ जाउर्वराकं मधर्माः म ভবতি নিয়ত ভাতৃহা রাত্রিনাথে হিংসো ভৌমে হনুজানাং সপদি বং ধকরে। ভূমিকা বৃক্তিজীৰী। সৌমেঃ সত্যস্য হন্তা ভবতি সুরঞ্রৌ কাম দেব ৰ্ক্পঃ শৃক্তে রাজ্যাধিকারী র-विक मनुकरगाञ्जा ज्रहायनाष्ट्राशाशा

यार्क वाक्षी मृदृःथी बङ्गन शतिवृद्धः भी उरगो जानूरता गी (जोरम ज्याम-বাসী ভবতি শশিসুতে ভ্ৰাতৃপুতা বিতো হপি। জীবে রত্নোপভোগী विषमदिशृथाती मर्दामोधादिका রী সৌরৌ গেহে নিবাসী ভবতি 🕶 भित्रिली मन्दक्यां बरहनः ॥ ८ ।. ् भू अस्य राज निर्देश राजी भ्रथम मूज-हेजः नि इताली मूल्या साम ান্যান্যান্য ভবতি ধরণিজে পুঞ্ (माकान्नला श्रमो । (मोरम्) मूर्यः मूर्पा अपूर्व थनयरका राज्य मु পুত্র: কন্যাযুক্তো হি শুকে রবিধ मनुबाराः भूध (भोरेध विशे नः ॥ ৫॥ যথে থকে শত্ৰন্তা রিপুগণ র-हिंउः की निहत्तु गंजायुः भूर्ग मञ्ब इन्राच्छवि ध्विभिष्य श्रीन परश হতিদীন: ৷ সৌনে শাস্তার্থ যুক্ত স্ত্রিদশপতি গুরৌ রাজ্য সৌথ্যোপ-ভোগী দৈত্যাচার্য্যে ২তিরোগী র-विक मन्कर्याः भाभ जूडिंग मूःशी ॥ ৬॥ পত্ন্যা মর্কেচ জাবা পতি রতি বিমুখী শীতরশ্মৌ সুপুঞ: সুস্থো ভ্-যাররো ংসৌ ভবতি ধরণিজে হীন ভाग्रम् नृनः। (मोत्मर मूडः मूलक ব্রিদশ পতি গুরৌ শান্তবেরা শতা-युः मूर्क गुञ्जूरमाभी विविक मनुबार्य।

शैन ভार्याण न्नः॥ १॥ न्रा চার্কে সুমৃত্যু ভ্রতি চ নিযত শীত রশ্মৌ গতাযু ভূগেঃ পুত্রে সুরোগী भगवत जनस्य भृषाद्वाभी विक बीत जीर्थ क का एंचे ता किया का शर्मिक खीर्थाणः ्रेजो (जोरः अही গতাযু ভৰতি বিধুরিপৌ ভেষ্টে गडायुः ॥ ৮ ॥ ार्स ठार्त्यः सह श्यो विविध धर्यू भी उली शु गुक्या वस्त्रीवाः अनुप्रकृतः वविक् थतं गिरक रमविच अक्षी । भीरम थर्माः जूनीन जिएलालि अता हो खबुष्यः मूरुषाः मूक्क डीर्थान्द्राभी द विक प्रवृक्ताः भाभनीतः मुर्श्यो।। ১॥ কর্মণ্যকে পুতাপী পুচুর ধনযুতঃ न्नीभरी कादम्ष्टिः साम (न्नया-দ্বিতো হসৌ বিবিধ ধনযুতো ভূমি **জে বন্ধু হীনঃ। নিত্যোৎ সাহী চ** সৌ ন্যে পুচুর ধন্যুতে। দেবপ্জ্যে ২ভি. मानी दिवाजीला १ श मूक नृश्ं সাধনঃ সৌরি দৈত্যে সুখী চা। ১০।। আবে চার্কে নরো হসৌ পিতৃধন मृहि उः भी उत्भी हाकभीता (को भ निच्छ अरता भ भभवत जनता भ ৰ্বন কেবেণ্জঃ। জীবে জিনান্পু দাতা করি তুরণপতি ভান্বে শাস্ত্র विका भूबी तक्षा दियुएका त्राविक भन्छ

(याः क्त्रकर्मा ऋहनः।। >)।। अर्वि স'স্থে ব্যয়ে হসৌ পুর ধন রহিত: जर्दतागी गृहुःथी (नाम (थमाहि-ভাখ্যনী ভবতি ধরণিজে দৃতেরক্তো विव्धः। भोम्य ध्यार्थकादी मिन-কর বহিতে দেবপুজ্যে ২ভিমানী भूटः वाजानुतानी त्रविकरन्हरमाः क्षुत्रक्या **ज्रहनः॥ ३२॥ ইতি জ্যा** रि उक्षाक्षा र्जानाः योवनकारन দ্ভ জাষ্টাবি**-শত্যলন্ধারান্তর্গতা**-क्ष प्राथनानकातः। यथा। योवस मजुका खामा मश्चाविःमञि मःथ्ऽ-কাঃ। অলঙ্কারা তত্ত্র ভাব হাব হে-লা জ্বো হঙ্গুজাঃ।। তত্ত্ৰ ভাবঃ। নি-রিকারাত্মকে চিত্তে ভাবঃপুথম বি-ক্রিযা। জন্মতঃ পুভৃতি নির্বিকারে ননসি উদুদ্ধ নাভো বিকারো ভাবঃ । যথা। সএব সুরভি: কাল: সএব मनयानिनः। रेगत्वय मदना किस মনো হন্যবিব দৃশ্যতে ॥ ইতি সা-श्ठिरर्भाग ज्ञीय भारतिहरः॥ #॥ ভাবস্য वक्षनान्द्रः यथा। मंत्रीद्र-न्त्रिय वर्गम् । विकाजानाः विदायकाः । ভাবা বিভাব জনিতা শ্চিত্ত দৃত্তব ল রভাঃ।। প্রাণে নাট্যশান্তে চ ছ-গোন্ত রতি ভাবধোঃ। সমানার্থ ত या हाब ध्य रेपर्लान बक्तारा ॥ ॥

ভগৰ ভাৰে। যথা। শুদ্ধসত্ত্ব বিশেষ। वा(भूम न्तां भू माराजाक्। कि छि कि इ नान्ग्रक्रामी छाव উচ্চ তে।। ইতি ভজিরদানৃত**দি**কুঃ।।#॥ প্রেক্তি নানদ্বিকার রূপ ভাবস্য दिवत्र १॰ यथा । त्र काः अबु उत्मा म-যশ্চিত্তবিকারে। ভাবঃ। চিত্তবৃত্তি বিশেৰো ভাৰ ইত্যন্যে অতএৰ ন নোবিকারো রভ্যাদি ভাব উক্ত:। ভাবয়তি করোতি রসান্ ভাবঃ অন্ । তথাচ ভরত:। नानाভिनय সম্বন্ধাन् ভাবগন্তি রসানিমান্। यञ्चान्त्रमाः मभी ভাষা বিজ্ঞেষা নাটকোক্তিষু।। ভাবাক্ষ ত্রিবিখাঃ স্থায়িনো ব্যভি চারিণঃ সাজ্বিকাশ্চ। তত্র স্থাবিনো বথা। রতি হাসক্ষ শোকক্ষক্রোবে। ৩-সাহৌ ভয়ন্তথা। জুগুপ্পা বিষয় শেচ-তি স্থায়িভাবাঃ পুনীৰ্ভিতাঃ ॥ ব্য ভিচারিণো यथा। নির্বেদ শ্লানি শঙ্কা-था खवामृहा मह जुमाः। जानमा रिकाद,रिहन इक हिंचा (नारका धृजिः স্তিঃ। বীডা চপলতা হর্য সাবে-গো জড**তা তথা।** ভরে। বিষাদ ঔৎ-সুক্য নিদাপমার এবচ। সংগ্রা বি-বোধো মর্য\*চাপ্যবহ্নিতা নহোগুতা ॥ **নতি** ব্যাবি তথোলাদ তথা দর্শ **भित्रा वाम रेम्ब्य विक्रकं क लिएउन्** 

ভাবতঃ বি ভবগীয়ঃ। শত্রস্ত ভবৎ শব্দাংশ্পুভ্যুব নিয়মঃ। ইতি সি জাতকৌনুদী॥

ভाব ८ कः वि ভ वभीयः । ভব ८ मिषा ८ ठेक भुज्य निष्क्रमः । इंडि निष्का छ दन वृभी ।। यथा । ভाব ८ कः मृश्चेव ८ स्व जनमा स्वि मू की विजः । इंडि ভ जिन्न थिन मर्गः ॥

ভাবন শ্লী ভব্য । চাল্ভা ইতি ভাষা। ইতি রাজনিঘণ্টঃ।।ভাবনা । ইতি থেদিনী।।

कावना दी ही शानः॥ शर्यप्राचाः हः॥ अव्यवाननः। इंडि सिमिनी ॥ क्षाः दिविता कावना यथा। जि

বিধা ভালতা বিপু বিশ্বনেভমিনো-धवा वृद्धाया क्या म छा ह उथा চৈবোভয়াগ্মিক।। বুন্ধ ভাবাগ্নি-কাছেকা কুৰ্ম ভাবাত্মিকা পর।। উভযাত্মিকা তথৈবান্যা ত্রিবিধা ভাব ভাবনা।। সনন্দ্নাদ্যো বুক্ষ ভাব ভাবনগা যুকাং। কর্ম ভাবন-या जात्ना (मवार्गाः ञ्चावता सहताः ৷৷ হিরণ্য গর্ত্তাদিষু চ বুক্ষকর্মাজ্যি-কা দ্বিধা। বোধাধিকার যুক্তে যু বি: দ্যুতে ভাব ভাবনা।। ইতি বিষ্ণু 'পুরাণেও অণ্**শে ৭ অধ্যা**যঃ॥ 🕸 ॥ ত্রিবিধ ভাবনাশুন জীবাত্মকত্মাত্ত-দুপচারেণ ত্রিবিধা ভাবনেত্যুচ্যুতে । এত দ্বি হরে: স্থা কপ। অতঃ-পর ৰূপ পৃাধ্যুপাযত্বাৎ তত্র পু-থন ননঃ সদ্ধার্য্য নিতি ভাবঃ। ভাবন' নাম জ্ঞান বিশেষজা বাস ন। তা॰ ত্রিবিধা মপি সংজ্ঞান। দিশতি নুন্ধাখ্যেতি। তা মেব বি· ষ্য বৈবিধ্যেন বিবিনক্তি নুন্ধ ভা-বনীব্যিকেতি। ভাব ভাবনা ভা त्वा वस् ठिविषण जावना जिनिज्य। তত্র বর্গ বুলৈব ভাবধানঃ । নহা करेगांव ज्ञाः। वयञ्च छय जिनमनूम भवा है। जुन बिविना लावना । ञानना युकान् जीवा हुत स्तरिष्ठ अ

नन्तनामय इंजि हाज्या । इंजि छ-जोका ॥

ভাববৃত্তঃ পুণ্ বুন্ধা। ভাবঃ সৃষ্টিঃ তত্ৰ বৃত্তঃ পুৰ্তঃ। ইতি সন্ধ্যাব্যা খ্যাযা মৃতিঃ॥

ভাববোধকঃ প্ অনুভাবঃ। ইত্যমরঃ ।। ভাবস্য রত্যাদে বোধকঃ
স্চকো গুণ ক্রিয়াদি রনুভাবঃ ।
অনুভাব্যতে পুতীতি যোগ্যতা॰
নীযতে রত্যাদি রনেনেতি অনুভাবঃ লোবঃ ষঞ্। তত্র রতে রনুভাবাঃ লোচনচাতুর্য্য ভুফেপাদ্যঃ। হাসস্যচ
কপোলাসঞ্চনা নাসোৎ ফুলনাদযো প্রুভাবা এব্যন্যভান্যভব্যং।
কিয়াভাবাননুভাব্যতীতি অন অনুভাবো নুখরাগাদিঃ। ইতি তটীকাষাণ ভরতঃ।।

ভাবাটঃ পু॰ ভাবকঃ।। সাধুঃ।। নিবেশঃ।। কামুকঃ।। নটঃ। ইতি মেদিনী॥

ভাবানুগা ১ ন্ত্রী ছাযা। ইতিক্লাজ-ভাবালীনা ১ নির্ঘণ্টঃ ॥

ভাবিতঃ ত্রি বানিতঃ ॥ পুাপ্তঃ ।
ইতি নেনিনী ॥ শুদ্ধঃ ॥ চিন্তিতঃ ॥
নিশ্ভিঃ । ভূক শুদ্ধি চিন্তবো নিশুণে চ ইত্যমাৎ ঞ্যন্তাৎক্তপুত্যব
নিয়নো হয়ণ ॥

ভাবিত্র• ক্লী তৈলোক্য:। স্বর্গমর্ত্য-পাতাল:। ইভূগাদিকোম:॥

ভাবিনী জী জীবিশেষ:। ইত্যার:

।। ভাব: শৃঙ্গারচেষ্টাবিশেষে। বি

দ্যতে ২ স্যা: ভাবিনী। ইতি তড়ী
কাষা ভরত: ।। জীমাত্র । ইতি
রাজনির্ঘণ্ট: ।। বর্ত্রমানপুগণভাব
প্রিযোগিনী চ।।

ভাবী তি ভবিষ্যৎকাল:। বর্ত্তমানপুগণভাবপুতিযোগ্যুৎপত্তিক: ।
যথা।বি,র পুতিপদানাম তব ভাবী
মহোৎসব:। ইতি কার্ত্তিক শৃত্তপুতিপদমধিকৃত্য বলিং পুতি ভগবদ্বাক্যং। ইতি তিথ্যাদিতত্ত্বং।।

ভাবুক প্লী নঙ্গল । তছতি ত্রি। ইত্যমর:॥

ভাবুক: পু॰ নাট্যোক্তৌ ভণিনীপতিঃ। ইতিহেগচন্দুঃ।। রসবিশেষ
ভাবনাচত্রঃ। ইতি প্রথমানী।
যথা। নিগম কল্লভারা গলিত॰ ফ
লৃ॰ শুক মুথাদম্ভ দুব সংযুত॰।
পিবত ভাগবত॰ রসনালয়॰ মুছ
র.হারসিকা ভূবি ভাবুকাঃ।। ইতি
প্রিভাগবতে ১ ফল্লে ৩ শ্লোকঃ।।
ভাবুকঃ তি ভবনাশুয়ঃ। ভবতি যঃ।

ইতি কর্ত্তরি ভূখাতো ঞ্ক পুত্য

(१व नियमः॥ नम् भनि । भूयाक

স্ল শুভগাচ্য শদোপপদ ভূধা-তো রভ্ততভাবাথে কর্ত্তরিবাচ্যে থুকঞ পুত্যথেন লম্মাবৃক ইত্যা-দি নিয়মঞ্যা

खाताः क्षी खतमाखित्रवरः। इति ख्वाता त्रतमाञ्चातार्थं जात या। भुजात्म निष्ठमः। यथा। वित्युग मुक्ति। जाताः। हिन मुक्ति। ताकताः॥ भूत्यागरम्नां कर्जः ति ह जब वि। यथा। क्ष्रमा कर्ताः नाखि रिन्दाविष्ठित कर्याः। जातीः जातमाः यद्धाताः जब वृक्षाभाताः थकः॥ इति कानिकाभृतातः ०৮ ख्यायः॥

ভाষ अ उ वाहि। ইতি কবিকল 
क्रमः ॥ उ ভাষতে। अ অবীভষৎ

অবভাষৎ। ইতি ভট্টীকাষা দুর্গা
দাস:॥

ভাষণ ক্লী কথন ৷ যথা ৷ সংলাপো-ভাষণ মিথঃ ৷ ইত্যমর: ৷৷

ভाষা जी जाणिगीविष्णयः। इंडि ह्वायुषः ॥ वाक्राः॥ वाष्युवडा। ज्भागिः। वाक्षी २ ভावडी ० गीः ९ वाक् ६ वागी ७ मत्रस्ठी १ व्याहातः ৮ উক্তি: ৯ वाशि ३ २०। ভাষিত ১১ वहन ১२ वहः ১०। इंडिश्वः॥ द्यारण वहत् । शूर्व

সপ্তক•বাগধিক্তাযা•দেবতাযাঞ্। ইতি তউীকাষা ভরতঃ ক্লোশান্ত্রী-যাষ্টাদশ ভাষা যথা। সংস্তা > প্রা-क् जार उरी ही अस्ता हो । अगग-ধী ৫ নিশু দ্ধিনাগধী ৬ শকাভীরী ৭ শ্ৰন্তী ৮ দাবিডী ৯ ওট্ৰীয়া ১০ পা শ্চাত্যা ১১ পাচ্যা ১২ বাছিকা ১৩ রম্ভিকা ১৪ দাক্ষিণান্ত্যা ১৫ গৈশাচী ১৬ जावडी ১१ रमोत्ररमनी अर । अ তাস। वक्रांगामार्त्रगानि भाक्छ-न्त्रियंत्र वृशक्तरा मुश्चवृशनि ॥ 🗱 ॥ অথ ভাষাবিভাগঃ। পুৰুষাণা ননী-**हाना॰ म॰क् ७॰ म**्राट क्छाञानाः। (मोत्रासनी भुर्याक्रवरा जाम्मीनाक যোষিতা ।। আসা মেব তু গাথান্ত महाताष्ट्री शुर्याक्षरय । অত্याक्ता भागथी ভाষा রাজান্তঃপুরচারিণা।।। চেটানা রাজপুলাণা শেষ্টেনাঞা-क्रिनागथी। शाह्या विम्यकानीनाः ध् র্ত্তানা॰ স্যাদ্বন্তিকা ৷৷ যোধ নাগরি-कामीना माक्किणां इ मीवाजा। मलात्राणां भकाशीनाः भाकातीः नः भूरवाडरवट ॥ वाङ्गोक ভाষा हिन्ता-ना॰ दुरविकी द्विकादिय। आजीतियू उथा छोती हा खानी भूक्रमा दियू। जाः ভারী শাবরী চাপি কাষ্ঠপত্রোপ-की विषु ॥ जरेथवाकात्रकात्रारहोरेन-

শাচী স্যাৎ পিশাচবাক্। চেটীনা मभानीहानामि माट (भोतरमिन का॥ वालानाः व अकानाक नीव गुर বিচারিণা । উম্বস্তানা নাতুরাণা সৈব স্যাৎ সংস্কৃত কৃচিৎ।। ঐশ্ব-র্য্যেণ পুনত্তস্য দারিদ্যোপস্তস্য চ । जिक्कृ यद्वधारीना श्राक्छ अ भू-याज्ञयथ् ॥ मःक् ठः मःभ्रुरगक्तवा निक्निगेष्डगाम् छ। प्रवी मिल्रमु তা বেশ্যাম্বপি কৈশ্চিত্তথোদিত ॥ যদেশ• নীচ পাত্রস্ত তদেশ• ভস্য ভাষিত । कार्य्य (कार्डमाधीना কার্য্যো ভাষা বিপর্য্যয়ঃ ৷৷ যোষিৎ স্থা বাল বেশ্যা কিত্রাপ্রর্মাণ তথা।বৈদশ্ব্যার্থ পুদাতব্য সংস্কৃত্ত-काष्ट्रताष्ट्रता ॥ এया गुमारुत्रनान्ता-ক্রেষ্ বোদ্ধব্যানি। ভাষালক্ষণানি ভাষাৰ্ণবে। ইতি সাহিত্যদৰ্শণে ৬ भित्रहिमः ॥ अ ॥ ज्य ज्या भामः। তত্ৰ ভাষা স্বৰূপ নাহতুঃ কাত্যায়-न व्रुष्णाञी । পুञिक्ता (ताम निमू-ক্ত• সাধ্য• সৎকারণাব্রিত । নিশ্চি-ত লোক সিদ্ধঞ্চ পক্ষ পক্ষবিদো বিদুঃ ॥ স্বল্লাকরঃ পুভূতাথো নিঃ जिन्हा विज्ञाञ्चलः । विद्यावि का-রণৈ মুক্তো বিরোধি প্রতিরোধকঃ ।। यमा (चुव विषः शकः कथिकः

भूर्वतारिना। एए।। खट भक्क नम्ब পুতিবাদী তদোত্তর ॥ পুতিজ্ঞা সাধ্যাভিধাবিকা বাক্। তস্যা দো रिषः भत्रम्भत विक्षार्थ भरामि छि ख्यकः नाध्यः माध्यार्शाख्यकः **প** ক্ষ• বিদুঃ। অন্যথা পুতিক্তা দোষেণ भाष्र (माषः भाषा **अउ**अत्वाकः। ব্চন্দ্য পুতিজ্ঞাত্ব তদর্থস্য চ প ক্ষতা। অসঙ্করেণ বক্তব্যে ব্যবহা-রেষু বাদিভিঃ ॥ বক্তব্যে পক্ষ পুতি ত্তে পূর্বোক্তে। নারদেনাপি। সারস্ত ব্যবহারাণা• পুতিক্তা সমুদাঙ্ভা । **छक्षा**रने शिया वाती उत्र खानू ख রো ভবেৎ।। উত্তরো বিজয়ী। यहऽ-প্যন্যত্র সাধ্য তদিশিষ্ট ধর্মাধ্যা পক্ষ ইতি ভেদ: তথাপ্যত্র বাক্ भुजार्गर्गाति धर्मविष्णय विशिष्ठेज-যা ধৰ্মি:গা ২ধনৰ্ণ প্ৰদৈ রেব সাধ্য-ত্বাৎ সাধ্য পক্ষযো রভেদাভিধান ৷ উপসংহারে চএব বিধঃপক্ষ ইতি । মিতাক্ষরাযান্ত । ভাষা পুতিজ্ঞা পক্ষ ইতি নার্থান্তর মিত্যুক্ত• ভাষা-র্থ মৃক্ত্বা ভাষা স্বরূপ পুপঞ্চ মাহ খলাকর ইতি। নিরাস্বলঃ পৌরা श्रद्ध दिशय्वासामि स्नुः। ७व । मूर-তে চ ব্যবহারে চ পুরুতে যক্ত ক-र्यात। यानि शमा जुप्तानीनाः कर्जा

তানি ন পশ্যতি॥ ইতি গৃহা সংগৃহ वहनामूमामीरनर्जा जावा (भाष-(यट ॥ 🕸 ॥ उत्हासनमारु तृहला-जिः। न्।नाधिक· भूर्वभकः जावहामी विभाष्यः। न मम्रामूखत्रः यावर পুত্रथी मञ्ज मित्रि॥ 🕸॥ उल्लि-थन भुकात मारु व्यामः। भाखल-(थन कनाक ज्योग वा अथम नि-থেং! শুগুনাধিকন্ত সংশোধ্য পশ্চাৎ পত্रে निविषयि ॥ क्वक काशिष পউক ৷ কাত্যায়নঃ ৷ পূর্বপক্ষ স্ব-ভাবোক্ত প্রান্থিবাফো হথলেথবেৎ । পাণ্ডুলেখেন ফলকে ততঃ পত্রে-२ जिल्ले थरय ।। भाषायय भूर्वभ-ক্ষন্ত যাবন্ধোত্তর দর্শন। উত্তরেণা-বক্দান্য নিবৃত্ত শোধন ভবেৎ ॥ অন্যদুক্ত• লিখেমে। ২ন্যদর্থি পুত্য-র্থিনা• বচঃ। চৌরবছাসযেব্তত্ত ধা-র্মিকঃ পৃথিবীপতিঃ 🛭 স্বভাবোক্ত মকৃত্রিম । এত হ স্বর বিশেষাদিনা मुख्छियः। অতএব या छ्वनुः। हलः नित्रमः ज्ञन वादशात्रां सर्यम्भः। ভূতনপ্যনুপন্যস্ত হীযতে ব্যবহার-তঃ।। ভূত ত ভুগর্থ সম্বন্ধ । নারদং। ভূত• তত্ত্বার্থ সম্বন্ধ: পুনাদাভিহি-ত ছল। কিন্তু রাজ্ঞা বিশেষেণ **यथर्ग मिलतक उ**। । मनुष्ठ हिन्न देव-

চিত্র্যাৎ পরীক্ষা সাধুসাধু বা। अविश्वर्थ विवासियु वाक्ছालनाव-जीमिडि।। পश्जी ज्म्रामात मा (मा) २ भाषां व शियु । मार्बव्य दिवादिय भुग्नामा जिथात २ शि ना-বসীদতি। অত্যোদাহরণ পণ্ডন্ত্রী<sup>.</sup> ज्याहि। अर्थ विवाह गुरुगासन्यः ক্ত বিবাদেষু পুনাদাভিধানে পু-ক্তাৰ্থা দপ্যথাদ্ধীয়ত ইতি গম্য-তে। যথাহ্মনেন শির্সি পাদেন তাডিতঃ ইত্যভিধায় কেবল হ ত্তেন তাডিতঃ ইতি বদম কেবল• দণ্ড্যঃ পরাজীযতে চ। ততক্ষ বৃ মহ্যুণ ধার্যসি মত্ত ঋণত্বেন গৃ-হীত তাবন্ধনকত্মাদিতি ভাষা শ রীর । এতঃ স স্ত দেশভাষা ন্যতরেণ যথাবোধ বক্তব্য লেখ্য বা। মূর্থানামপি বাদি পুতিবা-দিতা দর্শনাৎ। অতএবাধ্যাপনে পি তথোক্ত॰ বিষ্ণু ধর্মোত্তরে। न क्रिंड: शुक्रि वीकि। यं: निष् ननुक्शाउः। (मनाजायाम्।भारियम् (वायराय म खकः मृजः ॥ इंजि वऽ বহারতভু•।।

ভাষাপরিছেদঃ পু॰ বিশ্বনাথন্যায় পঞ্চাননকৃত ন্যায়পরিভাষাগুল্পঃ। ভাষ্যায়নাদ্যশোকঃ। নৃতনজলধ- রক্চযে গোপবগূটী দুক্লটোরায়।
তামে নম: ক্ঞায় সংসার নহীকহস্য বীজায়।। তস্যায়নন্ত্য শ্লোকঃ
। সোহয় ক ইতি বুদ্ধিন্ত সাজাত্য
নবলমতে। তদেবৌষধ মিত্যাদৌ
সজাতীয়ে হপি দশনাৎ।। অন্য
টীকা সিদ্ধান্তমুক্তাবলী।।

ভাষাপাদঃ পু• চত্মাদ্যবহারান্ত-ৰ্গত পুথমপাদঃ। তস্য লক্ষণ যথা । অর্থ বন্ধর্ম সংযুক্ত পরিপূর্ণ ননা-क्ल । সাধ্যবদ্বাচক পদ । পুকৃতা-र्थान्विक छ ॥ शुनिक मविकक्ष নিশ্চিত সাধন ক্ষম । সংক্ষিত্ত निथिवार्थक (मण कावा विद्राधि ह ॥ বর্ষ ব্রু মাস পক্ষাহে। বেল। দেশ भुरिक वट । ज्ञानावमय माध्रा-খ্যা জাত্যাকার বয়ে। যুত্।। সাধ্য পুনাণ সংখ্যা বদাত্ম পুত্যৰ্থি নান চ। পরাত্ম পূর্বজানেক রাজ নাম-ভিরক্ষিত ।। ক্ষমা লিক্ষাত্ম পী-**ডाव** कथिज। इर्ज् नायक । यन। বেদযতে রাজ্ঞে ভদ্ডাবেত্যভিধী যতে।। ইতি মিতাক্ষরাযাণ ব্যব-হারাধ্যায়ঃ।। অস্য বিবরণ ভাষা नाय मुष्ठेवाः ॥

ভাষিত ল্লী বচন । ইত্যমরঃ॥

কথিতে ত্রি ৷৷

ভান্ধরে

ভাষ্য ক্লী চ্নি:।ইতি স্বানী ॥ সূত্র

বিবরণগুন্থ:। তস্য লক্ষণ । সূত্রাথো বর্ণ্যতে যত্র পদৈ: সূত্রানুসারিভি:। স্বপদানি চ বর্ণ্যন্তে ভাষ্য ও
ভাষ্যবিদো বিদুং॥ইতি লিঙ্গাদি
সংগ্রহ টীকাষা ওরতঃ ॥ সূত্রোভার্থপুপঞ্চক ।ইতি হেমচনদুং॥
গৃহবিশেষঃ।ইতি মাধ্বীতি মথুরেশঃ॥ কথনীয়ে ত্রি ॥

ভाষ্যকার: পু॰ মহাভাষ্যকর্ত্তামূনি:
। তৎপর্য্যায:।গোনদ্যি য: ২ পতঞ্জিল: ০ চূর্ণিকৃৎ ৪। ইতি ত্রিকাণ্ডশেষ:।। অহঞ্চ ভাষ্যকারণ্ট জশাপ্রীয় বিয়া বুভৌ। নৈব শব্দাদু
ধ্য: পারণ কিমন্যে জডবুদ্ধয়:।।
ইতি দুর্গসিংহ:।।

ভাস ঋ উ ভাসি। দীপ্তৌ। ইতি কবিকল্পদ্দঃ। ঋ অবীভসৎ অব-ভাসৎ। উ ভাসতে। ইতি দুর্গা-দাসঃ।

ভাস্ স্ত্রী পুভা। অস্যশব্দ স্থ পূথ নান্তর্কণ ভাঃ। ইত্যনরঃ॥ নযু-খঃ। ইতি নেদিনী॥ ইছা। ইতি ধরণিঃ॥

ভাস: পু॰ দীপ্তি:।। গোধ্ব ।। স্কুটি:
।। গৃধু:। ইতি বিশ্ব:।। স্বনামখ্যাত
পক্ষিবিশেষ:। তৎপর্য্যায়ঃ। শ

ब्रुः २। ইতি ह्मिन्मुः ॥
ভाসः क्री मीछः। ইতি দ্বিন্দকোষः
ভाসতঃ পৃ• স্র্যঃ ॥ हन्मुः। ইত্য
गामिकायः ॥ ভাসপক্ষী। ইতি
সেদিনী ॥ নক্ষত্র•। ইতি হেন্চন্দুঃ
ভাসতঃ ত্রি সুন্দরোকারঃ। ইতি
মেদিনী ॥
ভাসতী ত্রী নক্ষত্র•। ইত্যুগাদিকোষঃ
ভাসুঃ পৃ• স্র্যঃ। ইতি ত্রিকাগু-

ভাস্র॰ क्ली **अ**रष्ठीयथ॰। ইতি अटी-श्रदः॥

(नियः॥

ভাসুরঃ পু• স্কটিক:। ইতি ত্রিকাণ্ড-শেষ: ।। বীর:। ইতি ধ্রণি:।। ক-র্ত্তরি ঘুর পুত্যুয় নিম্নমত্ত্বেন দীপ্তি-যুক্তে ত্রি।।

ভাসুরপুষ্ণা জ্রী বৃশ্চিকালী। ইতি রাজনির্ঘণ্টঃ।।

ভाকর॰ ক্লী সুবর্ণ। ইতি রাজনির্ঘণ্টঃ ভাকরঃ পু॰ সূর্য্যঃ ॥ অগ্নিঃ। ইতি মেদিনী ॥ বীরঃ। ইতি ধরণিঃ ॥ অক্রৃক্ষঃ। ইতি রাজনির্ঘণ্টঃ ॥ ভা-ক্ষরাচার্য্যঃ। স চ সিজান্তশিরোম-ণ্যাদি জ্যোতিগুত্বকর্ত্তা।।

ভাস্করপিয়া পু পদারাগনণিঃ।
চনি ইতি ভাষা। ইতি কেচিৎ ।।
ভাস্করেষ্টা স্ত্রী সাদিত্যভক্তা। ইতি

ब्राजनिर्घण्टः ॥

जान्नतः क्ली ज्याक्षीयथः। ইতি भेषः हिन्दुका ॥

ভाষतः পू॰ দिन । ইতি রাজনির্ঘণ্টঃ
।। স্র্য্যঃ । ইতি কেচিৎ ।। দীপ্তিযুক্তে ত্রি।ইতিমুগ্ধবোধব্যাকরণ ।।
ভাষান পু॰ স্র্য্যঃ ।। অর্ক্রক্ষঃ । ইত্যমরঃ ।। দীপ্তিঃ । ইতি হেমচন্দুঃ ।।
বীরঃ । ইতি মেদিনী ।। দীপ্তি বিশিপ্তে ত্রি ।।

ভিঞ্চঃ ) পু• ভিঞা ক্ষুপঃ। ইতি ভিঞ্চঃ ) রাজনির্ঘণ্টঃ॥

ভিন্তা স্ত্রী ক্ষুপবিশেষ:। ভিন্তী
ইতি থ্যাতা। তৎপর্য্যায:। ভিন্তি
শ্বীতক: ২ ভিন্তঃ ৩ ভিন্তক: ৪
ক্ষেত্রসম্ভব:৫ চত্রুদ: ৬ চত্:পুণ্ডঃ
৭ সুশাক: ৮ অসুপত্রক: ৯ কর-পর্য: ১০ ব্রবীজ: ১১। অস্যাহণাঃ
। অমুরসত্ব:। উষ্ণত্ব:। গ্রাহিত্ব:।
কচিকরত্বশ্ব। ইতি রাজনির্ঘট:।।
ভিন্তীতক: পুণ ভিন্তা বৃক্ষঃ। ইতি

ভিত্ত ক্লী খণ্ড । ইত্যমর: ॥
ভিত্তি: জ্রী গৃহাদেন্ দিষ্টকাদিনদী
বৃত্তি: । ফ্রাথ ইতি দেশাল ইতি
ভিত্ত ইতিচ খ্যাতা। তৎ পর্যায়:
। ক্ডা ২ ৷ ইত্যমর: ॥ ভিত্তিকা

त्राजनिर्घणः॥

০ সভ্য । ৪ সভ্যক । ইতি শব-রত্নাবলী ।। পুভেদঃ ।। সমিভাগঃ ।৷ অবকাশঃ। ইতি বিশ্বঃ ।। পুদে-শঃ। ইতি শব্দরত্নাবলী ।।

ভিত্তিকা দ্রী হ্বড্য । ইতি শন্রত্নবল্যা পল্লী। ইতি হেমচন্দুঃ।।
ভিত্তিচৌরঃ প্রু চৌরবিশেষঃ ।
শিদালচোর ইতি ভাষা। তৎপর্য্যায়ঃ। খানিনঃ ২ ক্ড্যছিৎ ৩।
ইতি শন্বত্নাবলী।।

ভিত্তিপাতনঃ পু॰ মহাম্যক:। ইতি রাজনির্ঘটঃ।।

ভিৎঁ জ্রী পুভেদ: । ইতি জটাধর: ।। ভেদকর্ত্তরি ত্রি।।

जिम इंत्र खे ध्वध जिमि । इंडि किविक् मुक्ताः ।! जिथ्यिक् विष्य कृष्यः मात्राः । ध्वध जिमित्त जित्य कृष्यः मित्री । श्वे जिल्ला । इत्र व्यक्तियः व्यक्तियः । इति मूर्गामानः ।। जिमकः क्षी वृष्यः ।। थात्र भूः। इत्रु-गामिरकायः ।।

ভিদা জ্রী বজ্রাদেবিদারণ । 'চেরা ইতি ভাষা। তৎপর্য্যায়ঃ। বিদরঃ ২ য়ৣটন ০ ৷ ইত্যানরঃ। ধন্যাক । ইতি শব্দ ন্ত্রিকা। ভেদঃ। যথা। প্রাযশ্চিত্রস্য পূর্বাহ্ন কৃত্য বাল্য । ভিদা তথা। ইতি পুষ্যশ্ভিত্ত্রণ। ভিন্ন

ভিদিঃ পু॰ বজু॰।ইতি দিৰপ (कार्यः ॥ ভিদির· क्षी বজু·। ইত্যনরটীকার্যা• ভরতঃ ত্রিকাণ্ডশেষশ্চ॥ ভিদু: পু বজু। ইতি ত্রিকাওশেষঃ॥ ভিদুর ক্লী বজু । ইত্যমর: ॥ প্লক व्रक्ष भू । इंजि द्राजनिर्घणः॥ **ভि**দ্যঃ श्रु॰ नरः। ইতি *ছেমচन्*द्रः युषरवाध वताकत्रवश्च ॥ ভিদুঃ পু ল্লী ব্জু। ইতি ত্রিকাও रमयः উगाहित्कायम ॥ **ि**न्तिभाषः भु• रुख्युमानकाखः। नानिकाञ्ज गिठि थ्याउ । ইতি ভরত: ।। হন্তক্ষেপ্যলগুড়:। ইতি भागी ॥ जद्भर्यप्रायः। मृगः २। ইত্যমর:॥

ভিন্ন: ত্রি ভেদবিশিষ্টঃ। ভাঙ্গাইতি
ভাষা। তৎপর্য্যায়ঃ। দারিতঃ ২
ভেদিতঃ ৩। ইত্যমরঃ॥বিদারিতঃ
৪। ইতি শব্দরত্নাবলী॥ সঙ্গ তঃ॥
অন্যঃ।। ফুল্লঃ। ইতি মেদিনী॥
ক্ষভরোগবিশেষঃ। তল্লক্ষণ যথা।
শক্তি সন্তেষু খন্নাগু বিষাণৈ রাশ
যোহতঃ। যৎ কিঞ্চিৎ পুসুবেত্তজি
ভিন্ন নিত্যভিধীবতে॥ আশ্বঃ
কোষ্ঠঃ।। ভল্যোব্য ব্যথা। ছিন্নে
ভিন্নে তথা বিজে ক্ষতে বাস্গতি

मुप्दर। त्रकक्षां खंब कडाः करतां जि भवत्ना ज्म ।। (सङ्गान भर्ती (यक लिशा॰ खखाशनाइन । इवी उ য়েহ বস্তিঞ্চ মাৰু তয়ে বিধি ভিষক।। খ্যাদি ছিন্ন গাত্রন্য তৎকাল পূ-রিতো বুণঃ । গাঙ্গেৰুকী মূলরসৈঃ निष्ठः न्याप्त्र उत्तनः ॥ क्याय नथु-ताः भी जाः कियाः **म**र्ताः भूरयाज-यट । मर्तिरावनांनाः मधाहाट **भ**-"চাৎ প্রোক্ত মাচরেৎ।! আমা-. भगरङ् क्षितं विष्धााष्ट्रगन नदः। **७ मिन् भक्षाम** गर्छ जू गृङ्गीया स বিরেচন ।। ক্বাথো ব শত্বগের ও শ্ব-দ•ষ্ট্রাম্মভিদা কৃতঃ। হিন্তু সৈদ্ধব न वुकः (काष्ठ्र नाव्यम्म् ॥ यव काल अल्यानाः निः। त्रस्टन तरमः ন চ। ভূঞ্জীতাম• যবাগৃ• বা পিবেৎ সৈন্ধব সংযুতা ।। জাতী নিম্ব প-টোল পত कर्टूका मादी निमा मा-রিবা মঞ্জিষ্ঠাভ্য তিক্ত তুত্থ মধুকৈ र्नकाञ्च वीरिकः गरेगः। गर्लिः निष गतन मृत्र वहना मर्यान्जाः माविः ণো গম্ভীরাঃ সৰুজো বুণাঃ সগতি-কাঃশুদ্ধ্যন্তি রোহন্তি চা। বৃদ্ধ বৈ-(म sा পদেশেন পারম্পর্য্যোপদেশতঃ । জাতী ষৃতে তু স•সিদ্ধে (केश्वर)• निक्थकः वृरेधः ॥ बाजामिष्ठः ।

ভিনকঃ পাং বিদ্যান বিনাধিকঃ
ক্পণোলা বিবাদ্ধিঃ
ক্পণোলা বিবাদ্ধিঃ
ক্পণোলা বিবাদ্ধিঃ
ক্লিনানিকা জী ককটা। ইভি
শক্চিন্দ্ৰা।।
ভিন্তিমালা পুং চণকঃ। ইভিশক্
চিন্দ্ৰা।।
ভিন্তানিকা প্ৰাণ্ডিদক্কঃ

। ইতি ভাবপুকাশ: ।। ভিন্নার্থক: ত্রি অন্য: । ইত্যমর: ॥ ভিয়া স্ত্রী ভয়ণ । ইতি হেমচন্দু: ॥ ভিরিণ্টিকা স্ত্রী শ্বেতগুঞ্জা। ইতি রাজনির্ঘণ্ট: ॥

जिल्लः भू॰ (सहकाजिविष्णयः। जील हेंजि जाया। यथा। माला जिल्लाः कित्राजाण मर्खिण सह जाजयः। हेंजि एहमहन्मुः॥ ज्यिन । त्रक्रक ण्यामात्रण मरी। वर्क वर ह। किवर्ज स्मार जिल्लाण मरिश्त ज्या हें।। मह बुान्सन कन्याया॰ जीव-प्राच्छाजः। यथा। भूलिन्स स्मार जिल्लाण भूला। मह्मण थावकः। जनमार भ्राला। मह्मण थावकः। जनमार श्रावकः। विल्लाण भ्राला। मह्मण थावकः। जनमार वा ना ग्रज्या ইউ পরাশরপদ্ধতি: ।। ভিল্লগরী স্ত্রী গ্রথী।ইভিরাজ-নির্ঘণ্ট: ।।

ভিন্নতকঃ পু• লোধুঃ।ইতিরাজ নির্ঘটঃ॥

ভিল্লী স্ত্রী লোধু:।ইতিরাজনির্ঘণ্টঃ।। ভিষ ক্যাবে। সৌত্রধাতুর্বং। ইতি কবিকল্পদমঃ।। ভিষক্ ভেষজং। ইতিদুর্গাদাসঃ॥

ভিষক্ श्रु॰ रिवम्यः। ইত্যন্রः॥ দ-ে গুনীযভিষম্বথা। অক্তাতৌষধি স-ব্ৰস্ত যশ্চ ব্যাধে রতত্ত্ববিৎ। রো-गि**च्डा २र्थ• ममा**मरख म म्खु শ্চৌরবন্দিষক্ ৷৷ ইতি জ্যোতিস্ত-ৰু• ॥ তস্যান্নস্যাভোজ্যব্ব• যথা। শুদান বান্ধণো ভুক্তা তথা রহা-বতারিণ:। চিকিৎসকস্য ক্রস্য তथा जी मृगैकी,विना ।। (मोखि-কান্ন• স্তিকান্ন• ভৃক্তা মাস• বুতী ভবেৎ।বুতী যাবকেন। তত্ৰ ধেনু-हरा। इंडि शायिक दित्वः॥ व्यिति। भ्यक्षिकि एन कम्याम भू कनाउम मिन्तियः। विशा वाकु-ষিকস্যান শত্রবিক্রযিণো মল ।। ইতিমানবে ৪ অধ্যায়ঃ।।

ভিষক্পুিয়া স্ত্রী ওড়্চী। ইতি রাজ। নির্ঘণীঃ।। ভিষণ্ডিত নী ঔষধ । ইতি ত্রিকা ॥
ওদেশ ।।
ভিষণ্ড লি ভদুদন্তিকা। ইতি রাজনির্ঘণ্টঃ ॥
ভিষণ্ডাতা জী বাসক: । ইতি রাজনির্ঘণ্টঃ ॥
ভিস্কটা জী দক্ষাম । ইত্যনর: ॥
অস্য কপান্তর । ভিস্কিটা। ভিমিন্টা। ভিমিন্টা জী দক্ষাম । ইত্যনর টাকা
ভিম্নিটা জী দক্ষাম । ইত্যনর টাকা
সারসুন্দরী।।

ভিক্ষ ড লাভার্থ লোভোক্তি ক্লিশি।
ইতি কবিকল্পদ্ধন: ।। অর্থো বাচন
।লোভাদুক্তি লোভোক্তি: । ড ভিক্ষতে ভ্নিং নৃপাৎ পণ্ডিত: । লভত ইত্যর্থ: । ভিক্ষতে দাভার
ধনং ভিক্ষু: । বাচত ইত্যর্থ: । ভিক্ষতে দাভারং দীন: লোভান্বদতী
ত্যর্থ: । ভিক্ষতে জন: ক্লিশ্যতীত্যর্থ: । ইতি দুর্গাদাস: ।।
ভিক্ষা কী লোভায়ন: । চাপ্রা

जिक्का जी नाजगाहन । हा खग इंडि माना इंडि ह जामा। छ८ शर्यप्रायः। याद्धा २ व्यर्थना २ व्यक्तना ४। इंडिज्यसः । श्रार्थन ६ याहना ७ । इंडिज्यस्त्रावनी॥ (भवा॥ ज्िः

। ইতি नानार्थ जनतः ॥ ভिक्किज-वस्त्र। इंडि (निहिन्।। 🛪 🛭 छेशनी ভদ্য ভিক্ষা বিধি যথা। ভিক্ষা মা-হৃত্য **শিপ্তানা• গৃহেভ্যঃ পু**যভো ৽নু-रः। निर्वर् खत्राव श्लीयाद्वाञ्च उपनुक्तरा ॥ जव८ भूर्वभात्रीक्षक নৃপবীতো দিলোভন:। ভবমধ্যন্ত ताबत्ना रिक्तिश्च ज्वमूखत्रः॥ मा তর বা স্বসার বা মাতু রা ভগিনী নিজা । ভিক্ষেত ভিক্ষা পুথন यारिन॰ नावमानय्य ॥ जजाञीय शृष्ट्याय मार्बवर्णिक स्मय वा । रेज-ক্ষস্যাচরণ প্রোক্ত পতিতাদি বি-বৰ্জিত।।বেদযক্তৈ রহীনানাণ পুশ-खानाः स्वर्णम्। तुक्कारार्ग्राहरद्रोखः ক্ষ• গৃহেভ্যঃ পুরতো ২ বৃহ• ।। গুরোঃ ঙ্গলে ন ভিক্ষেত ন জ্ঞাতি হলে বন্ধুষ । व्यवारक व्यवशासानाः भूर्वः भूर्वः विवर्जाय ॥ मर्बषाति हातर्गामः भ्र्बिकानाममञ्ज्ञत । नियम् भ्रुय-তো वाह॰ मिनञ्जनवरनाकयन्।। नः नाङ्ड। जू उरेक्षकः यावमर्थ ननाय-যা। ভুঞ্জীত পুষতো নিভ্যুণ বাঞ্চতা হনন্য নানসঃ।। ভৈক্ষেণ বক্তয়ন্ত্ৰি-**७**५ रेन कामारी ভবেषु की। रें बरक्त বৃতিনো বৃত্তি ৰূপবাস সনা সূতা !! ইতি ক্মপ্রাণে উপরিভাগে ১২

व्यक्षायः ॥ 🕸 ॥ जायः भाउ छि कार्टना जाता यथा। कात्रयिद्वा जू कर्यानि काकम्भागामदक्षर्य । मा यः भाज ग्रंह षात्रान् जिकार्थः नावघष्णस्य ॥ इंछि ठेविव २० व्यथ्रायः ॥ 🗱 ॥ ना जिविधा यथा । হন্তকার নথাগু বা ভিক্ষা বা শক্তিতো দ্বিজঃ । দদ্যাদ্তিথ্যে নিত্য বন্ধৈত পরমেশ্র ।। ভি का गाङ् गुनि गाउ मगुडमाह 'তুর্গণ'। পুষল' হস্তকারান্ত' ভচ্চতু র্গুণ মূচ্যতে ৷৷ গোদোহ মাত্র• কা-ल रेव भुजीक मिर्जिशः स्रम । ज ভ্যাগতান্ যথা শক্তি পূজ্যেদতি-थि॰ यथा ॥ जिक्रा॰ देव जिक्राद मन्डा वि थिवषु आ ठातिरा । मन्डाम-ম• যথা শক্তি ত্বৰ্থিভেগ লোভ ব-জিতঃ।। সর্বেধা মপ্যলাভে তু অন্ন• भारन्त्रा नित्तुम्स्य । इं ि उरेवन ३१ व्यथ्रायः ॥

ভিক্ষাকঃ পু॰ ভিক্ষুকঃ। ইতি সি-শ্বান্তকৌমুধী।।

ভিক্ষানী জী ভিক্ষ্কী।ইতি মুধ্ব-বোধব্যাক্রণ।।

ভক্তা হৈ পূ' স্থী ভিক্ষক:। ইতি সিদ্ধান্তকোলু ।।

कार्रेन की जिक्कार्थमनन। यथा।

অর্জ দানববৈরিণা গিরিজ্যাপ্যর্জ হরস্যান্তত দেবেল্থ জগতীতলে মারহরাভাবঃ সমুমীলতি।
গঙ্গা বারিধি মম্বর শশিকলা নাগাধিপঃ স্থাতল সর্বজ্র মধীশরত্ব মগন এবা নাঞ্চ ভিক্ষাটন ।।
ইত্যুক্তটঃ ।।

जिक्रामिष् की रेशमून्य देखि हातावनी।।

ভিক্ষাশী ত্রি ভিক্ষুকঃ। ইত্যুগাদি-কোষঃ।। যথা। ভিক্ষাশী বিচরে-দ্তুমেণ বনৈয় যদি ন জীবতি। ইতি প্রাযশ্চিত্তবিবেকঃ।।

गुाम माण्यर। अनुमङ महिष्ड कार भाषाह्य नाठि विकिछः॥ রহিতে ভিক্ষ্কৈ গামে যাতা মাত্র মলোলুপঃ। ভবেৎ পরমহ সো বা वकम् श्री यमापि कृष्या। निष्कारयान स्थान (पर गम्जव मिरान्य, याट। যোগ মভাসা নিতভুক্ পরাং সিদ্ধি म्बान् यार ॥ माजाजिथिनिर्या क्कानी गृशी भुष्कि १ शि मूहारा । ইতি गाबए ১०० वधायः॥ 🛊 ॥ অপিচ। চতুর্থ শ্চাশুমো ভিক্ষোঃ প্রোচ্যতে যে। মনীবিভি:। তস্যস্ব-ৰূপ• গদভো ননশ্ৰোতু• নৃপার্হাস॥ পুত্র দুব্য কলত্ত্রেষ্ ত্যক্ত সেহো নরা-विश । ठजूर्थ मामुम आमः गाहमि क्ष् उ मर्मद्रः ॥ विवर्गिकाः स्ट्राहर সর্বা নারম্ভানবনীপতে। মিত্রাদিযু न्यारेनवः नग्रख्या कछम्॥ बद्राः युका ७का भीना॰ नाज्यनः कर्मा छिः क् हिट्। युकः बही उनामाई नर्वन क्रा क्र वर्जरग्र ।। এ इताब क्रि जि পূর্যনে পঞ্চরাত্র স্থিতিঃ পুরে। তথা ভিঙেদথা পুীতি র্দ্বেষা বা নাস্য **জायउ।। পু। गाञा निभिज्ध व**ऽ-স্থারে ভূতবজ্জনে। কালে পুশস্ত বৰ্ণানা॰ ভিক্ষাৰ্থে পৰ্য্যটেদ্গৃ**হা**ন্।। কানঃকোধ তথা দর্প নোহ লোভা-

मयक्षा जा ख (मायान् भविठ)-का भित्रवादिषांमा उत्र ॥ जन्य সর্ব সত্ত্বেড্যা দত্ত্বা ব শ্বরতে মুনিঃ । ন তস্য সর্ম ভ্রেভ্যো ভয় মৃৎ প-দ্যতে ক্বচিৎ ॥ ক্রাগ্নিহোত্র• স্বশ-রীর স•ছ• শারীর মগ্রিঞ্চ মৃথে জু-रशि । विशु ख रेडिकाभगरेड ई বিভি শিতাগ্নিশ স বুজতিম লো-कान्।। (भाषाभूभ॰ यं महत्राज य-(थाक म्हि: मूमक ब्रंड वृष्टि यु-ক্তিঃ। অনিকান জ্যোতি রিব পুশা। ন্ত স বুন্ধলোক শুয়তি দিলাতি: ॥ ইতি বিকুপ্রাণে ত অংশে ১ व्यथायः ॥ 🗱 ॥ तुक्ताजनः । इजि बिंग वर ।। भावनी क्ष्भः। इंडि রাজনির্ঘণ্ট:।। কোকিলাক্ষ:। ইতি ভাবপুকাল: 11

जिक्कृकः भू खी जिक्काभिकी ।।
जः भर्यप्रायः। मार्गगः २ याहनकः ०
वनीयकः ८ याहकः ৫। ইতি कहीध्राः॥ व्यथी ७। ইত্যময়ः॥
जिक्कृमः घाषी खी ही वয়॰। ইতি
হেমहन्मुः॥
जी ঞিল ভীত্যা॰। ইতি কবি-

ভা নকাল ভাত্যা । হাত কাব । কল্পদমঃ ।। ঞি ভীতো হস্তি । লি; বিভেতি। ইতি দুর্গাদাসঃ ।। ভী গণি ভ্ত্যাঞ্চ। ইতি কবিকল্প सनः।। ग जीनोजि। गि जिनाजि। जीनः जीनः। गिरेनव क्यापिष् निष्को ग गुरुषः श्वापिष् विकन्नार्थः हकात्राध जीक्यांश्वः। इंजि पूर्गा प्राप्तः।।

ভীঃ জ্রী ভ্রণ। ইত্যমর: ॥ ভীত• ক্লী ভ্রণ ম ভ্রযুক্তে ত্রি॥ ইতি মেদিনী॥.

ভীতিঃ দ্রী ভষ•। ইত্যমরঃ।। কম্পঃ • । ইতি বিশ্বঃ।।

ভীন তি ভগহেত্:। তৎপর্য্যায়:। ভৈরব ২ দাকণ ০ ভীষণ ৪ ভীষ্ম ৫ ঘোর ৬ ভগান ফ ৭ ভযক্ষর ৮ পুতি ভয় ১। ইত্যাব:।।

जीमः भुः ज्ञ्यानकत्र मः। यथा। ज्ञ्यानका ज्यक्षायिज्ञादः कालाधिरेप्त्र का खी नी ह भुक्जिः कृष्मा
म ज खबु विमात्र देशः। इज्यम् मेने
कायाः जत्र । मितः ॥ मध्रमभा खतः ॥ जन्न विज्ञ । इजि सरिनी ॥ महारम्य मा हेम् व्यक्ति जामा
म ज्ञ्या नगः। इजि जिथ्या मित्र ज्ञ्या

ভीমनाषः शृ मिः इः। ইতি भय-्रेन्युका॥

ভীনর্থ: পু: তাম্দননুব:শ্জাতা-

मूत्रविष्णवः । म ह क्र्यंकिशा इ-तिना इडः । यथा । इतिना क्र्यंक-(अन इटा जीमत्राथा श्मृतः ॥ इंडि गाकाफ गयामाहात्वा ४७ व्यक्षायः ॥

जीनतथी जी जनानानवङ्गिविष्णयः । যথা। সপ্ত সপ্ততিকে বর্ষে সপ্তমে गानि मधनी। त्रावि जे मत्रथी নাম নরাণা দুরতিক্রমা ॥ ইতি শব্মালা॥ অপিচ। সপ্ত সপ্ততি वर्षाणा॰ मक्षम भाजि मक्षमी। द्रा-ত্রি ভীমরথী নাম নরাণা মতি দু-ন্তরা।। তা মতীত্য নরো যো ২সৌ দিনানি যানি জীবতি। কতৃভি স্তানি ভ্ল্যানি সুবৰ্ণ শত দক্ষিণঃ ॥ गिजिः शुपकितः विस्था जीवनः মন্ত্ৰ ভাষণ । ধ্যান নিদা সুধা চা म जीनत्रथाः कल मु.जिः॥ इंडि रिवन्त्रकः ॥ अ।। निरीए जनः। यथा। মলাপহাভীমরথী চ ঘউগা পথ্যা ह क्का जन माम्या खेंगः। इंडि রাজনির্ঘণ্টঃ ॥

ভীনবিকান্তঃ পু• সি·ছ•। ইভি ত্রিকাণ্ডশেষঃ ॥ ভ্যানকবিকন-বিশিষ্টে ত্রি ॥

ভीনশাসনঃ পু॰ यगः। ইতি শদ-রত্নাবলী॥

जीगरमनः भू॰ मध्यभाखवः। म जू वरीगां अवनाष्ट्रा ७:। ७८ भ र्यु। यः। जीमः २ वीव्रावनुः २ द्रामः .. দরঃ ৪ বক্জিৎ ৫ কীচক্জিৎ ৬ किमी बिंड १ बबामस्डिट ৮ हि ডि प्र जिए २ करें दुनः २० नागवनः ১১ **ও**ণাকর: ১২। ইতি শব্দরত্না বলী।। তস্য জন্ম বিবরণ যথা। ধাৰ্মিক স্ত: সূত: লক্বা পাণ্ডু স্তা: পून ब्रव्वी । शुः इः काव वन कार्ष्ठः वलरकार्ष्ठः मूजः वृत् ।। **उ**ज স্তথোক্তা ভব্ৰা তুবাযু নেবাজুহাব সা। তমাজ্জজে মহাবাহু ভী মো ভীন পরাক্রম: ৷৷ তম্প্যতি বল• জাত বাভবাচাশরীরিণী। সর্বে-ষা• বলিনা• শুেষ্ঠো জাতো ২য মি-তি ভারত।। ইদমত্যভূত ঞ্চাসী ब्हाउगाव व्रकानतः । यनकार পতিতো মাতু: শিলা•গাৰৈ রচ্ণ-য়ং ॥ সভী ব্যাঘু ভয়োদিশ্ব। স্ত্ সোৎপতিতা কিল। নানুবৃষ্য উত সৃপ্ত মৃৎসঙ্গে যে বৃকোদর :.. বজু স•হননঃ সো ২থ জনারো ন্যপত-

। পভতা তেন শতধা শিলা গাবৈ বিচ্নিতা।।ইতি মহাভার-তে আদিপর্বনি পাগুবোৎপত্তি-নামাধ্যায়ঃ।। ৠ।। কপ্রভেদঃ। যথা। পোতাসো ভীমদেন স্তদ্নু শিতকর: শক্ষরাবাস সংজ্ঞ: পাং-শৃং পিঞ্জো প্রসার স্তদ্নু হিনযুত। বালুকা জুটিকা চ। পশ্চাদস্যা স্থান যার স্তনুপরি সহিন্য: শীতলাং প্রকাথ্যা কপ্রস্থোতি ভেদা গু রস মহসা বৈসদৃশ্যেন দ্শানাঃ। ইতি রাজনির্ঘটাঃ।

ভীনহাস প্লী ইন্দুত্ল । বুভিরস্ভ ইতি ভাষা। ইতি শব্রহাবলী। গ্রীমহাসমপি পাঠঃ।।

जीरनकारणी जी रेजगी। मा ए गा।
णूर्वकारणी। जीलवारणी द्वारणी
जा ह। यथा। मट्मर उँदाह। भूता
तथल्लात करम्म भतिभूक्षी महाजाना।
नन्दत्र हा महारूदः भिगाकी दुन्नगी

बर ।। व्यक्तावाह । कथ भारताग्र भिषर्यं। सन्त मनात्रभव । सामन छ-भगा (मव ভবেমোকো १थ वा नृगां ।। किम्ब्राङ मयास्य ५८ शुनामा-দধোক্ষজ। স্বল্পকেনাপি তপসা ন-इट कल भिरहाहार ॥ भटमा छे বাচ ৷ ইতি পৃষ্ট: স বিখাত্মা বুন্ধণা লোক ভাবন:। উমাপতি ক্বাচেদ মনসঃ প্রীতিকারক ॥ ঈশ্বরউবাচ । অমাদৃথন্তরাৎ কল্লাৎ ত্রযোবি भे-তিমো যদা। বারাছো ভবিতা কল্প ন্তস্য মনুন্তরে শুভে।। বৈবশ্বতাখ্যে স•কাতে সপ্তনে সপ্তলোক ধৃক্। দ্বी-পর থ্যে যুগণ ভিমান্ সপ্তবিংশতি-भ उमा।। उन्हार न गहानी ला वामुप्तरवा कनार्षनः। ভाরাবভর-পাৰ্থায় ত্ৰিধা বিষ্ণু ভবিষ্যতি।। দৈ भायता मूनि उद्यापृश्चित्या २थ (कणदः। कः माहि हर्भ मथनः (कण-वः भाक नामनः ॥ भूत्री हात्रवजी नाम जाम्जुङ या बन्धनी। दिव्य ৰুভাব সংযুক্তা মধিবাসায শার্কিণঃ ॥ पृष्टी ममा ज्ञया तुक्रम् कतियाजि জগৎপতেঃ। তস্যা কদাচিদাসীনঃ नजाया गमिजमुजिः ॥ जायग्रहिः ৰ্ ঞ্জি: সাৰ্দ্ধ ভূভ্ডি ভূরি দক্ষি रैनः। अस् 🤊 (मंदगक्तरियं त्रिक्किः

किव्छार्पनः ॥ अुवृङामु भुदानीयू **ধর্ম স**য়ন্ধিনীযুচ। কথাস্ভীমসে-त्न পরিপৃষ্টঃ পুতাপবান্ ॥ दुरा भृष्ठेमः धर्ममः त्रक्मः मामः (७५-क्८ । ভবিতা স তদা वुक्षन् कर्खा रेव्व वृत्कारतः॥ श्रुवर्त्तका २ म ८ धर्म-न्। भाषुमृन् यंश्वतः। यमः छी-ক্ষে ব্কো নাম জঠরে হব্যবাহনঃ।। गया पदः म धर्माद्या एउन हारमे वृत्कारतः। অতीवामारभीलकः नाः পাযুত বলো নহান।। ভবিষ্যত্যজরঃ माक्षां कन्मर्भ इव वृष्टिमान्। था-র্মিকস্যাপ্যশক্তস্যতীব্রাগ্নিভাদুপো-ষণে।। ইন• বুত মশেষাণা• বুতানা মধিক যতঃ। কথ্যিষ্যতি বিশ্বা ज्या वाजूपरवा जगद्धकः॥ जामव य-क्छ कलम मानवाच विनामन । अ-শেষ দৃষ্ট শনন মশেষ সুর প্রনে।। शविजाना शविज्ञं मक्नानाक म-হ্বল । ভবিষ্যঞ্চ ভবিষ্যাণা পুরা-शानाः श्रुताञ्चः ॥ वात्रुत्मव **उवा**ह। यम् द्वेनी ठलुर्जना । बाम्मी वृष् छा-রত। অন্যেশ্বপি দিনর্কেষু ন শব্জ ন্তুনপোষিতৃ ॥ ততঃ পুণ্যা মিমা। জীনভিথি পাপ পুণাশিনী। উ-পে, ত বিধিনানেন গছেছিফোঃ প-तः भवः॥ स्वस्यान्य स्थानी यका

শুল্লা ভবেত্তন। ঘৃতেনাভ্যঞ্জন ক্রা **िलः गानः मभा**ठात्र ॥ **अरथ** विकाम जार्ड। निमाना नाताय गाय है। क्-काव नारही मः भूका निदः मर्शायाः নেতি চ ৷৷ বৈঙ্গগায়েতি বৈকণ্ঠ নুরঃ প্রীবৎসধারিণে। শব্ধিনে চক্রিণে **७** इम्न हित्न वहाराय देव ॥ मर्ख नाद्राः यगरेनातः मः शृज्या वाह्वः क्रमाट । দানোদরাযেভুগের • নেটু • পঞ্শরা-यरित ॥ छेक स्मो जागानाथाय कानुनी **ज्** उथा दिए। नःमा नी नाय रेव करहू. भारती विश्वमृरक भूनः ॥ नरमा रहरेवऽ नमः भारेखा नमा वरिका नमः भिरेय । नमः भूरिष्ठा नम खरिष्ठा व्रिष्ठा श्रिष्ठा তथा निरेष ॥ नत्या विव्यनाथाय বাযুবেগায় পক্ষিণে। বিষ পুনাথিনে সংপ্জ্য গোবিন্দ মুমাপতি বিনায-को। गरेक्क मारिका ख्या ध्रेल छ रिक नीना विरेष खथा।। गरवान भगना मिका॰ कृभदा मथ वायुजः। भर्लिया সহ ভুক্তাচ গল্বা শতপদ ব্ধঃ৷৷ন্য **प्**राधनरञ्जस्यन यथ वा श्राम्तिः वृश्रः। गृशीदा शावायक्या नाहायः शास्त्र-<u>ध्</u>यथः ॥ तुरा८ भारखनी• क्द्रा सक्ता भेज निष्ण बादी। नत्मा नादायगात्म তি ত্বান্ত্ শরণ গভঃ॥এলাদশ্যা• 🛚

নিরাহার: সম্ভুর্চ্য চ কেশব । রা-ত্রিঞ্চ সকলা ছিত্বা স্থানঞ্চ প্রথসা-शि **ह।। म**र्शिवा विश्वहरून ख्वा वा-ऋग भूक्रिः। मरहर भूख्त्रीकाक बाम्भाराः क्षीत (ভाजनः ॥ कतिवरा-মি যতাত্মাহ• নির্বি<u>দ্</u>রেনাস্ত **ত** দে। এবমুক্ত্ব। স্বপেড্যুমাবিতিহাস কথা• পুনঃ ॥ #॥ শুদ্ধা পুভাতে সংজাতে नही॰ गद्मा विशास्त्राखा । ज्ञानः कृद्मा মৃদা তদ্ধ পাষ্ণানভিবৰ্জ্যেৎ ॥ **উপাम्य म**क्त्याः विधिवट कृष्या ह পিত্ তর্পণ । পুণম্য চ হ্বীকেশ गननकाभारनीयतः॥ ग्रमा भूतः তো ভক্ত্যা মণ্ডশ॰ কারণেদুধং। দ-**म इस नथा**छी वा कतान् अर्याहि-শাস্পতে ।। চতুর্হন্তা শুভা স্বা (वरी मित्रिनिम्सन। हजूर्ड **भुना**पक বিন্যদেত্তত্র তোরণ ॥ আরোপ্য **কলস॰ তত্র দিক্পালান্ পূ**জ্যেৰ্ভঃ । नाम नाज्यन मः भूनं नथः क्काजि-নে স্থিত: ।। তস্য ধারাঞ্চ শির**সা** ধার্যেৎ সকলা নিশা। ধারাভি ভূরিভি ভূরি ফল বেদবিদে৷ বিদুঃ ॥ रखाउमार जकामुक्र शाता शार्याः ম্ব **শ**ক্তিতঃ ৷ তথৈব বিফোঃ শির**নি** की तथाताः भुगा उत्यथा। जत्रिमा-ত্ৰ জণ্ড ক্ৰাত্ত তি **নেখল** ৷

यानि रेकुक उ॰ क्इ। वास्तीन र्यव ज्ञिनी ॥ जिनाः क विकृ देनवरेजा র্ম স্ত্রেকাণ্নি বন্তদা। কৃত্বা চ বৈ कव नग्रक् हक शाकीत न गुज ॥ नियावार्क भूमाना देव धाता मालामा भाजरम् । जनऋग्रान् महावीत्र ञ्चाभिष्या बरयाम्म ॥ ज्येक नीना विरिध यूकान् मिछवरिख तनस्ठान् । যুতানৌডুষরৈ: পাত্রৈ: পঞ্রর স-মবিতান্।। চতুৰ্ভি ৰিস্থৈ হোম স্তৰ कार्य उन्मार्थः। बमुकान कर् र्ভिक यजुर्सिए शद्रायरैनः ॥ देवस्या-नि ह मागानि हजू दः माग्रविष्नः। অরিষ্ট বন্ধ সহিতান্যভিতঃ পরি भाठेरयट ॥ এव॰ ह्यामम जान् विश्वान् दश्च भान्। नत्नभरेनः। शृङ्खरमञ् नोरेयण कहेरिक हिम जुबरिकः ॥ वा (माजिः भयनीरेयक विज्ञमार्ग्धावः গীত মঞ্ল নিষ্কনৈ:।। উপাধ্যাযস্য চপুন দ্বিগুণ সর্বমেব তু । 🗱 । ত তঃ প্রভাতে বিমলে সমূত্থায় ত্রোদশ । गा ति मन्। ए अक्ष्मुं अोर्ग मूथ म॰वृजाः॥ भयविनीः भीन्वजीः का न। साहन म युजाः । द्वीमायू রাঃ সবজাত চল্পনেনাভিষেচিতাঃ ।। তা॰ स তেব। ততে। ভক্ত্যা ভক্চ্য

ভোজ্যেন তর্পিতান্। ক্রাথ বান্ধ-गान् अर्दानरिम नीना विरेष खथा।। ভুক্তা চাক্ষার লবণ মাজ্মনা চবিস र्जायर । अन्गम् भनामा श्री भूव ভार्या नमन्त्रिः ॥ श्रीयजामव (ए-বেশঃ কেশবঃ ক্লেশনাশনঃ। শিবস্য क्रवरय विकु विरक्षाक वृत्तरय निवः॥ यथा छत्र॰ न भन्। मि उथा म बिंड ठायुवः । এব মুहार्य्य जान् अञ्चान् গালৈচব শ্যনানি চ ৷৷ বাসাংসি চৈ-্ব সর্বেষা গৃহাণি প্রাপযেদ্বধঃ। অ-ভাবে বহুশয্যানামেকা মপি সু সং-क्ञा ।। भगा मन्त्राम्ख्रा जीम সর্বোপক্ষর সংযুতা । ইতিহাস পুরাণানি বাচযিত্বাতিবা**হ**যেৎ ॥ उफिन नत्नाम् व य ইहिष्मुनाः শ্রিষ•। তমাত্ত্ব• সত্ত্ব মালম্ব ডীম-সেন বিমৎসরঃ।। স্বৰু বুত মিদ• স-नाक् (जुराष्प्रकारं) भीविछः। इया কৃত মিদ• বীর ত্বমামাখ্য• ভবিষ্যতি ॥ जा जीनदारणी (श्या मर्नेभाभ-इता भुछ।। याजू कन्यानिनी नाम भुता कल्लुषु भर्ठारङ ॥ 🗱 ॥ चुनामि কর্ত্তা ভব সৌকরে **ংমিন্ কল্পে নহা**-বীর বর পুধান। যস্যাঃ মারণ কীর্ত্তন न्यार्णय विनष्ठे भाग जिएमाधियः मारा ।। मृष्ट्रा ह या मञ्जूत्रमा नशीना

বেশ্যা কৃতা মন্য ভবান্তরেষু। আ-ভীরকন্যেতি স্তৃহলেন সৈবোর্শী সম্পুত্তি নাকপৃ**ষ্টে।। জাতাপি সা** বৈ भ। घटना खवाशि भूटना म कन्। भू-ক্তৃত পদ্ধী। তত্রাপি তস্যা: পরি চারিকেয়**ণ মম প্রি**য়া **সম্পৃতি সত**্য ভামা।। স্থাতঃ পুরা মণ্ডল মেব ত ছত্তেলোম্য দেব শরীর মাপ। অ न्याक कन्यान जिल्लो विवसान् नह-সু খারেণ সহসু রশ্মিঃ ॥ ইদমেব কৃত সহেন্দু মুখ্যৈ বসুভিলেব পুরা সুরাদিভিশ্চ। ফল মত্র ন শক্যতে **e**ভিবৰ্জু যদি জিস্থা যুত কোটযো मृत्थमुरः।। कलिकन्यव विषाद्रशी मः নন্তা নিভি কথ্যিষ্যতি যাদবেন্দু সূনু:। অপিনরক গডান্ পিতৃন শে-यानन मृष्ठ्रिश्व यः करताछि ।। य ইম মনঘ• শৃণোতি চাতিভ-ক্ত্যা পরিপঠভীহ পরোপকার হে-তোঃ। তিথি মিহু সকলার্থভান্নরে ন্দু স্তব চরণেন স সান্যতা মুপৈতি ।। কল্যাণিনী নাম পুরা বভূব যা ছা मभी भावित्ति २ जिन्द्रा। मा भा-'ভুপুপ্ৰেণ কৃতা ভবিষ্যত্যনম্ভ পুণ্যা-নঘ ভীম পূর্বা।।ইতি নৎস্যপুরাণে ভবিষ্যভুজোদেশে ভ্', दहामभीनान ৯৫ व्यथ्यायः ॥

ভীকঃ ত্রি ভ্যশাল:। ডৎপর্য্যায়: 1 ত্রসূঃ ২ ভীকক: ১ ভীলুক: ৪। ইত্যমর: ॥ ভীলু: ৫। ইতি শদ-রত্নবেলী॥

जीकः स्त्री जयमीमास्त्री। जयभुक्-ভিকা। ইত্যমরভরতৌ ॥ শতাব-রী। ইতি ধরণি: অসরক্ষা কণ্ট-कात्री। ইতি भदहिन्दुका ॥ भउ-**शारिका। ইতি भ**यत्र द्वाली ॥ **यजा** ॥ ছाया॥ जी। इंछि রাজনির্ঘণীয়া ভीकः शृ॰ मृगानः। इंडि मस्गाना ।। व्याष्ट्रः। इंडि ब्राक्षनिर्यण्टः।। रेक् ভেদঃ। ইতিরত্নমালা।। অস্যগ্রণাঃ । শ্লেমকারিত্ব। স্বাদৃত্ব। অবিদা-হিবৃ•।গুকবৃঞ্চ। ইতিরাজবল্পভ:॥ ভीकक क्री वन । ইতিশবর ত্লাবলী।। ভीक्कः भू (भव्कः। ইতি भद्रज्ञा-वनी ॥ इक्कुराज्यः । राजात्रत्री इंडि हिन्ती जाया। यम् थगाः। वाज পিত্ত পুশমনো মধুরে রস পাক-ध्याः। मृमीका व् र्। वनाः भी-প্ৰুকো ভীকক তথা।। ইতি ভাব-পুকাশঃ ॥

ভীক্কঃ বি ভ্যযুক্তঃ। ইত্যমরঃ॥ কাভরঃ। ইতি সংক্ষিপ্তসারে।ণাদি বৃত্তিঃ॥

जिक्शबी खी मञ्जूली। ३०,१मत्रशा

ভीक्ष्रपं: श्रु॰ ग्यः। ইতি জটা ॥ ध्राः।

ভीकः खी ज्यमीनानाती। इंड्रिंग भूतिकाया ज्या ।।

ভীলভ্ষণা • স্ত্রী • গুণা ইতি রাজ। নির্ঘণ্টঃ ।।

ভीनः वि जीकः। उरमीनः। ইতি भद्रद्वावनी।।

ভीन्कः वि ভीकः। ইত্যমরः॥ ভল্লকः। ইতি শব্রজাবলী॥

श्रीयः शृ ख्यानकत्रमः । इत्रान्धः भत्र हीकायाः खत्रजः मिनी हा। अन्मूक्कः ॥ कर्ष्णाजः । हिल्लानः । इति त्राजनिर्धः ॥ निरः । इति नम्बत्रशायनी ॥ नलक्षेत्रः इति मम्बन्धः ।

ভीষণঃ ত্রি গায়ঃ।। দাকণঃ। ইতি নেদিনী ।।

ভীমাণ ত্রি ভ্রানকণ ৷ ইত্যারঃ ৷৷
ভীমাঃ পুণ ভ্রানকরসঃ ৷ ইত্যার ৷
টীকাষাণ ভরতঃ ৷৷ শিবঃ ৷৷ রাক্ষালঃ ৷ ইতি হেমচন্দুঃ ৷৷ গাক্ষেয়ঃ ৷
স চ সান্তনু রাজচক্রবর্ত্তিনা গঙ্গালাণ জাতঃ ৷ স পরমধ্যালা ৷
নহাবীরঃ ৷ যেন পিতু দাসকন্যা ৷
বিবাহারণ পিত্রাজ্যণ ত্যক্তণ যঃ
সম্য বিবাহণ ত্যক্তা উল্প্রেতাজান

তঃ। ইতি খ্রীভাগবত ।। তস্যোৎ-পত্তি র্যথা। অথ তামষ্ট্রমে জাতে পু-গ্রে পুহসতী সিব। উবাচ রাজাদু:খা-र्जः भत्रीञ्जन् म् ज माजानः ॥ मावधीः ক্বাসি কস্যাসি কিঞ্চ হণসি সুতানি-তি। পুত্রিসু মহৎ পাস সংপ্রাপ্ত তে সুগহিতে॥ জুগুবাচ। পু একাম ন তেহমি পুণ্রণ পূণীবতা। বর। জীর্মস্ত মম বাসো হয় যথা স সময়ঃ কৃতঃ৷৷ অহ• গঙ্গা জহু সুতা মহর্ষিগণ সে-विजा। (पवकार्य)ार्थ निकार्थ मूबि-**छारु• द्वरा मरु ॥ याद्वी (य वमत्वा** দেবা নহাত লা মহৌজস:। বশিষ্ঠ मान (पारिय मानुयन मुनागजाः॥ তেষাণ জন্যিতা নান্য স্তৃদ্তে ভূবি বিদ্যতে। মদিধা মানুষী ধাত্রী লো-क नाखि कपाइन ॥ (उषाक जननी হেতে। মানুষত্ব নুপাগতা। জনযিত্য वम्नाष्ट्री किना लाका खुगा यन्गाः।। দেবানা সমযন্ত্রেষ বস্না সংশ্রুতে। ম্যা। জাত জাত নোক্ষ্যিয্যে জ-त्राञ। गानुषापिछि॥ छाङ माशाः দ্বিনিমুক্ত। আপবস্য মৃহান্ত্রনঃ। ৰস্তিতে ২স্ত গমিষ্যানি পুঞা পাহি মহাবৃত ।। এষ প্র্য্যাব বাসো নে বস্না॰ সমিধৌ কৃতঃ। নং পুস্ত॰ विकानीहि शक्षामल मिन मुकः।

ইত্যাদিপর্বণ ভীয়োৎপত্তিনান। ১০০ অধ্যায়ঃ।।

ভীমাজননী জী গঙ্গা। ইতিরাজ। নিঘণ্টঃ।।

ভীমপঞ্চক প্লী কার্ত্তিকশৃত্নপক্ষী रेयकारणाहि भूनिंगा अक्षिजिथ কর্ত্তব্যব্তবিশেষঃ। যথা। গ্রীনার-ए उदार। जगवन् यट व्या (भाकः ভীশ্মস্য চ দিন নহ্ৎ ৷ মাহাত্ম্য শ্রোত্মিছামি তস্য মে কথ্য পু-ভো॥ কথ• সানঞ্চ কি॰ দান• কো-বিধিঃ কস্য প্জন ৷ কি ফল কেন বা কারি তন্মে কথ্য বিস্তরাৎ।। বুন্দোবাচ। তভীমপ্রক্সে।দ॰ নাহাত্ম্য বিধি প্রকে। বক্ষ্যামি ফল সংযুক্ত থেনেদঞ্কৃত পুরা।। অযোধ্যা নগরী যাচ কলি কলাব नानिनी। देवकवी यर्ग त्रम्या हक-निकनाय नामिनी ॥ इस्य अथ পভ্যাদ্যা বিষ্ঠক পুতি প্ঠতা। ভ न्धानानीमत वतः স्र्ग्रवः माख्या मूत्न । अञ्जिथि नीम (एवर्ष धर्म)-जा रिक् यक्क क्या उन पत्र भूता রাজা কৃত যুক্ত মনুত্র না ভাষ্ঠ-যা চন্দু ভাবিন্যা সাদ্ধ ভীমুস্য भक्षक । **हिकोर्यः भ**तिभभुइ व শিষ্ঠ তদিধি দিল।। 🗱।। বশিষ্ঠ

উবাচ। শृণু রাজন্ পুনক্যামি বুত। নৌভাগ্য দাবক । রহস্য ভীশ্ম পঞ্চাথ্য বিষ্ণু তুষ্টি পুদানক ॥ কা-ত্তিকে নাসি রাজেন্দু পারভৈ্যকাদ-भी ভिषि॰। यावंद शक्षमंभी त्रम्या ভবিতা চন্দু পূর্ণিতা॥ পঞ্জীম মি-তি খ্যাত তিথ্য: পুণ্যদা: মৃতা:। शुा उ:कारन मगुषाय मो 5 क्या यथा বিবি ॥ স্নাত্বা সভার্য্য: পুক্ষো नन्तारहो विगतन बतन । उर्भयकी শ্ম বৰ্মাণ স্ক্ৰব শ পিতাম হ।। পি-ত্তি ভিলযুকৈশ্চ জলাঞ্লিতি ক্-कृरिजः। देवराघुनम्। गावाय नास् তি পুৰরাষ চ।। তিলতোযাঞ্জলি॰ ज्य भुगहकी प्रवर्मात । अस्त्री कोत्रव (मुक्षः व्ययं)ामाहमनः उउः ॥ व्यह्यिद्या विशासन हन्द्रनाहि छ द्रा-বৃতঃ। স্ঘ্যু দদ্যান্তাত্মা চ মস্ত্রে-ণানেন ভূপতে ৷৷ বস্নানবভারায भाष्ट्रता दाञ्चकाय है। व्यर्यः हरानि ভীব্যায় আজন বুন্ধচারিণে ৷৷ ইঅ্ স্মাপবেদ্বৎস ভীম্মপঞ্বিধি নর: । नियस्यताश्रवास्यन श्रक्षगरवान वा भूनः ॥ भागा मृत कना शादित र् विश र्नाना विदेव ब्रिश । नः वा वा यि वा नातो मुक्त भारमा पिव व्याज्य ॥ जुडु म विभूमान् जागान् कार्डिक॰

নত্যাজি বিং আতোহশক্তোনাৰে " भक्ष ज्याथा रति भूगेंड ॥ भ বৈত্ৰবিষ্ণু ভক্তো সৌ ভক্ত্যা বৃচল-या नर । प्रमाजी ह यथा जीया नहा তৌ তুমহাফল। স্বল্লাযাদেন বি-(भुन्मु क्उ॰ छाज्या॰ हि उ९ भूता। প্ৰাপ্ত রাজ্য মহীনেহা সমুদু বল याति जा ।। शृज्का शृह्तान् कामान् ব্রকামৌ যথা মুনে । দিব্যামরা ভর (गो (ठो रिव) मान्यान्तिशिर्छो ॥ **क्विऽ्रह विगानन সর্বকিন্নর সে-** ॥ থেতী। অপ্লয়ে। গীত নৃত্যেন স্বতৌ (मयनक्षि जिः ॥ मम्पु ११ छो विकृ । वा কঞ্ ভীষাপঞ্ বুতান্মুনে। বুন্দোবাচ । ইত্যেতৎ কথিত বংস মাহাত্ম্য কার্ত্তিকোন্ডব•। ভীম্মপঞ্চক মাহা-জ্য্যু॰ সেতিছাস• পুরাতন•।। তৎ সর্ব• স্বৰু বিপ্ৰেন্দু যদি তে ভক্তি র-চুুুুুতে। নিশ্চলঃ কায মনসা বচসা সু মনী ভব ৷৷ ৠ সি মূব স্তি মূর্ত্যা শ্চ পঠ-স্তিয়ে বৈ ভূথগু মধ্যে ভগব দুণামুনে । মতিঞ্ লব্ধা ভগবত্য **শেষতঃ** ক-था ग्लन्म् मा भूतः भुया छ।। कलि-নল নপভ্তঃ প্রাণিনো দেব দেব । সুভগসকল ভোগান্ভোজযিত্বা চ गांखि। इतिभूत नगरतिम गीं उ ৰাদ্যৈ বিশালৈ বিহিত সকল কৃত্যা |

(सामगास क्रिंग विशा अउद कार्तिक नाहाजाऽ ज्ङा यः मृत्यामतः। न র্ব পাপ বিনিমুক্তি: সক্ষে লভতে-রতি ৷৷ ইতি পাদ্মোত্তরথণ্ডে কা-र्खिक माहारचार २०२ व्यवरायः ॥#॥ অপিচ। সদা হরে বু ত শেষ্ঠ ততঃ স্যাদ্কিণাখনে। চাতৃর্মাস্যে তত **उमा** कार्जिक जीग्रमक्षक ॥ ততঃ শুেষ্ঠ তন• শুত্র একাদশ্যা• স-माहरत् । नायाधिकाल भिवामीन् यवारेन। ब्रह्म विश्वा या या अपनी श्र তাদ্যৈন্ত পঞ্চগব্যেন বারিভিঃ। সা-প্ৰিত্বাথ কপ্র মূথৈ শৈচ্বানুলেপ-(यट् ॥ घृडाक खुशूला ध्रभः विकः शक्षिनि पर्ष्ट । देन्द्वम् । अत्र भागत ज्ञानिक ज नामा वामूप्तवाय घृत वीहि जिला-দক । ষডক্ষরেণ মজেণ স্বাহান্তেন जू रहामराय ॥ भुषाम शक्कि हरतः भारि यरबद भरेद्य विजीयक। वि-লুপৰৈ জানুদেশ• নাভি• ভৃঙ্গেণ চা-পরে।। ক্ষন্ধৌ বিশ্বৈ র্জবাভিশ্চ পঞ্ म रिक्स निर्द्धाहरप्य ॥ मानुकृत ज्निनायी नाप्तामयः नामुर्नर कं মাৎ।। গোন্ত ক্রি দর্পিচ পঞ্নে शक्ष गवाहः । नकः **स**ंग्राट शक्षर-শ্যা॰ বুতী স্যা ডুক্তি মূক্তি ভাক্॥

ইতি গাৰুডে ভীমুপঞ্চাদি বুত• नान ३२० व्यव्यागः ॥ ভীষ্যরর ক্লি হিনালবোত্তরদেশজা-ভ শুরুবর্ণপুত্তর বিশেষঃ। ভস্যোৎ-পত্যাদি যথা। সূত উবাচ। হিম-বত্যুত্তরে দেশে বীর্য্য পতিত সু-त्रिष उत्र । **तस्त्र**ाक्ष मूखमाना নাকরতা॰ ভীমারত্বানা॰।। শুক্লাঃ শহ্বাব্র নিভাঃ শ্যোনাক সন্নিভাঃ পুভাবন্ত: । পুভবন্তি তত স্তৰুণা বজুনিভা ভীম্ম পাষাণাঃ॥ হিমাদু পুতিবদ্ধ শুদ্ধ মপি শুদ্ধয়া বিধত্তে-यः। जीयानि॰ ग्रीवाहिषु ममन्त्राह॰ সর্বদা লভতে ॥ গুণ্যুক্তস্য তস্তৈ ৰ ধারণামুনিপৃঙ্কব। বিষাণি তা-नि नम्पुष्टि नर्बारगुर मशेउरम् ॥ বিষমানা বাধন্তে যে তমরণ্য নিবা-সিনঃ সমীপে হপি। দ্বীপি বৃক শ इंड क्छ्रत नि॰श् वराघुान्या हि॰ সাঃ।। তস্যোৎকবলিত কৃতিনো ভবম্ভি ভয়• ন চাপি সমুপস্থিত• । ভীম্মণি র্গণযুক্তঃ সম্যক্ সংপ্রা প্ৰাক্সলি বিভয়: পিতৃতপ্ণে পিতৃ-ণী ভৃঞ্জি ৰ্বহু বাৰ্ষিকী ভৰতি॥ শা गांबु छ्ेंर्ना शिम मना ७ वा शृव्म ক বিষাণি <del>চিললাণ্ডি বৈরি ভক্ষর</del> ভ्यानि जीनानि नमाजि ॥ रेमदन

वनाङ्का छ ॰ शक्ष क भी छ शु छ ॰ भू-छा ही न ।। म नि न मू । छ ॰ विवर्ग ॰ मू ता ८ शिववर्जा र ८ शु छ छ । मू न । ० शु क न ।। मू त्व चू छा ना । वृ छ कि कि कि के छे शु छा ना । है छि शा-क् ए छी च त न श्वी क । नाम १७ व्य धा य ।।

ভীমুস্: স্ত্রী গঙ্গা। ইত্যমর:।। जीयाहेमी जी मावमुक्ताहेमी। उक् ভীশাস্য তর্পণাদিক কর্ত্তব্য যথা । ভবিষ্যোত্তরে। শুলাইন্যান্ত না-यम् प्रमाञ्जीन्याय (यो जलः। मञ्च गत क्छ॰ भार्भ॰ उर क्रनात्त्व न-শ্যতি ।। ধবল ধৃতা সৃতিঃ । অষ্ট-ম্যান্ত সিতেপক্ষে ভীম্মায তু ভি-लामकः। अम्रक विधिनम्ह्राः ज-র্বে বর্ণা দ্বিজাত্যঃ ।৷ সর্বেবর্ণা ই-ज्रुभामाना जाञ्चन म् प्रा त्रभा-ধিকার:। দ্বিজাত্য ই**তি সংখাধ্ন•** । মৃতিরহাকরে বিফুপর্যোত্তর• । नधाइ वाशिनी गाशा मास ভीग्राष्ट्रेभी जिथिः। मु। त ह जर्भाग मात्न गु। श। मूर्यप्राम्यी भन्ना।। यमा कपाहिए अग्राःमः गजाम्यं। प-যী পরা। পূর্বস্যা মেব কর্ত্ব্য ত-र्भाष भाष भाष ।। यहिक मिन्

डरव्यानि करावियाकती वयः। जीचाईनी हरशांति उना गुाशा পরা তিথি:॥ ব্রাহ্মণ স্ত্রন্য বর্ণানা॰ यः काताल्योक् (पश्कि॰। उद्यर्ग ত্বমসৌযাতি ইহলোকে পরত্র চা৷ ইতিমরীচিবচনন্ত ভীমক্ত্যেতর-भद्र•। उथाह सृष्ठिः। द्राञ्चभारतास्त्र ॥ य वर्गा प्रमु जी गायता जन। मः षटमद्र क्ष भूगाः उल्क्रगाप्तव नमाऽ ।। अभवर्ग जनमान निरम्श्य পুকরণ বলাদপি ভারাদি বিষয ইতি প্রীদন্তঃ। তপণমন্ত্রন্ত । বৈয়া-যুপদ্য গোত্রায় সাঞ্তি পুবরায় চ 🖫 । अभू भाग मनामाउँ मनिनः ञीच वर्षाता । जीचः भारता বীর: সভ্যবাদী জিতেন্দ্রিয়: 1 আ ভি রন্ডি রবাপ্নোত্ পুত্র পৌত্রো-চিতা কিয়া। ইত্যাশ সা মন্ত্র: ৮পুত্ৰ পৌৰোচিতা নিত্যভিধা नाट निज् कर्मही जा। वाक्षनः नि তৃত্তপণানম্বর ফাত্রিযন্ত তৎ পূর্বণ তর্পবেৎ। ইতি সম্বৎসর পুদীপ। **प्यः ॥ इंडि डिब्रामिडङ्ग**ा।

ভূক । ইত্যম্র:॥
ভক্ষণেল্লী।ইতি ত্রিকাগুশেষ:॥
ভূকনমূদ্ধিত ত্রিকাগুশেষ:॥
ভূকনমূদ্ধিত ত্রিকাগুশেষ:॥
ভূকনমূদ্ধিত ত্রিকাগুলে তথ

তংপর্য্যায়: । কেলা ২। ইত্যমর: ।। পিণ্ডা ১ ফেলি: ৪। ইতি ভরত ধৃত রভসঃ।।

ভূকি: জী ভোজন । ইভি শব-রত্বাবলী।। ভোগ:। যথা। ভুক্তি জ্রি পুৰুষী সিদ্ধেদপরেষা ন সংশ-য:। অনিবৃত্তে:সপিওত্বে সঞ্চল্যা-ना॰ न जिष्कु ि ।। या इर्ड। (माध-यिकुकि मागमक्षाणि मःमि তৎসুতো ভূক্তি মেকৈনা পৌত্রা-षियू न किक्षन।। ইতি **माय** उत्नुः।। রবি ভুক্তি यंथा। সার্দ্ধ সপ্ত কসে भाष वजूः जारका घटि व्यव । प-रेमव नकरत्र घरन्य भनानि भुजि-वामद्रशाञ्जनीत निःश् भूममा जू-वावि काम् किष्ठ। शवात्रकार-শ তথা রবিভূকিং পুচক্ষতে ৷৷ ইতি জ্যোতী রত্নমালা ॥ ভূক্তিপুদঃ পু॰ মুদ্দঃ। ইতি রাজ-নির্ম্বণটঃ॥ভোগদাতরি তি ॥ ভুग: ত্রি রোগাদিনা স্টিলীক্ত:। ज्द्रभग्रायः। कग्नः २। इ जुर्देकः ।। वकः। ইতি ভল্গা पूर्वमृत्री ।। ভিদ্ধ ও শ ত বক্স। ইতি কবি কল্পজনঃ।।বক্রণার্মিতি বক্রণ করে।-তীতি ঞৌ ৰূপ। ও ভূমঃ। শ

ভন্নতি লতা বায়ঃ ৷ ঔ ভোকা ৷

इंडि मूर्गामामः ॥

ভুল ধ ঔ ত্রাণে।।ভক্ষে। ইতিকবি
কল্পনাং।। ধ ভ্নকি। ঔ অভৌ
ক্ষাং।। ধ ভ্নকি। ঔ অভৌ
ক্ষাং।। ধ ভ্নকি। ঔ অভৌ
ক্ষাং পালনে পর্মেপদা। ইতি
বোধ্যা । ভুনকি পৃথিবী। রাজা
পালবতীত্যথাঃ। উপভোগে তু
বৃদ্ধো জনোদাংখ শতানি ভুল্লেইতি
। দিবা সক্ষানিব ভোক্ষ্যতে নহী
মিতি রঘাঃ। এবা সুথমুপভ্লে
ভ্যাদি চ বোধ্যা। ভুজো হশর্নে
ইত্যত্র ভক্ষণ নাত্রস্য গুহুণেপি
উপভোগস্য ভক্ষণজন্য তৃপ্তিজন কর্ববিক্ষ্যা সিদ্ধি রিতি বিদ্যানিবাসাঃ। ইতি দুগাদাসাঃ।।

जूकः शृ खी जृका ज्ञान गा।
ज्यश्या । दान् र श्वा है।
पाः ४। इंडानदः ॥ कदः । इंडि
पादिनी ॥ जमा मुं नाम् न नकः ।
यथा । कक्षा नाम तना (मृष्ठा मृगक्रिन् क्ष्व (दामिका। जनाथ। व्यश्नी नामा महमो दिव ज्याद्मी द्वारको ।।
दिक्क कुली कुली। व्याक्मी द्वारको नि

ধ্যায়: ॥ গুহুল্পন্তী করণার্থ- রান্দি-खयारून किन्तु श्रहापिः। द्राणिखया-मित नवशां प्रस्ति वाद्यायः । नवदाम्मिर ज्या १ विकः (हर जना षात्रभ दानि जाः भाषा**ण** जुजः म्पार । यथा । (मा जिर्जान जि-ভোদ্ধৃ বিশেষ্য রসৈ শক্ততো **२**का थिकः महाक्तुरकानः विचः । কোটিরেকৈক ক' তি ত্রি ভৈ: স্যাৎ भरः भ्यं। नत्नाह मञ्जापुरयाःना ভবে । इंडि गुरुवाचन ॥ (क्व-স্য পরিমাণবিশেষঃ। যথা।কোটি **\***हजूक्षेत•यज्ञ (माञ्चय• जज्ञ का <del>भ</del>ु जिः াকোটি দো: কর্ণত: কোটি শু.তি-ভ্যাঞ্চ ভুজ वन ॥ ইट्टा वाङ् र्यः म्राख्य मार्किन्याः दिन्नी उरहा वा-হুঃ। ত্রাসে চতুরসে বা সা কোটিঃ कीर्जिंग जबरेक्कः ॥ उद कृत्जा र्याग भरः कर्गः रहाः कर्ग वर्गरा বিবরাৎ। মূল কোটিঃ ভছ্তি क्छा ब्रुबाट भर वालः॥ इंडि नीनावज्याः (क्ववयवश्वशः॥ <sup>'</sup>ভুজকোটরঃ পূ• কক্ষঃ। ইতি হেন<sub>ি</sub> ठन्मः ॥ ভুলগঃ পু• সর্পঃ। ইভা্মরঃ॥

ভুলগদারণ: পু· গৰুড:। ইতি **জি**-

কাও:শ্য: 11

निर्णः ॥

विर्घक्तः॥

কাওশেষঃ॥

ভুদ্ধ পু॰ সর্পঃ।। বিশ্বঃ। ইত্যমরঃ (मिरिनी ह।।

जुङक्षाजिनी जी वृक्षवित्मवः। ' কল্পালিকা ইতি খ্যাতঃ। তৎপ-र्यायः। मृतिः २ मर्भाकी ३ कृष्क-वी ३ म्पृशं ८। इंडि मप्तिमुका।। जर्भना मिनी ह।।

ভূজক্জিস্থা জী মহাসম্পা।ইতি রাজনির্ঘণ্টঃ।। সর্পরস্কা চ।।

ভুজস্পুযাত ক্লী দাদশাক্ষরপাদ-हम्मः। यथा। यमाम् । १८ कुर्य स्था नधनत्भखेषयाक्षत्र द्व मकार-भारा । भारहन्त् विष्वि वज्तात वित्म उर्क कवीत्म व कन भूगा ত াা ইতি কালিদাসকৃতশুতবোধঃ ভূজ 🛪 जूकं পू॰ गक्छः। ইতি শব-রত্নাবলী ।। ময্র:। ইত্যমর:।। ভুजद्म ভোগी পু॰ রাজসর্পঃ। ইতি

(इग्जन्दुः॥ ভুজস্মঃ পু॰ সর্পঃ।ইত্যমরঃ॥ नीनत्त्र क्षा। ইতি রাজনিঘটঃ॥

ভুলগান্তকঃ পু॰ গক্ডঃ।ইতিরাজ ভ্রদলতা জ্ঞা নাগবলী।ইঙি द्राक्तिविधंगैः॥

ভুজগাভোদ্ধীপু মধ্রঃ। ইতিরাজ ভুজক্ষাপু গক্ডঃ। ইতি বিকাও-শেষঃ ॥

ভুজগাশন: পু॰ গৰড:।ইতি ত্রি ভুজস্বাথ্যঃ পু॰ নাগকেশর:।ইতি भक्नाना ॥ त्रभंनान्त वि॥ जूबकाकी खी त्रामा। ইত্যনর:॥ जूबकात: ल्ली क्रतः। ইত্যনর:॥ जुका खी वादः॥ कदः। इंडि (मिनिनी।। ज्जाकणेः भू इखनथः। इंडि एम-

> ठन्पुः ॥ ুজাদলঃ পু॰ হস্তঃ।ইতি ত্রিকাপ্ত-(नियः॥

ভূজान्तरः ही काउः। ইত্যার:॥ श्ख्रपुष्डमण्ड ॥

ভূজি: পু॰ वङ्गिः। ইত্যুণাদিকোষঃ॥ ভূজিষ্যঃ পু॰ স্বত্সঃ:। হত্তসূত্ৰ•।। मानः। इंडि प्रिनिनी ॥ द्यागः। ইতি সংক্ষিপ্তসারোণাদিবৃত্তিঃ।। ভুজিষ্যা স্ত্রী দাসী॥গণিকা। ইতি (मिनि ॥

जुजुः भू (जाजन । इजुर्गाहिल्के । यः ॥ ভারন ।। অ ीः। ই ভি স কি ও नार्वागामितृज्ञिः ॥ ভুঞ্জন্তি ভোগকর্তা। ভুজধাযোর শত্পুত্য্য নিয়ামা १४ ॥

ভুঞ্জানঃ পুণ ভোগকর্ত্তা। ভুজধাতোঃ "কর্ত্তার শান পুত্যুয় নিয়ামা হয়ণ। যথা। ভুঞ্জানো বর্দ্ধায়েৎ পাপন-সত্যুণ সংসদি ব্রুবন্। ইতি প্রায়-শিক্ত তত্ত্বণ।। ভুরিক্ জ্রী পৃথিবী। ইত্যুণাদি-কোষঃ।।

**जू**वन॰ क्री कगट्।। मिलल॰।। गगन॰ ॥ बनः। इंजि मििनी ॥ ठज्मं न ভুবনানি যথা। চতুর্দ্দশ বিধণহেত-फ्ठमर्गः भुकीर्खिजः । ज् जू वः 'स মহিশ্চিব জনশ্চ তপএব চ।। সত্য লোকক্ষ সপ্তৈতে লোকাস্ত পরি-कीर्बिजाः। জম্: শাক: स्न : को-कः भानाता (मर भूइतः ॥ मर्थः षीणाः शुषानानि गृश्य ही शिख मः-युजाः। व्यवनः क्षीत्र मञ्ज्ञम् घृत्जा-मा पि म • ऋकः ॥ मूरतारमकूत (भारते ह बाद्दः मक्षरमा ভरवर। চত্ত্বার: সাগরা: খ্যাতা: পুষরি- " ণ্ডেতা: মৃতা:।। উত্তরা: সরবো রায়্য বর্ষ হৈমবত তথা। ভুদা कुः (कूल्मानक उथा वर्ष मिनाव्-छे।। केञ्च छ इति वर्षक छथा कि;-পুৰুষাবৃত্তি এতান্যপ্তৌ তু বৰ্ষাণি भूगानि कथिजानि ज् ॥ इन्तुन्। इः कामकण जामुवार्ग गज्खिमान्।

नागवीथी उथा (जोत्मरा गन्नर्ता वा-क्ष ख्या ॥ जागद्राथा ख नवस्मा ভেদে। ভারত বার্ষিক:। ইদস্ত ভা-রত॰ বর্ষণ কর্মভূমি রিভি স্ত॰।। **(मरा**नि দ्वीপवर्षानि (ভাগস্থানা नि मस्त्रिम। जागीत्रथी भावनी ह क्रुमिनी कुपिनी उथा ॥ जीजा वः द्भ क निक्षक ज्ञानाः भुकीर्खः তাঃ৷ সুপুভা কাঞ্চনী চৈব বিশালা मूगाना कुनाः ॥ मत्रवाज्यायनामा ह मूरवन् विभाजामका। এতা गङ्गास विथाजाः मस्नूगानुमाः मुखाः॥ श्मिवान् (श्मक्षेण्ठ नियर्श नील পর্বতঃ। খেতক শৃঙ্গবান্মেক র্মা-ल। वान् गन्नमामनः ॥ मरहानु। म-**णगः त्रशः मृ**क्तिभान्कवानिशः। বিষ্ণ্যক পারিপাত্রক কৈলাসো ম**ন্দর তথা।। লো**কালোকো নহা• खियु उरेथादा खत्रमानमः । এতে বি•শতি বিখ্যাতা: পর্বতা স্তম্বা• বরা: ৷৷ অতলং সূতলক্ষৈব বিত-লঞ্ গভন্তিম । মহাতল রসা তল পাতাল সপ্তম মৃত ৷৷ ক-কাভোন শিলাভোন পাতাল নীলম্ভিক। রক্ত পীত খেত কৃষ ভৌনানি চ ভবস্ত্যপি ৷৷ পাতালা-नाक मधाना (जाकानाक यम् खत ।

ভূকরু

শুষির• তানি কথ্যম্ভে ভূবনানি চতু-র্দশ।। ইতি বহি পুরাণ।। ্বনকোষঃ *পু*ণ ভূগোলঃ। অস্য বিবরণ শ্রীভাগতে পঞ্মক্ষদ্ধে ১৬ 1 341 ३४ व्यवप्राय मुश्चेवाः ॥ ्वनुः शु न्याः॥ विशः॥ हन्तः। **इंडि** मिनी ॥ शुजूः । इंज्रुगिरि (कायः॥ ব্রলোকঃ পু• ভ্রাদিসগুলোকান্ত-र्गडिषडीयां नाकः। यथा। ज्मि म् ৰ্য্যান্তর বছ সিজাদি মুনি সেবিত॰ । जुवर्लाकञ्च (मान्। एक। क्रिनीया মুনি সত্তন।। ইতি বিষ্ণুপ্রতে ২ जारम न जाश्रायः॥ বং\_ব্য আকা**শঃ। ইতি**কেন্দ্র विः क्री अभूमुः। इक्तािक्तिः। ্ক ড প্রাপ্তৌ। ইতি কবিক ্রন্সন ॥क ७ जावयरा । ইতि मूर्गानाजः॥ । ঞ পাণ্ডৌ। ইতি কবিক্তজনঃ।। ঞ ভব্তি ভব্তে ধন शे 🗀 🐨 ত্যের সত্তায়া পুরাপ্তি সম্পন্ন জন **স্থিতি ভউম্ল: !! ভবতে** দ্বিভিগ্ য' যথোক্ত কতুভি ভাব্যতে চ কলোক মিতি হলাযুধ:॥ কেডি? म् जाम् । जात्न भिन न न न भारती

পরবৈশপদ সভার্থ সৈর্বানেকার্থ

दा । भगवा । इंडि मूर्गामामः ॥

ভূক শুদ্ধি চিন্তবো: ।। নিশ্রণে। ইভি কবিকল্পদ্ধন: ।। ক ভূণ বন্দাবয়তি দ্বি: সর্বান্। ত্রয়ো হর্থা: । ইভি দুর্গাদাস: ॥

ज्ञायाः। ইতি কবিকল্পকনঃ।।

সভেহ দিবিধা। উৎপত্তি বিদ্যান্তা চ। ভবতি মনুষ্যো হথবা

বিষ্ণুঃ। ইতি দুর্গাদাসঃ॥

ज् ব্য রসাতলং। ইতি হেমচন্দুঃ॥

ভ্ জী পৃথিবী। ইত্যারঃ॥ স্থানামান্ত। ইতি মেদিনী॥ যজ্ঞানিঃ।

ইতি জটাধরঃ॥

্ৰ্ন ি জিদু•॥ কালঃ। ইতি মে-শিক্ষা

্রি জি স্থা প্রকারঃ । ইতি **শব্**-

জনার প্রাক্তর বৃক্ষঃ।কোক ই ভাষা। ইতি রন্নালা।। ভূতি বিভাষা। ইতি রাজ-

ক্রন সহাশাবণিকা। থুলসভী ভাষা।ইতিরাজনির্ঘণ্টঃ
ভূমবুদারকঃ পু• বৃক্ষবিশেষঃ
ছোটালদোডাইতি হিন্দী ভাষা
। ত্র-প্র্যায়ঃ। ক্লুদুশ্লেখ্যান্তকঃ ২
ভূশেলু; এলঘুশেলুঃ ৪ লঘুপিছিলঃ
৫ লঘুশীতঃ ৬ শ্ক্ষফলঃ ৭ লঘুভূত-

भग्रा एए। १ वड । १ मि मूल के नि षः। वा अ श्रकाशनषः। किष्टि-भी उद्गः। अर्गमात्रकष्षः। ইতি রা জनिर्घणः॥

ভূকদ্পঃ পু॰ ভূমিকম্পন•। সচ অ-ভূতবিশেষ:। যথা অভূতসাগরে ৷ নেষে বৃশ্চিক ভে গঙ্গ: পুচলতি व्यामाहिन्धिः कथ्या हार्य भीन वनीत (छ ह वृष्ट मञ् हाल ८ कह्भः। यूक अञ्चर्रात मृश्गन्त निथुत्न क्ना नृरग भन्नग (उसा মেকতমো যদি পুচলতি ক্ষোণী তদা কম্পতে॥ কছপে মরণ জ্ঞেয• भद्र १ भारत । भई व मूथर-ঞ্চিব পৃথিব্যা• চলিতে গজে॥ প্র-থিত নরেশ্বর নরণ ব্যসনান্যাশ্রেষ মাৰুতযোঃ.৷ ক্ষুদ্ভয় মতি বৃষ্টিভি-क्मभी पुरस् बना का भि। वि ह-जूर्थ शक्षम दित्न मात्म शक्क जि পক্ষকে। ভবতি যদা ভূকন্দা: পু , ধান নৃপনাশন সকতে।। স চ ভূ· , নিজোৎপাত বিশেষঃ। যথা। চর 'স্থির ভব ভৌন ভ্রম্প মপি ভূমিজ । जना गयाना रेवक्छा ভৌন স্তদপি কীৰ্ত্তিত ়া ভৌন জাপ্য ফল জেয় চিরেণ পরিপ ্র ভূগোলঃ পু ভূবনকোষঃ ভস্যবিবরণ

क्रिकाइ र ्याक्षक म ज्रुक्तः शृ॰ मृतिश्वाश्वशः ইতি ३१%-142.0: 11 ভ্কশ্যপः পু• বসুদেবः। ইতি ত্রিকা-अल्बियः ॥

ज्काकः भू॰ यन्नक्षः॥ (कोकः॥ নীলকপোতঃ। ইতিশব্রত্নাবলী।। ज्यसी जी ज्लावनी। इंजि दाब-निर्घण्डः ॥ ভূসমাণ্ডী স্ত্রী বিদারী। ইতি রাজ-निर्घ है।। ज्रकणः भ् रेगवनः॥ वरेः। ইতি व्यक्ति॥ ভূকেশা গ্রী রাফ্সী।ইতি শব-बद्रावनी ॥ ज्रकमी स्त्री जनसुकः। ইতি मि-रिनी ॥

ভ্থজ্রী জী ক্ষুদুখর্রী।তৎপ र्यायः। ভূযুক্তা ২ বসুধাথজ্রিকা o ज्रिथर्ब्री 8 । यम्रा खगाः । मधुत्रेषु । मिनित्रष् । मार शिख इतद्यः। ইতি রাজনির্ঘণ্টঃ।। ভ্গর• ক্লী বিষ•। ইতি রাজনির্ঘণ্টঃ ভূগভ: পু॰ ভবভূতি:। সচ মাল **जी गाथवामिना** हेक कर्जा। ইতি জ-**हायतः** ॥

্ভূ শ্ৰ

यथा श्रामा सम्मित्र में महारहा है। ता प्रकार श्वः। जना वाम सम् काप्रांट अपः गार्भा १थ वंशकः ।। রসো গদ্ধ স্চ পঞ্চিব গুণা নাম পুकीर्खिजाः। शरक्षमानि महाजा-গ মহাভূতানি সংগুহাৎ ॥ তেভ্য এব পুজাতানি সর্বাণি গুণবন্তি চ। ভূমি রাপ তথা বাযু রগ্নি রাকাশ भिव ह ॥ खर्गा उतानि महानि उ ষা॰ ভূনিঃ পুধানতঃ। শদঃ স্পর্শক ৰূপঞ্ প্ৰসো গন্ধ ক্চ পঞ্চমঃ॥ ভূমা বেতে গুণাঃ প্রোকা দুসতি শর ঃ क्या । ह्यादा २भ्र छना दुन्नन् গন্ধ স্তত্ৰ ন বৰ্ত্তে॥ শব্दः স্পৰ্শক ৰূপঞ্চ ত্ৰয় এব হি তেজসি। শব্দঃ ল্পালা ২৭ বাবোম্ভ আকাশে শদ এব হি॥ এতে পঞ্চ গুণাঃ পুোক্তা মহা ভূতেষ্ পঞ্সু। বৰ্ত্তে সৰ্বভূ ভেষু যেষু লোকাঃ প্রতিষ্ঠিতাঃ ॥ অন্যো ২ন্য নাতি বৰ্ত্ততে সন্যুত্তবি বৈ তদা। যদা তু বিষম• ভাব মবি-শস্তি পরস্পর•॥ তদা দেহ বিযোগঃ अहारिए हिना॰ नानु था विज्ञ। यानू-পূৰ্ব। বিনশ্যন্তি জায়তে চাপি সৰ্ব শঃ ৷৷ সর্বাণ্যপরিমেযাণি তদেষা ৰূপ নৈশ্ব । তত্ৰ তত্ৰ ছি দৃশ্যন্তে ধাত্র: পঞ্জোতিকা: ৷৷ তেষা•

মনুধ্যা ওকেণ পুমান্তি পুচকতে। शक्ति । । चार् कार्यान जा उर्दान (याक्रायर ॥ পुक् उंडिं)ः भद्रः यसु তদচিষ্ঠাস্য লক্ষণ। 🗱। कषूषीপ॰ পुवक्कामि वाष्मायन महामूति॥ পরিমণ্ডলো মহাভাগ দ্বীপো ৎসৌ চক্রবৎ স্থিতঃ। নদী গিরি পুতিছমে। विविदेशः शखरेन त्रिशा वरेन र्जनशः रिम व्रिक खथा भूम्न कत्नाभरेगः। লবণেন সমুদুেণ সমস্তাৎ পরিবারি-তঃ 

। পুাগাযতা মহাভাগ ষড়েতে मञ्चार्वजाः । अवनाषा रूप्जयजः সাগরৌ পূর্ব পশ্চিমৌ॥ ছিনবাৰ্ (इनक्डे क निषधक नागाखनः। नी-লঃ শ্বেতঃ শৃঙ্গবা॰ক রত্নধাতু বিচি-ব্ৰিতা: ॥ অযুতানি যোজনানি উ-हागा সেষু কীৰ্ত্তি তাঃ। পৃথুত্বে চ বি· সাহসুযোজনা স্তেচ পর্বতাঃ ॥তে-यामखत विश्वतिभागव मार्गु (याजनः । বর্ষে ব্যর্ষ পুনাণন্ত বর্ষাণি ত্রীণি দক্ষিণে।। তত্ৰ পুণ্যা জনপদা স্তেতু বৰ্ষেষ্ তাপস। বসন্তি তেষু সর্বাণি সল্তানি বিবিধানি চ।। দক্ষিণে ভ রত॰ বর্ষ মুত্তরে লবণোদধে:। ফুলা-দের নহাভাগ তস্য সীমা হিমাল-यह ॥ ততঃ কি পুৰুষ বর্ষ ছেমক্-টोरिश्र छजः। इतिवर्षः ততো জ्ख्यः

নিষধো হ্বধি ৰুচ্যতে।। এব মেবে। ন্তরে ত্রীণি বর্ষাণি চ তপোপন। স্বৰু वर्ष निकृ क्लार मृक्वानविधः मृडः য়। ছিরণ্ময়ণ ততো বর্ষণশ্বেতাবধি নি গদ্যতে। রম্যকঞ্চ ততো বর্ষণ নীল স্তস্যাবধিঃ মৃতঃ।। দক্ষিণেন তু नी-**লস্য নিবধ্সে**গান্তরেণ তু । পুাগায-তো মহাভাগ নাল্যবালাম পর্বতঃ 11 পশ্চিমে তু তথিবাস্তে পর্বতো গ-क्रमापनः। भूदि ममू पुक्लाखु छम्।-अ नाम वर्षक ॥ मान्यवानविष छ স্য কেতুমালঞ্চ পশ্চিমে। গন্ধ মাদ न সীমান্ত नदमाहमु (याजन ॥ # ॥ शतिम**ः व** खर्याम्यं (४) (मकः कनक পর্বতঃ। আদিত্য তরুণা ভাসে। বি-थ्म इव भावकः ॥ वक्षायाजन উहु।-या मूर्क्ति चावि भवि ह। याजनानाः সহসাণি মৃলে চাপি তু ৰোডশ ॥ বিস্তঃ স মহাভাগ ভূমিধ মূলম-मा जू। भुविष्ठे मञ्जूमा देव वाफ শৈব সহসুক ।। উদ্ধৃ মন্ত তির্য্য-কু চলোকানা বৃত্য তিষ্ঠতি। তৃস্য চেলাব্ত বর্ষ সর্বতঃ পরিকীর্ত্তিত ।। বিহুগঃ লুমুখো যস্ত সুপর্ণস্যাত্মজঃ किन। अरेव विविष्ठयात्राम मोक्शान् (भूक्) दायमान् ।। (भक् क्खम मध्रा ना गदवानाव्य शिक्तनाः । ज्यूर्विष्णेव

করো যুমান্তমাদেন ত্যজাম্যহ ।। তমাদিত্যো ধনুপর্য্যেতি সভক জ্যো তিবা॰ বরঃ। চন্দ্রনান্চ সনক্ষরো वायूरेक्टव शुक्किन ।। न भई छ। म-হাভাগ নিব্য পুষ্ণ সমন্বিত:। ভব-नि রা ৃতঃ সর্বৈ জামূনদ নয়ে: শুভৈঃ ॥ তত্র দেবগণা বুন্ধন্ গন্ধর্রাসুর রা-क्रमाः। अञ्चरतागन म॰यूकाः नितन কীডন্তি সর্বদা।। অবষ্টস্ত করা স্তস্য मनरत्रा भिक् मनरतः। मूलार्थः समू দশ্চেতি চতুর্দিক্ষু স্থিতা দ্বির্গা অযুত যোজনোমাহা ভাবদিন্তার সংযুতাঃ । চতুর্বেতেষু ধর্মজ্ঞ চ্ত জঘু কদখ-काः ॥ नऽश्याथ कानि हजातः नाम भा नाक्ष १ व महम् (याका नामा है! স্তাবদ্বিস নিস্তৃ ভা ।। কেতু ভূতা: পর্বতানা॰ বিশালাঃ শতযোজন•। হুদাশ্চ তত্ৰ চত্বার: পযো মধ্বিক্ষু বা-त्रिमाः॥ प्रायाम् ग्रामानि हञ्जाति एव-চৈত্ররথ নন্দনে। সর্বতোভদু নিত্যে-ব॰ তথা বৈভাজক বন ॥ তেষু দেব ল্রিযো নিত্য বিহরন্তি সুরৈ: সহ। গধ্বাঃ কিমরাকৈব তথান্যে সিজ **हात्रनाः ॥ भागस्य मधुत्रः हिव्यः** ন্ত্ৰীভিঃ ক্ৰীডন্তি তাপস। চ্তো যো मन्माद्वारमा १ १ वृष्ठ (या इ.न मूहि-তঃ ॥ কলান্যন্তকল্পানি পভস্তান্য ्रभूत भाग

छ। (उस्रे तिनीर्ग्यागनाः किन यानियो अक्लाना नाम ाश्उ भन्तताप्रवाट । यद्धव বিশ্ববেশ ভবানী শিব্যো গ্ৰাঃ॥ ং সৌরভেণাপি সমন্তাদশ । । সুগন্ধযন্তি বাতেন বাৎ-া তদ্ভত গা এব জঘূফলানা-हें जा॰ भिक्त सन्मद्धि। इंखिकाय ানা॰ রসৈ জাতা মহানদী॥ গ্ৰুন্দী নাম দ কিংশন ই**লাব্ত**• বণ্যে কভযো রেব জ**মুরস প**ন ी ।। मुनिक्त गुदर्गः महाद इं कि व क्षित्र । अब जाष्ट्रमपः नाना उत्त भन् क्रिड ॥ (मर्दा-त् गण्डी शहराति जर दिया। 👉 বৈ মহাকদয়\*চ সুপার্শ্যে।পরি-শস।। তৎ কোটরে ভ্যঃ পর্যঞ্ব ः शताः मुनिष्ठिते । शकायाम प 🊈 ।ছোঃ পশ্চিমেন ইলাব্ত ॥ বা । तमा । इ जुङ्गानाः मृत्रामा ना। जुगक्रयंखि धर्मक मन्द्रार \* इत्यां कर ॥ अयुमायु निकारः य उत्राच्या वर्षा महान्। इ.सिंच्य े । मा नमा स उ खरता है ना वृ छ ।। श . देशी विद्वा मृद्यना म्यूर्ये अउप्तात श्ला यामा इम ारबद्धाः ॥ वजी अभि छात्रिक गोर्भका ॥

জরা দোষো ন বিদ্যতে। স্বর্গ স্থ ররঃ শহুঃ সসুমুঃ শিখর তথা।। বৈ-কক্ষশ্চ ত্ৰিকৃটশ্চ পৰ্বতৌ ৰুচকৰ্বভৌ । পতক নিষধৌ নাগ সিতিবাস ত্রি-ক্টকা: 11 হ স বৈদ্র্য্য কপিলা দৌ কালপ্তর জাৰুধী। গির্যো মূল দেশে তু সুমেরোঃ পরিকল্পিতাঃ। क्षटेरता (मवक्ष्णेण क्षी नरगी मिक পূর্বতঃ। অষ্টাদশ সহস্যাণি যোজ-नानुष्रभाषात्रो ॥ शृथु जुल्को विमा-হসু যোজন তাপসর্যভ । পবনঃ পারিপাত্রশ্চ নেরোঃ পশ্চিমতঃ স্থি-তৌ॥ তথা পুনাণৌ কৈলাস করবী-রৌ তু দক্ষিণে। প্রাগাযতাবুত্তরেণ ত্রিশৃস্থ মকরোতথা।। অস্তাভিরেতৈ গিরিভি ভাঁতি কাঞ্চন পর্বতঃ। নে-রো মূর্জনি বিপ্রাগ্র্য মধ্যে বিশ্ব সূজঃ भूती ।। চতুत्रम्। भाउदि सि**छ** নায়ত বিস্তৃতা। দিক্**পাদানা** ভথা भूर्याः भूदीमियु गथा कमा। युन्भू-য্যা শতুংর্থন ভাগেন পরিক্রেওা। তত্ত্ৰ বুন্ধাচ ক্ষুষ্ট 'কে'চাপি সু (त्रश्वतः।। अस्य छ। विविदेध यं रेज्ज र्य-बाड जूबि मिल्लिश । पुरुष नीवर-কৈবে নিশ্বাবসু হাহাহ্যুঃ ॥ অভিগ-म्या महार्म्छ स्वि विदित्यः स्रोतः। रें धर्मेंगा नहाजानः कणाणण शु

জাপতি: । তিৰ গছন্তি ভদু তে সদা " পর্বণি পর্বণি। তসৈত্র মূর্দ্রনুগশনা **কা**ব্যো দতৈও মহীমতে ।। তদ্য হৈ-মানি রত্নানি তদ্যেমে রত্ন পর্বতাঃ। ভিমাৎ স্বেরো ভগবা শচতুর্থ ভা-গমশুতে ৷৷ ততঃ কলাংশং বিত্তস্য मन्रवाज्यः भुगह्छि। भार्यं जरम्।-खर दिवाः अदं ब् वम्याविकः ॥ কণিকার বন রম্য শেলাজাল স মুদ্ধত ৷ তত্ৰ সাক্ষামহাদেবো ভীমৈ **जू** े उः नमार्जः ॥ भाईजा नह দেবেশো রমতে ভূত ভাবন:। কর্ণি-कात गरी गाला प्रमाशापला हि बी।।। তস্য শৈলস্য শিশরাৎ ক্ষी-র ধার। মহামতে। বিশ্বরূপা পরি-মিতা ভীম নিৰ্ঘাত নিশ্বনা ॥ পুণ্যা भूगाउरेम जू है। गक्रा जागीत्रथी म **छ। ठा॰ धा**त्रयामाम उना मुर्खद्रा॰ পৰ্ব তৈ রপি ॥ শত বৰ্ষ সহসাূাণা শিরসৈব পিনাকধৃক্। মেরোম্ভ শি थवाष्ट्रवी छिन्। माना हजूर्विथा ॥ সীতা চালকনন্দেতি বন্ধু ভন্তি कीर्डिंग। भीजा जु तुक्षमहना८ কেশরাদি মহাচলান্।। অভিক্রম্য भुमुवंडी गन्नगामन मृष्टम् । পতিত্বा षिक वर्षक जमाय- भूनजी कमाव-॥ পুচ্যা দিশি মহাভাগ পুরিম মধ্

वर्णामि ान्धिहिणवास्यः जिद्वा (क जुमानांत्र ॥ शृजीहताः हि-শি বিপেুত্র পুনিরেশ সরিৎপতিশ ভদু৷ চোত্তরতো মেক লিখরাৎ প-তিতা গিরীন্।। অতিক্রন্য স্ক্রত: **म्हा**(ह(गन भाजूका । উख्रा॰क व्यक्तन् भाषाः भ्विष्ठा व्यवगार्वनः ॥ তথৈবালকনন্দ। চ পতন্তী গিরি ম্-র্দ্ধসু। হিমালয় বিনির্ভিদ্য ভারত বর্ষ মেন্ডে চ।। লবণামুধি মভ্যেতি मिक्निग्ना पिनि विजा गितास পশ্চিমে পার্শ্বে কেতুমালো মহাম-**ভा। यायू मंन मह्मा** निवर्याना • जब बानत्व । जुदर्भ दर्भाक्त नद्गाः जियका-প্ররসোপনা: ॥ বীত রোগ শোক **ভया नि** अभनम् वर्खिनः। कायस्त्र নানবা স্তত্র পুতপ্ত কনক পুভাঃ॥#॥ গন্ধনাদন শৃক্ষেয় কবেরঃ সহ রাক্ষ-रिमः। व्यञ्जाद्या गण मक्तरेर्व स्मान्एउ ভহ্মকাধিপ:।। গদ্ধনাদন পাখেতু गर्खेननाः मर्मुनः। এकारन म-হসাণি বর্ষাণা পরনাযুষ: ॥ তত্ত वृष्टे। नद्राः मर्ख वल वीर्यं भद्राक्रमाः । ব্রিয় শ্চোৎপল পণ্রাভাঃ সর্বাঃ স্থ निय मर्मनाः ॥ 🗱 ॥ উख्दरः अत्रव শৈচব ভারতঞ্চ মহামতে ৷ ধ্নুঃ স•-**ए नहा जाग विवर्ष मिक्क्ता उरहा।** 

हेनावृडः भ ार्यक् शक्षद्यानि हिव हि। छेन्दरता इत्र देगालान्य वर्ष मू-ष्ट्रिहारक की मा अल्या अल्या वृक्त वार्षपू नर्दिषु ভারত বিনা। আযু: পুমাণ (वाकाना रें नर्नुक ।। এव भिया महाजांग भृषिवी भर्व रेज শ্চিতা। ইতি পদ্মপুরাণে ভূমিথণ্ডে ज्रामन वर्गन ३२४ वर्गायः ॥ 🗱 ॥ শেষ উবাচ। নবৰেতেষু বৰ্ষেষু ভগবান্ ভূত ভাবন:। অনুগুছায লোকানা भारि भाषा वशूर्षा द्वा ।। इनाव्रि ज् ভগবান্ ভবএক: সহোমযা। আন্তে विशाद निवरं नान्। खब श्रुमान् দ্বিজ।। ভবানী শাপতো বুন্ধন পু-বিশেষ কদাচন। যত্র পুবিষ্টো নো-হেন সুতো বৈবশ্বতস্য বৈ ॥ ইলঃ জ্রী ভাব মাপন্নে। যস্যা• জাতঃ পু-ব্যুরবা:। তত্র সন্ধর্ষণ দেব কলা। বিক্ষো মহাত্মনঃ।। ভবো ভবান্যা সহিতঃ স্তৌতি ভক্তি সমন্বিতঃ।ৠ। ভুদাশে দিল বৰ্ষে তু হ্যশীযাক্তি ইরি:।।বসতে বর্ষ পুৰুষ। স্ত॰ স্তবন্তি कगृतुक । # । इत्रिवार्य जू छगवा **সুরসিণ্ছ বপুর্ধর:।। স্ত্যতে দৈত্যপ**্ **ठिना भुङ्गारम्न गराज्यना। \*ा** र्कर्गाः जगवान् कामरम्व यक পবান্।। 🍨 াপতে দুহিত্ভিঃ স

रिश्व त्रमया मूना । ख्याज भत्रया छ-ক্ত্যা জগমোহন ক্পধ্ক্॥#॥রন্য-क् ভगवानारु मूटमाक्नी प्रयाभ-র:। মনু বৈবন্ধত স্তঞ্চ স্তৌতি ভক্ত্যা क्रिः खरेवः ॥ 🛊 ॥ हिक्गाय ज् ভग-वानारः क्र्यं जन् मध्य । (भुजाधि রাজ স্ত স্তৌতি ভক্ত্যা পরম্যা যুতঃ ॥ 🗱 ॥ व्यक्तर्य व जगवान् वद्राष्ट्रः সেব্যতে উনৈ: ৷ ত দেবী য় ক্ষিতি: স্তৌতি তদ্বৰ্য পতিভিঃ সহ।।#॥ বৰ্ষে কি পুৰুষে বুন্ধন্ ভগবানাদিপূৰ্ব: । সীত্রা বিহরমান্তে সতত লক্ষ-शागुकः ॥ उक कि भूकरेयः मार्क ভক্তा माक्**ठ नन्तनः।** शार्किःमः নেন চ সহ স্তৌতি ভক্ত্যা বিভাবি-তঃ।। 🛊 ।। ভারতে চ তথা বর্ষে নর-নারাযণাবৃষী। নারদঃ স্তৌতি ভগ-বান্ ভগবস্তৌ কৃতানতিঃ ॥ 🗱 ॥ দ্বী-পে হিমান্ বহুবঃ সন্তি গির্যঃ সরি-ত তথা। দেশাশ্চ বহবো বুক্সণ্তা॰ ख वक्षामानुकमार्।। माता कड-त्रञः नर्वान् शर्यप्रायन तुरीनप्ररः। मिक्कारान जू नीलमा (मादाः भार्य তথো उत्त ॥ উ उत्ताः अत्रत्या नाम পুণ্যাঃ সিদ্ধ নিষেবিতাঃ। তত্ৰ বৃক্ষা মুপুফুল। নিত্য পুত্র ফলোপগাঃ॥ कृष्धि वि ह भूमानि कलानि इनविष्ठ

চ। সর্বে কানদুবা বৃক্ষা লতাঃ কান পুপ্রিকাঃ।। অপরে ক্ষীরিণো নাম তরবো মুনিপুঙ্গব। যে সুবন্তি সদা ক্ষ্টির রূপে রমূত সন্ধিভ ।। বস্তাণি চ পুস্যতে ফলেয়াভরণানি চ। স-वं। गणिमवी ज्ञिः मृत्रकारेक वाल् का॥ मई ब्र् मूथरा निष्ठाः शक्त मर्कत्र বিহ্ছিতা। স্বৰ্গভোগাবশেষেণ জায-ষ্টে তত্র মানবাং।। শুক্লাভিজন সস্প माः मर्ख हाक मूथामूजाः । मिथूना নিচ জায়ন্তে ব্রিয়: সূর সুতোপনা:॥ **ভে**ষাস্তে की तिना॰ की त॰ शिवर्ष्टामृ-ত সন্নিভ । নিথুন জাযতে কালে সমন্তান্ত পুৰদ্ধতে।। ত্ল্য ৰূপ গুণো-পেত• তুল্যবেশ ব্য স্তথা। নিরাম-या निजावाधाः महानन्त विवर्जिनः॥ একাদ**শ সহস্**যাণি তত্ৰ বৰ্ষাণি বৈ জ নাঃ।জীবন্তি তে মহাভাগ ন চান্যো-ন্য হনন্তি চ 🏻 তাক্ঞা নাম শঙ্কনা ন্তীকুতুওা মহাবলা:। তামিইরন্তী इ म्जान् मतीयु भुक्तिभ छि ह।। উखः ताः अत्रादा वृजान् वर्राथराजा (अ न-মাসতঃ। #। হ্রিথাযে রন্যকে চএয थर्मः भूकी छिं जः।।(मादाः भार्थ महः भूर्व वाका तुकान् यथा उथ । जुना-व उम्भूता नाग उब व्यान् महीलः जिः॥ अनुनाल वन यव कानामुक

गराक्यः। कालाया नाम क्ला श्लो निक हार्त्र (मविजः॥ याज-নৈক সমূৎসেখো নিত্য পুত্ৰ ফলঃ শুক্তঃ। তত্ৰতে পুৰুষাঃ শ্বেতা স্তেজা युका महावलाः ॥ असम्माञाः जिय खब हाकनामाः मूरणहिनाः। हम्मू-ভ চাক্ৰপাশ্চ পূৰ্ণেন্দু সদৃশাননাঃ। न् ३९ गी ३ कवा ভि छ। भन्म भी ३ वर् কান্তবঃ ৷ দশ বৰ্ষ, সহসু।ণি ভ্ৰাযু वा जानक छ।। कालामु द्रम भारतन नि-छा: मृहित शोवनाः। मिक्कालन जु-नीन मर्) नियवस्मरा उत्तर जु॥ সুদ**র্শ**-নো নাম মহান্ জগুক্ঋ: সনাতন: ৷ সর্বকাম ফলঃ পুণ্যঃ সিদ্ধ চারণ সেবিতঃ।। দ্বীপ খ্যাতিকরঃ শ্রীমান্ সহসু ষোজনোট্ডিঃ। অরত্নীনা• मर्मुक्ष गं जानि म्म शक्ष ह।। शतिः ণাহস্ত বৃক্ষস্য রসানা বসভেদি-ना । छक्गाहिल्ड वर्गाक जागरस ত্র মানবা:।। #।। তথা মাল্যব্ডঃ म्राक् मृगार्ड स्वारास्तः। नाम्ना मञ्जंका नाम कानाप्तिः भुन्य १ छ कृ ।। उथा माना वजः मृत्य भूर्व পূৰ্বানুগণ্ডিকা: ৷ যোজনানা সহ म्ंि शक्षवभाना वान् विका। गरातः জত সক্ষাশা জায়ন্তে তক্ৰ মান্বাঃ l বুন্ধলোক চ্যুতাঃ সর্বে জায়ন্তে তত্র

নরাঃ।। তপ ধ্প্যন্তি তে ভীবু विष्ठ दूरक् (त्र उभः । त्रक्र गार्थस जाना॰ न विश्वास्त्र दिवाकत्र॰॥ य-ংস্তানি সহসাণি ষষ্টিরেব শতানি ः অरूपम्यागुरा याखि भविवार्यः বাকর ।। বস্তি বর্ব সহসাণি ব :ম্ব শতানি চ। আদিত্য তপ্তা ্রেরে বিশন্তি শলি মণ্ডল•।।ইতি । দ্ম ভ্নিখণ্ডে ভ্গোলে ১২৯ অ-भारायः ॥ क्ष ॥ भाराय उवात । मिक्स्ति म जूं त्थञमा नियथरमा जाता जू। বৰ রমণক নাম জায়ন্তে তত্র নান-वाः ॥ मृक्राভिजन সম্পन्नाः সর্বে সু-প্রিয় দর্শনাঃ। দশবর্ষ সহসাণি শ জানি দশ পঞ্চ।। জীবন্তি তে ম-হাভাগ নিত্য মুদিত মানসাঃ। #। क्षिएन जू नी नग्र निष्यत्र । खरत ৰ ভু॥ বর্ষণ হির্থায়ণ নাম তত্র হৈ-🍇 বী নদী। যত্ৰ চায় প নহাভাগপ-🐓 রাট্ পতগোত্তনঃ ॥ যক্ষানুগাক্চ া হবে। ধনিনশ্চ মহাবলাঃ। একাদ-। সহসাণি বর্ষাণা তে মহামতে।। াযুঃ পুমাণ জীবন্তি শতানি দশ ্পুচ। শৃসাণিচ বিচিত্রাণি তী-্বৈ বাহ্মণৰ্য ভা এক নিদ্যাণ ত-विञीय (दोश मजुङ । गई तड़ ধকৈব তৃতীয় তত্র শোভতে।। যত্র। স্বযম্পু ভা দেখী নিত্যু বসতি শাণ্ডি नी। (इमक्रेस मूमहान् रेकनात्मा नान পर्वजः ॥ यब रेव প्रवता जाना **७** श्रोकः मह (नाम् छ । ज्ञानु । ज्ञानु । কৈলাশ মৈনাক পর্বত পুতি।! হিরণ্য শৃঙ্গঃ সুনহান্ দিব্যো মণিম-যো গিরি:। তস্য পার্শ্বে মহদ্বিযু• मूज्काक्षन वाल्कः ॥ तम् विन्तू मः রো নাম যত্র রাজা ভগীরথ:। দৃষ্ট্রা পুণ্যাপগা গন্ধা মুবাস বহুলাঃ স-माः ॥ गृशा मिश मया खब हिन्जा-শ্চাপি হিরথ্যা:। তত্ত্রেঞ্চী তু গতঃ সিদ্ধি সহসাকো নহায**শা:** ॥ সু**ঙা ज्**उপতি र्यं मर्सलारिकः मनाउनः । উপাস্যতে তীম্মতেজা যত্ৰ ভ্ৰৈঃ नन उठः ॥ नत्रनातायाने नुका मनूः স্থাণুষ্ট পঞ্চমঃ। তত্র দিব্যা ত্রিপ-थगा भूथमञ्ज भुजिहिजा॥ युकाला-कारभकां छ। मध्या भुजिभन्। छ। व्यक्षाकना द। निन्नी भावनी ह नद्ग-भ्रजी ॥ जमृत्रही ह नी जा ह गन्ना मि कुण्ठ मध्यी। व्यविद्या स्वित मङ्गा-मा भुजारिक मनविज्ञा। उभामा यक मक मङ्गु युगलर्ग्य । मृभ्।-দৃশ্যা চ ভবতি তত্র তত্র সরস্বতী।। এতা দিব্যাঃ নপ্তনন্ধা জিবু লোকেৰু विनुजाः। तकाःनि वि हिनवि

হেমকুটে তু: গুছকাঃ।। সর্পা নাগা-শ্চ নিষ্ধে গোকর্ণঞ্চ তপোবন । দে-বাসুরাণা• সর্বেষা• শ্বেতপর্বত উ-**ह्या । शक्तर्वा नियाप निर्ञाः नीत्व** तुक्षवंग उथा। मृक्षवा॰क महाजान দেবানাণ পুতিসঞ্চর: ।। ইত্যেতানি महा जाग मधवर्षा गुनुक्र गाए । ज् ভান্যপি নিবিষ্টানি গতিমন্তি প্রুবা-ণি চা৷ তেষা মৃদ্ধি ৰ্বহু বিধা দৃশ্যতে रिम्व मानुषी। अभक्रा भविमःथ्रा-जू भुष्कया ज वजू र जना ॥ इनावरज তু ভগবান্ ভবান্যা সহ মোদতে। ইত্যেব মঙ্গৌ বৰ্ষাণি কথিতানি ত-वानच ॥ क ॥ कर्य (क व महा भूगु ভারত॰ শৃণু সাম্পুত । প্রিয মি-न्तुमा (एवमा) मत्ना दैर्ववश्वमा ह १। भ्रामञ्जू मन् दिन्। मा ज्याना র্মহাত্মনঃ। যথাতে রম্বরী**শ**স্য না **ऋा**ञ् र्नञ्यम्। हा। उ**रेथ्य गृह्यन्सम्।** শিবে রৌশীনরস্য চ। সোমকস্য চ রাজর্ফে গাঁথেশ্চৈব মহাত্মনঃ।। খাষ-ভস্য তথৈলস্য দিলীপস্য মহাত্ম नः। अभिक्मा ह भर्मा छ न्गमा न् পতে তথা ৷৷ অন্যেশ মহাভাগ क्क जिरागा वनीय ना । मृगु (म गर-তো বুন্ধন্ সর্ব পাপ পুণাশন ।। ন (रुत्मु। ननाः मशः भूकिमान्कवा

নপি। বিষশ্চ গা্ধরিপাত্রশ্চ সপ্তৈতে ष्टल পর্বতাং॥ তিফা॰ সহস্লো বু-ক্ষন্ গির্যস্ত সমীপ 🤐 ধাত চিত্রা: সভ্ৰত্তা মহান্ত শিচত্ৰদানব: ॥ আ-र्या। सहाक वर्षक कि मिनाः भूकः ষা দ্বিজ। 🕸। নদী পিবস্তি বিপ্লা 🖲 গঙ্গাণ সিদ্ধুণ সরস্বতীণা শতক্ষণ চন্দু ভাগাঞ্ विभाषाः ज्ल वालुकाः। (गानावती नर्मनाथ यमूनाथ महा-नहीं ।। দৃশव जी विभामाक वास्ता সরিতাঘুরা । নদী বেত্রবভীঞ্চৈৰ প্রোফী • দেবিকামপি 11 বেদমূতি• (व्हिनी विज्ञास्य निन्ना । क्द्रीयिगी • ठिखवरा • क्करवदा • मूनु ণ্যদা॰।। ইরাবতী॰ বিতস্তাঞ্চ ত্রিদি-বা নিক্ষা ক্মি ৷ গোনতী পূত পাপাঞ্চ নিচিতা লোহিতাবনী ॥ কোশিকী ত্রিদিবা কৃত্যা সরযুঞ্চ মহামতে । চর্ম্মণ্ডী বেত্রবভী চ-न्तनाथः महानतीः ॥ त्रह्माः भाउ ब्रह्माक रुडि मामा हिम्ब्रथा। শরাবতী পথোফীঞ্চ বাজিনী পুর-मालिनी ।। প्रांडि तामा धीताक वाशी॰ भी उवनी मिशा शना मि-नी शानहता मृनुर्यामा गरामः उ ।। কাবেরী ঞুলকাঞ্চাপি বেশ্বা• ভীম-तथी गिन । तहन्याः मञ्ज्ञाक

ल्महीकाः महामही।। शनामिनीः পাপহরা (হমা হৃতবতী তথা। मक्जी भूवता (मना महिन्ता भावेनावजी ॥ भूतावजी मनुकाक व्याधाताः गरानि। जनानीता ग খ্য্যাঞ্চ তথা চীরবতী মপি।।করী বিণী নশিক্লীঞ্ বিপুলা সহির্থায়ী 1 महाकाञ्चा॰ मिवारिक्षवः शक्ष्मीक **महानदी ।।** विद्या वीत्रकत्राक्षात्रि বিশ্বামিত্রা কপিঞ্জলা । বসু সুৰ जी॰ भोत्रीक अप्तता मधुवाहिनी॰॥ রথচিত্রা॰ জ্যোতিরথা৽ তুক্ষ্বেরা৽ महानहीं। दिवन्हीं शिक्षं वादिष्व जुक्ररवशः महानिने ॥ विकिणाः কৃষ্ণবেশ্বাঞ্চ হবিঃসূবাণ নহাপগা।। नक्रा• नगामा• (वरावा• ভा**র**षा-कीक निनुगा। मीघाक शिहिना रिक्षव को निकी॰ निम्नगमि । मूर्गा मञ्ज निवारिक्षव वुक्तरमध्याः मृभवञीः ।। পরোক্ষান্থ রোহীঞ্চ সানান্যা॰ বরণামসিণা সুরসাং তপসাং দাসীং পণা সাঞ্মহানদী ।। মালৰী বৃষ-ভা॰ ভাসা॰ বুন্ধমেধ্যা॰ বৃহদ্বতী॰। क्षञा महान्त्रामह वस्त्रुत रेव सहान-(रा विषयं छ।। **म**रा निवासया कृष्ण মন্দ্ৰা মন্দ্ৰাছিনী। চিত্ৰোপলা চিত্রথ। দুর্গাপি পাপহারিণী।। বু

ন্ধাণী চ মহাগৌরী কোষা চাপি ম-शनही। भुक्तिमञी मनका ह मक्षना साहिनी उथा।। जनाती अविज्ञा **চ निर्मानिनी उथा।** जूनर्गा ह তথা গদ্ধা মারিষা চ সরস্বতী ॥ লৌহিত্য• করতোযা চ তথৈব বৃষ-কাস্থ্য। বিশ্বস্য নাতর শৈচতাঃ **गर्हा टेन्ड**व महाकलाः॥ তथा नहं उन् शुका**णाः गउण**क महमुगः। ইত্যে তা: সরিতো বুন্ধন্ সমাখ্যাতা স্তবা নধ । া 🛊 । বক্ষ্যানি পর্বতা শ্চাপি ভারতে সম্ভিয়ে দ্বিজ। মলযো মঙ্গলা-शुष्ट्रा रेमनाक महिक्रहेकः ॥ श्रय छः **স্ট**ক: কোল্ল: সহো দেবগিরি তথা । शिलाला अय। ग्रूक म मुकिमान्क এবচ।দ্রোণশ্চ পারিপাত্রশ্চরৈবতঃ কঙ্গভ স্তথা। গোবদ্ধন শিচত্রকূটে। नीला भाकर्ग এव हा। का नामूथ इ-न्मुकीन उथा कामगिति विक। #। অতঃপর• জনপদান্ বক্ষ্যানি দ্বিজ-সত্তম।। বিখ্যাতাঃ অকপাঞ্চালাঃ भाक्षा नाषुग काञ्रलाः। न्याः ঙ্গাউ। মৌদুল্যা ভোজাঃ নিস্কু স্ব-लिन हाः ॥ भृतरमनाः भू लिन्हा क अउगः (किन कानवाः। शाक्षोवाः को भनारे भव रवाया याना खरेथव ह ।। চেদি মৎস্য কৰ্ষাশ্চ নৈকপৃষ্ঠা

युगञ्जताः। উख्नान्ह मनानान्ह का भार्या २ शत्रका मयः ॥ अस्ट्राया २ व-उपरेक्टव मनजा विजया उथा। जा-ধিরাজ্যাঃ সঙ্গউাশ্চ চক্র বকাত্যঃ नकाः॥ भानवारम्याभवादाक यक्-स्नामान **এ**व ह। बाङ्गीका बादेशना-क महना भयं ठ ७काः ॥ मझाः मूरिकाः भुट्रामा महियाः मिनिका ত্তথা। অপরান্তাঃ পরান্তাশ্চ আ-ভীরা: কালভোষকা:।। অটবী শি-প্রাশ্চৈব মেকভ্তাশ্চ মারিব । ष्ठेभाविकानुविकाण क**क्लाः कं**क-वर्गकाः ॥ अष्टाः भवाष्टा माष्ट्रया মাগধা মালবজ্জটাঃ। অন্ত্রাশ্চ বছ-বো বুক্ষন্ কক্ষাঃ সামুদু निष्कृष्टीः ॥ विहिर्निर्येऽ। क्रमन्ति। अञ्चर्नियंऽ खेल-व ह । जङ्गुखद्राः शुाव्ययाः मुप्तक्षा यामूना ख्या।। भका नियामा नियक्षा ভার্গবাক্ষ দ্বিরূষভ। পুঞ্জা ভোগাঃ कित्राञाक उरियवानर्ख रेनर्थजाः ॥ তীরগুহাঃ স্রসেনাঃ সন্তলাঃ সশ-ना खथा। जिन्जावा मनावाम्ह गाकात्रा पर्मका ख्या।। कान्यीताः সিন্ধু সৌবীরা ইজিকা কন্যকা গণাঃ । অভীসাহা জল্তাম্চ মধুমভাঃ क्ट्रन्त हाः॥ तञ्च छ। म्ह धर्म ऋ भी हना वाङ्गि उथा। म्बी वदा नवा

मर्बाः जूरामानः जूमिकाः॥ वनाः यत्वामणाः भार्यद्रामानः अणिका खथा। ब्रङ्ब छान्छ भर्म क वाउ याः त्रत्थात्रगाः ॥ त्रक्षुाः कत्रीयकाण्ठा मनित्मारभञ्जा उथा। वहा (भा शानकहाक म्विका वानवानिका ।। কিরাত। বর্ষরাঃ সিদ্ধাঃ পার্মতী याक भाविष। ७५ (सहाः गरेनवि क्रा रेवरम् शामानिश्वकाः ॥ उपा পরে জনপদা দক্ষিণা ব্রাহ্মণর্যভ पुविषाः (कब्रणाः श्राह्या विक्ल श्रव का खथा।। (कार्वि का खथा हाना (त्रोवृता भवका भवाः। वृजिन् प्रत्ने वन रक्डा काइ विकृष्टि मानवाः। **एखकाः कात्रकाः शु**ाठ्याः स्मन्न कात्रभातिकाः। ज्येथव विकार हुनि का द्विगर्खाः माल्ल (मनयः ॥ मनऋ। कवकारेक्ट व उरेथवाभववर्खकाः । मृ यका खनवालाग्ठ भूलिन्स। वर्ष देव **नर् ॥ गू**निवाष्टीः शिवाष्टीक नः **(दगदमा उथा । दिनर्छा अविका** काकजनान्छ वाञ्चलवं जा। यवनान्ड শকান্তোজা ওল্নাঃ পরতঙ্গনাঃ 🖟 मक्वराः अन्याग्र नाक्ना (सहजः उंगः॥ উত্তরাশ্চাপরে স্লেছা হুনাঃ পারসিকৈঃ সহ। তথৈব চ নলা শ্চী ना म्माना प्रमाना निकाः ॥ अक वक

क्लिकाण्ड शङ्का शिद्रिगञ्जाः। भानीका का उठावाक विकार मृमु क्लानि ह ॥ णुनु। जीवाण्ड प्रवराय-हात्तर अह ज्नयः। **आ**ख्यान्ह जन-द्याका खरेशव खनल्मायकाः ॥ **ट्रिय**ः काण्ड किलाकाण्ड कित्राजानाक का-ত्यः। তোনরা হন্যমানাশ্চ তথৈব করভঞ্জকাঃ॥ এতে চান্যে জনপ माः भारत्रामीत्रा खरेश्व त। प्रेप्स-**(मन मं**या (रमा खत म कीर्डिंडा দ্বিজ।। বর্ষে তু ভারতে বুন্ধন্ ত্রিবর্গ म्। फ्ल॰ ভবে॰। দুছতে कामधूर्याः न् ज् निः नम्रगन्षिठा ॥ जिमन् म्-ভাশুভ कर्य यथां क कलम न्गा। व्यन्तानि वानि वर्षाणि ज्निय्रगाणि তানি বৈ ॥ ভারতে বিহিত কর্মা याग धानामि वक्षा । कवा अनय তে मभुक् विकर्य नद्रकागुरि ॥ তত্র সিদ্ধা নরা বুহ্মন্ তপসা রাধনে-न ह। भुगां अत्रम खाक मश्रवर्गक নারিষ।। কৃত তেতা ছাপরঞ্কলি শ্চ বান্ধণষ্ঠ। ভারতে তু ক্রমেণৈব॰ ভবন্তি হি যুগানি বৈ ॥ চত্বারি চ স रुमानि वर्षानाः दुाक्षनवछ । आगृः **সংখ্যা কৃত্যু**লে সংখ্যাতা ভারতে দ্বিজ।। ত্রীণ্যের তু সহস্যাণ ত্রেতা-যা ভারতে নৃগা। ছেনহসে ছাপ-

রে তু শত নেক কলৌ মৃত ।। ত-वाशि ह शिंख नी खिकानी वासन সত্তন। পর্ক্তাশ্চ মিুয়ন্তে চ তথা জাতা মি্যন্তি চ ॥ মহাবলা মহা-मञ्जा ज्वानिता धर्म जर्भद्राः । তপৰিনে৷ খ্যান নিষ্ঠাঃ কৃতে জায-স্তি মানবাঃ॥ ত্রেভাষা॰ সর্ব বর্ণা 🕫 স্বধর্ম নিরতাঃ সদ। । দ্বাপরে চ নহাভাগ কুরাশ্চ পরহি সকা:।। লুন্ধা শ্চান্তিকাশ্চৈব কোখনা দুষ্-তে রতাঃ। কলৌ খলু ভবিষ্যম্ভি ভারতে তাপস পুজা: ৷৷ সর্বেষা মপি বর্ষাণা ভারত পুবর দিজ। সিধ্যন্তি মানবা হুত্র হরিভক্তি প-রাযণাঃ ৷৷ পুাযো ভাগবতাঃ সর্বে ভারতে দ্বিজ সত্তম। নানা রূপাণি ञीर्थानि कनमानि नृगाम शि॥**कप्** हीला नवा लुात्का वृक्षयाजन वि-স্তৃতঃ। সমানেন পুনাণেন বেপ্তিতো नवनासुमा।। यष्टादव উপদ্বीनामू-নিভি: পরিকীর্ত্তিতাঃ । সিম্বুনধ্যে মহাভাগ নানাবিধ জনালিুতাঃ ॥ নানানি তেষা বক্ষ্যানি শৃণু বাৎ-স্যায়ন দ্বিজ। সাগ্রস্য সুতৈ র্**খা**-त्यरा পরিতো মহी।। খনজিঃ ্ কল্পিডা বিপু দ্বীপা অঙ্কৌ নহার্ণবে िञ्चर् भूङ् म्हन्तुमन्तः भिम्हनावखरनो

ख्या ॥ भक्षक्रमा ख्या मन्दर्तिता রমণ না স্বয়ঃ। লক্ষেতি কথিতা বিপু জমুদ্বীপস্য তে ২ন্তরা।। ইতি পান্মে ভ্নিথণ্ডে ভূগোল বর্ণনে ১৩০ ক্ষ্যা यः॥ #॥ (नय उवाठ। श्रक्तवीशः भवक्ताि म्नू वाटम्यायन विका यमान जमुकी भन्। उरेश्व व्यवता-मर्थः ॥ ज्ञा विख्य नाता श्लो প্লক্ষীপো মহামতে। যধুদ্বীপস্য চ यथा (वर्डन वर्गास्त्रमा। मनात्नन श्रुमाराम भूतः भत्रिथया यथा । भति খাষা উপবন• বথা ভবতি বেপ্টন•॥ भूकषील खेरें थवारमी **ज**ेरवर्षेऽ व्यव-लाक्ष्या विकक्ष (याजनायात्मा व ৰ্ক্তে-বিল সভন।। তত্ৰ জন্পুনা-भाकि पीभ था। जिन्द सकः। अ (का नान नक्षाजा वर्गवर्णा ९११) बान ह ॥ जब वर्षाणि मरिक्षव मू छपुः ব্বস পেব । অমৃতাক্ষম শাস্তানি क्रवाप्रचय भिज्रां मा मरेक्षव नीमा গিরযোনদ্য: সপ্ত চ কীর্ত্তিতাঃ। মণি কু:টা ব্ৰুক্টো জ্যোতিমানিন্দুসে: নকঃ ৷৷ হিরণ্যগ্রীবো মেঘনালঃ সুপ र्भः (मञ्लेभनका । जक्नम्मना हिव সাবিত্র্য সিব্দী তথা ॥ সত্যস্ত্রবা नू भुजा ह वाध महायन शृङ्ख्या। व् **छाः मध**गरानाम् । एक्सनारम् व भाव

না:॥ বৰ্ণানা: বুল্লেণালীনা: ভত্ৰ না मानामुक्रमार । इ॰मोटक शब्द **म्हाक्षाय्यम ज्डीयकः॥ मङ्रा** क ठज्र्था रेव मर्ख धर्मार्थ काविह !: । व्यानात शर्वता खंब नम्हेर्भन्त म-क्षिणाः ॥ शुगायाः गराजाभ মলযো নাম পর্যতঃ। ততো নেখা: পুবৰ্ত্তে পুভৰম্বি চ সৰ্বতঃ।। ততঃ भारत विर्भुष्तु कवशात्र अर्थ छ। **छमाम्गृ**ङ्गाछि वि छाय॰ वामैवः পৃথিবী কৃতে।। বর্ষাস হি ততো বৃষ্টি **ख उः मम् मगू** ख्यः । देववाछ। माम তত্রাথ গিরি র্যত্র পুভিপ্তিতঃ । রৈব-**ी नाम नकाब॰ म्ना**उठ निवि भा-দিতা। উত্তরেণ তু তস্যাথ শ্যামো नाम गिति मंद्रान् ॥ भागः श्रीमाणः शासक भुक्याकृत विगुहः। यम् শ্রিয়া শ্রামবর্ণাঃ পুরা স্তত্র মহাসতে ।। অতঃপর• মহাভাগ দুর্গো নাম নহাশিরিঃ। কেশরী কেশর যুতো ययाद्वाजः भुगर्खरा ॥ श्लाका नाम নহাদ্বীপো যত্র পূজ্যন্ত শক্রঃ। তত্র গছন্তি সিদ্ধাশ্চ চারণা দৈবতানি চ ।। ধার্মিকাশ্চ পূজা বুক্সন্জরা নৃত্যু विविक्षि जाः। नीर्घायुषः मजुभवा व র্দ্ধন্তে ভোগ বৃদ্ধিতাঃ ৷৷ নদ্যশ্চান্যা নহাপুণ্যা গৰা চ বহুধা মতা। মহা

मरी मनिक्रवा भी जामी (विभाग तथा ॥ ॥ मुख्याती धनाती हर्द्ध विक्रिका छथा। अङ्गानाः भंडात्म्यः महाः भाक्षा न मकारा ॥ उत्र भूगा बन-পদা শচ্বারোলোক সমতাঃ৷ মগা क मनकारिक मानमा मन्त्रा उषा । भगा वाका ज्याका ज्याका ৰিজ। মশকেষু তুরাজন্যা ধার্মিকাঃ नर्कामनाः ॥ गानतम ह महाजाग रैवण । भर्म निरम्बिनः। न नराग्यु उथा भूमाः भूता क्यार्थ निकिजाः॥ न " **उब ब्रा**का विरम्नु नगरथा नह पर्था তা। সৰ্মে ণৈব তে সৰ্বে রক্ষন্তি চ अतुम्भात ।। # ।। श्रक्षती अनातन সমুদ্রেণ বৃতো বৃহিঃ। ইক্ষুরস জলে। বৈৰ নানারত্নবতা দ্বিজ।। শাদ্মলো-**लि उथ**्षी**नः श्लक्षा**ष्ट्रिश्चन मानउः। **চ**ञ्जंक याज्ञतन मुद्धारिनावृत्जा गरान्।। यक देव भानानी नाम हिन ক্ষণোজনোছি তা।দ্বীপ খ্যাতিকরে। वृक्षः मूनर्लन क् जालयः॥ उख वर्षानि नरिश्व कथार्ष १व मूरद्राहन । भी-गनमा त्रभाक एक्ववर्ष मिछि क নাৎ ॥ পারিভাদু নাপ্যায়ন মতি জ্ঞান্ত মিতি দিছা। সেতু শৈলাশ্চ ने थित मुद्रमः मञ्जूक्तः ॥ वामरा वण अन्तर जन्द अनुषः श्रुष्ठवर्षकः। मर्

नु, जि विकि वृक्षम् महिं। गरिश्वं की-खिजाः॥ अनुमिजिः मिनीवाधी नन्मा-वाका अवस्त्री। वजनी व अक्रेन्व महानम्यः मूल्ग्रमाः ॥ छत्र विशा-परमा वर्ग कनामामानि विज्ञि । जामाः भुज्यस्या वर्ग छ छ। वीर्याप्रवः म्जा। दमुक्त स्जीयस हज्शंस हरू **ন্ধরঃ। সম্বেতে সোন নাজান** ভগ-বন্ত যজন্তি হি ॥ সুরোদ পরিবেস্ট্রো হথ ততো দ্বিগুণ সানকঃ। 🛊। জশ দ্বীপো ঘৃত্যোদেন সমানেনা কৃত্যে দ্বিজ ।। সশস্তয়ো মহা• স্তত্র দ্বীপ থ্যাতি• करतां कि है। का ज़ून प्रनारना भीरिश्वव মহাজ্বনরাশিব্ ।। তত্ত্বর্ষাণি স रिश्व ममानानि भूगाग छ। वमुनान দৃঢ় কৃচি নাভিভপ্ত মহানতে ॥ সত্য ৰুত্ত বিপু নাম দেব নামেতি সপ্তম• । नरिश्वन मीनागित्रयः कीर्खिङ। हिष ञखन।। वज्ररेन्डव हजुः नृषः कशि-ल क्ठिबक्रेकः। (स्वानीक উख्राती-मा पुविषा कि जिल्ला ।। नक्षानिर क मरिश्व मर्बभाभभूषाभनाः। तन कला। नथूकला। निखितिनमा ह मान-म ॥ भु, ठिवन्स। (मवगर्ड) राखग्ला ष्ट्राञा। তত विशापत्य। वर्गा मोरे ূনান্তর ভূতো দ্বিজ।। দশলঃ পুথনো दर्गः काविषम् प्रिजीयकः। अञि

मुक ए शेयस हज्यः स्वकः स्डः ।। তে সর্বে জ্ঞান সম্পন্না জাতবেদ স্বক্পিণঃ 11 ভঙ্গন্তে ভগবন্ত বৈ কর্ম किশवराजिनः।। शाघ्टाना ह उथा দ্বীপো বিগুণ: কৌঞ্চ স জ্ব কঃ। **ফ্নী**-রোদেন সমানেন বেপ্তিতো ব্রাহ্মণ-র্ষ ভ ।। ক্রৌঞ্চো নাম গিরি র্যত দ্বীপ খ্যাতিকরো মহান্। মহাসেন শ রাঘাত কৃতিছিদ্যে নহামতে॥ की রোদেনাভিষিক্ত\*চ সতত বীচি সঞ্চয়ে:। বৰ্ষাণি তত্ৰ সম্ভৈব তেষা• नानानि मि मृत्। वात्रा मधुक्रा भ्या । त्या कि वनम्या कि । त्या कि তাৰ্ণ: সুধামাচ ভ্ৰাজিষ্ঠ শ্চাপি সপ্ত-नः॥ नित्रयम्हानि मेखिव वर्षमीमा করাদ্বিজ। শুক্লোহথ বর্জনানশ্চভো-अन डेপवर्डगः ॥ नन्तरमा नन्तनरेण्ठव সৰ্বতোভদু ইত্যপি। সপ্ত তত্ৰ মহা-निष्ठः भावना वाञ्चणर्यञ् ॥ अञ्या চাদ্তৌবা চ তৃগুৰূপৰতী তথা। ভীর্থবত্যার্য্যকা শুক্লা পবিত্রবত্যপি म् जा।। विश्वानय खथा वर्गाः श्वाजा নামান্তরেণ তৃ। পুৰুষঃ পুথমো বর্ণো দ্বি গ্ৰাথাৰ ভঃ মৃতঃ॥ ভৃতীযো দুবি-লো নান দেব স•জ্ঞ শচতুর্থকঃ। মূর্ত্তি• । ज्ञानियो विद्या क्षेत्रयन्ति ह यज्ञानि ह ॥ \* ॥ वनः शत्राट कीतानाटः

भाक्षी(भाषिक्षर्ञ। यागारान न विष्ठार्या चाजि॰मलक्ष्यार्कनः ॥ मिश्रिक्षाम् करेनेव समात्नेन स স্কুনা। পরীতো ভাতি তঁকান্তি 🤫 🕏 कानाम महीक्रः।। बीপ्रथा िक तः **बीनान् वामयन् हीश्रामव** छ । বর্ষাণি তত্র সপ্তৈব পুরোজব মনেজ-वो।। धूमानीका विश्वाना विश्वान ধারশ্চ নারিষ। বহুরূপ শিচন্তরে কা गित्रयाशि **ठ म**श्चरेत ॥ **देणान** छेक् শৃঙ্গত বলভদুে৷ নহানসঃ। শতাক শব নামাচ সহসু সোত এব চাাদে-বপালোপি সপ্তৈতে বর্ষসীমা পুরু खंकाः । नम्रः मरिश्व विथ्राजा 🦠 যুদ্ধাপ্যনহা দ্বিজ।। সহশু,তিঃ 🔫 নদী নিশ্বতি রপরাজিতা। বিখ্যা তোভ্য সৃষ্টিশ্চ নহাপুণ্যা মহাফ-नाः ॥ विशाम्य ख्या वर्ग थाउा নামান্তরেণ তু। আদের ঋতবুরে নাম ততঃ সত্যবুতঃ মৃতঃ॥ দান বুতান বুতো চ তৃতীয়ক চতুর্থকঃ ভগবন্ত বাযুৰপ ভজতে চ যজনি চ ॥ #॥ जरेथव मिथ्राखामा भार छाट भूष्काता नहान्। विख्यान भूनाः ণেন দ্বীপঃ স্বাদ্দকেন তু॥পরিবী-তঃ সমানেন সিন্ধুনা ব্ৰাহ্মণৰ্যভ। ব্ৰ পুষর নত্ছে জ্বজ্বন সমিত ৷৷

দ্বীপ্ধ্যাতি কর পত্র সহসাযুত শোভিত । যদাভ রাসন বিশ্বস্র স্তস্য পুৰু।পতেঃ।। দ্বীপমধ্যে হবধি গিরি রেক এব নহানতে। স নান সোভরো নান পুকোর ইব বেষ্টকঃ । उग्र भृदीभाती भाष्यी (पवार्य তত্র মারিষ। সিন্ধো 🚱 ন নতৈক। গিরে বেষ্টনক পর ।। রনণক খাত কৈণ্ড দ্রে বর্ষে নাসতঃ মৃতে । নান• তস্য নিরে বিপায়ত ্রেজন মৃছিত• ॥ जावस्य ज्थायात् सःम्यानात्र পুরাণি চ। চত্ত্বারি লোকপালানা निन्तारीना॰ ছिডर्वछ ॥ यः शतिः कागानम् (मकः विश्व विवक्तः। गृष्ट्या वि डर्खि रेगालनम् माजा मयू -मताञाक ॥ अव्यामः ५ ६ को आ খৌ পুজা শুসা মহাবলাঃ । তত্ৰ সংজ্ঞান্তর নাতি বর্ণানাও বাহ্মণর্যভ ।। স্বাদ্দক্ষ্য পরতো লোকালোকা-চলে৷ মহান্। লোকস্ ঢাপ্ডলে৷ কস্য নধ্যে গিরি রবস্থি ভঃ॥ প্রা কার ইব সংবেষ্ট্য লোকান্ সর্বায়হানতে । (वाकारवाकाहरवा नान (उनारशे পুরি নির্ভিতঃ।। মানসোভর মের্রো-ন্তু অন্তরে দাব**ঠা মহী। তাব**হী काक्षेत्री कृति ल्याकालाका शत বিজ।। যত্ৰ পূণিছিত। বস্তা কথঞ্চি

धार्शन जारा । भोवनी काछि क फोछा मर्ब वर्ग भुनाथिनी ॥ जाउः সর্বাণি সত্ত্বানি তাণ্ ভূমিণ বর্জযন্তি-हि। लाकालाका नित्र यंस्र ला-কান্তে বৰ্ত্তে মহান্।। আবৃণোতি न তেজा॰ नि मृर्यप्राभीना मिल दिखा। তমতিক্রন্য জ্যোতী ধি ক্ষনন্তে ন পুবর্ত্তি ।। তাবদুয়াহ্বান্ বুজয়া-यात्म ह जाम्मः। आयाम विख्रत भृथी भक्षाम एका हिता जना।। ज-স্যা শ্চতুর্থ ভাগো হয় লো দালো-কাচলো गिद्धिः। তস্যোপরিষ্টাচ্ত্বা-ता गरजन्माः मृगदावनाः। नियुक्ताः तुज्ञना ভूजि॰ करेत ताक्षा मः हिः তাঃ। ভগবানপি তত্ত্বৈ বিশ্বক্সে-नामि व् उः ॥ भार्यम् भुवति व कान् ज्रिक वंद्रिक क्षिटिकः। शातरम् अग-তী মান্তে আকল্প মণি মারিষ ৷৷যো হন্ত বিস্তার এত্য্যা ভ্য্যা তে পরি-বর্ণিতঃ। তাবতী ভূরলোকাথ্যাসা-न्तु अञ्चनभावृज्या। उट्या (यारमध्त গতি যোগিনা পুৰণ্য মুত্তম। স্থা-ন ভগবতঃ সাক্ষাৎ শ্বেড্ৰীপ ই তীর্য্যতে ॥ ইতি তে কথিত বুক্ষর্ ज्भावत्मशाशवर्गनः। वशम छेवाहः। ेय इह भृत्यार गृ उ ज्ञालम्। न्-বৰ্ণ-।। পুৰক্ষিণীক্তা তেন সংশল

ভূগোৰ

वन कानना! म मागदा ह विशास वर्षा ह वमुक्तता ॥ इंडि 🗐 भप्रभू-রাণে ভূনিখণ্ডে ভূগোল বর্ণনং নাম ১৩১ विद्याराः ॥ # ॥ (ज्ञाि विव শাস্ত্রোক্ত ভূগোল যথা। সিদ্ধি সাধ্য মূপৈতি যৎ মারণতঃ ক্ষিপু भुनाराख्या यम्ता किंव भरायनः क्ञित्रनः नानि छ। नीनाव छी । न्-ত্যন্তী মুখরস্থােব কৃতিনা স্যান্তা-রতী ভারতী। ত॰ তাঞ্চ পুণিপত্য रगान भगनः वानावरवाधः वुर्व ॥ ॥ (गानगृष्ट कथ्रान कात्रन नाह्। মধ্যাদ্য দুগুসদা খদত গণিত ত-স্যোপপত্তি বিনা পৌটি পৌট স-ভाসু नৈতি গণকে। निःमः भारा न **च**य•। গো**লে সা** विनला कतानलक-বং পুত্যক্ষতো দৃশ্যতে । তমাদ ম্যুগপপত্তি ৰোধ বিষয়ে গোল পুব-क्तार । इ ॥ वय भाव भून•-স্থা গোলানভিক্ত গণকোপহাস भारु। ভোজ্য• যথা সর্ব রস• বিনা-काः त्राकाः यथा ताज विविद्धिं उक्ष সভা নভাতীব সুবক্তৃ হীনা গো লানভিজ্ঞো গণক স্তথৈব ॥ বাদী ्वप्रक्रित्र विरेनव विमूषाः **शृक्षः श्रु**वि-् ই: সভা॰ জল্লনলুন্তি: ম্বাৎ পট্ট বটু ভুভঙ্গ বকোজিভিঃ। <u>ছ</u>ীতঃ স

মূপহা স মেতি গণকে গোলানতি-জ্ঞ তথা জ্যোভিরিৎ সদসি পুগল্প গণক পুশু পুসংক্ষাভিভি:।। # !৷ ज्य भाग वक्त मारा म्डाइ वता বনিভ গুহাণা সংস্থান মান পুতি পাদনার্থ । গোল: মৃতঃ কেত্র বি भिष এव शुरिक्षत्वः माह्मिष्टन গম্যঃ ॥ # ॥ অথ গণিত পুশংসা মাহ। জ্যোতিঃ শাক্তফল পূরীণ गर्गेक द्वारम्य इंड्राइराङ ग्न॰ ना বলাশ্রি: পুন রয় তৎ স্পৃষ্ট থেটা-भाष । (उ भानाभ्विमा २४८३१ গুণিত গোলোপি ন জ্ঞায়তে ত बाए या गणिज न ति म कथ शानारिक जागाजि॥ 🗢॥ व्यथ জ্যোতিবশাস্ত্র শুবণাধিকারি লক্ষ্ ণমাহ। দ্বিধ গণিত মুক্ত ব্যক্ত মব্যক্ত সংজ্ঞঃ ভদবগনন নিষ্ঠঃ শ ৰশান্তে পটিষ্ট:। যদি ভবতি তদে-দ জ্যোতিষ ভূরি ভেদ পুপঠিতু मधिकात्री (म। १नऽथा नाधिकात्री ॥ #॥ वृशक्त्रन वर्गन माइ। त्रा विक বেদ বদন সদন ছি সন্যগ্রাক্ষ্য সবেদ নপি বেদ কিনন্য শাস্ত্র । यमाएकः भूषा भंजप्यीकः वीमान् শাস্ত্রান্তর্ম্য ভবতি শুরণে হধিকা-त्रो॥ #॥ अथ (भामगृह्मा भुट्खा

र्व गत्नाक भुकारत्वाह ! : भाव | শো্ডু তব যদি শলি হাজাল मृन् द्व तेम् न किल्डा ना वहव्या विखतः नाज्य अतुः। नीना भन्।ः मू विविक भरः भूभैत्रभाः भ यका विवन विषय महाम-भठेडा भिष्ठािक वानिक । क्षा व्य व्र श्वान भूग त्नाक विरागार । जुम फठक ठका छ প্রিংগ্র গুলন্চেরে:। বৃতা ধৃতা ধরা रकन (यन (नय नियामधः ॥ किमा-कात्रा कियन्त्रामा नाना भाज वि हात्रभाट । की मृग्धीश खला भी नमू अमृदे मू दिखाहाडाः ॥ 🕸 ॥ अथ গুহয়ুটীকরণোপপত্তি পুশু শ্লোক-म्बर्यनाइ। नः निष्का मुग्रनाष्त्र्रगानि ভ गरेनः थरहानुभाउन यः महा खमहा मु, देजां कथः कथमज्द स्माधीकृष्ठि रैनकथा। कि॰ हिमाछत्र मृहमाछत মছে। বাস্থন্তর• কিঞ্চর• কিঞ্চোচ মৃদু চঞ্চলক তদিদ কন্তাত পাতঃ म्जः ॥ कि कम् किम् कम्ब किम् ठल किशा ठल उट कल क्यां उट्ट निष्ठः अठम द्रिष्ठः (थि दुरि। जागरा ॥ कि॰ मृक् कर्म उत्थाप्रयाख जनस्य हिंदा वि-म्यु र्वाः। मर्बः त विमनः वमा नन ननः शानः विज्ञानामि ए९

!। क्षाः व्यथं जित्रुत्नांसिठं निनेनान उन श्री श्री के घरपना र ।। वर्ष-स् किए है। ब्रेडिमी छन् मिनने भे ণকোভর গোলগে। ননু তনু দিবসে। गर्जी निना वर्ष विष्ठक्र परिकर्ण हि গ্লেড। ভবতি কি॰ দুর্যনশ॰ দুর্যনিকা निना मुप्ति वर्ष निज्य मुद्रिषा। পিত্যু কি শব্দি নাসমিত তথাযুগ मह्म यूग कहिनमा कि ॥ # ॥ অথ রাশ্যুদ্য নান কাল ভেদ পুশ্-काई। उरलयम् किलार्क नवाः म-भाः किमनरमः मगरेयः थन् तामनः । भम्भयासुप्रयं किम् लामविम-विषयं श्रिशित युनि एउ नमाः॥ का। अर्थ मुक्ता अक्तामि मः इनि ंभूमं वृद्धारक्तारः। मृज्जा **म**ज्जा ९ श्रम मम नहागु। ऋ नवारिकाना॰ विषम् (गारम वियि हि यंथा पर्मय-(का ज मः छा। अथ हन्मार्क गुइ।रंग দিক্লাল ভেদাদ্যপপত্তি পুশান্শ্লো-काखतासनार । जिथार एट গুহ উডুপতে: কিয় ভানো স্তদানী ইন্দোঃ পাচ্যাণ ভবতি হি রবেঃ भुगुरुः कि॰ भुडीह्या॰ ॥ नगुनः বদ কি॰ কাচ নতি মতিমতা। বর। ৈতং সংকৃতি স্তিথৌ বাণে কিং তে गिष्क ञठः छठः॥ 🕸॥ जय শ्

क्षांबा हो हिन्तुमा भूतमा क्य वृष्ति পুশুমাহ ৷ শুকুস্য দ্বিজ রাজ এষ भर्ता रान्।ः अत्वः अठः मष्ख ত্বগতোপ্যহোভুমবশাদ্বোবাতি স कारिय। मः भारताथ भून खरी जन् गठ सम्प्रामुख रेनव कि॰ मृक्षम् क নশ ত্তথিব মহসে৷ বৃ**দ্ধ্যৈতি স**দৃত্ত छा। ॥ अ॥ व्यथ भ्यम भूममा भ-থিবী সংস্থানোপপত্তে ক্তর বিব-क्रुताि मर्ग भृषियामीनाः उल्वानाः मापि छबुः निथिन जगन्जनरेनक वी कः भन्न वुक्त मन्त्रा भूगिभ उत्राद्धी তাবৎ ভজ্ঞৰ নাহ। যুমাৎ ক্ষুদ্ধ পুকৃতি পুৰুষাভ্যাণ মহানস্য গৰ্জ্তে **২ছ কারে। ভূৎ থ ক শিথি জলে। র্ব্য**-ख**ा म-ह**ाउन्छ। वृक्षाखः यब्ब्रवेद्रग गरी शृष्ठ निष्ठा वितिषि विष्यः नाय স্কৃতি পরমৃণ বুন্ধ তত্তত্ব মাদ্য ।। #।। यथ ज्यः यक्ष मार। ज्यः পিও: শশাঙ্ক জ্ঞ কবি রবি জজে জ্যার্কি নক্ষত্র কক্ষা বৃত্তি বৃ্ত্তো বৃতঃ সমূদনিল সলিল ব্যোন তেজোন (या १यः। नान्। श्राक्षां इः श्रमकः। वि-যুতি চ নিষ্ত তিষ্ঠী হাস্য পৃষ্ঠে निष्ठः विश्वकः मञ्चल, जनगृज मनुजा मिछारेमछा: मगडाए।। मर्बछ: भ<sup>र</sup>ी बंग्राम भाग हिन्। करेन किनः।

क्रवे अन्त शृष्टिः (क्रवेत भुक्रतः ৰা) # া৷ অথ প্রাণেযু ভূগের<sup>া</sup> भवस्थाया भविका उप निवास मार। मृर्खा थर्खा (स्वितिका) उपः **उम्राभ्यात्या ११म्य मञा नव**र অন্ত্যে কল্প্যা চেৎ স্বশ্বজ্ঞি: কিন্ कि भा ज्विः माष्ट्रे मृर्खे म ।। 🗱 ।। जाथ कथितयः ज्रानः 🛪 🍍 রিত্যা শক্ষা॰ পরিহরমাছ। औ क्षञाकां नवत्या मह भी जला विर्ध তিঃ কে কঠিনত্ব সম্মান। মক্ষ ভ্রচলা স্বভাবতো যতো বিচিন্দ খলু বন্ত শক্তয়:।। আকৃষ্ট শক্তিশ मरी उरा यट थञ्चः छक् चा जिमूथः **স্বাক্**র্যা। আক্ষ্যতে ত**ু পত**তীর ভাতি সনে সমস্তাৎ স্বরিষ হকঃ থে ॥ 🗱 ॥ অথ বৌদ্ধানা • যুক্তিনা হ 1.ভ পঞ্জরস্য ভূমণাবলোকাদাধা র শ্ন্যা করিতি প্রতীতিঃ। খংল न मृष्ठे छक् ह क्रमां छः (थ २वः भूयः তীতি বদন্তি বৌদ্ধাः ॥ দ্বৌ দ্বৌ র বীন্দূ ভগণৌ চ তদ্বদেকান্তরৌ তাবু म्यः वृष्क्रजाः। वम्बुत्रामय मनर्थवा मान् वृवीमा उ खान् शु जियु कि युकः ।। 🗱 ॥ व्यथ (उषा • युक्ति ज्ञ्ननारः। ভৃঃথে হবঃ খলু যাতীতি বৃদ্ধি বৌদ্ধ मू वा कथ । या जाया उक्ष मृक्षा शि (थ

য়ৎ ক্ষিপ্ত' গুৰু ক্ষিতি। । 🗱 ।। অথ क्रियानाः युक्ति छक् म ह। किः श-मा कतु रेवछन । इस्तिन । या वृथा क् भार है स्वाह्मा विकाक्ता है। द वयदम् भ हिंचू ा 🗱 ॥ जूगानम् जनजाः निदाकि छ मेर । यपि नमा ৰুক্রেদের সঁমিতা ভগবতী ধরণী ভরণিঃ ক্ষিতে: ৷ িপরি দূরগভোপি পরিভূমন কিয়ুন্তি রম্বর রিবনে-क्टिक्स यमि 🗇 अन्तः वनकाठ-লঃ কিমূ ভদন্তরগঃ স ন দৃশ্যতে । উদগय॰ नन् निक तथा॰ मुमान् कथ म्राहिज म हिक्किंग जागजः॥ 🕸 ॥ অথ পুত্যক্ষ বিরোধ শঙ্কাণ নিরস্য নাহ। সমো যতঃ স্যাৎ পরিবেঃ শ তাংশঃ পৃথী চ পৃথী নিতরাং তনী যান্। নর 🏗 তৎপৃষ্ঠ গতস্য কৃদ্র। স মেব তস্য পুতিভাত্যতঃ সা॥ 🛊 ॥ ষোক্তস্য ভূপরিধি পুমাণস্য উপ-পত্তি মাহ। পুরান্তর চেদিদমূত্তর नऽ। ९ जमक वित्त्रय वरिव उपा कि । চকা শকৈ রিত্যনুপাত যুক্ত্যা যুক্ত নিক্তি॰ পরিখেঃ পুনাণ•॥ #॥ ত लच मृष्टी वर्षमाह । नित्रकः-एन्धा ক্লিতিবোডশাংশ ভবেদবন্ধী গণি তেন মুখাৎ। তদ্যর । যোডশ স• ध्यः म्यान्डमान ममाद्द किः उर्

कः॥ म्रकाति गुरुप्ठि गुरुरा म्याख हायामिकः भद्रिथिन। यहेट्ड **२**मूने। हि । नात्न्यन उडन জ**छ** क्क মহী পুনাণ প্রামাণ্য মর্যযুজা ব্য-তিরেককেণ।। 🛊 ।। অথ ভূগোল भूत्र निर्वण मारु। लक्षा अ मर्था य-মকোটি রস্যাঃ প্রাক্ পশ্চিমে রো-मकभावनकः। यथ उठः गिष्कभूतः मूरमकः (मोरम) थ यारा। व उवानन-শচ।। স্বৃত্ত পাদান্তরিতানি তানি ञ्चानानि षष् (भानविष्ना वर्षा । वमिं (गर्ता मृतिक मधा हिर्द চ সর্বে নরকাঃ সদৈত্যাঃ।। যো যত্র তিপ্তত্যবনীতলন্থ মাত্মান নস্যা উ-পরি স্থিতঞ্। স মন্যতে হতঃ স চতুর্থ সংস্থা মিথক তে তির্য্যগিবা गनिख्या व्यथः भित्रका अन्तास्त्रक्रा ছाया भन्षा इत नीव्रजीत्व । अना ফলা স্থীর্য্যাথঃ স্থি তাশ্চ তিপ্তরি তে তত্র বয়· যথাত্র II 🗱 II অথ দ্বীপা-না॰ সমু দুৰ্বাঞ্চ ল• স্থান নাহ। ভূমে রর্জাণ ক্ষারসিয়ে। ফলকত্ত জমুদ্বীপণ शुक्त ताहार्य। वर्षाः। वाष्ट्रान्यम् দ্বীপ ষট্কস্যযান্যে ক্ষার ক্রীরাদ্য श्रुवीनाः निद्यनः ॥ वदग इविध त्रामी पृथ गिन्ह क उमानम् अम्ड রশ্মিঃ আঁশ্চ ফ্লাছভূব। নহিত

চরণপদ্ম: পদ্মজন্মদি দেবৈ **র্বস**তি সকল বাসে। বাসুদেব চ যত্ত্র।। দথ্নে। ঘূতসেঃজুরসসঃ তমান্দ্রস্য চ স্বা मूजनम्। हास्यः। बाम्नकास्र वंखवानः লো ংসৌ পাতাল লোকা: পৃথিবী-श्रुटानि ॥ हक्ष्ट क्ना मनिगना मु কৃত পুকাশা এতেষ সাসুরগণাঃ ফ शिरना वमस्ति। मीवास्ति मिवा तमी রমণীয় দেছৈ: সিদ্ধাশ্চ তত্র হি ল সংক্রকাব ভাসেঃ ৷৷ শাক ততঃ শাল্মল মত্র কৌশংক্রৌঞ্চঞ্চ গোমে मक शुक्रत है। घरमा र्घरमा ब्रज्ज विक মেক সমুদুযো দ্বীপ মুদাহরভি ॥ 🗱 ॥ অथ अनृतील मस्त्र निति नि-(तम वर्णन नव्यक्षान्। वस्र দেশাজিমণিরি কদক্ ছেমকুটশ্চ ত আত্তমান্থান্য নিষ্প ইতি তে সি-म् भर्याञ्च रेपर्याः। এवः निष्कापूष्ण-नि भूता म्क्दहूक नीना वर्षाता या॰ जछ तिरु वृथी अछत्त पुनेशिरन भान्।। ভারত বর্ষ নিদ হু দুগমাৎ किन्नद्र वर्ष भएडा इदिवर्षः। निष्क्रभूः রাচ তথা সক তমাদিকি হির্মায ब्रम्रक वर्षि ॥ मान्यवाः म्ह यमकाहि शबनाष्ट्राभकाइ किल गन्नमामनः। नील रेनल नियवायवी ह छो अख्रा न मन(या दिवार्डः ॥ मान।विक्तनः

ধি নধ্যবর্ত্তি যত্তত্ত ভদুত্তরগণ হত व्थाः। गन्न रेमल जेलदामि मध्यमः क्जूमालक भिला कलाविषः॥ नि-यथ नील जूगक जूमाल देक जैल मि-লাবৃত মাবৃত মাবভে । অমর কে-लि अलाय अमृध्यल कित काश्वन हिज महीजन ।। अगा ज्य मिक म॰ इान भार । इह हि मिर्भितिः किल मध्रगः कनक त्रज्ञम्य जिम्मे । ल-যঃ। জহিণলগ্ন সপদ্মল কৰিকেতি **চ**-পুরাণবিদঃ সমবর্ণযন্ ।। বিস্কম্ভ लिनाः थन् गम्(दाम्। मूगक् लि-লো বিপুলঃ সুপার্খঃ। তেযু ক্রমাৎ मिं ए (कंजूर्काः कम्य अध् वर्षे भिश्रनाथ्याः ॥ अपृक्नामन गन-দুসতঃ পুর্ত্তা জামূনদী রসযুতা মৃদ-ভূৎ সূবর্ণ। জাম্বদ । ই তদতঃ সূর निक मःघाः भयः भिवस्रागृजभान পরাছ্মথা স্তে ॥ বন• তথা চিত্রর্থ• विठिब • (७ श्रुञ्जाद्रा नन्दन नन्दनका ধ্ত্যাস্থ্য যৎষ্তিক্ৎ সুরাণাণ ভ্রা-নিষ্ণু বৈভাজ মিতি পুসিদ্ধ।। সরাণ म्रोथा उञ्चल भानमः सहाहुनः খেতজল যথা ক্রমণ। সর:সু রামা-রমণ শুমালসা: সূরা রমন্তে জলকে: वि वावगाः॥ **अ**पुञ् काश्वनसयः नि-খর ত্রয়ঞ্চ মেরৌ ম্রারি ক পুরারি

পুরাণি ভেষু। ভেষামধঃ শতমথ क्षत्रताष्ठकानाः त्राकाण्यानिन् 🏴 मीम भुदानि हार । # ॥ उब य-नः विरमीय भारा विकृभनी विकृभ-দাৎ পতিত্যব্বিমন্ত্রৌ চতুর্দ্বাসীৎ বি अग्राह्म मस्कं गरमः मःगठा ११-ক। বিশৃপ্তি। সীতাখ্যা ভদাশ্ব সা-व्यक्तनेत्रि छ अञ् । ठक्क्ष् কেতুদাল ভদাখ্যা চোত্তরান্ হক ন্যাতা !! যা কৰিতাভি**লসিতা দৃষ্টা** স্টার্গাহিতা পীতা। উক্তাম্তা স্তত। বা পুৰাতি বৃত্ধাপি পাপিনঃ পুক্ষান্॥ যা• চলিতে দলিতা থিল বন্ধো গছতি বন্ধতিত**ৎ পিতৃস**ংযঃ। পুাপ্ত তটো বিজিতান্তক দৃতো যাতি नरत्रा नित्रयाथ जूत्रलाकः ॥ 🗱 ॥ ज्य ভারতবর্ষ মধ্যে নবখণ্ডানি সপ্তক্র-" नाहना॰ काइ॥ अनु॰ करमक म কল কিল ভামুপর্ণ মন্যন্নভস্তিমদ-তশ্চ জ্মাব্লিকাখ্য। নাগঞ্চ সৌন্য মি**হ** বাৰুণ মন্ত্যথণ্ড• গান্ধৰ্ব স•জ্ঞ भि जि ভाরতবর্ষ মধ্যে ।। বর্ণ ব্যবৃস্থি-তি রিহৈব জ্মারিকাথ্যে শেষেষু চান্ত্যজনা নিবসন্তি সর্বে। নাছে नु भूकि भवग क्रंक भातिभाजाः मः 'হুঃ সবিদ্ধ্য ইহু সপ্ত স্বলাচলাখ্যাঃ ॥ 🛊 ॥ व्यथ (लाक व्यव्हा माह ।

ज्लाकात्था मिकल वाकारणाम-याट (जीता) १४ जूदः सण्ड (मकः । वजुः भूरेगुः ८थ गरः मुशक्काता-তো हननानरेन्नः रेव छनः मञ्जन स्राः ॥ 🛊 ॥ नियुर्वङ् । मारु । लक्षा-भूत १र्कम् यानामयः म्याखमा मि-नार्कः यमकाठि भूर्यताः। अक्षः छठः সিদ্ধপুরে হস্তকালঃ স্যান্ত্রোমকে রা-बिन्दः उदेन्य ॥ यद्यानित्जा १कः কিল তত্ৰ পূৰ্বা তত্ৰাপরা যত্ৰ গতঃ স চাস্ত । তন্মৎ স্যুতোন্যে চ ততো थिनाना मूरक् हिएा भिक विकि शुनिषः॥ 🛊 ॥ यथ विल्व भार। অথোজ্জিয়িন্যাঃ স্ব চত্তর্যভাগে প্রা-ह्या॰ **दिनिम्यास्म**रकाहि द्वव । छः **७ क भक्ताम** ভবেদবন্তी लरेक्षव छ-न्याः कष्मा शुकीह्याः ॥ ठरेथव সর্বত্র যতে৷ হি যৎ স্যাৎ প্রাচ্যাণ তত তত্তম ভবেৎ প্রতীচ্যা । নিরক দেশাদিতরত্র তমাৎ প্রাচী পুতী-চ্যে চ বিচিত্র সংস্থে॥ ঋ॥ অথ ভ-চক্র ভুমণ ব্যবস্থা মাহ। নিরক্ষ দে-শে ক্ষিতি মণ্ডলোপগৌ প্রবৌ নরঃ পশ্যতি দক্ষিণোত্তরৌ। তদাশ্রিত থে ছলযন্ত্ৰ বত্তথা ভুনন্ডচক নিজ মস্তকোপরি।। উদ্পিশ যাতি যথা यथा नद्र उथा उथा थामञ नृक न अ

ল। উদ্পুৰ পশ্যতি চোমত ক্লি তে তুদন্তরে যোজনজাঃ পলাংশকাঃ ।। যোজন সংখ্যা ভাংশৈ ৩৬০ গুণি-তা স্পরিধি জ্তা ৪৯৬৭ ভব্স্ত্যু-नाः। ज्यो ककायाः वा जारमञ्जा यासनानि ह वृद्धः ॥ 🗱॥ अथ (५व रिष्ठ्रानाः धुतकः जः इतन नाइ। সৌম্য পুর মেঞ্চগতাঃ থ মধ্যে যা-माक रेमजा निज मस्तकात्त्व्य । म-व्याभमवा जुमम्क ठक विलाक यिष कि जिस्र भुमकः॥ 🗱 ॥ উ उत् गोल कि जिलाम्म 'नित्र ज्यस गारिकाः। भवाः जिस्माः भेजकः भगाऽडाम्ब्रा व्यथनवाः शासाः ॥ वः ব্দুান্ত নারোহতি থৈঃ ক্রমেণতৈরেব व्रेंख त्रवाता हुडी नः। योजव मृष्टेः शुथम न परिव खरेंबव जिश्रमविर्मा-कारा कि।। हिन भूताना भगन ग-দুভর পনিশেতর এ সাংহিতিকৈ: পু-की खिंउ। हित्मा मूर्थ शर्क हिन रमव जग्रज॰ निमा जथा ज**्यन की**र्जना যবৈ।। বিধৃদ্ধ ভাগে পিতরে। বসন্তঃ স্বাধঃ সুধা দীধিতি সামনস্তি।পশ্য-डि **(उ ९र्क**' निज्ञ मञ्जरकारक्ष्व 'मर्स्म याजा श्यामृत्रल जोनयाः ॥ क्रक माल भक्तमाल रुज्यामिक भूक रुख লেত্য তথ্ব সিদ্ধ । ভাৰ্দ্ধান্তরত্বান্ন <sup>॥</sup>

বিষো রধ:স্থ্য তমামিশীথ: খড় পৌর্ণমাস্যা ।। যদতি দুরগভো 🕾 হিণ: ক্ষিতে: সভত মাপুলয় রবি মীক্ষিতে। ভবতি তাবদ্য • শবি-তস্য তদ্মুগ সহসু ধূগ• দ্যু নিশ विरय: ।। # ।। जय हि भितिष मान शाक्रियं मिन वित्नियार्थ मार প্রোক্তো যোজন সংখ্যয় ই পরিবিঃ मधाक नन्ताक्यं ६२५१ उद्योगनः म जुनक नायक जुदः निकाःनदक नाषिकः ১৫৮)। रंड भृष्ठ (क्रज़ कला यथा यूग छन जिम्महद्राष्ट्रापुर्य। 🕪 ৫०- १८ ज्राः कम्मूक जानवर मन तिषि व्यामाहरकः शुम्न हे॰ ॥ # ॥ E পৃষ্ঠ ফলস্য লল্লোকস্য দূৰণ মাহ मुडे॰ कन्मुक शृष्ठ काल दिन्ला (गा. कन बन्निङ नामा नाजाः काशि न ভবেদ্यमा ए कल वाखन । ७९ भुजाक विकक मुक्का भिष्य নৈবাস্ত ৰা চাস্ত বা হে পৌঢ়া গণ বিচার্যত তন্মধ্যস্থ বুন্ধ্যা ভূশা 11 # 11 व्यथ मन्युकि मार 1 यट भ রিধ্যক্ষ বিষয়ে বৃত্ত কৃত্বা কিলা কেন। তেনাৰ্ছ্ণ ছাদ্যতে গোগ িঞ্চিত্ৰপ্ত শিষ্যতে ৷৷ গোল কে कनाज्याष्ठ (कव कन यजः। সাজ দ্বিগুণিতাসন্ব তাব্দেবাপরে

ान ।। এवः भक्ष छेनाट (क्व क शट शृष्ठ कन थन् । ना विक जाय-্য তেন পরিধিমু• স্বর্তঃ কৃত•॥ বৃক্ত াচ্ছ ফল স্মাৎ পরিধিমণ ন যুক্তি र । मूक्षेद्वाम् अशिवम्याम्य मूक्षे ज् গৃষ্ঠজ ফল ।। 🗱। অথান্যথা পুতি পাদ্যতে। গোলাদ্য পরিধিঃ কল্পের। .वम्य कार्यनिष्क मिंजः। मूथ तूर्यगत थां छि ग्रंपनामनाक हि छः ॥ मृण्यास বপুকা ঔষৎপাগুক্ত পরিধে মিতাৎ । উদ্ধাধিঃ কৃত রেখাভি র্গোলে ব পুান্পুকল্লবেৎ॥ তবৈক বপুকক্ষেত্র কল থতৈ: পুসাধ্যতে। সর্ব জ্যৈক্য বিভন্ত্যাৰ্দ্ধ হীন• বিন্ত্যাৰ্দ্ধ ভান্তিত• ।। এव॰ व शुक्ल॰ उৎ महासाल वहाम সন• যতঃ। পরিধি ব্যাস ঘাতোতো (गानभृष्ठ कन सुरे ।। 🛊 ।। अथ जूनिः भूनय (जिनान् भूनयकार। वृक्ति विंध इङ्गि जूवः मगन्ना मान् বোজন ভূ ভব ভূতি পুরি:। বুলেস্ত-नाय त्याकन माज तृष्क्व नात्मा जुदः भाकृष्टिक २थिवायाः!! पित्न पितन यश्चिया हि चुटें रेमनिसन उ॰ भुनगः वरिष्ठ। वाक्षः वनः व किना-ভ গলে ভূতানি বদ্ বুক্ষভনু• বুক্জী । वृक्षाकार्य यद शुक्षि भुवान्ति সরণ্যতঃ পুাক্তিক কৃতীন্দাঃ।

बीनान्। कथाशुष्टी खंत दाट शृथक् ক্রিয়ত্তে পুকৃতে বিকারৈ:॥ জ্ঞানাত্রি म्या थिल भूग्र भाभा मनः मनाधाय इतो भारतम् । यम्यागितना यास्रि নিবৃত্তি ন্মাদাত্যন্তিক চেতি ল্য শ্চ जुर्वा॥ #॥ अथ तुका ७ गानमार । ज् ज्थत जिल्ला मानव नानवाम्। বে যাশ্চ ধিষ্ট্য গগণেচর চক্র কক্ষাঃ। লোক ব্যবস্থিতি কপযুর্গ পরি পুদি-है। वुका ७ जा ७ कठेत्व उपिषः नन-ख॰ ॥ 🗱 ॥ व्यथात्मानिक वुकाख मान भ्रात्रीक मिश भुमक्षामन्तरमः जिया का हिंदी न्थ नन्त यहेक नथ ভূভূভ্ৰভূজক্বেন্ডি জ্রোতিঃ শাস্ত্র विद्या वर्षा जना क्या विभाग्या-**कटेनः ७৮१७२०७७२००००००ः । उ**प् বুক্ষাও কটাহ সম্পূট তটে কেচিজ্জ-গু বেষ্টন কেচিৎ প্রোচু রদৃশ্য দৃশ্য; ক গিরি পৌরাণিকাঃ সূর্যঃ ॥ কর-তল কলিতাগলক ব্যম্ল সকল • विषष्ठि (य (भाषाः) पिन हत्र कत नि কর নিহত তমসো নভসঃ পরিবি कपिछ रिक्षः ॥ वृक्ता ७ स्म विभ व भ-स (ना वा कर्ष्म गुरु: कामा ५ (गाज-নানি। যাবভিপুৰৈ রিছ তৎপুনাণ পোক্ত থ ককাথ্য নিদ । নত । नः॥ ইতি সিদ্ধান্তশিরোমণৌগোলাখ্যা-

থে উ্বনজেশিং সমাজে। ভূছায় । । । । । । । ইতি শাস্ত । । ।

्राडः पू॰ जूनागः । ই छि রাজ-निर्यणेः ॥

ভূজদুঃ স্ত্রী গোধ্নঃ।। বিকল্কতফল•
। ইতি মেদিনী।। ভূমিজদুঃ। ইতি
রাজনির্ঘণ্টঃ।।

ভূত॰ ক্লী যুক্তণ ন্যাৰণ।। স্থাদিঃ। পৃথিব্যপ্ তেজো বায়াকাশ পঞ্ ক ।। খত । সত্য ।। ইত্যমর ভ রতৌ।। পিশাচাদি।। জন্তঃ। ইতি *(मिनि) भयत्रञ्चावत्वर्रो ॥ वस्तु ७* द्वानुगद्र । यथा। इनः निद्रम् ভূতেন ব্যবসারামণেমূপ:। ভূত-মপ্যনুপন্য স্ত॰ হীযতে ব্যবহার-**उः॥ ছ ल• श्रुमामा** छिङ्**ठ•**। नि রস্য পরিভ্যজ্য। ভূতেন বস্তু ত-জ্বানুসরণেন । ব্যবহার। মধেদন্ত• নৃপঃ। যমা ভূত নিপ বস্ত তত্ত্ব-পি অনুপন্যস্ত মনভিহিত হীয়-তে হানি মুপগছতি ব্যবহারতো ব্যব্হারেণ সাক্ষ্যাদিভিঃ। তৃষ্যা क्ञानू मद्गा कर्जवाः। यथाथि श्र ত্যন্তিনৌ সভ্যনেব বদত স্থা স মভ্যেৰ সভাপতিনা যতিভ্ৰ্য সাণাহিতি কুপাথৈ তথা নতি

সাক্ষ্যাদি বিরপেক্ষেণৈব নির্ণযো ভবতীতি। অথ সর্বথাপি ভূতানু-্সরণণন শক্তেকভূ^ ্থা সভি **माक्क्या** कि जिल्ला कर्म्य हेड्युन् কল্প:। যথোক্ত । ভূত हैलानु সারি-ত্বাদিগতিঃ সমুদাঁহতা। ভূতভদ্ধ र्थ युक्क यद शुक्ति जिक्कि एन **নিতি।ত**ুত্তানু<u>মারী</u>ব্দেহারে। मूथाः हजानुमाती द्वन्तेतः। इति **নিতাক**র।যা: ব্যবহার গেটিলঃ।। **ज्**ठ• वि जुली १८३३ वजीउ•। বৃক্ত ।। সম । সদৃশ ।। ইত্যমর ভরতৌ ॥ পুগপ্ত।। সত্য। ইতি (मिरिनी भदत्रज्ञावरन्त्रो ॥ ভূতকা-**लम**ऽ भर्यऽारमा यथा। वज्र• २ ञ-তী**ত**• ৩ হ্যন্তন• ৪ নিভূত• ৫ গত• ৬। ইতি রাজনির্ঘণ্টঃ ।। উত্তরপদ-স্থ এব ভূত শব্য: সমার্থ ইতি শা **क्तिकाः। यथा (न्व ভূতো १य•।** ইতি ভরতঃ ॥

ज्उः शृ (मवर्यानि विश्वासः। म ह जार्यामूर्थाक् मूर्याकिः शिमाहल्ज-(मा कृमान्हरता वालगुरुः। ইত্যमत जत्राते॥ अभातः। ইতি कि नि शिर्या श्वासः। ইতি कि निकाश्यासः। कृकहर्ष्मणी। ইতি कि निश्यासः। ॥ अ।। ज्ञामकीयदः यथा। एयं जाभवाहि अब् · शिष्टे • ज्यू-। ल वाहिना । 😘 नम् भूमान॰ भाषाकु व वृक्तका हिन्द्रिशी व्यवस्था श्वाने मृत्र रेत अन्दीहण्ड ज्उर्ध। जुजक दक्षेर्व हिन्नु निम्न भणानि िर गुरुष्ट ॥ किति क्रियेश अण्डिः मृत ল্লেপ্টেক্ট্রেইর: কৃতঃ: গোরোচনা जन्मित्र जिन्न तिक्तर मधु।। শঞ্জন• কৃত দেভিঃ স্বাদ্পুছ ভূত-হল শিব। অপিচ। বচা ত্রিকটুক-रेक्षव जनकः (त्वनाकः ह। निक्षिश ত্রিকল তেতে, শিরীকো **রজনীদ্বয**া ় প্রিত *ভেল* কিডটু লা**মূত্রেণাব**-ব্যিত। ১৯১ নালেখনঞ্চৈব স্থান মুদ্দর্ত্রন• তথা।। অপস্থার বিষো-স্মাদ শোষলেক্ষী জ্বাপহণা ভূতে ভ্যশ্চ ভয়• হন্তি রাজদ্বারে চ শা-नन ।। इंडि गाक्ए रेर । रेरे व्यस्तायः॥ #॥ मञ्जूगगज् जा यथा। হতে বরাহস্য গণে ভর্গ নাসাদ্য তে গণাঃ । চতুর্ভাগাঃ স্বয় ভূত্বা ভূত• কর্মেতি বৈ জহঃ।। ভূতত্ব ग ভৰত্তেষা॰ চতুৰ্ভাগৰতা॰ তদা। বচনাৎ পদ্মজাতস্য ভূত গুলাম তো মৃতাঃ।। যো লো ে বিদিডঃ পূর্ব ভূত গুান ক্চতুবিধঃ। যভ 🖟 ख्टिं १ १ विका. यदि छ छ उनुमा উচ্যাত । ব্ৰি বং সৰ্ব নাগ্ৰাণ ভূতাঃ শান্ত নথা। ইতি কালি-কাপুরাণে ২৯ অধ্যায়ঃ ॥

ज्वत्मः श्र यनामथाज्व् । ।
ज्वत्मः । ज्वत्मी । ज्वत्मी । ज्वत्मी । ज्वत्मी । ज्वत्मी । ज्वान्मी । ज्वान्मी । ज्वान्मी । हिं त्रव्यामा।। ज्वान्मा । त्म हेन ज्वत्मः क्षेत्रक्षि । तिष्ट खी । त्वारा । ज्वत्मा । ज्वत्मा । ज्वत्मा । ज्वत्मा । ज्वत्मा । ज्वत्मा । त्मिण्यामा ज्वत्मा । हिं तव्या । ज्वत्मी खी ज्वत्मा । हिं तव्या । निमान्त्ना ।। निमान्त्ना ।। निमान्त्ना ।। हिं त्रवा । हिं त्रवा । हिं त्रवा ।। ज्वाहा ।।

ভ্তগন্ধা জী মুরানামগন্ধব্য । ইতি জটাধরঃ।।

ভূতম: প্ উষ্টাই ডি হেনচন্দু:।।

লশুন: ।। ভূর্ত্ক: । ইতি রাজনর্ঘট: ।। ভূতনাশকে তি ।।
ভূতমী জী তুলসী। ইতি রাজনির্ঘট: ।। মুণ্ডিতিকা। ইতি রত্ত্বমালা।।

ज्हा जिस्सी छी (भीनकार्जिकक्ष-हर्ज्यभी। ना वर यनहर्ज्यभी। उट्हा असाभाग्य हर्ज्यभाग

ধর্মরাজ পূজা কার্য্যা পুষর্তঃ। मान गावणाउक कार्या नेत नंतक ভीक्जिः ॥ অक्गारयञा १नाउ রিকাযা• সাতি যো নরঃ। তস্যা-ক্ষিক ভবো ধর্মো নশ্যত্যেব ন স•-শযঃ। স্থান্দে চ তবৈব। কার্ত্তিকে क्षभाक्ष जू हजूर्मभारा विश्वरा। অবশ্য মেব কর্ত্ব্য স্থান নরক ভীক্ভি:।। কিঞ্চ পাদ্মে তবৈব। তত্ত্বত তর্পণ কার্য্য ধ্যারাজস্য नामिंडः। जीवर भिठा न ऋवी उ **७**र्भा॰ यम जीगारयाः ॥ यरद्धाः পবীতিনা কার্য্য প্রাচীনাবীতিনা ७था। प्रविद्धः निज्द्धः यमन्। স্তে দ্বিৰূপতা ॥ নক্ত• যম চতুর্দ্দ-न्याः यः अर्ग्याहिव अमिर्धो। न ७९ ক্রতৃ শতেনাপি প্রাপ্যতে পুণ্য থী-मृमः॥ अभात्री वर्षेकान् शृक्ष उथा रेगव जलांधनान्। त्राजम्य कनः তেন প্রাপ্যতে নাত্র সংশয়ঃ ৷৷ কা র্ত্তিকে ভৌম বারেণ চিত্রা কৃষ্ণা চ তুৰ্দশী। তম্যা ভূতেশ মভ্যৰ্চ্য गाह हिवभूत नतः ॥ किथा यमा वामत कञ्चलंगतः भुरमाय मीश দাৰতঃ।যম্মার্গন্ধিকারেভেগ্যমূচ্য তে কার্ত্তিকেনরঃ 🏿 ইতি 🎒 হরি ভ-क्तिविना नः ॥ 🛊 ॥ जिल्हा वित्य

। कार्जिक कृष्णक्षा ह हजूर्पेनात विस्मान्त्य क्रिक्न कर्वताः हार ন-নরক<sup>্রী</sup>কডিঃ 🖂 গোসার্গ প্রভ্র ক্রু ভারবেছিরসোপরি 🗸 🕏 সম্প্র ভগণ কার্য্য **ধর্মরাজ্ম্য নাম**ি ॥ नत्रकाय भूमा उत्तरिभी भः अ नू का ( त्वाः। नत्कार्यम्बक् निव् । অর্থো হভিধেয়ে রৈ বস্ত প্রবা নিবৃত্তিষু। ইতি নির্ত্তাবিপ তাঁ, 😬 ইত্যনেন চতুথী বিধানাত তি মার্গ ভারণ যক্তঃ। শীতলোহ गायुक नकर्षेक मलान् छ। इंत्र 🐗 मनामार्ग ज्ञाम।मानः नूनः नू **उठः शुरिाय अगर्य मीशान् म**नः পুখর তঃ। বুকা বিফ শিবাদীনা 🔻 नरमयु मार्थेषु ह ॥ ভविष्यु । का ভৌনবারে চ চিত্রা কৃষ্ণ চত্দ#ে তস্যা নারাধিতঃ স্থাণু নবৈছিন 🐃 পুর• ॥ যা॰ কাঞ্চিৎ সরিত• 🐒 🔻 कृकभाक्त हज्यंभी । यगुनायः 🔠 (শযেণ নিয়ত छर्পयिष्यमान् ।. মাধ ধর্মরাজায মৃত্যুবে চাতকাং 🕆 रिववञ्चाय कालाय मञ्जूष्य 🚟 DIA हुन्। या प्रशास भी वास शह 👍 हित् । वृत्कामताय विजाय 🗁 ख्छाय रेव नमः ॥ এक्किम् । 🔡 निपुाः छी छ मर्गाङ्गाः विष्

मयरमत क्ष भाभः उर्क्श (एव भूमा जि ॥ १३ मा व्यक्तिम् ্যতুদাশ শাক ভক্ষণ কর্ত্ব্য । তত্র নিৰ্ণযা**মৃত্য**ুপ্তল কেমুক বাস্ত্ৰণ अर्थश कालक्ष्रिय करा भारत भी शिवासा जिलाक शहूक लोड खप्ती स्था जिल्लाकी म्नियाकः भिविदिन थामां य गानवाः (भू **७५॰ क** शांडि कां जिंक मित्न कृष्य ए जूर उ जिस्थो ॥ बयाः अयहीः शः िकः পद्धानः (मोतः मूनका इंडि ्याउ॰ मृनियाक॰ मृयनिमः रिकि শ্যাত । ইতি তিথ্যাদিতত্ত্ব । । की की कराना नी। इंडि भय ाला ॥ गम्रगःगी। इंजि बान विर्घणेः ॥

্ন্ৰী পুণ ত্তাজ্পৰ্ক:॥ রক রবীর:। ইতি রাজনির্ঘট:॥ ক্ষাঃ পুণ শ্লেমান্তকৰ্ক:। ইতি ক্ষিনির্ঘট:॥ নাত্রী জী পৃথিবী। ইতি ত্রিকাও

वाशः श्रामितः। ই**डि भन्** तदः। श्री।। इत्याधिका जी पूर्ण देखि। (इस इन्युः।। इडिन्युभन की स्पूर्णकः। ইভি त्राख निर्यक्तः ॥

ज्ञनामनः भू जञ्चा ः । ३७ রত্ননা ॥ সর্यপः । ३७ রাজ-নির্ঘণ্টঃ ॥

ভ্তপ**ী দ্রী ত্**লসী। ইতি রাজ-নির্ঘণ্টা ।।

ভূতপুশ্ল: পু॰ শ্যোনাকনৃষ্ণ:। ইতি ব্ৰহ্মালা।।

ভ্তপূর্ণিমা জী আধিনীপূর্ণমা।
তৎপর্য্যায়: । শারদী ২ কৌমুদী ৩
অশ্বয়জী ৪ শতপর্বা ৫ রক্ষ্ভৃতি: ৬
কোজাগরা ৭। ইতি শব্দরত্বাবলী।।
ভ্তভাবন: পুং বিষ্ণু:। ইতি মহাভারতোক্ত: তদ্য সহ দুনানান্তর্গত
নান ।। বটুকভৈরব: । ইতি বিশ্বসারতজোক তদ্যাপ্তোত্বশতনানান্তর্গতনাম ।।

ভূতভূৎ পুণ বিষ্ণা। যথা। ভূত-কৃৎ ভূতভূজাবো ভূতাঝা ভূত-ভাবনা। ইতি তস্য সহসুনাম স্তোকা।

ভূতমারী **ত্রী চীডানামণন্ধ্রুব্য ।** ইতিরাজনির্ঘ**ট: ।।** 

ভূতৰজ্ঞ: পু॰ ভ্তৰ্লি:। স তুপক্ষ সহাযজ্ঞান্তগত বলিবৈশ্যদেব ক-র্মনী। যথা। ভ্তেভ্যোবলি হরণ• ভূত যক্ত:। ইতি হারীভদ্র•।। জানার নানার **ইব্যা** ভূগণিন জা প্রা হা**ত রা**ছ নিয়ণ্টঃ ॥

ভূতবাসঃ পু॰ কলিজনঃ।ইত্যমরঃ॥ ভূতবিজিয়া স্ত্রী অপসাররোগঃ। ইতিরাজনিঘটঃ॥

ভূতবৃক্ষঃ পু• শাথোটবৃক্ষঃ॥ শেরা নাকগৃক্ষঃ। ইতি মেদিনী॥ ভূতবেশী জ্ঞী খেতশেকালিকা। ইত্যমুৱঃ॥ ভূতবৃক্ষা পু• দেবলঃ। ইকি.শ্রম

गाना॥ ज्ञभूकिः खी भृकारने वीकविर**णय** দ্বারা বামক্ষি স্থিত পাপপুৰুষ দহন পূর্ব দশরীর শোধন । তৎ পুযোগো যথা ৷ রনিতি জলধার্যা বক্লি প্রাকার• বিচিন্ত্য স্বাঙ্গে উ खामों करतो कृदा সाइ मिछि की वाजान इमग्रः भीभ क नका কার• মূলাখার হ সলসগুলিন্যা সহ সুদুমা ব্রানা মূলাধার স্বাধি-ষ্ঠান মণিপ্রানাছত বিশুদ্ধাজ্ঞা খ্য ষট্ চক্রাণি ভিত্ত্বা শিরোবস্থি-তাথোমুথ সহসুদল কমল কর্ণি-কান্তৰ্গত প্রমাত্মনি সংযোজ্য ত তৈব পৃথিব্যপ্ তেজো বায়াকাশ গন্ধ রস কপ স্পর্শ শব্দ নাসিকা জিলা চিক্ত স্থ शान असिमांच 📉 म्हण्युषेऽः হকার ৰূপ চভূচ্চি 📝 জ্যানি **जीनानि विভाव**। योष्ट्रिक वाच बीछ॰ ः श्रुवर्गः वामनाच शृद्धि विविद्या छन्। বোডশব ্যপের ক্রমা ছেই স্থা भूर्या नामार है। १ हो हैने। ए पृथि বার জপেন সন্ত্য কুর্ নি ্রেকি-इ कृष्वर्ग भाभभूनत्व मर (म्इ॰ সংশোষ্য তস্য দাত্রিংশদার জ্পেন मिक्किन नामगा वागुः (त्रहायः । प-ক্ষিণ নাসাপুটে রমিতি বহিবীক तक्तवर्गः थ्यादा छम्य (वाष्ट्रम वात क्रालन वायन। (एक् गाल्यी) नाजालु-টৌ ধ্রা তস্য চত, य छ ताর জপেন সম্ভান্ত কৃত্বা পাপপুৰুষেণ সহ দে इ ग्लावाद्यात्यि वङ्गिना मञ्जा তস্য দ্বাত্রি:শদার জপেন বাননাস-খা ভদানা সহ বাসু রেচনে । ঠ মি তি চন্দুবীজ শুকুবর্ণ বামনাসাধা খ্যাত্বা তস্য ষোডশ বার জপেন वनारि हन्तु॰ नीवा नामाश्रुही ध्वा ব মিতি বৰুণ বীজস্যচতুঃষ'ষ্ট বার জ্ঞান তমাললাট্ছ চন্দুাদ্লিত সুধ্যা মাতৃকা বণাজ্যিক্যা সমস্ত (नइ॰ विव्रष्ठया न निजि शृर्थोवी सम् দ্বাতি শদার জপেন দেহ স্দৃত

ेण्डि पिक्तियन वायुः तहीय । া পু সংখ্যায় বৃগ্নিমা উদুক্ংগ্ৰেক্ত-না হৈ সমূল ও লনা সোহ নিতি माञ्चन त्याक्त्यर। महम्राद निव-ञ्चात भत्रभाञ्चनि प्रिक्तिकः ॥ धूमू-वर्गं उठा वार्रे वीकः यहिन्तू वाश्वि ত । পূর্বেনিড যা বায় সুধাঃ বোড **শ নার্থা।। নাত্র্যাত্ চতঃয**ষ্ট্রা **স**া अयह जुजूनवा । दावि मनावया म खी (त्रहरय शिक्ष वार्थ)या।। भृत्रय **म**नया रेठव मिक्किडा नीलनाक्**उ**। त ক্তবৰ্ণ বহি বীজ ত্ৰিকোণ স্বস্তিকা-ব্রিত ।। তেন পূরক যোগেন মাত্রযা साउनाथ। एक् वर्षे भावया ए निर्पाट्ट अञ्चलन ह ॥ वानभार्थः श्चिं अ। अश्वक्ष कड़न अंब । বুক্ষহত্যা শিরস্কঞ্চ স্বর্ণস্তেয় ভুজদ্বয়• ।। मूदाभान इतायूक । धक्उन्न कि हरा उट म मार्ग अरहन्द्र सक् शु ত্যঙ্গ পাতক ॥ উপপাতক রোনা ग॰ बक्त न्यून्, वित्नाहनः। थङ्ग हमा थतः कृषा भवः अको विविद्ययः ॥ मृलाक्षात्रार्ष्यिः उत्ति विद्याने निर्म হে ত । এব স দহ প্র<del>িভো</del>কা ব্রি:শন্মাত্র্যা ততঃ ॥ ভষ্মনা সহি-**७**॰ मखी (ब्रह्स्यिक्छिया भूनः। वाम नाष्ठाः हम्द्री इः इत्तत्न्यु मनु

**ভ•॥ ভালে** स्ट्राइक 👉 🕬 🕬 याउम माजगा। मूमूग्रगा ठजुःविष्ठि মাত্রয়া ভোষ বীজক ।। ধ্যাত্বামৃত ম্যীঃ বৃষ্টিঃ পঞ্চাশদ্বর্ণক্পিণী । ত্যা দেহু বিচিন্ত্যেব নন্সা পি-क्लाधुना ॥ हाजिः नदाज्या मखी लः वीष्मन मृष्टः नत्य । श्रष्टात इ॰म मख्यम भून खरेनव वर्जामा ॥ कीव• उन्नानि **ठानीय ये**शानि शा-পযেন্ততঃ। ইতি কৃত্বা ভূতশুদ্ধি। न्। क् हान्। म नाहरत् ।। 🗱 ॥ म॰-क्षित ज्जमूबि यथा। भूतम्हत्तन-**हिन्दु काया । अथ्वान्य भुकादिन** ज्रमुक्ति विं वीया । धर्म कन्त म-मृ खू उ॰ उद्धान नाल मुल्ला छन ॥ ঐর্থর্য্যাপ্ত দলোপেত পর বৈরা গ্য কৰ্ণিক । স্বীয় ভূৎকমলে ধ্যা-নেৎ পুণবেন বিকাসিত।। কৃত্বা उटकर्निका मण्ड भूनीश कलिका नि छ । জीवाञ्चान इति श्राञ्चा मृ ल मक्छि म छनी।। मूम्या वर्जा-नाजान शत्रगाजान (याकरप्र। ইতি তন্ত্রসার:॥

ভ্তনঞ্চার: পু• ভ্তোনাদরোগ:। তৎপর্যায:। আবেশ: ২ ভ্তকা-স্তি: ০ গুহাগম: ৪ । ইতি রাজ-নির্টি:।। क्उनकाती श्री सावानमः। ইতি । भक्षामा॥

्र ज्ञान क्रिक्ट । यथा।

वान भूकाभिनेयक भोगा रेमन्तु

खरेषद ह। गाम्नई मथ कोरद्रः

ब्रम्भः रेममाह मानूषः ॥ द्याददः
भागवः मार्गः मान्र निक स

था। हर्ज्यमं विषः (क्र ज्जु उ मर्गः
भूकी विषः।। हेि दि स्मृतागः॥

ज्ञातः भूः (मानाक भुर जमः।

हिन्दा अनिर्यन्तेः॥

**ज्उर**की हो। वक्ताकार्लाहेकी ॥ नीवपूर्व।। इंडिताजनियकः॥

ভূতহর: পু• ওপূলু: ইতি রাজ-নির্ঘট: ॥

ज्उराति ती (एवराक । रेडि नाक-निर्धके: ॥

ख्ठा की क्क ह जू पंनी। यथा। कारमः। वृक्षां खान कारपु जू या-नि जी थीनि मिस्त दि। প्रक्रिजानि खबड़ी इ ज्ञायाः भावता कृष्ण॥ खिलहा निवज्ञा विवुद्ध ज्ञाः का-मिवजाः विवर्जाद्य । इंडि जिथा-मिज्युः॥

ख्टाख्यः शृ सनानथाउत्कः। ख्टश्यायः। क्रवकः २ क्रवकः ० क्रिनः ३ क्रवः ६ क्रवः ५ त्राकार्ष पनमः अः १ ए ज्यापी । ग्राच्याः त्रेष्ट निष्ठाः । जीवृत्रस्यः हिष्ट किष्ठः । कष्ठ्रः । व्याप्ति । जिल्हाः । कष्ठ्रः । व्याप्ति । कष्ठ्रः ।। व्याप्ति । क्ष्रः । व्याप्ति ।। क्ष्रः । व्याप्ति ।। क्ष्रः । व्याप्ति ।। क्ष्रः । व्याप्ति ।। क्ष्रः । व्याप्ति । क्ष्रः । व्याप्ति ।। क्ष्रः । व्याप्ति ।। विक्रः । व्याप्ति । विक्रः । व्याप्ति ।। व्याप्ति ।। विक्रः । व्याप्ति ।। व्याप्ति ।। विक्रः । व्याप्ति ।। विक्रः । व्याप्ति ।। विक्रः । व्याप्ति ।। व्याप्त

ভ্তারি ক্লী হিন্দু।ইতি রাজনিঘনীর ভ্তার্বঃ তি ভ্তাবিষ্টঃ।ইতি হেন্দ্র চন্দুঃ।।

ভূতালী জী ভূপাটলী। মুৰগী ইতিরাজনিঘণ্টঃ ॥

ज्ञावामः भू विजीजकदृष्णः। ই कि द्राजनिर्घणेः॥ द्रिष्णः। यथा। ज्ञा वारमा वामूरतदः मर्दाम्निनाया न वः। ই जिमहाजाद्राज नानधर्मः॥ ज्ञाविष्ठः जि शिषाहगुष्ठः। ज्ञा ा क हज्जः यथा। शक्षद्राथाः ममू ज्ञाविष्ठ जिर्याण्यं कृत्म। हि। शन्। वि वस्ताशान्। एक्कमारन्। जृत्मी

वयः ॥ नवस्य प्रश्च महाज्ञ वांगः शः स्थारमा ज्या । इजीरम्झावक्षेत्य प

দিশি দৌ ষোডশে শু,জিং েএক।

किना मन (छिर निष्ट कार्क वि किना जन प्रावि मन कि निर्मा कि निर्म कि निर्मा कि निर्म कि निर्मा कि निर्मा कि निर्म कि न

> 20 00 00 00 20 27 28 24 22 22 0 8 22 22 0 8

ভূতাবিষ্ট: বি ভূতকান্ত:। ভূতাদিনা রোগগুল্ত:। যথা। ভূতাবিষ্টেমুপ-ঞ্চাশন্তাপত্যাসু বৈ শতং। ই-ত্যাদি জ্যোতিস্তত্ত্বং।।

ज्ञातमः भू॰ ज्ञमधातः। ज्राज्ञ भाष्या इति ज्ञाया। यम् भर्याः या व्यातम मत्द पृष्टेत्राः॥ ज्ञिः ज्ञी महास्त्रम् क्रिमाम् छे-भूकात विक्राः। इत्रमतः॥ मह्म-

্ শভরা ২ গোরটীকাথা**॰ ভরতঃ** । ১ৰ্যা , <sup>ক্র</sup>াঃ।। হতিশ্**লারঃ।**  ইতি মেদিনী।। জাতি:। ইতি বিশ্ব।। বৃদ্ধিনামৌষধণ।। রোহিষতৃণণ।।
ভূতৃণণ। ইতি রাজনিঘণটা।। উৎপর্ভিঃ।। সন্তা। ইতি ভূ ধাতো
ভাবে জি পুত্যবেন নিয়মণ।।
ভূতিকণ শ্লী ভূনিয়ঃ।। কভূণণা।
ইত্যবরং।। কট্ফলণা। যমানী।।
ঘনসারঃ। ইতি হেমচন্দুঃ।।
ভূতিকঃ পুণ যমানী। ইতি রক্ত্রমালা রাজনির্ঘণটো।।

ভূতিকামঃ পু॰ রাজমন্ত্রী ॥ বৃহস্পতিঃ। ইতি কেচিৎ ॥ ঐশ্বর্য্যাভিলাষিণি ত্রি । যথা । বাযব্যু৽
শ্বেতমালভেত ভূতিকামঃ । ইত্যুখিকরণমালাযা॰ দ্বিতীয়পাদে কাম্যুপশ্কাণ্ডে বিধ্যুর্থবাদ বোধিকঃ
শু,তিঃ ॥

ভূতিকীলঃ পু॰ ভূথাতঃ। থানা ইতি
ভাষা। ইতি শব্দালা।।
ভূতিগৰ্ভঃ পু॰ ভবভূতিকবিঃ। ইতি
ভূরিপুযোগঃ॥
ভূতিবিধ্যা কী প্রিধ্যাক্ষার ইতি

ভূতিনিধান• ল্লী ধনিধানক্ষত্র•। ইতি জটাধুরঃ।।

ভূতিমান্ ত্রি ঐশ্বর্য্যুক্তঃ। ভূতি র-স্ত্যুস্ট্ত্যর্থেমতুপুত্যুবেননিয়নঃ॥ ভূতীক• ক্লী ভূনিশঃ॥ যমানী॥ ভূত্যুণ•॥ কতৃণ•। ইতি মেদিনী॥ ভূত্ন প্রা গদ্ধত্ন । গদ্ধথড ইতি
ভাষা। তৎপর্য্যায়: । গদ্ধথেড ২
রৌ হয় ৩ গোন্যপূর্য ৪ । ইতি
রজনালা।। পট ৫ রানকপ্র ৬ ৬
সত্ন ৭ শর ৮ শ্যানক ১ ধ্যামক ১০ পৌর ১১ দেবজন্ধক ১২
। ইতি রজনালান্তর ।।

ञ्ज्भः श्रु ञ्छ्भः। সृगक्षता हिय इंजि शित्राच मगक्षति इंजि ह व्य-क्राम्सः श्रु शिक्षः। ज्य श्र्यायः। त्वाह्यः २ ज्जिः ० ज्जिकः छ व्य-त्वाह्यः २ ज्जिः ० ज्जिकः छ व्य-त्वाह्यः २ ज्जिः ० ज्ज्ञावाः। १ ह्वः ४ व्यात्रिक्षः ७ स्मान्यी १ ह्वः ४ व्यात्रिक्षः ७ स्मान्यी १ ह्वः ४ व्यात्रिक्षः ७ स्मान्यी १ ह्वः ४ व्यात्रिक्षः ७ श्रु वि-गृहः ०० विष्तः १८ व्यात्रिक्षः १८ भ्वाद्याहः १७ कत्वनम् कः ११। व्य-माण्याः। कत्वः। जिक्षः। वाज् माण्याः। कत्वः। जिक्षः। वाज् माण्याः। व्यात्रिक्षः। इज्जाक्षतिर्वः। प्रात्रिकः अ श्रितः। इज्जाक्षतिर्वः।

ভূতেশঃ পু॰ শিবঃ।ইত্যমরঃ॥ ভূত্তম॰ ক্লী সুবর্ণ॰।ইতিহেমচন্দুঃ॥ ভূবরীভবা স্ত্রী আখুকণী ।ইতি ভাবপুকাশঃ॥

ভূদারঃ পু॰ শৃকরঃ। ইত্যমরঃ।। ভূদেবঃ পু॰ বাহ্মা। ইত্যমরঃ।। ভূধনঃ পু॰ রাহ্মা। ভূরেবধন যস্য সঃ। ইতি কেচিৎ।। ভূষরঃ পু•্পরতঃ। ইতি হের্মচন্দুঃ ॥ यदाखमः । यथा। कव कह्न পাতাল দোলা ভ্ধর বল্কাঃ। বকাদ্যা যদ্রভেদাঃসুর বঁজাুদ্রাদ্যা-क गृयकाः ॥ ३ कि नग्रहित्त्वा ॥ **ज्याकी** जी ज्नागनी। ইতি রাজ-निर्याप्टः।। बहुकरे छन्नवः। ইতি विশ-সারতত্তে তস্যুশতনানতোর ।। ভূষঃ পু॰ পর্বতঃ।ইজি হেমচন্দুঃ।। ভুনাগ: পু<sup>•</sup> উপরস্বিশেষ: 1 তৎ পर्यप्राय:। कि जिनागः २ ल्बस्टः ० রক্তমন্তক: ৪ ক্ষিতিজ: ৫ ক্ষিতি-জন্তঃ ৬ রক্ততু ওকঃ १। অস্য গুণাঃ া বজুমারকল্ব•। নানা বিজ্ঞানকার-कष् । त्रमनात्र पष् । তৎ मजुम् वियाशक्ष्य । ₹ि झाकनिर्घणेः।। ভ্নিম্বঃ পু॰ ফুপবিশেষ:। চিরাতা ইতি ভাষা। তৎপর্য্যাযঃ। অনা-র্য্যতিক্ত: ২ কৈরাতঃ ৩ রামসেনকঃ ৪ কিরাততিক্তঃ ৫ হৈনঃ ৬ কাণ্ড-**जिकः १ कित्राजकः ৮ । ই**जि রাজনির্ঘণ্টঃ॥ কটুতিক্ত: ১। ইতি ভাবপুকাশ: 11 অস্য গুণাঃ 1 বা-তিকন্ধু । তিক্তব্ব । কফ পিত্ত জ্ব-রাপহত্ব । বুণ সংরোপণত্ব । প থ্যন্ত্ৰ । স্বন্ধ কণ্ডুতি শোফ নালি पुषः। ইতি রাজনির্ঘটঃ॥ অপিট

কিরাতকোন্যে নেলাল: সৌর্দ্ধ তিক্। জ্বান্তক: । কিরাত: সার কোরক: শীতলাইককো লঘু:।। সন্ধিপাত জব খাস কফ পিতাসু দাহন্ । কাস শোষ ত্যা স্বন্ত জ্বর বুণ ক্মি পুণু ।। ইতি ভাব প্রকাশ:।। অস্য গুণ প্য্যাযান্তরে কিরাততিক শাদে দুষ্টব্যে।। ভূনীপঃ পুণ জুনিকদম্ব:। ইতি রাজ নির্ঘট:।।

ভূপতি: পু॰ বটুকভৈরব:। যথা।
ভূধরো ভ্ধরাধীশো ভূপতি ভ্ধরাত্মক:। ইতি বিশ্বসারত জ্বেতি
ভৈরবস্তোত্র• ।। রাজা। যথা। ভূ
পূত্রী যস্য পত্নী স তু ভবতি কথ
ভূপতী রামচন্দ্র: (ইতি রানাযণে

(ककरीवाकऽ।।श्वराख्येषः। इंडि झाज्ञनिष्णेः।। ज्यमः भ् व्यकः। ইडि मद्राज्युका ज्यमी खी मिल्लका। ইड्यमदः॥ ज्यनामः भू व्यक्ष्टिमः। विमानी ইडि खारा। यथा। व्यक्षाप्रकः मुकन्तुक ज्यनामा विमन्यकृद्।

ইতি রত্ননালা।।

ज्लाहेनी खी व्कविश्नयः। ज्याज-नि इंडि लग्वामयी इंडिह हिन्मी ज्ञाना। ज्लार्गायः। ज्ञञ्जी २ ज्ञानी ३ तक्ल्राञ्चका ६। ज्ञापा ख्याः। कहेद्रः। ज्ञाञ्चनः। लाग्नाम ल्याककद्कः। इंडि ताक्रनिर्यः।। ज्ञानः भू ताक्षा। इंडि न्यमगाना ज्लानः की जीजा। इंडि न्यमग्राना ज्लाने की जीजा। इंडि न्यमग्राना व्लाना।

ज्लिष्टः शृ ज्ञाजामनीवृष्णः । ইতি ज्ञाजनियन्तः ॥

ज्ञ जी में भृषिवीभि जि:। इं जि मि
का अरको मुन्।। उट भूक्यम्मामः॥

ज्ञूक में भू॰ ताजा। इं जि कि विश्वतः॥

ज्ञूट भु॰ ताजा॥ भर्वजः। इं जि

(मिनो॥

ভূমনী ক্রী ছামা। সাতু স্র্যুপন্নী।
পূত্রী যস্য পন্নী স তু ভবতি কথং
ভূমনী পুণ বহুদ্বং। ম্দাবাকে ত্রি
ভূমতী রামচনদুঃ (ইতি রামাযণে। ভূমা পুণ বহুদ্বং। যথা। ভূমা ভূম

ं ভृषिक्षाः। वरकातियविभन् देशाउम् এতে নিপাত্যন্তে। ইতি মৃধবোধ वताकद्रभा स्थाता र्यम् स्यमारमो वरहा ज्वारमभः। देगश्रिः ना वानि लाभः । ইश्व यकातामनम्ह नि-পা গ্ৰন্থ । অতিশ্যেনবহুঃ ভূষান্ । বংহার্ভাবঃ ভূবা। অতিশ্যেন বহুঃ ভূষিষ্ঠঃ। ইতি ভট্টীকাষা• দু-গাদাসঃ॥ বহুত্ববিশিষ্টঃ। তত্র বা ह्या हुन । वर्षा। ज्यः ज्रा ३ वि शुच् **= भद्र भ**र्य शास्य अमत्रहीकाया॰ त्रमानाथः ॥ 🗱 ॥ वितार्षे भूक्यः । যথা। যত্ৰ নান্যৎ পশ্যতি নান্যৎ শ্ণোতি নান্যদ্বিদ্বানাতি স ভূনা যো ভূমা তদম্ত । ইত্যাদি শু.জি ভ্যো বৃন্ধনিত্যত্ত্ব সত্ত্ব শুদ্ধস্য পু-তিভাতি। ইতিবেদান্তসারটীকা।। ज्भिः छो **পृथिवी ॥ ज्ञानमाजः ।** ইতি মেদিনী।। জিহ্বা। ইতি স॰-किश्वमादांगारिवृज्धिः ॥ यानि-नाभवङ्गिविष्णयः। यथा। निकष्क চেত্রি পুরা সবিকল্প সমাধিনা। নির্বিকল্প সমাধিস্ত ভবেদত্র ত্রিভূ-নিকঃ ৷৷ ব্যুত্তিপ্ততে স্বত স্থাদ্যে দ্বি-তীয়ে পরবোধিতঃ। অন্তে ব্যুত্তিষ্ঠ-**७ रेनव महा ७वि उच्चयः ॥ ७**व॰ পুাগ্ভ্মি সিদ্ধাবপু্যন্তরোত্তর ভ্

ম্বিশ্বিশেশ ভগবন্তক্তি স্তাণ বি না সা ন সেংগতি ॥ ইতি পীজা গুং ष्टायरीशिकाताः नथुम्हन गत्रवर्ताः ॥ 🗱 ॥ ভূমেঃ পর্য্যায়াদ্য: 🤊 🍳 🖟 শব্দেদুষ্টব্যাঃ ॥ অস্যা গুণাঃ । ভূষ্টো रिष्ट्रगु॰ खक्जुक काठिनु भुन्या তা। গদ্ধো গুৰুত্ব শক্তিক দংঘ তঃ হাপনা ধ্তি: ম ইতি মহ্ ভারতে নোক্ষমানা অস্বর্থঃ रिष्या, महाक्षनाः 🕽 । स्कृतः शस्य शुक्तियागः खनः २ । काछि 🏸 🦭 **পুসবার্থতা ধান্যাদ্যুৎপত্তি** सम्ब ত। ৪। গন্ধ: ৫। গুৰুত্ব• পিত্ৰপুদ্ধি ৬। मक्डिः गञ्जगृह्यमामर्थाः 🖖 🎫 ষাতঃ শ্লিষ্টাব্যবত্ত্ব ৮। স্থা 🐃 न्यग्रम्ग्यदः २। श्विः शाक्षाको ত্তিকে মনসি ধে। ধৃত্যুণশঃ । ইভি **उजोका॥ #॥ ज्ञि मान मारा**जा १ यथा। मर्दिवा भिव मानानाः ज्ञि मान मनुख्यः। या मनाजि मही त्राजन् विशागाकिकनाग रेव।। अकृष्ठ মাত্র মথবা স ভবেৎ পৃথিবীপ তিঃ। ন ভূমিদান সদৃশা পৰিত্ৰ মিছ বিদ্য-তে। ভূমি॰ यः পুতিগৃহাতি ভূমি॰ যশ্চ পুষছতি। উভৌ তৌ পুণ্য মা भागो नियजः अर्गगानित्नो।।यटः कि किस्तिमानसं नर्वनाता स्वान्येन।

্গীপতে নরঃ কোপি ত্নিদিঁ ভ্ ा गार्त्रेगाए।। जूमिनान ननः हानः बाख्य शृथिती उत्न । उमारङ्ग मनरिक्षव जुलि मुक्ति म्थश्रम ॥ यथा उथा श्रकादि ज्मिनां जू कृ भिनाः। त्रूथी नाष्ट्र नर्वकालयू हारिष्ठ मर्ग गवान् गा ।। वृह्मन **जब• वांशि जृशिहान• नहखन• ।** यः कन्ठित्रार्वाण पद्म जवजीर ग 🖗 পेजिः ॥ जर्बया जर्बना (नया ः देवी तुंग्क्रामा जू। भागास रेनव क्वालि इंद्रशीया छरेन द्रिशा क्ट्रा । उपिक कर्म विश्रु ভृभि नरत्र। শাৎ। করোতি যদি রাজেন্দু তৎ ः वं नियुन् ज्य ।। नामानामान ्रा १०॰ विनानुकाक भार्थिव। उथा उ८ পরিতোষঞ্চ তত্তমূল্যাদিক। িনা।। বিশুভূনৌ ভূসুরোপি দৈব॰ পত্র• তথাধ্বর•। হরি সদা তথা मि शुरमार मध्य गृह ।। थाउा-' খনন' সেতু বন্ধন' ভবন' গবা। थान। क्व ग्वानि भाकानि (क्व रव ह ॥ शकाज वशन श्रह्मार (1नः ্কানি রেপেণ। স বটাপ্রতা তুল খিবাতী বিল্বাবি ক্লোপণ ।। নিত্যু निভिह्न काग्र मान मम्मानिक। था। शक युक्त उत्यद्वीदीविक

নেতত্ত্ব চাপ্যাগা আকৃষ্ণ সেবন ভক্ত ভক্তি যোডশ পূৰ্ৱকণ। কা কথা বে-**उत्तरास्त्र न ऋ**र्गाए भातनार्थिकः। यः कर्म कनकारमञ्जू नं करता छ। व-কর্ম চ। স্ক্তে নত্ত । নোহাদ জ্ঞা-नाषा जुनापिकः ॥ नृभरक अर्बजा भ जर गर्बः न्या तिक्षतः धुवः। यक्तुः নি রথবা তস্য সংগ্র্ণ ফল নেবচ॥ অভো লোকে হি ধর্মাত্মা জ্ঞানী চ नर्द धर्मदिए। दिरवकी धर्मणाञ्जञ्जः भूतांगागम (वर्षि ॥ (वराष्ट्राञ्जा নুনিঃ সাধু: কার্ফাদি র্বা নছীপতে ৷ न अर्य) छिन इत्रनः युक्ति इत्र कन्तरः ষণ।। ইতি পাদ্মোত্তরথণ্ডে ৪৯ অ-श्रातः॥#॥ अभि**।** तृङ्खिः। य-ষ্টি•বর্ষ সহস্যাণি স্বর্গে ভিষ্ঠতি ভূমি-দঃ া উছেত্তা চানুমস্তা চ তাবস্থি নর-क यरमर्।। उथा। ज्ञि मङ्ग जू यः পত अर्गाहन्तु र्क का निकः। अना-(इर) ननाक्षार्याः सान व्यथाः **उदि** দুঃ।। মহাভারতে। অপি পাপকৃ-জে। রাক্তঃ পুতিগৃত্বন্তি সাধবঃ। প্-थिवी॰ नान्धिहिष्ठि शावनी॰ खननी॰ यथा।। नामा श्रमाः श्रियमखि **७ज्॰ (म्युगः मनाजन•। माय या-**भाष वाराज नागामाः भन्नन श्रि-य॰।। मानामान कारन यथ श्रियम छ।

নানান্যা: পরন প্রিয় নিত্যকত তে न लि्यहङा निज्रहार्यं माजवा शुः जिग्रशी जवडा हा। ज्रानः भृ**बा**या॰ मा-নবাক্যে চ প্রিয়দন্তেতি বিশেষণ । **ज्ञि विंकू (मवजाका। यिष्टे वर्ष मह**े সাবছিন ৰৰ্গবাসঃ ফল । পুতিগুহে **७ ज्**रा: शुरकिश मावः। ज्रा दशः বিধানে তানুদিশ্যে পুদক্ষিণ । ইতি मुक्षिउनु ॥ 🗱 ॥ जान् तित्रापत्र রবৌ ভুগী রঙ্গোযুক্তাভবতি তৎকা ल भाठा रि निरम्(वायथा (क्यां जिर्य । तः जायुक् माष्ट्रवाधी ह (बोम्नाम) शा-দগে রবৌ। তদগ্র পাঠো বীজবা-(भा नाहिजी पृथितानकः।। द्राका-युक्त्रा अञ्गती भृथी । জ্যোভিষে । यिमन् वाद्य मह्माः भू यं काल বিথুন বুজেৎ। অধ্বাচী ভবেমিত্য शून खर काल वादरयाः॥ मर्म्रम् ক্তে। ধরণ্যা নৃত্ নত্যাঞ্চ ভ্নিকস্পে **७रेथ**र हा अन्नता गमान हिन विम्रा• নৈৰ পঠেৰুধ:।। ইতি তিথ্যাদিতত্ত্ব• ॥ # ॥ न साथाय वयर्कात न प्रव পিতৃ পূজন । হলানা থোজনঞ্বৈ বীজানা বপন তথা ৷৷ দিন ত্র্যান करी ज्यावट भृथी तकत्रना। याज-নো বুতিন শৈচৰ বিধ্বা চ বিদ্য স্তথা ।। अषुवाधी मिलितिय भाकः कृषा न

**७**क्रेरेटी म्रशाक शतशाक वा य-भूवाही नित्न उथा।। जक्कर रेनव क-বী ত চাঞালাল সনং মৃত । ইতি ता जना इंधः ॥ 🕸 ॥ यणुकाः ज्नि याङ् (मत्वः । ना चरमध्य मनि-না দুষ্টা এতপ্ৰিত্যান্যত্ৰণা ভব্তি। অত্রানেধ্যা যথা। পুসুতে গর্ভিণী यव निराठ यव मान्यः। हाखाल ক্ষিত যত্ৰ যত্ৰ বিন্ট্ৰাতে শবঃ॥ নিগুৰোপহত যতু জনপো যত দৃ-শ্যতে। এব॰ কশ্ল ভূবিষ্ঠা ভূরমে। থ্যেতি লক্ষ্যতে ॥ অণসঃ শবঃ ॥ मुक्टी यथा। क्ति की है भरक्षिण पूर-विजा यव मिलिनी। मुञ्जाल हर रिः किरिष्ठ वीरिक्ष मूक्षेजा दुरहर ॥ मु-श्री वनीज्ज (स्या।। मिनना यथा। নখ দন্ত তন্ত ত্ব ত্ব পাণশু রজো भेटनः। ভमा शक्ष ज्रेश द्वाशि शुहुना নলিনা ভবেৎ॥ 🗱॥ তাসাঞ্চ শুদ্ধি মাহ। দহন খনন ভূমে কপলেপ न वाश्रात । शर्यका वर्षनरेक्षव (भोड॰ পঞ্বিধ মৃত ৷৷ বাপন মৃদন্তরেণ পূরণ ৷ অত্রামেধ্যায়া শচতৃষ্ণ পঞ্চ क वा। हुई। याः चिकः विक वा।। ন্লিনাযা: দংহ্নাদীনা মেক্ধা শো-धन मार (प्रवत्ः। श्रथःश वा हर्जुली वा ज् इत्मध्रा विश्वध्रिज्य श्विश हुई।

ত্রিষা বাপি শুষ্যতে নলিনৈকধা।। व्यन्त्रभक्ष भुकात मारु मनुः। मना र्जाननाञ्जानन । जाकाना ह्या च । भवाक भित्रवास्त्र कृतिः भृषाऽि श्रुक्षा। अयार्जन ज्नाम् अनयन। ष्यञ्जन (गामरायामाश्राल्यभन । (न কো জলেন পুফালন। উল্লিখন ত क्र-१ পরিবানে। গবোপস্থাপন । অত্র সেই পরিবাসযে। নির্লেপ স্থা-शंन विषयपुर। अत्निष्ठा ग्रामश्र लिश्र े विषयंत्रः । युक्तभूतातः । भुगमाप्तः ॥ **म उर्स्छ** जिल्ला आतोह हजुर्खन । जूरनः সর্ব শুদ্ধিঃ স্যালত লোকোন বি **म्राउ। मुख् ए** एउँ छ:। नगत् गर्। প্রামঃ। ইভি গোপাল পঞ্চানন কৃত मुक्तिनिर्गयः ॥ # ॥ जूनी वर्ग व्यथ नाहि निर्वाक्षा यथा। न जूरो वि निथिष्वर्गः मञ्जः न भूष्ठकः निथिए। ন মুক্তা পুস্তক স্থাপ্য ন মুক্ত নাহ রেবু তৎ 11 ভুকম্পে গুহণে চৈব অ-कदः वाच भूछकः। ज्रमो विष्ठवि रिरविण बचा बचाजू मूर्था ।। उमा ভবতি দেবেশি তমাত্ত পরিবর্জ त्य ॥ इकि रिगामिनी ज्ञा ज् जीय जिलि १ भेरवः ॥ /

ভূনিকদম্বঃ পু॰ কুদম্বিশেষঃ। তৎ পর্য্যায়ঃ। ভূনীপঃ ২ ভূনিজঃ ত ভূকবল্লভ: ৪ লঘুপুল: ৫ বৃত্তপুল: ৬ বিষয়: १ বুণহারক: ৮। অস্য গুণা: । জি কদ্বা: কট্ফান্ট বৃষ্যা দোষহর। হিনা: । ক্ষায় ভিজা: পিত্তমা নীর্য্য ব্দ্রিক্রা: প্রা: ॥ ইভিরাজনিহন্ট: ॥

ভূমিকা জী রচনা। বেশান্তরপরি-গুহঃ। ইতি মেনিনী ॥ পাত্রাণি নাট্যে প্রিকৃতা স্তত্ত্বেশাস্ত ভূমি-কাঃ। ইতি হেমচন্দুঃ।।

ज्मिंथज्तिका खो कृन्थज्ती। उट পर्यशयः। साधी २ मूताताहा ० মৃদ্ছদ। ৪। অস্যা তেদাঃ গুণাশ্চ। ভূনিখজুরিকা স্বাদ্বী দুরারোছা মৃ-मृहरा। यथ कज्ञकना काक कर्द्ध हो यापूगखका॥ शिख्यक् ब्रिका ज्ना ना (राम शिक्ता जत्र । चर्त्री (गाउनाकात्रा भत्राम्द्रीभाषिद्याग-ত। ॥ आगुरु शिक्ति (न मि ना ছোহোরেতি की खिंडा। थर्जू ती-ব্রিত্য শীত মধুর রসপাকযোঃ ।। त्रिक्षः क्रिकतः इम्रः क्रज क्य হর । ওকা। তপণ রক্তণিভয় शृष्टि विश्वेष्ठि मुकर ।। (कार्ष्ट गाक् उ क्षना वास् वाउ कका भरः। जुः রাভিঘাত ক্রু তৃষা কাশ খান निवातना।। मनः मूही मक्ट शिड মদ্যে ভূত গদান্তক্থ। মহতী ভ্যাণ গুণৈরত্না স্থল্যজ্রিকা স্তা ।। থজ্রী তক্তোযদ্ভ মদ পিত্ত করণভবেথ। বাত শ্লেমহরণ ক্চ্যণ দীপনণবল শ্ক্র ক্থা। ইতি ভাব-পুকাশঃ ।।

ভ্নিথজ্রী জী ভূনিথজ্রিকা।ইতি রাজনির্ঘণ্ট: ॥ অস্যা গুণপর্য্যাবাঃ ভূথজ্রীশব্দে দুষ্টব্যাঃ ॥

ज्ञित न्यकः शुः भू अव्यव्यविद्याः ।
 ज्ञें हेठाँ था हे जि जाया। जे श्रिशः ।
 यः। जा मूल्यः २ मिष्यकः २ क्यमः
 द्रा हे जि न्यक निष्का।। ज्ञान मृतः
 युग्भाक कात्रकः ।।

ভূমিজ ল্লী গৌরসুবর্ণ। ইতি রাজ-নির্ঘণ্টঃ।।

ভূমিজঃ পু॰ মঙ্গলগৃহঃ ।। নরকরাজঃ
। ইতি নেদিনী ।। ভূমিকদয়ঃ ।। মনুষ্টঃ ৷ ইতি রাজনির্ঘটঃ ।।
ভূমিজ্ঞালঃ জঃ আখ্যামব্যুল্ডঃ ।

ज्ञिजल्शुनः शृ जामाभूतल्शुनः।
ज्यभागाः। रेष्ठाः राष्ट्राः स्याः
न्दः ० जामागाः महायः ८ म्र्याः
विकारः ७ महिषाम् सम्याः १।
भागः १९११ । जिङ्काः । कर्रुदः ।
जिङ्काः। क्वा दाङ मामिषः। एमाः
श्रिपदः। ज्वादः। भाष्ट्राः।

ज्निकरः की क्रुड्डः। एर भर्गारः
नामिका र नामितः । ज्नुष्यः । अनुष्यः । ज्नुष्यः । ज्नुष्यः । ज्नुष्यः । ज्निकष्यः । । ज्निकष्यः । । ज्निकष्यः । । ज्निकष्यः । । ।

ज्तिकष्ः छो ज्ज्ञमुः । ज्यु मृकपूः ।
ज्याश्व स्वक्ता २ ज्यवस्य
जा २ ज्या ४ ज्यक्ता २ ज्यवस्य
जा २ ज्या ४ ज्यक्ता २ ज्यवस्य
जा २ ज्या ४ ज्यक्ता १ ज्यक्ता व्यक्ति प्राक्ता १ ज्यक्ता व्यक्ति प्राक्ता व्यक्ता व्यक्ति प्राक्ता व्यक्ता व्यक्ति ज्यक्ता व्यक्ता ज्यक्ता व्यक्ता व्यक्ति ज्यक्ता व्यक्ता व्यक्ति व्यक्ता व्यक्ति ज्यक्ता व्यक्ता व्यक्ति ज्यक्ता व्यक्ति ज्यक्ता व्यक्ति ज्यक्ता व्यक्ति ज्ञा ज्यक्ता व्यक्ति ज्यक्ति व्यक्ति व्यक्त

ভূনিজা স্ত্রী সীতা। ইতি ত্রিকাও-শেষঃ মেদিনী চা।

ভূনিজীবী প্রণ বৈশ্যঃ। ইতি শব্দ রত্নাবলী।

ज्ञिस्तवः शृ ताकाः। इंडि ह्ना-

ভূনিপঃ প্• রাশ্ব।ইতি জটাধরঃ।। ভূনিপক্ষঃ পু• \বাতাখঃ। ইতি হারাবলী।। ज्ञिनिभाषः भू जानग्कः। ইতি
हात्रावनी ॥

च्निम ७: १९ गष्टेशां िका। सन्तः सानी विशासत्र नानी देविह जाया । देवि तत्र माना ॥

ज्निम ७ न ज्या जी माध्यी गठा । इंडि ब्राजनियं है: ॥

ভূমিরক্ষকঃ পু• বাতাখ:। ইতি ভূরিপুরোগ:।i

ভূনিলাভঃ পু॰ মৃত্য়: ।ইতি ভূরি-পুনেগঃ॥ ভূনিপাঞ্চিদ্য।

ভূনিলেপন ক্লী গোনয় । ইতি হেনচন্দু:।। ভূনের্লেপক ।।

ভূমিবর্ম্মনঃ পু•ক্লী শবঃ।ইতি হেম। চন্দুঃ।।

ভূনিসম্ভব। জ্রী নীতা।ইতিজ্ঞা-ধর:।।

ভূনিস্ক্<sup>ন</sup> পু॰ নান্ধ: ।। বৈশ্য: । ইতি নেদিনী ।। চৌরবিশেষ: ।। অন্ধ: ।। খঞ্জ: । ইতিশন্দরকাবলী ।।

ভ্নী জ্ঞী ভ্নি:। ইতি ভরত দ্বিৰ-পকোষ:।।

ভ্নীন্দুঃ পু• রাজা। ইতি শবর জা-

ज्नीकड़ः ने वृक्तः। यथा। भीषा उन्न युजा यथा विज्ञहिनी सामा उपावामज्ञा यादिना म्हलना यथा জলবধু দৃষ্টি: সরোষা প্রিয়ে।ছায়া বাঞ্চ তমা নবােচ বনিতা বাণীক ভ্নীকহা নিয়ন্দাঃ সুচিরাদ্মথা নিলিত্যো স্নাে মিথো দৃষ্টকঃ।। ইত্যুক্তটিঃ শ্লোকঃ।।

ज्गीनशः श्रः वृक्कविष्णयः। ज्यमक् हिकि हिन्ही जाया। उट्शर्यप्रायः। बाद्रहाजुः २ नद्रहाजुः ० श्रद्रहतः ८ । जाना छानाः। शिश्विद्रष् । द्रक शिख शुनाहनद्रथः। हेि जाव-श्रुकाशः।

ज्यागनकी जी क्युनिवासकः। ज्ँ३यामना **३**ठि **ভा**या। उ८४-র্য্যাশঃ। বহুপুল্লী ২ জড়া ৩ অধ্যঞ্জা ৪ তালি: ৫ তামলকী ৬ অজটা ৭ मृश्वकना ৮ (क्रजाननकी 🞝। ইতি রত্নসালা ।। বিতুষকঃ ১০ ঝটা ১১ षमन। १२ षष्ट्रीहै। १० जानी १८ শিবা :৫। ইভ্যমর: ॥ বাটা ১৬ यन। ११ वारीयना १४ व्यवनात्रु-টা ১৯। ইভ্যনন্ত্রীকাবাণ ভরতঃ ॥ ভূম্যামলকিক। ২০ শিবা**মলকী** ২১ বহুপুঞা ২২ বহুফ্লা ২**১ বহু-**वीर्या २८ ज्याबी २०। जगासनाः । বাত কারিল্। তিজল্প। ক্যায-द्या र्पटद्या विगद्या शिथाणा-काम भिडाम्क क्क शाधु कर

নাশিব্ধঃ। ইতি ভাবপুকাশঃ॥ ज्रगाननी दी ज्नगामनकी। अक-নেলী ইতি হিন্দীভাষা। ভূঁইমা-মলা ইতি বঙ্গভাষা। তংপৰ্য্যাযঃ । उभानी २ जानी २ उभानिका ८ উচ্টা ৫ দৃঢ়পাদী ৬ বিভুমা ৭ বি-ज्भिका ৮ ज़्याजी २ ठात्रही २० वृष्रा ১১ বিষয়ী ১২ বহুপ धिका ১৩ वच्वीर्या **३८ जहि** खपना ३৫ विश्व-পণी १५ हिमालया ११ यञ्जूही १४ वीता १२। जमा खनाः। क्यायदः । অনুত্রণ।পিত্ত মেহ দাহ নাশিত্বণ । শিশিরত্ব°। মূত্ররোধার্তিশমনত্ব ঞ্চ। ইতি ব্লাজনির্ঘণ্টঃ ॥ ज्माल्वाः क्री क्रुशिवाश्यः। जुिक-তথ্ড ইতি হিন্দীভাষা। তৎপ-र्य्यायः। সংগ্রহেত্ ২ নার্কভীয়ণ ৩ মহৌষধ ৪়। অস্য গুণাঃ। তিক্তত্ব• । करूँ दः । जुत क्षाम मिथा नानिः पुष्ण। इंजि त्राजनिर्घणैः॥ ভূষঃ ব্য পুনরর্থণ। ইতি শব্রত্ন।-वनी ॥ ভূষাन्<sup>ग</sup> वि वङ्खतः। ইতি मिनि ॥ ভূষিষ্ঠ वि পুচুর:। ইত্যমর:॥ ভুযুক্তা জ্রী ভূমিথজুরী। ইতিরাজ-निर्घः॥

ভূরি ক্লী স্বর্ণ।ইত্যমরঃ॥

ভ্রিঃ পু॰ বিফুঃ।। বুকা।। শিবঃ।। इंडि (मिनि) ॥ वामवः । ,इंडि **म**स्तद्वावणी ॥ भुहूद्व वि । ३७५-यदः ॥ ভূরিক জী পৃথিবী। ইতি সিদ্ধান্ত-कोगुर्गामूना रिवृज्धिः॥ ভূরিগন্ধা জ্রী পুরানানগন্ধুবৃত্ত । ইভি রাজনির্ঘণ্টঃ।। ভূরিগনঃ পু: পর্যভাত উতি রাজ निर्घण्डः ॥ ভুরিদাব। পু• ভূরিসদালন প্রুক দাতা। ইতি নুপ্রেম্ম ক্রিণ ।। ভূরিদুখা ত্রী বাশ্ব নাইোতরাজ निर्घण्डः ॥ ভূরিপমঃ 🦿 উথাবলত্ণ । ইতি व्राजनियंग्टेः॥ ভূরিপলিতদা স্ত্রী পাণ্ডুরফলী। ইতি রাজনির্ঘণ্টঃ।। ভূরিপুদ্ধা জ্রী শতপ্রা।ইতিরাজ-निघंषः ॥ ভূরিপুনা পু• চক্রবাক:। ইতি রাজ-निघंषः ॥ ভূরিফেনা জ্রী সপ্তলাবৃষ্ধ টোলাই কসা ইতি ভাষা। ইত নরঃ 🏗 ভুরিমল্লী জ্রী, অনুষ্ঠা িত্রী। জ निर्घणेः ॥ ज्तिगायः शुः जी ज्यामः ।

ইত্যমরঃ॥ ভূরিবলা স্ত্রী অতিবলা। ইতিরাজ निर्घणेः ॥ ভূরি**नः** वर् वहनः। वस्त्रार्थाए-কাচ্শস্বেতি কারক ভূরি শবাৎ ठमम् भुडाय निव्नक्षा १य॰ **मदः।** ইতি মুশ্ববোধব্যাকরণ ॥ ভূরিশ্বা পু চন্দুব শীয সোমদন্ত রাজপুঞ:। সত্ অজ্ঞুনেন হতঃ। ইতি মই।ভারত ॥ र्कं भी जी बीश्खिनीवृकः। श्वि न्<sup>र े</sup>िक ভाষा। **३**ठ/मद्रः ॥ ल्ह्हा हु। उक्छ। **३७ मदमाना ॥** जुर्जः भू स्टानशतकम्कविष्यः। ভোদ্ধপ্ৰ ইতি হিন্দী ভাষা। তৎ পর্য্যায়ঃ। বল্পুজনঃ ২ ভূর্জঃ ৩ সূচ-ৰ্মা ৪ ভূৰ্লপঞ্কঃ ৫ চিত্ৰত্বক্ডবি-ন্দুপত্র: ৭রক্ষাপত্র: ৮ বিচিত্রকঃ ৯ ভূতমঃ ১০ মৃদুপত্রঃ ১১ শৈলেন্দ্র **স্থঃ ১**२। ইতি রাজনির্ঘণ্টঃ॥ ভূর্জ পত্রঃ ১০ চমी ১৪ বহুলবল্লঃ ১৫ । ইতি ভাবপুকাশঃ॥ ছত্রপণ্রঃ ১৬ শিব: ১৭ স্থিরছদ: ১৮। ইতি রত্ন भाना ॥ मृरूषक् १२ । इंडामदः ॥ পর্মিকঃ হৈ । ইতি ভরতপ্ত মধুঃ।। ভূজঃ ২১ বহু-। पक्षः २० মৃদ্দৃদৃ ২৪। ইতি ভরত

धृ**उ यानी ॥ जन्म छनाः। द**ाका-রিত্ব। কফ রক্ত নাশিত্বঞ্চ। ই ताकवल्ला छः ॥ कर्तेषः । क्षायवः । উষ্ত্ব । ভূতরক্ষাকরত্ব । ত্রিদোষ गमनवः। পथ्यवः। मुष्टे कोहिन्। नामिद्रक्ष। इंडि द्राजनिर्घकः॥ কর্ণরোগ পিত্ত রাক্ষন নেদ বিষ হরত্ব। ইতি ভাবপুকাশঃ।।

ভূক্তর্কগুক: পু॰ বর্ণসঙ্করজাতি-বিশেষঃ। ইতি জটাধরঃ।।

ভূর্জপনঃ পু• ভূর্জ্যকঃ।ইতি রহ্ন-गाना॥

ভূণিঃ স্ত্রী পৃথিবী।। নক্তৃনিঃ। इजुर्गामिकाषः ॥

ज्रलाः भु अष्ठतीकारसारमाकः । মুর্ত্রলোকঃ। তুস্য লক্ষণ যুপা। भारगमाध्य यटकिष्यः राष्ट्रिस भ्-थिवीनय । म ज्र्लाकः मनार्था-(ज) विखादा १मा भाषां कि ।। ইতি বিষ্ণুপুরাণে ২ অংশে ৫ অ-খ্যায়ঃ ॥ চরণ সঞ্চার যোগ্য গি-রি শিথরাদি যাবৎ তাবদুৎসেধাে ভূলোক ইত্যর্থঃ। বিস্তারো নযো-रिंठ: मर्बाठा लाकालाकाविधः পঞ্চবি শতি কোটি পুমাণঃ ৷ ইতি ততী দাবা স্বামী।। অস্য বিবরণ তেত্ত্বৈ দ্বিতীয়াদি চতুর্থাখ্যায়েষু ভূগোলশদেচ দুষ্টব্য় ।। ভূলগা জী শন্ত্ৰপুষ্মী।ইতি রাজ-নির্ঘণ্টা।।

ज्लजा खी किथ्रुन्कः। ই**कि हिम**-हन्दुः॥

**ज्**वनती **की कृ**पुरकानी। याउरवत इंडि हिन्ती जाया। उर्थ्यायः। क्षिजित्नत्री २ व्ह्मीवन्त्री ७ वन्त्रः वल्ली ८ वङ्क निका ৫ नघुवनती ७ वनत्रकनी १ मृद्यवनती ৮। अम्रा গুণাঃ।মধুরামুদ্ধ•। কফ বাত বি-কার হারিত্ব। পথ্যত্ব। দীপনত্ব॰ । পাচনত্ব•। কিঞ্চিৎ পিত্তাসু কা-রিত্ব•। ৰুচ্যত্বঞ্চ। ইতি রাজনির্ঘণ্টঃ **ज्मयः** अ॰ नजनाशामिः। विन-শাযিত্বাৎ। এতেষা মাণ্স গণাঃ । ७कष्। উक्षत्। मधूतप्। मि अद्भा वायुनामिद्धः। मुक्ककातिद्ध । ইতি রাজবল্লভ:।। বিষ্ণু:। শবা। ভূশযো ভূষণো ভূতি বিশোকঃ শোকনাশনঃ। ইতি মহাভারতে তস্য সহসুনান ভোত্র।।

ভূশেলু: পূণ ভূকরু দারকঃ। ইতি রাজনির্ঘণ্টঃ॥

ভূষ কি ভূষণে। ইতি কবিকল্পদনঃ
। কি ভ্ষযতি ভূষতি হারো জনং।
ইতি দুর্গাদাসঃ।!

ভূষণ নী অলকারঃ। ইতি হেম-**ष्ट्रमुः ॥ (स्**वरम्य ভূষণाদि यथा । ভোগ্য ভ্ৰোত্ত্য নিত্য ভ্ৰণানি मृग्यस्य । किबीहिक भिरवाबक् अ-खनक बना हिका ॥ जानभगक शतक रेग्रवयक गर्थार्थिका। शा-विषिका রয়সূত্র মুক্তকোথক্ষমা-লিকা॥ পার্খনে জানখনে তো श्क्रुनीहारक र या अहिनाय साग-বকো মূর্ভতারা ললন্তিক 🔢 অঞ্ (मा वाक्ववयः शिक्षाण ः हि अ-) का। भाग खब्स- जम 🛒 🚈 🖼 भूदा १थ मानिका अञ्चा 👫 🤄 **मर्कित एउम्मक् कर्न** स किंक् मूच-क नीवी ह मृष्टिवक्षः भूकी कि ।। शाहाक्षर इ अक्ष न्भूद क् पू যণ্টিকা। সুথপউ মিতি প্রোক্তা অলম্বারা: সুশোভনা: ৷৷ চত্বারি• भन्मी (शुक्ता (नारक (तरम ह भो· **थ**ऽहाः। अनकात्राः शुहारनन ठ्यु-र्बर्ग भुनायकाः ॥ এতেষा॰ भूजम॰ क्षा भुमन्तारिष्ठे निष्कारा। তেবा॰ দৈবত মুদার্য্য পূজ্যেন্তু বিচক্ষণঃ।। निरदागजानि ठामम् ग्रह्मी्वर्गानि कु मर्बना। ह्डाइड़ानिकानीर जूब-गानि जूरे जत्र ।। रेग्ययका पि इ॰-সান্ত• সৌবর্ণ• রাজতঞ্চ বা ৷ নি'ব-

ুৰু দেবেভ্যো নান্য তৈজস সম্ভ রীতি বস্থাদি সংজাত পাতো त्रगानिक । मन्त्रामायम वर्जे छ 'ন কদাচন।। ঘণ্ট। চামর ক্সো-পারোশকরণাদিক। তভ্ষণা त्र रम्प्राव्ययाखनूभज्यगः ॥ नर्वः मुम्य पर्गाव्य किक्षिक्ष्यगानि-। সূৰ্বত স্বৰ্ণবতানু নৰ্যপাৰে जाधिक ॥ भूजायं भाव तेत्व-प्रभावता भानकः । उपुत्रवः मा विष्याः श्रीजिमः जायमः जमा जार्खे (त्वाः शुरमानः जारम् (म ाः नमा ऋ जाः। नर्व भी जिक्दाः अपूर जमाजाम् भ्रामाजायः।। सा शस्यारम नतः ऋग्रारफ्याना मि टेंडबर । श्रीरवाष्ट्र रिएम (ब्रोभाउँ न कमाहिह ज्या॰॥ शावातः शानशा-দ্ধার্ক গেওক গৃহ মেব চ। পর্য্যক্ষাদি ब्रमनाह সর্ব• তদুপভূষণ•॥ অযোম-ষ্ট্রাত কাণস্য নৃতে যাভুবণ ভবেৎ **ান**র্ণ রৌপ্যদ্য চাভাবে ত্বপ্ত কাষে নিযোজ্যে ।। এতেষা ভূষণাদীনা मफाजः मकाराज नितः। उत्तम्मा निर्द्धाव <del>ज्</del>मन्ने सिन मुर्गिशय ॥ ह-ত্বিৰ্গপুদ• নিত্য• ভূষণ• সৰ্ব সৌখ্য-দ॰। তৃষ্টি পুষ্টি প্রীতিকর॰ যথা শ জীষ্টবে স্জেৎ। ইন তে ভূষণ।

(शांक॰ मर्ब (म्यम) ज्रिन॰ । ইতি কালিকাপুরাণে ৬৮ অধ্যায: ॥ 🛊 ॥ অথালস্কার্যুক্তিঃ। তদ্ধারণ দিন মু-চ্যতে। রেবত্যশ্বি ধনিষ্ঠাসু হস্তাদি-युशि शक्षम् । एक मुक वृथमाङ्कि **वञ्चानकात्र शात्रगः ॥ অनिश्चित्रशि** निर्फिष्टे॰ वज्जानकात्र थात्रगः। উদ্বा-হে রাজ সমানে ব্রাহ্মণানাঞ্চ সমতে ॥ नितञ्ज नूजिं श्वातः अ ७ नका अ-म्डुथा। कङ्गा॰ वानकरिक्षव (मश्ना-होविতि कमाए॥ भुशान ज्यगान्।यू यथा ऋ॰ याजि निक्तयः। शम्पद्रागकः বজুঞ্চ বিজয়ো গোবিদ স্তথা ॥ মূক্তা दिनृर्य्य नी**ल**क्ष यथा सत्रकरः कना**८।** व्यानि ज्यामि मन्याजानाः अर्वे अस्थिति मायकाः ॥ जूदर्शनाशि घटेना अरई-ষা নুপযুজ্যতে । পুধান ভ্ষণেশ্বেব मशुक्षात्म न निर्गयः ॥ श्रुक्षान ভूकतः প্রায়: শিরসো হু ভিধীয়তে। তস্য **পুধান ভ্তত্বাদিত্যা** ভ্তনন্দনঃ ॥ সুথদা মণযঃ শুদ্ধা দুঃখদা দোষশা-लिनः ॥ ইতি युक्कित्र मुख्यः ॥ **॥** ॥ **उद्धातग कर्ना** यथा। ज्रमा ज्रात-**एक्॰** यथा (याग्र विश्वानजः । भूहि সৌভাগ্য সন্তোষ দায়ক কাঞ্চন মৃত । গুহ দৃষ্টিহর পুষ্টিকর দুঃখ পুণাশন ।। পাপ দৌভাগ্য শনন

রত্নাভরণ ধারণ । নাণিক্য<u>ণ তর</u>-ণে: সূজাত্য নমল শুক্তাফল শী তগো মাহেযস্য চ বিজ্ঞাে নিগ দিত: সৌম্যস্য গাৰুত্মতে। দেবে জ্যস্য চ পুষ্করাথ মসুরাচার্য্যস্য वजुः नात नी न निर्मान मन्।रगाक शिंदिङ (शासिम रिवमूर्य) रिका । वा नः সুগ্নশ্ব রহানা পারণ প্রীতিবদ্ধন । রক্ষোমু মর্থ্য মোজস্যু সৌভাগ্য করমুত্তমণ।। ইতি ভাবপুকাশঃ।। ज्याः भू विकः। यथा। ज्याया ভ্ৰণো তৃতি বিশোক: শোকনাশ-नः। इंडि जम्र महमुनामरखाबः॥ **ভূষা** जो जनिक्क्या। इंडानदः॥ ভূষিতঃ ত্রি অলস্ক্ত:। ইত্যমর:॥ ज्कुः वि जवनमीनः। उৎभर्यायः। ভिविष्टुः २ ভविত। ० । ইত্যমর: ॥ जाधू जवनमीनः। ইতি उडोकायाः त्रायमूब्रहेः ॥ ভূস্ত: शृ॰ मऋतगुर: 1 ইতি भषः भावा॥ भीठायाः जी॥ ভূস্ণ ক্লী ভূত্ণ । ইত্যমর: ।। অস্য भर्याय खगा यथा। खश्र नी कक्ष ज्-তীক• সুগন্ধ• গোমযপ্রিয•। ভূষ্ণ-ন্ত ভবেছতা মালাত্ণক মিত্যপি ॥ ভূত্বণ কটুক ভিক্ত ভীক্ষোঞ

ব্লোচন লঘু। বিদাহি দীপন কক

মনেত্র্য মুখশোধন ॥ অব্যা ভ্বিট্কঞ্চ পিত্ত বক্ত পুদূষণ ইতি ভাবপুকাশ: ॥ ज्म्भृक् भू॰ भन्याः। इंडि (इमहन्मुः ज्दर्गः भू मूराक्भदंजः। ই क्रोधकः ॥ ভূফিৎ পু॰ শ্করঃ।ইতি ত্রিকাও শেষঃ 11 ভ্ वि টু ড্ঞা ভ্তিপুষ্ঠোঃ ৷ ইতি ভূ ঞ । কবিকল্পদ্দ মঃ ।। ভূতি र्छत्र भृष्टिः (भाष्य । वि ध বিভৰ্ত্তি শশিন• শস্ত্ৰ বিভূটৈ জন-कः भूजः । ऐ जत्रथः । ए ज्विमः । ভাদিপক্ষে ভৃতিঃ প্রণ। ঞ ভ-রতি সম্ভনন্ডিজনঃ।ভরতে। ইতি **पूर्शामाजः** ॥ ज्नः भः भू• ) जन्मः। छीतमधा-ज्ञानः भू े त्रीनिष्ठभूक्षः । इज् भविकायाः वभानायः ॥ ভূদ'नकः श्रु' जन्न'गः। ইতি नप-ब्रुवावनी ॥ ভূমটি: জ্রী ভূমটি:। যথা রচিত ज्ञिति वक्षः निम्ता द्वा ति करका। इंडि छत् उप्य स्तर्विद्यास्त्रः ॥ 💘 ज्मिती जी जुमितः। इठानत्ती-कागा जत्र उ: ।। ज्यही महिनान-

तो। इंडि मार्चछम्भूताल पिवी

नाहाजाउक ॥ ীজভঃ পু॰ মুনিবিশেষঃ। সত্বুদ্ধণ .खुटाजाउः। यम् । ভार्या कर्षन मुनिकन्रा थ्याजिः। भूषः धाजा विशाजा ह। कन्या थिः। इंडि बी ভाগবত। अभिष्ठ । मूनय्रेष्ट्रः । कथिउ छ यह। नर्गः भृष्टेः मृ उ द्वा **eধুনা। ভৃগু সর্গাৎ পুভৃত্যের স**-র্গো ন: কথ্যতা পুন:।। সূত উবাচ । ज्राः थाउाः मन्द्भमा औः भूबे मूर्त्राः भूनः। उथा थाउ। वि-थाउ। ह उम्रा॰ ज्ञाउो ज्लाः मू তৌ।। আঘতি নিযতি শৈচৰ মেৰু-কন্যে মহাপুভো:। ধাতু বিধাত্ ख ভাर्य्य या बाठी मू**ठा**वूर्डी ॥ शुगिरेन्हव म्क ख्रम मार्क खरग মৃকণ্ড্ত:। ততো বেদশিরা যজে शुानमा मूर्राजमान् मूजः ॥ छाजा বংশো মুনি শুেষ্ঠা বিস্তর• ভার্গবো 🛚 গভঃ। ইভ্যাদ্যে বহ্নিপুরাণে বর-अर्ग नामाथ्यायः ॥ 🗱 ॥ निदः ॥ শুক্রপুহ:।। ইতি মেদিনী।। সানু:।। यमप्राः,। इंडि (इस्टन्द्रः ।। नित्र-व्मर्धन शर्बजोिस्भार्थः। आंत्रि ইতি খ্যাত । যুসার্থ পতনে অব-স্থান ক্রিয়া বিশেখে। নান্তি। অত-**এব.ভৃগুপতন নি**ত্ত্যাদি প্যোগো

দৃশ্যতে। ইতি ভরতঃ ॥ তৎ পর্ব্যা-যঃ। পুপাতঃ ২ অতটঃ ৩। ইত্য-নরঃ॥

ভ্গপতিঃ পু॰ পরশ্রাম:। ইতি শব্রহাবলী।।

ज्लम् । शृ म्कः। ইতি भपत्रः। वि

ভূগ্লাপতিঃ পু॰ পরশুরান:।ইতি শব্রহাবলী।। ভূগ্ণাম্পতি বি-ত্যপিপাঠ:।।

ज्द्र• क्षी प्रः। ७५५क् इंडि थ्राउ• । ইত্যমরঃ॥ অভুক•। ইতি রাজ-নির্ঘণ্টঃ॥

च्यः शृ चुनतः ॥ किलक्षभकी।
किंका इंडि ভाषा। इंडानतः ॥
व्यमा भर्यायाध्नाति मत्द पृष्ठेताः
। व्यमा नाःम खनाः। नध्तदः।
प्रिक्षदः। कक मूक विवर्ष्णनदृष्टः।
द्वितान्निविद्धः॥ विद्यः॥ च्याः।
च्यानः। इंडि भिद्यत्वावनी।।
च्यानः। इंडि भद्यत्वावनी।।
च्यानः। इंडि न्यानः।।।
च्यानः। इंडि न्यानः।।।

ভ্সরা

ज्र्भार्गका । इति म्द्रिया। इति भव्दिन्ति ॥

ভূৰপূথা জী নাধ্বীলতা। ইতি রাজনির্ঘটঃ।।

ভূম্নৃলিকা জ্ঞী ভূনরছক্ষী।ইতি রাজনির্ঘটঃ।।

ভূষরজঃ পু॰ ভূষরাজঃ। ইতি ভাবপুকাশঃ।।

ভূক্রজা: পু• ভূক্রাজ: ইত্যমর টীকাষা• ভরত: ।।

ভৃদ্বাজ: পু· क्कुशविष्मय:। (क्**गू**-রিয়া ইতি বঙ্গভাষা। ভেগরিয়া ইতি হিন্দী ভাষা। তৎপর্য্যায়ঃ। কেশরাজঃ ২ ভৃষঃ ৩ পত্তকঃ ৪ नार्कत्रः ७। ইতি রত্নমালা।। ভৃসা-স্থা: ৬ কেশরঞ্জনঃ ৭ পিতৃপ্রিয়ঃ ৮ অস্থারকঃ ৯ কেশ্যঃ ১০ সম্ভলবর্জ-नः ১১। थमा खगाः। जिक्दः। উঞ্জ্ব । চক্ষুষ্যত্ত্ব । কেশরঞ্জনত্ত্ব । কফান শোফ বিত্র নাশিবৃং। তত্র नीत्वा त्रगायनः। इंडि त्राजनिर्यक्तः ॥ অপিচ। ভৃত্বরাজো ভৃত্বরজো माकरता ज्ञ ववह। ज्ञातकः कि শরাজো ভূসার: কেশরঞ্জনঃ ৷৷ ভূপরাজঃ কটু স্তিক্তো ৰক্ষোফঃ ক ফ বাতনুং:কেশ্যস্ত্চ্যঃ কৃনি খাস কাস শোথাস্যাপস্থা দন্ত্যে র- <sup>li</sup> ভৃশার

नायता वन्ताः ऋष्ठ ति नितार्तिः बिट् । ইতি ভাবপুকाणः ॥ #॥ भक्तिविणयः॥ जुनदः। ইতি মে দিনী॥ यञ्जल्यः। ইতি ধরণিः॥

ज्य ति दिः भू । भिवषात्रभानः ।

ज्य ति दिः भू । इति ज्तिभुरगागः ॥

ज्य ति । भू । कि विराम । जि

कल् इति जाया । जर्भर्यायः

वियम्का २ वरतानः ० ज्नयदेभमः

8। इति जिकाश्रामयः ॥

ज्यवस्यः श्रु थाताकम्यः॥ ज्रिः कम्यः। ইতি तास्तिम्यंगः॥ ज्यवस्य ज्ञी ज्ञिक्षमः। ইতি ताः निर्वणः॥

ভূঙ্গসোদর: পু॰ কেশরাজ:। ই/ি ত্রিকাগুশেষ:॥

ज्ञानना जी यृथिका। ইতিরাজ নির্ঘণীঃ।।

ज्याजीक्षः भू जामुव्कः। ইতিরা निर्घणः ॥ जमुक्रनकवायाः द्वी ज्यातः क्री व्यवसः ॥ भूवर्गः। ताक्रनिर्घणः ॥

ज्यातः श्रु सर्गिष्ठितातिभावः।
ज्यातः। र्रेन्डिं। कर्मकाणुका रेरिन्डिं।
स्तः॥ र्रेन्डिं। र्रेन्डिं। र्रेन्डिं। र्रेन्डिं।
भवत्रावनी ॥ ज्यताकः। देखि
क्रिष्तः। सांच्य ज्याताक्षणः।

রাজা হভিষেক পাত্র• যভূঞ্বার 🏻 🔠 ভন্মত• । ভদষ্টধা তস্য মান ন। ব্তি শ্চাপি চাষ্ট্রধা ॥ সৌবর্ণ রু তে ভৌন• ভানু• স্কাটিক নেব চ न्तरन लोइज भाक् (मउम्हे ি । মত ।। ভানু দিছুব সপ্তাষ্ট ৰুদু ্ৰ ক সুরোন্মিতাঃ। অপ্টাবস্থৌ সমা-া তা আবান পরিণাহযোঃ।। দ্বি . বাণ বেদান্ধি বাণ সপ্তাত্ম বৃত্তি-ा यथा कम॰ नमूष्टिश्र गाहिल्छ। দশা/ভ্যা॰॥ পদ্মরাগ তথা বজু• र्याः भोक्तिक उथा। नीनः भातः उरिक्षव मूक्ता व मछ की खिंठाः ॥ শার সপ্তকে ন্যাস্যান ভৌনে। ণি লহতি ৷ কানক কুণায় বাসি र्खिषा गुन्नगुष्ठाउ ॥ कानक्छ कि-গীশানা মৃত্যব সার্ব যৌগিক। **া**ন্ত্ৰ পদ্মেন্দ্ৰ কত্নান্ত্ৰণ প্ৰত্যসু• বিন্য-সেৎ ক্রমাৎ।। চতুর্বিধানা ভূপা-না চান্দু: সর্বর শস্যতে। খেত ক্ষে তথা পীত কৃষণ চননে মূচ্যতে ॥ এতেষা॰ সলিলৈঃ সেক শচতর্ণা॰ म्। मही जुड़ा । नहीं भ्रम् नीन ए उथा क्कानता जिला। वया - भू-ক্লাণি কেশেষু চত্ৰ্জাতি নহীভূজা• । शिवकः अमातार्गम्छ देवमूर्वतः नील लिश ह ॥ हजारता मनरया (ध्या कः

তূর্ণা সেচনাম্রসি ।। ইত্থা নিশ্চিত্য যা স্বর্য্যামৃপতিঃ সেক মাত্মনঃ
। স চিরায় ভ বৈজ্যোগী ইতোন্য
কুন্যথাচরন ।। ইতি যুক্তিকল্প হরে।
ভূসারোদেশঃ ।।

ভূসারি: স্ত্রী কেবিকাপ্র । ইতি রাজনিঘটঃ।।

ভূ**ন্থ**ারিকা দ্রী ঝিল্লিকা। যথা। ঝিল্লীকা ঝিল্লিকা বর্ষকরী ভূ**ন্থা**-রিকাচ সা। ইতি ছেনচ**ন্দু:**॥

ভূকারী জ্রী বিজ্লী।ইত্যসর:॥ ভূকান্ত: পু॰ জীবকঃ॥ভূকরাজঃ। ইতিরাজনির্ঘটঃ॥

ভূকান্তা জী ভুমরছল্লী। ই**তি** রাজনির্ঘণ্টঃ।।

ज्यः शृ ज्यो। यथा। श्राक्षा गणा-विপত्यः दः नामा ज्या विश्व विज्या । इंजि वामनश्रुवात हेद अध्यायः॥ ज्या विश्व विष्या विश्व विश्व विषयः॥ निर्धाः॥

ভৃদ্বী জ্রী অতিবিষা। ইতি রাজ-নির্দ্তিঃ !!

ভূদী পৃ॰ বটবৃক্ষঃ। ইতি রাজনির্ঘটঃ।। শিবদারপালবিশেষঃ।
তৎপর্যাবঃ। ভূদ্বেরিটিঃ ২ ভূদ্বরীটঃ ০শলঃ ৪ নাডীদেকঃ ৫ অস্থিবিশ্বহঃ ৬। ইতি তিতা গুশেষঃ।।

ভৃক্রিটি: १। ইতি ভ্রিপুযোগ:।। তস্য জন্ম কারণ যথা। ঈশ্বর উবাচ । ब्रिकारबंग भागायाः मर् भूषः স'ভবিষ্যতি। মহামৈথুন সাত্যা-গাৎ স্যাদপুত্ৰী চ পাৰ্বতী ৷৷ তন্মা-**मरुख** (मवाना॰ वहनाषुक्षण खथा। **७,८कः, भहारिमथुन** छ किरसुक शक তা নরা: ॥ বেন মে সুনছতেজো সহানৈপুদ কারণ। বার্য্য তেজবি न• एवं जानच्छ्यद्वाद्य छ।। यो नि करला विविवादा जून छ्टा ग् शिष्राणि। ज्ञास्य दास्य जिल्ला छन् ক্ষ্যে তেজঃ শরীরজণ। ি ঔষ উ বাচ। ব্যধ্জ বচঃ শুদ্ধা দেবা বুজ-পুরোগনা:। হরতেজো পুহাযাথ वीजिरहातः ययू ट्रिया। अथ युकान মানস্ত্র্য তথানুজ্ঞাপ্য পাবক ৷ সে ন্দা দেবগণাঃ সর্বে হর মৃচু রিদ॰ वहः ॥ औरमवा डेहुः । अव रेव यानतः **আিমান্ ভূরিতেজোমযো বলী। মহা** মৈথুন বীজন্ত তত্তেজ: সংগ্ৰহীষ্যতি । इंजुङ्ग जिन्माः मर्ख वीजिर्श-वः भूतः श्रिजः। जरम निरम्भयानाः সু: শস্ত্রবে সর্ব হেতবে।। ততঃ যড **ञ् य** (तर्रा वर्गामिक मञ्जानत् । **উৎসম**র্জ মহাবাহ মহানৈথ্ন क রণ•॥ অগ্লা বুৎ সূজ্যমানন্য তেজমঃ

শশভৃক্তঃ। অণুদ্য মতিরল্ল গি-রিপুছে পপাত হ ৷৷ তযো: কারণ-থোঃ সন্য: সমূতৌ শঙ্করাত্মজৌ । একো ভূস সমঃ কৃষ্ণো ভিন্নাঞ্জন নি ভো ২পর:।। ভৃঙ্গী তস্য তদা বুন্ধা नान ज्ञीजि हाक्रताय। महाकृष्टिः ক ৰূপস্য নহাকালেতি লোকভূৎা৷ **७७ (छ) नानगामाम महातः भूम**-থোৎকরৈ:। অপর্ণযা চাপি তথা ক্র্যান্তাবভিবর্দ্ধিতৌ ৷৷ পুরুদ্ধৌ তৌ महाज्ञानो हरतामा भुजिना निर्जो । ক্রাদ্রণেশৌ কৃত্বা তৌ হরো দ্বারি न्याजय ॥ इंडि का निका शुद्रात 82 व्यव्यायः ॥ # ॥ **७ग**४ वानत्रम्थञ्च কারণ তৎশাপেন হ্রপার্ত্যো मन्षर जन्मगुरुभक यथा । यहां मा नगान या जा लोबी स्वब्दा छिकः। **उना जॉक गहा का तो बाः एको बा**ति পুতিষ্ঠিতৌ ॥ नर्यावनात्न ना प्रवी गुक धियाञ्च वक्षना । निःम्डा द्रिड সঙ্কেত শালায়া জলজাননা ৷৷ তা নি:সরস্তা সহসা তথা ভূতা মনি-ন্দিতা। অযোগ্যাণ বীক্ষিত্র চান্য व्यव्ज गृर्जिभ्ये ।। ममर्गजू मेंश-ज्यानी ना जिङ्क्षेत्र मानस्मो। जुकी চাপি মহাকালঃ প্রাপ্তকালক কো পতঃ ॥ দৃষ্টা তৌ মাতর দীনৌ তদা

ভূতা বধোমুখৌ। চিম্ভাঞ্চ ক্রণ্মতু স্ত:- ॥ বুা নিশশ্বসতু কত্তন ৷৷ তৌ পশ্য-स्त्री उस। (सर्व) समर्भ क्रियव पूर्व।। চুকোপ চ ভদাপর্ণা বাক্যঞ্জেভদুবা ্ল চ হ।। এব মৃতান্ত মা• কমাদ সম্বদ্ধা मभग्रजाः। जवस्त्री जनस्यी मृक्षी ত্রী মর্য্যাদা বিবর্জি:তী ॥ তম্মাদিনা-भगर्यतीनाः ভवस्त्री नित्रभवस्त्री । व्यक्तर्बठा॰ उठा ज्याख्याठा जग मान्त्य ॥ मान्यी पानि मानारः ेमगारवक्रग (सायउ: । ভবিষ্যতো ভবন্তো তু শাখামৃগ মুখো ভুবি ॥ ॥ । । जो भारत मः । यो जे जमा वि-মনকৌ হরাক্সজৌ। শাপ• তস্যা ন সেহাতে গ্ৰেচত্ শ্চেদ মদুকা।।। नियाजिए वेथा बाजि गरहरमन प्र या সহ। তথা নিযোগ স্বরন্তৌ তি-ষ্ঠাবো দারি সংগতৌ। হঠামিঃসরণ গে**হাত্ত**বৈব **নহি যু**জ্ঞ তেয়াভত্ত পুতীকার• শৃণু নাতর নিন্দিতে। দ্ব• মানুষী ক্ষিতৌ ভূগা হরো ভবতু গ। न्यः ॥ मान्यमा इतमावा जागा या॰ रृत (जुङ्गा। ख्वज्रामहाभि मा-न्या ভবিষ্যাব खर्णामस्त्र।। शब का লে ব্যতীতে তু সর্বজ্ঞে। ব্য ভগ্ব জঃ **ज्रांवि कम्म छा**द्विव मान्या श्र् वट स्य ।। तुकाला मिक्कला क्रिका

ক্ষো বৃন্ধসূতো ২ ভবৎ। অদিতি স্তৎ সুতা জাতা ততঃ প্ৰাস্যোহভবৎ ।। প্ৰা: পুগ্ৰো ২ভবৎ পৌষ্য: সর্ব-শাস্ত্রার্থ পারগঃ। যস্য তুল্যো নৃপো **ज्**मो न ज्खा न जिवशित ॥ न भू-धशीता द्राषा चूट (भीष्या नृপতि সভসঃ। শেষে ব্যসি সংপ্রাপ্তে ভা র্য্যাভি স্তিস্ভি: সহ।। পৌষ্যঃ পর-ম্যা ভক্ত্যা বুদ্ধাণ পর্য্যতাষ্য । उष्ठ भुत्रा जगवान् वृक्षा लाह পিতান हः ॥ वृत्कावाठ। मृतू (भोष) যথা ভাবী পুত্ৰ স্তব সলোদ্বহঃ। ত-**দर• उ** विषयाभि जार्याि ख८ जनाव्या हेर क्व गृहान दु नगा-म्ख॰ नृरभाखन। अडीर्ग॰ व्लल का-লে প্রাপ্তেপি সুরস সদা।। ফল মে-তৎ मगानाग गाव**र म॰**वर्मत खय॰ । यादाधा महात्तवः मूनुमामा छ বিষ্যতি ৷৷ যথা সংভাষতে ভৰ্গঃ ফ্-ল গেত তথা ভবান্। করিষ্যতি ফ व शाहन ভार्या हि थिमृ ভि: पर्।। 👸 জু। পুষধৌ বুন্ধা রাজাপি স-ভক্তা পরম্যা যুত:।। সত্ বর্ষ দ্বযে **হতীতে মহাদেবো জগৎ সতি:।** পৌষ্যস্য নৃপতেঃ সন্যক্ পুসসাদা र्थ मिक्स्य।। उठः भूञार्थिन जूश

भुमामा वृष उथुकः । वृक्षरख कलः श्रुष्ठ क्राइ**म॰ उ**नुवाह श । सेश्वत्र छे-বা হ। ইদ • ফল • বুক্মদ ত্ত • বিভজ্য নৃপতে ত্রিধা। ভোজ্যে স্তা: স্ব জায়া खुः পুङ्केः मूझ्मानमः ॥ এकम्या जः ঠরে শীর্ষ• ভার্য্যায়। স্তে ভবিষ্যতি। অপরস্যা তথা সক্ষৌ মধ্যভাগো ভবিষ্যতি॥ অধোনাভ্যান্তধো ভা-গঃ সো হপরস্যাণ ভবিষ্যতি। ততঃ थ धवग जुन यथा ज्ञान नृषद नृ থক।। গোজযিষ্যসি পশ্চাত্তে পুত্র একো ভবিষ্যতি। ততঃ ফলে শ্ব্য (प्रवः भ्वितम वृष्युकः। उ**रक्षा** তৎফল ভুত ভিভাগ স্ব্যমেব হি। ততঃসন্চিতে কালে প্ৰাপ্তে তাভিস্ক ভिक्कि उ॰ ॥ उ९ कल॰ न्नमाप्त গর্ৱা শ্চাপ্যাহিতাঃ শভাঃ। সম্পূর্ণে পত্তকালে তুঁ পত্তেভ্যঃ সমজায়ত।। খণ্ড মণ পৃথক্রালা যথা ভর্লেণ ভাবিত । তह খণ্ডত্রব পৌষ্যে যথা স্থান• নিযোজ্য চ ৷৷ এক• পিগু• চকারাশু তত্র পুণ্নো ব্যজায়ত। ত मार्य जमा बाइन् महरकमा क-ল। শৃভ। ॥ তৃষ্য নানাকরো ুাজা वाकारनः सिः भूरत। हिरेजः। हन्तुरण-थत हैए छात्र कान्छा हन्तू मग्यू है।। এব তিঘূণা ম্যানা পরে লাভো 🚶

যতো হর:। অত জ্ঞান্তক নামা ভূৎ পুথিতোলোক দেবযোং ॥ ইতি কা-লিকাপুরাণে ৪৬ অধ্যায়ঃ ॥ 🛊 ॥ অবতীর্ণে মহাদেবে পৌষ্য জাযাসু ষেষ্ট্যা। মানুষেণ পুনাণেন তেন স-षट्मत्रष्वा ॥ गितिकाभि कञ्रट-ञ्ना द्वाङ्वा ভार्या स्वायं ॥ 🗱 ॥ ইফ্বান্সবংশজো রাজা কন্নৎস্থে: না-ম ধার্মিকঃ। তস্য ভার্য্যা নহাভাগা ভर्गात्वमा भू भिका ॥ मा मानाम-থিনী নামা প্জিতা পতিবল্ল ভা। পুণ্ৰী ন বিদ্যুতে তদ্যা স্তদৰ্থ সা गृशास्त्रत ॥ निज्ञः इ ७ व कृत्र চিঙিকा॰ সমপূজय । পূজ্যনানা ন-হাদেবী চণ্ডিকা রাজভার্য্যা। পা-ৰ্ষত্যপি শ্বশ• তস্যা গড়ে কালে বি-(वण र ॥ मा मानामाधिनी (पर्वी मुमु-বে তনযা• শুভা•। তা• দৃষ্ট্র হার স• যুক্তা সরজ্জোৎস্নোপনা শৃভাণা কন্নংস্থা ভার্য্যা সার্দ্ধ নত্যন্ত মু-দিতো ২ভবৎ ৷ তেনৈব হারচিয়েন তস্যা• ভারাবভীভিবৈ ॥ নামা ক-রোৎ পিতা কালে যথোক্তে নূপ স-छ । जन्मानुस्योवत्नारक्षरे मृक्षु ताजा न्रेंजः महा। क्ष्य e शुः कात्रया-नान नगरम रथ सम्बद्धः। स्वयः मा शार्वजी परवी वर्षु ह हन्तुरमथत ।।

हिं बय॰ गङ्गारिता मानूषी॰ रयानिः দৃশ্ভিঃ। পাৰ্বতী চ স্বৰণ জাতা विरयाना विनिक्छा ॥ यथा ज्की ছোকাল এতথো রভবৎ সূতঃ। ত । पु॰ मृन्तारजन्तु कथरामि नमुख-।। অথোনযা সন্ দেবো বিযতা मुर्मथतः। আজগান তদা গছন্ गुनामः भुजि जः नृभ ॥ मम्राम १थ त्रष्ठीः जा मूमायाः मम्मीः छरेगः। विकाम न म्पूर्ना॰ नायवरमाव नाय-ि।। তा॰ मृक्षा नाजमस्मिती॰ भीई ষভকেতনঃ। ইয় তে নানুষী মূর্ত্তিঃ পুষে তারাবতীতি যা।। ভৃঙ্গী নহা-নলযে। তে জন্মনে বিহিতা স্বদ । ভো ছনন্য কান্তো ২ছ নান্যা **इ** गिर्हा भरह।। व निमानी विश गम्रा॰ मूर्ड्या॰ भूविण ভाविति । उ उँशाहित्यगानि महाकान्य क्रिनः।। बीरन्तु वाह। गरेनव मानुः । মূর্ত্তি রিয়ণ ব্যভকেতন। বিশা-িতে ২ত বচনাদুৎপাদ্য সূত ৰ্যণ পুৰিবেশ ভতো দেবী শ্বয়ণ তারা-ठी छत्ने। महास्तितानि जम्राय ামার্থ• সমুপস্থিতঃ ॥ ভতঃ লাপ गाविशे (पवी जातावजी मजी। भ्ययान सहारत्व श्रेगरम्बा छवना-। ॥ कानावनात्न उन्नाउ नास्त

जाउ॰ मूछ प्रय॰। অভবয়्পশাদ্ব তথা শাখামৃগানন ।। তত ভাষো র্নাম চক্রে নারদো বচনামূপ।জ্যেষ্ঠো ভৈরব নামাভূৎ ভীরোঃ পুশ্রো ভ यक्रतः ॥ বেতাল সদৃশঃ কৃষ্ণে বে-তালো হভূত্তথা পরঃ। ইতি চকে उत्या नीम (पविधि वृञ्जनः मुजः॥ व्यन्धाः मह मर्च मःकाद्रामाद्रासः मृनि সত্তম:। চকার ক্রনশো বাক্যাছ শূ শেখর ভূভূজঃ ॥ ইতি কালিকাপু-রাণে ৪৭: ৪৮। ৪৯ অব্যাযে ভ্যঃ স•-क्विज्याक्षा जभा जम्म अस्ताताउ র• गथा। বেণউবাচ। পুপদে (দেব भी-भानः ज्ञानकः छन्त्र ज्ञानः। सङ्गारः ব মহাত্মান বিশ্বন্য জগতঃ পতি ॥ व्यापन मनुवीष्म्य द्वित्वाक्राधिः পতি র্ত্তরঃ। আখাসনকরঞ্চাস্য বাক্যবিদ্বাক্য মৃত্তম়ণ ৷! অছে৷ ভুষ্টো **২িম তে রাজ**•স্তবেনানেন সুবুত। বহুনাত্র কিমুক্তেন মুৎসমীপে বৃদ্ধি-ষ্যসি।। উবিত্বা সুচির॰ কাল॰ মম গাভোক্তবঃ পুনঃ। অসুরো হান্ধকো नाग ভবিষ্যাन जुदान्तक्ष्य ॥ हित्र-ग्राक गृह्ह जन्म श्रान्य वृक्षि गिम यानि । भूबीयार्या धारतन त्वन নিন্দ। কৃতেন চ ।। সাভিলাসো জগ-ন্মাতু ভবিষ্যান যদা তদা ৷ দেহুণ

শ্লেন হড়াতে গাত্যিয্যানি সাধি-ম• ৷৷ তত্রাপ্যকল্বো ভ্তঃ স্তত্ত্বা-মা• ভক্তিতঃ পুনঃ ৷ পুাপ্তা গণাধিপ-ত্যে বং নামা ভৃঞ্চি রিতি মৃতঃ।। মৎ সমিধানে স্থিত্বা ত্বু• ততঃ সিল্ধি• গ-भिष्रभि ॥ 🗱॥ ততঃ কালান্তরে স্ব-ন্ধক কৃত স্তবানম্বর• নহাদেব বাক্য• স্থা। সিজো হ্রি দানবৃপত্তে গরি-জু: 🎖। হন্মি 🥌 হন্ধ ম । বরণ বরষ ভতু: (७ यशिक्षि विवासिकाः ॥ आस्रकः । উলাচা অবিকা জননী মহা• ভগবা•া क्ष १४७३ भि छ।। वनहासि हत्रांशी मान **छ बं**न्तनीया गमाधिका ॥ वबस्पानि यशीमान जमाजु विवयः समा मा রীর• মানস• বাগ্লু• দুষ্ত• দুর্বিচিন্তি-ত া৷ তথা নে দানবো ভাবো অপ যাত্রহেশর। স্থিরা তৃ তব ভক্তিস্ত বর নেত॰ পুনছ নে।। নছেশ্বর উবাচ। এব• ভবতু দৈত্যেন্দু পাপ• তে যাতু **স-ক্ষ**য•। মুক্তোসি দৈত্যভাবাছ ভ্-স্বীগণপতি ভব ॥ ইত্যেব মৃক্ত্বা বর-**मः म्**लागुारवजार्यः छ । निर्माङः নিজ হস্তেন চক্রে নিবু'ণ মলক ।। ততঃ স্ব দেহতো দেবান্ মুজাবীনা-जुराव मः। (७ नित्म्क र्महाजातम नवभुष्ठ जिल्लाहन्य। १९१५ मानको हाकूर निस्तिना छरम् 🕬 🗒 क्रिनः 🛚

দর্শবামাস ব্রুরেষে ইন্নকৈতি হি ।। তে দৃষ্ট্রা দানবপতি জংশুদ্ধ পি শিতং রিপুণ। গণাধিপত্য মাপন্ন পুসশংসু ব্যধুজ ।। ইতি বামন পুরাণে ৪৪। ৪৫। ৬৭ অধ্যাবেত্যঃ সংক্ষলিত ।।

ज्जीकनः श्र॰ जागाउकवृक्तः। ইতি রাজনির্ঘটঃ॥

ज्योभः १ गशास्त्रः। ই ज्यापः

ভ্রেরিটিঃ পু॰ ভূসী। ইতি ত্রিকাও শেষঃ।।

ভূষেষ্ঠা ত্রী ঘূতসমারী। ভাগী।। তক্ণী ॥ কাকজমূ: । ইতি রাজ-নির্ঘণ্ট:॥

ভূজ ঈ ড ভর্জনে। ইতি ক্বিকল্পজনঃ

।। ভর্জন-পাক্বিশেষঃ। ঈ ভূকঃ।

ড ভর্জতে তপুলান্জনঃ। ইতি
দুর্গাদাসঃ।।

ভূজনং পু• অধরীষং। ভাজনাথো-লা ইতি ভাষা। ইত্যাদিকোষং। ভূতঃ ত্রি ভরণীয়ং। ইত্যাহ্লিকতত্ত্ব• ॥ পৃষ্টং। ইতি ভূ ধাতোঃ কর্মাণি জ্ব পুত্যয়েন নিম্নন্ধ।।

ভূতকঃ পু॰ বেড়নোপঞীবিক্স(কুর্ন্তা! তৎপর্যায়ঃ! ভূতিভূক ২ ক্যান্তাঃ তবৈতনিকঃ ৪। ইত্যায়ঃ!! ख्िः खी (वजनः। इज्जानः॥ मृत्ताः। स्ताः। स्वाः। इजि स्वित्ती ॥ ख्ञि (वंजनः क्ष्रकद्यांगास्तः। उख् मश्च विश्व प्रखात्रमं इखः विश्व प्रश्चाः। यथा मात्राद्य । एखः माश्चिषः (प्राक्तः महत्वः (वाष्ट्रमाञ्चकः निष्ठि पुष्टिः) भाषः प्रखाद्य । स्त्रभः विष्ठः। भाषः प्रखाद्य । स्त्रभः विष्ठः। भूतुः भकात्र छः। खीमद्वान् गृहार्थः १ प्रकः पान विष्तः। विष्तः॥ इजि मिञाक्रता॥

**ভৃতিভৃক্ 'পু** ভ্ उतः। ইত্যমর:॥ **ज्**डाः श्र्॰ मामः। ইত্যমরः॥ তস্য **लक्ष १ थथा । সূ** उ छे वा ह । ज् छ ऽ। বহুবিধা ক্সেমা উত্তনাধন নধ্যনাঃ । निरमाक्तवतायथार्थम् जिविरभरत्वव কর্মসু।। ভৃত্য পরীক্ষণ বক্ষ্যে যস্য যস্য হি যোগুণঃ তে নিন• স•**-**পুৰক্ষ্যামি যত্মদা কথিতানি চ ॥ যথা চতুর্ভিঃ কনক্ত পরীক্ষতে তু লাঘৰ্ষণ হেদন তাপনেন। তথা চ তুর্ভি ভ্তিক পরীক্ষতে শুতেন भौतिन अ: तन कर्यगा॥ अत भौत ख्रालि उः मन् भग भग्नायनः। क्लिन मू भूनमण्डताकावारका वि. धीयरं ॥ मृता ती । भर्त। का कृष्ट (वपुथभानीककः। दलावल भनिः

জ্ঞাতা সেনাধ্যকো বিধীয়তে।। ইঙ্গিতাকার তত্ত্বজ্ঞো বলবান্ প্রি-यरमंगः। अभुनाही भुनाथी ह भुः তীহার: স উচ্যতে॥ মেধাবী বাক্ পরু: পাজ্জ: সভ্যবাদী জিতেন্দ্রিয়ঃ । সৰশান্ত সমালোকী ছেষ মাধুঃ मः लथकः॥ वृक्षिपान् मि जिनारे एक ব পরচিত্তোপলক্ষকঃ। কুরো य-(थाकवारीह अब मृत्छ। विवीयत्ड ॥ সমস্ত কৃত শাস্ত্রতঃ পণ্ডিতো १थ जिए जिल्ला । भौर्य वीर्य छ-भारता वर्षा १५८का विवीयटा। **लिञ् लिजामरहा मकः भाजकः ग** ७। १ वा जिल्ला जिल्ला जिल्ला हो **স্পকারঃ স** উচ্যতে ॥ আযুর্বেদ क्ञान्तामः मर्बद्धः भिगरणनः। वार्ग्यांन ख्लात्मरा देवन अव विवीयरज्ञ ॥ त्वन त्वनाक जबुरका জগ হোন পরাবণঃ৷ আশীরাদ পরে। নিত্য নেষ রাজপুরোহিত: ॥ इंजि गाक्एउ ४३२ व्यस्तायः ॥

॥ इति शाक्ष्य ५०२ व्यव्यायः॥ ज्ञा खी (व इनः । इत्यादः॥ ज्ञा भः वायु विष्णवः। घृत्र वादाः जान इति जावा॥ जना विज्ञानः। इत्यादि वादः॥

च्य ६त्र पाष्ठे व्याः तर्हा **३ क** स्वित्य पार्डाः हेत्र यह्णद्य यहः मी ( । भूषाि प्राप्ति छ। ४ ईडा- पूर्ण प्राप्ति । ज्या ज्या । ज्या ज्या । ज्या ज्या ज्या । ज्या ज्या

ভূশ॰ ক্লী অতিশ্যঃ।। তদ্বতি ত্রি। ইত্যমর:।।

ভূশন্ ব্য পুকর্ষার্থ: ।। মূত্রর্থ: ।।
শোভন । ইতি শব্রত্নাবলী ।।
ভূষৎ পু• পাষাণ: । ইতি শব্রত্নাবলী ।।

ভৃষ্ট: ত্রি জলোপসেক বিনা পদ্ব:।
ভাজা ইতি ভাষা। ইতি হেনচন্দুঃ
ভৃষ্ট ত গুলঃ পু ভর্জনবিশিপ্তধান্যনিকর:। চাল ভাজা ইতি ভাষা।
অস্য গুণাঃ। সুগদ্ধিং কফহা কক্ষঃ
পিত্রলো ভৃষ্ট ত গুলঃ। ইতি রাজবল্লভঃ।।

ज्हेगतः भू॰ जर्जनिविश्वियदः। यतः जाजा हेि जाया। जर्भग्रायः। थानाः २। हेज्यतः॥ वाज्रेकः ०। हेि श्वाहित्वा॥ जन्य छना थाः ना श्वाहित्वाः॥

ज्हे ति क्षेत्र श्वाः। मुक्ति है जि

 जाया। जट भर्यप्रायः। महतः २

 नप्राक्रः २। है जि सम्हित्त्वा।

 ज्हिः स्त्री जर्जनः।। स्नप्रवादिका।

 रेजि मिर्मि।।

কবিকল্পদ্ধনঃ॥ গি ভূণাতি 🛒 🔧 ণিঃ। ভূজি ভর্জনে।ইতিদুগ লাক্তা ভেকঃ পু॰ জন্তবিশেষঃ। ব্যাক্ত **ভाষा। उৎপ**र्यतायः । म कुकः वर्षाज्ः २ भान्तः ४ श्रवः ८ नम् ७। ইত্যমরঃ ॥ वृश्चिन्ः १ मान्तः ৮। ইতি তটীকা।। প্লবক্ষমঃ 🖫 वाकः २० श्रवणः २२ महाः २३ नम् नः १० गृहवहाः १८ जिक्कारे १८ कियारगाइनः ७ । ইতি भग देश-वली ॥ नन्तकः ४१ क्ठालयः ४५० রেকঃ ১৯। ইতি ত্রিকাপ্তশেষঃ 🛚 भुखः २० इति: २) लु न हः २२ वृतिः পুস্তকে লূলকোপি প ঠা শা 🔫 २० कर्तूत्रवः २८। अम्रामा**ःम ख** সদ্যোবলকরত্ব• ! শুন ত্ড্ৰাছ (गर्क्य अष्ठिषिं नामि व्या রাজনির্ঘণ্টঃ।।নেঘঃ। ইতিমেদিই **७**किं शू॰ न्राडिनः। स्थ তুল্যো ভে চট বেকটো। ইতি ছি भकायः ॥

(छकनिः शू॰ गए मार्गितामयः। छाष्ट्रस हेछि छात्रा। यमा छगाः। मधुत्रः । मी उद्ग॰। वसाद्भ॰। स्माप्तकत द् एक दक्ष । हेछि ताक्रवस्न छः॥ (छ किल हे छित्र भारोः॥ ভেকপণী স্ত্রী মণ্ড্কপণী ইতি কেচিৎ।।

ভেকভূক্ পু• সর্পঃ। ইতি ত্রিকাণ্ড শেষঃ॥

ाकी खी (जकिनुगा। उट भर्यप्रायः । कि र गज्ानी ० वर्षाणी ४। इंज्यतः ॥ अत्माभीवन्न (जक्भ र्याया वज्नाव्रकाः॥ मञ्कर्भनी त्-

িউটঃ পূ• নেধঃ। অস্যভাষা ভেডা ॥ । ইতি হেম**ান্যঃ।**।

দুপান্তনাঃ। ভাবিক লবণ স্বাদ্ দুপান্তনাঃ। ভাবিক লবণ স্বাদ্ সিপোক্ষা ভালি পুণুৎ। অহন্য ভালি কিছিল শুক্ত পিত্ত ককপুদ লাকনে বরণ ইতি ভাবপুকাশঃ।। হভালি বিভেষঃ সেতুভেত্তা সমীপ-তঃ। ইতি ব্যবহারতত্ত্বং।।

छपः भु॰ भजूवभीकत्रशाभागव्ज् श्वास्त्रभं ज्ञीरमाभागः। ज्रम र्यु। यः। जेमकाभः २। इन्यानः॥ ॥ भूत्रका विद्यस्य जान्यमाद कत्रभ ज्ञरः। इन्जि ज्यु अः॥ जिन्नश्याः। यथा। महम्य ज्वाह । भत्रस्थतस्य रय पृष्टाः ज्ञाह्मा जीजावमानिजाः।

তেষা ভেদ পুযুঞ্জীত ভেদ সাধ্যা हि ए मजाः॥ य जु यरैनव (मा-ষেণ পরসাদ্বাপরাধ্যতি। তে তু তদোষ পাকেম ভেদনীয়া ভূশং ত-णः ॥ व्याजीयः मर्भायाम्। यः शत्रः माफ्र भारत ज्वर । এव हि मर्भाय जि-म् यथावष्म नानत्य ।। म इ छ। हि বিনা ভেদ শক্রেণাপি সুদুঃসহাঃ। ভেদ মেব পূশ সন্তি তত্মান্নয় বিশা-त्रमः ॥ समृत्थं नामायास्त्रमः (सनः পরমুথেণ চ। পরীক্ষ্য সাধু মন্যন্তে ভেদ পরমুখাৎ শুভ ॥ ভেদ্যাঃ স্বকার্য্য মুদ্দিশ্য স্বশলৈ র্যে হি ভে-দিতাঃ।ভেদিতা স্তে বিনির্দিষ্টা নৈব রালার্থ বাদিভিঃ।। অন্তঃ কোপো বহি:কোপো যত্ৰ স্যাতা মহীক্ষি-তাণ অন্তঃকোপো নহাণ্ডত্র নাশকঃ পৃথিবীক্ষিতাণ।। সামন্তকোপো বা-হুদ্ব কোপ: প্রোক্তো মনীযিভি:। নহিষী ব্বরাজাভ্যাণ তথা সেনাপ-তি विकः॥ अभाजा मञ्जिप रेम्ह्य রাজপুতা শুথৈব চ। অভঃকোপো বিনিৰ্দিষ্টো দাৰুণঃ পৃথিবীক্ষিতাণ ॥ वाश्काल मगूट भाम मूमह्डऽः পি পার্থিবঃ। শুদ্ধান্তন্ত নহাভাপ শীঘুনেব জগী ভবেৎ ॥ অপি শক্ত সমো রাজা অন্তঃকোপেন নশ্যতি।

অন্তঃকোপে সমূৎপন্নে তমাদুক্ষে-भ्रहीकि তা॰।। পরতঃ কোপ মূৎ পাদ্য ভেদেন বিদ্বিগীষুণা। জ্ঞা-তীনা ভেদন কাৰ্য্য পরেষা বি-किगीयूना ।। तक्रिकित भुगरत्न छा-তিভেদ **স্তথাত্মন:।**জ্ঞাতয: পরি-তপ্যম্ভে সভত পরিতপ্য য় ।। ত-থাপি তেষা কর্ত্তব্য সুগস্তীরেণ (**६** इमा । गुरुष नान मानान्त्राः ভেদ স্তে:ভ্যা ভযক্ষর: ৷৷ ন জ্ঞাতি রনৃগৃহাতি ৰ জ্ঞাতি দ্পু নিছতি। জ্ঞাতিভি র্ভেরনীযাস্ত ব্লিপব স্তেন পার্থি বৈ:॥ভিন্না হি শক্যা বি-পবঃ পুভূতাঃ স্বল্লেন সৈন্যেন নিহ-স্ত মাজৌ। সুস•হতানা• হি ততস্ত ভেদ কার্য্য রিপূণা নয়শাস্ত্রবি-ডিঃ॥ ইতি মাৎসে রাজধর্মে ১৯৭ व्यश्रायः ।। 🕸 ।। रेह्रथः ।। वित्मयः ।। विनात्र १ इंडि (मिनी।। विद्यकः । যথা। কাশে ধূম স্তবাণা বলবতি गक्र (इर (अराभवामा वरहा-মন্দে চ পিষ্ট সপিশিত ন্নিশ বারিপান কফান্তৌ। ইতি হা म्रार्वनारेक ।।

ভদকঃ ত্রি বিদারকঃ।। বিরেচকৌ ষধাদিঃ।। পৃথক্কারকঃ। যথা। ভেদযতি অন্যপদার্থ পৃথক্করো তীতি ভেদক নামা শিবং গোরেণ গার্গ্য:। ইতি কারকটীকাযা দুর্গা-দাস:।। অপিচ।ভেদ্যভেদকযোঃ শিষ্ট সম্বন্ধে। খন্যোন্য মিশ্যতে। দিঙো যদ্যপি সম্বন্ধ: মধ্যুৎপত্তিস্ত ভেদকাৎ।। ইতি কলাপটীকাধ্ত ভত্তিরকারিকা।।

ভেদন ক্লী হিক্স। ইতি রাজনির্ঘণ্টঃ
। বিদারণ । ইতি ভিদ্ধাতা
ভাবে ২নট্ পুত্যযেন নিয়ন।।

ভেদনঃ পু॰ অমুবেতসঃ। শূকরঃ। ইতিরাজনিঘণ্টঃ।।

ভেদিতঃ ত্রি ভিন্ন:। দারিতঃ। ইত্য-মর:।।

ভেদী পু॰ অমুবেতসঃ। ইতি রাজ-নির্ঘণ্টঃ।। ভেদকর্ত্তরি তদ্বিশিষ্টেচ ত্রি।।

ভেদ্র ক্লী ভিদ্র । বজু । ইতি দ্বিকপকোষঃ ॥

(जद्रः भू भे एकः॥ (जद्री ॥ पून्प् जिः । इठि म किश्वमाद्धाना पितृ जिः॥ (जद्धिः ज्ञी तृक्षण्द्धा। उद्भर्यग्रामः। व्यानकः २ पून्प् जिः २। इठानदः॥ (जद्गी ८ व्यानकपून्प जिः १ व्यानकः पून्पु जी ७। इठि उद्योकायाः जन

ভেরা জ্রী ভেরি:।ইত্যনর টাকাশাণ

রত: ॥

ख्यु खी प्रविश्वित्यः॥ य-किनी (छ्रुः। इंडि (मिनी॥ जा प्रविज्ञा काली। यथा। विकाननि-लया निक्रा भ्रमाम् क्रिक्छा। महावित्र अती (खना (छ्युः छ-लम्मत्री॥ इंडि काली छलमर्वस्य शिनिवभ्रम् ताम ज्यात् चाम्रा-याः महमूनान (छाजः॥

ভেল - श्रि ভीकः।। মूर्थः । ইতি
भित्र । एक नः। ইতি भन्द द्रञ्जावनी ।।

(जनः पुः श्रवः॥ मूनिवित्नवः। इंडि

মেদিনী ॥ ভেলক । ইভি সংক্ষি-গুদারোণাদিকৃতিঃ ॥

उनकः भृ क्षी नम्तामिखतामाथन वच । ज्ना हेकि जाया । उट भग्तायः। भ्रदः र कानाः ३ उप्कः ८ उप्कः ६ उत्रमः ५ जाताः १ जा-त्रकः ৮ । हेकि सम्बद्धावनी ॥ उ त्रीयः ৯ । हेकि क्षितः॥

ভেষ ৰা এ ভবে। ইতি কবিকল্পজনঃ ।। শ অবিভেষৎ। ঞ ভেষতি ভে-ষতে বিভেষে। ইতি দুর্গাদাসঃ।। **ভেষজ॰** त्री 'ঔषध'। ইত্যমর:॥ অথ ভেষর ভক্ষণ সম্যাঃ। ভৈষ্ জ্য মভ্যবহরেৎ পুভাতে পুায়শো বুধ:। কবাযা স্ত বিশেষে তত্ত্ **छिम् स्र मिन्डः** ॥ एक्क्यः शक्षः विश्वः कारणः टेडवं जा गुरुरा नृधाः । कि-**ष्ट्रिंट म्**र्ये। मृत्ये ज्ञाति ज्या मित्रम ভোজনে।। সাশস্তনে ভোজনে চ মুক্ শ্চাপি তথা নি শ। 🗱। তত্র পুথ गः कानः। भागः भिछ करकारम्रक বিরেক বমনার্থগোঃ। লেখনার্থে চ ভৈষজ্য পুভাতে নাম নাহরেৎ ॥ 🗱 ॥ जथ वि जीयः कानः । रेज-ষজ্য॰ বিভণে ২পানে ভোজনাগে **প্ৰশস্যতে।** অৰ**ৌ চিত্ৰভৌজ্যৈ**চ निवः करित नाश्तर्।। नमान

वाउ विच्रा मान्त्राम विद्विती পন•। দদ্যান্তোজন মধ্যে চ ভৈ-ষ্ক্র্য স্পালে। ভিষক্ ॥ ব্যানকো-পে তু ভৈষজ্য ভোজনান্তে সনাহ-রে । হিক্কা ক্ষেপ্ক কম্পেষ্ পূর্ব নন্তে চ ভোজনাৎ ।। 🐞 ।। অথ তৃ ভীয় কাল:। উদানে স্বলিতে বা তে শ্বরভঙ্কাদি কারিণি। গ্রাস গ্রা-मार्किः (६य॰ ভৈষজ্য॰ माथ्र ভো-জনে ॥ পুাণে পুদৃষ্টে সাধ্যস্য ভুক্ত-म्याख भूमीया । 'ঔषथ' भागामाः ধীরৈঃ কালো ২য়ণ স্যাৎ ভৃতীয়কঃ ।।ৠ।। অথ চতুর্থ: কাল:। মুহু মু হি-**४० ज्हें ए किं शिका श्वाम शाम हु छ।** সামঞ্চ ভেষজ দদ্যাদিতি কাল চ जूर्थकः ॥ 🗱 ॥ **जय शक्षमः कानः।** উদ্ধৃ গন্ত বিকারেষু লেখনে কৃছণে **७था । भा**ठत भगत (एय मनस्र ভেষজ নিশি॥ ইতি পঞ্ম: কালঃ ।। 🕸।। নিরম্বস্য ভেষ্জস্য গুণ নাহ । বীৰ্য্যাধিক• ভবতি ভেষত্ৰ মন্নহীন• ङ्न्याखनामय नमः **मय माणू** रेहव ॥ ভদাল বৃদ্ধ যুবতী মৃদুভিশ্চ পীত• द्वानि शद्धाः नयि हाम् दलक्षय्य ॥ 🗱 ॥ नाबन्। (ভष्जन 🕫 धगनार । শীঘু বিপাক মুপপত্তি বল ন হি ग्राम्माव्छ । मह मूक् वंदनाभित्ति । |

এতদ্ধিত স্থবির বাল কৃশাক্ষন ভঃ প্ৰাণ্ডোজনাত্মদশিত কিল তাত ष्ट ॥ उष्ट अमावृज्वट र उपन নিতি শেষঃ ৷৷ ঔষধ শেষে বুক্ত ভোজন শৈষে যদৌষধ• পীত•ান করোতি গদোপশন পুকোপযক্ত ন্য রোগাংক ৷৷ পীত মিত্যুপ জক্ষ-१९। नीषारि ।। अनुत्नारमभ्यति-वः याष्ट्राः कुल्काम् गनः कुत्रः। न युद्ध निन्द्रियामात मृष्कि की ली र कृजि: ॥ क्रांसा मार्श २ क्रांस ভুন মূর্ছ। শিরোক্জাঃ। অরতি ন হানিক সাবশেষৌম্ধাকৃতিঃ॥ অথ ভেষল ভক্ষণ বিধি মাহ চ कः। (प्रवान् ७वः खथा विभान् । विदानुगम् । जानियक मनाम्य শুদ্ধবা ভেষজ ভজেৎ ॥ রসা নিব্যী গা দেবানানিব চামৃত। স (यदाख्य नागानाः टेख्यक्र विषय स्र (७॥ वृक्ष प्रकायि कर्मुन्मु ज् न्तुार्कानिनाननाः। अययः जोयः পুনো ভূমিদেবাশ্চ পাস্তবঃ॥ইভ্য দ্যাশিষঃ।।ঔষধ হ্মে রজত মৃদ্ভ জন পরিস্থিত:। পিবেদ্যজ্জনস্য शु भूमत वरत्यक्यः ॥ भूमा छस्भ বিশ্যাথ পীত্বা পাত্র মধোমুখ। নিঃ কিপ্যাচন্য সলিল তামূলাদ্যুগ

वाकत्य् ॥ 🗱 ॥ व्यथ (उद्यक्तानाः विधानानि। श्रवज्ञण उथा क्यूः दृष्य क हिन काणेत्वो। (ज्ञनाः क्**रा**नाः निष्धां नववः मृत्र यं (बाखद्रः ॥ छ-आफी बद्रम विधिः। बाह्जाल् क्ताक्ष्ठां मुवार क्यार ममुख्य ্বস্ত্রনিল্লীডিতো যশ্চ বরসোরস উচ্যতে ॥ 🗱 ॥ व्ययं कन्न विधिः। দুব্য মাদু • শিলা পিষ্ট• শৃষ্ক•বা সজ- 🔏 नः खर्वः। शुक्तिभागानायदाख ভন্মাৰ কৰ্ম সমিত ৷৷ কল্পেনধ ঘৃত তৈল•ুদেয়• দ্বিগুণ নাত্রয়। সিতা• <del>७</del>उ॰ ज्ञमः नन्तामुवा रन्या भ्वज्र्छ-गाः।।क्रा। अथ इ।य विकिः। शानीमः বোডশ গুণ-ক্লুণ্ন দূব্য পলে ক্ষিপেৎ । गृष्टभाव द्वाधायम् ग्राम्य नहेमाः भावत्मविछ ।। कर्याको जू भवः या-वप्तराष्ट्र (वाउनिकः बनः। (वाउ-শিক বোডশগুণ ।৷ গ্লা। অথ হিন - বিধিঃ। ক্ষুণ দুব্য পলং সম্যক্ষিড্ড नी त्रभरेलः भ्रु ७ । निल्मावि ७ हि-भः म महाख्या भी छ क्यायकः।। 🕬।। व्यथ काले विश्वः। क्यू पुरा भाषा अन्।क् जलमूकः विनिःक्तिःश्रर।मृर भारभञ्ज उत्वाचानः उउत्र मावरय शूढीए॥ म माए हुर्ग मुबः कान्छ छ-মান দিপলোমিত। ক্ষৌদু সি

তा **७**डारी स्टकर्यमा वान् विनिः कि-পে ।। # ।। অথ তণ্ডুলজল বিধিঃ । কণ্ডিত ত পুলা পলা জলে ২ই ও-ণিতে ক্ষিপেৎ। ভাবযিত্বা জল গা-श् (त्य नर्वव कर्ममू ॥ अ॥ व्यथ মন্থবিধিঃ। জলে চতুন্নলে শীতে ফু-न पुरा भन किर्भर। म्रभाव मञ्राय अम्राक् जमाह दिख्न नि (वट् ॥ 🗱 ॥ अथ हुर्न विधिः। अजुङ শুষ্ক বৃদ্ধা সুপিই বস্ত্রগালিত। उ९ महाहूर्ग वद्याः स्कार खन्नावा কর্ষ সন্মিতা ॥ চূর্ণেগুড়ঃ সন্মে দেবঃ শর্করা দিশুণা মতা । চুর্ণেযুক্ত জিড॰ क्षिक (मरा नाट क्षिम कृष्डावट ॥॥॥ ष्म्य ভाবना विद्यः। मुख्य सावुका नगाक हुने नर्श भ्रुष्ठ जिल्हा सा वनायाः भुगावञ्च हूर्त (भुक् ि सगुरेतः ॥ # H अय भूषेभाक विश्वः । भूटे भक्ता क्लुमा यत्रामा गृश्ट যতঃ। অতস্ত্র পুটপাকানা যুক্তি द्र-ত্রোচ্যতে ন্যায় পুটপাকক্ষ্যপাকো-য লেপস্যাস্থার বর্ণতা ৮ লেপঞ্ ष्ठक्रन कृत अर्ग्या वाक्षु क्षेत्र विकः ॥ कामती वर्षे जम्नामि नरेव वर्षेत्र मु-जमः। भनमाजा त्रामा गु। श्रः कर्य-बाब॰ बधु किलिद्राक्तिकृत्रम्ताम्।-স্ত দেয়া: কোল মিতা বুধৈ: ॥ 🕸 🗈

व्यापारकातक विश्विः। व्यक्टरम्माः শেবেণ দত্ত্থিনাৰ্ছকেন বা । ভাগ वा कृथितिनव निष्कु मुक्का मक व (म् ।। #।। ज्ञा कीत्रभाक विधिः। की व नहे खन मुक्राए की बाबी त छ-ज्र्वन । क्षीवावरमाय जर भी उ भून गामान्व जार ॥ ॥ जनावत्य र विधिः। कृथारम यं भूनः भाका ।।। यनदः ना द्रम किया। (मावत्वरूक (वर्क उगाडा मार भाषा भाषा । 🗱 ।। व्यथ विकित विधिः । विक्रिका वास कथारङ उमान विका वही। सा-দকো ভটিকা পিণ্ডী ভডো বৰ্জি গু-(थाठप्रज्ञ। (लइ वर माध्य वरही खेरा वा मर्कद्राथ वा। ख्युक् दी कि-পেত্ৰত চূৰ্ণ ত নিৰ্মিতা বটী।। 🗱 ।। व्यथ मक्षान विविः। मृत्यम् हित्रकालः इ॰ मुत्रा॰ ये मिक्त छः छत्व । जा नवाबिष्ठ (जरेन उट (माहार ज ব্ৰোচিত ।। 🗱 ।। অথ ধাত্না পো খন সারণ বিধিঃ। তত্র শোধন বি-ধি:। প্ৰজ্লীকৃত্য প্ৰাণি হেনে। वाङ्गो भुजाभाग्यः। निविष्केखश्च তপ্তানি তৈলে তক্তে চ কাঞ্জিকে॥ श्याम् व ह स्वयानाः कवारय उ তিখা তিখা। তব । হেনুঃ পরেষাঞ্চ था ज्ञा भाषन ज्य ।। क्षा अथ

কর্মার মারণ বিধিং। স্বর্ণ স্থা দ্বিভাণ ज्ङ महान जर्मामहरू। उत्पानक नगान गक्ता बिस्याम् भरता छन ।। (गा-ण स्थः आडा कष्। नताव एए तर-भूळे। विश्मवानाभरेक र्माट भूहै। ৰে । বিৰুগ চ সদৰ ।। নিৰুগ ভাষতে ख्या गक्का (स्यः भूनः भूनः ॥ 🕸 ॥ व्यथ (सहनाम विविः। (सङ् मुह्यूर्वि-**यः (शांका घ्उ: छिन: प्रमा उथा।** শব্দ। চ তৎ লিবেন্নর্ত্যঃ কিঞ্চিদ कुरिंदि ब्रावी। क्षा व्यथ शक्षकर्याः शि। भूथमः वमनः भन्ठा विसक का-न्वाजन । এ जानि भक्ष कर्याणि निकं (ररगाउत्र ज्या ॥ # ॥ जय कन বর্তিবিবি: । ষ্তাভ্যক্তে গুদে কিন্তু। भूका बाक्ष मिछा। नव भूवर्डिनी-विक्तः कववर्जिक मा म्या।। # ॥ व्यथ नगुगुरुष विधित्त नेमा छए कथारा भीरत नामा गास मामायश । णावन॰ नस कार्याङ उत्र नाम ष्य॰ म उ॰ ॥ #न। यथ ध्रभान विविः। ष्गछ यहिशः (भुक्तिः सम्मान वृ•इन खथा। (ब्रह्मः कामहा हिव वामता वुनव्भनः॥ 🛊 ॥ अथ गञ्च कवन পুতিসারণ বিথি:। তত্র গভিষ:। एक कीत कषायानि मुदेश मञ्जूनं-मानमः। जाभ्यं। श्रीयरं जांव विवि

र्माष्ट्रं श्राज्यामञ्ज्ञा वर्ष कर्षणाः। वाजः लिखः ककत्वा प्राप्ता कतवाः खुरबं। अर्फा निश्किना मन्त्रवं। निशे त्वर क्रमत्व दिविह ॥ अ ॥ अर्थ भूछि माज्ञगः। मन्ड जिस्ता म्थामाः गहुर्ग क्ष्मान्तवार्किः । मरिन सर्वेन मक्ता তদক্ত পুতিসারণ ।। ক্ল।। অথ স্বেদ विधिः। (बम केठ्रिवंधः (भाक छ। ल्याक (धर अ छिड़ा । उननारहा দুবঃ দেন: সর্বে বাতার্ত্তি হারিণঃ 11 # 11 व्यथ कर्नभूत्रन विश्विः । स्वर स्टिकर्ग (मणास्त्र किकिन्तू भार्य मा-यिनः। गृरिकः (त्रीष्ट् इरिन करिकः (का रिकः (माजः भुभूत्र(यटः।। कर्षः भू রিত রক্ষেছত পঞ্সতানি বা। স হসু• বাপি নাত্রাণা• শ্যোত্র কণ্ঠ শি-(द्वागटेन: ॥ द्रजाटेन्ड: भूतनः कर्तः ভোজনাৎ প্রাক্ পুলস্তে। তৈলা দ্যৈঃ প্রণণ কর্ণে ভান্ধরে হস্ত মুপা-গতে ॥ #॥ অথালেপ विधिः। ज-থালেপস্য নামানি লেপ লেপন লি-श्रुगः । (माष्याः। विषक्। वर्गः न ह লেপ দ্রিধা নতঃ ৷৷ ন রাত্রৌ লেপন व्यर्गा मृयामानः न शात्राय । #!। व्यर्थ (मानि ज्यावन विश्वः। (मा-निजः भावत्यब्द्धाः वानयः भुनती कर्त। भूइ॰ भूझार्क नथना भुझा-

र्षाक्रमभाभिकाता संबद्धकारम य-ভাবেन लागिङ भावत्यम् देश । पु-(श्व नुष्टि (णाथाम्)। न म्। क्षित्र भा-তনাৎ।। #।। অথান্চ্যোতন বিধিঃ। शाय क्लो मानव स्तर विनम्ना॰ यजु भाउम । ष्राञ्चलात्रीविष्ठ माउ পোক মাশ্চ্যোতন হিত ॥ # ॥ অর্থ বিডালক বিধিঃ। বিডালকো বহি র্লেপোনেত্রে পক্ষ বিব্ছির্নতে। তস্য সাত্রা পরিজ্ঞেষা মুখ্যলেপ বি-थान वर्षा 🗱 ॥ व्यथ उर्भग विधिः। বাভাতৰ রজো হানে বেশ্মনুগ্রান नारिनः। व्यावादती भाष हुर्लन क्रि-सिन शतिम खिट्यो ॥ मामी मृहादन-चारियो कर्न्डावती (नेज काषरयाः। भू-त्रायम्ब्छ भारतन विनीतन मूर्था-मर्कि । क्या अन विश्वः। अथ नगरगरमावनार शास मखन माठ-রেং। জঞ্জন• ক্রিয়তে নেত্রে তদ্দুর্য-ক্ষাঞ্জন॰ মত ।। #।। অথ প্তাঞ্জন বিধি: ৷ গত দোষ নপেতাশু, পুপ-मा९ नगागञ्जना । न्यानाम यथा (मायः कार्य)ः भुज्रक्षनः जजः ॥ ইতি ভাবপুকাশ:॥ 🕸 ॥ অথ ভেষজ করণ ভক্ষণ দিন ৷ তত্র তি থয় বিষ্টিভিনাঃ শোভনাঃ। বারাঃ রবি সোম বৃধ বৃহস্পতি শুকাণা । नक्षवानि भ्रक्तिलुनी भ्रविषान भूर्वजापुणव्या ज्वनग्रस्या विणा-थापा ज्यानि । जबस्य निर्मान । व्यानि निथ्न कनग्रभ् में न ज॰ ज्वमानि। जब छक् त्थ म्यू भूरक्ष् जट्म भूमसानि। इठि (क्याजिय जब्॰।।

ভেষজাহ্ব ক্লী অনুপান্। ইতি শব । চন্দ্ৰিকা।।

रिज्ञी जी जीरमकामनी। यथा। অথ ভৈনী। বিষ্ধ্যোত্তরে। মৃগ भीर्य भगभाव माध्यमामि भुकाश তে। একাদশ্যাণ সিতে পক্ষে স্কো প্রাসে জিতেন্দ্র: ।। দাদশ্যা ষট্তিলাচার ক্রাপাপাৎ পুমুচ্য (छ। जिन्नायी जिल्लाहर्की जिला स्वारामा ्रामी जिलामकी।। जिलम् पाठा ভোকা চ यहें जिली नाव भी पछि। मध्मानुद्रात्। यम्। द्वेनाः ठलुक শ্যা । দাদশ্যা নথ ভারত। অন্যে স্থাপি দিনক্ষেষু নশক্ত জুমুপোষিতুণ ॥ ততঃ প্ণ্য মিমাণ ভীম তিথিণ भाभ भुगामिनी । উপোষ্য विश्वि नातन ग्रह् विकाः भन्न भन्।। जी-মতিথি ভৈনীত্বেন খ্যাতা একাদ मी ।। ইত্যেকाम्मी जबु ।। 🗱 ॥ **जिल्लाम् अवार्गाम्याः** 

ति भूत्रभाक न्यंत्रका युक् भूता करामणी उथा हिया जीत्मन अगूर বিতা ৷ আশ্চর্যন্ত বুক্ত কৃত্বা পি गा नन्ता जतर। जीन बाहर्ग क विथाना भाषाना भूगाविकी वका ক্ষত্রেণ বিরাপ্যেকা বুক্ষহত্যাদি না मारय । विनिक्षि महाशाश खन् भा विषयः यथा ॥ अन्यन्त अनः यहरः क जार्या ह भ जि॰ यथा। व्यवस्थि यद थर्म क्रम् क्षी हर्या नृशः ॥ व्यक्तारम ন যথা জ্ঞান শৌচঞ্চাশৌচতা ফ । यमुक्या यथा भारतः अउद्रिश्वाः 😌 स्थाना क्नि यथाक मान्धानार्व-कार्थ मक्षयः । यथा मुकीर्खनामः व **उला** विस्थान्यथा ॥ जानिक . यथा भूष्या भारता मृतगर्छ र्यथ 📑 कार्यन ह यथा भारत यथा विख वर्षना ।। यथा म्बीहनाज्ञाः कनानाक यज्युजाः । তথিব প नागाय (भाक्तियः द्वांमणी भूक বুকাহত্যা সুরাপান তেয় গুর্জনা গন:। যুগপদুপজাতানি নহি হ बिপुष्कतः ॥ न ठानि निमयक्त अक्:कव• भूजामक•। कालिकी य-भूगा शक्षा न (क्षेत्रा न अवस्त्री ॥ नरेऽव সর্বতীর্থানি একাদশ্যাঃ সমানি 🖘 न दानः न जल्मा (हारमा न हान्। भूक्षः

্ৰাৰ্থিবাসকল আল্লাকা **নহা**-भूगाः इयस्यकारमी सद्या अस्यन् द्वाइद्रभुषः कृत (मण्ड हार्षेकः। टिज्रवः भूः मक्षतः। ইতি मिनिशि

तिस्ति त्व भएड ह्या वि जामु ভাজনে।৷ মৰ্ববীজন্ততে বিপা: সিত বস্তাবভঠিতে। সৃহিরণ্যে সুদীপা-रिन्द्रः कृञा भूजाः भुयः उः ॥ वजाशाय নমঃ পাদৌ কোডাকৃতে নমঃ কটি॰ <del>৷ নাভিঃ গড়ীর গোরায় উর: শ্রী-</del> বং সভাগিল । বাছে সহসু লির-श्म ्रेप्तं महर्षयाय ह। मृथः मर्वाः ক্সনে পূজ্য াৰটি। পুভবাৰ চা।। কেশাঃ শতনন্থাৰ প্ৰগ্ৰা দেবসা চক্রিণঃ . বিধিনা শ্রুষিত্বা তু কৃত্বা দাগরণ নিশি।। শুরা পুরাণ দে-বস্য মাহাত্ম্য পুতিপাদক ৷ প্রাত विभाग म्खा जू वाहकाय मुजाय ह া কনক ক্রোড সহিত সন্নিবেদ্য পরিছদ । পশ্চাত্রু পারণ স্বর্যা মাতি তৃপ্তঃ সুহৃদ্ত:।। এব॰ কৃত্বা नाता विशान ज्यः खनाला जादर। िलारिवाकामणी॰ भूगा। मूहारङ व यभ जियार ॥ मत्मा जिल्ली व छ। ाधिः क्या मर्गुजामिकः। इंडि क्छ अकारमी नाहात्वा ३२१ । श्रायः।।

কুচিত । এটেটা বি প্রান মেক-। তৈরব॰ তি ভ্যানক। ইত্যমরঃ।। अन्। भर्यायाः ভरक्त मास्त्रं नुष्टे-व्याः ॥

> ভযানকরস: ৷ ইভ্যনর টীকাযাণ ভরত: ।। নদবিশেষ: । ইতি শব্দ-রত্নাবলী।। রাগভেদঃ। ইতি হেম-हन्द्रः॥ ३। अष्टे रे छत्रवानामू ८ भिक्त র্যথা। দৈত্যাধিপঃ সমুৎপত্য ছ-রোরসি গদা ক্লিপৎ। স স্থিত स মহাযোগী সর্বাধারঃ পুজাপতিঃ॥ গদাপাত ক্ষতা ভূরি চতুর্ধাসৃগথা-পত্। পূর্বার। সমু ভূতো ভৈর-বো হগ্ন সমপুভঃ॥ বিদ্যারাজেভি বিখ্যাতঃপদ্মনালা বিভূষিতঃ। ত-থা দক্ষিণ ধারোপো ভৈরব: প্রেত-মাস্থিত:॥ কানরাজেতি বিখ্যাতঃ কৃষ্ণাঞ্জন সমপুভঃ। নাগরাজেতি বিখ্যাত শক্তবালা বিভূষিতথা ক-তজাজবিরাজ্জাতো ভৈরবঃ শূল ভূ-ষি জঃ। সম্ভূনরোজেতি বিখ্যাত ই न्ताग्य नमभुजः॥ ज्यिष्ठाकविता-জ্জাতো ভৈরবঃ ফল ভূষিতঃ খ্যা-তোলম্বিত রাজেতিশোভাঞ্জন সং নপুভঃ।। ততো ভূদে বরাজেতি ভৈ-वनः क उनार्थ। उनुवादना वच्यायः क उनारे खत्राया १ भतः॥ वयः हि

সপ্তৰূপো হলো কথ্যতে ভৈরবো মু ॥ নে ৷ বিশ্বরাজো ২প্টনঃ প্রোক্তো ভৈ ক্লবাষ্টক মৃচ্যতে ॥ ইতি বামনপুরা-ণে অন্তক্বর পুদানে ভৈরব প্রাদুর্ভা (व 🍇 व व प्रायः ॥ 🗱 ॥ नात्रनीय मूर्गा পুরাবাণ অস্ট্রো পূজ্য ভৈরবা যথা। वारि महारिख्य विक् म श्वादिख्य व ন্তথা। অসিতাঙ্গ ভৈরবঞ্চ ৰুক্ত ভৈ-व्रव भिव ह ॥ उडः काल रेडव्रवक्ष ক্রোপ্রভারবমেব চ। ভামুচ্ড চন্দুচ্ ড॰ অন্তে চ ভৈরব দ্ব।। এতান্স॰ পুজ্য মধ্যে চ নবশক্তীশ্চ পূজ্যেছ। ইতি বৃদ্ধবৈৰৰে পুকৃতিখণ্ডে দুৰ্গো-পাথ্যানে ৬১ অধ্যাयः॥ তামুচ্ড চ मृत्रुप्राः ज्ञान क्लानि ज्ञत क्रु হৈ রবৌ জ্রেয়ে। ইতি তত্ত্বৈর গণগ তিখণ্ডে ৪১ অধ্যানঃ॥ 🗱 ॥ অপিচ। অসিতাঙ্গে কিক শ্চণ্ড: কোধ উন্মন্ত **স**•क्ककः। कशानी जीवन रेक्टव म•-হার শ্চাষ্ট্রা: মৃতঃ ॥ ইতি তত্রসার: 🛾 # 🗈 শ্বিগণাধিপ ভৈরবো যথা । नन्ती जुकी महाकात्वा (वजात्वा) ভৈরব স্তথা। তা**হ্ণ** ভূত্বা মহেশস্য वीञ्जीजा खरमाधनाः॥ रेग योन्य শরীরেণ পুাগিরে তগসো বলাৎ। গণানামাধিপত্যস্ত তে জানন্তি হরণ পর•াা ইতি কালি চাপুরাণে ৪৪ অ-

धारः ॥ 🗱 ॥ कत्रवीत भूद्रवाक हन्यु-শেথরপত্নী তারাবতী গর্ট্তে,মহাদে-वाब्हा व भूयः। म ह भू दा र्वृक्षी वज् व পार्वजी भाषाए वानत्र मूला जूला ভৈরব ইতি নামাখ্যাত: ।, যথা। পুৰিবেশ ততো দেবী সুষণ তারাব-जी जन्मे। महारहर्या २ शि जम्मा इ কামার্থ সমুপস্থিতঃ৷৷ কামাব্সানে তস্যান্ত সদ্যোজাত সুত হ্য ৷ অভ वष्रभाष्त्व उथा भाषामृगानन ॥ **७७ खर्या नीम हिक नात्रत्ना वहना** म्भारकारका रेज्यव नामाजुर जीर्याः भूत्वा उपस्राः॥ विजान नम्भः कृ-ক্ষোবেতালো হভূত্তথাহপর:৷৷ ইতি कालिकाभूद्रार ६२ अध्रायः ॥ 🗱 ॥ অপিচ ৷ যো ংসৌ ভৃঙ্গী হরসুতো ম-হাকালোপি ভর্গ র:। তাবেব গৌরী भारभन असुय नद्र यानिको॥ ८२-जान रेखदारों कारजी शृथिवता नृश বেশ্মনি। यथा ভৃঞ্জি মহাকালাকুৎ-भावो भाक् उथा मृग्।। या श्मो भहारे **जे दाथाः म कायः मा**तर छ। इ-तः। टिख्तवः भृषश्यवायः गनायः स्का হরাত্মনঃ ম ইতি কালিক:পুরাণে ८৫ अद्यायः ॥ 🗱 ॥ मुद्धयाचा शि-ति**ष्ट रे**जताया गया । जन्माक्ष्र रेजन বোদেবো ভর্গ সঙ্গন সম্ভবঃ। দুর্জবা-

## रिज्यव

(थर वत निहती वर्गमा भग ज्ञिनाः।। যোহসৌ শরভ ৰূপস্য মধ্য খণ্ডা **क्ति रेड्सेंबः। ज्ञबर रेड्सकार्थ**ा २४° भक्षवत् ना मखरेकः ॥ मः भ्का **उ**व নতি।।ন্স যাতি শিব লোকতা।। इंडि कांनिका भूतारा ४) व्यव्यायः ॥ # ॥ रेज्यवम् मत्यः। यथा । क्वः लः ज्ञादा शादिः यक्ष्यत जगित्वः । हन्मुविन्यू नमायुक्त इय्योवना वी ककः।।रेভद्रवः भाखूनाथस्र वनगानि স্বৰ্পিণ । বারাহেণ তু বীজেন পূ क्रायजु विधानजः ॥ जभारती मावनू-স্বার বিসর্গাভ্যা॰ সমন্বিতৌ। মহা ভৈরৰ মজে। হয়• ভৈরব• তেন পুজ-যে ।। ইতি কালিকাপুরাণে ৬২ অ-श्रायः ॥ # ॥ व्यम् श्रामः यथा। ভৈরবঃ পাণ্ডনাথক্ষ রক্ত গৌর ক তু ভূ লঃ। গদা॰ পদাঞ্চ শক্তিঞ্চ চক-ষ্ণাপি করেণ চ॥ বিভুদ্ব্যাঃ পুরে। ভাগে প্জ্যে। ২য় বিষ্ণু ৰূপধৃক্। ইতি তত্ত্ৰৈব ৬০ অধ্যায়ঃ॥ ৠ॥ আ-भाग जी यथा। सङ्गेट छत्रव विमा ছে কেলিৰূপায় ধীমছি। তন্ন: কা-মে ভৈরবস্ত দেবী নিত্যু পুচোদ-यार्।। এवा टेडब्रंव क्षत्रमः गायकी (मृशु जिष्ठिजा। यत्यष्ठे मा॰म मन्त्रानि **ভোজনাय भया ध्**जः ॥ महारेख्तव

## ভৈরব

क्ला १य ज्या जी ति मङ्गा । व्ययञ्च वाम्र जात्वन भूष्क्रा भर्ता-দিভি: সদা॥ ইতি কালিকাপুরাণে 99 ञ्रायः॥ 🛊 ॥ ञ्रथ महाविन्ता-দীনা ভৈরব নিরূপণ যথা। শিব উবাচ। শৃণু চার के শৃ ভগে কালি-काशाण्ड रे छत्र वर्षः । सङ्काकालः प्रकार गाया रक्जारंग भुभुक्तर्य ।। महाः কালেন বৈ সার্জ্য দক্ষিণা রমতে স দা ৷ তারায়া দক্ষিণে ভাগে অকো-ভ্যে পরিপ্রযে ।। সমুদু নথনে দে वि काल कृष्टे॰ ममुश्यि छ॰। मार्ब (एवा: ननात्राक महाका ज नवाशुगुः॥ क्षाञामि द्रश्चि उ॰ यमाए शीउ॰ इ।-লাহল বিষা । অভএব মহেশানি অক্ষোভ্যঃ পরিকীর্ত্তিতঃ॥তে**ন সা**-র্জ-মহামায়। ভারিণী রমতে সহ:। मशाविभ्रम्नर्गा मिक्न न भ्काराट শিব•া৷ পঞ্চন্ত্ৰু• ত্ৰিনে ৰঞ্চ পুতিৰ-ক্তে সরেশ্বরি। তেন সান্ধ্রণ মহাদেবী সদা কাম সত্হলা।। অভএব মহে-শানি পঞ্চনীতি পুকীর্ত্তিগ। খ্রীম-क्तुवनम्बर्गा पिक्षण वः यह है गर्डि ॥ স্বর্গে মত্ত্যে চ পা ভালে যা চাদ্যা ভূবনেশ্বরী। এত্রবা রনতে তেন ত্র্যু-ম্বক স্তেন কথ্যতে।। সশক্তিশ্চ সং নাখ্যাতঃ সর্বতন্তে পুপ্জিতঃ ৷ ভৈ

त्रवत पिकाल जाल पिका गूर्जि সংজ্ঞকং।। পুজবেৎ পর্ববরেন পঞ্চ বক্তু॰ তনেব হি। ছিন্ননস্তা দক্ষিণা॰. (ण कवक्कः शृंकरयः णिवः ॥ कवक्क পূজনাদেবি সর্বসিদ্ধীশ্বরে। ভবেৎ। धूनावजी नशाविष्ठा विषवा क्रल धा ,রিণী ॥ বগলায়া দক্ষভাগে এক ব-ক্তু-পুপ্রযেৎ। নহাকদেতি বিখ্যা-ত जग अश्वात्र कात्रक ॥ भाउकी मिक्किणां भारत विश्व क्षा मुक्क स्था मिष् । তনেব मिक्नामूर्जिः बर्गमानम् काः त्रकः ॥ कमलाया मिक्क गाः । विकूः क्र मनानिवः। भूडायः भव्राम-শানি স সিদ্ধো নাত্র সংশযঃ॥ পূজ यिरम्रभूनीया मिक्निगा राम ह क्रिक । নহামোকপুৰ দেব দশবক্ত মহে अंद्रशा पूर्णाया पिक्करण रम्हण नातमः পরিপূর্বে । नकातः সৃষ্টিকর্তা চ मकातः भानकः मना ॥ (त्रकः मःश-র ৰূপত্বামারদঃ পরিকীভিতঃ। অ न्यामु नर्वविष्याम् अयि यः नतिकी-র্ভিতঃ। সএব তস্যা ভর্ত্তা চদক্ষভাগে পুপুজয়েৎ। ইতি ভোডলতজ পুথ भ भेटनः ॥ 🗱 🗱 । व्यथे रे ७ दव द्वागः न। विवत्र । इन्न मा उ र प्राण म-ব্যে পুথন রাগঃ। মহাদেব মুখানি গতঃ। অস্য জাতিঃ ঔডবঃ। অর্থাৎ

रिषर छ निवास य छेष गांकात । श्रामः নিতি পঞ্চরর নিলিতঃ ব্যান্ত্র रिध्यात बदः । शाद्रमृत्ले श्राष्ट्रः वाल व्यत्रातं मन्यः। द्रारामा वार कृ न्याकार वर्षास्वाकात्रवर । श्राचीतः नुन्दरमा भी। एक मृक्तिलंड किर्देश क्रिश अनुभावनः **रू**१ ट्रिड स्यः । यनाहे। बंह ्। ত্রিনেই াপ গোল্লভ ক্রম বা া ভাল ভিলক: ১ ১৯২ ইতিচা অথবা দ্বীলিচন্মোপ বৃষ্ট । কেই 🕒 भावः। बिभ्वर्यः। अयम् भाषा शाधि उ दिश्वः। शाधि वृष **ाम** ११ । १५ सम्बद्धाः हेन रैवज्ञाही नव्ना भागितिकती **। अ**न्यास्था श्राह्म । वशा ६ वहा **नकः शू**रीयः स्टायः मृहः य**ना**नः गयुः भक्षाक ॥ कनान, श्राक ভৈরব জড়বিয়ের। বুলং রাজি यहे। यन । रिज्यवी अञ्चली जा বিলাবলা বুণাটা এশভাসা বড়ছ সীতি চলে চিং। এতমতে পূৰ্ অষ্ট্রে পু 🐃। কিন্তু ভিলক পুর্রা । পঞ্জ সূহ হলন্তু দেবশাথ লৱি চ गानकोन दिना उना विधियाः मात्मरा ६० र १भ व्यक्तिक यथा। रे जाती खड़ाशा दिवा खनन र्ज

वसानी बहुदी ा उग्र उ ब्राधि-नता भरत्या । नम 🦠 हिम्रबुः॥ अवस्थित । वर्ष वर्ष भिन्न शक भवन विश्वय करत व्या उना वजाती तक तिही है हत्यों है । **उग्राउति** अभारहोक अहा यहा अवारा वाजकः देवः तिता मा नाधवः व-হু জিঃ িতামঃ সংখ্যাপত। এবা मरहो जानी यथा। मूक्। विनावनी भावती अधावी अन्ताशी वक्त শক্ষরী গ্রনপ্তারী নির্বীচ। ইতি লঙ্গী*ালাল*ে সভাল**রে ভৈরব** ल्लाता स्क**ंरकानी रिञ**् ववी नवाड़ी सम्बन्ध वश्वनाथवी नि हों हा उर्जुबा करा कानकः प्रमुण्यातः मृहास्य २. जानः णुः ्राप्तिकार विकास करता श्रुपा **रथा।** अष्टी खन व वा के हिनी ब्रास्ट्र-লী সূহাচ অব্ৰ. শ ইতি সাধু भारेः। १७ि नास्भुतानः॥ विन्तवी की ठाउँ या स्था। जामूखा व व्या क्यांन्याचा चावा व विकास र्णनाने बर्णक रेज्यवी ह कथा-बिना। निक्ष (६५० स्ट्रुटा। **रेजब्र**ी विस्मया । विश्वते प्रविश्वते । अ-म्या श्रुनारिकानी र तो विभरिजन वीं व ननवामा करारे वदी ८ जय-

विश्व॰ निमी रे जबवी ৫ रेहजन्ररे जबवी ७ कारमध्रवीरे छत्रवी १ यऐक्टारे छत्र-बी ৮ निज्यारेज्यवी २ कम्रेज्यवी २० जूरानभर्ती जित्री ३३ जिभूत्रवाली रिजंबती १२ नवक्टारिजंबती १० अझ-भूगीरे **जे देश जामा॰ मञ्जा यथा।** অথ ত্রিপুরভৈরবী।বিযজ্গুভ্ভা**ল**-স্থে। ভৌতিকো বিন্দুশেখর:। বিযত্ত দাদি কেন্দ্ৰাগ্ন স্থিত বামাক্ষি বি-ন্দু মৎ ॥ আকাশ ভৃগু বহিছে। ম-नुः সর্গেন্দু খণ্ডবান্। পঞ্চক্টাত্মিকা विम्रा विम्रा जिश्र बर्जियो। ३।। अथ मम्मट भुमारे जत्र वी। यथा मौ ত্রিপুরাবালা তথা ত্রিপুরভৈরবী। जन्मर भुरा नाम जम्हाः भृतू नियंत भानतम्।। निवहत्नु विद्यम् । सीवा युवः जरनद्यतः। कानजाजः ज्या (ह-বি শিবচন্দান্বিত ততঃ ॥ পৃথীবী-জান্ত বহু্যাচ্যু তান্ত্রী য• শৃণু বল্লভে। শক্তিবীজে মহেশানি শিববহুী নি-याज्ञरय् ॥ जनार्याः भन्नरमानि ছিত্বা সর্গন্ত বৈন্দব•। ত্রিপুরাভৈর-वीरनवी महामण्यं शुना शिखा। २॥ ज्य कोलमारे अत्रवी । जन्म ९ भूमा-रेज्यवीविष्म कोलम्परेज्यवी । श्मान्त्र रेमव (मर्दिन जियु वीजियु পাৰ্বতি॥ ইযন্ত স হ ব্লাদ্যা স্যাৎ

পূজা ধ্যানাদিক তথা ৷ তথা স্থ স-কলসিজিন ভৈরবী। এতস্যা এব বিদ্যাযা আদ্যন্তে রেফ বর্জিতে। ত-দেয় পরনেশানি নামা সকলসিদ্ধি मा।। मन्नर भूमारे जत्वीवर भाग भू জাদিক তথা।৪।৷ অথ ভগবিধ্ব সি नीरे बद्दे । मम्मर्भुमारे बद्दे वा দ্যন্তে রেফ রহিতা চেত্তদা ভযবিপ্ন• সিনীভৈরবী ভবতি। দক্ষিণা মুক্তোর্ उथा हर्भनाट। भूजातिक सम्मट-भुरावट ॥ द ॥ अथे हि उन्दर्श खंती । वागुन वीक्रमूहार्य। कीव नुान मनिन ত। সকলা ভ্ৰনেশানী দ্বিতীয় বীজ মুদ্ধ্ তং।। জীবং প্রাণং বহিসংস্থং শক শ্বর সমন্বিত । বিসর্গাচ্য নছেশানি विन्ता विद्याकामा कृता। श्रवतानि न्यामः। भित्रीम पिक्तामूर्डस्य अय-रा नगः। नृत्थं शृहुन्त्राम् नगः। कृषि रेठ जन्र रेजनरेत्र (मय्जारेय नगः । ७ । यथ कारन वशिर बद्रवी । का-प्यक्रो ह क्रानी भूव नि शामति छि-छ।। अञ्चल अन् विन्ताना वीजहन मुराष्ट्र ७:।। उरस्य श्रद्धानानि निज्र ক্লিয়ে মদদুৰে। এতস্যা এব তান্তী य॰ क्रुार्भ भन्नतम्यदि ॥ १॥ जय वर् क्छ। रेडब्रवी। एकिनी बाकिनी वी-(ज नाकिनी काकिनी यूगः। माकिनी

शकिनी वीरत वाङ्ठा मूलमुन्स ति॥ षारा निकात मधुक नगुरीकात निष्ठिः। भक यतानि उ (दिव जा-खीय वीजगानित्थ ॥ शिन्तू नान কলাক্রান্ত**্রিত্য** শৈলসম্ভার ৮॥ অথ নিত্যাভৈরবী। এতস্যা এব বি-म्रायाः यव्नान् कन्मः व्यान्। वि-পরী তান বদ পুরুচে বিদেয়্য ভোগ भाक्ता।। न्यान भूका दिक नर्व न-म्।ः भृत्रविमाहात्य । २॥ वय वम्-ভৈরবী। শিবচন্দ্রো মাদনার্থ ফান্ত। বিহ্নিনন্বিত। শক্তি ভিন্ন বিন্দু नाम कलाए। वायुव भुरय ॥ जम्म -भूराया टेड्रब्याः कानजाजः जः प्र शि। महानिवम् वीकस्य नशिनश्चा-जनमा हा। এया विना नाइनानि বণিতু নৈব শক্যতে। ১০।। অথ ভু व्यवश्वती रेख्यवी । इमाम्र वायुव-ঞাদ্য° হসকান্তে স্রেশ্বরি। ভূবীর° ভূবনেশানী দ্বিতীয় বীজনুষ্কৃত।।। निवहत्तु गर्मानि जूवतमी ह रेज्यवी।ऽऽ।।अथ्जिन्ययानारेज्यवी । अथः ता विनम् नामान्। वृत्त्रन्यु इः मभी यूजः। विजीयः ज्ख मर्ग्राष्ट्रा मन् खाडी य मीति छ।। এषा वार्ण-তি বিখ্যাতা বৈলোক্য বশকারিণী । २२॥ व्यथं नवक्षावाना। वानावी --

क जरेर एक कि उस नवाकती। विष्ट्रकृते विष्टास्ति विजवता नतः कृति ॥ ३०॥ जायाम मृतारे छत्रवी। अल्या विश्वासी व्यविद्रः कामः मी कुछना करान नम नगर नगरक भारत भारत के क्षेत्र अञ्चल्या के युगन • িদ্যেশ বিশ্ব কেরী ॥১৪॥ ইতি कुल एक रेज्यसम्ब **भविष्ट्रनः ॥** ্রনা প্রাক্রি**শেষঃ। সাত** (• ५) अक्टा अक्टा विश्वारि अववी १८१६ इति १८ शतातवावनी ज থা চাজ জা চ ক গণের ভৈর-कर्रे अर्थ ११ च ११ व । खरत मानव ११ 🛷 👌 १० । धाननी नाल-বরানক রাচ বিষ্ণুড়া। আ-्रेडितवी छ बा**नवन्र शि**या ্ত্র ক্রাজ্বন•ল**থা। স**রো-বুরস্থা সূটিকস্য শব্দিরে সরোঞ্-িং শঙ্কর মর্চ্যত: ! ভাল প্রযোগ শু তিবন্ধ গাতি গোরীতন্ নারদ िछद्र विषा ॥ १८२०) शानमभयः श्र-%।ই শল। বথা। বিভাষা ললি-क्षेत्रित कार्यामः शतेमक्षती । ता मध्ये बागककी (बलागाती ह र्श्विती। (मन्दर्भी ह मुख्या श ক্ষমিচ গড়াতু জা। তৈরবা চাথ ्रिकारी वाभित्या १ म शक ह।।

वजाः भूबीइ काल क् भीयरड गायानाख्याः । इंडि मङ्गीउमाः (माम्बः ॥ # ॥ हन्नचा अवा সম্পূর্ণজাতি:। অস্যা: সপ্তম্বর বি-ন্যাস ক্রমঃমধ্যম পঞ্ম ধৈৰত নি ষাদ ষ্ট্র ঋষভ গান্ধারান্তঃ। অস্যা गृष्टः गधाम खतः। भत्रमृत्जो भुजा-তে অস্য গানসন্য:। রাগনালা-या॰ अन्। यक्षरा । अञ्चरका । मुक्ला। मूरनवा। विखातवहना। शिक्वत्वभा। (कामवाकी तक्वर-ণা। শ্বেতবসনা। গলশোভিত চ-म्भक्राला। भुक् झभम्युक भई उ গুহাযা॰ শিবপুজাপরায্ণা। তত্র मक्षीत्रवाषका भागष्ठि ह।। #॥ क-লনাথ সোমেশ্বর ভরতমভেয়েবং॥ ভৈষত্ৰ ক্লী লাবকপক্ষী। ইতি জটা-ধরঃ॥ভেষতঞ্চ ॥

टिंचका की जियथ। इंडामद्राः॥ रेजक॰ क्री जिकामगृशः। ইত্যার: ।। অপিচ। ভিক্ষাশন মনুব্যোগাৎ প্রাক্ষেনাপ্যনিম স্থিত। অ্যাচিত ন্ত তক্তৈক্ষণ ভোক্তব্যণ মনু রবুবীৎ । ইতি পুায়শ্চিত্ততত্ত্বপূত উশনসো বচন ॥

ভৈক্ষজীবিকা স্ত্ৰী ভিক্ষণা জীবনো-भायः। उद्भर्यप्रायः। रेभि खिन्रः २

रह्महमाः॥

रहागावानः भू॰ वामग्रः। ইতি श्रातावनी॥

ভোগিক: भृ जायत्रक्षकः। ইতি
भक्षभागा।।

ভোগিকান্তঃ পূ• বাযুঃ। ইতি ত্রিকা-ওশেষঃ॥

ভোগিনী জ্ঞা মহিষীভিন্ন গণগুী। ইত্যমর:।।

ভোগিবল্লভ লী চন্দ্ন । ইভিরাজ-নির্ঘণ্ট:।।

(ভाগी পू॰ मर्भः। ইত্যময়ः॥ गुगमः भाषः ॥ नृभः। ইতি মেদিনী॥ नाभिजः॥ ইতি বিখः॥ বৈষাবৃ ভিকরং। ইতি হেন্চন্দুः॥

(जागीन्दः ) भू॰ व्यनस्टारतः। इंडि (जागीनः ) मन्द्रज्ञातनी॥

खागाऽ क्री थन ॥ थानाः । इंडि ताकनियंद्रेश जागार्क कि॥ व्या-शिख्मः । यथारु नात्रमः । विश्व छ एक् द्वावव भुजिल् ताथि द्वव छ। व्यथिकिय इंडाधिः न विद्धारमा विनक्षनः ॥ क्उकारमान्यम्ब यावर्ष्यामाऽ छथा। न भून वि विदः (भुग्लि। गामा। जागाऽ छ-शिव छ॥ गामा। त्वानाः । जानाः । गानाः श्वाद्यामा। व्याप्ताः । जानाः । जन्मशाकाल कान क्लानानाट कन्छारात्रा न नमाछि। कन्छ जात्रात्रा कन्छारात्रा कन्छात्रात्राः जात्रामाहिः न न कन्छिल्लि न-माछि। हेकि भिजाकत्रायम् नाव-हात्राधाराः ॥

ভোগ্যা দ্রী বেশ্যা । ইতি রাজ-নিষণ্টঃ ॥ ভোগ্যা ভ্:। ইতি বো-পদেবঃ ॥

ভোজः भुः सनामथ्याज्यमः। ভा-क्षभूत इंडि ভाषा। उर्भर्यायः। ভোজকট: ২। ইতি শদরবাবলী ।। ধারানপরস্যরাজবিশেষ্ঃ। ত-স্যুক্তান্তো যথা। ধারা নাম নগ-र्याः निक्रन मरखा त्राका व्यामीट जम्। ब्राङ्की माविबी जरगा वृष्का-বহাযা ভোজ নাম পুণো জাত: স यमा भक्षवर्ष वयक्ष छना उटिन छ। আত্ম মরণ কাল বিদিত্বা ভাত্রে मुखाय बाकाः माने जम्दनाक ভোজঞ্চ মুমোচ। ততে। রাজ্ঞি প-त्राताकः शास्त्र किय् कानानस्त সভাষা ক কি দুদরস্কর রে জ্যোতির্বি দাগত্য নৃঞ্জণ পাহ রাজন ভোজ-স্য ভাগ্যোদয় বক্তৃ বিরিঞ্জি ন-शि न **স**নर्थः (काङ् वताक उपत-ম্ভবি বা শ্বণ: তথাপি বদানি ভো-

ন্ধ নিংক্তঃ পূৰ্ব । ততো রাজাজ্ঞয়া। छाएव १ व्यवभागा॰ शुाख जार यदाः भक्षान्य भक्षवर्यानि मधमाना দিন্ত্ৰ । ভোলবালেন ভোক্তব্য বৰ কৌশত দ্যালিগা পৰত।। ইতি শুনু। शुक्ति है। १ विषय यि ता जलकी 🛪 ি মৃডঃ। ততো রাজা নজ্রবিত্বা ব্যালালী ধরা নহাবল বংসরাজ म् 🗝 निर्झात उ॰ भार वरमताब <del>्यम</del>्द्रश्रक ज्ञिञ्ज्यतम्यती विभित्न क्रें इं म्बाजः (काक क्यादा-পান্টা নাহ্য প্রাহ বিপু ভোজ মানব। জভে। বিদিতবৃত্তা**ভোভো**ছা 🖎 🕾 ः शुारु जाः शाश द्राद्धः 🛪 লাব॰ বাছিরানেতু তব কা শক্তি: कः अतान हत्र शाम्कामामाय (छा-েন্ডাল্ডেশে হতো বৎসরাজ: 🎮 हें जिल्लान व्यः जानापण कारकाः । हेजू।जु। वशार्थः वलार ব্যানহাজে: নিশাবা• বিপিনে ভো-ক্র নীক্তে ব**েসরাজস্য ভ্রাত্তা ভো**-জন্য বংখাদ্যন সমযে এক এব সূক্ত্-ष्ट्रभा िश्वनश्रम्याजि यः। मही-ি ধুরণ করে নাশা সর্ব মন্যান্ত গছতি।। ्रिक्ट नेमभा वट्मद्रारका विद्रा ্ষ্য নাগনে। ভোজ ক্ষমম্বেত্যুক্ত্ব।

পুণন্য ত॰ রথে নিবেশ্য গৃহমাগত্য ভূনি গৃহান্তরে ভোজ রঞ্জিরা কৃতি-ন• ভোজ নস্তক• কার্যিত্বা রাজান नागडा नदा शाह श्रीगडा यहा पिष्टे॰ তম্বা ক্ হ॰। রাজপুতা ব্যং জ্ঞাত্রা রাজা ত॰ পুাহ্ বৎসরাজ পুলেণ থা পুহারাবসরে কিনপি উক্তণবৎস-রাজঃ প্রাহ দেব কিমপি পশ্র প্রে ষিত মস্তি তদিদ গৃহাণ শির্চ দর্শবতি। ততো ভোজনস্তক দৃষ্ট্বা রাজা করোদ। নালাতেতি নহীপ-তিঃ ক্তযুগে ২লম্বার ভূতো গতঃ সেত্র্যেন মহোদধৌ বিরচিত: ক্বাসৌ দশাস্যান্তকঃ। অন্যে চালি যুধিষ্ঠির **পুভূত**या यावज्जवान् ज्ञाट देनकः नानि नमः गंडा वम्मंडी मत्ना वृगा যাস্যতি।। ইতি ভোজকৃত শ্লোক॰ পঠিত্বাপপাতচ!ততোরাজাপণ্ডি-ত मानीय गया भूत्या इठः भायिक-ন্ত মুচ্যতা মিত্যুবাচ। তত ত্তে উচুঃ ताजन् नवामा विद्यागित्म। उठा রাজ্ঞা বহি পুরেশে নিশ্চিতে সতি তৰাত্তা শুরা নৃপদার নাগত্য বৎ-সরাজো বুদ্ধিসাগর• পাছ তাত ন-যা ভোজো ন মারিতঃ বৃদ্ধিসাগর\*চ তস্য কর্ণে কিম্পি ক্থ্যতি। ততা বৎসরাজো নিস্নান্তঃ ৷ তত ভন্তু হুর্ত্তন

गाकानारम्थत हैव এकः काभाषिक আগতঃ। ত॰ বীক্ষ্য বুদ্ধিসাগরঃ পাহ যোপিন সত আগন্যতে কা-भावितक वृषि जगहम एका ती कना বিশেষ শ্চৌষধি বিশেষো ৰা অন্তি । उर जा बाकाभग्रार मया मरमा इ-ত॰ পুল রক্ষ। কাপালিক: পুাহ . ब्राजन् नारेज्यीः भूध एउ नाथ भू-সাদেন ন নরিষ্যতি পুাত স্তব গৃহ• স্ব্যানের সনেষ্যতি পরং শ্মশান ভূ নৌ বৃদ্ধিসাগরমন্ত্রিণা সহ ধোম-प्वाः (भुषय। काभानिकनः यमुकः তৎ সর্ব<sup>,</sup> রাজ্ঞা সম্পাদ্য বৃদ্ধিসাপ-রঃ পুেষিতঃ ততক্ত রাত্রৌ গৃঢ়ত্যা বৎসরাজ গৃহান্ডোজ ন্তর নদী পু লিন• নীতঃ যোগিনা ভোজন্মারে৷ জীবিত ইতি কিংবদন্তী সৰ্বতোপ্য জাগত। ততঃ পৌরামাত্যৈ: পরিবৃ-তো ভোজো রাজভবন নাগতঃ৷তত खना निक्र करतः मूक्षः निवार्य (७)-জঃ প্টেতি। ততো রাজা লজ্জাবনত পুীবঃ সন্ নিজ সি•হাসনে ভোজ মু-পবেশ্য রাজ্য দত্ত্বা বন গতঃ। ত তো মুঞ্জে বন• পুাণ্ডে বুদ্ধিসাগর• মু থ্যানাত্য বিধায ভো**ল: স্ব**য়ণ রাজ্য সুথ বৃভুছে। ততো রাজসভাষা। जरुजुरमा दूधवदा रियुः नमाबगूः

ততো রাজা অমাত্য মাহ। লক্ষ• মহাকবে দেখি তদৰ্শ বিৰুপ্স্য চ ৷ দেয় শুান্যকবে ৰ্বৎস তস্যা প্য-দ ॰ ত্বাবৃহ নিতি। ততঃ ক্রমেণ वज्ञकृषि मुवस वागामज जामाएव रतिवः भ भक्त कलिक कर्त विनायक अपन विष्णानित्याप (का-किन जातनमु भुगूथाः সर्वणाञ्ज বিচক্ষণা: সর্বজ্ঞা ইব রাজসভা महर्निण मनः वर्वे छ । कियटःका-वानखत्र काविनामकरवी 'मभाग-তে তেন সাদ্ধ রাজ্ঞ: পর্না প্রী-তি রজাযত। অন্যে বিদ্বাণসঃ কা-लिमान (वन्त्रालम्मारे विमिन्ना न-র্ব ভাবেন বৈরঞ্চকুঃ ন কশ্চিৎ স-ভাষা॰ স্পৃশতি ন কোপি বদতি। কিন্ত ভোজনৃপতি স্তেন সার্জণ প-রমপুীতো বভূব। অন্যেষাণ পঞ্জি-তানামাগনন তেকা পদ্যানি সং মস্যাপুরণানি তেভ্যোবভ্লক মৃ-मानानानि वर्गनक गुइलाव भर्गछ মস্তি। তদ্গুস্থ বিস্তরভযান লিখি-ত । ইতি ভোজপুবন্ধ পুস্তকাৎ मक्रविछ ।। 🗱।। ঐन्युक्षानिक वि-म्राः ভোজविদ्যाः वम्सि॥ ভোন্ধকটঃ পৃ• ভোন্ধদেশ:।ইভি मद्रवावनी ॥

**ভোজন**े क्ली कठिनमुव्यामा गलायःक র্ণণাতৎপর্য্যায়: 1 জধ্বঃ ২ জেন্ न । ७ (ल भः ८ जा हातः ৫ निषमः ५ न्त्रापः १। इंडामदः॥ जमनः ৮ ্ বিঘদ: ১। ইতি তটীকা।। অভ্য বহার: ১০ পুত্যবসান ১১ অশন ১২ স্বদ্দং ১০নিগর: ১৪। ইতি রাজ निर्घणेः॥ #॥ अथ (ভाजन ७१ वि धानारि। (ভाजनार्गु जरा १९८) बिखा करे विल्माधन । अग्निमसी ्रानः इत्। चवशाम्क छक्रगः॥ ্ আযুষ্ঠে গুড়েরোগা মৃত্যুলী নো विनारिषु। बाद, गाउ करें जिस्किषु वल भारम भग.म ह।। यसारहे खन भिद्रे भिद्रोत्रेखन भयः। **भयस्माह्रे ७१**॰ मा॰म॰ मा॰माइहेः - **গুণ• ঘৃত•** 🏿 ঘৃতানপ্তশুণ• তৈল• मफ्नामह जङ्गार । जासातः श्रीवनः भएता वलक्ष्म् इथात्रशः ॥ क्षा वाय्वाः भीदाता हु व माताः मिक्तान्यः। मित्रः भुजा মুখো কৃত্ব পাত। কৃত্তি কৃত্য আবং।।। ব্দুক্ত রন্ধেন ভাগে দ্বাবেক প। तन श्रवाद । वारयाः जक्षात्वाय क्षा हुन्य श्वरमयस्य ॥ 🛊 ॥ पर वाक्श उक्त विक्तितिवा**श्रह**्य े व्याप्त विभंजः जिल्लाम् मृथ्मा॥

নিষ্ট পদ্ধতা ।। 🕬 ভূকু। পাণিতল घृष्ट्री ठक्कुरवा यमि भीयरछ। अहिरद्र-ণৈব ভদ্বারি ভিমিরাণি ব্যপোহতি ।। ভ্কাচন্য কর॰ বাম॰ দত্বা সংক্ষী **७७: भार्टर्। जुक माइन्द्र् शरून** বৈশ্বানর মুখেন চ।। গৰুডস্য চ ক-থেন সমু দুস্য চ বহিনা। বাতাপি র্ভাক্ষতো যেন পীতো যেন নছো-मिथिः। यम्राया शामिजः भीजः ज-দগন্ত্যে। জরিষ্যতি ॥ পঠিবৃতৎ मुथामीनः ऋगः जित्रहनाञ्चः ॥ ভুক্তা পাদশত গড়া বানপাথেন সম্বিশেশ । এবং ছংগাগতং চামং সুথ তিষ্ঠতি জীৰ্য্যতি ॥ ভূজ্বেপে-वि**ण्**ड खन्त• **ण**गानम् वशुर्ज्द०। আয়ু শ্চক্রনাণস্য মৃত্যু ধাবতি थावजः । इंडि রাজবল্লভः ॥ 🗱 ॥ অপিচ। ততোভোজন বেলাযা<mark>় স</mark>্ব-यं। सङ्ग्रहणान्यानः । उत्र । भूपिकशः निङ्य नायू ध्या दिवकार ॥ व्यादक श्यान् मक्नान् इडी वास्त्राता ली हर् তাশনঃ। হিরণ্য সপি রাদিভ্য আ-পো রাজা তথাষ্টমঃ ॥ পাদ্কারো-হণ স্ব্যাৎ পূর্ব ভোজনতঃ পরণ । भागताग इतः व्याः वस्याः । युष रिज ॥ 🕸 ॥ मतीत कागरक निज्रः वाक्षा नृगाः ठज् विधा। वृज्या

ह भिभामा ह मृत्रुष्ट्र। मूत्र उम्मृशा ॥ ] उडाकत्महाविषाडाट महाम्यमार्पा | श्कार्ठः भूगः। जन्मा (कार्टनामीर्व-लाः थाजूनारक। वलक्षयः ॥ विघा-কেন পিপাসায়াঃ শোষঃ কঠা স্যয়ো र्ভाव । শুवनम्यावादाध क द्रकामा ষে। হৃদি ব্যথা ॥ নিদ্যবিঘাততো জ্ম্র। শিরোলোচনগৌরব । অঙ্ক भर्म खथा जन्म भारमाभाक वर চ।। বু ভূক্ষিতো নথো হস্নাতি তদ্যা-**शांतक्कन क्षयार । मन्दी उ**वर्डिका-यान्नि यंथा हान्नि निंद्रक्षनः ॥ आहाद्र॰ পচতি শিথী দোষাননাছারঃ পচ-তি৷ দোৰক্ষে চ ধাতুন্ পচতি ধা-जुक्तरा भागान्।। #॥ याहादः भी-गनः সদ্যো বলকৃদে*হ* ধারণ: । श्र् ভ্যায়ু: শক্তি বণৌ জ: সত্ত্ব শোভা বিবর্জন: 11 যথোক্ত গুণ সম্পন্ন মুপ-(मत्व (जाजन । विष्ठार्ग) (नाय कानारीन् कानारा। स जरगात्रि ॥ **উভযো: कान्याः श्राजः भावकः ॥** ख्वाह। जायः भा उ मन्याना मननः <u>শুকি বোধিত । নান্তরা ভোজন ।</u> व्यर्गामप्रीरहाब मरमा विविः॥ भाजः পূথন যামাদুপরি দ্বিতীয় যানাদ ৰ্বাক্। তথাচ। যাম মধ্যে **ন ভো**ক্ত ब्रु॰ यानयुगा॰ न लहुरय् । यान न

(क) द्रामार शिंख यांच यूग्राधनक्यः ॥ অন্যন্ত। ক্থসম্রবতি পক্ষেরন-राय मलाव् **छ। काला वा यहि वा**-काल (मा श्वकान छेना इंडः॥ 🕬। त्रगामीना॰ भाक॰ खाज्नाइ। **উ**न्ना∗ র শুদ্ধি কৎসাছে। বেগোৎসর্গো য-থোচিত:। লব্ত। কুং প্রিপাসাচ यहा कालः म (ভाजन ॥ ॥ इन मार। आहात विज्ञान सर्गामिरी-রমপি সর্বর।। উভাভ্যা: লম্ম্যুপে: **जः म**्राष्ट्र भुकारम शेया क्रिया!! নির্হারো মলমূত্রোৎসর্গ:। অন্যচ্চ । व्याहात निर्हात विहात यागाः म रेप्तव मास्कि विकास विरथ्या इंडि।। 411 ভোজনে যেষা॰ দৃষ্টি নিবারণীয়া ভা-नार । शैन दीन कृथार्जानाः भाभ यरेखन (ब्रामिनाः । अक्रुहोरि भूनाः पृष्टि र्ভाबत रेनव रमाजना ॥ #॥ यिया मृष्टिः भू जमा जाना । शिकृ নাত্ সৃহ্দৈদ্যাপাপকৃদ্ধ-স ৰঙ্গি। 1 नात्र नम् ६ हरकात्रम् (जाब्रान पृष्टि क हमा ॥ # ॥ कथि छ पूर्व मृष्टि भा-তে তদেবে শান্তবে বুক্ষাদীন্ মারেৎ । তদ্মথা। অন্ন• বৃদ্ধ রুসে। বিশ্বভা-ক্তা দেবে। নছেশ্বর:। ইতি সঞ্চিত্ত্য ভূঞ্জানো দৃষ্টিদোষো ন বাৰ্গতে ॥ व्यक्षना गर्छ मसुछ स्नात्र दुक्ष्टः।-

विन• । म्हि (माय विनामाय स्न्नस्र• || व्यज्ञामाहर ॥ 🗱 ॥ जानन नार । 🛚 रमाय क्षृष्टिमः পथाः रेक्मः (जाजन ভান্ধন । রৌপ্য ভবতি চক্ষ্য্য े পিত্তহৃৎ কফ বাতকৃৎ ॥ কা॰স্য দুজি পুদ কচ্য রক্তপিত্ত পুসাদন । পৈত্তল বাভ ক্রুক্ক মুঞ্চ ক্মি কফ পুণুৎ ৷৷ আযসে কান্তপাত্তে চ ভো-**खन• त्रिष्किकात्रके• । (माथ भार्** হর বল্য কানলাপহ মুভ্র ।। <del>ৈছৰে</del>তে মৃন্যযে পাতে ভোৱন• ত্ৰী-নিবারণা। দকেন্দ্রবে বিশেষেণ ক চিদ শ্লেমকারি চ।। পাত্র পত্রন यः र्क्टरः मीभनः विष भाभन्ए। #1 জুলপাত্ৰম্ভ তামুস্য তদভাবে মৃদো-হিত ৷৷ পৰিত্ৰ লীতল পাত্ৰ ঘ টিত• ন্মটিকেন য<। কাচেন রচিত• जब्ह्या विमूर्ये मञ्जवः॥ #॥ जा-बनार्ग मना शथाः ववनाष्ट्रंक ज्ञनः १९। यश्चि मन्तीभन क्राः किञ्चा क्थे विरमायन ॥ नवन रेमक्रवन फ़ियः। आपू के करू कर्मिन नि नि न विद्राधि मधूत्रभाकिषाट ॥ 🗱 ॥ व्यक्षीयाङ्यमा ज्वा भूबंख मधुव त-तः। मध्य भन्न नवली भन्नांट कर्रे िक क्यायकान्॥ कनानप्रास्ते जन भीगार नाजिनानीनि तुष्किनान्। वि-

नात्नाठाकः च उद्यहर्क्तनीया ठ कर्न्नः ही ।। मृशान वित्र नान्क करन्द्रकृ পুভ্তীনপি।পূর্ষমেব হিভোজ্যানি नकू जुङ्ग। कमाठन ॥ एक शिक्षेत्रय॰ দ্ব্যু তভ্লান্ পৃথ্কানপি। ন জাত ज्करान् थारियाञाः थारिषु ज्किः जः॥ घृजन्दं मननीया८ कठिन° পাক্ততো মৃদ্। অন্তেপুন দু বাশী তু वनात्रारगः न मुक्छ ॥ व्यवनर्थः । পাক वृত প्रबं कार्ठन नममीयाए। यथा'कामप्राप्तिवामिनः शुथमः मवप्रः अना॰ घ्उ भ्र्बा॰ রোটিका॰ ভূঞ-তে। ততে। মৃদুসপ্পাদিক মোদন॰ ভূঞ্জতে। অন্তে পুন দুবাশী ভোজ নাম্ভে দৰি তক্ৰ দুঞ্জাদি ভ্ঞাতে । यम्बर बामुख्यः छन्ति विनव्यामुख-(द्वाखद्र•ा ভुक्। य<्रभार्थऽएउ ভ्य</p> **खरूक• यार्** (जाजन•॥ यादष्ठम) खननार्। भोनननाः वनः भूषि म्-नारः त्रमनामूथः। यान मः जनयः ত্যন্ন মধাদু চ বিপৰ্য্য ।। অভ্য-काम वन इंडि भो उ भू इक पूर्वित । অতিক্লিম প্লানিকর বুক্তি एक হ ভোজন ৷৷ অতিজতাশিকাশ্যেয়া खगान (मायाम विका कि : ाञ्च) শীত মহ্ন্যঞ্জ স্যাদ্ধিলয়িত মশ্তঃ ।। 🟶 ।। গুৰু ত্ৰিবিশ্ব ভূমি ্রেড

। मन्तानला नाता प्तरः माजा एक विवब्ह्यंदर । यञ्चिक्कः 'खब्य ভেথা সংস্কারতো গুৰু ৷৷ মাত্রা গু-স্বাদি মাসাদিঃ পুক্তে গুৰুঃ। সংস্কার শুক পিষ্টান্ন প্রোক্ত মিত্যু পলক্ষণ ৷৷ # ৷৷ আহার • বিশ্বি চ্ৰ্যু পেষ লেছ তথেব চ। ভো-**জ্যু॰ ভক্ষ্যু॰ তথা চর্ব্যু॰। গু**ৰু বি म्रामः था खतः ॥ वृत्र १ कृ माजि यापि। (भयः भानक नर्कत्राप्तकाः দি।। লেহা রসালা কৃথিতাদি। কু-থিতা কটা ইতি লোকে। ভোচ্যুণ ভক্ত সূপাদি। ভক্ষ্য বস্তু ক মণ্ড कामि। ठर्बाः विभिन्ने ठगकामि ॥॥॥ স্বভাব গুৰু সংস্কার গুৰুণো: স্বভা-ৰলঘুনশ্চ ভক্ষ্যস্য ভোজন পরি-মাণনাহ। গুৰুণাম্ভ সৌহিত্য লবুনাং তৃতি রিষ্যতে। অযমর্থ:। गाय शिक्षामामि जिल्ला भी हिंछ। কর্ত্তব্যু মুদ্দাদিভিঃ স্বাভাবিক্যা মা-वया जृष्टिः कर्जरबाजार्थः। मुर्दा मुरदा खंदकाशि न गांवा एक्तिया । দুবঃ পেযাদি । দুবোজর: তক্রাদ্য **धिक अर्नामि भावार्छ। २ धिः**काशि माजा एक र्न महत्रः । (भगमा न র্বতো লঘুত্বাৎ। উক্তঞ্চ সূলুতেন। ' বাব লেহাদ্যভক্ষাণা ভক্ বিদ্যা-

দ্মথোত্তরমিতি। পেয় প্রযাদি। लिशः त्रभावामि । जम् । अस्म अस् शानि । जक्रां भानकानि । मुवाछ मिन महत्रः सम्प्रातिकारम् । বিশৃষ্ক ময়নভ্যন্ত নপাক সাধু গ इंजि ।। जगमर्थः । मुझ मिन (मु।-তোরোধকরমপি দুবাঢ্য সম্যক্ পাক যাতি ॥ কেবলস্য শুষ্কস্যান্ন-म्य (नायमान् । विभुद्ध सम्मनिज्यानि ।। #॥ অপত্ব॰ তৎ কি॰ ভবতীত্যপে-ক্ষাণা নাহ। পিণ্ডীকৃত নস্থিরিশ বিদাহ মুপগছতি। পিণ্ডীকৃত অ-ষ্ঠীলাবড়ত । অস ক্লিন অসম্যা-দু • । বিদাছ মুপগছতি বিদৰ্থ ত-वजीजार्थः ॥ 🗱 ॥ मुझानीनाः देवसग्र गार । भूषः विकक्षः विश्वेष्ठि विश्न-व्याभाषमावास्ट । मुझ कि निर्विक्ति । विकक्षः कीत्र मध्नप्राप्ति। विष्ठे-क्कि ठगक सम्बानि विश्विमान्तर अ-र्य्याए।। न जुका न ब्रोमिश्वा न नि-भाषा॰ नवा वङ्न्। न जनाखद्रि**ञाम**-, षिः नज्नम् । म किवनान्।। श्रूनकीन॰ পৃথক্ পান সামিষ প্যসা নিশি। म्डह्मन गुक्क मञ्जूष वर्डाय ॥ 🗱 ॥ विवयाणनम् वाक्र मार् । বহু স্তোক মকালে বা জ্ঞেয় তদ্ধি-यमाननः । वङ्गाञ्चमः ভक्तिरुमः

দোৰ মাহ। আলম্য গৌরবাটোপ **শবা॰ 'চ স**ৰুতে গ্ৰিকণা হীননাত্ৰণ তনाः कार्माः कात्रां कि व व क्य ॥ व्यक्षिक• व्यम् ॥ क्ष्मा व्यकात्म जुक-ना (नावमार । जनुष्ठकाला जू क्षातानात्रममर्थं उन् नंतः । जाः सान् व्याधीनवाद्याजि मद्रगक्षाधिगह् जि॥ व्यभाश्वकानः कानापि भाक् जू ঞ্জানো ংসনর্থ শরীরো ভবতি। ত था मिं जा जान् वराधीन् निहा वार्था विमृहिका श्लमक विलिधिका-দীন্ প্যাপ্মাতি। তেকা মাধিক্যেল**ু** 🕬 মাল পাপেডৌত্যর্থ: ॥ কালে। ২তীতে ২গুতো জন্তো ৰাযুনাপহতে **२नला ।** कृष्ट्राविश्वहार जुक्र न म्रात्काकु भूनः स्था भा वतक র্ভাগদ্ব ভৌজ্যৈ স্তীয় বারি প্ द्रारा । वार्याः मक्षद्रभाषीय ठजूर्थ न्दान्यय् ॥ त्रान्याम्म् त्रम्या পুথমেনোপতর্নিতা। ন তথা স্বাদু মাপ্নোক্তি ততঃ সেচ্যান্থ্নান্তরা ॥ অত্যন্থ পানান্ন বিপচ্যতে হন্ন মনস্থ পানাচ সএব দোষ:। তমানরো ৰহি বিবন্ধনাৰ মূহ মূছ ৰাবি পি বেদভূরি ॥ ভুক্তস্যাদৌ জল পীত কার্শ্য মন্দাগ্নি দোষ কৃৎ। মধ্যে প্রি दीभन (मुक्ट मास स्थान) कक भूम-

।। यन। इ। तम इति क्षा जुङ म क्षां अर्थमात्रभाः । इंडि वाउदेः ! ভুক্ত॰ ভোজন॰। তৃষিতস্ত নচাশ্নী-या कृषिछ। न शिवब्द्धन । ज्यि उस ज्वानुनी क्षिउस कलापती ॥ 🗱 ॥ नन् भिष्ठा (ভाজनात्र मृथ्यः গিবন্তি তৎ কথ মুচিত। যত জিধা বিভক্তস্য ভোৱন কালস্য পুথনো ভাগো বাতস্য দ্বিতীয়ঃ পিত্তস্য তৃ-তীয়: কফস্য। অতত্র বাহু। গুল্লী-याखग्रना ज्वा প्रवेख मध्र प्रमः । मर्थि। श्रमनवर्गा भन्छा कर्षे जिक क्यायकान् ॥ व्यन्तरायमञ्जायः ॥ ভোজনে পূর্ব ভুক্তো মধুরো রসো বুভুক্ষিত্স্য বাত পিত্তবো: শমকো ভবতি। ভোজনমধ্যে ভুক্তাবমু লব-ণৌ পিত্তাশ্বে চ বহি বৃদ্ধি স্ক তঃ। ভোজনান্ত্য সমযে ভুক্তাঃ কটু **ज्ङि क्याया त्रमाः ककः नम्य**ञ्जी-তি। অতো ভোজদাবসান সম্যস্য ৰফ কালত্বান্তত্ৰ কথা প্লেশ্ম জনকা দুখা পাত্মুচিত ভবতি। যত উক্ত। । দুখ- সাদুরস প্রিশ্ব মোজস্য পাতু ৰিন্ধন । ৰাভ পিত্ত হর বৃষ্য দ্রে-মল ওক শীতল মিতি ॥ উচ্যক্তে । विषाशीनाम भागानि यानि जुल्हाँ ह মানবঃ। তদ্বিদা**হ পূলান্ত্যর্থণ** ভৌক্ক-

नारिष्ठ भवः भिरत्य ॥ वाज्यव वृक्तः शूबारण। वर्षाए कीवाब नाकाव॰ मध्याः न कमाहत्नि ॥ वन्नान्न कर् कानि विराहोन। जि गानि जू। जः দোৰ: হৰু নাহার মধ্রেণ সমা-शराया जिल्लान नमरा मुका **कि मधुव (ভाकत्नेत्व विक्रं ७ करका** वा वा कर्षे (बाबन बनिजा शिखः | স্যুক্তি নাশ্যতি পিতৃত্তি নাশ নেন ক্ফস্যাপি বৃদ্ধি ৰুপক্ষীণা ভ 📗 विक कीन करू वृक्ति ब्रियानर्गामीन् व्याधीन उर्भानियज् न भाकाजि ॥ अ। वर जुङ्गा मगाजारम् कक गुरु भूर्वकः । ভোজনে मस्मग्नानि নির্ন্ত গ্রাচননঞ্চরেৎ ॥ দন্তলগ্ন মনি-হার্য্য বেপ নন্যেত দম্বর্থ। ন তত্ত্ব বহুশ: ব্যান্তঃ-নির্বরণ প্রতি॥ আচন্য অল্কাভ্যা পাণিভ্যা **ठक्कृषी** स्मृत्मि । जुङ्गा भागि अल म्द्री हक्कृषा यीन भीयाउ॥ व्यक्तिः ণৈব তন্থারি তিনিরাণিব্যগোহতি। जुक्। ह मः महिन् नगरा निन् मृथावहान्। विकृदाजा उरेथवान॰ পরিণায়ক বৈ যথা। সভ্যেন তেন बच्कः क्षीर्वाजाम भिनः उथा।। शाः পতিরার বিডালেল চভুক্ত ন্নামণ स्वगद्धः र । मूथक **भाउ**८ भनि-

गीन नस्रवः यहष्रतामः वनः हाक দেহে।। অস্থারক নগতিঞ্চ পাবক। সূर्य। विश्वा । योकजान् मञ्जातः विठाः ज्रकः जमाम् क्षेयं छ। है-जुड़ार्य। बहरखन भविमार्क। उत्था-मद्र । वानायाम भुमायीनि कर्याट कर्मागुर्जिनुष्ठः ॥ षार्जिनुष्ठः जागु खिष्ठिम ज् मून्। ए ज्जमानमा जू यशायनाशिः वशिष्ठः करु हेि व-हनाए।। जीर्ल शर्म वर्ष्ट्र वायू विन. ধ্বে পিত্ত মেশতে। ভুক্ত মাত্রে.কফ कािन करना ६४॰ (जाबरन अति ।। विमाश्र किथिए भार्क भिन्न विमान কিঞ্চিপত্বে কফঃ॥ 🗱॥ ভুক্তমাত্তে সংজাতকক্ষ্য পুতীকারমাহ। ধূমে-नार्णाश् करिए वी कषाय कर्षे जिक्न-किः। প्र क्प्र कछ्ती जवक मूम-नः करेवः॥ करेवः कर्तु कदारिय द्वा মুথ বৈষদ্য কারিভি:। তাদ্লপত্র महिरेजः मुगरिक्त दी विष्ठकाः ॥ ध्-মেন অন্তর্বাদি ধুমেন। অপোহ্য ক-क मूत्रीक्छ। कषाय कर्ने जिन्हें कि करेनः कश्रत कख्ती नवसामितिः। भृतिः कगृतिः। मूगमः करनः का ी क्रिनः। करिनः अना रूगे जन्म। क्रिनः ॥রতেসু গুাত্মিতে সাতে ভ্তে বাস্তে চ সঙ্গরে। সভাষা বিদুষা রাজ্ঞা

প্র্যান্তাঘূল ভক্ষণ । জ্যা তৃত্ত্ব শ-छशती शहहरेन एउन जू जायर । অন সংযাত শৈথিল্য গুীবা জানু कठीजूथ ।। जुङ्गिभावम इ सम्म भागानम् जू भूकेजा वाग् मःकमः মানস্য মৃত্যু ধাবতি ধাবতঃ ।। ঢ॰ क्रममानम् अन्मजः मरिन ग्रहजः। 1 🛊 ॥ यामानक्षी ममूखान खान् द्विः ॥ भार्ष जु मिक्ता। उठ खिन्खगान् वास्त्र भण्डाट मूर्गे प्राचया मूथ । वा-मिन्गाया मनत्वा नात्व करका १ खि कञ्जाः उत्राज् वामभाष्यं भयी उ जुक भूभाकार्थ ॥ जिलाय भगनी थहै। जुली दांज कका शशा। ज्लाया क रनी व्या कार्ड भड़े। जू वाजूना॥ ইতি ভাবপুকাশ:॥ ##॥ অন্য ।। স্নাতো য়থা বৎকৃত্বা চ দেবর্ষি পিতৃ ভগণ। পুশন্ত রত্ন পাণিস্ত ভূঞ্জীত পুষতো গৃহী॥ কৃতে জপ্যে হুতে ব 💵 হৌ শুদ্ধবন্ত ধরে। নৃপ। দত্ত্বা হতি থিভ্যো বিশ্বেভ্যো গুৰুভ্যঃ সংশ্ৰি তाय जू ॥ भू १५ शक्क भूतः भाख माना थात्री नात्र यत्र। रेनकवज्ज थात्र। १ थापूर शानिभारमा नरत्रश्वत् ॥ विभुक्ष वसनः পুীতে।ভূঞ্জীতন বিদিজ্মধঃ। পুঃমু (थाम्बार्था वालि नरेहवान) मना नदः ॥ 🗱 ॥ व्ययः भूभन्छः भवाः

পোক্ষিত পোন্ধোদকৈ: ৷ ন দেছ-সিতানতকৈব জুক্সাবদস কৃত।।। দত্ত্বা তু ভক্ত শিষ্যেভ্যঃ ক্ষুধিভে-ভ। उथा गृशी। **পुশर मृद्य**शाख्यू ज्ञीजामनाजा न्न ॥ नामनी ন ছিতে পাতে নাদেশে চ নরেশর। नाकात्म भाजिमकीर्ग पक्षागुक्ष न-*द्भा ६५७* ।। ज्याजन्ती नाकमय जि-পদী ৷৷ মস্ত্রণভিনজ্রিত শস্ত নচ-প্যু/বিত॰ নূপ। অন্যত্র ফল না॰-সেভ্যঃ শক্তু **শা**কাদিকা স্তথা ॥ ত-দ্বদ্ধব্রিতকেভ্যশ্চ শুভপক্ষেভ্য এব চ । ভুঞ্জীতোচ্চ্**ত সারাণি ন কদা**চিম রেশ্বর ।। হরিতকেভ্যঃ অপর্লেছা-দিভ্যঃ।। শ্লানাশেষ পুৰুষো গ্লীযা-মন্যত্র জগতীপতে। নধৃষ্ দধি সর্পি-**ভ**s: শক্ত जुष्क वित्वकवान्।। अनी-याखबार्या ज्दा প्रस्छ नधूत तमः। লবণাল্লে তথা নধ্যে কটু তিকাদি-का खडः ।। शाक् मृव शृक्षा १ भी-याचार्षा ह कठिनामन । वार भून-म्वामी जू वनारतारगर न मूक्षि ॥ व्यनिन्तुः ভक्षयिषिन्यः वाञ्चरा १ म मञ्चरमयम्। शक्यामः महास्मीनः शुर्गाम प्रामप्रायना कि उट ॥ 🛊 ॥ ज्ङ्वा मग्रगथाहम् शुष्यायाम् श्रार्थानि-रा। यथा वट भून ज्ञाजात्मट भागी

श्कान। म्लजः॥ यहः श्रुणा छ हि-ত্তক কৃতাসন পরিগুহঃ৷অভীষ্টদে-∥ वजानाक सदी ज सद्रग नद्रः॥ ज ग्रितामग्राययञ्चमः भाषिवः भवरमद्रि-७:। म्खावंका**मः नञ्जा ज**त्रयत् स्र নে সূথ।। অন্নং বলাযমে ভূমে রপা নগ্ন্যানিলস্য চ। ভবত্ত্বেতৎপরিণতৌ मनाख्वग्रहकः मूथः ॥ शुानामान मभानाना मूरान व्यानत्या ख्या। अ-म॰ পৃष्टि कत्रकास्त्रममास्वर्राहरः मू খ।। অগন্তি রশ্নি বিডবানলক ভুক্ত। ন্যান্ন জর্যত্বশেষ । সূথঞ্চ মেতৎ পরিণাম সম্ভব বছত্বরোগ মম-**ठा** छ (५८२ ॥ विकु: जनत्किनुव (५३ দেহি পুধানভূতো ভগবান্ যথৈকঃ । সভে5ন তেনাল্ন মশেষ নেতদারো-প্যদ•মে পরিণান মেতৃ ॥ বিষ্ণু রক্তা তথৈবাদ পরিণাম চবৈ তথা। স ত্যেন তেন নে ভুক্ত• জীৰ্য্যত্ত্বন্ন মিদ• তथा।। इंड्राहार्य्य स्टलन भतिम्बर उत्थानतः। जनायाम शुनायीन अ-र्य्यार कर्यागुजन्तु उ: ॥ महाज्ञानि वितारमन मन्मार्गामविद्याविन।। मि ন• নযেত্ততঃ সন্ধ্যা মুপতিষ্ঠেৎ সনা-ছিতঃ।। ইতি বিষ্ণুপুরাণে ৩ অংশ **>> व्यथायः ॥ ५५ ॥ व्यथत्यः । जू** জীত পুষতো নিভ্যুণ বান্বতো হনন্য

भानमः। रेज्यक्त वर्ज्यमिकाः नि कामानी ভবে पुछी ।। टेंडक्मिन वृज्ञि-নো বৃত্তি ৰুপবাস সমাম্তা। পূজ-(यम्भनः निज्यमम् प्रोहिन संस्थान्य-न् ॥ मृष्ट्वा ऋरवारः भुजीतम् भुजिन-ल्लह नर्बनः। अनारताग्र मनागूर्वेऽ यश्रर्ग्र काতिভোৱন•।। অপুণ্য•লো• क विविष्ठे जमा खट भविवर्जराट । পানুখো ২য়ানি যুঞ্জীত স্ঠ্যাভিমু-খ এব বা ॥ নাদ্যাদুদ্মুখে। নিত্যু विधित्रव ननाउनः। श्रुक्तालाः शागी भारते ह जुक्षाता वि कश्रण्**गर** ।। भूको परम मनामीता जुङ्गा ह षिक्षम्म् । नाभीया कार्याया मार्खः रिनाभीत्क्र (मञ्जीः ।! न **७क्करपर छक्का** नि नारभवः वा शिर्व-দ্ধিজ:। অভক্যাগন্ত ভক্তশদে দুষ্ট-ব্যা 🗱 ॥ ভুঞ্জীত বন্ধুভিঃ সার্ধ্ব-वायुर्जा २म नक्टमयन्। यक्दा जु षिजः ११ भश्यकान् विकाउम । ভুঞ্জীত চেদম্ঢাত্মা তির্য্যায়েনি স महायकः कियाक्या। नानयज्ञान् भाभानि (हवानामईन ख्या ॥ (या भाशास्थवालम्यासक्त्रा (स्वजाई-न । जुर्द्ध म याजि नतकान् म्करत्रश्व-ভিজাৰতে ৷৷ ভষাৎ সৰ্ব পুৰত্নেন

कृषा कर्यां गिरेव विकः। जुक्षी उ वक रेन: जार्क म याजि भद्रमा गिल्।। ইতিকৌর্মে উপব্লিভাগে ১৭ অধ্যায়ঃ ॥ 🗱 ॥ व्याम डेवाठ। माड्या था श्वानि ভূঞ্জীত স্র্যাভিনুথ এব বা। আসীন खानान मूल ज्याः भारते निश्रायः ज्॥ वायुराः भाद्याय। जुद्ध यनमाः मिक्गाम्थः। मिने भुजाद्वाय। ज् (इ. इ.उ. जुर्डू उन्डायः॥ शकार्<u>न</u>ा ভেক্সেन क्या ज्यो भावः निधाय তু। উপবাসেন তত্ত্ব্য ননুরাহ পু জাপতিঃ।। উপলিপ্তে শুচৌ দেশে भारमी भूक्षान्य देव करती। याष्ट्रम्या-দুনিনা খকোধঃ পঞ্চাদুে। ভোজন ষ্পত্ৰত্য। । হাব্যাছতিক ভিন্ন প রিধায়ে দক্ষেন তু। অমৃত্যোপস্তরণ ্নাত্রপোশান কিয়াঞ্জেৎ ॥ बारा गुनद मःयुकाः भागाभानाङ् **তি उठ:। यशाना ग्**ठठ: क्वा व्रा-नाय जरनस्तर ।। উरानाय जजः स य्यार्मनानात्याजि भक्षमी । विद्धाः য তত্ত্বতেষা জুহুযাদাজানি দিজ: ।। (भवनमः यथाकक जुक्की उ वर्रः न यूं छ॰। श्राद्वा जन्मनमा (नव নাত্মান বৈ পুজাপতি ॥ অমৃতা-পিধাননীত্রপরিষ্টাদপ: পিবেৎ।

ष्पाठान्तः भून द्राहात्नहायः शोद्री-

তি নজত:।। ফপদা॰ বা বিরাবাহ্ जर्बभाभ भुगामिनी। भुगानाः गुहि রসীত্যালভেদ্ধ্যস্ততঃ ৷৷ আচন্যা-কুষ্ঠ নাত্রেতি পাদাকুষ্ঠে ২থ দক্ষিণে ৷ নি:সূবেযেজন্তজল মূর্জহন্তঃ সমা-হিত: ॥ হত্তান মন্ত্রণ স্বর্যাৎ স-ন্ধ্যায়। নিতি নন্ততঃ । অথাক্ষরেণ ৰাজ্বান ধ্যে জ্যেদ্বান্ধণে। প্তিহি।। সরেষা মেব যোগানা মাত্রযোগঃ পর: মৃত:। যোহনেন বিধিনা স্বয্যাৎ. त्र यां ि वुकानः क्रय•॥ 🗱 ॥ यङ्जा-পৰীতী ভূঞ্জীত সুগ্নন্ধালস্কৃতো নর:। नाय॰ পুত नाष्ट्रता वि नक्तायान्त विष्मय ७: ॥ नाना । भूग्रेश्वर् भूब मिक्स भागः मामगुहार ॥ गुरु काल जू नानीयाए नाजानीयाडु মুক্তবো:। মুক্তে শশিনি ভূঞ্জীত যদি न স্যান্ত্রনিশা।। অনুক্রযো রন্ত গতযোঃ সাত্বা দৃষ্ট্বা পরে ২হ-नि। नानीयाए (भूकमानाना नभूमा-रियव मूच्याजिः ॥ ना यक्क मिश्राप्तनाः हा न क्षा नान्यानमः॥ । । वाञाय॰ ভোজन यम। রত। ध यम। रेमधून । বৃত্যর্থ যস্য চাধীত নিয়ল তস্য कीविज्धा यस्तु विश्वेत्र भित्र। यह ভুঞ্জে উদ্মুখঃ। সোপানৎকশ্চ य ख्यु गर्बः विन्धा खनामूतः ॥ नार्ष

त्रांख न नश्रांक्ष नाजीर्ण नाम् वञ्ज ধুক্। নচ ভিনাসনগতো ন শ্যানঃ श्रिकाशिवा॥ न जिन्न जान्नत्न रेह्द न ভ্ন্যা নচ পাণিষু। নোছিঙো ঘৃত নাদদ্যার মূর্জনে স্প্লেদ্পি।। न तुन्न की खंरयद्याणि न निः रागयः न ভार्यप्रा । नाम्रकाद्य व नाकारण नव रिवानयाहियू ॥ रेनकवञ्च छ छ्ञीञ নচ্যানস্থিতো ২পিবা। ন পাদুকা-নুগতো বা ন হসন্ বিলপন্নহি।। ভু क्ति व भूथमाञ्चाय उपन भितिभान (य८। इंडि कृ:र्स डेन दि जारंग रहे व्यव्यायः ॥ 🗱 🛊 ॥ व्यभ्यक्षः मञ्जा ह হুরা পিত্ দেবতাভ্যো ভূরাতিথীন্ ভূত্যজনাবশিষ্ঠ । তুষ্ট: শুচি: শুদ্ধ थात्नां छि रग १म॰ छम्या मृठ॰ म्याट !! স পুনান্ ভ্ৰাক্ত ।। সাধি পুাত মনু-य्याभा मन्त्रने (स्व निर्मिष्ठ । दिस्त কেলৌকিকে ২গ্নৌতু পুত্যকে জাঠরে ७था।। উপলিপ্তে সনে দেশে শুচिः শুদ্ধাননবিত:। পাতের্থানুরূপেষু পু ध भिष्णारि व र् उः ॥ भूभ क् उ হি ত স্নিধা ভূঞীতাল নস্থস্যন্ যেব গোপুন শাল্যাচ্য মা-স শা-কাদিভি যুঁ ত•া। কট্টমু লবলৈ স্তিভৈ র্ব্যঞ্জনৈশ্চ সগন্ধিভিঃ। ভক্ষ্য প্রকা ज्ञान् विविधान् कन्म म्ल कनानि ह।।

পাত্র ভূমৌ পুতিষ্ঠাপ্য যো ভূষ্ট্ে বাগ্নতঃ শুচিঃ ৷ ভোজনে ভোজনে চৈব তিরাত্র ফল নশুতে ॥ যত্ত্বেন ধার্যেদ্বিশু: পবিত্র দক্ষিণে করে। जुक्षानस्त विश्नारम् जमत्रारम् न লিপ্যতে ॥ 🛊 ॥ যাত্বানাঃ পিশা-চাশ্চ অস্রা রাক্ষসা खथा। मुखि क्विन नम्भा मखनगा विवर्जना ॥ जारिका वमरवा कृना वुका हिव পিতানহ:। মণ্ডলান্যুপজীবন্তি ত-স্মাৎ স্বর্ধীত মণ্ডল ।। চতুয়োণ দ্বিজাগুস্য ত্রিকোণ ক্ষত্রিয়স্য তু । দ্বিকোণাকৃতি বৈশ্যস্য শূদুস্য ব-र्जु न॰ मना।। न नोह्म मृत्रार भाज ভিন্নে হশ্বীযাৎ কটে হয়রে। আপঃ পুনন্তিতি মন্ত্রেণ ভুব্যান্তীর্য্য সমা-সন ৷৷ # ৷৷ ধুরা দ্যৌ রিত্যগবিশ্য পাত্র• পুক্ষাল্য মৃদ্ধান• দিবে৷ হ্র-তি মিতিপাৰণভিম্ব্র্য ভূম্যা বৃত্বা यति ज्तो भावः भूजिष्ठाभायः। আহতবাসাঃ শুলুবাসা বা পবিত্রা-वा। कः डावा। नुष्य वानीनः ना-भी भूकाना मनास् । जात्र विभएता जि थ्यारयम्बरङ• शृक्ष•। তত'ওজো**সी**-ত্যাদ্য মাহিবমাণ পুতিপভ্রেৎ। एटा मीठ्यामिना প্রিগৃহ্ অইম-बाह्य दर्भावृह्या गण्जिखरा ।

উদুধ্যমেতি জাঠর। শ্রমন্তর হ॰ পুরো-श्राय । ज् उत्रक्षा नमः ज्यनभञ्जा ननः ज्ञानाः भाजरम्ननः इंडिनम-ऋति विविद्याः ज्या मन्। । व्यथादेववास्त्रानः हिन्द्रयः। सा न्यानः म् अत्यः अनि नशानम् अरः अपः । जनाता नाजिताल जु उतानः क প্রনাশিতঃ।। প্রাঞ্জনঃ স ত্রিজ্ঞো वतानः महाक मिक्षा दाक्रीय मह-भः, शुाला क्रवत निकान क्रिडः 11 তস্যাধন্তাদপানন্ত স বৈ গোক্ষীর मधिकः । नाज्यानस्य मृत्रान्छ বিশ্যক্লো সমপ্তং ৷৷ পুণস্যো-भागमान्छ **इन्द्रील समभू**खः। 🔖 ভ ভা নথ শাখাভা নথবাপাক শান বা শ্ন্তপাত্ৰ স্থাতি এবং रः निर्न ाया । श्रष्ठ गृज्य क्रिक जू-তৰু গুহানাং বিশ্বতোমুখ ॥ দ্ব<sup>•</sup> য **७** ५ वयर्कात सुः विस्थाः भन्नमः পদ । ৠ অমৃত্যেপস্তরণ নসীত্যপঃ ग्ण्राभञ्चाय विष्ठः नियह्दः । नऽ-স্ত নহাব্যাহৃতিভি রক্তি: পুদক্ষিণ পরিষিচ্য সব্যের পাণিনা পাত্র ন বিমুঞ্জ মৃতোপস্তরণ মসীতি পুর खाम्भः भीदा भक्षा रेखः भागा ত্বতী জুহোতি। পাণে নিবিঞ্চা হয় ত कू इानि नियान। विना भूता हाय

शुंगारा बाहा । जाशान निविद्धा হ্মুক জ্যেমি শিবোমা বিশা প্ৰ-माश्याभागाय बाहा। वंशान नि-্বিষ্টো ৰুমূতঃ জুহোনি শিবোনা ৰি-मा शुनाहाय मनानाय बाहा। ইতি তৃকীং ভূষো দুত্যেশ। পূজাপতি স-नमा अप्राप्त । 🛊 । भागाय सार्हि পুণা স্থগ্য তি ৷ পুণাণ তৃপ্যতি চক্ষু স্ত্রপ্রতি'। চজুদ্দি ভ্পরতি অমদিত্য ন্ত্ৰ্যাভ। আহিত্যে ত্ৰ্গাভি দ্যে। ख्नार्राकः । मिनिज्नाङ्गाः य**्**कि-क्षिरम्होन्हास्क्रिकाथिकिक खड्-প্যাভি ভ্স্যানুত্প্তি অনুত্প্যতি ॥ ব্যানায় স্বাহেতি ব্যান ন্ত্প্যতি 1 ব্যানে ভূপ্যতি শ্বোত্ত ত্প্যতি। শো্তে তৃপ্যতি চন্দ্রনা স্থাতি। **ठन्द्रनाम ज्लाजि हिम ख्ला**छि । मिक्कु ज्नाडीयू यटकिकिफिनः श চন্দ্রনাশ্চাধিভিষ্ঠান্ত। তরুগাতি ত-স্যান্ত্ প্রিং অনু ত্প্যতি পুরুষা প-শুভি तमारित्र (ज्ङ्गा तुकावहरम-নেতি॥ অপানায স্বাহেত্যপান স্ত্-প্যতি । অপানে তৃপ্যতি বাক্ তৃ-প্যতি ৷ বাচি ত্প্যন্ত্যা• অগ্নি স্থৃপ্য<sub>ে</sub> তি। অণ্নৌ ত্প্যতি পৃথিবী তৃপ্যতি । भृषित्राः ज्भाजाः यटकिक्षिट প্থিবী বাগ্ম কাধিতি গ্ৰন্ত স্তৰ্প্যতি

তস্যানুত্ধি অনুত্প্যতি। ত্প্যতি পুর্বা পশুভিরমাদ্যেন তেলসা বুক্ वर्ष्टरावित ।। अभागाय सारवित अ-मान खुनाछ। ममारन ज्नाछ मन স্থপ্যতি। ননসি তৃপ্যতি পর্য্যন্য স্ত্<sup>-</sup> প্যতি। পর্য্যন্যে তৃপ্যতি বিদ্যুত্প্য छि। विमुर्गि ज्लाष्ट्राः यदकिकि बिन्। ८ भर्याना का विकिश्व खब्भाः ঠি ত্ৰুগানুত্ধি অনুত্প্যতি পুল্যা পশুভি রমাদের তেজসা বুক্ষবচুসে निज्ञ ॥ छेनानाय आप्ट्रि छेनान ख्भाजि। উराम ज्भाजि वागु ख् भाजा वार्यो ज्भाजियाकाम स् প্যতি। আকাশে তৃপ্যতি যৎকি 📶 ঞিৰাযুশ্চাকাশ শাধিতি ঠত স্তস্ত্-প্যতি। তস্যানুত্পি মনুত্প্যতি পু-জ্যা পশুভি রম্বাদ্যেন তেজসা বুক্ষা बहरमस्निक्त ॥ 🗱 ॥ जुस्क ५ स्व (क চিৎ কাহ্মন্ত ভুক্ত শ্ব ভূবি ক্ষি-(अ८। (कहि८ कां क्रुड)ना की वाः (क एट क्यवनानुगाः॥ जुङ्ग मन চোৎসৃষ্ট পাত্রে বাথ তবি স্থিতে। **षम् अशिक्षानम् मोजूश्मितिश्वारम्यः** গিবে ।। অহি প্রোপরিপ্তাচ বল্ত शुगिभा निर्वार । ভূজा भीषा वरः काम्हर म्ना भाव मन्रम्हरा न भूनः कृष्णिभागाः । ভবেজनाः

নি জন্মনি। অমৃতাপিধানমসীত্রপ্ विश्वामनः भिष्य ।। ३।। व्यभः भीषा हासः भाग ज्ञानानासः म्पृष्ठि। शुगानाः गुष्टितनी छि हर्य माण्डा क्रमंजि। भागांनाः गृष्टित्राम इंजि भागतमा । विकासिक मनीजिना-ভিদে<del>শ</del> । या দেবানামধিপতীতি भूनविश क्रम (रण्या गान) क्रमि । जाविबीकान् जावा विद्याला त्रा-নাং রসভূক্ তভ্রাত্ম। কমেষ্টি: শুীয-তা বিশ্বভূগিতি ধ্যাবেদব্যক্ত পুৰু-**वः ॥ 🕸 ॥ व्याह्**जि द्वित्रनः 🖰 📆 🐃 . চারী চ তে ত্রয়:। অশ্বন্ত এব সিদ্ধ্য डि रेनवार निक्ति तनमु ठार ॥ ग्रेर्ছा वुक्तवाती व त्या १नमुश्च उभागतिय । भागाप्तिकाक कालन व्यव्की गै ভবেন্তু স: II অন্তরা প্রাতরাশক্ষ সা-यनामञ्जरेषव ह। मरनाभवामी ज्व-তি या न जुड़ कराहन॥ श्रागानि-**হোত্র নন্ত্রাণা** নিকক্ষে ভোরনে জ-(भर। (वर्गाग्नर्शव नखा ख मुन्।-लाः जन जनारार ॥ यथारि नन নৈষীক নগ্নিপোত পুহ্যতে তেঘৎ नदानि भाभानि निम्हस्राञ्ज याजि-নঃ।। যথেহ ফুৰিতা বাল। মাতর॰ প্যুপাসতে। এবং সরাণি ভূতানি অগ্নিছোত্ৰ মুপাসত ইতি ॥ 🛊 ॥

্**ভোত্ৰন্ত্য নিবেধন্ত প্ৰক্**যান্যনূপ্ ৰ্মশ:। নোছিতো ভক্ষবেৎ কিঞ্ম शहन् वा कराइन ॥ भी किए। न जु **क्षी ७ न भागि एं क**मा हन। हम्मु गुर्येऽ। भन्नार्ग ह गुखाएउ हम्बू म्यार्याः ॥ গো বান্ধাপেবাদেন ন বাজীর্ণেত্ *ভোরনে । निमी* (थ निकवामास न नताहि छ जाजप्त ॥ न तात्वो जिन नवंकि पवि नक्त्रमाकिक ।। का विमात विषये कनामि न कमाहन। **ठ** नकक को त्रुष्ठ क्रम्य विष्ठ क ধি।৷ বেদ্যা বৃহিঃ পুরোডাশ ভুল্য গোনাংসভক্ষণে। নোছিষ্টেন ঘৃত• গ্ৰাহ্য শক্তন্ বাপন্নতোপি সন্। প নীও লশ্ন বাপি ভূম্ভ স্তৎপাপ र्रं स्यार । नानाम् गृथ शानिस ह ्र केदार्क भोकरय**ः।** ভূজन अर्हन ष्रमुक्तानः स्मृष्या क कीर्वारट ॥ নাৰুবাসাঃ শিরঃ ব্রিন্ন ব্যেপান্ত का निज्ञाननः । अयं नः क्लोल्या मण्ड क् इ। टिवावसक्षिक । नानीयाम शिरवहित क्षा भगाष्टिका नतः। পাদ পুসারণ ক্ছা নচ বেপ্তিত ন-र्खकः ॥ नह भाषाना यहिन्ने गुर्ह न যুৰ্ণ বিভগ্ধ । দেশত্যে। ভুক্ত শে-ৰ্জ ন স্ঞ্জীত সাচন।। নাভিচরি ए मशीया पूजा (नयः विवर्जायः)।

ন ভক্ষযেন্তু নিংশেষ মন্যত্ৰ দৰি স-সিংযা:।। প্যসো নধু শজুনা তি-लाना (भारतम् । निहत्का भिक्ष মশ্ৰীযান্ন বহুনাঞ্চ পশ্যতা॰।। বহু-বস্থান ভুঞ্জন্তি তথা চৈকস্য পশ্যতঃ । ওঠৌ চ ন লিছেৎ পাণি নাঙ্গুলি। পাত মেৰ চা৷ শ্ন্যাল্যেশ্লিশালা-या॰ मिवागात उरेथव ह। वागू नि-রস্যতে ভাস্য নিষ্টেকস্য বুভূক্তিভঃ ॥ व्यक्तु भागि वित्युच्छः समात्रा-যানুযাযিষু। একো হল মিষ্ট মন্নাতি उट्टा श्मित नास्त १ शूग्रवृथ् ॥ य-खुक भड़्ताः विकाः ममोजि (मुझा-ন্ডযান্ব। যদি দাৰ্থ হেতোঃ। বেদেষু দৃষ্টা মৃবিভিন্ত গীতা। তা। বুকাই-ত্যা মুনযো বদস্তি ৷৷ একপড্জুগুপ-विश्वानाः मुङ्जानाः मुद्राजानाः। जः स्विंग ७८ मग जावषावट महि ৰ্ন ভিদ্যতে।। এবং যো ব্ৰাহ্মণো ভুঙে সন্তর্গ্য সিতৃ দেবতাঃ। স দ্বে জলে नमुक्छ। तुका नागुका माशु गंर ॥ ইতি বহি পুরাণে ভোজন বিধান ॥ 🗱 ॥ ত্রিবিধ ভোজন• যথা। উ-ছিষ্ট নবশিষ্ট বা পথ্য পূত নভী প্লিড । ভক্তানা ভোজন বিঞা र्नित्यम्। नाजिकः भठः ॥ इन्तिय পীজিজনন শক্ত শোণিত বন্ধনি ।

८ डाबन शांबन मूब मायू द्वारतागु বন্ধন ।। অতঃপর তানসানা কই-লোফা বিদাহিক। পৃতি পয়ু বিত॰ জ্ঞেয় ভোন্ধন তামস প্রিয় ।। ইতি किन्त्रात २० व्यथायः ॥ \* ॥ শুঙ্গোদিযু নিমন্তি তস্যান্যত্র ভোজ-(न (मार्या यथा । निमञ्जिक्ता १**न**ऽः তো ভূতে শুজে দৈবে স পৈতৃকে। স দ্বিজ্যে নরকে বাস• লভতে নাত্র স•- || भागः ॥ #॥ (५वडामिञ्च कुक्रवर्भू ভোজনে দোষা যথা। দেবতা পিতৃ मर्छिष् महरम् ताकारम् ह। अञ् জ্বৎসূ যে ২শুস্তি বাল পিত্রণ্নি মা<sup>-</sup> ত্यू ॥ मृष्टे। एड প्यनिज्य निপाज्यः उ १४मा १४मा: । म्होम्थाफ सा याष्ठ क्ष्मार्खाः किति विशुष्टाः॥ 🗱॥ এ চপড্জু)পবিষ্ঠাশ্চ সমূত্থায় পুযা-खि (य। विरङ्घाजनः त्राक्तातम् नद्गकः ख शुराबि हि ॥ अ ॥ এक मार्थ भू-याज्यः ज्यान्यकार्थिजः नद्राः। ज সংবিভন্তঃ ভূঞ্জন্তি তে যান্তি শ্লেমু ভোজন-।। #।। পাযস কৃশর মা-भ· वृथा ज्रुक्क रेग नं रेतः। তেষाम-যোগুড়া স্তপ্তঃ: ক্ষিপ্যন্তে বৃদ্দে ୧৮৮ जाः॥ ইতি वामनभूतारा >२ अक्षा यः॥##॥ঔবধাতিরিক্ত কিঞ্চিডো ছনবতো নিত্য নৈনিত্তিক কিয়া নি-

বেংধা বথা। দুবে ভুক্তে বুজুর্ণিত रैनव जुक्ना ह किक्षन। कर्षा अर्था महा নিভ্যুণ সূত্ৰকে সূত্ৰকে তথা ৷৷ পত্ৰণ পুস্লঞ্চ তামূল ভেষজব্বেন কল্লিভ ৷ কণাদি পিপ্লল্যন্তঞ্চ ফল• ভূক্ত্বা নচা চরে ে। জলস্যাপি নরশেষ্ঠ ভোজ-नारक्ष्यकामृत्छ। निष्ठ्र किया निवर्त्छ-*ত गर निभि खिरेकुः मुम्।।। ইতি का-*लिका भूत्रात ०८ 'यथ्रायः ॥ ॥ ॥ ॥ ভোজনে পাক বিধৌ দিড্নিযমো यथा। भ्रवामाञिमूत्था ज्त्रा छेडः রাশা সুথেন বা। পচেদন্নঞ্চ মধ্যা-ह्म नागाङ्ग व विवर्जाय्य ॥ व्याप्ता-শ।ভিমথে পজ্। অন্তান রিজা-नीहि। প्राम्त्था श्रमंकामः (भाक-शनिक मिक्ता ॥ विकासक्त्री उ রমুথে পতিকাম চ পশ্চিমে /ঐশা-ন্যাভিনুথে পক্তা দরিদ্রো জাযতে নর:।। 🗱 ।। পাক পাত্র নির্পণ यथा। यहा जूरी।यस भाव भका व्यमाजि रेव विक्रः) म भाभिक्षा १भि ভূত্নে ২ম রৌর্বে পরিপচ্যতে ॥ তামে পজ্। চক্ষ্মিন ৰ্মণী ভবতি বৈ ক্ষয়ণ। পিত্ভ্যা॰ পদ্মন্নঞ্চ পি-ত্বেরন यणश्चिति ॥ পুগুরীকস্য य-জ্ঞান্য লভতে ফল মীপ্লিক্ত বেলু লেন তু যৎপত্ন ভগিন্যা চ কৰি ধ্ৰা

ঃ অসুনোৰেণ গৎপত্ব শোণিত ত अभि भाउ ॥ व्य ज्ञालन ह यद शहुर প্রিয়া প্রক্ উথৈব চ। পর্পাত্তে চ यः भाः तः मर्बः निरुवः ভरवः 🎖 🏇 🛙 भाककांश्व निक्रभण यथा। উড়্ধরেণ কাঙেন কদম্বস্য দলেন চ <sup>१</sup> जात्वन क्वनर्फ्तन छेन्द्रावर्खकन ह।। भ्रक्ताम रेज़ेन जुङ्गी छ जुङ्गा द्रा-बिश्मानामः ॥ अ॥ निविषामः व्याः व इजाम भवीतामः जुका हा-मुग्रायमध्यद्व । अभुषा या जू वनिजा मान्त्रीय परव उर्गुर्ह ॥ नानकाश्चर ज्ञात जिल्लीयकम्रहेर्टिक हि। काव्य-्राक्टमान वज्ञवाद्यग्वमा है।। किर्देश का न्ये व वाशि शक्षा गर्कि 🎮 শৃত 🤫 🗱 ।। পাকপাত্র ত্যাগকা लिहे व्याप्यमा मृत्रायभावा जु भक् रेव कर्निक्षिक । भारत श्राक्त उशा-क्षेत्रम् जर करणः विस्ताद्यमगरी ॥ धनूः-भारत ७% 'मगर' मील ा**व वदान** व अब रिकासन (निव क्र्इ रेपन विक्र जा का भा भा कार्य बन मान गया वक्नो जु बन मन्त्राट त न राभाय : बिजाग भू व्रायर्भाः भगाखायः न माभः (पृष्या अ। जाजन स्थानि यथा। उन्नि निष्ध मूही (मान भारती भू

काला वाशवः। भौजात्यामानि ज्-ঞ্জীত শৃচি: পীঠ মবস্থিত: ॥ #॥ भीवेनिकभग यथा। मार्खहर हरू দ্বোণে সহকার বিনির্মিতে। চাম ज्य नाक्तरय शामिताहाय मःगूर 1। वक्गामत्न ज्वष् चि जुरक भि्ष मान्यार। हारम धन विवृक्तिः म्रा-क्य वृक्षिस छपुरक ॥ नानामत्न क-रणकरक कि॰मूरक मत्र १॰ ভবে । 🗱। ভোজনে দীপ নিৰূপণ যথা। ঘৃত-मीखा यक्ककन रेजल (धन् कन॰ नाउट ॥ 🛊 ॥ ভোজনে চাঞালাদি **मृ**डि निर्याद्या यथा । यमा (ভाजन কালে তু চাণ্ডালৈ: পতিতৈ তথা। अ बकुं वे वे विष्म स्तिहण्ड अस्ति त्रिशा अमः वान्यश्रभानः वा मृष्टे-नाब॰ পরিভ্যজেৎ। #। রজয়লা-याः मःग्रही वीष्ठः नुद्रा भुमारुः ॥ वुउद्ध। वर्जायामि व व्यु उ (भाक-गक्षा । 🛊 । (म्यानाय उथां जीर्थ সিদ্ধক্ষেত্রে চ শক্তরি ॥ ব্রাহ্মণানা नमाब जू जुङ्गा कड़ कव वाजर । 🗱। व्याहारस (ञाबन सर्ग्रामना-भाषा शिक्षण युक् ॥ भूवर्णन न्मूरम-ममः जनमकाम् जः विमृः। तकः न्यूनः यरमध्य जुक्। ज्विज किन्नियी ॥ (भी झरकन न्मृत्मपत्र नम् विधाननः

खर्वर । रिवर्ष्यान मानिरकान इति किन म्म्रामित्र ॥ सर्गन मःम्म्रामित मः उत्मः म्हिजा नियार। #1(जा कतन किड्नियरमा स्था । जागूयुः शुन्मत्था जुरू तात्वो रेठव छेरद्राथः ॥ यमसी मिक्स रेहद शिक्स जू विवर्जाय । # । ভाइत म खनानि বথা। মওল ভোজনে কালে চত্ **इ**। १ कि बिन्न है। कि बिर्म जिल्ला रिफ्र्यं रिवमाना अर्थाशृष्ठकः। जी म् ुमाना॰ ভবেষ্ব**ःশ**कहा**कात्र** स्वव वा ॥ 🗱 ॥ व्यथ (ভाजन्काल: । जाय॰ প্রাত র্দ্বিজ্ञাতীনা মশন দেব নির্মি ত। নিত্য মহি তমমিন্যা। সার্চ্চ পু-र्त्रयाभाषः॥ त्रात्वो यामवयात्व ह मक्राया नं कराइन। व्यकान ভाज ন॰ কৃত্বা প্রাণাযামেন শুব্ব্যক্তি ॥ অ· হো রাত্রেক সন্ধ্যাযাণ ভুক্তা কৃ हु॰ नमाहत्वर । #। (मामकामि जक्का-নম্ভর মৃল ভোজন বিধি র্যথা। মোদ-कः कन्तुभव्यक्ष भवताहाः वृज मःयूजः ॥ भूनःभून ভোজবে চ भूनत्रमः न मू-य्राठि । विमन्त्राः जूकवान् यञ्च नम सार्थ दिनः किट्।। जुळ्वा ताजि मूश्रास कृष्ट्रिश्तक मुक्ता जि। #। कोल श्रिषु (मोवीत मत्रीठ का তি কোষক ॥ পুছিপর্ণাদিক সর্ব

गक्तपुर्वा ज्योयधिः । भूमञ्जासमा मानामः विम्हानि न पूष्ठि॥ से स ষটুষ ভরণাথায় পাক্ষ পশ্চামিবে-म्रायद् । दियामवाम मुक्छा ভाक-(यम विषात्रस्यः ॥ 🛊 ॥ नानीयाः কেবল রাত্রো বিশ্বব্দৈব তথা দৃথি। অঙ্কেন তৃণ গুছেন কাষ্টথণ্ডেন বব্লি-ना ॥ भिंद्राज्य क्रुं: सूर्य्यार भ-का जुक्की उ वाइ उर्ध। इस सं यह-मक म्मारखः न जक्षरार ॥ स ॥ घ्ठरे उनक नवन भानीय भाषमः দধি। রবিবারে তথা ষষ্ঠ্যা ভৌম-वात किनक्राय।। शर्दकात हमार-শ্যা দ্বিজ স্তিক্ত ন ভক্ষবেৎ ১৫। ন বামেন পিৰেক্তোয়ণ ন রসংজ্জ भिव ह। जिहार्थ मिन् मार्डादे हुन। भारतावर उत्रि । कनविरिष्ठः भूनेरैश-क भारक न्गृ हेशि मुनर वि ॥ रगाय-या वननार्जादिः भाकः न विमृत्बद क् চিৎাঞ্চাষণরৌপ্যময়ে পাত্রে পাধা-ণে বুন্ধপত্ৰকে।। সক্জক্ত্ব। তু দেবে-नि भराकमा क्ल नाउट। भूदी-যা স্বৰ্ণপাতে চ ভোজন যঃ স্নাচ রেং।। পুগুরীকস্য যজ্ঞস্য লভতে কলমাপ্সিত। #। স্বৰ্ণাত্তে পশ্চি-নাযা• উত্তরাভিন্থেন বানাং ওদ<sub>ি</sub> मः लोक्द्रः साःमः जुद्धाः रामुग्रयः

है कातर ना नई हामः वर्गणात्व यमवी র্যপ্রস্চ। গদ্মপত্তে ভবেৎ পৃষ্টি इतियाली जू भूगातान्॥ क्यी खर তি ভানে চ কাচপাত্তে দরিদ্তা। ত্ তগতে ভবেলয়; কদলে কীর্ত্তি মা भुसार ।। मधुशाब ह त्रागः माइहे পত্ৰে তু বৈঞ্বঃ | শালপত্ৰে ভবেৎ कारी अनुका हैड ( सर्गिडिः ॥ निना-পারে পুরোহে চ পুন: সংস্কার মর্হতি ए के जि मह मामूक जाता हर भी वाः য়া 🐲 য়া অথ স্ত্তে ভোজনবিধিঃ विश्विक्षान उथापिशास्वरत्ना রম্পাটি দিবাসা দিরাচান্তো গোম-ব্যেপ্তান ৪ পুশ্বতে দেশে শুদ্ধঃ শুদ্ধ नीक्षमदनाथितिष्ठा धर्मवृष्किकामः श्रा-সুখ্উদ্মুখো বা যশস্কামো জীবৎ शिक्षाकृष्यक्ता मिक्कगामूर्था **ध**न कासः ल् अङ्गाल्य ज्ञिल्लृहेन किन-भार व्यानना ' जराभारतः ९३-रीय करता में अविक्रिजनानीयना-ाता प्रतिपातर उन ए अञ्चल म **अन**• क्षा तोष कर नुश्रम छन हि मुहे ख्युवारमः। या गार्विश्वत्रम् **श**म् शंकाण १. इन्त्र शादः विवाग शु अवस्थ । इविवास शाबक मिक জ্য । তেলেন বেষ্টবিত্ব। ভদুপরি -এদে ক্ষণাঁ বাস্তরেণ হস্তাভ্যা• পু

जिनिएक्षज्य ममाहिक स्राथिद्ध १म॰ पृष्ठा পুরুষ্যেৎ। অমাতি नि-ত্য নেবা হস্ত ইত্যভিদ্মপ্য সংপ্রো-ক্ষ্য আচারাচ্ত্রোণ মণ্ড**লাভ্যন্ত** রে জল লিখিত চকোপরি ওঁ নারা-যণায় নম ইত্যন্ত সজল মধ্যে দ-म्यादः। उद्भार्षः ७ जूदःभउरा স্বাহা ওঁ ভুবনপত্ত্যে স্বাহা ওঁ জু-তানা পত্যে শ্বাহা ইতি বলি চ-जूर्रेयः मन्त्राट । जिनमः स्मानकद्रा মন্ন ওঁ বিষ্ণবে নম ইত্যুৎস্ক্য ত-म्युः किक्षिट ७ विश्वक्रमनाय नम **इं**जि मञ्जा जालाशित विकू निर्माण ु তুলসীপঞ পুক্ষিপ্য বিষ্ণুপাদো-मक भूता न गृशी उर्क्षमिमानी · ७ क्ष क्ष महावारश छक्तानानार्डि नामन। अर्रभाभ भूमननः भारताहः कः भुषह (म।। इंडि गृशीद्वा इंश्वेरमः বতানাম পরেরিত শুত্রা স্বয়ণ ত্রি ৰ্ছাৰ্য্য বা ওঁ অমৃতোপত্তরণন্সি ৰাহ। ইত্যনেন পীত্ৰা ওঁ অকাল ग्जू इत्रा नर्वगाधि विनामन । विष्याः भारतानकः भूगाः नित्रमा धादराभाइः ॥ इजातन भारमानक म्मिन मित्रिम पथ्राट । अँ उहि ভোজিন **স্তস**্বৰ মুছি**ই কাল্কিণঃ ৷** यन जीजावद्गार्श हिद्रगुरका नि-

পাতিত:। ইত্ত্য অঙ্গুধানানিকা-ভ্যা• ঘৃত প্লুত ভোক নন্ন নাদায महाभोनी माक्ष महीक्षि है। ওঁ পাুণায় স্বাহা ইত্যনেন মুথে দত্ত্বা व्यम् छिम् । निगित्तर । जव अ ष्मभानाय बाहा ७ नमानाय बाहा **७** উদানায স্বাহা ও ব্যানায স্বা-श। जाजा वीर्यकातमा त्मोनी जू জীত। ততঃ পূথম: দুব যুক্ত মধুর। श्राक्षेत्र कठिनाम व्यवगानि व्यास मुव যুক্ত কটু তিক্তানি যথা লাভ কী त्राष्ठ माक्रेष्ठ मंक्र हत्र मर्बाक्ष्वि छि রন্তিতৃপ্ত• ভুঞ্জীত। পশ্চাদধি চ• कवारिकः न भाउवाः। जन कोत्र দধি ঘৃত নধ শাক শকু নাংসেতর দুব্যাণা শেষ রক্ষণী<sup>ন</sup> ৷ ভোজৰে সম্পূর্ণে তু না•স ভোজনে কর• **পুকা**• ना उर अधित जु कत्रम शुक्रा रिनाव नामिन श्खन जन ग्रीदा अँ यम् **जानि**यानमान यादा इंडि बनग-ख्यः गृशीदा नामः उद्धनामयः उ (त्रोत्रत्व १भूगऽनिवास भन्ना ब्रून निः बामिनाः। উहिष्ठे जागिना सम्म सक् য্য মুপতিষ্ঠত। মিতি ভূনৌ নিক্ষি পেৎ।ভোজনকালে তু বিভাল কর্ম **কম্প**ৰ্ভ্যাগ:। বিডাল কৰ্ত্ৰ স্প **८र्भ न (नाय: 1 ७७: इ**गनाउत्र न

গছেৎ। পরাবৃত্য মৃক্তি মুপ্ত হস্ত **लिश मशनीय ज्**नाहिना जिल्ला घरेन যোগ্য দন্তেভ্যে গৃহীত রসদুব্য র ক্তপাত ক্ষতাদিক বিনা অপনযেৎ । যত্নে কৃতে যদি ন নি:সরতি তদা ন দোৰ: ৷ ততো জিস্থাঞ্চ স**ং**ঘূৰ্য জ**ল** गर्ष्ट्रिय मू बा छ। छन्नः मः लाक्ष भागी পাদৌ চ প্ৰফালী আসম্ভ এৰ ভূ भाशामा पदा विवाहमा मूथ जुन-সীপতাদিনা সংশোধ্য দক্ষিণ পা-माक्र्रि मिक्कि रेखन ७ व्यक्ष्रभाव भूकरम। श्रृष्ठक मनाभि्उ:। केन: সর্বস্য জগতঃ পুভঃ প্রীণাতু বিশ্বধৃক্ १ इंडि मरचन कलः मन्। नरा नशीमार्द्धना जारव वामिहद्वारित-লম্ব নেব ভোজন পাত্র মুজ্তু উৎ ञ्चान महिन्छे नशनीय (गामर्योपका-ভ্যাণ সণমূজ্য সিঞ্চে । সন্থ: পুশান্ত চিত্ত আসনে উপবিশ্যা ভীষ্টদেবতা नाम मृदा ७ अधिताभागयद्वनः পাথিব প্রনিয়িতঃ। দ্বাবকাশো নভদা জর্যর্স্ত মে সুখা। আরু বলাব নে ভূমে ই পুনেশু নি**ল্স্য চ** ৷ ভারেতৎ পরিণতৌ মমান্ত্ব্যা**হত**• ग्य । भागाभान मग्नाना मूमा न वतानत्या खथा। 🚈 🗀 उ काञ्च ममाञ्चारह म्या वर्गा छ

্র র তি র্রন্ডবানলক্ত ভুক্ত নমান্ত জর यक्षा । अर्थः मरेमज्यः भिर्माम শন্তুৰ ভত্তুৱো**গ মম চাস্ত দেহে** ।। विकः नगर्छ नम्य (तरु (तरि पुः श्वान इत्छ। छणवान् यरेथकः। माछान তেনার নালেষ নেতদ্যরোগ্যদ নে পরিণাম মেতু। (বিশ্বত্ত। তথৈবাদ শরিণা মুক্ত বৈ (যথা। সত্যের তেন इन्द्रिक विषय विषय ज्या। इंजु कृष्ये कानक्रिकानपत्र शतिम्रहरू ্ভভঃভাজ শভ বুজনান্তর• বাম कार भन कि कर काल भविखवार । কাৰ বিজ্ঞাতি মুখবাস দুব্য ভো-🊁 ইত্যাহিকাচারে পঞ্ন যা-र्शक्षकार । १४%। व्यथ (जाडनारि कीव कन । (जाबनाहारन प्या प च्या विश्वानाका विषया म पर्ग लाकः क्ष्या भवेशाया १व कागर ॥ त्यमान्यः अक्षेत्र **तृत्राहृत्यः शद्रः वृक्षन**्र क्षा विर्देश विर्देश वित्रार्थ है विश्वाय ाजन (नद्रः॥ व्यवः श्रा-া ভলা গণেঃ পাণ শ্চৌষধ মুচ্যতে ्डश्राण्येयव मात्रम मखाःमु द জ্বো লিভাঃ ॥ ইতি পরাশরমূতি: াঞ্জ।। ভাননে পুতিবেখে। যথা। . डांडेशांज परः भान मुहिरहे घृठ जिल्लामा मृत्य ह नवनः मन्त्रा म

(म) (गांभा•म **७क** १॰ १। यः मृत्पू १ সমাহ্তো ভোজন সফতে দ্বিজঃ। সুরাপশ্চ স বিজ্ঞেষঃ সর্বধর্ম বহিষ্কৃ-ত: ৷৷ স্নান• রজকতীর্থেষু ভোজন• गणिकालाय। भयमः भूद्रभारम ह वुक् **रु**डा दित्न दित्य। इंडि कर्यालाहन ॥ ઋৠ। অপশিশ্না পুথমান্ন ভো-क्षनिनामि। यथा यमः। जला १म शानन भामि यहि कार्या यथा विधि । অষ্টমে বাথ কর্ত্তব্য: যদ্বেষ্ট: নহল: ছলে।। ষষ্ঠ ইতি মুখ্যঃ বল্প: প্রাণ্ড-कन्यायाट।क्ञ्राविष्ठान्ता । व्यवन्य जानन (जाक मानि यह १ है। व्रेषः। जीगाख शक्राम मामि मक्षाम शुक्राणो मूनिः।। #।। वादनी मछनी नमर। तिकान् नक नहमू। वन मायू র্যন্দো হন্যাৎ শিশ্নামন্ন ভোজন ।। जूबवन जीरम। यर है मामि निर्माकरत्र শুভকরে রিক্তেভরে বৈ তিথো সৌ-मामिना मिराजनम् कीव मिवरम भ-কে চ কৃষ্ণেভরে । প্রাজেশাদিতি (भोक रेक्क यूरेग इंडामि यहां छ-রৈ রাগ্নেগপ্পতি পিএভৈন্চ নিতরা **মন্নানি ভক্ষে শুভ•**।। যুগৈরিতি পু1-কেশাদৌ পুত্যেক সম্ব্যুতে অতা-**नि जिपाञ्चा**नि विष्कृष्णः विवर्जायः । त्य दम् धनु मी न कन्। नाः १म

जक्रनः। जिल्लानाक्षेक यूकान्तर गुरा यब डिथा कल ।। मृष्टेः मन्यस्ता न ग्राट् यहाहरहा १म जकता । भाक ভেষ পুরাণ । দেব**তা পুরত স্তম**্য পিতৃ রঙ্কগতস্য চ। অলস্কৃতস্য দাতব্য নম• পাত্তে চ কাঞ্চনে ।৷ ম-ধ্বাজ্য কণকোপেত প্রাশ্বেৎ পা-যসন্ততঃ। কৃত প্রাশন মুৎসঙ্গে माञ् वीनस् उ उ उत्तर ॥ (मवागु-তো হথ বিন্যস্য শিল্প ভাণ্ডানি সৰ্বশঃ৷ শাজ্ঞাণি চৈব শজ্ঞাণি ত-जः शामा ज् वक्ता ।। भुषम वट স্প্ৰেদ্বাল: শিল্প ভাও স্বয় তথা । জীবিকা তস্য বালস্য তেনৈব তু ভবিষ্যতি॥ সোমবারে দোব মা-इ (ভাজরাজ:। বাচালো বলবান্ मित्न मिनभरंज ब्रज्य मीथानत्ना দেহী হীন হতাশনঃ শিশিরগৌ কৌজে ৰুজা পীডিড:।বৌধেভোগ भूरथानयी भूषमज् श्लीरव वित्रायः मू খী শুক্তে সৌখ্য বলান্বিতো হতি-সুভগো মন্দে চ মন্দানলঃ ॥ ইতি জ্যোতিস্তত্ত্ব ॥

ভোরপতি: পু॰ ক সরাজ:। যথা।
মলানামশনি নৃণা নরবর: দ্রীণা ।
মারো মূর্ত্তিনান্ গোপানা স্বলনো
২সভা ক্ষিভিত্তুলা শাস্তা স্বপি-

ত্রো: শিশু: । মৃত্যু র্ভোজপত্তে বি-রাড বিদ্যাণ তত্ত্বণ পরণ যোগিনা বৃষ্ণীনাণ পরদেবতেতি বিদিতো র-ব্রুণ গতঃ সাগুল: ।। ইতি প্রভাগ-বতে ১০ ক্ষন্ধে ৪৩ অধ্যান: ।।

ভোজপুর॰ ক্লী স্থনাস্থ্যাতদেশঃ।
আজি রভ্ডোজপুরে সাক মসুর
বরিঃ।হরেরেরবাং মরে ক্রবলোন্ন
তে লহীযাংসঃ।। ইতি বিদ্যামুথমণ্ডন।।

ভোজবিতা বি ভোজনকার্যিতা।।
ভোগপুযোজক: । যথা । কর্ত্তা চ
দেহীভোকা চ আত্মাভোজবিতা
সদা। ভোগো বিভব ভেদশ্রনিস্থৃতি মুক্তি রেব চ।। ইতি বুক্ষাবৈবর্ত্তেপুক্তিখণ্ডে২০ অধ্যাদ: ।।
ভোজাবিপ: পুণ কণসরাজ্যাইতি
শব্দব্রাবলী।।

ভোজ্য বি ভোজনীয় বুরু । যথা।
ভোজ্য ভোজ বিভালে করিল জি
বরা: জিফা । বিভালে কনেশজিশ্চ নাল্ল স্ত তপ্র সং কল ।। ইজি
চাণক্য বিভালে কথিব চ।
ভোজ্য ভক্ষ্য তথা চর্ম্ব ভ্রম
বিদ্যান্থ থাত্তর ।। চম্য ইক্ষুদ্ধাদি। পেয় পানক শকরে সকলে দি।

লেছা রসাল। ক্বথিতাদি। ভোজ্য 🍴 र्ड ङ मृभाषि ! चक्राः वडु क न ख कार्षि । ठर्बार हिमिहे हनकापि । इंडि ভारमुकामः॥ श्रामाक्तराः भो क्या <u>स्वतिप्र</u>ाजिकर्सन्। जा य-था। 😚 । प्रांक नामि अभाक भाग वा । वृत्यो वामुक भाव नः भिद्धाः (त्व नर्याः अकाः चिक्के निधि जात्र अदिक माक বাসুরে অমূত পাত্রস্ব পিতুরমূক (में? भू प्रेंगा | कृष्य द्वर्गका**न रेंन**॰ লগ্ড কংলোপকরণানার ভোজ্য াতিক আবিষ্ণু দৈবত যথা সম্ভব ाष्ट्रक , बुष्क्रभाषा**रः मना**नि। नं ा में केशा। अँ जारमुख्यामि ক্রিড বয্**ত স**ব্য্রোপকরণা নাম 🧽 🤫 দান কর্মণঃ সাঙ্গতা थं हिंदि। यह काल्य प्नार विक्रिक्ति । यथा मञ्चा ाज मारम् द्राक्षमा ाइ॰ फ्रामि। क्रिड ए म्म्ड नवंद्धानकद्रशामा . लाका पा वर्गाहिमुमस्र। ইতি

भाषायुर्गा तहा ।। रेचाका मास्रवः ू भारतिस्त्रमशाज्यः .वेचि वस्त्रिम्का ॥

ভেট্রাই পৃঁদেশবিশেষঃ। ভো-ইন্ট্রিভাষা। ইতি শদর্মা- ্ৰিলী।। ভোভো ব্য সংখাধন•। ইতি হলা-যুধঃ।।

ভোলি: পু॰ উষ্ট্র:। ইতি ত্রিকাও। শেষ:॥

(छोड: পू॰ (प्रवनः। ইতি मस्ताना
।। जूठ्यकः। विन्यं। यथा। (हास्वा रिस्ता विन (छो (ठा न्यक्ता)
१ हिथि भूकनः। ইত্যাহ্নিকত दु॰।।
(छोडिक॰ क्री मूका। ইতি রাজनिर्यंग्टः।। ज्ञमक्षिनि जि।।
(छोडिकः भू॰ महास्त्रः। ইতি
जिका গু॰ महास्त्रः। ইতি

শৃণুষ তথ। অতিজাগরণ বহে लुगो कार्याः समाम्या ॥ ज्या ज्या भूगालन यथा १ न भग दुरा । **₹**ड्याङाख उत्पर्यकः म जू मि ষ্যেণ শান্তিনা।। জগাম যক্ত ত॰ ভুত্তে রাহূত: সন্ যবীযসা। পুশান্ত স্তাবদনলো যো হসৌ ভৃতি পরিগু इः॥ ७॰ मृष्ट्री (मा १नवा भाष भाषि রত্যন্ত দুঃথিতঃ। ভীতক্ষ ভূতে র্ব ল্ধা চিন্তুযন্ স মহাদ্যুতিঃ ॥ মার্ক **८७**य. डेवाह। वर्च्टेश्वर विहिष्ठ्यास्त्री ভীত স্তম্য তদা গুরোঃ। যযৌ মতি মতা॰ শুেষ্ঠ; শরণ জাতবেদ**স**॰ ॥ **স** চকার তত স্তোত্র• সপ্তাঃচুর্যতম্য-नमः। ज्रेष्क हिट्डा (निहन्ताः नाउ জানু: কৃ হাঞ্জলি: ॥ স এবং সংস্কৃত खिन ভगवान् इव्यवाहनः । ज्ञाना भानावृञ उन् सम्। मीमगुरा मूरन ।। পরিতুষ্টো হস্মি তে বিপু ভক্ত্যা যত্তে স্তাতিঃ কৃতা। বর• দদানি ভব॰ তঃ পুর্থ্যতা যত্তবেপ্লিত ॥ ভগ-বন্কৃত ক্ত্যামি যত্ত্বাণ পশ্যামি ৰূপিণ । তথাপি ভক্তি নমুস্য ভগ বন্ শুযতা মন । মনা পরাধাৎ ল•ভ্যক্ত• যত্তে হধিষ্ট্য• বিভাবসো। তত্ত্বাধিষ্ঠিত সেন্তে পূৰ্বিৎ পশ্য তা ছিল্ল:।। তথান্যদ্বলি নে দেব পু

সাদ জৰুষে যদি। পুলো বিশিষ্টো 🖟 ভবতু নিরপত্যস্য মে গুরোঃ ॥ यथा **চ নৈত্রी• তন্যে স করিষ∫ি মে শুক্ঃ** । তথা সমস্ত সজেুষু ভবত্বস্যমনো गृहू ।। অशिकवाठ । खता तर्थः ज्या वुकान् याठि छ॰ यखत खय॰। नाजा (र्थ তেন মে প্রীতি স্তৃগ্তীব মহানুনে।। ভবিষ্যত্যে उमर्थिन खुत्। ये श्रा-र्थिङ प्रगारिमजी ममस ज्लिष् স্তস্য ভবিষ্যতি ॥ মন্বন্তরাধিপা: পু-ত্রো ভৌত্যো নাম ভবিষ্যত্তি। মহা বলো মহাবীর্য্যো মহাপ্রাক্তো গুরো স্তব ॥ ইত্যুক্ত। ভগবানগ্নিঃ পশ্যুত खना वि मृत्त । व ज्वामनानः मुन्दाः भूमीरभा निवृद्धा यथा ॥ এ**उ**स्मिन्नस রে সোপি ওক স্তস্য মহাত্মন্ঃ৷ জুা-ज् यंवीयरमा यञ्जाना जगामः समाम्-ম ।। তদ্যাগতস্য শিষ্যো হসৌ চক্রে পাদাভিবন্দন । গৃহীতাসন পুজশ্চ ভমাহ স তদা গুৰু:।। বং-সাতিহার্দ• বৃ্ধি মে তথান্যেম্বপি-জন্তু । ন বেদ্মি কিনিদ ত্বপেছে -সৈতৎ কথ্যাশু মে।। ততঃ স শাস্তি ख मर्ब माधार्याय महाजात । ज-গ্নি নাশাদিক বিপু সমাচষ্ট যথা ত-থে ৷৷ তৎ শুত্রা স পরিয়জ্য স্নেহা-मू नग्राना खकः। नियाप्तरः शुक्रानी (वः

দান্ সাঙ্গোপাসান্ নহাতানে ।। ভৌত্যো নাম মন্ স্তম্য পুৰো ভূ ্ড রজায়ত। তস্য মন্বরে দেবা-নৃষীন্ ভূপা॰ क । শৃণু।। #।। ভ-বিষ্যুস্য ভবিষ্যা•স্ত গদতো ম্ম বিস্তরাৎ ৷ দেবেন্দো যশ্চ ভবিতা जमा विधा**ञ् क्यां ।। চाक्ष्या क** ক্ৰিষ্ঠাশ্চ পথিতা ভাজিরা স্তথা। বজো বৃকাশ্চ ইত্যেতে পঞ্চ দেব-গণাঃ মৃতাঃ॥ শুচিরিন্দু স্তথা তে বাং জিদ**শানাং ভবিষ্যতি। মহা**-बला गहाबीर्याः मर्सि तिन्तु छरेग य्जः ॥ जानेषु महानिवाद्यम मुहि যুক্তা হথ নাধবঃ। শুকো জিত-🍅 সম্ভৈতে তদা সপ্তর্যথঃ স্মৃতাঃ ॥ . ভক র্গভীরে। বুপ্নশ্চ ভরশ্চানূর্ এব है। जीमानी ह भुवीत क विकृ: म॰ कन्ति खथा॥ उज्जनी সूवन रैक्टव ভৌত্যসৈতে মনো: সূতা:। চত্ र्मन भरेगछरख मनुखन मूमाङ्ख।। তি মার্কণ্ডেযপুরাণে মন্বন্তরানুব-र्गन नामायुगयः ॥

ভৌন: পু॰ মঙ্গুলগৃহ:॥ নরকরাজ:

॥ ভূনিভবে ক্রি। ইতি মেদিনী ॥
অন্বরং। ইতি ধরণি:॥ রক্তপুনর্নবা
। ইতি রাজনির্ঘণ্ট:॥

ভৌন্তল লী ভূমিসমৃদ্ধিসলিল।

তশ্ৰিবিধণ যথা। ভৌম মন্তো নিগ-দিত পুথম তিবিধ বুধৈ:। काल-ল পরমান্প ততঃ সাধারণ ক মাৎ।। তেষা । লক্ষণানি গুণাশ্চ । व्यानापका स्नुव्कम्म शिखत्रका-न्यानिजः। (मर्गा १न्भ इंछि थ्रा-ত আন্পণ তদ্ভবণ জল।। মিশু চি॰ হ্নস্ত যে। দেশ: সহি সাধারণ: মৃতঃ । তিমান্ দেশে যদুদক তত্ত সাধা রণ স্ত।। জাহল সলিল কক। नवनः नघु उखनु । विश्वकृ किक ऋ १९५ विकातान इक्छ वर्न ॥ यान्भः वार्यः जियः नित् याम् त्रिकः ঘন ওক। বহিছ্ৎ কফ কৃষিত্য বিকারান্ সকতে বহুন্॥ সাধারণন্ত मथुद्र मीलनः मीउनः नघु ॥ उर्मनः রোচন ভৃষা দাহ দোষ এয় পুণুৎ ॥ 🗱 ॥ अथ (ङोमानामित नारम्या-দীনা॰ লক্ষণানি গুণাশ্চ। তত্ৰ না-(मयम् वक्षा खना मह। नम्। नम्-म) वा नीतः नारमय मिछि कीर्खिछः। नारमय गुमक कक वाउल व्यू मी-পन·। जन ভिष्ठानिस विभामः कर्तृकः কফ পিভনুৎ।। নদ্যঃ শীঘু বহা ল-घुः नर्व। या न्हानत्नाहकाः ॥ छर्द्रः रेगवन अध्हत्रा भन्तगाः कनुवान्त याः। नभी मत्र खडागाइ क्ल भुमु-

विश्व ।। उत्तक प्रम जिप्त स्थान (पायाः म सक्ति । इंडि जावश्रकामः ॥ जीमनः श्रुः विश्वकर्मा। इंडिभूत्राणः॥ जीमनः श्रेः ती श्रुवानः। इंडि त्राक्ष-निर्घण्डः॥

ভৌনিকঃ ত্রি ভ্রম্যধিকারী। ভ্রি-নধিকরোতি যঃ। ইত্যর্থে ফিক পুত্যবেন নিম্নমঃ॥

(छोभी खी मीछा। इंडि मदत्रः। वनी॥

ভৌরিক: পু॰ কনকাধ্যক্ষ:। ইত্য-নর:॥

ভাস ও ভাষে। ইতি কবিকল্পদ্রমা। অন্তঃস্থাদ্যযুক্ত:। ওভাসতে। ইতি দুর্গাদাসঃ॥

जुझ नाः श् जीत्य भाषात्री नर्खक शूक -यः। इंडानत होका ॥

जुमः नः भू जीविणधातीनर्जकभूकः यह। जद्भर्यप्रायः । जुमः नः २ । जुमः नः २। ইত্যমतः ॥ जुमः नः ८ जुमः नः ६। ইতি ভটীকা ॥

ভুকটি: জ্রী ক্রোধাদিনা ভুরং কৌটিল্য । ইত্যমরঃ॥ অস্যা রূপান্ত রাণ। ভুকটিঃ। ভুকটিঃ। ভৃকটিঃ ভুকটী। ভুকটী। ভুকটী। ভ্রস্টী। ইতি ভরতঃ॥ ভূণ শদে। ইতি কবিকন্নজন: ।।
রেকযুক্ত:। ভূণতি। ইতিদুর্গাদাস:
ভূন ইর চালে। ইতি কবিকল্লজন:
।। ইর অভূনৎ অভুনীৎ। ইতি
দুর্গাদাস:।।

जुम ज य हारत । इंडिक विकल्ल कमः ।।
जुम ज वा न हारत । इंडि मूर्गा नामः ।।
जुम ज वा न हारत । इंडि कि विकल्ल कमः ।। जे जुमिन्ना जाङ्गा । वा जुमिः जुमः । जुना हिन्दा गुजारपि जन वस इंडा हिना इस जुम इर्डा ।।
उन ज्ञाना वमा भारो । विज्ञ ।
ज्ञान क्षा हिन्दा । व्या हिन्दा ।
ज्ञान क्षा हिन्दा ।
ज्ञान ह

जुनः श्रु॰ निथ्याक्कानः। उद्भर्यप्रायः

। जुन्धः २ निथ्यामिकः २ । इठ्यः

नदः ॥ जव्निर्त्तनः ॥ कन्तः ॥ जुः

नगः। इठि मिनि ॥ ॥ नग्रयमः

उज्नम्यनामान्दः अनुमा। जुन्नाः

विविदः । विभर्यक्रामः मंग्मयण्ड ।

जारम्या वथा। स्ट्रि माज्यक्रिः।

শহ্বাদৌ পী ততা মজিঃ। সা নিশ্চয क्रा। विजीया यथा। कि बि नात्र। वा इग्नु वा इक्तानि व्यक्ता তস্য কারণ । পিত্ত দূরত্ব মোহ ज्याहि नानाविश्व (मातः। यथा। वा भुमा ह भुमा हि छि छान । विवि-ब मूह्य । उर भूत्र उन्मिं सी महाम्भुमा मा निक्रिणा ॥ उ**८** ∥ भुभाका विभर्गामः मः भाषाः **रा**भ भुकी बिंडः। जारहा स्टार जावा বৃদ্ধি: শহ্বাদে পীততা মতি:॥ ভ विक्रिक्य क्रिंग जा जा जार्या रूप भूमर्भाउ । कि सिमदा व। सापूर র্বেত্যাদি বৃদ্ধিস্ত সম্পথঃ।। তদ-ভাবা পুকারা ধী স্তৎ পুকারা তু निम्हयः। त्र त्रश्माया छत्वन्यः। शीः द्भकेषा ভाव ভावरयाः ॥ **गाश**ात्र-गानि धर्ममा ज्ञानः मः भय कात्रनः । प्रारवा रशुमाया बनकः भुमाया-স্ত্রণা ভবেৎ।। পিত্ত দুরত্বাদি क्रिंग (नारवा नानाविषः म्जः। ইতি ভাষাপরিছেদ: ॥

ज्ञान ही गमनिविध्या शर्या हैन। रुखाय अथ का नाति काता ज्ञान खनाः। चाठ का भनजः। अक्टेक् र्या कत्रनः। वनानि विवक्तनकृष्ण। देखि दाक्षवल्लाः।। जुननी की कात्र खिका। जभी निज्न की जांद्रेश। इंजि मिनिनी।। जुन को की ज्ञामिह्य । उट. नर्ग्रायः। कावाती २ बक्त महों ०। इंजि विका अन्य ।।

ज्यतः भू कि विश्वासः । जट मर्ग्रायः
। मध्युजः ४ मध्कतः २ मध्विहे ७
मध्भः ४ व्यति ६ विरत्नकः ७ भूनः
विहे १ ज्वः ५ वहे भनः ३ व्यतिः ३०
। इज्यतः ॥ कवावाभः ३३ विनः १०
वीम् थः ३२ भून्नक्षः ३७ मध्कृ ८ १८
विभः १८ ज्यतः १७ हक्षत्रीकः ११
मूका भे १५ मध्यान् वाभः १३ हेनिस्
क्तिः २० मध्यान् कः २० । इजि
नाम निर्यकः ॥ मध्यान २२ व्यः
२७ भून्नकि ।। मध्यान २२ व्यः
२७ भून्नकि ।। मध्यान २१ त्वा वाभः
२५ । इजि भया ज्ञाववी ॥ का मूकः
। इजि समिनी ॥

ভুমরকঃ পু॰ ললাটলয়িতচ্পস্থল:।
ইত্যমর: ।। ভৃস: ।। বালম্বিক:।
ইতি মেদিনী ।। স্বদ্ভুম: । ইতি
বিশ্ব: ।।

जुनब्रकीं अप कीं वित्मयः। जन्-त्रालाका इंडि जावा। यथा। जीत ब्रुक्डिस उद्यान मार्चालाधिकार स्राज्य । महिरानम् धर्मद्वास्त्रक जुमब्रकी वे व ।। हेन्डा खार्यापः ॥ जुमब्रह्मी जी वजाविष्मकः। उट भर्यायः। ज्ञास्ता २ जुमबा २ ज्ञा मृनिका ४। ज्याता छगाः । ज्ञाह स्री ६ कर्षेका जिका मीमन द्वाहनी । हेन्डि बाजनिर्यकः॥

ञ्ज्ञत्र श्रुप्त श्राक्षण । इंडि इङ्गाना ॥

जुनतभाती जी मानवरम्भभूतिकः
भूत्रवृक्कविर्णयः। छ८ भर्यशयः।
जुनतातिः २ ज्ञातिः ७ ज्ञातिः ।
तिज्ञतः। भिष्ठ द्वापा ज्ञात्र नामिष्
। भाग कञ्जि कष्ठ वृश्वाति वि
रम्य नामिष्क। ইতি ताक्षित्वेतः

ভুমরা জ্রী ভুমরছল্লী। ইতিরাজ নির্ঘণী:।।

ভূমরাতিথি: পুণ্ চম্পক:। ইতি রাজ নিঘণ্ট: ॥

जुमजानमः भु वस्रवः॥ खिक्रकः कः॥ बङ्गानः। ইতি प्रावनिष्ठः जुमजानकः भू वनावेश्चि उर्ह्गक्ष वः। ज्यानेशागः। जुमज्ञकः २ स्रकः वः। व्यानेशिक्षकः।।

ज्यकी की कज् गा। भूधनाकी।। बहुनभी। इंजि ब्राबनिवन्तः॥ ভূমরেষ্ট: পু॰ শ্যোনাকপুভেদ: १ ইচ্ছিরাজনির্ঘণ্ট: ৪

ভুনরেই। জী ভাগী। ভূমিজস্:। ইতি রাজনির্ঘণ্টঃ॥

ञ्चरबार नवा की माधनी। इंडि बाजनिर्धणेः॥

जुमामकः भू भंजमार्ककः। ইতি (रमहमु: ॥

खुमिः की खुमगः। छ० मर्गायः। जुमः २। ইত্যमदः॥ जुमी ०। ইতি ভরতः॥

জুমী ত্রি ভুম বিশিষ্টঃ। ভ্নো বিদ্য-তে অস্যোতি অস্ত্যথে ইন্পুত্যযেন নিক্লমঃ।

ভূশ য'ত অধ:পতনে। ইতি কৰি-কল্লক্স:।। য'ভূশ্যতি। উ ভূশিত্ব ্ৰভুষ্টা। ইতি দুৰ্গাদাসঃ॥

ज्हें कि कुंड । यमान्यं। या निष्ठ जाम पुष्ठें देशाः ॥ ॥ यथा खुष्ठे खोर्थया वास्तु भरहर मंज्या खुष्टे। रतोत्रव रेव वृर्षा । रया गर्जु में जाया रेव वृर्षा ॥ इंजि गांकर प्र नी जिमारत २०२ व्यथा गरा ।।

ভুষ্ন ঔ ঞ শ পাকে। ইতি কবিকল্প ক্ষন: ।। রেক্যুক্তাদি দ্স্ত্যোপথ:। বিপি সংযোগাদি লোপে ভূট্। शांक देक छर्जन । यह भ ज्ञांकि ज्ञांकि नट्मां म्नांकातः । छे खज़ाकि । इंडि पूर्गामामः ॥ ज्ञांक । इंडि पूर्गामामः ॥ ज्ञांक । इंडि पूर्गामामः ॥ ज्ञांक । प्रकृष्कः । छ ज्ञांकाछ ग ज़िल्ल व ज्ञांक । यन् वक्ष वकाद मरवागामि (इन्हांका ) यन् वक्ष वकाद मरवागामि (इन्हांका ) यन् वक्ष वकाद मरवागामि (इन्हांका ) यन् वक्ष वकाद स्वित् इंडि प्रगामामः ॥

ভূাজক লী পিত্ত । ইতি শব্-চন্দ্রিকা।।

ভাজিক্ষঃ ত্রি অলঙ্কারাদিনাধীপ্তি

মুক্তঃ।ইত্যমরঃ।। বিফৌ পুং। মথা
। ভাজিফু র্ভোজনং ভোক্তা সহিষ্ণু
র্জগদাদিজঃ। ইতি তস্যসহসুনাম
স্তোত্রং।।

জুতিরৌ পু• জুত্তগিনেটা। নিত্য-দ্বিচনাস্তো ২য•। ইত্যমরঃ।।

ভাগী পৃ একগর্তনাত:। ভাইইতি
ভাগা। তৎপর্যায়:। সহোদর: ২
সমানোদর্য্য: ১ সোদর্য: ৪ সপর্ত:
৫ সহল: ৬ সোদর: १। ইতি হেমচন্দু:।। পিতরি মৃতৈ জ্যেষ্ঠ ভাতু:
পিতৃতুল্যত্ব যথা। জ্যেষ্ঠো ভাতা
পিতাতল্যো মৃতে পিতরি পৌনক
। সরেবাং স পিতা হি স্যাৎ স
রেবা মনুপালক:।। কনিষ্ঠ স্তেষু

गर्बन् गमरद्नान्वर्डस्ड । मस्मान ভোগ जीवियु यरेथव छन्य छथा।। ইতি পাকড়ে ১৯৪ অধ্যাব: ॥ # 11 जना जार्या इतरा उटेम मायामान ह पारका यथा। जाकृकायाभश्वती ह माञ्गामी ভবেমর। उमानु छीर्य। পাপী চ বিষ্ঠান্য জাবতে কৃনি: 11 वर्षकाहि मर्गाप जब हिदा ह ্পাত্ৰী। ব্ৰক্তো ভবেন্মহ। গাপী क्वं स्काहि बह्मुकः ॥ शू महंनी खा-नि गार्छ ह क्मिरेन्ड्र भूबन्दत्। गृथुः কোটি বহুসুদি শতক্ষানি জন্তরঃ १। जाञ्जायाशहत्रनाट मञ्जनाति **भ्वतः। 🕸 ।। (या महाजि न मायकः** यविक्षी मुब्जाय है। म साउ ब्रही-भावक यायहन्त्र हिवाकस्त्री ॥ मा ভূক কায়তে কর্ম কল্পকোটি শতৈ-রপি। অবশ্য নেব ভোক্তব্য কৃত कर्ष मुखामुख ॥ इंजि वृक्तरिवर्र्ज **পু**क्ञिथए७ ৫৬ व्यथायः ॥ # ॥ ভাতুরম্বেদণে ভাতা ন গছে । যথা । नातम उवाह। (इ इर्ग) थ। महावी-र्याः भुषा यूषः कत्रियाथ। केपृरमा লক্ষ্যতে যত্নো ভবতাং শ্রুমতা মিদং া বালিশা বত যুয• যেনাস্য: জানী-**७ रेव ज़्दः । अड कक् मध रेक्ट**व कथः जुकाश विभुकाः॥ উष्क् ं छिर्याः

পথকৈব যদাপুতিছতা গতিং৷ তদা कमाष्ट्रताबाड॰ मर्स्त पुक्कारथ वालि শা: 11 তে ত্ তদ্বন শুদ্ধা পুৰাতাঃ সর্বতো দিশ। অদ্যাপি ন নিবর্ত্তরে नमूर्ष्ट्र इंबानगाः ॥ इर्ग्रायद्यथ नार्डेयू एकः शाहाजाः भूनः। दित्रि ণ্যামথ পুঞাণা॰ সহসু মস্জদ্বিভুঃ।। विवर्षविवव एउ ज् नवनाथाः भुकाः भूनः । भूर्खांक वहन वृक्षमात्रसन भुरादिणाः ॥ यान्यान्य मृह् एउ मर्द नम्रागार महाम्तिः। जुल्गाः भर-वी देव गडवा नाक मन्मग्रा छा दा नुमानः भ्यास भुबाः मुक्तांमरह भूनः । তেপি তেনৈব মার্গেন পুষা ভাঃ সর্বতো দিশ•॥ অদ্যাগি ন নি वर्ज्य नमूर्ष्डा देवानगाः। उठः পুভৃতি বৈ ভাতা ভাতু রমেবণে দিজ ।। भुयारका नमाउठि ज्या उमकार्याः বিজানতা। ইতি বিষ্ণুপুরাণে ১ অ॰-(म )५ व्यथ्रायः ॥ क ॥ जिल्ह । **ততः পু**ভ্তি न ভাতুः कनीयान् मार्ग निह्छि। अनियन् मृःथ भारत्राठि তেন ত॰ পরিবর্জবেৎ 🛭 ইতি মাৎ-स्ति ६ व्यथायः ॥ **#**॥ काष्ठ जाता-(म र्श्वक्षः यथा। উপाध्यायः পिञा জ্যেগে ভাতা চৈব মহীপতি:। মা তুলঃ খশুর জাতা মাতামহ পিতা

नरहो ।। वक्षु (र्का क्षः निज्व ) क भूरः স্যেতে গুরুব: সূতা:। ইতি কৌর্মো উপব্रিভাগে ১১ অধ্যাय: ।। 🗰 ।। বিভক্তানা তেষা ধর্ম বৃ**দ্ধি র্যথা**। ব্যাস:। ভ্ৰাতৃণা জীবতো: পিৰো: সহবাসে। বিধীয়তে। তদভাবে বি-ভক্তানা প্ৰ্যা স্তেষা বিবৰ্জতে 11 ভুাতৃণা যন্ত নেইত ধন শক্তঃ ম-কৰ্মণা। স নিভা জ্যঃ স্বকাদ শাৎ किकिएरंजाशकीवन ॥ #॥ (काई জুাতৃ পুশ সা যথা। বিভ্যাছেতঃ সর্বান্ জ্যেং। ভ্রাতা বথা পিতা। ভাতা শক্ত: কনিষ্ঠো বা **শ**ক্ত্য**েকা** इत्त शिक्तिः ॥ अद्रेशार्थयु हाम्युक ख्ट कार्याः सक्ख ज् यः। न जुनज्-ভি वृ • हगीया गुमाहाहन वाहरेनः ॥ অন্যোন্য ভেদে। ভ্রাতৃণাঁ• সূহ্রদা বা বলান্তক। ভবত্যা নন্দক্দেবে দ্বি-यजाः नाज नः भरः ॥ 🗱 ॥ जुाजृ नः कात्रमात्मात्रकष् यथा। नात्रमः। বেবান্ত ন কৃতাঃ পিত্রা সংস্কার বি-**थरः क्यार्। क**र्बव्या चार्डि ख-**বা॰ পৈতৃকাদে**ব তত্ত্বনাৎ ।। অবি-দ্যমানে .. ত্রথে স্বাংশাদুজ্ভ্য বা পুন:। অবশ্য কার্য্যা: স'স্কারা ভা-ত্ভি: পূর্ব সংস্কৃতৈ: ॥ 🗱 ॥ বিভ-कानाः (उयाः माकिदापि यथा।

े সাক্ষিত্ব পুণতিভাব্যঞ্চ দান গু হণ মেব চ। বিভক্তা ভাতরঃ স্ব-যুর্ত নাবিভক্তাঃ পরস্পার ।। ইতি দাযতত্ত্ব ।।

ज़ुाज्कः जि ज़ाज्रयागाः। इजि मिकायकोमूरी॥

ভাতৃনঃ পু জী ভাত্রপত্য। তৎ পর্য্যায়: । ভাত্রীয়: ২। ইত্যমর: ॥ ভাত্ব্য: ১ ভাত্পুত্র: ৪। ইতি শন্রত্বাবলী।।

ञुङ्बाश खी ভাতৃ ভার্যা। তৎ পর্যাযঃ। পুলাবতী ২। ইত্যমরঃ॥

ভ্রাতৃপত্নী জ্রী ভ্রাতৃদ্বাধা। ইতি
শব্রত্বাবলী॥

ভাতৃপুত্র: পু· স্ত্রী ভাতৃন্ধ:। ভাইপো ইতি ভাষ।! ইতি শব্দরদাবলী।।

ভাত্ভণিনের জ্ঞী ভাতরৌ। দিক টনান্ডোয়•। ইত্যমরঃ।।

ভাত্ব্য: পু: ভাত্পু:।। শত্:। ইঙি হেমচন্দু:।।

ভাতৃশশ্র: পু॰ পতিজ্যেষ্ঠ ভাতা।
ভাশুর ইতি ভাষা। তৎ পর্যায়:।
শশ্রক: ২।ইতি শদ্রত্বাবলী।।
ভাতঃপর্যা: পিতা চানা - টু

ভাৰীয় পু ভাতৃপুত্ৰ:। ইত্যমর:॥ ভাতৃসমন্ধিনি জি॥ ভাতঃ তি ভুনণমুক্তঃ॥ ভাতিবিশিপ্তঃ । ভুনধাতো: কর্ত্তরি ক পুত্রবের নিয়ম: ।। ভুনণে ক্লী । যথা। ভুন্তেও দেশ মনেক দুর্গবিষমণ প্রাপ্তেও ন কিঞ্চিৎ ফলণ। ইতি বাভট পশুন্দ পতিভ্যাণব্যাখ্যাত্ত ।। ভুন্তিঃ পুণ রাজধুন্তরঃ।। মতহতী।

ইতি রাজনির্ঘণ্টঃ ॥

ভুনিঃ জী ভুন:। ইত্যমর:।। সাতু
নরাণা ষষ্ঠনাসে জাযতে। যথা।
যাশাসিকে তু সংপ্রাপ্তে ভ্রান্তি: সং
জাযতে যত:। থাত্রাক্ষরাণি সৃষ্টানি পঞার্টান্যত: পুরা।। ইতি
জ্যোতিস্তত্ত্বং।। ভুনণং। ইতিমেদিনী
।। অনবস্থিতি:। ইতি বিশ্ব:।।
ভুনিনাশকে ত্রি।।

ভামক: পু॰ শৃগাল:॥ ধূর্ত্ত:॥ স্য্যা-বর্ত্ত:।। পুস্তরভেদ:। চুম্বকপাতর ইতি ভাষা। ইতি মেদিনী।। ভুম-জনকে ত্রি।।

जुनितः की नथ्। इंडि मिनि।।

उड़ जुनतकनथ्। उन्र स्गाः। नि
हिल दः। कक्षदः। नथ्तदः। मृथ
काछ नाण्डिकः। इंडि ताकनिर्धिः।। जनि । निहिल्या सामृ ज्य
खाट जुनतः एक की खिंडः। इंडि

ताकवक्षडः ॥ जन्य । किस्टि,

स्तिः भुजिषा छाः भूषा छ। श्वा ভিল্চিত। নিৰ্মাল শ্বুটিকাভ যুক্ত অধু ভাগর স্ত ।। ভামর রকপি खन् ग्रहाए। कतः छक। बामुनाक मिष्यानि विषया । शिह्नि वि ্ল'।। ইতি ভাবপুকাশ: ॥ নৃত্যবি-শেবঃ।তৎপর্য্যায়ঃ।রাসঃ২মওল न्का ७ इल्लीम । ८ इंडि नद्भावा।। ভুনর সম্বন্ধিনি তি। यथा। তদাহ॰ ্ৰভামর কপ কৃত্বা সংখ্যের ষট্প मः। ইতি रिवीमाश्वारः॥ ভামর: পু: পুত্তরভেদ:। চুৰকপাত त्र हे**ि ভाषा। हे**ि स्मिरनी ॥ **ভা্ৰান্ত্ৰী আৰি পাৰ্বতী। ইতি** ত্ৰিকাণ্ড-(भवः ॥ अभिष्ठ। यनाकृगाक देख-(लात्का गरावाधाः कतिबाजि। তদাহ ভূমের কপ ক্রা সংখ্য य बह्लमः ॥ विकाकामा हिजा-র্থায় বধিষ্যামি নহাসূর । ভ্রাম-ব্লীতি চ মা• লোকা স্তদা স্তোষ্যম্ভি नर्डाः ॥ इंडि मार्क्एवर्गुद्रात (प्रवीमाशाख्या नात्रायगीस्रजि: ॥ जुाम अडगर् ) जान। इंडिकवि ভূাশ य । विल्लास्याः ॥ य ७ जुम्मारा । व वावज्ञाम । यगरा অনযোঞ্যন্তি সুম্ব বিকল্পনেপি সপ্ত-म खतान्त्का श्लाका मनुद्राधाय । ণ ভে্শে বভা্শে । টু ভ্রাশপু: । ড ভ্রাশতে । ভাসি দীপ্তৌ । ইতি দুর্গাদাস: ॥

जुाष्ट्रे॰ क्री जाकामः॥ जम्मतीयः।
इंडि मः क्रिश्वमात्राभावितृत्विः॥
जुाष्ट्रेः भूः यज कलाय हभकास्किः जुः
ब्ह्यां मः। जम्मनात्थाल। इंडि
थााउः। उद्भर्गायः। जम्मनीयः २
। इंडामनः॥

जुनि य ७ ) जानि। ই जिन्दि-जुनि स ७ १ दूँ ) कङ्गकनः ॥ य ७ जुनि १ छ जुनि छ । स अवजुन-स्र । १ जिन्दि व जारि। दे जुनि स् । ই जिन्दि । स

क्षाः। इज्यातः॥

ক্রনটি: ) জ্রী ক্রোধাদিনা ভুর:কৌ-ক্রনটী ) টিল্য:। ইত্যমর:॥

पुः श्वी मृगुरामृष्वं जागः। उद्भग्रीयः
। विल्ला २ नयतार्षा जागरत्रामत्राकी २। ইতি রাজনির্ঘণ্টः।। তল্লकृषः यथा। विलालाम ठा मृथिनि
मित्रम्। विषम जुनः। धनी मीर्या मः
मके पु र्वालाम् मठ मुज्दः। थावर्षः। ইতি গাক্ডে ৬৬ অধ্যাযः॥
क्षा अव यदे व्का स्वर्ग जाका थ। वक्ष

নতি। তত্ত্ব হ ক বর্ণ হয় যুক্ত দল পদ্মাকার । তন্মধ্যে নন ন্তিষ্ঠ তি। যথা। আজ্ঞানামানুক্ত ত কি নকর সদৃশা ধ্যান ধান প্রকাশা হক্ষান্ত্যা বৈ কলা ভ্যা পুরিল-সিত বপুর্নেত্র পত্ত স্মুভু । ত-ঘধ্যে হাকিনী সা শশিসম ধ্বলা বক্ত্র ষট্ট দ্বানা বিদ্যা মুদ্যা ক-পাল ডমক জপবটী বিভুতী শু কচিত্তা।। এতৎ পদ্মান্তরালে নি-বসতি চ মন: স্ক্রকপ পুসিক্ষ । ইতিশ্রিতত্ত্বিস্তামণৌষষ্ঠপুকাশাঃ।। ভ্রম্প: পু জীবেশধারিনর্ত্ত্বপুক্ত যঃ। ইত্যমর:।।

ভুষটিঃ স্ত্রী কোধাদিনা ভুরঃকৌটি-ল্যা ইত্যমরঃ।।

ভূণ কড আশা বিশঙ্কবো:। ইতি
কবিৰুল্লকন: !! রেফযুক্ত বঙ্গরী।
ক ভ ভূণযতে ভদু লোক: আশা
বিষয় করোতীত্যর্থ:। ইতি দুর্গাদাস: !!

ত্রণঃ পু॰ বালকঃ॥ জীগর্জঃ। ইত্য নরঃ॥ \*।। অথ গর্জাধান দিন। রজে। দর্শনাবধি বোড শদিন পূর্যক্তু শতু কালঃ। তত্রাদ্যা শিচত সোনিশাঃ প রিত্যজ্য চতুর্দ্দশ্যপ্তমী অমাবাস্যা পূর্ণিনা স্ব্যসংক্রান্তিঃ পর্বাণ্যতা- नि श्रिडाकः ह अन्यास साविद् हगुनि (श्रीड्रिन कारण छार्या मूलग्रह्ट । यूक्सद्राविय गम्मान शृद्धा
छार्यः । यूक्सद्राविय गम्मान शृद्धा
छार्यः । अयुक्सद्राविय गम्मान शृद्धाः
छार्यः । उद्ध्युक्षास स्क्रावान शृद्धाः
हस्रा मृगिनद्रा आपृत् शृन्द्रभः श्वीवात छित्रसात आपृत् शृन्द्रभः श्वीवात छित्रसात आपृत् शृन्द्रभः श्वीवात छित्रसात आपृत् शृन्द्रभः श्वीवात छित्रसात्र । उत्र निविद्धाः । उत्र तिविद्धाः ।
। उत्र जिथ्यः नन्त छुनाः शृक्षसाः
। तिका निविद्धाः । उत्र तिविभवः
गम्यश्रीशः ।।

জুণহত্যা স্ত্রী গর্ভস্থবালকছনন ।
যথা। ত্রি বিবাহ কৃত থেন ন করোতি চতুর্থক । স্বলানি পাত্যেৎ
সপ্ত জুণহত্যা বুতঞ্চরেৎ। ইত্যুদ্বাহত্ত্ব ।।

ভূণহা । ত্বি গর্ভস্বালকহন্তা। ভূণ হিন্ত ইতি ভ্রণশব্দোপপদ হনধা-তো প্রপৃত্যযেন নিয়ম:। ইতি সণ্-ক্লিপ্তসারব্যাকরণ ॥ তস্য প্রায-শিক্ত । তত্র পুংস্তেন জ্ঞাতে পুং বধ প্রাযশ্চিত্ত জীবেন জ্ঞাতে জী-বধ প্রাযশ্চিত্ত নাহ ননুং। হবা গ- ৰ্দ্তনিবিজ্ঞাত মেতদেব বুতঞ্চরে । গৰ্ভহাচ যথা বর্ণ তথাক্রেয়ীনিস্ দনঃ।। ইতি পায়শিজনিবেক:।।

ভুভন্ন: পু॰ ভুরংকোটিল্য॰। যথা।
ক্ষুদ্রা: সজাস মেতে বিজহত ইর
যো ভিন্নশক্তেভ সম্ভা যুদ্মদেহে যু
লজ্বা॰ দংতি পর মনী শাযক। নি
স্লভঃ। সৌনিত্রে তিষ্ঠ পাত্র॰ ত্ব
মপি নহি ক্ষা॰ ননুহ॰ মেঘনাদঃ
কিঞ্চি ড্রুভক্ল লীলা নিযমিত জল্বি॰ রাম মন্বেষ্যামি॥ ইতিকা
ব্যপুকাশ:॥

ভূেন খ ড ভাসি। ইতি কবিকল্প জন:।। রেফযুক্ত:। খ অবিভূেন্তং। ড বিভে্নে। ইতি দুর্গাদাস:।।

ज्व य क हाल ॥ छार । हैं छि कविकन्नक्रमः॥ (त्रक्यूकः। य व्यवि ज्वर । क (ज्वि ज्वि ज्वि क्यार थनः। विर्ज्य । हे जि क्यार । हे छुन स्वः भू यथाहि ठा ज्वनः। हे छुन मतः॥ हननः। हे जि ज्वि थाव्य कर्मनार ॥

ভূবণ ক্লী চলন । ইতি ভূেষধাতো ভাবে ২নট পুত্যযেন নিম্নম ।। ভূক ঞ ভক্ষণে। ইতি কবিকল্পফনঃ ।। অস্থ্যস্থ তৃতীযোপধ:। ঞ ভূক তি ভূক্ষতে। ল স্থানে সপ্তমম্বর इैंडि पूर्गिनिष्दः। ইडि पूर्गामानः 🕦 🛝

মকার:। স ত পঞ্বি শতি তম व्यक्षन वर्गः। याम्याहात्रग सान মোষ্ঠঃ। ইতি ব্যাকরণ ।। অস্য স্বৰূ-भण्यथा। मकातः मृत् हाई वि स्वर शद्रम् इ ७ जो। उक्पाहि उरु महा-भ• ठेजू ईर्ग श्रुहायक ।। शक्षाहर-भयः वर्गः शक्ष्माग भयः मना। इंडि कामाथनु उद्ध ।। 🗱 ।। यम् । ताथन পুकातः। উদ্ধাरिः कमरा दिशा हजूरक्कानमयी मुखा । नात्रायल**म**-বিধ্য স্তাসু তিপ্ঠ নিত্যশ:।। মা-ৰা স্বৰ্গুলিনী জ্ঞেয়া ধ্যান নস্য পু-চক্ষ্যতে। ইতিবর্ণোব্ধারতন্ত্রণাঞ্চা তস্য নামানি। ম: কালী ক্লেশিতঃ কালো মহাকালো মহান্তকঃ ৷ বৈ-कार्था वज्या हन्त्री ब्रितः भूक्य बा-ककः ।। काल जिल्ला क्या त्यश विश्व-मा मीथम · क्डकः। कठेत्रकः जुगा मा-न जन्नी माञागुरक्षानी।। विकः শিবো মহাবীরঃ শাশিপুভা জনে-यक्ते। भूगजः भियम् कपः महीत्म। विक्रमञ्जन ॥ माज्ज्ञमानिनी वि-न्मुः भ्वा ভद्रापा विय । ၁५। ইতি তন্ত্ৰোক্ত বৰ্ণাভিধান•॥

भू॰ भिवः ॥ हन्युभाः॥ वृक्ता । इत्जिका का का का वा स्थान । यमः ॥ मआयः ॥ विष॰ ॥ मधूमूननः । ইতি
भिन्ती ॥

মক ই ড ভূষে। গভৌ । ইতি । কবিকল্পক্ষনঃ।। ই মক্ক্যতে। ড ম-ক্ষতে হারো জন•। গত্যর্থো ২প্যয় মিতি রামঃ। ইতি দুর্গাদাসঃ।।

**अकद्रः भू॰ जल** बजुवि (भकः। ইত্যমরः ।। নগর ইতি গঙ্গায়। বাহনত্বেন र्थाजः। ইতি সারসুন্দরী॥ यथा। সিত মকর নিষয়া শুভুবর্ণা জিনে ত্র। মিত্যাদি মৃত্যুক্ত গঙ্গা ধ্যানণা। न ह कानार वना धुक्त हिझ् । भक्त খুত্র ইত্যনরকোষ দর্শনাৎ!!নেষা-দি দ্বাদশরাশ্যভর্গত দশন রাশিং৷ **ভ**ূপর্যায়। আকোকে**র: ২। অ**--স্যাশ্রাভূমেব**ত। মৃগাস্য নকরঃ।** िखद्रियाणाः भिष्णाम् जयः भू वना ममूरायः धित शायाः भूबीर्षाः এতম্বপাদেন ভবতি। স চ পৃষ্ঠো-দ্যঃ ভ্নিরাশিঃ অর্শক্ররঃ দ किन पिक् म्।भी शिक्ष वादर्गः क्षाः ज्यहार्वा भी उनस्कारः अन्तरम স্তানঃ অলুস্ত্রীসঙ্গংবাতপুক্তিঃবৈ माऽवर्नः न्यथाक्ष्मा व्यव बाउमाऽ ফল। সদাননঃ। পিতৃ মাত্ ভকঃ

। শুবণা মকর জাতক্ষেৎ বহু বিবা-रः। ইতি काउकाम्यः ॥ 🗱 ॥ व्यथ রবিযুক্ত মকর জাত ফল। সদাটনো নিত্রগণো বিপক্ষতা পুষাতি ন্ন थन वर्षितः नार्थः। यम्रक्षत्राम्य र्म-করোপগঃ স্যাৎ পুস্তিকালে স ত্ ভागाशीनः ॥ # ॥ जाय हन्तुयुक म-কর জাত ফল•। কলিত শীতভযঃ কিল গীতবিভাম ৰুষা সন্থিতে৷ মু-मनाजूतः। निज्ञल्लाख्य वृख्कितः পর ছিনকরে মকরে পুৰুষো ভ-(व८ ॥ 🟶 ॥ व्यथ नक्ष्व मुक्त मक्त জাত কলে। পরাক্রম প্রাপ্ত বর: পু-छिष्ठः महक्ता भाष्टि वद्राक्तः महार । শ্রিযা সমেতো মকরে মহীন্তে প্র-मृতिकाल स्वभावकम ॥ 🗱 ॥ অথ বুধপুহ ছিত মকর জাত কল• । রিপুভ্ষেন যুতঃ জমতি নরঃ মার বিহীন নরঃ পর কর্মঠঃ। মকরগে সতি শীতকরাত্মজে ব্যসনত: স ন जः शृक्षा ७ वि ॥ क्षा वि ।। क्षा वि ।। क्षा वि ।। ৰাশ্ৰিত মকর জাত কল। নমনো-র্থ সিদ্ধি মুগৈতি নরো বচসা নধি-পে মকরোপগতে। ভব যুক্ হন-তিঃ পর কর্মরতো বহুতোষ যুকে মদনাপছতঃ।। #।। অথ শুকাশ্রিত मक्त्र बाउ कलः। অভি রতি র্ছননে

वृक्षनत्न नृगाः व्यथ्वयः कृष्णे ।

रङ् हिश्रया । ज्रुश्त्रपुष्ठ मृगद्गाणिः

गाउ महा कविष्ठत्न विष्ठत्निम निज

लिवट ॥ ॥ । व्यथ्य मिनगुरु श्रिज

मक्त्र काठ कनः । नक्त्राभगजः

थन् जानुमूजः कृभया महिलान्भ

मान यूजः। वद्ग गक्त विज्यग ज्यिक हि

गाव स्कृणी द्रमणः शक्रकत्नवः ॥

देशि (काष्ठी भूकीभः ॥

মকরজগুল ক্লী মকরাক্তিকর্ণভূ
বিণ । যথা । বনমালা নিবীতাকে।
লসৎ প্রীবৎস কৌস্তভঃ । মহাকিরীট কটকঃ সুরন্মকরজগুলঃ ।।
ইতিপ্রীভাগবতে ৬ ক্ষন্মে ৪ অধ্যাযঃ ।। সুরতী মকরজগুলে যস্য সঃ
। ইতি তউাকাযাণ প্রীধরন্ধামী ।।
মকরকেতনঃ পুণ কন্দর্পঃ । ইতি
মীনকেতন শব্দ টীকাষাণ ভরতেন
সঙ্গেতিত ।।

भक्तध्वः श्र कामएवः। ইত্যমतः

11 तमिन्त्वितिष्मयः। उम्र ना

भाष्ठतः हिन्दु। एयः। उम्र कत्र १ श्रु

कात्रा यथा। भनः मृन् वर्ग एनः

तत्मन् भनाष्ठेकः वाउम गञ्चकः

म्हा भारिः मुकाभाम ज्व श्रम्

रेनः मर्वः विमण्डाथ स्मातिका जिः

श उद् काह स्य निह्छः मुगाए

म्टकर्भ हि खिम्रियम खर्म। भरहरू ক্রমাণ্ট্রৌ সিকভাখ্য যন্ত্রে তভোরজঃ পল্লব রাগ রম্য ।। নিগৃহ হৈতল্য भनः भनानि छ्वादि कभूत दब खरेषव। बाजीकनः (मायग मिन्तुः भूब्रः कद्युतिकाया इंस् भाग वकः ॥ हरम्बामरया १य॰ कशिएडा १म। मा-वा जूका शहरली पन मरावजी । 🗱। ज्ञा ख्याः। स्तास्त्रानाः भुमना मञानाः गर्नाधिकष् भूथय-ত্যকাণ্ডে॥ শৃত ষনীভূত নতীব দু अ· मृन्नि मा मानि मन खकानि। मा সানি মিষ্টানি ভবস্তি পথ্য মানন্দ-দায়ীন্যপরাণি চাত্র।। বলী পলি ত নাশন শুনুভূতা ব্যস্তম্ভন: সমস্ত शह थ ७ नः भू हूत (याश भक्षाननः । গৃহেষু রসরাড্য• ভরতি যস্য চ-त्नुपरयः न भक्षभंत्र पर्भित्नं स्गर् माः जरवद्याञः॥ हेन्पुभूष्त्रं नवषः । डेक शतिमान लक्षन मुशलकनं। দাক্ষিণাত্যাঃ শোণ কার্পাস পুত্র-पुर (नर गृह डि। भाका छाः निर्ख ७८ भूखिराव यावनामू जुः नर्प्त्या । উভয়ংথর নি্মত্তে রদোষ:। তথৈ-বেতি नर्बवादयः। 🗱। শাজান্তর। দ্বিশেষে। লিখ্যতে। রতি কালে র-তান্তে চ পুনঃ সেব্যো রসোত্তনঃ।

विविधः अक्रम विषः अक्रमः विष विविधः अक्रम विषः अक्रमः विष विविधः । न विकात्राय छविछ मा व्याक्तिमा विकात्राय छविछ मा यथा छा नाट म्कृषः अविक प्रिक्ति ना । क्ष्णाः माध्यकसुम् । जता भवा नाम नः ॥ भाजास्त मक्त्र-श्राह्म नाम । इकि हास्मु । एयः । इकि व्याक्तिसाम । इकि हास्मु । । इकि

ন্ধ্রন্থ পুণ পুষ্করসঃ। ইভ্যমরঃ॥ ্বন্ধপুষ্লবৃক্ষঃ॥ কিঞ্জল্পে দ্লী। ইভি রাজনিষণ্টঃ॥

हत्वनस्वं शिक्षी भावेमाभृष्ठः। ই छि श्रम् विस्ति । स्थ्विभिष्ठा व ।। स्वत्यक्षः भू सकताकात्रस्मगुद्धः न्यासः। ই शिक्ष स्था व्यात्रकः ॥ सकताक्षः भ् समुद्धः। ই छि एक्सः कस्तः।।

सक्ताकातः भू यस्शृष्टः। काँठी-करङ इंडि जाया । इंडि मदः हर्मका । मन्त्रमध्मप्रकृष्टिण्ट ॥ यका का भू कामरत्यः॥ ममूपुः। दे उपनामानः॥

মাজালনঃ গ্ৰামুদু:।ইতি বিকাশু-নক্ষা পুলামুদু:। মকরো হস্যান্তী-তি বুং পন্ত্যা ইন পুত্যে নিয়নো

ह्य.॥

নসট শ্লী মুসট । ইতি ভরত ধ্ত দ্বিৰূপকোষ:।।

मझिं जी मृदुणामन । ইতি जि-काश्रामयः ॥

मन्द्रः भ्रष्ट्र स्नामन्खः॥ वस्र्यः॥ काद्रकः॥ स्नामन्धः॥ इंडिट्सः हन्द्रः॥

मक्तः भू क्षी वन्ननः॥ मून्ननः॥ इंडिमफ्तकावनी॥

भक्षकः श्रः वनमृतः। ইতি ভরতः॥ भक्षकः श्रः मूक्षकः। मञ्जीवृक्षः। ইত্যমরটীকাষা রমানাথः॥

मझ ७ गछो। ইতি कविकन्नकमः॥

(का भथ: । ङ मक्ट । इंडि पूर्गाः मामः ॥

मक्रा शृ म्वातागितिस्थः। यथा
। म्ञाया क् हित्राविख म्वः मक्रा
भः ब्रिजः। यवकातः भित्वज्ञ मबत्नात्काम्त्वन वा।। ইতি চক্রপানি
मञ्डः ॥

मकूल॰ क्ली लिनाष्ठ्र। ইতি लबः त्रज्ञावनी॥

महानाः भू॰ थिति। यथा। महाने विन वर्गन्य। ह किन वर्गन्य। ह किन कही थेने । इंडिल्न वर्ग जिका छल्मयः ॥ मथ हे मर्गा। इंडिज कि किन कुक्तः ॥ हे महाहा है हिंदि कि कि किन कुक्तः ॥ मथ मर्गा। है जिका छल्मा है जिल्ला छल्ला है । ।

নথান ক্লী থান্যবীজভেদঃ। নাথানা ইতি ভাষা। তৎপর্য্যায়ঃ। পদ্ম-বীজাভি ২ পানীযকল ৩। মথান পদ্মবীজস্য গুণৈ স্তল্য বিনিদ্ধি

(ण्ट। ইতি ভাবপুকাশ: ॥

गथानुक्षम् भूः भिवः। मथन् एकः

यक्षमः अनुक्ष्य भवः। ইতি (हम
हन्दुः॥

मण हे मर्भाग हें कि किविक्सक्यः ॥
हे मक्राउ। हें जि पूर्णामामः ॥
मणधः भू कीकद्रेष्मः। अध्याविहाताथ्यापमाम् पिक्रण्डाणः ॥
जिष्मास् भू जृत्ति। हे जिष्मस्यक्रीविद्यापाय भू जृत्ति। हे जिष्मस्यक्रीविद्यापाय भू जृत्ति। हे जिष्मस्यक्रीविद्यापाय स्वित्र ।।
मणधा स्वी भिन्नली। हे जित्र प्रमाला।।
मणध्यतः भू क्रतामक्रतां कः। हे जि
व्याप्त स्वा स्वित्र प्रमालभ्यावक्र
मणधा स्वा स्वी भिन्नली। हे जित्र क्राक्र

নির্ঘটঃ । মগধদেশজাতে ত্রি ।।
মগ্রঃ ত্রি স্নাতঃ । জলান্তঃপুনিষ্ঠঃ ।
ডোবা ইতি ভাষা । মন্ত্রগাতোঃ
কর্ত্রিক পুত্যবেন নিম্নন্ধঃ ।।

मय इ ७ किउताघार्थायाः। इडि किविस्तृक्रमः।। किउति मिरु किउति किया व्यक्तकोपनारिः। इ मङ्गार्क उ मङ्गार्ड व्यक्तिः किउतः। व्यद्यार्था गठि निम्हात्र इ क्ताः। किउत् क्ष-त्र्या (त्रवाग्रमिर्ड क्विट । इडि पूर्णाह्ममः ।।

নষ<sup>্</sup>ই ভূপ। ইতি কবিকল্পজনঃ।। ই মন্ত্ৰ্যাইতি দুৰ্গাদাসঃ॥ ्म्यः श्रुः घी शिवामयः। ইতি मिनि।

।। प्रणिटिष्णयः। म जू मग्नामक

(प्रहानाः ज्ञानः॥ भूष्ठविष्णयः हो।

हे जिल्दा ज्ञावनी।।

बहाय ी खी दे मुनी। इंडि मूक्तांवा

ল্ঘন্ পু ইন্দু:। ইত্যমর:॥ জিনা-না দ্বাদশ চক্রবর্ত্যন্ত্রগত চক্রবর্ত্তি বিশেষ:। ইতি হেনচন্দু:॥

গ্রম্বান্ পু॰ ইন্দু:। ইত্যমরটীকাবা॰ জন্মনাথঃ ব্যাকরণ্থ ॥

্ব। 🖄 ঔষধবিশেষঃ। ইতিধরণিঃ া ক্ষিনাদিসপ্তবিংশতি নক্ষত্রা-🗝 🤋 🕶 🗷 নক্ষত্রণ। তন্তু লাঙ্গলা-ভূতি পঞ্চারাত্মক । গৃহাকৃতি াত কেচি**ং। অস্যাধিধাত্দেবতা** ুগড়ুগণঃ। যথা । লাঙ্গলাকৃতিনি শঞ্জালকে চাৰকেশি পিতৃভে ंभारता १८७। नी व नी तक विनिन्ति লোচাৰ বৃশ্চিকাদ্বিগলিত কলা পজ । ১। ৪০। ইতি কালিদাস ক্ত বা বৈলগ্ন নিৰ্পণ•॥ তত্ৰ জাত 🐵 ্ 🗆 ঠারচিত্তঃ পিতৃ মাতৃ ভ 🌝 🐁 🖓 अं ভाव रहेन्वस्तिविह्यः। (ह-জ্ঞান্ত ভাৰত বস্তু নহানহাঃ স্যান্ত তঃ সদার তি বিনাশদক্ষা।৷ ইতিকো-্ৰিপ্ৰা। মহা শব্দে বহুবচনা

खा १ शि मृण्डा यथा। क्कश्क व्यामणाः नचा चिन्तुः करत त्र विः। यमाञ्मा गकहा या णुष्क शूरेग्र त्र वोः भारत्य। जिन्ना न्याम् क्ष शूरेग्र त्र वोः म्या जिन्ना न्या । शिञ्ज क्ष न्या म्या न्या निष्ठ विश्वाम महेका मुस्या म्या मृ ह ।। हे जि विश्वाम यथा । मद्यायाः शिखमानन (का हि शूर्या विन्ना जि । हे जि मनः मामञ्जुः ॥

मधावरयामभी जी मधानकवय्कः ভादुक्षवरगामनी।यथा। (भुोक्षभः मृष्क् • क्षव्यामण्डा नघायूका-याः अनिविक्ष यट् किकिष्मुत्वारा भा क्षमावनाउकः। नशामि विधिवारकार ষু নক্ষত্র বিশিপ্ত শুতে:। ততক (कवन वर्यापनी (कवन मधा मा-कार्थवामा जानि कुछ विभिष्ठे वि-ধিপাপ্ত কর্মণো নিত্যত্ব বোধকা ন তু কেবল বিধ্যন্তর কল্পকা গৌর-वाट । उथा ह मङ्गः । (भ्रोक्षमम्। মতীতাযা মঘা যুক্তা ভ্ৰযোদশী । পাপ্য শাদ্ধ হি কর্ব্য নধুনা-भागरमन ह ॥ मनुः । यट्किक्षिन्-धुना निभुः भुनन्तां बु वर्यानभीः। তদপ্যক্ষ নেবস্যাদ্বাসূচ ম্বা সু চ।। বিফ্রমেণিভরে। প্রৌধপদ্য

भञीजाधाः जथा कृष्ण बर्यामणी। এতা । शुक्ष का नान् रेव निज्ञानाः হ পুরাপতিঃ॥ **শাতাতপঃ। পিত** तः म्यराष्ट्राम मक्षेकाम् मधाम् ह। ज-সাদদ্যাৎ সদোদ্মকো বিদ্বৎসূ বা শাণেযু চ।। অতান মাত্র শুতেঃ মনু বচনে যৎকিঞ্চিৎ শুতেক শহ্বোক্ত পায়স: ফলাতিশ্যার্থ: গুণ বিশে (य क्व विश्नयः म्रामि जि न्रायार। ব্যক্ত বিকুধর্যোত্তরে। মঘা যুক্তা চ তত্রাপি শস্তা ব্লাজ স্রযোদশী। ত वाक्य जिंद मुक्त भर्ना भाष সেন চ।। তত্র অপ্যুক্ কৃষ্ণপক্ষে। অত্র যৎ শাৃদ্ধ তন্মধ্যোগেন পায়-স যোগেন বা অক্ষয়• ভবে**ং। অ**ত **এव नन्**वहरन यट्किक्षित्रधूना नि<u>श</u>् মিত্যনেন মধুমাত্র যুক্তব্ব মুক্ত•। অ-তোংত সূতরা॰ শ্দুস্যাধিকারঃ।ৠ। অত্র গজ্যায়া যোগে ফলাতিশয:। তথা কৃত্যচিম্তামণৌ মৃতি: । কৃষ্ **श**क्क खरगारमा । भया श्विन्द्रः करत রবি:। যদা তদা গজছাযা শাহ্দে পু-ণ্যৈ রবাপ্যতে ॥ করে হস্তা নক্ষত্রে। কন্যা দশমাংশোপরি সপাদত্রযো वि॰मा॰म इंडि यावट् ॥#॥ व्यविज्ञ-ক্তানানপ্যত্ৰ পৃথক্ শান্ধ মাবশ্যক । यथा भाषि विज्ञामानी माजिः। विज

का व्यविञ्जावा अगूर्ः भाषा गरेन বিক•।মহাসুচ ততো ২ন্যত্ৰ নাধি: कातः भृषिना ॥ व्यतिकि भु-**उ**राष्ट्रिकरकाष्ट्रिष्टै । अन्रव कृषः পकारि नाविकातः न निज्यादि-কার:।। সপি গুকিরণাস্তানি যানি भाषागिरवाफम। श्यहरेनव जुजाः अयुर्: भृषग् मृत्रा अभि कृति मि-ত্যত্রাপিনা সমুদ্রিতস্যাপ্থগ্ দু-ব্যস্য পুশ্ন: সপিগুকিরণান্তানী-তি বিশেষণাত্তদুত্তর শান্ধানা প্-थक्व्मि পূভीयत् ॥ 🗱 ॥ मधा बर्यादनी निभिन्नक मास्त्र भूधः বতা পিণ্ডা ন দেযাঃ। ভৌক্সৰী তিথি गामान्य यावहन्तु। कं मक्स-। তত্রাপি নহতীপুজা কর্ত্রন্যা পি-**ज् रेन्दरज।। यह्य भिछ भुनान उ** জ্যেষপুত্ৰী বিবৰ্জযেদিতি দেবী-भूतागार । ভोजकी भक्ष्मी । ह-न्मुकं मक्स्मा श्मावाम्य। शिक्-रेन्द्राज्ञ अक्ष्म भघाया । भाजाज-পঃ। পিওনির্বাপরহিত যতু শা-क्ष विधीया । यथा वाहन लाला। হত্র বিকিব্নস্ত ন'লুগ্যতে । **অক্ষ**য্য पिक्त विक्ति । स्वाप्त कि स्वाप् । ইতি তিথ্যাদিতত্ত্ব ॥ ম্ঘাভব: পু॰ শুক্রগুহ:।ইভিছেম

চল্:।। ম্ঘানক্ষরকাতে তা ।। খুলাভ: পু শ্রাচার্য্য:। ইতি ত্রি-কাশেশ্য:।:

व्यो क्वी शानार उतः। इंडिसिनिशा इत्यानी द्यी हेन्तानी। इंडिस्करवाय वास्तानाः॥

মকুরঃ প্• মুসর**ঃ। ইত্যমরটীকাযা•** ভরতঃ।।

ন্তু । বি স্থানকর্তা। ইতি মস্ত্রপাতোঃ কর্ত্তি তৃন্ পুত্যথেন নিষ্কন ।। মইং পুরু নৌকাশির:। ইতি হেম-চন্দুঃ !!

কিন্তাদিন কুলা তদ্বতি বি। ইত্যাদিন কুলা । তদ্বতি বি। ইত্যাদিন কুলা । তদ্বতি বি। ইত্যালয় । ভাবুক ২ ভালত কলা । তদ্বতি কলা কুলা । তদ্বতি কলা । ইতি কলি । ইতি

भूञ्च मृहाक्क उरा न ७ ।। १व शाला न्तुः जूत्रगः ज्ञनम् शिः मूवर्गकः। शर्गक পরিপত্বানি ফলানি বিবিধানি চ।। পতিপুএবতী নারী পুদীপ মণি म्खम । मूका भुम्नमानाक म-(म्रामा॰मक्ष हन्तन ।। पर्नेटमंजानि वख्निमक्लानि भूत्रा मूत्। मृगा-व नक्व हाम भव वास भूजा-वरः ॥ त्राबरः मः भग्तकः थक्षनकः শুক পাক। পারাবত শন্ত্রচিল্ল। চক্রবাকঞ্চ মঙ্গল । কৃষ্ণসারঞ্চ সুর-ভী॰ চমরী॰ খেতচামর॰॥ ধেনু॰বৎ-স পুযুক্তাঞ্চ পতাকাণ দক্ষিণে শুভাণ । नानाश्कात वान् अक मृगाव नव-ल ध्नि ।। इतिभद्दम् मक्री उ घ-की मञ्जूदनि उथा । मृक्ष्मी मुद्धा **म** ज-গাম হর্ষেণ তাত মন্দির ।। ইতি বুন্দবৈবৰ্ত্তে গণপতিখণ্ডে কাৰ্ত্তিকা-भनन• नाम ४७ व्यव्यायः ॥ **#**॥ व्य-शि छ। एएम वर्जान्यक मक्लाई॰ म् **अपूर** । वाङ्गा कलशुर व्या भुता मक्न मूठकः ॥ वारम भवः निवाः भूर्वे स्तुः नवन त्मव ह। পতि পুএবতী• সাধী• দিব্যাভরণ ভূবি-जा ।। **ज्**ङ्गनू इक माना क थाना क थक्षनः भूछः। एकिए। कुलप्रशिक विनुषः व्यज् गङ ॥ वट्म नुयुकाः

থেনুঞ খেতাখ রাজহ সক। বে শ্যাঞ্ পুস্লমালাঞ্ পতাকা দ্ধি পাযস।। মণি সুবর্ণ রজত মুক্তা मानिका भीश्रिकः। मरनामाः मः हः न्तनक माधीक च् ज मुखम ।। क्कमा त्र° कवा॰ वाजान् त्रिकामः मर्भग ख्या। বিচিত্রিত বিশালঞ্চ সুদীপ্তা পুতি भा खथा।। क्रम॰ ममर्भ (मय॰ ७॰ शक्ष বক্তু॰ ত্রিলোচন•। শুদ্ধ স্থটিক সঙ্কা-मः नागत्राकि विदाकिरः ॥ मुक्तार পল পদাবন শায় চিল্লঞ্ কোরক।। মার্জারণ পর্বত মেঘণ মুম্র শুক সা-রসং।৷ শহুকোকিল বাদ্যানাং ধনিং भृभाव मक्ल । विविधः क्षमकी ত হরিশব জ্বধ্বনি ।। এব ভূত भुज· मृक्षे। भुज्ञा भुङ्के मानमः। भुवि-বেশ হরি শৃত্বা পুণ্য বৃন্দাবন বন ॥ ইতি বুদ্ধবৈবর্ত্তে ত্রীকৃষ্ণজন্মখণ্ডে १० अध्यायः॥ 🛊 ॥ अन्। इ। लाक-श्चिन् सङ्गलान प्रही दु। ऋत्। तो र्र्ः তাশনঃ। হিরণ্য সর্পি রাদিভ্য তাপো রাজা তথাষ্ট্রমঃ।। এতানি শতত॰ পশ্যেমমসে দুর্ঘরতঃ। পুদক্ষিণন্ত হ্বি তি তথাচাযু ৰ হী-या । पूर्वा मिश्र मिर्श द्रापान क्या (धनु नव ना न्व छ न्यर्ग । म्मा भय अखिक मक्कानि लाजा मधुवा

ন্ধণ কন্যকা শ্চা। খেতানি পুত্লাণি তথা শমীঞ্ছতাশন চননে মর্ক-বিয়া অখথ বৃক্ষঞ্জ সমালভেড ততক্ষ বৰ্ষ্যাদ্ধি জ্বজাতি ধৰ্মাণ।ইতি মৎস্যুক্ত মহাতত্ত্বে ৪০ পটলঃ ॥ # ॥ वर्गाखाम मक्ष भूमाखाम। यथा। द्राञ्चगान् अन्नवः श्रह् कव वक्रु मनामयः। विनाऽः (कमः नमाः गम् मुमाद्माग्र (मव जू ॥ इंडि কৌমে উপরিভাগে ১১ অধ্যায়:॥ भक्तः शुः गुरुविष्णयः। তি পিঠা यः। ज्ञातकः २ (ভोगः ० ऋ कः ८ वकः ৫ महीमुजः ५ वर्षा हिं: १ ला-হিতাকঃ ৮ থোলুথঃ ১ ঝণান্তকঃ > । इंडि भक्तज्ञावनी ॥ आतः >> क्त्रम्क् >२ जावत्नयः >०। ইতি জ্যোতিষতত্ত্ব ৷৷ স চ রক্ত-গৌর নিশ্তি বর্ণ: 1 দক্ষিণদিক্ পুৰুষ ক্ষত্ৰিয়জাতি সামবেদ ত মোগুণ তিক্তরস মেষরাশি পুবা-वाविखिरिमानामधिशविः। स्वर বাহন:। চতুরঙ্গুলপুমাণ:। আর-ক্ত মাল্যবসনঃ। ভরদ্বাজমুনি স-ন্তান; । চতু ভুজি:। শক্তি বরাভব गरावाती। मूर्गान्मियः। यम्। ধিদেবতা কার্ত্তিকেয়ঃ। পুত্যধিদে: বতা পৃথিবী। সতু পিত্ত পুক্ডিঃ।

वृया। क्वः। वनहात्री। मध्राङ्काल -পুৰল:। গৈরিকাদিধাত্যামী। চা ভরদানা প্ত:। চতুষোণাক্তি:। जुनर्गत्रात्रातीयाः सामी । जुनिउ ज् शिष्ठावी। किश्वित्रक्षीनः । कर्रेत्रन-প্রিगः। তামুধর্ণ রক্তদুব্যমানী চ। ইতি গুছ্যাগতত্ত্ব লঘুজাতকাদ্যঃ ११ 🕸 । जाजा १ मिल वंशा । उरममु বীভাৎ পৃথ্যান্ত ন**ক্ল: সমজা**যত। বসুন্ধরাখা বলবান্ তত্মে ব্যাখ্যাতু अश्री। त्मों कि बवाह। छिश्ममु बन প মালোক্য কানার্ভাচ বসুরর।। বিষয়ে জুলাৱী বে**শ নক্ষতাপৌচযৌ**-বনা ৷ শ্বিভা তস্য তল্পেচ সহসা गमक्ति जा। जुब्रम्याः साल जी सा ाः महो उरेम दहानना ॥ উপেन्द्र স্তন্মন।জ্ঞারা কামী মন্মপ্র পীডিতঃ । নালা পুকার শৃস্থার চকার চ ত্যা गर्।। उपक् अक्रगामका गृहीं भा-ল সতী তদ।। মৃতেব নিদ্রিতা বাং को वी मंशक्षात इति क्छा। विश्व छव वर्भ जगाम शूक्रशाखमः। ंबंसी পणि गष्डी (वृष्यामान जा मत्न ॥ मा ह शर्मह तृह्यस् कथ्याः ॥ माम ज्रुक जा॰। वीर्यो महत्रन क िय • अक्षा का क पूर्वना ॥ भूवान স্থানৰে **ত**্ৰ বিভিন্যা**স** চকার সা

। (उन श्वालवर्गि स्नातः नन्डा-যত।। তেজসা সূর্ব্য সদৃশো নারাযণ मूं जा महान्। इंडि वुक्तरैववर्खभूदा-ণ ॥ 🛊 ॥ অপিচ। ততো হঙ্কারক লোকো হি বসত্যত্ৰ মহীসুত: ৷ উৎ-পত্তিঞ্চাস্য বক্ষ্যানি যথায় ভুসুতো **২**ভব< ।। পুরা হি ভুনতো বিঞ্চোঃ স্বেদবিন্দু: পপাত হ। নহা• স্ততঃ स्माता श्जो (नाहिजाव्या महीज नाटा। जा जः त्रुरह्म स्मिन्। दिर्जिजः পৃথিবীপতে। তপসারাব্য বৃন্ধাণ পুহত্ব মুপসেদিবান্।। ইতি পাদ্মে त्रर्भथए७ ১১ जन्यायः ॥ 🗱 ॥ जनतः ঞ্চ। পুরা দক্ষ বিনাশায স্পতিস্য ত্রিশ্লিন:। অপতন্তীম বক্তুস্য স্বে-দবিন্দু র্ললাটজ:॥ভিত্তা সমস্ত পা-তালানদহৎ সপ্ত সাগ্রান্। অনে-कवकु नयमा जुनब्बुनन शिष्गः ॥ वीत जरू इंडि थ्या जः कत्रभामायूरिक যু তিঃ। কৃষা স যজ্ঞ মথন পুন ভু ত-ल मसुरः ॥ बिक्रगनिर्प्यट्नु यः भिः বেন বিনিবারিতঃ। কৃত॰ ত্বনা বীর-**जुन् मक्ष्यञ्ज विनामन ॥ इमानी** মল মেতেন লোক দাছেন কৰ্মণা 1: भाखि श्रुमाना**८ मर्त्ववाः गुरुा**नाः পুথনো ভব।। প্রেক্ষিব্যন্তি জনাঃ পূ-बा॰ कत्रियुष्टि मठ॰ मम। व्यव्धातक

ইতি খ্যাতি গনিষ্যতি ধ্রাত্মজ॥ **म्बर्गाक विजीयक उर क्र अ॰** ज-বিষ্যতি ৷ যে চ ত্বা॰ পুন্নযিষ্যন্তি চ जूर्था । दिष्टान नदाः ॥ क्ष मादा ग्र रेन भर्याः (जञ्चनन्डः ভবিষ্যতি। এব যুক্ত স্তদা শান্তি মগমৎকামৰ প ধৃক্ ৷৷ স•জাত স্তৎক্ষণাদাজন্ গু-ह्य मगम् भूनः। इंडि म् मार्भु রাণে অস্বারক বৃত্ত নান ৬৮ অধ্যা-यः ॥ 🗱 ॥ कन्न(ज्ञार अन्नकामुत्रवर्थः কালে তস্যোৎপত্তি র্যথা। যো ভূ म्याः नामञ्चित्र समिवन्तः गिवाः ননাৎ। তমাদস্বার পূঞ্জাভো বাল-কঃ সম জায়ত ৷৷ স বাল স্থাতে৷ হত্যর্থণ পপৌ কধির মান্ধক। ক ন্যাচোৎস্বেদ সংজাতা সাস্থিলিলিং (२ ९ खुउ। ॥ उउ छ। मार वालार्क পুভা ভৈরব মৃর্তিমান্। শঙ্করো ব রদো লোক শুেষার্থায় বচে। সহৎ।। ত্বা প্রবিষ্যন্তি সূরা ঋষয়: পিতর खथा। यक विम्याध्वारेक्टव मानवाः শ্চ শৃভক্রি॥ ত্বা॰ স্থোষ্যন্তি সদা (मिव विन शृश्या करेतः करेतः। চর্চিকেতি শুভ নান যমাজধির চ দ্বিতা।। ইত্যেব মূক্তা বরদেন চর্চ্নি। ভূতানুযাত৷ হরিচর্মবাদিনী , মহী•়া भगराधिकात म्नत्री खन गठा

रिक्न मार्। मूखमः ॥ उन्।। गठा-या॰ वत्रमः अजग्र शामान्तरः मर्च व রোভন যতঃ। গুহাধিপত্য জগতঃ শু ভাশুভ• ভবিষ্যতি বৃদ্দাগ• মহা-আন্।। ইতি বামনপুরাণে ৬৭ অধ্যা-यः॥ 🗱 ॥ जामा (छ। वः यथा। ध्रती गर्द्ध मः ভূতः विद्रुष्ट भुक्ष ममभुजः। श्रमात गिक रुखक (लाहिजाञ्च ননাম্যহ• ॥ ইতি ব্যাসোক্ত নব্গুছ স্তোত্রান্তর্গত ।। #।। খাণপরিশোধ-नार्थ (छाज यथा। नक्ष्ता कृतिनु-ত্রু খণহন্তা ধনপুদঃ। স্থিরাসনে। गराकायः गर्वकर्णाविद्याथकः॥द्या-হিতো লোহিতাক্ষ সান্গানা কৃপাকর:। ধ্রাত্মন্ত: স্কো ভৌমো ভূমিজো ভূমিনন্দনঃ ॥ অঙ্কারকো যমকৈব সর্বরোগাপহারকঃ । বৃষ্টি-কৰ্তাচ হৰ্তাচ সৰ্বকাম ফলপুদঃ॥ এতানি স্বজনামানি প্রাত ৰূত্যায यः भारते । अग न जाया उना খননাপোতি পৃষ্কল ।৷ বক্ত পুষ্ণৈ চ गरिक्ष में भी भी मिं छि खेथा। य-क्वा शृहरमुक्का भक्त १इनि नर्बम्। । अगुरत्रथाः भूकर्ववता वादी-(तन निर्वे वृश्यः। (शृक्ष्यद्वाम शारि-ৰ ঋণ তম্য বিনশ্যতি ॥ মঙ্গলায नमञ्जु नमस्य वान्स्वातिता भूव

लो अ भूमार ह मक्वाय नामा न-मः ॥ अनार्थ द्र भुभाषा म् नया-अक अ विरन्धा **। ७७९ क्वा न** १ व १ १ १ १ १ १ इत् धनी ज्या ।। हिल्ल एक्ट्रज्जान ॥ 🗱 ॥ मक्त ল । জাভসংফল যথা। উগুঃ পু-किल्पानमञ्जी वर्गानुरग 🤏 क : अशायः। **मङ्गितृठः ण्** র ণ ুণেতা **স্বরুষ্**রারে পুভবো া ইভিকোষ্ঠাপুদীপঃ।। 🎂 🎍 🗃 मङ्गन छी। यथा श्वार**ा रियमा ननिज**् ासवी मञ्चलहाँ छका। वः এ 🕝 হস্তা চ দ্বিভূজা গৌর দে 🎨 🎺 শ্রেপদ্মাসনস্থা চ রত্ত্র 🐣 💮 😁 ৷ রক্তকৌষেয় বন্ধা চ 🕛 📆 जानना 🔢 नवरयोवन म ाङ्की विविज्ञुं । उ ितः **मखः य८ शृ**र्वासुक েশ্বনস্যাস্থ তজ্জেয় ्र प्रवायर । এक मक्क ি ৰূপ•। অপ্তম্যাঞ্চ নব. ा अर्का कार्या विवृद्धाय ॥ श-जिनाया वा घार ग्रन्थका ि वे । यह श्रृज्ञत्य रिक् मृतित मृ ্ ৰাক্ষতেঃ শুভাগা সভত সা-कः मानि काम मिष्ठे गवान्नु याए ॥ । #। मक्नाति क्याहेनी हर्प्रांमिति हर् भूगाउता उपित । यथा
। मिनम्हत्रमा वारत्य वारत्याकाद्रकमा ह। क्याहेनी हर्प्रामिते भूगार भूगाउत्त म्राउ॥ #॥ मक्ना
वारत भूता हर्शी (हिमक्या उपित)
यथा। मामवारत्र भागावामा जाविज्ञात् ह मधनी। हर्र्य मात्रक वारत प्रेमी हर्म्या वार्य प्रांमिति ।
यथा प्रांमित्र हम्या। एवं प्रमात्र ।
वारत प्रेमी हर्म्या वार्य प्रभाव थर्थ क्या प्रमान भया थर्थ मक्ष्यः।
याहे वर्ष महमानि भुविक्रम उपक्रः
यः।। ইতি তিথ্যা विज्ञः

मक्त कि छी पूर्ण। यथा। नातायग जैवाह। कथिङ य कुं शिथा थान गन्न विकास कि स्वास्त कि स्वास कि स्

मूर्गा मूलभुक् ि तीयती। क्शाकः পা হতিপুত্যকা যোষিতা নিষ্টদে-বতা।। পুথমে প্রিতা সাচ শ-স্করেণ পুর: পূরা। ত্রিপুরস্য ব্ধে ঘোরে বিফুনা প্রেরিভেন চ ॥ ব্রহ্মন্ दुक्ताशामान पूर्वशृङ्ग गद्धि । আকাশাৎ পতিতে যানে দৈত্যেন পাতিতে ক্ষা।। বুন্ধবিফুপদিইশ্চ मूर्गा॰ जुड़ाव माक्तः। मा *চ नवान* চণ্ডী চ বভূব ৰূপভেদত:।। উবাচ পুরতঃ শক্তে। র্ভাণ নান্তীতি তে বি-ভো। ভগবান্ ব্যর্পশ্চ সর্বেশশ্চ বভ্বহ।। যুদ্ধ শক্তি ন্বৰপাহ• ত विष्णामि जनाळ्या। मया श्मृना ह रुद्रिना नर्शायन वृषध्क ॥ क्ष्टि रिन-**छाक भ**ज्क **मृ**जागाः भर्षाज्यः। इंजुङ्बार्स्डा प्रवी महाः मिक ৰ্বভূব সা।। বিষ্ণু দল্ভেন শক্ত্ৰেণ জঘা ন তম্মাপতিঃ । মুনীন্দু পজিতে रिगाला मार्स (नवा महस्य: !! जूरेव: ৃশঙ্করণ দেবণ ভক্তি ন্মাত্মকন্ধরা:। जिम् । निवित्र मिल्लाक भूबर्डि व . ভূব চ ।। বুকা दिच्यू চ मखः है। मरनो ल्या मुजानिष्। तुक्त विक्शितिकेन जुजां जः गहरः मृहिः॥ প्रवेगानात्र न्छाः शक्तिः (मवीः स**ङ्गा**ठ **७काः** । शाम्यार्यप्रकमन्तियक विविक्ति विवि-

रिथ त्रिशि ॥ श्रृञ्ज हन्त्व रेनरवरेम्ड ৰ্ভক্ত্যা নানা বিধৈ ম'নে । ছাগৈ ৰ্মে-বৈশ্চ মহিবৈ গ ৈও মাযাভিভি তথ: ॥ वद्यानकात्र मारेनाम्ह भागरेमः পিষ্টকৈ রপি। মধুভিশ্চ সুধাভিশ্চ शत्य नीनाविदेश करेला। अक्रीरेक नंखं रेन वारिन्। कड़ मरिवः कृष्ण कीर्ख-तिः। श्राजा मश्रनिस्तारकन श्रात-न ভক্তি পূৰ্বক ।। দদৌ দুব্যাণি মৃ-लिन मरखरेग्व ह नात्रम । उड्डी॰ औ॰ ক্লী• সৰ্ব প্জ্যে দেবি মঙ্গল চিভিকে। ङ्• ङ्• कहे बाह्हछ।तकालाऽकवि•-শাক্ষরে। মৃনু:। পূজ্য: কল্পতক্ষৈব: खळानाः मद्भागमः॥ मणाक ज-পেনৈব মন্ত্ৰ সিদ্ধি ভবেষ্ণাণ। মন্ত্ৰ সিদ্ধি ভবৈদ্মস্য স বিফু: সর্বকামদঃ ॥ थ्रानक न्या । वक्षन् (वानीकः नर्व नम्पडः। (पवीः (वाउभ ववी बाः मथ्य गृष्ट्रित योवना ।। मर्वत्र গুণাট্যাঞ্চ কোমলাঙ্গী । মনোহরা।। খেত চম্পক বৰ্ণাভা চন্দুকোটি সম भुजा ।। विह्रिणुका भका थाना । विङ् ভূষণ ভূষিতা। বিভূতী কবরী ভা-त्र मिल्लामान्ये ज्विजः ॥ तिथा-हो मूरजी मुका मथ्य भग्र नि-ভাননা । ইবজাস্য পুসন্নাস্যা 🏋 नीतारभवताहनाः॥ कगकार्वीक

शबीक महिंगुः मर्व मणानाः । ॥ শুংসার সাগরে ঘোরে পোতকপা ব্রুণ ভ্রুছে 🗄 দেব্যাশ্চ ধ্যান নিত্যে জ জ্ঞা পুৰতা মুনে। পুৰাতা শ্বন্ধাৰ প্ৰাৰ **শ্বন: ।।** . डिल्डिय किए है। त्रक त्रक बर्गमाः उन्तर अञ्चलहिएक । श्रादितक शिक्षण वर्ष सङ्ग्रहाशिक इस्ट्रें अक्ट म्हा व र्यं अक्ट वि िक्षक । भूगाल शक्त महाक ह मूं डी अक्टिक ।। मक्ट व मक्वार्ट 🐉 🔭 अल्ला मङ्ग्ला भडाः भङ्गः कः अधि अ**र्द्धगः भक्रणानरम् ॥** ঞ্জবারে চ ম**হুলাভী**ই ালা প্রান্থ স্থান্থ মক্ত্রা মক্ত্রা মনু ব'ল বাহ বিশ্বই'॥ **নঙ্গলাধিষ্ঠাতৃ দে**-भारत अन्तरमञ्जूष**ा मन्त्राद्र म-**🖫 🐃 🕾 भाक्ष भक्तनायिनि ॥ ুং 🖟 🧀 নাধারে পারে চ সর্ব-ৰ ভাৰত মঞ্লবারে চ পুজে 🗷 📉 ॥ ভোতেনানেন শ-नङ्गाठि हा । भुकि 🎎 💆 এটে - পূজা॰ কৃত্বা গতঃ শিবঃ ं इस्य हर मुक्ति (खोर्बे यः म्हा ं असारि जः। जनाकृतः ज्यादि े उत्वरमञ्ज्ञा भूषाम भू-

তীয়ে পূজিতা দেবী মহলেন গুছেণ চ ৷৷ তৃতীযে পুজিতা ভদা নকলেন न्भिग्ठ। हजूर्थ मङ्गल वाद मुन्द রীভিশ্চ পুজিতা॥ মঙ্গলে মঙ্গলা-कारिद्ध न देव मक्ल हिल्ला। भूखिः তা পুতিবিখেয়ু বিখেশ পুত্ৰিতা সদায় ততঃ সৰ্বত্ত সংপ্ত্যা সাব-ভূব সুরেখরী। দেবাদিভিশ্চ সুনি-ভি মনুভি মানবৈ মুনে।। বদ্ধতে **७८ भू**ण भोखा मक्तक दित मित्न । इंछि वुक्तरेववर्ख महाभू-রাণে পুকৃতিখণ্ডে নারায়ণ নার-मीय मक्नाविका भारतान उट স্তোত্র কথন নাম ৪১ অধ্যায়: ।। मक्वहायः भूः श्रक्षतृकः। इंडि व्राजनियंग्डेः॥ मक्वाराठेकः शृ वन्ती। इंडि एस्म हन्मः ॥ मक्लभूका जी इदिमा। इंडि क हिए॥ सङ्ग्राजित वि॥ यक्वा जी भार्तजी।। भूक्षपूर्वा।। পতিবুতা। ইতি শদর রাবলী॥ क्रब्रक्षरा । इंडि भद्रात्मुका ॥ বৃত্ত্যার্হমাত্বিশেষ:। ইতি হেন-व्युः ॥ इतिषा ॥ नीयमूर्वा । इंडि ब्राजनिघणः॥ ा भारत्न गर्वनक्षना। वि. । मक्षनाधक क्री अधक्षठ जूडेगार्ड गर्छ।

खकविष्णवः। यथा। नङ्गा मिल कागका मक्नाखंक वाहकाः। म-क्ना छक मिनिता गक्ताए। या-गवाहिका॥ ইতি तांकनियंकः॥ भक्ताः की मित्र। ইতি मिनिती॥ हम्पनः॥ मक्नाखंक॥ धर्नः॥ मिन्द्रेन। ইতি तांकनिर्यकः॥ मिक्ताः। विकासिकः॥ मिक्ताः। ইতি तांकनिर्यकः॥ मिक्ताः। ইতি तांकनिर्यकः॥ मिक्ताः। ইতি तांकनिर्यकः॥ नाधः। । ইতি ধরণিः॥

मंद्रलाः भू॰ जायमाना।। अश्वयः॥ विदः॥ मम्द्रकः। ইতি मिनि ॥ जीवकः॥ नादिक्लः॥ किलयः॥ द्रीठांकद्रक्षः। ইতি द्राक्षनिर्षः ॥ भक्षणाकः भू॰ नम्द्रः। ইতাमदः॥ भक्षणाकः भू॰ नम्द्रः। ইতাमदः॥ भक्षणाकः मुक्ता श्री । ইতি ভাবপুकाणः॥

मक्नागायया जी जीवरी। इंडि किंग्स्तः॥

भक्षा जी मिल्लिकाणस्य का ख्वा स्वा । क्या । स्वा । स्व । स्

नि ह (मुंधानिया (पवी पपछ इस्त । ভক্তाना भार्जिइति सक्का छन ना स्र्छा ॥ इंडि (पवी भूतात 88 व्यक्षांयः॥

मिनि जी मोका। इंडि एमहम्पुः॥ मङ्ग्री कङ्गाजानः। इंडि हाता-वेनी॥

মদ্রু 'ব্য জ্বত'। ইত্যনর: ॥ ভূশার্থ• । ইতি মেদিনী ॥

মন্ধুণ প্লী জন্তাত্তাণ । ইতি ত্রিকাণ্ড শৈব:।।

নচ ইউ উদ্বাধ গৃত্যদ্বা ভাঃসু। ইতি কবিকল্পজন: ।। ই মঞ্চতে । ড ন-ক্ষতে । উদ্বাধ উদ্বীভাব: । ইতি দুর্গাদাস: ।।

भह ए ह कद्भारत ।। म्हा ।। भारित । इंडि किविक्सकमः ।। क्लून भिडि क्लू॰ क्राडीडि (को क्र॰ ह्नी-क्रा भिडार्थः । ए महाउ उज्ला भिना । हकातार महि ए । इंडि पूर्णामानः ॥

महिका खी भुगलः। ইতাमदः॥ महः भु मूट्माः। ইতি मदद्राः। वनी॥

मञ्जिक् क्री श्राह्म । इंडि एश्मिष्युः॥ मञ्जिन क्री ज्ञान । इंडि क्रिंशितः ही मञ्जा इंडि मस्टिनिका॥ মঙ্জসমুদ্ধব জ্বী শ্রুক। ইতি হেম ठन्मुः ॥ मुद्धी भू॰ वृक्तारिक खनि इंजिंगः। সার ইতি খ্যাতঃ। ইত্যমর ভর-लो।। कन भक्त खर्गा यथा। यन्। यम्। कन्रामान् वीर्याः खविष यामृ শ । তদ্য তইস্যুব বীর্য্যেণ মজ্জান মভিনিদিশেশ। ইড়ি রাজবল্পভঃ ॥ अ ॥ अङ् मध्इल्न्इविष्णवः ्र 🥫 अर्थतयः। (के निकः २ णुकः ক্রঃশ অভি**সেহ: ৪ অভিসম্ভব:৫** १ केडि क्विप**्रमु: ॥ अक्टिमात: ७** তিজঃ ৰ বীজ**ে৮ অস্থিজ: ৯ জীবন**• ৯০ কেন্সার: ১১। ইতি রাজ-नियक अथ मङ्ज यक्षमाइ। অহি বং সাগ্রনাপত্ব তস্য সারো मुर्व धनः । यः स्वरवट भृथगु जः স মজেডাডিধীযতে॥ অথ মজ্জ श्वान शेष्ट । श्वाक्यू विरम्यन মদল স্বভ্যন্তরে স্থিতঃ। ইতি ভাব-भुक्ताला अम् खनाः। वन मुक अभ भूष भारता मञ्ज विवर्धनः। गङ्जा विरानंबा रङ्गाक वनक्ट एक्टरमें इंडि हेर्निकः॥ मङ्जा শব্ নাবস্তোপি। যথা। শণাভসী

। दिरे छिठि मूनुजः। हरमिवाह

ত্রিকাণ্ডে ভাগুরি:॥ সংজাবদার বমজা মাণ্সসারাছিসারযো রি-তি। ইত্যমর টাকাথা ভরত: ॥ মক্তা জ্রী অন্থিসারঃ। ইভামরটী-কাষা ভরত: ॥ অস্যান্ডণাঃ । বাত नामिष्-। यन भिड कक शुरुष-। भाभ जूने। गन्न क्ष क्ष ॥ बसी-त्रमहिष्यं मञ्जान् खेलाः । मधुत्रद्यः । ं वृ• रुगंदु• । वन् । द्वा । अब्दर्भ वृ **्खाना यथा । देन उ**रु । উकद्भ । ইতি রাজবল্পত:।।

मक्ताबः शुः ज्मिबध्युवः। इिंड व्राक्रनिर्घण्डः॥

मञ्जातमः 'शू णूकः। ই छ ताज-নির্ঘণ্ট: ॥

मङ्जानात की काठीकन । इंडि ুরাজনির্বণ্টঃ।।

मञ्जूषा जी मञ्जूषा। इंडामब्रीका-याः त्रायमुक्टः ॥

मकः शु॰ थद्दे।। ইত্যমत्रः।। कर्गवः भः । মাচা ইতি ভাষা। ইতি হারা-वनी ॥ উष्ट्रमञ्जनित्नवः। यथा। (रालायमानः (गाविनसः मक्षञ् । मधुमूपन । त्रथञ्च वामन पृष्ठ्रा भून র্জন্ম ন বিদ্যুক্তে।। ইতি পুরাণ ।। म्बक मिन् निष्कि शियांन मङ्जा मक्षकः शृ थहै। इंडि इमहम्मुः॥ रेनुरकारः । উद्दगखनः । इंভि

ত্রিকাওশেষঃ ॥

नक्षकानुयः श्रु मिट्यनः। इंडि त्राक्षः निर्यन्तः॥

मक्ष्मख्यः भू• मम्यात्रकार्थकितिः।
हे• इंडि ভाषा। उৎभर्यायः। समुकः २। इंडि हात्रावनी।।

মঞ্জর: ব্লী মুক্তা।। তিলকবৃক্ষ:।।
বল্লী। ইতি শব্যস্থাবলী।।

मञ्जूतिः जी वन्नतिः। ইত্যমরः॥ বল্লতে বৃণোতি তৰু বল্পরি:বলমি বল্লড ন্ত্তো নান্নীতি অরি:। মঞ্জু মনোজ্ঞতা রাতীতি মঞ্জরিঃ প্ र्बि । जिः भनीया निवाद्या का वान कातः भारहानानीजि नेनि मञ्जूबी बझत्री छ। बझित्र मंखित संया ति जिमापिकः॥ विल मूक्षि माज। मखिति मंखिती मिखि मंखितः वियू वलती। वल्लद्भ विष् विल्लाम वल्ल রিঃ পঞ্নালিকেতি হয়ুচন্দুঃ॥ ল-তামাত্রে হপি বল্পরিঃ। অতোবা ভ্ৰল্লবীতি পুযোগ ইতি মুব্দ টাদযঃ। वल्लती मक्षर्यंग (र्जनम् भारः। यथा অভিনৰ নিৰ্গতা আযতা সুজ্ঞ্যা-ता **मञ्जूना अञ्जूना ह मञ्ज**ितः। যথা চ্তনঞ্জরি: কদলীমঞ্জরি:। বল্লরি: পুন শ্চিরভূতাপি। যথা ভালনজ্জরি: গুরাকবল্লরি রিতি

मिछिहा

ছযমেব নবে চিরন্তনে ২ পীতি কৃষ্ণ সাঞ্জো। ইতি ভরত: ॥

মঞ্জরী জী মুক্তা। তিলক বৃক্ষঃ।। লতা। ইতি শব্দরত্বাবলী।। মৃঞ্জরিঃ । ইত্যমর টীকাষা ভরতঃ।। তুল-সী। ইতি রাজনির্ঘণ্টঃ।।

মঞ্জরীন্মু: পু॰ বেওসবৃক্ষ:। ইভি রাজনির্ঘণ্ট:।।

নঞা জী ছাগী। ইতি ত্রিকাঞাশবঃ ॥ মঞ্জরী। ইতি হেম্চন্দুঃ॥

মঞ্জিঃ পু: মঞ্জরী। ইতি ত্রিকাও-শেষঃ।!

मक्षिका क्षी (वन्ता। ইতি हातादनी मिक्षकना की करनी। ইতি विकाल-(नवः॥

मिक्षिश जी सनामशाजतकवर्गनाजा विष्मयः। मजीठे ইতি हिन्सी जाया । एट भर्यायः। विक्रमां २ किकी ० नमका ८ कानस्मिकाद मञ्कूकभा भी ७ ज्ञिती १ ज्ञिका ४ खाळावा ज्ञी ३। ইত্যमतः॥ कानस्मिती २० काना ३२ किकिः २२ ज्ञिती २० ज्ञिका १८ ज्ञिती २० ज्ञिका १८ ज्ञिती १७ तका २० रगोती १४ स्वाकाविका १२ व्या २ (ताहिनी २२ ज्ञिनजा २२ ज्ञिता २० ज्ञिकी २८ ज्ञानी २८ विज्ञा २० ज्ञिकी २८ ज्ञानी २८ विज्ञा

२५ मस्त्र्या २१ ब्रङ्गिष्ठिका २৮ ত্রিণী ২৯ রাগাঢ়্যত কাল ছাণ্ডি-কা ৩১ অৰুণা ৩২ জুরহজ্রী ৩৩ ছত্রা ৩৪ নাগন্ধনারিকা ৩৫ ভণ্ডীর সভি-কা ০৬ রাগান্সী ১৭ বস্ত্র ভূষণা ০৮। व्यायद्र•। व्यापात खनाः। मधुद्र **উक्षत्र•। चेरुद्र•। तु•ा** ः जुत्रद्रम् विय निवास नामिएक। या ठवू र्विषा। (हा 🕒 लगईनी २(कोडी १ निः हली ह ता निवासनिर्धाः ॥ क्षंत्र ब्रह्म : नाध्य नाहि हुन। वर्गा-্রি চারিত্বঞ্চ। ইতি রাজবল্লভঃ॥ অপিচ। মঞ্জিষ্ঠা মধুরা তিক্তা ক-बागा इन वर्ग क्टा एकका विष শেশন্ত্ৰী শোথ যোন্যক্ষি কৰ্ণকৃত্। इका जीमात अक्षात्रा विमर्भ द्रुप নেহ নং।। ইতি ভাবপুকাশঃ॥ मक्षी जी मङ्ग्री। इंडि एस्परनः ত্রিকাও শ্বশ্ব ॥ महीषि श्रे भी मृश्वः। इंडामवः॥ मक्षीरता रखी ज न्सृतः । इंडि इन मः

पक्षीतः भ्रष्ट नहानर खत्र ब्ह्हा व कार्या खाँ । उट् भर्या यः । विश्व द्वाः २ स्टेंब ्या हिन्द हो हिन्द स्वार । विश्व द्वाः ।

जि मानाकः। इंजानतः॥
भी भूः धीक्षः। इंजि हनाः |

যুধ:।। সুন্দরকেশ বিশিষ্টে ত্রি।। নঞ্গননা জী হ সী। ইতি রাজ-निर्घण्डः ॥ जुन्दत्रगानिनि वि ॥ मञ्जू धायः भु भू ई जिन छिनः। ই उ ত্রিকাণ্ডশেষ: ৷৷ উপাস্যদেবতা-विष्णयः। अन्। मञ्जामि यथा। জাড্যোব তিমিরধৃ•সী স•সারাণ্ব তারক:। শ্রীমঞ্জঘোষো জযতা। माधकानाः मूथावहः॥ उजागमाः ख्र । गाक्कामि नमुष्ठ विङ् वीजः अमूकादा । वामाः मः क्र्य স•জ্ঞঞ্চ ততো মেবেশ মুদ্ধরে ।। भीतमध्य उउः क्यां वामताव-ন্দু সংযুত । বডক্ষরো মনুঃ প্রোক্তো नञ्जू (वायम्। भासुना।। इयस मी भ-नी (পांक। न्यमञ्जन कथारा । অঙ্কুশ শক্তিবীজঞ্চ রমাবীজ ত তঃ পুিষে ॥ বীজত্রবাত্মকো মস্তো জাড্যোব ধ্বান্ত নাশনঃ। শক্তিবীক। त्रभावीकः कानवीकः তथा भिरय।। विम्रा गु.जिथती (शुक्ता এया वर्ग ত্রযান্থিকা। হকারো বহিনাকটো বামনেত্রেন্দু ভূষিতঃ ॥ প্রোক্তা সা-র্বজ্ঞ বিদ্যেশ একবর্ণাজ্মিকা প্রিষে সিদ্ধঃ সাধ্যঃ স্সিদ্ধো বা সাধ্ক-স্য রিপুশ্চ বা॥ তদা নজ্ঞো ভবে-ভক্তা শুভদো বুদ্ধিদো ভবেং।

मञ्जूरमा

মধ্যাহে সলিলে চৈব ভোজনে ভা-क्तत उथा ॥ गामाय ज् वहिर्फाण तिथुत दम्भी ऋह । भारि ह नि শি গোমুণ্ডে যত্রণ ডমুক সন্নিভণ।। विविध्य मञ्जवर्गाः क विन छिष्त्र व्यक्ष खथा। विश्वहन्तन (वर्थन्रा পুरङ्गाट माधाकाखनः ॥ উद्दारित লিখেমজ গোচর্মণি বিশেষতঃ। जिल्ला विजयी निज्यः (जाकान ह নহেশবঃ।। গোন্যে বাবদূক: न्।-দ্যোষ্ঠে সৰ্বজ্ঞতা• বুজেৎ। সচে শু.তি ধরে। নিভ্যুণ গোমুণ্ডে চ মহাকবিঃ॥ গোমূত্রণ বদরী মূলণ চন্দ্রণ পাণশ্ মেব চ। একীকৃত্যাষ্ট্রপা জপ্ত্বা তিলক• ধার্যেৎ সদা।। নমস্ত্ত্যবর প্রুপ্ত । পুাথযেন্ডক্তি তৎপরঃ। বর॰ প্রাপ্য **চ ज्यारिव दिश्दा**ज् यथा मूथ ॥ नान। (हवाईन मान भुगत्वाहात्वा ন তু। বস্ত্রাঞ্লেন দন্তানা শোধন नवर्णन वा ॥ त्राजिवारमा न मूर्व्ह उ न मुहिः महा८ कराहन। वदः कृत्रा भुयाद्भन उडादा एक मूथाए मृशीः॥ भारिमत्कन कवीन्तुः महाद विभारम নৈব ঈশ্বরঃ। ত্রিভি র্মাসৈ ভবেমর্ত্যঃ नर्बमाञ्च विभान्नमः॥ भूषायी न छ তে পুঞ ধনাথী বিপূল ধন ৷ আ যু রারোগ্য কামস্ত সর্বান্ কানান 🍴

বাপুষাৎ।। ততঃ করাঙ্গন্যাসৌ। ক্ষা শা অৰু গ্ৰভ্যা নম: ৷ইত্যাদি এব॰ হৃদযাদিষু। তথা চ তক্ষে। স ম্বৰ্ত্তকো বকেশশ্চ দ্বৌ বণৌ কথিতৌ পূিষে । ৰড়বীৰ্ঘভাগ্ন্যা মেতাভ্যা• यप्रशानि जमाहरत्या जम्बर्डः कका-तः वरकणः भकातः॥#॥ध्यान•। माम-ধর মিব শুভুপ্রত্ন পুস্তাক্ষ পাণি সু-ক্চির মতিশান্ত পঞ্চুড জ্মারণ । পৃথুতর বরমুখ্য পদ্মপত্রায়তা-कः अन्न प्रिन म्या मध्युर्थायः न-मामि ॥ भीठे भूजाः उठः सर्यामाथा রাদ্যাদি শক্তিতঃ । ভূত প্রেতাদি-ভি: স্ব্যাৎপীঠাসন মনন্তর•॥ জ্ঞা নদাত্তে নমঃ পাদ্য বুদ্ধিকর্ত্তে তথা-हमः। जाउ। नानाय शक्तः नामर्घाः म्याष्यक्रभाग वि ॥ मर्वनिष्किश्रमा-यि श्रिष्ठ भूष्त्र मिन्राबिष्ठक्षाः। सन्त-পৃত্ন• সনাদায ভৈরবান পুরুষেত্ততঃ ।। অসিতাঙ্গো ৰুক শণ্ডঃ ক্যোস;উ-মত্ত সংজ্ঞকঃ। কপালী ভীষণশৈহৰ স-হার শ্চাপ্টন: স্তঃ।। ততো ধূপা-**किक पद्धा शुज्जानि विजर्जाय** । रेजः भूक्षिः भ्रायमध्ये यक्षिशेन्व विष्णयेजः॥ जुतानि जुनस्त्री देवव म-নোহারিণ্যনম্বর•।কনকাবতী তথা কানেশ্বরী চ রতিকর্য্যথ।। পদ্মনী मक्षु न

अनुत्रागिना नस्त । भू ।
का अवस्था गिता इस्तथा वी ।
क भू विकाः ॥ अवः अःभू का एत्यः ।
क भू विकाः ॥ अवः अःभू का एत्यः ।
क भू विकाः विद्युकः करमञ्जूषः । घृठाकः अन्तर्भू हिन् अकामम मठानि ह ॥
कु व्याप्ति विद्युक्त विकास ।
कु व्याप्ति । अवः कि व्याप्ती भः
क्रियागी भरत ज्यादः ॥ के उठ ज्यादः ॥ भू । वास्त्र ने कि विकास ।

মৃত্ত্বপ্রতিকঃ পু শালা ইতি शाक्तिवंग्डेश: शुक्तद्रशाठेकरः े**वि॥** য়ঞ্পাণঃ খু বুক্ষ। ইতিজটাধরঃ॥ খ্ল্ল জড়; 🗼 জিনবিশেষঃ। তৎ-भयातः। अस् बैः २ क्कानमर्भाः० श्रद्धायः ६ जनातः (व्यक्टात्रहक 💵 ৬ ি রচক্র: ৭ বজুধর: ৮ পু-अवस्थित ने वाहित्राष्ट्रे > **नीत्ना**८-পলী 🦐 নহারাজঃ ১২ নীলঃ ১৩ ्रान्हित्वनः ३८ वियाम्मिजिः २० **श्विद्धिक**े थशी २१ मधी २५ वि ভূষা 🧓 বালবুতঃ ২০ পঞ্চীরঃ २३ 🗀 १५६ जि: २२ मिथाधदः २० ব্য নি শব্রঃ ২৪। ইতি ত্রি<u>কা</u> ওংশবঃ।। अ की जनाकन ।। निक्छ। इकि विभिन्नी ॥ भवनः। ইতি विभः 🖔 🤼 भू॰ जनत्रक्रभक्की। ইতি 🛚

মেদিনী।। সুন্দরে তি । ইত্যমর: ।।
নপ্ত প্রী: প্ মপ্ত হোষ:। ইতি তিকাণ্ডশেষ: ।।

মঞ্বা স্ত্রী মঞ্যা।পেট্রাইতি
ভাষা। যথা। মঞ্যাপি চ মঞ্যা
পেটা চ পেটিকেত্যপি। ইতি শদরত্বাবলী।।

মঞ্যা জী পিটক:। ইত্যমর:॥ পাষাণ:। ইত্যোদিকোয:॥ ন-জিধা। ইতি রাজনির্ঘণ্ট:॥

महे नारि। ইতি কবিকল্পদম: ॥

रोजधाजूतयः ॥ जम् भुर्यागः ।

महेरः। ইতি দুর্गাদাসः ॥

महेरो जी भाषानवृष्टेयः ॥ तक्तवर्ग

कृ पुश्की विष्णयः। ইতিগোবिन्तः ভाষ্যপৃত ছান্দোগ্যः।।

महेक्कांटिः भू• मर्भावसः। ইতি कहाथतः॥

মউক লী গৃহস্য শিরোভাগ: । মট্কা ইতি ভাষা। ইতি কেচিৎ।।
মঠ বাসমর্দ্ধো: । ইতি কবিকল্লফ্রম: ।। মঠতি। বাসো নিবাস: ।
মর্দ্ধ: কৈশ্চিম্মন্যতে। ইতি দুর্গাদাস: ।।

मठे इ जाशात। ই कि कि कि कि क्ष कनः ॥ इ मध्या जानानः मृत उट्यक इंडाब न्यायां । इंड

्रमूर्मामाभः ॥ गटेः भू हाजामिनिनयः। इउप्रदः॥ मठेखि वमिष ছाञामरया २० मठेः। मर्र वाम नप्तरयाः जन्। इब मीजा বিদ্যার্থিন শ্বাত্রাঃ। ছত্রেণ **গুক্সে**বা লক্ষ্যতে গুৰুদোষ্যাদনাৎ ছ্ত্ৰ• ভচ্চীলত্বাৎ ছাত্র: বিকার **সংযেতি** ষ্ণঃ। আদিনা পরিবাজক ক্ষপণকা-मीनाः गुरुः । छाजाभीनाः निल्रा गृहः ছाजामिनिनयः। वर्थं कथन (मञ्र । नामा(भ) उति । एकिर । ছাত্রশালা পুতিশুবশ্চাত্রৈর। ইতি ভরতঃ।৷ গদ্রীরথঃ ৷ ইতি হারাবলী ॥ 🗱 ॥ ज्ञथ मठाहि भु ठि हा भुरवा गः । যদি তদিনে পুভিমাদি পুভিষ্ঠা ক্রি-যতে তদা তল্পেণ বৃদ্ধিশাদ্ধাদিক বিধান দেবপুতিষ্ঠাতত্ত্বেক্ত বিধিনা দেব পুতিষ্ঠা• বিধায গৃহ পুতিষ্ঠা ক र्खवा। यिन गृष्ट शुविधा माजः जना প্রাতঃকৃত নিত্যক্রিয়ঃ পুক্ষালিত পা निशार याहाउ: शुर्माय उन्मार्था वा स्नयुकामत उनविना वासन ত্রয়ণ গন্ধাদিনা পরিভোষ্য অমিন্ বিফ্বেশ্ম পুতিষ্ঠা কর্মণি ওঁ পুণ্যাহ• ভবন্তো হধিবুবস্ত ইতি ত্রি: শাুুুুব্যুুুু । ওঁপুণ্যাহ নিতি ত্রি স্তৈ কক্তে অ মিন বিফুবেশা পুতিষ্ঠা কর্মণি ও ॥

ষ্ঠি ভবরে। ২ধিবুঠার ইতি বিঃ শাুুুুুব্বেৎ ওঁ স্বস্তীতি ত্রি তৈ করে। অশ্বিন বিকৃবেশা পুতিষ্ঠ। কর্মণি ওঁ শদ্ধি ভবস্তো হধিব্ৰসম্ভ ইতি ত্ৰিঃ শাব্যে । ওঁ শক্ষ্যতামিতি ত্রি র্ (म्युः। यजुर्वित्नाः ७ बिखन हेत्नुः। वृष्णभूवाः श्रस्थिनः श्रा विभावनाः স্বস্তিন তাক্ষ্ণে। অরিষ্টনেমিঃ স্বস্তিনো वृश्भाविधिभाग् । इजारननाक्रान किरभट। मामगानाउँ। ७ वास সোনো ২য• সুতঃ পিবন্তস্য মৰুতঃ। উত্তৰৱাজো অশ্বিনা। অস্তি সোমো অয় সূত:। পিবন্তুস্য মৰুতো হা-ই। উত্তম্বরাজো বা। হাইনো হাই। इंडि गीयनातनाक्रजान् किल्ए। गानागाको बिधा अठ॰ वाहरगर ! **७७:** न्यं हः स्मारमा यम: का नः मास्र ভূতান্যহঃ কপা প্ৰনো নিক্পতি ভূমি রাকাশ খচরামরা:। বান্ধ नामनमाञ्चाय दन्नद्विम् विमित्रा ইতি পঠিত্বা। তত ওঁ তদ্বিকোঃ গ द्रमः भनः भना भना छ न्द्रयः । দিবীব চফুরা ততম্বইতি বিষ্ণু मृद्धा नाउप्राण नमक्छ। ७ ७९ मिक्जिप्टर्ग माज्य अन क्न भू-य्वानागाय ७ जनामूक नानामूक পক্ষে ২মুক তিথৌ অমুক গোত্রঃ

মঠ

জীখনৰ দেব শৰ্মা এতত্ত্ব কাপ্তা- 🛚 भिवर (स्व প्रभाग मन्त्रके) । व ं कर्तु। हिन्न सर्गत्वाक मिन्छद्रका भः क्षे कु भी जिलामः विकृत्वाक পুরিভানা বা বিকুবেমা পুতিষ্ঠা म्हः क देश्यः । **इंडि मःक**न्नारय् । इक्षेत्रः मेनरा 🤌 अवस्थितामि न-य (यूनः भवनः । मन मे) थ। वर्ष मः इम् ६० छन्। ब-छित्र यर्गःनाक মৃতি কাম খ্ডি বিশেষ: । পা-ৰাণ ে িন জু তদ্মগুণ কালাব ছ্টিল । পদ্ধ । তি বিশেষঃ। দেব - ভালে 👓 পুতিষ্ঠাযান্ত তদুহেন পু रम्का कर है। मन्द्रमूक शार्ट । 🕶 👙 🦸 उन्दर्श। ७ (मरवादा ্দুব্ল ুগ্ল বিবস্ত্যাসিচ । উদ্ধা-ाञ्क व भृत्यु गानि ह्वारिन **७**-क्ट अस्ति कि ग्रंथा। **अँ** यङ्का ্রা ক্রিন্ট্রেব তদুস্থস্য ত লিক্ত ক্রিন্ট্রের জ্যোতিষা জ্যো ्रिट 👉 ः यस्नः भिव महन्न मस्त्र ॥ . ए. 🖭 व्यवसारं **अ भीर्यग्रहित्याउभ** ুল্*বাল প্*জাবসোধার<mark>া সম্পাতনা</mark> ্ধা 👚 🕾 🕾 ভূদেবিক শুদ্ধোনি ক-े विकासि । क्षा व्यागृया म**्डा यथा। ७** व्यामुक्तियाय विषय विश्व नायू तिना। मरि जुजाबुद्धाता विनिध्य एया मे

जः जीत्वन भारतमा वगरत ॥ अँ जाः যুবো নে পবয় বচুসো নে পবয় ুবিদুঃ পৃথিব্যা দিবো জনিত্র্যা শৃখুস্ত্যা পোৰ: क्रवडी সোনোছোদ্বায মনা युष्य गग वृक्षवर्षमाय यज्ञगानमार्ष्क्रा অমুকস্য রাজ্যায়।। 🛊 ।। তত্র বিঞ্ বেশ্ম প্রতিষ্ঠাভ্যুদ্যার্থ মিতি বাক্যে বিশেষঃ। এবনন্য বেশ্মনি। ভত উত্তরাভিমূথ• ব্যান্ধণ মুপবেশ্য তৎ मभील जामन मानीय शुद्धात्या यजनानः शुाक्षिण बर्तरः । ७ माधू ভবানান্তা । ওঁ সাধুহমাসে ইতি পুভিবচন দত্বা ভদাসনে উদ্মুখ উপবিশতি। ততো যজনানঃ ওঁ অর্চ থিষ্যামে। ভবস্ত ইতি বদেৎ । ওঁ অৰ্চ্যেতি পুতিব্চন । ততাে গন্ধ পুত্ৰ **जामृतातका**रेत तजाई। मिक्नि कानु ग्णृष्ट्री ७ वास्त्रज्ञामि वामुक्राच **गम्क्पुत्र ममूक्रावन्यां। ७**व-ন্ত অমিন্ সন্ধল্লিত বিষ্ণুবেশা পু-তিষ্ঠা কর্মাঙ্গ ভূত হোম কমণি বুন্ধ-কর্মকরণায় গন্ধপুয় তাদ্লালস্কার ৰদ্রৈ রহ• বৃণে। ওঁ বৃ:তা হর্মাতি পু ভিব্চন । যথাবিহিত বুক্সক্ম স का धँयथाञ्चान कরবাণীতি পুতি বচন ৷ স্বয় হোমাসামর্থ্যে হোতু-র্বরণ নপি তথৈব কার্য্য । ত প্রধার-

কত্বেৰ আচাৰ্য্যস্যাপি তথৈব কাৰ্য্য• || । শক্তেন সদস্যস্যাপি। গুরো বরণে তৃ সংকল্পিতে হিমান্ বিষ্ণুবেশা পু তিষ্ঠা কর্মণীতি বক্তব্যণা#। ততো য कगानः खरताः भारने थ्वा भर्टर। নারায়ণ স্বরূপ স্তুণ সংসারাতাহি याः भरता। द्वर भुगानार एता य জ্ঞ• প্রাপ্নোনি যন্মযোদিত•॥ ভ্রাহি নাথ পুপন্ধ মাণ ভীত সংসার সা গরাৎ। দেবতা স্থাপনে হৃদ্য মম শান্তি সৰু পুভো॥ ততো গুৰু:। ও উত্তিপ্ত বৎস ভদুন্তে মৎ প্রসাদা-ख्यानवः शुाखवाः **धर्मा कानार्थः मुञ्जा**-প· य< সুরাসুরৈ: ॥ # ॥ ততো ভক: । ७ नावनानीः अख्यमीः मृम्याह ঘ্তশ্চুতঃ। ঋষিভিঃ শাস্তুতো রসো বু।ক্ষণে ৰম্ত॰ হিত•। ইতি পাবমা-নী সূক্ত । অসপত্ন পুরস্তায়: শিব দক্ষিণতঃ কৃধি। অভয় সতত প-শ্চাৎ ভদু মুত্তরতো গৃছে। ইতি শাসন সূক্ত। ওঁ রক্ষো হনো বল शहनः (भाक्षामि विक्यान् त्रका इरना वल गइरना १ वनयानि विक्वान রক্ষো হনোবল গছনো হবভ্নামি दिक्तान् । ब्रह्मा इस्नो वनगरनावु भरधानि देवकवी। तस्काहरने वन शहरनी लगुर शामि देवस्वमानि देवस

বাঃস্থঃ। ইতি রক্ষাস্ত্রণ। ইতি পি-ঠিয়া বেতালাশ্চ পিশাচাশ্চ রাক্ষ সাশ্চ 'সরীসৃগাঃ । অপসর্গন্ত তে ভূতা যে ভূতা ভূবি সংস্থিতা:।। वि নাযকা বিঘুকরা মহোগা যক্তদিবো य शिनिजाननान्छ । जिल्लार्थ कि र्वज्ञ मभान कृद्धि भया निवला विषिणः भुगास । ইতি খেতসর্যপান্ বিকীর্য্য वि सि मा जिल्लक गन् त्नाधाय । 🗱। তৎ (भाष्त नज्या यथा। 🥞 ७९ नविज् बंद्रिगुः ভर्गादिनम् श्रीमहि विरया रयानः भुरहा त्या । इंडि त्या-মূত্র । ওঁ গদ্ধদারা দুরাধ্বা দিত্য-পুষ্ঠা করীবিণী। ই ধরী সর্বভ্তা-না তানিছোপস্থ্যে শ্রিয় ।। ইতি গোময•। ওঁ আপ্যাযস্ব সমে তু তে বি**শ্বতঃসোম**বৃষ্ণ্য• ভবাবাজস্যস**ন্ত**-থে।ইতিদৃশ্ধ•। ওঁ দধিক্যুরো অকা-রিষ• জিঞ্চোরশ্বস্য বাজিকীঃ। সুর ভি নো মুখাকরৎ পুণ আয়ুণ সি তারিবৎ। ইতিদ্ধি। ওঁতেজোসি শুক্রমস্যম্ত মসি ধামনামাসি প্রিয়ন্দেবানা মনা *षृष्ठे∙प्*रवय्<u>ज</u>नमि । ইতিঘৃত•।७ँ (দব म्या मित्रुः भुमाति शिला वीक् अताः भृष्म। इसाजा । इसमामाम । इति क्रामान्त ।। अ।। ७ (वन्ता (वितः न-মাপ্যতে বহিষাবহি রিন্দুিব । অপন

খৃঁপ আপ্যতে পুণীতো অগ্নিরগ্নিনা। ইতি ম**ন্তেণবেদী**ণ সংগ্ৰোক্ষ্য পঞ্চয টান্ঘটস্থাপন ক্রমেণ সংস্থাপ্য।#। यहेञ्चानन मञ्जायथा। मामगाना । उँ भहिबीना मरवा अपृष्ठक भिवन प्रार्थ मः 'দুরাধর্ষণ বঞ্চন্য। ইতি ভূমে:। ওঁ थानावस्र कद्रास्त्रिन म्श्रवस्य मृक्ति-न इन्द्रभाउ जू यसनः) इंडि धान স্যা উ সাহিশংকলর্স সুতো বিশ্বা व्यर्वज्ञ ि नि्य इन्द्र दिन्द्राय थीयरङ। ইতি কলসম্য। ওঁ অ্যমূর্জাবতো বৃ क उँ भी व क निनी छव । अर्थ वन-ম্পতে নুত্বা নুত্বাচ স্যতা রিয়। ইতি পল্লবস্য। ওঁ আনোমিত্রাবৰণাঘ্ তৈ গ্ৰুগতি মুক্ষত মধারজা সিস্ कर्। इंडि बन्ना। ७ इन्द्रमात्रा त्मिष्ठा इवस्ड यू भार्या यनग्र थियखाः भूता न्याजाभुवमक काम আগোমতি বুলে ভলাবৃদ:। ইতি ফলস্য। ওঁ সিদ্ধো ৰুচ্চাসে পত্ৰয়ন্ত मूक्रन रिद्रनात्राचाः भण् माण्निज् তে।ইতি ষিদ্ধুরস্যাওঁ ত্বাবতঃ পুরু বসো ব্য মিন্দু পুণেতঃ মাচিস্থাতর্হ রীণা•। ইতি স্থিরীকরণস্যা। ওঁ প-বমানো ব্যশ্ববৃদ্মিভি বাজসাভমঃ । দ্বাস্তোতে সুবীর্য্য:।ইতি পুল্লস্য श अध्या यज्या । उ ज्वित ज्वनमा

দিতি রসি বিশ্বস্য ধাযা বিশ্বস্য ভূ-রণধত্রী • ৷ পৃথিবী • যচ পৃথিবী • দৃষ্ট হ পৃথিবী মাহিওঁসী:। ইতি ভূমে:। ७ धान। यजि धिनु इ ए वान् धिनु इ যক্ত পিনুহি যক্ত পতি পিনুহি না যজন্য । ইতি ধান্যস্য । ওঁ **আৱি** यु कलम मशापा विमञ्जामतः भूनः ক্রা নিবর্ত্ত স্বসান:। সহসু পুচ্চো-क भादा भगवजी साविभाजापुरि। इंडि घटेना । डॅब्बनरम् । ख्रुन मनि বৰুণস্য স্কন্তঃ সৰ্জনীতঃ বহুণস্য অভ जरनऽजि वक्षाजा श्रेष्ठ जरनम्भा व-ৰুণস্য শ্বত সদনী মাসীদ। ইতি জ-वन्राञ्ज्यन्नागा थनुना जिञ्जरयमथन् ना ञेतुः: समरमाङस्यम। धनुः भरवात्र পকাম ক্ণোতৃধন্বনাসর্বা:পুতিশো ক্ষযেম।ইতি পল্লবস্য।ওঁ যাঃ ফলিনী র্যাঅফলা অপুস্পা যাশ্চপুষ্পিণীঃ বৃহ-ञ्ज ज्रु ज्रु जा खारना मूक्ष छ छ है नः। ই जि क्लम् । ७ मई जीर्थ मय वाति मई (म-ব সম্বিত । ইম ঘট সমাৰুছ তি **४ (** एव गरे १: मह। इंडि कल • ए हा ८। ওঁ ছিরো ভব বিশ্বস্ব আশুভব বাহ্য त्र्व्यूर्डिव मुमम्खु भाषा नुतीय वाइ-नः। ইতি ছিরীকরণস্য। ও সিদ্ধো রিব পাধ্বনে শ্ঘনাশো বাত প্রিযঃ ।পতবন্ধি বস্থায় তস্যধার। অক্ষোণ

বাজী কাধা ভিন্দ মুর্মিভিঃ পিমনানঃ | । ইতি সিন্তুরস্য। ও শ্রীশতে লক্ষী শ্চ পর্য়া বহোয়াত্রে পার্শ্বে নক্ষ্রাণি ৰূপ অখিনৌ ব্যাপ্ত ইষ্টমনিষাণ স র্বলোক ননীযাণ।ইতি পুল্লস্যাঞ্চা ত হঃ ফল পুষ্প যুত্ত বিতান ওঁ বি गान এक मिरवा मध्य जान जान भुवा **त्राप्त्री गरुत्रीकः। স**বি बाठी রভি চঙ্টে ঘৃতাচীরস্তরা পূর্ব নপরঞ্কেতু া। সামগানাস্ত। ওঁউৰ্জু উষ্ন উত্তযে তিষ্ঠাদে বোন সবিতা উদ্দোবালস্য সনিতা যদঞ্জিভি স্থা যন্তি বিশ্বযা मार । ইতিমন্ত্রেণ বঞ্জীবাং। ৠ उ রণ্যগর্ভ্ত: সম্বর্ভতাণে ভূতস্য জাতঃ পতিরেক আসী**৫। সদাধার পৃথি** বী দ্যামুতেমা কমৈ দেবায় হবিৰা বিধেম। ইতি মজেণ মণ্ডল মধ্যে जुर्वर्भ भाषा पद्धा यर्भ भाषाक्या पता-नुष्टकीर्या मखन मस्या जाना न তিমাং ওঁ সূত্রামানং পৃথিবীং দ্যা-মনেহসং সুশর্মান মদিতিং সূপুণি-**जिः। रे**न्दीः नावः स्रतिज्ञामा नागः সমসুবন্ধী নাৰুছে মাসুন্তবে। ইতি सरञ्जन निःक्षिभा घरिष् एव वान् भूक-(यटा क्षा भूषम चढिंगराष्ट्रभूर्गः हि-ভীবঘটে শিব-দুর্গাণ ভৃতীৰ ঘটে বিস্কুণ লন্ধী সরস্বতী চতুর্থে কাৰ্য় ৰাজপু

कर किवनानान् का किया हि नीक्रमाङ्गो शक्ष्यम गुरुष (१०५०) ना॰करेष्ठरेष्ठ मं रिख हार व्यवस्था 1क्षा उट्टा **एक् (र्मव का का** লগ্রামেবাযথোক্তবিজ্ঞি প্রস্থর 👌 **जनु** करना जन्मुनुवास्त्र । अस् यह माक्षा रिकार के देश **७॰म**खन् जिस्रित्ममः १४ ७ १०० १४३ । ইতি মন্তেশী বিষয়ে । এ লং কি পুল खँ सरवानः भाषा भारा करिया त्री वृक्षा ना है है जा नी ते हैं মন্ত । ইতি মস্ত্রেণ শুক্ষা । কব 👵 প্রেৎ। ওঁ ঘৃত বতী 🦁 🕾 🤭 🤭 । ওঁ অতো দেবা অবভ 🍪 👢 🕾 🥙 ষ্ণু বিচক্রমে। পুথিবুদঃ সংঘান সং । ইতি মস্র চূর্ণেনোছর্ত্ত । বস্ত 🤏 व्या मिशः मधिकः । १३ वयः मध्याम भियानि मधः साजाः नापरः ज्ञा यज्ञि। अक्षरयानी वाद्यकेषा भूत । ইতি উঞ্চো কেন সংগ্ৰহত 📲 🖯 शराधिव मूमूठानः सिम्हः द्वारकी वर्षाः দিব পূত্ত পবিত্রেশের ক্রেটার 📲 क्ष स्थानमः इंडि हन्स्रास्थानिक है আপোহিধানযোভুক 🔧 👋 দ্ধাতনঃ মহে রণায় ১৪ 🙉 🕒 🗀 ननीरजारयन ज्ञानारयः - व्यव्यादिन-वी तिन्द्रेय जात्मा काल विन्त्र

শংযোরভি সুবস্তু ন:। ইতি তীর্থ মৃৎ কলসেন স্থাপ যিত্বা গায়ত্র্যা গন্ধযুক্ত क्लन मानाय । ७ श्रिन प्रतीः শুচ্যঃ পাবকাংযা সূজাতঃ কশ্যপো यात्रिन्तुः। अभीषा गर्छन्ति धिरत विक পাতান্ আপঃ শগু শোচানা ভবস্ত । ইতি পঞ্চমৃত্তিক্যা। ওঁইম•মে গঙ্গে যমদে ারস্থতি সভূদি স্থোগ্**ন সচতা** গ্ৰিকা অসিক্স স্কৃত্ৰ বিভস্ত ালা নাল পৃণ্ছা স্যোদ্যা ইতি মত্রেণ থিকভা জগেন। ও তদ্বিকোঃ। **পরম॰ পদ॰ সদা পশ্যন্তি স্**রয়: । দিবীব চক্ষুরাততম্। ইতি বল্মীক ভোষেন। ভিঁষা ওম্বধী: সোমরাজ্ঞী বিষ্ঠিতাঃ পৃথিবী মনু। তানহা ম মিন্নাসনে ২ছিদু শর্মা বছত। ইতি मत्वी विधिन्ना ना । 'अँ यक्ता यक्ताता रद्वाय गिहा िहा ह एकत्न। भुभू वय मम्ब्रक्षा अत्यक्तन भिष्य मिक मभा भिषा इं जिक्षाययुक्त उत्वन । **श**क्षगत्तान रे स्टेश मा हेन्द्रः (महस्य । एँ शनः श्रामा अरु भर्जन वीवू भ-যে। প্রাস্তরিল **গবোধাণ। প্রযন্ত**ী পুন্দ হা হা সন্মাস্তামি প ষ্ঠা মৃত্যে স্থা স্থান্যপহঃ। ইতি श्रिणा । । व्याचिकार मर्व ्रह्रक<sup>्षा</sup>ण्डः व्यक्तिनि युद्धिता **हन्ता**॰

সি যক্তিরে ত মাদ্দ্র স্তমাদ্জাযত । ইতি পঞ্চান্তেন। ও याः क्विनी-**তि करलामरकन। ७ जर्जु भीर्यि**ङ বক্ষ্যমাণ মন্ত্রেণ সহসুধারবা। ওঁ এতো দ্বিন্দু মিতি প্ৰোক্ত মন্তেণ তু-वनी हन्सन युक्त जलन। ७ यात्रा॰ রাজা বৰুণো যাতি নধ্যে সত্যানৃতে व्यवना अवना नाः। नधू महु । जः मृह रय। याः भावका छ। जात्भात्मवी त्रिरुगाः भवस्र।**इंड**)रान-(विदादि हजू द्वेरयन। ज-मथा उँ वारानी (तभूता रिउ॰ यक्त-স্য দেবমৃত্ত্বিজ হোতার রজ্পাতন म्। १। अं हेरमञ्जा हर्जना नायवह पर বোব: সবিভা প্রার্থভু শুেষ্ঠতমায क्यांगारा अं अन् जायाहि वीउरय গ্ণানো হব্যদাত্ত্যে নিহোতা সং-সি বহিষি !৩ । ওঁ শলোদেবী রভিষ্ট-य मामा जवस भी जय मःयात्र जि <u> अ</u>वछ नः। ८। वक्तानान श्रूक्षम् (छ-न व वकामी कि घटिः मानरद् । অশক্তো অস্টাবিংশতি ঘটে রপ্তথটে ৰ্বা সাপ্যিত্বা পৌতবাসসা জলনপ-নীয় যথোপচারৈ: সংপূজ্য মণ্ডলে व्याक्षात्र मेळ्डामीनि भूष्यर्थ । 🛊 । **७ जाधातमञ्ज्य नमः। ०व॰ मर्ब-**व পुगवाहि नमा शखन। भुक्रिक क्यांग व्यनसाय भृथिरेवा की त्रमञ्

माय हर्निभाय तङ्गा**ज्य महिछ**॥ गहागिषा अभाग कल्ला का त्र (विकारिय ज्ञज्ञ निः शामनाय। जा-्रायप्रा॰ धर्माय रेनर्थाञ्जा॰ उद्धानाय वावव्याः देवज्ञान्याय अन्यान्याः अन्यः र्याय भृति माः अध्याय भिन्हमायाः व्यरित्राग्राय উত্তরস্যা• व्यरिन्धर्य्या-য। নধ্যে অ॰ অর্কনগুলায় উ॰সো-गमखनाय मः विज्ञानखनाय। मः সত্বায় র॰ রজসে ত॰ তন্সে। আ॰ আত্মনে অ• অন্তরাত্মনে প• পর্না-ত্মনে হ্। জ্ঞানাজ্যনে। প্রাদিকেশ त्रिषु भारक्षिराधन खँ विम्लारेय नमः । এব॰ উৎকৰ্ষি ণ্যৈ জ্ঞানাথৈ ক্ৰিযা-रेय त्यागारेय शुरेख जङ्गारेय वेशा-नारेय। कर्निकायाः अनुगुहारेय। क র্ণিকোপরি ওঁনমে। ভগবতে বিষ্ণবে সর্ব ভূ হাত্মনে বাসুদেবায় সর্বাত্ম अ र्याग र्यागशीठाज्यस्य समः । 🕸 । ততে৷ মগুলে দেব স সংসাপ্য পৌ-রা ণিক নজেণ পুৰুষসূক্তেন বা ধাে-उत्मानहादिः भूकत्यः। उत्प्था। अं तर्तु भीयां शृक्यः तर्तुाकः तः হসুপাং। স ভূমি সর্বতো বৃত্বা **ज**ा । भर्ते अ স্থানে বিশ্বতঃ বৃত্বা স্থানে স্পৃত্বা ই 📗 ত্যপি পাঠ:। ইতি পঠিয়া ভগব্ন

বিক্ষোইহাগছ ২ ইহতি ১ ই ই স-মিক্সৰ মন প্লা গৃহাণ। ততো ব্যাবিধ্যাসন নানীয় ব্যাতি ব্ৰুণ-বীজেনার্য্যান্তসা সংপ্রোক্ষ্যাসন ম-खाई। अंभूक्ष कावम मर्ब करू-ত যা ভাব্য উতামৃত ব্সেগ্ণানো যদমেনাতিরোহতিই। ইতি পঠিত্বা ष्ट्रेष ममुकामन ७ नत्ना जगवाउ वामूरमवाय श्रीविकाव नगः। वदः সর্ব্র দানে। ওঁ ভগবন্ বিক্ষো স্থা-গত• । ইতিস্বাগত পুশ্ব: । ওত স্তামু পাত্রন্ত, পদা ন্যামাক দ্রাপরা-জিতাদি যুক্ত• জল• গৃহীত্বা ওঁএ-তাবানস্য মহিমাতো জ্যাযাণচ পূ-ৰুব: পাদোস্য বিশ্বা ভ্তানি ত্ৰি-পাদস্যামৃত দিবি ৩। ইতি পঠিবা हेन भारा भूईवस्तान भारता ৰ্দ্দ্যাৎ। ততো গন্ধ পুল্লাক্ষত বৰ ष्माग् जिल मर्यभ पृत्रं गुक कल॰ শহ্বাদি পাত্তে কৃত্বা ওঁ ত্রিপানুদ্ধ উ-रिन्द भूक्यः भारता श्रमाश ज्वद পুনঃ। ততো বিশ্বস্ত্র্যক্রান্থ শাস নানশনে অভি:৪৷ তত্তঃ স্থানে তম্মা-দিত্যপি পাঠঃ। ইতি পঠিত্বা সাম गानामिन मर्घ। मत्तर्वा (मर्वा २र्घः इंडि भित्रिम एम्। ८। जांडी नवङ् কক্ষোল যুক্ত কেবল বা পাত্র জ

ন্ধ গৃহীত্বা ওঁ ততো বিরাডলাযত বিরাজো অধিপূক্ষ: সজাতো অত্য রিচ্যত পশ্চান্ড্মি মথোপুর:৫!ইতি পঠিব। ইদমাচননীয় । ওঁ নমে। ভ गवड वामूरहवाय श्रीविकरव स्था ইতি দদ্যাৎ। ততঃ কা॰স্যপাত্রস্থ• দ্ধি মধু ঘৃতাত্মক কাংস্যেন পিছি-छ भभूभकं गृशीदा उँ उमान्य द्धार नर्वञ्दः नस्ठः প्यताकाः भम्। खाःक्रक वायवतानावनता गुनमत শ্বে পা ইতি পঠিত্বা এষনধুপর্ক: ওঁ মমে। ভগবতে বাসুদেবাৰ প্ৰীবিষ্ণ-<व चाहा है जि हम् sार्। उडः भूर्वम-अ शिवा भूनद्राहमनीयक मन्। । কপুর বাসিত জল গৃহীত্বা ওঁ ত याष्यकार मर्बङ्ड यहः मागानि জব্জিরে ছন্দা•সি জব্জিরে তখা দ্মজ স্তন্মান জায়ত প। ইতি পঠিবা छेन नानीय छन मूलन परा९ । भृदितदः पृत्याञ्चनीयः **पद्मा वद्यः** ्र्े 🥫 🧐 ज्यान्या व्यकारत (यः কেটো ভন্তবং গাবোছ জজিরে छम्। द्याङ्गाञ्चा**यकावयः ৮। ३**छि भिष्ठित हेर नशुः मूलन मम्प्राट । व्यव बृड्डीयच्छ यख्डाभवीज भू बंहराहन्नीय पदा आ जंदन गृशी-इ। १ ज रहा विशि शुक्ति भू

ৰুষ চাত্ৰগুতঃ। তেন দেবা অয়জ ম্ভ সাধ্যা ঋষয়ক্ষ যে ৯৷ ইতিপঠিহ্না म्रान परा । '७ यर भुक्ष व रहर थुः किवश वाक्रमस्य मूथः कि मना मी कि वाङ् कि मूक भाषा उठि। ७ ) । अएए न ) । यहार ना था । याख मूथ किममातको वाङ् काव्-क शामा উচে एउ इंडि (छमः। इंडि পঠिषा गृत्वन गञ्च मन्। ७ वा-कारा ९मा मूथ मानी ८ वा इता कनाः क्ठः। উक उपमा रिष्माः পन्छा। শৃদ্যে অজাযত ১১৷ইতি পঠিবা মূলেন शूब्र परतारा ७ ठम्द्रमा मन्त्रमा का-ভ শক্ষা: স্র্য্যে অজায়ত। শ্রোত্রা-षायुम्ह भागमह मूथाम शि तकाय ७ १२। म्था दिन्द् का निक भागा हा गु त जाय-ত ইতি চ পাঠঃ৷ ইতি প'ঠত্বা মূলেন **খ্প• দদ্যাএতে নাভ্যা আসীদন্তরি-**कः भीर्कारहाः ममवर्ज्ञ। शस्त्राः ভূমি फिनः শোতাত্তথা লোকান-কল্পান্ ১৩। ইতি পঠিত্বা নূলেন দীপ॰ मम्प्राट । उट्या देनव्यक्ताभित्र मट-मा मू म्या मृलमा अः मन्या अञ्चाला -र्छ। (धनुगु मा॰ श्रुममा। अँ यट श्रुकरयन **रुविया (क्वा यक्त मल्द्रुक। वमस्या** २म्।भीपाकः। गुीय हेन्द्रः भत्रक्तिः 28। इंजि भिठिश रेनर्वन्तरः मृत्वन

मम्राट । उँ मक्षाम्यामन् भतिष्य जिः मध मगिधः क्जाः। (नवा यवा कः उद्याना अवधन् भूक्षः भागः १८। ইতি পঠিবা কপ্রাদি বাসিত পা-नीयः जात्र्लः भूनद्राहमनीयः पंर्शायः मन्त्रा< । ७ यङ्ग्न यङ्ग मयङ्ग । १ व वा छानि धर्मानि भुषमान्तामन्। उर নাক মহিমান: সচন্ত যত্ৰ পূৰ্বে সা ধ্যাঃসম্ভিদেবাঃ ১৬৷ ইতিপঠিত্বাস ঞ্জলি ত্রয়ণ পুস্লণ দত্বা আবরণানি সং প্রাম্লমন্ত্র যথাশক্তি উল্লাপুণ-(मर् । ऋ। यहार महायनायन माथा-যান্ত যৎপুৰুষেণ হবিষা ইত্যাদিনা न्नानीय ७ ७ यक्क वर्सिन जाि मन বস্ত্রণ ৭ তমাৎ যজ্ঞাৎ সর্বহৃতঃ সং ভূত মিত্যাদিনা যজ্ঞোপবীত ৮ তমাৎ যজ্ঞাৎ সর্বহৃত খচঃ সামা নীত্যাদিনা চন্দ্র-১ তম্মাদশ্বা অ-জাযন্ত ইত্যাদিনা পুষ্ণ ১০ ষ্ৎ পু ब्यः वाप्तध् विजामिना ध्राः १) वाः ऋत्याम् भूथनामी विज्यादिना ही भ॰ )२ **हन्तुमा मनस्मा बा**ख इंख्याहिना रेनरवर्ड ३० नाज्य जामीरस्त्रक নিত্যাদিনা তাখুল ১৪ সপ্তাস্যাসন্ পরিধ্যইত্যাদিনা নীরাজন ১৫ইতি ভেদঃ অন্যৎ সমান• 14: ততো গুৰুঃ व अ शिक्तम डेशिवना माख इ खि

লে বা ব্ৰাহ্ম বিধিনা ভদজ্ঞানে স্বগৃ-ছোক্ত বিধিনা সাহস নামান মগ্নিং সংস্থাপ্রক্ষাপনানন্তর অভিষে-कार्थः अभानाः नव मयुग मणागः বহি দৰিঃক্ষত ভূষিত চূতাখথ ন্য-গোধোডুমর প্লক পল্লবছম মুখ ফল বস্ত্র যুত্ত অন্তঃ ক্ষিপ্ত পঞ্চরত্ন নির্মাল कनभूर्ग मृत कनम अक्षा नामू भित्र ওঁ আজিঘু কলসু মিত্যাদি মস্তেণ राभाष्ट्र। उन वक्षामाज्ञ नम সীতি বৰুণ ন্যসেৎ। ওঁ গঙ্গাদ্যাঃ नित्र निर्दाः निम् पुष्क नित्र है। । সর্বে সমুদাঃ সরিত স্তীর্থানি জল-माननाः। वायास यज्ञमानम् मृति छ ক্ষয় কারকাঃ। ইতি তীর্থানি চ ন্য-সেএ। তত্ত্বৈ কলসে অশ্বস্থানানুত্র भागाय विश्वीकाय सम्भाय दुराय लाञ्चला द्रवधाया जानीय मध मृहः किर्भए। महो यशीका क्षा उउ कर भुना कर्गाए। याक्षक खात बाकुन বিস্তারাগুা•প্রাদেশপরিনিতোডুম্বর নিৰ্মিত দ্বী • সাৰ্জাম্বুণ্ঠ বিস্তারাণ্যু প্রাদেশ পরিমিতোডুম্বর নির্ঘিত্তনে क्रनः हक्शानी जाजाशानी उन्धन মুষলে সুর পূর্ণহোমার্থ সূচ সমি-थः जाकामीन উरगगानि ल्युकः शाकः विनियाग करमगान्यः अजि ।

সংস্থাপ্য যবান বুহিনি বা তদভাবে **७**७ जान् मूर्ल निशाय। मागगः। ও বিফবে দ্বা জ্ঞ্চ নির্বপানি। ইতি ব্যাদ পুস্তি মেকা চৰুস্থাল্যা कृदा উদূখল मध्या ऋाभययः। यञ् र्विशे जु ७ विकरत दा बुडे॰ गृहानि ওঁ বিফ্বে হ্বা জুষ্ট নিৰ্ব্বপামি চমস इ जलन ७ दिक्द दा बुहे र्भाका भी कि बम सर्गाए। भारानी जु ७ বিশ্বে বা জুষ্ট নিৰ্বপামি ওঁবিষ্ট বে ভা-জ্ঞ পুোকামীতি নিৰ্বাপ পোল্লণ নাভ্ৰা যস্য গৃহ পুতিষ্ঠা लगवररी कुड़े गुइनः। वदः नर्बव। कारता विष्यु । **७ वागुरा प्राक्टि नि** इ.स. १५ ७ वर्ष वायत्व मूर्यप्राय विः वि-क्षाद्य दशकार्य **वागव भूनतः।य क** क्याच भूनत्रि **अग्नर्य मूर्यताय भूजा** अञ्चल **लड**ही**काय म्हारत तुन्नल श्**-लिये । भरावाजाय त्यामाय इन्युग्य भाषि यशाय देन**र्भ जाय दक्षाय वाय-**रव क्रावहाय **वेनानाय वुकाण जन** सार यादिख्तय (मानाय मक्नाय वृशाः १०% अस्य भूकाय भरिनकः র ৮ ১ জান কেতৃভ্য ইত্থা নব জিশ < प्रोः साभागरा । वि खुकी • উ গাড়ি কৃত লাজ্য বান মুপ্তিভ্যা মুখ ंशियरः म्लिंग भूगाहित्र । ॥

এবনপর বার্দ্ধ মবহত্য শূর্পেণ পুয়োটযে ে। তথা কর্ত্তব্য যথা বা त जराग उउन निम्न छि उर्व । তদ**শ**ক্তৌ সংস্কারমাত্রার্থণ তণ্ডালে-ष्ट्रियः। তত उउवान् विः शुक्रावः। **हक्**श्वा भगज्ञक कृत्जाख्वागु পবিত্ৰ নি:কিপ্য তত্ত্ত্তান্নি-भाय किनाया मूग्न निः किना जन-ভाবে यन। (सरना पूर्वः निःकिन। पं र्वतः भागामि भूनकिन भीवम् क्रिंगः क्या परहर यथा नारू का. ठिन्रां जिल्लां विवाद मंख्यां वन दक्ति তে। ২ন্তৰুদা পদ্ব শ্চৰ ভ্ৰতি। জ্ব मुन्मारकन ज्ञानी मश्रज् हक मृद्धा उ তদ্বিক্ষাঃ লব্ন্ন্য পদ সদা পল্যন্তি :স্রথঃদিবীব চফু রাতত নিত্যনেন মজেণ ওঁমিভ্যনেনচ ঘৃতেন সিজ্বা मर्चा मिक्कावर्त्वन मः मिनुरयः। ভতো হয়ে কভরতো ভ্ৰভাৰ্য্য পুন क् जनुन्मात्कन सानी नथास॰ मृह्या **পুন ঘৃ তেনাভিঘার** (४९ । 🗱 । ততঃ প্যু/ক্ষণান্তা॰ অশাগুকা॰ সমাপ্য गामगञ्ज काम। कर्षाञ्चल्य उशक তেজক শুদ্ধাচ হ্ৰীক্ষ সত্যঞ্চা ক্ৰোধ্ क ठागक शक्कि भगक महुक বাক্চ মনশ্চাত্মা চ বুন্ধচ তানি পু-পদ্যেতানি মামবন্ত। ইতি জপিত্বা

विक्लाक बन अर्गाहः। उउः नुक् তে কৰ্মণি ওঁ পিক্জু মাশু কেশাক্ষঃ भीनाक इंदेरताक्षाः। ছागदः नाक সূত্রে। হগ্নি: সপ্তাহি: শক্তিধারকঃ।। ইভ্যাদিভ্যপুরাণীয় ধ্যাত্মা বিষ্ণুবে: भानु िश क्योंगे याद दु गाह्म ना মাৰ্মতি নাম কৃষাৰাছ্য সংপ্ৰৱ্পা-দেশ পুনাণা ঘৃতাকা সনিধ তৃকী भएगे छ्या भिक्स्ति हरू गृशिया अ छिष्टिक्ष विज्ञानि बाह्य उन कुरुयार সৰ্বত্ৰ সামগানা মন্ত্ৰান্তে দেৰ্তো ष्म्राना नाखि। यानायाः इमः विकः व इंडि। उं जुः बाहा इनमग्रव छ जूव: बाहा हेन वागत अंब: बाहा हेर मूर्गाय ७ जू जूवः यः ७८ निव जू र्वाद्रगाः ज्ला (स्वमा धीमहि । धिया या नः शुक्तापया साहा है मः স্र्याग। ७ उद्दिन्। तिभन्। বোজাগ্বা দ: সমিদ্ধতে বিকো র্থ भारत- भर- चारा हेर- विकाद। उ বিশ্বত শক্ষুক্ত বিশ্বতো মুখো বি **খতো বাহুৰুত বিশ্বতম্পাৎ সংবা** হভ্যাণ ধমতি সংগতৰৈ দ্যাবা ভ্ भी कनरन (मर्वकः बाहा हेन वि শ্বে। ওঁ অগ্নিদীলে পুরোহিত য জ্ঞন্য দেব মৃত্বিজ হোতার রু ধা **७म॰ श्वाहा हेम्न**ार्य । ७ हेर्पाद्वा

र्बादा वायवञ् (मरवा वः मविजा भूर-भ्यञ् (भुष्ठञ्जाय कर्मात साहा इr° वायत्व। ७° यन् याशाहि वी उत्व গ্ণানো হ্ব্যদাত্যে নিহোতা সং नि वर्शिष साङ्। इत्याप्ता जंग-নোদেবী ৱভীষ্টযে শন্নোভবস্ত পী ত্य भारता इंडिमूवस नः साहा **इन• वक्नाय। 'उ**' ज् द्रग्रस्य स्वारू। **ख** মুৰ্য্যায় স্বাহা ওঁ পুজাপভাষে স্বাহ। **७ अड**तीकाय साहा ७ (म्रो: साहा ওঁ বুন্ধণে বাহা ওঁ পৃথিব্যৈ বাহা ওঁমহারাজায স্বাহা এম্বলি সাম-गिउति छङ्ग्प्याजाप्मः भन्हा कार्यः । ७ (माम प्राज्ञान दक्ष মণ্নি মন্বা রভাম**হে আ**দিত্য বি कु मूर्या वुकानक वृहम्माज वाहा इन- (माग्य। #। उउ। निक्भान ছোম:। ওঁ ত্রাভার মিন্দু মবিতা-त्र भिल्मु । हरव हरव जूहव । जूद्र भिल्दु স্বামি শক পুৰুত্ত মিন্দু স্তি-ता भवता थाजिन्मुः चाका हेमभिन्नु। য। ভ অগ্নি দ্ত ব্ণীমছে হোতা-র বিশ্ববেদস অস্য যজ্ঞস্য সুক্রত্ श्वाहा हेम्बगुरय । ७ नात्क मुनर्ग মুপয়ৎ পতন্ত হৃদাবেনম্ভো অভ্যচ ক্ষত ত্বা হিরণ্য পক্ষণ বৰুণস্যাদুত यमना (यातो नवन् जूबगाः स्वरा

इमार समाम । एँ (वर्षा हि निस जी-मा वब्रुखः भित्र वृक्षः व्यरत्रः नि क्षु श्रित्रभग भिव बाहा हेम॰ निय-छाय । खं घृठवञी खवनाना भिष् जित्यादी भृथी **मधुम् य मृत्य मृत्य माना** দ্যাবা পৃথিবী বহুণস্য ধর্মণা বিষ্ক-ভিতে অন্তরে ভ্রিরেতসা দাহা ইদ• বৰুণায়। ওঁ বাত আবাজু ভেষজ भारतमा जुरना इस्ट शुन आयु वि **जातिय** साहा हेन वायत्। अँ সোম-রাজান-বৃক্ণ মগ্নি মৃদ্বারভা-सरह जारिका विष्यु मूर्या वुकारिक বৃহস্তি ৰাহা ইদ সোমায। ওঁ अिष्य मृतराानुरमा ९ मुका देव ध्यत्वं देशान मन्त्र बगठः च मृश्य भीनान मिन्तु उद्भुषः बाहा हेम्भी निया ७ वृक्षयज्ञानः भुषमः জুবস্থান্তিনী মতঃ সুৰুচোবেণ আবঃ ! সুব্ধ্যা উপনা অস্য বিষ্ঠা: সত-শ্চ যোনি মসতশ্চ বিবঃ স্বাহা ইদ**ং** जुकारम । उ हर्षमीध्उ भववान मुक् 🖘। মিন্দু- গিরো বৃহতী রভান্যত শব্পার প্রকৃত সুবৃক্তিভি রম-र्छा अवगान मित्र मित्र बाहा। **ইদমন**ভাষ। ই**তি সানগো** জুহ্যাৎ। ভত্তদেবক্যেদেশস্ত ন কর্ত্তব্য:। ত ভাদেবতা পুকাশনায়চ দেবতা বি (नमा উकाः। #। यस्विमी जू। उ ত্রাতার মিন্দু মবিতার নিন্দুওঁ হবে हरत जूहत्य जूत्रशिम्म हरतन् भकः পুৰুষ্ত মিন্দুওঁ স্বন্তিনো ন্যবা খা-जिन्तुः बाहा इह गिन्तुाय । ७ दैन-স্বানরো ন উত্তয় আপুযাতু পরাবতঃ व्यशिकक्षन वाहमा उभगाम गृशी-ভোসি বৈশানরায দ্বৈষতে যোনি दिविधानद्राय द्या चाहा हम्मग्रद्य । अञ्चानियस्म। २म्यानिरङ्ग २ईम-সিত্রিতো গুছেন বুতেন অসি সো-मिन मगराविश्क याह एउ वीपि मिवि वन्ननानि बाहा हेन वनाय। **७ य एउ (मर्वी नियंछि द्राव्यक्त भा**-भ· ग्रीवाम् विभु, छ । उत्ह विवास si-युर्वा नमधा मरेथङ शिखमिष्युम् छः। नत्मा ज्रेडा अम्भकात साहा । रेर॰ निर्मे ज्या ॥ माथा छात्रजू ७ যত্তে দেবী নিশ তি রাববন্ধ দাস গ্রী-বা ৰবিচ শুৰ্ত্য ইদন্তে ভদ্বিয়াম্যা-यूरवा नमध्राम्था कीवः शिजु मिक् भुम् क साहा हेम॰ निया जिया । खें वक्रात्राङ्खन मिन वक्रमा ऋसु मर्जनी इ: वक्षामा १ अठ महना मि वक्-ণস্য প্ৰত সদন মসি বৰুণস্য প্ৰত-जननी जाभीन बाहा हैन वक्नाय। **७ वाट्या वादा मत्ना वा भक्षद्राः** 

সগুবি শতি তে হণে সম্যুজ্ঞ তে श्मिन् यवमा मधूः यादा देनः वायत । ७ व्यविष्यययमञ्जा यविष्या माडान्भूर्बः विश्यः । ईरह रहवाः कृतृहि (जा जनानि (य वहिं(या नम छे-कि नजगाः साहा हेन भरवतारा अ जभीमान बगज्डब्यमाजि वियः किन्नग्रदम क्मारक वया भ्याला यथा विष्माममृह्त द्रिक्त आगृ तपद बंखरा बाहा हैनबी नानार। ७ जा-ৰুজন বান্ধণো বুন্ধবৰ্চনী জাবতা মা-ब्राष्ट्रे ताजन। भृद्ध इयद्युगां व याथी नशात्वा बाग्जाः हेन्- वुकाता । अ ना २ स गर्भरच्या १ य एक भृथियी नन् (य जाउतीरक्राय दिवि (उड): अ (र्भएक्रा नगः चार्। इत्यन्त्राय। 🗱। विधिती ज्। अँवा जात्र मिन्द्र मिवजात निन्दुः इत्व इत्व मूख्यः न्द्रनिन्दुः ञ्च বানি শক্ত পুৰুত্ত নিন্দু ৰস্তিনো-मध्या थाजिन्तुः बारु। इतिन्तुाय। र्खे अर्ग मूजः भूरताम् १ इव।वाङ भूभतुत (हवा जामाम्याहिक बाहा इन्द्रभारय । अंयमाय (मामः मूजनूजः ৰমায় জুহুতা হবিঃ যম হ যজো গছত্যগ্ন দূতো অর কৃত: স্বাহাই-দ । যনা । ওঁ এষতে নিশ্বতে ভাগ-ন্ত জুবন্ধ বাহা অগ্নিনেত্রভোচে দে

বেভ্যঃ পুরঃ সজ্যঃ বাহা কমদেত্রে-ভ্যোদক্ষিণা সজ্যঃ বিশ্বদেব নেক্রে-ভ্যঃ দেবেভ্যঃ স্বাহা পশ্চাৎ সম্ভ্যঃ স্বাহা মিত্রাবৃষ্ণ নেব্রেভ্যো দেবা मानावग्र डेयद्रा मुख्यः साहा (माम নেত্রেভ্যা দেবেভ্য উপবিশক্ত্যো मूत्रः मर्ख्यः बाहा हेम<sup>•</sup> निर्माखाय। वायवायन माथायास एतायुनः পद्राभद्रा निर्थाछ पूर्शनावधीछ । न मीडे ज्यमानक बाहा इन रेनर्सकाय । ७ जदायामि तुकाश वस्त्रानसः দাশাতে ব্ৰুমানো হবিৰ্ভিঃ অংই-ড মানো বকুণে ছবোধ্যু কুলা সমা-नवाबुः भूमावी साहा हैम दश्याय । उत्तर्रा वाता मत्ना ना गक्तरीः সপ্তবিংশভি স্তেণ্ডে হস্বন্যুপ্তা স্তে श्रिन् यक्याम्थः श्राक्ता । इन व-यद । जायनायन नाथायास छ তা বাধ বৃত্তম্যতে দ্বন্থু জামাতর-জুত। ভাবা স্গা বৃণীমহে স্বাহা इन वायत । ७ स्विम्ययं मारा यविकष्प्या मास्त्रम् भूई विष्य ३१६ হৈষা কৃণুহি ভোজনানি যে বহি (या नत्मा वृक्तिः नजग्मः साहा इनः ক্বেরায়। ওঁতমীশান জগত স্তম্ ষম্পতি ধিয় জিল মবলে ভূনছে दगः भूषाता यथा (दर ना मनवृत्य

ें ब्रिकिल। भागु बरक सल्लाय साहा उत्तरीकानाय। अ तुकाबकान पुः थंगः अवसाधियीम् मूक्टा वन वादः अव्वा उंशमा वामा विशे म জন্চ যোদি খলতন্চ বিবঃ স্বাহা ই 🕶 ুশ্বণে । ওঁ নমো হস্তু সর্পেভ্যো ्रायक्त भृथियी नन् य २ छती क्लाय দিবি ভেভ্যঃ ল**র্গে**ভ্যো নম: স্বাহা॥ ্হিদম্বলাশ। 🕸 । ততো নব্পুহ হো-স্নাত্র আক্ষেন রজসা বর্তনানো বিষেশ্রমূত মর্ত্যঞ্চ হিরণ্যযেন সভিতা রখেনা দেবো যাতি ভ্বনানি अभा १ ३। हो। ७ वाभ्यायस मान-ত ে বিষ্বতঃ সোমবৃষ্ট্য ভবাবাজ 🎚 नः अकृत्य साहा । उँ व्यान मूर्जा দিবঃ কজৎপতিঃ পৃথিব্যা অয় অ পা: বেতা দি জিমতি স্বাহা। ওঁ জাণ্যে বিবশ্ব দুখ **সন্দিত্ত লাখে। ২নৰ্ত্য** জ্বদাশুষে জ্বাত্তবেদো বহু। ত্মদ্যা দেবা উষৰ ধঃ সাহা। ওঁ বৃহস্পতে প্রদীয়া রথে**ন রক্ষোহা নিত্রা• অ**-প্রবাধ মানঃ পুভঞ্জৎসেনা পুমৃণো नवा यज्ञमयाकः **(मध्यविजा त्रथानाः** গ্ৰাহ্ন । ও শুক্তে প্ন্যুম্ম জতত্তে व्यवस्थितवार व्यक्ती (मु) विवासि विषा हि भागा अविन मुशावन् छमा-श्यविश्वाि व्रिष्ठ् माशा । ७

শদোদেবী রভীষ্টবে শদো ভবস্ত পী তবে শংযো রভিসুবন্ত নঃ স্বাহা। ওঁ ক্যান শ্চিত্ৰ আভূব দ্তী সদা বৃ ধঃ সথা ক্যা সচি গ্র্যা বৃত্যা স্বাহা। ওঁ কেতু• কৃষ্মকেতবে পেশো মর্য্যা অপেশসে সমুসন্ডি রজাযথা: স্বাহা । #। यजुर्बिनी जू। ७ जाक्रकान-**छाा**नि इन मूर्ग्याय । ७ इस (नवा অসপর গুসুবদ্ধ মহতে ক্ষতায় ম-इरा दिकाशाय देश मस् मस्या भूय गम्याः भू भ मरेमा विष्म साह रे। इन लागाय। उँ व्यश्चिम् की निवः कञ्दशिक: भृषिया अयः अभार्ष রেতাওঁসি জিমতি স্বাহা। ইদ॰ ম-वनाय। ७ उस्था सात् भुजिहा-গৃহি ব মিষ্টাপুর্ত্তে সর্গু স্জেথা মযঞ্চ । अभिन् मश्रष्ट अधु । खत्र मिन् वित्य দেবা যজনানক সীদত স্বাহা। ইদ॰ वृक्षाय । ७ वृङ्ल्लाट व्यक्ति यमर्ग्या অহাদুগ্ৰদ্বিভাতি কত্মজনেষু। यमीन्य इत्रम अञ भुकाञ जनमा मु प्विगः (४१६ हिज्य साहा। हेंनः বৃহস্পত্রে। ওঁ অন্নাৎ পরিশুতে। রস•বুহ্মণা ব্যপিবৎ ক্ষত্র• পয:সো-मः भुषाभिष्ठः। খতেन मञ् भिन्ति-य विभान्धं मुक्तमञ्जाः । इन्द्रमाः न्त्रिय गिषः भाषाम् छः मधु साहा।

हैम भूकाय। इन्सारिती ब्रजीक्षेर्य জাপো ভবস্ত পী স্থে শংখা রভি <u> ज्</u>वस्य नः साहा। हेम् निन्द्रशाय। ওঁ কাণ্ডাৎ কাণ্ডাৎ পুরোহয়ী পঞ্ यः शक्यः शति वयाता मृद्धं भुजन সহসেণ শতেনচ স্বাহা।ইদ রাহবে ৷ ওঁকেতৃ কৃষদকেতবে পেৰো নৰ্য্যা অপেশসে। সমূসন্তি রজাযথা: স্বা-হা। ইদ কেতৃভ্যঃ।। ঋশেদীতএভি-(त्रव मरिज क्र्रश्याः । #। उत्रा मिक्कन मार्री लुक्किलिट । बद हक रहान• **मगान**ऽ हक्ष्मार्यन दिख्डा विनिस्न्रार। उप्पथा। अंव भावन विलः ७ भारित किएम नमः। এवमा-(ग्रेग) अवारिहा निषा रेडा नुडीरिहा वायरेवा जैनीरेहा अमारेना जेक् कि শে অধোদিশে। #। ভতে। য়ভাক পলাশ সমিধা অস্টোত্তরশত জুহু-যাতনেৰ নজেণ। ওঁ তাহিক্ষোরি-छादि बाहा हैतः विकाय। **७७: भू** র্বোক্তৈ শক্তংহানমীম স্তব্তদেবতা खाः मुरविभाकाम् शे क्र्वार। उउ আজ্যেন পুৰুষসূক্ত নবভি মাঁ সে: नामाना जुरुवार । यथा । उँ देन বিষ্ণুর্বিচক্রমে ত্রেখা নিদপে পদ স गृहमन्। भा भू (त या हा रा ७ जुक-न्। विस्था गक्य ग। न् गरः भुग (वाह

विष्णा का जत्वरुमः देवश्वानदाय ग-তি নব্যসি শুচি: সোম ইয় পহতে চাক রশ্বে बाहा २। ७ পুরুব্য म्यान जुताला (मरता (मराना छ-নিমা বিবক্তি মছিবুত: শৃচিব্লু: পাবকঃ পদা বরাছো তেগ্রভ রেভন্ बाहा । ७ महमुभीना भूकायः সহসাক: সহস্পাৎ। স ভ্নি॰ স-ৰতো বৃত্বা অত্যতিষ্ঠ দশাঙ্গল বা-रा 81 उँ जिलान्क मुरेन्ट श्रूक्यः भारमा १रमारा जवर भूनः। उठा বিশ্বণ ব্যক্তান্ত শাসনান্দনে অভি बाहा १। ७ भूकर अवर अर्वर यक्तु वह खरा॰ डेजाम् व द्रातर नाता यमस्ता जिल्ला इंडि साहा ৬। ওঁ এতাবানস্য নহিনাতে। জ্যা याःक भूक्यः भारतः २मः विधा ভূতানি ত্রিপাদস্যা মৃত দিবি স্বা-হ। १। ৬ঁ ততো বিরাডজাযত বিরাজো অধিপ্কষঃ। স জাতো অত্যবিচ্যত পশ্চাভূমি মথো পুরঃ बाहा। ৮। ७ क्यान किव चाज्व म्जी जरा वृदः जथा कया जिष्ठिया व् अशहा । १ । यङ्दिनीजू । ষোডশোপচারপ্জোক্ত পুক্ষস্ক্ত **বোডশ মন্ত্রৈ** রাজ্যেন বোডশাহু**তী** ब्र्या । अयुनिनाय (१) वि।।

ভঙ অভ্যানিশিতান ডিলান্ গৃ र्श्या 🐣 रेतावजी (यन्नजीह ज् छ्येज्यानिनी भन (वश्ममा)। वाड জু: রোবসী বিষ্ণুরেতে রাবত্ত পৃথি-वी बिंडिंडा मग्रेथः बाहा। इनः विकाव। इंडि मक्छ्यूशार। उ द-**आनुवाविख्यः सारा। ७** विकृनुवाः विভ प्रशाहा। अ देणानान्यावि-नति, र्मिरिक्शामभीखन्ध नक्ट सक्द -कृष्गाद । এव॰ शर्वाउछाः भ्राप्त उत्तिख्यः श्राहा। ७ नम् জুলাঃ স্বাং এব• তিলহোন• স মাল শ্রেবেশন**হাব্যাহৃতিভি রাজ্য** 🔫 🕜 🎕 ভতঃ পুাৰশিভাহান अन्तर कृष्ट्रा भ**उँ जारादः विश्वनामा**ः নিতি নাম করা আবাহ্য পূজ্যিত্বা লারিভাষা দি**ন্ধ: স্থশাথোক্ত: প্রায**় ালভ হোমাদি কৃত্বা প্ণাহত্যা মৃ-भवन प्रानमान भूबिया घ्उभूनमुः हा दियाय यक्षमात्मनाद्वातकः ७ ज-্লিক্ষাঃ পর্ম মিত্যাদি বৌষট্ ইত্যু ू 🦖 मूर्लङ्डि वयः मन्तरः। उठ াচারাং ঐশান্যা পৃথ্বি ত্ব শীত-चा उर इन्डायं। मुकारि किथा मुन ना ज्याराखं कमार्भमावाग्य इंडि ष्पित्रभि । 'उ यनमञ्ज ख्रायूय॰ कछि । 🛚

अयाक्षवानाः अप्रयुवः बाह्य्वायाः। उं उत्म १ स वडायूय॰ इपि। अनड कः ত্ৰপক্ষে ভ্ৰৱে ংৰ ভ্যাযুৰ মি-তি বিশেষ:। ততো যজমান: পঞ্-গব্য চকলেবঞ্চ প্রাল্য খ্রাত্বা রা भूर्गभाजाहिकाः मिक्नाः तुकारा দদ্যাৎ ততো হেমযুক্ত সবন্ধ ভিল পাত্ৰ অলক্তগ্ৰী তম্ল্ড বা अञ्चाम कर्ष शुनिष्ठार्थ माहार्यग्राय দদ্যা
। অন্য হোতৃ পক্ষে হোতে मन्त्राट । এउट कृ उ कर्मा भीयजा ভগবান্ বিষ্ণু রিতি বিষ্ণবে সনর্প-(यटाक्रा उठ: शामार मम्यूथ उँ उ-ভিষ্ঠ বৃহ্মণ স্পতে দেবা যজন্ততে মহে **উপপু**याख सक्छः मृतानव हेन्तुः भा-শুর্তবাসচা ইতি মজেণ দেবতামা-बीय विकृश्हम। मःमूर्थ शक्षः निव গৃহস্য ব্ৰণ দুৰ্গা গৃহস্য সিণ্ছণ ছাপ-(रद्ध उट्टा गञ्ज नान् वज्जाहिन। श्र পতি পরিতোষ্য ওঁ ইদ বিষ্ বি-চক্রমে ইত্যাদি পঠিত্বা ওঁচকায নম ইতি চক্র সংপ্রা গৃহোপরি यथा (यागार ठका मिक विनामा गृह বস্ত্রেণাছাদ্য গৃহদ্বারানুরপণ তোর-ণ বিধায গৃহানুৰূপ ঘণ্টা চানর কিঙ্কিণী জাল বৰ্ছিপত্ৰোপেত স-বজ্ঞ বৃদ্ধি সনেত গুল গৃহস্যেশান;

কোণে বাযুকোণে বা স্থাপযে । #1 **छा विकुः भानगामाती यथाई** गृह मगील नीवा शक्षविः माउ घरि नीत्रिकत्वामरेकः शक्षात्र शक्षात् ेठ छीर्थामरेकः मान कात्रियु र । उपापिकात्रामि जिः भू कारग्र । वक्रामान मञ्जानाः लोब्रानिकरद्वन मुमुगगमभा धिकातः। अवार्घा भा बाञ्चमा (भाक्तिज जामन गृहीदा रेन्नामन अं मर्वाष्ठर्यामान (न्य नर्व वीक भग ७ छ । आजाञ्चाग भारक मुख मामन कन्नयामाइः ॥ अँ विकाद नम इंजि मूर्णन प्रमार ว । उउ: क्ठाक्षिः । 'उँ यम् रम् न भिइंडि (५वा: अाजीडे निकाय। তমৈ তে পরমেশায় স্বাগত• স্বাগ उक्त ॥ क् अर्थान्गृशिक। १ मि সফল জীবিত মম। আগতো দেব দেবেশ সুস্থাগত মিদ বপুং।৷ বিক্ষো স্বাগত নিতি স্বাগত পুশঃ ২। তামু-পাত্ৰস্থ শ্যামাক দ্ৰ্বাপন্মাপরাজি-ত। युक बनः गृशेषा। अंयक्षकितन শ সম্পর্কাৎ পরমানন্দ সম্ভবঃ। ত মৈতে চরণাব্রায় পাদ্য শৃদ্ধায় কল্প य।।इज्रुहार्य्यभ्तनभामस्यापन्त्रार **এটেদনাসন মিতীব মন্ত্রস্য পূর্রমে**-তৎ পान्। निि शुर्याका त्व मूख

त्रवयथा (याग्र) मूल्ल्यः। गक्त भूजा-ফত যব সশাগু তিল খেতসর্মপ म्बाञ्चक मर्याः **भ**ङ्गञ्च गृहीत्वशा छ তাপত্রয হর• দিব্য• পরমানন্দ **ল**-ক্ষণ। তাপত্ৰয বিনিমুক্ত তবাৰ্ঘ্য कञ्जयामाइ॰ ॥ इंडि म्रावन नित्रनि पर्ा८ 8। जाजी नवक करकान यू-ক্ত কেবল বা জল গৃছী বা ৷ ওঁ দে-वानामिश (एवाय (एवानाः (एवछ) जात्। जाताम॰ कन्नयामी न , नुष्का-ना॰ भूकि एउटात ।। इंछि मूलन मन्त्रार द। काःमाञ्च निष स्थु श्-তাত্মক কা শাসি হিত নধুপর্ক श्रीया। ७ मईकन्यवशीनाय भविभूनं সুথাত্মনে। मधुनकं मिमः (দবকল-यानि भुत्रीम भा हिं ग्लन म-म्। ८ । भूनद्राहमनीयः गृहीद्या । अ উहि हो भा मूठि बी भि यम। मात्र मात्र मा ৰতঃ। শুদ্ধি নাগ্নোতি তমৈ তে পু-নরাচননীযক।। ইতি মূলেন দদ্যাৎ ৭৷লৌকিক ষষ্ট্যধিক **শত**ত্ৰয়**ভোল**-कान्।न ञीर्थक्षल गृशीद्या। ७ भ-त्रगानम्पत्वाधाकि निमग्न निकम् अर्थ । जारकाशाक निष्ण ज्ञान कल्ल्या-ন্যহ নীশ তে॥ ওঁ তদ্বিফা ব্লিতি म्लन पर्पाट ৮। भूवंती छा। भूनः बाहमनीयक पर्गाट । व्यर्गाञ्चमा

প্রোক্ষিত বল গৃহীবা। ওঁ মাযা। চিত্র পট इন্ন নিজ গুছোক্তেজসে। নিসাবরণ বিজ্ঞায বাস স্তে কল্পযা माइ॰ ॥ इंजि मूलन मन्तार । २०१ উ उत्रीय र श्री दा। ७ यमा नुउ महामाया खग ८ मः साहिनी मना। তমৈ তে পরনেশায কল্লযামু/ভরী-যুক্ত । ইতি মূলেন দদ্যাৎ ১। ততঃ ा अस्य क्षा भूनताहमनीय**क प्राट्रा** भुवर्गम् प्राच्द्रतः सर्वेषास्त्रमा (शुक्र)। **७** मञ्जव मृन्दताकाय नानामक्रा-শুষ্ম তে। ভূষণানি বিচিত্রাণি ক ল্পথান্যমরার্চিত ॥ ইতি মূলেন দ म्राट २०। (शाकिक अञ्चन गृशेदा । ७ भत्रमानन्द (मोत्रच) भत्रिभूर्ग দিগন্তর। গৃহাণ পরন॰ গন্ধ• কৃপ या भवतम्थव ॥ इंडि म्लान म-দ্যাৎ ১১। তত্তদ্বেতা পূ্য পুত্ন-गाराय। ७ जुरीय वन मसुख नाना खग मताङ्य । जानन त्मेत्र ड॰ পুল্ল পৃহতা প্রমেশ্বর ।৷ ইতি ग्लन पर्। ८ १ ध्या (भाका ঘটা সংপ্রা। ও বনস্থাতি রসো ध्ययः मर्ब (रवानाः थ्रा) २यः भुजि शृश्जाः ॥ ইजु। हार्य। वास हरखन घ ण्डाः वास्यम् मूलनं मन्त्रार २०।

ততো ষৃতাদি পুদীপমাদায়। ওঁসু পুকাশো মহাদীপঃ সরত ভিমিরা পহ: ৷ সবাস্থাভ্যন্তর জ্যাতি দী-পো হয় পুতিগৃহ্য তা।।। ইতি মূ-লেন দদ্যাৎ ১৪। প্রোক্ষিত নানা-विश्व देनविष्ठाशित्र मूट्यामू मुया मू-नः मन्धा जञ्च। २ छ। ई। (थनृशू प्या-মৃতীকৃত্য় ওঁ সৎপাত্র সিদ্ধ সূহ-वि विविधातक जक्षणः। निविधानि प्रतिम जानुगाय गृहान उट ॥ इंडि म्राचन मन्त्राथ १८ । जनमानाय उ **अगरु (एवएएवन अर्ब**क्छिक्द्र• श-त•। अथ्छानम्र मण्ण्। गृहान **ज**न मुख्य-॥ इंजि म्लिन मन्त्राट २०। भृत्रंवर भुनद्राहमनीयकः जामृनः गृ-की वा । ७ जा मूल । प्रवास्त्र म कर्न्-রাদি সুবাসিত । কল্লযানি তবেশা-न वहनात्माङ ভূषभः ॥ ইতি মূলেन मम् १९८ १ ७७ खल्पत्वा नगः कानगरेख वंन्सन अर्यप्राट १ ७५। छै-शठात्र मुव्याथात्रमात्न भाषात्रस्त्रताः ह्मिथः भृषश्चा उम्रानः। # । उउ उँ বিষ্ণবে ননঃ ইতি বি: সংপ্রা ঘণ্টা বিতান তোরণ যুক্ত• বস্ত্রাদিছাদিত• বেশ্ম প্রোক্ষ্য ওঁ বিষ্ণবে নম ইতি ব্রিঃ সংপ্রা ওঁতদ্বিষো রিত্যনেন विकु मृद्। उँ उर मिक् । हार्य। वान

इरउन एका छन जिन जनानाहा-ষ অদ্যেত্যাদি অমুক্ণোত্রঃ 🗐 স-যুক দেব শর্মা এভভূণ কাপ্তাদি ম-যবেশাপরমাণু সনসংখ্যবর্ষ সহ সাবছিল স্বৰ্গলোক নহি তত্ত্ব কানো বিষ্ণু পুরীতিকামো বা এতত্ত্ব কাষ্টা **मिमगतिन्य विक्**रिमवंड॰ दिक्क्त कु-खा अष्ट् अम्मूनरम । इंजुर्म्हर । इक्षेत्रामियाय जु अजिम्ब्रेकामियय (वन्य भवगान नगमः । वर्षमञ् দশগুণ কালাবছিম বুর্গলোক মৃহি তত্ব কাম এতদিষ্ট নাদীতি বিশেষঃ । এउर পुठिष्ठार्थः मृतर्भः उद्म्वाः या प्रक्रियाः विकास प्रमाट । भन्ता माठार्गाती পुञिপত्তिः। #। उत्जा (मव॰ सय॰ मृश्या गृश्र भुमक्रिय॰ কারযিত্বা ওঁভদু কর্ণেভি: শৃণুযাম দেবা ভবু• পশ্যেনাকিভি র্যন্তরাঃ ছিরে রকৈ স্তষ্টুবাংস স্তন্তি ব্যসে म (प्रविञ्ज यहागृ: 1 ইত্যনে**ना** ভি नञ्जिजः (हरः गृहः शुर्वभारः ८। ७ (त्वम) द्वामविजूः भूमति इशिता दी इन्। भूका इयान्। इसमार्त ইতি নত্ত্বেণ পিণ্ডিকোপরিন্যদেশ। **७ शिक्षा ७व वीएम बाम् र्छव वा**-श्रवन् भृष् चंव मृत्रस्युः ११ भूशीय वाहनः। इन्जातन स्त्रीन्त्रीए।

পুন দেবি সংপ্জ্য যথাশক্তি চাম্ম ষণ্টা বিভাৰ গো হিরণ্য গ্রাম বা-म उंचाखामिक ममार । उउ खँ যাবদ্ধরাপরো দেবো যাবন্তিগুভিনে-দিনী। তাৰদত্ৰ জগন্ধাথ সন্নিধী ভব কেশৰ ৷৷ ইতি মন্ত্ৰণ পঠেং ৷ ততে ৷ वृत्र मभी ग॰ गङ्गा मः भाका जमा-রোপযেদনেন মন্ত্রেণ ওঁএছেহি ভগবদীশর বিনির্মিত উপরিচর वायुगार्गानुमादिन् बिकन्न शिनिवाः म त्रिभूष् गक्त मूजनाधिलंग मर्ब-দেবতাসমত স্কু শান্তি স্বস্ত্যন-ध भ जवजू नई विश्वान् इत इत ৰাহা ও প্লায নন ইতি ধ্ল সংপ্-জ্য ওঁবিষ্ণবে নন ইতি ত্রিরভার্ষ্য धुक गर्भाका वागहरखन गर्श्वा थाः **(**ন্যভ্যাদি অমুক গোত্র: শ্রীঅমুক **দেবশর্মা নহাপাতকাদি বহুপাপ**-ক্যকানো বিষ্ণুপ্রীতিকানো বা বিষ্ণু (वन्मनि इस॰ धुक॰ विक्रुरेमवछ॰ विक्रुः व ज्ञा भरु मन्त्रुपति। हेजुः श्रम् এउट भुजिहाय मिक्का विकाद मन्। भकामाठार्यप्राप्ती भुजिभ-ৰি:। ততো গৰুডবস্তু সমারোগ্য ওঁসুপণাংসি গৰুত্মাণ জ্বিবৃর্ত্তেশি-রো গাযত্ত্য চক্ষু वृ श्रूष अरत भाकी १रखाम बाबा हन्सा माञ्चानि वङ्कः-

बिनाम मागल उनु दीमरन्त्र। य-खाविख्य शृह विद्वाप्त मकाः र्भूअत्ना श्रामक्यानिस्य गह सः পতে ।। যজুর্বেদী ত । 🗸 সুগর্শো **ৎসি গৰুজ্যান্ ত্রিগৃত্তে শিরো গায়ত্র**• চক্ষু স্তোম আবা। সানতে তন্ বান (मन्) तृरुमुथन्तत भाक्षी यद्धाय-क्तियः भृह्यभून्याः माझानि विकियाः শ্কাঃ যজ্ওঁ যি নাম । সুপর্ণোসি গৰুদ্ধানিদ্ৰ গছ সুৰংপত ইতি পঠিবৃঃ। ওঁ গৰুডায নম ইতি তিঃ সংপ্রুছ্য ওঁনন তে পত্রগ শেষ্ঠ প भगान्तर भुग्ना। द्र भुगानाच श्वाताः भारतयः मिति प्रविद्धाः যথা বু সংপুটকরঃ সতত নতক भद्रः। जरेषव भूद्राउ। विका खु भुमानाख्वानाइ ।। इंजि भूगेक्ष-निः भार्थायः । #। उठः भिष्ठे भु मी भारिना निर्माक्त मर्गाए। जला বি শান্যন বাৃহ্মণেভ্যেভোজ্যানি দ म्राट् । मीनानाथ क्षण विश्वत्राच्या यथामकि महादा ७७: शीयठाः भूखद्रीकाक मर्बराक्डयादा इति:। ভিমা-স্তাষ্টে জগৰুষ্ট পূৰ্ণীনিতে পূৰ্ণি ত জগৎ ৷৷ ততো নৃত্য গীত বাদিত্র नियरेन मंहा ८ मव कृता यहि माव वात्र क्या दिख्या मनावानार्थ ज-

हित्का ब्रिजि विकु मात्र 1 # 1 व्यव कपुषि मठावि পुजिश्वाचा चामना-দিকন্ত ভতন্মস্ৰ বিহাব কেবল পু-শবাদি নমোন্তেন তত্ত্বামা দত্ত্বা যথা যোগ্য ভত্তং কর্মশেষ সমাপ-বেং ক্লেবি গোপথাৰি প্ৰভিত্তাবা उट मभीषा (विभिकाः कृष्। उद्धर कनकारमा विष्कृतीिककारमा वा उ-ত্তৎ পুভিষ্ঠা• করিষ্যে ইতি সঙ্কল্প্য বৃদ্ধিশালাদিক বিধাৰ পাশুক্ত বি-बिना शिक्षाभनामि এड८ कर्माणा श्री-খতা ভগবান্ বিষ্ণু ব্লিভাম্ভ কর্মা कृदा कृशानिय मर्बज्उ ड रे जुड़ा मिक्का॰ मन्त्राट । 🗱 । निगम বুতাদি পৃতিষ্ঠাবাস্ত বিষ্ণুৱিত্যস্ত ক र्थक्दा वुडानुष्ठानः क्दा मिक्शिमिन क अर्या । 🛊 । ज्ञा घरेष्ट्र डालन यजनान गिंडिएक्ट । उन्नथा। ७ जूता खा ग ভिषिक्छ तुका विक् ग्रह स्ताः । वामूप्रदा जगभाय खथा मक्ष र्वा विज्ः॥ भुम्। भागिकका जवस বিজ্যায় তে। আখণ্ডলো ২গ্নির্ভগ-वान् गरमा देव रेनर्शं उ खथा ॥ वक्षाः शदनरैक्टव धनाभाक खथा कियः। বুক্ষণা সহিতঃ শেষো দিক্পালাঃ भारु (उ मरा ॥ कीर्डि वंकी ष् ि (मंश পुष्टिः गुषा क्या मितः। दुषि

र्लका वनुः मासि सिंहः भूडिक माउतः ॥ এठा खा मिष्यिक्छ দেবপন্ন্য: সনাগতা:। আদিত্য শ্চন্দুনা ভৌমো বুধ জীব সিতার্ক-জাঃ॥ গুহা স্তা মভিষিঞ্জ রাভঃ किन्न उर्भिजाः। (एव मानव গ-क्षर्वा यक द्राक्रम श्रम्भाः ॥ अय-থো মুনথো গাবো দেব মাতর এবচ । (नवश्राङ्गा २थुवा नागा रेन्छ्रा শ্চাপ্পরসাংগণাঃ ॥ অস্ত্রাণি সর্ব-শাস্তাণি রাজানো বাহনানি চ। **'अयथानि विविज्ञानि कालम**्रावयः বাচ্চ যে ৷৷ সরিতঃসাপরাঃ শৈলা खीर्थानि बन्दा नहाः। এতা खा নভিষিঞ্জ ধর্ম কামার্থ সিদ্ধযে ॥ # ॥ इंভि मठारिপु ভिश्वाभुर्याग তত্ত্ব সমাপ্ত ॥

মঠর: পু॰ মুনিবিশেষ:। ইত্যুণাদি কোষ:॥

মৃত ই ক মোদে। ইতি কবিকল্ল-জনঃ।। ই মণ্ডযতি। ইতি দুর্গা-দাসঃ।।

नि क्षा इंडि किविक्सक्यः व्याप्रा विश्व तः। इंडि सिमिनी ।। सथ्यि सथ्छि हात्रा कनः। ।। यान्यप्रवागः। इंडि भवत्रा । हेडि भवत्रा । विश्व ।। यान्यप्रवागः। इंडि भवत्रा । विश्व ।। नागिविष्णयः। इंडि किं। भिष्ण हे । विज्ञात्मा। विश्व । हेडि किं। स्वाप्त ।। हेन्युक्त ।। हेन्युक्त । स्वाप्त । स्वाप्त । स्वाप्त ।। हेन्युक्त ।। हेन्युक्त । स्वाप्त । स्वाप्त । स्वाप्त । स्वाप्त । स्वाप्त ।। स्वाप्त । स्वा

३७ पूर्णामानः ॥

भएकः पूर् भन्गुर्जिमः। सिप्तृ ग ३७

जात्रा। ३७ कि विश्वः॥

मण्डुः पूर् वाम्य विष्मासः। ३७ प्रमाः॥

कृष्ट्रक ३७ थ्याउः। विभृत्वाप्यस्य मण्डु विजित्यासः॥ मण्डे विद्रोठि देवि मण्डुः भूवविद्रोठि देवि मण्डाः भ्राम्य विज्ञाति विश्वाप्यम् । मण्डि भन्नी यामि प्राद्रक्त्रा प्रद्राः। मण्डि भन्नी यामि प्राद्रक्त्रा प्रद्राः। मण्डि भन्नी व्याप्ति मण्डि निभारा वा। ३७० ज्ञाः॥

भडूकः भू भड्रवार्डः। ইछि विका-अत्मयः॥

মণ ক্ষে। ইতি কবিকল্পজম: ॥ মণ-তি। ক্ষে ২ব্যক্ত শব্দে। ইতি দুর্গা-দাস: ॥

मिनः भूः खी अभाकािः।। मूका
ि किः। उट्भर्यायः। तदः २ मनी

०। ইত্যমরः।। অস্যুন্তনাः। मनि

तदः সরং শীত ক্ষায় সাদু লে
थनः। চফুষ্য পারণাত্ত পাপা
लक्षी विनामनः॥ ইতিরাজবল্পতঃ
।। অজানাং কণ্ঠস্থিত স্তনঃ॥ লি
व्यागुः।। অলিঞ্জর:। ইতি শেরেরা
वলী।। নাগবিশেষ:। ইতি জটা
ধর:।। নিবন্ধঃ। ইতি হেনচন্দুঃ।।

বিনাদিন কী সিলিজের। ইতি হেনচন্দুঃ।।

বিনাধী সিলিজের। ইতি হেনচন্দুঃ।।

শণিকর্ণিকা দ্রী কাশীস্থতীর্থবিশে-यः। उद्दर्भाख र्यथा। विष्कुः भुजि শিব বাক্যা বুদীয়স্যাস্য তপসো मरहा भाष्ट्रय मर्भागा । यद्याया (मर्)-লিভো মৌলি রহি শুবণভূষণ:। उमाल्माननः कर्गाट् भभाउ म-ণিকর্ণিকা।। মণিভিঃ খচিতা রম্যা ততোহন্ত মণিকর্ণিকা।চক্র পুষরি-ণী তীর্থণ পুরা খ্যাত মিদণ শুভণ।। ত্ব্যী চুক্রেণ খননাছত্ব চক্র গদাধর । মম কর্ণাৎ পপাতেয় যদা চ ম-र्गिकर्गिका॥ जना भुज्जि लात्कव খ্যাতাস্ত মণিকর্ণিকা। জীবিষ্ণুক-বাচ। মুক্তাঙ্গণ্ডল পাতেন ত্ৰাদ্ৰি তন্যা পুরুণ। তীর্থানাণ পমরণ তী র্থ-মুক্তিক্ষেত্র মিহাস্কবৈ।।কাশতে **ৎত্র যতো জ্যোতি স্তদনাখ্যেয় মী** শ্বর। অতো নামাপরঞ্চাস্ত কাশী-তি পুথিত বিভো।। অন্য বরণ বরে দেব দেয়ঃ সোপ্যবিচারিত।। সতেপরোপকারার্থ জগদুক্ষা মণে শिव II जा तुका सञ्च भर्याष्ठ॰ यट কিঞ্চিজন্ত স-জ্ঞিত। চতুর্ ভূত-গ্রামেষু কাশ্যা॰ তন্মুক্তি মাপ্ল্যতি॥ তমিং ভীর্থবরে শস্ত্রো নণিশুরণ-ভূষণো সন্ধ্যা স্থান জপ হোম विराध्यम मूखनः॥ उर्भनः भि

अमानक (मवजानाक भूजन। (भा ज् जिल हित्रग्राय **मी** शामा यत्र ज् यगः॥ कन्रामानः भुयान्तन अञ्चल्छ नत्नक्षः। बुर्ভाट्मर्गः वृरहार्मर् লিস্থাদি স্থাপন তথা।। করোতি या महाभुष्छ। जादायुः कन ग-ত্বর॰। বিপত্তি বিপুলাঞ্চাপি স-ম্পত্তি মতি ভঙ্গুরাণা অক্ষয়া মৃক্তি রেকান্ত বিপাক স্তস্য কর্মণঃ। অ-नाहािश मुङ कर्य यम् छ मुक्तया হুত।। বিনাম্মঘাত মীশান ত্যক্ত্ব। भाषाभाषाना । तिः (भ्यम्। भिः या एक्जू उत्स कगनी यत्र ॥ नानू-**শোচতি নাখ্যাতি ক্রা কালাস্ত** রে ২পি য়ং। তদিহাক্ষযভাষেত্র তস্যেশ দদনুগুহাৎ।।তব পুসাদা खानाङ् नर्व मक्कय मञ्ज ७८। यम-স্তি যন্তবিব্য**ছ যন্তৃতঞ্চ সদাশি**ব ।। जमार्ष्क गर्यमाट क्क्वमन শুভোদ্যণ। ইতি কাশীখণ্ডে মণি कर्निकाश्यान नाम २५ व्यथायः ॥ निकानन क्ली कर्षः। इंडि मदत्र्वा-वनी ॥ तज्ञवनकः॥

स्वितातः श्रु स्वितिर्घितालकाताः दिक्छी। (कोङ्द्रिहेडि ভाषा। उट भग्रायः। देवकिकः २। हेडि (हन हन्मुः॥ न्यायहिस्राम्विक्छी हः॥ गणिउ

মণিকুটঃ পু॰ পর্ভবিশেষঃ।যথা। मिक्टेग्राथ जिद्ध र्गन्नमामनकन्तर চ। নধ্যে সুবতি লোহিত্যো ৰুকা-পুত্র: সমাস্থিতঃ।। হত্ত্বা জ্বং তথা विक उब वान गथाकरता । नत দেবাসুরাদীনা• যথা ভবতিবৈ হি-ত ।। ज्रुत्त्रवाभी फि छ उन् ज्रु त र र-व। महामूब । मर्बालाक हिठायी य (मा इगम् मान माहत्व ।। जगम স্থান সংভূত সংজাতঞ্ মহাসর:। ভস্যস্বৰ-নান চক্ৰে হ্যগ্ৰীবোৎপুন र्खदः॥ न भून काया यया ८ ७०: माञ्चा नरत्राखमः। অপুনর্ভব সং জ্ঞ• তৎসরস্ত পরিকীত্তিত ॥ মণি क्राप्टल विक इंग्जीव अक्ष धृक। गह काम भूमारान विखादिता म• इंजः ॥ इंजि कानिकाभूत्रात ৮० अश्रायः॥

মণিখনিং পু॰ মণেরাজরং। যথা। मलक्षितिः । इंडि मुक्षत्वावव्याः করণ :।

নণিগুবিঃ পু॰ কবেরপত্রঃ। ইতি শব্দ-तङ्गावली ॥ दङ्ग ने**सात्र जि ॥** नांगेहिमा जी स्मानारमोषया अ-य जारधारीययः। इंकि स्मिनि ॥ निविक क्षे रिमधुनका नी नवाक है। তৎপ্রায়ঃ।রতক্রিত ২।ইতি।

स्यामः ॥ মণিতার∓: পু॰ সারসপকী।ই**ভি** রাজনির্ঘণ্টঃ ॥

मिष्वीभः भु ली कीत्रमगृनुगरधाः পদারাগাদিনণিন্যান্তরীপ:। স চ विभूतम्मती वामञ्चानः।रथा। मू ধাসিক্ষো মধ্যে সূর্বিটপিবাটী প-রিসরে নণিদ্বীপে নাপোপবন্বতি চিন্তামণি গৃহ্ছে। শিবাকারে মধ্যে পরমশিব পর্য্যন্ধ নিল্যাপুভন্তি-ত্বা॰ ধন্যাঃ কভিচন চিদানন্দলহ-त्री ।। इंड्रानन्तवहती ॥

गणिशर्वा शृ भितिति। भयः। यथा । তত্তো ২ভ্যবাদ্বিশ্রেষ্ঠ নভিভে। মণিপৰ্বত । তত্ৰ পুণ্যা ব্যু ৰাতা श् वर कामलाः नुवाः॥ नगीराः **ए**स्यर्गाना मिञ्जूय मिया कद्र । **७** विन्र्यं। वर्गानि एए म नश्रुम्तनः া সতোরণ পতাকানি দ্বারাণি শি থরাণিচ। বিদ্যুদ্পুঞ্জিত মেঘাভঃ পুবভৌ মণিপর্বতঃ ॥ হেম চিত্র विज्ञातिक भागारि क्लामाजि-তঃ। তত্ৰ তা হেনবৰ্ণাভা দদৰ্শ ম-धून्तनः ॥ गञ्जर्वानुत्र मृथ्यानाः लिया मुश्ठित उथा। मम्मं भृश्व শ্রেণীঃ স'কদ্ধা গিরি কন্দরে।। নর-दिन **স**মাनीजा दक्कानानाः सम्बन्

ত:। ইতি নহা ভারতে ছরিবংশে 'মরকবধাদ্যায়া।।

মণিপুর ক্লী ষট্চক্রান্তর্গত নাভিমধ্য **इ ठ्डीयहक्र•। यथा। उन्दर्भ** नाजि (मरम जुर्मान्तर महत्त्र छ।।त-याज विमुत्राज्य वङ्ख्यामय **७ जः॥ गणि विष्क्रिः ७८ शम् ।** ণি<del>প্র</del>• তথোচ্যতে। দশভিক্ষ দ रिन ग् कि छानि काडाकताति उ।। শিকেম্বাধিষ্ঠিত পদ্ম বিশ্বালোকন काরगः। ইতিতস্ত্র•।। তৎস্বাধিধান शर्दिनाङ्ग (मत्म **ভि**ष्ठे । यथा । এতং পদাস্যান্ধ্ দেশে নহাপদ্ম• সুৰুল ভ॰। দশপত্ৰ॰ নীলবর্ণ সজ-ष- (यात्र क्षत्रक- ॥ जानि कारिष्ठः नहरेनु क शक्क इक्षां जिल्ला जनः। তন্মধ্যে বীজকোষে নিবসতি সত ভ বহিবীজ সুসিদ। বাহে তথ্ৰ পুরাখ্য নব তপন নিভ স্বান্তিক ত্রভাগে॥ স্বর্ণকাখ্য মিদ দেবি नर्रापव পुभूषिछ । नाकात विङ् वीज्ञक मरेमव (सव वाइन ॥ कपू। ল্য-ছি ত্ত্ৰৈব নহানোহস্য নাশ न । जनुकाली महाविष्ठ। वामजा-গে সুশোভিতা।৷ইতিনিৰ্বাণভক্তে ৬ পটল:।। তত্ৰ দেবতীর্থণ যথা । स्विभूत (५५ जीर्थः भक्ष अ अ तावतः। उञ्ज विकासमाञ्ची भी द्वानितः। मुक्ति शिष्ट्रा । इकि मपुन्यानिकः।। स्वामध्याउरमण्डाः मिन्निः। स्वामध्याउरमण्डाः मिन्निः। कृत् । कृत् ।

भिन्दः श्रु जिनानाः श्रवंगक वि-(भिषः । उट्शर्य) गः । जस्नाः २ श्रवंगकः ० जलन्तः ८ । ইঙি जिका ७ म्यः ॥

मिण्डि: जी तन्नगुर्थनः। उट. शर्यप्रायः। अधिन २। इति मद-तन्नविगाः।

ন্দি গুপঃ পু॰ রত্ত্রন্যগৃহ । যথা।
নধ্যে সুধান্ত্রি নিদিগুপ রত্ত্বেদী
সিংহাসনোপরিগতা গরিপীতবর্ণা । পীতাম্বরাভরণনাল্য বিভ্
বিতাঙ্গী দেবী ননানি পৃত ন্মর
বৈরিভিন্তা ।। ইতি ক্রুণানলে

वगनास्त्राज् ॥

मिन्नहः क्री रेमक्षवनवनः। ইতি बाजनिर्धण्टः॥ পर्व उतिरमयः। ইতি भागिमञ्चल होकायाः ভরতः॥ भगिमान् वि भगिविणिष्टेः। बङ्गञ्-विठः। भगि बसीठि मञ्भु जुरु एयन निस्नमः॥

भिगाना खी हातः॥ महक्र ठिति । मिन्दाः। देखि । मिन्दाः। हिल्ला । मिथिः। हिल्लि । मिनिशः। हिल्लि । मिनिशः। हिल्लि । मिनिशः। हिल्लि । ।

মণিরাগ• ক্লী হিস্কুল•। ইতি রাজ নির্ঘণ্ট:॥ মণের্বর্ণে পু•॥

भिन्दः श्रू॰ नागितिष्मयः। भिन्दा-मखुर्श्य व भुजुरयन निज्ञमः। ইजिः मिकाखरकोमूनी ॥

মণিবীজঃ পু॰ দাডিমবৃক্ষঃ। ইতি রাজনির্ঘণ্টঃ।।

নশিসর: পূ॰ মুক্তাহার: । যথা।
ঘটযতি সঘনে হৃচযুগ গগণে মৃগ
মদ কৃচি কৃষিতে। মণিসর মনল॰
তারক পটল॰ নথ দশ শশি ভূষি
তে।। ইতিগীতগোবিদের ৭ সর্গঃ।।

মণী স্ত্রী মণিঃ। ইতি ভরত দ্বিক্প কোষঃ।।

भगीठक क्ली ठम्मुवर्गक्षभाग । তৎ পর্য্যাयः। ইন্দুকান্তঃ ২। ইতি ত্রি- কাওশেষ: 11

मनीहकः भुः मद्मात्रक्रभक्की। यथा
। याणानी मद्मात्रकः माङ्कलमएख मनीहकः। ইতি হারাবলী।।
मनीव वा मनिजुनाः। मनिनासन
मह हेव नम्मा यशे उद्भुक्ष ममामः॥ भुथम। द्विवहनान्त मनिनासाद हेवार्थ व नाद्मन वा नास्मारमाद हेवार्थ व नाद्मन वा नास्मान।
रमाद हेवार्थ व नाद्मन वा नास्मान।
सन्वा हेिंड मिक्कान्नरको ॥
मनीवकः क्री भूमः। हेिंड हमहन्मः॥
मन्वेभी क्री क्राम्मारमानको ॥ हेिंड
ताक्रनिसंन्देः॥

मशेः भू॰ वहंकविष्णवः। माँछ। इंडि हिन्दी ভाषा। यथा। मिन्छा॰ मर्फ-रयहारेका कंट्या भि ह मसरयर । व्यमास वहंक॰ कृषा भटिर मिर्मि सि नीत्रम॰।। এला लवस कर्मू त्र मित्रारित तलक्ष्छ। मक्कियषा मित्राभाक ठठ स्थः ममूक्तिरः।। व्यम् भूकातः म॰मिष्का मशे इंडित इन्ह्रा व्रद्या वलाः मुमध्रता स्थः । भिजानिल हरता क्रिता ही स्थानी-ना॰ मूम्किजः॥ भुकातास्त व्या । मिरा मर्कता मर्सि निर्णिड।

অপরেপি যে। পুকারা অনুনা তু ল্যা স্তে হপি চৈতদ্ভণাঃ মৃতাঃ।। हेि बाजनिर्घणेः॥

म ७ क्री भू॰ मर्दिषाममन्त्रामीना-মণুরসঃ। মাঁড্ ইতি गাত্ ইতিচ ভাষা। ইত্যমর ভরতৌ।। সারঃ॥ **लिइ** । इंजि (मिनी ॥

मुख् क्षी मुखा इंजि (नितनी।। मुखः भू॰ वज्ञुखतृकः॥ भाक्षाक्रमः। इंडि (मिनी ॥ मस्र ॥ ज्या ॥ সার্থ।। পিছ°। ইতি হেমচন্দুঃ।। দুর্বিঃ॥ ভক্তাদিভবরস:। তস্য লক্ষণ । ভক্তৈ রিনা দুবো মণ্ডঃ পেয• ভক্ত সমন্বিত•। ইতি রাজ্ঞ-निर्घण्डः ॥ 🕸 ॥ व्यथ्य म ७ म ५ वक्का বিধি র্গণাশ্চ। তণ্ডুলানাণ সুসিদ্ধা-না॰ চতুদ্দশ গুণে জলে। রসঃ সি-ক্লৈ বিরহিতো মণ্ড ইত্যভিধীয়-তে।। শুशे रेमक्रव मः युक्ता भी शनः পাচনক্ষ সঃ। অন্নস্য সম্যক্ সি দ্ব্যাত্র জ্রেয়া মণ্ডস্য সিদ্ধতা॥পে-या गृष गवाग्ना वित्नभी जकत्या व्रिश उम्र खनाः। मखा गुारी वयुः भीखा मीপনো शाजू जानाऽ क्टा जुत्र अर्था वनाः भिज শ্বের শ্নাপ ইতি ভাবপুকা भाग अस्ति न्यो र शिक्षाव्या व

न्ध खि विष्माधनक भागभूमः भागि-**७ वर्ष्वनम्छ। ज्**राभशाती कक भि-ख रखा वायु करयम डे एरना रि म ७: ॥ 🗱 ॥ वाजन ७ । १ १ जनता मार তৃষ্ণা নিবারণ:। জ্রাতীসার শন-ता १८ वर्षायाम् शाहनः ॥ ॥ ॥ वाहेऽमएडा २ ग्रिबननः म्लाना इ वि नामनः। भाहता भीभाना कृष्णः भि-उ (भूगानिनाभरः ॥ वाहे।भएषा ভৃষ্ট যবমণ্ড:। ইতি রাজবল্পভ:।। মণ্ডক: পু॰ পিঞ্চকবিশেষ:। মাঁডাইতি हिन्सी ভाষा। यथा। शाधुमा व्यवा ধৌতাঃ স্বিতাঃ শোষিতা স্ততঃ। প্রোক্ষিতা যন্ত্র নিগ্নিষ্ঠা শ্চালিতাঃ সমিতাঃ মৃতা:।। বারিণা কোম-ला॰ क्वा मिछा॰ मासू मर्पाय । হস্তচালেন যা তস্যালোপ্ত্রী সম্য-क् भुमात्रस्य । अस्थामू श्र विरेम्। **७**ष्टिख्ड॰ भुक्तिरभष्टिः ॥ मृद्ना বিহ্নিনা সাধ্য: সিন্ধো মণ্ডক উচ্য-

তে। बाछी बिही इंडि बाकि॥

पूर्विन माङ्य थएउन मधक छ-

कृर्यम्बः। व्यथवा त्रिकः गाःसन

সতক বইকেন বা।। তদ্য গুণা:।

मखरका व्रश्ला व्रवता बलता कि

करता ज्मा । भारक श्रेभ मध्रता-

गारी वधू (फायवया शहः ॥ इंडि

 जावनुकामः ॥ #॥ गी जा ङ्वित्म यः। यथा। कर्राभुगः कवाभण क भवः मुम्पत उथा। भक्षा वला वला **শ্চিত মণ্ড**া: यहे পুকী खिठा: ॥ জযপ্রিয়ো হ•সতালে লঘুমধ্যে য-मा अकः। छनविष्ण जाकरित युक्ति। द्राम वीतः न व डंट ॥ नघू खंक नघू যত্র হংসতাল: স উচ্যতে। ১। कनारभा तक जारनन यूरका (तरे पू त्रात्र हि नः। द्वाविः मञ्जूकरेत यू-का नयु तारनो खक **दग्।। नयु ता**-দৌ গুৰু দ্বন্দৃ বঙ্গ তাল ইতীবিত: । २। वय घन्तुः अक रेक्टरका श्री-লোহত্র সগণাত্মকঃ। পঞ্চবি শত্য-करेद्रः महाय कमनः नाड शमह-(या: ॥ ७॥ छक (त्रका नघु मन्मृ॰ ত্রিপুটে ভগণাত্মকে। অস্টাবিংশ **७**ऽक्रदेवस मृक्षात मृन्तरत गठः॥ 8 !। आफ्रो छक नयू र्माक्ष श्र छ। **ং**ত্ত ভূ**ন্ধ** তালকে। একরি শত্যক্ষ रेत्रस वींद्र मक्त मखकः ॥ ६॥ ষ্ড্ৰিতাপুএকে তালে গলসাগল গাত্মকে। চতুক্তি শদক্ষরে। ২য॰ বল্লভো রৌদুকে রসে॥ ১॥ ইতি मङ्गी उत्तारमामद्रः॥

মতান ক্লী ভূষণ ।। অলক্ষরিফুনি ত্রি ইতি নেদিনী ।। চতুর্ধা মণ্ডন वारमा ज्या मान्यानूरनश्रीनः। ইঙি महा ভারতে माक्ययः ॥

गखनः म् क्षे क्षे क्षे विद्याग्य है। उट्न न्यः। प्रवादित ख्रान्यः २। इंड न्यः। प्रवादित ख्रान्यः। इंड न्यः। प्रवादित ख्रान्यः। इंड न्यः। प्रवादित ख्रान्यः। इंड न्यः। प्रवादित ख्रान्यः। इंड व्याद्यः। प्रवादित ख्रां विद्याद्यः। इंड व्याद्यः।

नखयतः श्रु व्यवः॥ वश्रनः ॥ निः ॥ व्यवद्यातः। ইতি निकालकोगू-म्यामूगामिन्खिः॥

মগুৰম্ভী ন্ত্ৰী যোৰিৎ। ইতি নিকাণ্ড-শেব:॥

मखती खी षृष्ती। ই ि हातावनी
मखनः की हन्तु मूर्य प्रशाविहर्त हेनः।
हन्तु मूर्य प्रशाविहर्त हेनः।
हन्तु मूर्य प्रशाविहर्त हेनः।
हन्तु मूर्य प्रशाविहर्त हेनः।
हन्तु म्रा शावावावा त्य प्रा क्षणा मुर्य प्रशाविह हिल्ला स्था। वा का व्य प्रा क्षणा स्था। मानावा त्य प्रा क्षणा स्था। मानावा त्य प्रा क्षणा स्था। स्था विह स्था स्था। स्था विह स्था स्था। स्या। स्था। स्था।

ইবার্থেক:। ইতি ভরত:॥ #॥ চক্র বালা ইভামর: ।। তভু মুওলাকা িরেণ পরিণত সমূহ নারণা মণ্ডলা-কার দিক্ সমূহ:। ইতি নাধবী।। চ ক্সেব্ৰ বালে৷ ব্লন মস্য চক্ৰবাল• वाल र्चाक वालः मनीयानिदार ल স্য ডত্ত্বে চক্ৰবাডঞ্চা কি**খা** চক্ৰেণ চ কাকারেণ বাডতে চক্রবাড• বাড্ড আপ্লাবে অল্। ইতি ভরতঃ।। 🗱।। কোঠরোগ:।।দেশঃ। দাদশরাজক•। ইতিদৈদিনী ৷৷ সচদেশ: সমস্তাদ্বি• শতিযোজন• চত্বারি•শদ্মোজন• বা। ইতি কেচিৎ।। গোল। ইত্যনেকার্থ কোষঃ॥চক্র•। ইতি ত্রিকাগুশেষঃ॥ **স** घाउ:। ইতি হেনচন্দুः॥ नथाय। ७ । ইতি भद्रभाषा ॥ ४ दिना श्रान পঞ্চকান্তৰ্গত স্থিতি বিশেষঃ। যথা। নাওলা লার পাদাভ্যা• মণ্ডল• স্থান র্গারিত । ইতি প্রবরত্বাবলী।। ব্যা যুনখাখ্য গদ্ধুবাং। ইতি শব্চন্দু कि। ॥ तूरक्ति **भयः । यथा । जिर्याग**् বৃত্তিক নণ্ডঃ স্যান্ডোগে৷ হরাবৃত্তি-রে ক্রিন্ড সর্বতো বৃত্তিঃ পৃথ গ্রুভি রুশংখতঃ ॥ ইতি ভরত ধৃত হানত কিঃ া পুহা িনা নওল भक्षान ७८ ाप्तिक्ष वथा। मर्ख भारत मुस्ताना े िनखाइतर व्रविः

। রবে কজু<sup>\*</sup> স্থিত: সোম: সোমান ক্ষত্ৰ মণ্ডল ।। নক্ষত্ৰেভেগ বুধ স্কু • व्याम्कृ उ ভार्गवः। उत्यामकात्रकः শ্চোদ্ধ • ভস্য চোদ্ধ • বৃহস্পতিঃ।। তমাৎ শনৈশ্চর শ্চোজ্ব • তদ্যোজ্ব ম্যিনওল । ঋষিভ্যাচ প্র শেচাজু भागाष्ठः विनिवः धुर्त । व्यामिल्र निवाया द्राष्ट्रः क राहिष्ट (मान नार्श-**उः ॥** সূर्यं मुखल मः श्रु विज्रुः কেতু: প্রসর্গতি। নব্যোজন সহসা-ণি বিস্তারো ভাস্করস্য তু ৷৷ বিস্তারা-প্রিন্তনঞ্চাস্য পরিণাছে তু মণ্ডল। ष्टिन्धः सूर्य्य विखादाष्ट्रियादः मन्नि-ন: মৃত:।। দ্বিগুণ ন্তুল্ঞান্য य-থৈব সবিত্য স্তথা। চন্দুতঃ বে।ড.শা ভাগে। ভাগবস্য বিধীয়তে।। ভার্গ-वा८ भारशेनस विख्खाया वि वृह-স্পতি:। বৃছ্পাতে: পাদহীনৌ বক সৌরাবুদাছতৌ।। বিস্তার মণ্ডলা-ভ্যান্ত পাদহীন তথো ৰূ ধঃ ৷ বুধ তু-न्यानि श्रकाणि मर्ख 👰 नि यानि जू ।(याजनार्क भूमार्गान (उट्डा इस॰ न विष्ठाः । ब्राष्ट्रः भूगं। भुगागञ्ज क-দাচিৎ সোম সম্মিত:।। তমাৎ পুছ পুমাণস্ত কেতৃ ত্ত্নিযতঃ মৃতঃ। इंजिएची भुद्राण गुरुगिज नीमाध्या-यः ॥ #॥ कृषिम म खन विधिर्यथा।

'ठजूर्रस' मगात्र**ड** गाव**षस भेउ**॰ · ভবে<। मण्डल· তত্র কর্ত্তব্য মত উष्कु '• न कातरय ।। विभवः विषयः खु विमान मृजम मिव । वर्षमा नक रेमवक लंडाकः काममायकः॥ ৰুচক• স্বন্তিকাখ্যঞ্জ দ্বিদ**শ•** ইতি মণ্ডলাঃ। সিতাদি হরিতাম্ভাশ্চ র-बाः कार्गाः जूमाजनाः॥ मानि ষষ্টিক কৌসুদ্ৰ রন্ধনী হরিপত্রজাঃ । মণি বিজম রাগাশ্চ ভস্মনা অ ভি-মজিতা:।। সিতসর্বপ ধুপাঢ্যা র काः कृदा जू भाउत्यर। अञ्जताकः ন্যদেশান্ত্রী সম্ভবেতি পদ• পিবা ॥ जत्मान्यानः भुजः कृदाशामस्यताशः (निभिज्। इन्ह्रनाख्य क्श्रं क्यांन ধুপাধিবাসিত ॥ ভ্ভাগ সুমিত। সিদ্ধ পূর্ব পশ্চিম কোত্তর । যাম্য युष्टिक न ८ मारिनाः मूरेव र्वार्गा ख পত্ৰলৈঃ ৷৷ পদ্মপত্ৰাষ্টক মধ্যে দ্বি-গুণ ত্রিগুণ পিবা। দ্বারাণি সম-সূত্রাণি ক**পি**কা কেশরোজ্জ্বণ।। প ন্য•তথাবশেষাণি <del>য</del>স্তিকান্যুৎপলা নি চ। সব্যাবলম্ব হস্তম্ভ রজঃপাত॰ भगाहत्त्र**्॥ मध्यानामिका भूरि** क পরিষ্টাত্মথেপ্রয়। অধােমুথাঙ্গুলি॰ ক্রা পাত্যে ভু বিচক্ষণঃ ।। সমারে बा তু কৰব্যা ধ্বিছিমা পুঞ্চি বিচ্ছিত। 🏻

। जाकू है भई रिनभूगता मना कार्यता वि-জানতা।। সংসক্ত বিষম্প স্থল বিদ ছिम क्वताव्छ । পर्यास मर्भिष्ठ रुष गालिथ्यं कमाठन ॥ ज॰जारक कनरः विन्याषञ् (त्रस्थ ज् विगुरः। অতিস্থানে ভবেদ্ব্যাধি নিত্যু পীড়া विभिन्ति ॥ विन्मृ चि र्चय मार्था তি শত্পকালসংশযঃ। ক্যাযাঞা-र्थश्वानः ना दिहित्त मत्रण धुत्।। বিযোগান্তু ভবেক্তস্য ই**প্টদু**ব্য**স্তস্য** वा। यविषिद्या नित्यष्यस्य अवस्य यथ्यभ्रमा ॥ मर्ब मायानवार्थाञ व पावाः भूबं जाविजाः। इंडि দেবীপুরাণেপুস্লাভিষেকচিম্ভানানা-थ्यायः ॥ 🛊 ॥ সূर्य्य म ७८न (म्दानाः हि जि यथा। अह यन् भू बयन् (एव॰ ज-পেচুরবি মণ্ডলে। আদিত্যমণ্ডলে দেব- ধ্যাত্বা বিষ্ণু মূপৈতি ত ।। ঞ্চা। ভোজন মণ্ডল॰ যথা। যাতু ধানাঃ निमाहाण व्यमूता द्राक्षमा उथा। युष्ठि (कवन भयमा मञ्जनमा विवर्ज-নাৎ।। আদিত্যা বস্বো কুদাবুক্ষা চৈব পিতানহঃ। মণ্ডলান্যুপজীবস্তি তমাৎ সর্বন্তি নণ্ডল।। চতুংকোণ षिजाशुम् जिंदगान कवियम जू। षिकागाक् कि विनामा म् मुना वर्षु-नः नरा ॥ इंडात्रः व्हरभूदात

णाह्निकज्लानागाभागः॥ মণ্ডল 🚇 বিষণা ইত্যমরঃ॥ দ্বে চন্দুসঃশরীরে উপচারাদাদিত্য-স্যাচ ৷ বেতি শোভতে বিষঃ বী**ল**ি কান্তি গত্যাদৌ নান্নীতি ডিম্ব:। বিশ্বতি ভাতি বিশ্ব:। সৌৰো ২য निजि सामी । मुख्यजि मुख्य नामीि जनः जियाः ननामिदाः মণ্ডলী চ। ইতি ভরত:।। मखनः भू॰ अङ्गुतः। ইতি मिनी ॥ नर्भाष्ट्राम्यः। ইতি विश्वः॥ भृष्डनैंक क्ली विष्यः ॥ व्यक्षः ॥ मर्भा•। ইতি মেদিনী ॥ মণ্ডলাকা-র বৃংহঃ। ইতি জটাপরঃ।। मुख्यकः भू भक्कतः। ইতি ध्वािः॥ মঙলন্ত্য ল্লী মণ্ডলাকারন্ত্য । তৎপर्यायः। रुज्ञीयः २। ইতি শ-द्यामा॥ ग ७ न भ कि । अपने विकास मिल्या । ইতি রাজনির্ঘণ্টঃ।। मधनागुः 💎 ५५३:। ইত্যমর:॥ मधनारिकः द्वी । द्वि । **३७ नम**ः 12 3 बिक्तिविष विकास में अविद्या चेत्र । उट शर्मानः । १५३ है। इंडि एइम्-

FRE LLT ....

প্ৰতিটি লং সং ১ইতি নিসাও

(भैयः ।। विछानः। ইकि भैद्रगोना ।। জাহক:। খউাশ ইতি ভাষা ইতি হেমচন্দুঃ।। বটবৃক্ষঃ।। গো নাশ সর্পঃ। ইতি রাজনির্ঘণ্টঃ।। मखनी खी मृर्वा। ইতি ছারাবলী। मखल**णः** भृ• मखलण्यतः। **७**० भ-ব্যায়:। একজনা ২ ভ্যাপহ: ৩। ইতি ত্রিকাণ্ডশেষ: ॥ মণ্ডলেশ্বরঃ পু॰ ভূম্যেকদেশাধিপঃ। অন্যে ভ্ষেত্ৰ দেশাধিপো মণ্ড-लियदः महाट। मखनमह व्यति सि-ত্রাদিরপস্য দেশস্য ঈশ্বরো মণ্ড-**(व**श्वतः। একদেশাধিপ ইত্যर्थः। न्यात्र खन वामन्त्राज्य ह स्मान চ বিম্বে চ কদয়কে চ। ইতি বিশ্বঃ। इज्ञानद्रिकायाः ভत्नजः ॥ जन्र লক্ষণান্তর•।চতুর্যোদ্ধন পর্য্যন্ত ম-ধিকার নৃপস্য চ। যোরাজা তৎ-শতগুণ: সূত্রব মুর্জলেম্বর: ॥ ইতি वुकारिवरार्ख बीकृष्णक्रमथए ৮७ व्यथ्रायः ॥ মণ্ডহারক: পু॰ শৌণ্ডিক:। ইত্য-गतः ॥ ন্তা জী সুরা।ইতি হারাবলী।। षामनकी। इंडि (मिर्नि॥ मिखिजः भू वोक्षगनाधिभविरमयः। हेि (हमहमु: ॥ ভূবিতে वि

के जाता है।

भिक्षः भू (जिकः । ইত্যমরः ॥ भागकः ॥ मूनिविष्णयः । ইতি भिक्षिती ॥ गाम्यकाः। ইতি भक् प्रदावनी ॥ वक्षविष्णय क्री । ইতি विश्वः ॥

मञ्कर्माः भृ (मातानाकवृक्षः। इंज्युः मतः॥ (मानकः। इंजि स्मिनी॥ सञ्कर्मा जी मिक्षिश्रा । वृक्ष्मी। इंजि त्राक्षिति ॥ आपि उठ्जका। इंजि त्राक्षिति छोषा। ज्यश्विति म्यः। यूनक्षि इंजि जाषा। ज्यश्विति म्यः। यूनक्षि इंजि जाषा। ज्यक्ष्मानिका द। इंजि त्रवृत्ती । मञ्क्रमानिका द। स्वाका स्वाः। मञ्क्रमानिका वद्यो सङ्गाका मत्रा हिमा।। भारोष्ठतः। मञ्कर्मानिका वद्यी क्ष्मा दाज विद सन्द। इंजि त्राक्षतक्षा इः॥

মণ্ড মাতা স্ত্রী বান্ধী।ইতিরাজ। নির্ঘণ্ট:॥ভেক্সাতাচ॥

न ज्ञा श्वी मिक्षिशायथा। मिल्रा ह न जागिष्ठ (र्घन पृष्ठी ह जिल्ह्यी। इंजिमक्याना॥

মপুকী জ্ঞী মপুকপণী । ইতি মে দিনী ।। আদিত্যভক্তা ।। বান্দী । ইতির।জনিঘণ্টা ।। মূপবিশেষা । পুলস্টা ইতি ভাষা । ইতিরয় भाना ॥ षृष्ठेरगाविट । इंडि नेपः तञ्जवनी ॥ मञ्जूकशङ्गी । इंडि व्रा-कत्रगः ॥

न **ध्**तः क्ली भुः (मोहममः। उर्भः র্য্যায:। শিহ্বাণ ২। ইত্যুমর:॥ সিংহান ৩ সিংহাণ ৪॥ মণ্ড:ত-लाइ (वष्ट्रेंटि जिम्हार्ड लाइ।-দ্বি ভক্তে বা মণ্ডয়তি ভূষয়তি ঔ-শধ্বাদ্যোগিণ মিতি বা মণ্ডুর কি-মডি ভূষে মডিড্ বিভাগে বেষ্টে নাশ্নীতি উরঃ। ইতি তট্নীকাযাণ **७३७: ।। अम्र ७१: । लि**स्टिन-ত্ল্য:। শ ভবরে। ছ • মঙ্র মৃত্র-। অশীতি বধীৰি নধ্যম। বঙ্কি বৰী য নধন ৷ অতো ন্যুন বিষ-जुन्। यथा। यह्नारु यहुनः (भूः क उट किष्ठेकानि जुहुन । म তোজ্ব মুজন কিউংমধ্যঞ্চাশীতি वार्विकः ॥ जभनः वश्चिववीयः ७-তে। হীন বিষোপন। ইতি রসে-न्द्रविखामिनः ॥

म् अप्तानकः क्षी हिन्द्रागः। विहित्तः वर्गः ॥ आडर्भगः। आनिम्मना। इंडि मिरिनी॥

মৎ ব্য অনুধ্নহণ। অত্বং ত্ব ভবতি ভুক্তবতি অনুধ্ন মুখ্য মুদ্ধবন্তীতি সংশিপুসার ব্যাকরণণ।। অস্প্ भदाहि পुछ। एवं क्टि उल्लेक य यम्भद मा नमारम्भाविश्वयः। ইতি ভৌকাষা পোষী हन्तः॥

नठः क्री नगरः। उट्नर्गायः। इनसः २ व्यक्तियः २ व्यक्तः ६ जायः ६ व्यामयः ५। ইতি हम-हन्मः॥

गडः वि जयातः ॥ छाडः । ইडि भिन्नो ॥ षर्हिङः । ইडि एहन हम्द्रः ॥

मडकः भू मृतिरङमः ॥ म्बः।

मठक कः शृ रुखी। रेठामद्वः ॥
मठक का की शुल्यः। रेठामद्वः॥
मठः की दृष्णः। रेठामद्वः॥ रुष्ण।
माठः। रेठा मिनी॥ पार्याः॥
माठः। रेठा मिनी॥ पार्याः॥
माठः। रेठा मिनी॥ पार्याः॥
मिल्युम् का शृणःमयः कवारठ दुक्ष
मानमा । यमा यस चरण कवा उद्याः
जिक्षा क्या चरण कवा उद्याः।
॥ ॥ मठिक द्वी व्यवस्था । श्रीः।
। ॥ ॥ मठिक द्वी वयः प्रथा। श्रीः।
। व्यवस्था । व्यवस्था । व्यवस्था ।
। व्यवस्था । व्यवस्था । व्यवस्था । व्यवस्था ।
। व्यवस्था । व्यवस्था । व्यवस्था । व्यवस्था ।

गाक्ष । अप्र व्यथायः ॥

गिक् जो का का जिल्ला की ॥ गिन् ने

पोक्ष शः। इं जि जाक निर्य गेः ॥

गिक् शः शु े वृष्टि कुः शः। उट शः

गिक कु शः की े यायः। कु शः ० मि
था गिकः । खु शिकः । इं जि निकः ।

जो विका ।।

মতিবিজু সঃ পু• উন্সাদরোগঃ। ইতি রাজনির্ঘণ্টঃ।।

मिडिष्ठः जि व्याजिणयव् विनान् । इंडि मुक्षरवाषवताकद्रगः ॥

गटकः भू॰ गटजनः। इति भद्र-गाना॥ गटमप्रक्रिनि जि। इति न्याकद्रनः॥

भटलाः श्रू की देवि स्वाः। हातरामका हे जि जाया। उट मर्यायः।
त्र जमायी २ त्र जातः २ म्ह्र का मुयः ४। हे जि ता कि निर्मा मुन् कुयः। निर्मिया गहरी ॥ निः म्या मुन् कुयः। मालना है जि जाया॥ नातिर्मितः। है जि स्मिनी ॥ कड्डा जायः। है जि स्मिनी ॥ कड्डा जा-

দ্বে জারকে ক্র মথগন্ধাজনোদক। মুহু করে জারকোন্ডগ। ।

বিস্তানিকটুক জন লবণ চূর্ণ মুক্ত
ইতি শব্দরব্রাবলী।।

মান্যাবিভাগে সর্পি মহন্দারিঃ পুণ ইন্দুশেনঃ। সিদ্ধি

্র্যুসন্দ্রিত। নৃষ্ণেক ভক্ষিত জ ইতি ভাষা। ইতি শব্দালা।। প্রাক্ষিত্বল প্রি॰ পরা॰॥ ইতি । মতঃ প্ৰক্রন্দ্রতী। মাত ওণালা

इाजी इंडि ভाषा। उर्शर्यप्रायः।। পুভিন্ন: ২ গর্জিত: ৩। ইত্যুসর: ॥ धुखुतः॥ (काकिनः॥ महिषः। ইতি त्राजनिवकः॥

মত্তঃ ত্রি হৃষ্টঃ।। মত্ততাবিশিষ্টঃ। তৎপর্য্যাयः। শৌত্তঃ ২ উৎকটঃ ১ ক্ষীব: ৪। ইত্যমর: ॥

মত্তকাশিনী) স্ত্রী উত্তমন্ত্রী।ইত্যমরঃ भ उकामिनी । भ उ इव की व इव क-সতি গছতি মন্তকাসিনী কসজ প (ञो गुरुानिजातिन् मस्य मध्या ॥ नः ৰেব কাশতে ভাতি মন্তকাশিনী তালব্য মধ্যাপি। ইতি ভরত: ॥ মত্ত হী । ইতি শ্ব-गाना॥

मखतः भू ममाधिकः। मखा **९**ठि गरः। अयम मदार उउत्रभ् भु-ত্যযেন নিম্নন্ধঃ। ইতি সিদ্ধান্তকৌ मुही ॥

**म**खवाद्रभ• क्ली श्रामारवीशीना॰वद्र-ওঃ। কোঠারবারাণ্ডা ইতি ভাষা।। অগাশুবঃ। পাঙ্কনাবরণ । ইতি (इनहन्तुः विश्वन्ह।। भात्राम वीशी-नाः ज्ञ ७ दृक्ष वृज्यः। ज्ञन्तवृक्षवृज्ञि इंडिह भार्थः। इंडियि किनी।। भूग ष्ट्रीः। इ**ि नद्राला**॥

भछवात्रगः शृ॰ श्क्रिमक**छे अक्षत्रः।** ॥

মতহন্তী। ইতি মেদিনী ছেম-ठन्म कि II मला जी मिनता। इंजि ताजनिर्धण्टः नङानम्नः भुः भाक्तावत्रपः। ७८ भर्यप्रायः । व्यभाभुयः २ भुशीदः ० মত্তবারণ । ইতি হেমচন্দু:।। निख्नगमना जी जीविष्णयः। मख-गडागामिनी। इंडि (इमहन्मः॥ क्री माबामीना गृष्टिः। उट পर्यायः। वन्धः २। इजिल्हमहन्युः॥ भव इंड क खर्छाको। ईंडिकवि कन्नक्रमः ॥ म्डावर्गास्त्राभवः । इ ক ড ইতি পুর নম্বয়তে নৃপো হয-मिजि मूत्रादिः ॥ मखहेज्यत्तेनत्व है সিজে ইদন্বন্ধো বেদেষ্টারণ 🐷 मार्थः। इंजि मुर्गामानः॥

मद्भाः श्रु॰ मद्भाः। इंजुानाहि-लायः॥

म् नगणेः भु वाञ्चनिवास्यः। मू न्रावक इंजि थ्याजः। उद्भर्यायः । गनगुरु:२। ইতি শব্চন্দ্রি।। म भारतः भू॰ जन्रभु अदियः। ३७८-মরঃ।। ক্রোধঃ। ইতি নেদিনী।। মৎসরঃ ত্রি অনহাপরসম্পতিঃ। मा ( मर्यापुकः ॥ क्षाः। ইত্যমর निनिकत्त्रे॥ आञ्चश्विक्कावृदि-(भवः। यथा। निनति मारे जन:

লোকা ধিগন্ধ নন জীবনং। ইত্যা-। আনি ভবেদ্যন্ত খিক্লার: সচ নৎ সর:।।ইতি পান্মে ক্রিয়াবোগসারে ১৬ অধ্যাব:।।

म्बर्भा की मिकिन। इंडि मिनिने म्बर्भा श्री श्री व्यन्त्रभृ उप्ति । उट भर्यश्रीयः। कर्षिक्षभः २ पूर्वनः ३ शि भूनः ८ मृहकः ६ नीहः ५ विकिन्तः १ थवः ৮। ইভি হেম্চন্দুः।।

मर्माः भू श्री बनक्र स्विष्णवः। भाह्र हैं जि जाया। उद्भर्गायः। **अ**पूर्वामा २ समः ७ मीनः ४ देनमाः রিণঃ ৫ অওজঃ ৬ বিসারঃ ৭ শক नी ৮। इंडान्द्रः ॥ मक्ती अवयः आञाणी >> अख्या >> म्कः २० जानगरः २३ कणेकी २० मही ১৬ महः ১৭ অনিমিষः ১৮। ইতি **भ**क्तवावनी ॥ ७मा खगाः । वृष्ट गद्या अक्ष्या मुक दक्षनद्वा व-नाज्ः। जिलादः। उक्ताः। मश्रः ष्। कक भिखः कब्रदः। व्यायानाः ধুরত দীর্গ্রানাণ পূজিতত্ব। বা **ए**द्राभ **रत्रदक्ष ॥ #॥ वृह्या या** গুণাঃ। গুৰুত্বশা শুক্ৰলত্বশা নলবন্ধ कातिवृक्षाक्षा सम्बद्धारमा खाः 1 लनुष्काश्रामिक्ता पुरुषीतात्मः रिउद्काशका ्करायाज्ञा লযুত্ত । বিশ্বত । বাতমুত্ত । বহি বর্জনত্বঞ্চ।। 🗱 ।। পাওর মৎস্যগুণাঃ । (नार्वाद् । त्रिथद् । एसद् । नवाजिरिद्या 🗱 ॥ कृथिज मूट्रा मा वर्षाट भृजिन्दमामा खाः। प्तायनवुः।।कः॥ मृहम् मा ख्रा विश्वेष्ठिष् । मूर्जेतप्ष ॥ # ॥ नदन ভাবিত নৎস্য গুণাঃ। কক পিত্ত कर्त्रपुरा मात्रकष्या 🗱 ॥ मा गागुमु मद्भा द्वाः। लयुक् । व्वाकः। मः **ब्रद्रा यञ्जनवाजात्रिद्धा मामृपु**ः গুরবো ব্যা: সিংখাফা বাত নাশ नाः। इंजि भावास्त्रः॥ #।। नात्रयः नब्भा ब्याः। (समानवः। व्यप्तः। मध्रेद्रपुः। यञ्जनान्तर्कप्रकृषः॥ 🛊॥ সর স্তড়োগ ভব মৎ স্য গুগৌ। স্থিত্বতু । चाम्त्रगद्थः॥ अपि महाहुम छक न ८ न 🍱 । विज्ञ 🗃 🗃 न । विज्ञ न 🗃 न । वनाः ॥ 🛊 ॥ मक्तर्यम् अगः। ख-कर्ना व्याद्धा व्रश्नाद्धा वन वर्षा नद्रक ॥ 🛊 ॥ रेडल करन युक म्थ्रम् স্যুগ্ণঃ। ক্ষীণশুক্র ভগ্নজর্জরিত নি ভাজীসেবি ক্ষীণভেম্বসাণ হিত কা-तिष् ॥ #॥ भवाव (विश्वे कर्पन লেপিতাকার দক্ষ সলবণ বেশবার পুরস্ত সাদুক কটুতৈল সম্ভোলি छ मर्मा स्याः। सामूदः। कक वाङ

रत्रवः। मूकनवः । वनः वर्षः नद्भः ॥ 🕸 ॥ चा कन्टम्या था वाञ्चन छनाः । ङ्म्रद्भः। व्यर्द्धः। शृष्टिमद्भः॥ ॥। म< म) घणे एगाः। वलकत्रवुः। वाज रुद्रदुः। অভিশय द्वाष्टनज्**था ::**॥ শিরসি খ্রুকেশধারি মৎস্যগুণাঃ। मृथि পुषद्व । इराद्व । मुख्य विकद्ध । ইতিরাজবল্লভঃ॥ ঋ॥ অপিচ। নি:-मन्तानिन्ति जा मर्माः मर्ति मन्युजा हिजा:। वशुः हिर्याक्रता वीया वल शृष्टि विवर्षानाः ॥ श्रा इन व न गाजन निशंत उडाग वाली बालम् (य मटः ग्राः। (७ २ जिङ्गा नारम्या यत्थाः खद्र॰ वयु उदास्त्र नारम्याः ॥ 🗱॥ काताचू न ८ मा छत्रादा विमाहिरना विश्वेष्ठना (उ न्यानं वाहिकाः। नाना শ্রিতাঃ স্বাদুজ্লান্তিতা অপি জেয়া কডা তে হলি তথাৰিত। ইমে ॥ ळेित द्वाजनिर्घण्टः ॥ 🗱 ॥ व्यथ क्रु मु- ॥ स्या ख्याः। क्षृत्य नहाः सापूत्र-অ। দোষ এয বিনাশনাঃ। লঘুপাক। क्षित्रताः भर्तमा ८७ हिजा भजाः ॥ # ॥ व्यथा जिक्क नुस्ट मा अंशाः । আতি সূক্ষাঃ পুণস্তুহরা কচ্যাঃ কা का निवाशकाः। 🛊 ॥ व्यथम ८ महा-ख ७गाः । म्हन्यार्जा ज्**नः** वृ**यः** शिकाः शृहिकता एकः। कक सम

পুলো বল্যো প্লানি কৃন্মেছ নাশনঃ ।। 🛊 ।। অথ শুষ্কনৎস্য গুণাঃ। শুষ্ক-गएनता न वन्ताः महम् र्जद्रा विध्वन क्तिनः। 🗱 ।। यथ प्रथ न ८ मुख्याः। मध्य महरम्या खरेगः (मुक्तः भूष्टि कृषन दर्जनः । 🗱 !। जाय क्षजामि मूट्मु खगाः। क्ष्रन्य मुक मूब क्ष त्युच्य विवर्षानाः । **अर**वाङा सथूताः সুিগ্ধা বল্যা বাত বিনাশনাং॥ #1। बारम्या वृष्ट्रा बद्मा एत्रा १वि ष नामनाः । त्रक शि डकत्र<sup>ी</sup> ्य प्रः शिष्काकाः चन्न वहमः॥ 🗱॥ कि ড্যা: পিত্ত হ্রা: সিঞ্চা মধুর। লঘ বো হিমা:। তাডাগা গুরবো ব্যগ্রঃ শীতলা বল মূত্রদা:।। তাডাগ বন্ধি र्भंतका विनायू में छि पृक्कताः । 🗱 ॥ অথশতু বি:শবে মৎস্য বিশেষগুণঃ । एमा क्षजा मर्नाः निनित्र সারসা হিতা:। বসন্তেতে তু নাদে-যা গ্রীয়ে চৌঙ্য সমুজ্ঞবা:।। তভাগ জাতা বৰ্ষাসু তাম্বপথ্যা নদীভবাং। निर्वात्राः भविष (भुष्ठा विष्णाया १य-मूमाङ्जः॥ ইতি ভাবপুকাশः॥ 🗱॥ মৎস্যোৎপত্তি কারণ কথা। তত্ত-ন্তু নিত্রাবকণে ভাতরৌ বুক্ষচারি-নৌ। তদ্ধ দেশ- গতৌ দেবৌ বিচর-छो यम्ह्या ॥ जान्याः जन कमः

দৃষ্ঠ। উর্বশী ত্ বরাপ্সরা:। তপ্তী∥ সহিতান্যাভি: সথীভি: সা বরান না।। সৃদ্বরণ হি গীতেন উর্বশ্য মধু রেণচ। ইক্ষিতৌ চ কৰাক্ষেণ কন্দ ত স্থাসুভাবপি ॥ তণ্রিধা পতিত (त्र उ: कमाल २०। इत्ल काल। कम লে হথ বশিষ্ঠন্ত জাতো হি নৃনি স ন্তমঃ ।। ছলে ত্বগন্ত্যঃ সম্ৰতে। জলে মংস্যে। মহানতে। ইতি নারসি হ नुदार्वः ७ व्यथायः ॥ #॥ मट्ना छक्र**न**्रीनरवादा यथा । रया यम्। সশ্সি মশ্বাতি স তথ্যা সাদ উচ্যতে । मर्मातः मर्बमा मान ख्याबर-म्त्रान् विवर्जारय ।। इंडि मानत्व ६ काश्यायः ॥ अ। जल इल हता (य ह পুাণিন স্তামৃতানপি । ন ভক্ষো-নবো জ্ঞানী হম্ভা তেষাশ ভবেন্নহি॥ एदा एदा ज् मर्मामी मर्दियाः যো বিশেষতঃ। মাণসাদঃ প্রাণিনাণ ধ্যা হপি ভমামৎস্য পরিভ্যৱেৎ II ইতি পাম্মে:ভরখণ্ডে**১**-৫ অখ্যা यः ॥ 🗱 ॥ वर्जनीय मूट्जा यथा। শূণু দেবি পুৰক্ষ্যামি মাণসভেদামি বোধ মে। নাদেয় তিক্তকমঠ পশ্ শৃঙ্গিণ মেব চা৷ গোমীন চক্রশঙ্গল दुष्ठालः द्राध्यः ख्या। वाशीनः हल ৰ প্ৰ সচক চেক্স মেব চ।। ভূবিল

कानिकक्षक भारक्यानि दियन्त्रंय ॥३७ म८ मार्ज्क महा छ छ । #!। রবিবারে মুৎস্য ভক্ষণ নিষেধাে যথা । আনিষ রক্তশাকঞ্চ যো ভুছে চ त्रात फित्न। मधजय ভবেৎ मधी म-রিদুশ্চোপজাযতে।।ইতি ভবিষ্য-প্রাণা। মাব মামিব মাণ্যঞ্জ মসূ त॰ निम्न भ धकः। ভক্ষ राष्ट्रा द रवर्द्वाद সপ্তরমান্যপুশ্রক:।। ইতি তিথ্যা-**पि** उत्तुः ॥ # ॥ कार्त्तिः क मर् मा छः क्क १ नित्यरक्षा यथा। न मार्त्रा॰ ङक्क-(यमा भ न कोर्य नान । एए व हि । ह-शाला कायर ज्ञाजन् कार्डिक मा॰ म जक्रपार ।। ইতি नात्र रीयभूत्रापः ॥ #॥ माघ रेवणाथरया ईविया तुका-চর্য্য বিধানাৎনৎস্যভক্ষণ নিতরাণ निषिष् भि छि क् छ। छ द्व मर्भना ८। #॥ জন্মতিথৌ মুৎস্য ভক্ষণ নিষেধাে यथा। आभिषः कलरः हि॰ नाः वर्षः वृष्को विवर्जाय । अभिन । ज्यु गस নিরামিষ সহি ভবেজ্ঞান্তরে প-ণ্ডিত:। ইতি তিথ্যাদিতত্ত্ব• ॥ 🛊 ॥ শৈবস্য নৎস্য ভক্ষণ নিষেধাে যথা । কুনদ্য কু শিবে ভক্তিঃ কুনা স কু **लिवाईनः।** बद्या नाः म तलानाः दि দ্রে ভিঠতি শহর: ।। ইতি কাশী-थ७ ।। 🕸 ।। ना ७ कार देनदिन्रार्ख

ज्यक्ष व निष्यो की त॰ वर्जाय । পঞ্চনথ নৎস্য বরাহ মা•সানিচ। ইত্যাহ্নিকত ভুষ্ত বিষ্ণুসূত্র।। #॥ বিদ্যু পর্বত্যু পশ্চিমে নৎস্যভ क्कृग निरम् था। विकामा भाकि-নে ভাগে মৎস্য ভুক্ পতিভোনরঃ৷ ইতি পুরাণ ॥ #॥ কামজো মৎস্য ख्कु भारकितः यथा। मदम्याः স্কু কামতো জখা সেপেবাস জ্ঞাহণ वरम् । ज्ञानं उपक्रां। इंडि भागिक खित्वकः ॥ 🗱 ॥ मर्ग छ ক্ষণ প্রতিপুসবো যথা। মৎ স্যান্সং শল্পান্ ভুঞ্জীত মাণসং রৌরব মেব চ 1নিবেদ্য দেবতাভ্যুক্ত ব্ৰা**ন্ধ**ণেভ্যু**ক্ত** नानाया।। मकत्रः मिः इत् ७४ ७था शाठीन त्राहित्जा। नव्मा खुःउ সমুদ্দিষ্টা ভক্ষণায তপোধনৈ: ॥ প্রোক্ষিত ভক্ষযেনেষা না সঞ্চ **चिक्र**कामाया। यथा विधि नियुक्तक প্রাণানামপি চাত্যযে॥ ইতিকৌর্মো উপরিভাগে ১৬ অধ্যায়ঃ॥ অপিচ । পাঠীন রোহিতাবাদ্যে নিযুক্তৌ र्वा कवारयाः । त्राजीवान् तिः हजू ভাশ্চ সশন্ধাংশ্চৈব সরশ:।। ইতি मान्दव ६ व्यथुरायः ॥ 🗱 ॥ व्यन्दिर्दर न (जा क्वर्रः मूट्मरः माः मक्ष यक्त (दe। अम विका भाषा मूब यहि-

ক্ষো রদিবেদিত । ইত্যাহ্নিকতত্ত্ব • ॥॥॥ (পুত्रभाषा मर्गामान विश्वि র্যথা! সমিগুকিরণ ধাবৎপ্রেজ্যা-षा छ বে। ডাল । পালা । পালা বিব কর্ত্ব্য সানিষেণ দিলাভিভি: 11 ইতি শাদ্ধতত্ত্ব ধৃত কামধেৰু বচনং।। न ८ माः श्रु भीन विष्णवः॥ विद्रार्धः (६ण: ११ नाजायनः । ইভি एक् महस्तुः ॥ দেশবিশেষে বছৰচনান্তঃ। ইতি (निरिनी।। श्वारणदाणिः ॥ यथा। मट्राविशे क् मिथु नः जर्गरः जवीः १॰। इंड्रापि क्यां जिख्या में भ অপ্তাদশ পূরাণান্তর্গত পুরাণ কি-भियः। यथा। भूगाः भविक गायुष् निषानी मृग्ठ विकाः। नाष्त्राः भूतान मिथल यड्जगाम गमापतः ॥ ইতি নৎস্যপুরাণে ১ অধ্যাযঃ ॥ #॥ দশাবতারান্তর্গত পুথমাক-তার:। যথা। সূত্রউবাচ। পুরারা-का मन नाम भीगवान विभूषः उभः । भूष्य ताज्यः जनात्त्राभ्यः कन्।-वानुविनन्तनः ॥ भवयरेभाकरमः जू महाज्ञां ए मन्युजः। ममदूः थ मूर्था वीदः भाखवान्याग मूखम्या বভূব বরদ শ্চাস্য বর্ষায়ত শতে গতে। বর বৃণীয় প্রোরাচ প্রীতঃ স ্কন্লাসন:।।এব মুক্তো ২ বুবীদুৰে।

পুণম্য স পিতামহং ৷ একমেবাহ-নিছানি ব্ৰোবর মনুত্রম॰॥ ভ্ত গু। সম্ভা সর্বস্থাবরস্য চরস্য চ। ভবিতা রক্ষণে যান পুলযে সমুপ **স্থিতে** ৷৷এব মন্তিতি বিশ্বাত্ম**৷ তবৈ**-বাস্ত্রধীয়ত। পুস্তৃত্তিক নহতী-থাত্ পপাত সুরার্গিতা॥ কদাচি-माभुत्व उत्र अर्बेजः शिव् उर्शनः। পপাত পাণ্যে ৰূপরি শফরী জল স•যুকঃ ।। দৃষ্ট্বা তছফরী ৰূপ• স দ্যা-লু মুক্রীপতিঃ। রক্ষণাযাকরোন্দর म उमिन् कत्राकामात्र ॥ वास्त्रातात्व ণ চৈকেন যেডিশাঙ্গুল বিস্তৃ য়ঃ। সো ২ভবন্নৎ স্য ৰূপেণ পাহি পাহীতি চাবুবীৎ॥ স তনাকাৰ মলিকে প্ৰা-ক্ষিপজ্জলচারিণ। তত্তাপি চৈকরা-ত্রেণ হস্তত্রয় মবর্জত ৷৷ পুন: পুাহা-र्खनारम्न मञ्जूकित्रगाञ्च छ। जन्-স্যঃ পাহি পাহীতি ত্বা মহণ শরণ গত:।। ততঃ স ক্পে ত॰ মৎস্য প্রাহিণোদুবিনন্দন: । यहा न মাতি তত্রাপি ক্পে নৎস্যঃ সরোবরে।। किएडा श्मी भृथ्जा मागाए भून র্যোজন স্থিতঃ। তত্ত্রাপ্যাহ পুন-क्री नः পार्वि भावि नृश्भाखमः॥ ठ-তঃ স মন্না ক্ষিপ্তো গঙ্গাযা মপ্য विश्वा यहा जहा मगुष्ट्र जः श्राकिः

পন্মেদিনীপতিঃ ॥ যদা সমৃদু মখি-ল ব্যপ্যাসৌ সমূপস্থিতঃ। তদা-পাহ মনু ভী তঃকোপি জ নসুরেখ-तः ॥ व्यथवा वात्रुत्मव खु गन्। त्रेम्क् कथः ভरवट । योजनायुक विः भक्रा কস্য তুল্য• ভবেদ্বপু: ।। জ্ঞাত স্তৃ• यएन। कार्भा भारक्षित्यनि (कण्व। ক্ষীকেশ জগন্নাথ জগন্ধান নমো **ংস্ক তে**। এব মুক্তঃ স ভগবান্ মৎস্য क्षी जनार्षनः। সाधू সाधि छ।-বাচ সম্যক্জাত স্তুযান্য। অচিৱে-रैं व कारणन (मिनि) (मिनि) शाहरी ভবিষ্যতি জলে মণ্ন৷ সশৈল বন কা-नना ॥ तो ब्रियः गई (एवानाः निका-यन विनिर्धिं ३। महाजीवनिकायमऽ রক্ষণার্থ মহীপতে ৷৷ বেদাগুলো-फिल्डाय रेव यह जीवा जवायुकाः। व्यम्प्राः निथाय मर्दाः साननाथान् পাহি সুবুত।। যুগান্ত বাতাভিহতা यहा जविज (नो न्ना ) मृत्क श्रिन् मम द्रारकन्द्र उरम्भा अ यिष्ठिम ।। ততো ল্যান্তে সর্বস্য স্থাবরস্য চর-স্যচ। পুজাপতি স্তৃণ ভবিতা জগত भृषिवीभाउ ॥ এवः क् उगुगम्याति नर्बाछ। धृष्ठिमाम्भः। मन्डदाधिभ ৈচব দেব প্জ্যো ভবিষ্যসি।। ইতি न ना भू तिक् म वादि भु

भा मार्ग भूषभाष्ठायः ॥ विखात्रस्र গ্রীভাগব**তে ৮কন্বে২৪অধ্যায়ে দুই**-वाः॥ 🗱।। जना मञ्जभाग भूजामि यथा । मक्त डेवाठ। এक बवा खब्या ८ म्या বভার: কল্ল আদিমে। ভস্য মৃত্রু॰ পুৰক্ষ্যামি ভক্তি মুক্তি পুদাযক ॥ তারো ননো ভগৰতে ম• মৎস্যায় র या वर्ष । बार नाक्त मञ्जा १य॰ मूनि वुंका मभीविजः ॥ गापबीहम्स উদিত (দবতা भीनविगुरः। ভগ-वान् भार्वजीनार्था वीकः 🗐 शक्की-লক ।। নাভ্যধোরোহিত সম আ-কণ্ঠঞ্চ নরাকৃতি:। ঘনশ্যান শচতুর্বা-হুঃ শত্ত্ব চক্র গদাধরঃ।। শৃক্ষীনৎস্য নিভোমুর্জা লক্ষ্মী বক্ষো বিরাজিত:। পদ্মচিছিত সর্বাঙ্গ: সুন্দর শ্চাক < लाठनः ॥ জ< भिष्मामम সाह्मु · विः मधारिक खिरेना इंतिए। भुजाइ॰ ভদ্দশাংশন বৈশাথে ক্লান্তিকে ত থা। নাষে চ নার্গশীর্ষে চ হবিষ্যাশী জিতেন্দ্রিয়ঃ ॥ আরভ্য ভাদু বহুল गष्टे वा व्याउभारकः। वन्त्री मनुः জপেন্নিত্য নিদঞ্চাপি কলাশত ।। **उरेथर (शम: कर्डर) खथान। मिराम-**যু তু। তৰ্পযেদ্বাদশ শত তিল ত पुन वन्तरेनः ॥ आङ्ग ख्या भजास्त्री চ তর্পবেচ তথা শ্রিয়ণ। রক্তোৎপ-

रेन की भीषा की मानजारिमाः मून-দ্বিভিঃ।। এবং কৃতে বর্ষমেকং মজ্জ-সিধ্ধিঃ পুজাযতে। নিত্য দ্বাদশ বি-नुाःम ञ्रीक्रशक मुवामिनीः॥(ভा-कारयद्भ कनका मा हादा की वा भारयद जेरा । बहेशव कर्निकायाक औ्युड॰ (प्रव सर्हरायः ॥ यह्नावत् यज्यानि যভেদ্বাহ্য চতুর্দলে। মঞ্ক সকর क्यां भिण्यातक পूर्व उः ॥ जन्नाश्च श्डेमल न्डाप्रः कात्राम्।ः मश्रमिक् वः। उद्याश्चक्षम् । भूक्षा र्। मूक्षा-म्ताः क्वीयदाः ॥ जम्र वात्थ् अङ्ग मल त्रज्ञानि जु ठजूर्यन । अमृ मुकानि भूबानि वन्त्री कोञ्चलकानि ह।। गत्राम्याः (याउन ७ए७। महानम्यः भुभूब्राय । उठ नहारे प्रता (वरान्-शर्वर ममन्जिन्।। रिशीमा॰ क मञ्जानि नवावत्रन भूजनः। এवः मि-ৰূ মনু ৰ্মন্ত্ৰী জায়তে সিদ্ধি ভালন।।। এতদুক্ত শত মস্ত্রণ জপেদ্রোত্তরণ শত। তদ্বেতা দিনে সিদ্ধ: পুস্ত-কাদেব জায়তে ॥ অঙ্গঠিত প্রযো-शिषु न भून खमा मः ऋजिः। এउৎ পল্লবিতামজা মম সিল্বান্ডি পার্ব-তি।। এতৎ সংপুটিতাঃ সর্বে বৈদি-काः निष्कतः कला। जातन गृष्-তা জপ্তা: কলেশ্চ জত সিক্ষিণা 😢 🤜

गर मान

ইতি মেক্তজে ২৬ প্কাশঃ।।
নংস্কর জিকা জী নংস্কর ক্রমণপাত্র । থালুই ইতি ভাষা। তং
পর্য্যায় । মংস্কানী ২ ক্রেণী ৩
। ইতি জটাধর:।।

মৃৎ্স্যুগদ্ধ। জী লাক্লীযুক্ষ:। সচ জলপিপুলী। ইতি জটাধ্য: রাজ নির্ঘণ্টশ্চ ।৷ ব্যাসমাতা । ইতি ম-হাভারত ।।

म् नाम्यान्तः भू खनामयान्यर्गान्यः र वाक्ष्यं । जद्भर्यद्वायः । गलगुरुः २ । इति सम्हिन्द्वा ॥

मधुत्रा त् र शी व्या प्रकारियोगिका म्डा ।। ইতি ভাবপুকाने। । । म् मा की चार्षिकातः। इका गदः॥ इक्षिणच माद्रमनाह्म थ-अर्याम् नात्र ज्रा के जिकाका রা জায়তে সা মৎ স্যক্তী। বঙ্গা-লুক মিছিরী ইভি খ্যাতে নগাত্ ইতি খ্যাতালি মৎস্যপ্তীতি কে-हिट। मद्ना आकात वृष्ट मद्ना-श्री मनीवानिद्वारज्ञ नमाहिद्या-मीन् बएना मनिकि मदमा की यन পুাণৰে ডঃ ইত্যন্যে। মদ স্বান্তে মংস্যঞ্জীতি কেচিৎ। ইতি ভন্নত: भएमाभा हो मएमहःकार्यमावः াখার্যী ইতি খালুই ইচ্চিচ্ ভাবা ा छ८ भर्यायः । अस्त्री २ । इंछ्र-নার:।। নৎস্যকরপ্তিকা ৩ খার্ঘি-का 8 मध्यावसनी व अरेविनः ७ হ্রবেণা ৭ হ্রপিনী ৮ হ্রপেনিঃ ১। ইতি ভরতঃ॥ সামন্নাচেৎসপিনী . ভবে । ইতি শবর রাবলী।।

म्द्रमानकः भूः स्वत्रभक्ती। ই उ ভ्रिभ्यागः॥ मद्रमानकर्द्धेत्र वि॥

মৎস্যনাশন: পু॰ ব্ররপক্ষী। ইতি হেমচন্দু:।।

म नामिडा जी करूताहियी ह

१८ इंडाप्रतः ॥

गट मानकी भ् धीततः। यथा। किवर्त्ता भीवता मामा मट मानकी ह

जानिकः। इंडि इनाय्यः ॥

गट मानकी जी मट माना मी। इंडि
इनाय्यः ॥

गट मानकः भ भ मट मानक्षिमी।

इठि ज्तिन्तगा ।।

गटमा देवः भू भिक्किति स्व ।। गट्मा देवि जावा। जटमा गार्।

विभागी २ जनमृ : ० गणि हकः ८ ।

हेठि इतावनी ।। गटमा स्व :

६ गीन दं इं ५ मटमा देवि ।।

गटमा दा हिठ में प्रदेश है ।।

गटमा दा हिठ में प्रदेश है।

हेठि विकाल स्व :।। विद्रा हे दा का ।।

हेठि में स्व ।।

ब्रज्ञावनी ॥

मर्म्यानिकः भू मर्म्याक्षन विष्यः।यथा। मर्था १काति मम वर्गात्मगति क्षमक् जः। माम् कः कर्रे वर्णन मर्म्यमस्निकः (यए।। ইতি শব্দ हिनुका।।
न र मानी जी हिन्सा हिका। ইতি
जिका अभ्यः।।
न र मानी जी जन निश्रनी। ইতি
जा जनिर्यणेः।।

মৎস্যাশনঃ পু॰ মৎস্যরঙ্গকী। ইতি ত্রিকাগুশেষঃ।। মৎস্যভক্ষ-কে ত্রি।।

मट्माकी की वाकी। इंडामदः॥

ना ह मानवाराः। वृक्षीमारक

इंडि क्टिट। इंडि ड्यप्टः। क्या।
वाकी वयष्टा मट्माकी भीन्यकी

रमानवल्लेत्री। मट्माकी मिनिया

कहा वृत्ताय क्यांगरा।। इंडि

प्राप्तवल्लेत्रा। गलपूर्वा। इंडिप्राल्लनिर्वार ।। हिन्दाहिका।। वृक्षीभाकः। इंडि प्रद्रमाला।।

मट्मी की जीमट्माकाडिः। इंडि

मूक्ति व द्राक्त १।।

म ( गाम जी की न ज द की। ना ह

व त त जी म जी के कि कि है।। का न

मी इ जी थे विष्म व :। यथा। देव न।

मी इ जी थे विष्म व :। यथा। देव न।

मामु: न ना या जा: न खा जी है।

मुं कि को। मूर्गा नि देखः कृ जा नी है।

मुं कि को। मूर्गा नि देखः कृ जा नी है।

मुं कि को। मूर्गा नि देखः कृ जा नी है।

मुं कि को। मुं कि को। नि ह ।। हिका।

कि को। कि को। न मुं कि मुङ्

তান্যপি। ততঃ শৈল নহাদুর্গ তৈঃ। कामी পরিতঃ কৃত ॥ পরিখানি कृ जानिन्ता भ्रथिता स्वावि-मा। मट्रिगाम्त्री हिथा काठा विश् द्रयुक्त भूनः ॥ उत्र अर्थः सर् ্যাত মিলিত গান্ধ বারিণি। যদা ेम•ांत्र मार्गिंग ग**का**ग्रः भुमात्र पि-হ।। उना मध्यानती जीर्थ नज् **उ भू**ग्रागोत्रवाट । भूग्रा वन्त्रमाः পর্য তদা কোটিগুণ শতং ॥ সর্ব পৰ্বাণি তবৈৰ সৰ্ব তীৰ্থানি তত্ৰ বৈ ्रक्रीवैव मर्व लिकानि गका मराम्। मती य उः ॥ मद्रमा मर्याक (य मा-তা যত্ৰ সভাপি নানবাঃ৷ কৃত পিঙ शुपानां एउ न माजू करात नियाः ॥ অবিমৃক্ত নিদ ক্ষেত্র নৎস্যাকারত্ব माञ्च या । भिद्रिजः च्रुवी वादि न गोत পরিবীক্ষতে।। মৎস্যোদ-र्यं। क्ञ न्नाना (य नन्ना एउ नर्त्राज-মা:। কৃত্বাপি বহুপাপানি নেক্ষন্তে ভান্করে: পুরী•া৷ কি• স্নাত্ম বহু তী-র্থেষু কি॰ তন্ত্রা দুম্বরণ তপঃ। যদি মৎস্যোদরী সাতাঃ স্বতো গর্ভ ভ্য• खडः । यो यव **हि निकानि नृ (म**-व्य क्लानाशि। उब न्दरम्यान्ती॰ ্ণ্গ্র স্মাতো নোক ভারন ॥ अधिजीयानारनकानि जृतुर्वः सर्गः

তান্য পি । ন সমানি পর তানি কোট্য শেনাপি নিশ্চিত ।। ইথ তীর্থ কৃত তেন বিভো কৈলাস বাসিনা। গণাধিপেন সুমহৎ সুম-হোদর কর্মণা।। ইতি কাশীখণ্ডে ৬৯ অধ্যায়:।।

মথ জ এ গাহে।ইতি কবিকল্পজনঃ
।। জ মস্থ: মধঃ। এ অমথীৎ। ইতি
দুর্গাদাসঃ।!

नथ हे बरहा हेि कविकन्नकरः॥ हे महाउ। बरहा वश्वला। हेि पूर्णामानः॥

मर्थनि क्री विर्णाउन । म'छ्या इंडि ভाষা। यथा। क्राइ • मन्द्र मिंडि : क्रि-म • मथन • क्षीत्र वाति (थः। कि • उज अत्र मापूर्वियज मङ्क्षि मन्द्र ना। इंडि क्षी ध्रमानी।।

नथनः श्रु॰ गिनकातिकाव्कः। ইতি . तञ्जनावा ॥

মথিত জ্বী নির্জলযোল। ইত্যনর:।। অস্য গুণা:। কফ পিত্ত নাশকত্ব:। রোচনত্ব:। ধাত্তপুষ্টিদত্বঞ্চ। ইতি রাজবল্পত:।। বিলোডিতে ত্রি।।

মথুরা জ্রী স্থনামথ্যাতপুরী। অধুনা আগরা ইতি থ্যাতস্যাগুবনস্যন-গর•। তৎপর্য্যায়ঃ। মধুপত্ম• ২। ইতি ত্রিকাওশেষঃ।। মধুপরী ৩

भ्यता । इंडि नेप्रज्ञावनी ॥ ना ह भाक्तरायक**ीर्थ•। यथा। जार**गाध्या मथुत्रा मारा काभी काकी व्यवस्ति।। পুরী দারবতী চৈব সম্ভিতানোক্ষদা यिकाः॥ व्यापाद्या ज्ञामनगत्री सञ्जूता কৃষ্ণ পালিতা। এতান্ত পৃথিবী মধ্যে न गगुः छ कर्महन॥ श्रीवानश्नृ वृगुङ्भ অযোধ্যা সামস্থাপুরী। মথুরাকেশ-বোৎসৃষ্ট সুদর্শন বিধারিতা॥ইত্যা দি ভূতশুদ্ধিতন্ত্ৰ।। 🗱॥ তত্ৰ বিষ্ণু मर्भन माशाजार यथा। यदिन्तर मुक्र हारमार माजा दि यम्नाकला। मथ् রাযা হরি দৃষ্টা পাুপ্রোতি পরমাণ গতি॰।। যমূন। সলিলে স্নাতঃ পুৰু-ৰে। মনিসভন। জ্যেষ্ঠা মূলামলে প क्क चारमा गूभवामक् ।। नम-ভাষ্যাচ্যুত সম্যক্ মণ্রাযা সমা হিতঃ৷৷ অশ্বমেধস্য যজ্ঞস্য প্রাপ্নোo प्रिक्**ल क्ल ।। किल्फिन्स्य ८ अ**र ल जानः कानिकी मनिनाश्लुनः। অছ্যিষ্যতি গোবিন্দ্ মথুরা্যা নু পোৰিতঃ ৷৷ জ্যেষ্ঠা মূল সিতে পক্ষে ख्रिनवः दयमभूरछ। भन्नामृष्कि भवा-প্ল্যান স্তারিতাঃ সম্বল্যে ডবৈঃ।।ইতি বিফুপুরাণে ও অংশে ৮ অধ্যায়ঃ la । जन्या भाषाजाः यथा। वताक উব্চে: ন ব্দ্যতে চ পাতালে নাভ

जीत्क म मानृष्य । जनपुः मरद्राया हि शुरु मम घमुक्तात्र।। म्छ छेवाह। তচুত্বা বচন তস্য পুণন্য শিরসা छमा। शुग्रानाः भव्नमः भूग्रः भृषी वहन मजुबी ८ ॥ भृषित् । वाह । शु इतः रेमिय रहित भूती वाताननी उथा। এতা হিত্বা নহাভাগ নগুরাং কিং পুশ-সসি ॥ বারাছ উবাচ। শূলু-কাত্রেন বসুধে কথ্যমান স্বান্য । মথুরেতি চ বিখ্যাত নান্তি ক্ষেত্র॰ পরে নম ।৷ সা রম্যা চ সুশাস্তা চ জ अञ्भिः शिया मन । मृत पाच यथा खोनि मथ्दाः भाषकादिनीः॥ ७-মিবাধী নরো যাতি নোক্ষণ নাস্ত্যত্র नः नयः। नहामायाः भुवात्न ज्य ফল লভতে নর:॥ তৎফল লভ **७ (मर्वि अथूतायाः** नितन मितन । कार्जि ह्यास्किव यद भूगा भू इदि जू বসুন্ধরে।। তৎ ফল লভতে দেবি मथुद्रायाः पित पित । भूर्ल वर्व महः भ जू वाद्रागमास यट कल । उट ফল লভতে দেবি মথুৱায় জ্বানে-ন হি ॥ নথুরাঞ্চপরি ত্যজ্যযোহন্যত্র অক্তে রতি। মূঢ়ো ভুন্তি সংসা রে নোহিতো মায্যা ম**ন** ॥ য**: শৃ**-ণোতি বরারোহে মাথুর মন মৃত্ত ল । অন্যেনালারিত শ সন্ধ্যা

क्लि भारेभः भुज्**ठ**ऽरउ ॥ श्**थिव**ऽ१॰ । যানি তীর্থানি আসমুদু সরা সি চ। मध्दायाः गमिष्रान्ति मूखि हिव बनाः फर्तन ॥ मधुताः भमनुभाभा भाषाः কৃত্বা যথা বিধি। ভূপ্তি যান্তীহ প্রিতরে। যাবৎ ছিত্যপুরুষনঃ।। ে বসন্তি মহাভাগে মথুরা মিতরে জনাঃ তেপি যান্তি পরা•সিদ্ধি• নৎ भुगानात मन्मयः॥ ज्ञामुक (नी-করবে নথুরাযা বিশেষত:। বিনা-সাংখ্যের যোগেন মৃচ্যুতে নাত্র সং-শ্বঃ দেন্থুরায়া• মহাপুর্ব্যা• যে ব र्गेष्ठि गृहित् ५३%। विविভिक्षा शुरा-জারে। যে বা তে নরবিগুছাঃ ॥ ভ-विष्णानि नजारताः इषाभरतं गुग मः স্থিতে। বধাতি ভূলবংশাচ্চ ক্ষতিয়ঃ ञ्चवस्त्रीतः । ভবিষ্যানি বরারোহে মগুরাযা। ন সংখ্যঃ। মূর্ত্তি চতুর্বি-ধা কলা জ্বলেনি থাষিভি: স্বত:॥ शामति दः मत्र **णठः गुष्कत्र् कृठ**ं रिमण्या १ ७ ८ क**न्हन जन्दामा हि**र कात के क्षेत्र मा **यानाक अम्मा** তাৰ্য শ্ৰন্তেং**পল সন্ধিভা। তত্ৰ** अशान क्षानि जित्रां कि नम लि যে । পুণানি চ পবিত্রাণি সংসার ছে দানি চা ব্হ**ংহ ঘাত্যিষ্যামি** ্রাজ শতি বসুজরে।। দৈত্যান্থে।

রান্ নহাভাগে ক শাদীন্ বোরদর্শ নান্। যমুনা যজ সুবছা নিভাঃ সমি-क्ञि थुन ॥ देवदश्वभा तम्। যমুনা যত্ৰ বিশ্বতা। ভা• নদী• **যমু**-নাং গঙ্গাং পুৰাগে সঙ্গ বিশুকাং ॥ গৰা শতখনা পুন্যা মথুরে মম মও লে। যমুমা বিশুকা দেবি নাত্র কার্য্যা বিচারণা ৷৷ তম তীর্থানি ওছানি **ভবিষ্ঠান্ত ম্মানছে ।। योषु স্নানপ**-রো দেবি মম লোকে মছীযতে। অ-থাত্র মুঞ্তে প্রাণান্মম কর্মা পরা-য়ণঃ ॥ ন জায়তে স মূর্ত্যেষু জায়তে চ চতুভু জ:। অবিমূক্তে নর: স্নাত্যে मुक्तिः भारत्राजामः मयः ॥ उथाव মুঞ্তে প্রাণান্মমলোক স গছতি। বিশান্তি সংজ্ঞক নাম তীর্থ বৈলো-ক্য বিশু, হ॰ ॥ यश्चिन् স্নাতো নরো দে-বি মনলোকে নহীযতে। সর্বতীর্থেবু यट्यान मर्वजीर्थयू यट्कन ॥ उट ফল লভতে দেবি দৃষ্ট্বা দেব গত-भुग । नह यदे ज न जभ न थाति र्ने म गरेभः।। उ९ क्व व व उ दि . বি ন্নাতো বিশান্তি সংজ্ঞকে। কাল-ত্রযন্ত বসুথে যঃ পশ্যতি গতশুম।। क्दा शुरक्षिण एव जु विकृत्वाक म গছতি। অন্তি চান্যৎপর ওহা সর্ব जः जात (नाक्षणः ।। यभिन् त्राउध

नाता (दिव मम लाक महीयाउ। भू याग॰ नाम जीर्थं खरानामिन पूर्व छ॰ ।। তিমান সাতো নরে। দেবি অগ্নিষ্টো-म कन नएड । इन्मुलाक मना-সাদ্য নরোবৈ তত্র মোদতে॥ অথাত্র मुक्छ नागान् मम (लाक म गह्छि। **७था कनथन• ठीर्थ• नाम स्थः शद्र•** মম।। স্থান মাত্রেণ তত্রাপি নাক প্ (ৡ স মোদতে। অন্তি ক্ষেত্রণ গরণ গুহু• তিন্দুক• নাম নামত: ।৷ তিমান্ স্নাতো নরে৷ দেবি মম লোকে মহী: যতে। অমি স্তীর্থে পুরা বৃত্ত তह नुष वमूक्द ॥ शाक्षान विषय (पवि काम्मिनारक भूरताखमः। धन धाना সমাযুক্ত वुक्तरखिन পালিত।। ত श्चि अ वनाउद्दि जिन्दू (क) नाम ना মত:৷ তিমাণস্ত বসত স্তস্য নাপিত: স্যু পুরোত্তমে II কালেন নহতা ত न्य बहुन्न क्रय मागठः। क्रील बहुः ম্বে তু তদা সূভ্শ দুংখ পীডিত:।। সর্বসঙ্গ পরিত্যাগী যো গছমথুরা পুরী । ব্রাহ্মণাবসথে সোপি বস-মানো বসুদ্ধরে॥ তস্য কর্ম শত॰ क्दा मारिवय यमूना॰ नही॰ । তত मा-নঞ্চ অক্তে নিত্য কাল দৃঢবুত: ।। তত: কালেন মহতা পঞ্জবু সমুপা গভঃ৷ ভস্য ভীর্থ পুভাবেন জাতো 🎚

श्लो वाकालाखनः ॥ जिम् वत्रग्-**ए ए**वि वृक्ति (यागिना वद्गः। জাতিমরো মহাপাজো বিফুভজো वमुक्तात ॥ जम्र जीर्थ भुजातन भा क्षा मुक्तिः मृद्र्यका। उठः भत्रः भूर्यः जीयः <del>मक्</del>रभाग शुरमाहनः। रेवरहाः हरनन विलना मूर्य खात्रा विजः भूति।। जुष्टेत्राष्ट्रान विना धनकारमन देव-भूता ॥ উष्कृ वाङ् निताशात्र उष्ठवा-नुखनः उभः। সাগুः সহৎ সর দেবি **७** ः काम नवाशु यार ॥ उन्। भूम-मा जगवान न्रायिः প्राक्राय् । कि काइन बल तुर्क उभमाम ग रखनः।। विविक्वाह। जुडेबारकाशियः (मर्वेभ भाजात्न निवमागुइ॰। वि-ভেনাপি বিহীনস্য স্টুম্ব ভরণ **স**ে. णः ॥ मुक्री खन्र देव मृर्येश म्हि । স্তামণি ততঃ। চিম্তামণি সমাসা-দ্য পাতাল মগমন্তদা।। তমি। স্তী-র্থে নরঃ স্থাত্বা সর্বপাপেঃ পুমুচ্যতে । তত্রাপি নুঞ্তে পুাণান্ ননলোক**॰** স গছতি॥ আদিত্যে হছবি স্নংক্রা। खो गुरुण ठन्तु সूर्य्याः। जिम्नन् স্নাতো নরো দেবি রাজসূগ ফল• ল ভেৎ ॥ শত্র ধ্রুবেণ সম্বপ্ত ইছ্বা **পর**-ন• তপঃ। অত্র বৈ স্থান নাত্রেণ প্রুব লোকে নহীয়তে।। তত্ৰাপি নুষ্ট্ৰ

প্রাণান্মম লেকে মহীযতে। প্রবতী-र्थ ह बनुरव यः **माखः अ**क्छ नदः ॥ াপতৃণভাষণতে **সর্বান্ পিতৃপক্ষে বি** শেষতঃ !৷ দক্ষিণে প্রবতীর্থস্য তীর্থ ্রাহ: পুকীর্ত্তিত।।তিমা:স্নাতো নরো रप्रति मन (नारक महीयरछ। उजाथ মুঞ্জে পুাণান্মনলোক স গছতি॥ **उम्म किंग्ः ग्रहारित श्रीय डीर्थः शतः** ম্ম ডব্ৰ শ্বাভো নরোদেবি শ্ববি লো-ক পুলদ গত।। অথাত্র মুঞ্তে পা-गामन लाक महीयछ। मिक्त मश्रा जी मथ्रा। इंडि विक्न-অ্ষিতী্থন্য**েলাক্তীর্থণ পরণমন।।** मान मादान वमूख माकः भारतीः তি মানাঃ। তত্তাথ নুঞ্তে প্রাণাম-ম লোকে মহীযতে॥ তত্ত্বৈব কোটি তীর্থ-ছি তীর্থানানপি দুর্লভ । তত্ত্ न्यत्वन पात्वन सन त्वारक स्थीयर ।। কোটি তীর্থে নর: স্নাতঃ সন্তর্গ্য পিঠু দ্বৈডাঃ । তারি**ডাঃ পিতর**-ত্তেন তথিব পুপিতামহাঃ॥ কোটি জ্বার্থ্য দরঃ স্থাতো বুন্ধলোকে মহী-যতে তিৰেৰ বায়তীৰ্থন্ত পিতৃণাম-लि मृजीवुः। शिक्षः मम्हाजु वेशूर्थ शिवृत्वाके न गहिं ॥ गरा निख शुक्रातन यद्कृतः नज्ञ नद्रः॥ ज् योग् ग छाउ (मित कार्रिक मानाच ज॰-भिने ।। हामरेगजानि जीर्थानि एम-

वाना॰ पूर्वजानि ह। ज्ञान॰ मान॰ कः পো হোম: সহসু গুণিত ভবেৎা৷ **এवाः मात्रा भार्या मर्बनारिनः शु**-মুচ্যতে। শুরু। তীর্থস্য মাহাত্ম্য नर्वान् कामानवान्त्र्यायः ॥ इंज्रा-দি বরাহপুরাণে মথ্রাতীর্থ পুভা-বঃ।। 🗱 ।। ইতঃ পুভৃতি সগুবি•শা-ধ্যাবেষূ মথুরামাহাত্ম্য জ্ঞেন ॥ নথুরেশ: পু• 🖺 কৃষ্ণ:। ইতি শব্দ-ब्रङ्गावनी ॥ (कायः॥

मन के जगहेत थि इर्थ। इंडि কবিকল্পজন: ।। ঈ ঞি নৰোৎস্তি। ভ य मान् ऽ । इत जमन् जमा-मीट। अमाट भुषामिद्राट निजुः उ इंड्रान्स इंडि मूर्गामात्रः॥

मन म गर्ख।। (अभारत। इंडि कवि-কল্পজন: ৷৷ গর্বো ২হস্কার: গ্লেপন रेनन्यः। स समयित नीवः सम्माद्धिः । मनयिक भवु • म्द्रः । ইकि पूर्गा-माजः॥

মদ ক ড ভৃপ্তিযোগে। ইতি কবি-क्लुक्न ।। क ७ मतागाम्य ७ य-न्। नाजान्यान त्रनायनां । इंठि मुर्गामाञः ॥

मर दे उ द्रा जाउ।। गरम ॥

নোদে ॥ স্ততৌ ॥ গতৌ । ইতি কবিকল্পক্ষমঃ ॥ ই মন্দ্যতে । ড মন্দতে জনঃ মণিতি জড়ো ভবতি নাদ্যতি মোদতে স্তৌতি গছতি বা ইত্যৰ্থঃ। ইতি দুগাদাসঃ ॥

मनः भू॰ इखिगखं जलः। उद्भर्गाः
रः। नानः २।। इवः। उद्भर्गाः
। व्यात्मानः २। इकः। उद्भर्गाः। तिकः।।
कल् ती।। गर्वः। इकि त्मिनी।।
मन् ।। क्रिन् ।। मखं । इकि त्मिनी।।
मन् ।। क्रिन् ।। मलः।। कल् ।।
कल् । इकि व्यतिः।। मा मन वाक्षाः। इकि व्यतिः।। मा मन वाक्षाः। विश्वाः। विश्वाः।

सम्कर्षः भू॰ यखः। याँ प्रेडि जाता । यथा । इद्वाता गाणिकः यखा वृत्या समकर्ति। इतः । इति रहस-हन्दुः ॥

भनकनः भ् गखश्खी। उद्भर्यप्रायः । मामाद्यक्तिः २। हेन्यम् द्वा व्याप्तिः ।। व्याप्तिः ।। व्याप्तिः ।। व्याप्तिः ।। व्याप्तिः ।। भरावाङकाहिनि जि। ইতিমেদিनी भरगक्षः श्रु अश्रह्मवृक्षः। ইতি রাজনিঘটঃ॥

মদগদ্ধা স্ত্রী মদিরা ॥ অভসী। ইতিরাজনির্ঘণ্ট: ॥

मम्बी की প्रिका। इंडि करें। ध्रा मननः भू॰ कामरन्यः। इज्जामनः॥ छम्। नामाः वृष्ट्रशिख र्यथा। अयय উচুঃ। যমাৎ পুনথ্য চেত স্তৃ: জাতো ৎমাক তথা বিধে:। তমামমথ নানা ত্ব লোকে গেয়ে ভরিষ্যসি ॥ जग८ त्रु का सक्त्रु खुः खुट महमाः নহি বিদ্যতে। অত স্তু কাম নামা-পি খ্যাতো ভব মনোভব।। নদ-नाबारनाथा छु॰ मास्त्रा र्नलाट मर-প্ৰকঃ। তথা কন্দৰ্প নামাপি লোকে খ্যাতো ভবিষ্যসি॥ ইতি কালি-काभूबारा २ व्यथ्यायः ॥ # ॥ तुक्रा म्यादमि र्यथा। भुक्षेमानमः भूध करेनाकाक ममर्क्तर। रूक्षेमा কামিন: পূত্ৰ: কানদেবো বৃভূব হ।। कन्ता (वाज्यवर्षी या बङ्ग्र्यम ज् विजा। উবাচ পুঞ सु (विशिः मुरी-ध भूत्र इः इंड ॥ मूर्निवार्यं मू कलाः मः साजातामः मताहतः। बुक्तावाह। जी भूरताः की पूना-थाय मूनाव्य विनिधिकः हिष्

হোগে। সর্বেশ। মধিষ্ঠান করিষ্যসি ৷ শন্মাহন সমুদ্বেগ বীল স্তম্ভিত काव्रवः। उग्रास वीकः ज्वानः नाधः চ্তেন হারক ।। পুগৃছৈতাম্যা দ-खान् महीय अस्था**रनः अस् ।** पूर्नि বার্ষ্যা মুখ বরাজ্ব বৎস ভবেষু চ स वानामरेक्षय प्रका ह शुरुष्ट जग-বিধিঃ। দৃদ্ধা বাচণ দুহিতর বর अध्यक्षित्रः ॥ ইতি वृक्षरेववर्र्णः वैक्किकारङ ၁६ व्यथ्रायः ॥ 🗱 ॥ रमञ्जूष पुषुद्धा **मिक्षकः। ই**ভি (भारती ॥ वृष्य प्रज्ञाः । स्यना इंजि ভागा। उद्भर्यायः । भिष्ट्कः २ मू-চুন্দ্র একটকী ৪। ইতি রন্থমালা ॥ विश्वी उक्तः १ सक्ववकः ५ श्वमनः १ ক্রক্তিক: ৮ **শল্য: ৯। ইত্যমর:।।** ভুনবঃ ইভি ছাটাধ্রঃ॥ মাৰঃ।ইভি (रूअ्टन्सुः ॥ श्**रित्र**वृ**कः ॥ ইতি भय**-हिन्द्रिका ॥ नक्षाठेव्**कः॥ वस्नव्कः** য়া বৃক্ষ বিংশাখ**া ম্যন্ফল ইতি ভাষা** । उट्यम् प्रायः । भन्। २ रिकर्षेर्याः ० শিশুঃ हे ধারাফল: ৫ তগর: ৬ কর-খ্রুটিঃ ৭ গ্রিণ্ডীতকঃ ৮ খসন: ১ ম क्कि: ३०। अग्र छनाः। विभकात्र-कृत्र । कि ज दूर्। उँकवी यंद्र । ता-थ्रेष्ट्रः। नग्द्रः। ककद्रः। कठक्रा মাই শোফ গুলা বুণাপহত্বঞ। ইতি

त्राज्ञनिर्घण्टः ॥ ज्यानिक्रनिर्धण्यः । उज्लक्ष्णः नायका नायिकायाः कर्छ इत्रः हत्वा दिजीयहत्यः उन्तरा नथ्र (हरण हत्वा यहान्त्रियजि । ইजि कामणातः ॥

মদনক: পু॰ দমনকবৃ**ক্ষ:।ই**তি রত্ন-মালা॥

महनकाक्त्रवः भू॰ भात्रावछः। ইতি त्राक्षनिर्घण्डः॥

महनरगानानः भू श्रीकृषः। यथा वस्त्र भरन रगानानः किल्माद्राका द्र मञ्जूष्ठः । इति नास्म नाखान चरश्च अवशायः॥

महनहजूर्मो की रिज्यमुक्क हुर्मो।
यथा। ज्ञथम मनहजूर्मो ज्ञ महनः
मह भू का कार्या। स्र मह भू द्वाप (मीद्वाण मह कार्या। स्र मह भू द्वाप (मीद्वाण मह कार्या। मध्यारम जू मः भू तथ्य कार्या।
भू कार्या हिएय मर्जा स्र स्व क्व भः
स्वरिश्व हिएय मर्जा स्व क्व मान महनम् भू कार्याः। रिहाय मानि हर्ज् प्र महनम् महार मरः। स्व अञ्चा कार्याः स्व व्य भी उर्या हा । स्व अञ्च (भो क्व म्यू क्व भी उर्या हा । स्व ज्ञा भा कार्याः स्व व्य भी व्या हा । माहनः मानवाधमाः। (छवाः शृग्रः कलः हलः भया (छ हिज्ञमानिकः॥ हिज्ञ मृङ्ग्ड्रज्रूक्षम्राः यः न्नायाहित निह्नार्थो। शिमाहज्ञः न छम्र म्राट्र गक्षायाकः विरम्भवः ॥ ইতি ভিশ্বিজ্यः॥

भरनज्यारणी जी रिज्जणुङ्गज्यार-भी। তত্র নদনস্যুত্ত কর্ত্ব্যুণ। यः থা ভবিষ্যে। চৈত্র শুক্লত্রযোদশ্যা• मनमः समनाजाकः। क्षा मः भृका विविवधी कार्यभाकातन जु ॥ जञ সন্ধুক্ষিতঃ কামঃ পুত্র পৌত্র বিব-र्षनः। कामरम्य खर्यामण्डाः भूज নীযো যথা বিধি।। রতি পুীতি সমাযুক্তো হুশোক মণি ভ্ৰিতঃ। मगता मगर्भेकवृक्षः मञ्जूक्षिजः श्री ণিতঃ। কামদেব ধ্যানন্ত। চাপেষ্ शृक् कामाप्ता क्रियान् विश्वामा रनः। তত্ত স্ততি সম্ভঃ। পুষ্ণধন্ন নম স্তেম্ভ নমস্তে মীনকে তন। মূনী 👍 ना वाक्यानाना दिया हु। उक् তে ননঃ ৷৷ মাধ্বাত্মজ কন্দর্প সম্ব-রারে রতিপুয়। নমস্তভ্য জিতা-শেষ ভুবনায় মনোভুবে।। আধ্যো गग नना ख वा । यग न न तो त जाः। সম্পদ্যতা মভীষ্ট নে সম্পদ: সন্ত म श्रिताः॥ नामा नामाम कामाम

प्ति (एवम्। मूर्ख्य। वंका विकृ नि-(वन्द्रानाः मनःका छकताय ह।। वः ত্মনঃ। ভবন্তি নাপদ শুস্য তমিয়া-দে কদাচন॥ ইতি তিথিতত্ত্ব• ॥ मनवारणी की टिजणूक्वारणी। व्यव नमन नुज कार्य । यथा व्यव উচুঃ। শ্ৰোত্ মিছামছে স্ত মদন षाम्मी वुष्ठः। मुजात्मकानशकाः শৎ যেন লেভে দিতিঃ পুনঃ ।৷ সৃত উবাচ। यद्यानिशामिन्धः भृद्यः मि-তেঃ কথিত মুক্তমথ বিস্তরেশৈতদে বেদ শংসকাশান্নিবোধত ৷: চৈ-**ত্রে মাসি সিতে পক্ষে দা**ক্স্যাণ নিযত্রুত:। স্থাপযেদ্রুণ: असु সিত তণ্ডুল পূরিতে।। নানা ফল যুত • তদ্বদিক্ষু দণ্ড সমন্বিত । সিত বন্ত্ৰ যুগছন্ন• সিত চন্দ্ৰ চৰ্চিত• ॥ নানা ভক্ষ্যফলোপেত সহির্ন্যঞ্ শক্তিত:। তামুপাত্র• শুভোপেত• **उरम**्राभित्र निर्वत्रयथ्या उत्राम्-পরি কামন্ত কদলীদল সংস্থিত।। প্র্য্যান্তর্করযোপেতা ব্রতি তস্য চ বামতঃ ৷৷ গন্ধ ধূপ ততো দ্ধ্যাৎ भी उ वान । क का ब्रह्म र । उन्जाद कथा अर्था कामाक नवस्य नंतः ॥ कान नाम इति ब्रहा मार्निया

বারিণা। শুক্লপৃষ্ণাক্ষত তিলৈ রর্চযে चार्म्पन ।। कानाय भारते मः भृका कर्ष (भोजाग्रराय ह। উक् स्रदा-বেতি পুনর্মশ্বথাবেতি বৈ কটি ।। স্ব ह्यानतारयञ्जानतः अनद्गारयञ्जाता ল্রে:। মুখ• পদামুখাযেতি বাছ্প- " ्कंनावाय रेव ॥ नमः भद्याञ्चात भोनि মৰ্চবেদিতি কেশব। ততঃ পুভাতে **७ क्छ वाक्र**ाश निविषय ॥ বান্ধণান্ভোজযেজক্তা ৰবঞ্চলব गाम् छ। ज्ञाथ मिना मम् । मिन मञ्ज मृतीत्र्यया भुत्रीयका मञ्ज जग-वान् कामक्षी क्रनाफ्नः। इम्रय मः र्ब ज्ञाना नानत्ना (या विश्वीय छ ॥ व्यत्ने दिश्रिना मर्बर गामि गामि म भावत्रयः। उभवात्री ज्याहम्गाः **ष**र्द्रायिषु भव ।। कन्तामकक मः পুশ্ব দাদশ্যা ভূতলে স্বপেৎ। ত ত खरगाराम मानि घ्छ॰ (धनू ननः न् उ॰ ॥ भग्रा॰ मम्रामनङ्गाय मर्खाः পাক্ষর সংযুতাং। কাঞ্চনং কামদেৰঞ্চ 🏥 🚈 প্ৰস্থিনী ।। বাসোভি विकासिमा की भूका मकता विज्य-रिका महारा भवाषिक प्रमाद श्री र्वेषा अभिवत्यर ॥ स्थाम म्ट्रेल खिँवः जयंग्रद काम नामानि की खंग-न्। गरवान मांश्या देवव भाग्रमन ह

त्राक्तिर्दग्देः ॥

त्राक्तिर्दग्देः ॥

त्राक्तिर्दग्देः ॥

त्राक्तिर्दग्देः ॥

त्राक्तिर्दग्देः ॥

त्राक्तिर्दग्दाभावः देवित्रकः । यथा ।

त्राक्तिर्दग्दाभावः देवित्रकः । यथा ।

त्राक्तिर्दग्दाभावः ॥

त्राक्तिर्द्वाभावः ॥

त्राक्तिर्द्वाभावः ॥

त्राक्तिर्द्वाभावः ॥

त्राक्तिर्द्वाभावः ॥

गमनमनाका की कारमाफीशकीयथः॥ नात्रिकाशकी। ইতি मिननी।। কোকিলা। ইতিশদরত্মাবলী
ममनमात्रिका की शक्किएकरः। नानिक् ইতি ভাষা। তৎপর্যায়:।
শলাকা২ সারিকা ৩ চিত্রলোচনা
৪ স্বাপী ৫। ইতি ভটাধর:।।

महना जी मुद्रा। इंछ (इन्हिन्तः॥ महनाकृषः भू॰ लिङ्गः। इंछ जिनाः ख्रानाकृषः॥ नथ॰। इंछ कानाकृषः भद्र हर्मनार । यथा। कामाकृषाः

স্কুলিত কামি মতঙ্গজেন্দে। ইতি শু, হবোধে কালিদাসঃ ॥

নদনাপুকঃ পু॰ কোদুবঃ। ইতি রাজ-নিঘণ্ট:।।

मनगग्रदः शृ ভग । ইতি **भ**यः ठिनम्का॥

নদনাযুব: পু॰ কানবৃদ্ধিক্স্প:। ইতি त्राजनिर्घण्टः ॥

महनालयः भुः जगः। महन भर्यप्रायक भारता खन्न गृश्भर्य । यक भारत छ-গস্যোক্তত্বাৎ। যথা। স্বপূষ্ণে রা-कीर्न अनुन्धन्या मनिएत गर्हा भूरता श्रायन् श्रायन् यपि क्र शि ভক্ত ত্তৰ মনুং। ইতি কপ্রি স্তবঃ । जन नगाविष मधम सानः। उजु कागासान। यथा। मूर्यप्रमूप्राम् किय व्य गृग जी घनीता छ। गृतक भिग्रही ন্দু দ্বয তিথি শরান্ সপ্তবি শা শচ বি শান্। অ শানে ভান্বদতি य-বন শ্চান্ত্য তুক্সান্ সূতুক্সান্ তানে-বাংশান্মদনভবনেম্বাহ নীচান্সু नीठान्।। इंडि भी शिकायाः मनन ख्यन गद मर्मनाए।।

भननावन् जी कामावन्। माजू मनजिलनी जी मज्यूनी। इंजि উদ্বেশৰূপা। বিরহ ইতি যাবং। রাজা নিঃখন্য। জানে তপসো বী । রহাবলী।।

র্য্য সা বালা পরবতীতিমে বিদি-ত । नह नियादिव मिष्ण निवर्क्ड ততো নে হৃদয•॥ ইত্যভিজ্ঞা**নশ**• **ञ्**खनायाः ० जन्नः ॥ भ्रनावञ् ইতি রাজ্ঞো ২ত্র উদ্বেগন্ধপা পঞ্চ মী কামাবস্থা। যদাহ ভরতঃ । উ-দ্বেগঃ পঞ্চনঃ প্রোক্ত ইতি। সঙ্গিত্ত মিতি কেনোপাযেন মন শব্দস্তলা-লাভো ভবিষ্যতি। ইতিভট্টীকা॥ मन्नी खी मुद्रा। इंडि श्वावनी॥ কন্তুরী।। অতিমূক্তক:। ইতি রাজ-निर्घण्टः ॥

महत्महाकनः श्रु ज्यात्रमानः। इंडि द्राञ्जनिवंग्रेः॥

महत्ना भनः भू । উৎ সববিশেষ:। हानाका इंडि थ्याञा। उट्भ-র্য্যায়:। সুবসন্তক: ২। ইতি হারা-नी।।

नम्तारमवा जी त्रर्गावना। इंडि नद्रज्ञावनी ॥

नम्भूरयागः भूः कत्रिगाः मरमाह्मसः। **७८**भर्गायः । व्रसाः ३.1.३७ ত্রিকাণ্ডশেষঃ॥ 🛝

भक्ठिनिमुका।।

यथा। ততঃ পুবিশতি মদনাবস্থে। মদযন্তিকা স্ত্রী মল্পিকা। ইতি শব-

मनयनी जी वनमिल्लका। कार्निल्लिका इंडि ভाষা। ইंडि त्रद्गमां ॥ म ल्लिका। ইंडि त्राजनियंग्टेः ॥ मनयिद्ग की मन्द्रः। ইंडि मिन्नी ॥ मनयिद्गः भू॰ कामरम्बः॥ मोखिकः । ইंडि मन्द्रद्वावनी ॥ मनयुकः । इंडि मन्द्रद्वावनी ॥ मनयुकः । इंडि मन्द्रद्वावनी ॥ सनयुकः । विड मन्द्रद्वावनी ॥ सनयुकः ।

মদবিক্ষিপ্ত: পু॰ মত্তহন্তী।ইতি শদ্চন্দিকা।।

भनमाकः भृ উপোদকী। ইতি রাজনির্ঘণ্টঃ॥

भन्नातः भू•- ज्यातृकः। ইতি রাজ-নির্ঘটঃ॥

भरहिष्ठनी छी महाकब्रक्षः। ইঙি बाजनिर्घणेः॥

মদহেত্: পু: ধাতকী।ইতিবৈদ্যক:
।। মন্ততাকারণঞ্চ।।

निष्डलः क्री मिन्डानः। यथा। व्यवः हःभः मूद्राशानः मुखाशानः महः छलः। ইতি सददद्वावली ॥

भएड़ान की भए। भानसान । उर-शर्यायः। केशाभान २। इन्छान इः॥ भूषा । इन्छान विश्व कि । भूषा है। । भूषा कि वि॥ भूषा हो। खी । वाहिन्य कि । इन्छि

भंद इन्दिका ॥

नमाज्यः भू॰ नमाज्यस्तागः। ইতি
वाजनिर्णेः॥

मनाउर्यः भू॰ मन्त्रभानानिजन्राद्वा-গবিশেষঃ। তৎপর্য্যায়ঃ। মদাত-कः २ भागाजायः ७ महत्राधिः ८ न मः ৫। इंडि রাজনির্ঘণ্টঃ।। अथ मराज्यारीना निरानानग्रह। वि-বস্য যে গুণা দৃষ্ঠাঃ সন্মিপাত পু-किंगिनाः । ७ व र माम् पृम्पुरस বিষে তু বলবন্তরা:॥ তমাদবিধি পীতেন তথা মাত্রাধিকেন চ। যু-ক্তেন চাহিতৈ রমৈ রকালে সেবি **उन है।। मार्मान थलू जायास मही**-ত্য মুখা गनाः। #। अविधि शुयु क मना विवादा खत्र मना भार-যতীত্যাহ। নির্ভক্ত নেকান্তত এব महाः निरववामानः मन्राजन निजाः । उट्गान्तरट क्षेत्र ज्ञान् विका-वानुरभानरयहाभि नवीवराजन ॥ **क्रांडरका रेन**ब्रहर्यप्रविकाद्गान् म-मार्ड्यामीन्। **म**जीजम् (छम् ना-**णः ॥ ॥ भा अना** अधारीनाः (**ए**ज्-**छत्रमश्राङ् ।** कुष्क्षन जीरजन शि-পাসিতেনশোকাভিতপ্তেন বৃভূক্ষি-তেন। ব্যাযান ভারাধ্ব পরিক্ষতে-ন বেগাবরোধাভিহতেন বাপি।। অত্যন্ন ক্ষাব্ততোদরেণ সাজীর্ণ

ভুক্তেন তথা १বলেন। উফাভিত (धन ह (मन्।मान करता कि मन्। विविधान् विकाबान् ॥ # ॥ जात्नव विकाबान् विवृःगाठि । शाना छ।य॰ भद्रगर॰ भागाजीर्ग मथाभि वा। #। ल्यान विकादान् विवृत्गाञ् । शान विन्त मृग्क (उषाः वक्षामि नक्षाः 🏨 তের ন্বত্যুষ্ঠ সানান্য লক্ষ্ণ ्यारः। भारीत मृःथः वलवट भूर्यारश इत्य बुर्या। अकृष्टिः भुउठः ज्ञा জুর: শীতোঞ্চ লক্ষণ:।। শির: পা ,र्স্বাস্থি সন্ধীনা বেদনা বিক্ষতে যথা। काराञ्चि वनाए क्या सुद्रा र भनः भुगः॥ উরে। বিবন্ধ: কাসশ্চ শানে। হিক্না পুরা শর:। শরীরকস্পঃ কর্ণাক্ষি মুখরোগ। ব্রিক্সুহঃ॥ ছর্দি বিন্তেদ উৎক্লেশা বাত পিত্ত কফা-ত্মকঃ। ভূমঃ পুলাপো ৰূপাণা মস তাক্ষৈব দর্শন•।। ত্ণ ভষা লতা পর্ণ পাংশুভি শ্চাবপ্রিত। পুধর্ষণ বি-হৈৰ ক ভাৰ চেতা: সমন্যতে। ব্যা क्लाना मण्डानाः स्थानाः पर्णनाः नि ह। महाज्यम् क्शानि महीत्र जानि वक्करवट् ।। **# ।। यथ महाज**ु-यभ्र वाञ्चिम्भ्र निमान गारु । जी-শোক ভয় ভারাধ্ব কর্মাভি র্যো ২তি क्षिजः। बकान्न भुभिजामी ह यः

পিবত্যতিনাত্রবা।। কৃষ্ণ পরিণত 🗟 নদ্য নিশি নিদা নিছন্তি চ। ক রোতি ভস্য ভদ্বীষু বাত প্রায়ণ ন-मा छ । । उट सम् । । # । । अ**थ** তস্য লক্ষণ মাহ। হিক্কা খাস শিরঃ कम्म भाष्यम्ब भुजागरेतः। विस्ता-ছত্ পুলাপশ্চ বাত পুাব মদ।ত্যুৰ ॥ #॥ व्यथे रेभ खिकमा निमानगाइ। তীক্ষোঞ্চ মদ্য সমুঞ্চ যোতিমাক্র নিষেবতে। অমেধ ভীক্ষ ভোজী চ ক্রোধনো হগ্ন্যাতপপ্রিয়ং ৷৷ তস্যোদ প जाया जीवः शिख्याया सनाosयः।। #।। व्यय्ॐऋऽ लक्ष्य गाह । ज्ञा पार जुन (यर माराजीमान বিভুনৈঃ। বিদ্যাদ্ধরিত বর্ণস্য পিত भाग नमा जाय ।। का । जय देशी कम्। नमाज्यम्। निमान नार्। म-পুর ব্লিক গুর্বাশী যঃ পিবভ্যতি না-वया।। अव्यायान मिवाक्ष्य भय्याभ-ন সূথে রত:। মদাত্যয়ণ কক পুায়ণ স নরে৷ লভতে প্রুব• ৷৷ঞ্চ৷৷ অথ ভস্য वक्त गह। हर्माद्वीहक क्**ला**म जम्। रेउगि डा भोतीयः। विमाही ত পরীতস্য কফ প্রায়ণ মদাতৃঃয়ণ ॥ #॥ यथ मामिलाङिक्म (ग्राम **ज्यम् । निमानः नक्षाश्याः ।** जि (माष एक् छि: मोर्ब: मोर्ब लि दि

अपनावां॥

यमाञ्चः भ् कछ्ती। ইতি बिकाखः भिवः॥

मित्रः भू ब्रक्तथितः। ইতি अप-চন্দ্রিক।।।

यित्रा जी संख्यक्षनः। ইতি भद-ञ्जञ्जावली ॥ भारकपुराऽदिरमयः । अम् इं जि जाया। ज १ भर्यायः। সুর। २ ছলিপুিয়া **১ হালা ৪ প**রি-শুং ৬ বৰণাত্মজা ৭ গদ্ধোত্তমা ৮ পুসরা ১ ইরা ১০ কাদম্বরী ১১ প तिमुखा ४२ कमार ३० महर ३८ । ইত্যনরঃ।। পানিকা ১৫। ইতি 🐃 मत्रवायनी ॥ किल्मी ३५ गम्भग मनी ३१ मानती ३४ करखाय ३३ मरः २० कालिमायन २७। इंडि कराध्यः ॥ वाक्नी २२ मुखा २० भीजा २८ हभना २० कामिनी २७ श्रिया २१ महगन्ना २৮ माधीक २३ मध् ०० मकान ०) जामवः ०२ অমৃতা ৩৩ বীরা ৩৪ মেধাবী ৩৫ मन्नी १५ मृशुं छिं । ११ माना छ। or विधानुप्रकासामिनी 80 इनी েও) গুণারিষ্ট ৪২ সরক: ৪৩ মধু निका ८८ महान करे। ८८ महान ন্দা ৪৬। ইতি রাজনির্বন্টঃ।। সীধুঃ - ३१ रेगद्रय १८৮ वनवज्ञा । १२ ।

ইতি ভাবপুকাশ: ।। কারণ ৫০ তরু ৫১। ইতি কৈবল্য তম্রণ।। ম-দিখা ৫২ পরিপ্লু তা ৫৩ ক**ন্ন**ণ ৫৪ **খা**-मूतमा cc म्खा cs शतरूत c4 माधी क॰ ৫৮ मनना ৫৯ प्रविम्डी ७० কাপিশ ৬১ অন্ধিন্ধা ৬২। ইতি (रुमठन्तुः ॥ 🕸 ॥ मा पारम विधा यथा। भादीकः भानमः माकः था-ब्जू त॰ जान रेमकत । रेमरत्रय मा-किक ऐ। इन गध्क नाति (कल इन ।। मुथ्र मम विकाद्मान्यः मन्त्रानि चानः শৈবচাইতি জটাধর: ॥#॥ অস্যাঃ नामान् छ्वाः। नूमध्त्रास्त्रः। कक माक्जनामनद्गा लघुद्गा भू श्वेकद्रद्य । ऋरऽदः। भात्रकदः। भरावरुद्धः ॥ 🛊 ॥ थाउकीत्रम ७७। मि कृठा म-দিরা গৌড়ী। ভূদুণা যথা। ভীক্ষুত্ত•। উक्षद्व । मधूतद्व । वाञ नानिद्व । পিত্ত বল কারিত্ব । দীপনত্ব । প-থ্যব্র•। কাম্ভি তৃপ্তি কারিত্বঞ্।। #॥ **श्रञ्जुन्वारि मधुमातम्यीयरिता माधी।** उहुना यथा। मधूतद्वः। नाजू।कद्वः। পিত্ত বাত নাশিত্ব। পাণ্ডু কানল खन्यार्भः भुरमङ् भगनवृष्धाः #॥ वि· विष्धानाका जा मन्ति। रेशशी । उ-দ্রণা যথা। কটুত্ব•। অমুত্ব•। ভীক্ষুত্ব• । গৌডীসমত্ব । বাতহরত্ব । কফ্

করত্ব। ইবৎ পিত্ত করত্ব। মোহ नज्ञ ॥ 🗱 ॥ जाना रित्र मनिर्याम क्ञा मित्रा रेमकी हाला ह। उहुना यथा। भी उद्गः। कषायद्गः। असुद्गः। পিত্ত হরত্ব॰ । বাতদাতৃত্বঞ্চ ॥ 🗱 ॥ गर्ब ज्न वृक्ष निर्याम क्रश निर्देश छ। भाः। भी उलवुः। धक्वः। भाइनवुः। वलरवः। इत्रदः। ত्या मसाशूनाः. नकद्व ॥ । ।। नानाम्व । कर मक्छ। निरित्रा कारम्बती। जन्नुना यथा । पुन ধুরত্ব•। পিত্ত শুন হরত্ব•। নদকারি-एक ।। अ।। अकार मिता खरते। मि-**नित्रद्रः। मर्माट्क** उद्धः। #॥ यव थान/कृ ७ मित्र ७१गी। ७क द्वर। विश्वे स मायकद्था 🗱 !। मार्कता था उनी जाय क्ठ मित्र। ख्लो। भी उद्गः! गतार्त्रद्रथा #॥ भाजत गर् ७-गाः। वृष्रवः। मीशनवः। भाइन पुष्ध । इंजि नाना मन् र ध्याः ॥ 🕸 ॥ थ जू विष्णाय शिय मिन्ता यथा। (गी-**डी जू मिमित्र (भग रेभ** श्रे । इन उ दयरियाः। भद्रम् शीया बमरख्यु नाश्वी गुग्या नहान प्रामा क्षा कार पती न क्तकारिमम्। मूभी उत्तर व्या कद्रः भमाष्ट्राः। माथी अयः भ्राष्ट्र वृक्षः काउ॰ नम्राः नूमी उ॰ छक उर्भन्छ ।। 🛪 ।। অন্যাধা অকতে পান सम्रा॰ ||

महाश भाग्म । जनमाय मना-जाि कातक गृहन्थ एए ॥ # ॥ नव क्षीर्भ नम्रह्यां र्खनाः । सम्र नवः সর্ব বিকার হেতৃ সর্বস্ত-বাতাদিক माय मायि। बीर्गञ्ज मर्बः मकला-मयमः धूर्वभूषः द्या कत्रक ही भ-न॰।। अः।। व्यन्षाह । श्रृर्शयक गन्नः \_स्यान गमः वा शिह्लि विशक्षशा। मायावश् मविष्मयाचामप्रः श्रम्। वि-वर्ष्क्राय ।। मन् भूयाग अवंडि मू मुारिय गरार्छिय । घिरेक खि छि न গ্ৰাহ্য ৰদ্যপ্যজ্জীব্যেমৃত ।। ইতি मम् वर्ङ्गावर्ङ्गः ॥ 🛊 ॥ जात्म हा-मन्या मन्। (छनानाल् मनीविनः। উক্তস্যান্ত ভ্ৰম্ভীতি নান্যেষা পৃথ-গীরিত।।। ইতি রাজনিঘণ্টে নদ্য भुकत्रभः ॥ 🗱 ॥ यथ गठास्तत्र सह मा लक्षन खनामह। (भय समामिक র্লোকৈ স্তন্মদ্য মভিধীয়তে। যথা রি 🗞 मूदा मीधू बामवास्य मत्मकक्षा ॥ মদ্য সর্ব ভবেদুক্ষ পিত্তকৃৎ বাত-नामनः। (अत्नः मीह्युश्रह्भः क्षः कक इतः भवः॥ अन्नक्तीभनः क्टरः পাচন চাশুকারি চ। ভীক্ষ সূত্র্ঞ विणापः वावायि व विकाशि व ॥ #॥ व्यथादताइन लक्षनः खनामह। भाकी-यक्षाम् निषः यग्रमा उटमानितः

र्मनाज्यः। 🕸। जाय, श्राप्तमन मारु। শ্লে শাছ্যোক গুড়তা বিরসাস্তা চ বিশূত্রসক্তি রথ তন্দ্রিররোচক চ । লিঙ্গু॰ পরস্য ত্রাদস্য বদন্তি ত জ্জা স্থা করা শিরসি সদিযু णि (जनः॥ जिन्दु खन्दा ॥ 🗱 ॥ भागाजीर्ग मारु । जाधान मृगु मथ বোদ্ধিরণ বিদাহঃ পানে ত্বজীর্ণ মুপ-গছ তি লক্ষণানি। উদ্নিরণ বাজিঃ উদ্ধারে। বা । পীয়ত ইতি পান ম-দ্যা 🛊।। পানবিভুম মাহ। ছ্দ্ গাত্র:ভার ক্লন্সুব কণ্ঠখুন মূর্ছা বনী জুর শিক্সাঞ্জন পুদে**হাঃ। ছে**। ষ: সুরান্ন বিকৃতেষ্ চ **ভেষু ভেষু ত**° পানবিভূম মূৰভ্যখিলেষু ধীরাঃ॥ कथेय्नः कथे। जूननियंग इव । नुष्तः হ: কফেন লিগুলস্তা। দ্বেষ: সুরা मविक्छियु भृताविकातियु अम विका-दिव ह (इयः। अथि (लयु नम्) वि-কারেষু।। 🕸।। অসাধ্যানা• মদাত্য यारीना॰ वक्षण मारु। मीरना उरता ह न्जि भी क्रेन्नम मारु। रेजन भु ভাস্য নৃত্রিশান হত ত্যুকেছ। জি জ্বোষ্ঠ দম্ভ নসিত ত্ত্বথবাপি নীল। পীতেচ যুস্য নয়নে ক্ষির পুতে চ ।। হিক্ল: জ্রো বন্থু বেপথু পার্যশ্ জাঃ। কাস ভুয়াবলি চ পানহ उ॰

ত্যজেত্ত॰।। 🛊 ।। অথ মদাত্যুযাদী-না • চিকিৎসা। মদোত্থানাস্ত রো-গাণা• মদ্য মেব হি ভেষঙ্ৰ। যথা দহন দক্ষানা দহীন স্বেদন ছিত।।। भिष्या विश्रीन माम्यन या व्यापि कः পজাযতে। সমেনৈব নিপীতেন ম-দ্যেন স হি শাম্যতি।।#।।বীজপুরক বৃক্ষায় কোল দাডিন সংযুত। যবা नी रुপुषाजाकी मृक्षवित्रावर्गिंउ।।। मामुरिशः শক্তভি गूंक गवम रेण कि-রোল্থিত । एम्राष्ट **সল**বণ सम्र रिभश्चिक• वाञ भाष्ठाय॥ 🗱 ॥ सम्र সৌবর্গল বেগ্রাব যুক্ত কিঞ্ছিজলা ব্বিত ৷ জীর্ণ মদ্যান দাতন্য বাত পানাত্যথাপহ্ ৷৷ধ্ৰঃ চব্য সৌবৰ্চ-ल श्रिक् भूतक विश्वभीभाक । ह्र्न মদ্যেন পাতব্যং পানাভ্যয ক্লাপ **হ•॥#॥ লাব তিত্তিরি দক্ষাণা•র**-সৈশ্চ শিখিনা মূপি। পক্ষিণা নুগ .মৎস্যানা মানূপানা• তথৌদকৈঃ !! সিংক্ষাঞ্চ লবণায়েশ্চ বেসবারৈ মুখ निर्यः। मिर्षा लाधुमिरेक बरेग बीज मम् । जारा कारा द्या सामा ना ती ना रयो -वताकानाः निष्ठि कश्रृहतिः । **भागुक क**ठ ভाরिक मण्यासाय मृथ्यूरेमः ॥ भगनाहाम्रेन कृष्य क रिक महान्तर् हिः मूरियः। उदमान

মাকতাৎ দীঘু পুশাম্যতি মদা-**७**ऽमः॥क्षा शिख्शाना**७**ऽय्याबऽाः সর্বতক্ষ ক্রিয়া হিমা:। সিতা মা-ক্ষিক সংযুক্ত মধ্য মৰ্জ্জোদকং পি-বেং ।। মদ্যু থজুর মৃদ্বীকা পর্ব क दरिन गुंजः। महाफिम द्रमः नीजः সক্তাভ শ্চাবচ্র্ণিত• ৷৷ স**শ**র্কর• বা " माधीक मध्यक मथवा भवः। प्राः घरूनक॰ काल পाउ॰ **পि**ख्यमाउऽ (य ॥ # ॥ ममान् किमञ्जलारानाः न् वावानिज्ञुहकान् । मधुतासान् পুगुक्षीज ভোজনে শালি यश्विकान् ম পটোল যৃষ মিশু• বা ছাগল• ক-ল্পযেদুস । সতীল মৃদ্ধ মিশু বা माजिगामनकाद्विष्ठ ॥ मुाक्यामनक খজুর পক্ষক রসেন চ। কল্ল্যেৎ তপণান্ যুষান্রসা শচ বিবিধাত্ম-কান্য শীতানি চামপানানি শী-তশণ্যাসনানি চ। শীত বাত জল क्लार्याः भी अनुश्रवनानि ह।। क्लीन भएपार भनामक मनीमा भोकि কস্যুচ চন্দ্ৰোদক শীতানা স্পৃ मा महन्तु।म् मीउलाः ॥ कक् उर्भग जःयुक्त यवानी (व्याय जःयुक्त । यव গোপ্ৰা কাল ক্ল যুবেণভোজযেৎ अन्यः नाक म्झागा॰ मृनकाना॰ त्रायन वा! शु कृ व कर्षे म शू क ववाम | नमानाभी शु (का किनः । इंडि

वा भुनाभाद्य ॥ अ॥ ज्ञाननाः म त्रनः क्षक ग्रमः वा काक्रवः द्रनः। विशव य्य॰ मनाश्त्रः शिव्द दक महाजारम ॥ इननामण कनातन वा ज्क्षे कृदा जु नीवमः। द ऐस न-वन भा भः थारम् कक ममा छ। रय ॥ भाठकमुव्य यूक्तिन मरम्यता-**(झर्थन॰ गुज•। ममाजुर्य करका-**फुछ नहुनक यथा दन ।। 🕸 ।। य-**क्रिक् क्या निर्फिष्टे** नाज शिख क-কান্ পুতি। সৰজে সৰ্বমে বেদ॰ পুযোক্তব্য চিকিৎসকৈ: ॥ ইতি ভাবপুকাশ: ॥ 🕸 🗓 গৰুডপুরা-(शाक मराजाय निमाना मिक ज-रेकिव ३५० व्यथ्यारय मुश्चेवार ॥

महामाञः পু॰ গভঢক্কা। हाञीत्रङेश-রেরডক্ষা ইতি ভাষা।ইতি হারা। वनी।।

**মদা**শ্বরঃ পু• মন্তহস্তী।ইতি ত্রিকা-ওশে यः॥

मनातः भु॰ रुखी।। ध्र्वः। ইতি विषः ।। म्कद्रः।। कामूकः।। केन्राज्यः।। मखरुखी ॥ न्পाउनः। ইত্যাদি-কোৰঃ ৷৷

मनार्यातः भृ॰ कनकमर्ग्रः। ইতি ত্রিকাওশেষ:॥

🕏 🎓 । অরিষ্ট মদ্য মিতি লোকে। 🛚 यथी, हाक्काविक्षे । मंग्रम्मातिक्षे । বর্লীরির মিজি। অরিষ্টণ লঘুপাকে न नर्ब हाइ अविकार विदेश ख्या (अवसं नीक पून) खेरेगः लगाः ॥ 🗱 ॥ व्यव भूताना काका अल्लामा **भावि वडिक विश्वे**क्ति कुँछ सन् नुता मृजा। नुता छदी दल उत्ते शुटि मितः क्य भूता॥ भू। हिनी भाष 🗟 न्यार्मा गुरुगी म्बक्ह्नूर। #। य थ मूदाराज्या वाक्नी उम्रा वक्न खनाक । भूननंता मिला भिरेष्ठे वि হিতা বাৰণী মৃত্য। সংহিতৈ তাল थक्क्रुत तरेम या मानि वाक्षी ॥ मू-त्र। वदाक्षी लद्दी शीन**माध्यान मूल** নুৎ। সুরাতো ভেনার্থ• লম্বীতি।#!। व्यथ भीषु द्वयम् वक्रनः खनान्। ই काः भरेक द्रोमः मिष्कः मीषुः भ कु तमक मः। व्यारम देखत्वव यः भी ধু: 🐃 সীতরসঃ মৃত: ।। সীধু: প পুর্ননঃ শ্রেজি আগ্নি বল বর্ণ **ক্**ছ। বাত পিত্ত সুণা হৃদ্যঃ গ্লেহনো রো-हता र वंदी विवक्त विषः भाका नः (नारकार्देत्र ककामयान् । उमा-मन्न खनः म्वां उत्तरः मः तर्वयनः मृजः ।। 🛊 ।। ज्ञानवन् वक्षा खगाक। यर भरहोयवाषु जार निष्क मरा न আসবঃ।। আসবস্য শুণা ক্রেয়া বী-क पुरुखरेनः मभाः ॥ # ॥ व्यथं नर পুরাণ মদ্য গুণা:। মদ্য নব মভি-यानित जित्नाय जनकः नद्रः। अङ् म् र र् र र प मार्क पूर्णकः विमाम छक ।। জীর্ণ তদেব ব্লোচিফু কৃমি লুেন্মা-নিশাপহ•। হৃদ্য• সুগন্ধি গুণবল্লঘু ्रभुष्टा विष्माथनः ॥ 🗱 ॥ व्यथः जा-दिकाना महा भिवजा हा वि-भियाः। नाजिक गी**उ हा**न्याहि রাজ্যে সাহসাদিক। তান্সে নি-न्त्रकर्याणि निमुक्षि मित्रा हरत् ।। चाहरत् अर्य्याट । विधिना भावग काल व्हिं द्रोम र्यथा वन । भूक्-(क्टे। यः शिर्वचाम्यः उम्य म्याम्ब्रंडः यथा।। किन्छ मम् । श्रञादन यरेथदा-ন্ধ তথা স্ত । অযুক্তি যুক্ত প্লো-গায় যুক্তি যুক্তণ যথামৃতণ ॥ 🗱 ॥ व्यव मम्। भक्तनान्यतानामायः । मृदिन नवानगर जीवक धान रेकना यक ৰ্বিন্সদসি বাচ মভিব্যনক্তি। স্থা-ভাবিক মুখন মুন্নতি প্তিগন্ধ शक्ष नम्। लम्नामि खर्क नूनः॥ ইতি ভাবপুকাশ:।। 🗱।। অগিচ। भुक्छ। यहा यजुरक महास्कासः वि-পাকতঃ। সর্বসামান্যত শুস্য বি-**। क्यानाः** मञ्जा

म्बानाः गुरुग्रामा विकातिगाः। मु রা পুশস্তা বাতেষু রক্ত**পিত ক্ষ**যে-ষ্ত।। পুসন্ন। গুল্ম বাতার্শো বিব-कानार नानिनी। भूल भुवाहिका-টোপ কফ বাতার্শসা হৈতা॥#॥ জগলো গাহি ৰক্ষোঞ্চঃ শোথয়ো ভক্ত পাচনঃ। (भाषार्मा गुरुगी (मायान् इन्छ) तिष्ठः कका स्थान् ॥ व्यतिष्ट्री मन्द्रविष्णयः ॥ 🗱 ॥ 📆 🕒 यात्र। १७नवः सम्रा ७क मायन মীরিত । সোতসা পোধন জীর্ণ भीभन वयु (ताठन ॥ इर्या श्री-ণন বল্য মদ্য শোক শুমাপাই। পাগল্য পুতিভা পৃষ্টি বীর্য্য তৃষ্টি **चत्रशुद्रः ॥ इं**তि রাজবল্পভঃ ॥ **%** ॥ **जनः नम्यास मुश्रेवाः ॥** 

মদিরাগৃহ• ক্লী মদ্যস্থগৃহ•। মদ্যসন্ধানগৃহ•। তৎ পর্য্যায়:। গঞ্জা ২
। ইত্যমর:। গুঞ্জা ০। যথা। ভাগুা
গারে বিদুর্গঞ্জ• খনৌ খঞ্জাসুরাগৃ
হো মদ্যভাণ্ডে মৃতা গুঞ্জা গুঞ্জাদ্যাৎ কাকস্বঞ্চিকা।। ইতি ভরত
ধৃত হন্তদনু:।।

श्वितामथः श्रृ वागुत्कः। ইতি कोषदाः॥

अपिताकी खी मित्रावरिक्तिगैय-न्याःना। मङ्गाहना। यथा। य- विहिज मूथ पूर्थ निर्दर्ग वस कि-किन्न मिल विह्न किन्द्रसाक है-ज्याहरूक । समजू मज समझ त्या-म्र जातम्य पूर्वमार कम महिताकी नीवित्सारका हि त्योकः ॥ हेजूर-रूटेः ॥

मिक्षा औ मिक्ता। ইতি एश्वरमुः मिक्ती ह्यकवस्त्र। ইতি नानार्थ एश्वरमुः॥ क्यकवस्त्र। ইতি বৈশঃ वर्श को। ध्वः॥

নদীয় জি নমইদ। আমার ইতি ভাষা। অমাইদাদীয় পুত্যুয়ে এক বচনার্থে নদাদেশেন নিম্নন নিদে। ইতিমুগ্ধবোধব্যাকরণ।।

मरमार्किः श्रु मखरुखी। ইত্য-मतः॥

मरमाथ्किं। जी मिम्ता। ইতিরাজ-নির্যন্টঃ।।

মদোদ্বত: ত্রি মন্তঃ। ইতি জটাপ্রঃ॥ মদোদ্যুগ জ্রী নারী। ইতি শব্দ-মালা॥

মৃদু: পৃণ পক্ষিবিশেষ: । পানিকৌডি ইতি ভাষা। ইত্নির: ॥ অস্য মাণস গুণা: ৷ বাযুনাশিত্বণ ৷ স্থিন ত্বণ ভেদকত্বণ ৷ শুক্রকারিত্বণ ৷ রক্ত পিত্ত নাশিত্বণ ৷ শীতত্বঞ্চ ৷ ইতি রাজবল্লভ: ৷৷ महुतः शृ॰ मह्मादिष्णयः। माखत देखि छाषा। इँछानदः॥ यमा केलाः। मधुद्रद्रशामिकद्रशामगुर्गा रिह्द किवादः। शक्षद्रशाहिक नाष्ट्रकेश

महुत्रकः श्रुः बहुः मर् मेड्राइंडि सम-त्रजावनी ॥

महुत्रमी जी भ्वीमट्माः। है ज्याद

भएड की भूता। इंडामदः॥ व्यमह खन भर्यारयो मिन्द्रा नास मुश्रेरवरी 11 # 11 उ८ माम्भविषः यथा भूनः खाः। भान्म पूर्क माध्क था-क्ति कि रिम्मव । भाषीक 🚜 🏗 🥕 भे रेमाद्रयः नादिक्व ानि विकानीयात्राम्। 🦪 🤫 তু। দ্বাদশন্ত সুরা-। मधम॰ मृठ॰ ॥ 🛊 ॥ 🕥 🗵 - अप्रमानाः जुद्राद्धः निष्य 🦖 🐠 भारता समाह्यु पुरा ৰ বচনাৎ নতু ম**দ**্য . गदार्थः। उथा तृश्या श्वान विश्वान न विश्वः नमाहत्त्र । उश्वक् हः शास्त्र अनुष्य मन्क्रमार ॥ গ্ৰাণে ব্ৰাত্বে জনেণ প্ৰাথশ্চিত্ত ে সস্তাৰ,। তথা ভবিষ্যে। সু

রা তু পৈষ্টী মূথ্যোক্তা ন উস্যান্ত্রি তরে সনে। পৈষ্টীতি তণ্ডুল বিকার মাত্রোপলক্ষণ ইতরে গৌডী মা-থ্যে) অতা ২ম বিকার এব সুরাশ-सम्। मृथादा । जिविधा मृद्रि । जी · जी भारधुरा भौंग मुद्राज्ञाननाः র্থণ। তেন এতৎ পানেপি মহাপা। তক্ত্ৰ মতিদিশতি যথৈ বৈকা তথা अर्बा इंडि लिक्षेश भूव भूतिष्क म-भंगित। यथा लिक्षी मुता उथा मदी গৌড়ী মাধ্বী চেতি পূর্ববচনোক্তা তু পৈষ্টা দৃষ্টান্তত্ত্বেনাত্র দর্শিতা। নপা-তব্যা দ্বিজোন্তনৈ বিতি বান্ধণৈ বি-ত্যর্থ:। ত্রৈবর্ণিক পরত্বে উত্তম পদা-नर्थक्रा वह्रवहनानयंका भन्नी हाना-র্থ মূত্তম প্রাতিপদিকানর্থ ক্য মযুক্ত• অতে৷ব্ৰাহ্মণস্য ত্ৰিবিধৈৰ সুৱা মহা-भाजकरङ्जुः । ऋबिय रेवनाऽरयास्त जूबा रेव भनगमाना भिक्ति वहरनन পৈষ্ট্যের ইতি স্থিত•। অতএব একা মাধী চ গৌডী চ পৈষ্টা চ ত্রিবিধা मुद्रा। दिजाठिछि नंभाठवरा करा-**हिम्लि** क्शिहिए ॥ इंडि यनव्हान দ্বিজাতি পদ ব্রাহ্মণ পরনেব। অ-তএব দ্বিবিধ সূরাপানে ন ক্ষত্রিযা-मीना· महाপाতक· । # । তাবদস্ত দোষাভাব মেবাহ বৃদ্ধ যাজ্ঞবহ্নঃ।

काशानिशिहः ब्राज्यन्तरा रेवस्मरा वा भिकथक्षन । महा भिव भूताः शीदा न (मायः भू जिभम् ) ए ॥ जत्मयः रेभ श्री नित्वश क्षिवर्गिकाना॰ भोडी मा धी निरवध्य वाक्रणाना (नव ॥ 🗱 ॥ ভজ্জাতেঃ স্ত্রীণা মিপ সুরাপান নি বেব:। তথা ভবিষ্যে। তন্মান্ন পে-यः विरम्न जूता मम् कथकन । वा ऋग्रालि न लिया रेव मूदा भाग ख्यावहा।। या वाकानी मुद्राभी महा ম তা॰ দেবাঃ পতিলোক ৰুখাৰ ইতি শু.ভিঃ ॥ পতত্যৰূপের রেণ ভার্য্যাণ যস্য সুরাণ পিবেৎ । পতি তার্দ্ধ শরীরস্য নিষ্কৃতি নোপপদ্য उ॥ नेटिव॰ क्विय देवभा जीनाम-नित्वयः। द्राक्षणी भएम। निविक मूत्रा পান কৰ্ ভার্য্যোপলক্ষণত্বাৎ ভা र्या यमा मुद्राः भिरवित्रि मामाना <u> भ</u>ुवगाह ॥ **#॥ भानक मु**वी ভ্**তস**্যाः **ভ** उवहादः। ज ठ कशे (मणामस्था नयः ন নতু বকু মাত্র পুবেশ: ৷ নিষ্ঠীবনা र्थ कलाल शाद्रण भान भद भूम-कार। यहाकः। बियुमहि मूद्राः क শ্চিৎ পিবতীত্যভিধীয়তে। যাবন্ধ ক্রিয়তে বক্তে গণ্ডুষস্য প্রবেশন ॥ অত্র পঞ্ষ পুনাণ অবিবঞ্চিত। গণুবাৰ্দ্ধ পানেপি লোকে পান শব্

भुरवाशार । अञ्जव मूर्य भुरव**णन**् অত্রাবিবক্ষিত কিন্তু মূথ পুরেশি क्शांमरक्षा नान खर्कि वाक् उति বোপলক্ষতি অভএব ওপ্তর্গাত্র লে-পে ন পান নিম্নুতিঃ! এত স্তরোক্ত-गाक्रणणं भुरगिष्ठतः ॥ ऋ॥ जाष् मूद्राभान श्रीय भिष्ठः। उत्र मनुः । সুরাণ গাঁড়া দিজো নোহাদগ্নিবর্ণাণ 'मूर्ता' भिरवए। उया मकारय निर्मरक মুচ্যতে কিল্বিষাক্ততঃ।। গোমুত্র ম-श्चितर्भञ्चा नित्रमूपक रमव वा। भरमा ঘৃত বানরণাৎ গোসকৃদুস মেববা । অগ্নিবর্ণা॰ অগ্নি সূমস্পর্শা॰ । পথে। ষ্ত পোরেব আনাবন্তে চ গো: কী-র্ভনাৎ ৷ নোহ শদে৷ ২ত্র বৃদ্ধি পরঃ ।। দেবল:। সুরাপানে ব্রাহ্মণো রূপ্ত তामु जीमकानामन/ङम मन्न कन्न . भीषः। भद्रीत्रज्यागाट भ्याज । क-প্যাদযো হত্ত্ৰ দুবীভূতাঃ পীত্বেভি निर्प्पणाट । ऋयमणकावरिना त्रि मूर्थ (महनीया । यथा (भाउमः । मुत्राभम। व्राक्षणम। उष्णभामित्कः : সুরামাস্যে মৃতঃ শৃধ্যেত। অতএব নসেচকানা• বধো বিহিতত্ত্বাৎ স্বৰ্য • পান ইব। এতচ মরণ পুাষশ্চিত্ত॰ कामकृष्ठ । यथा वृश्स्त्रांजः । मूत्राः পানেকানক্তে জ্বলম্ভী তা বিনিঃ-

किए । भूत्य न हि विनिर्फाका मृ-कः मुक्ति । । याए॥ कथिमिजि अ १९ कार्यः । अ । **गः। मूत्राभानः** अक्. 🖖 🛷 🔧 अद्वाः शि-(有C1为有有思想等)。 · "利· (क भन्न हा। সুরাপানে প্রাণাঙি 🦠 😼 **পৈঙ্বীপানে তু ঋষিভি ভে** চল 🗥 কথঞ্চন।৷ শত্রেনাপি মহাবাহে৷ যশ্চিত্ত মুদাছত। সুরাবাঃ কামতঃ भारत म्थायाः भाग नामनः ॥ भूतः भूनः रेभश्री विषयज्ञाज्यानः क्रिकि षा जूता यूथ्या इंडि जुमनितानार्थः। कथक्षन मक्षिणुर्थः। 🗱। ইতরাসাং षामुद्रानाः लोजी बाधी भुज्जीनाः জ্ঞানতঃ সক্ৎ পানে নরণান্তিক ন ভবতি গৌড়ী মাধ্যোম্ভ জ্ঞানতো হভ্যস্ত পানে গৌডী মাধী ব্য**তিরি**: ्कार्यास्त्रम् वाच्याः **च्याः अन्यान** 🗝 এন মুক্ত॰ ভবিষ্যে। গৌডী মাধ্যে। खणाजात्म भागांडिक मुनाङ्खः। **अ**ज्ञात अपूर्वायास जारावादिनिः জাণ পিরেশা তথেতি জ্ঞানত ইত্য र्था क मार्थ अभकृष्य ज्ञानकः भी-জা বাৰ ী পত্তি ছিল:। মরণ তস্য নিদ্মিষ্ট পুৰ্যশ্চিত্ত বিধীয়ত त। इति यनवज्ञ मिल अञ्चिषयानव

व्यवान्त्रात्म मद्रग विश्वानाट विजीव বার এব মরণ কার্য্য ৷ গৌডী মা-(ध्राः कामजः मक्रभात ভविष्र । অসুরা মদ্যপানে তু কৃতে বিশুস্ত कामञः। हानुष्याः नम्बुरमु८ मुक्तिकामः यमुक्तरम ॥ यदास्मितमय चिष्य भागवीयः अकन्नरयः। कगान् ज्यम्यः भिगाकः वा मक्-<u> বিশ্ব প্রাপানাপনুত্</u>যর্থ বাল ्राप्त । १८८४ विग्राकः **शतिः।क्रा** ড <u>বিবাধিক আ</u>য়সেন পাৰেণ ইত্যাহ 🙉 পাযসে ভারনে তপ্তা: बाक्राला वाक्नी भिरव । भावाक हीत्रवाममा उट कर्डवार **आह** उन्ह ना। लावान ही तवानाः मुद्राभः मूद्रा ম্বি বর্ণা পীত্রা প্তো ভবতি। 🗱। व्यक्तानजः मक्ट शिश्वीभाति वासनः न। बादमवार्विकः। यथा वुक्र्उ। वुजानुवृत्को यमः । हात्रजा मिछाप-বোভৌ সুরাপ ওক্তল্পগৌ। সগো-बाम्यकरेक्टव मूवर्गस्यय कृष्टदः॥ #॥ ভবিষ্যে। অকান্তঃ সূরাণপীত্বা পৈ-क्षे गटकन नमन । कृ हा जिक्र हो क्दा रेव भूनः म सात्रजः मृहिः॥ क्गान् वा ज्ञायम्यः भिगाकः वा সক্ষিশি। সুরাপানাপনুত্যর্থ বাল वामा करी धुकी।। भा मूद्राभान माजा

প্রেয় রোগস্য রোগিণো ২জ্ঞানত: পান বিষয় মিদ ইত্যক্ত ভবিষ্যে। খথা ভথা শিলেব বিষয়ে বাশিষ্ঠ প तिकी विं**छ•। यमि द्यारेगः ভ্**বেদ্ধুছো निउद्गा केराहने ॥ कृ हु काब जूब-**ल्**ड उस मृह् উमाश्उः। कृ ह्वा िकृ হুবিভাত্র ক্ ছুপদ ন পাজাপত্য-পর কিন্তু উপ্তক্ हुপর । 🗱। অজ্ঞা-नछा भोषी नार्वृहाः मक्ट्भारन উক্ত॰ ভবিষ্যপুরাণে। সক্ৎ পীত্ব। ख्या (गोडी मञ्जानाट मृत्र मखम। কুটাতিক্টো বিহিতৌ ঘত পাশ্ৰ <মব সা অজ্ঞানাভ্যালে উৰেবোক্ত• रिलोडी म ज्ञान कः शोदा बुक्ताना बुन भागित्रा उछ न् हु इति कृदा श्नः म॰-कात्रकः गृिशा भाषीः शीद्वागकावाः হো অজ্ঞানাৎ দিন্ত সন্তমঃ। শুক্তা ত উপ্ত দুৰ্ণ বিক্লাভ্যাসনাত্ত্থা।। রৈতো মূত্র পুরীকাণাংগীড়ী মাথের भह शासान : कवान शमा विश्वानां স'স্কারাছ জিরিষ্যতে ॥ প্রাণান্তিকে **চ शारहार्य तमञ्जदार कविय दि** শ্যযোরপি বথোক মরণাতিক পুা यक्तिङ (यद) इतिम वार्षिकामी भा দপাদ হানিবভক্ ভক্ষণে ক্ৰিয়া मीना॰ गुरा नर्गभारः। दिर्लु जू नकः वा ५२ शासान क्विय नजः।

रेवरणार्षः भाषरणवञ्च म् एकाञ्चि भगुरा ॥ अ।। भानमाहि सम्प्रभा-নে তুকাননা কৃতানেক সম্যাভ্যক্তে भागांडिक गूक दास्तामं कामनया সক্ৎ কৃতে ত্ পর শিরঃ। অগম্য गमान दित्र मम् । (गानाः नः जक्ताः । मुरेक्या हान्यायन अर्याट मही गदा नमू दुगा।।। हान्स्।यत छ जनीर्ग अ र्याषु अति एक बन् । जनपुर निर् তा॰ गाक रन्धा दिन्। य निक्रा ।। হ্মকান**জ্ঞ স**ক্ৎপানে বিষ্ণঃ। পীত্রা अनाराजा भरा गिक् हु ठाउकि ল:। কার্যেৎ পুন: স'ক্ষার' ভক্তর বিপা•ফ ভোজবেৎ ৷৷ কামতো হ্কান্তক্ষাভ্যানে বুতাবৃত্তি মাহ यमः। लाघ विवि छः कन्न कानुता-খণ নথাপি বা। অভ্যাসে তু তয়ে। র্য স্তত: শুদ্ধি মবাপু আৎ॥ অপ-गुर्विज्ञानमारम्यामणविध मम् शात बिदाबः। शानमः पुष्क साध्ह নিত্যাদ্যভিধায় পুলস্ত্য:। দুাক্ষেক্ষু **ढेक. थ**ड्जू ब शननारमण्ड या बनः । मराङाउँ उ॰ भीदा बाहार मुष्कृष्ट विद्याखनः ॥ ॥ भूषा-ककारोनाः भार भार कान मुक्रिया ।।वाल वृक्त जीनानकारिकः भाविकः ख•। ३७ शुग्यांक डिव्दिकः॥ अ।

क अंद्रात वृद्धिगुन्। यम्।भागिन िमान, नजा। बाह्य कान।रभयक ः च्या व्यक्ति, अत्र हा विवाजीनामः ম্পুলা ভাষ্টে আন্ত মিতি ছিত া ভঙ্গাং বিজ্ঞা विवृद्धांष्ट्। भी ताला ने प्राप्त नि ত্বসম্ভাব্যে বিজ্ঞেন জন জন জ ্জু:প্যভক্ষাণিপীত্বাপে 🐃 🗀 🦠 कः। নাধিকারী ভবেত্তাবদ্ कश्राज्याः ॥ ज्याद भतिश्रतमिञ् न ज्ञानि भुगज्ञ उः। जालगानि ह विल्या देव भीषा जन्माजि द्वीववः॥ ইতি শ্রীকৃষ্পুরাণে উপরিভাগে ১৬ व्यव्यायः ॥ क्षाः सन्त्रभन् विद्वा क्शमर्भाग त्रायानि यथा। ददाङ् উব। চ। মদ্য পীত্বা বরারোহে যস্ত মামপদর্শতি। তত্র দোষ পুরক্ষ্যা-भि म् तुनस्त्रि छघ्छः। स्वा वय नश्त्रा पि प्रतिष्तु काय् भूगः। ক্ষাতা ভারেং স্থ প্তাত্মা নন্ডক্রন্চ ৰ সংশ্যঃ গুৰুত্ব ভাগৰতো ভূবা কাম রাগেও গোহিতঃ। দীক্ষিতো পিट्ट सम् । भूवि**क्ट न विम्रा**ङ ৪ অন্ড তে <del>পুৰক্ষ্যানি ভ</del>দ্ণুস্ব বসু-भारता अविवाद **मूताः भीषा उन** मुक्ता किल्यार ॥ अवरेक्षवाभन्ना शानि त्यन चूका कि कि कि विषय । य व ,

তেন বিধানেন প্রাথশ্চিত্ত সমাচ-(त्र्ाान म निम्राडि भार्यम म मा রঞ্ন গছতি ৷৷ ইতি বরাছপুরাণে मम्। भारताभाषा भारताभाषा भारताभाषा व्यशिष्ट । व्यशम्याशमन क्वा मन्र (गाना जक्षा । मुख्याहानुग्रायगा-দ্বিপঃ প্রাজাপত্যেন ভূমিপঃ ॥ বৈ-া সাম্বপনাছ দুঃ পঞ্চাহোভি বি-🦈 🚉 ইতি গাৰুডে ২২ অধ্যা-ा पी नाष्ट्राः कामजः া া া া বিশ্বাস্থ মিতি প্রাথশ্চিত্ত विष् 🕛 ः । । 🗱 ॥ विजन् भू-कारने गर्उनान विष्ठुन्तम् निरम्भा यथा। मनिताः भृष्ठाजा मन्।। अ-नार कानल वागजः। व्यवनार कि হিত' যত্ত মদ্য' তত্ত দ্বিজ: পুন: ॥ ना तिरकल झल का रमा जायु ह वि-স্জেঅধু। নাপদ্যপি দিজো মৃদ্য॰ কদাচিৎ বিস্জেদিপ ॥ খতে পুল্লা **সবাদু**ক্তাদ্ব্যঞ্জনাদ্বা বিশেষতঃ। রা জপুত্র তথা নর্ত্যঃ সচিবঃ দৌ প্রিকা मयः ॥ ममू । नंतर्वाणः ज्ल गणजा বিভবাষ চ। ভূপালাননতে নদ্য॰ **मम्ब भाभ गवाश्याद ।। ই**তি का-লিকাপুরাণে ৬৬ অধ্যামঃ।। 🛊 ॥ व्यथ् गुन्मगम् मर्भामनित्यक मूक भारमा यथा। दिन्यन्मायन উवाह।

जुद्राभानाइकनाः भागा विद्यान् मः জ্ঞানাশ॰ প্ৰাপ্য চৈবাতি বোর॰। দৃষ্টা কচঞাপি তথাভিৰূপ পীত। তथा जूत्रया (माहिएउन ॥ जमनू) कथाय महानुजाव उपनामना विश्रुः शिक विकीय्ः॥ कावाः स्याः वाका भिनः अगाम जूबानानः পुछि व का-**७ मकः** ॥ या वाकाला १मा भुकृः তীহ কশ্চিৎ মোহাৎ সুরাণ পাস্য তি मन्तवृष्तिः। অপেত धर्मा वृद्धश हित नगामित्वाति गर्हितः गार পরে চ ।। মযা চেমাণ বিপুর্যাক্ত সীমাণ মর্য্যাদাণ বৈ স্থালিতাণ সর্ব-লোকে। সম্ভোবিপা: শুশুরা সো ও ৰণা দেবা লোকাম্চোপ শ্বন্ত স-র্বে।। ইতি নহাভারতে আদিপর্বণি ৭৯ অধ্যায়: ।। 👙 ।। অথ তত্ত্বে ম-म्राजान निर्वाश यथा। नात्रित्कलक थाड्यू तर भनम् उरेष्व छ। अक्वर मधुकः होन्हः जालरिक्षव ह माक्किकः ॥ माक्ष प्रमाम (ख्वय लोउ है) কাদশ মৃত া পৈঠন্ত দ্বাদশ পো-कः मर्दिषा मथमः मृजः॥ मथ्रमः মধুজ গৌড শেষঞ্চাত্তন মিৰ্যুতে । এउ८ हार भेक॰ सम्र न भाउवर॰ षिरेजः कृष्टि ॥ क्वियानिः नित्र मर्बः रिषष्टरम्काष्ठ वर्ष्करप्र । मुद्राः

পীত্বা দিলোমোহাৎকামাৎ ভক্রা-पि भिन्जाः॥ देववार्षिकः वुकः अर र्वामीयभिर्मु जू वार्विकः। इकारि मिण्डा किक्ट मुद्रा भीदा छ-कामछः ॥ क् हुक्ति शाह मूहर्ग्। भूनः मःकात मर्गे । मूथ প্रायम माज्ड शुर्याक्षं क्षं भाग्रत्थ ॥ अनुभनी ा तित्वि वुछ विवार्षिक हेत्र । ठञ्च का वा राजी मा बुक्ठ गं भथा-शिवा॥ या शक्ष वर्ष त्क्षश छानारं-र्छ विनिर्फिरम् । मृपुम् । विष्न-(यग अठिक् हु खय रहातर।। अजाठि সাধিতে তিমান্ তদৰ্ধ পুত নাচরেৎ । देशश्रीभारम कुञ्चनम्। मत्रगान्तिक मूठारा ॥ माथी भोजी मुताभाष द्यानभाषः विधीयत् । ইতরেষাস্ত भारतन भूषि कान्यु।यशन ज्॥ द्रा-बन्ध रिकारिया कालि गोजी माधी न भगाउ। भाश्य क्रबक रिमाः क भीदा क् हु हर ठरत ।। म्रामि शोडी रेशश्रीक न शिवकीन म कु-তাং। কামাৎ পীত্বা সুরাং বিশ্রো মরণান্তিক মাচরেৎ।। চরেচান্দ্রাবণ• द्धाना कि विरा रिना अव ह। रेन-ষ্ঠীপানে তু শুদুন্য প্রান্তাপত্য বি-বিদিশেশ। জ্ঞানাদভ্যাস যোগে তু व्याप्तादगज्यः भ्राप्तादिक्न उपा

ख्डामाहिल का मागायान जू। कविष् है-हबरेंवणाण शुागायाःचन भ्याजि ॥ 🗱 ॥ व्या श्रमिक्त चानुक ब्ह्रद्धः अथः। । । शिष्ठि । घटी निकुः भगग्रम् अः अंगः । विद्याकः विजगरिका मा जूनकः उत्रित् । अमिन करका मगुरू मनामार, म इ मीति ज ।। एषि मनुष्ठकानि ग ক্তিছ ভিক্তক তথা। অনুসানে উ क्रियोल मुक्त मन्। मुनिक्छि।। विकश्र भानत्वा भूण ম্ধূন সহসংস্থান্য শেষসাক স-गाइसार ।। शिश्राणी नवन पद्मियुना मण्यीविकः। शानंत्रः शक् येक्ट्रंबः আল সোমধ্য রুমণা একীকৃত্য शि नक्षानाः थार्क्क् बंभनेष भीति ७ । वह आव**े एडिनोक के अंअंब**क खेल है। बेड दार मंगक्तिनां जान नमार भूकी खिंडन हे ईक्केर खर स्वारक तमञ्च उंदी हिंदी। व्याद ज लवन मृद्धा **हेक्-महर भू मेरिडंड**•

नः नत् तथा विद्याः भक्षाः नत् नत् तथा विद्याः भक्षाः माश्रीः कः भड़ाङ द्रभः। भाषावती हेक्षम् कां वा यपः भद्याप्त्य ह।। मध्या म्ह समाः नाट हेक्ष्याधीकः नीविङः। माल्व मृतः पद्वी भक्ताः ह देश्य ह।।

व्यवा (मक्ख मक्षानाट मित्रमः भए) नीतिष्ठ । रुपुिक्का भक्षांबी ना-िक्य बन्धना। करणी क्य जन्नाः जानाम्। जमाद्रिक्**नकः।। एधि दिन**े ্ৰোন্তবিজ্ঞয়া তথৈক চ করীকণা। क्षान **मह मद्दानाद लोजीनम्**ड **जुड़ी डिड॰ ॥ मञ्जूमी मर्च मिखाम** मुक्कामक ममनिङ। यक्ती महाभ-(यद किक्किट इग्राशिया मिन घरा ।। म्मारक्ति ज् मन्त्राक्ष जीवनः जव निःकित्रा न्वरवतः मत्रीष्क नाः जुनद्र• ज्रेथव ह ॥ এउंचारमव न-कानाट रिमर्डी सम्राप्त भूकी खिंउ। ইবিজীনৎস্যস্জে নহাতত্ত্বে চতু विन्नाञ्जार्यु ७७ महनः॥ 🗱॥ व्यक्ति । मिक्कमञ्जी ভरवषीरहा न वीरता भए भामका करनो कु जा-রুটে ভার্যে লোকা ভারত বাসিনঃ मिन्ह ग्रह जूबा नीजा वर्ग छा ভৰম্ভি হি। ইভি উৎপত্তিতত্ত্ ७८ भेरेना ॥ 🕏 ॥ स्वित् वीत भएगा ভावः करनी नास्त्रि करावन । रक्त ল পশুভাবেন মজসিদ্ধি ভবেষ্ট্রাট ॥ ইতি নহানির্বাণতক্রণ । 🛊 ॥ विकरमः। न पराश्वाकारण मनाः मन शासरेका कथकन। वामकारमा मा-विस्पा कि मन्त्र मान्त्र न जक्तरहि।

ভৈরবতত্রে। নারিকেলোদক কা<del>॰</del> (म) जाम् गर्ड जथा मध्। दानन दिक्षारया (पर्यः न विक्रमः) कर्ताच्न ॥ वरः भुरान माखा होनायू वृ ऋता छात्र । इंडि मागगठवृतिनानः ॥ 🛊 ॥ मृत्जो करनी मन्त्रभामानि नि (यक्षा यथा। या छ्वतक्ष प्रमिक निका याः वृक्तभूत्रागः। नद्राच्यायायो मन् अ करलो वङ्क्ता विकाछिन्तः। निरवध विषयः नाष्ट्रेया उन्ना । मन्त्र म (एय नात्मय निन्तुर्किः। अनिन्र्राकः मसीकार्य) भिष्ठि कन्न उकः। काबि কাপুরাণেপি। স্বগাত্র ক্ষিরণ দত্ত্ব। আতাহত্যা মবাপু যাৎ। মদ্য म-षा वाक्षपञ्च वाक्षणात्तव शियात ॥ मृजिः। जास् (हक् त्रामा मर्/भाग-स। यवर्गकः। भवाकः जामुभावदः भराज्लाः घ्जः विना ॥ व्याजास्तर পুতিনিধি দান মিপ ন যুক্ত। ইতি । जिथ्रामि**जकुः ॥ # ॥ म**म्यज्ना यथा। नात्रिकिलाहकः काःसि । जाः সুপারে ছিত নধ্। পর্ঞ তামু भावस् नराज्लाः म्उ विना ॥ इंडि कर्यामाठनः ॥ 🗱 ॥ ष्यथ महाशाना॰ ज्डेर्थ॰ कोनाना॰ " मर्जान विदि र्लिथ्या । विवास इक्टा वीवः वनमशी जना छाद

। निवरां मिवन व्या (नां निश्नन महिष्यति ॥ मर्ज्ञथा मक्ट । पिर्व बीव (काष्ट्रक्यानमः । पिरास (प-दञा भुरूष कमस्याध्य (संशोत: ।। व्रक्तकत्व गरेक्वण मुनित्या नाज मःभनः। ज्ञाक ध्माता वीत्र उ-শ্বত বৃদ্ধিচে 🕏 उ: ॥ স্রাপান রতে। নিত্য বলি প্রা পরাযা। नब भागक महिरवा त्यः भ्कत व्य ह ।। मन्दः महाकी भाषा थड़ी क् र्या দশ স্তাঃ। বানরশ্চ থর শৈচব গল্ঞা-चामि विरूक्ताः ॥ हेन्।। एस वान र्फा दिनः भूकरण्य (ब्रष्टेरम्य छा॰। नि छाः तिनिखिकः कामाः शुभर्यााह फिल्म फिल्म ॥ अन्तवादा अन्तर्भ ह ठिरथो 5 **मनक उथा।** रेखतव्याः कः निक हक मञ्चामा भ्वंवर निर्य । जुद्रानाः स्मावनः क्रांग्राव्यथा वट अवस्यावि । भुवृत्व रेख्ववीवत्क मः (वं वर्ग हित्जाखनाः ॥ निवृत्त रेखन-बीहरक गर्स वर्गाः भृषक् भृषक् । विक्रयाक्षान्कन्नक विका पर्शाष्ट्र যুগে ॥ ইতি উৎপত্তি তত্ত্বে ১০ প-हेनः ॥ पुराजात हान्केदः भूष-.(যৎ পরদেবতা:। সুরা ভাবে চ গো-क्रीत • बिका रम्यान्यूर्ग वृत्रा। इंडि নিক্তরতক্তে ৫ পটল: 11 🕸 11 🕶 -

সংস্তা সুরা পীরা বান্ধণো বুন रा अतर्। मःकृजास मुद्राः भीषा वाकाला ज्वमीय्वर ॥ सोजाम-ग्राः जनागांत वाञ्चनः भुनित्य সুরাণ। অন্যত্র কামতঃ পীত্বা ব্রাহ্ম-ণ্যাদেব হীষতে॥ ইতি উৎপত্তি-তত্র• ।। 🟶 ।। বাহ্মণস্য নহানেংক্ भर्गात श्रियस्र । तुः ऋगः शतः (ननानि यपि भागापिकः हात्र ॥ তৎক্ষণাৎ শিবৰূপো হসৌ সভ্যু সত্য হি শৈলজে। তোখে তোখ यथा लीन े किइन रिज्जाम यथा ॥ यहि ভগ্न यथा काण वाखी बायू र्यथा शिर्य । उरेथन नर्मे शानन वाजाला वृक्षणि शिरा ॥ नीयछ नाब मान्द्रः शत्रनाजानि रेणणाक। नायूजाि निरामाकः नियकः क · वियापियु ॥ भए १७११न विना एवि ্বজ্ঞান ন লভ্যতে। অতএৰ হি दिशु अम् अमा भान जमाहातर ॥ विषयां कर्लिय वृक्तिशा निह रेणकाः विक्रमानः यहा रहित उहा त्।कार् कार्यामम् ७ वृक्ष ो मूता। मूतद् रहा 7 পদাৰ্জেণ সুৱা তেন পুকীৰ্জিতা ॥ ম-व्यव्यः जना भागे। वृक्षमाभानि (मा धनः। शुक्षश्रास्त्र हि यिनव छन। वृ

হ্মন্থী সুরা।। হবি রাগ্নোপ নাউেশ विद्या में विद्या चित्र । भाने (माहन मार्वित मुता मूकि भूमायिनी माग्रत्थ। म वाञ्चनः म विष्ठः (मा ९११:हाबी न मीकिंठः ॥ नङ् कि॰ कथ्राउ पिति गश्र निर्श्गाञ्चकः। मुक्ति मार्ग भिरः (एवि गाधनाः शम् गक्राते ॥ भुकामार गिषि शनिः न्धामिन्स्नीर्या नहान्ध्या । इस्ति वा-ज्कारजरवर्ष ० भटेनः ॥ 🗯॥ 🛪-नजी (नवनः व्यर्गाटः मर्वथा भन्नामः শ্বরি। রমতে যুবতী॰ রম্যা॰ কামো-चार विवासिनी ।। नहीं काशानि का विभाग रहिशाना वदास्मा। म् पुर्शि (ब्रह्तमरी) खरनी श्रासम्बन ব্লি॥ মাতৃযোনি বিচারে। হস্তি মাতৃ-(यानि॰ विना शिर्य। अलाह्यत शहा বীরঃ হল প্রাপরায়ণঃ ।৷ ভগলি-क् गभारयागामाक् वर करा नाहरद्र । নিশ্চলন্ত ভবেছিত্ত কোটিস্ঠ্য গ্ৰ-रहन कि ॥ हरन हिस्ड खरबड़ाबि निकल निकल यंथा। भवाना गा-भव· (मिव वाजानाथन मूखमः ॥ हि-छायाः जाधनः (मिवि अधि अखि करणी যুগে।ইতূ,ৎপত্তিতন্ত্র•॥ 🛊 ॥ का-निका जाविशी भीकाः गृशीषा मन्।

সেবন । ন করোতি নরো বস্তু স কলো পতিতো ভবেৎ াটবৈদিকে তাজিকে চৈব জগ হোন বহিষ্তঃ। অব্যক্ষণঃ সএবোক্তঃ সএব হতিমূ र्थकः ॥ भूनी मूत्र ममः जम्र जर्भवः ষ্ পিতৃত্বপি । কালী তারা ননু পুলের বীরাচার করে তিন। শৃত্রুণু उह्रतीरत्र भाभू गार म नहान् था।। ैहें कि कामाथा। छेट्य ६ भेरेनः ॥ 🛊॥ सम्प्रमायन भुकारता यथा । भिन উবাচ। শৃণু পার্রতি বক্ষ্যামি তেকা॰ दि (भाषन किया। भाषाभागतन मः विना कत्रभूषे जनाष्ट्रद्र ॥ वास्म গুরুষমস্কৃত্য দক্ষিণে গণপতিং স রেছ। মধ্যে দেবী নমস্ত্র্ পুনা-ষ্ণান ত্রযঞ্জেত ।। শরীরে মাতৃকা नामाः वायापिनाम नाठावरः। य कान्नाक विधानन युष्ट्रम्याम गाउ-रत्या। भण्ठाफ्रामी जिल्लानः वा य ্ট্রোণ বা মহেশর। বিলিখ্য মও ল শুদ্ধ তঙ্গোপরি ঘট ন্যেস ॥ বহুধা প্রোক্ষণ কৃত্রা ফট্কারেণ পূ নঃপুন:। তত স্তব্দিন্ কারণম্ভ মূলে निव ह ज्ञानरार ॥ बाज् हार्लन तम বেশি বিপরীতেন চৈৰ হি।প্র: ফট্ কার মত্রেণ প্রোক্ষণ কারবেৎ সূ ধীঃ।। ততো বিহ**্দ শক্তি**বীজ চতু फ्ला बद्रानिष्ठ । नाम विन्तू युष्ठ কৃত্বা অস্যোপরি শত হপেৎ।। ততো মূল কপেরমে নাযাবীর • ততঃ পর॰। বেরুঁ যোনি॰ গালিনীঞ্চ विश्व भीन मः छकः ॥ पर्मावज्ञा বরারোহে ঘট• ধৃত্বা পঠেমন্•।। ওঁ अक्स्नव भद्र• <u>वृक्ष जू</u>ष भृक्ष गय• धुन• িকচোভবা বুকাহত্যা তেন তে नामगामाइ-॥ # ॥ उ मूर्ग मखन সমুতে বৰুণালয় সম্ভবে। অমাবী জমযে দেবি শুক্রশাপাদিমূচ্যতা ।।। उँ (वहानाः भूनीता दीकः वृक्षाननत मक यि । एउन मर्छान एउ (परि বুক্সহউপ্রেপোইতু ॥ ততঃ বডক यू कथ वकात विम्मू मध्य छ । এव॰ সকারকঞ্চান্সি বর্ণাক্ষর সমন্বিত ।।। अध्या मञ्जो उटेंग ध्राय**्य मञ**् अन मून्द्रिश याननर रेख्यव ध्रार्य-ष्येषाः उद्यामुनीवज्ञः ॥ वद्यवर्गः ह-जुर्बाङ जित्नज वत्रम भिवः। जिते। জ্ট ধরং দেবং বাস্কী কণ্ঠ ভূষিত্রং ।। एमक्स क्लावक मुन्न शाम मुखन । शाजिन छ यह एएव वडा-বুচমান্তর: শিব।। এব ধ্যাত্বা নছে-नानि उत्र अरथा भूभूखरय । भाषा বীলা ভতো হংকট্ মন্তেণানেন সংভ্যান্ত ।। ভত ন্তি আন্ত্ৰানি

व्यानन्तर जित्रवी मात्रदी जीनन्तर ई-ववी (पवी ववा जय जम दक्ता ।। বোরক্পা• বরারোহা• ত্রিনেত্রা• র ক বাসসং। রক্তবর্ণাং মহারৌদীং সহসু ভৈরবান্বিতা ।। বুন্ধা বিষ্ণু ম-(क्नारिन्धः ख्रमानाः निवाः ज्या ইতি খ্যাত্বা মহেশানি তেনৈব মন্ না যজেৎ ৷৷ ভংষা বৈক্যে বিভাবৈত ৰ গায়গ্ৰী দশধা জপেৎ। ভৈরব ডে রকঞ্চোজ্ব। বিদ্যাহে তদনন্তর ।।। লুবা দেবৈ ওতঃ পশ্চাদ্দীমহীতি ততো বদেৎ । ভ্ৰমে। দেবী ততঃ भागावमस्य ह भूकात्याया है उ তে ক্ষিতা ভবী গাব্দী-প্রমাক রী। তস্যাঃ স্বরণ মাত্রেণ দুব্য শুদ্ধি-भ जायर ॥ **उत्र भुतानानीत्मा ২**হু: সত্যু: স**ত্যু: ন স:শ**য:। তস্যু माध्य मृष्य नवा वित्तृति विरिध् नक्ष ॥ व कवरखन न भूबा नूषा वाजन (गा भरय ।। # ।। श्रमार्थ का-ग (माक्षाणाः विषयानाक भावं छ। রিকীর্তিত ।। **অমার্ক্ণ মহেশানি** শলীর কারণ **হি ত**ে। মৃত্যঞ্জনো '२२' वीखि**न्य वीदकार्य्य भुनामकः।।** निविकारतगरमयानि निर्विकालन रह-छनाः स्नर्भानः श्रनः अपु जूकि

মুক্তি পুদাশক।।। নির্বিকল্লো মহে-শানি মুক্তিভাগী ন সংশ্य:। স-বিকল্পে বরারোহে রৌরব॰ যাতি নিশ্চিত ।। ইতি কৈবল্যতন্ত্রে ২ পটব:।। 🛊 ।। এতানি শুতি মৃতি বিৰুদ্ধব্যাহ্নার্থানি শিষ্টে: ক-माहिमिश नाहत्रीयानि॥ मन्डिकाः पू॰ माउन्कः। ইতি রাজ-नियंग्डेः॥ मम्प्रकः भू॰ भूताकतः। (सय। ইতি ভाষা। তৎপर्यशयः। (मनकः ३ बगवः १। इंडि (र्महमुः ॥ मर्भामन क्षी भानकृष्क चक्राः। **७८ म**र्गायः। छेनमः मः २ अवतः শঃ ৩ চক্ষণ ৪। ইতি হেমচনদুঃ ॥ गरानुष्रा जी थाउकी। ইতি दाकः निर्घः ॥ मन्रमण्डः भूः मन्राक्नः। उ९भ-র্য্যায়:। কারো ভ্রমঃ ২। ইতি হেন-**हन्दुः ॥ कारत्राखत्रः ७ मू**त्रामण्डः ८ ा **३७**ऽभन्नः ॥ अरविषाः कार्ताः यमार कार्ताः भः मार्तामिनी स्त्री भाउकीतृकः। इंडि ब्रञ्जान। बाजनिर्घाली।। गम्जीक की नानामुक्यकृष्ठ मुकायी-জ। বাথর ইতি ভাষা। তৎপ-र्यायः । किन्न २ नन्न ३ ० नन्न ३ । ইতি হেন্চন্দুঃ॥

মধু শ্ৰা<sup>ল</sup> পু॰ শিব:। ইতি সিন্ধান্তকৌ-

मध् क्षी मन्तरा। क्षीतरा। जनरा इंडि

विभः (२१०नुष्ट ॥ त्रमाखनः ।

मधुत्रत्र हेि यावर । हेि नद

त्रज्ञावनी ॥ भूब्रत्रमः । फूलत स्मी

मूम्याम्यादिवृखिः॥

भन्ऽनकानः क्षी म्द्रामब्बीक्द्रणः। यःगासूत्रकनामीन् तक्कानः मक्षाः ययः क्रियः उट् । उट् भर्यश्रामः। व्यामृज्यिः २ व्यामवः ० व्यान्धिवः ॥ १ इजि (क्रमहन्तुः॥

नम्प्रारमानः भू वन्न तक्षः। ३७ तम्ब

मपुः श्रुः पमितिभिनः ॥ हर्नः। इ जुःगामित्कामः ॥ जल्लम विवत्नगः यथा। वितार्वे भाखात्मा स्वाधि भूर्व मक्ष क्रांग ज। ममुद्रमाः ममाथा-जा गानुहा जब जिक्षेति ॥ हेलि माजिमक्ष्य जारा १ शहेलः ॥

मृप्तः जि मृप्तम् छवः। **ইछि मि** • खाङ्कोनुसी ॥

भमुकातः वि भमुक्ततः। यथा (कम लिय भमुष्ट अदिं भिक्तत्वार्थः वर्गकत्वारः।।

नपुक्तः वि गक्ष्णकाद्रकः। यथा।

क्षित्रक्षः त्रांश्तिष्ठेजािः म्यागपुक्षः

त्र मक्षः त्रो। ইতি विकाश्यः मदः॥

गपुत्र जा त्री। ইতি विकाश्यः मदः॥

गपुत्र जा त्री मपुताक्षकन्या। ना भाश्यः

त्राज्ञ मद्र विजीया ভार्यता नक्षण नक्षः

क्षित जानी हा है जिष्णकाद्वा नि ॥

भक्षी १३

गक्षी १३

गक्षी १३

गक्षिते यः

निकाश्यकोगुपी ॥

भारतः

इंडि ভाষा। उद्भर्गायः। मक्त्र-न्तः २। इंड्रायतः ॥ गतन्तः ७ मत्र-न्तकः । इंजि नद्दञ्जावली ॥ क्-দু।ভি মঞ্চিকাভি: কৃত । মৌ ইতি ভाষ।। उৎ भर्यायः। (क्षीपु र मा-क्कि-१ ३ इन्। महाकि ४ १ দসুনাসব ৫ পুত্রাসব ৬ পবিত্র ৭ পিত্র্য ৮ পুন্নরসাস্থ্য ১। ইতি ब्राजनिर्वण्डेः। नाश्चीक > > नावषः ১১ নক্ষিকাবান্ত ১২ বরটীবান্ত ১৩ **ভৃষ্**বান্ত॰ ১৪ পুয়রসোদ্ভব॰ ১৫ । ইতি ভাবপুকাশ; ॥ অস্য সামা-ન દ્રાપાર મો હવુ । મૃદ્ધુ **ા ચા**-मृद् । बिरमाय द्रा नामिद् । क्या यानूतमद्र । क्षकद्र । व्यक्षाद्र । শাস কাস নাশিত্বঞ্যা 🕸 💵 তদ-२(क्रोपः ७ माक्रिकः ६ हाधः ৫ व-र्या ७ ४ छेल्। हाक १ मान । । व (उदा॰ वक्षगानि यथा: शिक्षा म-ক্ষিকাভ্রেয়া মহত্যল্ল। চ না দিখা। মহতী পুড়িকা নানী শ্রা কুদুতি कथारा ॥ श्रीभा मिकिका नीला गाकित्वअं शिए । প্রিকা তু भत्र कृपा मकिका मस्रवः मधु॥ (भी বিকাদ্যভাতে ছাত্র বরটীছত্র সম্ভ ব। তপোবনে জরৎকারে। রষ্ঠ্য भव उक्छन ।। अप। वक्छ वसी क काति की विविधिष्ठः। मान नि-ভ্যাভিনিদিষ্ট বৃক্ষকোটর কীটল ।। 🐅 ।। এতে हाः वर्गा यथा । माक्रिः क रेडनदर्भ महाट घडर्मऋ (भी-जिक्ता (को) के लवह के आहू-ए जानव मू १८५ ॥ 🛊 ॥ वर्ड-षाः छना यथा अतिकाः उप् वी र्गप्राथः कथाः गृदुनाद्यार । दा**डा**-भृक लिख क्ः पि विमाशि गमक्बा बु 🖟 रेश हिन्छ । सानू ज्युषा छु। सब• গুৰু কীৰ্ত্তিত । ক্ষেণু বিশেষতো জ्खिन भी उनः नम् (नथन•॥ उमाः सर्व उतः ककः भाक्षिकः भूवतः मृउः াখাসাদির চরোগের পুশস্ত তদি শেষতঃ : ছাঞ পিত্রি ক্রিসিছর क्रक लि इत छन। यर्ग्ड ठक्क्ष्र মানুষ্য কক পিত্তান্বাভিত্তি ॥

छेन्नान हर ह्यारमाक करे कर व

याशहर मान कक्ट्र कुक मी

**म**ने किल अरग्र ॥ उक मुकार्ड॥

भूरेकम्ह इन्डामध् वियान्याट। सप् नुरेक विकथार वर्क्वियदार्या मर्डि ত ।। উষ্ণে: রৌদুে: করণৈ: উষণ মধু ष्ठेकार्ड (बोमुभी फिड • बन वियान याद विषज्नादाद हनाद ॥ #॥ नव भूद्राग मधू खगाः। वृ•स्नीय• मध् নবং বাত শ্লেম হরং পরং। পুরাণং वधू मःगाहि निर्फायः (इ)वा नामः न ।। (माय जय रहा शकु मान गम जिलाय क्ट ॥ अज (किम्मथूरना श्रीन रागा जावार काल भक्षा नाहः॥ 🗱 ॥ मधुकाउ भक्ता ख्याः। নধুজা শর্ক্রা কক্ষা তৃক্ষা ছদ্যতিসা-त्रिष्ट । ইতি রাজবল্লভে নধুবর্গ: ॥ 🗱 🗱 ॥ यशित्र। माकि 🕫 जानद्रः ক্ষৌদু পৌত্তিক ছাত্ৰক তথা। षार्थ्य (मोम्हानक मान मिन्तुरही মধুজাতৰ: ।। 🕸 ।। নানা পুল্ল রসা-, হারাঃ কপিলা বন মক্ষিকা:। যাঃ ख्ना छाजि क्रभन गृष गाकिक मूठ्ऽ । । ।। य त्रिकाञ्जनगानाः **ভाः भूग्नामद भ**द्गायगाः । जुगरेत्र-র্জনিত তৈক্ত ভ্রানর মধু ভন্যতে ॥ 🐞 ॥ त्रिक्ष। मिक्काः मृखाः ফ্দু ইতি হি বিক্লা:। তাতি क्रमाहिन यन उर क्रीर मध् क्षप्रज ॥ 🗱 ॥ म्हाजा मिकाः

मुनाइउ ।। 🛊 ।। इथा का त्रस्र भेषण मत्रवाः भीज भिक्षनाः। य अर्वस्रि **जुर्भमः मध् ছाधकः मीदिङः ॥** 🗱 🛮 নিক্কা ন্তীক্ষ তুণ্ডা বাঃ পীতাঃ यदेशन जिल्लाः। उनुष्कुष्ठः यन्ध्रा र्रुः छनार्घाः सर् छनारञ् ॥ 🕸 ॥ 🗗 म्तानाः किनाः की है। जूम कम-वनाः म् जाः । यन्त्रीकाष्ठ खपूर्भः भोष्राणक मुरीर्यप्राउ ॥ 🗱 ॥ इन्सुनी-ल मलाकाताः मृच्या निप्त्रं स्थि काः । यष्क्र कार्षेत्राष्ठ उस्थू मान মিদ ক্ৰমাৎ॥ #॥ ইত্যেতস্যাষ্ট্ৰ ভেদৈ কৎপত্তি: কথিতা ক্রমাং। व्यथ वक्तानाइः द्वाः वर्ग वीर्याः **फिक क्यां ॥ उन्नया। माक्किक** তৈল বর্ণ স্যাৎ খেত• ভ্রামর মৃচ্য: তে। ক্ষৌৰুম্ভ কপিলা ভাস• পৌ-बिक पृष्ठ महिन ॥ जाभी उपर् ह्य गार शिक्षक्षार्य नामक । केमान सर्ग माम्मा भाषीज मान মুচ্যতে ॥ # ॥ মাফিক মধুর কক । লঘু খাসাদি দোষনু । ভানর প ছিল ৰক্ষ মধুর মুথ জাড্যজিৎ।। को मुख भी छ॰ ठेकु वऽ॰ शिहिल॰ शि ন্ত বাতহুৎ৷ পৌত্তিক মুধু ৰক্ষোঞ্ 📗

भिनाः भ् बिका इंडि की बिंडाः। । कृम् निष्ठ मार्क् । श्वि । श्वि । भ ভজाত नथु बीम फि: भो खिक ग े क्मिंच क विम्राहा म श्राणा तर । অৰ্য্য নপ্বতি চক্ষুষ্য ক্ষ্ পিতাৰি (मायक्षा) अपानकड अधारि (मा-यम गर्ब गिषिष। माल करें कवा-যান্ন• মধুর• পিক্তদাযি চ ॥ #॥ নব• मधु ভবেৎ ছৌল্য॰ नाजिएन्य इतः भद्र । (पर छोल्याभर गाहि भू-রাণ মধু লেখন ।। # ।। পদ্ধ দোষ ত্রযম্ম মধু বিবিধ কজা জাড্য জিল্পা-ম্যাদি শ্বংসং খৰে চ ৰুচ্যং বল মতি পৃতিদ॰ বীর্য্য কৃষ্ণি॰ বিশ্বতে।। 🛊 ।। व्यामस्क्रमाम रुल्याम्य भवन कडा शिख राष्ट्राम् (साय गाम न्।न वि-শোষ জনমতি নম্ভি ধ্বস মপ্যঞ वृष्कः॥ 🗱 ॥ वृष् भिष्मि मक्षात वृष সংরোপণাদিষু। সাধারণার্যাত্রিভং **ত खुन्। म्यून**कंताः ॥ 🕸 ॥ उक्नः সহোক্ষ কালে বা স্বয়স্ক নথাপি-वा । ज्यानः मध् मनुष्ठानाः विषव-खाश मायक ।। # ।। की वेका मि युक মমু দুবিত যা পয়ুর্গবিভক মধু স্ব-তঃ। কণ্ঠকোটর গভঞ্চ মেচক • উ গেহজনিতঞ্চ দোষকৃৎ । 🗱 🛭 দণ্ড॰ নিহত্যযদুপাত্ত মূপাস্যদংশাং স্তঃ मृश्विशः अञ्च ज्ञानायन रयाण स्टब्स्पुरः 1 रिका अनासूत विल्लाक दक दुना रि

(मोबानव जनांक ब्लावन मनाथा ति नाशीमिजा नश्र नाशी मध्याः ुनैक्त्रा । नाक्रीकणक्त्रा रेठया कि नुबा कोनु भक्ता। यहुन॰ यन स् (भाक वृहुना उन् भक्ताः। विक्षितावन न्त्रा ह उर्भन कीन त्रशिवाणा इंजि त्राजनिर्घणेः॥##॥ ম জান্তরে মধু গুণাঃ। মধু শীক্ত লঘু वार्वकः गाहि वित्तथनः। वक्ष्युः मीरान वर्गाः द्वा तमायन (बारावः ॥ भाक्तार्यकर मुक्क भन्न (गुरका विल्गाथनः। वायानुद्रमः झानि अ च व इनक व द ।। त्लु (भ्याक्त त्यक वियम । । हम रख्य त्र कार्माः काम भिखाः कम मंश्रम किमीन् ।। মেৰ সূফা ं बि শ্বাস হিক্লাজীসা-त विख्युहान्। नाह कठ कयाः স্তমূ যোগবাহাল বাতল ।। 🗱 ॥ थाय मध्राजनाः ॥ **माकिकः जानतः** किष्टु भोसिक हाथ मिछानि । আর্থ্য নৌদ্যালক দাল মিত্যপ্তৌ मध् कां ज्या।। 🛊 ॥ व्यथ (उसा॰ न ক্লানি গুণাশ্চ। তব্ৰ মাক্ষিকস্য। माक्काः शिक्षवर्णात्र महरङ्गा मधु भंक्षिकाः। जानिः क्ष्ठ• रेडन्नवर्ग• মাজিক তৎ পুচক্ষতে॥ নাক্ষিক• ने वु (मुंध मञागय रदा वध्। काम-

नार्भः कठ भाग काण करे। दिनो भन । भा। वय जानत्रा। कि सिट म्बिः नुनिष्डाः भूष्ट्राः ज्वा ভি শ্চিত । নিৰ্মাল সুটিকাভ যন্ত মধ্ ভানর মৃত।। ভানর রক্তি। खन् ग्बनाए।कर धक । सामूनाक मिंच। नित्र विश्वायार निहिन हि-म॰ ।। # ।। व्यथ (को पुत्र)। मक्कि-काः किनाः मृत्राः कृ माथा ख কৃত্ত॰ নধু। মুনিভিঃ ক্ষৌদু মিত্যুক্ত॰ जन्नर्गाट कशिल • ज्वादि ।। खेरेन मी-किक्वर को पु वित्मवात्वर नी-#न•। #। ज्रथ (भोखिकन्छ। याः क्का मनाकाभमा वय्उद्राः भारवा মহাপিণ্ডিত। বৃক্ষাণান্তক কোটরা-ম্বাসক হৰতে॥ তা ন্ত-**ब्हेड्ड दिश् भृ**खिका निगमिजा छा-ভিঃ কৃত॰ সর্গিষা। তুল্য॰ যম্পু ত-·द्यत्वव्रद्रकरेनः **স**॰कीर्ङ्जि भोखिकः ।।পৌত্তিক স্থু ৰক্ষোক পিত দা-**हा**नु वा उक्ट। विमाहि (यह कृ हु-মুণ গুস্থ্যাদি কতে শোষি চ।। 🕸 ।। অথ ছাএস্য। বরটাঃ কপিলাঃ পীতা: প্রায়ে। ছিম্বতো বনে। জ ৰ্ত্তি ছ একাকার ওজ্জ ছাএ মধু मृजः।। ছाधः किमन भीजः मार शिह्वि भीउन एक। बामुशाकः

কিনি থিৰ রক্তপিত পুমেহ চিং। **ভুম** তৃড্ মোহ বিষষ্ट ত <del>র্ম</del>ণঞ্চ গু गाधिक । #। **अथा**र्याम्या मश्क वृ-कानिर्गाम अत्रद्भा बी भूरभा के बाः। সুবন্ত্যার্য্য তদা খ্যাত্ত শ্বেতক মা-লবে পুনঃ ।। ভীক্ তুণ্ডাম্ব যাঃ পীতা मिक काः विदेत्रामात्रामाः। व्यव्धा सा ख क्उ य खरायं। मि जानात अखः ॥ वार्वाः मधुजि हक्क्षाः कक भिज इतः भतः । कषायः कर्षेकः भाक जिङक वन भूष्टिक्ट ॥ 🕸 ॥ जारथा फालकम्या श्रार्या वन्त्रीक मश्रहाः किननाः बन्न ही देकाः। अर्बंडि क शिवः यमः उৎमहारोष्टावकः मध् 11 खेळानक कित्रका सर्गा कर वि ৰাপহ। কৰায় মুক্ষ মন্নঞ্চ কটুপাক। क भिखक्ट।। 🛊।। जाय मानग्राम॰ শু, হা পতিত পুষ্লাৎ যকু পণ্ডোপ-রি স্থিত। নধুরান্ন ক্ষাযঞ্চ তদ্যাল। क मीशनीय ककाशहर। क्यायान् त्रमः क्कः क्ठाः इपि भुरम्हि १। जिस्कि मधूत जिल्ला क्रिका क्रिका ভারিক । লঘু পাকে। গুৰু ভারিক । ख्गाः॥ नव• मध् जत्व भूक्षित्र नाजि श्लिय इत अव । भूतान गुाहक अधूकतः श्रु पुमतः । हेडामत्रही।

क्षा भारति वासि स्मिन । स्मा गयुनः मक्तायाक र विव (भवजः। किंह मध्य महिल्ल भू त्रागष् अक् वर्षः ॥ अ। अथ न-धुनः निष्ठिम्। खनाविक्र, मूक्षाया निरवशः। विष भागामिश अञः जः विवा जुमतापयः। गृशीवा मधु अ-बिष्ठ छही छ॰ छ । विवास या जमूक जुरवारायक वा अहा। उक्तास्त्र प्रकाल ह म्ड॰ दिय সম॰ নধু॥ ইতি ভাবপুকা শঃ॥ मधुः भुः मयुक्तमः। मछेलगाष्ट् ইতি ভाषा ॥ वमसङ्गः ॥ देन जारहरः । यः रुष्टा विक् मधुम्हत्ना रुष्ट्र ॥ हिन मानः। इति सिमिनी ॥ अ (माकवृक्षः। इंडि (रुगह्मुः ॥ य-श्चिमध्। ই**ङ्गिस्**त्रज्ञावनी ॥ न्यासूत्रः বিশেষ:াংসচ শত্ত্বেনহতঃ। যস্ত নামা মৃথুরা নধপুরীতি খ্যাতা।। मध् कीर्खिउ ।। मान मध् नम् (भा निष्कः । वेजानाः।। मध्कः की यश्चिमश्का। इंडामदः॥ ত্রপু। ইতি ছেমন্দ্র:।। 💆 🚶 मधुकः भू विनराज्यः॥ यष्टेशाखः ॥ বিহুগান্তর:। ইতি বিশ্ব:খা ज्लिङ । अ ॥ अथ नव भूतार मध् मध्कक्षेः शुः (काकिनः। ইতি विकी **अम्बरः** ॥

मी । 🦨 ध्विषिता पृष्ठाकः 🍴 ह अन्याना ॥ মধুজ্য 💛 🛪 ন্যুরভাগ্রীরবিশেষঃ 🗆 🔻 টুক है, 🕸 😇 ভাষা। তৎপৰ্য্যা-্ৰঃ। স্পা ২। ইতি শব্চন্দুকা॥ নপুথ জ রিকা। ইতি রাজনিঘণ্ট:।। मधुक्कही जी मध्वीजनुतः। इंडि े बाजिन्यफेर ॥ মধুক: ভা মুধ্যস্তিকা। ইত্যমর: ॥ मधुश्राने वृक्तः । इति (मिनी ॥ কৃষ্ণবৰ্ণকন্ত্ৰী। ইতি হেমচন্দুঃ ॥ मकुन्रकृष्टि के। अधीव विरम्पयः। स्यूक्तर নখুর ইতি মহুর **३७६ च्या ७८ भर्मा यः। माज्** लुका र न का ठ निविद्या 8 প्रि-**পু**ল্লিকা<sub>ই</sub> খড়ল্লা ৬ দেব**ন্তী প** । क्रिक ब्रह्म ना । जन्मा ख्याः । भोरुवः। स्त्रम्यवदः । यात्रभु नामनव् । कठाव् । सामृष् । एक ছ । স্থিজ । বাত পিত্ত বিনাশি 🐃। ইতি রাজবল্পভ: ॥ मधुक्द- भू . जुमतः। इंडि (इन्हम्नुः ন্ধুক্ৰটঃ পু॰ ভুমরঃ।ইতি ত্রিকা-अम्बद्धः ॥ मण्डिकरेट शृ अमृतिकारो । ्री कल्भन्तामि यथा। रेमन निर्मात ज् भूवाय भूम् एक गक्र प्रवृत्त

্তস্য শ্বণ বিড্জাতা বস্থৌ মধু-क्रिंट ।। कृषंशृष्ठ गठा भृषी वि-वित्वा जवक्करेवः । जाः वीमीर्गाः (यागनिन्। सङ्ग्याया व्यव्याक्य ॥ তা ৰৈ দৃটভরা কত্ত পৃথী পুতি-उपम्बद्धी। उभायः हिस्रमानान कथः श्थी जरवष्षा॥ इनाने मान्यद भृथी भुव्छ। (कामवा जोतः। मृष्टि-কোলে জনান্বোঢ় কথ শক্তা ভ-বিষ্যতি ॥ ইতি সঞ্চিন্ত্য সা गाउ। **জগভা• সৃষ্টিকা**রিণী। উপগন্য তদা विक्याननाम मूनिपुँजः। उस मूखः अगामान् जगनायः जगद्भिः। वामञ्च कनिष्ठागुः जम् कर्ल न्यतः णय् ।। निर्वेण नथत्रार्गुन (श्राष्ट्-ভ্য শাবণ নল। চ্ণীচকার সা प्ति वागिनम्। जगर भुमः ॥ ७९ কর্ণমল চূর্ণেভ্যো মধু নামাসূরো ভ-বং। ততো দক্ষিণ হস্তম্য কনিগ্রা-शुक्र पिकारा।। कर्ल न्यादिकारिक ভ্রমাদপু। জ্ত মল। তচাপি কো-प्रयामान करमाथागुरका जू॥ उ তো १ जूर किएएजा नाम वलवानमू-রো মহান্। উৎপন্ন: স চ পানার্থ• যমান্দ্রিবারাধু॥ অত ভদ্য ম-हारिती मधु नामाकरताखना। उँ९-भमः की विद्धाित महामाया करतः

(मवी जनाकरतार । जाव्वाव महा-गाया युथाजाः इतिना गरः ॥ युकारनी <u> मुक्तरेगवाज ভवछो निरुनियाछि।</u> मना गुवाः भुजारम् । वादाः विद्या वधामलो ॥ उरेनवाय गुना इडा मान्धा इति त्रश्य। महाभाषाताः ছিতৌ তৌ বিক্সাত্রে ভ্রমা মুহু:।। जुममार्गो पर्गजु माजिमदा इडः বিধিণ তমূচতু স্তৌ ৰাভারণ ছনি-य्यात्वा २८। नानि उ ॥ जु जागत्रग ेरिक्र छे॰ यरि जीविज् मिहिन। एउन वृक्षा महाभागा (वागिन्ता वगर-भूनः ॥ भूनाप्यामा**म ज्या** खिछि ৰ্মতিভি ডিৰা। চিব্ন• স্কুডাথ সা দে-वी वृक्षण जगराजाना ॥ भुजना छव-ৰভ্যৰ্থ মূবাচ চ যথা বিধিং : কিমৰ্থণ স-স্তুতা চাহ্ কি করিব্যান্যহ্ ত य।। जबम् जु॰ महा जाग कत्रिया। मह মদ্যতে।তত তেন মহামাযাপোকা वाजा नहाजाना ॥ भुरवावन कगमा-থ বাবলো মা হনিব্যতঃ। সংমো-श्रेयाओ पृष्टिया वमुत्री मधू किछाडी ॥ इंजुड़ा मा उदारियी वृक्षण अगः माज्यना। (वाश्यामाम विक्रके मा **হ**যানাস তৌ তবা ।। ততঃ পুরু**দ**ঃ क्षः महर्म ज्यमानिनः। वृद्धानः

मध्रिक वडः॥ अव छ॰ किंदिजाशाह बर्॰ (छो इना काता क्माती । भटेक्टिंडी गि उठे डा**डा। म गूर्या क्षणायका।** जनापनः । नाणकद्वाविक् तिता य-সুরৌ মধ্কৈটভৌ ॥ অনস্তো ৎপি कनारम्न जातायुर् कत्मा १७१८ । युष्प्रमानाचारावीत्रान् देवस्थे मधु-रेक्टें जान्॥ जय तुका निनासला স্থিতি শক্তি তদাকরোৎ। অর্ছ-याजन विखीर्गाः मार्च (योजन मायः जा<sup>े</sup>।। जन्माः निनायाः देवस्राक्षे যুযুধে নৃপ সত্তম। সহ ভাড্যা । भि-न। जा जू श्रुविदयभ कलान्द्रनः ॥ छः न्रां अक्रां भयागा छारायू यू-यूष इतिः। शक्यर्य महमानि वाक् युटेका भित्रस्तर भाराष्ट्रा रेनवाणककालः তৌ বিষ্ণু র্জগতা॰ পজি:। পরা॰ চিন্তা তদা বাপ বিধাতা কি কয়া-ভভঃগা ভভ ভাবেব ত বিকু মূচভূ र्वनप्रनिष्ठो । जूनः जून रहो गर्जरहो महाभागा विमाहित्वो ॥ जुरहोस স্তুমিযুদ্ধেন বর• বরয নাধব। তবেষ্ট• मः भुगाना वः मञ्रामञ्दर्भाश्वा। उर्या उप्रवन भुजा जगवान् भक्तू ধুজ:। উবাচ তৌ যুবা প্রধ্যে ভ विजा भ महावानी ॥ इतिकादि ह वतः मञ् माठवाः यमि विभा है! ভৌ ভদা প্রাহ মুম্মক্তো দোগের দৌ

॥ उजान हिल्ली ्मन्यत्र । नेपानवता कर्णे उदि र जिल्ली **सद्या ।** भूष्या भाषायाक्रमञार भजिः ॥ वृक्षानः सामानीयुन भारहमस्राचा मः अक्षा वृध्यम् कि निवाः नीयु मू-क्ञ शीयकः यथा।। **उत्र हिपा गरा** ধারে হনিধ্যানি নহাবলো। ততো বুন্ধা হাটা এ টিনাধার বিভাক্ত ।। एक व প্রভাগে হাই পর্ত हैं दा निवाः छि-ৰূপ ভূম শ্বা 🥎 स र । भारता प्रकार अंदर के ले-MINING TO PROPER क मूलक १ ११ । क हेमन्द्रभा । किन्तुकार, क्रमान To China a comment to the second শক্তিনি বহুদ কলৰ জন মেশ্বরঃ। · 一方教 曹本 安治 342 B 6. 1998 1 1 2014 हक्रम बन ्यांक क्षित्र किला क गाधानकाः॥ वा-শ্বপ্ত ত্যুব ব্যেক্সালে বিলেরোপ্য শিরসী ত-🔑 ा बगनाथात ज्उः न नर्व यरङ्गन भःगुजः । नरेबं वं रेजः नमाकमः हिर्हर म भ्यक् भ्यक्। मश्रुक्रेक (सा भग क्वी ब्रायाः भ्षिवी म्राउ॥ प्तिकनार म•स्नाना वृक्षण कि तरका

गुजा। ब्रियमानानि (मरवीरेष येद्रा-मिन मूछ मू रः।। उठ खरगास म्छ-বো: শরীরে অগতা॰ পতি:। বুক্স শক্তি সমৃজ্ত্য ন্যথান্তস্যাণ পু-वज्ञ अः ॥ उष्गयाः नृज्यिनास छ-(यार्त्यामा विरामभीनः। जुप्हा मकः রোৎ পৃথী কেদিতা তোৰ রাশি-ভিঃ ৷৷ মেদে৷ বিলেগিতা সমান্নীয়-তে मिहिनी ि मा। भर्। भि भृषि वी (पवी (पव गानूष त्राक्ररेनः ॥ ইতিকালিকাপুরাণে ৬১ অধ্যায়ঃ৷ মধুকোষ: পু॰ মধুমক্ষিকাকৃতকো-यः। भोठाक् इंजि छावा। छ८-भर्यायः। मधुक्रमः २। ইতি नदः हिम्दिन ॥ इंगिन्इ इंडि ना॰ना-नित्न वम्खि॥

षुक्रमः भ् भ्नःभूमर्पष्भानकमः। ७८ भर्यायः। मध्वात्रार। ইত্য-मतः॥ मध्कायः। ইতি नकः চন্দ্रिका॥

क्रम्थक् विका जी थक्क विविश्व । छद्द भर्ग । स्वृक् क कि का २ द्या-क्र क कि कि व क कि कि व व स्वरूक-क्रिका ६ नाशी मध्या ७ न श्व स्वर्क वी १ मध्यक् वी ৮। यम । छ्वाः । सञ्ज्ञ । व्य प्रवः । महाभ भिक्त भाष्ठिक विज्ञ । भिक्ति स्वः । क्रक कर्व द । वस्वीयं। विवर्षनद्कः । काष्ट्रभयः।। इति ब्राजनियंग्रेः॥ वसूर्णे जी •

मध्गावनः भूः (काविषाः । ইতি त्राविनर्यणेः ॥

मध्यक्षनः प् लाखाक्षनवृक्तः। इति नदमाना॥

मध्रायः भुः (काकिनः। ইতি
नद्माना॥

निष्हरा की निष्द्रिशाइ जिल्हातः পুकामः॥

मधूब॰ क्री मिक्नुकः। ইতি রাজ নির্ঘটঃ॥

मधूङघोतः भ् मध्यङघोतः। ইতি वाजनियकः॥

भधुका जी भृषिवी। इंडि मद-हिन्दुका॥ भिडा। छ८ भर्यत्रयः। भश्रायंडा २। ইভিত্রিকাওশেষः॥

मधुहिए भ् विकृः। ইতি **मप**त्रञ्जा-वली।।

मध्रुपः ज्ञी हेक्ः। इंडि बिकाखः (मयः॥

নধুত্ব: পু॰ ইক্:।ইতিরাজনির্ঘট: নধুত্রয় লী নধুর্ত্রয় ।ইতিরাজ নির্ঘট:॥

श्रुपीशः शृ॰ कामाप्तवः। ই**তি हिम** हजाः।

মহুৰ্তঃ পু॰ আমুবৃক্ষঃ। ইতি ত্রি

नवूर्ण की शाद्रेगार् का क्रिकार्

कारभुकामः॥

মধ্দু: প্ ভ্ৰমন:। ইতি কিকাপ্ত-

নধুদ্ধ: পু॰ রক্তশিগুঃ।ইতি শব-রহাধনী।

मधुक्ताः भुः द्क्कविष्णयः। (मोनगाहः इंडि ভाषा। उद्देशर्यः। मध्कः २ उप्रभूषः १। ইত্যমतः॥

मध्याजुः भू• माक्तिक•। इंजि वाज-निष्ठाः।।

मधूर्माः जी थएः। थाँए ইতি ভাষা । ইতি হেমচনাঃ।।

मध्रवनः खा मानार्थमश्राप्तिर्मिक

गवर गार्थाः। रथा रहारजादाह

1 नश्रवनः श्रवकानि मर्शाइक
नाणिनीः। जन्निरिश्व महीग्रंष्ठ क्व्याक्ति मर्गाइति ॥ स्वनः मध्रमः
वीः कृषा मःभूगोः घंदेरवाष्ट्रणीः।

हज्र्यन ज्याः लिन वर्ष्टमकः भनिवन्नर्यः। स्त्रीदेश्व मूर्श्व द्वाः म्द्वाः। स्वनः भ्रवन्तिः। भृष्ठः जान्वन्नर्यः। स्त्रीदेश्व मूर्श्व द्वाः। भुः
कृषा मानाः भ्रवन्यीः ख्या।। भमानक्षभयान् कृषा निज्यन्त्व नः
वनाः। मथः छप्त्राः कृषा । म्हाः
भक्त्रया द्या।। श्रेष्टो भून भर्ती

छन्। प्रशास्त्रक्षमगाः मृजाः । प ज्ज्ञीभवं रिष्वी जोश्रक्वं विज् विज्या भूमे उभयमुद्रमा भूमागार পরিত গুড়ঃ। সর্ব লক্ষণ সংযুক্তা ज्ञ छ्यान्यान् जा ज्या ॥ ह्याति छि-नभावानि ठजुमिक्शि शाभाष्ट। ছানিতা॰ বজ্রযুশ্মেন ঘণ্টাভরণ ভ্ विञाः॥ काःम्यानाराह्नाः क्षा গদ্ধপুষ্ণৈস্ত ধূপিতাং ৷ অযনে বি ষুবে পুণ্যে ব্যতীপাতে দিনক্ষযে।। শ-কান্ত্যা মুপরাণে চ সম্বকা**ল**• ম मृह्या । मुवर बाक्यन मण्यां छ॰ एक्ष्री जास भूनाभरय ॥ वासनाय नित्र দায শোতিবাবাহিতার্যে। আর্ব্যা-्वर्स्ड नमूर्शाम (वन अनिक्र शाहर গে ৷৷ ভাদৃস্যায় পুদাভব্যা মধ্যেনু र्वाद्वाद्वर । भृहाम्राभाविष्ठेख गक्ष धूलामि शुक्किछ ॥ आहाम वज्रम् শ্মেন মূদ্কি। কর্ণপশ্ৰকৈ:। স্বশক্ত্যা मिक्ना॰ मञ्जा विज्ञाना विविधितः ।। कन्नश्रुं कर्डवर् भन्नाम्।नः म नर्शारः । रमञ्जा मर्व (म्यानाः मर्व ভূ হৈতে রতা।। প্রীযন্তা পিতৃ (मृवाम्क मृथू(श्राना नामास छ । এव बुद्ध । । । (धनुः वाञ्चनाच नित्व माय ॥ व्यष्टः शृङ्काभि दाः पाव ह ्तर्थि विष्णवजः। कामः काम

मूच कामा॰ मध्रायामा नामा ९ छ।। मधुवारङ्खिमस्त्र भ मन्त्री मा भू बिरंक ग ज्राम् का (धन् भरोत्राब श्थाका-भानरहो उथा।। **এव॰ यः स्व**रङ छ-क्रानश्रम् नताथिन। मञ्जा मानः भागरमन नथूना ह हिन• नरव<ः ॥ ব্রান্ধণো হপি ত্রিরাত্তম মধুপায়স मःगृतः। अवः कृष्ठ ख् यर्भूगाः **७ विद्याध नहा धिश**ा। यञ्चलिता मध्वरा यज भागय कर्पनाः। अय-ংয়া মূন্য: সিহ্না স্তত্ৰ গছস্তি বেনুদাঃ ।। उत्र किशिनत्था जुंदा वृक्ततातात्क স তিষ্ঠতি। ক্রীডিশ্বা সুচির॰ কাল• পুন র্বত্য নুপাগতঃ। স তৃক্। বি-भूवान् (ভागान् विष्रुताके न ग-ছতি।। দশপুরান্দশপরানাত্মা-নঞ্চৈক বিংশতিং। নণতে বিষ্ণুসা-युकार मशूरधन् भुनाम छः ॥ य देन॰ मृग्या खळा म्।वरयहा शि मानवः । गर्ने भाषां विभिन् छि। विकृत्वाः क म गहि ॥ इंड्रामि यदाई भू-রাণে খেতোপাখ্যানে মধুংধন भाराजाऽ॥

মধুনালিকেরক: পু॰ নধুনারিকেল:।
এরনারিকৈল ইতি কোকণে পুলিজাণ মোহানারল ইতিচ খ্যাত ।
ভৎপর্যাবঃ। নাধীককলঃ ২ নপু-

मधुल

कनः ० जनिठवकनः ३ माणिकः कनः ६ मृक्नः ७ रङ्कृः १ श्य-कनः ४। जन्य छनाः । मध्यपः । निमानप् । मार छना हि निस हाः त्रिषः । दन निष्टे (मुठका हि का तिः छ। वीर्य विदर्षमञ्जः। क्र प्रच्यः ॥ भनित । माधीकः नानिकतः कन भनित । माधीकः । स्वामा । । दिल दनकः देश्वर्षः । स्वामाः ।। देलि नामित्रेणः ।।

मधूनी जी क्राविष्ण । नाक्ष्ण । ठा इंडि माक्ष्ण छेनी इंडि ह ভाषा। छ । भग्रायः। म्डम । २ वाष्ण मानी ० म्यक्षा ६। इंडि द्रम्याना॥

नश्तरा श्रुः जुनदा। इकि निक हन्द्रिका ॥

नशुभः भू खुन्तः। इछ्। प्रतः।।
नशुभकं की पश्चिमः गुक्तनश्। उद भर्गायः। महाप्राः २। इछि एक्म हम्मः ॥ खिनिह । मध्भकं पृथि मध्यु निष्ठिः का रम्। राज्ञानि । खिन्छ महाप्ति । ইত্যেক। मण्गे छाउ कार्जायमण्यः ॥ मध्यकः भूः स्वाउः वानहित्रम्याः सर्गं व रहा नहा द्या न्या न्या न्या न यथा। निव निर्म ज्ञान क्लीम जिन তৈ ভাভিত্ত পঞ্চতিঃ। পোচ্যক্তে भ्रथुनर्कस मर्बरमदोघ जुडेरव ॥ अ-লঙ্ক সর্বতঃ ধন্ন দিতা দধি ঘৃতি नम्। नर्द्या मधिकः किष्कः मञ् भक्तं भूरगाजाराया। जम्म हार काः স্যূপাত্ত্বেণ রৌশ্ম শ্বেত ভবেন ব ख्याजित्हामायस्यभारमे भूर ई छैं-🚷 भुभूबत ॥ ग ं कं भुजिरि ्र्य॰ स्वादितीय ः असः। धर्मार्थः काम माकाला का स्वादिनोर्डि **णः**॥ हैन्दिकः स्मे ार्डामार जुहि शु है भुमायकः। है है कानिकाभू-ब्राल्डन अक्षानः क्षां नित्र वाबाः मधि मधुमिन् मश्भकः वि **দু রুখা:। ইতি তর**সার:॥ #॥ करात मूम् वर्णाः मःगूकानानि-काक्ष्ठा छित्रा १नाः मंश्रुमाति-छाः। मधुभार्क र मा गुहा नियु जिः পরিকীর্ত্তিতা।। ইতি হরিউটিক विनामः॥

মধুপর্ণিকা জী গন্তারী নি নি বৃক্ষঃ। ইত্যমরঃ॥ বরাহন বি ইতি শব্চন্দ্রিকা ॥ ওড়্টা ।।

क्लाना व्यक्तियाजनिर्विष्टेः॥ वश्यो का । रेडानहः ॥ न्द्रेश्तीत्का । मीनीद्यः । हे जि व्यक्तिना स्वीत्रभूतः। देखि द्राञ्चनियंगः॥

वष्त्राम जी कड्ड्बा। इंडि बाब निर्धकः ॥

অঙ্গানি পু॰ জুনর: । ইত্যমর ही कामा: बामान्तः ॥ मध्यान-**泰**夏夏 1

२ वना ज्ञा 📆 भग्नाती। ₹ 🤊 बार्ड समा ।

महत्तेला न् महानीत् । इंडि अ अभिव छै।।

मकुम्ती और जा। रेडिनियजरा वाती ॥

ম্বাস্থ্যঃ 😷 । বুজনাঃ। ইতি 🖂 भाषा ॥ (म., व 😘 ।। अल् 🔯 बुक्तः ॥ दान ववृष्यः । ইভি রাজ विष्कुः ॥

गव्यक्ष यो वडीह्नः॥ नागरश्च वृत्यः व जा जान्यः॥

मप्रतिष्ठं प्राप्तानामः। इति विल ुं श्रीतामकः तुर्भिताकष्टाः स्था। नादनः रेशियो में १८ प्राप्तका नक् कि यूरे के जा

गर्थ 🤝 शुः पर्यानित्यः। देखि । नथुःखदः ही निद्धितिष्यः। गर्भा

ना बनियर्गः।। विकल्ड गुक्तः। इंडि भक्तिका !! मध्कणिका खी मध्यक् त्रिका। इंडि त्राविधिकः॥

मध्यहना धी वामकीनटा। देखि द्वाङ विरंग्डे: ॥

मष्डिर्धे भू॰ दिक्शा इंडि संबद्धाः वधी ॥

महाका भु जार्थाम्यः। हैकि রাজনির্ঘণী: !!

नथुन जी की कान्प्रतीहरूः॥ नदी-विष्णवः। जम्मा हन खगाः। हम्म-छान धननान, ए जल किय नाष् মত মশ্রিদীশন। উভি রাজনিহণ্ট: ॥ डेमाम् नाविकाविष्मयः। गथाः ख्या नवुम्जी निक्ति जीयर नाज त्राभगः। (हवरहती भाउ भाउ। छम्। वमात्रा खन खिहि।। सर्ग गर्छ। ह পাতালে য গভ গভ নিছুতি ৷ ত वित् कि जिला नहीं स्विष्ट नाज म॰. भवः॥ ऎडि कृक्वात्र शिक्षायाः ৩ পটনঃ ॥

मण्यथनः लः विकारि रिमान ग्धः ॥

र्युक्ती थी नाग**ी। एँ** मिन्न-जाया।।

। नध्रित घ्रिज र्यास्य (विश्वेष्ठाः) निम्नाक याः । मध्मत्रक मृन्दिष्टेः छम्याध्या भविमार्जनः ॥ ইতি भन्द हिन्दुका ॥ अम्य खनाः निश्वेभाद्य मुद्रेवताः ॥

मध्यक्रिका जी कीर्टेक्टिक्ट । (मो माही इंडि जादा। उट्श्वर्शायः। मत्रवा २। इंड्रिमदः॥

मध्याधीक क्री महा । इंडामत-होकाया छत्र ॥

মধুনারক: পু: ভুনর:। ইতি রাজ-নিষ্ট:।।

মধুন্ল ক্লী আলুক । মৌ আলু ইতি ভাষা। ইতি শব্চন্দ্রিকা।। মধুনিষ্ঠি: জ্লী ইক্ষু:। ইতি শব্দ চন্দ্রিকা।।

মধুষষ্টিকা জী যপ্তিনধাতৎপর্য্যায়: । মধুক ২ ক্লীতক ৩ যপ্তিনধুকা ৪
। ইত্যার: ॥ মধুষ্টা ৫ । ইতি
ভরত: ॥

मध्यक्षे जी मध्यक्षिका। ইতি भद्यः भावा॥

মধুর॰ ক্লী বঙ্গ• । ইতিরাজনির্ঘণ্টঃ
।। বিষ• । ইতি মেদিনী ।।

মধুর: পু॰ নিষ্টরসঃ। সচ ইন্ধানে। লক্ষ্তে। ইত্যমর:।। তৎ পর্য্যাযঃ াগৌল্য: ২। ইতি রাজনির্ঘণ্ট: ।। मध्य

त्रमाकाष्ठः ७ एनाः ह नामूः १६ मध् वर्वः ७। ইতি ह्याहमूशा उम् खनाः। श्रीननवः। वत्रावः। म्रं हनः ष्। वायू शिख नानिष्ण व्रमाय-नव्। धकव्। त्रिक्षव्। ठक्ष्रादुः । छर्भगद्भा मत्रद्भः ॥ व्यन्त्रहा त्र-সো নধুরক: শীতো ধাতু স্তন্য বল পুৰ:। চক্ষ্যো বাত পিত্ৰ: অ-र्याष्ट्र (स्रोम्) कक कमीन्।।(माजि যুক্তো জ্বর খাস গল গণ্ডাদি রোগ কৃৎ। ইতি রাজবল্লভ: ॥ অপিচ। মধুরস্ক রস শিংনাতি কেশান্ ব-भूवः रेश्यं यः वाक वीर्यापाधी। व्यञ्जियनञः भूराह रेगञ्ज छ-एका शान्तु मूथान् करवाकि रहा-यान् ॥ इंजि ब्राजिंचिंग्हेः ॥ कीवकः য়া রক্তশিশুঃ।। রাজাটুঃ॥ রক্তে-कुः॥ ७७:॥ भाविः। ইতিচ রার্জ-निर्यणेः॥

मधुतः जि मधुत्रतमिनिष्ठः। सामः ।।
त्रियः। ইতি मिनि ॥ भातिजायिक मधुत्राणि यथा। विम्प्याकिः।
नियायत स्टामिः। भभी। दिवः॥
वालाकिः। ইতি কবিক্লুলতা।।
मधुत्रकः भूः जीवकतृकः। ইত্যমন্।।
मधुत्रकष्ठेकः जी महम्मिरि विद्

37

शर्याम् । स्थूबसः २ स्थ्बस्यः २ ज्ञमुखी ६ मर्जनकः ৫ शिखपुषी ७। जमः हताः॥ मधुत्रवः। मिनिः রব্। কফ পিত্ত শোফ শুম নাশি-ष् । छर्णा द् । व्याप् । भू डिकाद-क दुल्हा। इं जि दाखनियण्डः ॥

সপুরস্বচঃ পু: ধববৃক্ষঃ। ইতি ত্রিকা-अल्ब ।।

ম্বুরব্রণ জা বিতামাক্ষিক সর্বিশ্চ । इंिद्र । यहिः॥

अधुर्द्धकार में मुक्काकन ाना রীফলঞ্চ ইতি রাজ राजुक्ता • ें हैं अध्य

ब्ह्विक्ष्र 🤝 अधूतश्रत्रयुक्तानाती। ংহতি । ।শেষঃ।।

স্কুলেম্প 🦠 😁 রাজবদর:। ইতি वाकिनवकेः॥.

अणुकतक्षी की **मध्वीक्रग्तः। इंडि** ताक वर्षान्यः ॥

महत्रीः न' हेकः। ইতि भद्रभाना ॥ नः । जिल्लाकियं छे ।।

मध्या ही मूर्वा। इंडामदः॥ भुष्टि । पृष्टिका । इंडि संस्ति ॥ প্রার্থাইতি ভাবপুকাশ:॥

अन्दे अभाषी १। इंडि भनाका । मध्यम्या की निखयक्त्री। इंडि ज्ञासनियग्रेः॥

मभूद्रकर तः भू मध्यमीतः। ७०- मभूदा जी गउभुमा।। निर्मुवा।। मथुतानगत्री ॥ मधुकर्किका॥ (म-मा।। मध्नी। मध्यक्षिका। इंडि (मिनि ।। काकाली ।। भेजावती ।। व्रक्तीवडी।। भानकामाकः। देखि द्राजनिष्ठं ।।

> मध्राप्तकः भू वामाउकः। ইঙি भक्डिन्का ॥

> मधुत्रामुकनः भू॰ द्रिकनः। ७८ भ-र्य्यायः। आदः २। इठि द्रञ्जनाला॥ মধুরালাপা জী শারিকা। ইতি त्राजनिघण्डः ॥

> मधुरानावु-ी जी बाजानावः। ইতি त्राजनिर्घणः।।

> मधुत्रिका जी कुशविष्णवः। (भोत्री 🕏 ि ভाষा। उ९ পर्यतायः। **भारत**-যঃ২শীতশিবঃ ৩ ছগ্ৰা ৪ নিশী ৫ भिर्मुया ७। इंड्रान्द्रः ॥ नार्लयः १ মিলি:৮ মিসী ৯ নিশি: >০ ৷ ইতি ভটীকা॥ অবাক্পুল্লী ১১ মঙ্গল্যা ১২ মধুরা ১০। ইতি রত্ননালা।। मधुती १८। ইতি শব্র রাবলী॥ অস্যা গুণাঃ। রোচকর্•। শুক্রকা-রিত্ব°। দাহ রক্তপিত্ত নাশিত্বঞ। इंजि द्राष्ट्रवा छः ॥

सप्तिलः श्रा दिकः। ईन्छामतः ॥ । हिन्स् । । । विकास ॥ । विकास । विकास

मध्यारकः पू॰ कलस्य दः॥ सञ् बाद्र स्थयः शृह्यदीशस्य छेतः म बत्र पूराणः भाषत्र पूरः। २० क विषयः॥

मध्यः श्री भर्षः। ইতি भन्नः स्मित्रः।। विकि सभूत्रःः श्री दक्तः भाषाक्षः। विकि दक्षामा ॥

মধুলতা জী শ্লীত্ণ ৷ ইতিরাজ ় নিষণ্টঃ ৷৷

मध्निका श्री प्राविका। इंडिजाब-निर्देशः॥

बश्विहें भः जुन्द्रः। इंड्रगद्रः।। मश्रविहीं श्रः ज्यद्रः। इंडि सम

नश्रमाण्यः मू॰ जुमन्नः। ইভি রাজ-क्यिकः॥

बधुत्मः क्री मधुद्रायाः सम्बिक्याः । यथा। खडाउ गह खड़ (क रह्माः या खड़ेः छड़ि । लग्दः मधुप्मः यव महिद्दाः निख्या एखाः ॥ ₹ि विख्यापाट क याद्या महायापः ॥ विख्यापाट क याद्या महायापः ॥ विख्यापाट क याद्या महायापः ॥ विख्यापाट किल्ला । विख्या नियंकी भी गर्डीमध्य क्रीउनकः।

देवि द्राविधिकेः॥

देवि द्राविधिकेः॥

देवि द्राविधिकेः॥

नेवि विधिक्तिः।

नेवि विधिक्तिः।

क्रिति विधिक्तिः।

क्रिति विधिक्तिः।

क्रिति विधिक्तिः।

क्रिति विधिक्तिः।

क्रिति विधिक्तिः।

क्रिति विधिक्तिः।

मध्वी जिश्वः शृ मध् हर्किता नी की

विक्री विश्व कि कि लि जिया। उट
श्वा विक्री विश्व कि कि जिया। उट
श्वा विक्री विश्व कि कि स्था कि कि

श्वा कि महाक्या १ व्यवनाना कि ।

श्वा क्या । मध्य विक्रा कि श्वा विक्र विक्र

नश्तुकः शुः पुनतः। हेकानतः। नि
वश्तुकः वतः की मङ्ग्राक्षणकतः। नि
छा १७ वृद्धि कामा। मधा। नाष्ट्री

भिजा मञ्द्रभाषा । ताष्ट्री

वा नि-भारता है पाल्यो क्रियाको

प्रातिकः। एता प्राति व्याको

वश्री करावाः प्राति व्याको

वश्री करावाः प्राति व्याको

वश्री करावाः प्राति व्याको

वश्री करावाः भी ए क्रिया । देविक

हार्य करावाः भी ए क्रिया । देविक

हार्य करावाः भी ए क्रिया । देविक

हार्य करावाः ।

ग्रहारः पूर त्यक्षितः एकिया । गृह्यायः पूर स्वकृतः । विकि

भार्ति कि ।।

मत्र्मितः पृ'त्ङल्गाजाक्षनवृक्षः। हेलान्यः/॥

শধুশেষ গ্লা শেক্থক । ইতি রাজ । নির্ঘণটঃ ।।

মঙূশোণী জী মূর্বা।ইত্যমর:॥ স্বন্ধাসা জী জীবন্তীবৃক্ষ:।ইতি

রাজনিঘটঃ ॥

স্পৃষ্ঠীল: পু॰ নধুকবৃক্ষঃ।ইত্যনরঃ॥

मधुमश्चः भू कामाप्तवः। ইতি হলा-गृथः॥

मधूमाव्याः भू कागरमयः। ইडि

बंधुजिक्षकः दुः शास्त्रविष्टक्षः। इंडिक्सः दःगुन्त

मधुमुक्ती क जिल्लाम्पनः। हो ह

मधुम्हनः श्रा जुगद्गः। ই कि कहे।श्रदः। जिल्हाः। ই जान प्रतिकायाः
छत्र उः।। जम् तुष्ट्र शक्ति यंशाः।
स्वान् सभुदे का प्रमाद्भ मान्य की प्रकान विकास का स्वान्य की प्रकान विकास का स्वान्य की प्रकान के स्वान्य की कि स्वान्य की प्रकान के स्वान्य की कि स्वान्य की प्रकान के स्वान्य की कि स्वान्य की कि स्वान्य की कि स्वान्य की प्रकान के स्वान्य की कि स्वान्य की स्वान्य की कि स्वान्य की स्वान्य की

त्र अव मधुत्रुमनः ॥ इं ि वृक्त विवर्ष क्षिक्ष कम्म थए ३२० व्यथायः ॥ जत्र मात्र महाविशाखो नः नारत यः मात्र मधुत्रुमनः । विश्व छो नारत यः मात्र मधुत्रुमनः । विश्व छो नारत व्याप्त क्षित्र क्षित्र है व्याप्त क्षित्र है व्याप्त व्याप्त क्षित्र है व्याप्त विश्व व्याप्त विश्व व्याप्त विश्व व्याप्त विश्व व्याप्त विश्व व्याप्त विश्व विश्व व्याप्त विश्व विश्व व्याप्त विश्व विश्व व्याप्त विश्व विष

নপুসুবঃ পু॰ নপ্কবৃক্ষ:।। মোরট-জতা।ইতিরাজনির্ঘট:।।

मधुम्ता जी मध्यक्षिता। ইতি वहाः ध्रः॥ धीवस्ती। ইতি नफ्टिन्स्काः ॥ मूर्वा॥ इंग्निन्दी। ইতি द्राज्ञः निचन्देः॥

मधू मुदाः श्रु मध्कर्कः। ३ छि करे। धतः॥

মধুষর: পু॰ কোকিল:। ইতি শম্-রজাবলী।।

मधुरा नुः विषुः। ইতি (इमहन्तुः॥ मधुक्तीतः भुः थब्ह् तत्कः। ইতি रात्रावली॥

मध्क• क्री यश्रीमधू। इंछि ताक-निर्ध•हेः॥

मध्कः भू वृक्षवित्मयः। मङ्ज इंडि भोज इंडि गङ्गा इंडिह ভाষा। उट्शर्यायः। ७५ भृहः २ मधुष्माः २ वानभुष्टः ८ मधुधीनः ৫

ा है है छ। महा ।। महा १ महा १ महा ' मधुनुतः है। इंडि कहे। धनः ॥ यथु-वृक्तः ३० ह्यावनुष्टः ३३ माषवः ३२ । अम्। स्वाः। मध्यक्त मीउकः। **लिख हारू मुनाभरुव्। वाउनव्** । बद्धाराबद्भवः। बीर्य्य शृष्टि विव र्कन इक्षा अम्। भूम्र छनाः। नधू बद्धाव्याद्या इराद्धा स्मिद्धा পিত্ত বিদাহ কারিবুঞ্চ ৷৷ অস্য কলগুণাঃ। বাতাম্য পিত্ত নাশি षः !। (ऋय॰ नश्कवय स्मत (मज ) । ইতি রাজনিঘণ্টঃ।। 🗱।। অপিচ। মধ্নপুল্ল মধুর শীতল গুৰু বৃ• হণা বল শুক করা প্রোক্তা বাত পিত্ত বিনাশন ।৷ ফল শীত গুৰু ষাদ শুকল বাত পিভনুৎ। অহ-দ্যু হন্তি ত্লাসু দাহ খাস ফ্ত ক্ষবান্।। ইতি ভাবপুকাশঃ।। 🗱।। অপরঞ্চ। মধ্ক পুয়ঞ্চাজ্দ্য ত र्भागः वृष्ट्रगः भद्गः। मध्कमा कनः পকু বাত পিত্ত পুণাশন ।। তহজ खना उरक्न छन वर। यथा। यन। यम् कल्लोनात्र वीर्याः खवि या-मृणः। छन्। दिनान वीर्यान सङ्खाः न मिलिकिकिट ।। उत्र प्रभूषाः। মপুক্রজিপিভয়• বুণ শোধন রোলা

**भ**ण । ইिंड द्रोजवज्ञ छः ॥ नुष्ठः । हेि अद्भवावनी।। | नश्हरे क्री नव्वणिष्टे । नाम हैि जाया। उ९ भर्ग्यायः। । मिक्षक॰ २ । ইত্যমর:।। শিক্থক• ০ শিক্থ• 8। ইতি मस्त्रज्ञावनी ॥ মধ্থিত ক্লী নিক্থক। ইভি রাস-निर्घण्डः ॥ मध्यमयः भ् हिजीभूर्निम। इंडि

> किंगिथ्रः ॥ मध्भन्न क्री **मध्**त्र। इंडि (इनहन्तुः মধ্পন্ন: পু॰ মথুরা। ইতি জটাধর: মধ্লঃ পৃ॰ জলজ গিরিজ নধ্কব্কো। इंडि क्रिंग्यूतः ।ो

मध्नकः भू॰ जनकमध्कृत्कः। उद भर्गायः । चीर्यभग्नकः २ । इंडि किं। विदः ॥ भीतमाकः ० मध्यः ८ बन्न भगकः ৫। ইতি রব্নালা ॥ স্যাম্বধুকে তু জলজে গিরিজেংপি भव्तकः । इंडि नद्यादनी ॥ व्यम् ७ नाः। नष्क ७ । जून्याः ॥ নধুররস:। ইতি হেনচন্দু:॥ তদ্ব-তি ত্রি॥

मध्लिका छी मुर्बा। ইত্যের: n 1 नश्ली जी जी उनके।। नशुक्क ही ॥ जानुः। इंडि द्राकनिर्यः ॥ ন্ধ্যু লী দশ্যস্তায় প্রায়া শতসাগর

मःश्रा इंडि(इन्हिन्हुः।। अवगानः

। उद्भर्गग्रायः । विद्रामः २ । इंडि बिकाखल्यः ॥ मन्द्र्य भीषुद्र्याः छ्रयञ्ज्ञक्ष मुक्त मृत्रुः विवयक गमन वित्मयः । इंडि छत्रञः ॥ व्यवि-त्मयः । इंडि मधुः ॥ मधुमानृज्ञिः । इंडि माछः ॥ यथा । विव्यक्षि उञ्च-छः मधुः छञ्ज्ञ भाषा । वन् क्रमाद् । हेडिम्बः ॥

সধ্যঃ পূ• ক্লী দেহসধ্যভাগ:। মাজা ইতি ভাষা। তৎপর্য্যায:। মধ্যম• ২ অবলম়• ৩। ইত্যমর:।। বিলম়• ৪। ইতি মেদিনী ::

भश्रः शृः पुरुष्ठिमासः । एकिन्यः। जठवर्गाव सा उत्पन्धाः स्वर्धाः स्न-स्वातः त्रास्त्राक्ष्णपुरुः । ेजि क्यातिसः॥

मध्यः जि निर्माशः ॥ यस्तः ॥ यस्तः । १ इति भक्तवावना ॥ नध्यः । यथा । উत्तर्भाषम नध्यानि वृद्धाः कार्यप्राणि भार्थितः । উत्तरमासम न-रस्य कुन्यस्य निर्धाक्षस्य ॥ इति ११८८ हिन्ने सम्यासः ॥

ন্ধ কিঃ প্ আ**গুর্ক:। ইতি শব** চালুক:।।

बदार्जी ना नवारा । मस्तार । मस्तार । इंडि जिब्हास्टकोनूको ॥ महारमः स्थार स्थारमा (य स्थारमा (स्था मन स्य मन्। यय निधि शुक्तः । स्वन स्यः स्यः यागयः कोउसूरुः । इत्रावाग्यपार्थि (वानः । इति पूर्गामानः ॥

मध्रात्मः शुः (मणविष्णवः। छर्शर्यायः। नथ्रमः २। इछ्रमद्रः।।
छम्र भीमा यथा। हिम्यविष्मप्रया
स्वरः यः शुापिनणनाप्ति। शुछप्रय्य भूगागाह मध्रप्रमः भूकीछिङः।। ইङि मन् स्विः।। विनणनः छीर्थाङ्गः। नःश्रायि स्वर्छीछि (कम्रिक म्राय्वि स्वर्णानिछि
माञ्जा। स्ता ध्रम्पि य शुङ्खानिछि
नम् (वम्रिक प्रज्यावित्रानिछि
स्वर्णा स्ता ध्रम्पि य शुङ्खानिछि
स्वर्णद्रशाकदः। ইछि छ्छोकायाः
छद्रजः।।

मध्यारम्भः जि मध्यारणाख्यः।
यथा। भकारेण्डय मः ममका मध्यः
रम्भा जनाख्यिम। ইতি वामनभूजात्व २० व्यक्षायः॥

सक्षानितः ल्युः वक्षृक्षकृकः। ই उ

সধ্যপঞ্চন্ত্ৰক লী পঞ্চন্ত্ৰপাচন-বিশেষ: । যথা । বলা পুনৰ্ন বৈর-গু স্প্পণী ছিয়েন তু । এ হত্ত গো-জিতেনৈব স্যামধ্য পঞ্চন্ত্ৰক ।। ইতি বাজনিৰ্ঘণ্ট: ।। मध्रम

ন্ধ্যন লী পু দেহমধ্যভাগঃ। ইত্যমর:॥

मध्यः भूः मध्यत्रागाः मस्यः भक्षम ৰরঃ। ইত্যনরঃ।। গানশান্ত্রমতে চতৃর্থ ধর:। সতু ক্রৌঞ্ধরত্ল্য:। चारित्राहात्र शानः वकः व्याकत्र गढि यथदः। अयः विभुवर्गः। अ-न्। नःज्ञा जहतः। चर्थाः हजुः ৰর মিলিতঃ। তস্য তানা শত্কি শতিঃ তেষা পুত্যেক দ্বাত্রিংশ ছেদেন ৭৬৮ তানা ভবন্তি।ইতি **न**·गीडणाञ्च•॥ উপপতিভেদ: । **७मा मक्रानः। नियायाः नु**कारम यः भुरकाभ मन्द्रागः वा न भुक्रय-তি চেইনা মনোভাব গৃহাতি স म्ध्रमः। यथा। जाम्यः यम्य शामा विद्धिं व शिष्टः वारमान श्रीनः মচো নেত্রে শোণ সরোত্রকান্তি ক্ हित्र कृष्णि क्रग श्रीया । माना-याः कत्रामित्राम् मक्त्रिकात्रञ्जः 🕱 🛒 हास्मिकत्या धूभः ऋखन त्यात्र-नीयू ज्ञानाः भायवाना मृ**म्राउ** ॥ ইতি রসমঞ্জরী।। মধ্যদেশ:। ইত্য মর: ॥ গুহাণা সাম্যক সংজ্ঞা বিশেষ: । যথা দ্যুচর চক্রহতো **दिन मक्ष्यः कृष्ट एटा खन्न**ादि কল পুহঃ। দশশিরঃ পুর নধ্যন। **मध्य** 

ভাকরে ক্ষিতির স্মিথিগে সতি
মধ্যনঃ।। ইতি সিদ্ধান্তশিরোন্ণিঃ
।। মৃগভেদঃ ।। রাগভেদঃ । ইতি
ধরণিঃ।।

नथानः वि नथाज्यः। ইতি मिनी
।। তৎ পर्यायः। नाथान २ नथानीयः २ नाथान्तिनः ८। ইতি ह्यहन्तः ॥

मध्यमभाखवः भू व्यक्तः। हेडि

मध्याताकः भुः भृषिवी । ইভি ত্রিকাগুশেষঃ।।

নধ্যমভ্তক: পু॰ কৃনীবসভ্তক:।
ক্ষাণ ইতি ভাষা। যথা। উত্তমশ্চাযুধীয়ে, ২ত্ত নধ্যমন্ত কৃষীকল:। অধ্যো ভারবাহী স্যাদিত্যেষ দ্বিবিধো ভ্ত:॥ ইতি মিতাক্ষরা।।

मध्यममः गुरुः भू खीमः गुरुगाचाः विवादिश्यः । मञ् गक्ष मानाः वज्र ज्यादि (भुत्र गक्षमः । यथा । भूषम मारुमादि देखे भाखाः । भा उट यक्षभः वात्रम विवृञः । विविधः उट ममाधाः भूषमः मध्याज्यः । जादम् कान जा-याजि निर्जात प्रतिख्याः ॥ की-कादक्षणः रामाः भूषमः मारुमः म्उ ।। (পुषन जिस्त नाम्यान वृत्र ज्वन वाममा । भूला जनकान भारेन मंद्यम मनूराक् उ ।। महा-मन विविद्धिष्ठ भूतत्मा नभाभुगः । (कनाकिन गुरु कि न जाक न न गुरु न मुज ।। हे जि न जाक ता गाः खीम गुरु न भुकत ।।

गथानाहनः ही वनप्रतिखनवानः
भयानातिनाः ज्ञादक्राणाल
मतिक्षिः महना किननाः कर्य।
यथा। कन मृत्नाहकापीनाः क्षाः
व्यानक्रतना ह। ज्ञादक्रिणालः
नर्वाहिनः भूयनः नाहनः ग्रञः॥
वानः अध्य लानानाः गृहालक्रतः
नन् ह। এতে देन्द्र शुकाद्रिन मथाः
मः नाहनः ग्रञः॥ इंजि मिञाः
क्राः॥

मध्यमाहमः भू प्रश्विष्टिः।
मञ् भक्षणञ्जभ तथः। यथा। भ
गानाः (बण्ड मार्ष्ट्र भूथमः मारु
मः मृजः। मध्यमः भक्ष विद्यानः
मङ्गुरद्धन (ठाडमः॥ (वाडा मन्
मः। उनाषा नयः।। वाडा मन्
मः। उनाषा नयः।। हि मान्य
मान्निभुकत्वतः । यश्यः॥
मध्या छी पृद्धन्यानान्नी॥ कर्निन

। अक् निर्छाः । ब्राक्ष तह नहः ।
इंडि निर्मा । इर्याधि उव् क्षि
यूठ नारक लवर्गः । यथा । लग्गादः
लग्गास्त्र इंडि क्ष्यां यथा । लग्गादः
नाथाः। इंडि निर्मा क्ष्यां हु निर्मा व्याप्तः। इंडि निर्मा क्ष्यां हु निर्मा व्याप्तः। इंडि निर्मा क्ष्यां हु निर्मा विकार । इंडि क्ष्यां हु निर्मा विवार का विवार विवार का विवार विवार का विवार विवार का विवार विवार विवार विवार का विवार विवार विवार का विवार विवार

मध्यानिक। ज्ञी मृद्धेत ज्ञकानाती। इंडि णक्तज्ञावकी।। मध्यानीय॰ जि. नथ्यानः। इंडि (इन-

हम्तः ॥

निश्वास्ताः भू कामी हिम्बिन्सः विश्वास्ताः । यथा । धन्रास्त थन् एउ विश्वास्ताः । यथा । धन्रास्त थन् एउ विश्वास्ताः । व्याप्तिन्ताः कृष्टाप्तकाः । व्याप्तिन्ताः कृष्टाप्तकाः । व्याप्तिन्ताः कामाः विश्वास्त्रः । मानः कामः उभः मानः विश्वास्त्रः भूमस्रामस्त्रः । यहक्षाः भूमस्रामस्त्रः । वहक्षाः भूमस्रामस्त्रः । यहक्षाः भूमस्रामस्त्रः । यहक्षाः मानः व ज्ञास्त्रः । यहक्षाः । व्याप्तः भूक्षाः । व्याप्तः । व्यापतः । व्यापतः

ে সাইজে জয়র্বপ**র্মাণ**া জনাই এ

्र वर्ग विश्वासक्ति**कः** १८१२ वर्गायः ॥

भव लाहः श्रृ॰ शृषिवी। मञ्जलाक इञ्चियाद्य। वक्षण्यान नदः र्यह नम्

ग्वारमारकमः श्रु त्राजा। ইভিছেমः চন্দুः॥

भग्रञ्ज की किंदिन भः। यथा। अ-ो निविष्यमित्नो गृत्जनथः। गर्भः इनी ष्राष्ट्रा তिनिवस्त्रकी गरुः म्बी नदी नृ अत्य । अनु एक्टरेश ।

स्वा जी नदा । ज्वा । जिल्ला । जिल्ला । निवा । ज्वा ।

हस्त । निवा । निवा । जिल्ला । ज्वा ।

हस्त । जान निका । निवा । ज्वा ।

हस्त । जिल्ला । निवा । निवा ।

हस्त । ज्वा । स्वा । निवा । ज्वा । त्वा । स्वा । त्वा ।

हम्म स्व निवा ज्वा । त्वा । त्वा ।

हम्म स्व निवा ज्वा । त्वा ।

हम्म स्व निवा ज्वा । विवा ।

মেব চাটান এয়া দেবগাতেষ ভড়া शिषु मितिशम् है। मृत्यः मनाहरत া মিত্যং গান্ত পু দ্বণেৰু হ।। পরকীয निशास्त्र न जा शहि क्षाइन। शक् পিণ্ডান্ সমুজ্ত্য স্থোদা সম্ভবে भूनः ॥ मृरेषक्या भितः कालाः वा ভ্যা• নাভে স্তথোপরি। সবক্ষ তি সৃভিঃ কার্য্য পাদৌ বন্থি স্তথৈব চ।। 🗠 মৃত্তিকাত সমুদিষ্টো ত্বাসুৰ্বিলক না-निका। (गामयन) भूमानउउनाकः লেপণেক্ত হঃ।। সেপবিত্বাথ তীরস্থ रु झिरक्रिन व ज ज जः। भूकान्याहम्। विधिवज्ञ अभाष्ट्रायाय नियास्टिः ॥ ष्ट्रिक्डा इन गेडि यजित ही। करिः भूटिः। ভावभू उत्रव्हः श्रायम् देव विकु गव प्रवा आला নারাযণোভূতা ভা এবাস্যাযন• পুন: । তঝালালাহণ দেব স্থান कारण स्वात्र पुरः ॥ (लुक्त) भाक्षात गारिकाः वि निरस्क्षिनागय । शुनः भून तथाहारा या खानारान मञ বিং ॥ अंक्रणतमि ভূতেমু গুহামাণ विश्वरं मुगः। दः यक्त सुः वयहे কার আশো জ্যোতী রসো ২মৃত ।। षितात्रधा जि तन्त्रामा द्याङ्गि পুণবাৰিতা। সাবিী বা জপেদি षाः ख्या हिनावन्यनः ॥ उउः म

यार्जन वर्गाताला विष्ट मुखा छ वः। ইरमाशः श्वर्ठ व्याङ्बिबि স্তথ্যের হয় ততে। হাজনত্র্য ত জীর্থ মাপোহিষ্ঠানি ন্ত্রক:। অভজলে ত্রিরাবর্ত্য সর্বলাপাৎ পুমৃহ্যতে ॥ व्यथः शाली समाना बह्या देव मा-র্জনে কৃতে । বিন্যুস্য মূজ্যিতভোষ मुड्राट मदला है है।। वथा यत्रश क इंदा है नव शाशाश्रानास्मः। उधा-ঘনর্যাণ সূক্রণ সর্পাপাথেনে। দন।।। वाःथाभि जि: हति हा नृष्ति भूमा-वि जाञ्जिलिः। शुक्किश्याला हयस्तरः व पतृनार देवस्टिकः शतः ॥ छेतृहरः চিত্রণ দেৱান। নিত্যা হিভি রুমন্যবীঃ । হংল: শুটেষনেতেন সাগিত্য। চ विश्ववा ।। व्यत्मान्य विकिटन मे-रिखः मोरितः भाग भुगामरिनः। मा-विजी देव कारण शम्हा कि र विजी স বৈ মৃতঃ।। বিবিধানি পবিত্রাণি **७ इ** विन्या उरेथव ह। मा छ कप्ति गथ-র্বশির: সৌরন্ত্রাণ্চ শক্তিত:।। शुक् कृत्वयु मनामीनः ज्ञामय शु-ध्रथः भूतिः । जिक्षः भविक्यार्गा २कः जाभाः ज्यां मनाविजः॥ माजितन्त्राक क्राक शुवकीय मः मूछरेतः। कछ।। यक्रमाना वी উত্তরাদূভনা মৃতা।। জপকালে न

ভাষেত नान्। नि (भुक्तर्यषूषः। न कम्मयहिताशीवानस्डारेमव शुका-শ্যেৎ।। ওহ্কা রাক্ষসাঃ সিদ্ধা হরন্তি পুসভম্ভবাৎ। একান্তেষু শৃ-ভ (দশে **ভ**ষাজ্জপ্য সমাচরে ।। हलालामिहि পতिতान् मृश्रुाहमऽ পুন র্জাপেৎ। তৈরেব ভাষণ কৃত্বা न्नाज्। हिन करभष्युः ॥ जाहमा भु-याजा निजा कार्शिमण्डि मर्गान । সৌরান্ মজ্ঞান্ শক্তিতো বৈ পা-वभागी का गडः ॥ यहि न्या 🎏 মবাসো বৈ বাব্লিমধ্যগতো জপেৎ। অন্যথা ত শ্চৌ ভূন্যা দৰ্ভেষু স্-नगाहितः ॥ भुप्तिन नगावृत्र নমস্ত্রা ততঃ ক্ষিতৌ। আচম্য চ यथा भाञ्चः भक्ता साधाय माहत्र ॥ ততঃ সন্তর্গবেদেবান্ধীন পিতৃগ-गान् क्रमार । जानारवाक्रात मूहाय नमा २एउ उर्भगामि ह ॥ एम्यान् वृ अव्यवीः टेम्ब्द उर्भायमञ्जूरजामरेकः। जिलामरेकः शिकृन् छक्ता यग् ত্রোক্ত বিধান**তঃ** ।। অন্বারন্ধেন স ব্যেন পাণিনা দক্ষিণেন চ। দেব্যী। खर्भराक्षीयानुषकाञ्ज**लाञ्छः शि**ठ्न् ।। বজ্ঞোপৰীতী দেবানা॰ নিৰীতী খবি ভপণ । পুচীনাবীতী পৈত্ৰের তু ষেন তীর্থেন ভাবতঃ ॥ নাপীড্য

न्नान वज्रः देव नगाहन। ह वायुक्तः स्त्रि मं द्वि तर्हरगण्यान् भूदेनः भरेड त्रथामुण्डिः ॥ तुकानः नकतः मूर्याः তথিব মধুসুদন । অন্যা • काভि-भंजात्म्यान् ज्का। हात्काश्रामा पुः तः ॥ भुमन्त्राष्ट्राय भूष्ट्रानि मूल्कन পক্ষেণ তু। আপো বা দেবতা: স-র্বা স্তেন সন্যক্ সন ছিতাং।। নমস্থা-तिन भुञ्जानि विन्यासिष्ट भृथक् भृथ-ক্। ন বিফ্যারাধনাৎ পুণ্যু বিদ্যুত कर्च देविषकः॥ उद्यापनापि गर्गाष्ठः निज्य मात्राथ्यकाति ॥ जिह्नस्था রিতি সজেণ স্কেন পুক্ষেণ্ তুঁ॥ নৈতাভ্যাং সদৃশো দ্যো বেদৈষ্ক্ত **क्टुर्ज्ञ । भिरत्यस्य समाजान**• বিকাবনল তেজসি ৷৷ তদাল্মা ভশ্ম-নাঃ শান্ত ভাদ্ধেশ রিতি মজতঃ! व्यथवा (स्व भीनानः जगवन्नः जनाः **७**न• ॥ ञाजाध्यमञ्हात्व• ভाव পূতো মহেশ্বরং। মস্ত্রেণ কদুগাধক্যা शुव्यवनाथ वा शुनः ॥ द्रेगात नाथ वा करेषु छ। युक्तन मगाहिकः। भूरेष्ठः পত্রৈ রথান্ডিশ্চ চল্দনাদ্যৈ মহে ব-র• ॥ অথোনদঃ শিবাবেতি মন্ত্রেণা-त्नन (याज्ञत्यः । ननकुर्यन्नाच्यात्व मृष्ठ शत्र विशेषद्वर । नित्वस्यीक স্বাত্মান যে ব্যক্ষণ নিভীশরে ।

अरकिन विकः अर्गाट शक्याकन रिव जन् ॥ ध्राराखः स्वरीभानः द्वान मन्तर ग**ङ । न**वः। ज्ञथावरनाः ক্ষেদ্রক হ•সঃ শুচিষ্দিত্যুচা ॥ व्यर्गाट भक्ष महायखान् गृहः क्षा পনাহিত:। দেবযক্ত পিত্যক্ত श्रीवयक्कः उरेथव ह। नान्याः वृक्ष यञ्जक् शक्षयञ्जान् श्रुकार ।। यमि न्या छ भूगारबीक वृक्षयञ्जः कृत्जा न हि। कृ इ। यनूष । यद्भः देव उठः काल्याय साहराज्य ।। **अर्थः शन्हिन**-তে একো ভূজা**জান্ত এব বা। স** मानवर अनीनः **ज्ञाशाशिः ज्ञा** हि 🗻 । भाग भी लोकिकाद्यी वा कल ভূर्যा मथाशिना। रेनचरम्व निभिन्छ रेव (हवयद्धः मरेव म् जः॥ यिन गालोकित्क भन्न ज्ञा १म॰ তত্ৰ হ্ৰতে। শালাগ্ৰে তত্ৰ দেবার• বিৰি রেষ সনাতনঃ ॥ দেবেভ্যস্ত ञ्जान्तर्गाए (भवान् ज्जवनि र :ব**ে। ভূত্ব জ্ঞ: স** বৈ **জ্ঞেযো ভৃতি**-ে গর্বেহিনাং। শ্বভ্য**ন্চ শ্বলচেভ্য**় শ্চ বযোভ্যো নিত্য মেব চ**া দদ্যা**-ভূমে বলি বৃন্ধ পদ্মিভ্যে হথ न्य व्यव्याप्तिय सञ्चित् ३३१ क्**ञ्यकः** স্বব নিভ্য সাম পূতি বিধীবতে।।

একন্ত ভোজযেদ্বিপু• পিতৃনুদ্দিশ্য স-ত্তন•। অথবায়• যথাশক্তি কিঞ্চিদয়• সনাহিতঃ।বেদত্বাথ বিদুষে দিজা-रेयरवाभभानस्य । भूजस्यम् जिथि॰ निज्यः नगरमाप्तर्हरयिष्टुष्यः ॥ सरना-বাক্কমভি: শান্ত নাগত স্থাহন্ত-ত । হন্ত নার নথাগু বা ভিক্ষা। वा निक्कित्वा विकः॥ मन्त्राम्विथस्य নিত্যু বুদ্ধা ত পরনেশ্বর । ভিক্ষা भार ग्राम गाव गगुः महा उह उख १ ।। भूक्ष**ा शं**डकात्रञ्ज उहार्खर्श मू-**ह्याद्यादाङ्गाब** काल देव পুতীক্ষ্যো হৃতিথিঃ স্বয়ণা অভ্যা-গতান্ যথা শক্তি পূজ্যেদতিথি यथा। ভिक्राः देव ভिक्रद मन्त्राः विधिवष्काठातिरा।। मन्राममः यथा শক্তি ত্বৰ্থিভ্যো লোভৰজ্জিতঃ ৷ সর্বেষা মপ্যলাভে তু অন্ন• গোভ্যো নিবেদযেৎ ॥ ভূঞ্জীত বন্ধুভি: সার্দ্ধণ বাগ্নতো **২ই নজ**ৎস্যন্। অক্ত্বা তু षिकः পঞ্ মহাयञ्जान् षिष्ठा उनाः ॥ ভূঞ্জীত চেৎসুমৃঢাক্স। তির্দ্যয়া-নি স গছতি। বেদা ভ্যাসো হরত শক্ত্যা মহাযক্ত কিয়াক্ৰাঃ ॥ না শ্যন্ত্যাশ পাপানি দেবনোমূর্চন তুঃ था। या भाशम्यवानम्यानकृषा (मवजाईन ।। ज्रुङ्क म याजि नत्रकान्

শवु वनी खज़ा बी बार्थः । इंडि

त्रमानाथः। ইতি দুর্গাদাসः॥

মন দঙ বোপে। ইতি কবিকল্পজমঃ

শ্করেম্বভিজাযতে। তফাৎ সর্ব॥ পुराञ्जन कृदा कर्माणि देव विकः ॥ जुक्षी उ सकरिनः मार्कः म गाठि भ রমাণ গভিণ। ইতি কৌমো উপরি ভাগে ১৭ অধ্যাব: ॥ #॥ অত্ৰ ভো জন বিধি র্ভোজনশব্দে দুষ্টব্যঃ ।। मधुनः भु• मधुवातः। ইতি नद विम्का॥ मधानू क्ली म्नविरमयः। मोबान् ইতি ভাষা। यम् छगाः। ब्रक्त शिख नामिद्रः। धक्दः। यानुद्रः। भीठदः। खन् भूक काद्रिद्धः। ইতি রাজবল্পভ:॥ मधानुक क्री कन्द्रविष्णयः। (मो আলু ইতি ভাষা। ইতি **শ**ৰ-ठिन्मिका ॥ मधानवः भ् मध्रभुष्मक् उमर्र । ত ८ भर्यायः । माध्यकः २ मध् ० মাধীক । ইত্যনর:।। मधामविकः भू मोखिकः। ইতি नद्रभावा।। मिश्रुका खी मिर्पता। ইতি एम्परमुः

আৰু।। গৰে। ইতি কবিকল্প-

क्यः॥ सन्छ। ইতি দুর্গাদাসः॥

ম্ন ক ড গৰ্মক। ইতি কবিকল্পদনঃ।

ক ভ মান্যতে। গর্বকো হহক্ষারঃ।।

भन उम्रान। ইতিপু। वः। नानगर

॥ ५ ७ गन्छ। ইতি দুर्गानामः॥ गन य छ ७ (वार्ष। इं कि कविकन्न-क्रमः॥ य ७ नन्। ७ । ७ जन्छ। ইতি দুর্গাদাসঃ॥ মন তক ধৃতৌ।ইতি কবিকল্লজনঃ ॥ म्हारनाभवः सन्यक्ति । इंडि मूर्गामामः ॥ मनः भू बहामाःमा। इंडि मद-विमुका॥ मनः क्षी ज्ञारनिमुयविक्षिकः। छर् वृद्धीन्द्रियागाः यशाः श्रवानः क्षिक्ष विज्ञिकः। यथा। ইन्द्रियागाः मनः শ্চাস্মি ভূতানাম্মি চেতনা। ইতি ভগবদ্ধীতা।। তচ্ন গর্ভস্স্য সপ্তমে মাসি জায়তে। ইতি সুথবোধঃ॥ **७८ भ**र्यप्रायः। हिन्न २ ८ ए छः ७ इत्य • ८ बाउ॰ ८ इ८ ७ गानमः १। ३७% नतः॥ व्यनक्रकः ৮ व्यक्षः २। इंडि শব্রজ়াবলী।। অপিচ। ম্নোম-शन् गठि व्या शृबु किः थाठि রীখরঃ। পুক্ত। সম্বিৎ চিতিকৈৰ মূতিশ্চ পরিপঠতে।। পর্য্যায বা-চকाः भदा मननः পরিকীর্ত্তিতাঃ ।াইতিন্হা ভারতেনোক্ষমাঃ॥#॥

न्यावसाठ अम्य स्वाः । शत्रुः । আগরে 🖓 । সংখ্যা । পরিনিতি: । বুল্টর্ণ। সংযোগ:। বিভাগ:।॥ : ११ का ११ व्यानुष्मानि यथा। मूथ• । । मू:थः। ইहा। (द्वयः। मजिः। यज्ञं क ॥ इनः भवमानु अक्षभः। भित्रामनि मट्ड वायवीय भन्नमागृक्षभः। यथा। পরা্পরত্ব সংখ্যাদ্যা: পঞ্বেগশ্চ भानतम्। भागागाशः मृथः पृःथ निः हा खारा दिना क्रि: क् जि: ॥ व्यायोग-भरा ब्छानाने( जग्राग्व निरह-भारत । इति अधिमाधानिक में ॥ बन् ব্যান্ত পুতির ঘনোযোগঃ কার্মণ বাংলা ৷ ব্রচো বেল**গা মনসা** জ্ঞান কারণ । ইত্যপি তবৈৰ ॥#॥ **७म**। नव छना यथा। रिश्वर्या। त्रिन्यं। र्व्यक्तिक विमर्गः कन्नना क्रमा। मर जहामुं जा दिव सनत्मा नव देव खनाः ॥ इंडि (नाक्षरर्गः॥ जन्र त्राथ्रा । ধৈর্য্য ১ উপপত্তিঃ উহাপোহকৌ-শল ২ ব্যুক্তিঃ মারণ ৩ বিসর্গঃ বি পরীতদর্গোল্ডান্তি: ৪ কল্পনা মনো-व्रथवृद्धिः ৫ क्या ७ मट विद्राग्रा-দি ৭ অসৎ রাগদ্বোদি ৮ আশ্তা स्र इत्रव २। ইতি তটी 🖘 🛚 🕸 🔻 जन्र ठा जिविषु र यथा। य ना दृष्टि त्रहेकात निष्ठ कत्रपमास्यः। नः ननः नि

শ্যো নিশ্চযো গর্ব: অরণ বিষ্ণা অমী। ইতি বেদাম্ব:।। 🗱।। তস্য व्यव्याचा द्वारि यथा। व्यथ्याचा मन ইত্যাহ: পঞ্ভূতাত্ম ধারকণ অধি ভূতঞ্চ সংকল্প শ্চন্দুমা শ্চাধিনৈ বতং ॥ ইতি মহাভারতে আখমেধিক-পर्व।। 🗱।। তস্য स्रुक्ष रथ।। ञः নিৰূপ্য নদৃশ্যঞ্চ জ্ঞানভেদ্ ননঃ মৃত ।। ইতি বুদ্ধবৈবর্ত্তে পুকৃতিখ-(७ २० व्यक्तायः ॥ **३**॥ जम्र श्री-मल्डानु । मल्डानु नागकानि यथा। बनानाः ऋरयः मराः मूराङः वह-त्नतेव। **नि**र्वे क्वा कन्यायाः দৌহিত্রে বান্ধবেপি চ।। পুত্রে পৌ-ত্তে চ বচসি পুতাপে যশসি শিুবাণ १ व्राक्ती वादिशि विम्रायाः ज्ञायर क्रमय नृगा।। इंडि तुक्तरेवरार्ड बी क्षक अर्थे ७ अर्थायः ॥ 🗱 ॥ তস্য বন্ধ মোক্ষহেতৃত্ব যথা। মন এব মনুষ্যাণা কারণ বন্ধ মোক্ষ-(याः । वक्षम् विषयामिक मुक्क নিবিষয় তথা।। ইতি বিষ্ণুপুরাণে ৬ অংশে ৭ অধ্যাयः॥ यनशामः वि भरमाञ्चः े विदि का अलावः ॥

न्तः भिनः भः विक्रा हिंद मनः भिन्न स्टेंड स्टेंड स्ट्राइट

। इंडायत हीकायाः जत्रडः ॥ मनः শिना जी ब्रक्त्वर्गवाञ्चितः। नक्त इं ि छाया। माज् नश्ची वीर्यंऽ॰ । इंजिरेवम्यकः।। उद्भग्रायः। स्नम **ही २ नता छ। ७ नाम जिस्त्रिक। 8** । इंडामदः॥ तिभानी ६ मिना ५। ইতি রব্বনালা।। মনোহ্বা ৭ নেপা निका ४ नता एक्षा २ कन्या निका २० · রোগশিলা ১১। ইতি রাজনির্ঘণ্টঃ।। (गाना )२ मित्त्रोविशः ) ३। इंडि खावभूकाणः॥ जन्मा खनाः। कहे ष् । निभवः । (नथनष् । विष ज् তাবেশ ভযোমাদ নাশিব। ব শ কোরি বৃঞ্চ। ইতি রাজনির্ঘণ্ট:।। অপিচ। তিক্ত হু॰। কফ নাশিত্ব॰। गातक दुः। ए प्लिकाति दुः। अष्ठ कुः त्र পाञ्ज काम याम ना**मित्र**। मूक নম্ব লারিবৃঞ্চ। ইতি রাজবল্লভঃ ॥ यन्। यनः भिना छक ईन। माताक। (नयनी कर्षे: 1 जिक्र। গ্লিকা বিষ খাস কাস ভূত কফাসু न् । मनः भिना मन्द्रवा करता छि প্রন্ত পুরুত শোধন মন্তরে।। মূলা। नुवद्धः किल मृद्धाद्यादः नमक्तः ल्ह् वम्यः सर्वाट । इति जावः क्रीकानाः भ মনন লী কুদ্ধি:। ইতি রাজনির্ঘণী:॥

गनना जी (मवीविष्णयः। उर भर्या-यः। कषः २ मननारम्वी ० ियङ्बी ৪। ইতি জটাধর:।। অন্যা: পুণান মস্ত্র:। আস্তীকস্য মূনে মাতা ভ-शिनी बामूरकं खबा। बत्र काक मूर নে:পত্নী ননসাদেবি নগোস্ত তে।। ইতি তস্যা: প্জাপদ্ধতি:॥ তস্যা नाना वृद्ध शिख र्यथा। श्रीनाहायन উवाह। भुग्जाः सनमाश्रास्वे म्ट শু,ত ধর্ম বকু হ:। কন্যা সাচ ভগব-তী কশ্যপস্য চ মানসী।। তেনেয়॰ मनमाप्तवी मनमा भाष्ट मीदाछि। भनना ध्राया या वा नेत्र ना दान মীশ্বরী।। তেন সা মনসাদেবী যো-গেন তেন দীব্যতি। আত্মারানা **চ সা দে**वी दिक्षवी त्रिकारगाणिनी!1 बियूगक छन्न खक्षा क्कमा अंत्रमा-আনঃ। **জর**ৎকাক শরীরঞ্চনৃষ্ঠ। ষ্ৎ ক্ষণ নীশ্বঃ।। গোপীপতি নাম हः কে জরৎকাষ রি**তি পু**ভ়ঃ। বাঞ্চি ज्क्षतस्ते जोमः कृथवा इक्**श**नि धिः॥ প्षाक कात्रगामान इकात्रह भूनः भूनः। यशं । नागः वास्ति ह পৃথিব্যা॰ বৃদ্ধলাকত: ॥ ভূগ॰ জ-গৎসুপৌরী সাসুদ্রী চ মনোহরা । জগদ্বীরীতি বিখ্যাতা তেন লা প্জিতা সতী।। শিবশিষ্যা চ সা

(नरें) उन्हें निवािक की विंगा विष्कृः सकाठीर मध्येष्ठकवी (उन नात्रम्।। न्यानाः भाग नकिवी यस्त जत्म-क्षियम् । नारमञ्जी जिथ्याजा সা নাগ ভগিনী ভিচ॥ বিষ স হ-্ ফু মীশা সা তেন বিষহরীতি সা। াসক যোগ হ্রাৎ পাপ তেনাতি निक्रायाणिनी ।। महाज्वानक ला-भाक्ष-भूषभद्धीवनी भवा । गहा-জ্ঞান যুতাং ক্লংঞ্জ পুরদন্তি মনীবিণঃ ৷৷ আজীকৰ্য হ্নীন্দুষ্য মাতা সাচ जयविनः । यो धीक माञा विश्वाां कार्यन् नशुक्तिष्ठिजा ॥ श्रिया मूरन क्रवरकारवा व नीन्तुग्र महाज्ञानः । स्यानिस्या विश्वभूकात्रत्र कद्रदकाकः शिया छा । 🕾 ॥ 🕉 नत्मा मनमाटेय ्रक्षत्र कारक जगानी **त्री भनमा मिक**् (भाभिनी । विक्वी नागङ्गिनी रे**न** वी नारवादी ल्या॥ अद्रद्भाकं नि ৰাভীক নাভা বিষহরীতি চ। মহ্য-জ্ঞানগুতা চৈত সা দেবী বিশ্বপ্রিতা । कार्रिंग जीति नामानि भूजाकात्वः हयः भारते । जम्रा नागज्य नास्डि তস্য বংশান্ডবস্য চ॥ নাপভীতে ह भावत्म नार्शभाख ह मनिस्त्र । ना-গল্পতে নহাদুৰ্গে নাগবেপ্টি চ বিশুছে ॥ इन (अवि भावेश ज् मूह्याल्य)

নাত্র সংশয:। নিত্যং পঠেন্ম স্তং দৃষ্ট্য नागवर्गः भवागाउ॥ मनवक्र कार्भ নৈব স্তোত্র সিদ্ধি ভবেমৃণা । স্তোত্র সিদ্ধি ভবৈঅ্স্য স বিষ্ ভোক্র্মী-श्वतः ॥ नारगीय ज्यगः कृत्वा न जर्वः मागवार्नः। नागात्राना नागउत्ता মহাসিদ্ধো ভবেমর:।। ইতি বুক্ষ-বৈবর্ত্তে নহাপুরাণে পুকৃতিখণ্ডে না-क्रायन नाजनीय भनत्माभार्यप्राप्त नः নসা স্তোত্রণ নাম দ্বিতত্ত্বারিণশত্তবো-२धायः ॥ 🗱 ॥ जन्ताः शृङ्गे सञ्जा-দি যথা। জ্বিরারাখণ উবাচ। পূজা বিধান স্তোত্রঞ্জ শুনতা মূনিপুঞ্জব । युग्नक्ष मामरतामाकः (प्रवी भृडा বিধানক ৷৷ শ্বেত চম্পাক বৰ্ণাভা• রত্ন ভূষণ ভূষিতা। বহি শৃদ্ধা শু-काशानाः नागगरक्वाभवीजिनीः ॥ गहाड्यान युजारिक्य भुवता उद्धा-निना॰ जञा॰। निकाविशा कृतिवीक निका निकिनुमा एक ॥ इंडि शाषा जु जा (पवी म्लातिव भूभ् करय । रेनरवरेन्त्र विविध मी रेनः भू म्र भ्भान् (नभारतः ॥ म्नमक्र का (माला ভकाना वाक्ष्ठ भूम: । म्ल तमु उक नीम मुनिक्षि दार्भाः कातः ॥ उ हो। बी न्त्री व गनमा (१देव) साहा। शक्षणक डामिनक

মন্ত্ৰ দিৰি ভবেষ্ণা॰।। মন্ত্ৰনিৰি र्ভ्यविष्य न । निष्का जग जी ज्ञा । পুধাসন বিষ তন্য ধন্ববরি সন্যো ভতে এ ব্রুরবিটে সংক্রন্ত্রোণ সু -श्रीभाषाम् वङ्ग छः। आवाञ् (नवी नोनाञ्चाः भूज्ञरयप्या हि जक्ति उः॥ **शक्षन्याः ननमान्ध्यायाः (मरेब्र मन्द्राः** ह त्या विनिः। धनवान् भू धवारेन्छव कीर्डिना मह जरवक्षुत्र ।। भूका विदा-न॰ कथिङ उराय्यान निमान्य। कथयानि गराजाग यट्नु उ अर्थातः क् जः॥ 🗱॥ जन्तरा बच्च कात्रनः यथा । পুরা নাগ ভ্যাক্রান্তা বভূব্ র্মান্বা जुवि। यान् यान् शामिष्ठ नागामः (७ न बीविड नाइए॥ नञ्चाः क जम् (ज ভोड: क**म्**रांश तुक्तगार्थिड: । বেদবীজানুসারেণ চোপদেশেন বুক্ক १: ॥ मञ्जाविष्ठाञ् (मवीञ्चाः मननाः সস্জে ততঃ। তপসা মনসা তেন व ভূব ननमा ह मा ॥ #॥ उम्रा खः भगामि यथा। अनाती मा ह मञ्जूव জগান শঙ্করালয় । ভক্তা সংপূত্র কৈলাশে ভৃষ্টাব চন্দুশেখরণ।। দিব্যণ বর্ষ সহসুঞ্চ ত সিষেবে মুনে: সূতা 1 আশুতোগো নহেশস ভাঞ তুঙো वज्रह ॥ प्रशास्त्रानः मत्नो उरेगः। भावेगांगांग जान ह। क्ष्मखः क

लु उकः नरावश्रीकवः गृत्व।। लक्षी र्गामा काम ोज ( उन्नः क्कशम उथा। बिलाका सक्ता नाम करार भूजन करा ।। नार्व भूकार्यः खबन ध्रानः ज्रनगावनः। भूतः हर्यतः कमकानि (बरनाक नर्वमयक ॥ भाभ। मृ-ত্যজ্ঞার জান পর মৃত্যুজ্ব স-তী। ছাগান তপদে সাদ্বী পূক্রণ **मक्रा** ऋगा। जियुगक ज़न्म ख्या कृ-ব্দস্য পর্নাজ্ন:। বিশ্বি। বভ্র সা (पर्वी परम भूत ज भूजू ॥ पृष्ट्वी क्-नाकी वानाय क्नरे। एक्ना विशः । প्राक्ष कात्रगामाम हकात इस्त-रुतिः ॥ वत्रक भूत्रा ठिमा भूकि তেতি ভবে ভব।বর• দত্তা চ কল্যা-रिग्र जन्यकाष्ट्रमंद्य विज् ॥ नुषाम পুজিতা সাচ কৃষ্ণেন পর নাতানা। দ্বিতীয়ে শঙ্করেণৈর কশ্যপেন সুরেণ ह।। यनुना मूनिन। हेव नारमन मान-বাদিনা। বভ্ৰপ্জিতা সাচ ত্ৰিষ্লো। কেষু সূবুতা॥ 🗱 ॥ ভস্যা বিবাহ: सामिकर्ल्क छाराभाष्ट्र येथा। क्रार्ट्का-क मूनीन्त्राय कमात्र छा। परने शुत्रा । অ্যাচিতে। মুনিশেষ্ঠে। লগাহ বু-ऋगाळ्या।। कृत्वाद्वादः नशायागी বিশান্ত তুপসা চিরণ। সৃষ্পি দেব क्वरान वहेंग्राल ह भू इरत्र ॥ निम्रा॰

काश्य हर्निः स्त्र। निष्टुण भी थतः। ्**क**णानाय जिल्लाकतः नायः कान छे-পঞ্জি জানি চেডাৰেনা তৰ নৰ ्रेषा ना १ किट हा ॥ धर्माताल ज्या बिनव एक द्वारमाहन नजी।। अक्षा शिक्ताः महतः विज्यादिका विक म्नाः। वृज्जङ् ज्यानिकः भाभः व ্ৰিক্যতি 📆 🌣 ৰ্মন ।। নোপতিষ্ঠতি यः लेक्ष (नामाद्य यस मन्द्रिमाः । লচ এব্যাশ নিত্য বুক্ষহত্যাদিক जार्ख्य । ाङ गणि मः विद्य इत्राप्तराः । १ मृति । म.ह तूक्। মুলিলুই ় পে তা দৃশা মুনিঃ।। कत् कार्य कराइ। कथा भागतुरा माधि निनुष्डदः क्ठ ख्या ॥ बार्थः ব্ৰতাদিক তল্যা যা ভৰ্কাপকা-दिनी । उन रहानमनरेक्षव वुड मा नारिकक यथा जर्जु त्रित्रकातिः গ্যাঃ সর্ব্ব ভবতি নিস্কুল । যথা প্রি-🗱 প্রতশ্চ শ্রীকৃষ্ণ: পূজিত স্তথা। া পতিবুলা বুভার্থঞ্চ পতিরূপী হ-हि: स्या ने তাৰ নিষেবন ॥ সর্ব বুক তপঃ अलगात्रामा पिकथः यट । नई धर्मा क राज्य मर्नास्य भूभूकनः ॥ उट भई व नि (गवायाः कनाः नार्केष्ठ যৌজনী : সপুণেঃ ভারতে বর্ষে প্রাং, ∦

ক্রিসেবা• করোতি যা॥ বৈস্বঠ• স্বা-মিনা সার্দ্ধ॰ সা যাতি বুদ্ধণ: শত॰। विश्विषः अकाउ छख् विश्विषः वर-**ठि शि्गः।। यत्रदन्नल शु**क्राजाः। ष्ट कन भूगठा नि । अग्रीभा कः वुरब्धः नात्र यावहन्तु स्वाकरही ।। ততো ভৰতি চাণ্ডালী পতি পুত্ৰ বিবর্জিতা। ইত্যকু: চ মুনিশেষ্ঠো ব-ভ্ৰাসুরিভাধর:।। চকল্পে ননসা माधी ভरেरवादाव उ॰ भठि॰। सन-স্থোবাছ। সন্ধ্যালোপ ভয়েনৈব নি-मुञ्जः क् इ उद।। यक मान्तिः महा ভাগ দুষ্টাবা নন সূবুত। শৃস্বারাহা-র নিদ্যুণা॰ य\*চ ভঙ্গে করে।তি চ।। স বুজেৎ কালসূত্রঞ্চ স্বামিনশ্চ বি-(শरउ:। इंज्रुक्। ननमारिती सानि ন শ্বনামুজে।। পপাত ভক্ত্যা ভী-তাচ ৰুরোদচ পুন: পুন:। ছপিতঞ্ मूनि मृक्षे श्रिम्र्गुः मेखु मूम्र उ ॥ **उ**बाबगान जगदान् मक्षुरा मश् নারন। তত্রাগত্য মুনিশেষ মুবাচ ভাক্ষর: ऋय॰॥ दिनरयन চ ভীতশ্চ তথা সহ যথোচিত। শ্রীসূর্য্য উবাচ । मुद्याख लगा मन्द्री मानी दर्म करव न है। दि । नाम दें। विश्व नाल ब्रायः ग**े** किया जगन न क मा॰ मक्ष• 🗵 🖰 🕫 मत्नी। ताक्रवी-

नाक कृत्यः नवनी अगः उता । তেষা জ্বাত্ত্ব ক্রোধন্য ততো ভ্রম ভবেজ্জগৎ।। भूनः मुक्षे विजः म-ক্তো নতেজম্বী দ্বিজাৎ পরঃ। ব্রাহ্মণো বুন্দণো বংশঃ পূজ্লন্ বুন্ধতেজসা।। শ্ৰীকৃঞ্ণ ভাব্যেষিত্য বুন্ধজ্যোতিঃ সনাতন। স্থ্যস্য বচন। শুত্রা দিজঃ भारता वज्वह।। भूर्यन क्राम स স্থান গৃহীত্বা ব্ৰাহ্মণাশিষ তেড্যা-জ মনসা বিপু: পুতিজ্ঞা পালনায চ।। बन्डी भाकयुका ठ कृत्र्यन वित्यजा। ना नयात एक मस নিষ্ঠদেব হবি বিধি ।। কশ্যপ জ মদাতার• বিপত্তৌ ভযক্ষিতা। ত-ত্রাজগান ভগবান্ গোপীশ: শস্ত त्त्रव ह।। विधि क कमार्शिक्व मनमा পরিচিন্তিতঃ। দৃষ্টা বিশ্বোং শভীষ্ট (দব· নিৰ্গুণ· পুকৃতে: পর· II ভূষ্টাব পর্যা ভক্ত্যা পুণনাম মুছ মৃ ছঃ। নন্শ্চকার শদ্মঞ্চ বুন্ধাণ কশ্যপত্ত দা ৷৷ কথ্যাগনন দেবা ইতি পুশু চকার সঃ। বুন্ধা তছতন শুরা সহ भा भन्दर्गाष्ठिल्।। भन्दा मन्यु का श्वीरकम अहासूडः। वृत्कावाठ । ्यार जुङ्कप'धर्माश्रद्धी धर्मिक्षा गनमा मठा ॥ अफ्याम्याः म् जिल्लानिः

**ठाती वा जिक्कू ईनहरताशि वा ॥** जागांगाक मृत्जां भिज्ञ कृता भ महार छ। इसम् । व्यक्ता जू मू-তোৎপত্তি বৈরাগী य स्त्राहरिन् याः । भूरवन्तर खटभूगुक हान न्। १ वर्ष वर्षा कलः। १ । उम्। अ গ্রোৎপত্তি র্যথা। বুন্ধণো বচন শুত্রা জরৎকাৰু মুনীশ্বঃ॥ চকার তন্ত্য-ভিম্পর্শ যোগেন মন্ত্র পূর্ব । ত-रिमा भूजानियः मञ्जा र यु (मंता मूमा-निजारं।। मुनानिज ह मनमा जन्न-কাৰ মুদান্বিতঃ। মুনেঃ কর পশ্বিণ-बार मान्। भारती वर्ज्यही निषमाः যা সুনিশেষ মুনিশেষ উবাচ তা॰ **कत्र**्काक् क्वाठ । गर्ख्यातन मने-সে তব পুণ্ডো ভবিষ্যতি।। জিভে-मिनुयानाः भुवद्वा धाम्मिका विक्वा. গুণী:। তেজম্বী চ তপস্বী চ যশস্বী চ खनानिकः ॥ वात्रा विकतिकारिकव क्छानिना थागिना छथा। मह भूत्या विकु उत्का शाणिकः वत्नुषात्र ।। নৃত্যন্তি পিতর: সর্বে যজ্জন্ম মাত্র-তো মুদা। পতিবৃতা সুশীলাযা সা ल्या ल्यामिनी ॥ धर्मिष्ठा भूमः মাতা চ জলজা জলপালিকা। হ-রিভজিপ্রেটা ও নাই তেও মুখ্ अत्वं शनिनाम ति । गञी ना तुक्त श्री श्रुपः ॥ दा वक्षि नाम श्री आहात-

र्वजा भूमभंकः। मा गर्ख्याद्रिनी या ह शहराम विस्माहनी ॥ विक्रमखनुराः তা চ স গুৰু বিষ্ণু ভক্তিদ:। গুরোশ্চ জ্ঞানোদিরণান্তর জ্ঞান কৃষ্ণ ভাবন ।। আবুদ্ধ শুদ্ধ পর্য্যন্ত যতে। বিশ্ব॰ চরাচর । আবিভ্তি তিরোভ্ত कि॰ वा ज्ञान॰ उपनाउः ॥ विषक (याम्बा विष्यु उट नातः इति (मवनः। **उ ब्रानाः नात ज् उक्ष रात्र तना** वि उम्र-नः॥ पत्र केशनः ग्या छ छ। म सामी क्कान्रमा हि गेर्। क्कान्य भूमहारङ वक्राट क विन्द्रीं। दि वक्षरः ॥ विवन ভিক্তিশ্ৰত জ্ঞান ন দদাতি হিয়ো 🖔 रूकै। न तिलूः मिष्ठ घा जी ह याजा वद्याद स्माहत्य ।। जननी गर्छ जा ক্লেশাঘ্ম তাড়নজাত্তথা। ন নোচ-শেদ্দ্য: স কথা গুৰু স্তাতো হি বারু वः॥ भवनानन्त क्षभक्ष क्षमार्ग मः नथतः न पर्भाविषः म कथः कीपृष्णा বান্ধবো নৃণা•।। ভাজ সাধি পার•বুন্ধা• हु। 5 क्ष्कुक निर्श्व । निर्म् लक्ष भूता कर्य जुःखन्य ९ (भवया ध्रवः॥ भया ह लिन व ॰ उ। छ। क्रम (मित मम लिए) । ক্ষ্মাযুতানা সাধীনা সত্ত্বাৎকো-ধোন বিদ্যতে॥পুষর তপদে যামি ् शह (५ वि यथा मथ'। बीकृष ठत्रना **ख्रिक शान विद्धित काउतः** । धनात्

দিষু জিয়াণ প্রীতি: পুবৃত্তি বর্জাগছ-তা। ঐকৃষ্ণচরণাস্ত্রেজে নিয়ৃহাণা। गतात्रथाः॥#॥ जत्र कार वहः नुत्री ননসা শোক কাতরা। সা সাশু, (नवा विनयामुवाह श्वागवल्ला**छ॰।। म**-নসোবাচ। দোষেনাহ• ত্ব্যা ত্যক্তা নিদ্যাভঙ্গেনতে পুভো। যত্র মারানি-ত্বা• বন্ধো তত্র না নাগমিষ্যতি।। বন্ধু ভেদ: ক্লেশতন: পুঞ্জেদ স্তত:পর: । भाराम (जनः भागानाः विष्ट्रमाट সর্বতঃ পরঃ । প ভিঃ গানিবুতানাস্ত न व्यापार्य क म् वह। अहमाकु त्रि-यः ज्वीलाः ल्रिय एउटनाञ्ड**्ड** वृ**टेदः ।** भूष रिषक भूषाणा रिक्वाना यथा इतो।। (नत्व राषक (नजाना॰ ভূষি তানা॰ যথা জলে। কু বিতানা॰ यथाम ह काम्काना॰ यथा जिया॰।। यथा भवस्य होताना यथा कास्त ब्रयाविजाः। विदूषाक यथा भारत বাণিজ্যে বণিজাণ যথা ৷ তথা শখ ন্মনঃ কান্তে সাধীনা থোবিতা পু ভো॥ ইত্যুক্তা सनमारियी भभाउ স্বামিন: পদে। ক্ষণ চকার ক্রোডে-তা কৃপয়া স সপানিধিঃ !! নেভোদ-কেন মনসাং সুলেখামান তাং মুনিং ্য সামুগ্রাকরুতি ক্রেড়ি শিবিরতে . गञ्जा।। ७ ः छात्म (जे हि)

বিশোকো চ বভ্বতু:। মার মার পদাস্তোজ কৃষ্ণস্য পর্নাত্মনঃ ॥ জগাম তপদে বিশুঃ স্ব কান্তা॰ সূপু (वाध्रह। जगाय सनमा नासाः कि नामः मन्दितः खर्जाः॥ अ। भार्वजी वाध्यामाम सनमा॰ भाक कर्षिः তাণ। শিব শ্চাতীব জ্ঞানেন শিবেন **চ निवानएय ॥ मृभुमञ्जादित माधी** जुजूरव अञ्च करा । नादायगाः मः शृधक জानिना (यागिना खक्।।। গর্ক্তিতো মহাজ্ঞান শুরা শঙ্কর वक् उः। म वकुव ह (याशीतन्तृ। या গিনা জ্ঞানিনা গুৰু: ॥ জাতক कात्रयामाम वाष्ट्रयामाम सङ्गलः । **व्यक्ताः क** भाठेयामाम निवाय ह नि वः णिष्णाः ॥ तत्र जित्कारि वक्ष ৰান্ধণেভ্যে দদৌ শিব:। পাৰ্বভী চ গবা । লক র বানি বিবিধানি চ।। শাস্ত্রক্ষ চতুরো বেদান্ বেদাঙ্গানী 🕌 জ্ঞান• মৃত্যুঞ্জয়• পর• 11 ভক্তি রস্তি স্ব কান্তে চাভীষ্টদেবে গুরৌ হরে। ম-স্যান্তে তেন বৃৎপুণ্ডো বভ্ৰান্তীক এব চ।। জগান তপসে বিক্ষোঃ পুদ ্রং শঙ্করাষ্ট্রথা। সংপ্রাপ্য চ নহা-भव्य ७७, मह्ला बमाञ्चनः ॥ दिवाः ব্য ত্রিলক্ষ্ণ তপস্তপ্ত্বা তপোধন: 🗟 चाजगाम महारवागी नमऋजू न व भुष्ण ॥ भक्षक ममक्ष्र क्षा ह বালক পুর:। সাচালগাম মনসা कन्रत्रम्। भूभ निज्ः ॥ जाः म भू-व्याः मुकाः मृद्धा मूमः भूषा भूकाभः **डि:। मंडनक्क ब्र**ज्ञाना॰ व्यक्तल **ভ**्या मरही मूरन ॥ वास्त्रभान रङाहा-বামাস সো হস খ্যান্ শুেষ্সে শি-(माः। अमिजिक मिजिकान्। सूमें भाभः भव्रष्ठथा।। मा मर्भूया ह मूहि-त्र· जिल्लो जाजाना<sup>त</sup> जमा। जभीय• भू नवार्थान॰ वक्तां विक्तां क्रिक्शंमय ॥ 🕸 ॥ जन्ता नाहाक्री 🥆 🤄 भन থাভিনন্য তনযে ব্ৰহ্মশাপ: পরী-ক্ষিতে। বভূব সহসা বুক্ষন্ দৈৰদে।-ৰেণ কৰ্মণা।। সপ্তাহে সমতীতে তু তক্ষক স্থাঞ্চ ভোক্ষ্যতে। শশাপ শৃন্ধী নৃপতিং কৌশিক্যাশ্চ জলেন চ ॥ রাজা শুত্রা তৎ পুর্ত্তি গঙ্গাদ্বা-র• জগাম সঃ। তত্র তন্তোচ সপ্তাহ• শুশ্বে ধর্মস হিতা ।। সপ্তাহে স-মতীতে তু গছম্ভ ডক্ষক পথি। ধন্ব-स्ति म् १९ (जाक् मम् गामूका न्भः ॥ তথে। इंड्व मञ्चारः मूभी-তিশ্চ পরস্পর । ধরম্বরি র্মাণি প্রা-न उक्ककः (ब्रह्मा माने।। न गर्गः उ॰ र्हीवा ह उड़े: शुर्हे मानमः।

छक्का उक्तानाम नृशक नक्क श्चिष्ठः ॥ इ.तः क्रगाम रेव**न**शे न्यात्रः भाद्र<u>- इदि ७ ए । ज</u>रकाद कात यानाम 🕍 🤉 र्जाब्यक्यः भूठा ॥ द्रा क्षा हकात्र र क्ष जर्भगवः उत्ता মুনো পাণা ভত্যাত্র সপাণা সম্ <হা বুন্ধ ভেজসা।। স তক্ষকণ্ট ভী-७ मह श्राहरू भारता यायो । (**मन्मू**क **७**ककः इक विभूवर्गः ममृह्युकः ॥ ष्यथः (हवाणः जूनव काययू र्मनमाष्टिः <sup>র•।</sup> তান্ত**ঃ** ্বহেন্দুন্দ ভয়কাত-ः विश्वनः॥ 🥪 ज्याजीक जानका ব্রুঞ্জ হাতু রাজ্ঞবা। ম**হেন্দ্ ত** व्यक गुरान् वराट ভূনিপ॰ বর॰।। मानी वृद्धः स्थारमुष्ठः कृषया वृाक्षणाः द्धया । यद्भः नमाभ्य विर्भुख्या म किराक्ष मति मूरा ॥ विशाम मून-या (हवा शङ्घ **मनमा** खिक् । भ-নদা প্রান্দের স্তব্দ পৃথক্ প্-থক্ য় 🍍 🕾 সম্ভূত সম্ভারে। ভক্তি युकः मन भुजिः। ननमाः भूजयामाः म ज्थारं भवगापतः॥ पन्ना वाफ (भाभावतः दिलकः उट्रियसमा । প্ৰদেশ পরি তৃষ্টশ্চ বুন্ধ বিষ্ণু শিবা क्रवा। संभ्यूक्र सनमारस्वी भ्रायुः স্থালম্পতে ৷ ইত্যেব কথিত সর ি "ভূশঃশোত্মিছসি॥ 🛊 ॥ ইন্দু

কৃত মুনসা পূজা ভোত্তে যথা। নারদ উবাচ। কেন তুষ্টাব স্তোত্ত্রেণ মছে-ন্দো মনসাংসতীং। পূজা বিধি ক্র-ম• তস্যা: শ্রোত্মিছামি তত্ত্ত:।। ব্দীনারায়ণ উবাচ। সুন্নাতঃ শুচি-রাচান্তে। ধৃহা ধৌতে চ বাসসী। রহ্ন जि·शामान (पवी वामग्रामाम छ· कि उ: ॥ यर्गगक्षाकत्वरेनव वष्ट्रकः ম্ৰুঙ্খিতেন চ। স্থাপথানাস মনসা॰ मह्हा (वर मञ्जा ।। वामगी वामगामाम विज्ञानुष्क भरनारुद्रि । गर्वात्त्र ० मन- मञ्जा भामग्राद्यः छ-कि मःयूजः ॥ গণেশঞ্চ দিনেশঞ্চ विद्यः विकुः निवः निवाः। मःभू-क्यामी (मय वर्क भूक्यामाम जा-मठी ।। ७ हो छै। मनमारहरिय बार्ट्राड्रवक मञ्जाः। मनाक्रात्र मृत्वन मरही जर्बः यत्थाविजः ॥ म-ত্ত্বা ষোডশোপচার দুর্লভ দুর্লভা र्तिः। ভক্তा চ প্রযানাস বুন্ধণা (পুরিতো মুদা।। বাদ্য नाना পুকা-त्रक्ष मामगामा **जन** दि । वज्व भून्न বৃষ্টিক্ষ নভসো মনসোপরি ॥ দেব বিশান্তঃশ 🥦 বন্ধ বিশু শিবান্তঃ-या। भुरम्बर्गः भुवकादिः उति । दिन्ने तिहा लिदि का शाहर हानि ना**धीर्मा श**ुकार

বরা । পরাৎপরাঞ্চ পরমা । नि खाजु कत्मा २४मा ॥ खाबामा লকণ বেদে স্বভাবাখ্যান তৎ প त्र । न क्रमः शुक्उ वक् खनाना তব সূত্তে।। শুদ্ধ সত্ত स्क्शाद् কোপ হি॰সা বিবজ্জিতা। নচ শপ্তো मूनि (खन छ)क्या ह च्या यजः॥ पः यया न्किछा नाश्ची कननी ह यथा १ कि छि: । प्या क्या ठ छिनी कः भा क्षा यथा भुन्: ॥ व्या भ त्रकः णः भागाः भू अवाता मूरतस्ति । वर करवामि या ग्राम ग्री ७-० वर्ष्टा मना ॥ निज्या यहानि व প্র্যা ভবে হত্ত জগদিয়াক। তথা-नि उव भ्राक वर्षगिम ह मर्बछः ॥ (य जा मायार मःकान्तानः भूकियः ष्ठि ङक्जिङ:। शक्ष्माः मनमाः थ्याया भीना॰ जा॰ वा दित दिता। পুত্ৰ পৌত্ৰাদ্য স্তেকাং বৰ্জন্তে চ ধ-नानि ह। यमश्चिनः कीर्जिमस्ता वि म्रावरता खगानिजाः ॥ य जाः न পূজযিষ্যন্তি নিন্দন্ত্যক্তানতো জনাঃ । লক্ষীহীনা ভবিষ্যস্তি তেষা নাগ-ख्य· मना ।। षु· स्व• स्र्ग वन्त्रीक विञ्चले कम्लालया। नात्रायगारमा अभवान ब्रुट्रकाक मू बीयंतः॥ छ्-পদা তৈজস। ভাঞ মন্দা সস্জে

**शि**डा। श्रमाकः त्रक्षनारेगर्व (उन ष् गनमा जिथा।। मनमारमविकुः भः ক্তা স্বাস্থানা সিদ্ধযোগিনী। তেন ত্ব यनमारमवी भूबिडा विम्रिडा ভবে ॥ या॰ ভक्ता मनमा (मवाः भूकयस्त्रः নিশ' ভূশ'। তেন ত্বাণ মনসাণ দে-वी॰ প্ৰদন্তি প্রাবিদঃ॥ সন্ত্ ৰূপা D (पवि षु॰ मश्रूर जङ्ग निरव्या । (बाहि य॰ ভाববেন্নিত্য॰ স छ भी-পোতি তৎ সম: ॥ ইন্সুশ্চ মনসাণ জ্ঞাত্বা গৃহীত্বা ভণিদীক ভাণা পুজ-गान बज्दन- जूदा सामः शतिहृहा॰ ॥ भूटान मार्च- मा (मनी हिन्द कि ছৌ পিতুৰ্গ্হ। ভ্ৰাতৃভি: প্ৰিতা मिथमान्। वन्तु। ह जर्बदः॥ (गा-लाकाए मूत्रजी वृक्षन् उवागकः मुश्किजा। जाः माशयिष्। कीरवन भूक्यामाम मारतः॥ उद्यानक कथ-যামাস গোপ্য সর্ব সুদুর্লভ। তথা (**म**र्ग) भूकिं जा यहाँ किश्व भून यरगे।। इम॰ खादा॰ भूगावीकः जा॰ नः भूका ह यः भारेट्। उना नाग ভয়ণ নাস্তি ভস্য বংশোন্ডবস্য চা বিষ• ভবেৎ সুধাতৃল্য• সিদ্ধ স্তো-(का यहा ज्वाबर । शक्तक जान নৈব সিদ্ধ স্তোত্তো ভবেমরঃ॥ স**র্ল-<sub>্র</sub>** भागी ভবেৎ সোপি निम्छ न्या ।

।१६नः । ३७ तुम्बतिनवर्छ शृक्छि। **भ्र**क्ष ६० व्यव्यायः ॥ # ॥ वद्गन्निति **क्**उ बरमा श्रान भूकानि यथा। धन् इतिकवाछ । ইशागह जगसोति गृ বাণ মম প্রনে। প্রাচা বং তিবু नारकष् भवः कन्। अन्। अन्। अ गा क्रिक जनट मर्ब एवि विकृष ৰূপয়া। তেন তে ২ন্ত পুযোগশ্চ ন কুঠো রণ ভ্ার্ । ইত্যুক্তা সংয-छ। ज्योक क ग्याबाक्षतः। श् होदा मुक्कां न धान कर्न नम म् । छः । हा ज्ञान वर्गा छा न सम् क्षित्र । विस्तान्त्र श्रममान्। भ्रममान्। • ধ্যেভিতা নৃত্যনাসমা ॥ কৰরী ভার শোলাচ্যা• রহ্নাভরণ ভৃষি-দাং। সর্বাভয়পুদাং দেবীং ভকা नुशुक्त काउहा ।। गईविष्ठाशुपाः भाष्ठाः नर्विष्ठा विभावमाः। ना ⇔न्त्वाश्निः (स्वी॰ ভङ्क नार्गः खड़ी॰ शहा॰ । शारिवर॰ अमूम॰ मञ्जा मानापुरा नमित्र ७ । रख्ना (बाउएना-भहातः भृवयामात्र जाः भिर्याः स्ता-ত্রঞ্চার ভক্ত্যা চ পুলকাঞ্চিত বি-गुरुः। भ्रोअिवगूजा ज्वा जि चम्। अनुस्र किया क्षा अनुस्र तिक्वाह । नगः निषा वक्ष भारेय निष्कारारेय नत्या <sup>भग्ना</sup> नमः कणाशकन्तारेय व्वनारेयः

नत्मा नमः ॥ नमः भक्तवनगरि भक्षत्रारेय नत्मा नमः। नमस्य नाग বাহিনৈত নাগেম্বর্ট্যে নমো নম: 11 নমো নাগভগিনৈ চ যোগিনৈ চ नरना नमः। नरमा २ छीक कनरेन्छ छ জননৈ জগতা নম: ৷৷ নমো জর্থ-काक नारम जब्दकाक्दिरेय नमः ।। नम किंद्र उशियोग मुश्रमारेय नमा नगः॥ नन् खनः मक्नारेन कनमारेय नया नमः ॥ जुनीनारेय **চ সাং**ধ্যে চ <del>শ</del>ास्त्रोर एक नरमा नमः ॥ इत्जाव भुका जन्मा ह भुगनान भूवज्ञा जुड़ी (मवी वतः म्लू সত্তর স্থালয় যথৌ 🛭 ইতি বুন্ধ-रिवतर्ख श्रीकृष्णहास्थाए धनुस्ति मर्भज्य मनमाविष्या नाम ७३ . कथागः ॥

ननमारिको जी ननमा। ইতি জট। श्रद्धः ॥ जम्मा विवद्यनः भूदंभायः पृष्ठेवाः ॥

মনসিজঃ পু॰ কামদেবঃ। ইত্যমরঃ ॥ মনোজাতে ক্রি॥

मनिनयः भू॰ कागरमयः। इति स्वायुक्तः।

ननकातः १० मनमः मथानिः। उरः भर्यप्रायः । विचा नामण्या चिक्रः नतः॥ व मनम नुशासी उर्द्धाः পুন: পুবৃত্তি রাভোগ:। আভোগ

छा८ भग्र भिठि मर्जानमः। रेष्ट्रग्र

মিত্যন্যোব্যাপার ইত্যপরে। বা

শ্বিত্রবন্ধ প্রাপ্ত্যা চিত্তস্য নিরাকাল্প অনাগত চিন্তনাদি রূপো মনকার ইত্যপরে। মনসো মনসিবা কারো নিশ্চযো নুনস্কার: সেতুক্থেতি সঃ । মনসি করণ• মনস্কিকারঃ ইত্যপি 🖔 अनुक्। ইতি उडीकाया अंतरः ॥ मन्डाभः भः ननःभोजा।यथा।मः नसाश न क्रीं ज जागम भूगश পার্থিবঃ। সমব্দ্ধিঃ পুসন্ধারা। সুথ पुःत्थ मत्मा ভবে**८॥ ই**তি गारूउ ১১১ अद्यागः ॥ अनु जानः। यथा। बु। इत्यान यहा देववा ८ हिन्न गरका প্ৰবিভক্ত। মনস্তাপেন শুদ্ধি:স্যা माभङक्षाश्युकीस्मानः ॥ **ইতি পা**-यन्ध्विञ्दुः ॥ मनखालः भू॰ पूर्णायाः मि॰ इः। इं ७ ্ ত্রিকাণ্ডশেষ:॥ ম্নুছঃ ত্রি ম্নঃস্থিত্তবন্ত ৷ মুখা ৷ मका वः शिक्षार्वः ाकत्वः भाग পুতাপার্নিছ শর্মি সতঃ সিদ্ধান।

(जु अक्षिन् विषय अननः भूनः ज्< गृथान। इंडाफिं।। मनिसनी द्यी शुभल्यमनाः जी।यथा। मनिवनी गानविधाञ मक्तर जरनव জাত বচন সরন্য। ইতি জনার मञ्जनः॥ তা।আভোগ:পরিপ্ণতেতিপরে। ননবী পু॰ শরভ:। ইতি রাজ-नियकः॥ भूभ उम्मा व्याप्तक वि। যথা। নন্ধি গহিতঃ পন্থা: সনা-রোঢ়ু মসাস্থাত। ইতি কারকটী-काया कृतीका मः॥ ननाक् वर यञ्च । इत्रुगंतः ॥ ननः । ইতি निषिभी।। मनाका जी इंखिनी। इंजूलारि (कायः॥ यनाञ्चतः हो यहवता।यज्ञिकाशस गृङांख्यः। ইতি শহচন্দ্রিকা।। ঈবৎকারকে তি ॥ मनागी जी मताः भन्नी। इंडिकिंग-ध्रयः ॥ मनावी जी मनुभन्नी। इंडि मुक्दवाव ब्राक्त्र १ ।। मनिजः जि ज्हाजः। ইजापदः॥ यनीक क्री अञ्जन । इन्। मिर्मातः यनीया खो वृष्टिः। ইত্যমরः॥ . आडम् भाग्न म् यहिन नम मत्ना मनीयी शु शिखाः। इंडामदः॥ বৃদ্ধিক্তে তি ॥ || म्रू: की श्का। ইতি রাজনির্ঘণ্ট॰

,/জন্

भन्भद्रा । ३/3 जी भृश्विष्ट मः-भुक्त अभवः॥

ब्रमुः शुः द्वाम्भुवः। म ह भुजानः তি ধনশাস্থ্যক। চ। ইতি লিস্থা-নি সংগ্ৰেছ অনুধঃ।। নন্ধঃ। ইতি भवतद्वावनी ॥ जिन्छतः । इंडि ित अभवः॥ नचः। ইতি करे। ঘরং স্ক্রাপ্তিকল্পেচতুদ্দশ ননবো - खरांड (इय<sup>-</sup> नागानि यथा। बाय-स्विभिन्न । ह्यार अवस्थ जान शहर अवाज १ विकास अवाज-विकास विकास १० व उत्तरमा १००० मा विकास वृक्षमा व विकास वृक्षमा विकास वृक्षमा विकास इस्राम्बात . . ७ हेच्चु याविः ७८ ল ১ চনিষ্য হাইটি ছী ভাগবতে 🤋 💯 🛒 🗁 ्रायः ॥ 🗱 ॥ এতেব। मु र १ वर्ग व्याप्तानन व्यान्त्र ত্র প্রস্থাতি বুতী। ধমিষ্ঠা भा स्विष्ट । जिल्हा ममुष् शु चुः॥ স্বাহার লাশ <u>লা</u>টা শিষ্টো বিষ্ণুবৃত্ত পা রম্বল ইন্ত্**কো নহাজ্ঞানী ভ**ং वटः भूं शिकान्यः ॥ मःभाभ कृष माम अव (अं) नाकक जगाम जुरु। र्षेष्ठ राक्षः सन्यास्त्र स्ट्रेड्ड शङ्कः ে পতিঃ ৷৷ ভটার শল্পর**· ভৃষ্টঃ** সমূ (क मन्बन्धकः। त ह खयम शूधक

भूतः भाषभ्रदा भन्ः ॥ शास्त्राहि-(या मन्रेक्टर वि जीया विक्रानस्तः। वाजा वसारन्या श्रीमाष्टः सामञ्जय न-নো নহান্।। পুিণবুত সূতাবনেরী खो मन् भियांगा वादो। (डो जुञीय **চতু:थों ह रेव्हरवी जानस्माल**स्मी ॥ তৌচ শঙ্কর শিষ্টো চ ক্ঞ ভক্তি প-ज्ञायलो । अधिक्षानाः विजिष्ठ । देव-**७: ११% मा अनु: ।। यक्षे क हा**न्द्रया জ্ঞেয়ে বিহ্নভক্তি পরায়ণঃ। শুদ্দি (एवः সूर्व) मूटा विकास मधाना स्नुः ॥ नावार्नः मूर्वाञ्चला रेवकरवा मर्नु ब्रष्टेगः। नवरमा हक नाविन धिक तुञ পরায়ণঃ।। দশবো বুজাসাব্রণি বুজা-ख्डान वि**णा**त्रतः ॥ **७ ५**% ६र्णमा-वर्गि मन्द्रकारणः श्रृडः ॥ समिश्रेण्ड वित्रिष्ठ हे देवस्थानाः सना वृजी। उद्धा-नी ह कर्मावर्षि संगुम्ह हाएमाः स्राडः ॥ धर्माञा (नवमान्धि मन्द्रव ज्या-मनः। हजुर्गःन। गहाज्जानी (हन्स्-**সাবর্ণিরেব** চ।। ইতি বু<del>স্</del>বৈবর্ত্তে পু-कृष्डिचरा ७ व्यवत्यः ॥ 🕸 ॥ व-निह। बाग्छ्वः ३। नः गाम्बतः तनामा काउः। नम् भागः मन् । स्वीत्रः । १८ १० । । रिहार सद दर्श क्या १८८४ महिलीम एक दव्य अग्रहास्य १० (१५) स्थान्त्र वृष्ट

चाता हियः २। व्यम् भूषा कवातः। न जः। न जमाः। भूमृष्ठिः। जानवण्ह ।। ঔखिमः ७। जामा भूषाः मणा वेषः। উर्ज्ञः। ज्ङ्ः। শूिः। শুकः। মধঃ। মাধ্বঃ। নভস্যঃ। নভঃ। সহ-শ্চা। তামসঃ ৪। তস্য পুরাঃ দশা। অকল্মযঃ। তপোধনী। তপোমূলঃ। তপোধনঃ। তপোরতিঃ। তপস্যঃ। তপোৰ্যুতি:। পরম্বপ:। তপোভা-भी। जलात्यामी हा। देववडः ६। ভস্য পুণ্রা: দশ। অৰুণঃ। তত্ত্বদ भौ । विख्यान् ! इव्यक्तः । किनः । मुकः। निक्ष्मृतः। त्रवुः। निर्स्यारः । शुक्रामकण्डा। ठाक्ष्यः ५। मह धुन পৌত্রাৎ রিপুঞ্জয়াৎ বুন্ধদৌছিত্র্যাণ वीत्रन कन्त्रायाः देवतिन्ताः काउः। তস্য ভার্য্য নড়ুলা। তস্য পুঞা: मभा । उकः । श्रकः । सञ्हासः । ज-পদ্ধী। সভ্যবাক্। কবি:। খাগ্ৰিষ্টপ্। । তিরাতঃ। স্বছৰঃ। অভিনন্যুক্ত।। रिववश्र ७ । मह मूर्यप्राथ म जाया | জাতঃ। তস্য পুলা: দশ। ইলং। ইक्षादः। समनाजः। यतिष्ठः। ति-क्षेः। निविष्ण अस्ति । भर्गा जिः। भ्वधः । नाजागणः ॥ जाविनः ৮ । স চ স্ব্যাৎ ছাযাযা জাতঃ। তস্ত

मः। मूर्वर्तः। वृष्टिः। वृतिकः। इँछाः
। मूर्यादः। वृद्धः। मृजुम्वः। होवाः
। मूर्यादः। वृद्धः। मृजुम्वः।। होवाः

त । व्यामो कृतः भूकाभादः भूवः।।
वृत्वाभादः भूवः॥ त्यक्षमाद्याः
। व्यामो दुक्षयः भूवः॥ व्यक्तः २२॥
वृद्धामा २०॥ विस्वक्षमः २८॥
इ्वि माट्या नवमाद्यागादि व
कृतिः मुंद्राग भूयः॥

भन्ताः भः भन्याः। ইত্যातः॥
भन्ती की मान्यी। ইতি करोषतः॥
भन्ताः भूः भन्याः। ইতি स्याहः
निप्ताः॥
भन्तारे भूः भरततः। ইতি विकासः
भन्तारे भूः भरततः। ইতি विकासः
स्याः॥

मन्ती जी मान्ती। ই जि मदत्रः। वनी।।

प्रभा । उसे । श्रुकः । भठमुत्रः । उश्रुवा । सह वः । स्राप्त । स्राप्त । सह वः । स्राप्त ।

ग्था। व्यर्कारमाञ्च नवमः कख রেকবিধো নৃণা। রজোধিকা: कर्या পার। দু:থে চ সুখমানিন:।। ইতি গ্রীভাগবতে ৩ স্কন্ধে ১০ অধ্যায়ঃ ।। 🗱 ॥ অপিচ। তস্যাপি ধ্যায্তঃ সর্গ• সত্যাভিধ্যাযিন স্ত**া। প্রা**দু-ৰ্বভূব চাব্যক্তাদৰ্বাক্স্নোতস্ত সাধ-कः ॥ यमामबाक् भुवर्खस्य उत्ता হর্বাক্সোতসম্ভ তে। তেচ পুকাশ বহুলা স্তমোদিক রজোধিকা: ॥ ত স্মাত্তে দুঃ । বহুলা ভূষো ভূষশ্চ কা-রিণঃ। পুকান্দা বহি রন্তক্ষ মনুষ্যাঃ সাধকান্ত তেনা ইতি বহি পুরাণে दर्शर्ग कथन् नामाध्यायः ॥ अ। मनुष्य জন্ম মুক্তিকারণ যথা। বিমুক্তি হে ভুকান্যা তু নরবো**নি: কৃতাত্মনা**। নামুঞ্জি হি সংসারে বিভান্ত মন সে। গতাঃ।। জীবা নানুষ্যতা•মন্যে অমন। নযুতৈ রপি । তদীদৃক্ দুর্ল**ি** ভ পুগপ্য মূক্তি দ্বার বিচেতসঃ।। পতন্তি ভ্রঃ স•সারে বিফু মাযা বি भाविजाः। मृत्यतानि पुःमाधा माया कृष्णमु (सारुनी ॥ इंडि ठरेंबर শুদ্ধিবুত নানাব্যায়ঃ॥ 🗱॥ মনুব্যা-ণা॰ পিতা নাতা ভাতাচ হরি যথা । বিশেষভো মনুষ্যাণা॰ পিতা মাতা बनार्षनः। ज्ञाजा व मर्वलाकानाः

বাৎসল্য গুণসাগরঃ ॥ ইতি পাদ্যোত্তরথণ্ডে ৭৮ অধ্যায়ঃ ॥ # ॥
স ত্রিবিধাে যথা। যজন্তে সাত্ত্বিকা
দেবান্ যক্ষ রক্ষা শি রাজসাঃ ।
প্রেন ভ্রগণা শ্চান্যেযজন্তে তানসা জনাঃ ॥ ইতি জ্রিভগরী তাযা।
১৭ অধ্যায়ঃ ॥ উদ্ধৃ গছন্তি সত্ত্বা
মধ্যে তিপ্তত্তিরাজসাঃ । জন্য গুল প্রতিন্তা অধ্যোগছন্তি তামসাঃ ॥
ইতি তব্রৈব ১৪ অধ্যায়ঃ ॥
মনুষ্যধর্মা পুণ স্বেরঃ। ইত্যারঃ ॥

यत्रायद्धः भू अिथिश्हनः ।
इंडिन्यक्कणकः मर्भगट ॥
भन्यो खी नान्यक्कीकाण्डः । उट भर्यायः। यान्यो २ नात्री २ गानवी ८। ইडि णक्तत्रावनी ॥ गर्छा ६ भन्की ५ नती १। ইडि डाहायतः ॥ गत्नाख्छा खी मनः मिना। ইडागतः मत्नाक्रमा भू कन्दर्भः। ইडि जिन्न-

মনোজবঃ পু॰ বিষুঃ। যথা। মনে। জব ভীথকরো বসুরেতা বসুপুদঃ। ইতি নহাভারতে দানবদ্যে সহসু-নাম ভোত্র•।।

ওশেষঃ।।

মনোজবঃ ত্রি পিতৃত্ব্যঃ। তৎপ র্য্যাযঃ। পিতৃস্মিভঃ২। ইত্যের ।। অতিশ্যবেগব্যন্থা ন্নসে मानाज्

ग्लाब ।

বেগে পুণ। ইতি ব্যাকরণ ।।
ননোজবসঃ তি পিতৃসমিভঃ। ইত্যনর টীকাযা স্বামী ॥
ননোজবা স্ত্রী অগ্নিজিস্বাব্দঃ। ইতি
জটাধরঃ।।

ননেজেবৃদ্ধিঃ পূ• কামবৃদ্ধিকূপঃ। ইতিরাজনিঘটঃ।।

मताञ्च॰ क्ली मत्रमकाष्ठः। ইতি तञ्च भाषा।।

गत्नाक्छः वि मत्नाष्ट्रतः। उट्षर्थायः
। मून्द्रतः २ कित्रः ० हाक ८ मुन्ननः

६ माध् ५ (भा जनः १ काष्टः ५ मत्ना

तमः २ क्छाः २० मञ्जू २२ मञ्जू वः

रे२। इडानद्रः ॥ मत्नाष्ट्रतः २० वः

क्तुः २८ वक्तुः २८ (भणवः २५

तमकः २१ मृन्नः २५ वामः २२

क्हाः २० व्यज्ज्ञामः २२ निद्रिष्ठः

२२। इडि णद्रत्ञावनी ॥

मताछ। छी मनः निन। ই छ র द्वः भाना॥ রাজপ্ এ। ই छ क छ। ध्वः ॥ वक्षाकरक। हेकी ॥ आवर्डकी ॥ स्मजीतकः ॥ जाजी ॥ मिरदा। ই छ রাজনিষ্টা।।

भरना छवः भृ• कन्दर्भः। ই**डि हता**-यूषः॥

नता जूः कः कामाप्तवः। **३७ मन्** अत्रावनी ॥

🏿 मतारातिः भू कामरहदः । इंडि (इय्हन्मु: ।। म्यात्रथः पु॰ ইहा। ইত্যমরः॥ मनात्रयः वि मनाञ्चः। ३७, मतः॥ मनात्रमा को गात्राहमा। ইতি রাজনির্যন্টঃ।। বৃদ্ধশক্তিবিশেষঃ। **७८ भ**र्य। या । वादा २ महाचीः ० ওকারা ৪ মাহা ৫ জী: ৬ তারিণী ৭ জ্ববা ৮ অনন্তা ৯ শিবা ১০ লোকে-खताबाहा >> शर्त वामिनी > जन् २० रेवमा । २८ नीम अत्व की २० मा-দ্বিনী ১৬ মহাতার ের বসুধারা ১৮ थनम्हरा ३३ जिल्लाइनः २० (नाइना २)। इंडि विकाशन्यः ॥ वि ভार्या। उत्रा नामान्द्रक गालिकी । त्रा वक्राभू अभू हाती तरकः भूरमः চাপ্ররো গর্ভনা বৌচ্যমন্মান্ডা চ । यथा। उठ उमामनी मध्रा८ म-मुख्र मानात्रमा। भुरमाहा नाम उन्ने उर मगील वहाञ्चदा ॥ नाटावाट यहाजान किं नूम-धूर्ताकरः। भुगुगावनजा मृजुः भु-स्नाठा देव वज्ञाञ्जतः । पञीव कः পিণী কন্যা মৃৎসু বা তপতা বর । का जा वक्नभू (अन प्रवा सहा-জ্বনা।। তা॰ গৃহাণ মলা দ্ভা॰ ভা र्यार्थः वत्रविनीः : । ग्राम्

खन्ताः नम्दन्दन्दन्ता । वि भाकः अविदेश देश है। उत्थि दि दिन हो न्यू भू दुन्ता उत्था दि दिन हो ने न्यू ब्रह्म इत उत्थः कन्याः भा निनीः ना न्याः स्व भ नाम उः ॥ नह्या म्ह भू नियः ज्ञा महत्यः स्व भागिः विधिवेद मनानाय प्रमाम् निन्।। उन्याः उन्य मूर्वा कार्यः क्रियः। अन्याः अन्याः स्व भन्ता विभागः उन्य मूर्वा कार्यः महाने निन्।। उन्याः उन्य मूर्वा विद्याः भन्ना स्व भन्ता विभागः । स्व मार्का देव मार्का द्वा विद्याः स्व भू भू विद्याः । स्व मार्का द्वा व्या विद्याः । स्व वि

्टः हि भुिक्कः। इक्तान्तः॥ विश्वतः हि मानाक्तः। इकि मामा-विश्वति॥ अन्तर्गःकः भूः॥ मृदार्गः द्वी। इकि नाजनिर्वाणः॥

মনোহর। স্ত্রী জাতী। স্বর্ণজ্থী। ইতি রাজনির্ঘণ্টঃ।।

भताङ्बं वि भताङ्ग्रेगकर्खा। यथा १वऽमनः ७ १ शत्वाशामि विला-कृतः यसि ভावऽछ। जनात्वर वृद्धः यस्य मत्नाङ्बं जनादिशा। इंजि श्रीज्ञागवर्ख ३० ऋत्क ४२ अवत्रयः ॥

মনোহারি ত্রি মনোহর । ইত্যমর
টীকাষা স্বামী ।। তথাছি । গাল্প ।
স্থানি ব্যানাহারি মুরারি চরণচ্যুত ।

। ত্রিপুরারি শিরশ্চারি পাপছারি পুনাত্মা: ।। ইতি বাল্মীকিকৃত গঙ্গান্তোত্র: ।।

ননোন্থা জ্ঞী ননঃশিলা। ইত্যনরঃ ।।
নন্তব্য ত্রি নননীয় । ভাষ্য । যথা।
আত্মা বা অরে দুষ্টব্যঃ শ্লোতব্যে।
নন্তব্যে নিদিধ্যাসিতব্যঃ । ইত্যাদি ছান্দোগ্যোপনিষ্থ ।।
মন্ত্রী প্ নন্ত্রী। ইতি সিদ্ধান্তকৌ-

। डा. श्. नञ्जा। इंडि त्रिक्ताञ्चत्क - मूर्गामुगानिवृज्जिः ॥

भुः जभनाषः ॥ मन्याः ॥ পুজাপতিঃ। ইতি নেদিনী।। দ্বা-ত্রি·শবপরাধা যথা। ভগৰস্কুক্তা-না ক্ষত্রিযদিকারভোজন ১ অনি-निकिरित म्छवावनगक्का विस्था-ৰুপসর্পণ ২ নৈথুন ক্ত্বা অসাহা বিক্ষোৰুপসর্পণ ৩ মৃত নর স্পৃষ্ট্র व्यन्नाञ्। विकृ हर्यक्रन १ । इ इ ब मा । স্পৃত্ব। সদ্ৰাদ্ধা বিষ্ণুগৃহ পুৰেশন ৫ मानवः भागः ग्लृष्ट्री अञ्चादा विकृतः विथाववञ्चानः ७ विकः म्लून उ:शा-युवाग् भुरगागः १ विस्थाः कर्णञ्च बं-তঃপুরীষ ত্যাগঃ ৮ বিষ্ণুশাস্ত্রমনা-দৃত্য শাস্ত্রান্তরপুশ•সা ৯ অতিন-লিনাবাস: পরিধার বিষ্কুর্মাচ-রণ ১০ অবিখানেন্চম্য বিষ্ণো-ৰুপম্পৰ্শন ১১ বিষ্ণোর পরাধ কৃত্রা

বিষ্ণোৰূপসূৰ্পণ ১২ ক্ৰন্ধস্যবিষ্ণুম্পা र्भन• > निविष्तभूद्मि विस्थात्रईन• > 8 तक वामः भतिषाय विकासभाम भन ণ ১৫ অন্ধকারে দীপেনবিনা বিষ্ণো-न्मार्मन १ ) अकृष्ण वञ्च । भित्रिशा वित्याः কর্মাচরণ ১৭ বাযসোজ্তবস্ত্র পরি **धा**य विरक्षाःकर्याहत्रनः ১৮ विकृत **স**ক্ররোছিষ্টদান ১৯ বরাহ্মা•স•-ভূক্ত্ব বিষ্ণোৰূপসূৰ্গণ ২০ জালপাদ **শ**রারিনা•স•ভুক্ত্ব। বিষ্ণোরুপসর্প पः २) पीयः म्युड्डा इस्त्रम्यकानाः वि কোঃ স্পর্গন কর্মাচরণ বা ২২ শালা-ন• গত্বা অদ্বাত্ত্বাৰিকোৰূপসর্পণ• ২৩ পিণ্যাক ভুক্তা বিক্ষোৰপসৰ্পণ ২৪ বিষ্ণবে বরাছমা সনিবেদন ২৫ ম-म्यामाय म्लूडी शीचा वा विकृश्ह-পুবেশন २५ পরকীযেনাশ্চিনা বা বস্ত্রেণ পরি হিতেন বিষ্ণু কর্মাচরণ ২৭ विकार नवास्त्रभूताय उल्हाबन १५৮ গন্ধপূয়ে অপুদায ধূপ দীপদান ২৯ উপনেহাবাক্ছ বিফুছানপুবেশন• ৩ ভেরীশদ্দেন বিনা বিক্ষোঃপুরো-খন ৩১ অগ্নীর্ণে সতি বিক্ষোক্পস र्भान १२। এ उनम्राभनका उथाह নরসি•হপুরাণে। অপরাধ সহসূরি অপরাধ শতানি চা পদ্মেনৈকেনদে বেশঃ ক্ষ্মতে হেল্যাছিতঃ।। ইত্যা 👖

হ্লিকাচারতত্ত্বে চতুর্থবামার্জকৃত্যু ॥ 🛊 ॥ অপিচ। বরাহউবাচ। ভুক্তা তৃ পরকীযান্ন তৎপর স্তন্মিবর্ত্তনঃ। পুথন চাপরাথো হয় পর্যবিঘার বৈ ভবেৎ ৷৷ অভুকু৷ দন্তকাণ্ঠানি যস্তু गागूभमर्भाज। विजीयम्हाभन्नाथस्त কৰ্মবিহাৰ বিদ্যতে ॥ গড়া মৈথুন भःयारम या २नुमाः स्मृत्राञ्च नतः। ত্তীয় নপরাধো ২য় কল্পনানি বসু-सदा। पृष्ट्वा तकवणाः नाती गमाकः यः भूभ राउ । চত्यं मभनावस म्-**१** हैनेव कमामाइः ॥ ग्रृष्ट्वा ज्मृजकः रिष्ठव जाम कात कृष्ठ छ रेत । श्रक्षा-थानतावथ न क्यानि चमुक्तात ॥ कृ है। जू मृजक॰ यस नाहन। म्लृन (ज ज् नाः। वष्ठकथाशतावस न कनामि वभूक्षत्त्र ॥ भारम्याईन कार्ल जु **भू**-तीय॰ यमा गहाँ । मध्यका भन्नाध-छ कन्नगमि वभुक्छ ॥ यस नीत्वम বঙ্গেণ পুৰ্বতো মাণ পুপদ্যতে ৷ আ-श्चेनकाथक इस्तानि वमुक्ततः। নানেবার্টন কালে তৃ যন্ত্রসত্যু পুতা-यञ् । नव्मकालत् । श्वः न द्वाष्टां नि वमृत्रद्धः। अविधारन मा॰ शृनाः यञ्च নাং পুতিপদ্যতে। দশনঞ্গেরাধ্ स्र भग वार्तियकातकः ।। कूषा खुरु।। নি ক্রমাণি স্কৃতে ক্মকারকঃ ৷

এচাদশাপরাধন্ত কল্পানি বসুন্ধরে ॥ অকর্মণ্যানি পুস্লাণি যস্ত মানপ-কল্বে । দাদশঞ্চাপরাধন্ত কল্প্যা-মি বসুদ্ধরে॥ যস্ত রক্তেন বস্ত্রেণ কৌ স্ট্রেনোপগছতি। ত্রযোদশাপরা-খন্ত কল্ল গানি বসরুরে !! অন্তকালে-পি না॰ দেবি यः স্পৃ**শেত** কদাচন। চতুর্দাপরাধন্ত কল্ল্যামি বসন্ধরে ।। यस कृत्कन वरञ्चन सम कर्मानिका-त्रस्थ। পঞ্रশाপরাধানি কল্পামি वदान्य । ऋद्योट्यन ह व्रद्धि । यस्र মানুপকলুতে ৷ যোডশভূপরাধানা कन्नगानि वज्ञानत्न ॥ श्रयमञ्ज एग मन्द्रात ज्ञानाग ह गायवि । अधन-শাপরাধন্ত হলুয়ানি বসৃদ্ধরে॥ যন্ত মৎস্যানি নাংসানি ভক্ষযিত্বা বরা ননে। অষ্টাদশাপরাধানি অনুজাতা নি মাধ্বি ৷৷ জালপাদ ভক্ষিত্বা यस नागू अनर्भा । একো नदि भा शताय পुতिजानानि मुन्हित ॥ यस নে নীপক॰ স্পৃষ্টাবোমা• স্পৃ**শ**তি মা-ঘবি। বি॰শক্ঞাপরাধানা কল্পা नि वदान्ति॥ भागान यस्र देव गद्मा त्या मात्मदा जिमहि । वकवि भा-श्र प्राचानि कन्नयानि वमुक्तरव ॥ लि শ্যাক ভক্ষবিত্বা ভূবো মানেবোপ-क्ति। हा वि॰मं ज्याशबादाना॰ जा-

नाइ॰ চোপবল্লযে ॥ यस वातास মা সানি পাপণেনোপপাদ্যে । **जभत्राद• ब**रगावि•म• कन्नगागि व-সুন্ধরে।। সুরা পীত্বাপি যো নর্ত্য क्राहिम्भ्रम्भि । व्यथनावः हर् र्विः भः कन्नयानि वमुक्तत्व ॥ यः अन् ম্রঞ্চমে শাক ভক্ষ বিদ্বোপ চক্রনে। **ञ्चभद्राथः भक्षविः भः** कल्लगाचि वम्ः **ऋद्याः शत्रशावत्रत्वे**त्व यञ्च मामृशः-সর্গতি। অপরাধেষু ষদ্বি শ কল্প-যামি বরাননে॥ নবায়॰ যস্ত ভক্ষে ত **ন স** দেৱান্ পিতৃন্ বজেং । সপ্তবি• শাপরাধানি কল্পযাঘি গুণান্বিতে।। উপानस्हो ह भूगतः ज्या (नावाश-চক্রা। অষ্টাবি শাপরাধানি কল্প यामि खनादिष्ठ ॥ भन्नीतः मधियः। তুয়ো না নাপোতি নাধবি। একো-নতিংশ মপরাধং স স্থেত্ন গছতি ॥ अजीर्भन नगाति है। यञ्च नान छि-গছুতি। ত্রি•শ মঞ্চাপরাধানা কল্প-यामि वनकरत ॥ गक्त भूद्रा १ प्रकृ जु यञ्ज প্ল ছ তি। এক তি॰ শাপর।-**थ्यः** कल्लगामि ग**न**िश्चनि ॥ विना एछ-र्यापि नेक्त हाद्राजाहारेन मन्। মহাপরাধ বিদ্যেত তলাত্রিশাপ-त्राथक ॥ इंडि वाजारः घाकि मन-श्रवाश्वाश्वायः ॥

गानः श्रः (दहराजिनः। म ह गान व क्रमा ।। ध्रियामः। मज् तः क्ति कर्डन्याव**शायण मञ्जलि**-খ্যাত । ইত্যনর ভরতী ॥ (দ্বা-र्माना भाषन । इंडि स्मिनी ॥ 🗱 ॥ जग्रामा १व**५की ११ यट ज्ञीया**-म् । श्राह्यः । द्रश्रात्नाहमः म-স্তে। রহশুয় মুপস্তর ।। ইতি হেম-हन्तुः ॥ # ॥ मञ्जव्यार्थ्याक्रमकम বভাষণো यथा। এতে নজ কৃতঃ भारतं कृष्यमञ्ज निर्वाय । ज्षः কাশ্যঃ পুচেতাশ্চ দধীচো হ্যাত্ম वावित्र ॥ खेर्**र्दा २थ व्यम्**श्चिण्ड िसः मात्रप्र उथा। वार्किष्या ত্বনশ্চ বীতহ্ব্যঃ সবেধসঃ।। বৈ-गः शृथु फिरवामामा वक्तारथा গৃৎদ শৌন हः। একোনবি॰শতি ংছ তে ভূগবো মন্ত্রকৃত্তমাঃ॥১৯॥ অঞ্চিরা বেধসকৈব ভরদ্বাজো ন ভাত্মক:। তথা মৃগধ্রো গর্দ্ধ: সি তিঃ সুকৃতি রেব চ।। গুববীত ক মা क्षा जा व्यञ्जीय खरेंबर ह। यूदनायः शुक्ज द भः मृम मृतः मम्मादान् ॥ व्यक्तभीता श्रुराया क उक्तकः कवि রেব চ। পৃষদখো বি**রূপণ্ট** কণ্ণ-रिक्वाय मृज्ञनः ॥ উত्रथाक भव ছা শ্চ তথা বাজিশ্ব। অপি।

व्ययमाथ मूहि खिन्ह वामाम्य छ-रेथव ह।। 'छेबिस्डा वृहम्बिक भ धार्व मी र्घ जना व्यनि । काक्कीवा मह वय-ক্রি•শৎ মৃতা হাঙ্গিরসাবরা:॥ ৩৩ য়া এতে মন্তক্তঃ সর্বে কাশ্যপাণ স্ব নিবোধত। কাশ্যপঃ সহবৎসাবেঃ নিধুবো ৰৈদ্য এব চ।। অসিতো দেব-লশ্চৈৰ ৰডেতে বুন্ধবাদিন: ৬। অত্ৰি ৰ্বন্ধনশৈচৰ স্বাৰাশ্বো হুথ গৰিষ্ঠিৰঃ ।। বর্ণা তকে। প্রং। সিদ্ধ তথা পূর্বা-তিথিক য়া। ইত্যেতে অব্যঃ পো-का मख हु९ जून इवंगः ॥ ८॥ विण-ধ্বংচৰ শাক্তিক তৃতীয়ক্ পরাশরঃ । ত ः स ३ मृशुग्रिः পঞ্মस अवष-मृः । यष्टल गिवावकृषिः मध्यः ह-ণ্ডিন স্তথা। ইত্যেতে সপ্তবিজ্ঞে<mark>যা</mark> वाणिशा वृक्षवाहिनः ॥ १॥ विश्वामि-ত্রক্ষ গাধেয়ে। দেবতাত স্তথে। দল:। उथा विद्वान् मश्रुह्रान्माश्रविकारनामः মুর্যণ: ॥ অষ্টকোলোছিতকৈ ভূত-कीलक जावू छो। (पवन्वा (पवना-**७: भू**तानम्ह धनक्षयः ॥ निमित्रम्ह যোদশৈতে বিজেয়া বুক্মিপ্তাঃকৌশি-का वताः॥ २०॥ जगस्तु । २० मृष्ट्रम् इन्द्रुवान् खरेथव ह। वृक्तिश्वागखरगः **ट्टिंड** बरः भद्रम की खगः ॥ ३॥ मनू-

বৈব্যতকৈব ইলো রাজা পুরুরবা:। 🛚 क्र वियाना वज्ञा (क्र उ विष्क्र वा मेनू वाहिनः॥ ३॥ जननरिक्त ७९ मक वट्नल टिक्ट एउ वरः। এতে मञ्ज कृत्जात्क्रिया विनातानाः भुवद्गाः सृजाः ॥ ৩॥ ইত্যেকনব্ডিঃ প্রোক্তা নস্তা रियम विष्कृजाः। वाक्षाः कविगा रिवना अधिभूषा खया म्जाः ॥ य ৰীণাঞ্চ সু কাছেতে ঋবিপু মাঃ শুক र्ययः। इंकि माट्रा ३२) व्यक्षायः ॥ 🗱 ॥ कृष्य 🗷 या हा जारः यथा। जा ব্যবিজ্ঞ: সংসার কারাগারে বিধে ৰ্জনঃ৷ ন যাবৎ কৃঞ্সপ্ৰঞ্চ পুৰ্যপ্ৰোতি গুৰুবজু হয়। কৃত্তম ভাগৰূপ নি शासारिक का ब्राप्त का व्याप्त का व কর মাশাপাশ নিকৃষ্যন ।। গোলো कमार्गः (माभानः निखान वीज कातः শ । ভক্তান্ত্র স্বরণঞ্জিত্য হৃদ্ধ ন্নপ্রে ।। সারঞ্জ সর্বতপসা যো-गानाक उरेथव हा मिक्षीना दिन भागाना वृजामीनाक निन्ठिज्यामा नाना॰ जीर्थ मानाना॰ यक्कामीना॰ भूद्रन्त्द्र । जभाना मूभवामाना नि जार कमलाख्यः॥ भूःमाः लक्कः লিতৃণাঞ্চ শত মাতামহস্য চ। প্ য় পর**ঞ্চত ম গথ্য পিতর মাত**্ त्रः एकः ॥ गरहाम्त्रः कलव्यः वृक्तः

**लिर्माक किन्नद्र । नमुब्बद्ध प्रभूद्र** थ<u>न</u>् कन्याक छट्युङ ॥ व्याजानक म डोर्थक खक्म द्वी खादाः मुख । উष्दात्रवान् ज्ङा मखगुर्गं मा ততঃ।। মন্ত্ৰ গুছণ মাত্ৰেণ জীবনুকো ভবেরর:। তৎস্পর্শ পূত্র স্তীথৌ धः निष्ठः পূতা वजुक्तत्रा ॥ व्यानक कवा পर्यं उ॰ भीका होता ভবেন্নর:। ७-मान्। (मर मखक मजाज भगः। म-यजः॥ 🗱 । यथ अस्या भारत्वा ना॰ कृता (मरा॰ चन्य जः। **ल** ভড়ে চ রবের্ম-व्यः नाकिनः नर्वं कर्यनाः ॥ जन्मवयः ভাক্তরঞ্জ নিষেব্য মানবং শুচিং। ল-ভেদ্বশেশ মত্রঞ্ব সর্বিমু হর পর ॥ बना बय॰ ज॰ निरम् वर्र निर्विष्म क ज-(वनतः। विष्ममन् भुनापन पित्र-द्धानः वर्ण्यद्रः॥ उमा द्धान भूमी-পেন সমালোচ্য মহামতি:। অ-क्कानाञ्च उद्या क्रिया महामाषा • ७-জেমর: ।। বিশুমাযাঞ্চ পুকৃতি দুর্গাণ मर्गिजनामिनी । मिकिना निषिकः পাঞ্চ পরমাণ সিদ্ধযোগিনীণা বাণী क्राक्षभगाक जुना क्षान्याक्र-काः। नाना क्राः जाः निरम्ता ज्ञाः नाः भेडकः नद्रः॥ उ९ श्रुमामान्छ-(वे प्रकानो क्रानानना ज्ञान ज्ञान । क्षञ्जानाथिएतयः गराञ्जानः मः

नाजनः॥ निवः निवस्क्रशकः निवसः निवकात्रगः। भत्रमानमः क्रथः भतः माननरमाधिनः॥ मूथमः (माक्रमर्थः व माजातः मर्बमम्मनाः। यमतत्रभू मरेक्षव मीर्घाग्रेष्ट्रभूषः भवः॥ इन्तृः पुक मनुष्क माजू मक्क नीनगा। त्राष्ट्रनमुद्रभूररिक्य ज्ञानमः श्रति छ-ক্তিদ ৷৷ জন্মত্রয় সমারাধ্য চাশু ट्याय भुगार छः । अर्बर मा वरवरिषव निर्मान कान मानल्य ॥ निर्मान জ্ঞানদীপেন সুপুদীপেন তত্ত্বিৎ। ব্ৰহ্মাদি তৃণপৰ্য্যন্ত সর্ব মিথ্যৈব প-माऽजि।: मयानित्यः शुजारमन मक्दतः স্য মহাত্মনঃ৷ বরদস্য বরেণৈব হরি-ভক্তি লভেৎ ধুব ।। তদা তদ্ভক্ত সংসর্গাৎ কৃষ্ণমন্ত্র লভেৎ ধুরু । ত দা নিবৃত্তি মাপ্নোতি সারাৎসারাণ পরাৎপরা গা যত্র দেহে লভেম্বস্ত্রণ তদ্বেহাবধি ভারতে।তৎপাঞ্চে। তিক ত্যকু। বিভৰ্ত্তি দিব্যৰূপক।।। करतां जि मामा भारतारक रेव अर्थ বা হরেঃ পদে। পরমানন্দ সংযুক্তো মোহাদিষু বিবৰ্জিতঃ॥ न বিদ্যতে পুনর্জন্ম পুনরাগমন সুর। প্রশ্চ ন পিবেৎ ক্ষীর• ধৃত্বা মাতৃস্তন• পর•॥ বিষ্ণুমজ্রোপাসকানা গঙ্গাদি তী-র্থ সেবিনা। স্বধ্যমিণাঞ্চ ভিক্ষুণা।

शूनर्ड्क्य न विष्ठाउ।। ইতি वृक्षरेवदः र्व भुक् जिथएक: ०० व्यथ्याय: ॥ अ। শিবমন্তা যথা। পুথমণ শৃণু তন্মত্র ততো হনুধ্যান গোচর• । ততঃ ক্রন-ন্ত পূজাযা: ক্রমাদ্বিত্ত নর্মভৌ।। সমস্তানা॰ শ্বরাণান্ত দীর্ঘাঃ শেষাঃ সবিন্দুকা:। ঋ ৯ ক্ শূন্যা: সার্দ্ধত ন্দু।উপান্তে নাভিস•হিতাঃ॥এভিঃ পঞ্চাক্ষরৈ মন্ত্রণ পঞ্চবক্তুস্য কীর্ত্তি-उ । क्या अग्रम अत्मार याम গৌরব স•জ্ঞকাঃ॥পুাসাদস্ত ভবেৎ (भयः পঞ্চান্তাः পুকীর্ত্তিতাঃ।একৈ-किन उरियरिक वकु माजन भूक-যেৎ ৷৷ এক সমুদিত কৃত্বা পঞ্চভি वी भूभूकराए। भागारमगाथ वा भ-**क**वळु॰ (नव॰ शुशृहाराष्ट्र ॥ जमाना-**मियू माञ्चय श्रामाम्ख श्रममाऽ** । नास्त्राः श्रुमानत्त्रीतत् ययात्रृ उस्र भ-ন্দ্রক:।। তেন প্রাসাদ সংজ্ঞো হ্য॰ कथ्राउ मृनिशृक्षरिः। उमार मर्ख यू माञ्चय श्रामानः श्रीजिनः शुर्खाः ॥ यात्मानकात्रकः माञ्जा र्याञ्चः मः यर উচ্যত। मनः পুপ্রণশ্চাপি जन्तराष्ट्रः পद्रिकीर्डिजः॥ शाकर्यका ভবেশাদে। গুৰুত্বাদ্দৌরবাহ্বয়:। এ-**७६/उ: ममस्य मज: मस्मा: श्री:** र्ভिङ्गा भक्षाक्षत्रक यमञ्ज भक्ष-

বকুদ্য কীর্ত্তিভা। যুবাণতেনৈৰ মজেণ আরাধ্যতমীশ্রণ!! ইতিকালিকা পুরাণে ৫০ অধ্যাযে বেতাল ভৈর বৌপুতি বশিষ্ঠ বাক্যং ॥#॥ মজস্য ত্রিবিধ জপো যথা। বাচিকশ্চ উ· পা•শৃক্চ নানসক্ষ বিধা মৃতঃ। वः यागां बन यद्धानां (न्यान् न्याप् ভরোত্তর:॥ যদুচ নীচ স্বরিত: স্পষ্ট नम वमकरेतः। मखगृहातरयम्।कः क्रश यकुः न वाहिकः॥ भरेन कृहा-त्रायमञ्ज भीवामाधी शुकावामन् । किथिए भवा वया विम्यामुना मुः স জপঃ কৃতি: 🖰 জিলা বদক্র **লে**্ণ্যা वर्गाहरः महार अम्। मदार्थ हिन्छ-নাত্রাস: ব উক্তো নানসোভপ: 11 ্চন খ্রাজি সুব্যক্ত বর্ণোচারণবান্ শাচিক:। স্থ শক্পূহণ মাত্র যো-भा किश्वहद्यानुभा भः। किञ्चान्न हालन মন্তরেণ বর্ণানুস স্বাত্মকো স।-े भः । क्षा वाहित्क शुरेह छंश निरयः श्मार महः। (नाहि ड भार वृथः अ-র্য্যাৎ সাবিত্যাস্ত বিশেষত:। যো-গি যাজ্বলঃ। ন চংক্রন্ন বিছ-जन्न शार्थनदलाक्यन्। (नाशा-শ্রিতো ন হল্পান পাতৃতশিরা স্ত थो।। न भना भार बाक्या, नरेंद द-रिः काली मृत्वी। रिनवः दिशः स्रभः

वर्ष्यार नि मः मुावरयन्त्रभः ॥ छ-खिक्षन् वीकारमार्गा २क मानीनः श्री-ভ্যুথে। ব্ৰূপেৎ। প্ৰাক্ সলেব্বেব মা-সীনো বসানো বাসসী শুভে ॥ বৃদ্ধ-भनुः। यपि जार क्रियवाजा देव वाजि মধ্যগতো ভপেৎ। অন্যথা তু শু-চৌ ভ্ন্যা কশোপরি সমাহিতঃ ।। ব্যাসঃ। জপকালে ন ভাষেত বুভ হোমানিকেষু চাএতে স্বেকাৰশক্তস্ত यम्त्रागहरू दिकालगः ॥ प्राचित्र দ্য ততো বিপু• যোগ ক্ষেন্ত্ৰ কী ভ य् । याति या छ दक्ष्यः। यनि वाश्व-न (बाशः न्या ९ ब्रशामियु कराहन। व्यारुद्रोद्धक्व भट्य भद्रहा विकृ মব্যয় ।। গোভম:। ক্রোধ্ মোহ ক্ষত নিদা নিষ্ঠীবন বিজ্ঞিত । मर्भन विनिजानाक वर्द्धायङ्कल क-র্মণি ॥ আচামেৎ সম্ভবে চৈষা मात्रिष्युः भुताहिं छः। वोधायनः। नाज्यस्क जःन्यर्भः कर्यकारम वि-বর্জনেৎ। ইত্যাহিকাচারতত্ত্ব-।।\*!। मञ्ज भद्रमा वृह्दशिख र्यथा। मनना-প্রায়তে যুমান্তমান্তম: পুকীর্ত্তিঃ ॥ 🗱 ॥ मञ्ज नीका द्रश्चिताः (माः रा यथा न भाग्राक । अभीकि-**जानाः मर्ज्यानाः (सायः मृगृ वर्रान्त** । অমণ বিষ্ঠা সন্ তস্য জল মূল

সম•স্ত•া। তৎ কৃত• তস্য বা শুা-🐃 সর্ব• যাতি হুধোগতি•।। 🟶 ।। भृ पुत्र । अञ्चिति भिष्य निष्य नाइ छः <del>ত্রে। পু</del>ণবাদ্য ন দাতব্য নজ म् पाय मर्वथा। व्याज्यनख॰ एताः মত্র নত্র চাজপ স জক ।। স্বাহা পুণব সংযুক্ত শূদে মন্ত্র দদদ্বিদ্ধ:। भूर्ता नित्रय नार्शां ज्याकरण या-ত্যধোশতিশা শুক্তি রপি। সাবি-बी॰ भुगव॰ यज् लंखी॰ खीन् पृत्या र्भाष्टि। भाविजी श्रुगव यजु नंस्वी खीम्रम्। यहि कानीया र मृत्व। १ (या गहिंछ।। विष्णय मारु वाहाही যে। গোপালস্য মনুর্দেয়ো মহেশ ग्र जू भारता। उट भन्न्राकाशि স্र্যাস্য গণেশস্য মনু खथा ॥ এবা দীক্ষাধিকারী স্যাদন্যথা পাপ ভা शुर्वर । 🕸 ॥ यख भीका शुल-मा यथा। (गाविनस्वृनसावत्न। अभीकिः তস্য নরণে প্রেতত্ত্ব নচ মৃঞ্তি। নবরত্বেশ্বরে। সর্বাসাম্পি দীক্ষাণ্য মুক্তি: ফল মথণ্ডিত ৷ অবিরোধা-ভবস্ত্যের প্রাসঙ্গিক্যস্ত ভক্তব: বা छथा। উপপাতক লক্ষাণি মহাপা-छक कार्रेयः। क्रशाम्दर्श अस्ति। দীকা হি বিবিনা কৃতা।। 🕸 ॥ 🗃 ত্রাপ্রনূত্র মন্ত্র भेष्क्र । স্বতার

রাশি কোধানা অনুক্লান্ ভজেম-নুন্। বারাহীযে। তারাচক রাশি-চক্ৰ নামচক্ৰ ভথৈব চ। স্বত্ৰ চেৎ नर्था नाना इक विठावस्था ইতিপাধান্যত্ত্বা বোধ্য । তথাচ। थनिमञ्जू गृङ्गीयाममुक्व खरेश्व ह ।#। ইত্যাদি দ**র্শনান্তত**্র চক্রবিচা-রস্য আবশ্যকত্বাৎ পুথম তরিক্ প্যতে। সিদ্ধসারস্বতে। তত্ত্ব নৃসি• হার্ক বরাহাণা পুরামাদ পুণবস্য চ। সংপিশুকর মজাণাং সিদাদীদৈব भाष्य**ः ॥ अञ्चलक जिया म**ख भानागत्व চ बाक्त । विकिक्यू **ठ माञ्चर मिकानीरेमर अनावाय ।।** भावानञ्चस वादाशीय । विः भंजऽ-र्गाधिका मञ्जा माना मञ्जाक की र्जि-তাঃ ৷ নপৃ•সকস্য নত্ত্ৰস্য সিদ্ধাণ্ডী-रेबव (माथ्यव्या इंनि ना क्षेत्रक व्रम्भः পি তথা পঞ্চাক্ষরস্য চ। এক দ্বি-जाि वीजमा मिकारीयव लाब-(१८॥ उथा अकाक्षद्रमा नहाना ना ना मञ्जमा भावंति। रेविषकमा ह मखना निकामीमिव (नाथरवट ॥ তথা চামুগুাতক্ষে। কালী তারা महादिन्ता (वाजनी ज्वतनयंत्री। टिज्जवी हिममला ह विन्ता थ्नावजी ख्या।। दगवा निक्दिरा ह गाउ**की** 

ক্ষলা বিকাশ এতা দশনহাবিদ্যাঃ সিদ্ধবিদ্যাঃ পুকীর্ত্তিতাঃ॥ নাত্র সি-জ্বাদ্যকেন্দ্রান্তি ন নক্ষত্র বিচারণা ৷ लाला (भाष्य- नाखि नहानिज। रि प्रकार । शिकाविन्ता ज्या नाज শুগ দেব। পরিশুসঃ। নাস্তি কিঞ্চি अस्तिम्द्यमाथा कथ्थन॥ #॥ भृथिवतः शृत्कनभूना भश्वित्ता ग्या का विकाविकत्य। अथ वक्षा सक्तार प्रशासिका महीजल। स्राप्त नत्त्र र न ज्युष्टी खाः मर्बा हि ेवा वर् । अवी नीवा नशामुर्गा क्षेत्र वर्षण वस उक्ता वादा मिनी ठाम-न्त्रल उथा न् ः इता श्रमः॥ कामा-च्या कामको **ाना गाउँदी रेगन-**ः (नर्गे 📑 १९४१) नकना विर्धाः क्ती १५ व पुराः॥ त्रिक्रवा उ. খা নাত বৃশ্বাবা পরিশুনঃ। তথা रैन्स वहरावन्ताः कनिरम्यामयाः 🍕 🕝 🚴 🕏 र বচনাদেযু বিচারে। नाजान वर्षे इंदर शुक्राभाता । জনত ি ं গ্রহশ্যকত্ব। দুরদৃষ্ট विवा विवा विति निखन। अशासी পু ত ভদ্যায়ন্য দৃষ্টবাৎ। ইতি ः अपन्युनाविकाः ॥**#॥ नत्यान्ता**ः ाथ यह इक शुगानानि हक मास मुद्रे व्यानि : उद्याः लिथन शुकाद्रायथा।

## হলাহলচক্র

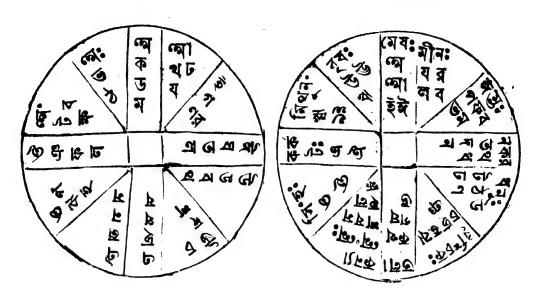
क्या का न	त हु के हा टा क्र है कि	ब्यादाण:
• • • • • • • • • • • • • • • • • • •	क निष्य विषय विषय	ভ
ज्यि:	64 19 19 19 19 19 19 19 19 19 19 19 19 19	हैं। जि
क्रमिश्च	まる はなる まなる いま	क्या विक
वादः	म् व व व व व व व व व	100

## নেকথহচক্র•

ष्म क	উ	त्त्र।	डे
	ড <b>গ</b>	थ म	ठ क
' <sup>ও</sup>	১	5 =	डे
ড ব	বা ম		अ य
के	শ্বা	ই ·	ঞ্চ
घन	জ ভ	গধ	ছ ব
ন্দে:	े	ন্থে•	্ <u>এ</u>
ভস	ठे न	ণ ষ	ট্র

মন্ত্র জ্বকডমচক্র

নজ্ঞ রা**পি**চক্র•



## নক্ত্ৰচক্ৰ•

ণ্ <mark>ছা ন্</mark> থে। ১ দেবঃ	2	ই উ উ ৩ রাক্সঃ	শক্ষ\ ৪ মানুষঃ	এ ৫ দেবঃ	ঐ ৬ মানুষঃ	ও ঔ ৭ দেবঃ	क. ৮ (१वः	খণ ১ রাক্ষণঃ
ঘ ড ১০ রাক্ষসঃ	۲۲ ع	ष्ट्र <b>ब</b>	क क	ট ঠ ১৪ রাক্ষসঃ	इ	ঢ ণ ১৬ রাক্ষ <b>সঃ</b>	ত থ দ ১৭ দেবঃ	ধ ১৮ রাক্ষসঃ
নপ ফ ১৯ রাক্ষস:	<b>ব</b> ২০	७	भ २२ ( <b>ए</b> वः	य द्र २ <b>०</b> द्राक्तमः	ল ২৪ ব্লাক্ষসঃ	व <b>ण</b> २৫ भानुसः	य म र २७ भान्यः	ন্মে নাঃ লক্ষ২৭ দেবঃ

## ঋণিধনিচক্ৰ•

9	৬	৬	0	0	8	8	0	0	0	0
ন্দ্ৰ। ন্দ্ৰ।	TO SE	ला तर	작	3	g	ঐ	હ	B	ন্দ্ৰ	ন্দঃ
<b>ক</b>	થ	গ	घ	E	Б	ছ	ङ	ঝ	कु	ह
ठे	ড	G	9	3	थ	म्	व	न	91	क
ব	9	भ	य	ব্ল	व	ৰ	न	व	म	र
2	1 2	3	0	0	; <b>\</b>	13	10	8	8	)

ন্ধ ভাভেদে ১ নবিচান ন্যাবশ্যক নাহ লাভিতি লৈ লামলাদে না বিশ্বি লি লা কোপ্তমু কি শোস্ত নামিল্যু ক কৈপুরে শোল হজ্জনঃ মৃতঃ ॥ আ বিভালিত ল' বরাহস্য মহালক্ষ্যাঃ বিভালিত ল' বরাহম্য মহালক্ষ্যাঃ বিভালিত ল' বিভালিত লিবঞ্চাকড মাল্ডিক। কালিকাযান্দ ভারাযা ভালিত ল' বুভাবহ্ন ।। চণ্ডিকায়া কার্ডিলালে গ্রাক্ত ধ্নাধিক্যে নচা- নেনাপি ভন্মনা বাথ সু বুত। কাশ্মী-व शक्ति मःकारत ठम्तनः रेवक्षरव मत्नो ॥ **रैन**रव खन्म मनाथत्राज्ञ• ना-ত্ हा यञ्जलिथान। बञ्जानाः मा हुका যত্রাদুস্কারো জনন মৃত গাপ জিক গেণ বিধিনা মুনিভি ন্তত্র নিশ্চিতণ ১॥ विष्टारिक्तो त्रामनार्ग कर्निक महा । म-ল্যিঃ মুরংকেশর বর্গেল্লানি বসূচ দ বসুনতী গেছেন সংবেষ্টিত । আ माविभिय वाउ वाक् वियुषा (काेेे পুরেণাবৃত্ত যত্ত্রণ বর্ণতনোঃ পর নি গদিত নৌভাগ্য সম্পৎ কর।।। यखना पिक् व॰ विपिक्ष ठे॰ निरथ्र। তথা চগৌ जभीरम। कानि मानाः भक्ष वर्ग। निक्क् भूबी मिरा न गरन । यानि वाडाः नामि शाष्टा लक्ष गीत्म भू বিন্যসেৎ ॥ চতুরসু চতুর্দার দক্ষ व रे विषिक्षु छ। इंडि गाउँ हा । छः । গা পুণবান্তরিতান্ ক্রা নত্তবর্ণান্ জপেৎ সুধीः। পুত্যেক শতবারস্ত क्षीवन• **उ**ष्ट्राङ्ग उ॰ ॥ २ ॥ मञ्जवर्गान् ममानिथा जाउरवहन्तनासुमा। भुः (७)क॰ वाग्वीरकन भ्ववखाउन॰ ग- । ত॰॥०॥ विनिथ्र मञ्जवर्गा•स भुन् নৈঃ করবীরকৈঃ। তন্মজ্ঞবর্ণ সংখ্যা 📗 हित हर्नामुख्यादायन ॥ ८॥ उक्त ক্ষত্রেক্তি বিধিন। অভিষেকঃ পুকী ॥

র্ত্তিতঃ। তম্রান্তরে। নম্রদ্য চামুকণ-বর্ণ নভিনিঞ্চানি হুদ্নত । ইতি বচ-नाट भूरकाक मिलिस्थिए। अस्य পল্লবৈঃ সিঞ্চেং মন্ত্ৰী মন্ত্ৰাৰ্ণ **স**•-थ।या। १। मिक्छिडा मनमा मञ्ज मूमुना ন্ল মধ্যত: ॥ জ্যোতি মজেণ বি-विवद मरङ्ग्रन जन यञी। जातः (वज्ञनाञ्चि नन्युक् रखी **राजां जि सन्**-यं जः ॥ जात्र॰ भूगवः विशास स्कातः व्यादिकः नन्दोकातः मञी वन्षा-রঃ॥৬॥ স্বর্ণেন স্কশতোধেন পুত্রতো-যেন বা তথা। তেন নত্ত্বেণ বিধিবদা-প্যাবন বিধিঃসূতঃ।। পা। নজেণ বারি-ণা নক্ষে ত্ৰুণ তপণ নত। নধুনা णकि मञ्जयू दिकाद इन्स्मञ्ज्योगः ॥ শৈবে ঘৃতেন দুখেন তর্পণ॰ দম্য-গীরিত। অভিষেকেপি তথা ॥ ৮ !। তার गाया র ना या राग गरना फी शन मू ५ (७। २) जभ ५ मानमा मञ्जम (११।-পনত্বপুকাশনগা>০।। সংস্কারা দশ সংপো্জাঃ সর্বতম্বেবু গোপিতাঃ। यान् कृदा मल्युतात्मन गंजी वाक्षि मानु याए॥ #.। ननवय भिठि वा-नवाः गाविकः कार्याः १ अ अश्वनाः (त्र) नानिकः नाम (यार्षाःथः (भो. ৰুষ কাৰ্মণ মল। আনব্য তৎ-ঘবংপোক্তং নিষিদ্ধং তন্মল অয়।।।

ন নব॰ অনব॰ তৃস্য ভাবঃ আনব্য• वृष्णप निजार्थः ॥ जात्र भागा तना যোগ ইতি। তারনাযা রমাবীজ পু-টিত মন্ত্র মাজাতর শত জপেৎ ইত্যর্থঃ। তথাচ বিশ্বসারে। ভার **गाया त्रमावील পুটিতেন মনু•ेक**-(१९ । শতगङ्घा खत्रोक्षव मी भारार नाथकाखनः ॥ 🕸 ॥ जाय मृनाभ-कः। जाय पूर्णा मनु वरका म्छान्छे कन भूरः। गायापुः कर्गविन्मुाएडा ज्या श्मो मर्गवान् ज्वर्वः ॥ भक्षा-🏶 🤋 পুতি হাৰণন্ মাৰুতোভৌতিকা-भगः। जाताम वृत्याखा व्या म-धा तत्रकताचान्यः॥ अपि र्मकातः। ত্রত প্রায় প্রকান্তকো গকার:। পুতি গালাকা । মাৰুভো যকারঃ । भारति के किया । अ ही पु॰ मर्गा-ै। ननः ॥ कः । **जन विकृ मञ्जः।** ७ .. वस्त अम् त्या **नत्री मीर्च**-े। लत्ःना भाग मस्का २४॰ त्रः भवः ॥ उ नत्ना া 🕌 🤭 🤃 📆 পথ শিবনভ্র: । লাছ নৌকার সংযুক্ত বিন্দু ভূষিত मछकः। शुक्तामात्या मनुः (भाका खकाः कानरना मनुः॥ (क्षे॥ # ॥ অথ গণেল ক্রঃ। পঞ্চান্তক শিশি-र्बः वीतः गनभटा बिन्ः। भक्षायः

का गकादः। भँ। कः।। अय मृत्र নব্ৰঃ। তারো ঘৃণি ভূঞি: পশ্চান্ধা-मकर्ग विज्विजः। वहात्र नता मक्ट শেवः সনেত্রো २ पि खार्शिकाः।। অপ্তাক্ষরোমনুঃ প্রোক্তো ভানো র-किमडः भद्रः। ७ यृति मूर्य) पानि-उ।। अ।। भक्षात्रजानात्मक अत्ना মত্রে। লিখিতঃ । এতাসামন্যাসা-ঞান্য নত্রা গুম্ব বিস্তার ভযায় লি-থিতাঃ ৷৷ #৷৷ কলাবাগনোক্ত নত্ত্ৰ জপ বিধি যথা। আগমোক্ত বিধা-নেন কলৌ মত্ত্ৰ' জপেৎ সুধী: । ন-हि (मवाः भुनीम हि करनी हान। वि-ধানতঃ॥ তথা।কৃতে শুত্ৰুক মার্গঃ न्। ९ (बंजायाः मृजि मसुवः। हा পরে তু পুরাণোক্তঃ কলাবাগম স-ম্ভবঃ ॥ মন্ত্রার্ণা দেবতাঃ প্রোক্তা দেবতা গুৰু ৰূপিণী। তেষা• ভিদা-न कर्खवरा यभीरहरू छ माञ्चनः ॥ 🗱 ॥ পিত্রাদিতো মন্ত্রগৃহণ নিষেধো যথা । পিতু মৃত্র॰ ন গৃহীয়াৎ তথা মাতা गरमा छ। भामतमा कनिष्ठमा विदि পক্ষাশিতস্চ ।। ন পত্নী দক্ষিয়ে-ভৰ্তান পিতা দীফ্ষেৎ সূতা। ন পুএক তথা ভাতা ভাতর নচ দী-ক্ষবেৎ।। সিজনত্ত্রো যদি পতি স্তদা भन्नी म नीक्षाय । मकिएन वज्रा-

त्तारः नर ना कन्यका ख्तर ॥ उ था गत्मित्व विश्वाः । यत्व निका भिवृ निका निका व वनवा निनः । विविका भूमिताः निका न ना क-खात नायिका ॥ इंग्डानि निष्यं ववनाम् स्वा । इंग्डानि निष्यं ववनाम् स्वा । अख्य न गृङ्गीयानि-ख्याः । इंकि जख्यमातः ॥ भळक्र भ् भज्यो । भज्यताका त्रकः । हेकि निका खरको मूनी ॥ भज्यत्वः भ् विन्या हैकि भव्यका-वनी ॥

भञ्जगृष्टः भू॰ हतः। ই**ङि भन्**त्रज्ञाः वनी॥

শত্রগৃহণ শ্লী মত্রণাগারণ। অস্য পুনাণ মত্রণাশদে দুষ্টব্যণ।। মত্রজা স্ত্রী মত্রশক্তি:। ইতি পুরাণণ মত্রজিস্থা: পুণ অগ্নি:। ইতি হেম-চন্দু:।।

মন্ত্রজঃ পু• চরঃ।ইতি হলাযুধঃ॥ মন্ত্রজ্ঞাতরি ত্রি॥

মন্ত্রণ ক্লী মন্ত্রণা। মত্রধাতো র্ভাবে অন্ট্রপুত্যযেন নিষ্কৃষণ ।।

মত্রণা ন্ত্রী রহসিকর্ত্রতাবধারণ । ইতি মত্র শব্দ টীকাবাণ ভরতঃ।। মত্রঃ। যথা।বাদী মৃক্তিরক্ষতি ক্ষি-ভিপতি বৈশ্বানরঃ শীততি কোধী শাম্যতি দুর্জনঃ সুজনতি ক্ষিপান্গঃ

থঞ্জতি। গৰী থৰাত সৰ্বাদ্দ ---তি ত্বমন্ত্রণা যন্ত্রিতঃ শ্রীনিত্যে বগ-লাম্থি পুতিদিন কল্যাণি তুভ্যু নম: ॥ ইতি তব্রসারে বগলাস্তো **बः।। 🗱।। मञ्जनायाः दर्ननीयानि यथा।** মঙ্গে পঞ্চাস্তা শক্তি যাড়ুণ্যোপা-य जिक्करः। উদया क्ठिन्नीयाक्टरेक्-र्य्योमञ्जानि সূক्रयः ॥ इंजि कवि-कन्नवा।। #।। व्यक्तिवयामि कृष्ठ मञ्जभाषाः (नारमा यथा। बर्रेकर्सा ভিদ্যতে মন্ত্র শত্রন্ধর্ণশ ধার্য্যতে। षिकर्नमः ज् भज्ञमः कुकालाःका न तुष्राउ ॥ इंडि गाक्ए ১४ व्यथ्रायः ॥ # ॥ त्राक्ता विन्तानि खन युक्त विश्वा मिलिशः कार्यतः। यथा। मिलिश्व नृशः अर्यााविशान् विमान विभाजमान्। विभक्षाः क क्लीनः क थर्मार्थ **जनना**न्ज्न् ॥ मछरयरेख **गम॰ काल् ना**जार्थ॰ वर्ज्ञ कार्त्र ८। **একৈকেনৈব ক**র্ন্তব্য: ম দ্রস্য তু বিনি-**भ्रहरा वार्टिं रेम्बर मगरेखम्ब वानाः** म) व। भारतमा ७:। स्वरः वृक्तः म ज्रशृहः স্থল আৰুহ্য মত্রযেৎ।। অরণ্যে নিঃ-भवारक वा न यामिन्याः कनावन । শিশূন শাথাম্গান্ পঞান্ শুকান্ रिन्माद्रिका॰ खथा ॥ वर्जयमञ्जलन-(ह्यू भन्य)।नृक्ठाः ख्या। मृयगः भञ्जः

ভেদেৰুন্পাণা যত্ৰ জায়তে মান তৎ नगुक् नगाभाजुः मरेक न्राभाज রপি। ইতি কালিকাপুরাণে ৮৫ व्यवतायः ॥ 🗱 ॥ व्यथं मञ्ज निर्नयः । মন্ত্র মূল• যতো রাজ্য• ততো মন্ত্র• मूत्रकिछ। सर्गापुत्वा मना मजान् कर्माना माकलाप्यार ॥ अर्थान (थो हि याजा जो मन्यम भरी ক্ষ্যতে। সমস্ত ইতি বিজ্ঞেনঃ শে-ৰাশ্চ থলু বিভুমা:।। একমেব বিষ• হন্তি শক্তেণৈকশ্চ বধ্যতে। সরাষ্ট্রণ अम्भर इष्डि ब्राजान मञ्ज विश्ववः ।। করিষ্যন্ন প্রভাষেত কৃতান্যেব जु नर्गरय । धर्मार्थ काम कार्यानि কৃতো মত্রো ন ভিদ্যতে॥ গিরিপৃষ্ঠ দুপাৰুহা প্ৰাসাদয়া রহোগতঃ। শ্বপথে নি:শলাকে বা তত্ৰ মন্ত্ৰো বিধীয়তে ৷৷ তত্ৰ সাম পুযোক্তৰ্যু कार्य्ययु ७१ व स्वि । मान नुरक्त ংপি ভেদশ্চ শক্ষিতেশ্বপি নিশ্চয়ঃ ॥ बड म्काक्ष विधितान् जियं। शानीन् वरवाविकान्। जीत्मह वर्राक्षि वर् कान् मखकारण निरम्थरयथ।। इंडि সম্পততঃ প্রোক্তা রাজনীতি রিন্ गया। यधिवर्गा विकक्ष भाषाङ्गक नीि उद्गाउ ॥ इंडि युक्किक्स তরৌ নীতিযুক্তিঃ॥

मखमा মস্রত: ব্য মস্রা**ং। ইতি সিদ্ধা**ন্ত-

कोमूनी ॥

मञ्जनाञां वि मञ्जनानकर्ता। ७वः। यथा। मर्खियाक छक्नाक सम्माजा পরে। শুকঃ। পিতু: শতগুণৈ মাডা भूबा वन्ता गत्रीयभी ॥ विनामा-তা নম্রদাতা জ্ঞানদো হ রভক্তি-**एः। भूरक्रा** वन्तरम्हरमवरम्ह माञ्ड **मउद्धेत** र्ख्यः ॥ मख मूजिद्राति-ব গুৰু ব্নিভ্যুচ্যুতে বুধৈ:। অন্যো व्यन्त्र। ७क त्रय मन्। काद्राभिए। গুৰু:॥ অজ্ঞান তিনিরান্ধস্য জ্ঞা-नाञ्जन भनाक्या। ठक्क्योनि उ॰ যেন তরৈম এভরবে নন: ॥ অদী-किउम्र मूर्थम् निकृति नी खिनि-**िष्ठ ।** नर्बक्यं बन्हें नर्द्र नद्राक তৎ পশোঃ স্থিতি:।। জন্মদাতা-महाजा वा भाजात्तर ध्वव ख्या । পার• কর্ত্র• ন শক্তা তে বোরে স•-नात्रनागरत्।। विन्ता मञ्ज उद्यानमाः ত। নিপুণঃ পার কর্মণি। ন শক্তঃ শিষ্য মৃত্বরু মীশ্বর শ্চেশ্বরে। ২প-**तः ॥ ७**क विंकु र्श्व व् का ७क (र्म-বো মহেশরঃ। গুরু র্থেয়া গুরু: শে-यः मर्वाचा निख्रां। खकः॥ मर्वः जीर्थाम्बरेन्डव नर्दरिताम्रा छः बः। गर्दायम चक्रभण एक्क्नी

रुद्रिः ययः ॥ जजीहेरमत्व काहे ह 😎: শক্তো হি রক্ষিতৃ । গুরৌ कार्ड १ जी छामरवा निक् मकम् त-किन् ।। नर्खि गुराम्ह यः बस्ट्री यः कड़ी (रव वाजानाः। उत्पद करही खर्वा छक्रात्व हि देनवजः ॥ न छ त्राक शियकात्रा न ख्राक शियः সূতঃ। খন• পুয• নচ গুরো নচ ভা-र्या भिया उथा ॥ न खाताक भारता থর্মোন গুরোশ্চ পরস্তপ:। ন গুরো শ্চ পর শত্যু ন পুণ্যঞ্চ গুরো: পর ।। গুরো:পরে। ন শাস্তা চ নহি ব্রু গুরোঃ পরঃ। নেবো রাজা চ শাস্তা-ह नियागाथ गरा खकः॥ याव শক্তো দাতৃ নয় তাবং শাস্তা তব-बनः । एकः भारतः ह भिष्णानाः भू विं बच्चिन बच्चिन ।। मुख्या विहा 😎क् (र्मवः সর্বলক্ষে) यथा পতিঃ। পু তি জন্ম নিবল্কে। সর্বেষ। মুপরিছি-তাঃ।। পিতা গুৰুণ্চ বন্দ্যুশ্চ যত্ৰ क्रज्ञ नि क्रज्ञ पः। खत्र (वात्र) उथा मा जा শুক্ত পুতি জন্মনি।। ইতি বুক্ষবৈব-र्ख जीक्षकमथा भागिक्उ एक স্তোত্র কথন নাম ৫৯ অধ্যায়:।।।।।।। অপিচ। মান্য: প্রাজ সর্বেভ্য: স রেষা জনকো ভবেৎ। অহে। যস্ত পুসাদেন সর্বান্ পশ্যতি মানবং॥

জনকো জন্মদাতা চরক্ষণাচ পিডা ग्ना॰। ততো विखीनकद्यनां कन्या স পুজাপতিঃ॥ পিতৃঃ শততবৈ না **छा भाषना**मुर्ख थाइनाद । वन्त्रा श्का ह माना ह भुज्यला वस्कदा ।। गाजुः भउछरेन बन्हाः श्रृह्म गात्ना १ जनायकः। यहिना नश्राता (मर्ट्) विकु क कवराजमः ।। अवमा-**তু: শতগুণো ভীষ্টদে**বঃ পত্রঃ বাজঃ ব গুৰু স্তমাহতগুণো বিদ্যান্ত 🤫 **मायकः॥ व्यञ्जान जिनिवाहमः अ**जन निर्माशकाष्ट्रमा। यः अर्दाष्ट्रमण्य তি তৎপর: কোপি বান্ধবং। শুক্ **দর্জেন মৃদ্রেশ তপসেই** সুন্দ লডেব, । সর্বজ্ঞত্ব॰ সর্বসিদ্ধি॰ उद्भश्यतः 🕬 **शि दाक्षदः॥ नर्बः अ**ष्ठ सर्विति म्। एकर उसा। जमार मुरक्त হি লগতি কো বা বন্ধু স্তভো হৃদ্বি 🦎 श विरुआक्षा वा श्रनात्का वा (या मृक्तः न ভরেদুক। সোংশৃতি স্তীর্থ গ্লাতে। **२नि नाधिकाती ह क्या**न्। क्लिज्यः মাতর ভার্য্যা ওক্পত্নী ওক্ত পর 🕆 । (या न नुकां जि कां भिष्टे में 🚓 भाउकी मित्रा छक् तुंस्रा छक् विसूर र्छक् (र्मरा नर्ष्युतः। एक्रत्व পत्रः বুন্ধ গুৰু ভান্ধর ৰূপধ্য 🛚 গুৰু 🌣 দুৰু उर्थिनु मह वायू मह वर्षा १ ननः। मर्ब

क्ला हि जगवान् भद्रमाञ्चा सय । मख मक् वि मखक द नक मार्भकर्छ। গুৰু:।। নান্তি বেদাৎ পর• শান্ত্র• नहि क्षाट गद्र: मूद्र:। ना छि गङ्गा সন তীর্থ ন পুষ্ণ ত্লসীপর ।। ক্ষ্যাবতী ভূপরা ন পুঞায়ান্তিপ-द्रः भियः। नह रिम्वाट भद्रः मार्का वु उ॰ रेनकाममी॰ विना ॥ मालगु। নাৎপরো যন্ত্রো নক্ষেত্রণ ভারতাৎ भन्न । भन्न भूगा इनामाक भूगा वृंनरावन यथा।। (नाकनाना यथा काणी रेवक्षवानाः यथा मिवः। न গার্বতী পরা সাধ্বী ন গণেশাৎ পরো বশী।। ন চ বিদ্যা সনো বন্ধু र्नास्डिक् कि हुरद्वाः श्रद्धः। विम्रामाः जुः श्वारातो उ<मानो नाव म॰ শবঃ ৫ইতি ৰুন্নবৈবত্তপূরাণে গণ পড়ি খণ্ডে ৪৪ অধ্যাম: ॥ गर्जभेषिजिः भुः विद्यः। ইতি जि কাওশেব:॥ মজপ্তঃ ত্রি মজেণপবিত্রীকৃতঃ। যথা। বুদ্ধাণী মন্ত্ৰপ্তেন তোযে-নান্যে নিরাকৃঠা: 1 ইতি মাকণ্ডেয भूताल (म्वीमाश्वा) ॥

নত্তপ্তাত্ম। পুণ গৰড:। ইতি

নজবিৎ পু॰ চর:। ইতি ছেনচন্দু:।।

थ्रज्ञिः ॥

নজ্ঞ জ্ঞা ভরি 'ত্র ॥

माखा म्ल्ना । ই जि निकास कोम्नी।। নজিতঃ তি নজেণসংস্তঃ। অভি-মব্রিতঃ। মন্ত্রে। ২স্য জাতঃ। ইতি নৰ্বাতো: ক্ত পুত্যুয়েন নক্ত শ দাৎ ইত পুত্যযেন চ নিয়ম: ॥ मखी भु• गुखकाउकर्ववानि\*हर्यः কর্ত্তা। তৎপর্য্যায়:। ধীসচিব: ২ ष्यमाज्यः २। ইত্যমরः ॥ महिदः ८ धीमधः ৫ मामवायिकः ७। ইতি (इन्हन्मः ॥ उन्। वक्ना॰ यथा। म-ন্দ্রী ভক্তঃ শ্চিঃ শ্রো ংনুক্তো বু क्षिमान् कमी। याधिककारि छ-मलः পরিছেনী সুদেশ हः ॥ ইতি কবিকল্পলতা।।#।। বহুভি র্মান্ত্রয়েৎ কান রাজা মস্ত্র পৃথক্। নত্রিণাম্পি নোম্বর্যায়ত্রী মস্ত भुकामन ।। न कृहिए कन्। विश्वा (সা ভবঙ । स्वा न्वा । निम्ह यक जरा माद्य कार्या अत्वन मूत्रिना ॥ ভবেদ্বা নিশ্চবাবাপ্তিঃ পর বুদ্ধ্য-**ज्यः** कार्यता विनिम्हयः ॥ **इंडि** নৎস্যপুরাণে ১৮৯ অধ্যায: ॥ नम् अरम्।। गारम्। इंडि कविकन्न-জনঃ।। নন্ধতি। সন্থঃ কৈশ্চিমন-

न्राउ। ইতি पूर्णामाभः ॥

गष्ठ १ गाह्म। ইতি কবিকল্পক্ষমः ॥

गाह्म। विल्लाउनः। ग मथाठि मधि

वल्लवी। तथः समस्र म स्यः। ইতি

पूर्णामाभः ॥

मदः भु महर्खकः। इंडामदः॥ সাক্তব:।। দিবাকর:। ইতিমেদিনী া। সাক্তবো যথা। সক্তুভি: সর্পিবা-ভ্যক্তि: भीउवाति भतिश्रुरेजः । ্ৰাভ্যেছ। নাতিসান্দুক মছ ইত্য ভিপীযতে ॥ ইতি রান্ধনির্ঘণ্ট: ।। (भगविष्णयः। उत्र रिवि र्यथा। জলে চতুত্বলে শীতে ক্ল্যুণ দুব্যং প नः किल्ला मृत्नाव मस्या नग्रक् उमाह दिशन शिर्व ॥ क्रुन ह्नी क्उ। मश्रय मृषीया । ইতি ভাবপুকাশঃ॥ मात्रगः। इंडि बिका ७८ मदः ॥ तिबम् व । ইতি ধরণি:।। নেত্রাম্য:। ইতি विय: ॥ जम्मः। इंडि मदत्रः वली।। अध्नः।। वित्लाउनः। इंडि मञ्चाज्यम्भनार ॥

মন্ত্র ক্লী নবনীত। ইতি রক্নগালা।।
নত্ত্ব গুলং প্ মন্থানদণ্ডঃ । ছাঁচুনী
ইতি ঘোলমৌনী ইতি থডেন্ ইতি
চ ভাষা। তৎপর্য্যায়ঃ । বৈশাথঃ
২ মন্থঃ ৩ মন্থানঃ ৪ মন্থাঃ ৫ ৷ ইত্য

मतः ॥ कत्रहर्षकः ७ महनः १ छः कार्टः ৮ । ইতি मदत्रद्वावणी ॥ তকাर्टः २। ইতি জটাধরः ॥

मध्न की वित्वाफन ।। अध्न । इंडि मध्नाउ। जीव व्यन हे शुरुरवन निष्ठम ।।

मद्रनः श्रु॰ मद्रानम् ७:। ইতি णद्र-त्रज्ञावनी ॥

मञ्जवि की पित्रञ्जभाकः।यथा। कलमी मञ्जवि मञ्जी हानि गर्न-जी। ইতি कोराध्यः॥

भएतः क्री अभूछी। ইতি मिनि।।
भएतः भूः काषः॥ कणः॥ वाषः॥
भएतः ॥ ইতি मिनि॥ भूठकः
ইতি विषः॥ मन्द्रशामिरयाद्या।
ইতি क्रिवियवर्ण अन्द्रः॥ क्रिशः॥
ইত্যব্য

महतः जि मनः॥ भृथः॥ थकः।
हेठि (मिनी॥ जिषः॥ हेठि णपःत्रञ्चावनी॥ नीहः॥ हेठि (हमहन्मुः
महत्रा जी (कक्यामानी। यथा।
तामाणिएएक विञ्चार्थः यज्य तुक्त
वाकाजः। महताः भृविणवादो
केत्वयीक जन्नात्राकार्थः यथायः
तामायण्यस्याधाकार्थः यथायः
महत्रः भृः हामतवाजः। उर्भ्यायः
। स्टिकः २। हेठि जिकाश्रण्यः॥

मञ्देगकः पुः मन्द्रपर्वतः। ইতি कृषिदः॥

भए। जी (मिथिका। ইতি রাজনির্ঘণ্ট:
स्थाः পু॰ महानम्खः। ইত্যমর:॥
स्थानः পু॰ মন্থদ্ গুকঃ। ইত্যমর:॥

व्यात्रपृथः । इंछि ताजनियंगः ॥

महानकः भू ज्वराज्यः। ज्वर्गायः
। हित्रजः र मृष्यूनः अ ज्वाह्यि भः ८

े अस्र ख्वाः। सिक्षदः। मार्थुवाः
नियदः। स्वृत्रदः। वह्वीर्यप्रदृष्यः
। हिज द्राजनिर्यकः॥

महिनी खी मधिमञ्चनभावः। उट-भर्यप्रायः। गर्भश्री २ कन्मी ०। ইতি ट्या

নছোদধি: পূं ক্ষীরসমুদু:। ইতি কেচিৎ।।

भनः शुः भिनः॥ इतिज्ञानितिमा यः। इति भिन्नि ॥ यमः। इति किकाश्रम्भः ॥ श्रुव्यः। इति भन्तः कि अनेक्षः॥ मूर्थः॥ स्वरः॥ अन्तरः कि अनेक्षः॥ मूर्थः॥ स्वरः॥ अन्तरः ॥ द्यागी॥ अन्तरः। इति भिन्नि ॥ मन्द्रनः॥ थवः। इति (स्मिन्नुः॥

মন্দণ: ত্রি মৃদুগানী। যথা। মন্দ গানি শনি জ্ঞানি বৃষ হংস গজ ব্রিয়ঃ। ইতি কবিকল্পনতা।। মন্দ্রামী ত্রি মৃদুগ্রনশীলঃ। তৎ

भर्यायः । मञ्जः २ । ইত্যন্ত । । भन्द बन्नी जी भरेनण्य नाजा। म् र्या भन्नी । ইতি ভিকাও भ्रमः । । भन्द श्रावनी ॥ भन्द बन्नावनी ॥

मन्दन• क्ली (खाव•। इंकि निकास-कोमूर्गामूगारिवृक्तिः॥

भन्ततः थ्र॰ मङ्ग्णिनः॥ मन्तात्रभा-मभः। ইভি भिनिते॥ त्रर्गः॥ २१-त्रस्तरः। ইভি ছেমচन्द्रः॥ मृद्यतः। ইভিশন্দর্যাবলী॥

मन्द्रः वि वश्वः ॥ मन्द्रः । ইতি भित्रिमी ॥

মন্দেমান: পু॰ অগ্নিঃ। পুণান:।ইতি সিদ্ধান্তকৌমদ্যা মৃণাদিবৃত্তি: ॥ নিদুদাইত্যুণাদিকোষ:॥

मन्त्रमानुः भुः सन्नः॥ क्षीतः। ইতি
म॰किश्रमादाणां पृत्विः॥

নন্দা জী সংক্রান্তিবিশেষ:। সা উত্তরফল্লুনুগ্রুরাষাটোত্তরভাদুপং দারোহিণী নক্ষত্রেকু রবিসংক্রান্তি-ক্ষেত্তদা ভবতি। তস্যা: সন্নিহ্ত দগুরুষস্য পুণ্য ভনত্ত্ব। যথা। ন-ন্দা মন্দাকিনী খ্যা ক্ষী ঘোরা চৈব নহোদরী। রাক্ষসী নিশ্বিতা প্রো- का मण्डा उर मध्या नृभा नन्ता ॥
भूत्य विक्रिया ग्रा नन्ता निनी
च्या। किर्भुषाको विज्ञानीया
पूर्मु खात्रा भू निर्देशा हित गर्हा
प्रती क्रिया क्रि क्रिक्स ताक नी
। निर्मु वा कि विक्रिया निर्मु वा
कित्य मण्डा दिव विक्रिया निर्मु वा
कित्य मण्डा दिव विक्रिया निर्मु वा
कित्य मण्डा दिव विक्रिया निर्मु वा
व्यव मण्डा दिव विक्रिया मध्या कि
वाम वि ह्यु भक्ष मध्या निर्मु व्यव
व्यव व्यव । क्रिया विक्रिय व्यव
विभूता वि वि ह्यु वा विक्रिया विक्रिया वि

ঘানাক প্লী স্তৰন । ইত্যুণাদি কোৰ:।।

नन्ताकिनी खी सर्गत्र ११ छट भर्गायः। विषद्ध ११२ सर्नती ० महिनी वि
का ११ इंडानदः॥ सर्गत्रा ६ प्रव ज्िः ७ सर्गभ्या १ मृद्ध यही ৮।

इंडि सम्बद्धावनी ॥ जम्मा विवद्गः यथा। भूषान धादा या सर्ग मा ठ जन्ताकिनी म्डा। वाजनाय उति खीर्गा भूष्ट्यन वाजना स्र्डा। की तज्वा कनः सम्बन्द्र दुन्न उत्र दिन गी। विन्ने श्रुष्ठ महिन्द्र उद्ध स र्गः मनागठा।। इति तुर्माददर्खः

क्षिक्षकमथए काइदी बम्र मुखाः
दि 08 स्वर्गायः॥ #॥ म॰का छिदिः
भाषः। सम्र भूमाणः मन्मा माद्द
मुद्धेवरः॥

नन्ताकाष्ठा जी इतन्तिविष्णयः। यथा । চত্বারঃ পুাক্ সূত্রন্ গুরুবো দ্বৌ एरेन कारत्यो (क्युर्थ) वर्गो जन-नुष्रनृतासाति विवातभास्ति। उद्य-ছান্ডের যুগ রসহথৈ যত্র কান্ডে বিরা-(न) सन्ताकान्ताः भुवतं कवयं खन्निः ভা• স•গিরন্তে॥ ইতি শু,হবোধঃ॥ यन्ताः १ क्ष्यात्राञ्च छत्राननः। **७**न। निरानारि यथा। मन्द खीत्का श्य तियाः **স**गर्ष्णं ि हञ्जियः । क्क् शिखानिवासिकाख्याग्रा-ব্জ ঠরো ২নলঃ।। বিষনো বা **ভলা**-ব্ৰোগা॰ তীক্ষঃ পিত্ত সমুনতান্। করোত্যগ্রি স্তথা মন্দে। বিকারান্ क्क मञ्जरान्।। मन। मनाय द-শিতা মাত্রা সন্যগ্নিপচ্যতে। অল্লা-शि देवव जन्हादा विषयादा ख (ए-হিন: 11 কনাচিৎ পচ্যতে সম্যক্ কদাচিচ্চ ন পচ্যতে। ইতি **মাধ্বক** রঃাঞ্চা তদ্যৌ**ষধ**ণ যথা। চিত্রক স্যাপ্ত ভাগ।নি শ্রণ**স্য**চ যোড**শ।** मुर्छ। महजा ज जागानि मजीहाना॰

ह्य उथा ।। लिञ्जनी लिञ्जनोन्न ॥ विजन्नानाः हर्वेषः । यास्रोन्यनि ভাগাশ্চ ব্রিফ্লাযা শচতুষ্ট্রয় ।। দ্বি-।। छापन खाउरेनषा॰ माप्तकानि छि-कातरयट । उक्तकन मजीर्नर्व भा-পুরোগঞ্চ কামলা।। অভিশ্।ণিত म्बन्धि श्रेशास्य निवादत्य हिंछ গাৰুডে ১৯৮ অখ্যান:।। 🛊 ॥ অথ জ্ঠরাণ্নি বিকারাধিকার:। তত্র স विक्षे निरान প्ৰकान উদরা प्र বিকারনোহ। কফ পিতা নলা-ধিক্যাত্তৎ সাল্যাক্জাঠরো হনবং। नन्त सीखा २थ वियमः भगएकि **छञ्**विंश । ७७ वन्तवप्राश्च नं**क**ग बार। यदानि देन जनतात गावा चूका न भः १३ के कि **में में इ: श् ८म**कः अवस्थितः त्येत्रव **कार्टदः** ॥ मन्द्र १८ ६ ३९ दि शामाना है। मतन्त्र **२**शः विश्वार क्रमाविकात्रान् करु সম্ভবান্।ঞ্চা অথ চিকিৎসা। হরী-তকী তথা শুগ্ঠী ভক্ষ্যনাণা গুডেন বা । সৈক্ষবেন যুভা বা স্যাৎ সাভত্যে নালু দীপনী।। ১॥ গুডেন শৃগী মথ বোগসল্যা• পথ্যা ত্তীয়া মথ দা-े फिन॰ वा। ज्यासम्बद्धीर्लम् अनामरम् বলে। বিবন্ধেষু চ নিত্য মদ্যাৎ ॥২॥ ব্যোষণ দান্ত ত্রিকৃটিত্রণ কৃষ্ণান্লণ বি-

চ্পিত । তচ্প ওড সংনিশ্ ভক্ষ যেৎ পাত ৰুথিত:॥ এতুদুডাষ্ট্রক• नाम वलवर्षाच्च वर्षानः। (भाषामा-वर्ज मृत्रष्टुं श्लीइ भाष्ट्राभयाभरः ॥ সর্বচূর্ণ নমো হডো দেযঃ ৷ গুডাপ্টক• ॥ ७॥ मञ्नाज्ञातात रेमक्तव नागत्र মরিচানি চামু তক্তো। সপ্তাহাদশ্নি কর পাঞ্ছা নাশন পরম।। ।।। दिश्वानद्रःकादः। मात्रु पुलवनः गुाद्यः गर्छ कर्ष नि छ॰ वृत्यः। भीवईन॰ शक्ष कर्यः विख रेमस्व धान्यकः ॥ भिश्रमी পিপ্ললীমূল পত্ৰক কৃষ্ণজীরক।। তালীস॰ কে**শ**র• চব্য মন্নবেতসক• তথা।। দ্বিকর্ষ নাত্রান্যেতানি পুত্যে-कः कातरमनुषः। ৫॥ मतिहः कीत्रकः विश्व (मरेककः कर्यमाञ्जकः ॥ माजिमः न्।इजुक्षर्य॰ प्रशास वार्क कर्षाक । এতहुंगी क्ठ॰ गर्ब॰ नवग॰ ভाऋता ভিধ্ব ৷৷ ভক্ষযেদ্বাণ মান তৎ তক্ৰ মস্তক কাঞ্জিকৈ:। বাত শ্লেশ্ম ভব গুলা প্রীহান মদর ক্ষয ।। অর্শা त्रि गृह्गी क्षष्ठ विवक्षक जगन्मत्र শূল• শোথ• খাস কাসাবান্দোষ थ क्षका ।। यभावी भक्ताकारि পাও্রোগ কৃমীনপি 1 मन्तान नामारयाद उद्योशन शाहन शतः। হিতায় সর্বলোকানা ভাস্করেণৈ

मन्द्रभुक्तम् वत्या मन्तायुषमः वि।

নিদুষা স্থিয়তে নক্ত দিবাচ ব্যৰ্থ ক

র্মাভ:।। ইতি জ্রীভাগতে ১ স্বন্ধ:॥

जनीति छ । इन्। मर्वागुकीर्गा नि जुङगाउ गमः गगः।। निष्कानाः षिक मञ्जा अधिका मालाग्रक **म**इसि ॥७॥ हेइन द्रमगत्को ह सम छा-गः वयः विवाद । कशमः मर्ड्डिका ক্ষারো মাগধী বিশ্ব ভেষজ•া৷ পৃথক্ পৃথক্ কৰ্ষনাত্ৰ বসূভাগ নিহোৰণ । कषीत्रारेन्न पिन घृष्टे अत्वर्मा अ भातकः॥ विশुठी मृत वाछापि वङ्गिः भानत्। भुणान्य । कात्रा यवकातः । অप्रिञ्जनारद्वा दरमा विमुह्याम् । जी-र्भा न।। भातमामृङ व्यवक् शक्कक॰ ভাগ রুম মরিচেন মিশ্রিভ ৷ ভত্র জাতিফল মন্ধভাগিক ভিন্তিডী कन त्राप्तन मिर्फ्र ७ । विक्रिमान्स्र দশবক্তু নাশনো রামবাণ ইতি বি শুতো রসঃ॥ সংগৃহ গৃহণি সম্ভক-র্ণক সাম বাত থরদ্ধণ জবে । मीयछ छ ठनकानुगानछः मन्। अव क्ष्वेत्राधि मीधनः ॥ (त्राठकः कक व्याउकातकः याभकाम विग कन्छ 🍴 नामनः । ৮॥ शात्रम् छागः ) विष-ভাগঃ ১ লবস্তাগঃ ১ গন্ধকভাগঃ ১নরিচভাগঃ ২ জা গ্রীফলভাগঃ ॥০ 🖟 রামবাণোরসোৎজীণে। ইতি ভাব भूकाणः ॥ मनरायुः वि अप्रायुः। यथा। मनरम्

नन्तातः भू यगी वनक्वकाउर्गठ-रिवंडकविष्मयः। यथा। भरिकाड (मवजद्राया मनमाद्रः भादिकाजकः। महानः कन्नवृक्षण भूःमि वा इति চন্দ্ৰ মিতি ।। পারিভদুবৃক্ষঃ । পালিতামাদার ইতি ভাষা। যথা । পারিভদুে নিম্ব তক র্মান্দার: পা-রিজাতক ইতি।। অর্ক্লুক্ষঃ। আ-कम्म ইতি ভাষা। यथा। अर्क्राञ्च वमुकारमः ७ गनक्त विकी बनाः । मनरात्र नहार्क्तभार्य २व मृत्त्र २वर्क **পু**जागरो॥ ইजिहामद्रः॥ इस ।। ध्र्वः । ইতি मिनी ।। जीयवि-(मयः। वथा। वत्रीक् छैवाह। मृतू मुन्दित याञ्चन यद्याः दः भितिभ्-ছসি। কথ্যিব্যানি তে গুছা। ন-न्तात्रमा गराकियाः ॥ कीषमाता ২ম্যহণ তত্র দৃষ্ট্ব। সন্দার পুদ্মিত। । भगतात भू स्रमामाय म्रामा छः नामा विक्रिमा उविकामण अञ्चानि निः-मृजानि गिरतो वरत। विस्तुर म न পুভাবেন মन्म। त्र महाक्षमः॥ हि-ভোহ•তত্ৰসভগেভকানুগৃহকাম্যু या।। मणनीयञ्च सान-मानाञ्चः जू

**भिनाउनः ॥ य**ब जिन्नागुरु परित ॥ मन्तात्रक्त नाञ्चि छः। विन्ययः भृग् जूष्णानि मन्तात श्यान् करम उथा ॥ बादम्याक ठजूम्म्याः म भूम्राजि क्रांचिमः। তত मध्राङ्ग (वनायाः বীক্ষ্যমাণো জনৈ স্ততঃ ৷৷ ততো ৎন্য हिन मात्राहर हुमार्ड न कहा हन। छ-মান্ নন্দার মণ্ডে তু এক ভক্তোষি তো নর: ॥ রান' করোতি শুব্ধাত্মা স গছেৎ পরমা গতি । অথ পাণা न् भुगूहाउ इर् भन्तात मः शिख ।। তপ: কৃত্বা বরারোহে নম লোকা য গছতি। তস্য চোত্তর পার্ষে তু প্রাপণ নাম ত গিরিণ। তিসো ধা রাঃ পতন্ত্যত্র দক্ষিণা দিশ মাছি তাঃ।। দ্বান হও মিতি খ্যাত ত-মিন্কেত্রে পর• গম। দক্ষিণে পত তে ধারা শুবতে চোত্তরামূখণ।। তত্ত্র স্থাতো বরারোহে একরাভোষিতো नद्रः। (माप्राक्त प्रक्रिः। मृत्य जिमान् भिताहरय।। उवाथ म्कर्ड शुगान मम कर्य भन्नायगः। मर्व সঙ্গুণ পরিত্যজ্য মমলোক পুপদ্য-ত।। नाक शृक्ष जनामान्। भाष्ट দৈবতৈ: নহ। তথাত্ত মুঞ্জে প্রাণা-ন্ কৃত কৃত্যঃ সুনিশ্চিতঃ ।। তার্যি-ত্বা সলং সর্বং মম লোকে পুপদ্যভে 🛚

া ভস্য দক্ষিণ পূর্বেণ সম শো্রো বরাঙ্গনে ৷৷ পততে বিষ্ণ্য শৃঙ্গেষ্ व्यगाथण महारूपः। তव नानस्यः ব্দর্য্যাদেক ভক্তোবিতো নর:। মো-দতে পূৰ্বপাৰ্শে তু তিমামেটো শি-लाइरय ॥ अथाव मूक्ट भागान् मम हिन्न व्यवस्थिः। ছिन्ना वि मर्ब সংসার• মমলোকায গছতি॥ মন্দা-রস্যতু পুরেণ গুহু কোটর সংস্থি-তং। যত্র ধারা পততেরকা মুবলেন সমন্বিতা ৷৷ তত্ৰ স্থান• পুজৰী ত প-**१** जिल्लावित्वा नद्रः। भारत्व भूर्वः भाष्यं ज् जिमन् (मात्री भिलाहर्य। তৰাথ মুঞ্তে প্ৰাণান্ কৃত্বা কৰ্ম সু मुद्धत्र । (मक्ष्क नगुर मृत्र मम-লোকঞ্গ ছতি ৷৷ তস্য দক্ষিণ পা-র্শ্বেতুগুহু• বিদ্ধ্য বিনিঃসৃত্ত•। পঞ্চ খারাঃ পতভ্যত্র মুবলেন সমব্বিতাঃ ।। তত্ৰ স্থানন্ত স্বৰী ত সংহারাত্রো-বিতো নর:। মোদতে দক্ষিণে শৃঞ্চে मङ्गामाती निलाहरम।। व्यथाव मू क्ट भागान् क् द्वा कर्प मुम्हद्वर । নেক শৃষ্ণ পরিত্যল্য মম লোক পুপদ্যতে॥ দক্ষিণে পান্চিমে ভাগে নন্দারস্য যশবিনি ৷ তত্র ধারা পা তত্যেকা আদিত্য সম তেলসায় তৰ স্থানন্ত স্বী ত অংহারাত্রোধি-

তো নরঃ ৷ মোদতে পশ্চিমেঁ ভাগে ∏ খ্ৰুবো যত্ৰ পুবৰ্তত।। অথাত্ৰ মুঞ্তে প्राणान् मम कर्या व्यवस्थिः। मईला-প বিনিমুক্তি। নন লোকে চ মোদ-তে॥ তদ্য পশ্চিম পার্ম্বে তু গুছ দেব সন্দ্রি ত । চক্রাবর্ত্ত ইতি খ্যাত মগাধক নহাহুদঃ।। স্থান করে।তি य ন্তত্র পঞ্চভক্তোষিতো নর:। মো-मा न विश्व प्रमुख्य सहन्त गमनावयः ॥ जथ वि मूक्ट शुगान् हकावर्ख নহাবশাঃ। শৃঙ্গান্ সর্বান্ পরিত্য-का भाराज यग महिरथो ॥ (रणः বাষৰ্য নাশ্ৰিত্য তিমান্ বিদ্যাশি-লোছযে। তিসো খারা: পতন্ত্যক মৃ-বলাক্ত্য: শুভা: 🛚 ডত্র স্নান পু **স**ৰী ত মন চিত্ত ব্যবস্থিতঃ। মোদ-তে সর্বশ্কেষ্ একচিত্ত সমাশ্রিতঃ ৷৷ ভপাত্র মুঞ্তে পাণা ক্ষামিন্ গুছে যশ্বিন। সর্বসঙ্গ পরি ত্যজ্য নম-লোকায় গছতি॥ তস্য ত্রিকোশ माजित मिक्नाः मिन गानि उः॥ श्वः गञ्जोद्रकः नाम व्यगादकः महा হুদ•।তত্ত্ৰ শ্বনিস্ত ধ্বনীত গষ্টভকো-ষিতো নর;।। মোদতে সর্ব দ্বীপেষু अर्ब अभगवास्यः। अर्थियः मुख्या मन्तामाः ही नद्धा। इति सम-পুশান্ গম ক্ম ব্যবস্থিত: ॥ সর্ব-धीशान् शति अअ। मन लाकः भूशः नन्साकः क्षी लब्दा। इअमतः॥

म्राउ। उन्र भौकम् भार्त्व छ ७-श् भारत नहर । मध्याताः পত्छाब व्यगायक महास्यः ॥ তত্ৰ স্নানন্ত স্বৰী ত অহোৱাত্তো-বিতো নর:। নোদতে শক্রলোকস্ত सहस्र गमनावयः। अथरिव मूक्ट भागान् सकर्य भित्रनिष्ठितः॥ म-র্বসঙ্গণ পরিত্যজ্য মন লোক পু-**প**र्राउ । मधनः जम् (क्वम् कथ्रमानः भया मृत् ॥ जरुमछ नकः करेक्षव मन्दातमा भिरती मन। उब তিপ্তামি সুশ্রেমণি বিদ্যাস্য গিরি मुर्किन।। नन्तारत भत्रमः छश् छ-श्चिन् छञ् निलाइरय। मकिल म ছ उ॰ চক । वास सात ह वि गरा ॥ नाक्षः मूबनरिक्षत भद्धः जिक्ठि हागुउः। य ७उ८ मृत्या-विजा एक मन्तात मः इजि ॥ তব চৈব প্রিযার্থায় মম ভক্ত সু-খাবহু ৷ এতম জানতে কশ্চিন্মন নাযা বিনোহিত:। মুচ্য ভাগব-তান শুকান্যেচ বারাহ সংশিতান্ **।। ইত্যাদি বারাহপুরাণে ভগব**হু।-**क्ति मुन्त्। इं ७ ए** वर्गन नामाध्यायः ॥ ब्रङ्गावनी ॥

मन्दिक ः क्ष्यं म्रूटम् वित्यवः। ेकि ः व्यक्षागः ॥ गुरु।स्टद्धाः मिक्सक्षरः ा भार्तः॥

मन्दितः 🥼 १५•। ইত্যমরঃ॥ ম-म्माट म्बाटा १व मिनतः। म किछ यशान जाएं। नाम नाम প্রতৌ গড়ে। নাম্বীতি ইরঃ। নগর॰ মন্দরে পর নিতি পু নপু সকযো इल्ला वर्षेत्र है। जिया मिला ह পুলোগ क व नित्राया खुतावानि जि ন্ত্ৰালয়:। ইতি ভটীকাষা• जब्र 🏗 🕸 । यथ जगवन्नानित्र निर्माण नालाजाए । यः कात्राय यन्तितः विश्वनाः भूगाः स्नाकान् क करवहा प्रधान रेव । प्रवादामान् **ला क्यािशमान् जागान् जू** 🏭 कान ७३ भाषनीयान्।। व्याज्ञ 🕙 মাজুক্ত তথা মাজুক্ল নর: ३ लाद्रस्यक्षण्डा**ना जार्न्तः विस्का र्य**ः ন্দির কারড়:।। ইমান্চ পিতরো देत छ। गाय। गाय छि त्या गिनः। भू-सरका यहूनिक्**रमः इनवमः जन** स्निः॥ अशि नः सत्रात किन्छि ঞ্ ভক্তো ভবিষ্যতি । হরিমন্দির কতঃ যো ভবিষ্যতি শুচিবুভ: ॥ के जिल्ला (भवाश्वायः ॥ 🛊 ॥ জ্পিত। স্থাপুরাণে। যে ধ্যাবৃদ্ধি

जरा वृष्क्रा कत्रिक्तासा स्टब्स् ग्रन्। তেयाः विनीयाउ भाभः भ्रबन्ध শতোদ্ভব•।। কিঞ্চ। সমতীত•ভ-विष्ठाक जनानामयुक नद्रः। विक्रुः লোক নযত্যাশু কারবেদ্বা হরে গৃ-रः॥ किन्धा लाक्निगाथ महामुन माउ নাৰ্ছেন বা হ্রে:। তুল্যু ফল সমা-খ্যাত নিছেশ্বর দরিদুযো: ॥ বিফু ধর্মোত্তরে ভূতীযকাণ্ডে। কৃত্বা বাস গৃহ্ তস্তাদেবস্যপরনেষ্টিন:। রাজ-স্থাশ্বমেধানা কলেন সহ যুজ্যতে ॥ भागाप मृत्राय भूगा मरेयउट कथिउ॰ विकाः। उत्राम्हाकमाय भू-ণ্য· কৃতে শত গুণ· ভবেৎ II ভতো ममखन भूना उथा मिनगर छ-(व८ ।। उत्जा मणका लोहि जामु শতগুণ ততঃ।। সহসু গুণিত রৌ-পে। তমাৎ ফল নগাশুতে। ততঃ শ তসহসু বৈ সৌবর্ণে দ্বিজ্ব সন্তমাঃ ৷৷ অনম্ভ কলমাপ্মোতি রত্নচিত্রে ম-**नाह्य । क्वान्त । जात्र छ क्**ष थि-ষ্যুস্যসপ্তজন্মনি যৎকৃতণপাপ বি-वय माल्याञि नत्रकामुक्तात् भिज्न् ॥ भागामभारम कृष्णमा वाविष्ठे छि-রেণুকা:। ভাবদ্বর্য সহস্থাণি বসতে विकु मध्यनि॥ श्रामारि क्करिवम् हिब कर्ष कात्राञि यः। तुना विकु

লোকে তু যাবতিষ্ঠন্তি সাগরা:।। नात्रिंग्रि । यः ऋर्यप्राह्मा छनः (वन्म নরসি॰হ্ন্য ভক্তিমান্। সর্বপাপ্ বিনিমু'কো বিফুলোক মবাপু,যাৎ ।। इयमीर्य। (स्वागातः करताभी जि মনসা যস্ত চিন্তযেৎ। তস্য কায়গ ত পাপ তদহা বিপু নশ্যতি॥ ক্তে তু কি॰ পুন স্তম্য প্রামাদে বি-शितन छ। अरहे हे न ममायूक यः व्यंग्रोदिक्व गृह । न जम्र क्व সম্পত্তি ৰ্বকু• শক্যেত কেনচিৎ ॥ जातिनवानुरमयञ्च कनः शानाम वि-স্তরাৎ। মরণঞ্চ বুজেন্মর্ভ্যো যঃ কৃত্বা পুথমেষ্টকা॰।। স সমাগুস্য यक्तम कनः भारताजामः गयः । विकृतहः স্যোবাল্যে চ ক্রীডমানা যে পাংশু ভি ভ্ৰন• হরে:। বাসুদেবস্য **স**র্ব ন্তি তেপি ভল্লোক গামিন:॥ আদি भूद्रात । त्नभनाहमनदेशव यः क রোতি পুন नंद्रः । (एवम्यायञ्नः क्दा न ভবেৎ की देश ভय ।। # ।। ত্বথ নন্দিরনির্মাণকালঃ। মাৎস্যে । চৈত্ৰে ব্যাধি নবাপোতি যোগৃহ कात्रस्मतः । रिक्नात्य धन त्रज्ञानि रिकार ध्र मृजुा॰ **अरि**षव हा। व्याचार ভূত্য রত্নানি পশু वर्ग सवाञ्च याए। শুৰণে মিত্ৰ লাভন্ত হানি ভাৰুপ

(म उथा। भङ्गो नामकाश्वगुरम का-ৰ্ত্তিকে ধন ধান্যক ।। মাৰ্গশীষে তথা ভক্ত পৌষে তক্ষরজ ভয়। লাভ ন্ত বহুশো বিদ্যাদগ্নি• মাঘে বিনি-फिल्मर ॥ काक्षन कालूत भुजानि তি কাল বল• মৃত•। অশ্বিনীরোছি-भी मृल मुखदावय रेमन्तव ॥ साजी হন্তানুরাধা চ গৃহারস্ত্রে পুশস্যতে। णारिका (जोम वर्ष्क्ष मर्स वाहाः শুভাবহা: ॥ वकु व्याघाठ म्वानि ব্যতীপাতাতিগণ্ডকে। বিষম্ভ গণ্ড भित्रियान् वर्का यारभयु कात्रयः ।। খেত নৈৰে চ মাহেন্দু গান্ধৰ্বাভি-জিদ্বৌহিণে। তথা বৈরাজ সাবিত্রে मूर्ख ग्रमात्र ए ॥ वन्तातिकः বল লবা লগ্ন শভ নিরীক্ষত। স্তম্ভোদ্যদি পুকর্ত্ব্য মন্যত্র পরি ব-र्क्कारय ।। इयमीर्य। वास दर्म नहा-রভ্য॰ বর্ষাকালে বিজানতা। কৃষ্ণপ-ক্ষে ত্রিভাগান্তে শূক্লপাদৌ দ্বিভীয়-कि ॥ ठजुर्थी नवनी वृद्धा जिथि শ্চাপি চত্দ্দশী। ভৌমস্য ভু দিন° বর্জ্য করণ বিপ্তি সংজ্ঞিত।।। ক্ষি-ত্যম্বরীক্ষ দিব্যোগ্যে কৎপাতৈ ভ্র্য পী ডিত। উপস্টি গুহৈ ভঞ্চ ব্য-তিপাত হত• তথা।। চন্দু তারানু-क्ष ह कार्याः कर्मा विज्ञानका। धुवाः

শিচাৰ শস্তানি নৈৰ্থত শক্ত দৈৰত | ।। পষ্য পৌক্ত সাবিত্র বাষব্য रिक्षव ७था। इता म ह जिस्त হালে কল্প ক্লোপচযাত্মকে।। কেন্দ্ৰে সোল ুহো যদ্য ত্রিকোপে তু সু-রোভ্য : পাপ শ্চোপচ্য স্থানে তদাকার্য্য: সমারভেদিতি ॥ 🛊 ॥ जय भानाम्य निः। इयमीर्य। भू-र्वा स्व अवः ोष्ठा भागामः यन्नक ख्या भग-वादा शिक-वाशि न कर्ख ব্য বিজ্ঞানত। ।। উভযো দ্বিগুণা সীমা॰ ত্যকু। চোছায সংমিতা । পাসাদ কালংখন্য নোভয় পী-ড্যেপ্তুপ্ত 🖟 🖈 🤫 **অথ স্থান শোধ**-मानि । मिन्ने श्वारा । मिर्वा विकु रुषा 💯 💯 ए**ाः मृत अखगाः।** পুতিষ্ঠাপ্যঃশৃভি স্থানে অন্যথাতে ख्यात्राः ॥ गर्डामि **लक्ष्मा थाजी** शक्त आरमन या जरवर । वर्णन ह मूत्र (मुंह मा मही वर्षकामरा।। मार्ल्य । পূর্ব॰ ভূক্তি পরীক্ষেত পশ্চাৎ বাস্ত পুরন্ধান। স্বেভা রক্তা তথা পীতা কৃষ্ণ চৈবানুপূর্বশঃ।। বিপা-দেঃ শস্যতে ভূমি রতঃ কার্য্য পরী-कन । विशाना मध्वासामा कवागा ক্ষত্রিয়স্যচ।। ক্ষায়ে কটুতা তদ্বদ্ধি-भा भाष्म्य भगाउ। व्यवि भाषा रेव गर्जबनुनिश्च ह गर्बजः ॥ घ्ज-মাম শরাবছ ক্রা বর্ত্তি চতুইয । ज्यानाराष्ट्रभत्रीकार्थः भूगः उरमर्व मिड्राब ।। मीछा भूबामि गृङ्गीया-हर्गानामन् भूर्वणः। बाखः मम्हिरका नाम मीभारं अर्बज्य यः ॥ मूज्रः नर्बवर्गानाः भागापम् गृत्हम् ह। अत्रः ত্নি মাত্রকণ গর্ভণ পরীক্ষ্যণ খাত প্ त्रा ॥ अधिक भिय भारता छ न्।त হানি সমে সম। ফাল কৃষ্টে ২থবা (मर्म मर्ववीकानि (द्राभय्य ।। जि-পঞ্চ সপ্ত রাত্রেণ যত্র রোহস্তি তান্য-शि। (इ) अथा किनेश जूर्वकानी-(यजद्रा अना ॥ इयभीर्य । সূরভी-নাণ রতি র্যক্ত স্বৎসানাণ বৃষৈ: সহ । मृन्सत्रीगा॰ त्रि र्यक भूक्रेयः अरू नखन ॥ त्राङ्याः भूर्वः शृष्ट्रः यन्त्रा मग्नीना॰ यिष्ड्विना॰ उथा। कान्धीव **इन्स्नारमामा कश्राधक गर्मिनी** ॥ কনলোৎপল গন্ধা চ জাতী চম্পক গন্ধিনী। পাটলা মল্লিকা গন্ধ। নাগ-কেশর গন্ধিনী।। দধি ক্ষীরাজ্য গ-का व यदिवास्य गिक्किनी। सुगिक्कि ব্ৰীহি গন্ধা চ শ্ভদুব্য খনা চ যা ।। সর্বেষাণ বর্ণিনাণ ভূনিঃ সর্ব সাধার-ণা মতা। দুর্গন্ধা দুঃস্থনা যাচ নানঃ वर्गा ह दूर्जगा।। वृद्धार्षहन्तु मन्ना

विद्यादाष्ट्रिक्ष्णायञ्चा । विवर्गा वर्ग-श्रीना ह वका महिमुशी उथा।। दिव-ना जूनजम्भी भाजूबी ह जिस्कावि-का। यउन्। भूल मम्भी मिल्रिश्री-প्रभा ह या।। मही मृश ममा या ह दि-দ্মথা শকটাকৃতি:। এব পুকারা 🖔 যা ভূনি ৰ্বৰ্জ্জ্যা যত্নেন দেশিকৈ: ॥ 🎚 किका भागामग्र विष्णस्य (भा ক্তা ভূমি শতুরিধা। সুপদ্মা ভদুকা भूनी धूमा जामिनाथा भन्ना ॥ जिन रेक नात्रिकिलाफ वर्ष्टिः करिणाफ শোভিতা। পদ্মেন্দীবর সংযুক্তা সা সূপদ্মেতি বিশুভা ॥ নদী সমু দায তন ভীর্থপর্য্যস্ত শোভিতা। পুস্লবৃক্ষ সমাকীর্ণা ফীর ক্ষোপশোভিতা।। वत्नाम्यान वा डा छन्। क्हा छम्न रुम भावृजा। यञ्जीय वृक्ष मूक्ष्मव यूजा ভদুতি কীৰ্ত্তিতা ৷৷ বন্ধলাশোক वल्ना उथा श्रकाम् (नाहिरेजः । মাধ্বী বেপ্তিতা যা চ মুদ্গ নিয়াব-(कान्देव: ११ मृक्षारेनाम भूमारेग র্গিরিপার্শ্ব গতা চ যা : তোযঞ্চ স্বল্ল ক যস্যা সা পূর্ণা পরি নীর্ভিতা ॥ विलाकं मुङ्गि शील्या वरन या शति ভো বৃভা । সশক্রা চ কঠিয়া যুক্তা কটকি ভি ফ रिमः ॥ গৃষ্ গোনাগু काकानाः (माजानाः या ननास्रोतः

l-পুমেতি কীর্ত্তিতা সাতু তা**ণ য**ত্নাৎ পরিবর্জ্জবৈৎ ॥ ভতো ভূমিণ পরী-ক্ষেত প্রোদক প্রানাণ শূভাণ। অ-नक्षे। उथा हमा मन्नरकागा शति-প্লুতা ।। সংপ্ৰ্যমাণে খাতে তু ত-थाधिक गृष्ठ मूछा । समृद्ध मृभः বৰ্গ যন্তা ন মানি মৃছ তিয়া ন নিৰ্বা-তি তথা দীপজোন শীঘু নভীৰ্ব্যতে । খেতাৰণা পীত কৃষ্ণা বিশাদীনা॰ পুশন্তে।। আজ্য কল্প মৃদ্যানা॰ जूना गन्ना ज्या जत्य । मधुद्रा ह कः ষাযা চ অন্ত্ৰা চ কটুকা চ যা ॥ **স**শৈ: শরৈ তথা কাশৈ: দুর্বাভি যাচ সম্থ-তা। তস্যা পুণ্যে ২থ নক্ষত্রে হ-র্য্যা ভূমি পরিগুহ•।। #।। অথ ভূমি পরিগৃহ:। তবৈব। প্রাকার নীমাপ-র্যন্ত ততো ভূতবলি হরে । মাণ-স হরিদা চ্ৰঞ্ সলাজ দিখি শক্তবঃ ।। এভি ভ্তবলি॰ দত্বা স্ত্র নষ্টাক্ষ-রেণ ত্। পাত্যিত্বা ততঃ শঙ্কু 🕏 रिक्यू निरव**ण**रय**् ॥ র**ाक्षमा काशि ভূতাশ্চ যে ৎমিণন্তিগ্ঠন্তি ভূতলে। তে সর্ব্বেপগছন্ত স্থান সর্ব্যামহণ হয়ে: ৷৷ ইত্যুক্তাপ্য ভূতাদীন্ তা-ज्ञि भद्रिष्णाश्य । जारिज्यारि गुरानाक (चाकशारेनः ममः क्टी।। जार्य) निश्वे विशासन उट्या देव हान

भावदि । । जूर्शन उउ: अर्थता भूवग्राज्य । निकः ॥ मन्त्राट भू-শাহুতি" পশাৎ বৌষড়ম্ভেন দেশি-कः। वृष्टा किंशिलो गृश भवती दा विष्कृषः ॥ याजनार्थः रुलरेक्ष्व शृङ्गीयवनस्या**न्द्रवः। शुर्म्ययः स्या**-জ্য মস্ত্রজ্যে ব**ন্ত্রালন্কার ভূবিতঃ**॥ थान्ती यह गानाम चान्नाकत বিদ্যায় । সংমর্দেন সমীকৃত্য **পু**ভ वीजानि वाशरार ॥ मःशास मृज कारत जुलाजि उद शार्यपृथः। পুন ন্ত কৰ্ষবিদ্ধা ত সমীকৃত্য পৃছ্ खकः॥ माट्रम् ह। श्रीना विका॰ ग-তा॰ वारखाः मर्बजः পরिवर्छरय् । নগর গ্রাম দেশেযু সর্ব তৈব বিব-ब्ह्रियर ॥ अ॥ जय निक्नाथन । स्यमीर्थ । वाक् वास नमः कृषा চতুরসু॰ সমন্ততঃ। ভূমি॰ তোয স-না•ক্ত্বা দর্পণোদর সন্মিভা•॥ দ্বাদ-भाकृत मात्नन हार्छोदाता स जुा-भारत । इति ज्ञिन्तिकल मक्रू छ। श्य हायाः नित्रीक्रायः ॥ भूतिरा निमाम् उन्। नक्षृद्दायाः निक्नः (यट । देवषूरव विभाव विशास मञ्जूना नाधरयिष्मि ॥ भत्रष्ठमञ्जरमा तत्रव भारिका९ नाश्यिष्म । भागि रा भूस (वर्षन विक्रिबा नस्राह्मण वा ॥

छनी ही • धुनरवर्षन मथ्रायारगन हा सरयर । हजूत्रमाः भिनाः गृश इंडे কা॰ বা সু:শাভনা॰ ৷৷ চতুদ্দিকু নি-(वण्डाथ ग्विहिङ्ख कात्रायट । এव॰ ক্রা স্ত্তিহ্য বাস্ণা স্তর ভোজ-(य८॥ रेवकवान् भाषरमनागुरान् हा-म्रेनिय जमाहिउ:।। 🗱।। ज्रथ म-(न्याष्ट्रवर्गः। भाष्ट्रम्यः गृहावस्यु उ কণ্ডতিঃ স্বান্যকে স্ব জায়তে। শ-नाडुभनयखं भागात ज्वानथवा ॥ मणना ज्यर यमारणना ज्य नामनः। रुयमीर्यः। जातिसमहासः नः भनाः गृहिता १क विकातजः। **मञ**्जा मृ**म**ऽ वाशि यम् वा सूय-তে ধ্নি:।। কীৰ্ন্ত্যতে যস্য বৈ নাম শ-न्तर जम्र विनिर्फिष्ण ।। # ।। अब বাস্ত মণ্ডল । মাৎস্যে। পঞ্গ-व्याविकत्नः भन्नीकिवात्रमहत्य । এकामीजि भरः वर्गारम्थाजिः কনকেন তু॥ পশ্চাল্লেপ্যেন চালি-भा मृत्वनात्नाष्ठा मर्बन् । मणभू-र्वायञात्त्रथा मन्नरेहरवाज्जतायञाः॥ সর্বাস্ত বিভাগেষু বিজ্ঞেশ নবকা নব। একাশীতি পদ কৃত্বা বাস্তবিৎ अर्बताक्ष्य ॥ शम्ङान् श्कारयाम् विष्मर शक्षरामन ह। माजिला। **राजः প्**बद्धः প्बद्धान्ताः ब्रह्मस्

।। নামত স্তান্ পুৰক্ষ্যামি স্থানানি চ निवाष म । सेनकागामिषु मुतान नृबयह विधान जः ॥ निश्री रेहवाथ शर्क्काना करसः स्विभागृथः। সूर्याः **ল**ত্যে ভূ**ল**ৈচৰ আকাশো বায়ু রে ব চ।। প্ৰা চ বিতথপৈচৰ গৃহক্ষত यमायू छो। गन्न हो। ज्रहा कन्छ मृ गः भिज्भन ख्या ॥ स्नेवाद्गिकाय ज्गीतः भूत्रमस्या बनाधिभः। जम् রঃশোষ পাপৌ চরোগোংহি মুখ্য এব চ !৷ ভল্লাট: সোম সূর্য্যৌচ অ দিভিক্ষ দিভি তথা। বহি দ্বাজি-भरमर जु जम्बू म मूत्रान भृत्।। मे भानामि हजूरकार्य मः श्रिजान् भूजः (यषु थः । जानः रेक्टवाथ नावित्वा करया कृषु खरेश्व ह ॥ मरक्ष नवशरमा বুকা ভদ্যাপ্টো চ সমীপগাঃ। স र्वात्वाखनान् विन्तार भूवीमीमा মতঃ শৃণু।। অৰ্য্যমা সবিতা চৈব বি-वश्वान् विवृक्षाधिणः। नित्वाय द्राक যক্ষা চ তথা পৃথীধর: ক্রমাৎ।। অ ষ্ট্রম শ্চাপবৎসশ্চ পরিতো বুন্ধণঃ স্তাঃ। অ্য্যমাচ বিবয়া ক নিত্রঃ পৃথীধর স্তথা।। বৃহ্মণঃ পরিতো বি ফু ত্রিপদান্তে তু সর্বতঃ। জাপ দৈচ বাপবৎসক্ষ পৰ্জন্যোগ্ন দিতি স্ত थ।।। शिक्तानाक वर्णाय (मव॰ का

ণেয়শেষতঃ। তন্মধ্যে তু বহি বিভি म फ़िन्मा ए जू मई जः ॥ व्यर्गमा ह विवयाः क निजः পृथीयत खथा। दु-ন্ধন: পরিতো দিক্ষু ত্রিপদা স্তে তু गर्वजः॥ वःभानिमानीः वक्तामि ब्र-ब्जूत्रि भ्षक् भ्षक्। वायुः यावजः থা রোগাৎ পিতৃভ্য: শিখিন স্তথা ।। মুখ্যাক্তৃশ• তথা শোষাদ্বিতথ• यावरमव ज्। मूनीवाममिकि यावर ভৃঙ্কাৎ পর্জ্যন্য মেব চ ।।এতে বংশাঃ সমাধ্যাতা: কৃচিদুব্দ্ধব এব তু। এ-তেবাং বস্তু সম্পাতঃ পদন্ধ্যু সন্ তথা ৷৷ সন্ ৈচতৎ সনাখ্যাত বি **শূল•** কোণগঞ্চ হ**ে।** স্তম্ভন্যাদেষ্ क्ब्बंगिन ज्ला विधियु नर्बना॥ की (मा८मृश्वाभधानामि वर्ष्क्रायप्यञ् তো নরঃ। সর্বত্র বাস্ত নিদ্দিষ্ট: পি তৃবংশোত্তরাযত: ৷৷ মূর্জন্যগ্রি: সমা-বিষ্টো মুথে চাপ: সমাস্থিত:৷ পৃথী-श्रा २र्यप्रा टिव खन्या खावशिष्ठ-ा वकः इल वाभव्यः भृकः नीयः जना तृरेषः । मिद्धर्यार्ष्मि 🔊 প জ্জন্যে শ্বেগতে দিতি জযন্তকৌ।। স-(भन्। व म म एको जू भूजनीयो भु-য্ত্র 5: । সূর্য্য: সোনাদ্য ভদ্লাহ্বোঃ शक्क अक्ष ।। क्षुण द्वादायका ह वानश्यः नमाभित्ने। मादिकः

সবিজা তথ্যন্ত ও দক্ষিণ নাশিতৌ॥ विषयान्य विजया क्रिकेट करेड न वान क्रिको। भ्या ह भाभवन्त्रा ह इंडरवा অণিব কৰে।। ভইখবাসুর শোষৌ চ इस्ता व नमानुर्छ। भार्ष ज् मिकान उद्यक्ति उप: मगृरक्तः ॥ উर्क्स पंगायरणी (छारवी जादा र्ग-कई मुझकी। बहुरवा मृग मुग़ीरवी क्षित्र हो व्यविष्य मृत्रः ॥ जयः শক্ত শুথা মেতুে পাদযোঃ পিতর कथा। महा भव**शासा बुक्ता क्राय जू** ল প্ৰৱত ৷৷ চতু:বঠি পদে৷ বাস্তঃ श्वामारक व्यवश्यां मृठः। तुका हरू इत समृद् क्रिक्ट क्श्रमा ख्या।। वशिः কোণেৰ্ চাটো ভূ সাৰ্দ্ধা শ্চোভযতঃ মৃতা:: িশ**িত দ্বিপদা তেবা•চ**-ज्य श्रेशसम्बद्धाः । इग्नीर्यः वा-एक म्बायः शुद्धः (वंजापत्रभतः म्हिः। एष उन्हान् विश्वादः महीनः ন্ধার ভূষিতঃ॥ চতু:ষপ্তি তু প্রাসা-प का भी छ गृष्ट जमा। हजूत्र भी-ক্তে ক্ষেত্ৰে ও ইংখাভয় ভানিতে।। কোণরেখাণ ওতো দত্বা সুরভাগাণস্ত ্কল্লয়ে**ং। শিব: কোণার্চ্চতো জ্ঞেয়:** शब्दिनाः शः मः श्रिः ॥ विभए एक् करवा एक्तवः मूद्धण रेणक्शाहि-कः। ভাক্তরন্ত পদে জ্রেয়ে। দ্বিপদঃ

সত্য ইব্যতে ৷৷ ভূ**শ:**পদহো বিজ্ঞে-যে। ব্যোমীক্ষর পদার্জগঃ। হুডাশ-नः भरार्खक भ्या ह भर मः शिउः॥ विज्ञा विभव्यक भरेमकक गृह-क्षा दिवयं वः भरिकत्का गञ्ज-র্বো দিপদস্থিত:।। ভৃত্বশৈক পদে। জ্ঞেৰে। মৃগশ্চাৰ্ছ পদে স্থিতঃ। পি-তরক্ষার্জতোজ্ফো:পদেদৌবারিকঃ ख्या। भृगीवक भार ख्वाया ए कहः भूद्रपञ्चकक्षा यार माम्भा जित्र राष्ट्र। **श**-मृद्रऋ क् मिश्वः॥ (भाष रेक्ट शाद (द्धारा) श्षां भः भाभ इयाउ। (ताग का**ज**भार छित्या नाग कािश পদে স্থিতঃ৷৷ মুখ্যুশ্চ দ্বিপদেক্তেয়ে৷ ভলাট: পদ স-ছিত:। যজেশ্বঃ পদে জ্বেয়ো নাগস্ত দ্বিপদে স্থিত:॥ नमञ्। जीमशापियी जिपित कार्ज স•স্থিতা। আপো জ্রেযাস্ত পদ্গা বলী দ্বিপদ সংস্থিতঃ ৷৷ চতুগ্নদংছা विष्क्रिय खुर्यामा भूई मधागः। निव-তা তুপদে জ্ঞেয়: সাবিত্রী চ পদে-স্থিতা।। ভতো বিৰম্বান্ বিজ্ঞেয 🖦-ज्हेर भार हिजः। हेन्य कान्या कर ৈচৰ একৈকে সংব্যবস্থিতা:।। মিত্ৰ শ্চত্মদস্শ পশ্চিমে ত্ব্যবস্থিতঃ । कमः भरितक मः हा दि यन्त्रा देवक शाप कि जः ॥ श्राभ्रम विष्क्रत्या-

ষ্যব্রে চ চত্রদ:। চতুসুথ শচ্তু-क.स्। गर्या रक्तवः भुजाभिः ॥॥॥ व्यथ वास्त्रभूका। नाटरम् । व्यथानः मः श्वक्रामि शुमान विवि निर्गयः । वार्डो भन्नीकित्व मन्ध्रांख एह विष्कृताः ॥ वास्त्रभगनः अर्याः পূৰ্যেৰ বিচয়ানং। একাশীজিপ্তান 🔏 निथा वास मस्या जू निष्ठेतिः। **रिश्न जिल्लाश्ल काग्रः ऋरक**्रह भुगागक । यदैः क्कजित्व उद्दर निविद्धः कीत्रकृष्टिः॥ निवारेनः थापिरेत बीनि मार्लाज्यत मर्ख्यः । ज्ञ मृद्वी मरेग बीशि मधु मिनः म गदिरेजः॥ कार्याञ्च পঞ্জ वि दि द्विन शिष्ठ त्रथाभि वा। व्हानात्व जम्म (जारेबार्क वाख्या**राण विव** इरत्या जननिया रेनरनर मिन দন্যাথ জনেশ তুঃ ঈশকোণে ঘৃতা भन्न निथित विभित्तप्रय ॥ उपन সেৎপল দদ্যাৎ পৰ্জন্যায় মৃতা ব্বিত । জনস্থাৰ প্ৰজ পীত পৈষ্ট कृर्याक्ष मः जारहर ॥ इन्ताय भक्षत ত্বানি পৈষ্টক স্বলিশ তথা। বিতা-नक्ष म्याय धूमुः तकः उत्थित ह।। লত্যাৰ ঘূত গোধৃন• নৎস্যান্দ-क्ता कृणाय ह। मञ्जूनी का छत्रीकाय रस्याहरूक वायरवा। शूक वाकास

'माजवा। विजय हनकारन । गृह-ক্ষতায় মধ্ন বনায় পিশিতৌদন ॥ गासारनक गसार्व ज्या (वषम्) न्क्ति । मृगाय यावकः महा । नि-्ञृ छु: क्षत्र। भञाः ॥ स्रोवात्रिक দন্তকান্ত গৈষ্ট কৃষণ বলিণ তথা। जुगीत भूभक एन्डाट भूज्ञम्खाय পায়সং॥স্বশন্তয়েন সহিত দদ্যাৎ পদাঞ্চ বাৰুণে। পৈষ্ট হির্মায मर्गापमूताय मूता मञा ॥ घृटोपनः इ (नायाय (गावा॰ दि भा भयन्त्राता। যৃত লদ্ধু কা ম্চ রোগায় নাগে পুস্ল• क्नान्डिः॥ मिर्नि मूथ्राय माउवरः মুদ্ধোরৰ মতঃপর । ভল্লাটায ত-(जा परा) (जानाय घृष्ठभाय**न** ॥ मर्भाय रिगष्टे॰ मानूक मिरिका ला-পিকা তথা। দিতৈয় তু পুরিকাণ দ-म्राट इंट्यिक वाश्टा विनि ।। 🛊 ।। क्रीत नानाय माजवा नानवर्गाय रेव मिथ । अविख ना कान् मम्यार नगतीठान् ऋरमोपनः ॥ निवज् खंड भूभा क बयाय घृ उ ठनर न । विवस তে তথা पन्तार तुक्ठम्तन भायमः ॥ इति जारनोमन मन्त्रानिनुग्य श्-ত সংযুত্ত। ঘৃতৌদনঞ্ নিত্রায় ক-দুবি ঘৃতপায়স•া৷ আম• পর্<sup>-</sup> তথা नाः मः (मराः म्यापुाकवन्त्राता। भृषी

व्याय ना जानि बचा धाय ह माशः त्य ।। मनक्ताम म मन्द्राप्या नर्जः क्यार् । ननकातात्र गुर्कन न्दा भनदाव ह।। शक्षात्रः यवाः ৈচৰ ভিলাক্ষত হবি চৰন্। ভক্ত **्रिकाक्राक्षः विविधः जुक्ताः विनिदिनः** বেংয়া এবং সংপূজিতা দেবা: শাস্তি **অ**র্বান্ততে সদা। সুরেভ্য: কাঞ্চন• দ म्राष्ट्रकालगाः भगस्तिनीशाक्षात्राकः नीना विवासिया अभि यामृक उथा শ্ণু। মাংসৌদন ঘৃত পদা কিশার স্বিষান্নিত ৷৷ ঈশান ভাগমাশিতা क्रत्रेकः विनित्वन्त्यः । म्राप्तानन সক্ষির নস্থিতি ত সংযুক্ত ।। পীত রক্ত বলিং দদ্যাৎ পূতনা যাত্রা-क्रमी। वाग्रवा भाभ ताक्रिमा मूट-न्यान्य मुदायवः ॥ भाषत्रःवाभि मा जवर सनामा मर्बजः क्रमार । नमः ফারান্ত যুক্তেন পুণবাদ্যেন **সর্বতঃ** ।। #।। ততঃ সরৌ ধবি সান যজনা। नन्। कारत्यः। विकाःस भूकत्यकः ক্ত্যা যেচানে। গৃহনাগতাঃ।। এতদা-ख्यम्यनः कृषा कर्य मगात्राख्टा প্রামাদ ভবনোদ্যান প্রারস্তে পরি-दर्धन ॥ अत्रद्भा भुविष्मय नर्ब দেবাগানুভাষে । ইতি বাত্তপশনন• कत्तुः स्विग (वर्ष्ट्राय्यः ॥ त्राक्षान् भव

नारमन न्दान खरनारिकः। न्छ। नक्षं वारमान क्यंत्राख्याकाग वाहनः॥ व्यत्नः विधिना वस्त शु ि मःवट्मातः वृथः। शृश्ह वायज्ञान कर्यप्राम न पूःच নবাপু যাৎ ॥ নচ ব্যাধি ভব ভব্য न ह वक्षु थन क्ष्यः। बीरवृष्यं मञ् सर्ग কল্পনেক বসেলর:।।

## ত্রশীবল-ঞ্কাত্তে।এব• পুগৃহ্য কাষ্টানি রজসা পূর্য্য দেশিক:। এতেষ। মেব দেবা-मा विन प्राजु कामिक ।। मेना-নীয় পুদাভব্যং পাবসং মধুনা সহ। शक्जनहाय कल (स्य भू अभू भक्ता दि-वाशिकः॥ अयञ्चाय भुमाञ्चा। श्रेष्ठी-ক। পীত বর্ণিকা। সুরেশায় চ'রবা-नि ভाञ्चताय घृठ उथा ॥ ध्रम्क পীতবর্ণ বা সত্যে দদ্যাদ্বিতানক। मन्त्राक्ष्म भिक्तिनाः मः विद्रानाय व চ नगरा ॥ भूष भानाः मनाजास मूर्तः विजल जया । गृहक्काग নধুন যনায় পিশিতৌদন ৷৷ গন্ধ-गक्त र्राप्त प्राप्त माज्य नाजन । মৃগে তিল যবা•শৈচৰ পিতৃভ্য: কৃ**শ**-র• তথা।। দৌবারিকে দন্তকাধ্ব• সু-नीत्व गादक• उथा। भुद्रामास क्ना-দেয়া বৰুণে পদামুৎপল্যা অসুরা বৈক্ষৰ দেয় রস শোষে ঘৃতৌদ नः। यवास्त (म्याः भाभाय (द्रागाय

घ्उन ७३॰ ॥ नागाय नागभू ज्ञानि ज्कान् मृथाय माभायट। हिर्वोपः नकः जल्लारहे सामाय मध्नायमः॥ नागाय ठालि भाल् हः भिर्य नत्रम भागमा अमिटि अभूतिका (मया की-व्र॰ ठारच्छा परम्बन्धि।। पिष् कीव्र॰ **ठा** भवरिद्धाः अर्यहान् वाष्ट्रकः विवा । ছ:শাদক সবিত্তে চ সাবিত্যৈ গড পূৰ্বক ৷৷ বিবম্বতে রক্তপুশ্ল রক্ত-म्पन (मव ह। इतिमान उत्पन्ताय नान्यान्छ जगाय ह ॥ व्डभ्द्रछ निवाय क्षाय ७७ भायमः। जान शक्। नि ना गानि भूतन्। जा खरका (१।। भृथीयद्रायामनाः मः थान नाः नः विनः श्रवः। माक्षठः मिन् रिक्षव भक्षगवाः उथा हकः॥ समान् গন্ধ তথা পুন্ন বুন্মস্থানে নিবেশ यर। याम मा म भ्र भ्र जार मर्ब-ক্ষন্ধে তুষোদক ॥ সিতপদ্ম ঘৃত भा•मः विषारेयं। हाशिकागरक । अ-भ• वा भूभक• भा•म भर्यप्रमुख्य मः ক্ষিণে ৷৷ পিওকৈব তথা রক্ত প্ত-रिन्ध रेनर्याः उथा । मामृद्याः मः भु-দা ভব্য জ্ঞু কাথৈব পশ্চিমে।। অগ্নি খণ্ডেন সহিত রক্ত পিণ্ডেন নিশিত । भूरमयः भाभवाक्रीमा वायवााः মাণ্স সেব চা৷ উত্তরে পিলিপিছাথৈ

जान्म : ब्रक्त विन श्वर । वादा-रेश हाग ना नानि जैमाना दिन्न-দাপথে**।। ততো ভূতগণানান্ত রা**-ক্ষসানা সুরোভ্য**া পিশাচানা**। भगानाञ्च विवा प्रयस्य कामिकः॥ अ-তান্ বা প্রযেৎ সর্বান্ সম্পুদ্ধা-क्रों वृ दः। এव সংশ্ किं जा प्रवाः माडि পृष्टिभूरा न्गा ॥ अभूबिडा विश्िमास कात्रकः इ। शकः उथा। **७ मार्रि जाः स जः ज्**जा गन्न न्देश र्थ-(नाहरेब्र: ॥ शुग्रामः कात्रशिवान् गृरु वा मृतमञ्जा। क ।। वाब भा-नार ग्नात्र छः। তবৈ । বুকাছানে **७७: व**ाँप्राचामु म्वम् भूकन । नि यः मः भू जनः अर्गाः क्षीत्वम गनः न्। भूबन्छ उठः वर्गावामूत्र् गगमा ह। गन्नाहर भुझ देनद्वर धूल-भीरैभः সুরোভন॥ ততঃ সংপ্ছযে-उमिन् गर्दाणाकथताः नहीः। সूक्र-পা পুনদাৰপা দিব্যাভরণ ভূৰি-जाः ॥ श्राज्। ममहत्याम् वीः भद्रि-তৃষ্ঠা॰ মিতাননা॰। ততঃ পুণন্য বি-জ্ঞাপ্য তন্মযত্ত্বেন চিন্তবেৎ ॥ ততঃ স্বনান নজ্ঞে। সর্বদেব নয় পরে। ধ্যাত্বা সমর্থেক্তর যতন্ত্রাস্ত নশং নরঃ ।। तुक्क इस्ति छठा विद्यान् सर्यप्रामा-धात्र मक्करिः। जिल्लाम् मण्याभारत्

ছস্ত্র বর্দ্ধন্য সহ প্জিত।। হেন॰ বা রাজভ॰ বাপি মূম্যণ বাদ্চণ নবং। **ज**र्व वीरकोषधी यूकः ज्वर्ग त्रकादि-छ ।। রত্নগর্ভ সুসংপূর্ণ বন্ধপুতেন বারিণা। পুশস্ত পল্লবোপেত খেত **ठन्तन हर्हिङ ॥ शूरिब्रः मृगानिङ** कृषा गद्मभूष्म विध्निउ । व्यार তেন চ শুক্ষন বস্ত্রযুগ্মন বেষ্টিত ।। বুন্ধস্থানে ওতোন্দ্রী কলসং স্থাপ্য भू इरएए। छिमाः क्ठुम्थः एवः প্রেশ गञ्ज विगुर्।। गञ्जभूद्रिक रिनर्विष्ठः भूक्रस्य भूम्याग्रहितः । ততে৷ মণ্ডল বাছে তৃ পাচ্যা বা পুৰুথ স্থিত: ৷৷ আচাৰ্য্যো গৃহ্ছ সং ভারান গুহাদी । उर्পरिय जुदान् । श्रेष रिखेल ये रेव में रेख व कानी॰ ন্তর্পবেক্ততঃ॥ পুজেশ॰ তর্পবেদ্বিদ্বা-নাহতীনা শতেন চ। ইতর্গন্দশ **डि र्पवानाङ्डिङिः भुउर्भरर**्॥ मन्। भूगी इंडि॰ भन्ना स्वीयंड-ম্বেন মন্ত্রবিৎ । তত্র পুণম্য বিজ্ঞা भा कृद्धा रेव अखिवाहन ॥ भुगृश् कर्कती नग्धा अवस अमिक्ना । সূত্র মার্গেণ দিবেরন তোযধারান্ত जुनियर ॥ भूईवाखन मार्गिन मूब-বীজানি ভ্রানযেৎ। সুশোভন শৃত। सान जवा थाजमा कात्राय्या छ-

তো গর্জ খনেমধ্যে হস্তনাত্র পুমা-ণক । চত্রস্ল মাত্র তদপঃ খ न्तर जूनियंजः ॥ शानस्यसाना **লিপ**্যাথ চন্দনেন চ ভূষযে**ৎ।** নধ্যে দত্বা তু পুস্তাণি শুক্লান্যক্ষত নেব চ ॥ আচার্য্য: প্রাদ্ধাথো ভূবা ধ্যায়েদেব-**हजूर्ज ।** जूर्य। सक्त (वारवन तुका खाय द्रावन ह।। अर्घाः मन्। अत्र-শেष्ठ अञ्चरकारयन मखिवि । পुगृश् कक्क ती • जावह जु • भुभृतरमञ्ज्ञी ।। मर्बद्र मभाकीर्ग दिन्नी मुमुग-ন্ধিভিঃ। তিমান্ শুক্লানি পুয়াণি পু-किलामानि यत्।। उमावर्ड পরীক্ষেত বেদাদ্যেনাক্ষত ক্লিপেৎ । भूड॰ महाक्षिनावर्ख २ भूड॰ वास ভবেত্ততঃ ॥ वीरेबः भाषा यवानीना॰ ত গর্ত প্রযেদ্ধঃ। ক্ষত্রজাভিঃ পবিত্রাভি মৃ ডি গর্ভ পুপ্রযেৎ।। **এव॰ भुञ्जाह्य विधिना**हार्य्य हान• ज्ञ-রোভন। সুবর্ণ গা॰ বস্ত্র যুগ নাচা-र्गाय नित्वरवर्थ ॥ कामञ्ज इभञी भूषाति विकवान् मिकित्जा १ हरिय ८। बुाक्षनान् ভाक्षिष्ठा हं रंगय नृज्या-দি কার্যেৎ।। #।। তত ন্ত॰ খাত-यम्बन्नाञ्जलान्य यावास्य कृ। भूकः वाधः इंड॰ मनाः न गृह् मायमः **७**ति ॥ शात्राप्त (मायमः भन्ताः

ভবেত্ৰাৰজ্জলান্তিক। তথাৎ পা-नारिकी ভূমি:শোধ্যা यावब्बनावि कः॥ निवादः कङ्गासः वा यावद्याः ভূ: স্বারিকা। আকোট্য**ভা: সমী** কৃত্য ততো যোগ সমাচরেৎ ॥ কিঞ্চ। পূর্যেৎ খাতক: যত্নাৎ পা मः भामः यथा कमः। अश्रेष्ट्रनः मृ ত্তিক্যা স্বস্তিক চেপ্তিকাদিভি: ॥ সিক্তা সিক্তা তু তোয়েন কলসৈ: काक्षनामिन्तिः। आरकार्वेन ७७: व्या गृहित वु कावृक्ष किः ॥ शा-मानः भ्रायः थाउः मुममः हिव কার্যেৎ। দেশিকঃ পঞ্গব্যেন তা॰ ভূমি প্রাক্ষযেদ্ধः॥ সুবর্ণবীহি গ দ্রেণ চ্তপল্লবশোভিনা। ওার্থতো য সুপূর্ণেন মর্ণ তামুম্যেন বা ।। সে চযেদভিজপ্তেন বারিণা কলসেন তু ৷ ভতঃ শুদ্ধা ভবেন্ড্মি দোষ যুক্তা नि या ভবে ।। #।। अथ निना नक्र १ भाट (म्र)। जारायवः मना-(त्रन णिला नक्तर मूखम**ा णि**ला न्याम विधानक (পाচ্যতে उपनस्त ৷৷ শিলা বাথেষ্টকা বাপি চতসো ল-क्रवान्विजाः। श्रामानात्वे विधातन न ( इव राः भूमाना इताः ॥ हजूत्र भाः সমাঃ কৃত্বা সমস্তাদ্**থ বেষ্টকাঃ। শি**-वाक्षा मृडा विष्ठा नन्ताष्ठा (क्षे

काञ्चिकाः ॥ जिंश्लाः जुडमाः द्वि भाः मुमना नक्तनादि जाः विम पूर्वा-किंठा धन्।: नधुक ह्य ठामद्राः॥ সান্ধূর্শা স্তোরণোপেতা: কুর্ম মৎ-স্য ফলাহিতা:। দর্পণা হস্তি বজা-काः भुमछ मुवानाक्षिताः॥ भछ भः कि मृगाक्षाण वृषाकाः मर्वना हि-তাঃ। স্বস্তিকা বেদিকা শুক্লা নন্দ্যা-वर्डक वाष्ट्रिजाः ॥ श्रमानि वक्राताः (পতाः निनाः नदीर्थ निकिताः। उथा (गा वाजि भागाकाः भिना थ-न्याः मुथावहाः ॥ कव्यान मृगभानाः क्षान मुखाः প्रक्रिंग छथा। रिज्ञात। पिशिशेनाण पीर्च **ब्रु**ाः क्रांति-তাঃ॥ বিবর্ণাঃ স্কুটিতা ভশ্নাঃ সণত্যা-জ্যা লক্ষণ চুড়ো:। পুশস্ত পাণিক-পাল্ধাঃ পুশস্ত দুব্য লাঞ্ছিতাঃ ॥ য-থোক্ত লক্ষণোপেতাঃ শিলা নিভ্য-হিতাবহা:।। #।। অথ ইষ্টকা ল-ক্ষণ । তত্ত্বৈব । ইষ্টকানা সনাসেন लक्कनः मृत् मान्यु उः। এकदर्नाः मूभ-क्वाक जुनुमाना मत्नात्रमाः ॥ नन्ता-म्। (क्ट्रेकाः कार्य)। क्वूब्रमाः मू সংনিতাঃ। অস্ত্যস্থারাবিতা নেষ্টাঃ कृष्धवर्भाः मणकंताः ॥ मन्द्रभक्षा वि-পকাশ্চ বহুদিন্যাশ্চ বজ্জিতা: । ভशाक विषमा श्रीना वर्छनीयाः भू-

हुन्तक खथा।। भए । वांडम इखाः সুত্র শচরারো দেব বল্লভাঃ। ত্রীবৃ-🖚। মৃগরাজণ্চ সমৃদ্ধ কগজৌ তথা।। এতে দাদশ হস্তা: সুধরতেষা • হ•-नकः नमः। गरूष्डाष्ट्रेकरत्ना द्ध्वरया वृत्या मम उताक् कः ॥ अवत्मत्व पु मार्गन कर्विगाः मृ ज नक्षाः। यक রাক্ষস নাগানা মাতৃহতঃ পুশস্য उ। उथा (मर्बात्यः मश्र काऽष्ठिन-মধ্যনস্য উদাহ্নতাঃ ॥ তথা হ•সা-**एयः शक्ष कन्यत्र जुल्हा म्लाः।#॥** र्यभीर्यभक्षतात्व । भागामः मः পুৰক্ষ্যামি সৰ্বসাধারণ শৃণু ৷ চতু त्रभी कृष्ठ : क्षात्र क्राय (वाउभवा श्रनः॥ मर्थ्य उत्रत हञ्जिस सर्गतामा य সমৃदिङ । द्वारिশव जु जागानि ভিত্ত্যর্থণ পরিকল্পথেৎ।। রড্গোহ্রায-स अवी उ वर्जाणन वावजः। बहुः रिशा विख्राहिष नक्षर्याः कन्नरविषु খঃ॥ চতু ভাগেন মঞ্জ্যাঃ কার্য্যা স-ম্যক্ পুদক্ষিণা। তন্মান নিৰ্মম কা र्य) मृ ज्रायाः भार्त्यायाः मम् ॥ भिथ-রেণ সম• কার্য্য মণ্ডে জগতি বিস্তর•। ত্রিগুণেনাপি কর্ত্তব্য বথা শোভানু ৰপতঃ॥ বিভর• মণ্ডপস্যাগ্রে গর্ভ্ত-न्बवरयन जूरे दिर्घा १ भाषा विक अ

र्यामाया उस्मि विज्विजः॥ शामान গৰ্ভ্তমান বা সন্থীত মুখমণ্ডপ।। এकामीजि भरि बीखः यक्षा मखन মারভেৎ।। শুকাঢ্য দ্বারি বিন্যাসে शाना उदान् यर ज ८ मूदान्। उथा श्राकात विन्यारम यहाम्वाजिः मन्छ-गान्।। मर्बमाधाद्रगरेक्ष उट श्रामाप-স্য তু লক্ষণ ৷ মানেন পুতিনাযা বা श्रानाम मक्षत्र मृत् ॥ श्रु जिमायाः পুমাণেন কর্ত্তব্যা পিণ্ডিকা শুভা। গত্ত স্ত পিণ্ডিকাৰ্জেন গত্ত মানাস্ত ভিত্তথ: ৷৷ ভিভে রাখান মানেন উ-ছায**ন্ত পুকল্ল**বেৎ। ভিত্যুদ্বাযান্ত দ্বি গুণ শিখর কল্পয়েদ্গুক।। শিখ-রস্য ত্ ত্র্য্যেণ ভুনণ পরিকল্লযে । শিথরস্য চতুর্থেন সগুতো মুখন-ওপ॰।। অষ্টকাংশেন গব্ভ স্য রথ-কানান্ত নিৰ্গনঃ। পরিধে র্গুণ ভাগে-न त्रथका॰ छत्र कन्नस्य ।। তভ্তীयেन वा अर्यप्रामुखकानास्त्र निर्गम । वान-**बग॰ ज्ञाननीय॰ त्रथक** जिख्य महा ।। শিখরার্থঞ্চ সূত্রাণি রত্নানি বিনি-পাত্যেশ্ব। শিখরস্যার্ক ভাগস্থ• नि·श· ७ ब ह कात्रय्था भूकनात्रा• श्रित्रीकृ ७। मध्याको -विवर्द्धार ८। অপরেচ তথা পার্ম্মে তছৎ সূত্রণ निशाभाष्ट्र ॥ छएर्षे छ ज्वन भा

क्लिगागन मात्रवान् । कक्रज्येख कर्खवाः विकतानः उरेपवहा। डेब्ब्र्रंड विकिमाना विकास भित्रक मुख्य ।#॥ কিঞ্চ। গৰুত্মস্ত•তথা স্বর্য্যাদুপ-রিপ্তাছত্র্রণ । সর্য্যাদিক প্রতিমা-যামান্ দিক্ষু চাষ্টাসু চোপরি ৷৷ মহা वदाह रेननुराङ नदिनि इस पिक्त । পু बेह्या॰ श्रीक्षत्र॰ एत्व सूनीह्या॰ इननीर्वकः ॥ जाद्ययाः यानस्यायः বৈষ্ঠতে রাম নেব চ। বামন**ক্ষেব বা** यव्या वामुद्रिय नथाश्रत ॥ 🗱 । किथः 1 পূৱভূগৌ ভূশ্যন• দ্বিতীযে চাসন• ভবেৎ। স্থান মেব ত্তীযে তু চতুর্থে যান নেব চ।। পঞ্চনে যোগনিদা তু यर श्रे रया भागन ज्या १ इति रया ग मनायुक्त मक्षत्म भित्रकन्नत्य ॥ नाना गवाकरेक यंज्ञाट भधवल्लाहि ज्वितः। नाना शुकात्र भूष्त्रारेम्। र्यः थामा छ॰ भुकन्नराय ॥ कनिष्ठ मध्य (का) शाना ।(का) शाना ।< বসু ভাগা চ ঋদ্বিণ্ডি: পুদেযা রচনা ्वूरेथः ॥ बात्रम् । ठाष्ट्रस्य यूट्क नवस्य मणस्य उथा। ननारे (वर्षा रेनवः न्धारायम्। भृगु नाम्भुजः ॥ यावक ত্তৈ রভিপ্রেতঃ প্রাসাদ কর্তৃণা নহ। তাবন্ডি রকুলৈ রায়ে বসু ভাগেন বা छावद्या भक् खासा थुरका (छाया वि

खञ्चा (विभिन्न) मञा। **मण**ञ्मास्तर নিত্য• চতু স্তম্ভ• পুকল্পবেৎ॥ 🛊 ॥ व्यथ म ७ श न क । विरम्भ सः। मा ९ र म ऽ । ज्या ७: मः भूवक्यांनि मखनाना-ख नक्षा । मखभान् भुवद्रान् व-(क्कि) शामारम्यानुक्षण ७: ॥ विवि-থা মণ্ডপাঃ কাৰ্য্যা জ্যেষ্ঠ মধ্য কনীয-मः। नागं खान् भुवक्षानि भृतृष्व দ্বিজ সত্তনাঃ ॥ পুষ্লকঃ পুষ্লভদুক্ত সুক্তো মৃতনন্দনঃ। কৌশল্যো বুদ্ধি न कीर्ला ताज छानु। ज्यावहः ॥ 🗐 वृत्का विषये कि वास कीर्गः मु. जि--ধরঃ। যজ্ঞভদুে। বিশালক সংশ্লি-क्षेः भजुगक्रमः॥ ভाগপঞ্চा नन्त-नक मानवा मानज्युकः। मृगीवा र्यंग्रेक्टर कर्निकातः श्रहास्रकः ॥ সিংহ চ শ্যামভদুক সূভদুক ত-থৈব চ। সপ্তবি॰শতি ব্যাখ্যাতা ল-क्षनः मृगु ७ विकाः ॥ स्रु। यत ठजूः-यश्विः भू ब्रकः म उनाइ छः। द्वायश्विः পুয়ভদুস্ত ৰ'ষ্টি: সূবৃত্ত উচ্যতে ৷৷ অ-প্রপঞ্চাশক স্তম্যু: কথ্যতে মৃতনন্দ-नः। कोणवाः यहेशकाणह वृःशका-শতা পুনঃ ॥ নাম়। ভূ বৃদ্ধি সংকীর্ণো षिशीता ताजञ्जूकः। क्यावश्च পঞ্চাশही वृक्षञ्च विकीन कः ।। विकय छिष्ट्रिनः म्यादाख मःकीर्वक ख्या।

যত্নতঃ।। হয়শীর্বপঞ্চরাত্রে। ইপ্তকা नाः भुभागक वक्ताः माम्पु उः मृत्। সুতলা লক্ষণোপেত। দাদশাক্ষ সংমিতা: ॥ সুবিস্তার বিভাগেন নৈ-পূণ্ডেন চসমিতাঃ। সুপর্যঃ সুপুরাণ! **खा এक्**र्वर्गा मत्नाङ्काः ॥ विम्ना ३-क्षेकाः कार्यता महजूदमाः मुनः मिजाः। ছিম্বৰণা কাপুশস্তা: পাণিপাদ বি-विक्किंगः॥ मणक्रिताः कृक्षवर्ग। व्यस् क्रात्र ि जाक याः। विवर्ग मन्दर्भ-হ্মাশ্চ যা: পীনা: পিণ্ডিকাশ্চ যা:।। হীনাশ্চ বিষমা ভগ্নাজজ্ঞরাশ্চ বিব ब्हिजाः॥ श्रा व्यथ मिनामिन्याम वर् वञ् ।। भाष्टा भाषान्य कर्ड र्व्यः शुमारमञ् निनामय। इक्षेकानाः ন্ত বিন্যাস: প্রাসাদে চেষ্টকামযে।। रिमनक रेमन मःभी ठे ये श्विरक ये श्विकः ষ্তঃ। শিলান্যাসাদিকো ভদু মূল भारत विश्वीयर**ः ॥ इयमीर्यश्रश्नत**ः ত্রে। কর্ত্তব্য ক্ষেপ্টকান্যাসঃ প্রাসা-ए एडेकामस्य । रेमल मिनाना॰ विन्तामः कार्कत्र कर्कद्रा न्याम् ॥ ক্ত্বা শিলাদি ন্যাসেচ প্ৰাক্শিলা-ভ্যথিবাসন । ইষ্টকানা প্ৰতিষ্ঠাঞ্চ गद्धां था व का द्रारा ।। खद्रात पिक् ণা॰ দত্ত্বা পীঠ বন্ধঞ্চ সাধ্যেত। স্বয়• শ্ৰীহ্যশীৰ্ষণ পোক্ত স্তৰ্জ বিঃ দু

है ।। 🗱 ।। जब भीठेनक्रनः। इक मीर्य। भीवेवकः उठः सर्गाभश भागाम **गानजः।** भीरोाडप्र<sup>ः</sup> ह्या-ছ্যেণ প্রাসাদস্যার্ছ মানতঃ ম পা-म्होनः मध्यमः नाराटः कम्रानः हार्क भानजः । উভमः बामुरएकमः स-र्य्याट भीठेः विष्ठकनः ॥ 🛊 🏗 🐃 शामाप नक्षानि । माध्रम् । এব বাস্ত বলি কৃত্বা ভঙ্কেৎ বোড-শ ভাগিক। তস্য মধ্যে চতুর্ভিক্ত **जारेग र्गर्छक कात्र**यट्या जाग बाह-শক তত্র ভিত্তার্থ পরিকল্লযেৎ। চতুর্ভাগেন ভিত্তীনা মুদ্ধাব: স্যাৎ भुनागठः ॥ दिखनः निथात्राष्ट्रारग ভিত্ত ছাযাৎ পুনাণত:। **শিখরার্জ**-म्। हारबंन विरथ्या जु भुनिक्रिणा ॥ চতুর্দিক্ষু তদা জ্ঞেয়ো নির্গমস্ত তথা বুধৈ:। গৰ্ভসূত্ৰ দ্বয়ণ ভাগো বিস্তারে। মণ্ডপস্য তু ॥ আযতঃ স্যাঞ্রিভি-र्छारेग र्जुगुकः मूम्भाजनः। शकः ভাগেন সংভদ্ধ্য গৰ্ম্ভমান বিচক্ষণঃ ।। ভাগমেক গৃহীত্বা তু পুাগ্ণীব॰ কল্লমেদ্ব থা। গার্ত্তসূত্র সমো ভাগাদ-गुर्जा मूथमखनः ॥ এতৎ সামান্য मृष्तिष्ठे॰ भागामाग्रह लक्कनः। #॥ किए। । । वर गन्तत्र देवलाम अञ्च नि र गृगा खथा। विभानहम्तक छ-

षहीव्रका १थ म्गाविशः।। वन्छि-इन्तर् उषद्भु नः गर्व छन्कः। गन क्षानम्ब रेक्षव बिम्दबर्धन वद ह।। इन्त। त्रः जूनर्ग्ह नमात्काव ज मूमकः। शामाना नाम जः श्रीका वि जाशाम्यु उष्दिताः॥ #॥ म उम्ब স্ভতুর্ধারো ভূমিকা যোডশোছিত:। নানা বিচিত্র শিথরো মেক প্রাসাদ উচ্যতে ॥ মন্দরো দ্বাদশঃ প্রোক্ত: रिकनारमा मन ज्यिकः । विमानहः म्दक खब्दरानक मिथ्द्राननः॥ म ठान्ड **ज्**भिक खद्द< मधि निम्तिक्तिः । वि॰मा ७क मनायु एक। नन्तनः मनू माङ्ठः ॥ याउँमाञ्चक अभ्युत्का নানাৰূপ সমন্বিতঃ। অনেক শিথর खद्द मर्वरजाजुन उठारज ॥ ठन्न শাল সমোপেতো বিজেয়: পঞ্ ज्ञिकः । वनजिङ्ग्तक उषह्कना नावयादिकः ॥ व्यत्मानुयके स्वः ল্যো মণ্ডল কাস্ত্রি বহ্ছিত:। সিংহ: সি•হণতি র্জেবো মৃগো মৃণসম স্ত था ॥ असः असाक्जि उन्नर्ज्ञिका नवरकाष्ट्रयः । अत्रुनीभूषे मः शान পঞ্চাণ্ডক বিভূষিত:।। ষোডশাসু: नगञ्जाकु विश्वियः न नगूनकः। भाः र्थाया कन्द्रभावमा छेहाया ज्ञिका बयः ॥ याउणामुः न विद्छत्या वि

চিত্র শিথর: শৃভঃ। মৃগরাজস্ত বি-খ্যাত কলুশালা বিভ্ৰিত: ॥ পুাগ্ গ্রীবেণ বিশালেন ভ্নিকাস্ ষড়য়তঃ । অনেক চন্দুশালস্ত গল: भागार উচ্যতে ॥ পर्याउ गृहद्राक्ति वि गर्क-ए। नाम नाम उ:। मक्ष ज्मृह्य छष-हम्मान। जगानि उः ॥ ज्मिका य-ডশীতিস্ত বাহ্যতঃ সর্বতো ভবেৎ उथात्मा गरू उष्ठ मुन्ता माम जू মিক: । পদাক: বোডশাসুস্ত ভূমি-দ্বয় সম্বিতঃ। গুমৃত্ল্য পুনাণে ন तृक्क इंडि स्ड: ॥ भ्रकाखक ব্রি ভূমিন্ত গর্ৱে হস্ত চতই 📭 বৃ যা ভব্তি नान्। यः श्रामानः मर्ब कानि-कः ॥ मछाश्ची शक्षकारेक्टव भामा-मा त्य मत्यामिजाः। भिः इत्र ८७ मे-मारद्धिया (य চात्रि ७९ भूगानकः ॥ हन्तुभारेनः मरगार्शकाः मर्खे भाग्-**গ্রীব সংযুক্তা:** । ঐষ্টকা দারবালৈচৰ শৈলা বা সুয় সুতোরণাঃ॥মেকঃ প-कामक्ष : महार मन्दरः शक्षश्रीन কঃ। চত্বারি॰শভূ কৈলাস শ্চতৃস্তি॰ महिनानकः ॥ निम्तिर्कानक सम्मा-বিংশৎ সমুদাহতঃ। বিংশতা ন-ন্দন: প্রোক্তঃ সর্বতোভদুক তথা।। वर्**ं नः भग्नकरे**ण्ठ∢ वि•म**ष**्कछ छेना-**হ** उ:। मृगः मि श्रमः अञ्चन श्रीः

দ্বাল্যানেৰ পুহীৰেত ততঃ শু.জি-ধরো পরঃ ৷৷ চত্ত্বপরিংশব্দক্তভদুে৷ षिकीतम्य वि**णालकः । य**हेकिःण-हित् तः श्लिक्षे विश्वीनः भज्नफ्नः॥ দ্বাত্রিশন্তাগপঞ্জ ত্রিশতা ন <sup>জনঃ ন্</sup>তঃ ৷ অস্টাবি**ংশখা**নব मानङ्का विश्वोनकः ॥ ठञ्**विः गञ्ज** भूजीता बाविः मक्षर्या मजः। वि• শতिः कर्निकादः महामञ्जाम**ाः भ**री-র্জকঃ।। সি হে। ভবেদ্দিহীনশ্চ শ্যা-गङ्गा विशीनकः । मुङ्गुस उथा পো্জোদাদশ স্তম্ভ সংবৃতঃ ।৷ মণ্ড পাঃ কথিতা হেতে যথা বল্লকণা বিতাঃ। ত্রিকোণ বৃত্ত মর্দ্ধেন্দু মষ্ট-কোণ দ্বিরপ্তক ।৷ চতুষ্কোণঞ্চ কর্ত্তব্য সংস্থান মণ্ডপস্য ত্। রাজ্যঞ্বি करिक्व मायूर्वर्कन (मव हा। भू धना-ভঃ শ্রিয়ঃ পৃষ্টি স্ত্র্যস্থাদিষু ভবেৎ ক্র নাৎ। এবন্ত শুভদাঃ পোক্তা অন্য-থা তু ভ্যাবহাঃ।। 🛊।। অথ তত্ত্ৰ দার নির্ণযঃ। হ্যশীর্ষপঞ্রাতে। গুাম ম (४) ह शृर्व ह भुडाग्हात्र भुकन्नरार ৷ বিদিশাসুচসরাসু তথা পুত্যমুখ ভবেৎ ॥ দক্ষিণে চোত্তরে চৈব প क्तिम शुङ्गिथ• अद<। किथा वि-স্তারাদ্দ্রিণ দ্বারণ কর্তব্যন্ত সুশো-ভন॰। জাতক্প॰ সরজত• তদ্যুত্র-

रेत व् उ॰ ॥ ॐ जूक्रदार्क्त **डः वर्गः** मञ्जा শাখা ন্যসেদ্ধঃ। তূর্ব্য মঙ্গল ঘো यिन वाञ्चनान् अखिवाह्य है। बात्र म ह हर्ज्था रम कार्यो हे अ शुह अरकी l দণ্ডহন্ত্রী তু কর্ত্ত:ব্যা বিম্বক্সেনোপ-মাবুভৌ।। শাখোদ্ধ • ন্যস্য রত্নানি न्।रमम्ब् गूष्यतः। उम्। ग्राह्म **छा (**रवी সाक्षालक्षीः সূরেশরী ॥ कर्डवडा मिग्गरेकः मा जु न्नाभामाना ঘটেন তু। শাখোডুম্বরকৌ কাষ্টো পি এবল্ল্যাদি ভূষিতৌ ॥এক**শা**থ• ত্রি-শাথ• বা ষট্ শাথ• দ্বার মিষ্যতে। নবশাথঞ্চ স্বর্ধী ত অত উদ্ধু ' ন কা-व्रायण्या विकृवजात क्**नारेन्यः नाचा** त्रद्भन ज्**रायटा #॥ माट्रा**ठजुः-यश्चि भर कृषा मार्या बात भुकन्न-यट । विखाताष्म्रिक्षणाह्य खिः ভागा किं ज्य ।। विखादाएकी ভবেদ্গর্ভো ভিত্তযো १न्যाः সমন্ত-তঃ৷ গৰ্ভ্তপাদেন বিস্তীর্ণ দ্বারণ দ্বিগু-न भायजः ॥ উहु।याट भाम विजीनी শাখা তদ্দুমুম্বঃ। বিস্তার পাদ शु जिम वाहना भाषायाः मृ छ ।। ত্রি পঞ্চ সপ্ত নবভিঃ শাথাভি দ্বার মিষ্যতে। কনিষ্ঠ মধ্যম জ্যেষ্ঠ य-था (याग॰ भुकन्नायर ॥ अञ्चलाना॰ শত সাৰ্দ্ধ চন্বারি শক্তি ক্তম।

थन। शुक्त भाषुव। धन थान। स्वत् চ।। শত চাশীতি সহিত বাত निर्गमनः ভবে । अधिकः मण्डि স্তবত্তথা ষোডশভিঃ **শত•**॥ **শত** মান দ্বিতীযম্ভ ভবন্ত্যশীভিভি তথা। দশহারাণি চৈতানি ক্রমে भाकानि नर्वता। जनगनि वक्तनी यानि मानस्मार्ष्विमनानि जु । हात्रस्य **थ**छ गःज्ञन मर्बवा खुष् वर्ड्डाराष्ट्र ॥ वृ कलागाह ज्वात्राट उस क्रा थुडा मि । अवा श्वाप्त वा विकार न हा तः मु जरः जरवर ॥ ऋगण पूर्वां ज टैक्टव भूवामः ऋड्यः उथा । (नो র্ভাগ্য• বন্ধন• রোগো দারিদ্যু• কল-रः उथा।। विद्यास म्हार्थनामान्ह म ৰ্ব॰ বেধে ভবেৎ ক্ৰমাৎ। #11 অথ शाकावानि निर्गयः। इयनीयंशक রাবে। প্রাসাদস্য চতুর্ভাগৈঃ প্রা कातरमाह्या ज्य । शक्ष्यमा (रतमा अक्षया ज् भीठेका॥ ज्या-ভূ দিন্তনঃ পোক্ত স্থা গৰুড স্ত প:। একহস্তাদি সন্বীতি ত্রিংশত্ব खाउ भव ह।। 🗱 ।। वाथ वृक्तांशन निर्वयः। नाष्ट्रमा भूर्द्वव किनाना वृक्षाः कीतृत्कास मिक्ता। शन्हि মেন জল শুেধি পদ্মেৎপল বিভূ विज ॥ উ बद्धन नरेल खारेलः भू । ॥

न्। भू श्रवादि हा। नई उल बन् (मू ষ্ঠ ছিরমহির নেবচ।। সর্তক্ষা প कर्डवुः शतिथा वनगानिकः। गार्गऽ তপোবন স্থান মুক্তরে মাতৃকাগৃহ• ॥ गहानमः उथाएएय निकाउ जू वि-नायकः। वाक्षा ञ्जीनवानम्ह वाय-ব্যে গুহনালিকা॥ উত্তরে যক্ত শা-ना ज् निमान प्रशान मृखात । वाकः ণে সোমদৈবত্যে বলিনির্নপন স্থত ॥ পুরতো গৰুভস্থান তথানে, ষা॰ यत्थाविष्ठः । এवसायजमः व्यर्गाह्-**७ मण्य म**भ्यू छ।। घष्टा विज्ञानके সতোরণ চিত্র যুক্ত• নিত্যোৎসব পু• মুদিতেন জনেন সার্দ্ধণ। यः কার-বেৎ সূরগৃহ• বিবিধ ধ্বন্ধ্যাচ্য• শ্রীন্ত• न गुक्छ जिमर। निविभू छ। एक छ।। 🛊 ।। অথ জীণোদ্ধারঃ। বিফুধর্মে তৃতীয का(७। यम्। ब्राद्धन्तु विषय (५व (व শ্ম বিশীর্য্যতে। ত্রস্য সীদতি তদা-র্ণস্য সংস্থার তথা দেবেশ বেশানঃ ৷ দিশুণ ফল মাপোতি নাত্ৰ কাৰ্য্য বিচারণা।। বিফুরহস্যে। পতিত-म। ह यः कला भ उमानम। तक्षिण। विस्था রাযতনস্যেহ স নরো বিষ্ণু লোক ভাক।। অগ্নিপুরাণে। পতি-ত॰ পত্রমানস্ত তথা শ্বস্থু টিত । নবঃ।

न। उत्तानिकि ल्बुन्बहोत्यः॥

কম্জুতা হয়ে ভান বিতণ কল नाश्वाद ॥ (स्वीन्वतः। 💴 । हें ब्रह्म अंगी. भारी में में में में तकः। ज्याद न तं भूगदान जीत (म्राक्षात गाइतद् ॥ इत्यार्वः ए রাতে। বাপী কৃপ তভাগানাং নুর **शाहाः ज्यान्य । श्रु**जिनानाः स ভানাঞ্চ সংক্ষর্ত্তা নো নরে। ভূবি । পুণ্যু- শা হপ্তণ তব্য ভবেমু নাম नःगरः। कः॥ भूजिशामा विदेश कार्त्र उथा मिल्त निविद्धः भागः बिश्वभीर्याटक इन्ताद्वन रेवन दिस् ।' स्टबानन लुटिशाल न्युगाला **छ** ज्ञिया**नन कि॰।** श्रीमृखि ज्रालेस रैनर जन्मूर्गा जा विष्णययः।। देखि **শ্রিহরি হক্তি**নিদানে **২**ংবিদানেঃ! ीरक क्षी **न**ावना देखिला (बी)। लू विवस्ति अप्राप्त सम्बद्धाः वया। नव র বালিবে পুর বিতি বু নপু. च च्या दक्षान यकेष्ट १ ५७)मृत টী নশা•ু জরতঃ n मलितः शुः जन्मः। ইতি एकिनी ।। জানুপাছাভাগঃ । ইতি হেন छन्मः ॥ गिन्तित्रभण्ः प् विडावः। इति भार् निप्ता।। कान्त्रता जी मन्द्रिया प्रधान दिल्ला

प्रकृत। भी वाजि**लाला। ३७) मतः** েশত ীগ্রাস্থাস্থ। নাদুর ইতি ভা-व।। २ जिल्लानि॥ ৰমেন্দ্ৰী আঁ লাবণন**হিষী। সাত্** মতালের দেল্লা। ইতি রামায়ণ ॥ त्रत्राक्षीकः सू ब्रावनः। इंडि बि का उलाकः ॥ नत्तर्वात्वं मूल भू चेनुहिल। ५० 75,47:11 नत्त्राताः हे देवादः। उद्यक्तिवि। देजावहः ॥ मन्द्रः 🛷 शहं हर्ष् । ऐस्टान्सः॥ वाराविष्णप्रायः । गास्था गर्हः रम्डएण्डा ३ दिल**प**टलावलीस नुस्रथः तः । हि । दः ॥ कृषिकः हाः । इत्यास १० विस्त १ विदेश र्रमा । भार विचार चरा प्रस्ता मृतिमञ्जाः । ™ রাবিত্রো বি মাতৃতঃ ।। লাই 🖟 দূৰ শীজাজঃ শীলোমভ বুললিকঃ । जूर्राक गरी यहा नी भाव लिए क्षिकः ॥ वय ह्यून्यन (वानः न्र्वहन्द्र विद्याननः। दंशावे दिखेर् क्षि त्रागद्राजी विद्याजिकः॥ भ ভু মাতঙ্গ করবৎ গীন নিস্তল বাহ-

কঃ। আরক পাণি ন্যন মুখ পাদ। करवान्त्रवः ॥ कीन मथ्र नहाक् मञ्चः পুনত গর চম্বরঃ। পুফ্র পদাপ এা-कः क्रिणात्र घान छर्ननः ॥ क्युनीरवा नीनक्व भाग्य सम्बद्धाहनः। शक भूत्रायुखा यागी भूत्रकाम ७ २-ণ্ডিত:।। কান্ত: কটাক্ষ পাতেন ভ্রাম যন্নখন দ্বাণ। সুগদ্ধি নাক্তাভাত্ত শৃঙ্গরের স সেবিত• ৷৷ বীক্ষ্য ত• তা मृत्रा रक्षशुम्था मानमाक (उ । মরীচ্যাদ্যা দশ ততো বিত্মবাবিষ্ট চেত্রস:।। ওৎসুক্যু পরম জগার। शु देशकातिकः समः। म ठालि त्वध স বীক্ষ্য সুষ্টার জগতা পতি ।। भुगगा शक्यः भार विनयान कन्न-র:। শ্রীপৃৰুষ উবাচ। কি করিষ্যা-**म**ऽह• क्यां दुक्त• छ ब निरमाजय । ना॰ नार्छ। পুৰুষো यमापूर्वि उं ल्या-ভিতে বিধে।। অভিধানঞ यদ্যো গ্যু॰ স্থান॰ পত্নী চ বা মন। ভংগ স क्य (लाक्न गुड़े। दुः जग जाः यजः ॥ मार्क्रएष উवाह । এव॰ छत्र। वहः भुद्धा शुक्यमा ग्राज्यनः । ऋषः न किलिए (भावाच यम्श्रीविभ विभि । ত:া ততো মনঃ সুধ•য়ন্তঃ সম্যগুং-मृङ्य विगागः। छेतात शुक्रवः वृक्ता छ एक व्यादिन भाव हन्। बुद्यावा ।

। অনেন চাৰুৰপেণ পুত্ৰ বাণৈচ্চ প किः। भारयम् **भूकवाः** खी॰क बक मृष्टि॰ मनाउनी॰ il न (मवा नह গন্ধর। ন কিমর মহোরগা:। নাসুর। नव्दे रेम्ब्या वा न विम्याश्व ब्राक्त्रभाः ।। ন যকা ন পিশাচাশ্চ ন ভূতা ন বিনাযকা:। ন গুছকা ন সিজাশ্চ ন মনুষ্যান পক্ষিণ: ৷৷ পশ্ৰোন गृगाः की हाः পত्रश बनबाक य। न उ मर्ख ভदिष्ठां न वक्ता (य শরস্য তে॥ অহ॰ বা বাসুদেবো বা ञ्रापू बी भूकरवाडम । ভदिष्राम স্তব বশে কিননৈয়ং পাুণধারিভি:।। शुह्मक्शी कन्ना शुविनन् इत्रय नरा। न्थरहर् अय॰ ज्या अकन् श्चिः मनाजनीः ॥ पुट भूग्नवानमा जना ग्थाः वकाः गतास ह। ज-र्धियाः श्रानिनाः निज्यः यह स्माह-করো ভবান্ ॥ ইতি তে কর্ম কথিত• मृष्टि भावर्खकः भुनः । नागानि ह शिष्राभि यस्ड रयाशृ•् ভविष्रिङ ॥ गार्काखन डेवाह। इंजुब्बाथ मूत्र জ্যেষ্ঠা गानमाना॰ मुथानि চ। আ-লোক্য চাসনে পদ্মে সোপবিষ্ঠো **୧**ভব**্ফণা**ৎ॥ ইতিকালিকাপুরা: ণে কাম পুদ্রেভাবো নাম ১ অধ্যায়ঃ ।। 🛊 ॥ নার্কণ্ডেশ উবাচ। তত্ত স্তে-

। मूनयः मर्ख जन्छि भागरविनः । চক্র ভদ্তিত নাম মরীচ্যত্রি মথা छन। ॥ मृथावलाकनास्व ज्ञान वृञ्जाञ्ज मन्। । मकाम्य म जुडी दः স্থান• পত্নীঞ্চ তে দদুঃ ॥ ততো নি-**क्ठि** नागानि महीिह शुग्रा हि-काः। উচু: সঙ্গত নেত্রম পুৰুষায विकाडमाः॥ **अवय**ङ्गः। यत्रा८ পুন্ধ্যচেত স্তু জাতো হুমাক তথা विरवः। अवाममाथ नामा दः लाक श्याः जीवानि॥ जगदम् कामकः 🏲 छ 🖫 गरमा नहि दिन्तरञ् । 🗃 গুল্জা কাল নামাপি খ্যাতো ভব ন-(साञ्या सम्नाग्रमनाथ) छः भास्त्रा मंत्राट अम्त्रकः। उथा कन्त्रनं नामाः পি লোকে খ্যাতো ভবিষ্যসি ॥ खुरामगानाः यतीर्यप्रः उद्योर्यप्रः न छः ि 🦠 विषयानाथ द्योमाणा व् 🐃 া 🚧 তাদৃশ ॥ স্বর্গো মর্ত্য-শং গাড়:ল॰ বুফলোকঃ সনাতনঃ। व्यवञ्चानानि मर्वाणि मर्वत्राभी छन् ব্যন্ যজাৰ্য কিয়া চাপি বিশেষেণ লান্যান্য । বাজি তে সনঃ। যত্ৰ যত্ৰ ख्यः भागी भाषना खत्रावा श्यवा॥ ভত্ত তত্ত্ব স্থান নত্ত্বাবৃদ্ধ সদে।-ি দক্ষো হয় ভৰতঃ পত্নী স্বন্ধ सामाजिल्ला छना ।। इंछि कालिका

भूत्राण्य ध्युग्यः ॥

नव्यानन्तः भूः नहाताक्र हुः। ইঙি

त्राक्षियकः ॥

नव्यानयः भूः आगः। ইঙি त्राक्षः

निर्यकः ॥

नव्याः भूः श्रुप्तः। ইঙি विकाखः

भ्याः ॥

यन् जी भीवायाः भण्णाः निर्दा ॥

हें अन्तरः ॥

नन्। की भन्।। ইঙি भद्दत्राः

বলী।। ননুঃ পুং শোকঃ।। দৈন্যং॥ কতুঃ॥ কোবঃ। ইত্যমরঃ॥. অহস্থারঃ। ইতি শদ্রস্থাবলী॥

भन्उतः क्ली क्रितानाः युगाना (अक
नश्चिः। इठानदः ॥ क्रितानाः विकासनः

देनके मश्चित्रं युगानि सन्ध्यसम्हाद्ध
स्ना वश्चय स्वकात्मा श्विष्ठ वा व्यः

स्नि विकास स्वतः । ध्वः हर्जुर्गाः

थानाः माधिका एक मश्चितः।

क्ठ व्वकाक् युकानाः सता वश्चय

स्नुहाद्धा। इठि लिक्ष्णुद्धानः ॥ स
नदः वाय स्वाप्त विकास एवषा मञ्जद स्व कात्मा श्विष्ठ वी सन्ध्य मिठिया।

धक्ष्मश्चिति विकासः युगाः

नास्त महन्नः युक्तवा क्रिनः। सन्ध्यः

**उ**त्थरिक उत्र जागा कर्जूम ॥ उट कि छिएवि हा निवार्गानारमक नधि बिठि गाम विवास मर्चे ज নারাগণেনোজত্বাৎ তথাগি অলু জ্বাদিক নেক্তিশ মনুত্রন্য সংখ্যাত नर्वाि यथा। विन्नद्रकारे। अ वर्षा गा॰ गान्यम दिलाखनाः। मध्यष्टि স্তথান্যানি নিযু ভাষ্যধিকানি তু ॥ বিংশতিস্ত সহস্যাণি ক্লোয়ঃ নাধি-का विना। नमुख्यमा म रेथाया जि-**ए** श्रिम् कविजा विजाः ॥ हेटि । अजम्का यथा ००५१२००० । *ज*न छञ्चन एक्ट्रेस वृद्धियः। यूनानि र ११ हिं। लूई दूउ युग सार् তত হোৱা বিধীয়ত **ঘোপর**ক্ষ ক नि देवन व्यास्कानि नृत्वाः ॥ यन भागानि मथा। हजा व जीनि (व रेज्यः वृज्यपिषु यथा कन्। विवताः पाला॰ पर्तु 'ति गृरमनातः भुतावित ইতি। সভ্ৰত চত্ত্বাৰ্গ্যতঃ সহস্। ণি বৰ্ষণোভ তৃত গুল**্**তস্তাত गरी पद्या गह्याभाक एवा ि ॥ वैक्सम् नायसम् समझाराम् চ নিৰ এক গোলেৰ বৰ্তাত সভ্ৰ-পি र जिल्लिस अम्मुर्वश्रद राज्य सङ्गा (याधि६००० हजू सर्मू।वि মহ্যা মর্যালি ৪০০ চলারিশভানি 🖯

সন্ধ্যা শবর্ষাণি ৪০০ চত্তারিশতা 🕻 नि । अवः (सर्वमास्य ज्ञा छात्रः) वर्षानि অইশতাধিক চত্তঃশগ্যাণি ৪৮০০ এবং ত্রেভাষাঃ ষট্পতাধিক লিসভ্-স্ ৩৬০০ এক দাগরম্য চতুঃশতা-विक॰ तिमहत्तुः २८०० अय॰ करनः भाउच गायक रास्युः ३२०० स-ब्ताद इतिम महमुनि १२००० । घटान्य एएटर ज्ञाङ्गा ीनाः सानः य-धारत्या जिल्ला वस्त्रि रेनवा श्रञ् रकु साना वहा हना**छी जूब व**हि বেলাঃ। এলানি দুন্য ত্রণ তাডিতা-नि यूगास मन्थाः भन्नि निर्विजनि ॥ এकरिक पृत्रांक मञ्जा यथा ११२४०००। (बङाया यथा १२৯५००० । हाशवत्रा यथा ५५८०००। वस्य র্যথ'৪১২০০০। সলুলায়েন ৪১২০০০০ । या विश्वासित्र वर्षाति यातः वाङ्बाऽ ভিয়া মোক্ত । ইতি ভট্টীনাগা ভরতং ॥ া । অলিছ। বুদ্ধণো দি-ন মধ্যে চত্তৰ্শ শ্ৰন্তরাণি ভবস্তি। একে৷ মৃদু যানদ্ধিকাহী ভবতি স-বালো শ্রম্ম সংক্রমে ভবতি। एक सम्मा॰ नामानि । भूथनः चाय-ादा वयुः । विजीयः **चाद**ाहित्य। নৰুঃ। ভূতীয় উত্তান্য **মনুঃ**। ৮০ 🌣 **धानस्य गराः । शक्षस्य दि**हरू अ

∤ মনঃ। ষষ্ঠ শচাজুধো মনুঃ। সপ্তনো रिववश्रका मनुः। वर्जनाता २गः। काञ्चेतः माविनि र्राज्या नवरमा एकमा वर्ति मंगुः। एमाया व क्रमावर्ति मंगुः । এकाराणा धर्मामावर्षि मनः । चा-माना कर्मावर्ग र्यमः। जमानानाः (प्रविशानि र्मनः । एक्त्रं इन्तु कावित बंबुर ॥ शुक्तिमन उद्ग । छगदर-वाजराजाम् स्वत्राग मर्ख र्य गनु मनुष् প্রান্যঃ প্রক্রপ্রার্বি । তল্পা । শাগন্তবে মনুভারে বভোর প্রতারঃ ज्ञादन्तः। ग्रमान्त्या (न्दाः। सही-তি গালন্যং সপ্তর্যাঃ। স্বাধ্যমূবে। ন मूल कि लाखानशामि मन्भूवी ৪ ৯ গরাচিষে বিভরবতার: । ব্য়াচন উল্:। দেবা স্ববিতাদ্য:। উল্লেখ্যাদ্য: সপ্তর্মার: । অগ্নিসূত: 🛚 बारताकिया मनः। मुजय स्तिन द्वीः िंग्ट পुरुषा सनुभूषाः ॥ २ ॥ *ি লাম সভাবে*না হব্তারঃ। সত্য विनिन्तः। मृष्ठ(दिन **मुञ्जू**। स्र लवाः। विशिष्टमुजाः मश्रवंगः भुगः मामग्रा । लियातुक मू क छ उरमा मनः " वन मृक्षय यञ्जासामा खर পুটাং । ৩॥ ভামসে হরিরবভারঃ । कि अर्थ इन्तुः। टिश्ठारया ५-बाः। (क्याजियानास्यः नहर्षम्ः।

जानरमा गुनः । त्यथा जि नदापय স্তৎ নতাঃ ।। ১।। রৈবতে বিঙ্গপ্তো হৰ জাজা বিজু রিন্দুঃ।ভূতরশাদযো रिवाः । रिज्ञपुर्धामानयः मध्ययः। दिवरका सनः। विल विकामिष ख স্তাঃ ।। ৫ ।। চাফ্ৰে অজিতো হব **जातः। नन्मकन हेन्द्रः। जन्मान**रमा (नवाः । रुगं अभिन्ने ज्ञानयः मश्रर्ध-यः। ठाक्तरवा ननः। शुक शुक्य भूपूर-साम्य उट गुजाः ॥ ७ ॥ रेववश्रक वाज्ञा १वजातः । शृतनात इन्द्रः । जारिङ्या वमत्वा कम्। वित्यत्वता गक्रा। अधिनार्यं इंग्राम्रा (द-বাঃ। কশ্যপো হত্তি ব শিঙো বিশ্বা-নিত্রো গোতনো জনদগ্র ভরদ্বার এ-তে সপ্তর্য:। বৈবন্ধতো নৃনু:। ইক্ষা-वः नृगः भगा जिः मृष्ठेः पृष्ठेः कक्षकः নরিষ্যন্তঃ পৃষ্পুঃ নাভাগঃ কবিঃ এ. ত मनूश्या रम्।। १।। यथ छ. বিষ্যাণি। সাবর্ণিকে সার্গভৌনো **২বতার:।** বলি ব্লিন্দু:। সুতপদো-বিরজা অণ্তপুভা দেবাঃ। গালবঃ भीखिमान् भवभुद्रामः अख्यामा क्ः প: খব্যশৃক: ব্যাস: এতে সপ্তৰ্যঃ । जावर्णि मंनुः। निर्म्याक विद्रबन्धाः म्। उट मुजाः ॥ ৮॥ मक्समावर्णः क अयत्वा १वजातः। भुत्र हेन्द्रः।

भाष्र मतीहि गर्ভाम्। (म्वाः। मू।जि मनान्ताः मश्चर्यः। एक मावर्णि मंगूः ৷ ভূতকেত্ দীপ্তিকেত্বাদ্যা স্তৎ সূতা: ॥ ३॥ वृक्षमावर्गिक विश्वक्क्रांना १व-তার:। শস্ত্র রিন্দু:। সুরসেন বিক कान्त्रा (त्वाः । इविद्यन्तन्त्राः मर्थः र्यः । तुक्तभाविर्ग र्यनुः । ভূরিপেনा-**म्रा छ** मु**डाः॥ २०॥ ध्या** मावर्गिक ॥ श्चरं अजू ब्रवजात । रिवर् ज हेन्तु । वि रक्त कानगनाम्या (म्वाः । अक गान्यः मछर्ययः। धर्मामावर्गि मनूः। ञठास्याम्य खट मृजाः ॥ ১১ ॥ ক্রুদাবর্ণিকে। সুধান্যখ্যো ২বতা-द्रः। अञ्चाना इन्तः। इति जानत्या (म्बाः। जलाम् अत्यः नश्चातः। क्षुत्रावर्णि मंनुः । (मन्वमूलाप्तवापय) **खटमूजाः॥**१२॥ (नवमाविषक (मा-গেশ্বরোহ্ব ভারঃ। দিবস্পতি রিন্দুর **ज्**क्या न्वारता (स्वाः । निर्ध्याक छङ् **म्मा**न्धाः मध्ययः। (स्वमावर्गः न्यूः । চিত্রসেন বিচিত্রাদ্যা স্ত্রং ॥ २०॥ हेन्द्रमार्गिक दृश्कानू वर তারঃ। শুচি রিন্দু:। পবিত্র চাক্রবা मर्या (मवाः। अशिवाङ् मुहिम्ब मा श्वान्ताः गर्रवंगः। हेन्तुमावनिर्मन्। १। गरेषा जार कामा । ज्ञान । क्ला

(मवबाँदे यथावबी ह। मन् ब्राप्ते भ् থিব্যা•রাজা ভবতি তৎ পুত্র পৌ. धारत्या ममुख्य ममाश्चि भर्याख्य द्वा-कारना ভवछि। (एवजा: भूकानाः यः क्छामि कर्मा जुड़ी खट कन शुयह छ। मधर्याया धर्माञ्जानि भुकानगि । ভগবদবভার। এভান্ স্ব স্ব কর্মণি नियाजयि रेम्ज द्राक्रमामीन् थर्य करहा पुष्ठि ।। ठजुर्मना मन् छति तु ऋ-ণ এক দিন ভবতি তমনুষ্য মানে-निकः कन्नः। विःण८करेन्न तुं ऋग वः কোনাসো ভবতি।ইতি শ্রীভাগবত न उ शा \*!। अन्। ह । वर्ष नका नि हवा-রি ভবেৎ কলিযুগ• ক্রমে। দ্বাত্রি•**শ**-ত্যা সহসৈুস্ত সহিতান্যপি সংখ্যুষা ॥ ठजुःविष्टे महमानि नकान्। हो ह मः थ।या। वर्षागाः हाभद्रः (भाकः यूग शर्व निष्णना ।। (ज्ञा बारम नकारि वर्षाणाः शतिकीर्खिङा। व-এবত্যা সহযৈয় সংযুক্তানি ভবন্তি-हि ॥ मन जछ ज्ञाना वर्षानाक ক্ত॰ যুগ॰। সহসৈু রপ্টবি॰শত্য স॰। যুতান্যপি সংখ্যা।। ভিচত্বারি:শ-ল্লকাণি সহসাণিচ বিংশতিঃ। না-নুষেণ পুনাণেন ভবেৎ চাতৃমুপি ক-गाए।। नष्ठ विष्ठेण नक्षानि बिःमर কোট্য ভথৈৰ চা বিংশতিক্ষ সহস্থা-

্ণিমবৃম্বর নিহোচ্যতে ॥ চতুরু গৈ-ক সপ্ত ত্যা মন্বন্তর মিতি শু.তি:। ক-ন্মে। নম্বররৈ রেভি শতুর্দশভি কচ্যতে ॥ (कार्देश द्वारम वर्दे विश्मक्सकानि তু ভবন্তি চ ৷৷ অপ্তাশীতি সহস্থাণি कीरवट सार्यस्वा मनुः। इंडि व क्षिनुतान ॥ 🗱 ॥ जनत्र 🕸 । मार्क (७४ 'डेवार । सन्द्रश्चन सत्नाः का-লো যাব**ং পালয়তে পুরা:। একো** ানুঃ স কালস্ত মন্বন্তর মিতি শুক্ত ।। জদেক সপ্ততি যুগৈ দেবানা নিহ জা- ॥ यः उ े उ कर्जूमं जिः करन्न। पिन যেকন্ত বেধ্**সঃ।। ইতি কালিকাপু**-ज्ञारगरेक व्य**क्षायः ॥ ऋ॥ व्यन्तर्राश**ी মন্বর্বাণ্যশেষাণি শূোত্সিছান্যনু-ক্রমাণ । মনুন্তরাধিপাণ্ডেব শক্ দেৰ প্ৰােগমান্ ॥ ভবতা ক**থিতা**-েত" শাতুমিছান্যহণ গরো। 🗐 পরাশর উবাচ। অতীতানাগতা-নীহ ধানি নম্বরাণি বৈ। তান্যহণ ভবতঃ সম্ভক্কথ্যানি সনাসতঃ १ अध्यक्षतां ननुः श्रवः ननुः साद्राः िय 💯 । ঔভनि खानगरेकत ितः । अकृष छथा ॥ यएएछ मन বা ২ ট্রিতাঃ **নাম্পুত**ন্ত রবে: সূতঃ। देग्वन्छ। १य॰ ल्राइंडर मधन ব উত্তে ২ন্তর•॥ সাম্মুবন্ত কথিত•

कन्नामावन्तरः भया। (स्व। खबर्षयरे महत्र যথাবৎকথিত। মযা।। সা অ উ জ্ব পुरक्रानि मताः सार्वाविषम् जू । मन्डदाविशान् मम्रात्विषी र ख मूडा॰ खथा॥ भादावडाः मञ्चिडा (म्वाः सादाहित्य १ अद्भाव विश्व कि खब (दर्वामु। रेगद्यगत्री महावलः १। ७ इ उ सु राषा मुल्ला महानि अंव-ভ खथा। विশ्वत भार्वतीवा भारत्व मक्षर्या ज्वन् ॥ हिज कि भूक्षा-म्राम्ह म्डाः बाद्याहियम् छ । वि-তীয় মেতদ্ব্যাখ্যাত মন্তর• শৃণু চো-ন্ত্ৰ- ॥ ২॥ তৃতীযে ২প্যন্তরে বুন্ধ-मोखिन नान या मनुः। नुभाउनीम छ छ जिल्हा रिन दिया छूटे मूरत यह ॥ जुशामान खया जाजाः मिवाकाथ भुजप्रनाः । वनवर्डिनम् शिक्षाज পথা দ্বাদশকাঃ মৃত্যুঃ ॥ বশিষ্ঠ তন-যা স্তব্ৰ সপ্ত সপ্তব্ৰে। হভবন্। অজঃ পরশু দিব্যাদ্যা স্তথৌত্তমি মনোঃ मूजाः॥ १॥ जानमन्।। अतः (एवाः यक्षा रवा खया। मजाक मूबिवः শৈচৰ সপ্তবিংশতিকা গণাঃ॥ শিবি-রিন্দু তথা চাসীছত যজ্ঞোপলক্ষণঃ । সপ্তর্যক্ষ বে তত্র ভেষা॰ নামানি মে শ্ণু ৷ জ্যোতিধানা পৃথঃ কাব্য रिष्ठानि ईउक खया। भीवत्रक्रई-

मृजाः ॥ नरत्रन्ताः मृत्राविर्गां "
वज्रु मृ नि मखन । सार्तािष एकीखिन्छ जान्या रित्र छ्या ॥ लिय्वान्या र्श्य ह्यार्ता मनदः मृ
जाः। विक् नातात्र छ्लमा म त्राक्तविः लि्यव् छः ॥ मन्द्रतािष्णात्न छान वक्तवानाचा वः मकान् । ६ । यर्ष्ठ
मन्द्रस्त हामीहाक्ष्याथा छहा मनः॥
मरनाक्तव खरेयर्वरन्ता रहवानि नि
रवाय स्म । आर्याः भुम् छ। ज्वान्ह
भृथ्गाम्ह हिर्वोक्तमः॥ महान् छावा ॥
रव्या वित्रकार्ष्टित इविमान् ख्रमा
मदः॥ जिनामा महिक्ष मुखन

विजि वर्षरा । जिकाः भूकाः भाउपृत्त পुत्र्थाः नूत्रश्वनाः ॥ ठाक्ष्रत्र मानाः भूषाः भृषिवी भज्या २ ७ वन् 1৬1 বিবশ্ব তঃ সুতো বিপু শান্ধদেবো महामूर्गाः ॥ मन्ः म वर्ज्य भीनान् বসু কদাদ্যা দেবা শাত নহাম্নে।। भुतन्मत्र खरेथवाज निया जिमान-শ্বর: ৷ বশিষ্ঠ: কশ্যপো হথা গ্রি র্জন-দক্ষি: সংগীতমঃ ।। বিশ্বামিত্র ভর<sup>্</sup> बाङो मध मधर्यया २व চ। ইक्ना-करेफिव बाजारमा धृष्टेः मर्याछ রেव চ।। नित्रवरुष्ठक विथ्रात्जा ना जा (न-पिष्ठे अव छ। कक्षण्ड भ्रव्ण वम्-मान् (लाकविभुजः ॥ मता दैववश्रजः रिम्राउ नवभूबास धार्मिकाः। १। विक् শক্তি রনৌপম্যা সন্ত্রোদ্রিকাছিতৌ श्रिजा ॥ भन्नस्त्रवृत्मात्रम् (मराजुः নাধিতিষ্ঠতি। অ'শেন তস্য যজ্ঞো श्तो जङ्ज यागमुरा**उदा।। वा**क्on भागाना (पर उट्नाः भ्यान १ष्ठात । उठः भूनः म रेव (नवः भारि স্বারোচিষে হন্তরে॥ তুষিতাযা• স-মুৎ পান। ছাজিত স্থাবিতৈ: সহ। ও-ন্ত্রের চাপি তুষিতস্ত পুনঃ স বৈ ৷৷ সত্যায়া মভবৎ সত্যঃ সতৈয়ঃ नर मुद्राख्यः। जामनम्। खद

ৈ হৈব **সংপা**ণ্ডে পুনরেব হি॥ হর্য্যাযা**ণ** 🛚 হরিভিঃ সার্দ্ধ॰ হরিরেব বভুবহ। রৈবতেপ্যম্ভরে দেব: সম্ভূত্যা মা নসো হভবৎ।। সমূতে। রাজসৈ: गार्खं (परिव (पंववरत्रा इतिः । ठाकः रि हारुद्ध (मर्वादिक्छे: भूक्रवाख-गः ॥ वित्रशेषा मात्रो काछ वित्रशे দৈবতৈ: সহ। নবন্তরে তুসাপ্রাপ্তে ॥ তথা বৈবস্বতে দ্বিজ ৷৷ বাননঃ কশ্য शाबिक् विविज्ञाः मःवर्वर । बि िः करि विमान् लाकान् **किञ्चारयन** यकाञ्चन ॥ भुतन्त्वाय देव**रना**काः শত নিহত কণ্ট হ**ে। ইত্যেতা স্তন**-य उन्तर जल **गन् उद्धयू दि ॥ मश्चया**न ভাষ বিশ্ বাভি:সংরক্ষিতা:পুজা: १ वामाधिक विषय **अर्थ अर्थ अर्थ अर्थ** ছহায়ন । তমাৎ সংপাচ্যতে दिस् बि:व डांखाः भूत्मना । गर्ब ६ (१व) सन्त्यः नम्खाः मश्चर्या (य श्ह तृत्वक । इन्तुक (या यजिम्हान জাতা বিশেষ রশেষাস্ত বিভূত্য স্তাঃ । তি বিশুপুরাণে ৩ অংশে মনুত্ত ताथानः ाग र ज्यापायः ॥ 🗱 ॥ 🗐 বৈত্রেশ উগাচ। প্রোক্তানে তেনি ভ-इका मञ्जन इदानि देव। ভविष्णानु लि विशुष नमाथाजू दुनक्मि॥ ্রিপরাশ্র উবাচ। ছাথা সংজ্ঞা-

সূতো যো ২সৌ দ্বিতীয়ঃ কথিতো মনুঃ। পূর্বজন্য স্বর্ণো হৃদ্য সাবর্ণি **ख्टन कथ्राङ ।। जम्र** मन्द्रज्ञ श् ভৎসাবর্ণিকম্থাষ্টমণভদ্ণুম্ব মহা-ভাগ ভবিষ্য কথ্যামি তে ৷৷ সাব-ণিস্ত মনুযোৎসৌ নৈত্রেয় ভবিতা ত তঃ। সূতপ। কানিতাভাক মুখ্যা-শ্চাপি তদা সূরা:।। তেষা• গণস্ত দেবানা মেকৈকে। বিংশক: স্তঃ। मधने निभ वक्त्यानि ভविष्यान्य गश्च ह।। मीश्चिमान् गानावा द्वामः कृरभा (मोगि खथाभवः। मटभू मण **७**था वृत्रम अवार्ण्यक मधनः ॥ বিষ্ণুপুসাদাদনঘঃ পাতালান্তর গো-**हतः । विद्याहन मूछ एउवा॰ विद्या** রিন্দ্রে। ভবিষ্যতি ॥ বিরজা শচার্বরী-वा॰क निर्धाशाम्। खथा भारत। माव॰ र्गम्भाताः भूषा ভবিষ্যন্তি নরেশ্ব-द्राः॥४॥ नवस्म मक नावनि र्नाख्य ভবিতা মৃত্র:। পারাসরী বিগর্ভাক্ট **সৃषर्याग उथ: बिधा ॥ ভ**বিষ্যন্তি **छमा (मवा अदेकरका मामस्मा गनः।** তেষানিন্দ্রো মহাবীর্য্যো ভবিষ্যত্য-च्हरत। विष ॥ भवरना मुर्डिमान् হব্যে। বসু র্মেখাতিথি স্তথা। জ্যো-তিমান্ সপ্তনঃ সত্য স্তবৈতে চ মহ-र्ययः ॥ ध्रिक्ठ् मी शिक्ट्रः भक्ष-

रुखा निवाशयः। পृथ् खवान्। भ उथा मक्तावर्गिकाञ्चकाः॥ ३॥ म**न्या** व्-ক্ষমাৰণি ভবিষ্যতি মুনে মনু: 1 সুখা-মানো **ং**নিক্দ্ধাশ্চ **শতসংখ্যা তথা** সুরাঃ॥তেষা নিন্দু ক ভবিতা শান্তি नीम महामनः। मश्चर्या ভविष्ठ-স্তি যে তদ। তান্ শ্ণুত্ব চ।। হবিদ্যা-ন্ সূক্তি: সত্যো হৃপাণমূৰ্ত্তি স্তথা পর:। নাভাগো পুতিনৌরাশ্চ স ভ্যকেতৃ স্তথৈৰ চ।। সুক্ষেত্ৰশ্চো ভ্ৰমৌ-कान्छ ज्तिरयगानरमा मना वृक्तनावर्गि भूजान्ह तकिष्ठि वमुस्तराः ॥ २०॥ একাদশশ্চ ভবিতা ধ্যাদাবর্ণিকো मनुः । विश्वमाः कामगमा निर्माण क्रय खथा।। गना (खुर उना मृथ्रा দেবানা•ছি ভবিষ্যতা•।একৈক স্ত্রি• मा क (खबा॰ गग (महन्द्रमह देव व्यः।। নিশ্চর শ্চাগ্রিভেজাশ্চ বপুমান্ বৃষ্টি वाकितः। इविद्याननद्दे कर जावारः अध्यम उथा।। সর্বাগঃ সর্বধর্মা দে-श्नीकार्य खथा। ভবিষ্ঠ रिना **छन्। उनयाः পृथिवी अब्राः। १७।। ब**मु-भू प्रस्तु भाविर्ग र्डविका हाम्रामा मन् ॥ ৷ খতধামাচ ভতেন্দ্ৰে ভবিতা শৃণু নে সুরান্ ।৷ হরিতা লোহিতা দেবা ख्या नुमन्दा द्विज्ञ। मूक्यापः मू-ব্রাপাশ্চ দশকাঃ পঞ্চবৈ গণাঃ॥ ত

পৰী সূত্ৰপাশ্চৈব তপোমৃৰ্ভি স্তপো রভিঃ৷ তপোধৃতি দুর্গ তিশ্চান্যঃ সপ্ত मस्र ज्लाधनः ॥ (एववान्शाप्तव्य रमवर्ष्मुष्ठामय खथा। ভविष्ठान्ति माना खन्य गर्भवीर्याः मुका नृभाः ॥ ५२॥ ত্রযোদশো রৌচ্য নামা ভবিষ্যতি म्या मन् । मृजामिशः मृक्यांगः मृषः र्यान खया भद्रः॥ जयक्रिः महिष्डिना ন্তে দেবানা । যে তু বৈ গণাঃ। দিব-স্পতি মহাবীৰ্য্য স্তেষা মিন্দ্রো ভবি य) **७ ॥ निर्ध्याञ् उ**जुम्मी চ नियुक-ম্পো। নিক্ৎসুকঃ। ধৃতিমানব্যযশ্চা-नुः मखनः मूज्या मूनिः॥ मधर्य স্ত্রি:ন তস্য প্রানপি নিবোধ মে। চিত্রসেন বিচিত্রাদ্যা ভবিষ্যন্তি ম-शिक्षितः ॥ २०॥ (डोड) कड्र्मन শ্চাত্র মৈত্রেয় ভবিতা মনু:। শুচি রিন্দু: সূরগণা স্তত্র পঞ্চ শৃণুত্ব তান্।। চাক্ষষশ্চ পবিত্রাশ্চ কনিষ্ঠা जुाबिन खथा। वाजावृष्काण देव (मवाः मधरी निश (म मृत्। अप्नि-বাহুঃ শুচিঃ শুক্রো সাগধো হগ্নীধু এব চ। युक खथा जि काता मन्-পুজানতঃ শৃণু ॥ উक गञ्जीत त्रुका-দ্যা মনো স্তম্য সূতা নৃপাঃ। কথিতা मूमि भार्व भाविषयासि विमिने ॥ ३८ ॥ हजुर्गाएउ (वनानाः काः

ষতে কিল বিপ্লব:। পুবৰ্ষয়ন্তি তা-**त्न**ठऽ ভृवि मधर्यस्या मितः॥ कृरठ কৃতে ষ্ঠে বিপু পুণেতা জাযতে মনুঃ।দেবা যজ্জভুজন্তেত্যাবন্মন্ত রম্ভ তথা। ভবন্তি যে মনো: পুঞা যা-**दश**नुबद्ग• क्टिउः। जन्दरया फुरेवरे क्व ভাব দু: পরিপাল্যতে ।৷ মনু: সপ্ত र्याया (स्वा ज्लानान्ड मानाः मुजाः । মনুষ্ঠরে ভব্স্তোতে শক্র শৈচবাধি-কারিণ: ৷৷ চতুদশভি রেতৈস্ক গতৈ र्मनुष्ठदेव विक्रि। महमुगुन भर्गप्र**ष्ठः क**ः **ल्ला निः (শ**व উट) एउ।। जाव**् भू**मा-ণা চ নিশা ততো ভবতি সন্তম।। **ই**তি বিষ্ণুপুরাণে ৩ অ•শে ২ অধ্যা यः॥ अ॥ नतुष्ठत्र भूवन कनः यथा। শুতে মন্তরে প্রে ধর্ম মাপ্নোতি भानवः। यादाहिषम् भूवनाद म र्ज्ञान् कामानवाश्च्याट् ॥ उडाम ধনমাপোতি জ্ঞানঞ্চাপ্রোতি তাম-সে। রৈবতে চ শুতে বৃদ্ধি সুরূপা। विन्मट ञ्रिय ॥ व्याद्माग्रक्शकः ्व পু•সা• শু:তে বৈবন্ধতে বল•। গুণবৎ পুত্র পৌত্রাণ্চ স্র্য্য সাবর্ণিকে শুতে ।। नाहाबार वृक्षमावलं बंबंमावर्न কে শূভা॰। মতি নাপ্নোতি মনুজো কদুসবিণিকে জয় ॥ জাতি শুংধা र्था युक्ता मक्तरावर्गिक मुख् भी

বিশাত্যভারি বলা রৌচ্যা শুলা मन्खमः॥ (एव भूमार मार्थाञ ভৌত্যে মনুম্বরে শুতে। তথানু मी थि॰ भू धा॰ क खनयूका नवाश्रु उ ।। সর্বাণ্যনুক্রমাত্রস্ত শ্ণোতি মুনি-সত্তম। মনুস্তরাণি ভস্যাপি শুযতা॰ कन मुखन ।। তত্র দেবান্ধীন্ বি-भाग्रन् उउनयाम्भान् । इन्माः भ শুরা সর্বেভ্য: পাপেভ্যে বিপুম্চ্য-তে।। দেবেন্দুর্ষি নৃপাশ্চান্যে যে ত ন্মনুম্বরাধিপা:। তে প্রীযম্ভে তথা পীতা:পুষম্ব স্থ শুভাণ নতিশা ততঃ **म्**डा॰ मिंड॰ প्राभाऽ क्दा कर्म उथाः শুভ । শৃভা• গতি ম্বাপ্নোতি যা-विनिद्धा कडियंग ॥ मःबंगुः श्रेंडवः त्रोम्याः मर्खं त्रोम्या ख्या गुरुाः 1 खवडा **मः म**यः मुद्दा कमासन्छद স্থিতি ॥ ইতি শ্রীনার্কণ্ডেয় পুরা-(१ मनुख्रान्यर्गनः नामाध्रायः ॥

মপষ্টঃ
মপষ্টকঃ
বিন্যা ভরত: ॥
মপষ্টকঃ

মভু গতৌ। ইতি কবিকল্পদ্ম: ॥ ওধ্যবৰ্গ চতুৰ্থোপথ: । মভু তি ইতি দুৰ্গাদাস: ॥

मन वर मिरीय । आभात इंडि ভाষा। । यथा। मञ्जूष मन त्राक्रमर त्राङ्गा-

(अञ्चिश्वायुत्रि। जानाजाति यथा জ্ঞন্য কিনেত্রমুনি সত্তন ॥ ইতি माक (७४ भू द्वारा (५ वी ना हा जा ) ।। তেषु यमशीयदः जानता १ शि मम বথাক্তস্য অজ্ঞস্যেব রাজ্যাদিষু মসত্ব মে তৎ কিং কিংনিবন্ধন নি ত্যৰ্থ:। ইতি ভটীকাষাণ নাগোদ্ধী ভर्षः॥ अम्याव्ययद्वन म्या भूमा-१ नगष्माक मुद्रेत्रा वामहक्रा ্বস্ত্রেকব্চনান্তস্যেদ কপ তৎপ-मः जियु निष्यु मम्भः ॥ षमठा क्वी मर्भः। यखिमानः। इंडि हिग्रहन्तुः॥ सम्बन्। यथा। उथानि মমতাবর্ত্তে মোহগর্ত্তে নিপাতি-তা:। ইতি দেবীমাহাত্ম্য ॥ মমতাযুক্ত: পু· ক্পণ:। ইতি শদ-माना।। অভিমানাদিবিশিষ্টে তি:। नमदः क्री मनीयदः। यथा। मृःथाः যতন ভূতো হি মমত্বালয়নো গৃহী । ইতি মার্কণ্ডেযপুরাণ ।। স্লেহ:। যথা। সো হচিন্তযত্ত্তদা তত্ত্ৰ মনত্ত্বা-কৃষ্ট চেতন:। ইতি দেবীমাছাত্ম্য ॥ মমত্বেৰ শ্ৰেছেৰ আকৃষ্ঠা চেতৰা মতি যঁস্য। মমেতি ষষ্ঠ্যন্ত্ৰপ ম-ব্যুশ তৃস্য ভাব: মনত্ত্ব । ইতি তউীকাষা কালীরামঃ॥ नमाभजानः भू विषयः। मवाराज

রাল পুত্যয়: স্যান্তস্যাপ তৃডাগ-নো পাতো র্যলোপো মকারক্ষান্ত্য) न। ইতি निकाष्टकोमुन्।गृगानिः वृखिः॥ ম্য ড গতৌ। ইতি কবিবলুক্ষমঃ।। उ नग्छ। इंडि पूर्गामामः ॥ नयः १ ऐ छे:। इंडानदः॥ अथङ-ब्रः॥ मानवविष्मयः। अञ् रिन्छ्या-ना॰ भिन्नी। इंडि यिनिनी॥ उन्ह সপ্তাপত্যানি যথা। ন্যস্য জাতা (र्गायाः भूषाः मध महावलाः। मागावी पूर्ण् जिटेन्छव वृष्टम महिष ख्या। वालिका वजुष्मा ह कन्तर मन्तामत्री जथा ॥ इंजि वङ्गि भू-बाग ॥ नयहः भुः ज्गगुक्तश्राः। इं हि हा-वावनी ॥ रुनस्टम्ट उपुनार्थ शुर्विगार्थ ह भवदे देखि शुरुश्य ভবতি ৷৷ भष्ठेकः शुः वनमूत्रः। इंडामत्र ही-कागाः ভরত: ॥ गया जी চিকিৎসা । ইতি শব-**চ**न्द्रिका ॥ ञ्जीरेयक्ब्रहनास्राम्बह्न-क्माक्भम्लावः ॥ ম্যি ত্রি আত্মনি। আমাতে ইতি ভাষ। मध:नात्रवहना खायह्यमाः क्ष भिष्। इंडि व्याक्द्रणः॥

**ন**যুর

মণী জী ন্থস্যজীজাতি:। উষ্ট্রী। ইতিব্যাকরণ ।।

भयुः श्रृ॰ किमतः। ইত্যসরः॥ মৃगः। ইতিমেদিনী॥

भगताजः भू व्यवदः। इति नेष्वदः। वनी ॥

भयूश्वेकः भू॰ वनम्यः। इंड्यान्न ही का।। भयूशः भू॰ वित्रगः॥ मीखिः॥ कृत्वा । इंड्यान्नः॥ (माजा। इंडि मिनिः नी॥ कीवः। इंड्यानः॥

बग्रः भू सनामधाउनकिवित्नयः। उद्भर्गायः। वर्हिनः २ वर्हा ० नी লকঠঃ ৪ ভুদ্মভূক্ ৫ শিখাবলঃ ৬ निथी १ (ककी ৮ मिशनामान्नामी २। इंडामदः॥ भुव्वाकी २० व्युकी ১১ সিতাপাস্বঃ ১২। ইতি শব ब्रह्मावली ।। श्रुकी ১৩ मिघानन्ती ১৪ कवाशी १६ मिथ्छी १५ हिडांश-ছিকঃ ১৭ ভুজগভোগী ১৮ মে**ঘ** नारान्वामकः 🔊। यम् ना॰मः ॥ গুণাঃ। নযুর: শুোত্র নেতারি মেধা বণ ধরাযুধ। । ছিতো বল্যে গুৰু-শ্চোফো বাভমঃ শুক মা•সংঃ॥ হেনন্ত নালে শিশিরে বসন্তেসেব্যু• श्चिमायूत गृ**णांड मा॰म॰। उैत्था** লি বছী বিষ ভোজনৈশ্চ বৰ্ষা **শ**-

রদ্ গ্রাম নুখেম্বপথ্যঃ॥ ইতি রাজ

मन्त्र

निर्विष्टः ॥ এउमा॰ म स्मित्र अरेडन ज्रेड विष्ठ्न १ । ইতি রাজবল্প ङः ॥ # ॥ मयूत्र मिथा क्ष्म १ । उट्म-र्यायः । थ्रा भा २ कात्रवी ० मीनः ८ माम्म उत्तर १ । इंड भ्रतः ॥ अ-नामार्गः । ইতি स्मिनी ॥

ন্যুরক ক্লী অঞ্জনবিশেষ: । তুতিয়া ইতি ভাষা । তৎপর্য্যায়: । তুত্থা-জ্ঞান ২ শিখিগ্রীব ত বিত্যক ৪। ইত্যুমর: ॥

মযুরক: পুণ অপামার্গ:।ইত্যমর:॥
তুথক ॥ মযুর:। ইতি বিখ:॥
মযুরশিখা।ইতি জটাধর:॥
মযুরগীবক কী তথা ।ইতি বাজ

ময্রগুবিক॰ ক্লী তুত্থ । ইতি রাজ-নির্ঘণ্টঃ।।

भग्तरहेकः पुः गृहत्रक्षुः। इंडि हातावनी।।

भग्रवृष्ठ• क्ली (ङ्रोशिषक•। ইতিরাজ-নিঘটঃ!।

भग्रह्छ। जी भग्रिमिथा। इंडि रेक्रकः॥

भय्त्रकड्डः श्रु॰ (माऽानाकः। ইতি ब्राजः निर्वण्डः ॥

ন্যুরতৃত্থ ক্লী তুত্থ । ইতি রাজ-নিঘণ্ট:।।

ন্যুরপদক ল্লী নথাঘাতঃ। যথা। তথাবকেরকোলী চ নথাঘাতে তু নপ্রশান্যুরপদক ব্যায়্নথকোৎ-পলপএকে॥ ইঙি শদ্বালা॥ ন্যুরবিদল। ত্রী অবৃধ্যাইতি বৈ-দ্যুক্ত।।

भव्तिनिथा जी चनान्धां उक्त्निशि । विश्वि । विश्

জিং।। ইতি ভাবপুকাশ: ॥ নেন্রিলা জী অম্বল। ইতি রাজ নির্বটঃ।।

भग्री खी भग्र बीका जिः। इं ि वतः कत्र क्षित्र क्षित्र भुइ क्षि ।। भत्र कः भू भातिः। मफ ह इं ि ভाषा । इं ि इन्हिन्दुः ।। उप भग्रियः। भाती र भात्रकः ।। इं ि कि विश्वः ।। उन्तर कात्र का कि यथा। यात्र मा खं अनू नं वि धन् विकास का स्वार्थिका छि नायं। जावफू जिंक भी पा छव जि व मत्रकः म मन या छि त्याकाः । इर्राहा ता उर्था वी मन् क छयः।

করী ফেৰুরাবৈশ্চ ভীনৈ: শূন্যগ্রানা ভবেযু নরপতি রহিতা ভূরি কন্ধাল মালা।। ৰক্ত• করে।তি রবিজো ধরণী স্তো বা মূলক হন্ত নঘ রেবতি নৈ-ত্র ভেবু। ছগ্রোপভঙ্গ পতনানি চ रेमनकानाः अर्बज लाकं नद्राः इतः (यो उ (रणः॥ नाः माञ्चीनि मनाराष ल्यानानान्ग्य वायनाः। या मृगाता **২থবা মধ্যে পুরস্যু পুবিশান্ত চে** ।। विकित्रिष्ठि गृहारही ह न्यामान जा नशे ज्वराक्षात्रम हन्या लाकः পরচক্র সনাগন: ॥ সংগ্রান্স ম-शायाता पूर्विकः नत्रकृष्णा। यासु छानि भुम्गान्न जम्र (रमम् म विपुर्वः ॥ इंडि ब्राडिखबुः॥ यभिष्ठ। मा-हियात्र अयः रेगतिककाल ह यूकानि। मूर्वाका खना आत्र का तिरम् ठालि नि-দিশেমরক ।। ইতি গুহণ পুকরণে তিথ্যাদিতত্ত্ব•॥ অন্যদপি। রবাবি-(नर्) गजाका। भन्। सात ज्वस्य। त्नोकगा खक चूका छा। रतालया वृ-थवा मात्रा। गाक ह कलना (नवी छ-धानक खतकत्। (नोकाशाः **भ**न्तरः वृक्तिः महार सामायाः भद्रकः छः বেং 11 ইতি পত্তি মাণপুৰেশ ফল ক্থনে জ্যোতিষ ৷! 🗱 ৷৷ অস্য माडिः। (त्वीमाहाचार भारते।

ষটুকভৈরবন্তব পাঠা। তৃদস্যা বি-कुन्बनकः। यथा। उन मर्गानत्नवाः स महामात्री ममुख्यान्। उथा जि-विश्र मूर्भाउ माहाबाः भन्या मान ॥ इंडि नार्काखरम्बान ॥ गाती जाग बाज जा विश्वा नित्त ज्य। खेटमाजिक महाः <वारत ७०। मृध्यप्रत्मीतः।। वस्रतः চ তথা ঘোরে গঠেৎ তোত্র সনা-হি । ইতি ৰি গুলারো স্বার তত্ত্তে **जालम्बातकः ॥ १**१५ व्हे 🚉 🖷 । ব্লিকৈণ্চ কিং ক্লিশ্যন্তি নত্না ছিল। गराणाडिकतः श्रीमा सन्तरा श् ब्रिडा इति:॥ उँ शाजान् माकः नान् भू भा पूर्विनिखान्या । তুলস্যা প্ৰিতো ভক্তা নহাশা ভিকরে। হরি:।। অত্র বৃক্ষপূরাণী। যো নজ:। । ওঁ নমস্তে বহুৰপায বি-ফবে পরমাত্মনে স্বাহেতি। ইতি জ্যোতিস্তত্ত্ব ॥

भवका की हित्रवर्गनितित्वा ।

भाषा है जि जाया। जम्र (द्वा विद्या विद्या

৮ मो भर्गः ३ गक्छा हीर्गः ३० दूधः রত্র• ১১ অশ্।गर्ভ्रष• ১২ গরলারিঃ :> वाभावानः ३८ गाक्छः ३৫ १ স্ত্রচিৎ পুত্তকে গরুডোম্নীর্ণ স্থানে गक्राडोर्न वाभावान ज्ञान वा-পुरान इंडिह भार्थः। यम्र खनाः। বিষম্ব ে নশীতলব ু ৷ রসে মধু-রব্। আন পিত্ত হরব্ণ। ৰুচ্যব্রণ । পুडिरद्भः। ज्उनामनद्भः॥ 🗱॥ व्यम् वक्षाः । सद्धः एक महादः श्चिषः गाउषः नार्च्य म्यान्डः । व्यवाकः वहतकः मृत्रात्री नतकः भू छ॰ विज्याद ॥ **% ॥ उम्रह्मण**-क्षा । नक्तिन किन कक भ-निन॰ नयु श्रीन हाडि कन्याव॰ । আসমূত বিক্তা**হ্ণ মরকত মন**-রোপি নোপভূঞ্জীত ॥ # ॥ তস্য भद्रोका। यहिवाल भिच्छ भाष-च र्वि कारिक का वाशहरेनः श्रान्। रञन ह बाल कीत वशुषा रेणबीय शु-स्त्रिप ह। ছाया जिः नवजाः दशाजि তদিদ নিদিট ন্টাবান জাত্য যন্তপনাতপেযুপরিতো গাক্তাত• রপ্তথে ।। ইতি রাজনিঘণী: ।। 🛊 ॥ গুছান্তরে ভদ্য পরীক্ষাদি যথা। সূত উবাচ। দানবাবিপতে: পিত্ত মাদা-य ভ্রুগাধিপঃ। দ্বিধা জর্র মিববে,।ম

भवतः वामुकि र्ययो ॥ भ उना स नि-রোরত্ব পুভা দীপ্তে নভো হছুথৌ। রাজতঃ স মহানেকঃ খণ্ডসেতৃ রিবা-বভৌ।। ততঃ পক্ষনিপাতেন সংহর-मिव (द्राप्तेनी। गक्जान् भन्तरममुत्र) नुरु व मूनहकत्म ।। महरेमव मूरमा **ठ ७८ क्रीन्द्रः** मूत्रमापूरक जूतक भारभायाः। निका वन गक्ष वानि ভাষা বরমাণিক্য গিরে কপভ্যকা याः ॥ उन्। भूभाउ नमनस्त कान মেব ভদ্দরালয় মতীত্য রমা সনী-পে । স্থান ক্ষিতে ৰূপপ্যোনিধি তীর লেখা তৎ পুত্যবাম্মরকতাকর-তা॰ ৰূগান।। তবৈৰ কিঞ্চিৎ পত-তম্ভ পিত্তাদুৎপত্য জগাহ ততো गक्जान्। मृहानतीजः नर्रेनव षाना तनु द्यन भुभूत्माह नर्बः ॥ ত वाकरोत मूहक श्रे मित्रीय भू म थ (ए)। ७ পृष्ठहत्र नावन रेनवनानाः। কল্লার শশ্যক ভুঙ্গস্ভুজাঞ্চ প্র-পান্ত বিধো মরকতাঃ শুভদা ভব ন্তি।। তথ্য ভোগীন্দুভুজা বিমুক্ত। পপাত পিত্ত দিতিজাধিপস্য। তন্যাকরস্যাতিতরা সদেশে: দুঃ থোগল ভ্যক্ত থগৈক যুক্তঃ॥ তিমি মরকত স্থানে যৎকিঞ্চিনুপদাযতে । उৎमर्बः विषात्रामानाः भूमनाय

भुकीर्ब्धाउ ॥ नर्व माखोषिकारेन যমশক্য চিকিৎসিতু। নহাহিদ॰. ষ্ট্রা পুভব বিষম্ভত্তেন শান্যতি।। অন্য মপ্যাকরে তত্র যদ্মৌষৈ ৰূপ-বৰ্জিত। জাযতে তৎ পবিত্রাণা-মুন্তন পরিকী ভিতে।। অত্যন্ত হ-ब्रिड वर्ग• कामन महि विख्न क-िलका काकन চ्रामा उः भूर्वनिव वकारङ यह ॥ युक्तः मः इति रहेनः সমরাগংগৌরবেণ বিহান। সবিতঃ कद्रकारमाणाहत्यां मर्वाण्यः भी স্ত্যাণাদিত্ব চ হরিত ভাবে যস্যা-अर्विनिश्ठ। ज्यक्ति छः। व्यक्ति পুভা পুভাহত নৰ শাৰ্ল সন্মিতা ভाতि ॥ यह मनमः भुनांपः विप्रधा-তি নিরীক্ষিত নতি নারণা তন্ত্র-কত মহাভণ মিতি রত্নবিদাণ ন্নো वृद्धिः॥ यस जाकत मन्यमार इ-उन्राखाः महामानः । त्रक्षयमाञ्च भारित महामज्ञकं इं इं उं ॥ इ-তুর্ধা জাতি ভেদস্ত মহামরকতে ন-म् वक्तेपः॥ 🗱 ॥ यथ ছाया। छः বেদ্প্র বিধ ছায়। মণে ম্রক্তস্য চ। বহিপুছ সমাভাষা চাসপক্ষ সমা . ২পরা ॥ হরিকোচ নিভা চান্যা ত-थारेनवाको अभिना। श्रक्ता ७ शृष्ट

मक्ता ना वातिवाद ममा उथा ॥ नव শাহল বছা (। শিরীৰ স্বস্থোপমা व्यवभाष्ट्री स्मार्थाजा न्या महक ভাশুষাঃ॥ ছাৰাভি যুঁক্ত মেতাভিঃ শেষ্ঠ মরকত ভবেৎ। পদারাগ গ-७: म्राहा क्र**नितम्** र्यथा ভবে<।। তথা শ্রণ এই বা শ্যামলা হরিতামলা ॥ 🗱।। व्यास्थान खनाः। स्नियाः मध ভবস্তু। 🗝 १३ १४ विष्या मञ्हा অস্থিপ কৃষ্ণ মিত্যুক্ত ব্যাধি স্তম্য পুতে ভবেৎ।। বিষ্ফোট: স্যাৎ সপি-ডক্তে তত্ৰ **শত্ৰহ**তি ভবে**ে। স**ংপা শ্রাণ ভবেনিষ্ট নাম্পো মরকতে প্তে ম বিষ্কাল লাবকতং পাত বাৰ্য্যতে ন তু পার্যতে। শর্করং কর্করা যুক্তং পুঞ त्माकश्रमः धृ**उ**॰ ॥ कठेत्र॰ काखि शै-नस स्रिश्चिक्त ज्यादरः। ऋत्याय वर्गः भारतः जाजा मृज्य ख्या खाय া ইতি দোষাঃ সমাখ্যাতা বর্ণ্যন্ত হথ মহা গুণাঃ। নির্মাল কথিত। सह॰ अक माामूक्डा युड॰॥ निषा कक विभिन्क भन्नक भारतभूक । সুরাগ রাগ বহুল মণে: পঞ্জ গুণা मठाः ॥ थेउ प् क गतकउ नर्व পাপ ভ্যাপহ•। গ্রু বাজি র্থা-ন্দর। বিপ্রেভ্যে বিস্তর।দ্ধিমে॥তৎ यन अनेवाद्यां <u>भूष</u> ग्रंका

খতে। ধন ধান্যাদি করণে তথা সৈ ন্যক্রিয়া বিধ্বে।। বিষয়োগোপ শমনে কর্মসাথরণেষু চ। শস্তে মূনিভি र्यमाप्यः भवकर्णः मिनः॥ उथारः। ষছতা গুৰুতা কান্তি: শ্লিঞ্চত্বণ পিত্ত কারণ । হরিন্নিরঞ্জকঞ্চৈব সপ্ত মর-ক্তে গুণা:।। ৠ।। অথ কৃত্রিমাকৃ-ত্রিন পরীক্ষা। কৃত্রিমত্ব॰ সহজত্ব॰ मृण्डा अविश्वः कृष्टि । घर्यरद পুত্তরে বব্দ কাচ ন্তমা দিপদ্যতে॥ लिथरयस्त्रीर ज्राह्म हूर्ननाथ वि-লেপবে । সহল: কান্তি মাপ্মোতি क्विमा भिवनायः ॥ वर्गमाछि বহু ত্বাৎ যস্যান্তঃ স্বন্ধ কিরণ পরি-ধানণা সালু ব্লিঞ্জ বিশুজাণ কোমলা वर्ष् भुजारि त्रम काखि॥ हत्नाज्ञ नया কান্ত্যা সান্দ্রাকারণ বিভাস্যা ভা-তি। তদপি গুণবৎ সংজ্ঞা মাপ্নো-তি हि यामृभी: भृर्ब: II अकन करो। র মিলিন ক্ষ পাষাণ কর্বরোপে-ত । দিপঞ্ শিলাজভুনা মরকত মেববিধণ বিগুণ ।। যৎসন্ধি শ্লেষি-ত॰ রত্ন মন্যমরকতান্তবেৎ। শ্রেয-क्वारेन नं उष्कार्याः (क्वज्वाः वा कथः ঞ্চন।। ভল্লাতক পুঞ্জিকা চ তদ্বৰ্ণ স-মযোগতঃ। মণে ম্রকত্তৈ ব্র-क्रेगिया विकाजयः ॥ क्लोराग वाकः

স। ঘৃষ্টা দীপ্তি ত্যজ্ঞতি পুঞ্জিকা। वाघरवरेनव काठमा नका कर्जू • वि-ভाবना ॥ कम्राहिमस्मकक्**रिंग मंत्रक**छ মন্ণছতোপি গুণ বর্ণিঃ। ভল্লাতক-म्य निर्द्ध रेविनम्य मूरेल कि वर्षम्य ॥ বজাণি মূকা: সম্ভানে যে চ কেচি-দিলাত্য:। তেবা মণুতিবদানা छ। खवज्रक्षं गामिनी ॥ अजुषाहिव কেষাঞ্চিৎ কথঞ্চিদুপদ্ধায়তে। তি र्याणालाकामानाना जना लिय भू-ণশ্যতি ৷৷ স্থানাচমন জপ্যেষু রক্ষা-मख किया विरथी। मम फि ली हिन्न ग्रानि अर्विष्ठः माधनानि ह ॥ रेम्व পিত্র্যাতিথেয়েষু গুরু সংপ্রনেষ্চ। বাধ্যনানেষু বিষনৈ দোষজাতৈ বি त्वा फुरेवः॥ स्निरंव शै न खरेनयू कि কাঞ্চন পুতিযোজিত। সংগ্রামে বি-চরল্ডিশ্চ ধার্য্য নরকত বুধৈ: ৷:#৷৷ অথ নূল্য । তুল্যা পদ্মরাগস্য হয় ল্য নৃপজাযতে । **লভতে ২**ভ্যধিক তমাৎ গুণৈ মরকত মৃত ৷৷ তথাচ পদ্রাগাণা দোবৈ মূল্য পুলীয তে। ততো হস্যাপ্যবিকা হানি র্দো-ষৈ মরকতে ভবে**ে।। গুণপিণ্ড সমা** যুক্তে হরিত শ্যাম ভাষরে। মূল্য: দ্বাদশক প্রোক্ত জাতি ভেদেন সূ রিভিঃ॥ यरेবকেন শত॰ পঞ্চ সহসু॰ ষিত্রে যবে। ত্রিভিশ্চিব সহস্ত্রে দে চত্তিশ্চ চতুর্ত্বণ।। ইতি গাৰু-ডে নরকতপরীক্ষা ৭১ অধ্যাবঃ যু ক্রিকল্লতরুশ্চ।। নরকতপ্রী ক্রী পাচী। ইতি রাজ-নির্ঘণ্টঃ।।

मञ्जू की मञ्जूका निः। इंडि निस्-जुजावनी।।

মরণ ল্লী বংসনাভঃ। ইতি রাজ-निर्मण्डः ॥ विकाजीयाज्यस्यः मः रायाः गधुः मः । इंडि न्यायम् उ ।। उ भर्यप्रायः। भक्षा २ काल्यसः ၁ **मृ**ष्टीसः ८ भूवयः ৫ অত্যयः ७ অसः প নাশ: ৮ মৃত্যু: ৯ নিধন ১০। ইত্যনরঃ।। ভূমিলাভঃ ১১ নিপা-**७:** >२ चाउऽयिक•>० मृ**डि:** >८। ইতি শব্দস্থাবলী।। कीर्खिम्यः ७६ महानिम्। ७७ महाभयगमः ३१ সংস্থান ১৮। ইতি জটাধ্র: ॥ नद्रग मृःथानग्रह । सद्राग यानि मुः-थानि भारताि भृग् जानाि । শ্লপ গ্রীবান্ধি হস্তোথ ব্যাপ্তা বেপ-थूना नदः॥ मूल्या निः भद्रवामा मू-হু জ্রান লবা হ্বিতঃ। ছিরণ্য ধান্য তनग ভार्गता ভ্ৰুत शृहा दियु ॥ এতে কথ ভবিষ্যপ্তীভাতীৰ মনতান্ধ **णः। नर्य निष्ठि सहारदारिनः कक्** 

 $\mathfrak{F}_{i}$ 

है द्विव राक्टेंगः ॥ भारत द्विवाष्टकः त्मारेनु चिरामानाम्यक्रमः। विक र्खगान जात्रांकि इस शाम गृहः किशन्।। मः मुरामान जारमा है न् रहे। घूत्रघुत्रायां । निक्षाकरके। दि। (विरिच करान चान भी फिडा। जा-(भन भरुजा ब्राश्व ख्वा ठार्ख ख्या क्रुवा। (क्रमान्८कासि माल्याि या-म्य किन्नद्र भी फिड: II उडक गाउ-না দেহ ক্লেপের পুতিপদ্যতে। এ छान्।नानि हागानि मुःधानि नद्रात ন্ণা।। ইতি বিষ্ণুরাণে ৬ অংশে ৫ अक्षायः ॥ 🗯 ॥ मृह्यात्र न्यात्र निर्वाद्या यथा। जानी न निकारन म्त्री॰ नाष्टिः भुणमायख्या। मृङ्ग्र-त्रण नार्खिश न स्वरः नातरग्दः नतान् ॥ ইতি কৌর্যে উপব্লিজ্ঞাণে ১৫ অ-श्रायः ॥ 🗱 ॥ जाय शास्त्रिक सञ्जान न ক্ষণ । সোমশকোবাচ। ধর্ম্ম্য হি की मृत्मा मृजु । बर्जना रिव वस्त्र (म । **উভবো लक्कन कार्ल द्वाय हि व** स्थ (म। जूनतावाह। जा अा स्नीहः क्रमा भाष्टि खीर्थः भूगाहिकः ख्या । धर्मक भाषिछ । यन उन्। मृजूः বদান্যহ়ণ ॥ রোগো ন জাগতে ভস্য भव्यां का करवारत । म मुखा रेव नव द्मानि मह (यदरा जुन खुणा। रिवाक

প रहा ज्या गन्न वा वाक्षण उथा। (वरभाठे नगायुक। गाँछ द्धान वि-भावनाः ॥ उत्र भाषं अभागां । खिं नर्विष्ठ ठाजूना । मूद्रा हि আসনে যুক্তো দেবপূজা ব্ৰতঃ কিল ॥ जीर्थक मञ्ज भाकः मानार्थः वर्ष ज्यानाः। ज्यानात् ह त्याति ह रिवडायडान्य हा। बाह्यात ह छडारम ह यजायत्या वह ख्या। वुष বৃক্ষণ সমাশ্রিত্য ত্রীবৃক্ষন্ত তথা পুনঃ ॥ व्यवहान मना निका शबहान ७ এ। নরঃ। অশোক• চ্তবৃক্ষক সমা-मि्डा यहा क्रिडः ॥ निविध वाकाः শানাঞ্চ রাজবেশ্মগতোপ্রি হা। রণ-ভূমি সমাশু হ্য পুরা বত্র মৃতা ড-क्रीः॥ मृह्र्इानानि भूग्रानि क्वन श्च कातवः। (गागुरुख नमः भागः) ज्या जनव मक्टि ।। मुक धर्मकरता निजाः धर्माजा धर्मावर मनः। व्यवः হ্রমণ স্নাপ্মোতি যদা মৃত্যু সমা শ্রিতঃ।। মাতর পশ্যতে পুণ্য পি-তরঞ্চ নরোভন•। ভাতর• শ্রেযসা युक मन्। यजन वास्तर ॥ विन्तिजन ख्या शून्यः ख्यमानः सूनः सूनः । পাৰিষ্ঠ নৈৰ পশ্যেত মাতৃ পিজা-मिक भूनः॥ भी छ भागति भन्न दीः खर्षि खारकाः खरेरः। मजनारि

ত্তথা বিপ্রা মাতা দ্রেছেন পূজ্যেত।। পিতা স্বজন বৰ্গশ্চ ধৰ্মাত্মান মহা-মতি । এবফ্লুতা: সমাখ্যাতা: পুণ্ ।॥ ञ्चानानि एक विरक्ता ॥ भुकाकान् পশ্যতে ভ্তান্ হাস্য সেহ সমা-বিলান্। নচ স্বংপুন মোছেন ক্লেশ व्राक्तन दिव वज् ॥ धर्मावाहा महा शास्त्रा म्द्रा**डङ म**मास्र्राय । जः ছে হি ত্ব॰ মহাভাগ যত্ৰ ধৰ্মঃ স তি-'ষ্ঠতি।। তৃস্য মোহো নচ ভান্তি ন্মা-नि नं विकिया। कायर जना जन ন্দেহ: পুসন্ধাত্ম। পুতিষ্ঠতে ।। জ্ঞান विकान मण्याः महरमवः कनार्यनः। তৈক্ষ সাৰ্জ- পুৰাত্যেৰ সম্ভপ্তো হৃষ্ট মানস:।। দশন দারনান্ত্র আত্মা তস্য হি গছতি। শিবিকা ভস্য চা याजि সুयान भूमाना इतः ॥ विमा रेन द्विव योट्या योट्या (वंदगन का छ। मः। ছত্রেণ ধ্রিয়মানেন চামরব্যজনৈ ख्या ॥ वीजामानः म समा मा भूरेगाः রেব সমন্ততঃ। গীয়মানস্ত ধর্মাত্মা স্থমানস্ত পণ্ডিতঃ॥ বন্দিভি শা बरेत फिर् देव। वा किरेग (विष्णातरेगः। नाष्ट्रि ख्यमान्स मर्वामाथः। नमः निजः॥ यथा मान शुजारतन कनः মাপ্মোতি তত্রস:। আরাম বাটিকা মধ্যে সপুষাতি সুথেন বৈ॥অপ্সারা-

**ভि: नगा**कीर्ला हिव्या । क्रिके य् जः। परिवच्च ख्यमान्य वस्ताङ्क পুপশ্যতি ॥ দেবাশ্চ ধ্যাসংযুক্তা জগুঃ সা'নুথ্যনেব তে। ত্রছে হি ত্ব॰ মহাভাগ ভঙ্ক ভোগালনোরনান্ ॥ এव॰ म॰भगुरं थर्मा भाग क्रम॰ गशमिकिः। यत्रा भूगानाः जारकन जुड़ मर्ग मन्खम ।। ( भ क्यार न वर्षाजा भूनर्जन भूगाउँ हा निक थ्यं भुताराट ज क्व- भूगा भूगा **छि ह ॥ व्याक्षणमा जुन्यामा क** जिय. मा ७१ थत छ। धनाष्ट्रभः मुनुरान रिकामा ह स्वामस्य ।। यस्मिन स्मान मछ ভদু॰ পুনঃ भूगु॰ करताछि সঃ। ইতি ত্রীপদাপুরাণে ভ্নিখণ্ডে সুমৃ-ताभार्यात २० वस्त्रान् ।। सः ॥ অথ পাপিনা মরণ লক্ষণ সময় শর্মোবাচ। পাপিনাং মরণা তন্ত্র कीम्रेण लंकरेन यूं छ खत्राष्ट्रिशिक कानानि जाविति। সুমনোবাচ। শুযতা মভিধানগ্রমি टमाट मिकाट मुंड नगा। भारत-ना॰ मद्रग॰ कान्ड यामृष्य॰ लिक् स्वर ह। गशाणाणिकनारिक्षव हान त्मिषा॰ वनामाइः ॥ निश्वा मस्तवा मन्त्रस् ভূমি•পাপ সমন্বিতা•। স তা•পুলাও जुम्होत्रा श्वापान् मुःरथन मूक्जि।।

চমপ্রা**ল ভূমিণ সংপ্রাপ্য মরণণ যাতি** ভূত্মিক। গৰ্জভাচরিতা ভূমি বে-मः गात्रः मनानि्जः ॥ मन्त्रभान-शृहः गद्या रेनथन । **ज्नाहित । ज**न 🔫 हय नर्थः भूगं मानुजाः भाभ किल्तिभः॥ তা মবাপ্য স দুষ্টাত্ম। মৃত্যু প্রাপ্নোতি নিশ্চিত। অন্যাণ ক্রাচারা• প্রাপ্য মৃত্যু• সংগx अवस्य स्टिडाः भूवक्कप्राभिक्ञाः ना भुष्य निक्ठिण । टिल्क्स्यान् मार क्षान् श्वादानिक्ष्भग्रस्वान् ॥ পিক্লাকান্ পীত নীলা ক অতি ्राजायरहानद्रान्। व्यक्रुद्धाः **क वद्रा**-वाक्ष्म गुइ मान्त्र चुटालमान् ॥(दो দুদণ্ডু। করালাণক সিংহাস্যান্ সর্পা इ अकान्। म जान् मृक्ष्वा शुक्रामा जिस (५) उठ मूछ मू छ:।। भिवा नदार व-দ্বোরা**ন্দারাবান্দানতে । মুঞ্**স্তি দ্তকাঃ সর্বেকর্ণ মূলে তু তস্য হি ॥ गान भाग भुवद्या एउ कर्छ वद्या छ ध्यामात्र । अभाक्ष्य नयास्त्रां इा-हि कराजा गृद्धः ॥ भियमानमा चा दक्षा जायव॰ भुवनाग्रङ्॰। भन्न দুন্যাগহরণ পরভার্য্য বিডয়ন।। का भड़मा मर्बन गृही छ रेवस नानि अन्दिन्य भुम्खः हिलाः कावः विरमाहिरेजः ॥ वानप्रस्व

यहानान<u>ः सनु</u>जिनुहत्व ह। क्छे সাথান্তি তে সর্বে মিুখমাণস্য তস্যুচ ।। यानि कानि চ পাপानि পূর্বমেব क्ञानि ह। व्यायां हि कथेमून (इ **बहाभाभन**ऽ नानऽथा ॥ मूःथ मूट. शान्यरक्षराज कक्वरक्षन माक्ग । পীডাভি দাৰুণাভিশ্চ কণ্ঠো ঘুরস্থু-রাষতে ॥ রোদতে কম্পতে হত্যর্থণ মাতরণ পিতরণ পূন: ৷ মারতি ভ্রাক तः उद ভार्याः भूषः भूनः भूनः ॥ পুন বিষয়ণ যাতি নহাপাপেন মোহিত:। তস্য পাণা ন গছন্তি বহু পীড়া সমাঙ্গলা:।। গভতে কম্পত্তে हिन सहिं ह भूनः भूनः। वदः भीषा সমাযুক্তোদু:খ ভুল্লে ংতিনোহিত: া ত্য্য প্রাণাঃ সৃদুঃখেন মহাকষ্টেঃ পুচালিতঃ। অপান মার্গ মাশ্রিত্য শৃণ্ কান্ত পুযান্তি তেনা এবং পুৰা দুরাত্মানো লোভ মোহ সমন্বিতা: 1 নীযন্তেচ মহাভূতৈ তেষা দু:খ বদা-ম্যহ ।। ইতি পাঘে ভূনিখণ্ডে সৃম-নোপাখ্যানে পাপিমরণ নাম১৬খ-श्रायः॥#॥ भाभिनाः यमालय गमन नाना (यानि भुाश्चि विवत्तवः यथा। मू মনোবাচ। অস্থারসঞ্চযে মার্গে কৃ-यात्राला हि नीय छ। प्रश्नानः जः দুষ্টাত্মা চেষ্টমানঃ পুনঃ পুনঃ ৷৷ যতা

ভলো মহাতীবো বাদশাদিত্য তা-পিত:। নীযতে তেন মার্গেণ সম্বপ্ত: স্यं। तन्त्रि ।। भर्तछिष्व मूर्गयू ছागाशीत्मयु मूर्याजः। नीयत्य त्यन गार्गन कृषा ज्ञामि भीषिउः॥ त्र पृटेज र्रनामस भारा परिखः भन्न শ্বধি:। কশাভি স্তাড্যমানস্ত নিন্দ্য মানস্ত দৃতকৈ:।। ততঃ শীতম্যে মা-র্গেবাযুনা সেব্যতে পুন: ৷ তেন শী তেন দু:शी স ভূত্বা যাতি न সংশयः ।। वाक्षामाणा म्रेज्य नाना मूःरथन नीया । এवः भाभी म मुद्राचा (हव বাৃহ্বান্ধণ নিনদে হং।। সর্বান্ধান্ধ স্মাযু का नीया यमकिकदेत: । यम॰ भा শ্যতি দৃষ্টাত্ম। কৃষ্ণাঞ্জনচযোপন ।। ज्यू गु· मारून जीय यमपूरेज: म नातृ छ । मर्बन्धां सि ममाकीर्गः विज **ৰপ্ত সন্বিতং ।। আৰুচ নহিষং** (मव धर्मद्राज दिलाखन । म्थू) করাল মত্যুগু লয়াস্য কাল সন্ধি-ভ ৷৷ পীতবাস মহাহস্ত রক্তগ স্ধানুলেপন । রক্তমালা কৃতাভূ य॰ भनाष्ट्रस्य ७ चस्त्रः ॥ ७व॰ विद्यः মহাকাৰ যম পশ্যতি দুর্ঘতি:। **७ मृक्षा मममून्राध मर्ब धर्म** वहिष्ठ ত ।। যম: পশ্যতি ত দৃষ্ট পালি **४॰ ध्यां**क **के क**ा नाउए ख महापूः

थिः भीषां जिल्लाक्ष्मित्रः ॥ याद-দ্মুগ সহসাম্ভ ভাবৎকাল পুপচ্য-তে। নানা নরক দেশেষু পচ্যতে চ भूनः भूनः ॥ नद्रकक्षः भूगारा**उ**।व॰ क्मि की छित्र भा भक्ट। जामासा পচ্যতে নিভ্যুণ হাহা ভূতো বিচে-छनः ॥ भद्रगरेक्षव भाभाजा वव॰ যাতি সুনিশ্চিত । এব পাপসঃ मासागः ज्यु रेठव मूम्यंजिः॥ भून र्जन भुवक्राभि यात्र (यानियु का-তিষ। খযোনি সমন্প্রাপ্য ভুঞ্জতে পাতক পুনঃ॥ ব্যাহ্রা ভবতি দু-ষ্টাত্ম। রাসভ যাতি বৈ প্ন:। মা. জার শৌকরী ঘোনি সর্পযোনি खरेथव ह ॥ नाना ज्वामू नदीमू তিৰ্য্যক্ষু চ পুৰ: পুৰ:। পাপ প-कियू मःयाजि व्यन्धाम् गर्हिजाम् ह ।। हां थान जिल्ल का जिक्क भूनिकी॰ याि भाभक्र। এउछि मर्बमा-थ्याजः भाभिनाः बच्च हिव हि ॥ পাপ পুণ্য সনাচার স্তৃদগ্রে কথিতো ম্যা । ইতি পাদ্মে ভূমিখণ্ডে সুম-় त्माभाश्यात भाभ भूगा विविका-नाग ) १ व्यवप्रायः ॥ 🗱 ॥ नान-गु।म भिला म्मार्भ मद्गग कलः यथा। ताजान डेहूः। वृदाः नातावानगाम्। কল্পে: স্বশুরতা গতৌ। ব্য নৃপা

ইনে লোকা প্ৰযো বান্ধণান্চ যে।। প্রিক্ষ্য ভক্তি বিতান বা হরে विश्वि उ माननाः। शृहाम खु। मियः ভক্তি: কু লক্ষা পরমাত্মন: ॥ কস্য वा निक्षिजा बाजन् कि॰ वा रेनमर्गि-की उर। भाजभिहान ह तासन् वि कगड्जन भावनी ।। कथा जागत জী বুভঃ সংসারাশুম নাশিনী। 🌯 শধুজ উবচ্চ। জ্রী পৃণসোরাবযো মূল<del> শূণ্ভালোৰ বিক্না:া বৃত্ত</del>• विष्युच्य कथानि मृडि॰ उद्धिक नकः पार्ग भूता गृग महमाख गृखा १३॰ ल्किन महक्। शृक्षीय म जिया-রণ্যে ্তর্নীতৌ বনস্পতৌ ॥ চকার কান্ত সর্বত্র বনো প্রব্য সংস্কলে। মৃত্ তানা প্তিপললৈ: পাণিনাণ বৃত্তি क्वाकोत्वक्ता जुक्त तः कृता जुला -ভ পিশিতাশিনৌ। আবাণ বীক্য গৃহ্ছে পুঞ্ গৃধু ভত্তাপ্যযোজ্যৎ ॥ ত বীক্ষা হাত বিশাস্তৌ কুষ্যা প विशोजित्ते। जी भूरमो भिज्ञ ভত্ত মাল্স লেশাণিত চেতসৌ ॥ ব कान्यक शिका निहा स्वानागना ्चिकः। **बगुार कार्थ उत्रमा प्रशृ**गु। गठ में डिज: ॥ जावाः गृश्वा ग अगाः विवादाः मनिवाडितः। खिङ ह्यानाम नृक हः शिनि

তাশনঃ ।৷ চক্ৰান্ধিত শিলা সন্থা-श्रद्रशाहिन उৎक्रगर । (क्रांठि-র্ঘাথ বিমানেন সদ্যো ভূত্ব। চত্ত্রু-को ।। भारको दिन्छ निवय नर्बः লোক নমস্ত। ততঃ ছিত্বা যুগ শত বুন্ধণো লোক মাগতৌ ॥ বুন্ধলোকে পঞ্চত যুগানা মুপ-ভুজ্য বৈ। দেবলোকে কালবশান্ন-ত যুগ চতুঃশত।। ততো ভূরি नृशा खाव ८ वक्ष मृन् त्र इ॰ स्वतन् । হরে রন্গৃহ লোকে শালগাম निनाम्य ।। काठिमत्रः गलक्राः कि॰ उन्नाः कथयामाइ॰। यद्धन স্পৰ্নাত্ত্ৰেণ মাহাত্ম্য মহদজ্ভ ॥ চক্রান্ধিত শিলাম্পর্শ মরণস্যে-मृन्धः कनः। न ज्ञान वामुप्तदम्। সেব্যা কি• ভবিষ্যতি ॥ ইতি ক-ল্প্রাণে২৫ অধ্যায:॥॥। নরণ-জনক বন্ত্রি যথা। অগ্নি রাপঃ জ্রি-र्या मूर्थः मर्भा बाजकलानि ह। नि-**७**९ भारता भारत वृश्वानि सम् । भूगान-হরাণি ষট্॥ ইতি গাৰুডে ১১৪ ञ्यशायः ॥

भव कः भू॰ भव १० । इंका ११ दिकायः।। भव करः १ भू॰ भक ब करः । इंकि व्यय-भव करकः । बद्घादनी ।। भवाकानी खी वृक्तिकानी । दिष्टा हो

ইতি ভাষা। ইতি রত্নমালা॥ নরারঃ পু॰ শস্যরক্ষণভান। মরাই ইতি ভাষা। ইতি জটাধরঃ।। মরাল: পু॰ রাজহ•স:। ইতি জটা ध्वः ॥ कब्जल• ॥ कात्रखवः ॥ जूत क्रमः ॥ वादिवारः ॥ माफिमीवि-পিন• ॥ খল: । ইতি সারস্বতঃ ॥ মস্ণে তি। ইতি ত্রিকাণ্ডশেশ:।। भद्रालकः भू कलरु भः। ইতি दाङ निर्घणः॥

भित्रिष्ठ॰ क्ली करकालक॰॥ स्रनामश्राज वर्खनाकात कर्षे पुरावित्मयः। ७९ भर्यप्रायः। পविजः २ माप्रानः ७ (का-ण । । বল্লी ख । ৫ উষণ । ৬ যবনে ছ । १ ব্ৰফল ৮ শাকাক ১ ধর্মপত্তন ১০ কটুক• ১১ শিরোবৃত্ত• ১২ বীর• 🛚 > १ ककविद्याधि १८ गृष । १८ मई हि-ত ১৮ কৃষণ ১৭ বেল্ল জ ১৮। অস্য গুণা:। কটুত্ব•। তিক্তত্ব•। উঞ্চত্ব•। बघूवः। (अय विनामनवः। भभीत কৃমি ভূদ্যেগ হরত্ব। কচি কারক ত্বঞ্চ। ইতি রাজনির্ঘণ্টঃ।। অপিচ। মব্লিচ বেল্ল জ কৃষ্ণ মূষণ ধর্মপত্ত-ন । মরিচ কটুক তীক্ষ দীপন কফ বাতজিৎ ॥ উষণ পিত্তহর• ककः थान मूल कृीन् इरत् । उ-मार्- मयुत- शारक माजूरकः कर्षे ॥ मतीिः शुः खी कित्रनः। इंडामतः॥

ক গুৰু।। কিঞ্চিত্তীকু গুণ শ্লেম-পুসেকি স্যাদপিত্তল । ইতি ভা-वश्काणः॥

মরিচ: পু: মকববৃক্ষ:। ইতিরাজ-निर्घणः॥

মরিচপএক: পু॰ সরলবৃক্ষ:।ইতি वाजनिर्घणः॥

মরিমা পু• মৃত্যুঃ। ইতি সিদান্ত-কৌমুদ্যামুণাদিবৃত্তি:।।

मतीष्ठ क्री सनामश्राजकपूषुवादि-(नयः । उद्भर्गायः । (वल्लकः २ (कालक २ क्ष १ ८ के यग ८ वर्म পত্তন• ৬। ইত্যমরঃ।। মরিচ• १ শ্যান ৮ বরিষ্ঠ । ইতি জটাধর:।। व्याप्रात्र उम्र छनाः। भाकि साम्-वु । ७कवु । (न्या भुरमिकवृष्ट्रा) শুস্ক স্য ভস্য গুণা:। ৰুচ্যত্ত্ব•। অগ্নি-मञ्जा कम्पना कर्षेष्र । उक्का लघुषः । मूकनानिष्कः । ইতি त्राजवल्लां ॥ जन्रयः मंत्रिह**मत्य**ः म्डेवा ॥

महीिहः भू म्निविष्णयः। मञ्बूकः ণোজ্যেষ্ঠনানসপুত্র:। অন্য ভার্ম্য कर्मनमूनिकन्या कला श्रृधः कन्याशः পূর্ণিনাসক। ইতি শ্রভাগবত্ম-उ·॥ क्शनः। ইতি (इन हन्मुः ॥

**ब**ূহসরেণুপরিমাণ•।ইভিবৈদ্যক পরিভাষা ॥

मही हिका जी मृगज्या। इंडामद्रः॥ মরীটি বিব মরীচিক। স্বার্থে সংঘে इंड्रानिना इंबार्व्य कः । शुरुप्र मः करमभावकामावकवताः भुजिक विजा: **मृत्र**ञ्चाना॰ कवाद्यना जास्रि তন্বাচিকা মৃগত্ঞেতি টীকাকারঃ। উৎকটন্তৰি **রশ্মি জন্য ক্ষিতি** বা न्त्र कालः मत्रीहिका । मृत्र मृत्नर यः শুগুথৈ জল মিব দৃশ্যতে ইত্যপরে ্ইতি ভরত: 🛚

प्र 🔭 अई जः ॥ निकंतरमः । क्ट भर्गायः। ध्वा २ । **३७, यतः ॥** भएक उपरक्षिः। वथा। भानास्र काः র ৰক্ষীশা **মরবস্ত দশেরকাঃ। ইতি** ङ्ग<sup>ा स</sup> ॥ मक्वकक्**कः** । इंडि ज्ञत्य स**भः ॥ मृ**र्यप्र**रःभीय ভा**वि क्राक्षियाः। **उन्। विवद्गः यथा।** वामाध भा**मा २ जूमिजिथ खर**ा ভন্নিশ্বাৰ ভঃ। তথাদভূত্ পুঞ ाकः अभवता अवज्ञः । (म्वा-भीद अला श्रीनः भात्रिभात्वा २० 😢। वनार्क खः उ। २कंफ র জনাভ গুড়ো ২ভবং ।। খগণা-ষিধ্ত ক্তমাজিরণ্যেনাভ সংক্রি জঃ।ততঃ পুস্তার্ব ক্ষাভাদ্গলো । নকং পু বায়ুঃ।ইত্যবয়ঃ।। নক্

**२था**ग्रिवर्गकः॥ उम्राट्मीख्रा **२७**-বৎ পুগ্ৰ: পিতামে হতুলবিক্ৰম:। उमार मकः माः (कनीर वृष्काः পি সুমিত্রক ॥ কলাপ গ্রাম মা-সাদ্য বিদ্ধি সত্তপসি হিতা। ত বাবতার• বিজ্ঞায ব্যাসাৎ **সত্**য-ৰতী সূতাৎ। প্ৰতীক্ষ্য কাল ল-कामः कालभाक्ष खवातिकः ॥ কল্কিবাচ। মরে। ত্বা মভিবেক্ষ্যা-भि निकारगाध्राभूति २थूना। इन्हा মেছানধৰ্মিগান পুজা ভুত বিহিণ-नकान्।। विশाथगृश ज्लाव खन-याः विनयान्निजाः। विवारः कृष्टिद्राः भाक्षी भुन्सती दा भुमामाजि॥ ইতি কল্পিরাণে ১৮ অধ্যায়ঃ॥ नक्जः भुः नथीनानगन्नमुवाः। इंडि শদ্চন্দুকা॥ মৰুদেশজাতে তি॥ নৰজা জী নৃগেৰাক:। ইতি রাজ निर्णेः॥

नक्षे। जी एहननार्यकृक्ती। इंडि नद्रज्ञावनी ॥

गक्छ। जी উहनना हो नाती। इंडि ত্রিকাওংশযঃ॥

मक्छः भूः वागुः॥ (५वः। इंडि ७ तः ত ধৃত ব্যাড়িঃ ৷৷ ঘণ্টাপাটলিবৃক্ষঃ । इंडि मद्दिल्का॥

পুছিপর্ণে ব্লী। ইতি মেদিনী ॥ প্-ক্লাযা• দ্রী। ইতি শবরত্বাবলী।। मक्टकतः शृ काखनावः। ইতি **শ**यः ठिन्सका ॥ মকৎক্রিয়া দ্রী অপানোৎসর্গঃ।বা-তকর্ম ইতি খ্যাত:। ইতিকেচিৎ।। सक्छः भ्• हञ्जूवःभीयदाकविश्वयः। न इ यदीकिनुकि भूमः। यथा व्का-श्रुकिकवाह। यावीकि उन्। नृপত ম্ক্তস্থ মহাত্মনঃ। শ্ৰেত্মিছানি 🔏 ठकवर्जी नहाजागः मृतः कार्या महामिति:। धर्मितिकर्म हेर्हित जना ক্ পাল্যিতা ভূব: ।। মার্কণ্ডেম্ উ বাচ। স পিত্রা সমূক্তাতো রাজ্য• পুাপ্য পি তামহাৎ। ধর্মতঃ পাল-यामान भुकाः भूधानि (वोत्रभान्॥ इयाज मृत्रहाय छ। न्यथा वट शुाजा मकिगान्। अदिक् भ्राति । उपन माननिर्विता मही शिष्टः॥ उन्हा পুতিহত চক মাসীদ্বীপেযু সপ্তসু । গত্য ক্চাপ্যবিছিন্না; স্ব: পাতা-ल बलानिष् ॥ इंडानि मार्काखग भूद्रागः॥ মকত্তকঃ পু॰ মক্বকঃ।ইতি ভাব-পুকাশঃ।।

वकः। इंडि ভावभुकाणः॥ (एवः॥ ॥ नक्दभथः भूः चाकाणः। ইडि (रगठमुः ॥ शुः हेन्द्रः। हेडि मक्रभावः (किंटि 11 मक्रभू अ: भुः जीगरमनः। इंडि (इनहम्मु: ।। इनूमा मह ।। मक्रथाः भू मिः हः। ইতি बि কাওশেষঃ।। नक्षक की यताशवः। इंडि नक्रामा॥ मकदानं श्रु॰ हेन्युः। इंडाप्रद्रः॥ रन्यान्। इंडि भद्रद्वावली ॥ मक्टमथः পू॰ इन्द्रः। ইতি ধরণি:।। অগ্নিঃ। বাযুসথ ইত্যনর দর্শনাৎ।। मद्रामा॥ मकिष्टः भू॰ ख्युन्ः। इंडि द्राक निघ्कः॥ मकब्बुषः ही वाउज्वः। व्छीत्रमृज। इंडि ভाषा। यथा। ग्रीमाशामः वं-শক্ষণ বাতত্ল নকজ্জ। ইতি श्वावनी॥ नक ख्वा जो जागू ग्वाकू भः। थिता है ইতি ভাষা। ইতি রর্মালা॥ नकन्थः भृ अवः। ইতি ত্রিকাও-**শেষঃ।। দেবরংঃ: ইতিহেমচন্দুঃ।।** नक्षनः श् विद्यप्तिः। इं उ द्र

নালা। ক্লিফ্রন্ন ল্লী আকাশ•। ইতি ত্রিকা গুশেষ;॥

মক্রাহঃ পু• ধূন:।ইতি ত্রিকাও শেষ:।। অগ্নি:।ইতি শব্দালা।। মক্রিপ: পু• উষ্ট্র:।ইতি ত্রিকাও শেষ:॥

মৃক্যালা স্ত্রী প্রা। পিডি শাক ইতি ভাষ। ইত্যার:।।

नक्तियः श्॰ উष्ट्रैः । ই**डि एम**-हन्तः ॥

সক্ষ্ জ্রী দাশেরকদেশ:। নার-ভুষার ইতি ভাষা।ইতি ত্রিকাও-শেষ্যা নির্জলভূসিশ্চ।।

अक्ष्यकः शृ कतीत्रकः। ই जि ज्ञात शृक्षाः।। सक्ष्यभिकार जि॥ अक्ष्यः शृ कात्र अवशकी । ই जि १ अवस्माः॥

 प्रदाव नामिष्क। इंडि तासिर्ध णे:।। प्रांति । मक्डिका गक्विका गक्रमक ति मृडः। क्वी क्वित्व क कालि भुड़ शूझः ममीत्रगः॥ न करशिशुमा कृष्ठ खिल्डाकः लिख-ला लघुः। वृक्तिकामि विष स्मुप्त वाड क्षठ कृमि शूप्ट ॥ कर्षेशाक त्रस्ता क्ठा खिल्डा क्कः मृगिक्षि-कः। इंडि ভावशुकानः॥

मस्वकः शृ कलेकिवृक्षविश्वाः।

मस्या इंडि ভाषा। उट शर्यप्रायः।

शिखीउकः २ श्वमतः ७ कत्र हार्षेकः

8 मेलप्रः ६ महनः ५।। बल्लभ अञ्लनी। उट शर्यप्रः। मभीतपः २

शृङ्श्यः ० किब्रुकः 8 ब्योतः ६
। इंडप्रयः। क्षीत्र ज्यः। इंडि
उजीकायाः ज्यः। शृञ्जक्विः
श्वाः। मस्याकृत इंडि खाषा।
उट शर्यप्रायः। मृत्रभुग्नः २ जिलकः
० स्वकः ४।। क्ष्रित्र स्वाः। नागहाना इंडि ভाषा। उट शर्यप्रायः।
श्वश्माः २ गञ्जभवः ०। इंडि द्रञ्ज्ञाः।
श्वश्माः २ गञ्जभवः ०। इंडि द्रञ्ज्ञाः।
श्वश्माः २ गञ्जभवः ।। इंडि द्रञ्ज्ञाः।।

स्वाः।। वप्रायः।। द्राङः।। ज्यानकः।। इंडि कर्षाःद्रः।।

নকসম্ভব ক্লী চাণক, মূলক । ইতি রাজনির্ঘণ্ট: ॥ নকসম্ভবা স্ত্রী নহেন্দুবাকণী॥ ক্লুদু मृतानजा। इंजि ब्राकिनर्यणः ॥ मक्छ। जी कृपुमृतानजा। इंजि वाकिनर्यणः॥

নককঃ পু• মৃগবিশেষ:। ইত্যুণাদি কোষ:॥ মৃথুর:॥ শটী। ইতি স• ক্ষিপ্তসারোণাদিবৃত্তি:॥

मक्ख्या छी कार्गाभी॥ यवामः॥
कृपुथिति ३:। इंडि दाक्ष निर्घण्टः॥
मद्राणः भु भकदः। यथा। जन
कश्च भकदा भद्राण द्रिमिर द्रुकः
। इंडि विका श्रम्भाः॥

नारद्राणिकः शृ भक्तः। ইতি শক तज्ञावणी॥

মর্ক সর্পে। সৌত্রবাত্রবাং। ইতি কবিকল্পজনঃ।। নর্কটঃ। ইতি দুর্গান্দাসঃ।।

मर्कः भू ( एकः ॥ वायूः । इंजू जानि-कार्यः ॥ वानतः । इंजि नम्दत्रः । वनी ॥

নক্ক: পু• গলগগুপক্ষী। হাড গিল ইতি ভাষা।ইতি শব্রত্না বলী॥

মক টি: পূ॰ বানর:। ইত্যমর:॥ উপনাভ:॥ স্থাবরবিষভেদ:। ইতি ইেমচন্দু:॥ গলেগওপক্ষী। হাডগিল ইতি ভাষা। ইতি ত্রিকা-ওশেষ:॥ मर्क देकः शृ॰ मगुराज्यः ॥ वानतः ॥ व्या । इंजियमिनी ॥ मट्मुराज्यः । । देखि मदत्र ज्ञावनी ॥ मर्क देखिनमूनः शृ॰ मशीनः । इंजि जावश्वामः ॥ मर्क देशिश्वनी जी व्यशामार्गः। इंजि ज्ञाकि निर्वारः ॥ मर्क देशिशः श्र॰ क्रीववकः । इंजि

भकं हे श्रियः भू की त्रव्कः । ই তি भक्षाणा ॥

मर्क हेवामः भू॰ वृजाञ्खः। माक्फ-मात्रकाव इंजि जाया। उद्भर्यहाः यः। आगावकः २। इंजि मदत्रवाः वनी ॥

मर्क हेमीर्यः क्ली हिक्ट्लः। ইতি রত্ন-माना॥

मक हो मा को जान । इंडि इस हन्दः ।। वानत्र मूथः छहा छ छ ॥ मक हो जी किन कहः ॥ जाना गर्नः ॥ जात्रामा। इंडि ताज निर्मणेः ॥ कत्र छ एकः । माक छाक त्र छ। इंडि ভाषा। इंडि ग्रा वानती ह ॥

মকটেন্দু: পু॰ কাকতিন্দুক্ৃক্ষ: ।
যথা। কাকেন্দ: স্বলক: কাকপালুক: কাকতিন্দুকে। মকটেন্দ: সিস্কুপুপ্রো দ্বাবেতো ভব্র কীর্ত্তিতো।।
ইতি শব্চন্দুকা।।

নকরঃ পু ভৃষরাজঃ। ইতি শক্-

। यथा। जिङ्गिकनद्राप्तन मर्षिः

ভো রামবাণ ইতি বিশ্রুতো রসঃ।

त्रवावनी ॥ न् मक्त्रा की पत्री॥ जाउन्॥ जूत्रश्रा॥ নিম্বলান্ত্রী। ইতি বিশ্ব: ॥ भंह क পুছে। সৌত্তো হয় পাত্র। ইতি কবিকল্লজমঃ॥ তালব্যবর্গপু-थमासः। मर्कः। ইতি पूर्णानामः॥ मर्जः जी णुष्तः। इंडि (मिनि)। মর্জু: পু• রব্ধক:। ইতি হেমচন্দু:॥ भीवेगफः। इंडि मफ्तज्ञावली।। मर्खः भू भन्याः। ইতি निकासः कोमूम्यामूनामितृखिः॥ मानवकः। इै जि न किथनात्रागि दिवृक्तिः॥ মর্ভঃ পু॰ মন্ষ্ঃ। ইত্যমরঃ॥ मस्प्राताकः। इंडि करोष्यः॥ यर्पन॰ क्री व्यक्तमप्ति । गाठाना ইতি ভাষা। তৎপর্য্যায়ঃ। সমাহ ন ২ ৷ ইত্যমর: ৷৷ সম্বল ৩ ৷ ইতি मदत्रद्वावनी ॥ जन्म छनाः। जुन-श्यवः । निम्। मुक्त मूथभुष्यः । ना म ब्रक पुरु भुभवका ब्रिव् । वायू क्क नाणिद्ध। इंजिहाकवल्ला छः॥ ष्ट्रांनः। ই कि मृत धावर्थ मर्मनाए !। भक्तः श् वान्ऽविष्णयः। मान्य इति जाया। इज्जानदः॥ उद्भर्गः। यः। एकः २। ইতি मदत्र कृतवनी।। মুদ্দিত তি গুছিত।ইতি বিশেষ্য निध्वर्गिकायाः ভরত: ॥ চ্রিত

ইতি ভাৰপুকাশ:॥ গভ্যা । ইতি কবিকল্পফম:।। মৰ্বতি। ইতি দুৰ্গাদাসঃ॥ मय ही स्कल । उदु । यथा। मृगया न विगीया नृश्य द्रिण वर्षागन मर्या भातरेगः। यात्र मून्मत्र मा॰ वम-**छ** इब वर्मः मन्यान्याङ्ग्लः ॥ इंडि रेनवक्षीय विजीयमर्ग (माक वृग्धात ७३७:॥ मिक्सान । इेडि निकासिमःगुर्ह व्यमन ভन्न-**छो।। कोवङान । इंडि ब्राक्रनिर्ध**-ण्डः॥ 🗱॥ व्यथं मर्यानि । मिन्नी-**७: निता नागू मिक्क मा मार्खि म**े स्रवः। मर्मानि उष् ठिश्वेष्ठि श्रानाः খলু বিশেষতঃ।। সপ্তোন্তর॰ শত॰ **जिं अर्था अर्था (१ विकार) का** त्युकामण भाष्य मु ब्रह्मेवश्चिष् मिं हि।। मन्नीनाः विःमिं खानि রায়্না সপ্তবি শক্তি:। চত্ত্বারি শ-खरेथक्क मित्रा मर्गाणि ठव जु ।। 🛊 ।। দ্বাবিংশতিঃ সক্ত্রিয়ণে তাবস্ত্যেব जुक्षस्य । भारामात्रिम अरको हः श्वरहरण हजुमा।। भीवाया छक् ভাগে তু সপ্তত্তিংশন্মতানি হি।#৷

নৰ্মাণি হতানি সন্তি পঞ্ধা ভৰক্ষি

त्र जामहारू । जरहः चुर्गंत स्क्रांविजुह र्याची (१९)रका न जिल्ला कि । व्यव्यक्तिला ত্রযন্তি শৎসূতঃ কালান্তর নারকাঃ ॥ ठङ्गा जिल्लाह क्यांत्रि रिस्क्ला कर-यि हि। नकांडेक क्लाकांत्रि वि-भवातः विकः मछः ॥ भ्वादिकानाः বিপতি: শল্পে কণ্ঠ সিৱা শুদ্ । হৃদ্য বস্তি নাভ্যে চ সদ্যে মুন্তি হতানি চেৎ গা # পা শৃস্ণ টকানি খ্রাণ শ্রোত্র জিহ্বা সন্তর্গকানা দিরা मुथानाः स्पितरम। म्रायः मन्या । **ज्ञान• जानि हज्जाति मित्रामर्याणि ह**-জুরঙ্গল পুনাণানি হুজানি সস্তি স **(म्यामात्रकानि। अधिभक्तिः म्छक्** স্যা চ্যন্তরে সন্ধি সিরদ্যো: সন্ধিপা छ উপরিষ্টাদ্রোমাবর্ত্ত: স এক: স या गर्तन शक्ताकृत भूगान गरम्। মার ক। শন্মী জ্বােরস্তোপরি কর্ণ ननारे मर्या (ठो स्वी अश्विमानी व्यक्तिकृत्त मानुष्ठामात्राकः । कथेः श्रिताः **ना**ठ्ठाः ग्रीवाया উভयপा-র্খবো শ্চতসু শ্চতসুংশিরা স্তা অস্ট্রো শিরামর্মাণি চত্রস্থানি সদ্যো-भावकाणि। ७५॰ भुजिक्षस्यकः ना॰ म भर्म हज्बङ्गलः मान्यामातः। इ नय॰ खनर्या र्याश्वा नामान्य बाहरम कः भितामर्थ हजूतक्तः नरहानाः

রক । বক্তি: নাভি পৃষ্ট কটী মুক্ক শুদ **बङ्गा (मक्षा) मत्या विख्यानुक्** একল্বারো अस्थाम् थः नायुमर्त्यापः ह-जूबक्षा नाम् अभावका नाजिः नु 'নিন্ধা সিরানর্মেদ্ চত্রস্থল স (म्यागातकः ॥ 🕸 ॥ व्यकान्यानि जीनडा उन किल्क्त्रियः । वृश-८७ जा श्रांको मन्त्रो कड़ी कठकात है যে 🏗 নি ভদাবিতি চৈ ভানি কালা-इतर्त्रानि जू। याकागर्यानि सन-মূল স্তন রোহিতা হুপলাপাপত্ত-ञ्चाः खनग्रन खनरया तथ्छाप्वृऽक्न्न॰ याव एक निजानस्य विक्राल क क गूर्णका क्षेत्रचा का का बाह्य समात्रक । उन्द्राहिष्ड उन्द्रा क्निद्र हाकू-**लः** यावट एवं नाःन मर्पाने ब्रक्तन् রিতকোষ্ঠত্যা কালান্তরমারকে। व्यथनात्भी व्यन्मकृष्टेर्या द्रवजाद-পার্খযো ৰূপরি দ্বৌ সিরামর্মণী অর্জাকুধে রক্তেন পৃযতাক্তেন কা-লান্তরনারকে । অপত্তমৌ উরস উভয়তো নাডেটা বাতবহে সিরা নমণী অধাকুলে বাতপূৰ্ণকোষ্ঠত্যা কাস স্থানাভ্যাঞ্চ কালান্তরমারকে । সীন্তাঃ শির্কি পঞ্চ সন্ধ্যঃ স স্বিন্দাণি চতুর**সূলাঃ উন্নাদ ভব** ञ्चि विनारेनः कालाखन्नभानकाः।

ভলানি মাধ্যাক্লি মনুক্ষা হন্ত ं वृक्ष अवः ध्वः नशरमः रहमः लाह्ययाक्षक्षांत्रि ख्वानि मा॰नम ৰ্মাণ্ডেল্বাৰি কলভি: কালান্ত-अगातकाणि: किल्यानि अक्षाक्षाक्षा ध्येष कि भु • उह इस्टाया वि भारत्य। र्ष अवल झाबि मायुमर्यागार्काम् वा न्यास्क्रास्थि कानाउत्रमात्रकाथि। े**हेन्स्व उपः भू**रका श्रेटना घारथ (हो अ द्धार्या यात्रु (हो अव हज्जाता मान्त्र-মুর্মানি দ্ব্যল্লাঃ শোনিতক্ষ্যেনকা वाष्ट्रमातकाः । वृङ्क्ति खन्म्ना भू छरा छ। भूष्ठा भाषावर्शनदानया অন্ধাক্তা শোণিতাতিপুৰ্ত্তি নি ि उ क्ष्रमुर्वः कानाउद्रभाद्रक । भार्थमकी क्यन शार्थरगः अकी সিরানমণী অজাক্স্লৌ শোণিত **পূ**र्ণকোষ্ঠ उपा काला इज्ञनाज्ञको । क्रीक्डक्श बिक मित्रशास छेड-যতঃ শোণিকাও লক্ষীকৃত্যাছিনী শহিনখণী শহাঙ্গলে শোণিত ক্ষ-যাৎ গান্ত বিবৰ্ণ ৰূপণ কৃত্বা কালা छत्र अतिहरू। निष्टाची भूमित्को हो অভিনৰ্মণী অজ্ঞান্ধলাবধঃ কায়শো रया भी बंदगुन व काला खन्न भा न्राती !! # !! (नाहि जाकानि जान्ती कृही दिरेश क्रवाः **रुक्त**स्य करूथत

বিধুরে সক্কাটিকে। অংসা মকল काशाका नीत्व मत्तर कृषा उथा। বৈকল্যকারকাণ্যান্ড রাবভৌষৌ জ-থৈব চাংলোহিভাকাণি উর্নোকড় ২াথো বছুণ সদ্ধে র্জোহ্নিতাক্ষণ ভট্ট **ছে** বাহ্বো দ্বে উর্বো রেব• ভানি চ-ত্বারি সিরা মর্মাণ্যজ্জাঙ্গুলানি বৈক-ল্যকারকাণি তত্ত্ব শোণিত ক্ষ্যেণ পक्षाघाउः मित्रुमास्म वा। व्यागयः कानून छक् मूछरगः शार्त्राखा र्यं कूल। अवस्थिन् कान्ति (स स्थातस्थ-ন ৰে এবং চতসু: স্নাখ্নৰ্যাণ্যৰ্ভাচ্চু-न। रिवम्माकर्याः তत माथाजि-वृद्धिः निक्षित्रग्रुणः। बान्नी बाह्या-र्बाः नक्षी निक्षनर्या कानुत्व देव-কল্যকরে তত্ত্ব খঞ্জতা। উর্ব্য: দ্বে উর্বে। মধ্যে বে পুগগুয়ে। মধ্যে এব॰ ठउनुः निद्रानगात्रिकाक्ना रेवकः ষ্য্যকর্য্য: তত্ত্ব শোণিতক্ষ্যাৎ সক্লি-भाषः। क्राः भाषत्या तक्षाकृत्वता र्माक्ष उत्या कृष्ण भर्म वर ठवातः न्नायुरम्पानि विकलात्रकता छत्र भाष-যো ভূমণ বেপনে ভবতঃ। বিটপে ष वद्भन वृष्याया यां था द्वागुमयानी একাত্দল বৈকল্যকরে তব্র বাণ্ড্য মল্লশুক্রতা বা । কূপরৌ কফোণী (ठो (दो) मिक्सिया दिक्स्

माजरतो उत्र वाङ्गर्था मरकाठः। ধ্বসন্থে নিতম কৃপকৌ দ্বৌ সন্ধি-मयानी वाक्षाकृत्व देवकनाक्रात उव স্পূৰ্ণাক্তান মধ্যকাযে চেপ্টোপঘা-**७ म्ह। क्रमध्यत्र वक्तः कक्तर्य। र्यार्थ्र** ष नायूमर्गनी अकाकृत्व रेवकनाऽक-রে তত্র পক্ষাধাতঃ। বিধুরে কর্ণ পৃষ্ঠ তোধ: সংশিতে কিঞ্চিন্নাকারে দ্বে न्।यूमर्यानी अर्फाकृतन रेवकनाकरत खब वाधिर्या । क्कारिक नित्रा भी-वर्षा क् उपडः मन्त्री रह मिन्नम्पंी অন্ধাকুলে বৈকল্যকরে তত্র শির:ক म्यः। य॰ भो ऋस्तो नाय्मर्यानी वर्ष्टा ब्रुली रिकन्यकात्री उब वार्छञ्जः। व्यानकवाक भ्रष्टाभित्र भ्रष्ट्राभ गू-ভয়ত ব্ৰিক সম্বন্ধে গ্ৰীবাষা অংসন্ধ-যস্য চ সংযোগো যত্র তপ্রিক• অস্থি-मर्मानी जर्खाकृत्व रिक्नाउक्त उठ বাস্বোঃ শ্ন্যতা শোষশ্চ। অপা-को निवर्ष। द्राष्ट्री निदामर्मानी वा-कां ऋ (को देवक का अवस्त्री उजा ऋ । कृ-श्चेऽभवारका वा । नीरन मरन्र ठ कर्थ नाछी मूज्य ७ म्हज्जू १ भरन्त्रा (इ ৰীলে দ্বে মন্যে তত্ৰ একা নীলা একা भन्डा এक्ष्मिन् भार्ष्य मन्डा नीवा অপর অন্পার্শ্বে ছে ছে শিরাম্ম া ঘ্যস্থলে ঘ্যস্থলৈ বৈকল্যক্রে তত্র 🖠

ন্কতা বিকৃত্যর ডা রসাগ্রাহিতা চ । ফণে যাণ নার্গ মুভ্যতঃ অভ্যন্তরে गित्रामर्गानी अर्छा मुखा देवक मा करत তত্ৰ গদ্ধাজ্ঞান•া আবত্তৌ ক্ৰবোৰু-পরি নিম্বোঃ निक्तिमर्याी अर्जाक् लो रेकन्रकात्रो उजानामानाः म्थूर-भवारता वा ॥ 🛊 ॥ खरहो हो मनिव-ক্ষোদ্বো তথা কুর্হশিরাপসি চ। ক্জা-कब्राणि जानीयाम्श्रात्वजानि वृष्तिमा-न्।। छ:को घ्रिक मिक्समानी काकू-लो क्षाक्रो उव क्षा भारस्यः থঞ্জতা বা । নণিবন্ধৌ হন্তপুকোষ্ঠ मकी महिन्यानी घड्याली बजाकाती **७**क रुखरगाः किया तारिका कृई-শিরাণসি ৩লু সন্ধে রধ উভয়তঃ একমিন পাদে ছে ছে চ ছিতীযে **এব॰ চত্তারি স্থায় মর্মাণ্যেকাঙ্গুলানি** ৰজাকরাণি তত্র ৰজাশোফশ্চ।।#॥ উৎক্ষেপৌ স্থাপনী চৈব বিশ্বসন্থ ত্রিক•মত•। উৎক্ষেপৌ শহ্বযো*ৰুপ* রি কেশান্ যাবৎ স্নায়ুনম্মণী অর্দ্ধা-कृत्नो তया विक्रायाः मन्यान्। जी-বেৎপাকাৎপতিত শল্যোবাউদ্ভ শল্যস্থ নিু্থেত অতএব বিশল্যমু-জ্ত শল্য॰ হন্তীতি বিশল্যমু॰ মর্ম। স্থাপনী একাক্সবো র্মধ্যে সিরামর্মে-म नर्काकुलः विश्वलः पुः। नश्रवाजाः

् इत्त ६ गुः अरुः भुग्वित्राणि हि । কালা রর প্রাণহর পক্ষে নাসে চ भातः ॥ महाः शुागक्तः हास्त्र विद्यः कात्वन मात्रयः। कालास्त পুাণহর মস্তে বিজয় দৃ: খদ ।। चार नयांत्रभीता । नर्यानाधिशय हि य विकाता मूई छि कार्य विवि-था नद्रानाः। भारयन ए क् ह् जना **७वडि रेवरम्यन यदि ज्ञान नाव्य-**মানাঃ।। ইতি ভাবপুকাশঃ।। #।। নৰ্মাম্পৰ্শনিষেধাে যথা৷৷ পরক্ষেত্রে गा॰ हब्रडी॰ नहाहकी उक्नाहिए। ন সম্বলেৎ সূত্রকে চ ন ক বৈ মর্মা ণি স্শেৎ॥ ইতি ক্ম পুরাণে উ পরিভাগে ১৫ অধ্যায:॥ मर्यकीयः शु ज्जा ३ जि कि विश्वता मर्भक्तः वि मर्माद्र । जङ्गकः। মৰ্মা স্বৰূপণ সন্ধিস্থান বা ভজ্জা नाडियः मः ॥ মর্মারঃ পু॰ বন্ত্রস্য পণ্রস্য চধুনিঃ। মড্বড্শব ইতি ভাষা। ইত্যনরঃ मण्डी जी शी जनाक । नाक इति मू ইতি খ্যাতা। ইতি নেদিনী।। भर्मत्रीकः पू॰ दीनः। इज्रागिक-কোষঃ ॥ अर्चादर लः श्वाकः। उटमर्यत्रसः। . কার্পটিক: ১ ৷ ইতি ত্রিকাণ্ডদেয়**:** 

।। मर्थिकः ७ मर्यावनी ८। ইতি क्रिथतः॥ मर्पादनी <sup>न</sup> नः मर्पादि । उज्जुकः । ইতি জটাধ্র:।। मर्मि कि मर्मि अकः। उद्भ र्यु। यः । अक्षु पः २ । इंजु मदः ॥ ब्रथकः १। इंडि (इन्हम्मुः॥ मर्माविष्) जि मिक्क्शनत्वश्वर्छ।। मर्माविष् ) मर्मछः । यथा। हित्र क्लि-শিত্বা মর্মাবিদ্যুমো বিলভিতপ্পবণ भक्षायमान मव्यादशिख्यम• क्र-ণদাচরণ।। ইতি ভটিকাব্যে৫ সর্গঃ ॥ মর্মাণি বিধ্যতীতি ক্বিপ্ জিঃ বী-करहा ४७दाविकि नीर्घ निर्फ्रमार क्विं क्विराष्ठ भूर्वभन नीर्चवु अता-দিতি স্চিত আড পূৰ্বস্য ৰূপণ वा मर्यादि नर्याङ्या वा वास्त कः পা। ইতি ভট্টাকাযাণ ভরতঃ॥ मिर्मिनः जि नर्गावि । इंडि कि । विद मर्या। वर भीमा। इंडि मर्यामाणय-**होकाया॰ जायमूब्रहेः**॥ मर्यप्रामा जी नप्रायप्रशयक्षिजिः। उद পর্য্যায়:। সংস্থা ২ ধারণা ৩ স্থিতিঃ ৪। ইত্যমর:।। পর্য্যাদীয়তে মর্য্যাদ मा भग्राड भ्दां मांत्का छः नि পাতনাৎ পস্য মঃ। ইতি ভট্টাকা याः ভরত: ॥ नार्याठि मीमार्था

कावाय जब भीया मर्यापारिक सा-भी। इंडि द्रायमूबदेः ॥ नि्यरष्ठ श्विति मर्या जा मनाजीति म-र्यापा। इंजि नात्रमुक्तती ॥ नीमा । इंडि की पतः ॥ क्ल । इंडि (र्यम्भः ॥ भर्गाहकः वि भर्गामाकस्। भर्गा-भा करता जीख कर्डित एखकारि তি কণ্ পুত্যযে কে ২ক: স্বো হে-তু বতি আকারস্য হুমে নিয়ুমো १गः नदः॥ मर्व भूखों।। गरहो। इंडिकविकन्न-জন:।। মৰ্বতি প্ৰসা স্বস্তু চেটী। ইতি দুগাদাসঃ॥ सर्वः भू॰ काडिः। स्ववारा जीव धक भुजुर्यन निञ्जमः ॥ भर्यः की कमा। म्वधाउ। जीव जनऐ পুত্যযেन निष्नग्र•॥ अर्थिः वि कनायुकः। काहिति **णि है:**। मृष्यात्जाः कर्जन्न क श्र-ত্যযেন নিম্ননঃ॥ ভাবে কে শ্লী॥ भविज्यान् जि काष्टः। मृययाजाः কর্ত্তরি ক্তবত্ পুত্যংবন নিম্ননঃ।। মল ড ধৃতৌ। ইতি কবিকল্লন্দন:॥ ড মলতে। ইতি দুর্গাদাস:।। मनः भू ती भाभः॥ विरे॥ किउ । इंडामद्रः ॥ भाभः किल्विः ।

विष्ठे विष्ठा। किये क्वास्ता मध्या-দি স্বেদাদি চ এবু নল: ।। বসা শুক भन्दाका भ्वः विहे कर्गविष्याः। (भाषाम् म्विका (ब्राप्ता चामरे**णाउ** পূণা মলা:।। ইতি মৃতি:। ইতি रुषिकायाः खत्रठः ॥ कर्त्रः। इंडि नय्हिन्द्वा ॥ याउ शिख क्ष्याः। यथा। मर्ख्या स्मय द्वा-পাণা॰ নিদান হ্লপিত। নলা:। छ८ भुकाभमा जुल्याक विविधाः হিত সেবন ।। ইতি মাধ্বকর:।। नवमः भुः भाषानीकमः। ইতি রাজনির্ঘটঃ॥ নলনাশকে তি ॥ नद्यी की नागरमनी। हेि दाखः निर्घणः॥ गणक की भूगः। ইতি भष्ठ **भिष्**ठा ॥ मलाज्यत जि॥ মলদ্যিত তি মলিন। ইত্যমর:॥ भन्पार्थी भू करभानः। ইতি রাজ-निर्चिः ॥ यनन क्लो यर्षन । इंडि (य दिनी ॥ মলন: পু॰ পটবাস:। ভারু ইতি ভাষা। ইতি নেদিনী ॥ नन् की कारकाषुत्र तका। हैं छ। न्तः ॥ भव इक् पू॰ काकः। ইতি শদর্বা-दनी ॥

वनभा गाञ्चिमिनी जी करूका। इंडिवास निर्घण्टः ॥ নমাস: পু॰ অধিকমাস:। ডৎ-अर्ग्रायः। भिन्ति हः २ व्यदिमानः o व्यत्रःकाडनात्रः ८ नशुःबकः ६। তস্য লক্ষণ ব্রথা। ব্রিসংকান্ত্য **ভাববিশিষ্ঠ চান্দ্রনাস:३॰ নলনা-**जव । इंडि मुक्किविदक हीका गा॰ 🗐 কৃষ্ণ ভর্কা লক্ষার: ॥ অন্দিচ । (ब्राडिटव। अनाव**न**श **ब**न गव व्यवितःकास्तिविक्कि उन्। गन्यभात्रः त्र विष्कुरमा विकुः स्रिनिङ कर्न्नार्छ ॥ व्यवावम् । चगः व्यवावम् । चश्राहर ক্ষণ দ্বণ। রবিসাক্তান্তিভ্যাণ রবি-ক্রিষেৎ পত্তি কপোত্তা সংখ্যাশক-পা ভ্যা• যথাক্রম• বহ্রিত• তেন দ र्णब्यास्त्र क्रावय न्द्रान्यस्या द्व व व्रद्धः क्रियादशङ्गान्तव अथ्याः गान्। यथा क्रमः (बालनाधिया-স:। স কান্তে রেককণে ক্রিযোৎ-পত্তি রপরক্ষণে পূর্ব সংযোগ নাশ:

रावानावी। द्वाः **व**्यक्तः সন্ত পদালাৰ প্ৰা परित्य कर्म देखार भा**नि हान**े

উত্তর সংযোগোৎ পত্তিক্ষেতি ক্ষ

ণদ্ব বৃত্তিত্ব নিতি নীমাণসক সি

明一日の一日の日本の一日の

(यट ११ भद्राभद्रः। भक्कष्यभि अः कान्ति यपि नम्यार मिञामित्र । ভদা ভন্মাস বিহিত মৃভৱে মাসি कात्ररय् ॥ व्यव वहुन मन कम १० त्रत्व उप। **ভ**वि यपा **छद्यां ७९**० भूर्त्तगामास्यक्रमाया (तक त्रामा विस् তস্য রবে গুলাসানন্তর মেব রাশ্য-ম্বর সংযোগ: নত্ত্বে রালি ছিত্স্য মাসব্যাপন নাজ তথাত্বে চতুর্দ্দ শ্যা মেৰুরণশৌ স'ক্রান্তস্য পুতি-लट नुवम्रकार रभन्न नामा उट শর রাপৌচ দ্বিতীযাবাণ প্রতিপদি वा द्रावः मःरगारम २ भद्रमानि मः লমাসতা স্যাৎ অতএব ছ্যোতি-(व । ज्यनावाना शदि हिंग द्रवित्र-कांडि रिक्किंग। यनमान विकानी-याद्गव्छि॰ मर्डकर्यम् ॥ उत्रप्राका मर्भक टेन्क बारमी मर्भद्रयाजिन: 1 व्यक्ति द्रानिञ्चार्कम् प्रभ द्याजि-गद्भ मूकः। এ उह भूर्शिभम्भिज-श्या मान्याः भूई रेन्य नसुवि न भारत ।। 🗱 ।। भाषानाम कात्र न 🐯 জ্যোতিবে। দিবসস্য হরত্যক: य-ি লগ মৃতৌ ভত্তঃ। করোভ্যেক भ ः हुमः अरेथरेवककः हम्मुमाः ॥ ं कि ज्जीयाना नदाना मिश्व-भागदः । ग्रीषा कनयङः भूवं भः

कादारि जू शिक्ति। उन दिव-সন্য ভিথে: বৃষ্টিভাগ দণ্ডমেক व्रवि र्वति (इस्यिजि উज्जात (इस নিত্যভিধানাৎ। তত্তক ঋতৌ মা-जन्नरय **वश्चिनाजी हिमाम**ङ्खिरथ (मु. দ নাকর্ষণ করোতি। এব চল্যোপি া এবমুক্ত ক্রমেণ বর্ষে দ্বাদশ তিথ্যা-ञाक काला क्यां एक उं जीयाना मदा না নম্ভে অর্দ্ধ• তৃতীয়• যেষা•তে ত थ। गुीरम भाषवापि कहरक भूर्वः गा थवारि विक भठिङ भक्षादारङ जू পশ্চিমণ শাুবিণাদি ত্রিক পাতিতণ ম-नगाम हन्याको जनगजः। गीरम भाषवानि याई इंडि यमुक छम्रक भारु निहिदः । भाषवातिषु याह्नेषु गानि पर्ण हरा वना। हिताबाटः ज বিজ্ঞেয়ঃ শেতে ভূশাবণে ২চুগ্র: ৷৷ ছিরাষাটে। দ্বিরাষাটাদি:। শুবেণে সৌরশাবণে। তথা চ জ্যোতিষে। निथुन (इ। यमा जानू तमावना प्रा স্পূশেৎ। দ্বিরাষাচঃস বিজ্ঞেয়ে। বি ষু: স্বপিতি কর্ক্লটে। অমাবস্যা দ্বয় " जरस्य क्रा प्रयः म्यूरम् त्रःयुक्षार ন তন্মধ্যে রাশ্যন্তর সংযোগ ইত্যর্থঃ 11 \$11 नन् कर्क् है। पि जित्क अधिमान পাতে তৎ পূর্ব নিথুন এব হরিশ दन ७८ कथ गाध्यामि बहेक गाउ

कर्द्रति उट । उवार ताजगार्वयः। कन्। ति इ विनी दियु यहा पर्ण वयः ख्रवर्। यागानिनि उमा वर्ष समी-त्र माध्यः चरभट् ॥ माध्यामिकिक শাবণাদি ত্রিকাধিমাস বিবেচন ম-(भ) उपर्थ । इपन्छ जार्षावर्य घ्याधि মাস পাত নৌচিত্য ক্রমাদুক্ত ক विखिथीना शाम वाल्लान मध्य श्रे विक न्।न मर्भनामुक काव न्।ना-বিক কালেপি মলনাসো ভবভীতি नगरनुकामक्ट । वञ्जजञ्ज देवनद्गीः ত্য॰ यতো न्।न দণ্ড তিথে: পু। यिक-বে ভত্র তিথি ক্ষয়স্য মটিভ্যুপল-ভাগানত্বাৎ স্বল্পকালেন তিথান্তর সম্বন্ধাৎ শীঘু রবিলম্বন পুতীতে: শীঘুমেৰ মলনাসো ভৰতীতি অ-ধিক দণ্ডতিথে: প্রাযিকত্বে তত্র তি-थिकयम् अविज्ञान्भवज्ञानाज्-नाधिकरेनव कालन जिथा छत्र मञ्च कार विवास्तिव इवि वड्डन भुठी उ শ্চিরেনৈব মলমাসো ভবতীতি ত থাচ বিষ্ণু ধর্মোত্তর । সৌর সম্বং-সরস্যান্তে মানেন শশিকেন তু ৷ **এकाम्मा**लिबिकारङ मिनानि पृथः नगरन। जमाह्य जाहेगाम उचा-আসো হতিরিচ্যতে। সচাধিনাস कः (भाकः कान्यम् गर्हितः ।।

हैम्छ नियठ॰ এक्यामधिमामाङ् ভীষাদে অধিমাসান্তর নিতি। य म्रामि याः जिथिः ममनूष्राभा ज्वाः गहु ि ভाऋदः। उरेयद मर्द्रमःका ন্তি যাবন্মেষ । ন গছতি।। ইতি রাজ गार्ड ७ वह ना जुला रि यथार न जिथि বৃদ্ধ্যভাবাদ্ধে দাদশতিথি বৃদ্ধি র নুপ**পদ্মা তথাপি মধ্যে** বিষুবতো ভা नू यान्। हानि जुवर्ष्टरय । रेजः मञ्जू যাধিকো মাসঃ পতত্যেষ ত্রযোদশঃ ।। ইতিগৃহাপরিশিষ্ট বাক্যে বিষুব তো মেষ তুলাস কান্ত্যে মধ্যে নে ষাদি ষ্মাস এব তিথি বৃদ্ধি ৰুক্তা। व्यक्र्यात अवाहि यभारत मन्त् क्या मध दिन वृद्धि खनादी भीयु ভুক্ত্যা দিনদ্বয় হ্রাস ইতি ৷ তথাচ জ্যোতি:শাস্ত্ৰ । মেষাদীনা নহ্ব<sup>ি</sup> न्त या नशा है हन्तुक । जूना भी নামষ্ট সপ্ত চন্দুকন্ত লিখেৎ পৃথক্ 🛚 । চন্দুএকঃ। অঙ্কস্য বানাগতি বিত্য-কবিদা সমযাৎ বুংৎক্রমেণ অস্কা বোধ্যাঃ তেন দিন বৃদ্ধি ক্রম সঞ্যা ভ্যা॰ নেষাদি ষট্ক এব একাদশা-मि जिथि वृष्तिः । **এ**वश्रमः। गाउद विजय সार्क्ष भक्षभक्ति दिन्द्वयः দিবসস্যাষ্ট্রমে ভাগে পতত্যেকা ৎবিমাসক:।। ইতি রাজনার্ভগ্রেক:

मधरम रिनाधिकाडे मामाधिक वर्ष ছবে অধিমাস:। সসৌরে মাসিসপ্ত म्भिरिताख्द्रः हानुनाम वह्ननामः स्रुवाट् **मावन मानिन (**छ्वय: 1 **७था** চ বিফুধর্মোত্তর পুথমকাগুণ। সৌ-द्रिगापस्य गातिन यहा ভवि ভार्गव । भावत्न ह जन। भारत दिन वर्षेक भु-পূর্য্যতে ৷সৌর সন্বৎসরে দিনষট্কা-ধিকঃ সাবন সম্বৎসরো ভবতীতি। भोत मामाञ्चेकाधिक वर्षद्वय मछन-भ रिनानि वर्षास मावन करमणि প্রোক্ত বিষ্ণুধর্মোত্তরোক্ত সনান বিষয়তাস্যেতি ৷৷জ্যোতিষে ৷ দশা-ना॰ कालुनारीना॰ भाषा नावना ह হুচিৎ । নপু•সকত্ত্ব• ভৰতি ন পৌষ-न् कराहन॥ नशुः मकद्वः मलमानः ত্ব। তথাচোক। অস কান্তো হি-या नामः कनाहि जिथि वृष्कि छः। কালান্তরাৎ সমাধাতি স নপূ•সক इव्याज्या नाखिलाति । भाषाना-न णुजः भोमा दिन्ध भाषाहक छ-था। नश्रामो हिन्न रिमाथाविद्या २नऽः সুভিক্ষ कृष्या (मोरम्)। नार्श-मीर्यः। अधिका २धिमामः॥ 🗱॥ उम्यः भः श्राम्भः। मृत्र भुजिभमामि রমাবাস্যান্তো রবিলন্থিতো মাসে मनमामः। मह नाश्वाको छेटः

मर्भितः जनविद्य कार्जिकामावशि। षाका विश्वेष्ट मावदापि कार्डिका-দি যট্ৰয়ো রূপি ভল্লকণ যোগে भाववानारवत जुलानि बहेल धावा-छ। मारम उल्लक्ष (यारम भूई এ।। व्याधिन विश्वाधिया छल्लक्ष्म त्याः ग পরএানলমাসঃভড়িদস্ত ভানুগল্পি তঃ। भनमाः म आयः । । । । विद्यः। । । नव ईएउ जूरेनङस्डि विखद्रः॥#.। नलगारम निरंकानि यथा। कार्र ह शृच् । हुए: भोकी वदानक जगुन (वय॰ महानय॰। ब्राज्ञालिएयक॰ काः नः १७ न अर्वतप्रविनामक ॥ ठूडाः भोक्षीवक्रमक जन्नप्रास्थमः मधानमः । রাজাতিকে কান্যক্ষন সর্ব্যান্ত। नुल हु: उ॥ नहाल । कन्याक मृष्यः । ভীমপরাক্রমেপি। অধিমাসে দিন পাতে ধন্ষি রবৌ ভান্লভ্বিতে মা नि । हिक्ति नुरक्ष ऋग्रीका माऋनार विवास्थ ॥ निनेशाउ निनेकार । অধিনাসে বিবাহ- যাত্রা- চূড়া- ত-(थाशनयनामि । अर्थाम जावकानः নাফ্ল্য ন তু বিশেষে ম্যা॰ ইতি।। व्यव विवाशापि की र्र्डा किन्न ব্ৰেপি নিষেঘাথা

কাশস্যানন্যগতিকস্য প্রতিপুদবেং হর্থাৎ সৃঠিত:। ভথাচ নলনা সাবি कात कार्र मगृश् । काल १ननऽगणि निज्याः सर्गादिम निज्ञी । कियाः। ইতি নলনাসত্তৰু ॥ 🕸॥ অপিচ। আগুগৰান পুভিষ্ঠাঞ্চ বজ্ঞদান বুতা-नि ह। (पर्व कु व्रवाट मर्ग ह्डाइ द्वर म् ययाः । नाञ्चला म् जिख्यक्ष म-वजारम विवड्डाः ८। इंडि शाक्रफ >२৮ व्यवगानः॥ 🗱॥ व्यथ दन्यात्र কর্ত্তব্য বুভাদি। চাত্রাস্য বুভ মা-याणानुराह्मःथनवि इंड॰ उपश्राद्वसः শाविभाविभवनात्मिक कर्वताः आ-य। छानि পুতिनिन कर्डवारञ्जन निज्ञ-वकाणाए। षष्ट्रा ज् सिवरेन मानः कथिए। वाम्ब्रायरेनः । इंडि क्या-তি:শান্তে পিতানছেন এক**না**সত্ত্বা-ভিধানাह। यह मध्यात्रस्य यः शूर्व নেক ভক্তেন ভিপ্ততি। ইত্যাদে নাযান্যনু লিখিত সমূৎ সর বুত না-वकः जनमाम श्री कलवाः। कृष्टियारामनामाः मञ्चलतः इंडि শ্ৰুতেঃ যা পুতিমাস বিহিত নমা श्रुप्तानामा कृतान्त्राच - कि दार्थ-

শ নিভ্যনেনৈৰ সিংখ্ৰ

मञ्जद ताला उत्र ः

পান কাৰ্য্য মিভ্যাহ ভগবান শিব: ্র উত্মাপন পুরিষ্ঠা। বুতারস্তো প নিষিদ্ধঃ। প্রোক্ত কাশ্যপ ব ाट रेकाशाबि मान विस्ति विशि नाविकीव्उारिकङ्गावकाम्। ্লমাসে ন কাৰ্য্য । কিন্তু পুকৃত এব ্ন্যপ্তাদৌ কর্ত্তব্য মিতি॥ বৃহস্পতি: । विज्ञ रेनिविखिक अर्यप्राय भ्रयज्ञः া । নলিলুচে। তীথমান প্রছাযা। ज्याङ्गः उरेथव हा। निज्यस्य त्रः ক্ষার বিহিত স্থান সন্ধ্যা পঞ্ ्।वज्जामि काम्यभाषा उथा विष• कल्लिङ यट्किक्षिप्युवा मान निव ज्ञामि । वाकु जित्या अर्याए ত্যহিক কর্ম পুরতঃ সন্ নলি চেঃ বৈনি ব্রিক**ঞ্চ স**রী তি সাব্রা-ः न यख्रद्य ॥ कानमाध्वीत्य ্স্য পুরাণ । বর্ষে চাহর হঃ শুজে ন**ক** পুতিমাসর•। গোভু তিল र्त्रगुरानाः गामिलि न्राम्बिस् ए कार्र हण्यभ विभिष्ठे । भुवृत्त ने - गामार भाक् यदकर्य न मगानि তে। সাগতে ন**লনাসেপি তৎস**না \* ) भनः भवः ॥ वृक्षिष्वाः । आः इ॰ कर्म ग्टिकिक्षिखट कार्रा कि बिह्नु ए । निविचि है नाम न दू वन दिवनापि विष्णय नियम भूना ॥

বশ্য কত্তব্য কাদাটিৎক নিনিভোথ शव ।। **क्षः ।। बा** ७ कपीराजि सन **मा:मकार्यः। जा ठ**क्ष्यास्त्रक्षणां भव माध्व उरेथव ह। सवा अया अया ना मा कः भाकान। अह त्याउमा। हन्तु मूर्यं। পুছে ত্ৰান দান শুংশ্ব কিবাদিক।। कार्याः जन्मनास्मिलि निजाः निमन ভিন্ত তথা।। মৃতি:। শুজ জাতক নাবানি যেচ স ফার নাণ্ডিতাঃ। ন-निम्न रह शिन कर्नाताः कामता इक्षी **क वर्ज्जात्य ॥ अश्वाता अम्यानन** निवृत्रशानदः। ইতি नाथवाठाण्यः। व्यव्यक्रमाणि दङ्ग म्ह्राम्करान **शिखताबाङ् म**क्यारीनि । नवणा-षः । ठज्र्धं भक्षात् रेडव नवरेमकाम-**শে उथा ! यह द भी याउ काला खराव-**শুষ্ম মুচ্যতে। ইতি যদোক।। অব **চ** वृथा हा कि शुह्र ग भन्न पि नाव दी जि ॥ वालगुर ज्उगुरु नत्रःविश शुवल শত্রু দৃঃসহরোগাভিভবাজুত দুঃ-यथ पुरुषिष्ठापि निमित्तः भाषि कर्याणि ग्वागामिण वर्खवा । वि-**ফুন: শাভি ৰ**স্তঃধনৈ দৈলোপঘাতান্ শনবেৎপরচক্রোপঘাতা শ্চ ইত্যু-ক্ত । ইতি নলনাৰ চত্ত্ব ।।। नवयः পু॰ सनामध्याजभवंजः। उৎ भर्ग्रायः। वाषाः २ मक्तिगाः नः

ठ। इंडि (इम्बन्धः ॥ वन्तनाष्टिः ८ ॥ ॥ रेणलाङ्गः ॥ रहम्भवित्मयः ॥ ञा-द्रानः । ইতি मिनि ।। नम्हनदन• । ইতি ধরণিঃ ৷৷ অষ্টাদশোপদ্বীপা-ন্তৰ্গত দ্বীপবিশেষ:। ইতি শব্দনা-ना ॥ अय ভদেবস্য শতপু প্রান্তর্গত পঞ্মপুণ্ৰ:। ইতি শ্ৰীভাগৰতে ৫ ऋक्ष ८ व्यथ्रायः ॥ नवयगिक्तिनी क्वी উमामशीविष्मवः। इंडि मस्माना॥ ন লযজ পু ক্লী চন্দন । ইত্যমর: ।। त्रारही भू । यथा। त्राङ् भवयङ ण्मु रेभठीन वाम्भाकृत। क्षः ক্ফায়র সিংহাসন ধ্যাত্বা তথা-ख्राय ।। इंडि गुर्यक्क उद्गुः॥ भवग जी विवृजा। ইভি भिनिनी।। नमगाहनः भू॰ मनगभई छः। ইতি मद्रवावनी॥ भनगानिनः श्रु वमञ्जानीनवागः। তৎপর্য্যায়: । বাসন্তঃ ২। ইতি ত্রিকাওশেষ:।। भवायः खी भवाशः। इंडि भवावः। वनी ॥ भवायाण्डय क्री हन्तन। इंडि दांब निर्घ्षः॥ बनदिनामिनी खी भद्रभूबी। ইতি। यः। मनीनमः २ कहतः अननपृथिल

त्राजनिर्घण्टेः॥ भनयाहनः १ । इंडि भस्तज्ञावनी मनइडा शू॰ भानानीकनाः। इंडि ब्राजनियंगः॥ नवा हो ज्नागनकी। इंडि मद ठिकिका ॥ मनाकवीं न् रिफिशः। हाि हेि ভाষা। ইতি শব্দালা॥ मनाका की कानिनी॥ इसिनी॥ पूर्वी । ইতি गःकिश्वनातानाहि-वृङ्धिः॥ भवाभकर्षन ही भाभरमाहन ॥ নলদ্রীকরণ । ইতি কেচিৎ।। भनाभरा छी नतीविष्मयः। यथा। ननाপहा जीमद्रथी ह घडेगा दश **ठ** क्षा जनमाग्रगा खरेगः। मना-পহা ঘউগযো স্তথাপি পথ্য লয়ু স্বাদুতর• সুকান্তিদ• ॥ ইতি রাজ-निर्घण्डः ॥ भनावरः क्री नवविष्णाशास्त्रज्ञ-भाभविष्णयः। यथा। कृति की है। ব্যো হত্যা মদ্যানুগত ভোজন । करेलकः अनुमाखय मेरियर्शक मना-वरु ॥ इंडि मानत्व ১১ ञक्षायः ॥ भवातिः भृ भर्बकातः। इंजिताल-निर्यणेः॥ मिलिन वि मलगुक्त स्व। उट भारी-

8। इंडाप्रद्रः।। पृषिष्ठः।। कृषः। इंडि (मिनी।। निष्ठा निमिश्विक किया छाणी। इंडि मार्क ख्यम्द्रापः॥ मिनि की (घानः। इंडि मस्हिन्दुः का॥ (पाषः। इंडि (इमहिन्दुः॥ हेस्वाः। इंडि द्राविधिः॥ मिनिम्थः प्रचीः॥ (गानाक्नः १ इंडि (मिनी ॥ (पुडः। इंडि (हमहिन्दुः॥

मिनिम्थः वि क्राः। थलः। ইতি

मिनिश्चिर्मे प्रमानवास्त्रणः। स्नानवास्त्रणः।

मिनिश्च क्षी मिनी। ইতি एस्मे प्रमानवास्त्रः।।

मिनिश्च वि थलः। ইতি भद्दः

माना।।

भिन्नी खी बजसनानाती। इंडा-भवः॥

र्यार्श्वार । इंजि मलमानजुः ॥

वायः ॥ होतः । इंजि मिलनी ॥

वायः । इंजि मलमाला ॥

मिलिश जी जन्नवानाजी । इंजि

जिकाश्वामवः ॥

मलीमनः जी लोहः ॥ भूजनानीनः

। इंजि मिलनी ॥

मलीमनः जि मिलनः । इंजि मिलः ॥

मल्कः भू॰ कृमिविष्मवः । इंजु। । । ।

स्वामः ॥

মল্ল ড খ্ভৌ। ইতি কবিকল্লন্দম:।। ড সল্লতে। ইতি দুর্গাদাস:॥ মল্ল: পু• বাহুযোধী। মাল ইতি ভাষা। ইত্যনরভরতৌ ॥ স চ বাত্যক্তিয়াৎ স্বর্ণায়া কাত: 1 ইতিমানবে ১০ অধ্যানঃ॥ পাত্র• ॥ कलालः ॥ मट्माउएरः॥ व नीयान्। इंडि (मिनिनी।। वर्नमङ्गत ক্ষাতিবিশেষ:। মালা ইতি ভাষা । म ह (लहार जीवत कन्याया का-**७:। ३७ वृक्षरिवर्त्तर्भवागः।। ७**खः বাग্যা॰ সন্দকারাজ্ঞাত:। ইতি পরাসরপদ্ধতিঃ ৷৷ দেশবিশেষঃ ৷ यथा । मन्मार्ग नवताष्ट्रेक मह्नाः শাল্লা যুগন্ধরা:। ইতি বিরাটপর্ব-ी > व्यक्ष्यायः ॥

अ ०३। विजीयस शुक्तः भूषः क- । बहाकः शु प्रसः। ইতি (इग्रहमुः॥

মলকঃ পু॰ জ্ঞী দীপাধারঃ॥ নারি-কেলফলাব্যবদ্ধপাত্রবিশেষঃ। না লা ইতি ভাষা॥ জ্ঞিযা॰ মল্লিকা। ইত্যনর ভরতৌ॥ পুদীপঃ। ইতি নথুরেশঃ॥

मझ क की मजिष्ठ । इंडि कठा थतः ॥ मझ क्रांष्ठ की वाह्य विषयः । उट् श्रांष्ठा । महाश्वनः २। इंडि जिका अस्म थः ॥

नलनागः श्रृ वार्त्रायनम्निः॥
व्यञ्जाउद्यः। ইতি मिपत्र द्वावली॥ का
गणाञ्चविष्णयः। ইতি ध्वापिः॥
मणाञ्चविष्णयः। ইতি ध्वापिः॥
मणाञ्ची मजाञ्चाः। ইতি ध्वापिः॥
मणाञ्ची मजाञ्चाः। ইতি ध्वापिः॥
मणाञ्ची मजाञ्चाः। ইতি ध्वापिः।
व्यञ्गाः। यक्षवादेः २ तक्षञ्भिः ०
वाप्रायः। यक्षवादेः १ हिं कि।
भवः।। प्रमिवः स्वरुष्ण

मझनावा जी मझाना गुष्कार्यनावा। ७९ अर्यायः । माझनी २ । इंडि हाताननी ॥

नह्मयुक्त क्री मह्माना मण्यापः। एए शर्यप्रायः। नियुक्त २ वाल्युक्त ०। इंडि मदत्र द्वावनी ॥ उर्भुकाता यथा। अथ मूप्तन उ मह्म थाव यामाम नर्मात्र हि। हान्यमान

ख्टा जीमा मृश्यितवाकरतास्यज्ञि ॥ মহি শক্ষোতি বিভ্ত॰ প্রভ্যাখ্যা-তু নরাধিপা। ততঃ স পুরুষব্র-युः भाप् च भिथिन भव्तन् ॥ शुवि-বেশ নহারস্থ বিরাট নভিপ্জ-যন্ ।৷ বৰন্ধ কক্ষাণ কৌন্তেয় স্ততঃ স হর্ষন্ জনান্।। তত তঃ বৃত্র স क्रामः जीता मझः मनाख्यः। জীমূত নান ত নল তত্র পুথ্রত বিক্রমণ ।। তাবুভৌ সুমহোৎ সাহা বুভৌ ভীবুপরাজমৌ। মন্তাবিব ম-शकारी वाद्याने यश्चिश्यामा कंड खो नद्रभाष्ट्री वाङ्गुष्क मशीर्जुः । वीद्रो शद्रम मः कृष्टा वत्नामा क्य-काष्ट्रियो ॥ यात्रीय मुखीयः मार्ग তে। বছু পর্বতযো রিব। ১০। উভৌ পরম সাহটো বলেনাতিবলা ঠুভৌ ॥ जात्राना मस्त्र (भूप्न भद्रस्पद्र करियविरागे। উट्टो भव्रम मे श्रृष्टी म ভাবিৰ মহাগডৌ ॥ কৃত পুতিকৃতৈ न्हिरेब बीएडिक नक्हरिः। ১১। मित्राजावयूरिक भुमार्थाम्यदेन ত্তথা।। কেপণৈ মু স্টিভিক্তিব বর। হোদ্ধৃ । ভলৈ ব্যুনিপা रेजक भूजूका कि स्रोशव है।। भवाका नथनार्छिक नातार्ख् विकास किल । জানু 📞 শ্চাশ্মনির্ঘোষে: শিরোভি-

न्हावष्ठितः ॥ ७मूख मञ्जादात भणवः वाङ्ख्बमा। वन भारान भ्वाका **नगाकार नव नविश्वी**॥ সরজ্যত জন: সর্ব: সোৎকুষ্ট নিন ्राथि**ङः। विज्ञानाः म**ण्यूरण झाङ्गन् वृज्वात्रवरम द्विव ॥ भुक्ष्माक्ष्म शा ब्रज्याकर्व विकर्ष तिः। जाकर्ष তা মথান্যোন্য কানুভি শ্চাভিজ্ম ফুঃ বিখা ততঃ শবেন নহতা ভত্ন-याली नेत्रम्भवः। वृह्णावस्को नीर्घकुः हो नियम जनना वूट्डो ॥ वाङ्डिः 🍴 সন্সজ্জেতা নাথসৈঃ পরিধৈ রিব। চকর্ষ দোর্ভ্যা মূৎপাট্য ভীমে। মল্ল-मभिज्ञ। ॥ विनम्छ मिल्काभन् , **লা**দ্লি ইব বারণ•। তমুদ্যম্য ম**হা**ং वाइ ज़ूर्भियामाम वीयावान्॥ उटा মল্লাশ্চ ম্প্রাশ্চ বিষ্যুব চক্রিরে-পর•। ভাুম্বিত্বা শতগুণ• গতসম্ভুম্ চেতন ।। পুত্যপি বন্মহাবাহু মল ভুবি বৃকোদর:। ১৩। তিমান্ বিনি-হতে মল্লে জীমতে লোকবিশুতে।। वितारिः भत्रमः इर्य मगहत्वाक्तरेयः मः ए। म र्याष्युमानी दिख वल्बाका মহামনা:।। ইতি বিরাটপর্বাণ ১২ व्यक्तायः।। 🗱 ॥ अवाः निका यथा। দুগণান ৰূপুকটন রাজাক্তা লয়ন ছ ন্দু জেন। বিবৃত্ত লোক সম্ভন্ত।

म्न मिथिनः निः इदेव ब्राय्देव वा শিথিলঃ সাবজ্ঞ:। স্যাৎ সিংহে-लिए भार्त इंडि क्र्मनार । क काः कहः। मन्या उः मध्यः। ३०। जकक्षिः कद्धिः कद्रधर्यभक्तः किनः কডা ইতি পুসিদ্ধ। কৃতপুতিকৃতৈ: পরপুযুক্তি পুতিকৃতি:। চিত্রৈ বিচি-ৈৰৈ ৰ কৈ রিভিশেষ: ١১১। সন্ধি পাতেত্যাদি এতে মল্লানা শিক্ষা বিশেষাঃ। সন্নিপাতৈঃ পরস্পর সং-यारिज त्रवशूरिज विकाम् क्षिणुकायारिजः भुगारियः भाउयिदा (भवरैगः। छै-श्रयतिः चखत्रीत्क जुकाजाः मयः तिः। (कशरीः ज्ञानार भुह्यावरिनः। বন্ধাক্ষ লিকরো মৃষ্টি:। অবাছু খ স্ক-क्षगंज जामियदा जरेशव यः। कि-গুস্য শবঃ স ভবেছরাহোজুতনি-यनः ॥ ७र्जनाकृष्ठ मर्यान शुनादि**उ** করে। হি यः। স•পুহার তলাখ্যস্ত मःगुरहा बहु भिष्ठ ॥ अर्काःनु जुन। मझगृष्टि रेक् मिडार्थः। भुम् তাঙ্গুলি হস্তেন পুসৃষ্টি: পুভৃতি: मृजा। हिन्धीकृठ वाष्ट्र यं उदीया-থ । যথা বল ।। পুহার: সশলাক। স্বাৎ পাদে। জু है अना इंड । जा-न्छि कान्य निर्धारयः शायानताय त्रमुण धुनिভिः क्रतेश्यां नात्रवय्येनानि रिछ: । वस शारान रासाटकार्यन ।

रागटकुष्ठे निनामाध्यकः उट्टाकासन निनामाध्यान महिछ:। शुकर्यतः वाह मः मूथानयनः भुकृष्ठोक्रयनः
छामवाकर्यन भीषट मसूथानयनः ।
स्मान्याकर्यः ममस्रकः कर्यनः । विक्
र्यतः भाषाट नयनः छामव विभवी छ
कर्यन मूठार छेभ मर्ग (छमामर्थ (छराग १ भी छ । १२ । मा छल्लाः मा छवातः । १० । इछा क् निम्मुक् छ छ।
वाराधिन भिका ॥

मला की नाती॥ পणवली॥ मलि का। इंडि नद्दश्वनी॥

मलातः भ् तागिति स्वः। मज् य
गाः तागानाः मत्यः विजीयः। यथा
। जारने मालय तार्णन्तः खरा म
ह्यात मः खिजः। जीताग खमः। भः

ह्यात मः खिजः। जीताग खमः। भः

गारि रमस सम्बद्धानाः। श्रिक्षानः

काश कर्नाते जरु त्रोगाः भुकी खिः

जाः। जमः यहेत्राणिताः। यथा

त्वावनी भृति ह कानण मान्यी

छथा। काणा क्वातिका हिन म
ह्यातमः भिया हेमाः॥ जमः गान

मज्यः। भिय मलात त्रागमः गानः

वर्षाम् मर्वादराजः भन्निजः स्थानः भुन

यक्नीः सन्तिन्त्र्वनः। कोभीन्याः

সাং স্থিতিত ব্যাগ্রাগ্র শুঠি শান্তমূর্ত্তি: ॥ ইতি সংগীতদা-মোদর: ॥

मलाती जो वमस्तागमात्राणिनी।
यथा। जात्माणिना ह एम्माथा।
त्वाणा भूथममञ्जती। मलाती हिजित्राणिता वमसमा महामूगाः॥
इेडि मक्षेडिमात्मामतः॥ तम्बर्गाः
गमात्राणिनी। इेडि इनायुक्तः॥
मिलाः भू हर्ज्दि मिडिव्डाईडाः मत्था जैनदि मिलिनः। इेडि (इनहन्दुः॥

मिलः जी मिल्लिका। ই जिम्ब दङ्गा-वनी।।

মল্লিক: পৃ• মিনিনচঞ্চরণযুক্তহ•সঃ
। মলিনৈ: কিঞ্চিজ্সরবর্ণে রালোছিতৈ শঞ্চরণৈ কপলক্ষিতঃ শুত্রহ•সঃ । ইত্যমরভরতৌ ॥ নৃণা•
উপাধিবিশেষশ্চ ॥

মলিকা জী সনামখ্যাতপুশ্লবৃদ্ধঃ।
বেলফুল ইতি ভাষা। তৎপর্য্যায:। ত্ণশ্ন্য ২ ভ্পদী ৩ শতভীক: ৪। ইত্যমর:।। ত্ণশ্ন্যা ৫
শীতভীক: ৬। ইতি ভরত:।। ভদুবল্লী ৭ গোরী ৮বনতন্দ্রি ক্রিকার
১০ বৌল্যা ১১ নামা

न (माहिनी कि । जारा स्थान कर्ष विद्या के क्ष् कि विष तुन नामिष्य हिंठ बाज निष्य है ।। कक नामिष्य । हे जि बाज वज्ञ है ।। केकष्य । न्यूष । त्याप । वाज मिखाम म्याधाकि नामिष्य । हे कि स्थाप कि नामिष्य ।

म्नाइतः। सत नात्नाक्यामान
निथागुाहत्रगान्तिः। जात्नाकि
छ स्थिति स्ता म्राज्यानि।
शुम्हण जना तुक्तन् भामामातः
छ कक्षत्र ॥ भुम्हण्नातो एत्रलो
म्ह्रोत्मो कनूमाग्रः। উट्ममर्छ यः
नृः (मृष्ठः जङ्जगामाथ भक्षदा ॥
यमानीसृष्ठितकः जक्ष्याभृष्ठः महाशुनः। म ह कन्नज्ञ क्षांजः मुन्नाः
ए। छगाक्जिः॥नाह स्थानः मृनाः
कातः यमानीषष्ठ ज्विजः। जङ्जाः
छ। क्ष्मवात्रगुः दक्षतः नामत्वाः
नेतिस्। का १० विजाः स्वानि मिन्

(श्रांत उथा मूक्षे श्रान हन्मुः नि भुङ । शक्ष्ण्या ভवज्जा जे मणा किवता ज्ञा । जेक्षं मुद्रेश श्रक्षः कार्षेशः श्रान विक्रा क्षिणः । ठ्या प्रकृषे। मद्री मण्डा जा विविश् था मून ।। ইতি वामनश्रवात्म भः भूग्यः ॥ ॥ मूल्मा विक्रा ।। मूल्भाव जिस्स । स्वा स्वा ।। भानभावः । ইতি (स्व हन्दुः ॥

मझिकाथाः शुः मिलमः क्ष्या ने पूज क्ष्या । एव निर्मा क्ष्या मिलि । एव निर्मा क्ष्या मिलि । एव निर्मा क्ष्या मिलि । क्ष्या मिलि क्ष्या मिलि । मिलि क्ष्या मिलि । मिलि काथा। मिलि मिलि कामानः। मिलि मिलि काथा। मिलि मिलि ने निर्मा के निर्म के निर्मा के निर्मा के निर्म के निर

मिल्लिश्या खी जिल्लानानी भूझ । তৎপर्याय:। (माङ्गी २ वर्षे लजा ० (माङ्गा ४। ইতি तल्लाना।। मिल्लिग कि ली मञ्चला छक्। ইতি ताज (यण्डेः।।

নজিকাশসং পু• সটজবৃক্ষঃ। ইতি রাজনিঘণীং॥ কক্শবৃক্ষঃ। কক্শা-লেবু ইড়ি ভাষা। ইতি হেন্চন্দুঃ ॥ सनामथाङमुझर्कण ॥
म लिनाकः भ् मलिनाध्यू ए द्वर्गयूकइ.मः । इंडि एमा मु: ॥ मूक्रवर्ग
विश्विष्ठ एक्ष्मं यूक इयः । ইडि
इनायुषः॥

मिलि की व्यक्षका इंडिम्स-চিन्द्रका।।

মল্লিপণ্ড ল্লী ছ্রাক:।ইতি ত্রিকাপ্ত শেষ:।।

मली जी मल्लिका। ইতি রাজনির্ঘণ্টঃ
শক্রেত্বাবলী চ ॥

भल्लीकद्रः जि कोद्रः । हेि अद्

मह्यः भू॰ ভाल्कः। ইতি শব-চন্দ্ৰিকা॥

भव नरह। इंडि कविक च्रक्षमः॥ नरहावन्तनः। भविड होतः लाकः। इंडि पूर्णापामः॥

মৰিত: ত্রি বৃদ্ধ:। ইত্যমরটীকাথাণ স্বামী॥

भवा वाक्ष । इंजि कविकन्नक्षमः ॥ भवाजि (होत्र॰ ताका । यद्ववास्त्राश्य भिराजातक । इंजि मूर्गामानः ॥

মশ প্রনৌ ।। কোপে । ইতি কবি কল্লজন: ।। মশতি মশক: । ইতি দুর্গাদাস: ।।

मणकः श्रु की हे विराणयः। नणा इंडि |

ভाষा। उट्भर्यायः। वकुष् म्हामाः । म्यामाक्रकः । तावि जागतमः ৫। ইভি द्राञ्जनिर्धन्तः :: **उमाणकश्रा यथा।** बिकलाङ् स পুস্লাণি ভল্লাতক শিরীযক। লাভ ক্ষা সর্জর সম্পৈচব বিডঙ্গু েচব 🎨 बुः॥ बरें उ र्थे रित्र चिकिकानाः শকানা বিনাশন। ইতি গাকতে ১৮) সধ্যায়:।।চর্মছেদ:। দ্রন্ত 🗧 नानशाउ वर्यनिर्यि उत्तर्शित शा ত্র-াারো গবিশেষঃ ৷ মশা ইতি হি ন্দ্রী আঁচিল ইতি বঙ্গভাষা। ই नक्तञ्चवनी।। 🗱। गनक्ताश्रमाञ् । ञादमन हित्रत्थिव यजु गाः अुमृन्तारक । नाववर क्ष मूर्माः মলিন মশক দিশেৎ।। ছিরু অচল ।। ভাস্য চিকিৎসা যথা। চর্মাকীল জতুমণি মশকা ভিল कामकान्। उँ ८कृत्र माखा मः হেৎ ক্ষারাগ্রিভ্যা মশেষত: ।৷ ইতি ভাবপুকাশঃ॥ অপিচ। লশু-नानान हुनेमा यायी गुमक नामनः। इं ि गाक्र ५१६ व्यथायः॥ नमकी पु॰ উদুদ্ধর वृक्षः। ইতি হেম-**इन्मः** ॥ मणवती जी मणकनियात्रे स्तु । यह १

विलयः। गणाती इंजि जावा। उद

भर्गायः। हजुद्दी २। ইতি करी पदः॥ ं मृतः श्रु अक्रुतः। ইতि मदमाना॥ ाय वाथ । इंडि कविकन्नफ्रमः ॥ मयजि। इंडि पूर्गामामः ॥ निविक्षी की / नमाधातः। इंडि अधियान क्री रहमहन्तुः॥ ्योलियारकः मु श्रीजानवृकः। इंडि রাজনিষ্টঃ।। भ्<sup>र</sup>िते य के भित्रिमारिया भित्रिया-মে । ইতি কবিকল্পদ্দম: ॥ ইর অ-ঁমসৎ অনাসীৎ অনসীৎ। অন্নাৎ भूषानिज्ञाधिकाः ७ इन्डात्ना । य ममाजि थाना गृशी। পরিমাতी-७,र्थः। त्रे मुखः। পরিমাণ কস্য हिन्न्(द्वाथार । ই**डि** मूर्गानामः ॥ ল্মন ল্লী সোনরাজীবৃক্ষ: ৷ ইতি मदहिनुका ॥ अन्त्रा क्षी मन्द्रः। इंडि कंटि। ध्राः।। ात्रातः । शुः हेन्द्रनीवनशिः । इंडि मनात्रकः) नदत्रवादनी ॥ विभिः जी भू॰ निभिभुरगाजना। (नथनमुवारः। इंडामब्रहीकायाः ভ तुः ॥ उ**९** भर्यप्रयः । निकल २ श्रमाञ्जन १। ইতি विकाशास्यः । भिना ३ काली ६ अक्षन ५ अती। हेटि मक्त्रवावनी । तक मी है। इंडि शानी । बिलनापूर्व

নশী ১০। ইতি ছেনচন্দুঃ।। শেক।-লিকাবৃত্ত । ইতি ৰুদু: শব্দরত্না-वनी ह।। मिनका भ्री (मकालिका। ইতি मद-রত্নাবলী।। মলিকা ইতি গুস্থান্তরে भाठेः ॥ मित्रवान क्ली मन्।। वातः। इंडि नयः-ब्रङ्गावनी ॥ यित्रशानी जी यत्रशांषात्रः। दशयां ইতি ভাষা। তৎপর্য্যাयः। মসি-मिनः २ (मलाक्तुः ७ वर्गक्निका ८ মেলানন্দা৫নেলান্তু ৬ মসিধান ৭ । ইতি नद्र इावनी ॥ गिरुक्शी ৮ । ইতি ছেনচন্দু:।। মসিক্পিকা ১ । ইতি জটাবরঃ।। মদিন ল্লী সপিগুক। ইত্যুণাদি-(कावः ॥ মসিপণ্য: পু॰ লেথক:। ইতি ত্রি-কাওশেব:।। यमिनुमुः खी मम्यावातः। इंडि शतावनी।।ता ी देखिकिट्॥ मिमिशः जी मयाधावः। इंडि मब्दश्यकी॥ নসিবজন লী রসগদ্ধঃ। ইতি দ্রি-का अल्बिशा भनी की काली॥ (मकालिकावृष्टः । इंजि मदत्रज्ञावली ॥

भनीदनः क्ली भनी। काली। इंडि बिकाल्यामयः॥

মসীধানী স্ত্রী নস্যাধার:। ইতি ত্রিকাণ্ডশেষ:॥

মসীনা স্ত্রী স্থনামথ্যাতশস্য । যথা । মসীনা চাতসী চিহ্না ক্ষুনোনা মালিকামিতা। ইতিশব্দক্রিয়া

ममूतः भू ममूत्रक्वायः। ইতি ত্রি কাওশেষः॥

মসুরা জ্রী বেশ্যা।। ব্রীহিপুভেদঃ। ইতিনেদিনী।।

भन्तः भू जी विश्जिमः। भन्ती-कनाई है जि जाया। उद्भर्यप्रायः। মস্ল্যক: ২। ইত্যমর:।। মসুর: ৩ ব্রীহিকাঞ্চনঃ ৪। ইতি ত্রিকাণ্ডশে-ষ:।। নস্রা ৫ নস্রা ৬ । ইতি भिति ।। तागरानिः १ मञ्चनाः ५ প্থুবীজক: ১ শ্র: ১০ কল্যাণবী-कः १२ ७ ५वी कः १२ ममूत्रकः १०। इं इ दाजनियं है। । स्वन्। :8 ममूत्रका :৫। इंडि ভावनुकामः॥ चना खनाः। सर्तद्रादः। भीउदः। সংগাহিত্ব। কফ পিত্ত নাশিত্ব। বাভান্বকরজ । ন্তক্ ছুহরজ । वय्द्रका इंजि बाद्यनिवंकः॥ अपू स्वतुः। क्यन्द्रः। ङ्वनाश्रीद्र**यः।** ইতি ভাবপুক।**শঃ॥ ত**ম্য যুৰত্যাঃ 🏻 । সংগ্রাহিত্ব । স্বাদুপাকিত্ব । পু-নেহ পিত্ত শ্লেম জ্বাতীসার না-শিত্বঞ্চ। ইতি রাজনিঘটঃ ।।

নস্রকঃ পু॰ উপবর্হবিশেষঃ। গোল বালিশ ইতি ভাষা। তৎপর্য্যায়ঃ । চতুরঃ ২ চাতুরঃ ৩ অঙ্গেটঃ ৪ দ-ক্রগণ্ডুঃ ৫ । ইতি শক্ষরত্বাবদী ।:

नमूत्रविष्त्वा स्त्री कृष्डिकृष्ट । इट । मतः॥ महानवकः। इडि कृष्ट (कि । मम्त्रा खी व्यमहा। महन्य ब्योप्ट । देखि विषित्री ।।

ममूतिका खी वर्डनी। रेजिलाय-भाना।। वमञ्जाता गः। ७० नियानः। পাপরোগঃ ২ রক্তবটী ৩ মস্রী ৪ । इंडि भदत्रावनी ॥ जथ ममू-রিকাবিকার: : তত্র নসূরিকা বিপু• क्षे निमान भृति गा माभाधि ना र। करेन वन कात विक्षावाम-नामरिनः । मुश्चे निज्ञाव माकारिन्तः भूमृष्टेभवतामरिकः । कुष्वगुरङ्कः ণা**চাপি দেশে** দেখেও সমূজ্য: 1 **जनपश्चिमात्री**त्व क्षिन् म्हेत्ररक्त **সদ্ভাঃ॥ ম**স্রাভৃতি **স**ংসাণাঃ পিডকাঃ সুগু মনু কিলে। ভাবে। यनकातः। विक्षास्त्रामाण्डेकार कद्वापि विकक्षासानाम होना जुन था अभागनायनः अविक्त्यान

व्यव्यानना पूर्विनिञ्चाव नाकारेनाः पृष्ठे विश्वाव णाक गारा णकामाथानुका-मि रेजः। भुमूष्ठेभवत्मामरेकः भविष वन्नारि मःमर्गाट। क्षगुर्ह क राहानि दिल्ल (मान कुष्तगुरा ताल भौनकताम्य (खवाभीक्रणाष्ट्रिः य-जि.न्मान क्ष गुरु मृष्टि खडाशि म-্ৰুমিকাংপনি বিত্যৰ্থ:। মস্বাক্ তি শংসানা মসুরস্য যা আকৃতি उपट्यापा भाक्षि यात्रा॰ जीः । 🕸 🛭 অথ পূৰ্বকপমাহ। তাসা॰ পूर्वः क्वाः कख् गाञ्ज्यका १त्रि पुनः। इहि भाकः गरेववर्गा त्व द्राग उरेप्द ह ॥ 🗱 ॥ वाज्जामार । स्मितिः क्काक्ना क्ष्मा खीव्यक्त यानिजाः। कठिना निष्यभाकान्छ छः वष्ठानिन गद्धवाः ॥ 🗱 ॥ रेभिन्तिका माह्। यस् वि अर्थनाः (छरः कात्रः कत्ना १वाज चुनः। त्नाव खात्ना-🤞 जिल्लामा॰ ज्या हाकहि म॰युडा॥ ্যক্ত পীতাসিতাঃ য়েটোঃ সদাহা छो व (यमनाः। मृमद मिष्ठब्रशाकामप পিওকোপ সমুদ্রবাং ॥ 🛊 ॥ রক্ত-कामारः विरङ्ग का अमर्चक नार छः क्षा वर्षा वा मूर्य श्री का १ कि भा-किक वृद्ध कोतः मुक्त हराः ॥ त्रकता-रा जना उ विकास: शिख मध्य-

गाः॥॥ ॥ यथ कक्बामारः।(यठाः त्रिक। ज्न श्वाः क्जूबा मनस्तर-নাঃ। মস্রিকা: কফোন্ড্তা শিচর-शाकाः भुकीर्खिजाः॥ #॥ मामिशाः जिक्नेमार। नीना किनिए विखीनी मत्था निमा महाक्षः। পৃতিসাবা **िष्ठतः भाकाः भु**ङ्ठाः मर्दरमायकाः ॥ #॥ সপ্তধাত্গতানাহ। মস্রি-का खुष्ट॰ भाखा खाग वृष्ट मिजाः । अन्नामाः भूजायस्य ভिन्ना स्थायः ज्विष्ठ है।। वृष्ठः जा्राधाः वृह्दिनाक त्रम डेहारङ त्रमाण्यदार ॥ #॥ त्रक्रामार। त्रक्रा (मारिजाका-बाः भौधुभाका उनुष्ठः। नाश्वा ना-खार्थ पृष्टी स जिल्ला तक जुविक b। माध्या बेक्डा इंडार्थः। नाडार्थ मू-है। इ अडार्थ मह (मानिजाः भून न-'माध्राः किन्ने केष्ठे माव्राः ॥ 🗱 ॥ मा महानाह। मा महाः कठिनाः तिको निष्त्रभाका खनुष्ठः । गाज भून निभाव अशहा मार ज्यानिजाः ॥ #॥ भित्राभार। भित्रका मुख-नाकोत्री गृप्तः किष्णिपूर्यजाः। शाद बुत भन्ने ठीक इनाः नियाः भव-मनाः ॥ मन्याशांत्रिक महाभाः क-किमार्ख्या विनिखरत्य। आं। विक् मकागाउनाह। कृ मा गाव मन। कः

কা শিচপিটা: কিঞ্চিদ্যতা: । নজ্জ-इ। ज्मनत्याह (वहनात्रिक न॰यू তাঃ৷ ভুনরেণেব বিদ্ধানি সর্বন্ত্যন্থী नि সর্বত:। ছिन्द् छि नयाँ या भानि भा ণানাশ হরন্তি তাঃ। গাত্রসমাঃ গাত্র जुन्। वर्गाः। हिलिहाः हिलिहा का রা:। মজ্জাগু**হণেনাস্থোপি গু**হণ ত भाषातदार। यडवरार्ग् ज्यादरा ব বিদ্ধানি স্ব ৰন্ত্যস্থীনি সৰ্বত ইতি। मर्परायानि मर्पञ्चानानि ॥ 🛊 ॥ भुक গ্রামাহ। পক্ষাভাঃ পিড চাঃ স্থি-षाः भूका का जार्थ (वष्नाः । रेखिन-ত্যারতি সম্মোহ দাহোমাদ সম-विजाः॥ मुक्कभागा अमूर्याञ्च लक्क्शा-নি ভবন্তি হি। নিদ্দিষ্ট কেবল । इ बोर्यन्छ न म्माउ ॥ भक्षाजाः পক্ষাকারা: ন তু পক্ষা: । শুক্রা: (कामला:। निष्टि है क्वल हिन्न নৰুশ্যা শ্চিকিৎসা যুক্তা যতো জীব-ন ন দৃশ্যতে। সপ্তাপ্যেতা দোৰছে-कु विना न खविष्ठ । दशक्षमञ्दर्भ রসাদি দৃষ্টে রভাবাদিত্যত আূহ। म्मिष भिष्पाञ्च मुख्या पृष्टेवता माय नक्तिः। अना वस्य वासाह। कथेता ধাৰতী তন্ত্ৰা পুলাপারতি সংযতাঃ । मांग्डिंटिनाः मगुष्रिः जिएका क्य मां क्रिजाः। 🗱।। त्रामाञ्चिलः।

মাহ ! রোমক্পোন্নতি সনা রাগি-ণ্য: কফ পিত্তন্তা:। কাসারোচক সংযুক্তা রোমাঞ্চ জুর পূর্বিকাঃ ॥ नायाः भार। द्यांडा तकगरिकः পিखकाः (भूग्रजा खणा। (भूग्र निःः क् ठारेकव मुश्रमाध्या मम्तिकाः । इमा विनाशि कियया भुगामः छि ग রীরিণা । ত্ত্মতা রসগতাঃ ശ 🗥 क्ट्रेमाथ्यक्याः भारु । वाउको वाङ পিভোপ। বাত শ্লেম কৃতাশুবাঃ 🗄 কষ্টসাধ্যতমা স্তান্ত গল্পাদেতা উপা ठातर्था 🗱 ॥ जनावतः भारा । ज সাধ্যাঃ সন্ধিপাভোত্থা স্তাসা• ব क्रांभि नक्रां। भ्वान मम्भाः का-न्दि कान्डिक्ष्यकान्याः। ला र्जाल मनाः कान्तिम्जमीकल म मि जाः ॥ व्यानाः वस्ति वा वर्गा कायः . (छ (राव (७९७:। भूवान जन्मः इंड्राप्ति। यानाः भूवान हपुक्व लाइ छिकाङजीकन जाम्नाउ व र्लन। अनुक वर्ष अभ्युहार्थ बाह । व्यात्रा॰ वङ्विधा वर्गा इंन्डि ॥ 🛊 ॥ অপরা ক্ষান্ত্যঃ পুষ্টা কামে हिका भुगार के बन्न सं । मुनाक-पः । **भूवाभा**द्गति स्हा 4351 E. ছোতি ঘূৰ্ণভাগ দাগ্ৰানে দৌৰ্গন্ধ্য है जिन्द्राठिशानु स्थन व्यानम् तः जशा

ातिन हक्षा। करी वर्ष बन्ध क्षा भाम उर्जुर्ध मास्तर।। राम्ब्रिका जि ভূতস্য য**ৈস্**ভানি ভিষণুর:। লক্ষ ণানীছ দৃ**শ্য**ন্তে ন দদ্যান্তত্ৰ ভেষত্ৰ• ॥ 🖚 ॥ मन्त्रि हायति 🕏 मार । मन् রিকাভিভ্তোবো ভৃশ ব্রাণেন নি বংশং। স ভৃশ ভারতি পাণান্ ङ्काएका वागू म्यिङः ॥ वागू म्यिजः अभागकानि वाजवा**वि प्विजः** श **क्षा मम्**त्रिका एउ**कः भाषति ८मरमाङ्। मम्**डिल्ल ख्राणाथः महार কুপরে মণিবন্ধাত তথা সফলকে वालि पूष्किकिएमः जूराकनः॥ पृ শ্চিকিৎস: জন্তম হয়ে দুংশদে হব নিবেধে তেনাসাধ্য ইত্যেকে। কা ি ছিনাপি েন্নন সিধ্যম্ভ্যাপু মস্-निकाः। पृष्ठाः द्वजाः कान्तिर कान्तिर जिथाड रामवा।।कान्तिः ब जु निश्राणि नाश्रमानाः भुवज्ञ उः । \* \*। व्याम्त्रिकागा कि किर ना । মস্রিকাষা জংগাক্তা লেপনাদি ক্রিয়া হিডাং পিত্ত শেষ্য বিসর্পোক্ত কিয়াচাৰ পূশ্য 🗇 খেও চন্দ্ৰন ाइ हि ि्षाना े ज्व मुव । शि ाधमद्भिः । शुरुव दो क्वन त मः॥ १६वलाहिन्। नाकिदानवः। धूबर्ब है उत्तान में त्राम्ली

রারা চ ধাত্রগারি পরালভা। সা **मृजः थान्।कः मृ**खः खरयद्वा च मम् রিকাণ।। মঞ্জিষ্ঠা বহুপাৎ প্লক্ষ শি-बीरवाष्युव प्रः। वाजनागाः मम् र्याः न्यार नुत्वनः नग्जा हिनः ॥ वस्थाविः। छज्ती सव्कः मुक्ता भात्रहे॰ माफिरेयः मह। भाककात्म পুরাতব্য ভেবল গুড় সংযুক্ত।। তেন স্বৰ্গ্যন্ততো বাযুণ পাকণ বান্তি মস্রিকা:। মস্বিকস্ত ভূঞীত শা-नीन् ममान् मम्बिकान्।। त्रमः मधु-**त्र (भवार्गाट रेनन्न**वकान्न भाजकः পটোলম্ল স্থিত মোরট স্রস ख्या ॥ भाषानम्ब कृषि अभि अ शादीन वृथिउरिकरवित वा शार्थः। चाराविव मम्य्रां निख्डायाः भु-(याजायर । निम्न भर्भ हेकः भावे। भ-টোল म्हन्सन घय ।। উभीत कर्हे का थाजी उथा वाना मुद्राल छ।। এবা॰ পান শৃত শীত মূত্তমণ শর্রাধি **उ**॰॥ मनूर्वता शिडजायाञ्च भूरया-ক্তব্য° বিজ্ঞানতা। দাংহ জ্বরে বিস-পে চ বুণে পিত্তাখিকেপি চ ॥ মৃস্-र्य्या ब्रक्टना नामः याखि मानिउ भाकरेगः॥ 🗱 ॥ वात्रा मृउक् कृतिव बिकत्वन्यु गवामः ॥ भाषाद्वादा है-कः वानि द्वाथि। ज्ञा महाकिकः। निः

বেন্তেন পুশাম্যন্তি মস্র্য্য: কফ সম্ভ वाः। इन्द्रः इन्द्र्यवः ॥ 🕬 ॥ नित्रीरयाः **पृत्रत चुगु। थिनताति है कि के लि:।** करकात्याम् मम्त्रीषु (नभः भिर्खा-থিতাসু চ ৷৷#৷৷ নিম্ব পর্পটকঃ পা-े श भारता वर कर्टे (दाहिनी। हन्मत् দ্বে উপীরঞ্চ ধাত্রী বাসা দুরালভা ॥ **এব নিম্বাদিক: স্থাথ: পীত: শর্কর**-্যান্বিত: ৷ নসুরী• সর্বজা• হস্তি জ্বর-বীসর্প সংযুত্তা॰ ॥ 🛊 ॥ উন্থিতা পু বিশেলাচ তা পুন র্বাহ্যতো নযেৎ। काक्नात खुठः द्वाथ खाना ह्नावह् र्गिजः ॥ जाभाः मृवनंमाक्किकः । वा-ত্রীফলং স নধুক ক্রথিত মধুসংযুত্ত া মুখে কঠে বুণে জাতে গণ্ডুষার্থণ পু-भन्राउ॥ ॥। याङ्गाः (त्रकः शुणः नांख गरवस् नस्काचुना। गरवस् र्गरवः , পুকা। গবডুবা ইতি লোকে। মধুক , किकना भूबा राशों प्रक् नीनमृद्रभ **ল**া। উশীর লোধু মঞ্জিষ্ঠা পুলেপা **শ্চোতনে হিতাঃ।নশ্য**ন্ত্যনেন দ্গ্না-তা মস্র্য্যোন ভবন্তি চ।। পুলেপ চ-क्षा परिशाहल्यातम् वन्तिः। भ अ वद्भन हूर्णन (क्लिनि भवध्नत्य ।। **७** अना कि हि हि छि कि हि हा भगर दिन পুনা। সুষবী প্র নির্যাস হরিদা চূর্ণ नि युष्ट ॥ (ब्राप्रकब्द न युक्त दुना ॥

नाः नाष्ट्रायं भिर्द्यः। निर्यामः पुन् ॥ ##॥ वाष मम्त्रिका (छएम) भी-**उनाया अधिकातः। ङ्य भी उनाया** क्रमार। (प्रवा भी उल्या काष्टा मे म्यात हि भीउना ॥ जुत्र अव उपा ज्ञाधिक्षिञा विषय ज्वः। माठ मश्विषा था। जा जा जा र छनान् भू-**इक्टा ॥ जुद भूदी** तहर । सुरेहिं• भीउना वृष्ठी जत्तः नशाहाः **নিঃসরত্যে**ষা ফলাহাৎ প্রভাণ র बिट ॥ जार क्रिकास अलाह मुन् जि ज्ञनिक वन । जामाः मार्था यमा काहिर भाकः गदासुके जुत्वरा **छ**बादधूनन अर्थ्याह्मरभागय छम्। না। নিম্ব নৎপত্র শাথাভি র্যক্ষিকা मश्राद्राय ।। कनक भी उने मे-म्राट कुर्विश न जू मानायट । স্থাপৰেও স্থাল পুতৈ রম্যে রহসি नोज्या ॥ नामुकिः मण्म्यानवस्त्रं न-চ তস্যান্তিক বুঙ্কে । বহুবো ভি-याजा नाज (ভयक याजयि हि।। (किंटि अर्थाक एक्ट इसक्य इस तुरवाकारयका उत्वन में द्वान ले পিষ্য সম্যুক চিঞ্চান্ধ বীজ সঞ্চিত त्रज्ञनी॰ 🧺 कराति है । जि भीक्षिका उन्हान । स्मृत्य

ব্রসেন সহিত্ত সিতচন্দনেন বাসা-ব্ৰন্তে মধুক ন্যুকেন বাথ। আদৌ পিবস্তি সুমনা স্বরসেন মিশুং তেনা পুৰম্ভি ভূবি শীতলিকা বিকারান্ ।। (माठात्ररमन करणो उग्र ज्ञालन । मधुरकन वाथ अथवा मधुना। आहि। भूर्वक्राभ ज्वाभगना । भूमना खत-সেনজাতীপপ্রবেশ।শীতলাসুকি र कार्या भी न्या सक्या तर्वा য়া মিশ্বশঞাণি প্রতি চা ভব**নান্তরে ॥** कराहिकी स्वाकानं गृहिश्रेमा भू ाभवः । (मृ.मीन चित्रम् **दक्ः।** নে ু ক্রেং হিডঃ॥ তেন তে শোষ गागां भूभाकः न उब उ ह। तका (त्रग्टकत्रः मुक्करगानय स्याह्र्गजः ॥ চন্দন বাসকো মুস্ত গুড়চী দ্বাক্ষ্যা मह। এया॰ भी उक्यायस भी उना कृत नामनः ॥ मी उक्षारण हिनः। क्रम (क्रार्त्वाभक्रादेव क्रम नाम संख्रयः नाई ति:। विश्व (गा भागु (गोतीपा॰ **भूजरेन छा॰ जग॰** नरग्र ॥ स्टाज्क भोजना (स्वताः भाठेष भोजनिता | ९ष्टिए । द्वादायः मुख्यः। मूक (छन एक भी जाता क्षण एक जेवा े . भारतम् इत्यास्तरम् मोजनायाः ल मा लुशा तक वर्षण प्रतेशयन विरम्।

नि मीउनाः (एवीः द्राप्त ङ्राः पि-গন্বরী । মার্জনী কলশোপেতা স্-र्भानकृत मस्काः ॥ वामहः भीजः লা॰ দেবী॰ সর্বরোগ ভযাপহা॰। যাসাদ্য নিবর্ত্তেত বিস্কোটক ভয়• नर् ॥ भीजल भीजल कि या বুগাদাহ পীডিত:। বিস্লোটক ভয• (वातः किनुः उत्र नुगम्। जि ॥ य खा मूनक माला जुध्दा जःभूषायमः तः । वित्मार्धेक **खग** धात अल তস্য ন জায়তে।। শীতলে জুর দথা-न। প্তि गन्न गउन। ह। भुन हे हक्षः भु•न यु। नाङ् बी वत्नेषष•॥ भीज• লে তনুজানোগান্ নৃণা• হরসি দুস্ত-রান্। বিস্ফোটক বিশীর্ণানাণ ব্রমেকা-মৃতবর্ষিণী ৷৷ গলগণ্ড পুছারোগা य ठात्र माक्ना न्ना । जुमनुष्रान নাত্রেণ শীতলে যান্তি তে ক্ষয়ণ।। ন-মজে। নৌষধ কিঞ্চিৎ পাপরোগ-স্য বিদ্যুতে। ব্নেকা শীতলে ত্রাত্রী নান্যা॰ পশ্যামি দেবতা॰।। মৃণাল তম্ভ সদৃশী নাভি হৃমধ্য সংস্থিতা াৰ স্তু: বিচিন্তবেদেবী তস্যমৃত্যু-र्ने कायर ।। जन्नेकः मीउला (स्वऽा-ः शहिषानवः मना। विरम्। विक য॰ খোর॰ সলে ভস্য ন জাযতে।। েত্ৰ ত্ৰব্যঞ্চনৱৈ ভক্তি সম্

दिठिः। উপসর্গ বিনাশায পর•॥ নক্ষরঃ পু• ব•শঃ।ইত্যনরঃ॥র यखागनः गर्टा। भी उलाष्ट्रेक (म **छिक्क न (मय॰ यम्) कम्)हि** । मा-তব্য হি সদা তমৈ ভক্তি শুদ্ধা দ্বিতো হি य:।। ইতি শ্রীক্ষন্দপুরা ণে কাশীখণ্ডে শীতলাষ্ট্ৰক স্তোত্ৰ मनाथः॥

नम्त्रिका खी मणहती। मणाति इंडि ভाষा। यथा। मः भाः म मनकाः रैक्टव वर्षाकारण निवात्ररयः। यम् विकालिः भाव्छ। मक्षमायिन मः চু।ত•॥ ইতি পাদ্মে কিয়াযোগসা-(त्र )२ व्यथायः ॥

भम्बी जी भाभाद्यागः। ইতি मिनि-নী।। সতু বসন্তরোগ ইতি পুসিদ্ধ ॥ ত্রিক্ৎ।। রক্তত্রিক্ৎ। ইতি রাজ निघंगेः॥

भग्न वि जनकंषा । प्रिका इंडि (निमिनी।।

नम्या खी উमा। मिमना इंडि ভाषा । रेडि (मिनी ॥

মক্ষ ড গভৌ। ইতি কবিকল্পদ্মঃ॥ मस्रामक्ष इंडि मूर्गाम है। विश्व मःरागाप र्लाल मक्। मूबना মধ্য ইত্যেকে। ক্রিপি সংযোগান্ত लाल महे। उ मऋछ। ইতি **पूर्णामात्रः** ॥

ব॰শ:। ইতি রাজনির্ঘণ্ট:।। गकती शृ॰ ভिक्कुः। ইত্যনর: II চন্দ্র । ইতি শদ্চন্দ্রকা॥ मञ्ज अर्हे म छ ज्ञाता इंडिक কল্পদনঃ।। দন্ত্যমধ্যः ক্রিপি সং गानिलाल नक्। ७ नगः। नक्जी मब्जन्नी। हूँ मब्ज्यूः। जनाएकी । ग्रायत्व शत्त्र मानिम् जलायः भूरवणः। निक् পুসরো জলে। ইতি দুর্গাদাস: मस की मसक। ইতি विक्रा

मखकः भू॰ क्री भुषानाञ्च । नाः **ইতি ভাষ।। उৎপ**र्यग्रायः। উत्तःः **ক্** ২ শিরঃ ৩ শার্ষ ৪ নূর্জা েই : নরঃ।। নুগু ৬ শির । । ইতি শ तञ्जाव**ली।। वत्राक्षः ৮। ই** जि कि छो। ध्र ॥कः २ भूषुः २०(मे निः)२कशान 🔀 কেশভু: ১০। ইতি রাজনির্ঘট ।। उत्रा म् जाम् ज लक्ष ग॰ यथाः। ছ্প্রাকারে: শিরোভিস্ত নৃপাহি: শিরা ধনী। চিপিটেশ্চ পিতু মৃত र्गवाछाः शतिमञ्हेषः ॥ घष्टमञ्ज পाপक्रि धंनारेन्धः পরিবজ্জিত ইতি গাক্ড ১৬ অধ্যাবং।।\*।। ই उत्क वार्षामृथ मञ्जून कंकन नगिन তৎকৰ্ণিকাষা পরনাত্ম ভিইতি

यथा। श्रास्त्र উত্তানৌ করৌ কৃত্বা সোহমিতি জীবাত্মান হৃদযন্ত। দীপকলিকাকার নূলাধারন্ত সল্প্রলিন্যা সহ সুসুনা বর্জানা নূলাধার শ্বাধিস্থান মণিপ্রানাহ-ত বিশুদ্ধাজ্ঞাথ্য ষ্ট্চকাণি ভিত্বা শিরোবন্থিতাধোমুথ সহসুদল ক-নল কর্ণিকান্তর্গত পর্যাত্মানি সং-য়োজ্যেত্যাদি তন্ত্রসারঃ॥তথাচ। সুসুনা বর্জানা সোহনিতি মজেণ বোজ্যেত। সহস্যারে শিরঃ স্থানে পরনাত্মনি দেশিকঃ॥ ইতি গৌ-ভ্নীযত্ত্রণ।।

निष्ठ ने भित्रामब्द्धा । यथा ।
गामस्य ने स्वरुष्ट्या मिल्लिक्षा मे स्वरुष्ट्या मिल्लिक्षा मे स्वरुष्ट्या । ।

নত্তনাক লী দেবদাক।ইতিভাব-পুকাশাঃ।।

নস্তম্লক প্লি শিরোধ: । ঘাড ইতি
ভাষা। ইতি শব্চন্দুকা।।
নস্তিষ প্লি নস্তকভবস্তাকারসেহ:
। নগজ ইতি পারস্ডাষা। তথপর্য্যান্। গোর্দ্ণ ২। ইত্যনর:।।
গোদ এনস্তকস্থেহ: ৪ মস্তলুস্ক:
৫। ইতি হেন্চন্দু:।।

नस क्री पिंडियमणः। पिंद्रमाट इंडि ভाषा। इंडिअनदः।। पिंडिलाः । विश्वनवादियुङ पिंडिपः मुम्म्दरः वलाः कषायः मदः जुङ्ग्हिप्तकदः ज्यापद्रगपः श्लीहार्णमाः नाणनः। एणाडः मृक्षिकदः ककानिल्हदः विश्वसः ममनः मस शुण्यः व्य ।। इंडि द्राजनिर्धणः॥ जिला । मस क्रम्मा ममनः मस शुण्यः व्य ।। इंडि द्राजनिर्धणः॥ जिला । मस क्रम्दरः यन्नः वयु जुङ्गि जिला मम् विलाल इः।। ज्युष्यः भीननः नीयुः विलाल इः।। ज्युष्यः भीननः नीयुः जिन्दि मलमः गुरुः। इंडि ভाव-शुकाणः।।

নস্তলুক: পু• নস্তিষ•। ইতি ত্রিকাও: শেষ:॥

गराज्य कः शृ॰ गरिष्ठः। ইতি ছেম-

নহ প্রে। ইতি কবিকল্পন:।। নহতি। ইতি দুর্গাদাস:।।

মহ ইক বিষি।ইতিকবিকল্পদ্দমঃ

।। ইক ম'হযতি। বিষি দীভৌ।
ইতি দুৰ্গাদাসঃ ।।

মহ ইড বৃদ্ধৌ। ইভি কবিকল্পজন:॥ ই ম'হুতে। ড ম'হুতে। ইতি দুর্গাদাস:॥

মহ তক প্রে। ইতিকবিকল্পন: ।। नक्यि । इंडि मूर्गामा मः ॥ महः भू॰ উৎসবः। ইত্যমরः॥ তেজः ! ইভি মেদিনী ॥ यक्तः । ইভি भद्रकावनी ॥ महियः । इंडि (रुमहन्द्रः ॥ मरः क्री উৎসব:।। তেজ:। ইতি (मिनिनी।। यद्धः । इंडि नम्द्रञ्जाः वनी ॥ भरकः भ् वहनातामः। ३७ करे। धन्नः ॥ नरू क्री बाकुः। ই**डि** मिनि ॥ नर्ट जि वृषः। ইতিমেদিনী॥ उट भर्यप्रायः। विमक्षरे २ भृष् o वृहर ৪ বিশাল ৫ পৃথুল ৬ বড় ৭ উক ৮ विश्वा २। इंडामद्रः॥ श्वा १० विखीर्नः १२। इंडि मदत्रावनी ॥ नर्ञ जी वल्लकी छनः। ইতি मि पिनी ।। नात्रप्रवीगा ।। वृष्ट्रश्रुमागा। इंडानबंदीकायाः खन्न छः ॥ वृश्जी ।। বার্ত্তকী। ইতি রাজনির্ঘণ্ট:।। गर्भेषारमी खी मुद्राहारमी। यथा। यात्रि जानुभार मृद्ध द्वानमी भुविभाद्विजा। सङ्जीहामणी (द्धया उनवारम-सङ्गकना॥ इंडि गाक (७ ७८) अध्यायः ॥

মহত্তত্ব ক্লী চত্বি **শতিতত্ত্বান্ত**ৰ্গত

দ্বিতীয়তত্ত্ব । তত্ত্ব পুক্তে ৰুৎপ मः। ममष्टि वृष्तित्रक्षणः। उट्मर्यऽ। য:। যথা। নহানাত্র। মতি বিঞ্ किंकुः भासु क वीर्यावान्। वृक्तिः शु-জ্ঞোপলিক্ষিত তথা খ্যাতি ধ্ তি: श्रृजिः ॥ भर्यप्राय वाहरेकः भरेष र्ग-हानाचा विভाव्यक । उ॰ कानन् वाकारा विषान् भूरगारः नाविगह-তি।। ইতি নহাভারতে আখনে-ধিকপর।। অপিচ। একা মৃর্ভি জ্রযো ভাগা বুন্ধ বিষ্ণু মহেশ্বরাঃ। সবি-कात्राट भुषानाजु नश्खन्नः भुका-याज।। सहानिजि यजः थ्याजिर्जाः कानाः काया जना। जरुकात " মহতো জাযতে মানবর্জন: ।৷ ইতি माध्रमार अध्यायः॥

गरुखतः भू खी म् मुः। यथा। म् मुः न्। भारका पात्रा गुामक्रि। **गर्खतः। ই**তি जिकाश्रामयः॥ অতিশ্যনহতি ত্রি ৷৷

गरुखु॰ क्री गरुठा**ভा**वः। यथा। নহত্ত্ব ষদ্বিধে হেতু রিন্দিয় করণ মত । ইতি ভাষাপরিছেদ: ॥ ম रुषु॰ यद्विय रुजि। मृत्रा भुजातक गरुखुः गगवाग मम्रासन् कात्राः। मुवर अगुरवजाना र धनकी अन्तर न्यानाः भुज्यस्य साक्ष्यं सम्बाग সম্বাদ্ধন। দুব্য সমবেত সন্বেতা-।
না॰ ৰূপত্বাদীনা॰ পুত্যক্ষে স্বাশ্য সমবেত সমবাযসম্বন্ধন কারণ॰। ইতি সিদ্ধান্তমূক্তাবলী॥

गहर्लाकः भू॰ ज्वाि मिश्रालाकान्त र्गट हुर्यालाकः। यथा। ज् ज्वां स्व स्वार्यक्र बनम्ह जभ এव ह। मजु-लाकम्ह मरिश्राज लाकास्व भिवि कीर्विजाः॥ हजुर्य दिनमुशास्त्र क गर हिताहा । जहा हि दश्र ज मर्ब॰ देवालाकु ज् ज्वाि दिन्य ।। का भूयास्त्र जाभाजी महर्लाक नि वािमनः। इजि विश्व भवाि ।। हजु-र्थ ज्वाह्य तिहा ।।

মহর্ষতী জ্ঞী কপিকছু:।ইতিরাজ-নির্ঘণ্ট:।।

মহর্ষিঃ পৃ ব্যাসাদিঃ। ইতি ত্রিকাগুশেষঃ।। অস্য বৃত্পেল্ড্যাদি র্যথা
শ্বি হি সা গতোধাত বিদ্যাসত্য
তপঃ শু,তৈঃ। এষ সন্নিচয়ে। যুমাদ্বান্ধণ তত স্তৃষিঃ ।। বিবৃত্তি
সমকালন্ত বৃদ্ধ্যা ব্যক্তি সৃষি স্তৃথা।
শ্বতে পরমণ যুমাৎ পরম্বি স্তৃতঃ
মৃতঃ ।। গত্যুগ্রাদ্বতে প্রান্তে। র্নান্ধি ভি শারণণ। যুমাদের স্ব্যান্ধি ভারাণা তানে

শ্বরা: স্বান্ত্রতা বুক্সণো মানসাঃ সু-जाः । विवर्षाभारिन छि बु ष्वा मङ्गन् পরিগতঃ পর: 11 হয়াদৃষি: পর-(ज्न महा• खमानाह र्याः। ঈশ्ववाना• সূতা তেষা মানসা শেচারসাশ্চ বৈ ।। পাষ্য স্তৎপরত্বেন ভূতাদি পাষ্য छ जः। अविभूषा अवीकास्र निश् नामुद्धं मद्धवार ॥ भन्नाद्यनर्थय (स-বৈ ভূতাদি ঋষিকা শুতঃ। ঋষীকা ণা সুতা যে বৈ বিজ্ঞেয়া ঋষিপুএ-काः ॥ भुद्धा श्रवः भव्रत्वन नाम छ-সাৎ শুতর্ষঃ। অব্যক্তাত্মা মহা-नाजा १ हस्नाताजा उरेथव ह ॥ ज् তাত্মাচেন্দ্রিয়াত্মাচ তেষান্ত জ্ঞান মুচ্যতে। ইত্যেব মৃধিজাত্যস্ত পঞ্চ-তামাসভি: শৃণু !৷ ভৃগু সরীচি র-ত্রিশ্চ অঙ্কিরা: পূলহ: কতু:। মনু র্দক্ষো বশিষ্ঠশ্চ পুলস্ত্য শেচতি তে দশ।। বুন্ধণো মানসা হেতে উৎ-भगाः खर भी खदाः । भद्रत्ववर्ष ত্তমাভূতা ভ্রমান্হর্যঃ ॥ ইতি माट्राप्र ३२० जवागः॥

নহলকঃ পৃ• অন্তঃপুররক্ষকঃ। তৎ পর্য্যায়:। সৌবিদল্ল: ২ কঞ্কী ৩ স্থাপত্যঃ৪সৌবিদঃ ৫ বিদাস্কঃ ৬। ইন্তি কটাধরঃ॥সৌবিদল্লকঃ ৭ অ-ন্তর্বংশিকঃ ৮।ইতি শদ্রত্বাবলী॥ महिन्न हैं शृ वाउ: भूबतक कः । (था) हा है जिना । उन्न जक १० । यथा। मूझ म्(न)। १नू भाष्ट्रा यः खी स्र जाता महिन्न कः । हे जि मद

भश्म क्री ज्ञान।। भुकातः। इजूऽ। गामिकायः॥

মহা ন্ত্রী গোপবল্লী।গোরক্ষচা-ল্লেয়া ইতি ভাষা।ইতি শব্দ চন্দ্রকা।ন্ত্রীগবী।ইতি শব্দরত্না-বলী।

महाकहः भू ममूमुः॥ वक्षाः। ইতি

यिनि ॥ भर्त जः। ইতি मस्त्रज्ञाः

विग ॥

মহাকণ্টিকনী জী বিশ্বসারক । ফ ণিমনসা ইতি ভাষা। ইতি শব্দ চন্দ্রিকা।।

মহাকন: পু॰ রসোনক:। ইত্যমর:
।। মূলক॰ । ইতি শব্দরত্নাবলী ।।
চাণক্যমূলক•।। রক্তলশুন•।।রাজপলাপু:। ইতি রাজনিঘটঃ।।

गराकिनियः भू विनुत्कः। ইতি विकाश्यमयः॥

মহাকরঞ্জঃ পু: করঞ্জবিশেষ:। বড করঞ্জা ইতি ভাষা। তৎপর্য্যায:। বড্গুন্থা ২ হস্তিচারিণী ৩ উদকী র্ণ: ৪ বিষয়ী ৫ কাক্ষী ৭ মদহস্তি- नी १ भावत्वश्री ५ मधुमजी २ वज्ञाः यनी २० इखिताइनकः २२ इक् कव्यकः २२ मूमनाः २० काकः जी २८ मधुमजी २०। ज्यमु खनाः जीकृद्वः । जैकृद्वः । कृष्वः । विश् क्षृ विष्ठिका अश्र द्वाराय दुनः भादकः। ইजि वाजनिर्धाः ॥ महाकर्निकावः भूः जावग्रवः। ই

ষহাকায়ঃ পু॰ নন্দী। স চ শিবদ্ধ ।
পালঃ। ইতি ত্রিকাণ্ডশেষঃ॥ হন্দ্রী
। ইতি কেচিৎ ॥ বৃহত্শরীর॰ ॥
তদ্ধতি ত্রি॥

মহাকার্ত্তিনী জ্রী রোহিণীনক্ষত্র যুক্তা কার্ত্তিকীপূর্ণিনা। যথা। পুন-জাপত্য গদা ঋক্ষণ তথৈত্বস্যাণ নরাধিপ। সা মহাকার্ত্তিকী শ্রেন ক্তা দেবানা মপি দুর্লভা। ইতি পান্মে২ থণ্ডে ৩ অধ্যায়ঃ।।

महाकानः भू विक्षुत्रक्षशायश्चम ।
यभानमभयः। यथा। काला विदान महाकानदाट। हे जिल्ला छ न
कानः। महादितः।। भूमथगन
(भवः। हे जिल्ला है जिल्ला । ए
भयं। भाकान हे जिल्ला । ए
भयं। यो उक्कानः २ किन्ना । उक्काकमर्थकः ६। हे जिल्ला व

काकमर्पः ৫ (एवमानिका ७ माना 9 मानिका ৮ **जनकः** 🛪 (वाषका-क्जि: >० । इंजि द्राञ्जनिर्घणैः ॥ **णि**वभू धवित्मयः। उत्र ४ क्याव्खासः यथा। श्रीत्रवाकेतः। এव दियानदः **শ্রীমান্ ভ্রিডেজোম্যো বলী। ম**-श्रात्मथूनवी बस ज्रास्त अःगृशी-याजि ॥ इज्राक्। जिम्माः मार्व वीजिङ्गाब॰ भूबः इंड॰। जैस नि **(म्यागाम्: मञ्जल मर्बाह्याता।** ততঃ ষডস্ব॰ স্বণ রেতো ব্যাদিতে দ इनानान। উৎসদর্জ মহাবাহু মহা-নৈথ্ন কারণ ॥ অগ্নাবুৎস্ভ্যমা-नम्। (उद्यमः भभज्कुठः। अगृहर মতি ৰল্প গিরিপুস্থে পপাত হ ॥ **उ**त्याः कात्रनत्याः मन्तः मः ज्रा শঙ্করাত্মজৌ।একো ভৃঙ্গসম: কৃষ্ণো ভিষাঞ্জন নিভোহপর:৷৷ ভৃঙ্গী তস্য छमा वुका नाम ভृश्नी छ চाकरतार ! गराक्रिक क्षमा। गराकाला**छ**ः লোকভ্८ ॥ তত স্তৌ পাল্যামাস मक्दाः भुमाथाएकदेतः । ज्ञानिंगा চাপি তথা ক্রমাত্রাবভিবন্ধিতৌ ।। পুरुष्को छो गराजातो रुद्रामा পুতिপालि छ। कमाम्गरगरणो क् षा (ञो हाता चाति न (या कयर ॥ ইতি কালিকাপুরাণে ৪৫ অধ্যায়:

॥ 🗱 ॥ তস্য বানরমূপ কারণ 🖫 मान्द्रक यथा। व्यायकतनानया मा-ৰ্জ নিগ্ঢে ব্ৰতিমন্দিরে। নর্যাকরে।-মহাদেবো মোদযুক্তো রতিপ্রিযঃ ॥ यहा ना नर्यांग कांजा भोत्री न्यत्र-**इत्रान्डिक• ॥ उत्रा ज्**कि महाकाली দ্বাস্থ্যে দ্বারি পুতিষ্ঠিতৌ।। নর্মাব-नात ना (मरी मुक श्रिमझ वक्षना। शुङ्किन गलम्गाजा वज मालग्रुः भागिना ॥ वाउँ हात्रा भक्त भूरिह्न द्रा-ছলৈ নাতি শোভনা। বিলুপ্তসন্ত্ৰনা म्हे मन्ननहम् विज्ञा। निः मृ जा व्रिज नक्छिनावाया जनजानना ॥ देयः माघ्र्वनयना निविजा (स्रविनमृज्धिः । তা নি:সরতী সহসা তথা ভূতা मनिन्सिजाः ॥ व्यायाग्राः वीक्षिज्ः ठारेन। व्यथुक गृत्छ श्रियः। नम् अजू र्मश्यातो नाजि वृक्षायामानतमो ॥ ज्की ठालि महाकानः शुाधकान-क रकाभ जः। मृक्षा (जो मा जत्र॰ मी-**(नो उमा क्उा वाया मृ**रथो ।। विश्वाका षगाजू छीतां निम धमज् कखनः। (ठो भण्डां उना (नदी नन्म हि-মবৎসুতা ৷৷ চুকোপ চ তদাপৰ্ণা বা-কন্যাদসমূজ। মপশ্যভা।।। ভবন্তৌ अर्थियो मुख्यो श्री नर्यग्रमा विविध्यति

**छो। छ**मारिमा मनर्यप्रामा **छ**वरही নিরপত্রপৌ॥ অন্বর্তাণ ততো ভ্ याच्छवा अंग्रमान्य । मान्यी॰ যোনি মাসাদ্যমাত্রীক্ষণদোষতঃ ॥ ভবিষ্যতো ভবন্তৌ তু শাখামূগ মুখৌ ভূবি। ইতি তাবুম্যা শপ্তৌ হরপুএৌ মহামতী ॥ অথোম্যা नमः (पर्वा विषठा हन्पूरणथतः। আজগান তদাগছন্ পাসাদ পুতি ত॰ नृপ ।। पृष्टमेथ চরন্তী॰ তা মুমা-याः मृमीः खराः। मर्व लक्का म म्भूर्गा॰ गाववरमाव गाववी॰ ॥ जा॰ मृक्ष्म नागमाप्ति । भोती वृष जाक তনঃ। মিত পুসন্ন বদনঃ পুছসন্নিব ভাবিনী ।। ঈশ্বরউবাচ। ইয় তে মানুষী মূর্জি: প্রিযে তারাবতীতি যা । जृशी गशकानाया एउ बन्राम वि হিতা ঋণ ।। দ্বভো হ্যনন্যকান্তো **২হ**॰ নান্যা॰ গন্ত নিহোৎসহে। ত্ব মিদানী স্বাণ চাস্যাণ মূর্ত্যাণ পুরিশ ভাবিনি ॥ তত উৎপাদ্যিষ্যামি মহাকালঞ্চ ভূঙ্বিণ । খ্রীদেব্যুবাচ। गरेगव गान्षी गृर्खि तिय॰ यृष छ कि उ न। विभागि उ १ व वहना मूर शाहर সূত দ্বা। পুৰিবেশ ভতো দেবী स्व जादावजी ज्यो। मङ्गारिता হলি ত্রস্যান্ত কানার্থ সমুপদ্হিতঃ

॥ ততঃ সাপর্ণगঞ্জি। দেবী তারা-वर्ग नर्गे। कामयानः महारमवः यगरगवाञ्जमूरा ॥ जिम्रान् कारन २ ज्वनगर्द्धः काभानी ठाष्ट्रिगान्। ध्क्। कामावमान् जमराञ्च मान्रा काउ॰ मुठ ६४॰। অভবন্পশাদ্ न ख्या **मा**थाम्गानन । इंजि कालि-का भू त्राप ८७ । ८० व्यव्यायः ॥ 🛊 ॥ वागामृत्रमऽसङ्गकालवु यथा। अय-যউচুঃ। কথিতো ভবতা সর্গঃ স•শ-যা অপি শাতিতাঃ। ত্বং পুসাদা-सहाजाग क् ज क् जा वग खाता॥ ভ্যশ্চ শোুত্নিছানো ব্যমেভদ্দি-জোত্তম। কোন্যে। ভূকী মহাকা-*(च*। कार्छो (वठामरे <u>ज</u>द्गर्वो ॥ (व-जानक भशाकान रे**ज्**तर ज्ङ्गिन-তथा। मृगु न दिकमामृ न कथरम-वाः ठ बृष्टेयः ॥ नार्कः ७ व उताह । ভূব• গতে নহাকালে মানুষস্থে চ ভূদিণি। বেতালভৈরবাথ্যে চ ত থা ভূতে দ্বিজোত্তমাঃ। বরলদ্ধে চ বেতালে ভৈরবে তেন সংগতে অন্ধ-ক তপসা যুক্ত ভৃঙ্গিণঞ্চাকরোদ্ধর: ॥ यक्त वस्त इतः भूतः विक्राभन गागठः। शकाष्त्रकः गगाताधः भू-গ্রে ভ্রুস্য সো ২সুরঃ ।। ভৃ<del>স্</del>বি স্নে शक्तिगः छः मः छ्या हा करहा ष्वदः

। স্নেহেন তু নহাকাল বাণ বলি সুত হর: ॥ বিফুনা ছিন্ন বাহু ত भशकान मथाकरता । ७४ मुनि बता (खया॰ म॰जाउक हजूकेय॰।। বেতালো ভৈরবো ভৃঙ্গী মহাকা-লেত্যনুক্রনাথ। ইতি কালিকাপু রাণে ৮৫ অধ্যায়:॥ #॥ ভস্য श्रानामि यथा। महाकालः यहाम ব্যা দক্ষিণে ধূ মুবর্ণক॰ । বি ভুত॰ দণ্ড ॥ थ छ। द्यो पर्दे। जीनमूथ निम्।। ব্যাযুদর্যাব্তকটি তুন্দিল রক্তবা-সস•। ত্রিনেত্র মৃদ্ধু (কশঞ্চ মুগুমা-ना विज्विज ॥ बढा जात्र न महन्यु খণ্ড মৃশু॰ জ্বল মিভ॰। তথাচ জ্বা-রীকল্পে। দেব্যাস্ত দক্ষিণে ভাগে ম राकालः भुभ्कत्व । इः क्क्रोः याः द्राः नाः वाः (काः भशकानरे अत्रव नर्व विद्वाराणय नाणय ही श्री कि साहा इंडा नन भारताहि । वादा थ्र जि उर्भविद्। म्लन (एवी श्राक्ता-नहारितः भूकत्य ।। उथाह कानी-**ज्ञा । महाकाल॰ यामप्रदाद श** न्हारम्वी भुन्बरयः। कानीकस्त्र। কবচ জ্বা সমুদ্ত্য বা রা লা ৰাঞ্জোন্ততঃ। মহাকাল ভৈরবে-তি সর্ব বিহ্নামাশ্যেতি চ।। নাশ্যে-তि भूनः (भाग माया लक्की नम्ब

(त्र< 1 करे या**र्**या नगायुका मञ्जः সরাথসাধক:॥ ইতি তন্ত্রসার:॥ महाकाली की महाकालमा भन्नी। गाञ् नक्षकङ्गाष्टेज्जकानीविरमयः । ইতি তম্রণ। জিনানা চত্রিশা-**जि भागन**(एवजाडग उपनि विस्म-वः। इंडि (इमहन्तुः॥ ॥ अथ मः হাকালী মন্তঃ। ওঁ ফুে ফুে কো। का भाग ग्रान के के बारा। শ্মশানভৈরবী মস্ত্রেণ যাবৎ কুর कर्मान भुरगानः कर्डगुः। जय म-शकानी मख भूरयागः। उब न्या-न मृष्ट्राहिक न कर्त्वगु । उथा हा ন্যাস শুজ্ঞাদিক কিঞ্চিয়াত কা-र्य्या विठाइना। क्काउारियम् मः भ्-र्भ क्षक्रासुथ का निकाः॥ १ ११४त-জ্ঞা• মহারৌদুী• পুতিবক্ত তিলো-চনা। मिकि म्म धन बान यह (शहे वद्राख्यान्॥ मकामक जूरेक (पदी॰ विञ्जानाः ভ्ति ভ्षनाः। क्षादिनः সাধক: সাধ্য সাধ্যেমনসেপ্সিত ॥ वाकी नारमञ्जी दिव कोनाती বৈশ্বনী তথা। কারাহী চ তথা চৈ-नु हो हानु छ। हिल्का हैनी भ्वादी-শান পৰ্য্যন্ত সম্ভেষ্ট্ৰনে স্থিতা ই-माः॥ उब कमः। दिवी श्राद्वा यथा বিশ্বাপচারেণ সংপ্রা, ব্রাক্ষ্যান্ট

माजीः পृषीति करमण পृष्ठरयट ।
उथा। नामाहातण मण्तकः वर्द्रो
शृक्वितिख्यः । ख्र्यादितिणः मू
स्को स्वी नायः ज्ञानः ख्रथा।। म
नियः शिक्विक्तंमः ख्रथा विजीव काश्चितः । शृह्यून म्प्रमानाञ्चि विजीवाद्यात (हामवः॥ मश्चाहा दिवितः हित कालिका मञ्ज (याण उः। উहाहेनः हाशताङ्का मक्ताः याः मात्रणः ख्रथा॥ मिक्किनमः। क्रिः। विजीव क्रांतिः हाशताङ्का मक्ताः वाः मात्रणः ख्रथा॥ मिक्किनमः। क्रिः। हित ख्रा श्रामास मिक्किण मूथः। हित ख्रमातः॥

बहाकावरः क्ली कावरमाञ्चवित्मदः।
ज्र भर्यरागः। मर्गवसः २। इंडि
बिका अप्मदः॥ जमर मक्कारः यथा
। मर्गवस्ता नहाकावरः ज्रेबस्ता ना
यकः मूतः। महःम क्रबिर्या वाणि
श्रीरागां खगादिङः॥ कृष्ठरःम
ज्वा जृशाः मन्द्रा वहरवा श्रीवा
। मृद्रात वीत माजाना (मरका श्रद्री
तम देय रज्ञ। ज्ञाना (मरका श्रद्री
तम देय रज्ञ। ज्ञाना (मरका श्रद्री
तम देय रज्ञ। ज्ञाना (मरका श्रद्री
तमा ज्ञात उत्त नाहेक मह्नवः। इंडि
हारमा ज्ञात उत्त विकास मर्ज्ञनाम्
यः। हज्ञात उत्त विकास मर्ज्ञनाम्
यः। हज्ञात उत्त विकास मर्ज्ञनाम्
या विज्ञात उत्त विकास विवास विकास विकास विवास व

र्खन । এ इत् उमरियः भरिम्। इतमा-**न ९**न्। वृद्धीलः॥ नाजि यञ्चा नाजि मीर्घाः गर्गा जञ्जीविका देश। नाना वृड नगः काशि नर्गः कण्डन मृण्यु-<>।। সর্গান্তে ভাবি সর্গন্য কথা-याः मूटन ज्व । मन्त्रा न्र्र्युन्तृ तकनी भूरनाय थांड वामताः॥ भा उ मंधाइ मृगया रेमलबु वन সাগরা:। সম্ভোগ বিপুল্ম্ভৌ চ मूनि सर्ग भूजाधुजाः ॥ ज्ञन भूगाताः 'भयम मख भूष्मामयामयः। वर्गनी-या यथा त्या ग॰ जात्कालाका व्यभी ইহ।। কবে বৃত্তিস্যবা নামা নাযক। স্যেতরম্য বা ৷ নামাস্য সর্গোপা-(रय कथ्या नर्गनान जू।। इंजि ना-शिकाम र्माः ॥ अ। महाकावा गुरा যথা। কালিদাসকৃত স্বারসন্তব রঘুবংশ মেঘদ্তা:। ভত্হিরি কৃত ভটিকাব্য: ৷ ভারবিকৃত কিরা-**जा**ङ्ग् भीग•। 🏻 इयक् छ रेन्यधीय চরিত । মাবকৃত শিশুপালবধ-("ठ ज्राप्यः॥

মহাজমুদ। স্ত্রী কাশ্মরী। ই**তি** রাজনির্ঘণ্ট:।।

भशक्रयो जी कर्षिनः। ইতিরাজ-নিয'টঃ॥

बियत थयादीनाः मठाक रूपकी न्याम्यः वि উत्रम्यवागः। उर

र्गित्रायः । अलीनः २ आर्यंऽः ०

- जाः ४ मञ्जनः ६ मायः ५। ই जाः

- जाः ॥ अलाः १ लिखानः ৮

- जोल्यकः २ जालाः २०। ই जि

- ज्यः २२ काल्यकः २०। ই जाः

- जाः २२ काल्यकः २०। ই जाः

- जाः २२ काल्यकः २०। ই जाः

- जाः १२ काल्यकः २०। ই जाः

- जाः १२ काल्यकः २०। ই जाः

- जाः १२ काल्यकः २०। ই जाः

- जाः १४ काल्यकः १४ मायुकः १६

- जाः १४ कालाः १४ विश्वाकः १४ मायः

- जाः १४ कालाः १४ विश्वाकः १४ मायः

- जाः १४ कालाः १४ विश्वाकः १४ विश

१७७ मु॰ तृष्ट्क्षः। उट्ध-गायः। अत्रवष्टेः २। ইতি क्रो-

ह চ্ল: পু॰ নহাসল:। সৎসল: ইতি বিল্পকোষ:।।

কাশফলা জ্রী বেবদালীলতা।
। ইতিরাজনিঘটঃ।।

দ্যকাশাতকী স্ত্রী **হতিযোষা।** উতিরাজনিহণ্টঃ।।

<sup>্ষদঃ</sup> পু• ভ্রঃ। ই**তি রাজ** নির্ঘণ্টঃ।।

ভাগন্ধ• ক্লী ছরিচন্দন•।।বোল•। ইতিরাজনির্ঘন্টঃ।।

्रिंगकः श् क्रेबर्कः। ইতি

রাজনির্ঘণ্টঃ ॥ জলবেতসঃ । ইতি শব্চন্দ্রকা॥

गर्शगका छी नागवना।। (कविकाभूझ । ই जि द्राजनिर्मणेः ॥ हामृखा
। यथा । हामृखा हर्सिका हर्म्यमूखा
नार्जातकर्षिका । कर्मभाषी महाभक्षा रेजदी ह कभानिनी ॥ ই जि
(स्महन्यः ॥

মহাগবঃ পু॰ গবযঃ। যথা। বনগো গবযঃ পোকে। বলভদ্যে মহাগবঃ । ইতি রাজনির্ঘণ্টঃ ।।

মহাগিরি: পু॰ বৌদ্ধভেদ:। যথা।
মহাগিরি: সুহস্ত্যাদ্যা বজুান্তা দশ
প্রিণ:। ইতি হেমচন্দু:॥ বৃহৎপর্বতক্ষা

महाख्यः शृ श्विञ्छकः। मह भूक-वन भिन्ना मान श्राह्म ग्राह्म । द्विषाः भिन्नः । स्रम्डकम्प्रायाः भिन्ना मान ह। यथा। व्यः भूक-सम्प्राह्मिद्धारता स्विष्ठ मान भिन्न सम्प्राह्मिद्धारता स्विष्ठ मान निम्न सम्प्राह्मिद्धारता स्विष्ठ मान नामायता। भान्ने ग्राह्मिद्धार भागानि वाक्य रेव स्वाह्मियाः। भिन्न वंक्रू ग्राह्मित्व स्वाह्मियाः। भिन्न वंक्रू ग्राह्मित्व स्वाह्मियाः। स्वाह्मित्राह्मित्राह्मित्व स्वाह्मित्व स्वाह्मित्

মহাগো

সর্বত্রভ্যাগতো ৫ক: !৷ একপদে ন দত্তস্ত্রীণাণ পিতৃ মাত্ ব্যাবৃত্তিঃ ৷৷\*৷৷সপিও নরণ পুক্ত্য আখলা যনঃ। ত্রিরাত্র মক্ষারলবণায়াশিনঃ मू बीरणद्रावः महाखक्षु ॥ वा-ठार्या के जिनीय ममस्य माठार्याः **স** উদাঙ্গতঃ। ইতি या छव एक्साङः। ভন্মরণে ত্রিরাত্রাশৌচিত্মেন নৈতা-मृद्भियमः ॥ व्यायनायमः । रेनजम्। द्वाजावमः भारत्युः । व्यमः नभारत्यु রিভ্যনেনাপবাস: স্চিতঃ। অঘ <u> जुल्दा बाइननमुख वाजीवन् इंडि</u> वक्ताना वहनाए। व्ययमुखनः क होतिः। अकातनवर्गः काद्रमृखिः কাদি কৃত লবণ ভিন্ন তত্ত্ব সৈন্ধব॰ সাম্ভরি চ।। ইতি শুদ্ধিতত্ত্ব ॥॥।। महा ७ क् न तरा मञ्चल मत्र भग्रं छ॰ निविक कर्याणियथा। महा ७ व भाउ ह काम्य किक्किन हाहरत्र । चार्जिकाः तुक्क हर्या थ गाव भूर्ता न वट् अतः॥ जन् भाषः भनामक गक्ष भाना । वर्जाय हुक পাতে চ যাবৎ পূর্ণো ন বৎসর:।। **डीर्थ याजाः विवार्काश्वाभनः** ज র্পণস্তথা । সংবৎসর ন স্বর্ধী ত मश्ख्य निপाउत्। इंडि कर्य লোচন ।। অপিচ। বিশেষতঃ শি-

বাপ্জা

গ্রাত পিতৃকো দিল:

যাবদ্বৎসর পর্যান্ত মনসাপি নচাচরেৎ । নহাগুক নিপাতে তু কান্য কিঞ্চিলচাচরেৎ । আর্থিল্য
বুক্ষযজ্ঞ শুলা দেব্যতঞ্চ বং ।।
ইতিকালিকাপুরাণে৫৪ অধ্যায়:।।
মহাগুল্যা দ্বী সোনবল্লী।ইতিরাজনির্ঘট্ট:।।

নহাতহ। ক্রী প্রিপণী ( ইতিরাজ-নির্ঘট: ॥

মহাগোধূন: পু॰ বৃহদ্বোধ্ম:। বড-গন ইতি ভাষা। যথা। গোপুন: সুননোপি স্যাগ্রিবিধ: সচ কীর্ত্তি-उ:। बहारगास्य हेड्डाथाः भण्डा-দেশাৎ সচাগত:৷৷ মধ্লী তু ততঃ किञ्चिम् इता भा भाष्यप्रमाना । निः म्का नीर्च (गाव्यः कृष्टिसन्तीम्थान ভিবঃ ৷৷ গোধুনো মধুরঃ শীতো বাত পিত্ত হরে। গুৰু:। কফ শুক্ত পুদে বল্যঃ স্থিঃ সন্ধান কৃৎসরঃ ॥ बीवरना व् इता वर्त्ता वुत्ता क् **छ**ऽः श्रित्रञ्ज क्ट । कक्ष भूरमा नवी-ता नज् भूतानः। भूतान यव गाध्-ম কৌদু জাঙ্গল শূল্য ভূগিতি বা पुर्ति वंत्रस्त गृशिञ्जार । मध्की শীভয়া হিন্ধা নিজ্ঞী মুৰয়া লম্বঃ । मूकना वृष्ट्री अथा। 🗸 🔫

মুখাঃ মৃতাঃ।। ইতি ভাবপুকাশঃ।। महाभीतः भू हेष्ट्रः। ইতিরাজ निघणः॥ वृश्रम्भीवागूरक वि॥ মহাঘাসঃ পু॰ মহতো দেশস্যমহ-ত্যা ভূনে বা ঘাসঃ। ইতি মুধ্ববোধ वाकत्र हीकायाः मूनामानः॥ জ্রী সুরা। ইতি শব্দ **ন**হারূণা व्यक्ति॥ अधिमयञ्जीम ॥ নহাঘোর: ত্রি অতিশ্যভ্যানকঃ। यथा। यनषात्र नहारवात्र उछा रिवज्रती ननी। जाक्ष जर्ख • प्रपा प्राचा॰ क्षा॰ दि उद्गी अ गा॰। ইতি শুদ্ধিতকু ॥ नहायाय क्री इंडे । इंडि (म्बिनी।। মহাঘোষঃ পু: অতিঘোষণ । ইতি (मिलिनी।। तृश्हक्युएक जि॥ गहायाय। जी ककरेगुकी। हे जि (मिनि ॥ अम्मूक्की। इंडि मद विस्का॥ नरात्रः भू• উद्धः। इंडामतः॥ भाक्त हः ॥ तक्ति वकः । इंडि র।জনিষ্টঃ॥ বৃহদ্বয়ব্যুক্তে তি।। मराक्षः १ माकविष्णयः। उर পর্য্যায়ঃ। বৃহদ্ধু: ২ বিষারি: ৩ गुः एका ८ ज्ना छः ६ रीवनधी ७ वित्र क्ष १। यम् खनाः। कर्षुः। ि विशासिका प्रवासिका विश्वासिक विश्वासिक विश्वासिक विश्वासिक विश्वासिक विश्वासिक विश्वासिक विश्वासिक विश्वासिक

। छन्म म्राम्बाम्बारमार्खि दिय नामि-वः। त्रभागनद्यः। ইতি রাজনির্ঘ-णैः॥ वृश्हक्ष्युक्रभभी ह॥ মহাচণ্ডঃ পু॰ যমভূত্যঃ। ইতি হেন-চন্দু ত্রিকাওশেষৌ।। পুচণ্ডে ত্রি।। নহাছদঃ পু• দেবতাডবৃক্ষঃ।ইতি तन्नाना ॥ वृश्जभः थः ॥ নহাছানঃ পু• বট্যুক্ষঃ ইতিরাজ-िघण्डेः ॥ वृहकामामा कि ॥ नहाहिना खी नहारनमा है 5 त्राजनिर्यण्टेः ॥ तृरुहिम्यूख्य वि ॥ गराजः भु वृश्यामः॥ गराज्ञानाः দ্ভবে তি ॥ নহা শ্চাসাব্জশ্চেতি পুথনার্থে কর্মধার্য সনাসেন নহ্ তো জায়ত ইতি দিতীয়ার্থে পঞ্ मो ७९ शुक्य मनारमन ह विद्यमः॥ **गराकी की** कर्वो। देखिताक নির্যণ্টঃ ॥ বৃহজ্ঞী চ ॥ नराजनः भु नायुः। यथा। (तमा-বিভিন্না: মৃত্যো বিভিন্না সামৌ मुनि यंग्र गुङ न ভिन्नः। १र्यात्रर তভু॰ নিহিত॰ গুল্যা• নহাজনো (यन गंडः म श्रहाः ॥ वृंडि रहा-ভারতে বনপরি । ন্যাদিঃ । যথা 🗈 প্রাযেণ বেদ তদিদ॰ ন সভাতনো **২য° দেব্যা বিমোহিত মতি স্বত** 

नायदा २वः । अगुगः ३ छी कृष्ठ महिः

শুনুগুরিতানা বৈতানিকে মহতি । নহাজাতীনঃ ত্রি নহতঃপুকারঃ।
কলাণিযুজ্যনানঃ ॥ ইতি শ্রিভাগ ইতি ব্যাকরণ ॥
বতেষপ্তক্ষে অজানিলোপাখ্যানে নহাজালী স্ত্রী পীতবর্ণঘোষা।
বলবাক্য ব্যাখ্যানে শ্রীধরমানী ॥
ইত্যমরঃ ॥ রাজকোশাভকী। ইতি
নহাজারঃ পুণ গবযঃ ॥ শ্রীকারীমৃগঃ ।
রাজনিঘটঃ ॥ বহজালবাহকে ত্রি
ইতি রাজনিঘটঃ ॥ অতিবেগ নহাজ্যিপ্তী স্ত্রী নক্ষত্রবিশেযাদিযুক্ত ত্রি ॥

যুক্ত ত্রি ॥

गराजयुः खी व्रञ्ज्युक्तः।यथा।
गराजयूर्यराभागाताजजयुर्व्र८ः
यना। ইতিরন্নালা।।

महाजष्रः खी तृहज्जष्रः। ७९ भर्याः
यः। त्राजज्ञष्रः २ चर्गमाञा २ महा
यः। त्राजज्ञष्रः २ चर्गमाञा २ महा
यः। त्राजज्ञष्रः २ चर्गमाञा २ महा
यः। त्राज्ञष्रः १ वर्षे द्राज्ञण्याः। प्रेक्षः १ मध्त्रत्रमञ् । क
यायदः। नुगह्तदः। यादिज्ञामाः
क्रिम नान्तिः। यत्रकत्रदः। विव्रेख्यः। नगर्यम्मननदः। जुमाजीमातार्विषक्षकदः। यामिञ कक
काम भून्यनद्षः। हेन्तिताज्ञनिर्यतः।
याजज्ञष्य गहाक्या। ज्या मूत्रञ्जिला विक्
भूत्रा विक्षः स्त्रिम स्वात्रा विक्
भूत्रा विक्षः स्त्रिम स्वात्रा विक्
भूत्रा विक्षः स्त्रा स

মহাজাতিঃ স্ত্রী বাসস্তীলতা। ইতি রাজনির্ঘটঃ ॥ শেষ্টবর্ণস্ট ॥

इंडि व्याकद्मनः॥ नहाजानी जी भी जवर्गशाया। ই চ্যনর:।। রাজকোশাতকী। ইতি बाजनियणेः॥ वृश्कानवाश्क वि नश्रोकाश्ची जी नक्षजित्रणयानि-যুক্ত হৈছি। পূর্ণিনা। সাপঞ্ধা। वुकाभुद्रारा। अल्मु एकः मानी हिव পাজাপত্যে রবি তথা। পূর্ণিমা **७**क गादिन महारेका ही भुकी खिंडा ॥ थेल्मु (क्राष्ठायाः भाकाभञ्ज **রোহি**ণ্যা• ॥ ১॥ दिना छक्दाद्य-शाशि। भेतन्त एकः मन्ती रेहत शा-জাপত্যে রবি স্তথা। পূর্ণিনা জ্যৈষ্ঠ भागमा नहारिकाशी भूकी खिंछ। ॥ २॥ अनुताक्षाञ्च छत्राविष । अत्मु रिगा यह। जीव खट शक्षरमाक রবিঃ। পূর্ণিমা শক চন্দ্রেণ মহা-रिका क्षेत्र भूकी विंठा ॥ २॥ अनुदादा-ছে চন্দেপি। ব্যায় ভূতি:। ঐন্দ (क्कं ज्ञथवा रिमाञ एक जन्मु) यहा-স্থিতৌ। পূর্ণিনা জ্যৈষ্ঠনাসস্য ম-श्रीबंजा॥ ॥ द्वाञ-मार्ज:७१ किए४ मघटनात हिन रिकार्श्वभागमा भूगिना । रकाशास्त्रन मनागुक। महारेकाकी भूकीर्खिंग ॥ ৫॥ জৈ, ধ্বন্থ সরক। জ্যেষ্ঠা

াপণে জীবে বর্ষণ স্যাৎ শক্ত ্ৰেত নিতি বিশ্বুধমোত্তরোক্তো-ন্তৰ্গত বৰ্ষবিশেষঃ। ৈ জ্যপ্ত ইতি বৰ্ষ 🖁 विष्णवनमऽदिवर्थ्या शखः॥ मष्टः भारत यहिन्याहि जिलाठेः काञ्चनिकः ॥ 🗱 ॥ महारेब्रिकाका यः भाषा ८ भूकवः भूक.या उमः । विक्षात নবাপোতি মোক্ষণ গঙ্গাষু নজ্জ-नार ॥ इंडि जिथ्रापिछकु ॥ ংহাজ্যোতিমাতী জী লতাবিশেষঃ। वडीगालक दूनी इंडि हिन्सी ভाষा। তৎপর্য্যায়ঃ। তেজোরতী ২ বহু-রসা ৩ কনকপুভা ৪ তীক্ষা ৫ সূব-र्गन्दनी ७ नवन। १ ज महीक्षा ৮ তেজম্বিনী ৯ সুরলভা ১০ অগ্রিক ना ३२ वर्षामर्खा २२ कक्रुनी २० শৈলসুতা ১৪ সুতৈলা ১৫ সুবেগা ১৬ বাৰ্ষী ১৭ তীবু৷ ১৮ কাকাণ্ডী ১৯ वायमामनी २० गीर्ज्ञा २১ वन २२ (मोग्रा २० वाकी २<u>८</u> লবণকি শুকা ২৫ পারাবতপদী ২৬ পীতা ২৭ পীততৈলা ২৮ যশ শ্বিনী ২৯ নেধ্য ৩০ নেধাবতী ৩১ ধীর। ৩২। অস্যা গুণাঃ। তিক্তত রব॰। কক্ষব॰। কিঞ্চিৎকটুত্ব॰। वां ककाशर्वः। मार्श्वः

मीभनद्वः। (मक्षा भुद्धा काति दृक्ष । ইতি রাজনির্ঘণ্টঃ ॥ गु। गः। नज् मञ्च मताि शक्षका । महाञ्चानः भू । सामािः। इंडि (रुगठन्तुः॥ नहाज्ञाना जी जिनाना विकासती বিশেষ:। ইতি ছেনচন্দু:।। বৃহদ-शिम्या ह।। गराष्ट्रः भ কদয়ঃ। ইতি রাজ-নিৰ্ঘণ্টঃ ।। অতিশ্যধনবৃতি ত্ৰি ।। नशाउमः भुजा जी नत्रकविष्णयः। नहाडिनयाक्तकात्रमयः । यथा । घरनामधि घनवाज जनूवाज नजः-স্থিতাঃ। রত্নশর্করা বালুকা পদ্ধ ধ্ন তমঃপুভাঃ।। মহাতমঃ পুভা-(वड) श्रवा श्रवा नत्रक ज्मयः। ইতি হেমচন্দুঃ ম

महाउकः शृ मुहीत्कः। ইতিছেম-ठन्द्रः ॥ वृरुष्का मा भशाउन• क्ली भाजानविष्मयः। यथा । অতল॰ বিতলক্ষিব নিতলক্ষ ত-লাতল॰। মহাতলঞ্চ সুতল• সপ্ত নঞ্ রসাতল ।। ইতি শব্নালা।। गहा जाता खी जिनाना रहिवीति । यह । তৎপয্যায:। তারা ২ নহাঞ্জী: ৩ **७ इ**ग्रा ८ साहा ६ ज्याः ५ गतात्रमा ৭ তারিণী ৮ জ্যা ১ অনস্তা ১০ भिवा ३२ (वारक्यंता ३२ वाचाः।

२० थर्ववामिनी २८ जुना २० दिवणा २५ नीन मतस्र जी २१ णां ह्वनी २৮ वमुवाता २२ धन प्रता २० जिल्ला ५२ ना २२ लाहना २२ । इंडि एक्स हन्दुः ॥

महाजानी जी स्वावर्ङ्की। ইতি রাজনিষ্টঃ।।

মহাতিকঃ পু॰ মহানিয়:।ইতি রান্দনির্ঘণ্ট:।। অতিশ্যতিকরস-যুক্তে ত্রি।।

মহাতিকা জ্ঞী যবতিকা। ইতি রাজনির্ঘণ্ট: ॥ পাঠা। ইতি শব্দ-চন্দ্রিকা॥

নহাতীক্রা স্ত্রী ভল্লান্তকবৃক্ষঃ। ইতি রাজনির্ঘণ্টঃ।। অতিশ্যতীক্ষে তি ।। সহাতেরঃ ক্লা পারদঃ। ইতি রাজ-নির্ঘণ্টঃ।।

নহাতে জাঃ পুণ কার্ডিকেয়ঃ। ইতি |
হলাযুক্তা। অগ্নিঃ। ইতি শব্দচন্দ্রি
কান্ত অভিশযতে জম্মিনি তি॥

गरावा वि उत्तम कावमूकः। तर शर्यप्रायः। गरहहः २ उत्कृतेः ० उ मातः ८ उमातः ६ प्रेमीनः ७ मरा-मयः १ गरामनाः ৮। ইতি হেল-क्रमुः ॥

बहार छः পু॰ यमम् अश्रापः। ইতি বৃহদ্ম শুরাণে ৫৬ অগ্যামঃ ॥

व्हफ्खण ॥ गराम्यः भू॰ गजम्सः। एर शर्गाः ঈশাদন্তঃ ২। ইতি ত্রিকাণ্ডশেষঃ॥ বৃহদ্ভমাত্র ।। তদ্তি তি ॥ गहारान की (मुक्षमान । उबु जूना পুক্ৰাদি ৰোডশ পুকার। যথা। गट्नार्भुद्रात्। जथाउःमःभ्वक्ताः भि महारानम्। नक्षाः। इंड्रांडि-षाय। जाराङ मर्बरानानाः जूना-পুৰুষ স-জ্ঞিত। হিরণ্ডশান্ত নান্ধ वुका ७ जनम्बतः ॥ व न्नानम-मानक (गामरुमुख भक्षम । रित-गुकामसम्म श्रिनाग उरेशन ह ॥ পঞ্চাञ्चकः उद्यक्तितारान उ रियत है। हिंद्रगुराश्व तथ उपल्लान-হত্তি রথ প্রথা।। দ্বাদশণ বিষ্ণুচক্র-থ ততঃ কল্পতারা ह । সপ্তদাগ त मानक तज्ञ (धन खरेपा हा। नहाः ज्ञ्यहे उद्य (वाउमः भविकीः र्खिङ्धा 🗱। अब मानाना वक्त १ । मूक जशाक्त मानः नहामानः। विनायकानि श्रकागतम्ब । जार्चा माम्बर वा। उथा मध्माभुवानः। विनायकानि गुष् लाक्शान वर्छेः কাদিভা মুল্পুণানাং। বুলাচ্যুতে-শान तृष्टा जैना बनखरहा । याद **ठ**ळूडेन महाद्या द्रमहानि र्

ं अव रिचा मन्जरम्गा**ल यथा स** स्ति। एउपारिया युक बन रहान ৰূপ কেবো বিধান পুতে কে ধাড भ ज्लाभ्कव भ्वानान्। फिल्माः क॰ नज् महामान(ब्रानाव्हिः**म**) जि। অতে। নেতরেতরাশ্য:। নত্ সঞ মণ্ডপেতিকর্ত্ত্র্যতা যোগিত্ব জিক नीय लक्क्ष । अठल पातिश गठ-ত্বাৎ। এবঞ্চ। কনকাশ্ব তিলা গা-(वा नामी तथ मही गृहाः। कन्। ह किनायन् ग्रानानि वि मन। ইতি ক্র্পপুরাণোক মহাদান পদ॰ श्रीतः। अन्यथा वष्ट्रम 👙 हेन्युना खः कनकत्तानाति अस्ति प्रमुगः। रैउङ्काराजार । अक्तानरिका बीज्डम्बि । मेर्ब्वस्या सामाना भिक बचानुगः कवः । इति नकः भाग उलुः॥

भशानक क्षी (नवराका इंडिका)। ध्रः ॥ वृश्वकाध्यः ॥

महारितः भू॰ नितः। ইত্যমরः॥

गमः ग्रेम्बंग्यर्ग आसम्बंत्रय॰ ।

। यथा महारिताय (मामम्बंद्य नमः

। ইতি नित्रभूषाशक्षिः॥ #॥

गमः वृष्ट्रभित्र यंथा। नृकामीना॰

गूत्रानाक मूनीना॰ वृक्षवामिना॰।

उत्राक्ष महना॰ দেবো महारितः

भुकी खिंउ: ॥ मह्जी भूकिजा विष्य म्म नुक्छि दी यदी। उन्ता (एवः भ्-जिउ**न्ह गरारियः म** ह मृजः ॥ ইতি वुक्तरिवर्र्ख भुक्षिथए ৫० व्यथ्रा-यः।। 🛊 ।। তস্য পঞ্চবকুত্ব ত্রিনেত্রত্ব कात्र १ थथा । अञीव कमनीयाञ्च । কিশোর• শ্যামসুন্দর•। অংহা নি-र्बा नियक पृथ्वा कल नम्खारा ।। न व-ভূব বিতৃষণ্চ লোচনাভ্যাণ ত্রিলো-চনঃ। পশ্যমিনেষ রহিত ইতি মত্বা य भागत्य ॥ जक्रापुकामशाज्का क्राप (भूमविख्न :। मश्मुवप्रान्। ্য ভাগ্যবাংশ্চ চতুমু থঃ।। ব-ए जिल्ला होने म् द्वा वृष्टाव वर्षा मू-रैथंः । भन्यामि कि॰ वा कि॰ खोमि नः भाषा नाथ भीमृभः॥ जारेमारकः ৰ লোচনাভ্যা• চতুর্ধা স পুনঃ পুনঃ । স্থানসে সর্ব ীদ শক্ষরে চ তপ-ৰিনি ।। **তদ্বভূ**ব চতুৰ্বক্তু<sup>,</sup> পূৰ্বেণ স-হ পঞ্চন । একৈক বক্তু শুগুভে लाहरेनक बिन्डि जिन्हि। वर्व তেন জনাম পঞ্চবকু জিলোচনঃ। চক্ষণবি গুণ ৰূপাণি ভস্য বুজা স্বৰূ-পিণ:।। সত্ত্ব রজ স্তগ্র ইতি তস্য হেত্ত নিশালয়। সত্ত্বাংশন দৃশা শ-ফুঃ পশ্যন্ পাতি চ সাল্বিকান্।। ব্লাজ**সেন ব্লাজসিকান্** তানসেন চ তা-

भगान्। हक्ष्य छानमाए भणाए नगाउँ शास्त्रमा है।। नः शास का ल স হর্রায় রাবির্ভবেৎ কুধা। কো টিতাল প্রানশ্চ স্থ্যকোটি সম शु इः ॥ (व वि इ। ता मीर्य निथ दि লেক্যে দঙুনীশ্বর:। #1তব্য ভ সাধারণ কারণ বথা। বিভৃতিগাঁক: স বিভূঃ সতী সৎকার ভস্মনা ॥ 🍴 ধত্তে তস্যা অস্থিনালা পুনভাবে ন ভদ্ম চ। স্বান্তারানো যদ্যপীশ खयानि भूर्गमदकः ॥ मञीमवः गृ হীর। চ ভাূম• ভাূম• করোদ হ। পু ত্যসাৰ্ঞ্চ ত্ৰ্যাশ্চ প্ৰণাত যত্ৰ হত্ৰ চ ৷৷ বিদ্ধাপীঠ শুৰ তক্ৰ বভূব মন্ত্ৰ निक्षिक् । जना नवावानयक क्दां ব্ফুলি শঙ্কর: ৷৷ পুণাত মূর্ছিতো 🍴 ভূত্বা নিদ্ধফোতে চ রাবিকে। তদা গত্বা মহেশন্ত কৃত্বা ক্রোডে পুরোধ্য চ অবৰ দিব্য ভৰুঞ্চ তমৈ শোক হর• পর<sup>,</sup> ॥ তদা শিবশ্চ সম্ভষ্ট: স্ব **लाक्ष जगान र। नृखंखर अपनाल** ন তা॰ স॰পুাপ প্রিযা॰ সতী॰॥ #॥ ভস্য দিশয়রত্ব জটাধারিত্ব কার-ণ যথা। দিপুস্ত ধারী যোগেন নেছ। নিতে' পটে বিভোঃ। জটা স্তপস্যা কান,না খত্তেৰ্ব্যাপি বিবেক্তঃ।। ন েছা কেশ সংস্থারে স্বাঙ্গবেশেন

যোগিনঃ। সনতা চন্দনে পংৰ ষ্টে রত্নে : গীশ্বরে ॥ 🗱 ॥ ভস্য ा ज्यगद व्यवाहनद कात्रगः यथा প্ৰক্তদ্বেষিণো নাশাঃ শ্ৰন্থর শ্র ব্যুঃ। বিভত্তি কৃপদা ৰাঙ্গে তানে শরণাগতান্ ৷৷ বাহন• বৃষক্পোঞ্ **मन्र उ॰ বেঢ়ে নক্ষনः। जि**পুরস वर्ष भू ई॰ मध्कलाः न नमुख्तः । 🗱 ॥ তস্য বৃস্তরপুল্ল বিল্পতা প্রিয়ল ব্যাযুদ্ম ধারিত্ব শালানস্থানিত্ব কা রণ যথা। পারিহাতাদিক পুয় मूर्गिक्क व्यक्तिक । मिर्गिक भाग ८ठरत्रव श्रीिक नांखि कंपाइन ! षुषु:त उ९ मरा भीति दिन्तभवाः নুর্লেপতের গন্ধ হীনে পুস্নেচ যোগে **छि वराय्ठम् शिर्मित्रालाक क्रिका-७: इ बन जाया॰ न जन्मनः। "भ्रामाति-**তীব রহসি ধ্যায়তে মা নহনিশ।। #।। ७४) निह्नाित यथा। आयुकाः ত্ণপর্যন্ত স্বপ্নবন্মন্তে শিবঃ। ন্মা প্ৰিৱচনীয়ে প্ৰ ক্পে ভন্নগু **নানস**• ॥ বুক্ষণঃ পতনেনাপি শ্লপাণে: क्र-(ना अदि । उत्रशत्यः भूनात्यः ना-হ॰ জানানি ক। শু.ডিঃ ॥ জ্ঞান মৃ-তু।ঞ্জা॰ শূল॰ খড়ে মভেজনা সন॰। বিনান্যান কশ্চিত্র শাল্পর জেতু-नी धरः ॥ मह्दः भद्रनाजा त ग्रा-

. . . हिं। भि भवः मि द्वा बाहरक म নঃ শখন প্রিয়ো নে ভবাৎ পরঃ॥ স•বসানি গোলো*ে বৈ*সঞ্জে তব क्ति। नहाभिवन्। इत्रय निवकः ্ৰ্নপাশতঃ॥ সৃষ্ট শতো হি নষ্ট उ जुलक बीनग हि रः। तुका छ ं कतः (या गान (गानी **मक्षत्रा ग** 🔃 ।। स्विऽक्कारनन यः সৃष्ठैः नष्टै् 😇 उन्नीनया। न् ज्ञानामिकः भ কান জানী শহরং পরঃ।। নম ङिक्ष राम/क मृजिक गर्तनम्मर॰ ः नर्दनिष्ठिः माजू भीत्ना न माजा गम्बद्धाः भक्षः राकुग मन्नाम ধশো গায়ত্যহ নিশং। মদুপং ধ্যা-যতে শাধ্র ভক্তঃ শঙ্করাহে গমঃ॥ इं वि वृ स्टेर्सिखं ची कृष जन्म थए ७५ व्यथ्रायः ॥ # ॥ मित्रेन्द्रिक ज्ञन माय कात्रगामिक यथा। त्राधिका-ৰাচ। এব ভূতস্য চ বিভো: সৰ্বে-শস্য নহাত্মনঃ। ন সন্ত কথ নৃছিষ্ট বুহি সন্দেহভঞ্জন।। শ্রীকৃষ্ণ উবা-চ। শৃণ্ দেবি পুৰক্ষে। হছ নিতি হাস॰ পুরাতন । পাপেন্ধনানা দ হনে জ্লনগ্নি শিখোপম•॥ সন্ৎ ब्बनारता दिक्छे (नक्ना ह बनान र। দদশ ভুক্তবৃত্তঞ্চ নাথণ নারাযণণ দি ব্ৰঃ।। তুষ্টাৰ গূচৈ স্তোবৈক্ষ পুণন্য

ভক্তিতো गूम।। यवा**गव॰ म**मि छेना मस्ति। ভক্তবৎ मनः॥ भाष्यगावः ণ ভাষে ভুক্ত। তেনাপি কিঞ্ন। किष्णिमुत्रक रख्ना जकगाय ह मूर्व ভ· ॥ त्रिकाणुग्न চ उपर उ· एतर्व শ্লপাণিনে। ভক্তুদ্বেকাছ তৎসর্থ ভুকঞ্ পুাপ্তি মাত্রতঃ।। ভুক্ত। সৃरু-র্লভ বস্তু ননর্ত্ত প্রেনবিস্তালঃ। পপা-**७ उनक ईडार मृक्क वरायु** ज्या है।। चग निभाजा भाष्ट्रीह कर गृही नवा-প চ। এত शिष खरत (म वी मूर्ग। मूर्ग ि नामिनी ॥ मूना जगान भीषु उट शुत्रम वरतिका। करन मृहिंड॰ দৃষ্ট্য নিপতম্বঞ্চ ভক্তিত:।। পুহস্য वार्जाः भनुह स्रातः म्लभागिः । সর্ব॰ তা॰ কথ্যানাস জ্নারঃ স॰-शूठाञ्जिलः॥ मुद्दा ह्रकाश मा (मवी শিব পুন্ন রিতাধরা। শুন্ধা মনোহ-র ভোত্র ন শশাপ শিব শিবা।৷ দৃষ্টি চক্রে তদুছিষ্ট মভক্ষ্য বিদুষা-मित्र मृहिद्रक उन उछ। मया नक खु भीषद्रः॥ चुया वित्काः भूमारिन বঞ্চিত্তাহণ কথণ বিভো। যতো নদ-ख॰ निर्वा । विष्का मंश् द्यायूना ॥ অতো মত্তো গৃহাণৈতৎ ফলনেব ন-হেশর। অন্য পুভৃতি যে লোকা निविष्ठ चुञ्जा उर्गा उ क्रांचकः

সার্নেযা ভবিষ্যন্ত্যেব ভারতে। **ই**ত্যুক্তা পার্বতী মানা জরোদ পুর-তো বিভো:।। দৃষ্টি: পপাত তৎকঠে नी ল कथी। বভূব স:। অপূর্ব • তব নৈ (वर्) जम मृज्र जन्न इत्।। क् उ र्हे यञ ख्या ८ भण्ड (एइ॰ जाजा कि हा লিঙ্গোপরি চ যদক্তে তদেবাগাছ মীশর ॥ সৃপবিত্র• ভবেত্তত্র বিঞো নৈবেদ্য নিন্দ্রিত। ইত্যেবণ কথিত। नर्बः द्वरा शृष्टेः मृद्रश्वद्रि॥ व्यक्ति ন্ত শঙ্করস্য নির্মাল্য যেন হেতুনা। ইতি বুন্ধবৈবর্ত্তে 🗐 কৃষ্ট দেখালে 🥱 অধ্যায়:॥ 🗱॥ তস্যাৰ্ভ 😤 শৃংগ্ৰ সূত্রউবাচ। বেদব্যাসাবভারা জিল পরে কশিতানি তু। মহাদেব द्रापि करनी मृगुष्ठ मू बुकाः । भारती किन्यूर्ग स्थाउ (प्रयम्या मङ्ग्र) তি:। নামা হিতায বিপাণা মভূদৈ বস্বতে হন্তরে ৷৷ হিনবছিখরে রমে্য-ছগলে পর্বতোত্তমে। তস্য শিব্যা: শিথা যুক্তা বভূবু রমিতপুভাঃ॥শ্বে তঃ খেতশিথকৈব খেডাস্যঃ খেত লোহিত:। চত্বার তে নহাত্মানো ব্ৰাহ্মণা বেদপারগা:।। সুভাবো দ মন শ্চাথ স্হোত্র: কমণ তথা।লো काकि द्रथ (यागीत्नु। देवगीयवास ज्ञान ॥ अश्वेत्र मधितालः म्याम्यस्य ॥

व्यवः भुजः। ज्थवः समाम भुष् खमामूग् भतः मृजः। हाम्सम ्हिः नभार्यारङ। वाली हाथ जरगम्रण ॥ **চতুर्দ्धाः भोजमञ्ज (वम्मीर्वा उउ:** পর ৷ গোকর্ণ শ্চাভবত্তমান্ডহারা-मः निथंखाय ॥ बही नानाम राज-শ্চ দাৰুকো **লাহু**লী ক্ৰনাৎ। খেজ खया भन्नः म्बी जिखी मूखी ह देव ক্রনাৎ।। সহিষ্ণু সোনশর্ম। চ ऋ-नीत्मा अञ्चित পुजूः। रेववश्ररज **২ন্তরে শ**স্তো রবতার। জ্রিশ্লিন: ॥ অপ্নাবিংশতি বিখ্যাতা হুস্তে কলি-मूर्य भूक है। डीर्क लीवजात है। क्ष्य 👉 🦿 🔆 ११। हेन्सि 🖰 म केन्द्राम् । १ एत्। विकास के मा 的医别原因 医刺激 कत्। (क्यू (क्यू ह आर्म्यू दुर्हाता)। त्रि भया शुर्जा।। देखें ब उवाह। वा-রাণস্যাণ নহাদেব পুযাগে তু মছে-श्वतः। निमिष्य (मवतमवः भयायाः পুপিতামহ।। সক্ষেত্রে বিদুঃ স্থা। ণু• পুভাষে শশিভ্যণ• । পৃষ্ধের ত্ অপোগন্ধি বিশ্বঞ্চ বিন্লেখরে ।। व्यक्तिमश्नामः नाहतम् जू मः श्रुव । উद्धियेना भशा शल मा-कार्षे उ महादक्रे ॥ भवार्

মহাদে

(भाक्तर्भ ह सहायन । ভৈরবে ভৈন্বাধার ভব বন্তাপদে विमू: 11 উगुः कनथल रेठव ভमुकर्गा कुरम भिव । (पवमाक्वान मिखि চণ্ডীশ নধ্যমঙ্গলে॥ উদ্ধৃরিত ব রণ্ডেত সকলাণ্ডে কপর্দিন । কৃত্তি বাসসমেকাগ্রে স্ক্স-তান্যাতিকেশ্রে ।। কালঞ্জরে নালকণ্ঠ• ত্রীকণ্ঠ• নও-लियदा । धान जिल्लायद सागी गायजीत्का खद्रभद्र ॥ विक्रयः नाम কাশ্মীরে জযন্ত মক্কেশ্বরে। ছরি-कात्मु इतिरेक्षव भूतिकात्मु ज्ञाक्रतः া জটাবাসেখনে বিদ্যা কৌল্য জন বুটাকপরে। শ্রেশ্রে তন্দ এখন। क्ष्मानाद्यः का त्यक्षाताः विक्रत्रः **कर्नि** ॥ क्षामासुरादः ् विशिक्तः। छ। मु॰ भाषित अद्गापन विपालक चित्राह्म ॥ भ्र उत्रत्न विभ्विष्ठ वी শৈলে ভিপুরান্তকণা জললিকে বিদৃঃ कालि॰ काभालि॰ कत्रवीत्रत्व।। मीश्र চক্রেশ্বরে বেদ নেপালে পশুপতি• পতি । একারারোছণে কূট দৈ বিকাষা মুমাপতি।। গঙ্গাযাণ সা-গরে ব্যর মোক্ষার নমরকণ্ঠকে। मक्षरभाषावाद जीम॰ ययस्र् नञ्च-व्य वदा - जिंकास्त्र मनाश्रुक्तः हेकः

क्राकः ज्ज्वः गक्षमान्तः॥ नि-জ্বেরন্ত আকা**শে পাতালে** ০**উ**-क्षित्र । अडे विष्टे नामानि एव-দেবস্য ধানতঃ ॥ পুরাণে চোপগী-তানি ব্ৰাহ্মণস্য স্বয়স্ত্ৰবা। यः পঠেৎ প্ৰাতৰূপায় সাতো বা যদি বা ৽ শৃ-চিঃ ॥ মুচ্যতে সর্ব পাপেভ্যঃ শিব-लाक म गइंछ। इंड्राएर (एवी-भूद्राण अश्वयश्चि नागानि मश्राप्तय-স্যা#॥ তস্ধাদশ নাম স্তোত্র । भुषमञ्च महारमत्वा विजीयञ्च मरह-শ্বরঃ।ত্তীয়: শঙ্করে। জ্বে শত্র্থো ্হভপ্নঃ।। পঞ্ম: কৃত্তিবাসাশ্চ य-ष्ठः कामाक्नाणनः। मधामा (एवएन-(रणः बिक्छे काडेमः मृजः॥ के यदा নবমো জ্ঞেয়ো দশন: পার্বতীপতি:৷ ल्यु अल्ला रेक्टव खामणः निव छै-চ্যতে ৷৷ দাদশৈতানি নানানি ত্রিস-ক্যু যঃ পঠেমরঃ। কৃত্যু শৈচ্ব গো-মুশ্চ বুক্ষহা ভক্তলুগঃ।। জ্রী বাল ঘাতক শৈচৰ সুরাপো ব্যলীপতিঃ । মৃচ্যতে সর্ব পাপেভ্যে ক্দুলোক॰ न गहि ।। इंडि ऋन्त भूदान ।। 🕸 ।। **उद्याद्याद्वात्र क्ल यथा। (कार्टिया** বুকাহত্যানা স্থান্যাপ্স কোট্যঃ ৷ निष्ठः भूवय भाषान्ति भशास्त्रकः की उनार ॥ महारम्य माहारम्य मा

बाटा ६ गनाबिश-। (इमक्छि वि-

कारमत्वि वास्मिः। वट्यः श्रीदिव গৌরীশোধাবত মনুধাবতি ॥ ইতি পুরাণ ॥ #॥ তস্য পুণাম মন্ত:। नगरमा जा॰ महारएव लाकाना॰ खक मी यद्र । भू मा मभू विभागाना कामभूत्रामत्राङ्गि भः॥ देखि श्री छ। भवजः ॥ मङ्गाप्ततः मङ्गानानः म शासामिन भी खद्र । सशामा शहर (५व॰ मकादाय नत्मा नमः ॥ इंडि **७ अ॰ ।। ३ ।। ७ म**। कानक्र वर्गन॰ यथा। नात्रम उवाठ। कालक्ष्मी ত্বা খ্যাতঃ শ্ম গগণ গোলার 📳 লক্ষণক স্বৰূপণ সূৰ্ব मर्शन ॥ भूनस्य छ ाठ । द्वापा **बिश्रव्यामा विहास काल्य काल्य काल्य** অশ্বিনী ভরণী চৈব কৃত্রিকা লগমত **णकः॥ (भयकः हि** दिशासीम्। 🔫 बक्क मूराष्ट्र वारायाः ना ख যো বৃন্ধন প্ৰাজাপত্য কবে গৃহ। (मोग्रार्षः व्यनात्मनः वननः भातः कीर्खिङ । मृगार्ख मामुा मिङ्याः नाः अयः (नोम) गृहिल्म ।। मिथ्न जुङ (या उत्र) गगगङ्ग्र म्लिनः। जा-দিত্যা শশ্চ পুষ্যঞ্জ অশ্লেষা শশিং নোগৃহ•॥ রাশিঃ করুটটো নাম পা-ধ্বেন থবিলাসিন: ি পিত্রক্ত ভগ দৈৰভাণ উত্তরাশশশবেশরী।। সূর্য্য 🛚

(क्व विख्न वृक्षन इस्य के विख्न विख्न विख्न विख्न विद्या का विष्ट ।। (काम मूळ्य के कि विद्या के कि विद्या के कि विश्व के कि व

প্রতিক্র বিদ্যাত করে দ্বান্ত প্রতিক্র বিদ্যাত করে দ্বান্ত করে বিদ্যাত করে দ্বান্ত করে রেশ বতী তথা। দ্বিতীয়ণ জীব সদনং মী দস্ত চরণাবৃল্টো। এবং ক্রা কাল কপে তিনেত্রো বজ্ঞাং কোধান্তাগ বৈদ্যাত করি যুক্তঃ থেসন্তল্পৌ তারকাভি শিচতাক্রঃ।। ইতি বামনপুরাণে ৫ অন্তায়ঃ।।
নহাদেনী জী দুর্গা। যথা। অপ্রাণ্টি

म्या**ग्रहापिती शिद्रिका मिनका**चा

the second death of the second second

विकास अन्य विकास

का । इंडि र नायुषः ॥ उम्रा यूटशिख यंथा। भ्रमावः । याजू र्याः मर्थे
र्मा वंदाः कि भूमावः । याजू र्यारः
जि भूमावः । याजू र्यारः
जि भूमावः । याजू र्यारः
जि भूमावः । यहारिवी उठः मृठा
॥ इंडि रिवीभूतावि ३८ ज्यायः ॥
ताक्षी । भाषेत्रावी इंडि जाया ।
उट्भर्यप्रायः। यहिषी २ भुणाई। २
भुणादि । विज्ञान्त्रत्रीयरे । ।
व्यारे कि १ विज्ञान्त्रत्रीयरे । ।
व्यारे विज्ञान्त्र । यथा। विज्ञान्त्र । विज्

可可以 1 3, 34 ---

মহাদোণী জী নহাদোণাক্স:। ইতিরাজনিহন্ট:॥ महाबन्दः शृ युष्वता प्रश् हेि णद् त्रज्ञावनी ।। অভিশयक नह मह ।। महाथनः क्षी वर्ल्यना वस्त्र । हेन्छ प्रमतः ॥ सूर्वाः ॥ सिङ्काः । हेन्छ (स्मिनी ॥ हास्यकः । हेन्छ (ह्महन्द्रः ॥ क्षिः ॥ हेन्डि णद्यज्ञावनी ॥ अ-जिन्यथनगृरक्त जि ॥

মহাধাত্: পু॰ মণি। ইতি শদ-চল্দিকা।।

महान् जि वृह्द। हेठामतः॥ जामाः भर्यायः मह्द्रणस्य पृष्ठेवाः॥

महान् भू॰ छेट्टेः। ই जि ता क निर्माण । प्रथा। महान् यहा भा हिं जा महिं । महान् यहा भा हिं जा महिं । महान् यहा महिं । महान् यहा महिं । महान् यहा महिं । प्रथा। महिं विषय । महान् विषय । महा

্হানটং পু॰ শিবঃ।ইতি ত্রিকাও

शूक्रवाखन क्वांड गठ कर्रकरम् । खन्न । नामाखन कि कि रम्यः । उम्रा नामाखन कि कि भना। यथा। ननी उन्न महामुग्रा विक्राभाम विनिर्गठा। कि बाट्स रम्जि विथ्र जा मर्नाभाम मूजा ॥ कि बाट्स भना महाननी । इंडि भूक्रवा बम्ज कु ।। गन्ना। यथा। यमु ज ममू नि जांठ । जांजू न जांगरक यमु जाम्मू । मूत्र इत्र उत्र विभत्नी उ भारामु जांच्यानरी जांठा

महाननः शृ मुक्तः। हे हिन्दाः
युशः॥ अिन्याञ्चादणः
महाननः जी मुद्रा। हे हिन्दाः
निवरिः॥ नावमुद्रानन्ते। वद्याः
अविष्ठा। नाव माममप्रवा मुद्राः
विश्वी नाव माममप्रवा मुद्राः
विश्वी नाव माममप्रवा मुद्राः
विश्वी नाव माममप्रवा मुद्राः
विश्वी नाव माममप्रवा मुद्राः
विश्वा महानन्दवी नृषाः॥
मानः हानः जल्ला हाना द्वाहः
मूलावषः। मर्बः उत्कृषः (भू। कः
यहमप्राः कियु उ नदेशः॥ है जि जि
विश्वाया विनिःम् जा द्वानभुद्राःथऽ

সুমোৎ পশ্চিমত উত্তর্নিগুতা ॥

मरानिष्यः शुः गिष्त्वर्वनद्वाज्युधः।

। यथा। हज्ञातिः मंख्या जातानी विकास का देव निम्दर्भनः। इद्वादि निध्य रैक्टर सहानन्ति जीवश्रुक्ति। सहा-निम् त्रुष काशि न्दाया किनका॰ শঙ্ক: ।। উৎপৎস্যতে মহাপদ্ম: नर्ब क्षवाष्ठका न्मः। उउ: भुङ्डि त्राकात्ना ভविष्ठाः मृष्ट्यानयः॥ একরাট্ স মহাপদ্ম একছতো ভ-বিষ্যাতঃ ইতি ন্ৎস্যপুরাণে ২৪৬ অধ্যায়ঃ॥ অপিচ। মহানদিরে তঃ শ্দা গৰ্ভোজ্ঞবো হতিলুক্ষো মহা-পদ্মানন্দঃ প্রক্ষরাম ইবাপরো ্ৰাপ্ত ৯ জিশান্তকারী ভবিতা ত-**उ**: पुरुष्ठ सूमा कुला । स्वीत्रत ि अस्पारिक अधार बार्कीट १९ जना उन्ध्या १०० # 11-40 14 1 মহান্ত্র 🔫

র্যাতন্যস্থান । ইন্দ্রেশ । মহানলঃ পু॰ দেবনলঃ। ইতি রাজ-নির্ঘটঃ॥ বৃহদ্গ্রিশচু॥

गरानवभी जी आश्विनमूक्ष्मवभी।
यथा। श्रीकृणवान्वाह। पूर्णाठत्व्याः
गत्वा सर्गापूर्ण गराष्ट्रायुः
गहानवन्द्राः भद्गिः विनानः न्शाह्यः॥ आश्वित मूक्ष्मक्षम् छ(विना सर्वेनी जिथिः। म्हार्थेनी जि

্রিপুরাজ্য দেরনা প্রীতিকরা পরা। ॥ अञ्जल् नदनी या जडा**र जा महा**-नवनी मृजा। ना जिविः नर्वतना-কানা॰ প্ৰনীযা শিবাপিয়া।। ইতি কালিকাপুরাণে ৬৯ অধ্যাय: ॥ व्यिनि । भार्द्काल विश्वासन আখিনে হাইনীফুচ। নহা শকে। নবন্যান্ত লোকে খ্যাতি গমিষ্য-ভি।। ইতি তিথ্যাদিতত্ত্ব ॥ महानमः क्ली त्रक्षनगृहः। उद्भर्गाः यः।রসব গী২ পাকস্থান গু।ই 🍴 **छ। मतः ॥ छञ् त्रक्रगीया स्नर्भ ग**ा मृत्रमाञ्ज विशासकः, १ । ११ । १८ । १८ । बरमा इ इ । भर बर्भ में रूप GOOD TO BE SEED TO THE (137)为中国的国际内部 সংক্রিইড 🖒 🔻 🧎 😘 नुकालाडेक हैं। है। है कि कि कि की हा है । इस करा महिंद ाङ्काल, ज्ञानरेक यू उ॰ । व्यक्तिमह मणा भी त। सशाना हेक मृहित्त ॥ अङ्करत्व वाष्टिकः। यथा वा**लज्ञा**नाः यगः। ইতি সাহিত্যদর্পনः॥ स নানখ্যাত হন্নদুচিত রামচরিত भुउदिरमयः। यथा। अय विका रुन्-ग । विव्विष्ठि छीन ग्रहाना है कि ধীর শীশৃত রাগচন্দু চরিতে পুত্

क्छ विकर्भः। भिणु श्रीमध्रम्मः न न कविना जन्म र्डा जब्बीकृष्ट अ-र्गाद्रारुग नामरका रुख नवरमा य रा रुख अरवडारमो॥ रुडि अप्राक्त स्थितमाकः॥ महानाषी स्थी कश्रता। रुख द्राह्म-

भरानाण जा कथता। ই जित्राज-निर्वण्डः॥

महानादः शृ॰ इछी ॥ वर्ष् करमधः ॥
महानदः। ইতি मिदिनी ॥ ति॰ इः
॥ कर्तः। ইতি ছেমচন্দুः ॥ উष्टुः ॥
नदः। ইতি রাজনির্ঘটঃ॥ কাহল-

ं। इंडि हाबावनी॥ स्थानक स्री मत्रगः। ইতিक्रिंगध्रः॥ पडाजिपः भ् निम्नत्कृतिस्मयः। ६ महानिय है जि जाया। उर भर्या-ः। किल्ले अवस्ति अभार्यकः ्रें अञ्चनां ।। जन्य रूपाः । পরমগু। হিত্ত। কবাযত্ত্ত। অমুত্র । শীতলত্ব। ইতি রাজবল্লভঃ।। **महानिमा** জী নিশামধ্যভাগ:। उৎ शर्याः । निमार्कः २ निमीयः ३। ইতি (इमहन्पु: ।। #।। मृज् गशानिणा मार्खे शृह (त्राभाति भू इत দ্বণ। নহানিশা তুবিজ্ঞেয়া মধ্যমণ भुरत षग । তव मान न कही छ কাম্য নৈনিব্ৰিকাদৃতে॥ ইতি রযু-नन्त्न छ छ। हार्य्य भु छ वहना ८। स्हा-

निणा शतकानमा नाजी ठज्हेरमा शत्रामिबामिएवन उनानी॰ भूविषिय-भीय (ভाबनानू भगरतः। उपित्न ক্ত্যলোপাপরেশ্চেডি তিথিত-द्वीयनिथन खड़माह ॥ # ॥ छड **७क्र**ण निरम्(दा यथा। यक्षु कूर्र्ड तुऽः **ভীতে তুরাত্রাবেব মহাবিশা। ল** ভতে বুক্ষহত্যাঞ্চ তৰ ভূকা চ না-রদ॥ গোমা•স বিণুত্র সম• তা<del>ছ্</del> गक कन जन। भुःया नजका णुकाया (मारनम्याणि का कथा।। ইভি বুন্ধবৈবৰ্ত্ত প্ৰবাশ ॥ 🗱 ॥ ভত্ৰ পারণ নিশ্নেশ গ্রহণ ন কণ 🖔 भावनः सर्वे हर्षे विकासित छार। निभाषाः पञ्चः 👉 🤃 कविदा गर । गाः शुक्रातः । जिल्ला स ভবেৎ। ত্ গ্রিবারি, মুনিকে 🕥 রণ সক্তে বুজী॥ইতি বু দৰৈবর্ত্তে ত্রিকৃষ্ণজন্মথণ্ডে ৮ অধ্যায়ঃ॥#॥ দেবলোক্তা সহানিশারাত্রি মধ্যম मखबगाञ्चिका। मा विशेष शुरुव **मिय म् ७** ज्जीय शुरुत शुथ्य म् ७ क्शा। ७ म्रा॰ निवित्रकाख्या यथा। नाय कृष ठ वृद्धभाग मानि-(मरता सङ्गिनिम । **मिविम्**डः যোজ্তঃ কোচিনুর্গ্য সমপুতঃ ॥ ||

णव महानिना (व विदिक्त द्वारिक व्यादाः । ইতি দেবলোক।
महानिना । विदेका मध्यक्ताः ।
ইতি তিখ্যাদিভক্ত ॥ ॥। তাত্তি
क महानिना यथा। গতে ভূ পুথ
मে याम ভূতীয় পুহরাবিধ। महा
निनायाः जश्रद्धाः রাত্রিশেষে জপে
सञ्॥ ইতি তল্তাসার:। ॥। অপি।
। निन। ভূ পরমেশানি স্র্য্যেচার
মুপাগতে। পুহরে চ গতে রাত্রে
বিদির্গে পরে চ যে।। মহানিশা
সমাখ্যাতা তত ক্যাভিনহানিশ

मदः (ति मुत्रज्नाः न मःमयः । घाउः भवः यदः मानि विषज्ताः। न मःभयः। ७उ९ मर्बः मदः मानि भण्जात् मत्यानिकः॥ नित्र वीतः गतः (पवि जञ्जानम भ्रायदः। भक्षञ्जुः ममानिय यनि भ्राभदाः। ভत्दि॥ कालाकालः सदः मानि विष्ठात्रः जञ्ज यद्धंति । अर्धताः। गतः (पवि जल्लुका भुकी हिंद्।) ात्रधान्काणा मर्च भूजािक ।

ात्रधा विद्याल्य एए विन उत् ।

ात्रभूकािन उः ॥ भएन। द्रश्न क ।

विद्याल मान्य द्र्याल भर्म ।

विद्याल मान्य हिल्ल मान्य ।

विद्याल भू व्यव ।

विद्याल भू व्यव ।

विद्याल । विद्याल ।

विद्याल ।

নিখা ক্লেড ্ট ট্টি এক । ডিইটা ।

हान् जातः जि सहास्यः। यथा। सृङ्गी शूगुर्वान् ष्टानु। श्यी ह श्या-बानिसः सहास्या सहहः सुरास हान् जाव है जाता । है जि निकास अवश्वात ।।

নহান্ত: পু নববাভক্তিযুক্তকৃষ-ভক্তा:। (ড শিব শেব धर्मान्य:। यथा। निवः (निवः १ र्म क वृक्षा विष्णु मंशान् विद्रादि । जन एक नादः কপিল: সনকশ্চ সনস্নে: ৷৷ বোঢ়ঃ পঞ্চশিথো দক্ষে। নারদশ্চ সনা-जनः। ভ्रथमंत्रीहि पूर्वामाः कन्। गः भूगरा १ दियाः ॥ व्यथना लामणः मूका विश्व क वृद्यव চ। বৃহস্পতিঃ কর্মনশ্চ শব্দ্রির বিঃ नवारक्षा बार्क खरा वि**ष टेन्ट**व भुकातक गानवतः। यमः न्यीक मकारा । व् काल्का छङालनः॥ ্ হুপায় উল্কেশ্চ নাডীজন্নশ্চ বা-🚃 🖂 अञ्चायाः कूर्ण हेस्सुपूरः ় বিভীষণঃ।। নবধা ভক্তি যুক্তা-শ্চ কৃষ্ণস্য পরমাত্মন:। এতে ম-शासा विभिन्ना जलानाः भूवता स-পা।। ইতি বুন্ধবৈৰৰ্ভে পুকৃতিখণ্ডে ७० व्यव्यायः ॥

मशाशक्षत्व की तृष्ट्शक्षत्व । उप्पथा। वित्वा श्वितष्ठः (महानाकः कामार्यहः शाहेना उथा। अदिश्व भिनिटिं उत्ति : महास्राध्यक्षत्व-वः॥ ইতি বাজনির্ব ।।

म्हानकवियः क्ली वृष्ट्यितककः। जन्या। भ्कीर कानक्रेक गृष्ठ-का वर्यमाखकः। मञ्जूकी जि (यारगा २य॰ महाभक्षविया जिधः॥ ইতি রাজনির্বণ্টঃ।। নহাপথা জী মহাজখ:।ইতিরত্ব माना॥ वृह्८ भर्गयुक्क जि॥ गराभयः भृ भुषानभयः। ७९-भर्यायः। घणाभवः २ अभ्यत्रः ० শ্রীপথঃ ৪ রাজবর্ত্তা ৫ উপনিষ্টুমণ ৬ উপनिष्कतः १ । ইতি (इमहम्मुः ॥ मराभयगमः भू मत्रा हिं किं। थ्रः ॥ মহাপদ্ম: পু॰ অইনাগান্তর্গতনাগ **७५:। उ८** भर्यायः । अजि<u>क्षातः</u> मगविन्तूकम्खकः o : ३ कि क्र **हन्तुः ॥ ऋरवत् मानविधाः**शं छनि ধিবিশেষঃ। ইতি জটাধরঃ।। লক্ষ কোটিস'খ্যা। ইতি লীশাবতী।। मुङ्गभाषा ङ्गी। ইতি রত্নমালা॥ নহাপাতক ক্লী পাপবিশেষ:। তত্ত্ भक्ष विष्। यथा। वृक्ष**र** छ। मुद्रा পান স্তেষ গুরু স্নাগন:। মহা डि পाउकान्।। इः मः मर्गकाि । रिजः मर्गा इंडि मानत्व ७७ अथुन यः ॥ 🗱 ॥ नशानककः हिङ् সপ্তরমু রাণ্তে। বাধ্তে ব্যাধি-

कर्मि उत्र कृ हानि किः जैमेः ।।
इठि माठा उत्रीय कर्या देशाकः ॥
आ ज्वा मकत्र भाष्य श्राठः ज्ञानः
विषीय । इदियाः वृक्तहर्यक्ष महाशाक नामनः।। ইতি मनमानः
खुः ॥ क्ष्कि महनः नाम यत्र ।
वाहि श्रुवर्छ । ख्यी ख्या त्राः
कन्तु महाशाक काहियः । ইতি
श्रानः ।।

মহাপাতকী তি পঞ্পুকারমহা-পাতকযুক্ত:॥ স চ পতিত:। যথা। মহাপাক হিনো যে ১ পতিতা তে भूकीांर्डआः। भठिकानाः **न माहः** त्रशास्त्र गोञ्जक्यः । नहा-ুখাজং পিতো বা কাৰ্য: শা**দা**ন দিক লুডিনায় এতারি পতিভা**না-**ন্ত যঃ করোতি বিমোচ্তিঃ। ৬৪: क्ष ष्रायरेनव जम् मृष्कि नंहानाथा ॥ ইতি শৃদ্ধিতত্ত্ব ধৃত বিষ্ণুপুরাণ বচন ।। 🗱 ।। পারিভাষিক নহা-भाउकी यथा। कृ उ भाग भु जिश्वाक नीटि यां॰ প্रতিমा॰ विका । मूर्गा॰ न পুণনেঅস্তু স মহাপাতকী মৃতঃ॥ इेंडि (प्रवीभूतात व्याप्त नात्रप्त ग॰-বাদ:।। অপিচ। পিতর নাতর ভार्याः खब्भन्नीः वान्यद्वः। व ন পুঞাতি কাপটা কাল

ভকী শিব। ইতি বুন্ধবৈবৰ্ত্তে গণ-পতিখণ্ডে ৪৪ অধ্যায়ঃ।।

নহাপাপ ন্থী নহাপাতক। যথা।
নহাপাপে নু সর্ব স্যাৎ তদৰ্জন্ত পপাতকে। দদ্যাৎ পাপেষু ষষ্ঠা শ জ্ঞাত্বা ব্যাধিবলাবল।। ইতি নলমাসতত্ত্ব।।

নাৰ ক্ৰাড়াৰ কি বাড়ানবিটাৰ মুহ্ পাণ কু সামূতবিশেষ। ইতি বৃহজ্মপুরাণে ৫৬ অধ্যায়ঃ॥ বৃহৎপাশশ্চ॥

र्षाङ् र्नेल्याई के लिए

নহাপাসকঃ পৃ॰ বৃদ্ধভিক্ষ্কঃ। তৎ পর্য্যায়ঃ। চেল্কঃ ২ শানণেরঃ ৩ পুর্জিতঃ ৪ গোনীনঃ ৫। ইতি ত্রি কাণ্ডশেষঃ ॥

নহাপিণ্ডীতকঃ পু॰ কৃষ্ণবর্ণনহামদ নব্কঃ। তৎপর্যায়ঃ। বারাহঃ ২। আন াঃ শুেগ্রেণ। কটু তিক্ত ন্দ্নির্ণ। কফ হুদ্রো ग भन्नामाभग (भाषनपुष्धः । इंडि जान्ननिर्यण्धः ॥

নহাপি ভীতকঃ পুণ বৃক্ষবিশেষঃ।
পেডিরা ইতি হিন্দী ভাষা। তৎ
পর্য্যায়ঃ। খেতপি ভীতকঃ ২ করহাটঃ ৩ ক্ষুরঃ ৪ শক্তকোষতকঃ ৫
শরঃ ৬ পি ভীতকঃ ৭। অস্য গুণাঃ
। ক্ষায়ত্বং। উক্ষত্বং। ক্রিদোষ শননত্বং। চর্মারাপাপহত্বং। বিশেষাৎ রক্তদোষ নাশিত্বঞ্। ইতি
রাজনির্ঘন্টঃ।।

नश्मीलः भू श्रीपृत्कविश्मवः।

उप्पानाः। वृद्धः भीलः २ महान्

कृषः । व्राक्षभीतः ८ महावृक्षः ८

नश्भीलः ५। ज्या क्षण्याः। मा
श्रीकः । वृद्धः । विषनामितः।

श्रीकः। भीभनीयकद्धः। ইতি রাজ
निर्वणः॥

गहाभूत्रागः त्री अकारणनक्षणपूक व्याम भूगीठाश्चारणमाःथ्यकभूत्राग विष्णयः। उत्र जक्षणः दथा। मृ-श्विष्ठाभि विमृश्चिष्ठ श्विक स्वका-स्व भाननः। कर्म्याः वामना वार्छ। मन्नास्थ क्रांत्र ह ।। वर्गनः भून्या-नास्य (भाक्षम्य ह निक्षभणः। উৎ-कीर्छनः हर्त्रस्व (हवानास्व भूषक्

পূথক্। দশাধিক লক্ষণঞ্মহতা পরিকীত্তিত ।। ইতি বুল্লবৈবর্ত্তে শ্রিক্ষভন্থভে তেই অধ্যায়ঃ ॥ महाशुक्षः भू (मुधनदः।। नादायगः । यथा। (थ)य॰ जना भिति ख्या ग ভীপ্তদো হহু তীর্থাস্পাদ শাব বিরিঞ্চি নুত শরণ্য । ভৃত্যার্ভিছ পুণতপাল ভবান্ধিপোত বন্দে भशानुक्ष (उ हत्र गात्र विन्तः ॥ छ। ক্ত্য সুদৃস্ত্যজ সুরেপ্সিত রাজ্যলক্ষ্মীণ श्रमिष्ठ व्यायं। वहना यहना रज्ञा । মাযামৃগ• দযিতবেঞ্জি ভমনুধাবদ্ধ (नर् मशाशुक्ष (उ हत्र गात्र विनर् ।। ইত্যাহ্নিকতত্ত্বত শ্রীভাগবত•॥ महाशुक्षरा छी भाउम्मी। इंजि त्रञ्जाणा ॥ महा भुक्य पिका जी गहा ण जावती । ইতি রাজনির্ঘটঃ॥ মহাপুয়া স্ত্রী অপরাহিতা। ইতি भाष्ठिनुका ॥ **गहा** शृंक्षः भू• উड्डा ३७ রাজ-निर्घणैः ॥ वृष्ट्रभृष्ठम ॥ मश्युक् जि: क्वी पूर्णा। यथा। हि जि-শৈতন্য ভাৰাদ্বা চেতনা বা চিতিঃ মৃতা। মহান্ব্যাপ্য স্থিতা সর• নহা বা পুকৃতি মতা।।ইতি দেবী-मुजाल ६६ व्यद्यायः॥

নহাপুত: ত্রি অতিশ্বদীপ্তিতঃ।
নহাপুতা বস্তে বছবুহি সন্
নাস নিয়ম: ॥
নহাপুতা জ্রী নহতীদিপ্তিঃ। যথা
। নহাপুতাত্বাব ছিলাভাবে। হস্ককারঃ। ইতি সানান্যলক্ষণাযাণ
জগদীশঃ॥

মহাপুড়ঃ পু॰ পরমেশ্র:। যথা।

বন্দে হনম্ভা ভূতিশ্বর্য্য শ্রীচেতন্য गराभुकुः। नीहा १मि यए भूमा-माट माट ममाठात मुवलकः ॥ ইতি হরি ভক্তিবিলাসে ৩ বিলা-স:।। অনম্ভ ম ভূত ঞাবিতক্য ঐশ্বর্য্যুণ পুভাবো যস্য ত খতো ন-হাপুভূ পরমেশ্বর । ইতি ভটী-काराः, कोवरणायाभी ॥ जानिह। **সোय•ैनीवा**गितीश्वतः मनिভद्या যাত্রা চ সা গুণ্ডি চা তে তে দি খিদি গাগতা: সুকৃতিন স্তা পে দিদ্ফা-खंगः। आज्ञानाम्ह उथव नन्दनवन **জ্রীণা•** তিব্রস্কারিণঃ সর্বাণ্যেব ম-হাপুভূ বত বিনা শ্ন্যানি মন্যাম-(इ॥ इंडिटेइडन)हरम्पुरियनार्धेकः মহাপুলয়ঃ প॰ ব্রিলোকনাশঃ। তৎ পर्य।यः न'श्वातः २। इंडिक्लायुदः ।। তস্য বিষরণ যথা। খ্রীমার্কণ্ডে-य उवाह। ग्रायुत्र भागाः काला ा एभागवाज भुकाः। এका मनुः ালস্ক নশ্বস্তর নিভি শুতে ॥ ত েক সপ্ততি যুগৈ দেবানা নিহ জা ে ত হৈত শতুর্দশভিঃ কল্পে। দিন ে । স্ত বেধসঃ ॥ দিনান্তে বেধসো আতে সুষ্প্রা তস্য জায়তে। যোগ ্বে নহানাবা সনাবাতি পিতান 🐖 ॥ নাভিপদ্ম• পুৰিশ্যাথ বিষ্ণো - ।ত তেজদঃ। স্থ স শেন্তে ভ ৰ**ান্ বৃদ্ধা লোক পিতানহঃ ॥ ত** ं विष्टुः य " जूरा कर्ताशी जना बन्धा भूतवमान ।। यान म गतः जु रक बग ॥ वायुना व**्रिना नर्ब ए। क्षानानदि यथा। नहाशुद्धरकात्न** उथा मई क्षम प्रया ।। क्षेत्र यास्त्रि হাপার্তা মহর্লোক নিবাসিন: । रनाकाः मार्यामान भोषिज। ৰুণাগ্নিম।। ভতঃ কালান্তকৈ মে-नाना वर्ष मंशायरिनः। अमू शाम् हावृष्टि माभूर्य) जुदन खरा ॥ हलः ब्रेट्स खायोरिय ब्राधुतङ्गान मक ं हः। निषाय कठेख व्याकानिमा॰ नि न जनाफ्नः॥ नाजनर्ग्यः भय া শেতে স পর্নেশ্বর: ॥ শ্যান ।ভিকনলে বুদ্ধাণ স রগৎ পুভু:।। 'श्रा श अनिमारलाकाम् पश्वा पश्वा ুণুথা সহ। শেতে স ভোগিশ্য্যা

যা বুন্ধা নারাযণাত্মকঃ।৷ যোগনিদা বশংযাত ব্রৈলোক্য গ্রাস বৃংহিতঃ। ত্রৈলোক্য মথিল দক্ষণ যদা কালা-গ্নিনা তদা ৷ অনন্তঃ পৃথিবী ত্যক্ত্বা বিফো রন্তিক নাগতঃ ৷৷ তেন ত্যজ্বা তু পৃথিবী ক্ষণ নাজাদধো গভা। প-তিতা কুৰ্ম পৃষ্ঠেতৃ বিলীর্ণেব তদা ভ-वट् ॥ क्षांभि महाज यदाहलही। পৃথিনী জলে। বুক্ষাণ্ড পড়ি রাক-मा भृष्टि मस्य धनाः जमा ॥ तुकाख थख मःरवागाहृर्गिजा भृषिवी ভरवट । ইতি তা॰ পরিজগুাহ কৃর্যারপী জ-नार्धनः ॥ हलक्कालीय मः मर्गाहल-स्त्रा १ इंगा जना । क्ष्म् भृष्टे व व उदेत ব্রুপ্তে বিততীকৃত।। অনম্ভ স্তত্র গ ত্ব। তু যত্র ক্ষীরোদসাগর:। তত্র बयः निया युक्तः मृष्युष्ठः जनापनः ॥ क्वा मध्या मध्य विल्वाका गुम বৃ•হিত•।। পূৰ্ব• কণ• বিভভ্যোদ্ধ্ • পদ্ম॰ কৃত্বা মহাবল:। বিকৃ মাছাদ-যামাস শেষাখ্য: পরমেশ্বর: ॥ ত-স্যোপধান নকরোদনস্তো দক্ষিণা• ফণা•। উত্তরা• পাদযো শ্চকে উপ-थानः सहावनः॥ जानदृष्ठः जमा চ-ক্রে সংশযঃ পশ্চিমাণ ফণাণ। স্বযন্ত বীজযামাস শেষক্পী জনাদন ॥ मञ्ज ठकः नम्हकानि नियूषी एव न-

कारकः। वेषानयाथ क्रया ज मस् गक्छ छन।॥ गनाः भग्नक भार्कक **७रेथव विविधायुधः।** यानि हान्यानि **ভস্যাসন্নাশ্বে**দ্যা ফণযা দক্ষো।। এব॰ कृषा सकः कायः भयनीयः जना इतः । भृथी मध्य कार्यन मन्ना माकम्। চান্ত্রসি। তৈলোক্যবুদ্ধ সহিত স-षञ्जीक कनार्पन । (সাপাসক जग-দ্বীর জগৎ কারণ কারণ। নিত্যা ननरः (वहमयः वुक्तगुः भन्नरमधनः॥ बग का वन कर्जा व का व का व का व न কারণ । ভূত ভব্য ভবন্নাথ পরা-পর পতি হরি ॥ দধার শিরসা नसः सगरमव सकाः छन्। ववे वुका हिनरेमार भूभाष्य निमा इति:। সন্ধ্যাঞ্চ সমধিপ্রাপ্য শেতে নারা-या। १व।यः ॥ यसाम्यख भूनाया युक्षनः म्याप्सिन पितन । उत्रादिसनः দিন মিতি খ্যাপবন্তি পুরাবিদঃ॥ ব্যতীতাযাণ নিশাযান্ত বুন্ধা লোক পিতামহঃ। ত্যক্তা নিদা • সমুত্তস্থে। न भूनः मृष्टेर्य जिल्ला हेि का निका পুরাণে ২৭ অধ্যায়ঃ ।। ন্যায়নতে জ-ন্যভাবানধিকরণ কালঃ। স চ চর্ম र्वः मक्त्रः ॥

महाभूमानः भू विकृतितवन्तानि। यथा। भारतान्यक निर्मान्तरः नि বেদ্যঞ্চ বিশেষত: । মহাপুসাদ ইত্যক্ত্বা প্ৰাছ্ম বিফো: প্ৰযুত্ত: ।।
ইত্যেকাদশীতত্ত্ব ধৃত মৎস্যসূক্ত
বচন ৷৷ জ্ঞীজগন্ধাথস্যমহাপুসাদমাহাত্ম্য জগন্ধাথ শন্দে দুষ্টব্য ।।
।৷ অতিশ্যপুসন্ধতা চ ৷৷

महाभागः भु॰ (पानकाकः । ইতি

त्राजनिर्वणः ॥ वर्गविष्णयः । मह ।

थ य ह वर्ष ठे ह थ स क छ म य म ह

क्रभः । यथा । वर्गागाः भुषम ज्ञीय

शक्षमाः भुषम ज्ञीय यस्मी य त वा

वाण्ठा च्रभागाः । ज्यस्य महाभागा

हेज्यर्थः । ইতি সিদ্ধান্ত কৌ गृদी ॥

नशकनः श्रु॰ विन्युकः। ইতি রজ্জ। नाना ॥ वृश्यकता की ॥ सङ्ख्या की केल्याकी । हैकि

महाकना जी हेन्द्रवाक्ती। इंडि कटांध्यः॥

महारक्षा जी हिश्वीतः। ইতি শद-চন্দ্রিকা।।

নহাবল ক্লী সীসক । ইতি হেন-চন্দু: ॥

মহাবলঃ পু॰ বুজ্ঞাইতি ব্রিকাও। শেষ: ॥ বাযু: ॥ বলীযসি ত্রি । ইতি হেমচন্দু: ॥

মহাবলা ত্রী বলাভেদ:। পীত্রা-ট্যালক:। তৎপর্য্যায়:। খাষ্যপ্রো-ক্তা ২ অতিবলা ৩ পীতপুরী ৪!

ইতি রন্ননালা॥ মহাবোধিঃ পূ॰ বুদা। ইতি হেম ठमुः॥ মহাবান্ধণ: পু নিন্দিতবান্ধণ:। इंडि भागिनिवराकद्रगः॥ व्यमिन् (मान व्यान व्यामानित्वन भूनिकः।। महाजु को गङ्गा इंजिन्स्याला ।। কাশ্মরী। ইতি রাজনির্ঘণ্টঃ।। महा उदेः भू॰ व्यक्तिभवरयाद्या। यथा । उत्ताजमा रेन्डा महाच्छार्निङ• हकाम पष्ठः च उँभीर्ग मीर्षि**छ।** ह-क्रिप हिरहर निषाउ (स्मिना इति र्यथा जार्क भउटा मृत्तिः ॥ इंडि প্রিভাগবতে ৩ ক্ষান্ধ ১৯ অধ্যাব:॥ গহাভারত স্লী ব্যাসপুণীতেতি-হাসশান্ত। তমান কারণ যথা। একত শত্রেরা বেদা ভারতক্ষৈত (एकडः। भूता किल जूरतः अर्दिः नमना ज्लाया ४३॰॥ ठजूर्डाः न রহস্যেভ্যে বেদেভ্যে হভ্যধিক यमा। छमा भुज्ि लात श्रमन् নহাভারত মুচ্ছত॥ মহবাজা-রতত্ত্বাছ মহাভারত মুচ্যতে। ইতি महाভाরতে यारिभर्ताः क्षाालाक বিশেষেযু ভস্য শ্লোক সংখ্যা বাচ-শ্চ যথা। ৰপ্তি:শত সহসাণি চ রান্যা সস হতা। বিশছ্ত

সহসুঞ্চ দেবলোকে প্রভিষ্ঠিত ॥ পিত্রে পঞ্চদশ প্রোক্ত রক্ষো যক্ষে हजूर्यम । এकः भ उ नश्नु ख मानू (वसू পুতিষ্ঠিত ।। नात्रामा श्रमावयास्वा-निमाला (प्रवृत्। शक् र यक् त्रकाः नि भावयामात्र रेव भूकः ॥ व्यामः स मानूरव लाहक देवनन्त्रायन উক্তবান।ইতি মহাভারতে ১ পর্মণি व्यक्कमिकाक्षायः ॥ 🕸 ॥ उत्र म-उन्दानि(उन्देशम्म गूर्गानि यथा। व्यादि में विशिनानि विद्यारे (शा-माम जीचा श्कृति ह कर्नः। मनाह मोछिक भई उथा की मान्ध्रनूमा-खि उत्रक्रमामधाः॥ जानुम भीवन यानिक नाकाः भर्द्या भर्द्या नाम বিশেষা:।। ইতি ভারতটীকা।।#॥ হরিবংশ সহিতোনবিংশতি পর্ব-ণানন্তৰ্গত শতপৰ্ববিভাগ ন্তেষাম-ধ্যায় শ্লোক সংখ্যা চ যথা। ১ আ-দিপর্বণি ১৯ পরাণি ২২৭ অধ্যায়াঃ ৮৯৮৪ শ্লোকাঃ। ২ সভাপর্বণি ৯ প-र्वाणि १४ व्यव्ययाः २०७७ त्याकाः। ৩ আরণ্যকশরণি ১৬ পরাণি ২৬৯ व्यथाः २:५५८ द्वाकाः । ८ वि-রাটপর্বণি ৪ পর্বাণি ৬৭ অখ্যাযাঃ ২০৫০ স্নোকা:। ৫ উদ্মোগপর্যণ >> शर्वाणि ४६५ व्यव्यायाः ५५२४

নোকা:। ৬ ভীমপর্বণি ৫ পর্বাণি ১১৭ अद्यायाः ७४४८ (त्राकाः । १ द्यानलवर्ग ४ लवंगि ३१० व्यवग्रायाः ৯৯০৯ শ্লোকা:।৮ বর্ণপর্বণি ১পর্ব **५**२ व्यक्षायाः ६२७३ (द्वा**काः । २** শল্যপর্ণি ৪ পরাণি ৫৯ অখ্যাযা: ৩২২০ শ্লোকাঃ। ১০ সৌ প্তিকপৰ্বণি ७ अर्बाि १ ५ व्यायाः ५१० (द्वादाः 1 >> की शर्वा १ ८ शर्वा विश्व व्यवहा याः १११ (भाकाः । ३२ मास्रिमर्वनि ८ भर्तान ००० ज्यायाः २८१०२ (भाकाः। ३० अनुमामनभद्गि ) भाब ७८५ व्यथ्रायाः ४००० (ज्ञाकाः। ১৪ অখনে হপর্ণ ২ পর্নী ১০০ व्यवग्रामाः १३२० (ज्ञाङाः । ३३ जा শুন্বালপত্রণি ১ পরাণি ৪২ অব্যা याः १२०७ ह्याकाः । १५ तोयमभ-र्व १ ७ शर्ब ৮ अध्ययाः २०० ह्या काः 1 : १ नहा भाषा निक भर्व । १ अर्च **७ व्यक्षासाः १२० (ज्ञाकाः । ३४ वर्ग** পর্ণি ১পর্ব ৫ অধ্যাযা:২০০ শ্লো-কাঃ। :১ হরিবংশে আশ্চর্যপর্ণ ) পर्ब २६८ अव्यासाः ३२००० <u>भाकाः</u> । হরিবংশে ভবিষ্যপৌষ্কর পুদ্র্ভা-(व ) भर्च ५५२ व्यवनयाः ७३८५ (क्री-কাঃ।ইতি নহা লাতে আদিশঘণি शर्वन शुर् नाम हर जवडायः ॥ 🗱॥

ত**्रम्**वन विध्याति यथा । जनम्बर উবাচ। ভগৰন্ কেন বিধিনাশ্যেভব্যুণ ভারত বুধৈ:।ফল কিংকেচদেবাস্চ भूखंग देवं भाद्रशिष्ट् ॥ (मय॰ अना-थि जगवन् किए भर्वान भर्वान। वा-**ठकः कीमृणकाव अडे**वा अष्ट्रवीहि स्म । 🖚। रेवन लायन उवाह। मृणु ब्राह्मन् विधिनियः कनः गहानि ভाরতাৎ ৷ শুকা ভবতি রাজেন্দু যত্ত্বণ নান্যু-शृहित ॥ दिवि (पवा गशीशात्र की-षार्थ नवनि गडाः। कृत्रा कार्या नि-भरेक्षव ७७ क भिव मागला: ॥ इड यख भुवक्तानि छहुग्य ननाहि उः। **अयोगाः (त्वजानाक मञ्जूबः वनुषाः उत्त**ा श्रव कर्। खथा नाथ्या विष्य-বেবাক শাখতাঃ। আদিত্যাঅবি-भौररवोरनाकशाना गहर्याः। एश काम्व मगम्बर्ग नागा विष्ठावता छ-था। त्रिषा धर्मः वयसुक्त गृनिः का-ज्यायाना वतः॥ शित्रमः नागत्रा नम् खेरेववाञ्चनमाः श्याः। गुहाः मः **बर्भद्रो**क्व व्ययनाम् ५७व ख्या ॥ इतितः अवन्योका कग्ट नर्बः नृताः সুমা। ভারতে ভরত শুেষ্ঠ এনস্থ নিহ দৃশ্যতে॥ তেবা॰ শুত্বা পুতি-क्षानः नान कणानुकी बनाए। कृष्णान भाउकः (वाद्रः गरन्त्रा मृत्त्र ५ वानः ।

॥ 🗱 : ইভিছান निन• 🕾 व यथावरन् " পর্শঃ। সংযতাত্তা শু.চ ত্রা পা-😤 গল্পা চ ভারত।। তেবাং শাদ্ধা-ं দেয়ানি শুদ্ধা ভারত ভারত। । া চেণ্ডের খুণা শক্ত্য ভক্ত্যা চ ४ ः **उर्वछ ॥ स्वारानानि (ए**वा नि द्रः नि विविधानि ह। गावः काःस्तरा-ताशक कमारेकत यनक् जाः॥ ্ৰান্য গুণোপেতা যানানি বিবি-ানি চ। ভবনানি বিচিত্রাণি ভ্নি-বালা•লি কাঞ্চন•।। বাহ্নানি চ দে-হানি হ্যা নত্তাশ্চ বারণাঃ ! শ্যম-िंधविकारेण्डव मान्त्रनाण्ड यलकृष्ठाः वन्तर्ग्रह वतः कि विः यन्तरिष्ठ নত্রসূ। ভরুছেন । বিল্লাভিভ্য সা-জ্যা দারাক্ত স্নবং ।। শুদ্ধবা পর্যা ্ত্ত জনশ স্তদ্যপারগ:। শক্তিত: श्वामा श्रुष्टेः मृशुषु व्रविकल्लनः॥ #॥ तज्ञार्क्कवदरका मान्यः मृक्तिः (मोठ % সন্মিতঃ । শ্ৰুষ্বানো জিতকোংখা यथा निद्या उद्गा म्हिः मीना-্রাচার: শুদ্ধবাসা জিতেনির্য:। माय्ठः नर्मा ज्ञकः मुक्याता १न ्यकः ॥ क्लवान् म् ज्ला माउः ज छ।वांनी जिल्लाम्यः। मान नान ग्र ছীত্রণ কার্য্যে। ভবতি বাচক:।। অ भुगन्नमा य ख ग्रक्त भीत म्ब्लि

ত•। অস'সক্তাক্ষরপদ রস ভাব जबन्नि ड॰ ।। जियहि दर्ग मः गुरू मह ञ् । न न न उ । बाज्यबाठकः **बङ्** चानोनः नुननाहिजः॥ नात्रायगः नमञ्डा नहरेकार नाहाडमः। एर-বী॰ সরস্বতী ক্ষৈব ভতো জয় মুদী-त्रश्य ॥ विष्णाषाठकामुङ्ग **भू**म्। ভারত ভারত । নিযদস্থ: শুচিঃ শোতা শ্বন্স ফল নম্মতে ॥ #॥ भारतः भुषनः भाभा विज्ञान् कारेनः क उर्भयन्। व्यः दिश्चामम्। यागम्। **कन• दि न ५८७ नदः।। অপ্ন**রোগণ नक्षीर्गः विनानः व जाउ गहरः। भु-इहै: मज् (ररिवक्त दिव याजि मना-হিত:॥ দ্বিতীয় পারণ প্রাপ্য আ-তিরাত্র ফল॰ লভেৎ। সর্বরত্ন ময়॰ **क्ति है। कियान मिथ्या क्रिया किया** নাল্যাম্বর্ধরে দিব্যান্ধ বিভ্বিতঃ । पिर्वेशक्षश्वा निष्ठाः (त्राक्षात्क মহীমতে ॥ তৃতীয় পারণ প্রাপ্ত द्यारणारु कनः नाउट । वज्र उप्रज्ञ-সক্ষাশো বর্ষাণ্যযুত্তশো দিবি॥ চ जुःर्थ वाज्ञालयम् नक्षाम विरंगः कन । উদিতা বিত্য সঙ্গাশ कृतन ন্নলোপন ।। বিনান বিৰুধে: সা र्ष गारुश फिरि गहि । वर्षागु अभि ভবনে শক্রন্য দিবি মোদতে ॥ বঙ্গে

षिखन गडीर मथान बिखन फन। रिकलाम भिश्वज्ञाकातः रिवर्ष्य्यय (व-पिक• II পরিক্ষিপ্তঞ্চ বহুখা মণি বি-ষ্ণন ভ্ৰিত । বিমান সম্বিষ্ঠায় কা भगः সাञ्जरवागगः॥ अवीन् लाकान् বিচরতে দ্বিতীয় ইব ভাস্কর:। অষ্ট নে রাজস্যস্য পারণে লভতে ফল• ॥ চল্দ্রোদয নিভ• রস্য•বিমান মধি রোহতি। চন্দুরশ্মি পুতীকাশৈ ई-रिय यू कि॰ मानाकरियः ॥ त्मवामानाः বরস্রীণাণ চন্দ্রাৎকান্ততরৈ মূর্ থৈঃ । (मथनानाः निनादिन नृश्वागायः निष्ठतिः॥ अरक् भत्रम नात्रीगाः मूच সুপ্তো বিবৃধ্যতে। নবমে ক্রত্রাজস্য বাজিমেধস্য ভারত।। কাঞ্চন স্তম্ভ নিযু হ॰ বৈদূর্য্য কৃত বেদিক॰। জামুন-**म्बरिय फिर्न देव**ऽर्गवारिकः मर्ज्ञातृत्रः ।। (मिविड॰ हाञ्चतः मःरिवर्गक्रदेवं फिर् বিচারিভি:। বিমান সমধিষ্ঠায শ্রি ्या भवनया ज्वन्।। क्वित्र नान्त्राम् त्रव्रता क्वित हन्त्व क्विजः। स्मान **छ रेमवरेडः मार्खः मिवि एमव इ**वा পরঃ ৷৷ দশন পারণ পাপ্ত দ্বিজা তীনভিবন্দ্য চ। কিঙ্কিণী জাল নি র্ঘোষণ পতাকা ধৃদ্ধ শোভিতণ ৷৷ বসু বেকি সংকাশ বৈদ্যাস্থলি ভোরণ । (इनकान श्रिक्थिः भ्रवान वर

ভীমূপ। গন্ধবৈ গী ত লশলৈ রপ্প-রোভিচ্চ শোভিত ৷৷ বিদান সুক্ তাবাসং স্থেনৈবোপপন্যতে ॥মূজ-एरेनाकंवर्णन काम्नम विज्विता। दि-वा हन्त्रन क्थि। क्यां क्यां वा वि-ভ্ষিত: ৷৷ দিব্যান্ লোকান্ বিচরতি দিবৈয় ভোঁগৈঃ সম্বিতঃ ৷ বিবুধানা• शुत्रादिन भियाशत्रम्या युजः ॥ ज्य বর্ষগণানেব স্বর্গলোকে মহীয়তে ৷ অথ গন্ধর্ব সহিতঃ সহসাণ্যেক বি-শতি ।। পূরন্দরপুরে রম্যে শক্তেণ সহ মোদতে। দিব্যবান বিনানেষু লোকেষু বিবিধেষ চ।। দিব্যনারীগ-भाकीर्भा निवमज्राद्भा यथा। जजः मृर्यामा ভवरन हन्तुना ভवरन उथा ॥ শিবস্য ভবনে রাজন্ বিষ্ণো যাতি সলোকতা । এব নেতমহারাজ না-क कार्या विठाइना ॥ मुफ्रवातन देव-कन्। जू माजवा भन्ना यव्यक्ति हजि॥ श्ख्राच त्रथ यानानि वाश्नक विरमः य उ: । करिकः अञ्चलेका तुकामूबः তথা পর• ৷৷ বস্ত্রঞ্চিব বিচিত্রঞ্চ গন্ধ-ধ্যৈব বিশেষতঃ। দেববৎ পূজ্বেন্তস্ত বিকুলোক মবাপু যাৎ ।। 🕸 🛭 তাতঃ शबः भुवक्षानि गानितः তে। বাচ্যবাদে তু িপ্রে

भवंगि भवंगि॥ जाउि॰ एम्पक म দ্বঞ্চ সাহাত্ম্য ভরত্বভ। ধর্ম वृज्जिक विज्ञाय कवियाना॰ नतावि न ॥ यखिवाहा विकासामी उउः कार्यः भुवर्खः । मनात्थं भर्वा ততঃ স্ব শক্ত্যা পূল্বেৎ দ্বিজান্।। जारि जू वाहक्छव वज्र गक्ष ममनि छ । विविव एका करम न कन् मधु भाय त्र मूखन ।। ততো मूल कल भाग পায়স• মধু সন্ধিয়া। আন্তীকেভো करयमाङम् मम्प्रादेष्ट्य च्राजीनन ॥ व्यभ्रेभ रेक्टव भ्रेभक भारतिकक সনবিত । সভাপর্যণি রাজেন্দু হ-বিষ্যা ভোজাহেৎ বিজান্ম আরণ্য क ग्लक्टेन उर्भाग् दिका जगान् । यत्री शर्व हा माम्य क्षणक्र सान् श्रु माभरय ॥ जर्भगानि ह मूर्गानि त्रम्भून क्लानि ह। नर्बकाम् ख्ला (भठ• विरमुर्डिश १म• भूमाभरयट il বিরাটপর্বণি তথা বাসাংসি বিবি-ধানি চ। উদ্যোগে ভরতশুষ্ঠ সর্ব কান গুণান্তি ॥(ভাজন ভোজ্যে षित्रान् शक्षगारैना तनक् जान्। जी-শ্বপর্ণি রাজেন্দু দ্রা যান মনুত্রম্ণ " ভত্ত সূর্বগুণোপেত নয়॰ দদ্যাৎ শ দ্বাণপর্বণ বিপ্রেচ্য मान माहि**उ॰।। भारा क** मि

या तार्जन्य हाभाग्राम्य उदी । কর্ণপর্বণ্যপি তথা ভোজন সার্ব কামিক•॥ বিপ্রেভ্য: স'স্কৃত• সম্য क् मन्। र मन्यद्यानमः। गर्वा পর্বণি রাজেন্দু মোদকৈ: সহুডৌদ-रिनः ॥ অপুरेश खर्भ रेग रेक्टव नर्बभः सः अनाभारायः। गनाभार्वगामि उथा मृज्ञमिषु भूमानरंगट् ॥ जीनर्वि -ज्या तरेष उर्भागत विकालगान्। ष्ठितन भूत्रसाह वैषीक मार्भ-যেৎ পন: ॥ ততঃ সর্ব গুণোগেত ग्रम पर्गाद मूम क्ठ । माहिल-র্ণ্যপি তথা হবিষ্য ভোর্যেদ্দি बान्।। আখনেধিক মাসাদ্যভোজ-**ন॰ সার্বকামিক•। তথা শু**মনিবাসে-ज् इविष्ठाञ्जाकत्य विकान्॥ भी-यत्न मार्वछिनिकः गन्ननान्।नूतन-পন্। মহাপাস্থানিকে তদ্বৎ সর্ত্ত কান গুণাব্বিত ।। স্বৰ্গপৰ্বণ্যপি তথা হবিব্য ভোজবেদ্বিজান্ : হরিব শে পৰ্ণিচ পায়স• তত্ৰ ভোজনৈ 🔠 পারণে পারণে রাজন যথা বন্দরত-ৰ্বত। সমাপ্য স্থাঃ পুৰত: সংহি-**ाः नाञ्च**काविषः ॥ अ॥ नुस्त्र (प्रान নিবেশ্যাথ কৌন বস্ত্রাভি সংবৃভাঃ । শুরাম্বরধরঃ সুগ্নী শুচি ভূঁজা মল-कृ 3: ॥ कहला 3 सथा न तरा शता :

लिं। भृथक् भृथक्। मंहिजा भूख-कानाकन् भूगजः मुममाहिनः॥ ज-रिकार मारिका कारिक कारिक कारिक वि-विरेशः मुख्यः। हित्रग्राकः मृत्राकः स-किगानय मानार ॥ (एवजाः की-र्खराय मर्बा नहनातायरो छथा। ততে। गरेक्षण महिन्द्रण बनःकृडः। षिखालगान्।। जर्भायवितिथः का रेम फीरनरफाष्ट्रावरेट खबा १ व्यक्ति ব্লাত্রস্য যজ্জস্য ফল প্রাপ্রোভি না নব:।। প্রাপু যাত্ত কত্ত কল তথা পর্বণি পর্বণি। বাচকো ভরতশ্রেষ্ঠ वाङाकत शम बतः।। ভবিষ্য শाव-यिषिषान् ভाরত ভরতর্মভ। ভুক वर्म विकान्प्र गया वर्म न्यान বেশা বাচক ভরতশেষ ভোজযিতা ৰলন্ধ্ত । বাচকে পরিভুঠে ত শুভা প্রীতি রনুজনা।। ব্রাক্ষণেষু তু তুঞ্চেষু পুসয়া: সর্বদেবতা:। 🗱। ততো হি वद्रगः कार्यप्रः विकानाः ভর उर्ये ॥ नर्बकारेन येथा नहायः नाष्ट्र जिन्ह ल् থি বিধিক দিক্তো নযা তে দ্বিপদা বর ৷৷ শুদ্দধানেন বৈ ভা ব্যং যন্মাণ দ্বং পরিপৃছসি। ভারত শ্রবণাদাজা পারণে চ নৃপোত্তম ॥ সদা বন্ধবতা ভাষ্য শ্লেবস্থ পর্মন ह्वा । का जात्र अप्तामिकाः जा

রঙ পরিকীর্ত্তাং । ভারত ভবদে যস্তস্য হ্তপতো কৰ: 🛚 ভারত পরন পুণ্য ভারতে বিবিধাঃ কথাঃ । ভারত সেবাতে দেবৈ ভারত প রমণ পদ ॥ ভারত সর্বশাস্তাণা মুক্তন• ভরতর্বভ। ভারডাৎ সা **প্रভেনোক खबुरम**्ध्वीमि छ॥ गराजात्रज्ञायग्रानः क्रिकिः गाक नत्र श्री। वृष्यभान् किम्पर्देश्व की ন্ত্ৰমাৰসীদতি ৷ বেদে ব্ৰামাৰণে পণ্যে ভারতে ভরতর্যভ। আদৌ-চান্তেচ নধ্যেচ হরিং সর্বত্র গীবতে 11 यज विक्कथा मिन्ताः भुक्रयण नबाजनाः । छाहाछबाः समूर्यान পর পদ নিহেছভা।। এতৎ পবিত্রণ **পর্য মেতজ্জ নিদর্শন । এ**তৎ সর্ব গুণোপেত শ্বোতব্য ভূতি মি ছুতা।। ইতি মহাভারতে হরিবংশে गर्बभर्वानुकीर्खन ।। 🗱 ।। विषश्चिर्ग সংযুক্ত মিড:ত্র ত্রিষ্প্রিবর্ণা:। অ ই উ খা ৯ ইতি হুমপঞ্চ । আ ই উ শ্বার ইতি দীঘপঞ্চ ৮ ৷ আ ই উ শা ৪ ইতি প্লত পঞ্চৰ। এ ও ঐ ঔ চ দীর্ঘা:। প্লুতত্তে নাপর চতুষ্ট্য• ৷ অ• অ: ক× পত ইডি চত্ত্বার:। শ্বা ১ ইডি অচ नःद्धको हो। अनुनानिकरेकदः। তথা কাদি মাবসানা: পঞ্বি শতি

वर्गाः । वाड्यान्हवादः। उग्रह् क्षेय नि जिविष्टेश हे जि। श्रा वर्गा-ना किलाक्षी सानानि ভवन्ति जानि যথা। উর: কণ্ঠ: শের স্তালু জিন্তা म्हो । नामिकाः। अक्षी ज्ञानानि वर्गानाः य विष् ए हि भाठेकाः। ইতি॥॥। পারণ যথা।ভারত मञ्जर्राञ्चः मुनिना छत्रमर्मिना। পর্বতি র্ণভিক্ষেষা পর্ণা পা রণ মৃত নিতি বিক্রমাদিত্য: ॥ দ্যভান্ত পুথন পোক্ত দ্বিভীয় वनवाभिकः। उप्यागाष्ठः ज्ञीयस की गाडक इतीयक ।। शक्षम प्रा-नशदांड क्नांड शादनः उठः। বিশোকাড় সন্তমন্ত শান্তিপৰীত ग्रेन ।। नवन अर्गर्शास मान्छ-র্য্যান্ত নতঃপর । ইতিচ ভারত **होकायाः जञ्जू निम्युः ॥** राजीजा जी मद्धान्तृकः। यथा । স্পর্ণলক্ষা মহাভীতা বশিনী চ गरशेयिकः । इंडि मद्गतिमुका ॥ অতিশগভযযুক্ত তি॥ হাভীঃ প্ শান্তনুরাজ:। ইতি किंगिषद्रः ॥ ज्ञिनामके भिवन्नात्र-পাল:। ইতি ত্রিকাণ্ডশেষ:॥ অ । বিশ্ব ভ্ৰমানকে ত্ৰি॥ शक्रीकः भू॰ भाभाविकाथाकीरे- ।। महामनः भू॰ मखहरी। इंडि अस-

বিশেষঃ। ইতি হেমচন্দুঃ।। অতি-ভয়শীলে ত্রি॥ নহাভীম: পু॰ শান্তনুরাজঃ। ইঙি ত্রিকাওশেবঃ।। गरा छुउ॰ क्री भृषिव ग्रामिशक छुउ॰। বথা। মহাভূগণি প্ৰিচৰ খানি-লাগুৰু ভূমিভি:। ইতি শদ্-विम्का ॥ महाज्यः भ् नीवज्यबाबः। इंडि ब्राक्रनिर्घण्डः ॥ नश्राज्यवः भूः भव्रज्यभीरहः। यथा । या श्लो मश्री छत्रवाश्रः न कायः नाद्राका इदः। रेखद्रवः भृ थरगवायः गगाध्यका इत्राज्यकः॥ ইতি কালিকাপুরাণে ৪৬ অধ্যায়ঃ महाराजा की मूर्गा। यथा। महार्थ-नाषनी(पवी महारखांगा उड:मृज इंजि (मवी भुद्रार्ग ८৫ व्यथ्रायः ॥ महामध्कः भू भी उमध्कः। (मा-নাবেড ইতি ভাষা। ইতি রাজ-नियंके: 11 महामिं १ व्याउत्किमान्। यथा। कि मिउना जिजानांनि जान-মপি মহামতে। যৎ প্রেম পুরণ ঞ্জিত বিভগেম্বলি বন্ধু ॥ ইতি माक (अयभुताल (प्रवीमाहाचाराः।।

র্লবেলী। অভিশাহর্ষ:। অভিশাবর্তা চ। তন্তে তি ।।

শ্বনজ্তা চ। তন্তে তি ।।

শহাসনাঃ তি নহাশ্যঃ। যথা।

মহেছে তৃভটোদারোদাভোদীর্ণ

নহাশ্যাঃ। মহামনামহাত্মাচেতি

হেনচন্দুঃ।।

महामावः भू॰ भुषानः। ইত্যমরः।।

(সনাপত্যাদিষু মহতী নাত্রা ধন॰

পরিছদো বা যেষা॰ তে তথা।

ইতি তউীকাষা॰ ভরত:।। সমৃদ্ধঃ
।। অমাত্য: ।। হস্তিপকাধিপঃ।

ইতি মেদিনী।।

महानाजी खी जाहार्यः भन्नी। इंडि कहार्यः ॥ महामाज्ञभन्नी ह ॥ महानानमी खी जिनाना विकासिती (छकः। इंडि (इसहन्तुः ॥

महानाया की दूर्गा। ইতি भद्र द्र द्राः। विना । उम्राः सक्त भ यथा। गर्छाः सक्त भ यथा। गर्छाः स्ट्रिज म्हिलः मृि मा करिलः। उटि भवः कान विश्व मा करिलः मा करिलः प्राः। उद्या निव स्व व ।। भू वा ि भू वं ि

नागक कड़ करता है।

यति मा (भाका एन ना जनमायती ॥ इठि का निकाश ताल क व्यक्षायः॥ महजीमाया ह॥ महामायी खी मूर्गा। इठि भदत्र द्वा-वनी॥

महामाती खी महाकानी। यथा।
वाहर ठरेयट मकन वृक्षा ७॰
मनुर्ज्ञियत। महाकाना। महाकाल
महामाती स्वलिया।। रेमव काल
महामाती रेमव मृद्धि ठ्वेठाका।
स्थिन करतां छ ज्ञाना रेमव
काल मनाउनी।। इंडि मार्क्छ्यभूतां ।। অভिनयमत्रकन्छ।।
महामायः भू तां क्रमायः। इंडि
नम्हिन्नुका।।
महाम्यः भू अञ्चीतः। इंडि रहमहन्द्रः।। वृह्या्य क्षी। उद्यु जि।।

महामृनिः शृ व्यवस्था गृक्तः ।

हे नियत द्वावनी ॥ क्लाहार्यः ॥

कानः । हे जु जयशानः ॥ वु ।।

रथा। धर्यः लु । ज्वि । के कि व्यव्या । धर्यः लु । ज्वि ।

रथा। धर्यः लु । ज्वि । के कि व्यव्या । विव्यव्या । विव्यव्य । विव्यव्या । विव्यव्या

≀हाम्

ম্ব<sup>্ন ক্রন</sup>'ে ॥ ইতি শ্রীভাগবতে ১ फ का अध्यायः॥ जून्कृक्कः। ই जि রাজনিঘট: ॥

वनी ॥ धन्याकः। इंछि करि।धनः॥ মহান্দ্রী পু॰ শিব:।ইতিনহাভা-রতে তস্য সহসুনাম ভোবং।। वृङ्ग खक्यूरक बि।।

गराम्मः भ्॰ त्राजभमाष्ः। ইতি রাজনিহণ্ট: ॥

नक्रागृहार की महार्घर । दछम्हार । মহত্ত অনুল্যু চেতি কৰ্মধার্য স-মাস নিয়য়•॥ তদাকে তি॥

নহাম্যিকঃ পু• বৃহদুক্রী তৎপ र्यायः। म्वीर विष्युम् वाङ्गः ० म-शकः ४ भगानाती ৫ ভृकनः ७ ভিত্তিপাতনঃ ৭ টি বিরাজনির্ঘণ্টঃ

गराम्गः भू रखी। इंजि एस्ति न्तुः ।। শরভঃ। ইতি রাজনির্ঘণ্টঃ।। ।হান্ত্যঞ্জনঃ পু॰ শিবস্যমন্ত্রবিশে

**মঃ।** যথা দেবুগুৱাচ। যদি নে মহতী পুঁতি তথাতি সলভৈরব। কথ্য-य वित्माराग सहामृज् । अया जिला ।। रेखवन दिन्दा । भाग (मिन भूनका) नि ि 🐪 🦪 गि उप । जागुर्कि ক্ল গ্রাণা ত্যা মৃত্যুকর পর

व यमा वि 💎 मारवन वित्रकीवी

मराम

নিরাম্য:। নিত্যমষ্টশত জপ্তা মৃ-ত্যু মৃত্যুপথ নযেৎ।। ইতি মৃত্যু-প্তৰতন্ত্ৰ।।

गरामूनि ली 'ঔষধ•। ইতি শব্রব্না- , गरामिशः পু• শিব:। ইতি মহা-ভারতে তস্য সহসুনাম স্তোত্রণ।। व्यक्तिग्राम्य ११

महारमः भ् अष्टेवर्शभूमित्कोषध विष्मवः। ७८ भर्गायः। भूता खवः २। ইতি রত্নালা।। বৃহ্মেদশ্চ।। महारमना जी अहेवर्राभुनिष्कीयव-विरमयः। ७८ भर्गायः। वज्हि मु २ क्रीवनी ७ शाः मृदािशनी ८ पर्व-है। ৫ मूत्रास्ममा ७ मिरा १ (म्यम-निः ৮ (म्वगन्ता २ महाहिमा :• বৃক্ষার্থা ১১ ১অস্যা গুণা:। হিমত্ব॰ । क्ठाद्वः। कक भूकवृष्ति कातिवः। দাহাসু পিত্ত ক্ষয বাতজ্ব নাশি-पुष्ण। इंजि ब्राजनिर्दण्यः ॥ 🗱 ॥ । जय (भर भहारमध्या क्ट्रकि **लक्ष्म नाम् ख्याः। महास्मिना** ভि-धः कल्मा भावकारि भुकाय । महासमा वस्तोसमा म्यामिकृङ्कः मूनीश्वरेतः॥ मुङ्गाम् कनि छः कल्मा-লতাজাত: স পাওুর: ॥ মহানে-माजित्या एक्करमा त्रमा नक्षम मू-**छाउ । भूक्षकान्ता नथाहान्ता स्म** मा भाज् तिव मुत्र ॥ यः म निष-

जि विष्क्रिंगा किछाना उट्नदेन र्क ति: । यन्न भगे विष्कृ । समा रममा क्ष्याम् व्याप्त । महासमा वम् हिष्ना किम्ही (मवजामिः। समा यूगः अक्षाम् व्याः खना क्काश्यः। ग्रां अक्षाम् व्याः खना ककाश्यः। ग्रां व्याः भीजनः निख तक वाज ख्र भुग्ट । ইजि जावभुकामाः।। महारिमकः भः वृक्ष जिनः। ইजि रहमहन्तुः।।

नहामारः भू । ভाग्महाकभाक्षानः । ইতি কেচিৎ।। সংসার মূলকারণ রাগৰপমোহ: ॥ মহামোহজনক কানৱাজবীক্ষণ ইতি চণ্ডী পূথন-बाहाका हो ाया नाता जी छ छै: ॥ অপিछ। সমর্জাণেক্কতানিসুমথ जामिनु मारिकृट । महात्माइक भा रक्ष उन महा छान वृ खरः॥ इंडि ঞ্জীভাগবতে ৩ স্কন্ধে ২২ অধ্যায়ঃ॥ অগু ইতি বুন্ধা স্বস্ঞী পুথম নবি म्। मृष्टीः ममर्ज उब उसा नान चक्नाभुकाणः। (मार्का (म्हा मारु तुष्तिः। महास्मारह। ভোগে হা। তানিসুঃ তৎ পুতিঘাতে কো-ধ:। অক্তানিসু: তলাশে অহ **নেব নৃ**তোষ্গীতি হুদ্ধি:। তদেবো क रेवकरव । उत्ता श्विरवाका माइः भागरः कता विज्यः। स

श्रामाहस्य विद्धारमा गुमिन्रास्त्रभः मृर्थमण।। मत्रणः स्मानामिन्रभः जामिन्रभः जामिन्रभः कामिन्रभः कामिन्रभः विद्या प्रामुक्जा महायान।। हिन् उपोकायाः श्री अत्रसानी।। महायः ही जिस्किनः। हिन् कर्रा थ्राः।।

गरागछः भुः विम्भाठामिक्सभभक ्र नुकात्रयखः। यथा। भारते। (हान भगाजिथीनाः मभर्या **उभ**नः विन । এতিঃ পঞ্ नहा बङ्घा वृक्षयञ्च। দি নামকৈঃ॥ ইত্যমরঃ॥ অপিচ **मिर्दिश (जीम खबा देशका मान्**रियः ব্ৰাহ্ম এবচ। এতিঃ পঞ্চ মহাযক্ত वुकाना निर्धिजाः भूता ॥ वाकानाना हिडार्थाय इडातवाक उन्न्थाः हेउद्रयास वर्गानाः वास्तरिः कादि তা: শৃভা:।।এব কৃত্বা নরো ভুক্তা হসান্ধরিত্রি বিশুধ্যন্তি। অন্যথ ব্ৰীহযোপ্যেতে একৈকে মৃগ পঞ্চি শংগা মন্তব্যা দাত্ ভোকুণা । নহা-মা সম্ভ তৎ মৃত । ইতি বরাহ পরাণ ॥

महायमकः जि व्यक्तिमययामावि-निष्ठः। ইতি পाণिनिव्यक्तवनः।। महायमाः शुः ভ্তাহদিশেষः। ই হেনচনুঃ॥ অতিশয্যদোয়কে হি

अव्यक्तः भ् व्यक्तात्रकविष्यः। ইতি হেন্চন্দঃ।। महाबका की मूर्गा ध्युद्रा इंडा भद्गः ॥ बृष्ट्योभाष्ट्र ॥ नहात्रवन ही क्ष्रमुख्य । हेठा महः भुष्यं। ইতি यिनिनी ॥ महात्रगुः क्ली वृष्ट्वनः। उर्श्वरायः। অরণ্যানী ২। ইত্যনর:।। মহারথ: পু॰ শিব:। ইতি মহা-ভারতে তস্য সহসুনাম স্ভোত্র ॥ অয়ুত্রধ্বিভিঃ সহাজ্রশঙ্কনিপুণ-(याकः। यथा। একো एन मह्यान গোপ্যেদ্যস্ত ধন্বি। । অস শস্ত পুরীণক মহারথ ইতি মৃত: ।। ইতি ভগবদ্বীতা টীকাষা• শ্ৰী**ধর**-याभी ॥ वृष्ट्रमुथण्ड ॥ মহারম্ভ ক্লী গডলবণ। ইতি রাজ निर्घणः॥ अश्वत्र क्षी काञ्जिकः। इंडि करे।

सहातमः भू• **च**ड्ड्निः। (काषकातः ॥ कत्मक। इंछि (मिनि ॥ इंकः। इंजि क्रोधदः ॥ भादमः । इंजि রাজনিঘণ্ট ॥

थद्रः ॥

নহারসাষ্টক ক্লী অষ্ট্রথাতুবিশেষাঃ। यदा । पत्रमः भात्रमः मरम्। दिका-ख॰ काल मञ्क॰। माक्किक॰ विम्ल- महाद्राजिः जी तुक्तलयाभनकि उ

শ্চেতি স্যু রেতে হঙ্গৌ সহারস্বার।। क्ञि ब्राबनिर्वणेः ॥ 🗀 🚟 महाबाद्यः शु भूवविविविद्याप्यः॥ मथः। ইতি (स्महन्तः।। (मुक्रेत्राजः। यथा। व्यर्थमः भूकत्वा मारमा माम सुर्खा न कम्राहिट । इंडि मड्डि म कात्राज बल्हाम्। (र्थन कोत्ररेतः।। ইতি মহাভারতে উদ্যোগপর।। नहात्राक्रकः शुः नहात्राक्रिकगनः। इ अबब्दी कावाः ब्रामानुमः॥ महाज्ञाक्ठः श् उत्मामः। ७८ भाग्रामः। भरावाबामुकः २ ज्ना-मुः ० गम्यवानमः ८ कन्नः ६ नील-কপিতাক: ৬ কামাযুধ: ৭ কামফ-नः ৮ ब्राज्युद्धः २ न्भावातः ३० महात्राक्रकवः )) कामः )२ गरा-**চ্**ড: ১৩। (कायनम) उम्र ख्याः । कर्दे व । अप्तर् । निख मार मार्-ष्यः। जुशक्ता जना खनाः। सामूष् । मधुत्रवः । शृष्टि वीर्यः वलशुरुष् । ইতি রাজনির্ঘণ্টঃ।।

गहाजाककमः श्रु शाजग्रसः। हेजि ब्राजनिर्धणः॥

मश्राह्माकिकः शृ गगरतंजाविष्णयः । স ভু বি॰শত্যধিক শতদ্বসংখ্য-कः। इंडामत्र खत्राङो ॥

সহাপুল্যরাতিঃ। ইতি চণ্ডীটীকা যা॰ নাগোজীভউ:।। নহত ঈশ্বর-স্য রাজি:। বুন্দমরণোপলক্ষিতা-রাত্রি রিভ্যর্থ:। ইভি দেবীমাহা-जारहोकायाः विषरावित्नामः॥ अ পিত। বুদ্ধণাঞ্চ নিপাতে চ মহাক ল্লে। ভদেগ । পুকীর্ত্তিতা মহারা-ত্রি: সা এবচ পুরাতনৈ: ॥ ইতি वुक्तरेवरार्ड भुक्जिथए७ ६ व्यथ्रायः ।। # ।। वार्षताजार भन्नः मूङ्खंदगः । यथा। व्यक्तवाजा८ भवः यह मूङ् र्खर्य मूह्याउ। ना गहाता वि स्पि-छ। उपर व मक्य ज्वा ज्वा **७**ज ।। अ।। व्याधिन मुङ्गाहेमी ।। नवत्राजः। यथा। मुद्राक्षेमी ठावि নস্য নবরাত্রণ তু তস্য বৈ। মহা-द्रावि ग्रंहमानि कानताबिः मृतृ পূিযে॥ ইতি শক্তিসস্মতন্ত্র।॥ **महाब्राष्ट्रः भृ॰ (एन**विष्णयः। मात्रः হাটা ইতি ভাষা। যথা। নৈৰ্শতে দুবিডানর্ভ মহারাষ্ট্রাশ্চ রৈবভঃ। कर्नः भर्दाः भिक्षः भावभीकाषः যো মতা: ॥ ইতি জ্যোতিষ্তত্ত্বে क्यंहकः॥

মহারাপ্ত্রী জ্ঞা জলপিপ্ললী।ইতি রাজনির্ঘণ্টঃ।।শাকভেদঃ। মারাটী ইভি ভাষা। অস্যা গুণঃ। কফ वायू ना जिन्दः। इंडि इाजवझ डः।।

पक्षार म डावास्तरं छ जावादिएमदः
। यथा। जाना भिव छ गाथासं

नहादाधी भूर्याक्षरं । चत्वा
कामागथी जावा दाकासः भूद्र ।

दिना ।। इंडि नाहिड प्रर्गत ५

भदिरहरः।।

महातिष्ठेः पू॰ महानिम्नविष्णयः । उट्नर्ग्यायः । किर्ह्मग्रः २ त्रामनः ७ तमनः ८ गितिनिमः ६ मृत्रमानः ७। व्यम्रखनाः । कर्षेषुः । जिल्लवः । कर्षेषुः । विष्णुः । कर्षेषुः । विष्णुः । विष्णु

নহাৰদুঃ পৃ নহাদেবঃ। বংগ। মহাকাল্যা নহাকাল শ্চণকাকার
ৰূপতঃ। নায্যাচ্চাদিতাত্মা চ তমধ্যে সনভাগতঃ॥ নহাৰদুঃ সএবাত্মা নহাবিষ্ণঃ সএব হি। ইতি
নিৰ্বাণতন্ত্ৰেণ।।

নহাৰপঃ প্ শিব: । ইতি মহা-ভারতে তস্য সহস্নান ভোজা। অতিশ্যৰপণ্ডে তি

নহারপক জা নালে। কাওশেষঃ।।

নহারোগঃ প প বিধো খুখা। উমানঃ ১ জ

মহাল

ভগনরে: ৬ উদর: ৭ অশারী ৮।
ইতি শুদ্ধিতত্ত্বে নারদ: ॥
মহারোগী পু॰ মহারোগযুক্ত: ।
যথা। ক্রিযাহীনস্য মুর্থস্য মহা
রোগিন এব চ। যথেপ্টাচরণস্যাহ
র্মারণান্ত মশোচক॰ ॥ ইতি শুদ্ধি
ভত্তপুত কুর্মপুরাণ বচন॰ ॥
মহারোমা পু॰ শিব: । ইতি মহাভারতে তস্য সহস্নামন্তোত্র॰ ॥
বৃহদ্যেম্যুক্তে ত্রি ॥

महाद्रोतवः श्र नत्रकविष्णवः। हैछामतः॥ महान् द्रोष्ट्रा त्रवा १क
गहाद्रोत्रवः मनीयापिद्राष्ट्र पुर्ताः
शः। हेि छत्रछः॥ ज्ञानि । महाद्रोत्रव मः छछ ज्ञादार्षः छानु मः
शृष्टे । धमाद्र थिपत्राक्रादि छंकपात्राभनायकः॥ प्रविद्रुत्राभहाती
ह भहाद्र कान मक्षयः। हेि वहः
भूतारा भागनान्यन व्यक्तानाधायः
महार्षः जि गहाम्नाः। हैि

্যে িনী ।! ব্যক্তি

নহাসমূদুঃ। যথা। বিজেন হিতঃ পোন ইতি মাকণ্ডেয়পু त्राल्यस्वी भाषा जाउः॥ निवः। इंडि महाजात्र उम्र महम्नाम खावः महाजः भ् तृक्ष वित्मयः। महाजा इंडि जाया। इंडि मद्द मिनुका॥ महापूर्कः क्षी वनापूर्कः। जम्र ख्याः। ज्यापिन ज्या शात्रकद्रः। कक्षद्रः। । वायु कक नामिद्यक्ष। इंडि त्राज्ञ-व्रक्ष जः॥

महार्ब् र॰ क्ली रमार्ब् र॰। मडरकारि जःथ्या। इंडि रक्काडिय॰।। महार्ह्श क्ली रथं उठम्हन॰। इंडि द्रांब-निष्ठाः॥

महानगः शृ विश्व ति ।। जीर्थः ॥ निर्मा ।। हिं ।। मिना ।। सिनी । सिनी । सिनी । सिनी । सिनी । क्षण्यकः । यथा जित्य ।। स्वर्ण कीर्था जीर्य । सिनी जूरि । जम्रा क्षण्य ।। सिनी जूरि । जम्रा क्षण्य ।। सिनी कि । हिं । सिनी सिनी हिं । हिं । सिनी सिनी हिं । हिं ।।

गरानकीः की जावा।। नाजायनमे जिः । यथा। यद्मायया माहिजान दुक्क विकृत्वितानयः। विक्या छा॰ गरान-की॰ পता॰ जावा॰ वन्न छ छ ।। यन-काका गरानकीः भिया नाजायनम् । ह। ইতি বুক্ষ वৈবর্ত্তে পুকৃতিখণ্ডে ৫১ অধ্যায়ঃ।। শ্লে। অথ নহালক্ষী

मद्यः। ভারো বাপুব॰ মাধা রমা-কামঃ ক্লৌ র্জগৎ পুস্তৈ। ননঃ। ত থাচাবাণ্ডব• শস্ত্রবনিভারমা মক-রকেতন:। তাত্তী যঞ্চ অগৎপার্শো বহিবীজ সমূজ্ল: ৷৷ অঘী শাঢ্যো ज्**ख रिख**। इत्राज्याय॰ वादणाक्रतः । शहालक्ष्याः मगुष्टिष्ठे खादाप्रः मर्ब मिष्किरः॥ #॥ उम्रा श्रान॰ यथा। वानार्क पूर्रा भिनम् थ ७ वि-লসৎ কোটীর হারোজ্লা রহা। কল্প বিভূষিতা॰ স্বচনতা॰ শালে: করৈ র্মঞ্জরী। পদ্মৌ কৌস্থভ রত্ন মপ্যবিরভ সংবিভুতী সমিতা ফুল্লাম্ভোন বিলোচন ত্রয় যুতা• খ্যায়েৎ পরা নৃষিকা।। ইতি ত জ্ঞসার: 11

মহালিকটভী স্ত্রী শ্বেডকিণিহীবৃক্ষ:
। ইভি রাজনির্ঘণ্ট: ॥

भश्वात्यः भ् निवः। ইতি महा-ভারতে তস্য সহসুনামন্তোত্র ॥ इहिन्द्रमुक्तम्ह ॥

নহালীলসরম্বতী স্ত্রী তারাবিশেষ:

। লীল্যা বাক্পুদা চেতি তেন
লীলসরম্বতী । তারাক্স রহিতা
ত্রপা নহালীলসরম্বতী ॥ ইতি
তন্ত্রসার: ॥

**महात्वाधः शु॰ त्वाधुदित्ययः।** 

নহাব

পাটিযালোধ ইতি ভাষা। ै ি বহুমালা॥

মহালোল: পু॰ কাক:। ইতি রাজ নিয়ণ্ট: য়া অভিচঞ্চলে তি ॥

भशालारः क्षी अयकाष्टः। हि

महावनः क्षी वृह्षनः। उट्शर्यप्रायः श्वत्राप्तानी २ महात्रापुः ३ महाति । ह। इक्ति ताक्षितिः ॥ वृन्तावः । हजूत्रणी जिवनास्वर्ण जवनविद्याः । महावशः शूः महाद्यमः। इक्तिः । हन्तिका ॥

भशावता खी मूर्वा। ই जिलाहा । वनी ॥

মহাবরাহ: পু॰ বরাহরপীভাল যথা। মহাবরাহো গোবিনদ সেন: কনকাঙ্গদী। ইতি নঃ তে তস্য সহসুনামন্তোত্র•।

নহাবরোহ: পু॰ প্লক্ষ: 🥌 রাজনির্ভট:॥

महावल्ली जी माथवीलठा । ः नक्ठिनुका॥

महावनः भू शिणुमातः। ইতিকে हन्मः ॥

নহাবকাঃ পু॰ শিবঃ। ইলি । ভারতে তসঃ সহসুনামতা । বৃহদ্ধােযুক্তে ত্রি। विवाह के कि स्वान हो के स्वाह के कि स्वाह

शक्त विश्वता **ही (मवीविष्मयः। मा** শালা খা চামুগুাতজে। কালী ः विष्ता (वाउमी जुवतनः 🐇 🦠 নুবী ছিন্নসন্তা চ বিদ্যা ः । था।। दगना निक्वित्रा চ । কমলাজ্মিকা। এতা দ-क्षा किष्वविष्णाः भुकी-नाज मिकाम्राशकाः 🎨 🛪 🐃 छ। विठात्रशाः। कालापि া বিভাগ নাস্তি নচামিত্রাদি দুষণ ি ি দ্যাত্যা নাত্র যুগসেবা 🍍 🚽 नािं किक्षित्रशास्ति ं कथ्कन।। शामानिनी विद्धार : यथ वक्त्रामाहः या या हा 🕫 मही उला। (मायकाः 🐎 अर्थ गृष्टी खाः मर्बा हि करेनः 💎 ो नीला मञ्जूर्गा जुद्धि-७: असे उका ।। वाशामिनी हाम

भूगी उथा भुउ। विद्रा भूनः ॥ का-भारत वामनी वाना भाउनी रेन-ववात्रिनी ॥ इंड्राम्राः जकवा वि-म्राः करनी भूर्व कन गुमाः। निष মজত্যা নাত্র যুগসেবা পরিশুমঃ ॥ यथ रिजा महाविष्ठाः कलिए।-বাম বাধিতা:। ইতি ভন্নসার: ॥ 🗱।। जामाः मभावजातज्ञः यथा 1 পুক্তি বিফ্ৰপা চ পুংৰপণ্চ ম-হেশরঃ। এবং পুকৃতি ভেনে ভে-माञ्च भुक्छ पंना। क्कक्मा का-লিকা স্যাৎ রামৰূপা চ তারিণী। वगना कूर्पमृद्धिः म्याबीत्ना ध्याव-जी ভবেং ছिम्मनला नृमि रः म्रा-षत्राहरेक्टव रेज्यवी। मुन्स्त्री याम-मग्रः भ्राह्मामाना जुवतमहा ॥ कः यला वोक्का महार पूर्ना महार কল্পিকপিণী। ৰব ভগবতী কালী कृष्णत जगवान् सय ।। सयक जग-वान् क्षः कानी काला जावमुद्धा। इंडि मुखमानाउसः॥

महाविद्राह् नुः भहाविष्टः। यथा।
भूनिकवाह। विश्वानाः शालकः द्राः
क्रन् विख्उकः नज्ञः भगः। मश्रिः
ज्राः प्रियक्ष शः श्रीकृ स्कृष्ट् । भगू स्तरः
।। कलन भद्रिभू शंक कृकभ । जृथ विस्तुना। मृष्टु ग्रुथ भगाहिमर्शं भः विश्वासमा की छनः ११ शुक्ना मर युक्त कन्या निक्या मृगा छका-धारता मरु बिस्मा विश्वाधात्रमा विस् छः ११ शुक्नी गर्छ मः छुन छिया-छ्नमा ज्ञानक मर्गन विद्राहि ११ त्रार्थभत्रमा क्षमा विद्राहि ११ त्रार्थभत्रमा क्षमा विद्राहि ११ त्रार्थभत्रमा क्षमा विद्राहि ११ श्री बिंठः १ मूर्वा म्लामा म्लाभा म्लाभा

हेमान मखामि यथा विक् मार्थि प्रकार प्राची महानि प्रकार का मार्थ महान प्रवास थाः ।। रिवणार्थ राव यहे भूनं ः रिवाह रेव विकास । ममार्थि प्रवास मार्थि प्रवास मार्थि प्रवास मार्थि प्रवास मार्थि विकास । ममार्थि हि स्म यार्थि मार्थि विर्वृद्धः मर्वनारेनः भुम्मार्थि । या ममार्थि हि स्म यार्थि मार्थि विर्वृद्धः मर्वनारेनः भुम्मार्थि । अव एव नाम्का मार्थि । विर्वृद्धः मर्वनारेनः भुम्मार्थे । विर्वृद्धः भाष्का ह्यः निवृद्धः विष्ठिः निवृद्धः । विर्वृद्धः ।

नशिवय्वहकः क्ली नश्वयि छनताः कात्रहकः। यथा। मूक्ष्मिश्र मूर्थः बीति सम्य भक्ष विन्यत्मः । जिङ्ग् यः श्रुभादिषु ग्रहाविषु व क्रमाः ॥ नयत्क छ्भादः (मोथाः वम्यः भूषे । श्रुष्ठः । श्रुष्यः ह धनाध्यक्षः २थ्भाश्य म्क्ष्यः मूर्थः भादः ह म्क्रितः । जुगाः वामभादः ह विकः विकः वर्ष्याः भूः भ्रुषः भादः ह म्क्रितः वर्ष्यः। इडि (क्याः विकः मश्विषुः भूः मश्विः यम् क्रितः (काि ख्रिम्रा वित्रकाशः भित्रिशा ख्राशा उभित्र महादिम्शेरणाकः। उम्रान्धः ख्रारण शारणाकः। उम्रानाशः क्रिण प्रवणीणः म भित्रवाद्मण्य-र्ख्रा प्रवणीणः म भित्रवाद्मण्य-र्ख्रा । इडि जागवजाम् उक्षिका ।। म ह क्रिक्म्म्र क्लाविष्णयः। यथा। विक्रम्मान्म स्ट्रम्म्र क्ला विष्णया शाविन्स माहिभूक्षः उन् महः जन्नाम। इडि जागवजाम् उ भूत्रविश्वः।।

महावीिहः शृ नज्ञकविष्णयः। यथा मन्ः। नज्ञ ह काल मृज्ञक महानक्रक भिवादा म जीवन भहावीिह ज्ञान म भुजाशन ।। याजीिक भूर्ववहन इ मनुवर्क्छ। महावीिह यं महा कालात्वन नीयाज । देखि भुषि किंद्रविष्वकः ।।

ाण्डावरवकः ॥
महावीकाः त्री विदेशशाज्युम् इत्स्वाः
स्वात्रव्यतः । ইতি (ह्यहन्युः ॥
महावीतः शृश् शक्षाः। मृतः॥ भिष्टः
॥ मथानवः॥ वज्ञः॥ स्वज्यकः
॥ मथानवः॥ वज्ञः॥ वज्ञः॥

व्यक्ताि । यथा। व्यक्ति । इति वीरेत विश्विष्ठः कृत्ति । इति उद्धनात्त इन्नर्कन्नः ॥ इन्मान् स्यमि महावीत्रद्वन शुनिष्कः ॥ महावीता खी कीत्रकाकाि । इति त्रञ्जाला ॥

महावीर्याः भू वृक्षा। इंडि मक्तका-वनी ॥ वृक्षां छनः । इंडि विकाख-(मयः॥ वाताशीकनरः। इंडिताक-निष्ठं ।। অভिमयनगृक वि॥ महावीर्या की मञ्छा। माठ मूर्या-भन्नी। इंडि विकाख्यां ।। वन-कार्भाभी। इंडि मक्तत्र वावनी ॥ महामंडावत्री। इंडि ताक्र निर्घं छैः॥ महावृक्षी की वार्डाकी। इंडि विकाख्यां ॥

नहात्कः भः त्रृहीत्कः। ইতি ह्नायूथः॥ त्र्षृक्षणः॥

নহাবেশঃ পু• শিবঃ। ইতি নহা-ভারতে তস্য সহসুনানস্তোত্র•॥ অতিধ্বঃ। ডঘুক্তে ত্রি॥

নহাব্যাধি: পৃ॰ নহারোগ:। স তৃ
স্ঠাদি:। যথা। সর্ব্যাধি বিনিন্কোনহাব্যাধি বিশেষত:। পঠনাৎ
সংপুণশ্যেতু জীব্দ্মকো ভবেদ্মর:
।। ইতি বৃদ্ধবানলে গায় প্রীক্বচং।।
নহাব্যাহ্নতি: জী পুণ্ব দ্বাহা যুক্ত

भशाव

भग्रहाँ जय । यथा। ७ जूः बाहः ७ जुदः बाहा ७ वः बाहा। ইতি ज्वस्तव जेः॥

श्रुवि की मुद्धेवि । नानीया है जि ज्ञावा। यथा। व्यर्गाय मश्रुरणाव ज्ञ ज्ञाक्षीमणक शिर्वा मङ्गवि विभाकाय वि णावृक्त भार्ठम्बः॥ है जिथामिज्य भूज वादाही ज्ञावहन ॥

गरातुष्ठ की बामगवार्षिकृतुष्ठ । यथा। তেन वशकानामृक्ष् विः भ-**७**ऽविक्**ण ७**म) या वहद**िष है** • जाव পরিনাণ নহাবু তানুরপা ধেনবো माजवता। इंजि भागिकखिरियंक खबरम्य खर्डेम उ॰ ॥ भाव ८ का नीन দুর্গাপুরন । যথা। নহারুত নহা-भूगाः भक्षवारेना त्रमृष्ठि छ । कर्न्नवाः সুররাজেন্দ দেবী ভক্তি সনন্থিত: ॥ इंडि डिब्यामिडब् ४५ सवी भूतान वहनः ॥ शक्लास्यकानीन भाषनामः । यथा । वामाप्तवः इतिः কৃষণ শ্রীধরঞ্চ মরেন্তত:। দিবা কর জগরাথ পুভাকর নমো হস্ত তে ॥ গরিপূর্ণ সক্ষেদ মাঘ স্থান॰ নহাবুত । ইতি গলমাস-ভতুপ্ত পদাপুরাণ বচন ॥ मरापूर्व भू भिवः। इंडि एरर गर्गन

চন্দু: ॥ উরস্কট: । ইতি ক্রিজ্জু শেষ: ॥ মহাবৃত্তযুক্তে ত্রি । মহাশক্তি: পু• কার্ত্তিকেয়: । ই শন্মালা ॥ অতিশ্যপরাক্রমঃ তদ্মক্তে ত্রি ॥

नश्रामाः शृ नानुषाशि। मान्याः विष्मयः। मह मणिनिश्वः॥
। ইতি মেদিনী ॥ निश्विः
ইতি বিশ্বः॥ कर्ग निर्वाः
जाङ्ग। यथा। कर्ग निर्वाः
गश्रामञ्जः श्रकी खिंठः। उन्याः
या खश्रविष्ठि र्यथा। महराः
या खश्रविष्ठि र्यथा। महराः
माना नीन मात्र या उत्याः
वाणि श्रिथा अन्याः निर्वाः
वाणि श्रिथा अन्याः निर्वाः
वाणि श्रिथा । ইতি
श्रमाना उत्राः। वृह्याः
। श्री श्रमाना उत्राः। वृह्याः। वृह्याः। वृह्याः। ।

भशामाठीः भू॰ बाह्यस् । १८०० वाह्यस्य । जाह्यस्य । जाह्यस्य । जाह्यस्य । वाह्यस्य । वाह्

, विश्वाकत् । ज श्रुव त्यार्व छ । अवादिय (श्राक्ष्यका हेजि त्राब-

स्थान की महामजावती। ইजि वार्यानर्घण्डः॥

गर्गावा बी व्हह्जावती। उर गर्गावः। भज्वीर्गा २ महमूवीर्गा ० मूत्रमा ८ महाभूक्षपिका ६ वीता ७ ज्विनी १ वङ्गूश्चिका ४ छिक् किली २ महावीर्गा २० किला १०। जम्मा छ्वाः। वन्गुद्धः। मव्-त्रष्धः। शिख्यानिद्धः। हिमप्ः। १मह कक वाजमद्धः। हिसपः। १मुश्चः। त्रमायनद्धः। हेजि त्राज-विर्विः।।

भहाणयः वि सहान आणाया १ जिल्लास्या भारता वा यम् अनः। इंडि छत्रजः॥ जद्भर्यायः। सरहरूः २ । इंडि स्वतः॥ सहान जावः ० । इंडि णक्तज्ञादली ॥ उत्तातः ८ सहा-सनाः ৫ । इंडि क्रिविः ४ सहाज्ञाञ्च। क्रि स्वत्यास्य ॥ समूद्र भुग्। इंडि भारत्यास्य ॥

. १.४५४ त हो ताक्रभगा। **३७** १.१४५७ त वृह्दगा हा। नहानतः श्रृ इनन्तः। ইতি রাজ-নির্ঘণীঃ।। নহানলঃ প্ চিক্টনৎস্য:। ইতি হারাবলী॥ বৃহত্বক। তদ্মকে ত্রি নহানাক জ্লী বৃহত্বাকবিশেষ:। ইতি কেচিৎ।।

महामाश जी मागवला। इंडि जाकनिर्धन्छै: ॥

भरामानिः भू॰ ज्नमानिः। ইতি द्राव्यनिष्ठः॥ उट्भर्ग्रायः। मूग-द्याकः २। ইতি হেন्চन्दः॥

नहानितः श्रु नहारितः। यथा।
तङ्गानिकः श्रु नहार्षितः। यथा।
तङ्गानिकः स्मान्यग्रे ज्ञानिकः। स्मान्योः
कः सिवासुः।। ইভি वृक्षतेवदर्खं
गानशिक्षाः २२ व्यक्षायः॥

মহাশীতা জ্ঞা শতমূলী। ইতি শবচন্দ্কা। অতিশীতবীৰ্য্যুক্তেত্তি।।
মহাশুক্তিঃ জ্ঞা মুক্তামাতা। সাচ
শুক্তিঃ। ইতি রাজনির্ঘণ্টঃ।। বৃহছুক্তিশ্চ।।

নহাশুরা জী সরস্থতী। ইভিভ্রিপুরোশ: ।। অভিশ্ররবর্ণকুক্তে তি ।।
নহাশুরু রী রজতং । ইভিরাজনির্ঘট: ।। অভিশু ভুবর্ণকুক্তে তি ।।
নহাশুদুঃ পুং আভীরঃ । ইভিনহাশুদুগিদদশ্লাৎ ।।

महामृती जी वाजीवी। इंडामवः॥ महामोशी जी प्यडिकनिशीवृकः। इंडि वाकनिर्यकः॥

महान्यमान क्ली कामी। इंडिका-भीरखना।

মহাশ্যানা জী শ্যানালতা। ইতি
রত্নালা।। শিংশপাবৃদ্ধঃ। ইতি
রাজনির্ঘটঃ।।

भहाभुभाः श्रु युष्कविष्मयः। म ह भाकाभूनिः। ७९ भर्यायः। मर्वार्थ-मिष्कः २ किमामनः ७ गारिभाः ८। ইতি হেমচন্দুः।।

महामाविका की क्रुमिविष्म । विष्णु कर जो है जि जा शा । जर-गर्य श्रायः । महामू श्री २ (का ह नी २) कत्म भूमी ६ विक हा ६ (का छ । ७ (हा छ । भ नक्ष सा ४ न निक त्म सः २ मूखार्थ । २० महामूख निका २२ मा छ। २२ इवित्रा २२ (का छ ने । २८ ज्या सूस्रा १३ । व्या १३ व्या १३ व्या १३ । व्या १३ व्या १४ व

মহাত্রী: ক্রী বুদ্ধশক্তিবিশেব:। তৎ পর্য্যায:। তার।২ ওঙ্কারা হ বাহা ৪ ত্রী: ৫ ননোরনা ৬ তারি গী ৭ खबा ६ खनला २ लिया २० जाति खबा बाबा २२ थम् उता मिनी २२ छ। २० देवणा १८ नी लमत् गुर्छ। १६ ल बिनी २५ महाजाता २१ वमुधाँ २५ धनन्दमा २२ जिल्लाहना२० ला हन। २२। ইতি जिका अल्लाः ॥

महास्था जी नवस्ती। ইতি जि का अग्नरः ॥ कृष्ण्यिक्षाा छः । তৎপर्यश्रायः। को विष्मा वी २ श्रकः शक्तिका ० । ইত্য मदः ॥ स्था । भा वा जिला। ইতি वद्या ना ॥ मिला। ज्था गर्यश्रायः। ग्रम् का २। ইতি जि-का अग्नरः । स्या किनि ही हकः । हे जि वा जिल्हा । प्र्मा। यथा। स्था ग्रमः भित्र । प्र्मा। यथा। स्था ग्रमः भित्र । प्रमा। यथा। स्था ग्रमः भित्र । म्रमा। यथा। स्था ग्रमः भित्र । म्रमा। हि (ए॰ वी श्रवा । उठः स्था ।। हे जि ए॰ वी श्रवा । ४६० व्य ।।।

महावधी खी मूर्गा। यथा। ७ मू॰ मू॰ पू॰ पू॰ पू॰ मूर्ग मूर्ग नामय नामय हन हन मह मह मह मथ गथ वद वक्ष मई हि॰ ज्ञान महा बधी कारण वालक॰ क्रक क्रक जिक्की विन॰ क्रक क्रक क्रिकी वाहा। ইতি यোগিনী ज्ञाक महाबधी कवह॰।।

नश्रेनी खी व्याधिनशङ्क हेवी, वशा । व्याधित मृह्मभक्ति स्टार्यक

ेष्रहेभी जिथिः। महाहेभीजि जा পোক্তা দেব্যাঃ প্রীতিকরা পরা ॥ ইতিকালিকাপুরাণে ৫৯ অখ্যাশঃ ।। #।। তস্যা• প্রাবিধিঃ পুএবত উপবাস নিষেধ্ন্চ যথা। অষ্টন্যা॰ कविरेत्र मीरिम मंशामारिमः मृग-कि जि:। भूकरयहरू का जीरेय विलि: , महाममन् छी वृक्षविष्णयः। कग-ভি ভোঁकरेनः भिवाः ॥ त्रिन्मूदेवः প উবাদৈশ্চ नाना विव विरव्नशतिः । शुरे इदानक का जीराः करेन बंद-विदिन्नि ।। উপवामः सहाह्याः भूधवाम समाहात्र । यथा उरेथव भू जाजा वुजी (मवी पुश्रहरार ॥ পুরুষিত্ব। নহাষ্ট্রন্যা নবম্যা বলি ভি তথা। বিসর্জবেদশন্যান্ত শু বণে সাৰব্বোৎসবৈ:।। ইতি তত্তৈ ব৬০ অধ্যায়ঃ ৷৷ 🕸 ৷৷ তত্রার্জরাত্র পূজা যথা। কন্যা সংস্থে রবাবীশে भूक हेना भूगृहाय । (मानवा-ता निगार्फ ज् मशाविखव विख-हैइः ॥ शृकाः समाद्रा छाप्त्व ॥ नकः ত্রে বাৰুণে হপিবা। পশুঘাতশ্চ कर्जाता गवनाज वध्यथा ॥ इंडि (मदीभूत्राग दहरन वाक्नभारमन भू बांगाए। हुए । इंडि डिथ्यानि ७वः ॥ সনেরঃ। ইতি শব-

মহাসা

মালা॥ অতিনিকটশ্চ॥ महानकतः पुः वृह्टल्लाष्ठीमटनाः। ष्यम् ७ थाः । महामकत्र म छ स ভিক্ত: পিত্ত কফাপহ:। শিশিরে। মধুরো কচেগা বাত সাবারণঃ মৃতঃ ॥ ইতি ভাবপুকাশঃ॥

हिया इंजि हिन्ती जाया। उৎপ र्य्यायः । अरिनिका २ अन्नास्त्रया ० वृक्षा ८ वर्षा ८ वृक्षवना ५ उडुना ৭ ভূত্তস্থা ৮ শীতপাকিনী ৯ भी अववा २० भी अववा २२ वर्षाः खद्रा १२ वका १० थिव्रहिणे १८ व्यानिक्च। १८ । ज्ञाना खगाः । स्थूतद्व । यसद्व । (मायब्य नान्निः प्रश युक्ता वृष्ता श्राशाश कृत पार नामिद्ध। इंजि त्राजनिर्यण्डः॥ महामर्जः शुः भन्मः॥ अमनवृक्तः। इंजिब्राङ्गनिर्धिः ॥

गरानरः भ् युक्ताक्तः। इंडि রাজনির্ঘণ্ট: ।। সতিক্ষনে তি ॥ महामहा की मामभर्गी। यहानः वृक्षः। ইত্যমরঃ॥

न्हामाउलन क्षी व्उतिस्मदः। यथा। **अथमहानाडशनः। उब्रह्मारा** माउभन गृङ्गा या छवन हुः। भूथक माछलरेन मूँ रिष्णः यउद्देश मानवा-

जकः। मधारहरिनवक्रहार्यः सहा-भारतभाः मृजः॥ এउ९ मक्षा**रमा**ः भा आवानः। (गाम्ब (गाम्य ) क्षीत पदि मर्लिः क्षाम्क । व रैकक कमाना श्त्रीयामरहाताव মভোজন ।। কৃ हু: সাম্ভণনো নাম সর্গোপ পুণাশনঃ। একৈক মেত-(मव॰ वि विद्याव मूनरयाकरवर ॥ बार्वाभवामस्याः महामात्रभ-ति विधिः। अउट मधार मारा मा ম্বপন মুক্তা একবিংশতি দিন সাধ্য गरामाञ्चभनमुक्तः ॥ गरामाञ्चभः न ( अन्यहे क्लान नम । जावाला । क्रम्हामाड अनम्। এकविः मि जि हि नमाध्राद्व मधार माध्र माष्ट्र নাৎ ত্রিগুণবামহাসান্তপনে ধেনু विदेश (मय । ইতি প্রায়শিচভবি-(वकः॥ নহাসরেঃ পু দুখ্রদির:।ইতিরাজ-गरामारम ही चित्रवाटकात-

নিঘণ্টঃ ॥

কৃতকাৰ্য্য ।। অতিশ্যদণ্ডঃ। ইতি जाहर भदार्थ (मिनि ॥ ज छि-मुक् छक्म ॥ अिमयस्यः। ইতি भाग्य भाषार्थ (इस्टन्सुः॥

बरागरनिकः वि होतः हैि किट्।। चित्राङ्मगूक्क ॥

मशामि॰रः भू॰ नज्ञजः। ইভি রাজ-निर्विष्ठः॥ वृह्टमि•इः। म हतिवीः वार्न । यथा। उत्थायह महानिन्द्र ं (मवी हथ मबावज। इंडि नार्काखः পুরাণে দেবীমাহাজ্য্য-॥ महामुथ की मृकातः। ইতি बिकार्अ শেষঃ।। অভিশ্যানন্দঃ। তদ্বতি ত্রি गराम्यः भ् वृषः। ইতি बिकाखः (नियः॥ महामृगका जी गक्तनात्रली। इंडि রাজনির্ঘণ্টঃ॥অভিসুগন্ধযুক্তে ত্রি॥

मशाम्बा जी वाल्का। इंडि द्राज-निघण्टैः॥ व्यक्तिमामृत्य वि । गशासनः भूः कार्जिकाः। ইउ।-नतः। भिवः। ইতি মহাভারতে ७मा महमूनाम (छाउ-॥ महा**रम**-नाशिकः। इंजि समिनी ॥ वृज्ञाः হঁৎপিতৃবিশেষ:। ইতিহেম্চন্দু:॥ भशक्ता जी अध्यकः। ইতি রাজ-

निर्घणः॥ वृह्दक्षमण्ड बि॥ गश्रवी जी शृथिवी। इंडि मद-माना।। (मुक्ष्यानकः।।

नशतायः भू क्षता। ইভি ছেম-हन्मः॥

नशाम्भा भू भिवः। इंडि गइ . ! রতে তস্য সহসুনান ভোত্র । नहामनः भ् नल्ग्री। हिनि वि

ेश्रभवः॥ वृश्हमः॥ उषाकः वि॥ মৃষ্ঠাহনু: পু॰ শিব:।ইতি মহাভার-े- ৫५ তস্য সহসুনামন্তোত্র।। বৃহ-श्वनुमुक्त जि॥ रहाइविः क्ली शवाष्ट्र । यथा া গ্যায়া মূথ বা লিঞ্জ থল্ল মাংসং মশ্হবি:। কালশাক ভিলাজ্য বা কৃশর• নাসভৃপ্তযে ॥ ইতি না-र्का अर्थ मुद्रारम मुख्यक्यः ॥ विकः। ইতি নহাভারতে তস্য সহসুনাম-(छाद्र•॥ गराकामः 🤲 ा*ेह्*नः। **३७** मदत्रावनी ॥ । हा हि १ आ। अो १ सना व जी। इंडि त्राक्रियण्डः॥ মহাহয়। শ্রী কপিকট্র:।ইতি শব-गाना॥ यिउथर्स जि॥ निहः छी পृथिवी। ইডিশব্মালা॥ महिका स्त्री हिमः। इंडामद्रः॥ ত্রি পূজিত । যথা। রণ পণ্ডিতো ২গ্য বিবুঝারি পুরে কল-रु म ताम महिलः क्लवान्। बुल पश्चित्रायम गृहक वलाए कलहः म রাম মহিত: ক্তবান্॥ ইতি ভটি कार्वा ३० नर्गः ॥ महिना क्ली ब्राह्या हेकूला दिकायः॥ मरिना पुर्नियम्। दिन्यर्गाष्ट्रने रेज-

भर्यं वित्मवः। ইতি হেম চলুং।। সচ

सहतुः (यन চতু प्रंम ज्वनान प्रत्याः।

प्रत्य वर्षत्य। ইত্য मत्र देशा गणाः ज्ञः

त्र ।। উৎ कर्यः। यथा। অत्यादः

भणा जः कन्य महिमाताणकायः

भणा जः कन्य महिमाताणकायः

भणा जः कन्य महिमाताणकायः

विष्ठा। ইতি भूताणः।।

महिन। की कीमावः।। भियम् ज्ञाः।

सहिन। की कीमावः।। भियम् ज्ञाः।

रेठि मद्य मार्थः। स्मान्याकी।

हेठि मद्य मार्थः। स्मान्याक।

सहिन। स्वी भियम् ज्ञाः। हेठ्यः

महारा।

सहिन। स्वी भियम् ज्ञाः। हेठ्यः

महारा।

सहिन। स्वी भ्राम्य ज्ञाः।

महियः शृः यमामथ्या उभम्वित्मयः
। छ८ भर्यायः । ज्ञानाशः २ वाहविषम् ० कामतः ४ रिम ति छः ६ ।
इञ्जितः ॥ यमवाहमः ७ विषक्षतम्
१ व॰म छीकः ৮ त्रक्षयणः २ । इञ्जि मपत्र कावणी ॥ ज्ञान्भः २० त्रक्षाः
भः २२ व्यापतिः २२ । इञ्जि क्रोथतः ॥ (काधी २० क्ल्यः २४ मछः
२६ विषाणी २७ भवणी २१ वली २৮
। वनमहिष मा॰म छणाः । (प्रायकातिष्वः । लघुष्वः । पीभमष्वः । वव्यपायिष्यः ॥ गुम्भी । महिष्य मा॰म

ख्गाः । मिथादः । मिलानकत्रदः । भिज्रवद्य । इंजि तासनिर्यणैः॥ लभ्गव्। त्रिकव्। উकव्। मध्-व्रवः। एकवः। निमा भू खु खन्। वक्षं नज् । मा अमार्ग अक्षुक । इंडि द्राजवञ्च छः ॥ जिल्ह । महिर्या (घारेकातिः म्रा॰ कामत्र क त्रक यतः। भीनककः कृष्कार्या न्ता পো যুনবাছন:।। মহিৰস্যানিষ স্বাদু সিঞোঞ বাত নাশন। নিদ্রা भूक वल खन। उन् मीर्घकद्र । धका। ব্ৰ্যঞ্জ স্প্রবিশ্বণ বাত পিত্তাসু নাশন। ইতি ভাবপুকাশ:॥ #॥ শ্-শ্ৰারি মেছজাভিবিশেষঃ। স চ পুরা ক্ষত্রিয় আসীৎ সগর রাজে-नाम् (वन्यागानावनिष्कात्त्रा (व-শান্যত্ত্ব ধর্মনাশদ কৃতঃ। যথা হরিবংশে। সগর স্তাণ পুতিজ্ঞাঞ্চ গুরো র্বাক্য নিশম্য চ। ধর্মণ জ্বা-ন তেষা বৈ বেশান্যত্ব চকার হ।। অন্ধ শকানা পিরসো মুগুযিত্বা वारमञ्जिष्ट। कवनानाः नित्रः सर्वः কাহ্যোজানা॰ তথৈব চা। পারদা गुक्तकमाण भक्ताः गागुशादिगः । निः भाष्याय वषष्कादाः कृ छ। छन নহাত্মনা। শকা জবন কায়োজাঃ

श्रीः नगरिषा मार्बास्मानाः भृति व्रवाः ॥ विभिष्ठ वहनामुख्य नभ রেণ নহাত্মনা। ইতি পাুুুুুদ্দিন **उन् ।। #।। यर्षु जितामयः। ३**ि **(रुगहन्तुः ॥ महिषामूद्रः । र**ः মহিষে ৎসুরাণা মধিপে দেবা 🦠 भूतन्मात । जजामूदित यांशांः 🦠 र्पवरेमनुः भन्नाजिष्ठः ॥ जि 🥕 नकनान् (पवानित्नुः। ज्यश्या রঃ। ইতি মার্কণ্ডেয়পুরাণে 🕬 भाराजाऽ॥

महिषकन्तः भ् महाकनस्विष् उर्भग्रायः। मूज्रान् २ नूना मरः अण्क्रकमरः । शक्षीकनर व्यम् छनाः। कर्नुः। উक्षः। बाजानगाभरदः। मूथकाष्ठ्रः । कहात्। अभि उत्हर गरा দ্ধিকরত্বঞ্চ। ইতি রাজনিঘণ্টঃ महिषदी जी मूर्गा।यथा।महि महामारा हाम्ए म्ख्नानि आयू ब्राद्धाग्र विश्वयः (महि ( নমোস্তু তে।। ইতি দুর্গোৎসং कि :।। यभित्र। ति : इ गाक कन्नाएउ निष्ठा महिरया य्या निश्वमी जला (मनी कन्।। र मि इवा इनी ॥ इंजिएवी भूता भावनाः भक्त्वा उथा। त्वालिमः ॥ महिष्युतः भूः यमः ॥ यहिष्यः 'ইতি হেমচন্দু:॥ विषयिनिकी जी पूर्ण। इंडि भवः ब्रद्धावनी ।। अम्रा मञ्जा यथा। ना-त्रमायाः । ভाष्टः वियदः अनयनः খেতো मर्फिनि ठेवय । अडेाक्स्त्री সমাখ্যাতা विम्या महियमिष्नी ॥ नात्रायगीजस्त्र । विषः हि मङ्जाः काला श्री ब्रिष्ट्र दिख्या नि ठेव्वयः। বিষ মকার:। হি স্বৰূপ । মজ্জা-वकातः। काला भकातः। अग्री রেফ:। অদু দকার:। ইস্ ইতি বচনাদিকার যুক্তো দকার:। অয• मञ्ज जात्रा नि र्यायानिः कामानि वीयुवानि वेथ्वीजानिः कवहानि मह নবাক্ষরঃ। তথাচ বিশ্বসারে। পু-ণবাদ্যা জপেছিদ্যা মাযাদ্যা वा जल्ट मुवीः। वध्वीजािका॰ वानि कव्हाम्। अलख्या ॥ मः ৰ্বকালেযু সৰ্বত্ৰ কানাদ্যা পূজ-পেৎ স্থীঃ। বাগুবাদ্যা জপেতা-**रु** (मवी॰ वाक्त विश्वास्य ॥ अम्रा খ্যান । গাক্ডোপল সমিভা মণিম্য সণ্ডল মণ্ডিতা নৌনি ভাল বিলোচনা মহিষোত্তনাঙ্গ निरम्मो । ना हक क्लान (थ-हेक वाग कामू क भ्वकान उर्जनी নপি বিজুতী নিজবাহুভিঃ শশি-

(मथताः।। ইতি उज्जमातः।।
निरुप्त नि जी नि नि नि नि नि । हित्ररिष्ठो हिति हिन्ती नि । उटभर्यायः। (मौगा र भू नि (मानः) व ज्ञविद्यातः। १ श्रु नि (मानः) व ज्ञविद्यातः। १ श्रु नि (मानः) व ज्ञा छाः। त्रम वीर्या विभावः (मा भवा ममञ्रा हिन तान्न निर्वे ।।। महिष्याह्नः भू यमः। हिन भद्रः त्र न् ।।।

महिषामुद्रः भू॰ द्रञ्जामुद्रभूधः। उम्र উৎপত্তি ৰ্যথা। শ্ৰীঔৰ্ব উবাচ। আরাধিতো মহাদেবো রস্তেণ সু-রবৈরিণা। চিরেণ স চ সূপীত স্ত-পসা ভস্য শঙ্কর:।। অথ তৃষ্টো **मशाप्तवः भु**ठाकः ब्रञ्ज गुक्तवान्। প্রীতোমিতে বর•রস্ত বর্ষয় যথে-প্লিত্যাএবসূক্ত: প্তুর্বাচ রস্ত ত্ত চনুশেথর । অপুত্রোহ । নহাদেব यि एक भया नृश्र ।। भभ अमा अस्वार्य পুথো ভবান্ ভবতু শঙ্কর ৷ অবধ্যঃ সর্ম ভূতানা জেতা চ ত্রিদিবৌক-नाः॥ विद्रायुक्त यमभी व लक्षीदा-न् সত্যসঙ্গরঃ। এব মুক্তস্ত দৈত্যেন পুত্যুবাচ ব্যথুজঃ ম ভবন্দেভদ্বাঞ্ছি ত•তে ভবিষ্যামি সূত স্তব। ইভ্য-জ্ব। স মহাদেব স্তবৈবাভরধীয়ত।। त्राञ्चाणि याजः यद्यानः श्रायाद-

कूल विलाहनः। शथि गहम् न ब्राप्ताः থ দদৃশে মহিবী॰ শুক্তা॰।। বিহাব-गी विवर्गा मुन्दती सञ्मानिनी । जञाः मृक्षाथ महिषीः त्रञ्जः कारमन भारिकः॥ पार्छाः ग्रीवा ह छना हकात मृत्राकारमा । जाराः भुव् ত্তে সূরতে সা ভদা তস্য তেজসা।। দধার মহিবী গর্ভ্ত তদা ভূমহিবা সূর: । তস্যা• স্বাঙ্গেষু **গিরিশ ভ**ৎ भुजज्ञ मवाश्ववान् ॥ बव्राय म जना বাণ্ডি: শুল্লগক্ষে সমৃদ্বৎ।#!। তন্য यायिष्ठश्रद्धः यथा। जन्न कान्यायन मूनिः मध्यान् महिवामूतः। पूर्वयः वीका भिष्णार्थ भिष्णानुगुरु कात कः।। काउग्रायान मक्षः उ॰ विद्धाः य विश्वामृतः । शुरु भूगय भूर्बञ्ज চ 🧐 हा॰ চন্দুশেখর:।। ঈশ্বর উবাচ । (तर्वि काञ्जायानमानि भाक्षा 😜 य॰ गहिषामृतः। याचिषिनामकवी कि ভবিতেতি জগন্মবি ৷৷ নিঃসংশ্য মৃ-ষে র্বাক্যু ভবিষ্যতি ন সংশয:। ম भीया माहियः काय खुया परिव कग प्रिशि श्खदाः मञ्जः याग युकः পুরে পরেন্সি চ। হরি হরি ম্বরূপেণ षाः वात् मकस्मा श्वना ॥ समायः কাহিব: কাষ শুব বোচা ভবিষ্যতি । इंडि পूर्बः मशास्त्वा (पवीः ग्राः

र्थिउवान् भूता ॥ एउन एवी महीर দেৰ জগাহ মহিবাসুর । ত্রিযু জর্মী म् भुरबा २ ड्ट्र इस्त मा जगवान मिवन ॥ সৃষ্টিত্রয• স রস্ত্রোপি রস্তু এব ব্য-কাযত। অসুর ন্তাদৃশ ন্তেপে তপঃ भव्रम हाक्गः॥ उरेथवादाधिङ: म-ह्यः भुजार्थि भुप्तरते वत्र । उरेश्वर म-**हिरो**े (ভक्षে भुषमः मूत्रजायमः ॥ श्यामृद्धः। उरेथव (मार्थ जनवान् मृनिः काज्यावमस्र जः॥ ইতি পুরুক্তে পূর্যমিন্পরমিন্সতু জন্মনি।মহি-यः প्ङायिजाथ (मवी वत्र मयाहरू॥ তৃভীবে জন্মনি বরং প্রাণ্য কল্লান-শেবতঃ। নেহ নে জন্ম ভবিতেভ্যেব॰ বর ম্যাচত ।৷ তেন দেবী পদতলে িডিষ্টত্যেষা হসুরো ইধুনা। নোৎপ ভি রপি তস্যান্তি সম্বর্তাণ স্তান্ বহু-ष्ट्रण ।। **এব॰ দেবী পুসাদেন মহাদে**-বাস্থ সম্ভবঃ। পরান্বাপ সভত• পুতিপত্তি মহাসুর: ॥ ইতি তে ক-থিত রাজন্যখা স ন্কিল্লুর ; দেব্য পাদতল গুল 🔠 সো **९२ गुलि मार्रेड ॥ इ** नि नाजिका भ्वारमध्य अस्तरहा लिए। राइम् डिवाह।कन्धारशेलि (स्थाप त्रक्वीकाम्यण (११४ को काउँ)

वर्तः वर्षे हो अप्त महिवानुद्रः ॥ ७ ॥ ार्वि उत्र खांज गथावष्ठक् मर মি। পুৰুত্ত্য উবাচ ॥ শুৰতা॰ স॰ भुवद्धाः विकार भाग भुगानिनीः। अर्डना व्यक्ता मूर्गा (भयः काउ)।यनीः मूत्।। मृद्रामृत वात्रो द्रोत्ने जगट-ক্ষোভ করাবুড়ৌ। রম্ভ<sup>েচ</sup>ব করম্ভ শ্চ দ্বাবাস্তা• সুমহাবলৌ॥ তাবপু-ট্রেচ দেবর্ষে পুরাথ তেপত স্তপঃ। বল্বৰ গোন দৈত্যে স্থিতে পঞ্চন দে জলে।। ভবৈকোজল মধ্যস্থা দ্বি शिखा २४५५ श्रमणी। कत्र सुरेक्टव ासु क रकः भाववरे शुनि।। अहे নিন্দু সলিলে গুছেৰপেণ বাসবঃ। व्यान्त्राः मनानान् निक्रमान् यथः [যা ॥ ততো ভাতরি নষ্টে চ রম্ভ: कान निव्युजः। वक्ती च नीयन न हिम्र (हाउ निहमहादल: ॥ **उठः भुगृञ्च (का्म**यू श्रद्धक द्रवित्रः-पुछ । (इ बुकारमा निक भीर्य व হিনা পুভিষেধিতঃ ॥ উত্তিষ্ঠাসুর मारेमव॰ नामगाजान माजाना। पृष्ठ-वः अरुः अतिभ स्वध्राभः जि मृखद्रा 🔙 🖟 🖂 ের বীর তদ্দানি যথে-ि जिल्ला मुल्लामाङ्ग्रहा छ विक रेन कथा।। छएन व जीवाठा इन्स्रावद्य (इरबा एक् । महिल्ला-

का विकरी भूधः मात्राचा प्रखिनाः धिकः ॥ जारकारा रिनवेजः मरेर्नः मूर्-जि रेप्पं रेजान भावक । महावाला वागुनिव कामकभी कृ जाजनि ॥ छ॰ পোবাচ কবি বুল্পন্ বাঢ় মেব ভবি-ব্যতি। যস্যা চিত্ত সমালম্বি ক-রিষ্যসি ততো হসুর ৷৷ ইত্যের মুক্তো (एरवन वङ्गिना मानरवा यरवो। यष्ट्रे॰ म्निवरि याकः यरेकः भविवाविडः ৷৷তেশা পদ্ম নিধি স্তত্র বসতে নান্য চেতনঃ। গজাশ্চ মৃছিষা শ্চামা গা-(वा श्कावि পরিপ্লু তাঃ।। তান্দৃষ্ট্বৈ তদ। চক্রে ভাব॰ দানব পার্থিবঃ। महिष्ठाः क्षणगूकागाः विद्यारगाः **उर्त्भावन ॥ समागहह रेन्टिंग्नु**• कामग्री उत्रिमी। म চাভিগম্ন॰ চক্ৰে ভবিতব্য পুচোদিতঃ ॥ <mark>ভস্</mark>যা• नमञ्दार्ख खाः भुगृञ्चाय मानवः । পাতাল॰ পুৰিবেশাথ ততঃ স্বভ-वन गजः ॥ मृष्टेण मानतिः नर्दिः পরিত্যক্তশ্চ ব্যুভি:। অকার্য্য कात्रयर्ज्यन ज्या भानवहै गजः॥ সাপি তেনৈব পতিনা মহিষী চাক मर्भना। जनः खगान उर्भगः रक्ष মণ্ডল মৃত্তম॰ ॥ তত্ত বসত বস্ত भागमा मा मुक्त गृतन । व्यक्षीकन जूउ· मूजु· निहर कामक्षिपः ॥

শরীরাত্ত্রকাণো ২ব্যক্ত জন্মনঃ। গা-य मा 🕏 जुला जुला हिजा मुत मरमा धर ॥ रेमव नन्ता खवरम्दवी रमवकार्यं। हि-कीर्यगा। महिवाथा। मृतदश व्यर्वे বুহ্মণে ব্লিভা ॥ বৈষ্ণব্যা চ হুভো দেব কথনেতদ্ধি সংশয:। বারাহ্উবাচ । इंग जगिक्का (मवी गक्ना मक्त्र मूर्निया। कृष्टि किक्षिट खरवृद्धः जनमः (वन नर्वविद्या श्रायस्त इ তा रिनर्डा रिक्थिता मन्तरत्र गिरती। यश्वात्थ्या २भन्नः भक्तार म देव हिजामूबः भूनः ॥ नन्त्या निरुखा বিদ্ধ্যে মহাবল পরাক্রন:। অপ্রা জ্ঞানশক্তি: সা মহিষো হজ্ঞান মৃ-र्डिनान् ॥ व्यक्तानः क्वानमाधास ভবতীতি ন সংশযঃ। নুর্ত্তিপক্ষে চে जिहान नम् खं हिक्वकृषि ॥ थ्या-या (वनवारेक) स इंश मा (वनवा-দিভি:। ইতি বরাহপুরাণ ॥ भिक्षामूत्रमञ्जयः शू<sup>ः</sup> ज्ञिक्षशुक्षु ।ইতি রাজনির্ঘণ্টঃ।। महियामुद्रक्की की पूर्गा। यथा। মহিষাসুর হজ্যান্চ পুতিষ্ঠা দক্ষি ণাযনে। ইতি পুতিষ্ঠাতভুগ্তপদ্ম-

भूबाग वहन ।।

ইতি বাননপুরাণে ১৭ অধ্যাশঃ।। গ্লা নহিষাক্ষঃ ) পুণ গুগুল্: হিতি व्यन्ताह । बद्रगुरवाह । या ना नाया निष्याक्रकः निर्धिणः ॥ महियो जी क्ठाजिएकात्राङः

इंडामद्रः ॥ रेमद्रिक्षी ॥ खेराक (उप: । इंडि (मिनी ।। महिर 🕾 षिट । उट्भर्यायः। मन्त्रम महाक्रीवा ७ शयिक्ती ८ लुट ा কান্তা ৫ কলুষা ৬ তুরঙ্গ দ্বিষণী 🐬 व्यम्याः कीव्रख्याः। मधूवद्वः हिन भारक भी उनद्भा । एकद्भा व भूषि भुम्खुः। व्याद्यः। भिख्माः ज्ञना मिव्यः ॥ 🗱। जम्रा मिव्यः । मधुत्रष्। शिक्षष्। स्निष्मकाति । রক্তপিত্ত নাশিত্ব। বলাসু বছ व्। वन्रवः। भूममुद्रः। भाषनप् ॥ 🗱 ॥ व्यम् ॥ नवनी छ खगाः । कस **বর্ণ। মধ্ররসর্ণ। শীতর্ণ। ক্**র ত্ব• । বল্যত্ব• । গু।ছিত্ব• । পিত্ত মু 👺 । ज्न्तरपुषः॥ #॥ यम्। मृउद्याः । উত্তমত্ব॰। ধৃতিকরত্ব॰। সুথদত্ব॰ । কান্তিকৃত্ত্ব•। বাত শ্লেম্ম নাশিত্ব•। वलकत्रवः। वर्ष शृहातः क्रमञ्जः मूर्नान गुरुगीविकात नमनजुः यन्तानत्वाफीभनव्। हक्क्षाप्रः गवाला न (मुध्य किराय । म नाहातिष्क ॥ शायम्। म्बर्गः । यानाइ (भाक एना एना ना भिक्

কটুত্ব । উফত্ব । সন্ত কণ্ডতি গুলোদররেগে নাশিত্ব । ইতি বাজনির্ঘণী: ॥ গ্রীপুষা জী শ্লীতৃণ । ইতি াজনির্ঘা: ॥

वि भृषिती। इंड्रमदः ॥ निर्मा दिल्मदः। ना ह मानदाराल वर्ड्ड इंडिएमिनी ॥ उद्धनखनाः । म शेष्ठनकं मृशाम् दन्तरः शिख्यकः उक् । इंडि द्राक्तिर्यकः ॥ शोः । इंडि क्रोधितः ॥ हिन्दमाहिका । इंडि क्रिथतः ॥

विश्व की आपूर्व । ইতি রাজ विश्व ।। ভ্রিজাতে জি ॥ सर्वाकः भू सञ्जागुरः । यथा दिवी

ताला पूर मललगुरः स्था प्राप्त त्राक्ती निज्यो स्वार्थ विष्ट मिला विष्ट के स्वार्थ के स्वर्ध के स्वार्थ के स्वार्थ के स्वार्थ के स्वार्थ के स्वार्थ के स्व

महीज्द शृ शर्वतः। यथा। महीज्जः
शूधवरणि पृष्टि खम्मणिकान
कगाम ज्ञिः। जनस्भुक्तम् माथा
हि ह्र् दि दिक्तमानाः मितिस्य
महाः।। ইতি स्नात्रमस्य म्याः।
।। द्राक्ताः। यथा। यो ममामूणका निजाः भुनार सन जास्तिः स अनुत्
खिः धुनः उ इन् अर्बस्तानः महीः
ज्ञाः।। ইতি मार्कर स्यम् द्राप्तिः।
ज्ञाः।। ইতি मार्कर स्यम् द्राप्तिः।
वीमाहाजाः।।

महीमयः वि मृजिकानिर्मिक्द। येथा
। (डो किमन् मृजिति क्रिकानिर्मिक्द। येथा
मृजि महीमयी । यहंगाक कर्कु छगुडाः भूच यूभागि उर्भ लिः।। इंडि
मार्क(७ यभू नारा (प्रवीमाहां जो हैं।।
महीसहः भू कृषः। इंडि)मनः।।
गाकवृकः। इंडि नाक्षिण्डेः।।

महीनंठा खी किञ्चल्कः। इंडीजितः॥
महीन्ठः श्रु मञ्जाः। इंडीजितः॥
महीक्ष्यः श्रु मञ्जाः। इंडीजितः॥
महिद्दः श्रु मञ्जामयः। इंडीजितः॥
महिद्दः श्रु मञ्जामयः। इंडीजित्रां।
महिद्दः श्रु विष्टुः। इंडि मञ्जानि
विज्ञान्। इंडि मञ्जानि
।। ब्रमूदीभमा भवंতिविष्णयः। इंडि
विक्रिनी॥

गर्नमुकरनी की करनी जिनः। ইতি ब्राकनिर्वणेः॥ शर्व

महिन्मुनगदी जी अनुदारकी। ইতি

मदत्र श्वावनी ॥

वरम् वर्षान जि न जाविल्वः ।

वरम् वर्षान है जि जावा । उदम्प् वर्षा । उदम्प वर्षा । उपम वर्षा । वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा । वर्षा वर्षा वर्षा । वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा । वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा । वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा । वर्षा वर्

भरहमुगी खी हेन्दु जर्गा। इंडि भरवद्वावनी।। भरहद्वा खी भन्न गेठ्कः। इंडि

মর: ॥ মহেকণা ইত্যপি পাঠ: । ইত্যমর্গীকাশাণ ভরত: ॥

भारता ) जी नाती। देजिनदाङ्गाः भारतिका ) वनी ॥

गर्हणः पूर् णियः। इंडि भद्रत्रः। वनी ॥

भारणवृत्तः भूः वीकृतवृक्तः। ইতি णयः निपुका ॥

गरस्थतः भ् लिवः। इज्जान ः॥

ग्रहा

व्यम् दृश्ट शिव यंथा। विष्णाना मार्बवाः नहान नीषदः द्वरः। ११ पद्रक्ष (उत्मर श्वेष्ट मनीषि ११।। इ. दुक्त दिवार्ड भुकृ जिथरः १० व्यक्षायः॥ व्यम् विवाह यद्वर रूमः यथा। मार्श्यद मनायुंक भी-मृणः यः याद्वट ह्या। मज्जः जम् क्वाराः वाण्डिक जिवस्र ।। इजिका विकाश्वारः शिवदिवार्ह १० व्यक्षायः॥

নহে খর কর চ্যুতা জ্রী করতোযানধী।

ইতি কেচিৎ।।গৌরীবিবাহ সন্থে
শক্ষর কর গলিত সংপ্রদান তোষ
প্রবস্থাৎ করস্য তোনং বিদ্যুতে
হরেডি করতোযা। ইত্যুমরটীকাং
গাং ভরতাহা।।

गर्हणकी जी गरहणकर्म की। यथा।

ये॰ भाज एकार्तक (म ट्री॰ भाज वान्तकारम । खि॰ भाज एकार्कः

तान्तकारम । खि॰ भाज एकार्कः

तान्तकारम । खि॰ भाज एकार्कः

तान्नका। वान्तका। वान्तका।

नरेहत थः भूः सः निर्घणः ॥ नरेहना जो ं जिल्ला जिल्ला व्रजी। ইতি রাজ

क्षी जी वृष्टी। ইতি ভाব-क्षानाः॥ वृष्ट्रपुट शत्रकः॥ भाराटका जी विष्ट्रट । ইতিকৈচিত।। भाराट शत्रक जी शद्माना आद्रमशक्ती

। इंड्रायब्रें भि

महार मदः भू जिल्लिसमूथ जनके कर्या यथा। मह र्बन्ड द्वा किराम माने विकास करा करा माने विश्वा करा माने विश्वा करा भूका निर्माण भूका निर्माण भूका निर्माण भूका निर्माण भूका निर्माण महिला करा माने करा माने

महार नाइः वि चि चिनायार नाइ-युकः। उर्श्यायः। नहाम्यः २

> র পুর্ব বাজ্যার পুরগুরাজ-ব্যবহার করে। ত পুক্তি-বিবার হৈ জুবসুনঃ । ইতি বিবার প্রাক্রেশ্বাদ্যন্দ্র ॥

म्या वनः छन्नः निष्ठण महामः विः । यथ कृष्ठः ज्ञानमृत्यन म द्रामः किः कित्रमृज्ञि॥ ইजि नहानावेकः गरहारयः क्षा भूत्रविष्णयः । छथ-भर्गायः । कान्यस्तुः २ कन्गास्तुः ७ गाविभूतः ३ कोणः ६ सम्बद्धाः ७ १ देजि रह्महन्मः ॥

नहात्यः भू॰ कान्यस्तुत्तणः॥ व्या-विभाजाः॥ व्यानगः। इजित्तिनी ॥ बानी। इजि ह्महम्मः॥ नहात्या जी नाग्यना। इजि द्राज्ञ-निर्यणेः॥

गरहानती की महाभाजावती। इंडिं ভावপुकाभः ॥ व्हम्मत्रग्रक कि॥ गरहान्त्रमः कि मरहार माहः। इंडिंग् मतः॥ অভিশবোদ্মোণে भू॰॥ मरहामङः भू॰ তালवृकः। इंडिंग् ভावপुकाभः॥ অভ্যমভিগ্রক কি मरहामिकः की অভিশববৃদ্ধিः। यथा। ভ্যাত্তে মহদৈশ্বর্ধ্যণ পুলা-দীনা নহোমিতি:। অব্যাধিনা শ-রীরেণ চিরণ্ডীব স্থী ভব॥ ইভ্যু-ভেটং॥

নহোন্দ: প্ নৎস্যবিশেষ:।ফলুই ইতিভাষা।যথা।রাজগুবি শিত্র-ফল: ফলকীচি মহোন্দ:।ইতি

मदत्रज्ञावनी ॥ অञ्ज्ञास्त्र जि ॥ মহোরগ ল্লী তগরমূল। ইতিরত্ন गुला॥

न हात्रगः भू मर्भगगिविष्णयः। इंडि (रमहन्युः।। वृह्दमर्भभावकः।। मरशक्षा जी डिक्नाविस्मवः। यथा। বিদ্যুৎস্তনিত নিৰ্ঘাত নহোলানাঞ্চ नः भ्राव। याका निक मनश्राय म ि छित् मन् त्रव्वी ।। मह्मानाक সংপ্লবে ইতন্ততো খনক মহোলা-ना॰ मिम्राउ॥ उन्। लक्क्म माङ् व्रविभिष्ठः । व्रहिथा ह मुन्नागा त्रक नीम मिथाष्क्रमा। भोक्षी न পुमारवन उन्हानाना विका मृजा। ইতি তিথ্যাদিত নু•া।

नरहाकः भ्॰ वृङ्घ्वः। ইত্যমরः॥ ख्ट भर्यशायः । वृष्णः २ वृषः छ भू-व्यवः ८ वनी ६ (गानाथः ७ अवजः ৭ গোপুৰ: ৮ উচ্চা ৯ গোপতি: ১০। ইতি রাজনিঘণ্ট:।।

सरहोकाः वि অভিভেলোযুক্ত: । महरकारका गरमां जिल्लाहरू वस्त्री <u>(इ) अध्येमकवहत्म राष्ट्राभावी</u> ण्डानन मीर्घ कृत्ज ग्रहो**डा है**जि भार विश्व व ॥

नरहोषध की ज्मारकार ॥ मुश्री॥

**७:। ইতি द्रा**जनिर्घणेः॥ नि<sub>न्त</sub> इंडि नफ्ठिन्तुका ॥ অভিবिध ইত্যমর: ॥

नरहोयिथः जी पूर्वा।। लब्जालृक् हेि भद्रवितुका।। महाज्ञार्व पुरावित्मयः। यथा। महत्वी उ ব্যাঘ্ৰী বলা চাতিবলা তথা। भूमी उपामि शे वाद्यी ह मृतह ।। महोयग्रंडेक ल्यांक महार त्न निया द्वार । इंडि लाविक नन्म थ्उ मर्म्भुतान वहनः , व्यभिष्ठः । भुभिन्नभी भागमणः **ज्रताजः ग**जावती खज्ही महरन वा व महरोषविश्वाः मृजः ॥ है मक्षिमुका।। (मुर्डोविष्का।। মহৌষধী জা শ্বেতকণ্টকারী वाक्ती ॥ कर्ट्रका ॥ व्यक्तिया जि जाजनिव्यं ।। हिनानिका । ইকি ক্লিকাওঁশেষ:॥ মক্ রোষে॥ সংঘাতে। ইতি কৰি

कण्लक्यः॥ सक्का छ। इंडि मूर्गामाञः गकः शु अत्रावाहारिन । इति श्रावनी॥ (कावः॥ मग्रः : है वि भृद्धीक शायुर्धर मेनार ॥ नक्तीर्याः श्रु श्रियानतृकः। इटि बाजनिर्घणः॥ लगूनः॥ वाजाशिकन्तः॥ वद्यनाः । मिक्का जी कीवैदिश्यः। मारि

कार जारा। जर्मांगाः। नकी कार जाराः। विकास कार जाराः। विकास काराः। विक

ক্ষাজ্ঞান্ত । ইতি রাজ-নির্ঘণ্টঃ ।।

। ড লি শব্দে । মানে। ইতি কবি-কল্পনঃ ।। ড লি মিনীতে । শুক্রা ধর্মণ নিমীতে যঃ । ইতি হলাবুধঃ । ইতি ভটীকাশা দুর্গালাসঃ ।।

। ল নানে। ইতি কবিকল্পদ্ম:।। ল নাতি ভূনিং নলেন রাজা। ন নাতি সংনিনো সম্যুখশ ব্রিভুবং নোকের । ইতি স্মাযুধ্য। ইতি

७ व भारता इ. डे क्षिक्नम्मः॥

ড য মাযতে। ইভি দুর্গাদাসঃ।। वा वात्रणः ॥ विकन्नः । इंजि या विषिनी ॥ জী লক্ষীঃ। ইতি মেদিনী।। মাতা।। মান•। ইত্যেকাক্ষরকো-बः नद्रवावनी ह।। भा ) वि भरीयाकर्यज्ञाञामारकङ्कि भा•) ভाषा । श्रमहदाट विठीरेयक বচন নিয়ুম্পদ । ইতিব্যাকরণ ॥ মাণসণ ল্লী বক্তজধাতৃবিশেষঃ। মাস্ ইতি ভাষা। স তু গৰ্ভ্ৰনালক-স্যাষ্টভিৰ্মাসৈ ৰ্ভবতি। ইতি সুখ-বোধ: ৷৷ ভাগবতমতে চতুভি মাসৈ র্ভব**তি।। ত**ৎপর্য্যায়:। পিশিত ২ তর্স ৩ পলল ৪ ক্রব্য ৫ আমি-ষ ৬ পল । । ইত্যমরঃ ॥ অসুজ ৮ जाव्हनः ৯ कीतः >।। गर्तमाः म खगाः । वाज नामिञ् । वृष्ठञ्जः। वलाजुः। ब्हाजुः। वृःश्वजुः। (ह-**শ ञ्रान माञ्चा म॰ञ्रा स जारे**व रू<sup>7</sup>-(या नाना क्षणपृष्टा। 🗱 ॥ शुजर ज्मयान्भ वाजिक वाजिषाति मा --**मख्याः। ७**कद्भः। উঞ্জবः। सयुब्रद्भः । तिश्व वर्षा वा वस्त्र । मुक्त वस्त्र वस्त्र था। 🗱 ॥ विक्रित পुতृत जा 🖰 व

मा॰म खनाः। वश्दुः। भीउद्गः।

मध्यद्वः। कषायदः। न्नाः विज-

एक ॥ # ॥ श्रञ्जविष्मय ना॰म खनाः। এकररहिन न् बार्कः म्गानाः পক্ষিণা পর । সর্বোঞ্চ শির স্কল श्लीक हमा यक्ट खरा। भार भृहाउ নস্তিষ্ক নুষ কোডাশ্চ নেহনা:। ধাতবং শোণিতাদ্যাশ্চ গুরবঃ সুত্র र्याखंत्रः।। क्षा भुमञानुमञ्जाः नः यथा। वयञ्चः निर्दियः मरम्राह् उः मा॰म॰ भूममार**उ**। मृङ्क वात्रविङ॰' बुड्डे॰ वृष्तः वालः विरेष ईंड॰॥ ज (गाठत २७ वहाउ मृत्विः मान्म मूर्न्हरा # ॥ जञ्जीविधा मान्त्र (यानि र्था। भुनहाः ) भुनञ् ७कः गाट अतत (मा)नाम्यः। जूभवाः २ विवनायिजाए नञ्च (गाधारयः। वान्ताः ० थन्न महिव वज्ञाहानयः। कलकाः ३ अस्त्रीताम्यः। कल्लाःताः ६ इभा वक भुज् उपः। बाक् लाः ७ र्वात प्रामाप्यः । विश्विताः १ वि-কীর্ণচরণাৎ তিত্তির মযুর লক্ষ্টাদ यः। भुज्ताः ৮ भुज्ता हत्रभाद कः পোত পারাবতাদয: ৷ ইতি রাজ নির্ঘণ্ট: ॥#:॥। অপিচ। মাণসং বা-जरूत मर्ब वृष्ट्रा वन भूष्टितृ e 1 भीगन एक इत्यक न युद्ध दमभाक (याः ॥ 🕸 ॥ व्यथ् उत्प्रद्धाः । भा• भ বর্গো দ্বি**ধা জে**ধ্যে **জাক্লা**নুপ তে

দতঃ৷ তত্ৰ জাক্লম্য লক্ণ গণাৰ । ना जिंदां। १७ इहावा विवासाक গুছাশ্যাঃ। তথা পর্ণস্গা র্জেয়। विश्विताः भुज्ना यशि ॥ भूमहा यश-**ह गुमिता याञ्ची बाक्ल काउवः। द्वार**े क्ला नधुता कका खतता लघत उथा ।। वन्तरा एक वृष्ट्या वृष्त्रा मीभना <দাষ হারিণ:। মূকতা॰ মিল্মিনত্বঞ্চ ९.मुरुद्वाप्टि उथा ॥ वाधिर्यं। सक्-ि इप्ति भूषाङ गूथकान् गरान्। न्नीभमः भवगण्यः नामगण्डानिनाः नगान्।। अ।। वाथान्त्रमा वाक्र १॰ গুণাক্ট ক্লেট্রা: পুরাক্টাপি কো-यहाः भारित ख्या। मूट्मा वाड जनायां जाः शक्यान्भकाउगः ॥ व्यान्त्रा नथुताः त्रिका खत्राता विद् नारनाः। (सूप्रनाः निहिना का-পি मा**॰म** পू<sup>®</sup> श्रुपा ज्मा। उथा छि॰ यानित्न (छ हि भाषा १भवाउनाः ন্তা;। #।। অথ জাক্লানা॰ গণনা विभिष्ठी खगाका इतिरान अत्रक्र-র্ব্য প্রত ন্যন্তু শম্বরা:। রাজীবো-পি চ মণ্ডী চেত্যাদ্যা জাঙ্গল সংজ্ঞ-काः॥ इति सञ्जन्नः महारम्भः कृषः भूकीखिं**ड:। अ**टक केशल, एः मणक्र রিণাকৃতিকো লহাত্ন প্র স্থ লাওকো কোনে ব্যাস্থ্য 🔻 🦠

র্ত্তিত:। পৃষত কল্ 🗓 न्यू: न्याक्षति-भार किकिन्तुकः ॥ न्युक्तु वङ् विषाः লৌথ শম্বরে। গ্রেষা মহান্। রাজী-'ৰস্থ মৃগো জেয়ে রাজীভিঃ পরিতো ्रवुष्ठः ॥ (या मृगः मृक्कीनः न्राप्त মুণ্ডীতি নিগদ্যতে। ভদ্বালা: প্রাযশ: সর্বে পিত্ত শ্লেম হরা: মৃতা:॥ কিঞ্চি षाजकत्रा काशि ज्वत्या वन्तवर्षनाः । # ॥ अथ विष्वभयानाः गणना छः ণাক। গোধা শশ ভ্রহাথু শল कारा वित्नभगः। वित्नभग वा-ভহরা মধুরা রস পাকযোঃ। ৃংহণা वक्वविम्बा वीरग्राका अलि कीर्वि जाः।#॥ अथ एहा मगाना॰ गगना গুণা 🕫। नि : হ ব্যাঘু বৃকা খার্ফ তরক্ষ षीलिन खथा। वक्र जम्क नार्ब्हादा इंड्राम्रास खरामगाः ॥ स्वन्हा রক্তনেত্রো বৃক্ত ভেদ: স্নাহ্ল:। ও হাশ্যা বাত হরা তরক মধুরাক তে।। স্নিশ্ব। বল্যা হিতা নিত্যু নেত্র ॥ एक विकादिगा । 🗱 ।। यथ भर्गम् गाना गनना रामह । वतनीरका वृक्षः मार्ज्जात नृक्षमक्षिकाम्यः। এতে भर्गम्याः (भाका मृभ्यादिः) मह िं छ। ए खुरुए मध्येषा त्रा मह-শ্বন্ধ লোখন হিডা: খাসার্শঃ ा प्राचित्र शहे भूज भूतीयकाः ॥

क्षा अथ विश्वितानाः गनना खना**ण्डा** বৰ্ত্ত গালাব ৰিকিব্ন কপিঞ্জলক জি-खिताः। **य**ेव र **य**क्षेपराण्य विश्वि-द्राः मनुपाइ गः ॥ विकीर्यं छक्त्र-ख्याङ ययाङ्गाकि विकिताः। क-शिक्षना इंडि शुरिकः कथिङ। भी-রতিভিরা: ॥ বিষিत। ন্ররা: শी-जाः कषायाः कर्नुभाकिनः। दन्ता वृष्ण जिल्लावजाः शेथ्रा एउ नवतः मृजाः ॥ 🗱 ॥ व्यथं भुज्रानाः गतना खना रह। काल कर्र क हात्री उ करमा-ত শশ পত্র হাঃ। সারিকা খঞ্জরী। টক পিকাদ্যা: পুতৃদা: মৃত্যা: ॥ পুত্र। ভক্ষরভাতে তুওেন পুত্রা ख डः । करभार डा ध्वनः भार**ः भ उ**-পতো বৃহ্ছু हः ॥ পুতৃরা মধুরা: পি ख कक्षमार वजा हिमाः। नव्रवा **व**-क्षवर्षकाः किथिष्ट वाउकताः सृजाः 11 # 11 व्यथ भुत्रहानाः गनना खना-শ্চ। কাকে। গৃধু উল্কশ্চ চিল্লশ্চ শশ্বাতক:। চাষে। ভাষশ্চ স্বর इेज्रान्**राः भुगराः** मृजाः ॥ भुगराः কীৰ্ত্তিতা এতে পুসন্থ। ছিন্য ভক্ষ-गाए। नुत्रहाः थल् वी ग्राकाः य-গ্মাস• ভক্ষদন্তি যে।। তে শোষ ভ-মকোন্মানৈঃ শুক্রফীণ ভবন্তি হি ৷ শশ্বাভক্সানে শভ্যাভকোপি

পাঠ:। বাজ ইতি লোকে॥ 🟶 ॥ অথগান্যাণা গণনা ভণাস্চ।ছাগ भिष व्याचार्। गुम्राः (भुका म रुर्विভि:। गुान्। वाउर्दाः गर्व দীপনা: কফ পিত্তলা: ৷৷ নধুরা রস भाकान्त्राः व्र्राः वनवर्षानाः । #।। छाथ इरलाहत्रामाः भगना खमानहा লুলাপ গণ্ড বারাহ চমরী বারণা-मयः । এতে ক্লেচরা: প্রোক্তা যত: क्षा हत्रसभी।। क्षाह्या गरूए-পিত হরা ব্ব্যা বলাবহা:। মধুরা: भी उलाः ज़िका मूबलाः (भूगा वर्कः नाः ॥ 🕸 ॥ व्यथ প्लवानाः गणना खणाः শ্চ। **হ•স সারস** কাচাক্ষ বক ক্রৌ. थ সরারিকাঃ। नन्तीम्थी সকাদয়া वनाकान्त्राः श्लवाः मृजाः । श्लवत्त्रः 🛭 मितित यमापि उमार श्रवाः मृजाः ॥ श्रुवा करठाता वृज्य ह यम्। শ্চঞ্পরিস্থিতা।। ৩টিকা চঞ্চ স-मृभी (क्किया नन्तीमृथीिक সা। প্লবাঃ পিতত্বাঃ শ্রিকা মধুরা গুরবো ছি-भाः ॥ वाज (भूषाभुमा कानि दन শুক্র করাঃ সরাঃ।#। অথ কোষস্থা ना॰ गगना रागाणा । मञ्जः मञ्जनशन्छाः পি শুক্তি শঘুক কর্কটাঃ। জীবা এ-वश्चिषा नहारन्य (काषञ्चाः भविकीर्जि ভাগা কোষস্থা মধুরাঃ স্নিঞ্চাঃ পি

ত্ত বাতহরা হিমা:। বৃ·হণাবছব# व्याक वनवर्षनाः॥ 🗱 ॥ व्य **मिना॰ गमना खगाण्ड ॥ ऋ**ञ्जीत <sup>१</sup> ৰক্রাণ্চ গোধা মকর শক্ষরাঃ। যা कः जिज्ञात (क्छाप्यः भाष्. শ্রতাঃ।। পাদিনোপি চ যে ওেঁ কোষস্থানা গুণৈঃ সনাঃ।ইতি ভ भुकानः ॥ अ। अ।। जन्रह। मा वा ७ इतः वृष्णः वृःशः वनवर्षाः शीगन एक इत्रक नधूत तम कर्याः ॥ #॥ जरम्राट्भि इ मद्रेवियः यथा। भुमश् छक्षयः ॥ পুসহা एउन की खिजाः। ज्नया वमायिदामान् लान्ल मः मुगार **बल निरामाञ्जनका बलहर्यप्र**् (निष्द्राः। इनडा काञ्रनाः (भाक भूगा अक्त ठात्रिभः ॥ विकीयं। वि क्षितारेक्टव भुजूमा भुजूमा खबा যোনি রষ্ট বিধা ছেষা না সাল गः भूकीर्खिं जा ॥ **% ॥ भूमरा** ज् यान्भ वाबिका वाबिकाविभः। अक्ष मध्याः त्रिया वाल्याः णुकवकाः ॥ नावास्त्रा विक्रिता वर्गः भुक् काञ्चा मृगाः। वनदः भीतः पदः नकवाया विजात् । १३ । १४ । नग्य खगाः। द्राप्तः गाः लन्। हक्ष्य त्•इनः श्राम बर्ख्यः । एत्वा ट-

विकातमः म्टिशकः सत्रवस्तः॥ ७१ विश्लिष्ठ मुक्कीना॰ काठाना॰ वृणिना॰ ्रि**डः। क्षां अथरे** उन्नश्चनाः मखनाः र्भा भारत योखन मरिका वीर्यप्रायः भिखनः करूँ। अधिमन्ती भनः क्राः मृष्टिन्ट शृष्टिन हुक ॥ # ॥ श्ख्राक মা-সন্তবাং। মা-সম্ভ দৃত সাসিত্র मृष्टिमः भूष्टिनुह्मयू। भीगनः नर्ववाञ् ा॰ विस्मयाम् शमायिगा॰ ॥ 🗱 ॥ अतिमृष्ठ अपिया मा नारा लीकन ্ণাশ্চ। মাণসণ বহুঘৃতে ভৃষ্টণ সিজ্বা চাঞ্চাম্বনা মূত:। জীরকাদ্যে: সমা-থুক পরিশৃষ্ণ তদুচ্যতে।। পরিশৃষ্ণ इत जिया इर्ग श्रीनन एक। भेखवः वनस्मधान् ना राजेकः भ्क বৰ্জন-।। তদেব ঘনতকাচ্যে পুদিপা नविकाउकः। शुरिषा वन माभानि এছন বাত পিত্ৰভিৎ ॥ 🏨 ॥ শ্লি-কা পর মাণস গুণা:। মাণসভ্ত শ্ লিকা প্রোত মঙ্গারেণ বিপাচিত रक्त्य॰ एक् उद्ग॰ व्याः **नीक्षा**गीना जमा हिंखः॥ #॥ (वनवात्र माः जज লক্ষণ গুণাশ্চ। নিরন্থি পিশিত পিষ্ঠ সিদ্ধ গড় মূলাবিত। কৃষ নরিচ সংযক্ত বেশবার ইতি মৃত। विभवात क्षा किया वलाशहर वण्याः मानुशा यन ययत्व वाक्षनः

वांग

भू ना भा भारताः। उन्। उन्। उर्य रेण्डजून पारेष विजानस्य ॥ 🛊 ॥ একত্ৰ সৰ্বমাণ্স ভক্ষণ দোবো যথা । একত गर्दमा गानि विक्धारखंगः त्रन्यतः। #॥ मा॰ममः अवादः यथा । व्यवारहे खाः निष्ठेः निहारहेखाः প্য: ৷ প্যসোষ্ট গুণ মা স মা সা-मध्याः वृज् । वृजामध्याः रेजनः मर्पनामह ७क्ष्णाए ॥ इन्जि द्राज-वल्ला अ: ॥ अ। वर्क्त नीय भा भानि यथा। कवार भिक्त नाजाह मूक गाः मानि वर्जात्य । मात्रीमकणका-ন্ হংসান্ বলাক। বক টিউভান্।। **चद्रतः जानभारक थ**छत्रीहे मृशवि-कान्। ठाजान् मार्जान् द्रक्लानान् कथ्वा वि कामला नद्रः॥ वक्रुव्र॰ का-नाज निका (माभवाम अ)रः वरमर । ইঙ্কি গাৰুডে ৯৬ অধ্যায়: ॥ 🗱 🛭 भाग जक्त (सार्या यथा। ला-ভাৎষ ভক্ষণার্থায की বিন॰ হস্তি যো নর:। মজ্জাঙ্গণ্ডে বদেৎ সোপি ত-ডোজী লক্ষবর্ষক।। ততো ভবেৎস শশকো নীনশ্চ সপ্তজন্মস্! ত্ণাদ্য-क कर्मा अं उठ: मूकि लाउ धुन ॥ ইতি বৃদ্ধবৈবর্ত্তে পুকৃতিখণ্ডে ২৭ व्यक्षायः॥ ॥ व्यक्षित्र। वनाकः स्•म **रा**ञ्ह क्विद्धः मृक उथा। क

जुज्क हरकाइक जानभारक काकिः वा ।। ठावक अक्षत्रीहेक त्नान गृश् ভথৈৰ চাডিলুকঃ চক্ৰবাৰক ভাৰণ পারাবতম্বৃপি 🛭 কপোত টিটিক-ক্ষৈব গুামটিউভ মেব চ। সিংহ न्। पुष्क मार्ड्डाद्र॰ याम भ्वत्र स्मर ।। मृगानः अक्कं देरिक्षव गर्मा उक्ष म ज्ञाय । व ज्ञाय अर्वग्गाम् भः किए। १न्रान्तिक्रान् ॥ बलक्रान् इलाइताम् भागिन (काछि शात्रणा। इंडि क्र्यभूत्रात उभित्र जाता ५५ व्यथायः ॥ 🕸 ॥ व्यन्ताः । नीम्राम्-विधिना मा म विधि खाना में कि बि জ:। জপ্ব। হৃবিধিনা মাণসণ প্রেত্তি তৈ ব্লদ্যত হ্বশ:।। ন তাদৃশ ভ वाजान। मृगर्ख र्यना थिनः। याष्-শ• ভবতি প্রেড্য বৃথানাংসানি খাঁ-मजः ॥ अर्गाम्य्जनम् नाकः अ र्य्याट शिष्टेशमु ज्था। म ख्व जू वृ था इन्ड॰ भणु भिरहर कनाठम।। या-विष्ठ भण्दामानि जावर कृत्वा इ মারণ । বৃথা পশ্ম: প্রাপ্নোতি প্রে-**७** इ. ज्यानि क्र ज्यानि ।। ना कृषा शुर्ग না হিংমা মাস মৃৎপদ্যতে কু চিৎ। নচ পুৰ্যাণবধঃ স্বৰ্গ্য শুস্থান্মাণ-मः विवद्धंत्र ॥ भगू८ भविष्यं माः अभा वस वस्को ह रहिना । भुननी

का मिक्टबंड गर्बमा गमा उक्तार भाग ज्ञायि या भागा विधि है। षा भिणाहतः। भ लोक शियदोः याञ्चित्रविधिक न भीउग्रंड है। ·समाः मः अतमा शमन या वर्षाय छ निहु । जनजाई। शिजून (मरोप .जि.जामा नासा १ भूगाव्य ॥ वार्ष वर्ष श्यामायन रहा यहाल माज म-माः। गाःगानि हन थाति व खराः भूगु कन त्रमा कन म्लामरेन मि सि। म् न। बानाकः एकाकरिनः। न তৎ कल मवाल्यां जिया**ंम भद्रि**-ব্ৰজনাৎ ৷৷ মাণ স ভক্ষবিতামূত্ৰ য-প্রে মাণ্য মিহ্ঘ্যছণ। এ**চ্মাণ্যস্য** भाश्यक्ष भूवमिक मभीविगः ॥ (या यम) मान्य नदां जिल्ला ज्या नार ं উচ্যতে। यथम्यामः मर्त्रमाः मानं छ-वाचि नाम विवद्धारि ॥ इंडिमा-नरव ए अवग्रवः॥ 🗱॥ अन्ति। 🗃-ভাগবত পঞ্চমস্কন্ধগদ্য । যেত্বি इ ति शक्याः भूक्यरायन यहासा याण जिएगा नृष्ण्न थान छ जानक তাশ্চ তে পশবো ইহ নিহতা ৰ-गमरान याउयस्था ब्राक्कागगाः । भौनिक। इव जूधि जिना वनाया ज्रक् পিবন্তীতি ॥ বুন্ধপুর্ণে । পশোস্ত गार्ग्यागमा न मान्तर गुरिद्द

किरिट । मृष्ठयाः मः श्राक्षणयाः म्इ-हिं। ज अवाकियो ॥ मेराजात्र छ। হরাগার্ভো ভীর্থিতো বাপি যৌ মাণ-ध्य<sup>र</sup> नाडारलाम्**णः।** क्लमास्य।७४-্যন্ত্রেন সো হস্বরেধ শতস্য চ।। ন-िन्ति भुदानः यरको शरमभः सर्वेद পরস্যত্ নহাত্মক্ষ। নাংসস্যবর্জ न फल (ना स्मान्मान फल लाउ ॥ ভবিষ্যপ্রাণ । আনিমারক भाकक या जुल्ह ह तरव जिला मध জন্ম ভবেৎ স্বত্তী দরিদু শ্চোলাগ্রায-ভেয়াবিফুপুরাণ। চতুর্দ্দা্রস্থনী চৈ ব অনাবাল্যাথ পূর্ণিমা। পর্রাণ্ডে ভানি রাডেন্দু রবিসক্তান্তিরেব চ।। खी रेउन गा॰म म॰ जागी शर्बाय তেষু বৈ পুমান্। বিশ্ব ভোজন নাম পুযাতি নরক মৃত: ॥ ইতি **তिथ्रा**मिख्दु• ।। **# । # ।। अथ मा•**-স ভক্ষণ বিধি: ৷ শাুদ্ধে দেবান্ পি-जून शाही थामन भागन न तमाय-ভাক্। বসেৎ স নরকে ঘোরে দি-নানি পশ্রোনভিঃ ৷৷ সমিতানি দুরাচারে। যো হন্ত্যবিধিনা পশূন্। मा'म' म'जुडा म'भाभा कामान যাতি ততো হরি:।। ইতি গাৰুডে ৯৬ অধ্যায়ঃ।। 🙉 ।। অপিচ। গোধা কুর্ম: শশ: খন্নী, শল্যক শ্চেতি সত্ত

माः। एकान् शक्नशाविष्ठाः मन् त्रार् नुवाशिष्टः॥ भ< न्रान् नन्त्रान् ভূঞ্জীত মাংসং রৌরব মেব চ। নিবে: দ্য দেবতাভ্যুম্চ ব্ৰান্ধণেভ্যুম্চ না-ন্যথা।। মাযুর• তৈত্তিরঞ্বৈ কপো-ভঞ্চ কপিঞ্জল । বাছ্মী নস বক ভ क्रा नीवर अभावाबिजाः ॥ अक् ব্ৰ: সি:হতুগুশ্চ তথা পাঠীনরোহি-ভৌ। মৎস্যান্ত্রে সমুদ্দিষ্টা ভক্ষ गाय जलाबदेनः ॥ (भुाकि उ॰ जक-र्यरम्याः भागक विज्ञामाऽया। यथा विवि नियुक्कक जागानामिल हाउप्रय া জক্ষপি নামানি শেষভো-की न निभारत। खेनदार्थ मणरतने-বা নিযোগাত্মজ্ঞ কারণাৎ।। আমৃ ञिञ्च यः भाषा रित्व वा भाष्म मूद-স্কেৎ। যাবন্তি পশ্রোমাণি তাব-েতো নরকান্ বুজেৎ।। ইতি কুর্মপুরা-ণে উপরিভাগে ১৬ অধ্যায়:।। 🕸 🛚 ।। অপিচ। মা সস্যাতঃ পুরক্ষ্যামি विधि ভक्षा वर्ड्सन। (भाकि उ **७क्वराका॰ज॰** वाक्रगानाथ काम्। य।। यथा विधि निगुक्छ भागाना मि-ব চাত্যযো৷ প্রাণস্যান্ন মিরণ সর্বণ পুজাপতি রকল্লখে । স্থাবর জঙ্গ-মঞ্চৈব সর্ব• পুাণস্য ভোজন• ॥ চ-त्राना नमगठता मः श्चिनामभारकः श्चिनः १

व्यह्खाण्ड मह्खाना॰ ज्द्रागारेक्ष्व ∥ **जीवरः ॥ नाखान्य। जाममान्।** भागिता १इना इनामा । धारेवर म् है। शान्ताक भागिताखात वर्षा। যজ্ঞায় জন্ধি স্না-সদ্যোত্যেষ দৈবো বিধি: মৃত: ৷ অতো হন্যথা পুরুক্তি স্ত রাক্ষসো বিধি কচ্যতে ॥ কীত্বা স্বযন্ত্রাপুত্পাদ্য পরোপক্ত মেব-वा। (रवान् भिज्नईयिषा थापन् ∥ गाः मः न मृष्राज्ञा नियुक्तस्र यथा ना यः (या माः मः नाखि मानवः। म (भूः **ভ্য পশুতা** যাতি সম্ভবানেক বিং 🧢 শক্তি ॥ ন মা স ভক্ষণে দেখোন माम् । नह रेनथुरन । भुवृत्ति त्रवा जू তানা নিবৃত্তিস্ত মহাফলা।। ইতি शानत्व व व्यथायः ॥ 🗱 ॥ एत्वी श्रु-त्रागः। अक्षेत्रीः ममूरभारेषाद्रवनवमाम পরে হনি। মৎস্য মাংসোপহারেণ मन्त्रादेशस्यम् अञ्चम् ॥ (**७**देनव वि-थिनामछ त्रय॰ जूक्षी**छ नानाथा।** या-ज्जवहाः। शानाजाय ज्या भाषा (शाक्षिठ दिककाम)या । (स्वान् পিতৃন্ সমভ্যষ্ঠ খাদন্ মাংলং ন मिष्ठाक् ॥ यमः । जक्कार्यण् (भा-ক্ষিত নাংসং সক্ৎ ব্ৰাহ্মণ কান্যয়া । दिर्व नियुक्तः भाषा वा नियम ह विवद्धरिए ॥ इंडि डिथ्राहिडवृ

॥ #। #। ভাকামিব वर्ड्या भागियः कीक करन व गागियः णागियः त्रक्रणाकः वंश पष मानिषः॥ (गार्व মানিষ কীর নিত্যত্র পত্রাণ भिषः भर्ग मिछि ह भार्ठः। কর্মলোচন: ॥ मा मः भुः कावः॥कीः। मद्भवज्ञावनी ॥ मा॰मकाति ही तक । ইভি 🥰 **इन्पः** ॥ भागहरा जी भागताहिनीविष्ट ा उट्भर्यायः। नाःनीर नाःन ही ७ तमायनी ८ मुखामा ६ व्य मक्तिनी ७। इंजि ताजनिर्घणः 🕾 মাংসজং ক্লী মেদঃ।ইতি হেমচনু मा नाउनः ही (नरः। इंडि (इ हम्मुः ॥ **माः मरलनः भूः श्लीर्श्नृकः। ই**ा भम्ठिम्मुका॥ भा•मृत्रावी भू• व्यव्यव्याः। अ वाकनिर्घणः॥ भाःमभवन द्वी भाःमभावः। उ कशाउद्रः भाःम्भाकः। ইভি ব্য क्षराः !! भा•मरभभी किन्यर्ज्यादशाविष्णयः यथा। बृहुन्दः अध्ययुक्तन हान वरभ्यः

व्यविष्ठः । विमक्षाहाट ज्यव ়োশী রক্ত মাণস চিতা দ্ঢা।। বীজ किर्वाक्षुताः (शम्रः शक्विःमि রাত্রতঃ। ইতি সুখবোধঃ ॥ 🗱 ॥ াথ মা॰সম্য পেশী রাহ। যথার্থ ুমণা যুক্তো বাষুঃ শোুতা পি দার ষেৎ। অনুপুবিশ্য পিশিত পেশী िंडबाउ उथा ॥ यथार्थ· यथा**পु**-१ जन ।। # ।। ना मालनीना मः ্যামাহ।মা•সপেশ্যঃ সমাথ্যাতা ূণা• পঞ্চশতানি চ। তাসা• শতা-। চত্ত্বারি শাখাসু কথিতান্যথ।। াগঙে বডুত্তরা ষষ্টিঃ কথিতা মুনি ্ হবৈ:। গ্রীবাষা উদ্ধৃ গা-স্তান্ত চ वृज्ञिः मर भुकीर्खिजाः ॥ जाः मा াগতা: পাহ। একৈকস্যা পাদা জুল্যাণ ভিসু ভিসু ন্তা: পঞ্চদশ ১৫ कानाम् मन >० भारताभितिक्ई म ं विश्वा मण २० ७ इ. उन्तरमा मंग २० ্বলানুনোরন্তরে বিংশতি: ২০ জা-ুনি পঞ্চ ৫ উরে বি**॰শভিঃ** ২০ ব•- <sup>॥</sup> াণে দশ ১০ এবনেকমিন্ শক্তিনি ্ত ১০০ ভবস্তি। এতেনেতর শ-🍕 বাহু চ ব্যাখনতৌ ॥ 🗱 ॥ অথ **শঙ্গতাঃ পাহ**় গদে ভিসুঃ ৩ लक्लाका इंत्यवनशासका ३ वृष-स्यापं हे सिक्ताः शक शक ७१ ८। ८

বস্তি মূর্জনি ছে ২ উদরে পঞ্চ ৫ না-ভৌ একা ১ পৃষ্ঠোজ্ব সমিবিষ্ঠা উ-**ভरठः भक्ष भक्ष मीर्घाः ৫। ৫ भार्य-**যো: ষট্ ৬ বক্ষসি দশ ১০ অক-কাণসৌ পুতি সমস্তাৎ সপ্ত १। অঞ্চ কৌ অ•সূআ ইতি লোকে। অ•সৌ ऋको। इमि हि २ यक् छ हि २ श्ली-হ্নি দ্বে ২ উপ্তকে দ্বে ২ ।। #।। অথ श्रीताक ना जार। ग्रीवागा ठउमुः 8 इत्राइक्षो ৮ कश्चेना विचिकाया भिक्ति यावट कका ५ शल कका ५ তালুনি দ্বে ২ জিস্থাযামেকা ১ ওষ্ঠ-(यार्षि २ नामाया॰ (च २ ननारि ठ-তসু: ৪ শিরস্যেকা ১ এবং মাংসপে-শ্যঃ পঞ্শতানি ভবন্তি॥ #॥ জ্রী-ণামপি ভবন্তে তাঃ কিন্ত বি শতি ক্তরা:। গর্ত্তাশয়ে গর্ত্তমার্গে যো-तो **ठ उनरा त्रि ॥ এ**जाः भक्षम তানি নাংসপেশ্যঃ। অধিকা বিংশ-তি র্যথা। গর্ভ্তাশযে তিসু: এ গর্ভ্তছি-पु गः श्रिजाः। শুकार्खव भूरविभन्ताः তিসু: ৩ যোনাবভান্তরতো নুথা শি তে अुम्ए एव र यानात्वव विहिर्न-গ্রসোতঃ পাশ্বদান্তিতে বর্ত্তা यानिकर्णिक इंडि यावट एवं २ खन-(या: भक्ष भक्ष १। १ विवास जामाः বৃদ্ধি ভবিতি। পু•সা• পেশ্যঃ পুর-

ন্তাৎযাঃ পুোক্তা মেহন মুম্বরাঃ। জীণানাব্ত্য তিপ্তত্তি ফলমন্তৰ্গত• हि जाः ॥ व्यम्यायमर्थः । शुःमाः (महनमू इरयाण्ड या खिर्मा मा॰म পেশ্য: প্র্যুক্তা স্তা: জ্ঞীণা পেহ न गुष्का जावार कनः गर्छाणयः व्याव्छा जिक्षेत्रि । गयमामञ्जारः । জ্ঞীণা সাংসপেশ্য জ্রিভি হী নানি পঞ্চতানি ৷ তথাচ ভোৱ: ৷ প क्षरभमी मजात्म्य खीवर्क्ज विक्रि ভূমিপ। অতশ্চ তিসো হীয়ম্ভ भा•मरभणीना•कर्माग्राष्ट्र । भित्र। त्रायृष्टि भदीनि मन्नयस भदीतिनाः । (भभी जिः महि अद्गुर वनविश्व ভবন্তি হি।। ইতি ভাবপুকাশ:।। মা'সফলা জী বার্জাকী।ইতি রাজ निर्घण्टः ॥

মাণ্সভক্ষ: ত্রি মাণ্সভক্ষণকর্ত্তা। মা•স• ভক্ষযতীতি ঢাৎবণ্ণিতি कर्खित येण् भुजारयन निश्चमः ॥ মা সমাসা জী মাবপণী। ইতি वाजिन्धिं ॥ भा भारताहिशी जी मृगिक्तिपुराउपः।

তৎপর্য্যায়:। অণ্নিক্ছা ২ বৃত্তা ১ हर्गक्वा ३ वना ६ विक्वा ७ मा न इताही १। जन्मा छनाः। तृकाद्वः।

সারকর্ণ। দোব ত্রয়ানাশিত্র। इंजि झाबनिघंगेः॥ या'नन क्ली कारामा (गोडीवीडीड-र्गज्या अव्याखनमहाक्ष्वित्याः। वर्षा। ७ जः नगामञ्च्यद्यः गाः मलः পদভয়র । ইতি কাব্যচন্দ্রিকা।। **मा मनः जि वन**वाम्। इन्त्रम् तः ॥ **ञ्**नः । यथा । निवाम्ठ वङ्द्रिशाः मूर्र निर्द् वरा कि वृदेकः कृत्मः। मा॰. मरेलफ धरनारभरेज बनरेक ब्रथरेब-**न्भाः॥ ই** जि गाक्ष ७५ वर्षायः জীণা শেকসি মুদ্ধো:।।।। অথ িমা সলফলা স্ত্রী বৃন্তাকী। ইতিরাজ-निर्घण्टेः ॥

> মা সবিক্রণী ত্রি আমিষ্বিক্রথকর্ত্তা । इंडि इलागृथः ॥ उट्शर्यायः । বৈত্রণসক: ২ কৌটিক: ৩ মাণসি কঃ ৪। ইত্যমরঃ।।

मा मनातः भ् भिनः। इंडि द्राक निर्घणः॥ मा नाम् १ शू॰ (मनः। ইতি রাজ-

निर्घणः॥ মাণসহাসা জ্রী চর্ফ্র त्रज्ञावनी ॥ मा॰मिकः शु॰ माञ

म्बः ॥ मार्गिमी खी की नामी बाजनियकः॥

मानी जी कुर्वामानी।। करकानी। कें जि (मिरिनी ॥ मा महरा । इंडि / अंजिनिर्घणः॥ मा रमक्षे जी बहुना। इंडि ब्राज-

ু নির্ঘণ্ট: ॥

भाकनःः भू जामुव्यः। ইভি म मिनी ॥

भाकनरी जी जामनकी।। नगद्राज्यः । ইতি নেদিনী॥ পীতচন্দন•।ইতি भदगना ॥ सामानी इंडि साक्ती इंजिह हिन्ती जाया। उट्मय्रायः। ब्रुम्बी २ नाम्बी ७ गन्नम्बिका छ। অস্যা গুণাঃ। কটুবু॰। তিক্তবু॰। मध्रवः । मीभनदः । क्ष्रवः। अ-ল্পবাতকারিত্ব। পথ্যত্ব। বর্ষাসূ ন जिञाधिकष्**थ। এकादि मन्**गृती ह শ্যানলাচ তথা পরা। ইতি রাজ-निदंगिः॥

भाकती की भाषमूङ्गमधभी। व्यव ज्ञानामि विश्विर्यथा। ভविष्यु। সृर्यु गुर्ग जुला। हि मुक्ता माघमा मध्मी । অৰুণোদ্যবেলায়া ভস্যা সান মহাফল ।। মাৰে মাসি সিতেপ া ব্রথমী কোটি ভাস্করা। দ-🐃 ্রানার্য্য দানাভ্যা মাযুরা-अ 🤫 अम्मिरः ॥ अक्लाम्य (व-लाया॰ ृक्षा साचम् मध्मी। ग- कायाः यमि वाज्य न्यंश्वरमेरिः সমা ৷৷ কোটি ভাস্করা কোটি সপ্ত-মী ত্ল্যা সপ্তম্যা ভাক্ষর দেবতাক<sup>-</sup> दार। म्र्यापुर्व कलः न्नानजः। नः मिहिए विश्वत्रस्त्र कि न्यायाय । তেন বহুশত স্ঠ্যপুহণ কালীন গ-कात्रान बना कन मनकन मज (छ्वर्॰ ।। 🕸 ।। স্থান পরিপানী নাহ কৃত্য-কল্পলভাষা বিষ্ণু:। সপ্তবদরপত্রা-ণি সপ্তার্ক প্রাণি চ শির্দা নিখায ওঁবন্জন কৃত পাপ ন্যা সন্তুসু জন্মসূ। তল্মে রোকঞ্চ শোকঞ্চ না-कर्त्री रुख मधनी ॥ इंक्रुहार्यः नाया-দিভিশেষ:।রোক ছিব্রু । তিথি क्छामा भीर्गनामा भामाक्षा মাকরী পদ মকরাকারত্ত্ব চান্দুমা-সীয তিথিপর । তিথিকৃত্যে চ কৃষ্ণা-দি• ব্ৰুতে শক্লাদি মেব চ। বিবাহাদৌ क भोद्राप्ति मान क्टा विनिष्टि म्मिष्ठि वुक्षभद्रागाय मन्छद्रापि (प्न उथा युक्क पाह। यथा न ८ म/भू-द्रानः। ययात्रवस्त्रवादि। ज् वयमानु र्षिवाकद्राः । भाषनामम् मधम्याः उमार ना द्रथमध्यी ॥ व्यक्लाह्य বেলাযা তস্যা সান মহাফল । অতএব নারসিংহে রথাখ্যাযা নি-जुङि।। 🛊 ॥ अर्घानान भारतभाष्टी

মাগধ

यथा। अर्कभाषाः जवरदित म् बाक्षा भवन्तिः। जाश्रीकः विधिना वार्षाः मन्त्रामानिका जुडेरय ॥ अडोक् म-र्घामान्यं। जाता म् क्षितित्रपर ।। व्यष्ठ मञ्जल। बननी मई ज्ञाना मधनी मधमिधिक। मधवग्रङ्जि-क प्रिव नम एउ इविमख्रल ॥ भु-गाग मखरा । मधमधिवर श्रीज मश्राक भूरी भन। मश्रम् । भग्रम् स्रङ्धः नत्या ९नष्ठाय (वश्रमः ॥ ∥ ইতি তিথ্যাদিতত্ত্ব•॥ 🗱॥ তস্যা• 🛚 म्राप्त म् फिना द्रवया वा कन यथा। भाषमानमा मधमा (५व॰ भाष् भूतः नदाः । तथ्याजाः भुक्रईस्टि नर्व षन्मु विवर्किंगः॥ गहन्ति उ९ **भर• भाष्ठ•** मृर्ग्रम् ७ (७ र क• । এতত্তে কথিত দেবি সায় শাপ नगुष्डवः ॥ भाभ भुभगनाथानः মহপোতক নাশন । ইতি বরাহ-পুরাণ ॥

गांगधः भू भागित्रनकः। ইতি महा-ভারত ॥ ব শক্রনেণ মহন্বনি রাজাগু স্তৃতিকারী। তৎ প্র্যায়ঃ । মধুকঃ ২ বন্দী ৩ স্তৃতিপাঠকঃ ৪। ইত্যনরভরতৌ॥ তন্যোৎ পত্তি র্যথা। ততো হস্য দক্ষিণ হস্ত নমস্থু স্তে তদা দ্বিলাঃ। মথ্য

-মাগধ্ नात ह छबाज्द न्थूरवनाः नु भवान्।। उत्र देव जाउ मान যক্তে পৈতামহে শুভে। সূতী ज्याः नम्दशमः भो**र्**जः २३ মহামতে ॥ তিমিমেব মহায याङ भुगाङ्का २० मागवः। (१ ক্তো তদা মুনিবরৈ স্তারুভৌ সূ मागक्षो ॥ खूगजा मिष नृश भृथू रिवंगाः भुजाभवान् । मूर মিতি সূতি রভিষ্তি: অভিষ্যা কণ্ড্যতে সোমো হস্যানিতি সূচি भागाভिषव ज्ञि उम्रा॰। (म विकृश्रात > अंश्म >> अक्रा **खर्डोका हा। #॥ वर्गमङ्ग्रह्मा**टि विष्मयः। त जू कवियायाः विषा জ্জাত:। ভাট্ ইতি খ্যাত:। মগ ধেষু ভবো নাগধ: यः । ইত্যমন্ন ভরতৌ ॥ बतामक्षताबः। यथा गागाया न ह इन्डावता ज्यः कर्न বলোদ্যম•। ইতি শ্রীভাগবতে ১০ कतः ॥ मुङ्गजीतकः॥ नगन्रामा ভবে ত্রি। ইতি মেদিনী।। भागधारिको जी बाधिका। यथा। তাসাম্ভ মাগধাদেবী তপ্তচানীকর পুভা। वृन्तावरमध्रती द्राक्षा मः द्रा

ধাত্বর্থ কারণাৎ।। ইতি পাদ্দে-

भागिनेश्रेष्ठ व्याग स्नाकाक प्रथा जो यृथिका ॥ शिश्ननी । इज्यात समिनोकातो ॥ कृष्टिः । काताणिकाणि इजि जाना। इजि भक्तिनुका ॥ भक्ता। इजि क्रो भत्रा ॥ जानाविस्मयः। इजि क्रो हमुः ॥

वः श् ञीमखन्म्, निम्शानः वय नहाकावाकर्जी। इंडि उर्गुइः শেষপুদ্ধিকা॥ স্বনামখ্যাত নহা-कावार। यथा। शहसम् जाजी नगः त्रयु काष्ठी नातीय तसा श्रक्षयू विकुः। नशीयू गक्र। नृপতৌচ রামঃ कालाम् नावः कवि कार्विमानः॥ इंजि भागीनाः।। विभागानि कारः শ্বাসাভগত দশ্বসাসং। ন্থাযু-का (भोर्गनानी यव नारम महा उर भर्यप्रायः । जभाः २। इज्यन्नः ॥ न ह विवियः। नकत्र इति विवासिक मू क्ष गृष्टिभराहि पर्गास्त्रा मुथ्यानाः 21 क्ष्णु जिशहाति (शोर्गमान) ष्ट्रा भागानमुः २। मकत्र इतिकः भोतः १। है । ननगामङ्गि লিখন স্বর্গাৎ ॥ তত্র ভাত ফল্লু । विम्या विनीजः सम्मा भुषानः निहा नहाजात युठः भूवीयः । या-

गानुत्राका विषय्ययू माका मार्य २थं अारम भववानित्यणः ॥ ३७ काश्रेभुतीभः॥ 🕸 ॥ व्यथः मावक्-ত্য । পাদ্মে। স্বৰ্গলোকে চিরণ বা-সে। যেয়া সনসি বর্ত্ততে। যত্র ক্বাপি রলে তৈন্ত সাতব্য গুগ ভান্ধরে।। म्राम मृगामु (द्वन नकतः। उ । इ **ভाস্করে। তর সঙ্করঃ। অকণোদ্য-**कारन खरन मञ्जन क्या जाठमा উত্তরাভিমুখঃ ওঁ তৎ সদিত্যুচার্য্য मन कर्म्य जिल जनानामाय अ মদ্য নাবে মাসি অমৃকপক্ষে অমুক **जिथावात्र**ङ्घ मक्त्रं इति यादट প্তাহ মমুক্গোকো ২মুক দেব-नमा वर्गलाक वित्रकाल वान कारना विकू भी जिकारना वा भुाउः নান মহণ করিষ্যে ইক্তি সাকল্প গঙ্গাব্যতিরিক্ত উপনীতিপি রান্ কৰ্ত্ব্য়ণ ৷ প্ৰতিদিন সন্ধল্প তু আঁ-ब्रेंड) नेकब्रेड़ विं योदं भुंडेह मिकि न वंकवार किंखें मानान हत गंतंब्रह्मं ब्रदाविक्यिकः वस्त्रदर्भः। हामु ज्ञीन दाकाञ्च रिन्धाथकृत्जी श्रृप्राक्तर । उब गराह क्षा राया-ক্ত বিধিনা স্নানেতিকভব্যতা বি-ধায ওঁ দুঃথ দারিদ্যু নালায 🗟 বি-ফো ভোষণাৰ চ। প্ৰাতঃ সান•

करतागुरा नार्य भाभ भुगानन ॥ मकब्राञ्च त्रायो नात्य गाविन्माहुऽङ মাধ্ব ৷ স্থানেনানেন সে দেব যথোক্ত क्वारा ७व ॥ इज्रुहार्यं साराए। ততো বাসুদেব হির কৃষণ প্রীধরঞ্চ मात्रङ्कः । उ निवाकत जनमाथ পুভাকর নমো হন্ত তে।। পরিপূর্ণ জ্ক্ষ্ণে মাঘ স্থান মহাবুত। চা-न्तुत्रात्व भकतार्का स्पृष्टकात्व भकत-ছে রবাবিত্যস্য ন পাঠঃ। অসম विजार्थद्वार । जीर्थ ज् माचमाम मिम॰ भूगा भामाइ॰ (प्रवमाधव। ভীর্থস্যাস্য জলে নিত্যু পুসীদ ভ গবন্ হরে ।। ইতি পঠিয়া দুংখ দা রিদুর নাশাযেত্যাদিক পঠিতব্য । शक्रायास शम्भवाता । दिन दिन সহসুস্ত সুবৰ্ণানা বিশাস্পতে ৷তেন দত্ত হি গ্ৰামাণ যো নাঘে সাতি মাধব।। মানব ইতি ক্বচিৎ পাঠা।। **७**३मा अङ्ग्ल जु भुजिमिन अङ्गु ज्वर्गरान्डन। कन जनकन भारि-কান: শ্রীবিষ্ণু প্রীতিকানো বা মাষ नामः यावट भुजाइः गक्रायाः भा-ত: স্নান মহস্করিষ্যে। ইতি বাক্যে विष्मयः। भुं छि दिन यह । ह्व कृ मङ्गु भूर्यनामसम्। फल ममकन श्रास्त्र कारमः दिक् भी जिकारमः वा शकाः ॥

या॰ भाजः नान गरः क्रियास्त याथाक विधिनः ज्ञारम्यिकसम् विशाय ७ मानमान किन्ते नै न्नामाङ् एतव नायप । जीर्थमाना काल निख्रः भूभीम खगवन् रुखा। **मृःथ मात्रिम्। नामा**य 🕮 विस्था **रहा**-विशाय ह । भुग्छः नानः करत्राम्। म माख भाभ भुगामन ।। नकत्रङ् द्रको माध्य भाविन्माहूरङ माथ्व। न्नातनातन (म (मय याथाक क्लामा ভব।। ইতি পঠিত্বা স্নাযাৎ ততো বাসুদেব হরি কৃষ্ণ শ্রীধরঞ্ মরে-ভতঃ। দিবাকর জগনাথ প্রভাকর नामा २ ख । अत्रिभूनं अक्रायुपः नाधन्नानं भश्रात्उ ।। इंडि भारे । #।। ऋन्त्रवानः। मन्त्राधि मक-রাদিত্যে পুণ্যে পুণ্যপুদে শুভে ৷ কর্ত্তব্যে নিয়ন: কশ্চিদুত্রপী নরো-ভাম: 11 তত্তৎ পুণ্যকান: প্রীবিষ্ণু পুীতিকামো বা ইতি বাক্যে বিশেষ: ॥ 🗱 ॥ (भोष्याः (भोर्गमाम्या 🗟 👣 माचलीर्नमानी भर्ग्रेख मिद्रा जुलाऽ-ত্মান্দক নভোক্তব্য ৷৷ # ৷৷ পৌষ্যা উদ্ধৃ • মাঘক্ষাষ্টমুগ্রা• ছাগমাংকেন শুদ্ধ কর্ত্তব্য । মা সাভাবে পায-সোপকরণেন। তদ্ভাবেকেবলামেন वा भाषा कर्डवाः ॥ 🕸 ॥ व्यथ इत्ही

इन्द्रेय । संघगामानाजभाक ब हेल न्या मिल्ली। उन्या मृत्य (व-ना विश्वादकाल यमः ॥ উ नय (देंगाया अकलान्य (वनाया । অনৰ্কাভ্যুদিতে কালে নাঘে কৃষ্ণ চতুদশী। সভার ব্যোম কালে তু তস্যা॰ সান• মহাফল• ॥ সাত্রা अवर्भा जू गमान् अवसारिशः भुग्हा তে। অত্র তিথি কৃত্যত্তাদ্ধৌণচান্দুা मतः । जाञाञ्यनित यकापाम्य স তার চালে মহ্রান্যন চত্দলীলা-ভে পূর্বদিনে সুনে যমতপ্রপ্ত। এক **क्तिनगांव उल्लाट्ड उक्तिन । नाय** সান কালাভ্যন্তরে তাদৃশ চতুর্দশী লাভে নাঘ পাত:সাধিনা তত্ত্বেণ धन कार्या । उब उँ उट अनम् মাঘে নাসি কৃষ্ণে পক্ষে রটস্ত্যা চতু र्फ्या जिल्लो अक्लाम्य (वनायाः অমুক গোত্ৰ: গ্ৰীঅমুক দেব শৰ্মা য-नाम्बानकात्ना शक्षायाः ज्ञानमङ् क्तिर्य। इंडि मह्हू यथा विधि मा नः भुष्डिकः हर्जूमं यमञ्जीनक क र्गाट ॥ # ॥ व्यथ छी शक्ष्मी । उ जा जगितन श्री दि शक्षिमी नार्ज পূর্বদিনে লক্ষ্মী নিরস্বত্যোঃ পূজন गुगाए। এक हिन शुाख उहिता। এবং বহুৰ্য শুক্লপৃঞ্চনীবৃত্ত হলি ।

**७उक्ट ७** ७९. मिर्चु हार्ये । ७२ (म.)-ত্যাদি লক্ষীপ্ৰীতিকামো লক্ষীপ্ৰ-ন নহ• করিষ্যে ইতি সঙ্কল্প শাল-গ্ৰামে জলে বা প্ৰযেৎ। ওঁ পাশা-क नानिकास्मात मृनि र्यामः स्त्रोनप्रयाः । भन्नामनञ्चाः थपारम्ह শ্যিণ বৈলোক্য মাতর•াাগৌরবণা• সূৰপাঞ্চ সৰ্বালস্কার ভ্ৰিতা । রৌশ্রপদা ব্যুকরা বরদা দক্ষি-त्व ज ॥ इंड्रान्न युगद्वा এउ८ भाः पुर ७ वर्षे वर्षे नमः। इंड्रापिना रेन-(वन्तराखन भूकायः । ७ नम एउ मः र्बः हवानाः वद्रम्यनि इति शिर्य। या-গতি তত পুপন্নানা সামে ভ্যাব্তু-महना । इंडातन भृज्ञाञ्जल वर्यन अन्ति ।। # ।। ७ उरमिक्ष्राधार्य अम्पार्डामि मदस्जी श्रीजिकामः नत्रवं भूजन सक् कतिरम् इंडि नक्द्राभानगाम घटामिस कलावा भू ब्रायट । उँ उक्न मकन गिरम्त বিভূতী শুভুকান্তি: সচভর নমিতা-জ্বী সন্নিষ্ণ। সিভাব্লে। নিজকর ক-मलाम्याम् अन्य विश्व विश्व विश्व मक्ष বিভবসিদ্ধ্যৈ পাতু বাণেবতা ন:।। ইতি ধ্যাত্বা বাহ্য এতে পাদ্য ওঁ সরস্বত্যৈ नमः। ইত্যাদিনা নৈবেদ্যা-खन भूहरर**्। उठ: ७** जुपुकारेना

गाय

नत्या निज्यः अबस्टिज्य नत्या नयः। বেদ বেদাঙ্গ বেদান্ত বিদ্যান্থানেড্য-এব চ স্বাহা। ইতি বুক্ষপুরাণীযেন পুক্লাঞ্জিনা জিঃ পূজ্বেৎ। মৎস্য म्राक । महत्रजी न मानू का व यथा न (मरवा जगवानं वुका ब्लाक भिडा নহ:। ত্বা॰ পরিত্যন্ত্র, সম্ভিষ্ঠত্তথা **७व वज्रभुमा। (वमाः भाजानि ग**र्जा-मिन्छ। भीजारिकक यदान विश्वीन षुगा (मिव उर्था (म अस जिन्न्यः ॥ बन्दी र्मिषा धर्ता भूष्टि भो ती जूष्टिः পু ग ष्ठिः । এ जानिः भारि उन् ভিরষ্টাভির্মাণ সরম্বভি॥ ইতি মৎ गान्तानीरेयः भाषा भुगरम ॥ अ॥ বন্ধীবঞ্চান্ত সরস্বত্যৈন দাপ-(यद् । जाहादार भुखक्क भूजायर । ওঁ মৃদ্যাধারায় নমঃ। ইতি নৃদ্যা-थात्र' भूकाराट्। 'अॅ (नश्रेन) नमः। ইতি লেখনी॰ পূজ্যেত ॥ #॥ অথ মাব সগুমী। তত্তো ভ্যদিনে অৰু भारयकारन मधनीन। उ भूर्विरित একদিনে তল্লাভে তদ্দিনে। অৰুণো मयकारन जागाना करन ७ वरहा-ত্যापि সূर्य। गुर्ग कालीन गक्रामान जन्य कन नमकन शुष्टिकान जागू बारबागा मण्य कारमा वाक्लान्य (वनामा नाम मरु रुति (व)। है जि

जकन्। यथा विधि न् **जा॰ विधाय मश्च वमन्न** । কপ্রাণিচ শির্মিন জ্ঞা কৃত পাপ মধা সপ্তসু জ তন্মেরোকঞ্চ শোকঞ্চ মাকরী मध्यी ॥ इंजुङ्गार्ग नायाय । व यथा काल मध क्रेडी कलाक मानि जिन पूर्वाक्ष हनान युख व्यक्तामाय अनुरम् रङ्गामि व्यायुक्ताः। প্য সম্পৎ কাম: 🕮 সূর্য্যাযার্চ্য 🎨 मरमः। इंडि मक्स्मुऽ ७ नरमा विवदः ुतृक्षम् ভाष्ठाउ विष्णुङ्काम । ज गवित्व भूडस्य मवित्व कर्यमायिरः 🔡 ইত্যমন্তর ওঁ জননী সর্বভূতানা 🦠 গুনী সপ্তসন্তিকে। সপ্ত ব্যাস্তি কে দেবি নমস্তে রবি মণ্ডলে ॥ ই পठिश इनगर्याः शिम्य्रायमम इर র্ঘ্য দত্ত্বা ওঁ সপ্ত সভিবছা প্রীত স लाक भुभी भना मधग्रा हि न खर्डा नत्मा **२नसा**य (व**धरम**। इंट. নেন পুণ্যেশ্য শৃদুণাপি স্নানে তৃষ্টা বিধানাৎ স্থান মজ্ঞ বিনা অঘ্য প্র ণাম নত্রাঃ পাঠ্যাঃ পৌরাণিকত্বাৎ । गमावाख वर्गाठ म्यं गुर्वकार्व न शक्रानान जन। कन यमकन शाधि কানে। গহাংশা সুনে নহু করিছে। ইতি বাক্যেবিদেশঃ। অত্রাহ্য দান

ाउट ज्ञानायर्व माघ शुाउः শৈব সিধ্যতি ॥ 🤻 ॥ विद्वानमध्यीयुकः। भुषमात्वा एन इंखिराहा उँ मूर्याः भाग । पि भठिदा जागापि भाव क मि जिन बनान्याराय ७ उ९ मिर्छ् ्रहार्य) अमन्त्र मास्य मानि भूट्सभाक ्ञधन्। स्थिना वादे छ । अधिना नीय भूत मधग्रा लोयमधनी याव : আরোগ্য সম্পৎ কামো ২ভীষ্ট ত छ कनकारमा वा व्यक्तगुमिउत - ( ) अने विहि जि विशासन मधनी ব্রনহ• করিষ্যে ইতি সক্ষ্য সংযম পারণ সহিত• তত্তমাসি তভ্মিয ম॰ দ্ব্যাৎ। তত্র মাঘ্রে অর্কাগ্র भावः जुङ्गीठ। कानुत्न अन्तरीक गृशीउ॰ किनाविड् यवमाज भूमा-ণ জ্বভাবে অন্যগোম্য মুপীক্তি । रेठाक महीहरमक । रेवनारथ किञ्चिन । रैकार ४ जभक करनी कण गथ्र क्वानाबः। नावात बहा-य विद्या नगरा यद भुभागः जनग् ल । भारत नक काल अन इवि-(य) दिन । जार् मृत्काभवामः । वाशित भक्षम्।क्षगाम मग्राखी भुगान इतियागः। कार्लिक वार्ष 'भून्छि गाबः विभिनाक्षीतः छर-

ভাবে की द्राष्ट्रतः। नार्गनीयं शुद्धाः (था वायुणनः। (भीरव सन्नः घृउः। उपनष्ठद्रका <u>वृाक्ष</u>णान् जक्षराष्ट्र जः ক্ত্যা গুড় ক্ষীর নিরামিধৈ:। বিপায **एकिंग एया वि**ख्वन्यान्त्रणाः ॥ व्यष्टेम्। भारतः सर्गाट करूम तहि-তেন চ। মুদ্দ নাষ তিলাদীনি ঘৃত-रिक्ष्य विवर्जायः ॥ এकिमिकः ভक्षः মুক্ত নর্ক তজানুসারত:। চান্দুমা-न विश्नारकारस्यव अन्छापि वुछ वर मनमामिजात उज् कर्जनाः ॥ 😻 । ज्यादाग्रमध्ी । उत्र भ्रह-वट मधमहास्थिवावाज्ञ अहिका-রোগ্য ধন ধান্য পারলৌকিক শুভ ञ्चान भाष्ठि कानः मच्यमद्र गावय আরোগ্যসগুনী বুত নহণ করিবের ইতি সঙ্কল্প পুতিমাস শুক্রমপ্রাণ मानगाम घटानिञ्जल वा भूज-যে । রক্তামুজানন মিতি ধ্যাত্বা এउ८ भाषा भें मूर्ग्याय नम इंग्रापि ভি: সংপ্তঃ আদিত্য ভাস্কর রবে ভানো সুর্য্য দিবাকর। পুভাকর ন मल्ड २ ख (जागाम्यान् भूत्माव्य ॥ ইতি ত্রিঃ পূজ্বেছে। এবং সমুৎসরে लूर्ल मिक्कनाः मन्त्रारः । वाक्रनाः म ভाक्षर । विश्व गामानूष्माः मनावाना वु उद्भवनाति क-

खंदा ।। 🕸 ।। अथ जी ग्राष्ट्रेभी । अप्टे-ন্যা• ব্ৰাহ্মণ: পিতৃ তপণ ক্ৰা ওঁ বৈষাধুপদ্য গোত্রায় **সাস্কৃতি পুব**্ল ताय ह। जन्याय मनास्माउ**ट म** निवः छीग्रवर्माण ॥ इंजि পिज्व ভীশা তপ্ৰেছ। ততঃ ক্তাঞ্জি:। जीयः नाष्ठनत्वा वीद्रः मछ।वानी জিতেন্দ্রিং। আভি রক্তি রবাপ্নোত্ পুত্রপৌরোচিতা কিযা।। ইত্যনেন शुर्थायः । कवियानि छिः शिक्ठ-र्भगाट भूई॰ ७७८ कर्डवार ॥ 🗱 ॥ रिज्ञा (नकारमात्रा मूरभाषत्र द्वार-मारा॰ जिल्लाचर्डन मार्गारक॰.कर्डवर॰ । সান তপ্ণ নহাদান ভোজনাদি यथाला छ पर्या ।। #।। माघ (मोर्न মাস্যা॰ যুগাদ্যাত্বেন পার্বণ বিধিনা मुख्यः कर्वयुः। यन्छक्न कामनया স্থান দানঞ্চ কৰ্ত্তব্যং ৷ ভদ্যাং দান পু নাণস্ত তিথিতত্ত্বে ২নুসন্ধেয় । ইতি কৃত্যতত্ত্ব ।। 🗱 । 🕸 ।। অথ মাঘ সান ফল ৷ বুত দানৈ স্তপোভিশ্চ ন তথা পুীযতে হরি:। মাধ মজ্জন মাত্রেণ যথা প্রীণাতি কে**শবঃ।। ন সন**• বি দ্যতে কিঞ্চিৎ ভে**ন্ধ:** সৌরেণ ভেন্ধ-ना। उद्द शानन भाषम् । जनाः ক্তজাঃ ক্রিযাঃ॥ পুরীতথে বাসুদেব म। नहलाला विमुक्तरा। मावनानः

भुक्र ही उ वर्गला जाय मानवः॥। রক্ষিতেন দেছেন সপ্রভ্রের্ণ বলীয়ন । अधुरवनाम् (इरव नाव **जरवर् ॥ मकत्राप् इत्यो** 💝 🤻 স্নাড্যনুদিতে রবৌ। কথা 🕆 📸 পুম্চ্যেত কথ স ত্রিদিব বুজে ।। বুক্ষহা হেনহারী চ সরাপো গুক্ ভল্নগঃ ৷ মাঘসায়ী বিপাপ: স্যা-ख र म म भी ह भक्षमः ॥ उभभा-তকানি সর্বাণি পাতকানি মহাস্তিচ । ভদ্মীভবস্তি সর্বাণি মাঘন্নাথিনি गानत्व।। भावका इव मीभाउत्त भाष স্থাতা নরোভনা:। বিনুকা: সর্বপা-পেভ্যো নেঘেভ্য ইব চন্দুমা: ॥ व्यापु • भूष्ठ• वघु श्व• वाद्यनः कर्य-जिः कृष्ठ । भाषमान मरह अर्ब· भावकः निम्राया यथा।। भुगनामिकः य८ भाभ• ज्ञानाञ्जान क्उक्ष य८ ৷ স্থান মাত্রেণ ভলশ্যেৎ নকরছে দিবাকরে॥ নিয়াপা জিদিব যান্তি পাপিষ্ঠা যান্তি শুদ্ধতা । সনেংহে। হত্র ন কর্ত্তব্যে মাঘসুনে নরাধিপ।। সর্বে ২ধিকারিণো হাত্র বিষ্ণভক্তৌ यथा न्था नार्ववा॰ अर्गाता नावः সর্বেষা॰ পাপ নাশনঃ ॥ এতদেব পরে। নন্ত্রে: ছেতদেব পর• তপ:। পুरिष्ठि भद्रिक्य मायनान नर्

म्बर्गः ॥ नृगाः बग्रां ब्रगां छात्रार क्ष्रियान गाँउ ज्वर । अधाया জ্ঞান কৌশল্যণ জন্মান্ত্যাসাদ্দ্ৰথা न्न। नि नात कर्षभातन नुकान न विभावनः। भावनः भावनानावः নাবস্থান পরস্থপ।। স্থাতা নাঘে চ (ए त्राक्षन् अर्बकाम कल्णुरि । (उ-তাংশ্চ ভূঞ্জতে লোকাং শ্বন্দু সূর্য্য গুছোপমান্॥ ইতি প্রীপদ্মপুরাণে উত্তর্থণ্ডে ৪ অধ্যায়ঃ॥ । যাতী জী প্রবিক্। ইতিরাজ-न्यिषः॥ ।घरन ली हेन्द्रु नम्निवस्त्र । मघर छ **ट्रेन् नि 5**९१थ क भ्**ड**९१यन निम्नम॰ । ইতি নৃপবোধব্যাকরণণ।। वि जी नवायुकालीर्गनानी। यथा। भूषापुकः (भोर्गमानी (भोषी মাসে তু যত্র সা। নামা স পৌ:বা भाषाम् ४१८ च्हार ।। ইত্যনর:।। নাধীপূর্ণিনা। যথা। অযোধ্যাকাণ্ডে ভরত শপথে। व्यावाही कार्जिकी माघी छिथयः পুণ্য সম্ভবা:। অপুদানবতো যাস্ত यम्प्रार्यप्रानुमरका गजः ॥ विकृष-त्यां खरत । त्योर्ग सभी उथा नाघी भाविती ह नद्याखन । (भीक्ष्मम्हा म बीदाया जथा क्या अया प्रमान । मात्रवार की मत्रवाय इंड । यथा।

॥ এडा ख मुक्कानान् रेव निउरा-নাহ পুরাপতিঃ।। সাচ কলিযুগা-म्।। यथा। व्यथ जानुभार कृत्क जरगाम्माञ्च चाभद्रः। नार्य ह लोर्ननाम्। देव खात्र किल्यूगः ग् उ ।। जन्या कर्मा १ न छ कल यथा। मा९ त्मा । मं उ मिन्तू कर्य भूगा मञ्जूछ दिनकृष्य । वियुत् ण उनार्त्रु मा का मा दिव्यन ४० il था का ना विषु भाषाणी कार्जि ही नाघी रेवणाशीयू। इंडि जिथादि-তত্ত্ব ।। নাঘ্যা নঘা যোগা ভাবে সি হস্ত ভরাবকাল প্রতিপুদবো यथा। भाजाजभः। भाष्याः यहि মঘা নাস্তি সি•ছে গুকু রকারণ•॥ वाजभाउं ७ मकः। ध्रवो इविष्ड ন বিবাহ নাভ হারীত গর্ম পুমুখা मूनीन्ताः। यहा न माघी मधनःयू-তা স্যান্তদা চ কন্যোদ্বহন বদস্তি ৷৷ ইত্মঞ্চ মাঘ্যা• মঘাযোগাভাবে-शि गु.जित्यशामि मघाएइशि अत्रो ভবতি বিবাহস্ত গুরো মঘা পরি-ত্যাগাদেব। ইতিমলমাসতত্ত্বণ।। मार्यानी जी भ्वापिक्। इंजि द्राज-निघणः॥ नाघा ती अन्तर्भूष्मः। इंडामद्रः॥

बाजमार्ग खिना महत्वाम् विवादिष् । ইতি हिन हुन्।।

कन्या मन्या विविद्धि । हिन हुन्।।

मन्या हिन हुन्।। व्यापन विविद्धि ।।

बाजमार हिन हुन्।। व्यापन हिन हुन्।।

बाजमार हिन हुन्।। व्यापन हिन हुन्।।

बाजमार हिन हुन्।।

बाजमार हिन हुन्।।

बाजमार हुन्

माहः भू भद्याः। इठि मम्ब्रद्वावनी माहनः भू गुरः॥ (द्वागः॥ वन्दी॥ होतः। इठि मम्ब्रद्वावनी॥ (म-दिन्ताः गुरुष्टारनगुरु इठि भाठेः॥ माहिका जी मिक्का। इठि द्विकाशु-भाहिका जी मिक्का। इठि द्विकाशु-भाहिकः वर्धापुः। यथा। ज्ञथात्वी-ज्ञानिम् भार्यान्वीन् भुरुमन् मदेनः । ज्ञानिक्षः।। इठि वनभर्वान माद-रम्राभाश्यानः॥

মাচীপত্র• ক্লী সুরপর্ণ-। ইতি রাজ-নির্ঘণ্টঃ।।

মাজল: পৃ• চাসপক্ষী। যথা। মাজ-ল শ্চাসক: স্বল্পে বিহারে। বিন্দু-রেথক:। ইতি শব্দ চন্দুকা।। মাঞ্জিষ্ট• ক্লী লোহিতবৰ্ণ:। ভদ্বতিত্রি

। ইতি হেশহন্দু:॥ वन्दी कर्रहीर्वाषः (महु কৌ সমৌ। ইতি ভূরিপুরে माठेतः भू॰ न्यं।भार्यभित्रि (नयः। यथा। भावेतः रि म् अ म्हञारमाः भाविभा इंडामतः ॥ मर्रेड निवम नगील माठेत्रः मठे वानः নাগ্রীতি অরণ্ নঠরস্যাপ্ত ठेत्र इं**डि सानी । शिक्**वः यागी। भित्र उः भार्षि वर्जः রিপার্খিকা: ঢঘেকানিতি 🐬 म्य्रीः काक्षिकद्वारिष्ठ अवनः मात्र जीजि थिया इन्द्रामरया 🧠 न नागाउद्धरा भूहमा अमा १ স্থিতা:। অত্র পুর্যধান্যাল্ল ভিহিতা:। অত্র মাঠ্যনামা 🤧 **शिक्षणनामा विद्यः। म**एलम শক:। তথাচাগম:। তত্ত্ৰ 🐇 বানপার্ম্বে দণ্ডাথ্যো দণ্ডনা विक्रिन्त पिक्ता भाषा भि नामजन्म मः ॥ यतनानि मि পার্যে খ্যাতো নাঠর সংজ্ঞ এन नभात इत खशामगः अ भक्तामि मः क्रकाः भूक्षात

हें जाः । इंकि ठकी कायाः छत्रकः । वर्गामः । इंकि स्मिनी ॥ ग्रिः। इंकि स्मिनी ॥ ग्रिः। इंकि स्मिनी छिकः। व्या वर्षा इंकि निकासको मुर्गामू गानि वृद्धिः वृक्ष विद्या वर्षा वर्षा । मार्के वर्षाः । मार्के वर्षाः । वर्षा वर्षः । इंकि व्राक्ष वर्षः । वर्षा वर्षः ।।

वः शृ वर्गम्हतकाि विष्णयः । था। व्या छीवत्रकन्यायाः क्रमया-गम यात्रान्। माल्लाभ्याः भाउतक उप कालक कन्मतः॥ ইতি वृक्ष-विष्ठं वृक्षये ७० व्यव्यायः ॥ उमान्यत्रं माउवज्ञान माउत है-ज्ञ भाठेः। कन्मत्र ज्ञान कलन्मत्र जि भाठेः॥

कः पु॰ मांडु किकः। मंडु वाहकः इंडि मिक्षाउरकोमूनी ।।

हैं जी दिनाजिए।। भश्रीनिता। हैं जित्रहारिकायः ॥ पश्राजितः। इंजि किटि । इज्जिनकी कायाः जन्न जः । भश्राज्यः ॥ दिन्त्रभूकाननः । हैं जित्रिती निस्त्रज्ञावत्न्ते॥ मा-हिंदिन्तः भन्निताई। मूह खिन्द्रिज बाए। इंडि (इसहम्पुः ॥ बाही बी पर्णावा। इंडि मदद्राना वनी॥

মাণক শ্লী কন্দবিশেষঃ। মাণকচু ইতি ভাষা। অস্য গুণা:। স্বাদুর্থণ । শীতথা। গুকুর্ণ। শোথইরত্বণ। কটুত্থা ইতি রাজবল্লভঃ॥

भागकः भृ सनामश्राउव्कः। मान-कृणाष्ट्र देखि खात्रा । छल्भग्रायः । छल्भग्राः । इति त्रव्नमाना ॥ मानः ०। वृष्ट्रमः ८ ह्यान्यः ८। इति क्विट ॥

भागवः भू॰ ममूर्यः॥ वालकः। इंडि भष्तद्वावली॥ वाष्ठभयश्चिकश्वदः । इंडि (स्महन्द्रः॥

मागवकः भ् वालकः। त्र छ विष्ण वर्षभर्ग प्रभूषभववकः।। हात्र छ-मः। मञ् विष्ण छ षष्टिकः। विष्ण-नत्र हात्र हे छि छाता। हे छ प्रमञ्ज छ-त्र छो।। सभूकषः। हे छि स्मिनी।। विष्टूः। हे छ (हमहम्मुः।।

गागवीन वि मागवमञ्जूषि । मागवरमु म निवाद भी मुख्य प्राप्त मिश्रम ।।
मागवा की मिणूममूद्दः। देव अम्म ।।
मागवाना ममूद्दा मानवा विकास
मागवाना ममूद्दा मागवा वानः मूर्खन्य मथा मुखन्य । स्वाप्त मथा स्वाप्त । स्वाप्त मथा स्वाप्त । स्वाप्त स्वाप्त

ভট্টাকাযা• ভরতঃ॥ छी जहेभनभित्रगां । ন্যাণিকা इंजि मद्याला॥ नारिकाः ही बद्दिश्यकः। नारिक ইতি ভাষা। তৎপর্য্যায়ঃ। শোণ बद्ध २ बद्धबार ७ ब्रविबङ्क 8 म् ক্লো ৫ বন্ধনাণিক্য ৬ তৰণ ৭ রত্রনাযক ৮ রাগযুক্ ৯ পদারাগঃ ১० রব্ধ· ১১ শোণোপল: ১২ সৌ গন্ধিক ১১ লোহিতক ১৪ সক্বি नर् >१। अया खनाः। मध्रपः। ন্নিক্ষত্ব•।বাত পিত্ত নাশিত্ব•। বহ शुर्यारम शुर्वानज् । भन्न नायन काजिद्धा उन्। वक्रन यथा। নিশা গুৰু গাত্ৰযুত দীপ্ত স্বছ সমা-क्ष मृतक्रक । इंडि का उपानि काः कनातः सार्याः बक्छा। #॥ छन्। (मार्या यथा। बिहाय मजुनि हि उ॰ कर्कन भार्कदिन छिम ध्-मुक । विकाश द्वाग विभाव वय् ानि कार न शाहरयक्तीमान्।। 🕸 ।। उना **ठ** ठ विंश का जि यंथा। जमुक यिन পদারাগ মথ তৎ পীতাতি রক্ত षिशा का नीया द सक्विन्तक यहका न्यापिषु (मोगिक्षिकः। उद्योवः यपि नील गिक्क मिछि छ्वियः ठलुधी दूरिय मां भिका क्य घरं । १ १ १ दिक वा

রাগেণ জাত্য জন্তঃ ৷৷ ইতি রাজদি র্ঘণী: ।। 🕸 ।। নতান্তরে ভস্য দোবা যথা। মানিক্যস্য সমাখ্যাতা অষ্ট্রৌ (माया ग्नीयदिः। विहायक विक्रान ঞ্চ সম্ভেদ: ককরন্তথা ৷৷ অশোভন काकिनक जन धुमा छिश्व रेव। গুণা শ্চন্তার আখ্যাতা শ্বাধা: যো-उन की खिंठा: ॥ श्रायास भ्राबीका এব **তास প**দারাগ শবে मुश्चेव्याः। हाया विजय सम्रक्षानिहाय॰ वक्तुना-শনা দ্বিৰূপণ দ্বিপদণতেন মাণিক্যে ন পরাভবঃ॥ সম্ভেদে। ভিন্ন নিত্যু-क भन्नधा विवायक । कर्कन क-कत्रायक भग् वस् विनामक् ॥ मू-ধ্বেনের সমালিপ্ত নঘনীপুট মৃচ্যতে । অশোভন• সন্দিট্ট• নাণিক্য• বহু मू:थक्ट ॥ मश्विनम् नमहायः का-किनः পরিকীর্তিত। আगু লক্ষী যশো হন্তি সদোষ তুম ধার্যেত।। वाग श्रीन कल (भाक धन धान)।-भवानक्ट। धूमु धून ममाकात देव-मृत्र उर माव्ह्या उथा। त्माजाः দ্বিত্যবন্তো যে নৃণয়: ক্ষতি কারকাঃ । উভয়ৰ পলা যেয়া। তেন চ স্যাৎ পরাভব:॥ভিমেন্ডুড মৃতজ্স্যাৎ कर्कत सन नामकृत । प्रधारका क्यान निष्ठः भूषेत्व यञ्च राष्ट्रायः विवास

कृष्य नमाथप्राञा न न्रेश दक्षीय कः। মধুবিনদ্ সমা শোভা কোকি नाना॰ পুকীर्डिंठा ॥ তেষाঞ্চ वश् खिनाः मूर्य **७ शार्ग्राः क**नाइन । 🗱 🛚 অথ গুণাঃ । গুৰুত্ব বিশ্বতা रिहद देवनन्। मजिब्रुक्ट । उथाह । বর্ণাধিক গুকর্ঞ াসুস্কতা চ তথা ছুতা। অছিমারা মহতা চ মণানা खनम-गुरुः।। कृतः। (ग ककता भू न् न(मानिकाः भुज। विमुक्तः भक्ता বিৰণাঃ ৷ নতে পুশন্তা নণণো ভৰন্তি नगान्या जाजि खेशः मगरेखः॥ रनाःयात्रमृष्टे मणि मणुरवादावि छ-र्खि यः कण्ठन किथान कः। छः वञ्च मृःथाम । वक् विख नामान्या (नाव গণা ভল্লন্তে॥ সপত্ন মধ্যে হপি কৃ छादिवामः भुमार वृद्धाविन वर्ड মানে। ন পত্মরাগদ্য মহাগুণস্য ্ৰ ৪ প্ৰাপ্ত ভালসভি কাচিৎ। ্রাক্ত প্রত্যাপ প্রতিক্রাপ ্ৰিবাস্ত ননভিদুবন্তি। গুণাঃ সমূথ্যৈঃ नकरेन करभाउ॰ यः भगातामः भ्या তে।বিভর্ত্তি।। বালার্ক করস • স্পশাৎ यः मिथा 'लाश्चिं जा वत्न दात्रक्षाय मानुब्यालि मग्राखन उठ्याप् পো 🍽 ্বে কিন্তে রপ্তবেদ্দ: সমস্ত-ा दिश्वा ला िंग वा भग्रता

গ: স উত্তম: ৷৷ অন্ধকারে মহাঘোরে या नाउः मन् महामितः। भुकाणय-তি সূর্য্যাভঃ স শেষ্ট্র: পদ্মরাগকঃ।। পদ্মকোষে ভূ যোন্যন্তো বিকাশযতি তৎ ক্ষণাৎ। পদ্মরাগ বরো ছেষ (प्यानामिक पर्लंडः ॥ अर्द्धा अर्-শমनाः সর্বসম্পত্তি দাযকা:। চত্ত্বা-त्रस्र भएगः म्हिशे ७ शिनम्ह यत्था खत्रः ॥ यामिन मृ माउउ मूदाब्जुलन शि ममह-विः।वःभ कान्तिः म विष्क्रियः मई म-ম্পত্তি দায়ক:॥পঞ্চ সপ্ত নব বিংশ তি রাগ: সম্ভোপি সকল: খলু বস্তে। বর্জযেদ্বনতিবাকরজাল• উত্তরোত্ত-त महाखीनाखा। नीलीतमः मुक्ततमः জল বাবে রঞ্জবন্তি দিশত পুনাণ। তেতেযথাপুর্র মতি পুশস্তাংসৌভা-ग्र मम्मिन्ड विधानमायकाः॥ ७४३१-क्व भूगाग्र मण मध जि खक्षकान्। পদারাগ স্তলযতি যথা পূর্ব মই।-গুণঃ।(কাইকোল ফলাকারে। দ্বাদ नाष्ट्रां ति ७९३कान्। भपादागं छलयः তি यथा পূर्व भहारूनः ।। वनती कल তুল্যো यः শ্বর দিশ্বসূ নাসক:। তথা ধাত্রীফল ত্রিংশৎবিংশতিদ্বপ্তমাস-কঃ৷তথাক্ষ ফল ভূলেয়যোবহিপকৈ-কমাৰকঃ৷ তামূল ফলমানোয শততু-ব্রি দ্বিক তোলক: !৷ বিশ্বীফল সমা-

কারো বসু বড্দশ ভোলক:। অতঃ भवः भुमाणन मानिन ह न वाच्छर ॥ यहि वाख्यक भूत्यान जमा नििक मवाश्रुयाए। किंहिहात्र छताः मिड জাত্যানা পুতিক্পকাঃ॥ বিজাত यः भुषद्भन मिला छ। मृत्राभारदि । काक्ष्मकाः निःश्म (मान्य मुकः मानीयाः। श्रीभर्तिकाणः मम्ना विकाउयः शप्यक्षाशानाः ॥ जूरवाश नकाष्ट्रवनाष्ट्रियन मनिः चलावा-में नि जुम्बयः। कार्याख्या निःश्व দেশ জাতণ মুক্তাভিধানণ নভস: 🔻 ভাৰাৎ ৷ শ্ৰীপৰ্ণক দীপ্তি নিৱাকৃ-তিবাদিলাতি লিকাশ্য ভেদ এব: ॥ 🕸 ॥ छथार । स्त्रह भूमिरहा मृद्रु वायुद्धः विकां जि विकः थवू मार्बक्रनाः । यः শ্যামিকা॰ পৃষ্যতি পদ্মরাগো যো বা ত্বাণামিব চূর্ণ মধ্যঃ।। সেহ পুদিশোনচ যো বিভাতি যো বা পু-म्बाः পुबराजि मीथि। जाकास মূর্দ্ধা চ তথাঙ্গুলিভ্যা• যঃ কালিকা• পার্শ্বগতা বিভর্ত্তি॥ সংপ্রাণ্য তা क्ष्यां भिष्य स्वृतः विভर्ति यः म ৰ্ৰ গুণানভীব। তল্য প্ৰমাণ**স**্য চ তু-**অ**জাতে যোঁ বা গুৰুত্বেন ভবেন্ন তু **ण**ऽः ॥ शुाश्राशि नानाकद्र (रणजा-ত জাত্বা বুধো জাতি গুণেন ল 🖔

্মাণিক্য

क्टा जनुनमाजि जनाराः नायाः भित्रवर्यायः । मृष्ट्वारवा १ শোভাবান পরিমাণ ন মুঞ্চ স জ্বেব: শুৰুজাতিয় জ্বেবা শ বিজাত্য:। স্বজাতক সংগ্ৰেন वित्थका भवन्भवः ॥ वक् वा । विम्नः वा विग्रुह्यात्म्यान्यक्रवारः न मका॰ (नथन॰ कर्डू॰ भग्नेत्रार॰ নী**লযোঃ। গুণোপ গলেন সহ**াব্ধ **স**ণিস্তৃত্বান্ত্যো বিশুণেন জাত্যঃ।স न वर्षाप्रि को खाउन विद्यान् জাতি॰ ন ভ্যাধুধ স্ত॰॥ চণ্ডাক কোপি তথাভিল্পা তান্ সমেত্য 🦠 नशरुष्ठि रङ्गार । उथा भगीन् 🕾 **গুণোপপনান্ শক্তো ২তিবিদা**বা जु विकाजः ॥ 🗱 ॥ जाय ग्ला । লার্কাভিমুখ কৃত্বা দর্পণে ধারত মণি । তত্ৰ কাম্ভি বিভাগেন ছ: ভাগ বিনির্দিশেৎ ॥ বন্তুস্য যন্ত व जन्थारवाङ मृवाः जमुबा গৌরবৃষ্য ৷ তৎ পদ্মরাগম্য তল ন্বিভ্ৰম্য স্যান্মাৰকাখ্যা তুলিভ মূল্য ।। যন্ত্ৰু পদ্যরাগ<del>স্</del>য সং ना भूकीर्जिङ । जावम्मानाः ए শুদ্ধে স্ক্ৰিবিন্দে বিধীণতে।। সং ञ विति ह यावगूना भुकी र्वि **जादम्नाः हर्याःम होनः मा** 

মাত্ৰ

क्रिक ॥ यावम् वं प्र नमा थप्राज्य রবর্ণে চ স্বিভিগে তাবম্ল্য ी॰म॰ शेयां म्मुडमानि ॥ প गः भग येखे श्रंख लाकावन-। कार्याभग महमानि वि मंग्रे লভেড সঃ।। ইন্দুগোপক স কেৰ্বৰ ধৃতো মৃণিঃ। দাবি শ াহসাণি তস্য মূল্যণ বিনির্দি ॥ একোনো न्यट यञ्च यवा সমিভঃ। কার্যাপণ সহসাণি म्ला हर्ज्यम्।। वानाविका निजः कर्षः यसः পुज्नारकः। পণ শতানান্ত মূল্য সন্জিঃ र्वेड ॥ यस माजिम भूझा छः र्त्तन जुजिया । कार्याभग নাস্ত বিংশতি মূল্য নাদিশেৎ ারো মাষকা যস্তরজোৎপল-শুভঃ। মূল্য তস্য বিধাতব্য जः **ग**जशक्षक ॥ विभावका-ণৈঃ সর্বৈরেব সমন্বিতঃ। তস্য বিধাতব্য দিশত তত্ত্ববেদি । মাষকৈক মিতো যস্ত পদ্মরা-গান্বিভঃ। শতৈক সম্মিত বা-्वाः রত্ন বিচক্ষণৈ:।। অতো-্মাণান্ত পদ্মরাগা তণোত্তরাঃ य ।। कार्याभनः ममाथ्याउः

भूत्रांग ष्यं मिखाः। व्यान् क्रम् छुः भानीय मिखारित्र मिखाः॥ का-याया है कि विश्वाकाः ऋषिक भूक-वाक्रत्वा त्वां प्रात्ता खाना वाणि भूषात्राग वहा हिल्ल्या मृन्य मङ्गङ्ख वित्क्ष्यः थात्राग श्लाकनः ख्या। वृक्ष कृष्यि विन्याद्या क्रव्यं य भूकी-र्षिजाः॥ व्वति विन् भिजिक्षि धी-र्याः मन्त्रिक्ष स्वत् । यात्वा १नऽ-था थ्वः अर्याद्राग माक् ख्य क्र-यः॥ हे व्यक्ति क्ष्णु ब्यः ॥

नानिका जो जिडिं। उद्भर्गायः। न्यवी २ गृह्णाधिका ७ गृह्णा-निका ८ जिल्लिका ६ भन्नी ७ ज्राड-नद्माः १ गृह्णानिका ৮। ইতি (हमहम्दुः॥

মাণিবন্ধ ল্লী সৈশ্ববলবণ । ইত্য-মরটাকাষা স্বামী ।। মাণিমন্থ ল্লী সিন্ধ্বলবণ । ইত্য-মরঃ ॥

गाउकः प् रखी। ইত্যমর: ॥ व्य-श्रव्यवृक्षः ॥ कित्राज्जाि वित्मियः । ইতি उपे कित्राणः नश्रव्याः ॥ श्र-श्रदः। ইতি মেদিনী ॥ व्यस्प्राप्त-कवित्ययः। ইতি হেনहम्मुः ॥

विश्वनं मृत्वानं म्वानं उचा नाउक्रमकतः शृ महामू माउक्रा । यू ॥ कार्याभनः ममाथाउः इंडि त्राजनिर्यकः॥ माउदी जी मनगराविष्ठास्त्रशंड-नवमविष्ठा । व्यथं माजङ्गीमद्धः। वागरकचत्रउख्य । व्यथ वरक्रा मः शास्त्री नाउकी नर्दा निक्रा । অস্যোপাসন মাত্রেণ বাক্ সিরিং অভতে ধুর• ৷৷ পুণবঞ্চ ভতো মা-याः कामवीजक कृईकः। माजनी उ यु उ। ठाज विश्वाया विश्व मंनुः ॥ अविः म्याप्तिना मूर्जि वितारे एनः भूकी खिंड। माजकी (एवडा (नवी अर्बनिक्ति अपायिनी ॥ शकः न्याम क्रन्यारमी ऋर्य्याच्छी मना-हिठः। यउ्रीयं ভाजा वीरंजन পूरा वारम् कनुराष्ट्रा यहेरकाना हेरणः পদ্য • লিখে অন্ত: মনোরন । তত্র পুদা পুকত্তায়া জবাপুল্লেণ মন্ত্রবিৎ ॥ यह मकी काहरत्व भूजरय र मू সনাহিতঃ। রতিঃপুতি মনো ভবা ক্রিয়া শুজ্ঞাত শক্তবঃ ।। অনক জ जुनानक् नरना गरना लगा। इंडाई শক্তী: সংপ্তঃ উপহার সম্বিতঃ ॥ उट्डा (रवी॰ भद्रा॰ थ्यायब् ना-थकः हित गानमः। भागमान्तीः भा লিশেখরা তিন্যনা রহুসি হাসন श्चिण ॥ (वरिष वीष्ट्रवरेख व्रिम त्थः টক পাশাস্কু**শধরা**। এবং ধ্যাত্ত্ব। गरार्वी रक्ष भूटेश र्मानाहरैनः

गाउनि

11 रेनरवराङ गरारेररेवा भाष मक्तानिकः। भूत्रकत्रा कात्व ज् ষট্সহসু• মনু• জপেৎ ।। তদ্বা•-मः इत्नारेबाः मक्ता मध्छिः मः र । वुक्षव्रकार्खिः कारिः भाष-ক: শক্তিভি: সহ।। এবং প্রহ্রি याः क् द्वा भुरयाग विधि याहरद्र । <u> তত্ত্ব্বথে শালানে ব। কলানধ্যে চ</u> नाजिकः॥ मद्माः भागः भाषः नक पर्पाष्ट्रक ख्युन्। ताजि (याश्यन कडंब्र) अहा भूर्नक माध কঃ ॥ এবং পুৰোগ মাজেণ কবিতা জাযতে ধুবং। অগ্রিস্তম্ভ: জলস্তম্ভ: वाक्षञ्च कात्रवट धुन ॥ नजी জ্বতি শত্রু-ক তার্ক্যো ভোগি व्यनः यथा। नारज वास्त कविर्य ह व्रुल्लाख विवालद्वः ॥ चान्येन्य विषातन माजले कि कि सक्ति। न्न अर्ग्ट्सा 💎 💝 🎉 🤫 **८५ वज्र ॥ विना मध्रेग्र िस**्हर रिम नीहर्षे भद्राप्त्रकाः । इंडि তস্ত্রসার:॥

गाउत्रशिष्ठात्रो भ्॰ जाउबनविद्यो।

निङ्खित्रनाष्ट्री। इंड्रामद्रः ॥ गाड्या भ् नागः। इंड्यहः॥ गाड्या भ् रेम्प्रविष्ण् हेड्य स्वः॥ माठा जी पान्यक्रिकारक या ना। मानड भूकायाः नामाङ ए हः। ইতি ভরত:।। মা ইতি ভাষা। ख्ट भर्गायः । जनियजी २ भुम्: o क्रन्ती है। इंज्याबाः ॥ नविजी ए स्ति: ७ सनी १ सनि बी ৮ पका २ व्यवः ३० व्यविका ३३ व्यवालिका ३३ । इंडि नम्त्रवादनी ॥ माञ्का २०। इंভि कठे। यद्रः ॥ 🕸 ॥ (याउन প्र कात्रा माज्या यथा। खनमाजी ग-र्ख्यां वे कमाबी ध्किल्या। य-ভীষ্টদেবপত্নী চ পিতৃ: পত্নী চক बाका॥ भगर्छका या जिमनी भूषः পত্নী প্রিয়াপুসু:। মাত্র্মাতা পি छूर्याञा (मारतम् रिया उथा ॥ माजुः পिज्न छिनि माज्वानी छरेथव ह। जनाना॰ (वर्गविङ्डा নাজঃ বেড়েশ যুকা: ॥ ইভি ্ৰীৰেৰে গণপ্ৰি-্ডকাৰ্ত্তিকে-य् मन्दर्शितं १८ वक्तायः ॥ 🛊 ॥ उन भाग भोजयः यथा। कनरका बन्नामा-ন্বাৎপালনাচ পিতাস্তঃ। গ্রী यान् बन्नराजण मा २ वराजा लि তা মুনে ৷৷ বিনামামখরো দেহে৷ ন নিভ্যঃ পিতৃ কন্তব:। তবো: শত গণে মাতা প্ল্যা নান্য চ বন্দিতা ॥গপ্তপারণ পোবাভ্যা॰ নাচ তা-

**ভ্যা॰ गद्रीयमी। ই**তি তবৈব ৪০ **অ**-श्रायः॥ ॥ अभिन। म खक् र्यः किः याः क्दा (यह मरिम् भुगह्छि। छैन-नीव परावर नाठार्याः म भुकी खिंछः ।। এकारम डेशाध्याया विद्युक्त क्रू চ্যতে। এতে মান্যা यथा পূর্বমেভেগ্ মাতা गরীयসী।। ইতি গাৰুডে ৯৪ व्यक्षायः ॥ 🗱 ॥ व्यन्ताः नि निजु र्बन्न॰ कार्ग्र॰ यथा माजूः मूर्जन हि। পিতা চ পতিত ত্যান্তো ন মাতা সংসূতেন হি ॥ গর্ভধারণপোষা দ্বি **ज्ञा नाजा गद्गीयमी। मन वेन्ना**-দুপাধ্যায়ে। গৌরবেণাতি রিচ্যতে।। **उडाः भिजा मण डास नाजा दे**हत গরীয়সী। মাতৃতো হনেগ্রন দেবো-खि उमाद भूजा यहा मुख्या मा-তুশ্চ যদ্ধিত কিছিৎ স্বৰ্তে ভক্তি छः भूनान्। उद्यर्गः हि विकानीया-দেব॰ ধর্মবিদে। বিদু:॥ ইতি বহিং भूद्रानः ॥ # ॥ अभद्रकः । ७क्ना निम मर्खिषाः भ्काः भक विष्मवडः । (उवा भारत खयः (मुक्ठा (खवाः নাতা সুপুজিতা ৷৷ যো ভাব্যতি যা সূতে যেন বিদ্যোপদিশ্যতে ৷ জ্যেষ্ঠ जा जा ज ज ज ज मर्कि ज र द्रवः स् তাঃ॥ আত্মনঃ সর যত্ত্বেন পুাণত্য-श्वन दा भूनः । भूजनीया दिल्लादन

नीकाउ ज्ञि मिह्जा। यावट नि **जार गांजा है बार्वरजी निर्दिकांत्रि**-(गो। अतः भवः भविजाबाः भूयः ন্যারং পরাফাঃ।। গিতা নাতা চ जुमी जो माजा भूग छरेग यमि। मं भूषाः मक्षाः धर्मः भागः याखिन कर्मवी ॥ नाइ मार्ड् मार्ड् समे रेप्टर नांडि भिःज्ञासा धकः। उरयाः भूः ज़ुअकारतानि न कथकन विन्तरङ॥ खर्या विंडंड भियं क्यांतर कर्यना मः নসাপি বিচিন তাভ্যা মন্মুজ্ঞাতো थर्यभन्तः जनामुख्या। इंडि कोर्ष्य উপব্লিভাগে 🖒 अध्यायः ॥ 🛊 ॥ भाक् भपं मञ्ज्यायमा भाक्क्लाकः ॥ यथो। मा है ब्रिट्डित मास्मन याक्ष मः ভাষ্টেত নর।। সা মাত্তুল্যা সং **७** न क्यां माकी मजामिता ॥ उगा निरु ग्रादि कानमूब भ्याजि প:। তত্র ঘোরে বসতে বে বাবদ্বৈ বু-व्यापियः॥ भाषकिङ भाभिनक তস্য নৈব শুভৌ শুক্ত। ইতিবুদ্ধ विवर्ष्धवृष्ट्यशायः॥ #॥ निवग्रः भविवादित्ययः। म ए ष्यमुद्र माद्रण वृक्षामीनाः स्वर निर्ग জত্বাৎ অৰ্থ শক্তিদেব ভাৰপো যথা। नाकी नारस्यती किन्ती वाताशी वि क्वी ज्या। को नात्री रेहव हामूखः

**हिर्दिन छ। है भावतः ॥** बहेला यथा। वान्ती ह दिकवी रेज्न्ती ( वादाहिकी ७था। स्नीत्वती कोमात्री माखतः मध कीर्बिङ लोग्डामित्याज्यमाञ्काः । व (गोत्री भद्या मही (यश मा विजया जया। (पव्यमना चरा च মাতরো লোকনাতর:।। 🕶 🧍 পুষ্টি ঘৃ তি স্তম্ভি রাত্মদেবতয়া 🕬 । जारही विनायकः भूरक्रा जाउ **अनारिवजी ॥ इंजि भाषाज्य**ा इ हगृश्भित्रिणिश्वे ।। 🟶 ॥ रेवक्व মাত্পণা যথা। যত্ত্র মাতৃগণাঃ क्षा खद (श्वा: भुभूबाय । अर **ভাগবতী পৌর্ণমাসী পদান্ত**র 😳 । शका किनक्ष अन्य (भाषी) रूक् বতী তথা। গাঘত্রী তুলসী বাং 🦠 थिवी गाण्ड रिक्थवीः। श्रीयरणाः 🚟 वर्ञी (पवकी (दाहिनी मूथा: 🧻 नीज। (पोनमी अडी श्ना या : 🚁 यः। किञ्चिनतारा उथा ठाडे मि 🗽 র্যাশ্চ তা অপি॥ ইতি পান্মে 🗀 🦠 था अभ व्यवप्रायः ॥ 🗱 ॥ अरु (द। यथा। व्याप्ते माठा खःदाः বান্দণী রাজপজ্বিক। গানী 🕆 🐇 তথা পৃথি। मेरिछ जा नाजदः म्

মাতায়

ि किन्दि भी छें ।। 🛊 ।। मा-ত্ল্য যথা। মাত্র্সা মাতুলা-পিতৃব্যত্রী পিতৃষ্সা। খণ্ডঃ विकाशी ह माञ्ज्वाः भूकी-🔞 ্রা: ॥ ইতি দাবভাগ:॥ 🐲॥ দী:।। ভূমি:। ইভি মেদিনী।। वेष्ट्रिः। ইতি भद्रद्वावनी॥ **শন্মী:। ইভি হেমচন্দু:।। রে**বতী इंड्रब्रनानः ॥ वायुक्गे ॥ न्मुबाक्गी ॥ महामावगी ॥ करे। া সী। ইতি রাজনির্ঘণ্ট:।। পরি াণকর্ত্তরি বি । অমিল্লর্থে পরি-াণার্থ মা খাতোঃ কর্ত্তরি তৃন্পু-ध्रयन निञ्जनः ॥ । जी जननी। यथा। विरम्य यद्गी वेश्वनाजाः हिकाः नुगनागाङ्।

जो जननी। यथा। विरथ चत्री॰ वेश्वभाखा॰ हिखका॰ भुगमागऽङ्। विष्य माना हिल्ला मुर्गाखव माना है। विरख्य माना है।

নতরে প্র জননীজনকো। তথ্ নির্মানিতরে ২ মাতরপিত-নিত তাতজনিথিত্রে ৪। ইত্যমর-রতৌ। নিত্য দ্বিচনাস্তো হ্যণ। নহঃ প্রাত্পোতা। ইত্য রং।। #।। দৌহিত্রস্য মাতামহ ্র্যান্ত্রশীলো দৃঢ্যুতঃ। যজতঃ সুম-নিব্যালাদ্বেতঃ। যজতঃ সুম-থেকালাদ্বে একো হ্তব্ততঃ।

## **মাতাম**

मृत्ज्राः कन्ता मूनीथाया माजुर्ः-শীল কারণাৎ। ক্রা বৃদ্ধি রভ্ত স্য জগভো হস্যাপি পীডনে।। ত-शिवना॰ क्रव बाजा क्रवीगाक य-मिसिनाः । जलगाः निर्स्तगाः वानि যান্তি মাতামহী তনু ॥ ইত্যানি পুরাণ ৷৷ 🐞 ৷৷ ভদ্মরণে ত্রিরাভা-শৌচ যথা। মাভানহানা মরণে ত্রিরাত্রণ স্যাদশৌচকণ ইতি শৃদ্ধি-তত্ত্বে কূর্যপুরাণ ।।#।। দুহ্নিত্ পর্য্য-ভাভাবে ভস্য শ্ৰাক্ষে দৌহিত্ৰস্থা: খিকারো যথা।মাতামহানাং দৌ-हिजाः कर्वस्थार्मन हानाता। एउ ह তেবা পুসৰ্ভি দিভীযে ২হনি স र्शा। ইতি শুषिउकु ।। 🍇। पृहिज् পর্য্যভাভাবে তস্য খনে দৌহিত্র-স্যাধিকারো যথা। তদভাবে দৌ-হিত্র:। পৌত্র দৌহিত্রযো র্লোকে विष्मरमा नास्त्रि भग्नं छ:। उरमा हि মাতাপিভরৌ সম্ভূতৌ তস্যদে-रुजः॥ इंजि मनुबहरने ली अञ्चा ভিধানেন যথা পুঞাভাবে পৌঞ্ ন্তথা দুহিৰভাবে দৌহিৰ:। অত-এব গোবিন্দরাজধৃতো বিষ্ণু:। অ-পুত্ৰ পৌৰে সংসারে দৌহিত্রা ধন माशुगुः। भ्रावंगाः हि स्था कार्त्र পৌএ দৌহিত্রকাঃ সমাঃ।। ইতি

मायउद्धुः ॥ माजामशी खो माजामश्रेषी। माज् भाजा। याहे हेजि जाया। यथा। মাতানহী মাতৃমাতা মাতৃতুল্যা চ প্জিতা। পুনাতামহীজি বি क्काला भूगाजागर कामिनी। वृष পুষাতামহী জ্বো তৎপিত্ কা भिनी जथा। इंजि वुक्तरेवरार्ख वृक्त খণ্ডে > অধ্যায়: ।। 🛊 ।। তন্মরণে প-किनामोह यथा। माज्ल यम्द निष्व छात्री छई क्नामू ह। अमीहः ! পক্ষিণী রাভি মৃতা নাতানহী यि । ইতি শূদ্ধি उद्धः ।। मृहिज् পर्या जात उहासि (मेश्विम्।-विकारता यथा। उपजारव क्लोहि बः। পাগুক্ত বুদ্মপুরাণে তথা দর্শ नाए। (भो असि इअर्या र्लाक न

বিশেষোহন্তি ধর্মত:। তযোর্হিনা-

তা পিতরৌ সম্ভতৌ তস্যদেহতঃ

।। ইত্যনেন যথা পুঞাভাবে পৌগ্র

স্তথা দুহিৰভাবে দৌহিক্তা ইতি

পাুগেবোক্তত্বাৎ। নাত্লো ভা

शित्यमा स्त्रीया माजूनेमा ह।

স্বশ্রস্য গুরোশ্চৈব সন্থ্য র্মাতান

रुमा ह । এ उसार्यं जार्गा जाः

श्वमु ग्राजुः भिज् ख्या। भिखनान

ম্ভ কর্ত্তব্য মিতি বেদবিদা স্থিতি

'ম(ত্ল

রিতি বৃদ্ধশাতীত প বচনেন না गशाम गोकाप्पोश्खिम नि मान भुरा धनाधिकाति वाह। है मुक्षिउद्गुः॥ 🗱 ॥ उन्तरा चारशेषु ध्या (भी अभय) डा जां व भी दिव বিকারঃ। যৌত্তকধনে তু শুঞ্রপর্য ञ्चाजात सोहिजाधिकादम यथा मिह्याणि श्रम्किन मर्खात्रवि (भोजयमिजि मनुबहत्न सिर्विहाउ लीय वयाजिएमार मृत्यन भ রিণীত দুহিত বাবাৎ বাবক পু-প্রেণ বাষ্য দুহিত্ প্রবাধস্য ন্যা-য্যবাৎ।ইতি দায়তভ্যাপুগ্রাভা-বে দৌহিত্রে। প্রিকারী। পুঞাধি-কারাথ পাক্ দুহিত্রধিকার শুতেঃ তদ্বাবিকাষা দৃহিত্: পূণ্ৰেণ বাধ্য ः भूषवायरेमात् नागात्राष्ट्राट् । इति मायकगन-गुर्का।

माञानी जी नाजः नथी। इंडि

নাত্ন: পু॰ নাত্ভাতা। পিতৃশ্যালক: ॥ নানা ইতি ভাষা। ইত্যনর: ॥ তন্মরণে ভাগিনেযস্য পক্ষিণ্যশৌচ- ॥ যথা। নাত্লে পক্ষিণী রাত্রি শিষ্য র্বিণান্ধবেষ্চ।
ইতি শ্দিতত্ব ॥ ৠ॥ সচ মাতানহপয্যন্তরহিতস্য মৃতস্য প্রেত্

माञ्चा

गाउस्

कियान शिकाशी (एयथा। नाज्राना कागित्तवम् अनुत्या नाज्रामा का इंडि माडाड भीय भावेक माथ होडि मुक्किड्ड ॥ सा वीहिएड हा । नम्बद्धा । इंडि एटनिनी ॥ मर्भविष्मवः । इंडि

भाज्नकः भुः धुख्रव्षः। ইতিরাজ विर्यकः॥

শ্বীত্ৰপ্থক: প্ৰুত্তক্ষণ ইত্য নি মর: ॥ সাত্ৰতন্য: । ইতি সে-

माज्वा े खी माज्वश्वी। माभी भाज्वाने े हें ज्ञावा। हें उप्पत्र ज्ञाज्वाने े हें ज्ञावा। हें उप्पत्र श्राच्या ज्ञावान । श्राच्या प्रमान साज्वान । श्राच्या प्रमान साज्वा। श्राच्या च्या स्मान साज्वा। श्राच्या च्या स्मान साज्वा। श्राच्या च्या स्मान स्मान

माज्नाहिः शृ मर्भविष्मयः। मा-न्वामाश इंडि क्व्याधी इंडि ह ভाषा। अयः थेद्राकृष्डः आयड (परः पीर्घनाकृतः हजूज्ञार। इंडि मधुनाधवाहयः॥ उद्भक्तायः। मा-वृथानः २। इंड्यान्तः॥

भाजूनी जी भाजूनभङ्गी। इंडामद्रः॥ ভक्षा। इंडि मफ्टिन्दुर्वा॥

মাতৃল্ক: পু॰ বীজপ্র:।ইত্যমরটী-কাষা ভরত:।।

माञ्जूककः भू ছाजक्रृकः। उ८ न्यं।यः। कल्नभ् ३: २ वी छ भ् द्रः ७ ৰুচকঃ ৪। ইত্যমর: ॥ মাতুলুক্ষ: c यकनः ७ कन भूतकः १ न्यू वः ্ ৮ প্রকঃ ১ প্রঃ ১০ বীজপূর্ণঃ ১১ অমুকেশর: ১২ ছোলস্ব: ১৩। ইতি त्रज्ञाना॥ यम् छगाः। श्रापुः। व्यप्तद्वः। वयुद्धः। वर्गिशीभनद्वः। ्षाधान ७ ना श्ली र रुपुरागारावर्डः नानिव । विवन्न हिक्का मूल हिर्फि-(द्रार्ग भुभेखबुका। अम् प्रानाः। जिक्द•। मूर्ड्डब्रद•। कक वाज নাশিত্ব। বিগতরসত্ত্ঞ।। তন্মা॰-नखनाः। सामूष्यः। भी उष्यः। खक-षः। वाग् शिख नामिष्धः। ইতি রাজবল্লভঃ ॥

নাতৃল্কা জী মধুসকুটী। যথা।
নাতৃল্কা সুগন্ধান্যা গিরিকা পৃতি
পুয়িকা। অত্যন্না দেবদূতী চ সা
কচিমধুসকুটী॥ ইতি রক্নালা॥
নাতৃলুক্ষিকা জী বনবীজপুরঃ। ইতি

। अविष्

ब्राजिमिर्चिः ॥

মাতৃকছিদঃ পুশ পারশুরামঃ। ইভি কেচিৎ।।

भाज्का जी थाज्का।।भाजा।। (स्वी-(छनः।। वर्गमाना। देखि व्यक्ति।। করণ ॥ শ্বর:॥ উপযাতা। ইতি रहमहम्मः ॥ ॥ गाज्कागतार পত্তি যথা। তত্ৰ দেবো প্যসৌ দৈ-**छ** जिण्लमार्गक्ण । छम्। इ তস্য যদুক্ত মপতজুতলে কিল।। তত্রান্ধকা অসংখ্যাতা বভুর রপরে ज्भः। जम्द्रा महराण्टर्गः सपुः भूषा १क्षकः मृथ्य।। गृशीषा जिमिः शालुन ननर्छ शत्रामधतः। ইভরে २भाक्तकाः मर्स् ठरक्य भद्रासिना । নারাষণেন নিছতা তত্ত্ব যে १ त। नम्थिजाः॥ यम्भाता स्वादिस শ্ল (পাতস) চাসক্ৎ। অনারত॰ সমূত্তস্থু: স্বতো ক্দ্ৰো ক্ৰাণ্ডি:॥ ভস্য কোধেন মহতা মুখাজ্জালা विनियंशो । তদুপ शांतिगी परवी याडी वागीयत्री विदू: ॥ यकः পখারিণী চান্যা বিষ্ণুনাপি বিনি र्भि छ। वृक्षण कार्जिक्यन हैरमुन **ठ यरमन ह ।। वाजारहन ह (मरवन** विक्ना भवस्यिति। भाजाताम व्रणः क्रभः जम्रा (एव्रा विनिर्मात

॥ मार्यती व्यवस्त्री देखा र षाडे माजब्राने काबना वना रद ल्या-क (क्वांखनावशाविक ॥ भन्नी ब्रारम्य नामा ज् जिन्म की खिंड मया । कामः क्रांष उथा (नार्ड) भरम माहा २० गकाः॥ मार्मः ষষ্ঠ মিত্যাহ্য: পৈশ্ন্য সপ্তম তে । अनुम्याद्वेभी (छागा ইত্যেতা अहे भाउतः ॥ कामः (यागीयतीः दिक्ति काथ भारू यत्री उथा। लाख्स विकवी (शांका वृक्षांनी मन अव ह भारः स्यतः कोमात्री मार् नरः किन्तुका॰ विमुः। यामी मध्यदा (मह रिभणुन्य अयस्यत् ह ॥ अनुमूरा दश হাখ্যা.ইন্ড্যেতাঃ পরিকীন্তিতাঃ कामाहिशन असीय॰ नदीय॰ श कीर्खिङ ॥ बगुार मूर्खिख यथा 🞦 **था ७ कीर्खिङ मना। এ**তাভি দে তাভিক ভস্তমতে জু শোষিতে क्य॰ পতामूती नाया १क्षाका १७वटा १७७७ म (भाष) **७ माज्रिविह्या मृजः मया ॥ य ७**७ **ছ্ণুবান্নিত্য• মাতৃণা মুক্তব• শুভ•** তम्। जाः मर्वरा द्रकाः सर्वेष्ठान् पि न नृभ ॥ (यरिनज्य भठे)रज क्या ना जुनाः भूकरवाखम । म धनाः म र्वर লোকে শিবলোকঞ্চ গছতি। তাৰ

क श्विमारडा अर्डेरीजिथ रडमा ।। १उाः मःभ्वत्यख्केता विदाहा-রে: নর: সদা। তস্যতা: পরিভুষ্টা कः। क्याद्वागुः पपष्ठित। ইত্যापि ৰাক্তাৰ্পুরাণে কামাদি মাত্গণোৎ शिविद्याभाषायः॥ #॥ यशिह। यु-(कम **७३** विक्ना॰ उत्थन्तुन्। क ফবং। শরীরেভেগ বিনিষ্কুম্য **ত**া . १% म्हि खिका॰ ययुः ॥ यम् । (मवम्) म मन्न यथा ज्यन वाहन। उद्यानक ः इहिक त्रजूतान् याष्ट्रनाययो। 🏿 🗸 যুক্ত বিমানাগ্ৰে সাক্ষ সূত্ৰ কম 🕀 । আযাতা বুন্ধণ: শক্তি বু ন্ধা-ী সাভিথীয়তে ॥ মাছেশ্বরী বৃষা-লচ। ত্রিশ্ল বর ধারিণী। নহাহি বল্যা প্রাপ্তা চল্দুরেখা বিভ্ৰণা॥ ্কীমারী **শ**ক্তিহস্তা চ ন্যুর বর বাহ∙় भाः (याष्ट्रम् ভ्राययो देन ভ্रानिश्चिकाः ত হৰূপিণী।। তথৈব বৈঞ্চবী শক্তি প্রক্রোপরি স্ছিতা। শহ্র চক্র গ-मः नार्क चङ्ग रुखान्त्रभागरयो ॥ य-জনারাহ মতুল ৰূপ যা বিভুতো **१ ाः। मिकिः जान**्याययो छञ् वाः র हो॰ বিভূতী তনু॰॥ নারসি॰হী নৃ-াহস্য বিভুগী সদৃশ বপু: । প্রান ় তত্ৰ শটাক্ষেপ ক্ষিপ্ত নক্ষত্ৰ স•-हिं ।। वड्ड्स उर्षियमु गन

রাজোপরি ছিতা। প্রাঞ্জা সহসুনধ-मा यथा भक्त खरेचवः मा।। एउः भः রিবৃত তাভি রীশানোদেবশক্তিভিঃ া হন্যন্তা নসুরাঃ শী ঘু॰ মম প্রীত্যা-হ চণ্ডিকা•॥ ততো দেবী শরীরাঞ্ বিনিষ্ণান্তাতি ভীষণা। চণ্ডিকা শ-कि ब्रज्शा भिवा भेज निमारिनी ।। ইতি মাকণ্ডেষপুরাণ ॥ 🛊 ॥ মাত্ वर्णा यथा। खद्धाः भन्नी द्वाह्मभन्नी বিপুণত্নী চ যা সতী। পত্নী চ ভ্ৰাতৃ म् उत्था भिंबभन्नी ह उद्भुग्ः॥ भुगूः পিৰো স্তধো ভূৰ্ণ তুঃ পত্নী শ্ব<u>দ্</u>ধা য কন্যকা। জননী তৎ সপন্নী চ ভগি-नी मुद्रकी उथा ॥ साकी है जुद्रभद्गी ष्ठ थाजी काञ्चाभुरायिका। गर्छथाजी बनानी ह जगा खाज्य का निनी ॥ अ उ। (यस्भुगी जाक मार्ववा॰ माउतः। মৃতা: । এতায়পি চ সর্যাসূ ন্যুনতা: नास्डिकाम् চ ॥ इंडि वुक्रदेवदर्खः 🗐 কৃষ্ণ জন্ম খণ্ডে ২৫ অধ্যায়: ॥ 🛊 ॥ ষোডশ নাতরো যথা। গুৰুপত্নী রা-জপত্নী দেবপত্নী তথা বধুঃ। পিত্ৰেয়ঃ ম্বসা শিষ্যপত্নী ভৃত্যপত্নী চ মাতুলী ॥ পিতৃপত্নী ভাতৃপত্নী খশুক্ষ ভগি-নীসূতা। গৰ্ভ্ৰধাত্ৰীষ্টদেবী চ পু•সঃ ষোডশ মাভর: ॥ ইভি ভবৈব ৫৯ অধ্যাব:।।ক।। অথ মাতৃকান্যাস:।

। स्ंज्

ভগবানুবাচ। নাত্কা ন্যাস মধুনা **भृ** । (वे जान दे जे बर्ग । (यन (प्रवेषु नाया তিনরো পশি বিহিতেন বৈ॥বাগ্রু ন্ধাণী মুখাদেব্যো মাতৃকাঃ পরিকী র্ত্তিতা:। তাসাং মন্ত্রাণি সর্বাণি ব্য अनानि यता ख्या।। हन्द्र विन्द्र भुगू क्लानि गर्बकान शुरानि চ। श्रविस्र নাত্ নজাণা-বুকৈব পরিকীর্ত্তিতঃ ॥ (शुका इन्त्स गायवी (रवंडा ह সরস্বতী। শরীর শুদ্ধি পুমুথ সর্ব कामार्थ माध्य । विनिर्यागः ममू फिल्डा मखानाः न्रम भ्रता। य-कारत जन का कि वर्णा यः भूषमः म्जः। ठि कम् विन्तृ मः युक्ति खबः रिष्ट तकरित्र विश्वा। आकात्रक उत्था-हार्ये अक्षाञ्जाः नम खया। भुषमः गाञ्का गञ्ज मञ्जूष्ठ घराञा नारमः ।। পরে বগাঃ স্বরৈঃ সার্জা বে বান্যে न्याम कर्माण । उ नार्ब हन्मृविन्मृ-ভ্যা॰ युकाः कार्याञ्च मद्यञः॥ ट्रा কারক বর্গেণ দীর্ঘেকারান্তগেন তু। छर्जाता विनारम् मनाक् याशासः न जु भूर्वव ॥ इत्याकात्र क्षेवर्गिन मी র্ঘোকারান্তগেন তু। মধ্যমা যুগলে नन्यक् वयप्रस्थन विन्यत्र ।। अक्ष ज्ञानि उवर्गाष्ठ अकातात्वन देवव हः। ন্যুসদ্নামিকাযুণ্মে নিয়ত তত্ত্ব তৈ

त्व ॥ 'अकाबादि भवर्गञ्ज 'अकाबा ম্ভেন শেবিত । বৌষডন্ত কনিষ্ঠায়া विन्रारमः कार्ये मिष्काय ॥ जा॰का-রাদি যকারাদি বর্গেণ ক্ষান্তকেন চ। षः ইত্যন্তল্যো विन्यान् भा-**शिशृ**ष्ठरयाः ॥ ययहे कातः भ्यापनारग मञ्जन्ताम निर्याह्मरयः । कृपयापि बड:क्ष् भ्वंवर कमला नात्ररा ।। व्यक्षामुक वर्णसक्नाट या उथा विरेषः। भून खथा भार जान् मिक्नु গুছে তু পাৰ্মবোঃ॥ বস্তৌ চ বিন্য (मञ्जान् कनार भृद्यंतरकातः । वास्त्राः भाराता उथा कर्छ नार्डो ह क्रेट्स उथा॥ उनस्या द्रिल विन्यानः তথা ষট্রি: সমাচরেৎ। বক্তে 5 চিবু-কে গণ্ডে কৰ্ণযোক্ষ ললাটকে !৷ অ৽ भ कत्क ठ वङ्गेर्गः भूईवस्तान ना-**हांबर । (त्रामक्ल्य व्यक्तवाकु खर** ङङ्घा यूरा उथा।। नत्थयू नाम ना क्ष्याण ज्या भूर्ववनाहरत् । ववस नाज् हा न्यानः यः वर्गावत नजनः ।। म ध्याय उक्क भ् कामू भ् छ। (याग्र)-শ্চ জাবতে ।। নাতঃ পরতর • ন<del>ত্র</del>• विन्राउ कृष्टिप्तव हि ॥ यः अईकाम-**म• भू**नाऽ• ठजुवर्ग कन्नभूम•। वार्याव-তा । इति व्यादा मृष्ट्रि महीक्तानि ह ।। ত্রিবা চ নাত্কা নক্ত্রে: সংক্রেশ্চ

শিপবৈজ্ঞান। সুবাহ্যা পণ্ডিতো খী मान् बायर छ ह वदः किविः। हन्मविन्तु जनायकान् यतान् न्दान् नरविष्यः। वाञ्जनानि ह मर्वानि (कवनानि भारे खाः ॥ अकादाहि क्षकादाखात्म् व श्वरिमञ्ज भूवं रिकः। जनः कब्रज्रा গৃত্পতি বাকর সংঘকণ। অভিনত্ত্য जु उरखाव॰ गुथन॰ <del>भूत्र</del>देकः भिरवट। জন্তুকেন দ্বিতীয়ন্ত তৃতীয়ন্ত্ৰ**ে** বেচ रिकः ॥ ७४॰ मकृधिवात्रत्र भीदा তোষ বিচক্ষণঃ। দূঢাক্ষঃ পণ্ডিতো 🛚 ভ্যাৎ পু । পৌৰ সনবিত:।। ত্ৰিস ন্ধ্য মথ পাঁহৈব নাতৃকা ম**ন্ত্ৰ** মক্তি-ত । তোয় কবিত্ব মাপ্মে।তি সর্বান্ कानाः खरेथव ह ॥ मञ्जः सक्र যস্ত মাতৃকা মন্ত্র মন্ত্রিত । তোয পান নহাভাগঃ প্রক স্তম্ভ রেচ-কৈঃ॥ স সর্কানান সংপ্রাপ্ত পুঞ পৌএ সমৃদ্ধিনান্। ভূবা মহাকবি লোকে বলবান্ সভ্য বিক্রম: ॥ স র্বত্র বল্লভো ভূত্বা চান্তে মোক্ষ স্বা-পু যাৎ ৷'রাজান নথ বা রাজভার্য্যাণ পুত্র মথাপিবা॥ ৰশীকরোতিন চি-রাৎ মাতৃ ह। মজ পালক:। ন্যাস ক্রমে ক্রম:প্রোক্তো বর্গক্রম ইহৈব ভূ ।। অক্ষরাণা॰ ক্রেণাথ ভোষ্পান• न्नाहरत् । (य (य मञ्जा (म्वजाना

মূৰীণা মথ রাক্ষসা<u>ণ ৷৷</u> তে মন্তা মা-ভ্কা নজে নিভ্যনেব পুতিষ্ঠিতাঃ ৷ मर्व मञ्जमयम्हायः मर्व (यहमय खर्था ॥ ठञ्डर्गभुर "ठाय" गाञ्का मञ्ज উচ্যতে। ইতি তে কথিতঃ পুঞ্জ না-ত্চান্যাস উত্তম: ॥ ইতি শ্রীকালি কাপুরাণে মাত্কান্যাসঃ ৭৬ অখ্যা-यः ॥ 🟶 ॥ अथ उत्र । भूरवागः । **অস্য নাত্কা মন্ত্রস্য বুকা ক্ষি** র্পাযত্রী ছলে। মাতৃকা সরবতী দেব তা হলো বীজানি স্বরাঃ শক্তযো মা ভূকান্যাসে বিনিযোগ: 1 শির্সি ও বুন্ধণে থাৰ্যে ননঃ। নথে ওঁ গামত্রी। इन्हरम नगः। इहि उँ भाज्का मत स्रोका (एवकारेय नमः। अरक् अ ব্যঞ্জনেভ্যো বীজেভ্যো নমঃ। পাদ-যো: ওঁ স্বরেভ্য: শক্তিভ্যো নম: 🛭 তথা চ জ্ঞানাৰ্ণবে । নাতৃ কা॰ শৃণু (मरविण नऽरम< भाभ निक्छनी° ঋষি বুন্ধাস্য মন্ত্ৰস্য গায়ভীছন উচ্যতে।। দেবতা মাতৃকা দেবী বী कः वाञ्जन मध्यगः। मञ्ज्यस स्रताः प्रित युक्तम् भाग्य भाग्य । अक्षाः ততঃ বডঙ্গ ন্যামৌ। অ॰ ক॰ খ॰ প ঘ• ড• আ• অঙ্গুণ্ডাভ্যা• নম: ৷ ই• চ ছ জ ঝ ঞ ই তর্জনীভ্যা স্বাহ । উ ট ঠ ড ড ঢ ণ উ नश्रनान्जा

वबहै। वः उः थः हः धः नः वैः अः नामिका छा। छ। । छ। भः कः दः छ। म छ कि कि । जा विषे । जा य ब्रास्त वर भर वर मर इर स कर कर कत्र उत्त शृक्षान्। कर्। अव वृष्या-रियु। या का ए आ। वृत्याय ननः। इंड्रानि ॥ उथार खानानंति । यः আ সংখ্য কবর্গন্ত ই ই ই সংখ্য চব र्गकः। উ॰ উ॰ नए। টবর্গন্ত এ॰ ঐ॰ मर्था उवर्गकः ॥ ७ 'छ मर्था शक र्ग छ विनायुक्त नारम् निर्व । व्यन् सात विनर्गां उर्गवागी न नकको कृत्यक भित्रा प्रति भिशा कवहकः ख्या। ति अञ्चः नुरम् ( उष्ठः ननः साहा करमग ज् ॥ वबदे छ॰ वोव**फ** लक कडड शाबराट निर्व । वड (ऋ। ९४॰ माञ्कायाः मईभाभ हतः म् छ: ।। 🗱 ।। अथान्तर्भाज्कानग्रामः । व्यकातारि (वाउन स्त्रान् निवन्तृन् वाउन पन कमान करे मान ना (मर । ककाजाि बाम्म वर्गान् निवन्त् चारमस्न कनत्न इनत्य न्यत्र । एकाज्ञाहि हम्पर्गान् मितिः न्त्र मन तन कनतन नात्नो नाःमः। वकातारि यहर्गन् मविन्तृन् यहन कनत्व विश्वनृत्व न्यात्र । वकाद्रापि ए ज्रा वर्गान् अविनम् न छ जुर्न न कगरन

ग्माथात गुरके। र म लेखिक भविन्तु विदर्भ भग्न जुन्दवर नाम । उथाह उद्धानार्गरत । बाई मधावा কঠে মরান্ বোডশ বিন্যসেত। ছ मणहर कृ शाना कामीन वामण न्राम्याप्तम्भाषात्रुक नाउो एक बारीयारमप्रमा यहेशकारका विक् इ वकाकानीम् प्रमह यह ॥ व्याकात्य ठजूदा क्लाम्यामनारीन् ठज्यंता। रको जुनवारा भाग विश्वत विवन त्मर शिख् ॥ व्यवस्थानः हिनायाः **अरेकववर्ग भिक्क म**्राष्ट्र विन्त त्र शिख। अवमृष्टः भुविन्यम् दन **गाउ। विश् र्गाप्तराक्षा रि**वस्वद्धा अरेककवर्न म्हार्ये। म्लाभाता हिस्ता छः **কং। নমোন্ত নিতি বিন্যাস আন্ত**া পরিকীর্ভিত:।। অথান্ত মাতৃকান্য সো মূলাধারে চতদলে। স্বর্ণা ব শ ষ স চতুৰ্গ বিভ্ষিতে ৷৷ ষড়ে বৈদ্যুতনিভে স্বাধিষ্ঠানে ংনলভিষি व छ रेम यंवेल यू एक वर्रनः विक्र क ब्राउ।। मिनिश्द में में पत्न नी निकीम् निमाल । जामि काष्ठ मरेन यूर्क वि म् छाविज मस्किः॥ वागर् छ। म्भादि भुवान कृष्टि मझि । का मि ठांड मरेन प्रक (यागिना इमयद्र-भ ।। विभूष्क (वाउनस्त क्षाप्तः

त्रतं ज्विष्ठ । जाकाम्बाम् ज हम्माः छ दिन्दल र क नोक्षित ॥ नर গারে হিমনিভে সর্বর্ণ বিভ্ষিতে। गक्षामि बिद्रिशाचा र न क वय ভূষিতে।। তন্মধ্যে পরবিন্দৃক্ষ সৃষ্টি इতি লগাত্মক। এবং সমাহিত ना भ्रार्यम् रात्मा २य मास्त्रः ॥ ॥॥ ্তো বাহ্মাত্কা খ্যান । পঞ্চা-াল্লিপিভি বিভক্ত মুখ দোঃ পৰাধ্য कः इना जामत्योनि निवक हन्त नकला माभीन ज्य खनी । मृपा मक न॰ मृक्षाण्ड कलन॰ विक्रांक इंडा-ৈজ বিভূাণা• বিষদপুভা• ত্রিনয়-**ः বাণেবত। মাশুযে ॥ এব ধ্যাত্রা** াদেং । তত্রাঙ্গুলিনিয়ম তত্তে । ननारहे श्वाभिका मर्था विनारमञ्जूष क्षा । उर्जनी मध्यानामा वृष्काः মে চ নেত্রযোঃ॥ অঙ্কৃষ্ঠ কর্ণযো ন্যস্য কনিষ্ঠাঙ্গুষ্ঠকৌ নসোঃ। মধ্য ' इ.मा गञ्जरयाच्य मथामारकाक्षरया াম। মূভ্যাক্কে। মূথে ৎনানা। প্রমাঞ্চ হন্ত পাদে চ পার্যবোঃ।। ेनिष्ठा नामिका मध्या खाख भ्रष्ठ ह ন্য**সে** । তা: সাঙ্গুৱা নাভিদেশে ्रीः ऋको ह विन्याग्य ॥ कृमय ह ो। नर्दः अभाषान् कन्न इता।

इट भूई इडनट क्रि मूर्थ्यू उत् মেব চ ॥ এতাস্ত মাত্কা মূদুাঃ জ-মেণ পরিকীর্ত্তিতা:। অক্তাত্বাবিন্য-(मञ्ज न्यामः म्याजम्य निद्भवः ॥ गोजभीय। ननार मुथव्खाकि गुः তি घाराष् गखरगाः॥ ७५ मर छा-खगासाभा दाः भए मक्ताग्रक्षु ह। পার্স্থযোঃ পৃষ্ঠতো নাভৌ জঠরে হৃদ -य र॰ मारक ।। कञ्चन ऽ १ म ह रू भूर्व॰ পাণি পাদ যুগে তথা। জঠরাননযো र्न्याञ्कार्गान् यथा क्रमाट ॥ उप्यथा। य॰ नमा नना है। या॰ नत्मा मृथ्वृत्छ । इ॰ दे॰ हक्कृत्याः । উ॰ উ॰ কর্ণযো:। খা॰ খা॰ নসোঃ। ৯ ই গত্তবোঃ। এ ওঙ্কে। ঐ অধ-রে। ও উচ্চদত্তে। ঔ অধােদত্তে। थ• वृक्षत्रस्तु। थः मृत्थ। क• मक-বাহুমূলে। খ জর্পরে। গ মণিবন্ধে । वः अकुनिम्ला ७ अक्नुरग्। এব॰ চ॰ ৫ বামবাহুন্ল সন্ধ্যুকেষু। এव॰ है॰ ৫ पिक्निन्नाप्त्र्व नक्षाम्त्र यू। वत छ ६ वामभानम्न मक्रमु কেষু ৷ প॰ দক্ষিণপার্শ্বে ফ॰ বাম-পার্ম্বে।ব॰ পৃষ্ঠে। ভ॰ নাভৌ।ম॰ क्टोरत । य॰ क्रि। त॰ मक्क वाङ्गूष्ण। **ল॰** কন্দি। ব॰ বামবাত্মুলে। শ॰ क्तामि पक्ष रख। यः ज्नामि वामः

इछ। त ज्नादि दक्षादि। इ॰ क्रांपि वामभारत । वः क्रामूप्र রে। ক্ষণ ছদাদি মুখে। সর্বত্র ন্মো श्खन नारम् । उथार । अभानारखा नमारता वा मितनम् दिनम् विद्धिं उ:। शकाशवर्ग विन्यातः क्यामूरका मः ণীষিভি:। ইতি ভউ:॥ 🗱॥ অথ **স**•हात्रमाञ्कानप्राप्तः। उपप्राप्तः। यथा। यक मुब इतिगला उ मुम्गू টঙ্কণবিদ্যাঃ করৈ রবিরত• দপতী• जित्नजाः। अर्प्कन्मु (नोनि मक्गामः রবিন্দ রামাণ বর্ণেশ্বরীণ পুণমত স্তম ভার নশাং ॥ ন্যাসস্ত ক্ষকারাদি व्यकातातः। यथा कः नत्मा क्रनानि ब्राच इंड्रामि ॥ ऋ॥ जनद्रका हर्ज নাতৃকা পোক্ত, কেবলা বিন্দু সংযু তা। সবিসর্গা সোভ্যাচ রহস্য শূণ কথ্যতে। বিদ্যাকরী কেবলা চ সোভ্যা ভূক্তি দাযিনী। পুশ্ৰনা স-विनर्गा जुनविन्तृ ईिंडरायिनी ।! वि-भुष्क्षभ्रत्न । वागुनाम् । ह वाक्नि জৈ, রনান্যা শ্রীপুর্দ্ধযে। ছল্লেখা म्रा मर्वमिष्कः कामाम्रा लाकव भारता । श्रिकश्रानियान्तराराष्ट्र সরনজ্ঞঃ পুসীদতি ॥ ঞ্জীবিদ্যাবি यय नवतद्वायदा । वायुनाम्। नया **२डा॰ नाउवता नाज्काक्षताः** । 🛚

প্রীবিদ্যাবিদ্যু নজী বায়বদ্যি সিদ্ধয়ে। ইতি উপ্রস্ক্ত ।। মাত্কেশটঃ পুং মাতৃশঃ। ইটি বিকাণ্ডশেষঃ।।

नाज्नस्तः भ् कार्खिक्यः। यथा। कथः दः कृखिका भूध मूक्तवान् उः जुद्धः छहः। कथक्ष भाविक द्रामी कथः वा माज्नस्तः॥ इंड्याहि वादाङ्भद्राण ऋस्तिः शिख ना-माय्यायः॥

নাত্ম্থ: পূ॰ জড়ঃ। ইতি হেম-চন্দুঃ।।

মাতৃবন্ধু: পুণ মাত্বান্ধবঃ। যথা বন্ধব দ্বিধাঃ। আত্মবন্ধবঃ পিণ্ ত্ৰন্ধবো নাত্বন্ধবশ্চেতি। যথো-ক্তণা আত্মপত্মসূঃ পূলা আত্ম মাতৃমসুঃ সূতাঃ। আত্ম নাতৃম পূলাক বিজেবা ছাত্মবান্ধবাঃ।। পিতৃঃ পিত্মসুঃ পূলাঃ পিত মাণ্ ত্মসুঃ স্তাঃ। পিতৃ মাতৃল পুণ লাক বিজেবাঃ পিতৃবান্ধবাঃ॥ মাতঃ পিত্মসুঃ প্লা মাতু মাতৃণ স্থাক বিজেবাঃ নাতৃ মাতৃলপুলাক বিজেবা নাত্বান্ধবাঃ॥ ইতি মিণ্

माञ्वास्तरः भुः माञ्वसः। म ह माञानश्चिमिनुयः। माञासशी ভিনি বিভাগ নাত্যাত্লপুর্ণ বিভাগ নাতঃ বিভাগন্থ পুঞা মা-ভূমা ভাগদ নাতঃ । নাত্ মাত্ল পুনাল বিভাগা নাত্যান্ধবাঃ ॥ ইতাদাহতরু ।।

भाज्वाहिनी की वृत्तुनाशकी। ইতি वाजनियकः॥

মাতৃণাসিতঃ পু॰ মূর্থঃ।ইতিছেন-চন্দুঃ॥

নাতৃষ্দা জী নাত্ভগিনী। নাসী
ইতিভাষা। সা নাতত্ল্যা যথা।
নাতৃষ্দা নাতৃলানী পিত্যক্রী
পিতৃষ্দা। খনুঃ প্রজি পত্নী চ নাত্ত্ল্যাঃ প্রকার্ত্রিঃ।। ইতি
দাযভাবঃ।।

মাত্রদেষ: পু• মাত্রসূপুণ্র: । মা-সিতৃতাভাই ইতি ভাষা । তৎপ- " র্যায: । মাত্রসূীয: ২ । ইতি হেন চন্দ: ।।

মাতৃত্বদেয়ী জী মাতৃত্যিনীকন্যা। মাসিতৃতাভ্যিনী ইতি ভাষা। ইত্যমরঃ।।

মাতৃষ্দ্রীয়ং পু॰ মাতৃভণিনীপুঞ:। মাসিত্তাভাই ইতি ভাষ।। ই ত্যনর:।।

माত্রপ্রীया জী মাত্ভণিনীকন্যা। ग्रेनिजুতাভণিনী ইতি ভাষা ইত্যমর: ॥ মাতৃসি:ছী স্ত্রী বাসক:।ইতি শদ-রত্নাবলী॥

নাত্র ক্লী কার্ত্র্য় ।। অবধারণ ।
ইত্যমর: ।। কার্ত্র্যে যথা জীবনাত্র নহিংসেত। অবধারণে যথা
। পথো নাত্র ভুল্লে। ইতি ভটীকাযাণ ভরত: ॥

মাত্রা জী পরিছদঃ॥ অল্ল:। পরি-মাণ•। ইত্যমর:॥পরিছদে। হস্ত্য-श्वादिः। অল্লে यथा। भाक माञा। পরিমাণে যথা। কি হস্তি মাত্রো **२इ: । ইতি তডীকাযা**ণ ভরত: ।। कर्नज्या ।। विख्ः। व्यक्षत्रावयवः। ইতি মেদিনী॥ 🗱॥ কালবিশেষঃ । যথা। কালেন যাবতা পাণি: প-র্য্যেতি জানুমণ্ডলে। সা নাতা কবি-ভি: প্ৰোক্তা হুৱ দীৰ্ঘ প্ল তে মতা ॥ इंडि भागीनाः॥ अभिष्ठ। वान कानूनि उषा उपार याव जा जातर । কালেন মাত্র। সা জ্রেয়া মুনিভি র্বেদপারগৈ:।। ইতি তন্ত্রসার:।। इन्द्रियवृद्धिः। यथा। गात्रा न्यानास्त्र কৌন্তেয় শীতোঞ্চ সূথ দুঃখদা:। व्यागमाभाषिता निज्या छा॰ खि-তিক্ষম্ব ভারত।। ইতি ভগবদ্ধীতা ॥ নীৰন্তে আভি বিৰয়াঃ নাত্ৰা

ইন্দিয় বৃত্তথঃ। ইতি তউীকাযাণ। প্রিধরস্বানী II ইন্দিয় । ইতি প্ व्यांक ल्लाक हीकाया॰ मधुमूनन अबच्ची। अ॰मः। यथा। न यासिः फ्ताः পृथ्ग् एन्। एवमान पिनापृट्ड । ষভত্ পিও মা**রাভ্য স্**প্তি রা সা• যতঃ মৃতা॥ ইতি শুদ্ধতত্ত্বু৽॥ মাৎসর্য্য ক্লী মৎসরস্যভাবঃ। পর-শুভ্রেষ: ৷ যথা ৷ মাগা শ্চিরাথৈ-কতর: পুমাদ বসন্ন সম্বাধ শিবে হলি দেশে। নাৎ সর্য্য রাগোপহ তাত্মনা হি স্বলম্ভি সাধুষ্পি মান সানি।।ইতি ভারবৌ ৩ অধ্যায়ঃ॥ মাৎসিক: ত্রি জালিক:।মৎস্য যাতকঃ। ইতি সিদ্ধান্তকৌমুদী॥ মাথ ই অস্থে। ইতি কবিকল্লছনঃ॥ ই মাস্থ্যতে। ক্ষো বধ ক্লেশৌ। ইতি দুর্গাদাস: ॥ মাথ: পু॰ পছা:।ইতি ত্রিকাণ্ড-(শयः॥ मञ्चनः। ইতি শব্রহ্রাবলী মাথুরঃ পু॰ মথরাযাআগত:।ইতি मुक्रावायव्याक्रवन ॥ मापः भुः पर्भः। ইত্যময়ः॥ হর্ষঃ। ইতি ভটীকাষা• ভরত:॥মন্ততা

। इंडि भदत्रद्वावली ॥

मानकः श्रु॰ माज्यहभक्ती। इंडि

**अस्नाला ।। भनकात्रकपुरवा जि ।।** 

भारन क्ली ववक्। इंडिनम ॥ হর্ষকার্মিভার ত্রি॥ मारनः भुः काम्राह्यः॥ महनः ধুন্তুর:। ইতি কেচিৎ।। गामनी जी नाकनती। इंटिन निर्घण्टः ॥ विषया । इंडि পুকानः॥ मामृभः वि मर्ममः। ই 🤄 🖘 করণ ॥ मानी जी পाशुद्राह्मभद्गी। र ज्ञमा मूतः मानार रेनथू তৃষ্যমিন আজ্ঞ্যা অশ্বি भाजाञ्जा• नञ्जल सङ्करति र 🥕 মাস। ইতি শীভাগবতন অতিবিষা। ইতি রাজনির্ঘন্টঃ মাদীপতি: পু॰ পাঙুরাজ: । २ नद्रज्ञावनी॥ माधवः भू विकः। जम्रवूर यथा। ना ह वुक्त स्क्ला या मूल ६ তি রীশ্বরী। নারাযণীতি বি ত। विकु नाया मनाजनी ॥ मह ন্ধী স্বৰূপা চ বেদমাতা সরস্ব 🗒 রাধা বসুন্ধরা গঙ্গা তাসা•সামি 🕏 মাধবঃ ॥ ইতি বুন্ধবৈবর্ত্তে 🚉 🦠 जन्मश्रं अञ्च अशायः ॥ जम्म মাহাত্ম্য যথা। ওনিত্যেকাক রে মত্রে স্থিতঃ সর্বগতো হয়িঃ

स्माकृष्ट । 🕾 । दिहालवान ॥ रिक्षाथमामः । ३७/मृतः ।। दमन्तः । ইতি विषः ॥ राष्ट्रकृकः ॥ क्ष মুদ্ধ: ইতি রাজনিঘণ্টঃ ॥

शायविका जी भाषवीच जा। इंडा मबद्रीकागाः छत्रजः॥

गः स्वी खी अनामश्राजश्यमञाः। তৎপর্যাগ। লতিয়কঃ ২ পুরুঃ o नामची ८ लाजा का के कान्य ।।। -षार्जुङ ३: ५ मार्यका १ साव-মীলঠা ৮। ইতি তটীকালা জ রতঃ॥ দন্ত্রনা ৯ সুগন্ধা ১০ ভুন-**बारमवा ३३ ज्यलिया ३२ जर्** লতা ১০ ভূমি:ভিপাভূসণা ১৪। অ म्याखनाः। कर्षेत्रः। ठिकत्रः। क ষায়ত্ব। নদগন্ধিত্ব। পিত্ৰ কাস বুণ দাহ শোষ নাশিত্ব। ইঙি बाजनिर्घरिः॥ मिनिः॥ मधुनक्रवा ।। बर्डेनी ।। मस्ति।। इंडि (म्सिनी ॥ ञूत्रभी। इंडि मक्ताला ॥ मुर्गा । इंडि भद्रज्ञावनी ॥ माध्यम् পত্নী চা

माथ तिन्छ। की सनामश्राज्यम् न जा। ইত্যনরটী কাষা • ভরতঃ॥ भाषात्रक्षे। जी वाक्राशेकनः। इंडि बाज्ञ विचंचेः॥

भीववारप<sup>ि ्</sup>्रविम धर्म कामार्थ | भावरवाहित क्री करक्रालक । हेडि त्राजनियंग्रेः॥ माथरवान्छाः भू तानामनी। इंडि त्राजनियंग्रेः।।

নাধ্যঃ পু॰ বর্ণসঙ্গরজাভিবিশেষ:। ই ভিজনিধর: ॥

নাধুনতাঃ পু• কাশ্মীরদেশভবাঃ। इंडिएक क्याः॥

নাধুর লী নলিকা। ইতি ত্রিকাও भिवः॥ नष्त्रमञ्जू व जि ॥

नायुत्री जी नन्तर । है जि जित्र भूरयोगः ॥ नाव्री । यथा। जानि स्नामं मू খানি তেচ তরলাঃ স্নিকা দৃশো বি-ভুনা স্তন্ধ কু: দুজ সৌরভ • সচ সুধা-मान्ती गिता व किया। मा विषाधक নাধুরীতি বিষয়া সঙ্গে ২পি চেমা-ৰদ তস্যা লা সমাধি হন্ত বিরহ ব্যাবি: কথ• বদ্ধতে।।ইতি গীত-गावित्म ७ मर्गः॥

गार्थां की मध्यम् जातः। मध्यद्रा इंजि (इमहन्तुः ॥ नावनाः। यथाः । ৰূপ কিন্প্য প্ৰিৰ্বাচ্য তনো मीधूर्य। मृह्या इज्जाब्ब्वनीवन-ণিঃ।। পাঞ্চালীরীতি বিশিষ্ট কাব্য खनः। यथा। नषुताः मुक्रमाताकः পাঞ্চালী কবগে। বিদু:। ইতি সা-হিত্যদর্পণে ৯ পরিছেদঃ !৷ ভস্য काका था। हिंख पुती जावन रया क्रान्त नाव्यं ग्रहार । मस्तार्य करूरा दिश्रु लास भारत श्री है के मार ।। मृष्ट्रि वंगास दर्शन युका है के ए ए न दिना । दर्श लघ् ह खहारको दर्शः काद्र गठा गठाः ॥ खहार द्वा वृद्धि द्वा मधुद्र। दहन। ख्या । इंकि माहिक प्रभार हिं भादिहरः ॥

भाषानितन वि नयान। इंडिस्न-हन्तुः॥

भाषामः वि मर्था छवः। यथा। म
थामः भाषामः मथाभीयः माथाः

निम्नकः छ०। ইতি ह्मिन्दः॥

भाषाङ्गः क्षी नथाङ्गाः छावः॥ म
थाङ्कत्रवः। यथा। अयाहिङातः

निह् मिनाक। अञार्थना छक् छ
यन माथ माथाङ्गाः निर्दे क्षात्वाः

याउ क्र्या। ইতি स्नात्मस्रात् >

भावकः क्षी भावीकः। ইত্যমরটी কাষা: ভানুদীক্ষিত:॥

नर्गः ॥

নাধী জ্ঞা ন্দ্য । ইতি ত্রিকাওশেষ:

॥ নধাদিক্তাস্রা। ইতি রাজনির্ঘটঃ ॥ নধ্রকটকান্ৎস্য: ।
ইতিশ্বরহাবলী ॥

गान्नीक॰ क्ली मश्के भुञ्जक् उमहा। ७९ भर्यायः । मधामवः र माधवकः ३ मधु । इउम्बः ॥ मधुनाध्नीक मि-उम्मः नामि कि किटि । भूदों वि भञ्जमहा। भाषी कि प्राक्षा-विकादा। इठि छव उः ॥ माफी कि मिठि वा भारेः। इठि वमानाथः ॥ माध्नीक द्यान माधुक मिठि छान्-भीक्षिञः ॥

भाष्त्रीककनः भू भध्नानिकतिकः। इंजि ताजनियकः।

भाषीनधुरा खी भधूतथङ् प्रिका। इंडि त्राजनियंग्रः॥

मान ए विज्ञाति ॥ व्याई। ইতি কবিकन्नक्रभः ॥ ए मोनाः मठ नाञ्रः
श्रीतः। व्याई। ए जिवान्द्या नमू । तिजित्रमानाथः। ইতি দুর্গাদাসः ॥
मान कि व्याई। ইতি কবিকল্পদ্রমা।
ि मानयতি নানতি। ইতি দুর্গাদাস:॥

मानः ली भित्रमानः। उद्भर्षप्रायः।
योजवः २ क्वयः ० भाषप्रः ८ भोजवः ६। उ व ज्लाङ्ग्लि भुट्टि खिविषः जवि। उ व ज्लाग्रहःगत्नाःस्वानाम्प्रभलक्षप्रः । अङ्ग्लप्रः हखानि। श्राष्ट्रन म्वापि। ইज्यतं
जत्राजो।। श्रुमानः। ইजि मिनिनो

। यब जाला विद्रमुन्डि उर । उत्म ব গৃহ মুচ্য়ত। তচ্ত্রিধ। সমণ विषमः अञीजः अमागज्यः। इजि मङ्गी उमाञ्च ।। 🗱 ।। जथ नान পরি ভাষ। । ন নানেন বিনা যুক্তি দুব্যাণা ভাষতে বৃচিৎ। অতঃ পুযোগ কার্য্যার্থণ মান মত্রোচ্যত मया ॥ व्यक्तमा मञ् देवरित ब्रारितः यंयाचा ७ ७ ३:। विशय मई नाना-নি মাণধ মান মুচ্যতে ॥ ত্রসরে-ণু ৰূ বিঃ পোক ক্রিণ্শতা পরমা वृज्धिः। वज्रात्रपृष्ठ भर्यप्रय नामा व॰-भीजि भरारज्ञे॥ जानास्त्रगरेजः স্গ্রকরৈ র'শী বিলোক্যতে। ষড্ ব•শীভি মরীটিঃ স্যাক্তাভিঃ বড়ি শ্চরাজিকা।। তিসৃভী রাজিকাভি क मर्यभः (भाष्ट्रास्त वृत्यः । यावा **१४** नय रेनः (भाका एका गाउ-इতৃষ্টব ।। যণ্ডিস্ত রত্তিকাভি: স্যা-त्रायका (रुमधानको। नारेष महजू র্ভি, শাণঃ স্যান্ধরণঃ স নিগদ্যতে॥ টক্ক: সএব কথিত স্তদ্বয়ংকোল মৃচ্য তে। कृत्या वहेकरेक्टव पुद्धनः न नि गर्)ा (भाग घ्यस क्यः म्या न (পाङ: भागि गानिकः। अकः পিচুঃ পাণিতন কিঞ্ছিং পাণিক जिन्मकः ॥ विज्ञानभरकरिका उथा

বোডশিকা নতাঃ। কর মধ্যে হ॰-ननरः भ्वर्गः कवलगृष्टः ॥ উष्ट्रभवक भर्यप्रीयः कर्षवर निगम्राउ ॥ म्या কৰাভ্যা মৰ্জগলং শুক্তি নষ্টমিকা उथा ॥ मुक्ति छ। क भन ( उउन । মৃষ্টি রামুণ চত্থিকা। পুলঞ্চ: বো-ডশী বিশ্ব পলনেবাত কীৰ্ত্যতে॥ পলাভ্যাণ পুসৃতি জেঁবা পুসৃতঞ্ निगम्राउ । পুস্ভিভ্যা মঞ্জলিः म्त्राट अप्रवा २व महावकः॥ यह-মানঞ্চ স জ্ঞেয়ঃ সডবাভ্যাঞ্চ মানি-কা৷ সরাবোহস্তপল তদ্বজ্ঞেব মত্র বিচক্ষণৈ:॥ শরাবাভ্যা• ভবেৎ পুস্থ শ্চতুপুঙ্খৈ স্তথাঢকঃ। ভাজন কা॰-স্যপাত্রঞ্চতু: বৃদ্ধি পল্প স: ॥ চ-তুর্ভিরাটকৈ দ্রোণঃ কলশো নল্নণো-र्याः ॥ উत्रानक घटि। द्रानि पुर्रान भर्ये। य अ॰ क्किजः। (पुराना जा। मूर्न ब्द्यो ह हजुःवि नतावकः। मूर्ना-ভ্যাঞ্চ ভবেদ্বোণী বাহে।গোণী চ সা মৃতা।। দ্রোণী চতুষ্টব খারী কথিতা স্কা বুদ্ধিভিঃ। চতু: गহসু পলিকা ষাবত্যবিকাচ সা॥ পলানা দ্বিস হসুঞ্চ ভার এক: পুকী ভিত:। তুলা পলশত স্থোসর তৈবৈষ নিশ্চয়ঃ नाय विकास विवानि व छवः शुक्र मा-ঢক•। রাশি র্গোণা থারিকেতি যথো-

ভর চতুর্গুণাঃ।:#!।মাগধ পরিভাষা | याः यज्ञिका माय मञ्जिला ब्रिक्त हेदः यात्रक्ति ब्रिक्तिः कर्यः। व्ययः हत्रकत्रयाः ॥ त्रूनुः अवह পঞ্রত্তিকো নাষো বি•শতি রত্তি-क द्वें क्षा २ मी जिन्न जिन्नः कर्यः। ज्य *भिव क्लिक् প*রিভাষায়া মপি:यङ ন্তত্রাষ্ট রব্তিকো মাষো দ্বাতি<sup>,</sup>শদু-**ভিক देहः। সাদ্ধ** हेक्**ष**य मिञः कर्यः १: ७ छा कि गान मात्र छ। यावट मा अप्रव शिक्तिः। मुवामु भूक मुव्यानाः **जावबान जन मजः।। भुञ्छारि मान** मात्र छ। विश्वनन्त मुवाम् रवाः । मानः তথা তুলাযাম্ভ দ্বিংশ ন কুচিৎ সৃত ॥ মৃত্তৃ ক বেণু লোছাদে ভাণ্ড॰ यह তৃ त्रमुलः। विखीर्ण अथाहक उत्रानः व्यउन वरहर ॥ इंडि मागस्मान ॥ 🗱 ॥ अथ कालिक्यान । गरजा मन्ताः प्रता द्वा श्रीनमञ्जा नदाः कः লৌ। অতস্ত মাত্রা তন্মোগ্যা পু চ্যতে সুজ্ঞ সমতা॥ যবো দাংশ-**डि भी देश मय रिमः (भाग्राह्य कृ** रेवः। यवद्ययम् खङ्गामन् धिः खङ्गा বল্ল উচ্ছত। নাষে। গুঞ্জাভি রষ্টা ভি: সপ্তভি বা ভবেৎ কৃচিৎ॥চতুৰ্ভি गायरिकः भागः म निष्ठ छेक अव छ। राम्याता नाष्ट्रेकः यद्धिः दकः न्याप

का ना विकः कृ क्षेषः श्री के कि कि कि कि कि कि कि ना खात ना कि कि ना खात माजा ना कि कि ना खात माजा ना कि कि ना कि

नारिक हुँ । अपस्य वित्र र ॥ किस्तु १५ । अन्दर्भ । সাঞ্জে धन हुए करण अही ভোষতি নান ই 🗀 📉 खीं जिमनन मानः , ्कि उ থা॰ ভরত: ॥ আত্মনি 🦠 वृक्तिः। ইंजि नी न कर्रः॥ यन যোদস্যত্যোর্ভাব বিশেষঃ। থা দম্পত্যো ভাবএকর সভো রাচনু त्रकरगः। या जीक्षात्मय वीक्षानि निः ताथी मान উচ্যতে॥ इंज् क्रिन नीलगिनः॥ भूकापुः। यथाः अस् माः किल निष्ठि निक्ष निष् थानाः। উजना मान मिह्नि काना হি মহতা খন ৷৷ মানো ি ন্ল नर्थम् भारत द्वारत श्रातन 🖓 😘

भुजुडेमान एर्भम्यकि ध्रानन किमा ॥ युवा ॥ व्यवमा धन मिह छि धन मारनी हि मध्याः। উख्या मानिइ खि মানে হি নহতা পন । ইতি গা-क्छ ३७६ व्यवतायः ॥ नियानदाव ज्हिकाहिड्डा मानः। ज ह वयु मंश्र মে। ওক কেতি। অল্লাপনেযোল धः। कडालानाया ग्रामः। कष्टे उ माभावत्या ७ वः। व्यमाध्य त जाङाजः। जलद्रजी पर्णनादि ज ष्ण लघः। (गाउ ज्ञलनारि क्या नव्या । अभवजी मञ्जाग मर्भना पि जन्मा छक्ः। जन्या जिक वर् रुलाम् । अन्य वाष्ट्रा अन्य वाम भभश्वन्त्रभावत्या स्वाप्तः । **ठ**त्राः भाउ ভ्षा मानाम् । भारत्या ७ वः ॥ তাপরস্ত্রী দর্শনাদি জন্ম। যথা। স্বে-माचु जिः कृत्रन शिहिल सक्ष ज्यो ক্ষানোদরি হুচন কণ্টকিত ঞ্চকান্তি । অন্যা• বিলোকণ্ডি ভাসণ্ডি **ेलुरयिन मानः क्षाम्य छ भर॰** छत् তম বিদ্য:।। গোত্রস্বলনাদি জন্মা যথা। যদ্ধেত্র স্থলন তত্ত্ব ভুমো যদি न मन्ररछ। द्रामानि व्यान म॰म्भ র্শ• শপথ• তদ্বিকারয়।। অপরস্ত্রী अस्त्रागमर्भनामि अन्यायवा। मियः जग्र नित्रीक्र जान्तिक हत्रान

ক্তকলিঞ্জর॰ সপর্যা:। সুদৃশো ন্যন্স্য কোণ ভাস: শু.তি মুক্তাঃ শিথরোপমা বভ্বু:।। ইতি রস मखनी ॥ गुरुः। इंडि मिरिनी ॥ मानकः ल्ली भूः मानकः। मानकः ইতি ভাষা। যথা। কদ্বী তু পিছি-লা প্রোক্তা বিস্তীর্ণপর্ণ মানকে । इेंडि नक् हिन्दुका ॥ इनकरमा भागाकनाः इतिभास्य मानकः। ইতি রর্মালা ॥ অস্ট গুণাং । मानकः सामृ भी उक्ष एक लाथ ?-র• কটু। ইতিরাজবল্পভঃ। অপি-চ। गानकः नाम्यश्राभयः कथाः তে जुनुना जाया भानकः भाष ষ্চীত: পি ভরক্ত হরে। লঘুঃ।। ইতি ভাবপুকাশ: ॥

भानगृष्टिः भू॰ जभन्नाशः। ইতি शत्रावनी॥

भानधानिका खी कर्क हो। इंडि <del>भद</del>-भाषा॥

माननीय॰ जि शानऽ। यथा। मारना मारनऽ। मि व्रक्षिय माननीयः मुद्रा-मुदेदः। मानयामि मङ्गापितीः मान॰ एक्टि गृष्ट् मम।। ইভি पूर्णाट्मव शक्षिः॥

गानतकु। जी छानी। ठाँवी इंडि ভाषा। यथा। यानवारवारवा २थ छा- भागवी

শ্রীস্যামানরদা বিকালিকা। ইতি ত্রিকাণ্ডশেব: ।।

নানব: পু॰ মনোরপত্য•। মনুষ্য:। ইত্যমর:॥ বাল:। ইতি শব্রজ্ঞা বলী॥

मानवर्षिकः वि मानवरूकः॥ नीवः। इंजिथवर्षाः॥

भानवी जी मन्याजीकाि । उर गर्यायः । भान्या २ मान्यी २ नात्री ४। ইতি मदत्र जावणी ॥ मा-जनस्वावित्मयः । ইতি ह्म-हम्मः ॥ बायस्य वसन् कन्या । ইতি भशानात्र उर्गा

म्यु वक्तामि जुहुद कि विक्रामि मान्य ण्यु वक्तामि जुहुद कि विक्रामि स्थानमी ॥ जुशानमाः भद्राममाः भाविकाछः स्राम्यदः । विक्रिमामः स्मृद्रवी ह क्षिछः जाद्गिन्नमाः । आनमा-नाथ मदाष्ठा छद्गरः मर्विमाक्ताः। (स्रायाभि) स्वाक्रमाकः ज्ञामाः

A STATE OF S

on Charles

गानमः क्ली ननः । इंडाप्रतः ॥ उमा

खना यथा। भवाभवदः मः शामाः

भक्ष दिगण्ड मानस्म। इंडि ভाषाभविद्द्द्रः ॥ क्षा। मानम् जारभा यथा

काम काथ ज्य द्व्यत्वा ज्ञान्यायमारन्या।

विवाद । भाकाम्यायमारन्या।

मार्थादि ज्यस्था ॥ मानस्म।

श्रि विक्राण्ड जारभा ज्विज देनकथा। इंडि विक्रुभूवान ५ ज्ञान्यतः

यथा। भव पुरवाय ज्ञिष्यानः मनमा
निष्ठ विस्ता । विज्ञा जिनदिन मानम्

विविधः क्या मानमः ॥ इंडि जिन्

निवासी विश्व निवासी विश्व का निवासी कर निवासी

इंडिजिंगमणीउद्भा ॥ जन्णनम्-भीरिक मरमयः मानमी व्यथा । इंडि भाकः॥

भानमस्रभः भू विया वर्ग्ण्णुहात्रगः
। यथा। विया यहकत्राण्णीः वर्ग सत
भागित्राः। উहत्त्रहर्ष मृष्णिः
नानमः म स्रभः मृजः।। उद्धारमः
नियाना नार्ष्णुव । उथाह। स्रम्
हि स्राण्णि स्रिश्चित्र स्रभः
स्रिश्च मिल्राः। विद्यान मनरमव म्रम् छारम् ।। न (मार्या मानरमव स्राल्णु मर्त्राः।।
इि उद्धमातः॥

भानमञीर्थः क्ली जागाषित्र हिजः भनः।
यथा। मृज्डेवाह। जीर्थानि कथिजात्म् उत्थानि भूनि मज्ञ ।
मानमानी ह जीर्थानि कन्न । निम्न जीर्थः ।।
जागाषि जनाविनः। हेजि नाजनिग्ह भूजाति ८५ व्यथायः ।।

মানসপ্তা স্ত্রী মনোরচিতদুব্যকর
ণক সপর্য্য । যথা । হৃৎ পদামধ্যে

দেবী বিভাব্য স্প্রলী পাত্র সং
স্থেন সহস্যারাম্ভেন পাদ্য দেব্যা

শর্মা দ্ব্যাৎ । ততো মনশ্চার্য্য

দ্বা সহস্দলপদ্য ভূজার ললিত
পর্মাম্ভরবেনাচ্মনীয় মুথে ।

পঞ্জিশতি ওত্ত্বেন গৰ্মণ : অহি•া नाः विकानः क्याः प्रयाः यत्ता छः जाराङ् बराष्ट्रगर्भ वर्गाः जन रुक्कात व्यताग व्यक्षम हिन्ति गरि। षाम्भ वज्ञानि भुञ्जानि ह भुराभः থেৎ। তত স্তেজা ৰূপণ দীপণ বাযু क्ष १ थ्य मन्तर । अध्यः । जाय । দর্পণ স্থ্য চন্দু ছগুলপদান্ত মে 🖟 थला॰ जाननः श्रात्रमुखमः जनारः छ धुनिग्गी पण्टा नित्तर्यः। छ তঃ স্ধারসাম্বৃধি মাণস পর্বত বু হ্মাও প্রিত পায়সঞ্ দত্বা। মনো नर्डन मलाताः मृक्षातापि त्रामाख-विः। म्टिंश गी रिजम्ह वारिमान्ह ভোষযেৎ পরমেশ্বরী । এব স স্ कु । অভেদেন জপঃ कार्युः । ইতি ভজসারে ত্রিপুরা পুকরণ ॥ 🕸 ॥ মানসৈ ৰ্গুৰু পূঙা যথা। ততো মান न शक्कारित्रः भूकार्यः य य मृत्रा। কনিষ্ঠা পৃথিবীতত্ত্ব তদ্মোগাদ্ গন্ধ যোজন ৷৷ অঙ্কুপ্তো গগণ তত্ত্ব তে रेनव भुञ्जरगाजन । उर्ज्जनी वागुजबु , म्याक्ष्म (जतेनद या ब्रायट् ॥ व्यना भा दल उकु महात्वितन साबर्यह ক•। তত্তন্ত বাণুব• জ**প**্যাদষ্টোত্তর শত সুমী: ॥ জপ সমর্প্য ভক্ত্যা চ शुःभिन्द ७५ कृषि । इंडि नी वा छ छ ।

।। 🗱 ।। ज्यानिक्। निथ्न किछ विद जु मानरे म क्लाइरकः । ভৌতিব প্ৰবেধিকান गुपु। बख সম্মিতি ॥ ভূग्रा भन्म नक्षक्ति वातिमरिङ मिविमारेकः। किनिष्ठाञ्चलि उद्धान मधःमानानिक उथा ॥ अक्षित र गारगागाग्रुमाः शकः शुकीर्विषा পৃথিব্যাত্মক গন্ধঃ স্যাদাকাশাত্ পুষ্লক ।। ধৃপো বায়াত্মক: প্রোচ দীপো বহু। আক: পর:। রসাআ क रेनरवम् । भूका भरकाभका विकः **७** उन्न वायुगः जन्याम् शिल्यून जुधीः। इंड। मनकद्राः॥ अन् भानरेम क्लाहारेत्रम्ह मन्त्रुद्ध र (यब्रुना। गञ्जः ज्याजाकः मन्तर व भुम्न छडः भन्न ।। ध्रा वाया कः (नयः (उद्यम्। भी भागत ह। रेन (वम् अम् जः मम् । स्मानीयः वदः वाः আক ।। অম্বর নৃত্র দদ্যালা লা ছ এনেব চ। তত্ত্ব দু। বিধানেন भृज्ञाञ्च छक् ज्ञाल ॥ यथान 🛸 बन क्दा नगाना करा भारे इंडि कहान्मानिनी उच्च ।। # भूका कम्स्र । निक्रख्यः ध्राद् কানন্দ্ৰাথামুকশক্ত্যয়া গ্ৰীপাদু প্ৰযামীতি মানসৈ গ্ৰাক্ত मूर्व ब्रह्र्य । क्निश्चा

मान्त्र

भाग वर्ष मन् भंग विनयः
भूभः स्वापाञ्च कः
भूभः स्वापाञ्च स्वापाञ स्वापाञ्च स्वापाञ्च स्वापाञ्च स्वापाञ्च स्वापाञ स्वापाञ्च स्वापाञ स्वापाञ्च स्वापाञ स्वापाञ्च स्वापाञ स्वापाञ स्वापाञ्च स्वापाञ स

बन्तर्ड॰ क्ली अहि नाि । यथा। अहि ना नड़ा भरख्य॰ वुक्तहर्यं। भक्ष्णडा े बकािन भाननान्। इ वुंडािन ड स्त्रायद्व।। ইडि व्हाइ-भुतांगः॥

নসাল্যঃ পু॰ হ॰সঃ। ইতি রাজ-নির্ঘণ্টঃ॥

नम्ब॰ क्ली सर्गापिनिर्मिडकिष्म्ब॰
।(गाएँ इंडि डाया। इंडि धनक्षयः॥
निर्मिक॰ जि मत्नाज्य॰। मानम
नेपाद किक भुडारयन निष्मम॰॥
नेमी जी विष्णापिनीविर्णियः।
इंडि इंग्रिक्यः॥ मत्नाज्या ह॥

हेि (हे भहम्पुः ॥ स्वाब्दा छ ॥

ान्योकाः भु॰ हे॰ सः। है छ प्रस्तः ॥

निका खी सन् ४० । है छि भद्म द्रञ्जा
वनी ॥ मद्रादः । (मद्र हेि छ । वा।

हेि दिन् ४० शद्भि छ । वा।

मानिनी खी कनी वृक्तः। इंडि ति-ि किनी ।। मानवं । हा । मानी जि मानिविश्विः। इंडि (मिनी) ।। तिः इः। इंडि ताक्षनिर्धाः। ।। मानुषः पूर् मनुष्ठः। इंडि प्रातः।। मानुषिकः जि मनुष्ठाः। इंडि प्रातः।। मानुषिकः जि मनुष्ठाः। इंडि प्रातः।। मानुषिकः जि मनुष्ठात्रकर्षापि। मनु-यहस्महिन्छोरमर्थं किक भुंडिहरून निष्ठमः।।

मान्यी जी मन्याजीकािं। यथा।
मन्या मान्यी नाती मान्य जिया। इंडि भरत्यावनी ॥ हि-किं मार्विभाग्या आमृती मान्यी रेप्ती हिकि मा मा जिया मडा। इंडि भक्हिन्स्का ॥

मान्याः क्षी मन्यानाः । स्वा । मन्यादः
।। मन्यानद्रीतः । स्वा । मान्याः
करनी खास निःमादि मात्रमार्गः
। यः कद्रां कि म मः मूद्रां सन्यूष्ट्रं
महिन्।। ইकि मृष्टि क्षि कर्न्य यो क्षतः
न्याः व्यवः

भान्याकः जी भन्याभन्दः। ३७९-भन्नः॥

মানোজ্ঞক° ল্লী মনোজ্ঞতা। মনো-জ্ঞস্য ভাব ইত্যথে কণ পুত্যয়েন নিম্নম• ॥

বলী।। শরাবঃ। শের ইতি ভাষা। নান্দ্যে ল্লী রোগঃ। ইতি হেম্চন্দুঃ ইতি বৈদ্যক পরিভাষা।। ।। মন্ত্য চা नाक्षाजां भू॰ य्वनायताज्ञभ्यः । उर्भिगायः। यूवनायनः २। इंडि (स्म हण्मुः ॥ जिम्रवद्गणः यथा । जः बाद् भुरमनिष्ट् छ्रा युदनात्था श्रुवर । जम् कृ भूधमातिन (ब्रिंग स्वीनास्त्रम् म् अला निवमः णः क्**भान्** छि स् निन्नि द्रभ ॥ ত্যেৎপাদনাযে 🕏: কৃতা। তস্যা ঞাৰ্জ রাত্রে নিক্ভাযাণ নতা প্ত कलभूर्व कलमः (वरीमास्य नित्व-मा। (उ मूनयः मूयम्:। मृत्धवं ह তেমুতীৰ তৃট্ পরীতঃ স ভ্পাল खगाणुन मधनः वितिण । সৃष्छाः भः जान्वादेशः विश्वाभगामा । ज ছ কলসজল নৃপরিনেয না**হা**ত্র্যু गद्मश्रु अरमी। भुवृद्धान श्रायः भण्हः। (करेन ब्याय भ्उ॰ वार्तिः शीउ । यह हि शीउ तास्त्रा १न। युन्नापुना भरी महावन भ র ক : পুতা জনবিষ্যতি।ইত্যা कर्ण मुद्धाना ना हा नहा भी छ নিত্যাহ। গব্তিক যুধনাম্বোদরে क्ष्वर । ज्राया ह वक्षा भार ननयण्ड एकिन अकि मननी भाज নিভিদ্যবিশকেন্য ! নচাসৌ রাজা ন্যার। জাভোনামেন ক খাস্য ভীতি তে মূন্যঃ প্রেচুঃ ৷ অথাগ

नाऽत्रवज्ञाखयुरीयानः । वानाः ি ভি। ভভোসৌ নান্ধাত। নান্তো ९७वट । वरळू गम् अप्रामिनीरम-रवत्मुन गुडा जाः शर्मा जाकाः म्ञ नुपिन्धी मानाम्यादेश विरकन-ব্যবন্ধতাস তুৰান্ধাতা চক্ৰবন্তী সপ্তদ্বীপা॰ নহী॰ বৃভূজে। ভবতি हाज स्माकः। यावर न्यं। उत्रिम यावह পুতিভিগ্নত। नर्बः एत्योः বনাধ্ন্য নান্ধাত্ঃ ক্ষেত্ৰ নুচ্যুত্ত ॥ साजा**छ। भभदि**का मुर्रे ५० १००५ **ग ज गु**र्यास्य च । १ ४ ४ ६ ४ । सत्तर **यः** भूष्ट्रसम्बद्धः अवस्थितः । जन्मू १. लान्यानाम् । श्रकालाः पृश्चिव ন্ত্ৰস্যা নেব ভস্য নৃপতে, বভুরুং। ইতি বিষ্ণুরাণে ৪ অংশ ২ অং थ्यायः ॥

मानाः कि वहाः। उद्भविताः। भूकाः २ भूजीकाः ० जगवान् ८ ज्यातकः ६। (जिक्रोवतः॥

नान हो ने क्षा है । वित्र । व

रकः इ.८५ अवराम्बर्भावः ॥ ब्राहर की सहचाती।यथा।**अनिर्मा**ः न्। ज्यान। ह नक्यान। ह सार ना। ইতি मद्याला॥ প्রा ह॥ शु॰ कामः। इंडि **रना**ः भाभ गुः युद्धः ॥ मालनः भू ज्यः। ই जिमकान्यः का॥ भित्रेगाण ही॥ मागक वि गरीय । इंडि (मरिनी।। भग जायुकः। इंजि भयभावा॥। भारकः भू नाजनः। इंडि जिस्ती । क्ष्रत्ा इति सम् गन। ॥ भामधीय वि न्योगः। नणरानिः **७**ऽ१: ः इङ्ग्रीक गयार-धकः ज्ञासनारम्य यग्रह ममन्तरम् वृत्को मान कीनः। इতि पूर्वास्त्रकः॥ भागः भू भीजापतः॥ वम्तः। इंडि . (निविद्या भागा जी इन्त्रवानारिः। उर्वणा यः। भावती २। इंड्रानदः॥ माजि विश्व मन्त्रा॰ मनीवास्थि। भवतन्त्र रिक्छामा हैग॰ मास्त्री किन शुर्ख्नि মিতবাং । ইতি ভরত:॥ #॥ वृद्धिः। इंडि जिस्ति॥ क्षा॥ मुद्धः। ইতি नानार्थः (इमहन्तुः ॥ শঠতা। যথা নাযা তু শঠতা শা ठेऽ चन्छि निक्षिक मा। बा छा।

क्कुप्नाभागविष्मयः । यथा । नारया-(भक्किन्युकानानि कूप्माभाया इति बगः ॥ वन्त्रीः । ইভিচ (इमहम्मुः ॥ বুদ্ধনাতা। ইত্যমরকোষে মাযাদে-र्व गृड भद्र ममना ।। पूर्गा। यथा। मृता लिख ५ ज्य माय नादायनि ननाउनि। करा मि सङ्ख परि नय (छ नर्व नक्षा प्राज्ञन् अविह-नामोक्ष याक जानन वाहकः। छा॰ भाभविया गराः मा गाया भद्रिकी-र्खिञा ॥ माण्ड माहार्थ वहरना याण्ड **প্রাপণ বাচন: 1 ङ প্রাপয়তিয়া নি-**'ড্যু॰ সার্ভাষা পরিকীর্ত্তিতা।। ইতি तुक्देवक 🛫 🗟 कृषक्रम्था २१ জ্ গ্রাটে জিপিচ। বিচিত্র কার্য্য कीतः अरि ३५ कनपुरा। स्थ-मुख्या विश्व नावा (उन शुकी-र्जिजा वोभूत्रात ८० वा-यायः 🗀 🗀 वित्रकृष भुजि जा-थन गाँवा। इंडि नालाडी डिए: ॥ व्यवदेन वदेन भहीयभी गाया। इंडि কেচিৎ ।। ঈশ্বরশক্তিঃ। ভদ্যা না-भारत स्था। भुक् जिः र अविन्। ० व्यक्तान । भूषान ৫ मिकिः ५ व्यक्ष। १। मृष्टिकात्म जगरान् वात्नी गायाः भुकामयानाम। ना पुष्टे मृण्डा-नुमकानक्षा कार्यकात्रन्त्भा ह।

भद् तक खामा खनम्यी। ज्नाः भ ক্রিষ্য আবরণ বিক্ষেপশ্চ। তস্যা नायाया नहस्तृ काउ । उमारह-कातः। जमार ११ कृतः। जमार বুক্ষাওণ ইতিন্সিভাগবতমতণ।#।। বিষ্ণু মাধা স্বৰূপ॰ যথা। সামেতা॰ ভাষসেদেৰ মম মাধেতি নিত্যশং का गाया की मृणी विष्का कि वा मारव তি চোচ্যতে॥ জ্ঞাতু মিছামি মা-যার্থণ রহ্স্য পর্যুত্তমণ তত স্তস্যা वहः भुजा विक्र्माया कत्र अकः ॥ भु रुम। मध्तः वाकाः भुज्रवाह वम्ब ता । ज्य मा शृह गागा व यमा शृहिन नामतः ॥ वृथा (क्रनः किमर्थः पुः शुक्षाःम महिलाह सह , १ मािश मा॰ न कान कि काण असन পিতানহাঃ॥ নুহ ন্তে ক্ৰাঞ্জি कि भून खु वमू झादा। भड़्सर । यह তে যুব্ৰ ভক্তালের পুপুর্বালে।। **भा निक्छन**ा गर्स असा मार भग शिएमा (मार्या श्री शिएक भः क शक्त वाशि विवर्षात् ॥ व्यमा-रा न न म्रामा असारवर सम मुनद्रित । (२न्डि मिनन क्रम उकः उदि তত্ত্বঃ॥ ভবেছ শীতন গুীমে মা-বেষ নন তভ্ত:। পশ্চিমা দিশ भाष्ट्राय रम्खः याजि ज्ञाकतः॥ छे

**प्रिक्ति भूगि अ**त्रिक्ति अस ति। भागि**उर्कि**य मुक्क छेर**ङ** स ণিকু স•ছিতে।। গত্তে চ জাযতে জঙ र्मम गारेयव हाजमा। जीवः भुविन गार्ड ७ मृथ मृःथानि विन्म छ ॥ का-**७** किमादि मई (भवा भाषा भ भाउमा। याज्यक्यान्ति जीवा नक्षे म रद्धा गडम्मृहः ॥ कर्मा भी-याजना मारियमा मन हो। जुक मानि म'यागाङ्गायस यि क खवः ।। अङ्ग्र कत्रांगे देव जुरको मीर्यः कवि उथा। शृष्टः उत्थाम्ब्रुरिकः व म्राष्ट्रीष्ठभूट गामिका ।। कर्गो (नव कल्गालो ह ननाहै कि ख्रा मना। **এ** ज्या मायगा युका बागाउ यहि बङ-বঃ ।। তসৈত্ৰ দীৰ্য্যতে জন্তো ভু ক্ত॰ পীতঞ্ বহিনা। অবঞ্চ সুবতে জন্ত (द्रय। भाषा भ**रभा**खना ॥ नदः न्नर्नः শ্চ ৰূপঞ্চ রুসো গন্ধশ্চ পঞ্চন: l व्यवाद भुवर्त्तरं कहा (त्रवा माया मन निर्य।। नर्बर्ज्यू निकाकातः शायत দ্ধঙ্গমে তথা। তত্ত্বং ন জ্ঞাযতে তস্য भारेयया मम जुन्म द्रि॥ आंत्मा मिव्रा ন্তথাভৌমা আপোষেষু পুতিষ্ঠিতাঃ । नह वृद्धिः भुषास्त्रः गारेयवा भन्नभा

मग। वृष्ट्री वर्ष्ट्रकाः नार्व भन्नवानि

नद्राःनि ह ॥ शुरिया नर्दाणि भूवाछि

माया

क्षार्था वेंन मम। विभवहिथदा-वः का नामा मनराकिनी नरी ॥ गा**क**ः ा ना ভবেরক। মাবৈবা মমকীর্ত্তি ा भिषा गृङ्ख मिलन॰ नवगाय े निनार्गवार्।। वर्षस्य मध्यः लारक वं भागा वलः सम । द्वागार्खा अ 🕆 रः क्टिट ज्रक्ष्यन्ति मस्योवश् ॥ मा वीर्या ममाण्डित माया जू वि बाम। इरा खेबाब मीयमान ज्ब ः भक्षष् भिं यट्।। निवीर्ये। भी-वश क्वा काला ज्वा रवामाहर ॥ ্ৰথম কাষতে গৰ্ৱ: পশ্চাজ্জায়েত 'व भूगान् ॥ -बाग्रक मध्रमः क्रनः হতোপি জরষা পুন:। তত ইন্দ্রিয াশশ্চ এতমায়া বলং মম।। এফ ोबा८ भूकीगीरिष बायर जानि ज् রিশ:। ত্রামৃত: বিস্কানি মাবা ংযাগেন মাধ্বিনা লোক এব বিদ্ধা-না**তি গৰু**ডো বহুতে ২চু ১তণ ভূত্বাবে-शन गक्छ। वहान्।। ज्ञान माज्रन। ায়ে এতা দেবতা: সর্বা যজ্জভাগে-ন তোৰিতা:। মাধানেতা মহ•কৃত্বা त्वावयामि दित्वोक्तमः ॥ त्वाकाः नार्द विज्ञानिष्ठ (एवा निज्र) मथानि নঃ। মাধা মেতা মহ॰ ক্ৰা यक्ताः মি জিদশান্ সন।॥ সর্বোপি যজতে लारका यञ्चात्रक्ष वृष्ट्रण उन्। माया गाव्तित्रती क्वा या कया नि मिरवोक मः ॥ मर्ख (लाका विज्ञानिष्ठ वक्षः भा-তি সাগর । মাবাস্ত বাৰণী ক্ষা र॰ तकामि मरशामिश।। अर्द (ला-কা বিজ্ঞানন্তি স্ববেরো ২য° খনেশ্বরঃ । ऋत्वद्र मारा मामार व्यक् द्रका বৃত্র: শক্রেণ সূদিত:। শাক্রী• নাফা• त्रनाङ्गाय सया वृद्धा नित्रृपिछः ॥ এব লোকা বিজানস্তি আদিত্যশ্চ প্রবো নহান্। মেৰু মাঘাময় কৃত্রা বহান্যাদিত্য মেৰ চা। এব॰ চাভা-যতে লোকো জল• কিম**ল্য**তে **২**থি-লং। বডবা মুখ মাস্থায় পিবামি **उरहः बनः ॥** वायुः भाषाभयः कृद् प्रिष्यु विज्ञाम। इ॰। यिन ए॰ ভाष-তে লোক: মতৈব তিগতে জল।।। (एवा जाना न कानि जिम्ड जम्ड जव তিষ্ঠতি। মম মাধা নিযোগেন তি-**প্ততে হোষধ• বনে।। লোকো হে**ব• বিজানাতি রাজা পাল্যতে পুজা:। द्राजमाया मरु कृदा भावयानि व-সুন্ধরা॰।। যে তু বৈ দাদশাদিত্যা উদেষ্যঙি यूगक्राय। भुविनाः जानहः ज्र नाया लाक म्हाम्रह ॥ বৰ্ঞ পাণ্দুনা ভূমিলোকেষু যততে नना। भाषाः भाः भूमगीः कृदा भूतः

याग्राधिन क्रमरा। वर्षा यव मः

वर्खा थातां जि मू वनाक् छ। माया॰

ना वर्त्त १ गृश् भृत्र या मा थिन क गटा। यट बनामि वदाद्यार (नर्मः **म्याभित्र वाह्मिशिष्यनस्य माय्याहाहः** भात्रयाभि समाभि ह ॥ वदा इ माया मानाव ज्य बामामि किन्न देव। (नवा यब निनीयस मामायामम कीर्निजा ॥ जुकाशिरेवकवी भाषा कृजाजाना সি কিন্ন তৎ। ধারি ভাসি চ সুশোণি वात्रान् मधरीमव ज् ॥ माया ज नम (मवीय॰ क्दा (क्र मार्चा॰ मही नम माया वलः (क् उप्चित्र टिशान्। হ॰ জলে॥ পুজাপতি॰ শতকদু সৃ জামি চ হরামি চ। তেপি মাধা । ন জানন্তি ম্ম নাযা বিমোহিতা:।। व्यथित्र पारेक्त रक्ष मूर्ग वहनः ৷ নাবা পিত্মনী ছেতা গৃহানি হি চ তত্তঃ॥ কিন্ত মাথৈৰ সূশোণি অন্য শৃণু সুন্দরি। ইতি বারাছে-भाषाहकः॥ 🗱॥ व्यथ भाषा खादः শৌনক উবাচ। শশিধুজো ন রাজ: জন্ত্রা মাযা॰ গতঃ হতে:। কা वा भाषाञ्जि : मृ उ वह ज कृ विभाव **त्र ।। या द्वट कथा** विकासभा दक्तरा। লা বিশ্বসাধ । জৃত ইবাস। শৃণ্রু 🖟

मूनयः ऋर्वं मार्क्राख्याय नृहट ।

भाषा मुकः शुर विमुखाञ्जा मुख्या।। उट म्यु मुद्रम्। बि यथ बीजः यथा भुजः । मर्व कामनुष मृगाः भाभ जान विमानवः॥ भ्क উবাচ। ভল্লাট নগর॰ ভ্যক্তা বিষ্ণু-छकः मनिधुनः। **आ**जा **मः**मात्र (माकाय माया खब मनः बलो।। শশিপ্ত উবাচ। ওঁ ছী॰ কারা॰ শত্ত্ব मात्राः विमुक्षाः वृक्तामीनाः भाष्ठत्रः विष विविधाः । उदीः बाहाः जुउ তমাৰ কক্ষা বলে বন্দ্যা দেব গন্ধৰ সিদৈ:॥ লোকাজীভাণ দৈ-ত ভীতাং সম্যাত ত্তৈ ভ্ৰাগ্ৰাণ ব্যাস मानानिकार्थिः। नाना करेन पर्व जिग्रह्मन्देषा खानाबाताः वृक्तक्शाः নমানি॥ যস্যা ভাষা ত্ৰিজগভাতি ष्ट्रें उ नं ভাতে। তত্ত र ভাবে विशाजुः । বিষদ্ধীতা॰ কা**লকলোল লোলা**॰ ीलाभाकी किछ मनात्र पूर्गा।। পূর্বাণ প্রাপ্যাণ দ্বৈত লড্যাণ শর্ব্যা गाम् । भारत स्थारका या विकारि । कारना रेमव॰ कर्म साभाश्या य ত্ৰা তাসা তা বিশিষ্ঠা নমা-মি। ভূনৌ গন্ধে। রসতাপুরু পুতিষ্ঠা ৰূপ• তেজস্যের বাষৌ স্পৃ**শত্ব•। থে** শ্লেট্ৰ যদিলে ভাতি নাল তা या हार जार विश्वतः । त्याचि ॥

भीवती ए वुक्रकशा ख्वानी ज् ভেশ স্য গ্রিপতে: গ্রিষরপা। শচী শক্ষ্যাপি নাকেখরস্য পরীশ্রেষা छाति आर्य बगट्म् ॥ वाला वाला यूवजी योवत्व वः वाक्तःकः या इतिहा कानकन्ना। नानाकारेत ৰ্বাগ বোগৈণ্চ ধর্মো ভক্ত্যা বৈ ত্ব॰ ্ক্ষান ব্জুা বিভাখি॥ বরেণ্যা ত্বণ बद्ररा लाक मिन्दा माधी धन्त्रा लाकमान्या जूकन्या । इन्नी पूर्णा কালিকা কালিকাখ্যা নানা দেশে ৰূপ বেশৈ বিভাগি ॥ ভব চরণ **ज**रत्राजः स्वि एव्यानि वन्तुः यनि **ङ्ग्य मद्गाद्ध जावयञ्चीरू ज्**कृत । শুক ক্ত নতিশৃদ্ধ হৃং.সরোজে ম্বরন্তি শু.তি যুগ জহুরে বা সণ্-भु उ॰ धर्म जम्म ८।। जनवि कगरा-দ্যে সৰ্ব সিদ্ধিক তেবাং ॥ মাযা खव मिरः भूगाः मूक्रास्यन जाः। भाषासः भूः मसीतः। ইजि बिकाल বিত । মার্কণ্ডেযাদ্য কাপি সি দ্ধি· লেভে শশিধুর: II কোকানু-থে তপ স্তপ্তা ছবিং ধ্যাত্মা বনা खरत । जूरमात्वन निश्राह्य रेवक्रि শরণ' যথৌ।। ইতি একিহ্নিপুরাণে **e**নুভাগৰতে ভৰিষ্যে মাষা স্তৰ " উৰক্তিংশা অধ্যায়ঃ।।

्तः श्॰ अनुवानिकः। वाकी

## <u> মাঘাভি</u>

কর ইতি ভাষা। তথ্পর্যায:। পুাতিহারিক: ২ ৷ ইত্যমর: দমা-्या इन अनारि। बन इनामि छ।-मःकत्राञीकि माराकादः प्रा পুভিত্রণ পুভিত্যরো ব্যালাভা-বে ৰঞ্চ স পুংগাজৰ মস্য প্ৰাতি-হারি কঃকিকঃ ণিভেবি রিভিত্জি: । পুতিহারক ইত্যপি পাঠ: । তত্র शुक्ति भूषम् भूष्ठे यत्ना नवत्न ह इ-ন্নতি জ্ঞান্তে ন কিঞ্চিদিতি পুতি-रातकः। गकान्डाट बार्खियः शाजि হারকণ্ট যঞি পুতিহারণ্ট। ইতি **उडोकायाः छद्रउः**॥

भाषाक्ट भुः भाषाकाद्रः। यथा। भाष्वती नाषती नाया नायाकृट ভিক্ষুকে নটে। ইতিশব্যত্নাবলী।। भाषाभीवी मृ भाजिशाविकः। ইতি (र्यहन्मः॥

(শ্ব: 11

भागाजिः भुः नद्रवितः। यथा। मायाजीनाक निर्गी उ॰ नुग्जा॰ मू-निमल्य। वक्तागाथई (वरमाक ফলহানি ব্যতিক্ৰমে ॥ পিতৃ নাতৃ विश्रीनक गूवक ब्राबि वर्जिङ । বিবাহ্নিত দীক্ষিতঞ্চ পরদার বি-शीनकः॥ अकादिकः विणुष्कः म म्पृ ग्रमकः वतः । जवस्रा । त्रा म्पा की जः ग्रमा जित्रक जः ।। त्रा शिवा व जः भ्रमी नः श्रम वर्ष व म्पा । मारेषा भ्र रेशम्य निम्पृ ते मिश्व (गारता विना मिश्वः ।। उद्य वर्षः जा गिष्ठा व त्र वारत्र । यञ्च । वर्षाः एक नम् क्ष्म मुनी य जः निर्वपः एक नम् क्ष्म मुनी य जः निर्वपः एक नम् क्ष्म मुनी य जः निर्वपः प्र ॥ अप्रेमी नक्मी मस्त्रो प्रमा माया जि स्मव का इर्जा व क्षिजः मर्बा व ख्या व श्रम व क्ष्म । विनः म्बा व ख्या व श्रम व क्ष्म । विनः म्बा व ख्या व श्रम व क्ष्म । विनः म्बा व ख्या व श्रम व क्ष्म । व्या व मिश्वा ।। इजि व्या विवर्ष श्रम् जि भरक्ष ५७ व्यक्ष ।।

भागापिती ज्ञः भू वृद्धः। ইত্যমরः॥
भागाफन क्षी फनिविष्मयः। भारे
कन हेि जामा। ज्यभर्गायः।
भागिकन २ भागिक ० हिमुकन

8 भागि १। ज्ञम्य छनाः। वाज
हत्रपः। कर्षेपः। उक्षपः। विन्या
मह्माप्तक (कन्यकार्यः) पाज्यकः।
हिम्सार्वेषः।

মাথাবতী স্ত্রী রতি:।কামপত্নী। ইতি জটাধর:॥ তস্যা নামকারণ যথা। প্রীপরাশর উবাচ। এত্রমি মন্তরে পুাপ্ত: সহ কৃষ্ণেন নারদ:। অন্তঃপুরচরী: দেবী:কৃষ্মিণী: প্রাহ

**गागाम्** र्ययन्।। এय एउ उर्वयः मूक्रिया শশ্বর নাগতঃ। হতে। বেনভিবদা-লো ভবত্যা: স্তিকা গৃহাৎ।। इय॰ भाषावजी ভार्यना उनयम्ना-স্য তে সতী। শশ্বরস্য ন ভার্য্যেশ শ্ৰবতা মত্ৰ কারণ ।। মন্মথে তুগ-তে নাশ॰ তদুক্তব পরাযণা। **শম্বর**॰ (भार्यामात्र मायाक्रालन क्लिनी ।। ব্যবাষাদ্যপভোগেষ্ ৰূপ। মাষা **भय॰ म्**ड॰। हर्मयामात्र रेहडाजा उत्माय अमिरत्रक्ता ।। ३ कि विक्-भूताति ६ जार्म २१ जव्यायः ॥ भागाविभिकः 🔄 भन्नभुजानकः। इंडि मद्यावा॥ मायावारे भृ• क मताबः। ইতি भद्र-त्रज्ञावुनी।। भाषायुक्क वि।। | भाषावी न भाषाकातः। उट्नर्यतः यः। व्यन्त्रकः २ मायी ७ मायिकः ८ ঐন্দুজালিকঃ ৫। ইতি জটাধর: ॥ বিডাল:। ইতি রাজনির্ঘণ্ট:॥ भाषात्मात्रः श्॰ विकृत्मक्निर्गठा-मूत्रामाञ्कलूक्वविष्णवः । यथा । 🗐 পরাশর উবাচ। ইত্যক্তো ভ-গবা ভেভ্যো মাধামোহ শরী-त्रजः । जम्भाना नामे विकः শাহ চেদ শুরোত্তমান্।। এতগ-

वान्वाह। मायातात्वा १य मधि-

मागामी नात्रीय जानियान् त्ना श्विषाञा ः विनिया उँविकृति विनमार्ग व ংষ্ঠা:॥ ছিটো ছিতস্য দেব-्रा यावष्ठः भद्रिभष्टिनः। वुकालाः ्य श्विकात्रमा (स्व रेस्ड)ापिकाः শ্রাঃ॥ ভদ্গছত ন ভীঃ কার্য্যা াযানোছে। হব মগুতঃ। পছক স্যাপকারায় ভবতা ভবিতা সু রা:।। শ্রীপরাশর উবাচ। ইত্য ্ফু। পুণিপতৈ কে যয়ুর্দেবা যথা গঃ **ङ । गागामाह्या हिट नार्ष्व** [यो यब गशामुबाः।। हे जि विक् भू**द्रात्म ७ वर**ागा ११ व्यवशायः ॥ ্যাসীকা জ্রী ক্রাণেদ অগ্রিকৃত भीञाभुजिक्जिः। यथा । अग्निकः বাচ। ভগবন্ শুৰতা বাকত কৰা । न यपूर्वाङ् उ॰। मीजा इत्रवलाता १य॰ जोजन ममूलक्जिः ॥ रेनवक मूर्नियात्रक नह रेमवाट शतः वनः। नर्भुभू भिष मन्नामा क्या वा क्रमा ম্ভিকে হধুনা॥ দাস্যান সীতা তু **७**९७ भद्रीका मनत्य नन। (मरेवः भानः ॥ त्राम खब्ठनः भुवान भूकाः भा ह वाञ्चतः। सीहकातः ह महन्तः श्रुत्यम विष्यञ। ॥ विक्रि र्गारमन भी जाया भाषाभी जा॰ हकान मः।

जन्म छन नहीं भाग मही द्रामाय नावम ॥ जीउा॰ गृशीदा न यर्यो लारभाः वक् निविद्य ह। विश्वरान रैनह त्वुरश शाना भनामा कि कर्ण ৷৷ লকা • গড়া রযুশেষ্টো জয়ান শা-ৰকেন চ। সৰান্ধৰ বাবণঞ্সীতা मःभाभ मृःथिजाः ॥ जाक विद् भवीकेन कार्ययोगाम महत्रे । হতাশ ভাৰ কালেচ বাভাগীশ জীম-की करमे। उवाह छाया विश्व রামঞ্চ বিন্যাহিতা টকরিব) নির্ভিত कि शक् उन्भाय वष्य (में।) विद् बनाहा। पुर गह उभरत सिवि भू-क्राक मून्। ए॰ । क्री जनमा॰ উত্তৈব স্বৰ্গ লক্ষ্মী ভবিষ্যসি।। সা চ তম্বচন শুরা পুতপ্য পুরুরে তপঃ । रिवाः जिलक वर्षक वर्गककी ৰভূব হ ॥ সাত কালেন তপসা यक वर्ष ममुख्या। कानिनी भा-खरानाक (मुलिमी कलमाजाका।। ক্তে বুগে বেদবতী দশধুজ সূতা-শুভা। ত্রেভাষা• ক্লানপত্নী সা সী-তেতি बनकाञ्चना।। उहारा (मुने न-मी (मवी बाभारत क्रममाञाजा। बिश्यगीिज मा (भाका विस्त्रमाना যুগত্রযে।। ইতি বুদ্ধবৈবর্ত্তে পুকৃতি च(७)२ ज्यागः॥

भागामुङः शृ त्यः। ইति एम हन्मुः॥

नारिक॰ ही भाषाकनः। ইতি द्राञ्ज निर्घण्डः ॥ गुष्ठाग्रद्धा नारिका सापु-का ইত্যপি পাঠ:॥

मायिकः भ् भाषाकातः। इंडि बहै। वृतः॥

भागी श्र भागाकादः। उट्भर्यायः । श्र्वः २ वक्ष कः २ व्यः मकः ८ व्यः कः ६ माञ्जाबिनिकः ५ ज्ञानिकः १। इंडि इम्हम्मुः ॥

भागः भ् भिनः। ইठामदः॥ भाग्दाजः भ् म्ददमभूमः। ইভি विकाखः भवः॥

भागृतः ल्ली भग्तनभृहः। ইত্যমর:।। তথ্সমৃদ্ধিনি বি ॥

भाग्तिकः श्र भग्त्रग्राही। इंडि निष्ठालिभूती।।

नायूती जी अज्ञाना। ই उत्राज-निघंके: 11

भातः श्रु मृजिः॥ कामरहरः॥
विषः। ইতি मिहिनी ॥ मात्रगः।
ইতি হেনচন্দুः॥ পুজুরः। ইতি
শক্চিন্দুকা ॥ मात्रगरगर्भार পজि
यथा। मार्करखय উবাচ। मस्माज्यअऽ বচনং শুদ্ধাথ চতরাননः। বিবজুরপি তদ্বাক্যং শুদ্ধান্য কা-

त्रकः॥ गर्वमा (यः तिष्ट्री २ जनम्हि। समार्था विविद्धि मिछि निम्पान गृष्ट मृ छः। विकास নাক্তাত্ৰস্য নানাক্পা মহাব্লা:। জাতা গণা লোল জিস্থালোলা শ্চাতি ख्यकताः ॥ **जुत्रक्**रम्नाः (किहि किं किन्य अभू शिष्ट विश्व म्था कात्म र उत्तक धन्नाननाः ॥ अक मार्ड्डात वर्षनाः भत्रजाम्याः **म्**काननाः । श्लव भागागृबङ्गा**णः म**-त्रीम्भ म्थाःभात्र ॥ (गाक्भा (गा-मुचाः किठिखया शकिम्चाः भात । गरातीयां गराङ्या गराङ्ला गरा-क्णाः॥ शिक्षाका विद्ववाकाक वर किकाका मरहाम्बाः। এकक्रां जि कर्नाम्ड ठ्रुइनी खया श्रद्ध ॥ झ्ल-कुर्गा नीर्यकर्गा वहकर्गा विकर्गकाः । मीर्याका श्वान बाक म्यानजा विष्-श्रेषः॥ ठजुङ्गामाः भक्षभामा जिला-रिक्मना खया। दुवभाना नीर्घभा-मा क्नभामा महाभमाः ॥ वक्रसा कठुर्छा दिर्छा जिल्या ख्या । বিহন্তাশ্চ বিৰূপাক্ষা গোধিকাকৃত-यः भारत ॥ मृन्यार्गक् उयः क्विष्ट শিশ্নারমূথা: পরে 1 কৌঞ্চাকারা ব দ্বোরা হংস সারস ক্সিণঃ॥ ত-रिश्व सम्बद्धाः वहा कि वाला अ

भागः विश्वित्रीनां अक्ट्रकाः क्लिनाः (भारती रहेश !! ने - भूता स्था भीजा श्विजा विषय किला । जाता-म्येष (उ महान् श्रेशन् शांत्रवापि-नः॥ मृत्रकान् जिखिनारी कर लामू थान् भगवाः ख्या। मृद्धं करोजिः পিঙ্গাভি স্তস্থাভিশ্চ করাগ্রিতা:।। नित्रज्ञा कि ब्रिश्नुस् भूगाः गानान गानिनः। म्ब (छ)ह गाम हराः थः ज्ञरुखा धनूर्धज्ञाः ॥ मञ्जुख्नुम गरा वान शिक्त शाम शानयः। नानायुदा श्रहानामः अर्बेडएड गहावलाः ॥ सात ্য ছেদযেত্ত্ বুলিণঃ পুরতো গণাঃ। ॥ তেষান্ত বদতা: তত্র নার্য ছেদ-বেত্যত।। যোগনিদা পুভাবাৎ স ,विधि वंकुः भुज्जाम । अथ वुकान गाजाया जान् मृष्ट्री सम्ता भगान् ৷৷ উবাচ বার্যন্ বকু: গণানা নগুত: यदः ॥ ॥॥ भरन উवाह । कि॰ क বৈৰ্মতে করিষ্যন্তি সত্ৰ স্থাস্যন্তিবা বি থে। কি॰ নানধেয়া এতে বা ততৈ তান্ বিনিযোজ্য ৷৷ নিযুলৈগ্ভান্ নিজে क्छा अने पदा ह नाग ह। कृषा भग्हा बारा गाया भुजाव विषय स्थाप ।। নাৰ্ক:গুৰু উবাচ। অথ ভদ্বাক্য মাৰ্কণ্য সৰ্বলৈকে পিতানহঃ। গণান্ ा । १ भ्याक्षा अवश्वासी क्षा क्षा कि

भन्।। वृद्धावाहः। भाउज्रभन ्माज। हि गात्ररयि यम्बुतन्। मूछ मूं इ इरडा क्मीयाः नाम माह्यक्रि জায়তা গা মারাত্ম করা দলে ডেকুরা-ताः मस्र ह नाम् छः। मरेनव विश्व · अ-ख्ना॰ कतियाछि विनाईन ।। खतान्-गननः कर्म मुथ्र (मुषाः मरनाज्यः) यव यव ভवान् या । स्वक्सी र्भः যদা যদা॥ গম্ভার স্তব্র ভবৈতে সা হায্যায় তদা তদা। চিত্তোদ্ভ্রান্তি• করিষ্যন্তি ত্বদক্ত বশাবর্তিনাং ।।। क्डानिना॰ क्डानमार्गक्ष विश्वविष्ठि नर्दरा। यथा जाःनाद्रिकः कर्या मर्ख अर्बन्डि कन्नदः ॥ उथा रेटरङ করিষ্যন্তি স বিগ্রম্পি সর্বত:। ই-নে স্থাস্যন্তি সর্বত্র বেগিন: কামৰু शिनः ॥ पुरम्दियाः जनाश्रकः भक्षयञ्जाक (जानिनः। निज्जिनः যাবতা• তোয ভোগিনোপি ভব-ম্ভিনে ॥ ইতি কালিকাপুরাণে ৬ व्यथ्यायः ॥

मात्रकः भुः मत्रकः। उर्भर्यायः। মারি: ১ উৎপাত: ৪। ইতি ত্রি-का अल्पवः ॥ शक्किविरणयः । वाज् ইতি ভাষা। তৎপৰ্য্যায়:। ঘাতি-भक्की २ गाहकः ० । इंडि ज्तिनु-যোগ:।। মারণকর্ত্তরি জি।।

I from the

गौन मनारक हरका गा नहाबाज करनायः।। में अधिकक विः मार्कः मृजुद्धाव जि-(भा जिंदर ॥ अ ॥ ज्यान अवा-रति भेज्किय मर् विस्। भू शाम-क्ट नगरनाव भ्जस्यम्य द्वादिना ॥ विभन्ने कर्मार्गव जम भूकारिक छति । नशास्त्राय नग इंडि भू॰ (गामक् प्रमाह्द्व ॥ मिवाय नम इंडि माञ्चन योनक मनाहात्र । भण्ने उत्य नम इंडि भागान् म छा-পযেন্তত:।। লৌহপাত্রে নহেশানি ধদিরাকার যোগতঃ। শত্র পুতি-কৃতি লিখ্য তত্ৰ সংস্থাপয়েৎ শিব্ ॥ उत्जा भुगरियाशाकम् भुगनस मू-मनाहिछः। भावा बकः हि उ कप् ब्वाशी मनभू छ ।। वानक्छ थ्र (कर्मः मिक्नाः भागकर्यनः। नत्रहः र्याञ्चतः (मवः नहाव्यानामि (वश्वि-उ॰ ii शिनाकश्क् ইश्वाशहाशह ই-ज्यासिमावाक यञ्जः। म्लभागत्य नम ইতি সাপযেৎ সাধকোত্তম:॥ महिषदाय नम इंडि शाम्यादिना भृभृज्ञस्य । सेनानामि खथा मूर्वि ट्रें करमण अभू करवट्या व्यक्तिन-ণাদি পর্যান্ত পূর্বীত্যা নহেশ্বর। पाः नितायिक गृज महोविः निक নু-জপেই া হু কুনুৱেতি বানেন

मात्रबिद- भूः त्याः। इंडामतः।। মারণ ক্লীবিধঃ।ইত্যারঃ॥ অভি-कांत्रवित्यवद्वां येथा। विवस्त माद्राः (मैं विलिबाट कथरामि (छ। जा-उ पिक्नि नमायुक वामलव विख् ষিউ ৷৷ কুইব্শা তভো দেবি অমৃ-क भावन भावन । ठर्जनाक्रावा निका याराष्ट्रः नज्नानकः॥ थिरि-वाकात नागाण अजाहेन्या विष्ण-रुडः। (नथरार भूडनो॰ मञ्चक भां लोह भवत्व॥ निभाषा नस (करनत्क ननार्छ ज्ञनत्व करत्र। नार्डो खर्श करी भ्रष्ठ करमारकन भरवरय ॥ मञ्जवर्गान् मगानिथः भुजिक्षाः **ভ**ब कार्रायेथा म•शात मूर्गा• वक्षा ज् ब्याखरम्बी अवभूना ॥ नीर्याका-झाः क्कवर्णाः महार्षा खन मखकाः। मृज् ७ यूगव ॰ इन्ड हर्बचडी ॰ दिगञ्जी ॰ **ण**ज्नाम हत्री॰ (पवीं॰ श्रारंगर मज् क्रयाय छ। अव॰ व्याराङ्गाङ्किका हरेर्न बी गरुखन मक्षत्र ॥ उँ भव नामकर्रिश ननः ইভি দত্বা মহেশ্বরি । হরিদু। र्ल् महिजाः क्षाताः सम्प्रास्त्व जु ॥ অমুকস্য শোণিত পিব পিবেতি ख्टभद्रशामाः अपनय थान्य हीँ नम इंडिंगर्खना। मध्यारः मध्यारो ज् भूषिष्वा मा अक्षे । ब्रास्ट का

गानी

कर्दिन र जिसक्त्रिय । यजिल কেশব বিকো হরে সত্য জনাদ্দন।। হ•স নারায়ণ স্বাহ। মন্ত্র মেব স কৃজ্বপেৎ। হু নমো ভগবতে বা मूर्दिवाय खारा नम इंडिंगि नक् জ্ঞপেথা এব নেকাদশাহেন শত্ हारन मञ्जमा। व्यवनारः जागरः (मिव अञ्डा अञ्डा खिलाहरन ॥ ইতি যোগিনী ভক্তে পূর্রথণ্ডে ৪ भटेवः॥ 🗱 ॥ अभि । गृथु।श्चिश्च গবাস্থিষ্ণ মূত্র নির্মাল্য মেব চ। মারিব্যসনবারক: পু॰ রাজ্যিবি-व्यात्र (या निथान हात्र भक्ष प्र मू-পযাতি স:। ইতি গাক্ডে ১৮৬ व्यथ्रायः ॥

आदिः की भाद्रपः॥ वर्षः। इंडि म-(मनी ॥ जनक्ष्यः । ज<्भर्यायः । মারকঃ ২ মরকঃ ৩ উৎপাতঃ ৪। ইতি ত্রিকাওশেষ:॥

ারিচিক ত্রি মরীচেনস ক্তে। ইতি সিদ্ধান্তকৌমুদী॥

ারিত: পু॰ নষ্টীকৃত:।। ভশীকৃত: । यथा। व्यमन्। ब्याद्रिष्ठः सूर्गः वनः-वीर्याष्ट्र नामायट । करताजि द्वा-পান্ মৃত্যুঞ্চ তজন্যাৎ যন্ত স্ততঃ ॥ ইতি ভাবপুকাশ: ॥ অপিচ।

বৃদ্ধ সমং । বিমন্দ্রিং । ততো গ্রুপুটে পক্ত্ব।

পুন রম্লেন মর্দ্দথেশ্য তালেন দশ মাণশেন যাম নেকণ ভতঃ পুটেছ। এবং দশপুটেঃ পক্ষ বৃহণ ভৰতি मात्रिङ ॥ अभव्यक्ष । आपू पृथः যনত্ত্বক তেজো গৌরব চাপল য-সৈ তানি ন দৃশ্যন্তে ত॰ বিদ্যামৃত **সূতক•॥ অ**न्यहः। भूष्काद्रामा ভবে-षुका मृहिंज्छ जनार्यनः। माति-তো क्पूक्भी म्याट वक्तः माक्काट. जनानिवः ॥ इंडि रेवम् प्रमर्भाः ॥

**म्यः। यथा। अभावभाव (**म्होल्-ক্যো রাজ্যিং পর্মার্ভঃ। মৃত্য-নোক্তাধর্মাত্মা মারিব্যসনবারক: ॥ ইতি হেমচন্দু:॥

नातिषः भू॰ नार्षेत्राक्जीरम् क्षः। इट्य-गद्रः ॥ **७** थुनीयमाकविष्मयः । म त्रमा इं ि हिन्ती जाया। उर्भर्गाः यः। कन्नतः २ भार्षिकः १। ज्ञा खगाः । सधूत्रष् । भी उद्ग । विश्वे-ম্ভিত্ব•। পিত্তনাশিত্ব•। গুৰুত্বঞ্চ। **त्रक्रना**खामय महात्म्य छक्काञीयामह जूनाः। ইতিরাজনির্ঘণ্টः॥

সারিব। জ্রী দক্ষমাতা। ইতিনে-मिनी ॥

नाती जी हु ।। जनक्यः। इंडि निनि।। मार्चित्रवीनिकः। यथा

## भात्रीह

। नाती जिन्दान अधान हान्।।न् थर्गक्रभारेज त्रभद्राः क को मिकी । ইতি বামনে ৫২ অধ্যায়ঃ।। भावीहः भू॰ वाक्तमियः। मह जात्रकात्राक्रमीभूधः त्रावनम्।नू-**চ**র: जीजाङ्द्रनकारन मायामृग-ৰূপো হসৌ গ্রীরামেণ হতক। ইতি রামাযণ ॥ অস্য বিবরণ यथा। এ उत्रिमस्यत्र द्रारमा ननम् क-नक गृग । जीजा उ (পुत्रयामाज তদর্থে যত্ন পূর্বকং॥ সংন্যস্য লক্ষণ ৱামো জানক্যা রক্ষণে বনে। স্ব্যু জগাম তূৰ্ণ ত বিব্যাধ শাযকেন চ য়। হা লক্ষণেতি শব্ধ কৃত্বাথ মা-যযা নৃগঃ। পাুণা স্তত্যান সহসা नुत्रा मृष्ट्र। इति श्यत्रन् ॥ मृगाम-হ• পরিত্যজ্য দিব্য• দেহ• বিধায-छ । রত্ননির্মাণ যানেন বৈজ্ঞ স कगाभ र ॥ रिक्छे द्वारत द्वार्यं। जी कि कदि । बाद भावायाः । क य क विजयरेक्टर वव्दवा का जिला ভিधः॥ भारभन भनकामीना॰ **স**॰-भाना बाकनी जन्। भून बंगान ह द्वात्र सार्तो **ह दात्रभाव**रयाः ॥ इंडि वृक्तरिवर्र्ख भुक्डिथए >२ प्तव्यागः ॥ # ॥ क्नात्रः । यथा । ইতি সংচিম্ব্য ভগবান্ মারীচঃ স

কনন্দন। বি কিন্তু কিন্তু আজ্ঞানঞ্চ নেন্দ্ৰ-্য হতি এ ভাগবতে ৬ ক্ষমে ১৮ অধ্যায়: ॥ কক্ষোলক ।। যাজকবাহ্মণ: । ইতি নেদিনী ।। রাজহন্তী । ইতি জটা-ধর: ॥

মারীচী জ্রী দেবতাভেদ:। ইতি

(मिनि ॥ माज् मायापिती । उट

পর্য্যাय:। ত্রিমুখা২ বজুকালিকা ৩ বিকটা ৪ বজুবারাছী ৫ গৌরী ড পোত্রিরথা ৭ ৷ ইতি ত্রিকাণ্ডশেষঃ माक्खः भू•् मर्भाखः॥ भन्नाः॥ (गामयम ७ न । इंडि (मिनी।। गाक्जः भृ• वायुः। ইত্যনর:॥ ग्रिय-তে থনেন কুন্ধেন নাশ্ৰীতি মৃঙ উৎ नक्ट नक्रिय माक्ठ: श्रार्थ कः। ইতি ভটীকাষাণ ভরতঃ॥ অস্যো-ৎপত্তি র্যথা। কশ্যপ উপবাচ। পুত্র স্তে ভবিতা ভদুে ইন্দুহা দেব-বান্ধবঃ। সংবৎসর বুত মিদ । य-দ্যঞ্জো ধারথিব্যসি ॥ অঞ্জো যথা-वट्या मन्दरमङ्गः भूष्मदनः वृंज নেতদবিপ্লুত । ধার্যিষ্যসি চেত্তু-ভ্যু শক্রহা ভবিতা সূতঃ।। বাঢ নিত্যভূধেতে চল গ্ৰান্ত চলৰ্ श्वामाः। क्ष्मुक्रम् म्य नामक व्जकात्का महाव सा ।



क्रिके जिल्ला आखार मानर। ि 🦠 भर्यप्रठ-

व्य कितः॥ अव जम्या वुज्ञाया वु उहि मुः इति म् न। (नुक्षुः भर्य) हत्र बिक्ता मृगम्।व मृगाक् िः ॥ नारागहष्ठ हिन् उ भाराथ মহীপতে। চিম্ভাণ তীবাণ গতঃ শক্র: কেন মেস্যাছিব বিছয় এ करा ना ज् नक्ताया मूहिश्री वुज किर्मिजा। जम्मृष्ठे वार्ये (श्रोजाहिः जुद्दाश विधि भाशिका ॥ निकृ। তদন্তর• শক্রো নিদ্যুপজ্ত চেতসঃ । निष्ठः भुविष्ठे छेनतः (यारमणा যোগমায্যা।। চকর্ত্ত সপ্তরা গর্ত্ত-वाजुन कनकनु छ । क्रस्ट ने मधे थ दिक्क भारतामी ति छि छान् भूनः ।। তম্চু: পাট্যমানা তে সর্বে পা-**अन्या नृशा कि॰ न इन्द्रु कि**घा॰ সসি ভ্রাতরে। মক্ত স্তব। মাভৈষ্ট ভ্ৰাতরোমহা• য্য মিত্যাহ কৌশি-कः॥ व्यनन् ज्ञावान् भावना ञा-त्ना मक्जा ग्यान्। न मनात्र हिर्ड र्गर्डः बीनिवाजानुकष्णया॥ अन् तिः ल्तुन शकामें एति । उ मक्छा <del>९</del>ভবন্। ব্যপোহ্য মাত্দোষ তে াল সাম্প্রাং ্ াগা দিতি ক व्यव मृत्य अवाद्रीननम भुजान्।

মাৰুত

इत्मुन महिजान् (पवी भग्रज्याप-निन्ति ॥ चार्थम् मार जाजार भारिजानाः ভरावरः। अभज्र মিছন্তাচর বুত মেত সুদুষ্ক ।। এক: সঙ্কল্পিড: পুএ: সপ্ত সপ্তাভ वन् कथः। यमि उं विमिजः भूध नजुः कथव मा मृषा॥ इन्द्रु उवाह । অম্ব তেহ• ব্যবসিত মুপধার্য্য গ-गर्ड मर्थ वृष्टि न धर्ममृक्। कृरला म मध्या गर्छ जामन् मध समात्रकाः । তেপি চৈকৈকশো বৃক্নাঃ সপ্তথা-নাপি নম্রে॥ তত তত পর্মা-क्टर्यं: वीका वाविषठः स्था । महाপूक्य প्जायाः मिष्कः का-भागूमिक्की ॥ उहिम भग मो-ৰ্জন্য বালিশস্য মহীযসি। ক্ষন্ত-মর্হসি মাত স্তৃ॰ দিষ্ট্যা গর্ভো মৃতো-व्यितः।। श्रीम्क डेवाह । **इन्द्र ख**रा-ভাৰুজ্ঞাতঃ শুদ্ধভাবেন তুষ্টবা ৷ নক্ডি: সহ তা নত্বা জগাম ত্রি-দিব॰ পুভুঃ॥ ইতি শ্রভাগরতে ড कक्ष ३४ व्यथ्रायः ॥

भाक् ठवु उ॰ क्री बाजधर्माविष्णवः। यथा। পুবিশ্য সর্বভূতানি यथा চ-রতি মাৰুতঃ। তথা চরৈ: পুবে**ষ্ট**∙ ব্য বুত নেতদ্ধি মাৰুত ॥ ইতি

মার্কও

নাৎসে ১০০ অধ্যাম: ॥
নাক তাআজ: পু॰ হন্মান্। ইতি
জটাধর:॥

জটাধর:॥
নাক্তাপহ: পু॰ বক্ণবৃক্ষ:।ইতি
রাজনির্ঘণ্ট:॥বাযুনাশকে ত্রি॥
নাক্তাশন: পু॰ সর্প:।পবনাশন
ইত্যমর দর্শনাৎ ॥ বাযুমাত্রভক্ষকে ত্রি॥

भाकिष्ठः भ् इन्नान्। ইতি भक् त्रज्ञावनी।। जीमरमनः। ইতি क्रो-ध्रतः॥

मार्केखः श्रु॰ मार्केट अयम् निः। ইতি
मद्यद्वावनी ॥

मार्किका जी नजितित्मयः। ज्हे थथमा इंडि हिन्ती जाया। माजू काक्तिवाद्यान जिल्मा । वित्र पूर्णक काम खल्मा । वित्र नाम खल्मा । वित्र

नाक शिय॰ क्री ज्या ज्या हना । है जि ॥ वाक निर्यण्यः ॥

নার্কণ্ডেষঃ পু॰ মৃকণ্ডমুনিপুঞঃ।
জন্মতিথ্যাদৌ প্রাযাণ তস্য ধ্যান• যথা। দ্বিভূজ জটিল সৌম্যণ
সূর্দ্ধণ চিরজীবিন । নার্কণ্ডেষ

नरता छक्ता भ्रायह हितायूव ॥ उन्र भार्यनामञ्जः। वित्रकी वी मधा ত্ব॰ ভো ভবিষ্যামি তথা মুনে। स-পবান বিভবা-শৈচৰ শ্ৰিযাযুক্ত দ স-र्दरा ॥ मार्काख्य महाजाग मध क-न्नाउनीवन। व्यायू तिहार्थ निष्कुर्थ মশাক• বরদো ভব।। ইতি তিথ্যা-**दिख्न ॥ # ॥ ज्यार्थि** अख्यामि र्यथा। गार्क एउय उँवाह। (मरवी शास् বিধাতারে ভূগো: খ্যাতি রস্যত ৷ শ্রিবঞ্চ দেবদেবস্য পত্নী নারাযণস্য যা।। আযতি নিঁধতিশ্চৈব নেরোঃ कत्नु महाजानः। ভार्या थाञ् वि-ধাত্রো স্তে তথো জাতৌ সূতা বুভৌ 🛚 পাণিকৈব মৃকজুক্চ পিতা মম মহ: यभाः। यनसिन्ता सर् उसार भूता বেদশিরা মম ॥ ধ্যুবভ্যা॰ সমভ বৎ প্রাণস্যাপি নিবোধ মে। ইতি श्रीमार्काख्यमुद्रातः क्षुमर्गाध्यायः ।। #॥ व्यभिष्ठ । भूनसुष्ठियाह । व्यथ তে সংপ্রক্যানি নার্কণ্ডোৎপত্তি মূ खगा। भूत्र। काम्म निः भूर्वः म्कर् নাম বিশুতঃ ॥ ভ্গোঃ পুগো মহা-ভাগ: সভার্য্য স্তপ্তবা॰ স্তপ:। তস্য পুত্ৰ স্তদা জাতো বসতস্তু বনাস্ত'র।। न नक्षवस्का हास्का वान वर स्ना-विजः। ज्ञानिनां न जमा म्रही जुमिष् १ नार्काउ

الإسام

পর্ পুন্ধেনা। স্থিত্বাস স্টির কাল। ेीवनक हुर्डे स्कि। वीका विशाशः ा जानी कि वर्षा वानक छव।। कि थिउ॰ ॥ म॰थऽमा ठाष्ट्रेवर्यानि গাতানীতি ন্যবেদখৎ। মৃকণ্ডুনৈব মু-াস্ত স জ্ঞানী বাক্যমুবীৎ॥ মাস-াযুক্ত পুগ্রস্য তে হবশিষ্ঠ মুনীশ্বর ংনৈব শোক স্তুষা কার্য্য: সত্যমেত-় দাহ্বত ।। এতৎ শ্ৰুত্বা বচো ভীষা ্টানিনা যদুদাক্ত । বুতোপন্যন• ক্রে বালকস্য পিতা তদা।। আছ চন• পিতা পুণ্ৰ মৃষি• ত্বমভিবাদয ্এব নুক্ত: স বৈ পিত্রা ঋষিণ ভক্ত্যা ননাম সঃ ৷৷ এতি আনন্তরে তব পু-**রিপ্তাঃ পাবকোপমা:। মার্গেণাপি** সনাথাতা তেন সপ্তর্যথা १নলাঃ।। বালেন তেন দৃষ্টা স্তে সর্বে সমভিবা-দিতাঃ। আযুদ্মান্ ভব তৈ **ৰুক্তঃ স** হহৌ দণ্ডনেখলা।। উক্তা স্তেচ शून दागी शमा छः क्वीन की विज । দিনানি পঞ্চ তে চাযু জ্ঞাত্বা ভীতা-खवन् भूनः॥ **ज्यू** ८ किमा नुगक्तना देव গতা তে বুন্ধণো হন্তিক। পুতিমূচ্য চ ত বাল পুণিপেত: পিতামছ।।। আয়ুমান্ ভব ইত্যাহতেন বুদ্ধাভি बारिजः। विदाय व्यापा वालः (भा कः न अबि गरिएो॥ उउ एउ मूनः

যঃ প্রীতাঃ শুদ্ধা বাক্যণ পিত্রামহাৎ । পিতানহস্ত সগুষী न দৃষ্টা পোুুুুবাচ বিমিতান্ ৷৷ কার্য্যেণ যেন বা যাতাঃ কো হয় বালো নিবেদ্য তা। ততঃ সপ্তर्याया बाजन् मर्बः उत्य न। त्वरयन् ॥ ज्लाः मृनू म् क्षुस कीनायू सम् বালকঃ। অল্লাযুষ স্তত স্তস্য বন্ধা खनाम् (मथनाः ॥ यख्वाभवीउ॰ দগুঞ্চ দত্ত্বা তেন পুবোধিত:। য॰ ক-ঞ্চিৎ পশ্যসেলোক ভুমন্ত ভৃতলে कन ।। उभगा जिवापन कार्य (भव নাহ পিতামহ ৷ তাবদ্বয় মনেনাথ किर्छो मृष्टीः পরিভুমন্ ॥একত্বসার্য-।। जीर्थ याजा शुत्रत्क्रन रेम्व रंगागाए পিতামহ। চিরাযু র্ভব বৈ বিপু বা-লেত্যমাভি রীরিতণা কথণ চিরাযুঃ न्याहिश्र वालकः नाम्युङ भुटा। কথ নানৃতিনাদেব ভবানো ভবতা वग्।। এवम् ङ उना रे उस वृक्षा लाक পিতামহ:। খতবাচো ভবিষ্যান: সর্বে এব বয় স্থিতাঃ।। মৎসম স্চা-युषा वाला मार्क्स अरा ভविष्ठि । প্ৰবীণা মুখ্যত শ্চাসৌ মৎসহাযো ভবিষ্যতি ॥ কল্পস্যাদৌ তথা চান্তে वृष्ठा गूनिजि क्खरेंगः। धवरत्र म्न-ষো বাল: বুন্ধা লোক পিতানহ: ।। मायाधा (भूवयामाम ज्या ११मादः

পরন্তপ। তীর্থযাত্রা• গতা বিপ্রা মা कंखिया निजः गृरु।। जगाम गद्मा-**७**॰ विशु॰ निजत्न॰ न जथानुवी । ইতি পাদ্মে সৃষ্টিখণ্ডে ৩০ অধ্যায়: ॥ #॥ जनत्रक। व्याम उवाह। भाकः अयन मूनिना यथा मृज्रुः भ রাজিত:। তথা তে কথ্যিষ্যামি मृगू वर्म महामण्ड ॥ ज्लाः (भी-গ্ৰে। মহাভাগে। বালবে চ মহাদ্য-जि:। वव्राथ वल्लां । वालः भिजा তস্য কৃতক্ৰিয়ঃ।। স তিমান্ বৈ জাত माख आरम्भी कन्छित्त्व्वी । वर्ष দাদশমে পূর্ণে মৃত্যু রস্য ভবিষ্যতি ॥ শুদ্ধা ভন্মাভা পিতরৌ দু:খিভৌ (ठो वज्वजः। (ठो मृष्ट्री मूःथमान्यक्षी মার্কণ্ডেযো মহামতিঃ।। উবাচ বচ-न • তত किमर्थ • मृश्य मीम्म । वकु गर्मि पृःथमः कात्रगः सम भृहुः॥ कथनामाम जलमई मारमणी यमूवा চ হ। তৎ শুদ্ধা তৌ মৃনিঃ পাহ মাতর॰ পিতর॰ পুন:॥ পিত্র। সার্দ্ধ• ष्या भा ७ नंकार्य ४ मृःथ मन् रः। अभ নেষ্যামি মে মৃত্তু তপসা নাত্র সং শ্বঃ ॥ যথা চাহ্ চির্যুস্যা তথা প্র্যা নহং তগঃ। সূত্র ট্রাচ। ই णुङ्खाः **अभा**षानः शिक्तः वनन-ভাগা । তার বিষ্ণু পুতিষ্ঠাপাগ

क्रभूब्रामिडि, जाए ॥ नेवा प्रतिण गाका । জযিত্বা হরি তর তথা ভেপে ক র॰।। निরাহারো মূনি শুত্র বর্ষমেক ग उन्मु उ:। गार्वाक गत्रगाममित्न ত্ৰ নহানতি:॥ সাত্বা যথোক্ত বি-विना क्षा विका खथाईन । क्षि कृष्विनुष्गुभानः विभाक्षन। छत्राजाना ॥ आमनः अखिनः वक्षा वृद्धारमी शान मन्यमः। ॐ कारबाहाबनाह्ते -मान् ऋषिभग्नः विकासम्यम् ॥ उत्रासु রবি সোমাগ্রি মণ্ডলানি যথা ক্রম• ৷ कन्नियदा हातः भीठे छित्रास्य म-নাত্র-।। পীতাম্বরধর বিষ্ণু শদ্ভ চক গদাধর । বৃন্ধকপ হরি ধ্যা-य॰ छाउ। भनू मूनी बगन् ॥ इराउ। व॰ थ्रायञ उना नार्क( ७ यना धीन जः। নন স্তবৈৰ সংলগ্ন দেব দেব জগৎ-পভৌ ॥ তভো यमानगाड्य वाग-তা যমকিষরা:। পাশহস্তান্ত ত॰ तिकृ विकृष्**रे** उन्न ।। गूरीन र्हन्यमाना एउ है मुका भूनः भूनः। বয় নিব্তা গঢ়ায়ো নৃত্যু রেবাগ-নিব্যতি॥ খাগত্য ক্ৰেবাত মৃত্যঃ भारतं गर्वा 🗆 🌣 इं खरम् व ভুগে বিকু 🏗 👚 शुर्गना

"ल्बाः रिष्णकारा करित्रामा म् ্ৰাগ্য , মি স্পৃথি ভাগা। ভাতে। বি क्षात्रिकः । १ केन्द्रस्य १, ्.नुजिः । ज्हेत भूगाजा ज्ञा (एवएपव॰ सना-ष्ट्रंन ॥ विकृतेन:वाशिष्टिख जावः কর্ণে মহাজ্মনঃ। স্বভাবিতেন মনসা তেন তুষ্টাব মাধ্ব• ॥#॥ওঁ নমো ভ-গবতে বাসুদেবার। নারায়ণ সহ-সাক্ষণ পদ্মনাজ-প্রাতনণা পুণতো श्वा व्योदकण किला मृजुः कति याजि॥ भाविनाः भूखतीकाक म-নন্ত মজ নব্যয় । কেশব্দ পুপলে।-মি কিলে। মৃত্যঃ করিষ্যতি ॥ বাস্-দেব জগদ্মোনি ভানমন্ত মতীন্দ্ি यः। मारगामद्रः भूभावास्त्रि किः स्नः মৃত্যুঃ করিষ্যতি ॥ শত্ত্ব চক ধর (मव • इपाक्तिन भव । या भाक-জ পুপদোমি কি নে মৃত্যু করি ষ্যতি।। বারা**হ• বামন• বিফু•** নার-नि· ए॰ जनाफन । भाषत्थ भूभामा-ম্মি কি মে মৃত্যু: করিষ্যতি ॥ পুক य॰ भूक्षत्र॰ वीक्ष॰ (क्रमवीक्ष॰ कगर् भ তি । লোকনাথ পুপদোমি কি নে মৃত্য: করিষ্যতি।। ভূতাত্মান• न राजान । यक्ड यानि न राजानिक । বিশ্বৰূপ পুপন্নোমি কি মে মৃত্যু: ক রব্য**তি।। সহসুশিরসং দেবং** ব্য

काराक मनाजन । महारयां गः भू-পদোমি কিং মে মৃত্যু: করিষ্যতি ॥ 🛊 ॥ ইত্যদীরিত মাকর্ণ্য স্তোত্র• তৰ মহাত্মন:। অপযাত স্ততো মৃত্যু বিষ্ণুতৈশ পীডিত:।। ইতি তেन জিভো মৃত্যু মার্কণ্ডেযেন ধী-মতা। পুসল্লে পুগুরীকাক্ষে নৃসি॰-एक नाखि मूर्व छ॰ ।। मृद्युष्ठेक मिन॰ शूग्र॰ मृजुर शुभगन• मृङ•। मार्क-ওেব হিতার্থায় বয় বিফ্কবাচ হ ।।।। बीजगवानुकाह। य इन शर्छ-তে ভক্ত্যা ত্রিকাল নিয়ত: শ্চি:। नोकाल उन्। मृजुः न्यामदन्या-চ্যু**ত চেতদ:** ॥ ব্যাস উবাচ। হৃৎ-**পদ্ম মধ্যে পুৰুষ• পুরাণ• নারা**য-**गः नाथ ५ भाषित्यः । निक्**छा সূর্য্যাদপি রাজমানো মৃত্যু স যো-গী জিতবাণস্তদৈব।। ইতি নার-সি হপুরাণে মার্কওের মৃত্যুঞ্বো नाम १ व्यथ्रायः॥

মার্গ ক সংস্থারে॥ সর্গণে। ইতি কবিকল্লজনঃ॥ ক মার্গযতি। ইতি দুর্গাদাসঃ॥

মার্গ কি অন্বেষ। ইতি কবিকল্পফনঃ।। অন্বেষঃ পুতিসন্ধান । কি
নার্গ্যতি নার্গতি গুণ গুণী। নার্গস্তা হে দেহভাবানিত্যাল্মনেপদ

মার্গক

গণक्তा निजावार । ইতি मूर्गा मामः ॥

নার্গ: পু॰ পস্থা:। ইত্যমর:।। তৎ-शतिवांग यथा। विः मक्तृ वि वि खीर्ला (मणमार्गस्य रेजः क्जः । वि मक्तू गूर्विमार्गः जीमा मार्गा मरेगव जू ॥ धन् वि मणविखीर्गः मानाजभयः क्ठः। न्वाकि त्रथ নাগানা নসয়াধ: সুসঞ্র: ।। ধন্ ·-वि टिव हजाति भाशात्रथास नि র্ঘিতাঃ। ত্রিকরা শ্চোপরথ্যাস্ত দি 📊 করাপুঃপরক্ষকা॥ জদ্বাপথ শ্চতু-म्राप जिलाएक गृहाउत्र। तुडी भार युर्काभारः भागः भारकः মৃতঃ।। অবকর: পরিবার: পাদ-মাত্রঃ সমন্ততঃ। প্রাবৃট্কালে তু পু।वृङी कल्वा वनाया नहि ॥ ইতি দেবী পুরাণে ত্রৈলোক্যাভ্যুদ य (भाभूत्रकात नक्षनाथ्यायः ॥ 🛊॥ रूम । जर्भागायः। भागः २ जन् ङ्रुतः २। ইভি ত্রিকাওশেষः ॥ অ-भान । इज्रमद्रः ॥ मृगममः ॥ भार्शभीयंगानः ॥ जात्यपाः । ইতি নেদিনী।। মৃগশিরে। নক্ষত্রণ। ইতি হেম্চন্দু:।। বিষ্ণু:। ইতি **তম**্যসহ সুনামস্তোত্র•॥

নাগদঃ পু• অগুহায়ণনামঃ। ইতি

भद्यामा॥

गार्गन की व्यावस्थ उर्भग्रायः।
मश्चीकन २ विष्ठयन ० गृगन 8
गृगः ६। ইত্যমর:।। याष्ट्रका। ইতি
भागः ६। ইত্যমর:।। याष्ट्रका। ইতি कि विश्वः
।। याष्ट्रक वि। ইত্যমর:।। याष्ट्रकः
। ইতি মেদিনী।।
गार्गनकः भू॰ याष्ट्रकः। ইতি হলাयुशः॥

मार्गरभनुः भू॰ (गाजनभित्रमान॰। ইতি
भक्तमाना।।

भार्गाथनुक॰ ङ्गी याजन•। ইতি ত্রি:
काওশেষঃ।।

गार्गाभातः भू• गार्गभीर्यमात्रः। ইতি भपत्रज्ञावनी ॥

नार्गणीर्यः भू अगुहायगमामः

गृगणीर्यं गृजा (भोर्गमानी मार्ग

गीर्या कः मा श्रम्मन् मारम खनि

नार्गणीर्यः कः । इज्यमप्रिकायः

खन्न ।। जद्भर्यग्रायः। महाः ।

नार्गः । जागृहायगिकः ।। इज्यान्याः

गन्नः।। मार्गाणादः द महः ।। इणि

गन्नः। मार्गणादः ।। व्याप्ण गृथ्याः प्रमान्यः

गीर्गणोर्गमान्यः । व्याप्ण गृथ्याः

্বৃশ্চি ইরাশিরবিকো ২বং সৌর:। 🖟 তি মৃতি: 🛚 🗱 ॥ তঞ্জাত ফল॰ यमा भुम्जिः थन् नार्गनाम जी-র্পুরাসে সতত মতিঃ স্যাৎ। েরাপ চারী ধৃতসাধুবৃত্তি: সদ্তি का ननगां जनायी ॥ इंडि का-ोभूदीयः ॥ 🗱 ॥ व्यथं नार्गणीयः ्डा थाथिन णूझशक नवाश्मा -াকরণেমাগশীর্ষস্য বিংশতি দণ্ডা বক ত্রেবাবি শতি দিনা ভারেরে শ্রু ाक उटमाक कर्नगुर। उब मार्ग শীষস্য বিশ্বতিদ গুৰিক পুথন দিন র্যেতরেষ্ সঞ্জাশনি শূক্রবারেতরেষ্ नन्ता तिका वायामणी उत्र जिथिवू क्रमाष्ट्रेग **ट**न्सु बग्र जिथ **बग्र नक्**य ব্য পঞ্চনতার। ব্যেতরেষু পূর্ব। ত্রগ ন্যা ভরণ্যশ্লেষাদুভিরেষু নক্ষত্রেষু मुक्ति॰ उत्हर (जाजनक अर्या) । শুৰানধি চারিণা ত্ পুাওককালে দেবাদিভ্যোনবামণ দত্মা ভোক্তব্যণ ৷ কিন্তু অশ্লেষা কৃত্তিকা জ্যেষ্ঠা নূলা পূর্বভাদুপদকেম্বপি নবাম ভোজন न कर्बवाः। हन्तु जात्रामाण्या शु-जीकात गाष्ट्र (नवनः। कम अर्य)। कनावारिश्व हन्त्राति (माज्य वृद्धाः मुख हात्व द्विर गर्ब नार्वः काव मर्गक्रा ॥ छल्नु उ महुः नागक

তারে তিথাব ভদুে সিতত ওুলাশ্চন थान। १ पन्। एक त्रापक वास त्यारग जिनान् (इन निष्य नात्रा। ताजना-র্ভণ্ডে তারাভেদাল্লবণ পরিনাণনাছ । এক ত্রি পঞ্চ সপ্ত চ দিক্রাণ দদ্যাৎ পলানিলবণস্যাক্রনশো রয় বিপৎ পুত্যরি মরণাখ্যতারাসু ॥ পল্ড लोक्टिक मारिनः माष्टे ब्रिनि विमाम-কং। ভোলক ত্রিত্য জ্রেমণজ্যোত্ত-জ্ঞৈ: মৃতি সমত ।। তত্ত এব দধ্যা-ষ্য সংযুক্তা নবা বিপ্যাভিমজ্ঞিত। মন্ত্ৰনোদেশে গায়ত্ৰীতি গায়ত্ৰ্যভি-निक्षितः ॥ नवनमः वाकागनुकाः गृशीया शासीयाट । न्उन शाना मञ्जूरव भूबाउप्तनाभि मुङ्गः कर्ख-ব্যং। বৃশ্চিকে শুকুপক্ষে তদকরণে र्तिणयनाट भूवं भीन धनुष्ट व्रवी **जबब मायारिं। कर्खवरुः ॥ 🕸 ॥** বৃশ্চিকস্থরবৌ শুল্ল চতুর্মশ্যা সৌ-ভाग्र कामः भाषागाकात भिश्लेक र्पिवी॰ भूकत्य छम्मि छक्तत्यम्कः ॥ 🗱 ॥ अणुङ्गिगाः (भोर्नमामाः भार्त्वाविधिना भाषा नावभारकः ॥ 🗱 ॥ ভবিষ্যপুরাণে। রোহিণ্যা পুতিপ্রক্তা মার্গেমাসি সিতেতরা । गराता॰ यपि वर्ण्ड अर्र्गुग्र मः रैं ३: नम्।।। ইতি क्ठाउन्।।

शार्तिकः जि मृगद्शा। शिष्कः।

हे ि प्रिषाष्ठिको मृती।।

भार्तिकः जि जाद्विष्ठः। हे जुमतः॥

भार्तिकः जि जार्ड्विगेषः। हे ि प्रिष्काः

स्को मृती।। जाद्विगीयथः।।

भार्ड्विक मार्ड्वित।। धृती। हे ि

किवक स्काः।। क मार्ड्विष्ठि।

हे जि मृर्गातामः॥

भार्ड्वः श्रु॰ विकः। हे ि हम हम्मः॥

রজকঃ। ইতি শ্রমালা॥ নার্জন•।

ইত্যনরটীকানা• ভরতঃ॥

बार्ज्जन की (পु।श्रुवामिना व्यक्तिर्या-লীকরণ । মাজা ইতি ভাষা। তৎ পर्यप्रायः। भा क्षिः २ माष्ट्री ७ मार्ड्सना 8 মূজা ৫। ইতি শবররাবলী।। না क्रं ७ मार्का १। ই अगत्री हारा॰ ভরতঃ ॥ 🗱 🛚 সুনেকা লে শারীরবা स्क्रिंन खनाः। ो गंक्षाः भोतः कः सुः कहु • गण गद्गाहक • । (श्रह • दी छ ८ -न्ना इंडि नतीत शतियाक्ति नि ইতি রাজবল্লভঃ॥ৠ।দেবীগৃহ মা क्जिंनकल यथा। (स्वा गृश्कु यः मुक् সংনাজ্জ যতি নিভাশ: ! স ভবে ঘলবান্ সৌখ্য সৰ্ব সম্পত্তি সং যুতঃ।৷ দেব্যা গৃহন্ত যঃ শুক্র শোম (यनाम्हाकार्यः । ख्रिरमा या रामि वा श्रु•मः यथाम् दिव्हत्।। म ल

**जितीक्षित्राम् कामान् (मर्गाः व्यास**ः क गहि ।। इंडि (५ वी नुद्राल हेर व्यवप्रायः ॥ 🗱 ॥ व्यथ जगवन्य नित्र মার্জন মাহাজ্য । নরসি । গৃহে-निड्यः यः मःभार्जन भाष्ट्राद्धः मः মস্ত পাপনিমুক্তো বিফ্লোকে স-মোদতে ॥ ইতি নৃসি-হুপুরাণ ॥ मः नार्जनस यः व्यर्गाट भूक्यः (क्-শবালযে। রজ স্তমোভ্যাং নিম্ক্তঃ न ভবেয়াত नःশयः॥ পা॰শূনা॰ यी-वठा॰ ज्ञाजन् क्र्यां ८ अ॰ भार्जन॰ नद्रः । তাবস্ত্র দানি স সুখী নাক সাসাদ্য মোদতে ॥ ইতি বিশ্ববর্মাত্তর ।। যাবৎ কানি পুৱাহানি ভূমি সংমা-র্ডনে দ্দুঃ। তাবদ্বর্ষ সহসাণি শাক-দ্বীপে নহীযতে॥ জাযতে নন ভক্ত-শ্চ সর্বধর্ম সমন্বিভঃ। শুচি ভাগবতঃ শুদ্ধা হৃপরাধ বিব্জিত:।। ততো ভূজ্বা সরভোগান্ তীর্বা সংসার সাং গর•। শাত্রীপাৎ পরিভৃষ্টঃ বুর্গ-लाकः म १ ह**ि ॥ नन्तनः यन मा**श्चि-**७) (माप्र ७) श्रुदेव: मञ् । नन्दन: इ** পরি ভুষ্টে: মন্ ক্রমা ব্যবস্থিতঃ ৷৷ সর্ব **সঙ্গান্** পরিভ্যন্ত্য মন লোকন্ত গ-ছতি ॥ ইতি বরাহপ্রাণ ॥ 🕸 ॥ मुनिविध्याः। यथा । लाजुहाराखाः। अभितयः जल्दाः सः ग्रामाभाकी

বার্জার

कुक्षिंग । जात् । वासना वानि भोक्क न रिनष्टिक विषः ॥ इंडि জাবাল ব্চনাছিরো বিহাব গাত্র প্ৰফালন ডদশক্তো সৰ্বগাত্ৰ মা-र्जाः शार्पु । वाममा ऋग्राट । इ ত্যাङ्गिकाहात्रञ्जुः ॥ 🗱 ॥ देविषक সন্ধ্যোপাসনান্তগত মার্জন• যথা। ष्ट्र (गर्भात्र निष्ठे । नित्र त्रा भा र्জन अर्थप्राष्ट्र अरेगः लामक विन्तू ভিঃ। পুণবো ভূ ভূবিঃ স্বক্চ গায়ত্রী हं उठीयिका ॥ अरेपवठाः ज्रहः কৈব চত্থ নিতি নার্ঘন । ওলা-রো ভ্রাদি ব্যাস্তি এশ ত্তীবা চগাংত্রী চতুথ নাপোহিংগ্রেতিশ্বক जय• ∤ हेटीह• सार्जन• सार्जन किया कतन निञ्जर्थः !! त्रामायन । यागराउ মার্জন• অর্য্যাৎ পাদান্তে বা সমা-হিত:। সাপোহিষ্ঠেত্টো কার্য্য गार्जनस अल्मामरेकः ॥ शुक्ति शुन्व अ॰वृक्त॰ किल्भम् क्ति शाम शाम । व्याज्यास्य १थ वा अर्थाप्यीणाः মত भीদৃশ•॥ আপোহিঙেতি সূ ক্তন্য নিজ্গীপ শ্ৰিঃ মৃতঃ। আ পে বৈ দেবতা ছন্দো গায়গ্রী মা জন শৃত ৷৷ ইত্যায়িকাচায়তভু ৷৷ गाञ्जांनः भुः (नायुर्कः। इंडानतः ।। ে⊲ংলাৣ ় ই্তি সূভ্তিঃ ।।∥

त्रक्रां त्रिश्वा श्री।।

नार्जना खी मार्जनः। ইত্যनतः॥

नृत्र प्रश्निः। ইতি হেম हन्दुः॥

मार्जनी खी नियार्जनी। वाहि। ইতি

जना जा नमाजना वाहाश्र ज्ञावा। यथा। नमानि भीठना॰ रिवी॰ वागज्ञश॰ मिगञ्जती॰। मा-र्जनी कनरमार्शिजा॰ मूर्नामङ्ड मेखका॰॥ इंडि कार्म्म भीठना-रिवाद॰॥

नार्जनीयः वि भार्जनयागुः। गार्जाः
। इठि मृजशालाः कर्यग्रेनीय পुछारयन निष्ठमः॥ अ ग्रेः॥ मार्थनः
। इठि म॰क्षिश्रभाद्रागिनिवृक्तिः॥
नार्जादः भू॰ तक्रिविकः। ইতি রাজ-

निर्वालेः ॥ विष्ठालः । ইত্যमहः ॥

थेष्ठामः । ইতি হেন্চ प्तः ॥ छ ॥

गार्जात स्मर्गात पारा यथा। অভোজ্য স্তিকা ষণ্ড নার্জারাখুণ্চ

सकुतान् । পতিতাপবিদ্ধ চণ্ডাল

মৃতহারা শ্চ ধর্মবিৎ ॥ সংস্পৃশ্য

শুব্যতে স্থানাদ্দক্য গ্রামশ্করৌ।

ইতি নার্কণ্ডেয় পুরাণে সদাচারাধ্যায়ং ॥ छ ॥ পারিভাষিক মার্জারো যথা। দ্যার্থণ জপতে যণ্ড তপ্যতে বজতে তথা । ন পরতার্থ

নুদ্কো নার্জারং পরিকীত্তিতঃ ।

তস্যান্মভোজ্য যথা। অভোজ্যাঃ

- Will Hard

म र्

No.

স্তিকা यथ माजातावय अकू होः। नार्जानीयः श्र विकानः।। भाषाः । ইতি বাননপুরাণে ১৫ অধ্যায:॥ ন।জারক: পু॰ ন্যুর:। ইতি ত্রিকাও শেষঃ ॥ নার্জারক্ঠঃ পু॰ ন্যুরঃ।ইতিশ্ব तज्ञावनी ॥ मार्जाद्रकर्निका की ठामुखा।यथा।

চ। नृखा हर्हिका हर्म्य नुखा नार्कात-কর্ণিকা। ইতি হেমচন্দুঃ॥ नार्जात्रको जी ठाम्खा यथा।

मार्जाबकगी हामूखा कर्गमाहिन्ह চ হিকা। ইতি ত্রিকাগুশেষঃ॥ मार्जाद्रगका खी मून्गभगी विश्मवः।

ইতি রত্নমালা।।

নার্জারগন্ধিকা জী মুনুপণী। ইতি রাজনির্ঘণ্ট: ।৷

नार्जात्रो जी कस्त्री॥ जस्ति। গন্ধগন্ধলা ইতি খাটাসী ইতি চ भाषा। उৎপर्यायः। भृजिका २ পূত্তিকলঃ ৩ গদ্ধচেলিকা৪৷ অস্যা ভণা:। বাস্তিধারকত্ব•। চক্ষুষ্যত্ব•। কফ বাত নাশিত্ব। ইতি ব্লাজ निर्घण्डेः ॥

नार्जातीयः भू विजानः॥ मृमुः॥ कायत्माधनः। इंडि (मिनि)॥ भार्जानः शृ॰ भार्जातः। **त्रन**रगात् कदार।।

कायानाधनः। इंडि (इमहन्द्रः॥ नार्किंडा छी त्रभाना। इंडान्द्रः ॥ न जू मिर थए मधू मिर्म मंतिहारि কৃতকপ্রাদিবাসিত সজ্জ্য বি (भवः। ইত্যনরটীকাষা ভরত: শোধিতে ত্রি॥

गार्ख्यः भः ज्यंतः॥ व्यक्त्कः ইত্যনরঃ॥ শ্করঃ। ইতি নেদিনী। क्षा नार्ज ७१८ भिज्यं था। श्री मार्ज (७१ উवाह। **७**व• मा नियंजा (मर्वे) চকে ভোত নহনিশ । নিরাহার। विवश्व मातिताथिय गूरिन ॥ ज-তঃ কালেন নহতা ভগৰাণ্ডপনে मृत्। পুত্যক্তা नगाउन्। দা क्रायग्रा विद्याख्य।। ना परमंग হাকুট তেজসো প্রর সংস্থিত ; ভূনো চ সংস্থিত ভাষৎ জ্বালানা नाजिपूर्म ।। उक्ष मृष्ट्रे। उरव দেবী সাধ্সণ পরমণ গতা। জগা माम् भुजीएि न द्वाः शम्यानि भागाउ॥ यथा मृष्टेवजी भूर्व गयत স্থ সুদুদ্শি ৷ সংঘাত তেজস স্ত আদিহ পশ্যানি ভূতলো। পুসান হ্রক পশ্রেষ যদুগাতে পুভারে जकान्दन्यान वि । अवन्तरः शाः शिय मूजानू॥ दी कि इव देवाइ

**उड: म (उज्जम स्याना**विज्रा) বিভাবসুঃ । অদৃশ্যত তদাদিত্য ৰুণ্ডভামোপন পুভঃ।। অথ তা॰ পু। गठा॰ (हवी॰ उत्र). जनतर्भनाचादन । প্ৰাহ ভাষান্ বৃণুষেষ্ঠ বর নভে। য-নিছসি॥ পুণতা শিরসা সাচ জানু-পাডিত মেদিনী। পুত্যুবাচ বিবয়-ন্ত বরদ সমুপস্থিত।। দেব পুসীদ পুঞাণা• হুত• ব্রিভ্বন• সম। বক্ত ভाগाक्र रेस्टउरेय मंग्नरेवक्ष बनाविन কৈঃ ৷৷ ভল্লিনিক্ত• প্ৰসাদ• ত্ব• স্কয় নম গোপতে। অংশেন তেবাং ভাূা-তৃত্ব• গত্বা নাশ্য তদুপ্ন্ !৷ যথা মে তন্যা ভ্যো যক্তভাগভূজ: পু ভো। ভবেয় রধিপাশেচব তৈলোক্য-স্য দিবাকর ॥ তথানুকস্পা• পুতা-ণা সুপুসলা রবে মন। অৰু পুসমা-র্ভিহর স্থিতিকর্ত্তা ত্ব নদ্যমে ৷৷ মার্ক-ওেয উবাচ। তত স্তা নাস্থ ভগবান্ ভাস্করো বারিতকরঃ। পুণতা ম मि**তि॰ विश्रु शुनाम मृ**मूर्था विज्ञः ॥ সহসাু শেনভেগৰ্ক্তে সমুয়াই মশে ষতঃ। ত্ৎপুত্র শতুনদিতে নাশ্যা-ম্যাশু নিব্ভা ॥ ইত্যুজ্ব ভগবান ভाষানন্তর্জান মুপাগম্ । নিক্তা সাগিতপদ: সংপ্ৰাণ্ডা থিল বাশ্ভিতা ॥ ততা রশ্মি সহসাতঃ সুষ্মাথ্যে

রবে: কর:। বিপাবতার সণচক্রে ( दिया जू द्राया दिया कृ हु हान्मु । यूगा-मीनि जा ठाक जूजनाहिला। णूकिः সন্ধার্যান্যেন দিব্য গর্ভমিতি দি জা।তত ন্তা॰ কশ্যপঃ প্ৰাহ কিঞ্চিৎ কোপপু ভাক্ষর। কি॰ নার্যসি গ-ৰ্ক্তাণ্ড মিতি নিত্যোপবাসিনী।। সা চ ত॰ পাছ গর্ভাওনেতৎ পশ্যেতি কোপনা। ৰ মারিত বিপক্ষাণা মৃত্যবে যন্ডবিষ্যতি ॥ ইত্যুক্ত্বা ত॰ তদ। গৰ্ভ মৃৎসমৰ্জ সুরারণিঃ । **জাজ্ল্যমান তেজোভি: পু**ত্যুবাচ ন কোপিতা।। ত॰ দৃষ্টা কশ্যপো গৰ্ক্ত মুদ্যজ্ঞান্ধর বর্চস॰ । তৃষ্টাব পুণতো ভূত্বা শশ্তি রাদ্যাভি রাদরাৎ।। স॰-ख्यमानः म जमा गर्खाखाट भुकावी হতবং। পদ্মপশ্র সবর্ণাভ স্তেজ-ना व्याखिरिद्मथः ॥ व्यथान्दरीकारा-ভাষ্য কশ্যপণ মুনিসন্তমণ। সতো-ৰ মেঘ গম্ভীরা বাগুবাচাসরীরিণী ৷৷ মারিতঞ্চ যতঃ প্রোক্ত মেতদণ্ডণ ত্ববাদিতি ৷ তখান্মনে সূত তে ংয মার্ভ্রাধ্যে ভবিষ্যতি ॥ সূর্য্যা-ধিকারঞ্চ বিভূ র্জগত্যেষ করিব্য-তি। হনিষ্যত্যসুরা• শ্চায• যজ্জ-ভाগ इत्रानदीन्।। (एव। निभामा वरहा गगनार नमूभागछ । शुरुष

## भाषि कि

নতুল যাতা দানবাশ্চ হতৌজসঃ ।। ততো यृष्काय रेमरत्या नाज्ञ्शव শতকতঃ ী সহ দেবৈ মুদাযুক্তো দানবাশ্চ তমাযযু: ॥ তেষা যুদ্ধ मञ्द्वातः (रवानां ममूदिः मर्। **শ**ञ्चाञ्चरीक्षि मन्तीष्ठ मन्त्र जूदना-স্তর•॥ তিমান্ যুদ্ধে ভগবতা মার্ভ ণ্ডেন নিরীক্ষিতা:। তেজসা দহ্য-মানাস্ত ভম্মীভূতা নহাসুরা:।। ত-छः পুহर्य मञ्च॰ भागः गर्स हि-वोकमः। उष्टेतुः एउन्नमाः यानि मार्ज्ड मिरिंड छथा ॥ स्राधिकाद्र॰ **७७: भाभू** र्यञ्जनागाः म भ्वंद । ভগবানপি মার্ভ্ত: স্বাধিকার মথাকরে ।। কদম পম্বতামান খ শ্চোদ্ধ খি রশ্মিভি:। বৃত্তোগ্নি পিও সদৃশে: দর্ত্তে নাতিয়,ট• বপুং ॥ इंजिमार्क(खयमुद्रात मृर्य)मारा-ব্মে নাৰ্ভণেৎপত্তি নামাধ্যায়ঃ!৷ পার্বণ্ডবল্লভা স্ত্রী স্বাদিত্যভক্তা। ইতি রাজনির্ঘণ্টঃ।। স্য্তপত্নী চ।। পু॰ শরাবঃ।ইতি শব্দ भार्डिक: রত্নাবলী।। মৃত্তিকানির্মিতে ত্রি।। नार्पद्धः क्षी भड़नः। इंडि हाता-वली।। मृष्य्वाम् कि ।। मार्पिकः जि ग्रम्क्वामकः। ७९

॥ मार्क्तिः ० छिक्तिः ४। ३७ मदत्रावनी॥

यार्ष्य की शतपुरथशुरर्भनाट शी-**जावृष्तिः। म्मृजा।। यथा। मार्क्द**॰ কোমলস্যাপিস স্পর্নাসহতোচ্য-তে। উত্তমণ মধ্যমণ প্রেয়ক্তণ কনিষ্ঠ-ঞ্চেতি ভগ্রিবা।। উত্তম• যথা। অ-ভিনব মালিকামিয় সাশ্যন্ব ব্-শিরাধিকা বিশিষ্ঠো নঙ্গসুন পট-**ण•** प्रताशिकां श्ली उपनुख्या खनुरत्रय न तुगानी ।। मयान यथा। विख॰ থনিঙে তনুবাসসোপি চীনস্য পী-নন্তনি **সঙ্গ**নেন। লিপ্তেন তল্লোহি-ত চন্দনেন মূৰ্ত্তি বিদ্না স্থি লো-श्विनी ।। किनिष्ठः यथा। द्रम नुपाक्तत जामार मामारन मार-थान निलीन नीलालक प्रकृतीक। ক্ষণেন পদ্মা নুখপদ্ম মাসীৎ স্থি-या त्रायः कामव्यामि जामुः॥ ३-ত্যজ্জ्वनी**वम**िः॥

नार्जवः भू वर्गमझत्रकािवित्मयः।
भाष्ट्रा नार्जव मध्य काक्या हिखिकार्यः। ইতি क्रिंधितः॥
भार्षः भू नारिताः क्रिंधः। ইতি
स्वाह्मपुः॥ नाित्रियमाकः। ইত্যमत्रिकायाः खत्रकः॥

भयातः: भोतिकारु: २१ इंडाप्रदः । माविकः शुः नादिवः । 🟋

निर्देश मानाको

त्राजनिर्घणः॥

i ha

मार्छिः जी मार्जन । इंडामदः॥ रिजनमुक्तन । यथा । रिजन मन्न यः দক্ষের ভবেৎ বাহুসঙ্গত । সা-बार्टिः भृथभज्यक्ता मलकारमे भु कीर्जि उः ॥ ইত্যাহি कउन् ॥ মাল ল্লী ক্ষেত্র । ইতি মেদিনী।। কপট•॥ বন•। ইতি হেমচনদুঃ॥ মাল: পু॰ জাতিবিশেষ:। ইতি (मिनि ।। न ह त्सहका जिः। यथा। মালা ভিলা: ফিরাতাশ্চ সর্বেপি স্লেছজাত্য ইতি ।। জন: । ইতি চ (इयहन्तुः ॥ पिन्धविष्णयः। न ह যেদিনীপুর পুদেশে মালভ্মিত্বেন भग्राजः ॥ विकः। यथा। मा॰ लः ন্দ্রী লাতীতি নালো বিষ্ণু: ত অততীতি মালতী। ইতি মালতী मद्गिकायाः ভরতঃ।।

মালক প্লী স্থলপদা। ইতি জটা। ধরঃ।।

নালক: পূ॰ নিম্ববৃক্ষ:।ইত্যমর:॥ নালকা জী নাল্য:।ইতি শব্রত্না-বলী॥

নালকৌশ: পূ॰ রাগবিশেষ:। তস্ত নানান্তর॰ কৌশিক:। স চ হন্ম-মতে বড়াগাণা॰ নধ্যে দ্বিতীয় রা- गान्ठ

 $\gamma_{r_i}$ 

व्यम् बाजिः मम्पूर्ग उव मध सत ক্ৰম: য ঋ গ ম প ধ নি। অস্য गृहः युज्ञस्रः। भत्रमृत्जो द्रावि-भारत गान मन्यः। द्रागमालाया-**মস্য স্থৰূপ• । পাটলবৰ্ণপূৰুবঃ ।** नीलश्राहरः। यश्चित्रतः। योदन-नरमजः ज्ञीजिः मर हाम्यकोज-কান্তি: ৷ শতুনস্তকনাল্যগলে৷ **२थवा वृह्यू का ना ल**ुगन:। অস্ রাগিণ্য: পঞ্চ যথা। টোডী ১ গৌরী ২ গুণকরী ৩ খস্তাবতী ৪ কোকভা ৫। यम्राष्ट्रीनुया यथा। माकः > भिवाषः २ वष्रः मः ७ भवनः ८ চন্দুক: ৫ নন্দ: ৬ ভুনর: ৭ খুখর: ৮ অত্র নিষ্টাক্ষোপি পাঠ:। ভর-তমতে তস্য রাগিণ্য: পঞ্চ যথা। भोत्री > म्यावजी २ (म्वमानी ज খস্তাবতী ৪ কোকভা ৫। তন্মতে वासी न्या यथा। गान्नातः > मुकः २ मक्तः ७ जिक्तः ८ महानः ৫ শক্তবল্লভঃ ৬ নালীগৌরঃ ৭ কা-भारः ৮। अर्रु भ जार्गा यथा। धनामीः > गानमीः २ क्यंडमीः ၁ जुरवादायी 8 पूर्णा द गान्नादी ७ ভीगभनामी १ कारमाही ৮। इंडि मःकीउनाञ्चः॥

गः হা বা কণ্ঠা মির্গতঃ। । নালচক্রক প্লী সক্থ্যকপর্বসন্ধিঃ।

[ Jan. ]

भागारेगिक रेजि जाया। रेजि मद्ठिमिका।। भावजी खी बनामथाजनुइष्टा। **७८ न**र्य)ायः । जूमना २ काजिः ०। ইত্যনর: ॥ সুমনা: ৪ জাতী ৫। ইতি ভরত:।। অস্যা গুণা:। কফ পিত্ত মুখরোগ বুণ ক্রিমি ল'ষ্ট না শিত্ব• । ইতি রাজবল্লভ: ॥ তস্যা উৎপত্তিर्यथा। यान्यानकि क्वाह

। অহমেত এিধা ভিন্না তিখানি কি-विदेश र्ख रिन्ध। रंगोजी लक्कीः यथा-চেতি রন্ধ: সত্ত্ব তমো গুণৈ:॥ তত্র গত্বা তথা কাৰ্য্য• বিধাস্যন্তে চ ভাঃ সুরা:। নারদ উবাচ। শৃথতা মি-তি তা॰ বাচ মন্তর্জান মগান্মহ:। দেবানা বিম্বযোৎফুল্ল নেত্রাণাঞ্চ তদা নৃপ।। ততঃ সর্বেপি তে দেবা গত্না ভদ্বাক্য চোদিতাঃ। গৌরী• লক্ষী• ষধাঞ্চৈব পুণেমু ভক্তি ভৎ পরাঃ ॥ তা স্তথা তান্ সুরান্ দৃষ্টা পুণভান্ ভক্তবৎসলা:। বীজানি পুদদু স্তেভ্যে বাক্যানি জগদু তথা ।। (रव) উচুঃ। ইमानि (रवा वीजा-নি বিফুর্যরাবতিগ্রতি। নির্বপন্ন ত তঃ কাৰ্য্য ভৰতা নিশ্বি যেষ্যতি ।। নারদ উবাচ। ততঃ প্রহুটাঃ সূর

নিদ্দা সাধাঃ পুগৃহ্য বীজানি বিচি 🐰

किशुक्त । विनात्रिका ज्ञिउर द ৰ যত্ৰ বিষ্ণু: সদা ভি**ষ্ঠতি সৌ**ণ্ড ব্তি:।। নারদ উবাচ। ক্লিপ্তে স্তত্ৰ বীছেভ্যো বনস্পত্য দ্ৰযো 🕫 ख्वन्। थाजी ह मान्डी हिन् जून চ ন্পোত্তন ॥ ধাত্যন্তবা মৃ थाबी मा जवा मान जी मृजा। ए রী ভবা চ তুলসী রজ: সত্ত্বতা গুণা:।। ইতি পাদ্মে উত্তরখ 🥷 2821 २८० व्यथ्यारयो ॥ 🗱 ॥ यूव 🧦 ॥ काष्ट्रमानी ॥ विष्णन्तरा ॥ रज्जा ল্লা।। নিশা।। নদীবিশেষঃ। ইতি (इगठन्मः॥

नावजीजीत्रज्ञः **देखनः। इं**डि **M.** व्यव्याः ॥ নালতীতীরসম্ভব **নী খেওটক** ইতি রাজনির্ঘণ্ট:।।

মালতীপথিকা স্ত্ৰী জাতীপথি ইতি রাজনির্ঘণ্ট:।। गानजीकन• क्री बाजीकन•। है 🤊

রাজনিঘণ্টঃ ॥ गालयः भू हन्सनवृक्तः। ইতি बि **७ (नयः ॥ गनगमञ्जीकि जि ॥** गानवः भृ॰ जवसिरमभः। मान € **ই**তি रिन्ती ভाষा। ইতি হেনচ ।। वागदिष्णयः। न ह यजुः

মধ্যে পুথনর গেঃ। মত ভিরেই ভ

ार्गा १व॰। यथा। जाम् भावत ार्गन्तु खटा मलात म॰ क्किडः। विताम खम्ड मण्डादि तमस खम्-स्वतः।। हिल्लानण्डाय कर्नाहे अ-स्वतः।। हिल्लानण्डाय कर्नाहे अ-स्वाः मूक मूडिः स्थलतान् भुम-सार मानाथरता मानवतागताकः। हिल मङ्गीजमानी भुविमन् भु-सार मानाथरता मानवतागताकः। हिल मङ्गीजमानास्तः।। विका स्वी जित्द। हेि ताक नर्यन्हेः।।

निनी खी किम्पृष्ठे वृक्षः। यथा।

पाणमी पूर्णभूमी ह वालाकी कि

गथातिनी। इंडि मफ् हिन्दुका।।

बानिनी विष्मयः। मा ज्ञालव का

गम्मु भूमी। यथा। थानू यो नालमी

बानिकती ह निक्कु खा उथा। ज्ञायः
वात्री देखती ह नालवम्मु भूमाः

हैनाः।। इंडि हाक्री छः।। नजा अद्वाः

क्याः।। इंडि हाक्री छः।। नजा अद्वाः

क्याः।। इंडि हाक्री छः।। नजा अद्वाः

क्याः। प्रविक्री नाही क्विक्रिती

छथा। भिष्यका गम्मु वानिका। क्याः। निवाद्यक्तिम्हमु हलानिवाल।

विथात् देखी जनु हिह यद्धिः। माल्

बिथात् देखी जनु हिह यद्धिः। माल्

बिथात् देखी जनु हिह यद्धिः। माल्

बिथात् देखी जनु हिह यदिः। माल्

गाना জ্বী শূেণী।তৎপর্য্যায়ঃ।রাজিঃ ২ লেখাত ততী ৪ বীচী ৫ আলী ৬ আবলি: १ পড়ি: ৮ ধারণী ১। ইতি হেনচন্দুः।।।।। गृष्ट्रिनाउन्य माम। जनाजानु। नहाता । ए८-शर्यप्रायः। भानप्र°२ मुक्**। ३७**८ म् तः ।। मानिका ६ मानाका ६ मानका ७ । इंजि नद्वज्ञायनी ॥ गगनिका १ গুণান্তিকা ৮। ইতি বরাহপুরাণ•॥ সা তিবিধা যথা। নালা তু তিবিধা দেবি বর্ণাক্ষ পর্য ভেদত:।ইতি নির্ণযঃ। তত্র করমালা। সন্ৎজ্মার न•हिष्ठाया•। जर्जनी मध्यमानामा কনিষ্ঠা চেতি তাঃ ক্রমাৎ ॥ তি-मुक्ता जिनर्वाता नगुमा हिक

পরিকা। পর্বন্তব্য মধ্যমাশা মেক (ब्रागिकन्नुराए ॥ कममार । य-নামা মধ্য মারভ্য কনিষ্ঠাদিত এ-व ह । उर्जनी म्ल भर्ग छ॰ मणभर्जनू স জপে ।। তথা। অনানা মূলনা-রভ্য কনিষ্ঠাদিত এব চ। ভর্জনী मध्रपर्याष्ठ महेभर्तम् मः कत्मर ॥ এতদ্বচনম্ভ অস্টোত্তরশতাদি বিষশ ।। 🟶 ।। শক্তি বিষয়ে পুনঃ। 🗐 জনে 🛚 । ज्यनामिका जय॰ शर्ब किनिष्ठां वि भर्बिका। मधुमायाम्ह बिउप• **छ**ः र्जनी म्ल পर्वि।। उर्जन,र्गु उथा मक्षु या बल्ट म जु भानक्ट। रु मभाद्र स्थात । भर्वच्य मनामा যাঃ পরিবর্ত্তেন বৈ ক্রনাৎ । পর্বত্র ॥ यः मध्याया छर्जत्यकः मनाइत्रू ।। পর্ব দ্বযন্ত ভর্জন্যা মেৰুণ ভদ্বিদ্ধি পার্বতি। শক্তিমালা সমাখ্যাতা नर्व उख भूमी शिका।। उथा। जना-না মূলনারভ্য পাদক্ষিণ্য ক্ষেণ্চ । भर्गामा नृत्रभर्गुष्ठ म्ह्रे भर्दम् मः जः (१९८१। 🗱 ॥ 🕮 विक्राया सयः वित्न-यः। অनानाया संव्याया स्वाय थ घर घर । किनिहारा क टर्जना खयः भर्व मृत्यस्ति ॥ जनामा मध्यः भागाक (नकः गाफ़िट्य भूड। পুদক্ষিণ জ্যাদেবি জপেঞ্সির্স্

স্বাে!। ইতি জামল বচনাৎ। अभावा उद्धा यनाभिका हरः शः शारिकना करमन जु। उजनी मृह পर्याष्ठ॰ कत्रमाला भूकीर्जिजा ॥ व নিষ্ঠা মূল মারভ্য প্রাপক্ষিণ্য ক্রমে **छ।** छजनी ग्न পर्याष्ठ मध्यवंम् मः জপেৎ।। ইদমপি অস্ট্রোক্তা मि विषय । अ।। अङ्गी न वियुक्षी छ किकिरामिक्षा उठावा। अझनी-ना॰ विरयागाइ ছिप्नु ह जुवछ जनः ॥ यन। वाशि। यङ्गल। गुर्वे यङ्गलः यब्ज्रुष्ठ (मक् वर्द्धान । भर्व अक्षियु यञ्ज्रिष्ठ एट नर्बर विद्वल ज्या গণনা বিধি নুক্ল্য যো জপেত্তজ্জ-প॰ যতঃ। গৃহ ভ রাক্ষসা তেন गनरर मईया वृदः।। उजासूनि कः भ॰ क्या मान्धाक्षि क्रिंट । नाक्राक्षन विना कर्ण क्छ छ एकन ভবেৎ।। বিশ্বসারে। জপসংখ্যা তু কত্তব্যা না সংখ্যাত জপেৎ সুধী:। न मःथ्या काद्रकम्याम्य मर्दः ভवि নিয়ুল• ।। তত্ত্বে। হৃদযে হস্ত মারো-প্য তিই্যক্ কৃত্বা করাঙ্গলী: 1 আ-हान्। वाममा श्लो निक्तित्व मना जिल्ला इंडि कंब्रगाला ॥ **# ॥ ज**-পान था। या निविद्ध प्रामा याम-ल । नाक्क रें इस शर्क की नू श्राति।

\$ C

नं ह शृह्धिकः। न हन्तरिन मृ खिक्या। क्षा नःच्या न कात्राय ॥ विश्वि मुब्रभार । लाका अवीन जिनमूर्वाशः मयक कदीय कः । এ जि निर्माय छि काः क्रामःथाः कात्रवि ॥ ॥॥ व्यथ वर्गगाना। मन्यस्नादा। कः भाषकगगरे**उ गाना गा**ञ्कारेनी क ्राक्टेक:। अविन्तुरेक: मा**डे**वरैंगं ब्रस्ट र्यक्रन कर्मानि ॥ आदि कु চু টু তু পু यू শবোষ্টো বর্গা: পুকীর্ত্তিতা:। তদ্মথা । अकाताहि वर्गान् म विनम्न् भुष्ठा-ক কৃত্বা শত স স জপ্য অকারাদীনা । वर्गानाः कवर्गानीनाक्षास्त्रिनः वर्गः ना न्यात क्षा भ्य गृहार्ग (मया छेवात-नख बनः कार्यः। यतन भुकात्रन অষ্টোত্তর শতসংখ্যোজপো ভবতি। चार्चर्यक्रासङ्क्ष्य वाक्ष्य•। **उथा। मि**विः न्तः वर्ग महाया शम्हा सख्यः ब्रार्थि द । अकातानि क्षकातान्तः विनागुक विভाव्य ह ॥ वर्गनाना जनाश्याजा অনুলোম বিলোমত:। ইতি নারদ বচনাৎ । বিশুদ্ধেখরে । অন্লোম विलासन वर्गाष्ट्रेक विष्कृत । म-স্ত্রেণান্তরিতান্ বর্ণান্ বর্ণে নান্তরিতান্ नन्न्।। अर्यप्रावर्गनयी नाना नर्बछ ख शुलानिनी । #। मानिनीविकत्य সূত্র নিয়নঃ। অন্ত বিজন ভাসনান

ভূৱগী সূৰোত বৰ্ণো**ল্ফলাণা আরো**-হ পুতিরোহতঃ শতম্যী বর্ণাষ্টকা-(शेंड्रा॰ II इंडि वर्गगाणा II # II অথাক্ষমাল।। তত্ৰ নালাযা• মণি নিৰ্ণয়:। পদ্মবীজাদিভি মালা বহি-যাগে শৃণ্য তা:। কৃণুক্ক শৃত্ত পদ্মা-क शृधकीयक भोक्रिकः ॥ सु। हि-कि मंगित्रदेव "ह मृत्रेनं विक्रोम खथा। वाङ्याञ्च अन्तर्भ गृहञ्जाकः-भालिका॥ #॥ अङ्ग्ली गनमारमक॰ भर्बनाष्ट्रे खनः ज्यादः। भूयकीरेव र्ष-শগুণ শত শল্ভ: সহসুক া৷ পুবা-লৈ মণি রক্ত্রৈশ্চ দশসাহসুক মত । তদেব স্থাটিকৈ: প্রোক্ত মৌক্তিকৈ वंक गृहारङ ॥ शम्मारेक प्रंभ वक्क• न्याद सोवर्गः काहि क्राउ । य-শগুড়্যা কোটি শত কদুকৈ: স্যা-**एनष्ठक• ॥ मर्खि र्बिद्रिक्ठा माना** न्गा॰ মুক্তি ফলপুদা। কালিকা भूत्राण । कपुरिक द्वी यमि काशट इन्द्रारेकः मुर्गिदेक खथा। नान्ध्रमः (४) भुरयाक्वराः भू अज्ञीवाहिकक्ष य ॥ यरानाजु भुगुक्षी उ नावायाः खन কমণি। তৃস্য কাম্প্র মোক্ষ্প ন मनाठि श्रियक्षत्री ॥ म्खमानायाः। भागान ध्रुति माना (के या धूमाव की বিধৌ।নরাঙ্গুল্যন্থিত মালাগুথিত।

जर्बकामना ॥ नाउडा मःग्रथनः कार्यडः রক্তেন বাসসা প্রিযে। সদা গোপ্যা **পু**यङ्गन कनन्त्रा कात्रवट शिर्य ॥ 🐉॥ कामनाविष्माय ज्। शन्मारेक विश्-ত। भाना শতুना भकती मठा। क-শগুছिन्यी नाला मर्बनान भुगानिः नी ॥ পুबकीवकरनः कुछ। अकरठ পুত্র সম্পদ । নির্মিতা রূপ্য নণিভি र्जभगालाञ्जिञ्जूमा ॥ श्रुवारेन वि-हिजा माला भुषरहृ विभूल धन । # ॥ रेज्यवी विन्यायान्त वादाशी ज्ञ । সুवर्ग मिनिङ योना॰ ग्नाहिः কী শহ্ন নিৰ্মিতা। পুৰালৈ রেব বা वर्गाट भूधकीय विवर्द्धाय । भ माक्रेक्षव कृषाक भिन्दाक्ष विरण ষতঃ।। 🕸।। ত্রিপুরা মন্ত্র জপাদৌ তু-রক্তচন্দেনবীক্ষাদিভি রতিপুশস্তা । उथा ह उच्चतारा । चक्रहन्स्नभाना-जु जागरा भाकरा ज्वर। जः था। विकाय ज्नजी भाना शक्रतेष গ্রাননে।। ত্রিপুরাযা জপে শস্তা क मुरिक तळ हन्तरेनः। 🗱। व्यभातीकल्ल । क्रारेकः: मिकिन ऋक नसी यः भू জপেৎ প্রিয়ে। স দুর্গতি মবাপ্নোতি নিযুল স্তস্য তজ্জ্**গ: ৷৷ কালিক৷ ছি** নমন্তা চ ত্রিপুরা তারিণী তথা। এতাঃ সর্বান দুষ্যন্তি উপে ক্রাক

गानया ।। मिता तित भुक्षक्षत्र क-मुक्ति मानगानि छ। भूतकर्गाम्एङ চাত্র দ্বণস্ত ব্রাননে ॥ নহাশল্লম্যী भाना भीनभात्रश्रात विश्वो। म्लनाः টাস্থি খণ্ডেন রচিতা জপমালিকা।। नरामञ्जनयीमाला **जात्रा**विष्ठा क-পে পূিষে। কর্ণনেত্রান্তরালান্থি মহা मङ्गः भुकीर्खिङः॥ 🗱॥ मृगि नियमस्र मुखमानायाः॥ जान्यान्य मम्बनाः णि ना छिष्ट्र व क्षानि ह। की हो पि छि· त्रमूक्षीनि न कीर्गानि नवानि देव।। # 11 তথা গৌতমীযে। পঞ্চাশল্লিপিভি র্মালা বিহিতা সর্বকর্মসূ। অকারা-**मि क्य का बार्डा वर्ग माना भूकी खिं**डा ৷৷ ক্ষাৰ্ণ নেৰুমুখ তত্ৰ কল্লযেন্দ্ৰনি अखग। जनगा मर्व मखागा कराः नर्व मम्बिरः॥ #॥ ठाम् था उट्या नि-ভ্যু জপ করে স্বর্য্যাৎ নতু কাম্য ম-(वाधनाए। काम्य निश करत्र अर्य भूट নালাভাবেপি সুন্দরি॥ তেন ্সা-नायाः भाषानुः ॥॥ कागना (जत তু গৌতমীযে। সনাসেনাক্ষসূত্রস্য বিধান নিহ কথ্যতে। পঞ্চবিণ্শতি ভি ब्यांक॰ वि॰में फि र्सन निष्करय।। मर्वार्थाः म्थिति मञ्जा भक्षत्माजिः চারকে। পঞ্চাশন্তি: কান্য সিদ্ধি: म्याङ्या इज् कल्देवः॥ चाङ्काङ्ब

1/2

শতৈ: সর্ব সিদ্ধি ক্তা ননীবিভি: । 🗱 ॥ অথ সালা সংকার:। তত্র जन इस्मादीय । कार्भाम मञ्जव **সূত্র॰ धर्म कामार्थ (माक्क म॰ । उ**ष्ट विर्मुन्द्र कन्त्रां विर्मित्र मूर्माः ভন।। বদ্বা। শৃত্র রক্ত তথা ক্ষ পউসূত্র মথাপিবা।শান্তি বশ্যাভি- <sub>।।</sub> ठारत्य (नार्टक थर्य) जरययू ह ॥ भूक রক্ত• তথা পীত• কৃঞ্চ• বর্ণেযু চ ক্র-माए। मर्खिया स्मय वर्गानाः ब्रक्तः সর্বেথ্রিভপুদ ।। আশুমেযু তথা रेठव॰ ब्रक्ड॰ मर्ब मुनिष्कर॰। बिख्य॰ ত্রিগুণীকৃত্য গুথযেৎ শিল্পশান্তভঃ।। একৈক নাত্কা বর্ণ সতার পুর शन् मूथीः। निश नामाय म्रावन गुष-(यम्य नव्यक्तः ॥ तुक्तगृष्टिः विशाय থে মেৰুঞ্চ গুছি সংযুক্ত। গুথবিত্তা পুরো নালা ততঃ সংকার মার-ভেৎ ॥ৠ॥ কস্যচিন্সতে মূলবিদ্যবা পূথ্যেৎ। তথাচ একবীরাকল্পে। **নাত্কা নজ্ৰতো গুন্থি• বিদ্য**যা বাথ कात्रराष्ट्र । मूवर्गानि खरेग बीनि गु थरगर नायरकाखनः ॥ वृत्रानुष्टि • उ (जा मह्यामाणभाग नथाभिवा। कः वरवनाववधीयाचाना शानभनाय ণঃ।। সর্বশেষ ততো মেৰু স্ত্রম্ব ननविजः। गुष्यव्हात्र यात्मन वधी

যাৎ সাধকোত্তন: ॥ এবং নিয়ান্য (मरवि**न প্**তিষ্ঠাঞ্চ সমাচরে**ए। श्र**11 গৌতমীয়ে। মূথে মূথঞ্চ সংযোজ্য भूरह शृह निर्याद्य । रगाशृह সদৃশী মালা যদা সপাক্তি: শুভা ॥ ७व॰ निर्याय भाजा॰ देत भाषाय-শ্বুনি সন্তন:। অশ্বত্যপঞ্জ নবকৈঃ পদ্মাকারন্ত কার্যেৎ ।। তন্মধ্যে शांशियबालाः भाज्काः भूल भूहद्रन् । क्रांवाय शक्षगत्तान नामाजा-তেন সঙ্জীলঃাাসদ্যোজাতন্ত। ওঁ नाम बाउ॰ भूभमामि नामाजा-**जाय देव नमः। ज्ञाय २ ज्ञाय २ नामि** ভবে ভজম্ব না' ভবোদ্ভবায নন: ৷৷ **छन्तना ७**क् कर्श्रेत दीमाप्तरवन थ-र्वाय । वामस्पव मञ्जञ्ज । उँ वामस-वाय नत्मा (काष्ठाय नत्मा कृमाय नमः কালায় নমঃ কলবিকরণায় নমে৷ ব-निविक्रतभाय नरमा वन नुम्थनाय नमः मर्बज्जममनाय नामा मानामानाय नमः ॥ ध्रायञ्जामरवादमः। व्यायात মত্রস্ত। অঘোরেভ্যো ২থযোরেভ্যো ঘোর ঘোরতরেভ্য: সর্বত: সর্ব স-र्षिड्या नमाख २ स कम्बालाच्याः। লেপযেত্তং পুৰুষেণ তু। তৎ পুৰুষ नक्क । ७ उ९ भूक याय विद्याह म-शास्त्राय धीमिश उत्माकपुः भुका-

ं प्रयास । मञ्जायस शक्तमारमय शु-ত্যেকন্ত শত শত ৷ মেক্**ঞ মন্ত্র** (यरहर मन्ना व भंड॰ भंड॰।। मञ्च । ७ देशानः मर्व विष्ठानानी धनः गर्ब ज्ञानाः वुकाधिलाजि बुक्ताशि পতিঃ শিরে। মে ২ন্ত সদাশিবোঁ। भुजितक मन्द मन्दा इंजिया। उथा ह उदेवदा भुर छ। क' मखर यसकी शक्रामन मक्ट. मक्ट । उथा ह (गी-जनीत्व नमुसाय नाला मिष्ठ्ड। পঞ্চনেনৈৰ স্ক্রেন শতান্যনেন সজ (य८। इंडि मर्भनामानायामा भंडे क्रभः। ज्वावाक् यरकारम्यः यथा विভव विखोतः। भानायाः भाग भू-ভিষ্ঠানন্তর দেবতা প্রয়েশ। তথা **जन अनात । ज**न्क्रिडाव वृत्ता गाना॰ उ९ भागा॰ छत्र ज्ञाभाय । म्नमख्या जाः भानाः भ्रायिष्व ञबम् ॥ वाद्राहीउत्जः। भारत भारत गहामाल मई उत् यक्ति। हजू र्बर्ग स्वृधि नऽ उरमात्म निष्किर। ভव ।। गागविजािक क्वा तक्ष्राः अमहराष्ट्र। इंडि मकित्यरा । #॥ दिस् विषय ज् यामान । वागुवक তথা बच्ची गक्नारि गाबिका उउः १ (उद्याः इत्य दर्गाञ्चाः मरख्यात्मन প্রবেৎ ॥ मञ्जरवज्ञ्य मञ्जर क

मिलाएकम (यागठः। छरेशव मा-**ज्कावरेर्ग मंज्रायजास मजवि** ॥ (यागिनीजस्य। (हाम कर्म उउ: म-র্য্যাদেবতা ভাবসিদ্ধথে। অপ্টোত্তর **শত**॰ छ्व। मस्त्राजाङ्ग्रः विनिःक्हि-(भर ।। (शामकर्या) मेक (म्हर हि-खनः बन गाठात् । । भागा मखः अल्पाञी कम्भायम विध्नाय ।। क म्मनाट मिष्तिशानिः म्याकृनन वर् मुःथन । नाय जाउ ভবেদোগः कत्र ভুষ্টা বিনাশিকা।। ছিন্দে স্ত্রে ভবে-भृज्। खमाष्यः भारता ভविट । जभा-ख कर्गाहरण वा छेहरहरण उथा ना (मर्।। दः भारत मर्व ज्ञानाः मर्वः সিদ্ধি পুদা মতা। তেন সভ্যেন মে जिला<sup>•</sup> पिहि गाउ र्ना २स (उ॥ इंजुङ्ग निविन्द्राथ गानसम्बन् তো गृशी। #। नाला म'कात्रम्य नि ত্যতা নাহ কৃদ্যানলে। অপুতিষ্ঠিত भागां चि यांखः क्रशं विश्वा नतः। সৰ্ব• ভদ্বিফল• বিদ্যাৎ ক্ৰুদ্ধা ভব-তি দেবতা ।। # II कामनार**ः ए** ज् व्यक्ति नियमः। भो उन्हेरय। उर्ज न। कुष्ठ यार्गन भञ्हारेन मूखन । অঙ্গুষ্ঠ নধ্যনা যোগান্ত বিদ্ধিঃ সুনিশ্চিতা ৷৷ অজ্ঞানানিকা যো-गानूहाकी समानत् मत् । 🖘 🏗

ক্ষিত্র যোগেন শত্নাণ নাশন ন-তে ।। সৈক্ষাসন্ত ७ ।। दिनम्भायन **मःहि**जायाः । व्यक्ष मध्यान्त्राक हान्यस्य मध्र छः। जर्जन्याः न न्याः मारमनाः मु किरा गगन कगः॥ #॥ बीर्ग म्ख পুন: সূত্র• গুথ্যিত্বা শত• অপেৎ। ॥ भुमामार পতि उ। इसार मजमाही। ন্তর•জপেৎ।।জপেনিষিদ্ধ সংস্পার্শ कानविदा यथानिउः। हिमिनाः-ষ্টোত্তরশত জপ: কার্য্য:। করভুষ্ট ছিন্যোক্তল্যত্বাৎ ।। <del>গু</del>নারান্তর• **जागनकन्नक्राम । ज्उन्दारिका**॰ পূরা॰ সমাপ্য তত্র প্রযেং। গণেশ म्र्यं। विक्शानान् पूर्गामावाश् मजावि য় পঞ্চাব্যে ভতঃ ক্ষিণ্ড্ব। হ্লৌ র্মন্তেণ নত্রবিৎ। তমাদুৰোল্য তা॰ মা-লা॰ স্বৰ্ণপাত্ৰে বিধায় চ। পয়ে। দুখি शृञ क्लोन् भक्तिरिश तन्कमार ॥ তোষ ধূপান্তরৈঃ কৃত্বা পঞ্চামৃত বি-बि वृक्षः। कनाम्देवव म जाना छ।-शायही जान काना ॥ उठ मन्त्रना পদ্ধি কন্ত্রী সন্ধুনাদিভি:। তানা-निष्। को मंज माला खत माछ क পেৎ।। তদ্যা॰ নবগুছা॰ কৈব দিক পালা॰চ পুপ্রবেৎ। ততঃ সংপ্র D एक गृहीयात्रालिका मुखा ॥ चित्रानां नुमुक्ष श्रात्रा त्रिन

मर्भाय**ा ज्**ज ताक्षत्र (वं जानाः निक गम्बर्व हात्रगाः ॥ स्त्रिष्ठ शुक्रेष्टे॰ यन्याः खमाहुछ नमाहाद्र । ইতি व्यक्तमा লা। ইতি তন্ত্রসার:।।#।#॥ অপিচ । विष्ठाभवास्यादा यक्का विवृधामूत রাক্ষসা:। ভূতানি কিমরা: সিন্ধা: প্রেশ্চ চারণাদ্য:॥ হরন্তি জপক-वात्रिष्ठ यानि जानि ह नांत्रहे। या-ज्यो॰ क्षिश्कांनू वाम्वामाविज र्ब्ब्स्पर ॥ श्रा वृन्ता देवी क्रनगरी जूल-नी कार्र मञ्जवा। रुखाकृ विभवी रेश-भीमर्जगृष्टिमशी जला॥ जमाकान्।-ক্ষ কৃদাক্ষ পদাবীজভবা ২পাথ ! शाजीभू धन्नी वक्रेल मांना या श्रति-কীর্ত্তিতা। মৃক্তা মণিম্যা রৌপ্যা म्नाहिकी रिक्मी उथा ॥ जनकर्ममू मर्खिषु हाक्रमाना भुकीर्खिङा। # । क्क मञ्ज बाल माना वृन्तात्रगा मगू-च्हवा।। नान्या गाना जनन्यानाः इ-खाक्र निमयी॰ विना। रेहनी मनिमयी-भावा भूगेछा कमना ज्ञाभ ।। अत्रय-ত্যা মন্ত্রজপে রৌপ্যা মুক্তা বিনি-মিঠা। পুজাপতি জপে মালা পুএ-बीव मंगु छवा ॥ भू धकाम नदानाक महा भुञ्जूहा ज् मो। द्वाग मञ्ज काल नाला शद्मवीज नमुख्नवा ॥ शाबीकः लन्यी नाला दिख्याः कार्न्या डला।

बम्।किन्माक छम्।क वृक्तवी व न মুক্তবা।। মহেশান মন্ত্ৰ জপে ত্বেতা भानाः कन्नभूमाः। मारिकी नर्वतन-वाना मथवा जन्न क्लिशा कम्यू-श्विमयी मूका गायभी दिक्षी करना श्रीहरत तकृतिगरी काल भान। वि बचना ।। ইতি পাদ্মে ভরখণ্ডে ১০৮ व्यव्यायः ॥ क्षाः श्राः व्याप्तत्रक्षाः जानाः । भूष्रयमानाः (जारेय त्रज्रुकाः) यञ्जः । নিধাযমগুলস্যান্তঃ সব্য হস্তগতা-क वा ॥ उँभा॰ भारत महाभारय जब **म**कि स्किभि। চত्र्र श्रीय नाष्ट खमात्म निषित। ভव।।॥। প্রযিত্ব। **उटा माना॰ गृशीया मिक्ता करत्र** । মধ্যমাযা মধ্যভাগে বর্জ্ঞযিত্ব। তু **७**ड्डानी॰ ॥ यनामिका कनिष्ठान्ता॰ যুতাযা নমু ভাবত:। স্থাপিয়ে। তত্র মালা মঙ্গুগ্রেণ তদ্গত ॥ পুতে उकः वीजनामाय जनः सर्गाख् रे छत्रव । भु छिवात । भरते ब्राज्य । भरिन त्राष्ठः न চालरयः।। भावा वीक्ष खथरा॰ म्लामिक् भद्रम्बद । भूर्व काश भुगुत्करेनवाक्षुश्वाराग रेजवव ।। প्রবিজ । अभन्यस भन्न वीकस স•স্পৃশেৎ। অঙ্গণ্ঠেন ভবেক্ত**স**্য নি-युन खमा ७ ब्ह्नभः॥ भानाः स ङ्ह यानाम वृद्धा प्रक्रिय भाषिना। (प्रवीर)

विविष्ठियन् अभाः सर्याचात्मन न न्न् (मर ॥ श्वाहितन्तु क कप्तिकः পুএছীৰ সমৃস্ভবৈ:। সূৰ্ণ মণিতিভঃ मगुक् भुवारेन तथ वाद्धोकः॥ व्यक्ष-माना जू कर्डवा (स्वी श्रीडिक्द्रा-भरा। बलमुभाःम् ज्ञा छ 🕬 गुष्ट्रा ज् भागिना ॥ नाना वी दिख् (वंग् कृपाका मट्रियाट शिय कृर्गीि करता यमाखमाकृतकः वनी ॥ भुवारेन त्रथवा अर्यप्राप्त है। वि শতি বীজকৈঃ। পঞ্চ পঞ্চশত। ব্ 🦠 न न्रुरेन नी थिटेक कर वा ॥ क मुन्टिक 🐠 ब्राला इन्युरिक: माहिति छ नान्द्र मध्य भुर्याक्याः भूधकः **मिक्क्ष य**था। यहनाजु शुगुरबाज 🕾 वारा॰ जनकर्मि । उन्र कामक **নোকঞ্চন দদাতি প্রিবন্ধরী** ॥ জ-बाह्य कायल न त्वर त्वराक् भा রগ:। মিত্রীভাব• তদা যাতি চাঞ্জ লৈ: পাপ কর্মভি:।।#।। একো মেক खब (एयः मार्बज्रः ज्रूम मसुदः षाम्। मूल उउ उमार न्।न न् তর• তথা॥ বিন্যসেৎক্রমত স্তম 🐁 मर्भाकात्रा हि मा यजः। तुष्कशुहि ज क्रांतर भुजिवीक यथा इंड অথবা গুন্থি রহিত দ্টরজ্জু সম निजः। जिनाव्खाय गर्धारेनवाकः

नाना

ं वृद्धप्रस्थान्यः ॥ गुस्रिः भुरक्षिणः वर्तः म वृक्षगृष्टि म छतः। नाजाना যোজযেমালা নামত্ত্বোষোজযেদুধঃ ।। দৃঢ়ে সূত্র নিযুদ্ধীত জপে ত্তী নো যথা। যথা হন্তঃম্চ্যুবতে জপতঃ সুক্তথাচরেএ। হস্তাহু তাবা • বিমঃ न्।हिन्नायाः नद्राः छट्ट । এवः यः অৰতে নালা• জগ্য•চ ন্যকোৰিত• ॥ म भाष्त्राजीश्चिजः कामः शेलः স্যাত্ত্ বিপর্য্যব:। অন্যত্রাপি জপে-নালা॰ জপ্য॰ দেব মনোহর॰॥ के मृभ• সाधकः अर्यााट नानाथा जू कराठन। वथाणकि डाश वर्षाए भःगर्विव भुषवुष्ठः॥ अभःथा। उन गड्जर्थ• उट्मर्ब• नियुक्त• जरदट् । ज्ञथ्वा माला • भिरत्रारमा भाग भू श्वात **२**थ বা ন্যমেশ ।। ইতি কালিকাপু-तात वश ज्यागः॥ अ। अ॥ ज्य মালাদি ধারণ । ততঃ ক্ফার্পিতা भावा थातरमञ्जनभिरेषः। भगारेक सन्नीकारिशः करेन थांजा क निर्णि-তা।। ধারণেতুলসীকাণ্ঠ ভূষণানি চ रिवणवः। न उत्क कर्नत्य। द्वारखाः क-त्राः म्ह यथा कृष्टि । । ३ ।। अथ माना interest with the mode व हवस्य हार्ग 🤫 सञ्ज्ञाः। ं राज व चर् पर वरे वरे

তো खगः॥ इत्रय नार्भयपास ज्ना সীকাণ্ঠ সম্ভবা•। মালা॰ খত্তে খ্ৰ্য• गृष्टः **न या** जि नद्रकः धुत्रः ॥ ऋगविन তা॰ পঞ্গব্যেন মূলনম্বেণ মন্ত্ৰিতা॰ । গাযত্র্য চাষ্টক্রো বৈ মজিতা॰ ধুপযেষ্ট তা॰।। বিধিবৎ পর্যা ভ-ক্ত্যা সদ্যোজাতেন প্রয়েৎ। তুল-नीकाष्ठ मञ्जू नात्व कृषक निश्रान ॥ विভिर्मा द। महः कछ अक माः কৃষ্ণ বল্লভ•। যথা বৃ• বল্লভা বিষ্ণো र्निङ्यः विकुष्ठनिष्या ॥ उथा नाः क्क দেবেশি নিত্য বিফুজনপুষ। मात या थाज् किष्टिश वानि ना॰ হরিবল্লভে ॥ ভক্তেভ্য**ম্চ স**নস্তে: ভ্য তেন মালা নিগদ্যমে । এবং न• পुर्थि विधिवचाना कृष गरन र्भिजा ।। शाद्रायदिक्षाता (या दिन म शहिष्यदः भरः॥ 🗱॥ अथमाना-ধারণ নিত্যতা। তবৈব স্বানের কার্ডি কপুসঙ্গে। ধাত্রীফল কৃতা মালা क्थे इर ११ वर इन्हि। देव स्वान म বিজ্ঞেযো বিষ্ণুপুদা রতো যদি।। গা-क्छ ॥ शावयं जिन या माना रेहज् काः भाभ वृष्वयः। नत्रकाम निवर्खस्य দধ্যা: কোপাণ্মনা হরে: ৷৷ অতএব कात्न उद्येव। न बद्या वृत्रभी मा-লা পাত্রী মালা বিশেষতঃ। মহা

পাতক সংহন্ত্ৰী প্ৰমাকানাৰ্থ দাযি-नी ।। 🗱 ।। जय माना माहाजा ९ ।। অগন্ত্যসংহিতালা । নিৰ্মাল্য তু-नभी भाना गुल्का य भाई (राष्ट्रांत्रिः । यव्यथ्काता ७ ७५ मर्व मनस्रकलमः ख्तर्था गः इर्गा उनमीकारि इक गाला चक्तिंगि। क्षेत्रालाक य-ত্নেন কৃত তসগক্ষ ভবে ।। নার मीरव। रव कथेना उनमी ननिनाक भाना (य वा नना हे कन कि नम मुर्क পুঞाः। य वाङ्म्ब भिर्विष्टि उ भार हका एउ रिक्थना जूनन माण् পবিত্রবান্তি ।। কিঞ্চ। ভ্রযুগ মপি हिटेश बिक्क उन्। विस्काः भवन भुक्ष नामा की र्डन यम। वाहि। श জু उत्र मि প পুषु भस्रक यम। कर्छ সর্সিজ মণি মালা যুস্য তস্যামি मामः ॥ विक्षराणां खात श्री जगवपूर को। ज्ननी काष्ठ गा**नाक** कथे **ছा॰** दश्छ जू यः। यश्रामीकाश्रः नाहात्वा गात्मरेविड न जःस्यः॥ क्यान्त । शाजीकन क्ञा माना ज्न সীকাণ্ঠ সম্ভবা। দৃশ্যতে যস্ত দে হে ভূ স বৈ ভাগবতো নর:।।তুলসী मराजा॰ माना॰ कथेञ्चा॰ वहराउ ज्यः । विक्खीनाः विष्णायन म नगरमः **रि**रवी ह्या॰॥ ज्नभीरवजा भाष

ধাতী ফল ক্তাপি বা। ছদাতি পাপিনা মৃক্তি কি পুন রিঞ্সেবি না॰।। তত্ত্ৰৈব কাৰ্ত্তিকপুসঙ্গে। यः পून खनमीमाना क्या कछ बनार्फ-नः। প्रायः भूगा गाल्यां भूषि পুয়া গৰা মৃত্যা অমৃত সংশ্বরো-मान कनिन्जुर्थः॥ यावस्रुठेि कर्छ -ञाधाबीमाला नव्रम्। हि। जावजगु শর্রারে ত্ প্রীত্যা লুঠতি কেশব:॥ म्म्रामह यानि लामानि थाजीगाना करनो नृगा। जावधर्य महमानि वः **ज्ञान क्रिया वर्षा वरा** राउ थाजीमाना॰ करनी नद्रः। जा-বন্দুগ সহসাণি বৈহৃথে বসতি র্ভ্ বেং ॥ মালা যুশ্মঞ্চ দো নিভ্যু धाओ जुलानि मञ्जरः। बङ्ख कर्रुः रित्म ह कद्मकाहि **हिंद** वरत्र ॥ ত্লনি সম্ভব মিতি হুমন্ত্র মার্য ।। गाक्छ ह भार्काखरगान्त्रो । जुननी मनका भाना क्षाडीर्गा रह्जू यः। পত्र পত्र श्याम्यानाः म-भानाः वाङ्ख कवः॥ 🗱॥ जुवनी কাপ্ত সম্ভুতা• যো মা**লা• বহুতে ন**-तः। कनः यहाँ रिकातिः भुजाहः and the figure of the second 11 30 11118 - 30 : 1803 भ 👵 अक्रा उन्हें 🦠 🥶 🖖

एक । मना भी जनना सन्। कृष्णा (एवकिनन्दनः। जुनतीकार्व गञ्जू छा॰ या मानाः वरुएक नदः॥ भाषा শিত্ত ন ভস্যান্তি নাশৌচ ভস্য विगुष्ट् । ज्वनीकां अस् अः (या भाना बुर्द् नक्षः । ज्नमी काष्ठ সম্ভূত শিরসো বছুভূষণ । বা-স্থোঃ করে চ্মর্ত্রনার দেহে তদ্য স मा हिंदी। उन्नी काष्ट्रभागांजि ভূষিতঃ পুণ্য মাচ্বেছ ৷ পিতৃণা रहवजाबाक क्ष्ठ का कि खन करनो া তুলদীকাণ্ড নালান্ত প্রেডরাজস্য দুতকা:। দৃষ্টা নশ্যন্তি দূরেণ নাতো-ष्क्उ यथा मन ।। ज्नमीका अगा-লাভি ভ্ৰিতো ভ্ৰতে যদি। দুঃস্ব পুণ দুর্নিমিত্তঞ্চন ভয়ণ শাস্ত্রজণ কু চিৎ।। গৌতমীযে পুরশ্চরণপুসঙ্গে। उथामनक मञ्जूठि जनभीका है नि-मिं जि:। इंड ग्रिस ॥ श्री छोबव। भू-ওরীক ভবা নালা গোপাল মনুসি-षिरा। आमनकी ভবा माना पर्व पि-দ্বিপুদা মতা ।৷ ত্লসী সম্ভবা যা তু মোক্ষণ বিতনুতে +চিরাৎ ॥ ইতি ত্রীহরিভক্তিবিলাস:॥ #।#।। অথ ल्माक भावा थात्र प्रवासि। विक ্রাণে। বিনা ভমা ক্রিপুর্ণ্ডুণ বিনা यमक गालकान अभियंता श्री म

शारितान मां सम्यान मुक्ता म॰वर्ष मम् प्रिला विश्व मा वर्ष कात्व स्मालित त्व क् स्मालित व्य क् स्मालित मां स्मालित मां स्मालित मां स्मालित व्य क् स्मालित व्य क स्मालित व्य क् स्मालित व्य क स्मालित व्य

নালাকণ্ট: পু॰ অপানার্গ:। ইতি রান্ধনির্ঘণ্ট: ॥

भागाकनरः शृ गृग विश्वाः। एए शर्यायः। व्याविष्यकनरः २ जिणि-थितमा २ शृष्टित्वा ४ शांतिकनरः एश्डित्वा ४ कनरवाउ। १। व्यम्य ख्याः। मूठीकृष्। गख्यावाना-श्विः। मीशनष्। ख्याक्षातिष्। वाक स्म्याशकर्य कातिष्धः। इति द्राह्यनिष्टः॥

মালাকা দ্রী মালা। ইতি শব্রত্না-বলী।।

মালাকার: পু॰ বর্ণসঙ্করজাতি বি-শেবং। মালী ইতি খ্যাতঃ। তৎ 'মালাত্

भर्यायः। मानिकः २। ইত্যमतः॥
मानाकतः ० भूमाकीवी ६ वनार्छः
कः ६ भूमनावः ७। ইতি कठाधतः
॥ भूमनावकः १। ইতি भद्दत्वः।
वनी ॥ म जू भूमायाः विश्वकर्याणः
काजः। ইতি वृक्षविवर्षभूतानः॥
व्याभिष्ठ। তৈলिकाः कर्यकाताः
मानाकात्मा मसुवः। ইতি भन्नाः
भानभक्षिः॥

भानागृष्टिः भू भानाप्ती। ইতি রাজনির্ঘণ্টঃ॥

নালাতৃণ• ক্লী ভূতৃণ•। ইতি রাজ নির্ঘণ্টঃ॥

नानाञ्गकः क्ली ज्रुगः। इंज्यमदः।।

त्व गक्षथे इंजिथ्यात्तः। मानाकः

त्रः ज्रुगः मानाञ्गः चार्थिकः। ज्रुव

युगः ज्नग्रदा अतुगः मनीवाित

द्वार मागमः। माना ज्रुगक ज्युगः
। इंजिक्लीत् । इंजि मूज्जान्दः॥

मानाञ्गक ज्युगाविजि श्रुम्म भन्

वेश्वि किटि ॥ बामी जू । हजािज

हजाित ज्युगान्वः भर्या माह यथा
। ज्युगा तोहित्वा ज्ञि क्मित्कः।

क्यां ह्वाल ह्वक स्वि ॥ तामकः

भूवाि ह्वक स्वि ।। तामकः

भूवः वर्ष्णवकाशः कभ् त्रं मृगिक्षि
। इनस् माजभूशिकावपूरकिगकः।

गानि

ভূল**াৰ ভবভী**ত্যনবৈতিদ:। ই ি ততীকামাণভূৱত:।।

मालाम्बि मिली म्बीतिरणयः। गैं याम्ब्री हेि जावी। उद भर्याः विलिम्ब्री २ व्यक्तिम्ब्री २ मालाः १ शहिला दे गुडिम्ब्री ५ म्लाः १ विलिमे गुडिम्ब्री २ लियाच्या १ व्यक्ति ५ भेब्रिस्ती २२ लियाच्या १ व्यक्ति ज्योशि गुम्भ्यू द्वः। वि दः। लिलिद्रदः। भित्त स्तायः । मनदः। कर्षः वात्ति ज्याशहद् हेि द्वाकिन्विषः॥

मामातिक्षा जी भागी। ইতির নির্ঘণ্টঃ।।

भावाविका जी श्का। ইতির নির্ঘণ্টঃ॥

भानानी जी भृका। ইতির নির্ঘটঃ।

নালি: পু॰ সুকেশরাক্ষসপুঞ্ যথা। গ্রামণী নাম গন্ধরো বি বসু সমপুভ:। তস্য দেববতী । দিতীয়া শ্রীরবাত্মজা॥ ত্রিযু ( কেয় বিখ্যাতা কপ যৌবন শা না। তাং সকেশায় ধর্মাত্মা দ বল্প শিবং নখা॥ বরদান ক্লি नेर्स्तनः ॥ ज ज्या जरु जस्ति श्रहानि । ज ज्या जरु जस्ति ज्यानि ज्यानि । जीन् श्रुधान् । नियाना । जाना । ज्यानिक नानिक । ज्ञि तामायण उन्हानि ।

लकः शृ भानाकातः। इंछ । ततः॥ शिक्षां छनः। इंछ भिन्नी ।। तिका जी मधना॥ शूभी॥ गुी वानकत्रः। इंछि भिन्ने ।। भूभी॥ गुी वानकत्रः। इंछि भिन्ने ॥ मूत्रा। दिल्लयः। इंछि भिन्ने ॥ मूत्रा। इंछि हातावनी ॥ क्रूगा। इंछि भन्मकन्युका॥

निनी क्री बाज्कार्जमः॥ वृक्त राज्यः॥ प्रानिक्ष ।। भागिति ।। भागित

भाज ताथा। हे जि ह त्नराम क्षत्री।
मालना की मलन पु । मलनमा जात हे जार्थ का भुजारयन निम्न में।
माली भू मालाकातः। है जि मानि निम पूर्ण नाथा। मुर्कण भूटे र्र् जान्य का मुख्या। मुरकण भूटे र्ज् जान्य का मुख्या। मुरकण भूटे र्ज् जान्य का मुख्या। मुरकण भूटे र्ज् जान्य का मुख्या। मुद्र का मुख्या। मुद्र का मुख्या। मुद्र का मुख्या। मुद्र का मुद्र मुद्र का मुद्र का मुद्र मुद्र का मुद्र मुद्र मुद्र का मुद्र मुद्र मुद्र मुद्र का मुद्र मुद्र मुद्र मुद्र मुद्र का मुद्र म

मानूः भ्• भधनजा।। नाती। ইতি मिनि।।

नर्गः ॥

भान्यानः भु भाजूनाहिः। भान्यानाभ इंजि ভाषा । इंजामदः ॥
प्रश्नागान्धर्गज नागितिष्मयः। यथा
। भान्यान किजमर्ल भहाभरद्दा
ं श्री मृष्णाद्ध। इंजि हाद्रावनी ॥
भान्यानी जी नजार्जिनः। इंजि
भिन्नी ॥

भान्कः भू॰ क्षार्जकः। ইতিরাক্ত নির্ঘণ্ট:।।

মাল্র: পু॰ বিলুবৃক্ষ:।ইত্যমর:।। কপিথেবৃক্ষ:।ইতি রাজনির্ঘণ্ট:।। भारतया जी क्रि**त्वा। इंडि त**ज्ञ

गाना की भूष्य ।। भूष्र मुक्। इंडि (मिनि ॥ श्रञ्जार्थक माना भप्ना श्रायाणा यथा। यथा हास्त्रन भारता ন বাসিত ডিল সর্যপ। ন মুঞ্চতি सकः गद्धः जहर ज्ञाना पर्णनः॥ ইতি মহাভারতে নোক্ষমের্ম ১০৫ व्यथायः ॥ मृष्ट्रिनाउल्यासम् । इंडामदः॥ अमा भर्यायापि माना भारक मुक्षेत्राः ॥ अ।। भाना प्रान कन यथा। गन्नगरिना द्रलकारेत खर्रा कृष्ठामा निष्ठामाः। गन्नमानाभूमा-य ज् मान निम्हय जल्भवाः ॥ भ-ग्रां आ: मडामीलाम्ह नर्वपृःथ वि विक्किंगः। मूहितः रेनवरैजः मार्कः ক্রীডন্তি হি নহামুনে॥ ইতি বহি-পুরাণ ॥ৠ। অপিচ। নারসিংহে। জাতীপুল্ল সহসেণ যছেন্মালা স্ **(मा**जना॰। रेवक्षरवा विश्ववक्रका) তস্য পুণ্য ফল শৃণু।। কল্লকোটি সহসাণি কল্পকোটি শতানি চ।ব-সেদ্বিষ্ণুপুরে প্রীনান্ বিষ্তৃল্য প-রাক্ন:।। জাতীপুস্ন কৃতাণ নালাণ কপ্র পটবাসিতা। নিবেদ্য দে वानवाग यट्कन भूति गामतः ॥ ন ভদ্ৰণ্যিতুং শক্য মূপি: বৰ্ষশতৈ

त्रिश कात्म । भावजी कविका भावा भीयविक्रमिजाः इरद्रः। हञ्जा भित्रिम विर्भुन्म वाकिस्मध कन वाख्या कात्म । मानजीमानग বিষ্ণু: প্জিতো যেন কার্ত্তিকে। পা-পাক্ষর কৃতা মালা পটাৎ শৌ-तिः **পু**মार्ड्डा जि॥ स्मोति र्यभः॥ वि-क्षुत्रराज्य। चर्न वाकाशिक शृञ्ज . गानाकारि खनाविका। इन्डिन्डिइ-রিভক্তিবিলাসে ৭ বিলাসঃ 🛚 🗱 🛮 गानुगनम् विश्वभ्निन्यिया य-था। दहि माना दहि श्रंतः ভार्यः যা সহ ভোজন । বিস্ত্য বাদ क्षा वा भुविषक विवर्जाय ।। ইতি কুর্মপুরাণে উপরিভাগে ১৫ ष्यद्रायः ॥ 🗱 ॥ स्रयः भान्।। श्रकः र्यंग निरम्(धा यथा। नाभीयाट अ-क्षिर्विवाया॰ न शह्माि अभि-(भए। न हिव भुनित्थक्ति॰ ना-আনোপহরেৎ সুরু ॥ ইতি মান-বে ৪ অখ্যাयः ॥ नह मालाः श्राः श्चयस्याभनस्य । अर्थानस्मानाः भनरयमिक्। इ**ि स**ञ्चक्छेः ॥ । । (कनवार्य मान्। धार्व नियामा गुला। यहि गर्हाकथाः खनार रिमाद् के , अपर 1 भवाक गाम भारत मा रेचन दि

गहिं छ ।। ইতি ह मानत्व ८ जावान स्वाहित्य कलाभाष्य माला न स्वाहित्य कलाभाष्य माला न स्वाहित्य कि जल्लक छ ।। ॥ ॥ स्वाहित्य क्ष्य निर्माण । स्वाहित्य स्वाहित्य स्वाहित्य मालि जा गृह्य क्षिय ।। ইতি कर्मालाहन ।। ॥ माला हिन्मन मान विधि यंथा। जान खिरादा त्या विभाग गक्षमाला क मानवः। उन् र्रायह क्षया गुकः म मानह्य ज मना ।। ইতি विद्य भूतान ।।

মাল্যপুয়: পু: শণবৃক্ষ:।ইতি রাজ নির্ঘণ্ট:।।

नान्। भूग्निका जी भग्नु हो। इंडि ब्राक्तियंग्टेः ॥

भागावान भू॰ भर्बठिविष्मयः। इंछान्यः। भागाः भागाकात्रञा विष्णाः एक श्व भागावान वकुः । इंछि छोकायाः छत्रछः ॥ म ह क्कान्यः। भागावाव् उवस्याः मीमाभर्बछः। भीग निम्म भर्बछ भर्याछ विखातः। इंछि मिष्काछिन्यामितः॥ त्राक्यः मिर्विष्यः। म ह मुक्तम् त्राक्यमाः मुमित्रे भागाः प्रतिकार क्रियाः। स्वय् । इंडा छन्। क्रियाः किक्माः। পুলস্ত্য পুত্র বিশ্বসো রাবণো জা-ত:। ইতি রামাযণে উত্তরকাণ্ডে ৫ সর্গ:।।

भाझः शृ॰ वर्गमङ्ग्रङ्गाजिविष्णयः। ज ह (निहाडी वद्गमन्।।।

रेजि वृक्षरेववर्डभूद्गानः।।

नाज्ञवी खी मझगाजा। इंडि शाहा-वनी॥

माणिकः वि निरम्भकर्ता। ७९-পर्य्यायः । পुতিবেদ্ধা २ । ইতি वि-काखण्यः ॥

भाषः भ् वृीहित्जमः। भाषकलाहे ইতি উরিদ্ ইতিচ ভাষা। তৎ-भर्याग्यः। अक्विन्तः २ थानावीतः o वृषाकतः ८ मा**ःमनः ৫** वनाष्ट्रः ৬ পিত্র্য: १ পিত্ভোলনঃ ৮। অস্ত खनाः। त्रिकादः। वङ्गणकत्रदः। শোষণত্ব। শ্লেম কারিত্ব। অনু-ক্বীর্য্যন্ত্রণ। ঝটিতি রক্তপিত্ত পু. কোপনত্ব•। বাতহরত্ব•। গুকৃত্ব•। वनकत्रपुः। রোচকত্বः। सामृद्यः। শুন সুথবতা নরাণা নিভ্য সেব-नीयप् । इंजि ब्राजनिर्घण्टः ॥ य-शिठ। भारता छकः सामुशाकः मि. (क्षा क्ष्णा श्निलाभशः। उकः সম্ভর্পণো বল্যঃ শুক্রলো বৃ•হণঃ প-बः ॥ उम्म मूज मन खन्यत्म **लि**ख

क्क भूमः । अम्की नामिं उ यात्र शंकि म्यानि नामाय्।। इंडि। कफ भिख करा गाषाः। ইতিচ ভাবপুকাশঃ।। অন্যह। মাবে। बङ् मला व्याः त्रिक्षाका मभूदा एकः । বাতনুদ্•**হণো বল্যো মেদো মা•**-স কফ পুদ:॥ ইতি রাজবল্লভ:॥ মাৰস্পেন মূলক ভক্ষণ নিষিদ্ধা यथा। म्नकः भाषम्राम मध्ना ह न उक्तरपट । ই उठ ता बदल उः ॥ চতুর্দা্যা রবিবারে চ মাষ ভক্ষণ निरम्(क्षा यथा। हिन्नद्वाभी ह भाष-(क। ইতি॥ गांव गानिय ना प्रक মসূর নিম্বপত্রক । ভক্ষবেদ্যোর-বে র্বারে সপ্ত জন্মন্যপুঞ্জ: ॥ ইতি **চ जिथ्राम्जिबुः ॥ 🕸 ॥ भिर्त्रमा**न विष्मयः। भाषा ইতি ভाषा। उৎ भर्यायः। भाषकः २ भाषः ७ भाभः ৪। ইত্যমরভয়তৌ।। হেম: ৫ খান-कः ७। ज ह मागधमाति मृगुजमाउ ৫ গুঞ্জা চরকনতে ৬। ৮ গুঞ্জাপ: तिमानः। का निष्मभारम সুশু उमर उ ৫। १। ৮ গুঞ্জাপরিমাণ । ইতি ভावभुकाणः॥ विन्तृकान्तरत २० छ क्षामित्रिमानः। यथा। रक्षां छि र्पः শতি নাব: শাণো নাষ চত্ষ্বৰ । ইতিবৈদ্যকপরিভাষা।। জ্যোতি

স্তি নতে ১২ ওঞ্জাপরিমাণ । यथा। शबः जुलोकिक मारिनः मा-ষ্টরত্তি দ্বিমাষক•। ডোলক ত্রিভয়• জ্ঞেয় জ্যোতিজৈ: মৃতি সন্মত ॥ ইতি তিथ्यामिङङ्ग स्डवकानन পল অপ্তরত্তিকাধিকমাবদ্বগাধিক তোলকত্রয়। এতেন মাষক পরি-মাণ দ্বাদশ রত্তিক ভবতি।। #11 मूर्थः॥ वृद्धाय एकः। ই जिस्मिनि॥ नावकः भू॰ नामकः। भक्षत्रज्ञिक्भ-त्रिमान । यथा। छञ्जाः भक्षाम्। मा-यकः। इंडागदः॥ म्लाकं छञ्जः भू वम्बि नावः नावा खरेगः वाउभः ভिশ্চ कर्म·। ইতি नीनाव**ी** ह।। यडिस द्रक्तिगां निष्यायायाः (इम थानको। मारवा च्छाजित-है। जिः मधि वी एदि कृष्टि। ইতি ভাবপুকাশ:॥

गायकनायः भू सनामशां जनमाः।
यथा। कनाय नत्स। विरम्पास मानात्य ह व्यञ्चय मायकनाय इञ्जानि
भूत्यागः। इञ्जानि हो कायाः जन्न छः।।
नायभगे जी वननायः। गायागी
इञ्जाया। उद्भर्गायः। इयभूही
२ कार्याही ० नहामहा वा केन्द्रः
नन्न वृद्धा भूषाञ्चलाम भूभिनित्त है।
कृक्वद्धा भूषाञ्चलाम भूभिनित्त है।

নায়ভ

er.

ইতি রর্মালা॥ আর্নাষা ৯ মা॰-नमाया २० नक्ला। २२ र्यश्हिका ार इ॰ मनाया २० वयं शृहा २८ था उता २० गायभागका २५ कन्यांनी এ বজুমূলী ১৮ শালিপণী ১৯ বসারিণী ২০ আত্মোন্ডবা ২১ ব र्कना २२ सग्छुः २० मूना २८ না ২৫ সি স্থবিদা ২৬ বিশাচিকা ্ব। অস্যা গুণাঃ। তিক্তরসত্ত্বণ याञ्च । माञ्ज्ञाभञ्च । मुक িদ্ধি কারিত্ব। বল্যত্ব। শীতলত্ব• পু প্তি বৰ্জন বৃঞ্চ। ইতি রাজনির্ঘণ্টঃ विनि । नायभी न्यं।भी ায়োদ্ধী হ্ৰপুছিকা। পাণ্ডুলো-্শপণীচ কৃষ্ণবৃত্তা মহালহা ॥ াষপণী হিমা তিক্তা ৰক্ষা শুক ্লাশক্ৎ। মধুরা গুাহিণী শোষা াত পিত্ত জুরাসুজিৎ॥ ইতি ভা-পুকাশ: ॥ **ज्**करिनः श्र॰ माय उ ज्नि पि িশ্রপ্জোপহারবিশেষ:। অত্র ইচিৎ ইরিদা ঘৃত নধুপি মিশুযন্তি ाथा। এव भाष ज्ञ्ज्विलः। ७ अयः ু কালি সংৱশে সর্ভূত সমাবৃ- ॥ ব। রক্ষ নাং নিজভূ:তভ্যে বলি र मिविश्रिय ॥ ७ कार्त्वा नमः ार्थना मञ्जा यथा। 👸 माञ स्रीजः

নাস

र्बत पूर्ण मर्ब कामार्थ माधिनि। व्यत्न विविधातन नर्वान् कामान् भुषह्भ ॥ इंडि क्**ड**/डड्र॰ ॥ ज्रंडः (ज्याभारा विवासियः।। भाषवर्षकः शुः वर्गकातः। ইতি नदः गाला॥ भाषणः वा शुक्तिमाषः। मायः मायः দদাতি ইত্যথে শস্ পুত্যযেন नि· ञ्जम । ইতি निषाञ्चको मूनी ॥ भाषामः श्रु कह्भः। ইতি नद्यत्रः। বলী।। মাসভক্ষকে ত্রি।। भाषीतः ) ली भाषाकवः। यथा। जि-भाषाः रेजनीन वन्नारवानानु **ज्या**षि क्रिजा। इंडामतः॥ यथा जिन्मा (क्व. जिनाः रेजनीनक **ভবতি তথা गायामीनामिल विक** পতা দ্বৈৰূপ্য• ভবতি। ইতি ভটী কাযা• ভরত:॥

भाग् शृ॰ हन्पुः।।भागः। ইতিমেদিনী।।

वागः शृ॰ द्याप्य वागः क्षणः नाः।।

नागः शृ॰ भाषणित्रभागः। भाषा

दे जिषा। दे ज्ञान हिष्ठा कि । भागः कि ।

ते जारा। भूक्ष क्षणक ष्या जा कः का नः

। महाणीय भाषा दिष्ठा मणः भागः

कः। हान्पुना मान्यु सम्मारा वृष्ट्णि ।

भोता दिष्ठ ज्ञाना । भागः वृष्ट्णि ।

भोता दिष्ठ ज्ञाना । भागः वृष्ट्णि ।

भोता दिष्ठ ज्ञाना । भागः वृष्ट्णि ।

भोता दिष्ठ ज्ञाना ।

श्तनात्नी वा मात्रः। मित्र यं दे পরিমাণে ধঞা সাঃ সান্তো ২পি। মাস্ত মাসে। ৎপি দৃশ্যতে । ইতি হয়:। ইতি ভরত:।। 🗱 ।। মৃতিম-তেপি পৌষাদি দ্বাদ**শ স**ণ্জক:। যথা। চক্রবৎ পরিবর্ত্তে সূর্য্যঃ কা লবশান্দতঃ। অতঃ সাংবৎসর• শা-षा कर्ववा भाग हिङ्गि छ। भाग চিহ্নন্ত কৰ্ত্তব্য পৌষ মাঘাদ্য মেৰ হি। যত স্তত্ৰ বিধানেন স মাসঃ প तिकी खिं**ड:।। ই जि वयू राती छ:।।** 🗱।। কাৰ্ত্তিকাদি দ্বাদশ স•জ্ঞকো ৎপি। যথা। অন্ত্যোপান্ত্যে ত্রিভৌ ক্রেযৌ ফাল্লুনশ্চ ব্রিভো নতঃ। শেষা মাসা দ্বিভা জ্ঞেযা: কৃত্তিকাদি ব্যবস্থযা।। 🗱 ॥ न ह हे है जानि द्वारम न छ छ क 🏲 ह । যথাব্যক্তণ বুক্ষপুরাণণ। চৈত্রেমাসি जगमुका ममर्क्त भूथाम १२मि। मुक् পক্ষে সম্পুদ্ত তদা সূর্য্যোদযে সতি ॥ পुवर्खियामाम जना कालमा गनना-शिश गुहानाणीन्ठ्न सामान् वट-**স**द्रान् व<्ञद्राधिशान् ॥ ইত্যনেन মাসর্ভ বৎসরাণা চালুত্ব মুক্ত। বুক্ষসিদ্ধান্তেপি। চৈত্ৰ সিতাদে কর-বান্ডানো ব্যব্জ নাস যুগ কল্লাঃ। সৃ क्षेत्राक्ती नहायामिश भुवृद्धा क्रिन হ্বৎস।। চৈত্ৰ সিতাদে শৈত শুলু পু

তিপদ স্তামারভ্যেত্যর্থ:।। অপিচ। भीना एए इति (यंषा भावस भूषम-কণে। ভবেত্তে হন্দে চান্দুমাসা হৈচ তাদ্যা দ্বাদশ ষ্তাঃ॥ 🕬। চান্দু সা-বন সৌর নাক্ষত্রভেদেন স চ চতুর্বি-थः। শুक्रপुভिপদাদি দর্শান্ত শ্চানদঃ । তত্ৰ চান্দো ৎপি দ্বিবিধঃ। শুক্লপু-जिभरापि पर्णाखा मूथाः। कृष्णु जि-। भरापि (नोर्गताम्य (जोनः। यू কিঞ্চিঞ'শত্তিথ্যাত্মকশ্চেতি দ্বি-বিধো গৌণ:। ত্রি-শদক্রোরাত্রাত্র-কঃ সাবনঃ ৷ আদিতৈ চকরাশি ভো-গাবছিম: সৌর:। সপ্তবি•শতি নক্ষ-বাবছিল জ্রি:শামাফ্রদিনাত্রানশ্চ নাক্তঃ। তথাচ বুক্ষসিদ্ধান্তে। চা-न्तुः मुङ्गादि हर्माञ्चः मादन खिःमञाः দিনৈ:। একরাশৌ রবি র্যাবৎ কাল• মাস: স ভাক্ষর: ॥ সর্বক্ষ পরিব-र्विञ्ज नाक्ष्य इंजि (চाচ্যতে। সূর্য্য-निकारि । नाजी यक्ष्या जुनाक्षव म-হোরাত্র• পুচক্ষতে। তঞিশতা ভ-(वन्यानः नावत्ना श्र्कान्रेय ख्रथा।। ঐন্দর্ব স্তিথিভি স্তদ্বৎসংক্রাস্ত্যাসৌ-র উচ্যতে। তঞি•শতা নাক্ষত্রদিন ত্রি:শতা নাসে। নাক্ষত্র মাসঃ। তথা ক্রিংশ তা।। য়া। স্বার্ত শ্লপাণিমতে म्थाठान्त् वत्रामभर मकाः। कीम्

ভবাহন মতে সৌর এবশক্যঃ।। চান্দু भुगानः भारकः। भोत्र भुगानसः। भोतास माधानरा। द्वाम्म এव <u>भौ</u>-তাঃ। তথাচ শুক্তিং। তপ তথেস্য रेगाणिकात् जुः। सध्य माध्य मह वात्रः ভিকাব্তু:। শক্ত শুচিশ্চ গৈুবা।-वृज्ः। यः थजमूमगर्मन (प्रवामा॰ ' দিন ৷ নভাশ্চ নভস্যশ্চ বাষিকা नृजुः। इय फ উर्জ्जम भावमान्जुः। जहाफ अहमाफ रेहम बिकावृजुः। णरेथा जप्तकि गायन क्यां ना वा वि রিতি। অত্রাদনস্য সৌরত্বেন তত্ত্ব টক তপ স্তপস্যাদীনা ম্পি সৌর-পরতেতি ৷ অতে: ভূখমা মন্রো-(यन देवनाथानयः भोत्रवाहिता १व-थार्ग्राष्ठ । इंडि मलमामञ्जूः ॥ অপিচা নেষস্থি ত্যা রবের্মানো বৈ শাথো হব মুধঃ মৃত:। ইতি সঙ্কে खकोमूनी ॥ #॥ यथ कर्माविष्मस মাসবিশেষাদি:। তত্র পিতামহ:। আহিকে পিতৃক্ত্যে চমাসন্চান্দ্ नमः भृ डः। विवाहाति सृ उः स्नीता यक्काभी मावाना यजः॥ भूथमानि भर· याजा गुरुठात भत्र·।यटकर्म স্ব্যভোগ্য রাশ্যল্লেথেন যচ বি শিষ্যোদগয়নাদি বিহ্নিত তৎপর ঞ্চ স্থনস্য লৌরনাস ঘটিতত্বাৎ।

उह छूडाभनयनामि । विजीयामि পদ সত্ৰ ভৃতি বৃদ্ধি পাুুুয়াণিজ্ঞায়ু मायामीह गर्खाधान भूष्मवन मीमः ভোন্নথন নামকরণামপ্রাশন নিষ্ক্র-মণ চ্ডাদি পর। তথাচ বিষ্ণুখর্মো-ত্তরে। অধায়নঞ্ গুহ্চার কর্ম সৌ-त्त्रग भारमन मनाध्यत्मा<u>८। म</u>-बागुःशाम्यानाथ मार्यन लोकाः र८ म्याहरवहात कर्मा। अधायन अ-ধ্গমন যাত্তেতি যাবং।। 🗱।। অথ সৌরাদি মাস বিহিত কর্মাণি। বিবাহোৎসৰ যজ্ঞেষু সৌর• মান• भुभगाउ । भार्त्वा पृष्टेकामाद्य চান্দ্রমিষ্ট তথাদিকে ॥ অতা যক্ত পদ নুদগয়নাদি বিহিত পশ্যাগা-ভিপা্য পিতামহোক্তন্ত বিষ্প্ৰেমা-ন্তরোক্ত সত্রপর ।। গর্ম:। আযু-দাযবিভাগশ্চ প্রাযশ্চিত্তকিয়া তথা । সাবনেন তু কর্ত্তব্যা মজ্ঞাণামপুত্র-भामना ॥ म्र्यामिकास्त्र । म्वकारि পরিছেদে। দিন নাসাত্দপা खथा। मध्रमगुरु ভুক্তি क जावतन भुकी-র্ত্তিতা।। মধ্যমগুহভুক্তি জ্যোতি গঁ-ণনা পুসিদ্ধা।। 🕸।। নাক্ষত্র নাস পুযোজন বিফুখর্মোভরে । নক্ষত ज्ञानपुर्यनानि (हरन्ता मारिकन ऋर्यप्रा-ন্ডগণাত্মকেন। নক্ষত্রসত্রাণি মাস-

সাধ্য যাগ বিশেষকপাণি যাজ্ঞিক <u>भ</u>ुजिक्षानि। इत्न्हात्रयनानि (जानाय-নাথ্য সত্রাণি। ইতি সমযপুকাশ:।। এবং জন্মনক্ষত্রে শনিভৌমবারে ফ व नाक्व नारमन रगगाजा । यथा । जग्रन्। एक यि माजा वाद्री (जीन भरिन्हाती। ज नाजः कन्याता नान **मत्मानू:थ পুদাयक:॥**ইতি মলমাস ভত্তুং। মলমাস বিবরণ মলমাস শ (म पृष्ठेवारः।।#।#।। जय मानक्छारः। व्यावार मुद्रिकारमा। अर्ग्रा या ११ নহোৎসব•1 আষাঢ়ে চর্থ স্বর্যাৎ শাবণে শুবণা বিধিণ ৷৷ ভাদে চ জন্ম **दिवाम उभवामभाद्रा ভविटा भु** সুপ্তঞ্চ পারিবর্ত্ত মাখিনে মাসি কা त्र(यट्या छेन्यानः 🏻 इत्तः ऋर्य)ापन्र था विकृत्गु इक्ट। मूल हिवासित भामि भहाभाषाक भूजाय ।। का ত্তিকে মাসি যৎক্ত্য শৃণু দেবি ব-त्रानत्न । मधवर्ख्याः भुमात्मन भीभः न्।। भक्तास्ट भुकर्व व्यामीनभावा विवः मुजा। भागमी র্যে সিতে পক্ষে ষষ্ঠীঞ্চ সিতবন্ত্রকৈঃ ।। প্রযেজ্জগদীশঞ্চ তূলবস্তৈ র্রিশে যতঃ৷পৌষে পুণ্যাভিষেকঞ্চ বৰ্জ্ভযে हन्त- ७था ॥ ज-कान्ड्रा- भाषमा-সে চ সাধিবাসিত তণ্ডুলান্। নিবে

म्। विकार जिल्डा इंग गुज म्मीतः থে ।। জীবন সর্ভ্তানা জনক यु॰ जगम्ख्रा। द्याया नीनजा भाः প্রাত্তিব জনিতা পুভো॥ কপুরাক্-তি मुव्यागि घृञाकानि नित्वर्राय । वाक्षणान (ভार्षायक्रका) (प्रवापत পুরস্থিতান্।। অভ্যষ্ট্য ভগবন্দক্যা দ্বিজা•শ্চ ভগবদ্ধিযা। একস্মিন্ ভো জিতে ভক্তে কোটি র্ভবতি ভক্তি**ত:** ॥ বিপুভোজন মাত্রেণ ব্যঙ্গ সাঙ্গ ভবেজুব । পঞ্চা। শুরুপক্ষে তু সাপিয়িত্ব চ কেশবং ॥ পূজ্যেন্ডগ-বজক্যা চ্তপল্লব সমিতৈ:। ফলু চ্ণৈক বিবিধৈ ৰ্বাসিতৈঃ পটবাসি-ত ।। कानन त्रमगीयक भुमीछ मी-श मी शिष्ठ । मु। क्ष्मकू त्रञ्जा कशीत नागत्रक्षक भूगक ।। नातिरकनक ধাত্রীচ ব'শ তাল হরীতকী। অন্যৈ भा वृक्षयरेखना **गर्बख्रं अ**मूमाहिख• ॥ शूरियम विविधिम्हेव कन शूब्र ननविज्ः। विजातः अनुत्माम्।ति-र्वातिभृगंघरि उथा ॥ চ্তশাখোপ-শাথাভি: শোভিত ছ প্রচামরৈ:। বিশেষতঃ কলিযুগে দোলোৎসবে৷ বিধীয়তে ॥ ফাল্লুনে চ চতুর্দশ্য নষ্টনে যান সংজ্ঞকে। অথবা পৌর্ণ-নাস্যান্ত পুতিপৎ সন্ধি সমিতৌ॥

পূজ্যেদ্বিধি বন্দ্ৰক্ত্যা ফলুচ্পৈ কত্ র্বি ধৈ: ৷ সিত রক্তি গৌর পীতি: कभूतानि विभिन्तिः॥ इतिना-क्यात रवागाह तक तरेगा संत्या रहेतः ়। जारेन। र्दा त्रक् द्रारामा भीनायर भ রনেশ্বর ॥ একাদশ্যা সনারভ্য अक्षमाञ्च जनाभारेट । अकारानि , बारानिम्। प्यांति ( नार्या विश्वीवाज ।। मकिना जिम्थः क्षः (मालयानः जक्मताः। मृक्षाभताष निरुरेग स्का স্তে নাত্র স•শযঃ।। নিক্ষিপ্য জলনা ত্রে তুমানে মাধ্ব স-জ্রিতে।সৌবর্ণ পাত্রে তামু বা বৌপের বা মৃন্ধ্যে श्रीवा ॥ (जायकः सा श्रहंस्याप्तवः শালগুলে সমুন্তবং। পত্যহং মাং ন হাভাগে তস্য পুণ্য ন গণ্যকে॥ म्मनाद्राभग कृष्य श्रीविष्को ह सम र्भायत । विमाध्याः मुत्रावल जापू कर्ववाक छन्नी ॥ विनाप हर् **जीयाया॰ कलमत्वराविद्यादछः। ज**न थवा मखरभ अर्यप्राट मखरन वा बृश-षुष्डा। गृगम् हन्त्त्नाक् मृगूष्टे।व्या किरम फिरम । यथा शुगज्जः कार्याः क्षाद्य। रेनव भूजिङः ॥ हन्द्रनाध्य कछ्वी अष्ठः अक्रून (बाहना। बहानाः नी वहारेहव विस्था गंत्राष्ट्रेक ज्या।। **बेंड नंत्र गूरेंड फालि इदि तक्**वि |

लगरार ॥ घ्डेक जून मीका है क-পূরান্তক যোগত: ৷৷ অথবাকেশরৈ र्थाकाः इतिहन्तन मृह्या व्याचन কালে কৃষভক্ত্যা যে পুগশ্যন্তি মা-নবাঃ ॥ ন তেষাং পুনরাবৃক্তিঃ কল্প-কোটিশতৈ রপি। সুগন্ধি মিশিুতৈ खारिः मानिया जगमुकः॥ अथवा , शृञ्जमार्थाः **ह**्याशरयङ्कगमीयदः । ৰৃন্দাবন তত্ৰ কৃত্বা উপস্ত ফলানি চ।। বিষ্ণু ভক্তেন যোগ্যেন ভোজায়-उर्दरभवजः। नादिक्व क्व नीद्र॰ (कार्यकाष्ट्र अप्राथित ।। कन्छा-ফলঞ্পনসং কোষ মুজ্ত্য দীয়তে । यथा भारत्वया मन्त्राष्य्यामिकि निर्यागञ्ह ॥ पृथा विविभित्रकामः य्छनाञ्च छ। मानरायः । नाहिछः পিষ্টক খাতু রষ্টাদশ ঘ্তেন চা৷ जिल्ला जिलमानियुः क्वा भू-क्षक नाभाय । यम्बाह्य ज्ञानः (मृ य उन्होनाय कन्नत्य ॥ मञ्जाति-(वन्। वजानीमाननीज कथ्थन । ত্যক্তব্য বিষ্ণু মুদ্দিশ্য ভদ্জকে-ভ্যো বিশেষত:। ইতি তে কথিত• কিঞ্ছি সমাসেন মহেশ্বরি। গো-धवाष भुराङ्गन ऋरगानि द्रिव भार्त्र-তি॥ ইতি পাদ্মেপাতালখণ্ডে ২ व्यथायः ॥

भामकः शृ भाषक भित्रभागः। यथा।
छक्षाः भक्षान्य भामकः। इंड अन्तः
॥ भक्ष्यकाः कृष्णाः ष्यान्यः श्रु
थरमा मामकः। नण्डक्षार्णक्रया
ष्यान्यः। भाजीय षाट्य मृत्याः
भाम इंड अर्था ता। मम्य ज्या मृत्याः
भाम इंड अर्था ता। मम्य ज्या मिर्यः
भीयर्ड श्रु तम्म माम्यः भित्रयं कः
भारमा श्रु प्रहाहः। भय हि॰ मारथा मृद्धन्याः। छत्राः। भय हि॰ मारथा मृद्धन्याः। इंड किर्नम् भुङ्ख्यः।
इंड अत्र विकायाः छत्र ।।

मामञ्चः भ् माज्श्माकी। इंडि मद्भवद्वावनी॥ मामञ्जाजदि जि॥ मामन क्षी मामदानी। इंडिमद हिमुका॥

मामनानः भू वर्मद्रः। हैि जि काखल्मदः॥ मामभद्रिमाण ही॥ मामतः भू छक्तममूख्यमखः। उर भर्यत्रायः। जाहामः २ निमुद्रिः १। हेळामतः॥

भागवर्षिका जी नर्वशीशकिविष्णवः । ইতি भद्रशाला ॥

भागान्तः भू॰ व्यमायम्या । यथा । व्यमान्तः विद्यमा याजा मानारन्तः । स्वा मानारन्ति ।। स्वा व्यमानारन्ति ।। स्वा व्यमानारन्ति ।। स्वा व्यमानारन्ति ।

या कमा जिथा मान मृजिति । नक्ष्मास ह तिथवा विदेश मृजु इत्या अंतर ॥ नामास हिन्दम क स्र जिथा यदिका ह्य । यदिका कि उप कास विवाद भन्निवर्म्यर ॥ देखि न्न नामा ॥

मानिक हो (र्वेडम) मन्बर महाचार স্তারে পুতিমাসীয় মৃতসলাতীয় ভি-থিকর্ত্তব্য শাৰাণা প্রতিমাসকর্ত্তব্য क्षभक निगित्तक मुक्ति। उर्भः र्यायः। अनाकार्यः २। ইভागतः।। মাসি ভব মাসিক পার্বশুাদ্ধ তৰ অশ্বাহাৰ্য্য বৰ্ত্ত প্ৰকলেৰে चमावानत्रायाः (स्यञ्चारः। चन् भः "हामां श्रिया जाना शर्या इस्या-সো রিতি ষ্যণ স্বার্থে কে অবাহা-র্য্যক্ষ। অকৃত সপিণ্ডীকরণস্য বৎসরাভ্যম্বরে পুতিমান বৎশা-यः जवानाशार्य। मिजि किहिट । ইজ্যারটাকাণা ভরত: ৷৷ তথোঃ পুমাণ । ৰাগ্মাসিকাদিকে শান্ধে म्। जाः भ्रार्वम्। अवराजः। मानिः कानि बकीए जू निवरन द्वारणानि চ।। ইতি পৈঠীনসি:।। পিণ্ডানা॰ मानिक मान मनाशर्थं विष् व् ধাঃ৷ তচ্চামিষেণ কত্তব্য পুশস্তেন পুरञ्जः।।ইতি नन्ः।।।।। मामिक

করণস্য ব্যবহা নথা। পীঠ ছত্তো-পানহ ক্ষতানি ইহলোক পরি ভ্যন্ত ইত্যাদি সর্ব:স্গন্ধ ইত্যাদি **भि्यारम्या इडामि यनम्ग**ित्रम ইত্যাদি নক্ষ চত্ট্ৰ বহিতানি চ बारिनारकाणिश्वेतः म्डास् म्डाः ए बान्न गामिकां कार्यानि । একাদশ সালাভ্যন্তবে মুখ্যাস পা < खु ब्रायान्य भारिकानि। यध्याना ভাররে নলনাসপাতে হলি য8না-निक भूदं डिथारवर भूथम्यापानिकः 1 उथा अयारण नामिकमा भ्वंजि-থৌ দ্বিতীশ ষাণ্মানিক ৷ এব শাণ্মা-সিকোলেখে পুখন ষাগ্ৰাসিক দিতী-य वाग्रामिकरज्ञाद्मथः। वदाः म-(प्रयू भाविक उटक्रिकाहमान व्यमावम्यायाः मामिकान्तर जिल्ली वा कृदा भुक्छ कडवाः। वालोह **शिव्यक्षिक्र स्मो**हार इ कर्वराः। व कारणाहामि जाकानिकिउहिर कृदा यनि मृ उ खरा (मयागुरन)नाथिका-दिश मनाभग्रानि॥ 🗱 ॥ व्यथ मानि-रिकरकामिक्षे माम्बन्यागः। न्रंमि-त नित्रानिरेषकङ्कः भव्रहित गाः नामिक क्ञा अका पिष्ठे नाम विहि-छकात्म (ভाष्ठ) यूथ्म् का स्म वास-भः ज्ञानियञ्च। वास्त्रभूक्त्राहि भूक्षि

ত্বা ভ্ৰামি পিত্ভ্য: শাদ্ধাগুভাগ मना मक्तिगाम्थः यम्काः वर्गाः । यथा जम्मामूरक मात्रि समूक शाक অমুক তিথৌ অমুক গোত্রস্য প্রেত-न। चमुक (परम्मानः नुषममानिक काफिडे मुक्ति एडंनय वाकार १३० করিষের। ওঁ দক্ষেত্যুত্তর•। ততে। গাযত্রী হলেৎ।দেবতাভ্য ইত্যাদি विषा शर्रं । ७ ३: श्रु अतीकाकः म्बा म्ब्जलन माकीय म्वाः लाकः यट। तकार्थ गुरक भूर्गां व मकार-শে স্থাপথে । ততঃ ওঁ অনুক গোত (भु उ चाम्करस्य भर्मात्रवाख रखा-नन॰ यथा। ইত্যনেন ব্ৰাহ্মণ বামপা-(यं मर्गाए। जुश्रह्जजुर्गाहन। जि मान् विकीर्ग्। क्रमः म्यूष्ट्रे। वाक्राभु ভূমৌ দশপত মেক পাত্যিত্বা ত: দুপরি অর্ঘ্যপাত্র সংস্থাপ্য ওঁ পবি-बामिरेयकवी जातना नशह मण्ड वि-কে৷ মনসা প্তমসীত্যনেন প্রোক্ষি-**छ भिकरण॰ श**विज॰ उट्शाख नि-ধাষ ওঁ শংঘাদেবী বিভ্যাদি মন্তেণ बन पर्तार। उठः ७ जिलामि त्माम रेमवरज्जा शामरवा रमव नि-র্থিত: । পুত্র মন্ডি: প্তঃ স্বধ্যা প্রে-**जान् लाकान् श्री**गान्हि नः बाहा। इउप्रनन जिनान्स्या नम्भू माहिना

वर्षा निर्माय समास्त्र नाहार। उ व्यनगृद्धाहेऽ वृाक्ता शविज मञ्जा जनः छत्रक मञ्जा **भूझा छ**त्त्रन नितः পুভৃতি সৰ্বগ্যৱেভ্যে নম ইতি সং-প্ৰঃ তৎ পাত্ৰ: বামহন্ত তলে বি न्तरम् एकिंग्इएक्नाहाम् ७ या-দিব্যাইতি পঠিত্বা ওঁ অমৃক গোত্র পুভামুক দেব শর্মান্বভত্তে ২র্ঘ্য নৰ্থা। ততঃ ওঁঅম্ক গোত্ৰ পেতা--মুক দেব শর্মান্নতানি তে গন্ধ পুত্র ्रध्न मीनाहामनानि खवा । इनु। ় সৃষ্ণ্য এবতে গন্ধ: এতংগু পুত্ন এব-তে ধূপ একতে দীপঃ এতত্ত আছ।-দন। ততো ব্ৰাহ্মণাগু ভূমৌ স্বশা-দিক মপনীয় নৈৰ্শতি মারভ্য দক্ষি-ণাগান্তরেশ্যা বামাবর্ত্তেন জলেন চ-ভূষোণ মণ্ডল কৃত্বা ভত্ত ভোজন পাত্ৰ নিৰ্ধ্যাৎ। ভত্ৰ সামিষ সৰ্ব भन्ना पिकः शतिराजना अँ इमः विक् ্রিবত্যাদি মঙ্গ্রেণ অন্নাদাবনথাক্ষ্ঠ• ্ৰিক্ষিপ্য ওঁ অপহতেত্যাদিনা তি-नान् विकीर्यः वाकाराः जनगञ्चः मञ्जा गायजीः कक्षा जाम मधु मञ्जा তদভাবে গুড় দক্ত্ব। যৃত্ত দক্ত্বা ওঁ मध्यारञ्जािम मध् मध् मिष्ठि ह পঠিয়া অমনভিনজ্য পোক্ষ্য বু৷ क्रा बन्भ ध्र मङ्ग वाम श्खनाम

পাब ध्वा ७ वम् हरम्य (भृष्ठाम्य (एव **मगाम उट्ड जाबिक्राम**्टिंग् कत्रगः सार्वजुद्भाद्यं । इमः भियाम इत स्विः इसा गढ या व्याणः এতাमुश्यक्रत्रगानि स्रवाह वायुजः जर । इज्यान बन्धा भुव म्। ७८ मायवी विः मकृष मध्याजा इडति मध् मध् मध् खँ अम्बीन निज्यानि क मार्टेश | শ্বাহ্মণপক্ষে পুন গাঁযভাগি । हिर् । ७ वाकाश्वादा हवे। इंडा **'उँ यागीयं मिड्यामि या**क्कव শ্লোকত্রব ও তদ্বিকো ব্লিভ্যাদি দুর্য্যোথন ইত্যাদি ওঁ যুধিষ্ঠির ইত্ দি সর্ব পঠেৎ। ভড়ো দক্ষিণাগু व्यान ज्यो मः शाला ज्या (१ का नर्व भुकात नम्मूक् का नि (मकीक्छ। वादिगाञ्च छ। अँ वाद्या व्याम्बर्गान मुख्यस्यम् वर्णानः विकित्रए। उछा एखो भूकाना हम्। मकिनकर्न म्श्रुश दा इति • स्र् तु कार्याय कलग एवः मञ्जा मूर्वतम যত্রী• মধুবাতা ইত্যাদিক• মধু ম মধ্বিতি চ জপ্তা ও শেষনাম কুদে निज्रमुक्काभा ७ इक्षाय मीयजा मि ত্যত্তর গৃহীত্বা ও পিওদান মহ করিয়ে ও প্রায়ভূতে ব্রান্ধণ

अ मूर्थ अ मिरुबी छ्या दिना देनथे उ वा ब्रज्यक्रिकागुद्रथ्या ब्रद्धन्याः নাবৰ্ত্তেন চতুছোগ মণ্ডল ক্ৰা সা विव वागश्यापिका श्खन गृशी द्वा वानश्खाचात्रक पिक्त भाविना क्रिनागु। (तथा। मुखन मश्रहात ও অপহতেত্যাদি নিহ্মীত্যাদি बद्धान्त्राः इर्गाटा उपर ने मुख्य महार िण किला । (तथानित मग् ान् जागुान् जनानाछीयं। खँ (मव াভ্য ইতি পঠিয়া ওঁ এই প্রেড াম্য গম্ভীরেভি: পথিভি পূর্বিণে ंड (मंश्याज) मुविराश्च जुन् तिय-ঞন: সর্বীর• নিয় ইত্যাবাছ তি-ना॰ काछीर्ग अः नम् विकित्त । ক্তো বামহন্তেন সতিল জল গৃ ভীত্বা বানহভাদ্দিণ হতেন প• গৃহ্ ওঁ অনুক গোত পুেতানক দেব मयात्तवरम निक् यथा है छारनन मन्त्राष्ट ্ততঃ শুদ্ধ শেষ নমং সব্যঞ্জনং মধ্যজ্ঞ তিল সংযুক্ত সামিষ প্ **হীত্বা পিণ্ড**ণ কৃত্বা ওঁ মধুবাতেত্যা-দি পাক্ত্ৰয় অক্ষন মীত্যাদি চ প ঠিত্বা বিশ্বপুমাণ পিণ্ড সতিলা দ্বিত্ৰ ভূগু সশত্ৰয় সহিত্ত বানহত্ত স্থিত পাত্রাদ্ধিণ হস্তেন গৃহীবা ওঁ অন্ক গোর প্রেতামুক দেব শর্মা

মেষ্ভে সামিষ্পিত্তঃ ৰ্থা ইত্যবনে জন হানে বান হতামারক দকিণ হস্তেন দদ্যা**ৎ। ততঃ আচন্য হরি**° মৃত্বা পিও পাত্র• পুক্ষাল্য বামহ-साम्बाक्ति रास्त्रन गृशीया भूकानि-ত জল ওঁ অমৃক গোত্র প্রেতামৃক **म्याम्बर्ग निक् ख्रा इंडि शि**-খোপরি দদ্যাৎ। ততঃ ওঁ অত্র প্রেত নান্যস্থ অথা ভাগনা ক্ষায়স্থ ইতি জপ্ব। বানাবর্ত্তনোদমুখো ভূত্বা আ গমনাদ্বাস ধ্রা তেনৈব পথা-পরা বর্জনান: প্রেড ভাষর মৃর্জি यायन् खँ जभी समद (भुज यथा ভাগমা ব্যাযিষ্ট ইতি দক্ষিণাভিম্-থো ভবন ৰূপেৎ। ততঃ খাস ত্য-ছেছ। ওঁ.নম ন্তে প্রেত প্রেত নম ন্তে इं िक् उ। अ वि बं त्र । अ गृहा सः পুত দেহি ইতি গৃহিণী পশ্যে । ওঁ সদ তে প্রেড দেম ইতি পিণ্ড• পশ্যেৎ। ততো নব মনব॰ বা শুত্র বস্ত্র দশাভব সূত্র বাম হন্তাদ্দি न रखम गृशीदा खँ वठमः (भुठा বাস ইতি পঠিত্বা সিণ্ডোপরি নি-দধ্যাৎ । ততঃ ওঁ অমূক গোত্র পে-ভামুক দেব শর্মানতত্তে বাস: স্বধা । इंड्रानिनाटम्रहर। उंड उर পিণ্ড সংপ্তা ওঁ বসন্তায়েত্যাদি

মজেণ ষড্ গুন্ন স্কুৰ্য্যাৎ। তত ওঁ পুসুপোকিতনম্ভ ইতি বান্ধণাণু ভূ মি মাসিঞ্ছে। ওঁ শিবা আপঃ সম্ভ इंडि वाकार जन मन्। ए न ख्रि**डि भुडिव**हन । खं भोमनम् মন্তিতি পুল্ল• ওঁ অন্তিতি পুতিবচন• । ওঁ অক্ষতঞারিষ্টঞাস্ত ইতি যবান্ मन्तर । उ अख्रु बु ब । उठ खिलाका नथ् युक्छ कल ग्रीदा उँ অমুক গোত্রস্য প্রেডস্যামুক দেব শর্মণো দত্ত নিদ নয় পানাদিক মু পতিষ্ঠতা । ওঁ উপতিষ্ঠতা মিতি পুতিবচন । ওঁ অঘোর: পুেতো হস্ত ইতি বদে**।** ওঁ অস্তিতি পুতি-বচন•। 'ওঁ পোত্ৰ• নো বন্ধ ভা নিতি-বদে । ওঁ বর্জতা মিতি পুতি বচন । ততঃ পিণ্ডোপরি সপবিত্র क्रमानाञीर्या ७ डें डें जं वर्छी त्रम्ठः शृं अयः कीलालः अतिमु, ३॰ स्था-ञ्च जर्भयज्ञ भारतुज निजातन वाति थात्रया निष्धः । उठः ७ चार्तः ত্যাদি অমুক গোত্রসঃপ্রেস্যাম্ক (एव नर्गनः कृटेज्ड ९ भूथमगानिक কোদিষ্ট শুদ্ধ কর্মাণঃ পুতিষ্ঠার্থ দ ফিণানিদ রজত তর্ল্য বা বিষ্ দৈনত যথা নাম গোত্রায় ব্রহ্মণা याहः मनाविति मन्त्रायः । जाता नः

কিণা দিশ পশ্যন্ বর । যাচেত। नाव भाव मान्ड इतर्भेटा नामि ्यः भार्थायमि ि भूटाउ। वहना-मानियः न भार्थस्य । उउ छ एर वजान्। इंडि विः भारेट्। खँ ब-ভিরম্যতা মৃতি বিসর্জন• ওঁ অ-ভিরতোমীতি পুতিবচন । ওঁ আ-নাবাজেতি পুদক্ষিণ বারি খার্ষা বেষ্টযেৎ। পিণ্ডা•স্ত গোজ বিপে ভ্যোদদ্যাদশ্নৌ জলেপিবেডি ক্ষি-(१९ । माकीय मुवा नुवानाग पः म्राथ काल वा किएभर 1 उत्जा वामरम्बा भाराय प्रहिष्टावधात्रनः मीलाहामनः विक्यात्राक वर्गा८। এব• পুকারেণ দ্বিতীযাদি মাসিক• কর্ত্তব্যং। ইতি মার্ভেউাচার্য্য কৃত भाषाभाषागठखुः ॥ 🛊 ॥ जन्द्र माक्षमाय मुश्रेवाः ॥

मामिकः जि माममम्बी।। मामिजव

ইত্যৰ্থে ক্ষিক প্ৰত্যযেন নিম্ননঃ।। गामूती खी न्यनुः। ইতি (इयहन्दुः॥ नाम वर वाद्रभः। उद्भवंशयः।

मा २ व्यवः ०। ইত্যम्तः ॥ নাহ খাঞ মানে। ইতি কবিবল্লফনঃ ॥ या जनमार्थ। यान्त्रक ज्ञान ব । বরানুবন্ধ ইত্যেকে। এ নাহ-তি নাহতে। ইতি দুগাদাসঃ॥

गाहिबि

नाश्यनः () जिनश्याख्यः।

माङ्गळलीनेः ﴿ इंजामब्रोकायाः बाः

যমুহ্নট: 11

माहाबार क्षी महाके जा। महिरम्

सावटा यथा। माहाजाः अभवः

उग्राम भूत्रागारिय् कीर्खिउ । भारे

सम् जनः (भाकः भारतिष्यवीमना

স্ততঃ॥ ইতি তিথ্যাদিতত্ত্ব•॥

माहानानिकः ) भू नहानानीयाना

गाङ्गानिकः र्विंखावाञ्चनः । इंडि

किंट्।।

नाहिन क्ली जाजा । हेजूगारि

(कायः॥

दाहितः भू 'हेन्द्रः। ই**डि विका**ख-

শেব: 11

नाक्षिकः शु महिषीशिकः। वर्षः जिन्नादिन् पुत्रक्तशिकः। यथा। म क्षिने जुर्हर् नादी या ह महाष्ठः जिन्नादिने । जा मुद्रे कामयि यः म देव माहिषिकः मृञः ॥ इठि कान्य जिल्ला कार्माथ खः ॥ महिष्याश्र कार्माथ खः ॥ महिष्याश्र कीर्वा ॥ जगबाद्वाशार्क्ति जीवः विश्व कार्या जिल्ला विश्व कार्या जिल्ला विश्व कार्याः मदेव माहिषिकः मृञः ॥ इठि विक्ष्य द्वारा २ कार्या अ ज्यारा अ ज्यारा १८ द्वाक्रम् गार्गी

**ोकायाः** शिश्तवाभी॥

নাহিষ্য: পু॰ বৰ্ণসক্ষরজাতিবিশে-

यः। न व कवियादिन्।याः काउः

। इंड्रामद्रः॥

गारुन्तुः शृ मूडप्खित्मियः। तवापि मध्वादाय वाय वक्ष यन
गारुन्ताण ज्वि ।
ज्व वक्ष नार्द्रन्तु (या प्रत्थे मूट्डी
। वाय यन (या प्रत्था प्रत्थे मा वा व य
क्वानित्थो। व य ना वा मह्म (क्वा । ख्रती
वा व य ना हिव ना वा व य ज्या
ज्या म्डाम्ड ।। नार्द्रन्तु विज्ञ
र्या निजा वाम्य निजा । या व यही
यूणा मूडाम्ड ।। नार्द्रन्तु विज्ञ
रया निजा वाम्य निजा । या व विशे
यूणा मुडाम्ड ।। नार्द्रन्तु विज्ञ
रया निजा वाम्य निजा । या व विशे
यूणा मुडाम्ड ।। नार्द्रन्तु विज्ञ
रया निजा वाम्य निजा । या विशे वाम्य ।
वार्यो ह जुन (ज निजा ना वाम्य क्वा

गर्हन्पुमञ्जन्तिनि वि॥ गार्हन्त्री जी हेन्द्रागी।हेडि भक्तन्त्राः

वली।। भी:। इंजि ब्राजनियं है:।।

নাহেযঃ ত্রি নহা অপত্য । ইতি

मूक्षरवाध वराकत्रगः॥

बार्ट्यो जी शीः। इंडामतः॥ बार्ट्यो जी पूर्गा। यथा। बङ्गार

वादमगूदभन्ना गर्धे छंत्रीकारा य-जः। नार्य्या जनूर्यमा नार्मणी তেন সাম্মৃতা ।। ইতি দেবী পুরাণে ৪৫ অধ্যাক্ষ ।।

भार्ष्यती जी यविकता। इंजि ताज निर्यण्टः ॥ पूर्गा ॥ मान्टिनः। इंडि नप्रज्ञावनी ॥ विकृष्ट । यथा । कन्ता छेरूश क खु विज्ञान साम्रा क्य॰ या नव विभूक्षा । कान्य॰ ভাতি বপুষা পদ্ধায়তলোচনঃ গা বিশ্বীয় তাখাও বচনত বৃষ্ধেন্দ্বর बाह्नः। व्याज्ञहात महार्याणी ज् **छाविश**ि इव्यय: ॥ व्ययः नादायः ला लोती बगमाजा मनाजनः। বিভন্ত সংছিতো দেবঃ স্বাস্থান বছপেশ্বর: ৷৷ নমে বিদু: পর• তত্ত্ব• (प्रवाम्या न सङ्ख्यः । अरका १य॰ দেব দেবাত্মা ভবানী বিষ্ণু রেব চ ।। অহ॰ হি নিষ্কিयः শান্তঃ কেবলো मिल्ड विगुरः। मात्मव (केनव रत्नव गाङ् (पर्वी गथाधिका॰।। এव शा-তা বিধাতা চ কারণ কার্ম্য মেব চ । কর্ত্ত। কার্যায়তা বিষ্ণু ভক্তি মুক্তি कनभूरः ॥ (ङाका भूमानभूष्मयः नः रखी कानक्षभष्क्। मुद्री धाउ। বাসুদেবো বিশ্বাত্মা বিশ্বতো মুখ: ॥ क्षेत्रा क्रवता वतानी वानी নারায়ণঃ 📭। তারক: পুক্ষো-राजा (कदल भन्न भन भन ॥ अया ॥ मार विद्योगिती मन णिक मित्रकाना जातः ना माडा जाताः जहानमा जातः शर निति गुन्जः ॥ धामाः जर्ब-मिरः कात्र भटित वात सम्माति । लेखत मर्बज्ञानाः गठीना मृत्यमा गिलः॥ ইতি কৌর্মে १८ অধ্যানः॥ साक ই ल्लाहि। ইতি कित्रक्षकमः॥ ই माङ्कि। न मध्याति नित्यहे नि-क्ष हर्न्वस्ता (वर्ष स्ट्राइन एडमा-र्थः। ইতি पूर्णासामः॥

माकिक की मध्। ইত। मतः॥ नीन वर्ग सथाम सिक्का क्ठ टेडमवर्ग-न्यू। अम् छनाः। क्लिम्हाय्डत-वि । कि व । (ण्डे द्वा भागा रि রোগে বিশেষত: পুশন্তভরত্বয় ! 'ইতি রাজবল্লভঃ । খা চুবিশেষ: । थाजूगाथी इंडि हिन्ती जाया। उ-ष्ट्रिविशः। सर्वभाकिकः होना भाः किक्षा ७८ भर्यायः। माक्नीकः २ পীতক ৩ খাতৃনাক্ষিক ৪ তাপি-ছ•৫ তাপ্যক•৬ ভাপ্য• ৭ আপী-७ ৮ भी उमा किक २ वावर्ड २-मध्याजुः ১১ कोम्याजुः ১২ मा ক্ষিকধাত: ১৩। ইতি রাজনির্ঘণ্ট: ।। कर्यः ४८ हकनाम २० जनमाम-ক॰ ১৬। ইতি হেমচন্দু:।। অস্য छगाः। मध्रद्धा । जिक्दाः। व्यस्यः

। कक जुम क्झाम मृहार्खि श्वाम काम दिकाश र द्वा शा भा किक कि विश्व (शा कि एस स्माश्व का जात्र मा किक के । जिस्र वर्ष, विश्व स्वापुम वीर्या दिक श्वक में आत्र शा कि कि जात्र मा किक के श्वाम मा दि कि जात्र मा किक के श्वाम मा दि कि जात्र मा कि जा जा निर्मा कि श्वाम है जि जा जा निर्मा कि शा जा श्वाम है कि जा जा निर्मा शा जुः ज्या विश्व के हि शा कि कि कि कु क्वा श्वा क्या के हैं आत्र कि कि कु क्वा श्वा श्वा के हैं आत्र कि कि कु क्वा श्वा श्वा के हैं आत्र कि कि कु क्वा श्वा श्वा है जि कि कि कु क्वा श्वा श्वा हो जि कि कि कु क्वा श्वा श्वा शा के हैं कि कि कि कु क्वा श्वा शा कि कि कि कु

নাক্ষিকজ॰ ক্লী শিক্ত্বক॰।ইতিরাজ-নির্ঘণ্টঃ।।

নাক্ষিকফল: প্ মধ্নালিকেরিক:। ইতি রাজনির্ঘট:।।

नाक्षिकाण्य की मित्रुकः। ইতি রাজনির্ঘণ্টঃ॥

নাক্ষীক ক্লী মধু। ইতিরাজনির্ঘণ্টঃ নাক্ষীকশক্তরা স্ত্রী সিতাথগুঃ। ইতি রাজনির্ঘণ্টঃ।।

নি ডুঞন ক্ষেপে। ইতিকবিকল্প জনঃ।। ডনিত্রিন॰। ঞন মিনোতি মিনুতে। ইতি দুর্গাদাসঃ।। মিছ শ বাধে। ইতিকবিকল্পজনঃ।।

া মিছতী নিছন্তী। বাধো বিহুতিঃ
। ইতি দুর্গাদাসঃ ॥
নিতঃ কি পরিমিতঃ ॥ শব্দিতঃ ॥
ক্ষিপ্তঃ। ইতি নাধাতো মিধাতো
শ্বুক্তগ্রেন নিয়ম॰ ॥
নিতৃষ্ণঃ পু॰ জী হন্তী। ইতি সিদ্ধাণ্
ন্তব্দুদী॥ পরিমিতগামিনি কি ॥
নিতৃদ্ধঃ পু॰ সমূদুঃ। ইতি হেনচন্দুঃ॥
নিতৃশ্বচঃ কি কৃপণঃ। ইত্যমরঃ ॥
পরিমিতপাককর্তা চ ॥

নিতাশনঃ ত্রি পরিমিতভোজী। মিতমশাতি যঃ ইতি বৃৎপেত্ত্যা কর্ত্তরি অন পুত্যুয়েন নিম্ননঃ॥ মিতিঃ জ্রী মানং॥ বিজ্ঞানং॥ অব-

ছেদ:। ইতি শব্দর্গবেলী।।
নিএ লী শ্রো:পর । ইত্যনর:।।
অতঃ শ্রো: পর নবস্থিতে রাজান্
নিএ উপকারিত্বাৎ।নেদ্যতি স্নিহুতীতি ত্রাসুসিতিত্র: নিপাতাৎ
গণাভাব:। দ্বিতকার একতকারক্ষেত্যেকে। ইতি ভটীকাযা ভরত:।। অপিচ। রাজা শতু রিতিথ্যাত একার্থাভিনিবেশত:। ভূ-

নৈ কান্তরিতো রাজা স নিপ্র• মি-প্রকার্য্যতঃ ॥ ইতি শব্দরত্বাবলী ॥ নিত্র• ক্লী বন্ধঃ। নিতা ইতি ভাষা ।

उद्भर्यामः । मथा २ मृहृ 0 ।

ইভ্যমর:॥ মায়ণতি জানাতি সর্ব-নিত্ৰ 'নীকি গত্যা নান্নীতি ডিক্ৰ: । মিত্র মঞ্জহল্লিক্। নিপাতাত্তস্য দ্বিত্বে দ্বিভকারঞ্চ। ইতি ভটীকা<sup>-</sup> যা॰ ভরতঃ।। তहতুর্বিব॰। সহার্থঃ ১ ভল্পান: ২ সহল: ৩ কৃত্রিম: ৪। 'ইতি নহাভারতে রাজধর্ম: ॥ #॥ মিত্রত্বোৎপত্তি যথা। ন কশ্চিৎ ক্স্যাচিন্মিত্র• ন কশ্চিৎ ক্স্যাচিদ্রি-शुः। कात्रगारित कायर भिवागि রিপব স্তথা।। বর্জ্য নিত্র• যথা। সভার্য্যাঞ্চ সমিত্রঞ্চ সরাজান-कार्त्रोङ्गः। कवहूक कामनक ह्वः ড: পরিবর্জয়েৎ ॥ স্পনিত্রে নাস্তি विश्वामः सद्गारत्र नास्ति जीविछ । পরোক্ষে কার্য্য হন্তার পুত্যকে প্রিযবাদিন ॥ বর্জবেক্তাদৃশ মিত্র भागान्य भद्रिष्ठथा ॥ विश्वखरेनात्र মিত্রত্ব॰ যথা। সা 🗐 যান মদ॰ क्र्यां म मूथी ज्करवा जिल्हा । उ ক্সিত্র· যস্য বিশ্বাস: পুৰুষ: স জি তেন্দ্রিঃ।। ইতি গাৰুডে ১৩। ১৪। ७ व्यथ्रायः ॥**३॥ मिळशुना** नानि ৰ্যথা। যুস্য নিজেণ স•ভাষো যুস্য নিত্রেণ সংস্থিতি:। যস্য নিত্রেণ নিত্রবং সলঃ ত্রি নিত্রপূষ:। তৎ-गःजान खांजा नाखीर न्गायान् ॥ মানি কানি চ মিত্রাণি ক্তব্যানি 🖔

শতানি চ। পশ্য ম্বিক মিত্রেণ কপোতা মুক্ত বন্ধনাঃ গ পরেশকে कार्य) रुखात्र ः उत्तरक ्रियवापि-नः। वर्जायकार्ष्ट्रान्यः विषयस्यः পरगाम् था विज्ञार्था सम्म भिजानि यम्रार्थ उमः वाक्रमाः। यम्रार्थाः न भूगाम् विकि यन्।। थाः न हि পণ্ডितः ॥ অপু अत्र गृहः भूनाः সন্মিত্র হিতস্য চ। নূর্থস্য চ দি-णः भ्नतः नर्गम्नता पतिपुरा ॥ ইতি হিতোপদেশ: ॥

निबः भू॰ मूर्य्याः। इडामतः॥ নিঅযুঃ ত্রি নিত্রৎ সল:। ইতি হেম -छन्तः ॥

নিত্রয়: পু॰ লোক্যাত্রিক:। ইত্ गारिकायः जःकिश्रमाद्गागारि-বৃত্তিশ্য।।

भिज्युकः ली जूङ्रजःगुामः। उर পर्यायः। रेगद्यिका २। ইতি वि-কাওশেষ:॥

निवनिक्तः जी ) मूह्र भाषिः। यथा। विवना जः भू । विवना जः मूह्रफ्रापा নিগৃহঃ সন্ধি রেব চ। ইতি হিতে। शामणाः ॥

शव्यायः। निव्यूः २। ইঙি एर मः छसः ॥

মিথিলা

मिजनीः जि जूर्ट्नाछ। भिजः भा-छियः। १७ ज्ञादाधवाकद्राः। भिजा जी ज्ञिजा। मजूष्ट्रकननी। १० मस्द्रज्ञादनीः।

मिथ अ क व्यवा (मिश्रायाः। इंडि कविकन्नक्रमः॥ अ ज्ञित्स्य । क स्मथ्डि स्मथ्डि माञ्चार्थः निष्ठाः धात्रवजीठार्थः। इंडि मूर्गामानः॥ मिथः वाः ज्ञानाः॥ त्रसः। इंडा-मतः॥

निशः भू निमिता बभू थः। म जु बनकता जः। यथा। यभू धना उना उना निश्च प्र्यः भनीत मता बक् छी-त्रवर्ष्य म्नयः यद्रगाः मनष्टः। उव क स्नादा बस्छ । बनना ब्बनक-भ ज्ञा का माववाभ । यञ्चिर रहा। स्मा भिर्द्ध रिष्ट्रा मथना चि श्वि त्र ब्र् । उरमा हा विस्थु भूता त्र श्रा था। १ व्यर । हि विष्यु भूता त्र श्रा था। १ व्यर । इंडि विष्यु भूता त्र था।

নিথিলা জী স্বনামখ্যাতনগরী।

সা তু জনকরামপুরী । যথা ।

বিদেহা নিথিলা প্রোক্তা । ইতি

হলাযুধ: ।। অপিচ । গগুকীতীরনারভ্য চম্পারণ্যান্তক শিবে ।

বিদেহভু: সমাখ্যাতা তৈরভুকাভিধ: স তু॥তৈরভুকা-জিত্তইতি

মিথুন

খ্যাতা। ইতি শক্তিস স্মতন্ত্রে ৭ গটল: ॥

निथ्न ही जीनुगराय्याम्या। उर भर्यायः। धन्मु २ । इन्तरः ॥ यू-गनः। ইতি ভটীকাষা-রামাশুন:॥ भिवादि बादमत्रामा छर्गं छ ज्ञीय রাশি:। তৎপর্য্যায:। জিতুন: ২। **७** ६ दिशर॰ गुानाः नम मः ज्वरः। व्यत्माप्यमा अ्वमान यद्गेवाधिक পঞ্চপ্তা:। ইতি জ্যোতিষতত্ত্ব•।। व्यम्याभिष्ठाक्ष्रवं ग्राभावित्र क्यः वीगाधात्रिक्षी छ। मृगमितः (नियार्कः आमा अम्मायः भूनई(मा ক্রিপাদ• এতৈ র্ভবতি। তত্তু শীর্ষো-म्यः शिक्तमिक्सानि वायुभुक्छि रुतिष्वर्गः वनिष्ठ ः म्मूर्वर्गः निष्रः नथाङ्वीत्रक्॰ मथान महानकः। उज জাতো জন: মৃগচকু: মিপ্টভাষী क्षः वक्षकः धर्ममिकः विनयजाः बनण खराउ । इंडि त्रङ्बाउ-कारयः॥ #॥ अथ निथुन वर् का -তফল । মিথুনোদ্য স জাতো মা-নী স্বন্ধনৰং । ত্যাগী ভোগী धनी कामी मीर्चमूखा १ त्रिम्फनः ॥ ইতি কোষ্ঠীপুদীপঃ॥ #॥ রাতৌ **उल्लगुनिक्**रभगः यथा । **म्छ সः**थऽ ভবনে ঝসাক্তাবন্তভে লসদনন্ত

मधारा । कामनानि निश्राम-यार् भिराय कान थानन कनाः भि य २ वन्।। ८। ७॥ इंछि कानि-দাসকৃত রাতিলগ নিক্পণ্ ॥ নিথ্যা ব্য অসত্যং নিছ্য ইতি ভाষ।। उৎপर्ग्रायः। भ्या २ विज থঃ ৩ অন্ত । ই তি শ্রর বাব-की।। म। हार्यम्भन्नी। यथा। अध्य পত্নী নিখ্যা সা সর্বপূর্ত্তিক পূজিতা । যথা বিনা জগন্মুক্ত নুছ্ম॰ রিধি निर्मि उ॰ ॥ जल्डि हाम्स्ना या ह (बडाया॰ मृत्रक्शिनी। व्यक्तात्यत ৰূপা চ দ্বাপরে সংবৃতা ভিযা।। কলৌ মহাপুমন্তাচ সৰ্বত্ৰ ব্যাপি কা বলাৎ। কপটেন সন্- ভাতা ভু:ত্যেৰ গৃহে গৃহে ॥ ইতি বুদ্ধ-বৈবর্ত্তে পুকৃতিখণ্ডে ১ অধ্যায়ঃ।। # 11 यि १ व व व ये में १ लिया ब्रम्पी নিথ্যা নার্জার লোচনা। তস্যা: কোপনঃ ॥ স মাবাণা ভগিন্যান্ত ला छ॰ श्रू अध्यक्ष कन्यकाः । निक्छि॰ জনবাদাস তথোঃ জোধঃ সুতো २ ভবৎ ॥ ইতি কল্পিব্লাণে ১ অ 🐈 ध्रायः॥ 🕸 ॥ विषय् छ्टारः निथ्रा-ভাষণে দোষাভাবো যথা। শুর্মি (शवाह। न नमा युक्तः वहनः श्नि उ

ःन जीय दाजम विवाहरताना भाग .. ত্যযে সৰ্ব ধনাপন্যতে পঞ্চানৃত্য-ন্যান্ত রুপাত**্রানি 🛭 মিথ্যাকথ**্ मायायभाज्ञेश स मान्का भूवन **ন্তি** যে ্ৰাঞ্জ ডবন্ধি , **খ্যা পতি**তা नाजन्ता ककार्यन वास नमाहिए যা । মিখ্যা াতে অনৃত হেনন্তি ययाजि क्वाठ। त्राका भूमानः ए তানাং স বিনশ্যেম্যা বছন্। অগ্ क् हु गि भुाभा न निष्या कर्जु मू সহে ॥ ইতি মাৎস্যে ৩১ অধ্যাদঃ ॥ 🗱 ॥ অথাসত্যাভিয়ান পা শ্চিত্ত । তত্ৰ সকৃষসভ্যসম্ভাষ ক্ষানুমারণ পাম চিক্ত। যথা বিষ্ণুপুরাণ ৷ কৃতে পাপে ২নুত (भारिव यन्। भू भः भूकायत भागिष्ठि छ उत्राकः क्कान्यवः ণ• পর• ॥ অভ্যন্তাভ্যা**সে** বিষ্ণু নিন্দিতেভ্যো ধনাদান বাণিত ऋगीर कीवन । व्यम्बर्राखाइ · শৃদূসেবন মিত্যপাত্রীকরণ 🎅 ত্বা তপ্তক্ছেন স্ধ্যতি॥ অতিবই-তরকালাভগা**সে ননুঃ। স**ঞ্চরাণা ত্ৰকৃত্যাস মাস• শোধন নৈন্দ্ৰ• ইতি। চাত্ৰ্বৰ্ণ বধে সাক্ষেত্ৰ 🦠 ভাষণেহনুপাতকত্বভাবাল্লঘুক यिष्ठि गार याञ्चवद्यः। विभिन्

বংগা যত্ৰ ভত্ত সাক্ষ্যে ইনৃত• मतः। जिद् कावनाय निर्द्वाभा कः महाका शिकः ॥ मृत्रु ज् ্ষু:। তেং পাৰনীয় **সন্মাণ্ডীভি**্ ं जा श्री कु गटा स्मूरेकता चित्रहे शाम्यकम् भामः विष्ठार 1 विषय विस्थास र्शवान मास् 🤛 द्वीज: । সোনবিক্রয় কন্যাবি-त्र **७**य रेनथुन वानकम•छन्न ा। वाञ्चन शिष्ठक कर्वन् मिथा न विभाउ है जि। उथा यनः। न नर्या युक्त वहन हिनछि न रेश्वत वाका न ह रेनथुनार्थ। भागा छारय मर्बस-নাপহারে পঞ্চান্তান্যান্ত্রপাত नियाम् डि: जी कर्मक नाभवामक-खान**। उ**९ **প**र्यायः। नास्त्रिक छ। २। <sup>ই</sup> ত্যনরভরতৌ।। অসত্যদর্শনঞ্চা। দিশাধ্যবসিতিঃ স্ত্রী মিখ্যাধ্যবসাযঃ ্সসভ্যোৎসাহ:। ইভিকেচিৎ।। বিল্যানিরসন ল্লী শপথঃ। ইত্য-মর টীকাযা• ভরত: ॥ মিৎ্যাভিযোগ: পু॰ নিথ্যাবাদ:। শত নে ধার্যসীত্যাদি মিথ্যো-जावनः । जर्भर्गायः । वाज्याः ায়ান ২। ইত্যার ভরতৌ ॥ िष्णाि निष्मः मन क्री वर्गस्यगः ज्या

ক্তনিত্যাদি নিথ্যাদ্যণ বাক্য । তৎপর্য্যায়: । অভিশাপ: ২। ই-ত্যমর ভরতৌ।।

মিথ্যাভিশাপ: পু॰ মিথ্যাপবাদ: ।
বথা ভোজরাজ: । শৃঙ্গপক্ষে চ্তু
থ্যান্ত মিণছে চন্দুস্য দর্শন• । মি
থ্যাভিশাপ• স্কুকতে ন পশ্যেত্তক্র
ত• তত:।। ইতি তিথ্যাদিতত্ত্ব• ।।
মিথ্যাসতি: স্ত্রী ভুনন্তি:। ইত্যনর:।।
অসত্যবৃদ্ধিক্য ।।

নিখ্যোত্তর॰ ক্লী চতুর্থোত্তরান্তর্গতো-তত্তরবিশেষ:। তস্য লক্ষণ•। সভি-যুক্তো হভিযোগস্য যদি মর্য্যাদপ क्रवः। निथा छल विकानीयामुख त वायकात्रजः ॥ के नित्र ।। छ हज्विंधः। निथाज्यः । ज्ञक्तः ।। छ हज्विंधः। निथाज्यः । ज्ञक्तां । यथा छानामि २ मम छल न मिथाः उप्यक्तां क्ष्मकातः । यथा वाम नात्रामे । निथाज्यां छि कानामि मम छल न मिथाः। ज्ञ कानमि मम छल न मिथाः। ज्ञिष्याः। ।। विम के मिथा। के विकारिज्ञानाः। के मिथानामः।।

निम क त्रिस्। ইতি कविकन्नक्रनः॥ क मिरयि वर्खिका रेजलन। ইতি मूर्गामामः॥

नित इत ग का जिहि। इंडि कवि दल्लकनः ॥ इत जिनिष्ट ज्ञानिष्ट १ य इंडि व्यायामणीत्वा १८मो म-स्वाकार्या नत्ममुजीजि स्वान्धः ॥ ज्ञा त्मिष्ठि निम्न (जन । इंडि पूर्णामानः ॥

निम त्र वा कि उ निहा है जि कवि कन्न कनः ॥ त्र व्यान र कि निष्म। श्रि उ त्मर र है जि मूगामानः ॥ जिम वा का विषय वाशा है जि कवि कन्न कनः॥ वा जागितम र कि तमन-जि सम्ह जाना वार्षः जिल्ला। भान- निश्चिन

यठी छ प्रधः । शिशिष्ः शिराष्ट्रः । इंडि पूर्णापानः ॥

मिन्रिनः वि मानुनामिकवाणिनिष्ठः। থোনা ইতি ভাষা। তস্য নিদান• यथा। আবৃষ্ঠ্য বাযুঃ সকফো ধন-नीः भप वार्रिनीः। नद्रान् करता-ত্যক্রিয়কান্ নুক মিন্মিন গদ্ধান্ ॥ इंजि माध्यकतः ॥ श्राक्रियकान् ইত্যত্রাবচনানিভি চ পাঠ:। অব-हनान् অত্তেষদর্থে नঞ । তেন ঈষ ष्ठनान्। मञ्ज वायुः भुवना कि खना मूकान् व्यवहनान्। मिबिनान् नान्-नानिकान्। यहनान् दूछशरवाधाः নাভিধাহিনঃ করো ঠীত গুরুষ:।এধা• नगरन कावगर्वाश मृष्टे क्ट कर्या हि-না অদৃষ্ঠ বশাদ্বাভেদো বো**দ্ধ**ব্যঃ ।।#।। অথতেষা• চিকিৎসা। পুস্থ• ঘ্তস্য পলিকৈ: শিগু, বচা লবণ धाउकी लारिषु:। चारक भगमि वि-পত্ন নিদ্ধ সারস্বত নামা॥ বিধি বদুপযুজ্যান জড গন্দ মৃকতা क्त नाट जिल्ला। मृजि मिल मिशा প্রতিভা: স্বর্যাৎ: সংস্পষ্ট বাণুবর্তি ।। সারস্বত ঘৃত ।। সহরিদু। বচা দ্ধ বিপ্পলী বিশ্বভেষজ । অজা-की ठाक्रमामा ठ यश्रीमधूक रेमक्वर॰ ।। এতানি সনভাগানি সূক্ষ চ্ণানি

कातरये । उहुनं मिर्गिष (मार्ड)
भुज्रहः उक्सरयमतः॥ वकिः मिज्
भाव्यम ज्याहु जिश्रता नतः। न्य मृन्मू जिनिर्यास्या मेख काकिन निः सनः॥ ইতি जावभुकानः॥

নিলিতঃ ত্রি শ্লিষ্টঃ। সম্বন্ধবিশিষ্টঃ। যুক্তঃ। মিলধাতোঃ কর্ত্তরি ক্ত পু ত্যযেন নিয়মঃ॥

নিব ই সেকে। ইতি কবিকল্পদ্দম:॥ ই নিয়তি। ইতি দুর্গাদাস:॥

निण धुनो।। काला हेि कविकन्नक्रमः॥ मणि । हेि पूर्णामामः॥
निणः जी मधुनिका॥ णेडलुमा॥
हेड्यमन होकाया॰ जन्न हः॥ जहामा॰मी। हेि णक्तन्न।वनी॥

निभी खी किंगांशी। इंडि मक् बदावली।। मध्रिका। इंडिप्तत् ही कायां खद्रडः॥ নিশ্ ত ক যুত্যা । ইতি কবিকন্ন জন: ।। তালব্য মধ্যো হ্য । দন্ত্য মধ্য ইতি বর্ণদেশনাযা । যুতিঃ সংযোজন । নিশ্বতি নিশাপযি তি ঘ্তেনান লোকঃ । ইতি দুর্গা দাস: ।।

নিশু ক্লী চানক্যমূলক। ইতিরাজ-निर्घणेः ॥ मिन्जिं । यथा । किहि-मार्चः वृक्तिम्हाम यावज् मिन नाफि काः। जावरमवज्ञनश्रायान जन्मिः नु দিনাস্তরে ॥ ইতি তিথ্যাদিতভু॰ ॥ মিশু: পু॰ গজজাতিবিশেষ:। যথা। ভদ্যে মন্দ্রে মৃগো মিশু শতস্যে গজজাত্য:। ইতি হেনচন্দু:।। **(मुक्टः। यथा।** भोत्रविका खार्यं। नि-শা:। ইতি ভ্রিপুযোগ:।। সংযুক্তে ত্রি। যথা। করম্ব: কবরো নিশুঃ সংপ্কঃ খচিতঃ সনা:। ইতি হে महन्दुः ॥ উगुाहि मधगनासर्गठ সপ্তন্যণ:। স তু ক্তিকা বিশাখা-ভ্যা• ভৰতি। ইতিজ্যোতিষতভু•া। নিশুক ক্লী দেবোদ্যান । ইতি জটা-**धतः ॥ 'उ**यत्रनवन' । इंजि ताज-निर्घणेः॥

নিশুকাবন ক্লী ইন্দুস্যোদ্যান। যথা । নন্দন কন্দ্সার স্যান্মিশুকাবন নিত্যপি। ইভি ত্রিকাণ্ডশেষ:।। निमुंबः। श्रृ (थ्यदः। ইতি রাজ निर्योग्धः॥

নিশুণ ল্লী সংযোজন । একজীকরণ । নিশুধাভোর্ডাবে ২নট্ পুভাবেন নিমুদ্ধ ।।

নিশুপুয়া জী নেথিকা। ইতিরাজ-নির্ঘণ্ট:।।

নিশ্বর্ণ লী কৃষাওক।ইতিরাজ-নির্ঘণ্ট:।। নানাবর্ণযুক্তে ত্রি।।

निम्दर्गकना खी वार्खाकी। ইতি वाजनिर्घणेः॥

নিশুশব: পু॰ থেসর:। ইতিরাজ-নির্বণ্ট:।।

भिर्मुड वि शोत्रविष्ठ । ইতি करे। धतः॥ भिन्छिक ॥

निर्मु ज खी नन्ति पि मध्या मः का छ। छ। छ। ज मन्ति च मः का छिति ए म दः। यथा। मन्ति धुः त्व प् ति ए छ या मृति नन्ति। किनी उथा। कित्री खा । कित्री खा । कित्री खा । कित्री छ ।। कित्र मि किनी ए छ। कित्र किनी छ ।। कित्र मि किनी । मि मुण कित वि छ या निर्मु के कि छ। । इं छ छ। धा कि छ ।। इं छ छ। धा कि छ ।।

নিশ্রেণ জ্ঞা মধুরিকা। নৌরি ইতি ভাষা। ইত্যমর: ॥ নিশ্রেণা সর সাপেণা ত্যাহা কন্দেবন্ধনা। ইতি

भप्रिष्पुका है।। भेजभू हो। जन् का इंडि जाता : उट्मर्गायः । जाझनगी २ जानुनगा ७ निविः 8 मालिया *द्*नीं जिनवा ७ माली-ना १ दनका है व्यवाक् भूझी २ नधू-রিকা > ছরা >> সাহতপুরি का १२ मूनूझा १७ मूत्रमा १८ वन्।। २०। जम्मा खनाः। मध्यद्गः। ति अञ्च । कर्नुव । भन्न कक एन दु । ৰাত পিভোগ্ৰদোষ প্লীহ জন্ত বিনাশিত্ব। ইতি রাজনিঘট:।। নিষ উ সেচনে। ইতি কবিবল্লজনঃ।। উ নেষিত্বা निश्वे।। ইতি দুর্গাদাসঃ॥ নিষ শ স্পাৰ্জে। ইতি কবিবল্লজনঃ॥ ম্পদ্ধ: পরাভিভবেহা। ইতি বো-शरमतः। म भिवि विषी वेलवेडः। ইতি দুর্গাদাসঃ !৷

निषः क्री एकः। ইতি मिनी।।

निषः भूः म्पर्कनः। ইতি मिनी।।

निषः जी किरामाः नी। ইতি मेपः

तज्ञावनी।। मधुत्रिका। ইতি मेपः

हिन्दिका।। मञ्भूष्मा। ইত্যমরः

हिकायाः ভরতः।।

निषिका जी किरामाः नी। ইতি मेपः

রত্নাবলী।। নিষ্ট ত্রি সিক্ত ।। স্পর্জিত । ইতি নিম্বাতোঃ ক্ত পুত্যবেন নিয়ম ।।। निष्ठः भे विश्व त्राप्तः। यथा। निष्ठः
भे कृष्य न्या २ सः भे छ। उत्रः
। कर्षे जिल कर्षाकाराः भावः महाद भावनः कृष्टः। ইजिज्ञावभुकानः॥ नृजन मर्यभगकः निर्वादनः भिष्ठिः वानिष्ठ पथीनः। अञ्चतह्यन मृन्दिः भागाज्ञाना मिर्छस्य जा हिज्ञाः (निरामक्षती हः।

' নিপ্তান্ত্রণ ক্রী নধুরদুব্য । ইতি হলাযুখঃ। অপিচ। নিপ্তান্ত্রণান্তাথ সতত শুদ্ধবান্তিঃ। দেবপূজাপরো নিত্য নপুতো ভাষতে মৃতঃ
। ইত্যশ্নিপুরাণ ।।

भिनिः) जी नेषुतिका ॥ कठायाःनी । भिनी १ मेळ भूझा । इज्यत्र कर्त्र को ॥ উमीती । इक्ति का कि निर्देग्देश । स्वक भारता इक्ति समिनी ॥

 मतः ॥ वृषः । ইতি मिर्नी नेपः त्रञ्ञावलाते ॥ म्बः । ইতি ह्मः हिन्द्रः ॥ वायः ॥ हन्तुः । ইতি नानार्थं त्रञ्गाला ॥ विक्रमाहि छुञ्च मत्र नवत्रञ्ञास्त्रं छ त्रञ्जविष्णयः । यथा। व्यस्त्रं क्षण्णकामत्रत्रिः नक्ष्ण् विक्रमंत्रं कालिहामाः । थ्याटो वत्रास् मिस्त्रो नृभटः मस्या । थ्याटो वत्रास् मिस्त्रो नृभटः मस्या । व्याटो विक्रमा । व्याटो विक्रमा । विक

भी उप वर्ष। ইতি कविक मुक्तः॥ उप भीषठ। ইতি দুর্গাদাসः॥ भी अञ्ज ग वर्ष। ইতি কবিক मुक्तभः॥ ॥ अभीनः। गञ्जभीनाठि भीनीरङ । ইতি দুর্গাদাসः॥

মী কি গভ্যা ।। মত্যা । ইতি কবি । কল্লজনঃ ।। কি নাৰ্যতি ন্যতি । ইতি দুৰ্গাদাসঃ ।।

নীট কি মৃত্রিত । ইত্যমর: ॥ দ্বে কৃত্যম্ত্রোৎসর্গে। মিহৌ সিচি মৃত্র তক্ পুসাবে আভ্যা পাত্বর্থেনো-পসংগৃহাদকর্মত্বাৎ কর্ত্তরি জঃ। ইতি ভরত: ॥

भीष्ट्रेमः भुः निवः। यथा। छमा नर्दाः शि ভ্তানি শুদ্ধা में पृष्टेरमा दिउः। शिव्हेश जिल्ला मध्या दिन्।
श्री वृत्तन् ॥ इति श्री मण्डागवत् ॥ इति श्री मण्डागवत् ॥ स्वा । स्वा । स्व । स्व

भीनः श्रुः मथ्माः। इन्यान्यः॥ (म ষ্ট্রদিদ্বানশরাশ্যন্তর্গতান্তিমরাশিঃ । उर्भिग्रामः। व्ययुक्तः २। त ह পূর্ভাদুপদাশেষপাদোভরভাদু পদা রেবতী সমুদানেন ভবতি ৷ व्यम्याविशा वृत्तव वाजी तथ्ग्याप्त्रयः । न ह की हेन छः। बन बः। तोनुः । अस्ता। बृध्यः। नयः। ब्राञ्चकः। **७क**ाः। উ इत्रन्धिनाथः। छक्ष्क-ত্র•। দিনাত্মকশ্চ। ইতি ছেগ্রাতি-अन्ः ।। व्य**भि**ठ । मीयश्रक्षास्यः । চরণরহিতঃ। কফপুক্তিঃ। জল ठाরी। निः सपः। शिक्यवर्गः। 🔄 📗 **थः। य ठाउँ भे तकः।** वलगरानः। বুজেণবৰ্ণ: । শুথা**হু ক ৷৷** তত্ৰ সাতঃ অভিকোধনঃ।শীঘুগতিঃ। বাশু চং

। কর্মভোগী । পুচুরবির্বাহন্চ ভ-वि । इं छि वृह्बा छका परः ॥ अ পিচ। মীনলগ্রে সন্ৎপন্নো রত্নকা-ঞ্নপ্রিতঃ। মল্লরোনামহাপাক্তো। मीयकाल भंदीक्ककः॥ इंछि का-श्रीभूगीभः ॥ आबोजन्न १ निक-পাণ যথ।। সূর্পাকার তারা চতুই-याजाक शृबीयाण नक्का अखरका-পরি দৃষ্টে সতি মীনলগ্নস্য ১ ৷ ৪৯ **উन**भक्षा**म**८ भना धिरेकक परखा ভবতি ৷ পুকারান্তরে ৷ সূপাকৃতি তারাচতুষ্টবাত্মকোত্রবাবাটা নক্ষ-ত্রে মস্ত:কাপরি উদিতে সতি গীন ना ना ना २१ ०५ वहे जि॰ मेट भया विक प्रधाय॰ ভव**ि। यथा।** सूर्वम् र्लिन শিনোগতে চতৃস্তারকে করিকরো-ৰু বারিভে। অন্ত্য ভাদমূত বাণি নির্গতা: থেচরাম্বর শশাল্ক লি-থিকাঃ॥দ•১।৪৯॥ শীর্ষভাজিভ চতুষ্টশান্ধিতে বিশ্বভে তৰুণি স্-পদাক্তো। ভু তিরস্ত মনোজ কাৰ্ক যান্তি কাল তিথি লিখি-का यामार ॥ म॰ २। ७५॥ इंडि কালিদাসকৃত রাত্রিলগ্ন নির্পণ• ।! 🍇 ॥ ভগবদশাবতারান্তর্গত প্রনার জার:। যথা। শেতে ন विख भवता मन मीन क्यां काता।

श्ख्यम्बद्धि वागन जीगमगुरः । (या **প্ভূমভূব ভ্রতাগু**র কৃষ্ণ বৃদ্ধ: কল্লী সতাঞ্চ ভবিভাপুহরিষ্যতে ধরীন্ ।। ইতি মুধ্ব:বাবব্যাকরণ ।। অন্য निवत्र १० मट् मा भारक मुष्टेवा । सा বিশেষ স্তুত্র কথ্যতে। পুক্তি বিষ্ণু क्रिमा ह भू क्रिमा मार्च महिमा तुः। वर পুক্তি ভেদেন ভেদাস্ত পুক্তে দ म ॥ क्कब्भा का निका ना पृश्व-ৰূপা চ তারিণী। বগলা ক্র্মন্রিঃ স্যান্মানো ধুনাবতী ভবেৎ॥ ছি-मन या नृति । इः मा प्रवाहरे कर दे छ ववी। ज्नस्त्री जाननगुः नग्राहान-ता ज्वत्यती ॥ कमना विक्रिक পान्। । नाउदी कः इंकिंगि। स्तु जगरजी काली कृषस्य जग-वान् ऋष ॥ ऋष्य जगवान् कृषः কালীকপো ভবেদ্ধুজে । দুর্গা স্যাৎ কল্পিক্পিণীতি পাঠান্তর । ইতি मुखनानाउद्यः ॥ भीनक्षा भः कन्तर्भः। ইত্যমরः॥ ज़ीनरगाधिका छी डानामयः। यथा। शलन री चिंका वाशी यष्टिका भीन গোধিকা। ইতি ত্রিকাণ্ডশেষঃ॥ নিয়ালী পুণ বকঃ। ইতি রাজ-নিয'ট:॥ নুৎ স্যুবাতকে ত্রি॥

नीनन्या जी गलमूर्वा। ইতিরাজ

नियंगै: 11 भीनतः भुः हात्रकः। हाक्त हेि ভাষ।। ইতি ত্রিকাওশেयः॥ गीनत्रकः भू भए मामनभागि। नाठ-ব্লাহ্বা ইতি ভাষা। ইতি ত্রিকাণ্ড-भियः ॥ कृष्टिरभू अरक मरमाइक् ইত্যপি পাঠ: ॥ भीना जी উवाकन्या भाज्कम्य ভार्या। यथा। उँयागाञ्च भूवक्राः। नि मर्गः भक्ष मुजा खजः। मीनाता-না তথা বৃত্তা অনুবৃত্তা তথৈ ব চ ॥ পরিবৃত্তা চ বিজ্ঞেয়া তাসাঞ্চ শৃণু-ত পুজাঃ। ইতি বহি পুরাণ ॥ भीनाछी खी मक्त्रा। इं जित्राज-নিঘণ্ট: 11 भीनाभीतः श्रु पर्मुदामुः॥ थछनः। इंजि (निमिनी।। मीनालयः भू नमूमुः। ইতি धन-क्षयः ॥ गीनाकी जी न न जाकी।। गखमूर्वा। इंजि রাজনির্ঘণ্ট: ॥ স্বের্কন্যা । ইতি পুরাণ ॥ নীন ঋ শব্দে।। গভৌ। ইতি কবি-कन्नक्रमः ॥ अ ग्रामिमि । इंडि दूर्गामामः ॥ भीभाष्त्रकः शृष् भीभाष्त्रामाञ्चलका । उ९ भर्गायः । जिष्का ही २। इंडि

कर्दिश्वः ॥ भूर्वभीमा॰मा म्बकर्वा किमिनिः। वृज्जिक्डं। अभाव ७ छैः । ভাষ্যকর্ত্তা শবর্ষামী। পুভাক तः स्मात्र छित्र। हावः। न वर গুৰুত্বেন ভণ্যতে। তক্ষত গুৰুন-ত । তিছব্যা: প্রাভাকরা:। অত এব यार्ज्ज जाहार्यात भाजाकरेत्र রভিহিত নিত্যক্ত।। উত্তর মীমাণ नाम्बकर्जा (वनव्यानः। उन्र छा-याकर्जा मक्षताहार्याः। म ह चिषि **ज्वामी । ब्रामानुजः रिष्ठवामी ।** माधः विणिष्ठादिष्ठवानी ह ॥ नीमाःम। जी वर्षम्नायमं उपमन भाजविष्मयः। **७**९भर्ग्रायः। वि-চারণা ২। ইতি হেমচন্দুঃ॥ অস্যা অধ্যায়া বি শক্তি:। তত্ৰ পূৰ্বমী-না সা দ্বাদশাধ্যাবাজ্মিকা লৈনি-नि भूगोञा यञ्जाहिकर्यकाख निकः পিকা। অস্যা অন্তৰ্গতানি লোক व्यवहात्र नियमार्थः मन् याड्ववह्नाः দিভি বহুনি ধর্মশাজাণি কৃতানি॥ তত্রোত্তরনীমা•সা চতুরধ্যাযাক্সি-কাবেদব্যাসপুণীতা বুন্ধনিৰূপিকা । অস্যা নাম বেদান্তঃ। অপরাধ্যা য চতুষ্টয় শঙ্কর্যণ পুণীত উপাস नाकाख र य प्रमंनविश्जृ उ ।। # ।। भूमानाहर: भूमञ्चान्ता नाहण भः

मार्थाः कमर्रि हाल्याना विशासन नाः विषयाः । नुष्यतः रुष्यत्य विश्वा वाराधिकः। 😿 🗒 ःगः निकासः ७ । । बीजा गाव मानामिकम् **छिरः** 💎 छुडीस शुराजामीनाः मर्भभूर्गनामार्थकात्रन उत्हयतुः। ा **एड्रथं भारताइनम्। भूक्याथर्वे भू**न युक्ता अन्धानः नज् कदर्यद् भुगूर ত্যের মাদ্য: । ৪। পঞ্চমে ক্রম নিশ-जि विश्वयद्यानयः। १। वर्षः कर्जु থিকারো নান্ধাদে রিভ্যাদ্যঃ। ৬। 😗 श्रम जमान भिजब्राह्र त्नान जा कि 🎨 **ज्यक् वहरननाशिरहाजामिनासान् ७ क**रनन ह जामान्यत्वा १ जिल्लाः 191 অপ্তনে সৌর্য্য চক্ত নির্বাপে 🖟 ত্যৰ নিৰ্বাপ স্তব্ধিতেন দেবস্কু ি (फ्न: এकरित छक् भोषध पुत्रक व निज्रापिना विष्यनात्र्य भूरताछ। শেতিকর্ত্তব্যতা নান্যস্যেত্যের মাদি विष्मयाजिएमाः। ৮। नवस्य भुक्ः তावपाय युष्ठे॰ निर्द्यभामी जि भिर्वे । নজে বিক্তৌ সৌর্য্য চরাবগ্নিপর পরিত্যাগেন স্র্যাপদ পুক্ষেপেণ স্ र्याययुष्ट निर्वाभानी छाउ मारिक इः। । रमाम क्कलम् (ठारक भूः গুস্যাব্ঘাত্ত্র্য বিতৃষীকরণাসম্ভবে-न (नाम इंटिंग्व माहि बीषः। २०।

र्गे । सीदा

(वकाष) विकास नारायामीना॰ भू भाग े जन्म क्रिजन भुगाजा म्राक्षात्र १३ । १३ । दि उखा 1331 ्रास्टम के ामा शामा क পকারাযালহিতেন প্যাজাদ্যকেন পশ্বস্থ পুরোদে: শ, হপুগ্রকার ই-लाहि भूलकः। १२ । इंडाधिकत्रन

॥ शर्द रे उकरम्भः ॥ जीमा ॥ ला नीय । इंडि म क्षिष्ठ मारता गारि वृङ्धिः ॥ ील श्रा निमाय। इंडि कविक्ल्फ्यः ा। श्रा अभिनीवट अभीनिवटा সীলতি চক্ষু: পদ্মভি রাবৃত্ত স্যা-**दिनुर्थः। इंजि पूर्णामामः।।** ीन॰ क्ली वन•। इंडि क्विटि ॥ গীলন ল্লী পক্ষভিরাবরণ । মীল ধাতো ভাবে ২নট্ পুত্যবেন নিষ্কন শীলিত ত্রি অপুফুল্ল। তৎপর্য্যা-यः। मङ्ग्रहिजः २ निमानः ७ मृमुजः ৪। ইতি হেনচন্দুঃ।। भीरव। इंडि कविव मुक्सः॥ मीव नीवि ! शीवः ङ्ली छावः। इंजि मुगामानः ॥

গীবরঃ ত্রি হি•সুঃ। ইত্যুগাদিকোষঃ

॥ সেনানী॥ প্জ্যঃ। ইতি সংক্ষিপ্ত

गुष्ठन्त সারোণাদিবৃত্তি:।। মীবা পু॰ বাযু:। ইভি সিক্ষান্তকৌ-्रमुम्।मूगारिव्जिः॥ भीवा जी উদরক্মি:। ইত্যুণাদি-্কোষ:।। শীকর:।। সার:। ইতি न कि समाता गा कि वृद्धिः ॥ মু: পু• বন্ধন•।ইত্যেকাক্ষরকোষঃ॥ मर्मः। ইতি হঙ্চन्दुः॥ त्रमृषः। इंडागिषिकायः गूकक्कः भू भवाषुः। किविक मुकन्तकशान मुकन्तक शेंछ পठि-षा जवनानाः मूनः इर्वः शारागकः ন্দতি আহ্বযতি কদি আহ্বানে त्ताम् (त्राप्त्रा । प्राप्ता । प मनुक् मुकन्तक इंजि व्याहकारा । ইত্যমর টীকাষা• ভরতঃ॥ ॥ मूजः भ् मृक्तिः। यथा। मूझ मृक्ति मरहरम गूः बः भृथिव । मरमा ज्य ा ইতি দুर्गामा मध्य रङ्गमुः ॥ মুক্ট লী স্বনানখ্যাতশিরে:ভূষণ। **उद्भ**र्यायः । कित्रीरे २। इंडा-মর:।। মৌলি: ৩ কোটীর । ৪ উত্নী-ষ ৫। ইতি হেমচনদু:।। मूनि जी अङ्ग्लागिन। इंडि मक्त्रज्ञावनी ॥ मूमनाः भुः विषृः। उम्रवृश्रमित्व र्यथा। गुज्र भवत्य गाउक निर्दाण

भाक वाहक। उद्यमा जिह त्या (म-

श्रायः॥

त्वा मूक्त एउन की खिडः ॥ मूक्षः छिन माउ । य उपाना छि विर्मु एउन मूक्त एउन की खिडः ॥ मूक्त एउन की खिडः ॥ के कि कुक्त विवर्ध की कृत के खमा थए । । जे कि विरम्भ । । ।

कुलन्तकः शुः भलाणुः। किहि मुकन्तकशान मूलन्तक इं छि भिर्विषा
कवनानाः मूल-कन्तकी छ भ्रवालव्राण्डिका विष्ठि मृत्यक्त करम्त इं छ छ हि छ
व्राण्डिका । इं छ भ्रविष्ठि व्राण्डिका । इं छ भ्रविष्ठि व्राण्डिका । इं छ भ्रविष्ठि व्राण्डिक इं छ । व्राण्डिक इं छ । व्राण्डिका । व्राण्डिक इं छ । व्राण्डिका । व्राण्डिक इं छ । व्राप्टिकाः ममूलाह्याः ।। इं छ छ । व्राप्टिकाः ममूलन्तः । इं छ छ । व्राप्टिका ।।
मूलन्तः भू अन्तकः। इं छ । भ्रविष्ठिका ।।
कायाः मथुवानाषः ।।

कायाः मथुद्रानाथः ॥

मूक्य वृष्ट निर्वाणः ॥ ভिक्तित्रमः ॥

त्युम । यथा । मूक्र मव्यय माडकः

निर्वाणसाक वाहकः । उक्तनाजि ह

स्यादियां मुक्तन्त एउन कीर्विजः ॥

मूकः ভिज्तम (भूम वहनः स्वरः

मुक्तनः एउन कीर्विजः । ইতি वृक्षः

रवदार्व औक्ष्यस्याथएः ১১० व्य

मुख्यः भ् पर्भगः॥ वस्रवस्ताः॥ जनावप्थः। ইতি भिन्नि॥ म-लिकाभूञ्चवृक्षः। ইতি विषः॥ ज-जव्कः। ইতি শদ্রত্বাবলী॥ কো-রকः। ইতি হেমচন্দুः॥

गूलाः भू ली विषक्तिजिक्षाः वा । ज्यानाः २ । व्यानाः । व्य

मूस्ट्रेकः भू॰ वनमूनः। मूगानी इंडि ভाषा। তৎপर्य्यायः। नयद्रेकः २। इंडि श्रीवतः॥ मूस्ट्रेः ० नयदः ८। इंडि श्रीवतः॥ मस्ट्रेकः ६। इंड्या त्रि । इंडि ভत्रजः॥ मूम्रह्रेकः ७। मस्ट्रेकः १। नयूट्रेकः ৮। इंडि होकान्द्रतः॥

मूक्लकः भू॰ मिड्यूकः। ইত্যমর টोकाया॰ রানাশুনः॥ गुक्तः वि भाश्याकः॥ भाषिकः। ইতি মেদিনী॥ निम्दः। ইতি মুক্তা

्भद्रव्रावनी ॥

मुक्तक ज्ली (क्रमगीयाजः । इंडि (किंटि ।।

मुक्क बक्ष्कः भू अविद्व छ। कव् द्वभर्भः । उर्भियायः । निम्कः २ । इंडा

নর: ।। উদ্ধিতকঞ্চে তি ।। সি হ:। ইতি শদ म्करकः भू नाना॥ मुक्तनत्व वि॥

মুক্রসা জী রাসা। ইতির্ন্নালা।। ত্যক্তর্সে ত্রি।।

মুক্তা জী রাম্।।ইতি রহমালা॥ রত্নবিশেষঃ মোতী ইতি হিন্দী ভা या। अमृश अधिष्ठाञी (नवजा हन्मुः १ इंडि क्यांडियः ॥ उट्शर्यायः। भोक्किक•२। ইত্যনর: ॥ সৌম্যা ৩ শৌক্তিকেয় ৪ তার ৫ তারা ৬ ভৌতিক ৭ ভৌতিক ৮ সম্ভ:-मात• a भी उन• २० नी तक• ১১ नक्व १२ इन्द्रुव १० वन्द्री: १८ मुकाकनः १६ विमुकनः १५ मृ ক্তিকা ১৭ শৌক্তেয়ক ১৮ শুক্তি মণি: ১৯ শশিপুত ২০ বছ ২১ হিন ং ২২ হিনবল ২০ সুধা শুভ २८ मुक्षा॰ मुद्रङ्ग॰ २० । वाक्री स्थात লক্ষণ শশিপুভস্থানে শশিপুিয় হিনবলস্থানে স্বেনবত সুধা শভ স্থানে ভুক্ত ইতিচ পাঠ:। ইতি

वासनिर्यण्टः ॥ (मोकिक रे७। इंडि ভाবপুকामः॥ अमृत खगाः। मा-त्रकष्-। मीउष्-। क्यायष्-। सामृष्-। (व्यथनपु॰। हक्कृष्य पुद्धः।। उक्काइन গুণঃ। পাপালন্ধী বিনাশিত্ব। ইতি त्राजवज्ञ ७:।। व्याद्यः। वता भू छिन्द्यः । ইতি ভাবপুকাশ:।। 🛊 ॥ অপিচ । भोक्तिकक सभूतः मुन्नी उत्तर पृष्टि-রোগ শন্ন বিধাপহ। রাজ্যক্ষ भित्रकाभ नामनः।कीर्गवीर्ये वन भुडि वर्षान ।। क ii अम्रा नक्ति यथा। नक्षवां छ॰ भूक मठा छ मूक॰ न्तिकः स्वः निर्यावः निर्वा १ नाउः थरब भोतव यबूनाया उनिस्मे ना भोकिक भोश्रमायि॥ #॥ अमृत (माय नक्षण यथा। यहिहाय (जी-ক্তিক ব্যঙ্গকাব শুক্তিশাৰ্শ রক্ত-তাঞ্চাতিখন্তে। মৎ ন্যাক্ষ্যক ক-क गृजान नम् रेम ज्ञार्याः शीम जा मावरावि ॥ 🛊 ॥ अष्ठेवा भोकि-ক॰ যথা। মাতকোরগ মীন পোত্রি निवन उक्ताव महापूष्ट मूकी ना मुम्ताह रैमोक्डिकमणिः न्माष्ट्रे॰ छ-বত্যপ্তধা া৷ 🟶 ৷৷ মৌক্তিকবিশেষে৷ যথা। ছায়া পাটল নীল পীত ধ্বলা স্তত্তাপি সানান্যতঃ সন্তানা• वरुएण। नणिक विजिक्ति हो जिप्त

ত্লুণ•াা 🗱 🛭 নৌব্জিক পরীক্ষা যথা 🍴 । লবণ ক্ষার ক্ষোদিনি পাত্রে 🗢 জ গোন্ত প্রিতে ক্ষিপ্ত ৷ মর্দিত मिल मानी ज्ये र्यम् विक्षः जामी ক্তিক• জাত্য•।। ইতি রাজনিঘণ্টঃ ॥ # ॥ जम्८ भिक्त ज्ञानानि यथा। শাখো গজশ্চ ক্রোডশ্চ ফণী মৎস্য-क पर्वाः। (वन् ज्ञाल ननाथाजा खजरेक भो किक यानगः॥ इंजि ভাবপুকাশ:।। #।#।। অথ পুকারা-खत्र मूका भन्नोका। दिशम् क्रीम्ड বরাহ শত্ত্ব নৎ স্যাহি শুক্ত্যুক্তব বে-ণুজানি। মুক্তা ফলানি পুথিতানি লোকে তেযান্ত শুক্ত্যন্তব নেব ভূরি ।। বেধ্যন্ত শুক্তাজ্ভব মেব ভেষা · শে-বাণ্যবেধ্যানি বদন্তিতঙ্গ্ৰো:**৷ মতঙ্গ** কাযেত্ৰি**শৃদ্ধ** বং**শ**্যান্তে মৌক্তিকা-नाः भुज्याः भुमिश्वाः॥ উৎ भर्ताः भोक्तिकरम्यू तृख माभी खर्गः পुछ-या विश्रीनः। वरक्तु शक्त श्रीकायाः গজজাতি শতুরিধা।। মৌক্তিক তেষু জাত হি চতুৰিধ মুদীৰ্য্যতে। বাহ্মণ পীত শুদ্রস্ত ক্ষ্ত্রিয়ণ পীত রক্তক•॥ পীত শ্যাসন্ত বৈশ্য•স্যাৎ শূদৃ• স্যাৎ পীত নীলক। কায়ে। জ সম্ভ সম্ভ ত পাত্ৰীকল নিভ গুৰু ।। অতিপঞ্জর সহায় নৌক্তিক ग

नत्रीविजि। धाताधः गुजारयज्ञा ক্তিক অলবিন্দুভি:।। ত্রিভ তথ্ नुष्राभाः परिव छए क्रिंः कश्चन्ना । बकुषा ७ ममः वृहि े ि, कः वि विष । ध्वा ।। हर जानू महा দেবযোগ্য মৃথা বৃষ । 🗱 ॥ তথা 🗑 গাৰুডে। নাভ্যেতি মেঘ পুত ধ্রিত্রী বিসদগত তদ্বিবৃ 💸 🎎 . वाहि: भूजाबाव्छ मिथिर 🦈 🖂 ত্যবদ্ধুংথ বিভান্য বিশ্ব• ॥ তে **ব্রিরস্ত্র হতাশনেন্দু নক্ষত্র ভা**ঃ গুহ সম্ভবঞ্চ। দিবা যথা দীপ্তিক <del>ন্ত</del>থৈব তমোবগাঢ়। স্থলি তমি**শা** ।। বিচিত্র রত্ন দ্যতি চাক্তোয চতু अमु मा ভবनाভिताना । म्ला नवा नग्रिक निकाया भ क्ष्या भई उत्र पूर्व भूनी ॥ शिलानि यस ল্লভতে কথঞ্চিং বিপাক যোগান্ম হত: শুভস্য। সপত্রহীন: পৃথিবী সম্পা• ভুনক্তি ভবিষ্ঠতি যাবদেব न (कवन । उहु छ कृष्ण म । छारेग ।: १ কানা মপি জন্ম তস্যা তদ্মোজনা নাং পরিতঃ শতস্য সর্বাননর্থান্ বি মুখী করোতি।। জল জ্যোতি মৰু জ্জানা মেঘানা তিবিশ্ব ভবেৎ बनाधिक श्रिक सङ् कागन পুক কান্তিগ্ৰ।। জ্যোতিষ• কান্তি

नेष्ठ प्रिंदीकः दविभुडः। काछि-ाट (कामने वृत्तः माक् उ॰ विमन॰ लघू।। वज्ञारु मः हु। भु छव॰ वजिष्ठ॰ ় ন্যুব দণ্ঠাব্ধর ত্লায় বর্ণণ। স্বৃচিৎ ॥ वथिष्टम जूदः भुरत्रम भुजायर শুকুর বদ্ধরিষ্ঠঃ॥ বুন্ধাদি জাতি ভে দিন বরাহোপি চত্রিধঃ। তেষু জা- || তা ভবেমুক্তা সমাসেন চতুরিধা॥ वाकार भाववर्त्त भू प्रांख १मा नक (छ। \* बियः मृद्धत्र क्**य स्मार्म क**र्क्स শ এব চ ॥ বৈশ্যঃ স্যাৎ শুদ্ধ পীতস্ত কোমলঃ কোল সমিভঃ। শুদু: স্যা-हुद्वनीवस्र कर्द्धभः भागम এर ह।। उथाह। (का वजः (काव मम्भः जमः है। त्रम्भ हिव । यन छ। भन्दे त मा भोकिक भूगा विक्रि रेजः॥ 🛊॥ (य कथ्रवः भाकं म्थायमर्य शीउम् भश्च भूवद्र मा (गावि । मात्रीकि-কানা নিহ তেষু জন্ম তল্লকণ সং-**পু**তि की र्खगानः ॥ ऋरगानि मध्य हवि তুল্যবর্ণ শত্ত্বা দ্বহৎকোলফল পুনা गः। उथा ह। वर्षा भन मनः मीखा পাঞ্চন্য সলোন্ডব॰। কপোতাও পুনাণ তদতিকান্তি ননোহুর• II#II विष्णरया यथा। अश्विन्ता फ्लि नक्षरञ (य काञाः कम्रवः भू जाः। (मोकि ৰু তেমু জাত্ৰ-ছি সপ্তবি শতি ভে-

দভাক্॥ শ্লাশ্লা: পীতরকানীলা লোহিত পিঞ্জরা:। আকর্বরা: পা-**ढेला**क नववर्गाः शुकीर्खिजाः॥ सङ्-ন্মধ্য লঘুন্মানৈঃ সপ্তবিংশতিখা ভ-বেৎ। ক্রমত স্তেষ্ বিজ্ঞেয়ণ নক্ষত্রেষ্ मनीयि छि: ॥ ॥ भाठीन भृष्ठम् म-মানবৰ্ণ মীনাৎ সুবৃক্ত লঘুনাতি স্-<del>স্থাণ্ড বিজ্ঞাননেযু</del> भीनाक एक संबोधकाः भारतार्थः ॥ তথাচ। গুপ্তাফলকায় স্থৌল্য• মৌ-ক্তিক তিমিজ লঘু। পাটলা পূয়-সঙ্কাশ মল্পকান্তি সূবর্ভু ল ।। বাত পিত্ত কফ দ্বন্দ সন্নিপাত পুভেদতঃ । সপ্ত পুক্তথো भীনে সপ্তধা তেন মৌক্তিক ॥ লঘিষ্ঠ মৰুণ বাতাৎ আপীত মৃদু পিত্ততঃ। শ্ঙ্ল-গুৰু ক-ফোদেকাৎ বাত পিত্তামৃদু লঁঘু: ॥ বাত শ্লেমা ভব• স্ল• পিত্ত শ্লেমাজ महकः। अर्दालक् शुर्यारगन नामि-পাতিক মুচ্যকে।। একজাঃ শুভদাঃ (भाका खथा वि मामिनाठिकाः।#।। ভৌজস্ম नील दिनुष्क दर्ग गर्ब छ-(त् भूज्व वर्ग माज । निजान ধৌত পুতিকল্ল্যনান নিস্ত্রিংশ ধারা সনবৰ্ণ শোভ।। ভুজঙ্কনা তে বিষ-বেগ তৃপ্তা: শ্রীবাসুকে র্রণশভবা: পৃ-थिवता । कृति कमाहि थन् भूगा

দেশে ভিমন্তিতে পশ্যতি ভামন্ষ্য: ॥ क्षिक वर्ज्ज तमा नीलहार মহাদ্যুতি। পুণ্যহীনা ন পশ্যুন্তি वामुलः इत मञ्जदः ॥ मृगान्तकाः লামল কোল গুঞ্জা ফল পুমাণাস্ক Dञ् विशास्त्र । मृ र् ऋवाश्ष्य विशा मृषु मर्लय् जाजाः भुवदास मर्दा ॥ প্রাপ্যাপি রত্নানি ধন শূি্যস্থা রাজ শ্রিষা মহতী দ্রাপা । তেজো ব্বি তাঃ পুণ্যকৃতো ভবস্তি মুক্তাফল-স্যাস্য বিধারণেন।। জিজ্ঞাস্বারজ্জ विनिक्येदेखः माञ मूक्र्वं भ्येदैः शुयज्ञा । त्रका विधान ग्रम्हिधाग হর্ম্ম্যোপবিষ্ট ক্রিয়তে যদা তথাতদা भरुष्नु ভ जूर्य । वारेष घं रेन घं रेन ब्राभियात २ स्वीकः।। न ज॰ जूकका न ত্জাত্ধানা ন রাক্ষসা নাপিচ দুষ্ট লোকা:। হি·সন্তি যস্যাহি শির: স মূপ্য মুক্তাফল তিষ্ঠতি কোষমধ্যে া৷ 🗱 !! ভেকানি ম্বপি জাগন্তে মণযো य कृष्टि कृष्टि । **ভৌ क्रक्रम म**रावस न्या । विष्क्रिया वृत्या खरेनः ॥ नक्क মালেব দিবো বিশীর্ণা দস্তাবলী ভস্য মহাসুরস্যা বিচিত্র ৰূপেষু বিচিত্র-दर्गा भयःमुभज्यः भयमाः भभाज ॥ সস্ব চন্দু। শুক্লাপ কান্তে মণি भुविकम्। महाखन्मा। उहु किन्द

সুছিতি মাপবীজ মাসন্পুরা পার खवानि शानि ॥ रुखिन् शुरुरण्यः **२ यू**नि থৌ পপাত সূচাক মুক্তা মণি রত্নবী-कः। ७ मिन् भव । छ । व वहावकीर्नः শুক্তৌছিত গৌক্তিকতামবাপ ॥#॥ रेम इनिक भारतनो किक मोत्राञ्चिक ভামুপণ পারসবা:। কৌবের পাওঃ বিরাট মুক্তা ইত্যাকরা শ্চাঞ্টো ।৷ স্থা-ত্যা স্থিতে রবৌ মেঘৈ র্যে মুক্তা জল বিন্দব:। শীর্ণা: শুক্তিষ্ জাযন্তে তৈ मू कि। निर्मान दियः।। ज्ला मध्य उथा সূজা বিন্মানান্সারত: । সুলিঞ্ मधूब्रह्माय भोकि है जि॰ हत्ना छ्व॰ ।। পারলৌকিক সমূত মৌক্তিক• নিবিড॰ গুৰু। সৌরাষ্ট্রিক ভব॰ স্থূল বৃত্ত স্বছ সিত ঘন।। তামু-পর্ণ ভব তামু পীত পারসবোক্ত-व । देव = भाग्यक कक्ष की (वर्ता-**फ्र**व भोक्किक ॥ भाखादरामाफ ব পাঞ্ নিত কক বিরাটজ। किन्तिगाथा ठू या मुक्ति खट भुम्-তিঃ সুদুর্লভা॥তত্র জাত• শিত• স্বছ• জাতীফল সম বর । ছাথাবদ্বল ब्रग्रः निष्मायः यनि व छ्राउ ॥ अग्-ল্যু তদ্বনির্দিষ্ট রত্নলক্ষণকোবি-रिनः। पूर्वाञ नृशियाग्यः अप्राप्तव्रञा-গৈ। ৰ লভ্যতে ॥ 🕸 ॥ অন্যন্তাহ ।

भरंगा जनाकत्वा विष्णवाद क्र भुनार्ग ह गरेशा विद्यान्। निह वर्ष স্থাতি গুণাভটোৰু সৰ্বত সৰ্বাক্ত (या ভवन्ति॥ वुक्तानि क्राञिटलमन णुक्तरगानि ठजुर्बिशारी **छानू नर्बान्** কাত হি মৌক্তিক স্যাচত বিধি ।। নুন্ধিণস্ত সিতঃ স্বছোত্রু: শুক্ল:পুড়া-निज:। व्यादकः क्ववियः अ्व उपा ৰুণ বিভাবিতঃ।। বৈশ্যস্ত্বাপীতবর্ণো পি স্থিঃ খেতঃ পুভাবিতঃ। শৃদুঃ শুক্ল বপু: সূক্ষ স্তথা সূলে। ২সিতদ্য-जिः॥ शा वर्षाभवानाः जमवर्गानाः **७**• जुक्मात्र मध्य भुज्य• भुमिष्टे• । তে বেণবো দিব্যঙ্গনোপভোগ্যে স্থা নে পুরোহন্তি ন সর্বজনের ।। বংশ্র निमकान करकानी कन माम्क । পাপ্যতে বহুভিঃ পূণ্যৈ স্তদ্ক্যুণ (वर मखडः ॥ शक ভूंड नमूपुका দ্বংশে পঞ্চবিধে ভবেৎ। মুক্তা পঞ্চ বিধা তাসা॰ যথা লক্ষণ মুচ্যতে ॥ পার্থিবী গুরুবৎসাচ তৈজ্ঞসী তেজ-ना लयुः। वायवी ह मृतुः झ्ला गागनी कामना नयुः॥ जानाः निका ज्ना শূলা: পঞ্চিতা: পুবরা মতা:। আ সাংধারণ মাত্রেণ ব্যাধিঃ কোপি ন জাযতে।। 🕸 🛭 এবন্ন্যাপি। গলা हि कान मध्मामा भी खं मूकाक

লোভবঃ। ত্বক্সার শুক্তি শহানা॰ গর্ভে মুক্তাফলোডব:।। ধারাধরেষু জাযেত মৌক্তিক জলবিন্দুভি: । জীন্তে শুচিৰপঞ্ গজে পাটল ভা-ষরণা ম**ংস্যে শ্বেতঞ্চ** নিস্তে**জ:** ফণী-**त्मु** नील जायतः । इतिरह्नुजः जथा বংশে পীত খেতঞ্চ শ্করে। শাহ্র ·শৃক্যুন্ডব• খেত• মুক্তারত্ন মনুত্তম• ।। চতর্ধা মৌক্তিকে ছায়া পীতা চ মধুরা সিতা। নীলাচৈব সনাখ্যাতা রত্নত্তত্ত্ব পরীক্ষকৈ:।।পীতা লক্ষী পু-मा ছाया मधुता तुक्ति विकिनी। भूता य मऋदी ছाया नीला (मोजाग्र हा-यिनी ॥ मिठा हाया ভবেদ্বिপु: 🖚 -ত্রিয শ্চার্করশ্মিমান্। পীত ছাযা ভ-(वरिष्णाः भृषुः क्षकि ग्रंजः॥ ॥ व्यथ खनाः। সুতারঞ্চ স্বৃত্তঞ্চ স্বছ্ঞ निर्याल ७ था। चन निर्वाल महाय তথা মুটিত মেব চ।। অষ্টো গুণাঃ সমাধ্যাতা মৌক্তিকানা মশেষতঃ। তদ্মথা। তারকাদ্যুতি সঙ্কাশ• সু-তার মিতি গদ্যতে॥ সর্বতো ব্রুল॰ যह সুবৃত্ত ভিন্ন পদ্যতে। স্বন্ধ দে । য বিনিমুকি নিম্বল নলবজ্জিত ৷৷ গু-ৰুত্ব তুলনে যস্যতন্ত্ৰন মৌক্তিক বর•। স্নেহেনৈব বিলিপ্ত• যত্তৎ গ্লিপ্ক মিতি গ্ৰন্থতে।। ছাষা সমন্বিত যह

সহায° তমিগদ্যতে। বুণরেখা বি-रीन यख नामिस् विक मूज ॥ जु জিফ্ কোনল কান্ত মনোক্ত সুর্ তীবচ। সুবতীবচ সত্ত্বানি তন্মহারত্ত্ স-জ্ঞিত।। খেতকাচ সমাকার শু-ভাূা শুলত যোজিত ৷ শশিরাজ পু जिहाय भीकि इ (नव ज्या ।। #॥ गाक्छ । ज्ञमात्र नारमनु जिमि পুভূত যহুদ্ধ বরাহ্দাত। পাুয়ো বিযুক্তানি ভবন্তি ভাসা শ खानि **माऋनाऽ उया उथाशि ॥ भु**-নাণ বদ্ধৌরব রশ্মিয়ক্ত• সিত• সুবৃত্ত• সনসৃষ্ম রন্ধু । অক্রেত্ রপ্যাবহৃতি शुरमाम ग्राकिक ज्रुप्तर शुनि নৌব্ধিক যোগমূপাগত স্যাৎ। ন ত্ৰ্য্য ভৰ্ত্তার মন্থ জাত একোপি (नायः मगूरेशिक मन्द्रः ॥ এवः मर्ब গুণোপেত মৌক্তিক থেন ধার্য্যতে । তস্যায় রন্ধতে লক্ষী: সর্বপাপ পুণশ্যতি।।গুণবদ্ধু যদেহে মৌক্তি-কৈক হৈ ভিষ্ঠতি। চঞ্চলাপি স্থির। ज्ञा कमना जब जिश्वजि ॥ 🛊 ॥ (मार्या यथा। ठञ्जात्रः मुर्श्वस्तायाः । ষণ্মধ্যাশ্চ পুকীর্ত্তিতা:। এবং দশ সনাখ্যাতা সেধা বক্ষ্যামি লক্ষণ ॥ श्रेषकरराम जःनः मूकिथए॥

বিভাব্যতে। শুক্তিলগ্ন: সমাথ্যা न (मायः वश्वकात्रकः।। भीनालाः সঙ্কাশো দৃশ্যতে মৌজিকে তথ म भाकः म ज्रामाः महार । নাশকরো ধুর্রণ।। দীপ্তিছীনণ গতা য॰ জঠর॰ তদ্বিদু র<sup>্</sup>ধা:। তম্মিন্ স ধারিতে মৃত্যু জাযতে নাত্র সংশ ।। भोक्किक विक्रमहाय मिडिव्रक विमू ब्र्थाः। मातिम् जनकः यमाः जमाखंद भविवर्षायंदा ॥ जैभयुर्भ রি তিপ্তন্তি বলযো যত্র নৌক্তিকে। বিবৃত্ত• নাম তস্যোক্ত• সৌভাগ**্** क्रयकात्रकः ॥ अवृद्धः स्मेक्तिकः यह विभिन्ने यिमगम् । (मे किक · बिन या एवन जम्याकी र्डि ड्रिट्स मह ॥ ব্রিকোণ ত্র্যসু মাখ্যাত্ত সৌভঃ गा क्रयकात्रकः। मीर्घः यख् कृषाः প্রোক্তণ প্রক্রা বিধ্বণস কারকণ 🗈 নির্ভাগেকতো যার কৃশপার্থণ তদুন **छ्राउ । म (माय• (मोक्किक• निन्मु)**≉ নিৰুদ্মোগকর । হি তৎ।। অবৃত্ত । ি ডকোপেড• সর্বসম্পত্তি হারক•।‡া যত্র কৃত্রিম সন্দেহঃ ক্বচিন্ডব্ভি 🖘 ক্তিকে। উষ্ণে সলবণে**শ্বেছে নিশা**্ৰ षामरयङ्खला॥ वीवि चि मर्भनीयका শুষ্কৰক্ৰোপৰেপ্টিত । যন্তু নাথাতি বৈ वर्गाः विरक्षयः उपक्षियः ॥ 🗱 ॥

তথাহি। কিপেদ্ধান্ত্র ভাওে তু লবণ ক্ষার সংযুতে। স্বেন্যেন্বজ্বিনা ाशि मूहराज्ञग (वश्वरायः ॥ इरस নৌক্তিক মাদায ব্রীফ্লিভি শ্চোপঘ-ारिय । कृष्विम छन्न मार्शां जिम वृह्मकां निमारं ।। क्या भरहर সুপিহিতে শুভদার ভাণ্ডে মুক্তাফ-ল নিহিত নূতন শুক্তিকাও। স্লোট उथा भूनिम्बीउ उउम्ह जाएाट সংস্থাপ্য ধান্য নিচযেচ তনেকনাসং n সাদাশ ত**ে স**কল মেব ততোম ভাগু জন্বীর জাত রস যোজন্যা বি পরু । ঘৃষ্ট ততো মৃদু তনুক্ত পিও म्रेनः अर्यान्यायह निरु भोक्कि माण् विकाः ॥ मृज्ञिस्र मध्नार्भूषे ম্ধ্যুগতন্তু কৃত্বা পশ্চাৎ পচেত্তনু ততক্ষ বিভান পত্যা। দুখো ততঃ প্যাস তদ্বিপচেৎ সুরায়া পক্ত-তোপি প্রসা শুচি চিকুণেন। শুদ্ধ॰ ততে। विमल वञ्ज निधर्यान ग्रात्मी-ক্তি হ॰ বিমল সমুণ কান্তিলাল্যাঞ্চা অথ নৃন্য । পঞ্জি র্মানকো জেযো **ख**क्षां छि मायेक खथा । ठठु छि: मा गमाथा। उ॰ माषरेक मंगिरविष्ठिः॥ এইন্য শুক্তিপুভবন্য শল মুক্তা ম ণেঃ শাণক সন্মিতস্য। মূল্যু॰ সহ সাণি কপর্মকানি বিভি: শতৈ রভ্য-

ধিকানি পঞ্চা৷ যন্মাৰ কাৰ্ছেন ততো বিহীন চতুঃ সহসু লভতে ২স্য মূ-ল্যং। যন্মাৰকা॰ স্ত্ৰীন্ বিভ্যাদুৰুত্বে ছে তস্য মূল্য পরম পুদিষ্টণা অর্জা-ধিক দ্বৌ বহুতো হৃস্য মূল্য ক্রিভিঃ শতৈ রভ্যধিক সহসু । দ্বিমাবকো আপিত গৌরবস্য শতানি চাঙৌ কথিতানি মূল্য ।। অৰ্দাধিক না-যক সম্মিত্তস্য সপঞ্বি**ণ্শ**• ত্রিত্য• শতানা । যন্মাধকোন্মাপিত মান-নেক তস্যাধিক বি শতিভি: শত न्यार ॥ ७क्षा ४ वर्षात्रवः भाउ দ্বে মূল্যণ পরণ তস্য বদন্তি তজ্জাঃ । গুঞ্জা শ্চতস্থো বিধৃত শতাৰ্দ্ধাদৰ্দ্ধণ লভেতাপ্যধিক• ত্রিভি র্বা।। অতঃ-পর স্যাদ্ধরণ পুনাণ সংখ্যা বিনি-র্দ্দেশ বিনিশ্চযোক্তিঃ। ত্রযোদশানা• ধরণে ধৃতানা॰ ছিক্কেতি নাম পুরদন্তি তজ্জা:।। অধ্যৰ্জ মাত্ৰঞ্চ শত কৃত ग्राम्नुग खेत उम्र मम्बिउम्र। यि स्वाउन जिंदर मुन्नं ध्रन **७८ जुवनन्डि मार्बिकाथाः॥ व्यक्षिकः** দশ ভিঃশতঞ্নুল্য সমবাগ্রোত্যপি বালিশন্য হস্তাৎ।যদি বি•শতিভি ভারেৎ সূপূর্ণ ধরণ নৌক্তিকজ বদ-ত্তি তজ্জ্ঞাঃ।**৷ নব সপ্ততি মাপু**যাৎস্ক म्ला यिन न माहुन युक्ति। विशे-

ন'। ত্রি:শতা ধরণ পূর্ণ শিক্যেতি পরিকীর্ত্ত্যতে॥ চত্ত্বারি•শৎপর•ত न्। मूल। (भव विनिष्ठयः। ठजाति॰। শংভবেৎ শিক্যা ত্রি-শন্ন্ত্রণ লভে ত সা ৷৷ পঞ্চাশভু ভবেৎ সোম স্ত স্য মূল্যন্ত বি শতি:। ষ্ঠি নিকর শীর্ষণ স্যান্ত্রস্থ মূল্য চতুর্দশ ॥ অশীতি র্নবৃত্তি শেতি জপ্যেতি পরিকল্পতে একাদশসুত্র বিচ ত্যো মূ'লত মনুক্র-মাৎ।। শত মৰ্দ্ধাধিক দ্বেচ চূর্ণোয भिद्रिकी खिंडः। मध भक्ष वय रैक व তেবা • মূল্য মনুক্রমাৎ ॥ শাণাৎ • পর মাষক নেক নেক বাবদিবছে ত গুণৈ রগীদ। মূল্যেন তাবদ্বিও ণেন যোগ মাপ্নোত্যনাবৃঞ্চি হতেপি (मणा। मृज्ञां जि मृज्ञां ज मश्र माना॰ यत्मोक्तिकाना निरु ग्लार म् ক্ত । ভব্জাতি মাত্রেণ নজাতু কার্য্য स्टेन ब्रहीनमा हि उर्भुहिष्टेगा यनु **हन्माः म महान भी**यिषय कलाकृ । স্ব মূল্যাৎ সপ্তম• ভাগ মৃত্ত্বা ল্পভেত তৎ।। পীতকস্য ভবেদৰ্চ্চ মবৃত্তম্য ত্রিভাগতঃ ৷ বিষম ব্যস্ত জাতীনা॰ ষড়াগ• মূল্য মাদিশেৎ ॥ অর্দ্ধ কপাণি সয়েটোৎ গহুচুণানি যানিত। অসারাণিত যানি নুয় কর काकात वांड हा। अक्टनम भुजाविड

সকলা শ্লেষিতানি চ ৷ যানি চাতক वर्गानि का॰ म। वर्गानि यानि ह।। भीन নেত্র সবর্ণানি পুস্থিভি: সংবৃতানি চ । সদোবাণি চ্যানিস্য স্তেষা মূল্য পरा भिक ।। ।। यन । वजू। मका नी পোচ্যতে গুঞ্জা সা তিসো ৰূপক ভবেৎ। ৰূপকৈ দশভিঃ প্ৰোক্ত: ক লঞ্জে। নাম নামতঃ ॥ কলঞ্জ নামক• দুব্যনেকদেশে নিধাপযেত। অন্যতা জল বিন্দুস্ত তোলনাথ বিনিঃক্ষিপেৎ ॥ চত্ত্বারি ত্রীণি যুশ্ময়। তথৈক বহু বা স্থিত । সম • কলঞ্জ মানেন তুলা मानारण: कमाए ॥ नवमाए शकः ন• যাবৎ কলপ্তেন সম• যদা। তৎ क्रगामृज्ञमः (छायः भोक्किकः ब्रद्भाव-**दिखिः ॥ ठजुर्मना८ नमात्र**क्र दण-मः थ्या विधिः क्रमाट । कलक्षमः সনান বা মৌক্তিক মধ্যম বিদুঃ।। আরভ্য বি•শতি তমাৎ ক্রনাৎ প্র-ঞ্চদশাবধি। লব্ধ্যাস্তা: কথিতা মুক্তা মূল্যঞ্চ তদনুক্রমাৎ।। কলঞ্জদ্ব মা-त्न यरमुकः भोक्तिकः ভবেए। नः थार्घ्यः नद्रनारेथस्त्र (एवरयाग्य ममानू-ষ।। ইত্ম। বিচার্য্য যো নুক্তা। পরি-পত্তে নরাধিপঃ। তস্যাযুশ্চ যশো-বীৰ্য্যণ বিপন্নীত মতোন্যথা ॥ ইতি युक्तिक्त्रकः॥ अनु९ मूकाक्व

শব্দে দুষ্টব্য ।। # ।। অথ মুক্তাধারণ দিন ।। রেবত্যখি ধনিষ্ঠাসু হ-স্তাদিয় চ পঞ্চসু। শত্ত্ব বিজম মুক্তা-না পরিধান পুশাস্যতে ।। ইতি সন্যপুদীপ:।।

মুক্তাকলাপ: পু• মুক্তাহার:। যথা। হারোমুক্তাত: পালৰ সুক্ কলা পাবলী লতা:। ইতি হেমচন্দু:॥

মুক্তাগার॰ ক্লী শুক্তি:। ই**তি শব** চন্দ্রিকা।। নৌক্তিকগৃতঞ্চ।।

মুক্তাপুয়: পু সন্ধ্য:। ইতি রাজনিহণ্ট:।।

গুক্তাপুস্: জ্রী শুক্তি:। ইতি রাজ-নিঘট:॥

मुजानावः भ् गूकाशातः। ইতি स्मिहन्तुः॥

मूक्ताकन ती कर्न् त्र ।। स्रोक्ति ।। नवनीकन । इठि मिनी ।। दान्ति कृष्णु दिल्म रः। यथा। मूक्ताक त्वन गुर्छन मुख्ता गुक्त मार्क किना। ভिक्त साठ्य स्ना गुक्त मार्क एउप लिल लिया।। दिव्य तिल्लालि स्थान जियरक्ष नव मृनुना। स्माप्ति स्वान्ति प्रकार महीक द्र ॥ हैठि जन । एक् प्रकाक न महीक द्र ॥ हैठि जन । एक् प्रकाक न महीक व्य ।। ॥ जथ मुक्ताक न महीक ।। दिल्ला की गृज नदा ह लाइ न स्मा

হি শুক্তুজ্ব বেণুজানি। মুক্তাক-লানি পুথিতানি লোকে তেযাঞ্চ **শু**ক্তুগুন্তব মেব ভূরি ।। তত্তৈব চৈক-স্য হি মূলমাত্রা নিবিশ্যতে রত্নপ রস্য জাতু। বেধ্যন্ত শুক্তৃয়ন্তব মেব তেষা পেষাণ্যবেধ্যানি বদন্তি তজ্-জ্ঞা:॥ ত্বক্সার নাগেন্দু তিমি পুস্-ত॰ यहङ्गक॰ यह दत्रारु काउ॰ । शुारया বিমুক্তানি ভবন্তি ভাসাশস্তানি মা-ক্ল্য তথা তথাপি।। যামৌক্তিকানা নিহ জাতযো ৎষ্টৌ প্রকীর্ত্তিতা রত্ন-বিনিশ্চযক্তি: ৷ কমূ ভব তেম্বধ্ম भूमिन्ने गूर्भमाउ यह गाजनम् अ स्थाए॥ य रयानि मध्य हवि ज्वारवर्ग শাব্র• বৃহৎকোলিফল প্রমাণ• । উৎপদ্যতে বারণ সম্ভ মধ্যাদাপী-ত বৰ্ণ পুভযা বিহীন ।। যে কম্ববঃ শার্ক্স্থাবমর্ষ পীত্রস্য শন্ত্রপুবর-স্য গোত্তে। নৃতস্থ জা শ্চাপি বিশুদ্ধ वः मा एउ मोक्तिकानाः भु छवाः भु-विश्वाः ॥ शाठीन शृक्षमा समानवर्गः मीना**८ मृ**तृखः व्युनाठि मृद्यः। উ**८** পদ্যতে বারিচরাননেষু নৎস্যাশ্চ-তে मध्रवताः भर्यार्थः ॥ वताक्र--है। भु चव॰ भु पिष्ठे॰ जिमाव पः है। क्रुव ज्बा वर्षः। कृति कथिए म जूवः अर्दि अज्ञायाः म्कत्वकि शिक्षेः ॥

বর্ষোপলানা সনবর্ণ শোভ বৃক্ भात्र भर्व भुडव भुिक्ट । उ (वग-বো দিবাজনোপভোগ্যে স্থানে পু-রোহ ভি ন সার্বজন্যে।। ভৌজস্ম নীন বিশুদ্ধকৃত্ত সংস্থানতো ২০১ ब्र्वर्ग (भाषः । निजास क्षेत्र भुः विकल्लगान निज्ञिः न भाषा नम्पर्गं का-স্তি॥ প্রাপে১তি রত্নানি সহাপুভানি व्राज्यः भिगः वा सङ्जीः पूत्राभाः। পাত্র• হি নাপুণ্য কৃতো ভবন্তি মুক্তা ফলস্যাহিশিরো ভবস্যা৷ জিজ্ঞা-गया त्र इतन विधिष्ठिः म् ए गृश्ह भुगरेजः भुगजार । त्रका विशानः সুমৃহদ্বিধায় হর্ম্যোপরিস্থ ক্রিয়তে यना उट् ।। उना सङ्गानुनम् जि सन्द्र ঘোষৈ বিদ্যুল্লভা বিষু রিভান্তরালৈঃ ।भरगावता का छि विवय वरित्र यं ने र्य रेन बी वि्यराज श्लब्री कर।। न उर जू कका नह या ज्थाना नव । १ १ या ना भू । भनर्ग (मायाः। शि•मछि यम्।शि-শির: সমুপ্রণ মুক্তাফলণ তিগ্ঠতি প্-.জ্যনান• ৷৷ নাভ্যেতি মেঘ পুভব• **ধ**রিত্রী॰ বিষয়ত• তদ্বিরুধা হরস্তি। 🛮 অহিঃ পুভানাব্ত দিখি ভাগ মাদি ত্য বদ্দুঃখ বিভাব্য বিস্ব• ৷৷ তেজ-স্তিরস্ভ্য হতাশনেন্দু নক্ষত্র তারা शुज्यः ममगुः। रिवायथा मीक्षिक्दः

তথৈব তমোবগাঢ়াৰপি তন্মিশাসু ॥ বিচিত্র রত্নদুঠি সারতোয চতঃ त्रमु मु जद्गाभभमा । क्रमा न वा-न्राप्ति निक्राया (य मृत्र) यशे उ म् भूवर्ग भूगी।। शिता १ मि य उन्नर ভতে কদাচিদ্বিপাক যোগামহতঃ मुख्मा अभव्यक्षीनाः नगरीः नग-গ্রা॰ ভুনক্তি ততিষ্ঠতি যাবদেব ॥ ন কেবল্ব॰ ভছুভ কৃদ্পস্য ভাগ্যৈঃ পুজানা মপি তস্য জন্ম। তন্মোজ-नानाः भविजः मह्मुः मद्दाननर्थान् विमूथी करताजि ॥ नक्क मारलव **मित्वा विभीना म्हावनी उन्र महा-**সূরস্য। বিচিত্র বর্ণেযু বিশুদ্ধবর্ণা প-যঃ সুপত্যঃ প্রসাণ প্রপাত।। সম্পূর্ণ हन्ताः म् कलाशकास्त्र र्गा शुरवकत्र মহাগুণস্য। তह कि गञ्ज স্থিত মাপ वीक मामन् भूद्राभागा ज्वानि यानि ।। यमिन् भूरिए दश्विनिष्ये भनाउ সুচাক মুক্তামণি রত্ন বীজ। তিম্মন পয স্তোযধরাবকীর্ণ শুক্তৌ স্থিতণ भोकिकजा नवान ॥ रैमःश्निक পারলৌকিক সৌরাষ্ট্রিক ভামুপর্ণ পারসবা:। কৌবের পাণ্ড্য হাটক हिमका हेन्याकता खुरश्री ॥ मुक्रु-ভব• নাতি নিকৃষ্ট বর্ণ• পু**মাণ স**• স্থান গুণ পুলাভিঃ। উৎপদ্যকে

দ্রেন পারসীক পাতাল লোকান্তর किञ्हलवृ ॥ विद्या न उन्गाकतवा क्रिणका काल भूगात ह गठि विद्यान्। न ह वावस्याख खगाखानम् भवें नर्वाकृष्ठरमा वनश्चि॥ এकन्। শৃক্তি প্তবস্য মুক্তা ফলস্য শাণে-व नगृश्चिष्ठमा। गृवाः नश्नाि जू ৰাপকাণা• ব্ৰিডিঃ শতৈ রভ্যধিকা-मि भक्षा यद्यायकार्ष्ट्यन उठा वि-हीन उद्भक्ष जागहर हीनम्ला । गन्नायका॰ जीन् विज्यार महरम् एव उत्र म्ला अत्रमः श्रुषिष्ठः॥ व्यक्तीः বিকৌ দৌ বহতো ২স্য মূল্য বিভি: শতৈ রভ্যধিক সহসু । দ্বিমাবকো মাপিত গৌরবস্য শতানি চাষ্ট্রৌ কথিতানি মূল্য ।। অৰ্দাধিক মা ষক মূন্মিতস্য সপঞ্বি•লাশ্রিত্য• শতানা ৷ গুঞ্জাশ্চ বড্ ধার্যত: শ তে দ্বে মূল্য পর ওস্য বিদন্তি ভ জ্জাঃ॥ অধ্যৰ্জ মুন্মাপ কৃত• শত• न्। ब्लुः ख्रेन छन्। नम्बिजन्। यि । भाउभाज जीवमन् भद्रगः छ भुवन छि मार्बिका था ।। अधिक मणिः गठक म्नाः ममवात्याकाः िं वा निम्मा रखाए। विख्रेन मं-শভি ভবেদনূন• ধরণ• তদ্ভবক• বদ-ेडि उज्जाः॥ नत्र मश्रुठि माश्रुगार

यम्बार यपि नम्याप्तृत मन्त्रमा विशे-ন।। ব্রিংশতা ধরণ পূর্ণ শিক্য তস্যেতি কীর্ত্যতে। চত্বারি শভ-विजनाः भन्न ग्लाः विनिष्ठयः॥ ठेषातिः मेखः विहात्वा विः मेश्र्वा लाउँ मा। यद्धि निकद्रभीर्यः म्या-खना म्नाः हजूर्यम ॥ यमीजि नंत-তি শৈব জপ্যেতি পরিকীর্ত্তিতা। अकारण जाइव ह उत्या म् ना मन् ক্রমান্যাঞ্চালায় তৎ সকল মের **उट्टा ९म्छा ७**॰ ब्रम्नी तबा उत्तम या-बनगा विभक्ष । वृष्टे उत्ता मृष् उन् क्ड शिख मृत्वः अर्गाव्यविष्ठं मन् भोक्तिक मानु विष्यागृ ज्ञिल गएनऽ পুট মধ্য গতম্ভ কৃত্বা পশ্চাৎ পচে-खनু ততক্চ বিতান পত্যা । দুধে ততঃ প্ৰয়া ত বিপচেৎ সুধাযা পত্ব ততোপি প্যসা শুচি চিক্তণেন ।। मृक्षः ততো विभव वज्ञ निघर्यान न्यात्मोकिक विभूव महुन का छियू-ক্ত । ব্যাডি ৰ্জগাদ জগতা হি মহা-পুভাব সিদ্ধো বিদথা হিত তৎপর বা দ্যালুঃ।। শ্বেতকাচ সন্য তার॰ (रुगाः **न** जाउरगाजिउ । तमस्त्र পুখার্য্যেত মৌক্তিক দেহ ভূষণ ॥ এবং হি সিংহলে দেশে অর্বস্তি জশ-व। बनाः । यभान् कृ जिन नाम्तरः

্ঠিন্ড শতিনৌক্তিকে।। উঞ্চে **সব**্য বলে রেছে নিশা॰ তদ্বাসযেজ্ঞল। বুঁ।হিভি মর্নীবয়া শুষ্কবক্তোপবেঙি **७** ।। यन नायानि देववर्गः विख्डियः जरक्बिन ॥ **भिजः भुगा**नवर् थः ७ व वहः जुनियं नः। (उ का विकः मृतृ इक्ष भोकि हः खनवर म् उः ॥ পুনাণবদ্নৌরব রিমাযুক্ত সিতা সুবৃত্ত॰ সন সৃত্মবেধ॰। অক্রেড় র भागवहाँ भुमार यत्मोकिकः **७** त्छापद**् अ**षिष्ठे ॥ ७वः **मनस्ड**न ख्लान्यन यत्मोकिक॰ यात्र म् পাগত স্যাৎ। ন তস্য ভর্তার ম-নর্থজাত একোপি কশ্চিৎ সম্প-ভিদোষঃ॥ ইতি গাৰুডে ৬৯ অ-श्रायः ॥

মূকানুক: ত্রি কিপ্তাকিপ্ত:। অস্ত প্রোগো অস্ত্রে শস্ত্রেচ প্রাথোবর্ত চে ৷ ইতি হলায়ধ: ॥ মূকালতা স্ত্রী মূকাহার: । ইতি হেমচন্দু: ॥

মূকাবলী দ্বী মূকাহার:।ইত্যমর:
। মৌকি মশুণী চ।।
নকাস্থোটঃ পু॰ শুক্তি:।ইত্যমর:।।
নকাস্থোটা দ্বী শুক্তি:।ইতিরাল
নিহণ্টা।।

गिकिः श्री चाजासिकपुःथिन्युविः।

कैं विगायिकाः ॥ निष्ठात्रथावा-श्विः। १७ देवराजिकाः॥ मन्नीतन ন্দ্িযাভ্যা॰ আত্মনোন্তত্ব• মুক্তিঃ । इंडि ভরउर ॥ उट् भर्यायः । रेक-वनाः २ निर्वानः ७ (म्यः ४ निः। म् থসা ৫ অম্ ডা ৬ মোক: ৭ অপবর্গ: ৮। ইত্যाর: !। সাপক্ষবিধা। नाहिः ১ সালোক্য ২ সাক্ষ্য ৩ সায়জ্য 8 निर्वापः ए। यथा। मार्छः भावना गालाका मामीलाकव मनाउ। দীয়নান ন গৃহান্তি বিনা নত্সেবন জনা:।। ইভি শ্রীভাগবত ।। নুক্তিস্ত দ্বিবিধা সাধি শুকুক্তা সর্বসমতা। নির্বাণপদদাত্রী চ হরিভক্তিপ্দা ন্ণা-।। হরিভক্তি স্বরূপাঞ্চ নৃক্তি• वाकु हि विकवाः। यान्य निर्द्धां कः পাঞ্চ মৃক্তি নিছন্তি সাধবং।। ইতি বুন্ধবৈবৰ্ত্তে পুকৃতিখণ্ডে ২২ অধ্যা-यः ॥ 🗱 ॥ मुंकि इत्यारमा यथा। বক্ষ্যে সাঞ্চ নহাযোগ ভুক্তি মুক্তি কর॰ পর•। সর্বপাপ পুশমন• ভ-ज्रान्शिठंड भ्रू।। मामि म्ल॰ দু:খন্য ন মধেতি চ নির্ভি:। দ-खाखिया च्वकाय इन नाह नहा-मिनः ॥ यह गिन्रह्न्द्रार्भाखी ग्रामि अक्षवान् गरान्। ग्र कि-ত্রোপশাখাক পুঞ্নারাদি পল্লবঃ

म धन धान। महाभावा श्राककारेली হিবভিতঃ। প্ণ্যাপ্ণ্য সপ্সক্ষ সৃথ श्रार्थः बाजा २ छान् महाउयः । সংসারাত্ব পরিশান্তা যেত্র ছাযা সনাশ্রা:।। ভুৱিজ্ঞান সুথাসীনা खिवा मा अडि है में जैं। ये खे ने সঙ্গ পাষাণ নিশিতেন মহাতকঃ।। ছিলে। বিদ্যাসঠারেণ তে গতা লয আখরে। পাপ্য বুক্ষরসং পীত নীর জন্ধ নকণ্টক ।। প্রাপু বস্তি পরা: शुक्का कान निर्विख रनेव ह। मूर्ख ন্দ্ৰি মৰ নূল নত্বাৰা জন্ম চাপ্তছ ।। ন তন্মাত্রাদিক বাচা নৈবাস্ত:ক-রণাং ৰকৌ। ক·বা পশ্যসিরাজে-न्तु भूवान निष् भावत्याः॥ यजः भः রে হিংক্ষরক্ত: সংজাতো হ্য গুণা আ সঃ। নুনকো দুংখ মাগুৰ্থ জাতো मर्नाञ्जमा यथा।। এऋष्विभि भृष-शाव उथा (कवा श्रामा न्भा कान পূৰ্বাভি যোগে৷ প্তিজ্ঞানেন সহ (यागिनः ॥ मा मुक्ति व्यागि रहका गरेनकाः भूष उ रहेनः। उपगृहः যত্ৰ বসতি স্তন্তোজ্য থেন দ্বীবতি॥ इंडि गारूए २०० व्यवारः ॥ 🛊॥ ষ্পপিচ। হরি রাজ্ঞান সনেদ্ছো যদ। उद्याजायज। उत्रामकः म भःमा

রী বিকো রেবাত্মতা॰ বুঙ্কেৎ ॥ मा-नाथा मूठारङ हाजा जुमन् रेव घि यद्भ वट । भूई कर्ण निवाकाि मई: যোনিষু নিত্যশ: ৷৷ কুটস্থ: পশুতা যাতি আত্মজ্ঞান বিব**র্জিত:। সর্ব**ন-रु मामञीन (मयः मुःशाय कन्नाज।। মূদ্ধেতোহি যথাকাৰ্য্য **লিপ্যতে বৈ** न्नी अतः। क्षीताथाना दि जि यं ब जा-७ उषमहानत्म ॥ हन्तुकाष्ठ मणि যদ্দৃহীতে সোপচান্ গুণান্। সুথ॰ मृःथः তथा (क्रानः मः मत्रम् भी खतः ॥ यत्थ यः भूकरमा निज्य महेरज कर्या वक्षनां । मन्यमानः जूथः मूःथः (माः প্যেব বিপুমূচ্যতে ॥ জগন্মুক্তে ন স্-🚼: স্যাদমুক্তে বর্দ্ধতে সদা। তন্মা-क्कांगटक्रयः विष्णाट क्कानः नाधिक নেব চ ৷৷ যত্ৰ তত্ৰ স্থিতো জ্ঞানী পর गाक्रव विध्यता। विषयाञ्चत्र माल्ज বা যাতি দেহে মৃতে হরি ।। ন তস্য পুতিবন্ধে। १ छि यम् । नीरहा नि नीनः যা। সক্তে গৃহ্নতে নৈব পদ্মপত্ৰ भिवाञ्चमा ॥ यथा मूर्प्पन मःघाउ॰ भिष वृत्ति वीऽविञ्चि । उति ह निर्मन नावरङ्ग ज्ञानी विषय म•क्किजः॥ সর্বাবস্থোপি মুচ্যেত ভাবযুক্ত: প-রে পদে। জীবমূক্ত: সমুক্ত: স্যান্নিদা বিরহিতস্থা:।। কর্তা হর্তা চ ভো-

ক্তা চ সর্বজ্ঞ: সর্বগো হরি:। এক স্বছন্দ লীলস্য মূক্তি ব্লিত্যভিধীৰ-তে ॥ कीरमुक्ति मजानखा मृहिंठाः कात्र विग्राः। वियमुका हैवाजान्ति মৃচ। শৈউন্য বর্জিজাঃ।। নির্শুণঃ স তু विष्ठियः भूधं मूर्धं मञीज्यान् । जी वनात्मा उदम्बं उर जूश निज्ञ याञ्चन ।। मृष्मिख मखबाद्याक छः মোক্স ভবেদৃথা। তিইন্তি কাঠব-দ্মে চ সংবিত্তি পরিবর্জিতা:॥ তে চ भारगामत लीना जंडाक वेधितानः মাঃ। আৰাশ বভবেতালা বিদে-হো নিষুচেতন:।। অল ত্ৰনেন মো ক্ষেণ চেতনা রহিতেন চ। বরনেব চ সংসারী বিষয়াসক্ত চেতন: ৷৷ সুথ म्। नष्टतः पूर्धः पूर्धम्। नष्टतः मूर्धः । ভুঞ্জনারা। উভৌ পাশৌ সংসারে সংব্যবৃহি'ত:।। ঈদৃশ হি পর জা न (यहारीना मत्नय उः। भूथ म । ह क्ष जूड यार्ग त्र दिका उम ॥ যত্র বাসঃ পরে স্থানে সূখ দুঃখ বি-वर्षिजः। (कवनः जीवनारमा २गः পোক্ত জ্ঞান মন্ধানতা।। চেতনার হিতো জ্ঞান মাফাশস্থো ২প্যচেত नः। गृष्टि पण एवा हो दि निना পউক হৃদ্যু বং ॥ অর্থ শ্রাস্তো নরো यषदः मृजुक्तः मृथं मृजू छ। (वाष्ठामाः ||

नः महाजीन मुशासाक् ने नन्द्र ॥ आ। विया मूक मिन माकः मूध मजाञ्च (केवलः । जन्मः मःभूवक्ताः মি শৃণুত্ব পদকৈ। মম।। দুঃখানা ম गरमा नास्ति गळ स्मीचंद्रः नित्रस्तरः विष्ठप्रे उद्भाव मृष्ट्री (वान्न)। मूथी ভবেৎ ॥ तुक्कछान भुविमानः यहम्ताञा वनादिजाः। न তেবा॰ भू-नज्ञावृद्धि यां छि विकू व्ययः वृशाः 🕆 অতিদেবো হরি: শান্ত: কারণোপা য বর্জিঙ্গ:। ত' জ্ঞাত্বা ত্ ভবেন্মুকি र्निर्मणा कायरयाणिनः।। तुका विकुण क्पूक वन्तु म्यंशास्यः भूताः। न वि ভক্তি• শরীরস্য থান্তি মুক্তি নবিদ্য (७ १। जमानाद्राधनीयाशि म॰वः মেন্দ্রিয় গোচর:। বিষ্ণু মায়া পক্তি र्था रेव यनी हिन्यू कि भाषानः॥भानाः विष्ठा जनामा नानाः जिल्ह्य निश्न-হাৎ ৷ নান্যত্ৰ সৰ্ব সংভ্যাগাৎ নে कः विन्ति भानवः ॥ जनाक्षर्य मृ থো ভ্রা সংযম্যাত্মান মাত্মনা? थर्मा अर्येशिक्शियाना धर्माञा रू थ (नथ्र ।। धर्माप्तवाभ्रत्र (५८६) नात्राः भूञा थन• उथा। **धर्या**८ सर्ग• भाक्षक यहनामि पूर्व छ॰ ॥ अध (या (नव गन्न बीः यथ्यं मनुगामिनः স্বৰ্গে তিপ্তস্তি বিপুৰ্ষে ততো থাস্য

नद्गे जिः ॥ धर्म नर्थक द्गानक माक क अघि जलग । जना त्या जि भूम मि जित्र ना वाग्य भवादयः ॥ इं जि विद्य-मू वापः ॥

ा जनाक तथ वस्य भागात थ । जनाक तथ वस्य भागात थ मुक्तिरः। नाना निक्ति अपाठातः भतः िष्ठान्त्र क्षकः।। स्काट स्या जनः ठान प्रनाम ठाष्ट्रीक्षतः भतः। मजः मृथ मगृहार्यप्रमाणवार्थ भूमा धकः॥ भाष्ट्र नात्रायनात्य जिन्नाः हात्र प्राः नित्या गठः। स्वित्र ज्ञाः कात्र मत्य स्विः मर्नार्था स्तिः।। मानायात्य जित्र नाम धर्म कामार्थ त्राक्रमः।। हिन्न विद्य भूद्रानः॥ गुक्तिराज ति वि।।

্তিমূক: পু॰ শিহ্নক•।ইতি রত্ন নালা।।

्रं की भन्नीनावयविद्यायः। मञ्

मूर्थविवतः। कवयञ्च उपूर्वाकारञ সমুদাযে যুঞ্জতে। ইতি ভরতঃ।। **७** व गर्डश्मा १ भगोम र्डबि । इेडि मुथ्रवाथः ॥ उर्भर्गायः । वकुः २ वामाः ० वहनः ८ ज्खः ए আনন ৬ লপন । ইত্যমর:।। उन्। यक्श रथा। १८%। ह एउम्-मानि पष्टा बिखा ह जान् ह। गरना गलारि नकन नशाक मूथ मूहा-তে।। ইতি ভাবপুকাশ:।। রতি-कियायाः बजीग्थम्। (महाट ब्रवाः लकम्थम्। ह हुम्रान मृत्रदः यथा । নিক্ষকা সম্ভতাধারা নাৰ্জ্জারো বু कविनरवः। जीन्थः वालकम्थः न मुष्टे॰ मनू ब्रव्वीट ॥ इंडि कर्याः (वाहन ।। 🗱 ।। निः मद्रगः। इंड्रा-गतः ॥ उद्ध गृहमा निष्कृमन भूरव-**म**न वर्षा । ইতি সর্বধ্রাদ্য: ॥ গৃহাদি দার পুবেশঃ। ইতি স্বামী ॥ इडिम खनारमः भूरवण निर्मनः। ইতি কোক্লট:।। গৃহাঙ্গৰাদি নিঃ-সরণ পথ:। ইতি রমানাথ: ॥ ইত্যমর টীকাযাণ ভরত: ॥ প্রার-छः ॥ डेन्रायः ॥ निक्षविर्णयः ॥ नार्वेकारिः मदः। इंडि मिनिनी।। व्यान्तरः॥ भूषानः॥ भकः॥ नाष्टे-कः॥ (वरः॥ इंडि भक्तज्ञावनी ॥

काट। নৃত্তঃ থগবক্তে। মুথে। ডহু:। इंडि नद्रिन्युका॥

भूथगन्नकः भू॰ भवाखुः। ইতি রাজ निर्घण्टः ॥

मूथ्यको जी इंग्इनीयुनिः। ইতি ত্রিকাওশেষ:॥

মূথচীরী জী জিন্তা।ইতি শদ गावा।।

মুখজ: পু বাহ্মণ:। ইতি পুরাণ।। বকুজাতে বি ॥

মুখতীয° ত্রি মুখসম্বন্ধি।ইতি সি-काष्ठकोग्भी।।

ब्र्थन्यगः भ् भनाखुः। ইতিরাজ निघफः॥

मुथवावन ही चाम्रभुकाबन । मुथ ধোতা ইতি ভাষা। যথা। পটোল निम्न कम्राम् नामञी वनश्रल्लेवः। পঞ্চপল্লবন্ধ: শুেষ্ঠ: ক্যাযো মূখ-থাবনে। ইতি ভাবপুকাশ:॥

মুখধৌতা জী ব্ৰাহ্মণযঞ্চিকা। ইতি भक्तिमुका।।

মূথনিবাসিনী জী সরস্বতী।ইতি কেচিৎ ॥

नूथिनितीक्रकः भू विनमः। ইতি भवत्रज्ञावनी ॥

मूर्थभूत्राः ही ग्रष्यः। इंडिरेवराकः॥

मूथः भ् उद्यायथा। विम्नाति मूर्णभूगः भूभ नातसः हि छि छाद् প্রকাশর।। বক্তুরোচলে তি ॥ ্থ ভূষণ জ্লী ভাছল। ইতি বৈ 有一种· 11 .

সূ**থ**া এনকঃ 👙 ভিল্লের্**ফ:। ইভি** রাজন্যড়া। 🐃 🧠 ভূষকে ত্রি 🛚 🗎 मूर्यानाः भ् माञाञ्जनः। ইতি वाकिनियंग्रेः॥

मूथ्यव्या की कविका। यथा। कवी थनीन क वेला कविषः मूथ्यञ्चन । ইতি হেমচনদ:।।

मूथतः वि अभियवानी। उर्भर्गा-यः। मृग्र्थः २ व्यवस्यः १। इन्डरः गतः॥

মুখর: পু• কাক:।। শহ্য:। ইতি রাজ-निर्दर्धः ॥

মুথরোগঃ পু॰ বক্তানযঃ। তত্র মুখ-न। खक्न नार। ७: ही व म्स्यूना-নি দন্তা জিল্পা চ ভালু চ। গলো गलारि नकलः मछाङ्गः मूथ मूह्य-(७॥#॥ यथमूथता गानाः मःथऽ। माह। मृत्र इष्टार्ति। धर्मा पंचम्ल जू मन यहे उथा। म्राउपक्षी त्रम-क्छायाः शक्ष मृ। नंव डालूनि॥ कर्छ তৃষ্টাদশ পোক্তা স্ত্ৰখঃ সৰ্ব সরাঃ আতাঃ ৷ এবং নখান্যা: সর্বে সপ্ত: यहि मंजा दूरियः॥ अ। मूथातागागा॰

जितानानगरः । अन्य शिष्टिकोत **पि भाषा**पि (अतम क्रिय भर्द) शहाः अर्युः कुका मान्। वरकाछ-রাঃ॥#।# : ১ তে ১৪ রেখিনঃ। তেম্ব निराम भू । अध्याकार । भूष-क्षितः नगरेष्ठक ब्रक्टका मा नज স্তথা। সেদোন শ্চাভিঘাতোত্থ এব নুষ্টেছিলা গদাঃ::#।। তত্ৰ বাতিকস্য बक्र भार। कर्त्रामी शक्रावी खाकी क्ष्मिञीतु मुगिक्ति। माल्लाज भिर्व পাদ্যেতে ওঠো মাৰুত কোপ**ত:**॥ भक्रायोक्तरको। माः च्राउ विमार्थ्य उ । পরিপাদ্যেত কিঞ্ছিদীর্ণ বৃচৌ-ক্রিয়েতে। ৠ.। পৈ ত্তিকমাহ। চীয়েতে পিডকাভিন্ত সক্জাভি: সম্সত: । সদাহ পাক পিডকৌ পীতাভা-দৌ চ পিত্ততঃ ॥ 🛊 ॥ স্থৈতি মাহ । সবর্ণাভিস্ক চীধেতে পিডকাভি র (वन्दा)। क शृमस्त्रो ककादना ही नि हिलो भीउलो एक ॥ 🗱 ॥ नामि-शाउक मार। मक्ट क्लो मक्ट পীতৌ সক্ৎখেতৌ তথৈবচ। সমি পাতেন বিজ্ঞেয়া বনেক পিডকান্বি (छो॥ 🗱 ॥ রক্তজনাহ। थর्জুর ফল বৰ্ণাভিঃ পিড়কাভি মিপীড়িতৌ রভোপস্ঞী কৃষির• সুবন্ত• শোণি छ शुक्ति।। भाग्यजगाह। गाग्य

मूरशे छक इंलो मा मिल वर्ष वर्ष । জম্ভব শচাত মুর্ছি নরস্যোভ্যতো मुथार ।। कडवः क्मयः । मृहं छ व र्षाष्ठ। मृथापृ ७ य छः मृक्षाप्राः ॥ 🗱 ॥ भितासमार । मिर्न मंखन्जीकाः (मो भिरमा क्खादो छक्। यह ग्र-িক সন্ধাশ মাসুাব পুৰতো ভূশ ।। 🗱।। অভিযাতল নাহ। ফাতলা-ভৌ বিদীর্য্যেতে পীড্যেতে চাভিঘা-ততঃ। মথিতৌ চ সমাখ্যাতাবো-ষ্ঠো কণ্ড় সমন্বিতৌ ॥ নথিতৌ মুদ্ধি-তাবিব। অতএব ক্ষতভাভৌ ক্ধিরা ভাবিতি সঙ্গত ॥ 🗱 ॥ অথৌষ্ঠ রোগাণা চিকিৎসা। গল দন্ত মূল स्मनहारम् (द्रागाः ककाम् ভ्यिष्ठाः । তন্মাদেতেম্বসকৃঞ্ধির বিসাব-रमष्ठे ।। ठञ्डिर्यन (त्र्र्ट्न मध्रि যুতেন চ। বাতজে হভ্যঞ্জন ফর্ব্যা-माजी (मृत्क वृक्षिनान्।। हजू विश्वन ন্নেহেন তৈল ঘৃত বসা মজ্জৰপেণ ।। বেধ শিরাণা বমন বিরে ছ॰ তিক্তাস্যপান রস ভোজনঞ্চ। শীতা: পুদেহা: পরিষেচনঞ্ পি-ভোপস্ষ্টেম্বধরেষু কর্য্যাৎ।। শিরে। विदिन भूगः (यमः कदल এव ह। হুতে রক্তে পুযোক্তব্য ওপ্ত কোপে কফাত্মকে।। নেদোজে স্বেদিতে ভি

व्य (माधिष्ठ कवला हिनः। शियक ত্রিফলা লোপু সক্ষৌদু• পুতিসার · ११। # ।। भुक्तिमात्रमः विवि मार्। म्**ड जिल्ल। गर्थाना॰** यहुर्ग कल्लावरहा श्रेनः । मरेन र्घर्यंग मञ्ज्वा। जपूकः পুভিসারণ ।৷ ওঞ্জাগেল্পেষেযু **मृद्धे। (माय मृभा**ठत्त्रः । (७ष् दूगद्वः यार्ज्य तुनवर अभूभाव्यवराक्षाक्षा। व्यथ प्रस्टाद है (ज्ञानाः। उत्र प्रस्ट है (द्रागाना नामानि मःथा। श्राह्म । শ্লীতাদে৷ গদিতঃ পূর্বণ দন্তপূপ্পুটক खथा। पत्रत्येः भाषित्रक महात्मी বির এব চ।। ততঃ পরিদরঃ পোক্ত **ख** उ उ पक्**मः** म् उः॥ दि प र् ज उ उ उ পোক্ত: থলিবৰ্দ্ধন এব চ। অধিমাণ जक नामा ह पखनाष्ठाण्ड शक ह।। দন্তবিদুধি রপ্যত্র দন্তবেষ্টেযু যোডশ । 🗱 ।। उब भी जारमा वक्ता मार्। শোণিত দন্তবেষ্টেভ্যে যত্ত্ৰাক্ষাৎ পুবর্ত্ত। দুর্গন্ধীনি স কৃষ্ণানি উৎ-क्रिपीन मृष्नि ह।। पष्ठ माः नामि भीगंत्रस्थ भवस्थि व भवस्थावः। भी ভাবে৷ নাম সব্যাধিং কফ শোণিত সম্ভব: ৷৷ দন্তবেষ্টেভ্য: দন্তবেষ্টনমাণ সেভ্যঃ। অকষাৎ অধিয়াত বিনা শীর্যান্ত পত্তি। পচন্তি চ পরস্প जः शारकागाना माः मानि (शानि उ॰ 🎚

পচন্তি শেটাত না সানি পঢ়া ॥ 🕸 ॥ एउ भूक्ष हैना 🖘 । पर्छरवा 🖫 বা যত্ৰ খুখুজাযতে মহান্। দন্তপ্ পুটকো নাৰ্স ব্যাধি: কফ রক্তজঃ ।। 🕸 ।। म्डल्किगार । সুবস্তি প্य॰ ক্ষির চলা দন্তা ভবন্তি চ। দন্তবেই: স বিজ্ঞো। দৃষ্ট শো**ণিত সম্ভবঃ** 🔢 অত্ৰ দন্তন্লানীতি কতৃপিদ ম रुत्रगीय ।। अ ॥ (भीवित्रगार्। श्रय দ্ভিদ্লেষু ৰুজাবান্কফ বাভজঃ नानामानी कथुत्रक विष्क्रयः (नीति রো গদ:।। 🕸 ।। स्राप्ती विद्रमाहः দন্তা শ্চলন্তিবেক্টেভ্যো স্তালু চাপ্যব भीयाउ। यमिन्त्र नर्दाका वाधि मं হালৌষির সংজ্ঞক: ৷৷ তাল্ চাপ্য वरीर्याटन हकाबाद मस्यवादी हानाडुः বদীর্য্যেতে। সপ্তরাত্রান্ মার**ক স্চা**-য যত আহ ভোজঃ। নহাশৌষির ইতেऽय সপ্রয়াভান্ নিহ্ভঃসূন্। 🟶 🛭 शतिपत्रनारः । पष्टमाः मानि भीर्यप्रख যমিন্ সুবতি চাপ্যসূক্। পি**ভাসৃক্** কফজো ব্যাধি জ্রেন: পরিদরো ছি मः ॥ 🗱 ॥ উপকৃশবাহ । বেষ্টেষু দাহ: পাকশ্চ ভাভ্যা॰ দম্ভা শ্চলম্ভি হি। অভ্যাহতা: পুসুবস্তি শোণিত নন্দবেদন । সাধ্যায়তে সুতে রক্তে गूथः প্তि ह कायाजा। यसिम्भक्षाः

স্স্যাৎ পি ভ রক্ত সমুক্ত্বঃ। আঘ।। ि जाः घृक्षाः। भारिवम् जम्भे । मृत्हेर् मध्यू (लयु न व द्वा कायुट्ट महान्। চলন্তিচ রদা যিমন্ সঁবৈদর্ভো বিঘা-ভ**ন্ন: ॥ স**ংবৃদ্ধ: শো**থঃ।** চলণ্ডিচেভি धकात्रात्वहना नारु शाकाः ॥ 🛠 ॥ स*िव*कन मार्। माक्टनाविका ্ড। জাষতে তীবুবেদনঃ । থলিব-া সংজ্ঞা হসৌ সংজ্ঞাতে কক্ পু শান্যতি ॥ সঞ্জাতে দন্তে ॥ 🛊 ॥ िना जिन्ना स्वाप्त । स्वाप्त प्रकास मा उभहान् (**णात्था महाक्षः । ला**-সাবী কফক্তো বিজ্ঞেব: সো-ংখনা নক: ॥ হনবেঃ হনুভবে প-ः रम पर्छ।। 🗱।। शक्षमञ्जना जी द्राङ् ্ভমূলগতা নাড্যঃ পঞ্চ জ্ঞেয়া যু ্থেরিতা:। যথেরিতা যথা নাডী াণ বাত পিত্ত কফ সন্মিপাতাগন্ত িনিত্তাঃ পঞ্চনাড্যঃ কথিতা স্তথা ः भी अर्थः। 🗱 ॥ पष्ठविष्धिमाइ। ्याः मन्देनः मारेम् वीकासः स्वर्ष सन्। महार कक् मुखिखाः भ्याः ा मखित्रितिः ॥ मखना मनतेनः म-<sup>कृषि</sup> वेश अतिष्यः । जारेजुः अतिरक्त ্তৃভি:।। 🗱 ।। অথ দন্তবেষ্ট রো-শাণ চিকিৎ যা। শীভাদে হত अ क् लाय नागव नर्यभान्।

निकाथ। बिक्लाकानि वर्गाम् अ व बाद्र १ ।। कामीम (बाबु क्षा नः ন:শিলা স প্রিয়কু তেরাস্থাঃ ৷এবা• চুর্ণ মধুযুক শীতাদে প্তিমাণস-হর• ।। তেজাস্থা তেজবল্পল ইতি লোকে।। তৈল• মৃত• বা বাতমু• শী-जार मः भुभगाउ । 🗱 मन्नभू हेरक कार्याः उकार ज्ञान भागाः न शक वादाः काद्रः म क्लोमः भुजि-সারণ । শিরে। বিরেক\*ঃ হিতো ন-স্য ক্রিঞ্চ ভোজন ৷ ৷ া বিসাবিতে দন্তবেষ্টে বৃণন্ত পুতিসার্যে । লোপু शबक् मधुक लाका हुर्ति मधुश्रुरैजः ॥ शुक्तिनाद्वायः व्यक्ता घर्षायः । পত্তক চোচক ইতি লোকে ৷৷ গ-ख्रि की दिशा शाक्याः मक्येपु घ्ठ **न्यक्तिः। ठल**रः रेष्ट्यंप्रकद्गः कार्यप्रः वन्न हर्न १। जुनूखा ज्या त्रा व বিডঙ্গারিষ্ট পল্লবৈ:। গোনুত্র পিঞ্জি अंदिकाः हाया भूषाः भूतन्त्राय ॥ তা॰ নিধায় মুখে শোথ শুল দম্ভা-ত্রোনর:। নাত: পরতর কিঞ্চিল-म्बन्ध (ভवजः ॥ ভृगुक्ता दिव्हिक्ष ॥ जुना घ्ठ॰ नीलगहाउद्देश (मुाना स ना मः भुनायम्थावर । उउ करु जाग तरमन रेडन भरहहरेन त्रस्भन अनारेगः॥ कर्द्ध त्रनष्ठा शनितातित्नम

জন্বানু যন্ত্ৰী নধুকোৎপলানা । ত- ¦ खिन नात्थव ४ उ॰ मृत्थन रेष्ट्रग्रं॰ विज्ञानाः विषयाि अपः ॥ नीवः नहाहतः नील भू म्र कहेरे द्रया । जन ন্তা দুরালভা তদলাভে যবাপো গা-श्रः। जितियामा पूर्णकथितः। न क्षात्रताम् देखन ।। #।। रेम मित्र वृज व्रत्क ज् त्वायु मूखा व्रमाक्षरिः। माकोर्पुः ममाराज (वारभा गण्य ক্ষীরিণো হিতা:।। #।। ক্রিযাণ প-तिरात क्याही जामाका· विष्क्राः । 🛠। সংশোধ্যে ভযতঃ কাদ শির শ্চোপকৃশে তথা।। কাকোডুম্ব রকা পरें वूर्नः विमावस्य छित्र है। लवरेनः क्ष्मीपु गृहेक महिनातीयः भविनात-বেৎ॥ #॥ শক্তেণেত্কৃত্য বৈদর্ভ দভনু পানি শোধ্যেত। ভতঃ ক্ষার• পুৰুঞ্চিত কিয়া: সর্বাচ্চ শীতলা: ।। উक् ठ्याधिक म्बन्ड टर्डा २ ग्निन-वहातरय । क्निम छक वहाज विविः। कः रयं। विद्वान ७।। ३।। ३प॰ थ निवर्का নগ্য চিকিৎসা॥#। ছিত্ত্বাধিনাৎসং नकोरेषु (ब्रेटेंड म्हरेन बनाहरद्र । वहा (उरज्ञाव जी भाठे। सच्छि हा याव শ্রু**কৈ:** ৷৷ ডেলোবতী তেজবল্প• चर्कीवन्नीं है ।। क्लीन विजेया शिश्रमाः क्वता ठाव केखिंगः।

शाहित दिश्च विकला क्यांग महीब धाननः। कित साजीतु स्व कर्य प्रस-नाउ व के इत्यः। य पत्र मत्य मत्या का-থেত নাডীদর্ত্ত ভদুদ্ধরেৎ।। ছিত্রা মাংসানি শান্ত্রণ যদি নোপরিভো छा । उक्रा प्रहानिका-রেণ জ্লানেন বা।। ভিন্তুগ্রেলিফতে पछ रन्काङ्गि गिकः धृतः। अमृतः দশন তথাদুদ্ধরেন্ডগ্ন মস্থিচ।। উদ্ধৃতে ত্ত্তরে দম্ভে শোণিত পুসু-বেদতি। বক্তাভিষেকাৎ পূর্বে:ङा ঘোরা রোগা ভবন্তি হি ॥ কাণঃ স॰ জায়তে জন্ত রদিত তস্য জাগতে । छल म्लाउद्य म्ड म्ला रेन्द्रा-क्रात्र छिषक् ॥ शावन का कि नमन त्रामु कचेक थापिते । क्यारेग ब्रि-जिल्मय:। क्यारेय जीजि मनन क-चैकी बादूकचरिकः ॥ मां अक्षा लाषु थितत्र यक्षेत्रारेख कानि ३८ कृतः। ভৈল তৎ সাধিত তত্ৰ হন্যাৎ দন্তগতা গতি ॥ জাত্যাদি চতুষ্ট-यम् क्यायम मिल्रिशिक ठेज्हैयम् **ठ क्याय्य रेज्जिन्स शहर । जा-**जि: हरानी इंडि **ला**कि। उन्धाः পত্র• গুছে•। মদনে। ধুতুর স্তস্যাপি প্র মুর্গান্ত । ক্ট নী বৃহৎক্টা-इ जम्। मूल गाञ्। बादूक हैता

भीके किए स्थाप के प्राप्त का ।। **छ्याहिरे** जबर १ क १ व्यक्तिक विश्विर ्युक्क शिर्वकारक अर्थ । मञ्जूष्य । नित्र छत्र देना हिन्द किर्नाय । ११ 🛊 ॥ लाज महादानाः । एव (द्राः नागा नागानि मः याकारा मान নঃ কথিতঃ পূৰ্ব॰ কৃমিদন্তক এব চ। প্রোক্তো ভঞ্জনকো দন্তহযো বৈ দন্ত শক্করা ৷৷ কপালিকাত্র কথিতা শ্যা ব্যস্তাদ এবচ। করাল স•জ্ঞাইত্য 💰 দভরোগাঃ পুকীর্ভিভাঃ ॥ 🗱 ॥ छत्र माल्यम् । लक्क्प मारु । भीरां मा-ণেশ্বিব কৃতা যত্ত দতেষু জাযতে। मान्याना नाम य व्याधिः समाग्रि নিমিভাজ:।। #।। ক্নিদ্ভক গাছ। क्ष हिन् हलमावी ममः त्राया। महा-ৰুজঃ। অনিনিত্তক্ষো বাতাৎ স **७** जा क्षिप्त अकः ॥ अञ्चल अञ्चल । **মূলশোথযুক্তঃ।** তবৈৰ সাবো বো ष्वतः। अनिभिन्नकः अवश्वेनामि निमिख॰ विरेन्द सङ्गक्कावान्॥ #॥ ভঞ্জনক নাহ। বক্তু॰ বক্ত॰ ভবেদ্দ্ৰ দন্ত ভঙ্গান্চ জায়তে। কফ বাত ক্-তো ব্যাধি: স ভঞ্জনক সংজ্ঞক: ॥ 🗱 ॥ पछ इर्घ भाष्ट्र। मीठ क्रक পুবাতান স্পর্শানা নসহা দ্বিজা:। यव न्। बाउ निखान्। पष्ट्यं म

कीर्डिङः ॥ 🛊 ॥ म्हणकंत्रा मारु । भाषा प्रस्थाता यस करा भानिषा-(भाविजः। भक्र (রব খরস্পর্শা **সা**-জেয়া দন্তশঙ্করা II শঙ্করা **সিকতা** ॥ । । কপা লকা নাহ। কপালে স্থি-व नीर्गं ९ मू ना छ वू मना ल यू छ । कः পালিকেতি বিজ্ঞেনা দম্ভ ইৎ দম্ভ-শर्कत्।।। कभावानि मृत्रय घटानि ষ্টকানি তেম্বিক। সন্লেষ্ দছেষু ন-वनश्चि मञावगत्वमूमीरं म्यामस्र-भक्रता मा कशानिकि विख्छिया। मा क्लाविका म्डहिए म्डगानिनी ।। भा। भारतस्थक मारु। या २मृद्यिः (ण्प शिखन मध्या मस्र स्था । শ্যাবতা নীলতা বাপি গতঃ স माऽावपञ्चकः।। पद्धः पद्ध हेव ।। 🕸 🛚 ।। कतालगार। भरेनः भरेनः भुसक्छ যত দন্তাশিতো ধনিল:। করালান্ विकिटान् मछान् म कद्रारला न मिशुः जि ॥ कतालान् ज्यानकान्। अय॰ সৃশুতেনোক্ত:। সংগৃহকারেণ গৃহী-७ क ।। # ।। जथ मल्दाशानान ि । किएना। टिन्नः नाकात्रमः कीतः পৃথক্ পুস্থ মিত পচেৎ। দুবৈয়ং প লমিতৈ রেতৈ: স্বাথৈ শ্চাপি চতুর্গু-रिनः ॥ लायु कर्षक माञ्जिष्टा भाग-(कन्त भगतिः। हन्त्वा भन यः

क्षेत्रारेख खरेखनः वहत्व ध् उः ॥ करेकः লস্থানে পত্তক ইতিচ পাঠঃ॥ দাল-न परा विकास पर पर विकास । শীতাদ প্তিবক্তৃঞ্চ বিকচি বির-नाम्य ।। इन्यानाम् गनात्नजान् वर्गाप्रशानि थितान्। नाकािक भिनः टेडनः मस्यारमम् मूकिउः॥ नाकार १ रेडन ।। 🗱। ब्राय विमायरेनः বিল্ল মচল ক্মিদন্তক। তথাবপী िछ बी छोड़ाः एत्र गर्ष्य थात्रौनः ॥ **ज्**षुरार्वाित वर्षा ज् त्वरिशः श्लिषक ভোজনৈ:। কৃনিদন্তাপহ· কোঞ্ **হিন্দু** দম্ভান্তরে স্থি**ত•** ॥ বৃষ্ঠী ভূমি-कम्यी शक्षाञ्चल कचेकाविका कृष्धः । গ ्ष रिउन युजः कृश्मिषञ्चक (वष्ना-भगनः ॥ नीली वायमङङ्घा कर्षे उन्नी भूलामरिककः। मक्ष्री एमन विश्वेष দশনক্মি পাতন পুাহঃ॥ৠ।সেহা-नाः कवनाः (काष्मः त्रनिय द्वितृज न्। निय्रा भारतिल्यानाः मञ्जू र्व भूमर्भनाः ॥ देववृत्रम् अभिवः जि বৃতা পশ্বস্য সপিনঃ কবল ইভ্যৰ্থঃ ।। সুৈহিকো ২এ ছিতো ধ্নো নস্য সৈহিকমেব চ। পেয়া রসা য্বায়শ্চ ক্ষীরমন্তানিকা ঘৃত ।। শিরোবন্তি হিভশ্চাপি জনো য শানিলাপহঃ । ज्ञ रहर्ष।। अ॥ शहिष् रहरू

वानिगार् द्राम्भाद्र दिवक । ना कार्रेन में भूरें उठ छा॰ भू विमादः (यट् ॥ मस्युव किया हाज सर्गामि-व्यवस्थितः विभाषिका कृह्उमा তত্রাপ্যেষা ক্রিয়া হিতা।। অত্র দম্ভ-শङ्काया । এया किया प्रस्कर्यकिया ॥ शा कवानामानि भी जावू ककाम॰ দম্বধাবন । তথা ভি কঠিন ভক্ষ্য म खात्राणी विवर्क्डरय ।। 🗱 ॥ 🗱 ॥ অথ জিন্তারোগা:। তত্র জিন্তারো-गागाः निरान नाम मःथाः शुह । বাতৃজঃ পিত্তজ্ঞাগি কফ্লো ২-লাস সংজ্ঞকঃ। উপদ্বৈস্থিক। চ গ-मा जिल्लाया॰ পঞ্চ कीर्खिङाः ॥ #॥ ত্র বাত্রস্য লক্ষ্য নাহ। জিল্পা-নিলেন স্ক টিতা পুসুগু। ভবেচ শা 🏻 🗠 हरन शुकाना। सुविजा ननाविशीर्गा । পুনুপ্তা রসানভিজ্ঞতথা সুপ্তেব। শাক্ত্ৰন পুকাশা কান্ৰ ভূমিজো জন তত্বৎ কণ্টক চিতা।। 🟶 ।। পি॰ खब नाए। भिखाद मनारेश क्भ-চীযতে চ। দীর্যেঃ সরক্তৈ রপি কণ্ট-रिकम्ह ॥ ज्यर द्वारमा लात्क कनी ইতি খ্যাতঃ॥ 🛊॥ কফ্জ নাহ। ক ফেন গুৰী বহলা চিতা চ মা নোছ-रियः भानानि क'हेकास्त्रिः। वहनाः ख्वाः मा·स्माहत्यः मा**ःमज**क्**टरिकः** 

मूथात्री ।

। अवाम गाई। विशेष्टल यः च्यथः भुगारः (मा श्वाम म छः ৰুক রক ম্র্ভি:। জিস্থা সকঃ স্তম্ভ ৰতি পুৰুদ্ধ। মূলে দ্বিজ্ব। ভ্ৰামে उ भाक।। भुगाहः भुकर्षन गाए। মাৰণ:। কফরক্তম্র্ভি: কফ রকা ্যা• মূর্ত্তি র্যস্য কফরক্তর ইত্যর্থ:। হল। স্তম্ভেন বাযু রপ্যত্র বোদ্ধব্যঃ ভূশপাকেন পিজ্ঞ। অত জি-ारवाय मनावाद्यकाना ॥ 🕸 ॥ উ-৺ভিস্থিকা মাহ। জিস্থাগু ৰূপ স্ব থু হি জিস্থ। মূভান্য কাতঃ কফ পত্ত যোনি:। পুসেক কণ্ডুপরি দাস্ ্ক: পুকথ্যতে ২সাব্পজিস্থিকে उ॥ बिस्रागुक्ता बिस्रागुाक्जिः 🏰।। অথ জিস্থারোগাণা: চিকিৎ-না। জিস্তাগত বিকারাণা শস্ত শাণিত মোকণ । গুড়ুচী পিপ্ললী निष कवनः कर्वेजिः मूथः॥ ५४ भू কাপে ৎনিলজে যদুক্ত প্ৰাক্ চি-किट्निन । कश्रेष्ठव्रनिलात्यवृ उৎकार्याः ভिषदा थन्।। भिखदा পরিষ্ঠে তু নি:স্তে দুষ্ট শোণিতে। শুতিসারণ গণ্ড্য নস্যানি মধুরণ हिउ॰॥ कर्षेक्ष्र् करकात्थ्य लिः ेथाउष्प्रमुखः कार्य। शिश्रनापि मं भूगजः कागाञ्च भूजिमात्रामा। छैनः

विश्वास मः विथा कार्त्रन भुविमाः রযেৎ।। শিরে। বিরেক গণ্ড্য খুনৈ रेण्डना मूलाहत्वर ॥ विशय कार्ताः ভगा विश हर्गमिष्ट भुषर्यनः। उनः কিন্তা পুশাস্ত্যৰ্থ মেভি ত্তৈলঞ্চ পা-हरार ॥ 🛊 । 🛊 ॥ वाय जान्द्रागाः । जक जान्त्रागागा नामानि नं थ्याकार। गनम्खी ज्खिकर्ग्य धुनः কছপ এব চ। ভালুর্দশ্চ কথিতো भाष्म मधाउ वर हो। जालूनुभू है নামা চ তালুশোষ ত্তথিব চ। তালু-পাক্ষ কথিতা ভালুরোগা অনী नव ॥ 🗱॥ ७ व गनमू थी न ऋप मार । (न्याम्याम्या • जान् म्नार भुव्रका দীর্ঘ: শোথো খ্যাত বস্তি পুকাশ:। क्षा **काम जाम ज्रे॰** वरिष्ठ विरा ব্যাধি কণ্ঠশুগুতি নামা ৷৷ খ্যাত্ৰ-বস্তিপুকাশ: বাতপ্রিত চর্মপ্ট ज्वाः ॥ # ॥ ज्ञितको नार । **लाथ: इ**न खार मार भुशाकी প্রাহুকাভ্যাণ তুঞ্জিকরী মতা তু। পুৰিকাভ্যা• শ্লেমাস্থ্যা•। তুৰি-(कद्री विनकार्गामीयन • उजुरनाजि ॥ 🗱 ॥ जभुवमार । (भाष उन्त्र লোহিতঃ শোণিতোত্থো জ্ঞেয়ো হ थुवः मब्द्र छी वु क्क् ह ॥ 🗱 ॥ कह्-श्रमार । क्र्यां ८ मामा (क्रांना भी

घृहन्। (त्रार्गा उद्धयः कह्नः (भूगः ना माट। क्र्याट मनः मस्य ला हः शुाखनजः॥ ॥ ।। जानुत्रामार । পদ্মাকার• তালু মধ্যে তৃ শোপ• विम्रापुकामबूमि भिक्त निक्। भ-ন্মাকার পদাকর্ণিকা কেশুরৈ রিব भार्या भीच मा मास्ट्रेंब (बंडिउ॰ ॥ 🗱 ॥ भाः ननः घाउभारु । पृष्ठेः মা স শুেম্বা নীৰু জঞ্চ । তালু ভঙ্গ भाष्म अधाउ भार ॥ अधा उाल् भूश्रु देगार । नीयक् सारी (कान-माबः ककात्रा। (मर्ता युकः भूश्र ह खानुपराम् ॥ 🗱 ॥ जानामायगारु । (भारव। २७)र्थ- मीगंऽर७ हानि তালুঃ খাসে৷ বাতাভালু শাষোয মুক্ত:।। 🐞।। তালুপাক নাহ। পি-ख अर्याट भाक मजार्थ (घात्र जा न्तान जान् भाक वर है।। #॥ অথ তাল্রোগাণা চিকিৎ সা। স ষ্ঠোষণ বচা সিন্ধু কণা পাঠা প্লবৈ: नह। সক্ষৌদু ভিষজা কার্য্যণ গল भूखी भुवर्षन ॥ श्रवः (कवहीत्माथ গুডভচী ইভি চ লোকে ॥ অঙ্গুঃঞু निमन्दर्भनाक्ष्र गलभू अकार । ছেদযেমগুলাগ্রেণ জিস্বোপরি ত্ সংস্থিতা ।। মণ্ডলাগেণ শস্ত্রবিশে-। ষেণ।। অভিছেদাৎ সুবেশুক্ত ভত্যো 📙

स्टा विद्राष्ट्रक है। हीन इहिमा छित्र-ছোখো ব্লোসুরের তুম স্বথা।। ভ-मार विना भुगाइन म्रेक्या विना-व्रमः। गनमुक्षे ज् जिल्हा अर्ग्राट পাও। মিমাং ক্রিয়াং॥ পিপ্পল্যতি-বিষা হঠে বচ। নরিচ নাগরৈ:। ক্ষৌ-দুণুকৈঃ সলবণৈ স্তত্ত্তাণ পুতিসার-যেৎ ৷৷ বচা মতিবিধা পাঠা রামা কটুকরোহিণীঃ৷ নিষ্কাথ্য পিচমর্দ্ধ কবল তত্ৰ কারবেৎ।। তুণ্ডিকের্যধূ-ষে কৃষ্মে সংঘাতে তালুপুপ্প টে। এষ वन विधिः कार्य्या विष्णवः णञ्ज क-মণি ৷৷ তালু পাকে তু কত্তব্য: বিধা-ন পিন্তনাশন। য়েহ খেদৌ তালু ल्पारच विविक्तानिल नामनः॥ 🕸 ॥ । 🗱।। অথ গলরোগা:। তত্র গল-(द्रागाणा नामानि मः ध्राक्षार । রোহিণী পঞ্ধা পোক্তা কণ্ঠশাল্ক এব চ। অধিজিন্ত্ৰণ্চ বলযো ংলাস नारेमकवृन्सकः॥ उउ । वृन्सः भ उपी-**চ शिलायुः क**शेविमुिशः। शलीयः शु-স্বরম্বক মা•সভান স্তথৈব চ ৷৷ বি-मात्री कश्चेरम् जुद्रामा अञ्चामम স্তা:। # ।। তত্র পঞ্চানামপি রো-হিণীনা॰ সামান্য সংপ্ৰাপ্তি মাহ। গলে হ্নিলঃ গিত্ত কফৌ চ মূৰ্ছিতৌ शुक्या मा मक छरेथव (नानिङ ।

म्थाः। / भारताश्वरत प्रशास्त्र नि : इडि मून् वाशि यथ हि द्रीहिनी ॥ विनः मृहिं उ: भुरुषः। भिन्तकरको ह मृहिं(जो भिक्त वा मिहिंज करका वा म्हिंजः। नन् बद्धालि मृहिंजाः अथ्यात्रविवाग। अविवक्तमागदार ।। 🕸।। ভদ্য বাভজাযা লক্ষণ মাহ । जिल्ला नगडाक्न (वरनास गा॰ माक्कुद्राः कथे निरदादनाः नाः। मा রোহিণী বাত ক্তা পুদিষ্ঠা বাতা-অকোপদুব গাত যুক্ত। ॥ সমস্তাৎ किन्तायाः मर्वठः। याजायाःकाशन् ৰ গাঢ় যুক্ত। ভাষ্ত্ৰাদিভি বভিশ্যেন যুক্তা॥ 🗱।। পিৰন্তামাহ। ক্ষিপো-দ্বনাক্ষি পুরিদাহ পাকা তীত্রজ্বা পিত্ত নিমিত্ত জাতা। 🗱। শ্লেমুজা-भार । (मृाला निःदाधिन) भि भन्त পাকা গুৰী স্থিরা সা কফ সম্ভবা তু । সোতো হত্ত কণ্ঠসোত: ॥ 🗱 ॥ সমিপাতজানাহ। গদ্রীর পাকিন্য निवार्य) वीर्य)। जिस्ताय लिक्रा जिञ বা ভবেৎ সা॥ #॥ রক্তরানাহ। ন্মেটি শ্চিতা পিত্ত সমান লিঙ্গা লাধ্যা পুদিষ্টা ৰুধিরাত্মিকা তৃ। #। র উল্লেভরা **সং**হারকত্বাবধি নাহ। नम्। खिरमायङा इष्टि व। इष्ट कक সমুভ্ৰা। পঞ্চাহাৎ পিত্ত সংভ্তা

'সগুাহাৎ প্রনোপ্রিতা II # II ক**ঠ**-শালু স্নাহ। কোলান্থিনাত্র: কফ मञ्जादा रा गृष्टि र्गाल कफेकम्क ভূতঃ। খর: স্থির: শঙ্ক নিপাত সা-ধ্য ন্ত কণ্ঠশাল্ক মিতি বুবন্তি। কণ্টক শ্কভ্তঃ কণ্টক বছকবছবেদ-नाजनकः ॥ 🗱 ॥ अधिकिञ्चामार । জিস্থাণুরপ: স্বয়পু: কফাতু জিস্থো পরিষ্ঠাদস্কৈব মিশাৎ । জ্ঞেয়ে। श्विज्ञिलः थल् द्वाग अय विवर्क्कायः দাগত পাক মেন• ॥ অসূজা মিশা-(मरवज्रान्यः ॥ 🕸 ॥ वनयमारु । व-লাশএবায়ত মুন্নতঞ্চ শোথণ করো-ত্যন্ন গতি॰ निवार्य्य। ত॰ সর্ব रेथवा-**পুতিবা**र्य्य वीर्यं विवर्क्कनीय वनग वन छि ॥ 🕸 ॥ अनामभारु । गत्न जु (माथ अक् उ: भुव्को (भूगानिको খাস ক্জোপপন্। ন্যাছিদ দুন্তর নেতদান্ত রলাস সংজ্ঞ ভিষ্জো विकात ।। भगहिम इंप्यमर्गनि एः (रत्व (वर्नाजनकः ।। # ।। वक्वृनर মাহ। বৃংভান্তো ২ডঃ খ্যথু: সদা-रः मकञ्जूता भाका मृतृ र्श्वण । नारेन कवृन्मः शतिकी खंडा १८मो वडाः থি বলাশঃ ক্ষতত পুসূতঃ ৷৷ অন্তঃ गनगए। यभाकी देव भाकी। व्यम्भः देवस्यः ॥ अ ॥ वृनस्याहः ।

, ग्थाता

ममूबठ वृन्त समन्तराहः जीवुब्रुवः वृन्त गुनार्वछ। उहानि निख क-তম পুকোপাদ্বিদ্যাৎ সত্তোদ প-বনাত্মকন্ত।। 🟶 ।। শতদ্বীমাহ। বর্ত্তি র্ঘনা কণ্ঠ নিরোধিনীতু চিতাতিমাত্র• পিশিত পুরোহৈ: । অনেকৰক্ প্রাণহরী ত্রিদোষা জ্রেয়া শত্মী সদৃশী শতম্বী ॥ ঘনা কঠিনা। অনে-কৰ্ক বাত পিত্ত কফজ তোদ দাহ कथारि युका। मज्मी नम्मी लोश কণ্টক সংহল্য শতন্ম মহতী শিলা তত্ত্ব্ব্যা যত: প্রাণহরী ॥ 🗱 ॥ गि नायूमार । गुडि गंत दामनकाशि মাত্র: ছিরো ংল্লকক্ স্যাৎ কফ রক্তম্র্ভি:। সংলক্ষ্যত সক্ত মিবা-সিতঞ্ সশস্ত্র সাধ্যস্ত গিলাযু সং-क्कः ॥ #॥ गनितृषि मारु। नर्बः গল• ব্যাপ্য সমুন্থিতো য়ঃ শোথো क्कः मञ्जि ह यब मर्बाः। म मर्बरहाः रिष र्गन विमुधिस उरेमाव ज्नाः थन् সর্বলস্যা # 11 গলৌঘমাহ 1 শো-থো মহান্ যস্ত গলাবরোধী তীবুজ্ রো বাযুগতে নিহন্তা। কফেন জাতো ক্ষিরাদিতেন গলে গলৌষ: পরি कीर्लाउ रामो।। वायूगाञ निरुषा উদান বাযু গতিরোধক: ॥ 🕸 ॥ 🔻 ब्रम्भार । य खाम्यमानः स्रिजि ॥

পুসক্ত ভিন্নধর: শুশু বিমৃক্ত কঠঃ। करकान दिश्व श्रु निमायतम् एक्रम महागः स्मनार सत्रमः॥ जामप्रमाः छमः भणान् रे भूकविनुककेशः भृषः বিমুক্তোৎস্বাদ্বীন: কণ্ঠো যস্যসঃ। অ স্বাধীনতা ভুক্ত• গিলিতু মশক্যত্বাৎ । অनिवायतिषु वायुवर्जाम् अमनार वाजार ॥ अ॥ माःमजानमाइः। भू जानवान् यः श्रयशुः जुकाहा गालाभ রোধ সক্তে ক্রেণ। স না স ভান: कथिञावनभी भाग भुग्ट अर्वकृत्जः विकातः ॥ भुजानवान् विखात्रवान् । সুকষ্ট: অভিশ্বিত क्ट्रे॰ ব্রু সা ॥ 🗱 ॥ विनात्रीमारू । जनारु (डान् শ্বযথু সুতামু মন্তৰ্গলে পুতি বিশীণ माःमः। शिखन विम्याद्यम्य विमा-রী পার্শ্ব বিশেষাৎ স ত যেন শে-তে ॥ পার্ম্বে বিশেষাৎ সভূ যেন শেতে স পুৰুষো যেন পাৰ্শ্বেন বি-শেষাদ্বাহুল্যেন শেতে তফান্ পার্থে সা বিদারী ভবতি ইত্যর্থঃ ॥ 🗱 ॥ অথ গলরোগাণা চিকিৎসা। রো হিণীনাম্ভ সাধ্যানা হিত শোণিত (माक्कनः। यमनः ध्मनानकः गल्रा नम्र कर्म वा ॥ वाजबाख वृत्ज द्राक व्यवरिक्षः भुजिमात्रस्य । मूर्यास्थान् त्र र गञ्यान आत्र एहा भा जी क्षाना।

मुখরে? বিসাব্য পিত্ত সংভ্তাং নিতা কৌদু नियम् जिः। घर्याय क्रीला पाका পৰ্বধেঃ কৃথিতৈ হিতা।। আগার-थ्न करिकः ककका (भुजिनात्राय । আগারধ্ন: ঝুল ইতি লোকে। कंद्रकानि गुठी भिश्नवी मित्रहानि॥ শ্বেতা বিডফ্ দন্তীযু তৈল পিৰে मरेमञ्जवः। नम्यक्षांनि माखवाः कः বলেচ কফোদযে ৷৷ শ্বেতা অপরা-জিতা।৷ পিত্তবৎ সাধ্যেদৈদে ৷া রো-হিণীণ রক্ত সংভবাণ। বিসাব্য ক গ্রশাল্ক• সাধ্যেতৃণ্ডিকেরিব**ে** ॥ এককাল যবাম বা ভূঞ্জীত স্থিপ र ज़नः। উপজি**ञ्चकवहाशि সाध्रय**-मधिकिञ्चक ॥ এकवृम्तः विभावा विधि॰ (भाषन गाठरद्गट । अकवृन्त मिवन्याया वृन्तक ममूनाहाद ।। विजायू कानि या व्यावि सक्ष म उद्धित माध्यय् । अमर्ग्यद्व मुमम्भकः ছে। १८ १ नित्र विश्व विश्व ॥ 🗱 ॥ व्यथ गानानाना कथेरतागाना हिकिल-म। कथेरतारा यम्हारेक खेरिक র্ম্যাদি কমাভিঃ। চিকিৎসক শ্চি কিৎসান্ত জললোত সমাচরেৎ।। क्षाय पराह पानी विष् निम्न जा र्का क्लिन्ड । इत्री उकी क्यारा वा हिला ना भिक्त मः गुजः ॥ क्षेत्रा

जिविया नाक भागे। गुडा किनक्काः । গোম্ত্র কৃথিতাঃ পীতাঃ কঠরোগ विनामनाः ॥ मृष्ठीक। कर्षेका विशव माद्वी जुक् जिक्ना घन । भाठी রসাঞ্জন• দাক তেজোম্বেতি সূচ্ণি-उ ।। (को पृ युक्त विशाजवा गन-রোগে মছৌষপ্•। রোগা স্তেতে ত্রযঃ প্রোক্তা বাত পিত্ত ককাপহা: ॥ যবাগুর• তেজবতীঞ্চ পাঠা৽ রসাঞ্জ-न माक निर्मा निर्मा निर्मा निर्मा निर्मा र्य्याट एडिका॰ मृत्थन जा॰ शाक्रायट नर्व गनामराष्ट्र ॥ ऋ। ऋ॥ जाश म-নন্ত মূখরোগাঃ। তত্র তেষা• নিদা-नः नःथाकार । भृथस्यारेव जस्या রোগাঃ সমস্ত মুখলা: মৃতা: । তত্র वाञ्चिकमा वक्षाक्षाक् । (मु:रिहे: म-তোদৈ वंদन সমস্তান্ত্রাচিত সর্ব সর: সবাতাৎ ॥ 🛊॥ পৈত্তিকমাছ । রক্তিঃ সদাহৈঃ পিড?কঃ সূপীতৈ য্তাচিত চাপি স পিত্ত কোপাৎ ।। 🕸 ।। रेन्नाच्याकमा 🔊 । ज्यातकरेनः कः ख्युरेज: मवरेर्गर्यकाहिज हानि म रेव करकन। अरवहरेन: अवस्वहरेन:। यङ উক্ত সৃশুতেন। অল্পবেদনৈ ব্লিডি ॥ 🗱 ॥ म्थाद्रारमञ्जावग्रानाङ् । ७४ পুকোপে বর্জ্যাঃ স্যু মাণস রক্ত ত্রি-(मायकाः । मस्यव्यक्षेत्र व्यक्ती ज्

बिलिश्गिक (मोविखी ॥ विलि ॥ क्गिजिः बिर्मायका नाजी। नहा শৌষিরশ্চ।। দন্তেষু চ न निश्रास्त्र न्यावरावन ज्ञनाः। किञ्चातारा यानगञ्ज जान्ष अयुर् म उथा ॥ अ इत्या वनाया व्तमता वनामः निह माक्षः। गलाया माः मजानक भः তন্নী রোহিণী গলে॥ অসাধ্যা: কী-র্ত্তিতা হেতে রোগা দশ নবোত্তরাঃ । তেষু চাপি ক্রিযা॰ বৈদ্যঃ পুত্যা-थ्याय मनाहरत्र ॥ ॥ ।। जय मनस নুথ রোগাণা চিকিৎসা। বাভাৎ नर्बमद्र हूर्नि र्वरेतः भुजिमाद्रार्थ। তৈল বাত হরৈ: সিদ্ধা হিত কবল नम्रार्याः ॥ 🗱 ॥ शिखाजाक नर्व সরে শুদ্ধ কাষস্য দেহিনঃ। সর্ব পি खरुद्रः कार्य्या विधि नंष्त्र मी उनः ।। 🗱 ।। भु जिमाइन गख्य ध्म अ भाधनानि ह। क्काज्यक महमदा ক্রম॰ স্বর্যাৎ ক্ফাপহ•॥ #॥ गुन পাকে সিরাবেশ্ব: শিরসম্চ বিরেচ नः। मधु मृज घ्ठ क्वीरेतः भीरिक क करनगुरः ॥ । ।। काठी भवा गृठा माका याम माबी कनदिविः। काथः कोमुगुजः भीता गख्या गुर्थभाकन्ट ॥ २॥ कार्याञ्च दस्या निजाः बाजीशवमा हर्नाः। क्ः

प्रशहा कीवर व्यक्ष्मित हर्न जा कार्राट ॥ ग्थनाक कि एक क्षित्र मुनमा ন্যতি। আছে । এই জিল জন্মু সা-विजी नव केल्ट्रिक .. लक्ष्णक्षवकः (मुक्टः कवारया ज्थावावरन। ८। ११कः পল্লবন্ধ: ক্বাথ দ্রিফল। সম্ভবো १९-वा ॥ गृथभाक भूयाकवाः माको-(मृ। मृथशावता । द। अत्रतः कृथिछ। भार्बा। घनोज्छा तमकिया।। मक्तीः मा गूथातागागृशाय नाजीवृगाशका 191 मश्रह्मानीत भाषान गृष्ठ इ-রীতকী তিক্তকরোহিণীভিঃ॥ যষ্ট্রগ-ख ताबक्षम हन्मरेन क दाय नित्र भाकरतः गृथम्। ११ जाकक्मः धनवरह्वा इंडि लाकि॥ जिना नी-লোৎপল সর্পিঃ শর্করা ফীর নে-व ह। (क्षोमाङ्य निष कन्नमा गण्या गुथभाकन्ट ॥ ৮॥ यामापिछ। मः ক্দপি নৃথগন্ধ সকল নপন্যতি। द्यी अপ्রফলজা পবন নবাখ্যঞ্চ না-শ্বতি ॥৯॥ হরিদা নিম্পতাণি नक्रः भीन मूट्भनः। रेउन (मिछ রিপক্তব্য ম্থপাক্ছর পর ।।) ০।। য**ষ্টা**নপুপলনেক ত্রিংশদীলোৎপ-वन् रेडेवन्। शृङ् छिद्धि शरा विधिक स्थाप । संभारत ॥ निर्णि व-मनवर अस्त्रीच भाजगा साम

ाधाउ । इज्थर्वज म्यूषा कम मूथवाननः भू मूथमम्गक्षकात्क-रमा २७,१३१न बहुना॰ ॥ )) ॥ ইতি মুখরোগাধিকারঃ। ইতি ভা- ॥ वभुकामः॥ 🕸। 🕸 🔰 जाशह। ज-थूनीयक (गाकृत म्न भीउ भ (योन्डि॰। कामना िह्द (शृक्ति॰ मूथरत्रागरतः उथा।।)२।। मृहम्ल क मृशोना॰ कारता शिक्ष न नागतः। भूइ॰ ठउर्खनः महादिव । । । । र्बिभावरयट् ॥ वाश्विग्रः कर्गम्लक भ्यम्।वन्ह कर्नः। भ्रापिका रेजनमा क्याः कर्गसाः थिलाः ॥ कि शु विनाम नायाति मेमाकः ক্তশেখর। ক্ষারতৈল মিদ শুেষ্ঠ न्थ रष्ठान्याश्रहः ॥ ১० ॥ हिन गाक्छ १५५। १३५ यथु।यो ॥ म्थलाक्तः शुः भ्रदः। इति क्रि।-थ्वः ॥ ब्रयवल्ला भ्रमाजिनवृक्तः। इंडि मद्राला॥ ग्थिन्य जि॥ মুখবাচিকা জ্রী অবস্তা। ইতি রাজ निर्घणः॥ मूथनान्तर क्ली वक्रमानवान्तर । वाक ইতি ভাষ।। ইতি ত্রিকাওংশয:।। म्थमा म्थमा वामाध्या। भूथ<sup>द्रा</sup>ः शु॰ गञ्ज्य ग्। ই जि हाः विवक्षः ॥

मुबार। जन्मर्यायः। बारमामी २। इंडामद्रः ॥ (६ मूथवामनविकाः हो। चात्मारगुकः कन्त्रारि द्रा-(मानी इन्। मूथ वानयि मूथवा जनः नम्हादिदाहनः। नाना पुर् রচিত একৈকশ এব বা কপুরাদি-ভি মৃথোপযোগ্য মুখবাদন ব-টিকাদি রানোদীতি সর্ব**ৰ**। শুভ-বাসন ইতি পাঠে শূভ ননোহর• वानन वात्ना यन। (क्नाप्तः न আনোদীত্যান্থ রিতি সূত্তি: । क्षीत्रवाभिना जु ननाक्वां रि ठज् डेरयन इंडेगक्कामि हजूडेरयन ह भ-ৰ্য্যায় দ্বয় মাখ্যা**ত**। শব্দাৰ্ণবে তু। कञ्जिकाया नात्मानः कन् त ग्-थवाननः। वन्राल नाष्ट्र भविमन শ্চম্পকে সুরভি ন্তথা।। গন্ধা 👣 ষষ্টি রপ্যেতে গুণি বৃত্তৌ ত্রিলিক-কা ইতি। ইতি ভরত:॥ मूथविन्छिका खी ছागी। इंडि नद-बङ्गावनी ॥ মুখবিষ্ঠা জ্রী তৈলপাযিকা।যথা। वङ्गुनिका गूथविष्ठा भारताकी रेउनः नायिका। इंडि (इन्हन्तुः॥ मूथमकः पुर पूर्या थः। इति मदाः माना॥

मूथण्डिः जी वकुल्माधनः। यथा। অভাবে দন্তকাধানা পুতিসিদ্ধ मित्र उथा। अभाः बाम्भ गङ्ख নু খশুদ্ধি বিধীয়তে॥ ইত্যাহ্নিক তত্ত্ত্ ॥

मूथ(माधन क्ली ५०। ইতি রাজ निर्घक्तः ॥

मूथामाधनः भू॰ करूतमः। ইতি হেম-ठन्दः ॥

মথশোর্ধা পু॰ জন্বীর:।ইতিরাজ-े निर्घक्तः ॥

নুখগীলঃ তি দুমুখ:।ইতি শব- মুখাময় প্ মুখরোগঃ।ইতির याना॥

म्थमस्रवः भू• द्वाञ्चनः। ইতি হেন-ठन्मः ॥

नूथमुत्र॰ ली जानमुत्रा। जाजी हैजि ভাষা। ইতি ত্রিকাণ্ডশেষ: ॥

মথসাব: পু· লালা। ইতি রাজ· ेनिर्घण्डः ॥

नुशाबिः शु॰ मावाबिः। यथा। (इमः किविर्धाया काथ मृताञ्चः महास्रवाः ननः। गूर्यान्। ज्उनकाती मूर्य। प्रि **अंत्रयस्रद्रः। ই**তি **मक्**राणा॥ শবনুখেদত্তবৃহিঃ। ইতি লোকে। শান্তে তু শিরঃস্থানে। যথা। দেবা मानुग्याः मर्खिण्शीदा जू छ्ञा-শন ৷ গৃহীত্বা পাণিনা চৈব মজ

मिल्मु ब्रियट II क्वा जू पुक् কৰ্ম ভানতা বাপ্যজানতা। মূত্ কাল বৰা প্ৰাপ্য নর পঞ্চত্ত্ব ম गठः ॥ धर्माध्यां मनायुक्तः (स्हा सार नमान्छ । मह्य नर्व बागि निवान् (बाकान् न शह हु **এ**व मुक् उठः भीष्रु कृदा 🗦 अपिक्ति । ज्यान उथा वि मित्रः श्वात भूमाभरय ॥ ठाकु র্ণেষু সংস্থান নেবং ভবতি পুঞা । ইতি শুদ্ধিতত্ত্ব ॥

निर्घणेः ॥

মুথাজক: পূ• অর্জ:। ইতিরাজ निर्घण्डः ॥

মুখাস্ত্র: পু• করু টি:। ইতি **ভিক**া শেষ: 11

মুখোল্লা জী দাবানলঃ। ইতি শক भाषा॥

मृथ्रः शु॰ भुथमःकन्नः। ইত্যম**র**ः। যাগাদিযু শাক্তোক্তঃ পূথমঃ ক ্ ग्थाः नार । यथा वीशि व उंग्रामिना उंदक्ष्ट्रवाद मुर्था মূখ্য: বিকারসংঘেভ্যাদিনাইবা यः। ইতি उড़ीकायाः ভরতः॥ মুখ্যঃ ত্রি (শুষ্ঠঃ। ইত্যমরঃ।। गूथा मर्गः भुः सादत्र मृष्टिः। यथ

নুপ্র সর্গ কতুর্পন্ত মুধুরাবৈ হাব রা: স্তা:। ইতি বরাইপুরাণ ।। গ্হ: পু॰ দাত্যহপক্ষী। ইতি ভূরি-প্যোগ:।।

भ्यागः॥ जि गृषः ॥ जूनस्त्रः । इंछि বিশ্বঃ ॥ अत्वाधः क्री (वाशास्वक्डव) कर्ग विष्णवः। यथा। अञ्चलः महिमा-नन्तः भूनिभंडा भूनीयाउ। मूध বোধ ব্যাকরণ পরোপক্তযেন-যা।। ইতি তস্যাদ্যশ্লোকঃ।। थि। जी नागिकाविष्मयः। यथा। बीयानि जिविका। मुका नव्या नुगः লা চ। ভতাস্করিত যৌবনা সুপা। সাচজাতধৌৰনা অজ্ঞাত থৌৰ-ना ह। रेभव कप्रामा नज्जा जय পরাধীন রতি নবোঢা। সৈব জাত भुण्या विभुक्तनवारा। अन्। (क 🕏। ক্রিয়াননে। হর।। কোপে মার্দ্দ-ব নববিত্বণে স্থী হ। চ।। মুখা यथा। चाञ्जाध किन कामाप्त्र ধরণীপালেন কালে শুভে বস্তু বা-ন্তবিধি বিধান্য**তি তনৌ তাৰ্**ণ্য (निगृमः। मृष्टेश श्क्षन हाजुती সুথক্চা দৌধাকরী মাধুরী বাচা-किथ व्यानमु मु नश्ती नावग्रमा नवारक ॥ 🐐 🧪 उराजरगोदना

বধাৰ দীরান্তীর মূপাগতা শুবণ-याः नीति यु ब्रह्मज्याः ल्यात्व नव নিদ কিমুৎপদ মিভি জ্ঞাতু ক व्य नामाजि। रेमवानास्त्र मक्या भागियथी (बामावनी॰ (भाक्षिक मुखामीजि मूछः मधी मविषिठ শোণী ভরা পৃছতি ॥ 🕸 ॥ জ্ঞাত-रवोदना कथा। बवजुः मञ्ज तस्त्राज लाहत पुर्शियाध्वः। नत्थन क-ना भनामा हम्मुह्रा खिवराजि ॥ 🗱 ॥ नरवाज यथा । इस्ड वृठा-পি শয়ৰে বিনিবেশিতাপি কোডে কৃভাপি যত তে বহিরেব গন্ত । कानीमरह नववध् तथ जन्य वण्या যঃ পারদ ছির্ঘিতৃ<del>াক্ষ্মতে ক</del>-ंद्रिगा। 🗭 ॥ দ্বিতীया यथा। वना-मीजा भार्ष मूथ मनुमूख रेमव अ ক্তে ধুনানা মূজান কিপভি ব-मन पूषन विरयो। इसि नाउउ रुउ ক্ষিপতি গমনারেশপিত মনা ন-বোঢ়াবোঢ়ার রম্যতি চ সম্বাপ্য-তি চ ॥ # ॥ वि**ण्य**नरवाछ। यथा । দর মু**স্কলিত** নেত্র পালি নীবী নি-যমিত বাহু কৃতোক্যুণ্ম বন্ধ । কর কলিত ছচস্থল নবোঢ়া মুপিতি निभी मूलिंड किन्र यूमः ॥ 🛊 ॥ इंजि त्रममक्षती ॥

गूह **७) कन्नत्व ॥ मस्य ॥ नार्र्वतः** " मू 5 हे ड ) हे जि कविकन्नम्मः ॥ ह्यो পঞ্চম স্বরিণো। ড মোচতে। ই মু-कारक। ए मूक्त । इंकि मूर्गानामः মূচ ক মোকে। ইতি কবিকল্লভম:॥ क भाव्याज। साक्ष छ।। १३ डि **पूर्णामाजः ॥** 📉

मूठ २ म श क छ । मारक । इंडि कविकन्नकमः ॥ (माक्त खाराः। ১ অমূচ । শ প ঞ মুঞ্চ ি মুঞ্চ धन॰ माजा। वन्ननत्रश्जिजात्व व्यकर्माका ११ । वानानामूका গজ: কন্তরি ক্তঃ। এবং পাপামুক্ত इंड्यार्ग भाभवस्वान्य इंड्यर्थः । इंडि मुर्गामानः ॥ মুচির: তি দাতা। ইতি ত্রিকাও

(শ্ৰ: 11 मूहितः भूः धर्मः॥ वायुः॥ (एयजा ইতি সংক্ষিপ্তসারোণাদিবৃতি:।। মুচ্জনং: পু॰ পুয়বৃক্ষবিশেবঃ।মে- । নৃত্তঃ প॰ তৃণবিশেষঃ। নুঁজ ইতি कहम्म इंडि हिन्मी खाया। उट-भर्गागः। इ अवृक्तः २ विक्तः ० পুতিবিফুক: ৪। ইতি ভাবপুকাশঃ ।। वरुभूयः ৫ সूरलः ७ रुतिवल्ल जः ৭ সুপুল্ল: ৮ অর্ঘ্যার্ছ: ৯ লক্ষণকঃ ১০ রক্তপুসুব: ১১। অস্য গুণা:। কটুত্ব। ভিক্তত্ব। ক্রফ বাত না

नियः। क्षेक्रवयः। युत्याय (लाक **ग**ननष्धः जीर्गज्ञत विनागनपृषः । इंडि द्राजनियकः।। मितःभीषः পি ৰাসু বিষ নাশিষ্ণাইতি ভাব-**পুকাणः ॥ अ॥ गामा** ज्वान भूयः रः ইতি শ্ৰীভাগৰত।।।

मृठ्ठी जी अङ्गिलाइन । आङ्ग भविकान इं जिल्ला । यथा। मृह्दी भूकि हिव छ्रावस्कृ लियाहित । इंडि नद्रज्ञावनी ॥ मूकिः । मूठा ইতি ভাষা। যথা। সম্পি গুডাঙ্গু-लिः भागि मंडि मुं स मृह्दे।भि। ইতি হেন্চন্দঃ॥

মুন্ত ক)মূজাধুন্যোঃ।ইতিকবিকল্প-मूब है के) क्या। (को शक्यमं दिलो। ই ক মৃঞ্জবতি। ক মোজবতি। इेि पूर्गामामः॥

मुक्षकः পु॰ मुक्षकतृकः। ইতিরাজ-निघकः॥

ভाष।। उৎপर्यायः। बिक्षीवृगाः খ্যঃ ২ ুাহ্মণ্যঃ ০ তেজনাস্ত্রয়ঃ ৪ वागोबकः ৫ गुञ्जनकः ७ मीबी १ দর্ভাস্বঃ ৮ দ্রম্ল: ১ দ্ঢত্ণঃ ১০ मृत्नः ১) वल्युकः १२ ब्रक्षनः १० শত্তক: ১৪। অস্য গুণাঃ। মধু-तद्वाभी उद्भावक शिखकाराय

गुष्

नालिष् । शुरुतकाम् सिकाम् ठ ীলাবনবৃ•।ভ্**তনাশিব্ধ** ইতিরাজ निर्यक्तः॥ अभिष्ठ। मुखाउ का वागः ज्वहर्जः मूरमधमः। मूख ॥ घगड मधूत ज्वत . निनित छथ। ॥ मार ज्का विमर्भामु म्य वस्तुः কি রোগজিশাদোবত্র হর ব্বাঃ মেথলাস্পযুদ্ধতে।। ইতি ভাব-পুকাশ:।। শর:। ইতি রত্নালা।। উপন্যনকালে মৃত্যু নেথলা ধারণ विधि यथा। अध्यम मानवक मा-চাर्ग्य जि भुरिकिन॰ जित् उ मुक्ष মেখলা পরিধাপয়ন্ মন্ত্রদ্বং বা চতি। ইতি ভবদেবভটঃ।। ঞ্জকেশী পু• বিষ্ণু:। ইতি **ছেন** ठन्मः ॥ ঞ্জর॰ ক্লী শাল্ক। ইতি শব माला।। ঞ্জাতক: প্• পৃষ্ণাকভেদ:। অস্য खनाः । शद्रः चामुद्रः । वृष्रद्रः । পিত্তানিলাপহত্বক । ইতি রাজ-वझ जः॥ ট ই নৰ্দে। ইতি কবিকল্লছনঃ॥ **११**कनमती । ३ मुन्देराउ । मर्प्स मफ़्न । ইতি দুর্গাদাসঃ॥ है कि क्षि । ইতি कविकन्नक्रमः॥ कृति छ्गे कदारा। कि सार्वेषि .. उथन भिना। यस मूर्गक साह-जीव हनाय्थः॥

मूढे नि আक्तारित । इंडि केंदिकन्न । क्रमः ॥ भवर्गाणवानिः । नि मूढेंडि जम्ही ८ मूर्यारे । हकाना ८ कृति ह । मृढेंडि विवा मर्गा व देंडि ह्वा व्युथः । ইंडि मूर्यामानः ॥

मूठे हे ७ भनार्य। इंडि क्विक्न-क्षनः॥ भवर्गामयानिः। भक्षमब्री । इ म्रेश्डा ७ मुश्ड होतः । जि मूर्गामामः॥

गृष है हिति॥ नर्त्ता है जि कवि-कल्लकतः॥ शक्षपत्रती। हे गुखुर्ड । हित हेरु लामहित এव। गृख्डि गृक्ष नाशिकः। लामद्रहित्र-क-द्राजीकार्थः। हेनि पूर्णामानः॥

मूण इ ७ मान । इंजि किविक्स क्रमः ॥ श्रितं विकासि । श्रितं मही । मन निक्तं मही । मन निक्तं महि । श्रितं महि । श्रितं महि । श्रितं महि । श्रितं महि । इ मूख्या । ए मूख्यं । इ मूख्यं महि । इ जि विकासि । ह जि महि । इ जि मूर्गामा महि । इ जि मूर्गामा महि ।

মূণ শ পুতিজ্ঞানে। ইতি কবিকল্প-জনঃ।। শ মূণতি বুত লোকঃ।

गूट

भुजिनागी अर्थः । सांगिजा ।
इति पूर्णामात्रः ॥
भूखः हो नितः । इति नन् मकेनिस्नागुर समदः ॥ (वानः ॥ मूखः ।
यनः । इति दानिर्मः ॥ दान् गुरः
। इति सानिर्मः ॥ दान्यः । इति

मूखः मु॰ रिष्ठ । विष्यः ॥ ब्राङ्गुहः
। ইতি मिषिमी ॥ नाभिकः। ইতি
किरोषदाः ॥ द्यागुत्रकः । ইতি
किरिट ॥

मुखः नुः क्षी मृक्षा । इंडि सिरिनी ।।
मुखः वि मृखिकः । हेडामतः ॥ एव
मृखि मृखः । मृखि चखान जात्व
चिक्षि मृखा मूखनः (कणाननयनः
छानाना । यूक्षा चाराडि मूखः
नुमान खियाः मूखा । इंडामत्र ही
कायाः खत्रकः ।।

শুওক লী মন্তক। ইতিহেমচন্দু:॥ মুওক: পু: মাগিত:। ইতি হেম চন্দু:॥

मुख्ठगकः भू कलायः। ইতি রাজ নির্ঘণটঃ॥

मुखन की क्लाइनन । उट मर्गायः
। जुनका । र वनम । मित्रवान ।
। जुनका । र वनम । मित्रवान ।
। उथा मुखका का नि विचानिक
। उथा मुखका का नि विचानिक
। शिर्या २ निका है जि न मन्त्र का वनी।।

मुख्नानिः भुः नामान्द्रः । वर्षान्द्रः । मुख्नकः २ निःन्द्रः । स्वान्द्रः ।।

মুখা জী নৃগীরিকা। ইতিমেদিনী ।। মুখিতান্ত্রী। ইত্যমরটীকাষা। -- ভরত:।।

मृखायाः जी महामाविविका। इंडि त्राविविष्ठेः॥

मृशायम॰ क्री लाइ॰। ইতি काक्र निर्यण्डः॥

মুখিত সী লোহণ ইতি রাজ নির্ঘটঃ ॥ বাপিতমুখে জি। ইত: মর:॥

मुखिजिका खी वृक्कविर्णयः। मुखीती है जिन्ना। जट भर्गायः। जला सुवार भावनी २ भनक्षत्रायः। जला मुखा द भावनी २ भनक्षत्रा ७ ज्युत्री ७ क्सुत्र । हिं ज्युक्ता २। है जिन्ना। है जिन्ना।

ग् जी वृष्तिनात्मीवधः। ইতি র निष्णः॥ 3

ो হর। ইত্যমর

েক স্থানে ইতিকবিকল্পজন:॥ এক লোধযতি ঘৃতেনাল লোক:। ইতি দুর্গাদাসুগুঃ।

মূদ ঞিড হর্ষ। ইতি কবিকল্পদ্রম:
। হর্ষ শিচন্তোৎসাহ: । ঞি মুদিতা হস্তি। ড নোদতে ধনী। ইতি
দুর্গাদাস:।।

अत् छी रुर्यः। यथा। मुथ मानन्त्यू-ग्री। ইতি শবরত্বাবলী।।

তঃ ত্রি সাননির । যথা।
আর্ত্তার্ত্তে নিলিত্বা ক্ষেপ্ত প্রেরিতে
নলিনা কৃশা। মৃতে মির্বেত যা প্রতির নাধীক্তেবা পতিবৃতা॥ ইতি
শুদ্ধিতত্ত্ব ।। আলিস্কনবিশেষ: ।
তস্য লক্ষণ যথা। নাধিক্যা নায়ক্ষ্য বানপার্শ্বে উষিত্বা বানপার্শ্বিত্বা
উত্তো নিলিত্বা যদবস্থান । ইতি
কামশান্ত্র ।।

है रिजा जी मूना। इर्थः। ইত্যমর-होकायाः मध्दत्रमः॥

्रितः भू॰ (मघः। ইত্যमतः॥ कामूकः। ইতি मिहिनी॥ (छकः।
ইতি সংক্ষিপ্তসারোণা দিবৃত্তিঃ॥
न्याः भू॰ পক্ষিবিশেষः। তৎপর্য্যা
यः। জলবাযসঃ২! ইতি হেনচন্দুঃ

মুদ্রপ

॥ শনীধান্যভেদঃ। মুগ ইতি ভাষা 1 उ भर्गाय: । ज्भाम् कः २ वर्गार्रः ৩ রসোত্তম: ৪ ভ্কিপুদ: ৫ হযা-নন্দ: ৬ সুফল: ৭ বাজিভোজন: ৮ । অস্য গুণাঃ। কষাযত্ত্ব• । মধুরত্ত্ব• । কফ পিত্তাসুজিত্ত্ব । লঘুত্ব । গ্ৰা-हिन्। भीठन्। भारक करून्। हक्षादु । नाजिवा**जन**द्य ॥ जः म्य्यखगाः। शिखम्यार्जिममनष् । লঘ্র-। সন্তাপহারিত্র-। অরোচ-कर्नाणिवः। उट रेमक्षव्युक्तत्क्ष्ट রক্তপুসাদনত্ব• ৷ সর্বক্জাপহারি-ত্বঞ্চ। ইতি রাজনির্ঘণ্ট: ।। অপিচ। क्षक्ष । सामुष्। यम्नानिनष्। জুরমুত্বক। ইতি ভাবপুকাশঃ।।।।।। वनमूत्रखनाः । मूक्षक्षः नीजला ग्रा-হী কফ পিত্ত জুরাপহ:॥ তদ্বি-भिषा यथा। भुषाना इत्रिजा खब वन्। मूझ स्मावर । कृष्णभूमा सहा-মুদ্ধা গৌরা ছরিত পীতকা:॥ শ্বে-ত। त्रकाक निर्पिक्षे। लघवः भूर्व প্রবি৫। ইতি রাজবল্লভ:।।

मूज्ञभगे जी वनमृज्ञः। मूगानी इंडि ভाषा। उर्थेश्वायः। काकमृज्ञा २ महा ०। इंडिअनदः।। क्रुम्महा ८ मिश्वी ६ नार्ब्बादगिक्षका ७ वनका १ दिक्शी ৮ हुशा २ मूर्लभगे ७

भविका ३३ (काशिना ३२ वरना ख्ता १० वनमूना १८ जातग्रमुन। २६ वन्ता २५। **छ** दक्षिका छात्न कन्न ঞ্জিকা ইতিচ পাঠ:। অস্যা গুণা: । হিমত্ব । কাস বাত রক্ত ক্ষ্য পিক্ত দাহ জুর নাশিজ্ণ ৷ চক্ষু-ষ্যত্ত্ব• । শুক্রবৃদ্ধিকারিত্ত্প্ণ । ইতি রাজনির্ঘণ্টঃ।। অপিচ। নুদ্রপণী काकभरी मूर्भभर्गाल्लभर्गका। का-কমুদ্ধা চ সা প্রোক্তা তথা মার্জ্জার-গন্ধিকা॥ মুদ্দপণী ছিমা কাঁক্ষা তি का यापूर्ण मुकला। ठक्षा क्य শোথ দী পুাহিণী জুর দাহ নুৎ।। भारवयर्ती लघी गुरुगारणा २ जि সার্হ্ে। ইতি ভাবপুকাশ:॥ মুদ্দভক্ পু॰ ঘোটকঃ। ইতি চটা धद्रः ॥ পু• অখঃ।ইতিরাজ নুদ্রভোজী निर्घर्षः॥

मृत्तानकः शुः गानकितिलयः।

गिक्रित इकि ভाषा। यथा। महा

नाः श्मनीः नम्मण् शालयिष्मण्याः

श्ना। केते इस स्उत्माक्षः अर्थातः

स्वापराख्यः॥ श्मनी स्नुती ज्ञाः

शुक्तिलयः स्वाद्धानित । निज्ञि

विन्ति स्वाद्धान् मृत्री स्वाद्धः

विन्ति स्वाद्धान् मृत्री स्वाद्धः

विन्ति स्वाद्धान् स्वाद्धः

शिक्रिति स्वाद्धान् मृत्री स्वाद्धः

शिक्रिति स्वाद्धान् मृत्रित्व स्वाद्धः

शिक्रिति स्वात्व स्वाद्धः

शिक्रिति स्वात्व स्वाद्धः

स्वात्व स्वाद्धः

स्वादि स्वाद्धः

स्वादि स्वाद्धः

स्वादि स्वाद्धः

स्वादि स्वाद्धः

स्वादि स्

युक्त (मारकान्। अन् छनाः। वयु गा ही जित्नावयः याष्ट्रः भीटा-कित्रुपः। ठक्तरा जुत्रस्थ वलाऽ स्वर्भागं मृह्यापकः।। इति स्वर-भुकाणः॥

मुप्तव॰ क्ली मिल्लकार्किनः॥ त्वाष्टानि-ভেদনে পু॰। ইতি মেদিনী।। युन्नतः श्र. कर्याद्यवृक्षः ।। श्रुञ्जवृक्षः विष्णयः। ७८ शर्यप्रायः। शक्तभातः সপ্তপণ্ৰ:২ অতিগন্ধ: ৩ গন্ধৱাল: ৪ বিটপুৰ: ৫ পূৰঃ ৬ জন্তে: ৭ म्राष्ट्रः ৮। अमा खनाः। मधुत्रवः। শীতত্ত্ব•। সুরভিত্ত্ব•। সৌথ্যদায-कवुः। माना कका विवः। मध्याननर কারিত্ব। পিত্তপুকোপ নাশিত্বঞ। ইতি রাজনির্ঘণ্টঃ ॥ৠ॥ অস্ত্রবিশে-यः। गृथ्त ইতি ভাষা। ত**्প**र्यऽ।-यः। क्ष्यपः २ घनः ७। ইত্যমরः॥ ব্রুঘন: ৪। ইতি ভরত: ॥ নুর্র: কোরকাস্ত্রযোঃ। ইতি হেমচন্দুঃ॥ মুদ্গরক: शु॰ क्यातः। कामताङ्गा **ইতি ভাষা। ইতি ব্লাদ্গনিষ্টঃ।।** মদল লী রোহিষত্ণ। ইতি রাজ-निघण्डः ॥

নুদ্দল: পৃ• হর্যস্থরাজপুঞ:। বথা। সৃশাতেঃ পুরুজান: তুলাচুক্ষ: তু-তুল্চ হ্যাপু: হ্যাপ্রানুদ্দল স্প্রয वृहिष्यु यवीनत कामिनुष्यु खाः।
भक्षाना भिर्णा विषयागाः तकः
गायान भारत्य में श्रृ श्रृ शिवा
निह्या हेि भक्षानाः । हेि
विकृश्र तात ८ व्याप्त २२ व्यवप्रायः
।। गावकात्रकम् निविष्णयः। उन्प्र
जार्यप्र हेन्द्रमना। हेि भत्रागः।।
मून्न हेः श्रृ वनमूहः। हेि भप्तञ्जा
वनी।।

মুদ্রস্থকঃ প॰ বনমৃদঃ। ইত্যমর:॥ মুদ্দার্বিটঃ পু॰ বটকবিশেষঃ। আদা-

বডা ইতি ভাষা। যথা। মৃদ্ধপিষ্ঠী 'বিয়চিতান্ বটকা• ৈডল পাচিতান্ । হথেন চ্ণ্যেৎ সন্তক্ত স্মান্চ্ণে विनिःक्षिर्पर ॥ ७४ श्रिकृप् क স্ক্স মরিচ জীরক তথা। নিষ্র-न यवानीक युक्तानई विनिम्राय ।। মুদ্রপিষ্ঠী পচেৎ সম্যক্ স্থাল্যা নসারকোপরি। তস্যান্ত গোলক• व्यर्गाखनात्था भूत्रन किल्ल ॥ रै उत्न जान् (गानकान् शक्ना कृ वि **তाया॰ निमङ्क्र्यट्रा (भानकाः भा**-টকৈ: প্ৰোক্তা স্তেত্বাদু কবটা অপি ।। अभा खगाः। मृहापु कवरे। क्रा লঘবো বলকারকাঃ। দীপনা ন্তর্প ণা: পথ্যা জ্রিদোষেষু পুপুজিতা:॥ ইতি ভাবপুকাশঃ॥

মৃদ্য স্ত্রী পুত্যুযকারিণী। নামের-মোহর ইতি ভাষা। ইতি ত্রি-का अरमयः॥ अङ्गु निमू पू । ছार्शः त्रवाकृषी इंडि ভाषा। इंडि मद-बङ्गावनी ॥ **म**र्गद्रोभग्रामिमू प्रिका চ। মোহর টাকা ইত্যাদি ভাষা। ইতি লোকপুসিদ্ধি:।। #।। পঞ্চধা লিপ্যন্তর্গত লিপিবিশেষঃ।ছাপা-র অক্ষর ইতি ভাষা। যথা। মূদা-বিপি: শিল্প অপি তিপি র্তেখনি-সম্ভবা। গুণ্ডিকা ঘুণ সম্ভূতা লি-প্যঃ পঞ্ধা সূতাঃ ॥ এতাভি লিপিভি ব্যাপ্তা ধরিত্রী শুভদা হ-র। ইতি বারাহীতন্ত্র•।। লেখ-न्। विथिउ॰ विरेशु मृपुा छि तस्ति-**७**२३ य**ै। लि**ल्लामि निर्मिठ यह পাঠ্য ধার্য্যঞ্চ সর্বদা।। ইতি খন্ন-गानाउछ ।। 🕸 ।। शक्षभकाता छ -গ্ত ভুষ্টদুব্যবিশেষঃ। যথা। পৃথুকা खलुन। जुडे। (गाथ्म हनकामयः। তস্যনাম ভবেদেবি মুদ্রা মুক্তি পু-मायिनी ॥ इंजि निर्वागण्डल ১১ পটল:।। তস্যা: শোধন যথা। ওঁ তদ্বিষাঃ পর্মণ পদ্ণ সদাপ-শ্যন্তি শ্রয়ঃ দিবীব চক্ষুরা তত।। ওঁ তদ্বি শাুসো বিপন্যবো জাগ্বা --मः मिक्रां विष्या यं भव्नमः

शर·। इंडि मञ्जान्। भाषन । ইতি শ্বতত্ত্বতন্ত্র ।। 🗱।। শরীরে ধার্য্য जगवनागुधानिहिङ्ग । हान इंडि ভাষা। যথা। ততো নারাযণী মুদ্রা॰ धात्रवि भी ज्य स्तः। मेर्ने क् यां हि विद्वानि वका ही न ता यूथानि व ।। 🗱 ।। অথ নু দাধারণ নিত্যতা স্তৌ । অঙ্কিত: শঃ চকাভ্যা মুভযো র্বা-ভ্নূলযো:। সমর্থেজরিণ নিত্যু না-न्या भूकन ज्या । जानिभूबाता। শান্ত্র চক্রোদ্ধ পুণ্ডাদি রহিত• বান্ধা ণাধ্ম। গর্ভন্ত সমারোপ্য রাজা बाब्रांट भुवामत्यंट ॥ भाकाफ ভगवम् छो। नई कर्मा धिकात मह भू চীনানেব চোদিতঃ। শুচিত্বঞ্চ বিজ্ঞা-नीयाद्यशीयायुष शात्रगाट ॥ शास्त्र চোত্তরথণ্ডে। শন্ত্র চক্রাদিভি শ্চিক্টে र्विभुः भिष्ठिम इतः। त्रहिनः नर्व थार्या छाः शुष्ट्राको नत्रकः दुरब्द ॥ শু,তৌ চ যজু: কঠশাখাযা•। গৃত্যে-क् भू थुः क् छ छ क भात्री विष्टुः भन्नः ধ্যায়তি যো মহাত্ম।। মারেণ মত্রে-ণ সদা ভূদি স্থিত পরাৎপর বন্ম-হতো নহান্ত ।। অথরণিচা এভি-वय गूककनमा हिरेश दिस्छ। ला-কে সুভগা ভবেম:। তদ্বি**ষ্টা: প**র-मः भरः व गहन्ति वाश्विता हेजा-

मि ।। जन्मा वर्ष वृक्ष भूतात । क्कायू शास्त्रिक मृष्ट्री मणान न करतानि यः षाम्भादार्जिङ भूग्रक्षाकवार्याभ-গছতি।। #॥ অ্থ মু দু।ধারণ নাহা-चा १ । काल्म ज्यान क्यात यार्क-প্তেম সমাদে। যো বিফুভক্তো বি-(भुन्तु भड़ ठकारि विक्रि जः। न या-তি विक्षाक रेव मार भूवय वर्कि ত ।। তত্রিবান্যর । नात्रायगायूरिश নিত্য চিহ্নিত যস্য বিশৃহ ৷ পাপ কোটি পুযুক্তম্য তম্য কি ভ ক্তে যম: ॥ শল্পোদ্ধারে তু যৎপোক্ত ব-न जा॰ वर्षाका विचिः। उৎ कृतः नि-থিতে শাহ্ব পুত্যহ• দক্ষিণে ভুজে।। যৎফল পৃষ্করে নিত্য পৃত্তরীকাক দর্শনে। শল্পেপরি কৃতে পদ্মে তৎ-कनः সমবাপুষা ।। বামে ভূজে गना यम् विथिजाम्माउउ कलो । गराध्या गयाभूगाः भुजारः उना यहि ॥ यहानम्तभूदि (भाकः हकः স্থানি সনীপতঃ। গদাধে। লিখিতে हाक उट्कन क्षम्भान॥ श्री जग-वनुरको ह । यः भूनः किन कारन जू मर्भूती मसुराः गृतः। मर्मः क्-र्यानिक छिङ्ग । गृशीया अकाउ नदः ।। (९१३ उम्र भूविष्ट्रीः वानस ত্রিদশোত্তমাঃ। তস্য মে নাভর•

ि विट कर्जवा (ग्य इंस्क्राम्मना वाजात्र हिङ्गानि मृण्यास्य यम् विगुरस ेरिर्डा र्नार्ज्या न विरक्षियः म न्न॰ म् मकी जनः॥ भाभः मुक्ज कश्ड कायां उन्हें (महिन्हें। नमायूषानि यम्प्रास्त्र विश्विजानि करनी यूर्ग।। উভাভা মপি চিহ্নাভ্যা থাকি (जा मट्ना मून्या। क्र्ययानि सकः তজে। নিক্ষিপ্ত• তস্য বিগুহে ॥ শ इक महाक भरा द्रवाक मट्रम् কূর্মণ রচিত• স্ব দেছে। করোতি নি: ্য• সুকৃতস্য বৃদ্ধি• পাপক্ষয• জন্ম ্তার্জিতস্য।। তবৈর খীবুক্ষনার न **मदारत । कृष म**ें अपने कवहर हूं र्जिन्ड (एवं माने वि: । अध्यक्ष अंबे ্তানা শভূণা রক্ষা নপি 🔢 : সরস্বতী দুর্গা সাবিত্রী হর-্লভা। নিত্যু তস্য ব্সেদ্দেহে যস্য ্ত্ৰান্ধিতা তনুঃ॥ গঙ্কা গথা জৰু-। চত্র• পুযাগ• পুষরাদি চ। নিত্য• শ্ৰস্য সদা তিষ্ঠেন্দ্ৰস্য পদ্মাঙ্কিত• भुः ॥ यम् (कोरनामकी विश्र • जू-র বাথ কলিপ্রিয়। পুত্যহ॰ তত্ত ष्टेरिता गक्षामागत्र मक्सः॥ मर्रि ারে গদাধস্তাদুথাঞ্চ তিষ্ঠতে যদি। <sup>চ্ফন</sup> সহিত তত্ৰ বৈলোক্য স ेत्राहतः॥ बर्याः म्य खर्याः (म्या वि-

एम खीनि भरानि ह। निवमिष्ठ मः मा जम्र यम्र (मरङ मूमर्भनः ॥ किन्छ । कृष्णयूषाव्हिजा नुषु। यम्। नात्राय-भी करत । अष्कृ लाकाधिकाती हम-**फ़िर जिम्मा॰ প** जिः ॥ क्कनू मु পুरुक्त रिष्वः भिकाः करताि यः। निजाः निमिखिकः कामाः भुजाइकाः क्रय॰ ভবেৎ ।। शीउयन्ति न उरेवत् श्रा अकाणि तामयः। अक्षेत्रकता-किंछ। मूम्। यम्। धाज्यवी करत ॥ वाबारः श्रीमन समादात्को। कृषा য়ধাঙ্কিত দেহ গোপীচননে মৃৎ্-त्रुया । পुरागानिषु जीर्थिषु म गदा-কি করিষ্যতি।। यहा यम्। পুপ-শ্যেত দেহ শরাদি চিহ্নিত। তদা তদা জগৎস্বামী তুপ্টো হরতি পা-তক•।। ভবতে যস্য দেহে তু অহো-ब्राजः दित्न दित्न। मञ्ज ठक शदा श-দ্ম॰ লিখিত॰ সো ২চ্যুতঃ স্বয়•।। नात्रायगागुरेष यू कि॰ कृषाजान॰ क॰ लो गुरम। व्यक्त भूग्र क्यांनि स-**बज्नानि जम्र रि ॥ म**ञ्जाहिनाह्निः তো ভক্ত্যা শাুদ্ধ यः সক্তে দিছ:। বিবি হীনন্ত সংগূর্ণ পিতৃণান্ত গ্যা-नगः॥ यथाद्म ५५८७ कक्षः वागूना (পুরিতো ভূশ•। তথা দছন্তি পা-शानि मृक्षे। क्षागूवानि देव ॥ तुरस्तर

वृत्का नात्रम मचारम। विकृतामा किः তা শুদা মন্তাক্ষর সমন্বিতা । শাহ্রা-िकार् दि यूका अर्वका अर्वे मानी मानि ॥ थएड जागदाजा यस किनाना বিশেষ তঃ ৷ পু হ্রাদস্য সমো জেযো নান্যথা কলিবল্লভ।। কিঞ্চ : শন্ত্ৰা-ন্ধিত তনু বিপ্রো ভুল্লে যস্য চ বেশ্ম-নি। তদ্ম স্বামশাতি পিতৃভিঃ স হ কেশব:।। ক্ফাযুধান্ধিতো যন্ত न्प्रनातन भियाज यपि । भुयारम या गः जिः (পुाक्ता मा गिं खम्र) नात्रम् ॥ क्कायूरियः कलोनिज्यः मिख्यः यम्र বিগুহ•। তত্তাশুৰ• পুন্দৰ্য ভি বিবুধা वामवाष्यः ॥ यः काद्राञि इतद्रः পুরা কৃষ্ণ শস্ত্রান্ধিতো নর: ৷ অপ রাধ সহসাণি নিত্যু হরতি কেশবঃ ॥ कृत्वा काश्वनयः विद्यः कृष्णरेडस চিহ্নিত । যো হাস্ক্ষয়তি ঢাত্মান ७८ माना नासि रिक्षतः॥ भाष् প্ৰিত বাতৈয় নাস্তিকালাপ পাত কৈঃ। নলিপ্যভে কলিকৃতিঃ কৃষ্ণশ জ্রাঙ্কিতো নর:॥ কিঞ্চ। অস্টাফরা-क्विजा मूमा यम्। शाज्यभी जात्र। শাল্প পদ্মাদিতি যুঁক্তা পুজ্যতে ংসৌ जुबाज्दिः ॥ धृजा नाबायगीनू म्। जुः क्रारमन भूदा क् जा। वि जीवरान विल ना दुःदन ह म्यूक्न ह ॥ नाकाङ्गा

गुमा

स्कीर्यम् मार्केख श्रुवीय वि कि । শহাঁদি চিহ্নিতঃ শক্তে দেহে কৃত্বা কলিপুষ।। আরাধ্য কেশবাৎ পু। क्षः भगोहिल कवा नश्ट। किन्छ। शाशीहन्त्व ! स्ट्याया विश्वः यम्। विगुर्छ। भन्न भन्नामि ठक वा তস্য দেহে বলেদ্ধ রি:॥ তবৈর 🎒-मन भगादा कि । यम् नावायनी মৃদ্যু দেহ• শহ্লাদি চিক্লিড•। ধাত্রী क्न क्ञा बाना जनमोकाष्ठ मञ्जरा । चारणाक्य भेट्यस नियुक्तानि क-व्यवद्र ॥ व्याय्यानि ह विभूम् भू २-नमः न ह रेवक्षवः । किक्ष । युन्र ना-রাযণী মদা দেহে শত্ত্বাদি চিঞ্লিতা । नद्वांक् विञ्चि उ यम् भरेख मी-त्रायशास्त्रदेशः ॥ शुर्वराणा नास्त्रि शा-পাস্য কবচ তস্য বৈষ্ণব । অন্যত্ত । এ 🤊 डां गवरें उ किरेड्र : कलिका-**(म**िष्रजाउयः । ভवन्ति मर्ज्यानारक তে শাপানুগৃহ কারকা: ١١ 🟶 ١١ অথ जू मा श्राद्र विश्विः। शोजभीय। व वारि ह गरा कार्या मृष्ट्रि हाश नात **उथा । नन्त करिक्ष**य ङ्ग्राक्ष्य मञ्ज हक• ভূজ দ্বে ৷৷ শাস্ত্র চক্রান্ধিতো বিপুঃ শ্মশানে মিয়তে যদি। পুযাগে যা-গঙিঃ পোক্তা সা গতি স্তস্য গৌতন ।। ठकक मकिए। वास्ते नद्धः वासः

ए भ के किता। निरा वृत्य श्रुकांश-खाट भू न ककक शात्रुवट्यी वाहा। পরি তথা পদা প্নঃ পদাঞ্চ দকি-ा थुन वक्किन हानक मंद्र नि .ir धादायट ॥ इ**ंड भका**यधानऽ। 🖅 भात्र यरिष्ठकारता जनः। मूट्र मुख्य দক্ষিণে হস্তে কুর্মণ বামকরে তথা।। তথাচোক। দক্ষিণে তু ভুলে বিপ্রো विज्यादि जूरमंनः। मट्राः भग कानरत्रथ नद्भः क्यं नरा ज्या 11 जान्युनायिक निक्षाना माठाद्राह যথা ক্চি।শ্র চক্রাদি চিহ্লানি স বে স্কেষ্ ধার্যে ।। ভক্ত্যা নিজেষ্ট (एवम्) थात्ररश्**ल**क्नान्। हक শান্ত্ৰী চ ধাৰ্য্যেতে সংমিশানেব কৈ-**\***हन ॥ यञ উক্ত• वुश्वदिवदर्ख । कि-वल भाषा हा इह मामि हा मूत्र विश् হ'। অতশ্চক বিনিশু ত' বিভ্যা दिक्षवः जना ॥ श्रीरंगाभीवन्तर्ति-व • ठकाभीनि वृत्था २ नु इ • । शाद्रायहः যনাদৌ তু তপ্তানি কিল তানি হি॥ 🗱 । अथ ठकारीनाः लक्षणानि। हाः म्भाक्षत्रञ्ज यहेरकानः वलय वय मः-যুত। চক্র- স্যাদ্কিণাবর্ত্তঃ শাদ্ধ দ্চ ঞিহরে: মৃত: ॥ গদা পদাদিক• (लाक निष भिव भेड़ व्रेथः। मृ मृ। ह् ভগवमानाह्मिज। याष्ट्राक्तवादि ভि:।।

ইতি প্রিভ্তিবিলাস:।। 🗱 🛚 ।। অপিচ। যথা মুদ্রা দী তলাখ্যা তথা তপ্তান সংশ্য:। তপ্তাবা: শীতলা-याक विरन्धित देनव वर्न्ड ॥ नाम विद्यापिना (मर्ट्स विद्याना वा मृमाकान° । সা দীক্ষাপোচ্যতে ভূপ বাহ্যানা॰ क्कानिना निमा रिक्षरे विक्छ छि-क तुम्मिरा (वेन्नाइरिगः। मन्नार्य)। সতিল। মূ দু। গোপীচনদন সংযুতা।। इंडि नात्रमशकतावः ॥ क्कनाया-क्देत्र गांव मक्ट यह ब्हरना हिना। । ने **লোক পা**বনো ভূত্বা বিষ্ণুলোক ম-বাপ্রবাৎ ॥ অগ্নিতগুন চক্রেণ বা ऋता वाङ् मृनत्याः। अक्रियदा ज-(भग्रजः मः मात्रात्माक मान्नु गाट ॥ ইতি পদাপুরাণ ॥ তন্মান। চান্ধি-ত गर्ब वगन ভाजनातिक। ইতি হারীত মৃতি:।। 🕸 । 🕸 ॥ দেবতা-বিশেষপীতিজনিকাঞ্লিরচনা यथा। मृमाभम्युर्भाखमाइ उत्ख । (नामनार जर्बामवाना मावनार পাপসন্ততে:। তমাদ্মদুভি সা খ্যাতা সর্বকামার্থ সাধনী । অথ मूमाः भुवक्यामि मर्वज्खिष् किन्न-তা:। যাভি বিরচিতাভিশ্চ মো-**माल मञ्ज (मवजा: 11 जाई।न इन** काल ह थ्यान काल्य ह कर्यान ।

मूम्

चात्न ठावारत माञ्च भुजिश्वायाक त्रक्राण ।। रेनावास्तर ह ख्यानाज छ-ত্তৎ কল্প পুকাশিতে। স্থানে মুদুাঃ পুদুইব্যা: य य नक्षण नक्षिजाः॥ व्यावाहनामिका मुमु। नव नाषाद्रगा मजाः। उथा युष्कं मुमुग्ठ नर्बः মস্তেষ্ যোজ্যে ।। একোনবি শতি মুদা বিষণে ৰুক্তা মণী বিভিঃ। শঙ্ক চক্ৰ গদ্য পদ্ম বেণু শ্ৰীবৎস কৌস্ত-जाः ॥ वनमाना उथा ज्ञान मूना विनुष्यग उथा। गरुषाथा भना मू मा विष्णाः माखाय विकिनी ॥ नात-नि ही ह वाताही हायग्रीवी धन् छ থা। বাণমু দা ততঃ পরশু জ্র্গন্মো হনিকাপরা ৷৷ কামমূদু৷ পরাথ্যাতা मिवमा ममगूष्काः। विक यानि बिम्लाथा गालक्षां ग्गास्याः ॥ थहाका ठ क्लालाथा उनकः भिव (अवनाः । সूर्युरेमुरेकव भः দ্মাখ্যা সপ্তমূদা গণেশিতু: !! দন্ত भागासूमा विश् भद्रम् वसुक म॰ জ্ঞিতা। বীজপ্রাস্থা মূদ্া বিজ্ঞে-या विव भूकत्न।। भागास्नुग वक्राकी তি थङ्ग ठर्म थनुः भद्राः । सोवली मृद्का होगी मृदाः माकः श्रियकः ताः ॥ लक्षी मूम्हर्त लक्ष्या वाया দিন্যাশ্চ পুজনে। অক্ষমালা তথা

वीस वृश्या भूखक मिकाः॥ मह किर्देशिक्ष मून्। विष्ठिया विङ् প্রনে। মৎস্য মূদু চ ক্র্মাখ্যু লেলিহা মুণ্ড সণজ্ঞিকা।। মহাযো-নি রিতি খ্যাড়া সর্ব সিদ্ধি সন্দ্রি-मा । मक्राइटन महारयानिः महामाः प्तो मुख मूप्ति ॥ मदम् क्मं (म· विविश्था गूपा माधावनी मछ।। তারার্চনে বিশেষাস্ত কথ্যন্তে পঞ্ मूम्काः॥ यानिक ज्जिनी हेव वी-बाथा रिष्ठाय्मिनी। लिनिशान-তি সংপো্জা: পঞ্চমু দা: প্কাশি-তাঃ॥ দশকা নৃদ্ধি। জ্বেষা ব্রিপুরা-याः भुभूद्धत्। मःकाञ पुत्रवाकर्य বশ্যোনাদ মহাজ্শাঃ !৷ খেচরী वीज यान्याथ्या विथ्खा शतिकीर्छ-তা:। সম্ভ নুদাভিসেকে স্যাৎপদ্ম मू मुामान उथा ॥ कालकरी भूरया-क्रवता विष् भूषम कर्माण। गानिनी **চ** পুযোক্তব্যা জলশোধন কর্মণি । জ্ঞিগোপালার্চনে বেণু নৃহিরে নার-नि॰ हिका। वदा हम् ह भू काया॰ वी-वाश्या• **भुर्यान**स्य ॥ इयगीता-इत रेडव इायगीवी अपमारित । वामाइत ध्रु र्वाग मृत्दु भवम् उथा-हंति ॥ भत्र गुत्रायना दिख्छया छग-(माइन मः ब्हिका । वाजूपिवाख्या

न्त्रात मन्त्रम् म् ज्यमा । मह्ने भा र्थान रेहत भार्थनाथा। मुस्पेन्यर ॥ 🕸 ॥ উप्पनानक माराना मृह्यस विक्शानायो इसाना मान्यान्य वि गामिका म्ल शर्वाः॥ अक्षे नि িচপেৎ সেয় মুদ্য ত্বাবাহনী শতা ्रा व्यक्षामुधी द्वियः एट महार ाभनी मृष्कि। मृजा ॥ २ ॥ উहि<sub>।</sub> ॥ ाकृष्ठ मूर्छे । ज मः यागार मिथाः ःनी। ७। অञ्चः পुर्विमञाक्रका रेमव সংবোধনী মতা।। ৪।। উত্তান মৃত্তি ुगना जभ्यूथी कंद्रगी मजा। ७। विजादि विज्ञानाः न्यातः न्या भकनी कृष्टि: ॥ ७॥ भव। २४ क्छा ांडि मी घाषामथ उद्धनी। अवस-ন মূদুেষ মভিতো ভ্রামিতা মতা । १॥ অন্যোন্যাভিমুখা শ্লিষ্টা কনি-ानामिका भूनः। उरेथव उद्यंनी विश (धन्म मा भुकी खिँठा॥ जम्ठी রণ সর্য্যাত্ত্ব। সাধক সত্তনঃ।৮। নিগান্য গুথিতাক্ষা প্সারিত প श्र्वी।। महामूप्य मूरिजा भवमी क्तरण वृरेशः। शुरशास्त्रमा मूम्। प्रवाञ्चान कर्यांगा 🛪 ॥ 🏶 ॥ रविक्वीनास मूम्।गा॰ कथ्रास नकः ानाथ। वामाङ्केष्ठ मःगृश् मिकः ণেন তু মৃষ্টিনা॥ কৃৰোভান- ততো

मूडि मक्षेष्ठ भुगात्रायः । नामाक् न्। उथा भिष्ठाः मःयुकाः मूाः सु मात्रिजाः ॥ मिक्किगान्ध्रं मःम्भृद्रो **ब्ह्रियमा भइमू प्रिका। ১। इ**स्लो जू मःभूर्थो क्वा ममञ भाषिजाबूनी ॥ তमास मिनिजाकू हो मूजूरी मू-भुमाति । किन्धिक है को नाम मुद्रुवा हक म जिल्ला।। २।। याना-न्यां विमायो राखे कृषा ज्यां विवान क्वी। अकुला) मध्यम ज्यः म्काः जुनुजातिए ॥ गमा मूप्य मूमिछ। वित्यः। माखाय विभिनी । ७। इरछो ত সংম্থৌ ক্রা সমত প্রোথিতাঞ্ नी।। তनाष्ठ मिनिजाक्रिको क्रिव्यो পদ্ম মৃদ্রিকা। ৪। ওঠে বামকরাঙ্কু-(क्षा व्या उम्र कनिष्ठिका॥ मिक्किशाकु-क्षे मःयुक्ता उर किनिष्ठा भूमाविछा। **उर्जनी मध्यमानामाः किक्षिट मन्द्र**. চ্য চালিভাং॥ বেণু মুদ্রা ভবভ্যেষা जुख्छा (भूयजी इतः। १। व्यानामा পৃষ্ঠ করযো संधामानानिकाकृषी।। व्यक्ष्ट्रंन ज् वड़ीयाट कनिष्ठा मृत मः ছिতে। छर्जाना कात्रायास्या मू-দু। গ্রীবৎস সংক্রিকা॥ ৬॥ অনামা शृष्ठ म॰ वर्गा पिक्किंगमा किनिष्ठिका। किनिष्ठयान प्रया विष्तृ। जब्जिन । नक्ष्या उथा।। वामानामाय वश्रीयाट मिकः

लाकुं र वारक । जानु है संयाति वे 💏 🛚 अश्योकः अवनाः भवाः ॥ ठउँ 🎳 २भाषु जः नगा जूषा को संख्य जः 🔏 का। १। न्यूर्नेट क्रशेरि भारांडे **उद्ध**न आकृष्ठया उत्था ॥ क्रब्रह्मरयन मो-नावर मानुयः वनमानिका १५१ ७-र्व्धन । ब्रू केरको मञ्जाव गुर्छ। विन्या जथ क्षि॥ वामक्खाइक वाम कान् म् र्कान विन्तरम् । क्वानमूम् छत्राप-वा बानवन्त्रार्भ्यमी॥ ॥ वानू है। वाम मम् ि विविद्य क्या ब्रू है (कर्म) পি বন্ধ। তস্যাপু॰ পীডযিত্বাকুলি-ভি রপি চ তা বানহস্তাব্দীভিঃ। वन्। गाए क्रि इंग्लियक् दिन्लवी ব্যাহরন্ মারণীজঃ বিশ্বাধ্যা মৃদ্ रैक्या ऋ है सिरु गमिला लागनीया विविदेकः ॥ ७०॥ रखो ज् विम्रथो কৃত্বা পুথবিত্বা কনিষ্ঠিকে। মিথ স্ত ব্দুনিকে লিঙে লিঙাবৰু চকৌ তথা।। মধ্যমা নামিকে ছে তু ছৌপকংবিব ठानाय । এवा गक्छ मृषु महा वि क्षाः मञ्जाय विकासी ॥ ১১ ॥ कान् - মধ্যে করৌ কৃত্বা চিরুকৌষ্টৌ সমাবৃ ভৌ। হত্তো তু ভূমি সংল্যা কম্প মান: পুন: পুন:।। নৃথ বিবৃতক স यंतर (निन्धामाध्य किंखिकाः। नः ब्रिनिक्षे खरापया मृद्धा उट श्री 🔠

राष्ट्री गुर्शा जन्मा जन्म । जन्म कार्य उथा हम। किनिशंक बार मूनीजिः नर्वाजि प्र्तुयः 👯 र्यं । ॥ ३२ ॥ (एरवा भन्नि कन्न- वाम् क्षाजान गक मूथीः। नगरंकि नर्भाका मून् वादार मः जिला 2011 रका। मक्क रखलाक मूर्य राज रेख मर्थामूथः। अङ्ग्रागुः नःदृ मू मा वामार म छित्रा।। २०।। वाम-रुख जला रका अकृषी खाउरशाम्-ৰীঃ। সংয়োপ্য মধ্যনা॰ তাস। মুদ্র म्यात्वा विञक्षयः ॥ इयग्रीव लिया गुषु। जग्रास्ट तनकातिभी। 28। वा-मना मनामानु ७ ७ जन्मानु । याज (यथ ॥ व्यनामिकाः कनिष्ठाकः उन्। क्रिन भी ज्या । मर्भारामा मान क क्ष थन् सृ (मृय मी दिखा।। २०।। प-क्रमृष्ट्रेख ७ ब्लं न्या मीर्चिया वाग मू-मिका। ७७। यहा उद्धानार्गत् । यथा इस गड॰ हाश॰ ख्या इस दि প্রিয়ে।। চাপ মুদ্রেয় মাধ্যাতা বাম-रुख वाविष्ठा। ११। यथा इस গতা বাণা खथा হন্ত करू भिर्य।। বাণমৃদ্রেষ মাখ্যাতা রিপু বর্গ নিক্-ন্তনী। ১৮। তলে তলন্ত কর্যোন্তি-ग्रें मः(यांक्र हाञ्ची: ॥ मः इठाः भूग्जाः सर्गार मृहा भन्न म जिल्

তো বামহন্ত: পুস্তো ২ভয মুদ্ধিকা

। ७। निलिजानाणिका कृष्ठे॰ मध्यान

णु निर्याद्धावर ॥ निष्ठोक नुर्वि ।

वर्गाए मृग मूपुर मीतिका। १।

शकाब्रुला प्रक्रिगास मि.चे छ। 🔆 🖁

का। का उद्विजान्ध मुडी व मुन्। रिङ्काकात्मारिमी ॥ २०॥ श्रष्टो जू मन्त्री क्षा शुम्काबू निरको उस। ा उन्हें (मड़ी मध्यमा प्रक्रिवक्रिकी मध्य मानिरजो काम मूख्या मूरिछ। गर्व ्रित लियकती ॥ २०॥ क ॥ महास्व ্রিবাণাস্ত ক**ধ্যান্ত লক্ষণান্যখ**় উ िक पिक्तामुक वामामूर्छन विश्वे-<ा । वामा**न्नो पंकिगा** अक् नी छिक्त वस्तर्थः। निस्तृत्र्य भा-খ্যাভা শিব সামিধ্যকারিণী॥"১॥ নিখঃ কনিষ্ঠিকে বজ্বা তৰ্জ্জনীভ্যা ম-ना निका अना निकास निर्म हो ची भराभाषा त्रयः ॥ जाक्षान् द्वरं ना (न)९ (यानि मृदुर मीविछा।२। अक्रिंग किनिशास विद्या निश्चाम् नि वग ॥ भुमात्रायः जिम्माथा म्-द्भिया भित्रकी खिंछ। । । अक्रू हे छ क्तिन ।। जु गुथिवाकृति वयः ॥ भुनावर्यम्बन्भावा मूप्त्र भविकी-र्जिज। ८। व्यथः ज्ञिता मक्ट्रः পুস্তো বর মুদ্রিকা।। ৫।। উদ্বিক্

गुक्त म् ज्याकाः ॥ यहाम् म् म् नियाजा निवन्तर्गां अभिया गंजा। ৮। भाववं चीन रेडेड क्वीरक वीगरक छथा॥ निकारवाष्ट्रिक वट अर्थेशर मूमा का-नामिकी मछ।। २। मूक्षिक मिचि-नाः वस्ता नेनमृहिङ मेथ्रमाः ॥ म-किना म्क् ग्रमा कर्नाता भुहान-(यट। अवा मुम् । एमकका नई विभ विनामिनी।। >०।। इत। छथा गतम मू माना मूहाए वक्तनामाथ। উडा-नाक् म्थी मथ्रा मत्रका वक मृष्टिका ।। मस मृ मा नमा बराजा नर्वा गम वि-भावरिः। १। वानं मूर्छन्छ जन्जिन्। मक्रम् (हेस ७ क नी ।। म रशा का अकृ क्षेकागुगच्छा ठड्डा नाम् स्क कि-(१९८। वरा भागाख्या मुमा विध-ভি:পরিকীর্ত্তিতা।।২।। শঙ্গীক ম-थामाः क्वा ७ व्हें मी मथा भवति । ण रवा जा अंकाय कि विक्यू रेष्ट्र वा इत-न म किका॥ १॥ उद्धिनी मध्र-मानामा कनिष्ठात्रुष्ठ मू देना। जारवा-मूथी मीर्चक्या मध्या विष मृष्टिका ।। ৪।। পরশু মু দু।৫নিগদিতা প্রসি-षा लडु मू किका। ७। वी जभ् वा ख्या मू-দু। পুসিদ্ধত্বাদ্পেক্ষিতা ॥ १॥ 🕸 ॥ माज्यिनाक्षम् मुनाः कथ्राष्ट्र वक्क-ानाथ। भागा छ गर यहा ३ ही डि

·धन् वांगाः मभीविजाः॥ ७॥ कनि-क्षानाभित्क विद्या साम्युर्क्षरेयव सम्बद्धः । मिड्राक्नी जू भुग्छ म निर्दे अप मृष्कि।। १।। वाम इस उपा वियं क कृत्। टिव भुमार्य। छ। आष्ट्रिका क्नी: कर्याहर्म मूपुर मीविजा।।।। মুষ্টি কৃত্বা তু হস্তাভ্যা বামস্যো भित्र मिक्नि । अर्यात्रम्य मूर्प्यः नर्विष्य विनामिनी।। अ।। मुक्टि क्षा করাভ্যাঞ্চ বামস্যোপরি দক্ষিণ । क्षा भित्रनि न राशकः पूर्ण मूल्य भी बिजा।। >०।। 🗱।। ठक मुमा॰ उथा विद्या संवेशिय (इ. भूगार्य) है। कनि-शिक उथानीय उन्त्यु श्वृश्वको कि পেথা লক্ষ্মিদুা পরাজেষা সর স-म्मर भूमायिनी ॥ ३ ॥ स्था वीगा वाम-न वक्तालो क्या मकामायहितः। वी-ণা মুদ্রেয় মাখ্যাতা সরস্বত্যা: প্রিয क्रती ॥ > ॥ वाममृष्टिः बाजिमृथीः क्षा भुखक मृद्धिका। २। एकिनाकृष्ठ ७ छ ने । दशुनाः भद्राकृतीः ॥ भु भार्य। मः राजाजाना এया व्याभान मू फिरा। २। श्रीवाममा मवयङ्ग जा गुरु (भूषत्री मजा।। 🗱।। मनिवन्न श्रिको कृषा भूमृ अञ्चलको करहो। किनिशक्षे यगाय मिनिजा छः भूमा-ब्रद्य ॥ मध्जिखाचा मृद्धुयः दिखा ||

नम शियक्षी । भाका किशकुं কৌ শক্তৌ করয়ো রিডরেতর গাওঁ क नी सर्भानामा मञ्जा जुन र कि छ। मूर्पमा गामिमी (गुका শত্রস্পেরাচালিতা।। 🗱।। দক্ষী व्षे भवाक्षे किथा रखन्य जी সাবকাশা মেকমৃষ্টি স্ব্যাৎ সা बस मुहिका॥ 🗱। मुस्ट्रेशकन्त्री कृ **जाक्री जब्द नार्गु जू विनारम**ा नर्व ब्रकाकती (एवा म्ह मूम्। भू-कीर्बिंग॥ #॥ भूम्जाङ्गृनिको इ-खोमियः भिरहो ह म मूर्थो। क्र्यार ষে হৃদ্ধে সেয় মুদা পার্থন সংক্তি-का ॥ 🗱 ॥ व्यञ्जनाञ्जलि गृनु। जान-दामुप्तवाख्या हुमा। व्यक्त क्षातूमरहो क्वा मूर्छ्याः मः नगर्या र्वायाः ॥ जाववा जिमूरथी अर्येऽ। ८ मृत्या का-লুকুর্নিকা। 🗱। দক্ষিণা নিবিডা মুপ্তি নাসিকাপিত ভক্জনী।। মৃদ্য বিষয় न•क्का न्यार विमयावन्य कारियो । #। মুপ্তি ৰাজ্বী কৃতাস্থ্র দক্ষিণা नार मृष्कि ॥ ज्ङ्जिन अक्षे मःसा-गारगुर्छ। विनम् मूम्कि। 🗱। व्यादा-ग्राथ वागक्र जिला मा रक्षक्ष कः॥ किछाञ्चनी बङ्गी छिः गःगुष् शतिव इंगर । এया मः शत गूषा-म्। विमक्तिन वियो म्जा ॥ #॥

मक्तानि गृष्ठरमा वामनानि छ-नः नामर। अक्रिको हानस्यर अ माक् मृत्रुषः मटनाक्तिशी॥#॥ ंश्वा । उथा हिक्स उद्धेन्। वा ाब्रु:४न शाकरर ।। उन्न प्रक-ाक्षुष्ठ- वामना मध्यमानिकाः। य-हनी (र्याहरहरू श्रुष्ठ मिक्न ना क्रा জ্য চ।। বামস্য পিতৃতীর্থেন মধ্য নানানিকে তথা। অধােমুখে চ তে ं ग्राट मिक्ना क्रमा है।। क्र्य-क्ष त्रमः सर्गाट मक्ताविक नर्वः ডঃ। কুর্মনুদ্রে মাণ্যাতা দেবতা न्तान कर्यात ॥ श्रष्ठ काउ ॥ 🗱 ॥ थलताकु ४ मृथि छ क्या वाम कर्म । ह । मधामागुः मिक्तमा उथानसा भुः াত্মত: ৷৷ নধ্যমেনাথ ভর্জন্যা নজুষ্ঠা-्गुन (याहारर । पिक्नन (याहारय गानिः वाममूर्छो जू माधकः।। मर्णाय एकित जारा मूखमुरम्य मूह्य । 🗱।। उर्जनी मथुमानामाः ममः वर গ্যাদপোনুখ । অনানাখা • किल-ष्का अड़ी क्दा किनिष्ठिका ।। (म-लिहा नाम मृत्युयः कीवन्यातम शुकीः र्जिडा। जर्जनामाका मथ्रा कनिष्ठा ক্রম যোগত:।। কর্যো ফ্রেজ্যত্ত্রে किनिष्ठा न्व (यागठः। अञ्रुष्ठार्गु जू

निःकिन। महायानिः नुकीर्तिजा ॥ 🗱 ॥ जात्राया (यान)। कि मूमा यथा । যোনিমুদা চ বক্তব্যা ভ্তিনী বক্ত-ব্যা বীৰাখ্যাপি। পরিবর্ত্য করৌ-न्भ्राष्ट्री कनिशक्षे सक्ष्याम । जनामा युगलकाथ खर्जनी युगल॰ भृथक्।। व्यत्नानाः निविष्ठः वष्त्रा श्कृषात्र श्नामितक छठः । मानवध्मतकदा-খ্যা মুদুবা কথিতা প্রিয়ে।। অস্যা-स वसनामञ्जी वसनाम्हारङ थुव॰ । #। বকু বিস্তারিত ক্ত্রাপ্যথো बिखाक हानएर ॥ भार्ष इ॰ मूडि यूगन । लिबिशानि कीर्खिं । এবা ভারারাখনে খন্যা লেলিছানা वक्तवता। 🗱। यानि मीयाधदः (मन्मू र्वसः क्हं: क्याबिषः। वीकानि (ठाह-तन् मखी मुपुा वन्नन माहरत्र ।। छर्ज-न। कुष्ठ जः या गाम गुरछ। विन्तू मृष्कि। । বামকেশ্বর তত্তোক্তাঃ প্রকাশ্যন্ত २थ मृ प्रिकाः ॥ भृगू (पवि भ्वक्रांनि मूमाः नदीर्थ निष्किताः। शांखि वि রচিতাভিন্ত সামিধ্য তৈপুর ভ-বেং ৷৷ পরিবর্ত্য করৌ স্পৃষ্টাবঙ্গুষ্ঠৌ कात्रायण मानी। व्यनामायर्गाउ क्ः ত্বা তৰ্জন্যে স্বটিলাক্তী॥ কনিষ্ঠি কে নিযুজ্জীত নিজস্থানে নহেশ্বরি। ত্রিথণ্ডেয় সমাখ্যাতা ত্রিপুরাধ্যান

कर्यात ॥ 🗱 ॥ सथामा सथारा क्या कनिश्व २क्षे द्वाधित् । उर्जान्। मखद क्षा मश्रामा भर्यामाभित्क । এवा ह भुषमा मृमा गर्वमःकाः तिनी।।।।। এত न।। এव मू मुखा मध्यः মে সরলে যদা। ক্রিয়েতে পরমেশা-नि जर्बविद्राविनी छमा॥ #॥ मध्र মা তৰ্জনীভ্যাঞ্চ কনিষ্ঠানামিকে স নে ৷ অন্তুশাকার বৃপাভ্যা ব্ধ্যমে **भक्रसभित्र ॥ अकृ**र्छो जु नियुक्षीः ত কনিষ্ঠানামিকোপরি । ইয় মাক-विनी मूमा देवलाक ग्रक्षिनी भन्ना ॥ 🗱 ॥ भूषाकारत्रो करत्रो कृषा जर्ज-न्यावस्नुभाक्छी । भविवर्ख कामरेगव मथ्याम जनस्थाग्राज ॥ कामगानि **छितेव किन्धानीमित्क छथा। अ**॰ যোজ্য নিবিডা: সর্বা অঙ্গুপ্তাবগুদে-শতঃ ৷৷ মুদুেষ পরমেশানি সর্বা भारकती गजा। 🗱। मगुरथी जुकरत्री क्षा मध्या मध्या २ छ। छ। छ-नामिक जु मत्राय उन्नहि खर्जनी वर॰ । দণ্ডাকারৌ তদফ্ষে মধ্যমা नथ रम्या ॥ मूर्युरवाचारिनी नामा कर्षिनी मर्बरगिष्ठा । 🛊 । यम्रायु नाभिका युगा नथः क्दाक्र्णाक्छी॥ তৰ্জন্যাবলি তেনৈৰ ক্ৰমেণ বিনিংখা-करपट । देव- बहारूमा बृहा नई

कागार्थ जाधिनी।। #॥ जवाः एकि-गरमरम ज् अवारमरम जु मिक्का । বাহু ক্লামহাদেবি হত্তো সংগরি वर्जा है।। किर्दिशंनाभिक एवि यूर्क তেন' ক্ৰমেণ চ। তৰ্জনীভ্যাণ সমা कारि मर्त्वाष्ट्र मंभि मध्यम्। यक्-हो जू महिनानि नत्रवाविन कात्र-(यर । इय॰ मा व्यव्हा नामा भार्थिव **भान (याक्रिजा ।। # ।। भ**तिवर्ज्य क-तो ग्रिक्षावर्ष्क म्याक् शे शिर्य। उर्ज-नाक्ष यूगमः यूगमः काद्रायञ्जः॥ व्ययः कनिष्ठावष्टेरक ग्रथाम विनि याब्रायः । उरेथव क्रिल याखा नर्वाथञाहनाभिक ।। वीक्रवृत्य यित्रां मर्विमिषि विविर्धिनी। #1 মধ্যমে স্টিলে কৃত্বা তর্জুগুপরি সং-স্থিতে।। অনানিকে নধ্যগতে ভথৈ-ব হি কনি খ্রিক। সর্বা একত্র সংযো-দ্ধ্যা অঙ্কুষ্ঠ পরিপীডিতা:॥ এবা তৃ পরমা মূদা যোনিমূদে্য মীরিতা । #। এতা মু দা মহেশানি ত্রিপুরাযা भाषािष्ठाः। भूबाकात्म भुषाकः वऽ। यथानुक्रमरगागठः ॥ वागरुखन मूश्चिख विद्या कर्नभुरम्माक । उर्जनी॰ मत्रना॰ क्षा जामायमन् विजनः ॥ स्त्रोडागप्रहिष्टिनी मुनु। नप्रामकात्व-शि স্চিতা। । । अउत्रवूष्ठ मुक्षे। ज

निक्या उर्जनी निमां।। विभूषिखाः गुरा मृषा न्यानकाल जू मृहिंछ। । # । वन् ज् (यानि मृत्राः देव मक् त्म क्रिल क्रका। प्रकृष्टिन उपर्गु क् ग्रुपुरा ज्जिनी मजा। #। नामम् हि विशायाथ उर्जनी मध्यम उउ:॥ भुजार्य) उर्जनीमृषा निषिष्ठी वर्जुभा-ণিনা।। ইতি কন্সসারে মুদ্রাপুকরণ সমান্ত ।। 🕸 ।। 🏶 ।। অপিচ। উক্তা: ন্তব নমক্ষারাঃ শৃণুত্ত পুরতো যুবা•। यु मुागाः अ त्रिमः थ्यानः यक्षभक्ष यथा ক্রমণ ৷৷ ধেনুক্ত সম্পূর্ট কৈচব প্রাঞ্জ-नि दिन् भद्माको। नाताका मुख দভৌ চ যোনি রক্ত্রণ তথৈব চা। ব-न्त्री চ महामृष्टुा महारयानि खरेष्य চ। ভगण्ठ भूषेकरेण्डव निः महा रथाक्षं हन्मुकः ॥ व्यक्षं विमृथ्रिक्षं শার মৃদ্রাথ মুষ্টিকঃ। বজুঞ্চিব তথা-वकः मर्यानि विभन ख्या ॥ घरैः णिथितिनी उत्रः भूखा १व श्वांत न्कः। जन्भीवाभी ह व्यथक हकः শ্ল তথৈব চ।। সি হবকু গোম্ थक (नुष्मात्माष्ममन जथा। विष• माम्भडः मूकः उपाणा १थ माधनी তथा॥ भुमाधनी छात्रुम् मु। म् अनी व्धर भव छ। जिमश्रकानिवल्ली हु यात्मा (जाहा १थ (माइन ।। वार्ता

बन्ग्ह ज्नोद्रः मृ मा अञीख नेखमार। वाद्वा खन्न वर्ग मा व्यापा याः भु-कीर्सिकाः॥ जानास शक्शकान्य-रिणाः गुर्शिस भूबर्ग । भिरास या जिनका नम् मृ छाः नभरवयु ह।। मुव्यानयन जःकिं नहेना दिव् छाः मृजाः। (प्रवानाः विख्यन यारा ध्रान (न जल्म) विमर्द्धःन ॥ व्याम्तास भ-क পঞ্চাশন্মুদা ভৈরব কীর্ভিতা:। मू पा॰ विना ज् यब्ह्लभाः भागायामः नुवाईन ।। यारेगा भागानान हानि নিয়লানিচ ভৈরব।। #।। পুত্যেক• वक्रन (उदा भृगुठ उनयो युवा ॥ मिक्ना सप्तार्युत नवा रखना उद्धनी । (याद्याय नवा भवास उद्धि ना मिक्शिन रेव।। उथा मका-नामिक्या वामञ्ख कनिष्ठिकाः। अ-नामिकाछ वाममा मिलामा किनिष्ठरा ॥ (याब्रायफ किमान् मन् ।क् मिक्ना বৰ্জনন ত্। ধেনুমুদু। সমাখ্যাতা স र्चरित्र जुडिमा।। ३।। न रयान्य वि ख्राची नवीर्गाञ्च् क्षेत्र ग्रानि इख्र याः। न• याबार भार्याञाश्वाश्वा म भूगेः (भा-**চ্যতে जूरेतः ॥ मर्खिया मथ (मेवाना**॰ সংপ্ট:শস্তে সদা। ধ্যান সংপট यागामि मन्त्रीः भन्राट नना।।२।। निञ्च बुग्न भारिताः मः रया कृतार्खन

व्यवह । मथ्य भूनाः भूषाकातः भाका निः পরিকীর্তিতঃ।।।।। অলু । মন্তর कृषा भाराग्राम् श्रिः विशय ह। गः (याक) विद्यवरख जू विद्यमृपा शुकीः র্ত্তিতা ৷৷ ৪।৷ মণিবন্ধাদাকরভ• স•যো-क्र क्रत्या र्घाः। अक्रि हानि !! न'रयाका उरेथव ह कनिश्रक ॥ जि जु खिर्जा हरगाः भारता त्रकृषी वित्र লা ভতঃ। পদানু দু। সমাখ্যাতা চ-जूर्वर्गभुमा नृगाः।।।।। व्यक्ष्रारगुग उ क्जन्याः जःरयाक्यारथा खुरतथय। । व्यन्त्राकृती ख्या नम्त्र नाताहः म्राट शुनार्याराज।। नम हिन मिनायाण श्री-जित्मय श्रियकती। नाताह मुमा न তত• প্রাত্ত্যে বেতাল ভৈরব। জা অ-স্তরাঙ্গুর মুষ্টিঞ্চ কৃত্বা বামকরস্য তু। मध्यान्याः मक्किनम् उथानम् भू-यञ्ज ।। মধ্যাকেনাথ ভর্জন্যা অ-जुक्षाग्रामिरयाका ह। मिक्न वर्गाक (यट नानिः वाममूश्ही जु नाथकः॥ मर्भाराम्हिकारा जारा मूख मूर्प्य मि-ষ্যতে। ইযন্ত গণনাথস্য প্রীতিদা मूर्षिकाज्या ॥ मर्खिया मिश प्रया नाः जुक्षिना मर्बकर्यम्। १। अब्रुष्ठ नः थ्रमानी • मह नन्रगानम् । उर्द्धनी • ॥ भुनार्य। मध्यापुठि म किनन। कत्रम। ज्। ৮। गर्वाक्वीस मःगाना कतः ॥

(या क्लरगात्रिण ॥ मःविष्ठेऽ त्रस्तूक एषु जु भारा। त्रभि कनिष्टरक। वाम म्। वानम्राम छम्भः विनिर्याक्रयः ॥ एक मा मध्यात्वन ख्यात्रः वाम নেব চা যো জবৈৎ যোজনাৎ পশ্চাৰ मावर्ड्य कत्रमाथिकाः ॥ यान्या काः त्रष्ठ ज्याथाः यानिम मा भुकीर्विजा। कानाथायाः शक्षम् खिनू नीया जनि रेज्द्रव ॥ श्रीजिता (यानिमृद्रुय॰ सम काममा ह लिया। । म॰ युका सुक्रु-नीः नर्वाः भुनार्याक्षके भर्वना ॥ অণেণ চ কৰিষ্ঠাযা অণেশাপি চ (या कारय । कत्रना मिक्नामाय मर्ख-(यानिः भूकीर्खिङा॥ २०॥ मः शूरे॰ शुाक्कवि॰ वाशि यहि भीर्य निर्वां ज-(१८ । वन्तनीया मनाथाराजा मृनु विकुभुत्मा दिनी 1551 रेमव (हब् मुंब-**शामका महाम् पु श्रुकी** खिंडा। ১२। দক্ষিণাঙ্গে তুসাশক্তা বৈষ্ণবী পরি-कीर्जिञा॥२०॥ महारयानिस कथिजा বৈশ্বী তন্ত্র গোচরে। ঘথো মূলেত্ব-क्षृष्ठागु नक्ष्वी मह कनिष्ठरयाः॥ निर्या-জ্য পুস্তী কৃত্যদ্বে পাণী যোজবেৎ পুন:। ভগমুদাচ সা খ্যাতা লক্ষ্মী वानी निवालिया ॥ २८ ॥ गर्बाञ्चनी ,नानरगोषः एकिनम् क्रम्। छ। मः-(यारिकात्रव भुत्राका निष्यमः भूषेकः

म् उ: ॥ ७३॥ कनिष्ठानामिकाक्षाक्रः क्षीनाः ला त्रयम् यः। व्यग्राला कव म क्षान उर्क्तनीक भुमार्ग्य रेव ॥ मुद्री क डा कत्रवन्तुः भ्षग्त् निर्यावर्य । निः भक्ति। नाम मूर्त्य नत्र मि र व बार्याः॥ ७७॥ कनिष्ठानामिका म-क्षा मान्यका मिक्नामा ह। क्रमा াৰ্জ্জন্যস্থান্ত প্ৰসায্য ক্ৰিয়তে ত যা।। 🖫 ा। मृषु। श्रक्षं जनुराया। गुरागाः भी- " उपारिनी । ১१ । উদ্ধी कृउऽउथा-ंश्व पिक्तिभार क्रमा है।। क्या म গ্যু॰ ভদঙ্গুঙ্গ বানমু স্থি• তথোদ্ধু ভ:। ेक्षांक्ष्ठः उथा अर्गापक्रम् म्। भुः गेर्बिंग॥ १८॥ वजना वन मृत्र ाः कनिष्ठापि वियाहकः । अश्वी ্দুঃ সমাখ্যাতা নান তাসাং প্ ाक् भृषक् ॥ विज्योक्षित् १२ जू श्रिण्ड ्० वजुरा भावष २२ (भव छ। विम-गण्ठ २० घটरण्डव २८ छक्: २० मञ् ७ खरेषव ह ॥ नवाना॰ विकृ म्खीं भ॰ नार्छ माक्त मृद्धिः। कमामव जमाथाजा नायिकामा उरेथद ह।। नः रंगाष्ठ्र कद्ररंगाः भृत्व उथावर्ख्य जू .वननः। भुनार्यः जङ्जी गुग्रः मः-गुक मर्व उ: श्नः ॥ अङ्गुरश्ची ह उथा मको महनूम् भूभे खिं छ। २५ । উडान गञ्जलि क् द्वा अञ्चल हि विक-॥

निर्द्धाः॥ गूल निः किना जू काः जःशाब्राथ भुम्म्यर । जरानि রিতি সা খ্যাতা মুদ্রা দেবৌষ তু-हिमा ॥ २৮ ॥ मृष्टि मंकिगहउत्रऽ यरनाष्ट्रा क्षिका खरवरा मा महार निथितिगी मूपा वाकी म्यं। निया ह সা॥ ২৯॥ অনামিকে কনিষ্ঠে তু न राबा अजना भूनः। मध्या छ-र्ब्बनीनास्त (धनुम्रापुर वन्ननः ॥ ना-ৰ্দ্ধেনু বিতি খ্যাতা চন্দু পুঁতি বি-वर्षिनी । २०। कत्रया त्रकृतीः नर्वाः সর্বাগাণ্যকতঃ স্থিতা ৷৷ নিযোজ্যা-र्षा उत्न रेहव उरक्षा १ नि विगुक्त ह । অগৈুরগু• या ज्ञयেखु মৃদু। সমी ল -नी जू ना। ७১। ভৌন ভূমি মুনीশा-না নিয• প্রীতি বিবন্ধিনী। সর্বাস্তু-वीख **मःम**का एकिंगमा कत्रमा है।। कियन्डाग उपानामा उन अर्या बु व्यक्त । मनाथाराजा व्यक्त मुन् वृद वानी मिवालिया॥ १२॥ महाकृती-ना॰ मरेबाख बामइखमा हाक्नीः। भुमार्यप्राक्ष्ष युगन मः साक्ष्यार्युन डिन्नव ।। **उरक्**षे घर• कार्याः **म**•म्-খ বিভরেন্ডভ:। চক্রমুদ্র সমাধ্যা-তा छक् विक भिविभूग।। ၁०॥ णक्षे नधारीक्षत नामिखा कतः न। एकिनन। भन्न। खिर्मा (गान-

(यहन्युड: भनः ॥ मूल यु म्। नयांथऽ।-তা মম শুক গুছপুিযা। ৩৪। नि ब्द्वीक्छ। जुक्त्री वामाञ्चलिगगम। ज् ॥ जगुानि या बरम्मास्य जन मऽ। नवार्ट्ड:। व्यथः कृदा वामर्टं मूम्। भि इम्थी म्जा ॥ ७१ ॥ इयः शीरिका कू पूर्गायाः स्वा भूधमा हः ক্রিণ: ৷ ভগমূদু৷ কর্ণমূলে গোমুখা-था। भूकी खिंजा ॥ मम विष्ण खथा ब्राह्मः मर्बरा श्रीजिनायिनी ॥ ०५ ॥ মৃষ্টিদ্বয় মথোভান কুত্বা সংযোগ্য भार्श्व ।। पिक्र गम् किनिश कि भी সাৰ্য্য ক্ৰমতঃ পুন:। তথা বাদকনি-ষ্ঠাভ্যামেকৈকেন প্রসারণে**ং ॥ অ** ষ্টোমৃণাঃ সনাখ্যাতা নামতঃ ক্রম **७: भ्**रु । (शुक्रात्मा ०१ मनन ०৮ ক্ষৈব বিশ্ব॰ ৩১ পাশুপত ৪০ তথা া শুজ ৪১ ত্যাগঃ ৪২ সাধনী ৪১ চ ख्या दिव शुनाधनी 88 । **जान**का कत्रणाथाञ्च पिक्ताः मा कृ गूर्विका !৷ উপুমূদু৷ সন্থ্যাতা স্ভ্রস্থ विभर्याया । १४ । इन्मानि लाः क्षानानाः मन्यूषाः भूकी दिंगः। ।। मर्खिया मिल (स्वानाः भवनभू हि বন্ধনাঃ । অঙ্গুগুলুত ভৰ্জন্যা অ <u> शुकारमन (या इ एष्ट्रा) वा भक्ष</u>र ज ধ্যনাভ্যান্ত দক্ষহন্তস্য চাজনীঃ 📭

मर्भायर मुखनाकातः मुखनी मुक्ति जुडिन ।। मर्दिया मिश (प्रवाना॰ তথা তুश्चिकद्र॰ मह्ट । ८५। अत्रृष्ठ তৰ্জনী মধ্যা অগুভাগে নিযোল্প চ ॥ मध्रमाक कंनिश्राक जानका म-ক্ষিণে করে। ত্রিমুখাখ্যা সমাখ্যাতা বিশ্বেদেব প্রিয়া সদা ৷৷ কেভো: প্রি-यय गठउ माठ्गामि जुडिमा 189। তক্ত্রনঞ্চযোরগুভাগৌ স॰ रयाका ठाक्नीः ॥ यना याक्रकः বেভিসু: সাসিবল্লী পুকীর্ভি হা। পিতৃণা মথ সাধ্যানা ক্রাণা বি-খকর্মণ:।। সর্বদা প্রীতিজননী অ-भिवली भुकीर्खिंग। ८৮। भारमी **उनान्ड्रा॰ म**'रयाङ्ग उनक्षं ह्य• **७ जः ॥** ऄक़ॣ॔ • ग॰या क्रयमाভৌ ञ-স্যোপরি তথাঞ্জলি:। যোগমূদা সমাখ্যাতা যোগিনা• তভুদাযিনী ॥ नार्द्य। मिं (एवानाः भूजात हिस-নে তথা । যোগমৃদ্য সমাখ্যাতা তৃষ্টি প্ৰতিকরী সদা ॥ ৪৯ ॥ প্ৰাঞ্জ-नि नाग मू मा जु छिष्दा (था ভाব या-জিতা•। বিভিন্য দশযেন্ধস্তৌ উদ্ধা-धः शुक् जी कृ लो ॥ (जर मृष् भ-गाथााका गम विष्णा विर्वः शिया ়া ৫৯ ৷ আন্তাধ দ্বে তু নিঃক্ষিপ্য কর-त्या १७८५ व ॥ अस्ति स्वाज-

যেৎ পশ্চাৎ কনিষ্ঠা যুগল তত:। **উভযো ई उर्या कान्या उर्जन्या हा** रवाहरय ।। अगुरिगुस भ्षक् क्छ। मर्भागङ्ग किनिष्ठिकाः। मूम्। मामाः रुनः नाम काम पूर्वा तमालिया ॥ न র্বেষা নিপ দেবানা মোহন প্রীতি-म॰ म्राउ॰। ৫১। जानमऽ नवऽ रुउनऽ स्थामा नामितक ज्था ॥ जत्याः भ्रष्ट তু সংযোজ্য অঙ্গুগ্নাগু ততঃ পর । किन्छा अर्जनीत्कव व्यापुन याजा বেভভ:॥ বণ্মুদু। সমাখ্যাতা স इंप्रवरः जृष्टिरा । ৫२ । मर्वाक्नुनीस गरकाह्य जा है मथ उर्जनी ॥ भू नार्गं कद्रताः शन्हाम्कश्चेश्च याः बाय । यक्षार्म् ठर्बन्या व्याम् ণাপি চ ভৰ্জনী• ॥ যথা শক্তি পুদা-र्याभि धनुगृषा भुकी डिंडा। ७०। गर्व। जुलीना नुगानि द्वाऋ उठीर्थिनि याङ्गराष्ट्र ।। यनानिकायाः भूष्ट ज् व्यक्षागुः निया करार । न्नरः ज्नी तवट क्वा उया मन्न छित्र ।। ज्भीत मृष्टा ठाथपाठा मर्खिया॰ श्री তিবজিনী। ৫৪ ॥ জ্ঞানু দাসু স•স্থি-তা প্জানু দাসু পরিভিন• । নু দু मू म श्रिका (वागा मुन्। ज्यान के खडः। यस यस श्रास्त्र विज्ञान श्वान कर्याणा। युद्धारमे । अवस्य अस्ति ।

गुप्

হস্তকৃত্য ন বিদ্যতে। তদা মুদাযু **७॰ व्य**र्गानिष्टाभूर्खं कत्र घर ॥ य-জ্ঞক্ত্যেষু চেছক্তো হল্ডো মৃদ্যসূচ क्रमः। जना मृमाः विवारियव ज्बू क्छा नमाहात्र ॥ मृषु। वियुक्त रुडड किया कर्य रिविक । कृदा यित्रज्ञ यमाखमाग्रुमुद्धि छः বেং।। বিসর্জেনে তু দেবানাণ যুস্য-যা পরিকীর্ত্তিতা। মুদ্যুণ তাণ পূজনা क्ति जु जम्र देनव भुरमाक्रायर ॥ বিস্ষ্ঠ্যকা মৃতে মুদা মুদাযুক্তঃ স-माहात्र । भूजनारि मगउक कर्या वृक्षित विष्ठक्षाः ॥ जारका मन्। भन् थान मु मु। भूगा भुमायिनी। स्वाना॰ (नारना मू मु। ज्या डा॰ यज् उ नहरद्र ॥ अर्कावानि संशायानि वि।नि द्।-की ह दिक्षी। मृमु। विमञ्जात (भा-ক্তা শিবা ত্রিপুরযো: সদা ॥ দুর্গাযাঃ नर्वकाभयू गृपा এडाः भूगे खिंडाः । (यानिषः नम्भुद्धेरिक्षव नहारयानि 😵 थिव 🗷 ।। वड्ड विद्या वाउँ जावादू-कारनाव याष्ट्रय । ज्यमुस वि शक्षानपन्। नूषाः मगउ जः॥ जात (-ए का लावाः मुख्युन वाककताः 🌝 🚈 : এছে বাং ক্থিতা মুদাঃ পু ক্ষাৰ পদ্য তুপ্তিদা:॥ ইতি কালিফা भूबारमञ्च **अध्ययः** ॥

মূদ্কা

म्मुङिउः वि मूम्याहिक्सि जः । ছাপাকরা নোহরকরা ইত্যাদি !! ভाषा। यथा। थाउ। विश्व विभृष्टि নাত্র নিরতো দেবো হলি গৌরী जुका (स्थाननर विष्र्भान नयता मकाध्रव धुः मक्ट।रेमजाविः कम-ना कलान मकती मृपाकिलातः স্থল: শেতে হ্রা বিতরেষু জন্তুষ্ **পून: का नाम भारत्य: कथा ।।** ইতি भुरवाषहरमुगारयनार्वे > व्यक्षः॥ गूमानिभिः जी भक्षानिभाउर्गठ निभिवित्नयः । ছाभात्रवक्त इंडि ভाषा। यथा। मुमालिशिः भिन्निमि विभि विथनीमस्य । গুণ্ডিকা ঘূণ সমুতা লিপয়: পঞ্চ था मृजाः ॥ এতাভি विभिन्नि र्त्रा-গু। ধরিত্রী শুভদা হর।। ইতি বা-वाशीउखः॥ उम्याः भारे/पः धा-र्गाद्वक यथा। (नथना) निथिउ॰ विरेशु गूपा जि बिक्ष उक्ष यर। मि न्नामि निचिंड यह शाठे। शार्य। नर्वता॥ इंडि थन्नगानाडञ्च॰॥ मृज्कि जी वर्गवागारिनिर्मिउमूमा । (नाञ्त है कि। इंड्रांक् डावा। यथा। **(मोवर्ग) व द्वाजन्छी** । उन्ही নাবনীং বা সুশোভিতাং। সান **ल**न मक्ष्वीजा॰ পुक्तिशासक मू

मिका ।। ইতি নিতাকরাষা । वाक हात्राधायः ।। मृद्धि जि अभुक् ल्ला । त्याना हेिंछ ভाষা। তৎ পর্য্যায়: । मक्क् हिछ । २ निमाण । जी निछ । । हिछ हम हम्पुः ॥ मृम् क्लिड का ॥ म्था वा वार्थक । हें छात्र ताः ॥ विशेषा । वाह यमः २। हें छात्र ।। महाथ्या मुद्दिय नाः मृथ्य विश्व । मृश्थ्य मुद्दिय नाः मृथ्य विश्व ।

मानासः ५ नजाताक् १। इंकि
किरायतः ॥ उना मक्रा॰ यथा ।
पूः (थयन् विग्ननाः म् (थय विगठम्ण्रः । वीजताग जग काक्षः हिः
जिता मृति कहाउ॥ इंकि श्रिजावक्षाजा ॥ ॥ उना प्रमा यथा ।
व्कावाह । मृतिजि महिजा वर्मा
উका वाम नया उता रिग विकृ श्रयाउ (पतः मूथापि निज्ञाविकः
॥ उर्भाग हिल्ला विकृ जन्मा वर्मा विकृ वर्मा वर्म

যানি যথা। অতিথিপূজা > হরিণবি-খাসঃ ২ হি•সুজন্তশান্ততা ৩ যজ্ঞগ্ বাঃ৪ মুনিসুতঃ ৫ জনসেক:৬ বল্পং৭ বৃক্ষণ্ট ৮। ইতি করিকল্পলতা॥#॥ ग्निवित्मयागा॰ वुऋता १क्वित्मः वामृर भिंख र्था। भूवाखा मक्क नीष्ठ भूलाङ्ग वामकर्गडः। मक्कान-ত্ৰাত্তথাত্ৰিক বামনেত্ৰাৎক্ৰতুঃ স্বয়ং ॥ अत्री नीमिकात्रक्षां अक्ता म মুখাক্ষচি:। ভ্ওক বামপার্যাচ দ-का मिन भार्ष जः॥ ছायायाः कः ৰ্দ্মনো জাতো নাভেঃ পঞ্জিখ স্তথা । वक्कन रेण्डव व्यापुण्ड कशेरमणाइ नात्रमः ॥ अत्रीिकः ऋक्षरमाह जा भखम् खथा गनाए। यभिक्षा तमना **मिण्ट भुटिन अथात्राश्वनः ॥ ए**॰-नक वामकत्कक मक्क करक यंजिः चय । मृष्टि विधा जुक्ष विधि फका রাজ্ঞা• সুতানপি॥ ইভি ুবৃক্ষবৈবর্ত্তে तुक्तथा 🕒 व्यथायः ॥ 🕸 ॥ गया-जूबनभीत्र : मञ्जार्थ जुकाला गान-नाट मृक्षी मुनरवा यथा। तुक्ता म ञ् व नञ्जाता भागमानृदिक्ता २म् জ<। अशिमग्रीप प्रमुख (मोनकः काञ्जलि मृत्रु ॥ अगृथि (दएरवे छि. ন্য হারীত কশ্যপ কৃপ্ গর্ स्रोभिक वानिएडी मूनिक

य ।। वृषः भावाभवः कवः माखवाः শুতি কেবল । খেত সুতাল দমন म्रहाज कक भव हा। भोगा किक महावाङ किनीषवाः उरेशव ह। म-থিপঞ্চমুখ বিপু খাষভ কর্ক মেব চ ॥ কামাধন গোভিলঞ্চ মুনি মুগু नश्तुज । बहानानिन नत्रम् हा-টুহাসঞ্চ দাকৃণ ॥ আত্রেয ঞ্চাপ্য-**হিরস মৌপমন্যু: মহাবৃত্ত:।গোক-**ৰ্ণঞ্ গুহাবাসং শিখণ্ডিন ম্নারুত্ত ।। সুপালক গৌতমঞ্চ তথা বেদ-শিরে। বুতং। এতানন্যাংশ্চ বিংপু-ল্যুন্বুক্ষা লোকপিতামহঃ॥ পরি-क्नुप्रक्रात्यामः भवामूत्रमतीव्र**क।** ইতি বাযুপুরাণে গ্যামাহাল্য্য ।।।।।।।। गूनिविष्णय नायाः वृष्टशिख यंथा। কতিকল্পান্তরে তীতে সুখু: সৃষ্টি বিধৌ পুন:। সরীচি মিশ্রৈ মু নিভি: সার্দ্ধ• क्शांब ज्व मः ॥ विर्य नंत्रम नान्म क्छे रिमाइज्व मः । नादर (म्हिज বিখ্যাতো মুগীলুং স্তেন হেতৃনা॥ यः পুত্র শেচতকো খাভ র ভূব মূনিপুক্ষবঃ । ভেন পুচেতা ইক্তি তয়ায়চক্রে পি-তামহ:॥বভ্ব ধাত্ ৰ্যঃ পুতঃ সহসা मक्रभार्थेजः। मर्वकर्यान मक्रक (जः न एकः शुकी डिंजः॥ (वरम्यु कर्मनः শব্দ শ্বাবাবা বৰ্ত্ততে স্কটঃ ৷ বভৰ

कर्पगाद्याणः कर्पम खन कीर्बिजः॥ इंद्रा (ज्या भन्नी विन्व (व्यक्त वर्ष তে সু টে । জাত: সদ্যে প্তিতেজ यी महीि एउन कीर्खिठः ॥ क**ु म**ः ষশ্চ বালেন কৃতো জন্মান্তরে প্রুনা। বুন্ধপুরোপি তমামা কতু রিত্যভি-ধীয়তে।।পুধানাক্ষ• মুখ• ধাত স্ততো কাতশ্চ বালকঃ। ইর স্তেজম্বি বচনো **ংলি**রা ভেন পুকীর্ত্তিতঃ ।। অতি-তেष्ठस्मिन ভृछ र्बर्डराठ नामि भोनक । बाउ: गरिता १ जिरुकारी ज्ख खেन পুকীর্ভিতঃ॥ বশীভূতণ্চ শিষ্ট-क बाउ: तरात हि वाधकः। ध-তিপ্রিশচ ধাতুশ্চ বশিষ্ঠ ত্তেন কী-ৰ্বিভঃ॥ বালে। হপ্যসূত্ৰ বৰ্ণশচ জা **छः मरहा। हि (छळ**ा। शुक्कार् शू ৰ্বতপৰা চাৰুণ স্তেন ফী ব্ৰিতঃ॥ হ• স আত্রা বুশো খন্য যোগেন যো शिता युन्न । वालः शद्रम वाशीन्त्र **एउन रु•मः भु**क्षीरि**उः ॥ ग**ल्ल**ः** य मा उद्गा जनामू वाल्कमा ह। शु কীৰ্ত্তিতো যতি তেন সংঘতঃ সৰ্বজ-र्यम् ॥ भून उभःभू (वरहः) 🗆 एउ रह एशिए। इंडि॰ छमः बन्दर शुबरे खन की विंठः॥ गृय स्वतः गग्रक यमगां अभूदं जयनाः। उथः **লংঘঃ সন্হ**শ্চ পূল্ড্য স্তেন বালকে 🦠

II বিশুণায়া• পুক্ত্যা• বি বিশ্বাব• ъ পুবৰ্ত্তে। তথো উক্তে: সমাজো হ্স্যতেন বালে। १ ত্রি ক্চ্যতে।। জ-है। काशिकाया विशाः भक्ष मि ह মন্তকে। তপন্তেজোভবা যস্য স চ পঞ্দিথ: মৃত:।। অপান্তরতমে দেশে তপ স্তেপে হন্য জন্মনি। অ-পाउद्रजना नाम भिल्मा (छन भू-र्कार्डिङ ॥ स्रयष्ट्रभः मगारशांडि वार्यं भाभाय भन्नान्। छेवः ममर्थ खनाम (वाष्ट्र (खन न्कीर्ड-**७: ॥ उभम (स**ङ्मा वात्वा भी सि-শান্ স্নৃডে। মুনে। তপঃসুরোচতে িন্ত কচি স্তেন পুকীভিতঃ॥ ইতি जुकारिवरार्ड्जुः अए७२२ व्यथायः॥ भूनिः श्रुः वद्यस्यन्ध्यः॥ हिनः। इं (अफिनी ॥ शियानितृकः ॥ भनामत्कः । इंडि (इगठनुः ॥ मननकृषः। ইতি রাজনির্ঘণীः॥ ন্নিথজ্ রিকা জী থর্রীপুভেদঃ। यथा। मूनिथर्ज् विका जन्ता वाराजश খাতুস নিতা।। ইতি রাজনিঘট:।। म्बिहरः ४. गश्रहम्यूकः। ३७ संक्षितिक ।

ু পু বার্ক্ষঃ। ইতি রন্ন ্
্ শ্রাধাকবৃক্ষঃ। ইতি

गुग्रू

त्रव्याना ॥ त्नाताकन्रज्यः ॥ বক্ষুকঃ। ইতি রাজনিঘটঃ॥ क्रुनिनिर्याजः भू॰ ডिखिमः। यथा। ডিণ্ডিলো রোমশফুলো মুনিনি-ष्णि ভ ইত্যপি। ডিণ্ডিশে। কচিক্ৎ ভেদী भि**ख (लूग्राभरः मृ**जः॥ সুণীতে৷ বাতলো ক্ষেন্য্রলকা-শ্মরাহর:। ইতি ভাবপুকাশ:।। মুনিপিত্তল ল্লী তাসু। ইতি ত্রি-का अल्य ।। ञ्चित्रभू क्षः। পু॰ गूनिरमुक्षः। ইত্য-मबही हा ।। मूनिभूषः भूः प्रमनकर्कः। ইভি ভাবপুকাশ: ॥ श्रविमु उन्ह ॥ মুনিপুএক: পু॰ খঞ্জন:। ইতি ত্রি কাওশেষঃ ॥ মুনিপুল্ল॰ ল্লী বকপুল্ল। যথা যো-গিনীতক্তো। বিল্পপ প্রঞ্চ মাঘ্যঞ্চ ত भागामन किता । कडूति जून भी ঞৈব পদ্মঞ্চ মৃনিপ্তারক ॥ এতৎ-भयु विक न मार यहानार क লিকাত্মক•। ইত্যেকাদশীতভু•।। मूनिभूगः भू॰ खवाकवित्भवः। छ९ পर्यायः। द्वामभूगः २ काबीनः ၁ সরেবটঃ ৪: ইতি ত্রিকাংগ্রেষ্ট 🛚 য म्निए जवकः ही अभरा इं कि दि

।। वड्न-। इंडि (निनिने

म्निम्तुः भू व्खार्टन्। महतूकः
विश्वाः। ইতি হেনहृत्यः।।

ग्निकानः की आणुनः। ইতি হেন
हन्पः॥

ग्नीन्तुः भू वृकः। ইত্যমतः॥ अधि
श्वान्तः।।

ग्नीन्तुः भू वृकः। ইত্যমतः॥ अधि
श्वान्तः।।

ग्नीन्तुः भू वृकः। ইতি कविकल्लक्षाः।

ग्नीन्तुः भू वृकः। ইতি कविकल्लक्षाः।

ग्नीन्तुः। উ गृक्षिः। ইতি कविकल्लक्षाः।

ग्नीकाः। উ गृक्षिः। वृक्षः। ইতি

पूर्णानाः।।

ग्नीवाः।।

ग्नीनः भू भिषः। ইতি সংক্ষিণ্ডः।

गाद्रागानिवृद्धिः॥

म्मूकः श्रु मुक्तिम्हः। उट शर्याः
यः । भूमनः २ यितः ० वाहःयमः
वृजी ६ माथः ७ व्यनगातः १ व्यविः
७ मूनिः ५ निग्रं छः २० जिकः २० ।
इेजि स्महन्द्रः ॥ व्यथ मूम्कू कृष्ठाः
। मनः। इह हामूव वा कामाः भूव्
खः कर्मानीर्डाद । निष्ठामः ज्ञान
शृज्ज निवृज्ज मूलिन्गाद ॥ शृव्खः कर्म मः स्मदा (स्वानासि माव्रिजाः। निवृज्जः (स्वानासि म्वृज्जः
कर्म मत्रीत भूवृज्जि (ह्जूज्ञाट भूव्खः उत्थव कर्म कामना प्रक्रिः भूववृज्ज ज्ञानाज्याम भूव्यः मान्ना
वृज्ज ज्ञानाज्याम भूव्यः मान्ना
वृज्ज ज्ञानाज्याम भूव्यः मान्ना
वृज्ज ज्ञानाज्याम भूव्यः मान्ना

गुगुक

সাষ্টিতা সমান গতিতা প্ৰযেগত্য ৰ্বাৎ পঞ্ভুৱান্তে তি অভিকা মতি মোক্ষণ প্রাপ্নোতীত্যর্থ:। বিফু भुद्रापक । विभिन्ने क्वरा कन्। नि ষ্কামানাঞ্চ মুক্তিনা। ভগবদ্দীতাপি। যুক্ত: কর্মফল• ত্যক্তা শান্তি নাপ্নো-তি निश्विकी । अयुक्तः कामकार्वि ফলে সক্তো নিবধ্যতে ॥ যুক্ত: ঈশ্ব-রায় কর্মাণি ন ফলায় ইত্যেব সমা হিতঃ। ফল ত্যক্তা কর্মাণি সর্বমি-जिल्मयः। भाष्ठिः भाक्नाथाः नि क्षिनी॰ निश्वाया॰ खवा॰। मञ्जू भूकिः द्धान शाक्षिः मर्वकर्य मःनामः জ্ঞান নিষ্ঠা ক্রমেণেতি বাক্যশেষ:। व्ययुक्त उष्विभूथः । कामकार्त्रण কাম পুেরিতত্যা কামতঃ পুরুত্তে त्रिकि यावट। कल मकः मन् कना (यम• कर्माकात्र। भीरब्धन कारधा अ ক্তো নিতরাণ বন্ধণ প্রাপ্রোতি। ত থাচ অজুন পুতি ভগবদ্বাক্য । भिष जर्बानि कर्यानि जन्मजान्त्राः আ চেতসা। নিরাশী নির্মনো ভূত্বা युष्य विशेखञ्जद्भाः ।। भःनप्रभः निः क्किना ममन्। इंडि यात्रः १ वर् ত্ম চেডসা বিবেক বুল : 💆 এই 🕾 🤄 **ভূত্যदेश करतामि ३७**% । নিরাশী ভ্যক্ত কাম সংগ্রাভাই

এব निर्मनः मम् । त्रश्यः। वि জুর: বিগত সম্ভাপ:। ব্যক্ত ज्ञा विष्युत्राणि यम् माजि य हानि एमानि यथा यखन नानि। एउय उट **सक्**य समर्गन । विकृ द्रागः। कर्यागुप्तकन्नि उट य नि मःनामा विष्णे भव्नाजाकाः অবাপ্যতা॰ কর্মমহী মনন্তে তা नयः (यञ्चनना भुषास्त्रि। कर्यमः ভারতবর্ষকপা । একাদশক্ষে विदाल भारत कर्नाण निः म श्रिकृ भीश्रद्ध । रेनम्पर्याः **व**ष्ट तिकि (द्राप्तनार्थ) कलमू जिः॥ ( rाक भव **क**र्वाणा न कु निविष নন্ কৰ্মণি ক্ৰিয়নাণে ত্ৰিয়নাস কি ख एकन महारित नजू निष्कर्यार्ङ পা ফলসিদ্ধি রতএবাছ নি:সঙ্গে হনভিনিবেশবান্ ঈশ্বরে হর্পিতু नजु कलाप्परणन । जय कनमः শু, তত্ত্বাৎ কর্মণি কৃতে ফল ভবতে ১ ব ইত্যাহ রোচনার্থেতি কর্মণি ক চ্যুৎ পাদনার্থা। অতএব তত্ত্বৈব। ফ লশুতি রিয় নুগা ন শেষো রোচন ल । १९ १० वहना भाका गया ভিন্ত 👚 🔒 িংগত্যৈৰ ছি अहम स्वत्य अवस्ट जागङ े ही या जना १नर्थ (२ ठ्रु

॥ नजानविषुवः बार्थः ज्ञानप्रजा व्-॥ जिनावृत्ति। कथ॰ युष्ठार भून खस् ত।• ভ্রমো বিশতো বধঃ ॥ এব• ্যবসিত কেটিদবিজ্ঞায় **স**বু**দ্ধ**য়ঃ। ফল শু,তিং জ্বসুমিতাং ন বেদজ্ঞা বং मिं हि। इय कल गु. जि न(मुयः भन्न-ম পুরুষার্থ পরা ন ভবতি কিন্তু বহি নুখানা নৃণা নোক বিবক্ষণা অ-राखन्न कर्मकरैनः कर्मम् बहु। एशापन লাত্ৰ• যথা ভৈষজ্যে ঔষধে ৰুচ্যুৎ शाहन । यथा। भिवनिञ्च शुहाम्।-🗐 খলু তে খণ্ড লয়ুকান্। পিত্রৈব মূকঃ পিবতি ন ফল• তাবদেব তু॥ ভবাগদপানস্য ন খল্ খণ্ডাদি লা: জ এব পুৰোজন• কিন্তারোগ্য•! তথা (ताराध्य करेनः भूरनाज्यन् माकारियन कर्णाणि विश्व । नन् कः শাঁচাণ্ডে ঘোক্ষন্য নানাপি ন শুয়তে व्यानव वर्गाचरायाज गया नुजरेमर । ঘটনাং ইত্যাহ উৎপত্যেতি দ্বা-**গ্যা•। উৎপ**ত্ত্যা স্বভাবত এৰ কা-नयू भक्ति मृ भारत्य जागू तिन्तिय ल वीयं। किय अज्ञत्म भूव काताकि য অনথ হেতৃযু পরিপাকতো দুংখ ञ्जूष या छाए सार्थ भारममूथ ৰবিদুৰঃ অজানতঃ অতো নতাৰ্প্ शी व्यान् वृत्वा त्वाना गुल्पक्षगृति

তদেব শে্বঃ ইতি বিশ্বসিতান্ ইত্য-र्थः। जान् वरस्रुजान् वृक्तिनाष्ट्रनि कामवर्जान (प्रवाप्ति र्याप्ते ज्ञामऽउः ততঃ পুন স্তমো ভ্ত কৃষ্ণাদি যোনি• বিশত ইতি। পশুকাম ইতি চ সুথ পুণ্রাদি কান ইতি চকথ পুনতেয়ে-व कारमञ्ज्ञाय॰ तुरक्षा (वरमा युक्ध)ा भूवर्वरंग्ट । उथा मङ्गासः म्या ইতি ভাবঃ। কথ• তর্হি কর্ম মীমা•-गकाः कलभवजाः वमस्र जनारः। এব মিতি ব্যবসিত• বেদস্যাভিপা-য' অবিজ্ঞায সমুমিতা নবাস্তর ফ-लाताहनमा त्रमणीया॰ भातम कलमुः उ॰ वनित्र अठ (उ अवृष्क्षय खाइ) हि रुआए (वरुक्ता व्यामान्यः न उथा বদ্ভি ইতি অতএব নিষ্কাম কর্মণ আল্রক্তানার্থতোক্তা যথা । অয भिव किया वारमा उद्यान वाममु गापकः। कर्यायागः विनाक्तानः कः স্যচিয়েহ দৃশ্যতে॥সোপি দুরিত-क्य बाजा न माक्नाट उथाह। क्वान गृ १ भराउ भू भा क्या भागगा कर्माः। उथा मुक्तिः। उपाय- विमार्थ वज्ञान वाक्षण विविधिषञ्जि वुक्का र्यात जगमा मुक्तवा मात्नन यरछः-নানশনেন চেতি। ত॰ আত্মতত্ত্ नाकार कात । अठ वन वक्डाभीना

খুমুষু (

क्यानामय उपभावपार्य। निष्ठारमयुक र्यम् भुवर्ख्छ । পণ্ডিতেনাপি মূর্থ: कारमा कर्यान न शुवर्ख रेजवा इंडा। र वश्यका। यन निः म्यम विश्वाम বক্তাজ্ঞায় কর্মা হি। ন রাতি রোগি ণে হপথ্য বাঞ্তেপি ভিষক্ তমঃ ।। রাতি দদাতি ইতি সমযপুদীপে शिरतः। मात्री मात्र भवकात्र भगः वपुत्र मञ्जयः। পুৰুষোত্তম তৃষ্ট্যৰ্থः भुरमयः भाईकालिकः॥ यम्बिष्टेउः म॰ लाक यहा भारति ग्रह मुहि। उ. खिक्त (मय॰ भी छ। थ॰ (मवामवना हः किनः ॥ इह मान वाका मण्यान क भिव विकृ भी जि म् फिना वर नर्बव मान । विकृतीखः नामान्। ত: শুভত্বাৎ। অথ বিষ্ণুপীতৌ দে-বভাধিকরণন্যায় বিরোধ ইতি চেন্ अर्गवमधिकाति विश्नियगात्वन उर ञबु भुगाधनाए इंड्राइः । वाक्षा जम्मुनानकरव् कि॰ नान मिठि हि॰ বামনপুরাণে তত্তনাস ভেদেন ত ভদান মভিধায। বিফুপীতার্থ নে তানি দেয়ানি ব্ৰাহ্মণেম্বথ। দেয়ানি विপुमुर्थ्यास्त्रा मधुमूबन जूष्ट्रर एन घराजिशानार । उथा ह विकृष त्मा उन्ना भूता भरताः। यव यव ७

বেৎ প্ৰীতি বিষয়েভোগ নহামুনে। **ত ब**रह्। ठ मू पिषा विर्मुखाः भु-তিপাদযেৎ।। বিষণ্ধর্মোত্তর তৃতী যকাণ্ডে ত্ বিফু সংপ্রদানক মেব मान यथा। विकाः मा श्रु भारतन वाक्षा वाक माश्रुवार । हेउ। हि-ना कीत्र शलव त्रःयुकान् कलनान् म्विज्विजान् मद्या देव (मवरमवाय वाकिरम्य कनः नः छ। इंडाउर **७७९ कन• ७**७ मान मिश्राया-कः। व्यकामः नाजिका लाका यट्किष्किषि वित्यम्य । (छरेनव স্থান মাপ্নোতি যত্ৰ গড়া ন শোচতি ।। ধর্ম বাণিজিকা মূঢাঃ ফলকামা नद्राध्याः। यहंविष्ठ जगनायः उ काभा नाशु वसू १७॥ यस वस् क न॰ (उवा उद्धवज्ञान्नस्य ना । उथा । गम् जा। भुजीहरक (मवः नकारमन निवित्व । मृङ्गा भुजीहरक मख नकारमन दिखालनाः ॥ ইত্যক বামনপুরাণবচনে **मार्बका**णिक गिजातन मननामानाविक विकू-भी जार्थ (पर मिछि। इंडि मन মাসতত্ত্ব ॥

ত্যভিধায় দাসী দাস নিত্যাদি ব । মুনুষু: ত্রি আসমন্ত্য়: অথ মুনুষু
চন ছ্যাভিধানাং । তথা চ বিজ্ব তি জিল্ল হার্লিডঃ । শূদুরেন ত্ মোরেরাণ্লিপুরাণধোঃ । যত যত ও জিল্লেন্ হ্রেছেন যো গ্ডঃ । স रैव थत्रव गुड्ड मृमुद्र काविगहिं ।। भूनामः भूनुषाभिकामः। उपख मिलि (जाबनकारन उप्गृहाविश-छ । यस्त्रि भू पात्र । उनारात्रि ताः। मृपुरवन्यनि विर्भुत कीत्रया यि वा परि । निवृत्त्वन न ভोक ব্যু শুদুান্ন তদপি মৃত ।। অপি भदार माकार उपव व्य उ उ वुना हि न छ छम्छ क्शर्मकाहिना कीछ भि । अगृङ्गिष्ठ भून इक्षिताः । খ্পায়ত স্তঃতা হ্যাপঃ শক্তি যান্তি नही॰ गजाः। मृमुाषिशु ग्रह्यम॰ अविश्वेष जना मूर्ति ॥ अविश्वे जन्ना-পাদক পুতিগুহাদিনা ইতি শেষ:। অতএব পরাশর:। তাবন্ডবতি শ্ मुास॰ यादम न्भानि विजः। विजा-তে॥ স্পতি পুতিগৃহাতি ইতি কল্পতকঃ। তह সংপো্ছা/গাহ্মাছ विक्शुद्रागः। मःल्याक्विवाशृही-যাह দান গৃহ নাগত। তচ পাতা। ন্তরে গুাহ্ম মাহ অক্রিরা:। ম্বপাত্তে ষরু বিন্যস্ত শুদু। যছতি নিত্যশং। পাত্রান্তর গতে পু:ছা দুধা স্বগৃহ মাগত ৷৷ এতেৰ স্বগৃহ নাগতীৰ্যৰ मुबद्धः। छम्गृह गजनाऽ मृह्यः (सा व जागिदः भूजीग्राज। कर्

मृगिन सूर्यू गा महिथा मृमुाम न ভোক্তব্য: ॥ 🛊 ॥ পূজারত্নাকরে । শালগাম শিলাখত্ত তত্ত্ব সমিছিতো क्तिः। उर महिर्यो जुरबर भागान् वाजि विकाः भन्नः भम्। जिक्-পুরাণে। শাল্যাম সমীপে তু কো-न भाव नमस्यः। कीक्छिन मृ তো याजि देवस्थे खरनः नद्रः॥ कीः करो। मगशः॥ #॥ दिक्षवामृत्उ वता-णः। जूनभी कानति कासा र्या मि मृजूरे र्खर कृति । म निर्दर मा यम ना नी नीनरेयव रुद्रि॰ विल्यू ॥ भूयान कारन यम्प्रारम्प्र हीयरञ जूनमीहनः া নিৰ্বাণ যাতি পক্ষীন্দু পাপকোটি युष्ठाणि मः ॥ # ॥ क्र्यंभूद्रागः । গঙ্গাথাঞ্জলে মোক্ষো বারাণস্যা• कल इला। बला इला ठाउदी। क गक्रामागद्रमक्त्य ॥ कारम् । ग-काया॰ ত্যজতঃ প্রাণান্ কথ্যামি ব-রাণনে। কর্ণে ভৎপরমণ বুন্ধ দদানি मानक भर ॥ उथा। जीवाम्गगु-তি নাত্রন্ধ পরিতঃ ক্ষেত্র মূচ্যতে। অত্র দান জপো হোমো গঙ্গাণা नाज नःभवः ॥ अख्या खिनिवः याः 🔞 যে মৃতা তে ২পুনর্ভবা:। গব্যুতি: ক্রোশযুগণ।। তীর্থচিন্তামণৌ বুন্ধ-প্রাণ। অত্ত দ্রে সনীপে চ সদৃশ॰

रगाजनवर । गक्राया अवराप्तर नाज कार्यता विठातना ॥ 🗰॥ अवन शकाहि मत्राभ शांध वृक्षावाकन्तरी (भारे बिंदिकी किया उपिकारिकी কৰ্ত্তব্যা নিভ্যত্বাৎ। তথাচ খ্ৰীভাগ-বতে। কৃষ্ণ এব॰ ভগবৃতি মনো বাক্ দৃষ্টি বৃত্তিভিঃ। আত্মন্যাত্মান মাকে मा (मा २ छः याम मुभातमर ॥ म-भर्गान माञ्जाय जीया वृक्षि নিষ্কলে। সর্বে বভ্রু স্তে তৃকী বযা। भीव दिनाजुरय ॥ उत्रु निर्ह्त्रभाषीः নি সংপরেতস্য ভার্গব । যুখিষ্ঠিরঃ कात्रियदा मूर्बं मृ:थिए १ छवट ॥ কৃষ্ণে আত্মনি পরমাত্মনি আত্মানং **শী**যাত্মান• নিবে**শ**্যএকীকৃত্য সভী-মা: উপারমৎ মৃক্তিণ গতবান্। নি-ষ্লে নিৰুপাথৌ বুন্ধণি সংপদ্যমা-ন মিলিত আজায আলক্ষ্য ত न्य जीयाम्य निर्ह्यशाहीनि मः ऋाद्रा-দীনি সংপরে তস্য সম্যক্পরে তস্য মুক্তস্যাপি। ভার্গবেতি শৌনক্স্য সংখাধন । এবঞ্চ এতেষা মণি ত ख्य कर्मान जखन्नहत्नाभा छ (भुज পদস্য পিতৃপদস্য চ মজ্ঞাদিয়ু যথা यथः वाठनिकज्ञाट भुरवागः मञ्रहः তে। আসমমূত্যুনা দেখা গৌ: সবৎ ना ह भूर्वद् । छम् छार्व ह भोरत्रका ।। य इदा विकृ मू वातिनामा छ् ।।

नद्रकाषाद्रगाय देव ॥ जना यहि ন শক্লোভি দাভু বৈতরণীঞ্চ গাণা भेरका श्त्या १ कक् छना म्या (क श्या पर्वाग्रजना ह ॥ भूइवाक्ष्म শৃকাদিনা। অত্র মৃতস্য চেতি শু বণাৎ একাদশাহে পি বৈতরণী দা नाष्टात्रः ॥ वनशर्वति । जार्थः भूक সতো মিত্র• ভার্য্যা নিত্র• গৃছে সং তঃ। আতুরস্য ভিষ্মিত্র দান भिवः मित्रपुठः ॥ वदारुश्रदाः ।। ব্যতীপাতো হথ সংক্রান্তি স্তথ্যৈ गुरुग त्रायः। भूग्रकाला उपा मार्ब যদা মৃত্যু ৰূপস্থি হ: ।।গো ভূ তিল হিরণ্যাদি দত্ত নক্ষয তানিযাৎ। नित्रवकाणज्ञामञ मलमानापि (मी-ষো নাস্তি সূতকনপি ন। তথা চ **भूकि**तद्वाकरत मकः। मुख् काला-दिर॰ मर्ब॰ मृडक॰ भत्रिकीर्खिङ॰। আপন্গতন্য সর্বস্য স্তকেপি ন সূতক।। ইতি শুদ্ধিতত্ত্ব।।

মুর শ বেষ্টনে। ইতি কবিকল্লফমঃ ॥ भवर्गः नयापिः। म ग्राउक्कः वजा। भाविजा। ইতি দুর্গাদাসঃ॥ মূর॰ ল্লী বেষ্টন•। ইত্যমরটীকাযা• नथ्रत्रणः ॥

मूत्रः न् रिकादिष्मयः। इजिस्मिनी

মরা

সুরগণ্ড: পু• বরণ্ড:। বর্ণক ইতি ভাষা। ইতি জটাধর:॥

ম্বজঃ পু॰ মৃদক্ষ:। ইত্যমর:॥। ম্বজফ্লঃ পু॰ প্রমৃব্দ্ধঃ। ইতি ব্রিকাওশেষঃ॥

गूद्र ७: श्रुः नम्भाकतम्भः। उप्प्रभाखः श्रुः जूद्रि। इंडि (इमहम्पुः॥ द्वन्तना जी नर्माननी। इंडि जि-

कार्थाम्यः ॥

লুরমর্দ্দন: পুণ বিষ্ণু:। ইতি পুরাণ:॥ সুররিপুঃ পুণ বিষ্ণু:। ইতি শবর্মী। বলী॥

मूत्रन। जी नर्यारामरी। ইতি विकास रमयः ॥

गुवनी खी स्नाम्थाज्म्वित्रसम्।

ज्थान्यायः। वःमी २ वःमिका ०

वःमभानिकाश्चमात्मिकाश्चमात्मिकाश्चमात्मी

७ जानिका १ जत्ननामिका ৮ (मय

हज्केरःमानाय। इजिम्दद्वावनी

गुत्रनीयतः १० श्विक्यः। इजिमद्व

गुज्ञ शे शुः विषः। ইতি एक प्रमुः॥
मूजा जी चनामथा जगक्त पुराः। उट शर्यायः। जानभिने २ देन जा व शक्त के । ८ शक्तिनी ६। ইতা प्रजः॥ यमा जन्तिभन छनाः। यनकी जरका ज्ञ नानिष्ः। ইতি রাজ वल्ला ।। त्राजनिर्शको क था भ-र्यायो भूतामास मुद्देरवरो ।।

मुद्राद्रिः भू । श्रेक्षः। श्रेषः । श्रेषः পৰি যথা। মুরঃ ক্লেশ চ সন্তাপে कर्याखारगहकर्यिना । रेमछ। छरम ২পারে ভেষা মুরারে ভেন কীর্ত্তিতঃ ॥ इंडि वुक्तरिवार्ख शिक्षक्रमथा थ ১১० **अध्यायः ॥ अ ॥ अ** गऽ स्क्र यथा। श्रीनात्रमञ्जवाह। कारमो मू-त्रात्रि (र्म्वरर्ष (मर्त्वा यरक्ना न् कि॰ न-রঃ।দৈত্যে বা ব্রাক্ষসো বাপি পা-र्थिता वा उपूठा जा।। भून छ। हेवा-**छ। (या २८मो ब्रजः मञ् माया ७**० বা॰শ্চ তমোমযঃ। নির্গুণঃ সর্বুগো-व्याली मूत्रादि संधूम्मनः॥ श्रीनात-দ উবাচ। যো হসৌ মূর ইতি খ্যা-তঃকস্য পুঞ্চ গীয়ন্তে। কথঞ্চ নি-হত: সংখ্যে বিফুনা তদ্বদন্ত মে।। পুলস্ত্যউবাচ। শ্রুযতা কথনিষ্যা-নি মুরাসুর নিবর্হণ । বিচিত্র মি-ह्माथ्यान भूगा भाग भूगामन ॥ कम्राभरमार्रेत्रमः भूष्या मुद्रा नान नहावनः। न परमं द्रायमञ्जू দিভিপুথো ২সরোত্তমঃ ॥ ততঃ न नद्गान्छी उ उथ्वा वर्ष गगान् व-<del>ष्ट्र वादावयामाम विভূ• दुका</del>न মপরান্ধিত। ততো হস্য তুপ্তো

वब्रमः शाह वट्म वब्र वृत्। न ह ববে তদা দৈত্যো বরমেন পিতা महार। य॰ य॰ कत्रउलनाइ॰ उर्गु-(भय॰ সমরে বিভো॥ স স মন্ধন্ত ज॰ म्रि खुरादा नि भ्रियद्व । वाष মৃক্তা স ভগবান বুক্ষা লোকপিতা মহ:। ততো ২ভাগানহাতেরা मूत्रः मूत्रिगिति वनी। कगाम धर्म वाकान विष्कु मख्यानिन ॥ मूत्र उवाह। यम भुका अ॰यमनावि वृद्धि॰ कर्जु मर्शम । (नाटि खवाम) हिदार गृकांन भाउर ज्वि॥ ভমাহ ধর্মারাড্ বাক্য যদি মাং স•যমেন্ডবান্। গোপিতাসি প্রা **সত্য: করিষ্ট্যে বচন: তব ৷! মুর** স্ত মাহ ভবত: क: স यस वस्य गा। অহণ তঞ্চ পরাজিত্য বার্যানি ন जःभगः॥ यम छः शुक्तः नाः विकृ र्प्तर क्रक शराध्यः। त्यञ्ची शनि वानी यः न नाः नःयम् उ १व ।।। ইত্যের মুক্তো বচন• দুস্বান্ধি মগন मृतः। उमागठः शुाह मूल मधूषः

পুাপ্তোসি কেনাসুর কারণেন।। স

शाह यूकः नह ति द्यारा उ शाह

ज्यः मुद्रमञ इस्रा। यही इ ना · (या

দ্ধু মপাগতো সি তৎকম্পতে তে

क्षरण किमर्थ ॥ क्राउतरमात

মুহু মুহু ৰৈ তীমৰ বোৎস্যে সহ কাতরেণ। ইতেত্তৰ মুক্তো নধুসুদনে-न मृत उरा (च क्राय च क्छकः॥ कथ नू काम्मि ज जुरु खानाका नि-পাত্যামাস বিপন্নবৃদ্ধি:। হরিক চক্ৰ মৃদু লাষ্বেন মুমোচ ভক্তস্য শিরন্ত শতো:।। চিছেদ দেবান্ত গতব্যথা ভবন্দেব পুশ সম্ভিচ পদ্মনাভ । ইতঃ পুসিদ্ধ সমূপা-জগান মুরারি রিভ্যেব হরি র্ম-হাত্রা।। ইতি বাননে ৫৭। ৫৮ व्यवहायः ॥ 🕸 ॥ व्यनचंत्राघतगृष्ट-कडा। यथा। अखि भोनुष्रारगाञ সমৃত্তস্য মহাকবে ভাউ প্রীবর্ত্ত माराज्यभग उड्डन जी इत्यनन्तन न्यान्तात्तं नाग्रवयन्य करवः कृष्डि রন্ঘরাঘ্র নান নাটক তৎ পুযু-প্রানা: সামাজিকানুপামহে। ইতি **७**९क् नाविकगम्ऽ॰ ॥

मूई न्त्र। सारह ॥ উष्ट्रुरय। इंडि कविकल्लक्ष्यः ॥ श्रवशास्यानिः । সুরী। তেন ক্বিপি রাছ্যোলোপ: মুঃ **मृ**(दो **मृद:। जा मृर्ছि छः मृर्खः (उन ।** মোহে। জ্ঞান রহিতীভাব:। উছু।-ल्हः। गृहं **डि** (द्वागी। गुग्हं লাৰ 😁 😅 সমান ব্যসনে স্থ <sup>ভাষৰ কন্ত্ৰ</sup>। ইতি দুগাদাসঃ॥

मृर्ভिनी जी अकात्रशानिका। ইতি भद्राम्यका॥

सूत्र्वः भ् ज्याप्तः ॥ मस्यः ॥ विवाहिः। इंडि स्मिनी ॥

মূর্ব দ নহে। ইতি কবিকল্পদ্ম: ।।

আদ্য: পঞ্চমশ্বরী ।। মৃ: মূরে মূর:
। নহো বন্ধন । ই মূর্ণ: । ইতি দুর্গা
দাস: ।।

মূল ক রোপণে। ইতি কবিকল্পজনঃ

। রোপণ আরোপণণ । ক মোল
যতি কৃক্ষণ লোকঃ। গোবিন্দভেউ
স্তা রোহণে ইতি পঠিত্বা রোহণণ
কম ইতি ব্যাখ্যাতি। ইতি দুর্গাদাসঃ।।

भूगणी जी निउककः। इंडि ह्र्य-हन्दुः॥

भूणिका की शली। इंडि रुवा-

मणी जी भली।। ठावम्ली।
ठ८ भर्यप्रायः। मृत्रश २ ठावभिक्व
का ० त्याक्षाभती ८ रहमभून्नी ६
ज्ञानी ७ निर्यक्तिका १। ज्यमप्रा
छ्याः। मध्रद्वः। मीउदः। त्यप्र
द्वः। भूष्ठि तन भूतदः। निह्निद्वः।
क्करूदः। भिन्न नाह म्या ह्रद्वकः
।। मुण्डी ति हिंदा (भ्यक्ता १ द्वाः।
हाभन्न मञ्ज्ञका। (क्वाः द्वाः)

পেতा जाभद्रा ह द्वाग्यनी ॥ ३७ द्वा

मृत वाष । ইতি কবিকল্ল सः ॥

त्यावि । ইতি দুর্গাদাসः ॥

मृष य ইর ছিদি। ইতি কবিকল্ল মঃ

॥ ছেদ ইহ খণ্ডন । य মৃব্যুতি বিপক্ষণ চতুর:। ইর অমৃষৎ আমোयীৎ অমাৎ প্রোদরাদিরালিত্যণ উইত্যনে । ইতি দুর্গাদাসঃ ॥

মৃষ গ লুন্টনে । ইতি কবিকল্ল মঃ ॥

গ মৃষ্ণাতি । ইতি দুর্গাদাসঃ ॥

ग মৃষ্ণাতি । ইতি দুর্গাদাসঃ ॥

होकाया । जब जः ॥ मस्तुमार्था । मस्तुमार्था । जूबना मूचना व्या । मस्तुमार्था मुच्छा मुच्छा । मस्तुमार्था । जुबना मुच्छा । मस्तुमार्था । जुबना । मस्तुमार्था । जुबना । मस्तुमार्था । जुबना । जु

मृयनी जी जानम्निका॥ गृह्रान-धिका। इंडि मद्द्रद्वावनी॥ मृयन्त्रः जि मयनवध्रः। इंडामत-

টীকাষা ভরত: ।।

মূবা জ্রী ন্বা। মূচী ইতি ভাষা।

ইত্যমরটীকাষা রাযনুষ্ট: ।।

মূবিত জি চোরিতদুব্য । তৎ

পর্য্যায়:। মৃষিত : ২। ইত্যমর:।।
মৃষ: পু অগুকোষ:। ইত্যমর:।।
মোক্ষককৃক্ষ:।। সংহাত:। ইতি
মেদিনী।। তক্ষর:।। মাণসল:।

हन्मः ॥ মুদ্দ্রঃ পু ব্ষণরহিতঃ। স তু ब्राख्डा २४:भूततककः। (थाडा ইতি ভাষা। তৎপর্য্যায়ঃ। অনু **शरुः** २ द्वीत्रजायः **२ गरुझिकः** 81

ইতি শহসালা !!

র্ত্তিনাশিত্বঞ্চা ইতি রাজনির্ঘণ্ট:।।

মুদ্ধর: পু• পুলয়াণ্ড:। ইতি*ছেম*-

गडिक

मृष्टिः भु की भवभित्रमागः।। তোলা ইতি ভাষা॥ বন্ধপাণি: मूठी इंडि ভाषा। एर मर्गायः সম্পিডিতাঙ্গুলিপাণিঃ ২ মৃকঃ मृष्टि । इंडि (इस्टम्पुः ॥ १ 🔻 খঙ্গেরমূট্ ইতি ভাষা। ইতি হে नी ॥ वक्ष्यक्षे जागः । इतिकः ভाষा। यथा। अष्टेमृष्टि छंदर न किः अक्षाको ह शुक्रनः। ं रिंड शुायिष्ठ ख छ छ ।। (नायन । है कि म्यथापूर्य मर्मनाट ॥ भूशात्रिका ষ:। কীল ইতি ভাষা । য়গা 🛭 চিছেদাপতত শুস্যু মুদ্দর 🗟 🗟 **তৈ: শ**রৈ:। তথাপি সো **୧**ভ্রা-वङ्गाः गृष्टि गृह्यगु (वगवान् ॥ म-बृष्टि॰ পাত्यानाम ऋपरय रेप**ः**। भूक्वः। (एवं)। उक्षांभि ना (एवं) তলেনোরস্য ভাড়য়ৎ।।ইভিমার্জ-(७वनुद्रानः॥ श्रा नश् क्र्या छम्। जिनामीना मूळि गुरुए होर्या छ।-वः। यथा। जिल मृत यवाही ना• बु<sup>®</sup> गुर्ग शिष्टिउः। क्षूदार्स्त नी ন্যথা বিপু বিধিবিচ্চি ব্লিতি 🔯 ভিঃ ॥ ইভি কৌর্মে উপরিভাগে २० व्यथ्रायः ॥

गृष्टिकः भू कः मद्राजमस्रविष्णयः। ्रेहि श्रिजागवजः ॥ सर्वादः। ইভি হেমচন্দু: 11

मृश्विकाञ्चकः शृ वनाप्यः। ইতি
निद्यत्रभावनी।।

म् छिन्। छ॰ क्री मृ । छकी । विष्णवः । भूत्र मृहित्यना इति जावा । छ॰भग्रायः । क्रूझक॰ २ । ইति भदः
भाना ॥

अधिक्यः शुः वानकः। ইতি ত্রিকাও শেবঃ।।

विवकः शृ म्डिवकनिक्या मूठी-॥
वावा इंडि ভाषा । उट्शयप्रायः ।
जःगुः १ । इंडिप्रदः ॥ म्डिवंको ।
२क्ष्ण विन्धारमा मृडिवकः । मृडि
ना विद्या मृत गुरुषः मःगुः इंडिप्ता ।
मृडिः खियाक मःगुर इंडिप्ता ।
मृडिः खियाक मःगुर इंडिप्ता ।
निजः। इंडि ভद्र जः ॥

ষ্ট্রীনৃষ্টি ব্য মন্তানৃষ্টি। মুষ্টিভি মূ ষ্টিভি: পুছত্য যদ্মন্ধা নৃত্ত তথা কিলাকিলি ইতি ভাষা। ইতি মুক্ষবোধব্যাকরণ।।

ग्रिकः शृ॰ ताक्रमर्थशः। ইতি तन् भावा।। व्रश्वेक ইতি वा भाठः॥ समः य देत छिति। श्रश्चतः। ইতি क्विक्नक्रमः॥ य गूग्युक्ति विश्रकः एजाः। देत अग्रयः श्रामीट। स्रामाट श्रामिष्ठाभिष्ठाः स्टेक्युः त्त्र। इंडि मूर्गामामः॥

मूननः भू ही सनामश्राउउश्वा
क्रिक्शनार्थ निर्मित लोशागुमिकः।
उद्भाग्रीयः। व्यापारगुः २। इत्र ।
भूतः। मूक्तः ७ कंशनीम् छः छ।
इति नम्बद्धावनी ॥ मून्र जि मूनः।
मन्ता मर्छ मिकाद्वः। व्याः मून्य ।
मन्ता मर्छ मिकाद्वः। व्याः मून्य ।
इति निज मूर्वन । इत्र मुन्य ।
मुन्य विक्रित्त नाम्य । व्याः मून्य ।
मन्ता मर्छ मिकाद्वः। व्याः मून्य ।
इति निज मूर्वन । इत्र मुन्य ।
मुन्य विक्राद्व । इत्र मुन्य ।
मन्ता विक्राद्व । इत्र मुन्य ।
मन्ता विक्राद्व । इत्र मुन्य ।
मन्ता विक्राद्व । इत्र मुन्य ।

म्मनी खी जानम्निका।। गृह्णा-विका। इज्यादः।। मूमनी पृ॰ वनस्यः। इज्यादः।। मूमनाः वि मूमलमवद्यः। इज्यः

मद्रः ॥

মুস্ত ক সংহতী।ইতি কবিকল্লন্দন:

।। পবৰ্গশেষাদি:।ক মুত্তবতি।
ইতি দুৰ্গাদাস:॥

मुखः भुः मखकः। ই कि हातावनी ॥
मुखः भुः भुः जी ज्नम्नवित्नयः।
मुखा ই कि ভाषा। जेट भग्रामः।
स्कृतिन्तः २ (मयनामा ० मख ८।
ই कातावनी ॥ (मयाथाः १)
भारत्रयः ৮ ভদুমন্তকः ৯। ই कि
प्रज्ञाना॥ स्वार्धः । कि ज्ञाना।।

कर्षेत्रः। वाग्नाणिषः। गुरिषः।

हीननत्रकः। इठि ताजवल्लः।।

व्यातिह नामकः। इकिविन्तः मः

गाठा १ नदः कात्रकत्मकः।।

जन्मुखः छन्मा ह छ्या नागतः

मूखकः। मूखः कर्षे हिमः गुहि जिः

कः हीनन नाहनः।। क्यायः क्क निजाम छुछ ख्राकृ ज्ञुकः छूट भूनमुखः । उज्जानि मूलकः छूट भूनमुखः।। उज्जानि मूलकः छूट भूनमुखः।। उज्जानि मूनिज्ञः (भू।

कः वतः नागत्रमुखकः। ইठि ज्ञावः

भूकानः।।

भू छकः श्रु॰ इ। तत्र विवर छनः। ই छि (इसहन्दुः।।

मुखा जी मुखकः। ইত্যমরः॥
मुखानः शृ॰ শ্করः। ইতি क्रोश्वतः॥
मुखानः शृ॰ শ্করः। ইতি क्रोश्वतः॥
मुखानः त्री मुखकिरिष्मयः। नागत
मुखानः त्री मुखकिरिष्मयः। नागत
मुखाने हि जाया। তৎ পর্য্যাযः।
क्रोमिन २ পূর॰ २ वल्यः ৪ পরি
পেলব॰ ৫। ইতি রত্ননালা॥

गूरुः शृ॰ गृष्ठिः। ইতি ह्महन्तुः॥

गूरुः नी मूमलः। मूमशाउ। होताः

पिक इक् भुडारयन निज्ञमः। ইতি

मिकान्नरकोगूराम्गारित् विः॥

गृह य ৯ উ कि दिनिर्द्धाः। ইতি

कित्रक्षकाः॥ दिन्द्धाः छानद

হিতীভাবঃ। য তেন মৃত্তি টি॰ রায নে মনঃ। ইতি মুরারিঃ। উ মোহিষ্যতি মোক্ষ্যতি। ৯ অমূহ্ৎ । ঞি মুঞ্জ: মূঢ়ে। হস্তি। ইতি দুর্গা-হাস:!

मूहितः भः कामः ॥ ग्र्यः । इंडि (मिनि ॥ मूछः वा भगःभगः। इंडान्तः॥ मूछ्रांवा खो भगःभगः कथमः। उट

পর্য্যায়:। অনুনাপঃ ২ । ইস্ত্র-নর:।।

मूर्डः भू हो घारणकानश्वितिजः कालः। ইउध्यतः ॥ घरिकाषः । ইভি রাজনির্ঘণ্টঃ।। দিনপঞ্চদশ-ভारिगङ्गागः। यथा। भाउःका-ला मृश्र्वा॰ जीन् मञ्चव छावरमव ज्। मधाश जिन्दाः महामन्त्रा-इ खडः भर्रः । मायाइ जि गृष्टं: **স্যাৎ শান্ধ• তত্র ন কার** যে**ৎ। রা**• ক্ষ্মী নাম সাবেলাগহিতা সর্ব ক-র্মাসু ।। ইতি তিথ্যাদিতত্ত্বৃধ্ তব্চন• ।। শ্লাকমাবিশেষে তস্য পরিমাণ• যথা। ননু বুতোপবাস স্থানাদৌ ঘটি কৈকাপি যাভবেদিত্যত্র ঘটিকাপ-দ দণ্ডপর নছ্ত্র পর বা মৃত্যা-চার পত চতদগুজুকাৰণোদ্য-জ্ঞাগদে চত্যো ঘটিকা: পাত

ब्रक्रामिय हैउ।उ इंड्राप्ति भुजा-उ बहिका यूग्न॰ भुरतास घटिकाब-বিচার্যেদিতি হলায্য ধৃত লিখি-ষ্যমাণ ত্রিযাগা নিতি বচনযো রে: कगृनारवाम्ह উভाज भूरवाग मर्मा নাদিতি সংশয:। অত্যোচ্যতে। শা স্বাদাবন্তগানিনীতি ঘটিকা নিশা-মক বচন চতুর্থ চয়ণে পারণ যো गाउवा घटिकावा मूर्। जा हर्मा वना मकीकाद्राए जाए नर्ग नात বেন বুতাদাবপি তথাত্ব । बहि रिककाभागावामा भुविभरण्म (ह म्बरा। मर्बः उनामूबः नानः रेन्द कर्या (हारिड• ॥ इंडि व्हिंका न्रान निमरामि उधार यदिकालार छ कर्णार्हि वक्तवर मूर्व नगरना वाम्या भुजिभटम् अविष्या। ज-मान मुख्य (ज्वय (मय भूव हि **প্**र्वविष्ठात्मन मूज्रुखंनारं कर्णा-ৰ্হত্ব জ্ঞাপনায়। ত্ৰাপি মুহূৰঃ কি তত্তদিবারাত্রি পঞ্দশাংশ छेठ मध्ययः । नाम्रः भूजिमिन দিবারাত্র্যা হা স বৃদ্ধি ভ্যাণ ভদ্তা गानामित्र न् । ना विका विवि एक मा পरतः। नाभि विजीयः ५७ व्यम् बिः नम् अञ्चर निवादावि शक्षर

भाष्ममा मूर्डंब्क मखबगाविक न्। न कानानामिश किः नम्खाधिक न्रम দিবারাত্রি পঞ্দশাংশানাং মৃহ্রতত্ত্ব भुजिभाषत्व विनिगमनावित्रहा किञ्ज्ञत्रक्ष्या कर्माक् रिवात्राज्यः न्। जब्र शकरणाः मन्। गुरुग भूण-की व्यवनाः न कत्माता उद्गावत भू-बाह रिनमान जनार यष्ट्रिः माज ए-थानाः शक्षरणाः मन् शास्त्र म् अ षयमः मूर्वदाखः प्रम विश्विः कि-यागा जावम् न कालम् । नि गुरु शं महज न् प्रकालव। वाहाम जाव-শ্যকত্যা তদ্যৈব পাছোন দণ্ডদ্ব-याजा मना गृर्खना गुरुष नाववार । यहा हजुएंनी याम॰ जुतीय मनून्-द्रायट । जनावाना कीयमाना उ দৈব শাুদ্ধ নিষ্যুত ইতি কাত্যাযনো-ক্ত স্তুত্ত দুলী সম্বন্ধি দিন চতুর্থযাম মাত্র ব্যাপ্য মাবাস্যাযাণ শুাদ্ধবি-ধানস্য মৎস্যপুরাণোক্ত মুখ্যাপ-त्राङ्गीय मूङ्**बावार्यन विषय ला**खाय भारतान मध्वयाञ्चक मृजूर्व गुरुन-म्रावन्यक्षाह । जानृनामावाम्या-या॰ उपिक मृथ्यानद्वाद्या मसुवाद । তত্ৰচ মূখ্যাপরাহ্মীয় পাদোনদণ্ড দ্বাত্মক দর্শলাভস্ত চত্ত্বারিণশৎ প-वाधिक जगिज्ञः भए शाज्यक पिरम

এর। অভএব মার্ভভটাচার্য্যের পি খদা চতুদলী ধাৰ নিত্যস্য ব্যাখ্যা-त्व जिथातिष्ठरष् उथा विथितः। न ্চ নিৰ্বাচ লক্ষণাতো বৃচ শক্তে বঁলব ভাৎ।ভান্ত কিশৎ ক্ষণ তে তু ম **হুৰো ধাদশান্তিবা**া তেতু ত্রি•শ-দহোরাত্র ইত্যমরোক্তো দ্বাদশ ক্ শামুকঃ অহোরাত্র ব্রিংশাংশো দ-अन्यक्त मूज्र्बा लाववजः সর্ব जा-नूगउउगा न्रानकाल वादाहरका बुक्तवा इंजि वाहा निक्र वक्षानि **भ**किनुलाजिभामिकसन्नगरमार्ज ত্বেনান্তরঙ্গেতি সন্নিহিতে বুদ্ধি রন্ত বলবল্বাৎা দক্ষিণ: সপবিত্রক ইত্য ত্ৰ পবিত্ৰ পদস্য জ্লাগত কোষোক্ত ক্টি শক্ত্যপেক্ষ্যা বিশিষ্ট স্থলপত্ৰ দ্বা গত কাত্যায়নোক্ত নিক্ত লক্ষ-भाषा देव। निक्र वक्रभाषाः मिकि তুল্যন্ত কচশক্তে রিব শক্যার্থ বাধ জ্ঞানং শক্য সমন্ধ জ্ঞানঞ্চ বিনাপদ তাৎ भर्गे। ज्ञानानुभर भ्व भरा থোগস্থাপকত্বাৎ। স। চ নিক্চ লক্ষণা কুটিভাৎপৰ্য্য বৌৰত্ব শা खाः 🖫 हेहार्थ भूरयागरता १नुपाना 🖔 मिन नियो बर्ड । वेखंड छ मुनित्माः পঞ্চলাংশান্তি মৃত্যুক্ত নিব্ৰুট

गूर्खं शरणक्या विनिगमनाविष् গৌরবাভ্যা মেব স্বপ্তিতা অত্যেত্তা न्।न পাদোন দওব্যাত্মক মুহূর্ড **হণ মশক্য মেব। অথাত্যন্ত ন্**য়নং ৰা সৰ্বানুগমায ভদ্পুছ্ণ নিভি চে **অত্যন্তাধিকত্যা সপাদ দ**ওন্ধ ত্মক মুছ্ৰ্ৰ সৈত্ৰ জভো ন গুৰু मार जमार भुजार विकिश्ये अस्तार विविकाषयः। मिनवे अ कार्याणि कात्ररम्म विषात्ररमि वय्शती वहन विवाना त्रकर्न পু। ए खाङ्गारा उ ठ जुड़े य॰। नाडीना मुल्ज मह्हा मिवमामाङ मः জिउ है। वुकरिवर्ष नजनत्या (त्रकवाकाउः म् अव्याञ्चक काल यिकाश्वम हि क्रानक्षा निष्को उदा भर्यप्राय हा। কোষোক্ত ৰুচ্যা চ সমঞ্জনতঃ পা র্বণ যোগ্য দণ্ডদ্বযাত্মক কালএব হ টিকাপদাদপস্থাপ্যতে অতঃ সহ नाशांतराधन म्धनकान व्यवस्माय সৈব গুাহ্যা লাঘবাৎ। অতএব যদ। ठजूरंभी यान जतीय मन्भृत्यकि ठाउँ यहा यञ हित्न अभावाना। गु थ्यानवाङ्गीय मध्ययान्।नकालव्यः भनः यथा महाखरेष्य ठजुर्मणी याः म॰ उथक ज्ञीययाम मन्वकीकृ-डा डार्च शुर्गा प्रजूषनाम॰ भ्रापट

्बहार्ल्या जैकान्यः। व्यनाथा ठक्यं-শ মহুর্ত্তাধিক প্রণাভিধান ব্যর্থ जार। वाउरेनव मर्ममाखिलिन् भागताङ्गापतः कार्यः। भाजः কালাদি পঞ্জা বিভাগে সভেপা-नि अ छा या अ हिनमान अकह-मा भ जूर्खं रिमाद गुरुगः। उत्हा थक भाज मःवामार। वाउ अकाः शिष्टे पिनमान शक्षरमाण मूक् त्यं (याग्रज्या ह न्रन काण यात-্যুদকো গুাহ্ম: ছেতপরৌহিণান্য ভর মাত্র পাছক যুক্তে:। এবং বি-लवाजिवानाथ मुखद्राखो ५ खराः

बचाडेत्रकामणी बामणीय ह কলা কাষ্ঠা ক্রপোপি পুতিষ্ঠানৌ जुक युक्ता बर्यागावाण এव न्।न मान व्यव्हरका गुर्गः। उउन्ह বিশেষকাল প্রাপ্ত কর্মেতর কর্মণঃ भुगखारिकाल खरगागा मध्यया-বিধি: সর্বসামঞ্জস্যাদিতি তব্তু । ইতি চন্দুশেশর বাচম্পতি কৃত ছৈতনিগ্যঃ।।

. इतः भु॰ मूर्थः। ই**डि म॰क्किश्रमा** রোণাদিবৃত্তি:॥

वस्ता ३ ७ कविक न छन ।।  म्नामानः ॥

मृह्धाउ

किया निम्नवन। इंडि मुक्तवावन्त्र-कब्रगः ॥

मृः जी वज्ञनः। ইতি निषाष्ठकीः मिमी।।

মূক: ত্রি বাক্যরহিক্তঃ। বোধা ইতি जावा। जद्भर्यायः। व्यविक्र। ্ইভ্যমর: ॥

म्कः भू॰ मर्गाः। ইडिजिकाख-त्मनः ॥ रेप्त छ। ३ कि व्यक्तिनी ॥ भीयः। ইजि । इन्हर्मः ॥

মূচ: ক্রিম্প:। ইত্যমর:।। বাল:।। **ङ्मिलः। इंडि मिर्मि।। क्र**णः। इंजि.(इन्हम्मुः॥

गुजः बि यकः। ইত্যমরः॥ মূত্র তক পুসাবে। ইতি কবিকল্প-क्यः ॥ नीषी । म्बयं ि म्वाभय-তি। ইতি দুর্গাদাসঃ॥

ন্যুনক তিথিরেব গ্রাফেত্যমুগত মূত্র লী উপছনির্গতজ্ঞল। তৎ-পর্য্যায়:। পুসুবি: ২। ইত্যমর:।। (गहन८ ၁। इंडि को गर्बः ॥ ७ श निमान्तः ८ जुवनः ৫ जुवः ७। इंडि রাজনির্ঘণ্টঃ।।#।।তস্যেৎসর্গ বিধি র্যথা। দিবা সন্ধ্যাস কর্ণছ বুক্ষসূত্র উদ্ভাৰ:। अर्गाम्ब भूतीरि जू द्राखो देव मिक्कगामूथः ॥ इंछि

गाक्छ ৯८ व्यथायः ॥ जलिह। म्बाहात ममर्मर् दिवा अर्यापु-॥ म्यूयः। मिक्किगा जिमूत्या जात्वो जक्षऽरयाक यथा दिवा ॥ इंडि मन्ः ॥ क्वा यरङ्गाभवी जस भ्रजः क প্রবিষ্ক । বিষুত্তে চ গৃহী কর্যা-দোৱা কর্ণে সমাহিতঃ ॥ ইতি মসঃ । याम् इत्या याखाशवीज कार्न কৃত্বা অবশুগিত ইভি। কর্লে দ-किंग कर्ल। इंडि जाः थ्यायनः ॥ ष्ट्रायात्रा सक्तकात्र वा जाकावश्री वा विकः। यथा मूथ मूथः अर्ग्राट প্রাণবাধ ভবেষু চ।। 🕸।। নমূত্র• প- 📗 थि बदी उन जमनिन लाजुरज। न कालक्षे न जला न हिजा। नह পর্বতে।। मु জীর্ণদেব্যয়জনে ন ব न्मीत्क करेगाइन । म ममाजुरू गार्ख्य न गहबालि मः इ. ।। न नही जीत নাসাদ্য নচ পর্বত নস্তকে। বাযুগ্ন বিপুনোদিত্য মপঃপশ্য• স্তথৈব চ ।। न कराइन श्वीं उ विश्वमु বিবর্জন•। ইতি নৃনঃ।।#।। আহার निर्शत विश्वत योगाः मूमष्ठा श्य विषा जू कार्यताः । वाग्खिं कार्याणि उन खरेषव भनायुषी खछ ভনে তৃ কাৰ্য্যে॥ ইতি বশিষ্ঠ:॥ নিহারো মূত্র পুরীবোৎসর্গ:।।#।।

(मामागुर्काष्ट्र वाग्ना॰ भ्कानाक न मःगूर्थ । व्यर्गा हो वन विमूद সমূৎসর্গঞ্চ পণ্ডিত: ॥ ইতি বিষ্ণু-পুরাণ ।৷ নচ সোপানংকো মূত্র-भूबोर्य वर्गामिछि। ইত্যাপख्यः । করণ্হীত পারেণ কৃত্বা মূত্রপু-রীষকে। মূত্ত্ত্যন্ত পানীন পী द्या हान्सुग्यनकात्र ॥ इं उ वृह-∵খন্:।। 🕸।। গৃহীত জলপাৰস্ मृखाट मर्ग (मार्या यथा। वात्र-পাত্র করে ধৃত্বা নৃত্র ত্যুজতি যো নর: : সরাপাত্র সন্ পাত্র ডজে-च भाविता सम ॥ इंडि कर्या**ला**-**চন ।। 🗱 ।। ज भद ग्वज्य (मारवा** यथा। निःसाः न मद गृबाः मूर নুপা নিংশব্দ ধার্যা। ভোগাচ্যাঃ সনজঠরা নি: স্বাঃ স্বু ঘট সমিভাঃ ।। ইতি গাৰুডে ৬৩ অধ্যাম:।।#।। বিশ্বুক্রান্তাভমূত্রেণ চৌর ব্যাহ্মাদি রক্ষণ । ইতি তত্ত্বৈর ১৮৮ অধ্যা-यः ॥ 🗱 ॥ अय शाम्बद्धनाः । जी-কুরু। উঞ্চরু। লবণরু। পিত্তকা-तिष्-। करूष-। वयुष-। ककष-। ক্ন্যুদরানাহ শোথাশো বিষ স্বষ্ঠ নাশিত্বঞ্চ। ইতি রাজবল্লভঃ॥ म्बक्षु की जागिवत्यः। उद পर्यतायः । मूकंदबायः २ जन्मती ०

क् हु क । इं जि जा जनिर्घ कै ।। अथ भृवक् हु।विकातः । তव ग्वक् हुन्। निवृत्रकृष्टे निकान माह । वृत्रयान-छीक्षोष्य कक्षमम्। भुनव न्छ। कः **७ न्ध्रामार। जानून मर्न्रायः** मनामकीर्गाटमु भू बक् हु। नि न्गाः ख्यादेशे ॥ जीक्कोयथ ब्राबिका भूत्रगामि यूकः। कत्किछि मन्। वि-লেষণ । পুসক: সতত সেবা। न्छा॰ नर्खन । निर्छाछि विजीयः भारे:। कड शृष्ठगानाट वाचारिना श्रमनाट । जान्भः भुष्ठ्यक्य (रम ভব ভক্ষ্য । অষ্টো বাতিক পৈ তিক শৈল্পিক সামিপাতিক শল্যজ भूतीयज्ञ ग्रेक बान्यवीकानि । उन्। ्यः भुाधि भूर्वकः वक्षागार। भृषः ष्यानाः स्थः अभिजा निरादेनः गर्द ২থবা কোপ মুপেত্য বস্তো। মূত্রস্য मार्गः পরিপীড্যন্তি यहा छहा मृज्यः l তীব্যুক্জো বঙ্ক্ষণ বস্তি মেট্ৰে স্বল্প· मूक् म्बयकीह दाडाए। ठीता मा-রণা আিকা বঙ্কণা বুরুমে দুণণামন্তরা व मन्नी॥ #॥ रेशिंडिक मारु। शीउ॰ সরক্ত সৰজ সদাহ কুছ সুহ্ সূ অগভীহ পিত্তাৎ। কৃত্ৰ নিতি ক্ৰিয়া विष्णवनः ॥ अ॥ दिश्विक नाइ।

वासः मिल्मा छक्य माथो म्य निष्ट् कक भ्वक्ष्य । निष्ट् शि-हिन । 🗱। नाविभाजिक मार । न ৰ্বাণি ৰূপাণিচ সন্নিপাতাৎ ভবক্কি उद कृह्जन कि कृहु । कृहु भूवक् हुं।। क्रां भग्रं मार । म्बराहियू শল্যেন ক্ষতেম্বভিহতেমুবা। মূত্রকৃ हु- उराषाजाब्दायाज ज्म माकन-॥ वा उक् हुन जून्यानि उन्ध्र निका-নি নির্দিশে**শ**াস্তবাহিষ্ শোতঃসৃ। नालान करेका । ऋ छियु नक जीकृ ভেষু অথবা অভিহতেরু মুদ্মরাদিভি রভিহতেষু। তদাবা চাৎ মূৰনাৰ্গ। যাতাৎ মূত্রকৃ हु॰ ভাষতে। ভূশদা-ক্ণ মারক তস্য শল্যজস্য।। \*।। পুরীবন্ধ মাহ। শক্তন্ত পুতীবাতা। স্বায়ু বিভণতা॰ গতঃ। আখ্যান• বাত भ्नक गृबक् हु॰ करताछि ह।। <u>প</u>্তी-या जाट निद्धादाट । दिखनजा मुक्टे-छाः॥ #॥ मुक्कनार। मुक्तारिष ৰূপছতে মূত্ৰয়াগে বিধারিতে। স मुक ग्वायर कृ हु। विख तिहन मूल वान्॥ उपराज मृषि छ ॥ अ-শ্রীজ মাহ। অশ্রী হেতুকঞাপি ग्वकृ हु गुनाङ्छ । जृनुरेष्ठः भक-রাল নপি ম্বক্দুমুক্ত নত্র তু তস্য नव मःथ्रा निवामार्थ मन्प्रती नक्त्र-

रगाः नाग्रमार । याग्रती भर्तदा চৈব তুল্য সম্ভব লক্ষণে। বিশেষণ भक्तायाः भृत की खंगरा मम ॥ म ন্তবঃ কারণ । পচ্যমানাশ্মরী পিক্তা हारामाना ह वायुना । विमुक् कक नकाना कहडी नक्त्रा मठा ॥ नि ত্তেন পচ্যমানা মূত্র শুক্ত প্রেব্য সং হতিঃ পুথমং লিভেন বন্ধন কৰ্মণা পচ্যমানা। পশ্চাদ্বান্তের শোষিতা करकना लिक्षा अमाती। रेमव विमुक क्क जन्नाना उर्ड क्काट्सवा गडी भक्ताक्रभा मूख मार्गाए क्रब्रुडी भ-क्राम्या। এ जावजा कि क्षिरम्य (छ-मः ॥ सः॥ भक्तया उन्युवानाञ् श्र्भी जा (त्रियु: म्म अकार्याम দুৰ্লঃ ৷ ত্যা ভবতি মূহা চ মূত্ৰকৃ-हक रामगः। भूषः अकाविज्यत्वः। खरा भक्तिया।। अ। अ।। अथ ग्वक्-हुम्। विकिৎमा। जिक्छकात्रयुष पर्छ कान यवान बाजी भितिरंखि भथ्रा । বিম্বন্তি পীতা মধুনাশ্মরীক সমীপ মৃত্যো রপি মূত্রকৃ हु॰।। ত্রিকটাদি ব্বাথঃ॥ ১॥ একাশ্যভেদক শিলাজ ख्य बख्यानाः। ह्रांनि उध्व करन তুলিতানি পীত্বা পুত্যক্ষ মৃত্যু রপি कीविं मूबक्री॥ अना दिहर्गणार॥

व्यापात्रकः मृत्राभिष्ठे मध्ना मह (याः জিত। মূত্রকূছে নিহন্ত্যাশু সংলীচে **मिवमवयार ॥ ७॥ धर**फन मिन्जिङ ক্ষীর কট্ক কানত: পিবেৎ। মূত্র-क्ष्र्व गर्वव् मक्तायाक निष्ठाणः॥ 8।। शाजीवम (क्ष्ण्यूत्रमः भित्यं। क्-हि महरक भधुना विभिन्ते। नन्। कि याँ जाथि वे ग्वकृत्ह कार्या किया मांक उक् हू ज्वा।। १।। दांशा ला-क्त्रवीजम् यवकात्र मन्त्रिः। भी-जः शुणगगराज्यतं क हुर विष्धात्राणा-व्यिजः॥७॥ विक्नागाः मुनिष्टीगाः कन्नः (कान मगनिजः। वाजिमा न-ৰণীক্ত্য পিবেন্ত ৰুজাপছ।। १॥ कालः वनवः॥ खडगानलकः वृष्रुः শুমগু তপণ প্রি। পিতাস্থাই म्बन्धः ग्वकृ ह् **इत** शतः ॥ ৮॥ ज शाम्माग ज्वाता यवकादः **मिछा** যুতঃ। ভক্ষিতো নাশ্যতে (ব মূত্রকূ ছু॰ ন সংশ্यः ॥ ৯॥ দ্রাক্ষা সিতোপ-ना कन्नः भीजः कर्यमित्जा नरेतः । गञ्जना भनमात्वन ग्वकृ हु॰ वार्शन-হতি।। ১০।। সন্ল গোকুর কাথঃ मिजा गाकिक में गुजः। नामारस्यू ত্রকৃদ্রাণি তথৈবোষ সমীরণ ॥১১।। উষ্ণ সনীরণ উষ্ণবাত মূত্রাঘাত-বিশেষ। ইতি ভাবপুকাশঃ॥

त्रिकः १९ श्रुप्तरः। ইতি রাজनिর্বাদঃ १९ भूजशुक्तिवस्तर्वाणः
विष्णवः। यथा। भिष्ठे वि मान्
विक ज्ञानम्प्यन भीकः भर्कत्रयाविक ज्ञानम्प्यन भीकः भर्कत्रयाविक शाम्प्यन भीकः भर्कत्रयाविक शाम्प्यन भीकः भर्कत्रयाविक ।। रात्रमूजनित्राथक रात्रियः
भाज्भक्ताः। ইতি गाक्राफ ১৯১
व्यक्षायः।।
वश्वनः शृ गक्षमार्जातः। ইতি

ावभाउनः भू॰ शक्षमार्जादः। ইভি त्राकनिर्धन्तः॥

্রপুট• ল্লী নাভেরখোভাগঃ। যথ। । নাভেরধ্যে মূরপুট• বস্তি মূ্ত্রাশ-গোপি চ। ইতি হেনচন্দুঃ।।

र्वकना खी कर्क हो।। वश्वी i इंडि ब्राइनियंग्रः॥

মূত্ৰৰ ক্লী ত্ৰপ্ৰ । ইতি শব্দ চন্দ্ৰকা॥ মূত্ৰবৰ্জকৈ ত্ৰি॥

मूजन। जी कर्क हो। इंडि जिका ७ लगरः ॥ नानू हो। इंडि जाज-निर्मण्डः॥

म्बावाजः श्रुः शुमुावरत्राधकरत्राणः विश्वाविष्यः। व्यथं मृबावाजम् विश्वाविष्यः। व्यथं मृबावाजम् विश्वाविष्यः। व्यथः मृब्याविष्यः। श्रुष्यः। स्वविवाज्येतः विश्वाविष्यः। स्वविवाज्येतः विश्वाविष्यः। स्वयाविष्यः स्विष्यः स्वयाविष्यः। स्वयाविष्यः स्वयाविष्यः। स्वयाविष्यः स्वयाविष्यः। स्वयाविष्यः। स्वयाविष्यः। स्वयाविष्यः। स्वयाविष्यः। स्वयाविष्यः।

মূত্রবিঘাতাদৈঃ রিত্যাদঃ শব্দেন পু রীব শুক্রাদি বেগ বিঘাতানা• কক্ষা-मनारीनाक गुरुगः। ম্ত্রিঘাতা-रिन्तः स्निटिं र्कारेव द्रिअत्ययः। नर्ने ग्वकृ हु ग्वाचा खरा: (का खर: 1 উচ্যতে। ম্ত্ৰু क् हुमिषकः विव-ন্ধো হল:। মূতাঘাতে তু বিবন্ধ। वणवान् कृ हुमन्नः इंडानर्या (र्जनः ॥ 🗱 ॥ वाजञ्च ७ विकाया विकास म-भारिः जकनकारः। (दोक्र)ादिग বিঘা ভাষ। বাযু র্বস্তৌ সবেদন:। মূত্র-মাবিশ্য চর তি বিগুণ: কণ্ডলী কৃতঃ ll ন্ত্ৰনল্লাল্ল নথবা সৰু**জ স**ণ্পুবর্ত্ত-তে। বাতস্ত্রলিকা তান্ত ব্যাধি विष्ठाट मुपाबन ॥ ह्योक्डाट का यम् । विगविषाजाः म्वानिविग নিরোধাৎ আবিশ্য পাব্ত্য রৌ-ক্ষ্যাদিভি র্বেগবিঘাতাদিভিশ্চ বি-खाना मुद्रेः इ अनीक्रा वायू वासी মূত্রাশযে চরতি পুতিধাবতি আব-षदाष्ट्रमः छिष्ठठि इंडार्थः ॥ वा-ত্যাবং । মূত্রমিতি তমামূত্র মল্ল-মল্ল সব্যথ পুবর্ত্ত। ভদ্যাধি। বাতসভালকা মাহঃ। সুদাৰুণ মা-त्रगाञ्चकदाष्ट्र ॥ ५॥ अश्वेना-गार । वाधाभयन् विख ७५ कि कृ वाठ फालामञाः। वर्षाञीवार्ख

मधीलाः म् अविद्यार्ग (दाविनीः ॥ वा-७: विख ७२॰ बन्दा वार्था छन्छर्ग उ **गृ**ज॰ गण्य निक्षा विख्या परिष् खरक बाधाभगन् वाधान अर्वन् विश्वीनाः श्रीना जून्याः व्याधिः व-र्य्यार । हत्नाम डा॰ हना॰ উन्नडाव ॥२॥ 🗱 ॥ वाजविष्ठ माष्ट्र ॥ (वृग• विधात्रयम्यस ग्वम्रास्माला नदः । নিৰুণিৰ মূখ তস্য বস্তে বস্তিগ-তো १निनः।। ম্এসংক। ভবেতে न বস্তি স্বক্ষি নিপীডিঙ্গ:। বাডবস্তিঃ न विख्छारा वर्राविः कष्ठे नुनावनः॥ व्यक्रमाला ग्थः। उत्रः भूक्षत्र বস্তিমূথ নিক্পদ্ধি বস্তিগতো বায:। তেন বায়ুন। মূত্রসঙ্গে। মূত্রিঘাতো ভবতি বন্তি স্বন্ধি নিপীডিত ইতি বত্তো সংক্ষা চ নিপীডিতো সংগা ডিতে। বাযু রিতি সম্বন্ধঃ॥ ৩॥ 🗱 ॥ মূত্রাতীত মাহ ৷ চির• ধার্যতে মূত্র• ৷ प्तया न श्वा वं । (सर्मानम् भनतः বা নুৱাতীতঃ স উচ্যতে !!নেহ্নান স্য মৃত্রমূৎ সৃজতঃ। মৃদদে বা তাল্প বা ।।৪।।ৠ। মূরজঠরমাহ। মূত্রস্বেগে। ভিহতে তণুদাবর্ত্ত হেতুকঃ । অপ। নঃ স্পাতে৷ বাযু ক্রর পূর্যেজ্শ ।। नाज्ञ त्रथञ्जानाध्यान कनरपञ्जी (वन्नाः। छः मूबक्रवेतः विम्रामः (४)

বিক্তি নিরোধন ।। তদুদাবর্ত্ত হেতু-ক ইতি মূত্রবেগধারণ গণিতোদা वर्ख निमान भाष्मान अर्थाए। अर्था विख निरद्राक्षन वरस द्राक्षारमाम वि वन्न कात्रकः।।।।।।।।।। गूवाएमक्मा-र। वरछो वाभाज्यवा नात्म भएने वा यम् (पश्निः। मूबः भुवृत्तः माजाः अ नतक वा भुवाहकः ॥ भुवहित इन মল্ল সৰুজ বাথ নীৰুজ। বিভাগা-निवाला व्यासिः म मृखाएमक् म॰ ক্তিত:।। নালে মেদ্রে মণৌমেহনাগ্র-পুষ্টো সঙ্ক্যেত নিক্জা স্যাৎ সরক্ত ने वा भुवर्त्ता । भुवाइन इंडि क्षेश्वलन जनमः गृव भूतीय বাতানা মধঃপুরণ পুরাহন তেন व्यभिष्ठन वायुना वस्त्राप्ति (छमा८ সরক্ত• মৃত্র• সুবেদিত্যর্থ:॥ ৬॥ 🗱॥ মুত্রক্ষ মাহ। ক্রক্স্য ক্লান্তদেহস্য বস্তিংস্থা পিত্তমাকতো । মূত্রক্ষয়ণ नकृषार• बनायठा• उनाख्य•॥ क्रा. खः पर्मा माना पर्मा उपाख्य ग्व-क्य म छ ।। १॥ ।। मृव्यू हिमार। অন্তর্গতি মৃথে বৃত্ত: ছিরে৷ ২ল্ল: স **इना ভবে**। अमतीज्ना कृत्युष्टि নৃনিগুছি: স উচ্যতে ॥ অন্তর্নন্তি মুখে বস্তি মথস্যাভ্যন্তরে অল্প: ফ্রু-मानवक भूगायः। नयुम् अवस्था

সহ কো ভেদ:। উচ্যতে। অমারী कम्मः मक्ष्यन म्रात्यस महना ভবেদিতি ভেদ:। অপরে। ভেদ:। অশাৰ্য্যা পিন্তাদিক সংহন্যতে অবতুর্জমেব।যত উক্ত তন্ত্রাম্বরে । ব্ৰক্ত বাত কফাদ্ৰষ্ট বতিদাৰে সু माकन । गुष्टि अर्या मक्रह्न म्रा শ্ৰু তদাবৃত নিতি॥৮॥#॥ মূব শুক্রমাহ। নৃত্রিতস্য স্ত্রিय॰ যাতো বাযুনা শুক্লুদুত । স্থানচ্যত মূত্র-বৃতঃ পুাক্ পাকাদ্ব। পুবর্ত্তে ।। ভ যোদক পুতীকা**শ॰ মূত্রপুক্রণ ভদু** চ্যতে ॥ নৃত্তি চস্য নৃত্তবেশযুক্তস্য **জুক স্থানা**ই চুচ্চ পশ্চাদাযুনা উ-ন্নত• উদ্ধৃ<sup>°</sup> নীত•। ভয়োদক <mark>পুতী</mark>-কাশ ভন সহিত জল সদৃশ।। ১ श # ॥ डेकवाजनार्। व्यायामावाः **छोगः भिङ् विस् भाग्रानिला** न् उ । विशः (न पुः छ न दिश्व भू म इ ९ जावरयन्यः ॥ म्ब शाहिनु मथवा म ब्रक्कः ब्रक्कस्यव वा। कृष्ट् भूनः भून জন্তো ৰুফ বাত• বদন্তি ত• ॥ ব্যাযা মাদি বিরোধত্বেন সৌম্য ধাতৃক্ষ-याट তেজো वृष्क्रा भिखवृष्कः मा ৰৎ স্বণিত পিত্ত অসংযুক্ত বস্তি शुभि उ वछा दिक भू पहर मूबमथः जावाय । कीम्न शिक्ष अथवा

मत्रकः वेषस्मार्डिः ॥ २० ॥ 🕸 ॥ **ग्**बनारगार । शिखः करका द्वाव-शि वा **म** श्राउ श्निलन (हर्। ক্ছুাম্ৰ• তদা পীত• রক্ত• শ্বেডা• ঘন স্ত্ৰে ।। সরক্ত রোচনা শাহ্র চূর্ণ वर्गः ভবেত্তত:। मुक्कः সমস্তবর্ণ বা म्बनामः वमिष्ठ हि ॥ नः हान्तुरु वनीकिरयर । भूषः अल्लः जनसः বৰ্ণ উক্ত সকল বৰ্ণযুক্ত ।। ১১ ॥ #॥ विश्विषाञ्चार। क्षक पूर्ववाया छी-उत्नामावृद्धः भकृन्यमा । मूज (मा-তোনুপদেতত বিট্ সংস্ঠ তদা নরঃ ॥ বিড্গন্ধ নৃত্যেৎ কৃ চ্ছিদ্বিভাত। उनामिः । উদাবৃত্ত छक्ष नीउ॰ विष्णक्षः वा वामाद्माश्व व्याक्षनी ।: ॥ २२॥ #॥ विजन्धनगाइ। क्रजा थु वह्न नायारिम द्रज्ञियाजार मुनीफ-नाट । यञ्चानाष्ठिकष्ठः वृत्व खिक्ष-**डि गर्डिंव ॥ मृनमान्त्र माशार्खा** বিন্দু বিন্দু সুবত্যপি। পীডিতস্ত সৃ-**ष्ट्राद्वाः मः उ**द्धाद्यश्चेनार्खिनान् ॥ বস্তিস্বওল নাভ স্ত ঘোর শক্তবি-(बाननः। नवन भ्वलः भारा पूर्नि-রোধ মুকু জিভিঃ।। তিমান্ পিত্তানি তে দাহ: শ্ল॰ মূত্র বিবর্ণতা।। শ্লে-ম্মণা গৌরব শোথো নূত্র স্থিক ধন দিত।। জতাধুল । শীঘু

भागितनन । छेष्वः छेथिउः । न न्तनः किक्किहलनः। (चात्रः नात्रकः। শক্ত বিবোপম শক্ত খলাদি ভদ্ম খু মারকণা বিষমত্র গর: তদ্বৎ বিলা ষমারক । এতাবতা মারক মবশ্য भोषु विवासन या। ३०॥ 🕸॥ उरेमा वागावा गाउँ । त्या ৰুদ্ধ বিলো বস্তিঃ পিত্তোদীর্ণো ন সিধ্যতি। অবিভা্রন্তবিলঃ সাধ্যে ন **চ यः স** ७ जी क्**उः ॥ म**्राष्ट्र अ अ লীভূতে তৃন্মোহ: স্বাস এব চ। বিল• বস্তি ম্থরকু পিত্তোদীর্ণ: পিত্তে নোদ্ধতঃ। অবিভাৱবিলঃ কফেনাবৃ তবিল: পশ্চাৎ স্পুলীক্ত: স সা খ্যঃ। এতেন হণ্ডলীভূতো অসাধ্যঃ । স্থলীভূতস্তলকণ মাহ। তৃ ডिड्যामि अथनीज्उम्यायमर्थः । কফেন বিলাবরোধাত্তত্র বাতঃ জ্ব-ওলাকারেণ ভিষ্ঠভীত্যর্থ:।। # ॥ অথ মূত্রাঘাতস্যুক্তিকিৎসা। নল ञ्च काष्मक् वना द्वायः भाजः म् শীতল সমিত। পিবতো নশ্য তি নিযত মূত্ৰপুত্ ইত্যুবাচ কবিঃ ।। কবি: শূক:। কপূর রজসা যুক্তা वज्रवर्जिः मरिनः मरिनः। मिष्रु मार्गा-ন্তরে ন্যন্তা মূত্রাঘাত ব্যপোহতি ম ধান্য গোক্ষুরক: হাথ: কল্প**ন্ধ** 

हिङ घृङ । म्बामाङ गृबक् णक्रामास ह माक्रा ॥ शानामा क्वक घृङ ॥ गृबक्ष १ १ भारी द्वारा (छयक घट भुकी र्विङ ग्वाघा एवं मर्विष्ठ श्वाघा अक्षा काल विटा। हेि ग्वाघा अक्षा भ्वारा कि जावभू माणः ॥ ॥ गक्षा भ्वारा कि निमान छम् ३५० व श्वारा पृष्ठेगु ॥

म्बानयः भू नात्अवस्थातिनः। उ भर्यायः । न्ब्रपूरे २ दक्षिः ० इिक स्निष्टम्यः ॥

মৃত্রিভ: বি ক্তমত্রেৎসর্গ:। ত পর্যায়:। মাচ: ২। ইত্যমর:।। মূর্য: পু॰ মাষ:। ইতি বিকাপ্তশে । গায়ত্ররহিত:। যথা। কিশাই নস্য মূর্যস্য মহারোগিণ এব চ যথেষ্টাচরণস্যান্ত মরণান্ত মশো চকা।। কিয়াহীনস্য নিত্য নৈতি বিক কিয়ানমুদ্যায়নঃ। মূর্যস্য গ যত্রীরহিতস্য । সার্থগায়ত্রীরি ভস্যেতি ক্রেপর:। মহারোগি পাপরোগান্তকান্যতন রোগবা গেজ উন্মান স্ত্রাধারা রাজ্যা খাসো মুধ্যেহো ভগনরে:। উল রো ২শারীত্যপ্তৌ পাপরোগান রুদ্যেত্রা:। শ্থেষ্টাচরণস্য দুল गृह्न।

বেশ্যাদ্যাশক্তস্যাইতিশুদ্ধিতত্ত্বা৷ र्थः वि मूक्जियः। उৎ भर्यायः। অক্তঃ ২ মূচ: ৩ বথাজাত: ৪ বৈধে খ: ৫ বালিশ: ৬। ইত্যমর: ।। 🗱।। उन्धवनीकव्रामाशासा यथा। मि ब· यहं उरा विशु नयवरेन ज्का धरेन त्रीश्वतः कार्य्या विज्ञमानत्त्रन ষ্বতী পুনা ভগৈ রান্ধবান। অ ত্যুগু স্কভিভি র্থক পুণতিভি ম্-র্থণ কথাভি বু'ধণ বিদ্যাভী র**সিক**ণ द्राप्तन मकलः भीत्वन क्र्य्याद्रणः ॥ ইতি নবরত্নানি ॥ # ॥ পথঃ পান-जुकक्राना (कवन विववर्षन । छेनरमा हि म्थाना॰ नुरकानाय ন শান্তয়ে।। ইতি ছিতোপদেশ: ।। म्थं जा जी म्थंद । यथा। यहा जा वः मारिया कर्याः नायाम् त्रिमुखा । **উन्नारमा भाज्रमार्यम शिज्रमा**-বেণ মূর্যতা॥ ইতি চাণক্যণ।। অ-ष्टेम्याः नाजिक्व ज्ञान मूर्यद्वः বথা। কলঞ্চী জায়তে বিল্বে তির্য্য খোনিক নিম্বকে। তালে শরীর नामः नामात्रिकत्व ह मूर्यञा। ইতি তিথ্যাদিতভু•।। मूर्य जाक्कः भू ग्र्याजायमामा ३ विकासकोग्री॥ मूईना जी गी जाक्र विरमयः। जा खु

গুৰিস্য সপ্তমভাগঃ। তস্যা লকণ একবি শতি নামানি চ যথা। স্বরঃ সংমূহিতো যত্ৰ রাগতা পুতিপ-দ্যতে। মূর্ছনা মিতি তামাহু: ক্র থো গামসম্ভবা॰ ॥ ললিতা মধ্য-মা চিত্ৰা রোহিণী চ মতক্ষা । भोवीत्री वखमध्या ह यङ्ब मध्यम नक्षमाः ॥ मरमत्री मृदूमव्या ह শুদ্ধান্তা চ কলাবতী। তীবাু রৌদুী ख्या द्वाकी देवस्वी (बनबी मूबा II नामावजी विणाला ह जियू यामियु বিশুকা: । একবি শতি রিত্যুক্ত। मूह्ना हमुरभोलिना।। मृह्ना॰ क-লযতো মুরশভো বিশকাধনবি-(णव विजातिः। मूह्ना॰ ययु त्रनकः) শরোধৈ রঙ্গনা নাউপতে রিব সে-नाः॥ ইভি সর্কাতদামোদর:॥ 🕬 रुनुमन्राक विष्काति बद्रक अवना-দি ৰবোত্থানে যত্ৰ ৰবে। বিরম্ভি ना मूह्ना। ভরত মতে বাদ্যস্য গানস্য বা সম্যে যুত্ত হস্তস্য গল-मा वा कन्यन मा मूह्ना। मा वक বি॰শতি পুকারা। তত্র ষড্জগা-मना मूह्ना निन्छ। र मश्रमा २ চিত্রা ৩ রোহিণী ৪ মতক্ষা ৫ সৌবীরী ভ বত্তমধ্যা চ ৭। মধ্যম-ग्राममा म्ह्ना भक्षमा ३ मटमही

२ मृह्मध्रा ७ भूषा ८ वडा ৫ कवा-বভী ৬ ভীবাু চ । গান্ধার গাুমস্য मृह्ना (ब्रोपी ) वाकी र रेक्की ० ্ষেদরী ৪ সুরা ৫ নাদাবতী ৬ বি শালা চ ৭। ইতি সঙ্গতিশান্ত।। गृही जी मध्यादः। ७९ भर्गायः। কশাল ২ মোহ: ১। ইত্যমর:॥ गृह्नि । ইতি मस्त्रद्वावली ॥ गृह् यः ৫। অথ মূর্চাধিকারः। তত্র মূর্চা या निहान शूर्विकाः मःश्रास्त्र माह । ক্ষীণস্য বহুদোষস্য বিৰুদ্ধাহার সেবিনঃ।বেগাঘাতাদভিঘাতাদ্ধী-न मजुम् वा भूनः॥ कद्रगायज्यस् পু। বাহ্যেশ্বভান্তরেশ্ব চ। নিবিশন্তে यना (नाया उना मृह् हि मानवाः ॥ व्हारायम् अधिकारायम्। नव्-(नक्रावम् उन। मूहा विराध-रेजव न्याट खरेथवास्त्र का प्लायः তম। পৃথখে। যজানা মুহানা ব कामानदार। विगामाजार मना (मे) अভिघाडा
विख्या अबुम् अबु अबुख्यमा अर्थारिक তমে৷ গুণস্যুত উক্ত মূছ্৷ পিত্ত তনঃ প্রাযেতি৷ করণাযতনেষু করণ नन उम्रायज्यस ज्ञातम् वारम् कःमन्द्रियय। अ ७। छात्रयु वन्त्री स्तिः , (यत्। क्षा नामानाः नक्त नार।

म जावशम् नाजीय् मिहिजाय-নিলাদিভিঃ। ভমোভ্যপৈতি সহ-ना मूथ पृःथ वहाशाहक्ष ॥ मूथ দুংখব্যপোহাচ নর: পত্ততি কান্তন্ত । মোহে। মূদ্ৰে তি তা• প্ৰাহুঃ ষদ্বিধা সা পুকীর্ত্তিত।। তমোগুণ: অজ্ঞান হেতুঃ। অভ্যগৈতি আগছতি। সুথ मृःथ व्याशाहरू मथ मृःथ छान नामकत्रः। नत्थे मृथ पूःथ ज्ञान नतः काष्ठवंद भग्नि जा माहि ग्रह-**তি পু**गञ्ज बिठान्नयः। मृहाया मृहीरया ৎপিপর্য্যায়:। যত উক্তণ। সংজ্যোপ-ষাতো নৃছা যো মূহা স্যান্ছ নি তথা । क्यनः भुन्या भारः मःन्यामख ম্তোপন ইতি। যড়পি মৃদ্রা বিবৃ-ণোতি। বা তাৰিভিঃ শোণিতেন ম-দ্যেন চ বিষেণ্চ। বট্মপ্যেতাস্ পি-ত্তম্ভ পুভুত্বেনাবভিপ্ততে।। যত উক্ত॰ । मूहा निष्ठ उमः नार्षि ॥ 🕸 ॥ প্ৰক্পনাছ। হ্ংপীড়া জ্ঞ্ডণ॰ भानिः मः छास्री वंगा स्वव ह। मः ব্বাসাণ পূৰ্বৰূপাণি যথা ৰণতা বিং ভাববেৎ ॥ 🗱 ॥ তত্র বাতিক মৃ-हाय पाइ। भीवा वा यमि वा क्क् माकामा मथदाक्षाः। शमाः उमः পুবিশতি শীঘুঞ পুতিবুধ্যতে।। ाण्य महाक्रायमण्ड श्रुभीडा कृत्य-

मा है। कार्माः नारावाक्या हाया মুহা যে বাত সম্ভবে॥ नील॰ नीलव-र्गः। क्षः कब्ह्यना छः। अञ्चनः अ-ব্যক্তরাগণ। তমঃপুবিশতি মূছ তি । न्यावाक्वाहाया गावन्य ॥ #॥ পৈত্তিক মাহ। রক্তণ হরিতবর্ণ বা বিষৎ পীত মথাপিবা। পশ্য স্তমঃ পুবিশতি সম্বেদঃ পুতিবুধ্যতে ।। স পিপাসঃ স সম্ভাগে। রক্ত পী **ভাঙ্গলেকণঃ। সম্ভিন্নবদ্নাः পাতা** ভো মৃছায়ে পিত্ত সম্ভবে ॥ #॥ লৈমিক নাহ। নেঘ সন্ধাশ মাকা-শ তমেভি স্বা ঘনৈ বৃতি । পশ্য স্তমঃ পুবিশতি। চিরাছ পুতিবৃধ্যতে ।। एक जि: भारति इति यं भि ना-पु न हर्याना । अभु (जिकः जव्ह्वार्जा गृहा (य क्क न अरव ।। (नघ नका न শুভুনেয শঙ্কাশ মিত্যর্থ:৷ যত আছ সুশুভঃ। কফেন পশেগুদুপাণি শ্বে-**७**। जु शुंजिमानि ज्। घरेन निविद्ध खरगानिः। एकान अस्य क्षमानिकः জে: মূলতেন মূছাযি: ষদ্বিধ উক্ত: ্ৰ চরকন্ত নামিপাতিক স্পি ् व गारु। मर्शक्षिः मन्त्रिंगाः াদ্পমার ইবাগত:। স জন্তু। भागाजाम् विना यीख्यम कि ৈঃ। অপনার ইব তেন নহতা।

ভিঘাতেন পত্তি চিরেণ পুতিষু-ধ্যতে। তর্হি তযোঃ কো ভেদ ইত্যত আহ। স সামিপাতিকো মৃছা বঃ বিনা বীভৎস চেপ্টিভৈ: ফেন বম-न मस्यपेनाकिविक्डामिछि विना-পাত্ৰতি ৷৷ 🗱 ৷৷ ব্ৰক্তজাখা মূহা যা निमान गार । भृषिवास खामा क्रम রক্ত গন্ধ স্তার্থঃ। তথাদুক্তস্য গ-ধ্বেন মূছ স্থি ভুবি মানবা: ।। তমো ৰূপ· তমো বহুল·। মানবা**ল্চ যে** তামসাঃ। বতু সাজ্বিকা রাজসাচ্চ। অত্রৈকে বদন্তি নৈষাযুক্তি: সমীচীনা **७** हिं हम्भकामि गासनाभि मृहा भु-সজ্যেত তত্ত্বাপি গন্ধস্য পাথিব-षा । या वार । मुत्र म जात है-ত্যেকে যদৃষ্ট্বাপি বিনুহ্যতি। অত্রাহ **ভোজ:। দর্শনাদস্ত ভজ্জান্ন**াह-ব পুমৃহতি॥ #॥ রক্তেন মৃদ্ধিতিস্য वक्त भार । अकाक पृष्टि सुम्बा ग्णिहामक गृहिं छः। #।। मन्ड विषक्षा निरान मार। छना छीत्उ द्राद्धन क्रिजास वियगम्। एथव **उत्राखान्त्राह भार्हो म्या**टा॰ य-(थिति छो॥ (य छन। नघू क्यां मु वि-শদ ব্যবাধিতীক্নাবিকাশি সুক্ষোকা निर्मिन। तमञ्चामयः। रेजनारमो मुरव। ব্যস্তা: তীব্ৰাশ্চ সন্তি তএব গুণা: বি-

ষ মদ্যবোস্ত তীবুতরত্বেন ছিতা:। তত্রাপি ভেদ: ৷ তএব মদ্যে দৃশ্যম্ভে বিষে তু বলবত্তরা ইতি ॥ 🗱 ॥ মদ্য . काया गृहाया वक्कण मारू। मर्पित পুলপন্ শেতে নষ্ট বিভাষ মানসং। গাত্রাণি বিক্ষিপন্ ভূমৌ জরা যা বন্নবাতি তথা। নষ্ট বিভান্ত মানসঃ नष्टे• সর্বথা সৃতিহীন• বিভা্র• র- 📗 জ্জৌ সর্পজ্ঞান যুক্ত সানসং যুস্য সং । कद्रा॰ जीर्न छा॰। छट मन्र॰॥ 🗱॥ বিষজায়। লক্ষণ মাহ। বেপথু স্বপ্ন ভ্ষাঃ সু । স্তম শ বিষ মূছি তে।বেদি-তব্য তীবুতর যথা স্ব বিষ লক্ষণ ॥ विषम्। मृल कन्त क्ल भव कीताः নি ভেন ভিন্নস্যথা স্বক স্বক ল-ক্ষণ মুক্ত মৌশুতে কল্পসানে তল্ল-ক্ষণ মদ্যাপেক্ষ্যা তীবুতর (বিদি-छवार । नन् मः कानात्मन माध्या। ग्हा जुम जनुतिना का जिन है-ত্যত আহ। নূছা পিত্ত তমপুাৰা রজঃ পিত্তানিলাজুনঃ। তমে। বাত क्कालन्तु। निमा (सम्म उरमा ज्या॥ রজ: পিতানিলাভূম ইতি নাত্র नगृहयः। কেবল পিত্তজ্বে ভুন-ल्याङ्या<u> । जुम म्हकाक्रास्त्र</u>ात् **ज्न**षस छान सरिहमा ज्ना हैव क्तान दा ॥ क्ष ॥ जन्माना नकन

न्यर। हेन्युगार्थव्यमः विखि (गी अ ৰ জ্ঞাণ ক্লনঃ। নিদাৰ্জস্যৰ যস্তে হা তস্য তন্দ্রা বিনির্দ্ধিশেশা ইন্দি यागामर्थः भुरगाजन रायु (उसु र र्थाहिराययु व्यनःविक्तिः व्यनम् कान । इंडि इम्मियायामन क्छानारि। निषायाः भुवृष्कप्रश्रह्माः ভাব छन्द्रायाङ भुरवाधिजन्तराक्षि क्रम इंड्रनरमा र्छनः ॥ 🗱 ॥ क्रमणः লকণ নাহ। যো প্নাযাস: শুনে (रह् পুरृषाः चाम वर्षितः । क्र<sup>३</sup>-न इंजि विद्धिय इन्तियाथ नुवादक ॥ इन्द्रियार्थ भुवाधकः इन्द्रियाः वृष्कीनिषुयानाः कत्यांनिषुयानाकः अर् न्याकन विषय गुरुग उन्। भ्वाध कः व्यावत्वान ॥ क्षः ॥ तिमु। वन्न । মাহ। যদা তুমনসি ক্লান্তে কর্মাকু **নঃ** ক্লমান্বিতাঃ। বিষয়েভ্যে নিব<sup>্</sup> **खि जरा यशिजि मानदः ॥ क्रा**ा भ्राप्त मुख इंडि यावट । कर्माक नः करणिनुगि ज्ञानिनुगि क्रुगान्जाः भुष्ठाः ॥ 🗫 ॥ जन् मम् म भाषि भूर्वक वक्ष गार वाएइ यनमा किष्ठा माक्तिभारिक वना भनाः। मःनामाञ्चा वनः कः পুণোযতনমাশিুতাঃ।। স না সংন্<u>রু</u> স সংন্যন্ত: কাষ্টাভ্তো নৃভোপনঃ

अरिन विंगूडारा भीयु मुक्ता मुद्धाः कवा किया ।। वाकि भा विनामा म-नामाडि म्ह्येडि । भागायजन कृतयः । मःनाउः मृहि जः। काश्री च्ठः किगाव्रहिष्ठः । अठभव मृ जानम इंजि। मराः क्वा॰ किया॰ **म्**ठीरायन जनावशीउन कशिकह्य-र्ग वृण्डिका पिषः भना पिक्शाः ॥ #॥ अभ्नात्रमा गृहा (छ। (छन्माह । नारवपु मन गृहा या गजरवरमक् स्न-हिनः। सगरम्। श्रमाम्। छ गःन।।-त्ना (नोवरेष विंना ॥ सम स्हार्याः । ानः वाशुक्ष डिमानः। गृहा याः ग् क्षा : ११ %। अथ मृहा या निविद-ना। (मकावगात्रामगगः महाताः मी छाः भूरपद्म वर्षनानिवाक। भीजा नि भानानिह गञ्जविष्ठ मर्वामृ म्हा च निवाति जानि॥ मणय म्हन्तुकाञ्चामयः हाताः मुकारि हाताः। भीजाः अ-रशः नकश्त ठन्सनाम् । न्तन्भनाः न। भी जानि भानानि त्रिजामण मिनिभानकानि। शक्षविष्ठ कम् द्रा-र मुगक्कविष्ठ । मनामु म्हा सनिवा-शभीन। मू मूहा मू शिकात विख । उरम्य बाचिन गृहा म् न निवा-রিতানি। ত্রাপি পিত্তস্য প্রাধা 🏽

न्। निषानि वर्ण मध्य शयार-भि नताडिया बाक्तबा द्रमान्छ। उथा यदा लाहि उणा नयक महा जू नथाः जनजीन मृताः॥ नजीनः कनायः ॥ कानमञ्जावलामीतः क्लितः मी उवादिगा। भी उ॰ मृहा बरयल्लीहा क्का वा मधु मःयूजा॥ भी-(अन (डारान ज्**णः** म्गानः क्काक भथ्या भक्षाविक्शः । अर्थ्याष्ट नामा वत्रनावद्यायः क्लीवः लिदिः षाभावः मान्योगाः ॥ माका मिजा माजिप नामविष्ठ' कङ्गात्र नीत्नाटः পল পদ্মবন্তি। পিবেৎ ক্যায়াণি চ भो उनानि शिखजुद्र॰ यानि ह याशः यश्वि॥ শিরীববীল গোমূত্র কৃষ্ণা मिति रिमक्तिः। अक्षनः मार भू (वादाय अव्रत्मान निवा वरिः॥ अ-न्। अञ्जनः मग्रगात्रकः मृथ् निस् लिलावरैनः। भुत्माहरमुहि जवि ভাষিত ভিষ্का वरितः॥ भिना म नः निवा उवन मेन्रीहः॥ मय्कमात নিদ্ধুতা বচোষণ কণা: নমা:। শুক্ত্ব• भिट्टेशग्रमा नमाः वर्गाट मःछ। भ्रावाधन ॥ 🕸 ॥ यथ ब्रक्ड जामी না॰ মৃছানা॰ চিকিৎসা॥ রক্তলা-যান্ত ন্ছা যা॰ হিডঃ শীতকিয়া বি धिः। मन्डजायाः शित्यमन्डः निमाः

(माव व वा मूथ ।। विषद्याना विष শ্বানি ভেষজানি পুযোজবেৎ।। 🟶 💵 অথ সন্ত্যাসস্য চিকিৎসা। পুভূত रिशय खन्ता श्रीदिकाट मन् ছিতো নৈব বিবুধ্যতে यः। সন্ধ্যন্ত म•छः महि पूष्ठिकि<। नाताः ভিষ্টিঃ পরিকীর্ভিকো হসৌ॥ অ-अनान।वशीषण ध्याः भुषमनानि ह । সূচীভি স্তোদন শস্ত দাহ: পীড। नथा छात्र ॥ जुक्षन॰ (क्ष लाग्नाक र-रिष्ठ मंगन भारत है। आजा खंडा वयस क হিত ভদ্য পুৰোধনে।। অবৃগীডঃ कन्नीक्छोयध्वनम् नामानुरहे मा ન ા ઉત્રુ મન્ત્રુજમુગા#ા વ્યવસૂર્દા या तमाः। क्या नवृत्र म्ड म्हा-याः शामाराट ভिषक्। भोउरमका-वगाशामि नर्वाद्य भीउन इठाटा। সূত মারিত ॥ তামুচুর্ণ সমোশীর क्ष्यतः भी उवादिना। भी उ॰ मृहा॰ क्ष इन्। द्क निम्तानि र्था ।। তামুচ্ণ মারিভ ভামুচ্ণ ।। 🟶 ।। অথ ভুনস্য চিকিৎসা। পিবেদুরা লভাগ্বাথ সমূত ভ্নশান্তবে। প থ্যান্থাথেন সংসিদ্ধ ঘৃত ধাত্রীরসে নবা।।শৃথী কৃষ্ণা শতাস্থানা<sup>•</sup> লাভ यानाः भलः भलः। ७७मा यहेभना **ब्रिका जुननानिनी ॥ जानुः** 

,দুরাল তাল্বাথৈ: পীভন্ত ঘৃত সংস্-७ । निवाद्र(यक्तुन भीयु छ यथो শস্ত্র ভাষিত ।। #।। অথ তন্দ্র-या अञ्जिम्हाया निष्कित्रा। जूत-क् नान। नवरगाउरमन् मनः निना भागिषका मध्नि। निर्याक्षिजानऽ-क्षि विनिक्तरयन जन्मा निमान विनिवाद्रयस्ति ॥ इनमुः कभूद्र ॥ रिम्झव (यञ्मविष्ठः मर्थभः व्यष्ठ মেব চ। বস্তুস্ত্রেণ সংপিষ্ট নস্যুৎ তন্দা নিবারণ ।। শ্বেভমরিচ । শি-गुरीकः। मूश्री कनागिख द्रामावनाः नि नरम्या जन्मा विकारयाच्यानि । ক্রুমৃতা পৌষর নাগরাণি ভা-গী,শিবাভ্যাণ ক্বথিতানি পানাৎ ।। भिवा रुद्रोउकी । ইতি गृहा जु-य जन्तु।जिनिन्। मःन्यामाधिकातः । ইতি ভাবপুকাশ:॥

স্ট্ লি: তি মৃট্ তি:। ইত্যমর:॥
মৃট্ তি: তি ন্ট্ বুক্ত:। তৎপর্য্যাম:
। মূর্ : ব্ ন্টা লি: ০। ইত্যমর:॥
উট্য:॥ মূঢ়:। ইতিমেদিনী॥ বৃদ্ধ
্ত গুজ্য:॥

म्नः भि वकः। ইতি म् उभक्षीकाः याः तायम्बदेः॥ मृद्धः जि मृह् जः। ইত্যमतः॥ विदेः

॥ मूर्जिनान्। इंडि (मिनि ॥ न्राय-

भारत পृथिवी कवा (उद्य: वाक क्ष मियमाना।। न्त्रामाः भत्रज् व्यभन्नज् छक्त्र 🔆 🖠 हः (१गण । मूर्डाम्खं मुाबाना । म्बत्वक्षेत्रः ल्ली उक्षीयः। इंडि रहम-ख्याः। मःथ्या शत्रिमिडिः भ्षक्-ष् अरुवागः विद्यागणः । ইতি जायानि द्विष्ट्रभः॥

मृर्विः जी काष्टिनाः॥ भवीतः। इंडाः ্মর: ॥ পুতিমা। ইতি ছেমচন্দু:॥ मूर्खिन ही मनीतः। इंडि इन-

्रमुः ॥ अर्जिसान् जि मूर्जिविभिष्टेः। यथा। बाद्यामामानि न् गाः नत्रवद्रः खीगाः श्राद्याम् विभान्। इठाति श्री जाग-্বত াা

মূর্দ্ধক: পু॰ ক্ষত্রিय:। ইতি শব্দরব্রা-वनी ॥

मूर्कारी जी इया है जि हाता-वनी॥

নুৰ্দ্ধখোল ল্লী ছগ্ৰ। ইতি ত্ৰিকাও (भयः ॥

मूर्क जः ' भू॰ (क माः। ইতি स्रो । वृतः ্' ক্লিজাতে তি ॥

> 🖟 वि मूर्षनिख्यः। यथा। भेजपः उ । व वा मूर्बन्याः। इंडि वाषवामकत्रन ॥

। श्र मिन्नीवत्कः। इति "

नम्हा विवार खनाः। क्षण व्रमः व्यवस्थानः पुर जकाकमः। ইতি मन् ं नित्का ॥

हन्मः ॥

ग्रां भ् भडकः। इंडाभदः॥ मूर्का ভिविकः शु कि धियः ॥ द्राजा । ইত্যনর:।। মূর্দ্ধন্যভিধিকে। মূ-खां जिविकः द्राज्ञ गाद्राभग नमस्य পুথন: ক্রিংযা ন্র্রাভিবিকঃ **७८ भु**जवदाट (याग्रउया १न-ভিবিকো ৎপি মূর্জাভিবিক:॥ वर्गमङ्ग्रविष्णयः। म ज् विनाए क्र थियायाः जाउः ॥ भूषानः । इंडि ভরত:।। নজী। ইতি নেদিনী।। मृक्षा भू भित्रः। यथा। मृक्षा मृक्षा শিরোদেশে পুণি স্যাতানিমৌ मानी। इज्जादिकायः ॥ मूबी-नर्श्वा मृद्धा ह। जन्र १९ ४ (छो । ইতি তড়ীক 🗓

মূৰা জী লতাৰিশেষঃ। ধনুৰ্গণো-পযুক্ত। নূরণা ইতি খ্যাতা। তৎ পर्यायः। (नवी २ नथूत्रमा ७ (मा-त्रिं। ६ उन्ननी ७ जुवा ७ नष्णिका १ धन्ः (म्वी ৮ (गाकवी त भीन्भ-ণি ১০। ইত্যমর: ।। সুবা ১১। मूबी १२ । मध्रमुनी १० धूनुः १८

(ण्गी २६। ইতি उष्टीकाया छत्र जः॥ मृत्रक्का २५ (प्रवाण्गी २१) भृथक्ष्ठा २৮ नधूमुता २२ व्यक्ति त्रमा २० भील्भिर्गिका २२ प्रियालका २२ क्लिनी २० (गाभवल्ली २८। व्यम्रा ख्याः। व्यक्तिक्किष्टः। क वायत्। प्रकृष्ण । इत्पाण कक्ष वायत्। प्रकृष्ण । इति ताक्षनिर्विः।। व्यभिष्ठ। मृत्री मत्राक्ष्कः सामृ विका शिकाम् (सङ्ग्र । वित्यात्र कृष्ण कृत्पाण कञ्चके ज्ञाभहा।। ইति ভारमुकाणः।।

মূল এ প্রিষ্ঠাযা । ইতি কবিকর জনঃ ।। পবর্গশোষাদি দী ঘী । পু তিষ্ঠা স্থিতি রিতি গোবিনভেউ: । এ মূলতি মূলতে যশা । অযা পরিমাপদীত্যন্যে । ইতি দুর্গাদান: ।।

মূল ক রোপণে। ইতি কবিকল্পজনঃ
।। দীধী রোপণ নারোপণ । ক
মূলয়তি বৃক্ষণ লোকঃ। গোবিন্দভউস্ত রোহণে ইতি পঠিত্বা রোভণণ জন্মতি ব্যাখ্যাতি । ইতি
দুর্গাদাসঃ।।

মূগ• ক্লী শিকা। শিক্ত ইতি ভাষা। । তৎপৰ্য্যায়:। বুগ্নঃ ২ অদ্ভিনান-।

्कः ७१ इंजामद्रः॥ कन्तः ८ वृष्टः इंजि भद्रज्ञादकी ॥ हता ७। ई किराध्वः ॥ व्याम्। ॥ नक्कविर्व वः ॥ निबक्धः ॥ व्यक्तिकः। होः विषः ॥ मृगविखः । ইতি ভর্ थ्ड (मिनि ॥ निबः। ইত্য जयन नः ॥ हत्र १ । इजुगानिकायः **ठीकार्श्युष्टः। यथा। जनान वरव** उग्रामि मृतः। इंडि मर्गुडिन क्क अमाध्य उड़े। हार्याः ॥ मूबनः 🕆 ইতি শব্দিনু हा ।। शिक्षनीम्स ॥ পৃষ্ধমৃল । ইতি রাজনির্ঘট: । विस्मयम्बामः अञ्चल निरम्ध যথা। নদীনা নশ্নিছোত্রাণাণ ভার छम्। अलम्। ह। म्लाद्राया न क र्खाया मृजारमाया न शेयाजा। ইতি গাৰুডে ১১৬ মধ্যায়: ॥

म्नः जि अधिनापिमधिविः मिनि क्रजास्गरिजानिवः मनक्रजः। यथा। इस्रा बाजी म्वना अङ्गीत्व म्मिन् द्वा नमूः मि मार्ट भूः मि भूनर्वम् भूषा मृत्रस्त जियाः (भवाः। इजि जिथापि ज्वः॥ मृत्रमापः। क्रियाक निकर्ते (ज जुवाजियाः। । ইजि मद्दे ज्ञावनीत्।। म ज् निर्धः जिर्द्रवाकः। ইजि क्राजिस्यः। ॥ मिन्द्रगृहाकातः। ইजि मृद्रुनः

हिडामिनः।। भइम्बि नंवजातान यका अभिन् मखरकाभयुर्विष्ठ মীনলগুস্যাঞ্চৌ পলানি গতানি ভ বন্তি।'যথা। মৌলি ভান্ধি নবতা-রকাকিতে মৃত্যু পত্নমূর্ত্তি नि । निधिकांडेक मत्रानवस्थन নির্ক্রণাম পৃথুরোমলগ্রত:।। ইতি कालिमात्रकृञ द्राञिलग्ननिक्शनः ।। অমিনক্তে জাতস্য ফল•। म्ल विकक्षावयव अम्ल कल म-হত্যের বৃদম্ভি সন্ত:। চেদন্যথাত: পুৰুষা বিশেষাৎ সৌভাগ্য মাযু क अवानुवृिकः ॥ इंजि काशीन् দীপঃ॥ৠ। অস্মিন্মা•সভক্ষণনি-सिंद्या यथा। हिं वा च इंखा भूवता-সু তৈল ক্ষোর বিশাখা পুতি शर्म् वर्ष्काः। मृत्व मृत्म जाम्भः দাসু মাংসং যোবিম্যা কৃত্তিক সোন্তরাসু॥ ইতি তিথ্যাদিতভু•॥ व्यकः क्षी भूः कन्स्विरभयः। मूला इेंडि ভाषा। उट्भर्गायः। वाका-, नुकः २ गराकन्तः ० रुखिर उकः ८ (। ইতি হারাবলী ॥ नीलकथे • ৫ । ग्नास्र ७ मीर्घम्लक १ अव भीर्घ नधकमिनार्थः १ ग्टकातः ४ कन्त्र्व २ इ छिप्त ३० त्रि ३० )) मञ्जग्ल १२ इतिरमर्ग **१**०

कृतितः १८ शीर्यकन्तकः १८ मधाः त्रकात्रम्बः १७ ॥ व्यम् स्वाः। निकृष् । उकष् । कर्रिकनानि भीभनद्भ । पूर्नाम खबा क्ष्मान वाज नामिष्। किष्विः। धरुष्म। ইভি রাজনির্ঘণ্ট: ॥ 🗱 ॥ অপিচ। वानम्बक्भभी जु जाहनी विद् मीभनी !! मूलक एक विश्वेखि जी-क माम जिला वक्ट। उत्तव शिक সিদ্ধন্ত পিত্তলং কফ বাতনুৎ॥ শুষ্ক তিদোষ শনন শোথমু গর-किस्रम्। उरश्रमः कक शिख्युः **७**८कृष• कक् वाउहिर ॥ इंडि त्राक्तवल्ला**ः ॥ अ**।। अन्। भ्वकः দ্বিধণ প্রোক্তণ তবৈকণ লঘুম্লন कः। नालामक देकः विमुः नाल-यः भक्तस्रद्धः ॥ চাণक्रभ्वकः তীক্ষণ তথা মূলকপোতিকা। নৈ **भावम्वक्थां**ना खन्दरमुक्तमञ्जर ॥ वय्भूवक ग्रु॰ म्राक्राः वयु ह भावनः। (नायवयस्त्रः सर्याः ज्ञ थाम विनाभन ॥ नाभिका कर्र রোগपु॰ नयनामय नामन॰। मङ्ख (मव काकाकः धक (माव वयशुमः॥ **त्त्र हे जिल्कः उ**रम्य जाराम्हा व वय वि নাশন। ইতি ভাবপুকাশ:।। #।। मोत्रभाग जल्काल सार्या यथा।

অৰুৰে নুলক্ষৈব সিংছে চালাবুক उथा। कार्डिक मूंबनरिक्व मारम्। (भागा॰म उक्षा॰॥३७ कर्यालाठ-नः ॥ अ ॥ (भीर्गमांत्रां भाषमून-ক্রম্য। পিতৃণা॰ দেবভানাঞ্ মূল-क रेनव माभाषद् । मनमञ्ज मा-পোতি ভুঞ্জীত ব্ৰাহ্মণো যদি।। ব্ৰা कारना भूनक जुक्ना हात्रहान्मायन वुष्ठ । जनाया याजि नतक कव विद् मू मु अव ह ॥ छथा। वर्ष छ-ক্ষ্য মভক্যঞ্চ পিবেদ্ব। গহিত্তঞ यट । वर्जनीय श्वादेन म्य हे म দির। সম•।। ইতি নলমাসতকু•।। লাভ্যত্তর্গতবিষভেদঃ। ইতি ছেন हन्पः ॥

म्बक्यती खी त्या छात्रः। इंडि

म्न वर्ष क्री अवशादिम्हानगर्वागताहार्वन सम्म वर्णादिकर्णा क्रि स्थाउ॰ हिं अतुरुः
हिंदीना इंडि म्क्रिः ।। ७८ शर्याहिंदिना इंडि म्क्रिः ।। ७८ शर्याहिंदिन स्था । इंडिम्सः ।। উन्
हिंदिन स्था । महाक्ति प्रशिकार्णा । स्था । महाक्ति प्रशिकार्णा । स्था । स्था क्ति प्रशिकार्णा । स्था । स्था क्ति प्रशि-

कर्प है। है कि सेनुः ॥ मखीवधाः दिनावणीकद्रगः। है जिल्ल्ल्ल्लेखाः। म्लक्म्ला खी कीद्रकक्षीव्**कः।** है जिद्रमाला ॥

ग्नकादः भ् ग्नग्रहकर्खा। यथा।
नायः गनकादः किछ ग्नकादः।
के जि मः किछमाद हीकायाः (गीयीहन्दः॥

ম্লকারিক। জী চুল্লী। ইতি হারা-বলী।। মূলগুর্থপিকাশকপদ্য ।। ন্লধনস্যব্দ্ধিবিশেষ ।।

ज्यकृष्ट्रः क्ली अकाम्मविष्मर्गकृष्ट्रव ग्रह्ण ज्यु जिति स्वारं । यमा कृषिजानि वृक्ष्म्मानि मानः भीयाः जमा कृष्ट्र ग्राम्म निक्ष्मः । यद्या कृष्ट्र ग्राम्म निक्षः । य्या क्ष्म मान्य अवारं । यद्या मान्य मान्य मान्य व्या । यद्या मान्य मान्य मान्य मान्य स्वारं । य्या कृष्ट्रः व्या मान्य मान्य मान्य स्वारं । यद्या मान्य म

म्बद्धः ही बार्यकः। ইতিরাজ-

वधीना आक्षीत्व एकिठाता गृण गृणकः भू उँ भणा दिः। इंडि एनं

কা ১ জু দুপোতিকা ৪ ফুপোপোদ-

**हम्दुः ॥ ग्लास्ट**ा वि । मूनविकाश की अर्का विक्राणा রাশিকপগৃহবিশেবঃ। স তু রতেঃ ति : इः । इत्युत्र । इत्या अक्तर (नवः । व्यम् कन्या। खदा धन्ः। ज्या खना। भानः इसः। यथा। मि एहा वृषण्ठ भिष्ण कन्या श्री श्री श्री । वर्कारीनाः जिक्तागानि म्लानि त्रामयः कनार्॥ अथ म्नाबिकाः गाः मन्यवद्या । त्रवि छोन कीव ভাৰ্গৰ শৰৈক্ষয়াণা ব্ৰিকোণ ভা-गाः मुः। नथ इति निक् जिथि न थद्रार ऋक्ति। नियुश्मिकाः मृहार ॥ ইতিজ্যোতিস্তন্ত্ৰণ il म्नाप्तः भू कःमत्राज्ञः। ইতি वि का अः नयः ॥ म्लपुरा की म्लधन । ইতি एक ठन्मुः ॥ म्नदन क्री चारिपुरा भूँ की देखि ভाষा। उৎপर्गायः। भद्रिभगः २ नी वी ७। इंडागद्रः॥ मूनभी जी मञ्क्रभी । इंडि द्रव-्गाना॥ ग्लभूइद्र की भूइद्रग्ल । इंडि

वाजनिवंग्रेः॥

ম্লপোতী ত্রী প্তিকাশাকভেদঃ।

उर्भग्रायः। कृ प्रली २ (भावि

ক্নায়।৫ বল্লিশাকটপোতিকা ৬। अन्तर खगाः। बिस्सियमुद्धः। व्यप्तः ष्। वन्। व्यूष्। वन् भूकिः कात्रियः। क्ठायः। करंद्रानणरी-পনবৃঞ্চ। ইতি রাজনির্ঘণ্ট: ।। मृत्रकृष्टिः की चार्गानिकः। यथा । मई भुम्डा भुक्िः 🗐 क्षः भु-ক্:ত: পরঃ। ন শক্ত: পরমেশোপি তা॰ শক্তি॰ পুকৃতি॰ বিনা ॥ সৃষ্টি॰ विश्राञ् नाराणा न मृद्धि गायगा বিনা। সাচ কৃঞে তিরোভ্তা সৃষ্টি স হারকারকে॥ আবিভূত। সৃষ্টি কালে সাচ নিত্যা যথেশ্বরঃ। হ্র-লালণ্ড ঘটণ কর্ণ যথাংশক্তোমৃ-फ विना ।। अर्ग विना अर्ग कातः क्छ. ল কর্মক্ষ্য সা শক্তিঃ সৃষ্টি काल ह शक्षा (हचेत्रह्या ॥ त्राचा পদ্ম। ह माविजी मूर्ग। दिवी मद्रव जी । भागविधाञ्छवी या क्कना भ-রমান্সনঃ ॥ প্রাণাধিক প্রিযতমা সা র ়া পরিকীর্ত্তিতা। ঐশ্বর্তা-**थिक्षाज्राम्यी मर्बम्य काजिमी ॥** পরনানন্দ্রপাচ সা লক্ষ্মী: পরি-की खिंछ। विम्ता धि्षा ज्रामयी या भ -রমেশস্য দূর্লভা। । বেদ শাস্ত্র যো-गमाञा मा माविजी भूकीर्विछ।।

वृक्षाधिक्षाञ्लि या नर्वन कि मक-পিণী।। সৰ্বজ্ঞানাত্মিকা সৰ্বা স। ं मूर्गा मूर्गनामिनी । वागाविश्वाक्त-वी या भाजकानभुरा मरा कृष्क-शिक्ताया हुना ह दिवी अद्रश्री ॥ शक्षापो स्य (प्रवी मूल शुक्षि द्रीयदी। उठ: मृष्टि करमरेनव वर्छ-था कलया ह ना ॥ याविषः भुक् তে द्रः भाः भूगाः गः भूक्यमा ह। भायया मृद्धिकारल ह उद्यना न छ-विख्यः ॥ मृष्टिण भुजिवित्य ह वुक्षन् वुक्षाच्छवा मना । পाठा विकुक्त मःइडी निवः नमहिवनु দ:।। ইতি বুন্ধবৈবৰ্ত্তপুরাণে গণপ ' ডिখ:७८० जन्यायः ॥ बाजनिर्घणेः॥

**म्लक्**नरः भू भनम्बः। ইতি

মূল ভদুঃ পু॰ কংসর।জ:। ইতি ত্রি-का अलावः ॥

নূলরসঃ পু• নোরটলতা। ইতি बच्चाणा ॥

मृनभाकिष्टः । वि म्नक्किनः। ইতি मृनमाकिनः। क्विवराह्य माक्षे मा কিন পুত্যগাভ্যা॰ নিষ্ণন্ধ।।

म्ला जी म्जावती। इंडि ताक निर्विष्टः ॥ मूथनक्षजः । ইजि नदः ब्रञादनी॥

म्लाभातः भू॰ **७**श् निक्रार्गार्यक व्यक्षिषयभिज्ञानः। म ज्मर्त **तक्ष मक्ल नाजीना॰ म्ल्यान॰** অত্র বশষ সাক্ষর যুক্ত স্বর্ণ চত্ র্দল পত্ম মস্তি। তন্মধ্যে ইছা জ্ঞাা কিয়া স্বৰূপ তিকোণ্ড বৰ্ততে। उबाक्षा (कारिम्या मम्भुं च यग्छ লিহ্ন নন্তি। অত্র পৃথিবী বর্ত্তে। তত্তিব মৃণাল সূত্রৰ সৃদ্ধ সাৰ্জ ত্রিবলযাকার স্বৰ্যমূলিক বেপ্টিত विष्गुक्नाभुक सनम्थनिनी वर्ड তে। যথা। মূলাধারে ত্রিকোণা-খ্যে ইছা জ্ঞান ক্রিযাত্মকে। মধ্যে यग्य निक्छ (का हिम्ग्र नम्भुडः ।। তদ্বাহ্যে হেনবর্ণাভ বস বর্ণ চতু-র্দল•।। ইতি তক্সসার:।। অথাধার शन्य - भूमगाम् वर्ग धुकार्या छः দোদ্ধু চতুঃশোণ পত্ৰ । অধাব कु मूर्यः भूवर्गाञ्चरोर्ग र्वकाता हि मारिङ यू जि॰ विक वर्षिः॥ अमृत्रिन् ধরায়া শ্চতদ্বোণ চক্র• সমুক্তাসি म्नां ष्टेरिक द्राव्ड उटा नगट भी उ বৰ্ণ ভড়িৎ কোমলাঙ্গণ ভদন্তঃ স্ भारत ध्वायाः स्वीबः॥ वङ्गार्थाः বকুদেশে বিলগতি সতত কণিকা মধ্য সংস্থং কোণ ভগ্রেপুরাখ্যং তডिদिব विषम (कामण काम

ाभ । कुम्हार्भा नाम वायु विवन 🕞 ज 5 5 • उत्र । नत्था न न छ। ८ । बी (व ্শা বজুজীব পুকর নভিহ্সন্ কো हिम्र्य्यः शुकानः॥ उचार्यः विश्व-ন্ত্ৰপী জত কৰক কলা কোনলঃ প িচনালৈয়া জ্ঞান ধ্যান প্রকাশঃ भूथम किल्लगाकात्र लभः सगसुः ্ভিদ্যৎপূর্ণেন্দু বিশ্ব পুরুর করচয निक मन्नान हाजी काणी वाजी वि-नामी विनमिं मदिनावर्डक्षः ুকার:॥ অস্যাজ্বে বিষতন্ত্রসো ার লসৎ সূজ্বা জগন্মোহিনী বুন্ধ-াার মুখ মৃথেন নধুরণ সাহাদযন্তী াৰণ । শহাবৰ্ত্তনিভা নৱীন চ**পলা**। गाना विनामाम्भरा मधा मर्भ मभा <sup>শৈ</sup>রোপরি**লস**ৎসার্দ্ধতিবৃত্তাকৃতি: ॥ ইতি জীভতুচিস্তাননৌ ষ্টচক (उप: 11 #11 छवङ् ठीर्थानि यथा । हैं । यन हान निवामिनी या मूर्यं। जिन या यमुना भुवाहिका। उथा गुजुन्। नवारमा गामिनी नत्रत्रजी রক্ষতি নজ্জনাত্মক ॥ মনোগত सानभारता मनुरया नाख किया (या-প বিশিষ্ট ডজুবিৎ। মহীস্থ তীর্থে विमाल काल गुरा गृला मुख माडि मुग्जि ভागुत्व ॥ मद्यागि जीर्थ

निर्गठा मठी। कर्त्राठि भाभक्षय निर्गठा मठी। कर्त्राठि भाकाप्तमण्यं भूगुपा॥ ইতি क्षुयामलः॥ मृवाखः क्षी मृजकः। ইতি त्राजः निर्घरः॥ मृवी को क्षिशी। ইতি कि ११७० (भयः॥

म्लाः भू छो। ইত্যাদিকোষः॥
म्लाः क्री भोगिनाम् शिक्तावाः
म्लाः क्री भोगिनाम् शिक्तावाः
म्लाः म्लान क्रय विकाश्यं मिषः
ग्रामानिति यः। ইति छत्रजः॥
पत्र ইति पाम ইति छाषा। उटभर्यायः। वन्नः २ व्यवक्रयः ०। ইतुः
मतः॥ म्लाऽत् व्यन्ऽति हतः। माहिना हिति छाछ। ইति छाषा।
छट्भर्यायः। कर्म्या। २ विथा ०
छ्ता। ४ छ्ताः १ छत्रभः ५ विद्याः ५ छत्रभः ५ छत्रभः ५ विद्याः ५ छत्रभः ५ विद्याः ५ छत्रभः ५ छत्रभः ५ विद्याः १ विद्याः १ छत्रभः ५ छत्रभः ५ विद्याः १ छत्रभः ५ । इति इत्यानाः ॥

ग्लाः वि পु जिश्वारागाः ॥ ताभग यागाः। इठि ग्लायाद्यम्मनारः॥ ग्य ल्लेरन। इठि क्रिक्ट्रफ्नाः॥ यश्वती। या ग्याज श्रवपुराः। इठि इलाय्यः॥ कृषीर्जारक। या-याज। इठि मूर्गामानः॥

न्वजीर्थ भावनी गन्ना नशमञ्जवि मूबः भू जी म्विकः)। टेजनगव-

र्खनी। ইতি भद्र त्र त्र त्र ति ।।

ग्रकः प्रः की जेन्मूकः। ইতি भद्र
ग्रज्ञावनी।।

ग्रक्कीं की व्याध्कनीं। ইতি

ग्राह्मनिर्धाः॥

म्यकमाती खी न्उल्प्नीवृकः। ই ि द्राजनिर्यण्टः॥

भ्वका जी भ्विका। ইতি भद्रजा-वनी।।

भ्वकातािः भू विडानः। ইতি त्राजनिर्वणेः॥ भृविकात्राि ইতিচ भार्तः॥

म्या खी सर्गार्ग वर्डन शाखः। गृजी

इंडि ভाষা। उৎ शर्ग ग्रायः। रेड ज

नायर्डनी २ । इंडि म्या १ । इंडि

ज्या ८ व्यायर्डनी ६ म्या ७ । इंडि

ज्या १ । गृषिका १ । इंडि म्या

नायः ॥ प्रवजापकः । इंडि म्या

नायः ॥ प्रवजापकः । इंडि म्या

नायः ॥ प्रवजापकः । इंडि म्या

वित्र हा व्यापि म्यावहन मिडिन

(हा तुहि भ ज्यावहन मिडिन

(हा तुहि भ ज्यावहास माना

विभावि । इंडि मिडिन लीवाविडा

(मुदी । उद्याद । ।

ज्याकरी की याथूकरी । ইতিশবः अञ्चरनी ॥

मे्षाज्य की नीवज्य । उ९ भः र्यायः। का॰मानील॰ २ (इमजूःथ॰ ০ বিভূমক । ইতি হেমচন্দ ।। भ्विकः প् बखविष्मयः। इँ वृत्र इंडि ভाষा। তৎপर्यतायः। উन्दूबः २ षाथुः । इंड्यादः ॥ मृयः ८ म्बीकः ৫ डेन्स्यः ७ वद्यः १ वृषः ৮ অথিনিকঃ ১ বৃশঃ :০। ইতি **ण**दतञ्जावली ॥ भूवकः ১১ शिक्रः >२ उन्मूबकः >० नथी >८ थनकः **२**६ विवकाती २५ शानग्रातिः २१ व-ल्लुबः १५। यम्। मा न ख्याः। व्यक्तिनन मन्। (गाधा म्यक ग्-খ্যা বিলেশ্যাঃ কথিতাঃ। খাসা-নিল কাশহর তথাস পিত্ত দাহ কর॰। অন্যে বিলেশযায়ে সূত্র কে-क्षिर्छान्मुक्काम्यः। गरिंज जम्र बा॰नक बन्ध भोत्रव मूर्ड्डत ॥ ইতি রাজনিঘটঃ॥ অপিচ। মূৰি-<का नधुत्रः शिष्का व्यवायी वनवर्ष्क-নঃ। ইতি রাজবল্ল ভঃ ॥ ঋ॥ পা -রিভাষি । মৃষিকো যথা। বিভবে भां अदेशिख न मना कि जू साकि চ। তমাহু রাখ তস্যান ভুকু। क्रान मुका ।। इंडि नार्ज्ख्य **ल्हारा व्याहाहाध्यायः ॥** श्वक्रभी की इनकर्गिदामवः।

इं मूत्रकानी भाग इंडि डाया। छ८ भर्यायः। विज्ञा २ डेम विज्ञा २ ना-ल्यायी ८ मूयडी ६ मसत्री ५ व्या १ मुडाक्ष्मुनी ४ मूड्स्मुनी २ त्रखा२० १ इंडामदः॥ मूज्रस्मुनी २२ व्याय्मनी १८ म्याया ११ क्षिम जिका २५। इंडि त्रज्ञाना ॥ म्यमिनिका २१ मिक्ष्वा २४ म्योकनी २२ मूक्निका २०। इंडि मस्त्रज्ञावनी ॥ विका जी म्यक्मनी । इंडि त्रज्ञ-

ম্বিদা জ্ঞী ম্বিকপণী । ইতি রন্ধানা । উন্দুক্তঃ । ইতি শব্দরন্থা। বলী ।। গুষা । ইত্যমরটীকাষাণ র্মানাথাঃ ।।

সূষিকান্ধ: পু॰ গণেশ:। ইতি জটা-ধর:।।

ম্বিকাঞ্চন: পু॰ গণেশ:।ইতি ত্রি কাণ্ডশেষ:।।

म्बिकाद्राञ्डः भ् विष्ठानः। ইঙি द्राजनिर्घण्डः॥

म्बिकाञ्चयः भ् म्बिक्भिनी । ইতি मृक्षः भ मूनिविष्णयः। उमा भू-कोषतः॥ (ত। मार्क्ष्यः। यथा। मार्क्ष्यः।

म्विभिर्गिका जी म्विकभगीं। ইতি
भक्तकावनी।।

भूषी जी भूषा। त्रताम्यावर्जनभावः। इज्यात होकायाः खतुजः॥ सङ्ग-भूषिकः। यथा। अत्या सङ्ग्रिषः कः माग्री विष्मण्याहनः। नहाकः भग्रमात्री ह ज्कला मृडिलाजनः।। ইতি রাজনির্ঘণ্টः।।

ग्वीकः পু॰ জী मृविकः। ইতি भदः রল্পাবলী।।

ग्वीका জী উন্দৃকः। বথা। দীনা
ग्वीका ग्वा ह ग्वीका मृविद्युक्तः।

ग्वीका ग्वा ह ग्वीका ग्विद्युक्तः।

ग्वाकाः जि अञ्जाञिलञ्कः।

ग्वाकाः जि अञ्जाञिलञ्कः।

ग्वाकाः जि अञ्जाञिलञ्कः।

ग्वाकाः।

ग्वाक

गृजिः भागजागः । ए म गियाज भागे । ए ख्रिपाना ग्रहेशिए। भिजि नियमन जनाज भन्ने स्म भन् । ममान भर्जा मनियाजि ज्यानित् यार । ইতি पूर्णानामः ॥

म्कखकः भू॰ म्कखूम्निः। ইতি भ-यत्रञ्जावनी ॥

क्खः भु॰ मूर्निविष्मयः। छम्। भू-ত্রো মার্কপ্রেयः। यथा। মার্কপ্রেया १भि মার্কপ্রে মৃক্জুশ্চ মৃক্জকः। ইতি শদরন্ত্রাবলী॥

মৃগ ত্ক ড নার্গণে। ড রামো মৃগ• মৃগয়তে বনবীথিকাসু। ইতি মহা-নাটক•। কাতজাদৌ মৃগ্য সংস্থে-

(१ इंडि फिराफि भर्ते अभि भाज् क म्माउ मूर्ग जिलाहनया तम यञ्जास्तितार्शिकः। मृग्रङः भारती॰ उथाश्यक्ता न्याता न ं मुक्छ ना॰। ইতি जू व्यकातास সৈয়ৰ ভাবে ক্বিপ আকারকোপে गृगः करता जी कि कञ्जामिदाद (क) সাধ্য । ইতি नूर्गामामः ॥ मृगः भू॰ भगूमाञः॥ इखिविष्मयः॥ नक्ष्व ( अप्त अप्त अपन ।। याह्या । इंडि (मिनीः।। गार्गभीर्यगामः॥ यञ्जितिस्मयः। ইত্যজयপानः॥ मृगः ন।ভি:। ইত্যমর টীকাষা॰ ভরত: ।। मक्त्रत्राणिः। यथा। मृग कर्क् हे স কাভী দ্বেত্দমুক্ষিণাযনে। বিষু वजी जूना (मर्व (गानमस्य उथा পরা: ॥ ইতি তিথ্যাদিতভু ॥ স্থানখ্যাত পশুবিশেষ:। মৃগ্যতে , व्यन्तिषार अस्मी वारिक्षः। उट्म-র্য্যায়ঃ। সরস্থ:২ বাভাষ্: ৩ হরি ণঃ ৪ অজিনযোনিঃ ৫। ইত্যমরঃ॥ मात्रकः ५ ठाक्लाठनः १ जिन्याः निः ৮ জরস্থন: ১ খব্যঃ ১০ ঋশ্যঃ ১১ রিষ্যঃ ১২ রিশ্যः ১৩ এশঃ ১৪ এণক: ১৫। ইতি শব্দরত্বাবলী।। স নববিধঃ। যথা। সম্বরো**রোহিতো**-गुज् लबस भूम्रमा करः। अनम

হরিণশ্চেতি মৃগা নববিধা নতাঃ।। পাঠান্তর• যথা। সমূৰ রোহিতে<sup>.</sup> न। ऋः मञ्चरता वज्जरा। क् कः। भरेन হরিণা শ্চেতি মূগা নব বিধা মতা।। ङ्तिगन्हाभि विष्क्वयः भक्षाज्यः: **९**ত্ৰ ভৈৱৰ। খব্য: খন্নো ফ্ক্ৰৈচৰ পৃষভক্ষ মৃগ তথা ॥ এতে বলি-भुरात ह हम्मरात ह कीर्डिजाः। इंडि कालिका भुद्राप ५१ अथायः ॥ # ॥ जिनिही जय काक्रनानाः গণনা । হ্রিণৈণ স্রক্ষ্য প্ষত ন্যক্ত শম্বরাঃ। রাজীবো পিচ মুগুী (ठउप्राम्या **काञ्चल अ**•छ्क्काः ॥ **इ**-तिन छामुबर्नः **म**हारमनः क्कः **প्**की-खिङ: । व्यवक् केवलामः न्याक्ति -गाक्ञिका महान् ॥ याया नी**ला** ওকো লোকে সরোক রিতি কীর্ত্তি, णः । श्वज कन्मुविन्मूः न्या**क्**द्रि-गाएकियम्ब्रकः॥ नाङ् इन्विवालाः থ **শ**ন্বরো প্রয়ো নহান্। রাজীবস্তু মৃগোজেয়ে রাজীভিঃ পরিতো বৃতঃ ॥ (या मृगः मृङ्ग हीनः न्राट्न मू छी-তি নিগদ্যতে। #।। অথ তেষা• গু-**ाः। जड्डानाः शुर्यमः मस्त्र शि**ख শ্লেম হরা: মৃতা:। কিঞ্চিদাতক-द्रा काशि व्यव्या वनव्छनाः।। इंजि ভাবপুকাল:॥#॥ अथ मृशशहीका।

भृगनाजि॰ সমাদাङ् कोङ्कार्थ॰ ख्था भूनः। म्याः (भाष्या महोस्पा गा॰ उवा॰ वक्तामि वक्ता। भृषि-क्रम् वाग् गगमा एडाडा श्विकास **११११।।** जिम्राष्ट रेनक (जमास नः মন্তা মৃগজাত্য: ।। তদ্মপা। যে গ श्विनः कीनमत्रीत्रकर्गा एउ भार्थिवा नक्षमृगाः भूपिष्ठाः । সর্বাঙ্গ মেবা॰ जुब्र जिक्ताम भूगा भुम्म भुङ ান্তি তে তু।। যে বৈ বিশালা ভৰ नीर्यम्का यमाः नवा खीव्यंत्र जुः দেশা:। আপ্যাস্ত তে বৈ পুসরস্তি ज्ति मर्बज (मान नुज्विष्ठ रेहव ॥ बाविष्ठ य वाज निवास्त्रीरक मीर्घा-স্তু তে বাতমূগা: পুদিষ্টা:॥ তে যত্ৰ যবৈব ভবস্তি শক্তা শুৱৈব সর্বাণি मू जानि मिल । नयु नुमाना नयुवीर्यं नदा निर्मयस्य हगनभूमानाः॥ ख गागना (वगकत्रा नत्राभाः म्ण्ना ন তে নাপি নিরীক্ষণীযাঃ। যে কৃষ্ वर्ग खकरीर्यम्काः कृषा ज्म गांडि চ বাযুবেশাঃ॥ তে কৃঞ্সারাঃ খলু তৈজসাস্ত পৃণ্যপুদেশে পুভবস্তি তে ত।। #।। ভোজো ২প্যাহ। পার্থি বাদি মৃগঃ সর শচতুলাতি ভবেৎ পृथक्। मृण्या उनुलामाना कुनकः गा गुगङाउयः ॥ कुषाः भगतिण्.

क्राफ क्रवियाः धद्रातामणाः। या-वर्जम्का खनरवा इतिना रेवमा जा-তথঃ। অশৃকা বাপ্যশৃকা বা শৃদ্রঃ থরতন্কহা:। অখানা'যে গুণাদো-বা তে জেবা হরিণেয়পি ॥ তথাপি (मायाः शक्शमी वक्तारत इद्रिगामु-याः। निज्या इष्ठरत्र यम्। लाभाव-र्खाः म भाभक्य ॥ विषयो विकृरजो मृत्को यम्। म (क्य नामनः। आव-র্ভ: পৃষ্ঠতো যস্য আনাভি নভিবি-न्मि ।। भन्नार्ष्क यम्। वावर्ख स्त्रो ভ্যান্ত্রে) ভ্রকারকৌ। বর্ণনেত্র পদা-मीनाः देवक् अञ्चन नामनः ॥ गार्नाः । (मायवस्ग्वकाञीनाः विकाञीनाम-थानिया। मर्भनाट ज्लामनारहित शक्ताः मानाइ (भाषा। ॥ ভवियु विभन्ः गर्बा खथा हिवान्। लायगाट । म-হ্বেপি। ছরিণ পোষণতো ধরণী-ভুষা নহি ভবেন্মক দ্ভব পীড়ন। न भवि विक्स का विभूषः ভयः उपयः ত হরিণ গুণিন নৃপ।। ইতি নৃগ-পরीका। ইভি यুক্তিকল্লভক: ।। #ा म्गापिविकादाशमासा यथा। गर्न উবাচ। পুविশन्তि यहा गाम मानगा মৃগপিকিণ:। অরণ্য যান্তি বা গ্রা-न्।: इनः गान्धि कत्नान्ध्वाः ॥ **ख्नजा क जनः या**खि धात्रः तामस्रि

महम्मः ॥

**७८ म**र्गायः। वास्त्रा २। ইতি (ह

मृगक्रीवनः भू॰ व्याधः। इंडि मद्

नि ज्याः। गृरु करभा उः भुविस्ने न्मकानिका खी न्भवक्षनार्थहान्। ক্ৰব্যাদো মৃজ্বিনিয়তে। মধু বা ব-किकाः अगुर्म् जुर भ्रमा विषय ।। মৃগ পক্ষি বিকারেষু সর্য্যা**দ্ধোম**-স দক্ষিণ । দেবা: কপোতে ইভিচ द छ।।: शक्षि वि देव:॥ शावण (मया विधित् । दिकाना मका<del>क्ना</del> বস্ত্রযুগোত্তরীযা:। এব ক্তেশাস্তি मू शिक भाभ गृरेग हि दे बा वि निरविषक रथ।। इंकि मार्काः २>> अध्यायः॥ #॥ ठञ् विंध मुक्ष नार्वा शुक्यविरागवः। उना नकः ণ যথা। বদতি মধুরবাণী দীষ নেৰো ২তিভীক শপলনতি স্ (महः भीशुरवरणा ग्रा २य । भ শকে পদ্মনী তৃষ্টা নৃগে তৃষ্টা চ চি-जिनी। वृष्ट **म** द्विनी जुष्टे। इर्य जु ষ্টাচ হরিন।। পদ্মনী শশ্বে। र्यान ए प्रको ठउूत्रकुलो। ठिकि ণী দৃগণো যোনি মেচুকৌ চ তথা विर्धा। इंडि त्रियक्षती।। মৃগণানিনী জ্রী বিডল্।।ইতিরাজ निर्वण्डः ॥ मृगमपृणगननणीला ह॥ ग्गयमञ ही क्वारिनामक नञ्जूता। ইতিরা দ্দিঘণ্টঃ ৷ সৃদ্ধর্মজাতে ত্রি মূলচেটক: পু• খ্টাসঃ।ই**তি শ্ব**-नाजा॥

ब्रज्ञावनी ॥ म्गना खी व्यनक् उप्राप्त हमा विष् यथा। मःवीक्षा विव्यवः नार्शनः মুগণা মৃগ:। ইত্যমর:।। म्गज्हें की म्गज्या। इंडि मन-ब्रज्ञावनी ॥ म्गञ्य। स्त्री मृगज्या। इति मयः बद्भावनी ॥ म्गञ्का खी जनाजामदाए मृगाः ণা॰ তৃষণ বিদ্যতে ২স্যা॰ । গ্রীয়ে नक्षरण निक्जारावर्ककद्राः शुक्रि क विजाः मृत्रञ्चानाः कलात्नाजाः ন্তি ভদাচিকা। ইতি টীকাকার:।। উৎকট রবিরশ্মিজন্য কিতিবা-न्त्रज्ञान• सदीहिका । मृद्र**म्**(न) य--मागृरेथ खंन निव मृण्डा इंडाभ-(त्र। इंकि ভর कः ॥ ७९ भर्यायः । मती हिका २। इंडाप्रतः ॥ गृगञ्-किका २। इंडि ভর ड: ॥ मृगड्रे ८ মৃগত্ধ। ৫। ইতি শব্দরভাবলী।। म्गञ्किका छी म्गज्का। इंजानद्ग-টাকাযা• ভরতঃ ॥ न्गरः मकः शुः ककुतः। ইত্যমतः॥

म्भर्कः भू भृगावः। ইठि मः किछ माद्भ मनामशारः॥ ज्ञाश्रुं कः भू॰ म्गानः। ইত্যমর:॥ मृगनाजिः भू॰ कसती। उर्भर्गागः। मृगनां चि मृंगमनः कथिउस नरः সুভিৎ। কন্তুরিকাচ কন্তুরী বোধ-মুখ্যাচ সা স্থতা।। সা ত্রিবিধা-যথা। কান্ৰপোডবা কৃষা ৰেপা: नी नीनवर्गंगुक्। कान्यीती किन कहाया कछ्डी जिविधा सृठा ॥ कानकरभाष्ट्रवा (मुहा निभानी म-धामा ভरद । कान्धीतरम् मः **ज्ञा कख्दी श्रमा स्**ष्ठा ॥ **%** ॥ অস্যা গুণাঃ। কন্তুরিকা কটু স্তিক্তা ক্ষারোফা শুক্রলা ৎ কঃ। কফ বাত विष हर्षि भी उ (मोगंक्ष) (मायक्ष् ॥ ইতি ভাবপুকাশ:॥ অন্যৎ ক खदीभाष मुद्देवार ॥ मृगना जिल्ला क्षी कल ती। यथा। घन नातः निजाज्य हल्ला २० मृगः ना ভिजा। ग्गना ভि ग् गनदः कस् রী শন্ধব্ল্যপি। ইতি হেম্চন্টু:।। মৃগনেতা জী মৃগোমৃগশির। নেতা পুপেষ্ঠা যস্যারাত্রেঃ সা রাত্রিঃ। ইতি मुक्षः वाब हो कायाः मूर्गानात्रः ॥ স। অণুহাযণস্য বি॰শভিদণ্ডা विक बर्यावि मनिनाविष म का डि

भग्रं छ। भागः मह्य विश्व नवात्र भुष्किनिरवर्षा य्या । वृक्तभूतारा । বৃশ্চিকে শ্রুপঞ্চে তু নবামণ শস্কঃ उ वृदेशः । अशातः कित्रमाणः हि भनुरम् १ क्छ॰ खरद्या भन्ति यद ক্ত॰ শাৰা অ্গনেজাসু রাতির । পিতর তল গৃহত্তি নবালানিম্চা-द्भितः ॥ जाभातं क्षभाकः । मागा নেতা পাুপ্রিতা যাসাং রাজীণা নিতি বুংৎ পৰ্যা নক্ষরায়েতু রি ज्यानना विश्वाना खर्भन शक्ता । **७७** म्गितः भ्रतिष्कं र व्किन কশেষভাগে রাত্যারম্ভাচুত্বারিশ-শদ্ভাধিক ব্ডাত্রযো মৃগনেতাঃ । ইতি नननाम उद्धुः॥ ম্গপতিঃ পু॰ সি॰হঃ। ইভিছেম-ठन्मः॥ নৃগণিপু: পু চন্দ্র:।ইতি ত্রিকাও: (भवः॥ ন্গপুষ• শ্লী পর্বতত্ণ। ইতি রাজ-निघणः॥ म्गवधाकीयः भू॰ वराधः। इंडरमतः॥ य्गविक्ति जी ग्गवक्रनाथं काल । তৎপर्य**)ायः। वाख्यार। इंछ्**रनद्रः॥ ग्गजका जी करानाः भी। इंडि व्राक्तिम्छः॥ न्गनमः पुः कछ्बी। इंडाप्रबः॥

/ भृगमस्यामा जी कल्बीमिसका। मृगादामक जि भग्लामका उवज इंजित्राजनिर्घणः॥

मृगया जी मृग्राख्यन्विराखश्नाः। **लिकात इं** ि ভाषा। उৎ পर्यायः। ं ष्यारहामन २ मृगव्रः ७ ष्यारथिः ४ । ইত্যমর:।। সা রাজ্ঞা পাপায় ন म्राट्। यथा। व्यवन सम्मानिता अनामिकनीए कम भी फिनः थगान्। व्यनवर् प्रशिष्ट्रिं मृगास्ग्रयाचाय न जूज्ञा प्रजा।। इंजि रेनयाथ २ नर्गः॥ ना ह कामजवर्मनविष्मयः। यथा। मृगयात्का पिवासक्षः भन्नी বাদ: জ্রিযো মদ:। তৌর্য্যত্রিক বৃ थाहेत ह कानला मनका गनः। ইতি মলমাসতত্ত্ব ॥

भृगयुः भू वुक्ता ॥ मृगानः ॥ वृग्यः । इंजि मिरिनी ॥

भृगद्रमा जी महत्त्वी। ইভি রাজ-निर्घण्डः॥

মৃগরাজঃ পু সি ছঃ। ইতি শদরত্ন। वनी ॥

মৃগরাট্<sup>র</sup> পু• সি: ছ:। ইতি শব্দরত্না वनी।।

भृगतादिका खी बीवडी। ইতি রাজ-निर्घणः॥

মৃগরিপ্: পু· সি·হ:। ইতি হলা-युषः ॥

मि । उ८ शर्यायः । ब्राइदः ঽ इंजानदः ॥

गृगवाकुनः भू हन्तुः। इंडि नद् बङ्गावनी॥

गृगवल्ला भु सम्पत्रज्गः। इति वाजनिर्घणः॥

म्गवाहनः भू वागः। ইতিक्रिष्तः। म्गवुर क्ली मृगया। इंड्रामद्रः॥ म्ग**ितः** क्षी मधितः माजनक्षात र्गउभक्षमनक्षञः । उ९भर्यप्रायः । म्गभीरं २ जागुरायनी ०। इंडा মর:।। তন্তু বিডালপদাকৃতি তারা वगाजाक॰ हन्द्राधिरेम्वउ॰। इंडि क्रिंगिडियः ॥ गगनग्रह्य **उरम्राह**-(य कन्रालगुम्र हाजिः मर्भलानि গতানি ভবন্তি। যথা। মুবিকা**শন** পদাকৃতৌ বিধৌ ব্যোম মধ্য মি-লিতে ত্রিভারকে। শারদেন্দুমুখি कन्यकाम्यामीक्यानल कलाः क-লাবতি ॥ ইতি কালিদাসকৃত রা-ত্ৰিলগু নিৰূপণ· II ভত্ৰ জাভ ফল• । यथा। শরাসনাভ্যাসরতো বি-নীতঃ সদানুরক্তো গুণিনা গুণেবু। ভক্তানুপয়েহভরেণ প্র্: সন্মার্গ-বভী নৃগঙ্গল ভাগী॥ ইতি কোষ্ঠী-भूदीयः ॥

पृशिनिता छो मृशिन(त्रानक्षवः। ||
इंडि मुद्दत्र द्वावनी ॥
पृशिनिताः भूः मृशिन(त्रानक्षवः।
इंडि प्रतिवित्रां त्रायमुक्तिः॥
पृशिनीयः क्षी मृशिन(त्रानक्षवः।
इंडि किटि । मृशिन(त्रानक्षवः।
इंडि किटि । इंडि प्रतिवित्रान

ভরত: ।। মৃগদীষা স্ত্রী মৃগদিরোনক্ষত্র: । ইতি ত্রিকাণ্ডে বোপালিত: । ইত্য নরটাকাবাণ ভরত: ।।

মৃগশীর্থা পু॰ মৃগশিরোনক্ষত্র॰। ইতি কেচিৎ। ইত্যমর টীকাষাণ ভরতঃ॥

गृगक्षीतः क्ली गृगीन्थः। छत्रासी

क्रिकात्रमानुकमन्हगार्थज्ञाट गृगाः क्षीतः गृगक्षीतः गृगाः भरः गृगभरः ইত্যাদিস্থপি পুষ ভাবः। ইতি गृथस्वाश्मीकाया पृगीनामः॥

মৃগা স্ত্রী সহদেবীলতা।ইতিরাজ-নির্ঘণ্টঃ।।

নুগাল্কঃ পু॰ চন্দুঃ॥ কপ্রঃ। ইত্য-নরঃ॥ বাযঃ। ইতি বিধঃ॥ নৃগ চিহ্ন•। চন্দে তিঃ কারণ• যথা। লোকছাবা ন্য• লক্ষ্ম ত্রাকে শশ স-ছিত। ন বিদুঃ সোম দেবাপি ষেচ নক্ষত্ৰ যোগিন:।ইতি মহাভা-त्रा इतिवःमः॥ यथा पर्भागः भागाः পরাবৃত্তা নয়ন রশ্মযো গুবিশস্থনেব মুখ দর্পণগত মিব পশ্যন্তি এবং চন্দু মণ্ডল প্রাপ্য পরাকৃতা তে म्बद्ध (मायार भृषिवी मवाक्कर्मणा মিব চন্দুমণ্ডল গতা॰ পশ্যন্তি স-वा हात्मु कन इंज्रुभहर्या । ইতি তউীকা॥ যক্ষরোগস্য ঔষ-थविष्णवः। यथा । म्यामुत्मन मन् **रह**म् मोक्किक हिस्ता जातर । গন্ধকস্ত সমস্তেন রসপাদস্ত টঞ্বং ।। সর্ব• তদ্ধোলক• কৃত্বা কাঞ্জিকে-न विल्लावरार । ভाउ व्यवनभूर्न-१थ भरहायान हज्हेय ।। मृगाइ সক্তকো ক্তেথো রোগরাজ নিকৃম্ভ-ন:। অপিচ। রসস্য ভদ্মনে। হেম্ निष्ठोक्ठा भूरयाद्यय । ख्खा ह-जुश्चेयकाका भित्रिक जिक्करयमनः ॥ ইতি মধুমতী া

मृगानीवः भू॰ व्यापः। ইত্যাतः॥

मृगाञ्जा जो कङ्ती। ইতি রাজ
নির্ঘটঃ॥

मृगार्थ भू॰ जी व्यापुः। ইতিকেচিৎ॥

मृगार्मनः भु॰ ज्यु मृद्याद्यः। তৎপ
य्यापः। তরক্ষ্ ২। ইত্যারঃ॥

🖊 ভফ্: ৩ তৰক্ষু: ৪ তরক্ষক: ৫।॥ इंडि मस्त्रदावनी ॥ वृश्यक्रा কারে কৃষরেখা চিত্রেনেক্ডা ইতি খ্যাতে। ইতি ভরত:॥চীতা ইতি ু শ্যাতে। ইত্যহুগ্ত: ॥ मृगारनी जी इन्द्राक्षी॥ महारवी ।। मृश्यक्षाकः। इंजि द्राव्यनियंग्रेः।। कुन्वराष्ट्री ह।। भृगास्तरः पु॰ हिजवतायुः। ইতি ब्राजनिर्घणेः॥ म्गातािः श् अक्तः। ই**ि नम** माला ॥ मृगमज्ः । यथा । मार्गः মার্গ· মৃগয়তি মৃগারাতি রামে বি-রানে শোক শোক গতবতি গ-তে লক্ষণে লক্ষণেন। ইতি মহা नाउक ॥ মৃগারি: পু॰ সি॰হ:।।ব্যাঘু:।ইতি (मिनि ॥ अक्र तः ॥ अक्रिनिगुः । ই ত রাজনির্ঘণ্টঃ॥ मृगादिए प् व्यापः। इं जि करे। यदः मृगाकी जी विभाना॥ मृगरनाइन जुन्यत्वाञ्ची। इंडि त्रिमिनी।। স্গিতঃ ত্রি অলেবিতঃ।ইত্যমর:॥ मृगी की मृगका जिल्ली। इंजि व्याक त्रवः।। अभा म्यखना हाग मृयखन ত्वाः। यथा। मृशीनाः काञ्रवाः थानाः जाजा कात्र खनः भगः।

ইতি ভাবপুকাশ: ॥ পুলহভাগ্য । সা কশ্যপকন্যা। তস্যা অপত্যু হিরিণাদি। যথা। কোধার জব্জিরে कन्। बाम्रेनवाज्यमस्याः। जा ভार्याः भूलरुमार्मु म्नी मन्ता ইরাবতী।। ভ্তা চ কপিলা দণ্ট্রা কৰা ভিষ্যা তথৈব চ।শ্বেতা চ স-রমা চৈব সরসা চেতি বিশুতা:।। मृग्रास इतिगाः भूमा मृगानहात्नु भाषा ख्या। नाइक्दः भात्र छ। (य ह পুরবঃ পৃষতাশ্চ যে॥ ইতি বহি श्रवागः ॥ व्यक्षवहत्सावित्ययः । यथा। (द्रा मृगी।। ना मृगीत्नाहन। রাধিকা শ্রীপতে:।। ব্মধ্যা। ইতি हत्नामक्षती ॥ व्यथमात्रतागः। ইতি লোকেখ্যাতঃ।।

म्रानमुः श्रुः मिः इः। ইত্যমরः॥ म्रानम्हदेकः श्रुः (म्यानशकी। ইडि कोश्यतः॥

ম্পেন্দু।শী জী বাসক:। ইতিরাজ-নির্ঘটঃ॥

ম্গেৰাকঃ দ্বী খেতেন্দ্ৰাক্ণী।সেঁবিনী ইতি হিন্দী ভাষা। তৎপয্যাৰ:। মৃগাক্ষী ২ খেতপুত্ৰা ত
মৃগাদনী ৪ চিত্ৰবল্লী ৫ বহুকলী ৬
কপিলাক্ষী ৭ মৃগেক্ষণা ৮ চিত্ৰা ১
চিত্ৰক্লা ১০ পথ্যা ১১ বিচিত্ৰা

अ मृगिहिन्छि। २० मक्बा २८ अर स्थिनी अद (पत्ती अक्षेक्ता २१ नयहिन्छित। २৮। ष्यम् । ख्याः। पूक्तंत्रपुः। खक्पपुः। मन्ताननका-तिपुः। तक्तिखहातिपुकः। ইन्छि ताक्रनिष्णेः॥

মৃগেষ্ট: প্ মুদ্রবৃক্ষ:। ইতি রাজ নির্ঘণ্ট:॥

মৃগেক্ষণা স্ত্রী মৃগের্বাক: । ইভি রাজনির্ঘণ্ট: ॥ মৃগন্যনান্ত্রী চ ॥ মৃগ্য: ত্রি মৃগিতব্য:। অঃর্ষণীয়া। ইভি ব্যাকরণ ॥

मृज উ य कि ज्या । भूषो। ই छि कि कि क्षण । अ ज्या जो ६ व्या ज्या विष्ण । य मृजा। कि मार्ज विष्ण । या मार्ज्य विष्ण जा जार्थ निजि इना गूथः । ই ডि पूर्ग । मार्ज्य ।

म्बः পु॰ वाम् विष्मयः। माम्य इंडि ভाषा। यथा। नम्या माक्षाम्बः

म्डा रेखी पूर्ण। ইতি হলाय्थः॥
म्डी रेखी पूर्ण। ইতি হলाय्थः॥
म्डीकः पूर् रितगः। ইতি म्ड थाटादोगाहिक कीकन पुरुष्यन निः
समर्गा

कायः॥

खनाः। निनित्रवः। ठिकवः। कवा मृठः वि याहि उवस्त ॥ भडनानः যত্ব। পিত্ত দাহ মূত্রক্ ছু বিকার রক্ত বান্তি হরত্বঞ্চ। ইতি রাজ-निर्घण्डः॥

म्गान भी वीद्रगम्न इंडि सिरिनी म्गालिनी की शिप्तनी। इंडि करें।-**थतः॥ मा ज् भग्रयुक्तरमः भग्न-**সমূহ: পদালতা চ।।

मृगाली जी मृगाल। इंडि द्राज-निर्घण्डः ॥ अल्लम्गानकािः । यथा । मान्तु हम्सन सङ्कारक वनयिखाः भागो मृगानीनजाः । ইতি রাজ-**শে**थतः। ইত্যমরটীকাষা ভরতঃ॥ भृगानी भ् भगः। ইতি किटि।। मृदं खी मृखिका। इंडामदः॥ जुवदी ॥ इंजि द्राव्यनिर्घण्डः ॥ 🗱 ॥ मृखिका (मोठ- यथा। दिवा अक्ष्राम् कर्गङ् तुक्रम्व छेरद्यथः । अर्थ्याट म्व भूतीत्व जू त्रात्वो ति मिक्कगामूथः ॥ गृशी अभिन्तान्याय मृष्डित जूर-ष्ठि कं रेनः। गन्न (नभ क्रयक्रः भोठ• अर्यागश्युजाः ॥ ইতি गा-क्ष ३८ व्यथायः ॥

मृज· क्री याविजः। ইত্যমর: ॥ या-চনবৃত্তি মরণিনিব দুংখননকত্বাৎ মৃত ভাবে কর্মণি বা জঃ। ইতি । মৃতওঃ পা সূর্য্যপিতা। ইতি মার্ভও ভরত:॥ মৃত্যু:। ইতি হেমচন্দু:।। 🖟

मद्रा इंडि ভाषा। उৎ भर्यायः পরাসু: ২ পাগুপঞ্জ: ৩ পরেভ ৪ পুত: ৫ স স্থিত: ৬ পুমীত: ৭ हेर्जामद्रः ॥ काली मृत्रमा 📲 यथा । ४गाः भुतु जिउ छनः । সিত সত্যঞ্জ দুরেগত পৃথী ম ফলা জনা: কপটিনো লৌলে তা ব্ৰাহ্মণাঃ। মৰ্ত্যাঃ জ্ৰীবশ 😗 जियक हमला नीहा जना उद्या र। कर्डे थन् बीविज किन्युर्ग व ন্যা নরা যে মৃত্যা: ।। ইতি গাৰ্ড ११ अध्यायः ॥

म्डक की नवः। इंडि एम्बन्सः॥ मद्रशास्त्रीह । यथा । यमि न्यार. স্তকে স্তি মৃ তকে চ মৃতি তথা: (मार्योगव ज्यह कि त्रहः (मार्य দ্বিরাত্রকণ।। ইতি শুদ্ধিতত্ত্বণ।। म्डक्नः जि म्डभायः। देवम्ता मृजः । ইতি मृजनदानीयम् नार्धा কল্পপ্ত্যযেন নিম্নম॰।। মৃতকান্তক: পু॰ শৃগাল:। ইতি

श्रावावी ॥ ग्ठकीयः श्रु जिलकवृकः। इंडि রাজনির্ঘণ্টঃ।।

भामहीकावा । जत्र छ। ॥

ग्डम्डः भू भ्गानः। ইতি विकाख (भवः ॥

म्डमखकः प्• मृगानः। ইडिमदः ंद्रजादनी॥

স্তবৎসা দ্রী মৃতাপত্যা অমী বৎসন্তানা। অস্যা দোব শান্তি र्यथा। मधनी मुनन व्यक्ता मर्व (माक श्वायदेव । काउम्र म्व वर्गायाः मक्षत्र मानि नाद्रम्।। অথবা শঙ্ল সপ্তম্যা মেতৎ সর্বঞ্চ শস্যতে ী গৃহ ভারা বলং লক্ষা कृद्। वा विश्ववाहनः ॥ वालमा जन नक्क जिथि (स्वान् यहक षुषः । **उ**ष्ट्रकानुदानास क्रा॰ माहिङ त्रिष् ।। (गान(यनानु विश्वायाः ज् मार्वकाग्निवस्ता । ७ ७ तम तक नार्वादेव क्वर शाक्रीत मध्य ।। निर्वरभट मूर्य) कृषाच्या उच्चा ड्या विधान जः। की खंख मूर्यहरू বঙ্যা সপ্তৰ্ক ঘৃতাহুতী:।। জুহুৰা कनुम्किन उषकम्। य नात्रमः। (काः उत्राः मनिष सम्बर्धि वार्क् भनाः **म**(याः ॥ यव कृष-जिरेन (र्शमः क र्ख(द्रा १४ ग उ॰ भून:। द्राञ्चि जि রথাজ্যেন তথৈবা**ষ্টশ**ত দ্বি**র** ৷৷ एका मानक कर्ववा मका एक न ह शी नजा। विर्मुत (वनविष्या विश्व-

फर्ड भागिना॥ ज्ञानविदा ज् ठज्रः ब्रम् कालव् लाखनान्। नक মঞ্চ পুন মধ্যে দধ্যক্ষত বিভ্বিত ।। इ।नरवस्तुन इष्ठ नश्रहंना जिम-ব্ৰিত্ৰ। সৌরেণ তীর্থতোযেন পঞ্চ ब्रङ्ग अभिष्ठि ॥ अदीन् अदी वरेष ষু জান্ পঞ্গব্য সমধিতান্।। প-শ্রত্ন কলৈ যুক্তান্ বাসোভি রতি-विष्टेष्ट्।। भन्नायः त्रथ्रा वन्त्रीक म-क्यार दुर लाक्वार । त्रावदात भुरमभाइ मृम मानीय निःक्तिराट ।। চত্রপি চ মামেষ্রত্নতেষ্মধ্যম । गृशिषा वाषा उड मोता मालान्-দীর্থে ।। সপ্তভি রূপি নামীভি র ব্যক্ষাভি রথাপ্যল । প্রিতাভি र्यथा मक्रा माना वज विज्योगः ॥ म विशाखिक कर्तवाः म्खवर मा-**ज्रित्रहन• । मीर्घायु व्रज्ञ वात्ना •्य•** জীবপুপ্রাচ ভাবিনী ॥ আদিত্য क्तुनाः नार्कः शुरु नक्तव म छोनः। **म**कः गलाक भाला वि वृक्ष विकृ नर्षिताः ॥ अस्य ठात्म ह (मर्थ) याः मना भाड समावकः। मित्रा ংশনি মা হতভূমা চ বালগুহা: कृष्टि।। भीषाः सर्वेष्ठ वालम्। मा भाज् र्जनकमा देव । जनः मृह युत-यत्र। व्यभाती পতিসःयुष्धा ॥ मेखदः

न्बारा खा का। खीना मथ खर्ग ने ने। কাঞ্নীঞ্ ভভঃ কৃত্বা ভিল্পাঞ্জে। পরি স্থিতা থা পুতিমাণ কুর্মরাজস্য श्वाद विनियमस्य । वज्र काक्षन त्राद्वीरिय सं रेकाः अष्ठ भागरेत्रः ।। भूकरयदास्ता उद्देशिक मार्गावि-विकिं 5: े कुक्। ह खन्ना एहर म्-हार्या नव नखिः॥ मीर्याय वस वालायः सानुवर्त भावः नमः। यद-किकिरमा प्रिकः निः किछ। वर् वान्ता ॥ तुका कामा वम् कामा ॥ विष् (मेरवा ए अग्नः। तक्ष अ ब्रिडिजा यहनाः मस महना।। व्यवगाधीन वाकप्रमि वरष्ठ- भूक (राम्ख्यः। मिकिउः किनवाः मः म्हार भूगिन का विमर्कातर ॥ छ क्ष भूध म इ डा भूग गु द्रवि महा (तो । इ.ज. चम् अनाभीयाना कि-छ्याय नत्माञ्च (छ ॥ इम्राम्बा फ् ত্যেৰেণ দুংখ সংপ্ৰেষ্ শন্যতে। क्लू बम्म दिनकांगा दिवान् जन्म-काय र जना।। भाष्ठार्थः मृत मधना भिज्य वर्षम जीमिक । न हर्गनेन विशासन भीषायु त्रज्यक्त ।। भ-म्रूटमद्राभागयुकः नमाम भृषिवी निमा । इंडि मारामा ५३ व ॥ : इर्ष

म्जनकी की लाइकपूषा। इंडि वाजनियणः।। गृञ्जीवमार्थिक। वि-म्। स्था। व्यथ ग्डमिछिवनीविः म्। श्वादी शामाम वीक छम्नू মৃতিহর তারক ব্যাহাড়ীক পো ছাৰ্য্য ত্ৰায়ক যো ৰপতি চ সভত সংশুট চামুলোম। মৃতিহর ব্য क्ष मृजुः अय मक । मः निज मिछि अनुरलाम करमरेगर मः भूहे मिर्जार्थः। (छन हो। छछ: भूगवः ততো ল্ সং ততঃ সপুণৰ ব্যাহ্ন ভি:। মধ্যে ত্রায় হ মন্ত:। ততো হৌ প্ণবঃ জ্ সঃ ততঃ সপুণব व्याञ्चि:। अग्र क्रशाट महिमिक् ভবত।।।।। অথ শ্কোপাসিতা মৃ जमञ्जीवनी विष्णा। गायब्याव्येकक नाशनंडित वाष्ट्रक मञ्जमा वरिष्क नारक । उउन्ह गायब्धाः भूषम शामानखद्रः ज्यक्तिः शृद्धि वक्षनः। विञीय शामानस्तर उदांक्क भिव वक्षना**८। তৃতीय পाদा**नस्रद्धः मृ'र्जी मृक्षीय माम् जार ॥ यान । স্বন্ধ স্থার বিন্দ স্থিত মুভ্যকরে সং ভিতৌপূৰ্ণ সন্তো দ্বাভ্যা নেনাক गाल निजक्तकमाल हो घटी नि-ত্য পূণৌ । দ্বাভ্যা॰ দ্বোচ সুবংস্তী ' শিয়সি শশিকলাণ চাষ্তৈঃ প্লাৰ-

यष्ठ॰ (मरु॰ (मरवा मधानः शुनिमाजू वर भाषावाश अनवारि वाम (ग्र । जम्र बनार अइनिष्कः। ইত্যাগমভত্ত্ববিশাস:।। মৃত্রাতঃ ত্রি মৃতোদেশেনস্থাতঃ। ্তৎপর্য্যাयः।অপস্থতঃ২।ইত্য भवः ॥ मृजम्फिन् क्उद्यात कत ।। সংস্কারাথ: স্থাপিতে মৃতে। ইতি সানী। ইতি তড়ী দাযা ভরতঃ॥ মূভলান ক্লী ম্ভোদেশেনলান । তৎপর্য্যায়:। অপস্নান ২ । ইতি (र्महन्मुः॥ भ् उद्यत्माङा भू शक्षिः। इंडिष्ट-महन्तुः ॥ মৃতানদ° লী তুত্থ°।ইতি শক-विमुका ॥ मृजानकः क्ली आहकी। इंडाप्रद्राः॥ गृिकः खी मद्रगः। इंडि एम्परमुः॥ मृदं जी मृक्तिका। इंडामद्रः॥ जूनकी । ইতি রাজনিঘণ্টঃ।। म् कतः भः षस्कातः। इं जि কাওশেষ: ॥ न्८का मा निवादः। इंडि जि কাও:শয়ঃ ॥ म् किता औ सर्विती। घृत् विगा इंडि

ভাষা। ইতি ত্রিকাণ্ডশেষ:॥ विभारा कल्लजालः भिय॰ वः ॥ न् थालिनी स्त्री वर्षकवाव्यः। इंडि भष्ठिमुका॥ काय कृषाय नमः। इंडातन भूषः मृंबान क्री आएकी। ईंडि भंगः ब्रङ्गावनी ॥ म्खानक क्ली ज्वित्रका। ज्वित्रक-লায ইতি অডর ইতিচ খ্যাব্তং! . इञ्जामब्रोकायाः खन्न उः ॥ स्त्रोत्राः क्षेत्र जिना। इंडि ब्राकनियंगः॥ মৃত্তিকা জী তুবরী। ইতি রাজ-निर्घर्षः ॥ मृट् । नाष्टी इंडि डावां । इंडामद्रः। उट्मर्गायः। मृना २ मृखि: २। ই डि ভর उ: ॥ त्रानकार्य मृज्जिकात्मभन विधि यंथा । मृहा शुक्रामा विक्छ घाउता नाउ ন্তথোপরি। অধশ্চ তিসৃতিঃ কার্য यिः भारती जरेशव है।। केरिक जि म्जिफानि रुखाया विक मृजिकाः । शुक्राना काय श्खो ह वि ताह-नर्यथा विवि १ ७ ३: अंभार्जन क्द्रा भृष्टाया जिम खदर ।। अपः ক্রান্তেরথকাতে বিফুকান্তে বসুন্ধরে । উक्ष अति वदार्ह्म कृष्यनानिः ত বাহুনা।। মৃত্তিকে হর মে পাপ। यभागा भूई मिक्छ । भू खिल तुक्क मंखां म भूकया ह श्रुव है। मृखिः কে ত্বাঞ্চ গৃহামি কাশ্যপেনাভি-

নজিতা। মৃত্তিকে জহি মে পাপণ यमया मुझ्छ क्छ ।। प्या श्उन भाभिन वुक्तलाकः वुजामाइः । ্ ইতি বহি পুরাণ।। 🗱।। শৌচার্থ মৃত্তিকা গুহণ বিধি যথা। আহ্ত্য मृजिका॰ क्लाह्मिन गृक्षानकर्गः। वर्गाप्रजिमुं उः भोठ विशृष्क य-ष्टापरिकः॥ नारुद्रिः मृखिकाः तिनुः भाः मूनामह कर्मभाए। नभा-्रशासायत्राट्याहोठ मिश्राः भत-**স্যুচ॥ নদেবায়ন্তনাৎ কৃপাৎগেহা** ় মচ লগাৰথা। উপস্পানৰতো নি ত্য পুর্বোক্তেন বিধানত: ॥ ইতি , কৌর্মে উপব্লিভাগে ১২ অধ্যায়:।। छम्। शतिका मनित्रभाष पुरेवा।। म् एकनी जी माधीयथः। इं छ हाताः वनी ॥

मृञ्रः भ् यनः। ইতি ह्महन्तः॥
कःमः। यथा। भुज्रमं मृज्रतः भू
धान (साहत्य क्नानिसाः। मृज।
स्म यदि कात्यवन मृज्र वी न मित्यः
छ हिष्ण। ইতি জীভাগবতে ১০ ক
क्ति अध्रायः॥

मृजुः जि शुगिविरयागः। छ० ११ र्यु। यः । १४ १४ छ। २ का नवर्षाः ० पि द्वासः ६ शून्यः ६ ष्य छ। यः ७ यसः १ नाषः ৮ मद्रगः २ निवनः २०।

**इंडामद्रः ॥ भक्षद्धः १५ मृद्धः** मृजिः ১०। ইতি उष्टोकायाः द्राः नाथः ॥ मृजु >८ रेनवन २० । इर **७ डोका मात्रमृन्स्त्री ॥ म**न्द्रा ३ कालः ११ भन्नाकगमः १४ मी। निमा १२ निमीलन २० व्यक्त ३ অবসান ২২। ইতি হেমচন্দু:। ভূমিলাভ: ২৩ নিপাত: ২৪ বিলব: ২৫ আভ্যবিক ২৬। ইতি শব্রত্ন वनी।। म जू वृक्ताना खराजा काउः । यथा। भागु र्घनम् । भिज्मा भन्निः भाकन्य नात्रम् । हि॰ माया नियः रि म्र्जिं। निवयमा छम् म्राज्या हिर भेजागदाउ २ ऋ दक्त ৫ वाथाय: II कन्नाष्ट्रत ভ्याट भाषायाः बाजः যথা। হি•সা ভার্য্যা ত্র্থম্মস্য তথাে। र्जाङ उथान्छ । कन्। ह निकृष्ठि স্তাভ্যা· ভ্য· নরক মেব চ II সাধা ठ (वहना टेठव निथून जिल्ल (मल्टायाः) । ভगाड्सछ १९ रेव माया मृज्रुः ভ্তাপহারিণ ৷৷ বেদনা চ সুতঞ্চা-शि , मृःथ• ङ छ छ । दो द्रवा**८ । ಈ ।** व्यम्ताभन्तामि यथा। गूर्जा वंत्रि ৰ্জনা শোক তৃষ্ণা ক্রোখাশ্চ জব্জিনে । দুংখোত্তরা: মৃতঃ ছেতে সর্বে চা-थ्यं नक्षाः ॥ तेयाः ভार्याखि भूषा वा मर्खिए कुष्व्रिवनः।

र्थंडि\*ह उथा हान्या म्राउत र्छार्यंता । वन् मत्न ॥ व्यवस्थी नाम उन्याक रुद्धाः नुवा महत्र्म ।

্চকা হেতে মৃত্যে রাদেশ কারি-ः॥ विनाम काल ह नदान् छन ख्या**ळ मृ**गृष्ठ जान्। इन्द्रिययू मणः ষেতে তথা মনসি চ স্থিতা:।। ষে स्य नतः खियः वाशि विषय याख-যন্তি চ। তথেন্দ্রিয়াণি চাকন্য রাগ रमाञारिकि नंद्रान् ॥ रमावयस्थिकः था शानि याडि पर्यापि छि विका অহকার গভা শানে তথানে বৃদ্ধি ল ছিতা: ।। বিনাশায় নক্ন জীণাণ यज्ञा भाक्ष मः भूगाः । अव द्य-र्ध्याप्रभाः मर्खि हानि खरहताः ॥ इंडि मार्क्ए अभूदात पूरमंशान् नामनः नामाध्यायः ॥ विकृभूत्राल लुथरम-रम मक्षरमाध्यायम्ह ॥ 🗱 ॥ মৃত্যু জ্ঞাপকারিষ্টানি যথা। দত্তা-खिय উवाह । श्राविश्वानि मङ्ग्राह्म শূণু বক্ষ্যামি তানি তে। যেষা মা-শাকনামৃত্যু নিজ জানাতি যো विष् ॥ (स्वमार्गः भुतः भूकः माग ्या मक्कजी॰। या न भाषा मङी-द्र म नद्रः मःवरमद्रारभद्गः॥ अ-শ্মি বিশ্ব সূর্য্যস্য বহিইঞ্চবা শুনা-<sup>जन• । म्</sup>रिष्ट्रेकाम**ण नारम**ञ्जा नद्मा

নোদ্ধ • স भীবতি ॥ বাস্ত্যা भूतीय वा जुवर्ग ब्रब्ब उ॰ उथा। भू-ত্যক্ষ মথবা স্বপ্নে জীবিত দশমা-मिक ॥ पृष्ठी (भुज शिमाहाभीन् ग-क्षर्व नगद्राणि ह । मृवर्ग वर्गान् क्-कां क नवमानान् न बीविज ॥ खु नः क्नः क्नः ख्राना रग १कमा-रित कागरछ । शुक्रिक निवर्खंड जनायू कार्ड मानिक ।। थ्ख यम् नमः भार्क्याः भारमार्ग् २थवा खरवट् । भाग्म् कर्ममया मास्त्र मक्ष मानान् न कीविक ॥ कर्णाठ गृष् कारकाना वायरमा वाशि मूर्वान ! कर्यासा वा थरमा नीनः यथामागृः **शुमर्भकः** ॥ इन्राउ काकशङ्कीि : शाःम् वर्षि वा भूनः। यहायाकान्। था मृद्धा नक मानान् न जीवि ॥ व्यनाजु विमूर्ड मृष्ट्री मिक्किशा मिन्न-माण्डा॰। भगमीनम् धन् ही शि की-বিত দি ত্রি মাসিক।। ঘৃতে তৈলে उथामार्म (डाय्य वा हाजान छन्। यः शामाप्रमित्रकाः वा गामापक् न कीविं ।। यम् वस मागा गान्। গাত্রে শব সমোপি বা। তস্যার্দ্ধ গা সিক জেণ যোগিনো নূপ জীবিত ॥ यम्। वि मां नावेषा इत्शाम नवण्याज। शिवजण जल । भारमा

ममारः मानि बीविधा उद्धिका याक्रा यम्। मर्ग्यश्नानि क्ष्रि । न इराजास् मः न्यानातमः मृत् कः शक्रिः ॥ अक वानत्र युगाङ्ग गा-यन् त्या पक्तिभाः हिन्नः। ब्राश्च नु যাতি তস্যালি ন মৃত্যু: কাৰ মৃহতি ।। तक क्षायत्रवता नागडी इनडी **ह युः। एकिनाभाः नश्यवात्री स्**र त्मानि न कीविज ॥ न्यः क्रमाकः बाल इमगान अपून्य देव। अन वा वीका वन्तुष्ठः विराम्बा गुगाइष्ठः ।। जामस ह उनाम्यस निगन् नकः जागद्भ। सः श्र भाषा/खयाच्यानः मद्रः সদ্যে নিষ্তে সঃ॥ কেশাস্থারা॰ ख्या जम जूकन निर्ज्ञा नशी। দৃষ্টা ষপ্রে দশাহন্ত মৃত্য রেকাদশে इनि ॥ कहारेन विकरिः क्रिशः शूकः रिव कराजागृरेषः। भाषारेग छाডिङः स्रा म्हा म्ड्र मगान्यार ॥ जूर्य्यापराय यम्। निवा कानडी या-তি সন্মৃথ । বিপরী ত পরীত বা न नात्रा मृज्रु मृह्जि॥ यन्र दि जुक्तमार्जाण क्रयः भीष्णार क्या । জাযতে দন্ত সংঘর্য: স শতাগু র-अभय ।। मीलामि शक्त मा विखि ব্যত্যগ্নি তথা নিশি। নাজান প इत्बङ् वीक्ष उन म बीवि ॥ म

কাযুগঞার্জর - শর্মাণ তথা । म्झे मत्नु ज मन्नीन माचा की विज माज्यवान् ॥ नामिका वक्रजा मिछि कर्नाम नेमुखाम छी। त्यक वामः সুবতি বস্য তস্যাব্ কর্ত ।। আর-ক্ততা মেতি মুখ জিল্পা বাণি নিতা उथा। जमा भारका विवानी गाम् ज् भागम भाषानः॥ छेड्डे द्रामञ गानन यः बाश्व मिक्नाः मिनाः। भूगाजि उ विकानीवाद मान्। मृजुः नाद्रश्व া। পিষায় কণ নির্ঘোষ ন শ্ণোত্যা জা সম্ভব । নশ্যতে চক্ষুষে। জ্যোতি ৰ্যস্য সোপি ন জীবতি ॥ পততো यम् देव गाउँ याल बातः निधीगाउ । নচাৰিষ্ঠতি যা স্থাতদন্ত তস্য कीविछ ।। উজ্বতি मृष्टि नंद मण्यु िष्ठा ब्रक्ता भूनः मः পরিবর্তনান। । মুখন্য চোম্মা শিশিরা চ নাভিঃ শ॰সন্তি প্॰সা মপর॰ শরীর॰।। স্বংশ্ন প্রি• প্রিশেঅস্ত নচ নিষ্কুনতে ন-तः। कलभूर्यमामिया उम्छ उन्। शिविज ॥ य काजिहनार**उ** मेर्ड र्ं रे. त्राजावाथा निवा । त्र मृज्रु • সপ্তরাত্রান্তা পুনানাপ্রাত্যসংশ-यः॥ सर्य गमणः मृतः तकः भणाः ত্যথো ভাসত । বং পুনান্ মৃত্যু মা পন্ন ভস্যাগি হি বিনিদ্দিশেৎ।।

ৰভাব বৈপরীত্যন্ত পুক্তেন্ড বিপ-र्यातः। कथ्वित्र नन्यागाः ननामाधी ধনান্তকৌ।। যেষা॰ বিনীতঃ সতত॰ যস্প্রাতনা নতা:। তানেব বোব জানাতি ভানেব চ বিনিন্দ্তি॥ দে वडा नाहरयह्कान् खक्न विशा क নিন্দ্তি। মাতা পিত্রো রস্থকার কানাতৃণা॰ করে।তি यः॥ (যাগিনা॰ জ্ঞান বিদুষা মনে/যাঞ্চ নহাত্মনা। প্ৰাপ্তান্তকাল: পুৰুষ স্তদ্ধিজ্ঞেয় বি-চক্ষণৈ: ৷৷ যোগিন৷ সভত যত্নাদ-রিষ্টান্যবনীপতে। সংবৎসরাম্ভ **স্ত** क्: उद्धन कनमानि पिवानि में।। वि-लाक्रानि महा हित क्लशह्लिष् छी-ক্যা। ইতি মাক্তেবপরাণে অল-क्लिभार्थानः॥ #॥ कर्यादित्सवाग्-ত্যুবিশেৰো যথা। যেনান্তানি নো-জানি প্রীতিভেদঃ কৃতো ন চ। আ-স্তিক: শুৰুধানশ্চ স স্থ মৃত্যু মৃছ जि॥ आगात्रमाहिता मारु क्व ठानमनायिनः । भाश्रवस्ति नदाः কালে ভিমান্ মৃত্যাবুপস্থিতে॥ দেব বান্ধণ প্জাধা॰ ধেরতা শচানস্থবঃ। শুক্ষাবদান্যা ত্রীমন্ত তে নরা: সুথ মৃ ত্যব:।। শোন কানায়স রস্তান্তর-याट वर्षा मट्म्राङ्ग । यथाङकाती भागान म जूयः नृकु मृहिता भी

ख विषडी सन्दा खान का कि का वि-नः। भागन्नी व्यवनाः कष्टाः य हात्न ছেৰকাব্নিং । মো**হাজ্ঞান** প্ৰা-তার: পালু বন্ধি মহন্তমাণ। কুটসা-की म्यावामी यण्ठा नमनू नाखि वै।। **डि मार् म्** अतः मर्खि उथान्। विस निम्हकाः । इंडि मार्क्एवर्यभूत्रात পিতা পুত্র সংগদ:॥ 🛊 ॥ মৃত্যুকাল कर्खन्। कृष्कस्व तथ भागिक छ॰ यथा । वर्षि कृ पुक्रञ्चाः हिः मकानाक भिष्उः। कार्याभागः मगुरम्बा म् ত্যকালে পুন্চ্যতে ॥ অহি সকা-नाः कृष्ााः वस मञ्चा भुतः । পাুয়া ক্রিড মৃত্যুকালে ক্রিড পদ্ম যোনিনা।। ইতি বুন্ধবৈবর্ত্তে 🖺 কৃষণ क्रमथा १ व्यवतायः ॥ १ ॥ मृज्रु-अभार्य शक्रागमन भावनाहकः यथा। অহো সগরবংশেভ্যো নির্বাণ মুক্তি मायिनी। देव अर्थेण मिना॰ मार्ग (मा-পানৰপিণী বরা ৷৷ অতোপি মৃত্যু-সমযে সভা॰ পুণ্য স্বৰূপিণা। আ-(न) शासी ह विन्या गृत्थ (डाय॰) भुनीयाउ ॥ भन्ना (माभान माक्श् সম্ভো যান্তি মমালয় । ইতি তবৈব ८८ जन्यानः ॥ ॐ॥ जन्मन्जा• मृ-ভোরপরিছার্যাসু• प्रथा। মৃত্যু র্জ यवञाः वीत (पर्टन) मह जाया**छ।** 

অদ্য বাদ শতান্তে বা মৃত্যু বৈ প্রা-ণিনা॰ ধুর:।। ইতি শ্রীভাগবতে ১০ क्र (क्ष ) व्यद्यायः ॥ व्यभित्र । काउम्र হি প্রবো মৃত্যু প্রবে জন্ম মৃতস্য চ। , छमामभित्रिकार्या १ १९५ नषु • (मा-চিত্ মর্হসি ॥ ইতি শ্রীভগবদ্গীতা ।। 🗱 ॥ অকালনৃত্যুপুশমন স্তোত্র-यथा। मृङ्घेवाह। खातः खर मः-भूवक्रामि मार्काश्वरम ভाषिउ। নার্যেণ সহসাক্ষণ পদ্মনাভণ পুরা-তন ৷৷ পুণভোমি ছ্ৰীকেশ কি নে মৃত্যু: করিষ্যতি । ১। গোবিন্দ পু ७ बीका क्र मनल मल मवाय॰ ॥ किनविक भुभाषाचि कि य गृज्रुः করিষ্যতি ।২। বাসুদেব জগদ্মে। नि॰ ভान्मस मजीन्युय॰ ॥ नारमानद्र॰ পুপমোমি কি মে মৃত্যু: করিষ্যতি । ৩। শহ্ব চক্ৰধর দেব ছদ্মৰ পিণ भवायः ॥ व्याक्षकः भूभामान्य কি॰ মে মৃত্যুঃ করিষ্যতি। ৪। বারা-হ বামন বিষ্ণু নারসি হ জনা र्मन ।। भाषवक भुभावामि कि भ নৃত্যু: করিষ্যাত। ৫। পুরুষণ পুষরণ সুণ্য ক্ষেত্ৰ বীদ্ধ জগৎপতি ॥ লোকনাথ পুপলোমি কিংনে মৃত্যু: করিষ্যতি ৷ ভা সহসুশীর্ষ নেবেশ व्यक्ताव्यक्त•्त्रनाजन•॥ नहार्याग•

भुभाषायि किया मृजुः कतिवाहि । १। ভ্তামান भश्यान यक যোনি মজোনিজা ।৷ বিশ্বৰূপণ পূপ सामि कि॰ त मृज्रः कतियावि । ৮। ইত্যুদীরিত নাকর্ণ্য স্তোক্র তস্য নহাত্মন:। অপষাত ভাগে म्जू। विकृष्रेजः भुनी फिजः ॥ इंजि তেন জিতো মৃত্যু মার্কণ্ডেযেন ধীম-ত।। भुमाम भृखदीकाष्क्र नृमि एह नासि मूर्लं छ॰ ॥ मृद्युष्टेक निमः भूगुः মৃত্যু পুশমন শুভা। মাকণ্ডেয ছি-তাৰ্থায় স্বয়• বিষ্ণু ক্ৰবাচ হ।। য় ইদ• পঠিতি স্তোত্রণ ত্রিকালণ নিযতঃ শৃ-চিঃ। নাকালে তস্য মৃত্যুঃ স্যান্ত্র-স্যাচ্যুতচেত্রস:।। ক্ৎপদ্ম সংখ্য পূर्कार भुतार नात्रायर माथ्य मा-मिरमव॰ विविध्य সূর্য্যাদভিরাজ **মা**-ন•মূত্যু• স যোগী জিতবা•স্তদৈব।। इेंडि गाक्ए २०४ व्यथायः॥ 🗱 ॥ **म्** ७क्यं भु जिवन्नक मृ जुरमारया गा यथा। जारि अ (जीमत्या नैनता जुन শুক্র শশাক্ষবোঃ। বুধে জয়া গুরৌ রিক্তা শনৌ পূর্ণা চ মৃত্যুদা।। অপিচ । त्रवािम मिवरें मुंका विणाथािम চতুশ্চতুঃ। উৎপাটা মৃত্যবঃ কালা অমৃতানি যথা ক্রমণ ৷৷ ইতি জ্যো: তিস্তত্ত্ব ॥

তুর্ঞ্জবঃ পু॰ শিবঃ। ইত্যমর:॥ **उद्याग कांत्रग॰ यथा। স्य**क्क खेवाठ। भिरवा नीता निर्शंत हिंद शिक्रिक भाकृष्ड नाय ॥ कथ॰ उर खात्रा नाम মৃত্যুঞ্জय ইতি শুতৌ। সূত भा उवाह। वृक्षा श्ख मृज्रकन्रा भुगष्ठे। कल विम्मूव । मः रखीं मः र्ज्याकानाः वुकानीनाः नदारिश ॥ किंछिषा मृजुर कन्रानाः वुक्ताः (कारित्ना नस्य । कात्नन नीनः मञ्जूक मज्बली ह निर्श्य ॥ मृ-ত্যুকন্যা জিতা শখ্ শিবেন ও ৰণা মম। ন মৃত্যুনা জিতঃ শস্তুঃ कल्ल कल्ल मु. को मु. छ॰ ।। ইতি वृक्ष বৈবর্ত্তে পুক্তিখণ্ডে ৫১ অ্ধ্যাশঃ ॥ 🛊 ॥ রোগশান্ত্যর্থ তস্য পূজা विधि यंथा । मृज्रुक्षयः नमान् इर लिक् वि चूरान यतः। तागार्खा मूह्य द्वागाव्यका मूह्य वक्क नाए॥ गञ्च मः भू बारय छ क ता निक् न्जुऽक्षया**ज्यिः। यामानि ज्**नामः ভক্তা কি করিষ্যতি চাম্য: ॥ जगु भूका विधि व्यक्तु भूगू मूट পুাণবল্পভে। জাতিভেদে মৃত্তিকা স্ত গৃহীত্বাশীতি তোলক।।। नि चाय भार्थिवः विकः काः माधात निरवणरय् । भोतानिरकन मस्यन

अर्याह गठेन वृषः॥ नागराट भधः গব্যেন পুত্যেকস্যাই তোলক । ৰ ষ মজৈক পুভেত্তক দুবেৰণ স্থাপ-(य८ जुषी: ॥ द्राग क्रय कामनया नाम (गांजारि भूर्वकः। उनिविष्ण ॥ সনে বিপ্ৰে। ধৃত্বা ধৌতে চ বাসসী।। क्षाक भाषा॰ कर्छ रेव ध्वा ज्य ত্রিপুণ্ডক । উপচার বোডশক (एय- ज्रुड़ा भूषङ्ग् ॥ जूवर्गम्। সন দেয় তথৈবা ভরণানি চা বস্ত্র युग्रा॰ भुषम् । जू निव्ययः यथा छ-(वर् ॥ मधुभक्तं कांग्र भावः म-দ্যান্ডোজন যোগ্যক । বিশ্বপত্র **সহসুঞ্চ অভগ্ন•** विनिद्यहरयथः ॥ এ**व•** मः প্রা লিক্কৈ জপের স্ত্রণ দ্বিস-र्मुकः। ততো (रामः भुक्रांग्रह पः किना नुकार म्हर । जूवर्न वा **उ**न्दर्भः दा (मिव विख्व गान्छः। थ-क्रीनान कर्जवरा भूका ठाकलाना यउः ॥ এकविञ्च अभावाष्ठ क्व अज्ञानः न्याक यूर्ण। उद्यक्तनः न ज्ञाज परि कलो जःथा ठउछना ॥ जामुनाव তুস স্থাপ্য অশীতি ভোলক জল• । তব্জেলেনৈব দেবেশি ক্রশৈ: সংমা-र्का द्वारियः ॥ किस्त्रम्तीशः निशा-याक मञ्ज मूठार्यं गामेक । अव वि-वि विधानन भूषायग्रीम जिन्नकः ॥

यान्शान्यदर्मात्यां नाम त्मि म (यानिकः। नात्सन भूषिया ह ल-ভতে বাঞ্চিত ফল ॥ অঙ্গ ব্য जिक्रानरेगव वृथा **जवि** वायना । (तानी भूग्राह) जिल्हा (जानीव म्ट्या खो भूग अम् किना। काकी क्ष्रुका ज्ञिष्ठः ॥ यपि मन्न्रहरम छ ক্তি স্তদ। মুক্তো ভবেনর: । ইতি मृजुः अगञ्जः ॥

নৃত্যুনাশক: পু: পারদ:। ইতি রাজনিঘণ্ট: ॥ মরণহারকে ত্রি ॥ म्ठाभ्यः भ् इक्ः। इंडि अञ् माना।।

মৃত্যুফল: পু॰ মহাকালফল•। ইতি विषिनी ॥

न्ज्रकना जी करनी। इंजि मिरिनी मृज्। जङ्गतकः पु॰ राज्ञगका वावावनीय शर्रेश । गथा। जदक्ट (भुजभर्रे रा गृज् क्रिक्ट मः। ই**जि जि** কাও:শৰ:॥

ন্ত্যভূত্য: পু• রোগ:।ইতিরাজ ियकः॥

मृञ्रावकानः भु ामिवः॥ विवृत्कः॥ मुख्याकः। इंजि (मिनी।।

নৃভ্যবীলঃ পু• ব•শঃ।ইতি ত্রিকাণ্ড-শেষঃ॥

ল্ভ্রন্তিঃ খ্রী কর্ন্নী। ন্ভ্রবে স্তি: शुभादा दर्भाः मा। यथा। यथा

ग्रह्म

কন্নটকী গৰ্ভ্ত মাধ্যক্ত মৃত্য মাজ্য-नः। ইতি মহা ভারতেবিরাটপর।। म्थमा जी भूगरम् विका। ইত্য नवः ॥

ইত্যমর: 11

र्९ या जा खकः श्रु॰ जा खिता मयः। उৎ পर्यायः। मूछिकार। इंछि वि-কাওশেব:॥

म्र १ कृति। इंडि कविक्यूक्रमः॥ न मृनां व समर्ग। क्कृषि ह्नी क्वराना इेजि पूर्गामागः ॥

मृष् जी मृं । मृखिका। इंडामद्रः ॥ म्म्बूदः भू श्रातीजभागी। इंजि (र्महन्तुः॥

म्हदः भू भ्रनाम्थ्याज्याम्यः। छट् भर्गायः । गृतकः २। इंडामतः ॥ পটरः ॥ वायः । ইতি মেদিনী ॥ य•भः। ইতি শ্रনালা।। #।। ष्यथ मृतकाति विवद्गाः। सम्बन्धः चाप्तिः (मुर्छ। श्रीतः म्राप्त्न) मा-ক্ত জঃ। রক্ত চন্দ্রজা বাদ্যো গভী त वृनि कहरेकः॥ जार्ष इंड भूमा-ণস্ত দৈঘ্য মৃস্য বিশ্বীষতে ৷ ত্রয়ো র-শাস্ত্ৰ বান নথবা দ্বশোক্ষৰ ।। দক্ষিণক্ষ ভবেদ্ধীন নেকেনাদ্ধা-क्लन वा। क्रानिक वहरन, मर्द्र

रेह्य भृथु र्लवर ॥ वधानीत्माः (वश्व अहम् कद्रग॰ मङ॰ । भृत्वि का निर्मि जेटे कर मृत्यः श्राकी खिंउः ॥ भा उरय थ्यलं वान्। वान्ना-র্থঞ্চ নদলে। বিভৃতি গৈরিক ভক্ত (कन्तृत्कत ह मःयुक्तः।। यहा हिलीहे कः (एयः कीवनी नयः मिन्नुकः। नार्व (মকৃত্র পিইন্তলেশং শ্রেলি কচ্যতে ॥ वामारमः भूबिकाः कृषा त्वभः ष्माह प्रकारका अवः गण्यकः (शाकः अतं न्युरम्भावस्यामञः॥ वामा मध्यास नामामा मर्बः वामा क भाज्य । अवस्य वीषकारि मन न का अनुन विदुः ॥ 🕸 ॥ उदि ধোতে মিতি জ্ঞো: পাঢবর্ণা মৃদ व्यकाः। (था॰ ५॰ ८७॰ विक्रिते खर्की-তাক দ দ পথাগ ধিধি।। খ মধি। ন গট দ পাষ্ট পাটা মতা অনী। তথি থো চে তক্ক ধী দো দ দ ধিগণা• ভত্ত• ভবি।। ভক্ক ত• ধ• ধি দো॰ তাধি পাঢখণ্ডে ব্য- কনঃ। #। তথাচ যতিনানে পাচথণ্ড:। দুগ তথেকা॰ দুগতথেকা॰ ধাে ধাে ধিক-তা ধিকা থোজা থোজা তক ততা ধিকা থোতা দুগ ততা ধি ধি ধিধি ক্ত ভাক্ত নাথোধিক থোজা পো-ভারুণ ভতাগুণত তাদুণত তাধি।

ইতি যতিয়ানে পাঢ়খণ্ড:ৌট্ 🐙 🗓 यकि (द्वाराधान) वरहारा गंजरता के-পক ধ্রা। গলপঃ সারিগোণী ह नामक कथिङ उथा। भुरुद्रभ वृ-न्तनक भूवमा बादम मृजाः॥ यथा। দ' থাত ইত্যেক তাল্যা• যতিঃ।#া ওচবাদ্য যথান দা তথো তবিক **जिंदिक पर प्यापर पा (थावि (थावि** তত্ত ভত্তপাবিথ বিদিশ্যাণ দিশ্যাণ ठेछ्रे निक छेठ्रे निक छम छेक छम छेक খবটুৰ খবটন ডেন্সি মাল ভাৰী निश का का मा मा में मी मिलके अं ७थ।। इत्क्राक्वान्त्रः ॥ श्राः व्यवहार वाम् । तथा । म॰ थाउः म॰ थाउः ৰিক্লি বিক্লি দিগণ দ পাড়া ইড্য-वाह्रवानुः ॥ 🗱 ॥ शब्द वानुः यथा। (थाक हिन्छ सन्छ हिन् एफ গথাে গথ়ােক টেক্ক থােগভকি ধিক **ं** कि शिक छोड़न शि शि को छक থোক ভধিকট ভক্কক তথোগ ভদ্দী । ইত্যেকতাল্যাঃ, গলরঃ ॥ 🗰 ॥ क्शक वामु यथा। उक्षक् उक-ধিক্ল থবিতকি থবিতক্লি ধিক্ল দ• था ७:। इंडि क्পक्रवाम् ।। 🗯 ॥ ধ্রুবক বাদ্য যথা। তত্ত্ব তত্ত্বট ধিক্ **थिक्कु । इंजि निमात्रीजात्म धुतकः** ॥ # ॥ गणात्रा यथा। उधिक धिक

छक उधि भनग थ। थ। (ह उथा ॥ ঢেঞা । ইত্যেকভাল্যা• গ**লপ:** ॥ # ॥ जाबिरगानी यथा। (थाकः টেঞ ভক্ব ধিক্ব ভকধিক্ ভকথো হুট-'ব্ৰন হটব্ৰন থোগত্ন থো:। ইতি পু-थगथ ७: ।। 🚓 ।। दिक त्याः वि त्या हः किंक हिन एक जनमङ्ग विक जिन দত্ত দুং প্ৰাদঃ গথে। গথোক তক তক र्विक स्विक् ज्या (एक व्याप्टिक शरी त्राम (थाग्रगन (थांग (थार्ट ले क्रीसः (थाइकेंका इंजान) इन्तरः। इंडिमानिशानी।। 🗱 ।। नारमा यथा। দাণ কার ত্রিত্যণ পূর্বণ দাণ ধি গিতি ভত জ্বৰু ৷ দা- দা- ধিক উৰ্থ ব্ৰ इंडि नारः भागी लियः ॥ इंडि नारः १। अ। का अर्थ मान भगातका भूका क्षे विनिर्धिङ । मध्य अयः वाहाः कथिष्ठ• छिन्दिहाहरूछ ॥ # ॥ यङ नानदार भुविवाल यथा। ठउठ ভত্তত তক্তি তক্তি দিদ প্রিগনখো विगनत्थ। विक क्षिक् विक विक विक निग नगिम (था (था वि वि वि: मा मा विकृ (था (था (था रुखा रुनिक থে। নঞিথো থোহ থোহ ডেটি ডেচি থোহ থোহ তটি তটি তটুক গী গী ধাগ ধাগ ডত তথে তত ভবে ভতত গিড়ী ঞড়ী থোগ থো

গ থো থোগগ থোগথো তওঁ । ইতি সপ্তপদান্যাত্ঃ কথিত দ্য পণ্ডিভা:। পুভিভালেন ভা न शाहवर्ग ममामछः ॥ शक्कवं जिना भृद गूर्यणी नाम। नर्ज्यः मुश्या तिलनार्थक कथिए नुका क्षा भा। भुइत्रगः यथा। रव গহা উদ্দিকা থান কট গগোঁ ं (थाग सिक्सिक शिक् शिक्र विकरिक) ्रिक्डान्ती॰ श्रह्मण<sup>े</sup>। क्षा व मं विग्वार्टिक स्थिन इन्सन छ। शम्राउ । यथा । उक्तिथा मि (हेक उमः। इंडि इन्हनः॥ 🗱 मर्पन खर्वारमाक्न वामगरः खारमाञ्च रिक्रिग्र्थः। मूत्रकः डोरणाक्त वामम्थः मधरणाकृ मिष्मिन्युथः नर्मन नुत्रक्राय। त (७४:। इंडि मक्री उरास्मारतः। म्रक्षणः भू भनमत्कः। इ मद्रुष्ट्रावली ॥ मृरक्षणिनी जी कावाउकी। है। त्राक्षियिषः॥ म्रकी जी वाषाजकी। व्यञ्खाः ইতি ভাষা। ইতি রহুমালা॥ म्मा जी मृखिका। ইতি दिवशकाय म्हाकतः भू वजु । इंडि नक्षा म्बिछः जि ह्नी क्षः। इंडि म्ब

भारताः कर्मान क्रिश्रहारयननिष्ठमः।। हिनी खी भुणसम्बिका। इति भारतिनुका।।

्रः তি অতীক্ষঃ॥কোমল:। ইত্য মর:॥ গৃহকন্যাযা• জী। ইতি রা- ॥ জনির্ঘন্ট:॥

एर्क्कायम॰ क्री भीवक॰। ইভিবান निर्वन्धः॥

पूर्वातः श्र विज्ञान्त्राचा न्निमित्ताः द्विवजी नक्षजाति। यथा। किजा बिः जन्मास्त्र जन्मून्ताः। इति ब्ला-जिस्रवृः॥

पृगममा जी रंगी। ই उदाक विकेश ।। मन्द्रगममाञ्ची हा। पृग्मी पू॰ ज्र्जंग्कः। ই जित्राञ्च-निर्घणेः।। कामन द्विनिष्टे कि॥ प्रह्मः पू॰ ज्रुजंग्कः। ই जिल्हेन हन्पुः॥ गितिक्रभीनृत्कः। ই जिल्हेन कंदाथतः॥ स्कूत्रकः॥ श्रीजानः। ই जित्राक्षनिर्घणेः॥

्ष्ठा खी मृष्य । म्राजायः। ইতি
वऽाकत्र ।।

रिवानः शः श्रीवानग्रः! इति त्राकि निर्यक्तेः॥ (काममवानम्ह ॥ प्रक्रे ) शः जुर्ब्धत्रमः। इव्यमतः॥ प्रक्रः ) मृत्य खुद्धा ९म्य मृत्यु इ हाउः। जुर्ब्धाथ जुर्ब्धश्रवः म्यार अपूर्वक् भजभू झकः। ইতি काका खत्र नििंग् निष्टा जारस नभू मके द ह भक्ति जारस दहा भक्ति व विग्रास मृद्दा १ महाभि । ज् ब्हा जिल्ला यस्भाति वस्द्रहा मृद् दहा । ইতি सामी । ইত্যমন্ত্রী কা-धार जेंग्रेडः।।

মৃদুধক প্লী স্বৰ্ণ।ইভি শব্দলিক। মৃদুপরা পূঁ নগা:।ইভি রাজনিকট: ।। কোমলপর্ণে শ্লী।ভদিভি তি 1। মৃদুপত্রী জী চিল্লীশাক ।ইভি রাজ

मृष्णवीतः श्रुष्ट (तवः । ইতি রাজनिर्याणः।।(कामनभर्गविश्विष्ट वि।।
मृष्श्रञ्जः भ्रुष्ण जिम्मृष्णः। ই उ तञ्जमाना।। (कामनञ्जम्मृष्ट वि।।
मृष्यः भ्रुष्ट । विकत्व वः।। मश्रानिक्रिकः ।। विकत्व व्यक्तः । ই उ
त्राजनिर्यणः।। विकत्व व्यक्तः । ই उ
त्राजनिर्यणः।।(कामनक्त्व वि वि।।
मृष्यः क्री जनः। ই उ भर् निष्का।।
क्रिम्यः क्री जनः। ই उ भर् निष्का।।

मृत्वामकः भू॰ ममकः। ইভি एक्स-हन्दुः॥ कामनात्रामितिमाछे जि॥ सृत्यभनः ज्ञी नीनभद्मः। ইভि मदः हन्द्रिका ॥ गृहः भू॰ मट्मुएडमः। ইভিস॰किछ-नात्राभाषित् जिः॥ मृक्ष्मः ही दक् । ই जि एक् महण्यः ॥

का स्वा की का स्वामान । ই जि मूक्षः

का स्वा की का स्वामान । ই जि मूक्षः

का स्वा शिव महण्या । व्यान । महाः

भूवी शिव महण्या । व्यान महण्या । भारतः मिल किया । भारतः महण्या । भारतः मिल किया । भारतः महण्या । भारतः महण्या । भारतः क्रम्य । किया महण्या । विद्या महण्या ।

् ो यक्षः। इञ्जादः॥ - म्या। इञ्जादित्रामाद

ন্নকঃ পুং পাষাণঃ। ইতি ত্রিকাঞ্জ-শেষঃ॥

मृभ भ छ मृभि। ই छ कि विदेश हमः ॥ भ मृभि छ यमाकी ८ यमाकी ८ यम्क ८ । मृभि ই ७ छालवाहरमात दिशि क्रिश्राउन यमिरिट्ठार्थद्वार स्थान भूगिधान-स्थ यमार्थः। स्थान्त । भन्नामृभ्य स्व करंडन भागिना उपीय नक्ष स्विम द्रुगांकिन । ইनि त्रयः ॥ भुगिधान । त्रामभुवारम वाम्मव स्वापः कनाभवाषः मनरत्रन्य मृज्ः । किक्योनि करिः॥ विमम्भ भन्ना-नर्मः । मृषि ইनि मूर्कनाष्ट्रभाग्ना रहणः। जर्कि करिमवार्थः मान् । ইनि पूर्णापामः॥

म्य छ क कार्छ। ই छ कविकन्नम्य छ के किनः।। मूर्छन्ति। श्रिशी।
के मृयछ मृयछ ।
हे छ पूर्वामानः॥

মূষ উ সেচনে। ইতি কবিকল্পন্ন ।।
উ মৰ্ষিত্বা মৃষ্ট্বা। ইতি দুৰ্গাদাস: ।।
মূষ ক ক্ষান্তো। ইতি কবিকল্পন্ন ।।
ক মৰ্ষ্বিত। অয় মাজ্যনেপদীত্যেকে। ইতি দুৰ্গাদাস: ।।

ন্ব এ ড উ কান্তো। ইতি কবিকল্পন্য। এ নবতি নবতে। ড নবতে। উ নবিত্ব। মৃষ্ট্বা। অপি গুক্
নপরাধ নবতি ব্রাক্ষণানা নিতি
হলাযুধ:। ইতি দুর্গাদাস:।।

मृष य क कारो। इंठि कविन्द्र-क्रमः॥ य क मृष्ठि मृष्ठ न मर्थ । इंडि मृर्गामा मः॥

মূষ। ব্য় নিথ্যা। ইত্যমর:॥ যৃথা। ইতি ভটাকাসারসুন্দরী॥ म्बर्थकः की खंडाडामञ्ज्ञार्थवीकाः

। उट भर्यायः। खाइडः २ । इंडाः

मद्रः॥ (म खंडाडामञ्ज्ञार्थार्थकः इंह्र

म्यार्थः यट मर्ब्या न महेर्छ। यथा।

खंब वक्षाः मुर्खा यां छ अभू क्र कृष्यार्थः यट मर्ब्या न महेरछ। यथा।

खंब वक्षाः मुर्खा यां छ अभू कृष्ठ

रम्थदः । कृष्यः नाम छन्जानः मम्

मृक्ष धनर्कत हेरि। यावब्की व मरुः

रमोनी वृक्षमंत्री भिष्ठा मरम्

दिवः खन्य कि मिक्समंत्र। वक्षाः मृ

छन्यः थन् अव्यक्षान्य जानिक मिछि।

इंडि छन्न छः ॥

इंडि छन्न छः ॥

स्वाध्यायी मृ वकः। यथा। कर्त्वा-वरका वरकाष्ट्रेण जीर्थासवी व जान-मः। भीनघाजी स्वाध्यायी निष्ठ-वाक्ष्ण मास्त्रिकः। ইতি दाब-विर्म्वन्तेः॥

भ्वानकः भ् वामुत्कः। इति भदः विन्तुका ॥

र्यावामः भ् भिथावाकाः। छ८-भर्यायः। ठजेती २। इंडि क्रिन-ध्रतः॥

ग्यावाभी जि निष्ठावानकः। छ८शय्रायः । ग्रवाम् । इति नम्
भावा।। निष्ठाज्यिका ह।।

म्याम् । ज्ञी भिष्णावाकः । देखि म्यावाकः । देखि म्यावाकः । वि भिष्णावाकः । देखि न्यावाकः । वि न्यावाकः । विक न्यावाकः ।

মৃষ্ট: ত্রি শোধিত । ইত্যমর: ।।
মৃষ্টেকক: পু॰ বদান্য: ॥ মিস্টাশী ॥
অতিথিবিট্। ইতিমেদিনী ॥
মৃ গি বদে। ইতি কবিকল্লফন: ॥
গি মৃণাতি। মুর্ণ: । মূর্ত্তি: । ইতি

मि वि मश्। यामाक इंडि डाया। अड । मम। यामात्र इंडि डाया। अड यम् भक्ति हुशी यक्षित्रक्ति-नाड्या निम्नम्म। इंडि त्याक्त्रणः॥ भकः प् हामः। इंडि त्राक्ति-निर्मकः॥

(न्कनकन्रका जी नर्यमान्ती। इंड्र-

(मक्नार्का जी नर्मत्तनशी। यथा। (त्रावनम्बा भूर्वगक्। नर्माना (मक-वार्षिका। ইতি (इम्हन्मुः॥ मथना जी जीक्ट्रास्त्रग । हन्त-हात भार है छेता मि छोता। छट निर्यायः। काकी २ में छेकी उन्नेनी ৪ সার সন ৫। ইত্যমর্রা। কাঞ্চিঃ े जिल्ला १ । जीक्नेन की किंद्रार বন্ত্ৰণুছন•। ইতি স্বামী । কৈচিত্ৰ वक्यांडे ज्या का की प्रकार के ं यहिका। त्रममा रवाउन एउया क-नामः नेकिविश्निकः।। ইতি भेठेडि া ইহ ব্ভেদাৎ পর্য্যায়তা। ইতি क्रिज्ञ ॥ अज्ञामिनिवर्षान । ३७% गतः॥ भिक्ननिका। हर्यात्रक्षां रि। मुंडि मार्हे अर्थ डिनर्यास्य (को स्वर्सः । है ভ্যেকে ৷ ইভ্যুপি ভরত: 🍴 #॥ শৈ-े ब्रॅनिडयः। ই डि (बिनिनी ॥ नर्यना निरो । ইতি শক্রত্ববিলী ।। भूति ্পণী । ইভি রাজনির্ঘট: ॥ 🕸 ॥ উ-अनयनकारन शाजनीय मुक्त निर्मित ञ्च वरः। यथा। खरियनः नानवक भागांग्रं जिः भूपिक्न विवृत्त गुक्ष विस्थानाः शतिकाश्यम् भेजवर्गः वा চযতি। ইতি ভবদেবভটঃ ॥ অ পিচ। গোভিদ:। মুজ কাশ তা-न्त्रा द्रमनाः। मूक्षः नदः ठामृनः नन्छ छवः छात्रनी। द्रानन। (मर्थन। । তথা চ মনুঃ। মৌঞ্জী ত্রিবৃৎ সমা न्नः। कार्ये। विभूगः (मथना ।

के जियंत्र है भोदी या दिन्त जे । ने अंखिरी ॥ मूक्षाना कि कूँ के खें।।। পশাশাভক বদুলৈ। ত্রিবৃঠা গুলি নৈকেন ত্রিভিঃ পঞ্চভি রেব বা इंडिन का ब्राइडिन ।। व्यमहा गर्छा-हैं न एहें म वार्ष चेम् किल विशेष जः। पश्ची हरमश्ची जुंबी कृष्णिकन यात्रा गनिः॥ भोक्षी जित्र मेना लका कार्या विभुमा (मेथेना। (मे अं। जारव करनेवाङ गुं ज्ञितरकम्ह ত্রিভি:1৷ ইতি কৌর্ম্যে উপরিভাগে १) वाष्ट्रायः ॥ सः॥ (रामन्यखान-রি মৃদ্রটিত বেষ্টনবিশেবঃ। যথা। विनिष्ठभक्षद्रात्व । यावान् इत्थमः विखातः थननः जाविषयात्त्र। इ रिखरक (मथना खिट्या (वेसाधि नरः) नाकृषाः॥ ऋष्य दिरुखि जा छिया রস বৈদ গুণাঙ্গুলা:। চতু ইন্তি তু अए**७ जा वम् उर्क यूगा**क्षाः॥ स यना वेक्नांत्र मथनाव अथा ষ্টিভা মৃদ্বটিভা তাক্ত খাত দেশাদ্ব ছে একাঞ্চলিক্স কণ্ঠ পরিত্যজ উहु त्यंग विद्याद्रग किछा हि कस বেদাদ্যস্থলাঃ এতদ্বিপরীতা স্তন্ত্রা স্তরোকা ব্যবহার বিকলা। বেদা क्टबारे: अग्रंग खगः नगत एव तुना वर्षे स्वा खयः। वमु उर्क यूगानि विशे

াই চত্তারি। পিক্লামতে হপি। भाजात्कावन ठाङ्। (मथना-ना॰ विवि र्जर्य । इंडि जिथाति उर्ज्यूर्गाट्मवडद्वः॥ विन हन्यका जी नर्यरानरी। इंड्र-नबही हाया॰ खब्रजः ॥ ब्यः भुः मुखकः॥ द्रोक्षनः। ইতি भक्तक्षावनी॥ चनामथ्या **उ**न्त्रभः मार्थः। (मङ्जि जिक्षिजि यः। ज् পर्यतायः। चजुः २ वाजिवारः ० खनविङ्गः ८ व**लारु हः ৫ व**ाङ्गावदः अजनवः १ ७ ৯ अष्ट्र २० यनः ১১ जीम् ३: ১२ म्बितः २० कन्नमक् २९ ध्नर्यानिः र। इंडानद्रः॥ व्यद्धः ४५ श्रायाः । <sup>कतः ५९</sup> लाखावजः ১৮ विश्वमृत्रः घन। घन: २० वायुनाकः २० न-जण्डतः २२ कन्नतः २७ कन्नः २८ ोतरः २৫ गगनवं जः २७ वात्रिगुक् ा वामू क्र४ वनम्क्रभ अदः १० भर्याभाः १३ नाजानः १२ मन्य-भू ३ ०० करः ०९ कम्तः ०३ गतिपृह ৩৬ गरानदः ७१ थं अभाषः ७৮ ा ग्रायः १२ (थंडनीनः ४० नागः ं जनकार १६ (१४३) ४० ाजकः 83 मम्ब्रः 8**८। ইতি मद**् त्वावनी ॥ **अवृतः ८५ (जायनः** 

৪৭ অধ্বাহ: ৪৮। ইতি রলুনালা ॥ शार्थातः ८० गनाम्रदः ৫० गा-ডবঃ ৫১ বারিম্সি: ৫২ । ইভি जिका ७ (मयः ॥ 🗱 ॥ (मधनायका ৰথা। ত্ৰি যুক্তে শাকবৰ্ষে তু চন্তৰ্ভি: भाषिए कमार । यावर्ड विकि नश्च भूषत (मुान ग्रमुम ।। # ।। **अशः कनानि । आवर्र्डा नि**र्द्धाः ना न्यः नयुर्वेण वस्तः । भूष्रता पूक्त जामा (पुष्तः भेगानुभूतकः । ইতি জ্যোতিস্তত্ব ॥ 🗱 ॥ তেতামূপে उम्माद्यां र्या । यथा मिष् পুতিগতে তথা নেঘাম্বনা ত্বৈ।নে-विडा खनविज्ञ डाः भुवृखः वृश्चि मर्का-न ॥ नक्षम जगा वृष्ट्रेश मःभ्रक नृषिवीखल । भानूबाम खना जानाः वृक्त। रेव ग्र मिक्ताः॥ मर्व नुज् পভোগন্ত ডামাণ তেভ্য: পুলাযতে । বত্তবিষ্ঠান্তিতে স্বস্থা ক্রেতাযুগ মুখে नुबाः ॥ इंजि कोर्प्य २५ ज्यागः ॥ 🗱॥ भुवयकाधीन (नघा यथा। उ-তো गबद्भलामांना खनिरैछः नगन-স্তা:। উত্তিপ্তত্তি সদা ব্যোগ্ন গো-রাঃ সম্বর্ত্তকা ঘনাঃ।। কেচিন্নীলেছে-भन मानाः (कहिए अग्न ममि जाः । ध्रम्बर्गा उथा किछि बथा भी जाः शर्यावताः ॥ कितिनुकाञ्चलान्

एलाः कात्र निज्ञ ख्या। भाइ सन्त নিভা কান্যে জাত্যাঞ্জন নিভা: প রে॥ মন:শিলা নিভাস্ত্ন্যে কপোত সদৃশাঃ পরে । কেচিজনুক্রবর্ণাভ। खथात्म क्षीत्र मिष्ठाः ॥ उथा कर्त् त्र वर्गाञा जिमाञ्जननिञा खथा ॥ ইন্দুগোপনিভাঃ কেচিৎ হরিতাল নিভা ন্তথা। কাকাণ্ডকনিভা:কেচি-দুত্তিগুন্তি ঘনা দিবি॥ কেচিৎ পর্বত সন্ধাশাঃ কেচিমুক্সলোপ্যাঃ क्টागाइनिङा कात्र क्रिक्सीन कलाबशः॥ वङ्कभा वादक्रभा धातस्त निमारिनः। छर। कलप्राः मर्ब भ्रविष नज्य मः॥ ७७ एउ जः লদা ঘোরা বারিণা ভাক্ষরাত্মজাঃ। मध्या मःवृजाञ्चान समिन भग्यः छ। उठ एउ बन्हा वर्षः वर्षडी इ मरहोवदट । मृरदात्र मिनव मर्ड नामयसि ह भावकः। भुवृत्सन उना ত্যৰ্থ মন্ত্ৰসা পূৰ্য্যতে কিল।। ছান্তি-**उद्यालमा ज्ञदालमान्निः श्रिम**ा ত্যপি। নঙ্কে চাণ্ণোঁ বর্ষশত্তৈঃ পথো-দা জল সম্ভবাং॥ প্লাবযন্তোথ ভূব-न भशक्रम भित्रमुदिः। धाता जिः भृत्रयञ्जीमः (ठाम)भानाः सगञ्जूवा । फेर्ने छ॰ जनिंकोरियण्ड (वना इवे म-ह्मान्त्यः ॥ जाद्रि श्रीभा उथा भृथी

बर्दनः राष्ट्रास्त्रस्य गरिनः। व्याहित्य রিমিভি: পীভ জলনভুব্ ভিঙতি॥ পুন: পততি ত ভূমে প্র্যান্ত তেন চার্ণবাঃ॥ ইতি কৌমে উপরি ভাগে 82 व्यक्तायः ॥ # ।। त्यचम् । উ**८ भ** खि ৰ্যথা। তেজোহ সৰ্বভূতেভঃ আদত্তে র্থিভিজ্ল। সনু দাত্ত্মুসাংযোগ। पुग्मयः भुवरुष्ठाभः॥ ७: छ। २यनवना ९ कारन পরিবৃত্তো দিবাকর:। नियह-ক্তি পধোমেহে শুক্ল। শুক্লৈ গ ভব্তিভি: য় অভ্ছাঃ পুপ্তভ্যাপো বাযুনা স মুদীরিতাঃ। সর্বভূত হিতার্থায বাযু ভূতা: সমন্তত: ॥ ততো বৰ্ষতি সো-छा॰नि गर्बज्ज विवृष्ट्या । वायवा खनिजरेकव विदूर्शीय सम्युखः॥ स-ক্সানু মিহেভ্যাতো মেঘত্ব ব্যঞ্জ-ৰম্ভিচ। ভুনিষ্যন্তি যথা চাপ স্তদম্ভ• क्वरया विमु: ॥ # ॥ व्य नि । (भ चा-না পুনকৎপত্তো ত্রিবিধা যোনি ক চ্যতে। অগ্নিজা বুক্সজা শৈচৰ পক্ষ-জাক পৃথগিধাঃ।। ত্রিধা ত্রিধায়না-ত্তেষা॰ বক্ষ্যানি বিত্ত সম্ভব॰। আ-(ग्याः वम्बाः (भाका खिवा व्यः भु-বৰ্ত্তৰ ৷৷ জাতা দুৰ্দিন বাতাৰে সন্ত-ণাত্তে ব্যবস্থিতাঃ। মহিবাশ্চ বরাহা-**শ্চ মন্তন্যতঙ্গ ৰূপিণ: ৷! ভ্ৰা ধ**রণি মভ্যেত্য রন্তে বিচরন্তি চ। জীম্তা

নান তেনেবা যে তেভ্যো জীব সম্ভ वाः ॥ विम्रम्खन विश्वीनाण जनवाः **दा**वलिखनः । स्ह्राकः गराकागा আবহ্ন্য চ বানুগা:।। কোশ মা वाह वर्षि (कामार्कामिन वा भूनः । পর্বাগু নিত্যেযু বর্ষন্তি বিপিনে-यू हा। वंनाका शक्ष जा रेक्टर बनाका গর্ভধারিণ:। বুন্ধজা নাম তে মেঘা ৰুদ্ধ নিশ্বাস সংভবা: ॥ দ্বিতীয় পু: বহম্বাযু নেঘা স্তে ত্ সমাশ্রিতা:। ইতো याजन माजाह मार्काकां एक क् उारिन ॥ वृष्टिमर्गापित (उदा॰ ধারাসারা: পুকীর্ত্তিয়া। শক্রেণপ-का यहियाः পर्वजानाः नरकोकनाः ॥ कामगानाः भुवृत्वानाः भुकानाः भिव निष्ठा । भृष्ठवावर्खको (खन করণেনেহ বিশু, চা: 11 নানা কপধ- 11 त्रा रेक्टव सहारवात्रस्रनाक **७ । क**-ब्राप्त वृष्टेः मुद्रोतः मधर्वादा निया মকাঃ ।। বর্ষন্তি তে যুগান্তেষু তৃতী या एउ भुकी चिंठाः । व्यत्कक्तभ नः श्वानाः भृतयस्त्रा नही • छ**ेलः** । বাফ্ পরিবহন্তেস্য রাশিকাঃ কল্প সাধকাঃ ॥ যোন্যস্যাণ্ডস্য ভিন্নস্য পুंक्ड भुंखर छरा ॥ यमाषुका नम् इभन महजूबकुः खयस्रुवः। छ-रिमार्गाखमा भाना हि मार्बे (मधाः

भुकीर्विजाः ॥ (छया नयाग्यन श्रमः गार्बवा मितिष्मिण्डः। (७या॰ (भूक्ष-स পर्याना काञ्चात किय निश्वकाः ॥ **গজানা পর্বতানাঞ্** মেযানা• ভো-গিভিঃ সহ। সলনেক পৃথগ্ভুঠ যোনি স্তে হা জল• মৃত• ॥ পজ্জন্যো-**दिश्वकारेन्ठव (इनास्ड मीज म**न्छवाः । তুবার বৃষ্টি বর্ষান্ত হিন শস্য বিবৃদ্ধ-(य ॥ इंडि तुकाएं ६৮ व्यथायः ।।।।।। वज्रागास्त्रं उद्गागिविष्णवः । यथा। टेब्बर्या २० व मंडम्ह नहीं ना-त्रायन ख्या। बित्रारमा स्वत्रामण्ड যডে**তে পুৰুষা**স্থবা: ৷৷ তদ্য রাগি-**ल्या यथा। विविज्ञ नावनी** लोडी নাটী দেবকিরী তথা। নেঘ রাগস্য वागित्या ভवडीमाः मूनश्रमाः ॥ অয় হন্নয়তে য%রাগো বুল্লাে মন্তকান্নিগতঃ ৷ আকাশাজ্জাত ইভিচ বদন্তি। অস্য জাতি: ঔডবঃ । व्यर्था८ थन य व ग इंडि शक्षदत्र भिलिछः। अन्। गृशः रिषवज्यदः। वर्षां विद्यारि गानमभयः। य-न्याकातः म्लवभूकवः। म्यामवर्गः। উফীষবম্বদ্ধকেশ: ৷ শাণিত খন্নহস্তঃ । হনুমন্মতে অস্য পঞ্চরাগিণ্যোয্থা । ऐकः: ) मलादी २७ ज्त्री ७ ज्नानी ८(रमकात्रीहदाञ्जन्राष्ट्रेनूया यथा।

कालक्तः > मातः २ न्हेनातायनः ७ महत्रा ज्रा १ कन्या १ १ वर्ष १ १ ४ গান্ধার: ৭ সহানা৮।।কলানাথ্যতে । अम्। द्रागिग्रः वर्षे यथा। वक्रानी ) मयुद्रा २ कारमामा ७ थना छै: 8 जीयं में ६ (रवानी ७। এउमाउनि व्यक्षी भूषाः किन्छ नर्छनात्रायग नन्ध-त्रा जत्र विकास क्षात्र क्षात्र मान ক কলভরতা জ্ঞেবার।। সোমেশ্বর-म्ब चन् वपुरित्राय्यामहाती ) (मात्रठी २ मानीत्री ० (कोणिकी ६ গান্ধারী ৫ হরশিকারী ৬ ৷ এতম-তেপি পূগা: পূর্ব<।। রাগিণী म हिउरिमुखम्। गम् वर्षाजी गानमन " यः ॥ ভরতনতে তস্য পঞ্চ রাগি-रग्रा यथा। मझात्रः ) म्मजानी २ দেশী ৩ রতিবল্পভা ৪ কাবেরী ৫। ভন্তে অস্টোপুণ্রা মথা। কলামর: ১বাগেশ্বরী ২ সহানা ৩ পুরীয়া ৪ " कानता ৫ जिनकः ७ खग्रः १ महता ভরণঃ ৮। তথতে অষ্টপুঞাণা• ভা र्या यथा। कद्रगाडी > काम्बी २ कम-মনাট: ৩ পাছারী ৪ মাঁঝ: ৫ পর জ: ৬ নটগঞ্জা ৭ শুজনট: ৮। ইতি मञ्चिषादः॥ श्व हकः श्र<sup>•</sup> कत्रका। हेडि हाता-ु दली ॥

নেঘকালঃ পু॰ বর্ষত :।ইতিভটাধরঃ! मिघिष्ठकः शुः ठाउक्शकी। इति मद्ठिनिषुका।। মেঘজ ত্রি মেঘভববস্তু। মেঘাজ্রা যতে ইতি বৃৎপত্ত্যা ড প্ত্যুয়েন निज्ञमः॥ भिषकानः ही अञ्चिगः। ইতি नेय ठिम्मका ॥ নেঘজীবনঃ পু॰ চাতকপকী।ইভি वाजनियंगः॥ (मद्याजिः भू वज्राभिः। उर् পर्यायः । ইরম্মদः २। ইত্যমরः ॥ মেঘস্যজ্যোতি রগ্নিমেঘজ্যোতিঃ। জ্যোতি রশ্নৌ সমাখ্যাত জ্যোতি भ्हत्नु। निगम्राङ । ইन्डि ब्रिष्टः ॥ इत्रंग जलन माम्रिक मीभारक इंडि ইরমদঃ। নেঘাণ্ন হি জলে-रैनव मीभारछ। ममीकि यंभिः इर्प कृ ज्रुत् मू की जि थः शिकावा कि जि মনস্বৌ। অন্যোন্য সংঘটেন মেঘা-चिः मृत्रु गरका। कि वृक्षामी भ छ-তি म ইव्रगमः। गেघ ইত্যপ न क्ष-তেন वाज्यका श्लीवयारेः मालि हि इत्रग कालन नामुजीजि की-মুদী। নেঘাগুগদি রিরনার ইতিশ-मार्गवः। ইতি তডीकायाः ভद्रजः॥ (न्यउग्रदः भूः (न्यन्। उपदः। (न्य

गर्जन । यथा। आजागृष्क अविणा দ্ধে পুভাতে মেঘডয়রে। দশ ভ্যো: क्वार हिव वस्त्रावास विष्-किया।। इज्रिक्टिः।। বতিমিরং ল্লী মেঘাইমদিনং 📒 इेंडि इनागुंधः।। माना॥ वेनामः सुर यक्षाः।। क्ष्मभू कि। इंडि (मिनी।। (मयनदः। इंडि (क्षिठमुं: ।। भनामवृकः । देखि मयहिन्द्रका ॥ उथुनीयमाकः । इिजाजनिर्घण्टः ॥ वनामिक शृ नक्षाः। इति क्रिकाश्रामयः ॥ हिल्ला ाधनामानुकालकः भू नग्रः। इंजि त्राकिनिर्धिः॥ अयनामानुवानी श्रु भग्तः। इंडा ग्रदः ॥ ःवनामा न्यू मूखकः। **इड्रमतः**॥ भर्गायः । **खनि**जः २ गिर्क्रिकः ० त्रनिज १। ইত্যমतः ॥ धृनिज ৫ হাদিত ৬। ইতি ভরত:॥ घिल्झ : ली जन । इंडामदः ॥ शिखाजुः॥ नरीजनः। ইতি मि-िम्भी।

भिष्य । भू भक्रयः। इति भेष ब्रङ्गावनी ॥ (भरभूभवः भू बन्। इंडि वाब , निर्घणेः ॥ (नगञ्जिः मु वक्राइंडि नक् ब्रङ्गावनी ॥ वरीमः पूर विमुद्ध। इकि ग्रंद (संवर्गाणः पर् त्रमागर्डकां उके दुरे (मवर्भाः)। थर्था । उन्होन्नेन निरंड लाक है ज्रानकना मान्य मुक्त-अधि भाषभाग वनार्को । य-रहार आरही महावीर्यहा मुख्यो. াকল্পিমাতৌ ॥ ইতিকল্পিগুরাণে ১১ व्यथ्यायः ॥ भिष्याना जी भिष्यानी छिर शर्ये। यः। कार्राचनी २। इन्डामनः॥ भिवासीनः भू धूनः। इंडि भव-त्रज्ञावनी ॥ নেঘরাগ: भृ॰ यङ्गागाञ्चर्ग उद्गाग. विलयः। इंडि स्वाय्यः॥ व्यम् विवत्रगः भयमास मुद्धेवाः ॥ ्वनिर्धायः भू भ्यमदः। ७९- (नचवर्गा ह्वी नीलीन्कः। इंडि मदः ठिनुका ॥ भिषवर्षे द्वी वाक्षण। इंडि बि কাওংশবঃ॥ भिष्वि : भू वज्राभिः। उर्भर्गा-र्यः। हैव्यपः २। ইতি (इन्हन्मुः ॥

त्मववाहनः भू हेन्द्रः। इंडानद्रः।।

নেমবেশা দী আকাশা ইতি किंग्यतः ॥ स्विनाजः श्रु होनकश्वः। इंडि त्राकिन्धिंग्डः॥ भिम्मूक्ष भू मम्बः। ইडि का (१५० जिल्ला) की भाजानगरकी ठन्मः ॥ দেষন্ত্রনিভোক্তর: বিকট কর্ম ्र **३ डिजाक**नियंगः॥ भिक्त अप्राप्ति । मुखकः । इति हः । वाकः । उत्पाराजीजार्थः । इति भागा । (मद्यागमः शुः वर्षाकानः। इंडि भिद्या जी व्यामन्ने। इंडि भव-्रश्वद्वज्ञात्वी।। (सघ म्यागमन्यः।। भियानना जी वलाका। हे जिताक .ुनिर्याष्ट्रेशा 🔑 🕠 १००० १० १००० भियाननी श्र नय्द्रः। ইভি दाङ भिष्ठ -य उत्राहा हे कि कविभन्न-्निर्देक्षः ॥ • । । । स्वर्धिः ॥ अ व्यक्तिस्वरू । (मिछि গেঘান্ত: পু॰ শরৎকাল:। ইতি উমাদ্যতীত্যর্থ:। ইতিদুর্গাদাস:॥ वाजनियंगः॥ নেঘান্তি ন্নী করকা। ইতি ত্রিকাণ্ড সপ্ততি মানৈ ভ্রতি। ইতি সুখ-(अयः ॥ विदालिए ती वाकाला देविधन मिष्णिकी जी मिष्कीवृक्तः। देवि ख्यः॥ प्रामतः भू॰ वर्ष्ट्रिजा। इंडि पिछ: भू॰ रुखिभकः। इंडि हाता-(र्भवन्तः॥ মেচকঃ ু ক্লী শোুভোঞ্জন ।। অন্ধ कातः। इंडि स्मितनी ॥ नीवाञ्जनः । ইতি রাজনির্ঘণ্ট: ॥ 💢 । বিণঃ: পু॰ সেষঃ। ইতি পাব্রাজনী।।

(महकः भू॰ मग्रहन्त्कः॥ भागमनः ा इंजिल्मिमी ॥ त्राः॥ त्रयः॥ ्रम् (जाञ्जनः । ইতি नम्द्रज्ञावनी ॥ भागमनखागुरक्त वि। इंडामतः॥ वाजा। इंजि बाक् निर्मे हैं: 11 🚎 ্ব উন্নাদে। ইতি কবিকল্প: मः ॥ य व्यभित्मिष्ट । स्मिष्टे डि मूर्गामान्यः ॥ **प्रिक्ता ।।** মেঠ: প্ হস্তিপক:। ইতি ত্রিকাও-रमेर्द्रा, अ अस्त के अस्त ा (म पु: श्र भिन्नः॥ नेष् गर्छक्नाः ্র বোধঃ। নেবঃ। ইভ্যনরঃ।। ं बङ्गाना ॥ वनी ॥ মেণ্ড: পূ॰ হস্তিপক:। ইতি বিকাও-**েন্**য: 11

इंडिमूर्गारामः॥ মেখিঃ পু•ু থলেপশ্বদ্ধনার্থন্যন্ত-माक्। (महेकार्य हेजि ভाষा। गथा। मिधि मिथिः यत्नवानी यत्न भाः वन्नमाक य८। इंडि (इनहन्मुः॥ মেথিকা স্ত্রী ক্ষুপবিশেষ:। মেথি শাক ইতি ভাষা। তৎপর্য্যায়া प्राथिनी र भिथी । तीशनी ४ वक পশ্ৰিকা ৫ বেধিনী ৬ গন্ধনী জা প জ্যোতি: ৮ গন্ধকল। ১ বল্লরী ১০ र्जिन्दु हो ३३ मञ् । १२ मिल्लुच्ची ३० देकत्रवी ३३ ऋकिका २० वर्ष्ट्रणेगी ্যু পীতবীজা ১৭। অস্যা গুণাঃ। কটুর•। উফর•। রক্তপিত্তপুরো ় পণত্ব•। অরোচকছরত্ব•। দীর্স্তি• - काबिद्धः। वाजपूद्धः। मीभनद्धः। हेि ता बनिर्घण्डः॥

भिष्नी खी (मिष्का। इंडिंग्जां ज-

দেখা জ্রা নেথিকা। ইতি শ্লাজ-নির্ঘটঃ।।

भिष् व क्षेत्र विश्वास्थाः । इंडि कविकद्यंक्ष्यः ॥ व्यक्षित्मण्ट । क्ष

মেদতি মেদতে লাজার্থ শিব্যঃ थात्रगंकी अर्थः। 'नियमः । देखि मुर्गामानाः ॥ ः अक्रिके विकास (मनः क्री माप्त्र नुवसाजुविस्थयः। ত एन्यं रागः। वशार वंभागः। इंडर-মর: য় মেদু: ৪। অকারান্ত ইতি ্ভরত:।। শ্রস্য গুণা:। বাতনাশি-া দ্ব•।বল'পি ভাকফ দাতৃত্বঞ্চ। ইতি वाजनके छे: भाज्यथ (यहमः स्क-» প্রাহ্ । যন্না সং বাগ্নিনা পত্ন• তমেদ ইতি কথ্যতে। তদতীব শুক সিঞ্ধ বলকাৰ্য্যতি বৃংহণ ॥ जथ (महनः इ।नमाइ। (माहा হি সর্বভূতানা মুদরেম্বস্থিযু ছিত• । अञ्भारति कृष्तिः भारा भार-স্থিনো ভবেৎ ॥ ইতি ভাবপুকাশঃ ॥ शा (द्वागवित्नवः। তত্র মেদসো विशुक्षे निमानमारः। व्यवग्रायाम দিবাষর শ্লেমলাভারসেবিনঃ। ম शुद्धा श्यवनः शुवः त्त्रकात्यामा विवर्षाय ॥ अस्त्रमः वानम्तः। उथाठ मूनुउर्गे जामन्यावतामा মধরশ্চ ভবতীতি। মেদসোতি-भुवृत्को विखना भास्। त्मनमावृज मार्गदाद भुषाष्ठातः । **भित्र होया उयारणकः गर्ब-**कर्मम् । जात्र धाउतः जङ्गानगः

मुकाराः। नभूका छिनसूट्टी छवछि। চীৰতে সঞ্চিত ভবতি বৰ্ণত ইতি यावः । जन्माः त्रमन्नी नहंकर्ममृ व्यवक्रः न्याट । स्वरमः मोबः मार्गाट । जनवाननि (पायानाइ। क्षेत्रधान ज्वाता र यश कड्न मान रिनः। युकः कर (युक्त स्कोर्ग रेक्स बन्न ्रशाला रुद्धरेमथूनः ॥ स्मिम्भः स्मर (रोर्शक्तायस्य जन्द्राः । क-न्**ड**न॰ উहामायबाधः। कक्ष<del>मः यू</del>र्युत इंड्रात्र । बडवः कप्तुयः ॥ (सम्भः ॥ ङ्गनमारः। (भरसः मर्बञ्जाना मुर तिष्ठ श्रिकः । **च** अथवानः वृक्तिः भुरिया स्मिष्टिया ज्या भिन्दिता **२**% वृत्को एउनु माङ् । মেদ্দাবৃত মার্গল্বাদ্বায়ু: কো**ঠে** বিশেষভঃ । চরন্ সন্ধ্রুক্ষরত্যা माहातः (नावयङ्गाल ॥ उत्राट শীঘুন্ত জরযত্যাহারঞ্চাপি কাছুতি ন বিকারান্ সোপুতে ঘোরান্ কা• िष्ट का नवा जिस्सार । मसूक्य-তিপুদীপ্ৰতি ! মনেদ্ৰী আহার• শীঘু জরগতি পুন ভোত্তু কাছু তি স দীপ্তাগ্নিংকাল ব্যতিক্রমাৎ ভো-জনকালাতিক্রমাণ। কাণ্টিচ দ্বিকা वान् वाज शिख कतान् (शादान् या-শ্ব তে প্রাপ্নোতি। এতে বাত পিত্তে

रममावयाक वित्मवाम्भपुवकत हैजार। এजावृशमुबकात्री विष्ण बाद भिद्ध माक्छो। এछोहि मह **७: ज्ल**॰ वन॰ मावानल॰ यथा। এতৌ পিত্ত माक्छो सम्मा कर यार्गजाए काष्ठ मस्तर भुत्रकी मर्छ विष्मयामूश्रमुवकरतो मञ्जः नामस्य তা ৷ মেদসোতিবৃদ্ধে বিনাশহেতু प्रभार। (भएम) जीव मन्तृष्त्र महरेः क्रानिकास्यः। विकात्रान् माक्गाः क्षा नामगङ्गाम जीविजः ॥ विका রান্ পুনেহ পিডকা জ্বর ভগনং? विषुषि वा उद्योगागामनऽउमान् । অতিস্লভ্যা বৈভগ্য নাহ। অভি क्ष्वम् जःपृष्टा विमर्शाः म जगन्तः রাঃ জ্বাভীসার নেহার্শ: শ্লীপদা यविकारयशा अञ्जूतना नक्ता मा 🐢। মেদো মা•সাতিবৃদ্ধত্বাচল হি. **७५**वः छनः। अयत्यात्र हत्याट्याट्या নরে। হতিস্থূল উচ্যতে ॥ অযথোপ-हरवाष्ट्रभारः न यथा उभहरवा मार-(अभूमहर्यः উৎসাহে। वनक्ष गुम्र जः ।। स्। स्।। अथ (मन्म) विकिट्मा। भूतिः मानवागुप्ताः ञ्नव्यापान (काम्याः। (लथना वख्य काशि भ-व्या (नमित्रना भमा।। भुग्, हिसा व्य वागाश्व कि मु जागतन शिका। इडा

্শ্য মতি ছৌল্যং যব শ্যামাক ভোজন:।। ক্ষার বাতারিপত্রস্য हिक्युक्तः शिर्विषदः। **ऋश्उः ज**क ा अन (मरा) वृष्टि निवृद्धः ।। ७५०) ারফলারাথ: পীতো মেদোহর: সৃ करा **७**जू ी विक्ताकाथ खथा लाह ्र क्षागु उरे ॥ क्षिरपुन जिकनाङ्गाथः ্রো নেদহরঃ পর:। পাত ম্ব্ ্রণ বারি **সেবিতণ ছৌল্য না**শ্রনণ উ। भन्नमा मुख्य वा भिल्ल क् क्षेत्रम् ज्वर् । त्यायाप्तरं विकना गुष्ठ विछिष्ट र्थग्नुल् मन । बादि वर्षान् करयरपुर्गातास्यासः (सम्प्रामवाः তজান্।। পিপ্ললী নধুনা সেব্যা নেদঃ কফ বিনাশিনী ৷ প্রুরপ্র बदरमन गाउ मूबर्डन स्थीलं इदर ुष्टिष्टे । वामाम्लद्रमा (ल्लाह-্চ্রেন সংযুতঃ। বিল্পপ্ররসো বা-िन (त्र (तीर्गक्य) नामनः ॥ मित्रु পাশ্র মরসঃ প্রক্ষিত কক্ষাদি যোজি · " उ॰ जगि । **म्थर्** ब्रिप्ग्रिष्ठंन गिहि-ब्राहिब (एक् स्रोर्गक्रा)। निबीय न। मब्जक (रुनालारेषु खुरगाय मार्यन रतः भुघर्यः ॥ भन्नीत मोर्गक्षारुतः शुरिहः भूणाषु (लाषु। ७ य ठन्सना না । প্রিবিদ্যাত প্র গুছে ব্য वहात । नामकाक मूर्गाक्त ज्न

विश्निष उपना उपनी प्रश्निश गुर्छः।

(इस नागर्रु न्या । अनु वान कः।

वाज्य सूनी तः। इती उकीः ज्ञः।

व्या सूनी तः। इती उकीः ज्ञः।

विषयः (एट्ट सून्य उत्तः नदः। भण्ठा ८

ज्ञानः भुक्रवा उ एट्ट (न्या भागः।

न्या अव विश्व । वक्र नमा प्रश्निः भगः।

वृश्व जिन्न । वक्र नमा प्रश्निः भगः।

वृश्व जिन्न । व्या प्रमान सून्य ।। इति

विश्व । विकादः। इति जान
भुका नः।।

নেদঃ পু বপা।ইতি শব্চন্দ্রি।
।। শ্লেছজাতিবিশেষঃ। ইতি জটাধরঃ।। অলম্বা।ইতি রাজনির্ঘণ্টঃ
নেদকঃ পু জগলঃ। নেযা ইতি
ভাষা।ইত্যমরঃ।।

(नम्बः भू ज्निबङ्गुनः। ই उ त्राविवर्षणः।।(नारमा ज्वण्णः। (नम्भाता अभू (नमा। ই जिताब-निर्धणः॥

भिन्छ् क्विं श्रांभा। इंडि इन-

নেদা জী অষ্টার্গপুরিজোষ বিবি-শেষ:। তৎপর্য্যায:। মেদোক্তবা ২ জীবনী ০ শেষা ৪ নণিছিদ্রা ৫

বিভাবরী ৬। ইতি রত্নমালা।। वना १ बन्नभर्गिका ৮ (सपः गाता र (मृह्वजी >० (मिर्नि >) मधुता >२ त्रिका ३० (मधा ३८ मुवा ४६ नाधी '३५ मन्। ११ वछ्त्रस्किका ३४ म् क्षपश्चिका ३३१ व्यम् १ खगः। मः थ्रवः। भीउवः। निख माशर्वि कान बाजयक जुत्र नानिष्य । वा **उत्पाय कात्रिवृक्ष । इंजि त्राब** निर्घण्डः॥ उत्र वक्ता यथा। भूक कत्नानशङ्खा (मामा शाजु निव भुत्वर। यः न भारति विख्तिया নিজ্ঞাসা তৎপরৈ হর্জ নৈ:॥ মেদ। নহানেদাস্থানে শতাবরী মূলী। ইতি ভাবপুকাশ:।। অস্যা বিৰ-त्रनः स्ट्रायमा**णसम्द्रे**तुः॥

स्मिनी जो त्यसा कान्य दी। इंडि त्राक्ष निर्धार श्रिश्वी। इंडि ग्राद्धाः। स्मिन् विरुद्ध श्रिशः (मिर्नि मा-स्वार्त्याः निर्मादिन मत्ना भन्न नि भा उद्ध इंडि भद्ध। यम् उत्पादः समः ममानार्था श्रिक्षः (महन्याः। श्रिक्षः । उद्या क्ष क्षिश्वा मनायाः (मह-स्वश्रह्णि ना निर्द्धाः। निकाका-दिन इन्। उथाता कः। मञ्जेकरे ख्या ता मीत्य हरेन्य भित्र द्वा । (उत्नयः (मिर्नि) (स्थी (भ्राष्ट) एंडि

ব্ৰহ্মনানভি হৈতি । নেদ্যভীতি বা (समिन) इधिमा 💛 🔭 प्राप्तिया-भिन्। हाञ उष्टोकानाः अवञः॥ खनाष्ट्रिक र्था। सुराजा वमू-्या अग्र नर्य गक्न कात्रनः। विष् निय क्य भाभ नामन भूगा বৰ্ম শা আহে। কেচিছদন্তীতি নধু-ৈ কৈ ভে মেদসা। বভ্ৰ বস্ধা জ-ম তদ্বিশব নত শৃণু।। উচতু তৌ भूता विष्कुः ज्रही गुष्कान (ज्रह्मना । व्याता वय न याबाही भाषना नः वृद्धि ह।। उत्याङ्जी वन कालन পুত্रका मा ভবেৎ मुहे । ভতো বভুব নেদক নরণস্যান্তরণ ত্যোঃ া। মেদিনীতি চ বিখ্যাতেত্যক্ত रैय खन्न उ॰ मृत्। कलायी जा कृता भूवं॰ বিদ্ধিতা মেদসা যতঃ।। কথ্যানি চ उद्ध्य मार्थकः मई मगडः। পুরা भु उ॰ यर भु ठ। कि धर्मनकाह श्रम-ति।। महाविद्राद् भदीद्रम्। अवाङ् मा हित्र मु है। नाला वज्व कालन नवाक व्यानका धुन ॥ न ह शु-विश्वेः नास्त्रवाः जालामाः विवादः यू ह। कारनम गर्डा उन्हर्व बजुषा गुरन ॥ गुर ः भुजिला-নাঞ্চ ক্লেষ্ । ছিরা । ছিড়া। আবিভূ ভা ভিরোভূতা কণালে চ

**শে**ধা**জি** 

भूनः भूनः ।'. आविञ् ा मृहिका-ल उड्डा । भूनरय ह जिता इंडा बना डाइतविङ्डा ॥ इंडिडी वृक्तदेवर्र्ड भूक् जिथर७ नात्रायम नात्रम मन्वारम भृषिवृऽ भाथऽ। सन् अथऽ।यः ॥

भिष्ति । भू श्वाः। इंडि बि कार्थः भवः॥

त्मृतः श्रु व्यक्तिगरित्रथः। उटः भर्तरायः। जानम् ज्ञुषः २। इत्रागतः

भिष्ठ जो कार्कानी। ইতি রাজ निर्यण्डेः॥

নেদোজ ক্লী অস্থি। ইতি রাজ-নির্ঘণ্টঃ।।

নেলেন্ডবা জ্রী নেদা। ইতিরাজ-নির্ঘণ্টঃ।।

নেদোরু: পু• বর্ণসঙ্করজাতিভেদঃ। ইতি জটাধরঃ।।

(मर्तावजी खी (मना। इंडि রाজ-

भिष्य के विषयि। स्वाप्त स्वाप्त है जि किविक स्वस्थाः ॥ स्वाप्त स्वर्थः ॥ स्व स्वर्षात स्वर्थः है जि मूर्गामा सः ॥

प्तयः भू॰ यक्तः। इति कंदाप्राः॥

মেধা জী পার্ণাবতীবৃদ্ধিঃ। ইত্য নরঃ॥ ধ্রণাশক্তি যুক্তা ধী র্মেধা নেধতে ক্ষুদ্ধতে ৎস্যা সর্ব বহু

শু.ত বিষয়ী করে। তি ইতি বামেধা নেধৃ ঞ সঙ্গে মেখাযা সমকাৎ সরে৷ রিত্য: আপ বহুদুত বিষ্ণী कत्रनः शातना समुक्तः शातना बूर् র্গুণবিশেষ ইতি। ইতি ভরতঃ।।#।। (मधाकत्र छेवधः यथा। भद्मभूत्री वहा (त्रामा वाकी वक्क सुवह ना। वा ज्या ह ए जुरी ह व्यवेत्वक वाक-ही।। এरेड ब्रक्त मरेन छीरेग घ्रंड॰ शुक्र विभावत्य । कचे कार्या त्रमः পূছ 'বৃহত্যা চ সন্বিত ।। এতদ্বা-ক্ষী ঘৃত নাম সৃতি মেধাকর পর । ইতি গাৰুডে ১৯৮ অধ্যাযঃ॥#॥ মেধাকরগণো যথা। সভতাধ্যয়ন । তত্ত্বজ্ঞানকথা।। শেু**গুত্তশাস্ত্রা** वलाकन ।। म मुकाहार्य्यस्व ह। ইতি পুরাণ ॥

प्राथः भू श्वायञ्च यस्मृ भृधः। यथा। व्याप् काणिवारु क विद्यः स्वतः व्याप्त काणिवार्य के विद्यः स्वतः व्याप्त काण्य व्याप्त काण्य काण काण्य काण्

(मधाडिथिः भु भगूम हिजाहीका क्टा मुनिविष्णयः। यथा। मिदा ় ভিথি দেবল আৰ্গ্রমেণো ভরদ্বাজো ় গৌতমঃ পিপ্ললাদ:। ইতি শ্রীভা गव्राच । ऋह्म ३२ व्यव्यागः॥ भिषाकमुः शू॰ कालिमानः। ইতি ত্ৰিকাণ্ডলেষঃ॥ মেধাৰতী জী নহাজ্যেতিযুতী। ইতিরাজনির্ঘণ্টঃ।।নেধাবিশিস্টাচ।। मिथाविनी जी नुकानःभद्गी। इंडि (मिनिनी।। मिथावीं भू॰ भूकशकी। इंडि मि-দিনী।। মদিরা।ইতি রাজনিঘটঃ ॥ পণ্ডিত:। ইতি হেমচন্দু: ॥ ব্যাড়ি: । ইতি ত্রিকাণ্ডশেষ: ॥ মেধাযুক্তে ত্রি। ইতি মেদিনী।। **मिविः भू॰ খলেপশ্**वज्ञनार्थनाञ्च-माक्। इंड्रानद्रः ॥ थटन थान्। नर्मन হাৰ মধ্যে পশ্বন্ধন নিমিত্ত নি হিত যদাক সমেধি:৷মেযি ইতি थाराउ। इक्ट्रिंड इड: 11 उट शर्या यः। মেথি: १ 🗽 লেবালী ৩। ইতি (इमहन्दुः) (अम) ज्ञाभनिमः ठव बाद्रो क्रुक वृक्ष्ण ही। नक्षवाणि রেবতী স্বাতী হস্তা মূল মৃগশির-শ্চ। তত্র লশু॰ স্থির॰। ইতি জ্যো তিষ্ভত্তু ॥

নেধির: ঞি নেধার্ব, । ইতি ত্রিকাণ্ড শেব: 11 ্নেধিষ্ঠঃ ত্রি অতি: শ্যনেধাযুক্ত:। ইতি ব্যাকরণ ॥ ত্রি পবিত্রণ। ইত্যমর:॥ সেধ্য পবিত্রঃ পুষতঃ পুত ই। তি বুন্ধবর্গে পাণিবিষয় সাত্র উক্ত॰ ইহবুপা-ণিদুব্যে। ইতি ভরতঃ।। পৃত । মে-थाः भविजः माहि युः भूषक निर्मः ল । নিশোধ্য শোধিত মৃষ্ট নি र्निक मनदक्षत्र ॥ इंकि नद्रद्रा-वनी।। भू हैः। ই जिला दिनी।। (मध्रः भुः थितिः।। यवः।। ছानः। ইতি রাজনির্ঘণ্টঃ॥ নেধ্য ত্রী রক্তবচা।।রোচনা। ইত্তি মেদিনী॥কেত্রনী॥ জ্যোতিশ্বতী ॥ শঙ্গপুদ্ধী ॥ ব্ৰাহ্মী ॥ শেওবচা ॥ শনী।। মণ্ডকী। ইতিরাজনির্ঘন্টঃ॥ भिनका जी चर्त्वणा। इंडि मद রত্নবিদ্যা তস্যা: কন্যা শব্দন্তবা । যথা।বিশ্বানিতাল্মজৈবাহ্• ত क्का (मनक्या वरन । (वरेन उक्तनवाः কথে। বীর কি॰ করবান তে ॥ ইতি ভীভাগৰতে ৯ স্কন্ধে ২০ অধ্যায ॥ डेनाः . अ । १९०३ ७ छः श्रीक ख के रह है। ए ईन्सा किसा विनारिक अर्थनाम् दिन्यू

े प्रमृ: ॥ তা॰ নেনা॰ ছিমবালক। नुत्रामारेफ्यउत्रथ । भी जिमानज बहाभी ब्रद्धाम ह यत्यह्या ॥ उट्टा ভ্যাদু: পিতৃ চন্যা সম সৃথ° ीरवाद दिवग॰ यर्थाञ्च उ॰। अजीज-নংসা তন্যান্ত সেনা ৰূপাভিযুক্তা: লৱযোষিতোপনাঃ।। পুলন্ত্য উবা-চ। নেৰাবাং কৰ্যকা জিলো জাতা ্ৰভণান্বিতাঃ। স্বাভ ইতি বি-খ্যাত শচতর্থ তদধো ২ তবং ॥ নী-ाञ्चनप्रय भूचा नी नकीवद्राना-हरा। कल्लान्यमा काली अवन्तर **ानका नुजा।। जाजा खाः कन्यका**-িসু: ষড়দাথ পরতো ন্নে। কর্তু• ाः भूगाजा छा रस्या छ। सप्युः শাসাঃ ॥ ততো গতে কন্যকে ছে াহ্বা মেনা তপষিনী। তপনো ায়ানাস উনেত্যেবাবুবীয় সা ॥ रव नाजा नामाम्या ऋक्त लिज् ন শুভা। উনেত্যের হি কন্যায়াঃ জগান তপোহন ।। ইতি বাননে া পিতে অধ্যামঃ।৷ জা৷ অপিচাক্থণ গি রিস্তা কালী বভূব জগতাং পুসুঃ नाकायनोठाक उत्रः कथनाभ इत्र विशा राज्यं **७ प** छेता है। यस व्य जन् (त्वी शृर्वः माकायगी गडी। ाद नत्रना ग्रहत्यनका श्विन्दिन

রি ।। ত্যক্ত প্রাণা তদা দেবী ভ্তা हिनवजः मुजा । निवा विनाउ मनमा मधिवः मिक वरमद्रान् ॥ ৰিনায় মেনকা দেবী পরমা মৃতি মিছ্তী। সপ্তবি•শতি বর্ষান্তে জগ-ग्राठा कगग्री।। मुभीठा ভवर-ত্যর্ণ পুছে পুত্যক্ষতাণ গতা ! व्यापित्रवाह । यट भार्थिङ द्या (मिव मञ्जय भाषाध्ना॥ उठः ना भूषमः भूषं मंजः वात् यमस्रि-नी। भणा उजगा निका बक्श खन मा निनी ।। जनवयानम्कती ভূবন অয় বুৰ্লভা । ততো ভগৰ**ী** পুহে নেনকা নুনি সন্নিভা ।। গ্রীদেব্যুবাচ। শত• পুগ্রা: **ন•ভ**ব-ন্ত ভবত্যা বীৰ্য্য সংযুতা: ॥ সুত্র! **চ** তব দেবানা॰ মানুষাণাঞ্চ রক্ষ-সাং। হিতাধ সর্বলগতাং ভবি-ब्रानाइ भव ७ ॥ ववनु क्वा बग-জাত্রী তবৈবান্তর্বীয়ত। ততঃ সা कानिका (मवी क्षांगनिम्। अभयावी ॥भृतं छाक मार्थिन। बनार्थः ।।-नका रायो। समयम् । नुकाला तन नका बर्रात भिवा।। मेश्र कृय मगुर भग भा वन्त्रो विव भागवाद । व-नड नगरय (पवी नवभजा भृग रया-गडः॥ अखेदाची मन्द्रभमा गन्

ক্ষে শশিনগুলা । ইতি কালি-কাপরাণে ৪০ অধ্যায়: ॥ সেনকাত্মজা স্ত্রী দুর্গা। ইতি হলা-যুধ: ॥

গেনকাপাণেশঃ পু• হিমালযঃ। ইতি হেনচন্দুঃ॥

भिना खी सनका। इंडि खत्र उदिक्ष कारः ॥ मा शिक् कन्छा । यथा । छा॰ मानमी॰ सिक् मथः शिक् गा॰ कन्छा॰ स्वम् । इंडिए इंडिडः । स्वना॰ मूनेना मि माननीया मा खान्त्रणा॰ निविद्या श्रद्धस्मा । इंडि स्वात मञ्जद्ध का निकास । १४ । यः शिन् । अश्विता छ। विकास । १४ । यः शिन् । अश्विता । विकास । १४ । यः खा। यह्य एन। देव उद्यो छथा । इंडि ( वेद्यं ५२ अव्हायः ॥

दननाजा छी भार्वजी। ইভিছেম हन्मुः॥

মেনাদঃ পু॰ বিডাল: ॥ ছাগ:॥
ন্যুর:। ইতিনে পুনী।।
নেনাধবঃ পু॰ হিন্দুল্য:। ইতি ত্রিকাঞ্দেষ:।।

নেরিকা প্রী ক্ষেপবিশেষ: । নেহণী নেন্ধী স্টিভাষা। ইতিকেচিৎ।। নেপ খড গত্যা । ইতি কবিকল্ল ফ্রাঃ।। ডনেপতে। খ অনিসেগৎ । ইতি দুর্গাদাস: ।। নেরকঃ পু॰ বিকুশ বুভেদঃ। ইতি হেনচন্দঃ ।।

भई जिंदिर मयः। उ९-মেকঃ পু शर्यप्रायः । मूरमकः २ (इलाप्तिः ७ রত্নারঃ ৪ সরালয়: ৫। ইত্য मतः॥ मिलाजि किश्राज्ञिः বি উচ্তত্বাৎ নেক:। ড নিশ্ৰ কেপে ন গ্রীতি কঃ। ইতি ভরতঃ ॥ 🗱 🛚 ।। कशनालागुर्दिनाकानाला। यथा। भावा (परिकामानाय मृञ्ज भन्ना-ভবেৎ मुबीः। मृत्य मृथक मार्याका शुर्ह शुरु दराजस्य ॥ भारतह म-मृभी कार्यप्रथ वा मलाकृष्टि खादेद. । তৎসভা তীৰ মেকাক্ষণ সেকুরেনা-পু তা ন্যানে ।। ইতাৎপ ভি গক্তে ७० भटेनः ॥ 🗱॥ क्रमानः माः त्नक् র্যথা। তিসেঙ্কেল্য জ্রিপর্বালো মৃধ্য-या टेन्कभित्री। शब्दयः सथ्याया मिक् द्वारा भक्ता १९ ॥ इस्छ भ-क्रिंडिश विषय॰।। 🗱।। माक्रिविषय भिक् यथा। शब्दा ननामाना शिव वरहर देव कमार । शर्ववयः गर्धाः भागा खर्द्धात्मकः समारुदा ॥ ११-ৰ্বন্যন্ত ভজন্য মেক ভ'দ্বদ্ধি পা-ब्रिजा # ॥ श्वितिहातिष्य (नक यथा। जनामा संयुगाया के गृजागुर

ख्रा॰ ख्रा॰ । किनिष्ठाशाण उर्छिन्।
छ्रा॰ शर्व मृद्धार्थ ।। ध्यनाम प्र
श्रमाशाण्ड्र तिकः म्राण्ट्रिज्रा॰ ण्रुं ।
। अ। उर्छ हु ज ह्रालितास। यथा।
ध्रमा उर्छ हु ज ह्रालितास। यथा।
ध्रमा अर्थ मह्ह्रि खर्छ थे उर्थ महि।
ध्रमा भर्व मह्ह्रि खर्छ थे उर्थ महि।
ध्रमा । अर्थ महि श्रम हिन्दु का ।।
ध्रमा । इंडि श्रम हिन्दु का ।।
ध्रमा वर्गः भू॰ वकार स्मान्। यथा।
। उर्छ ध्रमा वर्गा वर्गा व्यापा हिन्दु स्मान्। यथा।
। उर्छ ध्रमा वर्गा वर्गा व्यापा हिन्दु स्मान्। यथा।
। उर्छ ध्रम स्मावर्गा व्यापा हिन्दु स्मान्। यथा।
। उर्छ ध्रम स्मावर्गा व्यापा हिन्दु स्मान्। यथा।
। उर्छ ध्रम स्मावर्गा व्यापा हिन्दु सार्थ स्मान्। यथा।
। उर्छ ध्रम स्मावर्गा व्यापा हिन्दु सार्थ स्मान्। स्मान् स्मान्। स्मान् स्मान्। स्मान्। स्मान् स्मान्। समान्। समा

भिन्तः श्रुः महः। ইত্যমর:॥ रिन्नकन्याः क्षो अवद्यवयाः। ইতি द्राजनिर्धः॥

तिन। छी तिन हः ॥ मिनः। ই ि तिनि ॥ च अनः। ই ि इंग्हिन्धः ॥ न हानीनो । ই ि इंग्हिन्धः ॥ तिनानम् । छी न मुग्राधादः। ই ि हात्रावनी ॥

भिनाकः की मन्त्राशातः। इंडि

पनाषुः श्॰ नम्यायादः। इंडि भदः द्वावनी ।।

भिव अ उ "भिवान। ই कि क विकन्न

कपः॥ य विस्तित्र । **उ सिद्छ ।** इंडिप्याहानः॥

বেষঃ পু॰ পশুবিশেষঃ। মেডা ইতি छ । य े उद्भवंतायः । त्राष्ट्रः २ छेत् ভু: ৩ টরণঃ ৪ উগায়ঃ ৫ বৃঞ্চি: ৬ विज्ञः १। इंडापदः ॥ (छउः ৮ হুড: ৯ শৃহ্বিণ: ১০ অবি: ১১ লো-ननः ३२ वर्णी ३०। जम् । माःम ख्नाः ा मध्यत्। भी छत्। एक द्वः। विश्वे-ক্তিত্বণ। কুংল্বল্প । ইতি রাজনি-र्घनैः॥ यिषित। भिक्त भ्राया कत्रवः। व्यमुख मारका मन् जाबाद्धा है जि द्वाजवहारकः ।। द्वा ।। व्यावित्रायः ॥ ঔষণবিশেবঃ। ইতি মেদিনী।। রা-मिविष्मयः । ७८.शर्यातः ॥ किए: २ । **जम**ऽादिहाङी (नवज। श्रन्थायः। ज-चिनी ভदगी कृष्टि भाषादिहरून (म-यतानि ভবতি। यञ जाठ सेन्रमा ভবতি ৷ শেবদশাযা নেত্রদুখী मयाजः धनी गानमधी धार्मिकः श्रीतः মৎস্য মাংসাদ্দীত ॥ স ত প্রো-मगः। अमार्ग्नः । व्यात्रकः भीउका । ध्या कृतः । शिद्धाकः म ভादः । कान्त्रिक्षा । भगास्त्रः। शर्वे उ हाती। श्विमिशिष्टिशादिका रिवमार्वर्गः । जन्नुक्षीत्रक्षः। अन्नग्रानः। सृष्टः । অতিরবশ্চ। ইতি জ্যোতিষ্ণ।।

#॥ রব্যাশ্তি তদু। শি জাত ফল। यथा। त्याय नित्ताम नुक्यः मृत्यमः नद्नाहमः म्याम्भाउः मनानः। বৃদ্ধ্যায়তঃ পিত্তক্তাচ পীড়া বজুো प्ति वा मञ्ज भरहोबाः ॥ # ॥ চন্দুাশিত তদুাশি জাত ফল যথা । छित्रकाना द्रशिक: यक्करेन नंद्रः সূত যতঃ পুমদা বিজিতো ভবেৎ। অনগতে দিনরান ইতীরিত বি-ভূত্যা ভূত্যা সহিতঃ শ্রিয়া ॥ 🛊 🗎 नम् ८ शब करला मानी धनी मुजः। কোণী স্বজনছন্তা চ বিক্রমী গ্র वट्मनः॥ इंडि क्लिश्चेभुतीभः॥ क्ष ॥ उज्ञश्न श्रान । १ । १ १ । ইতি জ্যোতিস্তভ্তু॰ ॥ 🗱 ॥ বিতা-রক শরাকৃতি শুরণা নক্ষত্রয়া गगन मस्यानस्य (मयनग्रम्) अक्षे। **म्भ**शनाधिक मरेखिकागरा छ ति । नथा। जात्रका खय गिर्छ শরাভূতৌ কেশ্বে গগর মধ্যব र्डिनि। गडवार्रभगटा २ जनगुरका निर्ववृश्व मशेषु विश्विकाः॥ #॥ মর্মলাকৃতি,পঞ্চতারক ধনিষ্ঠান-क्बग्र न उक्ताशगुर्भारय (गर्व भग्र बढे विश्वर भद्भाव विश्वर मुख्यार १३ मार्था । यथा । मङ्कालान्यात्र ∥ स्माखः भुः हेन्द्रः। हेि भूबागः॥

সমাগতে ধনে নদ লাক্তিমি : ঞ্চারকে। যাভি আছিমতি । नगु उ: मात्रमाधिः तम घम लि काः ॥ इंडि कालिमामक्छ दावि वाग्निक्शन ॥ নেষক: পু॰ জীবশাক:।ইতি রাজ নিঘণ্ট: 11 भिष्का शृ भिष्कामनिर्मित वजः। उद्भग्रायः। हिनायः २। ইভ্যমর: 11 छल्लाः का ७ कन • यथा। भिष्ठनाः भिष्टा । इति ভावभूकाणः ॥ भिष हक् खन्। ह-क्कू मह भियवती जी अजम्त्री। इंडि जाव-भकाषः॥ प्यवियानिका खी प्यम्भी।इंडि बङ्गाना ॥ (भवम्कः भू॰ ङावत्रविवर्ण्डमः। इंडि : इमहन्मुः ॥ (त्यपृक्ते की अअमृत्रीतृकः। (यहा-**णि ही इंडि डावा। उ**ट्मर्यप्राय: 1 नचार्कः २ । स्विविधानिका ठ व्याः ४ व्या वस्तः ६ (प्रमूकी ७ शृह्यमा १। इंजित्स्माना ॥ सिया की बुद्धिः। अङ्गाही अनाईह ইতি ভাষা। ইতি শব্দল্কা।।

নেবাস্ত্রী বস্তাসীবৃক্ষ:। ইতি রাজনির্ঘণ্ট:॥ मियानुः भूः वर्षतावृक्तः। रैं जि मद **ठिन्तुका** ॥ भिषाञ्चयः भू চक्रमर्नः। ই**তি রাজ**-निर्घण्डः ॥ श्नवाकि अनुभः भू° ठकमर्मः। ইতি बङ्गमाला ॥ নেৰিকা জ্ৰী মেৰী।ইতি শব্দর্ভা-वनी ॥ भिषी खी जिनिषत्कः॥ जिलाभा•भी ্তি রাজনির্ঘণ্টঃ। নেবল্লীজা তিঃ। তৎপয্যায়ঃ। জাল্ফিনী ২ অবি: ৩। ইতি ত্রিকাণ্ডশেষ:।। व्यम्। मृक्ष खनाः। मधुद्रक्ः। नाष ष्। त्रिश्व वः। ककाश रुष्। वाञ भयकत द्वर । (ऋोन) द्वर । (नाममा-यारम्हर अक्ष व । वृष्टित वृक्ष ।। # ।। व्यम्। मिथिशाः। मूमिश्रद्वः। कक পিত্ত করত্ব। গুরুত্ব। বাতে ব্রুত 5 5 4/4, The state are \$1. निव्य भवा सम्मारदरी इ ख्याः । दिल्ला करणा विश्ववद्गारम् अस्ति। बिद्धारिक प्रार्थ है। लाणिरोलभन्न . सह १४: भा क विवाद । १० ३० व्यक्ति भूत १८१ वाट मुनामि ह हिउद्धा

मूर्नाप्ति छात्न खरम्एल इंडि भूछ-কান্তরে পাঠ:॥ #॥ তদ্যা ঘৃত গু-ণাঃ। অতীব গৌরবাৎ সূত্রমার দেহিনা॰ বর্জ্জাত্ব॰। বুদ্ধিপাটকছর-षः। वलावरुषः। वश्रवाः विमुशक्ति কারিত্বঞ্চ। ইতি রাজনির্ঘণ্টঃ।। त्ममूर्व की मण्यवाः।यथा। कर्य স্থানঞ্চ দশান খ । নেস্রণ নাস্দ্ত । ইতি জ্যোতিস্তন্ত্ব• ॥ **ारः भुः भुष्यस्ता**गः। ইভ্যম্বः ॥ (भयः। हो डे मद्याहिन्युका॥ श्र-সু1ব:। ইতি হেনচন্দু:।। मिर्मी खी रित्रिम्। इंडि तन्नगाना।। দেহন জ্লী শিল্প:।ইত্যমর:। মৃত্র• । इंडि मिनि ॥ जात्व १ न हे शुछ्र-(प मृखाएमर्गक ॥ भएनः পु॰ गूक्षकत्कः। ইতি রাজ-निर्यक्तः । भिरुना जी महिला। ইতি क्रिटि !! विकार की यक्कीयभावितिभाषः। यथा । भिक्रगातीनारु एतमागन-ि । इस्प्रजा श्रीय नियार्ल स्मातः **भिक्र**णः ভবেए। वृद्धः वान्यः शृथुगु भवनोन किया क्रम् । ইशार्क भूमानः। भुारमः वविन-খাস্য পুমাণ পরিকল্পিত মিতি। **उर र्छ । अरेवर मही ।** दिल्ल बस्र

मरानु त। पदी द्वाक्त भृथ्गा उ जीया ज्याका । मुष्ता पृथान বাৰ্কে স্বাগতে সৃদ্দে তথা।। ইতি সংস্কারতভূ•॥

देशवः ली जनवाशानकवः ५१। यथा । रिन्डारा भारत श्रांभजीह विक র্ষিশ্ব্য নধ্যে পরিবর্ত্ততে চ।পৌ कारमात ह मुजाबिरुष्ठा भुव्धारङ मात्र हर्छः। म ।। इंडि डिप्रापि छ छु ।। # ।। भ दी स्वाट मर्गः। यथा 1 उठः कनाः मम्याग सर्गारेमवः नात प्रतारिन अंज्या निष्विष्क भान-कीका ना भिकः नुवः॥ कलाः उपः कान । रेनक निवाहतजाक भा-युनयकाए भूबीरवाएनर्गः। इंड्रा-ক্লিকাচারতত্ত্ব ॥ অপিচ। ব্রান্ধ্যে नुद्रः छ । जि. हेर जूर । तकार्य নাগ্য: শেরীরচিন্তা নির্বর্ত্য নৈত্রণ कर्च मनाहरत्र ॥ रेमजः मन मृ ত্রেৎসর্গঃ।ইতিরাম্বরল্প ভঃ॥ ৠ। उब निविष्क द्यानाहि यथा। हा । ভন্ন । অগ্রে চৈর শ্রশানে । न मृष्टि वा नशाव्यक ह भाष्ट्रला।

न्मीति कराइन । न সসञ्जय गर्छः यू न गहन् वा मराहरत ।। ज्वाः कात्र कथालय जाजगाल उरेथव চ। न क्षां व वित्त वालि न जी-(र्थ न एज्झरथ।। नन्। नम् न्नीरभ वा भाषद्व न श्रद्धामुक्ती। न स्त्रा-পানত পাদুকো হি ছত্ৰী বা নান্ত-রীক্ষকে॥ ন চৈবাভিনৃথ: গ্রীণা अक बाजागरा गवा । न (नव (नव)-वगरमा त्रभागिभ कराइन ॥ न-(कारा की भि नित्री कन् वा न वाया कि-নুথো থবা। পু ত্যাদিত্য পুত্যনল॰ পুতিসে। ম॰ তথৈব চ।। ইতি 🗐-त्यं डेभद्रिভागে ३२ व्यव्यागः ॥ ना न विखात्रस भारम डे बतथा ७ ्रे अवात्राय मुद्रेगुः ॥ 🕸 ॥ निज-अश्विनि जिन्ना

মৈত্র: শু॰ রান্ধণঃ। ইতি ত্রিকাণ্ড-(मवः ॥

तिय ही लन्याधानकवः। इंडि की स्वरा

कून मती (गाष्ठ रिजाञ्जः भिष ेरिजावक 🖟 妆 १८६८ हेरिला 🥍 जारावनी म

বিন্নুত্রে নুসনাচরেৎ া। ন গোষ্টা 🍴 মেত্রাবক্ষণিঃ 👵 💎 🗥 🔆 🗟 ১৮-198 1

ल जिप्टन् या न निर्वाणा नह शर्बज दिन्यों की निर्वाण । भिवनः मस्रका। न जीर्राव्यायज्ञान न व 📗 कर्म। ইত্যमन्न जन्ना ।। व्यक्ति

विष्णिय रेग्बीकत्र निष्पि यथा
। विष्णि পতি उाच ख वहरेवता ि
की र्रेकः । वह्न की वह्न की ख्रिका ि
नृज्य के स्वा वह्न की वह्न की ख्रिका व्या कि व्या कि व्या कि व्या कि व्या के स्वा विष्णि का स्वा कि विष्णु ना सा स्वा कि विष्णु ना सा विविद्या कि र्ग्य की विविद्य कि र्ग्य कि कि कि र्ग्य कि कि कि र्ग्य कि कि कि र्ग्य कि राम कि र्ग्य कि राम कि रा

নৈত্রীবলঃ পৃ• বুদ্ধ:।ইতি ত্রিকাণ্ড-শেষঃ॥

उड़ोका॥

বৈত্রেশঃ প্ বৃদ্ধভেদঃ। ইতি ত্রি চা-গুশেষঃ ॥ ন্নিবিশেষঃ । যথা । এবং বুরাণং নৈত্রেণ দ্বৈপাধন স্ এতা বৃধঃ। প্রণাদির ভারত্যা বি দুরঃ পুত্রভাষত ॥ ইতি শ্রী ভাগ বতে ৩ ফাড়ে স্বর্গের । বিক সম্বিদ্ধি

য়ত্রেথিক। জী গ্রিল্ক । ইতি তিকা গ্রেশ্যা

বিঃ° ক্লা জ্ঞা িক্স্যভাবং ।। বিঞ স্যুক্ষা: ইত্যাৰ ভৱতৌ ।। বিশ্বী জ্ঞা সীলা। ইতি হেম- **ठिग्नुः** ॥

रेनथन क्री अगुग्धान । यथा। मन-শাতাতপৌ। অনপিণ্ডা চ যা মা-তুরসগোত্রাচ যাপিতৃঃ। সাপুশস্তা षिजा जीनाः मात्रकर्णाः रेमथुरन ॥ रेनथ्रन निथ्न नम वार्छ। जी भ्रम मास्य जागायान भूषाटभन्छ।-भी। ইত্যুদ্বাহত खुः।। #11 मक्ठ• ॥ तठः। इ जानदः॥ मङ् जिः मङ् त्ना नात्रमः रयागः विवाह इंडिक-निकः॥ त्रज्ञ मृत्रज्ञ। व्यनत्या रेर्म-थ्नः । निथ्नाः मक्त्म इनमार्थ স্বার্থেরতৌনিয়ান্যার্থে বাকঃ। সম্ব-क्ष मृत्र या त्रामी निथ्न नि-ষ্যতে। ইতি ব্যাডি:॥ ইতি ভট্টी-काया॰ ভরত:॥क्षा (नियम्) भर्यता-यः। সুরত । অভিনানিত । धर्षि ত ৪ সংপ্ৰোগঃ ৫ অনারত ৬ অবুন্ধচর্য্যক ৭ উপসৃষ্ট ৮ ত্রিভ मुः २ की छात्रः २० महाम्थः २२। इंडि बिकाश्यामयः ॥ व्यवागः १२ गुरमाधर्माः २० ब्र छ॰ २८ निधुवन॰ २० । इंडानद्रः॥ यमा खनाः। विवाज्-ক্ষযকারিত্বণা রতি সম্ভান দাতৃত্বঞ ॥ অভিশ্यनिथनम् श्वाम काम बुत्रकातिस् ॥ यरिमयूनम् शुरमङ् (भर गुष्टिद्राग यश्चिनान्त्र) काब्रि-

ত্ব।। জ্রী সংসর্গ রহিতস্য আয়ু ব্লজ্বা শরীর বল বর্ণ স্থিরোপচিত মা॰সানি ভবন্তি॥ প্জ্যনাশ্-চিহান সেকস্থান লোক সমীপ भा जःकाल मक्राकाल भवंकालय তস্য ত্যাজ্যত্ব ।।এতৎ কর্মণি রজ यलाकामा मिलना वक्ता वर्गाका है। वरपारकाक्षा वहाथिय्काक्शीनामः তী বেশ্যা যোনিদোষযুক্তা সগে৷ वा एकभन्नी जिक्कृ नी कभर्दे वज्रश রিণী বৃদ্ধা চ ভ্যাক্যা ॥ রঙ্গরণা गन्नत मृष्टेऽायु एखनः कृत्या १ वर्षा क ভবতি ॥ কপট্রু হযুক্তা গুৰু গল্পী সগোত্ৰা বৃদ্ধা গমনে এব পৰ্বকা লে সন্ধ্যাকালে চ জ্রীনৈথনে পাপ মাযু: ক্ষমক ভবতি ॥ বয়ে। ৰূপ গুণোপেতা প্ৰশীল সমন্বিতা অধিকানা• জ্ঠা নলস্কু গা• বাজী-করণ পীডিভাঞ্চ পুনদাণ ক্সে **१** विकास के श्रेक्यः (সবেত।। শ্রুক वर्ष्वक मुद्राः नणकंतः भी उलक्षन या शीद्धा कानवागःकनाः मुक्तशः मिन्स्ति। इही। भूगमा माम ति क्टेः कान्का गदा उपन् मूच स्रालिट ।। जानकृष्णमान जूनाता ধাতুবৈষম্য নেতিয়া নতান্তে স্থান• সশ্বরক্ষীরপান নিদুগোডিকরস

ভোজনঞ্ হিত । ইতি রাজবল্প ।। # ।। व् अमिवरम जान्ने स्मिथ्नः ण्डाकाषु यथा। मात्रन कीर्डन ते निः (भुक्तनः ७ इ जायनः। जहाः **২ধ্যবসাযশ্চ ক্রিযানিয়ক্তি রেব** চ নৈথন বিবিধ ত্যাজ্য বুতে কীং विवृष्त्रय। इं जि वृक्तिववर र्ज गनश्रि थएउ ८ व्यथ्रायः ॥ 🗱 ॥ व्यम् वि निर्वादी यथ।। वाजातुनगमः भरु স্বপন্ন্যা মবনীপতে। পুলামর্ক্ষে শু ভে কালে (জ্যেষ্ঠ যুগ্মাসু রাত্রিষু। नामाजा॰ जु जिय॰ गहिनाजुना॰ ३ রজৰলা। নানিষ্ঠা। ন পুঞ্জিতা। नाशुभछा॰ न छर्विगी॰॥ नामिक्रिगाः नाने/कामा॰ नाकामा॰ नान/साविः ত । কৃৎকামা মতিভুক্তা বা স্বয रिषि र्छ रेन यु जिः ॥ माजः मुग्गन ধৃদ্পুীতো নাখাতঃ ক্ধিতোপি-বা। সকাম: সানুরাগশ্চ ব্যবায় প্ৰধ্য अब्हा ठठ्ने मार्डेगी हिंद তাং তে লাং, পুনন্ধা পরাণ্যেতা-কিমিপ্রেক প্রিছত জিরেব চা। ंड । १ मान्य सम्बंध वेश प्री**वाज-**र के कुल्या, जिल्हा राज्य राज्या ल् 🐪 मध्यम् भृतः ।। भरत्यस्य (मार्क् उपाट गर्याहिक मेरिका) ভাব্য ক্রান্ত প্রের্ম ধ্যান জপ্ত

भरित्र में दिवः ॥ नानप्रयानावरयात्नीः वा नाग ज्र्कीयव ख्या। द्व दिक क्षाक वावायी नामुयी खरवट ।। চৈত্য চত্ত্ৰ তীৰ্থেষু নৈব গোঙে চ-তুর্বথ। নৈব শাশানোপবনে সলি-লেযু মহীপতে।। প্ৰোক্ত পৰ্ব মশে स्वम्देनव ज्भान मक्तुर्याः। ग्रहः শ্ব্যবাৰ মতিমান মুৰোলার পীড়ি जः॥ পর্বভিগনো १६८न। दिवा भाभभूरता नृभा जूवि রোগাৰছে। न्ना **मश्रभरका जनाभरम। शत्रमात्रा**ः মগছেত মনসাপি কদাচন। কিমুবা-চাঙ্গিবন্ধোগি নান্তি তেষ্ ব্যবাধি-না॰।। মৃতে। নরক মভ্যেতি হীযতে। আপি চাযুষ: ৷ পরদার গতিঃ পু•সা মূভ্যত্রাপি ভীতিদা।। ইতি ন্রা-मनातिषु अञ् मटम् वृत्था वृत्त्वर । गर्थाक (मायशीत्मयू नकारमञ्जूका-ৰপি ॥ ইতি বিষ্ণুপুরাণে ৩ অংশে े विशायः॥ 🗱॥ भवजा किना 🖂 म् एका यथा। नाम्न गः महास्तर है देना है। **भव** तिर्वे १ (१) १४७ । तुरस्त पर १८ किया के **अंदर संस्**र 1 7 7 7 March 1995 Committee of the March 1995 777 4 -, , .. ्जा। देव-्रास ४, −

मा भ दिस्त बाह्य कि जिया তথা।। বান্ধণক ভবেদ্ভা তথা त्राकः **म्हजूर्खनः। अखस्राम्** ভবেদ্ধ यङ्शायधिका ভবে<।। गाञा गाञ्-यम। यमु गांज्नानी भिज्यमा । পিত্ব্য স্থি শিষ্যন্ত্ৰী ভগিনী তৎ गथी उथा ॥ जागितियी उथा हिव बाबभन्नी उरेथव ह। उथा भुवुक्किछ। नात्री वर्ताटक्ट्ठी उरेथन ह।। इंडर्ग-म्यास निर्मिश्वी सामास गमान नदः। শিশুস্যোৎকর্ত্তন• কৃত্বা ততন্ত বধ মৰ্হতি ॥ ভ্ৰাতৃ ভাৰ্য্যাগমে প্ৰাদ্দ-**अस विद्या जिल्ला कार्य । ठाडानीक** শ্বপাকী বা গছন্ বৰ মবাপু যাৎ।। ভির্য্যানৌ চ গোবর্জ্য सिथ्ने या হভিসেবতে। স পণং পাপু যাদভে जम्राम्ह यवामान्त• ॥ मूवर्गक छ-विष्य (अ)। गा॰ वृहन् मन्रहाज्य । दि-मारागाभी विका मरखरा रेक्नर मून সম-পণ ॥ গৃহীত্বা বেতন বেশ্য लाजापनाक गह्जिः (वजन विख-ग॰ मन्त्राम् अक विख्य ख्या। यन्त्र अधिकार वा पन्डाए नतामन्त्रम ্রণাৎ। তস্য দণ্ড॰ ভবেদাজন্ ृ (पन्र ह सायकः॥ बीद्। (जानाम-(या मन्द्राम्हारभूता विखन (वजन•। वाकाक दिल्प एख ख्या श्रामा न

সর্ব্বে তে দ্বিগুণ দম। দদ্য: পৃথক্ शृशक् मार्ख म ७३ वि ७१ भत्र ।। इंडि मार्मा२०) व्यागः॥ মৈনাকঃ প্ পর্ববিশেষঃ। তৎ

भर्यायः । हित्रगुनाजः २ भूगाजः ০ হিমবৎসূত: ৪। ইতি জটাধর: ।। न जु हिमानयमा (कार्ष्ठभूयः। যথা। ততো ভগবতী পাছ गেन-का॰ मृति मिन्छा॰। मिन्छ भूई॰ **उना उम्याः প্র**यञ्जी मनाরथः ॥ গ্রীদেব্যবাচ। **শত**ণ পুগ্রা: সণভব-ন্ত ভবত্যা বীৰ্য্য সংযুতা:। তবৈকো वनवाम्रथाः भूषमः मःভविषा्रि ।। এব মুক্তা জগদ্ধাত্রী তত্রৈবান্তর थीय उ। स्निका ह मूर विद्या यहा न श्रविरवण है।। उठः कारन ठू मः शुरि रेमनाक महरला छन । পক্ষেণ সহ যোদ্যাপি সিজুমধ্যে পুरर्ख्छ ॥ भनक। जुमूर पर्वी (मरवन्तुः म्लक्ष्यागठः । वार्तार **भाजः भू धान् क्यार्त्रा भृषु (व ह**े ।

ইতিকালিকাপুরাণে৪০খা । বিরোক रिगनाकश्वमा अो भावर्दः २० स्मार्ग । उत्तर विकास स्वा (इन्डमु:॥

মৈনিকঃ পু॰ জালিকঃ।ইতি সিদ্ধান্ত ध्योग्मी॥

शिया ।। वर्नाः वुक्छ। (नकाः रिमनः भूः विक्वधान् विकार हैि (इमहम्मु: ॥ अस्मितिल्लः ইতি রামাযণ 🔢 रिमन्तरा मु॰ विकार विकार

D=#: 11

মৈরেয়- ক্লী মদ্যবিশেষঃ। ইত্যমরঃ ।। यहानि जीवृज्ञिक्त्रतेनः शर्देत्र भेरिक्तामत्ता जत्त् । रेमद्रयः था-তকীপয় ওড ঘানার সংহিত। ইতি নাধ্যেন ভেদঃ ফুচঃ। তথা-**शि मृत्रा मेनान्टि**ऽर एटः। मात्रः काम॰ जनया दिनात्वयः (करः। नि-পাতনাদাত ঐত্ব । ইভি ভরত: ॥ মোঘণ তি নির্থক। ইডালর:॥ शीन । इंजि पितिनी ॥

भाषः श्रु भागीतः। इंडि मदः गाना ॥

মোঘপুয়া জী বন্ধ্যাইতি রাজ-विद्धः॥

ল স্ত্রী পাটলাবৃক্ষ:।ইতি মে-\* े प्रश्नः। ইতি भद्रभावा॥ ্ন পাচীর । ইতি

THE PARTY OF THE STATE OF THE S

सिक्दः १ १५ । इस्ति।

निगुः । विद्रागी। इंडि (इमहन्मुः ॥ मुक्कब्कः। ইতি द्राजनिवंकः॥ रमाहन क्षी (माकः॥ क्लून ॥ म्युः ।। भार्ग्रः। ইতি गूम्शाः जात् २ न हे भु छ । एवन नि झ च ।। माठनी **जी क**णेकाती। इंडि करें। धदः॥ भाक्का वि ॥

स्वाष्ट्रत्रः भः भान्यविनिर्यात्रः । তৎপर्य। । स्मान्मु १ स्मान **जाूवः २ (नाव्रनियानः ८ निह्नि** नातः ৫ मूत्रमः ५ मान्यनी ८३ १ (नाहमातः ৮। यम् खनाः। क्या यद्व• । कफ वाज इत्रद्व• । त्रजायन प् । वन भूष्टि वर्ग वीर्यं भुक्कायु (में रिनिक्षिरपुर । गु।हिद्का इंडि ब्राजनियंग्रेः॥

(माठा खी भाना लिक्कः॥ करली वृक्तः । इंडामदः ॥ नीनीवृक्तः। ইতিরাজনির্ঘণ্টঃ॥

गाठाहेः भू क्षकीतः॥ द्रञ्जान ॥ भनायाच्छतः। इंडि स्ट्रिक् 

भाना ।

मर्छ अपिक । भू कृत्या । अपर्य स्मानकः भू क्री थाम्। वित्मयः।

(मार्वेकी जी जानिनीविष्णवः। इंडि र्नायुषः॥ (मार्वन क्री ठ्नी कत्रन ।। आक्कनः । इंडि मूहेशा द्वर्यनर्मनाट ॥ মোটন: পু॰ বাযু:। ইতি রাজ-निर्घण्डः॥

মোটনক ল্লী একাদশাক্ষর ছন্দো-विष्यः। यथा। न्यात्याहेनकः छ জ काम्हन भी। द्राव्ह थनु मल कला बनानम्हान्त महा उठे लाहे. न हरा यः किंवि वायन छकात गरन সংসার রিপু পুতি মোট্যত্।। हेिं ए त्नाम छाती ॥

भागे। खी वना। इंजि ताक्र निर्यण्येः॥ মোউ। বিত লী জীণা স্বাভাবিক-**मणविधानका**ता छर्ग ठालकात चि-শেষ:। ইতি হেনচন্দু:॥ তল্ল কণ यथा। काष्ठ मात्रन वार्खास्ने श्रमि-প্তভাব ভাবতঃ। পাকট্য মভিলা-न्य साजायिक मूनीर्यारक। इक्रु-ज्यलभीनम् शिः॥

किन्त प्रभवत्रथः। ইতিনেদিনী भागत्य विश्व क्षित्र क्षित्र क्षेत्र क्षेत्र

क्ष्मा । जेर्च क्ष्मानागडलुः॥ त्याया इति ভाषा । इंडामनः ॥

वामा मानमात्वा यथा। नामकः ষাদু সংযুক্ত শর্করাদি বিনির্ঘিত। ম্যা নিষেদিত ভক্ত্যা গৃহাণ পর মেশ্বর।ইতিদুর্গোৎসবপদ্ধতি:।। গুড়ঃ ॥ যবাসশর্করা। ইতি রাজ निर्घ है। गर्क द्वाहिषात्राभाक्षेष्य विरमपः। अभा भूववीर्याः यगामः তিষ্ঠতি। ইতি সথবোধ:।। হ্যু কে ত্রি। ইতি মেদিনী॥

(भारकः भ्र॰ वर्णमङ्ग्रमाञिविरणवः । মযরা ইতি ভাষা। স চ শুদাবা॰ ক্ষত্রিযাজ্জাত:। ইতি সৃতি:।।

মোদন ক্লী শিক্তৃক। ইতি বাজ-निर्घणः ॥ इयः । मून्यापूर्धनर्भः नार ॥

भारतारिनी खी खर्। इंडि त्राज-निर्घ है: 11

भारवडी जी बनमझिका।काठेम-ज्ञिका ইতি **ভাষা। यथा। म**मयखी গন্ধবতী নোদবন্ডী খরস্বরা।ইতি রত্নমালা॥ অপিচ। তৃণশ্ব্যামোর্ **मग**डी ज्भनी समयष्टिका । इंजि भद्दञ्चावनी ॥

भाषा की **अक्रामा। ই** जित्राक निर्घण्डः ॥

(मामायाः भू बाह विर्देश ॥

भागाणा जी अवस्तामा इति রাজনির্ঘণ্ট:॥ হর্ষযুক্তা চ॥ **गारिजः** वि इर्ययुक्तः। मूर्याजाः কর্ত্তরি ক পুত্যযেন নিয়ম:।। (मारिनी खी व्यक्तमारा॥ महिनकः ॥ यूथिका ॥ कछूत्री ॥ सिन्ता ॥ मिल्लकाभू ब्रविष्मयः । उर्भिर्गाः यः। वर्षभञी २ व्यभात्रिका ७ वृख-মল্লিকা ৪। অস্যা গুণা:। নেত্র-द्रागा**भर्ड्दः।** कर्दूदः। উक्कदः । दुगन्नद्भः। गन्नदङ्बद्धः। व्यामान রোগনাশিত্বঞ্চাইতিরাজনির্ঘণ্টঃ::

भात्रहें की इक्र्म्म ।। यहार्रभू म । मधदाबादभद्रकीद्रः । इंटि (विषिनी।।

भारतेः भुः नजाभुरज्यः॥ कीतः भावि। इंडि ভाषा। उ८ পर्यायः । कर्गभूझः २ भीन्भवः ७ मधून्वः ৪ ঘনমূল: ৫ দীৰ্ঘমূল: ৬ পুৰুষ: ৭ क्वीत्रामात्रहेः ৮। कृष्टि भुखरक ্ৰণ্ণুয়স্থানে কীরপুয় ইতি পীলু विद्यान भीवभुक इंडिह भाठा य । स्वाः । की उत्तन्त्र । मध्-इक्। जन्मका । विकास ह बुद भाक्षा १ ८०,७०१ वृद्धाविदक्षमञ् आभूत्कः। इति । विकास विकास विकास विकास

निर्घणेः॥

त्मात्रके जी मूर्व। ইত্যमतः॥

त्मात्रकः श्रु उक्षतः। ইত্যमतः॥

नात्रणः जी वृष्येनः॥ (इपनः। तथः।

हेि यूष्यात्वा जीत्र १ निर्माः।

त्मात्रिक्षं जि त्मात्रपक्र्या। त्वितः।

हेि यूष्यात्वा छन् श्रुव्यत्वान्यः।

विद्वानः॥

াহঃ পু॰ মুছা। ইত্যমরঃ॥ অ विन्ता ॥ इंडि जिन्नि ॥ मृःथः। इंडि भक्तद्वावनी ॥ (प्रकाप्तियु णाञावृष्तिः। इंडि गीजामृत्वाधिः न्ताः श्रीक्षत्रसामी ॥ व्यानोः वृक्षाता বৃদ্ধিতো জাতঃ। যথা। বুদ্ধে মোঁ। एः नग जवर रक्षाता र ज्यारः। न মোদ শ্চাভবৎ কণ্ঠান্ত্যু র্লোচন।। তো নৃপ।। ইতি মাৎস্যে২ অধ্যা-यः॥ (मारु इक्न ॰ यथा। नम् नाजा मन लिखा नामय॰ गृहिनी गृह॰। এতদন্য মমত্ব যৎ স নোহ ইতি भेखिंगः॥ इंजि भारमें दिस्पार्या णमाति ১५ व्यव्यायः ॥ 🗱 ॥ धर्मा বিম্চত্ত্ব। যথা। অকামতঃ কৃত্ত পাপু, বেদাভ্যাসেন নশ্যতি। কানপ্ৰস্ত কৃত গোহাৎ প্ৰাথশিচ ेडः পৃথগ্বিধেরিতি॥ নর্ত্র নোহা

দিতি কো মোহ:। অত্র, মোহ শ-দেন দেবেন্দু বুদ্ধি পূর্বো ব্যতিক্রমঃ িউচ্যতে পণ্ডিতৈ নিভ্যুণ পুরাণে সাংশপাষন:।। ইতি ভবিষ্য পুরাণ वहनार बाज वृष्टि भूर्खा वाडिकः भा भारः। ইতি জিকनः। उन कामना मामर्थारत्व वृष्त्र वंस्वार । উচ্যতে। শ্দুস্য ব্ৰাহ্মণী॰ মোহা-म्गह्उ इंड्याप्तो मूर्वेविष्डि इंडि ধাত্বৰ্গানুসারাৎ অজ্ঞান মাত্র নো-रः। यब जू कामना भएका २ छि जब ভবিষ্যপুরাণ শক্ষেতিত মোহশ क्षा न गुाशः। किस धर्माविम्छवः भारः महाधर्म कृष्को मन्त्रा मन्त्रः कर्न्डावा द्वागाट कर्न्डवाजा जुमः । यथा वरामः। भारत्। धर्यविग्रादः মানস্তাত্মাভিমানিতা। এবঞ্চ ভ-विष्णभूद्रागीय वृक्षि भाषाभाष्य জ्ञानस्योजिष्ट मञ्ज्यमञ्जात পাপগৌরবার্থ মিদমূক্ত মোহাদি-তি। ইতি পুায়শ্চিত্তবিবেকঃ॥ 🕸॥ মোহকৃক্ষো যথা। সুমনোবাচ। শু,ग-তা মভিধাস্যামি সর্বসন্দেহ নাশ-नः। चन्न गूनातमा गर्व विद्धाः न मर्नन ॥ (माडः भाभम) वीः जा १य भाष्ट्र। गून छ उन्। वि । व नजुः जनः ह काक्षा मागा माथा

जूविखतः।। मस्य कोर्टिमा **भवा**नि जक्ठा भूब्रिडः नरा । रिभम्ना **७**ग्रा भाषा अञ्चान कन (भव-हि॥ इम्र भाव ७ छोत्राम्ड क्राः কুরাশ্চ পাপিন:। পক্ষিণো মোহ व्कन्ध माया नाथाः नमान्जाः .মাঃ ফলস্য হি। ভাবোদকেন সং-वृष उम्र मबार मजू भियः॥ य-थर्य उन्। मूत्रज्ञिः (क्रुर्ग्ह मधुत्राय-(छ। जामृतेम क के! नित्कव मुक ला लाज भारभः॥ उत्र हायाः সমাশ্রিত্য যোনরঃ পরিবত্ততে। ফলানি তম্য যো হশ্নতি সুপত্না-नि मित्न मित्न। कनानान्त ब्रामरेनर অধ্যোগ তু পোষিতঃ ॥ সুসংপুঞ্চো ভবেমর্ত্য: পতনায পুষছতি ।। ইতি পাদ্মে ভূমিথণ্ডেস্অধ্যায়ঃ। भाइन की मुद्र उर । इंडि इमहन्तुः ।। (कामगर्व्व। यथ्यानिषात्रामुक्षठा করণ ৷ তত্র ছোনে ২ঞ্চলিনিশনে৷ यथा। (भारुमः वन्त्राकामः 🐒 गञ्चकन उथा। शुरिमानी कि **ভ্যা॰ मर्व मिड्ट भूमिर्गा**ङ शाइनाकय-रेक्ट क्लाउताहाउँ-गः ज्या । कानेश भवागाक्ष भः ातान जुलीलया ॥ विविश्वकन

## শোইরা

स्वाविः क्वी देननित्न भुनयः ।
यथा। वरः भक्षाणमस्य ह गरं जु
्युक्तरा। नृभादिन नित्न सु भूनयः दारिष পরि ही हिंजः॥ राश्वाविण्डः
ना र्भु क्वा दिनविक्तिः भूता जेतः ।
छत्र नर्द्व भूग्रेशण हन्मु कि हिन्
भी खेताः॥ च्या दिज्ञा वन्नरवा कृतानिवस् । भागवाष्यः। व्यवस्या नृनिवस् । भागवाष्यः। व्यवस्य ।
स्वस्य । भागवाष्यः। व्यवस्य ।

खथा।। वृक्षालाक यगुः मर्स वृक्ष लाकाम्य खया। गर्छ रेमनन्तित বুজা লোকা শ্চ সস্জে পুন: ॥এব॰ भाजाद भग्रेष्ठः भवगागू क तुन्तनः। বুন্ধণাঞ্চ নিপাতে চ মহাকল্পে। ভ-বেদৃপ্যাপুকীর্ত্তিতা মহারাত্রি: সা वि ए भूता छरिनः। इं छि तु ऋरिवदर्ख भुक्**তि**था ७ विशायः ॥ 🗱 ॥ भारः कर्डवरागुरः न এव दाबि রিব রাত্রি: বুদ্ধিনোহকরানিদাক পা। ইদানীস্তৰ জনানা রাত্রি রি **তि वा. इंडि (नवीमाङ्ग्र) हो का गा॰** विम्यावित्नामः ॥ 🗱 ॥ जन्या हे भीताः बिः। यथा। मीला ८ मव ठ जर्ममा। ন্মযা যোগ এব চেৎ। কাল্রাত্রি র্মহেশানি তারা কালী প্রিযক্ষরী॥ क्याप्रेमी वर्षणानि माह्राजिः भुकी खिंछा। ज शिया नायत भुक्ता क्लवातक मःग्रा।। हाक्या की-र्ভिटा (मिर्वि मर्बिंगिष्क्षभद्गीशद्गा । ইতি শক্তি সক্ষতন্ত্ৰ।। नारुगाञ्च॰ क्षी अविष्ठाक्षतकपुर्वः। यथा। (गामिकि श्राइ वित्भुन्यु। ना-लाका जगवान् इतिः। नविषवाश भुक्रव भूगाजामाणि मस्त्र ॥ भ सहर ऊन शांक्त करणा (दना कि नि ছ: গ। তথাপি ভক্তবাৎসন্যাদু

ক্ষিতব্যা নহেশ্বর ।। অমাতিঃস্ব-র্বএবেনে গম্ভারো নরকানপি ৷ অ-मादि (तत्वाकानाः त्रक्रनाय हनाः পিনা ।। বিমোহনাব শাস্ত্রাণি कत्रियादा व्यथ्व॥ এव॰ मस्याः **थि** (ज) कपु भाष्य न भूता दिया । চকার নোহশান্ত্রাণি কেশবোপি শিবেরিত: ॥ কাপাল নাসল वाम रेखत्र न् र्ब निष्म ।। नक् রাত্রণ পাশুপত তথান্যানি সহ-जुमः ॥ इंजि कोर्ग्य >८ व्यवतायः ॥ (माहिनी खी जिलब्रमानी भूझ । इंडि बद्दमाना ॥ अमू पुमञ्चनकारन দেবানা নমৃত পানাযাসুরাণা• নোহনায চ ভগবদবতারবিশেষঃ । यथा। बानु छत्र॰ बारुणभ॰ जया-मन्म (भव छ। अभाषयर मुद्रान-न्डान् (माहिन्डा (माह्यन् खिया। ইতি শ্ৰীভাগৰতে ১ ফল্পে ৩ আ-ध्रायः ॥ ऋखिन्याविष्नयः। यन्तराः শাপাৎ বুন্ধণো ২প্রাড্র জাত।। যথা। যতো হসসি গরেণ ভড়ো २भूष्ट्या ভवाठित्र । अठिताप्तर्भ ভঙ্গ তে করিষ্যতি হরিঃ স্বয়ণ।। निदाध भन्नगः वुक्तन् ऋ विभाग्रायाकः সাল্যু ত্রণ তবৈব কবচ স্তোত্রণ ম-ख· गृह्गाठि (या नद्रः ॥ ভবিতা জ-

স্য বিষ্ণু স যাস্যত্যুপহাস্যতা• । ভবিতা বার্ষিকী পূজা দেবতানা॰ যুগে যুগে॥ তব মাঘ্যাঞ্চ সংক্রান্ত্যাণ ন ভবিষ্যতি সা পুন: । ইত্যুক্তা भारिनी भीषु कगाम गरनाजय ।। তেন সার্দ্ধ রভি॰ ক্রা বভ্ব বিজ্বা পুন:। ইতি বুন্ধবৈবর্ত্তে 🗐 कृष्णक्रम्था ७० व्यव्यागः॥ विख त्रख वृक्षन्नाद्म मुष्ठेवाः ॥

भाक्ष कि क्षित्र। इंडिकविकन्न क्यः ॥ कि याक्यि याक्रि । ইতি দুর্গাদাস:॥

भाकः भ् मूकिः॥ भावे निव्कः॥ भावनः। इंजि भिनिनी ॥ मृजुः। ইতি হেমচন্দুঃ ৷৷ মোক্ষপর্মস্ত ম श्वाबाद्र भाष्ठिभर्वि मुक्टेवाः॥ भाक्षकः शुः मूहकृत्कः। इंडि बाजनिर्घणः॥

(भाष्काभागः भू मूकिमाधनः। **ज्जू जनः। ममा** मिः। (यागः। জ্ঞানঞ্চ। ইতি হেমচন্দু:॥

भोजनाः भू काकः। इंडि (इस स्मेडि) की पन्छ। देखि दा व **ठ**न्मः ॥

रमें किन की मुका। इंडामद्रः॥ भिक्तिक उल्लाः भू धवन्यावनानः। ইতি রাজনির্ঘট:॥

भिकित्रभूमवा जो . मुक्तिः। इंडि

त्राजनिर्घ छै:॥ भोकिकण्किः स्री णुक्तिः। मूर রবিদুক্ ইতি ভাষা। ইতি রা निर्चण्डः ॥

নৌথর্য্য ক্লী নৃথরত্ব । নৃথরস্যভ इंडार्थ का अंडार्यन नियम । দৌথিক ত্রি মুখসন্ধনি। মুখসে

मिकार्श कि के भुजारयन निव्वत्त भोक्षी जी गृक्षनिर्घाउरमथना यथा। विभूमा क्वांगमाशि भो क्षी माप्रक्षिगायत । मिक्सा বিশাণ কাৰ্য্যণ নানধ্যাবে ন সংক্ৰমে ॥ यनुः। (योखी विव्य समा सङ्गा कार्य। विभुभाराथना। क्वविरमा **চ भोही जिं। रिवमात्रा मनजास्वी** ॥ মুঞ্জালাভে ত কর্ত্তব্যা অশাশ্ম-ন্ত চ বলুজৈ:। ত্রিগৃত। গুড়িনৈকেন ব্রিভি: পঞ্চ রেব বা ॥ ইতি

क्षीवृगाथाः भू मूखः। इंडि ना क्रिक्टिंड ॥

সংস্থারতক্ত ॥

নির্ঘণ্ট: !!

भोक्षीवनः शु गुक्षस्यवादक्षनः। উপন্যন মিতি যাবং। যথা। इ.स. ভাদপ্তমে সিংহে নীচান্থে শতুভি छातो । मोक्षीवकः मुङः (भाक শ্চতে মনিগতে রবৌ ॥ ইতি জ্যোন তিনিবন্ধে নারদ্বচন ॥ নীচ্য ক্লী মোহ:। ইতি হেমচন্দুঃ॥ নিবিং পু॰ কাকঃ। ইতি ত্রিকাও-শবং॥

श्रिक्तां श्रेष्ट मुद्रानम् निष्याः। म ह श्रिक्तां श्रेष्ट । स्मार्ग भक्षभ्वताः स्था। दे हित्रन जार्गत सामम्याः स्थान हित्र स्वामीभिका॥ श्रीन क्षी मूद्र ज्वानिज्यक्ताः। हैजानवः॥

্রীন• ক্লী শব্দপুরোগরাহিত্যণাত্তৎ भर्यायः। अजायगः २। जुकीः ज वृष्णिका । इव्यान तः ॥ कर्माद-**भारव भोनाहत्रग॰ यथा ।** छहारत्र रिमथुरन रेठव भुजारव मछशावरन। স্থানে ভোজন কালে চষট্যু মৌন मगाहरत्या इंजि जिथाहि जुः॥ ोनी नु॰ মুনি:। ইতি ভটাধর:॥ भानगुरक जि। यथा । मिनीवानी बह् इानि यि (मामिन जित्र । (गानर्जुक्ल॰ मन्। र ग्रान॰ ग-स्मोनिना क्ष्ठा। এउह स्मोन नकः (गारय नात्रका क्रान्य) छ॰ कार्य। 🚂তু স্থানকা)দনতে। ইতি ভিথ্যা-**मि**जङ्ग ॥ नीत्नयः भू॰ शक्कर्वननिवासः।

यथा। गन्नवीश्वतमः भूगा भौनि याः स्व निर्वाष्ठ । विज्ञानि स्वार्धः नोज् र्रें गियु त्र निथ स्वथा ॥ ध्वताश्वे स्वथानाः म्वर्यु वहां स्वथ्यक । यूग् उत्वाभय कार्या निष्ठि क्विव्यथ स्वथा ॥ ज्ञर्थाप्ताः मालिमिताः भर्यु नुष्ठ व्यक्षमः। इर्द्धाः एव गन्नवी क्विल्लाह् बाश्वताः॥ इर्द्धि विश्वतानः ॥ भोतिकः जि मुद्रज्ञवाष्ट्रः। इर्द्धुः

মারজিকঃ তি মুরজবাদকঃ। ইত্য-মরঃ।। মৌর্থণে ক্রী জাড়ণে। ইতিকেমচনদঃ॥

(मोर्था) क्री बाष्णः। ইতিক্মहन्यः॥ भोदी खी धन्र्छनः। ইত্যমतः॥ অজশ্বী। কোঁগা ইতি ভাষা। ইতি রন্ত্রনালা॥

त्मीतः शृ ज्याप्तम् नक्काजा।
त्माउन्हें ज्ञाया। यथा। य भवन्याया। त्मीनाः मामलाः यानिनः
विषुः। जप्त्यम्याग्यम्य पाठव्यः।
त्माउन्हें मही। हें प्रायञ्ज्यः।
जम्य नक्ष्मः यथा। त्य ज्ञ भूवं मामलाः भणाः प्रायः भणाः।
जम्मलाज्ञ ज्ञामलाज्ञ भणाः।
जम्मलाज्ञ ज्ञामलाज्ञ भणाः।
विके विजाः।। हें मिजाक्ष्मः।।
त्मीनः भू ज्ञी प्र्या। कित्री हें।।
मण्य ज्ञाम्यः।। हें मुजास्यः।। मण्यकः।
हें दिम्हन्दः।।

भोनः भु वामाकत्कः। ইতি भिनि॥ भोनः खी ज्ञिः। ইতি मिनि॥

भोलिकः भू ज्लीनिकः। यथा রাটীয় বারেন্দু ব্রাহ্মণস্য শুোভিযঃ ख्या कायञ्चा भोनिकः। व्यव माकिगाउँ विमिक वाक्राना अ ন্যপূর্বাপরিনেতাপি তৎপদবাচ্যঃ ।। বক্ষকাবস্থ স্যুস্চ মধ্যন্য শব্দ वाह्यः। यथा। अध नथ्यन्य नक्त मारु। मधानाः नाद्या कृष्ट हेजानाः। फिथ छविन्थवट । नश्जनाः अवानः ধ্যন্থ স্থানস্য বিশ্যেক্ল নিত্য र्थः । मध्रम् नम् मा न क्षा खरा হলানে তর সিদ্ধা বংশ জাতকত্ত্বে সতি দশপ্ৰুষ ব্ধি অনব্<u>ছিল্ল জ</u> क्षाईनद्वः मथानाद्वः। त्र ह विविश्वः। সিদ্ধ: সাধ্যক্ষ । সিদ্ধারণ পুকৃত মধ্যন্যত্ব'। পুকৃত সিদ্ধবংশজা-তত্ত্বে সতি দশপুক্ষাব্ধি হলা-**ईकद् भिष्कद् । भिष्कभना का**ङ्किएव गिक म्मेशुक्याव**धि अवा**ईकद्व जाश्रद्धः। जामा भुमःमा मारु। व्यनीन व्यवत्रकार्थः दिवारम्यू भी-भाष्मया। এ:उदा॰ खन भाष्म् अ নধ্যন্যঃ হল মূত্তম• 11 ইতি **হল**-धीतिका ॥ 🗱 ॥ मिक्नित्राणीयकाः

यञ्जाडे नामानिका गणा। लाए-ঙৌ কীর্ত্তিমন্ত শির বস্তি কৃতা মৌলিকা যে হি সিদ্ধা ভেদন্তা: সে-न मात्राः क्र ७२ जरिजाः भाषि-जा: ति·इ (एवा: ) (य वा शर्गानि মুখ্যা: স্থিতি বিন্যয়ধ: সপ্ততি স্তে मि भूदी भिजार्ग वीका बाउन है-রণ গুণ্যুতা মৌলিকত্ত্বেন সাধ্যা: ॥ অপিচ। সেনো দত্ত: করে। জেবো मारमा (मवः भुजिष्ठिज:। भानिजः निः इ पर्माछ। छइ: मामीनिकाः মৃতা:।। 🕸।। দ্বিসপ্ততি সাধ্যমৌ-লিকা যথা। হোড: স্বর প্র প্রণী বাণ আইচ সোন: পই সুর সাম:। ज्ञा वित्नत छह वन लाधः नर्या वर्मा इहे जुहै हन्मुः ॥ क्ष्मा ब्रक्ति उ রাজাদিত্যে বিষ্ণু নাগ: খিল পিল ग्उः। ইন্দে। खक्षः भारता ভर् अम म्ठाक्तुत्र वक्तुत्र वाथः । नाइ (ई(मा মানো গণ্ডোরাহা রাণা রাহুত সা-ना। पार्श पाना गण छेनाना। · थामः (कात्म। यत्र रेव ७वः वीन ন্তেজ শ্চাণৰ আশ:। শক্তি ভূতো वुष्का नानः (क्ष्टन्या एक्रान वर्षन त्रकः। ७३: की खिरणः अरखा नन्धी শীলো ধন্র্গা:। ইতি দ্বিপ্ততি মৌ **विकाः॥ 🗱 ॥ व्यन्तरहः। ५२८५। ज्**रस्व

काको छह मन्न थहा माम है भानशीमः (मत्नी प्रखः मृपखा म-हिउ बन हयः भानिए । श्रम्भानः । সি॰হ: সি॰হপুতাপ: ক্ষিতি নি॰ क्त क्त्रा मान मकः कत्त्रा श्रमो গ্রোডেঃ সাছতা তে গুণগণ নি भूगा भोनिक द्वन मिकाः ॥ 🛎 ॥ হোড বাণ ধরণী খিল সোমা ভুঞ্জ বিন্দ ওহ রাজ রাহুতা:। ক্রুপা ল বল সাম রক্ষিত। লোধ শম্ম खूँिय वर्षा वस्त्रताः ॥ वन्तु मारि গুৰি ভদু পৈসুর। গণ্ড ভণ্ড ঘর কীৰ্ত্তি বৰ্জনা:।ক্ষেন ছেন গণ নাথ विकरवा वुक्त ब्रञ्ज शिल एई धर्च भाः ॥ তেলো श्र्व यत श्राविष्ठ শক্তি ভূতা: কোনৌষ শান বিদ भीव यामान नन्ती। पाशकृतः नु भूज इथ मताशमाना नानान गुंठ বিদিতা ভূবি কীর্ত্তিনন্ত: ॥ হে- ॥ সাদিত্যো রাণ রাহা সানা চ খা-মক স্তথা। দ্বিসপ্ততি নিতাঃ সাধ্যা মৌলিকা বিদিতা: ক্লিতৌ।। ইতি ब्लाठार्य्यकातिकः । #॥ म्लन्यः স্ধিনি মৌলুস্ম্রিনিচ তি ॥ ाविषा निमानिया यथा। शका

যা পৌষল সান মহাপাতক না

শন। ইতি পাুুুুণ্চ ভত্ত্ব্ত ভ

विष्ठाभूत्राय हरनः ॥ स्ट्रांडात्रंडः न्याद्वाप्तम्भवं । स्ट्रांडाप्तम्भवं । स्ट्रांडाप्तंड्रः डर्डा व्याद्वादे स्वयः । स्ट्रांड्रः डर्डा व्याद्वादे स्वयः । स्ट्रांड्रः डर्डा व्याद्वादे स्वयः । स्ट्रांड्रः च्यादे स्वयः । स्ट्रांड्रांड्रं विषः डर्डः ॥ हेडि स्ट्रांडाद्वादं चारिभवं ॥ स्वयमः स्ट्रांड्रं वि॥

নৌষ্টা জী মৃষ্টিপৃহরণকীডা। ইত্যমর:। মৃষ্টিপুহরণ অস্যাণ কীডাযাণনোষ্টা ফ: ণিত্তেবি রিভি বৃদ্ধি:
যযোলেপি ইতি ইকারলোপ:।
জিযামত ইত্যাপ। ইতি ভটীকাযাণভরত:।।

মৌহ্র্ত: ) পু॰ জ্যোভির্বেতা। নৌহ্র্তিক: ) ইত্যমর: ॥

। অভ্যাসে। ইতি কবিকল্পজন: ॥ অভ্যাস: পৌন:প্ন্যেনানুশীলন•। মনতি সন্ধ্যা• ব্ৰাহ্মণ:। ইতি দুৰ্গা-দাস:॥

মুদ ৰ ম ড কোদে। ইতি কৰিকল্পজনঃ ।। রেফযুক্তঃ । ক্ষোদ শ্চূণী করণং। ম সুদযতি ব মুদা ড মুদতে
কাননং দন্তী। ইতি দুর্গাদাসঃ ।।
মুদিমা পুং মৃদ্তা। মৃদুশবাদিমন্
প্ত্যবেন নিয়নঃ ।।
মুদিষ্ঠঃ ত্রি অভিশ্যমৃদুং। মৃদুশবাদি
দিপ্ত্যবেন নিয়নঃ ।।

मुनीयान् वि वि विश्वित्रमृतः । सृतः

गदानीयम् भुज्ययन निञ्जतः ।।

गुक्र क गुक्रां ।। (त्रुश्तः । हेि

किविक् क्षक्राः ।। (त्रुश्वादिः । मु

क्षाः पुर्वात्र पुर्वा । । ।

क गुक्रयं वि वृंद्यनानः ।

हेि पूर्गानामः ।।

मुक्क मः घाउ। ইতি কবিকল্প क्षमः ॥

त्रिक युक्तः हिः । मुक्क कि भयमा माकृत् (वाकः । ইতি দুর্গাদাসः ॥

मुक्कः भू स्रताय गृह्यः । ইতি ত্রিকাওশেষः ॥ मुक्क १ १।

मुक्कन क्री रिजन । इंकि स्मिन्न्यः ॥
तुव्यम्य प्रशास्त्रन मः रामाक्रमः ॥
त्यक्रमः ॥ त्रामीक्रमः । इंकि मुक्क
थार्डा जीर्व २नि भुज्यर्वन निश्रमः ॥

मुाठन क्षी रैक्वडी मृखकः। ইতি শব্दिनुका॥

ष्ट्रेगाराजी गुर्थः। दे**ि पूर्गारामः**॥

पुष प उचाप। इञ्जिक्तिक व कनः ॥ प व्यक्तिस्ट्रिट । स्पूष्ठि व्यक्ति उचापाठी छार्थः । इति पू र्गापातः ॥

নুক• ক্লী চোরিত•। যথা। চোরিত• মূবিত• নুক• পুতীতস্ত পুতীছিত•। ইতি ভ্রিপ্যোগ:॥

মান ত্রি মলিন। যথা। মলিন ক্রত্তর মান ক্ষালঞ্চ মলীমস । ইতি হেনচন্দু:।।

मानिः खी काश्चिक्यः। ইতি सिथा-তো ভাবে জি পুত্যবেন निञ्चमः॥ सिष्ठेः क्री व्याप्तश्चेताकाः। তৎপर्याः यः। व्यविष्णश्चेर्रा हेन्यानदः॥

মিষ্ট: । বি অব্যক্তবাক্।। মান: 1 ইতি মেদিনী।।

মুচ উ ইর গভ্যাণ ইতিকবিকল্প-জন: ॥ উ মোচিত্বা মুক্ত্বা । ইর অমুচৎ অমোচীৎ । ইতি দুর্গা-দাস: ॥

ক্রিছ॰ ল্লী হিজুল•। ইতি রাজনি-র্ঘটঃ।।

हाः भ् किताउभवत्रभ् तिम्साहिः कार्यः। इउप्रतः। भागत्र (जनः ।। भागत्रकः॥ यभ जावनः। इठि भित्रने।। (यहानेनाः भर्ववर्यतः। हिउप्रकः इतिवः। भगत्र खाः भृठिक्वाक छत्रा व्यकः निम्मप् ह। धर्मः क्वान (उघाः वि विभान् नप्रदः हकात्र ह।। यकः भकानाः भित्रस्मा वृक्षियेषा वप्रमर्जयः। जवः नानाः भित्रः भर्वः कारवाङानाञ्चः रेथव ह।। भात्रम्। मृक्रक्णाम्ह भः इवाः भ्रामुवाह्मिः। निःवाद्याय

वषर्काद्राः कृष्ठा एउन महाज्रमा ॥ শকা জবন কাখোজাঃ পারদাঃ পার-বা স্তথা ৷ কোলিসর্পা: সমহিষা मार्जा (कालाः जत्कव्रलाः ॥ विकिष्ठ वहनामाजन् जगात्रग महाजाना শকানা শকদেশোন্ডবানা ক্ষত্রি-অত্ৰ জবন শব্দ স্তদ্দেশোদ্ভব বাচী চবর্গ তৃতীয়াদিঃ। জবনো দেশ বেগি নো রিতি ত্রিকাণ্ডশেষাভিধান দর্শ-नाट ॥ 🗱 ॥ (छवा॰ (म्रह्य मनू)कः বিষ্ণুপুরাণে। তথা কৃতান্ জবনাদী-নুগক্রন্য তেচাত্মধর্ম পরিত্যাগাৎ सिह्य ययू ति । (वीषायनः। (गा-भाभ थामरका यक विक्क वर्ः ভাষতে। সর্বাচার বিহীনশ্চ শ্লেদ্র ইত্যভিধীয়তে॥ ইতি প্ৰাথশ্চিত্তত-जु॰ ॥ 🗱 ॥ जिभिष्ठ । (म्वयान्तरा॰ ययात्र हो भूषी यमुः जुईमूण्डा শর্মিষ্টাযাণ ত্রয়ঃ পুলাঃ জহ্যঃ অনুঃ পুৰুণ্চ। তত্ৰ यम পুভূতৰ শচৰার: পিতু রাক্তাহেলন ক্তবন্তঃ পিত্রা শপ্তা:। জ্যেষ্ঠপুত্র যদ্ শশাপ তব वंरण রাজ। চক্রবন্তী নাভূদিতি । তुर्वम् (कश्नून् भणाल युद्याकः वः भाग (वस्वाक्या (सहा ভविषाष्टि। ইতি 🗐 ভাগবতমত: 🛚 🛊 🗓 অন্য

। শক জবন কাম্বোজ পার্দ পত্নবা **एन। माना छ**र अन खन विषिष्ठः শরণ যযু:। অপৈতান্বশিঙো জী वस् उकान् क् द्वा नगद्रगाह । वट्न द गाल (मिंड की दम् उरेक त्रम् o:। a:उ ह भरेग्व दृष्ट भुविद्धा भाननाय निजयना विजमक् भिन्न **छ** । भ उत्थि उन् গুকু বচন মজিনল্যে তেখাং বেশাং नाञ्च नकात्रयः। ज्ञवनाम्मुखि नाः রসো १क মুণ্ডা করে। পুলম্ব (कनान् भातमान्। भञ्जाताः क भा-শু,গরামি অবেগ্রার ব্যট্টকারানেতান ন্যা॰ চ্চ ক্তিয়া॰ স্চকার। ভেচাক্স ধ্যা পরিত্যাগাদ্ধান্দৈ পরিত্য ক্তা স্লেছ হা॰ হয়ঃ। ইতি বিষ্ণপুরাণে 8 वर्ष o अक्षायः ॥ # ॥ भूका রাম্বরেণ তদ্যো**ৎপত্তি র্যথা। সূত উ**राह। व•त्भ बायस्त्रुत्व **द्यामीनत्त्र**। ৰান পুলাপতিঃ। নৃ:ত্যান্ত দুহিতা তেন পরিণাভাতিবৃদ্ধী॥ সূতীথা নাম ভদ্যান্ত বেণো নাম সুতঃ পুরা । व्यवगं निवजः कामी वनवाम् वजुः थाविषः ॥ भारत २ श्राधर्मक्काः एः भा नार्याभशावकः । ध्यानात পুনিত্য বাতে। १म् ग्रहिडिः ।। अनुबीरका १ शि न एरेन नुद्धाः स

यमा ७७:। भारभन मोर्गिद्वन मता कक जगापि जाः ॥ मगश् वा क्षणा छम्। वलात्पर भवलायाः। তৎকাযামথ্যমানাল নিয়েত মে-ছজাত্য:।। শরীরে নাভু রংশেন क्षाक्षन समभू जाः । इंडि नेर्-इ जाया जाम नित्यत्या दथा। न गाउरपिष्ठिकाछिः कलानि व क-লেন তু। ন স্লোধাণ শিক্ষেত্র ना क्षष्ट भराजन ।। इंडि कीर्ब्या উপরিভাগে ১৫ অব্যয: ॥ 🗱 ॥ **७मा मधाना जान भी गांज रंथा ।** र छ । क जूब शाक माना (सहाक গহিতাঃ। সি হা ব্যাহ্যা বরাহাশ্চ नष्रमा अनभीगिः॥ इंडि मान-(व :२ व्यथायः ॥

মেছকন্দ: ত্রি লশুন । ইতিরাল-নিঘণ্টঃ।।

सहकातिः वि शामाः ज्यानक वर्षः
विश्वकातः व्यानक वर्षः
विश्वकातः व्यानक वर्षः
विश्वकातः व्यानक वर्षः
विश्वकातः व्यानक वर्षः
विश्वकार्यक व्यानक वर्षः
विश्वकार्यक वर्षः

कार्याका करनाः सकाः। भात्रमाः भक्त्रवा भीवाः किताला प्रत्रहाः খশা:।। মুখ বাহ্য পজ্জানা ব। লোকে জাতথো বৃহিঃ। স্লে: বাচ শ্চার্থ্রাচঃ সর্বেতে দৃষ্যর: মৃত্যা: ॥ इंजि नानत्व २० व्यवतायः ॥ सिहारमाः भू ठाजूबर्गतावञ्चापित-श्चि**रानः। ७८भ**र्गायः। পूजासः २। इंडानद्रः ॥ ভाরত वर्ष भारा छ॰ পুতিগঃ পুত্যন্তঃ। মেছ্যতি শিষ্ঠা-চার হীনো ভবত্যক্র স্লেছঃ অল্। স-हास्मो (मण: महिल श्राहरमण: 1 कि-ন্ত্ৰ। নেত্ৰন্তি অসংস্কৃত• ব**দন্তি শি**-প্রাচার হীনা ভবর্ম্বাতি বা পচাদ্য-নি স্লেছা নীচ জাত্যঃ তেষা দেশো স্লেছদেশ:। ভারতবর্ষস্যান্ত: শি-ষ্টাচার রহিত: কামক্প বহাদি:। উক্ঞ। চাত্রণ্য ব্যবস্থান যথিন (राष्म न विरु छ । श्लिष्ट एषाः निव জ্ঞেৰ আৰ্য্যাৰৰ্ত্ত স্ততঃ পব্ন মিতি। ইতি ভরত:॥

অন্যন্ত্র পৌওকা শ্চৌডু দুবিতা

মেছভোজন• 🏦 বাৰক:। ইতি **শদ্** 

नद्वार्थी क्ष्राच्याः । **३७** विकासमः 🚩 स्वाप्**यः । ३७** विकासम्बद्धाः

सिकार है। दी प्राप्त । इंडि

হে মচন্দু: ।।

শ্লেছমূথ ক্লী তামু । ইভ্যমর: ॥
শ্লেছমূখ পু শ্লেছভোজন: । গোধ্ন:

। ইভিকেচিৎ ।।

(यहात्र) ही **जाम्। इंडि हाजा** यनी।।

শ্লেছিত জী শ্লেছভাষা। অপশদ:। তৎপর্য্যান:। পরভাষা ২। ইতি হারাবলী॥

(सर्वे व उचारि। इंडिकिविक्सुफ्नः
।। व व्यक्तिहें । (स्वेडि लाकः
उचारि। ठेडिनुगीरामः॥

स्म व उचारि। इंडिकिविक्सुफ्नः
।। व व्यक्तिहरू । (स्वेडि। उचारेडिजुर्थः। इंडिनुगीरामः॥

स्म व व उपाति। इंडिकिविक्सुफनः॥ व व्यक्ति। इंडिकिविक्सुफनः॥ व व्यक्तिस्तिहरू । इ (स्वर्ष्ठः
। इंडिनुगीरामः॥

ন্ন কান্তিস**ংক্ষ**যে। ই**তি কবিকল্প-**জন: ॥ স্লায**িত চল্দ্যে দিবসে ।** ইতি দুর্গাদাস:॥

य

য অন্তঃ হ্র থকার: । সচ ষ ছি: শহলবর্ণ: । অব্স্যান্থারণ ছান তালু: ।
তস্য স্বরূপ যথা । যকার শ্ণু
চার্ক চিতু ছোণ ম্য সদা। প

लालध्र महाण स्वरं भार कर खनी ॥ भक्षभाग स्वरं भार एत स्वरं भार । जिल्लि निह्डं वर्ग कि कि स्वरं भार्त ज्या ॥ भूग सासि स्वरं वर्ग स्वरं ख्या ॥ भूग सासि स्वरं वर्ग स्वरं स्वरं के स्वरं स्वरं के कामस्वरं भूकारा यथा। खन् था कर लायन भ्रात् यथा। स्वरं स्वरं कर का रह्म भ्रात् यथा। स्वरं स्वरं कर का रह्म भ्रात् यथा। स्वरं स्वरं कर का रह्म भ्रात् यथा। स्वरं स्वरं स्वरं कर का स्वरं स्वरं

यः भूः वाषः॥ यणः॥ यागः॥ यानः॥ याजा। इजि भवत्रञ्जावली ॥ अर्द्वनाम। यम्भवार्थ इजि याद । इजि विषः॥

যক: ত্রি য:। যে ইতি ভাষা। যদ্ শব্দা টেরত্বে টে: পূর্ব অকাগ নেন নিম্লম:।।

चक्ट क्ली ब्राक्षमंकित जागहराः म थ ७ । उट भर्यायः । कालथ ७ २ । इज्यायः ॥ कालथ छ ० कालय ० ८ कालक ० । इजि ह्मा न्युः ॥ कत-७ । ७ महानायः १ । इजि तज्यः ॥ अ ॥ ज्य भत्रीतावस्व विष्मयम् । चक् जः स्वभ भाष्ट् । याद्या मिक्षा-ज काभि क्रम्याम्यक् जः स्थितः । उबु तक्षक निष्ठमा इनि (मा)
उक्ष मठ ।। क्षा । म्यथ यंकृत्
नार । श्लीरानयमा (रुदापि म
उ । यक्षानयमा (रुदापि स
।। यथ यक्ष्णा हिकिट मा। व्रें
रहापिष्ठाः किवाः मर्वा यक्रा
मनाहर्द्द । कार्याक्ष पिक्षण वारः
उज्ञ (मानिङ स्माक्षण ।। क्षातः
विष्ठक्षा छा। भृजिकमाषु निः
उ । भिर्देद भा उर्था विद्य र
क्र श्लीरभुषा हर्य ।। ইजि जाः
भुकाणः ।।

यक्राजिका छी उन्नभाषिकाः इंडि भूम हिन्तुका ॥ यक्षित्री भू॰ (त्राह्डिक वृक्कः। यथः । श्ली हर्षा नाः ममनता यक्षित्रीः हन्ह्रमः। इंडि भूम हिन्तुका ॥ यह्न जि मानकर्छा। उभत्रमकर्छा। मानवारा यंग्रवाराण भञ्भुड्डा (यन निञ्जाः॥

যজ ঐ ঞ ঔ দেবার্নানসঙ্গতী
। ইতি কবিকল্পনা । সঙ্গাক্
তিঃ সঙ্গক্তিঃ ঐ ইজ্যাৎ । এ
যজতি যজতে বিষ্ণু সুধী:। প্রথা
ভীত্যর্থঃ। পশ্ন। কদু হলকে পশু
ক্রোয় দদা হীত্যর্থঃ। যজতি সন্ত

अन में अन्य मन करता जी उर्थः

श्रिक्त । इंडि पूर्णा पानः ॥

श्रिक्त । यथा। ज्रम् पृणि

श्रिक्त शर्वि भहानि जिन स्र्यां (ज्रा)

रेडि शिक्ष (स्रो को मूर्णी ।।

हेडि शिक्ष (स्रो को मूर्णी ।।

যজতিঃ প্রাণ:। যথা। যজতিষ্ বেন্তানহং সর্য্যানানুযাজেষু।ইতি মলান্যতভূপ্তাশুতি:।। ব্রুব্র: প্রাথাহোত্রী। ইত্যুণাদি কাষ:।।

यहन ही यागः। उख्याकागा वह कराष्ट्रगंड कर्याविष्णयः। यथा। অব্যাপন অব্যয়ন যজন যাজন ভার। দান পুতিগৃহদৈব ব্রাহ্ম-ानामकशय्य ॥ इंडि मानत्रः 🕽 व्यक्तायः ॥ व्यम् वक्तन यथा। পশু ক্রীরাজ্য পুরোডাশ সোমৌ-य व हवा भुज्ि ईविजि: थिरिज পলাশাখখ न्यात्राखाजूषत्र शुक् िङ्किः अभिष्किः मुक् मुत्वाम्थल भूवन स्टीत थनिवयूनमाक मर्छ ঠমালাল পাবিত্র ভাজনাদিভি <u>দ</u>্র-व्यात्व हर्रो क्ताञ् स्थावश्यूरं तुः कानि छ श्रीवृतिः काम्य रेनमिंडिः कानाः भ कारि भूईकानाः यथाक प्रश्विमानाः ननाश्वनः युक्तनः। ইতি

শুজিবিবেকগৃত দেবলবচন ।। বজন্ পু বাগকর্তা। বজগাতোঃ শত্পুত্যবেন নিম্নমঃ।।

यक्षष्ठः भू॰ यागकर्ता। यक्षधाः वर्ष भुजायन निम्नमः। ইতি निकार्षः कोमूनी॥

यक्रमानः भृ अक्षत्रजारम्हे। उ भर्यापः । तुर्जी २ यक्षा २ । इत्रा-मद्रः॥ वुड्राप्तिखयः यज्ञभात्न। च-ধ্বরে যাগ বিষ্যে মম ইঙ্ক সম্পা-मनाय यथार्थ कर्म ज्य इंडि अदि-জা নাদেশকো যাগৰামী বুভ্যাদি-**मद्भव** वाह्य इंड्रार्थः। वुड्रायना जि नारिशाद्रगः विष्ठारा रुगा वुडी हैन् া যজতে ইতি তৃনি যষ্টা। শানে যজ মান:। স বুতী সোমপানবতি অ-थुरत यबभानः मन् नीक्कि উচ্যতে व्यनाखान्। भाक भी-(अर्जाभनम्न व्याप्तय्कः ही-ক্ষাশব্দাদিতো বা। ইতি ভরত:।। यकाकः कि मानकर्छ। ইত্যুণासि-(कायः।।

यकः भ् यद्वा। इज्रुगापिकायः॥ यकः क्षी विषयिः। इज्रमतः॥ इक्ष्राज श्वाति यकः। यदि व्यो प्रवाद्यं पान सक्ष्णे। वासूनि-स्ट्राज्य हेज हम। इज्जिनः॥ ॥

जानिह। यजूदार किभिनिः। त्नरव वा यबुः नदः। (नर थक् नाम-ভিন্নে মজ্জাতে তত্ত্ত বন্মজ্ঞজা-छ॰ भुन्निया भठिङ गानामि विष्ट्-দ রহিত• তত্মজ্ রিতি। ইতি তি थ्राम्बङ्गः॥ 🗱 ॥ यज्ञाद्यंत्रं म्र व्र শীতি র্ভেদা ভবস্তি। তত্র চরকা না ম দ্বাদশ ভেদ। ভবস্তি। চরকা: ১ षाखद्रकाः २ कठाः ७ शाह्यकठाः ८ किश्वकिशः ६ ज्यानिमाः ५ जा-श्रानकोः १ हात्रायगीयाः ৮ वात्राय-ণীযা: ১ বার্ভান্তবেয়া: ১০ স্বেতাশ্ব- 🕆 তরা: ১১ মৈত্রাযণীয়াক্ষেত্তি১২। ত-ত্র মৈত্রায়ণীয়া নাম সপ্তভেদা ভবস্তি । भानवाः > पृन्यु जाः २ टिक्याः ० वात्राहाः ८ शातिमूरवयाः ৫ मात्रानाः **৬ শ্যানাযনীযাকেতি ৭। তে**ষান ধ্যয়ন মঞ্জেশত। যজু: সহসাণ্য ধীত্য শাখাপারো ভবতি। তান্যে ব দ্বিগুণান্যধীত্য পদপারো ভবতি ৷ ভান্যেব বিশুণান্যধীত্য ক্রমপারো ভৰতি৷ বডকান্যধীত্য বডক বিজ্ঞ বতি। শিক্ষা কল্পোব্যাকরণ নিৰুক্ত• ভ্নে। জ্যোতিষ মিত্যঙ্কানি। তত্ৰ श्राष्ट्रप्रांनीष्ट्रा॰ रेनर्स्स छ्रा॰ निर्स छ्रः। তত্র বাজসনেখা নাম সপ্তবিশ ভেদা ভविडि! कावालाः ১ छैदियाः २ का-

शेः । नाशानित्नाः । भूनीयाः ए ভाপावनीयाः ७ काशान्। ब्रेशीखः वं नाः ৮ वाविकाः ई भागाविक-काः २० भावामर्याः २२ देवस्याः >२ दिरानयाः >० छ (चयाः >८ गानवाः २० रेवबवाः २५ काउप्रायनीयारकाञ्च २१। পुजिभम मनुभमः ছामरा ভाষा धार्या भीभा ना नहार खक इंजुह्मा-ব্যানি ভবম্ভি। উপজ্যোতিব > সা-ক্লকণ ২ পুতিজ্ঞা ২ অনুবাক্য ও পরিসংখ্যা ৫ চরণবৃত্ত ৬ শান্ত্র १ भुवद्राध्यायण ৮ माखः २ कड्ः २० मः था। १२ अन्गमः १२ यद्धः १० পাশ্বান: ১৪ হোত্রক ১৫ পশব: ১৬ উক্থানি ১৭ কুর্মালক্ষণ ১৮ ইত্য প্তাদশপরিশিপ্তানি। দ্বে সহস্তে শ-তে न्रान मस्य वाजमानयक । इंजू 5-ক্ত' পরিস্থ্যাত মেতৎ সকল স मुकिय ।। गुन्ना म भित्रमःथा।उ॰ वाकानक ठजूलंग । जामावाबज्ञ (वराष्ठ वुक्त व्याकृष्ठि भूबंक ॥ (वर-মধ্যায় এতেষা ছোমান্তে তু সমা-ब्रट्टं। ७७ टिबिबीयका नाम बि ভেদ। ভবন্তি। ঔখ্যাঃ খাণ্ডিকেযা-শ্চেতি। তত্র থা গুকেষা নান পঞ্ ভেদা ভবান্ত। আগত্তী ১ বোধা-यनी र मजायाती ० श्रिगारकी 8

ভাৰ চতি ৫। তব কঠানান্ত্ৰ পা 🔭 । চত্শ্চ হারি শত্য भगुष्टा 💎 🧠 द्वारया र्वन 🖫 छनः यव भावेत्रकः यक्दर्वनः न वि জেয়ে। খনেঃ শাখান্তরা: মৃতা:॥ युक्त्र्द्रनम् धन्द्रित उभावनः। य জরেদস্য ভারদ্বাল গোত্র-। ক্দু रेमवे ५१ । रेकडे छ छ नतः । यजुर्दिनः क्नः। दीर्घः। क्नानी। जामुवर्गः। काक्षननयनः। जातिज्यवर्गः वर्णन। শঞ্চার ব্রিনাতঃ । অস্য ধ্যান । ব-লে টেল লেষ্ট্রভণ ভাষ্বর্ণণ ভাষ্ 🤋 জ 🕟 । । । । । । বজুৰে: नः मोध बारिडादर्गः काशानीनः শक्कात्रों माजः ॥ य इनः रेनवजः कणः अविश्वामानः इत्तावनं वर्न-্ৰত স্থ বিদ্যা**ণ লভতে স** বিদ্যা**ণ**॥ विविद्या अभ जन्मनि (विन्थादि। ভাৰতি। ৯ ৯ জন্মনিবেদধারে। ভব-্ড। গ্রুডোবুতী ভবতি। অপুষ-া প্ৰতে ভবতি। অবুন্ধচারী ্ষচারী ভবতি। জাতিমরো জা-মতে: ইভি চরণব্।হ• ॥ ্রেদঃ 🦠 বেদবিশেষঃ। ভস্যা-विभ ि यंगा अस्ति विभ कि जी दः भारतः : अ जः। यजः त्रा ः मामाजा १थवं त्वत्र।

ह् ॥ इंडि (ब्रांडिय॰॥ चन्र रखा रिवननायनः। म जू जानात्वक वः वात्री । यथा । सामृत मुनवकः रिनन बगाह न महाम्निः। यज्रि म भुवकात रेवमम्भायन स्मव हा। জৈনিনি সামবেদস্য শাবক সো २१ नम् । তথিবাথ ई (वम्म ) मृ-मह मृति नडमः॥ এक व्यानीत्र-कुर्वित खक्ष रूर्थ। याक्स्य १ । ठाज्-হোত্র মভ্দিমিণ স্তেন যক্ত মথা-करता ।। अधुर्यव॰ यज्जु र्जि मार्ग वि र्शाब दिखालगाः। देशाब ना-মভি শুকে বুন্ধবৃঞ্চাপ্যথৰ্নভি:।। ততঃ স খাচ উদ্ব্য খাণ্নেণ ক্ত-वान् भुज्ः। यज् वि ह यज् दिन भा-মবেদঞ্চ সামভিঃ ॥ এ হবি শতি ख्रिन अयुन कृ उवान् भूता । শাখানান্ত শতেনাথ যজুর্বেদ ম-थाकत्तार ॥ माग्रतमः महरम्न শाथानाक विष्ठम्जः। अथदीन नत्था (वम॰ विष्डम नवत्कन जू। इंडि क्लिर्फ्य ८२ व्यथायः॥

यक्कः भू॰ ইकार्ड हिनी यं उद्वा उद्भग्रीयः । भवः २ अवृतः ० यागः ८ मछ उद्घः ६ मथः ५ क्वा १। हे अन्तरः ॥ हे छिः ५ हे छै॰ २ विजान॰ २० नन्तरः १२ साहवः १२ स्वनः १०

इवः ১৪ অভিষयः ১৫ ছোমঃ ১৬ श्वन ११ मशः १४। ইতি শবরর। वनी।। म जित्यः। माजिका बाज সিক স্তানসিকশ্চ। সাত্ত্বিক্যজ্ঞো 'যথা। অফলাকাঙ্ক্লিভি র্যজ্ঞে। বি-विम्रक्षे। य इबाउँ । यष्टेवा भारति भनः मनावाय म माज्किः ॥ द्राज-সিক্যজ্ঞে। যথা । অভিসন্ধায় ভু क्ल म्यार्थ मिल हिन यट । इ জ্যাতে ভরতশেষ্ঠ ত॰ যক্ত॰ বিদ্ধি রাজসং ॥ তামসিক্যক্তো যথা। विधिशीन मम्श्रीमः मखशीन मन-ক্ষিণ । শুদা বিরহিত যক্ত তা মস॰ পরিচক্ষতে।। ইতি শ্রীভগ-वज्ञी जाया॰ ১१ व्यव्यायः ॥ 🗱 ॥ नह नानाविधः। यथा। मुव्ययक्का उर्ला-यक्ता (यागयका खपा भारत । सा-श्वाय ज्ञानयञ्जाम्ह यजयः नः निज বুতা: ॥ ইতি জ্ঞীভগবদ্গীতাযা । ৪ व्यथायः ॥ # ॥ शक्षयञ्च। यथा। অধ্যাপন• বুন্ধযক্তঃ পিত্যজ্ঞ ত-र्भगः। हामा रेमरवा विव ভीर्छ। ক্ডে ১১৫ অখ্যায়ঃ।। #।। তস্যোৎ-পত্তি যঁথা। খাষন উচুঃ। কথং যজ্ঞ । इन्। (मरहा यक्कव् नाथवान्। ः अञ्च मगमम् लू वा बद्राष्ट्रम्। कथः

वैयः ॥ जत्मा २८८ (मास्त्रमानानाः कथरम महामाउ। अभानात्राधर हे-वाह। मृत्यु विक मार्म् ना यट म्-ষ্টোহ• মহান্ডুত•। যজেষু দেবান্তি-ষ্ঠন্তি যজ্ঞে সর্ব• পুতিষ্ঠিত• ॥ যজ্ঞেন ধ্রিযতে পৃথী যজ্ঞ স্তারযতি পুজা:। অনেন ভ্তা জীবন্তি পর্য্ণ্যাদ্দ স-स्रुवः ॥ भर्यारात्रा काय्र यक्का नर्बः यक्कनयः ७ जः। म यद्धा १ ज्वः बार्गा कागा नामु विनाबिजा ॥ यथारु॰ कथरय जन्नः मृत्रञ्ज्वरहिज। षिজা:। বিদারিতে বরাহস্য কাথে ভর্গেণ তৎক্ষণাৎ।। বুক্স বিষ্ণু भिवा (म्वाः मरिवम्ह भूमरेषः मरु। निन् ।-র্জলাৎ সমৃদ্ত্য তৎ শরীর নভঃ পুতি ।। তদ্বিভেজ: শরীরন্তে বিকো শ্চক্রেণ খণ্ডশং। তস্যাক্র সন্ধ্রে। यक्ता बाजा (उ रि मृथक् भृथक्।। যমানেমাচ যে যক্তা স্তৎ শৃনুদ্ভ মছ-ৰ্যং। ভু নাসা সন্ধিনা জাভো জ্যো-তিষ্ঠোনো মহাধুর: 11 হন্ শুবণ স क्ष्यास विश्वास्य विश्वास्य । हक्क ৰ্জবোঃ সন্ধিনাতু ব্ৰাত্যপ্তোমো ব্যজা-যত ॥ রাজঃ পৌনর্ভবষ্টোম স্তস্য পোত্রেষ্ঠ সহিনা। বৃদ্ধিষ্টাম বৃহ্টো ো জিস্থানুলাদ্যজাত্ত ৷৷ অতি-द्रावः मरेवदां व मत्या किन्ता वृज्ञानः

ज्र । जीवा भन• तुक्षयकः भिठ्य ॥ कुञ्ज उन्नर्भा (शासा रेमरा विन ভৌ তো ন্যজ্যে ২ তিথিপু জন । স্না-न उर्भग भर्याष्ठ निजायका म র্বশ:।। কণ্ঠ সদ্ধে: সমূৎপন্ন। জিন্তা। (छ। विश्वय खथा। वाजित्मार्था महा-(मर्क्ष्नव्रतमध् खरेष्व ह।। भागिष्टि माः कता (य श्रात) ए जाजाः भारमित-छः। ब्राष्ट्रम्था २थ काबीरमा वा-क्रांभग खरेषव ह ॥ मृष्ठमाको मनूर-भन्ना गुरुगक्का खरेथव ह। <u>न</u>ुजिस्हाट-जर्भवळाक नान माकान्य ख्या॥ হৃৎসন্ধিতঃ সমূৎপদাঃ সাবিত্রী ব-ख **এব চ। সর্বেষা** সাধকা যজ্ঞাঃ প্রাযশ্চিত্তকরাশ্চ যে।। তেমেটু সন্ধি-(ठा काठा यद्धा खम् अस् ज्ञानः। त्रकः भयः मर्भभयः मर्वे रिक्षवा जि চারিক।। গোনেধো বৃক্ষজাপত খু-রেভ্যে ছভবন্ধিনে। নামেষ্টি: পর। মেষ্ট্রিক গীয়তি ভোঁগ সম্ভব:॥ वाङ्वमस्त्री म जाउ। यशिक्षाम् স্তথৈৰ চ। নৈমি ত্তিকাশ্চ যে,যক্তাঃ मःकाष्ठ्रारहो भूकीर्खिजाः॥ नाक्न मस्तो ७ जाञा खथा दामभवार्षिक॰ । जीर्थभुरयाग मामोज यज्ः मक्षरं ्र ग रुथाः। जो कं माथबंगरेक्षव माजि-

যক্তঃ পঞ্চমার্গোতিযোজন: ৷৷ লিক্ সংস্থান হৈরম যক্তা জাতাশ্চ আনু-নি। এবমপ্তাধিক জাত সহসু দ্বি-লসত্তমা: ॥ যজানা সতত লোকা বৈ ভাব্যন্তে হধুনাপি চ। সু,গস্যপো-ত্রাৎ সংজাতা নাসিকায়াঃ সুবো २ ७ व ८ ॥ व्यान । मुक् मुत्र (७ म) (य ভে জাতা: পোত্র নাসবো:। গুীবা ভাগেন ভস্যা ভূৎ প্রাশ্বংশা মূনি সভ্যা:॥ इक्षे। পূर्त यजु र्था जा-তা: শুবণরন্ধুত:। দণ্ট্রাভ্যো হভ-বন্ যুপা: সশা রোমাণি চাভবন্।। উर्गाञा ह उथाधुगुर (ई।ठा मिनिश् वर ह। अगु म किन वामाक भन्हार भारिष् मञ्जाः ॥ भूरताजामाः সচরবো জাতা মস্তিম্ব সঞ্চবাৎ। ক্ষু নেত্ৰযুগাজ্জাতা যজ্ঞকেতৃ স্তথা খুরা । মধ্যভাগো ভবদ্বেদী মে-ঢ়াৎ হুণ্ড মজাযত।। রেতো থারা खरेथवाकाः चत्रामखाः मगूनजाः। यकानगः পृष्ठजाबाद क्रभाद यक्ड এव ह ॥ उनाजा यक्ड भूक्रमा নুঞ্জা: कक्षा अगृ प्रजाः। এव । याव-ন্তি যক্তানা ভাণ্ডানিচ হ্বী বি চ ।। তানি যক্তবরাহস্য শরীরাদে गायः मनूत्र जाः। वाहा ८ वर्षः । क्व द्रा युक्त जानगारः ।। युक्त कार्यः

कल गान्यायिज् मिरः जन् । এवः " বিধায় যক্তন্ত বুন্ধ বিষ্ণুনহেশ্বরা:॥ मृत्वः कनकः वात्र मारमर् यञ्च उद পরা:। তত তেষা শরীরাণি পি-खीक् डा भ्वक् भ्वक्।। बिरम्वा जि भारतिहाति वाध्यमञ्जूथ वायु जिः। मू বৃত্তন্য শরীরম্ভ ব্যধ্মরমুখ বাযুনা। स्यामय कगटमुक्टी मिक्नानि खाउन **९७**व८ । कनकम्य भन्नीवस श्राभ-বামান কেশব: ॥ ততে। २ ভূদার্ছ-পত্যাগ্নিঃ পঞ্চ বৈতান ভোজনঃ। धातमा ज् वन्ः मसु धानयामाम रिव ऋगः॥ ७ ७ आङ्बनीरया १ क्र छ८ क्रनाए नमजाय । এ । ज खि । ज গং ব্যাপ্ত বিমূল সকল জগৎ।। এতং যত্ৰ তাং নিচ্যু ভিষ্ঠতি দ্বিজ সত্তবাঃ। সমস্তা দেবতা স্তত্ত বসন্তে २न्ठरेतः गर्।। ७ छपु भूमः निज्रान-छारव जगाजा है। अ उट जेशी विश्वि স্থান নেতৎ প্ণ্যকর পর ।। যিমান্ **जनभरि हिट्ड कृवस्त्र अन्नव ज्ञयः।** ভিমান জনপদে নি ভ্যু- চতুৰ্বৰ্গে। বি-वर्षा ७ ॥ ७ ७ वः कथि ७ • म ब • यू भृष्ठे विज म उतिः। यथा य**ङ** व ज्ञाङ्ना (पर्हाय**छः इ ना**खनान् ॥ তথা চ ভ্রম্য প্রাণা দেহ। স্ত্রেভাত্ত্ব শাগন্ : ইতি কালিকাপ্রাণে ৩০

व्यव्यायः ॥ 🗢 ॥ तुकान व्योक्यिकः। यथा। भूनखाउँ वाह । भृत्रीय स्व খ্যাত যদা স্বাযম্ভবো ননু:। জাত পরমধ্যাত্মা শতকপাগতিঃ স্বর্ণ ॥ সুষ্ঠা পুজাপতিঃ পূর্ব সৃষ্টি । গাঙ যোজয় । বৎস ত্রমের সংকল্পু है-न्नाः मृष्टिः वक श्रा ।। यगः र्रे भूकः तः गद्मा क्द्रा यञ्ज्ञ विखतः। त्राकाः न्नाञा रहाजावृग्र क्वाता यक्कवा-रकाः ॥ अर्ककमा वय कारना भ-রিবারা: স্বয• কৃ সা:। এতে বৈ ষো-ডশ পোক্ত। ঋত্বিরো বেদচিম্বকাঃ।। শতानि बीनि य कि रखाः स्ट्राः स्यस्या। जीचा हेवाह। यद्धना तु-व्यापा विश्व मनाधि वर माम्यु उ । পুলস্ত্য উবাচ। মনুম্বরে ব্যক্তীতে তু यक्रमावज्रावा १७वट । मिक्स বুন্ধণা দ্বা পুাচী হোতৃৰ 🥌 🖽 🔻 অপ্বৰ্য্যবে প্ৰতীচী ত উদ্ধান্ত 🔠 🤫 👢 उथा। वित्नाकाः महनः **उवाल पक्षिणाः ॥ (ध**न्। १५७) **नाष्ट्रे॰ माउद्याः यञ्ज मिक्तरय।** अक्षु-যুৰ্ণা সহসাণি ষেছ্যা দান নিষ্য-তে।। ইতি পান্মে সৃষ্টিখ ও ১১ জ भागः ॥ 🗱 ॥ त्राकातः । 🖰 👵 यक्ता यथा। व्यातस्त्र हे 🤭 🕾 🕾 স্যু হবিষজ্ঞা বিশঃ মৃত কৰি কা

यकाः मृद्रास क्ष यक्कास वाक्राः ॥ इंडि नाट्रात्र ७३४ व्यथ्रायः॥ 👭 हि॰ना यक्कन्र अवमां कनकवु॰ यथा। **७थ। विश्वज्ञानमृञ्च** यक्कः भावर्त्तं यट भुन्:। रिवरिजः मरु मःश्रु मर्ब-্ৰসাধন স•ভূত• ॥ ভস্যাখনেধে বি ততে সমাজণ্ম মহর্ষ । মহর্ষ । মহর্ষ । जान् मृष्ट्री मीनान् श्रम्गगा खमा ॥ विश्वः जूबाल प्रमृहन् कागः यक्तविष् खव । ज्यक्षायां वलवात्मय हि न। व মেপ্লিगা তব।। ন ন: পশ্বধ স্থিষ্ট স্তব **र**ক্তেশরোক্তম।অপমোপ্রমাণাতায পুরেন্ধ: পশুভি खुग।। নায• धर्माः-স্থৰেৰ্যা ২য় ন হিংসা ধৰ্মা উচ্যতে। আগমেন ভবান্ ধর্মণ পুরুরোতু য भी हु जि ॥ বিধিদৃষ্টেন যজ্ঞে **ধ**র্ম্মেণা-ব্যয় সেত্না ৷এবং বিশ্বভূগিন্দুস্ত স্ব বিভি স্তত্ত্বদর্শিভি:।। উক্তো ন পুতি-जगार मान भार ममनि उः। (उदाः विवारः नगशान् यद्धः हेन्तु गहवि गाः ॥ कक्रोनः जान्तिः (कन यष्टेत्र নিতি চোচ্যতে। তে তু থিমা বিবা-(मन उथ्र मृङ्गा महर्षयः॥ मः भ्राय বাক্য মিন্দুেণ পপুहुः খচর বসু । भवग केंद्रः। सहाभाक्त कथः मृष्टे खव यक विभि म् भ। उँ जानभारि भ तुहि विश्वपंत ता मूर शुखा। मृउछवाह।

मुद्धा वाका वम् (ख्या मिविहार्य) व
वावन । (वर भाख मनुम्छ। यद्ध छत्र म्वाह ह ॥ यष्टेवा भाम छि मिवा यद्ध म्वाह करेन इति । हिः-भा स्राह्ण यद्ध म्वाह छि मि मर्भ नागमः ॥ व्याह क्रिया। ज्यभाः छाविन मृद्धे। उन्नाद्धा स्मान छत्। ॥ इंड्राक माद्धा म्नाह छा माना वम् द्राया म्नाह छा माना वम् द्राया गडः॥ छन्याम वा-हि। (श्र्वन वल्किनी नि मन्मयः। हमाम हि मा यद्ध मा यहु मा यहु म्वि छाताः।। इंडि मार्थमाः।

यक्कक्ट भु॰ यागकर्खा। यक्क॰ करता-जि इंड्रार्थ किंभ भुड्रारयन निम्नमः॥ यक्कभणः भु॰ (घाष्टेकः। इंडि भद्द-भावा॥ ছागक्ष।।

यक्त भूक्षः भु विष्ः। ই कि एक्। हिन्द्रः॥

যজ্জভাজন• ল্লী যজ্জপাত্র•। ইতি জটাধরঃ॥

यक्छ ভ্ষণ: পু॰ শ্বেতদ্র্ভ:। ইতি রাজনির্ঘণ্ট:।।

यञ्जवल्ली खी (मामवल्ली। ইতি রাজ-নির্ঘণ্ট: ॥

यद्धवा**रेः भू• य**ङ्खान•।**३७िट्न** , हन्मुः॥

যক্তবৃক্ষঃ পূ• বটীবৃক্ষঃ। ইতি রাজ-নির্ঘণটঃ।।

যক্তশেষ্ঠা স্ত্রী সোমবল্লী। ইতি রাজনির্ঘণ্ট:।।

যক্তসাধন: পু॰ বিষ্ণু:।ইতি তস্য সহসুনানভোত্র॰ ॥

यञ्जभातः भू यङ्गापुत्रवत्कः। ইতি वाजनिर्घः।।

ইতি কল্পিরাণে ৪ অধ্যায়ঃ ॥ জ্ব স্য ধারণে মন্ত্রো যথা। যজ্ঞোপ-বীত নসি যজ্ঞস্যব্যোপবীতেনো-পন্যানি। ইতি সংস্থারতত্ত্বস্তু ভউভাষ্যং ॥ যজুষাস্ত । যজ্ঞো-প্রবীতং পরমং প্রিত্তা বৃহল্পান্তে যথ সহজং পুরস্তাথে। আল্ফ্য-শ্রুণ প্রতিমুক্ত শুভ্রুণ যজ্ঞোপবীতং বল-নস্ত তেজঃ॥ ইতি পশ্পতিঃ ॥ যজ্ঞানং জী যজ্ঞবাটঃ। ইতি জটা-ধরঃ ॥

যজ্ঞাক: পূ॰ উড়ম্বর:।ইত্যমর:॥ থদিরবৃক্ষ:।ইতি রাজনির্ঘণ্ট:॥ ব্রাজ্ঞণযঞ্চিকা।ইতি শব্দচন্দ্রিকা॥ যাপাব্যবে ক্লী॥

যক্তাঙ্গ জী সোমবলী। ইতিরাজ-নির্ঘণ্টঃ।।

यक्कायः भू॰ व्यवज्थः। इंडि (हम-हन्मुः॥ यागामयण्डः॥

यञ्जातिः भू॰ भिवः। ইতি धनक्षयः॥ त्राक्षमण्ड॥

यिक्तकः भू भनास्यकः िङ क्रोधितः ॥

यि विश्व विश्व कर्मा । इंड ज्या । विश्व विष्य विश्व विष्य व

বিগ্ত যত্ত সূত্ৰ বলপুদ ।। বিজ্ঞ পু
 ছাপর্যুগ । ইিঃ

ৰজ্ঞোড়

विकाखानयः॥

যজিবদেশ: পু॰ যাগকরণোপযুক্ত দেশ: । যথা । কৃষ্ণসারস্ত চরতি মূগো যত্র স্বভাবত: । সজেযো স্ব জিয়ো দেশো ল্লেছদেশ স্বৃত: পর: ।। ইতি মনু: ।।

यक्तियणाणा जी यागम्थनः। ইতি জটাধর:।।

যজীয়: পু॰ উড্মরবৃক্ষ: । ইতি রাজনির্ঘণ্ট:॥ যাগসমুদ্ধিনি ত্রি॥ যজীযবুদ্ধপাদপ: পু॰ জিকস্কত-বৃক্ষ:। ইতি রাজনির্ঘণ্ট:॥

य उछ थ द्वः भू विकः। यथा। य उछ था द्वा इव प्रमुख कव प्र ज्वा काव प्र विकः। यथा। य उछ या ज्ञा इति द्वी था द्वा विकास वि

याकाउम्रतः भू छेषुश्वत्कः। यकुः
छुन्त इंडि जाया। छट्भर्यायः।
रश्मृत्वी २ यक्किनः २ यक्कानः
४ रम्भूति २ यक्किनः २ यक्कानः
४ रम्भूति २ यक्किनः ५ कस्
४ रम्भूति २ यक्किनः ५ कस्
४ रम्भूति १ दे भस्तव्वावनी ॥
४ अर्थः १ विक ककाम्न्र । मस्त
स्वादा वर्त्या वृत्ताप्ताप्त द्वाभनः॥
स्वादा वर्त्या वृत्ताप्ताप्त द्वाभनः॥

যজাপ

ইতি ভাবপুকাশ:।।

যজ্ঞাপবীত ল্লী যজ্ঞসূত্র।পৈতা ইতি ভাষা। তৎ পর্য্যায়:। পরিত্র २ तुक्रमूज २ विकायनी ८। ইতি ত্ৰিকাণ্ডশেষ:॥#॥ তস্য নিৰূপণ ষ্থা। উপবীত মাহ গোভিলঃ। य-জ্ঞোপৰীত স্ক্তে সূত্ৰ: ২ক্স বা অপিব। সশর জ্বমেব। যজ্ঞোপবী-ত বিশিষ্ট বিন্যাস ধারণ কর্মত্যা অৰতে।কি· তৎ সূত্ৰ·। সূত্ৰ· বিশে-ষয়তি ছলেনাগপরিশিষ্ট : উদ্ধৃত্তি ত্রিবৃত কার্য্য তন্ত ত্র্য মধো বৃত । ত্রিনৃতক্ষোপবী **ড॰ স**্যান্ত সৈয়কো-शुं द्विष्ठाउ ॥ वामावर् विषठ॰ **उन्जबर॰ बिरूग॰ कृषा मिक्कगावर्ख** বলিত কাৰ্য্য এব ত্ৰিবৃত ত্ৰিস-ব উপবীত স্যাৎ। একো গুস্থি ब्रिजि नानाज् निरम्भार्थ । ज्था বৌধায়ন:। কৌষ সৌত্র ত্রি ক্রি-বৃত যজ্ঞাপবীত নানাভে:। কৌ-ব ক্নিকোষোল্ডব পউসূতাদি ম্য মিত্যৰ্থ:। সৌত্ৰণ কাৰ্পাসো-ভবং। তথা মনুঃ। কাপাস মু<del>প</del>-বীত স্যাৎ বিশুস্যোদ্ধ বৃত কি বৃৎ। শনসূত্র নয় রাজ্যে বৈশ্যস্য বিকসৌ ত্রিক•।। ত্রি ক্রিব্ত দিত্যু-জত্বাৎ মনুবচনেপি ত্রিকুমাত্র তি-

जवरवन विश्मवाः । यञ्जू रेभठीनित्र ॥ वहनः। कार्भात्र मूनवीजः यहेजञ्ज विव् उ॰ वाञ्च १ न । कि न शक्त । **ग**্र। আবিক বৈশ্যস্য। ভন্নবতস্ত্ সম্ভবে ষট্তস্ত বিধাযক । নবতন্ত হ্ব॰ वाङ्गार (प्रवा: । यञ्जाभवीङः व्यक्षी ज मूबानि नव उन्नवः । একেन গুন্থিনা তন্ত দ্বিগুণ ক্রিগুণো হথবা।। একেন গুছিনা যুক্ত ইতি শেষ:। দ্বিগুণ ক্সিগুণোথবেতি। তস্ত বলেন দ্বিসব জ্রিসবো বা কর্ত্তব্য: । দ্বিসব ত্ব॰ ত্রিসবত্বাসম্ভবে। গোভিলে বা শবে। বিকল্পার্থ:। অপিশবে। বস্ত্র ञ्चात्रजाः म्बान्कन्नव भूप्तर्मनार्थः। এবকার স্ত্রিসবত্ব ব্যবছেদার্থ:। দ্বি-তীযো বা শব্দে। ২নুক্ত মৌঞ্জ বালা-कि **म**मूहयार्थः । তথা निगमन्त्रि-শিষ্ট•। বাসসা যক্তোপবীতানি **স**া ৰুতে তদভাবে ত্ৰিবৃতা সূত্ৰেণ। **স** শ মৃঞ্জ বাল পুতিসব রজ্জৃভি রা। বালে। १ত গোবালঃ। যথা দেবলঃ। कार्भाम क्लीम शावान भववङ्ग তৃণোক্তব । সদা সম্ভাতো ধার্য্য মুপবীত দ্বিদ্যাতিভিঃ। তদভাব ইতি করণাদ্বস্ত্রাভাবে সশরজ্জভি-রিতি বোদ্ধন্য ইতি শুক্ষেনিবেকঃ 1 क्षा अत्थाभः त्यभिनः । अद्य भः ।

डिशियास वाकारमाश नगनः मेख । कविषम्। गर्छिकाम् । गर्डदाम्-(भ रेव भारत) भारत । व्यवानामार्था ব্ৰাহ্মণস্য বোডশ বৰ্ষ পষ্যম্ভ মেৰ क्वविषम्। द्वावि॰णि वर्ष भर्गुष्ट॰ । বৈশ্যস্য চতুৰি শতি বৰ্ষ প্ৰয়ন্ত তদনুষ্ঠান কাল:। তত্ৰ মাসা:। নাঘ ফাল্লন চৈত্ৰ বৈশাগ ক্লৈজি ষাঢ়। বিহিতা: । তত্র 🕏 लाइन षिठीरेयकारणी घारणी शक्ती ए-শমী ভূগীয়াবিহিতাঃ ৷ তত্ৰ বারাঃ । বৃহস্পতি শুক্র রবীণণ পুশস্তাং সামগানা মুক্লবারোপি ৷ ভার ব ক্ষতাণি। স্বাভী জ্যেষ্ঠা ধ্বিষ্ঠা অস্থি-भी अनुदाधा रखा दिवली भूजा िया **শু**রণা মৃগ**লির: শতভি**ষা পরিজ্ঞান नी উত্তরফলুনী পূর্বভালে । । । । । व्यामुगमा वाशिगी भूर्वायाः नगानि। व्य निष्ट जुना थ्य भी न ज জ্ঞকানি। তত্ৰ পক্ষ: শৃত্র । তাঃ সূত্র দি শোভনে অনধ্যায়াদীয় পরিজ্য জ্য কর্ত্তব্য । ইতি জ্যোতিষ্টভূনতং ।।।।। অথোপন্যন। তত্রগোলিকা গর্ভাষ্টনেষু ব্রাহ্মণমূপ*নতে ইভিতা* म्राम्य कविषः शर्जवाम्राम्य हेरास वारगंडणार दान्नभावकी নালে৷ ভব**তি আদ্বাবি:শাৎ ক্ষত্রি**,

যস্য আচতু ৰি শাৎ বৈশ্যস্য অভ উদ্বৰ্ণ পতিত সাবিত্ৰীকা ভবন্তি। বৈভানুপন্যেয়ু নাধ্যাপ্যেয়ু নঁএভি-र्बिवाहरययुः॥ व्यारवाफ्रणानिक्रिञ्ज বিধাবাড়। তথাচ বিফুখর্মোত্তর । ব্যেডশাঘেছি বিপুস্য রাজন্যস্য দ্বিবিংশতি:। বিংশতি: স চতুথী চ বৈশ্যস্য পরিকীর্ত্তিতা।। সাবিত্রী नांजिवर्खिङ अञ्डेष्ट्वं निदर्खेख। অত্ৰ ষোডশব্যাণামুপন্যনাক্তা পুতীযতে। পতিতা যস্য সাবিত্রী म्भवर्यानि शक्ष ह। वाञ्चनमा विष्म-ষেণ তথা রাজন্য বৈশ্যযো:।। প্রায-শ্চিত্ত ভবেদেয়া প্রোবাচ বদতা বরঃ: ইতি যুন্বচনেন ভদনস্কৃত্য পু তীয়তে অনযো গর্ভজন্মপুভৃতিগণনা ভ্যা মবিক্জভা। यबु विकानाभिः ज्रुभकम्र रेभठीनिम वहनः। द्वारम বোডশ বি•শতি শেচদতীতা অবক-ষ্মকালা ভবন্তি। তদ্বাদশবর্ষাদ্যুপ-রি বাহ্মণাদীনা মহাব্যাহ্নতিহোম भागिक डार्थः (वाउनवर्याभित्र छः ৰুপুাযশ্চিত্ত মিতি। তথা চ শত্ত্বলি-थित्तो। बुाजा कान्नायन हात्र शाभुनानक अर्गाए। ठान्नायनानः জৌ **ধে**ৰ্প্তক তম্ল্য বা সাৰ্দ্ধ দা বিশতি কাষাপণাঃ গোমূল্য কাষা

পণ এক: মিলিত্বা সার্ভত্রযোবি শ তি কার্যাপণা দেখাঃ। পিতৃ মাত রহিতস্য নিঃস্বস্য দেশোপপ্লবাদি-না পতিত সাবিত্রীকস্য বা বিষ্যেতু भन्तिकृ। (यया॰ विकाना॰ সाविजी · नान् (क्षेत्र यथा विधि। जा॰ महात्र यिष् बीन् क् ह्यान् यथा विश्वाशनायाय ।। कृ हु॰ श्राकाभाजा । उपभाकी (धन्-ত্রয়ণ তন্মল্যে বা নব কার্যাপণাঃ। व्यक्ष भाषिकतः भुज्राहरेनजानि-ত্যাদি। তত্র বহুবচন তৎ কর্তৃ-ञ अर्जिना भागकि अपमानार्थ । তথাচ মৃত্যম্তর । ব্রাত্যাচার্য্যস্য ভু-ক্ত্ৰাম॰ কৃ ছুপাদেন শুধ্যতি। যম্চো-পন্যতে বাত্যান্ ত্রিভি: ক্ছৈ: স শুপ্যতি।। ভুজবলভীম কৃত্যচিস্তাম-भएगुः। याजी भक्र धनाचि निव করভে পৌফেজ্য চিত্রা হরিশ্বিন্দৌ তোয়পতৌ ভগে হদিতিসূতে ভা-**मु दर्ग সাগরে। किन्मु** (ङ् ভृश्रक ৎঙ্গির: শশিসুতে চন্দে চ তারে শুভে কৰ্ত্তব্য বুতকম মঙ্গল ভিথৌ বারা: সিতার্কেজ্যকা:।। অদিতি-मूड উত্তরফল্লুনী। সাগর: পূর্বা-याछ। । मीलिकायाः । जीवार्कनमृषु শ্দ্ধৌ হরিশ্বন বহি ভাস্করে চো-खद्राख् श्राद्याय (यहदेशां विश इंश

भू उत्म कोत्र (ज नामित्वो छ। भू कार्किकाक नाम त्रवि भवन जिथि॰ প্রোজ্য ষষ্ঠাষ্টমেন্দু । না জীবাস্তাতি চারে হর্ক সিত শুক্দিনে কাল শুদ্ধৌ বুত• স্যাৎ ॥ রবি মদন তিথি• সপ্ত भी व्यानमी । यक्षा द्वरानमु वा वार्ति-ক্ষযা। কৃত্যচিন্তামণৌ। মাথে দুবিণ भीनाएं। कानुत ह मृत्युः। हिद ভবতি মেধাবী বৈশাথে কোবিদো **ख**र्यर ॥ क्षेत्रक्ष भ**रून नी** जिङ्क या-বাঢ়ে ক্রভাজনঃ। শেষেম্বনে যু রাত্রি: স্যামিবিদ্ধ নিশিচ বুত ॥ রাজমার্কণ্ডঃ। পুনর্বসৌ কৃতো বিপুঃ পুন: স'কার মহতি। আখলায়ন:। উদগযনে আপ্र्यागाण পক्ष कला। ণে নক্ষত্ৰে চ্ডোপন্থন গোদান বি-বাহাঃ। বিবাহ: সার্দ্রালিক ইত্যে (क) चान्र्यं,गाति भक्त मृत्वभक्ति। বৃদ্ধ গৰ্মঃ। ফুতি যুক্তাননধ্যায়ান্স श्वरीक जायारमी । शक्काया जाव सामम् विजीयाः भविवद्धःय८ ॥ भ उत्रावशात्रमगृहत्य। कार्निक न्याधिवन्यानि कानुवाबाहरण द लि।क्कन्यक विजीयाया मनस्राय বিদু র পাং।। ভ্রবলং। চৈত্র কৃষ ছিভীযাযা। ভিস্যেবাষ্টকাসুচ। মা लिंह कान्नुस्न हेहन जानाज की जिस्क

ख्या ॥ भक्राया जीवन मन्। वि या॰ भद्रिवर्द्धायर । मःकाव वृह वरी उ युज्यक मुख्किया ॥ छ नयरन উত্তরায়ণ শুক্লপক্ষযো विश नाट कार्खिकारों कृष्णतक ह हि **जीया निर्वयः भूनः म**ेकार् म ইত্যক প্ৰাথশ্চিত্ৰৰপোপন্থৰ द्रः । देवत्माश्रमग्यम् शद्रमः । उपा गर्भः। विभुगः क्विणम्। भ क्षीमप्रामुखद्रायता। मक्किश ह 🎋 ना॰कार्यंऽ नानश्रास्य न नःकरः 🔻 व्यनशासिंश ब्रह्मी उ रका रेना **ত্তিক॰ ভবেৎ। অপিনা** দাক্ষণায়ত क्षित्रकारणाः जगृह्यः। विकित्तिका भूगयन्विज्ञक्रभः। देव 👸 📑 या व्यावार मुक्तरमंत्री समुन्ति (एव निविषा। विणाय मुक्त ज् शिया यूगा वि **ज्वि निविक्ता । यक्ष्यानम्**हि क् सर्वत রিক্তাসু বহুদোষভাক্। সামানাশ **ञ** बदारत्र शुरुभनयनः । भारा विभान दाए। उथार। भाथाधिल विनि किन्मुगछ २थ वास्त्रिन् वाद्य ६ सप्ट-চোপন্যন কথিত ছিল্লানা । नी চিছিতে হরিগৃহগেথ পরাজিতে বা बीर्व ज्गावुभनयः मृठि कर्मार्शनः ।: অস্য শাখাধিপস্যাক্ট্যটিস্তানটো । इत्यान्त्य बच्चमु ठाइकामू सार्ध

क्षवा कमनि कमा वा । व्राप्तन विर्णु न वस्नु जिलि विद्याविष्म रेषः भूषिकः भृषिवताः॥ व्यस्त गः जिल्ला अस्त्रो वा क्षकिनि वा भाभपू जिला में । व्राप्ताभनी जिलि किल्ला यः॥ जैनस्य नाम व्राप्तन जैभनयस्य । इकि मन्का किल्ला

बजुरः भू॰ यज्ञ्दिम् (बज्जावाक्षनः।
इंजुर्गामिकायः॥ यज्ञ्ञानः। इंजि
ज्ञुर्गामिकायः॥ यज्ञ्ञानः। इंजि
बज्जा भू॰ विधिनाइक्षेत्रानः। वम्बिधानन कृष्ण्यागः। इंज्यानः॥
बज्जाः भृिः कुम्रः। इंजि जिन्
काञ्जर्भयः॥

विक क (थरिना शक्त स्याः । ই जिक विक क्ष क्ष नः ॥ त्थन हे इ जा जन । क या जय जिल्ला श्री का ज्या जिल्ला हे जुर्थः । या जय जिल्ला श्री श्री के शक्त राजि हे जुर्थः । नित्रः भुजुः भिन् श्री वर्छः । निर्या जन्य श्री वर्षः । निर्या जन्य श्री वर्षः । वर्षा वर्षा वर्षा वर्षः । वर्षा वर्षा वर्षा वर्षः । वर्षः । वर्षा वर्षः । वर्ष

যত স্ব ড যত্নে। ইতি কবিকল্লজনঃ।।

ঈ যব্তঃ। ড যততে পঠিতু শিষ্য:।

वे पूर्णावामः ॥

यज् व। (बजः। यथारः। वेज। मद्रश्ने मद्रश्ने विक्रः। यथारः। वेज। विक्रं विक्र

यञ्जः जि षरयार्गस्य निर्धादि उक्तः। व्यनस्यार्गस्य यः। यम्भवाद एउन भुज्यस्य निज्ञमः। ইতি मूक्षस्य स-व्याकन्न १।

वितः भू निक्किं उन्तियगुगमः। उटशर्यशयः। यञी २। इउश्मदः॥
जिक्षः ० मःनशिनकः ८ कष्मनी १
ब्रक्त्वमनः ७ शिवु ब्रक्तः १ जाभमः ৮ शद्राणदी २ शाद्रिकाङ्की २०
गक्षती २२ शाद्रिवक्षः १२। इछि
एक्त्रहन्तः॥ निकादः॥ विद्रिज्ञः।
इछि उद्विव नानार्थ्॥ ॥ उम्रश् वाद्रागमशः वारमा यथा। शरहोनामान् विक्राद्रमा यञ्जीनाः मःयञाञ्चानाः। এक व हज्द्रा नामान्दः व।
निवरम् शनः॥ अविमुक्त श्रविहोनाः विक्राद्रस्त न विष्ठाः। यजि-

ভি মোক্ষকানৈ চ অবিমুক্ত নিষে ব্য:তা। ইতি মাৎস্যে অবিমুক্ত মা-शाल्वाऽ१८२ व्यवतायः।।क्षा यिवस्या | थथा। अनाव् नाक्भावक ग्रायः देवम्ण उथा। এ उानि यकि भावानि भनुः बायम्यावा • युवी ८।। अक्काल• চরেভিক্ষ্য न পুসজ্জেত বিভরে। रिजःका भूतरक। हि युजि विवरयञ्चलि সজ্জতি।। বিখ্নে সন্মন্যলে ব্যক্ষারে ভূক্তবজ্জনে। বৃত্তে শরাব সম্পাতে ভি काः निष्ठाः ये ि करत्या व्यवारः न वियानी महालाए ड रेहर न स्वंदर । शावाजिकमावः न्यामावा नदाः দ্বিনিৰ্গত:।। অভিপূজিত লাভা•স্ত জুগুপ্পেতৈৰ সৰ্বশঃ। অভিপূজিত वारेडक यांज मूं रका श्री वश्राज য়অল্লামাভ্যবহারেণরহঃস্থানাসনে-न ह। हियमानानि विषयि त्रिनिष्यानि निवर्खरंष ।। इन्तियानाः निरद्रार्वन द्राग (श्वर क्रायन ह । अश्-नया ह ভূতানা মমৃতত্বায বল্পতে ॥ অবে-क्किउगडीन् ना॰ कर्याताय ममुख्याः । নির্যে চৈব পতন• যাতনাশ্চ ব্ন करय॥ विशुरवागः शिर्य टेक्टव मः. যোগঞ্চ তথা প্রিয়ং! জর্মা তাভি-ভবন ব্যাধিভি শেলপ্রীয়ন ॥ (महामूटकम्क् यार भून गर्ड ठ

সূত্রব॰। যোনি কোটি সহসের সূজী काम्याख्याज्यनः ॥ व्यथम भुर रिक्व मुद्रारवागः नात्रीतिनाः । वर्धाः পুভবঞ্চিব সূথ সংযোগ मह्मरा **मूखाकादादरक्र ।** यास्य अत মাজান:। দেহেষ্চ সমুক্ষ ভি মৃত্ত भिष्यथरभय् ह ॥ मृथि তा लि हैं है स्वर्थन यब जवाम्य द्रजः । मनः नाइयु **ज्राउयू न लिञ्चः धर्मा कात्रगः** ।। क्रमः कडक तृष्कमा यन्। भाष् गुनापकः। न नामगुरुगारम्य उन्। दाहि अनी-प्रिता **স**॰রক্ষণার্থ• জন্তু না॰ ব্লাকা-वर्ग वा मन्।। भारी द्रम हो छ हार हिव ननीका वन्या हात्र ॥ अङ्गादाः बा ह यान् अस्न (इनडाकानाका यिः। (उयाः नाषा विश्वार्थः श्रा गायानान् मनाहरत्र ॥ भुग्वायानः ব্ৰাহ্মণস্য ত্ৰযোপি বিধিৰ কৃতা : ব্যান্থতি পুণবৈ যুক্তা বিজ্ঞেশ 🕬 भ· ७भ: ॥ म्हार श्रायमानानाः **धा**ज्ना श्रियथा मलाः। ७१थन्तियाः णा॰ मञ्चा ए। पात्राः भागमा निगुः हाट ॥ भागायारेन फंक्ष्मायान् ধারণাভিশ্চ কিল্বিষ•। পুত্যাহারে। नः नर्गान् धारानना नी यद्यान् क्यान्।। উচ্চাৰচেষ্ ভূতেষ্ দুজেলা নজ্ভাজ্ ভিঃ। ধ্যান গোগেন সম্পন্দ্রের-

ि नम्राख्याञ्चनः ॥ मन्राप्तर्मन मः म्मामः क्यां अ में निवधारं । मर्मानन विश्वेनस मंभाद পुভिপদ্যতে।। शक्षिश्यानीम्यानिक रेविनिक रेक्टव কর্মাভঃ। তপস শ্চরণৈ শ্চোণ্ডৈ माध्यक्षीर उट्भम्।। वाह्य द्रूगः স্থায় যুক্ত মাণন শোণিত লেপন। इसीयनका पूर्णिक शूर्ण न्ब श्रीय (याः ॥ ६ । (माक नमाविष्टे । द्रा গাযতন নাত্র•। রজম্বল মনিত্যঞ্ **ज्**ठावात्र मिमः जारबर ॥ नहीक्वः यथा व्रका वृक्षः वा मञ्जनि यथा। ख्या उ।बन्निमः (५२ क् ह्राम्ग्राहा वि মুচ্যতে।। প্রিয়ের স্বেষ্ সৃক্ত মপ্রি (यय्ड मूह् उ॰। विम्हा धान (यारगन বুন্ধাভ্যেতি সনাতন• ৷৷ যদা ভাবে-ন ভবতি সর্বভাবেষু নিম্নৃছ:। তদা সুথ মবাপোতি পুত্য চেহ চ শা-श्वउ ।। जातन विधिन। मर्जा खाङ्गा मकान् भरेनः भरेनः। मई बन्द विनिः মূ'ক্তো বুন্ধণ্যেবাবভিষ্ঠতে ॥ ধ্যা-निंदः मर्ब (मरिवज्य यामजन जिला-दे उ॰। न इरन्ध्राञ्जितिय किन्हिय ্রন্থা ফল নুপান্নুতে ॥ অধিযক্ত क्रामनाशिरविक भव ह। च-ি বৰ্ণু সভত বেদান্তাভিহি-🍄 रुटी। हेन भद्रग मञ्जाना निम

भित्र विज्ञानजाः। ইत्मिनिह्जाः सर्ग भित्र मानष्ठः भिह्जाः॥ व्ययन क-मर्यारगन পরিবৃদ্ধতি যো দ্বিজः। म विश्रयर भाग्यानः পরः বৃক্ষাধি গहुछ।। ইতি मान्य ७ व्यथायः॥. देः स्त्री भाठेविह्नः। ইতি मन

यिः जी भावे विष्हृमः। इंजि स-रिनो ।। विथवा ।। ज्ञागः ।। **निक्षः ।** ইতি শব্দরত্নাবলী ॥ জিস্পেষ্টবি-भानकान । यथा। यकि किंत्रिहे বিশামস্থান কবিভি কচ্যতে। সা विरह्म वित्रा मारेम्डः भरेम बीठ्डा निष्क्रह्या ॥ कृष्टिहम्सम्राउउ याज व्रिंग्डिंग भूवंक्ठिजिः भराष्ट সা শোভা• বুজতি পদমধ্যে ত্য-कि । भून खेरे बतात्री यह वि-হিত সিধা: শুযতি তা যথা কৃষ্ণ: भूकावृज्न महिमा मा॰ कक्षामा।। **प्य**ञ्जाखरा नूषाञ्च तिह्छि जून-या यि । इन्। इ ज्या इ ज्यः य गुष्ट **खक्रार्भ भूक्रमाख्यः ॥ इ**छि ছान्ता मक्षत्री ॥ वान्ताक् भुवन्नविष्णयः । यथा। यि द्वाराभा वरहरना गन-রো ৰূপক । গুরু । গনপঃ সারিগো-ी ह नामक कथिउ॰ उथा ॥ शुरुद्धः ण वृ**गत्नक भूवक्षा बाह्य मृ**जाः ! यथा म॰ थाउः । ইংভ্যকভাল্যা• यि:। ইতি मङ्गी उत्रात्नात्रः ।।

युक्तिः वि दङ्बहनाड्यम्भदार्थकः। यज्छिल इंडि ভाषा। यम्भदार নিপাতনাৎ ডতি পুত্যবেন নিপ্লম• । ইতি সুঞ্বোধব্যাকরণ ॥ यिकान्यायन क्री व्यवित्नयः। यथा । जहाराष्ट्री ममनीयाद निखान् মধ্যদিনে ছিতে। নিযভাত্ম। হবি-न्यानी यिकान्तायन हम्मा इंडि मानत्व ३३ व्यव्यायः ॥ विकानन्।-यत भारमान (चन्ठजुडेय॰ जन्मः क्ति मनारिकारण कार्यामनाः। **डि शाविष्ठ वित्वकः** ॥ यिजनी जी विश्वा। वशाविश्वा কানিকারণ্ডা বিশ্বস্তা যতিনী যৃতি: । ইতি শব্রত্নাবলীনা যতিমৈথুন ক্লী যতিগোপ্যন্নভি:। उৎপर्यायः। **५%**नत्रङ २। ইতি ত্রিকাওশেষ:।। यञी जी विश्वा। ই जि मदत्र ज्ञावनी यञी भू यिषः। बिखिनुषः। इष् गद्रः ॥ यञ्का । खी वृक्षविष्णयः। यथा। द्रज-

বজুক। জী বৃদ্ধবিশেষ:। যথা। রজ-বজুকা) নী স্যাভ্রবজুকা বজুকা জ ননীতি চ। ইতি শদ্রজাবলী ॥ বল্লঃ পুণ কাপাদিচজুর্বিংশতিগুণান্ত-গ্রগুণবিশেষ:। স চ জি বিশ্ব:। পুবৃ্দ্রিঃ ১ নিবৃদ্ধিঃ ২ জীবন্যোনিঃ

, **ायथा। भु**वृखिण्ड निवृखिण्ड उ था कीवनकात्रणः। अतः भुषकुर्व विष्ण जानिकः गतिकी विंउ।। **उदाः कात्रगः यथा।** हिकीवी कृष्ठि সাধ্যেষ্টসাধনত্ব মতি গুপা। উ-नामानम्। ठाष्यकः भुवृत्त्वो बनकः खत्य ॥ निवृतिष्ठ खांवरम्वाभिष्ठे नाधनजा थियः। यङ्गा जीवनरगानिः ख मर्बरा जीन्त्रिया जावर ॥ मही রে প্রাণসঞ্চারে কারণ তৎ পুকী-र्खिङ । इंडि ভाষाभितिहमः॥ উল्মোगः। यथा। উল্মোগিন পু-क्षिणः भूरेशिक लच्ची रेर्गतन (मय गिंकि का नुक्य! वम् छि। देनव॰ নিহত্য অৰু পৌক্ষ নাম্মশক্যা ্যত্ত্বৈ কৃতে যদি ন সিধ্যতি কোত্ৰ **দোবः ॥ ই** वृज्खिः ॥

বজুবান্ ত্রি যত্নবিশিষ্ট:। যজুশবাৎ বত প্ত্যযেন নিয়ম:।।

। यब वर्ष यमिन्। यथान इंडि ভाषा
। यम्भदा मध्या जल भुडर्यन
निम्नमः। इंडि निकास्तोम्नी ॥
यब इक मःकाहत । इंडि कविकल्लः
क्रमः ॥ मस्रुवर्गात्म अभवः । इक
यख्यि मध्या मर्भः काक्र लिकः।
यख इंडि प्रिंगिन मर्भः काक्र लिकः।
यख इंडि प्रतित्व के सिक्क इंग्नूवः
(क्रा वित्व स्हाइन (ভ्रार्थः। इंडि

বথামু

मूर्गामा मुशी

वसी क नाह्ना । मामा । छट भर्यप्रायः। तट १ वा ७ जथा ८ वव ८ এব• ৬। ইত্যমর:।।

मथाकार्भी वि (बहाठाद्री। उৎ-नर्गायः। चक्ठिः २ यहन्तः ० देवती ৪ অপাবৃত: ৫ ষতত্র: ৬ নিরবগুহঃ ৭। ইতি হেমচন্দুঃ।। নির্যন্ত্রণঃ ৮। ইতি কটাধর:॥

ষ্থাক্রন জ্লী ক্রমানুর্পণ। ক্রম্মন-তিক্রম্যেতি ব্যাকরণ ॥ অপিচ। বথাক্রনেণ পুণ্রেণ কার্য্যাপুত্রকি-যা সদা। পতিতাপতিতা বাপি একোদিস্ট বিধনতঃ ।। ইতি শান্ধ-ভত্ত্ব• ॥

यथाजाठः कि मूर्थः। इंडामदः॥ नीहः। इंडि किंहा भन्नः॥

ৰথাতথ ব্য ৰথার্থ। ইতি হারা-वनी ॥

यथाभूर्व वर भूर्विष्यमकालान् ৰূপ। যথা। অক্তাযাণ পুডিষ্ঠা-ষা প্রাণামা পুতিমাসূচ। যথা-भूर्ब • उथा जादः सर्गाही ना • न वि ফুতা॥ ইতি তিথ্যাদিত ভুধ্ত কা लिकाभूद्राग वहनः ॥

यथामूथीनः जि मूथनुिविमानुगः। यथार्शः वर् यथारगानुः। यथा। कृदा म्थमा मम्मः यथा मूथः পुতिवि-

यः जिलाजनाट नाम्राम् १वाधीः **छादः । यथामृथः मर्णनः यथामृ**-थीनः । ইতি निष्पाद्यकोमूनी ॥ অপিচ। তত শিক্তীব্দাণো ৎসৌ ह्म ब्रङ्गत्वा मृगः। यथामूथीनः जीजायाः भूश्रृत्व वक् लाज्यन्।। इंडि ভिक्तिः ॥ मूचना मम्म यथाः मूथ पर्नगापिङ भुजिविष मूह्या ভরত: ম নির্মলত্বাৎ সীভাষা অ-গ্ৰেয়ে যথা মখীন: প্ৰতিবিদ্যাশ্য ইব **ज़्जा नून्नार ज़्मिल्य हेर नम** लाला मुक्रेवेतः। इंजि बयमक्नः ॥ यथायथः वा यथार्थः। इंडि मुमुक्तिः ভামর: ॥

यथार्थ• वर्ष यथा उथ•। इंडरमद्रः॥ ৰে অব্যভিচারি ণি। অর্থমনতিক্রা-ख· यथार्थ· स्थादकः वथाउथः উভ্যত্র অব্যথীভাব:। যথার্থ মে-বেদ । যথাতথ বক্তি সভাসু বি-षान्। ইতি ভরত:।। তৎপर्यायः। সত্য সম্যক্ সমীচীন মৃত্ত তথ্য যথাতথ । যথাস্থিতঞ সভূতে श्नीक जू विजयान्छ ॥ इंजि (इग्डम्: ॥

जू তो यथान,गय॰ यथाई स्वन मः

ৰিদ । উপবিষ্ঠো কথাঃ কাশ্চিচ-কতুৰিশ্য পাৰ্থিবো॥ ইতি দেবী-মাহাত্ম্য ॥

म्थानाजः ही नाजानुमति। नाजमनिजमा । यथा । यथानाज्यः
निनी তো यथावाति विकिट्मिनः
। न नमः याजिया वातिः म रक्ष्यः
कर्माका वृथिः।। ইতি मनमा मञ्जूः।।
यथाञ्च । वि मञ्जः। ইতি हिमविमुः।।
यथाञ्च व । यथार्थः। ইতি मृतिहः

ভামর: 11

याथिक्षिणः क्री यथावाक्षिणः। छरगर्यायः। कानः २ शुकामः ० श
र्याथः ८ निकामः ६ देशेः ७। देखाः
मदः॥ यहे देशेः निकासः वहन्तः
भूवृत्वो कामानीनि शुग्धः कियावित्नयगानि कियावित्नयगदार क्री
याः भूषाः। देशिकमानिकाम।
याः विकास

याथ्रे की देशे निक्किन्य ग्राथित्रिजः

। यथा। ज्यू र्यायक्षे द्भावती भा त्य स्थानमा दि। इति भावती भा यथक्षेत्राती भू भक्ती। इति भाव त्रायक्षेत्राती

যথেষ্টাচরণঃ তি যথেষ্টাচারী। যথা।
কিষাহীনস্য মূর্থস্য মহারে িঞ
এর চা যথেষ্টাচরণস্যান্ত মরণান্ত
মশৌচকং ॥ যথেষ্টাচরণস্য শৃতিং
বেশ্যাদ্যাসক্তম্য । ইতি শৃদ্ধিং
তক্তং ॥

যথেষ্টাচারী পু॰ সেছাচারী। যথেষ্ট-নাচত্ত্ৰ্ণীলনস্য ইত্যর্থে ইন্পু-ত্যযেন নিম্লমঃ।।

যথেচিত তি যথাযোগ্য যথা-প্রান্ত । যথা।ভূষো ভূশো যথো-চিত্র । ইত্যনর: ॥

যথোদিত - ক্লী যথোক । যথা।
খথোদিততে পিত্ভি: স্কু দারপ রিগুহ । ইতি নার্কণ্ডেযপুরাণে ক চিন্তোক ।।

यहा वर्ष यश्चिन्कात्कः। यथाः यहाः
यहाः जञाः हानि (अन्याणीयजः
विभाः। जहां जहां करण वृश्चित्रम्
(नया विष्कृतिः॥ इति जियाः।
जल्ध्वववनः॥

यि वा शकास्त्रः ॥ अस्रावस्

न्य जि र**्मग्रक्षि। यथा। यशीय** न्य शिलाकः विश्वपः किन्त ज्य गिलाक्ष्य गिलाः। विनाम य्यासः विश्वण महमा करताञ् क्षण्य श्ली म क्षण्याः। ইতি हर्म्याः सङ्ग्री।।

्रभू (भवजान)। जाला यगाल क्रिक्ट । जम्र वंश्म मिल्मा-भार ब्रह्महक्कव की नामी र । जन्न-भार ब्रह्महक्कव की नामी र । जन्न-भार ब्रह्महक्कव की नामी र । जन-भार ब्रह्महक्कव की नामी र । जन-क्रिक्ट । केलि क्रिक्ट का ब्रह्महिल्स विकास का व्याप्त केलि क्रिक्ट क्रिक्ट क्रिक्ट क्रिक्ट क्रिक्ट । जुल-क्रिक्ट क्रिक्ट व्याप्त क्रिक्ट ।। जुल-क्रिक्ट क्रिक्ट व्याप्त क्रिक्ट ।

**गरु ।** योवतन प्रनीयन हात्रय॰ বিষয়ানহ ।। পূর্ণে বর্ষ সহসে তু भून ए योवन वृश्ः। मदा मः भू-তিপৎস্যামি পাপ্মান জর্যা সহ ।। ষদু কবাচ। সিতশ্মশুপ্রে। দী- ' (न) खत्रग निथिनी कृउ: । वनी সম্ভত গাত্ৰণ্ড দুৰ্জাৰ্যা দুৰ্বলঃ কৃশঃ ।। অশক্ত: কাৰ্য্যকরণে পাপভ্তক্চ योवन । महाभनीविजि टेक्ट তা॰ জরা॰ নৈব কামযে॥ সম্ভি তে বহবঃপ্ঞা মত্তঃ পূি্যতরা নৃপ। জ-রাণ গুহীতুণ ধর্মজ্ঞ পুত্র মন্যাণ বৃণী-ञ्च रेव ॥ ययाञ्चि क्वा । या भ पुः क्रयाब्हारा वयः सः न भूगहिन। भाभागाजून मक्का भूका देव তে ভবিষ্যতি॥ ইতি মাৎস্যে ৩১ व्यव्यायः ॥ साम्मार्ग्यमः। यथा । यनवस्र नमार्शः मृत्र माञ्जाः सन्न-রাশ্চ তে। ইতি হেমচন্দু:।।

वम्नाथः शुः शक्षः। इति (रूमः वसुः॥

গদুপতি: পৃ• প্রীকৃষ্ণ:। যথা। যদুপতে: ক্ব গতা নথুরা পুরী রঘুপতে:
ক্বগতোত্তরকোশলা। ইতি বিচিন্ত্য সক্ষ মন: স্থির ন সদিদ জ্বগদিত্যবধার্য।। ইতি রূপর্সনাতন গোষামিনৌ মি

यम्हा जी স্বাতস্ত্র্য । তৎপর্য্যায:। বৈরিভা২। ইত্যমর:।। বরিতা ০ । ইতি ভটীকা।।

যদুবো ব্য যদি। যথা। যদুবাল্লভর
সম্ভার: স্যাদিপি পশুনৈব অর্য্যাৎ
। যদুবেতি নিপাত সমুদাযো যদ্য
থোঁ। অপিচ। যদুবা উভয় চিকী
র্যেন্দ্রের বৃদ্ধান্ত ভেনেব ক
লেন ছণ্ড মুভরাসক সোদক ক
মণ্ডলু দভ্যটু বা বৃদ্ধাসনে নিধায
ভৌনব পুভ্যাবৃভ্যান্যাহ ইত। ইতি
ভিথ্যাদিতত্ব ।।

यहा खी वृष्धः। ই ि मः कि छमा
द्रागि मिवृष्ठिः ॥ भक्तास्त्रकः ॥

यस्रा भू मात्रियः ॥ इसिभकः ॥

हे छुमतः ॥ वित्र जिकात्रकं वि ॥

यस्रः क्षी मिवामु विश्वामः ॥ भाव
एकः ॥ नियस्त्रगः। है जिस्मिनमुः॥

यद्रियसः। कामान् वन्म् के हे छामि

छात्रयसः। कामान् वन्म् के हे छामि

छात्रयसः। कामान् वन्म् के हे छामि

छात्रयसः। कामान् वन्म् के हे छाम।

वित्रविश्वानाः विद्यार्थो मधुम्मन। स्रवः

यसः छ्वान् यस्त्री न स्म मात्रयस्ता
वित्रवा है जि छाम।। यथा। स्म्यतः

स्वान् स्त्रान्य काम् हानि यस्त्राक्ताः।

वित्रवानाः काम् स्त्रानि यस्त्राक्ताः।

'নি মাযযা॥ ইতি 🖺 🔊 🏦 उ ১৮ व्यथायः ॥ व्यम्यार्थः । सूर्रङ्ः না• হামধ্যে ঈ খরো ইম্বর্গামী ভিন্তাত । कि॰ अर्दन् अर्दाणि ज्ञानि भारया निबनका जामय खड़ कर्ममू भू-यर्खगन् यथा माक्यखनाक्षानि कृषिः মাণি ভূতানি সূত্রধারো লোকে ভাূ-ম্যতি ভদ্বদিতি ৷ যদ্বা য**ন্ত্ৰাণি শ**ু রীরাণি আক্টানি ভ্তানি দেহা ভিমানিনো জীবানিত্যর্থ:। ইতি 🗐 थत्र सानी ॥ 🗱 ॥ ज्य भृकारात যন্ত্র•। ভত্র নারদীয়ে। আপো **୧** 🛊 র্মবণ চক্রণ বিষো: ক্ষেত্র সমুদ্ভবণ। यञ्जक পুতিমাস্থান মর্চনে সর্বদা रुद्धः॥ भाजभीय। नानगात्म मानी যজে পুতিমা মণ্ডলেষু চ।। নিত্য পূজা হরে: কার্য্যান ত্ কেবল ভ্ত-ल ॥ (यागिनी जाज । निक्छा भू-कारयाप्त्री॰ भृञ्जकञ्चा॰ ठरेश्व ह। म-ওলস্থা মহানাযা যন্ত্র প্রতি-भानू ह कवञ्चा वा निवाञ्चा वा भू-जरय अत्रागचत्री•॥ ७उ८ **স**र्व• य ব্ৰাভাবে ॥ কৌলাবলীযে। স্ত্ৰাপ<sup>্</sup> রাজিতা পুস্ল• জবা পুস্লঞ্চ বিদ্যতে ৷ করবীরে শুক্ল রক্তে দ্যোণ বা যত্র তি ষ্ঠতি॥ ভত্র দেবী বসে মত্যুণ উদ্মৃত্র **চ**ণ্ডিকাहन•। এउৎ সর্ব• रखाजार

গ্ৰুতথাচ। যুক্ত মন্ত্ৰময়ণ পোক। मर्जे। जा भविरे उद हि। परशायाना र्यथा (উर्पा यञ्ज (एउउर्या उथा ॥ ७था। जारने निर्थय अताब रर-বতাযাশ্চ বিগুহ্ ৷ কাম কোধাদি रिताय महतूः विगळ्याट ॥ যক্র মিত্যান্ত রেতমিন্ দেব: প্রীণা-তি প্ৰিত:। বিনা যমেণ প্ৰাযাণ रिवजान भुत्रीपि ।। पूःथ निर्यखनाः অন্ত নিত্যাহ বস্তবেদিন:। ইতি यञ्जूबानुषानानुः ॥ कः॥ व्यथं था-ब्रगयञ्जानि । उजारने ज्वरनयती बज्जः। भात्रनायाः। जानिथ्याष्टे हि-गर्भवानुप्रदेशः भाषादिकः बाक्रद्रः । (का (४ व क मन् भारत मु विविध्यम-शेर्ग मखन्य।। यह भ्राभित्र यहेक युग् व य व द्रान् (व्यामाननानर्गत्वः यानिर्धानमुबनाधिना मिखनमः नः ক্তির্যাত্তৎপর•। কোষ্টেম্বস্ট যুগার্ণ-মাত্ম সহিতা বৃশাৰরান্তর্গতা মা-याः (कनत्राः म्लिय् विविध्यम्वः ত্রিপ'ক্তি কমাৎ।। ত্রি:পাশান্ত্র বেঠিতঞ্চলিপিভি বী তি কনাষ্ ক্ৰমাৎ পদ্মস্থেন ঘটেন পক্ষত্ৰ মূখে নাৰেপ্তিত তদ্বহি:। ঘটাৰ্গল মিদ্ৰ যত্র প্রতিবাণ ত্রী পুদ মহৎ। পাশ िर्मिक कम्मर्ल कान मकीनिरद्रा 🏻

ন্তুশাঃ।। পুথমোঠাক্ষরো মজ্র ন্ততঃ কামিনি রঞ্জিনি। স্বাহান্তো হুষ্টাক্ষ-র: সন্জিরপর: পরিকীর্ত্তিত: ॥ থ্রী॰ भोति कपुरविष्ठ वारमधित म वर्षा कर्। विठाउः वाजनार्लायः नजः मिक क्रीविजः॥ ইजि घरोर्गन যন্ত্র•॥ 🗱 ॥ ভারে হুঁ বিলিখেৎ স-রোজ সহরে সাধ্যাভিধানান্বিত । मञ्जानान् वम् मःथाकान् वम्रदल्याः লিখ্য তদ্বাহ্যতঃ। শক্ত্যা ত্রিঃ প-त्रिविष्टेउ घटेगठ भग्न इ मत्रानन ৰক্ত ব**শ্য**কর পুহাদি ভযজ্লক্ষী-भूर• कीर्डिर• ॥ ইতি प्रतिতा यख• ॥ # ॥ भग्नः जानूमलावि उः भूवि-नित्थं ७८ कर्निकाशः भून खाद्रः শক্তিগ বীল্প সাধ্য সহিত তৎ কে: भारतम् कमार । मर्मिना मन् मञ्जवा-न् य्गलामा वर्गान् भूनः भवगान् भ-व्यानीन् खनामा विश्वाय विविध्यमः **ख्र**॰ **७**नख्र म**ल** ॥ मञ्जस्र । উत्तिष्ठ পুৰুষি কি স্থপিষি ভয মে সমূপস্থি ত । যদিশক্য মশক্যমা তল্মে ভগ-वि जिम्म बाहा। माङ्गार्णन म-ষীত ভুপূর ঘয নখ্যগ । যক্তঞ্চ বি-क्तार्वात्रिन्ताः (शुक्तिः नर्व नमृक्तिम्गा রক্ষাকর বিশেষেণ ক্ষুদুভূত্যদি না ननः। दाक्रांदः जुन्ने दार्जानाः वनार-

**ए वण्ड मिह्ञाः ॥ मूजार्थिनीनाः** সুতদ রোগিণা রোগ শান্তিদ। বহুনাকি সিহোক্তেন যত্ৰ• তৎকাম (मा मिनः ॥ इंडि वनमूर्गा यखः ॥ 🗱 ॥ অথ লক্ষীযন্ত্র•।বেদাদি ছিত সা-ধ্য নাম যুগশঃ শ্রিশক্তি মারাবিত কিঞ্জ: ক্লুষ্ দিনে**শ প**ত্ৰ বিলসন্ সম্ভা ক্ষর॰ তদ্বহিঃ। পদ্ম॰ ব্যঞ্জন কেশর॰ ষর লসৎপত্রাপ্ট যুগ্ম• ধরা বিয়া-**ভ**্যা॰ वयप्रस्या ज्विज्या य**ञ्च॰ नि** থেছেষ্টিত ।। ভূপুরদ্বকোণেষু হ-(क्वी (व(थ)) भूनः भूनः। महावक्वी यञ भिरः मदिवयर्ग कलभूमः॥ मर्ब मृःथ भूममन अवीभविनियात्रकः। বহুনা কি নিহোক্তেন পরম্মাম विम्राउ ॥ अथ जिभुद्ररेखद्रवीयख॰ ।। 🗱 ।। भवतान्तरः नवरयानिषु श्रुवि লিংখৰীজানি বৰ্ণা ছিশো গাযত্যা: পুনরপ্ত পত্র বিবরেম্বালিখ্য লিপ্যা-বৃত । ভ্ৰিম্ব দ্বিত্যেন নক্ষ্থ য্জা ॥ কোণেষু সংবেপ্তিত যজ্ঞ তৈপুর মী রিত বিভ্বন প্রেচাভণ শ্রীপুদ ।। গাযত্রী তু।নন্মথ ত্রিপুরাদেবি ॥ িলাক পদ মুদ্ধরেৎ। উক্ত্যা কামে-पति यक शुरुत्रम्थ धीमहि॥ य-त्य प्रत्यत्याः समः क्लिम भुरहान-याः । भाषाबायाः मनाथााञा रबः

भूती नर्शनाकरा 🔰 🖄 🕉 वाहर (र्गर यूगान्द्रज्ञ है रेप्टर में निरथमानुवः यहेरकारभञ्जी क **পু**विनिर्थं ए कात मार्विष्ठेउ **जी॰ वीरकन ज**भी तिष्क जिन्तन क ক্ষোভণ ত্রৈপুর বস্ত্রণ পঞ্চ বন্য वाजाक भिनः भोन्तर्य। भागः वन्नः ইতি ত্রিপুরা যন্ত্র•।। 🗱।। তাথ 🖗 বিদ্যা যক্ত । বিশেষ আ **পুসস্থাৎ কথ্যানি তে**। রেক্ত ২কা द्राया मंस्यु (पवीना मिख्य मार्गिक्ष) **সাধ্যনান দ্বিতীয়ান্ত•** তল্যেন্দ্ৰ বি लिथिसन्। তবৈৰ মাতৃক। नही বিলিখেছক বাহ্যত: ৷৷ পঞ্চাব্যা **म्राउदेनव मालन পরিবে**ইলে 📑 उव नान भुविश्वाभा विमा सक्षासद **শত•॥ उ**८म्मृक्षे। भुकः शत्राक्षः (सर्दे **शान भन्नायाः। (इत्या स्वर्गः कृ** ज्ञा ब्रज्जञाराय वा भूनः। 🗥 प्रश्रु জগদ্বশ্যু হৃদথে জীবু ব্ৰাভ্তণ কটে थनः वार्ककारव उम्रनः कम्रनः ज (तर ॥ मिथाया॰ (माक् माल्यावि **७ या ज्याद्य शा अय ११ । अय ११** तिम रखः।। वीकः वहेकान मासः। স্কুরদনল পুরে তারগ• দিক্ষু লক্ষ্য भागा कन्तर्भ जूभी अम्ब अस् স্বালিখেদ্বীজ ষট্ক•। তৎ, সন্ধিত্বত

म्जान् वम्रुष्ट्र कमला म्ल मखन्ध वर्गेन् मिट्टीन् পाउषु विद्यान् विवि থত উণশ ক্ষান্ত্য মন্ত্রে পলাশে।। আবীত লিপিভি: ক্রমোৎক্রম ব-শাৎ পাশাক্ষুশাভ্যা মপি ভ্বিশ্ব দ্বিত্তব্যুদ বেপ্টিত মিদ ব্যুক্ত গণাধী শিতু:। লাকা জন্ধু রোচনা মৃগম रि ज्ंरजीमात्र रहित्र वा मः निथ्रा-ভিবহন **লভেড স**কলৈ: अ॰ প্রার্থ-नीयाः भियः॥ উक्तः महागनभटि রিধান সুর প্জিত। সর্বসিজিকর भू भा भगख भूक्षार्थम ॥ 🗱 ॥ অথ শ্রীরামযন্ত্র•॥ তার• মধ্যে বি निथजू ननु यदेन (कारायू मिक्षयूकः মাযা মর মপি লিখেৎ কোণগণ্ডে यू भग्नार । किञ्जल्वयु अत्रगण माथा পত্ৰ মধ্যেষু মালা মত্ত্ৰস্যাৰ্ণান্ গুছ-মুখ মিতানষ্টমে পঞ্চবর্ণান্।। দশা-क्कांद्रन अंदिक्षेत्र काहि वर्रिक ज्नूद्र । निएमिक् वित्थिषीरक नद्रिनिः स বরাহযো:॥ নমে। ভগবতে বুযাह-पूर्था त्रघूनन्हन•। त्रत्काः विवनायाः **ए मधुद्राप्ति मभीद्राय्य ॥ शुमन्नव्यक्** নাযেতি পশ্চাদমিত তেজসে। ব-লায় পশ্চাদামায় বিষ্ণবে তদনন্তর• ॥ भुभवाहि नस्मात्त्र। १यः मालामञ्जः पुर्विविजः। 🕬। जाय नृति रह यदः।

বীজ সাধ্য সমন্বিত পুবিলিখেম-খ্যেষ্ট পত্রেম্বথো মন্তার্ণান্ শু,ডিশো विভक्त विलिए ज्ञिना विश्विष्ठ त्यं । বাহে কোণগ বীজ বন্ধ বসুধা গেছ स्यनावृज् यद्ध कृ मु विष्णुशामय तिन् नुषु मन 🎒 नुष् ॥ 🗱 ॥ अव (गाभान यज्ञ।। भिष्ण मूलन वीज দহন পুর যুগে কোণ রাজৎ বতর্ণ ষর্য্যাত্ পদ্ম দশার্ণ সুব্রিত দশদ্ ল কাম বীজেন বীত। পদ্ম কিঞ্জন্ স স মর বিকৃতি দল পোল্লস থকা ডশার্ণ কিঞ্জন্প ব্যঞ্জনাঢ্য বিকৃতি युग मत्त्र विश्व जा नष्टे वर्गान्।।भाषा हर्-णाज्यामावीज को भी भूत युगा शिषु ৷ অষ্টাক্ষরেণ লসিত• যত্র• গোপা-न रिवजः॥ धर्मार्थ काम कलपः अर्व রক্ষাকর শৃত । পঞ্চান্তকো ধরা-मर्ग्हा मन् विन्तु विज्विज: ॥ शि-গুৰীজনিদ প্ৰোক্ত সৰ্বসিদ্ধি করণ भवः। मातः क्षाग ठेषमुः यउःर्गा মনুরীরিতঃ।।গোপী জনান্তে পুরদে-षञ्चायाप्मि वल्ला । व्ययः माकः রো মস্তো দৃষ্টাদৃষ্ট ফলপুদ: ॥ প্ণ-ব হদয কৃষণ ডেম্ব নৃক্যু ততঃ পর• । তाम्मः (५वकी भूधः छः कर् साहा সমন্বিত ৷৷ যোডশাক্ষর মক্তে (২্য• গোবিন্দস্য জগৎপতেই। পিণ্ড র-

তিপতে দ্বী জি ননো ভগবতে ততঃ ॥ नन्तभू आय वालापि वशुर्य भागः भनाय है। (गानीकन भएन)।एउ व-ल्लाग विठाविष ॥ अनुरुष मख আখ্যাতো গোপালন্য জগৎপতেঃ । यनकः कृष शावित्नो (उष्ठावश्री-ক্ষরে। মনু:॥ ইতি গোপাল্যক্ত।। ॥ 🗱 ॥ व्यथ (गानानम्) यञ्जास्तरः । भाक् भुज्रक् मिक्शामक् विधि बम्बिनिस्थ न्येष्ठे त्रथा ठजुइः कालामाह्न युक्क वनययूग युक मध् প्रं जिन्छ । त्याकम्प्रानान् भूत्र खादम् भद् विवाद मुक्टेवर्गः नि-थिदा उदार्थ द्वारमार्टिन अन्न भ-রিবৃত দেবকী পুত্র যক্ত।। ত সুকী দেব দেবেত ত বেদে বরতো বত ৷ ত বতো ৰুদতো খ্যাত ত খ্যা-তো দেবকী সূত্রণ।। विथिত ভূক্ত পত্রাদৌ যন্ত্রমেতদ্মথা বিধি ৷ বি-ধৃত বাহুনা নিত্য সর্বকাম ফল-भूर• ॥ भनाभ वृक्ष कनक निः थिउ॰ माधू माधिउ॰। (गाञ्चारन निथानाम् उ८ गवाः वृक्षि छ्विछम। ११ 🗱 ।। अथ निव यद्धः । ऊद्धारि यहें 🧢 पश्चनः कृषा उन्छः नास्र नान यूक्त शुक्तामास्योक वि**लिथ**ऽ খ্য ায়ু পুণব মহিত পঞ্চাক্র

वर्गान् विविथा विवस्तियु यस कृत न् उष्विः शक्षमः ि विव्रह्याः फ्रालयु अ देणानाय नमः अंउर भू-क्षाय नमः खँञह्याद्वादाय नमः खँम-(ए)। जाजाय नमः खेवागरम्याय नमः । ইতি পঞ্চনজান্ প্রাগাদি ক্রমেণ लिथ्ट । उद्दि त्रडेम्लानि तर्ह-विदा उपलब् माउका वर्गन् विः थ्य । उन्नहि वृंख काम्राकन त् डेरार । এउचाल जभ (श्रामिना नम्भूबा शावरयर। जायू व्राद्धित শ্বৰ্য্যাদি সিদ্ধি ভ্ৰতি ॥ 🐞 ॥ শ্ব मृजुऽक्षयम्। माथ्य माथ्याक्ताव्यः ধ্ব মভিবিলিখেরাধ্যম দিখুলেযু कार्णबुष्ठाः भागा खट क्रिक्ट जूर न मत्था किक्कु कन्तुः विकिक् । है। है। যত্র তদুক্ত সকল ভত্তর কেড ভূ তাপ মৃত্য ব্যাধি ব্যক্ষিত্য দুর্ব भुगमन मूरिकः जीलुमः बोलिश वि॥ #॥ व्यथ कानीयद्यः। य भाव । जाराः वीजः समाधाः शु প্রাদ্য চাপ্তবীজ তদন বসুগৃহ ष्ठनमृतक वीष्ठयहेक । किञ्जन्न उट खदाष्ट्रा वम्रल विवास चाइया वीक षष्ठ॰ कृष्टां छ। स्व क्रिक कि 🦁 गृरगुगाया त्र छ। त्र यहात का 🔐

(मर्वी वीज खयः ७९ शुकिमि**म म**श्रा রু শক্তিবীর দ্বাণ তৎ কোণে কোণে लिलेन्यं खिन्नगि नख्यः महत्र विष्याः॥ #॥ व्यथ मास्रि-তারাধারণ যত্ত। তদুক্ত। क्ष्यात्रीय । यानियूप्य निष्य-भञ्जः मञ्जी (रूमणनाक्या। क्रीवर्श-नान् रीर्घवर्गान् यद्धिकारम विविध्ध ভত:।। অষ্ট পত্ৰেম্বষ্টবৰ্ণান্ তদ্বহি ভূ পুরদ্বয়ণ। অপ্তবজুণভূপুরে চ বিলিখ্য नाथकाखमः ॥ मूदर्गः भाषे ज्**र**ब्ह बा क्लार बानारथ ज्युष्ठ । विलि-থেন্ধেম লেখন্যা গন্ধান্তক সমন্বিত• ।। দूर्वाकारअन वा निथा क्रणग्रानन বা প্নঃ। একবীরাকল্পে। বেস্টিত भीजवेखन अजुना भन्नित्वक्षेत्रय । वक्षीयादः अङेमृद्धन निम्ना के छ् यन ।। जीना वामजूरक टेव मत्नु ষা॰ দক্ষিণে ভূজে। বন্ধ্যাপি লভতে পুত্র• নির্ধনো ধনবান্ ভবেৎ।। ইমা• রক্ষা॰ পুরা বধৃ। জ্ঞানার্থ• গোতমা-मिजिः। श्रीजार्थः शार्थि वि कातितः म•गुाम करकाङ्कि ।। अमु।र्थः। যোনি যুগ্মে ষট্কোণে। ভন্নধ্যে হেন मनाकारिना ज्ञ्लेभवारि असूम (दाहन। दक्रहन्तन क्रोमा नीना न-गाः भः विधाय भिद्ध करम् ग्वमञ्जः

লিখিত্বা তস্য হল্লেখা রেফ মধ্যে অমৃকস্য রক্ষা॰ অক অক অম্কীনা॰ শৃত্ত পুত্র মুৎপাদ্যেতি বা অস্ত क्तान व्यक व्यक् इंड्राप्ति वा नाश्र সহিত• বিলিখ্য বট্কোণে ল্লীব ভি-मान् भीर्घ दर्गान् व्या के 🗟 🗳 🤡 वाः ইত্যেকৈক• লিখেৎ। তদুক্ত•। স্ব-রাণাণ মধ্যগণ যদ্ন তদ্বত্তম্বণ নপুণস-ক মিতি। অষ্টপত্রেম্বস্তবর্ণান্ ঐ॰ ছুী ওঁ ঐ ছুী ফট্ স্বাহেতি লিখেৎ । তদুক্ত। বাগুব সলদেবীঞ্চ তার-ক· বাণুব· তথা। হল্লেখা চা**ন্ত্র ন**-खोरि वङ्गिषायिषि मंगुः ॥ अड्ठा-ক্ষরো ননুঃ প্রোক্তো নজাণা সার केत्रिजः ॥ 🗱 ॥ व्यथ यञ्ज निथन मृत्रुः । কাশ্মীর রোচনা লাক্ষা মৃগেভ মছ **इन्होंनः। विविध्यासम् विथन्। यन्त्रा** ন্যেতাৰি দেশিক: ॥ ডুমিস্পৃষ্ট শব न्शृष्टे॰ यञ्च॰ निर्मावाः मञ्चलः। विही-র্ণ লব্বিত মন্ত্রী যজ্র নৈব চ ধার-বেৎাসৌবর্ণেরাজতে পাত্রে ভ্রেবা সম্যগালিথে । অথ বা তামুপটে वा छिका क्छा भाद्रस्य ॥ याव-জ্জীব স্বর্ণে স্যাৎ ব্লোপ্যে বি শতি वार्षिक । ज्रङ्कं बाह्म वर्षाण जह-র্দ্ধ তামুপউকে॥ ইতি ভক্তসার: ॥ #॥ यनार कानिकाभूतार १५॥

१४ । १२ व्यवहार्य मुद्धेवह ॥ 🛊 ॥ অথ যজ সংস্কার: ৷ বাসকেখঃ ক্রে १ त्राद्धा म॰कन्नरयद्यान्ती स्थता तहन মাচরেৎ। পঞ্গব্য ততঃ কৃত্বা শি-বনজেণ নজিত ৷৷ তত্ৰ চক্ৰ 🗫 (भगन्ती भुगत्वन मनास्तरः। उपूष् ত্য তত শ্চক্র স্থাপথেৎ স্বর্ণপাত্রকে ।। পঞ্চাম্তেন দুংখন भी তলেন জলে न छ। हन्द्रान्त जूगास्त्रन कल्त्री असूर (गन ह।। भरग पि श्र को मु मर्क-द्रारिप द्रन्कमाट्। তোय ध्रुवाउदिः ঙ্গৰ্য্যাৎ পঞ্চামৃত বিধিণ বুধ:।। হা-**ট**কৈ: कलरेन प्रवी मश्रे जि बार्ति भू तिरेजः। कषाय जनमञ्जासः कात्र-(यट ज्ञान मृबम ॥ ज्ञान जमान) তা॰ দেবী॰ স্থাপফেৎ স্বৰ্ণ পীঠকে। यखताकाम विदार नहामखाम थी-महि जा यञ्च॰ भूका त्या ।। स्मृ-ষ্ট্ৰ। যজ্ঞ। হশাগেণ গায়ত্ৰ্যা চাভিম। ব্রথেৎ। অস্টো ত্রর শত দেবি দেব তাভাব সিদ্ধযে॥ আত্মশূদ্ধি তত: কৃত্ব। ষডকৈ দেবতা খন্ধে । তত্ৰা वाश महारहवी॰ कीवन्यामक कावः त्य ॥ उभगांदाः त्वाउना कर्मा मू पुारि छि: मरा। कल जाब्ल रेन व्वरिष्ठ (पंवी॰ उज ममहादट ॥ श्रेष्ठ म्वारिक पर्शाः वजानकात्र भवः

ह। अस्क हामत्र ए हो। गथाए गा। महत्रिमा महित्रित् भूग पन्तानाञ्च हिट्छ त्रजः। खर्ड। क পেৎ সহসুঞ্চ সকলেপ্পিত সিদ্ধবে ॥ विविदान ७७: कृदा भुगमहक রাজক । অষ্টোত্তর শত তত্ত্বাস ম্পাতাজ্য বিনি:ক্ষিপে**।। হোন**ক र्यगुणकुल्हर व्रिखन क्रमाहात्तः । (वनूत्मका॰ ममानीय अन म्झानः नक्षाः।। धत्राय मिक्षाः मम्। एकः তো (मव्या विमर्क्किन ॥ ॥ अम्य যোগ:। কৃতনিত, ক্রিম: ৰ্স্তিবাচন भूर्वक महन जगाए। वामाजा দি অন্কগোত্র: জীতানুক বেৰশ্যা অমুক দেবতাযা: পূজার্থ অমুক यखं मःकात मरुः कतिया। ইति मःकन्ना भक्षगवा मानीय हो निङ् মত্ত্রণাপ্টোন্তর শত• অভিমন্ত্র্যুগ্ ণবেন যক্ত্ৰ• তত্ৰ ক্ষিপেণে 🔻 📆 🖔 खाना ज्ञाभायर । छङ 🗝 छन **जन** हन्दन गञ्ज कखुदी 🚟 🛂 🦠 যিত্বা পঞ্চগব্য মানীয ে লিভি 🚜 **ত্রেণাপ্টোত্তরশত মভিম্কর পু**র্ পূৰ্বৎ শোধ্যিত্বা স্থাপাৰে ১ ত क गः। शुथमः की द्वि मानि व **शः मन्त्रार । अतः मञ्जा शरक** राष्ट्रः শকরবা চ। ততো ২৪ জিঃ কটা

দ্বস্কুন গোরে চনা চননে মি শুিতৈ 🛭 रखारेयः ग्नाभाष्ट् । **সর্ব** স্থান∙ মূল । মক্তেণ ততো যত্ৰ মৃভোল্য স্পা-(गुन उर म्मृद्धे। यखत्राकाय विदाह महायखाय धीमहि जा यख• **न** চোদহাৎ। ইত্যপ্টোত্তরশত মভি मखा भागभु विश्वा अर्याट । अन्य পাণ পুতিষ্ঠা মন্ত্রস্য বৃক্ষ বিষ্ণু মহে-শ্বরা শ্বষ্য শ্বাজু: সামানি ছন্দাণ সি চৈতন্য দেবতা প্রাণপুতিষ্ঠাযা বিনিযোগঃ। তদ্মথা। আ• খ্রী• কো• यः तः लः यः भः यः मः (होः हः मः অনুক দেবতাযাঃ প্রাণা ইহ প্রাণাঃ ৷ এব মামিভ্যাদি অমূক দেবভাষা কীব ইহ স্থিত:। এবং আনিত্যাদি অমুক দেবতাযাঃ সর্বেন্দ্রিয়াণি। এব আমিত্যাদি অমুক দেবতাযা বাজ্মন কক্ষ্য শ্ৰেত হাণ পাণা ইহা-গত্য সুখ চির তিষ্ঠন্ত স্বাহা। ইতি প্রাণান্ পুতিষ্ঠাপ্য তত্ত্র পুক্ত দে-বতা নাবাহ্য ষোডশোপচারে: প (कामहारेत वा मूहरय । उठः পউসূত্রাদিক দত্বা অস্টোত্তর শত কপ্তা শক্তশ্বেৎ বলি দদ্যাৎ। ত তো ২স্টোত্তরশত হোন কৃত্বা পু-় <u>শ্রাহুতি সম্পাত দদ্যাৎ। হোনা-</u> াৰে দ্বিন্তণ জপ: কাৰ্য্য:। ততো

मिक्न में प्राचित्र विश्वास्त्र कर য্যাৎ। ইতি তম্রসার: ॥ # ॥ # ॥ ঔষধ পাকার্থ যজ্রাণি যথা। ভাণ্ডে-বিতন্তি গম্ভীরে মধ্যে নিহিত কুপি-কে। ক্পিকা কণ্ঠপর্য্যন্ত বালুকা-ভিশ্চ প্রিতে ৷৷ ভেষত্ত কৃপিকা স'হ' বহিনা যত্র পচ্যতে। বালুকা यञ भिज्ञ विक्र विक्र वृश्यः मृतः॥ वाल्कायद्ध ।। 🗱 ।। निवक्त भोवश् সূত্র• ভ্রেজ তপ্রিগুণান্তরে। রসপো-টলিকা॰ কাঙে দৃঢ় বধ্ব। গুণেন হি।। সন্ধান পূৰ্ণ সম্ভান্তঃ স্বাবলয়ন সং-**ञ्चित्रः। व्यवस्याब्हानयमञ्जः उत्तरः** मुक करमण हि ॥ (मानायन्त्र मिमः প্ৰোক্তণ স্বেদনাখ্যণ তদেব হি। স-স্ধান কাজিকাদি ইতি দোলাশস্ত্র ॥#॥ नाषुष्ठानी मुत्थ वत्क वत्क (सः দ্য নিধায় চ। পিধায় পচ্যতে হত্ৰ তদ্মস্ত স্বেদন সৃত ।। স্বেদনযন্ত্রণ ।।#।। অধ: ङाल्या क्रम क्षिध्रा निष्-याज्य त्थानित । इनो मूर्जन्थी॰ नम्या निक्षा मृतू मृद्मया। उक्ष ञ्चान्रा॰ बन॰ किथु। हुझ्या भारताश्र यञ्जञः । अक्षष्ठाङ्कालत्यमधिः याद পুহর পঞ্চ ।। স্বাস্থাতি ততো यञ्चामगृशीयामुन मुखम् । विम्ता-ধরাভিধ যত্র নেতত্তজ্জৈ কনা-

হ্যত ।। বিদ্যাধরযন্ত্র ।। 🛊।। বালু-কাসু সমস্তাঙ্গ• গর্ভে মৃষারসাণ্নি-**छ। मीक्षाभौनः म**ःत्ग्याम्यख्रः ज्**षत्र नामकः ॥ ज्षत्रय**खः ॥ #॥ যত্ৰ ডম্ক সংজ্ঞ স্যান্তৎ স্থা-ला। मृष्टि मूर्थ । उमक्रकः। ইতি ভাবপুকাশঃ॥ যত্ৰক• ক্লী যত্ৰকাগ্ঠ•। ঈদ ইতি ভাষা। যম্যতে কাষ্ঠমনেনেতি যম খাতো জ্র পুত্যযেন যত্রণ ততঃ স্বা-র্থে ক পুত্যযেন নিম্লমণ।। यञ्गृह की ठिलिमान।। यानियत ইতি ভাষা। ইতি হেমচন্দু: ॥ शञ्जाताः भुः कनायविष्णयः। यदि इंडि ভाষा। इंडि मदहिन्द्रका॥ ষত্রণ ক্লী ব্লহ্মণ ।। বন্ধন ।। নিয-मनः। ইতি मििनी।। यखना जी भीषा। यथा। महनजाभ ভরেণ বিদীর্য্য নো यमूम পাতি স্থান ममनश्रम्ः। निविष्ठ शीन क्रव्हय य-ন্ত্রণা তমপরাধ্মধাৎ প্রতিঙ্গর্বতী । इं ि रेनवाय ८ मर्गः ॥ বস্ত্রপেষ্ণী জ্রী পেষ্ণার্থযক্ত । যাঁতা इंजि ভाষ।। इंजि ब्रोश्तः॥ যব্রিকা জী পন্ন্যা:কনিষ্ঠাভগিনী। यथा। कनिश्रामाजिका श्रांनी य ত্ৰিকা কেলিস্ঞ্চিকা! ইতি হেম-

वित्राः ।।

यखिङ: जि वक्षः। ইতি ध्रति
यखी भू॰ यखिनिष्ठेः। यखिनिकाः

मखार्थ हैन भुजारयन निज्ञमः॥

यख छ निभूतन। ইতি কবিকল্পদাः
॥ छ व्याभी ८ यखि वृता। ইতি

मूर्गामानः॥

यस छ जि विवर्ती। ইতি কবিকল

যম 'ঔ উ বিরতৌ। ইতি কবিকল্প ক্ষমঃ।। ঔ যন্তা উ যমিত্বা যান্ত্বা। বিরতি নিবৃত্তিঃ। যন্তুতি পাপাৎ-সাধুঃ। ইতি দুর্গাদাসঃ।।

यम क मि भित्रित्वरा।। उपजात। ইতি কবিকল্লজমঃ॥ ক নি যমযতি ষাময়তি পরিবেষণ অন্নাদে রর্পণ । বেষ্টন নিত্যেকে। বিষত্যব্যাপ্তা-বিত্যস্য ৰূপ মিতি রমানাথ:॥ কেচিত্তু পরিবেষণ এবায় মানুদ-कः। यनयजामः विवाय गृशी। অন্যত্র নিযাম্যতি সংযাম্যতি ই-ত্যাহু:। অন্যে তু অপরিবেষণ এ-ৰাষ মানুবন্ধ:। নিষমযতি বিমাৰ্গ পুস্থিতানান্ত দণ্ড<sup>।</sup> ইতি **শাস্**ন্ত-লে। পরিবেষণে তু যানযত্যম॰ षिकाय गृशी इंड्याङः। (उन डे-ভয়স্য প্রামাণিকত্বাদুভয়ত্র বিকং क्छाभनार्थकान्यमः क् छः । 🤾 🦠 मूर्गामाञः ॥

म्बिनिक्भावः। उरः यमः भू পর্য্যায়:। ধর্মারাজ:২ পিতৃপর্তি: ১ সমবত্তী ৪ পরেতরাট্ৎ কৃতাম্ভঃ ৬ यमूनाञ्चाठा १ मननः ৮ यमद्राह् २ कालः २० मध्यमः >> नाम्बारियः **১**২ বৈবস্বতঃ ১৩ অন্তকঃ ১৪। ইত্য मतः।। थर्मः ১৫ थर्मतारे १५ जीवि (उभ: )१ महिषधुबः ১৮ ঔउपतः วठ मख्यादः २० कीनामः २**७** मधुः २२ महिषवाह्नः २० भीर्गानः २८ जीमनामनः २० कन्नः २५ इतिः २१। ইতি শদরত্বাবলী ॥ कर्मकरः २৮। इंडि को भावतः॥ 🕸॥ ठजूर्म भ यम जर्भन यथा। या काक्षिट সরিত পাপ্য কৃষপক্ষে চতুর্দশী । यम्नायाः विष्णस्या नियं छर्न-(यम्यमान्।। यमाय धर्म्यत्राजाय मृ-जारव हाउकाय है। रेववन्र जाय का नाय मर्बच्डकयाय ह ॥ जेउद-द्वाय पद्भाय नीलाय श्रद्धाति । वृकामद्राय विवाय विवश्रधाय देव नमः॥ একৈকস্য ভিলৈ মিশু। खी॰ खीन पर्गा जनाक्षनीन्। भःवट्मत्र क्**ङ भाभः उट्क**णाः দেব নশ্যতি॥ ইতি তিথ্যাদিতত্ত্ব ধৃত ভবিষ্যপুরাণব্চন ॥ 🗱 ॥ ত এন্যাৎপত্তি যথা। সংজ্ঞা চ রবি

ना मृक्षा नामी नयङ (नाहरन । यङ **ख**डः मद्गारमा **९**कः मःख्वाः वव्न म्युवी ।। भयि मृष्टि जना यमा । ष्ट्रक्ष নেত্ৰ সংযম। তন্মাজ্জনিষ্য-সে ন্তে পূজা সংযমন যম।। মার্ক-ণ্ডেয উবাচ। তত তুস্যান্ত সংজ্ঞে ভতৃশাপেন তেন বৈ। যমশ্চ যমুনা **टिय॰ পু**थ्याञा সুমহানদী॥ইতি মা-কণ্ডেম পুরাণে বৈবস্বত নন্তরাধ্যায়ঃ ॥ 🗱 ॥ পুণ্যাত্মনা॰ সম্বন্ধে তস্যৰূপ॰ यथा। जानागजा॰ खाजा मृष्ट्री नद्रान् थर्मभद्रायगान् । ভाञ्कतिः भ्रीजिम। नाम् अयः नात्रायः । ७८वटः ॥ ४-ज्वीहः नाग्रमवर्गः भुक् सक्मालकः-ণঃ। শহু চক্র গদা পদ্ম ধারী গৰুড वार्नः ॥ अर्गयञ्जाभवीजी ह स्मत **हाक उदाननः। किद्रिटी मखनी** टेहत् वनमानाविज्यिजः॥ #॥ भाभि-না॰ সম্বন্ধে তস্য ৰূপ॰ যথা। ত্রি॰শ-আেজন দীৰ্ঘাঙ্গোবাপী সদৃশলোচ-नः। थ्रम्वर्णा महारउकाः भुनयास्त्रा-ধরধ্বনি: ৷৷ ভৃণাধিরাজ লোমা চজু-**ल**म्श निथागुद्ध। नामा ब्रञ्ज सुब्रू श्वात्र यरेन ब्लिंड सहानिवः॥ जुहीर्घ দশনশূণি: স্পোপন নথাবলি:। **পুচও নহি**ষাৰ্চ: সংদপ্তদশন্দুদ:॥ **দণ্ডহন্ত শুম্ম্বাসা ভুষ্টী স্বটিলান**-

নঃ।।ইতিপাদ্মে কিযাযোগসারে২২ অধ্যায়: 🛚 🗱 🌡 অস্যানধিকারো যথা (भावाह धर्मा यम इ॰ व्वीम कार्य) ज्या ७८ शनू धर्मताजा वुष्कावाह ৷ যে ভক্তা: পুঞ্জীকাক্ষে কৰ্মণা ম-नमा गिता। अकर्य नित्र जा पाछा न নিয়ন্যাহি তে ত্বা।। কৃষ্ণ: সংপ্ क्रिटा रेग्स रेगः क्षः ममूभामिजः ্বৈশ্চ নিভ্যু স্মৃতঃ কৃষ্ণোন ভে वृद्धिययाभगाः ॥ नगः क्काह्रजा मस्र वामुप्तविज्ञानीतिजः। यि जीव ভাবিতো ধর্ম নতে ত্তবিষযোপগাঃ ॥ मान ममिक र्यं क्क मठुउठ: श्री-य जा भि जि । मुखा भूतः मदि र्थम ন তে ত্বদ্বিষযোপগা: ॥ উত্তিষ্ঠক্তি: अशिक्ष के वृक्ष किन्छ कनार्ननः। रेय भृउस भरा धर्म न एउ द्विषरा**ग** गाः॥ मर्बवाषाम् (य क् अ· म· मत्र सू) চুরস্থি চ। ভদ্জাব ভাবিনো যে চন তে ত্বিষ্বযোপগা:।। সএব ধাতা লর্বন্য ভলিগোপকরা বয় । যম সে যমনে ত্যক্তঃ সো হমত সংযমকো হরিঃ।। ইতি বহি পুরাণে নারসি॰ रु भुामू डीवाधायः ॥ \* ॥ व्यापितः । वाकान देवाछ। यटकृत्वा जुनइट शू-गः वर्षादयं विनिर्शय । शुमानः दः व्हि लाकानाः कवाः **(म.तुहि उत्रन** 

॥ যমউবাচ। যমো । यस ইতি । र्वेथा हु। बिहार इनः। आजा ह य-निष्ठा (यन न उरेम)त यन: मृजः॥ আন্শংস্যু ক্ষমা সত্যু অহিংসা म्म बार्जवः। यहानः नुत्रादिः। माध्यंहः माखायक यमा मना ।। यरमक नियः रेगरेक्टव यः करत्रा छ। जा मःयमः। मः চাদৃষ্টা তুনা যাতি পর বুক্ষ সনাত-न ।। ইতি তবৈব यम मर्थिताशा थ्यान ॥ #॥ माविजी कृ उ॰ यमा छे-ক॰ ভোত্ৰ॰ যথা। সাবিত্যুবাচ। তপসাধর্ম নারাধ্য পুষরে ভাক্তরঃ পুরা। धर्माः मः यः जुङ পু। প धर्म ब्राज्ञ नमानाङ् ॥ ५ ॥ भग्ना प्रबं ভূতেষু যস্য সর্ম্য সাক্ষিণ:। অ-তো যন্ত্ৰান শন্ন নিতি ভ পুণ্যাম্য-হ•॥२॥यে নাত্ত চ কৃতোবিশ্বে সর্বে या शिविना भद्र । कर्मान्कभ कारन **ठ ७**॰ क् ञाङ॰ नगाम प्रश् ॥ ०॥ वि-ভর্ত্তি দণ্ডায় পাপিনাং শুদ্ধি ए अत्य । नमानि ७ मध्यतः यः माः छ। मर्बरहर्स्ना॰।।८।। वित्थं र कलय-ত্যের যঃ সরামূশ্চ সন্তত্ত। অতীব मृनिवार्याक उ॰ काल॰ भूगनागाइ॰ ।। ৫॥ তপশ্বी বৈষ্ণবো ধৰ্মী লিংযভী विक्रिटिन्द्वः। की विभाः क्यांक्वर ख यम भूगतामाइ ॥ ७॥ १८००

ब्रामण्ड नर्बा भिवः भुगुक्छा॰ ভবে। পাপিনা 'क्लिमा य ख' भूगै। भिज नगागार ।। १॥ यब्ह म तुका ণো বংশে জ্বন্ত বুদ্ধতেজসা। যো-ধ্যাযতি পরত্রুক্ষ বৃক্ষবংশং নমা-माइ॰।। ৮।। ইত্যুক্ত। সা চ্ সাবিত্রী भुगनाम यमः मूरन। यम खाः विक्षु जः জন কর্মপাক মুবাচ হ।। ইদ যম।-क्षेक निज्र भाउ कथाय यः भरहेट ৷ যনাত্তস্যভয় নাতি সর্বপাপাৎ भुमहराउ ॥ महाभाभी यमि भार्ते ५ निज्र • ज्कुरा ह नावन । यमः करवा-তি ত॰ শক্ষ॰ ফাযব্রছেন নিশ্চিত॰।। **ইতি বুন্দ**বৈবৰ্ত্তে পুক্তিখণ্ডে ২৬ **অ** थ्रायः ॥ 🗱 ॥ भात्रि जायिक यम एउ। यथा। कार्खिकमा निनानाष्ट्री वष्टाव-গুহায়ণস্য চ। যমস্য দশনা এতে লম্বাহারী স জীবতি॥ইতিবৈদ্যক• ॥#।#।। শরীর সাধনাপেক্ষ নিত্যক র্ম। ইত্যমর:। উপাযান্তর নিরপেক্ষ• শরীর নাত্র সাধ্য নিত্য যাবজ্জীব नवण । कार्य । यदकर्म मञ्जास्य गानि তদ্দঃ। যনেরল। অহি সা. সত্য वहन॰ वुकाहर्य। नकन्नु हा । जास्यग নিতি পঞ্চৈতে যনা শৈচৰ বুতানি D 11 ইতি बनुः 1 ইতি ভটोकाया॰ **७**इ.ठं: ॥ म **ठ अक्टा**न्स्यागान्तर्ग

जाक विश्व श्वः । जजू मण विश्वा श्वाः । वृक्ष वर्षः प्रशा का छि र्या नः जजु मण विश्व ना श्वं श्वः । व्यक्त वर्षः । वर्षः ।

यमः वि यमसः। ইতি मिनी।।

তযো র্জ্যেত্ব নিরুপণ যথা। বহি
বণেষ্ চারিকাত্মনযোঃ পূর্ব জন্মতঃ
। यम् জাত্ম যুনযোঃ পশান্তি পুথনা মুখা।। সন্তানঃ পিতর শৈচব
তন্মিন্ জ্যৈপ্ত পুতিপ্তিতা। জন্ম
প্রাথন্যাৎ জন্ম প্রাথন্য সালকে মুখদর্শন প্রাথন্যাৎ। ইতি
উদ্বাহতকে।।

যনক লী শদালক্ষার:। ভস্ত লক্ষণাদি যথা। সভ্যথে প্থগর্থাযা: মর ব্যঞ্জন স হভে:। ক্রনেণ
ভেনিবানৃত্তি র্যনক বিনিগদ্যভে।।

~~ ~ ~ ~ ~

অত্ৰ দ্বাে রপি পদ্যো: কুচিৎসা र्थकषु कृतिमित्रर्थकषु कृतिएकम्। সার্থকল্ব মপরস্য নির্থকত্ব মত উক্ত• সভ্যৰ্থ ইতি। তেনৈব ক্ৰমেণে তি দনো মোদ ইত্যাদে বিভক্ত বি-यगज् मृहिं । এउह भर भारार्क **भाकावृज्जिल्बन भामाम्यावृ**ज्ज का নেক বিষয়ত্ত্যা পুভ্তত্ম ভেদ• দিল্লাত্র মুদাস্থিতে। নবপলাশ পলাশবন পুর: সুট পরাগ পরা-গত পদ্ধ । মৃদু লভান্ত লভান্ত भाषाक्यन् अभूत्रिः भूत्रिः भूभः नाचरेतः ॥ **अव भ**नावृद्धिः भना শ পলাশেতি সূরভি• সুরভি মি- 🛚 **छ। बह पराः मार्थकवः न उाउ न** তান্তেত্যত্র পুথমস্য নির্থকত্ব প রাগ পরাগেত্যত্র দ্বিতীয়স্য এব मन्धानुप्राहार्यः। यमकारते छ (वरिकार उत्ना इति। नित्रा खथा। ইত্যক नयाए। ভুজলতা कउं । मवना बन इंडाउन यमकत्र शनिः 1 ইতি সাহিত্যদর্পণে দশমঃ প রিছেদঃ ॥ 🗱 ॥ যুসজে ত্রি। ইতি (मिनि)।।

यमकः श्रु॰ मःयमः। ইতি मिनी।। यमकाणिन्ती जी मःख्वा। माहमू र्याभनी। ইতি শদর্মাবলী॥ यमकीरैः भू॰ घृष्व्वनामाकीरैः। इिं ' जिकाश्रामयः॥

यमत्कारिः खी लक्षायाः भूर्वः भृष्-वंशाण्ड्रञ्ञाणादणाविष्णयः। यथा । लक्षा स्माप्तः यमत्कारि त्रम्नाः भुाक् शण्डित त्रामकश्चनकः। स्माप्तः श्व खडः मिख्नभूतः मूत्मकः त्मोत्मः २० यात्मः वर्षवानलण्डः ॥ स्मृष्डः शामाष्ठित्रजानि जानि स्थानि य-द्यालविष्मः वष्ट्यान् ।। स्मृष्डः स्थालविष्मः वष्ट्यान् ।। स्व

यमघन्छः श्रु॰ यागविष्मयः।यथा। षि मधा भूर्बक लुत्न्रो भूष्रारभवा ह ठन्मुर्याः। (क्रिश्वानुत्राथा जत्रे नी ना-यिनी अबवामात्र ।। इस्तामा हन्मु-জ ग्ला भूर्वायाण **চ द्रव**ी। जी-বে হ্যন্তরভাদুক শ্কাহে স্বাতি-রোহিণী।।শনিবারে শতভিষা শু-বণা যমঘণ্টক:। ইতি সারসংগৃহ: ।। অপিচ। ঘণ্টো ২থণ্ডর্ক্যুক্তে শ্ব-গৃহপতিদিনেসৌম্যবারে র্যামাপি । जम् वङ्ग्रिकान निर्णय। यथा। यभ्यत्पे जारा हार हो मृत्जी हार म नाफिकाः। अत्मिषाः भाभरयागाः ना॰ मधाद्वार भव्र । অস্য দোষা যথা। এভি র্নাতো জীবেত যদি শক্ত সংস্ঃ ভুষ্টিং

विश्व विश्व नात्री याजायाः म त्राः उदर ॥ ि इतः कृषि वाणि काः विद्रात्रास्त व मूर्या । गृष्ट् भूवाः ॥ अगराम कतः नास्त वुड ॥ द्वाः । अगराम कतः । वृख्यां । वृख्

यभजः वि এककामीरेनकगर्द्धकाछ-जञ्जानहरः। यथा। यथा। १नऽमि स्त्रा यनकाना कारक मनरन मरनी। इेजि स्निनी॥ व्यम् ८ क्ष्रप्टेष् यम भरम पृष्टेवाः॥

যনদগ্নি: পু: জনদগ্নিম্নি:। সত্প রশুরানপিতা। ইতি ভরত দ্বিপ কোষ:॥

यमप्ठः भ् यमम् हतः । यथा । धर्मष्ठेवाह । (क यूगः विक्ठाकाताः भाग मूद्रत भागयः । मः ध्रु। कताता वन्ना अव्हात मन्त्र भू जाः ।। यूगः व्रतं महावीताः ज्ञार भागक (ना-हनाः । क्ठा उथा भियुगाक नियः (कन मृद्र्गिङ: ।। यमपृङा উहु: । यमपृङा वयः महर्स यनाङ्का कातिनः मना । जुम्हरङ। १यः विज्ञास्याकः मृगशान् कन्याकान्यः ।। ইङि भ-प्राभूतात कियार्यागमात्त ५ अः भागः ।।

यमप्तकः भुः काकः। ই जि भाषा-त्रञ्जावनी ॥ यमप्त्रण्डः॥ यमप्तिका जी जिल्लिजीवृष्णः॥ ই जऽ-भत्रः॥

यमस्व जो जी जतीनकातः। इंडि इस्महन्द्रः॥

यमकाः भू भागानिव्कः। ইতি রাজনির্ঘট:॥

यमिष्ठीया जी कार्खिक मृत्ति ष्ठिया।
ज्ञा कृषि ठीया दे ि था। ठा कि क् जा कृषि ठीया दे ि था। वार्खिक जूषि ठीयायाः मृत्नायाः ज्ञा कृष्ठ न् नः। या न व्या प्रिष्ठ ज्ञा जा दे ि ए स्वः।। महा जा ब्रा । जमा दे ि ए स्वः।। महा जा ब्रा । कार्षिक मृत्न स्वः मा ज्ञा । कार्षिक मृत्न स्वः मा ज्ञा । व्या । व्या जिल् । या। यम् नया भूषः (जा जिलः चग्रह व्याः यम् नया भूषः (जा जिलः चग्रह व्याः ।। ज्ञा । व्या । यद्भ ज्ञा कि ।। पाना नि ए जुष्यो नि ज्ञा ने ।। पाना नि ह भूष्यो नि ज्ञा ने ।। पाना नि

তঃ। তথা যমঞ্চ চিত্রগুপ্তথ্যমদ্ তা • দ পুরুষে ॥ অর্ঘ্য শ্চাত্র পু-দাতব্যে যুমাষ সহজন্বথৈ:। সহ-জন্ববৈ ভগিনী ভাুত্ভি: ॥ অর্য্য মন্ত্র:। এছেহি মার্ডির পাশহন্ত যমান্তকা লোক ধরামরেশ। ভাতৃ দ্বিতীয়া কৃত দেবপুদ্ধাণ গৃহাণ চার্ঘ্য ভগবন্ধনন্তে॥ ধর্মারাজ নম স্তভ্যু ন ম তে যমুনাপুজ। পাহি মা কিন্ধরৈ: সাৰ্দ্ধ• সূৰ্য্যপুত্ৰ ননো হস্ত তে ॥ যমৃ नाक जः भूका नमसूर्याए । यमस्त ৰ্ন স্তে হস্ত যমুনে লোক প্ৰিতে। বরদা ভব মে নিত্যু সূর্য্যপুঞ্জ নমো **९ स ७ ।। यम • मञ्जा भार्तरः । जाउ**-স্তবানু জাতাহ• ভুঙ্ক ভক্ত মিদ• मुडः। श्रीज्य यनवाक्रमः यन्नाया বিশেষতঃ ॥ জ্যেষ্ঠা চেন্ডদা পুজা-তাহ মিতি বদেশ। অত্র ভোক্তব্যণ পুষ্টিবর্দ্ধন মিতি বিধি সম্ভিব্যাস্ত ফল শু,ড্যা ভোজন নিযমস্য পুৰধা ন্যান্তন্য মৃখ্যকালো হষ্টপা বিভক্ত मिन शक्यां भा गां शः। यथा मकः । পঞ্চনে চ তথা ভাগে সম্বিভাগো यथा ईजः। পिত्रित मन्द्रागाः की-টানাঞ্চোপদিশ্যতে।। সন্ধিভাগ• **७७: कृदा गृरुष्ट: (भर जू**गुत्रर । केंजिकाम भूजागोम्यः वेश्वक मध्य-

ন্যেৎ।। সন্থিভাগে। বিভন্তান্নস্য शुक्तिभारन । (एरवा १व रेवश्ररहव नरकी। পঞ্চমা শালাভে তু। न ভু-ঞ্জীতোদ্ত স্নেহণ নাতি সৌহিত্য মাচরেৎ। নাভি পুগে মাভি সায• নাতি সন্ধ্যা সমীপত:।। ইতি মনূক্ত भगुर्वस भ्र्याप्यात्स्य का ना-পি গুাছ:। সৌহিত্য তৃপ্তি:। অত্র ভোজনস্য রাগ প্রাপ্তত্ত্বেপি তৎকা-লস্য। মৃনিভি দ্বিশন প্রাক্ত বি-পুাণা॰ নৰ্ত্য বাসিনা॰ নিত্যু । অহ-नि ह छथ। जमित्रनाः मार्क भुइत यामाडः ॥ इंडि काउप्रायनीत्वन नियनि उदारकाञ्चन कालम् देवध-(प्न भाजीयपाद न जामान्य भा-खनाथ्रभिकीवि भग्रमामक्छिः ॥ अज्ञानश्रयनः जाञ्चानाः । (भुज-পক্ষো बन्न विजीयायाः जनित्यक्षां । তথাচ রাজমার্ত্ত:ও। প্রেকো চৈ চা দ্বিতীয়া স্তা: প্রেতপক্ষে গতে ত্ যা । যাতু কোলাগরে যাতে চৈত্র্যাব-न्।ः भारत २भि ह ॥ हाज्यांत्मर সমাপ্তে চ দ্বিতীয়া যা ভবেত্তিথি:। भवारवजा सनव्यायः भूवारैनः भवि-कीर्खि э: ॥ क्ष्याजित्य । उषा यम -विजी**ना**याः याजायाः नद्रगः ভरितः। ইতি তিথ্যাদিতত্ত্ব• ॥ 🛊 ॥ অস্যা•

ব্রত বিধান যথা। নারদ উবাচ। ত गवन् भुष्टे मिहामि ज्ञामरः विनया-বিভ: ৷ ভদুত বৃহি মে স্বামিন্মৃত্যু रयन न भगाऽ ॥ जन्नातायः मरू পুণ্য শোভন বুত মুক্তম। পুসাদ **ब्रक्त क्यां मिन् यथा ह॰ उट काद्रा**न भि (ভा:।। वुक्तावाह। यक्ति हिहिन বিপ্রেন্দু বুতানা বুত মুক্তম। বুত ষমদ্বিতীয়াখ্য শৃণু দ্ব মৃত্যুবারণ।। কাৰ্ত্তিকে মাসি শুক্লাযাণ দ্বিতীযায়াণ মুনীশ্বর। কর্ত্ব্য তদ্বিধানেন **হুপ** মৃত্যু নিবারণ ॥ বাক্ষ্যে,মৃঙ্র্ভে চো-ত্থায চিন্তবেদাত্মনোহিত । প্রাত: क्षा विकः त्रानः मख्यायन शृबंकः॥ **७७: भू**ङ्राश्वत्र थतः भूङ्गमान्यान्त्व-পন:। কৃত নিত্যক্রিবে। হৃষ্ট: স্পু লাক্দ ভ্ৰিত:।। বিধিং বিকৃপ ক मुक मः शालारे जुषद्र मूख । निमा मधरण कृदा भूकरार मृह मानमः ।। ठन्त्ना एक कर्त्र व्यक्ति विंब जलम । भूरिम्न ध्र्रे रिभक्त रेनावरेम्। नां द्रिक्नां पि छि: क्रेनः ॥ अद्रयः তীক বরদাণ বীণা পুস্তক ধারিণী। क्यायट मुद्रापत वर्ताः इ मवाइन স-স্থিতা।। ততো মৃত্যু বিনাশার্থ नालकाद्राः भयस्रिनीः। विशुग्यत्वनः विमूर्य गाक्ष मन्त्राट मवटमकाः।

অপমৃত্যু বিনাশায় সংসারাণ্য ভারি-काः। विशु ज्ञा निमाः होनीः (धन्ः मप्पुम्तम श्रष्ट्र ॥ इंडि वाका विहा-द्रिग (धन्- पर) विकाउरम। सनीनाय न्माञ्चाय (द्वागशीन विकाय देव।। उप- · ভাবে চোদসম্ভ সবন্ত্র সহিরণ্যক । 'उषुषत विधातन माणुपप्राफ्रिका-তবে।। তস্যাপ্যলাভে বিপ্রেন্দু বি-भाग ममुलानहो। एम्राट कार्त्विक শুল্লাযা॰ দ্বিতীয়াযা॰ বিশেষত:।। क्छां जि. भूकान् उथा वृक्षान् मः भूका ठाजिवानरयः। नान्निकनानि ना-নেন ভোষযেৎ স্বজনানপি ॥ ততঃ সোদরসম্পন্ন। ভগিনী যা ভবন্মনে । जम्रा गृहः ममागज्य मुम्बाताः ভि রাজ্যে**ए।। ভদু ভগিনি** শুভগে द्वरङ्घि अवभीक्ष्रः। (भुग्राम २६) নমস্করু নাগতোহ॰ তবালয় ॥ ইতি শুত্রা ভগিন্যাদিঃ সোদর বি-नगानिजः । मृम्वारेका छज छना भूबन किया महर ॥ यम जान नजी जांज खु॰ (ना वयिंग वाक्षव: । ভোক্তব্য ভোদ্য নদ্ধেহে ত্বাযুষে वन्तीनक ॥ कार्जिक मूक्तभक्त मु षिञीयायाः नाहापत्रः। याना यमून-या शूर्व : ভाषिठ: सग्र्हिंड: ॥ অমিন্ দিনে যমেনাগি প্জিতা ভ-

গিনী শুভা। স্বস্নরো বেশানি যো ন जू एक यम विजीया मिनरमव नक्षा।। **७**॰ भाभिन• मर्बम्बाः भुव्या मःमा-त्रगार्ग तर्रगिष्ठ विश्व ॥ उमाष्ट्राजा ষস্গৃহে ভোক্তব্য নাসি কার্ত্তিক। मुद्रायाक विजीवाया॰ नर्दियर्गाय (छ) किंद्रः ॥ दर्श्य दर्श्य ठ कर्ख्य ५० य-শসে আযুবে শি্যে। ততঃ সম্পাূপ্য जुमा ७ ७ गिरेना मृतिथान जः ॥ सर्गाः नकात्र बजारि मान अथकात्र मान-ता । भूरम्। ज्ञान मार्व भुमुगा-वन उ: मुधी: ॥ म जानिवः भुगृञ्चा-न्या नमक् का कमाभारत । जर्बा छ গিন্য: সভোষ্যা জ্যেষ্ঠানুক্মশ তদা ॥ বজান পান সৎকারে র্ভোন্ধনৈঃ शृष्टिवर्ष्व **रेनः।** करत्रार्छ्य नरत्र। वि-बाम याजियम याजनाः ॥ व्यन्भमृजुरः নচাপ্নোতি সত্যু সত্যু হি নান্যথা। रिय र्जिगनाः সুবাসিন্যো বক্তালক্ষার তোষিতা: ৷৷ ন তেষা বংসর যা-বৎ কলছে। न ब्रिপा र्ख्य । वुजन्ता-স্যুসাদেন ভূতাঃ প্রেতাশ্চ রাক্ষ-नाः ॥ प्राप्ति भनायत्य भर्माताकन তाডिजाः। या मिला नि**ह्याक्रा**। দণ্ড মুদ্দর পারক: II বেপ্তিত: কিন্করৈ म् छि खोम कानाजात नमः। इत्थ॰ षः विव मार् न स्कृष उषु उ मूजः॥

- রন্য যনদ্বিতীয়াখ্য অপমৃত্যুনি বারণ । বৃত্তস্যাস্য পুভাবেন পুঙ পৌএ সমৃদ্ভঃ॥ সভ্যংবদামিতে विशु ग्रङ: मा भारतिक वि। गाई **স্থ্যেন সমোধর্মোন ভূতোন ভবি**-याजि॥ मत्मारहाज न कर्खवा हैइ-लाक भव्र का। (य रेव यम दिनी-याचाः वुष्ठः अर्वस्ति नानवाः ॥ मः धनम क्उ भाभ उरक्मा (म्य নশ্যতি। অপুণ্রো লভতে পুণ্রু थनशीना वाजकान ॥ जार्याशी-ता वा कार्या । मुक्त भा • क्वमः छ्याः । यम्याः जिल्यो यमूनया य-मद्राज (१व: मर्जाक्व): मक-ল লোক নিপাত দক্ষ:।। তস্যা• ভুনক্তি স্তিথৌ চ গৃহে ভগিন্যাঃ প্রাপ্নোতি বিভ নভুল স চিরাযু রেব। ইতি পাদ্মে উত্তরখণ্ডে ১২৫ व्यशायः ॥

যনধার: পু॰ পার্মন্বধারযুক্তান্ত্র-বিশেষ:। কিরীচ কাটার ইত্যাদি ভাষা।

यमन॰ क्ली वक्षन•॥ **উপর**ভি:।ইতি নেদিনী॥

यमनः भू॰ यमः। ইতি मिनि ॥ यमनिका जी यवनिका। क्रानाय ইতি ভাষা। ইত্যনরটীকাষাং ब्राञाणुमः॥

यम भन्ने जी यम म । जर्म भर्य । ध्रमार्ग २ विजया ०। इंडि को । ध्रमार्ग २ विजया ०।

यम्भितः प्रः वहित्षः। इति मदः अञ्चलिताः।

वश्विती जी यमुना। इंडि एहम-हन्दुः॥

वनवाजः भू॰ यमः। ইতি (इमहन्मुः॥ जाना भूगांकि यथा। भूती मःयमनी ভস্য চিত্রগুপ্তস্ত লেখক:। ভৃত্যে) চণ্ড মহাচণ্ডৌ ধুমোণা বিজ্ঞযে প্রিয়ে ॥ বিচার ভ্নিকা নীচিঃ স श्याः कालभूक्षाः । इंडि करो-ধর:।।।।। সচ বিমাতা ছায্য। শপ্ত: ত हाপান্ত । যুক্ষ পথারিণী। हिमा मानिनाय निजानुमः ॥ जः জ্ঞাণ ভার্য্যাণ প্রীতিমতীণ ভাস্ক রো বারিভক্ষর:। ততঃ প্রস্তো (या २म्राः (मा ज्रिवयराजा मनुः॥ विजीयस यगः भाभाक्तमं पृष्टि त ভ্ৎসুত:। किमरा भाष्म भाषाय পাদত তে মহীতল•।। পতিষ্যন্তী-তি শাপান্ত তস্য চক্রে পিতা স্বয় । धर्मनृष्टि यं उ काम् मत्म। मिर्ज **७**थाहिए ॥ जरजा निरमान ज॰ বান্যে চকার তিনিরাপছ:। যমুনা

চ নদী জজ্ঞে কলিন্দান্তর বাহিণী। ইতি মার্কণ্ডেযপুরাণে বৈব্যত মন্ত্রে ।।

যমরাট্ পু॰ যম:। ইত্যমর:।।

যমল॰ ল্লী যুশ্ম॰। ইতি হেমচন্দু:।।

যমলপত্রক: পু॰ অশ্মন্তকর্কা:।।

কোবিদারর্কা:। ইতি রাজনির্ঘণ্ট:

যমলার্জ্নহা পু॰ প্রিক্ফা:। ইতি
হেমচন্দু:।।

यमवाङ्क्र्राने भू (गाञ्चक्राङ्क्र्न-বৃক্ষৰয় । তৌ সবেরপুএৌ নলকু-वत्र मिणीरवो । नात्रम माभाए वृ-क्का॰ गछो। शक्षाति छो। यथा। यिदानी (नाकशानन) পূএে। ভূত্বা তম: প্লুতৌ। न বিবা-त्रत्र भाजान विकानीजः त्रूम्मारी रेनव॰ यथा भूनः। मृजिः म्यान्य भुनारम्न जवाशि मम्नुगुराद ॥ वामुरम्वमा नामिथाः नक्षा मिवाः শরহতে। বৃত্তে স্বর্লোকতা॰ ভূযে। লব্ধ ভক্তী ভবিষ্যত:।। শ্রীশুক উবাচ। সএব মৃক্তা দেবর্ষি গতে। नातायगाणुमः। नलक्षत्र मिण्रीवा-वामञ् र्यमलाङ्क्ति॥ अत्य र्जाग-বত মুখ্যস্য সত্যু কন্ত্ৰণ বচে৷ হ-রিঃ। জগাম শনকৈ স্তত্র থতা (स)

यम्ना यमनाब्ज्रिने । प्रविधि तर्म श्रियं । भा यहिस्मी धनहाजाको । उज्ज्या भाषयिष्ठामि यम्गीजः उन्नहाजा ना ॥ इंड्राइद्यनाङ्क् नर्याः कृक्षञ्च यमाया र्या । जाजा निर्दाम मा-ত্রেণ ভীর্য্য গত মুদ্থল ।। বা-**लिन निष्कर्य जानु खर्**थल • जर हा-भारत्र अर्था कि जार्यु वस्ती । নিস্নেততুঃ পরম বিক্রমিতাতি-বেপ ক্ষম পুৰাল বিটপৌ কৃত চ-**७णको ॥ ७**व जिया भन्नमया कः ব্দভ সু রন্তৌ সিদ্ধাবুপেত্য লঞ্জয়ে। রিব জাতবেদাঃ। কৃষণ পুণম্য শির-मा थिन लाकनाथ वक्ता अनी वि-त्रज्ञमा विष म्डजूः य ॥ वानी खनानुः कथान भुवानी कथाया इत्डो ह क-यामू नन खद शाराया नंः। स्टा नित्रं खर निवान जगट भूगाम দৃষ্টি: সতা॰ দশনে ২স্ত ভবত্তন্না॰ ॥ औजगवान्वाह। उन्नहुक म८-পরমৌ नलक्यंत्र माहन । मःका-তো ম্যি ভাবে৷ বা মাপ্পিতঃ পর-भा २७वः ॥ श्रीमुक्डेवाह । इ. ॥ ত্যুক্তৌ ত॰ পরিক্রম্য পুণম্য চ शुनः भूनः । वाद्यान्यन मामञ्ज জন্মতু দিশ মুন্তরাং॥ ইতি 🗐

ভাগবতে ১০ ককে ১০ অধ্যায়ঃ।।

यभानि

यंगनी खी हाडिकाइयः। १७० . त्रिमी॥ हाडी नाडी नाडी नर्यप्राय (इ. महत्नुग गिन्डा रेमव हाडिका॥ यमवाइनः भूः महिषः। ইতি हम-

যনবুত জ্লী রাজধ্মবিশেষ:। সত্
পক্ষপাত বিনা পাপিনা শাসন
কপ:। ইতি পুরাণ ।।
যমসা জী যমনা ।। দর্গা । ইতি

यमस्या खी यम्ना। मूर्गा। इंडि भिन्नी।।

यमानिका छो यमानी। उৎপर्यायः । अङ्गाना २ उनुगन्ना ० तुक्तम् छी ৪। ইত্যমর:।। চত্তারি যুমান্যা य-মানী দ্বিবিধা একা ক্ষেত্রখমানী সা অন্ধানা ইত্যেব খ্যাতা। অপরা যন্নী ইত্যেব খ্যাতা অবিশে-वार प्राया त्रभीिक मूज्िः। (क-**हिंखु अक्षरभारा**कि ह्यं वनयमा-न्या॰ वुकारजीरि हरा॰ यसान्या मि-**ত**्राङ्ः। উगुगक्ता करमामाथ्या सृजा क्वियमानिका इंछि। यमानी मी পকো দীপ্যো ভূতিকক্ষ য্যানিকা ইতিচ রত্ন:। यहेिত বিরম্ভি নি वर्डि व्यक्षिमान्तर भन्या यमानी यामी छै विद्राञी नान्नी छि अन ष्ट्रेश् यमानी श्वार्थ (क यमानिकाण मानी शक्षमवर्ग शक्षम मध्य । 🔫

नी छ खडाइ हेर्ज्य मध्य है छि (क-हिट् । है छि छत्र छः ॥ ऋ॥ अम्प्र खगाः। ऋष्ठ मृम ना मिद्रः। ह्रम् प्रदः । शिखाग्निकातिष्रः। वायू कक क्रि ना मिद्रकः। हे छि त्रा क्रवल्ल छः ॥ मानी खी यमानिका। हे छ मफ-त्रञ्ञावली ॥

यमाष्ठकः भूः भिवः। ইতি भद्र हाः वनी ॥

यभी जी यमूनानिषी। ইতি ত্রিকাও শেষঃ॥

यगुना जी पूर्णा। यथा। मर्दाण करय ञानि मञ्जानि मुजानि । पराजि চেপ্লিতান্লোকে তেন সা সর্বা क्ला।। नक्षमान्नमाम्गक्षा त्नात्क দেবী বিভাব্যতে। যমস্য ভণিনী যাতা যমুনা তেন সা মতা ॥ ইভি प्ति वेश्वात 80 व्यव्यायः।। #11 नहीः বিশেষ:। সাত হিমাল্য দক্ষিণ দেশান্নিৰ্গত্য পুযাগে গঙ্গাযা । মি-निजा। उৎ भर्यायः। कालिन्ती २ স্যাতন্যা ৩ শননম্বসা ৪। ইত্য মরঃ।। তপনতনূজা ৫ কলিন্দ কন্যা ७ यमयमा १। यम् । इल्लाः। शिख मार वसन मुनाशर द्रा या-দুর্ণ। বাতজননত্বণ। পাবনত্বণ। वङ्गिभनकब्रद्धः। (ब्राहनद्धः। यन

भुमपुषः। ইতি द्राजनिर्यणैः।। 🗱।। भा যমস্য ভগিনী। যথা। সাবর্ণি র্মেক্ পৃষ্ঠে ভূ তপো ঘোর॰ চকার হ। অ-দ্যাপি ভবিভা লোকে মনুঃ সাবর্ণি-কেন্তরে॥ ভাতা শনৈশ্যর শাস্যু-रुष् अञ् लक्षवान् उत्था यंवीयनी या उयन्त्रमा यगविनी। अভव अभन तिर्णुशयम् नात्नाकनावनी॥ इंडि পরিপুরাণে সাগরোপাখ্যানং॥#॥ नाठ वृन्हायतम मुमुद्राथ्या भद्रामिकिः । यथा। औडगवान्वाह। इतः वृन्ता-বন রম্য মন ধানৈব কেবল। তত্র य शनवः नाकाष्ट्रकाः की है। नता-খনাঃ।। যে বদভি ন্নাধিষ্ট্য মৃতা-যান্তি মমান্তিক । তত্র যা গোপপ-नुप्रक निवमिष्ठ ममालय ॥ यागिनु স্তাত এব হি মন দেবা: পরায়ণা:॥ পঞ্যোজন মেবংহি বনং মে দেছ জ-भकः। कानिन्तीयः जुजुनाथा। भद्र-মাম্ত বাহিনী।। ইতি পাদ্মে পা-তान्या १ ज्यागः॥ 🗱॥ जन्रा जनमा क्षवर्ण कात्रनः यथा। भून-ख्य प्रेवाह। यहा हक्षम् छ। वृक्षम् भ-**ी याजा यगक्य । विनामा** एक् यक्ड॰ ७॰ विष्ठात जिल्लाहन: ॥ ততো व्यथुक मृक्षे। कन्तर्भः सम्माना-युदः। अभन्नीकः जनाउद्यन छिन्नारतः

नान्यजाप्य ।। जला हतः भाति । यमूनानिरं भू वनामयः। इति हमः ণাথ ঔন্মাদেনাভিত্তাডিত:। বিচ-চার তদোমভ: কাননানি সরা शि D 11 श्रवन् मञी भशाप्त खार्था-মাদেন ডাডিড:। ন শর্ম লেভে **म्वर्य वागविष देव दिशः ॥ ७७:** পপাত দেবেশ: কালিন্দী সরিতে मुत्न। निमान महात्र जाल पका ক্ষর মাগতা।। তদা পুভৃতি কা-लिन्ह्या मृगञ्जन निष्ण कल्। इंडि वामत्न ७ व्यथायः॥ 🗱॥ देवा 🕏 मूक्त षाम्भारिष्यमाः ज्ञान शिखरान कल यथा। यहेन्त्रिष्ठ मूल्हाममा। नावा वि यम्नाकल । मथूत्रायाः इ রি• দৃষ্টা প্রাপ্রোতি পরমা• গভি•॥ যমুনা সলিলে স্নাতঃ পুৰুষো মুনি जलमः। (काष्ट्री मूला रमल शक्क बारमा गूनवाम क्टा। ममजा ह्याठ्र छ॰ सम्बद्धाया॰ समान হিত: ৷ অখনেধন্য যজ্ঞন্যপুংগ্লো-ত্যবিকল ফল ।। জ্যেষ্ঠা মূলে সি তে পক্ষে मन ভাई। जनाम्बन । ध-त्या नः शिख निर्दाभ यमूनाया<sup>•</sup> পুদাস্যতি॥ ইতি বিষ্ণুপুরাণে ৬ ञ॰ । अध्यायः यमूनाजनकः भुः मूर्य्यः। ইতি एश्म-

**ठन्मः ॥** 

· Def: 11

यमूनाञ्चाठा भ्॰ यमः। इंडामद्रः॥ यमकका जी मुख्यका। इंडि विहा-अल्बियः ॥

यसाजिः भूः नस्यकाळभूयः। ७८. भर्यागः। नाङ्घः २। ইতি विका अल्पयः ॥ नाल्यः ।। ইতি क्रोध्यः ॥ उरम्याभार्यानः यथा । नल्हम्य भ्वक्रांभि भ्यान् मेखिव शामिकाः न्। यि यंगाजिः मः याजि क्छतः **११ क्या ।। मर्या कि त्यंघ्या किन्छ** निश्टाल वं **भवर्क**नाः । ययाजि व करद्रामुख्यः श्रीर्यकनद्रन उन।।। শর্মিগা তস্য ভার্য্যা ভূৎ দুহিতা व्यभर्वनः। ভार्गवम्याक्षका उत्तः क्ति वयानी ह मृत्ञा ।। यथाछि क्ति-यानऽास भूञावजनयम्भः। यम्क जुर्बभूरेकवं भक विक् इवाभात्रो ॥ ज्यादिव जु जाजायः मर्गिक्षा वार्य-शर्वगी। कर्षाकृष्णानुक भृक्क जीन् स्नातानजीबनञ्॥ ७७: काल ह কন্মি॰শ্চিদ্দেব্যানী শুচিম্মিতা। য্যাতি সহিতা রাজন্জগান বি হিত বন।। দদর্শ চ তদা তত্র স্ব भातान् (मदक्षिणः । की उभानान् जूविज्ञुक्तान् विधिछ। (हम भुववीर ।।

কিলামধেয়ণ গোতো বং পূথকা বা-হ্মণঃ পিতা। বিবৃত্ত মে যথা তথ্য শ্ৰেত্ মিছামি ত॰ হাহ।।। তে १ मर्भ-বুদ্ধাচ ভত্তুতো দেবী শর্মিষ্ঠা মিদম-<u> व्वीर ॥ ममाधीना मञी कमापका-</u> यी विश्विषः सम् । भर्मित्रावाह । यमा ज्या व्रा ताजा व्ज्व वर जमा ম্যা। বৃত্তো হি সে পূজ্যতমো রা-क्रविः किः नख्धिम उद् ॥ भोनक উবাচ। শুক্রা তদ্যা স্ততো বাক্যণ (नव्यान) **२**वृशिनिषः। त्राज्ञमात्नुः হ বংস্যানি বিপ্রিশ মে ত্বা কৃতণ ॥ অবিবুৰন্তী কিঞ্চিত্ৰ রাজান সাশ্র लाहना। अहिद्राप्ति मः भाषा का व्यान्त्रान्त्रा शिख्य ॥ (प्रवया-ন্যুবাচ। শুমি ধ্যাতিবৃত্তামি দুছিত্রা ব্ষপর্বণ: । ত্রে। (স্যাণ জনিতাঃ भूमा ब्राड्डात्नन ययाजिना ॥ पूर्व গায়া নম দ্বৌ তু পুএৌ ভাত বুবীনি वः। भूक प्रेवातः। अर्गाञ्जः मन् महा व्राज्ञ (या २४र्म नक्षाः भिर्यः । उ याञ्जरा जान्छित। सर्ययिया छ पृ-र्द्धना॥ ययात्रि कवाह । शुक्रिकामाः जिय॰ यस गन्।। वर्म याहि उ:। নোপৈতি স হ ধর্মেণ ভ্রণছেত্যুচ্য || उ त्रेंथः ॥ व्यथमं ख्य म•विगः **ण**ः ∥

ৰ্মিষ্ঠা মুপলিমিবান্। অত্প্তো যৌব-नम्राहः (स्वयान्। ज्गृष्ट् । भूमा-मः अक्शास युक्तन् अत्रयः भा विष्ण-ত মা॰ ॥ শুক্র উবাচ। নাহ॰ মৃষা व्वीमाउट बद्राः शास्त्राम ज्निभ ॥ बद्रा॰ (व ठा॰ व्यन्तरेय न॰काम-य यहीहिनि। वर्या माम्राजि भ्राधायः **স তে রাজা** ভবিষ্যতি ॥ ইতি নাৎ-**म्या २२ व्यक्षायः ॥ 🗱 ॥ (मोनक्**डे-বাচ। জরা। প্রাপ্য যয়। ভিস্ত স্ব পুর। नामारेहव र। न्यः (बाक्षः विविश्ष यमु भिञ्जुवीषठः॥ दः यसा भुजि-**शरुत्र भाष्मानः जत्रया मरु।** योत-त्न पुरीरयन हार्ययः विषयानइः ॥ भूर्ण वर्षमङ्ग्रु जू भून एउ योवन॰ ष्रः। एष्। मः भुजिल्या ना ना भान बन्धा मह ॥ यम् क्वा । मः ष्टि তে বহব: পুঞা মত্ত: প্রিযতর। न्भ। बताः गुरीज् भर्मक भूधमनाः वृगीय देव।। यया जिक्व वाह । त्या त्व द श्रमाञ्जाता वयः अ न भूगह्मि । भाभागावृत्त मक्ताए भूका देव তে ভবিষ্যতি॥ তুর্নো পুতিপদ্যর **পार्श्यानः जत्र्या म**र्गाः को वर्यन इत्त-य॰ वि विषया॰ खत भू भा है।। ज्र्मू-ক্বাচ। न কামযে জরা॰ তাত কান-**ভোগ পুণাশি**नी । दलक्शा चक्रानि

वृक्षि मान विनामिनी ।! यशां छ कवा চ। य सुर्शं क्रियाङ्जा**ा वयः यः न** भुगहिम। जमार भुका ममुहिम जू র্বাসাতব যাস্যতি॥ জ্যো বৃ পুতি अम् वर्ग क्ष विनामिनी । **बद्रा** वर्ष महमानि योवन सः भगह ह।। জহু। কবাচ। ন গজ ন রথ চাখ कीर्ला जुड़रक वृत्रक्षिय । नारतान শ্চাস্য ভবতি তাং জরাং তে ন কা-भारत ।। ययाजि कवाह । य खु । भा क्र-याब्जारा वयः सः न भुयहनि । छ-माट करका नियः कारमा न उ न স্পৎস্যতে কৃচিৎ।। অনো ত্ব পুতি-পদ্যৰ পাপ্মান জর্যা সহ। এই বৰ্ষ সহসুদ্ভ চরেষ ধৌবনেন তে। অ-न्कवाह। जीर्नः निम् दिवापर का ल १म मणूहि यथा ॥ न ब्रू हा डि ह कारण श्री: जाः बनाः देनव कामरय। यगानि क्वाह। य सु । भ ऋष्याङ्जाः তো वयः सः न श्रवहिता जता (नायः सुर्वारका य समाबु भुजिभू मानि ।। भृतात्म दः भ्रियः भू म दः वद्रीयान् खिवर्राम ॥ काव्ररमरा**न्यनमः ना** পাম চ তণ্ডে।মি বৌবনে।। প্রো ত্ব-लुङिलम् उत्र **भाभागिः ह**त्या गर। किष्किटकाल ठाउँ य देव विषयान् व यमा उव।। भूति वर्ष मश्मु जू भुजि-

माम्यामि योवन ॥ स्रव्येव भुष्टि পৎস্যামি পাপ্মান জয়্যা সহ শৌনক উবাচ। এব মুক্তঃ পুতুরাচ **প्**कः পिতत मक्षमा । यथाय द মহারাজ তৎকরিষ্যামি তে বচঃ॥ ষ্যাতি ক্বাচ। প্রে। পুরিতামি তে বৎস প্রীত শেচদ দদানিতে। সর্কাম সম্দা তে পুলা রাজ্যে ভবিষ্যতি।। ইতি মাৎ স্যে ৩৩ ब শ্যায:॥#॥শোনক উবাচ। পৌর-বেণাথ ব্যস। য্যাতি নহিষাজ্ম । প্রীতিযুক্তো নরশেষ্ঠ শচচার বিষ্ यान् मूथी॥ भूर्गः मद्मा छठः कालः প্ৰ-পু এ মুবাচ হ। প্রোপ্রীতো-मि जुन् रा गृहातम यरगेवन ॥ बाबाकानि गृशानमः यर प्रा পক্ত পুরা। শৌনক উবাচ। এ-ব স নাহ্যো রাজা য্যাভি: পুএ মীপ্পিক। রাজ্যেভিবিচ্যমুদিতো वानभूष्ट्रा २ ७ वस्त्र निः ॥ উषिद्रा वनवामः म वाक्षरिः मह मः निुउः াফল মূলাশনো দান্তো যথা স্বৰ্গ भिएछ। गउः॥ इंडि मार्म्। अ व्यव्यायः ॥

যবী প্ নহাদেব:। ইত্যুণাদি-কোষ:॥ নম: প্ৰসংগ্ৰীমাখং। সাগ্ৰে

ययुः श्रु॰ व्यथस्यशियायः॥ त्राशानाः

যোক। ইতি দেদিনী॥

यदः भ् स्यामथ्याजम्कशान्। **७८न**र्यायः। मिउन्कः २। ইडा मक्रः॥ भी उम्कः १। इंडि भद-त्रज्ञात्रनी ॥ (यथ्रः ८ मिव्रः ৫ অ-कु ७: ५ कक्षुकी १ वान। द्राजः ৮ छी। ন্ধুক: ৯ ত্রগপ্রিয়: ১০ শক্তু: ১১ मर्ल्डे: ১२ পবিত্রধান্য ১৩। ভস্য खनाः। कवायवः। मध्यवः। मून्नीः ত্তলত্ব । পুনেহ পিত্ত কফাপহা-तकद्भः ॥ यम्क म् अ यव खगाः। वलभुम्बः। वृष्ठावः। नृगाः वस्वीः र्य) भुष्टिमञ्च । इंजि द्राव्यनियण्टः॥ व्यानि । यदः कषाय मधुद्रा वर्षः वाउ मकृर् छकः। क्कः रेष्ट्रयं प्रकतः শীতো মূত্র মেদ কফাপহ:।। ইতি রাজবল্লভঃ॥ৠ।পরিমাণবিশেষঃ। সতু চতুর্ধান্যমানরপঃ।ইতি শুভ-क्रद्रः ॥ यहेमर्यभभद्रिमागाञ्चक्ष्ठ । यथा। काला उद्गगत्उ ভानी यहा-নু দৃ**শ**্তে রক্ষ:। তৈ শতুর্ভি ভবে-लिथा विथा यष्टिक मर्यभः॥ यहे नवं रेभ यंव खुरका खेळाका कु सरेव जििं। ইতি मद्य निमुका ॥ #॥ जकृतिङ यवाकात (त्रथाविष्णवः 1 यथ। 1 उजनी मृत्व मः भृत्को यत्वी भूवार्थामो कमार । मशुमायाः य-

व रैक्टवाकुरिं इश्र्वंधनशुरः ॥ व्य-शिष्ट । मध्यमायाः यि यावा मृण्य-उठ मृष्णां छनः । छनान्य मिख्डः पुत्रः शुर्त्यां छात्र मुख्डः युत् ।। य-न्याशि ठक मक्र्रं युत् श्रंक पृत् म्-ण्याशि ठक मक्र्रं युत् श्रंक मृ-ण्याशि ठक मक्र्रं युत् श्रंकः मृ-ण्याशि । छना शिजामहानीना मिर्किः छ॰ वाज्य थनः ॥ ইতি माम्पूकः॥ युकः भुः युदः । ইত্यमञ्जीकायाः, जानाणुमः ॥

যবক্য ত্রি যবভবনোচিতক্ষেত্র। ইত্যমর:।।

यवगश्वः श्रु॰ यूवगश्वः। वयग्रकाछ।
इंडि ভाषा। इंडि मदत्रङ्गावनी ॥
यवज्ञः श्रु॰ यवकातः। इंडि त्रङ्गाना
॥ यवानी। इंडि त्राव्यनिर्घण्डः॥

ववरकान्छव॰ ङ्गी छवक्कीव॰ । इंडि ब्राजनिर्वण्टः॥

वविका जी नजानु (करः। महिन्विविका जी नजानु (करः। महिन्विविका याजा। उटनर्यश्रायः। महाजिका २ मृहनामविमर्निती २ नामनी ४ तिक्रीना
६ महिनी ४ नव्य अन्ति १ उप्नी
४ व्यक्ति १ म्याप्ति १ व्यक्ति १ व्यक्ति । प्राप्ति १ व्यक्ति १ व्य

यवनाहार्याः भू॰ क्या जिल्ला खक्कृं
गृनिवित्नवः। ইতিবরাই নিহিরো।।
यवनानी जी यवनग्र विभिः। ইতি
गृष्यवाधीकायाः पूर्णामानः।।
यवनातिः भू॰ धिकृषः। ইতি बिकाः
श्रामयः।।

यवनानः शृ शान्यवित्मवः। (मथान् इंडि ভाषा। उৎ भर्यप्रायः। (यानाः नः २ जुर्गाञ्चयः ३ (मवथान्यः ४ (ज्ञानाः ६ वीक्रभृज्ञिका ७। ইंडि (इन्हन्यः॥

यवनानकः भू॰ यवकातः। ইতিহেম-हन्दुः॥

यवनिका खी জवनिका। কানাত্ইতি ভাষা। ইত্যনৱটীকা।।

यवनी खी यवानीनामकीविध्राज्यः।
इंजि मिनिनी।। यदमजार्गा ह।।

यवत्न छै॰ क्षी भीत्रकः। इंडि इस्न-हन्मुः ॥ नदीहः ॥ गृक्षनः । इंडि ब्राक्षनिर्घन्तेः ॥

यदान्धः शृ॰ लण्नः ॥ द्राज्ञशनाञ्चः ॥ निद्यः ॥ शनाञ्चः । ইতি द्राज-निर्यन्तेः ॥

থবনেষ্টা জী থজুরী। ইতি রাজ-নির্ঘন্ট:।।

दबकनः शृ॰ वःभः। ইত্যনরः॥ को।नाःनी॥ कोजः। ইভিনেদি- 'नी ॥ श्रक्षक्कः । इंडि भद्रज्ञा-वनी ॥

यवनधाः क्षी हान्सायनभुरक्षः। यथा
। निम्हानुस्यनः (भुक्तः यिहाः
नुस्यन छथा। यवनधाः उथा (भुक्तः
उथा भिभी विकाक् छि॥ इछि भुः
यक्ति उज्रुः॥

यवनयः वि यवनिर्मितः। यवणसार नयदे भुज्जायन निञ्चमः॥ यवलानः भ्॰ यवकातः। ইजि नदः त्रञ्जावली॥

यवण्रः भू॰ यवकातः। ইতি ত্রিকा-শুংশयः॥

यवश्रकः भू॰ यवकातः। ইতি রাজ-নির্ঘটিঃ।।

যবস॰ ক্লী ত্ণ•। ঘাস:। ইত্যমর:॥ যবসুর• ক্লী যবজাতসূরা। ইতি সিদ্ধান্তকৌনুদী॥

यवक्षातः भू॰ क्षाति विष्णयः। (णातः । हें जिल्ला।। यथा। नत्रमात्र यवः क्षात्र स्टिकात्रिज अव काठ वक्ष्य देखः। वर्ष्णः भाजाः मञ्च॰ जिल्ला विष्णाः। वर्षामुग्नः २ भाकाः । यवणामः १ यदण् कः ६ मात्रकः ५ (त्रठकः १ यवनावः कः ৮। ইতি णद्यञ्जावणी।। याव

म्कः २ कातः २ ठक्काः २२ ठिल्न त्रमः २२ यवनालकः २० । इठि तत्र भाला ॥ यवकः २३ यवम् इकः २६ यात्रः २५ यवाभ छः २१ । व्यन्तः ख्वाः । कर्रेषः । उक्षत्रः । कक्ष वा टाप्ता वि नालि दः । व्यान म्ला-व्याक्त क्रम् विषया हत्रयः । म त्रत्रकः । इठि ताक्त निर्वेष्टः॥ व्यमः भाम खला गृह्ती भाष् श्रीहानाहः गनामय नालि दृषः । इठि ताकः वल्लाः ॥

यवाकानः भ् यवह्र्नः। उट्भर्यप्रावः । विक्रमः २। ইতি (रूमवन्मः ॥ यवाण्: ज्ञी य उ छ १ इन भइ व न पुत-पुगुविरमयः। याउँ इठि छात्।। তংপর্য্যায়: । উঞ্চিকা ২ শুণো ৩ বিলেপী ৪ তরলা ৫। ইত্যমর:।। य्या मिण्रा यवाग्ः यून निन्त নামীতি আগৃ:গুণঃ।ওঘতি হিনস্তি क्तामि (ताग छिकिका छेष्य वास দহি প্রেণ নিক। শু। যতে পচ্যতে-মাশাণা শালপাকে ক্র: স্লুদেগ্র-দিতি নঃ। বিলি সতি বিলেপী ঞি नि:भो मग यः (नःभ भग्नामिजा-मन् नरातिदातीश्। जन्नि श्रवि তরল। তু ভরে ২ভিভবে প্লুত্যা• नामि जिला:। जन नक्खान नाध्यः विष्ति । ह हुर्छः । मख महजूपं मख्या यवागः यह्यः । इहि नि । इहि विद्याद्याद्याद्या इह नाम्छः । इहि छुष्टोकायाः छत्र छः ।। श्राख्याः । यवाग् कृत कृष्याद्यो नि । विद्याद्याप्ति । श्राध्याद्य कृत्र मार्क्ष हि । वहि भूमीभनी ।। इछिताकवल्ल छः ।।

यवागुकः भुः यवकातः। ইত্যমतः॥ यवानी। इंडि ब्राजनिर्घणेः॥ यवानः जि (वशी। इंडि (निनी।। य्वानिका) जी अविश्वनः। या-যুবানী 🕽 আনি ইতি ভাষা। 🕊 🗠 -**न**र्गायः। मीनातः २ भीनाः ३ यवनाञ्चः । यवागुकः ६ भीननी ७ উগুনদ্ধা ৭ বাতারি: ৮ ভ্রদম্বকঃ ৯ यवजः ১০ भीপनीयः ১১ শ্লহ-জ্ঞী ১২ যবানিকা ১০ উগু৷ ১৪ তী-व्यक्ता १८। जन्मा खनाः। कर्षेषः। তিকত্ব-। উকত্ব-। বাতার্শ: শ্লেম भ्वाधान किन हिन्नि ना भिद्र। मीপनपृष्ध। ইতি ब्राजनियंग्रः॥ अ॥ **जिन्छ। जय यवान्या नाम छनाः।** ব্বানিকোগুগন্ধা চ ব্লদভান্ধনো-मिका।रेनरवाङ्ग मीभारका मीभार ख्थान्यात्ववनाञ्चया ॥ यवानी नाः हनी कहा। जीव्हाका करूका वयुः

। मीननी ह उथा जिका निखना भूक भूल ज्र ॥ वाउ (मुखान्द्रा-नार छला श्रीह क्मि भुर्ट। #। व्यथ विकास मारा नामानि खना क । अज्ञत्यामा थ्रवाया ह मग्दवा मी প্যক তথা। তথা বৃদ্ধসশা (পু।-का कात्रवी (लाहमखकः ॥ व्यक भारा करूँ खीका **रीभनी कक वा** छन् । उका विराहिनी क्रा व्-या वनकती नयुः॥ (नवाभय क्भि हर्नि हिम विख करका हरत्र । #। व्यथ थ्वामानी य्वानी नाम ख्याः। भावनीक यवानी जू यवानी नम्भी छरेनः। विरम्याः भावनी कका गु।हिनी भाषिनी धकः ॥ इंछ छ।-वश्काणः ॥

यवाभाजाः क्षी यवकातः। ইতি दाज

यवामुक क्ली (मोवीत्रकः। ইতি त्राज-निर्घण्टः॥

गामः २ वङ्कणेकः २ व्यन्नकः ८ क्र्या १ क्र्युक्ति (द्राप्तिका ५ क्र्या १ विषयः ५ क्ष्या १ विषयः ५ क्ष्या १ विषयः ५ क्ष्या विषयः ५ क्ष्या विषयः ५ क्ष्या विषयः ५ क्ष्या विषयः १ व्या विषयः १ व्या विषयः १ विषयः १ व्या विषयः १ विषयः १ व्या विषय

यवामकः भू॰ पूत्राल छ। ইতি भद-त्रजावली ॥

যবাসশর্করা জী যবাসরস্ঘটিতশর্করা। তৎপর্য্যায়:। সুখামোদকঃ ২ মোদকঃ ৩ তবরাজঃ ৪ খণ্ডসরঃ ৫ খণ্ডজঃ ৬ খণ্ডমোদকঃ ৭।
অস্যা গুণাঃ। অভিমধুরত্বং। পিভ শুম ত্যাপহত্বং। ব্যাত্বং। বিদাহ মূর্চার্ভি ভ্রান্তি শান্তি করত্বং।
সরত্বঞ্চ। ইতি রাজনির্ঘন্টঃ।।

যবাসা জ্রী গুণ্ডাসিনীভূণ । ইতি রাজনির্ঘণ্ট: ॥

यवास्तः भू॰ यवकातः। ইতি রাজ-निर्घण्टः॥

যবিষ্ঠ: ত্রি অভিশ্যযুবা। অযমন গোরভিশ্যেন্যুবা ইত্তর্থে ইষ্ট পু-ত্যযেন নিম্নম: ।। কনিষ্ঠভ্রাতরি পুণ । ইভি হেন্চন্দু: ।। यवीयान् जि किनिष्ठः ॥ युवा। ইতি किमिनी ॥

যবোল্য॰ ক্লী সৌধীরকণ। ইভি রাজ নিঘণ্টঃ ॥

যব্য তি যবাদিভবনোচিতক্ষেত্র। তৎপর্য্যাম:। যবক্য ২ বস্তিক্য ৩ । ইভ্যনর:॥ যবোচিত ৪ যবকো চিত ৫। ইতি শব্দর রাবলী॥

यदाः भू भागः। यथा। यदा हरः भावतानि मर्ता नःस्ता तक्षमाः। जामृश्वानः न मत्री ज वक्षयद्वा म-मृत्राः॥ इंजि भाविष्ठ उद्धृतः स्वानश्चातः॥

यणः क्ली मुथ्राजिः। उट्मर्गायः।
कीर्खः र ममछा ०। इज्रामनः।।
ममाथ्रा ८ कीर्खना ८ व्यांख्यानः।
अवाखान ममडा ४। इठि मद
ब्रह्मवनी।। पानापि भूख्या कीर्खः
प्लोर्गापि भूख्यः यणः। इठि माथी।। व्यञ्जव यणः कीर्ख्या एखं
प्रमाणि प्रमान यणः कीर्खि भ
बिज्रह्म कीर्मांभ न कीर्याखः थ्याकि यत्ना मृजम्य थ्याजः कीर्खि ख
म्भ प्रकार । जीवजः थ्याकि यत्ना मृजम्य थ्याजः कीर्खि ख
म्भ प्रकार । जम माय् कीर्खि ख

की खिंगा में माराया यथा। इडियः भग्न की खिंग स की खिंग मानवायनः। म कृष्ण इडि था छ छ ए कन क्ष्म निमानय।। स्राप्त कर्ण वरम राजा कि यावितन्त्रा म कृष्ण मानि की हैं। विश्व स्वाप्त कर का निमानय। स्राप्त कर का कि उः मर्जा कि यावित था ति । उठः मर्जा का मर्ख का कः भक्ष उठः मृहिः।। इठि वृक्ष विवर्ध भूक् विथर छ ८० स्वर्धायः।।

यणः श्रोहः शृ॰ एका। इन्जातः॥ यणः स्थाः वि मृनः। इन्जि एस्न-एसः॥ सत्राग्धः॥

कीर्खिः २ मनछा २। इन्हान्तः ॥ यणपः व्री क्षान्तिः । एष्ठा इन्हि भगार्था ८ कीर्जना ८ व्यञ्चितानः । ज्ञान् । यथा ।

> যশক্ষর: ত্রি কীর্ত্তিকারক:। সুখ্যা-তিজনক:। যশক্ষরোতি য ই 5 ্র্র্থে ট পুত্যযেন নিস্কন্ধ:॥ যশক্ষরী বি-দ্যা ইতি ব্যাকরণ:॥

यमग्रा जी कीवडी॥ श्रीकाराती यथिः। ইতি दाकनियंग्रेः॥

यण दान् जि की छिविणि है:। याणा **९** छ। म। इंडार्थ वज् श्रुरायन नि य्रमः। इंजित्राकद्रगः॥ বশস্বিনী ভ্রী বনকাপাসী। ইতি नपत्रद्वावनी ॥ यविङ्का ॥ मह।-জ্যোতিয়াতী। ইতি রাশ্বনিষ্টঃ।। यणवी वि याणाविणिष्टः। कीर्वि मान्। यणः भक्षात्रसार्थं देव भुज যেন নিয়নঃ। ইতি ব্যাক্রণ।।। राणामः भू भावतः। ইতি वाज-निर्घ छै: ॥ यामाना छित छि॥ यम्पाता क्वी नन्त्र त्री। यथ। । नन्तः কিল্ডরোদুকন্শেব এব নহোদয• । यहाता ता महाजामा भरमी यः স্য! ত্তন হরি: ॥ ইতি 🗐 ভাগ বতে ১০ ফরঃ।। रक्षे सः यागकर्ता उट्शरीयः। यजपानः २। ইত্যার:॥ यक्षः शृ॰ श्कारणः। ইতি विश्व (मिनि अम् । इसनाः ॥ जूजन्थः । इंडिग्राहिड (नित्नी॥ যঞ্জি: পু॰ জ্রী তন্তঃ। ইতি শব-मावा ॥ शतवजा ॥ जागी ॥ नव्या भञ्जा इति धारिनी ॥ व्यवस्थायः। म्खः २ वर्षः ৩। ইতি হেণ্চন্দুঃ॥ 🗱।। তদ্বে कृषः यथा। यश्चिः (य ज् अपहिंडि॥

(नबरोत्न मृनूर्वाच । (अवास तिशु-वः श्रुगाः जडातः ताह्यक्षितः ॥ ইতি বহিশ্রাণ ॥ यिष्ठितः भू जनमञ्जूतैः। ইতি मद-बङ्गावनी ॥ मख्य ।। यिका जी शत जिन्दा यथा। यि কা দণ্ডিকা তৈব তিলকা সারিকে: **ভाति । इंडि क्रोधियः ॥ वाशी।** यथा। शलनः मीर्घका वाशी यश्चिः का भीनागाधिका। इंडि बिकाखः (भवः ॥ यष्टिमधका। यथा। जय यही नव्दः नग्राम्वयही जु विहेका । इंडि भक्दब्रावसी।। वश्यः।यथा । अथमालिक मङो ह गरि वंशे ह যস্তিনা। ্ও: ক্রাণ্ডো হলি লগুড়: श्रम्भ म्खा म श्री है। इंडि भवत्ववावनी ॥ यिशिष्दः शुः यिश्वात्रकः। नरूफ-गु। ही। इंडि गुकताव जी नागाः मूर्गभागः॥ यदिन्य ही यष्टिन्युका। ইতি इनाः य्यः ॥ यिश्वित्युका जी यिश्वित्यु। उट भर्गायः । ही उक• २ स्थूक• o स्थ्यष्टिका 8 । इंग्राप्तः ॥ यहेगालः ६ यश्चि ७ अरदाजां उ॰ एट दशीमधु १ कम-

का (हर अञ्जिमा ৮। ইভি রত্ন-

माना।। जिनि । रेना हो मधु उथा यही नयु रु॰ क्लोडकः उथा। जना क्लोडनकः उड़ अत्याखात्य मधु निका ॥ जमा खनाः। यही हिमा खकः याची हक्कृषा तन वर्ग क्टा मृति जा मकना तकमा खाँ। निजानि नामु जिट्या वृत भाष विष हिम्मं ज्का ग्रानि क्ष्यानशा है जि जाव भूकामः॥

यक्षी जी यहिन्य। ইতি ভাবপুकाणः यक्षीकः ज्ञी ५ष्टिनश् । ইতি রাজ-নির্বন্টঃ।।

रश्ची পুয়ঃ প্ প্এলী ববৃক্ষঃ। ইতি ভাবপুকাশঃ।।

ইগাঅ' জী য**িগুগু ইভিরাজ** 

के ही यहान। **हैंडि** कवि-क्षित्र ॥ हैंत भगमें **चगमी**  णगनी । जमा । भृगिना निः जि । उ इंडाना । य भूगिना हि । कि म क्रम इंडामिना कि वना । मः भूबा ह जमा । मान् विकला । यः मिं यमा । यहा । यहा । इंडि मुर्गामामाः ।।

यकः भ्•े गूनिविष्णयः। ইতি मूक्ष-वाषवताकत्रनः॥

य**ন্থঃ পু॰** यक्रमानः। ইত্যুণাদি-কোষঃ॥

यक एक निश् इंडिकविक्लक्रमः क ए गक्ष्मां । निश् श्वायाः । इंडिफ्शांनामः॥

यकः भू॰ ध्यक्रावः॥ ध्यक्षितः
। ইতি মেদিনী॥ ইন্দৃগ্रः॥ धनत्रक्षकः। ইতি সারস্বতঃ॥ यक्ष
स्कृशः यथा। আজ্ম র্যক্ষ নিক্
त्राः अदत्र तत्र किस्तृताः। भानम्
भूखत्रकता अञ्जनकात मूर्ज्यः॥
विकृशकात वर्षनाः भिन्नवाकः।
महान्त्राः॥ मुद्धित तक्षत्राः॥
महान्त्राः॥ मुद्धित तक्षत्राः॥
महान्त्राः॥ मुद्धित तक्षत्राः॥
महान्त्राः॥ मुद्धित तक्षत्राः
निर्यक्षताण कित्न। ইতি वृक्षदेवर्खि क्रिक्षम्यस्थः ११ अक्षाः
सः॥ यक्षत्रां। यथा। भूष्णक्रः
मृश्रा यक्षा एवषा नामानि न मृश्

काक्षन ख्या ।। म्बरमानी ह य क्रानाः गन वर उत्ताह्यः। छम्। वुष्ट शिख र्यथा। बाजू र्यक्राकुर्याः क खन्नान क्रमान्यका छ्वछ। यः।। ইতি বহি भूतान कामांशीय वःभः॥

যক্ষকর্মনঃ প্রত্ব কর্মান্তর সমভাগঃ।
ইত্যমরঃ। কর্মানি ভি র্মানুরেরঃ
সমভাগৈঃ সাধিতো হনুলেশন
ভেদে। যক্ষকর্মম উচ্যতে। যক্ষ
প্রিং কর্দনো যক্ষকন্দমঃ। ক্ষামান্তর কর্মানি ভারতি বাল্লক্ষ মিত্যক্ত নামতো যক্ষনক্ষমঃ।। ইতি ধন্তরিঃ।। অন্যান্তরাপি কর্মান্তর কর্মী করেলল
ঘর্ষণাদি চ। একীক্ত নিদ্ সর্বান্তর ব্যানি কর্মান্তর নিদ্ সর্বান্তর নামতো ব্যক্ষ কর্মান্তর কর্মান্তর কর্মান্তর নিদ্ সর্বান্তর কর্মান্তর নিদ্ সর্বান্তর নিদ্ সর্বান্তর নামতো ব্যক্ষ কর্মান্তর নিদ্ সর্বান্তর নিদ্ সর্বান্তর নিদ্ সর্বান্তর নামতো ক্ষ ক্ষ কর্মান্তর নিদ্ সর্বান্তর নিদ্ সর্বান্তর নিদ্ সর্বান্তর নামতো ক্ষ কর্মান্তর নিদ্ সর্বান্তর নিদ্ সর্বান্তর নামতো ক্ষ কর্মান্তর নিদ্ সর্বান্তর নামতো ক্ষ কর্মান্তর নিদ্ সর্বান্তর নামতো ক্ষ কর্মান্তর নিদ্ সর্বান্তর নামতাণ ভরতঃ।।

যক্ষতকঃ পু॰ বটবৃক্ষঃ।ইতিরাজ-নির্ঘটঃ।।

যক্ষপ: পুল ধূপসানাব্য । । ধূনক থূপঃ। ইতি কেচিৎ ।। ধূনা ইতি থ্যাত ইতি কেচিৎ । ইতি ভর-তঃ ।। তৎপর্যাকঃ । সর্জার নঃ ২ অরালঃ ৩ঃগ্রহমঃ ৪ বহর্মপা ৫ । किंग्रें शा द्रानः ७ व्यक्तः १ विक् वहा छः ৮। हे जि त्र छ मः ॥ जान-वातः २ मानकः २० मान निर्यामः २२ मर्जाः २२ । हे जि त्र द्रभाना ॥ मत्र न वृक्त त्रभः । हो त्र शिम एड न हे जि जावा। छ १ श्रीप्रायः। शायमः २ जीवामः ० मत्र न पृदः ४ । हे जि (हमहन्यः ॥

करकानानाः निर्मित्र ममजानः । यक्ततमः भूः भूमगम्। जर् इत्यामदः। कर्मदामिजि र्गक्षपूरियाः । भर्यायः । मधामयः २ । ইতি ममजारियः माधिरता १नलाभन विकाशस्यः।।

> यक्षत्राजः भ् व्यवतः। ই उ भव-तज्ञावनी ॥ यक्षत्राहे भू व्यवतः॥ तक्ष्म खभः। ই कि स्मिनी॥

যক্ষরাটপুরী স্ত্রী অলকা। সাচ কৈলাসপরতন্তিত অবেরপুরী। ইতি জটাধরঃ।।

यक्षत्राज्ञिः ज्ञी कार्न्तिनेश्रिमा। তৎপর্য্যায়:। দীপালী ২। ইতি ত্রিকাণ্ডশেষ:॥

यक्षमाथन को यक्षाभामन। यथा
। यक्षाभा चिक्रिभोनाथ रेभमाही नाथ माथन । ভতবে जान भाक्ष र /
गाव्या हो जिल्लाने हा। ज्ञाद्या मननरम् त्रिया माथन विक्रिक हिंठ ।
है जि दानाहा छन्न ।।

यक्कामनकः क्ली शिखशब्द्रिकनः।
इंडि मदमाना॥
यक्कावामः भू॰ वर्ष्युक्कः। ইंडि त्राज्ञः
निर्धिः॥
यक्किनी जी ऋरवत्रभन्नी। ইंडि मदः
त्रङ्गावनी॥ यक्काडार्या ह॥
यक्की जी ऋरवत्रभन्नी। ইंडि मदः
त्रङ्गावनी॥

যক্ষোড়ন্বরক প্লী অশ্বথফল । ইতি ত্রিকাণ্ডশেষঃ।।

यश्री जी पाका। ইতি শদ্মালা।। যক্ষা পু॰ রোগবিশেষঃ। তৎ-भर्गायः । क्यः २ (भावः ७ । ইত্যনর:। রাজযক্ষা ৪ রোগরাট্ ৫। यथ রাজ্যক্ষাধিকার; । তত্র द्वाजयस्वा विश्कृष्टे अभिकृष्टेक निमान गारु। (वगत्राधार क्रगा-हिर मारमाहियमाननार । जि দোকো জাযতে যক্ষা গদো হেতু চত্ইয়াৎ ৷৷ বেগো হল বাত মূত্ৰ পুরীষাণা। বাত মূত্র পুরীযাণি निशृङ्गाञि यहा नदः। ইতি চরক বচনাৎ ॥ ক্ষয়াৎ ক্ষীয়তে খনেনে **डि क्वरः (उनाडिव्यवायानम्यन**-र्यानत्या शाज्कन (र जवः कन म-(प्राम्धाः । भाष्ट्रमाण् वनवा त्रमः महायुषा दिखा विषया भागा 🧣

वर्ष्ट (खाक भकारण वा उन्छ॰ विब-মা শন•। ভখাৎ। ত্রিদোবঃ সামি• পাতিক:। হেতু চতুষ্টবাৎ অন্যে-পি হেতবঃ হেতু চতুষ্ট্য এবাস্ত র্ভবন্তি। যন্ত্রণঃ পর্য্যাশাঃ রাজযন্ত্রণ क्षय (नाषाः ॥ अ।। यञ्चातीनाः ना-कानाः निक्कि नार। रिव्ए । वशि मञाः यमार् वतास र्यात्न यक्तत्र । न रक्षा (भाइ)एउ (वारक मदमा-खिविभात्ररेरः ॥ यक्ष्यात्र भूकारः । রাজ্ঞ **শ্চন্দুমসে। य**ञ्चार ভূদেব কি-লাময:। তমাত্র রাজযক্ষেতি কে-किनाञ् स्नीविनः ॥ किनाक्षयकत्र-जां क्ष्य इंज्रुह्म वृदेशः। म॰ শোষণাৰুসাদীনা পোষ ইত্যভি-शीयाउ ॥ # ॥ म• श्राप्ति मार । कक भुषारेन जीरेयञ्च कष्क्षम् वनवर्ज्यम्। णाजिव। वाशिक्षेत्रीति विश्वास्त्र अति । नडरा।। क्योगस्ड शाउवः সর্বে उउः म्याजि गानवः। कक श्रुवादेन प्या-रियः तनवर्षाम् काष्क्रव व्यन छत्र। मर्ख थाजवः क्रीयस्त्र उट्या गामनः सूध्र-তি। কারণ ভূতস্যরসস্য ক্ষ্যে কা-य्यागाः बङ्गानीना मनुकत्मग कीय-गानवादाक्षाः मार्गावादाक्ष व्रमकृत হেত্ নাহ চর ্রম শ্রেড:সূক (क्षयु बङ्गिरङ ः सङ्ग्रहः अ छेक्।

काम (वर्णन वङ्क्लः भुवर्द्धछ ॥ च्र इश्व इश्य इश्वाकान विना পি রসক্ষয়ে। ভবতি মার্গাবরোধ হৃপিত বাতেন ব্লস্স্য শোষণাৎ। উক্তঞ্চ। বাধ্যে র্জাত্ ক্ষযাৎকোপো মার্গস্যাবরণেন চেতি॥ৠ। অনুলো-सक्तर मर्भाय**द्या अ्ठिलामक**र-সপ্যাহ। অতিব্যবায়িনো বা রেড-সি ক্ষীণে পুতিলোম ক্রমেণানন্তরা সর্বে ধাতবো রসপর্য্যন্তা: क्षीयत्त्र । তদ্মথা। শক্তে ক্ষীণে নজ্জা ক্ষীয়তে मज्जिनि कीए । (इ कीयउ । এव॰ পূর্ব পূর্ব ক্ষীয়তে। ননু কার্য্যস্য শু कम। क्या कथ॰ काद्रग ভূडाना॰ न क्जाभीनाः कयः। উচ্যতে। मृकक्याः দ্বায়: স্প্রভি। যদুক্ত । বায়ে। প্রভূ ক্ষ্যাৎ কোপো মার্গন্যাবরণেন চে-তि। न वागुः नामिया करमण मञ्जाः भीन् मर्वान् थाज्न् मः नावयि । তত স্তদনস্তরণ মানবঃ শুষ্যক্তি।। 🛊 🛭 ।। পূৰ্বৰপ মাহ। খাসাজ্সাদ কফ সংস্ব তাল্শোষ বন্যগ্লিসাদ নদ-পীনস কাস নিদাঃ। শোষে ভবিষ্য-তি ভবন্তিস চাপি জন্ত: শুক্লেক্ষণো ভবতি মা•সপরো রির•সু: 🛭 স্বপ্নেযু काक मूक मञ्जिक नी नक्षे गृथा छ থৈৰ কপ্ৰঃকুৰুলাসকাশ্চাত বাছ

युष्डि न मही विज्ञनाम भाषा एम्हा॰ खकन् भवन धूम स्वार्ष्मि **डा॰** फा ॥ 🕬 ॥ বস্থা লক্ষণ মাহ। জংশ পাশা। ভিতাপশ্চ সন্তাপ: করপাদযোঃ। जुद्र: महाक्ग (क्ठि लक्ष्ण दाज-यञ्चनः॥ ञ•भाषाः भार्यायाः ञाजि-তাগঃ পীড়া। অত্র সকল ধাতক্ষয পূর্বকঃ সকল শরীর শোষোপি বো-क्षत्रः। कीयस्य वाउतः मर्स् उउः শুষ্যতি মানব ইতি সংপ্রাপ্তে:। এবং ষড়ুপে একাদশৰ্পে চ বোদ্ধব্য । এতানি ত্রীণি লক্ষণানি প্রাযো ভা-বিত্বেন চরকেণোক্তানি । সূশুতেন यमानि यह लक्ष्मान्। कानि। कक्षि বো জ্বঃ কাসঃ স্থাসঃ শোণিতদ-র্শন । স্বরভেদ চ জাবেত ষ্ডুপে রাজয়ক্ষ্ণি॥ # ॥ উন্থণভয়া দোষা-गाः (जराप्तकांत्र विक्रान्।इ। **अअर अर मार्थित वाह्न अरकाठ का अ** পার্শ্ববা:। জ্বরো দাছো ২তিসার-**क शिखामुक्तम**् हा गमः ॥ मित्रमः नित्रिभ्रंद्व मञ्क इन्ह अव ह। का-नः क्षेत्रऽहाष्त्रु रत्रा विद्धियः क्ष কোপত:।। অনিলাদুল্বণত এব পিত্তাৎ কফাচ। যত আহ সূশু, मः। এক এব মতঃ শোষঃ সলিপাতাঝু-কে। গদঃ। উদুকাত্তত্ৰ লিস্থানি দে।-

বাণা- নিপতভিচ।। # ॥ অসাধ্য যক্ষিণ মাহ। একাদশভি রেভি র্বা ষড়ি বাপি সমন্বি হণ। ত্রিভি র্বা পী ডি э · वि: १ क व का मामृगाबरेयः॥ कशाहायापि उ जन्ड भिष्ट् मूबि পুল যশ:।। #।। তত্র বিশেষমাহ। मर्बि बरेक् जिन्नि वीशि विरेक् मान्म वनकरेयः। यूट्फा वर्ज्ञा निक्रिक्नास **जर्बक्राशिश्राह्म १ में अर्थ है कि** दिन (तकारमञ्जः । व्यद्धिः य हैः । বিভি জ্র কাস ক্ষিরবন্ন:। অভো **২**ন্যথা মাণসে বলে সতি সর্বরূপে। **২**পি পুত্যাক্ষায় চিকিৎস্য:। মৃহা-**भन** क्रीयमान मजीमात्र निभी फि-७ । भूनम् द्धान्त्र स्थित यित्र ११ -विवज्ञाय**् ॥ गङ्गाननः कीयमा**न भिएड इक मनाया लक्ष्म । अ डीनात নিপাডিত নিতি দ্বিতীয়। যত উক্ত । নলাযন্ত বল প্সা শুকাযন্তম জীবন । তথা বড়েন সংরক্ষেত্র স্থি-ণো নল রেভসী !৷ শ্নমুদ্ধোদর মি-তি তৃতীয•।। 🟶 ।। অরিষ্টনাহ। শুঙ্লা-क गमा (इष्ट्रोत मृष्ट्य याम निश्री (ए उ॰ । कृ'हुन वर एत्रडः यञ्चा रही ह न। नवः॥(जर्छः भूकःक्षत्रनः। भूक्षाक षानीन अरेक म्हणा १ तिष्ठे नक्षणानि অবধিমাহ। পর দিন সহসূত্র

यि कीविं भानतः। সুভিষ্ঠি क्-পক্রান্ত স্তব্দ: শোষ পীডিত: ॥ শোষদীডিভো মানব শ্চেত্তকুণো **ভবতি। সুভিষণ্ডি কপ**ক্রান্তো ভব-তি। তদা পর• দিন সহসু•। দ্বি তীয• দিন সহসু যদি জীবতি তত্ৰ জীবন বিকল্প ইত্যৰ্থ:। এতেন শোষপী-ডিভো মানব শ্চেত্তক্ণো ভবভি । সদৈদ্যৈ শিচকিৎস্যে। ভবতি। তদা পূপন দিনসহসু জীবেদেব ইত্যক্তা চিকিৎস্য মাহ। জ্বানুবন্ধ রহিত• वलवस्र किया मर्। উপক্ষেদা-ञ्चवन्तः मीक्षात्रं मकृषाः नद्रः॥ ञाः অবস্ত যন্ত্ৰ । ধৃতিন্ত বা।। #।। व्यथ निमानवित्नरेयः (नायवित्नया-নাছ। ব্যবায় শোক বাৰ্ছক্য ব্যাযা-মাধু পুশোবি ভান্।বুণোর:ক্ষত স• জ্জৌ চ শোষিণৌ লক্ষণৈ: শৃণু। বু-ণোর:ক্ষতসংজ্ঞৌ শোষিণৌ । রুণ-(मावी डेव्र:क्रडामावी ह ॥ #॥ তত্র ব্যবায়শোষিণো লক্ষণ মাহ। द्यागरणायी णुक्रमा क्रय निर्मः क्रमफ्डः। भाख्यस्य। यथा भूई॰ क्षीयत्य हात्र। भाजवः॥ मुक्तत्र। क्ष्य *विदेशः সুশু,* ভৌকৈ:। ভানি यथा । শ্ক্ৰফ্ষে মেনু বৃষণ্যো সেৰা অশ-ক্তি মৈথুনে চিরা শু সেকে

हाल भूक मर्भन निि । यथा शर्बः कीयर हाम। शाउदः भूथमः नकः ক্ষীৰতে প-চাৎ শুক্ৰম্য জনিত বাঘুনা মঞ্জাদযোপি খাতবো যথা शूर्वः क्षीयाष्ठ ॥ क्षा। त्नाकत्नावि-ला नक्त भार । भुष्राम भीतः সুস্তান্তঃ শোকশোষ্যপি তাদৃশঃ। विना णूकक्षयक्रि विकारित क्ल विक्रिजः॥ शुर्गानणीवः यम्गा जा বেন শোকে৷ জনিত স্তব্ধ্যান পর: ৷ সুস্তাঙ্গ: শিথিলাক: তাদৃশ: ব্যবা-यानावि जप्नः। (छन भूकारि जर्व ধাতৃক্ষযুক্তা ভবতি। পর শুক काक्टि विकारित भिंदू व्यव (वननी-দিভি বর্জিতো ভবতি। ব্যাধিষভা वार ॥ अ ॥ जत्रात्माविता नक्ष भार । জत्रात्मायी क्.मा नन्स्वीर्य বৃদ্ধি বলেন্দ্রিঃ। কম্পনোংক্চিমান্ ভিম্কা স্থাৰ হু তম্ব: ৷৷ ধ্বীবৃতি শ্লেম্মণা হীন গৌরবাক্চি পীডিতঃ৷ नः भूम जाम। नामाकः मृष कक नव-हितिः॥ भुम्थ गाजावयवः मुक्क (क्वामं गनाननः। मन्त्रभदः चन्नार्थः। मुक कक भवहितः भृष्ठ क्रक भवहिती यम। मः। भुम्छ गावादयवः भूम्छः পার্শাক্তঃ।ল্লোন ভিলক পিপাসা ञ् न ।। 🗱 ।। जशुः भाविता नक्त

মাহ। তার্ পৰুষ্ছবিঃ। স'ভ্%. वियंग्र तः॥ शा व्यायागः वक्र भाइ। ग्रामान भाषी ভূা भिछ (त्रन ममन्जः। विक क्षक्र उ ক্তৈ: সংযুক্তশ্চ ক্ষতং বিনা। এভি-রেব সুস্তাক্তাদিভি রধুশোবিণো नकरेग दिव। ज्यिष्ठः व्य अर्थः ॥ 🛊॥ निमान वृश्माय मार्। त्रकक्याः দ্বেদনাভি স্তথিবাহার যন্ত্রণাৎ। বুণি **७ग**ऽ ভবেहारका यात्मरा २ माध्र क সমৃত:॥ৠ।।উর:ক্ষতস্য নিদান না হ। ধনুষা যস্যতো ২ত্যর্থ ভার নৃদ্ধ-হতো গুৰু । যুখ্যমানস্য বলিভি: প্রত্যে বিষ্ণোচ্তঃ।। বৃষ্ণ হ্যা-ধাবন্ত দন্য চান্য নিগৃহত:। শি লাকাষ্ঠাশ্মনিঘাতান্ ক্ষিপতো নি-घु अ अ अ । । अ वीयानमा हा कुरेह प्तः वा वुक्राका क उर। गरानमीर वा-তরতো হয়ৈ রা সহ ধাবত:।। সহ-সোৎপতভোদ্র ত্র্পাতিপুন্ত্য-जः। अथारेनाः कर्माण्डः क्रेंत र्ज् ना নপ্যাহতম্য বা ॥ স্ত্রীযু চাতিপুস-क्रम्य क्षान्न भूनिजानिनः। विक्राञ वक्किन वर्राधि बंगवान् ममूनीर्यार ।। व्यायाम्य व्यायामः व्यवं उः। प्रम्य वृशानिक । व्यन्त्रक शाहाश्रुविक -

निवा रीर्घशायानः। यन्य भुखद्रथं ७ः ।। নির্ঘাতো হস্ত্রবিশেষ:। ব্যাধি: উ-র:ক্তাথ্য: ॥ #॥ উর:ক্তস্য ল-ক্ষণ মাহ। উরো বিৰুদ্ধতে হত্যর্থ ভিদ্যতে চ বিভন্ন্যতে। পুপীড্যতে-ভত: পার্যে শুষ্যভ্যঙ্বণ পুরেপতে॥ क्रमाचीर्या वन वर्णा कि त्रिनिक शिया । जुद्रा वाषा माना रेपना विर्देशना श्रीविष खर्गा ॥ मुद्रेः मारावः সুৰ্গন্ধ: পীতো বিগুথিতো বহু। कामगानम् हा जीकः करः मामृक् প্রবর্তে।। স ক্ষত: ক্ষীয়তে ২ত্যর্থ• তথা শুকৌজসো: ক্ষযাৎ। অব্যক্ত बक्र १ उत्र भृ वं क्र भिष्ठि মৃত ।। বিৰুজ্যতে পীড্যতে। ভিদ্যতে বি-দার্য্যত ইব। বিভঙ্ক্যতে দ্বিধা ক্রি-यु इव । न भूक्यः । क्व : उत्रःक-खवान्। अ**ख्र**र्थः क्रीयख क्रीा खवि । न (कवल भाम कक **क**या দেব ক্ষীণো ভবতি। তথা শুক্রোজ-(माः क्रवार । खाजित्मवनाहिना मूक्कोबलाः क्रयामि क्रीला खर-তি।। #।। উরঃক্ষতস্য বিশিষ্ট লক্ষণ মাহ। উরো কক্শোণিত ह-দ্দি: কাসে। বৈশেষিক: ক্ষতে। ক্ষীণে সরক্ত ন্তর্ণ পার্ম পৃষ্ঠ কটিগুহ: ॥ **ফ**তে উর:ফতবতি। উরো কক্।

(माणिज इफिं: कारमा रेवरमिकिः বিশেষতো ভবভ্যেব। ভশ্মিমেবো-র:ক্ষতবভি সাসু কফ শুকৌজসাণ करार कील नत्रक मृबद्ध नार्थ. পৃষ্ঠ কটি গুছ শ্চ ভবতি।।#।। निमान বিশেষেণার:ক্ষতস্য লক্ষণ বিশেষ मार। वुगात्राधा १ क्या हिव (का हा १ পুতিমলাত্তথা। ক্ষতোরস্কস্যার্য-পাকে নি:খাসো বাতি পৃতিক:।। ক্ষণাৎ পাভূক্ষণছেতো ব্লতিব্যবা-यामिजः (काष्ट्रांट भुजिमनाए (का-श्रेष्ट भुजिलाम वाउन भुजिलाम वलाट প्তिकः পৃতিগন্ধः॥ 🗱 ॥ উর:ক্তস্য সাধ্য যাপ্যাসাধ্য ল-क्रग मार । यद्य निक्मा मीखादाः সাধ্যো বলবতো নবঃ। পরিসম্বং-সরে। যাপ্য: সর্বলিক্স্ত বর্জয়েৎ ।। # ।। # ।। व्यथ ब्राज्यक्त हिकिए जा । विवास वर्णायम् अक्ष कर्मानि कात्रायट । यित्रानः कीन (पर्म) ७८ कृ ७ म जा दिखा भग ।। मना-यखः वनः भूभाः भूकायञ्च कीवः না তমান্তরেন তা রাক্ষেত্রিণা মল রেডসী।। শালি ৰঞ্চিক গোধুন यव मुनामरण रिप्तः। सम्प्रानि का-व्या: शिक मृगाः मञा विष्णाविगः ॥ त्र लिश्नवीकः अयवः न वनायः न

নাগর•। দাডিনামলকো**পেত• সি** ধ্ব মারু রসং পিবেৎ।। তেন বিদ্বি निवर्न्डल्ड विकादाः भीनजामयः । দুব্যতো দ্বিভণ মাণসণ সর্বতো ২৪ গুণ জল•।৷ পাদস্থ• সংস্তঞ্চাজ্যে य उत्था यय उठाउ । उष्यशा । यव भव ) ऋवः प्रव ) हा ग**रा म्यान** ৪ জলপল ৪৮ শেষপল ১২ ডভঃ পলনিতে ঘৃতে সংকরণীয় । ভত্র कर्य गिङ रेमक्षव (मय मोद्रजार्थ) क्ष्यि । लिश्रनी नागत्रक भृषक् भाषभिजः कल्ली कृ छ। (५य॰। माजियायवाकान्त्रा सम्बन्धः नाथाः 1 यङ स्यूषः ॥ 🗱 ॥ कञ्च छ्वक् नाभ-वन। वानबीवीकः विष्ट्रिंडः शयता। পীত মধ্ ঘৃত যুক্ত সসিত যক্ষাদি কাসহর ।। ছাগমা স প্রশাগ ছাগ দর্শিচ নাগর ৷ ছাগো**পসে**-वा मधन हा गन्या ज्यक्ष पूरा मधु जा भा दिउदान्य कर् लाह घृठाच्या । মুন্তি নক্ষাণ মত্যুগু পেব্যমানা হি-তালিন:।। তাপ্যং সুবর্ণনাক্ষীক।। শকরা নধু সংযুক্ত• নবনীত• **লিহ**ন্ ফ্যী। **ক্ষীরাশী লভতে পুষ্টি মত** ল্যেচাজ্য নাঞ্চিকে॥ **সিতোপলা**-ज्गाकी वी शिश्वनी वहनावृहः। व्यस्ताम्ब् विधित्तजा महूर्त्जा मृत्

সর্গিসা ।। লেহ্যেদ্রালরোগার্ভ কা-স খাস জুরাতর । পার্খশ্লিন **নলাগ্নি• সু**গুজিল্ব• ক্চিচ্যুত• ॥ হস্ত পাদাস্থ দাহে চ জ্বে রক্তে তথোদ্ধ্বি । সিতোপল। মিশ্ৰী । বহুলা সূদ্ধিল। গিতোপলাদি রব-লেছ:॥ 🕸 ॥ তা তীফল বিডঙ্গানি চিত্রক ওগর ভিলা। ডালী**স ठनर म**नी वनस् न्यस्थिका ॥ কপ্র শ্চাভ্যাখাত্রী গ্রীচ পিপ্স-লী তুগা। এবা মক্ষ স্থা ভাগা শ্চাতুর্জাতক সংযতা: ৷৷ পলানি সপ্ত ভক্ষেদাং সি হা নর্ব সমা মৃতা। চূৰ্ণ নেত< ক্ষয় কাসং স্থাসঞ্ গুছ-भी भरः॥ अत्याहरः शुक्तिगायः তথা চানল নন্দ ভাণ এভান্ রোগা-न् निरुष्डिऽव वृक्ष भिन्दुाणनि यंथा ॥ बाजीकवार ) हूर्न ।। 🗱 ।। वावादा-गाधिकाद्माक रें ठल नाका नि या-জযেৎ। অভ্যক্তে যক্ষিণো নিভ্যুণ वृष्क विष्माशासम्बद्धः ॥ वामकमा রস পুরু মাণিকা সিত শকরা। পিপ্ললী দ্বিপল তাবৎ সলিষ্চ भौतः १८५०। असिन् (वरुव नाया-लंहिङ कोन् भनाष्ट्रकः ॥ मञ्जाः वजाद्रविष्टाः नीता (नाहाय मू-खनः। १ । १ एडि द्राजयस्त्रानः कामः

यात्रक माकन ।। भा व म्लक इहने। ब्रक्कभिन्छ<sup>•</sup> ज़्ब्रडथा । वामावल**रः** ॥ #॥ অথ ব্যবাধাদি ছেতুক শো-ষ্টিকিৎসা। তত্ৰ ব্যবাধশোষ চিকিৎসা। ব্যবাবশোষিণ ক্ষীর अञ्चलका अञ्चल । अञ्चल र्मथुरेत क्रिन जी वनीरेय क्षााठावर ॥ द्रात्र। माः नद्रमः मृक्रेल हि रेजः ॥ 🛊॥ শোকশোষ চিকিৎসা॥ হ र्यना खामरेयः कीरेतः तिथा गंयुत भी उरेनः। ही शरेन जंग जि महारेमः (नाकलाय भगाज्यक्य ॥ 🕸 ॥ बुग्राग्राम् कि कि ना। बुग्राग्राम-শোষিণ মিনিঃ ফত ফব হিতৈ हिं कि: । उभाग्दबन्धीयभीरैंग वि-**विना** ः शिक्षिक्त जु ॥ 🗱 ॥ ज्यषुर्णाः य ठिकिएमा। यामग्रमुरेथ निवाः अरिशः मीरिङ मध्व तृःश्रेनः। यम मा॰म तमाहादि तक्षः भाष मृशाह-द्रिष्ट ॥ # ॥ तुन्तमाय विकिष्ट मा । वुगरमाय॰ करवट ज़िरेक मी शतिः चामू भी उरैनः। देवमरेय त्रनरेय र्वाः यृष भा•म तमाहि जि: ॥ 🗱 ॥ जाया-রঃক্ষত চিকিৎসা। বলাশ্বসদ্ধা 🕮-लगी वह्लु भी जूनने वा। लगना नि ত্য মভ্যস্তা: শম্যন্তি ক্ষত ক্ষণা। शिभगी गञ्जाती । वर्भू भी मञा

वती। वनामिह्र्यः ॥ अ ॥ अना भ-ध प्राम् प्राक्षः। भिन्नवाक्ष्मभवः भू-थक्। भिडा मध्क थर्ज्व मृघीका-क भाषामिजाः ॥ मः ह्र्नं मधूना-युक्ता विविध मः भुकन्नयः । व्यक्षः गांवा उठ रेफ्टर जक्रायह मित দিনে ।। ফত ক্ষয়ণ জুরণ কাসণ श्वान शिक्का विन जुन । मूही मन ত্বা শোব পার্যশূল মরোচক । श्लीशन गामवाज्यः ब्रक्तनिन्तः य-द्रक्य । बनारि **७ हिका रु**डि व्या मञ्जनी अजा ॥ 🗱 ॥ माकायाः পুত भिक्छ मधुकमा भना छेक ।। পঢ়েব্ৰোযাষ্ট্ৰকে শুন্ধে পাদশেষেণ उन जु॥ भनित्क नधुक माहक नि (हे क्का भन **चयः। भूनाय म**र्नियः পুস্থ• পচেৎ ক্ষীরে চতুর্গুণ।। সিচ্চে भीउ भवानाक्षी मक्तायाः भुमा-भारत । अञ्चाकाष्ठ भिक्ष कञ ক্ষীণে সুথাবছ ।। বাত পিত্ত জ্বর श्वाम विद्यादिक इलीमकान्। शुनद्र. त्र छिष्ठिष इन्। शाः म वन्युषः ॥ मुाकापिष्ठ ।। #॥ कीति थाजी वि-मात्रीक्ष् वत्रीभाष्य उथा त्राम । भारत সমে ঘৃত পুঞ্ মধুরৈ: কর্ষ সমিতি: ॥ मुक्का वि इन्हरनाणीत णर्कत्राए-পল পদ্মকৈ:। মধুক সমুম্নান্তা

कानात्री ज्न मः ऋकिः॥ भुष्टार्षः मध्नः भीत् भक्तार्ख ज्वास्था। পলার্জকাংক সংচ্ণ্য ত্বগেলা পঞ किनदान् ॥ विभीय उव न विश्राः॥ মাত্রা নিভ্য স্বব্রিত:। অমৃত পুশে মিত্যেতদখিভ্যা পরিকীর্ত্তি ए॰।। कीत्र मा॰मान्यना॰ इप्ति त्रक পিত্ত ক্ষত ক্ষয়। তৃষ্ণাক্চি স্থাস काम इपि मूई। भुमम्न ॥ मूजकृ हु জ্বরমুঞ্চ বল্য জী রতিবর্জন । অমৃ-**७ शामावलकः ॥ #॥ यत्यह उर्भ** ণ শীত মবিদাহি হিত লঘু। অয় भानः निष्वश्रुष्टः क्र ७ क्वितः मूथा থিভি:।। শেকে দ্বিয় কোধ মস্ यञाक जारक मुनातान विषयान् ज-(कह । उथा विकाठी · जिन्मान् छ-कः क वाहक भग्राः भृग्या फिर जा छ। ॥ 🗱 ॥ व्यथ द्राज्यक्त्रित्र नाः । द्रन ভষাম্তা সৰু লৌহ মধু ঘৃতা বি ত । अग्राज्यत नामाय य प्जू की রাজ্যক্ষজিৎ ৷৷ রসভম মারিতো त्रमः ॥ #॥ अमृठामञ्जः ७५५ मञ्जः । (लोरु: मादिञ:। चम्राज्यदाद সে। রাজ্যক্ষণি রসেন্দু চিন্তামণৌ। ত্রযো হ শা নারিতাৎ স্তাদেকো শো হেম ভষত:।। একো:শো মৃত ভামুক্ত শিলা গন্ধক্ষ ভালক । পু-

**७८० जागगुग्रा म**्रारमञ् मर्दा विर्व्तरय ॥ वद्गारी भूद्ररयखन छ। গীক্ষীরেণ টক্ষণ। পিষ্টা তেন মুখ ৰপ্বা মৃদ্ভাণ্ডে তাক্ষ পূর্বেৎ। ততো গজপুটে পক্তা চূৰ্ণয়েৎ স্বাঙ্গ শীতল ।। রসোরাজ মৃগাঙ্কো ২য় চতুর্গঞ্জ: ক্ষাপহ: ॥ মরিচৈ ক্রবি শত্য क्गां कि मंगि खिथा।। मध्ना मर्लि য। চাপি দদ্যাদেত রস ভিষক্। অনেন নশ্যতি ক্ষিপু॰ বাত শ্লেম ভব ক্ষয: ৷৷ রাজমৃগাঙ্কো রসে৷ রা-क्रयञ्चित द्राजनुष्टिष्ठावर्गो ॥ 🗱 ॥ मुक्तम् उ॰ विषा गन्नः व्यर्गाट थाल्लन कब्दली • उरवा: मन • जीक्न हुर्ग नर्फ • (यटकन)कामुरेवः ॥ विया म मा उरभ গোল-তামুপাত্তে বিধারবেৎ। আ हारिन्। इंड भारान नामूचा याम्यु-ग्रजः॥ धान।द्वारणो न्यात्रर भण्ठामः हात्राञालनुषात्र । मः हूर्ने भाषा-যেদ্বক্তে সত্যু বারিতর ভবেৎ ॥ ত্রিকটু ত্রিফ**লৈলাভি জাতীফল ল**-বঙ্গকৈ: ৷ নব ভাগোন্মিতৈ রেতি: স ম এষ রসে। ভবেৎ।। নিম্বদ্ধয় মিত॰ निज्यः नधुना मह (लह्स्य । अग মগ্রিরসো নাশ্রা কাস ক্ষয হর: পরঃ ॥ অগ্নিরস: শার্কধরে। ইতি ভাব-भूकारण द्राजयश्चाधिकादः ॥

व ाडो। ইতি कविकन्नक्रमः॥ व याछि। ইতি मूर्गारामः॥ यागः भू॰ यद्धः। इंडामद्रः॥ ठव শ্ৰোতাণিক্ত। হবিৰ্যক্তা: সপ্ত। यथा। अगुराशानः उपनागिरहानः ) पर्मालोर्गगामो २ निखनिज्य-क्टः ၁ चागुरा 8 ठाउँ भागः व নিৰ্চপশ্বন্ধ: ৬ সৌত্ৰামণি: ৭ ৷ মার্ত্তাগ্রিক্ত্য পাক্যজ্ঞা: সপ্ত । यथा । खेभामनः ३ रेवश्राप्तवः २ স্থালীপাক: ৩ আগুৰণ ৪ সর্পব-লি: ৫ ঈশানবলি: ৬ অপ্টকানৃষ্টকা १। (मोडागिमधमः इाः। यथा। সোম্যাগ: সএবাগ্নিষ্টোম: > অ-ত্যগ্রিষ্টোমঃ ২ উক্থ্যঃ ৩ যোডশী ८ वास्त्रायः ৫ म विविधः मः इ। **স্কৃক। অভিরাত্তঃ ৬ অপ্**তূর্য্যা-ম: १। উত্তরক্রতবো বহুব:। যথা। মহাবুত > সর্তোমুথ ২ রাজসূ-यः ७ (भो अब्रीकः ८ व्यक्तिकः ৫ বিশ্বজিৎ ৬ অশ্বনেধ: ৭ বৃহস্পতি अतः ৮ जाल्यामः 🗅 हयनान्। क्षेप-শ্ ২৭ : ইত্যাদি শ্রৌতসূত্রণাঞ্চা স রনেবামা• যাগকালো যথা ৷ শুক্র-ेवाठ। अल्बरेनव ज् पुरवान सन्।-প্ণ্ড যথা ভবে**ং। তদহং শ্যে**তু निहानि गुरुगागः मूलयत ॥ व

क्षाबाह । ण्मू वर्म भुवक्रामि यथा ज्॰ गित्र गृहिन । चन्नरकन न-शानुगाः गुरुक् जिथि योगिकः ॥ ख्छ न्वांडेमी (यान॰ व्यवसमयू চোত্তম। মৃদ্বর্গঞ্ ভাগ্যঞ্ উমাবা ज्खवानाता। रेमव यागार्यमा वधी शूष्ठकं द्रविवानद्र । ऋन्त्याग छन। कार्याः जर्बकाम शुजाशकः ॥ वाद्मण वा यना मृर्याः मधनी विक्रया मुखा। তদ। ভু ভবতে ভানে। র্যাগঃ সর্ব গুণাবহ: ৷৷ শব্দ রিক্তানুসংযোগে অর্কক্ষে সোত্তরাসু চানবম্যা নক্ষ-ना याला जानू मृन दिन॰ यहा ॥ वारेग्रा॰ वाथ हम्मार्ड मुवलन म्-ভাবহণ। অহি বুপ্নে স্বজাহে তু গণে-**(भ उन्ध** वारुनि ॥ भूनर्बरमो छात्रा र्वाद्र द्वामम्। भुवत्व वा। त्राञ्च गुन्छ यहा (यागः विस्थाः महार्थ नाक्षकः ॥ विजीयायाः यना (नीत्न) कृखिकक्कं ভবেৎ कृष्टि । शुरुशांग खना कार्याः गर्बभाष्टि शुनायकः ॥ याजी (मोमी हजूथी ह जैयायाला वदा मृजा । উত্তরাসু চ সর্বাস্ ভানু পৌৰ্ণাষ্টমীয় চা৷ শান্ত্যভিষেক गारायु नर्स कामार्थमाष्ट्रभी। एता-(वकामणी भूषि। जाहिगा वा यम শর্নি: ॥ সূত্র সৌভাগ্র কানায যা-

গো ৰুদু বিনাযকে। পূর্ণিনাসু চ স-र्बाम् अष्टेमी हारणीयु ।।। हजूर्मणाः ত্ গীযাসু গুহু ঋকে শুভেষু চ। সর্বে-ষা• ভবতে যাগো ভক্তিপ্রো ম-श्रभूति।। भञ्जभाषन पृवशाया कृष्या-গাদবাপ্যতে। 🕮 মেখা জ্ঞান বাৎ-नन भूभायागान्यशामूत ॥ रगाग জ্ঞান যশ: সিদ্ধি নহাদেবাদবা-পু্যাৎ৷ আরোগ্য: সপুতাপত্ব: ভা-স্করাৎ পাু প্রতে ধুর ॥ গতি নিষ্ঠা। যথা কাম পুষছতি তিবিক্রম: । বিম্নোন ভবতে তস্য যস্ত পশ্যেদ্বি नायकः ॥ विश्व जात्रि र्ज्य विश्व राष्ट्र मृष्ट्री कनर मत्थ कगाए। माज् যাগান্হানিদ্ধি: সর্বোম্পি জা-या ।। ख्वा वनवान् भू नः भूषमा হে হু তাশনা ে। স্বর্গাপবর্গ সংসি-कि पूर्गायागार भूकायरा ।। भाषारेम् नक्लां भाषा देशिका युका कायरा देनारेनाः कानिकानास যষ্টব্যা বিধিনা মুনে ॥ ইত্যাদ্যে দে-ব্যবতারে উদ্ধ তিথ্যক্ষ যোগ মা राजा की इंन ॥ # ॥ जथ गुरुयाग विधिः। भूषम्। नव त्रवाहीन् भू छ। णुङ कन भुनान्। गुरुयाग विधि॰ नगरक् विक श्रीत्रयूननरनः ॥ अथ গ্রহ্যাগ প্রযোগ:। তত্র রবি সোম

दूभ एक मुक वादिष् विवानुदाधा মৃগশিরে৷ রেবতী পৃষ্যাখিনী হস্তা রোহিণ্যুত্তরা ত্রযেষু চন্দ্র তারানুক্-ल मूजना यागः कार्यः । अब বালগুহ ভৃতগুহ পুবলতর নরাধিপ শবু দু:সহ রোগাভিভবান্ড্র দু:ষ-প্লাবলোকনগুহদৌ স্থাদি নিমিত্তক• भाष्टिक भवभागाराविन कर्खवाः। व्यवगुरु विना क्वतन वृष्टेरायुः शुष्टि পুএ ত্রীকামাদি পৌষ্টিকন্ত মলমা-गारी उद्र काल এव कार्यं । # । उब यज्ञमानः क्ञज्ञानाहिः (भामरयाल-निश्च (मान महर्चा माना निश्चे छेम-ভ্যুথ: স্বন্তি বাচ্য সূর্য্য: সোম ইতি পঠিত্ব ফল পুন্ন তিল দর্ভত্রয় স-হিত জলপূৰ্ণ তামুপাত্ৰ• গৃছীত্বা ঔ তদ্বিষ্ণে। ব্লিভি বিষ্ণু• স•স্বৃত্য ওঁ **७८.मिर्न्छाहार्या ७ँ व्यामाजामि व्य-**मूक (गाव: श्री यमूक (म्वनर्मा) यमूक कारमा गुरुयछ नरु कतिरमा देखि मक्षन्न । তब्जन (मरिन्धान)। निःकि-পেৎ। অন্যার্থত্বে গোত্রনাশ্রাঃ ষষ্ঠ্য-ন্ততা। করিষ্যে ইত্যত্র করিষ্যামীতি বিশেষ:। ততঃশ্বেতসর্যপানাদায ওঁ বেতালান্চ পিশাচান্চ রাক্ষসান্চ সরীসূপাঃ। অপসর্পন্ত তে সর্বে যে চান্যে বিমুকার কাঃ॥ ওঁবিনায়কা বি-

দুকরা মহোগ্রা যক্তবিষো যে পিশি-ভাশনাক। সিদ্ধার্থ কৈ বঁজু সমান करेन्न भंगा निज्ञन्ता विक्लिः भुगान्ता। ইভ্যেতাভ্যা• নন্ত্ৰভ্যা• শ্বেত্ৰস र्येण भुष्किरेण विंगुकात्रकानशभात्रः বে**ে। ততঃ স**গণা**ধিপ ধোডশ মা**-ভূকা পূজা বসোধারা আযুষ্য জপ• **उ**रञ्जात गायबी जन वृक्ति गाक्षक ক্রা তদশক্তো ভোজ্য মৃৎস্জ্য বা হ্মণান্ পরিভোষঃ ততঃ স্বযনশক্তৌ कर्बा भाषायः ७ ए ७ नाव् ज्वा-ना छ। नि छि वरम् ८ अ ना वृह्मास्म ইতি পুতিবচন । ততো গন্ধপন্ন मिकिन जान मुक्षे। अँ अरम् उतिम भट महिल् उ गुरुयाग कर्मान गुरु পুরা হোম কর্ম করণায অমুক গোত্র অমুক দেব শর্মাণ গন্ধাদি-ভি রভ্যচ্য ভবস্তমহ॰ বৃণে । ওঁ বৃতো ধ্মীতি পুতিবচন । ওঁ যথা विश्विः भूजामि कर्म अक। ७ यथा জ্ঞান• করবাণীতি পুতিবচন•া ততো মণ্ডপোত্তর পূর্বভাগে বিতন্তি দ্বয विख्ठाया॰ विक्यु कि जाया॰ छेनक् ध्वायाः 'तिकाः व्याम्ययानानि भाग्रङ्ग कला किया मार्थ्य वर्जन विकास कार्या के विकास कार्या किया विकास कार्या के अपने किया किया किया किया किया ्रां १: १ बाद्मयप्राः त्यु च मर्काठन्तु।

কার পোম। দক্ষিণ স্যাণ ত্রিকোণ त्रकः मक्षा। अभानाः भीजः धन्-রাকার• বুধ•। উত্তরস্যা• পীত• भग्नाकाद्रः वृङ्ग्णि ७ । भ्राष्ठ्राः (य-ত চতুষোণ শুক। পুতীচ্যা শ্যা-म॰ नर्भाकाद्र॰ **म**नि॰ । रेनर्भज्रा॰ नारामः मक्द्राकाद्रः द्राष्ट्रः। वाय-ব্যাণ পুমুবর্ণান্ খন্নাকারান্ কেত্ন বিলিখ্য স্বগৃহোক্ত বিধিনা অগ্ন-ञ्चाननामि वृक्षञ्चानन भग्रेष्ठः कर्य कृषा मखल गुरानावार्य ।। # ।। তত্রক্মঃ।মধ্যে।ওঁক্ষত্রিব কাশ্যপ• রক্ত কালিক্ত ছাদশাসূল্য। পদ্ম इस वयः भूबीननः मधायवाइनः॥ निवाधिरेविं भार्यमञ्ज्ञ भुजाबि-रिन्वजः। मक्षम्याः कायमानः विना-খ। নক্ষত্র• রক্তনাল্যায়রখ্র•। ইতি थााजा ७ ज् ज्वः सः म्रागुरु ইহা গছ ২ ইহতি ৪২ ইতি শুল্ল ত-थुरैन द्वावाश साभाय ॥ ३॥ या-त्राय। अँ मामु मु रेवना । नाव्यर इस মাত্র• সিতাম্বর•। শ্বেত• দ্বিবাহৃ• वस्र र किन् मगरह उद्गा प्रभी-শ্ব শ্বেভগদাস্থ বিচিন্ত্যোমাধি रेनवज् । कल भुज्यश्वरेमवक मृ-गुरम्, माञ्चरपंख्या ॥ ठठ्छंभू।• জাও ক্তিকা নক্ষত্ৰ নৈতি ধ্যাত্বা

**७** ज् ज् वः सः भाभगुर ইহাগह २ ইহ তিধ্ব ইতি শুক্ল তণ্ডুলৈ রাবাহ্য ञ् । १ ।। १ कि १ म ।। ५ कि १ म ।। আবস্ত্য: ক্রিশ রক্ত: নেবস্থ: চত্র রস্থা। আরক্ত মাল্য ব্সন্ ভার দ্বাজ চতুভুজ।। দক্ষিণাদ্ধ ক্ৰমা-ছক্তি বরাভ্য গদাকর•। আদিত্যা-ভিমুখ দেব ভদ্বদেব সমাস্ত্র্যেতা! ऋन्ताधिरेषवङ ভৌন• क्विंड भुड़ाः विरेनवजः। मन्मन्। काजः भूर्वाः ষাঢা নক্ষত্ৰ মিতি খ্যাত্বা ওঁ ভূ ভূ বি: ষঃ নকলগৃহ ইহাগছ ২ ইহ তি ৪২ ইতি শুল্ল তওলৈ রাবাছ্য স্থাপথেৎ ॥ ०॥ ঐশान्।। ७ नागश् हाक् লাত্রেয় বৈশ্য পীত চত্ভুৱ। বামোদ্ধ ক্রমত শ্চর্ম গদা বরদ থঙ্গি নং॥ স্থ্যাস্য সিংহগ সৌম্য পীত वद्यः उथास्राय**ः। ना**त्रायनाशिरिन-বঞ্চ বিষ্ণুপুত্যধিদৈবত।। দ্বাদশ্যা। জাত খনিষ্ঠা নক্ষত্ৰ নিতি খ্যাত্ম ওঁ ভূ ভূবিঃ মঃ বৃধগুহ ইহাগছ ২ ই-হ তি ১ ই ডি শুল্ল ত গুলৈ রাবাছ ङ्गभराष्ट्र ॥ ८ ॥ উত্তরস্যা । वि-क गाक्षित्रमः भीडः रेमक्करकः यउ न । ध्राचा भी जायत की व म রোজস্ত চত্রু জ।। দক্ষোদ্দাদ ददन दद्रकी मध्य भाष्ट्रीय । वेका-

क्षिरियः ग्र्यामा भिन्यः भुजाधिरयः छ।। একাদশ্যা॰ काङ॰ উত্তর্কল্লু-নী নকৰ মিতি খ্যাত্বা ওঁভূভূৰ: यः वृहम्भाज इहागह २ इह जिन्न ২ ইতি শুক্ল তণুলৈ রাবাছ স্থাপ थिए।। ए।। उठः भाष्ट्रा । ७ मूकः ভোত্তকট বিপু ভাগবঞ্চ নবাঙ্গল । পদাস্থ নাহ্যবাৎ সূর্য্যনূথ পেত **ठ**ञ्जू ब•॥ সराक वद कदका एखः रुख मिछाञ्चत । मकाशिरिदवङ थारिय मही भुजाधितवज्रः॥ नवः ন্যা জাত পুষ্য নক্ষর মিতি ধ্যাত্তা ওঁভূভ্ব: য: শুক্র ইহাগছ ২ ইহ ভিষ্ঠ ইতি শুক্ল তণ্ডলৈ রাবা-य इशियट ॥ ७॥ भन्छिमागा । मोताष्ट्रे॰ कामार्यः मृतुः म्यामारः সৌরি চতুরু জ।। তদ্বাণ বর শ্ল थनुर्रेख ममाख्रायः । यभाश्वितवड॰ পুজাপতি পুত্যशिरित्वज ॥ क्षः চতুর্দশ্যাণ জাতণ রোহিণী নক্ষত্র নিতি ধ্যাত্ব। ওঁ ভূ ভূবিঃ স্বঃ শনৈ-শ্বর ইহাগছ ২ ইহ ভি% ২ ইভি শুদ্র তওলৈ রাবাহ্য স্থাপথেৎ।। १ ॥ रेन्थं छा॰ । त्राङ्ः, भनवकः म् पु॰ रेशठीन धारमाञ्चं। कृष क्षाञ्चतः मिःशामनः थ्राष्ठा उपा

।। চতুৰ ছি॰ খন বর শ্ব চৰ্ম क्रव • जथा। काना वित्व मर्ग्यामा नर्भ भुज्यविरम्बज्याः (भोर्गमान्याः জাত ভরণীনক্ষত্র মিতি খ্যাত্বা ওঁ ভুভুব: স্ব: ভগবন্রাছে। ইহাগছ্ हैर जिष्ठ २ इंजि मूक्त ज्युरेन बावा स साभारत ॥ ४॥ वायवता । কৌশদ্বীপ কেতুগণ জৈমিনীয় ক **एक् नः। ध्राः गृध्गठः म् म् मान्रायः** षिक्ञाननः ॥ স्र्यामाः ध्रामानः बत्रमः गमिनः उथा। চিত্ৰগুপ্তাबिम বঞ্চ বুন্ধ পুত্যধিদৈবত ॥ অনাবা-म्यायाः जाउः चात्र्या नक्षत्र निजि ধ্যাত্ব৷ ওঁ ভূ ভূবিঃ স্বঃ ভগাবস্তঃ কেতৰ ইহাগছত ২ ইহ বিধত ২ ইতি শূল তঞুলৈ রাবাহ্য স্থাপথেৎ ॥ २ ॥ अधिरेमवङ भुज्यभिरेमवङ भूकनकाग्ठ शामारो । उउ छउ ৰৰ্ণবস্ত্ৰ ভত্তৰৰ্ণপৃত্ন দ FSIC। #1 ध्रम विष्णवः। त्रवराय खन्नुः नुष्ण । (भागाय **मद्रनः। भक्ना**य পেৰদাক। বুধাৰ ঘৃত মিশ্ৰিত দেব-शिक । व्रुग्ण अत्य मणात्रः। णंकाय ण छक्। भरिनम्हताय काला खक्। রাহবে গুড়ব্বচ•। কেতুভ্যো নধ্নি-भि छ छ देवे हुए। अञाय (वाउमा मः वा।। है।। गरक्षिवरणवः। म्याय तक

ठनर न । (मामाय (थंडठनर न । म-क्लाय बह्मा । तूथाय अत्रला । छ-রবে রক্তচন্দ্র খেতচন্দ্র জ্জুগ স त्रमः भिन्ति नमजागात्व हर्गाट । भरिनण्डताय कल्त्री । त्राहरत भ-মকাধ্ব । কেতুভান্চ পদ্মকাই ।। অধিদেবজা পুত্যধিদেবতাঃ পুত্র-(यट । अ। अधिरहत्या भुजाधिरहत्या यथा। मूर्यामा निव वशी। (माममा উमा कन्। मक्लम् ऋन्तः कि जिः । तूथमुर नातायम विक् । वृह्म्माउः वुका हैना का भूकना भकः भंदी। गरिनण्डतम्। यभः भूजाभिक्षिणः । वारहाः कानः मर्भकः। (करा कि এগুগু: বুকা চ। এতভু অব্তাদি रहाम (द्धय·। #। मूर्ग्याय खर्डोहन বলি:। এবং সোনাদীনা মপি। সতি मान(थ) (बाउरमाभठावादिन। ॥ बलो छ । मूर्वताय खरडोहन । (मा-भाग घ्रञ्जायमः। भक्ताय भक्ष यद र्णाञ्चक यावक । वृथाय क्वीबाम । खद्रत्व मरश्रामन । मूकाय घृरकोमन• । णरेनण्डताय क्वज्ञ। ज्ञाङ्ख ङ्वागः মা•স•। কেতুভ্যো অজ্ঞাক্রীর সাধি তাজকর্ণরক্তনিশ্রিত যব তিল ডঙ্-क जभ विद्योहन। उड्ड पुन्रामा इन्हाउत्र मन्त्रार्थाका उठ महरू॰

म्नायर । उब नामगाना कमः । वादाः भक्तिभाषाः दिनि भागगान् म्मानासीर्ये जपूर्वा भुकानि उ वाक्ष मृष्यनः दिनवक मूर्भः वाक्ष हममञ्चल (भाकितः मःशार्गः) वीशीन् यदान् दा अन्यको नानि छ अनान मूर्ल निशाय खँ म्यं।।यदा क्षे निर्वभागि इंडि गृशीषा উদ্থ ल इाभायटा वर (माभाय। वर मक्वारीना मिश निर्देशण क्षा উদুথলে স্থাপথে । वि खुकी । ততো দক্ষিণ হস্ত মূপরি ক্রা মূব लनावइंड जूर्लन भुरमार्रेखः । ইত্থমেব বারত্রয় । তত শচক্সাল্যা মনজক ক্তোত্তরাগু পবিত্র নিঃ-ক্ষিপ্য তত্ৰ পুকালিত তণ্ডলান্ নি-शाय जुमुन वि मुखा मद्या यथा भायम চৰু ভ্ৰতি তথা স্তোক সেদ कः रदा जन्मारा थिरत भनामापुः षदाना मन्यज्ञम्य शाहन भुमानः উভ যথা সাৰ্দ্ধাঙ্গুধ্ব পুনাণ চতুষোণ পুষ্কল মেক্ষণ দক্ষিণাবর্ত্তেন ভাম-यिदा उथा भरहर यथा अन्दरताताना সন্যক্ পাকে৷ ভবতি মণ্ডগালন भारू न खर्जि। सम्राक् भारक ভূতে চৰু মধ্যে ঘৃত সুৰু দত্বা পুা गापि मिक् विद्शिष्ठः क् इ। वद मव

তার্য্য অশ্নে কত্তরত: সংশাপরি ছা-शिवा भून मं(४) श्रु मुत मन्। ६ १ ততো ভূমি জপাদি সুর সংস্কার প-र्याष्ठ॰ कर्म क्षा व्याः भिन्मितः छ-রণ কশোপরি প্রনাল্ড পশ্চাচ্ক নিধায উদকাঞ্জলিদেক ক্ত্বা বিক-পাক্ষ জপান্তা জশভিকা সনাপ-(य्।। #।। यब् (विनास जाक) आका जान। মাজ্য নির্বপণানন্তর সূর্প পুরতো দিক্ষিণভাগে সংস্থাপ্য ত্রোদ্থল বিন্যুস্য বীহ্যাদ্যন্যতম তত্র নিধায उँ मूर्य) यदा ख्रे॰ मृङ्गिम ইতে । का মুষ্টি গৃহীত্ব। ওঁস্র্য্যাযত্বা জুষ্ট নি-र्द्यभागी कि उम्थाल इ। भागिया अंमू-यं। यदा ज्रे (भाकानी जिल्लाक-ণী জলেন প্রোক্ষয়েত। এবং সোমা-যত্বা ইত্যাদি। তত ওঁ অগ্নয়ে শ্বিষ্টি ক্তেত্বা ইত্যাদিনা গুছণ নিৰ্ৱপণ (भाक्षभानि क्षा वि खुकी वर्षा । **७७: श्**र्वयः **णु**श्रानः। शक् छादा जुनम्बा गृशीच्। हक्माया मिना-वर्खन जामगिषा जगीय जित्वादी ক্ষিপে। ভত সাঘারাজ্য ভাগান্ত॰ कर्म क्रिंग्राथा। 🏶।। वा हिनास (भाक भी भाव ज्ञाभनामन्तरः श्विद्धाः हि তে उन्गं।यद्वाकष्टे निवन्भावि 📳 शारानाजा म् हि श्किला धन्यं।-

অৰু জ্ঞ্চ প্ৰোক্ষামীতি পুণীতা कालन (भाक्तायर । এवः (भामायदा इंड्रामि। उठ: बिश्वि क्मर्थ किकि দ্ধিক তৃষী তথা কৃত্বা পবিত্রাস্ত हिं उ क्दा भ्रविगी वाष्ट्र लाग क्शा-জিনে উদ্থল নিধায় তত্ৰ সূপ্স वीशान्तराज्या श्रीकाशा म्यानाय হ্বত্য সূর্পেণ বিত্যীক্তা পুয়োট্য ব্রি: পুক্ষাল্য পবিত্রণ চক্স্থাল্যাণ প্ৰক্ষিপ্য তথৈব শাপ যিত্বা উদীচ্যা• দক্ষিণভাগে ওঁসোমায স্বাহেতি श्चामभर्यासः अर्याष्ट्र। उठः भास्रि कर्मा वारा पु वहर नामानी जि নাম ক্রাওঁ পিক ভুশাশুকেশাকঃ शीनाक कठे:बा २वनः। ছागृहः मा ক্ষ সূৰোগ্নি: সপ্তাৰ্চি: শক্তিধারক:॥ इंड्रामिश्रुवागीय श्राज्य खँवव्रम ना-মাণ্নে ইহাগছ ২ ইহতি ৮২ ইত্যাবাহ্ भारापिना भूकायट ॥ ॥ भा भो छिक कर्षा जु वननामाप्तिः। गुरुहास অণ্নীনাহ গোভিল:। আদিত্যে ক-পিলে। নাম পিক্ল: সোম উচ্যতে। ध्याक्ष्र खथा ভৌমে कठे त्राप्ति वृ (ध মৃত: 11 বৃহস্পতৌ শিথী নাম শুক্রে ভবতি শুটকঃ। শনৈশ্বরে নহাতে জা রাহৌ 'চব হুতাশন:। কেতুযু ব্যোহিতো হয়িঃ স্যাদিতি বহি বি

নিৰ্ণয়:।। ততঃ স্বগ্ছোক বিধিনানেন हक्ना म्य्रामि गुर्छाः भुराउ।कारः তि प्रमार । # । वा मखाः । म्-র্য্যস্য আকৃষ্ণেনেতি নন্ত্রস্য হিরণ্য-স্পাঙ্গিরা ঋষি স্থুপ্ছন: সধিতা দেবতা আদিত্যস্য পূজা হোম ক-र्यानि विनियागः। अँगान्यम रकः-ना वर्खभारना निर्दमग्रमगृउ नर्ज्-ঞ্চ হিরণ্যযেন সবিতা রথেনাদেবো याजि ज्वनानि भागान् साह।। इप-সূর্য্যায ইতি দেবতোদেশ: সামগে-**उदाः कार्युः॥ ১॥ माममा इमन्स** বেতি মন্ত্রস্য ব্রুণ ঋষি রগ্নি দেবতা (नामना भूजा (हाम कर्यां विनि-यागः। ७ इमल्या व्यमभद्भः मृत-দ্ধ নহতে ক্ষত্রায মহতে জ্যেষা। हैम मम् ममूर्य भूध ममूर्याः भूध-गरेग। विष्ण याशा । इम॰ सामाय ॥ ২॥ মঙ্গলস্য অগ্নিম্র্জেভি মন্ত্র-मः चभाक्षित्रा अपि गायञीहत्सा **২**গ্রিদেবতা মঙ্গলস্য প্জা হোম ক-र्यान विनिर्यागः। अञ्चलि म् का मितः কঙ্গৎপতিঃ পৃথিব্যা জ্যমপাণ ব্লে-তা পি জিন্নতি স্বাহা ইদ মঙ্গলায ॥ ৩॥ বৃধন্য উদ্বুধ্যম্বেতি মন্ত্রন্য ात्मि अधि उद्देश्हानता श्रीतिन व्डा ्नार भूका (शमः कर्यांन विनि-

(यागः। ७ उष्का सारा भुष्ठिकाम् हि ज भिष्ठ। भूर्खं मः मृरत्वया समक यमिन् मध्य यथुउन्नत्रिम् विश्व দেবা যজমানশ্চ সীদত স্বাহা। ইদ• বুৰ্বায় ॥ ৪ ॥ বৃহস্পতে: বৃহস্পতে ण जी जि अञ्चमा गृरमाम अवि सु-क्षेत्रामा वुका (पवना जीवमानू-का रहाम कर्मान विनिर्यागः। ज ভাতি কতু मक्कातम् । रमीनग**्म**ः রস অত পুজাত তদমাসু দুবিণ থেহি চিত্র• স্বাহা।। ইদ• বৃহস্প তযে ।। ৫।। শুক্রন্য অয়াৎ পরিশুত ইতি নত্ত্ৰন্য পুলাপতি খবি রতিজগভী-हत्मा ११ त्र त्रवि जी मुन्ति । भूकः न। পূজা হোন कर्यांग विनियागः। ওঁ সন্নাৎ পরিশুতো রসণ বুন্ধণা ব্য পিবৎ ক্ষত্ৰ পথ: সোমণ পুজাপ-তিঃ। শতেন সত্য মিন্দ্রিয়ণ বিপা न गुक्रमक्षम हेन्स्रान्त्र्य निष् शार्या २मृडः मधु श्वारा।। इनः मुका-य ॥ ७॥ मरिनम्बत्रम् मामाप्तवी छि मखना प्रधायार्थन अवि नायजी-ष्ट्र वार्षारहत्वा गतिकत्रमा भू-का रहाम कर्यांग विनित्यायः । उ भारतास्त्री त श्रेष्ट्राय जाला जवस भी ः ए मार्या इ ि मुद्द नः श्रान्।

इन भरेन महत्राय ॥ १॥ त्रां हाः हाः खाट का खामिछ मसमा अपि स्वि र्गायजीहान्ता मृत्विष्ठकात्मवजाज्ञादशः পূজা হোম কর্মণি বিনিযোগ: 1 ওঁ কাণ্ডাৎ কাণ্ডাৎ প্রোচ্ম্বী পা-क्यः शक्यः शत्रि वयाना म्र्विभुछन् সহসেণ শতেন চ স্বাহা। ইদ॰ রাহ্-বে॥৮॥ কেত্না কেত্ ক্রামিতি नजना गयुह्न अघि त्रनिक्तायजी-हत्मा श्री (पंत्रजा (करजा: भृजा (हान कर्यान विनियागः। ७ (कडु॰ ক্রম কেতবে পেবে। নর্য্যা অপেষ্সে । नमूषि द्रा यथा बाहा ॥ इम॰ কেতৃভ্য:।। ১।। তভো মধু ঘৃতাক্তা• ष्ठाकाः कीवाकाः वा भारतम भु-नागा॰ नागु। मर्क निम नामाय खँ व्याक्त्कन इंड्यां मि माखन मूर्यप्राया-ষ্টোভরশত অষ্টাবিংশতি মষ্টো বা व्यम्बरा। मङ्रा गुरुमराजिभीषा-করত্বাদ্বা অষ্টোক্তর সহসু জুল্যাৎ ॥ अ। निम्य मारु या छ्व व हु : । व्यर्कः भवामः थनित युभामार्गा २० भि-श्रमः। উত्यतः मनी मूर्वा समान्ध मनिषः कगार ॥ (हामा नुहानि প্রাযা॰ শতনষ্ঠোত্তর॰ ভবেৎ। অ-ষ্টাবি শতি রষ্টো বা যথা শক্তি বি-ধীয়তে॥ অতিগীডাকরো যুদ্ধ তম্ভ

थस्त् भूषायः। उत्ता स्थानस्त छेरीहाः क्या सर्गार । उठा खरा हनाहीन् श्रिद्धि (जावस्य । जड দুব্যালাভে ভোজ্যান্তরাণি বা দ-म्राट् । (जाजनामायर्थ) जनपूर्य।-णि **भागिना भु** जिगु। इत्यर । उत्जा मर्मार्भुद्रात्वारिक मं रेख मंक्षिना॰ मन्त्रार । (थनूः भई ख्यानदान् (सम वारमा इय खबा। कृष्ण (भी द्रायम॰ ছाग व जा रेव मिक्काः क्रमार ॥ छ-क किलल नर्दरिवानाः भूजनीयानि রোহিণী। তীর্থ দেবস্থী ययाम् उः শান্তি পুষহ নে ॥ ইতি পঠিয়া ওঁ वाराजामि क्रेजिड मृग्रुष् यक कर्याः भुजिष्ठार्थः निक्षाः क्लिनाः ধেনৃ ক্ৰুদেবতাকা অনু কগোত্ৰায়া-নুক দেবশ মণে ব্ৰাহ্মণায় ক্ষত্তিকে ত ভा भरु॰ मञ्जूराम। अन्। श्रीश्री **मारीजित्**याद । किमला जात्व (गा-মাত্রা• বা। তদভাবে কাঞ্চন•। তদ-ভাবে রজভানিক বাদদ্যাৎ। কাঞ্চ नारिक्छ भङ्गापि एकिनाভाव १७ मम्राट्या ।।। व्यः भूगु खुः महा भू-ग्रानाः यक्षानाक सक्षा। विक्रुना বিধ্তো নিত্যন্ত: শান্তি প্ৰছমে॥ ইতায়াৰ্য পুৰোক্ত কমেণ সোন গুহ या अव भाषा परा। या या या या

वृषक्रभग जगमानम् कात्रकः। छाङ्ठ म् (र्व दिक्षान ग उः भाष्ठिः भुगह (म ।। इंज्रुहार्या भक्तगाळ व्यः पन्। ८ ॥ ৩॥ ওঁ হিরণ্য গর্ভ্ত গন্ত স্তু ছেম-क्र विভावसाः। यन् भूगा कं-वार मांडि॰ भुषह (म।। हेजूऽ-हार्य) तृथ यरब्ढ काक्षन मन्त्रार ॥॥॥ अंभी उदअ यूगः ययाचा मूरह दम। বলভে । বরপুদানাভদিকো রভঃ **मान्डिः भुगह भा। इज्रहार्ग्य ७**क्य-**জ্ঞে পীত**বস্ত্ৰ যুগ• দদ্যাৎ তদভাবে **९न्।वर्गवारमा** य्गम् शिम्हाराखाः विक् खु मश्रकालन गमाहर्नन मञ्जदः । हन्द्रार्क वारुन खु॰ रे४ व्य ५: भाष्ठि॰ भुगह्म ॥ इज्रहार्यः मुक्रगाङ जाय॰ मन्त्रा ॥ ७॥ ७ यमा दुः भृथिवी नर्वा (थनुः (कनव मसुवा। मर्वेशाश হর। নিত্য মতঃ শান্তি পুষ্চ মে॥ इज्रुहार्यः गरिनम्ब रास्त्र क्षा॰ (धन्॰ अन्यवर्गा॰ वा मम्याद ।। १ ।। ख यमानायुष कर्मानि जनधीनानि गर्ब-मा। वाञ्चाम्रायुदाभीनि ७७: मा-**डि॰ পुरह भा॥ इन्।हार्य्। बान्स्ट** लोरु मन्त्राट ॥ ৮॥ खँ यमा छ সর্ব ভূতানা মঙ্গলায ব্যবস্থিত:। যান বিভাবসো নিজ্য নতঃ শান্তি **अ**स्द्रम् ॥ हेन्यु हार्ये। किन्यु राज्य हा ग॰

महार ॥ ३॥ मिक्न बन भा छि

वस्य कार्यान मः भिन्न भा छि। वस्त व्याद । उठः क् ठा छ निः। उँ गह्य भा छ। मार्च गृशी दाई। स्रमानयः । मस्त्री वस ममारकः मर्ड्यानीः मू भू किछाः॥ इठि विक्य स्माल दिन भी विद्या गृशान विमर्ज स्वर्या प्रका मिक्न विमर्ज विमर्ण विमर्ज विमर्ण विमर्ज विमर्ण विमर्ज विमर्ण विमर्ण विमर्ज विमर्ण व

যাচ ট্ডু ঋ ঞ যাচনে। ইতি কবি-কল্পজন: ।। যাচন মাত্মনে দানার্থণ প্রেরণা। টু যাচথুঃ । ডু যাচিত্রিনা । ঋ অয়্যাচেত ৷ ঞ যাচতি যাচতে নৃপা বিপুঃ । গুহুণার্থণ পুর্বণেপি যাচতি বিত্তা গুরুবে শিষ্যঃ । ইতি দুর্গাদাসঃ ।।

याहकः जि याद्वाकर्खा। उৎপर्या यः। वनीयकः २ याहनकः ७ मार्गनः ८ अथी ८। इज्यादः ॥ वनीशकः ७ जिक्कृकः १ जिक्काकदः ৮। इजि अद्यद्वावनी ॥ जम्य नघदः यथा। ज्नामिश नघू ख्न ख्नामिश ह याहकः। वायूना कि॰ न नी जा श्रमो किश्विट श्रार्थन मह्मया।। इजि श्रा-होनाः।। अशिह। अञ्चम्य की है घा जित्र वाजासिका तिल्म है । नि चारत वम् उत्तर अत्र अत्र न या विकः ॥ कार्श्विक कि याहिदा विकृ वीमनजाः गजः । कारना रिक्कित उत्तर याथीं याजि न नाववः॥ ইजि गाक्ष जिल्लासः ३०६ व्यथायः॥ याहन् वि याहकः। यथा। मूथजङ्ग

চন্তি বাচকঃ। যথা। মুথভক্ষ স্বরো দীনো গাত্রশ্বেদো মহন্ড্য মরণে যানি চিহ্লানি তানি চিহ্লা নি যাচতঃ॥ ইতি গাক্ডে নীতিসা রে ১১৫ অধ্যায়ঃ॥

याहनः क्री याहु।। याह शास्त्रार्थः व्यनहे शुक्तार्यन निम्नमः ॥
याहनकः जि याहकः। इक्तानः॥
याहना जी याहुः। इक्तानः॥
याहनाः जि याहकः। यथः। नदी

न मीन जावना याहमानना मानिनः
। वहा जीविज्या द्वामी शुद्धानिः मद्रण द्वाः ॥ इति वद्धकृष्टिः ॥
व्यान विद्या व्याहि मानि मानि छ।
यज्ञमानः भ्यह्जि। म याजि हाकः
यान व्याकान (यर्जा नावज्ज भूनः ॥ यश्चि वर्ष महमानाः महः
मानि वरमिन्दि ॥ यानुमजा भ
जविजिद्धय भुजिरम्भाः ॥ इति
विद्या भुजिरम्भाः ॥ इति

45 11

· ल्ला राहनवृज्धिः। उर्भर्गा-यः 🕝 😤 १। यथा। (ह या विजायाः চিত্রো র্বা সংখ্য মৃতামূতে। इंड्रनद्रः॥ (घ । याहन वृक्ति मंद्रण निव मृःथजनकद्वार मृजः। व्यगिति ত অম্তমিব অম্ত । যাচিত। যাচিত্রো ভাবে কর্মণি বা ক্তঃ। 🛚 ইতি ভরত:॥ পু। র্থ তবস্তনি তি॥ 🏿 याहि उक॰ क्ली याद्वा भू। १३ छ। मदः ॥ याष्ट्रया । भुज्जर्भगीयत्वन याष्ट्रगा र८ शुर्छ भवाक्षातामि वस्र ७८ यावि उकः। कार्यानस्तरः वस स्राभी य**् भू**नगृङ्गाञि छहिउ।र्थः যাচিতেন পাুপ্ত নিতি ঢবে হাদিতি ক:।ইতি ভরত:॥ याद्धा खी याहनः। ख शर्यागः। অভিশক্তি; ২ যাচনা ৩ অর্থনা ৪ ভিক্ষা ৫ অর্থনা ৬। ইত্যমরঃ ॥ नानमा १। इंडि बहे (५द्र: ॥ याजः भू व्यवः। इति (रूमहन्द्रः॥ याजकः भू॰ याञ्चिकः॥ त्राद्धागजः । ইতি मिरिनी ॥ मखरुखी । ইতি किंगिवदः ॥ अदिक्। यथा। अग्नी

धारा। धीन दी या। अ जिल्ला या जका-

क छ। इंडानद्रः॥ युक्रमात्नन श्रेन-

बाग्राः धनानि एव। इक्षेत्रन्यापनाय

বিষয়ে পার্থ্যন্তে যে অগ্নীপ্র পুভ্তম-ত্তে ঋত্বিজো যাজকাশ্চ কথ্যভে। व्याप्तिः इक्षयन्ति मीभयन्ति व्याप्ति द्वाः ইন্ধী ঞি ধ ড দু,তৌ ঞি: নান্নীতি-, র: মনীবাদিত্তা**ে ন লোপ:।** স্মা: দিনা বুক্ষোদ্ধাত্ হোত্র ২ধুযুর্ ব্রাহ্ম-ণাছ সি পুভৃত্য: যোডশ গৃহান্ত। বাৰ্য্যা ইতি হস্য্বাসো ব্লিতি ঘ্যণ্ मृ ज् ज्रवजारो वृक है जि कानू-वक्ष निर्फ्रिंगां व्यन्धृत्थां नंकाः প্ था छ। यज छि वा जि बः कि भ्। य-জন্তি যাজকা: ণক:। ইতি ভরত: ॥ # ॥ वर्षाक्रक ग्रामयाक्रकरया र्निन्ता यथा। अवाक्षणाञ्च यह (भा-ক্তা ক্ষষিভি স্তত্ত্ব দশিভি:। আদেয়া রাজভূত স্তেষা দ্বিভীয় ক্রয় বি-क्यी।। ज्जीया वल्याकाः नाह-जुर्था गुानयाक्रकः । शक्षमञ्ज ভৃত (उया॰ गुाममा नगद्रमा ह।। जना-**मि**ज्याक यः भूदी मामिज्यारेक्षित পশ্চিমাণ নোপাসীত দ্বিজঃ স-ন্ধ্যা॰ স বঙো হ্বাহ্মণঃ সৃতঃ ॥ ইত্যাহ্নিতত্ত্ব ॥ অপিচ। শুদু मर्खापिक याजी गुप्रयाजी उ की-র্ত্তিঃ। শূদুপাকোপজীবী यः সূপ-কার; পুকীর্ভিতঃ।। সন্ধ্যাপূজা বি-হীনশ্চ পুমত্তঃ পত্তিতঃ মৃতঃ।

যান্তিক

এতে মহাপাতকিনঃ সম্ভীপাক। পুযান্তি তে॥ ইতি বুদ্ধবৈৰর্ভে পু কৃতিথণ্ডে ২৭ অধ্যায়ঃ ॥

कृष्डिथए ३१ व्यथ्रायः ॥

याजनः क्ली यागकियाकात्रणा। याग

कत्रान हेि ज्या । उत् त्राक्षणम् ।

यहेकचा छर्ग कर्चा विष्ययः। यथा।

व्यथ्राभन मध्यमः यजनः याजनछः

था। मानः भुष्डिगृहरेक्त त्राक्षणाः

नः मकल्लयः ॥ हेि मानतः >

व्यथ्रायः॥

याजिः शृ यद्धः। इठि मः कि छमा-त्रागि दिवृद्धिः। यागकर्त्ता । इठ्र गोमित्वायः॥

यां जूष जि यं जूर्वित मदिन। ইতি যাত জী नियारिना পানকর্ম। ইতি সিদ্ধান্তকৌ মুদী ।। (হ্নত্নু: ।। প্তকান্তরে যত নিতি

যাজ্ঞ ক্যঃ পু॰ ধর্মশাস্তপুযোজক মুনিবিশেষ:। তৎপর্য্যায:। বুক্ষ রাক্রি: ২ যোগেশ: ৩। ইতি হেন চন্দু:॥ যোগীশ্বর: ৪। ইতি মি-ভাক্ষরা॥

याञ्चरमनी खी यञ्चरमनमाञ्चरण छाः। मा ह पुरोशनी। इंडि ह्म हनुः॥

याञ्चिकः भू॰ पर्जटनः॥याजकः॥ यञ्चकः। ইতি भपतक्षवनी ॥ त्रकथिपदः॥भनाभः॥ स्रयथः। ইতি রাজনির্ঘটিः॥ যাত্ৰা

याञ्जिकाः क्री यञ्जः। इंडि। क्रीमूमी ॥

যাজ্য লী ৰাগলন্ধনাদি। ইতি সিদ্ধান্তকৌমুদী। বজনীয়ে তি ।। যাজ্যা স্ত্ৰী যাগনজ্ঞ:।ইতিমুক্ষবোধ-ব্যাকরণ ।।

यार वर आध्राउभुउर्यित्मयः।

मह विश्विष्ठाणीर्लिष्ट भहेत्रास्त्रः
भूषमभूकरेयकवहनः। जह िस्ताः

पुर्थक आणीर्वापार्थकणः। इन्डि

यर्शकत्राः। मूख्यायम्बद्धः विद्याः

पुर्थ्वमर्थी मः इत्राः। मार्जीदाः।

हो मः इत्राः।

छि॰ क्ली नियारिना॰ शास्त्रक्य । इंडि एक् मङ्ग्रुः ॥ शृष्ठकाष्ट्रत्व यञ्ज निडि शाद्रेः । यथा । অश्रष्ठे बुद्धू मञ्जाशुः याज मङ्ग्मवात्त । नियारिना॰ शास्त्रक्षयं यञ्ची अस्त असूयः ॥

যাত: ত্রি গতঃ। যাধাতো: ক্ত পু ত্যযেন নিম্ননঃ॥

যাতনা স্ত্রী গাচবেদনা। তৎপর্তায়ঃ
। কারণা ২ তীবুনেদনা ৩। ইভ্যমরঃ
।! অতিব্যথা ৪। ইতি শব্দরত্বাবলী।। নরকফ্রা। ইতি কেচিদিতি
ভরতঃ।।

যাত্যান বি জীর্ণ।। পরিভুক । ইত্যারঃ।। উদ্ধিত । ইতিনেদিনী

ক্ষাত্ৰী পতিভাত্পদ্নী। যা ইতি যাত্ৰা দ্ৰী বিজিগীবো:পুযাণ। তৎ-क्रिया। ইত্যমরঃ॥ গমনকর্ত্তরি ত্রি याजायाज क्री गमनागमन । यथा। न्ध जागारमन्त मन्तत गिति गु।-वागु क अ्यना चिमुालाः कन ठाक्छ र्जगवज्ञः यामानिनाः भाष्ठ वः। यटमान्दात कनान्दर्जनवनात्वः লানিভেনাম্ভুসা বাতাবাত মত न्मि उ॰ जनित्य नीम्। नि विभा-माि ॥ इंडि श्री नागवाङ १२ ऋषि २० वर्षायः ॥ याजिकः भू॰ भाष्ट्र। ३७ भपत्रः। वनी ॥ याञ् त्री त्राक्तनः। ইত্যमतः॥ याजुः भ् कानः॥ यद्गः। इंडि সিক্ষান্তকৌমুদ্যামণাদিবৃত্তিঃ॥ বা युः। ইতি मः किश्वभाद्माणानिवृद्धिः याजुः वि गन्ना। ইত্গোদিকোষः॥ ক্রিয়াপন চেৎ গছতু॥ याउद्भः भू ख्युन्:। ইতি রাজ-निर्घण्टेः ॥ वाज्यानः भ् ताकमः। इंडामतः॥ या 🤊 हैं। भुः भाष्ट्रः। इंडि मप्तवः वनी॥

या गुः वि य छि उत्र १। य छनीयः।

निश्चम• ॥

गजवारजाः कर्याने द्यन् भुजारवन

भर्यतायः। वृज्ञता २ चानिर्वागः ३ नुष्टान । ८ गमन । १ गमः ७। इंडा-নর: ॥ পুঞ্জিতি: ৭ যান ৮ প্রাণন ১। ইতি শহরত্বাবলী ॥ যাপন ॥ উৎসব:। ইতি নেদিনী।। উপাयः । ইতি বিশ্ব:।। 🗱 ।। অথ যাত্রাদি-ন । ভাদ পৌব চৈত্রে হর মাসেষ্ मूत्रयाजा कर्डवा।। भूत्रमा किमि রবি শুক্র বারস্য পুশেস্ত্যণাদক্ষিণ-म्। गञ्चल वात्रमः श्रामखाः। भ-শ্চিমাযা পোন শনিবারস্য প্রাশ-**ন্ত্য । উত্তরস্যা• বৃহস্পতি বারস্য** भागखाः॥ भूर्वमाः मिण माम भानि वाद्य नगस्रवाः। मिक्किननाः বৃহস্পতি বারে কেষাঞ্চিন্মতে বুধ वात ह नगडवार । शन्हिमायाः রবি শুক্র বারে। এবং উত্তরস্যাণ वुध मञ्चल वाद्र मगन्नवाः॥ विजी या ज्ञीया भक्षती मधनी मभनी वकारणी व्यापणी ह वडा या-বাগা• পুশস্তাঃ।। অবোত্তন নক্ষ-वाणि। अधिनी अनुताक्षा (त्रवजी मृगणिता म्ला भूनईनुः भूषता হতা জ্যেষ্ঠা।। মধ্যৰ নক্ষত্ৰাণি। রোহিণী প্রাত্রয় চিত্রা স্বাতী . अ उ जिया भूदना धनिष्ठा ॥ अध्य

দক্ষরাণি।উত্তরাত্রব বিশাখা মধা আদুর্ভিরণী কৃত্তিকা অশ্লেষা।। তত্র নফত্রশূল কথন । স্বাত্যা জ্যেষ্ঠা याक भूर्विनिःग्रमन निविक्त । अवः **न्दं जानुनाम जायिवज्ञाक मक्किन मि** গ্নন- পুষ্যে রোহিণ্যাঞ্চ পশ্চিন-**मिश्रमन• উ**डब्रक्ज़ुन्गा• इस्रागक উত্তরদিগ্নমন নিষিদ্ধ।। তত্রানুক্ত করণানি। গর বণিজ বিষ্টিঃ। গর নিপি কৈশ্চিছ্নত নন্যতে ॥ অত্র উ खग वाःशानि । नि॰ ह वृष अस कन्ता মিখ্নানি ॥ তত্র যোগিনী নির্ণয:। शुजिलार नवन्याक शुक्राः वानि नी । ত্তीयाया॰ এकामणाक्षात्र-(कारा। शक्षम्याः वर्याम्नागकः म-किता दादम्या ठजुर्थाक तेन्वं उ-काला यक्ष्या॰ ठजूर्मनाम्य शन्हिस । मश्रमाः भूगियायाकः वायुकारमः। षि **ीयायाः मन्मगाक्ष উ**खद्रमिना व्यक्षेन्याम्यावाम्याक्षक्षेत्रभानत्कारम l তা॰ দকিণে সমূথে চ কৃত্বা ন গন্ত· वाः। भाभवाग वाङ्ग्यमं माजन-थापिय्याञा न कलवे ।। दात्र दिला काजरवना ऋजिकरवना वृश्चि छमारिय D याजा न कर्डव्या॥ चित्रागननिष्न• नयवस्मात्म मुष्ठेवऽ ।। 🕸 ।। 🗠 वाय (गा ব্যক্রা পুবেশ বিক্রবাঃ। তত্র তিথ্যঃ

। यमावम्याद्वेभी ठजूर्ननी विश्वि माः। उत्र नक्तवानि। ताहिनी सूह क्लूनी भ्रवाषा । भर्त जामभर डेख त्रकत्नुनी উखतायाण উपत्रकात्रम् শুবণা ভরণী চিত্রা এতদ্ব্যতিনি 🙄 নি । যোগাঃ । ব্যতীপাত ভিন্না: । বা-রা:। ক্র ভিনা:।। 🗱 ॥ অথ নৌ-কাযাত্র। তত্র বিহিত নক্ষত্রাণি। णियेनी रुखा भूष्य गृग**णितः भू**र्व-कञ्जनी भूबीषात। भूब जापुभननूता-ধা ধনিষ্ঠা শুরণাঃ। বারাঃ শুভ গু-হাণা । তৰ লগ্ন শোভন । তৰ শোভনকন্দু:। তারা চ শোভনা বিহিতা। ইতি জ্যোতিস্তত্ত্বণ ॥ 🗱 ॥ व्यथ याजायाः भू जनकम्बर्म नामि यथा। (धन वं र म भुगूका त्य गज जुत्रमा मिक्किगावर्ज्यक्रि पिंवा-ন্ত্ৰী পূৰ্ণসম্ভা দ্বিজ নৃপ গণিকাঃ পুত্ৰ-माला পভाका। मान्यामा मः घृठः वाम्बि नथु ब्रज्ञ उ॰ काक्षन॰ मुक्तवानऽ॰ দৃষ্টা শুদা পঠিবা ফলনিহ লভতে गानता गन्न कामः ॥ इन्जि जगयश्र-দীপঃ ॥ ঋ ॥ তত্রাশুভন্তনক দশন• যথা। সভ্থে রক্তক পশ্চাৎ ক্রি-भ यनि श्रमाञि । न गन्नवाः छहा जमाद रेजन वानाजाणा श्मृ उः॥ অনো লুঠতি গৌঃ কানী কৃতি বা

क्का नवः। भणान् याता नक्खंवा ্লীব প্ৰাগতি বাগুত:॥ ইতি জ্যো-ভিন্নকরঃ॥ৠ। যাত্রাকালে বিশেষ দুৰ্শন ক্ষাং থথা। নৃগাছি কপি মাং জ্জার স্থানঃ শ্কর পক্ষিণঃ। নঙ্গলো म्बिकरेण्डव याजायाः प्रकारा मुजाः । विश्वकन्ता भावा कृत् भाइ (छत्री वमूकताः। जनुरकाद्वे थत्राम्। क ত্রায়া॰ বামকে শুভাঃ।। বেণু স্ত্রী পূর্ণ ष्युानाः याजायाः मन्ननः मुजः। कार्भारमोषध टिनक्ष श्रहास्वात जुः **জञ्**याः॥ युक्तकामा ब्रक्कगानाः नः शाराम् छ नक्र १ ।। अ।। गाजाकाल ছিক्कायाः कवा यथा। ছिक्काया वा ক্ষণ বক্ষ্যে লভেৎ পূর্বে মহাফল । আণ্নেযে শোক সন্তাপৌ দক্ষিণে रानि मानुयाए ॥ तियाँ छ। भाक मद्याली मिष्ठानरेक्ष्य लिक्ति। यन প্রাপ্নোতি বাষব্যে উত্তরে কলহো ভবে ৷৷ ঈশানে মরণ পুোক্তণ (পु।क॰ ছिङ्का फनाकन॰॥। 🛊॥ व्यथ याजायाः मिश्विरणाय विरागय नकाः बागि। कृडिकारि जु भूर्खिन मध अकाशिरेव बुर्छ । नघारने निक्रा गहिष्म् वादापि शिक्ति। भुगछ। চোভার যাত্র। ধ্রিপ্রাদিযু সপ্তসু। पाचनी विवर्ग विवा विविधाः मरन-

क् डाः ॥ मृगायि विवा भूष्राण म्ल श्खो मूर्जि महा ॥ श्रा वाजाही व-गामियु गुरुङ्खि कन यथा। कन्। भुरात याजायाः भुजिश्वारियु कर्णम्। भूक हत्नु ह बबाइ भू उत्ते ह बि-তীযগৌ ৷৷ শশি জ্ঞ শুক্ৰ জীবাস্চ রাশৌ চাথ তৃতীযকে। ভৌম মন্দ শশাস্কার্কা বুখঃ শুেষ্ঠ শচতুর্থকে।। मुक्क की (वे) भक्षा ह (मुर्फ्ट) मिक्क कराइएके। मन्तार्कन्तृ अज्ञाः यक्ष **७**क हत्नु ह मश्रम्। मुक जावश्रम् (मुक्षी नवमस्त्रा छकः मुजः। जर्का-किं हन्द्रा मणास अकामरेण शिथना গুহা: ।। বুধো ২থ দ্বাদশে চৈব ভা-र्गवः मूथामा ভবেए। ইতি गारूए ७०। ७३ व्यव्हायः ॥ 🗱 ॥ व्यथ् द्राज याजा। ইদানী সর্বধর্মাক্ত ধর্মশাস্ত विभावत । याजाकान विधान भा कथयस मशीकि जाः ॥ यमा मत्ना ठ নৃপতি রাক্রনেরে বলীয়সা। পার্ফি-গাহাভিভ্তো ২রি স্তদা যাত্রা• পু. याजय ।। याभायवा भुज्जा म পুভ্তঞ্বল ग। মূল রক্ষা সমর্থো-बि उना याजाः भूत्याक्षत्य ॥ जम्-জপাৰ্ফিন্পতিন তুযাত্ৰা প্যোজ-(यट। नारिक्याका विक रेमना मूल निःकिश्य वा बुरहर ॥ रेठब वा मा-

र्शनीर्यः वा याजाः यायामदाश्विभः । रिन्जी नमाजि रेनमाच रुखि शृश्चिक भावनी ॥ এতদেব বিপর্যন্ত মার্গ भीर्यः नद्राधिभः। भावा द्यां वाजान थागाट कालः न जू नुमूर्वा छः ॥ पि-वा अबीक कि जिंड क्र भारे जः भी-**ডিङ পর•। সদৃক্ষ পীড়া স•ত**প্ত• भी फिउक ख्या गुरेहः ॥ ज्वाडी व তথৈবোল্ব। দিশ যস্য প্রসদ্যতে। ভূকস্পোল্পা দিশ• যান্তি যাঞ্চ কেকুঃ পুস্বতে।। নির্বাভন্ট পতেদ্যে ত॰ यायावम्याविभः। भवल वाभानाः পেত তথা দুর্ভিক পীড়িত ॥ সয়ু-ভান্তরকোপঞ্জ ক্ষিপু• যাযাদরি• नृशः। गूक भाक्षीक वङ्ब॰ वङ्शहः **७था** विन• ॥ नास्तिक• ভिन्ननर्यप्राम• তথা মঞ্চল বাদিন । অপেত পুকৃ তিঞ্চৈব নিরাশঞ্জ তথা জযেৎ ॥ বিদ্বিপ্ত নায়কা সেনা তথা ভিন্না পরস্পর•। ব্যসনাসক্ত নৃপতি• বল• व्राज्ञा जित्या कर्य ।। रेनिनकानाम मञ्जानि स्वतन्त्रभानि यञ् हः मुःष প্রান্যপি পশ্যন্তি বলন্তদভিযোজ-(एट II उँ८ नारु वल मन्नान कानूत-ক্ত বল ভথা। তৃষ্ট পৃষ্ট বলে। রাজা পরানভিন্থো বুজেৎ ৷৷ শরীর मुद्राप क्षा पुश्वक्ष नामान।

निमिखं मक्षिण धना कार्क मक् भूतः वुद्धः ॥ अरमः यू वहेन आकृ श्रहसम्बर्धा व । भून माल भूष्ठ-काउ भन्नान् यायामनाविभः ॥ এবস্ত দৈব সম্পন্ন ত্তথা পৌৰুষ স•-युज्ः। हिण कालाभभमा उपाताः यायामदाधिभः ॥ উल्कन्र निनि খৃাষ্ক্রঃ সচ তস্য দিবা বশে। এব (দ-मक्ष कालक छान्। याजाः भूरयाज-(यट् !! भराजि नाग वद्याः (भनाः हिव द्वथ वाजि जगास्त्रना॰ ॥ श्रद्धा-ष्ट्रे तल्ला॰ (भना॰ उथा गुीत्म नद्गा-থিপ:। চত্যক্ বলোপেতা বসন্তে वा শরদ্যথ । নেনা পদাতি বহুলা यम्। স্থিবিপতেঃ। অভি-যোজ্যো ভবেত্তেন শতু বিষয় মা-नि्ठः॥ गत्म। वृक्षावृत्त्र (मत्म श्चि-ত শরু তথৈব চ। কিঞ্চিৎ পঙ্কে তथा यायावल् नारमा नदाविमः ॥ त्रथाय वहता याया मज् मन् থাশ্বিত। তথাশুগ্রো বহুলা স্তথা ब्राज्ञाजिभृक्रस्य ॥ थरब्राष्ट्रे बङ्खी রাজা শত্রু वञ्जन সংস্থিত । वञ्जन-ए। शि माजा श्री उत्त प्रावृषि ভূভুজা ৷৷ হিনপাত শ্তে দেশে ছি-७ श्रीत्या जित्रा इत्र । नत्र हमत्त्री

वर्मक काली नाशांत्रणी मृत्जी॥ विक्रीय दाजा विकार नकाली रेपव॰ **बिकानक उरेथव वृक्षा । शावार** পর• কাল বিদা• মতেন সঞ্চিত্ত্য नार्कः विक मञ्ज विक्तिः॥ इंजिमा-८(म) २/८ व्यथ्रायः ॥ 🕸 ॥ याजाः काल माक्ना प्राणि वथा। (भो ৰ্ৰাপৰ্য্য॰ স্বৰ্ত্তান্ত॰ তানুক্লা চ শ্ভ-करा। ठिः त्रव मार्कः वनवान् वज्व-मम्याम्यः॥ एएणं मक्त तामः भाभाव अगम्हकः। वृव्यसमामा मर्बः विजा रेवित्र मः क्य ।। याजाकात्न চ পুরতঃ শৃশুবে সহসাম্নি:। হরি मदः महारयः यदी मृन्द् जि वास्तः॥ व्याकामवानीः मङ्गीजाः जय (उ छः বিতেতি চ। নরোক্ত॰ তঞ্চ কল্যাণ॰ (मधनमः जगावरः ॥ हकात्र याजाः जगवान् मु.(बुरङ)विश्विषः मूजः। हर-র্শ পুরতে। বিপু বনির দৈবজ্ঞ ভিক্ষ্ कान्॥ जुल ९ भूमी भः विजुडी । भिज পূপ্রবভী॰ সভী॰। পুরো দদর্শস্মের। म्याः नाना ভ्षम ভ्षिजाः॥ निवः निवा॰ भृतंब्रञ्ज॰ চामक नव्यवस्था। शहन परमा द्वारमामा याजा मक्ल म्हक ।। क्षमात गंब मिन्ह **ज्रग॰ ग ७क॰ मिश्र॰। हमत्री॰ ताज** र नक ठकवाक मूक निका। मर्

त्र थञ्जनरेकव मङ्गिष्ट करकात्रकः। পারাবভ বলাকাঞ্চ কারও চাত-कः ठउँ ।। (जोनाभिनीः भक्तांशः न्र्याः न्यान् । म् जाः। नामाः भः अजीवक मर्भाः भारः भूवर्गकः॥ गानिकाः त्रबठः गूकाः मनीन्त्रक भुवानकः। पि नासः मूक्षानाः मूक् भूम्रक अस्मा।। म्यह्यः भठाकाक मर्भागः व्यं उठामद्रः। (धनुः वट्म भू-যুক্তাঞ্চ রথস্থ ভ্মিপণ তথা।। দু-পঞ্রোচনা মাজ্য নম্ত পায়সং उथा। नानगामः भक्कनः अखिकः नक्ता भध् ॥ भाडक्तात्रक वृत्यन्तुक নেঘ পর্বত মূবক । মেঘাছলস্যচ त्राव कपय हन्म्म खन।। कस्त्री कः জ্জল তোয হরিদা তীর্থমৃত্তিকা । मिकामः मर्यभः मूर्वाः विभुवालकः वानिका॰॥ मृग॰ विनाधि जुमतः কপ্র॰ পীতবাসস। গোমূত্র॰ গো. भूतीयक (गाध्नि· (गाभराक्षिछ•॥ (गाष्ठ- गवा वर्ज प्रमाः (गाणाल-গোরতি॰ শ্ভা॰। তামু॰ স্কটিক॰ রৈ-**७)क मिन्म्द्र द्र**क्ठम्पन ॥ शक्क क्रीत्रक॰ त्रञ्ज॰ परम्म पिकारण मुख्छ। मृगिक्ष वाया ब्राधान भाग विभा-**नियः णूजः ॥ ই**ত্যেবः मञ्चलः कृत्वा शुगरयो न मूनाविजः। ইতিবৃদ্ধবৈবদৰ

नाम जिथा ७ जन्मा यः ॥ 🖷 ॥ যাত্রাকালে অনঙ্গল সূচকানি যথা। द्राजा क्रगान मगद्र क्रम्यन विम्य छ।। भार्कः रेमन्र मस्रेह्म्ह वाष्ट्र छ। रेख द्र-সংখ্যকৈঃ।। দদর্শামস্থলং রাজা পুরো বৰ্জ্মনি বৰ্জ্মনি। যদৌ তথা পি সমর॰ ন জগান গৃহ• পুনঃ।৷ মুক্তকেশী•ছিয় नात्रा॰ करडीक रिगर्त्री॰। कृष्वख পরীধানা মপরা বিধ্বা মপি।। মু थ नुष्ठा॰ या निम्ष्ठा॰ व्याथिगु काथः अ উনী•। পতি পুত্ৰ বিহীৰাঞ্চ ডাকি नी॰ शु॰म्हली महा ॥ अञ्चलातः रेजनकात्र॰ व्यास् मर्लालकीविनः। अर्एल मिश्र क्यां क् नश् काषाय বাসিন ।।বংস বিক্রযিণকৈব কন্যা-বিক্রযিণ তথা। চিত্তা দক্ষশব ভন্ম নির্বাণাসারমেব চা। সর্পক্ষত নর সর্গ গোধাঞ্চ শশক বিষা। শান্ধপাকঞ্চ পি গুঞ্চ মোদকঞ্চ তি-ला खथा।। (एनल व्यवाइक मृष् শাৰান ভোজিন ৷ শূদানপাচক न्म्याज्ञकः गुामयाज्ञकः।। कन्नभू ख'नकारिक्व भवनाश्वकात्रिनः । শ্ন্যক্ষু চৰ্বস্থা তৈল লবণ মস্তি । বাপাস কর্ম চুর্ণ হল उ॰ मक्क दिन । मिक्श ह मृशाब ् अवधः देशदः इतः। क्षभिक्यः।

ু ৰণত্ৰা क्षित्रिक हिमाकना नवा मका। क-मर्क विवाशक विवासकारिक न**ा जनक्राः** व अक्षाः महार १११ क কারিণ ॥ নিখ্যাসাক্ষিপুদাভারণ চৌরঞ্চ নর্যাতিনা। পুণ্টলী পতি नुष्यो ह भू कल्याहन खा जिन ॥ দেবতা শুক বিপাণা বস্ত বিভাপ-श्रातिनः। मखाभश्रातिनः ममूरः हिः সক স্চক খল। পিতৃ মাতৃ বির-ক্তঞ্চ দ্বিলাখণ্য বিঘাতিন ।। সত্য-মুঞ্জ কৃত্যুক্ত স্থাপাস্থারিণ জন• । নিএছহ নিত্রপ্প ক্ষত বিশ্বাস্থা-**তिन ।। ७ क**रम्य विज्ञानांक निमत्क॰ बाक् घाडकः। कीवानाः घाडकरेक्षव बाक्शीनक निर्मय ॥ वुरजाभवाम-श्रीनक तीकाशीन नश्रान्तर। शनि-তব্যাধিগাত্রঞ্চ গুৰুলম্ভ্রন নেব চা পুরুসং ছিম্মলিক্ক সুরামত্ত সুরাং তথা। ক্ষিপ্ত বমন্ত ক্ষির সহিষ গৰ্মভ তথা ৷৷ মূত্ৰ পুরীষ প্লেমা-ণ কন্থিন নৃকপালিন । ঝঞাবাত রক্তবৃত্তি বাদ্যঞ্চ নৃপ্যাতক ॥ বৃজ্ঞ শুরর গুপু শ্রেন কল্প ভ লুক । পাশঞ্ শুক্ষকা ইঞ্চ বাবস शक्त छ ।। । शश्रुनानी <u>न</u>ाक्रनथ **उज्ज मञ्जाशकी विनः। दिन्। १४** तङ शुद्धरिक्षवीयय खय भिन् ।। अदा छा॰

म् उवार्खाक विजुगानक माका॰। मूर्गक्ष वाजः मृःमदः द्राङ्गा अःभाभ वर्जानि॥ सनक स्टिनि उ शुनाः कू ভিতাশ্চ নিরন্তর । বামাক্সান্দেন দেহজাড্য রাজ্যে। বভ্বহ।। ইতি বুক্ষবৈবৰ্ত্তে গণপতিখণ্ডে ৩৫ অধ্যা-यः ।। 🗰 ।। 🗐 कृष्ण्मा नयूत्रायाजा यथा। द्राधिकायाक मूछायाः मूछाम् গোপিকাসু চ। পুষ্ন চন্দ্ৰ তল্পে চ বাযুনা সুর ভী কৃতে।। ভৃতীযপুহরে **ৎ**তীতে নিশাযাক শুভক্ষণে। শুভ-চন্দুক্ষ যোগে চামৃত্যোগ সমন্তি ৷৷ সৌম্য স্থামিযুতে লগ্নে সৌম্যগুহু বিলোকনে। পাপগৃহ সমাসক্ত দৃষ্টি मायामि विर्क्तिः ॥ यामामा वा-थ्यामान कात्र्यामान मक्नः । वक्राचामगामाम मगूष्याय इतिः चयः। वार्रः निरवध्यामान द्राधिका ভযভীতবং ।। স্ব হক্ষো বিশ্বকর্ত্তা চ পাতা ভর্তা স্বতক্রবং। পুকাল্য পাদ যুগল প্রাথীতে চ বাসসী।। উবাদ স•স্কৃতে স্থানে বিলিপ্তে চন্দ बाहिना। कन शल्लव जःयूक् जःक् **७** • इन्ह्नाहि छि: ॥ वास्य कृंदा भूर्न-ब्द्यः वहिः दिशुः स मकिता। शः ि भुष्यत् शे भी ना समन भुत्र उ खया।। न्याना अक मुसिक नुस्

धानाः निजः मुखः । खक्रखः गृशी-ত্বা চ পুৰদৌ মন্তকোপরি ॥ ঘৃত॰ मनर्भ गाधीक त्रज्ञ काक्षन निष् । हन्दन (लभन क्या भूत्रमाला॰ शत्न परमो।। अक्वर्श वाक्रनक वन्त-যামাস ভক্তিতঃ। শান্ত্রধ্বনি বেদপা-र्ठः मक्रीजः मक्ष्वाष्ट्रकः ॥ विश्रामी-बंदन बना भूनाव भवनापत । भाषा मक्त क्रथ मर्बव मक्त शुरः ॥ हिरक्श मिक्षा शारः मः न्त्रः याञ्च विशुहः। विश्वः नामि কা বামভাগ নথ্যম্যা বিভূঃ।। বি-म्बार्वायु निष्ठेकनामा मकिन बक् उः । उट्या ययो नन्दनत्न्द्र। नन्दन्य श्रा-**इन वत ।। इं जिनुकारे वर्स्ड बीकृ**क जन्या ७ १२ जन्या गः ॥ **३ ॥** ज्य যাত্রা যুক্তি:। তত সময:। যাত্রাযা• দ্বিবিধঃ কালো বৈকার: সহজ তথা । পুোক আত্যযিকে কার্য্যে বিকা-রো নাত্র নির্ণয়: ॥ সহজঃ স্বেছ্যা রাজ্ঞা• তস্য নির্ণয উচ্যতে। যাত্রাজ সি হ মধ্যা শবৈশ্চর বুধোশনসা गृहिषु । ভानो अनीत वृष वृन्ठिक গোভি দীৰ্ঘাশস্তম্ভ দেবলমতে হধু-ति क्षेत्रका **२क्टा । अधिनी (**त्रवठी (काष्ठा **उथा भुरा** भुगर्वम्। रेमचः म्भिलिदा म्ला याजाया मूलमाः

সৃতা:।। ভরণী কৃত্তিকাশ্লেষা বিশা থাচোত্তরাত্রয় । মহাপশুপতিশৈচ व याजायाः मन्न भुनाः ॥ भूरतं स (वर्त पश्न मिणार्ट यम करनाम भवत्व मह्हामा छ। बड़ा बड़ नद्रमा भू जिन्न करमग्रांगः जिथीनाः भुवः দন্তি তজ্জাঃ॥ স্যাৎ সংমূথে যান मम्कयाय भन्हा छत्व मर्व म् जाय পু॰সা॰। স্র্য্য: শুক্র: স্কোরাহ र्भना कान्त्रा एक वृष्टः। अगुजः। खना याजा भृष्ठा मद्रगः धुदः ॥ भ्रद्धानमु पिकान यानभाम (द्वा हिर्ग उहार्य। माथा थ म्ल । काम যাযাৎসাম্পরাযেষু কার্য্যেন্যন্থাপি পুক্য শ্লানি ভানি॥ 🛊 ॥ তত্ত मिक्ण्लः। यष्ट्राष्ट्रभी ठजूषी व नवनी षारणी उथा। हजुर्मणी अर् खाङा याजाया मण्डमुनाः ॥ भार्या बद्धः সহজ শরু দশায সংস্থাঃ পাপাঃ শুভাঃ সবিভ্জ॰ পরিমৃচ্য খস্থ । नर्बजगाः मुख कन जनयि तीम्। স্ত্যক্ত্রারি সংস্থ মমরারিগুক্ জি शीरवाः॥ नाकान वर्ष विमुश् छनि-छिस्छि॰ कथिक्षिनि याने। जान-धारा दिवा बतीक (जोरेन खर्था) পাতৈ:।। #॥ তত্র ক্রম:। রাজ্ঞা• याञा विधि व्यक्ता किशीसूना भन्नाः

यांबा

वनीः। नीर्शकना विविः क्षा रेमनिका भहानत्यञ्जः॥गजानन्।न् मृगानन्।-নিতি যাত্ৰা ক্ৰমো মতঃ ॥ 🗱 ॥ তত্ত্ৰ नीताजनाविषिः। वर्षास्त १ ज्रामित्त भूक हत्मु भूर्व भू जकता अधनी-वाबन वर्यप्रार्याशक मृवि मखरेनः ॥উদীচী• পুস্থিতে ভানৌস-কান্ত্যা• वा मुख् फिला शक नीवाजन अर र्याए महीभारमा किमी विवान् ॥ वृष्ठिकरष्ट द्रावो अर्याए পखिनी-ब्राजना विधि॰। (नोका नीवाजन॰ क्र्यां मिक्रिंगामाः भुविष्ठेषि ॥ व्यत्यविक्य यानानाः विजया मन् भी जिथि॰। धृजानीनाथः मर्खियाः म-ক্রেত্থানে নিরাজন।। ছত্রস্য নব-দপ্তন্য তথা সি হাসনস্চ। গৃহস্ত নগরস্যাপি নহাবিষুব সংক্রমে।। আল্লনো যুবরাজস্য মহিষ্যা মক্তি-गान्तथा। य जगिर्वरम त्राजा **अ**र्यु।-मीताजना विधि॰।। অভিষেক দিন॰ পোক্ত মেষা॰ জন্মদিন॰ ন্যা। তদ্ম-' থা। অস্থানা• ভাস্করো দেবো ব্লেবস্ত নিতি সংজ্ঞযা। গ্রানাং দেবজা-শক্ৰ: नेखीना॰ কালিকা মতা ॥ **भिकानाः वक्ला (म्ता यानाना** उ জ্বস্তক:। অক্সাণা দেবতা রানো যনঃ থয়স্য প্জাতে ॥ ধ্লানা॰

- इन्मान् भूरका वृहस्भिष्ठि विकि कः मार। जान् भूकियद्वा विविवाहजा-मोत्राज्ञरयम्भः ॥ खामण महिरेषः भूटि कामत वकी समानि ज्वारितः 1 हागरेन महिष दिखरेन: भूकरेव স্তদ্দিগুণৈ কাৰু দীপিকাভি:॥ ভ वं वा अभूमां मृ दित नीवाकत्य-मुाजा। दान्य वारेश् किरितः मात्या भारिक त्राडार्का अन्तरिक्षेः ॥ उम्रा-ৰ্দ্ধতো ব্যায়ে গ্ৰহণত নীরাজন স-ম্ভবতি। ছাগল শত বৃষভ শত শতঞ্চ নেষাণা।। ত্রগা দশ হৃপ্তা-ক।ব্যাহ্রা: পঞ্চ দ্বিপশ্চৈক:। ভল্লুকা हि अववार करिककाः शखि लक्क्पमा II নৌকা শতক॰ সাক্ত নব দশক্ত কাঞ্চনাদিভি ঘটিত। বহুশতমপি জন্ত্না॰ নৌকা নীরাজনে রাজ্ঞা॰॥ यम्व। विभन् यान मह्यमा नियाउ जूत्ररैगः। সুদশা वट्यत्रविति वर्षाः। ग्रादिक र्याग्रवरेनंक ॥ अक्षेडि र्थाः जुिः क्यंत्रामख नीवाजना विधि। গ্রাম্ব নর নৌকাভি দ্বিগুণাভি র্য था खत्र । तरे हैं नी नाविरेष ब्रेस्त्र थी ত ि वंगरेन खथा ॥ नि·हार्मरेन**फ** यारिगाण वर्षामीताजना विवि । গৃহ নীরাজনাপ্যেব নরস্যাথ নিগ-माउ ॥ चिंडः चरेतः मृगालिक

वर्शायु करिष्टुं खर्थाकरेजः। भूतः नी-রান্ধযেদানা চির সম্পত্তি হেতবে ।। थारणाथ उराजन नद्रोक्टर जर-र्षा :। व्याद्यानीनाः उरेथरेवकः तुङ्गः নানা বিধ স্তথা।। অক্সাণি ধাতক ৈচৰ বস্তাণি চ ফ্লানি চ। বনজাঃ इलकारेक्टव कलकारेक्टव कलवः ॥ नवगुराम्ह मूर्यप्राम्याः रेम्नवाः मथ यहे। खथा। याग्र थाञ् ममू छ डा नोकाथ <u>खबर स्र</u>था ॥ निक्र (मेरु मि-ত• স্বৰ্ণ-ব্ৰজত• ভামুমেৰ বা। আত্ম नीवाज्ञत एम्यान्यिक्षित्र मः छि তি ।। অক্তৈ नीन। विदेशः अर्याान्य्वः ताज नित्राजन । अनकादिम विवि-रिष (र्मवी नीत्राजन मजः॥ मञ्जि नीः वाजन वाजा इरयरेनव ननाहरवट् । यमाञ्जानाः रेमनिकानाः विश्वानाः थनिना छथा। वरिक्व नी त्राजन अर्या। **क्लि ভোজস্য সম্ম उ**गा नीत्रा क्रनाया বস্তুনি ন পশ্চেম পুনঃ স্পৃশেশা সপ্ত क् इः পরি ভাম। अर्य। भी ताजना वि-षि । नऽरमधा भवतार्<u>ष्ट्र</u>ेषु गङ्द वा ज्ञात भिवा ॥ रेमवङ्घ रेवम् प्रमीतन्छुः भुयहिषा यथा यथः। ইতি সংক্ষেপ जः (भारका भया नीवाजना विविः। অনেন বিধিনা রাজা সুচ্রিণ স্থ ম-शुंख ॥ उथाहि गर्नःगे नीवाजना

মহীন্দাণা নিহন্তি বিপদে৷ থিলাঃ িবৈৰ সমহন বাজ্ঞা কঞ্জেনেব ज य उ: ॥ नी द्रा खना वन्ति जाना न ভয় বিদ্যুতে কুচিৎ। নীরাজনা বি शीनानाः नत्मप्रयः अर्व मन्नितः ॥ তথা চ বাৎ স্যঃ। যে ভূমিপালাঃ शुन्तिय महारष्ठ अर्वेष्ठि नीहाजन कर्य नगुक्। (उदाः न लच्चीः क्रयंडाः মুপৈতি সামাজ্য লক্ষ্মী: করণৈব তে याः॥ এवः नीत्राजनः क्षा द्वाजा भू ञ्चान माहरत्र । इंडि नीत्राजनाविधिः ।। 🗱। ज्ञथ याजा। खनाजिनय मन्नामः भावुः याया क्ति विया। यमि शण्डार शुकाला न यम द्राष्ट्रे न कणेकाः॥ नः छ। गान्य गावाचा भाकिंगु। इन আৰুণা ৷ রাজ্যেলুকো বিনিহ্তি কা ः । कर्ष १ शृश्कुकान् ब्रह्मी वर्रः प्रथा . श्रीक वका**ल॰ अमृतीक**ह्यान पार कारण कल डोह मगीहिंछ।नि 1. श्वन यामाताला मूर्जिकानि পুপीডिত । मयु मञ्जू स्वाला उ न यायाट भृषिवीभाजः॥ निकरे वानुज्या हि भाजिक्षा भामः ह। यावाक्तरभा वराजा रेपव- वनामः ভৎপর• মত•।। অন্যত্র ত্। নিরা खर्ल निक्ट्भार**७ निक्**षिय निद्राम (य । विभाक्ष अविष्ठि आजाता

विकिशीयकः ॥ इंडि युक्तिकन्नुडकः ॥ अ। युष्याजाया सगक्त मर्भनः যথা। তস্য নিৰ্গছতো গেহাৎ শ্বা-নেছি নুখতো হভবৎ। ধ্বন্ধে ফ-রোহ কাপোতঃ শিবা শ্যামাচ দ-किना॥ शिक्षणाहक्राभाषा ह भ्कती কেবলী তথা। গল বানর সেনাজ শিখি ছিক্লাশ্চ বানতঃ॥পথ বিভি-न्ताउ नर्भः त्रामुकः वानीर्याउ । করাব বানরো শক্ষো নাজারো হাতি ভৈরব ।। তৈব ভক্র তৃণ কেশ যুক্তা-**छाकामि मर्मनः।** वाखास्य इष्ट-मूक कृष्काम नकडः त्रवः ॥ जूष कार्भाम नवगानाः निनित्जानाकः ए-শ্ন•। রক্তামর ধরে। মণ্ডঃ পক্ষানিষ• তথা वमा ॥ वनारे मक्क काभ উল্লাপাত ধু নাৰুণা:। দিশা॰ দাহ भशिकम्भाः मत्रज्ञः कल्वः नजः ॥ निष्डित्र (छे भारत जानू निष्ठ): भुजि-मुथावशः। উक्षामकः मङ्गक्शः म-इप ो कानू हा। यकान विक्छिः 🤏 ফলান! মপুভূৱনা। শীত উষ্ণ विभवतमा (भवनानाक माक्नाः॥ অরেণ্য সভ্বা গ্রামেষু গ্রামজারণ্য-বালিনঃ! কে: ষ্টু ব**র্প সমূহাক্ষ শশ** भागः लिभीं विशः॥ यकानाः गरु-তীবেনা মৃগানাঞ্চ তথৈব চা এতে চ

্রিক্রাকারে নিপতভূ**েপভন্তি চ** ॥ || कर्रातः भाकत्वा वायु मी नात्याया इ- ॥ ত গুলঃ। শক্মুত্রাশ্রপাতানি গজা व्यथाः भूठिकत्र ॥ युक्त ह्व भञा-काना स्टेन म्खिलम् नः। कलक মিস চক্রেচ হতা দুন্দু ভি রেব চ।। कता उनाक्টनकाशि नाताहानाकः ॥ इन्दर्भ छ। असानाः मृज्ञद्राभावः नीर्भ িতা হানুভিন্দতা।।শৃষ্পুরোহণঞা-র্ক সারু পাত স্তথেব চ। পুতি মাক দিত• ৰেদো মৃতকানাঞ্জল্পন• ॥ गवा॰ द्वामञ् मादाइः जीवाक বৰ্ব নত্যতা। জ্ঞীসূতে অবি ছাগা-रि **श्का**वि निम्साजन ॥ वाना নাং ঘাতনং যুদ্ধে নিজ্ঞি শাঃ প্ৰকলাঃ शुकाः। निकिका रःण नशुक वङ् शानाम मणन ॥ निख्डा न वर्ट-षश्चिः मध्यः सुरुटि ग्रङः। এवि थान् उत्थादशाजान् मृष्टान् (घारत्न<sup>)</sup> वागद ॥ भेशुह नाद्रमः भा २थ किरमञ्चिक्छ• विज्ञ। ইত*ः* १८ (म-बारवादि (वात्र विवास)। सः ॥ व्यथ हारण राजा।

পুণমা জগতা। নাথ। কলি কৈ এই নাশন। ছাদশ মাতা কৰাতি থকি শ্রেষনন্দন

यांना कालमा नूर्यक्ष करार्याः

আদৌ সএব নিৰূপ্যতে। তদ্ম্থা कम्पूर्वात हेन्द्रम् उवाह। देव-भाथारिय मारमयू याजा भूजा वि-वि॰ जून ॥ শো্ত্নিছানি দেবেশে यथावष्टकु मर्शन। दिन्निनिक्वार । विभाशानियू भारमयू (स्वरम्बम्) नार्किनः। यायाद्यातन याजाः नुष् তা হি বক্ষ্যামি তে শৃণু ৷৷ বৈশাথে ठानरनी याज है जार है जा भन् भी विंछा । यावार प्रथमाना महार मावर म-यनी उथा।। ভारंपु मक्किन भाषी या व्याचित्र वाम পार्चिता। উष्यानी कार्जिक मानि ছारंनी मार्गमीयर्क ।। পৌৰে পুৰ্যাভিবে য়ঃ স্যান্সাঘে नालानि उथा। कालुत (राज याजा नहारिहरक महनज्ञिका ॥ अ-কৈকা মৃক্তিদা সর্বা ধর্ম কামার্থ সা थनाः। 🗱। व्यथमाञा विश्वः। कात्नत াবৈশাখ্স্য সিতেপক্ষে ভূতীয়াক্ষ্ স-জ্ঞিতা। তত্ত্ৰ মাণ লেপযেদ্গন্ধ विभाग दिला जिला थे म्यानात्वभाक्ष कृ कीया भाभनात्वि-নী। স্বয়মাবিষ্কৃতা হৈষা প্ৰাক্ষাপত্য ৰ্ফ সংযুকা।। যঃ পশ্যতি তৃতীযা্যা क्क हत्त्व ভृषि उ । विशाधना . ५ वर्गा 💎 🗀 कुछ वर्गा वर्गा ्यक्षा जनगरेमण्ड मृत्रीयुर छना

श्रवि । नाना मूक्जाशनियरि वित्यः। **ण ग** स्रविष्ठ ह ॥ (वन् वीनाहि | वारिएम्ह उथा नाताशशादिकः। नरहायम् इगमाथ ज्जीयासे वि लिन(य८ ॥ रिन्माथन) ज्जीयायाः জব্দধ্য বিশেষত:। লেপন মণ্ড (भ अर्य) अ शिल व। वृश्वता । हन्त-ना ७ के के देश देश है। देश हैं विकास ।। कटामा भी मूत्रा हिव विस्था र्शका-श्वेकः विषुः। এতৈ गंरित खथारिनाक विष्मा गांजानि लिभायए ॥ घ्उक जूननीकाक्षः अर्ग्यात्मभन कर्मान । 🕽 ॥ 🗱 ॥ व्यय ज्ञानयाजा। कन्त् भूत्रामः। कि।धा महकावजीनं खट भूगेर बच्चवामतः। उन्राक्ष नाभनः কাৰ্য্য মহাস্থান বিধানত: ॥ তস্যা भाउमानकाल युक्तना महिउक मा॰ । রাম- সুভদা- সুমাপ্য মম লোক मवाशुयाए।। उथा। मानि कार्ष जू সংপ্রাপ্তে নক্ষত্রে শক্তদৈবতে।পৌ-ৰ্ণমান্যা হরেঃ সান সর্ব কাম ফল-भुम• ॥ **मर्बजीर्थ ममः** क्ष छमा एउ নির্মাল: শুচি:। তদা ভোগবতী তত্র পুত্যক্ষণ ভবতি দিক্ষা: ।। তমাৎ জৈঙিয়া॰ সমুদ্দ্ত হোমাজৈঞ কল-िम ब्ह्नं (बार) भागपात एका वस्ता स् १ ४१ ज्ञा स्वागुर्या । ऋगार् । १ ४ में 🛚

न्नान मूर्याव भन्नमान् छ। उट সবো বৈ ন হীয়েত তন্মাত্ত অনুতক্ষ-ति ।। क्रमना॰ क्रमकात्रिषाञ्ज्य-যাত্র। পুতিপ্তিতা। জৈগ্র স্থান• ভগ-বতো যে পশ্যন্তি নুদা দ্বি জাঃ ।। ন তে ভবান্ধৌ মজ্জন্তি যাত্রাঘাণ যতমান-नाः। रेकारके ह मुभन अर्याए बी विष्ण जन्मवाभाव ॥ रिमनिन्नस्ड पुत्रि छ॰ शक्त मात्र हु वर्ष छ॰ । वुक्तरू-ত্যা সহসাণি জ্ঞানাজ্ঞান কৃতানি চ ॥ মর্ণস্কো সুরাপান গুরুতল্ল যুতা-নি চ। কোটি কোটি সহসাণি ফু দু-भाभानि यानि ह ॥ अर्जात्नर्व भूग-শ্যন্তি পৌর্ণনাস্যান্ত বাসরে। পুঞ্-ষস্ক্ত নজেণ পাৰনান্যা তথৈৰ है।। নারিকেলোদকেনাথ তথা তাল ফ-नाष्ट्रना । পঞ্চামৃতৈ: भी जाउँ। य र्म् ब्रा कर्म् द्रवाञिष्ठः ॥ यदामरकन শুদ্ধেন তথা পুস্নোদকেন চ। স্নাপ-यिज्ञा जगमाथ न्जाय नत्रामयत ॥ ७ व॰ घन्हारेय नमः इंडि घन्हावा-मु । निर्वारिष्ट । यू वर अक्ट वि-षान् वाञ्चनः का जियः मू िः ॥ नर्व পাপৈ: পুনুচ্যেত বিফুলোক স গছ-जि । एकर्रम*् । । अ*क्षः कात्रयि**ष्**। निक्ति न म समित्र न हैं विकास स संद्धिः सर्वे १ मर् स्था

मुजिक्षाभा कलमानिश्वामाप्रेट ॥॥ সুবাসিত জল পূর্ণ পাবক কলস ন্যাসং। জয়শক্ষৈশ্চ স্তাতিতি নী যি-তে জগদীশ্বরঃ !৷ জয়স্ব রাম কৃষ্ণেতি क्षय ভদুতি চোদিতে। नीयত मध रमञ्ज निमीरथ वाक्रगारिजः॥२ ।। 🛊 ।। व्यथ त्रव याजा। ऋन्त्रभूत्रांग॰ । শুণ্ডিকাখ্যা॰ মহাযাতা॰ পুসরী থাঃ ক্ষিতীশ্ব। আষাচস্য সিতে পক্ষে দ্বিতীয়। পুষ্য সংযুতা ॥ ত-স্যাণ রথে সমারোপ্য রামণ মাণ ভদুব। गरु। याखा ८ **সব॰ পু**त्रु। थ श्रीनरयह विकान् वर्न्। सका जारव ভিথৌ कार्या। সদা সা প্রীভ্রেম্মম। সপ্তাহ• সরিত স্তীরে মম যাত্রা ভবি-याजि॥ अष्टरम निवरम मदान् त्रथान् भारेनाऽ विञ्चरयर । नवम्या भानस्य-ष्प्रवारखषु श्रीजः मगृक्षितान् ॥ म-ক্ষিণাভিমুখী যাত্রা বিষ্ণোরেষা সূদু-ৰ্জভা। যথা পূৰ্বা তথা চেয় তেছে মুক্তি পুদাযিকে।। অষ্টাহে বিস্জে हक जनक्ति जू भाई जी । इं जियह তিথিনা একাংছা বোদ্ধব্য:। তিথি रिनरकन दिवन का नम्मारन की खिंड: । ইতি বিফুধর্মো তরাৎ।: যন্ত। আ महिन) दिस्त शाक्ष एक हर लगा न युका बाखाद नत् श्रुव है। भारु

ভাবে পুষ্য এব ছি॥ ইতি ইখর স•হিতাযা• বচনান্তর•। তদ্বৈকল্পিক भुरयागास्त्र विषायकः ॥ शास्त्र । व्यावाष्ट्रमः विजीयायाः तथः व्यर्गा-দ্বিশেষত: ৷ আষাত শৃক্লৈকাদ**ল**্যাণ জপ হোম মহোৎসব ৷৷ নাত: পরু হি কৃষ্ণস্য যাত্রান্তর মপেফ্রতে । व्यव ययः जिल्लाक्नः मान्स्रम ञ्ड्लाट ॥ नामयन् अर्वशाशा-नि वार्य वार्य वुष्क्रमानो । त्रथङ् छ॰ বুজন্ত ত॰ মহাবেদী মহোৎসবে ॥ যে পশ্যন্তি মুদা ভক্ত্যা বাস তেখা र्दाः भारतः। मजुः मजुः भूनः म **७**/॰ পुতিজ্ঞাত• विक्षांडमाः॥ ना-**७: (मृ**य: भारत। विष्कः। क्टमतः भाज সন্ম তঃ। রথবাত্রেব যাত্রাণা মুখ্যে-ত্যাহ পুজাপতিঃ।। মহাবেদী বুজ-**७॰ ७॰ রথङ्॰ পু**क्रशान्त्रमः। यदाः खु॰ मू अनुष्य मृक्षु। मुक्ति र्नानाथा ॥ আষাচন্য সিতে পক্ষে দিনে বি-याः भूजनुरह । भुजिष्ठाभा मम्स्य-न विविना भू ईविष्कृष्ठाः॥ त्रथः नरत्रा ह्रातः ह्रयां या मन मुन्न हिम्रु छ । ज्यस्यवि**वित्य** जंज्या विद्याण सात्र भान्यदेकः ॥ मृत्यः भगवारितामधः 'कही एक्शन्य एथा। 🖒 बहुत मू-यज्ञान गायना वस्त् ख्या ॥ वन्त

(योवन पर्णाण्डा क्लानकात ज्वि-তাঃ। ধূকাক্ষ বহুব স্তত্ৰ পতাকাধি विजाउताः॥ गक्उक वृक्त वर्गस् ब्रक्टनरन निष्युउ । रीर्घनाय भी उत्रहः **म**खनाच्छाः विज्विजः ॥ চঞ্গু দপ্ত ভূজগ সর্বালক্ষার ভূষিত । (स्वा: भम्भध्वः अर्थाः भम्भक्षे विनिर्धि उ॰ ॥ जश्रहम्मयः व्यर्गही-वित्या नाक्नथुक•। **भाविष• वा**कि नरेक्षव वनः वन मूनाविजः॥ श्रीतः रिक मंक्रील मीरिंड बेलिवरेर्गः मूरमा-ভন। ইত্থ সু ষটিত তন্ত রপ দেব ज्यम्। व्यक्तान्य (वनायाः पः व ज्यार भून्रत्यर। वाकरेन वि ফ্বৈঃ সজে বভিভিশ্চ তপদ্বিভিঃ ॥ विज्ञानायाम्यस्य वन् याजारेय ज क्ठाञ्जनिः। ७ जः कभ् त भरेने म সুমনোভি রবাকিরৎ।। পথি শো-ভন স্কানি পুণঠ জি দিলাত্য: 1 কেচিমঙ্গল গাথান্চ কেচিজ্জন জ থেতি চ।। জিতন্ত ইতি মন্ত্ৰ• বৈ কে-हिट भूग इनि छ । मूड मागव मुथाण की खिं काकी ' मूमा इ.७:॥ **इह्रती क्यांती खणू दीना भाव दिकास** यः। भद्भायस्त्र मस्यूद्रः भाविनम् वि क्यान्द्रत ॥ ७१० भृत्त भगत्य क्षे द्राम भूदः नद्रः । नयन्ति विभू। जुन

ध क्विवाण विण उथा ॥ करा **ध्वा जनवायः** जागिषद्। त्रथं वरः। त्रामः जमाक कृष्ण तथगर्या नित्न भारायः ॥ भूजारम् भागति रेखः मुका ভক্তি সুস'यजः। রথছাযা॰ সমা-ক্ৰন্য বৃদ্ধহত্যা ব্যাপাহতি॥ ত-(दुन् न नक उन् छ। को व भाग न. क् जि॰ ॥ धना चु तृष्टि िकन स्रीका न्नानक कन ॥ (य भुगाम भूक्व कि তেপি गाक भवाश्च गः। अभूगङ्ख বে কৃষ্ণ তে দেব ত্ল্য বিশৃহা:॥ (बरि खविंड (वतानाः वक्ताता मा-ক্ষভাগিনঃ। ইতিহাস পুরাণাদ্যৈঃ खारेंब बालि जुम ख्रेंडः॥ खर्रांड भूखद्री काकः (यदि विगठ कन्मवाः : তে दৈ बगडि भाभानि बग्मरेफ खरिखरा। नर्डन वक्ट राशि गा-यञ्जाय नातालगाः । रिक्टवालग मः मर्गावाङि॰ भाषाजामः मव॰ ॥ নাগানি কীভবিষ্যন্তিন তে যান্তি য गानगः। जय बाग क्षा ७ वर ७-দেতি যে। বদেশ। ন মাতৃগভে বাসো २म। म ह प्रवच्न माञ्च याट । हामदेव वं इक्टेनः श्रेष्ठ खर्ने क कीन एक बरिकः ারখন্যাগে জিলো যো বৈ বীজ भूक्षाखः । मःवीक्रामामा **९**श्न-ब्रांडि पंव भक्ष या विडान्।। ज्'हु

ভূতোণান্থিস:ন্যাবদীভূত সংপু বং। নাতঃ পর তরো লোকে মহাবে मी ग्राहाट मवाट ॥ मर्बनानहरता (गानः अवंडीर्थ कन नुषः। क्षम् फ्रिन्त (य उठ मान ममिक दि नदा া৷ যুৎকিঞ্চিদ্মায় ফল মেৰুদানেন সংমিত। গুলিকামগুপেয়ান্ত ভূদা কৃষণ সহাগুজ ।। তত্ৰতিপশান্ত গা-अमि भरिष व निरंष उराय । भक्ता गृरिजः শীততোথৈ: পুত্র কপূরি বাসিতৈ:॥ नातिकन डालनाथ उथा जान क नाष्ट्रमा। রয়ে। एक न भूष्य न उथा भू ह्याम्रक्त है।। नर्वाक् मन्विलिशह इन्हरनमु मृतू प्रेवः। मुगिक्क भानाः। **ज्रद्री की नहिंदाः मृत्या होनः॥ हा-**सरिव कवारे उन्हें भी उरेन वंडबरेन ख्या। वीकारयः भुखबीकाकः मुख-দুা॰ বলমেব চ।। সিতাভিঃ পানকৈ হ্ন দৈয় স্তথা খণ্ডবিকারকৈ:। খছভূ-रेत्र नातिरकरेलण नाना ब्रञ्जाकला-षि जि: ।। **उ**था की द्विकारेंद्र क भन সৈ বিক্ষৃতি স্থা। বাসিতঃ শীত ভোষেশ্চ गञ्ज जामून भवतिः ॥ म कर्त्र नवकारिष्ठः भूक्रायः भन्नाम धंत्र । द्रथञ्च इ्रिज १ १ व व्या । य ूक्षवं जाः॥ शुक्तिकाः शुक्रविष्ठि वि कु भक्ष भा है।। छत्ना क्षत्राहर

(पर्याप मिक्तानिय वीकिउ।। भ-तिः भरेन न्याहिकुः मक्षकमा ह मधाः स्म। এব॰ वृक्ष छि (मरवाम मूर्य) का छ॰ গতো ভবৎ।। रीপকানা সহসাৃণি জ্বালিতানি নৱৈ ততঃ।মণ্ডপে বাস-रिएप्यान् ७७७कार्थाः मरनाङ्ख ॥ हाक्हम् । उर्भ हाक्यान ; हायत जू-বিতে।পুত্রযিত্বা জগন্নাথ তোষযেৎ গীত নৃত্যকৈ:॥ উপহারাদিভি ভ-व मधारानि जनार्मन । मधार य পুপশ্যন্তি গুণ্ডিকানপ্রপে ছিত ॥ নাঞ্জ রাম স্ভদাঞ্ বিফুসাযুদ্ধ माञ्चार । दिवा उपत्रभन भूगाः त्राको ममञ्चन छत्र।। यटकिक्षिट ঘৰতে কৰ্ম কোটি কোটি গুণ ভ (तर । मर्बः (मक्नमनः नानः मार्बः ব্যাসস্মা দ্বিদ্ধা: !৷ মহাবেদ্যা• গতে क्षक (यारमा १य॰ थल मूर्ल जः । चार्खामयामिका यागाः ऋत्मिन श-রিভাষিতা: ॥ মহাবেদ্যাথ্য যোগ-मा कला॰ नाईडि खाउनी। यहा-হে চ পুন: কৃত্বা দক্ষিণাভিমুখানু-थान् । एकिगा जिनुशी यादा विस्था दिया भूकी विंठा। कार्या भूय इंडः... স। হি ভুকি ম্কিপুদা ভৰে ॥ मिक्किशा िब्ये वास कृष्ट शामा दि (य नहाः। न (उवाः भूनजावृद्धिः न इः

भिज्ञान ।। भूताविका वर-স্থেতা থাতা নবদিনাগ্মিকা छन्।: नःकीर्जनाएव निर्माला ब शंख नद्रः ॥ ভाবতीयः नहायाव या यथा कर्जुभिहंछ। सानि वि भुजारवन रिम्मर्थज्यनः वुरब्र ।। उ ভ্ত্য সপ্তপুক্ষান্ পাপাবলি সম বিতান্।।।।। 🗱।। অথ শ্যন যাত্রা कात्नः। वायाः मृत्रं द्वारमाः व য্যাৎ স্বাপ মহোৎসব । মণ্ডলে র চযেত্তত্র শয়নাগার মৃত্তমং ৷৷ দেবস भूत्रजः भग्रा॰ तज्ञानि निर्मित्जा॰. ति । व्याञीर्य भृष्टिवामि भृष्ठीताः 📗 खब्रह्माः ॥ कभ्ब ध्नि विकिछा नाधू हन्द्राज्ञाः भूजाः । शुज्जाः যুতা। মূক্ত। রঞ্জিতা। চন্দ্নান্ধিতা ।। जाधू हातां मुजा त्रिका नान চিত্রোপশোভিতা । এব স্বাপগৃ इ॰ कृदा निभीत्थ माभरयिष्ठजु॰। সংপূজ্য ভাবয়েদৈক্য ভেষা কৃ ঞাদিভিঃ সহ। এ:ছেহীতি চ সং প্রার্থ্য স্বাপার্থ- পরনেশ্বর-11 নযে इय्राग्रहात वामाय घिकाज ्रगः। शक्षामृहै जः मानस्यकान् नृषक् शन णडाधिकः ॥ मृगांक उन्हरेन निश्चान् दञ्जानक्षत्रभागि जिः । भू-कविदा यथा न्यायः भाक्षित मंज

महातर ॥ मगदन्त्र इंड्रापि। मूर् कात्रायकातः विष्काः भयन विभान । স্বাপবিত্বা অগন্বাথ লভতে সু मूखम॰॥ ৫॥ 🗱 ॥ व्यथ भार्यभन्नि বর্ত্তন যাত্রা। অথ তে সংপুরক্ষ্যারি পার্শ্বস্থ পরিবর্ত্তন। নভস্য বিম্বে शक्क मः भुगत्थ इदिवामद्व ॥ विस्कृ साभगृरुषातः मरिन गंदा भुविन्।। । नमक्छ। जगनाथः भर्याकः भिक मूरा ॥ अवदाही मति स्नातः भूकत्य मुभठाव्रकिः। भुगम्। ज्का उर्मा भी साभारंग्रुडवाम्थः ॥ मञ्जाकः शारेट्। उँदिवस्य जगमाथ कन्ताः, পরিকল্পয়। পরিবৃত্ত মিদ সর্থ যথা ञ्चावत्र अञ्चन•॥ य८ मृष्ट्रीरहर्ष्ट्रिउत्तर बाग्ट अशु नुमुखि छि:। बगिषा गर সুগোংসিপার্ফেনপরিবর্ত্তগাপিরি वजन कारणार्यः जगठः भाणनायः । ত্বসগুজো ২য• শক্রে। হপি ধ্বজে তি-(४८ मनूटमूकः ॥ मृष्टे पुट शानकः गण विगुक्ष म् ज्वं उद्धलः। मरीः ভল পাৰণতি পুজাপালনহেত্কণ। रिंठ में भूषि। परिष्ण विनयात्ना यशिख डः। वा जरिन महासरित रेमहव वी-कतार भवता यव ।। मृगिक्व हन्त्रीन त्रम् अर्बाञ्चः भतिरत्नभागः । सामृनि जकार्वाणि भाषमानीन माभव

ा। भगतगृरुवाति विष्णाः भूति र्जः क्ता निरवपरयः। एव मुफ्लि यथ अर्याष्ट्र मर्व मक्ष्यजा वुर्वे ॥ लार्ष्ट बगरियम उनिवाननाता छात्र ॥।॥ अव वाश्विन मुद्र कामणाः शृद्धां छ विधातन शिक् क्षना वामनार्थ निविद्यंत कार्याः া। ৬।। 😝 ॥ মতান্তরে। শুভে চৈবা-- श्वित माति महामायाः भुभूकायः । সৌবণী • রাজতী• মাত্তী • বিষ্ণুমা-या॰ मरङ्भवी॰।। हि॰न।रेहद न कर्ड वत कराहिषिकु भू अरेकः ॥ ५॥ #॥ वार्थात्थान याज।। अकारमहास का-ত্তিক্যা॰ শঙ্লাষা॰ পৃথিবীপতে। কৃষ্ণ मूथानारय छक्ता भूष्मिष्य अगम् छ-**बः॥** भूर्वव< भूजिय जू भाज मंखः সনুচরেৎ। মজস্তা। ওঁ উত্তিপ্ত দেব-দেবেশ তেজে। রাশে জগৎপতে। वीरिकाउट अक्न (हव भूमक्ष जव भाषया॥ পुक्ज भुखत्रीकाक छिइ-'दि मवतन देव। प्रया मृष्टे॰ जगिनिन॰ পরন সুথ নেষ্যতি॥ যেতে মার্ভাঃ कियाः नर्वाः প्रवहास ठाउ। ध्राः। इंजुज्याना जगनायः त्वन वीनानि निः बरेनः॥ जगमीय खथा (मव नरगृ নৃ<sup>′</sup>ত্য মণ্ডপ॰। তৈলেমাভ্যন্ত্য ভো पन ज्ञाभण्य श्रूक्षाज्य ॥ भ

काम्रेज नातिरकन द्रोमः कन द्रोम ख्या। भूगक्षामणकिनाथ यवकान्नन क्लारायः ।। धर्यत्य ज्लामी हूर्न (क्ला-नाराम्क हमारिनः। भूत्रवामिछ छा-रेवण ज्ञा ब्राइनिक ख्या ॥ ज्ञान-বিত্বা ক্ষ্যেৎ পাপ বহুজ্যোগপা-দিও । নহোপচারৈ: न প্র। বিষ্ণু भीत्राकायखकः ॥ क्ञाञ्ज विश्राष्ट्री कृषा भार्थरिय शहरा गुना ॥ १॥ ॥ अथ शुंखक्र गांजा। गांगनीत्रं निउ भक्त सर्गार्श्वतारारमव । कृषा मृष्ट्र। नात्र। जन्मा विकार विनि कराशुवार ॥ वात्रा श्विवामः छ-बी ज नक्षमा। निम्न कर्यादि । পুভাতে মণ্ডল সর্থ্যাৎ পদ্ম নপ্তর-वात्रिज ॥ दिक्तालानं भूकत्वित्र-ক্ষু ক্ষেত্রপাল গণাধিপ। চও পু-**हाओं ह वहि कड़िक नुभ्र**हत्य ॥ उत्रास्तर क्रामायव्यकः कानाय-मुक्यादिना । भूजयिदा क्रमस्थ• **१८७८ में ११ के ।। ए**ड़ा कृषाय ख्का ज् भी उवारेना नंत्य मा। श्राजः भुभृज्ञायास्य नानामुरेवाः मृ भा छेतिः॥ मधिः मधि (फ्रेंबान् वारनाजिः शत्रिरविष्ठस्य । न्यविक्र-थ मर्वारक भीज भावतरेन विकास म्बाक्रेदः भूगृङ्याय कांग्राहीताङ-

না বিভাঃ। ভগবন্ত সমুদিশ্য বু। काराजाः भुराभाष्य ॥ खक्जा का न्। (हरवरञ्जा दीनानात्थञ्ज वर ह । भीज भावत्रनः मम्याट मक्ट भन्न-मया मूना ॥ हता छि. छगवान श्रीड खरेम दब्र मनुखम ।। ৮॥ 🗱 ॥ व्यथ **পু**ष्णान याजा। भूष्णातारमदः व्यक्ति यथाकः व्यक्तना भूता। भूष्ऽ-(क्रिंग ह मःयुका (भोर्गमानी यहा छ-वर्।। भीष मानि ज् उर मर्गार भूषाञ्चात्नारमयः इतः । ठजुर्मनी निनागास क्याना मधिवामन ॥ त्रः ত্রৌ লাগরণ কৃত্বা প্রাত বঁহিং পুকী-রবেৎ। বৃদ্ধ বিষ্ণু শিবেভ্যান্য পুত্রে। ক॰ সমিধ॰ ক্রমাৎ।। জুত্যাৎ পূজ-যিত্ব তদন্তে পুৰুষোত্তন । পূ करयमुभागते ज जामार्म भुजिविश्व ত ।। ততঃ পুৰুষসূক্তেন হয়ে। স্তা-নতিন জ্রযেৎ। ক্রন্যদেবস্য শিরসি मानयिषियित छ ।। मूक सूह दन्। ভত্তঃ পঞ্চামূতে নৈব বাসুদেবঞ্চ ক্ষা-वार । वाक्षा युक्त भून विभू छे-भठारेतः भूभूकत्यर ॥ मृबाक्रूतारेम्डः স্তৃতিভি বাঁদ্যৈ সংপূজ্য কেশবং। , নন্ডাদ্বিকিরেদেব• কপ্রাদ্যৈ সু **७ ७ नान् ॥ नी दा कारय ब्ह्ल गन्ना थ॰ क**-পুর যুত বর্ভিভি: ॥ ততঃ পুদক্ষি 📗

गः क्षा मध्य भुगाम काली IL भूष। शास्त्रार मदः भूगाः य शमाः ष्ठि मुरादिजाः। সর্বসম্পন্ন কাসা ख वुरक्षम् देवस्य निष्मः ॥ ५ ॥ ६ ॥ व्यथ नर्जना यावा । व्यर्गाप्यन न काख्या भवनन्य भरहा ८ नव । जःकारतः भूदिरियम नदाः भाविः जुक्षिमा ॥ ज्ञानाम भूव (मर्स् जु इानयिदाधिवामस्य । उथा है शाप्त । नःकाष्ट्राः नावगाननः माधिवामिछ छक्षुनान्। निरवम्। वि-ফবে ভক্ত্যা ইন নজ মদীরহেৎ ॥ ত্ববি তুষ্টে জগৎসর্ব নমেন পুভবি-ব্যতি। রক্ষ সর্বণ জগদাথ গৃহতাণ পিষ্টক॰ শুভ॰ ॥ ব্ৰাহ্মণান্ ভোজ্যে-প্তক্ত্যা দেবদেব পুরস্থিতান্। আ-ভার্চ্য ভগবন্দকানি**ভ্যাদি।।** নবে-न वात्रमा (वड्ड) पूर्व। मर्थन न्यूरिकः । পুজনিবাভিনন্তেণকৃঞ্জ্বামভির-ষ্ণত্।। পুন: পুভাতে দেবেশ পুল-(भारत वन्तिः। बजानकात्र भारेमारः क भूषिया यथा विवि ॥ नीता छ-যিত্বা দেবেশ • তণ্ডলানধিবাসিভান্ । इतियू भाकभाष्ट्रम् अर्थाका भिक्षित्राम् ॥ भिद्धिभः जाभरयम्रण् গন্ধপুয়াক্ষতাবিভান্। **সপ্প: পা**-यमः क् न पर्वाद ठक्षानाय ॥ म-

याम्ब

भावनंक भिन्ने विद्याः निष्ठतः भः क्र । अजीवनः मर्बज्जानाः जनकत्रः क्रगम्ख्रता। उद्यया मानिता इंड च्रियव कनिजाः शुर्खा ॥ (बाकान्गु-इनार्थाय गृशेषा हिज विगुरः। उर शीरिका क् जात्वान् ग्रांग भन्नाम-अब ।। ज्वि जूष्टे खगट नर्व मानन পুভবিষ্যতি। স্বাহাকার স্বধাকার ब्रवर्गात्र। दिखोकनाः ॥ व्यानग्राय ना ভविष्ठि (उरेनवान्राधिक ब-গে । त्रक्र मर्वः जगनाथ उन्सरः म ह्याहत ॥ **३७ म**न्भूष्यं (स्टब्स-भानी खान् विनिविषय्यात्राक्षा व्यथ (राज गाज!। कानूत मानि वर बीं छ (नामाद्राष्ट्रम भूखनः । यव ক্ৰীডভি গোৰিন্দে। লোকানুগুছণায व ॥ भुजाहां। (स्वरास्वमा शावि-न्तिथाङ कात्रायः । कल्गू नवः ्ञ दी उ नकाशानि वाशानि वा॥ াল্লুন্যা: পূৰ্বতো বিপু। ক চুৰ্দশ্যাণ ीं नामूर्य। दङ्गुष्टमदः भुक्रदी छ ाषम् ७१ भूई छ:॥ भाष्य । (भी-र्गाम्याः मगात्रच्य शक्षम्याकः मः नाभारार ॥ ३)॥ 🗱॥ व्ययमन ভঞ্জি ह। যাত্রা । বাসন্তিকা সমা-र्थात्रा याञाः सम्बद्धिकाः। य ा। क् जाया। मृक्षाया। श्रीपाठि भू

क्रवाजमः॥ हिन् मङ्ग न्यामभूत भारदिख नम्लकः। (एवन्।ानु বিরচিতে মগুপে সাধিবাসিতে ॥ >२॥ 🛊 ॥ इंडि यो बाङदु॰ ॥ यारः न्नी बनक्षः। इंड्रायदः॥ यापत्रेणः भू अमृ मुः। ইভি एमः हम्पुः ॥ यापः निकः भू अम्पुः। इंडामद्रः॥ वस्यः। इंड्रह्मयभानः॥ यास्यः पुर 🗐 क्षः। इंडि मदः ब्रङ्गावनी ॥ यगाउँ (र्क्न) श्रेभू वा यम् खना वंभाः। यथा। ययात्र (र्जा) ४० भू अत्र यामार्यः म॰ नद्रवं छ । इक्र-পক्रग्र भाषवा वृक्षया बाजन् याद-বাশ্চেতি স•জ্ঞিত•॥ ইতি শ্রীভা-गवडि २ ऋक्षि २० यथागः ॥ याम्व॰ क्री (गामश्चित्रामिश्वन॰ 1 ইত্যমরঃ॥ यामवी जी দুর্গা। ইতি ত্রিকাও-(नियः॥ यारमाः नाथः भूः वक्षाः। इंडि इ-नायशः॥ यानमाः পতिः भू नग् मः। इंडाः मतः॥ वक्षाः। इंडि (मिनि)॥ यामृक् ) वि य हैव मृणाऽराज मः। यि-যাদৃশ: } মৰ্ইতি ভাষা।ইতি নু-याम्कः ) अत्वाधवातकत्राः ॥

धारमानाथः शुः मगुपुः। ইजिताज-निर्यण्डः ॥

याप्तानियात्रः भू बला । ইভি हिन

यांन क्ली बाड्डा नक्ता मित्र खना-ন্তৰ্গত গুণবিশেষঃ। ডকু উপটিত শক্তে: কৃতমূল রাষ্ট্রক্ষম্য শতো व्राक्ष्मताय याजा। ইতি ভরতঃ ॥ इन्ध्रत्रवरमानामि ॥ खट्म-र्यायः। बाइन २ यूग्र ० शब ह (शाद्रग॰ ७। इंडानदः॥ विमान॰ ७ চন্ধুর প যাপন ৮ গতিমিত্রক ১। हेकि भदत्रद्वावली ॥ **स्था। व्यथ ठ**जु-अस्यातारम् नः। य वुक्त को छा पि বিভেদতো খ্মী নযা নিক্তা ইহ-वाि गूथाः। किमानया नई हजू-ম্লদানা ভেদো বিধেয়ে৷ বিদুষাদরে-ণা৷ যথা যথা স্বাদিক পোষণেন যা-নেন বাদোৰ গুণৌ ভবেতা ৷ তথা তথৈবান্য চতুম্মদানা পুকীর্ত্তিতৌ मात्र खर्गो वृत्यन ॥ यत्र गरान मः लायन द्यं वा वत निवानः भातीत মগোষণ । ন খলু দোৰ যুত চতু-্মনং স্শতি পশীতি শোভন চে-তবঃ ৷৷ সুরাবিন্দু দুবিষতি পযো-ष्ठे म उ॰ येथा। उथा गर्ड॰ मृष्यि নোৰ দুষ্ট শত্মদঃ।, ইতিচতুম্নদ

यात्नरप्रभाः ॥ क ॥ अथ विभान यात्मात्माः । मानुरेयः शक्कि छि र्वानि छंबारिंग हिंगरेन हिंग। यानः माष्ट्रिमेन माने उन्। ज्यान क्यन क्या ति जामाम्हेक किणायंक जनेह (जर्मा विशे उत्दर्भ छन मामान्र यथा। यान यादिलेला छता जर छ-क्रांगारिक मुह्या । हजूर्जि युद्धि मःगूटि रंख थाजू खनाम्रोतः ॥ रीप-लिंजि कथ्राउ (उदा॰ नियमा १य॰ भुरमी उ। उब मनयः। উপেन्। मृ-লাহি শিবাগ্নি বর্জণ শন্তেন্দু ভারা जिथि यात्र नत्। दिष्टि क्रमानु अय-गार वर्जः (नामानिकात्रार्ग नार) गिष्ठः॥ मध्यकाष्ठम् । निराम निराम गु मखबर। कनक तक्क जागु लोइ शाज् वज्हेन ॥ वज्विशना मृषिष्टे वुकारीना यथा कपः। भूबाणा न-সুরাণাঞ্চ চাতুর্বর্ণ্য মৃদাহত ।। ত্রি-হত্ত সমিতো মধ্যে তদর্জণ পার্যযোগ ছণোঃ। বিজ্ঞানান দোলেয় বিজ-याय गर्शिकि जा।। विक्रया गदना कृतो भिना दिना भूज कमार । विञ्ख्यतेकक नावृष्का लाग्छ। यह স্যুঃ স্থান্দা: !৷ স্বয়ুণ্ট পান্নকো-যক্ষ শান্ত্ৰঃ পদ্মত এন চ। চত্ৰিধা-नाः (नावाम् कव्यानाम् हजूरेमः॥

a 🗝 🔏 📢 মাকো ভূপ শ্চত্প্ৰয় মি-क कि ए। अञ्चाराणु निश्वाजवाः ठलू विव्**महीकि छा।। श्रमानि वर्जा** विन्ताः वी विष्क्रत्य। नवम्ख्यः । ভোৱন্ত। গর: পুস্থান দোলাযা। त्रगलामाम् (कणती ॥ म्रा जुगन अस्तानार कीडा सामामू बर्**शनः।** वश्यः भजुताका व्यक्ता मान रंभीना (मालाभयुर्भित न्राम्य वर्णे गुनि मामनः। यषक म्थः मान नहाद उद्भर्याङ्ग भिक्ति मृजः॥ ভিন্ত সমিতো যান **স্তদর্জ প**রিণা-क्यात्। नर्याकः (क्य नामायः छर्जुः अवः वं शायकः ॥ (कारमा मृजू) र्जाया , क्षेत्र 🖘 जिल्ड यथा कमना दिउएस्डर ेक्क कल्बारा यथा ठानू नंगक्षिनः ॥ ा धाङ् खगारीना॰ नियमः भूर्वतः प्रकः जिल्लंब मथ वक्तानि भर्ग्र कु क्या रशक्तम् ॥ मुक्तिन्त्र गत्रपष्ठ-क मृज्याल खरेथव है। अनुभाविक काकानाः भर्गास्त्रम् नामः कमार ।। পদা 🍇 গজাখালি হংস কোক करण क्यार। णारिजारि म्मा-रीन्युर्गाः विरम्परा निःश्गानव तिकारकार **मूर्थभूमाः ॥ उ**रम्यावक

म अनु थड़े। यान विकि स्उ । यन म्राभि भू इविद्यान मि थावादि निर्वाः ॥ विष्णव कत्रावाहायः श-विगाहास मिण्डः। उत्तव क्रिनः **भद्र**नः भीवेगान मिंडि म्उ॰ ॥ তস্য ভেদে৷ দ্বিধা দণ্ড বকাবক भुख्यकः । यानापिकः भूर्वज्याः मिणाणि यानानि विविधानि ह। नामान्यार्थान कानीयार मिल्ल-ভি निर्मिठानि वि ॥ मानाङ्बद्ध<sup>ः</sup> লঘুতা দ্চতেতি গুণত্রয় । প্রোক্ত॰ দ্বিপদ যানানা সহজ ভোজ তু-जूबा ॥ इंजि नामान्य विभएगान-कथन•। ইতি गुक्तिकन्नु उकः॥ 🕸 ॥ विलिय दिशनयान्छ ठजुर्माल्य-व्य नियम्यातात्म् ने खानीका नाव्य मुक्षेत्राः ॥

বাণ্ডা জ্রী জটা ইতি ভূরিপুযোগ: ग्राभाः **बि ज्ञान्यः। निन्मिजः** इंडामद्रः॥ याभनीयः। (कभनीय कानाभिः। इंखि सिमिनी।। वरावि विष्णयः। यथाः। जास्त्र याभात्र व नावताच्य दर्भवय खिविशारम् जाः जुशमाध्यः कडेमार्थ्या विविधः न श्र উচ্যতে ॥ याभ्र वक्न मार याभनीयस उ विष्ठाट किया थ त्रगट हि जा। कियागास निवृता याः मरहा यक्त विनमाजि ॥ शा প্ত। ক্রিয়া ধার্যতি সুথিন যাপ নাতর । পুপতিষ্য দিবাগার স্ত ন্ত্রে। যত্ত্বেন যোজিতঃ ॥ সাধ্যা যা প্যত্ত্ব মাযান্তি যাপ্যা শ্চাসাধ্য তা॰ তথা। মুত্তি প্রাণানসাধ্যান্ত নর।।। ম্কিয়াবতা ।। অকিষাব-ভা চিকিৎ সা রহিতানা। ইতি ভাবপুকাশ: ॥

খাপ্যযান ক্লী শিবিকা। মহাপায়া ইতি ভাষা। ইত্যনরঃ।।

याञ क्री रेमथन । यथा। व्यायत्या र्याउ १ र्थ मन । इंडि विश्वभाष (वाश्राप्तवः ॥

यानः श्र किवासाख्याण्डलर्थ होरेगुक याना हाँ श्र कामा हा। पूरिक्शि ভাগ:। তৎপর্ব্যাম:। পুরুর: ২। है छ (मद्रशान व्यमः) है छि .सिसी 🛭 🖠

। यामधारः भू क है। है भन गाना॥

यामधाया जी यव्यविष्णमः। घडी इंडि ভाषा। उৎপर्यायः। नाली २ वरी ७ यामनानी ८ यामकका व স্পুটক্লা ৬। ইতি ত্রিকাপ্রশেব:॥ यागनानी जी यागवाया। ইঙি ত্ৰিকাণ্ড:শ্ৰ: ॥

याम्यानिमः भ॰ डेन्प्रः। डेडि जिकाल-(मयः॥

यामनः जी युगनः। इंडि एक्पिन्तुः ॥ ভক্তশাস্ত্রবিশেষঃ। ভস্য লক্ষণ यथा। সৃষ্টিण জ্যোতিৰ।था। न॰ নিত্য কৃত্য পুদীপন। ক্রমসূত্রণ বর্ণ ভেদে। জাভিভেদ ভথৈব চ ।। যুগ थ्यक मन्यात्वा यामनमाहे ल-क्रा । उबु विश्विश वाहियामनः > तुक्रयाभवः २ विकृयानवः ७ वपू-यानन । अगतमयामन । व जारि ভত্যামল ও। ইতি বারাছীত্র ॥ এষা॰ শ্লোক সংখ্যা ভক্ষশদে मुष्टेब्रा ॥

शाधवानी की वाजिः। ठेडि वाज-नियंकः ॥

। इंडानबढ़ीका भवत्रावनो ह ॥ জানাত বিফ ত্লাব্ৰ তম্য গৃহে

कन्यामां जुली दिख जननार शाक् **ভाइन** निरम्भ यथा । कामाथ-নাবাদিত্যপুরাণ বিফু খামাত-ब्र- मत्त्र जम्र मनुर न के व्याप्ट । व्यभुकायास कन्यायाः मानीयासः मऽरि गृह्म। इंज्याहरू जुः ॥ 🕆 यामार्खः ज्ञी शुरुवन्यार्खः। उन्या-धिना यथा। वादिनामक्यामम् ব্লাত্রয়ে: পঞ্ ষট্ ক্রমাৎ। অধি-পা: সু পু হা স্তত্ত্ব যথাকাছে ভবস্তি হি ৷৷ র বিজ্যেন্দ্ ভ্ও ক্সাজ শনি জ্ঞ রবযে। নিশি। রবি শুক্র জ্ঞ রাত্রীশ শনীজ্য জ্ব ভাকরা:।। দিনে জৃত্যঃ পরেয়েব ততাখ্যকা-শত্মু হাঃ পোপদণ্ডে ভ্ৰেদ্িষ্টিঃ णुजराख मुज जातर ॥ मुजगुर-স্য দণ্ডেত্ কর্মারস্তাচ্বত ভবেৎ। আরম্ভাৎ পাপদণ্ডে তু কর্ম নিয়-**ভাতা• বুজে**ং॥ যস্যাৰ্দ্ধ যাম ন্তম্যৈ। व भाराजः जगुमाङ्गाः। ५ हे वर् পরীত্য দণ্ডাষ্ট ত্রয়ে রাত্রৌ মতা खथा ॥ यामार्काधिभ मःच्याजा षिठीगञ्च उपधंजः। छपकां वृ **छीयम**ऽ। जम्बालु ज्रीयकः ॥ जन् ন্ধাভাবে ভ্রাহু: স্যাত্তদক্ষো বসু সংখ্যক:। ভগ্নাঙ্কস্য পরিত্যাগা **फिरवार खार्थिशा यथा।। इंछि (ब्रा**न

ভিষ্ডভু॰ ॥ याभिः जी यमा। वनजी। इंडा মর:।। শ্বসা ভগিনী। স্বলন্ত্রী স্বল-ব্যু: ৷ পুছুৱে সংয়নে যানে৷ যানিঃ ৰণ্ কৰজিফো বিত্যন্তাহণদৌ ব-**७गः ॥ जि**षां व्यक्ति निरम्ह জাব্দিঃ স্বজ্ স্বলক্রিয়ে রিভি চবর্গ তৃ গীবাদাবজয় ইতি ভরত মূকটৌ ॥ यथा । कान्या यानि रगश्नि नगडानु जिन्छिताः। ইতি सागी ॥ देव क्या वाङ्चकाभिः। यदा कमू चम्रत वाङ्लकामिण् कानि ति । **अ**डाङ्गाको या नानात था-ভূর্বোধ্য:। ইতি রানাশুম:।। 🗱।। यामिनी। इंडि भफ्तक्षांवणी ॥ ६-র্মদ্যপত্নী। তস্যা: কন্যা নাগবীথী । यथा। अरूक्डी वम् वीनि लीया ভान् र्यक द्वि। मक्क्षां व मृत्र्व। व गाया विया ह नागु ।। धर्मा १ ব্যোদশ ত্বেতা স্তাম্বপত্যানি মে मृतू। बद्दाचा टेक्टव (घार्या १८नी नागवीथी जु यागिका ॥ इंजि वङ्ग भूतात कनातीय भूकामर्गः॥ यागिक छहेः भू भूक्तिकः। हो ही-मात्र इंडि ভाषा। यथा। উनिमाः मुन दिखि अञ्चलनमः भुज्हे निद्य-

अल काल कागुनूमग्र यागिक च छे

याभिनी

श्रातक (कालाइला कर्नम्। क्रिक् मर्न वाष्ट्रवाष्ट्रवी वाङ्ग यम् खः भूजामाः যাতাসি যদম্জাক্ষি কৃতক মনেঃ ভয় গোৰিতা ৷৷ ইতি পাচীনা:॥ याभिज क्री नगादमधमदानिः। यथा। श्री इरान शक्षम (द्धर या-भिवः मधमः श्रृ उः । मूर्नः मूर्नः ख्याखाथा<sup>,</sup> यद्वानः त्रिभुमन्तितः ॥ # ॥ याभिज्यदिशा यथा। भा-भार मध्यभः मणी यमि ভবেर भारभन यू का २थ वा यह नाम् वि-বৰ্জযেনুনি মতো দোষো ২প্যয়• कथ्राञ । याजायाः विभामा गृह्ह मुज्यक्षः क्लोदियु द्यारगान्हत्वा ২পুছোছে বিশ্বা বুতে চ মরণ म्लक भू कर्मा । त्रवि नन अजा কাত্ত মৃগাঙ্কাৎ সপ্তমণ ত্যুত্তেৎ। विवाश याजा ह्छानू गृशकर्या भुरव-भाग ॥ इंजि यामिजरवधः ॥ 🗱 ॥ অদ্য পুতিপুসবো যথা। মূল ত্রি· कांग निक मिन्द्रिशा २० भूर्गा निवक्तं भोग्रगृहरगा १थ उनी कि তোবা। যামিত্রবেধ বিহিত্তানপজ্-उऽদোষান্ দোষাকর: সূথ মনেক –শিষ্ণবিধ্তে॥ ইতি জ্যোতিস্তত্ত্বৃণ। ।भिनी जी त्राजिः।। इतिमा। इंड मद्रः ॥

यागाव यामिनीनिजः भू हमुहा देखा त्रवावनी ॥ कल् तः। इंडीमहरू॥ यामी जी मिक्निमिक्। इंडिवाङ निर्घण्टः ॥ क्लाकी । इन्ति ने क्रा वनी ।। যামুন• ক্লী শ্রোতোহঃবাং ৷ ইড্য ग्रः॥ यगुनामञ्जलिनि वि ॥ यामृत्बञ्चकः क्ली भीभकः । ्रीत अर्हेः श्रतः ।। यास्मयः भू जानित्यः रथः याभिः त्रम् अलिखिया े उन्ना मना याम ब भक्र मिल एर्थ (क्ष পুত্য্য নিম্নন:॥ याम् । भुः जगन्य म् निः ।। हन्। वृक्षः। इंजि मिनि।। যাম্যা জ্রী দক্ষিণদিক্ ভর্ণী-नक्षवः। इंजि (मिनी।। याम्रायन क्री मिक्किगायन । यथा याम्यायत इत्रो मूख मर्बकणां नि वर्द्धाय**ा ३७ मनमा म**ङ्खः ॥ याम्यार्फ्डः भू श्रीजानवृष्णः। इंडि ब्राकनिर्घः।। याग्युकः भू भूनःभूनर्यानकर्वा । उट्भर्यायः । इक्रामीनः 🗧 ! ইভ্যমর:।। गायावतः भ्रः अश्रसवीय श्रः। ই उ कांग्यतः ॥ कत्र काकः ः। ই उ विकाश्यमयः ॥ भूनः भूमर्गमनणी-वक्षम् म्था । यायावद्राः भूद्रकालन हर्मन् भागहू वर्ष्णा कगमहंनीयः । इंड ভिष्टः ॥

वः भू वनकः। इउप्रतः॥ ावकः भू• बन्मामः। इंडामदः॥ দ্বে বোরো ধানের। স্বল্থ ইত্যনের ।। মাষাকৃতি পত্তে কাশ্মীরেযু তু-লুসীতি খ্যাতে। ইতি স্ভূতিঃ ॥ 👊 যিব ইব গুণেন ইতি যবক: বিকার म'रविक कः । यवक এव यावकः স্বার্থে ফঃ। সলেন মৃস্যুতি পরিণ भिक्त अन्यामः सभीगं हे भित्रभाग পরীণামে ঘঞ ননীষাদিত্বাদলুক্। बन्मात्मा पञ्चामकात्रवान् मुर्बान्।य-কার বা॰ চ। স্ল্রাসো রভসংচ **डि म्ह्यार इक्किड हेडि मध्ः ॥** अन्यायायायायक भू भि का क्षिक जू नश्भक नि जि मूर्खन्या । ইভি ভরত:।। যবক: স্যাভ্র সন্মা-यः बन्यारम। यावरका २भि छ। वात्रवार्थ। यश्चित्क वा ब्यत्मा का-भीत (मणका। मानिशान्य ह-ত্বার ইতি কেচিৎ পুচক্ষতে। ইতি **भ**दतज्ञावली ॥ #॥ यावान । हेजि (र्नम्युः। यनक्रकः। ইতি भयः ब्रज्ञावनी ॥

यावड्डीव ही यावनायः। कीवनभर्यं छ। यथा। याकुक्कीव मरु भोनी বুন্ধচারী চমে পিতা। মাতা চমম বন্ধ্যাসীদপুশ্রু পিতা মম।। ইতি वाइड नद्दीकायाः जत्र ।। यावट वर माकलर ॥ अविधः॥ मान ।। व्यवधाद्रगः । इज्जानदः ॥ नाकंत्न। निव्रवामाय । यथा । याव-फ्ट॰ **जा**वम्जूलू ॥ व्यवस्थी मर्या-माया। म्नाट माथा। यावट भूका-थः ॥ मानः भुमानः । यावम्गृकानि তাবন্দিকব:।। অবধারণ নিযভা-পরিছেদ:। ইযতো ভাব ইযত্তা প রিমাণ ভদ্য পরিছেদো নিশ্চয: 1 যথা যাবৎ পাব্ৰ ভাবল্ৰাক্ষণানা-मञ्जयम् ॥ गावट कार्ज्ञ १वश्राद्रत शुणे नाया भेतिहार मानाविका-র সমুনে পক্ষান্তরে চেতি নেদিনিঃ । ইতি ভরত:।। यम् শব্দাৎ নিপা-তনাশ্বতু পুত্যয় নিষ্কলে ত্রি। তত্র यावान् यावजी यावट इंजि क्रभ ত্রয়ণ ভবভি। ইতি তদ্ধিতপাদে (वानारमवः।। যাবতিথ: ত্রি যাবৎপরিমাণ । ইতি मुख्यवाधवराकद्रनः ॥ यावनः भू भिङ्गाथाशकपुराः। इछः यतः ॥

यात है जिल्ला। उट मर्गायः । यत्नानः २ नियती । उट मर्गायः । यत्नानः २ नियती । उट मर्गायः । उत्नानः २ नियती । उट्ड उड्ड नः । उत्नानः ६ निर्यानः ५ क्लाज व्यानः ५ क्लाज व्यानः । उत्नानः ५ क्लाज व्यानः । उत्नानः । उत्नानः । विव्यानः ।

यानानमदः शृ भद्राज्यः। का च्द्रनी इंडि हिन्दी जाता। उट-शयायः। नदीकः २ मृद्धक् २ ता-द्रिमञ्जदः ३ दादनानिजः ६ धद्र-श्रदः। यगा मृन ख्याः। स्रम्म धूद्धः। यगा मृन ख्याः। स्रम्म धूद्धः। यगा मृन ख्याः। स्रम्म धूद्धः। यगा भूमा ख्याः। शिख च्दा नामिष्। श्रम्भानवन शुरुष् था इंडि द्राक्ष निर्यक्तः॥

यावनानी जी यावनानमकंता। उट श्रायः। हिमादशमा २ हिमानी २ हिनमकंता ८ क्षु पुगकंतका ६ क्षु पाठ गढ जा १ जनविन १ ६ १ यु श्राप्त श्राः। शोगाउद । जिङ्काद्व । व्यक्तिशिक्ष विद्व । स्वात्र प्राचिक्ष । इति ३ । नियन्तेः॥

गाना॥

यातमः भू॰ यतममान्दः। विकितिकास्रकोन्नी॥

यात्रः वि निर्मानीयः। यूनाक राष्ट्रः
देवि मूक्षताद्वराकत्रगः॥

यात्माद्वरः भू॰ माक्रम्निम् १० देवि हिन्द्रम् ॥

याश्रोकः भू॰ यश्रिवातियाः १० देवि देवि हिन्द्रम् ॥

याश्रोकः भू॰ यश्रिवातियाः १० देवि देवि हिन्द्रम् ।।

याश्रोकः भू॰ यश्रिवातियाः १० देवि देवि हिन्द्रम् ।।

यातः १ पृतान छ। ३७।३ यात्रा छो सरसमनाकाशः ३३ नद्रसाना ॥

যুল নিশ্বে ।। অনিশ্বে । ইভি
কবিকল্পন: ।। ল যৌতি । নিশ্বে

যথা । যৌতি কালে জলস্ত্রীভিঃ
ক্ষত্রসন্তান বৃদ্ধ্যে । ইভি হলাযুধঃ
।। অনিশ্বে সনবাযলক্ষ্যে । শুকু

সিদ্ধানা নিতি নিলিত সিদ্ধানা
নিত্যর্থঃ । ইভি দুর্গাদাস: ।।

যু ঞ্গ বন্ধে। ইভি কবিকল্পন্তি

अभाविक। शक्क विक्य स्वाही । शक्क विक्य स्वाही । शक्क विक्य स्वाही । शक्क विक्य स्वाही स्वाही स्वाही । स्वाही स्वाह

लिखानुबाविद्यक्ष । इछि ३ । एक निकला है कि कविकस्य प्रश्नाः । । एक यावगान । है कि कविकस्य प्रश्नाः । । एक यावगान । है कि प्रशासामः । । । एक यावगान । है कि प्रश्नाः । । एक यावगान । है कि प्रश्नाः । । एक यावगान । है कि प्रश्नाः । ।

वृक्ति वाक्ष्यक्षेत्रे युगा । ই**डि अप**त्रशः॥ १क्त, 🐬 📆 गुज क छ नित्न हेर्डाः भारत कि**ल् शु**कुत्यन नियम ॥ 🚱 🔞 ्रायुः। छड्नायागछ म्हा र । इं**डामतः ॥ अन्यग्**ड्ड• িল প্রতিমিত্যর্থঃ। ইতিমেদিনী॥ 🔻 🖹 🚃 📆 छुष्टेय । इंडि स्मिनी ॥ মভ্যন্তবোগঃ যেথা। বিশং পোক্তো যুক্ত যুক্ষা ভেল্ডঃ। যুক্তন্য **সর্বা**-ভাৰ চিল সহ ক্রো হপর্যা। ইতি জ্ঞানশাস্ত্র•॥ ্করসা জী রাম্ন। ফাঁটাআন্ক্লী ইতি ভাষা। ইত্যনরভরতৌ ।। युका की वृद्धविष्मयः। এवानी देखि ভাষা। ইতি রবুমালা।। युक्तिः क्षी नुगयः। ইতি मिनि।। লোকত্যবহার: ৷ ইতি ব্যবহার-নাত্<sup>ক</sup> !৷ ধর্মশাস্ত্র বিরোধে তু যুক্তি দুক্লে বিধিঃ মৃতঃ। ইতি ज्ञिक । जन्मान । यथा। युक्ति इर्कान न्यू मरायदिन मण्यार । वृक्तित्र । भः। अनुभारनन विरद्धग ন্দা জং প্রসাক্ষিণী। ইতে विश्व विष्य । नामकः। उत्राह्यः श्रीतः

যঃ শত্রপাণিক হাতকঃ। কেশা किन गृशेउक गृग्भर भाद्रमा-तिकः ॥ मजानभागि विस्कृतिः সেতুভেত্তা সমীপগঃ। তথা ছঠা-त्ररुखक वनरहुछ। **পुकीर्खिङः ॥** भुउनक हिरेक् विरक्तरया मधना-क्या कृषद्रः। अनाकि भुजारा-ছেতে পাৰুষ্যে তু পরীক্ষণ ॥ भुग्रक हिरेड्स क्षित्राक थङ्गानि · ভিঃ। পাক্ষ্যে বাক্পাক্ষ্যে। भद्रः। लाश्व श्खम्म होत्र इंडि। नात्रमः। अ जीकः मिन्नारमाता १ नि পুতিহন্যায় তত্বচ:। ত্রি চতুঃ পঞ্-ক্ষ্ণো বা পরতো হর্থণ তমাবছেৎ । যদা ধনিকেনাধ্মণিক জি চতঃ शक्षकृत्वा वा वः भ वानः श्वाहयशीः कि भूनःभून मिनानाता शीन न তদ্বাক্য পুতিহন্তি তদোত্তরকাল ননেনাভ্যুপগতো হ্যমর্থ ইত্যবং उनर्थ मृशिकाय मान्यामि-ः॥ इंडि व्यवहात्रज्वः॥ #॥ ग्रानकात्रविष्णयः। जन्य नकः । यथा। यकि तर्थावशातनः । उपाञ्जल यथा। यमि अमज मना-ग। नाखि म्राजा चंग मिजि युक् মিতো হন্যত: পুষাত। অথ মরণ নবশ্য মেব জভোঃ কিমিতি মুধা

मिन यमः ब्रुब्धः ॥ ইতি বেণী ॥

मः हातः । ইতি সাহিত্যদর্পণ ॥

गूग हे वर्द्धाने। ইতি কবিকল্পদ্মः ॥

व्यस्त्रश्रामः । हे यूक्याउ । ইতি

দুর্গাদাসঃ ॥

यूग॰ ही यूग्पः॥ क् जानिकाला छ छ -य ।। वृश्विनारभोषश ।। इस्त इनुकः 1 इंडि (मिनिनी ।। (एवाना॰ हाम्भ সহসূবৎসরেণ চতুর্গণ ভবতি। ননুষ্যমানেন চতুর্গ পরিমাণ বি•শতি সহসাধিক তিচত্বারি• শল্প । তত্ৰ সভ্যযুগম্য মান ১৭২৮০০০ বর্ষা: 1 ত্রেভাযুগস্য >२৯७०० वर्षाः । ह्यानत्रगुगनऽ ৮৬৪০০০ বর্ষা:। কলিযুগস্য ৪ ৩২০০০ বর্ষা:। ইভি 🕮 ভাগবত-মত ।। তেষা ভারতবর্ষবর্ডিত্ব বিবরণঞ্চ যথা। চত্ত্বারি ভারতে दर्स यूगानि श्वास्या २ तुत्रन्। कृङ॰ ত্রেতা দ্বাপরঞ্চ কলিস্চেতি চতুর্থ-গ ৷৷ পূৰ্ব ক্তযুগ নাম তত স্কেতা বিধীযতে। দ্বাপরঞ্ কলি-रिक्टव यूगानि भद्रिकन्नयम् ॥ हज्जा-र्ग्राष्ट्रः महमुानि वर्षानास क्उ॰ যুগ । তস্য তাবৎ শতী সন্ধ্য সন্ধ্যা শশ্চ তথা বিধ:।। ইতরেষু नम्बार्य नमक्रांश्निय् ह विष्।

একাপায়েন বর্ত্তনে সহস্থানি শতা-নিচা৷ ত্রেভা• ত্রীণি সহস্কুণি যুগ স'খ্যাবিদে। বিদু:। তস্যাপি ত্রিশ-जी मक्ता मक्तांभः मक्ताया मगः ॥ দ্বে সহসেু দ্বাপরে তু সন্ধ্যাণশৌ তু চতু:শতে। সহসুমেক বর্ষাণা দি व्यः करनी भुकी विंउ।।। हा भएउ ह उथारनऽ रेव मः খ্যা उक्ष मनी विভिः । এব। দ্বাদশ সাহসূী যুগ সংখ্যা তু স-জ্ঞিতা ৷৷ ক্ত- ত্রেতা দ্বাপরঞ্ক-লিশ্চেতি চতুর্গণ। তত্র সমৎসরাঃ সৃष्टा मान्या खामिरवायछ ॥ हज् तिः भेख्या बीनि क् उ॰ यूग माथाहाः তে। বি**শভিশ্চ সহসু**াণি কালো-ছেষ চতুৰ্গ: ।। পৃথক্ত্ৰেনেছ ব-ক্ষ্যানি ভু নিবোধত। নিযু-তানি দশ দ্বে চ পঞ্চ চৈবাত্ৰ সংখ্য या।। अक्षेतिः म अङ्गुनि कृष्ठ• यूग নথোচ্যতে । অযুতন্ত তথা পূৰ্ণ দ্বে চানের নিযুতে পুন: ।৷ ষট্ত্রিংশছ সহসাণি সংখ্যাতানি তু সংখ্যবা। <u> जिञा युगमा मन्दिशमा मानूरमण जू</u> कीर्बिजा।। यक्षी भ उनस्मानि वर्षा-ণা মান্যাণি ভু। চতু:यष्टि সহসূণি বর্ঘাণা॰ দ্বাপর॰ যুগ॰।। চত্তারি नि-যুক্তানিসু্য বর্ষাণাস্ত চতুর্বাণ। দ্বাত্রি-শহ তথান্যানি সহসাণি তু সংখ্যা

যুগ

॥ अर्ड के नियुगः (भाकः मान्यग भुम्भिजः। এवा हजूर्गावस् मानु ষেণ পুকীৰ্ত্তিতা ৷৷ চতৃগু গস্য সংখ্যা তা সদ্ধ্যা সদ্ধ্যা শকেন চ। এবা हजुर्य गाथा जू **नाधिका (प्**कनश्च-তি:।। কৃত বেতাদি যুক্তা সামনো-রম্বর মৃচ্যতে। ইতি মাৎস্যে ১১৮ काश्यायः ॥ 🚓 ॥ यूनश्रको यथा । প্রান পর কৃত্যুগে বেতাষা জ্ঞান মধুর:। দ্বাপরে বক্ত মেবাহ मान भिक करनी यूरा ॥ बुका कृड ষুগে দেব জ্বেভাষা ভগবান্ রবিঃ। बाभाव रेनवज विकः करको कर्पा गरहस्दः ॥ वृक्षा विकृ ख्या न्र्राः সৰ্ব এব কলিম্বপি। প্ৰগ্ৰে জগ-वानुमु म्हजूर्वि शिनावश्क्।। व्याद्य क्ञ यूरंग वर्ष फलूब्रादः न-নাতন:। ত্রেভাযুগে ত্রিপাদ: স্যা দ্বিপাদে৷ দ্বাপরে স্থিতঃ ৷৷ ত্রিপাদ **হীন স্তিব্যে ত্ সন্তামাত্ত্রেণ**,তিঠতি। ইতি কুর্মপুরাণে যুগধর্ম কীর্ত্তন নাম २७ व्यथायः ॥ 🗱 । यगावकाता यथा । क्उ यान भन्न उद्योन किलिनानि सक्त वृद्ध। प्रपाठि महक्ताजा मः विज् ३ हिए इ द : ।। ह इ व दि बकारान (बडाया मिश म भुर्कु: । मुद्धाना॰ निगुरः स्वा भित्रभाष्ठि बगध्यः

॥ (वरम्यकः ठजुर्जनः कृषा नारा শতৈ বিজু:। করে। ত বহুল ভ্যো विषयाम सक्षणध्क्।। विषा छ षा-भारत वामा करन त्रीष्ठ भून स्तिः । किन सक्ती मूर् खाबार्ण ज्ञानवि পুড़:।। এব মেব জগৎ সর্ব: পরিপা-তি করোতি চ। হুন্তি চান্যেম্বনন্তাত্মা नान्त्रभाष्ठ। जिद्वा वर्षः ।। ইভি विकृ भूत्रात ७ जःम २ जन्यायः ॥ #॥ युगधर्माखद्र॰ यथा। दिक्रमिनि क्वाह । करनो यूर्ग मशासाम ममायाउ मूनाक्रा । ভবिষ্যप्ति बनाः मर्ख कीम्णा उद्यम्य (म।। ब्राम छेवाछ। আদ্য সভ্যযুগ পাল্ স্তত স্ত্ৰেতা-স্বয় যুগ। তভক দ্বাপর বিপু किन भस्तुः विदू वृंधाः ॥ कृष्ठ धर्म **भ**ठिष्ठारः अवंधर्णतेजा सनाः। वर्गाः भुमाहात्रत्रण खरमा युजमतायगाः ॥ नात्रायगाईनभन्नाः त्नाक व्यासि বিবর্জিতা: ৷ সত্যোক্তিভাষিণঃ अरर्व अम्या मीर्घजीविनः ॥ थन था-न्यापि मन्त्रमा हि॰मा पञ्ज विवर्क्डि-তাঃ। পরোপকারিণ সৈচব সর্বশা-জ্ববিদ তথা ॥ এবিশ্বিধা: সত্যযুগো मर्ख (जाक) बिरकाउन । त्राक्ष्यर्थ गुाहिनक ज्लाना बनलानिनः ॥ অহে৷ সত্যুগস্যান্তি কঃ সংখ্যাতৃ

लगान् कनः। व्यवर्गाहद्रगः उब क-না: কেচিম্নর 🕽 ।। 🗱 ।। ত্রেতাযুগে সমাযাতে ধর্মা: পাদোনতা গতঃ । यन्नाङ्गनाञ्चित्रा (नाकाः (किटि **८क्**ठिम्ह्या**ण्याः ॥ विक्**र्वामद्रञा लाका यक्तरानभन्नायगाः । वर्गाम् মাচাররতা: সৃথিন: সৃহচেতস: ॥ कवा ज्यिल्लः भूमाः नर्स वाक्रा সেবিন: ৷ ব্ৰাহ্মণাশ্চ মহাত্মানো বে-मर्विमाक्षभावणाः ॥ भुजिगुरु निवृ खाक अञ्जनका बिख्नियाः। ञ-ৰপা বুজরতা নিত্যু দাতারো বিষ্ণু সেবিন: ॥ কালববী তডিত্বাণ্চ জিয়: সর্বাঃ পতিবুতা: । বসুন্ধরা চ শার্গাচ্যা প্রাশ্চ পিত্সেবিন: ॥ 🕸 ॥ ত্রেভাযুগস্যাবসানে দ্বাপরে যুগ আগতে। দ্বিপাদে। ভূতবান্ পর্যা: সুথ দু:খান্বিত। নরা:॥ কেচিৎ কেচিৎ পাপরতাঃ কেচিদ্ধর্মরতা खया। (किंहिंट किंहिंट खेंग शैनाः কেচিৎ কেচিম্মহাগুণা: ॥ অভ্যস্ত দু:থিন: কেচিৎ কেচিচ্চাভিধনা স্ত থা। পুতিগ্ৰে বান্ধণাশ্চ কদা-हिट वर्ता अपृशाः ॥ जूज्जा भ लाखन कराहिष्युष्ठ रू বিষ্ণুপ্জাপরা বিশ্যুঃ শূদাশ্চ . এ সেবিনঃ ৷৷ তদা বিঞ্চ ব্যাসক্রপী বেদ 🖟

**ভাগ• চকার হ।। #।।** कालहाता : विर्भुन्नु नर्वभारिकमन्त्रिक्ति वरः भारता २७वक्तर्यः भरतं 🦠 अस्य 🧓 बनाः ॥ द्राज्यभाः कवियः 🕬 📆 **ण्माः भाभभवायमाः । 🕆 💯 🗟** विशेनाक ভविष्ठान्ति करले 💥 👭 विशा विषविशीनाक शुलिशुभ्भक्षः যণাঃ। অত্যন্তকামিনঃ ত্রা ভারি बाडि करनो यूर्ण।। श्रद्धाः भाग्यः নিত্ত্য তপো বৃতপরাদ্মধ্য:। প यश्चमक् व्वाण ভविष्ठ किली যুগে।। বিভার্থ• ব্রাহ্মণাঃ কেচিম্মহগ-কপটধর্মিণ:। বল্লাধরা ভবিষ্যন্তি किं हिलाः भागुशात्रिनः ॥ कलो यूला ভবিষ্ঠান্ত ব্ৰাহ্মণাः শূদুধৰ্মিণঃ। শুদাশ্চ দীক্ষাগুরবো নিত্যা বাহ্মণ श्रिमी: ।। कलो याम्राष्ट विर्धा উত্তম। অপি नीठ्याः। नीहाः दन मन्भन्ना यामाऽञ्जाहभनः भुष्टि ॥ भु **माग्रञ्जूश्वकाद्विञ्जा माना**नि ल**क**् **ল। জনঃঃ ।** যুজাদপি চ নেব্যন্তি বুষ লা বিপু বর্ত্তন ।। মিত্র স্থেন্র দিন न नाक कि करनी कनाः

ত্রির্বাভারে। **ধর্ম**রুদ্ধিরিধান ावक **॥ भारताक्वनिम्काः** अवस्ति **जः**शृथ हिनुष्यापिनः । श्रद्धाः हिन् त्रका रेक्षं द स्थितवहन् विषः ॥

छितिया छि करलो विश्वाः भत्रविद्धाः विनावितः । गृहमाया छ मेछिथिः ममात्राष्ठा विश्वानजः ॥ श्वरत्वा छाकः विया छि नत्रा ज नत्र कछागिनः । श्वर्णाः भक्षीविनरेण्य छित्रपाः मर्ख छिर्याः भक्षाः मर्ख छिर्याः भा छोि छो। श्वर्णाः । मृने छि छो। छामाः सामिनकः न मः भयः ॥ किमिन् विकारः भूषि विश्वेनद्वाः मतः भूषि विश्वेनद्वाः भ्रात्वाः भूषि। भ्रातः भूषि विश्वेनद्वाः भूषि विश्वेनद्वाः भर्ताः विश्वयमः ममः । करलो मर्ख छित्रप्रकः मता विश्वयमः ममः । करलो मर्ख छित्रप्रकः मतः मृष्कि विश्विज्ञाः ॥ उत्राः विश्वविद्याः विश्वामः स्वर्णः प्रकर्णः न्याः छत्रवः विश्विज्ञाः ॥ उत्राः विश्वविद्याः विश्वामः स्वर्णः अस्तर्थः विश्विज्ञाः ॥ द्वामः विश्वविद्याः विश्वमः स्वर्णः अस्तर्थः । विश्वमः स्वर्णः स्वर्णः अस्तर्थः । विश्वमः स्वर्णः स्वर्णः अस्तर्थः । विश्वमः स्वर्णः अस्तर्थः । विश्वमः स्वर्णः स्वर्यः स्वर्णः स्वर्यः स्वर्णः स्वर्यः स्वर्णः स्वर्य

श्वा । একেন মনসা विश्व मुम्ट कथा अया ॥ विश्व छिल-मठा भूगा न किकि विकत छ-विष् । इंडि छ कथि मर्ब विक् नुष्मा मल्य ॥ यह भुषा छिल छात्यन नत्या भाक नवाश्च याह ॥ इंडि भाष्म कियात्या गमात २६ अ-थायः॥ ॥ जिम । कृत्छ धर्म फ-जुम्नाह मठा मान छला म्या। धर्म भाजा इद्रिः (चंडः मछक्षे। छानित्या नद्राः ॥ ठज्वर्ष मह्मानि नद्रा क्षीय छि वे छम । क्छा छ क्षिय विंभू।

विर्म्माण किला विका ॥ भूतमा পুণতি: পুলো বিশ্লী: ক্ষত্ৰণ কৰান হ ॥ 🗱॥ विञायूर्य विभावर्षः जुड मान म्याञ्चकई। नेत्रा यञ्जलद्रा ख-মি তথা ক্রেটের জগৎ ।৷ রক্তো হরি ন রৈ: প্জেগ নরা দশ শতাযুব: । उज विक् जो भद्रथः क्विरग द्राकः मानहन्॥ #॥ विभाइ वाभात वर्षः পীততাঞ্চাচ্যুতে গভে। চত্: শতাযু বোলোকা দিল ক্লোভরা: পুরাঃ ॥ उमा मृक्षान्नवृत्ती । विकृ वंतान बक्रभध्क्। छारक्छ यकुर्दभ॰ ठजू-र्थ। विভन्न भूनः ॥ निष्ठानश्राभन यामाम नामछ खान्निरवाश स्म । अ-एक नथ लोलखाः नामत्वस्य रेज-भिनि ।। अथवीन म्मड्ड यज्दिन महामूनि । दिनम्यायन म छ छ भू-রাণ স্তমেব চ।। অপ্তাদশ পুরা-गानि (ययू रेव इति त्रव हि। नर्गक প্তিসর্গক্ত বংশো মন্বন্তরাণি চা वः भानू हित्र उरिक्षव भूतानः भक्ष ल-ক্ষণ। ব্ৰাহ্ম• পাদ্ম• বৈষ্ণবঞ্চ শৈব• ভাগবত स्था। ভবিষ্য नात्र नीयक भूतानत्कि विखत्र ॥ मार्काख्य তথাগ্ৰেম্ বৃদ্ধবৈবৰ্ত্ত সেব চ। কৌৰ্ম-गाष्म्राः गाक्ष अक्ष वाग्वीय ननस्त्रः ।। यश्रीमा मगूरिक तुका । विकि

ण জিত। অন্যান্ পেপুরাণানি মু-निज्ः कथिजानिङ्ग जाम् अन्य-क्रमाह्माक निव्याभिक मथाभन । ত্তीय काम्स भूषिक न्यादान जू ভাষিত।। চতুর্থ। निवधयाथा। मा ক্ষায়ন্দীশ ভাষিত। দুর্বাসসোক माण्डयं। नात्रामाक मठः गतः ॥ कानिन॰ वात्रनिक्व जेल्यवाननस्त মিত। ৰুদ্ধাও বাৰণকাথ কালি-কাহ্য মেৰ চ॥ মাহেশ্বঃ তথা भाष्य भोत्र जर्बार्थमक्य । भन्ना শরোক মপর• মারীচ• ভার্গবাহ্ব-श- ॥ भुद्रागः थर्मनाञ्चक दन्ता छ-क्रानि युज्युरन । नुरायः स्मीनक भी-ना जायूर्बनार्थनाञ्चक ।। गाम र्ज्ञ वनुर्दिष्त विष्ता श्रष्टीम् गृजाः । ঘাপরান্তে স চ হরি ভূবে। ভার भभार्त्र ॥ 🗱 ॥ এकभार ছिত्ত ঋর্মে কৃষ্ণভাঞ্চাচুয়তে গতে। জনা .. खमा मुद्राहाद्वा ভविष्ठिह निर्म्ह्याः া সভূ রঙ্গ স্তম ইতি দৃশ্যন্তে পুৰুষে छ्गाः । कालमत्कापिका एउ २ शि পরিবর্ত্তর আত্মনি।। পুভূতঞ্ব यদা जकु मता वृक्षीन्त्रियानि ह। **उ**दा-क् ५ वृग॰ विन्ताम्। ति छश्राम यमुजिः ॥ यम कर्णम् कार्यपृ म कि वंगमि ॥ দেহিনা । তদা বেতা র্লোব্ভি

ব্লিতি জানীহি শৌনক॥ यर खुमर**खाँ**रयाँ नारना मरञ्जा 🥫 🤐 🕒 जतः। कर्यागाकाणि काम्यानाः वाश्र **ब्रञ्ज खबः।। यना जना**न्छः छ*ु*ै निन्। इिंगानि माधनः । स्नाक भाइ खय रेमना म कविस उमा क्छ:।। यसिन् जनाः काभिताशि भेषट कर्तृकछाविनः । एक्ष्मिति बननमा (वमाः नायअमृति 🎏 🧦 রাজানক পুজাভকাঃ শি 🐃 পরা দিলা:। অবুতা বটবো ধশৌচা ভিক্ষৰক স্বটুম্বিন: ৷৷ ওপম্বিনো গ্রামবাসা ন্যাসিনো নিত্য খালুপাঃ । হুৰকাষা মহাহার। শেচী গ্রন্থান ৰুসাহসা:॥ ত্যক্ষ ন্ত ভ্রাক প-তি॰ ভ্ত্যু॰ ভত্তার এব চ । শ্ বুঃ প্রিগৃহীষ্যন্তি তপোবেশে।গড়ী বিনঃ ॥উদ্বিশ্না শ্চানলস্কার 🖯 🏁 🕦 **ठ मम्भाः शुकाः। यशाउ** (क्राज्ञस्य नानि प्रवजाजिथि भूबन । कि यां करणो भारत नह शिरधानक किया। जीभद्राक्त जनाः मर्स्य म् भाषाक लोनक॥ वरुभुजान जाः গ্যাশ্চ ভবিষ্যম্ভি কলৌ ক্সিবঃ শিশ রঃ কণ্ডুগনপরা আজ্ঞাণ ভেংসালি নৎপতে:।। বিহু ন পুছানিষ্যন্তি পাৰ্ভোপ্তা জনাঃ। কলে টেন্ছ

নিৰে বিপু অন্তি হেকো নহান ও-পর• বুজেৎ। কৃতে যজ্যাশতো বি-ষ্ণু॰ (ত্ৰতাযা॰ যজতঃ কল•।। দ্বা भारत भारत हार्यायाः करनो उष्हरि कीर्जनाए। जमाक्रुखाश इति नि गाक्छ गुगवर्गाः २२१ व्यवतायः ॥ ষ্ণাঃ পু॰ রথহলাদ্যক্ত। জোযালি ইতি ভাষা। ইতি মেদিনী॥ यूगकी नकः भू यूगका क्षेत्र की नकः। জোবালের খিল ইতি ভাবা। তৎ-পर्यायः। भगार। ইতাসরः॥ युगस्तदः भू यजद्रथमऽयूगकाक्ष्मामः জ্ঞাতে তত্র। রথস্যাখা যত্র বধ্যন্তে তদ্মুগকাপ্ত তদ্মুগ ধরতি যুগন্ধর:। ইতি ভরত:।। उৎ পর্য্যাयः। ক্রয়: ২।ইত্যুমরঃ॥পর্তবিশেবঃ।যথা । नियाया भाना वान् विस्त्रा (इसक् हि। यूगक्ततः। इंडि मक्ततः।वनी।। यूगशर वा अकरा। अकवालीनः। इंड्राज़ः ॥ यूगमाः भ् काविहात्रवृक्षः। इंडि यूगाः मकः भ् वरमतः। इंडि হেমচনদু:।। गुग्म পর্ণক্ষমাত্রগ।। হারাবলী।। যুগবিভাজক ।। যুগপত্রকঃ পু• **ই**ज्यात्रः ॥

ত্রিকাও**শেষঃ।।** गः ॥ कीर्डनारम्य क्कना गूर्कवकः । यूगमार्थणः भू अङ्गामार्थः नाकनः नार्यवाकारगीः । नारिवाधागक इंडि ভारा। इंटर्भर्गायः। भूक्ष-वार् २। इंडामद्रेर ॥ 👌 -যুগল জী যুগ্ম। ইত্যমর:।। जाः (वायः भूजाम भोनक।। इंजि युग्नमञ्जः भू वन्त्रीनाह स्पृत्ति मञः। यथा। हेन इंट्नुः भन्नमः वस्त्री नात्रायगास्वयः। त्राकः स्वरा-পি বক্ষ্যামি পুপত্তি শরণাগতিত छा॰ वृवीनि छ। घगाट **भत्र**छत्र॰ থर्गः नाखिलाकिष् किक्नन।। সর্বে-याः क्ष मञ्जानाः मस्या गुनन मः-জক । মজ হি সর্বতঃ শে্রেণ্ড क्ष बन्ध मनुख्य ॥ मईए यूग-वा नवा कार्क भन्न जन । গুহাদ্গুহতম জাতু জ্বেশ তত্ত-मुनामरेकः॥ ইতিপাদ্মোত্তরখণ্ডে २७ व्यथायः ॥ युगवाथाः शुः वर्त्रग्कः। ইতি े त्राजनिर्दण्डः ॥ यूग्यनामकण्डः ॥ काविनात्रवृक्षः। यूगान्तः शृ भूनयः। ই ि इनायूषः । ॥ यूगान्यमः॥ যুগপ্ৰিকা জ্ৰী শিংশপাবৃক্ষঃ।ইতি যুগ্ম লী ছবং।যোডাইতি ভাষা ?

छ८ भर्यायः। इन्द्रः २ यूगनः ७ यूगः 8 । इंडानद्रः 🖟 विजीय ठजूर्थ वश्राक्षेम म्मम बार् त्रीतामयः। यथा। क्रा २० (मोम्डिक् वा २ इना ह अता २ थ गूप्र स्विवेगः नगण । एत छित ब्राज्यक नामख्वा भिवान्या २ मी ্ক্রস্প: পুদিষ্টা:।। ইতি জ্যোতি-खड़ ।। भिनन । यथा। यूगानि क्ठ ज्ञानि व्यात्रा व्यू ब्रक्त्याः। क्षम् । हारभी युका ठज्रमा । १ श् र्शिमा ॥ भुजिनराभामावामा। जि (थ्रा यूनाः महाक्वः। वज्रहाखः महारवात रिष्ठ भूगा भूताक् उ ॥ দ্বিতীযাতৃতীয়য়ে শতুর্থ পঞ্চ (म्राः वंशेमधान्त्रा ब्रह्मीनवाम्या त्रकारमीबारत्मा करूपमी (भी र्गतामाः भुजिनस्मादामारया यू-ণ্ম भित्र । তত্ততিথি মাত্র নি মিত্তকে কমণি মহাফল । এउৎ পুযোজনস্ত তিথিবিশেষ বিহিতে ক্মণি ভিথিখগুবিশেষ নিয়মন । खिंख्या क्यानिवार जहाय ভাবেনান্য তিথ্যনুপুবেশাদুপবা-

যুশ্পনঃ পু॰ ব্ৰক্তকাঞ্নন্দঃ।ইতি अद्भावा।। यूगवभाग की।।

**७**नः ॥

जान्त्राहद्गपक्ष । ইতি তিথ্যাদি-

यूग्मभिका की णिःभभाव्कः। इंडि मद्मद्भावनी॥ युग्राभर्गः भू काविमात्रवृक्षः॥ म-প্তপণ্ৰুক:। ইতি রাজনির্ঘণ্ট: ॥ यूग्रकना जी इन्मुहिर्ভिष्टी॥ वृष्ठि-काषी। इंडि ताबनिर्घणैः॥ गिक्त কা। ইতি রত্নমালা॥ তিথিখওবিশেষ महा एत्। यथा १८/ भक्षमी मधमी रिट्व आदिना वि-

শেষতঃ সাধাহ্ব্যাপিডিথে গুহ-भार्भवारम श्रिन न ताजि युग्नास्त्रः । ইতি তিথ্যাদিতত্ত্ব।। অস্য বিব-त्रनः यूग्मनात्म मुष्ठेवाः ॥ युग्रा रत्न को गृग्र जिथिभ्काजा।

यथा। जिनका वता भिनी या जुटेनव পূজ্যা সদা তিথি:। न তত্র যুণ্মাদ-त्त**ा सम्रा**व रुद्रिवामद्गाष्ट्र ॥ इंडि **डिथ्रा** मि उद्धुः ॥

यूग्रः क्षी वाइनः। यानः। दे अप्रदः॥ यूग्रः भू॰ यूगरवाछ।। ইত্যমরः॥ यूष् भू॰ यागकछ।। भिलनकछ।। इति मुक्षः वाधवता कन्न ॥ यूर्श थ्रे वनमङ्द्रकाञिविष्णयः।

সত্ গঙ্গাপু একন্যায়া • বে**ল্**থারি-(१) काउ: । यथा । गक्षाभू भन् कारायाः वीर्यात (वनवादिनः ।

बज्बत्यभवात्री ह भूत्या युकी भुकी-र्विजः॥इंजि वृक्षरिवर्र्व्यक्षथणः॥ যুছ পুনাদে। ইতি কবিকল্পজন:॥ व्यष्टशादातिः भक्षमत्रत्री । भूमाः দো ৎনবধানতা। যুছতি পাপেসা-धुः। ७४।वर्गाम्यानि त्रिजि त्रमानाः थः। भठारिषादिन भूहा वाज्वः। ওধ্যবর্গশেষাদি রিতি ত্রিলোচনঃ मूहि । इंडि म्गानामः ॥ युः कि अभ्यम् ॥ यूष्ठो । इंडि ः विकन्नफ्रमः ॥ ज्रष्टशान्त्रानिः। कि যোজয়তি। যোজতি। সংখ্যো ব श्वनः। ইতি मूर्गामामः ॥ যুদ্ধ ইর ধঞ ঔ যুতৌ। ইতি কবি-कन्नकभः ॥ इत्र व्ययुद्धः व्ययोक्तीः । ४ यूनिक युर्दू घ्राजनाम लाकः। 'ঔ योका। ইতি দুর্গাদাস:॥ यूज य 🗟 ७ अभार्यो। इंडि कवि क्लुक्नः ॥ मनाधि (यांग्र) ভाবः। य ७ त्रयमूमा नियुष्ठाउ । ইতি ह्वा-. यूथः। ७ (याका । ইতি দুর্गाদাসঃ॥ যুজ ডক নিন্দে। ইতিকবিকল্লছনঃ ॥ क ड (याजवर्ड। इंडि मूर्गामामः युकानः भू नात्रिषः। ইতি म क्रिश्च-नारत्रानामिन् जिः ॥ यूष्को श्र अधिनीमभातो। ইতি जि का अल्यायः॥ विज्यविष्ठनारश्चायः॥

युक्षानः भु भावभिः॥ विभुः। ইতি (मिनि ।। ভাবनामहकात्र्वनमञ् छः। यथा। /ीागरजा विविधः ल्याका युक्त नि (जन्छ: । यु-क्रमा मर्बरा किष्ठामह क्रा श्नतः ॥ इंडि जीवानीब्राह्मः ॥ যুক্তস্যেতি যোগাভ্যাস্থরগ্রা-वनीक् ज मभावि मभामा सिट्डी वि-বিধ সিদ্ধিযুক্ত ইত্যুচ্যুতে অয়নেব विणिष्ठे यागवज्ञा युक इंजाहा-छ। मर्बापि छिष्ठामञ्कातः वि-तिकार्थः। जानः मर्वविषयानाः शु-**७**ऽकः। जभाता युक्षानः। विषय व्यावृद्धा मानम ममाधिष्टः। व्यवष् যুঞ্জান উচ্যতে । চিম্ভা ধ্যান ত-দেব কারণ তৎসহকারাৎ স্থা म्य वावश्उ विभुक्षानशान् गनः পুত্যক্ষীকরোভীত্যর্থ:।ইতি সি-काष्ठग्ङावनी॥

यूथ क्ली निम्ता। युडक नित्म इंडऽश्राष्ठात दिश शुडारयन निव्नमः॥
यूथ खी यूकः। इंडानतः॥
यूड बाड मीखी। इंडिक विकन्नक्रमः
॥ श्राय्याउट। उत्पाउटा इंडि
मूर्गामामः॥

युजः क्री रुखठज्क्षेयः। ইजिलिनिशा युजः बि युजः। अপ्थण्ड्उः। इंडि मिरिनी ॥

युडक की निश्वा युग ।। नाती

युडक की निश्वा युग ।। नाती

युडक । इंडि क्यामिरिनो ॥

रिग्डीकत्र १ के कि मिरिनो ॥

स्वीय स्थित है । हे जि स्मार मुना ॥

स्वीय स्थित मुना गु । हे जि नाना थे निस्ति ।।

स्वीय स्था मुना गु । हे जि नाना थे निस्ति ।।।

युष् अति युष्तः। इंडाप्रदः॥ युष्यः क्ली (याध्रनः। नाउ। हे हैं जि ভाষा। তৎপर्य्यायः। व्यारमाध्नः २ जन्यः ७ भूषनः ८ भूषिनाद्रगः ৫ मृथ ७ बाक्रन्सन १ म था। **४ म**नी क > ज्ञाम्भद्राधिक > > जमद्र >> **अनीक )२ द्रगः ३० कनरः ३**८ বিগুহ: ১৫ সংপুহার: ১৬ অভি-जन्लाङः ४१ कलिः ১৮ मःस्यारिः ৯ সংযুগ: ২০ অভ্যানদর: ২১ স नावाजः २२ मःशुमः २**० अन्।** भनः २८ जाक्वः २**८ मगूनायः २५** সংয়ৎ ২৭ সমিতিঃ ২৮ আজি:২৯ मिष्ट ७० यूट ७५। इंडामद्रः ॥ न बादः oर जानाहः oo मण्डाता-गकः ७३ विमातः ७६ मात्रगः ७५ मः য়িৎ ৩৭ সম্পরায়: ৩৮। ইতি শদ রহাবলী।। তীক্ষণ ৩১ সম্বরীয়ণ ৪০ বলম ৪১ আনর্ড: ৪২ অভিমুর:৪১

मगुन्यः ८८ । ইতি करी बद्धः ॥ 🕸 ॥ यूष्क वर्णनीयानि यथा। हम्म > वर्ष २ वन ० हतः ८ श्राः ৫ ज्राप्यनः ७ ति इनामः १ भवम् ७ न ५ द्रकः निभी २ हिमह्यः २० तथः २२ हामतः ১২ হন্তী ১৩ অশ্ব: ১৪ কেতু: ১৫ विमीर्वसञ्ज कर्खिसञ्जूका ७५ वृऽ-হরচনাবস্থিতসেনা ১৭ সুরপৃষ্ণবৃ-ষ্টি: ১৮। ইতি কবিকল্পলতা।। #।। অথ যুদ্ধ ফল•। জগ্নিষ্টোমাদিভি र्योख बिश्वा विश्वा पिकरियः। न তৎফল মবাপ্নোতি সংগ্রানে যদবা-श्रुयाए । इंडि यख्डविमः भुा ह र्यङ कर्णविभावनाः। उचाउएड भूव-ক্যামি যৎকল শস্ত্র জীবিনা ।। ধ।। यूष्क मत्र कन यथा। वर्मनाञा श्र्यनाज्य यामानाज खेश्य ह यः भूति। वर्ष्ठाउ युष्क विमृहन् शत-वाहिनी ।। यम् श्रमार्थ कामो ह यञ्जेष्कित महिक्षाः। পর ছভि-মুথে হত্বা তযোঃ পন্থাধিরোহতি।। ্বিষ্ণোঃ স্থান নবাপ্মোতি এবং যুধ্য-ন্ রণাজিরে। অখনেধানবাপ্নোতি চতুর ত্তেন কর্মণা ॥ যস্ত শস্ত্র• স-मु भू का वीर्यावान् त्राविनी मूर्थ । সন্ম্থে। বর্ত্তে শ্রঃ স মর্গায় নিব-রতে ॥ রাজা বা রাজপ্থো বা

সেনাপতি রুথাপিবা। হতঃ ক্রেণ यः मृत उत्र (लाका २क्सरमा धुतः ॥ ষাবন্তি তস্য গাত্রাণি ভিন্দন্তি **শত্র**-भारत। जावजा लज्ज ज्लाकान् मर्व कामपूरका २क्कगान् ॥ वीवामनः वी-ব্লশ্য্যা বীরস্থান স্থিতিঃ স্থিরা। গ ৰাৰ্থে ব্ৰাহ্মণস্যাৰ্থে গোস্বাম্যৰ্থে চ বে হতাঃ ॥ তে গছন্তানরস্থান য়ে-সু**্য সুকৃতিন স্তথা। অভ**গ্নো **ষঃ পর**• रेमनाः ७:१क भित्रक्षि ॥ शृक्ष হিতঃ পাল্যতি সোপি গছ উ ত मुं जि॰। व्यनु छीर्ग खथा महाः श्रामा-ন্য স্তাজতে যুধি॥ হতক স্পতে युष्म न मर्गाम निवर्ज्छ । मर्ष्ट्रिङः শৃক্তি রাপি তথা শ্লেছ শ্চ তন্ধরৈঃ ।। স্বাম্যথে যে হতা রাজ স্তেষা श्वर्गा व मः भाः । भाषा ग्रिना मूनिर्फ्-भाः चग्रह o हुराउ। यमि ॥ म•ग्रा-**না**ন্মি্যতে রাজ স্তস্য সর্গোন সংশ-যঃ। ভবেন লজ্জ্বা বাপি স্লেছেন চ রণাজিরে ।। সমূথে। মূিষতে রাজ•া छना प्रर्गा न मः गयः। यमु जिमी कृ उः পাজ্রণ শর শ ক্তৃঞ্জি তোনীয়েই ৷৷ দেব कन्। ख उ॰ वीतः त्रामयिख त्रविष्ठ । বরাপ্সরঃ সহস্যাণি শুর মাবোধনে হত।। ত্রিতান্যভিধানন্তি মম ভ র্ত্তা ভবেতি চ। যত্র তত্র হতঃ শ্রঃ

मज् जिः পরিবে ४ ।। अक्यान् म ভতে লোকান্ युदि क्रीवः न ভाষতে । बिल्जन नजुर्क क्रिकी म् लिमालि जुद्राक्षनाः ॥ कृष्ण विश्वः जिनि कारय কা চিন্তা মরণে রণ্ডে ব্রুস্যাভি मूबङ्ग्र (य रैकाका न निरेर्डिनः ॥ इ.उ. भाषामि विभावि प्राप्त कन हि उ९। श्वानास्त्रियाउँ नद्र-পাপতে চ রাজ্ঞে। বিপত্তৌ দিজ সা-र्थवाट ।। खी वान वृक्षाकन लाग्-रू ह भज्र मुनीनामिश शावनीय । याः यद्धः मःदि उभमा ह विश्राः सर्गिविता यव न देव भुषा छि॥ कृता-ম তা মেব গতি৽ পুষান্তি নহাহবে याः जन् मःज्यबद्धः। मर्वाः क (वः मान जूमक् छ द्वारकः जाः थ क एवा-गक्ष वरन विवासः॥ এ: छ खना এकः পদে পুবিষ্টা মন্থাহবে মাণ ভনুণ সং-**ज्यास्यः । इमा॰ नित्र॰ (वस्वितः** শুভাক্ষাণ সুভাষ্তাণ বৃত্রভিদা निरवोकना ।। हम् मूर्थ यः स्वतः দৃঢ় মৃতি নহন্যতে হস্তি চসে। পি বৈ-রিণঃ। সদা পুণ্যতমঃ স্বর্গ্যঃ সুষক্তঃ সর্বতো মুখ: ৷৷ সর্বেষা মেব বণানা ক্ষতিবস্য বিশেষতঃ। ভ্ৰ শৈচৰ তু वक्काशि **द्वनथर्याः जना**खनः ॥ गामृ-गाय भूवर्खवाः याम्भः भन्निवर्जायः

। व्याउटाविन नाशास मिन (वहा-स्ट्राण विद्याः मस्य विद्याः मी-याम (उन युन्न रा क्ट्राण कर्त । (काहस्य मजनानिस मुहन विद्या यहि॥ सन्। सन्। वृक्ष रा कायस्य रिस्ट रेट

े 📆 गृत्र (म ॥ वहः मः त्था न्न-**ल्लु**ष्ठ कार यद्धि जनाज्यन । विद्रश् বিগত ব্যশ্ব বিবর্ণ বিমুখস্থিত। ॥ यूकारभारहा रुवा युक्तर। कारए नतः। विषक्तः विश्वनुक्रकः जः छी। १ सी जि वाहिन ॥ वर्ग मार्थ। মুতা তাত্ত হত্বা স বুক্ষছা ভবেৎ । थन्। हर्टा न रुखरा। वाला वृत्का नशुःमकः ॥ छवारः भुवह-মূত্র শকৃৎকৃতো হথ ভীরব:। जनारमञान् भित्रहरत्रहृत्ता धर्म ह जाः वद्र: ॥ मभाग् यद्धः कनञ्जीहन् स्वातो वृक्षश छत्यः। नक्रास्त्रिश नम्बिस येकः कव् नरे म्भाः॥ व्याजा (रह भित्रजागः कर्ब् गुर्क সুদুষর:। বুদ্ধহা শ্বাতে ংশুদ্ধা (१२ ७ जुन द्रशासित ॥ न मुक्ते द्रश ভগানা পতে কচিমহাপথাৎ। সং ्रगामं गूबारा वजीः कीर्जिः नार স্পতি তথা ৷৷ ভগুন্য তে হপি নশ্য खि **महाम**ञ्जासहाद्ग्राष्ट्र। उमार

माजान राष्ट्र किकिट किगाज जहां उ भुरः॥ युक्तः सानः वुकः वाशि नः-गाम न्य गलम । इन्डारम् विक्-न्त्रात जन्गाम भूभ-मा॥ स॥ व्यव युक्त निर्गरः। यजायुक्त धुनः नात्ना गूष्क जीविज मः नयः। छ॰ कान म-क युष्क मा भूवमंडि मनी विगः ॥ व्या-(बामरय विश्हीया कारा नाजा বলে যদি। ব্যসনেচ পুহর্ব্য শরে न जू विभर्यप्रय ॥ ऋगः द्वाङ्का न रयाः জব্য থেপি শজাজকোবিদঃ। মৃতা যুদ্ধের দৃশ্যন্তে শক্তি চ্যু: শক্তিমন্ত-जाः ॥ त्रथगूषाः जामाराता विवास रुखिनक्तः। व्यथ्यूकः भारतोत्मा পতिगुष्कक मूर्गाम ।। व्यक्तारा गर्ब-युकः नामाभायकः जनश्रात् । नः इंडा रगायस्यम्नान् कामः वि-खात्रविष्ट्रम् ॥ স্তীন্থ भनीकः जाः मन्नः हि दङ् छः मरु। यानि शका-শত: সূরান্ নিমুন্তি পরবাহিনী ।। যেপি ৰা পঞ্বট্ সপ্ত সহিতা: কৃত निक्याः। अ।। अथ युकामन निर्गरः । जन्र हाद्रा विशक्ष विश्र्यानन মুচ্যতে। অগ্নি॰ বিগৃহ্য বা ছান॰ বিগৃহাসন মুচ্যতে !! অরেশ্চ বিজি-গীখোল্চ বিগুছে হীয়নানযোঃ । স-क्षाव यमवद्यानः अकायामन गूठ्याः

11 उपात्रीत मध्यम वा नमात शुंख भक्ष्या । এकी ज्य वावशांन ने अ যাসন মুচ্যতে ॥ সর্বেবাণ পুর্টিজ ननः निषदाष्ट्रेमः लक्ष्यः। এउट প্রীভ্যাসন নাম সর্বাসন মহত্তরং श 🛊 ॥ व्यथ घन्म युक्तिः। त्राख्डा ब्रमः निष्ट् वनः धनम् (भव वनः वनः। ष्मभान्न वलवान् त्राका शिदा धन्य वनार्खादर्।। उथाह। এकः भेउ॰ যোধ্যতি পাকারছো ধন্র্রঃ। শত॰ দশসহসাণি তমাদুগণ বিশিষ্যত II অকৃত্ৰিম• কৃত্ৰিমঞ্চ ত**ে পুন** দ্বি-विषे । योद्य ग्रिक मृतिक म्मृ গিরি নদ্যাদি সংশ্রিত।। অকৃত্রিম নিদ॰ জ্যেশ দুলাই। নার ভুভুকা।। শ্রাকার পরিখারণ্য সংশ্রুণ যক্ত বেদিহ।। কৃতিম॰ নাম বিজেষ ল-ह्यानहास देवित्रगाः। 🗱 🛚 व्यथाकृ विभ इन्द्र गुकिः। अञ्ड विखीर्ग भित्रा पूत्राद्वारुः जकाननः। ज छ-লাশ্য সম্ভার ভোজ্যদূব্য সমাশ্যঃ ॥ मूथिनः मद्राणा हमः भईजात्था भशेज्जाः। नरम्। भजीत्र विखीनी শ্চতুর্দিক্ষু ব্যবস্থিতাঃ ॥ তন্সধ্যে ভূ-भुरम्हा । या नहीं बन्तुः न उठाउ । यरान। हिन्न कालीन मृलङ्घ विशि-नारिकः॥ उत्रध्र द्रिष्ठा जूनि हन्तु-

त्राः नृर्व वात्रयः । बन्तृत्वन समापि-क्षाः नित्रभा वङ् यापनः ॥ विनान শাল সুঘন বহুকটকৈ সন্ধটা। हन्दृद्धन जमाहिष्ठः विखीर्गः विषमः वन ।। व्याषात्वा वश्रमातानि कन्त-त्त्रान्न खन·<u>भ</u>्दन्। हम्मृत्वन ममृद्धिः न पूर्वाञ्चा हि ज्जूबा ॥ नर्वाः भ-রিখা॰ কৃত্বা নিবন্ধোপরি কন্দরে । তজ্জন প্লুত দেশত্বাজ্জন দ্বন্ণ ত-मूठ्राञ ॥ विषामजात्व निम्नम् ज्नु-हिमान् वक्षनाट । वर्षा मूनगां वी-রি জলম্বন্দৃ ততো ভবেৎ ॥ এত-যো রপি সংমিশাৎ সংমিশু দ্বন্দু মাচরেৎ। আশ্রিত্য কৃত্রিম•দ্দদৃ• ব-লবদৈরিণো দিশি॥ অন্যত্র কৃত্রিম॰ षमु॰ कृदा नद्रभाक विश्मय । द्रथ-পতि यह। विश्वी इन वन्तृ • जना हरत् ॥ गजायनाथ (करिषती जनवन्तृ • उ माठात्र । गितिष्वनमुः नृशः (मरव यम्। माहिविद्या दिशुः ॥ महि। कि विविर्धा युषः ममामापूर्णातकार् ।

युवा

<u> भु</u>ित्राक्षम्। ब्राब्धास्य भुक्रि एथ अव ह।। इत्वास रेमिनकान् द्राक्ष शुकारे विश्विट खुव । खास जी का व मञ्जातः भ्राम्बिनिङ निष्मयः ॥ क्ष ॥ जुध-ग्रीमानाछ। खनाः। छथा-हि लेडिभाञ्चः। नभूदिमाभनद्वनः धन्तृ क्षेत्र गृहारक। अवां व वित्र भाषित नजामृग् तक मानुराय 11 थनूर्जम्मुः नशीष्ठनमुः शितिष्रममुः छरेषः वह । भन्यप्रवास्त्र ज्ञानमं वसवस्त्रक छानि यह ॥ जाता जू। न बन्तु वन्तु निज्याङ (याष्ट्रममृ भुकी विंउ। । रशाक् भूनाः हि यम्बूकः मृउकाय नग हि उट् ॥ 🗱 ॥ व्यथान/वाशि । यावट भुमाग नगत हि ताछा। ততো ভবেদুত্তন মধ্যমান্ত্য ।। বি•-শজ্জল স্বাষ্ট গুণোন্তরেণ ত্রিদেশজা-नाः श्वरीभञ्जीनाः। भर्गसः। यहन्। ঘিবিপ দন্দ প্রোচ্যতে ধরণীভূজা• । তেভ্য এবাতিরিচ্যেত **মত্রদদ্**ণ विष्णवजः ॥ जानाम् देनवान्तिमय अञ्चनन्द्राम्बर्यम्भः। अञ्चन्दरन्द्र वि ভিন্নে হি न চান্যৎ কার্য্য কারক॰ श यरेहव देवब्रिहूर्लङ्गाः विखीर्नः वि यमञ्च ত । স পুরেশাপসরণ ত ্ চন্দ্র । 
দ্বেদ্ধ মুত্তম বিদুঃ ।। ইতি যুক্তিকল বিদ্ধান লগানঃ ।। ধনুং । ইতি **एकः**॥

युक्तत्रत्रः श् कार्खिक्यः। है जिले स विमुका ॥ युक्तमातः भू॰ याहिकः। इंडि नय-**हिम्मका** ॥ যুধ য ও ড যুদ্ধে। ইতি কৰিক বৃদ্ধানঃ ।। य ७ वृक्षात् । 😵 योषा । म॰. मुथिइ उत्या र्याः। माःगानिक-রীত্যা পরস্পরাভিভবেছ। যুদ্ধ । যুধ্যতে বোম: কদাচিদেকস্য সহ ভাব বিবক্ষাৰা সুধ্যতে যোধ: भारत । कराहिकारनिभ युवारङ চৌর রাজা হতীত্যর্থ:।যো ভক্ত 🍻 পিওস্য কৃতে সংঘ্যদিতি অমা-জ্ঞাবে দ্বিপি ভাষাভীতি ক্যে তং करवाञीकि कञ्चानिवाद (हु। वा माध्रुः। इंजिम्गारामः॥ ফ ভিয়:। ইত্যুণা দি-व्यायः ॥ युधिकः जि याषा। य्य मदा शिक পুত্যযেন নিয়মঃ ॥ युविधितः भुः भाखवताकः। म क्डी गर्ज धर्माङ्जाञः । उट्भर्यायः । व्यक्तां ज्ञां वः २ मन्। तिः २ १र्म-পুশ: ৪ অজমীতঃ ৫। ইতি হেম-D नम् : 11

भिन्नि।।वाषः। इज्रागितिकायः॥

युवयो

याका । इंडि निकास्तिभूम्।-भूगारिवृज्ञिः ॥ त्मयमःगुनाः ॥ भातजः। इंडि मःकिश्वमातागारि वृज्ञिः॥

यूचीयः जि याका। यूच्यारा द्रीय-

मूल य इत विरमास् । इति विविक्तः क्याः ॥ विरमास् आस्तीकत्यः । य युना छ । इत अयुन्य अर्याः वोद् । भूषानिद्वाद ह इतानाः ॥ इति दूर्गानामः ॥

ग्युः कु व्यथः। ইতি হলायुशः॥ रूपूर्य्यः श्रः कृष्यामः। ইতি শক एण्या।।

युवधानः शृ जाजः किः। यथा रिणत्यस्य लित नेशा युवधानण जाजाकः। इति जिकाश्राणयः॥
इन्द्रः॥ क्रजियः। इति जाक्षिः
जात्राणापितृ जिः॥ याक्षा ।।
यूवणश्रः शृ यूताणश्रस् वृति (णयः

1 व यम्रकाछा इंडि जाबा। यथा।

यूवभरका यवभक्तः महाट वयरहाही।

खर्य हरा। इंडि मदद्र द्रावनी।।

यूवकः भू॰ युवा। मूद्रम् मद्राट कन्

भुज्रायन निव्वतः॥

यूवयानिः भू॰ यूवजीभिज्धः। यथा। हिन्द्रिका।।
यूवयानि र्भुम्भानि ज्भिष्ठः स्विहा- । यूवजीक्षे। जी सर्ग्यूथिका। ইতি রাজ-

যুবজী

রিণঃ। রামো যজ্জকের। হন্তি কাল কল্লশিলীমূখ: ১৮ইবি ভিটি: ॥ युविकः) की शार्थरयोह्नना। उट भर्या-यूवजी र यः। य्नी वे जबने ६ उन्ने । व निकती ७ धनिका १ धनीके ५ म-थामा र म्थेत्रकाः २० मथा भिका ३२ । इंडि मदत्र्वावनी ॥ देखती १२ वर्या २० । इंडि (इग**ेन्पु:** ॥ वः यञ्। ১৪। ইভি রাজনির্ঘণ্ট: ॥ **७मा वक्षणाहि यथा। आर्या** ७; ना छरवद्यान। उक्ती जिन्नजा म-ভা। পঞ্চ পঞ্চাশতঃ পৌচা বৃদ্ধা ভবতি তৎপরে। ইতি কালীদা-স: ॥ বালা ত পুানন প্রোক্তা যুবতী প্রাণহারিণী। প্রৌচা ক-রোতি বৃদ্ধত্ব বৃদ্ধা মরণ মাদিশেৎ ॥ निराय भन्नरमा बीला (भूरे) ৰষা বসন্তবোঃ। হেনন্তে লিলিরে (याग्रा न वृष्कः दानि मन्त्राउ ॥ रगाग्रा य्वजी। इंजि ब्राजनसञ् ।। खीत्रामान्तरः। यथा। भूमनाटि जि বিজ্ঞেণা যুবভিষ্চ তথা স্ভেতি ভাগুরি:। প্রাশ্নেবনা যুবতি রিতি वाष्ट्रगायनः । इन्तर्गक्रीकानाः ভরত:।। 🛊 ।। হরিদু।। ইতি শব্দ-ठिन्मिका ॥

युवनायः वृद्धिक भीषद्राज्ञवित्नयः। न ह (क्षेत्रीक र् भूरमनिक्रां । उकाक मुद्धिक निका ह। यथा। उमुद्धिक विद्धारक वारक का
था मा नहीं क्रिकारक वारक का
था मा नहीं क्रिकारक युवनायः मः
शीभिकः। यावर मूर्य उत्हिका
यावह भुविकिष्ठि।। मर्बः उत्वीवनायमा मान्नाउः (क्रब मूह्राउः।
केठि विद्धिभूद्धारा मगद्धाभाष्ठानाय्रायः।।

যুবনাশ্বজঃ পু• মান্ধাত্রাজঃ।ইতি ছেনচন্দুঃ।।

युक्ताकः ल् जाविवृक्षविष्मवः। उट शर्यागः। निर्ध्याः श्वाक्षणः ।। इणि विकाश्रम्भाः ।। त्राक्षणुः । उट्शर्यप्रायः। स्मातः २ छ्छ्नात-कः ११३ छ्रमतः।। युक्तावाला त्राका यूनाः वाद्राका युक्ताकः। नथ्रहाः त्राक्ष हिल् यः। स्मात्रयि स्माः दः। म्राट्स्मात्र स्मान्यक कः क्ष्मे यन् । छर्ज् मात्रकः भूवः छर्जा हाक्षो मात्रका छ्रक् निमा। विक्रिन्। । हिल् छत्रछः ॥ ययाम्

वृता जि जिलाः ॥ (मुक्ठः ॥ निमर्गः विनानी । ইতি নে দিনী ॥ युवा पूर (योवनाव हा विलिष्ठः । विराज्य वर्षा विलिष्ठः । विराज्य वर्षा विलिष्ठः । वर्षा ज्या वर्षा विश्व वर्षा वर्षा

ষ ভরনে। ইতি কবিকল্পজন:।। সৌত্র্যাত্র্যা থোকিং যুম্মদ্। ইতি দুর্গাদাস:।।

गृः जी य्वः। इंडि (इमहंमुः ।।
यूकः भू॰ मटल्यः। इंडि क्रियंतः॥
यूका जी मटल्यः। यूकी इंडि डेल्य
इंडिट डावा। उट्शर्यायः। क्लाकीटः २ (वहनः २ वह्शरः ॥ १ इंडि
वाक्रियंटः॥ शाली ६ वालक्षिः
७। इंडि क्रियंतः॥
प्राः जी मिन्यः। इंडि म्यायायवाक्रयः।।

्षः क्री मात्र शेवनम्हः। इज्यातः॥ श्यापः प्र वन्यक्तिनाः नग्हनः

स्थाः। ज्यापायः। ग्यानः ।।

देवातः॥

्थनः न् व्यवगुरुखिना भूषानः। इंडि मदवङ्गावनी॥

थ्जुष्टेः भ्रग्थारभनाविज्ञछी। इंजिमस्माना॥

्थिका जी भागा। इकि ताजनिर्धिः ।। यम्नानकः। इकि मिहनी।। भू में विष्णवः । यू देक्न इकि जावा।। जिल्लाशः । यू देक्न इकि जावा।। जिल्लाशः । यानिका २ व्यवधा ० नागवी ४। मा भीजाहि (इम-भू मिश्राका। इकि जिकाश्रामवः ॥ विश्राका। देकि जिकाश्रामवः ॥ विश्राका। वानग्रिका २ वर्ष्ट्र विकाश्रामवः ॥ वानग्रिका २ वर्ष्ट्र विकाश्रामवः ।। वानग्रिका २ वर्ष्ट्र विकाश्रामवः । वानग्रामवाः । वानग्रीका २ वर्ष्ट्र विकाश्रामवः । वानग्री

ख्याः । सामृद्धः । निनित्रद्धः मः कत्रार्खि शिख म् ए ज्या नानाद्यः ए। स नानिद्धः । एक ताजनिर्धिः ॥ जिनि । गृथी गृगः दिनः जिकः कर्षेशाकः नतः नयू । मध्रः ज्यतः क्रमः शिखनः कक वाजनः ॥ तुगाः मुभ्य म्छाकि नित्रात्वागं विषाः शरः । ইजि ভावभुकानः ॥ यथी जी गृथिका। ইजि नद्यत्वावनी ग्थीनः भूः य्थभः । ইजि नदः विनिका ॥

ग्निः की यागः। मिणुनः। इंडि

मिषास्कोन्ती ॥

ग्नी जी य्वजी। इंडि मफ्जन्नावनी ॥

ग्नी जी य्वजी। इंडि मफ्जन्नावनी ॥

ग्नाः भूः की याज्यभग्वकनका छः।

इंडिअन्नः॥ उन्नाभ तिमाना हिर्यथा।

ग्राजी। हजूई त्या खर्यम् गूर्भा याज्यः

क्षाः कर्वत्या व्य भोनिकः ॥

खिरिष्ठा। विव्यम् वस्नारेम्य कः

लो य्भः भुभन्याः । इंडि नामः

वित्रियाः मर्गाड्यः। इंडि नामः

वित्रियाः मर्गाड्यः।

र्भः भू॰ जयस्य हाः ।। यागस्य हाः ।
इन्। पिरकायः ।।
यूभकरेकः भू॰ यक्तमभाश्चिम् हकः भभ्वन्नाम् १९०० यक्तस्यो यद्याक्षमा(द्राभाष्ठ स्यूभः उम्र भित्रमि

वनगक् छ र्जनककाक्छि वी यः काष्ठिकित्रैं: मः। यूशम्ल निहिछ लाह्यनग्रेहेछि (किटि । ইछि • छत्र छः।। उद्भर्गग्रायः। हमानः २। हेछ। नद्रः।।

্ মূপ কর্ণঃ পুণ্ মূপৈ কদেশঃ। তৎ পর্য্যামং। ঘৃতাবনিঃ২। ইতি ছেন চন্দুঃ।।

যুপদ: পু॰ খদিরবৃক্ষ:।ইতি ত্রিকা ওপেষ:॥

यूशक्यः भू॰ थिन त्रवृक्षः। ইতি भपः রত্নবিলী॥ রক্তথিদরः। ইতি রাজ-নির্ঘণ্টঃ॥

य्भवकाः भः भकी। इंडि मक

कहूँकिः जंभ्कु उ॰ कृ उ॰ ॥ म जू मा फिन मृबीका युकः म्यामानवाफनः । কচিক্লয়ু পাক চ দোষাণা म-विद्राधक्ट ॥ 🗱 ॥ समूत्रमूच छनाः । नमृतग्यः मःगु। श वृ-श सामुः পুনেহজিৎ। পিত্ত শ্লেষা জ্বহর खणाजीमात्र नाभनः ॥ 🗱 ॥ व्यन्य गृष्णगाः। अलल्थग्रा शनिणशा শর্করাশ্মরি নাশন:। ত্ণী পুত্ণী কাসাশো গুলা (মৃদ: কফাপ্ছ: II#II অন্নেন সহ মাব্যুব গুণা:। অনু মা-ষে গুৰু র্ভেদী বাতম্মে দিপনো মতঃ । #। অথ থড়যুষঃ। ভক্ত কপিণ্য ठात्यवी मित्रठाकांकि ठिवरेकः। मूर পङ्गः थेष्ण्राका २य गयः काञ्चलिका ৎপরঃ॥ # । খডকাম লকমূম গুণাঃ । मध्यासा वावन सङ्घ जिल नाम वि-পাচিতঃ। च फकाञ्च निक्वी गृर्वी गुन्हि বাত কফাপহৌ॥ ইতি রাজবল্লভঃ ॥ 🗱 ॥ अभिष्ठ। अथ गुषम्। विश्वि र्खनाम्छ। यक्षाहम खत्न नीत्र मनी-ধান্য শৃতে। রসঃ। বিরলামে ঘনঃ কি-ঞ্চিৎ পেয়াতো যুষ উচ্যতে 🛭 উক্তঃ সএব নিযুহো কচিক্**ছ বিশেষতঃ** ॥ 🗱 ॥ यूषमा भुकात्राखन माह। कन्न-म्या भनः मुछो । भिश्रनीकार्क कार्य-কী । বারি পুষ্টেন বিপচেভান্ডবে

যোগ व्यष्टश्रामिः। य व्यविययः । उ यः ষতে যিয়েষে। ইভি দুর্গাদাসঃ ॥

याकु क्री यूरानमहक्ष्मामध्याव-ধ্যতে অনেন তৎ। বেহিদডি ইতি ভाष।। उৎপर्यायः। वावकः ३ যোত্র ৩। ইত্যমর:।।

যোক্তা वি যোগকর্তা। ইতি যুক্ত शाखाः कर्न्डीत ज्न् भुजायन नि झम•॥

(यागः भू अन्न स्नः॥ उभागः॥ **थ्यानः॥ त्रक्र**िः। युक्तिः। ३७५ मतः ॥ अन्दर्शिमण्याधिः ॥ वनुः-रेक्यं ।। भूरया गः॥ विक्रञ्जानिः ॥ ভেষজ ।। বিসুদ্ধবাতক: ॥ দুব্য ।। कार्याः। ইতিনেদিনী।। नৈयायिकः ।। थनः। इंकि (इसहन्पुः॥ हाद्रः॥ সূত্র'। ইতি ত্রিকাগুশেষঃ ॥ 🛊 ॥ অথ সপ্তবি শতি যোগানা নানা-नि यथा। विश्वष्ठ श्री जि त्रागुषान् সৌভাগ্যঃ শোভন তথা অভিগ-**७:** मुक्सी ह ध्जि: मृज खरेश्व ह ।। गएडा वृष्कि ध्रुविष्ठव व्यावार्छ। হর্ষণ তথা ৷ বজু শ্চাসূক্ ব্যতীপা-তো वदीयान् शतियः सिवः॥ जि-ধ্যঃ সাধ্যঃ শুভঃ শক্তো বুল্ফেল্যে रिवृठि <mark>उथा । # ।</mark> (उ**वा**॰ बर्ह्स-নীয় ভাগা যথা। পরিষদ্য ভ্যক্তে-

यूव উচ্যতে ॥ व्ययमर्थः। यूवाम॰ পলনিত তৎ কল্পীকৃত শুগীণি পুলী চ সমুদিতার্চ্চ কর্ষমিতা কল্পী-ক্তা উভয় মপি পুস্থমিতেন বা-विना भरहर। उद्धरवा य्यः। य्रवा वला नमुः भाक काः केशः क-কাপহ:॥ 🗱॥ অথ ন্দুব্ৰ বিধি:। वृन्तिकायाः जञ्जान्यतः। मूक्षानाः দ্বিপল তোথে শৃত মন্ধাঢকো মি-(छ। गाम्झ निर्मं अ भूज माजिः मना भावन उट् ॥ युक् रेनक्षर विश्वाश्य शान्द्रिकः भानकाः शिकः िष्णकीत्रकत्या म्ह्लाहारेणस्कनाव **চ্**र्निज । ज•ऋ जा मृद्ग्या १ग॰ পিত্ত শ্লেম্ছরে। নতঃ।। 🛊 ॥ অথ मून्य्य क्षाः। मृनाना मूख्या य्या मीननः भी उत्ना नघः। वृत्याका ষত্ৰ কথাহ কফ পিত্ৰ জ্বাসু হং ॥ 🗱 ॥ অথ মুদানলক যুব গুণাঃ। मूनामनक य्यस (जरी **পिखा**नि লাপহঃ। তৃড্দাহ শমনঃ শীতো म्ही भून निमालकः ॥ 🗱 ॥ मन्त म्य छगाः भ्रविष् । इंडि जावः शकानः॥

य्यः भुः वृक्षराक्षृत्कः। ইতি नद बद्रावनी ॥

বেষ ঋড বল্লে। ইতি কবিবল্লদনঃ।।

हर्क म उकर्य उठ: शव ।। उजारि লঞ্বিষ্ণ স্থশ্লেচ নাডিকাঃ। गछ व्याय इति । यह ह नव सर्वन यकुरमाः ॥ देवसृष्टि व्याजिभाजो ह नगरछो भद्रिवर्जरयः । रम्या यथार्थ नागाता (यानाः कार्य)यु (माछः नाः ॥ 🕸 ॥ व्याननहरयारमा यथा । जीनभन्नाकरम। यशिनी नर म्र्यं ণ সোমে মৃগশির তথা। আশ্লেষ। (जोसवादान तूर्य इष्ठः भुकीर्खिङः ।। अनुताय। खःता वीरत विश्वरमवस्त्र ভাগবে। বাফণ শনি সংযুক্ত নান-न्ता २व॰ श्रु हीर्खिङः ॥ 🗱 ॥ याग-वता यथा। मीलिकायाः । ज्ञलू धार्कामा बद्धि नन्ता नक्वाक्गा দ(ভ) িত্রাহি মুলাগ্নিভিঃ। ভার্ম देवना इत्या बाङ्ग जुन्ना ज्वर कन्नु যুগ্মাড় সংযুতা।। সোমপুএস্য বা व्र जगाम्। म्राम् (गार्भम् खिनम् या-ম্যাভিজিঘাজিডি:। গীল্লতে রহি রিকা চ যুক্তা যদা বিধ শকাগ্রিক পিত্র। দিত্যযুক্তিঃ।। সূর্য্য সূত্রস্য দি-म यमि श्व। युक्त मिनाधिशिक म বিণ: স্যাভ যোগবর। স্ত্রিভি রেব স্থেতা: নৰ্ব স্বীহিত সিদ্ধি নিয্ তাঃ। অগনেব ভ্রুমৃত যোগঃ॥ 🛊 ॥ ष्यसम्बद्धानः । धुन खक कत्र मृता

**भिक्ष** जान अर्केशाल स्त्रियूण विवि युग्य कहानी जानुयुग्य। पिरमक्त जूत्रको मर्दतीनाथवादा धक गूगनल বাতোপান্ত্য পৌষ্ণানি কৌরে॥ দহন বিধি শতাখ্যা নৈত্ৰভ সৌ-मावाति मक्रिकिङ श्रुमा रेमकङ॰ कीववात्त्र । जगगूगकपूगाया विकृ रेमाज मिजार यंत्रन कदणायानी स्त्रोति वात २म् जानि ॥ यनि विश्वि ব্যত্তীপাতৌ দিন বাপ্যশুভ ভবেৎ । হন্যতে হৃদ্ভযোগেন ভাক্ষরেণ ত-(मा यथ।।। मईतिभावित्मायग कन॰ म्। ह जरगानक । अग्र कि निकिर्ग-ग•<br/>
ग•<br/>
ग•<br/>
गः यास्यक्रियान् निरान खरव<br/>
१ ত फिन्छ ভবেष्ट्रे॰ मधूमिन यंथा বিষণা #॥ অথ সিদ্ধি দ্ধা পাপ यमघण्डे (या गाः । यथः । नन्दान्ताः निष्तियान। ज्खन तूर न न के कि वादिः भूमखाः। मृत्यं भाभागि वर् দৃহানি নিভ ভিপ্যোকানি বারৈ: भुरकाः ॥ त्राक्तमार्डए । माना क्-मुारित्ना ताना यहेशक मूनय उथा। দহান্তে তিথ্য: সপ্ত রব্যাদি সপ্ততি र्गु हैशः ॥ अभिष्ठ । द्वारमाक मुखा ভবেদশভদা সোমেন চৈকাদশী ভৌমে চাপি যুতা তথৈব দশনী (नष्टा ज्जीया वृत्थ। यथी (नष्टे **क**न-

পুদা সুরশুরৌ শুক্তে দিতীয়া তথা अर्वावस विवास विव कननी मूर्यताः ष्ट्राज मध्यी॥ भाभाकीए वि-भाथावय यम मृज्भ माहि हिवा চতুষ্ক ভোষ বিশাভিন্ধিন্ত ত্থ क्क रिवरम अवयः विश्व कर्नु । क्खार्थ मृना विभाश। यम धन ज्रा-গান্ত্যানি জৈবেহ্নি পিত্র• রোহিণ্যা-দু৷ বিনেন্দ শতভ মথ ভ্গো রহি भूषा बरात्मो ॥ भोतार इस गृ ग्रायीत यम जनयूक् लीक भूषता धनानि घण्टे। २थ ७ कं याक अगृह-े निक्दिन भोगावादा श्र्यामालि ॥ ॥ अत्थाद भाषामि (यागाः। त्र-।। व्यापि पिवरेम यूका विभाशापि हकू শ্চতু:। উৎপাটা মৃত্যব: কাঁণা অ মৃতানি যথা ক্রম•।। #।। অথ কর-কচাযোগ:। বানি চিত্রোভরাষাঢ়। भूम भाभीका जासकाः। भूर्याति বার সংযুক্তা যোগা: করকচা: সৃতা: ।। #।। অথ মৃত্যু যোগ:। আদিত্য ভৌনযো नेना ভुग मृक मनाकः যো:। বধে জয়। গুরৌ রিক্ত। শনৌ श्र्रा ह मृजुर्रा ॥ # ॥ अथ यमवर्रा **फीना॰ वर्ज्यकाल निर्णयः । यम्बर्ण्ड** छार कर छो मृत्जी दारण ना फिकाः । व्यत्याः भाभाषामानाः मध्याः

व्य कियायागः।

मूनय छेट्ः। पूःथाय मग्नाः श्क्याः
भूनय छेट्ः। पूःथाय मग्नाः श्क्याः
भूनय छेट्ः। पूःथाय मग्नाः श्क्याः
भूनय छेट्ः। पूःथाय मग्नाः श्क्याः
कः म जना भार कियायागः मर्गः
कः म जना भार कियायागः मर्गः
कानाः। नद्राना मूनकाद्राय पूःथ विहि कित्रवरुः॥ विह्न क्वाः। व्याद्राथ्यथः विष्यणः जगञाः कात्रनः भदः
याम्यथः। इक्षेत्रा भूजा नमस्रादेवः भ्गुवाि द्र इतिभः। वृद्रेजानवादेन
विविदे वृ ज्ञानानाक जन देः।। देज
रिख काक्षरिकः कारम यं स्टिजिन
वृद्धिनाः। ভ्रत्यू द्र भित्रहिनानाद्रा-

ধ্যত কেশ্বং ৷৷ তলিষ্ঠা ভন্নতিধ্য ख कर्यात् खनान्याः । उन्हेश्य खग्रनमः मर्वभिन् म इंछि छिउः॥ जमसानार्थं कमांणि छत्र मदीजाना-ज्ञिन। मःनामाधुः म वः कर्डा ममलाः वद्रभ क्ष्यः ॥ भद्रः भद्राभाः भद्रमः সএকে৷ নরোত্তমো যস্য পদম ভিন্ন• 1 চরাচর· বিশ্বনিদ· সন্তাদচিন্ত্য: क्रश्वात्रगुरः यः ॥ छनात्रायः क्रगन्नाथः किशार्याग्यन वाउवाः । वादी भाकः भवः ज्या खमाखता-क कात्रमः ॥ मःमात्रार्गव मग्नानाः বিষ্যাক্রান্ত চেতসাণ। বিষ্ণুপোত विना नाना कि कि कि महायग ।। উত্তিষ্ঠ শিচন্তব হরি বুরু শিচন্তব (कणद । जुक्ष किष्ठस भाविन्त त्रभः किन्नय माध्यः॥ यूय (मकाग्रः हिला हि मः गिुठा मधूमूमन । बग মৃত্যু জরাগাহে সংসার সভরিষ্য থ।। ক্রিয়া বোগ পরাণী হ মুক্তিকা-र्यापारनकनः। मनात्रास् क्रानायः त्राजाता (भाक्ष मान्न्युः ॥ इंडि विज्ञिश्राणः॥ #॥ #॥ #॥ #॥

তথি যোগসাধন।
কেশিধুল উবাচ।যোগ স্থকপংখাভিক্য শুষতাং গদতো মন।যত্র স্থিভোনচাবতে পুাপ্য বুক্ষলাং মুনিঃ॥

मन এव मनुष्रागाः कः त्रगः वन्न जाः करायाः । वक्षमः विषयामिक मूर्व र्निवियग जथा ॥ वियय् छ। अना-**क्र विकामात्रा मत्मा मत्म । हिस्र**-यिमुक्तर्य (उन युक्त ज्यः भारतभक्तः ॥ আত্মভাব• নযভ্যেব• ভদ্মন্ধ্যায়িন• मूत्। विकार्याकाञानः मञ्जा लाइ माकर्षका यथा।। आजा भुगत्र मान পেক্ষা বিশিষ্টা যা মনোগতিঃ। ত म्रा वुक्ति मः यार्गा याग इंड्र-**ভিষীयতে ॥ এব মত্যন্ত বৈশি**ষ্ট্য युक्त श्रामा भवाक्ताः । यभा त्यामाः स देव (यागी मून्यु ब जिबी गर जनतर्विति युक् श्रुथमः योगी युक्तानः त्या ह ভিধীয়তে। বিভিন্নল সমান্ত্রি পঞ্ वुष्कार्भवकिमान्।। यम् अञ्जाय (मा-ষেণ দুষ্যতে চাস্য মানস•। জন্মান্ত-রৈ রভ্যসভো মুক্তি: পূর্বস্য জাযতে ।। विनिन्नम नमाधिस मुक्ति ठेविव জন্মনি। প্রাপ্নোতি যোগী যোগান্নি मक्षक्यां ह त्या श्रिकार ॥ वृक्षहर्यंऽ মহি সঞ্ সভ্যান্তে বাপরিপুহান্। সেবেত যোগী নিম্বামো যোগ্যতাং श्वः गता नयन् ॥ श्वाश्वाय (भो ज्ञानः স্তোষ ভপা॰সি নিষ্ভাত্মবান্। अ-দ্বীতি বুন্ধণি তথা পর্যমিন্ পুরণণ मनः ॥ এতে यमाः मनियमाः भक्

क्ष कृतीर्खिजाः। विभिष्ठे कनिराः कान विद्यामाणा विमुक्तिनाः ॥ अक जुनानमानीना नमाशाय खेरा ब् अः। वमारेशः नियमारेशः ग्रा छ निक्रका यकिः॥ भागाचा मनिलः वन्। मन्त्रामार क्काउ ज्यर। श्रानायामः म विख्छयः मवीखा १-খীয় এব া। পরস্পরেণা ভিভব পূা-नानात्वे यहानिलो । अक्**ठः न**ि शास्त्र ज्ञीयः **ज**ण्यनाखरयाः॥ जज् **हानघुनवञः ज्नक्शः दि**र्जाखम् । কালম্ব মনন্তস্য যোগিনো হভ্য-मठः मृष्ठ<sup>ः</sup>॥ **भ**दारिष्ठनुद्रकानि निगृञ्काकानि (यागिविष् ॥ अर्याहि-স্তানুকারীণি পুত্যাহার পরাযণ:।। বশ্যভা পরমা তেন জাযতে হতিচ-वाज्ञनाः। इन्द्रियाना मर्वेष्ट्रा रेख र्न स्थानी (याननाथकः ॥ नुगनायात्मन भरतेनः भुज्राहारवन किन्तुरेगः। व-শীকৃতৈ ব্ৰতঃ মুৰ্য্যাৎ স্থিত চেডঃ শুভাশুযে ॥ শ্রীধাণ্ডিক্য উবাচ। ৰুথ্যতা<sup>,</sup> মে মহাভাগ চেতসো য: শৃত্যশ্য:। यहाशात माभव তদ্ধভি प्ताय कर**नान्छवः ॥ श्रीत्कन्निधृत्र উ**-বাচ। আশুৰ শেতসো বুক্ক দ্বিধা-**७** इ. ४ जाव**डः । ज्ल मूर्ब ममूर्बक** পরক্ষাপর মেব চ।। ত্রিবিধা ভাবনা

বিপু বিখনেতৰিবোধনে ৷ বুক্ষাখ্যা কৰ্ম সংজ্ঞা চ তথা চৈৰোভবাজ্মি-का ॥ वृष्णावाज्यिका (श्का कर्यः ভাবাজিকা পরা। উভবাজিকা ভ পৈবান্যা ত্ৰিবিধা ভাব ভাবনা।। সন नरनामरया वुक्रकाव कावनवा यूकाः । कर्य छावनया हात्ना स्वाम्ताः इ।-वत्रा भव्ताः॥ विज्ञगुगर्ভाषिष् व वुका कर्पाञ्चिका विथा। वाथाधिकात्र यू-কেষু বিদ্যুক্তে ভাব ভাবনা ৷৷ অক্ষী-(१व् मभरखयू विस्मय ख्वान कर्म्यम्। বিশ্ব মেতৎ পর• চান্যক্তেদ ভিন্ন দৃশা॰ নৃপ ॥ পুত্যন্ত মিত ভেদ॰ বৎ সত্তা মাত্র মগোচর । বচসা মাতা সংবেদ্য তজ্জ্ঞান বুন্ধ সং-জ্ঞিত ।। ভচ্চ বিকো: পর • ৰূপ ম-क्षमां अक्षा विश्व सक्ष दिन क्षा वक्षा भव्याञ्चनः ॥ न उ-দ্যোগ যুজা শক্য নৃপ চিম্বযিত্রু যত:।। তত: স্ল- হরে ৰূপ- চিন্ত্য-যদ্বিপ্রগোচর• । হিরণ্যগর্ভো তগ-वान्वामावा १थ भूकाभिडिः মৰুতো বসবো ৰুদ্যু ভাঞ্চরা স্তার-का गुरुाः । गञ्जर्व यक्त रेस्डप्रम्ताः जकला (एवरयानयः ॥ नन्याः श-শব: শৈলা: সম্দা: সরিতো জনাঃ । ভূপ ভ্তান্যশেষাণি ভূতানাং যে

**ह (इंडव: 11 भुवानांकि विश्विवांछ**॰ চেত্ৰ। চেডৰাত্মক ॥ একপাদ विभारक वङ्गार मनारकः। मूर्ख মেতদ্বরে কৃপ ভারনা ত্রিত্যাত্মক ।। এउ९ नर्ब भिनः विश्व जगरन्जह त्राहतः। भन्नः वृक्त चक्तभन्। विस्थाः শক্তি সম্বিত ।। বিষ্ণুশক্তিঃ পর। পোকা ক্ষেত্রজ্ঞাখ্যা তথা ২পরা। व्यविष्ठा कर्ण मः छान्। ज्जीया मः ক্তি বিষ্যুতে ॥ য্যা ক্ষেত্রক্ত শক্তি: न। (हिंडे) न्थ नर्वगा। नःमात তাপানখিলানবাপ্নোত্যনুসস্ততান্॥ ত্যা তিরোহিত্তার শক্তি: ক্ষে-ব্ৰক্ত সাভিত্য। সর্বভ্তেষ্ ভূপাল তারভগের লক্ষ্যতো অপুণের সু বল্ল লিং স্থাবের মু ততোধিক।। স রাণ্পেপি তেভ্যোপি অতিশক্ত্যা প্রত্রিষু । প্রতিভোগ ম্গান্তেভাঃ স্বশক্ত্যা পদবো হধিকা:। পদ্ ভো মন্জা শ্চাতিশ্ভ্যা পুংসঃ পুভাবিতাঃ ॥ এভ্যেপি নাগ গ-क्षर्व। यक्षार्गा (हरू । न्नः । न्नः সমস্ত দেবেভ্য স্ততক্ষাপি পূজাপ-তি:।। হিন্নিণ্যগর্ভোতি তত্ত: প্ণম: **ण**क्रभविक्ठः । এजान्यस्य क পস্য তস্য ক্রপাণি পার্থিব ॥ যত্ত- 🛚 🐯 🖯 🕏 (यारगन यूकानि न ७७)। यथा

। দ্বিতীয়া বিষ্ণু সাজ্ঞস্য যোগিদ্বের महांगर्छ।। व्यम्र्डः वृक्षाताकनः वट निष्ठु। हाउ व्रि:। नमसाः नक्त ৈত। নৃপ যত্ৰ পুতিষ্ঠিতা:।। ভদ্বি-चक्त क्र कि क्रमन अक्द मंहर । সমস্ত শক্তিৰূপাণি তৎ করে।ভি कतम्बत्र ॥ एव जिर्वे अनुवादि (हर्द्वाविष्ठ सनीन्या। खगडा मून-কারায় ন সা কর্ম নিমিন্তজা।। চেষ্টা जगानुरमयम्। व्याभिन्यग्रह्ण-ত্মিকা। তদুপণ বিশ্বৰূপস্য তস্য रमागयूष्का नृश ॥ विष्ठः माञ्र विण् क्यार्थ नई किल्व नामनः। यथान क्षा निथः क्षा मर्जि गानिनः ।। তথা চিত্তে স্থিতো বিষ্ণু র্যোগিনা সর্ব কিল্বিশ। তিয়াৎ সমস্ত শক্তী ना भाषात्र उब (५७ मः ॥ अही ७ স স সি তি সা তৃ বিজেয়া শূজ্ধারণা । णू जाण्यः महिखमा मर्बगमा छ-থাত্মন: ॥ ত্রিভাব ভাবনাতীতো মুক্তবে যোগিনা॰ নৃপ। অন্যেচ পু-क्षवग्राघु (५७८मा (य ब्राभानुगाः॥ वाम्बा एउ ममसास (नवान्ताः कर्ष যোনব:। মূর্ত্ত ভগবতো রূপণ সর্বা-भागुर निम्भृहः ॥ এया देव धात्रना জ্ঞেয়া যদ্ভিক ওত্র ধার্য্যতে। তচ্চ मूलं इति क्षा याम्क् हिन्छा नहा-

दिशा छहुवडा मनावाद्रा वाद्रगा-रनार्नेमध्र । भुनम हाक्षरन॰ भग्रभवायरक्रमः ॥ म्रस्भामः मृविद्यीर्ग ननारिकनरकाब्द्रनः। म ন্স কর্ণান্ত বিন্যুক্ত চাক্তকর্ণ বিভূষণ ।। कष्गीव मृविखीर् श्रीवटमान्डि वक्रमः। वनी जिल्लामः ना जिना कारत्वन देव ॥ शुलवाहे जुन বিষ্ণু মথবাপি চতুভূজ। সম-হিতোক বল্লঞ্চ সুস্থিরান্তি করা-স্থ ।। চিত্তবেদুক্ষভূত ত পীত নিমল বাসসং। কিরীট চাৰু কেযুর कंद्रेकारि विভূবিত ॥ लाई नाइ গদা খন্ন চক্ৰাক্ষ বলবাত্বিত । চিম্ভ-<u> রেওঝ্যো যোগী সমাধাযাত্রমা-</u> नमः ॥ जावन्यावपृतीज्ञा छरेबव নৃপ ধারণা। বুজত স্তিষ্ঠতো হন্যদ্বা (बह्या कर्म व्यर्वजः ॥ नामयाजि তদা চিত্তাৎ সিদ্ধাণ মন্যেত তাণ তন। ততঃ শ্বন্ধ গদা চক্ৰ শাৰ্কাদি রহিত বৃধ:।। চিন্তবেদ্ধগবদুপ প্-नान्धः नाक्रम्बकः । ना यहा क्षात्र-ণা তদ্ববস্থানবতী ততঃ।। কিরীট কেযুর মূখৈ ভূষণৈ রহিত মারে । তদেকাব্যবং দেবং চেত্ৰসাপি পুন व्भः ॥ अर्येगाखरा २वयविनि भूनि थानभात्रा **ভ**विष् । जुनुभ भुजारेयः

रेवक महिंछ फाना निम्मृहा ॥ छ-क्रानः नुष्रेम ब्रोकः विश्वा-म्राज नृश । छरेन्य कन्ननाशीनः चः क्रश्राह्म कि यट श मनमा ध्रान निज्ञाहुः नभाषिः भा १ जिथीयरजन বিজ্ঞান প্রাপক প্রাপ্য পরে বুক্ষ **ণি পার্থিব॥ প্রাপণীয় স্ত**থৈবাত্মা **शुक्की** नात्मर ভावनः । क्किबक्कः করণী জ্ঞান• করণ• ভেন ভস্য তৎ ॥ निम्नाम्। मुक्ति कार्यं। रेव क्उ क्-ত্য নিবৰ্তে। তন্তাব ভাব মাপন ন্ততো হসৌ পরমাত্মনা।। ভবত্য **जिमी (जिम्म जम्)। ज्ञानकृरजा ज-**বেৎ। বিভেদ জনকে হজ্ঞানে নাশ মাত্যম্ভিক গতে॥ আত্মনো বুক্ষণো ভেদ নসম্ভ কঃ করিষ্যতি ৷ ইত্যক্ত ख मया यागः था खिका भित्र शृह-তে।। ইতি বিষ্ণুপুরাণে ৬ অংশ ৭ व्यथ्रायः ॥ ३ ॥ ३ ॥ ३ ॥ ३ ॥

तुक क्छ (याणा यथा।

मूथः (याणामनः कृदा वज्व मःभूटाक्षिणः। भूलकाक्षिज मर्वाकः

मानुत्वा । श्लकाक्षिज मर्वाकः

मुमुनाः (सद्याक भिक्षला निवानीः

युवाः। नाष्ठी यहेकक (याणन निक्थ)

ह भूयवुकः॥ मूलाक्षावः वादिष्ठानः

मिनुव मनाङ्खः। विष्णूकः भवना-

क्वार्थाः बद्धक्क निक्ष्ये हा। वहुनः কার্যিত্বা চ ত॰ বট্চক্র॰ ক্রমাদিখিঃ । तुकात्रकुः जनानीय वाय्वकः हकात्र र ।। निक्ध वायुः (मधाष्ठा मानीय क्रवाष्क्र । ७ ताय् जामविषा ह বোজবামান মেধ্যবা ॥ এবং কৃত্বা তু নিয়নেলা যো দত্তো হরিশা পুরা । জন্মপ পরমণ মন্ত্রণ তণ তলৈগ্রকা-म्णाक्रवः ॥ गूर्वक क्षाः क्षा काः यः श्रायः भमाष्ट्रकः। पमणं ऋपयाः স্তোজে সর্ব· তেজোম্য মুনে II ভত্তেজসে৷ ২ম্বরে ৰূপ মতীব সুম नाश्रा । विज्ञा गूर्या इस ज्वि-७ शीउवाममा ॥ मु. छि मृत इत न् अ ज्वास्य क्रम् थन । स्यव्हामा পুসনাস্য ভক্তানুগৃহ কাতর ॥ नवीन जनहाकान्न मात्राममुन्हत वि-शुरु । छि उ बहुतू मर्बियु निर्मिश्व गाकि किनन ॥ बाजाताम भून काम जगप्राणि कगट् भन् । अर्ब-ৰদ্ৰপণ সৰ্বেষাণ বীজৰূপণ সনাত্ৰনণ ॥ मदीक्षात्रः मर्दवद्रः मर्दण्डि मञ-ব্ৰিত । স্বারাধ্য সর্ব ওক সর্থন-क्ल क्रांबन ।। मर्वमञ्ज बक्रभः मर्डमण्ये ८ कद्र • वद्र • । यमृष्टे • तुक्र - ,, ब्राक्त हरू कि उद्घि द्विव है। मृक्ष्ते ह পরনাক্তর্য্য ভুষ্টাব পরমেশ্বর ॥

रे जियात्वार्स शिक्क व्यास्ति। २० जवात्वः ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

व्यथ भागत्वाभः। र्विक्राह। अर्थ यागः भुवक्तान ভুক্তি মুক্তিকর পার । ধ্যাবিভিঃ প্রোচ্যতে থ্যেয়ে খ্যানেন হরিরী-भारः॥ ७८ मृगृष्ठ महिमान मर्वनी-श विनाणनः। विकुः गर्सन्यता १न-खा यक्ति **भद्रिवर्क्किनः**॥ वामूरम বো জগমাথো বুন্ধাত্মা অচনেব তু । (महि (महिंहाज) निजाः अर्वापर विवर्किंजः ॥ (एक्ष्यं विशीमण्ड क्र-রাক্ষর বিবর্জিত:। তাজ্বর্গ রহিতঃ সুষ্টা নাম গোত্র বিব্রজিতঃ।। মন্তা মনস্থিতো দেবো মনসং পরিব্িভি **७:।** मत्नाथमं विश्वानाः विकानाः ব্যয় এব চ ॥ বোদ্ধা বৃদ্ধিস্থিতঃ नाकी नर्बरवाथ विवर्षिकः। वृक्षि-ধর্ম বিহীনক্ত সর্বঃ সর্ব্যত্যে ২ম-षः ॥ मर्द्रभागविनिम् 🖘 🕬 विवर्जिङः। भाग भागो इ। भाग्या **खर्यन পরিবর্জিত: ।। ७ १**काর हि হীনশ্ট ভদ্ধর্ম পরিবর্জিত: ! ভং-माकी उधियद्या ह भद्रमानन्त क्ष कः ॥ जागूर अर्थ जुमलाक उर সাক্ষী ভদ্বির্জিত। তুরীয়া পরনো था जा मृगुरभा खन विक्रिः ॥ भूरका

विश्व ब्रिकाभी नडा जाजामार निवः। अवः स्व मानवा विद्धां पंताव होण अवः अपः ॥ भाश्व य एड ह छुन्भः नाव कार्या विहात्रगा। ইভि भावः भवा शाङ छव णक्त मृत्ड ॥ भारत्रेष्य এउट जङ्कः विकृत्वाकः जगहित। ইভিগাকডে ১৪ অধ্যাবः॥

व्यथाड्डाक्रागः।

मुकि ब्रह्राक विद्यानाट मरक्षा-खद्दार मृग्। यमाः शक प् इि मान्त অহিণ্স। পাণ্যহিণ্সন ॥ সভ্য ভূতহিত বাক্য নন্তেয় স্বাগৃহ প तः। व्यत्मश्रमः तुकाष्टर्याः **मर्बज**ाः গো ২পরিগৃহ:।। নিয়না: পঞ্ স ত্যাদ্যা বাহ্য নাভ্যন্তর• हिशा। **भोऽ॰ ज्डिक माह्याव छल क्लिन्य** निगुरः॥ याध्यायः म्यायस्य कानः श्रु शिषान १ इत्र यं जिः। यामन शम्रः कामुङ शुागायास्या नक्छ्यः ॥ মন্ত্রধ্যান যুতে। গর্ভো বিপরীতো **गगर्डकः। चगर्डा**ङ् मगर्डञ्चः **ना**-गागम खरंजा २ विकः ॥ এवः विवा ত্রিধাপুতেঃ প্রণাৎ প্রকঃ স চ। वस्रका निम्ववाट् न (तहकापुह-क जिथा।। लचु द्वारण माजः माइः তুর্বি:শতিক: পর:। বট্তি:শন্মা-बिकः (मुक्तः भुउग्रहात्रण (त्राधन·॥

नुकाचा विश्वाष्ठान नहार शावना मनामा भृष्टिः। व्यष्ट् दुरम् ७, वर्षाः न जगावि व कनः हि छि: ।। वह-মাত্মা পর• বুল্ন সভ্য· জ্ঞান মন-**७कः।** विक्रान भानत्म। वृक्ष अख-ত্ব্যবিকেবল ।। অহ ব্ৰহাম্যহ *वुका जा*नदीत मनिनुषः । जारः भत्न। वृद्धि भक्षम्हकात्राप्ति वर्षिछः ।। बाग्र वर् मुमुख्यामि मुक्क क्रा-**डि स्तीयकः। निजाः मूकः** राजार कः मञ्जाननम् महर्यः ॥ (या २ मा-वारिका भूकवः (मा रुगावर मथ् उँ। ইতি খ্যাयन् विमहाउ वाञ्चाला ভववन्नना८ ॥ इंखि गाक्ए १৯ व्यथ्रायः ॥ 🕸 ॥ व्यभिष्ठ । এउएउ কথিত জ্ঞান যোগঞ্চেম নিবোধ (न। य॰ भाभ। वृक्षण (यामी भाष-তানন্যতা॰ বুদ্ধে ॥ পুাগালৈবা-जाना कार्या (याणिना निक् मूर्कय:। **मर्वी उ** उद्धार यङ्ग उत्मानायः मृग्य (म)। भागायारेम मंत्रामाचान् ধারণাভিশ্চ কিল্বিব । পুত্যাহারেণ मःमर्गान् श्रात्ननानी यङ्गान् ख्यान् ॥ যথা পৰ্বত ধাত্না॰ প্ৰব্যানা৽ দ-क्र अवः। उथिनित्य क्ंजा (मायाः **म्बा**ख भागिनगुरा ॥ भुषम॰ नाधनः वर्गाए भागायामना वाकः

वि८ । भागाभान निर्त्ताथल भागा-याम উपाक्षः।। मधु मरबताखद्री-याथाः भागायाम जिल्लामिकः । ভদ্য পুনাণ বক্ষ্যানি ভদলক শৃণুষ্ব (म।। वयु र्वाम्म माञ्च विख्यः म তু मध्रमः। विख्णानिक मावानि अख्रीय উদাস্ত:।। निम्यास्त्र वाग भावा जाला नयुक्ता भजः। शुगियाममा मन्यार्थः म्राजा बार-मभाजकः॥ भुषसम ब्रायट (यमः मध्यम ज् तम्भू । विवाद हि ज्ञीरयन **ब**रयस्मायानन्कमार ॥ मृहुदः (मव्यामाञ्च मिः नार्व ब्रक्षद्राः। यथा यास्त्रि उथा भाषा বশ্যো ভৰতি যোগিনঃ॥ বশ্যু॰ সম্ভ यत्यहात्जा नाग॰ नयाज इस्त्रिशः। **छरियव रयागी इल्लान भाग नय**ि সাধিত।। যথা হি সাধিত: সিংহো म्गान् रुष्टि न मान्यान् । उद्यविक कः शवनः किल्वि न न्गा छन्।। उमाम्बङः मरा (याभी भागायान-পরে। ভবেং। শ্রুযতা॰ নুক্তি ফলদ॰ **তम्यावङ्गः ठज्क्षेयः ॥ श्वास्टः भा**स्रि खणा मिश्रिके भुमारक महीभाउ। . चक्र १० मृश् दि (उषाः कथामान म-मुक्रमार ॥ कर्मना मिष्ठे मुक्षाना॰ कार्यं कृत मःक्यः । (छ्छामा

বিক্ষায়ত্ব• যত্ৰ সাধৃষ্ঠি विश्विकां भूषिकान् काः व लाः भाशाजाकाःक यान्। नक्षा (उ गरा यागी भाषिः ना म ईकामिकी ॥ অতীতানাগতানথান্ পুক্ষ ভি ब्राह्डान्। विज्ञानाडी मू भूर्या क्र गुरु। गाः ज्वान जन्मरा। ज्वा गु-ভাবস্ত যদা যোগী পালোভি সম্বি-म् । उदा मिहिष्डि भ्रा आ भागा-यामम् मा इन्छिः। या छ भुमारः (यनाजा मनः ११६ ह वायवः।। इन्मि-यागीनिषुयार्थाक मनुमाप देखि म्छः । मृत्यु ह भशिभान भागायाममः लक्षन ।। युक्ष उन्ह यथा (यान यान मृथि**रिङ गानमः। श**मा नक्तांत्रनः বালি তথা স্বস্তিক নাসন।। আ স্থায यागी युक्षीं उक्दा 🤊 🦠 🔻 क्षि। त्रमः नगात्रात्रा जूर চরণাবুভৌ। সংবৃতাস্য 🕬 नग्रिक्टेड्र दावुडः ॥ 🕫 लिक व्यवावस्थान श्राजः । इ. उ. किश्विनुष्ठाभिङ नित्र। मरेख पर्वशः म मः न्यू (मेर् ॥ मः भागामा मिका भूः य॰ मिन्म महानवलाक्यन्। ब्रजना जगरमा वृद्धिः माजून ब्रह्म खथा।। সংস্থাপ্য নির্মালে সাত্ত্ব স্থিতো যু-**छी उ (यागदिए। इन्द्रिया**णी स्कूल-

र्स्डाः श्रीभाषीन् यन এव ह।। नि-गृश नगरायन भुजारात गुभक (यट। यस भुजाह्द्वर कामान् क्र्या १३ ानीव नर्बणः ॥ नदाजा ক্লভি রেকস্থ: পশ্যমাত্মান মাত্মনি **৷ স** বাহ্যভান্তর শৌচ নিষ্ণাদ্য कर्श ना जिंडः ॥ भूत्र विद्या वृश्या (मरु नुजारात्र मूनकाम । नागायामा मण्दि ह शादना जा जिलीयर ।। ৰিবাৰণা মৃতো যোগো যোগিভি खबुवृद्धि । उथा देव याग युक স্য যোগিনে। নিযভাত্মনঃ ॥ সর্বে (मायाः भूगमाहि यह रेक्टरवाभजा-যতে। বীক্ষতে চ পর বুদ্ধ পুাক্তা॰ क खनान् भृथक्।। (वर्गमापि भन्नमा-म्॰ छथाजान मकनायः । इथः যোগী জিতাহার: প্রাণাযাম পরা-यगः ॥ जिजाः किजाः मरेन ज्मि মারোহেত যথা গৃহ। দোবান্ ব্যাধি তথা মোহ মাক্রান্তা ভ্রান ৰ্জিতা।। বিবৰ্জ্বতি নাপ্নোহেত্তমা-क्षि मनिर्किजाः। পुागाना मृभमः রোধাৎ প্রাণাযাম ইতি স্ত: ॥ ধারণেভুচেতে চেয় পায্যতে যন্মনো १नया। भदारिख्यः भुवृखानि यर-कानि किञाञ्चा छिः ॥ भुज्या द्वार থোগেন পুত্যাহার স্ততঃ মৃতঃ। উ

পায শ্চাত্র কথিতো যোগিভি: প-त्रभविं छि: ॥ (यन वृह्मध्राम् रशः (माः या न कायस्त्र हि याणिनः। यथा ভোষার্থিন স্তোষ্ণ মন্ত্র নালাদিভিঃ भरेनः॥ जाशित्रगु उथा वाय् शि-(राष्पानी जिल्मुमः। भागान्ताः इ-দ্যে বাথ ভূভীয়া চ তথােরসি।। কণ্ঠে মুখে নাসিকাগ্রে নেত্র ভুমধ্য मूख्यू । किथिखमार भक्रमा म ধারণা পরমা মৃতা।। দলৈতা ধার-ণাঃ পাপ্য প্রাপ্মোত্যক্ষর সাম্যতা• । নাখ্যাতঃ ক্ৰিতঃ শাুভো ন চ ব্যা-**দল লোচন:।। মু**ঞ্জীত যোগ• রা-**(अनु** यागी निकार्य गाञ्चनः। ना-তিশাতে ন চৈবোঞে ছল্ফে নাম্বনি-লাত্মকে ॥ কালেহেতেষু যুঞ্জীত न र्याग॰ थ्यान उर्भद्रः। न भारक् **ংগ্নি জলাভ্যাসে** জীর্ণে গোপ্তে চত্ত্ ञ्चत्य ॥ भूक्षभर्ग हत्य नम् ॥ भूमात्ने সসরীস্পে। সভবে কৃপতীরে বা চৈত্য বল্মীক সঞ্চযে। দেশেশ্বেতেষু **उ**दुष्छा यागान्यामः विवर्क्कारट ।। जनुम्रान्भभाखी ह एम काल विविद्धिं । ना माजा मन्द्रन । यात्म **जमान्ड॰ भद्रियर्ड्डा**य्य ।। (मेरिया त्न-जाननाम्छ। मृष्यााष्या यनकि देव। । বিশ্লায় তস্য যে দোষা জায়ন্তে তা;

मिताध्य ।। वाधियं। कउडा ताभः म्राज म् कष् मञ्जा। जुत्रक जागरा जर् उद्यक्तकान याणिनः ॥ भूनाः मात्वागिता (मरवा यरेबाउनु) कि-किट्निजः। (ज्याः नामाय कर्डवाः বোগিনা ত॰ নিবোধ মে ॥ স্থিকা॰ য গাগ্ মত্যুক্ষা ভুক্তা ভবৈৰ ধার-বেখ.। বাভ গুলা পুশান্ত্যর্থণ গুদা-বৰ্ত্তে ভাৰে॥ যবাগু ৰাপি প-বনে বাযগুছীন পরিক্ষিপেৎ 1 ত घट करूण गहारेणव हिंद्र गनि थारू थर ।। विचार् वह सा वानि वाधिरगंऽ मुवरनिकुरय । उरेथवाङ्गः कन प्रात्यकृष्णार्का **तमतन्त्र्रय ।** যি মিন্ যি মিন্ ক্জা দেহে ভ মি• ভ म् श्रकात्रिनी ।। श्रात्रयक्तात्रना गुर्कः नीजा॰ भीरा विमाहिनी॰। कीन॰ শির্সি সংস্থাপ্য কান্ত কান্তেন তা-एरयर ॥ नुश्रम्**राः म्रिः मरा।** (याभिन (छन काय्र । म्रावाभू-थिरवरी वायुशी वराशिनावन्धात्रस्थ ।। অমানুবাৎসভু জাতাদাধা ছিতি **विक्टिमिङ** । अभान्**यः म**ङ्गस्ड र्याणिन अधिरामध्यमि ॥ वायुनि थात्रभार्टेवन (पर म·इ॰ विनिर्माहरू । এবং সञ्चाजाना कार्य्या द्रक्षा रयागः विषा न्था। धर्मार्थ काम भाकानाः

অথ ত্রিবিধ যোগ 🖫

श्री जगवानू वाह । (यागा विकास विकास

यकन् यों छ प्रनामीः काम उष्दर। न याजि वर्ग नहरको यन उन्। न नभा-हाब्र ॥ व्यक्तिकारक वर्त्रभामः वश्यां इति १ नयः मूहिः। उद्यानः वि **म्क** भारताजि मक्किक यम्ह्या ॥ ইতি জ্ঞান্বতে ১১ ক্ষে २० वर्षायः ॥ 🗱 ॥ जाःश्रह्यागः २ कर्मारगानः ७ ज्ञानकर्मन्। गरा া:৪ সংব্যাসংখাগ: ৫ খ্যাসংখাগ: **७ विद्धानयागः १ वृक्तयागः ৮** রাজগুহ্যোগ: ১ বিভূতিযোগ: ১০ ভক্তিযোগ: ১২ পুক্তিপুৰুষবিবে-करवागः ১৩ छ। बयरवागः ४८ शुकः (बाखग्रवागः ১৫ আচারবিবেক-(यानः ১१ (स्वाक्तर्यानः ১৮ একে যোগা এতেম্বধ্যাযেষু ভগবদ্দীতা-या पृष्ठेवाः॥ #॥ जय विश्व सामि (यागानयन कमः। त्रवीनमु (याग লিপ্তাভ্যো যোগা ভ ভোগ ভা-ভিতা:। গত গম্যাশ্চ বৃষ্টিলা নাড্যো ভুক্তাম্বোচ্তা: ॥ ইতি ज्यं।जिकासः॥

र्याणेठतः भृ रन्मान्। इजि नद-तज्ञावनी ॥

যাগজ॰ দ্লী অগুৰু। ইতি ভাব-পুকাশ:।। যোগজাতে ত্ৰি।। যাগজঃ পু• অলৌকিকসন্নিকর্ষ-

: পোজে৷ যুক্ত যুঞ্জান ভে-म्डः ॥ यूकमा मर्बना जानः विश्वाः महक्छा १भवः ॥ इंडि ভावा-পরিছেদঃ।। ঞা। যোগজ ইভি। যো-গাভ্যাস জনিত ধর্মবিশেষঃ৷ শু.ডি: পুরাণাদি পুমাণক ইত্যর্থ:। যুক্তে-তি। যুক্ত যুঞ্জান ৰূপ যোগ দ্বৈবি बार धर्ममा दिविषा मिछि छातः । यूक्तप्राठि । यागान्त्रामादग-**छ्या वनीक्छ मगाधि मगामा**हिः ত বিবিধ সিদ্ধিযুক্ত ইত্যুচ্যতে। অযমেব বিশিষ্টযোগবল্তাৎ যুক্ত ইত্যুচ্যুতে। সর্বদেতি। চিন্তাসহ-कात्र वित्न ग्रर्थः । ज्ञान अर्व विष-যাণা- পুত্যক-। অপরো যুঞ্জান: । विवयवताव्खत मानम संस्विधः व्ययक गुक्षान উচ্যতে। हिन्ता भानः उप्ति काइन उर महकातार ज्व

मुख व्यवार्ड विशुक्क्षेत्रवीन् मनः भुज्ञक्षेक्रवाजीजार्थः । ইভি नि षाउमुकावनीमा

रयागरान की हरणनरान । यथा।

रयागारमन विकी छ रयागरान भू
विज्रुष्ट । यञ वालु अधि भरण । विकि
ख्य नर्ब विनि वर्ज थ्य ॥ विकि
सानत म व्यक्ष ग्रायः ॥ रयागायम् न्
वि। रयागणम् च्या हो हरणन स्
विकय पान भुष्ठि गुर्शः कियस्व न छ ब्रा हा न ज्ञाणि निः क्ष्म् भारते यञ हपा कानीयाय वस्तराज निः क्ष्म्भापि न कृष्ठ छ द मर्ब ।
विवर्ज स्य । इति उद्योकाया कस्व क्ष्में ।।

याननिकः भ् मः मार्गिः । इंडि इति कार्याः । गर्गाः । ३डि

तिनित्र की मृगी। यथा। यः नि-र के रणापश अगमण कशानकः । विक्र अक्षर गाठि यागनि-त्रिक साठारक ॥ देखि का निका-भूतारा ७ व्यक्षायः ॥

स्यागनम्कः क्री न्वासियार्या छ त्रीयविष्णयः । स्थाननाते इंडि ভाषार्थिया। जिविषः स्थाननम्क स्थान्यः वर्षायाज्ञानाज्यः। विज्ञीयः श्गिष्णां । ज्ञीय खडनिर्वाल ।। ठ्रुपां व शुविखात १ रेपर्यं । यह मान । प्रत्यां व प्रविखात । प्रत्यां व प्रविखात । प्रत्यां व प्रविखात । व विख्यां व प्रविख्यां व प्रविख्यां । विख्यां विश्व विद्यां विद्यां विश्व विद्यां विद्य

रयागनीठे॰ क्री (प्रवाना॰ रयागामन॰
। यथा। यथन॰ रयागनीठेख नमः
नानीह हवार्यान विविद्यार । नावादीनामन्
नानीह हवार्यान विविद्यार ।।
रयागनीठे॰ न्यकादा यखान यखान महिन्यान जुन व्यादा यखान महिन्यान जुन व्यादा यखान जिल्ला प्रवादा विविद्यार ।।
स्वात्रानीठेन न्यकादा यखान जुन व्यादा विविद्यार ।।
स्वात्रानीठेन व्यादा प्रवादा व्यादा विविद्यार ।
स्वात्रानीठेन व्याद्या प्रवादा व्याद्या व्या व्याद्या व्य

ागभाय। खी खगवजी। जा ह विक् भाषा। यथा। ठउक लोजि जग-यट भुटाहिउ: जुङ जमाहाय ज जुङिका गृहाट। यहा वहि र्गष्ठ मि-य्य उर्ख्या या (यागमाया कनि म-न्मकायया। इंडि बीजागव्य >० क्षि ) व्यथाय: ॥

शान्यः व्याचािकातान्वनः। विज्ञायः। (यागत्रकः भूः नात्रकः। ইতি द्वाकः

निर्यण्डः ॥

शानकः भू (यागार्थम्र छारतकार्र्यवाषकणमः। यथा। वागकार्राण कार्राण विशिष्ठ एक विशाद ज्याः भून जिला ज्याः
तिया। विश्व पदाः भून जिला ज्याः
तिया। विश्व पदाः भक्ष जाम्यः। भक्ष ज्ञति एभू छार्यः भक्ष जाम्यः। भक्ष ज्ञति एभू छार्यः भक्ष ज्ञान कर्ज ज्ञिशाय
त्वन व्यात्मनाभि भग्नार्थ व्य भूजिभाम १८७ न समूनाम १ व्य म्हिः
विशास १८० न समूनाम १ व्य महन् ।
विशास विशिष्ठ भग्नो मात्र मृण्यः।
विशास विशिष्ठ भग्नो सात्र मृण्यः।
विशास विश्व प्रकार विश्व ।
विशास विश्व प्रकार विश्व ।
विश्व विश्व विश्व ।
विश्व विश्व विश्व ।

यागवारः भू अन्यातः॥ विमर्गः ॥ जिल्लाम्नीयः॥ उभाधानीयः। इंजियाकत्रनः॥

(यागवाही क्षी कार्त्रवाणवः। यथा।
चिक्रित चिक्रिकामुद्दी (यागवाही
मूर्वाईका । इंडि (इमहन्द्रः ॥
भारत्रका।

यागमातः भू मर्बादागम्दाभागः
। यथा। धन्नस्तिकवात । मर्बादाग

स्त्र मिक्क (यागमातः वहामादः ।

मृण् मूनुज म क्लिभाट भागिनाः

कीवास् उद्य ।। निरम्याहि ईविः

काल किस्राज्ञः यान्वस्या ज्वर ।

क्याय कर्षे जिज्ञान क्काराताहः

**(छोबनां ।।** हिस्रो वेऽवीय वऽ।याम खर त्नाक नुवागद्राद्र । छेहि छी-**व**ऽजिजावाह कर्मायागाजिकर्यne ।। वायू: स्नार्डि नर्वाउ जी-र्गाम दिन मःक्राय। उकाम लवग কার কটুকালীর্ণ ভোজনাৎ ।। ভীশ্বভেপাগ্নি সন্তাপ মদ্য কোধ নিষেবনাৎ! বিদাহ কালেভ্ক্তস্য भवतादा कनशामान ॥ ग्रीयाका-**जि**र्क द्राखिनि नि उ॰ व्यन्। जि (प-হিন:। স্বাদ্বন্ন লবণ স্থিক গুক্ত मी-তাতিভোজনাৎ 🛭 নবাম পি 🥫 লা-न्श नावाजिमानिर (मवनाट । व्यवहवाद्या निवायश्च भग्राभन भू-খাদিভি:॥ কফ: পুদোষে ভুক্তে চ বসম্ভেচ পুন্সপ্যতি। পাক্ষ্য নূল সঙ্কোচ তোদ বিষ্টমু ভোজনাৎ ॥ খরতা সৃগুতা হব রৌক্ষ স্তম্ভন শোষণ। শ্যাবত্ব মঞ্বিল্লেষ বল-नामामवर्खन ।। वारया विकासिटे যুক্তি রোগ বাতাত্মক বদেৎ। नाट्शय भार मद्भर काभ दाग भित्रमुवाः ॥ कद्देस **भ**व्देवगन्नु ষেদ মূর্ছাভিত্ট শুমা:। হারিদু• হরিতবৃঞ্চ পিত্ত লিক্সানি হৈত লিখঃ ॥ द्वारामा स्थापन माध्यं। विद्यकादिन वक्षन । रिङ्गिष्ठ मृष्टि मः याञ

শোথ শীভত্ব গৌরব ।। ৰঙু नि-मुखिरगागम् वक्षा क्ष मञ्जदः। रुञ् लक्ष्म भः मर्गाहिर।। ह्यादिः हिमायक ।। नई एक नमूर नमः बिनिक् नामिभाजिकः। (माय भाजू मनावादा (महिनाः (मह छ চ্যুত্ত ৷৷ তেবা• সমত্ত্ৰারোগ্যু• क्य वृष्ती विभर्यत्रः। त्रमामृद्याः म মেদোস্থি মজ্জ শুক্রাণি থাতব:।। বাত পিত্ত কফা দোষা বিমূত্রাদ্যা भवाः भ्जाः। वायः भीता वयः म्खः थाद्रा काका शस्त्रा वनी ।। भिन्न ग्रम कर्षिक भान्ताका রোগ কারণ। মধুরো লবণ: त्रिष्मा ख्यः श्लिपाडिनिह्नः ॥ **७५८म्**१-ণ্যাশুযো বায়ুঃ পিন্ত পদ্বাশয স্থি-ত । কফ স্যামাশ্য স্থান কঠো-ৰু মূৰ্দ্ধ সন্ধয়: ॥ কটু তিক্ত কৰাযা-क कक शिङापि मः भूयाः। कर्म वदनाः शिखः साम्य वदनाः ककः ॥ এতএব বিপর্য্যন্তা: नमारियगः रिष्ठ। मूक्षाना॰ मूथाइ छवः ॥ इछ। हि गाक्रा ३१० व्यथायः॥ यागक्कम॰ क्री व्यनागजानयनागज-त्रक्षां। यथा मनुः। दिवा वक्तवाजा

शाल द्राखो सामिन उन्गृरह।

(यागाकाम १न)था (हल भारता वक्तान मिनार । वृहर विद्राः । वार्तान माना हो। व्यान निर्माल इक्तान । जाना हो। विद्रां उद्दा सामी न (माम जाक । हिंडिं भूमिक्ड उद्देश । व्यान । क्वा-भूमाम द्रवक्ता मामन (यागः । भारति हाम विक्ता भावन (क्याः । स्टिक्ट कियो निर्माण क्रव छः ॥ (या-गाकाम भन्नी निर्माण क्रव छः ॥ (या-गाकाम मनी निर्माण क्रव छः ॥ (या-व्यागाकाम क्रव क्या मी जाया वा-क्याण उडः मृगम्यान भनी नामा क्र-भाम गन्न विक्रमः ॥ देखि क्यि-कार्व ६ वर्गः ॥

(यागाधमन क्री हालनवक्षकः। यथा।

(यागाधमन विकीजः (यागमान भूजिगुरः। यज वान् प्रभिषः भाना ९ विकि वर्षः विनिवर्ज्यः । रेजि मन्ः
।। जम् विवन्न (यागमान भाषामुद्रेवाः॥

পুযোজিতাঃ। ভবন্তি রোগিণা॰ শা- যোগারকঃ পু॰ নারকঃ। ইভি রাজ-ন্তৈঃ সুস্থানা॰ সুথহেতবঃ॥ ইভ্যা- নির্ঘটঃ॥

> रगागानाः श्रृ हेन्प्रियार्थंडर मास्य कर्मानामङः। यथा। यहा हि त-निष्पार्थंषु न कर्मत्रनुमञ्ज्ञरङ। मर्व मःकल्ल मःनाभी रगागाना छहाः

हारा । इंडि श्रीक्शवद्गी डाया । ध्र व्यथायः।। की मृत्यास (यागाक्ता) यमः काइन सूहार इंडिंड वार यमि । हेल्यास विक्तिय रकाराज्यभाषा हिन्दु उर माधानम् ह कर्षाम् यमः। नान्यकार व्यामिकः न करहा छ। छव रहतः व्यामिकः व ज्ञान् महीन् रक्षां विक् योन् कर्षावियया । कहान् मः ना रामाकृ छ। कु भीनः यमः मक्ष मा रामाकृ छ। इंडि छक्षी-काया श्रीव्यामी ॥

भ्यागामनः क्री तुष्कामनः। ध्रानामनः । इंडि (इमहन्मुः॥

यागिम ७: भू (वबः। ই छ द्राक

रगिनिनी जी रगिनयुकानाई।। जन-वजाः मधीक्ता जावद्गाप्तवजा। मार्कार्ट विथा। जामा मर्था ह-जूःविद्धः भुषानाः। यथा। नादाय गी ) गोत्री २ माक स्त्रदी ७ जीमा ८ वज्रपिका ८ जामदी ५ मार्वजी १ मूर्गा ৮ काजायनी ३ महारहिती २० हछवन्छ। ३३ महाविहा। ३२ महाज्ञा ३० मार्विजी ३८ वृक्षवा-पिनी १८ ज्युकानी १५ विमानाकी ११ कपूरानी १४ क्युक्तानी १५ विमानाकी यागिनी

कामा २० सोपुग्धी २३ कामनाजिङ २२ जनविनी २० स्विचना २८ मह-विक्माना

२१ मरहारती

(वात्रक्शा ७० महावना ७) मु.जिः **०२ मृ**जिः ०० वृंजिः ०८ जूडिः ०८ न्दिः ३५ (मदा ३१ विष्रा ३४ व चीः জ সরমতী ৪০ অপর্ণা ৪১ অম্বিকা धर रगानिने ४० डाकिनी ४४ माकि-नी 8৫ स्विती 85 स्विनी 89 वा-किनी ८৮ जिरामधनी ९२ महावधी ৫० नर्बभक्षा ७३ वड्ना ८२ (को-लिकी co वृक्षांगी ca मार्ख्यती cc कोगात्री ७५ रिवक्षवी ७१ अनुति ७৮ নারসিংহী ৫৯ বারাহী ৬০ চামুঞা ৬১ শিবদূতী ৬২ বিষ্ণুমাধা ৬৩ মাতৃ: का ७८। ইতি वृह्मनिएक ध्रमभूताः ণোক দূর্গাপ্রা পদ্ধতিঃ।।#।। অপিচ । वुकाणी विका होनी लोबीन्यानी उरेशव है। कोमाबी रिक्ट मुना नात्रिनि ही ह कालिका ॥ हामूखा निवम्जी ह वादाशी कोनिकी छथा । भारक्षेत्री भाक्त्री ह क्यही अर्व-भक्षा।। काली क्लानिनी (भक्ष শিবা শাক্সরী তথা। ভীমা শাস্তা जामत्री ह क्षुांनी हासिका उथा।। क्या थाजी उथा याहा यथाशर्म

र्गानिया

श्री। वात्रक्षा मराकाषी - जुन्कानी लेकिके । क्लाकती छी-্পুচণ্ডা চণ্ডোর্ল চণ্ডনাবিক্লি চণ্ডা **ठखबडी ह**खी बहादगर। शिवक्री ग वनविकातनी स्वी वनभूमिशनी उथा। मत्नाम्यिनी (मती रु नर्व ্ভূতস্য দাৰ্মিনী।। উমা ভারা মহা-निमा विक्रिश ह स्था उथा। भ्राकाः रेमनभूधान्ता (यागिनारक्षे व याः ক্রমাৎ।। তাভি রাভিষ্ঠ সহিতা শ্চ-जुःवश्चीक या निमीः। भूकायम् अन न।। यः नर्वकामार्थनिष्वत्य।। ইতিক। निका পুরাণে ৬২ অধ্যায: ॥ 🗱 ॥ অ-ষ্টিযোগিন্যো ফথা। ততোষ্টপত্ৰেম্বর न् भूकत्यम् श्रेरमा निनीः। रेमलभू बी॰ চণ্ডঘণ্টা॰ স্কন্দমাতর নেব চ।। का नता विश्व भ्वां रि ठ जूरिक् भुभ्क যেৎ। চণ্ডিকান্থ হব্ৰাণ্ডী তথা का छा पनी मूं छा ।। महार गोदी । का प्रांकाल रेनर्थंड्यामिषु भूरदर । इंडि उदेवर ৫० अस्तायः ॥ #॥ **তিথিবিশেষে দিখিশেষাবফিভ**ো গিন্যো যথা। বুঙ্গাণী সংস্থিতা পূর্ব भुजिभन्नवमी जिल्लो। पारक्षश्री। চোত্তরে চ দ্বিতীয়া দশনীতিথে।। श्चित्राध्य ह क्षीनाती क्रिंटिक क्ली जिल्लो। नादायनी व देनका जा अज्ञानात । अवातः मः भूताना

ठेज्बी बारनी जिल्लो ॥ राक्षमाक वाराम्भा। वाताही मिन्ति छथा। यष्ठारिकव हर्ज्मा दिस्तानी भानि त्म इंडाना मध्यमा क्रियामा होमुखा वायरगाहरत । शहरास हा। न्तरयाम् मङ्गनन्त्रीमः वहरत्राहरम निनी मन्त्राथ देनव गा कि नु त्यर । इंडि गाक्तः 👙 अपूर्णाः 🏭 🛊 ॥ व्यनित्र। भू । वर्षा रहाई कारा क्रांक भारः अब पायाः मनी यारगऽ (वना स ाक है। लाक ॥ यश्चे हडर्मनी भ 🗀 दा ार আন পূর্ণিয়া। দিজী । শনী 😘 लेगान्धाः ठाठेनी का वार्य न ভ ती (पदी मृउ)पा यत् वक्ष क्रेडी हार्णु कृ । ३३, दस ह नी॥ इंडि (क्ष्रांडिक्ट) ॥ 🕸 ॥ स्ट कानायाणिनी यथा । ल्याः विम्यु দশ বাতি ভতো যালক ভুলিঞা **ज़ाडी (उन मार्शिक अस्ति के क** (यागिनी ॥ भागी शतानत छङ्गामा ८भेग्यग्राग्यायाः यस्य विश्व मान राज्युं अयु क्याहि 🔂 पूर्विष নবলে গাং পৃষ্ঠে জিতে 🐬 দক্ষী গৈরি রাজপুরী।। ইটি সর্পেস্ত ।। # 1 শ্বথ গোলিনী সাধ্ৰা।

रयानिनी कि शिनिनी माध्यां उपने विमर्थ। अधिन नाः पहिना महिनिष्मा ण उख्या भक्षाविक्रा (क्वानामिश লুব ভা। বা সামভ্যছন ক্ছা যকে-रमा १ ज्ञानिभः ॥ जामा मार्गः शुक्का वि गुतानाः मृन्तत्रीः निर्य। অন্যাৰ ভাৰ্চনে নৈব রাজত্বণ লভতে ন্র:॥ অথ পাতঃ সম্পাব ক্রা বা माहिक मू छ। शुामाहक नमानारः क्रवंत्रानाहरून ७ जः ॥ भूगवास मर माद्र हूँ । कहे नियमन । हात्र । भागा याम् ७७३ वर्षा८ मृतमाखन चख िया साम् भाषया स्यंग्रय भग মই লে লিখেত। ভিষান্পদ্মে ন্ছ। ा अ हो वान ममाहरत्र ॥ भीरहे बस्वी नमावाश श्रायाप्ति वन श्रियाः। अर्थाठमर निजाः भोतीः वि ্তিক্রায়ৰ শারিণী• ॥ পীনোভু**স্ স**ং ा अल नाईवा मञ्च भूता । कि का । 5 मृत्वन मम्ग्री भा-. भारतिक प्रा ॥ श्न ध्रा निरव-ेन्द्रव के एड॰ मूनमञ्जलः। शक्त ह े अध्यान मकश्रव मूर्णा छन । भूष एउ जूरतभी जागह मृत गुम्पति । यद्भ जीगंत्रा क्राम्याखाः जिमकाल मित्र मित्र ॥ महोनुक श्रुमालन शादा (स्वी: भना वृष: ।

माशास्त्र । लाक विवयं विविश्व ज्ञाकार ।िक्दो ह सुब्रामकार निणील तांचि जुली हो। जुल्लामा শক মুদ্রা রাতি লা সাধক **লাকে।** जुनुजना जावकार्य जन। स्मात जुनी-**७** इ: । पृद्धाः (पर्वीः नाश्रकान्यु। प्र-म्। भार। दिकः म् छ।। मूहन्दनः সুমনসো জ্ঞা হাভিলসিত । বদেং । भाउद्गः जित्री वाशि जार्गाः वा ভক্তি ভাবতঃ ॥ यनि মাড়া छ-मा विङ म्नाप्य मूमाना इतः। ज्ल-िवः शार्थिङ यखप्रगाछि पित দিনে ॥ পুত্ৰৰ্থ পাতি ত লোকে जडाः जडाः ज्विन्छिडः। यत्रा दना-. **डि म्**राक्ष हिराउ**ड** रेश्व ह।। हि-व्याः कन्याः म्यानीय नागकन्याः दि-নে দিনে। যত্ম দ্ভবতি ভূতঞ্চ ভবিষ্য-**छी** विश्वनः ॥ उट्यर्बः माध्यकः न्ताय निरवषयि निन्धि छ। यट बट भार्शवरङ मर्बः महाङि मा दित्व दि-নে॥ভাত্ৰৎপাতিত লোকে কাম-नां नि मरनागरेजः। जार्यप्राम्यादि ना (स्वी नाथकम् अत्नाह्रता।। द्वा-(जन्मू: नर्ब बाजानाः न नात ना-ধকোন্তন:। ষর্গে মর্ত্যেচ পর তালে गि । गर्वे विकि उ ॥ येष्य प्राि ना (पर्वी कथिजूः रेत्रद मक्राउ ।

ত্যা সার্দ্ধ্ সংভোগ করোভি সা-बरका बनः । बनाजी गनन जाका व्यम् अवा नव्या जिल्ला व्यवना आक्षा ज्वा र्नेट् नामन व्यक्त निर्मिंड वुक्तना भूता। नहीं जीतः नमानाम्। वर्षार श्वानां दिक ७७: ॥ भूबंवर नकन कार्याः हन्ति र्यञ्जनः नित्थरः । स न ख॰ उब म॰ निथ्यारा श्र्यारा स्ता श्राः।। अत्रत्रान्वाः भत्रित्तम् वळ्ाः विश्वाधवाः हन्दन गञ्ज विश्वाः। हीनाः भूकाः भीन **स**ठाः गताङ्काः भाग-माः मरा काममूचाः विविवाः॥ ववः श्राद्या जल्लास्यो मस्क श्रा मीन कि:। गक्तः भूञ्च द्रमरिक्षव जास्वामीः क मूलजः ॥ जात्र भाषा गह मता-হরে পাবকবল্লভা। ক্তা যুত্ত পু তিদিন জপেয়ञ्च॰ পুসম্পীঃ।। মা-नाए वात्राभा दिवमः वर्षाह जभ भूउमः। जानिमीषः कालमञ्जः छादा ह नावक पृष्टा गदा ह ना-धकान्त्रात्म मृभुममा मानाह्रमा । ততো ২ ছিতা পুসন্না সা পৃঞ্চতি भार्थिङ ह यट् ॥ सर्गिङ नाथकाय मनाठि नां मित्न मित्न। नावाभवः ব্যয় পর্য্যাৎ ছিত্তে ভতু ন্দাস্যতি ।। অন্যন্ত্রী গমন তস্য ন ভবেৎ न ग्र भी द्रिजः। यद्रार्जना उन्ह स्मा

खबडी डि न मः भयः ॥ इयः **७ क**ि छ। विका म्राभागा या मुत्राम्रोतः। खर दिल्ल खक्रा ह वत्का १३० भः त्रस्थिति ॥ २ ॥ कः ॥ जाउ १ नार् नाथनः व्यक्तः मृगूरेष्ठकमनाः भूति । भद्मा विक्वनः (मवीः भूबायः माध-काडमः॥ भागायामः यउक्क मा-यगाथ ममाहरद्र । मरम् । माःमः विन पद्मा श्वायकाः मगार्हिः। व्यर्ध महिष्ठे ब्रांकन नन्त्रा खरेन्द्र नितन क्ति ॥ भूह **अवस्ताः** लोबीः भङ् विश्वाधनाः लिएय । त्रकाषन्नधनाः वाः ना॰ সর্কানপুরা॰ শূভা॰। এব॰ धाजा बलियञ्च मग्डः माध्रकान्त-भः। मश्रमिन मम्बाह्यं हार्श्वस वि-विवहत्त्रं ।। कारयन मनमा वाहा भू-बायह दित्न दित्न। जात्रः माया ज्या क्ई अक कर्या ि उद्यक्ति। आगह কনকান্তে তু বঙি: স্বাহা মহামনু:॥ जानिभीय अलग्रञ तिन एव। मताहतः। नाथकन्तुः मृहः मञ्जा व्यायाजि नावकानाय।। नावस्कान्तु। रिन जा मृथ्व। पर्वापर्वता दिक छउ: । তত্ত: সপরিবারেণ ভার্য্যা স্থাৎ কাম ভোজনৈ:॥ বস্ত্ৰ ভ্ৰাদিক ভ্ৰ-ক্ত্বা যাতি সা নিজ মন্দিরণ এবং ভা-ৰ্য্যা ভবেষিত্য সাধ্যাজ্ঞানুৰপতঃ

া পাণ্ডাৰ্গা॰ পরিত্যরা তরে-काक विष्कृता। ०॥ कः॥ जनः कारमध्दी वाक्र गर्वकाम कन शु-सार । भुवदः ख्वानमानीः हामह कारमध्यि छछः॥ वङ्ग छार्छ। महाः मखः माधकानाः मुशायकः । পूर्वर न्दन क्षा एक्शत्व म्लाखन।। शिरद्वाहनासिः भुजिमाः विनिर्माय बत्रकृताः। भग्रा माक्क भुक्ताः भञ्ज भिक्रमना उठः ॥ महरेमुक नुः मार्गन मामस्मकः सर्गष्ट्यः। य्उन नश्ना मील प्रशिष्ट जुनगाव्डः॥ कारमधी ननाकामी हन थ -श्वन (वाठनाः। मरा लाल गिंडः काष्टाः जनगास निनीमूथी।। वरः খ্যাত্ব জপেরন্ত্রণ নিশীথে যাতি সা छमा। मृह्धे। **छ नाधकः (मुझा ना**ज्जा• (म्हीि जा॰ वाम्य ॥ खीजावन जुना छरेना मम्बाद भामामिक छ-छः। मूल्भमा छना (नवी माधकः छोरायट जना ॥ व्यवादेना त्रि (ভाग्नि भाउतः भाषास**र अमा।** गोड़। बारः महस्यरियं। मंद्रा ह वि-शूल भन ॥ ्यालकात मुव्यानीन পুভাতে যাতি নিশ্চিড । এব পু তিদিন তদ্য দিছিঃ স্যাৎ কাম ক্ পতঃ ॥ ৪॥ #॥ ততঃ পটে বিনি-

यां गृडनि वान ज्ञान ज्ञान क्रां शोबाकी अर्वामका अ्वि णाः ॥ न्भूबाक्तरः हात्राष्ट्राः दम्प्र-क शहरत्रकाण । अव क्षेत्रीया अरगे-माज रहा ह निर्मे मूखमे ।। नह-नरान भूषान बाजी भूषान यह छः। ब्हुल् व्न मीलो ह मम्। क्लान ना वकः ॥ अञ्चल । जान्न नायाः जना গার্ছ রতিসুন্দরে পদ ওতঃ বেহি कारा ठाडेमङ्जुः संस्थित्रछः पिति पित्ना। भागारह पित्र • जाना के-र्याट भूजारिकः भूछः। घ्उनीमः ख्या गद्गः भूमः खाब्व (यव ह II **जावचानः जानिकान् गावनायाजि** मुम्दवी। ब्हादा मृदः माश्कन्पुः नि-भीत्य याजि निन्धिजः॥ उठ छ। मईः रिष्डिङ्गा काडी समूग गालिया। न्मसुष्टे। भाषाकन्मु । जावायमुजि ভোলন:॥ ज्वा जार्गा ह मा जीम पमाठि वाक्ष्ठि वद्ग । ज्यापिकं পরিত্যন্ত্য পুভাতে যাতি সা ধুর•।। नाधकाञ्जानुकालन भूगां जिल्ला **दित्य निर्द्धात भाषा है ।** न्।माव नः भयः ॥ छाङ्ग ভार्याः ख्याक व्यन्था नन्त्रिक्त भूत । ৫॥ 🗱 🏿 छाउं। ९ न ८ माथन व्यक्त चग्रह भिव निमानी। विमानाः जू-

अतमी कागृह भिद्यान रञ्जा ॥ भावकम्। बहोबञ्चः भूईवट् मकनः छउः। मखनः हसस्यः क्या मून মস্ত্র বিথেত্ত ভঃ।। পদ্মাননাং শ্যা-भवर्गाः भीताजुकः भरगवताः । कामनाकी भारतम्थी अखार भन मलक्षाः॥ ५४ शाद्वा बलग्रखः जरुमुक दित दित । मानाउ भूर्नि माः शुारा विविवट भूकत्वट जमा ॥ म्यानिनीथ अलचक मृहान्यामन माषकः। मह्त्र मणण छाद्या मा यां जिल्लाम् ।। जूना जार्गा गाधकः श्रिजाषुद्धिविदेश द्रिशा ভোগৈ দি र्वित ज्वगरिनाः शन्मनी সা দিনে দিনে ৷৷ প্ৰতিবৎ পাতি ত লোকে নিত্য স্বর্গেচ সর্বর। ত্যক্তা ভार्गाः ভढाउ। मा भाषा मा ना निर्य ॥ ७ ॥ १ ॥ ७ छ। व एक । महा বিদ্যাণ বিশ্বামিত্রেণ ধীমতা। জ্ঞা-प्रायाः जाविका विष्णा वना हाकि-दन। निर्य।। मञ्जुष्ठ। भूगरास्त्र मङ्ग भाषा निवि भाषक भिषा । सहा-विष्णुष्ट कथिजा भाषनीया नुयन ড়ঃ। অন্সেক্তিস্য ভল্ল- গড়া স্থান-भृश्वेदहाहरद्व । मूलशस्व **नकन** बर्गाष्ट्र भूमसाहितः ॥ विकाला নোহিনী পৌরী বিচিত্রাররপারি

गी॰। विषिवासङ्जा॰ त्रम्या॰ नर्खनी दिमशादिगी। धवर शादा करनमः छ। मर्मुक रित रित । मा रामान-शिक्षः अःभूबाश्याः मीनः नित्यमः (यर ॥ शक्ष हन्तन जाष्ट्रनः प्रमाजः रेम। मुना व्यः। मान (मकक जा॰ छ-क्या भूबरय जाशकाखमः ॥ मा-नारस दिवनः भागा सर्याह भूकनः गर्थ।। अर्बनारको ७४ 'स्वा कि किट नादक जल्या ॥ जूएए गाव ক মত্বা যাতি সা সাধকালয়ণা বি-দ্যাভি: সকলাভিশ্চ কিঞ্চিৎ মো-র মুখা ততঃ ॥ বর॰ বর্য শীযু• ত্ব যত্তে মনসি বর্ত্তে। তৎ শুত্রা সাল थक (भूष्ट्रा ভाববেম্মনসা दिया।। নাতর ভগিনী বালি ভার্য্যা কা প্রতি ভাবতঃ। কৃত্বা সম্ভোবণেন্ড-**छ्या निव्नी ७८ क्राइंडिंग ॥ मा-**जानग्राच्या मा प्रवी भूववट भा-डि उ९मूल । अर्गणंड॰ निष्कृत्यः एमाछि या निरम फिरम ॥ छिनमी यपि भाकन्याः (एवम्र) नागकन्यकाः । ब्राह्मकन्त्राः अमानीय एमाछि गा দিনে দিনে ॥ অভীভানাগভাণ वार्डा॰ नर्दा॰ कानाजि नाषकः । ভाষ্যা স্যাৎ यদি সাদেবী দদাতি विश्वाधनः ॥ व्यव्यति विश्वविद्या

দদাতি কামভোজন। ধর্ণশত সদা छोम दराजिमा धुत शिर्य।। यर्थ वाकुं उ उ र मर्बा प्रवाद नाव न -भगः ॥ १ ॥ # ॥ महाविष्ठाः भुव-क्रांशि जावशानावधातय। अस्यान नमानिथा जुर्ज्जशाब जिय मूमा ॥ **उ**ट्यार्डेम्य गाविश्य **स**र्यप्राम्याना-क्षिक भारत। जीवनतामापिक क्वा भ्राय्डिक गुमम्बीः॥ म्बद्धिक म-क्रामाः नाना द्रञ्जिष्टाः। मञ्जी-র হার কেয্র রত্ন অওল মণ্ডিতা। ,এব॰ ধ্যাত্বা ভপেরাক্স॰ সহসুস্ত দিনে। দিনে।। পুতিপদিন নারভ্য পুর . ख रम्मारिजिः। ध्र हीर्ग दिः श्रातेनक जिमका भूजरागुरा ॥ भू र्निमाः नाला गक्तारिनाः न्वरय ना-ধকোত্তম:। যৃত দীপণ তথা ধূপণ देनद्वमुक्ष ग्रानात्रम् ।। त्रात्वो ह पि-বসে ছপ্য অর্থ্যার সুসমাহিত:। পুভাতসমযে যাতি সাধকস্যান্তি-क धुत ॥ भुगमवमना ज्या छाय-यमुखि ভোজনৈঃ। দেব দানব গন্ধ-र्ब विम्राष्ण् यक बक्रमाः।।कन्रां छी तम् ज्याजिः माधाकन्तुः मूछ मूँ हः। वर्गः हिष्णामिकः मुन्। मिन्। म-সাতি সা ধুর•॥ স্বর্গে মর্ত্যে চ পা-তালে यहस्स विদ্যতে প্রিয়ে। আনী

য দীয়তে সভ্যং লাপ্কাজ্ঞানুৰ্প-**७: ।। प्रर्गणङ॰ मर्रा उ**रेय मना ङि म। हित्न हित्न । माध्काय वद्गः ह्या याजि मा निज मन्ति व ।। उभा वत भुजारमन विव्रजीयी निवासयः। जः र्बे छः: जुन्दवः श्रीमान् नर्दर्गा छव-**डि धुन**े॥ (द्राग नार्ष्क ज्या (पदि माध्रक्रामु। प्रित्न दित्न। मञ्जल। তी-त्र भाषा ज्था गहानुता गिनि देन थून निर्त्य। विश्वार्था मन्ः (शुक्तः সর্বসিদ্ধি পুদায়ক: ॥ এবা মধুনতী ত् मा अर्विमिक्षि भूमा शिया। छन् হ্যাৎ গুহাতর। বিদ্যা তব স্লেহাৎ **পुकीर्खिजा।। ৮** ॥ 🕸 ।। (स्वृह्नाह । भु.उक माधन भूगा यकिगीना म्थ भुष् । यश्चिम्काल भुक्छा । विधि-না কেন বা পুভো।। অত্যাধিকারিণঃ क्वा नगारमन वमश्र (म्। क्षेत्रत उन वाह। वमास माधायाची नाम् इति-यानी जिल्लियः॥ नमा व्यानश-রো ভূত্বা তদ্দর্শন মহোৎ সূকঃ। উজ্জ छं भागवा वाणि कामकाण विष्ण-य उः ॥ ङ्रानिष्युक् उमः भागा मा-थराट मुममास्छिः। जतन विधिना माक्षाथ अविष्ठािज न मण्यस्था (ए-ব্যান্চ সেবকা: সর্ঘে পর চাত্রাধি-কারিণঃ। তারকরুন্ধণো ভ্ত্যু বি-

[मागा

নাপ্যত্রাধিকারিণ: II **ইভিভক্তসারে** र्यागिनीयाधन भुकद्रगः जमार्थः ॥ ।। 🗱।। हणविश्रहणा छर्ग 🗷 हणा विरण-यः। यथा। च नक्कवः धुतः कृषा अक .তৰ বিমিশুৰেং । মহলেন হড়: শে-(या मक्नाहि विनिष्ठयः ॥ मक्का পিক্লা ধন্যা ভামরী ভদ্কা তথা । উन्। निषा मक्ति व (यानिन्त्रश्ले भुकीर्खिंगः॥ जरेमक मद्या शख भिया (खुरेकक विश्वका: 1 शून **ज**ी-कं। विवर्ज्य ठळवट शतिवर्दनाटा অপিচ। রোহিণ্যাদৌ বিরাবৃত্ত্যা मक्लारने यथा कमः। उन्। जिल्ला नक्टो চ अधिनाहि ज्य भूनः ॥ विज्ञाना मलर्मना। मना वर्षे अहे-ত্রি-শন্ডাগ• কৃত্বা বিনির্দিশেৎ। যস্ত যদ্যা হি যদ্বৰ্ষ তভ্তভাগ প্ৰকীৰ্ত্তি ७ । । । क्वा यथा। मक्वा मक्व ধত্তে ২তুল ভোগ সুথ তথা।গো গজাম্ব সভ্সাণি গৃছে তম্য দিনে मित्न। शिक्ना विविधः मृःथ सम्रहिः ন্তাদি সম্ভবণ। দদাতি নাশ শত্ৰু **ভ্যো धन धान्य शका दिकः ॥ धन्या ठ** अञ्ज मञ्ज भईज विषयामिकः। भवुष्डा तक्ष निडा भाव्य **अक्षिशानायर ॥ जामजी विविधः** मूः थ मडः मञ्ज मञ्जदः। व्यक्षाः

खना मुर्फिक विधिना (भूबिंड छ त्रं।। जिन्ना विविशान शाल न यानामि मानावर्थान् ॥ जुडे। क्र-ः धिका निजाः मुग्रहः मृग्रावाक। উল্লা ব্যাধিকলী ল্লোকা নিজ্য माना खर्भुमा।। उन्न विक नम-ा जिल्ला प्रा हाराज। जिला क बाधायः वर्षः मञ्जाद्वस्त श्रम-षिक ।। यम्। जुडे। **खत्य मि**षा मनी उना करत्र शिका। नहाँ। न करें पर उ छाड़ बाना धनाहिक।। रेनव ভावडा नमा निड्डा गृही कृकः क्रे यथा। इंज्याबागर्गम् हा। (यागी भू॰ (यागयुकः। उमा वाक 'गानि.यथा। ऋर्ग त्या 🕸 गृह १३-(१) जूनित्क ठनंतन उथा। नम ভাবনা যস্য স যোগী পরিকীর্ভি **७: ।। इंछि वुद्धारे**वराई गण्मकि था ७० व्यथायः॥ जनिष्ठ। या-ত্মৌপয়েন সৰ্বত্ত সম্প্ৰা (या १ का न। जूथ वा याम वा मः थ न रगानी नद्रस्या नउः ॥ इंडि जगवद्गीजायाः १ अवस्यः ।

ভগবদ্ধীতাযা । প ক্রানে । ।
অন্যন্ত । কাষ্যউচু । ভগবস্ দেব
তারিম্ন হিরণ্যাদি নিস্না চহা
রো স্থাশুমা: প্রোক্তাযোগীনান ক
উচ্যতে ।। কুর্ম উবাচ । সর্বকর্মাণি

जन्त्रमा जयावि नव्यः नुवः । य चारि विकला सागी म मब्रामी न शक्षमः॥ मर्खिया मानुमागास्र दि বিধ্যুণ শু,ভি দশিতণা বুক্ষচায়ুগুণ क्रवार्गा निश्चिता युक्त खट्नाहः ॥ वा २ थी ७ । विषिव ( व श न गृह इ । -नुम मानुरबर । उनकर्वागका रख रवा रेनिश्चका मन्नगास्त्रिकः ॥ छेमाः 📗 जीनः **माधकण गृह** छ। बिविर्धा खावर। यनानि बीन्। भाष्ठा उ।क् ভार्या धनामिक ॥ अकाकी यस वि हात्रपृषाभीनः न स्माक्रिकः। अरूप ' खत्रगायखः मान्यारमो गृशी खर्वर ।। ভপ ত্তপ্যতি যো হন্যেন যজেদে वान् जुरहाि ह। वायारयं हिन नि ॥ ব্ৰতো বন্থ ভাপসোমতঃ॥ ভপ-সা কৰিতো হভ্যৰ্থ যন্ত ধ্যানপরে, ভবেৎ । সংব্যাসিকঃ স বিজ্ঞেয়ে। ৰানপুস্। শুনে স্থিতঃ।। যোগাভ্যা मद्राठा निज्ञ माक्ककू बिंखिनुगः । खानाय वर्ज्य जिन्हः (भाष्ठारज পর মে ঠিক:।। यण्ठाञा রভি রেব স্যা∙ ∦ যোগেশ্বর: পূ॰ ঐকৃঞ:। यथा। বুহি মিত্য তৃপ্তো মহামুনি:। সম্যাদর্শন সম্পন্ধঃ স যোগী ভিক্কু ৰচ্যতে।। क्कान मन्त्रामिनः किहिद्दम्मन्त्राः সিনঃ পরে। কর্মসম্যাসিনঃ কেচি षि विशः भव्रामिकाः॥ यागी ह | यामिश्री जी वक्षाकर्काहेकी।

ত্রিবিধো জ্রেযো ভৌতিক: সাণ্থ্য वर ह। ज्जीरमा २न्डामुमी (मा-का याग मूखम माझिजः॥ इंडि किष्पं २ व्यक्षायः ॥

रवानीचतः ज्ः रवानिनारमुक्षः । मञ् याद्वयन्। मृनिः। यथा। या-गीयतः याख्यकाः जन्मूका मुनरग श्युवन्। वर्गामुख्यज्ञानाः वा दुहि थर्पानरमय डः ॥ यागिनाः मनकाः मीनाः स्थाः (मुष्ठ सः याक्कवन्नः) সংপ্ৰঃ। ইতি মিতাক্রা।।

यागीयती जी मूर्गा। यथा। यागि **णकारया (रवा: मन**हास ख्राना-वनाः। (उवा॰ यामी उथा (यागी केषती भुज् भावना।। जार्जाम्य भनामीना॰ अश्यारमा रयाम उठ्डा-**७। ७वा॰ वा या**जनात्वागी (यारेगचर्य) विरवाधना ॥ इंडि (६-बी नुद्रात ८० व्यव्यायः॥

(यारामः भू याङ्करम्। ३७ (र्भवन्यः॥

यारमध्य क्तक तुमारा। धर्म वर्मान । सा॰ काष्ठा मधुरनारभर धर्माः क॰ শরণ গভ:।। ইতি শ্রী ভাগবতে ১ करक > व्यथायः ॥

ইতি ভাবপুকাশ:॥ (यारगर्ड॰ क्री नीमकः। ইত্যমন্ত:॥ रवाग्र क्री अकिनायोवधा वृक्ति-नामिक्षः। इज्यबद्धः ॥ रयागाः वि भ्रेगः॥ यागारः॥ উপायी॥ भकः। इंजि मिरिनी (रुप्रम्युष्ट ।। भूव।नकत्व भूः । इंडि (मिनि ॥ (बाग्रजा जी क्रमजा। इंजि बाक-नुजिक्तिः॥ भाष्त्रताधकात्रगवित्मः বঃ। স তু পদার্থানা॰ পরস্পরসৰ-দ্ধে বাধা ভাব:। ইতি সাহিত্যদ-र्भगः ॥ नागमाज उर्भमार्थ उर भमार्थवंडा । यथा । भमार्थ ठव ভৰতা যোগ্য পরিমীর্ত্তিতা। ইতি ভাষাপরিছেদ:।।যোগ্যতা॰ निक्नगिठि नमार्थ इंडामिना। এक्পদার্থে হপরপদার্থ সম্বাদ্ধা যোগ্যতা ইভার্থ:। তজ্জানাভা বাছ বহিনা সিঞ্চ হীত্যাদৌ ন শা-क्रवाधः ॥ नत्त्वज्ञा लाग्रजाया জ्ঞान भाषाताशय शाक् नर्वे न मसुर्जि वाक्यार्थम्यानुईद्धा-पिछि क्रिन उउट भरार्थ खत्रा সভি कृष्टि नः भव क्षत्र । कृष्टि-মিশ্চয ক্পস্যাপি যোগ্যতাযা कानमा मस्यादा । नवास याः

गाउँ। उद्योगः न भाम उद्यान कार्यगः विद्या निक्वि इंड्यामी मिक् विद्या निक्वि इंड्यामी मिक् विद्या निक्वि क्या भाम द्या-या निक्वि मुख्यका भाम द्या-या निक्वि मिक्यमा क्योकिक मिक्यों बन्या मिक्यमा क्योकिक मिक्यों बन्या प्रतिवेशक द्या भाम मिक्य जुजिव शक्य मिक्य (याग्य ज्या-न विव्याह भाम विव्या भ्रम्ब इंडि वम्रि । इंडि निक्या समुक्य-वनी ।।

यागा जी जा जा मः॥ जार्याविष् १ इति स्मिनी ॥ नजा जा मः जर्भगायः। चूत्रनी २ नुभः ० जा- १ जामः ४ । जार्षः थन् विका। इति (हमहन्मुः ॥

याकन की भवमान्या।। हर्ं काणी
।। यागः। इठि मिनि ।। का।

वामणाकृतिकः मह खबयस णयः

मृठः। उहर्कः थनः (भाकः का
एणा थनः महिन्दः।। उहर्कः या
कन मग्रामिक्यामि मानणानः।। व
उत्राठ याउणमञ्जूरेस याकनः

खवि । वावि । यया । ययामी व वक्रिन वि । यथा । यावामी व वक्रिन व वि । यथा । यावामी व व वि । यथा । यावामी व व व । यथा । यावामी व व व । यथा । यावामी व व व । यावामी व व व । यावामी व व व । यावामी व व । यावामी व व । यावामी व व व । यावामी व व । यावामी व व व । यावामी व । यावामी व व । यावामी व ।

যোটক

म्खः (काणः जरुज्र विजयन (उदाः ।।
। जान्याबनः (काण द्रज्देयन
ज्या क्रांगाः मण्डन दःणः ।।
इंडि नीनावंडी ॥

श्वाबनगन्ना की कल्ती। जीला। जल्पाबनगन्नि हिल सिनी।। श्वाबनगन्निका की जलप्रविश्विक बहायतः।। कल्ती। हेल्ड बहायतः।। कल्ती। हेल्ड बहायतः।। कल्ती। हेल्ड शार्थिक शुल्हारयन काल्यार्थ।। सनभगी की मिक्षिष्ठ।। हेल्डि गाना।।

... দ্বিকা জী মঞ্জিধা। ইতি আজনিৰ্ঘটঃ।।

न्तं कवा यो यागकात्रगा। ই जि व्हास मृद्धारा त्रन भुजायन निष्धः ॥ याजनवृत्ती जी मिक्षिष्ठा। ইजामतः॥ याजिजः जि कात्रिज्याजनः। व्हान स्युक्षारजाः कर्यांग क भुजायन निञ्जनः॥

यादे श्रु याहेन । (सन्न मिडि यादे । विवादः त्रानियाहेक गुरु-याहेक नक्ष्ययाहेक गगर्याहेक व-ग्याहेक यानियाहेक वर्गयाहेक ज्याहेक यानियाहेक वर्गयाहेक ज्यानि याहिक युद्धेक नव शक्षम विवादन विवय मुखक यागा नि-

विषाः । छवार श्रिमारिकारिका या। वज्डेक जिलानक वि बामनक মেব চ। পরস্পর জন্মরাশে ভ্যক্তা कन्ता क्यावरयाः ॥ यण्डेरक् खर्व-क्तारवा देवधवाः मृज्रु द्वव वा । बि-काल भूध हानिः म्राट धनहानि र्धनवर्षा ।। भूक्वनराष्ट्रेश्न कन्रा क-न्यायाः वश्चरक भूमान्। मूजः वफ-क्षेक (क्रव ताबाह म्वन जिल्ल ।। नव शक्षाम । भूरता गृहार जूड গৃহে সুতহা চকন্যা ধর্মে স্থিতা সু-তবতী পতিবল্লভা চ। বি বাদশে धनग्रह धनहा ह कन्। ब्रिप्स जिला **धनवजी প** जिवल्ला हा। या है (क मक्षक (भव जूलो युग्रहर्यो उथा। সি হ ঘটো সদা বছেটা মৃতি ভঞা; <u> व</u>्वीहिवः॥ त्राज्ञयाठेक मारु भीतिः, कायाः । अक्रवात्मो ह मन्त्राख्याः ण्ड॰ मा९ मग मध्यक । **ह**र्जुर्ब मन्यक रेवव ज्ञीरेयकामान ज्या ॥ ইতি রাশিযোটক বিচার:॥ 🛊 ॥ গুহযোটকে গুহুশত্রু যোগে। নিষি-षः। कन्। वत्र त्राम्। धिश गुरुरयाः শত্ত্বে গুহ শত্ যোগঃ। ভত্ত বিবা-व्ह (द्रागापि: कनः। उनाइ गर्गः। নরণ ভাব বিরোধে গুছ রিপুভাবে **ठा**हिद्रिप द्रागानिः । इंडि गुरू-

CAIDS.

याहेक विहातः॥ 🛊॥ ज्ञात्रारगहे-काः পুर्गक्षव्यामनिथिखाः। ইঙি ह्याजियः॥ शृष्टाखात्र (कार्रेकणम ण्डदर्शञ्जीयाहिण ॥ যোতু: পু॰ পরিমাণ। ইত্যুণাদি-(कागः। रगावः ब्ली रगाकुः। इन्तानाः॥ याका भु युक्तक्रजी। उद्भवंगायः। किं:२(वाष:०। इंडामद्र:॥ याथः पुः याषा। इंडामतः॥ रगाथन की यूका। अजा। यूथ था-তো ভাবে कंद्रति हानहे পुछ्ययन নিয়ুগ্ 11 रगायमः त्रावः भू व्यत्यानाः रयायाः ना॰ युष्कायाञ्चान॰ । उৎ भर्यप्रायः । ক্রন্দন•২। ইত্যমরভরতৌ ॥ यात्रयः भुः याका।याश्मदा কেয পুত্যযেন নিয়ম:॥ ध्यानलः शु॰ मन्रावित्मयः। ७९-भर्ग्रायः । यवना**नः** २ जूनीश्वयः ० प्तिवशनाः ६ जाषानः ६ वीखनु-শ্লিকা ড। ইতি হেমচন্দু:॥ यानिः भू जी चाहतः। इंडि स **पिनी ।। काद्रगः ॥ खलः। ই**ভি ছেম-চন্দুঃ ॥ উৎপত্তিস্থান । ইতি ত্রি-কাওশেষ:।। ভগ॰। ইত্যমর:।। **७९ मर्य्यायः । वद्राव्यः २ उभञ्चः ०** 

म्बत्रभित्र 8। ३कि ब्राव्यनियं है: ॥ इंडिग्र॰ ६ अग्रदर्भ ७ व्यवतः १ অবাচ্যদেশ: ৮ পুক্তি: ১ জপথ-३० मत्रकृषकः ३३ ष्यभुरम्भः ३२ পুক্তি: ১০ भुद्वी ১৪ म मात्रमार्ग-कः १८ मःमान्नमार्गः १५ ७ ७ ११ यात्रागात्र १४ यात्रथुब १७ त्रज् कः २० त्रजिक्द्रः २७ कनवः २२ व्ययः २०। इंडि नद्यद्वावनी ॥ व्रजिमिन्तरः २८ माव्रग्रः २৫ कम्र-र्शक्तः २७ कन्तर्भगश्चाधः २१ कन्त-र्गमिक्षः २४ जीविङ् १२२। इंडि किंगिषतः॥ न जू गर्जशायाः नश्रजि र्गारेम ভ্वতি। ইতি সুখবোধ: ॥ शा उन्रावक्षण यथा। मुखः क्यें ठे পৃষ্ঠাভো গ্রহ্মদ্বোপমো ভগ: ৷ বা-भाष**ः १७९८ क**न्याकः भूबाका प्र-ক্লিণোমত: ৷৷ আখুরোমা গ্রেমণিঃ সুনিষ্ঠ: সংহত: পৃথু:। তুঞ্স: कमन वर्गा जः मृत्जा श्यापमा कृषिः॥ स्त्र **স্থ্র কপোয় শুলিকোদর সন্ধিতঃ** । রোমশো বিবৃতাস্যত দৃশ্যনাসো **হ**তি দুর্ভগ: ।। শহ্বাবর্ত্তো ভগো य-স্যা: সা গৰ্ভ্ত মিহু নেছতি। চিপিটঃ कर्भवाकावः किश्ववी श्रम्भा खगः ॥ বংশ বেভস পত্রাভো গজরোমো-इनिनिकः। विकरेः अदिवाकाता

वर्गस खथाण्डः ॥ इंडिकाणीथ (७ ०१ व्यथायः ॥ सः ॥ व्यभित्र । णद्दनाड्याक्डि योनि ख्यावर्डा नात्र कीर्डिडा । उन्ना ख्डीय दा-वर्ष्ट्र गर्डणया भुडिश्वि ॥ सः॥ व्यथ यानिद्यागिषकातः।

**७**क (यानिद्रागागा॰ निमानान्। ३। मिथ्राक्षात्र विद्यात्राज्याः मृरेष्टेर्पारेवः भुम्विजार। व्यार्खवाषीयाज काशि रेनवाषा मूर्र र्जरग गराः ॥ 🗱 ॥ द्याः शिनीना॰ यानीना॰ नामान्या**र**। উ দাবৰ্ত্তা তথা বন্ধ্যা বিপ্লুতা চ পরি-भ्रु छ।। वाउना (वानर्या क्या वाउ र्मोर्यन भक्षश।। भक्षश भिङ (मा र्ये उजारि लाश्उक्ता। नुमु সিনী বামিনীচ পুত্মী পিৰুলা তথা ॥ व्यज्यानन्तः। कर्निनी व व्यवानन्त भ्विका। অতিপ্ৰাপি माজ्याता याना ह कका दियाः ॥ थए। छिनी ह गर्जी मृही वक्ता जिल्ला विनी ॥ अ-रिक्ठा रयानयः (भुक्ताः अर्बरमाय भूरकाभाउः ॥ 🛊 ॥ यथ जामाः नकः ণান্যাহ। না ফেণিল মুদাবর্তা রজঃ क्रहुग मूक्छ । वक्ता नक्षार्खवा (छः-যা বিপ্লুতা নিত্যবেদনা।। পরিপ্লু-তा या ভविত ग्रामा शर्मा कृषा ज्मे । वाउना कर्मण उना भ्वनिखान

भीषिजा ॥ ठउन्युमि हाम्यान् **७** र ड ) निव (वरनाः । व्यनिवादमनी **ভোদাদয: ॥ বাতলাযা**ণ ত্বভিশযি-তা বাত বেদনা বোদ্ধব্যা। বাতলা हे**उ**जुगा<।।#॥मृताहः क्रत्राख्यकः यम्याः मा लाहि उक्तमा भु मु भिनी সু-সতে চ কোভিতা দু:পুঞাযিনী।। ক্ষোভিতা বিমর্দিতা সু সতে মছা-नार हारा मृः श्रुकारिनी मूछे शुक्रनः नभीवा ॥ त्रवाड मूजिबिर्वार्थः वा-भिनी ब्रबना यूडः । स्डिः स्डिः इंडि गर्ड भूमश्री ब्रक्ड मः मुवाद ॥ পুএ শদে৷ ২ত্রাপত্যোপলককঃ ॥ অত্যৰ্থ পিত্তলা যোনি দাহ পাক জ্বান্তি। চতস্ম্পি চাদ্যাসু পি-ख निक्षाहुर्या ज्वर ॥ ॥ यज्रा-नन्ता न मर्खायः गुाम्यसर्यं विन्त-**তি। कर्निगुर॰ कर्निका खात्नी (भूगा**-সৃগুরা পুরায়তে ।। কর্ণিকা মা'সস্ত কর্ণিকাকারে। গুস্থি:। মৈথুনে চরণা-পূর্ব পুৰুষাদভিরিচ্যতে। অভিরি-চ্যতে রলোমুঞ্জি ইত্যর্থ:। বহুশ শ্চাতিচরণা তথ্যে স্বী ক্রণন ভিপ্তভিঃ বহুশ: বার• বার• অতিরিচ্যতে ভ-याः ठत्रगाञ्जिहत्रभयाः । स्त्रया পিছিলাযোনি: কণ্ডুযুক্তাতিশীতলা । ठउम्यनि ठान्।। मू (स्य निव्य)

भूषा ভবে८ ॥ 😻 ॥ जनार्डवा उनी था शब्द नीमा ह रेमणूरन। व्यवनी देवट खाने युगाः ना वान वक्ता थु ।। অञ्जिन मारु। महासपु गृशेजाया वाबाया व्यक्ति ज्व । महासिद्रः भूकवः (उन गृशेजाया वानायाः मृज्ञायानि हिनु।या व्यक्ति नी व्यथवल्लयमाना त्यानि र्वदि ॥ বিবৃতাতিমহাযোনিঃ স্চী বজুাতি-भःवृजा। मर्वनिक् ममूर्थानार मर्वः (माय भुरकाभना ।। **ठ**ञ्ज्यभि हाः म्राम् मर्दे विक् निष्मंन ।। 🕸 ।। व्य-नाष्ठा यानी द्राष्ट्र। शकानाष्ठ्र। ज वडीर (यानयः जर्दामायकाः। शक् थञी পুভৃতयः ॥ 🗱 ॥ व्यव यानिक मत्मा निवान भाष्ट्र । विवासशावः **जि**द्याशाक्षामामामिक्सियना काइ नथ महारेन्। ब्रांजान्।: व-**लि**जा यथा ॥ वाजान्ताः क्लिजा यथा।यथा निरान स्रिशा वा जाराः ।।।।। বৃপনাহ। প্য শোনিত সঙ্কা-**णः वज्र**हाकृष्टि नविचः । जनयस्ति यमा (यात्नो नामा कन्तः न (यानिकः । লস্চাকৃতি সন্ধি ভ॰ লস্চাকার। কারণ। গুড়ক মত্র বিশেষ্যে বোহ্ন-वाः ॥ 🛊 ॥ वाजनाति (ज्ञान क्र **८७६ मार । क्कः** विवर्गः स् विजः

वाजिक क विनिर्मित्। मार द्वान ম্বুর মূত্ত বিদ্যাৎ পিত্তাত্মক ভূ ক্ত ।। ভিলপুত্র পুতীকাশ- কণ্ড্মন্ত क-काज्यकः। गईविक् सभायूकः निः भाषाज्ञक खर्दि ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ व्यथरवानित्वागागा हिक्टिना। ভৰ বন্ধ্যা চিকিৎসা। ভস্যা লক্ষ্ণ भार । वक्षा नहीर्खना एक त्यक्ति । **७७: পু**थमाञा नष्टार्खेबा हिकि**्मा**। व्यार्खवा पर्भाव नात्री मू नाम् (माद-ত নিত্যশ:। কাঞ্জিকঞ্ ভিলান্মা-यानुरियह उथा पि ॥ हेक्नाम वीक मड़ा हशन। ७७ म्मन किन्न यवण्-रिकः। সমু क्कीरित ई खि र्यानिगठा षम् नम् अनेनी । रेका जः करू जूबी । **इनवा निश्नवी। स्माना मस्मकन** । किशु भूबावीबः॥ भीजः ज्याजि-ঘুতা পত্ৰ• রাজিকোগুলন• ত্র্যু-रु । नीर्जन भगमा भिक्षे अमून कनरमञ्जूद ॥ (ज्याजियाजी करेजी वृक्कविरमयः कत्रशे इंडि लाकि। शरमा मूर्यन ॥ 🕸 ॥ व्यथ वक्ष्य **ठिकि** ना। वन। मिजा माजिवन। मध्कः वर्षमः मुक्षः शक्षरकणत्रकः । **अज्याष्ट्र कीत्र घृटिज निंशीय वक्ष**ऽ। मून्यः नियठः भूम् । अथगन्ना ক্ষাবেণ সিদ্ধ দুৰ্ধ ঘৃতাহিত !

बङ्गाणाद्या भाजः भीषा गर्ज वशां हि॥ भ्राम् उ॰ नज्ञामा मूलः ्रथन कन्या। शिक्षा शीषा 🐃 🗿 গর্ভণ থক্তে ন সংশয:।। 🖛 👬 🐃 পাতক্যা জ্মুমানি বটাল্পু-র । বালো**ৎপল পথো** যুক্ত মে-ः म्शः ्र• **धुव• ।।#।। यावना शिव**ः ি পুল জীরকেণ সহিত্ত ়। শ্বেভয়া বিশিথপুর্যা **्र ३॰ जनयञीरु नान्या !** विश भव्रभू थया जरु ॥ भवाषमा भिद्धा मूर्यान াত্বা পুত্ৰমবাপ্নোতি বী-ाः भयः ॥ भ्कत्रभिषीम्वः हिंब कलम् मन्यस्त्र। ज्य निकीवीक कन्। न ः। পুৰমজারী মূল विकृ ा किनी महिजा। वज्र-ि शीदा कन्ताः न नर्द्ववा অমকারী পত্রজ্ঞিতা ড্-कार्या । देणालिक्नी शहस्त्र-🐃 🕕 🗯 ॥ गर्जभुदद्र (खबक कथ-ম্ব্ৰাজন ক্ৰাপ্তাৰ্জনক মূপি ভেষম १७७३ निश्ननी विषक् देखन अम-🚉 🖓 शिख्ट शयमा । अङ्गमस्य বহি ভদ্যা গৰ্ভ: সংশায়তে বালি॥ ्रिनान भद्रिशिष्ठ- बाह्- या

बना सम्ब मिलिश्किती। मध्नुतान ७७ मुद्रितिविनी मा पर्वां कि निक् गर्छ मक्ना॥ ।। जान् (यानियु हार्। न् (नुशामि कम हेव। उउ। उउ। इ भद्रीत्वक भूत्वभ भिह्नाद्रभा ।। विख व्रावाखवरविः। क्रम निर्विष्मा।। नज बार्जाकिनी क्षेष्ठ रेमक्षवामत्रमा-क्ञि:। जिल्देजनः शहमात्री शिहुः ভদ্য বিধারয়েৎ ॥ বিপ্লু তায়া স-मा (यानो वुर्था (उन भुनामु ि । नजः जगद्रः। वाजनाः कर्तनाः खः क्षा मन्नर्र्भाग छरेल्व ह । इस्ह्री (स्रा रि क्षाहाद्रम् अर्थिमानि मः वृष्ट ॥ ধারবেদ্বা পিচু• যৌনৌ ভিলভৈলস্য न। नरा। পिडनानाक (यानीनाः সেকাভ্যক পিচু ক্রিবা: ॥ শীভা: পিত্তহরা: কার্য্যা: স্নেহনার্থ• ঘৃতা-নিচ। পুসু সিনী ঘৃতাভ্যক্তা ক্ষীর श्विमा अत्वर्णाय । शिक्षाय विष्वान-রেণ ভভো বন্ধ সমাচরে ।। শুগ্রী মরিচ কৃষ্ণাভি র্ধান্যকাজান্ধি দাড়ি-रेगः। भिश्नगीम्व मःगूर्क (र्बणवा-तः मृ**र्जा वृ**रेषः ॥ शाबीत्रमः मिठा-যুক্ত যোনি দাছে পিবেৎ সদ।। সূৰ্য্য ক্ৰান্তা ভব• মূল• পিবেদ্ব। ভণ্ড -वाष्त्रा ॥ यानप्रास भ्यभाविनप्रा॰ म्पाधन मुत्र निर्मि रेजः। मागाम्रेकः

अनवरेगः भिरेषः मः भूतगः शिष्ठः॥ (माध्न पुर्वशान निम्भवादीन १ मूर्गञ्चाः निहिनाः वानि ह्रौर्नः नक्क यायरेकः । भूत्रयकात्रयम्। कर्कानि क्षिजाचूना ॥ शक्षकवागाः । वहा वाना भरितन शियम् निषाः॥ त्रा-कवृक्तानि । धनवरङ्का । लिञ्जना भित्रदेव भीरियः मजास्वा मध रेमक्रदेवः । वर्खि खन्तरा भुष्मिनरा खातो एमः ्या विष्णाविनी ॥ ज्ला भुरम्णिना रिरार्घारा शतिगारहर ह । कर्निगाः বৰ্ভয়ে দেয়া: শোধন দুব্য নিৰ্মিতা: । ७५६ी जिकमा रखी क्षिजारक धात्रया।। यानिः भुकालययञ्चन उव कुः भुभागाऽि।। गूर्भभूमः जथिर-্র॰ পথ্যা ,জাভীফল ভখা। বিশ্বী न्गक मः ह्र्ना वश्र म् उ किल खरा।। र्यानि चंदि म कीर्गा न मुर्दा बन ডতঃ। কপিকছ্ ভব॰ মূল॰ স্বাথবে-ছিখিনা ভিষক্॥ যোনি: সংকীৰ্ণতা॰ याजि कार्यनातन शादनाट । जीतः क षिउयः क्षा जुर्वी जुन्न जि र्वा । वाजकः रेजक्षव काणि यवकारता यवानिका॥ अवा॰ हुर्न घ्रंड किकिट ज्क्षे। थाखन भारकः । कृत्वा थारिः ष्यथा विद्व यानिः (यानिः वानिः विभूते ।। মজিষা নধুক অন্ত বিক্লা শকর।

वना। (सरम् भयन)। कारकानी मूब-रिकेरायगम्बन्।। अवस्थाना स्त्रित् षि भियम् कर्रिताहिनी। छेट भनः मः मून माका कारकारना हन्सन धरा ॥ अरज्याः कार्वि रेक छीरेनं घ्रंड পুস্থ বিপাচযেৎ। শতাবরী রসং क्रीतः वृजाज्ञ छ य । ठजूर्थनः ॥ मिर्न রেভদর: পীত্বা জীবু নিভ্যা ব্বাবং (७ । भूजान् बनगर्ड वीद्रान् (मधा-छ्यान् श्रियनर्भनान् ॥ या देववाञ्चित्र गर्जामार भूषः वा द्वत्यम् उः। व्यन्नायूव वा जनत्व याह कन्ता नु-ज्यक्तातानिद्यारग ब्रह्मातात न রিসাবেচ শস্যতে। পুরাবর্ত্বর সা-युष्रुः मृर्वगुरु निवाद्रगः। नाम्। कल ষ্ড (ফ্ ডদখিভ্যা: পরিবর্ত্তি:॥ অনুক্তণ লক্ষণা মূলণ ক্ষিপন্ত্যত্র চি-किट्नकाः। कीवषट्रिक वर्गाग श्र-उकाव भ्यूबार ॥ व्यवगारामस् निर विद्र कृति ह नीयर । त्मर्म মেদা মহামেদা তথাে রভাবে শতা-বরী দ্বিত্তণা দেখা। প্রযাত্র ক্ষীর-কাকোলী কাকোলী যুগলাভাবে অ-अगन्ना विख्या (एवा । नियमुक्रात किष्टिक् भेटेंडि। भवम्। काका-লীভ্যক্তা পুন: কাকোল্যাবিতি কা-(कानी कीत्रकारकारना) दिल्ला र्थं

अस्तर क्षर्ञित्र भाक्षे नाना छ-खिवृ नामा विषः। उत्र क्षित् वहा जुगद बीवकर्व बका अवाधिकाः। उब बीव कर्ष छरग। ज्ञात्व विषात्रीकरमर। वि खा (एयः। यन्वय् उ नकन (यानि द्यारगबु ।। 🟶 ।। ज्यथ र्यानिकम्र**म**ऽ विकिट्ना। रेगतिकामाहि बख्य त कन। अन कर्कक। भूतरयामानि । छियाः हूर्गः कोषु नमिद्धिः॥ विक वाराः क्यायन जन्मोर्मुन ह स्नह-यट । शुमना रयानिकरम्हन वराधिना भित्रमुहुरि ।। क्षा व्यथः भुनकार ७-र्बिग्राद्मागाना हिकिट गा। शैरवद्मा-তিবিধা মুস্ত মোচ শকৈ: শৃত জল । एक। प्राप्ति भूठ निष्ठ भुरात्र स्राप्ति क्षाति ।। इकिक्क उपंत्रवाथा। **ठलिउ**गर्ड्झाभान श्रीतिद्वादिङ्गार्थः शक्षा यथ गर्जमावभाउरमा निमान-१ शुभाष्याधुगमन याना मन भुनी छतेः । जुद्राभवास्मारभञन भुशत्राजीर्ग थावरेनः ॥ वसनाह विद्यकाह अञ्चा-মুর্ভপাতনাৎ। তীক্ষ থারোক কটুক তিক কক্ষ নিষেবণাৎ ৷৷ বেগাভিঘা **जाविकामाजनाह्यनाच्छ्या ८। ग** র্ভেপততি রক্তন্য সশ্লং দর্শন ভ বেখাগর্ভপাতনাৎ নিয়মে গর্ভে পা-जन मीनः पुराः जमाध्य गर्छमा मान

भागताः भ्रंबभ माष्ट्र। भार्छ भाउ-ভীভ্যাদি। পত্তভি সাবেণ পাতেন ৰা পভিষ্যতি। সাবপাত্যো রবধি मार। बाहजूर्शांखरहा मात्राट भुतु-বেদ্বৰ্ড বিদুব্ধ। ভতঃ স্থির শরীরস্য **गाउः नक्ष्य यह**रयाः ॥ चाठजु-र्थार मानार हजूर्य माननगंतरः। गर्जम्र विष्यः। (मानिञ्बनगर्यः। সুবতি শোণিত মিতিভোক্স বচনাৎ । श्रित्रणतीवम् । कठिनणतीवम् ११-र्चम्। गर्चमाजम्। दृष्टासः दर्भवि। গর্ভোভিষাত বিষমাসন পীডনা-रिम्रः। भक्षः अनामित कवः भउउि करान । यथा वृष्ठ वर्षः भष्टः कव य-ভিষাতেনাকাল এব পত্তি ভৰা मर्जामाज्यायाम् । १ कार्मा প্রতি।। #ा। অথ গর্ভদাবস্য চি-किट्मा॥ श्रविन्।। गर्छा व्रकः मु বেঅদি মৃহ মু ছিঃ। তদিরোধায় সৃদ্ধি भगूरमगापि मृड नित्रर ॥ उर-ननारिगनभार। उट्नन नीनमा त्रकः कट्टादः क्यूरः उथा। एरडाः ख्याबक मधुक मूर भनामि त्रयः ग-गः ॥ मःभी विरका **र**ब्रह्म् माइ॰ **ज्याः इतागयः। तकाशिवक गृहीकः** ख्या इमि महाइक ॥ # ॥ यथ গর্ভপাক্তমঃ উপদ্বানাহ ৷ পুসু

भगः । गर्क महामासः भ्राक शाः र्श्वराक्ष भूष्यानारही मूब সক্ল জাবতে। পুসু শ্নানে পত खि॥ # ॥ व्यथ गर्डमा श्वानाखन्न गः মনে চোপদুবানাছ। হানাৎ হানা-**७**द्ध- ७ चिन् भुगंडाल ह कार्रछ। जाम नदानगाती जुक्का डः भ्रां म्। भूर्वाः ॥ भूर्वभू भूषः भाषं **म्वारयः॥ #॥ उहिकिः नामारु।** স্থি শীতা: ক্রিয়া তেবু দাহাদিবু नमाहाद्वर । जन काःमाक्र्काणाः অুলৈ র্গোক্রকস্য চ ৷৷ শৃত্ত দৃষ্ স্বি छ। युक्कः गर्जिग्राः म्न इर्भत्रः। धर्ष्ट्रा मधुक कृषामारिनः मिखः शयः लिख्टा नक्ता मध्म ग्युक छिति। ८ तम्बालहः। चन्नानः लुज्जकाङिः। অবং বাণপুল্ল ইতি গৌডাদৌ পু-निषः॥ मृथ्रकाशागादिका (गङ् म॰ ख्वाव ए मृखिका। **সম**न्ना **थाउ**की भूञ्च· रेगब्रिक्क द्रमाञ्जन•॥ ७०॥ मः क्छंत्रम रेक जान् यथा नाच विह्र्ग (यटा उहुर्गः मध्ना निशामात्री नुपत्र শান্তবে ॥ মৃৎকোপ্তাপারিকা স•ভ-বা মৃৎকোষ্ঠাগারিকা বরটী ভলিমি-उग्र ভवा मृ बिका। সमना नब्हा लू: ॥ करमक्रभन मृक्षा कन्नः वा भय-मा भित्दर। भक्ष वहा ब्रामाना छा।

हिन् भोवईनानिजः। जानारः जु निर्दर, मुख छिर्दिनी जुलिनी छरकर ॥ সৌবছল চৌহার ইতি লোকে। ज्गलक म्वानाः कत्त्वन विनाहरः পৰ: ৷ ডৎপঞ্চে গুৰিণী পীল্বা মূক্ত **नकाषिम्ब्राउ ॥ नानीक् वन** का-रेनः नाह्रति वृतं नक्षकः। वदाः মূল ত্যা দাহ পিতাস্থ্ৰ সক-रू ।। 🗱 ।। व्यथ भुम् जाया (यातिः ক্ষতাদে শ্চিকিৎসা। ত্মীপত্ৰ তথা स्मार् मम्बागः म्लययः। (उन लाभा ज्या कार्याः भीषु नाप्ताः নি রক্ষতা।। পলাশোড়ুম্বর ফল॰ **जिनोजन म**मन्नि छ । (यादने विनिः প্ত: বিধিনা গাঢ়ীকরণ মুক্তম: !৷ ইতি ভাবপুকাশ: ॥ 🕸 ॥ 🕸 ॥ 🕸 🍴 व्यथ वर्षानि शासिकात गानि।

व्या वर्षानिन्। शिकात्गान ।
इति क्रिं कि नात्मे या गाविन्मः
नाह्यहि या । नान्यः नाञ्चित्रः। क्ष्मः
मूजीर्थ विमुश्चान्तः या ॥ कर्मः बक्रः
जान्नः त्रञ्ज भन्नः कर्मः क्ष्मः विम् । कर्मः बक्रः
जान्नः त्रञ्ज भन्नः कर्मा क्ष्मः विम् विक्रः
।। वृक्षत्रक जीवनानि नाज्यः विष्यः विक्रः
तिहर्ष। वर्णन हृत्यना वानि शृत्यः अत्रवक्षकाः ।। नान्धिकाः स्रक्षाः विक्रः विक्रः

व्यक्तिरा भन्नमा (य ह विहास) क्षेत्राः क्रिनः। जनम्त्रा नामिनः नार्व् (व हारन् श्रामयाबिनः ॥ व्याष्ट्रवान्त्र न न्मना वर्गानि धर्म वर्जिजाः। (नरवाशः (एव एनूब द्राष्ट्र) यकानि (नविनः ॥ **अर्बरा भारकपु**वा शानमञ्जा रुद्रिः दिवः। प्रवाहिक्षे পতिउन्भ भाः कार्व (ভाविनः ॥ अभ्य कर्म त्रजा নিভ্যা সর্বপাতক পালিন: ৷ পাবও सर्पाद्याः भूतात्या वृक्ति कीविनः ॥ निज् माठ् समाभ छ। समात्र छ।-निनक (य। (य कर्याक लुकाक नांखिका धर्मात्वकाः ॥ जाञ्चिष्टि य। মিন• যুদ্ধে ত্যুঞ্জন্তি শরণাগত•।গবা• ভূনেশ্চ হর্তারো যে চান্যে রব্দ্ধ: काः ॥ गशाकात्वर् मार्बर् भुषि-গুহরতাক্ষ বে। পরদ্রোহ রতা যে চ उथाय भागिहि जकाः ॥ भन्नाभ-हारिनः भागा (एवंडा छक्निम्हकाः ष्मुिजगाहिनः मार्व मस्रविष्ठ यूनः भूनः।। (भु उ द्राक्त म रेभणाह्य-डेर्गुश् वृक्त व्यानिष्। न जियाः ्थ(बारमा १ खि ইश्लाक भन्न व ह उमार जुङ्गा निविद्यार्थः विश्-े कर्म कात्रय्थ। यद्धः नानः उभ ोर्थ• मख• एत्व• खक्• जरद्र< ॥ हिर्दे बर्गिङ क्या न्वमा ह

कराठन। विशाकः कर्मगाः मृह्नै। साः नि কোটিযু দু:সহ•॥ চতুর্তি র পি ব॰ र्लिञ्ज (मर्त्या) धर्मा नित्रस्तर । ইভि शासाखत्रथः७ ১৮ वर्गयः॥ 🗱 ॥ (वानिमृष्टीया व्यमायीच व्यथा। जाधी, জ্ঞী মাতৃত্ব্যা চ সর্রথা হিতকারি-गी। अमाधी रेवत्र ज्वात ह नथ न खान माविका ॥ मूथनू है। (यानिमूडी हिवामाधीि विमुना। इंछि वुका-रिवर्स्ड गनभिज्यिए २ ज्यागः ॥ 🗱 ॥ भाभ भूगु कंन- व्यथसाउन यानि भाषि र्यथा। भाभ भूगा क-ল লোকে পুত্যক্ষণ থলু দৃশ্যতে ৷ (एव मानव मान्य) जियाक्ष कृषि (यानिङा । नाना (यानियु अमानि নানা ব্যাধি পুপীডিতা:। মর্ণ॰ वान व्काना मकदः स्तु वा उथा ॥ विषयं। मृत्रिषुष् नाष्टिजा मूर्यजा তথা। এতা শ্চরাচরে লোকে ভবস্তি কথ মন্যথা।। ইতি পান্মোত্তরথণ্ডে २) व्यव्यायः॥ 🗱 ॥ श्रीकृत्यानि शाः ·প্তিকারণ যথা। ইতি শুভকথে। বি-शु जात्रमः शुारु वानतः। जग्रायः ৰি ভবাদ্ন ত্ব কথ পক্ষিতা গভঃ ॥ বৃত্তান্ত নে ত॰ কথ্য শ্ৰোত্মিছামি नात्रम। नात्रम उँवाह। कथ्यियता-भि **७**८कम्मं (यना ए॰ पूर्गिति॰ गठ: ।

भक्तियानिः गर्छ। यम छट गर्कः (मृाज् मर्शन ।। शान्य थात्री **मङ**् जानु मृद् जृडे॰ वि प्रवा भूता। यहः ভেत वाकात्वाका नर्यमायाः **न**दिः গুহে ৷৷ পৌরোহিত্য নদাক্ষোভা बक्षयिषा विद्याः खथा। किक्षिम् द् जु (उड़)क गृशैक मिथन मगा।। विभूगाधावन प्रा गुरुरनाथ भन्न भी खकार। शिखंडः **कालम्**खंदः नद्रः क्र ब्रक्डकर्मभ ॥ वक्रमक व मालामि षुःथः वानत्र नाइकः। रेनवाद कथः मिल शांश्व উखादा। नद्रकाष्ट्रवः ॥ मया यक्ति उथा शीरु भञ्जन पुन्न-হৈত। অপজ্তা পুরা কাণস্যভা कनः ভिगिनी शृहार। मूर्डकार्ज नया **म्खः (उन (म्राम्मी गर्जिः ॥** इंग्क वाक्री भूई का मा होती मू माक्या। (उत्तर्भात्रभी बाजा म-कार्या मस्यूर्यिनी ॥ इंडि डरेंबर ৯।२० व्यक्षायः ॥ 🗱 ॥ नानिनाः নর ক ভোগানম্বর স্থাবরাদি যোনি त्रां छि यंथा। सारद्राः कृमरया २ उद्धा শ্চ পঞ্চিপং পশ্বো নরাঃ। ধার্ম্মি কা जिम्मा उदस्याकिन्छ यथा कमः॥ मरुनु ভाগ পুषमा विजीयानुक्रमा ख्या। मर्स्व (श्रुड सङ्गाजाग याद-मुक्ति नभाषुताः। ইতি विक्श्रवात

शानवा॰ नत्र (जागाग्डप्रः श्विताप्राम्यः क्रालक मूटक्डाम् नवषा विद्याम् स्था নিবু জন্মকন নাহ। সাবর। ইভি। व्यक्ता वट्नामयः। शिष्कि वस्त्राक्षः वः भूगः। विरम्पयेगः (किटियाः किनमः म्मूक्वण वथाकमं ख्वहीं ७ (भवः । (उराक भूव वाहला मूलका हर द्भएकार मराजुङि । 🗺 📆 नाः विञेखा २नुकम छ परामा स बा॰ विजीयकारन एन्का उत्यक्तिय **তে সহস্তাগ পূথ্যা:** নাংস্ভাগাঃ . जर्मुखगाः भूषमाः भूषम निर्मित्रीः স্থাৰরা বেষা ওে। কৃষ্ণিভ্যঃ সহসু रा मिकाः स्वात्राः । उटमहम् তমভাগা: ক্মৰ ইভ্যৰ্থঃ। সঞ্চন্ত পাঠেপি বিভীয় স্থানে হনুক্রান্তাং क्षि वर्गाट महमु खनाः शावरः ইত্যেবার্থঃ। তথা সর্ফে ছেভ ইতি । यथा ङ्विद्राः ङ्वास्त्र निर्किष्टे কৃনিভ্য: সহসু গুণ মধিকা: ১ ভ क्ययः ज्ञानाखन्न निर्मिष्टेरज्ञा भरण ভঃ সহস্তা মধিকা: এবং পঞ **रिवृशि पृष्ठेवऽः। (भाकः म**हाराण्यु ন্তে ইতি মোক সমাশুৰা মুম্ক क्कानिका खट्र गर्ग छ कितः क्रिक् ृ मूखद्राखद्रः नू (नरवन कष्टि कर्

भन्न मुक्तिः। अउह जन्मानि जीव बाहन देवन भाकन पूर्वा इंडा ज्हनार्थः । ज्यकः नवशा निर्फिरहा क्रमक्रमः शायिक এव। उमुक मानि-ভ্য পুরাণে। বৃৎক্রমেণাপি মানু-भाग भागास भूगा भोत्रवाद । वि-॥ विवा गड्यः भू मा कर्मा अक नावरेवः । इंडि उष्टीका ॥ 🗱 ॥ क्रानित्राक्रन यथा। वात्राष्ट्र डे-বাচ ৷ যেন গর্ভ ন গছেত তয়ে শৃণু হি নাধবি। কথবিব্যামি তে ছেব॰ जर्ब धर्म विनिष्ण्य ॥ क्षाणि विशू-ল কর্ম আত্মান ন পুশ সভি क्रबंट वङ्क्यां । भूष्करेनवाष्ट्रता ज्यना ॥ क्वांशि नम कर्मांशि मर श्रियाणि वमूक्तरत । रेनव अर्बछ। इ-कामः (काषरिक्षव न गृह् जि॥ जनः গশ্যতি চিত্তেন লাভালাভ বিব किंउ:। भक्षाना मिन्तियागाक मम-रथी निगुरह ब्रजः ॥ कार्यप्राकार्यप्र विकानाजि नर्व थर्मायू निष्ठितः। भी-जाक वाज वर्गानि कूट निभामा क्ष्ण यः॥ या पत्रिष्। नित्राणम्। उर्वागनम्यकः। य मात्र नित्राजा त्रेड्ड भव्रमात्र विवर्षिडः ॥ मन्ड াদী বিশৃদ্ধাত্মা নিত্য ভাগৰত त्रुयः। मिश्रजागी विष्णवरळा नि-

**७** वाक्रण वर्णनः॥ श्रियवानी हि-ुकानाक सम कर्षा भद्रायगः। क्राया-निङ न गहिल मम लाकाव गहिल ।। 🛊 ।। विरम्भाविरमाक्रगः यथा। व्य-न्रह ए भुवक्तामि उहुन्य वनुस्तर । (या विरयानि॰ न गरहु भग कर्य भ-द्रायपः ॥ बीवहि॰मा निवृज्य नर्बः ভূত হিত: শুচি:। সর্বত্র সমতা-युक्तः मम लाष्ट्रान्य काव्यनः !। वा-*(वा)* इरिंडा १ शि वयिम क्वारक्षः मास्रः শুভে রতঃ। কৃত্যু নৈব বিকানাতি পরেণাপকৃত ক্রিৎ ॥ কৃত্যঞ্চ সংমারেৎ হোতদসভ্যঞ্চ ন জন্মতি ৷ ব্যলীকেষু নিবৃত্তো যঃ পর্য্যেতি কৃত निक्रयः।। निज्यक्ष वृजिमान् किक्षि পরোক্ষেপি नह किल्पर। अजुका-ल २७गाइउ जभउग्रर्थ यका जियः ॥ बेम्मास नद्रा छत् मम कर्य भवायगाः । ए विर्यानिः न गहि मन गहिं मुन्हित्र ॥ 🕸॥ जिर्यप्रश्नि भाकन यथा। वात्राह देवाह। গুহানা পরম গুহা ও ছূণ্য বসুদ্ खि। **डियं**) एका निका निका निका स्थान गह्रि किन्यि ।। अहेम। क हजूर्मः भागः रेमथनः या न गह्छ। ज्ङ्ग भत्रमा होतानि य रेक्टर न विद्यर সভি।। বাল্যে ব্যস্তাপি চ যো ন্ন

निडा मनुवृत्तः । यन स्वनिति मन् स्टंडः निज् माज् भून्यकः ॥ नुन् । यम् का मुन्यकः ॥ नुन् । यम् का मुन्यकः । यम् का मुन्यकः । यम् का मुन्यकः । यम् का मन् विक्र विक्र मन् विक्र विक्र विक्र मन् विक्र व

स्यानिकन्तः भू स्यानिद्धागिविष्नयः।
जम् निकान यथा। दिवायशाहः
जिद्धाथाद्यायागानिविष्ण्यादः।
ज्ञाह नथ रद्यादि। व्याजानाः ज्ञाह नथ रद्यादि। व्याजानाः ज्ञाह नथ रद्यादि। व्याजानाः ज्ञाह गथा।। वाजानाः ज्ञाह नथा।। वाजानाः ज्ञाह व्याप्णा निकान ज्ञाह निका वाजानाः।। क्षणाह महाद व्याप्णा व्याप्णा नामा कनाः म स्याद्धियमा स्याप्णा नामा कनाः म स्यानिकः॥ ज्ञाह जिल्ह महिङ ज्ञाहिङ ज्ञाहिङ व्याप्णा द्याप्णा । व्याप्णा व्याप्णा व्याप्णा व्याप्णा व्याप्णा व्याप्णा वामा विष्णा । व्याप्णा व्याप्ण पिर्मिट । मार प्राण खुत यूछ कि माट निखाज्ञकछ छट ॥ छिन मूझ नुजीकाम क्ष्मछ ककाज्य क । नर्वनिक ममायुक मिना छाज्यक खत्र ॥ स ॥ अमा हि किटमा वानिमस्य पृष्ठेवता । इकि छावनुकामः ॥

यशामक कि स्मानिनः गृज्भनीन ।
यथा। मा व जिवा अत्याप्त हे निमुय॰ विषय उथा। सानिकानि अत्यएए हे निमुण याण मकण ।। हे जि
छावाभनिष्ठाहनः ॥ सानिकानी जि
सानिक मसानिक (क्षेड्रार्थः। सानिकानी जि
सानिक मसानिक (क्षेड्रार्थः। सानिकानी जि
सानिक मसानिक। क्षेड्रार्थः। सानिकानी जि
मिना । अस्मानिक। अस्क मर्भानिक। अस्मानिक। अस्मानिक। सिक। स्वरकाः क्षि मर्भानिक।
किम सक्ष अन्यामिक। नानिक।
किम सक्ष अन्यामिक। । हे जि
निका अमुकावनी।।

रानित्वरा जी भूर्वयत्तुनीनका । इंडि एम्प्रम्यः॥

(यानिश्रृता क्वी जगवजाः भूकायाः भूदर्भनीयाञ्ची द्रिक (यान) काद सूप्राविष्णवः । यथा । भक्ष भूगाः सान् कृत्राथ के क्वी क्विमिकि में स्विकः । अस्तुषाः भूवक रेक्व व्यक्षिताल्ला यत्यह्या ॥ त्यानिम् मुा॰ छड: भण्डाट मर्म्गिय्वा विमक्कत्यट । वोभागी भुमृजी क्छा क्या ज्यान

"।। अनुष्ठागु हरः नामा कः ॥ निष्ठागुष्ठा उठः । अनाभिकायाः वामना ७८ किमिश्वा भूरता नारमर ॥ मिक्किनम्यानाभिकायाः कनिष्ठाः मिक्किनम् । अनाभिकायाः भृष्टि जू मध्राम विनिर्याज्ञायः ॥ एव ज्ङ्क (न)ो कनिष्ठार्गु जनर्गुरेगव रगामस्य । यानिमू मा नमाथाजा (एवा: भी-ভিকরী মতা॥ ত্রিবার॰ দর্শবেদগ্রে म्बम् जिन् नाथकः। जाः मृ पाः बि-त्रिन नामा मधनः विनारमञ्जः ॥ ইতি কালিকাপুরাণে ৫৩ অধ্যায়ঃ ॥ #॥ भातिज्ञायिक (यानिम् मा यथा १ मञ्जूकावन्तराः । উপविশ্यागत ञजी शुष्ट्राया वाशुप्रब्र्यः । बह जतः ॥ ठजुर्ननः म्यानाथावः स्राविः क्षनम् वर्षन्तः। नास्त्रो मन्तरः भदा॰ मूर्या मन्था मल इमि ॥ वर्षः न्। । वाउमरनः जुनायः विरम ख्या। मरमुनन गाथा। उ॰ वुकाराकु महाभव्य ॥ व्यावादा कन्त्रवाद्यः बिरकान मिल्यूनरङ्ग । बिरकान गरवा (परविभ कानवीजः मूलक्षाः)

। कामवीरबार्ख्य एवं स्यष्ठ निव मुख्य ॥ ज्यानित ने नवं।रिष् हिर कनाः स्था भागुनाः । शाः विद्याली किया विद्यालया डिजा।। हिट्कन्या म् अनिमी (ज-बाक्षाः कगम्योः। वाधादाहीन পদ্মানি ভিত্বা তেন্ধ: স্বৰ্গিণী ।। र्'मिन गन्ना (मवी वुक्तत्रक् नर्ट् मुधीः। जनाणियन स्तर्वाण क्रम भावः त्रापट शिर्य ॥ अन्उः का-या ए दि उ का ना भारत भारत । **उ**म्ख्या भ्ड• प्रिव नाकाव्रम म-নোপন ৷৷ তেনামৃতেন দেবেশি **उर्शरयः भत्राप्त्र जाः । य**हेठक (पः বতা ন্তৰ সন্তৰ্প্যাস্ত ধার্যা।। আ-नखरखन मार्ला म्लाधादः भुनः সুধী:। ততন্ত পরমেশানি অক-भानाः विविद्यायः ॥ विजिनी विन তত্ত্বাতা বুক্ষৰাড়ী গভান্তরা। তথা म•गुथिजा (ब)या माक्षाड्डागुर यः किंगी।। अन्ताम विवासन म-खर्ग विष्ठम्डः। मखनाइदिनान् वर्गान् वर्णनान्नविन्छः सनूः कर्यप्रावर्ग-मर्यो॰ मालाः भई मञ्जभुकालिनी । **ठ** इभार्ग॰ सिक्क थ॰ वाड्व न॰ निव का - . त्राय ॥ निवन्तुः वर्ग नुहार्यः भन्छा-মত্র॰ জপেৎ সুধীঃ। অষ্টোত্তর

গোদতা

वर्गानाम हैन्द्र क्यानिन मण्यत्भ । यो क्रिकः न्योः ॥ व्य क ह हे छ भ य व्या स्वाप्त क्या वर्णान क्या है राज्य क्या है वर्णान क्या है राज्य क्या है राज्य है

(यानिद्रागः भू छगगमः। अम् निमानामि (र्यानि मास्त मुश्चेत्रः॥ (यान्त्रमः क्री (यानिकाछद्रागिव्रिम्म यः। छ भर्यग्रायः। कन्त्रमः छः २। ইতি ভিकाश्रामयः॥ (यावा जी नावी। ইত্যম্বः॥

বোধি জী নারী। ইভানর:।।
তদ্যা অবধ্যত্ব: যথা। ত প্রেক্ষ্য
ভরত শুেষ্ঠ শত্রুয়ো বাক্য মৃত্রু
বীৎ। অবধ্যা: সর্ব ভ্রানা যো
বিত: ক্ষমাতা মিতি।। ইতি বত্নি
পুরাণ ।।

याविष्णुया खी रुतिम्। इंडि ভारनुकानः॥

रियानिका खी नाती। यथा। खी वध्-त्रद्रवा नाती श्रिया द्रामा क्रिक्किनी । रियानः स्थावित्याविका ह क्कियि-(ब्किश्वा ह क्किविका। देकि भन त्रज्ञावणी।।

(योक्किः भू॰ नर्ममिवः। इंडि
मद्मत्रज्ञावणी॥ युक्तियालाऽवि॥

(योगकः वि यागमञ्ज्ञी। इंडि
मिकाष्ठकोमूनी॥

(योगिक: जि भुक्िभुन्ध्रयरंशगम
न्धार्थनाहक: । यथा । यागाम भु
न्वित । इनि याग्यः योगिकः ।

इनि निष्कान्तिम्ही ॥ यागक
हनि निष्कान्तिम्ही । यागक
हनि निष्काः चित्रकः यागिकाः कि

भुज्यस्य (कवनः यागार्थ वव ।

हन्यानि निष्काः ।।

योजनम्निकः जि योजनम्नन्यगमन

कर्ता। ইতি निकाष्ठको मूनी।।

(योजनिक: जि जकरया जनगनकर्ता
। ইতি निकाष्ठको मूनी।।

(यो ज नवर्ता। ইতি कविकन्नः

कराः।। हजूर्रमध्री थ जयुर्योहेट।

(यो हिं कार्षं जना। ইতি দুর্মা-

যৌড ক সম্বন্ধে। ইতিকবিকল্পজনা।
চতুদ্দশম্মী খা অযুনৌডং থৌডতি
কান্ধ ডক্ষা। ইতি দুর্গাদাসা।
খৌতক লী যৌত্ক । ইতি হলা
যুধ রাধ্মুলকৌ।।

मागः॥

ब्लीडवः ब्ली भविमानः। इंडामदः॥ शोजुक ज्ञी थों जूक। विवा**रकरिन**म म्भोरेज्यार्ज्ञकः धनः। उभागतार अमः नामनारिजःकात्रकाननस्मिन । যুতক যোনিসময়: তত্ৰ ভব নিতি त्क वोजकः। युज्या वंध्वद्रया ব্লিদ নিতি বা কণি যৌতক। যৌ छक मूकाद मध्य मि । यो उकः যৌত্ৰঞ্ভং। ইতি বাচস্পতিঃ।। योजकामि ज्याप्तयः न माया इतः ণঞ্চ তদিত্যবামর টীকাযাণ ভরত: ।। 🕸 ।। জ্রিয়া যৌতকধনস্যাধিকার करमा यथा। यञ्जू मूहिक् माजाविः কারার্থ গোভম বচন । জীধন দুহিতৃণা মপুঞানা মপুডিগ্ঠিতানা थ । यह नात्रभमा । माजू पूर्वि-ভরে। ২ ভাবে দৃহিত্ণা॰ তদম্য:। यह काउडायनमडाभि । मूहिज्ना ৰভাবে তু বিক্থ∙ পুত্ৰেষু ভভ वट । यह याड्डवसुन्गा भाजू ্হিতর: শেষ মৃণান্তাভ্য ঋতে वयः। जानि भूर्बाक (एवल वहन ব্লোপেন যৌতক ধননাত্র বিষয়া-। य उवर मनुः। माज्य (यो उकः -मार क्यादी जाग वर मः। उकः अद्रिगयन नकः यू निश्रुत উ ধাতে। যু ত ইতি পদ। নিশু

তাত প্রাপু-সংখ্য রেক শ্বরীরভা ভট বিবাহান্ডৰতি: অহিভি রছীবি मार्भ यां जानि वृहा वृह मिछि 🏋 (ठ:। चर्छा विवास काच जन्नः (योः) তক। তত্ত পরিণ্যন লব্ধ জী: थनः मुहिजू द्रव न भूजागाः । उरेज-व कमार्थः गाउम वहनः। खीषनः দুহিত্ণা মপুতানা মপুতি ঠিডানাঞ । পुषम मभुखानाः उन्छाद भुः ত্তানাণ তমভাবে সমৃঢানাণ। স্ত্রীধনণ मृहिज्गामिषि नामान्। जः गुासद्राद । অপুত্তানা মিড্যাদেস্ত কর্মার্থত্বাৎ। ख्या याद्धवन्त्राः । व्यनुबः क्रीथनः खः र् वृ कामिय ठजूवि। पृहिज्गाः नुम् जा हिट्हर वर्ष निज्यामि छ ॥ **७ क वाक्या पियु विवारहरू यहान म-**ধ্যগ্নি ধন স্ক্রিয়া তৎ ভস্যা• মৃত্যায়া• পূথ্য দুহিত্বামেৰ ভক্ৰাপি পুথ্ম কন্যায়া স্তদভাবে পুক্তাৰা স্তদভাবে পরিণীতাযা: সর্বদূহিত্রভাবে চপুত্র স্যাধিকার: অপুজ: দ্রীধনে ভর্ব-'ধিকারাৎ। বৃহস্যতিনা অপুত্তাপ-, रिन अभुखाम्। जात्व ग्रम्हाया अ-भाषिकातः मृष्ठिः। वाका रेनवार्थ গান্ধর্ব পুরোপত্যেষ্ যদ্ধন । তাকু জায়া মতীতায়া• ভৰু রেব ক<sup>িছ</sup>় नाज ॥ यज्नाः नामनः मजः

विवारस्वात्कारिया अञ्जाजाया मः लुबारा॰ माजा निजा उदियाउँ।। व्यम्ताः न्याप्त मिठि नदाहीनः न्दंबान्यबारा । उन विवारम् य-জন দত্ত মিক্তি সম্বন্ধাৎ বৈবাহিক খনমাত্র পুতীতে র্ম বাবজন বিষয়ত্ব॰ 1 उथा यमः। आमूद्राप्तिष् यपुत्रः वि-বাহেষু পুদীষতে। বিবাহ ক্রিযাযাণ भ्दांभद्री ভূতाका यम्बर भ्रीयर इंভि योजक धनमात्र (गाठत्र वृत्यव পুরীয়তে।ইতি দায়ভাগ:॥#॥ উ-**टाया (यो ककश्रत भूषय : अ**मात्री उप-ভাবে वायुं अधिकातिनी। এ उत्या विशिधः भू वाषा। इं निका ব্ৰভাবে উচযো: পুত্ৰবতী সম্ভাবিত 🛚 भूजया यूंगशहिषकातः। এका ভाবে চাপরাধা: এতথোরভাবে বন্ধ্যা বিশ্ব-বংগা স্তল্যাধিকার:৷ একাভাবে চা-পরাযা:। তত: পুর দৌছিত্র পৌত্র। পুপৌত্র সপত্রীপুত্র পৌত্র পুপৌ-ত্রাণা॰ ক্রমেণাধিকার:। গুন্থকৃন্মতে जनजी भूबानछत्र भोड्बिम्याधि কার ইতি বিশেষ:। ততে। বৃংক্যানি विवार भक्षक जनय लक्ष (यो उक्धान ভত্তাভাষাতা পিতা চেতি কন: । आमूबामि विवाह वर नगर लक्ष যৌত্তক্ধনে নাতা পিতা ভাতা ভৰ্ত্তা **दिन कमः। जला (मयद्र: ज**ल्हा

দেবরপুত্র ভ্রাতৃখশুর পুত্রৌ তগো ওণিনীপুত্র: ততো ভর্ভাগিমেশঃ ততো ভাঙ্পুৰ: ততো জানাতা **ভত: খপুর:** ভতো ভাতৃ খশ্র: ভঙ আনম্বর্য্যক্রমেণ সপিতর ভতঃ স-ব্দল্য: ভতঃ সমানো 🐲 🗐 ইতি ভটীকাষা• শ্রীকৃষ্ণতর্কাঞ্চার 🔐 योधिष्ठित जि यूधिष्ठित श्रीका । यथा । ना ठ योषिविज्ञी देनना नारक्य **শরতা**ডিতা। পুতিপ<sup>্র</sup> পাঠদী-লানা বিদ্যেব ভনুতা গভা।৷ ইতি महाजात्रजः॥

क्रोयूरी ॥

योन क्री यानिमञ्काचीन नि यथा । (दोशायनः । अह अद्भादन পত্তি পতিতেন সহচেন্ন যা क्रवाध्यानवात्वीवाः जान्याः भारताननार ॥ जूनखः। य त्रि यो न जीय लोग जीवर पर ना मन् उत्मन नह मण्य निर् তস্যা প্যেত্তদেব পুষ্য শিহন্ত 🚟 थ्राप्ति । इयाद क्षतीय । अ (एरविভिद्यारम वार्षिक मिछ) । অত্ৰ বাজনা বীন। নন সরেণ পততীত্যবগন্ধত। भागि छ विदयकः ॥

नृशीयना

विवाद के जिन्निम्हः। इंडाप्रतः। । ইতি उड़ीकानाः

क नाल छ आ नात्र निर्वितः कि क्ष्य का व्याव्यक्ष चवरयी-नि हादिशास है डि शाक्ए २৮२ अयः स

शा व्याण्डः। यस-शा व्याण्डः। यस-शा व्याण्डः। वसः। जिल्लाः जाकगुरिक्षः। श्राक्षाण्याः। व्याण्डः। श्राक्षाण्याः। व्याण्डः। श्राक्षाण्याः। व्याण्डः। श्राक्षाण्याः। व्याण्डः। श्राक्षाण्याः। व्याण्डः। श्राक्षाण्याः। व्याण्डः। विद्याती.

(उन्नमाः। मेला ह यञ्च का कृष्टि मान्य कि स्थित । महर्षि का स्था कि मान का मान

योवनाथकः भ् नाकाञ्जाजः। इजिक्रिवितः॥

(योगाक॰ ) जि युग्नम्मनितः। युग्ना
(योगाकीन॰) किनिष्॰ इडार्थ क श्रडार्यन गीन गुडारयन ह जनाए
निम्नम॰। इडि मुक्तराधराकन्नप॰
॥ ३॥ युग्नम् भाष्म जामिथिउजाम्यमनम् जाम्याणा २व निश्वार ।
युग्नम्मरमा नृथार्ष गोगर्ष ह
मि जम एड डान। खन्म गृह्णाः
उम् भरत्य पाङ्ग य्य य्य ज्ञा
नश् उद मणाः मुर्द्रस। मि जमारम्

क्षमान त्रामकारिक में बहुद्ध अवद-हान भारत प्रमामी बिन्हरन भारत युवादो वरुवहान शाद बकारभाष সান । গৌণত্বে তু পরবিভক্তি ম-नाम्छ। युदानमामा (त्रकाष व्याम) षिए युवारवी वर्ष प्रकालनावस्थान মিতি।#৷ যথা ত্বা মতিক্রান্তঃ অভি-ত্ব॰ অভিহাণ। অভিযুবণ অভিহাণ ष्यिञ्चा॰ यञ्जिन्। यञ्जिषा षा-তিবাভ্যা অতিবাভি: অতিত্ভ্য অতিবাভ্যা• অতিবৃভ্য• অতিবৃৎ অতিত্বাভ্যা• অভিত্বং । অভিতৰ অতিব্যো: অতিব্যাণ। অতিব্যি অতিব্যো: অভিবাসু ॥ # ॥ যুবাম তিক্রান্ত: অতিবৃ• অতিযুবা• অতি যুব । অতিগুবা অতিযুবা অতিযু বান্ অতিযুবযাঅতিযুবাভগা অতি যুবাভি:। অতিত্ভ্যু অভিযুবাভ্যা অভিযুবভ্য । অভিযুবৎ অভিযুবা ভ্যা॰ অতিযুব্**। অতিতব অতি** युवरयाः अञ्जिष्वयाः । अञियूविष অভিযুৰ্যো: অভিযুৰাসু।। #॥ यू-যানতিকান্তঃ অতিমুণ অতিযুদ্মাণ অভিযুগ । অভিযুমা অভিযুমা অভিহ্মান্। অভিহ্মহা অভিহু-মাভ্যা• ঘতিবুমাভি:। অতিতৃ-ভ্যা পতিবুমাভ্যা পতিবুমাভ্য । 📗

स्योग्धाकी मिंदिरार मिंदिरप्रीक्शा मेडि भूपीर । अविजय मिल्पाता भू-जियुपायाः अजियुपायि *अजि*ष्ट्रिय-(याः चित्रुगान्॥ ॥ ॥ भागाजिकाः हः वाज्रहः वाजिमाः वाजिवसः। वा-তিমাণ অভিনাণ অভিনান অভিনা-যা পতিমাভ্যা• অতিমীডিঃ অভি-মহা• অতিমাভ্যা• অতিমভ্য•। আ-जिम् व्यक्तिमानाः विक्रिष्ट्। य-তিন্দ অভিন্যোঃ অভিন্যা। অ-তিমবি অভিনশো: অভিমাসু।।।।।। আবামভিক্রান্ত: অত্যহ্ণ অত্যাবাণ অভিব্য়<sup>্</sup>। অভ্যাবা**ণ অ**ভ্যাবা**ণ অ**-ত্যাবান্। অত্যাব্যা অভ্যাবাদ্যা<del>ণ</del> অত্যাবাভি:। অভিনক্ত অত্যাবা-ভ্যা॰ অভ্যাৰভ্য•। অভ্যাৰৎ অ-ভ্যাৰাভ্যা• অভ্যাৰ্থ। অভিমন অত্যাবযোঃ অত্যাবধা । অত্যা विष वाजावरयाः वाजावाम् ॥ 🛊 ॥ অমানতিকান্তঃ। অত্যহ- অভ্যুমাণ অভিব্যা অভ্যন্তা অভ্যন্তা অ **छामान् वाडामगा वाडामा**छा' অভ্যমাভিঃ। অভিমহ্ণ অভ্যমাণ **ल्याः जलाम् । जलामर जला.** মাত্যা অভ্যম্থ। অভিনন অভ্য नार्गाः अञ्चामाना अञ्चामि गञ् ম্বো: অভ্যমানু। ইতি দুর্গাদাসঃ॥